

# ৩৬ বর্ষ ১৩৭৬ । (৪০ সংখ্যা ধর্মণ্ড '

- <b>T</b> -			दवालामकृष्टि-द्वीचिदित भारधाशाधात
क्षांक वृत्ति—शाम नश्रत—		944	
क्रम्यद्भन विक्रि <del>्म</del> तद्भन ४१, ३४३, २४२, ०८४, ८	45,	eto,	
666. 403, 465. 2023, 23	₹≱,	5409	भगडरमात्र क्याप्क—
অত্থকারে—রাগে (কবিতা)—শ্রীতৃষার রার	•••	444	नाजन जानन-मार्थ्यास्य ३५०, ०८५, ७४०, ५४७, ५
बना बा-शिनारवन्त्रस्य मिट	•••	>60	1
অপ্ত বিভূতিভূষণ—শ্রীস্নীলকুমার চট্টোপাধার		884	
জমতা মহাকাশ-শ্রীসমর্জিং কর	२९,	282	<del>d</del>
अन्ननप्रमय- ५००, २०५, ८५५, ६०७, ६६५, ६	<b>90</b> ,	१२२,	খণ্টাখনি খেলে গেলে (কৰিতা)—শ্ৰীপলাশ নিত্ৰ
800, 589, 5000, 550	₹, ;	505	वर्षान्यान स्थल स्थल (कार्या कार्यान्यान्यान कार्यान्यान कार्यान्यान कार्यान्यान कार्यान्यान कार्यान्यान कार्य वर्षान्यान कार्यान कार्य
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	••	867	464-41464
মৰাড় (কৰিতা)—ইনিমতী স্কেতাংশ ভট্টামৰ্শ .	***	200	ROG' 834' 2
— <b>⊠</b> 1			
			ज्ञासक् तन— ──…
সামার জনা তেব না (প্রিতা) শ্রীফিরেজে তেখিয়েরী			<b>চিরপ্রদর্শনী—</b> চিত্রির ৭৩, ১৭৯, ৩৭৯, ৪৯৩, <b>৫৯৯,</b> ৮
ন্ধাম ভাঙাৰ গড়া মানুৰ (কৰিতা)—শ্ৰীশ <sup>্</sup> ৰ ১০০ পাৰ্ধার ,			672, 724, 7054, 70 <b>%</b> 2, 9
লাখিক ভারত-শ্রীসারত গণেত ৬৭, ১৭৭, ২৭৫, ৩	•		
\$24, 6A2' A02' 202' 205¢' 222			-Ę-
ग्राहिकात विवि—शिक्षात्म, मह बारमा अथकारर-शिक्षणः १५२			হেলেৰেলার ৰাভক (কৰিডা)—গ্ৰীঅব্যুক্তৰ ছোৱ
			**************************************
- बारनाइना			
275, 500°, 558	55,	1 483	<b>ण्यादः नषून वन्त्र (कविदा)—श</b> ीगौदरफ्याथ छक्तरौ
<b>t</b>			জলে নামলে (কৰিছা)—শ্ৰীপৈলেশচন্দ্ৰ ভটাচায' ১'
<b>गाधन,</b> —देशाणागरीय कास्त्रायास्य ।		69	<b>कौरन टा-इक्ब</b> —शिम्,नील गार्माशासास ১২৫, <b>२</b> ९७, र
The state of the s	•••	•4	860, 669, 545, 456, 899, 5075, 5080, 51
			1
াই দস্য চিডিগ্ৰাল (কৰিডা)—গ্ৰীজগলাথ চকুৰতী		444	-6-
এই নিম্মাল খাঁচায় (কৰিছা)—শ্ৰীসাতী দ <sup>্ধি</sup> পা সেন		249	টোকৰৰ চিট্টি-শ্ৰীবিকাশ বিশ্বাস
।খন তোমাকে (কবিতা)—শ্রীপিপাকেশ সরকার	***	249	<del></del> <b>\</b>
			ভারেণিক ছে'ড়া পাড়া—ফাদার দাতিরেন ৬৯, ১৪৫, ২৫৯, ৩
anger 🌉 san			865, 690, 656, 959, 550, 5055, 556, 55
बिका—करु ल		950	
ৰ বনারসী দাস জৈনত আক্ষমীবনী অর্থকিখানক—	•••		
শ্রীঅসমিক্মার রায়		49	<b>छन्ना बाग्रत्न औरिटा ७ क्रफे महाबाध-</b> -
্ থেকে ক্যাল্যারের ওব্য-শ্রীপ্রাণেশ চক্তবভূটি	•••	082	শ্রীস্থারি বৈশ্যেপথার 💢 🛴 🤌
ান্দিন কেউ শত্হীন (ক্ৰিডা)—	-		,
শ্রীমতী বিজয়া মুখেপাধ্যার	•••	986	<del></del>
	;	306	বসরততী ও দেবতারা : দলমুল্ডীর প্রয়ংবর ক্রিডা)
•			श्रीद्राष्ट्रत्व वम् ১।
₩			ग्रिजीश्मय— ১১१
্ৰাৰ মাঠে একলবা ১৩, ১৯৭, ২৯৯, ৪০১, ৫৫	9,	<b>\$</b> 50,	<b>্শাপট—শ্রী</b> নবার্ণ গা্শ্র ১৬, ১২০, ২২৪, ৩২৯, ৪৩
959, 82¢, 509, 508¢, 558	> :	485	aca, 602, 902, 803, 203, 2093, 254

	••••••••••••••••••••••••••••••••••••••
্ৰিক্টাৰ বৰিবা —শ্ৰীসমাহ হক্তি ৭৫	
	म् <mark>रकृत्व स्थापा-रिनसन स्ट्रन्टाया जिलाक ७३०</mark>
——————————————————————————————————————	
নতনির হলো নিখর হিমাছির—শ্রীতর্গ চট্টোপ্রখার ২১ নতুন রাখীপতি— ১০০	
	सनासगर— ৯৭, २०১, ७०७, ८०५, ६०৯, ६১৭, ५२७, ४२ <b>৯,</b>
COLOR SC.	\$85, 5085, 5540, 5480
निर्दाद की निर्मेश एक ५०१२	<b>बर्वीन्यमारथव कविडिका-</b> ्रीनगामन भूत्रकासम्ब २८०
	রবীক্ষ্যক্ষীত প্রসংগ্ 🚐 ্লাব প্রকারক্ষ 👑 ৪৮৫
	मामान हैं ७६०
	बाबा भिक्रा रूप्या र देशम ३०
শব্দের—ডঃ সৈরদ মুখতকা আলি ১৮৫, ২৪১, ৩৪৩, ৪৩৮,	রাশীপতি উল্লোক
803, 803, 830, 333, 383, 3220, 3589	রূপ ও রূপরার না শক্ষা—শ্রীশিশির রারচৌধ্যারী ৩৯১
महीका ७ भड़ीकक २२५	<b>ब्राममनीत म</b> रवाम काषा— ১৫, ১১৯, २२৪, ०२৭, ৪०১, ৫৪১,
पासानात-शिनौरवं मार् भराषानाम ८५, ५६०, २५५, ०८५,	७८১, १०४, ४६७, ५४२, ५०१०, ५५१
846, 699, 665, 999, 865, 550, 5556, 5255	রেপারের চিটি—বিভমালিত। ৬৭৫
শাৰা শ্ৰীকাশিল দোৰ ১১৮৩	
4-00 viess - 35, 536, 836, 035, 605, 655, 956,	<b>-₹-</b>
¥20, 300, 3083, 3389, 3289	
मानिरन्त किकि शीभ्षानिकनाथ मर्भागाया ०००, ১১৯১	ল্যাম্পা্ন (কবিতা)—শ্রীবরপ্রসাধ মিত্র ৭৪৫
মতিবন একই দর (কবিতা)—শ্রীজঞ্জন কর ১১৮১	
	· — <b>4</b> —
न्द् <b>द्वास्त कवित्र</b> -वीदवीन्त्रनाथ क् <b>छ</b> 88%	শরংচন্দের কমেকটি অপ্রকাশিত প্র-
ल्या, द्वाला, क्वेत्र — श्रीत्रविद्याला क्व 888 स्मा : सामप्त, द्वालिकायाः 600	नवर्षात्त्वव करसभाव अञ्चलान व गर्धः शिर्णाश्राक्तकः वारः १०
ात • नावर द्रे न्। नावर — ४७० विक्राणन — हेर्न्स क्ष्म	শহর-ইয়ার—ভঃ সৈয়দ মাজেত্বা আলা ৮১
संस्कृत स्थानी ६ श्रामीकी—	শাশ্চিনিকেতনে কৰি অমিষ চত্ৰতাীৰ সংশ্য কিছ্কেশ
শ্রীভবানীপ্রসাদ চট্টোপাধ্যার ১৭১	শ্রীপ্রশানন্দ চটোপাধার ৪৮০
प्रस्थान अवस्थि - क्षेत्राकात्म सन्दात्र ०५, ५७०, १७०, ०७०,	শাশ্ভিনিকেতনের হাওয়া এবং বিশ্বভারতীর ভবিষাং
896, 669, 665, 985, 200, 5006, 5500, 5250	্ গ্রীক্রেশক ব্রু ৭৪৭
<b>पर्वि त्नव क्रिकि-टी</b> मरण्ञवक्ष्यत <b>त्रव</b> २७५	<b>এখতী গাৰ্থার কলকাতা সফর— ৭৩৭</b>
<b>াহ্যকর পর্বক্ষার</b> (কবিতা)—শ্রীব্যুখদেব বস্	
ৰক্ষেণৰ ক্ষেত্ৰ প্ৰচালী-প্ৰীচিত্তনঞ্জন বোৰ ০৭১	
वन्यविकास श्रीकृत्व हट्योशायात्र ১৬১	<b>-</b> 7-
स्वित्वान क्षेत्रमञ्जूष्य का 8६५, ६६०, ६४०, ५५०,	
VVO, 5005, 5033, 5539	পাৰ কেবিতা)শ্ৰীরমেন আল্মা পাক্ষাহিক প্ৰোধ— ১০৪, ২০৮, ৩১২ ৪৬৬, ৫২০, ৬২৪,
<b>56. 523. 520. 624. 802. 609. 682. 985. 668. 568. 569.</b> 5098.	नर्मार्क नर्मान ।
	नाहिका नरवार- ४৯, २৯७, ७৯৭, ८৯৯, ७১०, ५১०, ४२১,
<b>□ □□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□□</b>	202, 2002, 2280, 2280
अवन, ३०५०, ३५५८ अवनिकरितंत पेरिनकान्त-श्रक्त ३५, ३৯৯, ००१, ८०६,	পীমানত পান্ধীর ভারত দশ'ন ১০১৯
<b>404, 4</b> (3, 450, 454, 780, 2084, 2262, 2562	नीमारन्छत्र अदे देनम नरदत्र-शिक्तिशमन्यन देनस ७৯৫
7, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1, 1,	স্থের সম্বানে—শ্রীশিশির লাহিড়ী 🐪 ২০১
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	<b>न्नजन कार्नाज—১৯, ১२०, २२</b> ৭, ००১, ৪৩৫, ৫০৯, ৬৪ <b>০,</b>
	980, ४৫৫, ১৬৫, ১०৭৫, ১১৭৯
	न्द्रवन्त्र-
ভিত্তিচিতে বুব অধ্যয়—শ্রীমজিতকুমার দত্ত ৪৭৯ '	<b>गुरकाषिक किठि-टीयोरतन्त्र</b> लाथ गुरु ४५ <b>६</b>
ছুল (কবিসুন) — প্রীশরংকুমার ম, খোপ্রধ্যায় ৮৫৭ মান্তবিক্তান (কবিতা) — প্রীগোর্মকিশোর ঘোষ ৪৩৭	শ্বশের নামের মৃত্যুক্ত (কবিতা)—
मारण्डावाय (परवरा)—दारणाश्रक्तात्र (वृद्धिः ४००	শ্রীমতী সাধনা ম্থোপাধার ৩৬
and the second of the second o	and a
হত্যাৰ চিটি-জীননী ভৌমক ৪৬১	
मध्यम् दार्गी , ५०१	হেমচন্দ্ৰ ৰাগচী-শ্ৰীসমৱেন্দ্ৰ সিংহ কাৰ ২৭৭ 🚕

প্ৰথমাৰ বিশীৰ নুষ্ঠন উপন্যাস

# विश्व मृद्द त्रिय १॥

णाः नव नामी सामाकुमध्यस

धर्म ७ नमाज ১०,

यस्य आहा ७ भाग्हाछ। **८.** 

বিজয়ী বসন্ত ৬১

মহাশ্ৰেতা দেবীর উপন্যাস

পাত্তগা বসন্ত ৪১

ৰিমল করের ন্তন উপন্যাস

वाष्ट्रिक्ष ८,

নাৰায়ণ গছোপাধাৰেৰ নাতন উপনাস

নতুন তোরণ ৪॥

প্রবোধকমার সান্যালের

নগরে অনেক রাত ৪॥

श्रीतमात्रायम हत्ते। भागात्यत

जनारमम जनामार ১৫.

জনাসশ্যের

SIGN COL

बन्गा ८

त्रा**धा** (न्छन भर) 🔥

'ভল্মাভিদাৰী'ৰয়ত প্ৰমোদকুমার চটোপানায়ের

**अम्**न्छे ब्रह्मा ७॥

अक्ष बारबन

অন্য ভূবন ৪॥

श्रमधनाथ विश्वीत कावालरक्कान

াচীন পারসীক হইতে ৫॥

गरजन्त्रकुमात्र मिरतत

किट्मान अन्थानम् । 811

দীহাররঞ্জন গ্রেক্তর ন্তন উপন্যাস

কাজললতা ৬১

व ह जाभा तथा जी द्वा

PROPERTY AND ADDRESS OF

र्याधि १॥ जन्न ममान ८॥ जारनात जन्म ७॥ ग्विम १॥

আশ্ভোৰ মাৰোপাৰ্যক্ষে

नगर्नभारत त्राभनगर ১৮,

नीना मकत्मनारमय

**आद्र कानशाम ७**५

वाक्षाचो জीवत्व त्रस्रभी ३०,

গজেপ্যকৃষার সিয়ের

নবজন্ম ৪, জন্মেছ এই দেশে ৪॥

अकमा की क्रिया ५०,

कतित जांठन ८.

केमाञ्चमार मृत्यानामग्रहात

কুয়ারী গিরিপবে ৫।। গ**ন্নাবভরণ** ৫,

श्चि**नामाराज भर्य भर्य ५**,

श्रुगाठीयं खात्र ५०,

(ভারতের সমশ্ত শ্রেষ্ঠ ছবিশ প্রমণ কাহিনী)

নীলকণ্ঠ হিমালয় ৮॥

नन्द्र बराबारकत न्यन क्रमन-कारिनी

উত্তরস্যাং দিশি ১০১

अर्वावकृषात नानग्रकत

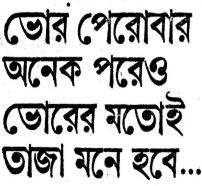
উত্তর হিমালয় চরিত ১১১

जामाभूमा समीत

मावर्गना ५०

अध्यमाथ ब्यादवर

बनबाकीनीमा १.



স্থান সমাপন ক'রে স্থা ভোরের সভেজ ক্ষেত্রভূতি অনেকক্ষণ থ'রে রাখতে পারেন আপনিত—পণ্ড স ত্রীমক্ষাওয়ার ট্যালকাম পাউভার মাধ্ম। পণ্ড স জীমক্ষাওয়ার ট্যাল্কের হাল্কা মিষ্টি গছ বহুকল লরীরে জড়িয়ে থাকে… পণ্ড স দ্বীমক্ষাওয়ার ট্যাল্ক গারে মাখতে না-মাখতেই খাম টেনে নেয়। গুমোট সক্ষমও সিধ-সভেজ ও স্থাতে ভাল্ব রাখে—আপনি ভাতে থাকলে স্বার ভালো লাগে। বহুরের বে-কোন স্ময়ই এই ট্যালকাম পাউভার



ख्रीमञ्जा उग्नात छेगाल्क् — अत्र द्वारत (मानादमम जोशीन छेगनकाम खात्र इम्र ना !

Pond's Dreamflower talc Dreamflower talc

हीकाद्या-भश्य देनुक (भीविक तारव मार्किन युक्रवादि मविकित्य)

P 6996A



বিষয় লেশক		ग,चा
बाला निकामक्रसम् नव क्रिया-	***	20
पाणीव्य-	•••	36
ब्र्यनगीं नामान्याम-	•••	54
म्माना सीनवात्न ग्रह	•••	১৬
देवद्भाग्यकीदमवताक	***	24
ग्रामम्ब सार्गाग—	•••	22
নভাশর হলো শিশর হিমালির—শ্রীতর্ণ চটোপাধ্যার	***	25
অসর্ভা মহাকাশ-শ্রীসমর্বাজং কর	***	29
মান্ত পালে (কবিভা)—শ্রীসমরেন্দ্র সেনগরেন্ত	•••	06
न्यत्मेश्च श्रीतृत्व वर्ष्यारक श्रीमणी नाथना म्रत्यानाथात	•••	06

## সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্রন্থমালা

ब्याक नगानी

রীসতীক্ষমেহন চট্টোপাবার রচিত। পশ্চিমীদের প্রাচা অভিযানের কাহিনী। প্রণাট মানচিত্র। [৩-৫০]

रेवक्य भगवनी

স্যাহিতরের প্রাহরেক মুবোধারার সম্পাদত ও সম্পাদত হার हित राष्ट्राव शहरत जारूब शब्दा १२४-००]

SIECOE পতি-সামনা ও শাক গাৰিকা

कः 'गोगकुर्ग नागग्रहक्त करे गाउरगान्तक क्रव्यकि मारिका बाकानमी शुक्रकाहत क्रीका [50-00]

THE PERSON क्रियान विव्यक्ति থাকুড়ার অন্দির

সাহিত্যরে প্রীহরেক ক্রোগ্যার স্পাদিত ক্রোগ্রোগী প্রকাশনার সেত্রিবসন্ভিত। ওঃ স্নেত্রিভকুসার চট্টোপা্যানের ভূসিকা। मूर्व रात क्षिक्ष वद्य स्क्रीम क्षीरा [5-00]

প্রীক্ষমিরকুমার বলেয়াপাব্যার প্রটিড বাঁকুছার তথা বাঙ্গান নালার-গান্নির সালির পরিচর ও ইভিছাস । ৬৭টি আট রেট। ১৯৫-০০ 🏾

**े**णीमदलक गर्नन

श्रीदर्भक करणामाचार रहिष्ठ देगीवक-मग्द्रदर श्रावक काचा। [9.00]

सरीय-रवं स

श्रीरिकायत्र महत्त्वाचायात्र ब्राइक सरीयानारका अधिक-राज्या मत्रम बाबा। [२-६०]

केंक्क्सवाक्षीत | क्रीरिक्यत वरमानामात ब्रोठक वर्गामाय क क्रीत स्वास्ट्रहरू क क्रेडरण्ड्यावर मार्च बारमाध्या। (३२-००)

हवीन्त्रसाम् 🐠 कः ग्रहारगरीयमा वस्त्रातः शहकवान्यक माल कारमान्यः। क्षींच गरन्त्रींच वसामक शररायक्य त्यत्मा कृत्रिया। [50-00]

द्वारिनिके विकास नामगद्ध ब्रीवका शिक्षा शिक्षा श्रीका श्रीका (e-00)

তথ্য আচার্য অভ্যান্তর ব্যোভ

THE STITE ১০৭৬ বালে প্রকাশত বইয়ালে 0

## वाश्वाश विश्वववाष

् गीतमानिष इक्न मरम्बन् ) প্রীদানশ্রীকলোর গরে প্রণাত

## वाश्वा সংগী (छद क्रश

সক্রেমার রার প্রণীত

## शािं शांपित्र

## जग९-(जाना

নিৰ্মালন্দ্ৰ ক্ষাড়াখনী প্ৰণীত

## ठावरञ्ज निष्म ह

## वाबाद क्श

প্রীকরে করেনার গলোপাধার (৩. সি. গাম্লী)

চৰণ-সাহিত্যে যে **বই**গলি আলোভন এনেছে

আৰু বাৰ্যৰ ১৩টি পৰা প্ৰকাশিত হায়েছে শ্রীসংবোধকুমার চক্রবভী

#### **१क**किमात

क्रिकाशनाम मृत्यानामात

## वश्ववृति वयदक छैक

## **একই গঙ্গার ঘাটে ঘাটে**

श्रीप्रविद्यमान मानगर्

#### रियामस्य वास्त्रियात्र ब्रामगम स्टबागायात

प्रश्तिश्राष्ट

বিবেকরজন ভট্টাচার

एरक्ट्रिय एकिव

অমল যোৰ

## बर हाबलब भूगानीत्व

শ্রীদেবল

३ द्वाकालक ३ ब. ब्र्वाकी जान्य कार क्षारेटको बिह ২ বাশ্যে চাটালী শাটা, কনিকানা ১২





less cover		गणी
ইলুক্ ইয়াস্নারি কাওয়াবাডা	•••	09
भारनात डालीड्ड-डीजायम्य क्यात	***	02
টোক্তির চিটি-প্রীবিকাশ বিশ্বাস	***	80
भाराभक्त की गीरव भर् म्रार्थाभाषात	•••	85
শরকেশ্রের করেকটি অপ্রকাশিত পর		
— डीरभाशामञ्जू दात्र	***	60
कवि बाह्यपनीमान देवनद जायकीवनी	•	
<b>অর্থকিখানক-শ্রীঅসীমকুমার রায়</b>	•••	୯୩
<b>बत-बाहेत-जीम</b> णी	•••	৬৫
আৰিকি ভারত-প্ৰীস্ত্ৰত গতে	•••	७व
ভা <b>রেরির ছেড়াপাভা</b> —ফাদার দ্যতিরেন	•••	৬৯
ভিত্র প্রদর্শনী—চিত্রপ্রির	•••	90
<b>বিভীয় বরিষ্টী—শ্রীসমীর রক্ষিত</b>	•••	96
শহর-ইরার—ভঃ সৈরদ ম্রেভবা আলী	***	82

শ্রীপারাবভ-এর একটি বিশিষ্ট উপন্যাস

# আমি আজ নায়িকা ৭'০০

এ উপন্যাস এক প্রখ্যাত চলচ্চিত্র্যতিনেরীর জীবন-কাহিনী

			-	
তিন ভূবনের পারে	11	সমরেশ বস্	n	9.60
क्रीनानं अधिनका	и	নানিক বন্দ্যোপাধ্যায়	ll	8.00
হারেলের কোহিন্র	11	শৈবপারন	11	<b>9.00</b>
<b>উद्धत नन्मात्र</b>	n	কুশান্ বস্যোপাধারে	11	<b>6.00</b>
পঞ্চম ভর্ণা	11	বীর, চটোপাধ্যার	n	8.00
व्यक व्यक्ता	u	স্থানীল গণ্যোপাধ্যায়	n	৬.০০
ভাষসপর্ণা	n	স্বত রার	11	0.00
কেন ভালোবালা	n	জনমেজর .	H	€.00
<b>त्</b> शक्षा	n	সমরেশ বস্	11	8.00
			_	

সমরেশ বস্তার বিস্ময়কর উপন্যাস

# ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯'০০

এ উপন্যাস এক অবিস্থরণীয় ইভিহাস

লাইরেরীয়ান্ত্রা প্রেডক পরিচিডির জন্য লিখ্নে

নৌস্মী প্রকাশনী ১৫/২৩ কলেজ রো, কলিকাতা-৯

ব্যাপণ চোধাৰী ¥ 00 BINTER EXPINIENT खारसार विकास R-40 गठीमानास राज्याचासास आनम टेक्डबरी भीशक क्रोध्यी रघबा ७ 4.00 গোরীশক্ষর ভটাচার यशकादबाब W . OO काली करिनद्रक सकारता गांच मकाम (SE) 6.00 (24) 4.00 जनकारकटर राज ज्ञाव क्रम **6**-00 আট 8.00 कर मन **पर्शियर** 4.00 4-46 शानामात्मत्वत व्यक्त 6.00 त्रामरकात्र गारेक >>.40 বসন্ত ব্যঙ্জন 0.60 गठीन्प्रवाम राज बावतनायात्र छात्रज्वश 4.00 কুক্কলি विवत्र अन 0.60 विश्वा स्व कारलंड भम्बर्गन ... আশাপুৰা দেৱী অনৰগ্ৰহিতী 4-60 गाविकान दाकश्रास লোমনাথ W-00 নারারণ গরেলপ্রয়ের চাপার গ্রহ 0.40 मानाव भारताशाकात ইডান দেনিব্লোডিচের कौरामन अक्तिन 6.00 फि अभ नारेखनी

> ৪২ বিধান সর্গী, কলিকান্তা-৩ কোন : ৩৪-১০৬৩



# (सायबा <u>तियो किछू</u> जाया कत्वत लाउक्त्स डार्गितियश क्रीस (थतक

# – 3ঁরা পান3 তাই!





৪৫ গ্রামের শাখারি সাইজেও পাবেন। ল্যাক্ষেত আপনি সকলন বেশীন স্বিধাটুকুপাকেন : ল্যাক্ষে ভ্যানিশিং ক্রীম অনেক বেশী কিছুর আলাস দেৱা কাল্ড কলে তেমনি অধিকাশে ভ্যানিশিং ক্রীম তথু পাউডার বেস্ হিসেবেই কাল দেৱ। ল্যাক্ষে ফুককে মসুং ক'ছে তোনে। তকতা ঠেকিছে রাখে। ফুককে রক্ষা করে। লাগ-পড়া রোধাইবং । পাউডার বছে নাথে ঘটার পর ঘটার।

বড় শিশিতে ৮৫ এম জ্যান্মে জ্যানিশিং ক্রীম খাকে।আপনিওখন যে জ্যানিশিং ক্রীর্ম নাবছেন তার শিশিটা পরীক্ষা ক'বে দেখুন। ওতে ঠিক অতটা আছে কি ? অপনাকে চদংকান কাল দিকে কি ? আপনাকে ল্যান্থ্যে ভাগনিশিং ক্রীম বাবহার করা উচিত বাব কি ?

ा एक डामिश को म

. ABP/WYCHE,



जम्द्रतत मिक्कि-महत्यम		H4
	***	77
गाहिका गरेबार-जनाजन भारिक	***	AP
जाटनाइसा—	•••	20
প্তেক পরিচর—	•••	22
रचनात्र मार्टे- अकलवा	•••	20
ব্যাড়িম-উনের আইনকান্ন-মৃকুল	•••	৯৬
রজজগং—	•••	29
অরশ্যদেব—	•••	200
সাপ্তাহিক সংবাদ—	•••	>08

প্রভাত সাইকেল দ্টোর্স !! বিমল মুখোপাধ্যার ৩০০০ বর্গমানের কমলাসাগর পাতরে পার হতে গিরে ২২ বংসরের যুবক বিমল মাধ্যমিতি 
ঠা-ডার জমে গিরে ডুবে বার। প্রতিভাগীত চিত্তাশীল এই যুবকের ১৬ বংলা বালের 
কমনা প্রাণম্খর সাহিত্যস্থি প্রভাত সাইকেল ভৌনগ উপলাল।
মাপ লিখো কাগজে লাইনো ছাপা জাপানী আর্টপেপারে লেখক-চিত্ত, স্কোর প্রজ্ঞপট।

#### থেয়াল ॥ স্বপনকুমার ঘোষ

5.00

এগার ক্লাসের ছাত্র ১৬ বংসরের দেবতুলা কিশোরটি ফুটব**ল থেকতে সিরেছিল মাটে।** গোল বঁচাতে গিরে প্রাণ হারায়। এরই লেখা **অপূর্ব কাব্যক্রণ থেবালা। প্রতিটি** কবিতার মাখা রয়েছে মধ্যে স্কৃতি। বিপরীত পরিবেশে **অন্যাহণ করে কবি-চিন্ত** ছিল অস্থা। তাই চেতনার বাধা কবিতার পাই:

"বাসিলে না ভাল কেহ গো **ভোমরা**,

পারিলে না তাই—

িরক্ত হাতের রিক্ত বুলি নিয়ে আমি হলে **বাই।"**অফাস্টে কাগজে লাইনো ছাপা, জাপানী আটপেপারে **কবি-চিত্র সম্পর প্রজনপট।** 

ফিরি দেশে দেশে। নিখিলরঞ্জন রায় ৬০০০ ভারতের ভিতর ও বাইরের বহু, স্থানের হদরগ্রাহী কর্মনা নিরে এই লম্মন্তিনী।

নদী জগমালা ॥ জ্যোতি চৌধুরী ৬-০০ হিমালরের ভ্রমণকাহিনী। গোম্বী, গলেতী ও বমুনোতীর স্কর রসভাছী বর্ণনা।

কিন্ত্ররক্তোক ॥ জ্যোতি চৌধ্ররী ৬-০০ মোলয়ের কোলে দেবোপম ভড়দনীয় সৌন্দর্যমন্ত্র কিন্তরভূমি সম্পর্কে ভ্রমণকাহিনী।

পরাজিত পদাতিক (উপন্যাস)	॥ গ্রে কিবাস ২-৫০
কনে দেখা আলো (উপন্যাস)	॥ वीरतभ्वत वनः २.६०
ধ্সর দিগত্ত (উপন্যাস)	॥ শংকরপ্রসাদ বস্ব ৩.০০
ফুলশব্যার রাড (কাব্য)	॥ তিলোচন ঘোষ ২.০০
তদৰ, অঙ্গীকার (নাটক)	॥ প্রণবেশ চরবতী -৫০, ১-০০
ৰেৰ (নাটক)	॥ कामीभम रम ५.००
ভারতের স্বদেশী গান (সংকলন)	॥ কমল রারচৌধুরী •৭৫
कन्मी ननीत हरत (इका ७ कविका)	া মৌরিফুল ২.০০

ছাত निका निक्छन : २ र्वाञ्कम ठााठेकि न्यू है, क्लिकाठा-->२

বিজ্যাগনের বই সোহিত্যাল ক্ষুদ্রাজ্যে

कवि स्रोधभूगृतव ১०.४०

नाहिका-विकास ৮.৫0 वारवास नवहून ৮.00 नाहिका-विकास ৯.৫0 विकास-वहून ७.৫0 क्षानकूर कोजार्या स्वीन्द्र निका-वर्णम ১০.00

গাভিনন্তৰ দেনগড়ের জালিশিপকের ইভিকশা ২৫০০০ জ্ঞান্তব্যার ভট্টাচার্যার

वाठाएक्यायाश्या २०००

ভঃ বিমানচন্দ্ৰ ভট্টাচনে ব সংক্ৰম্ভ সাহিত্যে

র্পরেখা ৯•০০ ড: ব্ছদেব ভট্টাচার্যের স্মান্তর রাজেক্সক্রম ৮•০০

জ সভাপ্ৰসাদ সেনহজ্ঞের ইংরেজী সাহিত্যের সংক্ষিণত ইতিহাস ৭-০০

নারারণ চৌধ্যারি সাহিত্য ও সমাজ মানস ৬০০০

गीतमान्य व्रद्धोगमात्रस्य (मरक्यम) विकानी कवि

জগদীশচন্দ্র অধ্যাপক শ্রীমন্তকুমার জানার

त्रवीस्र यवव

কণিল ভট্টাচাৰে'র বাংলা দেশের নদ্-নদী ও পরিকাশনা ৬٠০০

পরিকল্পনা ৬-০০ কানাই সামক্তর চিত্তমশ্লি ২৫-০০

বোগেন্দ্রনাথ গুল্পের

ভারত মহিলা ৩-৮০ লক্ষ্যর মাধ্যমানের

রাজকুমার মুখোপাধ্যারের স্কুল ও কলেজের প্রস্থাসার

পরিচালনা সংগ্রকাশ রারের

ভারভের কৃষক বিদ্রোহ ও গণভান্তিক সংপ্রায়ঃ

श्रवम चन्छ

S4.00

0.94

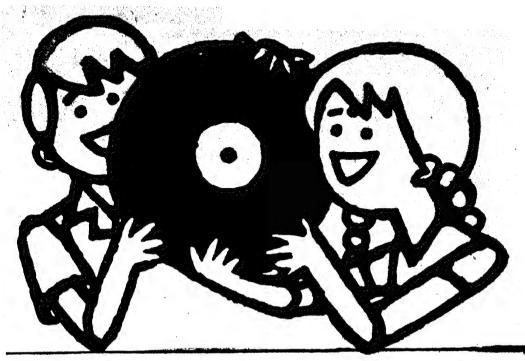
4.00

F-00

বিদ্যোদয় লাইরেরী প্রাঃ লিঃ ৭২ মহান্মা গান্ধী রোড ॥ কলিকান্ডা ৯ ফোন : ৩৪-৩১৫৭







## ছোটদের জনো চমৎকার চ্মৎকার রেকর্ত

স্ত্রাণ্ড-রে রেকর

शृतवी हटहोशाचात्र

কড়িং বাবুর বিবে আমি বধি চুটি পাই কথাঃ ৮বোইজনাধ সরকার

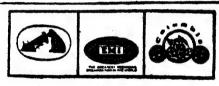
> ভাতৰ বৃদ্ধ পুৰ: পুৰীন বালগুৱ

ৰঞ্জু ৰন্দ্যোপাখ্যার

তত পদ্ধবিদ

स्तृत परमा परमा प्रवा: कांका पर प्रवा: देनस्मम क्रूबानासाव क्रि. जि. दुक्काकार्यः दिमारक विद्यान क नार्याकांचा स्वर्ध्याक प्रदाव कर्ताः जिल्ला ग्रह्ममहान (पाक्नी स्वाचान, प्रद्याता स्वाच, क्रिन् स्वाच्या क्रूब्याक नेवा) हम्हरू शृह्य स्थिक विकित्त कर्माः नगर स्ट्रीनाधार कर्माः स्थानाम्, क्षीया स्थानाधार, क्षाक् स्थानाधार, स्थाने स्थान, श्रामिश स्थानाध्य, शामिश स्थानक्ष, वामि स्थान क सामी नामसीन ।

সহজ গানের পাঠ নিক বিভি কথা ও হব: বনীয় জ্বান্টা প্রভাগনা: দৈবেন ক্লবান্টা



দি প্রাফোল কোম্পানী অব ইণ্ডিয়া লিনিটেড কমিকার বাবাই দিয়া বাবার নৌহাট



কি ? আপনি বিশ্বাস করবেন কি, যে এই কিছুক্ষণ আগেও কষ্টদায়ক কাশিতে উনি নাজেছাল হয়ে পড়েছিলেন। উনি প্লাইকোডিন খেলেন। প্লাইকোডিন খেতেই ওঁর কাশি খুব অৱ সময়ে সম্পূর্ণ নিরাময় হ'ল।

## কাশি সম্পূর্ণ নিয়ন্ত্রণ করতে গ্রাইকোডিন এর বাড়া আর কোন এবুধ বেই



আধুনিক চিকিৎসাবিজ্ঞান ধারা শীহৃত গ্লাইকোডিন এর কর্মা নব আক্রান্ত অংশ থেকে কাশিকে দূরে সরিয়ে দিয়ে আপনাকে সম্পূর্ণ আরাক্ত দেও।

- শন্তিকে—কাশির হামলা নিয়য়ৢণ করে।
- গলার—খসখনে ভাব থামার ও জমাট লেছা বৃর করে ৷
- বুকে—চেপে ধরা পেশিগুলিতে আরাম পাওরা বার ও বাসপ্রধান সহক
  করে তোলে।
- ফুসকুলে—রেমাকে পাতলা কোরে বার কোরে দের ও কালিকে দৃত্তে তাভায়।



# প্লাইকোডিন

কাশির জন্ম বিশ্বন্ত, সর্বাধিক বিক্রীত গার্হস্থ্য চিকিৎস

everal Jessel ACM / Pm

विश्ववी विश्वव स्थान

# रक्ताव प्रदारस्थ्वी भ

The second secon

क्रवीन्त्र न्यूक्रकाशान्त्र रणस्य मात्रासन् मान्यारम् सङ्ग छेनन्यम

## **जारखन्न स्वश्न ४**,

काता आठीत ১०

नामकारेक नीलक'ठे विकिशा >0

শ্রের গলপ মণিঘর ১৪১

कः वास्ताव क्रोहात्वाच वट श्रमशीमण व्याप कारिना ।

# विभागा नमीत रमर्ग ७,

[কুল্-মানালী ও কাংড়া উপত্যকার ভ্রমণ-কথা]

শক্তিপদ রাজগারের নতুন উপন্যাস

# भर्तिङ्ग्नान ६५

ৰদি জানতেম ১০০০০ ॥ জনম অবধি ১০০০০ ॥ জলসা ২, রূপ বদল ৫০০০ ॥ অনেক বসন্ত একটি ভ্রমর ২০৫০

## ब्राडनकुषात स्थारवत भ्रतक्ष नाहेक

সি'ড়ি ৩-০০ ॥ কেরা ২-৫০ ॥ অমৃতস্য প্রাঃ ২-৫০ ॥
সম্তে সমানে/পাল প্রা (একাংক নাটক) ৩-০০
প্রার মিচের একাংক নাটক ॥ আলো নেই/কণ্ঠস্বর ৩-০০
বার্থীন ভট্টাচার্যের ॥ আমার বাঁচতে দাও/সংবাদ বিভাট ৩-০০
পার্থ বল্লোপার্যারের ॥ অদিয় ৩ ॥ গোর শী ॥ বিশ্বে ৩
বিশ্বর ভট্টাচার্যের ॥ দেবী গার্মান ৩-০০

वर्षीण बावेद्यानी ३ ३६/२, माधारतय एत म्बॅरिंग, कनिकाका-५२ ११ ०८-४०६७

क्षा क्षा क्षा कार्य के कार्य के कार्य के

#### वहरबर्ख शरमद

Technique Machae Dans

प्राथमीं एवं क्छ स्थानक, क वेश्यान स्था क्षेत्रहा क केशनहार यह, क्षीतम प्रारक्ता

ন্না প্ৰকাশিত ঐতিহাসিক উপন্যাস ঃ বৈশাসনেত ঃ

## রক্তাক্ত গোড় ১০,

প্রকাশিত হরেছে আধ্যানক উপন্যাব : ব্যাপশক্ষের :

## भीनाकी भन १

ঃ বৈশায়নের ঃ ঐতিহাসিক উপন্যাস

## রক্তস্নাভা মধুমভা ১০

স্ত্রীনৰকুমারে : ঐতিহাসিক উপন্যাস

## মণিহারা চিডোর ১০,

অমরেন্দ্র বাশের: আধ্নিক উপন্যাস

## তিতিকা ১০,

জনমেজকের : বহুসা উপন্যাস

## बाशावी (बारिबो (८,

**প্রান্তর :** ঐতিহাসিক উপন্যাস

## विधित्र वाभ स्ववभ 8

শীৰতক্ষে: ঐতিহাসিক উপন্যাস ভাণ্ডীর বন কাদহেছ

#### শীয়ই প্রকাশিত হবে।

নটরাজনের ঃ ঐতিহাসিক বহস্য উপন্যাস

#### ब्राजना शिनी

শীয়ই প্রকাশিক চবে।

ঃ পরিবেশক ঃ নব প্রত্যকুটির, ৫৪/৫এ, কলেক স্থীট, কলি-১২

#### প্রকাশিত হল



माय ७.००

জানন্দবাজার পতিকার প্রতিষ্ঠাতা-সম্পাদক ত্র্যাণ প্রস্কৃষ্ণার সরকার মনারে ব্রুব্ধ বাংলা দেশের সাংবাদিকতা-ক্ষেত্রে অন্যতম প্রেরাণ প্রের ছিলেন তা-ই নার্ মোলিক সাহিত্যস্থির ক্ষেত্রেও তিনি তার বহুমুখী প্রতিভার উত্তর্জ ত্রাক্রর রেখেছিলেন। তার রচিত প্রভালমা, অনাগতা, লোকারণা, বালির বাখা, বিদ্যুহ্দেখা প্রভৃতি উপন্যাস, এবং তার তাজার মনস্বিভার ভাস্বর ক্ষিক্র হিন্দ্র, আতীয় আদেনাকরে রবীন্দ্রনাথা প্রভৃতি গবেববাম্লক প্রক্ষাস্থসমূহ বিদয় বাঙালীসমাজের উচ্চ প্রশাসাল করেছিল।

যদিও তিনি উপন্যাস, প্রবন্ধ, জীবনচরিত, অন্বাদ প্রভৃতি সাহিত্যের বিভিন্ন শাধার কৃতিদের সঙ্গে সঞ্চরণ করেছিলেন, তব্ও তবু ও তথাসায়,ভ

#### প্রফুল্লকুমার সরকারের

## প্রবন্ধ-সংগ্রহ

যাজিপ্রণ বিশ্লেষণমূলক প্রবন্ধ-রচনাকার হিসাবেই তার সমধিক খাটে। বিভিন্ন
সমরে বিভিন্ন সামরিকপতে প্রকাশিত ভাষা, সাহিতা, সমাজ, শিক্ষা, ইতিহাস,
সেবাধর্মা, সামাজিকতা ও নারীসমস্যা প্রভৃতি বিষয়ে তার রচিত প্রবন্ধবিল বাংলা
সাহিত্যের অম্লা সম্পদ। 'বঙ্গদর্শন' (নবপর্যায়), 'বর্মনা', সাহিত্য' ও 'নারায়ণ'
পত্রিকার প্রকাশিত এরকম ক্রেকটি ম্লাবান প্রবন্ধ, বেগ্রাল ইতিপ্রে' অন্য কোনও
গ্রম্থের অন্তর্ভ হরনি, বর্তমান গ্রম্থে সংক্রিত হয়েছে। আগ্রহী পাঠক ও
গবেবকদের কাছে এ গ্রম্থটির প্রয়োজনীয়তা নিঃসন্দেহে স্বীকৃত হবে।

बहे लच्चत्र जनामा शन्थ

দ্রুষ্টলগ্ন ২·৫০ লোকারণা ৪·০০ শ্রীগোরাক্র ৩·০০ ক্ষয়িষ্ক্ হিন্দ্র ৪·০০ জাতীয় আন্দোলনে রবীন্দ্রনাথ ২·৫০

#### নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

मिक नम्मी ॥ माम 8.00

এই সন্ধার্মকাশিত অন্ন্যানার। উপন্যাসটি বর্তমান কালের নিন্দ্র-ব্যাবিত্ত নালারিকজীবনের চরম ধরংসের বিরক্তে প্রবল সংখ্যামে চুক্তিত-ছারতেও হার না-মানার এক অনবদ্য আলেশ্য।

#### কুবেরের বিষয় আশয়

শ্যামল গলোপাধ্যার ॥ দাম ১০.০০

বাউ-ভূলে ও পাজা ভবঘরে কুবের সাধ্যা বৈভবের মধ্যে আদর ব্রেছিল। কিন্তু বিবরে মধ্য হতে হতেও সেই প্রকৃতিপ্রেমিক বুজেছিল আগের মতই মাধায় কোনও শেড নেই তার।

#### প্রজাপতি

সমরেশ বসর ॥ भाम ७.००

এই প্রশ্বটি সাহিত্যজগতে যে পরিমাণ প্রবল আলোড়ন স্থিতী করেছে, সাম্প্রতিক কালো আর কোনও উপন্যাসের পক্ষেই তা লঙ্কব হয়নি — এমন কি, এই লেখকের ক্য্রিখ্যাত বিবর'-এর পক্ষেও না।

#### बाढा छाडा हांप

প্রতিভা বস্থা দাম ৪.০০

ৰাচাল বিজ্ঞা প্ৰেমের গভালিকাপ্ৰবাহচাত এক নতুন ধরনের কাছিনী-দূর্ভ প্ৰতিভাষরী দেখিকা প্রতিভা বসুর অননাসাধারণ উপন্যাস শরাভা ভাঙা চাঁণশ বাংলা সাহিত্যে এক ম্বাবান সংযোজন।

## দশকের ভূমিকায়

আশাপূর্ণা দেবী ॥ দাম ৫.০০

বহু বিচিন্ন চরিন্ন এবং ভাদের জীবনের স্থদঃখ-আনন্দরেদনার ভরসভসের মধ্যে তীর আন্দোলিত এক অভাত এবং জন্মবন্দ্যার কাতর সেধকসন্তার অনুসম কাহিনী এই অভিনব উপনাস।

#### ব্যোমকেশের ত্রিনয়ন

শরদিন্দ, বন্দ্যোপাধ্যায় ॥ দাম ৪.০০

"বােমকেশের তিনরদ" বােমকেশের তিনটি অসাধারণ গোরেঞ্চা-কাহিনীর সংগ্রহ। ছােট দ্(টি উপনাাস 'চােরাবালি' ও 'অর্থানবর্থান' এবং একটি বড় গল্প 'কাছিতীয়' এই গ্রন্থে সংকলিত হরেছে।

#### (पालना

আশাপূর্ণা দেবী ॥ দাম ৫.০০

গভীর এক সম্প্রটের মধ্য দিরে শ্রু এ উপন্যাসের কাহিনী। এর আকর্ষণ অপ্রতিরোধ্য হরেও, পারিবারিক জীবনের মানসিকতা ও ছোটখাট হাসিকালার উম্প্রকা। চলচ্চিত্রে রুপারিত।

#### ভারত প্রেমকথা

म्द्रवाव रचाव ॥ माम १.००

নহাভারতের জন্যক্তর প্রেক্ত ঐত্বর্গ ভার অজ্ঞর প্রেমকায়িলী সকল মনের সর্বকালের জানন্দ। সর্বকালের এই প্রেমকাহিলীস্থালিকে লেখক এক ন্তনতর **জালিকে একালের** পাঠকদের হাতে ভূলে গিলেছেন।



আন্দ্রদ পাবলিশাস প্রাও লিমিটেড অভিনঃ ৫ চিভারণি বাল সেন। বলিঃ ৯ ৷ কোল ৩৪-৮২৪৭

#### बारणा कार्यास क्योंचिक श्रेडमीयक स्टब्सल श्रेचक स्टालीक जावसीयको

The Marketta Cotton with



०६ वर्ष ॥ जरबा। ८० मनिवास ১৭ शायन ১०५७

#### সম্পাদক শ্রীঅপোককুমার সরকার সংবৃত্ত সম্পাদক শ্রীসাগরমর ভোষ

শ্বর্থাধনারী ও পরিচালন আনন্দরাল্লার পাঁচনা প্রাঃ লিঃ ৬ প্রফাল সরকার স্থাঁট, ফলিকাতা ১ থেকে শ্রীলীতাংশকুমার লাশগণেত কর্তৃক ম্প্রিত ও প্রকাশিত

> টোলফোন ২০-২২৮০ **২**৩-৮৫৪১

#### চাঁণাৰ হায় কলিকাভাৰ

ষাৰ্থিক ... ২৫-০০ বাংমাসক ... ১২-৫০ ফৈমাসক ... ৬-২৫

#### SIEZ 3

বাৰ্ষিক সভাক ... ৩০-০০ ৰাম্মানিক ... ৯৫-৫০ চমানিক ... ৮.০০

#### পাকিস্ভাবে

(ভারতীর ম্যার)
বার্ষিক সভাক .... ২০-০০
বাংমাসিক ..... ২৫-৫০
বৈমাসিক ..... ৮-০০

#### कारतक वाहिएक

(জাহাল ডাকে) বাৰ্ষিক সভাক ... ৫২.০০ বান্ধাসিক .... ২৬.০০

#### আসাল **অপলে** (বিমান ভাকে)

বাৰিক ... ৩৯.০০ বাগালিক ... ১৯.৫০ হৈমালিক ... ১০.০০

দাৰ ৫০ পর্যা উত্তৰৰ ও আনানে অভিনিত্ত বিদান মান্ত্ৰ ও পালা

#### DESH

Saturday 2nd August 1900

## ster fermanna at ben

প্রিক্তিকের শিকামন্ত্রী প্রীসভাবির বার স্পাই থ্রেই আঁজ্ঞ বারি। আঁছিল বারি বলার কারণ, তিনি প্রার পাঁচপ-তিশ-তারও বেলি হলেও হতে পরি করে শিকার সংগ্যা বরণ কেরি। কোনো একটি প্রকার প্রধান শিকার হিলেবে তার বারিগত অভিজ্ঞতাও কম মর। তা ছাড়া ইনি এই রাজ্ঞের শিকার্বরে যে কারান সমিতিটি রারেছে তার সপ্যে একার হরে আজেন ধীর্ষকাল। এমন একজন পারদেশী বারি বখন শিকামন্ত্রী হরে আসেন তখন শীকার করতেই রবে, আমানের শিকাক্তেরে নানারকম গলাগ ও নৈরাজা তাঁর গাঁগিতে বড্টা ব্রা পড়াই তত্টা রামা-পামার চোখে নিশ্চর নর। আর এরই সপো আশা করাও সপ্যত যে, শিকাক্তির চলতি অরাজকতাও পুর হবে।

শিক্ষামন্দ্রীর আসনে বসার পর শ্রীরার আমাদের মাবে মাবেই তার শাভিষত
এবং শিক্ষা নীতির কথা শোনান। কিছুদিন আলে তিনি আক্রকালর একারো
ক্রাসকে বারো ক্রাস করার একটা ইপিত দিরেছিলেন। ব্যাপারটা নিরে করবেশি
হুট্টইও শ্নেছি। আজ্রকালকার দশ, এগারো, বারো—এরনই একটি জালি জিনিস
বে অনেক মান্টারমলাইরা পর্যন্ত এর ভালমন্দ ঠাওর করতে পারেন না। বা চলে
তাকেই আমরা ন্বীকার করে নি। অবশা, আমাদের মনে হয়, উনিলে-বিশে
বে তকাত এগারো-বারোর তফাত বোধ হর তার চেরে বেশি হবার কথা নর। তব্
শিক্ষামন্ট্রীর বারো রাখার ইছে কেন? শিক্ষার স্বার্থে কী?

মধ্যশিক্ষা পর্যদের জনৈক কর্মকর্তাকে নিরেও ইতিমধ্যে একটা স্থিকিট্র ব্যালার হাটেছে: রার-মশাইরের নামও পরোকে তাতে জড়িরে পড়ল। কর্মকর্তা পদত্যাপ করলেন। শোনা যার, পর্যদের সভাপতি পদত্যাগের সমর সরকারী কার্মকর্মণ সম্পর্কে অভিবাগ তুলেছিলেন। তার অভিবাধের প্রথন বিবর জিলা স্বরণ-শাসিত পর্যদের ওপর সরকারের হসতক্ষেপ। শিকামলাী কী চেরেছিলেন জানিনা,—তবে তিনি হাকেভাবে জানালেন, এ ব্যাপারে তার সহান্ত্রতির অভাব ছিল না তবে সরকারের মধ্যে সরকার' চলতে দেওরা বার না।

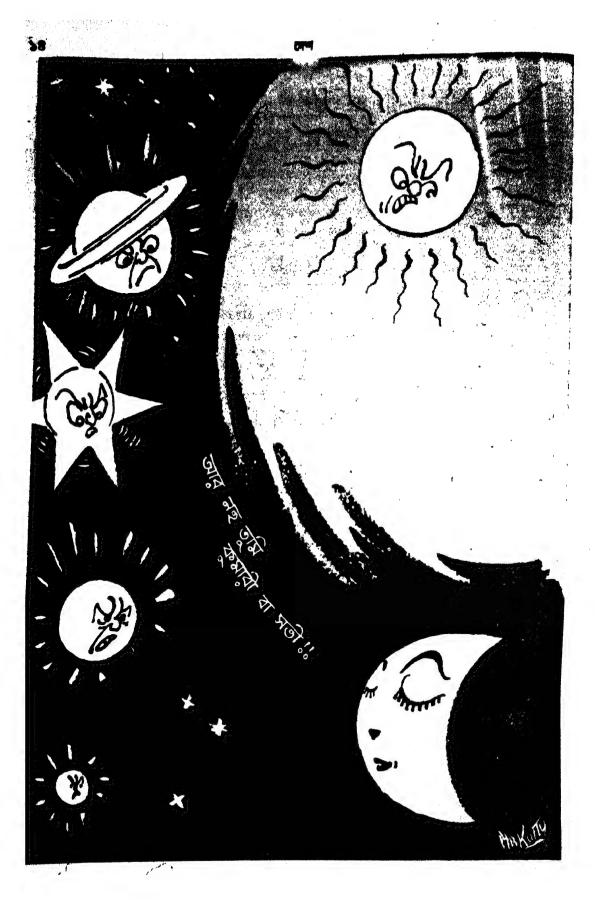
বাই হোক, শিক্ষামন্ত্রী বে কোপাও নিশ্চেষ্ট হরে বসে নেই তা বেশ বোরা যাছে। সম্প্রতি গত ব্ধবার, পশ্চিমবণ্গ বিধানসভার শিক্ষা সম্পর্কে টানা একবেলা আলোচনা হয়ে গেল। এটি বেশ গ্রুষপূর্ণ। এই সভার শিক্ষামন্ত্রী ভবিষতের কর্মস্চীর বেশ কিছু আভাস দিরেছেন। এর মধ্যে প্রধান হল : ১৯৭০ সালের ৯ জানুয়ারী থেকে সরকার শহরাগুলের প্রাথমিক শিক্ষার দারিছ গ্রহশ করছেন। শ্বিতীয় হল : এই রাজ্যের ছয়-সাত হাজার মৌজার কোনো গ্রাথমিক বিদ্যালার নেই, আগামী তিন বছরের মধ্যে প্রত্যেক মৌজার প্রাথমিক বিদ্যালার স্থাপন করা হবে। তৃতীয় প্রস্তাব হল, অভ্যম শ্রেণী পর্যন্ত শিক্ষাদান ব্যবস্থাকে অবৈতনিক করার ইছাও সরকারের রয়েছে।

এ সর্ব ছাড়াও সরকার একটা বড়রকমের দার হাতে নিচ্ছেন জাগামী বছরের দারে থেকে। প্রাথমিক বিদ্যালরের প্রথম ও ন্বিতীর প্রেণীর চন্দ্রিশ লক্ষ ছাত্র-ছাত্রীকে বিনাম্ল্যে পাঠ্যপুস্তক সরবরাহ করা হচ্ছে।

শিক্ষামন্দ্রী বলেছেন, এই বছর থেকেই জাড়ীর, গণতান্দ্রিক, বৈজ্ঞানিক শিক্ষা প্রচলনের স্চনা করা বাবে বলে তিনি মনে করেন। বোধ হয়, আপাতত বা করা হচ্ছে বা হবে বলে শিক্ষামন্দ্রী জানিয়েছেন—এগ্রিই জাতীয়, ক্ষাভান্তিক ও বৈজ্ঞানিক শিক্ষা শ্রুর প্রথম ধাপ। বা হতে পারে এর বাইরেও কিছু আছে।

নীতিগতভাবে আমরা শিকামশ্রীর প্রস্তাবগৃলির মধ্যে কোনো লোভ দেখি না। প্রাথমিক শিকা বিস্তারের চেণ্টা সর্বদাই প্রশংসনীর উদাম। কিবো অন্টম শ্রেণী পর্বস্ত অবৈতনিক শিকার ব্যবস্থা চাল্ করাও বড় কাজ হবে। বিনাম্লো প্রথম ও শ্বিতীর শ্রেণীর ছাত্রদের পাঠাপস্তেক সরবরাহ কম দার নার। আমরা এ সবেরই প্রশংসা করি।

তবে কোনো কোনো প্রশন খেকে বার। বেমন, শহরাশ্বলের প্রাথমিক বিদ্যালয়কে সরকারী তত্ত্বাবধানে নিরে বাবার আগে কেন মৌজার দিকে চোব দেওরা হল না। বেখানে হ-সাত হাজার মৌজার প্রাথমিক বিদ্যালয় একেবারেই নেই, সেখানেই কী সরকারের দৃশ্টি আগে পড়া উচিত ছিল না? শহরাশ্বলের প্রাথমিক বিদ্যালয়ের ওপর শিক্ষাশ্রীর এই বিশেব সহান্তুতির দৃশ্টি অনেকের কাছে ভাল নাও ঠেকতে পারে।



ত্যাক বিজ্ঞানী আমেরিকান নভাব ।

ত্যালেগালো-১১-র ক্যালভাব নালা
আরমন্থ-এর বংশা আপথতি পদ্যালা
আনিকান ক্ষাকি বেলিকা শান্ত হৈ নামেল
আনিকেরিকা আকি বেলিকা শান্ত লীকা আন্তর্নার
আনাক্রেকার ক্ষাকি নাম্বর্কার
আনাক্রেকার ক্ষাকি বিজ্ঞান ক্ষাক্রেকার
আনাক্রেকার ক্ষাকি ক্ষাক্রেকার ক্ষাক্রেকার
আনাক্রিকার ক্ষাক্রিকার বাবালাক ক্ষাক্রেকার
আনাক্রিকার ক্ষাক্রিকার ব্যালাক্রিকার এবং
আনাক্রেকার ব্যালাক্রেকার ব্যালাক্রিকার এবং
আনাক্রেকার ব্যালাক্রিকার ব্যালাক্রিকার এবং
আনাক্রেকার ব্যালাক্রিকার ব্য

শুনু তাই নয়, এই উন্তর অভিনানের
নার করেকটি নালুখ্যনার দিক , আছে।
করে হবে বুনুটার বকেট মার্কিন রালি ও
তার সক্ষানের নিজ নিকেতন থেকে
উধনাকাশে উথকেপ করে তার ইংরাজি নাল
স্যাটারন এবং নমবর ফাইভ—বংগারে
আন—পাঁচ। জারতীয় অভিযারী নীলমএর উংকেশক শাঁতর নাম সিনাভকেট এবং
ভারত সংখ্যার পাঁচ।

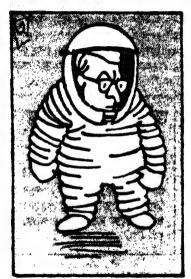
জার্মেরিকান নীজনে উপরে ছাড়তে প্রতি দেকেনতে ৩৪০০ গ্রালান কেরেসিন ডেল এবং ভরল , অকসিকেন প্রাড়তে ছারছে! এবং মোট চাপ লেগেছিল ৭৫ লক্ষ পাউন্দর। জানাগের নীলানার উংক্ষেপ করতেও কঠি খড় এবং তেল বিস্তর প্রভাৱ—সঠিক পরিমান এবনও জানা করীনা জার চাপ যে কী প্রচাত রোগেছে দা বাধ্যালোরের এ আই সি সি এবং বিলালিতে ভরারাক্য কমিটির মিটারে মাপা আছে!

ভিন্ন শহর ররেরের শংকা অন্তর্মকর দীতকে প্রতিষ্ঠান কলসংখ স্থাপন কর। এবং কলপথ থেকে অভিক্য কান্তিয়ে দহা-কান্তে হাড়ে বেওলা হয়।

জামানের নীর্মানকও ভিনতি স্তরে ধাপে **ধাগে কক্ষপথে তালে** স্তেওয়া হারছে। প্রথম শতর : বাংগালোরে সিন্ডিকেটের সিদ্ধানত, দ্বিতীর স্তারে পার্কানেন্টারি रवाज्यक्रत देवकेरक প্रधानमञ्जीत एक्की हैन डिएकडे 63.2 æ 'সল'ছেকেটের 2197 \$11.200% 第[4] अस्ति विकास **छेड**ाश **⊅**\_(€), 15.5 कार (भारत टकारोक्ट्रीये, **धक्त ८-२ ला**च्य देशीयाकारेन পদান্তর এবং ক্রেলা নিত্রত প্রধানমন্ত্রীর ভাতিক্তি মোলারাজি বজান ও নতুন ইমেজ স্টেক্টকেশ কাংক জাভীয়করণ ইভাগিব ইভ্যান এক ভুক্তীর স্তরে প্রধানমন্ত্রীর সম্ভান আনানোর প্রতিভাতি নীল্ম সঞ্জীব রেভিকে ককপথের আবর্তন থেকে ম.ড করে ভার অভিলাবের অভিকর্ম অভিমন্থে জাপান্তত ৰওনা করিরে দিরেছে। এই ভাষা ছাপাখানার দেবার আগের মাইতে পর্যত शाक्रमक कर्नाफ्रीम स्थरक काना शिरहरक, धारे জনম সাহ্যিক ও পঢ়ে প্রতিঞ্জ ভারতীয়



নাত্র পূর্ব নির্ধারত ব্যক্তির হত ব্যক্তিন করিছে করিছে এবং থাওয়াবাঙরার বাহবাতে বিভিন্ন করিছে এবং থাওয়াবাঙরার বছলারে বিভিন্ন করিছে করিছে। তবে প্রাক্তিন কনারৌল থেকে ভরি
নিন্দিত সাকল্য সম্পর্কে তাকে নির্মাত
আন্বাসবাক্য সোনান হতে। করে তার



হলস্পাধন ও বন্ধাপের উল্লেখযোগ্য কোনও পারবর্তন কেবা দেরনি। ১৬ আগদট ভার कारका जयस्वरभव रव रिमक्क धार्य करा হয়েছে ভার কেন্ড পরিবর্তন হরে না বলেও জানিয়ে দেওয়া বলেছে৷ স্তার শ্রেটে প্রাউন্ড কনটোলে যে-সব গোলভোগ रम्बा विदर्शक्त. নিত রহমাগ্র প্রকাশ, মারার মধাপ্রথে একে ফে-মব নাকি সামায়কভাবে মেরামত করে নেওয়া হয়েছে। जक्रकरता जामारमत नीत्ररस्त १७न २०७ স্কুস্কডিতে হয়, প্রধানমন্তী সেজনা তার সহযোগিতার হসত প্রসারিত করতে न्दिश क्यादान ना राज श्रकाणा दिर्द्धि দিরেছেন। তবে নারীর মনে কি অন্তছ তা रक्त न्यतः कमसाछ रक्तां छ वन् हे व अरह পারেন নি, তথন আর কার উপর ভরসা!

তা সত্ত্বেও কন্তেজা ব্যাংক অংকার-ভেটারি তুলা নরা দিললির রাজনৈতিক বংতর মাজেরের নিরপেক প্যাবেক্ষরা विद्यासकारम्य यात्रमा निक श्राप्त सामग्र-मन्द्रात शन्द्रशासन कता बाह मीनव मकीय त्रवीक्ष विकास देखाकित अपक पर है काबरणन' बरम, जारे गान, हरव। अवर धरे খুলা বা বিশ্বের পাঁচ হাঞার সেনটিয়েড পর্যস্ত উল্লাপ সৃতি করতে পারে। আর্কেরকান চন্দ্ৰর নীল আরুম্নারকেও পরিবীতে প্রাংস্করেশকারে এই সারিমান উত্তাপের প্রতিক্রতার সম্মুখীন হতে হরেছে। ক্ষিত তার চন্দ্রবানের সামনে এই টকাপ নিরের্ধর বর্ম বা বিট শিল্প থকার নীল বা ভার সন্ধারা কেউ পরেড মর্রোম। বিলেমজারা মনে করের 73 একটা 'হেট শিল্ভ' বা হণা প্ৰতিভাষক বর্মা বাদি নালম সঞ্জীব ব্রোভর উৎক্ষেপত-গণ বানিয়ে দিয়ে না পোর থাকেন ভাবে স্ফলেল কন্দ্ৰং PLANSELT CHANGE নীলনের আশা ভরদ সেই ম্পার প্রচাত আগনে পড়ে ছাই হয়ে স্থাব।

কিবে গ্নেপ্রেপ্রের সেই চ্ছেপ্ত সংকটনত সমস্তির কথা সর্গ কর্ন, বা প্রতিটি নভচরেরই নির্র্ণ শির্মণীয়ের করেশ নাজ আরমস্টান্তর লগুরুন্তিক শ্ব নিধারিত সহা এক গ্রিপ্রেপ করেভ কাল থোক প্রিবটিত গ্রেপ্রেপ করেভ ইরেছে। নিধারিত কোলের একটা এবার ক্যার হরে গেলে হত চন্দ্রান্তি ছিটকে চির্বালের মত মহাকাশে বিলীন হলে বেত অথবা প্রিবটির নাটিতে ধ্পাস করে আছাড় থেয়ে ছ্বা বিচ্পা হয়ে যেত।

নীলম সঞ্জীব বেভিকেও একচিকে

তি ভি গিরি এবং অনাদকে সি তি
ক্ষেত্র্যাক্তর প্রেই এইল ইভিক্রের মধ্যবলী ক্ষাণিতম প্রণালীর ভিতর চিরে পথ
করে সাফলোর ভূমিতে অবতরণ করতে
হবে। নিপুণ পরিচালন ব্যবস্থার একট্
হেরন্সের হলেই একেবারে ক্রেন্ড-এর
মত সগোরবে পপাত চ ম্মার চা

आमारमत आमि

এতকাল আমরা জেনে এবেছি বে বানর জাতীর জীবই মান্তের প্র-প্রেম। সম্প্রতি বেশ পরিকার এক পাঠক আমানের জানিবেয়েল, বালর নর, আমানের জানিবেয়েল। ক্ষন মন্ত্ৰীর সংখ্যু কথা হচ্চিল।
ভালোক খ্যুব নীচু গলায় কথা
মলছিলেন। বা এল কফি দিতে। মন্ত্ৰী
মহাশর খেমে গেলেন। ইশালার আমাকেও
বললেন, চুপা বা চলে গেলে। মহামানা
মন্ত্ৰী বললেন : জানেন, এখন দিলিলতে
কাউকে বিশ্বাস করা বার না। কে যে কার
চর কেউ জানে না। স্বদিক নজর রেখে
সভকভাবে চলাট ভাল।

এক এম পির বাড়ি গেলাম। বিহারের প্রতিনিধি। টেলিফেন এল। ভ্রমহিলা কলনে : হাাঁ, পিছু বাড হোগা। হামহি বা রহা আপকা উহা। আমি উঠে দাঁড়ালাম। বললাম : আপনি কথা বলে নিন। আমি লনে আছি। এম পি লব্লা পেলেন। বললেন : না, না, আপনার জনা কেনও অস্বিধা হক্তে না। আসলে কি জানেন আমার টেলিফোনে সারক্ষণ আড়ি পাতা আছে। বা বলব ওখা ভেনে বাবেন। ভাই টেলিফোনে সিরিয়াল বাডচিতই ছেড়ে দিবেছি।

কলকভার একজন বিশিশ্ট শিক্পপতির সভো দেখা হল। বললাম এলে গিয়েছেন। ভদ্ৰলোক হেলে জবাৰ দিলেন : ঠিক আসিনি: আসতে বাধা হরেছি। ডাক পড়েছে। জিজেন করলাম, কেন ডাক পড়েছে? শিলপপতি এবার কৃণ্ঠিত হরে বললেন : মভ প্রতিয়ে। আগার কোই জেনে বার জো আত্মার গার্দান চলে বাবে । আর্ণনি রিপোরটার আছেন। কোথার কি ভখন লিখে দেবেন। আহি কসমসে वसव सा। वादरवाद ক্টেক অনুরোধে এবং 'কসমসে' বলার ভদুলোক একটা বেন আশ্বস্ত হয়ে বললেন: সাপোরট করতে হবে। কিন্তু দয়া করে धन्तर कथा काष्ट्रिक दशास्त्रत मा। एक वछ वछ লিভার লোগ কলা করতে পারছেন না ভো হামরা কী করবো! ধমকালেই ভর পাই। জানি বেগ্র করলে লাইসেন ফ্রিলবে না. ইনকোয়ারি হবে। আপনার সপোরে হামার দেখা হরেছিল কাউকে বলবেন না দরা করে। আনি প্রতিশ্রুতি দিলাম।

গোটা দিল্লির উ'চু মহলে এখন একটা কল্পত আবহাওরা। কেউ কাউকে বিশ্বাস করেন না। সকলেরই ভর আমার ওপর কে কেন নজর রাখছে: আমার গেটে কে বেন ওঁং গেতে আছে; আমার টেলিফোনে কে বেন আছি গেতে সব শ্নছে। অবিশ্বাস, সলেই, সংশর, ফিসফিসানিতে মিলে মিলে আরু গোটা রাজধানীতে একটা অল্ভুঙ হত্তেক্ত্রন্ত্রক আবহাওরা।

श्रम केंद्रवरे, गिन्नित धरे शन रम् प्रमा?



উত্তরতা আমার কাছে খুবই সহজ ঃ কারণ রাজধানীতে ক্ষমতা দখলের লড়াই চলছে এবং এই লড়াইর সামনে আদর্শ বা নীতির কথা আমদানী করা হলেও মূলত এটা বাভিগত ক্ষমতা দখলের লড়াই। আমার দঢ় বিশ্বাস, বাদ লড়াইটা লুখু আদর্শ বা নীতির হত ভাহাল এত গোগন অভিসার, এত ফিসফিসানি, এত বাদ্বাস্ট্র খেলা চলত না। আদেশগত গড়াই চিরকালই খেলা

#### জीवन य-तक्र

न्नीन गटनाभाषात्र

একালের প্রতিতিত কথাশিকণী লুনীল গণোপাধ্যানের নতুন উপন্যাস জীবন বে-রক্ষা ভাগালী সম্ভাই থেকে ধারাবাহিক প্রকাশিত হবে।

মাঠে হর—নীতির লডাট্ হলে বিক্লির এবারের সংগ্রামটাও উম্মুক্ত প্রাণাণেই হত।

কেউ কেউ জবলা প্রাণপ্রণে ব্যেকারের চেন্টা করছেন বে এটা প্রধানত নীভিরই সভাই। **এই श्राहातो किन्छ स्थारम रहेरक गा। बर**त নিজাম না হয়, মেরোরজী ও পরিভাগের সংস্থ শ্রীমতী গ্রন্থীর নীভিত্তে ভারতে ভারত। কিল্ড কামরাজ ও চবনের সংখ্য আদর্শগাস প্রদেন প্রধানমন্ত্রীর ভক্ত কতটা? প্রীমন্ত্রী গান্ধীকে যদি সমাজভক্ষী বলতে হয় ভাজল কামরাজ্ঞ বা চবন নিশ্চরই ভার চেরে ক্ষ সমাজতক্ষী নন! ডিভ্যালারেশনের সময় কে বেশি সমা<del>জতনতী</del> ছিলেন<del>্ কা</del>ম্বাভ ন: ইন্দিরা? স্বায়ং কামরাজ এবার বিলিতে তাঁর করেকজন ৰক্ষ্যকে বলেছেন ঃ আমি वधम जन्मनभूत करतारम बननाम वाहक জাতীয়করণ চাই তথ্ম এই ইন্দিরাই ভাতে দিরোছলেন। বদি এটা কংগ্রেসের ভেতরের আনশের সংঘাত হত ভাহলে নিশ্চরই কামরাজ এবং চবনও ইণিদ্রার निक्ट शाकरणाः

খ্যানক জাভনিকরণের প্রসন্ধানী গ্রেমে আনেকে আবার প্রদান ভূলতেন, কেনা, এটা ভি এন্ডটা সমাজভাগ্রিক নিশাস্থান নর? এছ নিরেই ভি গড়াট নক? এই প্রদেশয় মুটো দিক ভাছেঃ (এক) ব্যক্তাটো কি উন্নেশ্যে নেওরা হরেছে? এবং (স্টেই) এটা সমাঞ্চলক ব্যক্তা কিনা?

সধান্যকী বেভাবে বাল্ক ছাতীরকর থব চিকাৰত নিবেজন ভাতে শিশুৰৈ ৰাজেক ra in পাদক্ষেপ অথানৈতিক নয়, ব্যক্ত-নৈতিত। সমীৰ ৰেডডি বঢ়ি ৰাষ্ট্ৰণীয় প্ৰাণ পাথটি হড়েনীক না ইজেন ভাচাক कारायकी के स्वास्त्र मा स्वकात साम्कर्णा कर নিক্তন হ'! ব্যক্তিগত বা ব্যাস্ট্রীয়ত कारान महाहेत्व कारान्य मुख्य वास्त्र कता है तह भारकभा अधानवन्ती है निरक्षे शिक्षकित्तव तम कहा करिएडकिया। बीव এটা সভিকারের সমাজভাবিত প্রাক্তপ হাত ভাহাৰে প্ৰধানমূলী নিৰুপ্ৰতিদেৰ ভোষ য়াজনৈতিক কাঁদৰ্মন গাইছেন না এবং আঁনের স্বাধরিকার প্রতিশ্রাভিও বিভেন না। স্বাস ভিনেক ভাগে এট প্ৰথমসভাৰি কৰিবাৰাৰ करणाज बार्णाकरका. बार्न्स्यानिस्क संबग्धे नित त्रवत्रत शतासन करे-पाल तथा THE THE BEE SHOWN STREET BOT! SUPPLIES BUCK BRITE COM THE कर्र देशीय बार्ज कीत ता अवस्थानी क रोड चांक्सर अवस्तात भारते रकतात **987** ?

বিভাগে প্রথম : আৰু আভাগিত্র ভি স্নাক্তাল্ডিক ব্যক্তা? ভারের বিচারে ছবাব, হাা: কিল্ড ৰাল্ডৰ বিচারে জবাব, মা। काफीत कीयनवीया सवना एएस्ट्रमहे बालाहरी द्याक्षा वादव । अस चार्च कि त्व क्षेत्रा वाद्रांव তার বেশিটাই পান বন্ধ বন্ধ বিভাগপত্তির। গ এবারের হিসাবে দেখা গিনেছে, এল আই সি বে টাকা লাগাই করেছে ভার প্রজন্ম ১৫ ভাগ পেরেছেন ভারভের ১০টি বল খিলপ-ध्यान्त्री। को मनकात्री विज्ञान। जनकाती ভাষ্টে দেখা গিলেছে ছারিবাস বাস্থার মত ব্যবসারীরা কিভাবে আল শেরার ক্লবা দিরে এল জাই সির টাকা পোরেছেন। জাজীর ব্যাণ্ড ব্যবসাও জাজীয় জীবন বীহাৰ পথেই কেতে বাধ্যঃ কারণ এ কেতেও মালিকানা পালটালেও পরিচালনা পালটাবে মা-বরং जातक बाताम स्टबः स्वयम स्टब्स्ट क्षम जारे সির। কলে দেখা বাবে, আতীর জাতেক वस वस जिल्लानिकानिक मानिया स्टाइटर ব্ৰেষ্ট্ৰা কাৰণ কৰি৷ কৰা, লৈকেটাৰি, क्रितातमान श्रक्षीक्टक बन्द्रक ভাঁদের দিরে কাল করাজে পারকেন। बटिनद 27 हरत मा। जवार कार्यना-बीचा वन किन

লক টাকার ব্যাস। করেন, খাঁবের করেন্ত্র প্রধানত রাপ্ত মানেজারদের সংখ্য, বাঁদুর খাব বেশি ওপরে যাওয়ার ক্ষমতা নেই।

कार्यक ब्लाटीसकरायन करन सर्दारत रर्गम লাভ চঠে কালো টাকার করিবারীদের। ভাৰা এখন আরও বেশি সংদে টাকা খাটাতে भारतयाः—रकापे वावनायति । चौतरा क.रक सार शासाक यासा सामना श्रमनामधी অথক্রিতিক ক্ষেত্রে সবচেত্রে বড় কান্ত করতে পারছেন ডিমনিটারাইজ করলে। অর্থাং একল টাকা এবং দল টাকার নোট পালটাতে পার্যা। কিন্তু সে পথে তিনি পা বাডান নি: ভারণ সে পথে জালো টাকার বাধসায়, মনোফ ৰান্ধাতৈত, বড় বড় মালিকদের অন্তেম্বই তাত্তৈ স্বা পড়বে। অথবা তিনি বেনামী সব শেষার "ফিজ" করতে পারতেন। তাতেও অনেক কালো টাকা, পাপ কবনা ধরা পড়ে। মনোপলির দুর্গে আছাত লাগত। লে পথেও ডিনি জার্মান। গরীর দেশে সমাজভাতিক অর্থনীতি বহুকেতেই ভাল: কিত সমাজতাতের ভারতা গরীবের পক্ষেই স্বাচ্তে হারাজ্ঞ।

বদি বাজির বিচারে জাসা মার ভাছদেও हरणा बहर नौधित कथाते कि तका खेलरा। करकारत महाकरकी हुए एक? सीमरी ইন্দিরা, বাবা জগজীবন রাম রাজা দীনেশ সিং কে ভি মালবা ইত্যাদি ইত্যাদিয়া। জন্তীবন্ধাৰ, ব্লি সমাজভাৱী হন ভাতাল নিশ্বরই শ্রীরাম চ্যাটাজিও কমিউনিস্ট! আমার এক প্রগতিশীল সাংবাদিক কথাকে একবার বলেছিলাম, হর্মশাই আপদারা জগজীবনৰাব্যক্তে সেন্দৰ্শলম্ভ ৰাখন ? বংধাবর লক্ষার আধোবদন হয়েছিলেন। সেই বহু আলোচিক সিরাক্তািলনের খাতার বেরিরেছিল, "মিসেস মালবিরাকে লিখে দো পেটি হাইস্কি।" তবু মিঃ মালবা প্রগতি-শীল মেহনতি মানুৰ! আমি কলছি না, বিশক্ষের ও'রা ভাল—ধোরা তলসী পাতা! আমার শ্বে প্রন, ওরা বনি খরাণ হন, প্রতিভিয়াশীল হন, এবং প্রগতিশীল কেন कामधोत्र कना? भाषा भाषा भाषा स्मामानिकथ ন্যোসালিক্ষ বলেন বলে?

#### \*

দেশের করেকটি বাসপ্থী দল, বিশেষ
করে সি পি জাই অবশ্য করেচেরের এই
ক্ষমতার লড়াইটাকে জান্দেরি সংঘাত বলে
কাহির করার খ্ব বেশি চেন্টা করছেন।
গুদের বর্তমান রাজনৈতিক কৌশল বা
তাতে একলা বলতেই হবে। কারণ প্রার এখন পারলামেনটারি ক্যু'-তে বিশ্বাসী এবং
সেই ক্যু' হতে পারে না বজকদ না
করেনের একটা দলকে সপো পাররা বার।
ভাই করেনের বে পক্তেক সপো পোরে হার।
সেই পক্ষে প্রার লগতিশীল বলে জাহির
করতে সচেন্ট। সেইক্ষাই প্রদের বর্তমে হাজ ইন্দিরা, জগজাবনবাব, মালবা সাহেব সধ সমাজতালী; সেইজনাই তারা চেচাজেন ওলের হয়ে; এবং বসাহেন, এটা আদাশের সাজাই।

सारकरवे अन्तरके असम नाई गाँउनानी दिर्दन्ती रुगाच्छीद स्माजेक्ट के चारते हिन्छा-ধারা। একপক্ষের স্মাটেটি । জারতের বাজ-र्जाटक धना वर्षातां हरू कार्रामण जम-ভোল নিয়ে এম–যাতে ভারত খাব যৌশ এলিয়ে বিশেষ**র বা**জারে বড় বড় পশিস্থা শক্তির প্রতিবোগী না হাতে পারে। তাই কাশেসর ভাগানটাতে তথালিক কর। সর্থ-ভারতীয় ভিজ্ঞিক বাভটোলিক জাল ধরার তথ্য তার কেট থাকরে না। এবং রাজ-লৈক জিল্লাল লা থাকলে অপ্রাতিক দ্বেল হতে হাধা। দিতে হৈ প্ৰেছত কৌশল : কংগ্ৰেকেৰ ভাগান খাঁৱে বাঁৱে না একে দাত আসাক। দক্ষিণপদ্ধী জাতীয়তাব্দেট শভিমাল ফেন খাটি গাড়ার সাযোগ না পার। ভার আগেট যেন একটা বিক্রমণ त्याची भावनात्मनदेशेव 'का'त भाव दार्थवन्त দথল করে বসতে পারে। এজনা কংগ্রেসের একটা অংশকেও সংগ্ৰাম ট। সি গৈ আই-এই <del>বিভাই চিন্তাধানার ভাল্যবাহক। সি</del> পি আই ভাই কলেনের ভাগন ভ্রাণিত করে "প্রকৃতিশীল কংক্রেসীদের" সংগ্ লেতে চাইছেন।

কর্মেদের ব্যক্তিগত ক্মীহার লড়াইর স্বোগে একশক্ষ বৈদ্যা পর্য কর্মেদের ভাপানকে বর্মানত করতে চাইছেন আর এক পক্ষ তেমান অবিকাশ্বে বিকাশ নোচা মারক্ষ ক্মতা নখলের ব্যাপারে সচ্চেও। ইণিরা গান্ধীর নেত্তে বিকাশ ভাতীর বামপাথী সরকার গঠনের উলোগও তাই ঘ্র গতে শান্ত হতেছে। মেনন, ভূলেপা গণেত, প্রভৃতিরা সরো ভারত ছুটে বেড়াজেন। এমম তৈ সি পি আই এম, মারা এই সেদিনও বালাছেন প্রকাসেনটারি মান্ডোরিং-এ আমরা বিশ্বাস করি না, তারাও কংগ্রেসের অন্তর্মিরোধ জাঞ্জর পড়তে বালা হরেছেন। এইখানেই রাণী এবং সি পি আই নীতির জর হরেছে।

প্রজনা সর বামগ্লথাকেই অবশ্য একটা বড় ম্লা দিতে হচ্ছে; কংগ্রেসের ব্যক্তিগত ক্ষমতা দক্ষের কড়াইকে আদশের সংখাত বলে জাহির করতে তারা বাধা হচ্ছেন।

বিষ্ণু ও'রা বললেই কি ব্যক্তিগত **লড়াই** আদর্শনত সংঘাত হয়ে বাবে!

\*

আসলে ব্যাপারটা ম্যান্ভারিং, কাপকটা ব্যান্তগত লড়াই, ব্যাপারটা আগেভারে আঘাত হানার বলেই আন দিলিতে এও কানাকানি, এত ফিসকাস, এত গোপন অভিসার, এত বিদেশী লীলা ধেলা। এবং সব মিলিরে কড়বলা, চক্রান্ত আর পাশা

ভারতের ইতিহাসের নজির এ ব্যাসারে খ্বাই খারাপ। সাল্ধ সমরে ভারতের ভারা ব্যাসারে করেছে। বহুবার ব্যাসার ভারতের করেছে। করেছে। বহুবার ব্যাসার ভারতের করি ভারতের জানা ব্যাসারে। এবং সবচেরে মভার, ভির্বাসার ভারতেরাসার ভারতেরাসার ভারতেরাসার ভারতেরাসার ভারতেরাসার ভারতেরাসার ভারতের ভারতেরাসার ভারতের ভারতেরাসার ভারতের ভারতের পারেরি।

अवातक कि छाड़े श्रद ?

নবার্ণ সংস্ত

शब्दार्शन वज्ञा	প্ৰকাশিত হল । বাদল সরকারে	
यक्ताद्वर दृष्ठ	c.co राकि द्वें छहा द	
	ট ৰহাল অভিনীত নাটক —	
ब्रांग	শুমত্র মির	0.00
কাশুনৰূপ্য	শম্ভুমিত্র ও অমিত মৈত্র	0.00
মেৰে ঢাকা তারা	শক্তিপদ রাজগ্র	0.00
বাধ	ञ्गील ब्रायाभाषाय	0.00
উদাৰ্থিকী	স্শীল ম্থোপাধ্যায়	6.00
बाबक्द नाएक	म्मील भ्राथाशास	0.00
कीका किछाना	य-पूर्व शक्ताभाषात	0.00
জাজ জড়িনয় ৰশা	वीताम् भान कौर्द्धा	2.60
भागावण्य	দূৰ্বাসা	2.00
જ્યમીકે	नींशास्त्रक्षन पदर	GE C

pol,

গ্রহাতরে

১৬১ সনে কেনেডি বখন এ বশক শেব **্ হবার আগেই ভার চান্দ্রারণ রত** উন্বাপন করবার সংক্ষপ নেন ভখন রূপ মেডারা মচেকে হের্মেছিলেন আর সংখ্য দশ্যে বিধাভাপ্রেবও। মহাকাশ অভিবানে র শিরার তথ্ন ভরভরকার। ভারাট সর্ব-প্রথম একজন মানাবকে পাঠিরেছে মহাশানো, সেখানে পাড়ি দিরে সে নিবিব্যৈ মড়ো কিরে এসেতে। ভারও আগে সনো-১ চারতে श्रमिष करताह, माना-२ होता ताताह. বনো-৩ চালের অদেখা পিঠের ছবি তলেছে। সারা দ্বনিয়ার লোক বাহবা দিছে রুশীদের মহাকাশ অভিবানে আশ্চর সাকলোর ছদ্যে। সে ব্যাপারে আমেরিকার তথ্ম তো সবেষার হাতে খাড়। কেনেভির চারে মানবে পাঠাবার সংকল্প লোকে ধরে নিরেছিল থামিকটা আমেরিকানদের প্রবোধ দেওরার চেন্টা, বানিকটা বা অক্ষার আন্কালন। कारकरे जारमधिकारक - रक्छ सामित्रात প্রতিশক্ষী বলে আমল দেরনি, কেট মনে ৰবেদি ভাৰে হাড়িয়ে বাওয়া দ্বে থাকুক, ভার নাগালত আমেরিকা পেতে পারে। স্বাই ভাকিরেছিল মন্কোর দিকে বখন প্রহ গ্রহান্তরে সে মান্তে পাঠিরে ফিরিরে আলে।

किन्छ् विशालाञ्च हैटाइ खना जुक्म। छौटन বিনি প্রথম পা দিলেন মর্ভোর মানুবের প্রতিনিষি ছিলেৰে जिनि सुभी नग আমেরিকান। মান্তের জরবাতার ইতিহাসে নভুন অধ্যার বোগ করেছেন ২১ জুলাই সোমবার শ্রীনাল আর্মন্টং। তিনি আর তাঁর সাধী গ্রীঅকড্রিনের ন্যে অনর হরে থাকবে সভাতার ইতিবৃত্ত কথার। এনন বে হবে ১১৬১ সনে বোঝা বার্যান। কিন্তু ভারণার ধাপে ধাপে ৰখন এগতে লাগলো আমেরিকার অ্যাপোলো পর্ব তখন আন্তে আস্তে রুশীদের বাঁকা হাসি মিলিরে গেল. লোকের ধারণা হলো মার্কিনীরা চাঁদে পোহৰেও পোছতে পারে। তখনও কিন্তু কেউ ভাবেনি এ মর্বাদার লড়াইরে রুশিরা হেরে যাবে। দেশে-বিদেশে বিজ্ঞানীরা ভেবেছিলেন বাজীমান্ত রূপেরাই করবে সর্ব-প্রথম চাঁলে পাড়ি দিরে, ভূবে ভানের পিছ পিছ একদিন না একদিন মার্কিনীরা





দেবগাৰ

ঠিকানার পেশছরে। অনেকেই অধীর আগ্রহে লক্ষ্য করেছিলেন চান্দারি বাজীতে হ' শক্ষের ম্বের কডটা, কে কেমন পারভাড়া করে।

কিন্তু স্কলকে ভাক লাগিলে বাজী दक्दमीख दम्दर्भ ক্ষিতকে: আমেরিকাই। বেতে পারলেন মা বে ভার ব্যাপ সাধাৰ হরেছে। ভার হত বখন উদ্বাশিত হলো তথন জিনি তো নেই-ই, ভার দলও রাম্বা-श्रीकृत शीम शांतिकात । का शांतरमा कार्य ভার দলের কোনও কোন্ত নেই। মহাকাশ অভিযানে ভারা বৈ রশৌদের ফরেও এগিরে আছে ভার প্রমাণ স্কুনিরাকে বে সিভে পেরেছে এতেই আর্মেরিকার সকলেই প্রশী, मन चारमंत्र वाहे दहाक मा रक्म। शतक ध ব্যাপারে বা হরেছে ভাতে লক্ষণে একটা রাজত কেনা বার, একটা গরীৰ দেশের व्याधिक कांग्रात्मा राज्यकारत कारक माजम करत গড়ে তোলা বার এমন কী খাল আমেরিকার দারিদ্র আর অবনতির বেসর অধ্যক্তপ আছে ডানের অনেকগালিকেই আলোডে ভরিরে ভোলা বার। কিন্তু ভাতে কী? বেখানে কেদের প্রশা, আত্মবর্ণাদার প্রশা সেখানে তুক্ত টাকার ডোরাকা কে করে। অভ ব্যক্তির নিক্তিত সব কিছা ওজন করে বাদ মান্ত্ৰ চৰতে। ভা হলে সভাই ভখনৰ কী रकाशक इरका ?

রুশীদের কমভার ওপর লোকের এখন অটল বিশ্বাস ছিল বে জ্যাপোলো দশম পর্ব সাধ্য হবার আগে পর্যন্ত অনেকে ভেরেছিল মার্কিনীদের ভারা লেখে খেলাতে হঠাং চাঁদে মানুষ পেণছে দিলে ভারা স্বাইকে দেখিরে দেবে ওম্ভাদের হার শেষ হারে कारक वरना धङ रा स्काना-स्काना छ। কিন্তু চলেছে ব্ৰশিৱার বাইরে। সে দেশ रश्यक काम बन्द रक्के किहा बर्जान: व्यात्मिकत मण्या बराम्यम द्वाभिता भाषा লড়ছে এমন আভালও কেউ দেৱনি। ওরই মধ্যে একবার শোনা গোল ১১৭০ সনে **बक्छो क्रिले अपन्यारिक श्रीराद ग**िरे **दिशामा इत्य इत्याला । मत्य मत्या** স্বকাশ্ভারা দিবা চোখে দেখতে পেলেন होरा मान्द्र मा भाकेक अक्रो क्क्रहानिङ ৰান প্ৰতিয়ে আপোলো-১১ পৰ্ব শেৰ ছবার

আগেই দেখানকার বাটি নিজে এলে ব্লিখরা বোকা বানিরে নেবে আবেরিকাকে। গোটা প্রিবীকে এক মারার কেললে কলে। কথন ব্লা-১৫ উল্লেচ্চলা ১৩ আলেই চানের বিকে। তিন মহাকাশচারীকে নিরে আলোলো-১১ ডকা পাঞ্চি দিরেছে

क्रममान गींच माला माला हात केरणा क्षेत्राय-मी क्षेत्र शक्षमणी स्ट्रा ? वाकियी-रवन क्षेत्रन दिस्ता प्रिट्स प्रोटिस साधि सामद्रक ? कारतर हाजान्ड जीवनान टक्टन्ड विटड? त्याद्ध-पात्रिक्षेत्र BIE ECC-IDITION क्याक र जाकाराजिस स्थानक शरमात क्यावरे प्राप्तका रक्षात्र भावता हाला मा । महिर स्मरान रश्यक करें के जानवान संबद्धा स्टना, जानिकर-कर्ताक्रम-कांग्रस्त्र हतीय स्थापक क्रिको सामा क्यार मा। बाँदा दशाविनदास काँदाद बनामन होतात काक काता बदका बिदत चाजान मीकन एकानक कामान छाई। बर्जावे कारे। जार्यक्रेंश द्वांक्रिय क्रोंक्क क्रीटर ना निर्द्या २५ बर्जारे, चार्मिक भारत क्षेत्र महस्य रवाश क्रिटनन कोच दराजन चर्नाकन। कोचा নেখানকার অম্কা মাটি প্রান্ত ভয়সেন পরায়, দিবি সেখানে করেক স্কর্তা কটোলেন, ম্বেলন रबरमन, फातभद किरह करमन डॉटबर छेन काणित २८ कामारे और श्रीवनीरकरे। ভবিত্ৰ সমা থিয়ে আছতে প্ৰসো চাঁৰের সম্পর্ট সাগরে—বে পাঁকি সমস্রে জাবেশকোর ৰাচা শেৰ ভার থৈকে জনেক খারে।

আপোলো পর্বের শেষ একাও হরনি। এ পর্যারে আদশ অভিনান পরে ছবে ১৪ নভেদ্ৰর। দেখাত দেখাত চালে যাওঁলা আলা অনেক সহজ হয়ে আসৰে, ভার স্কর্মান চলে বাবে। চাঁৰে বেতে আলতে লাগতে কৰ বিভ পরে হরতো অনেক কল সমারী লাগ্যব। जारगीतकामना देखिमस्याहे **सन्धन शरह बा**हात ক্ষা ভাৰতে। আনুৱে ক্ষাক্ষে ক্ষেত্ৰ সে-পরিকশ্না সকল হওয়া বিভিন্ন নর। তাতে কিন্তু সময় লাগতে গ্ৰ' বছর কিংবা जाकार बहुत। होन इसम हत्व अको क्षाव-গণের স্টেখন। জার ব্যগরিন। জারা ক্রী মহাকাশ অভিবান ছেত্ৰে মেৰে? ভা কিন্তু ट्याटिंटे मह। विकासीयत बद्ध बर्गिता ब्बारवेहे शिक्षित शर्क स्मेरे, क्षेत्रम स्थानक শাপারে ভারা আর্ফেরিকান্দ্রের এগিরে। বেমন ক্যান্নো ক্রকট ক্রেড ब्द्रम्ड न्नाप्रिक्म देखीत समा। बदाकात्म योग धामम नगारेक्य' भरतत भन्न देखती सना ৰার তা হলে প্রহালকরে পাতি দেওৱার পথ जलक म्हाब हरन। मीन जाकारन करना टबरबर टब्जार यह सठकछोर यामा मासिटर मान्द्र पर्वाद्य व्यवस्थीन वस्त्रहारा स्ट्राह्र गुक्कदरगादकवः दशानमः वहत्यः।

#### 'הפשפהל'

র্ম্বিটি সাংবাদিক ছেলে আমাকে জিল্পেস কলল, 'চন্দ্র-বিজয় সম্পর্কে কী ধারণা আপ্যান ?'

বলগ্ম, 'ভালোই।'

ে এাট্ আশ্চর্য হল ছেলেটি: প্নহাৎই ছেন্তত করলেন মনে হছে। সারা প্রিবী তোলপাড় হয়ে গেল, আপেনার তো বিশেষ উৎসংহ সেখা যাজেনা।'

তংসাহটা ছিল অলপ বয়সে। ছেলেবেলায়
যথন জন্ল ভানে কিংবা এইচ-জি ওয়েলসএর বই পড়তুম, তখন। কলেজা জাবনে
সারে জেমস জানসের বই পড়ে মন দমে
গিয়েছিল—এই মহাবিশ্বর মহাকাশে
আমাদের এই প্রিবী বে মাইকোসকোপের
লেনসেও ধর্তবা নয়—সেই নগণাতার
অন্ভূড়িতে। ভারপর শেষ গিহরণ জেগেছিল
১৯৬১ সালের বারোই এপ্রিল। ব্যাস,
ভারপর খেকে আর কিছু নেই।

'১৯৬১র বারোই এপ্রিল? ও হো, মনে পড়েছে। রুরি পাগারিন। কিন্তু ভারপর থেকে আর আপনি রোমাণিত হননি?'

না। দরজা খোলাই আসল কথা— ভারপরে পথ তো রইসই। এগিয়ে চলাটা সময়ের বাগার। তা ছাড়া ফার্কিনীরা চাঁদে পোছোন কিংবা রাশ লানা গিয়ে কাঁপিয়ে পড়াক—ভাতে আমার কাঁ?

'এ আবার কি রকম কথা।' —ছেলেটি বিমর্থ হল : 'মার্কিন-রাশ—ভাবে - দেখছেন কেন? এ তো সমুদ্ধ মানুষের আচিভ্যেন্ট।'

শমদত মানুষের? তা হবে। কিন্তু আমার বন্ধরা আমাকে সাইকোলজিকালী ধনিচ বিবিধ চতুৎপানর সংগ্যা তুলনা করতে চান, ফিজিরেলজিকালী আমি একটি মনুষা, এ কথা যে কেউ দ্বনিকার করতে বাধা। এই চন্দ্র-বিজয়ে আমার মাইনে বাড়বে, না রেশন বাড়বে? আমারে প্রধানস্থাী কিন্দিৎ চান্দ্র-মৃত্তিকা ভিক্লে চেরেছেন—ডারতের চিরুত্ন বেগারস বাউল—তা থেকে এক গ্রেনও কি পাওরার কোনো আশা আছে আমার? সেই ভিক্লের মাটি—যদি পাওয়াও যায়—ত: দিয়ে লিটারেসি বাড়বে ভারতবর্ধে, হাসপাতাল বাড়বে, সেই চাদের মাুয়ায় আক্-ঠ ভরে যাবে কয়েক কোটি নিরাধ মানুষের?

ছেলেটি চটে গিয়ে বললে, ফিলিস্টাইনের মডো কথা বলছেন আপনি। এভাবে দেখলে—

আছা, উইদ্ভু করছি।' — আলোচনাটা একটা বাঁকা দিক নিছে দেৰে আমি সামলে গেলুম ঃ 'ওসৰ বাজে কথা থাক। হতীন সেনগত্বত কোট্ করে বলছি—''ক্ষমা করো তথ্য, বৃথ্য করিন্দু ভুচ্ছ খানের গল্প।'' তবে



চন্দ্র বিজয়ে আমি বে একেবারেই অন্প্রেরণা পাইনি, তা-ও নয়। ভারছি, ওরা যদি চাদে কখনো আমাকে একটা ফ্রা-প্যানেজ দেয়— অবণ্য কোনোদিনই দেবে না— তা হলে একটা জিনিস আমি ভেরিফাই করে আসতম।

'की मिशे?'

রাব্ল্যা লিখেছেন, চাঁদ আর আন্তো নেই, মানে প্রার নেই-ই—কারণ প্রথিবীর মানবীরা ভার জিন চ্ছুম্মাংশ মগজে সংক্রে ফোলছে। আমি দেখতে চাইছিল্ম, চাঁদের গর্তাগ্রেলা মন্তানারীদের দাঁতের নাগ কিনা।' ছেলেটি এবার হেসে ফেলল।

ঠিক আছে, করেক বছর অপেকা কর্ম। এই ভারতবর্ষ থেকেই আমরা আগনাকে চাদে পাঠাবো দাঁতের দাগ দেখতে।

'ভারতবর্য থেকে—আমাকে?' —মাথা নেড়ে বলল্ম, গিনজের আরু সম্পর্কে অতটা অপ্টিমিশ্টিক হওরা আমার পক্ষে শ্রু।'

ভাষজ্যকেন কেন? —ছেলেটি আমার্কে অভয় দিলে ঃ 'একটা সারেণিটফক কার্ল দেখলেই ব্যুক্তেন, এ কালে বিজ্ঞান এক বছরেই এক শো বছর করে এগোছে। আমান্তর ছেলেরাও পিছিয়ে থাক্রে না

র্ণনশ্চয় থাকবে না। ভক্কর খোরনোই কি

পিছিয়ে রয়েছেন? নিশ্চয় এগেয়েশন ভায়া— ভবে হেধা নয়. হেধা নয়, আয় কেন্খানে ৮১ 'রেন-ছেনের কথা বলছেন? আময়া য়ৢয়ে ফেব এবার।'

'রুখবে নাকি? সাধ্ সাধ্। তা হলে

#### वाश्या छाउँगत्नम **दम्बनम**

বলেছেন মাত কজন। প্রতিবাদ করেছেন অনেকে। তবে স্বাই একমত ঃ এমন গদশ জার পর্তিন। এমন রীতি আগে দেখিন।

## त्मथन वज्ञान हम्माडिशल्स

-- '48 गनक'-41 महे ---

বাল ঃ ডিন টাকা ৯ প্রচীয়ন্ত্রন **ভারতি** ১০ ৯ বহিন্দন চাটালী শিট, কাবেন্দান ১৭

(4-6654)

# ৰাংলায় উপনিবং

রেল্লিনে বাঁধাই, প্র ৮০৪, ম্বা ১২,

দ্বন, কেন, কঠ, তৈত্তিরীর, ঐতরের, কৌবীতাঁক, প্রশ্ন, মুশ্তক, মাশ্তুকা, বেভাবতর
ব্যানকাক ও ছালোগ্য উপনিক্ষের বিভিন্ন
মণ্ডান্যারী ঝাখ্যা সহ বাংকা জন্বাদ।
উদ্যোধন বলেন, "বাঁহারা ম্বা সংকৃত ভাষার
উপনিবদ্ পাঠে অসমর্থ বা শক্ষান্যিত তহিছে

দক্ষে বাংলার উপনিবদ অত্যন্ত উপবোধী দি

মহেশ লাইরেরী

২/১ শামাচরণ দে শ্রীট, কলি-১২

(FR-8860)

#### প্ৰকাশিত হলো

ক্রীতদাস ক্রীতদাসী'র ৭ বছর পর

# मक्तिभव एएँ। भाषा स्वाधिक विकास का अविष्ट कि विकास कि वि

বে বই কুটি কুটি করে ছি'ড়ে ফালা যায় যে বইমের আর একবার খেজি পড়বে ৩০ কি ৫০ বছর পরে

ৰাংলার সভাকারের পকেট বুক দাম তিন টাকা

**बदना :** ১৭/১ডি. সূর্য ফ্রেস্ট্রীট, কলকাতা ১২

(fr 4658)

আমানের অদ্য়-ভীর্থ ইরোরোপেরই একটা দ্যাটিটিকস নিরো রাদার। রেন-ড্রেন দেখানেও এক জনদত সম্পান-সলে দলে এনজিনীয়ায়-টেকনিশান উন্যাশ্যাসে ছটেছে আমেরিকার দিকে। ওরাই ঠেকাতে পারছে না—তোমরা ঠেকাবে? টাকা বার, চাদ-কাদ তারই। আর্মরা ভিক্ত্ত এবং ক্রিকারাং নৈব নেব চাং

বর্ত্তমান ভারতের সর্বপ্রেস্ট ঐতিহাসিক ডক্টর রমেশচন্দ্র মজুমদার বিরচিত

# বিদ্যাসাগর বাংলাগদ্যের সচনা ও ভারতের নারীপ্রগতি

প্রতিক্রমবর্ণীর ঈশ্বরচন্দ্র বিদ্যাসাগরের দুই মহান কৃতিক বাংলা গদ্যের শ্রীবৃদ্ধি ও স্থাী জাতির অবস্থার উন্নতি সাধন। কৃতিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় আরোজিত পাঁচটি বস্তুতার—বাংলা গদ্য সাহিত্যের উল্ভব, কণ্ডেদের যুগে ভারতীয় নারী, স্থাব্দের বঙ্গনারী ও উনবিংশ শভাস্থীতে বঙ্গনারী—তাঁহার পুণা স্মৃতির উন্দেশ্যে বর্জনারী ও উনবিংশ শভাস্থীতে বঙ্গনারী—তাঁহার পুণা স্মৃতির উন্দেশ্যে বরেগা ঐতিহাসিকের শ্রম্মাঞ্জীল প্রশ্থাকারে প্রকাশিত হইল। মুলা: হর টাকা

[জেনারেল প্রিণ্টার্স র্য়ান্ড পারিশার্স প্রাঃ লিঃ কর্তৃক প্রকাশিত ]

**জেনারেল বুকস**্ এ-৬৬ কলেজ স্থাটি মার্কেট, কলিকাডা-১২

# क्रायायगी त्थ्रयकथा

২য় সংস্করণ ॥ **স্থাংশ্রন্তান বোদ ॥** ৬-৫০ কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালরের তথ্যাপক তঃ অসিতকুমার বন্দ্যোগাধ্যারের ভূমিকা সহ পরিবর্ধিত ২য় সংস্করণ বের হল ॥ স্মার প্রভাগেট ॥

# ल रतकः চুপি চুপি आँधादत

**রোমহর্ষণ রহস্য উপন্যাস !! कृगान** वस्मानावात्र ॥ ৫·०० ॥

## অবৈধ পাপ এবং প্রমীলা সংবাদ

বীর চট্টোপাধ্যায় ॥ রহস্য উপন্যাস ॥ ৪-৫০

# **ज**्रल्थावाञ्

শ্রীনবকুমারের ঐতিহাসিক উপন্যাস ॥ আসম প্রকাশ ॥ ৮০০

চিরঞ্জীব সেনের

দারোগার জবানবন্দী ৪·৫০ ॥ জপরিচিতা রুপসী ৪·৫০ বীর, চটোপাধ্যারের দেবদ্ভের

মান্যে যখন পশ্ হয় ৪-৫০ ॥ মার্যালন পার্কের রাচি ৩-৫০

প্রকুল প্রস্থাগার ॥ ৫/১, রমানাথ মজ্মদার স্থাটি । কলি—৯,

(17-4345)

্বাঃ, আপনার হুড়ে নেই।'—ছেপেটি দীর্ঘানাস কেলল ঃ 'থালি এলোলেলো, লিংকলেয় ভ্রম' করছেন।'

শা বলেই। একনম মুক্ত সেই। ভোমার চালের চাইজে অনেক অনেশক্ত সমল্যা আমার সামনে। সকাল খেকে সেই প্রোরলেমই আমার কাছে বালিং রাইট। মানে দুটো পোকা বেশুন।

শ্বটো পোকা বেগনে।'—সব্লাইন থেকে রিভিক্সলাস-এ আমার এই অবভারণে ছেলেটির মুখ ব্যালিত হল।

'আৰু বাজারে গিরে চন্দ্রানদেশ এক টাকা কিলোর দুটো কোনুন কিনেছিলুম। আমি আবার ওগুলো চেনবার মতো কভতের্ভাদী দুখির অধিকারী নই, বেগুনওলাও তখন চাঁদ নিরে পাশের মুলোওলার সপো গভীর ভাবে আলাগিড ছিল—সেই ট্রান্সে সে আমার দুটো পোকা বেগুন গছিরেছে। ভা দেখে তোমার বউদি—মাঃ, এখনো বিরেক্রানি, বাকাটা বলে তোমাকে আর নাভাস করে দিতে চাই না।'

'ওই বেগ্নের পোকা নিরেই ধাকুন।'— হেসে ছেলেটি উঠে দড়িলো: 'আপনি সিনিক হরে যাজেন।'

সিনিক? ভদুতা করেই বলল, কারণ সিনিকের সংশ্য ইন্টেলেক্টের কিছু সম্পর্ক আছে। মনে মনে নিশ্চর বলতে চাইছিল, একটি গদভি হরে বাজেন।

অন্তণত চিত্তে চাঁদ নিরে কিছু গভার ভাবনা ভাবতে গিয়েই—আরে—সামনের দেওরালে যে হিন্দী ছবির পোন্টার! 'চাঁদ পর চঢ়াই!' কে বলে, 'ভারত শ্রেই স্মারে तत्र!', मूरे मार्किन कम्एमाउँ वधन उट्टा-मला भारत हाँदनत किन्द्र न्हिन्सान কৃড়িরেই ফিরে এসেছেন—তথন পোল্টারে দেখা বাচ্ছে—চন্দ্রপ্তে দুই ভারতীর বীর প্রবলভাবে তলোয়ার খেলছেন, আর এ অবস্থার — বজাই বাহ্লা - ভারতীর মোহিনীরা-কিংবা ग्रीठे हन्प्रकता किंता छाই যা কে জানে সংখ্যা সংখ্যা সাস্যা নৃত্যা জুড়ে দিয়েছে। কোথার লাগে আমেরিকা-র শিরা? **ठौरम अहे न ्डाकमा अमर्गन कहाल अधरना** দেরি আছে তাদের।

আমার হঠাৎ দরাজ গলার হিন্দী
ফিল্মের গান গাইতে ইছে করল। কিন্তু
কোনো গানই তো জানা নেই। অগতা।
খবরের কাগজ খুলে, সিনেমার হেডলাইন
দেখেই গান খরলুম ঃ চাদ পর চঢ়া—।'
আরা শাওন ঝুমকে। এক কলি মুশকায়ী
—সপনোঁ কা সওদাগর। খন্নতী কহে
পুকারকেঃ বদুমাস—বাদুমাস—?

সি<sup>4</sup>ড়িতে গিল্লীর জুডোর শব্দ। পরস্ক চালু-গাঁতি বন্ধ করতে হল।



# নতাশর হলো শিখর হিমাদির

পাথনুটি হাতে নিজাম পাড়ি,
নজঃগ্রহে মনটা কনি—
সপত-কবি বেথাক বনি,
খামিকে কাটান বাতি ছিন।
বিষাটো মোর উঠকো কোপে,
কাটলো কত ধাঁধাৰ খোর—
মানুটো আৰু ভাগা-লিখন—
ভইখানে গোল বইল বেধাৰ

প্র কির বোধ হর ব্যাখ্যার প্ররোজন নেই শ্রুষ এইট্রকু বলা ছাড়া বে ওমর খৈরম গ্রানিকাখনে বিশ্বাসী ছিলেন না।

এইবার চাদে আসি। স্বাই জ্ঞানেন
বিশ সরার পান করলে মাধার চল্পদেবতা
ার করে আমাদের loony বানিয়ে দিতে
তা পারেই এমন কি Iunatic বানালেও
লাগ্যারি কিছু নেই। যাই হোক আমরা
ধ্বতি বাবহার করে বাকি অধিকাংশ কেতে
বিভাগ মহাপার্বদের লেখা থেকে। আমি
ই প্রবধ্ধে ক্লাপা অমর ওমরের জ্ঞানগাঁরি বিজ্ঞানসম্মত কবিতা থেকে উপ্তি
ক্রিষ্ বিদ্ধানসম্মত কবিতা থেকে উপ্তি
ক্রিষ্ বিদ্ধানসম্মত কবিতা থেকে উপ্তি
ক্রিষ্ট বিদ্ধানসম্মত কবিতা থেকে উপ্তি
ক্রিষ্ট বিজ্ঞানসম্মত কবিতা থেকে উপ্তি
ক্রিষ্ট বিজ্ঞান বিদ্ধান্তর স্থান
লামরা পাই ইংরাজ কবি মিউজ্জের স্থান
লামরা পাই ইংরাজ কবি মিউজ্জের র
গ্রি ভ্রমাণিক বলে থেকানে ভূলে দিলামঃ
"There was many a right and

Ere ever thou or I were born; And still the spinning skies are sworn

To persevere upon their play..."

তিনজন মার্কিন মহাকাশচারী মহাবিশ্ব পারাবারে আমাদের নিকটভম করে "আবর্তনিলীল আকাশটির ব্যুকী ছারে নিরাপদে ফিরে হনেট রণভরীতে উঠে ভারপর সংক্রমণবোধী পোলাক পারের এবং

खद्र हर्द्वाभाषात

ভাশ্যার নেমে ১৮ দিনের জন্য সংক্রমণরোধী ক'চের ধরে গেছেন।

একটি উপক্ষা মনে পড়ে গেল। এক ইতালীয় কৃপণ নতজান, হল্পে ভগবনের কাছে প্রার্থনা করবার সময় বললে : "ছে ভগবান, তোমার কাছে হাজার বছর আর কভটা,কুই বা সময়?"

"अक स्टूड शह।"

'আৰ এক হাজাৰ ভুজাট?'' (ইতালীয় প্ৰাচীল মুদ্ৰা আৰ কথা শেলগাীয়ার Marchent of Venice গুলেপ লিখেছেন —(গেকা

শকত আয়ে, এক পোন ?" ভিনৰেন আনমা ভাহলে ঐ পোনটাই ব্যক্তঃ

"আছা এক মুহাত' অপেকা কর, আমি আনহি।"

क्शनावना बद्धन "अक ब्राइड" क्यांचि

শানে কুপণ তো হতাশ কারণ মাহার্ত ফারে হাজার বছর।

সমরের এই বাইবেলীর মানদণ্ড জন্সারে ভগবান পৃথিবী সৃণ্টি করেন ৫ই মুহুতে অর্থাং ৫৫০৮ বছরে। কিন্তু স্বরং খ্টানরাও স্বীকার করেন হে, পৃথিবী তথা গোটা সোর-পরিবারের সৃণ্টি হয় বহু লক বছর আগে (বাজাচিদ্রালিশী ক্লা এফেলের কথা তো ছেড়েই দিলাম)।

আৰু আমরা জানি যে ছারাপথের তারকানমণ্ডলের কেন্দ্র প্রদক্ষিণ করতে প্ররং স্বেরি লাগে ২০ কোটি বছর বার বৈজ্ঞানিক পরিভাষা ছারাপথ-বংসর । এই মানস্তেও বিচার করলে মাত্র এক "বছর" আলে প্রিবী ছিল মধ্যক্রীবীর ব্লে যখন অভিকার ভাইনোসরেরা ছিল জৈব জগতের রাজা। আর মান্ব ? আরে ছোঃ, সে তো প্রস্কার হরেছে মাত্র "ই দিন" হলো। মানুষের জীবন? করেক সেকেণ্ড বড়জের । এই বখন অবস্থা, তখন মানুষ জি কোন্দিন ছারাপথ-শতাব্দীর হান্স্ক পারে? একভান কবি লিখেছেন :

Nature does not know the past, Our fleeting years are nothing to her.

কিন্তু প্রকৃতি নাই বা জানল—মান্যের স্বশিত নেই সব কিছু না জানা প্রশিত। ক্ষে মহাশ্না, নক্ষত, গ্রহ, উপগ্রহ, গ্রহাণ্, উল্কা, ধ্মকেতু, স্বই খাটিয়ে দেখতে, বিশেষ্ট প্ৰকাশিত হল



(क्याजातस वनीत

## ঝড়

ব্যবসার খ্যতিরে সীতাংশকে বনবাসী হতে হরেছিল। একলা মান্য — বিষেতা করেনি! স্তরাং নিজনৈ বনবাসে ব্যক্তাতা-স্নোদির সামিধে তার একক জীবন বেশই কাটছিল।

মাবে মানে লৈ তার বন্ধ, রণধারের কোনাটারে বেড়াতে যেত। রগধারের স্কর্নী বিক্তি যুবতা দানী রততা, তার স্মাজিত আচরণ ও সাদর আপাারন, তাদের উপচে-ওঠা উত্তাল সাম্পতিরে, এবং স্বোপরি তাদের স্থা স্কর স্কর্মার স্বাহ্মির স্থানির তথাক কর্মকে-তকতকে সালানো-গোছানো সংসারের মাধ্য সাতাংশর ব্রের গভারে তথাক কোথাও যেন এক স্ক্রের ক্রাথবং প্রেলাভনকে জাগিরে তুলত। কিন্তু তার সেই চাঞ্জা কোনো দিন ঝড় তুলবে কারও জাবিনে এমন সম্ভাবনাও ছিল না।

তব্ও ঝড় উঠল একদিন—যেদিন রণধীর আর রততী তার খরদোর দেখতে একে
দেখল র্পসী দ্বামী-পরিত্যাগিনী স্থীতে।
অতঃপর সেই প্রবল ঝড় চার্রটি নরনারীর
জীবনকে কোন্ অচিন্তাপ্র জটিলতার মধা
দিরে শেষ পর্যন্ত কোন্ অকলপারী
পরিভতিতে নিরে গিরে ফেলীল, তারই এব
উপজ্যোগ্য কাহিনী জ্যোতিরিশ্ব নন্দীর এই
নতুন উপন্যাস ॥ দাম ৮০০ ॥



আনন্দ পাবলিশার্স প্রাঃ বিশঃ অফিন: ৫ চিত্তমণি দাস লেন। কলিঃ ৯ বিক্রম-কেন্দ্র: ৬৭এ মহালা গাম্ধী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭

করতে সে বন্ধপরিকর কারণ ঐগ্রালর পিঠেই লেখা আছে আদিকালে স্থিতিরার ও ভবিষাতের বৰ্তমান ইতিকথা এবং त्यादम शतदव निगाना। जोगानिष्टे भौज 'নীল शासम्बद्ध ছারাপথ-বংসবেত आकारणत अमीम एक्टस" माथा होत्मत आरमा ছড়িরে বার না, আলোক রণিম আপতিত হয় সূৰ্য-ভারা-গ্রহ-উপগ্রহের (শেষের দুটির जारमा जरमा कर्ज करा). जारे नामी-গ্রামে অমানিশাতেও ক্ষেত-খামার-আল -খাল আবছা আবছা নক্ষরে জাসে। মহাজগতের অসীয় সীয়ার মধ্যে আছে নবীন নক্ষর ও প্রবীণ গ্রহ, যুবস্বে, প্রোচ স্বা, অণিতম-কালের সূর্ব-সূর্ব মানে নক্ষা ভারা চিরকাল প্রাব্তি করে OCHCE. ভবিষাতেও করবে আমাদের সৌর জগতের মত নিতা নতন জগতের বিবর্তন। মহা-শ্লোপটে অদৃশ্য কালি দিয়ে লেখা চলেছে কোটি কোটি বছরের মহাবিশ্বৈতিহাস। সেই ইতিহাসের প্রথম প্রতাটি প্রথিবীতে। আবহমণ্ডল, জল, বাত্যা, অবক্ষয়, সাগর ও **ऐशा**न পর্বতের পত্ন ·a ময়ুকা উত্থান ও পতন ইতাদির জনা भणारे গিয়েছে, প্রায় इत्य भार যায় না। কিন্তু চাঁদের সেই প্রতাটি আজও <del>স্পাত্যকরে লিখিত আছে। মান্য তাই</del> চাঁদে যাচ্ছে আদিম প্রথিবীর চেহারা দেখবার ও ইতিহাস অনুশীলন করার আগ্রহে। তাছাড়া অনা সব গ্রহ-নক্ষর দূর্বীন ও বর্ণচ্চত্র বিশেল্যণ যদত দিয়ে প্রথিবীর চেয়ে অনেক কাছে ও পরিষ্কার দেখাবে, চাদে আবহুমণ্ডল নেই বলে। তারপর জ্যোতিষীয় গবেষণাগারের পক্ষেও ঐ একই কারণে চাঁব প্রতিবীর চেয়ে উপযোগী হবে এবং চাঁদ থেকে নিগমিন বেগ প্রথিবীর তুলনায় প্রায় ই ভাগ বলে ট্যাক্সির মত ছোট ছোট মহাকাশ-হান নিয়ে খুব সহজে এদিক ওদিক যাওৱা যাবে। চাঁদ বিপাল খনিজ সম্পদে সমাম্ধ-এটাও চাদে যাবার একটি কারণ।

চাদের অনেকগালি অননা স্বকীয়তা আছে যা পরে অন্য একটি লেখার আলোচনা করব অ্যাপোলোর যাত্রীরা কি সব নতন তথ্য নিয়ে এলেন সেগ্রিল জানার পর। এখানে শুধু মহাবিশ্ব পারাবারে ভেলা ভাসিয়ে চালের কালের ৬০ মাইলের মত দরে থেকে খেয়ানোকা নিয়ে চাদের জমিতে ওঠা এবং তারপর ঘরের ছেলেদের ঘরে ফিরে আসার সংক্ষিণত ব্তাণত দেব কারণ ঐ ৬০ মাইল কেন, তার শেষ ৯ মাইলের অভিজ্ঞতাটাই আনকোরা নতন। বাকি স্বই আাপোলো-১০-এর পরিক্রমার প্নেরাব্তি। বালার পর প্রথম দু'দিনের বিষয়ে এর আগের লেখাটি লিখেছি। সাত্রাং তৃতীয় দিন থেকে শরে, করে নবম দিনে লেখ করা থাক-লেখ থেকে भट्टा नहा, भट्टा थ्याक रमव।

মাকি'ন সময় হিসাবে (ভারতীর সমতের क्रत्य क्यावामावि ३२ वन्त्री निष्कत्म) अक्रत्म জ্লাই আপোলো-১১ সঞ্চিত পতীয় শতি क्षेत्र काषाटवरगत बाता महामहत्मात त्महे विष्य विद्रभाव रश्रीकात्र সমতক্রকেতের বেখানে চাদ ও প্রথিবীর অভিকর্ষক্ষেত भवन्मत्वव छेशव कत्म भरक्षा । त्महे विन्मृत এক পাদে নামলে প্রথিবীতে এসে পড়তে হবে অন্য পাশে নামলে চাদের দিকে নেমে বেতে হর। সেইজনা ঐ সমতল ক্ষেত্রের উপাদান প্রতিটি বিন্দুকে বলা নিরপেক। তত্ত অনুসারে কোন বান সেখানে পেণছলে সব দিকেই not নডন-চ্চন হওয়ার কথা। কিন্ত কার্যকোরে তা সব সময় হয় না. কারণ অনেক সময় বানে সঞ্জিত গতীয় শক্তির কিছ্টো অংশ তথনো वाकि रश्रक यात्र वर्ल यानिक "निवरणक" সীমানা ডিপিরে যায় অবশ্য যদি সেই শাস্ত পথিবীর অভিকর্ষ থেকে বার হয়ে যাবার প্রাক্ত রপ্রেট্র হয়। কিন্ত সেকেতে গণ্ডী পার হয়ে চাঁদের দিকে এগোলেও সে গতি হবে অভাত শ্লম। এ গণ্ডী চন্দ্ৰপাঠ থেকে প্রায় ৩৭ হাজার মাইল দরে। সেখানে পেণছৈ অ্যাপোলোর সার্রাথরা মহাকাশ-**বানের সংলগন স্যা**টার্ন রকেটের শেষ পর্যায়ের এলিনগালি পোঘবীকেন্দ্রিক কক্ষ গোকে বার হবার পর ঐ নিরপেক্ষ বিশয় অবধি যানটি এজিন বন্ধ করে সণিত গতীয় শক্তি ও জাডাবেগে আপনা পেকেই ভেসে চলে, যেমন মোটরগাড়ি চলে ফী হাইল্ ডাইভে।) চালা করে চন্দ্রগামী বেগ বাডান এবং চন্দ্রকেন্দ্রিক কল্পে প্রবেশ করেন। কিত্ত আপোলো-১১ ওঠান্য লানারভিউল নিয়ে যেই চাঁদের পিছন দিকে যায় অমনি রুধ হয়ে যায় ভার প্রিবীর সংখ্য বেতার যোগাযোগ যে অবস্থা থাকে ৩৪ মিনিট।

আজন্ম বাসভূমি থেকে লক্ষ লক্ষ্
মাইল পদচিহাবিহান পথ পার হয়ে চাঁদ ও
নক্ষতের চুম্কি-বসানো মহাগগনে ভারা
চাঁদের অদ্শা ওপাশের আকাশে চলে যান
ভারতীয় সময় রাত্রি ১০টা ৪০ মিনিটে।
ভারপর কাঁটায় কাঁটায় নিম্ধারিত সময়, রাত্
১১টা ১৭ মিনিটে ভারা আবার চাঁদের এ
পিঠে প্রবেশ করেন।

তারপর নামবার উদ্যোগ-আয়োজন।
প্রথম কাজ বানের গতিবেগ কমানো সার্ভিস
এঞ্জিন চালিয়ে। এঞ্জিনটি ৬ মিনিট ২
সেকেণ্ড চলার পর যানের বেগ ঘণ্টার
০২১৮ কিলোমিটার কমে দাঁড়াল ৬১১৫
কিঃ মিঃ। তথন অ্যাপোলোর কক্ষ চাঁদের
আকালে ৭০ ও ১৯৫ মাইল দ্রম্বের মধ্যে
সীমাকর্ম্ব ছিল। কেন কক্ষের এই ৭০
থেকে ১৯৫ মাইলের মধ্যে ওঠানামা?
আগের প্রবংশ্ব কারণটা লিখেছি। স্থের

মহাকৰ, ব্যৱহা গ্ৰ' ব্ৰুপ্গতির অভিকৰ', চৰ্মাতে নিহিত চুল্কখনী ধাতুস্তরের व्यक्तिन क्षत्र होत्तक जानाव भारता लान नत यस करकत धर्व विजीन'न गीछ। जनमा জ্যালোলো শেষ পৰ্যক অভ উপরে খাকোন, আৰাম এজিন চালিয়ে চালের ৬২ त्थात्क १६ मारेरामा मारवा जावकान नृत् करत, ग्रामात-फिछेन मामातात चना । ग्रामात-ডিউলের নামার জনা প্রশাস্ত সাগরে বে बारगापि वाहारे क्या स्टब्स्ट बाद शर्क दर इन्वकथर्मी बाज्ञन्जन स्मेष्ट का कारशास्त्रामा-४ ও আংগালো-১০-এর অভিজ্ঞতা থেকে জানা যার। পৃথিবীতে অনেকের ধারণা হরেছিল বে খেরাভরী নিদিশ্ট সমরের ৪ খণ্টা भारतारे क्लान्नामा **करा**य।

খবরটা পড়ে আফলোস হতে কেন লভনের অধ্নাশ্যাত ব্বক ডেভিড থাফ'লের মত চালে নামার সময় নিরে বাজী ধরিন। ধরলে এই গরীৰ দেশের ভসা গ্ৰীৰ ইভস্তত-প্ৰক্ষ-নিকেপক ৰাভাজীবী काकरहे किए होका शहर अध्र । আমার বিশ্বাস ছিল বে আমেরিক্যানরা জ্বাই মাসে চাঁদে নাম্বন। সেটা নিছক কম্পনা নর। আমার কাছে **অনাভিয়েট ইউনিয়ন** পতিকার গাগারিন সংখ্যাটি সকলে রাখ্য আছে, সেই ১৯৬১ সালের। ভাতে রুগ ও মাকিন মহাশ্না কার্যসূচী পরম্পরার একটি নকশা আছে-তুলনামূলক। তাতে আমেরিকাান কার্ব-স্চীতে চালে বাতার আগে আন্তগ্রহ নির্মাণের কথা নেই কিন্তু রুণ কর্মসূচীতে চন্দ্রলোকে যাতার আগে কক্ষ-পরিক্রমাণীল আন্তর্গ্র ক্টেশনের নকশাচিত্র আছে এবং মার্কিন ও রুণ কার্যসূচী ঠিক সেইভাবেই **छरन जामरह। बहान्या म्ह**ि विदारे সোয়াজ মহাকাশবানের সংবোজন ও বাতী বিনিমর ছিল সেই লেট্শন নিমাণের উপত্রমণিকা। কিন্তু সেটি তো ঘটেছে হালে। সেইজনা আমার মনে হয়েছিল যে রুশদের স্টেশন তৈরি করে ঢাঁদে বেতে দেরি আছে এবং মাকিনরাই জালে যাবেন। আমার ধারণা সভা প্রমাণিত হয়েছে। বাজী ধরলে ক্সিতে ৰেভাম। **ভবে টাকা পেতাম কটাই** বা— বড়জোর ১০ টাকা? ডেভিড জড়ো করেছেন ২৪ হাজার পাউন্ড স্টালিং! পাউন্ডের বিনিময় মূলা একন আগেকার ১০।১৪ টাকার চেরেও বেশি। কিন্ডু ১৩ টাকা করেও ৰদি ধৰি ভাহলে মোট সংখ্যা হয় ৩ লক ১২ হাজার টাকা! বাক আফলোস করে मारु त्नहे कात्रन कात्र भागारम द्वित्र वारफ्।

"জগলকে" নিয়ে আমান্তং ও অল্ডিন চ্নুস্পর্য করেন ভারতীয় সময় অনুসারে ২০শে জুলাই রাড পোনে একটার সময়, जनारीम श्रमाण्डि मानस्त्रत क्षेत्र बरहर গহরর-শচিত বিস্ফৃতির উপর। জেরে ভারা वास "क्षवाणि इत्वा" अमित्व कनिन्त 'क्लान्वित' नित्र हन्द्र-अमीकन करत हरतन। কলন্দিরা থেকে বার হরে ২ ঘণ্টার বিপ্ৰভানক সাগ্ৰহকো পার হয়ে একবার क्षको: विलासित शत मेशन हौरात क्रिम ट्यांबाद जल्म जल्म जामन्द्रेर भाषियीत्क খবর পাঠান যে "ইগল অবতরণ করেছে।"

ভারতীর সমর স্কাল ১১টা ৪২ মিনিটে প্রথমে আমশ্রিং ইগলের ঢাকনি श्रात्म प्रदे त्यस्य गील त्यस्य यान अवः अवधे, পরেই অলাজন ভার অনুসমন করেন। চাঁছে তাঁরা হরে বেভান ও কর্তবা সারেন আড়াই খণ্টার মধ্যে। তার মানে নামার সময় থেকে তারা চল্মলোকে ছিলেন ২২ খণ্টার মত: ফেরার সময় ব্নার ডিউবের উখানাংশের এঞ্জিন বিকল হলে ভালের বেছোরে মৃত্যু ছিল অনিবার্য এবং বন্দ্র যে বিকল হবে না এমন কথা জোর পলার কোন বিজ্ঞানী বলতে ভরসা পাননি। অবশা সেরকম বিগদে পড়লে খেরে মরবার জনা অভিযানীয়া কোন বিষ-বড়ি নিয়ে বাননি--मयकावक किन ना कादन ठौरनत आवश्यकीन প্রকৃতিতে দাঁড়িরে বডাচড়ো বালে ফেললেই বার্র অভাবে তাদের হ্ংম্পদন থেমে বেত। আনন্দের বিষয় ঐ রকম কোন শোচনীর বাংপার ঘটেনি এবং আরো তারিফ করার বিষয় অভিযাতীদের মৃত্যঞ্জরী মনোবল। কাপুর,বের মত বহুবার মৃত্যুভরে কম্পিত হবার মত লোক এই তিনজন ইন্দুজিং নন। তারা একবারের বেশি "মরতে" রাজী নন। এইটিই হচ্ছে আপোলো-১১ মিশনের সাফল্যের সবচেরে প্রশংসনীয় সারবস্ত কারণ 'সবার উপরে সান্য সভা, ভাহার উপরে নাই।" -এটি চ-ভীদানের উরি। यारभारमा-১১-धर अस्वार्ज विश्वमानविहरे জনবার্তা-বন্দের জয়বার্তা নর কারণ এই অশ্নির্থের নিমাতাও बान-ब-शकात হাজার মানুষ। ভাই চাদের জমির উপর দশ্ভারমান আম'ল্টং বখন বিশ্ববাসীর উন্দেশে ঘোষণা করেন যে সেখানে "একটি ক্ষ্ম কদম বিশ্বমানবের এক বিরুট পদ-কেপের সমতুলা ও স্চনা"-বরুবাটি আমার খ্বই ভাল লেগেছিল। তিনি মই বেয়ে করেক ধাপ নেমে টেলিভিশন কামেরাটি ঢালিরে দেন। শেষ খাপে দাঁড়িরে তিনি অতি সম্ভর্পণে একটি পা চাঁদের জমিতে এদিকে ওদিকে ফেলে নিশ্চিন্ত হয়ে নিচে লাফ দিয়ে নামেন। তার ২০ মিনিট অন্ববেক্ষণের পর অলক্ষিন ভার পদাংক অন্সরণ করেন এবং म्बरन अकनरण नर्शकरत नाकित चूत्व বেডান ২ ইণ্টার উপর। চারিদিকে ছোট ছোট পারের চেটোর আরতনের গত' আর ছোট ছোট পাশ্বর ছড়ানো। তারপর তাঁরা বে ৰাভাৰতিত কৰ্মটে নিয়ে বান সেটিয় আবরণ উম্মেচন করেন। ভাতে প্রেসিডেন্ট

## नाना न्वारमं वरे

## ঝরাপাতার ঝাঁপি

সাগরমর ঘোর ॥ দাম ৪.০০

## গান্ধীজীর দূত

**স্থা**র ছোৰ ॥ দাম ১৫·০০

#### उक्रां वत्र सन्न

স্ভাৰচন্দ্ৰ বস্ ॥ দাম ৬-০০

## वाश्लात (लोकिक

(फ्तुंग)

রবীন্দ্র পরেক্ষারপ্রাপ্ত

গোপেন্দুকৃষ্ণ বস, ॥ দাম ৬٠০০

## সম্পাদকের विठंदक

সাগরমর ঘোষ ॥ দাম ৬.০০

## শিবঠাকুরের ञाপत फ्रिंग

वाग् मानाान ॥ माम 8.00

## ইন্ডজিতেরআসর

হীরেন্দ্রনাথ দক্ত ৷৷ দাম ৩০০০

## छान म छाभनित

আর. জে. মিনি ॥ দাম ৫-০০



আনন্দ পাৰলিশাৰ্স প্ৰা: লি: অফিস : ৫ চিন্তামণি দাস লেন। কলি: ১ বিজয় - কেন্দ্র : ৬৭৩ মহাস্বা পাড়ী রোড CTF 08-4489

নিকসন ও ডিনজন অভিযানীর দস্ভখতের फेशर लाथा: "अकेबाटन केफिकाटन अविज्ञास भाषियोत सामाजना अव्यक्तिक <u>১৯</u>৬৯ भारतम कालाहे मार्ज। सामग्र नम्य विन्यमानस्य भाष्य काववा कींग्राम अंत भव होता आत्म-রিকার রাখ্য পতাকা প'ততে দেওরা। সব-লেবে চাদের মাত্রিতে ক্ষকল্পন বলা (বেতার গ্রাহক ও প্রেরক ফল্য-সন্মির্বিষ্ট) ও লেসার 'র্ছিম-প্রতিফলক স্থাপনা হেটি তথনই প্ৰতিবৰ্গী থেকে প্ৰেৱিভ জেলাৰ ৰণিম প্ৰতি-कनिए करत श्रीथवी स्थरक हरिमद स्टाप निर्श्वनकार्य भागवान महावाश रस्त । क बाका তারা সোরবাত্যাবাহিত রশিম বা বস্তক্ণা वन्ती कतात वर्ण्य रमग्रीन वन्ती करत निरम मानाव फिडेरन शिर्व यान। कारण जारह-মাডলের বর্মা সৌর বাজ্যাকে প্রাথবীতে প্রবেশ করতে দের না। কতবা শেব করে চালের ব্যকে মানাষের পদাচিত একে ভারা ৰানে ফিরে হান।

#### আবার প্রথিবীর ক্রিক

ভারতীর সমর রাত ১১টা ২৪ মিনিটে ভারা লনারভিউলের এজিন চালা করে অবতরণাংশ থেকে উখানাংশ আলাদা করে নিয়ে উপরে উঠতে থাকেন। (নিন্দাংশটির উপগ্রহের উপ-উপগ্রহ হয়ে ঘ্রাপাক থাবার কথা ছিল। সেইমত কাল হয়েছে কৈন্য

ফলান্বিয়া তখন ৬৯ মাইল উপরে কক-भाष भारतक्या करत वातक। त्यना छत्रीपि वह মিনিটে পরে নিজ কক্ষে পেছিবার পর শ্রে इत ७३ व शोवाभी जन्द्रशब्दान्य भागा। जाँत কক চালের ১৬ কি: মি: উপরে। সেথানে চন্দ্রভারীরা বখন পেশীছান, তখন কলাম্বির। অবতরণ কেন্দ্র থেকে ১১০ মাইল দরে ছিল। অলভিন বেতারে জানালেন যে, চাঁদে**র** কোথাও তাদের পা ই ইঞ্চের বেশি বসে ৰায়নি। এক ভারগার মাটি কিছুটো নবস हिन মাটির মত गतर्वव STORT OF **हौंदम**ब लेगवा ভখন একট্ট ভিতরে। মাইল আকাশে থেকে 24 22 উচ্চতার মধ্যে চন্দ্র প্রদক্ষিণ করছে । ককের এই উঠতি-পড়তি কেন, তা আগেই, বলেছি। অঙ্গক্তবের মধ্যে স্বৈল আবার উপরে উঠে চলল কলন্বিয়ার সামনাসামনি চবার জনা। তার ৪ মিনিট পরেই ভক্তা রখন ৩২ হাজার ফুটে দাঁড়ার, সেই সমর ब्रुभ द्वि - यान मृता- ५६ अना এक भागरत অবতরণ করে। ৩ই ঘণ্টা পরে ঈগল কলান্বিয়ার সংখ্যে ব্রে হবার পর কিছা পরে চাঁদের পিছন দিক থেকে আবেপ লোর শেষ প্রারের এলিন চালিরে বলী তিন্তুন প্রদানের সামনের সিকে এসে চন্দ্রকেন্দ্রিক **ক্ষ** ত্যাগ করার সময় ঈগলকে বন্ধনমূভ

করে স্থের গ্রহে র্শাস্তরিত হবার রাস্তার চালা করে পেন।

ভারতীয় সময় সম্ধা ৭টা ৪৭ মিনিটে আ্যেশেলো-১১ বণ্টার ২১৮৮ মাইল বেগে চাঁল থেকে ২৪০০০ মাইল দুৱে চলে बाह्न। वादीता उपन निष्ठामन्त्र। ताळ ১०ठी ৪০-এ তাদের হম ভালার কিছু কম ১ ঘণ্টা পৰে ভারা সেই ৩৭০০০ মাইল মুম্বে নিয়পেক বিন্দুটি, বেগ ৰাডিয়ে অভিট্ৰ करत क्रीताह जामए बारकन करा करे पत्र ব্রুস্পতিবার অর্থাৎ ফেরবার দিন অবীধ वकार वाचा वर । आवश्य-कलार शर्वन कराये প্ৰাম্বাল প্ৰবৃত্ত (খণ্টাৰ ১১০০ কিঃ মিঃ প্রাণ্ড)। ভাষের প্রভ্যাবতানের পথের দৈর্ঘা ৩৮৬০০০ কিঃ মিঃ। রাভ ১০টার একট, शर्व जीवा वचन चामिरव क्रिन, खारिशामा-১১ তখন অধেক পথ পার হরে অর্থাৎ भवियो स्थरक ১৩১२६४ माहेन मृद्ध चन्होत्र ৩৬৬৩ মাইল বেগে ছুটে আস্ছিল। কিন্তু আবহমণ্ডলের কাছে ভার বেগ প্রথিবীব অভিকর্ষের দর্শে দাঁডার শণ্টার ৩১৭১১ কিঃ মিঃ। ভারা প্রশাস্ত মহাসাগর স্পর্শ করার আগেই চাঁদে বেখে-জাসা সিক্সমে:-মিটারটি করেকটি চন্দ্র কম্পন রেকর্ড করে পাঠায়।

প্রে নির্দিষ্ট ভারতীর সমর রাজ সাজে নটার অ্যাপেলো ভার শেব এজিনঘরটি খসিরে ১০টা ও মিনিটে আবহমণ্ডলে প্রবেশ করার সন্দো সন্দো মোচাকৃতি
বানটির কিনারা বরাবর আয়নিত গালে
খোলসের মত তাকে আবিয়ত করে। তথন
শ্রু হয় বেগ মাদারন এবং প্রিথবীর সংশ্য বেতার বোগাবোগ ৩ই মিনিট বিচ্ছিম থাকে।
আমস্টিং তখন বানটির গতি এমন
ভাবে আরো কোগাকৃণি করে দেন, বাতে
সেটি প্রে নির্দিষ্ট জারগা থেকে আড়াই
শ্যো মাইল প্রে গিরে জলে পড়ে। সেই
বাড়তি দ্রম্ম বানের গতি দের ৪০ মিনিট
প্রিতি

প্রথিবী থেকে ৪০০০০০ কটে উপরে আবহমন্ডলের গাঢ় শ্তরে বানের বহিস্পক ৰেকে বৰ্ষণভাভ বক্লিশ্য উভাত হতে থাকে। তিপমালা দাঁড়ার ৪২০০ কারেনহাইট। কিল্ট ভিতরের তাপমাতা থেকে বার ৮০ ডিগ্রীতে। প্রশাস্ত মহাসাগরের দিশ্বলয় তথন সবে উষার প্রথম আলোর রাংগা হয়ে উঠছে। তার মধ্যে দেখা গেল একটি জনলত লাল উল্কাপিন্ডের মত জিনিস শোঁ লোঁ করে ছুটে আসছে। হর্নেট জাহাজের নাবিক-मित्र रुपि कार्य भण्डा इव फेरेला : जे. थे त्नस्य वात्रस्य । छेट्छ शाल दर्शनकण्डात् নিরে এল বিজয়ীদের সংস্থা প্রতিবেধক পোষাক পরিয়ে। শেষ হোল চন্দলোকে বারা। म गौता अथन मरमर्थ श्रीष्ठरबंधक कौराइ बर्ड WICEFI !

for after within

আয়াপোলা ১১-এর সর্বাধিনারক নীক আয়'গুই। আপোলা ১১-র গরিচালন-কক্ষের মহাবৈয়ানিক মাইকেল কলিখন। আনোলা ১১-র লন্নারডিউলের সারীধ এডেইফ অল্ডিন।

क्षेत्रावय क्रष्टे काँग्रे गाहेम हेल्डिहारमब ভারাগতি পথে বলাকৌশলের ও মহানভো-চারণার ব্লাল্ডরস্টক ফলকে সেলার জলে लाथा शाकरव हितकान, त्वसम माथा आदह शाशाहित्तद नाम । अभ्याज माजा भागाविनास যুৱা বরুসে পঞ্চতে বিলীন হতে বাধা করেছে। ভার "ওড়ার মত ওড়া" অখার **इन्मरमारक উट्ड वावदात माथ व मायना** मार्थक करालन आध्यदिकार धरे किनकत হারবারসী অসাধারণ সাধারণ মানাব। আমরা দেবন্তের কথা পরোণে পরেছি. किन्छु नवनराज्य कथा गानिन । बाहे हिमानन प्रार्किन नागीतक धवात नवमा छ द्वार ए एव-लारक भारतहरूमा न<sup>ा</sup>धक करह अस्मरहरू। তিনভানেরই জন্ম ১৯৩০ সালে—চালা প্রভাবের সময় কিনা জানি না। তালের ভূমিষ্ঠ হয়ার সময় প্রিবর্ণীর সমূদ্র ও নদীতে যদি উজানের সময় হয়ে থাকে ভাহতে বলতে পারি হে, চাঁদের দশায় জন্ম কলে भौता जाक इटए भारतम् धन्त्रविक्रशी। আমস্টিং ও কলিম্স ৩৯-এর কোঠা এই বছরেই পূর্ণ করবেন; অল্ডিন তা করে ফেলেছেন গড় জানায়ারিতে। ওজন ভাঁদের रमाग्रेमाहि ३ मर्गद अक्ट्रे र्दाम । अक्ट्रबहे বিবাহিত, মোট সদতান ৮টি। ভারা সকলেই প্রধীপ জেট-বৈমানিক (হাজার তিন-চারেক ঘণ্টা উচ্চেছন)। স্থাই আগ্রেকার জেমিনী পরের একবার করে মহাশ্রেরে উপক্রের কাছাকাছি সাঁতার দিয়ে এসেছেন।

আমেরিকা বিমান বছরের কোঃ কলেক কলিক ছিলেন কোমনী-ৰ মহাকাশ্যানের প্রয়োজন হলে যাবার ভ ক टिटि রাখা इ.स. কিল্ড 7.412 9200 ভার যাবার দরকার হয়নি। পরে ১৯৬৬ সালের জালাই মাসে জেমিনী-১০৫ তিনি জন ইয়ং-এর সহ্রতী হিসাবে অনা দুটি চালকবিহান জালোনা इक्टिंद मर्का प्रदाकाणवानित मश्राक्रन 👁 আগেন্দ রকেটের শত্তি ব্যবহার ক্সৰে জৌমনীর কক পরিবর্তন করার সাহার্য করেন। তাছাড়া তিনি সে বালা ২বার মহা-শ্লো পদচারণা করেন এবং ন্বিতীয় আগেনা रबरक अक छेन्कान, भरीका बन्त छेन्धार करह এনে মহাশ্না বারায় উচকার বিপদ সম্প্রে সরেজমিনে পরীক্ষিত তথ্য বিজ্ঞানীদের হাতে তুলে দেন। সেবার জেমিনী-১০ 88 বার ভূপ্রদক্ষিণ করে রেকর্ডা স্থাপন করে।

কলিণ্স নালার "অনন্যসাধারণ কৃতী" পদক, বিমান বহরের নভোচারী উইংস' (স্ফাঞ্চ) এথং 'জাইং ক্লস' পদক লাভ করেন। 的复数最初的 解释多动 的现在分词 电影

更更更更大的。 1985年 - 1985年 -



ললেয়া প্রতিবেশক পোলাক পরে জ্যাপোলো থেকে নেমে জালছেন সভাবভারতারীয়া

১৯৬৩ সালে তিনি মহানতেচারী দলে গাতীত হন।

রোমে জন্মগ্রসংগর পরবভা কালে তিনি গুরালিটেনে বাস্থা বাঁথেন এবং মহানভোচারী দলের অন্তর্ভুছি হবার পর কেনেতি জনত-রাংপের হিউস্টনে আভা গাড়েন। অন্য স্থা-জনও সেখানেই থাকেন।

আমশ্বিং টেস্ট পাইলট হিসাবে আছে-রিকার নতুন সামরিক বিমান ("এল-১৫") টালিরে ২ লক ফুট উপরে অর্থাৎ মহা-

#### न्दक्त रमधकरम्ब काम रमधा

কেবলমার ন্তেম লেখকদের জন্ম চিলিত। একমার জন্ম সাংক্রাতিক।

# প্রতিশ্রতি

গদপ, কবিতা, নাটক, উপন্যাস, রমারচনা, বিশ্বসাহিতা, সাধারণ বিজ্ঞান, অধানীতি, চুসজির, থেলাখালা এবং আসর অন্ন্ডান রাব সমিডির ধবরাখবর ও সংস্কৃতি সংবাদ। প্রথম বর্ষ, ও হল সংখ্যা প্রকাশিত হলো প্রতি সংখ্যা—২৫ প্রসা, বার্ষিক চাঁদা ১২, টকা, যাব্যাহিক ৬, টাকা। সম্না, সংখ্যার জন্য ২৫ প্রসার ডাক চিকিট প্রেটাভ চবে।

সম্পাদক—শ্রীরজেন্দ্রমার ভট্টাচার্য প্রধান বাবস্থাপক—শ্রীনিবকুমার চকবডী

১২ ১, শরশনো মেন রোড, বলিকাত-৬১ কোন নং ৪৫-৫৯৬৪

(M-6862)

শানোর এলিককার সীমানা বেংবে ওড়েন এবং
বিমানের বেগ বাছিরে গজের বেংগর এ
গ্রেশ করেন (ঘণ্টার ৪০০০ মাইল)।
গাগারিনাও ঠিক এইরকম টেল্ট পাইলটি
করতে গিরে অকন্দিক ব্যতিনার মারা
যান। জামান্টাং সামরিক বিমানের আরো
নতুন মাডেল পরীক্ষা করেন এবং প্যারাগ্রাইডার (দেখতে অনেকটা পারিসাটের
মত) নিবে উল্লেক্সালা।

১৯৬৬ সালের মার্চ মালে জেফিনী-৮-এর অধিনারক হিসাবে আর্মান্টাং (এবং ভার সহযাত্রী ডেভিড কটে। জীবন-বিপার অংক্থা তৃষ্ণ করে ভার যানকে অনা একটির সালা যার করেন। ১৯৬৮ সালের মে মাসে তিনি একটি ভালিমী বনোরডিউল নিরে আকালে करेरत अत बानिहे विशयक बाह्य। दलवादक আর্মস্টাং-এর কানের পাশ দিয়ে ব্যন্তকে চলে বেতে হয়-বানটি টেকসাসের তারিছ-ক্ষেত্র আছাড় খেরে ভন্মাবদেরে পরিবত্ত হবার করেক মহেতে আগে আর্মস্কীং প্যারা-সটের সাহাবো নেমে পড়েন। হরত চন্দের দশার তার জন্ম হরেছিল বলে। মহানুন্ত বারার গবেষণা কেন্দ্রে (ক্যালিফনিরার) তিনি ভাতি হন ১৯৫৫ সালের পর। ভার আগে তিনি মার্কিন রশভরী বছরের বৈমানিক হিসাবে ৭৮ বার বিমান চালনা करतम दकाशिताल बाट्य।

আমশ্রিং বিমান-মহাবিমান বিজ্ঞানের ইনস্টিটিউটের জটেড চালিউট প্রেম্ভরে (১৯৬২) মার্কিন বিমান ও মহাবিমান

#### १ निकामार्क किन्यानि श्रम्ब १ अ। त मः।-त। स कु कु

—সম্মানিনী শ্রীদ্পামাতা রচিত—
লগ ইণ্ডিয়া রেডিও বেডায়ে ব্রেছেন,—
বইটি পাঠকমনে গভীর রেখাপাত করবে।
ব্যাবভার রামকৃক-সারদাদেবীর জীকন
আলেখার একখানি প্রামাদিক দরিল
হিসাবে বইটির বিশেষ একটি ম্লা আছে
সপ্তমবার প্রকাশিত হইয়াছে—৮.

#### (गो की म।

ৰ্ণাশ্চর:—তিনি একাধারে পরিব্লাক্ষকা, তপস্বনী, কমী এবং আচাধা। ঘটনার পর ঘটনা চিত্তকে মুখ্য করিয়া রাখে।... গৌরীমার অলোকসামান্য জীবন ইতিহাসে অম্বা সম্পদ হইরা থাকিবে॥ প্রধানর প্রবাধিত ইইরাছে—৫

#### त्राक्षता

বেদ, উপনিবং গাঁডা, মহাভারত প্রকৃতি শাল্যের স্প্রসিম্প উত্তি, বছা শেডার, সাড়ে ডিন শাড বাংলা, হিন্দা ও লাডার, সল্যাত প্রশ্বে সামাবিদ্য হইরাছে। বল্মতা বজন—এমন মনোরম শেডার-গাঁতি প্রতি বাল্লার জার দেখি নাই 11 পরিবর্ষিত পর্মম সংক্ষেক—৪

#### के के भार प्रमुख जालब

২৬, গোৱীমাজা সরশী, কলিকাডা-৪

(मि २०১४)

চালনা ইনসটিটিউটের প্রক্রার (১৯৬৬), বালার "কাসাধারণ কুতী, প্রক্ এবং ক্রম ফর্টগোরারী প্রক্রার (১৯৬২) বাভ ক্রমন



আমশ্বিং-এর জন্ম । গুছিওতে। তার বৃত্তি ছেলে—একটির বরেস ১২, জনাটির

চুনুগামী ক্ষো নৌভার পাটনী এড-উইন জলড্রিন চন্দ্রশানী হিসাবে অধিকার করেছেন হর স্থান।

মহানভোচারণা বিজ্ঞানে জিনি "ডাইবেট" লাভ করেন ম্যাসাচুনেউলের টেকনোলালিক্যাল ইনসটিউউট থেকে। ১৯৬০ সালে জিনি জীয় বিষয় সম্পর্কে বে বিসিস্ন লেখেন, ভার লোব বাকাঃ "গুঃ! আমি বিদ্ন গুলেরই এক জন হতে পারভাম।" গুলের মানে মহাকাশ-চারীদের।

"ওদেরই একজন" হরে মলজ্পিন ১৯৬৬ সালের নবেশ্বরে জেমিনী-১২ মহাকাশবানে জেমস লাভেলের (জুনিরার) সহবাচী হিসাবে ৪ দনবাপী ৫৯ বন্ধ মহালালে।
কুল্লদক্ষিণের সময় বানের ঢাকনা থাকে।
শরীরের উপরাংশ বাইরে বার করে ২০৮
মিনিট ধরে প্রিবীর কটো ডোলার পর
১২৯ মিনিট মহালালে। পারচারি করেম।

কোরিরার ব্রেখর সমর অভান্তিনের বিমান ৬৬ বার ব্রেখ অংশ রহণ করে এবং জার্মানির বিটব্রেগ ভিনি মার্কিন সামরিক বিমান বহরের একজন নারক এবং রণভরী বহরের বোমার্র চাকক ছিলেন।

কর্নেল অলান্ত্রম একটি ওক প্রগ্রেছ্ প্রিচত লাইং লস, ইটি ওক প্রগ্রেছ্ প্রিচত পদক, মার্কিন বিমানবহরের প্রশংসাস্চ্রক পদক, নাজার "অসাধারণ কৃতী" পদক, বিমানবহরের মহালভোচারী 'উইসে' এবং মহালন্দো অমা মহাকাশবানের মহেখাম্থি হবার পরিকল্পকদের অনাতম হিসাবে 'সমবেত কৃতিয়' প্রকলার লাভ করেন। কার্ক্মণী ও বৈমানিক-মহাবৈমানিক কর্মণীক্র আনত্রমণীকি সদসা এবং বৈমানিক-মহাবিমানিকসের তিকিংসা সংসদের আনত্রিতিক সদসা।

অলাড্রম নিউ জাসির সংগ্রৈকার শহরের নাগরিক। তাঁর ২ ফেলে সার একটি মেরে।

আলোলা-১১এর রাঝখানের আসন্তির আরোহী কলিদেরর পক্ষে ঝ'নিক ও খাতি তাঁর "পাশ্বরেক্ষী" দাজনের চেরে সামান কম ছিল বটে, কিব্ছু তাঁর দায়িত্ব বড় সামান ছিল না। আমাস্টিং ও অলজ্জিন বদি মূল জাহাজে ফিরে যাবার সময় লক্ষাপ্রত হতেন, ভাইলে আপোলা-১১কে প্রয়োজন মক্ত মনা পথে চালিরে সংগী দ্ভাবকে উম্পার করার দায়িত্ব ছিল তাঁর বোল আনা।

জালে ভান সিয়াকভ দিক গড়াড়ের স্বান আজু জার আকাশে কল্পনার कमाम तहना कराइ ना-नाम अरमाइ अरे প্রথিবীয় বাস্তব মাটিতে নিয়াকার থেকে সাকার হয়ে। ঐ স্বন্দকে বাস্ভবে রগোরিত ক্রেছেন এ যুগের তিনজন প্রমিথিউস— बार्यान्ध्रेर, बर्बाप्तम ६ कविन्म। कविन्नमञ्ज এ যাতা চন্দ্র স্পর্শ করার সৌন্ডাগা হালো না বলে তার আফসোলের কিছু নেই। আাপোলো মিশন তো একবার চাঁদের ব্যক্তি ছারে এসে মিশনের স্বর্গারোহণ পর্ব রচনা করবে না। এতো সবে উদ্যোগ পর্ব । এর-পর আরো কতকগত্তির প্রতিধিউসের অন্দির্থ চাঁদে বাভারাত করবে এবং কলিন্স নিশ্চরই হবেন ভার কোন নঃ কোনটির সার্থি। আর তিনি বে নিবিছে৷ একা আপোলোকে বার ৰার চাঁলের চারদিকে চক্কর দিইরে, ভাঁর 👂 कन डॉमरकंतर जन्मी निट्य भाषियीएक किन्द्र अरमा कीहे कि कम कुण्डिक कथा?

#### বর্তমান রাজনৈতিক পটভূমিকার রচিত হৈপায়নের

रघता ७

तकत केशनांत्र 6.00

•

**গ্যোবিক কর্মানের** নতুন রহস্য - উপ্রনাস

<del>রক্ত</del> গোলাপ রাত ৫<sup>.</sup>৫০

রাহ্ত সাংক্রারণের ঐতিহাসিক উপনাস

সিংহ সেনাপতি ৮০০০

ভাষাইটি পাৰ্যাপাৰ্য : ১৩ কলেজ রো : বলিক্তা -- ১

(সি-৬০২৩)

ভটন মুক্তমদ শহীদ্যাহা — এই পতন্ত জানসাধকের প্রতি ভিজ্ঞালার প্রভাষ

बारना जाहिरका अहम्बन महीन्द्रवाह ॥ आकारावरेन्तीन धान

গ্রন্থের ভূমিকার ডঃ স্নীতিকুমার চটোপাধার লিখেছেন, 'ভেইর শহীদ্রাহা এ বাংগের একজন দ্রেষ্ঠ বাসালী — তাঁহাকে আমরা একজন বাংগনায়ক "মাসলমন বাজালী" বলিয়া অভিবাদন করি।' মাল্যা সাত টাকা পঞ্জাশ প্রসা

ৰ রে র ক বাও বুপ সাহি ডাং দীনেশচনদ্র সেন

ৰখন সেকেও ইয়ার ক্লাণে পড়ি তখন একটা নোট ব্ৰুকে এই মুর্মো লিখিরাছিলাম, বাংলার সর্বপ্রেষ্ঠ কবি হইব, বদি না পারি তবে ঐতিহাসিক হইব। বদি কবি হওয়া প্রতিভার না কুলার তবে ঐতিহাসিকের পরিভাষণান্দ প্রতিভার হৈছে আমার বিভিত্ত করে, কাহার সাধা?'
—আচার্যা দীনেশচন্দের জীবনচেতনার এই রূপ বন্ধ হরেছে খ রে র ক বা ৩ বু গ রা ছি ভা প্রক্ষের ব্রুকার বিরোটনা

কলিকাতা ৯ . জিল্পাসা কলিকাতা ২৯

# অমত্য মহাকাশ

#### नमर्गाकर कर

n was n

প্রিবার সামায়িত গণ্ডীকে আল্লর করে
মান্য কোন দিনই সন্তুন্ট থাকতে
পারে না। আরও আলো, আরও বাপেকভার
সংধানে এর বার্ত্তরের শেষ সামা অভিক্রম
করে সে চলে যাবে বহু দুরে। প্রথমে
সন্তপ্পে। ভারপর প্রেরা সোরমন্ডলটাকেই
একদিন সে জয় করবে নিজের প্রয়োজনে।
কথাগালি বলেছিলেন সোভিয়েত দেশের



निकामाई किवामीहरू

অন্তেম বিজ্ঞানী এং আধানিক মহাকাশ যালার জনক কনসভানতিন এডোয়ারডোভিচ জিওলকভস্কি। চাঁদে সতি। স্তিট্ প্ৰিবীর দাজন মানা্য অবতরণ করেছে, তাদের সম্মাথে পাহাড়, পায়ের নীচে নাড়ি, আশ-পালে ছোট বড গহতরের ভিড। ঠিক এমনই একটি বর্ণনা তিনি দিয়েছিলেন ১৮৯৬-এ। তার সে বর্ণনার অভ্তত মিল পাওয়া গেল গত ২১শে জলাই ১৯৬৯এ। ভারতীয় সময় তখন সোমবার সকাল ৮টা ২৬ মিনিট ২০ সেকেন্ড। মান্বের ইতিহাসের সবচাইতে রোমাঞ্চকর, স্বচাইতে গৌরব্ম,হুর্ড রচিত হল। সাথকি হল জিওলকভস্কির স্বাসন। मार्ताकन प्रतिव प्रक्रम प्रान्य, मीन व्यावसम्बर এবং এডুইন অলডরিন চাদের ব্রেক একে দিলেন তাঁদের পদচিহ্ন। 🐿 সেই সংখ্য প্রথম বর্ণনাটি, যা এল জিওলকভস্কির বর্ণনার সংশা তার অভ্তত মিল। ব্যতিক্রম
শুধ্ জিওলকভর্সাক বে দুজন মান্বের
কথা উল্লেখ করেছিলেন, তারা রূপ। কিল্
বাস্তবে চল্টহার গলার পরলেন
আতলান্তিকের ওপারের দুজন মান্য নীল
আরমশ্বাং এবং এডেইন অলড্ডিরন।

সংকীপ প্রতিবোগিতার কথা থাক। আঞ্জকের এ সাঞ্জা কোন বিশেষ মানতে, কোন বিশেষ দেশ, অথবা কোন বিশেষ चक्रात्व नज्ञ. প্রিবীর সর্বজনের। भागिनिवद ग्रदीकन बन्त दिम्म महा-বিশ্বের জানালা খালে দিরেছিল, কেপলারের গ্রহ-গতি ভব বেদিন কৌত্রেল স্থিতী कर्त्वाक्रम महस्र मानः वदः भानः বেদিন ব্যাখ্যা করলেন চাঁদ কেন উপগ্রহরূপে পৃথিবীর চারপালে হারে চলেছে ভারপর থেকেই মহাকাশ মানুষকে হাতছানি দিয়ে एएक्ट । रामिन थाकडे का हता मान्य বেন বংগণ্ট গরেছ নিরে মহাকাশে ভ্রমণের কথা ভাবতে শুরু করল। প্রচলিত বৈজ্ঞানিক ত্ত্তগুলি অবলম্বন করে গলপ রচনা করলেন এডগার আবেন পো, হেল এইচ জি उरामन, कृम सायन अदः चात्रक स्मारक। এ'রা স্বপন দেখলেন প্রিবীর মান্য চাদে গিয়ে বিচরণ করাছ, অথবা ভিন্ন গ্রহে। এমন কি কোন কোন লেখক সদেৱে নক্ষ্য মণ্ডলের কোন গ্রহের মাটিও দখল করে বসলেন। তবে এ সমুস্তই কল্প কথা। বাস্ত্বে সাফলাম প্রিত মহাকাশ্যালাকে ব্যাপারে বারা তখন काल गार करह দিয়েছেন তাদের সংশ্যে এ'দের মিল খ্বই

বন্তুত, ১২০ খুন্টান্সে লুকিয়ান বিরচিত 'ট্র হিস্টোরি' প্রশেষ প্রথম চন্দ্রভিয়ানের একটি বিশদ বিবরণ আমরা দেখতে পাই। এই বিবরণে রাজহাসের সিঠে মহাকাশযান वर्दनत कथा वना इत। ३७६० भागिएन প্রকাশিত হয় ভারেছ ভালস লা লিউনা এবং হিসটোরি দাম ইটাটস এট এমপারারস দা সোলেইল।' त्रहित्रला काইরেনো দার বার-জারস। ইনি বকেট চালিত একটি মহাকাশ यात्नत वर्णना रमन। और वर्णनात्र रकान रकान স্থানে অবিজ্ঞানীসূলভ চিস্তাবারা প্রকট হরে উঠেলও মহাকাশ বারার যে সমস্ত অস্বিধের কথা তিনি আলোচনা করেন তার ছেতর বংগণ্ট ৰাস্ডবতা ছিল। উত্তরকালে প্রধাত কম্পকাহিনীকার জ্লা ভারন-এর ৰণনায় কামানের গোলার মুখে চড়ে চল্যা ভিষানের বে রোমাঞ্চকর পরিশ্বিভিন্ন
দৃষ্টাণত মেলে তার সংগ্য আধুনিক রক্ষে
বালার বেশ কিছু মিল দেখা যার। সব
চাইতে মজার বাগোর জুল ভারন-এর নারকদের
চাঁদে বেছে সমর লেগেছিল প্রার ৯৭ ঘণ্টা,
নীল আরমন্টং এবং এজুইন অলভারনের
সমর লেগেছে ১০৮ ঘণ্টার কিছু বেলি।
মহাকাশ বিজ্ঞানের সেই শৈশব দিনে ভারনএর পক্ষে এতটা কছাকাছি ছিসেব রেখে চলা
নিশ্চর বিশ্বরকর।

তবে বর্তমান শতাব্দীর গোড়া থেকেই পরিক্ষার বোঝা গোল, বদি দরে নভোষাকে মান্বকে কোন গিন পাড়ি পিতে হয় ভাহলে রকেটের ব্যারাই একমার ভা সম্ভব। এই রকেটের সংক্ষার সাধনের ব্যাপারে সারা



कः विश्वनक्षम् वि

ইউরোপে একদিন যুগাতকারী **উন্দাশনা**স্থি করেছিলেন প্রথাতে ব্রিটিশ বিজ্ঞানী
স্যার উইলিয়াম কনপ্রেত: কঠিন জনালানি
ব্যবহার করে যে সমশত রক্টে তিনি তৈরি
করেন প্রথম দিকে তা মুখাত যুম্পের
প্ররোজনে ব্যবহৃত হরেছিল পরে ১৮০৮
খ্রীন্টাব্দে বিশম জাহাজের বাল্লীদের রক্ষা
করার ব্যাপারে কনগ্রেত রকেট কাজে লাগান
খার্ হয়। মানব কল্যাণে রকেটের ব্যবহার
এই প্রথম।

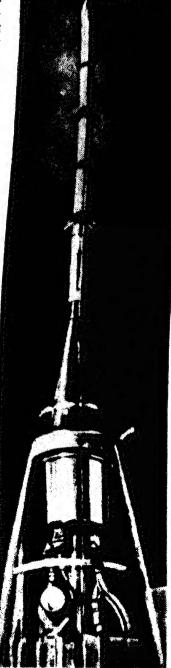
অবশেষে রকেটের পারা যত বাড়তে লাগল, মান্ধের কলপনাও প্রসারিভ হতে লাগল সমান ভালে। জিজ্ঞাসা, বে মহাকাশ ব্য ব্য ধরে ভার মনে বিস্মার স্থিতি করেছে, কি ভার স্থান্প? কি আছে সেখনে? মহাকাশ বারা কি রকেটের সাহায়ে সকল করা বারা না?

সেটা বিংশ শতাব্দীর পাদপ**ীঠ। প্রকাশিত** 

হল প্রখাত সোভিরেন্ত বিজ্ঞানী, কাল,গা প্রামের একজন সামান্য স্কুল লিক্ষক কনসতানতিন এডুরারডোভিচ কিওলকভসকির আসমান্য রচনা 'একসম্পেরণন অব স্পেস
বাই রকেট ডিভাইসেস'। ইতিপ্রে ১৮৯৫
খালিকে প্রকাশিত হরেছিল তার প্রথম
ব্যালতকারী প্রকথা বিষয় মহাকাশবাতা 'নেচার আগত ম্যান' নামে একটি বিজ্ঞান-পতে লেখাটি প্রকাশ পাবার পর রীতিমত সাড়া পড়ে গিরেছিল। এই ঘটনা জিওলকভসকির চিল্ডাধারাকে এক নতুন পথে পরিচালিত করল। মহাকাশ অভিযান সম্পর্কে এবার তিনি ব্যথন্ট সভর্ষভার সংশ্যে ভাবতে লাগকেন।

গ্রহাস্করের মাঝখানে পড়ে ররেছে মহাসানা। অতএব নভোচর বে বানে চড়ে গ্রহাস্করে পাড়ি দেবে সেটিকে সম্পূর্ণ ভিদহীন করে তৈরী করতে হবে। তার মধ্যে থাকবে প্রয়োজনীয় অক্সিজেন সঞ্চিত করে बाधाव वावन्या अवर मिट्टे जर्मा बाबा विभान्य क्यरगढ्छ। नरकाहरद्वत रभागाकृष्टि हरन हाभ-সহ। আর বেশির ভাগ কেন্তেই বেহেতু শ্নোর মধ্য দিরে বেতে হবে, মহাকাশবানটিকে চালাতে হ'বে ঘাডেৰ সাহতল বাজা মেৰে ৷ অর্থাৎ রকেটের সাহাযোঃ অবশ্য মানুবের মহাকাশ বিচরশের জন্যে রকেটের প্রয়োজন হবে, এ কৰা সৰ্বপ্ৰথম বলেছিলেন নিকোলাই আইভানোভিচ কিবালচিক. ১৮৮১ খ্রীণ্টাব্দে। কিল্ড সাধারণ কঠিন क्रानामित्व हत्न क्रम्म ब्राव्हित क्रम्या খ্রেট কম। উচ্চতর ক্ষমতা সম্পন্ন রকেটের জন্যে চাই প্রচল্ড নিগমি বেগ বা এগৰুষ্ট रक्षामिति वर्धाः वर्षाते कार्मान পোডার পর যত বেগে তার উত্তপত বারবীর অংশ নিগতি হবে রকেটের গতিও সেই হারে বেডে বাবে। কিন্তু সাধারণ কঠিন জনলানি প্রিড়রে এই স্বিধেটি পাওরা সম্ভব নর। জিওলকভস্কি বললেন, মহাকাশ বান চালাতে গেলে কেরোসিনের মত কোন তরল জ্ঞানের প্রয়োজন। একটি মহাকাশ বালের ছকও তৈরি করে ফেললেন তিনি, বা তরক হাইডোজেন এবং তরল অক্সিজেনে চলতে পারে। জনালানি পোডার সমন্ন বে প্রচন্ড উত্তাপ তৈরি হবে তা থেকে কৈ করে রকেট-ইঞ্জিনকে বাঁচান বার সে কথাও চিস্তা করলেন তিনি।

এ ছাড়া স্নুদ্র মহাকাশে পাড় দিতে গোলে যে বহু স্তর রক্টের প্ররোজন হবে রাতিমত তত্ত্ব দিরে জিওলকভসকিই প্রথম ছা ব্যাখ্যা করেন। তিনি বললেন, মনে কর্ন, রকেটের ডগার করে এক টন ওলনের একটি মানব-বাহী কককে আমরা চাদে পাঠাতে চাই। এর জন্যে আমাদের নিগমিবগ হবে প্রতি সেকেশেড ৩০০০ নিটার। এই নিগমি বেগই রকেটকে ধারা মেরে



১৯০০এ তরল জনলানির সাহাযো নোভিরেড দেশ এই রকেটটি জাকালে পঠান

চালিয়ে থাকে। বদি একটি রকেটেই কাজ সারতে হর ভাহলে বতটা জন্মলানি আমাদের ব্যবহার করতে হবে ভার পরিমাণ ঐ রকেটের ওজনের ষাট গণে বেশি। প্রবৃত্তির দিক দিয়ে চিন্ডা করলে দেখা যাবে এড খেলি বোকা নিমে আ রক্টেটির প্রে আকালে ওড়াই অসম্ভব। কিন্তু একটির বদলে যদি পর পর একাধিক মুক্টে সাজিরে বহু পতর করে মেওয়া বার, ভাহলে কলোনির পরিমাণ অনেক ক্ষে বাবে।

ভার মহাকাশবানে থালা উৎপাদন,
আরিজেন প্রশত্ত এবং দ্বাদ্ধা-বিধি অট্টে
রাখার বাবন্ধাও করা হর! সেই সন্দে সোর
শক্তির সাহাবো বিসংং বা ভাপ উৎপাদন
এবং প্ররোজনে মহাকাশ বান চালান, এমন
আনেক কথাই রাতিমত ভত্তুগতভাবে
আলোচনা করলেন একের পর এক, মোট
সাতে শান্তি গ্রেব্ধাপ্তে!

ह्याहे कथा भारता स्रम्भाहिरको नामानास ছডিয়ে খেলেন জিওলকভ্সাক এবং ১৮১৮-এর মধ্যে ছবি পার্ডিডক গ্রেব্যার কার रभाष कल । ১৯०० था हिनेटन 'मारसन्य मारस्ट' প্ৰিকাল তাঁৱ নতন গ্ৰেব্ৰাৰ কথা প্ৰকাশিত হয়। প্রকাশের অলপদিন পরেই 'সারেক সাতে ব এই সংখ্যাটি প্রলিস বাজেয়াণ্ড করে। কারণ ছারকে সমাকোচনা **জ**রে আর্ভ কয়েকটি প্রবাধ এতে প্রকাশিত हार्साष्ट्रम । स्टान रमहे प्राहारल अवस्थीर যথাযথ প্রচার পেল না। ভাবে সেভাগাৰণভ জিওলকভস্কির নিজম্ব কৃপিটি বক্ষা পাষ এবং পরেনো প্রবন্ধগালি আরও বিজেম্বর করে ১৯১১ থেকে ১৯১৩ প্রশন্ত 'এভিয়েশন রিপোটারা নামে একটি বিজ্ঞান বিষয়ক পত্রিকার প্রকাশ করেন। এই সময় তিনি শিষার্পে পান ডঃ জেকছ আই भारतम्बानरक। एः भारतमञ्जूषाम् । भारत তার গ্রেলেবের মলে তথ্যবহাল রচনাগালি **अवैज्ञाधात्रसम्बद्धाः व्यक्तिम् ।** कृत्यः श्रह्माः ফলে মহাকাশবিজ্ঞানে জিওলকভদকি বাশিয়ার অন্যতম মৌল গ্রেষক হিসেবে প্রিচিতি পান। তবে দাংখের বিষয়, খাল রাখ ভাষার লিখিত তাঁর সমস্ত গাবেষণা অন্যান্য ভাষার অন্ত্রিভ না হওয়ায় রাশিয়ার বাইরের মান্ত্র এত বন্ধ ঘটনা সম্পর্কে অন্যকারেট খেকে दशका।

কিন্তু প্রথিবীর মাটি ছেড়ে জাকালে ও জার পরিকল্পনা তথন শ্রু হরে গেছে নানা দেশে, নানা উদ্দেশে। ১৯০৫-এ বর নামে জানৈক বিজ্ঞানী কঠিন জ্বালানি দিরে একটি রকেট তুললেন প্রায় তিন হাজার ফুট ওপরে। এতে খানিকটা বিস্ফোরক পদার্থ বহন করা হয়েছিল। তার সাহারো আকাশে বিস্ফোরপ ঘটিরে শিলাব্দির হাত থেকে আনেককে তিনি বাঁচান। আলাক্ষেত মল নামে মার একজন ইন্ধিনিয়ার রকেটের সাহারো উচ্চু থেকে চারপাদের ছবি তোলার চেণ্টা করেন। করেকবার বার্থ হওয়ার পর ১৯১২ সালো তিনি সাফলামন্ডিত হন। এই রকেটিট আকারে বেশ বড় ছিল। জ্বালানি সহ মোট ওজন সাড়ে বিরানবরই পাউন্ড। বাতে

সাজ্যতা ব্জার রেবে উপ্কৃতি পারে তার কলো
এর নাঁচে একটি ছ্বারিমান বার জ্বেড়
দেওরা হর। সপো ছবি তোলার জন্যে আট
ইকি চওড়া এবং সল ইকি লাব্য লোটের
একটি কামেরা। দ্বে বেকে বৈদাতিক
প্রণালীতে রকেটটিতে অণিনসংযোগ করা হয়।
সক্তেটের বিবর্তনে এ এক সতুন দিক।

১৯১৪। ইউরোশে শ্রে হল প্রথম বিশ্ববৃন্ধ। বিভিন্ন সরকার রকেটের ওপর সমগত
গবেষণা লুকিরে ফেললেন। মূখাত অনেকে
প্রোপ্রি বৃশ্বের ব্যাপারে ব্যবহার করতে
লাগলেন রকেট। এ সমরে বর্ষণ্ট উল্লভ
ষরনের রকেট তৈরি হরে গেলেও তাদের
সঠিক থবর বাইরে প্থিবীর অজ্ঞাতেই
থেকে গেল।

অবলেবে ব্রুক্টবিজ্ঞানের নতন পিগাল্ডের স্কেনা হল ১৯১৯-এর ২৬শে য়ে। ঐ দিন ম্যাশাচসেটের অন্তর্গত ওরারচেস্টারের ক্লাক্ কলেকের অধ্যাপক ডঃ রবার্ট হাচিস্স গড়ার্ড উনসত্তর প্রকার একটি পাণ্ডলিপি পেশ করকেন স্মিথসোনিয়ান ইনস্টিটিউপনের কাছে। ১৯২০তে ২৫৪০ নদ্বর প্রকাশনী-রূপে গ্রেষণাপ্রটি প্রকাশ করলেন স্মিথ-সোনিয়ান ইনপিটিউট। শিরোনাম : ৩ মেথড অব বিচিং একস্মিম অলটিচ্ডস'। এই গ্রাদেথ পড়ার্ডা বিশদভাবে উধ্যাকাশে বকেট उरक्रभागत कथा चात्नाप्रमा कातम। प्रान বিষয়বসতু এবং তার বাংখার খাব একটা আক্ষণিয়ি কিছা হল না। তবে শেষের ক্ষেক্টি লাইন অনেকের মনে চমংকারিছ সালি করল। এই অংশে রাক্টে চাড় চাঁদে মাওয়া এবং সেখান থেকে এক ঝলক আলোক স্থাটি করে পেখিনোর স্থেকত পঠেনের বৰ্ণনা ছিল।

किन्दु ১৯২৩ প্রাণ্ড প্রীকাকার চালানর ব্যাপারে বিশেষ স্ববিধে করতে পারবেন না গডাড । ইতিমধো মিউনিকের আর ওক্তেনবার্গ নামে একটি প্রকাশনী সংস্থা 'রকেট আণ্ডগ্রহি যাতা' নামে একটি वहे रहरून रक्नला रमधक এই। धराधी। এই প্রশেষ মডেল-ই নামে একটি মহাকাশ-বানের ছক এবং তরল জনালানির কথা উল্লেখ করেন। মোটাম,টিভাবে তার সমস্ত বস্তব্য ক্ষিওলকভস্কির মূল তত্ত্বে অনুরূপ ৷ ভবে ওৰাৰ রুল ভাষা জানতেন না এবং তার পক্ষে জিওলকভস্কির মূল রচনা সংগ্রহ করাও কঠিন ছিল। এ কথা ভেবে বলা বেতে পারে মহাকাশবান সম্পর্কে তার পরিকশ্না মৌলিক। গড়াড'ও রুখ ভাষা जानरञ्ज ना। जयह एउन क्यानानि निरंत्र রকেটের ওপর তিনি যে পরীক্ষানিরীকা চালাভিলেন সে কথা ১১৩৬-এর আগে ভিনি বাইরের জগতে প্রকাশ করেন নি।

আধ্নিক মহাকাশ্যান নির্মাণের পরি-কশ্যনার ওরাধেরি অবদান অনুস্বীকার। অংশ কৰে তিনি দেখিবে দিলেন, তাৰ মহাকাশবানকে সেকেন্ডে সাত মাইল গতিবেল বেওরা সন্তব। কারণ, ঐ গতিবেলে কোন বন্দুকে উথ্যালালো উৎক্ষেপ কারে তা প্ৰিবীর অভিকর্ম আঁতক্রম করে চলে বেড়ে পারবে। কিন্দু প্রথম দিকে দার্শ সমালোচনার সন্ম্বীন হতে হল র্মানিয়ার এই বৈজ্ঞানিককে। এমন কি, ডঃ করেজের যত বিখ্যাত বিজ্ঞানী এক কথায় তাঁকে নাকচ করে দিয়ে কালেন, অসম্ভব। দেকেন্ড সাত বাইল পতিকো পাবার মত ক্ষমতা ওবাধেতি মহাকাশবালের নেই।

হাল ছাড়লেন পা ওবার্থ। বালিনে চলে
এলেন ভিনি এবং ল্যাখনিভাবে গবেষণার
কলে লেগে গেলেন। এই সময় সাহাযাকারীমুপে ভিনি পেলেন র্ডলফ নেবেল। ইনিই
হলেন ভার প্রথম সহভারী। এর ওপর
গারিষ রইল উচ্চ ল্যালন

मनीन्द्र बारबंद स्टब केमनाम

#### ছড়াবো জালের বুভে

4.40

মেরেটি চেরেছিল মান্থের মন্ত কচিতে সকলের সংশা, সকলের মধ্য। কিন্তু জীবন ভাবে কশী করল বিভিন্নভার রন্ধান্ত বৃদ্ধে। সেই শীভিত ক্রিন্ট আন্তর খেকে তার মাজি কীলে? শবার আর অন্ধেরি সেই ছড়ানো জালের বৃত্ত থেকে সে বেরেবে কোনে পথে?

ৰি চি প্ৰাক্তৰতিক পক্তে অপক্তিৰ বই বীৱেন্দ্ৰমোহন আচাৰ্যত্ৰ

## वाधुतिक भिकाश सरतातिङात ১১٠٠०

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের শিক্ষা বিভাগের মনস্তত্ত্বের রীভাব প্রখ্যাত শিক্ষাবিদ ডঃ গোরবরণ কপাটের ভূমিকা সম্বলিত। আধুনিক শিক্ষার পরিবেশ ও পর্ম্বাভ ১ম মনুদ্রণ ১০০০ মাড্ডাবা শিক্ষণ পর্ম্বাভ ৪র্থ মন্ত্রণ ৫০০০

শংকর-এর

## রূপতাপস মানচিত্র যোগ বিয়োগ গুণ ভাগ

4म म्हार 8.00

394 XTH 6.00

554 EE4 4.40

গজেন্দ্রকুমার মিতের

ধনজয় বৈরাগীর

#### পোষ ফাঞ্চনের পালা

काता श्रव (हार विस्टी

8व माम्य ३६.००

সৈয়দ মুক্তবা আলির ভবানী মুখোপাধ্যারের

সংবোধ ঘোৰের

#### ভববুরে ৪ অন্যান্য অস্কাত্র ওয়াইন্ড চিন্তচকোর

.84 म्हन ७-६०

WIN : 6.00

৩র মূদ্রব ৩∙০০

आग्राणाय म्राभाषास्त्रव

বিমল মিতের

## तञ्च ञूलित छ।त

गन्नमसात

अ।

रत महाम १.००

नाय : ১७.००

6H THE 8-60

শরংচন্দ্র চট্টোসাধ্যারের শরং-নাট্য সংগ্রহ সাহের বিভি

য়র বিমল মিচের লাহেৰ বিবি গোলাম একক দশ

भ गण्ड ७.०० २त गण्ड ७.०० महोक ७.०० ०त गण्ड ७.०० একক দশ্কে শতক নাটক ৩.০০

ধনজয় বৈরাগীর দৈনিক ২٠৫০

लक्नाबासन ग्राट्य मानी ७, भनिमा ७,

জঃ প্রতাপচন্দ্র চন্দ্রের

বাৰ্-সাহিত্য প্রাইভেট লিখিটেড, ৩৩, কলেজ রো, কলিকাতা-৯



১৯৩৫। निकार देशीत बरकरणेत नाम दन गाँकिता बरबरवन का शकार्क

এবং তাপসহ সংকর ধাতু তৈরি করার। তাঁর শ্বিতীর সহকারীরূপে কাঞ্জ করতে লাগলেন একজন রুশ ছাত্র। নাম আলেকজাশ্ডার কোরিসোডিচ সেরেসেভেসকি। এ'দের সহ- বোগিতার ওবার্থ মহাকাশবান নির্মাণের ব্যাপারে অনেক গাঁর হুপাঁথে গবেবণা সন্প্রা করপেন। পরে নেবেল নিজেও বেশ কিছ্ নতুন পরিকল্পনার উল্ভাবন করেছিলেন।

ওদিকে মার্কিন ব্রুরাম্মে প্রোদস্তর কান্ত চালিয়ে যাজেন গাড়ার্ড ) ১১১১-এ তিনি তাঁব প্ৰথম বকেট ইঞ্চিনটি প্ৰীকা করলেন তবল জনলানির সাহাযো। অবশেবে ঐতিহাসিক উৎক্ষেপণ পর্ব সম্পন্ন হল ১৬ই মার্চ, ১৯২৬। প্রথিবীর প্রথম একটি আদর্শ তরল জনলানির রকেট সাফলোর সংগ্র মাটি ছেতে আকাশের দিকে উত্তে গেল। এই রকেটে জনলানি হিসেবে ব্যবহার করা হয় তরল অক্সিলেন এবং গ্যাসোলিন। আগনে ধরান হয় একটি গ্যাস ব্যেয়ার দিয়ে। উৎক্ষেপক মণ্য তৈরী হয় লোহার কাঠামোর সাহাযো। ঐতিহাসিক এই পরীক্ষার ক্যামেরা কাজ করেন মিসেস অপারেটাররূপে গডার্ড, সহকারী হেনরী শাখস এবং পি এম রূপ। ঘণ্টার বাট মাইল বেলে বকেটটি ১৮৪ ফটে প্রবিত গমন করে। এর পর ১৭ই জলোই, ১৯২৯-এ তিনি যে রকেটটি উৎক্ষেপ করেন সেটিই প্রথবীর জটিল যন্ত্রাহী রকেট। এতে ছিল একটি তাপমান যন্ত্র, একটি বায়ক্তাপমান যন্ত্র এবং একটি ক্যামেরা। উধনকাশে গবেবণা চালনার জনোই তিনি এই বাবন্ধা করেন। ১৯৩৫-এর ২৮শে মার্চ গড়ার্ড যে রকেটটি উৎক্ষেপ করেন, আধুনিক রকেট পরিকল্পনার তার প্রভাব অনেক বেশী।

এদিকে ১৯১৭র সোস্যালিস্ট আন্দোলনের পর ওরাই ভি কনজ্লাত্মক রকেট পরিচালনার ব্যাপারে কতক্পালি পরীক্ষা চালিরে ১৯২৯-এর মধ্যে জিওলকভসকি তত্ত্বকে পরিবর্ধিত করে একটি গ্রাম্থ প্রকাশ-করলেন। আর তারপরই সোভিরেত দেশে প্রথম তর্মপ জনালানি-চালিত জেওঁ ইজিন তৈরি করলেন জানভার। গ্যাসোলিন এবং বাতাসে চালিত ও আর-১ তার ইজিনটি সাফল্যের সংশ্য কাজ করলো। পরে জান্ডার একটি শক্তি-শালী রকেটও তৈরি করেন। জনালানি হিসেবে এতে ব্যবহার করা হয় অ্যালকোহল এবং তরল অক্তিজেন। ওজন ৬৫ পাউন্ডা লম্বা ৭-২ ফুট। ব্যাস ৫-৫ ইলি। এটি ৩-৪ মাইল প্রবাস্ত উধ্যাকাশে উঠেছিল।

এর পর চলতে লাগল প্রত সংস্কার।
১৯৩০-এ একদল সোভিয়েত বিজ্ঞানী
নাইট্রিক আাসিড, নাইট্রেজেন টেট্রাক্সাইড,
হাইড্রেজেন পার-অক্সাইড, টেট্রানাইট্রে মিবেন
এবং পারক্রোকিন আ্যাসিডের প্রবণ রকেট
ইলিনের অল্পিজেন সরবরাহকরপে ব্যবহার
করার প্রস্কাব করেন। অবশেবে ১৯শে মে,
১৯৩৯-এ সোভিরেত দেশের প্রথম বহ,স্তরবিশিষ্ট রকেট মহাকাশে পাঠিরে ইতিহাস
স্টি করলেন মারকুলড। মারকুলডের
পরীক্ষা এই প্রথম মহাকাশবাচাকে সহজ্ঞতর
করার পথ প্রদর্শন করেল।

কিন্ত আবার যুদ্ধের দামামা বেজে উঠল ' এবার দ্বিতীয় বিশ্বব্যুখ। যে রকেট নিরে মান্ত একদিন প্রিবীর আবহাওয়ামণ্ডল এবং বিভিন্ন গবেষণাক্ষেত্রে অবতরণ করেছিল তাকে নিয়ে এবার শ্র, হল সমরসক্ষা। নতন ধরনের উচ্চ তাপ এবং চাপ সহ সংকর ধাত তৈরি হল। পরীক্ষা চলতে লাগল আরও নতন বিশেফারক জনলানির সম্ধানে গতির পাল্লাকে বান্ধি করার প্রয়াসে। এই সময়ে বিভিন্ন সংস্কারের মধা দিয়ে যে দু' ধরনের রকেট স্বচাইতে বেশি উল্লেখ-ভারা হল रयाना इत्य छेठेल ভি-২ এবং 'বাইনবোঠে'। 9777 **হিসেবে বা**বহার করা হয়। তবে বকেটটি এক উল্লেখযোগ্য 'ৱাইনবোটে' সংযোজন। ৩৭ ফুট লম্বা এই গ্রি-স্তর রকেটটিকে ঠেলে তোলার জন্যে বুস্টার বাবহার করা হয়। জ্বালানি ডাই প্লাইকল-ডাইনাইটেট। তিনটি স্ত্রের একটির জনালানি শেষ হয়ে গেলে বিশেষ এক ধরনের চূর্ণ এবং নাইট্রোণ্লসারিনের বিস্ফোরক সাহায়ো অপর্টিতে আগ্নে ধরানর বাক্ষা ছিল। অগ্রভাগের অংশটি লম্বায় ছিল তেরো क्टि। गात्र २.६ देशि। जाग्न धतात माएड পর্ণীচশ সেকেন্ডের মধ্যে এর গতিবেশ দাঁডাত সেকেন্ডে এক মাইল। দরের অতিক্রম করত ১৩৭ মাইল। আধুনিক মহাকাশ্যানে বে রকেট ব্যবহার করা হয় 'রাইনবোটে' ভি-২। তারই পূৰ্ব পরেরুষ। এবং ভি-১র অনাত্য উল্ভাবক ওয়ারনহার ৱাউন। বৰ্তমানে মার্কিন মহাকাশ গবেষণার তিনি অন্যতম নারক। দ্বিতীয় বিশ্বয়দেধর শেষে আণ্ডর্জাতিক বোঝাপড়ার পর মহাকাশ গবেবণার প্রদন্টি গরের লাভ করে। আর তথনই শ্রে হল।

#### আমাদের কয়েকখানি শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

ভর্ষক শ্রীকুনার বন্দ্রাপাণার বঙ্গসাহিত্যে উপন্যাসের ধারা ২৫০০ সাহিত্য ও সংস্কৃতির তীর্থসঙ্গনে ১২৫০ ভর্ষক অন্দিত কুনার বেপ্টে-বঙ্গ আনিত কুনার বন্দ্রাপাণার বাংলা সাহিত্যের ইতিবৃত্ত শ্রথম খণ্ড - ১৫০০০

দিতীয়|খণ্ড – ১৫·০০ ততীয় খণ্ড – ২৫·০০

वारला সাহিত্যের সম্মূর্ণ ইতিরও ১৫-০০

অধ্যাপক ভূষেব ঠেপুরী বাংলা সাহিত্যের (নটগল্প ও সন্মকার ১৬০০ বাংলা শিশুসাহিত্যে তাভিনব সংযোজন

ছোটদের বিশ্বকোষ

ছেলেমেয়েদের বিরাট সচিত্র এনসাইক্যোগিডিয়া '

ক্ষিতীক মানামে ভাগুনের ও সুপচ্জ চন্দ্রন্তী প্রথম খন্ত ১২:০০ ছিতীয় খন্ত ১২:০০ চুতীয় ও চচুর্থ খন্ত শীঘ্রই বাহির হইবে মড়ার্ণ বক এড়েগৌ গ্রাইডেট লিঃ ১০, বন্ধিম চ্যাটার্জী ক্রীট ক লি কা ভা -১২ ফেল ৩৪-৬৮৮৮ গ্রাম-BIBLIOPHIL মহাকাশষাদ্রার আধানিক বুল। কলৈ-ভানেদএর কলপকাহিনীর বালতব চিহাকরর এগারে এলেন মান্বের বহু-আকাক্ষিত স্বশন্তে
রূপ দিতে। এই প্রথম ব্যাপকভাবে সোভিরেত
দেশ, মার্কিন ব্রক্তরালী, তিটেন এবং জ্রাস্স
মহাকাশ গবেবখার আভানরোগ করলেন।
ভানের সংগো অংশ গ্রহণ করলেন আরুভ
ভানেকে। মান্বের মহাকাশবাতার কথা
ভখনও কেউ ভাবেন নি। এ'দের ভখন প্রথম
কল্য দ্রাকাশে রকেট পাটিরে প্রথমীর
বার্মণ্ডল এবং বিভিন্ন ব্যাপারের ওপব
গবেবণা চালান। আর সেই সংগ্রহ
ভ্রাপন করে ব্যাগারের বাবশ্যা,
আবহাওরা বিবরক তথা সংগ্রহ প্রভৃতি
ক্রাণ্ডকর কাজে হাত দেবেন।

১১৪৭-এ ভাইকিং এবং এরোরবি তকেটের মায় প্রকাশ করলেন মার্কিন বিজ্ঞানীর। ১৯৫৬তে একটি এরোরবি অন্তত একটি তথ্য পাঠান উধ্যাকাণের বার্মণ্ডল সম্প্রের্ক ৷ আয়াদের চারপালে রে বাছাস ররেছে ভার মধ্যেকার অস্ত্রিজেন অব্যাগঠন করে থাকে। অর্থাৎ সব সমন্ত্র দটে করে ভাৰকেন প্রমাণ একরে মিলিভ হয়ে অবস্থান করে। রাসারীনক নিরমে এটাই বিধের। কিন্ত উধনাকাশে সৌরশবি বাডালের সেই অণুকে ভেঙে পরমাণুতে পরিণত করে। সেখানে তাই পারমাণবিক অক্সিফেনের পরিমাণ বেশী। এই তথ্য উধন্কিশের আবহাওরা সম্পর্কে নতুন ভাগের সন্ধান যোগাল। এই ভগা পরবতী কালে নানাভাবে নভোচরদের **₹**746**5** 1

#### n Pien

অক্টোবন ৪, ১৯৫৭। সেনিন প্রথিবীর প্রতিতি সংবাদপারের হেড লাইন : সোভিয়েও বিজ্ঞানীরা মহাকাশের কক্ষপথে স্থাপন করজেন স্পুত্নিক-১। মানুবের তৈরি প্রথম কৃতির উপগ্রহ পরিবৃদ্ধি ডিগ্রী উত্তর আকাশে বিচরণ করছে। আর তার বিজ্রবাতা ঘোষণা করছে অবিরাম বিপ, বিপ, বিপ, র মার্কিন মূলুকের অন্যতম টোলিভিদন সংখ্যা সংক্রেপ এই সংবাদটি পরিবেশন করার পর মন্তব্য করলেন, শব্দটা ঘেন একটি বিশ বিশ পোকার ধরা গলার ভাক। আসলে মার্কিন ব্যুক্তরালী এই সাকল্যে বিস্কৃত্ত বেনম ধরেছিল, সেই সপো ভবিত। প্রথিবীর হাটে মর্যাদার লড়াই-এ এ বেন ভার প্রচন্ত পরাকর।

কিন্তু সাধারণ মান্বের মনে তব্দ আন্মা কোত্তা। সকলের মুখেই এক কিন্তাসাঃ একশ চুরাশি পাউতের অত বড় লোলকটি কি করে প্রিবীর ভারপাশে মুরে চলেছে? নতুন এই চাঁদ কি আবাদের প্রেরেচ চাঁদের মত আলো দিতে পারে? সংখ্য সংখ্য উত্তর এল, হ্যা, পারে। কিন্তু চাদের এত প্রিবা প্রদক্ষিণ করাটা? বিজ্ঞানীরা কাজেন, এ তো বহু প্রেনো কথা। নিউটনই ডো বলোহকেন চান কি করে পাথিবার চারপালে বোরে।

নত্ত, ১৬৮৭ খ্টালে সার আইজাক
নিউটন তার গিলাকালা আহেমটিক:
গ্রেথ উপগ্রহের ককপথ দিরে বিশদ
মালোচনা করেছিলেন গানিতিক হিসেব
ধরে। তাঁর মূল বকরা হল, কোন বন্দুকে
বাল উপাকালে নিরে গিরে প্রিবী প্রেটর
সমাল্ভরাল তলে সেকেন্ডে পাঁচ ঘাইল বেগে
যাজা সেরে ভেড়ে সেওরা বার ভাইলে ঐ
বন্দুটি প্রিবীর চারপালে একটি নির্দিত
ব্রাকার পথে চিরনিন আবর্তন করবে
উপগ্রহের মত। নিউটন এই গান্তবেরের নার
বন্ সারক্ষার তেলোগিটি বা ব্রাকীর

গতিবেগ। তিনি অবল্য ধরে নিরেছিলেন প্রিকী প্রোপ্রি গোল, বনিও পরবর্তী কালে প্রমাণিত হরেছে এটা ঠিক নর।

প্রধিনীর কাছ থেকে এত প্রচন্দ্র বেশে চলার সব চাইতে বড়-বাধা হল বার্ম্পুর । বাডাসের ঘর্ষণে কল্টুটির পতিরেগা করে বারা এবং অবশেষে কল্টুটির পতিরেগা করে বারা এবং অবশেষে কল্টুটির পতিরেগা করে ওপর সেমে আসে। ভাছাড়া অভ বেগে চলার বাভাসের সংগে প্রবল্ধ ঘর্ষণের হলে থিকে হরে বস্টুটি প্রত্তেও বেতে পারে। নিউটন বললেন, এই ঘর্ষণের হাভ থেকে বাঁচানর কনো উপপ্রহকে অবভ্যপকে একশা পঞ্জাশ মাইল উর্ঘাকাশে উংকেশ করতে হবে। এতটা ওপরে ভূলেই তাকে ভূল্পুটের সমাণ্ডরাল করে নিক্ষেপ করা দরকার। এখানে বাভাস হাকলা। ভাই ঘর্ষণ আনক

# हाँ विकास सम्मान स्थापन क्योगार्थ ॥ ८-०० होन कविकास सम्मान सर्वे सर्वेशन क्यान्य ।

शक्त बाब ध

विनम्खीवन खाव

9.00 B

1 8-00

## এখানে পিঞ্জর

विश्ववी (यान्वाभूत

। কৰ্মান্তদ্বীন ॥

11 00.00 H

11 8-00 1

# बक्সা কাঁথার মাঠ ঠাকুরবাড়ির আঙিনায়

॥ भटनाक बन् ॥

॥ दशक्तम् वित ॥

## **পथ कि ब्रांभरव**

न्य कांमल त्नाना

11 52.00 11

11 56.00 1

॥ जामारकाव मारधानायगत ॥

॥ वीद्यन्त्रस्थादन खाठाव ॥

## চলো জঙ্গলৈ যাই আধ্নিক শিক্ষাতত্ত্ব

न्याधीन क्रीडमान

वद्भाव बाह्र दे-दे०

বিভীয় বৰ্ণ

1 6.00 H

11 20.00 1

ফেরারী সেপাই <sup>কবিক</sup> বাজোরারা ৪-০

ন্ধাকোনারা ৪-০০ নেবেশ নাশ কলে-ডাঙার ৩-৫০ নৈরদ ফ্রক্ডনা জানী

**डामनी** ७-७०

নাৰতা চৰুৰতী ৪-০০
রাজা ৪-০০
প্রক্রের রার
ভূকভার ৪-০০
স্কোধকুরার চৰুবভারী

মিছিমিছি ৪٠০০
সমনেশ কন্
আরুক্তি ৪٠০০
সক্রেশক্তী ৪٠০০
সক্রেশক্তার মির
বনহংলী ৪٠৫০
প্রবেধক্যার সান্যাল
টুইন্ট ৪٠০০
অবিধান্ত চৌবরী

গ্ৰন্থপ্ৰকাৰ C/o বেজন পাৰ্বিকাৰ্স প্ৰাইডেট বিশিষ্টেড । কলিকাতা-১২

অভএষ ব্যক্তীয় গতিবেগও কম হলে চলবে।
পরে পরীক্ষা করে দেখা গোছ এক হাজার
মাইল ওপরে ব্যক্তীয় গতিবেগ সেকেন্ডে
৪-৪ মাইল ইংলেই চলে। আর ৭৭০০
মাইল উর্ধাকালে সেটা ২-৯ মাইলে গিয়ে
দাঁট্যার। আর প্রিথবীর কক্ষণথ থেকে
কোন বন্দুকে যদি দরের নিয়ে কেন্ডে হয়
ভাহলে ভাকে ঐ একই ভাবে আকাশে ভূলে
ভূ-উলের সমান্তরাল করে ছ"তে দিতে হবে
সেকেন্ডে সাত মাইলের বেশি গাতিবেগ
দিয়ে। অভএব ভব্তের দিক দিয়ে মহাকাশে
কৃতিম-উপগ্রহ প্রাপন করা বা দ্রে
মন্ডোমাঝে মহাকাশ বান পাঠান তেমন কোন
কঠিন ব্যাপার নয়।

তব্ দীর্ঘকাল প্রতীকা করতে হল সতিকার সাফল্যের অপেকায়। করেণ প্রবিধীর অভিকর্ষ সীমা পর্যন্ত মান্ত এক পাউন্ড বস্তুকে পাঠাতে গেলেই প্রয়োজন ১৭০ পাউন্টের মত জনালানি।

১৯৫৩ সালের আগস্ট মাসে বিটেনের অৰ্ফোডে সনের মহাকাশে কৃতিম উপগ্ৰহ স্থাপন করে কিন্তাবে গবেষণা চালান বার ভার ওপর একটি আলোচনাচক বসে। উপস্থিত বহু বিজ্ঞানী সেদিন রুখান্যাসে সে আলোচনায় অংশ গ্রহণ করলেও অনেকেই ব্যাপারটা বিশ্বাস করতে পারেননি। ব্যাপারটা আবার তোলা হয় রোমে অনুষ্ঠিত আন্তর্জাতিক ভ-পদার্থ-বংসর সম্মেলনে। ভ-পদার্থ-বংসর কার্যক্রমের মাল লকা হল, প্রথিবীর আবহাওয়াম-ডল, মহাকাশের সাদারতম অঞ্চল থেকে জ্যোতি-বিদ্যাবিষয়ক সমস্যা প্রভৃতির ওপর গবেষণা চালান। কিল্ড সেদিনও কেউ মনে করতে পারেননি, কুচিম উপগ্রহ স্থাপন করা খ্ব সহজ্ঞ কান্ত হবে! অবশেষে ১৯৫৫-তে মার্কিন যুক্তরাণ্ট প্রথম প্রকাশ কর্লেন প্রজেষ্ট ভ্যানগার্ডের কথা। বলা হল ১১৫৮র মধ্যে কুড়ি পাউল্ড ওজনের করেকটি কৃত্রিম উপগ্রহ তাঁরা মহাকাশে ম্থাপন করবেন। দু' বছর ধরে চলল দার্ন প্রচারকার্য। 'ভ্যানগাড়ের' রকেটটি কেমন হবে, উপগ্রহটিই বা কিভাবে আবর্তন করবে, কি কি অসুবিধের সম্মুখীন হওয়া সম্ভব, এমন নানান ব্যাপারের ওপর চলল হাজারো আলোচনা। অথচ এক দিকে বখন সাল সাজ রব, তথন ভঙ্গা নদীর পাশের মান্ত নীরব। এই সমর সোভিয়েত দেশ রুণ ভাষায় সংক্রেপ শুধু একটি সংবাদ প্রচার করলেন : '১৯৫৭-৫৮তে মহাকাশে তারা কৃতিন উপগ্রহ উৎক্ষেপ করবেন।' বাস। এরপর আর रकान माणा भव्य त्नहे।

ভবে ভ্যানগাডের বাাপারটা সোভিরেত বিজ্ঞানপন্ত 'এভিরেশন উইক'-এ আলোচনা • করা হর। এই প্রস্পো অধ্যাপক কার্হারন স্টাননাকোভিচ একটি প্রবংশ মণ্ডক; করেন্ • পশ্চিমী- সংবাদপতে আপাতত বে ধরনের



ভঃ কল রাউন একটি বকেটের শাসনে দাঁড়িয়ে আছেন

কৃত্যিম উপগ্রহের কথা বলা হচ্ছে, তার চেরেও
বড় কৃত্যিম উপগ্রহ তৈরি করা কঠিন কিছ্
নর।' এতে পরিদ্দার বোঝা গেল, সাড়া শব্দ
না করলেও সোভিয়েত দেশ একেবারে থেমে
নেই। আর অবশেষে সতি। সাতাই ১৯৬৭র
১০ই জনুন রাশ কর্ডাপক বেলজিয়ামে
অবস্থিত আন্তর্জাতিক জু-পদার্থ-বংসর
সংস্থার প্রধানকে একটি নোটে জানালেন,
তারা প্রস্তুত। ঐ বছরেই তাঁরা একটি কৃত্যি
উপগ্রহ উংক্ষেপ কর্বেন। তরা আগ্রান্ত রর্টার সংবাদ দিল, অধ্যাপক এল্ডলিন
ফাইরেডেরেভকে সোভিয়েত দেশের কৃত্যি
উপগ্রহ সংস্থার প্রধান রুপ্প নির্বাচিত ক্রা

অবশেষে ১৯৫৭তে এল সেই ব্যাসন্ধিকণ। দানবাকার রকেট তৈরি করলেন
সোভিয়েত বিজ্ঞানীরা। তারই জ্পান্ন চড়ে
গা্থিবীর প্রথম কৃতিম উপগ্রহ স্প্তেনিক-১
বিশ্ববাসীকে চমাক্ত করে আকাশে উঠে
গেল। ঠিক কি ধরনের রকেটের সাহায্যে
এটিকে উংক্লেপ করা হন, সে ধবর এখনও
অজ্ঞানা। তবে আকাশে উঠেই উপগ্রহটি তিন
ভাগে বিভন্ত হরে বার। সন্মান্থ ভালে থাকে
তেইশ ইণ্ডি ব্যাসের ১৮৪ পাউন্ডের একটি
গোলক। এরই নাম স্প্তেনিক-১।
স্প্তেনিক-১ এর পেছনে পেছনে চলতে
থাকে বার সাহায়ে। সেটিকে উংক্লেপ করা
হরেছিল সেই রকেটিট। আর গোলকেব

ज्ञास्य त्यम अवकी त्थामा महिल्ला सामना हराट्ड बाटक जात अविष्ठे खरमा काकारण करें।त जबत बाखारणत वर्षण क्रीमक जार बार्फ अपूर्णमंद-> भूटक मा बाद छाट काला दशाकात मिरक और माज्यमा जाकमाडि हातकात कता हरतीहरू। छेशवासीस शर्थ भौतुक्रमण कतात मसत आहे वथम भौधवीय নিকটিয় স্থানে এগিয়ে আলে ভবন ভাই দুর্ভ ছিল ১০৬ মাইল এবং ব্রেবতীভিয न्धात्न जत्त रशक्त से मृतक मीकाम য়াইল। পরে বাভালের সপো ঘর্ষদের কলে ≈প্তেনিক-১-এর পতিবেগ **ভয়েই করে** আসতে থাকে. ওদিকে বাসায়নিক ভঞ্জিং কোৰেৰ ক্ষমতা কমে বাওৱাৰ সেই বিপ বিশ্..বেডার সংকেতও দিন সাতেকের মধ্যে बन्ध हरत बात्र। त्नर्थ ১৯৫४त हर्ने জানারারী শেববারের মত প্রিবী প্রদক্ষিণ করে স্প্তানক ১ বার্ম-ডলের চিতার भारक कार्ड करत रशका।

প্রথম সাফলোর উত্তেজনা না কাইডেই

আবার চনক। যাত এক যাস পরে, ০বা

নডেন্বর সোভিরেত দেশ আকাশে তুলল

সপ্তিনক-২। আরও বড়া ওজন ১১২০

পাউন্ড। বিজিল্ল পরীকা চালনার জনো

কটিল বল্ডপাতি হাড়াও এবারকার অভিবানে

সভি সভিনই অংশ গ্রহণ করল একজন

ভাবিত অভিবারী। মহাকাশের বুকে প্রথম

নডেচের লাইকা মানুবের তৈরি প্রথম কুলির

উপগ্রহে বলে বিচরণ করতে লাগন।

লাইকা ককুর হলেও একজন বিজ্ঞানীর মত মহাকাশের নিরম মেনে কা**ভ করেছিল।** উপগ্রহের কল্পে বিশাস্থ বাতাস বক্ষণ-বেক্ষণের ব্যবস্থা করা হয় ভারে ভারেটা বিলেৰ এক ধরনের পদীর সাহাবে। ভার দেছের ভাশমারা নির্বাদ্যত করা হয়। আর জিলেটিনের মত থাবার থাইয়ে ভাকে সংক্র রাখা হয় ৷ ভার দৈহিক, মানসৈত এবং কাভক্ষেত্র যাবভাঁত্র খবর বেতার সংক্রেভের সাহাত্যে পাথিবীর প্রের্ণালারে নির্মিত শৌছতে থাকে। যোট কথা মহাকালে মান্তের নিরাপ্তার জনো যা বা তথা জানা দর্শার তার অনেক কিছাই সরবরার কর্ম मारेकाः अवस्थित खाँबाजन शाम काळा হয়ত বা সম্পূর্ণ নতুন পরিয়েশে দৈহিক ক্ষমভাও লোপ পেল। যে বহু আকান্সিত কণ্ঠদ্বর বিজ্ঞানীবের বাস্ত করে রেখেছিল, একদিন আর তা শোনা গেল না। মহতে বেতার সংক্রেড এল, লাটকা আরু মেই। প্রথম নভোচর কাইকা। মহাকাশ অভিবানের প্রথম শহীদ লাইকা।

প্রতিন্ত-২-এর পরীকার স্বহার্থাকে বিদেহের ওপর বিভিন্ন প্রতিন্তিরা, সম্পর্কে নাজুন তথা হাড়াও স্থেবি বিভিন্ন আন্তঃ, মহাজাগতিক রান্মর মারা এবং উধাকালে বাতাসের চাপের ওপর আনের নাজুন ভ্রথা পাওয়া বার। তবে গোড়া থেকেই সোভিরেড

বিজ্ঞানীরা উৎক্ষেপণ সম্পর্কে জান বঠিক সংবাদ আগে বেকে সরবরাই করেনীন। সেই সম্পে প্রবৃত্তি বিবর্ক তথা বা গ্রেক্টার প্র পাওয়া কোন বৈভিন্তাপূর্ণ ব্যাপার সম্পর্কে লব সমর্ক প্রার নীরব থেকে গ্রেক্স।

শশ্ভিনিক-২-এর ঐতিহাসিক উৎক্ষেপের
পর ১৯৫৮র ১লা কের্রারি মার্রাকন
ব্রুরাপের ব্রুকে প্রথম গর্জন পোনা গেল
অর্পিটার-লি রক্তেটের। দেশিনা গ্রিনিচ মিন
টাইম সকাল তিনটে বেজে আটেলিক মিনিটে
মহাকাপের কক্ষপথে গিলে পেছিল
মার্রাকন দেশের প্রথম কৃতিম উপগ্রহ একসপ্রোরার-১। ভার পরই একে একে একসপ্রোরার-২, ৩, ৪। বিলম্বিত এ বার।
কিন্তু ভার ভবিষার প্রতিপ্রতি অসপ দিনের
মধ্যেট প্রতিপক্ষ সোভিরেভের মধোনার
বারধান প্রচণ্ড বেগে ক্ষিয়ে আনল।

১৯৫৮তে একসংশোরার-১ আবিশ্বার করল ভানে আনেলন বেলট। প্রথিবীকে বিরে উর্বাকাণে একটি পরে আবরণীর মত এই কেট একটি আছাদন স্থািট করে অবস্থান করছে। চালিদ ডিগ্রী উত্তর এবা চারিদ ডিগ্রী দক্ষিক আকাংল বরাবর বিশত্ত এই আছাদেন প্রথিবীর চৌশব ছোণে প্রতাব স্থা থেকে বিকিরিত ইলেকট্রম এবা প্রোটন কাশকানের নিরত শোষণ করে নের ব্যাহীর অভাবে স্থা থেকে বিকিরত ইলেকট্রম

#### আপনি কৈ জানেন

সমরেশ বস্তু

#### अथारन रमथारन ७,

मक्षत कडीहाट्य ब

कार

0

नावावन गाज्याणावाहवत

#### म्बरमम्ब ८.६०

नीना मल्यापारत्व

थायूना ७,

সমস্বরে একই খবর এনেকে জাভকের সমাজে অলান্তি আমরা মান্ব চিনি না বলে। আজকের রাজনীতিতে কলহ আমরা কর্তব্য করি না বলে॥

দে ব্ৰুক • ইন্টাৰ্মা • জি. এছ. • কথা ৩ আহিবী • সম্বোধি প্ৰতিক্ৰেল প্ৰাঃ জিঃ ২২ শীয়াক ব্লোচ, শলিকাতা-১ •

(T-4540)

হাত থেকে কৰিকাণত নকা পান। সন্ত্ৰ প্ৰতি থেকে এন ব্ৰেক প্ৰান্ত হয় ল' নাইল। প্ৰেক্ত প্ৰান্ত ভাতা। কিন্তু একটি নৱ, আনএ একটি ভান-আলেন কোট-ব্ৰে সম্পান পেল একসপোৱান-০। এটিন প্ৰেপ্ত প্ৰান্ত চাৰ হাজান নাইল। ভবে প্ৰথমটিন মত এটি ডেকান জোৱাল নৱ। ইলেক্টন বা প্ৰোটনকে, ধরে রাখান ক্ষতাও এন নাকে মাকে ছাল পার। ক্ষমও বা আক্টাইভিত হয়ে পড়ে।

গোড়ার হিকে আই ভ্যান আলেন বেনট একটি মণত সমস্যা বংগ পরিগণিত হারছিল। অনেকৈ মনে করেছিলেন, বরে আকাশের বাছাতে বালি বিভার ভরণেনার নাছাতো প্রিকালে নাছাতো প্রিকালে নাছাতো করে ভারলে নেই ভরণা ঐ আভাশের লোকণ করে নিডে পারে। ভবা সর্বব্যাত, মহাজালবান এবং ভার বিভিন্ন বল্যাবলীর নির্ভাগের ব্যাপারে এটা একটা বির্ভাগ বাখা পরব্যা। স্থেশ্য কথা, পরবভাগিলে প্রমাণিত হরেছে ভানে আলেন বেনট-এর ভেডর নিরে বেভার ভরণা গভারাত করঙে পারে।

क्षतंत्रतं क्षतं विष्ट महत्वाह वावन्ताह কথা। মহাকালে যে কানে মান্ত বা অপন্ত কেন প্ৰাণী বাস কৰবে, ভাকে শীভভাগ নিত্ৰিত অকৰাৰ বাৰতে কৰে। তা ছাজা रिक्ति शुक्रमा कार्याञ्च भारतकाता. পাহিবীর সংখ্য বেভার বোগাবোগ, এমন কি প্রয়োজনে নভোচনকে ব্যুম পাড়ান বা জাগিরে टाना, जात करना ठाडे शहूद विश्दर नोह · এ ব্যাপারে গোড়ার দিকে ছার্বকন এবং সেভিয়েত বেশের কৃতিম উপত্তপ্রতিতে সিলভার-ক্যাভীমরামের মত সম্ভরক ভড়িৎ কোৰ ব্যবহার করা হয়। পরে সৌর শান্ত তেকে বিদাৰে পত্তি উৎপাদনের ব্যাপারটা স্থায় চৰ্তাৰ সে সমসাটিও সূত্ৰ কথা मन्बद इसा

কিন্তু তথনও প্রথম হাজারে। প্রথমীর हाभ-इज-गत्म नमाच धरे त्व करिया प्रशासाम বানের কৃতিমতার মধ্যে লে কি বেচ্চ থাকতে भारतः ? ১४ जामनी, ১৯৫४८७ देशीय रून নালনাল এয়োনটিক আল্ড লেপৰ এডমিনি-एन्डेमन' वा 'माना।' कन्द्रदूभ अक्षि जल्का লোভৰেত দেশেও প্ৰতিষ্ঠিত হল। মানবেক মহাকাশে পাঠানর ব্যাপারে সানারকম जन्जन्यान अवर शरीकाकार्य हामारङ ग्रह করলেন এর। মহাজাগতিক র্যান্য বা ভাসমান উন্দাদিত কোন কভি করতে পারে কিনা সৈটাও ক্ষেত্তে লাগলেন। মান্ত হথন इहाकारम माना बाबााकवर्णक घरमा जनमान করবে ভক্তা ভার মানসিক এবং শৈহিক অৰুৰা ৰাতে স্বাভাবিত থাকে সে ব্যাসাতে ज्ञाम मुन्दि हाथा दल। अहरे कटना সোভিয়েত দেশ লাইকাকে মহাকাশে শাঠান।

#### क्ष्त्रक्था'व विधान वाश्वा वववाम

এব বি সরকার আন্ত দল প্রাঃ বিঃ পুৰার্ট প্রুপ্টের কবিকা

0.00

कार्ज न्यान्छवार्शन अक महती १-००

লোহক জ্যালিতে রণবাল্য ভারত ভি. এত্যক্তস্ ১-২৫ চিরজীবী রজালর

এলমার রাইস বিচালন 4.00

জীবনের খাঁডয়ান

হেনৱা জেম্স ৫-০০ মৰি ডিক

হারমান মের্গান্তল ৫-০০ মহানদের পাচালী

মাৰু টোকেন বাৰু-সাহিত্য 4.00

সায়ানগরী আন্দ্রি সিনিয়ার্ডান্ড ৪-০০ বিচার

মাৰে হেওলত ৩-০০
মানৰ ও সমাজৰিকান
স্টেকট গুড়ৰ ৩-০০

र्गाहरूलन सामादनाव सन्दे।

> জন হামি 8-00 **প্ৰেমিলন**

সন সন ২-০০ **অভাপ্তর অমানিশা** 

अकृष्टित अभागना अस्य श्रीहेन्द्रक ७०००

পলাভকা

পালা বাক ৩-০০ হেলাশিশ, কুকনগর

লাচি, মান্ৰ আৰু ইতিহাস ভেলতম্ভন ২:৫০

হিউৰাট হোৱেশিও হাম্ক্রী

পালিয়ে এলাম

इराठे दना ३-६०

দ্বার . জরিগনের মাতাপথে

> পাৰ্ক্ষান **৫-**00 **শান্তিৰ দুভ**

ই. পি. মেরার ° ২-০০ মহান ব্যক্তেন্ট

সি. প্র. পিরার ৩০০০ এ ছাড়া নানা বিধারে অনেত বই : প্রত্ত বিক্রেডারের উক্ত কমিপন। ভারিকার জনা বিশ্বের : আন্তই অভার দিন।

এব সি সরকার আন্তে সম্প প্রাঃ বিচ ১৪, বন্ধির চটুজো স্টাট র কলিকতো ১২



अथव महाकाणहाती जाहेकात त्यार परि

बद्धना अकामनीत वरे

## यात्र त्यथा घत्र नामरकार मरपाणामात ६.६

আশ্রেভাব মুখোপাধ্যার অরপকালের মধ্যেই বাংলা দেশের পাঠক-পাঠিকাদের মন জর করেছেন। এই নতুন উপন্যাস তাঁর অনুরাগীদের আবার নতুনভাবে মুদ্ধ করবে। বাংলা দেশের ঐতিহার পটভূমিকার একটি নারীর জীবন-সংঘাত ও সতা উপলব্ভির কাহিনী এখানে মর্মাস্পূর্ণী ভাষার বার্গত হরেছে।

আশ্তোৰ দ্বোপাধ্যায় প্ৰতিবিশ্বতা ৫.০০

দ্বাট লেন অগ্নিতট স**\***তগ্রাম ১০:০০

স্নীল গলোপাধ্যারের মিডি প্রেমের উপন্যাস

म्य अम्य ७·०० स्मानानि म्ःथ ७·००

জ্ল জের্ন ॥ অন্বাদক: মানবেন্দ্র বন্দ্যোপাধ্যার

গডক্কে মরগান ৫.০০ স্টীম হাউস ৫.০০

বিশ্বনাথ বস্ত্রে প্রত্যক্ষ অভিজ্ঞতাসম্পল্ল শিকার কাহিনী

र्जाङ्म•्छ **म्रन्मन्नवन ड⊪ वार्य मान्,र्य**्

কাৰ্যপ্ৰশ্ব শত্তি চট্টোপাদ্যাৰ

হেমন্তের অরণ্যে আমি পোস্টম্যান ৩,

ৰন্দী জেগে আছো ন্নাল গলেগামান ৩৪-

काथात्र त्नरे मीर्च काच नार्ना प्राप्तासः

পরিবেশক: সিগলেট ব্ৰুশপ: ১২ বঞ্চিম চাটুজ্যে স্থীট ঃ কলকাডা ১২

नदा, समार ३३६० ना संदेश वासक स्टान्डि सून्य, विमिनिय, वास्ताम, व्यापन, अस् विकारक नांत्रम स्टानिया । स्टान्डिया स्नान रवरकत विमिनिया संवाद, विकासीय तमा नांद्रीया सन्या-स्वाः स्टान्ड वीस्टान, कृष्टिय वास्तावता, प्रान-सन्यानकरेन् कारमा देशीयक वास्ता प्रकार नांद्रीय का सामाय स्टान्डिक म्हानाम सामाय वास्त्रम का स्टान्डिक महामान सामाय वास्त्रम का महर्गिया राज्यव सामाय वास्त्रम व्यापन मान्द्रीय स्टान्ड सामाय वास्त्रम वास्त्रम अस्य सान्द्रीय स्टान्डम सामाय वास्त्रम अस्य सान्द्रीय स्टान्डम मान्द्रम वास्त्रम का

अनुभा विकासीया कृष्टिय छेभारत महिलादम विष्ठवर्ग करान् नामस सटकाष्ठका एवं एव প্রিম্পতির সম্মান হতে পারেন, ভা তৈরি করে পরীকা-নিরীকা খুরে করলেন। স্মির হল মহাকাশবালকে প্রোপট্ন আবস ताथा श्रुष अपर काम मह्या पामहत कृतिक আধহাওরাঃ আর সেই আবহাওরার চাপ হবে প্ৰতি ৰগ' ইন্ধিতে প্ৰায় সাজে সাভ দের। পরে অবদা বে পোশাকটি নজেচরতা भारत बाक्टबर काल बरवाहे के तकत छान সংবক্তিত করার বাক্তবা করা হয়। গোপাকের प्रत्या कांब्राह्म्य अस्य माहेर्फ्राह्म्य गाम विन्यात हाचा क्षा किन्द्र दल्या दलन, अटक किक्द्री অস্,বিধে আছে। সাৰায়ণত বাভাসের নাইট্রোডেন কিছা পরিমাণে আমাদের বর্তার সংখ্যা মিলে বার। কিন্দু বেগন কারবে যদি महाकाम रमामारकद हाम रहेर करव मात्र, का करण हरीकृष्ठ जे माहेरहीरक्रम बरक्ष मर्था ब्राप-राम मान्ति क्यारक मारतः। कराम रास्ट्रब बला-शकाला बहुन हरत शहरत। शहर रहता লেল মাইটোজেনের পরিবতে হিলিয়াম গালে বাবহার করতো এ বাপেরেটা এড়িরে ৰাওৱা সম্ভৱ হয়। তবে চাপের পরিবঙ্গন eri a core acompical ocionis orași किष्ट्रां करण चारमा चर्चार मरकारमहत्त्व গৈহিক এবং মানসিক নিরাশস্তার জন্যে মা वा रतकात जनम्ब कियाहे वा विता नवीका करा रुग। व शकाब भृषियीत युक्त कित আসার পর পায়োসটুটোর সাহাত্যে ভানের केन्यास कहास टकोन्यकांविक कामा क्**टा**स रमना । রকেট উৎক্ষেপ ভ্যার সময় যদি কোন লোল-বোল ঘটে, ভা হলে যে ককটির মধ্যে নভে:-চনরা থাককো ভাগ মধোকার একটি স্বরংজির কর কর্মের ভালাটি প্রচা নিয়ে পারাসমুক্তীর সাহাত্যে বাতে ভারা আভান্সা करात भारतम, हम रिक्कोस क्यांक कान्द्रमान

কবলেরে প্রকাশ বিশ্বাস নজে।
চরদের বোলান্তা সম্পর্কে। এ সম্পর্কে।
কৌনুর তথা আমার সংগ্রহ করতে
প্রের্থি তা একনার নাসা থেকে।
কারণ, মহাকাশ অভিযানের ব্যাপান্তটা

ट्यांकरमध्य राग आरम स्थाप क्यमे इस्तर करण इस्तान। अस्त कि शासासरमध्य नाकरनाव क्यमें बहुदर्श भवेण्ड रुक्ट द्वार क्यादास्त्र क्रिक्ट सम्बद्ध साम्य काकारमङ निरम् मा वांकरीरम् । ५५०६-एक्ट व्यव मानका रागा, प्राथानम् स्वाह करिया वांकराते स्थापन् मण्यरम् रागाकरमञ्जू द्वार रुक्ट अस्त कर्य अरम्पन वणा वणा, अहे रावरण्य क्रिक्ट व्यवस्त । अह कारम रह राजरणीय हरकी वांवरात क्याय क्या वणा व्यव, क्षात रुक्ट वांवरात क्याय क्या व्यवस्त क्षात रुक्ट अरम्प क्याय क्या व्यवस्त व्यवस्त रहे प्रायम् क्याय क्या व्यवस्त व्यवस्त रहे प्रायम्

ভিত্ত ভি ভাগের খোগাতা? ভারা ভি ভোন আভ্যানব? যে কেট কি মহাভাগ-बारतर चारकारी बराह भारतत हा ? बरकार्ड বা ক্ষতি কি? কাৰণ কাৰ্চ হয়। কৰংৰ न्दरावित बन्द ? चाद एनडे बन्द ठालमा करान পাছিবীর এপর্যার নিজের পেট্রন। লা। श्रष्ट किन क्षीवक्षण्डता प्रधावान अन्तरक संव कशाह कामाक, मान्य चाद कक्द खबना जिल्लाकी कवनहें अब करह नारद मा। भागत्त्वत निक्षण्य राज्यि दात्राकः। ক্ষমতা আছে। তাৰ বছৰা কটে আলাভ বেলি श्वासामा का शाहा अस्ति हरक नार মহাকাৰে প্ৰিয়ীৰ সংলা যোৱাবাৰ ভিন্ন হয়ে গোলাঃ প্ৰথম আজ্বৰকার প্ৰয়ো দ্বাছিছ कारकरे प्रदेश कदाल द्वारत । असे कामा धारे অফারণত মানাবল ত্রীক্ষা বর্তিক সংলয় এবং সেই সংখ্য ছাটল মন্ত্ৰাতি ভাৰতাত ছতাৰ W. 1

ডিক করা হল নভোচ্তের লিক্ষা স্ত্তি নিক্ষান্তম ক্রেম আঠান বছর। এচনর মানট্যক মান বা অট কৈট ১২৫ বা ভাবত বেল চাই। তে কোন জাটল কথা নিজে পাত তাৰ BILLINGE WITH WIRE CORNE WANTE धाकार दरम । এव साम वर्षा छात्रसांत्रस होन्हे । कणकारिय का इनचारदन ५३ मारे छ। रेनाइच रफ्लाह कमटा, शाहर कलाध कांग्रेस रन्ताहरूकी পরিচালনা বা প্রয়োজনে মেরামত করার বোপাতা চাই। চাই অওঁটা দ্বাস্থ্য এবং কর উচ্চতা। বিভিন্ন ব্যাপারের বিক্তে **লক্ষ্য হে**তে সেনা বিভাগ থেকে নভোচত নিৰ্বাচন ভলাত क्या न्या हता अवस्य श्रीतक निर्वाधिक क्या दश जात्मत अक्टूबरे विश्वासिक। নিৰ্বাচনের ব্যাসারে মুখাত সাত্টি বিহুরের **७**नत सका ताचा इट्राइका ३ अक व्यक्त চল্লিলের নীতে: গুই, উচ্চতা পঢ়ি ফুট এগান্ত ইভিৰ কম: তিন, আটটে ন্বাস্থা: চাৰ, रिकाम वा कांत्रिशीय विशास क्यासकः शीठ. कम करबंध नात्म म' बन्धे दिमान हालमाव जिल्लाका जनर इस क्ले-जानिक दियान हामाना अञ्चादक" बदबकी स्थान क

প্ৰথম নিকে ৫০৮ জনকে নিৰ্বাচিত করা হয়। তবে চ্জাম্ভ নিৰ্বাচনে সাফলা আজন



प्रथम स्थापनामाती वार्यकात वदाकाणवाटन अञ्चन

করলেন মার সাত জন। এরা হলেন, ভোনাল্ড কেন্ট দেলটন, লেরে গভান কুলার, ভারিলি আই জিনম, ওরালটার মাটি সিরা, আলোন বালেটি সেলার্ড, মানেকম ক্ষট কালোনিটার এবং কনোল জন হাসেল শেবন। বাসে এবং পদাধিকার বলে শেবনাকে করা হল প্রধান নভোচর।

লার্কিন মহাকাশ বাচার প্রথম ভিকের प्राप्तके गर्व दर देखस्यका मध्या আনতে পারেনি ৷ এর প্রধান কারণ পরিপালী टावर्ड केन्द्रावस्य व्यवस्था। व्यवस्थातः ०५ काम हाडी 5565 इतिहास क्षेत्र कार्यक्ष राष्ट्रणीम-३ वा अम-वात-३ शाम नाटर একটি পরেব বিষ্পালিকে নিয়ে আকালে উঠল। তিন বছর আট মাস বহেসের এই निम्मामिक बनाव महिक किस कवाँचे प्रत्या টেনে সামা এবং আৰু একটি হাতৰ টেনে मीन वारना बढानाम। द्याप स्थारच गाहिए शासन क्यम । द्वार 6-6 मिनिए ट्रा म्हान याशाक्ष्यरेक्त बरदा किया। हेरिकर्या সোভিয়েত বেশ এবং মার্ডিন হার্ডার নানা वहरानद कृतिय छेन्छाय वा घडाकान्यप्रतट বপর পরীকা চালিরে মহাকাশ বাচার বাপারে বধেও আর্থাকবাস জন্ম করে निरम्दास्य ।

चाव छात्रभावे तम ५२ व्यक्ति, ५५७५। वे दिन भूषियोत अध्य बान्य मूर्थियो स्वाचित्रमा करमा केरामा महाकारणः देवीव वारावाद्यविद्यांकिक नामानिक रक्षण्येक-५' महाकावद्यांत्र इस्त्र महात्रेराणे स्वयंत ग्रं पा दिस्म बाहेन केराकारण गृचित्रमा कालपारण विक्रम करम प्रत बरागः। किल्प्यायम नामा बार महत्त्वादान केराच्या वरत कर्म क्षण्यं-वर्षा कल्पायायम् मात्रक बहे समय हैरिकार मृच्छि काला। यात्र बे स्वावदे वहे स्म स्मार्था बार २५८म क्षण्यदे विमाय वास्तिक् सरकाराम चिरामांच्छ विवेश 'स्वाव्यक-२'-क इस्त्र ग्रीव्यति ५५६ महिन क्षण्यायम् महत्त्व वात्र स्मार्थन वरत समय स्वयंत्रमान्य सरकाराम स्मार्थन

১৯60-टट मार्काडि शकाम्बर समाप्टि! ME DE CHINIA MOPPH GINCE SOE कान ১৯৬०ट जालिका बहाकामबान (कान्टक-a चाकारण केंग्रेस क्यांन यात छ-शर्माकरम्ब काला। वे मिन्हें किए भाव সোভিয়েত দেল আৰু একটি ঐতিহাসিক হটনা সাহিত ভাব হেললেন 'ভোল্ডক-৯' प्रकाकारण हेररक्त करहा तक बाढी कारमान्द्रमा रहादानकाचा । शक्य प्रक्रिका राक्षकर । सार यास्कारिकाकर समाह प्रस्त ভেডিনিৰ কাল চলতে লালল সেই কবলৰ व्यक्तिमा ३२, ३३७० करकराज किन सम दान माहास्त दक्षे मान्य नहन बाद दक ঘরনের বানে মহাতাশ পরিভ্রমার বের হালেন। নাম প্ৰচাৰকা, অৰ্থাং সাৰোগৰা পাএই ভিন करून बार्या मारा अकारता भारतारे विका মহাকাশ পোলাক। বাকি দ্' জনের সাবনেশ লোপাক। কেন কোন প্রেমের পরেরটা। **धरात लका उन्हा क्ष्में हारहे दशक।** 

এর পরই প্রে মহাকাল প্রেকার তিনটি দিক লক্ষ্য করার মত। এক, চল্প্র-ভিনানের প্রশৃতি: দুই, সূর্যা, বিভিন্ন গ্রহ প্রভৃতি সংপকো গাবেকার; ভিন, প্রাথবীর আবহাওরা নিগার এবং প্রচার, দুর পারার বোগাবেলগ বাবেশ্যা প্রাথন এবং জনানার ভবা সংগ্রহ। উল্লেখ্য গোকার প্রকল্যিক কলা চল্লে মানব-ক্ষাবেশ মহাবাল ব্যৱহা।

कामार्या मरकाह मदाना

এ. সরকার এও স্থা সন মাও জাও সম অবলট এম. বি. সরকার ট্রান্ডিন্যুনাল জুরেলটে ১৭১১এ রাসবিহারী এতিকা ব্যালিক্ত ক্রিক্তর

### यान्य भारत

मभरतम् रमनगर् छ

না, আর কখনো আমি ব্যবহার করবো না ভোমাকে ।
শিশুকে মধ্র মিথ্যাও শেখানো পাপ
তাই আমি আকাশ শেখাতে গিরে
আর কখনোই পুনবিবৈচনা করবো না প্রিমা।
প্রিমা শব্দটি বড় মুম্ধকর কেননা সেখানে আকও এক 
'মা' মিশে রয়েছে।

অধান নিলে ররেছে।

একদিন, সেই কবে বহুদিন

আগে, আমার মা প্রতি চান্দ্রসন্ধ্যাবেলা সংসার থামিরে এসে
মলিকা, টগর, করবীর সমবেত স্গল্পের
ভিতর আমাকে কোলে নিরে বাইরে দাঁড়াতেন; আমি
মাকে ভীষণ বিশ্বাস করে ভাবতাম

একদিন নিশ্চরাই চাঁদ টিস দিরে বাবে।
অথচ এখনো আমার কপাল খালি পড়ে আছে,
শুধু খণ্ড কলকাতার নীলিমার তাকিয়ে ভাবছি আমার শিশুকে
আমি কোন নতন খেলার সংগী খাঁকে দেবো শ্রন্যে!

শিশকে মধ্র মিথ্যাও শেখানো পাপ না হ'লে বলতাম দেবতা বা পারে না, মান্ত্র তা পারে। আনন্দে পদানত জ্যোৎস্নাকে কাঁপিরে তীর শেষ বলে উঠতে পারে "কোথায় কোথায় তুমি, হে দেবতাগ্রেষ্ঠ ঈশ্বর? আমরা পাথর, গহনর ধ্লো ছাড়া কেন আর কিছুই দেখতে পাছিছ না এখানে?"

## ञ्वर नत हाँ एत भर्षार छ

সাধনা মুখোপাধ্যায়

পাথিবীর প্রথমতম কবিতা চাঁদকে নিয়েই লিখেছিল আদিম মান্ব; তারপর যাগযাগাল্তর ধরে ইতিহাস হে'টে গেছে,

কত ব্রুল স্বশ্নের প্রতীক এই চাঁদ, তাকে একক ভাবাই বার না কখনো; একজনের হৃদয়ে চাঁদের আলোয় মাথামাথি হরে

প্রতিফলিত আরেকজন:
কত দৈবত সংগীত, কত দৈবত ক্জন,
কত দৈবত শিহরনের সাক্ষী আর উৎস
এই চাঁদকে আমরা হারালাম একুলে জুলাই,
—আমাদের স্বদেনর চাঁদের মৃত্যু হল।

আমরা প্রথিবীর মানুষের পক্ষ থেকে

 একটা ফলক রেখে এসেছি তার বুকে,

 সমারক হিসেবে।

হৈ নীল আরমস্থাং তোমার আরেকটা ফলকও রেখে আসা উচিত ছিল কবিদের তরফ থেকে; এবং আরেকটা শ্বাধার, বাতে থাকতো হাজার হাজার বছর ধরে

চাঁদের উন্দেশ্যে লেখা কবিদের সমস্ত গান ও কবিতা। পরিচিতির ফলকটাতে লেখা থাকতো, হে চাঁদ তোমাকে খিরে

আমাদের স্থান বাত সব
শেব হল; এইখানে রাখা থাকা
সণ্ডিত কবিতার শব,
তোমার জ্যোংস্নার রঙে আমরা অবাধ
কলম ভূবিরে এতদিন বা গিরেছি লিখে,
জানি আর ভাঙবে না তোমার হাসির ওই বাঁধ,
আর কোনদিন কোন কবির নিরিখে।



川端康成

হর। ঠান্ডা হাওরার চারদিকে একেবারে জনে

গিনক। এখনো ফিরেছে কিনা কে জানে। খাল রাতে বে ভার কি হলো কেউ ভা বাৰতে পারতে না।

রাম্ভা থেকেই গিনকোর ব্যরের ক্রির . গরজাটা দেখা বাজে। শিশিরে কচিগ্রেলা ভেজা। ভিনটি বেরেই গিনকোর ক্যা ভাবতে ভাবতে এগিরে বার। ভারপর গরজা খনেই—

"গিনকো—?" **"তা. তা**. গিনকোই তো!"

वित्रम शूतकात्रश्र छेशनगणिक है।

॥ व्याउँ॥

নাট্যরে গিনকো কিন্দু শেষ পর্যক্ত
নাট্যরে ফিরে এল না। ইতিপ্রের্ব
অভিনরের কাজে কোনো দিন সে
অনুপশ্থিত হর্নান, মহড়ার সমর কখনো সে
বিকাশবঙ করে নি। এ যে তার সমরানুবতিতা
—তা নয়, বরং ঘরের বাইরে কোখাও
বেরোতেই সে আলস্য বোধ করতো।

মহড়ার কাঞ্চ শেষ করে আয়াকো বখন বাসভায় বেরুলো তখন ভানর হরে গেছে। পথের ভিখিবীরা খাবার দোকানের শেষন দিকের দরকা থেকে আলোর দিনের বাসী খাবারগুলো কুড়িরে খাকে। প্রচন্ড গাঁতে ভারা একেবারে কুক্তরে গেছে। এক আর্থ জারগার রোদের আলো এসে পড়তে গাঁরে করেছে। অবলোকেবর মান্দিরের পাররাগুলো ভাদের ভানা মেলে দিরেছে সকালের আকাশে। রাজে মহড়ার করে বাবাবেশির করে রাসভা দিরে হেটে চলেছে। প্রভাকেরই শোশক একোমেলো ভাবিন্যুক্ত। পিতের রাসভাগার্লো পভ রাতের শিশিরে এখনো ভেলা।

"আমাদের কিম্বাটি একটি বৈচিত্র ধরনের মান্ব। ধর বােধ হর শীভটিত বলে কিহ্ লালে না।" ছােধকা একট্ হেসে হাই তুলভে তুলভে বলল। 'গিমকো না আসার মেকের ওপরে শুরেই কিম্রা সারাটা রাত দিবি। ঘ্মিরে নিল। মেকেতে ঠান্ডা লেগে বাবে ভেবে তুলে দিলাম। তথনই কিম্রা আমাকে বলল, নাটকের কাল ছেড়ে দেবো ভারছি; এর চেরে বিমানের চালক হয়ে আকালে রামধন্র ভেতর দিরে উড়ে বেতেই আমার বেলী ইচ্ছে করে।"

"রামধন্। এই ছেলে কোনো দিন রামধন্ দেখেছে নাকি? ও মান্য স্থাবার আকাশে রামধন্ দেখবে—অসম্ভব।" ফ্জিকে: অত্যত্ত স্পট্ভাবে কথাগ্লি বলন।

কিন্তু ছোওকো কিছু না ভেবেই একট্ মজা করে বলল, "কিম্বা বলি এরেংকন নিয়ে রামধন্র ভেতর ঢোকে, তা হলে জত আলোর ও একেবারে ঝলসে বাবে।"

"পেলনের চালক হতে গিরে কিম্রা মাটির তলার রেলের কণ্ডাক্টর হরেছিল। মছার বটে।" এ কথা ব'লে আরাকো মনে মনে হালে।

কিন্তু মুজিকো একট্ব উত্তেজিত কর্তেই বলে, "ভাগা আর কি। গিনকো না আসায় নাকানে মলাইরের ফেলাকটা প্রথম থেকেই তো ভিরিকি হরে ছিল।"

শহরের মাটি থেকে এখনো কুরাশার সং পর্দা সরে মার নি। নিজন রাশ্চা দিরে একটা গাড়ি বেন সাভাবে ভেনে বেরিরে গোল।

भौरकत बाक्त अथरता खन कारणे नि मरन

"হানাকোর সংগ্য শুরে।" "তবে মহড়ার সময় গেল না কেন—িক লগাব?"

"মনে হচ্ছে, দিবিঃ আরামে ব্যোছে।" "গিনকো, এই গিনকো—।"

"थाक्, धाक्, एछरका ना।"

"की ज्ञानदा"

"খ্মনোর সময় সহিটেই ওকে ভারি স্ফার দেখার।"

"ও কি নাটকের জামা পরেই শারেছে নাকি?"

\*मा मा।"

ছানাকোর সপ্যে তবে ফিরে এসেছে না-কি ?"

"উ:কি কনকলে গাঁত ৱে ব্যবা!"

"করেকটা খবরের কাগজ বোগাড় করে একট্ব আগনুন অনুলাও না।"

"আরে কাগজ এখনে কোখার পাবে?" "এই খাটটা দেখতে কেমন ফেন ভূতুড়ে-

ভূতুড়ে লাগে।" "ৰবটাই বিচ্ছিবি।"

"গিনকো, গিনকো" বলে সবাই ভাকাভাকি
আরম্ভ করে। হাঁকডাকে হানকোর প্রথমে
হ্যে ভেঙে বার। ডোখ খ্লেই সে এদিক
ওদিক তাঁকিরে দৈখে। তিনজনকে দেখে
হানাকো ম্য চোখেই একট্ হাসে। ভারপর
পাশ কিরে সে গিনকোকে জড়িরে খ্তে
গিরেই হঠাং বেন চমকে উঠে কসে। খাটে
বেকে সে ভাড়াভাড়ি নামতে নামতে চে'চিরে





रनदे नीवनकात मारव दानारका शिनरकारक कांकृत्व बरव जानाव क्येनटक मृत् करव

বুলে, "গিনকোর গা বে বরফের মত ঠান্ডা!" হানাকোর এ চীংকারে কিছু না ব্রেই সকলে গিনকোর কপালে হাত দেয়।

দেটি ছিল গিনকোর শীতল মৃতদেহ।
কপালে হাড দিরেই তারা দেখে একেবারে
বরক। তব্ পারে ধাকা দিরে গিনকোর নাম
ধরে ভালা ভাকাভাকি চেটামেচি করতে
থাকে। ভারা কে বে কি কথা বলাছে
ভিলেন্নাই ব্রুতে পারে না।

কিম্রা যে কখন দরজার সোড়ার শাশত একটি হাওরার মড এসে বড়ালো কেউ অক করন না।

"ছানাকো, হানাকো, বলো গিনকোর এ কী হলো? ভূমি ভো এর কাহেই শ্রেছিলে?"

"कावि कामि मा, कावि किन्द्र

कानि ना।"

্পত্মি পালে প্রেছিলে, আরে সিনকো কখন নারা গেল তুমি জান না?"

"আমার আসার আগে থেকেই ডো গিনকো ঘ্নিয়েছিল। একলাই ব্যোজিল। ঘ্যের মধ্যে ভেকে বিরম্ভ করব না ভেবেই—"

"আন্তে আন্তে পাৰে দরে পড়লে?"
হানাকো ৰাড় নাড়িয়ে বলে, "হারী।"
হানাকোর চোখে ততকলে জল নেমে এসেছে,
ফুশিরে ফুশিরে কাদতে শ্রু করেছে।
এই দেখে জন্যেরার একসংশে হঠাং
কাদতে গ্রু করে নিজ। সেই অবন্থাতেই

কাদতে প্র করে নিজ। সেই অবন্ধাতেই
'প্রিস', 'ভাভার' ইত্যাদি কলে চে'চাতে চে'চাতে আন্নাকো বাইরে বেরোডে গিরেই দরজার সামনে কিম্রার সংশ্যে ধারা ধার। স্থাবে!" রীতিমত তীক্য দ্ভিতিত আরাকো কিম্বার দিকে তাকার। ভারপর কড়া সুরে কলে, "কিন্তাবে এ ঘটলো?"

কিম্রা ব্ তিনবার অধ্যাসভাবে মাথা নাড়ার।—"এ আমি কিছুই ব্রুতি পারছি না। এই সকাল পর্যত তো আমি ভৌজেই ছিলাম। সারাটা রাত সিনকোর জনাই অপেকা করে রইলাম।"

হানাকো নেকেতে উব্ হরে বনে ক্রিপছিল। হঠাৎ সে দেকতে পোরে খাটের তলার হামাগন্ডি দিরে কি কুড়িয়ে আনকো। কেটা ছিল সাদা ওব্ধের একটা ভিতে মোডক।

মোড়কটা দেখা মাত্র ছোওকো বললে, "এই মেরেটাই মেরেছে—হালাকোই ভবে বিৰ খাইলেছে।"

"না, না।" হানাকো চেণ্টিরে আপত্তি করে। তারপর চোখ দুটো ফু'চকে কিন্দ্রার দিকে আঙ্গে বাড়িরে বলে, "ওকেই আরি খন করবা।"

সেই মুহুতে স্বাই কেমন ক্ষে চুপ্চাপ হরে বার। সেই নীরবভার মাকে হানাকো গিনকোকে জড়িরে ধরে জাবার কাদতে প্রেয়

"না, না, হানাকো, ছেড়ে হাও"—বলে আয়াকো হানাকোর হাতটা গিনকোর গলা থেকে হাড়িরে নিতে থাকে। আয়াকোর তথনো কেন মনে হয় গিনকো বে'চে আছে। "গিনকোর দেহের কি আবার স্কলা তদক্ত

র্ণাগনকোর দেহের কৈ আবার স্থানা ভদস্য হবে নাকি?"

শ্দতিটে কি ও মারা গেছে? আর কৈ কোনো আশা নেই? ও কি আর বাঁচবে না ফ বলতে কণতে ছোওকো আরাকোর একেবারে গা বে'বে দাঁড়িরে গিনকোর কিকে ভাকার।

কৈন্দু ছোওকোল এ সৰ কোনো কথাই
আনাকোর ভানে বার না। সে প্রিল,
মাননা ভালত ইডাাদি ভালতে ভালতে
গিনকোর আরো ভাছে উঠে বলে। ভারপার
লোপের মধ্যো গিনকোর ব্রুক থেকে পা
সর্বান্ত আলেত আলেত হাত ব্লিজে লেখে,
কোখার এতট্কু কোনো এলোমেলো ভাল
নেই। এই দেখেই আনাকোর মনে পড়ে বার
—ব্রধনার সমর গিনকোর বিহুক্তনী ভালি
স্কল কোনি না, সব কো ব্রুক্তে পেরে
গাছি বলে আনাকোর মনে হয়। আনুকা
হরে সে আবার গিনকোকে জাড়িরে বরে।

কিব্রা দেওরালে ঠেল গিরে শ্রে দ্বিতি নীরবে গাঁড়িরে থাকে।

আনলার সালা পর্ণাগ্রেলাই শুব্র উল্পান্ত দেখাছে, কিন্তু সভালের আলো এবনো বরে এলে পেশিছোর নি।

(4414)

चन्यान

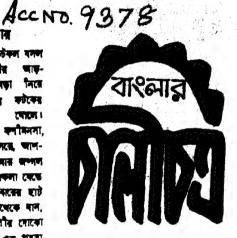
काबद्ध बाबद्धा ३ वर्गवान्त्राम क्रीप्राय



नामग्रहात वस नतमान

610 বিশ শ্বে আটাল সালে চটকল বসল भागमात्र राजनी महीत जाए-वाधित क्षणात्। विनयान्यास मका नित क्षेत्रावेशीत क्या विकासन, विक क्षेत्रक भाष-भ'्रामान्य इन्द्रकाह, श्रांद्रा, रक्षकींग, क्ष्मीवनना. विक-सन्दर्शन, बाज-बर्ग, जन्मानितः, जान-नारका, कार्राट क्षीयर क, बनकामात कनान किन नगीत बाब निरम बहानक। अकना त्यरक क्षा क्रिकेट केंग्रेस । जीन-मण्यानात्त्व हाएँ बज्राक भाष्मगत्क। चीवेब त्नीत्का त्वत्क वान, কটাল কিনভ লোকজন। বাক্সীর গোৰো । লাকচা বেগনে আসভ হাটে। এক পরসা সের। আসড হালি শহরের কুমড়ো। একটা আধ্মণ ক্মডো-খোকো দাম দু' আনা। थान मू' होका हात्र जाना भग। जनन हात्रहें করে জন-মজুর টাকার। দেও দের সাত-পো একটা ইলিশ এক আনায়। বোলটা ইলিশ শালগভেত্ৰ ৰাজ্যৱে ইলিলের 'दोल' फिक ट्राइटलका। बाटकाब दर्गादका ভাসত নদীতে। নদীর ছোলাজনে লালতে-হৰে -বাওৱা-গামছাৰ - কোপীন-জাটা - ডিজে গা কালো-চেহারার জেলেরা লাল চোধ মেলে বসে বসে হাটের মাঝখানেট ভাড়ি খেত. গাঁজা টানত। মাছি ছিনভিন করত পাকা আম কটি।লের গারে। একটা টাকা ট্যাঁকে খানে নিৰে হাটে এলে ডিন বাপ-বাটোছ সেই পরসার মাল বরে নিরে যেতে পারভ

'এমন আকালের দিন তখন ছিল নাং' —कथा वाल जान्वात्र हालमाव। **ह**-काटीत গুপর দীর্ঘ চেহারা ব্যক্তার। বরস এখন নাকি তিন কৃতি দশ। कি চার কৃতিও হতে পারে। কে আর গ্রেণে রেখেছে। বাপ ছিল মুর্খ। সুন্দর্বন কেটে ভারা বসভ করেছিল এখানে। নিজের হাতে কত গণ্ডা কথ মেরেছে নাকি তারা ৷.. শামগ্রেছে চটকল ৰসতে মোরা কাজ শিখতে গেন্। মুই তথন জোরান। মোর ভাইপো সিরাজটাকে লিরে বেতুম কাজ শিশতে। বড় সারেব 'তালার' বখন জুতো মসমসিরে আসত চার-দিকে চেরে চেরে, মুই তখন সিরাজকে সরদারের হৃত্তম यक একটা ভাই বোডা' চাপা দিরে রাখভূম। সারেব কাছে এলে इ.८० व्यस नामाय क्लिका । त्रहे निज्ञक, নবা, ৰক্ষে, রহমান, আজাহার স্বাই সার-পোৰ' (সংডিস) 'পেনসিল' (পেনসন) লেৱে ब्रिका-रावका राज मान राजा।" अवाहेरतव मागरहरून रक्टम रगरह। रममात काटक কোরীরা কাব্লীর হাতে বার থেরে বেছে। "ग्रहे मृत्यः अवस्ता काहि। सात नाव्या क्ष मार्टनकार, क्ष शब्द क्षा रशब्द



**इ**ऐक्लब यहान इस इलिस वहार छाउ কেউ ভোলে না। আমি পরলা 'ইস্পিনে' শিখ। ভাপ্তি त्यस्य मीन <u>খোলা হাতের তেলো</u> দিরে 'টেকো' ধরে হাতে পারে বাদরের মডন কডা পড়ে গেল। তথন হণ্ডা' ছিল জিন টাজা চোন্দ খানা। ছ-বছর পরে এন পেরানে সেখান খেকে বিমে'। হাতিকল খড়িকল পাঁজচাপা, রোপিং, বোগিন, ফারেনলি, ইন্পিনিং, দেৱান, বিষ, তাঁত সৰ 'ডিপরেটের'ই কাজ আমি জানি। আমি হরে গেন, বড় সরদার। দেশ স্বাধীন হবার জাগে। সারা কারখানার একশো জন সর্বার —তার এপরে বড় সরদার আমি। ভত নম। কেরুলী বাবরো আহাকে সালাহ <del>করত। আমি বার কথা বলব ভাকেট কাল</del> দিতে হবে। বড়বাব, বললেও আমি কাজ



नक्ष रका नक्ष बरंगमास नाम-यूरपा देशाल बारमास्त्रा जनस

জানে মা' বলে 'মাকচ' করে দিতে পারতুম ।

ম্যানেকার সারেব আমার কাছ থেকে পতি
হাজার লেকের হ'ল-ইদিস নিত। বাব্দের
সম্প্রেক আমার বিলোট হি চ্ছাল্ড। কে
কেম্ম চুরি করে, কেন্ সম্প্রেক তার নিজের
বরের কাজে কর্ত জন ক্ষাল্ড লোক হাড়ে,
কর্ত গতি পার্ট এল, কন্ত গতি চট পার্যাকং
হরে জেন বিরে আহাজে নামল আম্বাস
আলীর ছিল সব মধ্যপ্রেণ। ভার চেন্দ্র
ভান এজারতে পারতে না কেটা গ

হালগারের পিটাপটে চোখ গুটো দেখলে সে বে ব্যাশিক্ষাল ভা ব্যুবতে কন্ট হর রাঃ ভূর গুটো ভার পেকেছে পেকেছে রাখার অর্থেক চুল আর দাভিগনুলো। আম্বাস আলীর হতে রুপো বাধানো দামী ছড়ি। অখন ভার দোভলা পালা বাড়ি। হল করে অসেছে মজা খেকে। আল গাঁরে একটা সালিশি বসলে ভাকো সেই 'আম্বাস হাজাকৈ'।

**445...** 

"একবিন ছিল আনাত ভালপাতার কুছে। বৰ্বাকালে মাটি-কাদরে মেৰে থেকে কেতো উঠত। বড়ী মাতিকে কলেভি হয়ে বৰের মতন বসে থাকত সারা রাজ क्ष्या। अक्षेत्र क्ष्म्य क्ष्मि ना। क्षिम ना **এक्টो 'एडस्कन' (इप्रदिक्न)। या श**रबंड ৰাডি চে'ৰি ঠেভিরে বে এক-আধ হঠো 'ধ্য' পেছ ভার জাউ থেরে কলে বেভয়। একদিন বুৰ পানি হছে, মানপ্ৰতা মাধ্যয় দিরে কারখানার সেছি, আর পড় তো পড় भागा क्रक्वारत माम-मार्चा देशस्य मान-कारतेव माम्रत्न। मारतेव कार्क क्रम । পাতাটার হতে দিরে দেখলে। নীল চোখে আমার দিকে চেত্রে রুইল। আমার জো পরাণ খাঁচা ছাঞা। পাতাটা নিয়ে সারেব তার কৃতিতে চলে গোল। ভাৰন,ে মহা অপরাধ করেছি। কারখানার 'ভিংরে' কেন শালার মানপাতা 'লেস্ডে' (লিরে+অসভে) গেন, মই! চাকরিটা আমার বাবে!"

"বেলা নটার সমর দেখি মোরা সারেব
কারখানার এসে চ্কেছে। সবলোকের পাশে
পাশে বংছে, ভরতার করে কাকে বেন
খ্জিছে। শেবে আমাকে বেবাতে পোলা।
আমার দিকে এগোডেই, ওরে বাপা—বে
পালা দেড়ি…বিমের পেছনে ল্লোক্ম।
সারেব ঠিক এসে বরল আমাকে, মোরগ
বেমন ছুটে এসে বরল আমাকে, মোরগ
বেমন ছুটে এসে বরল আমাকে, মোরগ
বেমন ছুটে এসে বরল আমাকে, মারগ
বেমন ছুটে এসে বরল আমাকে, মারগ
বামন ভার আরকে।...আমার পাকড়াও
করে নিজের আরকে।...আমার পচা মরলা
আমানভালা মবে-বরা আমার কলার বরে
নীলা-চোখো লালা-মুখো সারেব টেনে আনলা
আমিকো। নিজের খাস-কামরার। বড়বাব্
পিরারীলালেকে কর্টা ক্রিকরে ভেকে

হৈনং ইওর ক্যানেভান ! সামেৰ খুণী। দীল চোখ নাচিয়ে ফলকা। কালে, কামৰ হাতা নাই !'

লা হতেরে বাবা গ ভূমনা আউন্ন কে আছে? ভালতকৈ হ্যাকী গ

िका सारे का राज अवके जागासका। प्रांतक। नामिन नाका।

ৰাম্পৰ কৃষিকা বিজ্ঞান এক কঠা। কৃষিক দেই।

সাজেওকা কল ধালা আমাকে। কৃঠি-কান্তিতক নিজে ওপল। অবেকা সংশ্ব শক্ষিক কান্তিয়ে দিলো। জাকা কাপাড় কালা কিলবার জীকা দিলো। সালার করা নিজো। দশ জীকা হাকা কথন। উপরি আন্তর্মানশ



कारमधेश वर्षि कुमान मारहर

দিত সরকারের নজরানা। একদিন সারেব
কলকাতার বাবে—বোড়ার গাড়ির কোচে
উঠে বসতেই গাড়ি উসবিগরে গেট হৈছে
বেরিরে গেল। হঠাৎ দেখি, সারেব বাাগ
কেলে গেছে। চেন টেনে দেখি অনেক টাকা।
টাকার কাশ্ডিল। ছাটলুম সারেবের গাড়ির
পেছলে। অনেক বরে বেরে চেটামেটি
করে তবে ধরন্। সারেব নেমে এল।
মর্গ দেখে অবাক। আমার পিঠ চাপড়ে
দিরে গেল। আমি হরে গেন্ গোটা মিলের
মারেক শ্যামগঞ্জের কড় সরলার।

ভারণর সেই সারেব এল আমার বাড়ি বেখকে। নাম ভার হেনরী মিচেল। এই

তিরিল বিষে বাল্ড ভাঙা কিনে বিয়ে গেল জিন হাজার টাকা দিরে। দোভলা পাকা বাভি সেই বেখে দেবার খনত জোগালে। মিচেল ছিল আমাদে লোক। আমাকে নিয়ে বেডাতে বেরুত। হে'টে হে'টে গাঁরের পাড়ার পাড়ার বেডাম। রারপরে কাশী-পরে, আলমপরে, হাসনাচা, আছিপরে, রাজিবপার, গদাখালি, নলম্বীত কভ প্রামে বেতম। ছেলেদের দেখলেই সারেব নাচতে বলত তাদের সামনে পরসা ছড়িরে দিরে। তারপর ফটো তলত। নথ নাকে কিবা নোলক নাকে কোনো মেয়েকে দেখলে সারেক ভাদের নথ নোলক ধরে নাড়া দিয়ে মজা করত। তার ভাষা তথন সব আমি দ্বেত্য। একদিন হল কী জানো ভাই. গদাখালীর বাঁশের সাঁকো পার হয়ে আসতে পারে না একটা কাদের অতি সংস্করী বছর আঠারো বয়সের মেয়ে। সায়েবও বাঁশের সাঁকো পার হতে পারে না। আমি দ<del>্রেনকে</del> পার করে দিলাম। মেরেটার ছবি ভুলালে সাহেব। মেরেটি মিশ্টি মিশ্টি হাসভে লাগল আডে আডে। আর বাটো সারেব ৰুৱলে কী তাকে 'কলকে' ফুলের বনটার পালে ধরে চুমো খেরে দিলে। মেরেটি मञ्चाद नाम २८३ भानाम । मन्छा छोका দিরে আমি তার ঠিকানা কেনে নিল্ম সায়েবের হৃকুমে। তারপর মেম আমাকে সেই মেরেটির ছবি দেখিয়ে বলেছিল, কে এই মৈয়ে? সায়েব নাকি রোজ সম্পার পশ্ লক্ষ নিয়ে বাহু কটাখালির ছাটে-প্রথম দিন সে মামার বাড়ি আসছিল—সেখনে ল**ং** প্রতে মেয়েটি। ভার মা বাপ লানে। ভারা णेका त्नत्।'...



रिमदाना मारास्य यक्त भारतरहा स्थादक क्षरण करण रशन । विद्यारे वक्षरणाक काता । বিলেভে বাভি পাভি বাৰসা ছিল। ভার बक्ते किर्ति चात्र चामास मात्र ।"

रूटका जान्यात्र हालगादाता त्राफ दकी। त्राक्षथामा **यस काला क्थन क्टलटह**। हिटन टकाठांत्र बाटक अवस ब्ह्हाः रहात्रका स्वटक সারেবের চিত্তিখালা বার করে এনে বেখালে। छभरमण नागी भावितारक एवनही जिल्ला।

न्द पूर्व जानस्य। बारन बरन रनावेत-পানিতে 'অহ' কালে আলাস আলী। মাদরে বিভিন্নে স্বলমেবের নামান্ত পঞ্লো। द्या श्री-मद्राप अवटक माधन चटनकका।

হাদ খেকে শ্যামগজের লোটা মিলখানা ল্পান্ট দেখা বার। বার্লাহ পাইজাহানের তাজমহল দেখার মন্তন আন্দাস আলী কার-খানাটার দিকে ভাকিনে খাকে। প্রতি প্ৰিয়ার এখনো ভাকে একবার বেতে হয়। বাব্রা চেরার দে**র। 'পেনসল' পার হালদার।** মাদে চলিল টাকা।

শ্বধোলাম, কৃষি বড় সরদার হরে বে টাকা কামিরেছিলে সেই টাকার বাড়ি, সেই টাকার মজার গিরেছিলে বলে কেউ কেউ क्रोह, त्मरों कि मिका?

হলে বাওয়ার ঠাকা আমার গভর খাটানীর। শানেছিলাম কালো টাকা নিরে रगरन नाकि जातरवत्र छे निर्देश त्नत्र मा। আর হজ জারেজ (মনোনীত) হয় না। যাভির টাকা মিচেল সারেবের। করে বে-সব টাকা দিয়ে শতখানেক বিখে জমি কিনে-ছিল্ম সেগ্লোর কথা কলতে পারো। পরের টাকা না হজে বড়লোক হওরা বার না। মিচেল সারেবও অনেক ট্রাকা মারত!

'তুমি বে সতেরোটা গরু, একলো খাসী, धकरणा भग ठाम, फिल स्नोटका नरे करत সাতটা গ্রামের লোককে ইস্ভাহার ছড়িরে 'খানা' খাইরেছিলে ভার ধরচ কোথার टगटम ?'

'সবই আল্লার দরার ভাই। ঐ চাদনীর প্রুরটা কাটাবার সময় দ্-খড়া সোনার মোহর পেরেছিলাম বাদশাহী আমলের। সে সব धे मान्यकनरक बाहेरत रणव करत निरव-ছिन्छ। लाटक यतन अक्को 'काटना कीन' আছে নাকি আমার বাস্চুতে—সে সব জোগার আমাৰে!' হাসতে বাৰুল বড়

অনেককণ চুগচাপ। আমাদের চা বিষে গেল। আলো জনুললে আন্দাস হালদার। বললে, টাকা হল গাতের দালি। স্থন আলে রাশি রাশি। ব্যন বার ভটার টানে কেরিয়ে বলা। আৰু আহার কর বেরিয়ে टगट्ड। ट्डरम्बा ट्यंड ट्यंथामक नियान मा। जामहारमस जीव गर रंगीसरस रकान्या दता राजा। टब्स्मका अन्त बारत गा। व्यानाम क्या निर्म क्या कार्यकास वास्त्र ।

কেউ ভাতে বিজে দেৱালে বোণিলে কাৰ रकराक्ष कांत्रधानात वात-नातन-गटका कार्यानाम बारणा वान ट्यानलाड बारमा बाह्र मा ट्योग्सा। अन्य टानकी ব্জনেই খাঁচ। পাৰা প্ৰৱটাও গোখে रहार्थीतः। यदन जात चात्राह मा। जान अक्टें ग्रंथ शार्ट मा। डाटनब ग्रंब अक टीका আলী পদ্ধসা কিলো। পড বছর তিন টাকাও হলে গেল। একা আমার বাভিত্র সামনে ছেলেদের নাম ধরে কাব্লী এসে श्रीक शास्त्र। भागामध्य अधन नृत्या जन ভাষ্ট্রী, আডাই হাজার ভিন জারগার লোক এসে আছে। ভাষের আগে কাল দিভে হর। ভারা সক্ষই নাকি 'কমিউনিস্টি'! অনেক 'वाक्षान'-वायः अटमरकः। अशासना रमारकना काम भावक मा। छटन देखेनियम स्टब्स्स, 'छेदाहेर नाम' शरहरू-व्यत्नक चण्डा'-छन् আজাদের কালের বতন সুখে নেই। কার-খানার লোকগুলোর চেহারা বেন মুখপোড়া হনুমানের মতন। আমার সেলো ছেলেটার बच्च ब्राह्म कावा। इजेल दर्जाचन करक द्वारप

ভিনতে পারিনি। মূখ পুড়ে কালো হরে লেছে। দশ বিহে করে ধানক্ষমি দিয়ে-ছিল্লে সন্দাইকে-স্বাই উড়িরে দিরেছে। ध्याक्षकी जानात मन शास नानि। प्रध्या আস্ভাগু কের্ছা !'...

একটা হাঠ পারের বিস্তীপ এলাকার चाच चानक कार्याना भाषशास । ठावेका কাইবার, লিনোলিয়াম, জ্ঞাসিটিলিন গলে, স্থালনিরাম সারবাইড, কাপেট, পাওয়ার হাউস কত কি! হাজার হাজার লোক কাজ कराह । बाकामी, क्षीसता, त्वराती, र्हामता, ভোজপরী-ছবিদ ভাত-হরবোলার মতন ভাষা। কর্কন্ করছে কারধানার শব্দ ব্যক্তদিন।

राजी जान्यान शानशांत अवरता मरत নাই ক্লিকু ভার সালা পাকা করবটা রুচির क्यारमात **श्यार कार्य। क्रीमर्गी ग्री**गाइ शम्य जागरह रमसन स्थरम।

হেনরী বিচেলের চিঠির ভাষার জটিল ব্যবাদী কেট নাকি পরিকার ভাবে ব্যক্তির ক্ষাত পারেনি আন্দান হালদারকে। বড-

#### नाहक । नाहेक !!

ৰমেন লাছিডীৰ

**এলেম नेफून स्टिन** नाम : ०.२४ ভিল সূর, স্বাদ ও বিবরবস্কুর মঞ্জন্মল भूमान नाएक । अकाँग्रे तम्मे/मूर्गि म्हाँ

অপ্রিণ্ডের কিল্ড নাটক নর र्शाम/बर्गांते (मधे/बर्गाते को/०-२६ তিনটি একাংকিকা

ন্ত্ৰী ৰন্ধিত পত্ৰক্ষারপ্রাপ্ত সিরিরাস/৩-০০

(सर्वे अकाशिक

माम : d-00

পৰিই প্ৰকাশিত বজে প্ৰকাশ কথা একং মনেক কাহিছী সম্পাদিত বিভিন্ন প্রতিবেলিকার এবং যে কোন স্বাচন পতিনয়ে উপাত্ত গণজন প্রেণ্ড সাটাকারের नर्नाते मध्यम्म अकार्क मातेक। जीवकार्त्यरे ন্দ্ৰী-ব্যৱস্থা।

বে ক্রোন নাটক ও উপন্যাসের জন্য লিখন।



नीजमा अकामनः

80, विभिन्नीवहारी साम्युक्ती नोंक्रे, क्वैन-५२ OF WI, SHIP I 00-05-0V



ক্ষাৰু পিয়াৱনীলালা আকলে কলতে পাজত। মুহতে। টিঠিতে লেখা ছিল ঃ তিন্ত মাটির পাতে কড়া নল ধনে রাখা কঠিন। अक्तिम इ.कि रख रमल रमावी कावशामा। क्छ दाकाद क्लाकटक क्रिक दानगढ, उन्हें किर्तिको काम करत शक्रदक शास्त्रीन।

चारि भएक मिर्ड राजी जान्यान राजनाव

দে পাটের পঠ চাপা পড়ে করে গিরেছিল আন্দাস, তুমি মানপাক্ত লাখার দিরে কার-करन निरंत धनाम। वनि कथरना विशरन পভ আমাকে লিখ। তোমার মধ্যে আমি अक्कन वीर्वान, अफ्रीतर, प्रस्तशासक स्मर्थ মুশ্ব হক্ষেত্ৰাম। বহি ভূমি কেখাপড়া कानरक काररम काम ररका। इकम मा कौता

তোমার হেলেদের মান্ত করতে না পারলে খানার এনেছিলে, তোমার মাধার রাজফার কাকড়ার বাক্ছার মতন তারা তোমাকে খেলে শেৰ করে ফেলৰো ভোমার বোলা পড়ে বাকৰে। ভূমি ক্তর হরে বাবে। ক্ষতএব जानवान, नर्य रठीर काना कृष्टित भावता-नामभाक्षत हर यह अवस्था !"...

जाना जनाव





"The green revolution has taken hold . . . If India can feed itself. if its industrial growth rate conti. nues, and if its leadership continues to demonstrate its sense of social reform, including population control measures, it can become an even more important force for श्रामकारी stability in all of Asia." বলেভেন আমেরিকার সহকারী সচিব জোসেড ছে সিসকো। পরিবেলটা ভিল তাদেৱই হাউস অভ করেন আক্রেরারস কমিটি। ছাপা হরেছিল ৯ জ্বাই ১১৬৯-এর জাপানের কোনো এক সাম্বা দৈনিক-পত্রের ভিতরের পাতাতে, খবে ছোট করে। मत्न एक अमनदे अकृषि बहर जाकारत्त्र ग्राथवन्त्र वा फेल्नमा नित्तके सामात्मव श्रधान-মন্ত্ৰী করেকদিন আলে সরপ্রচাচা সকর করে গোলেন। ভারতে বহু কবিত এশিরার দ্রপ্রাচা প্রতিবেশী মহলের সংগ্রাসবাভার উদ্দেশ্য অবশাই প্রশংসনীর। আরও ভাল লাগল বে ভারতের আঁস্ডান্তৰে ভাগানে এক

মহাজ্যজার "প্রেরদশিনী", এবং তারই
মল্টাশ্যা পাণ্ডভ জওছরলাল নেহর্র
ভাবনাশভিতে উদ্বৃদ্ধ একাণত আদরিশা
এবং শ্বহুদ্তে গড়া, ভারতের গণতল্যের
শ্বীকৃতির প্রতিকৃতি আমাদের আভকের
প্রধানমন্দ্রী শ্রীমতা ইন্দিরা গাণ্ধী জাপান
ব্রে গোলেন। তাকৈ প্রধানমন্দ্রী হ্বার পর
এই প্রথম দেখলাম। দ্বু-এক জারগার কথাবার্তা পোনবার সেভিগাও আমার হরেছিল।

বিশেষ সময়ে দীপ্তভাবে ঘোষণা করে

7917 MAI

গত বছরই একবার কথা হরেছিল আসবেন। আসা হরে ওঠেনি। থবর হিসাবে বলা হরেছিল বে, ভারতের রাজনীতির আভাশতরীণ গোলবোলাই নাকি এর কারণ। তংকালীন কাগজে বারবার ওই কথাট্কুই উত্থাপিত হরেছিল। এবারেও বে হর্নিন তা নর। বেমন থোরে ভারতের প্রধানমন্ত্রীর সব থবরের শেষে একবার করে মনে করিয়ে শেওয়া হরেছে, বার সোজা বাংলাতে মানে নাঁড়ার, জাপানের কছে থেকে হাত পেতে কিছু বেলী চাওয়াটাই এই পরিভ্রমণের একটি মূল উল্লেলা। এই সংবাদভিতে বে শাহ্য আমার মনেই পটকা লেগছিল তা নর। বধন দেখলায় শ্রীমতী গান্ধী বিবেশী



টোকিওর বিদেশী সাংবাদিক সম্ভোগন ভাষণ দিছেন শ্রীমভী ইন্দিরা গ্রাম্বী

সাংবাদিক সন্দোলনে নিজে খেকেই কথাটি তুলে বললেন বে, তিনি লক্ষ্য করেছেন ভারতের কোন কোন সাংবাদিক কথা তীর এই পরিক্রমণের উদ্দেশ্য খেকে শুখ্ সাহায্য নেবার পরিকল্পনাটিই মূল্যমণ্ড করেছেন। কিল্পু তিনি সকলের উদ্দেশ্যে জানাছেন বে, তিনি শুখ্ এই একটি কারণের জনাই আসেন নি। তিনি ব্যক্তিগভাবে শিখতে এসেছেন অনেক কিছু। অবশাই ভারতের আজ সাহাব্যের প্রবেছন।

সব দিক খেকে বিচার করলে দেখা বার জাপানের সাধারণ জনগণের মনে তেমন কোনো সাড়া জাগে নি! বিচারের প্রখন হিসাবে অনেক পর-পতিকা বারো বংসর আগের নেহরত্বর কথা উল্লেখ করেছে। তব্ভ বেট্কু সাড়া দেখা গোছে ভা ম্লভ খবর হিসাবে বেট্কু বার হরেছে। কারণ'— নিজেকে জিজ্ঞাসা করেছি, ভেবেছি— আজকের অধাকরী বাদ্যবভার এর বেশী श्रुवरे वा एकन ? छात्रास्त्र श्रुवानमन्त्री शिजादव ৰ্ষি আকৰ্ষণের একটি পালা থাকে, ডাহলে অপর পালাতে নেহরতে কন্যা আর নারী প্ৰযানমন্দ্ৰীৰ ব্যৱহাত পৰিচিতি জাপানের মানাবের কাছে বেলী আকর্ষণীয় মনে হরেছে: অত্তত সংবাদ সরবরাহের সমারোহে সেইটাকুই আমার মনে হরেছে। আমরা এখনও ভলতে পারিনা, ভারতের ঐতিহ্য বৌষ্ধমের মাধ্যমে কি জাপানে আসেনি? ভারতই একমাত্র দেশ, বে দেশের মানার তঃ রাধাবিনেদ পাল মহাশর্ট কি ভেনারেল তোজোর 'দেশদ্রোহী' আখ্যার প্রতিবাদে मीफ रात अर्ठन नि? जात सुम्थ-स्मरव ধ্বংস-প্রায় জাপানের দুর্দিনে ভারত কি রছ-খণ গ্রহণে অস্থীকার করে নি? সে সৰ তো আছকে প'্ৰথির কথা। না-বাজনীতি আর ইতিহাস বড কণভপরে বা জাতি-नमाक-मान,च श्रीष्ठ म.इ.एउ छल बाद छल • रबरक क्रको करत, कुरम रबरक कामवारम।

কাগজে, টেলিভিশনে প্রারই দেখছিলাম
ব্রীমতী গাম্পীর জাপান আগমনের খবর।
এর আগে ১৯৫৭ সালে জওহরলাল
নেহের্র আগমন উপলক্ষে ছোট-বড় সব
কাগজই তার জীবনী, ছবি, কর্মপম্পতি
বেল বড় বড় করে তুলে ধরেছিল। আর
ছিল ভারতের নীতি, বা অনেক্টা ব্শেবর
বালীর মত শোনাত, ভার বিশদ বিবরণ।
এবারেও খবর বার হরেছে। বড় বড় করেকটা
কাগজ প্রথম পাতাতে খবর দিরেছে। কিন্তু
তেমন হেড লাইন হরে দেখা দেরনি।
ইন্সোনেশিরার প্রধানমন্দ্রী আসা কালীন
দেখেছিলাম জাপানের সম্লাট ক্ষরং বিমানকলরে উপস্থিত ছিলেন। এবারে তেমনটি
দেখলাম না।

কেন জানি না, এবারে ভারতীয় দ্তাবাস থেকে আমার মতন জভাজনকে টেলিফোন করা হরেছিল, প্রধানমন্তীর কর্মস্চী জানিরে। বেশ ভাল লেগেছিল, কারণ

SOURBB' III

SARABHAI CHEMICALS

এমনটি আমার চার বছরের জীবনে এই কর্মস্কীর একটা লিখিত বিশ্ব প্রথম। সেটা প্রধানমন্ত্রী এসেছিল বিববৰণ পেশছ বার তিনদিন পর। অবশাই অন-রোধের অপা হিসাবে স্মরণ করিয়ে দেওয়া এবং প্রত্যাগমন शरर्शकन रव আগমন দ্ব দ্ব উপস্থিতি। চারিহিক ম.হ.তে বৈশিন্টো, কোনো কিছুর স্বার্থক অর্থ করা ভাব খাবে আমাদের অনেকেরই স্বভাব একজন। অভএব আগমন এবং প্রত্যাগমন-এ উপস্থিতির অর্থ দু' ভাগে ভাগ করে ফেললাম। এক ভিড সভাকারের আশ্তরিকতা। আর বখন বিমানবন্দরে পদমর্বাদার পরি-প্রেক্তি সমবেতবন্দের প্রতি বিশেষ সীমানার ব্যবস্থার কথা শ্নলাম তখন আরও খারাপ লাগল। দঃখের বিষর প্রধানমন্তীকে স্বাগত জানাতে আমার পক্ষে বিমানবন্দরে বাওরা সম্ভব হর্না। তবে পর্যদন দ্তাবাসে

প্রবাসী ভারতীরদের সন্মেলনে, অনেককে অনুসন্মিত দেখে এবং পরবতীতে তাঁকের বিমানবন্দরের বটনার অভিযানহত ভাবা শন্তে আমার ধারণা কিছু বন্ধম্ল হবার অক্তরাত পেল।

২০ জনে লোমবার বিকাল পাঁচটার হানেদা বিমানবন্দরে শ্রীমতী গাম্বী উপস্থিত হলেন। বলা হরেছিল, প্রদিন সকাল ১০টাতে প্রবাসী ভারতীয়নের বিছা বলবেন। ছাজির ছিলাম। ভাবেট শ্রীমন্তী शान्धी বাস্ত ৷ ব্যক্তিগভভাবে আলোচনার প্রশ্নই আসে না। সমর মতন হাজির হলেন। দুভাবাসের বে দরজা দিরে উনি ঢুকবেন সেখানে বিশিষ্ট বাভিদের দশ্ন মিলল এবং সে-পথ দিয়ে বিশিষ্ট ব্যক্তিদের ঢুকবার বাবস্থা দেখলায়। আমার মতন বারা, তাদের বাবস্থা ছিল পালের দরজা দিরে। বেশ কিছু মানুর উপস্থিত ছিলেন। প্রধানমদ্বী अधामके किसाला করে নিলেন সকলেই হিন্দী ব্যুত্ত পারেন ব্যভাবিকভাবেই জনতা নিশ্চপ व्हेटनग् । সেদিন উপস্থিতদেব যাঝে সাধারণভাবে একটা প্রশন্ত ছিল-"ভারত **फेर**न्नभाई वा कि? বিদেশী সাংবাদিকভাব কলমে যে থবর এসে পড়ে তার সভাতাই বা कर्णेक १ F # লাগল এই না বলা श्चम्बर्गाल भारतहे ইদিনবাকী ভাব ভাবপ শাব্য করলেন। প্রথমেই জানালেন তাঁর ৰ্ষদিও উচিত ছিল, বাঁরা এই এতদার দেশ ছেড়ে ছাড়িরে আছে, তাঁদের সকলের কথা শোনা, জানা এবং সম্ভাব্য স্ব রক্ষা স্ত্রোগ স্বিধার ব্যবস্থা করা: কিন্তু সময় এবং স্বোগ এতই কম বে তার পক্ষে তেমন সংবিধা হয়ে উঠল না। মনে করিয়ে দিলেন বে সরকারীভাবে মুখ্য রাজদুত হরত আছেন। ভব্রে প্রতিটি ভারতীর ৰা খতে হবে হে. ভারা ব্যবিসাতভাবে প্রভাবেই ভারতের প্রসাভিত্ত বহন করছেন। সেদিক থেকে দারিছ ভাঁদের কারোর এভট,কু কম নয়। ভাদের উপরই নি**ভার করছে ভারতের স্নাম-স্নাম**। কথাটি খুবই সভা এবং ম্লাবান। কিন্ত বারিগড় অভিক্রতার দেখেছি ক্লন ভা मत्न तार्थ: आवात अमन क्था जनाज्यंना यदन दत्तरथ इंटन किंद्र ৰেডানতে ও সাধারণের কর্ড ব্যব্যান্থ ভারতীর বাহির 270 বিবেচিত হয়। বা**ক সেল**ৰ आचिकिरका । ভারতের বর্তমান অবস্থার বললেন, আৰু ভারতের দানা রক্ষ সমস্যা, অনেক রকম পরিস্থিতির লাক দিরে এগিরে अक्रिक করতেই আরও দশটি এসে হাজির হচ্ছে।



@ दे. बाद. पुरुष अथ नग हेमकार्गाख दिख्य व विदेश दिखाई

shilpi sc 50/87 8em

ৰ্যবহাৰ কারী লাইলেক আন্ত অভিনিধি কৰৰ চাৰ প্ৰেৰ চাৰ

वारेखडे निविद्येत ।

হাম বাৰতে হবে যে ভারতকে স্বাধীনভার शत जन्मार्ग म्छन करत जेव किए गाउँ করতে হছে। ভার বনিরাদ তৈরী করে ভবেই ইয়ারত স্থাপন। দারিত আমাদের সকলের। অভঞৰ ধৈৰ'চাতি ঘটলে চলবে ना। अपन जात्रक किट्ट कथा वनामन। ন্তন কিছু শোনা পেল না, শোনাবারও किছ जिहे। काल अवर देशव अकथा मुजि শ্বাছ, শ্বতে হতে প্রতিনিরত। দেশ-সমাজ-সংসার-কর্মাকের সর্বরই সেই এক **छा।ग এवर देश्य': किन्छ जास नकान ग**्नारङ চার ভারণর? ভার কোন উত্তর কিল্ড মিলল না মেলা সম্ভবও বুৰি নর; ভব্ও মন বেন কি শনেতে চার, সে সব একই কারণে সব কোনে শানেও যারে যারে এক কথা শনেৰে জেনেও সৰ্বত হাজিয়া দেবার ভাগাদা অনুভেৰ করে। ইতিমধ্যে দশ মিলিট পাৰ ছরে গেল। তিনি নমস্কার জনাতে জানাতে সকলের মাঝ নিরে হাসি-भार्य कशिएक शिक्तन।

২০শে জনে থেকে ২৮শে জনে পর্যাত ছিল তার এখানের পরিক্রমণের কার্যসূচী। দীর্ঘ বার বংসর পর আজা আবার ভারতের প্রধানমন্ত্রী জাপানে একোন। বিদ্ধ ১৯৫৭ সালে নেইবার সপো এবং মাঝে একবার শ্রীমতী ইন্দিরা গাগ্ধী জাপান খুরে গেছেন। কিন্তু ভারতের প্রধানমন্ত্রী হিসাবে এই প্রধান

এখানে ভারতের প্রধানমশ্রীর পরিভ্রমণের **फेरम्मरमात फेडाच करत वका श्रत्राञ्च रह**. য্দেধর পর ভিরেতনাম, লাল চীন, Nuclear Non Proliferation, SHE ও জাপানের মাঝে আরও সৌহার্ন্য স্কুক সংপক্ষ স্থাপন এবং জাপানের ভারতের উল্লাভর পথে সাহাষ্য প্রভতি আলেচনাই হতক মুখ্য কারণ। এইসব আলোচনার মাধে একটি কথা শ্রীমতী গাংধী বলেছেন বে জাপানকৈ ভারত কোন সময়ই প্ৰতিৰোগী হিসাৰে গ্ৰহণ করে না বা করবে না। বেটা ইদানীংকালে বিশেষ করেকটি ব্যবসায়িক কারণে জাপানের একদল চিন্তানারক ভাবতে শুরু করেছেন। বললেন, ভারত আজ চাইছে জাপানের সপো এলিয়া এবং ব্যক্তিগত সমস্যার দিক্যুলি একে অপরের সহারতার, সমাধান করতে পারে। অনুরোধ করলেন, জাপদাও কো ভারতকে কোম সমরই প্রতিবোগী সূলন্ত চিল্ডাধারার বিচার ন্য করে। আনাদের ভারতের চিল্ডাখারর এমন সমরে জাপালের কাছে ভূলে ধরে, শ্রীমাডী গাণ্ধী এক বিশেষ সচেতনভার পরিচর দিলেন। বস্তব্য জন্ম লেখনীতে জনেক कथा ब्रद्धा रंगन, कनायरनव कना विदेशना সমর আর ভবিব্যত।

় স্বিতীয়বার ব্যক্তিগডভাবে আমি উপস্থিত

श्रमांपक एक

সমরেশ বসরে নতুন স্বাদের উপন্যাস অচিনপরে ৮'০০

অপরিচিত ৬·০০ অগিবিন্দা, ৪·০০ অলিন্দ ৫·০০ রঞ্জন-এর

শীতে উপেক্ষিতা ৬.০০

নিমাই ভট্টাচার্য-এর উপন্যাস মেমসাহেব ৮০০

প্রেমেন্দ্র মিত্র-র গোয়েন্দা কাহিনী
পরাশর এবার জহররী ৬.০০
শংকু মহারাজের ভ্রমণ উপন্যাস
গারো পাহাড়ের পাঁচালি

4.00

স্ভাষ ম্খোপাধ্যায়ের কাব্য গ্রন্থ দিন আসবে ৩:০০ শ্রীবাসবের রোমাণ্টিক উপন্যাস আনন্দী কল্যাণ ৫:০০ গোমতী গঙ্গা ১০:০০ বাঁধন ছে ডা দাগ ৬:০০

। বিশ্ববাদী প্রকাশনী ॥ C/০ লে ব্যুক ভৌরে ॥ ১০ বহ্নিক চ্যাটার্কি ভৌট ॥ কলকাডা—১২

ছিলাম এখানকার বিদেশী সাংবাদিক সংকর (Foreign Press Club) Name-পর্যারে। আমার ভোজের প্রদন-উত্তর · **জনৈক আমেরিক**ল সহক্ষী ওই সংখ্যের একজন প্রতিনিধি। তিনিই আমার নিমণ্টণ জানিরেছিলেন উপস্থিত হবার জনা। সমর্মত উপস্থিত হলাম। তিলধারণের ষারগা নেই। বিভিন্ন সম্প্রদার থেকে বহু, নবী-প্রেরের উপস্থিতি চিত্র সাংবাদিক-প্রধানমকী দের ছড়াছড়। কথাসমরে উপস্থিত হলেন। আমরা সকলে হাত-জালি দিয়ে উঠে দাঁডিয়ে স্বাগত জানালাম। প্রেল ক্লাবের সভাপতি তার স্বভাব সংস্কর ভাষণে সকলকে মৃত্যু করলেন। বললেন আজকের জগত যেখানে "পক্রেবের প্থিবী" হিসাবেই সমধিক পরিচিত, <u>সেখানে</u> ভারতের নারী প্রধানমক্রী শ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধীর এক বিশেষ আকর্ষণ অবশাই আছে এবং আমরা সকলে বিশেব সম্মানিত বোধ কর্মি। শুধ তাই নর আজকের উপস্থিত সভাব্দের সংখ্যা এক রেকর্ড স্থাপন করেছে। উল্লেখযোগ্য যে, টোকিওর এই Foreign Press Club-এ প্রথবীর সেরা সেরা রাজনীতিক চিল্ডানারক, লেখক 🖷 সূমিবান্দের পদার্পণ হটেছে। সেদিক থেকে প্রত্যেক ভারতীয় গর্ব বোধ করল বই কি। নারীর প্রতিষ্ঠার উল্লেখ করে সভাপতি বললেন যে আমেরিকার সামরিক बाहिनीटक नाड़ी अवीधिनाइक इटक भारत ৰলৈ বদিও আইন পাশ হয়ে গেছে, তব্ৰ ভার বাস্তব রূপ বুলি স্নুদ্রপরাহত।



লোকের বান্তিগত জীবনেও পরের এমনই
পথান অধিকার করেছে বে ক্যারি গ্রানট ৬২
বছর বরসেও প্রথম সক্তান "ছেলে" চাইছেন।
এক কথাতে তিনি সমস্ত পরিবেশটাকে
বেশ আনন্দ দিলেন। এরপর প্রধানমন্দ্রী
শ্রীমতী গান্ধী ভাষণ শ্রের করলেন। মনে
হল বে নেহর্র উত্তর স্রেরী হিসাবে তিনি
সম্প্রা

প্রথম কথাতেই কিছুটা হাসির রোল উঠল। সজাপতির ভারণকে টেনে এনে বললেন ৰে, নারী হিসাবে অস্বিধাও বেমন আবার অপর্গিকে সূবিধাও তেমনই আছে। ভার এক উল্লেখযোগ্য নিদর্শন ভারতের আন্তবের উপস্থিতি। তবে শ্বাধীনতা বুন্ধের ইতিহাসে তাঁর ঠাকুসা 👁 বাবার কণ্ট ও ভ্যাগের কথার উল্লেখ আছে। কিন্তু অনুদ্রেষিতভাবে ৰাস্তব ক্ষেত্রে ভার ঠাকুমা ও মার অবদানও তাঁদের তুলনার এতট্ৰু কম না। পরবভীতে উনি উল্লেখ না করলেও আমার ঠিক সেই মুহুতে মনে হল স্বাধীনভার ব্রুখে অনুদ্রেখিত কত মা-ছেলে-পিতা ইতিহাসের ধ্লার স্বীকৃতি-হারা হরে হারিরে গেছে।

ভারতের কথা প্রসংশ্যে অনেক কথা বললেন। সাহাৰা চাওরা বা পাওরা পর্বায়ে তার বছবা আগেই উল্লেখ করেছি। বললেন খাদ্য সমস্যা অবশ্যই আছে। তবে তিনি জানেন বে, জনৈক অবস্থাপল ভারতীয়ের कारक जीतनत कक विरमणी वन्धा कको খাবার প্যাকেট পাঠিরেছিল। তার উদ্দেশ্য ছিল ভারতের খাদা-সমস্যাকে সাহারা **ভক্ত**। উদ্দেশ্য অবশাই মহং, তবে তিনি কনে করেন বে সমস্যা সমাধানের উপার হিসাবে ঠিক এমন কোন মহং উল্লেখ্য ভারতের পক্ষে উপযোগী নর। আজ আমরা আন্তেত জালেত নিজেরাই সে সমস্যার উপায় জন্সস্থান করছি এবং কিছুটা সক্তাতাও লক্ষনীর। ন্বিতীরত কেন্দ্র এবং প্রদেশের মাৰে তথাকথিত বিবাদ। অবশাই তিনি ব্যজিগতভাবে ইচ্ছা পোষণ করেন ৰে, ভার ব্যক্তিগত দল ভারতে এবং বে কোন প্রদেশে সংখ্যাগরিষ্ঠতা লাভ কর্ক। মনে হর কথাটি উল্লেখ করে গত সাধারণ নির্বাচনের মুখে ও'র জাপান সক্ষর কথ করার পরি-প্রেক্তিত বে খবর বার হরেছিল, ভাকেই সমর্থন করলেন। জানালেন যে প্রদেশে বে-বলই সংখ্যাগরিষ্ঠতা লাভ কর্ক না কেন, নির্বাচনের পর কেন্দ্র সর্বদাই সকলের প্রতি সমান দৃষ্টি প্রসারণ করে থাকে। ভবে সৰুল প্রদেশেরই কেল্পের কাছে চ্যাছিলার মূলগত কারণ অর্থ। কেন্দ্রেরও অবস্থা অনুবারী উত্তর দিতে হছে। অতএব এই আভান্তরীণ কিসংবাদের মাঝে কাইরের কোন সম্পর্ক নেই। কারণ মন্ত পার্থকা থাৰলেও কেল্ডের প্রতি সকলেই পোষণ করেন সমান মনোভাব। অভএব এই দুটি विवदः दक्तम क्षम्म मा कूनालाई <mark>जिन स्</mark>मी

এলিয়াতে বিদেশী পতির উপন্থিতি श्रमात्म त्यम न्यान्ते समात्मम त्य. व्यानिय-বালীদের নিজেদেরই নিজেকে রকার ক্ষতা আছে। কোৰাও কোন বিদেশী পৰি চলে গেলে শ্নাডা আসবে এমন খারণা ঠিক নয়। বেষল ভারত থেকে এক্সিম রিটিল চলে থেছে। সালারকভাবে কিছ, অস্বিধার স্থি হলেও, ভবিষাতে সেই তথাক্ষিত শ্লেকা প্রেশ করতে এতট্রক অস্ত্রবিধা হর্মন। কথাটি আমার কেন ভাল লাগল। ভাৰতাৰ সভাই ভো, কারোর বাদ তেমন শ্নাভান প্ৰতি সভাই আল্ডব্লিক সহান্ত্ৰি বাবে, ভাহলে আভ্ৰাতিক প্রতিস্বাহিনী আভারেদ না করে স্বত্তা-**कारव रत्र राज निरम्पर्ट बारक तका क्या टेकडी** করতে পারে সেই বাকবা পাতা করতে লোৰ কি? কিন্তু মাতন্দ্ৰী ভ্ৰততে কেউ রাজী নর। অনেক ভারার বেহন বোগ নিৰ্ণয়ের পরেও জোগ জিইরে রেখে পর্সা বাৰন্ধা সাধে: আন্তর্জাতিক দুৰ্বলভাতেৰ ভাৰ ব্যভিতৰ দেখা বাৰে ন। করেকদিন আগে প্রথম জালানের প্রধানমন্ত্রী লগভাই বলেছেন বে, আজকের প্ৰিবীতে নিজের দিলেকে সুকার কমতা অজনি না করতে পারতো কেউই সন্মান कर्रद मा जात क्या न्यात्र मा। जाठवर মনে হয় জাপালও এ বিষয়ে ভারতকে গ্রু करतरहा तारे बाहारफेड मधावतनी अक লোপী জাপানীদের মুখ খেকে শানেছি ৰে, ভাই ৰাদ হয় ভাহলে সেদিনের জেনারেল তেলোর চিতাবারাকে কি ব্র বেশী লোবারোপ করা বার। শহের সেদিনের প্ৰিবীর মৰ্মানা আরু সম্বাদের সাপ্রাচি সালনে রেখেই ভিনি ভার সভবাদ আর চিম্ভাধার এগিয়ে নিয়ে বেডে চেন্টা করে-ছिलान। चन्छ-धव रमधा बाराब, समग्र धवर জঠর উভরের পরিপ্রতাই মন্তা সমাজের কামা: এতে দেল-কাল ভেনাতেদ নেই।

তিন্দতের উপর লালচীনের অধিকর প্রসপ্পে, বিশেষ কিছু বলকে না চেরে মনে হর ভালটু করচেন। পর্যু বললেন বে পরিন্দিতি বড়ই জাটন।

ইবালীং কসিবিদের ভারত প্রমণ উপলক্ষে একটা বড় রক্ষ হাওরা বইছে বে ভারত মহাসকরে রাশিরার নৌবহর হরত বটিট গাড়বার মতলব আটিছে। একল প্রশের উত্তরে ক্রীরতী গাল্বী জানাকেন বে, তেরন কোন কবা তিনি জানেন না শোনেনতিন। রাশিরার প্রধানক্ষীর সংকা ভার শেব সাকাংকারে বিশেবত অবনৈটিক রান উনারনের প্রশ্ন নিরেই আলোচনা হরেছিল। বালচীন প্রসক্ষে উত্তরে জানাকেন বে লালচীন সপরের্থ কোন বিশেষ মডামত বার্ড

क्या वा भावन क्या वस्ट स्ट्रा छटन

ভারত আলাপ-আলোচনার বাবাতে তেল বিভেনের করণলার কলা স্থাসবাদাই ভার সমার উপতে করে কেবেছে।

शांकिकान अवर भाग्यीतिक क्यांड বললেন, আন্মীয়ের ইভিয়াস বলভে সেলে অনেত সমূদ লোগে যাবে। তবে পাৰিস্ভানের স্পো আমাদের গোলবোগ কেশীর জাগট ভ,টনীভিগত fanir da शक्तीफरक। सकेरत काक बाज कारायत याया-मा. छाते-বোন, ৰশ্ব-ৰাশ্বৰ শুই সেণেট্ৰ কৰ্তমান। भाष: छाष्टे मह, छाइएड जानक करहेनीछि-বিদ, সরকারী কম্চারী, সামরিক বাহিনীর লোকজনের আৰীর শক্তন পরিচিত-পরিজন क्षके श्रवतान गाउरकार्ण भए गाँकन्छात অবন্ধান করছেন। অতএব সরকারীভাবে, স্থানৰে কলমে বাজনীতিগতভাবে হয়ত অনেক বিভেদ আছে, কিন্ত তাৰ ৰাইৰে সর্বদার একটা বিশেষ ভাবের ফলবোরা আমাদের দুট দেশের মাবে স্বা বিরুদ্ধমান। তিনি বিশ্বাস করেন বে সম্বক্তালীন ইভিহাসে অবলাই একটা সুন্দর ন্বাভাবিক সম্পর্ক দটে দেশের মারের গড়ে উঠবে।

আলতজাতিক ঘটনাপ্রবাহকে ভারত জবণাই কোন বিশেব একগারের মনোভাব নিরে কিচার করবে লা। প্রত্যেকটা বিবরকে ভিম ভিমভাবে সমর এবং অবন্ধার পরি-প্রেক্তিত বিচার করে ভবেই সে বিবরে সঠিক কোন মত পোষণ করবে।

ভাপানের সাংবাদিক মহলের একজন ভারত ও জাপানের মাবে চাক্চা বিষয়ক প্রণন তল্লেন। "আজ্ঞা, জাপান তাদের দেশীর পোলাক পরিজন ছেডে বিদেশী পোশাকের দিকে ৰা'কছে, কিল্ড বিদেশী ইংরাজী ভাষাটাকে রুভ করতে পারছে না। অপর্যদকে ভারত ভাষের শাভি কোন মতেই क्कांन कराइ ना किन्छ अपन हैरदाकी বলছে, কোন কোন সময় ইংরেজদেরকেও ছাড়িরে বাজে। এ বিষয়ে শ্রীমতী গাল্ধীর মতামত শ্নতে পারলে খুশী হবেন।" শ্ৰীমতী গান্ধী বেল হাসিম্বেই উঠে দীড়ালেন। বললেন বে, কিমনোর সূর্বিধা অস্ত্ৰিধা বিষয়ে ৰদিও তিনি বছ বেশী ওরাকিকহাল নন, ভবে শাভি পরে বৌছন, পাহাডে চড়া, যোড়ার চড়া এফন কি সাঁতার দেওরাও চলে। আর ইংরাজী এখন বলা চলে আন্তর্জাতিক ভাবা। এ বিষয়ে আশ্ব-কেন্দ্রিক সমব্ভিতে ইংরাজীকে সরিরে য়াখার পক্ষপাতী ডিনি মন। স্কিটারত আমাদের দেশে নালা ভাষা আছে। সাহিত্য ইতিহাস এবং গুরুছের দিক থেকে সকলেরই নিজন্ম আভিজাতা আছে। কোনটা বেশী काल का दकानकी कम काल अवल किछा कहा का मदम क्या स्मार्टाई केलिक महा। करन कान মাৰে ৰে ভাৰাটি ভাৰতের সৰ থেকে বেশী মান্ত্ৰ ব্যবহাৰ কৰে সেইডিকেই চলডি

THE TORKE ! STOP WHOLE. হিলির করা ভিত্তি একবারও উল্লেখ করলেন না। উপকৃত সকলেৰে বললেন বে জামানের ১৪টি ভাৰতৰ জাতীয় ভাষা কৰা বৰি। সৰ দিক খেকে বিচাৰ কবলে উত্তৰে বেশ বান্ধি লাপ্তের পরিচর ছিল। তার বিজেপী मार्यापिक प्रवासिक सामास्त्रको सिमान मनः भारत हम ना मान हम। चार जारन क्षिट केस्त्रत स्थाय रवण श्रास्त्रण बर्जन লোনা কাছিল। আমার ভাল পালে বসে हिलान बानियात होत्र-ध्य धक जारवानिक। বাঁ পাশে এক পক্তকেশ আমেরিকাল সাংকাদিক, বিনি জীবনে একাধিকবার বিভিন্ন দেশে নেহারত সাংবাদিক সম্মেলন শোনবার সৌভাগা অর্জন কর্বাচালন। পার প্ৰভোক উত্তরের শেষেই তিনি একবার করে পরেলো নেহরুর উত্তর-প্রভাররের উচ্চেখ করছিলেন। একজন সংবাদিক বিনি আমেরিকার এক বিশেষ পরিকার চরে বেশ করেক বছর ভারতে ভাটিরেছেন ভিনি बनातन. "चामि चरना Cool क्यांहि বাবহার করব না, জারণ সেটা বভ কঠোর শোনাবে, ভবে আমাকে ধবে একটা impress করেনি।" কাইৰে বাৰ হয়ে আসতেই করেকজন লক্ষ্যতিনিকত ভারতীরের সংগ্র रम्था रूम। काँवा चूत्रहे केरमञ्जा। तक्या-क्रांचि र एउँ अक्कन कारमन बाद कारमा দাঁড়ার "দেখেছেন কেমন দিল একখানা...।" जात अक्षम कारणम "एमन Badmintonof shuttle-Cock-of and ton the मर्खाइरनन..." really extraordinary ..." পরিচিত এক ভারতীয় অধ্যাসকের সংশ্ব চোথাচোথি ছল ৷ জালাভ পরিচিত জাগানে বৰি সভাই জাগান সন্দৰ্শৰ কেউ বিশেষক থেকে থাকেন, আমার মতে তিনি। এখানেই করেকটা কলেজে করেকটি জটিল বিবরে তিনি অধ্যাপনা করেন। তাঁর চোৰের হাসিতে একটা গব্দ ছিল। সেটা না ৰলে পরেছি না। কিছকেল আলে তিনি ভারতে यान अवः न्याकाविककारवरे काक्त्रीह सना नत्त्रचे दन। बद्दकान जानात्न त्वत्करकन। বেট্রকু লিবেছেন লেট্রকু যদি দেলের শিকাতে ভারোপ করা বার। ভদুপরি এখন বখন ভারত-জাপানের স্বাতা রুচ करवात्र कथा मकरनत बार्थ त्यामा वारक। বিশেষক হিসাবে ভার চাহিদ্য অনস্থীকার'। বিশ্ত জাগাৰে তিনি আবাৰ জিৱে अल्लाह्म। त्रत्य कि श्राहर जानि मा। তবে ভার মৌশিক ভাষ্যে কিছু শালে-ছিলান। বলেছিলেন, প্ৰথমত বেসৰ শিকা-প্রতিষ্ঠানে ভিনি গিয়েছিলেন, ভাবের क्षीवात्रम् म्टन क्रांक क्रीक विरायम সক্ৰেতন বা আলী। অনুধাৰ লেখালে কোন ক্ল-আৰ্থি ধরিছে দিকে লোকে ভাবের ক্রাক্তনত

বিশাৰ অবশান্তাৰী। একৰ আগতে তিনি তাৰ শিক্ষা বেচতে ৰাজী কৰ। আৰ न्यरीय क्यांचे यत्नीवत्का त्र सामन क्षे काजिपि कावफीव बकावाब প্ৰকৰ্মত 1.0.CE হেসেছিলে। कर्का कर कर कारमन जिल्ला किया राजनाम राजार मकार्वे सामावारमः एएट्या मतकावास मामाउ कानवादम अवनन चारकत। दाँदा भवनभारतव স্বট্টকই ভাল দেখেন, ভাল ভাবেন, ভাল-वारमन । काता कारमन-धर्मी जन्द्रभाव कदर মোটা মাইনার উচ্চপদৃশ্ব সরকারী কর্মচারী বৃশ্ব। এ'দের দেশপ্রেমে সভাট জোন ছেজাল নেই। কিল্ড ক্লন্ডা থেকে বে কোন একজন সাধারণকে ভূলে আনুন, रम्परका रून गारा अक करावारट करवार । হতাশা আৰু শনোতা ছাড়া কিছুই পাকেন না।" অভএব সেইক্লের হাসিতিতে ছিল "নিন মৃত্যাই মিলিছে নিন-বলেছিলায় না।"

कार नामक होज-८व मार्गिकरक দেশলায় সর্বদাই এক অণ্ডত ভালবাসা নেহর, আর ভার কন্যার প্রতি বহন করছেন, ভারতের প্রধানমক্রী সেখানে গৌৰ। আমার ছেতে তাঁর রাভিতে বসালেন। আমার বাভি পোরে দিকে দিকে অনেত কথা বলবেন। বোষ্বাইডে ছিলেন করেক বছর। খবে বড **बक्ते क्या रामाराम-"कामन संवरकान** নেহর আমাদের দেশে ভারতের কণ্ডেক ৰহন করে নিয়ে গিয়েছিলেন আর আমাদের সন্ধাতাকে তাঁর হাতে তলে দিয়েছিলাম ভারতের জনগণতে উপহার দিতে।" ভারতাম সভাই এইট.করই আৰু অভাব। আমাদের रमण रक्त, करू रहरणत रह रह अल्.व कर मान बामरक वांकि कलाख नाम वार शरक. হুইচই হচ্ছে, বার উপর পরিভ্রমণের সফলতা অসকলতা নিভার করছে, কিল্ড কোখার নেট ছদরের বিনিমর তেমন মান্তেরই আৰু বড অভাব। সেই কারণে আর্মেরিকা ভারতের কব্যে দাবী করে হিসাব দেখাছে রাশিরার ভিন পূপে সাহাব্য দান। রাশিয়ার আনেকে আসহে বাজে কিশ্ত সে দিনের সে সত্তে আৰু ধরা বাচ্ছে না। ভাবলাম আজ ভারত জাপানকে কডটাক দিতে পারল আরু ভারতই ক ভার জনগণের উন্দেশ্যে কতট্ট বহন করে নিরে বেতে পারব। এ নিরে কাউকে ভাবতে দেখলাম না, কারে রই कामा जामा तन्हे।

বিকাশ বিশ্বাস





# जानतात्र मूचचाति कृत्वत नानिष्त्र प्राठा भित्र अप्रकृत करत कृताव निष्



গণ্য ভানিশিং ক্রীরে আছে বিশেষ একটি উপাছাল

'হিউনেকটাাক'—এতে ছকের আর্ম্প্রান্ত আট্ট বাকে। পর্বন্ত ভালিশিং ক্রীয় ভাই আগনার মুব্জী করবীয়, মৃত্যু ও ভালা হাবে।
আর বুলোবালি ও কল আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচার।
ভূবার-গুল্ল ও হালকা পথ্য ভানিশিং ক্রীয় এবনিভেই মূবে একটি
বার্ত্বিভঞ্জী এনে দের। আবার পাউভার বেল্ হিরেরে এর ওপর
ক্রেক-আপ ব্রানেও কটার পর কটা নির্ভূত থাকে।

চীজ্বো-পথ্য ইনকপোৱেটেড (গীবিভ বাবে বাহিন বুভবাটো ক্রটেড)

পণ্ডস ভানিশিং ক্রীম—বিশু ত গাইছার বেস



MCG[4

বিশ্ব নাবেজ-বেজিলার দেখিরে দের—
বাধর্ম ঐদিকে। ললিও দৌড়ে
বাধর্ম ঐদিকে। ললিও দৌড়ে
বারা বেসিনের ওপর দেরালে আরনা। ব্যি
করার পর মুখ ছলে ললিও দেখে তার কলে
ভেলা মুখখানা ফারুলালে। মোটাসোটা
লক্ষ্মীকান্ডর পালে তাকে এতট্কুন
দেখাছে। কালো বিশাল হাতখানা দিরে
তার কপাল ধরে রেখেছে লক্ষ্মীকান্ড, বাতে
নুর্বল মুখা টলে না পড়ে বার। ফ্সা
কপালের ওপর কালো অঞ্চল।

এখন একজন আধানরা লোককে কাঁথে বরে নিরে বাচ্ছে লালত। এ শরীর আর তার দর। তার বে শরীর ছিল এটা কখনো আলাসাভাবে টের পায়নি লালত। এখন সে ভার ছাক্লা, ছিপছিপে শরীরটাকে সমস্ত আলক দিরে অনভেব করে।

লক্ষ্মীকাল্ড মান্তামমন্তার চোখে তার দিকে ভাকার। ভেজা হাতে কানের পিঠে আর বাড় ভিজিরে দের—এইবার একট্ ভাল লাগাছে না দাদা—আঃ?

—ভাল। বেল ভাল।

লক্ষ্মীকাশ্তর হাত ছাড়িরে একা হটির চেকা করে ললিড। প্রথিবটি তৈন বার। বাধর্মের পরকার সজার ছাড়িরে ছিল। ললিড মুখোম্বি হতেই সঞ্জর হাত কড়িরে বলল—আর। এখন কেমন লাগতে?

এক হাত খেকে আর এক হাতে চলে
গেল পরীর। সঞ্জর বললের তলার কবি
দিরে কড়িরে ধরল তাকে। ললিত হঠাং
লক্ষ করে বে, সঞ্জরের চেরে সে লন্দা।
লক্তিত ইণ্ডিখানেক। কিন্তু এখন আর
ভাতে কিন্তু বার আসে না। বরং এক ইণ্ডি
লন্দা হরেও তার লক্ষা করিছল। একজন
নক্ষারের পক্ষে ব্যাকালে এর চেরে বেলী
লার কী লক্ষার বাক্তে পারে বে, সে আর
একজনের কাঁথে তর দিরে হটিছে?

সম্ভৱ চাগা গলাম বলে—ব্যাপারটা করিকা ব্যাহিন? মেরেটা কি কেটেই পড়ল! হোন্টিজ-ফ্রেন্টিজ আর...কী ব্যাপার কা ডো!

ষরে ত্কতেই ব্জে স্মারেল-রেজিলীর হাত বাজিরে এগিরে আসে—আপনার কী হরেছে বলুন তো! আমি ভারার।

ভারার থবে অবচ ভারারির চিহ্ন নেই। ওব্ধের কোলে গাখও মা।
দেওবাপেটাই বা কোবার! হঠাং ললিড
দেখতে পেল চৌবলের ওপর জালালের
দেশতে পেল চৌবলের ওপর জালালের
দেশতে পেল চৌবলের ওপর জালালির
কোনটাকে মারেজ-রেজিন্তার ছাড়া আর
কিছ্ ভারতে পারছে না। ধ্তির ওপর
কোলানো শার্ট, ক্লহাতার লিক্ক বোতাম,
ক্লপকেটে ঠাসা, ক্লহাতার ক্লিকেন মুক্নেনা মুক্নের
দ্বামন্তান কলেক্সকলালালা চোথ নেই।

সালিত ব্যাল হাতখানা বাড়িরে ধরে। লোকটা লাজ্ক মিনমিনে গলার বলে---আমি অবশা চেনধের ভারার, কিন্দু জেনারেল রোগ-টোগ ব্রুতে পারি।

চোশ বুজে, খাড় হেলিরে মন দিরে আনেককণ নাড়ী দেখে জিজেস করল— কোনো অসংখবিসংখ আছে? অপ্রল-টম্বল?

—গ্যাসন্থিক কার্রাসনোম।

-- 17

—ক্যাত্রভার ।

একটা শ্বাস কেলার শব্দ হর। আভি সম্মানের সপো বীরে বীরে ভার হাভঝনা নামিরে দের কোকটা।

হতাশ লাগে বলিভের।

—मारवादन शाकरदन।

লালভ লোকার গা হেকে একট্ট হাসে।
মারেজ-রেজিন্টার লক্ষ্যীকাল্ডর দিকে
কিরে বলে—কী, ডোমার পার্টি কই?

ত্তিৰ আমি। সম্প্ৰাক্তি ক্ৰতন্ত্ৰ আৰু বেনিৰে বাৰ ।

আদিত সোকার পিছনে রাখা রেখে দু হাতে মুখ চেকে আছে। কণাল চকচক করছে যামে। রাখার চুল একটা আগে পাট করা ছিল, এখন আক্তর এলোমেলো। সঞ্জর সিগারেট ধরার। পাছর পাতর ব্যালকনিতে পিরে পাঁডার।

चटनकम्प भन्न शकाीकाण्ड किरत खाटन —नाः, शास-कार्ष स्तरे।

বড়ো লোকটা গশ্ভীর হয়ে যড়ি দেখে —এক ঘণ্টা হয়ে দেশ।

কলিত দেখছিল—সব্জ দেরাকে নত চটে
সৈছে। একটা ভেলা নোনা ধরার গশ্ব।
মাধার ওপর দুই রেডের একটা পাথা চলছে,
পরোনো আমলের পাণা, কিচিক্চ শব্দ হর।
জানালা দরজার সব্জ পর্দাপ্তানা মরলা
বিকর্ণ হরে গেছে। পুরোনো আমলের
ভেলে, কুমিরের গারের মতে খ্যথমে
সোজার চাকনার, চট বেরিরে আসা মেরের
লিনোলিরামে—সব জারগাতেই খুলো ভ্রমে
আরে বলে ক্রমে হর। কিংবা ঘরটা
অশ্বনার বলে ওরকম খুলোটে দেখার।

धरे पदा विदा रत। वत धरमञ्ज बला रिकार्कीन भएक बाह्र ना, भौन ना, छन, ना, কিংবা সেই রোমাঞ্চকর চেখে। শ্ভদুষ্টি। व्यात्रशास । ब्यादवा অপকার লোখনিভে। চোরের মতন। 'রেন্ডিনিট্র **ভाग'-डिवकान धरे क्या** वरन अस्त्रह শশিত। তব্ এখন তার মন সায় দেয় না। अक्टें **चार**ण मान्यकी बरन किन करे घरता। কেদেছিল। হার, ভার কড়ি খেলা হল ना, चात्र अक्चन कृष्टिय मित वर्ग मि याम्रात्व उभव वर्षे छेग्र करव क्षित क्रि**म ना अम, छाटक मन्ध्र**मन करल ना टक्छे. टम निर्देश रहे छे था। धेर परव रह বেমানান লাগছিল শাশ্বতীকে: বলোরে কুপোভাকভারে **ওর দেশ। কল**কাভার অংশছিল শাশ্বতী? হবেও বাঃ তবঃ বাংলার গভীর হুদরে লুকোনো ছিল ওর মারাবী প্রায়-মধ্যদেনের বাড়ি থেকে খবে দুরে নর। বশোরের কপোতাকতীরে ...: কেন আসবে এখানে—রুগী দেখা चरत नन्दारीना देन दकन वकरव, जामना बिद्ध क्वर्ड अर्जिष्ट। विद्ध मार्थ!' वार्जा माम एक करव **गानरह ध**ड़े क्या ? पिराह করলাম।' এই কথা বলে রেস্ভরার খেরে বিছানার চলে বার বর-বউ? কোন্জন न्यान ना शांमरव धरे कथा? अवारन शत না বিরে--কিছুডেই হয় না। পালাও শাশকতী, আমি একদিন স্বদর বিয়ে দেবোঁ रकामना। धे कि माकः? हारतः करनक-

ফেরত বইখাতা, পদ্ধনে স্ভৌর শাভি, পারে
চম্পল? তুমি কপালে সিখিমৌর, হাতে
গাছকোটো নিরে সেজে এলো। অনেক
দ্র থেকে নোকোর করে আসবে জোমার
বর। কপোতাক বেরে, গাভীর বাংলা দেশে
মারাবী এক গ্রাম জ্বড়ে বেকে উঠবে শাঁধ,
উস্থ্রনি। কড়িখেলার শব্দ হবে।

লক্ষ্মীকান্ড আবার ঘ্রে আসে, দ্থুখের সপো মাথা নেডে বলে—নাঃ।

দেয়ালের গোল ঘড়িটার পাঁচটা কেছে।

ম্যারেজ-রেজিস্টারের চশমা বিকমিকিরে ৩ঠে-সে কী? সব জারগার দেখেছিলে? কাছাকাছি রেস্তরার? পার্কে?

—সব। লক্ষ্মীকাণ্ড হাঁফার।

সঞ্চর আদিতার কাঁধে হাত রেখে বলে— জেগে থাক।

আদিত্য মুখের ওপর থেকে মুখ্যাকা ছাত সরিরে নিরে ফ্যালফ্যাল করে একটু চেরে রইল সঞ্জারের দিকে। তারপর চার-দিকে তাকিরে কাকে খা্রুল। আবার সঞ্জারের দিকে চেরে জিজ্ঞেস করল—কেন?

ওর বোকা মুখখানার দিকে চেরে লোভ সামলাতে পারল না সঞ্চর, বলল— অ্যোচ্ছিলি? অ্যোস না। অ্যোকে সে এসে বদি ফিরে বার? জেগে থাক রে, আশা রাখ।

খানিককণ সঞ্জয়ের মুখের দিকে চেরে



বেকে হঠাৎ ঠাটুটো বরতে পারল আদিতা।
মৃহতে লাল-ভীষণ লাল হরে বার
আদিতার মুখ। চাপা গলার সে বলল—এ
দালা—এ দালার সব দোব—আমার প্রেস্টিজ—

দলিত অবাক চোখে দেখছিল, আদিতার এলোমেলো চুল হাওরার উড়ছে, রোগা ফর্সা দরীরে ভাষার রঙের মতো একটা আভা। ভার দিকে চেরে কী বেন হলছে আদিকা! ভারপরই লাফিরে এগিরে এল।

আদিতাকে এগিয়ে আসতে দেখেও
কিছ্ই ভাগ করে ব্বতে পারছিল না
লালত। সে হরতো তথন খ্রু ভুছু কোনে
কিছ্ ভাবছিল—হরতো মুখোশপরা একজন
ডাজারের মুখ—কিংবা একটা টিকটিকি—
লুডোর দানে হকা—একটা নৌকোর
মান্তল—কিংবা ওরকমই অগ্রাসাপ্যক কিছ্।
ভাই সে নিজের গালে আদিতার লালা
আঙ্গুলের চড় মারার চটাস শব্দটা খুনতেই
পেল না। নরম সোফার ওপর ভার দুর্বল
শ্বীরটা একবার দ্বলে উঠেই গড়িরে

সঙ্গর দৌড়ে এসে আদিতাকে ঝাঁকুনি
দিরে বলে—কী হচ্ছে? আদিতা খুরে
দাঁড়ায়। তারপর আচমকা হাঁটু ডেঙে
বুকের কাছে পা তুলে সঞ্চরের ভলগেটে
একটা দাখি মারল সে। সঞ্চর আত্ত্ শব্দ করে দু ভাঁক হয়ে মাটিতে পড়ে গেল।

আবার হুরে মুহুতের মধ্যে লালিতের বুকের ওপর উঠে হটি, দিরে ভাকে চেপে ধরে আদিতা। গলার ভার সর্ আঙ্লাগ্রো। চাপা গলার আদিতা বলে—ভার জনা—ভার জনাই বভ গণ্ডগোল—শালা, জায়ার বাপ আমাকে ভাড়িরে সিরেছে—
জার সভাী—সভাী—সর শালা, সরে বা—

কলিত টের পার প্থিবীর মাধ্যকর্ষণ হৈছে তার পরীর শ্নো গড়িয়ে পড়ছে। কিন্তু আরো কিছু দিন তার এই প্থিবীর সংগ লেগে থাকা বড় দরকার। তাই সেপ্রাণপণে হাত বাড়িয়ে একটা কিছু—এই প্থিবীর কোনো বাস সতা-পাতা চেপে ধরার চেন্টা করছিল।

আদিতার কাঁধের ওপর দিরে গোল দেরাল যড়িটা এক পলকে দেখা গোল। গাঁচটা দশ মিনিট...সে মরে বাছে...কিন্তু আর করেকটা দিন...আর মরা করেকটা দিন তার বে'চে থাকতে ইছে করে...কারা বেন চে'চিরে উঠল—স্যার স্যার...কে বেন বলছে ছবা, ছবা...সে পাঁচফোড়নের গণ্য পার...আর ব্রতির গণ্য...

আদিতার আন্ত্রনস্কো কাতাক ভার সলার কাঁসি হরে এটো সেল সা: ভাষ হরে লেগে রইল। আন্তে আন্তে চে:২ হলে লালত খ্র অবাক হরে দেখল— আদিতা ভার ক্রের ওপর কান্তে। লালিতের কপালে আর গালে গাড়িয়ে পড়হে ভার চোপো কল।

লক্ষ্মীকাশ্ব হাত করে টেনে ভূলক আনিভাবে—কী করেন নানা, কী করেন— এঃ হেঃ—

উদ্তোশেষর মধ্যে উঠে বাঁড়ার আবিকা। খ্যাপা চোখে চারনিকে চার: হাওয়ার উড়াহে বার বা্কা চুলা। পারের কর্ণা রঙ ভাষার রঙের মধ্যে হরে পোছে।

—হারামীর বাক্তা—সব শালা হারামীর বাক্তা—কণতে কনতে হাতের পিঠে ভ্রেথের জল মোহে। ভারপর কোলো দিকে না তাকিরে বেরিয়ে করে। কেউ ওকে অটকার কঃ

হুড়ো ন্যানেজ-ক্রেজন্টারের চননা থেকে আলো ঠিকরে পুড়ে কী হুছে এপর— জ্যাঃ কী হুছে, লক্ষ্মীকান্তঃ

লক্ষ্যীকাশ্ত লালিডকে বছে কলাল—ধ্ৰ লেগেছে, নালা?

না—গণিত লখা নাছে। উঠে হনে। ৰুণ্টে একট্ৰ হানে পালিত—আমি ঠিক আহি লক্ষ্মীকানত।

শরীরে করেকবার আঁকুনি দিরে উঠবার চেন্টা করে, ভারপর আন্তে আন্তে গাঁড়ার সঞ্জর। কুজো হরে পেটটা চেপে ধরে বাধা-কেনার 'ইঃ' শব্দ করে। ভারপর সোকার কনে একটা, হাঁকার।

অনেক কুঠ, রি-অফিস ররেছে। লেকৰ জন্মগা रथरक करहे এসেছিল কিছু লোক। ভারা উর্জেভ-ভাবে শরের মধ্যে চলাফেরা করছে, জিজেস कतरह, 'की हरतहह माना', 'की कााभात माना ।' তাদের ছারার মতো দেখতে পার লবিক। লক্ষ্মীকাল্ড ভালের করের বাইরে ঠেলে দেওরার চেন্টার দ্ব হান্ড ছড়িয়ে বলছে किंद्र, ना. क्टिना, बान्द्रव मान द কভরক্ষের হয়। আশনারা হাওকার मिन।' ब्रान्डा **का**रना CHURCE ना रक्टब হতাশ হরে কালো रवर्षा अस्ते। टिक्टित काल-पिक्टकीं कि काथान-जारी? कारक निरंत भकारक अंध गुज़ ? माकि रक्वन श्कारक श्राह्मारक।"

দলিক চারণিকে চেরে ব্যাপারটা বোঝার চেন্টা করে। সঞ্জরের মুখ লাল, কিন্তু সে দলিতের চোখে চোখ পড়াফেই ক্লিন্ট একট্ হাসে। মাখা নেড়ে জানার বে, সে ঠিক আছে। কিন্দু হয়নি।

क्टि स्त्रीतः। यतः माण्याणिक क्टिहे ना! मय ठिक कारहः।

কিছ্কণ পর ভারা সর্ কঠের সি'ড়িটা কের ভালেভ আলেভ নেরে ব্যক্তিল: নামনে রেলিটে হাতের ভর রেখে, গেট চেপে ফু'জো হরে সমর, গিছনে লক্মী-ফাল্ডর কঠিব গারীরের ভার হেড়ে লাল্ডঃ সঞ্জরের গাড়িতে লালন্ত সাক্ষমর সীটে সঞ্জরের পালে বসল। গিরুনে লক্ষরীকালত। সিগারেট থরিরে প্যাকেটটা লালিডের গিকে কড়িরে দের সঞ্জর। লালিত রাখা নেড়ে বল্ল-থাক।

শ্টিরারিঙে হাড রেখে একট্ ইতস্তত করন সঞ্চর। তারপর গালিতের দিকে বিরত চোখে তাকিরে একট্ হাসল। কোনো প্রশাকরল না সঞ্চর, কিন্তু গালিত ব্রুতে পারে এবার সে গালিতের কাছ থেকে কিছু জালতে চাইছে। কেন এরকম হল! কী বায়পার।

যুক দ্রদ্র করে ওঠে ললিভের। সঠিক সেও তো জামে না কী ব্যাপার। তব্ ওরা সবাই শ্নেহে ভার ব্যক্তর ওপর বসে আদিতা আলোশে বলছে—ভোর জনা, তোর জনাই বত পশ্চগোল। ললিভের গলা শ্রিকরে বাঠ হরে আছে। জিজেস করলে সে কী উত্তর দেবে ওদের?

কিন্তু সভার ইচ্ছে করেই কিছু জিজেস করল না। হরতেও ললিতের অসহার হাখ-খানা দেখে তার মারা হল একটা। হরতো সে কিছু একটা আলাজ করে নিল। প্রশন করল না। মাখার ওপরের ছোট্ট আরনটো হারিরে সে নিজের মাখটা একটা দেখল। জাপন মনে কলল—শালার এখানা মারা দরা জাছে—ব্যক্তি। লাখিটা জোরে মারতো এতজ্ঞা আমি হাসপাত্যকে—কিংবা লাখিটা জলপেটে না হরে তার একটা নীতে লগেলে—সাইবি—

কথাটা লেখ করজ না সে। গীরার দিরে গাড়ি ছেডে দিল।

থকেলেসলী দিয়ে বিকেলের ভিড় ঠেলে বাঁরে ধাঁরে বাজে সঞ্চারের গাড়ি। মধ্বর টিমের জানালার উদ্যাসী মান্ববের বিবর মুখ। ধুলোমরলা মাখা কলকাভার রালভার হাঁটিছে জীপ মান্বেরা—মুখে রুপা, বিররি, হভাশা, ধুখা কেলে চলে বাজে—সিনেমা হলের সামনে সপ্পানীর জন্য অপেকা করছে একটি ছেলে—জন্ম হটির কাছে মুখ ভূলে একটা বাজা ভিখিরির ছেলে—বে লক্ষ্ক করছে না—ট্রাফিকের প্রিল হাত বাজিরে জার অনুশ্য ভূলের মুটি ধরল—হঠার থেকে স্কুল্ডে থাকে গাড়ি

সক্ষয় ভার দিকে ভাকিরে বলে—শরীর ক্ষেমন?

কলিড মাথা নাড়ে—ভাল। বেশ ভাল।
—শালা বেজন্মা সেরে গেল। ধরতে
পারতে শালাকে,...

লালত চুপ করে থাকে। দ্রেদ্র করে ব্যুক্সাথির মডো।

কিন্দু সভার কথা, ব্রিচরে নিল । চাপা গলার বলল—অনেক লিল মার্থর থাইনি —ব্রুলি—পেটে চবি' করে গেতে, লাখিটা লাগতেই দল আটকে গেল। মনে হল, মনে ৰাজি। আসলে বন্ধস—ব্ৰুগিল! এই বন্ধসে চেট-কোট লাগলে ভডকে বাই...

সরে বাছে ইয়াকিক-প্রিলসের হাত।
গীয়ার বদলের লব্দ হয়। সঞ্চয় হাসে, বলে
লাগিটা লেগে দম আটকে বেতেই মন্টা
হার হার করে উঠল। কত কিছু বাকী রয়ে
গেল জাবিনে—কতরক্ষভাবে বাঁচা বেত!
তথন আমি ডাড়াডাড়ি ভেবে দেখছিলার
কোন কালটা সবচেরে জরুরী বেটা আমি
বাকী রেখে বাঁছি! হঠাৎ মাইরি আমার
ভেডর খেকে একটা চ্যাচানি বেরিরে
আসাহল—চার হাজার টাকা—চার হাজার
টাকার চেকটা কোথার গেল।

লালত অবাস হরে বলে—কিসের চার হাজার টাকা ?

সঞ্জর চাপা গলার বলে—তথ্য কি আমিট জানি কিলের চার হাজার টাকা! কিন্তু মাটিতে পড়ে ছট্কট্ করতে করতে আমি কেবল ঐ চার হাজার টাকার কথা ভাবছি। তথন আমার পিকব্রে মুখ রুনে পড়েনি— রিনির কথাও না—কেবল ঐ চার হাজার টাকার কথা। অথচ ব্যুক্তে পার্রছি না কিলের টাকা। ভারপর আন্তে আন্তে মনে গতে গেল।...ভী হরেছিল জানিস?

হঠাং গলা খুব নীচু করল সঞ্চয়, প্রায় কিস্কিস করে বলল—আমার হৈ ছোট কে: পানিটা আছে তার একটা ব্রেছা পেনেপ্টের জন্য পরশানিন দাদার হাতে একটা চার হাজারী বেরারার চেক দিরে-ছিলাম। **করেন্ট আ্যকাউন্টের চ্রেক**—দাসায় আর আমার সই বাবে। আক रवजा এগারোটা নাগাল কোন করে লালা জানাল বে, পরশাদিনই চেকটা দাবার প্রেটমার হতে গেছে। ব্ৰক্পকেটে রেখেছিল টের পার্রান। আল ব্যাহ্দ খেলার ঘণ্টাখানেক পরে টের পেরে ভাটে গিরেছিল ব্যাতেক, কিল্ডু চেকটা ক্যাশ হরে গেছে। এক কণ্টার মধ্যেই। শুনে त्ररूप जरुपा बरारुक रकान कवलाम। এरलन्डे আমার চেনা লোক, ভক্তান কাশ খেকে লোক ডেকে পাঠাল। আমি ডাকে চেক-এর নন্দ্র দিয়ে বললাম ৰে. বে লোকটা আঞ চেকটা ক্যাল করেছে ভার চেহারটো মনে चाटक किया। लाक्की अन्ते किक रक्षाक পাৰল না, কিন্দু আবহাভাবে বা বলল ভাঙে চেহারাটা একজনের সপো মিলে বার। বাঁচ সেই লোকটাই চেক ক্যাল করে বাকে ভবে এটা নিশ্চিত বে, ক্রেকটা দাদার পকেটমার হর্মি—ব্রালঃ ভা ছাড়া দালা আবার স্ব জিনিসই ভার মানিবালে রাখে-এমন কৈ দেশলাইটা পৰ্যত-ভবে চেকটা ব্ৰুপকেটে রাখতে দেল কেন?.ভাই সারা দিন আখ मदम बदम दिक्छी दोन क्याब दिन्छ। क्य-ছিলান-কোষা থেকে কীভাবে কার মার্থত গিরেছিল চেকটা—কীভাবে ধরা বাবে

ব্যাপারটা। আরু যথন চঠাৎ আদিভার জাব্দ থেমে মতে বাজি কথন আমার সমস্প মান-প্রাণ এ চেকটার জন্য কোনে উঠল। কৈ বিশ্বাস কর, টাকাটার জন্য নয়-ভাষার মালের রোজগার ওর চেয়েও বেশী। কিন্তু তখন মনে হাচ্চল, পাথবাতে চার চারটে ১ জোৰ টাকা আমাৰ ঠকা বাৰ পোল—<sup>\*</sup>ক্লাৰ হল না। **আ**মার হাতের নাগালের বাইরে ব্রুরে গেল একটা অংক—যার উরবর্টা আমি प्राप्त प्राप्त विशिष्ट्य एकालीह-- यथा भवीकाव শেৰ ঘণ্টা পড়ে গেড়া—খাড়া টোনে নিজে প্রার্ড । চেটিকে বলাছ—আর একট সময माल-वात अकरें,-वर ठात राजाब हीकाब চেকটা ট্ৰেস করেই আমি চলে হাবো—আৰ কৈছ না-। মাইরি, এখন হালি পাকে-শালা, আঁত্য মৃহুত এসে লেল-প্ৰিবী ছেতে চাল বাহ্যি—অথচ কোনো ভালবাসাৰ मानात्वत कथा मान शक्त ना? के क्रकील মধ্যে এমন কী রস ছিল বে, পিকল্যে কথা —রিনির কথা মনে পডল না?

পার্ক পরীটে গাড়ি ব্রিরে থামিছে ফেলাছল সম্ভর, বলল—নামবি? একট্র সেলিরেট করে বাই চল।

—কিসের সেলিরেট?

—আদিতোর লাখিটার।

ললিত জান হেনে হাছা নাড়ে—সাং আমার ওসব বারণ।

—ঠিক তো! ভূলে গিয়েছিলাম। বলে জিভে আফসোষের চুক্ চুক্ শব্দ করে সঞ্জয়। গাড়ি ছেড়ে বলে—তা হলে চল ভোকে পৌছে দিয়ে আসি। আৰু একট্ লোভ করতেই হবে। বডি পড়ে বাজে মাইরি!

বাসায় এসে ললিত শ্নল ভূজসী এসে ফিরে সেছে।

- ७८० वस्त बाच्छा ना किन मा .

—অনেকক্ষণ বসে ছিল তো। সিনেমার টিকিট কাটা ছিল বলে চলে গেল। খুব খুপী ছিল আঞ্চ, বলল কোষাকার কটেবল খেলায় ও গোল দিয়েছে।

— राम ! किरमद शाम ?

-की स्त्रीत।

ভলপেটটা কুলে তিবি হরে আছে। ভারী। কেন ন' মাসের ককা করেছে পেটে। দাঁতে দাঁত টিপে হাসল সঞ্জয়।

লক্ষ্মীকান্ডকে ছেড়ে দিল স্থাসবিহারীর মোড়ে। লক্ষ্মীকান্ড নেমে বাওরার সমরে সঙ্গর নীচু গলার জিজ্ঞেস করে—খবর ঠিক ভো?

-ঠিক লক্ষ্মীকান্ত মাখা নাড়ে।

ঠিক। করে ঠিক। তিন কাঠা জাম,
চার হাজার করে কাঠার কেনা। সর্বাল সেনের নামে। উত্তরপাড়ার। থবর ঠিক।
গাড়ির শিটরারিং ধরা এক হাতে, জন্য
হাতে আবার হোটো আরনটো ঘ্রিক্রেম্ম্ম্ম্ম্র দেখে সঞ্জয়, বলে—কী মিস্টার সেন, খ্র क्षणे त्यां क्या त्यां त्यां? स्ट्राप्त व्याना क्षणे त्यं, नावत्य नावत्यं नावद्यं। ठावे वि क्षात्यंत्रे क्यान्य नावत्य महाप्रक नात्य। नत्य त्यो त्य कृषि, वकवे नाष्ट्रि वाष्ट्रि ववे त्यत्न चानावाद्य, त्यांथा त्यत्य त्य नात्मात्यस नाविते क्षात्रत्य क्षेत्रके नात्य ना।

ৰাভ চেগে হাসে সঞ্চর। গাড়ি চালার। পাক' স্থাটের দিকে।

ব্যান্ডের লোকটার সপো সাডটার আপরণ্টরেন্ট। লোকান্ডেবার সামনে।

সঞ্জর এসে দেখে লোকটা দাঁড়িরে আছে।
লোকটা বে'টে ভালমান্বের মডো চেহারা।
পরনে শাট প্যাণ্ট, লম্মা চুলের মধ্যে
লুকোনো একটা টিকি আছে। সঞ্জর জানে।
অবাপ্তালী, কিন্তু অনশম্কল বাংলা বলতে
পারে। এই সাহেবী জারগার এতকণ দাঁড়িরে
লোকটা অন্বদিত বোধ করছিল, সপ্তরকে
দেখে স্বশ্তির হাসি হেসে এগিরে এল—
মিন্টার সেন

সঞ্জর ভাকে নিরে রেস্ট্রেণ্টে বসল। ছট ডগ আর হুইস্কি বলে দিল। চুপ করে চেরে রইল লোকটার দিকে। লোকটা চোরা চোখে চারদিকে চেরে স্বস্নের মতো আলো আর স্বপ্নের মান্যজন দেখতে।

মাদ্ হাসে সঞ্জর। লোকটা কটা ছ্রির বাবহার জানে না। সেটা চাপা দেওয়ার জনা খ্র সন্তপণে ছ্রি চালাছে—বেন শব্দ না হয়—কিন্তু শক্ত র্টির ট্রুরের কাটতে পারছে না—পিছলে বাছে ছ্রির।



र्शिया कार्यत्मित्रहा, अन-भारता, इन वा छ, वाछमित्रा, कम्माकटन

ও আন্ত্রিপাক বাবতীর লক্ষণাদি ছারী প্রতিকারের জন্য আধ্নিক বিজ্ঞানান্নেদিত চিকিংসার জন্ম প্রত্যক কর্ম। পত্রে জথবা সাক্ষাতে বাবছা লউন। নিরাশ রোগীর ক্ষমান্ত নির্ভারবোগ্য চিকিংসাকেন্দ্র

্ **ছিল্দ রিসার্চ হোম** ১৫, শিবতলা লেন, শিবপরে, হাও**ণা** কোন ঃ ৬৭–২৭৫৫ সভার হুখ কিরিকে নের। বা ভূমি জানো
না, ভা ভূমি জানো না—ভাতে কী এনে
বার—পৃথিবীতে সরলভাবে বেতে থাকো।
বাওরা হরে গেলে লোকটাকে পাশে
বিসরে আবার গাড়ি ছাড়ে সভার। নীচু
গলার বলে—আপান গাড়িতেই বনে
থাকবেন। আমি লোকটাকে গাড়ির কাছে
নিরে আসবো। ওখানে রাশ্চার খ্র আলো

নেই, চিনতে পারবেন ছো?
লোকটা ইতস্তত করে, ভারপর এক পেগ
হুইস্কির নেশার একট্ হাসে—চেন্টা করব।
কালীঘাটের সদানন্দ রোজের একটা
বাড়ির সামনে এসে গাড়ি দাড় করার সঞ্জর।
এইখানেই থাকে ভার দাদা অভারের শালা
সমবেন্দ।

চারদিকে জ্যোতিবীর বই ছ্ডানো, বিছানার ওপর বর্সোছল লোকটা। রোগা, খ্ব লন্দা নর। পাকানো চেহারা। কপালে রক্তদনের ফোটা। সম্বরকৈ দেখে বলে উঠবা —আরে।

হাসল সঞ্জর—আগনি ছক দেখে বলে-ছিলেন ডিসেম্বরের অংগ আমার গাড়ি হবে না। অগানেটই হবে গেল।

- -गार्ताह। काम अन्तर वर्गाहम।
- -गाणिको अर्जाष्ट्र । एष्ट्र ना ?
- —ব'সো, ব'সো—
- মাথা নাডে সলর। না।
- —গাড়ি নিরে বাচ্ছিলাম। ভাবলাম দেখিরে বাই। বসব না।

কিছুক্রণ পর বাংশ্বর লোকটাকে গড়িরাহাটার হেড়ে দিল সঞ্চর। বশোদা ভবনের দিকে চলে গেল লোকটা। গাড়ি ঘ্রিরে নিরে অস্থকারে একটা সিগারেট ধরার সঞ্চর। লোকটা চিনতে পেরেছে। এই সেই লোক। সঞ্চর মৃদ্ধ হাসে আসনমনে। রোজই ভূল হরে বার। এখনো কেনা হরনি রিনির রোজি ছিল আর পিকল্বর বিলিতী ফিডার। আল কিনে নিল সঞ্চর

গড়িরাহাটার প্রকাল্ড দোকান থেকে।

আশ্চরের বিষয় এই বে, তার ভালবাসার লোকজন বোধ হয় খ্র কমই আছে প্রিবীতে। বখন সে ভাবছিল এই তার নের মৃত্তে—মরে বাজে সে—ভখন ভার রিনি কিংবা পিকলুর ক্যা মনে পড়তে পারত—কিংবা অনীতা—ভার অব্ধ বোনটির কথা—হাডভে হাতভে কাছে এসে চুপ করে গাল যেবে বসে আকে—কিংবা মা—কিংবা বে-কেউ—কিন্তু মনে পড়েনি। কেবল একটা চার হাজারী চেক-এর ক্যা মনে পড়েছিল। আশ্চর্বা! ভবে প্রিবীতে তার সবচেরে প্রির বস্তু কাঁ? আঁ? কাঁ?…একট্ গিউরে উঠে মৃদ্র হাসে সঞ্জয়। ঠিক আছে। ভবে তাই হোক। আমেন।

বাসার কিলে সেখল বাইচের আন কর্মান হলে ভার বাবা করের কলে করেই লাকনের টোকলে বালি ভারের কলে, করে চাপার ভলার কর্মন সমুদ্র ক্রমণ।

-की बाागाव।

क्षणताथी क्रंप बाजा क्रम आहे करते एस रगामानेका कार्यक कार्यक ।

এই লোকটা—অন্তর্ক লাবা এক কর্মনের
ব্যাদেকর লিওন ছিল, খাক্রী সেনাক পরা
লোকটা সাহেবদের দেলার নিজেরে অনেক।
অনেক নিম আলে এ লোকটাই ভাকে বাড়ি
থেকে বের করে নিজেছিল প্রার অক্রমেণ।
সেই থেকে নিজ্ঞ করের আলাদা হরে খেল,
এখনো আলাদা ররেহে ভাবের পরিবার।
এখন লোকটার চোখে আলান্মিনিরার ক্রেনের
চকচকে চপমা, গারে নীল টেরিলিন, পাল
কামানো, রাখার অভিজাভ গোলাপী রঙের
টাক। ভব্ ব্যাধেকর পিওন ছিল—আর ভাকে
এক্যার বাড়ি থেকে বের করে নিজেছিল
বলে অক্রমেক থাতির করে না সক্রম, তার
সামনেই সিগারেট বার, মনের কন্ম লাক্রমেণে
চন্টা করে না।

সঞ্চর উত্তর সিল লা। ধীরেস্কুশের জারা প্যাণ্ট ছেড়ে বাধ্বমুর মুরে ভাইনিং টেবিলে এসে চারের সামনে বসল। জনেকটা সমর নিলু সে।

ভারণর বাইরের মরে এসে দেখা অভর শিরভাবে বসে আছে। ভাজে দেখে একট্ নাজা।

निश्चाल क्रको महे बंदा मिन मकता।

একবার ইছে হল বলে হে, বে লোকটা চেক ছাভিনেছিল তাকে চিনতে পেরেছে ব্যাক্তের ক্যাল-ভাক'। শন্তন আরু চমকে উঠে সালা মাুৰে তাকাবে। কিবো সঞ্চর ইছে করলে বলতে পারে, উত্তরপাড়ার বউলির নামে জানি কিনেছো—আনি কি

জানে। সভার সধা জানে। কিন্তু ভার বগড়া করভে ইচছ হর না। অবারকে নিরাপদে চলে বেভে বের সে।

ভলপেট ভারী হরে আছে। কড প্র
গড়াবে কে লালে। একদিন আমি নব ছেড়েহুড়ে দেবো। ব্যক্তন রিমি। সব ছেড়েভারপর সাথ্ হরে বাবো রমেনের মডো।
না, রমেনের মডো নর। রমেন সব কিছুর
মাঝখান খেকে হঠাৎ কোো ভেঙে উঠে
গিরেছিল। আমি ভভ দ্রে পারবো না।
আগে কোল্পানীটা ব্রাল্সকার করব অনীভার
নামে—আহা, অন্য বোনটা—টাকা হাড়া কে
আর একে পথ বেথাবে? ভোমার আর
পিকল্রে জনা বাাহ্নে রাথ্য করেব লাথ
টাকা—ভারপর—হাাঁ, ভারপর সাথ্ হরে
বাওরা বার। ভারপর সাথ্ হরেগা গাভ নার।

# ৰংচন্দ্ৰে ক্ষেক্টি অপ্ৰকাশিত পত্ৰ

গোপালচন্দ্র বার

I TONE

বি বারে বি ই কলেকের অধ্যাপক কবি
সংক্রেমণাথ সৈর ভিজেন পরংচল্ডের
একজন লেহডাজন কবং। এই স্কেনবাব্র
মাধ্যমেই ভার ছোট ভাই নিজেন্দুনাথ
মৈচর সপোও শারংচল্ডের কথ্যে হয়।

শিবজনবাব্ ছিলেন কলকাভার মেরো
হাসপাভালের রেসিডেন্ট সার্জন। তাঁর
কোরাটার ছিল গণারে যারে হাসপাভালের
প্রকাশত ছাদের উপরে। শিবজনবাব্
বৃত্তিতে চিকিংসক হলেও একজন সাহিত্যরিসক ও সংগতি-গ্রিম মান্র ছিলেন। তাই
তার কোরাটারে হাপাভালের প্রশান্ত ছাদের
উপরে একটা স্কর পরিবেশে সাহিত্যিক
ও সংগতি-শিক্ষাদির নির্মাত একটা
ভালে বসত। ঐ আন্ডার কথন কথন
রবীশ্রনাথও গেছেন, আর শরংচন্দ্রও
যেতেন।

শ্বিজ্ঞেনবাব্র বাসার ছাদের উপরের ঐ
আভা সন্দেশ শরংচন্দ্র অমল হোমকে
একবার এক পরে লিখেছিলেন—'দেখ, আভা
জিনিসটা উঠে বেতে বসেছে—লেশের উপ্রতির
সংপা সংগা। কিন্তু এ বে কত বড় অবনতি,
তা বদি কেউ জানত! মনে পড়ে শ্বিজেন
মৈরর সেই হাসপাতালের ছাদে গংগার
আলো হাওয়ার তোমাদের সেই আভা, আর
শিবপুরে তার ভাই সংরেন মৈরর ওখনে,
সেও ঐ গংগার ধারে:..তারপর তোমাদের
ভারতীর আভা। তেমনিটি আর হবে না।'

শরংচন্দ্র এ'দের সব অভাতেই থেতেন।
গিরে গলপ করতেন। শরংচন্দ্র রেপানে থেকে
দেশে কেরেন ১৯১৬ খালিটান্দের এপ্রিল
মাসে। দেশে আসার অলপ দিনের মধ্যেই
শবংচন্দ্রের সপো সারেন মৈন্তর এবং পরে
শিবজেন মৈন্তর পরিচর হয়। শরংচন্দ্র এই
১৯১৬ খালিটান্দেই ভিলেশ্বর মাসে একদিন
শিবজেনবাব্রে বাসায় তাঁদের আভার গিরেছিলেন। বেখান থেকে ফিরে তিরি
শিবজেনবাব্রে একটা চিঠি লিথেছিলেন।
সেই চিঠিট এই—

5, 1st By Lane, Baje Shibpur, Howrah, 19, 12, 16.

Madisalisa"

সেদিনের কথাটা আমার প্রারই মনে হর।
ভারি আনশ্যে বিকলেটা কেটেছিল। আর
একদিন গিরে আপনাদের সপো কথাবাতী

আনার সোরটা পালার প্রার্থী এর। বিশ্ আপদার সমর বাচ কা, পারে নিছা বা দেই চ রাই ওটিকে নেটত পারি নাং, কার মেন ত আর একদিন মিরে পড়ি। ভাষার আবার নিজের একট্ গরক আহে। কার্ প্রাী কাহিনী বলে একটা বই লিখার এ সন্বচ্ছে আপানার সপ্যে এবং স্বরেন বাব্র সপ্যে একট্ অলোচনা করতে চাই

5. 1st hyplane Baje Shilforn Howal

Through -

emples summe muse said marie and among tomore configure अल क्षित जिल्ला अकार्यात अली अपन יו יף לייוב יימיב -וניביתן ביים ביים יוצים של לונה בי שוני בי שוני שוני ועל ובים से तारे अगरे अमिक (पह मानेता। ever our is and see-that link out ! الماليد لافع والمال مدسة مديدة ا अर्मा कर्मी - क्लाइनी- वास क्लो म वर् will a maley summer sty . The men and shy and subung eate six I are item weare. esto 300/14- 613 mor 3 2/01 self. were ever 17620 coiner 82. se leave song - your 1 year work of sui sist with lave 1gerag (मिलर ही का नका)

muni man mange serter I muni man mange serter I mi cusad mag I musi cusad mag I musi cuma derade, igani eds crac, cup m. men I mer & A. Lula migh ighther जात किस् मा द्वाक जारक छेश्रासण स्मक्ष्मारो छ स्टब ।

পালী সমাজে আমার নিজের খেরাল মত বা হোক একটা কিছু লিখেছিলাম। এবার পাড়া গারের কোন্ বিশেষ দিকটা নেব তাই ভাবতি।

্ৰদি দ্ব ছত লিখে সময়টা নিৰ্দেশ করে। দেন ভ সেই মত বাবো।

আমার তামাকের বন্দোবকতটা কিন্তু এবার নেহাত চাইই। আমার সম্রাধ নমক্ষার জানবেন।

निक्र शिमातरहत्त्व हट्योगायात

শরংচন্দ্র এই চিঠিতে যে 'শালী কাহিনী'

লেখার কথা বলেছেন, সেই পাল্লী-কাহিনী বইটির তেমন কোন নির্দিট ইদিস পাওরা বার না। এ সুন্বস্থে অনুমান করা বেতে পারে—হর তিনি ঐ কাহিনীটি লিখতে লিখতে ত্যাগ করেছিলেন, নরত পাল্লী কাহিনীকৈ তার ঐ সমরকার লেখা কোন বইরের নামে নামকরণ করেছিলেন।

কিন্তু একাধিক ব্যক্তির কাছে বলা, শরংচন্দ্রের একটা কথা থেকে জানা যার বে, ভার
লেখা একটা বই তাঁর প্রির কুকুর ভেলা নদ্ট
করে দিরেছিল। তাই এ থেকে মনে হর,
শরংচন্দ্র পল্লী-কাহিনী লিখে শেষ
করেছিলেন এবং ভেলা এই বইটিই হরত
নদ্ট করেছিল।

ভেল্বে এই বই নত করা সম্পুশ্র পান্ধচনত তার পান্ধচির বেছালার মণ্টিলাল রারভে বা করেছিলেন, সে সম্পুশ্র করে করেছে—'আমার একদিন দ্বের করে করেছে—একথান বইরের পান্ধালিল ভেল্ব একেবারে নত্ট করে দিরেছে—একেবারে নিচ্ছ করে দিরেছে। কী বা করবো একে—ও বোধ হর ব্রুডে পারেনি, ব্রুলে কথনই এ কাজ করত না।'—নবশন্তি, ১লা আন্বিন্ন ১০০৮।

শরংচন্দ্র ১৯০০ খালীকে সুক্রিরের অন্তিত চিপ্রা জেলা হাত সন্ত্রিকানে সভাপতিত্ব করতে গেলে, সেখানে কবি সজর ভাট্টার' প্রভৃতির সপোও ও নিরে কথা হয়েছিল। সঞ্জরবাব্ ভার 'লরং-প্রস্কা' প্রবেধ ও সম্বর্গে লিখেছেন—'...'ভিজ্ঞেস করা হ'ল—আপনার মালিনী না কি একখানা বই ক্ষত হরে গেছে, না?

—হাা। ভেল্ব (প্রির কুকুর) নন্ট করে ফেলেছিল। আমি আলগা কাগজে লিখি। সেদিন লিখবার ঘরের দরজাটা খোলা রেখেই পারখানার গিরেছিল্ম। ভেল্ব বই ছিড্ড না, আল্গা কাগজ ছিড্ড। পারখানা থেকে এসে দেখি, এক তালা কাগজ নিরে ভেল্ব ছুটোছাটি করছে—ছিড্ড কামজে লাক্টে সব শেব করে দিরেছে। এক বছরের পরিপ্রম গোল।

লিজেনবাবুকে লেখা এই চিঠিটিতে লেখা বাজে লরংচল্য পদ্মী-কাহিনী নিরে নিরজেনবাবু ও স্বরেনবাব্র সপো আলো-চনা করতে চেরেছিলেন। লিজেনবাবু বেপাল সোমাল সাছিল লীগা বা খেপার হিতসাধন মন্ডলীর সন্পাদক ছিলেন বলেই লরংচন্দ্র তাঁর সপো এ সন্বন্ধে আলোচনা করতে চেরেছিলেন।

#### n big n

১৯২২ খা ভালে অন্নকোর্ড ইউনিভারসিটি প্রেস লরংচলের শ্রীকাল্ড, ১ম প্রের্থ
ইংরাজি অন্বাদ প্রকাশ করেন। ইংরাজি
অন্বাদ করেছিলেন, কে সি সেন ও থিরোডোসিরা টমসন। এবং ঐ বইরের ভূমিকা
লিখেছিলেন, বাকুডার ওরেস্লিরান কলেজের
অধ্যক্ষ এড্ ওরার্ড জে টমসন। খিরোডোসিরা
টমসন এড্ওরার্ড জে টমসন। খিরোডোসিরা
টমসন এড্ওরার্ড জি টমসন। বিরোজোসিরা
বিসন এড্ওরার্ড টমসনেরই কেউ ছিলেন
বল্লে মনে হয়।

কে সি সেন বা কিতীশচন্দ্র সেন হলেন বাদের হাইকোটের একজন ভূতপুর জল। কিছ্দিন আগে শান্তিনিকেতনে পূর্ব পল্লীতে কিতীশবাব্র রেছ-করবী জবনে শ্রীকান্ত ইংরাজি অন্বাদ করা সম্পর্কে কিতীশবাব্কে করেকটা প্রদান করেছিলাম। উত্তরে কিতীশবাব্ সেদিন বলেছিলেন—

সেটা বোধ হর ১৯২০।২১ খ্রীন্টাব্দ হবে। আমি তথন মডার্ন রিভিট প্রভৃতি



is the time

क्टबनके देखाँक कानदक क्वीन्त्रनाटवड कविका क स्टान्स हेरबाबि जन्दवार करव প্রকাশ কর্মি। সেই সময় একদিন আমি ৰাজে শিবপাৰে পরংচপ্রের সপে দেখা ভরতে বাই। গেলে লেজিন পরবচ্চলের बहेटबर हेरबाधि जन्दवान निटब छोड जल्न আমার কবা হয়। সেই হিসাবেই পরে আমি भवरम्यम् व्यक्तिकारक ५व शर्याव हेरवाचि অন্বাদ করি। আমি অন্বাদ করে গাণ্ড-লিগিটি শরংচন্দ্রতে গড়তে দিই। আমার অনুবাদ পরংচলের তেমন প্রদুদ না হওয়ার তিনি এক ইংরাজ ভারমহিলাকে এটা দেখতে रमत। अप्तमिश्ना किस किस मार्गाधन करत ছিলেন বলে তখন দুজনের নামেই বইটা বেরিরেছিল! ভবে শরংচন্দের মভার পরে আৰাৰ ৰখন আমি ঐ বটাতে দিবতীত সংস্করণ করাই তথন ঐ ভন্নমহিলার সংশোধনগালো বাদ দিয়ে আমার লেখাই প্রকাশ করেছিলাম। তাই ২র সম্করণে चन्दामक हिनाद भूध चामात नामहे हिन।

প্রীকাশ্ত ১ম পর্ব ইংরাজি অনুবাদের ১ম সংক্ষরণ থিরোডোসিয়া টমসন সংলোধন করা সত্তেও, এ বই শর্থচন্দ্রের তেমন পছন্দ হর্না। এই বে পছন্দ হর্না, এর প্রমাণ পাই শ্রীমতী গারন্ত্রত্ব সেনকে লেখা একটি চিস্তিত।

এই গারাইড সেন হলেন, বৈজ্ঞানিক বগীন্বর সেনের স্থাী। বগীন্বর সেন ও তার স্থাী বর্তমানে আলমোড়ার বাস করছেন। বগীন্বরবাব্ আগে দীর্ঘদিন কলকাতার বস্ বিজ্ঞান মন্দিরের সপ্পে বৃত্ত ছিলেন। বগীন্বরবাব্র সপ্সে বিরে হওরার আগে গারাইড সেনের নাম ছিল গারাইড এমারসন। ইনি আমেরিকার বিখ্যাত কবি প্রবন্ধভার ও দার্শনিক রাল্ফ ওরালডো এমারসনের পোলী।

শরংচন্দ্রের সংশ্য পারাইড সেনের পরিচর ছিল, তাই দিলীপকুমার রার শরংচন্দ্রের নিক্ষৃতির ইংরাজি অনুবাদ করলে তথন একখানা ঐ অনুবাদ গ্রন্থ পাওয়ার জনা শ্রীমতী সেন শরংচন্দ্রকে বিশেষভাবে অনু-রোধ করেছিলেন। এ সন্দ্রন্থে শরংচন্দ্র তথন দিলীপরাব্যকে লিখেছিলেন—

বিশাসক সেনের আমেরিকান শ্রী আমাকে বিশেব অনুরোধ করেছেন ডোমার নিক্ষান্তর অনুরোধ করেছেন ডোমার নিক্ষান্তর অনুরোধ করেছেন ডাভে প্রিঅরবিশের কলমের দাগ পড়েছে, ডাই প্রকল আমাহ। বলেন, এর একটা কপি তিনি এপ্রিল মানের মাকামানি আমেরিকা নিরো সিরে প্রকাশ করবার চেল্টা করেবা। তিনি আমে হিন্দেন 'এলিরা' কাগজের এতিটার, নেক্ষান্তর বল্লী ভাবি এটা নিক্ষাণ্ড বা করে স্প্রারিভিত। আমি ভাবি এটা নিক্ষাণ্ড বা করে শ্রুকালির বা করেবা করেব

किंद् जाना दिन, किन्तु ब्रास्त निकेष जावर नाटर किन्तर क्षांटर !'

শরংকর শ্রীমতী সেনকে তথন নিক্টতির অনুবাদ দিতে পেরেরিজেন কিনা জানি না, তবে দিলীপনাবুকে এই চিট্টি লেখার দিন করেক পরে শরংকর শ্রীমতী সেনকে একখানা ইংরাজি শ্রীকাল্ড ১ম পর্ব দিরেছিলেন। ঐ নমর শরংকর শ্রীমতী নেনকে যে চিটিটি লিখেছিলেন, তা এই—

> P 566 Monoharpukur, Kalighat, Cal.

Dear Mrs. Sen.

I am sending my car and a copy of Srikanta in English. This was the only copy available from the publishers as the edition has been completely exhausted.

I did not want much to give it to you as I thought the translation was done really very badly, how-

As you go home and Boshi to his father in-law's my best wishes or rather 'Ashirvad' to you both. Please write to me sometimes if you find time.

Yours Sincerely, Sarat C. Chatterjee I rave a liope that by the time you come back to India, I would though very old, be still alive.

#### इ शहर

নির্মাণচন্দ্র চন্দ্র ছিলেন এক সমস্থ আক্রন্ধ কংলেনের বিস্ফাইড বা পঞ্চ প্রথমনের একজন, আর স্বাচনেরও ছিলেন হাওকা ক্রেনের কংলেনের সভাপতি, ভাই এই ক্যমেনের স্ত্রেই নির্মানবাব্র সপেন পরক্ষের প্রথম পরিচর হন্ত্র। পারে এই পরিচর সম্প্রেই পরিচর হন্ত্র।

নিম'লবাৰ, পেশাল এটনী হলেও সাহিত্য-মাসকও ছিলেন। ভাই ভিনি এক সময় সম্পাদক হিসাবে নিজের নামের সম্পো গরংচন্দ্রেরও নাম বিয়ে মুক্তদের নামে একটা সাম্ভাহিক কাম্বর্ক বার করেছিলেন।

নির্মাণকাব্ এটনী ছিলেন বলে স্বাহ-চল্লের বিষয়াদির বিলস্ফা নির্মাণকাব্ট করতেন। এই সংক্রান্ত বয়পাতে, নির্মাণ-বাব্তে লেবা পরংচল্লের একটা চিঠি এবালে সেওয়া গেল—

> প্রান সান্তাবেড় ব্যাক পানিয়াল, চৰলা বাবড় প্রকা ভিসেক্ত শুঙ

#### त्याभागाच्या बारसब

शक्त गौक्राव । गोर्चकारम् अस्यमा-मन्द नग-शकीम् अस

# अविकित्त (अ मा

শবংচন্দের গণশ-উপন্যাস ও প্রবন্ধাদির ন্যার তাঁর চিঠিপরস্কুলিও
বাপালা সাহিত্যের এক অম্ব্যু সম্পদ। শবংচন্দের রচনার বে বৈশিক্টা,
সেই সহজ করে বলার স্নিপণ্ণ ভপাঁ, সেই ভাষার বাদ্ প্রভৃতি সম্পতই
এইসব চিঠিপরে বর্তমান। এই চিঠিস্নিল থেকে শবংচন্দের বিভিন্ন ক্লম্ম
সম্পর্কে তাঁর নিজ্ম অভিমত, সাহিত্য-রচনা প্রভৃতি বিষরে তাঁর মতামত,
তাঁর স্মভাব-স্কেভ পরিহাস এবং তাঁর বাত্তি-জীবনের অনেক স্মাক্ত
জানা বার। এ বই শরংচন্দের সমসামরিক কালের সাহিত্য, রাজনীতি,
সমাজনীতি প্রভৃতি বিষরের উপরও এক প্রামাণ্য দলিল। এত বিস্তৃত টীকা,
বাাধ্যা ও প্রস্কুল-ক্ষা সহ এমন স্কুল্পাদিত পর-সাহিত্য বাগ্সলা সাহিত্যে
ইতিপ্রেকি ক্ষমও প্রকাশিত হর্মন। দাম—কুড়ি টাকা

#### चांभागान्यु सहस्र कमान्य प्रमा

নরবাদ্র (১ন কড জীবনী) ১৬-০০, ব্যৱবাদ্র (২র কড ন্যোকি আলাপ-আলোচনা, বৈঠকী গল্প, হাস্য-পরিহাস ও মৌধিক অভিভাবশ) ১৬-০০, ব্যবহাদুর ও রবীন্দ্রনাথ ০-০০, ব্যবহাদুর ও শ্ববহাদুর ২-৫০, রবীন্দ্রনাথ ও শ্ববহাদুর ৪-০০, জালাপ-আলোচনার ব্যবহাদুর ২-৫০, হাল্য-কোডুকে নাহিছিডাক ০-০০, রুগালারের নালা কল ২-০০, ভৌতিক কাহিনী ২-৫০, জালোকিক কাহিনী ২-৫০ (গোবোর প্রাণ্থ বৃটি ব্যবহাদুর প্রভাত সাহিত্যমুখীদের বেশা ও বিশ্বাস করা কাহিনী নিরেই লেখা।)

नाविका नगर, ब-५२८, क्लब न्डीहे बार्क्ड हार्कीनकाल-५२

शतम क्लाभिवदत्त्व..

কাল রাত্রে লোকের হাত বার্ত্তক তোলার।
চিঠি এবং মদন সাহেবের ১ contract পর
পেলাম। সাহেবের উদার্য দেখে চোখে জল
এল। নগদ পচিশ এবং ভবিবাতে দ্লেশা
এতো সোজা টাকা নর।২ রাজ্য সম্ভান
ব্যালের সম্পদ।০ আমার সম্ভাত বই এখন
খেকে পনেরো বংসরের জনান্ত তার মার্জ
ভ খোশ খেরালের উপরে নির্ভার করছে—
এ আর বেশি কথা কি?

egeteen jost in kilonin heldeki ko

তবে আর একটা জর্মীর সর্ভ ভিনি বোধ করি ভাড়াতাড়ির জনোই করে নিতে জুলে গেছেন। প্রশ্বকারকে এই পনেরো বংসর একরার সকালে ও একবার বিকালে গিরে কুনিশ করে আসতে হবে। আমার মনে হয় শুখা একখানা বইরের জনা ও-টাকা তের বেশি। স্তরাং এই clauseট্কু চ্কিরে নিলে দেখতে শ্নতে সবিদকেই বেশটি হবে।

চিতৃ ভারারও সাধ, এবং আমিও 'পশ্ডিত মুখাই'র জন্য কথা দিরেছি। মইলে,—ধাক। দিন ১০।১২ হল আমি এ বাড়িতে আছি। পরশ্বোধ করি একবার বাবো। তোমার সন্ধো দেখা হবে।

আশা করি বউরা ও ছেলের। ভাল আছে। আমার দ্দেহাশীবাদ জেনো। ইডি— লাল

১। সেকালের কলকাভার বিশ্বাত মাজান থিরেটারের মালিক মাজান সাহেব। ইনি একজন পালী ছিলেন। এখন কলকাভার বটা এলিট সিনেমা, আগে ঐটিই ছিল মাজান থিকেটার।

২। টাকা অবশ হওরার জনাই শরংচন্দ্র এই হথা লিখেছিলেন। কারণ ঐ সমর তিনি 
তার এক একটা বই সিনেমা করবার জনা 
নগদ দেড় হাজার টাকা করে নিরে দিতেন। 
বিভিন্ন চিত্রপ্রযোজক প্রভৃতিকে লেখা

ফোল্ডিং ৫০ গুলির পিশ্তল

লাইলেন্সের প্ররোজন নেই। আর্সেরকান রড়েল। চোর এবং বন্য জল্পুর হাত থেকে নিজেকে বাঁচান। পিকনিক প্রকা এবং নাটকের পক্ষে উপারোকী। ৭৬ ক্রিকা

ব্যবহাসহ অটোনেটিক: হাসকা ওজন
এবং চোপ বাঁবাস
আগ্রেম আ পানাকে
বিপদ কেকে ক্লম



গ্রনিসহ নং ০০ টাঃ ১০-৫০। জানান মড়েল নং ১১ টাঃ ১৫-৫০। ডি. পি. পি চার্ল' টাঃ ২-৫০। চারকার কেল ৭. টারা। অতিরক্ত প্রতি একশত গ্রনি ৫, টারা। GEM ARTS (WD - 15)

GEM ARTS (WD - 15) Dessan Mohail, P. B. 1325, Delhi - 6. শরংচদের ঐ সমরকার এ সংক্রান্ড চিঠিপর থেকে এই টাকার অংকটা জানা বার।

 ৪। খ্র সম্ভব শরংচন্দ্র নিজেকে এবং ছোট ভাই প্রকাশকে মনে করেই এ কথা বলেছিলেন।

৪। মনে হল্প শরংচন্দ্র তার কোন কোন
বই পনের বছরের সিনেমা-ন্বতে ম্যাডান
সাহেবকে দেবেন বলে ন্থির করেছিলেন।
৫। চিত্ত ঘোষ। ইনি ছিলেন ফিল্ম ল্যান্ড
কাগজের সন্পাদক। চিত্তবাব, শরংচন্দ্র এবং
ম্যাডান গাহেব উভরেরই খ্ব পরিচিত
ছিলেন।

#### n wa n

বিশ্ববাদ্যি পরিকার শরংচল্যের গিথের 
দাবী ভখন ধারাবাহিক ভাবে প্রকাশিত
হছে। সেই সমর শরংচল্য একদিন কণাবাদী
অফিসে গেলে কণাবাদীর অন্যতম মালিক
উমাপ্রসাদ মুখোপাব্যারের সহপাঠী কন্দ্র নির্মালপ্রসাদ বন্দ্যোপাধ্যার
শরংচল্যের হাত দেখেছিলেন। নির্মালবাব্
কিন্তু তখনও শরংচল্যুকে চিনতেন না। হাত
দেবার পর জানতে পারেন। নির্মালবাব্
শরংচল্যের হাতের রেখা দেখে শরংচল্যুর
জাবন সন্বাদ্ধে ঠিক ঠিক বলে দিলে শরংচল্যুর
জাবন সন্বাদ্ধ ঠিক ঠিক বলে দিলে গরংচল্যুর
ভার উপর খ্ব প্রসাহ হন এবং তার কাছে
চাত দেখা শিখতে চান।

পরে এই নির্মালবাব্র সপে শরংচন্দ্রের খ্র ঘনিষ্ঠ পরিচর হরেছিল এবং এই ঘনিষ্ঠতার ফলে উভরের মধ্যে করেকটা চিঠিপত্রেরও বিনিমর হরেছিল।

নিম'লবাব্রে বাভি বাকভা শহরে। তাই ভাকে লেখা শরংচন্দ্রের কোন চিঠি ভার কাৰে আছে কিনা জানকৰ জনা তাঁকে চিঠি দিলে তিনি উত্তরে আমাকে লিখেছিলেন-·...উমাপ্রসাদ মুখোপাধ্যার আমার একান্ড বন্ধ্য স্থানীর সহপাঠী। আমরা উভরে শরংচন্দের সহিত দেখাশনো ও নানা আলোচনা স্যার আশ্রতোষের বাড়িতে ও শরংচন্দের পল্লীগুহে করিয়াছি। স্যার আশ্বভোবের গাহেতে শরংবাবার হাত দেখার সৌভাগা আমার হয় এবং তাঁহার জীবনী সন্বশ্ধে যাহা বলিয়াছিলাম তাহাতে তিনি আমার প্রতি খ্বই আকৃণ্ট হইয়া-ছিলেন। তাঁহার সহিত করেকটি প্রালাপ হইরাছিল। কিন্তু অনেক অনুসংধান করিয়া মাত একটি পোষ্ট কার্ড' পাইলাম। তাহারই में किंश जाशनात निक्रे शाठाहेनाम । भत्र-বাব, মহাপ্রাণ দরদী লেখক ছিলেন এবং वाश्त्रमात्र नाजीत जमारकत छ एएएमत मु: एव আমার নিকট অলুপোডও করিয়াছিলেন।

নিমলিবাব্ তাঁকে লেখা শরংচন্দ্রের বে চিঠিটা পাঠিয়েছিলেন তা এই—

> সামতাবেড় পানিয়াস পোল্ট জেলা হাওড়া

श्रामकन्त्राणीरवर्,

নিম্বল, ঠিকানাটা ঠিক না থাকার জন্য তোমার চিঠিখানি হাতে কেতে জনেক বিজ্ঞান হরেছে। বাই হোক, বালা বাল লি। দেহ নিজে কি দঃখটাই পেলাব। কবে এখন মনে হর ভালর দিকেই বাজে।

একটা কথা। আমার হাতের বেখাও তোমার মনে আছে। বলতে পার 'পথের দাবী'র শ্বিতীর সংক্ষরণ করাবের লা সরকারে বাজেরাণ্ড হরে বাবে।

বোধ হয় ২।৪ দিনে একবার কাদী বাবো। তুমি আমার বিজয়ার আদীবাদ জেনো। ইতি ৮ই কাতিক ৩০

जागीय गु

শ্রীলরংচন্দ্র চট্টোপাধ্যর
আমাকে লেখা চিচিটিভে নিমালবাহ
বাখ্যলার নারী সমাজের ও দেশের বৃহত্থে
পরংচন্দ্রের অপ্রশাস্ত করার হৈ কথা
লিখেছেন, পরংচন্দ্রের ঐর্প অপ্রশাস্ত
করার কথা আমি আরও জানি! দেশের
পরাধীনতার দৃংধে শরংচন্দ্রের অস্ত্রশাস্ত
করার একটা ঘটনা বলে এ প্রসন্দ শেব
করার

দেশবংধার সহক্ষী হিসাবেই সভোদ্র চন্দ্র মিশ্রর সঙ্গে শরংচন্দ্রের পরিচর ও বংশাহ হর। বাংগলা দেশের কল্পাল হক্ষের কোর্রিশন মন্দ্রিসভার সামনে এই সভ্যোনবাবা লেভিস্লেটিভ কাউন্সিলের (উচ্চতর পরিষদের) সভাপতি হিলেন।

শহীদ স্শীলকুমার দাশগাশুতর দালা সেকালের কংগ্রেস কমী বিনরকুমার দাশগাশুত (বিনরবাব্ বর্মানে ২৪ পরসনা জেলার ব্যারাকপ্রের কাছে কালিয়ানগর কলোনীতে বাস করছেন) একদিন আমাকে বলোছলেন—

সভোন মিশ্র বংশ লেভিস্লেটিভ কাউন্সিলের চেরারমাান, সেই সমর একদিন রবিবারে দুপ্রের দিকে আমি শরংচন্দের কলকাতার বাড়িতে তার সপ্সে হেখা করতে যাই। শরংচন্দ্র আমাকে ন্নেই করতেন, তাই তিনি কলকাতার এসেছেন শ্রেন লেদিন তার কাছে গিরেছিলাম।

আমি গেলে দু একটা কথার পর দরংচন্দ্র আমাকে বললেন—সভ্যেন মিয়কে একবার ডেকে নিরে আর ।

আমি সভেদবাব্র বাড়ি থেকে তাঁকে ডেকে নিরে শরংচন্দ্রের বাড়িডে এলে, শরংচন্দ্র সভোনবাব্কে বসিরে আবেগ ভরে বললেন—সভোন, দেশটা কিভাবে কবে শ্বাধীন হবে বলভে পার?

শরংচন্দ্র সভ্যোনবাব্বকে যথন এই কথাগ্রেলা বলেন তথন যরে আমরা তিনজন

হাড়া আর কেউ ছিলেন না। দেখলার্থ
শরংচন্দ্র সভ্যোনবাব্বকে ঐ কথাগ্রেলা বলবার সমর তরি দ্ব চোখ দিরে উস্উদ্
করে জল গাঁচরে পড়াছে।

সমাশ্ত

# কবি বনারসীদাস জৈনর আত্মজীবনী—অর্ধ কথানক

অসীমকুমার রার

৬৯৮ সংবং আর্থাৎ ১৬৪১-৪২
ব্যাখ্যাকে শালাহাদের রাজ্যকালে
বনারসীদাস জৈন তার আত্মজীবনী লেখেন।
তখন তার বরস ৫৫ বছর। বনারসীদাসের
বিশ্বাস ছিল বে মানুবের পরমার ১২০
বছর। তাই ঠিক অথেক জীবনে লেখা আত্মজীবনীর নাম তিনি জেন অথাক্যানক।

উত্তর ভারতে বনারসীদাস ছাড়া ইংরেজপূর্বকালে কেউ আত্মজীবদাী লেখেননি।
বাবর আর জাহাজাীরের আত্মজীবনীর কথা
অবলা ধরছি না।) একমার আত্মজীবনী
বলেই কিন্তু পূর্যু এই বইরের মূল্য নর।
বখাসন্তব সভা কথা বলে নিজের দোবগনে,
বোকামি, কুংসিত রোগা, ভাগাবিড়াবনা,
সোভাগা ইত্যাদি বখাবথ বর্ণনা করে, অকবর
ও জাহাজাীরের ব্লের উত্তর ভারতের বে ছবি
বনারসীদাস একেছেন সে রকম আর কোন
বই থেকে পাওয়া সন্তব নর।

আছকীবনী লেখা ৰে বড় কঠিন কাজ সে কথা বনারসীদাস ভাল করে উপলাঁত্র করেছিলেন। একটা মানুবের মাত একদিনের জীবনেই বে কত ঘটনা ঘটে ডাও বর্ণনা করা অসম্ভব—

বাৰ জীবজী একদিন,
বান হোই জে জীক।
সো কহি দ সকৈ কেবলী,
আনৈ জগাপ ঠীক হ ৬৬০
'একটি জীবের একদিনে বত দলা হয়,
সোহলি ঠিক ঠিক জেনেও তার বর্ণনা করতে
কেবলজানীও অসম্বর্ণ।

কনারসীদাস কোন নামজালা লোক ছিলেন না। লেখবার পথ ছিল ফলে দ্ব-চার খালা ধর্ম সক্ষেত্রীর বই লেখা ছাড়া তিনি ফিলেব আর কিছু কেখেননি। তিনি সাধারণ বেনের ছেলে ছিলেন। সোনার পা বা কাসড় ইত্যাদি জিনিসের কেনাবেচা করা তার ব্যবসাছিল। কিন্তু তব্ তিন শ' বছর আগের উত্তর ভারতের সজীব ছবি পাওরা বার বলে তার আথজবিনী পড়তে ভাল লাগে— 'আমি বার জীবনের কথা ভুক্তর, সৌদন দুনাবে ভাষা কবিবের স্বা।

ক্লারসীদানের পিভারত ম্বানস মালবের ন্বাবের ম্নী ছিলেন। ভার সেখানে কিছু জালীর ও জন্যান্য সম্পত্তিও হিল। কিছু সেকালে জালীরদারনের প্রের সম্পত্তি ডেৰ ডিউটিতে চলে বেত বলে পত্ত থলাসেন পিডার মৃত্যুর (১৬৬৩ খনীঃ) পর কোন সম্পত্তি পাননি। নবাব এসে তরি পিডার সব সম্পত্তি বাজেরাপ্ত করে নেন।

সুনি হ্লাকো কাল। মুহৰ ছাপ বৰ খালনে, কানো লাকো বাল ৪ ২২

তথন ক্ষাসেন তার মার সংখ্য ক্ষেনি-%दंब মাতামহ মদনসিংহ লোহ-রী ৰাড়িতে এসে ওঠন। বলসেনের বরস তথন পাঁচ বছর। আট বছর বরসে স্কাসেন লেম্ম-পড়া আরুন্ড করলেন, আর হাটে বসে সোনার পার কারবার শিশতে লাগলেন। তারপর আরও চার বছর পরে তিনি জেঞ্চগারের চেন্টা আরশ্ভ করলেন। বাঙ্গা দেশের স্কোতান স্কলেমান পাঠানের শালা লোদী খানের দেওৱান ছিলেন ধরা রার। प्रमाराम छोड कार्फ हाकदीर क्रिफोर গেলেন। খানা রার বন্দালেনকে চারটি পরগনার পোতদার বানিরে দিলেন। পদাসেনের नक्त मुक्तन कात्रकृत (क्वानी) एए बहा हन, আৰু তিনি খাজনা আদার কৰে সেই চাকা লোপী পার জন্য কমা রায়কে পাঠাতে লাগলেন। কিছুদিন পরে ধ্যা রার পেটে भएन हरत हर्रो९ मात्रा रमरनम ।। अस्त रमरत पक्षरान ठाकरी खाल भागित साला बार কাৰে উপস্থিত হলেন। তথন তাঁর বয়স कान वस्ता।

বছর চারেক জৌলপুরে থেকে বলসেন ব্যবসার জন্য জাগ্রাতে গিরে বাস করতে আরক্ত করলেন। আরও চার বছর পরে, বাইশ বছর বরসে মীরাটের স্বেলাস শ্রীমালের মেরেকে থকাসেন বিরে করলেন। ১৬০০ সংবতে থকাসেন জৌলপুরে জিরে এসে মিন্মিরের রক্তর বর্ষা প্রের কর্মন। ১৬০৫ সংবতে থার প্রথম প্রের ক্ষম হর, কিন্তু মার লগ দিনের মধ্যে দিশ্ম মারা বার। ভারপর ব্যবহর প্রতামনার শ্যামীলরী রোহভক্তে সভীর শ্বানে ভারি বারা করেন, কিন্তু পথে চোরে সর্বান্দ প্রেট নেওরাতে, স্কলনে পরিছিত কন্ম মার সম্প্র করে বাড়ি জিরে আসেন।

১৬৪০ সংক্রজন (১৫৮৭ ব্রীঃ) বাব মাসে বনারসীধাসের কল ব্র । প্রে কলা- বার হ' সাত মাস পরে গিশুকে নিয়ে আন-সেন পাশ্বনাথ যাত। করেন। সেখানকার প্রায়ে উপদেশ দেন যে পাশ্বনাথের জন্মভূমি বারাণসীর নামে শিশুর নাম রেখা। ভাই তরি নাম বনারসীদাস রাখা হর।

পাঁচ ৰছার বানে বনারসীদানের সংগ্রহণী (উপরামর) হর। এক বছর অনেক চিকিৎসা করার পর তিনি আরোগ্য হন। আবার এককছর ভাল থেকে তার বসস্ত রোগ হর। বসস্ত ভাল হবার কিছুদিন পরেই তার একটি বোন অন্যার।

বধন বালকের বরস আট বছর, তথন তাঁকে চটসালে গ্রে পাশ্চের কাছে বিলয় শিখতে পাঠান হর। এক বছর বিদ্যা শিখে তিনি ব্যংগার হন।

ৰনারসীদাসের ন' বছর বরলে খারা-বাদের কল্যাণমলের প্রোহিত নাপিতের সপ্পে এনে তাঁর সগাই (সম্বর্থ) কল্যাণমলের মেরের সপ্পে করে বান। ঠিক হর বে, ব্র্ বছর পরে বিত্তে হবে।

ভার পরের বছর ১৬৫৩ সংবাত অথাৎ ১৫৯৬ খন্নীন্টাব্দে জৌনপুরে দ্ভিক্ষ হর। ১৬৫৪ সংবাতর রাম রাসে কনারসীদাস বিরে করে বউ নিয়ে ব্যক্তি আসেন। সেইদিনই ভার নিদিমার মৃত্যু হর ও ভার আর একটি বোন জন্মার।

মাস শুই পরে বউরের কাকা এসে ভাই-কিকে ধররাবাবে নিরে বান। এদিকে জৌন-প্রে তথন এক হ্লাম্বল ব্যাপার। জৌন-প্ৰৱেশ্ব নৰাৰ কিলিচ খান হঠাং সৰ জোহুরীদের ধরে কবরদস্তী টাকা আদার আয়ুল্ড কয়নেন। (কিলিচ খান এলাহাবাদের তথনকার সংবেদার শাহজাদা দানিয়েনের প্রতিশক্ষ ও শ্বন্তর ছিলেন।) জোহরেবির ধরে প্রথমে তিনি কুঠারীতে কথ করলেন। বৰন ভাতে টাকা আদায় হল না ভৰন স্বাইকে কটা দেওয়া চাৰ্ক মেয়ে আৰ্মনা করে ছেডে দিলেন। জোহ,রীরা সব বাভি এসে ভাবলেন বে এদেশে আর থাকা উচিত নর। বলসেন নিজের পরিবার নিরে পণিচয়ে গণ্যা পেরিয়ে শাহজাদপুরে চলে। এলেন। সেখান খেকে তিনি এলাহাবাদে এসে বাবলা করতে আয়ুল্ড কর্লেন। অকব্রের ছলে দানিয়েল ডখন সেখানকার সংবেদার।

বলৈ প্রস্তাস ভিবেশী পাল।
ভাবে নাউ ইলাহাবান হ
ভহা হানী বস্থা-প্রহ্ত।
ভবর পাতিসাহকো প্তাঃ ১০০

ক্ষারসীদাস এই সময় কিছুদিন চড়ে-পুরে, এলাহাবাদ ও আবার ক্তেপ*ের ভাল* ক্ষোন।

সংবত ১৬৫৬তে শোনা গোল বে নবাৰ কিলিচ খান আগ্রা চলে গেছেন। তখন সব रकार, जीवा अक अक करत रेकोन शरत किरत একেন। থকাসেনও ফিরে এসে কর্বসা আরম্ভ करत मिलान। यहत शास्त्रक गान्छिए कार्यम। তার পর হঠাং জৌনপত্রে শহরে একদিন बाल्यक कमा माक माक वय फेरेम । क्योम-পরের নবাব তথন নরেয় সলেতান। বাদশাহ তাঁকে হুকুম দিয়েছিলেন বে, সলীম বিনি সেই সমর এলাহাবাদের সংবেদার ছিলেন তিনি বেন শিকার করতে কোল হবেন না যান। (সেই সময় সলীম অকবরের বিরুম্থে বিদ্রোহ করেছিলেন। সলীমের মতলব ছিল বে নুরম থানের জারগার নিজের লোক লালাবেগতে জৌনপুরের নবাব বানান <u>তাই</u> শিকারের হুতো করে তিনি জৌনপুরের দিকে বাওরার স্থ্যান করেছিলেন।) সরেম সলেতান সলীমকে ঠেকাবার জন্য বন্দোবস্ত করতে আরুম্ভ করলেন। যুম্পের আরোজন দেখে প্रकाता छत्त व्याकृत रहा छेठेत। वर् লোক নগর ছেডে পালাতে . লাগল। জোহারীরা সবাই নরেম খানকে গিয়ে জিজ্ঞালা করলেন বে তাঁরা কি করবেন।

নুরম করৈ সুনহা রে সাহা। ভাবৈ ইহা রহো কৈ জাহা।

্ষেরে। মরণ বন্যো হৈ আই। মৈ' ক্যা ভূমকো কহো উপাইয় ১৫৯

শন্বম সাহ্দের বললেন বে তোমরা থাকবে না পালাবে নিজেরাই ব্রু ঠিক কর। আমার নিজের মরণ বনিরে এসেছে—আমি আর তোমাদের কি উপার বলব।" এই কথা শুনে সবাই জোনপুর থেকে পালালেন। দিন হর সাত পরে থবর পাওরা সেল বে সলীম সোমতীর ধারে এসে লালাবেগকে শহরে পাঠিরেছিলেন। তিনি নুরমকে ব্রিরে সপো নিরে বান। নুরম গিরে সলীমের পা কড়িরে ধরাতে এখন দেশে শালিত ফিরে এসেছে। এই থবর শুনে সকলে নিজের বাড়ি ফিরে একেন।

এতদিনে বনারসীদাসের বরস চোম্প বছর হরেছে। পশ্ভিত দেবদত্তর কাছে তিনি বিদ্যা অভ্যাস করতে গেলেন। মান্দমালা

> নাসিক ১০, টাকা কিল্ডিড টানজিল্টা কিন্তু। World Fomous Powerfull

নবাধ্ানক জাগান রজের আকর্ষণীর, গ্যারাণিব্র "ম্যাখনাল ৭০" অল ওরাক্ড' ০ ব্যাক্ত ট্রার্মাক্তর ভারাল গাইটসহ। প্রতি প্রমে ও শহরে পঠান বার। ভাড়াভাড়ি কর্ম।

YOUR LITTER MUSIC E SOUND (N) YOUAU P. BOX 1576, DELN46 মহাকবি ধনজর-কৃত সংকৃত কোৰ),
অনেকার্য (ঐ কোষের অন্তিম অংশ),
জ্যোতিব, অকাশ্চার ছাড়া তিনি লযু কোকলাদ্যও অধ্যয়ন করলেন। বিদ্যা লাভ করে
বিদ্যা খাটাতেও দেরী হল না।
বিদ্যা কপঢ়ি বিদ্যাহম রহৈ।

সোলহলৈ সভৰনে সমৈ ই ভজি কুল-কাম লোককী পাল।

ভরো বনারসী আসিখবাজ। ১৭০
চোল্প বছরের ছেলে বনারসীদাস কোকশাল্য পড়ে লোক লজা ভাগ করে আসিখবাজ হরে উঠলেন। বাপের মণিমর্জো চুরি
করে পেসকসী পাঠাতে আরক্ত করলেন।
এই বরসে তিনি এক হাজার দোহা ও
চৌপাইতে মবরস সম্বংধ একটি বই
লিখেছিলেন। এমনি করে দ্বেক্তর কাটল।

क्र शक्षात्र रहत्रहरू

তিস উপর বল মাল ছ
চলে পাউনা করনকৌ,
কবি বনারসীদাল ৷৷ ১৮২

বধন তাঁর বরস পনর বছর দশ
মাস কবি বনারসীদাস তথন দাীকে বরে
আনতে চললেন। ব্যাহরবাড়ি গিরে এক মাস
পরেই হঠাৎ তাঁর আসিখবাজির ফল আরম্ভ
হল। তাঁর সারা দরীরে অগ্নাতি বিস্ফোটক
বেরেল। দরীর কুঠ রোগীর মত হরে গেল।
দালা ব্যাহর কুঠ রোগীর মত হরে গেল।
দালা ব্যাহর কুঠ রোগীর মত হরে গেল।
দালা ব্যাহর কুঠ রোগীর মত হরে গেল।
কর্মান ভোজন করা হেড়ে দিলেন। এই
কুংসিত রোগ হওরাতে দাী আর দাশ্যুড়ী
হাড়া সকলে তাঁর কাছে আসা হেড়ে দিলেন।
এারা দ্রান্ত বেদ্যী ক্ল গব্ধের চোটে তাঁর
কাছে টিকতে পারতেন না—

ওখন স্যাবহিং অপামে, নাক মানি উঠি জাহি। ১৮৮

শ্বরীরে কোন রকমে ঔষধ লাগিরে নাক কথা করে উঠে বেতেন।"

হর মাস ভূগে ভাল হরে বনারসীদাস বাড়ি কিরে এলেন, কিন্তু সাস সমূহ অপনী সূতা.

গোনে ভেন্দী নাঁহ।১১৩

দবলরে সামাড়ী এইরকম জামাইরের সপো

নিজের মেরেকে পাঠাতে রাজি হলেন লা।

বনারসীদাসের মা ৰাপ সাজ্জিত হরে

হেলেকে অনেক তালোমন্দ বললেন, তবে

তাঁর নিজের অভ্যাসের কোন পারবর্তন

হল না। তিনি আবার লেখাপড়া আরু

আসিখিতে মন্ত হলেন।

চার মাস পরে তিনি আবার স্বশ্রবাড়ি গিরে স্থাকৈ নিরে এলেন।

বাড়িতে গরেজনের ভাবসেন বে ছেলের চরিত্র সোবের একটা কারণ তাঁর লেখ্যপড়ার বেশী মন। তাঁরা বললেন বে বেশী লেখা-পড়া বা করে একার ব্যবসার মন বাঙ—

বহাত পটে বাশ্চন করে ভাট।
বাশিক হল তো বৈঠে হাউছ
বৃহত্ত পটে সো বাগৈ ভাগি।
ব্যানহা পুড়ে বুড়ে কী সাধায় ২০০

শ্বেদী লেখাগড়া রাজ্য আর আটের করে, বেনের কেলে তো হাটে কলে। বে বেদী লেখাগড়া করে তবক ভিকে করে থেতে হর। বড়গের কথা বাগ্য শ্রেক্ত ইর।" বনারসীয়াস ভিন্তু উপদেশ প্রথম ব্যালেন মা. তিনি আগের মতই চলতে লাগলেন।

১৬৬০ সংৰতে ৰদাৰদীগদের প্রথম মেরে লক্ষ্যল, কিন্তু দেৱে বন্ধ সাভ বিলের মধ্যেই মারা গেল।

এর আলের বছর ভার এক সাব্র সপে ভালাপ হরেছিল। সহাাসী বলেছিল বে, ভার কাছে এক মন্ত্র আছে। সেই মন্ত্র বাদি কেউ এক বছর প্রতিলিল পাইখানার কসে জপ করে ভাহলে বছর পূর্ণ হলে সে প্রতিদিন নিজের বাড়িয়া সরজার কাছে একটি করে দিনার (সোহর) কুড়িরে পাবে। বনারসীদাস লোতে পড়ে সহ্যাসীর হাতে পারে ধরে এই মন্ত্র নিজে এক বছর ধরে নির্মমাফিক জপ করেন। যথন বছর পূর্ণ হল—

বয়স এক কৰ প্ৰো ভয়া। তৰ বনারসী ঘারে পরায় নীচী শিশ্ট বিলোকৈ ধরা।

ভ্ৰমণ কনার নীনার ম পাবৈ পরা। ১১৬
ভ্ৰমণ কনার নী বাড়ির নরভার গৈরে
মাটির দিকে তাকিরে দেখলেন, কিন্তু
কোবাও কোন নিমার খাজে পেলেন না।
ভাবলেন বে ভার পরীনম হরতো পাওরা
বাবে, কিন্তু সেদিনও কিছু ছিল না।
ব্রলেন বে এতদিন ব্যাই কওঁ করেছেন।
এর কিছুদিন পরে আর এক বোগীর
সপ্পে তার দেখা হর। সে একটি ছোট শৃত্য
বনারসীদাসের হাতে দিরে বলে বে এটি
একটি দিবমুতি। এটিকে প্জো করলে।
শিবলোক প্রাপ্ত হবে। সেই থেকে তিনি
রোজ ভাতিতরে পিবপ্জো আরুভ করলেন।
স্বেব ১৬৬১র টেল মাসে সলীমের
জোহুরী হীরানন্দ স্থ জৈনদের খবর

জোহুরী হীরানন্দ স্থ জৈনদের খবর পাঠালেন ৰে, ছিনি সম্বেদসিক্ষ (শিশর) পাহাড়ে সংব নিরে বাবেদ, সব ধর্মভীর জৈনরা বেন তার সপো এসে মিলিড হন। বনারসীদাসের শিক্তা পদাসেনও এই কথা শ্বনে হীরানশের সপো ভীর্ষবারার সোলেন। বে সময় বলসেন তীর্ঘালা করতে গিয়ে-ছিলেন সেই সময় বনারসীদাস একবায় कामी चरत अलिहिल्ला। किहामिन भरत সংয তীর্ষাবারা করে কিরে এলো। বারীদের মধ্যে অনেকে মারা গিরেছিল, আর অনেকে দার্শ অস্তের হলে পভেছিল। খলুসেনও পৰে পাটমার ব্য উদরের রোগে ভূগে-ছিলেন। কোন স্বক্তম জৌনপরে ফিলে অনেকদিন শ্রে খেকে ভার পর ভাল হস। সেই সমর বনারসীদাসের একটি ছেলে

বরে করেকদিনের মধ্যে রারা বার ।

সংবং ১৬৬২ (১৬০৫ খন্রীঃ) কাতিকি

নাসে থবর এল বে অকলর বাদশাহ আগ্রা

শহরে দেহত্যাগ করেছেন। থবর খন্নে

জোনপরের লোকের ভবিশ ভর পেরে সেলেন বে, এবার বোধ হর অরাজকভা আরশ্ভ হয়ে বাবে। ক্ষারসীদাস সিদ্ধির উপর বলোহদেন। থবর শ্বেন ভর পেরে উঠে দড়িতে মাখা ঘ্রে পড়ে গেলেন। মাথা ফেটে রম্ভ বেরোতে লাগল। এদিকে জোনপরে শহরে তথন আতৎক ছেরে

ইসহী বীচ নগর যে শোর,
তরো উদলল চারিহা ওছ।
বর বর দর দর দিরে কণাট,
হটবানী নহী কৈঠে হাটাঃ ২৫২
তলে বল্ড উর ভূসন তলে,

তে সৰ গাড়ে ধরতী তলে। হ'ভবাই গাড়ী কহ', বর,

নগৰী মাল নিভরমী ঠোর ৷৷ ২৫৩ বরু বর সবিনি বিসাটে অন্ত্

লোগহন পাইরৈ মোটে বন্দ্র। ঠাড়ো কন্বল অথবা খেস, নারিন্হ পাহিরে মোটে বেস। ২৫৪ উচু নীচ কেউ নুপহিচান,

ধনী গরিস্ত্রী ভঞ সমান।

চোরী চারী লীলৈ কাছ্ নাহি

ইরো হী অপভর লোগ ভরাহাী॥ ২৫৫
পারতপকে লোকে বাড়ি থেকে বেরোন
ছেড়ে গিল। হাউরেরা হাটে বসা বংধ করে

কিল। বাড়িতে লোকে অক্টাশক্ত নিরে টেরি
ছরে বসল। নেহাত বাইরে বেরোতে হলে
লোকে মোটা সলতা কাপড় পরে বেরোতে
লাসল। কে যে ধনী আর কে গরীব কোন
বোঝবার উপার রইল না। কোথাও যে
চুরি, ভাকাতি হচ্ছিল তা নয়, শুরো গ্রুবের
চোটেই লোকে ভর পেরে হাছিল। দিন
সংশক এইরকম হইচই চলল। তারপর
সবাইকার কাছে হখন অগ্রা থেকে খবর

এল ছখন দেশে শালিত ফিরে এলঃ—

প্ৰথম পাতিশাহী কৰী,
, বাঙ্ম বয়স কলাল ।
কৰ সোলাহলৈ বাসকৈ,
কাতিগ হ'ও কাল ৷৷ ২০৩
ক্ষমম্ভেন নকন বড়ো,
সাহৰ সাহ সকোৰ ৷
সময় আগারে যৈ কথক,
বৈঠো ক্ষমম্ভ ক্ষম ৷৷ ২০৮
নীও বয়াও শ্ৰমী,
ক্ষাপোৱি স্লাভান ৷
কিয়ী স্লাভান ৷
কিয়ী স্লাভান ৷
ক্ষাপীৱ স্লাভান ৷
কিয়ী স্লাভান ৷
ক্ষাপীৱ স্লাভান ৷৷ ২৫৯

বাহাম বছর রাজত্ব করে জলালালানির জকবর বাংশাহ সংবং ১৬৬২ সালের কাতিক হাসে পরলোকগমন করেছেন। তার বড় ছেলে সলীম মূর্ত্পান জাহাংগার নাম গ্রহণ করে আগ্রা শহরে আকররের মত সিংহাসনে বংসাহেন।

এদিকে বনারসীদাসের হঠাৎ বনে হল হৈ শিবপুজা কানী কেন?' আমি এতদিন শিবপুজা করলাম কেন? জব মৈ গিনজী শর্মো ব্যবার। জুরু সিব কৃছ্ মু করী সহার। বধন আমি মুক্তিত হরে প্রক্রেণালাম, পিব তো আমার কোন নাহাবা করলেন না। সেই থেকে তিনি নিবপ্রভা ছেড়ে দিরে পাকা জৈন হরে গোলেন আর নবরসের যে প্রাভি লিখেছিলেন সেটিকে গোমতীর করে জালিবে দিলেন।

১৬৬৪ সংবতে ধনরাসীদাসের আর একটি পুর হরে করেকদিনের মধ্যে মারা বার।

আর বধন ভিন বছর কেটে সেল আর
পিতা বলনেন বখন বেখলেন বে, ছেলের
মতিগতি ভাল হরে গেছে, ভবন
তিনি বাড়িতে জমান মুলি মুখা, কিছু
টাকা ও কিছুটা তেল ছেলের হাতে দিরে
বলনে বে, আগ্রাতে গিরে ব্যবসা কর, আর
এখন খেকে সংসার চালাবার ভার নিজেব

বনারসীদাস মণিম্ভা ইত্যাদি দামী
জিনিস কোমরে বেংধ নিলেন আর বাকি
জিনিস গররে গাড়িতে বোকাই করে অন্য
অনেক গররে গাড়ির সংগ্য আগ্রা রওনা
হলেন। রোজ তারা পাঁচ জোপ পভ
চলতেন।

এমনি করে এটোরা শহরে এলে

পৌছলেন। সেখানে গাভিগলো সম গোল करत ताथा हरू। अमन नमह हठीर त्यव करत क्षात याणि जातन्त शरह राजा। अवाहे দৌভে বাজারের দিকে গেলেন, বদি কোমাও আশ্ৰয় পাওৱা বার। কিন্দু কোথাও কারগা পেলেন না। স্বাই দয়জা কর করে বলেছিল। অগ্ৰহারণ মানের রাভ, শীন্ত করছে, পার কাদা ভরে গেছে, কিল্ড কেউ আলৰ দিছে নাৰাজ। এত জাৰসাৰ "নাহি अक देखेन करहाते. शरहाय केंद्री रन बीन'-अक्षण मानी योग ना यगरण वणन, रखा পরের বাদ উঠিরে ভালের ভাতিরে দিল। শেষকালে বনারসীগাস আর হলেন সম্মী धक्छ। कृष्ट बरब बाह्ममा रगरमम। स्मर्थ ৰৱে যে লোকেয়া ছিল ভায়া ৰলল যে আমরা বাভি বাভি, তোমরা তিনভম রাজ এইখানে থাক। কাল কিল্ড আয়াদের বকাশল দিতে হবে। এ'রা ভিনজন ভাবলেন, বাক, আৰু রাটের মন্ত জারগা পাওরা লেল। किन्छ, अभन नमन हठाए अक्सन स्माहान লোক এনে বলল এটা আমায় শোৰাই জারণা এখনই ভোমরা বেরিরে বাও, ভা নইলে চাব্ৰ খাবে। অনেক খেলালোদ করার পর ঠিক হল বে সেই লোকটা আর্টে

ক্লাসিক প্রেসের নবজন প্রদর্

# न्मर्गाज-विन्मर्गाज

ভঃ অর.ণকুমার ম্থোগাধাার, অধ্যাপক, কলিকাভা কিববিধ্যালর বই পড়তে আপনার ভালো লাগে। কিন্তু শৈশবে বে-বইরের ভিতর দিয়ে আপনার পৃথিবীকৈ আবিষ্কার করেছিলেন, বরস বাড়বার সপ্পে সপ্যে সে বই, সে পৃথিবী ছেড়ে অন্য বই অন্য পৃথিবী কেন খাঁ,জিছিলেন আপনি ?

সে কি কোনো সচেতন নিৰ্দেশ না <mark>অলক ইল্</mark>যিত? সে কি মনের মৃত্যু না পরিণতি?

শন্তি-বিন্দাতি সেই আবিষ্ণিরার ধৃত। শন্তি-বিন্দাতি শন্তিচার চেরেও আরো অনেক কিছু। গ্রন্থ বুচির পরিবর্তনের মধ্য দিরে অধিকাংশ বাঙালি মনের ক্রমপরিপতির কাহিনী, আনন্দোবিষাদে মেশানো কাহিনী। লেখক নিজের ফেলে আসা শিশ্মনকে স্পর্ল করে এগিরে এসেছেন তার প্রথম বৌবনের দিনগুলিতে। এ গ্রন্থ নিজের প্রক্রেশ সমগ্র বাঙালি মনের কথা। কুড়িজন বাঙালি লেখকের ভিতর দিরে এক বাঙালি শিশ্র মানস বারা, হাসিখুলিতে বার হাতেখড়ি, রবীন্দ্র গলেশ বিষাদের বার প্রথম সাক্ষাংকার আর বিক্কম-শরতের উপন্যাসে বার যৌবনের দীক্ষা। —আই চাকা ম

দেশকে অন্যান কঃ
বাংলা গদ্যরীতির ইতিহাস ১৮,; রবীন্দ্র মনীবা ৫,
বাংলা সমালোচনার ইতিহাস ১৫,; বীরবল ও বাংলা সাহিত্য ৮,

मीहरे शकामिक राव

णावण क्षेत्र, प्रणोश चल (क्वत भवे ।। b:

ক্লাসিক প্রেস 🛚 ০/১৩, শ্যামাচরণ দে শ্রীট, কলিকাডা 🗈 ক্লাসিক মেল

বৈদ্যা আল এ'রা তিমজন থাটের তলার ইনাজেন। সেই কাশশাই হলঃ— শিনুহে খাটপর লোকা তলে, বিজ্ঞা একা থাটকে তলে

পর্যাদন সকালে উঠে আবার চলতে
আর্দ্রিক করলেন। এর্মান করে করেকদিন
পাত্র আরা পেণতে বনারসীদাস নিজের
ভাট জ্ঞানশীশতি বন্দীদাসের বাড়ি উঠলেন।

कालांक वार्यमा कराक चारान्य करातार । কিন্দ্ৰ আগ্ৰা বছ শহর, সেখানে নানা ব্ৰহ্মের জোক। কিছুদিনের মধ্যেই কতক शक्त अस्तरमञ्जू शास्त्र चारेत्र, किन्द्र वा शांत्रत्त्र. चान कथा या बाजात मन्त्रा इ बतात नात्न रबोक्नाल निर्देश ৰনারসীদাস নিঃস্ব হরে शक्तका वावमा वन्ध हरत राम। वा किहा ৰৱে ৰটি ৰাটি ছিল, তাই বেচে খেতেন, আর রাজে ভিনি বাড়িতে বসে মুগাবতী পূৰ্ণীয় পড়তেন। পার মধ্যালভার পার্টার লোকেরা তাই এলে শনেত। দুগাবভ<u>ী</u> निर्धाइरनन জৌনপনের দুলভাম হালেন শাহর আল্লিড কবি কুছুন্ন। এতে চন্দ্রনগরের রাজকুমার আর কাশ্বনপরের রাজকন্যা মাগাবতীর প্রেমের শ্বা আহে। মধুমালতীর কবির নাম मन्यन। अप्रिक अक्षि ट्यायन शहन। मूर्णि **ৰইই সেকালে প্ৰেমকা**ব্য হিসাবে প্ৰসিম্প ছিল!) শেষকালে ৰাডিতে বেচবার মত कहा तरेन मा। अकलन कर्ति बताना ताल ালে কাব্য শ্নতে আসত। ভার কাছে **থেক্সেলে বনারসীদাস ধার করে কু**র্চার

থেতে আরুভ করনেন। করেকদিন পরে কচুরিওরালাকে একলা শেরে বনারসীদাস বলনেন, জনেক ধার দিলে, কিল্ডু আমার কাছে তো পরসা দেই দাম কহাঁসো বেহু? দাম কোখা খেকে দেবে? কচুরি-ওরালা বললে, ভূমি বদি বিশ টাকার কচুরি খাও, ভাহলেও ভোমাকে কেট কিছু বলবেনা, ভূমি কিছু ভেব না।

এমনি করে ছ সাভ সাস কেটে গেল।
ভারপর ডিনি তরি গালা ভারাচদেশর
বাড়িতে গিরে কিছুদিন রইলেন। সেখানে
ধর্মদাস বলে আর একজন লোকের সংগা
ভার আলাপ হর। ধর্মদাস আর বনরেসীদাস
একসংগ্র বাবসা করতে আরম্ভ করলেন।
চুনি, মণি, মুন্তার বাবলা আরম্ভ করে
কিছুদিনের মধ্যে পারসা রোজগার হতে
লাগল। ভাকন সেই কচুরিওরালাকে ভেকে
হিসাব করে দেখলেন যে ছ মাসে ঠিক চোম্প
টাকার কচুরি খেরেছিলেন। টাকা দিরে ভিনি
কচরিওরালাকে ছরবিভ করলেন।

এমনি করে ৰখন গ্রহর কেটে গেল।
তথন বনারসীদাসের শ্বশ্রেবাড়ি বাবার জন্য
মন কেমন করতে লাগাল। তিনি ব্যবসা
হেড়ে চলে বাবেন ঠিক করলেন। গ্রহছর
বাবসার কল খতিরে দেখা গেল বে এই
সমরে বনারসীদাস বা লাভ করেছেন,
প্রতি দিনকার খরচেই সেই টাকা শেব হরে
গেছে। কাজেই আবার তার কপদকিহীন
অবস্থা হরে গেল। এজদিন বনারসীদাস
শ্য দিরে হেতি বাজেন, হঠাৎ একটি

প্টেলি কুড়িরে পেলেন। খুলে নেখেল তার মধো আটটি মুভা রকেছে। সেই মুভা কর্মট একটি মানুলীর মধো পরে কেন্ডেন্ডে বেখে ক্যারনীদান ক্ষমুক্তবাড়ি বায়া চরকেন।

इस्ट इस्ट अक्सिन मत्स्राद्यमा छिति बहवाबारम व्यम् त्यां ए भोहरमा। ল্যী জিল্পাসা করলেন বে এডদিন ব্যবসা करत क्छ त्राक्रगात क्त्रला। वस्य व्याद्वनी-शाल बनात या. वा किक्ट त्राव्यभाव करविकालन সৰ খবচ কৰে কেলেছেন তথন তাৰ শা প্রথমে তো তার এই কথা বিশ্বাসই করছে **हार्टेडिलन ना। भरत यथन ब्रायन्त रव** ন্বামী সভা কথাই বন্ধন, তথন তিনি বাতে আহার থেকে ব্যবসা আরুভ করতে পারেন সেইজনা গোপনে ভার হাতে কভি টাকা দিলেন। প্রদিন ভার দাী নিজের মাকে বললেন বে, কাউকে বলো সা. আমি কৃতি টাকা স্বামীকে দিরেছি। ভার মা তথন আরও দু' ল' টাকা মেরের হাতে দিরে বললেন বে বনারসীদাসকে কলো আবার আগ্রা গৈরে ব্যবসা করছে। বনারসীদাস ঠিক করলোন বে আপ্রাক্তে গিছে কাপড আর মণিমকার বাবসা করবেন। তিনি করেক মাস ধররাবাদে দ্বশরেবাভিতে খেকে বাজার থেকে কাপড় কিনে সেগটোল ধোরাতে লাগলেন, আর মণিমুভার খৌছ করতে *লাগলেন*। সেই করমাসে তিনি 'অভিতনা**থকৈ হলা' আর 'নামমালা'** নামে দুটি বইও লিখে ফেলেন। সৰ ভাজ বৰদ শেব হরে গেল তথন কৈছ ধোরা কাপ্ত নিয়ে আর চলিশ টাকা দিয়ে একটি মরের মালা কিনে অগুহারণ হাসে বনারসীদাস আবার আগ্রা বারা করলেন।

জাহাতে ব্যবসা আরম্ভ করে দেশবেদ বৈ কাপড়ের বাজারে বেশ মন্দা চলেছে, কাপড় বেচাতে লাভের জারগার লোকসানই হক্তে—অবচ বে মুভার মালাটি তিলি চল্লিল টাকা দিয়ে কিলেছিলেন, সেটি সন্তর্ম টাকার বিক্লী হরে গেল। কাজেই তিনি ঠিকু করলেন বে কাপড়ের বাবসা ছেড়ে দিয়ে শুম্মু মণিমুভার বাবসা করবেন। কিছুদিন আগ্রাতে ব্যবসা করবার পর এক বন্ধার বিরেতে ব্রবাহী গিরে বনারস্দিশ প্রভিন্ন টাকা প্রার কর শেব করে কেললেন। সেই সমর তরি আর এক বন্ধ্যু নরোভ্রম লাস প্রাম্মণ দিল বে চল পাউনার গিরে ব্যবসা করা বাক।

বনারসীদাস, নরোন্তমদাস আর নরোন্তমের

শবণার, তিনজনে একটি গরার গাড়ি জাড়া
করে পাটনা রওনা হলেন। সাহিজ্ঞানপার

অবথি সেই গাড়িতে এসে সন্ধের্মজান
সরাইতে পেণাছে ভারা গাড়ি ছেড়ে দিলেন,
আর মাল সপো নিরে বাবার জনা একজন



बादरी किंक क्यांकान । विद्यादन बाद्य केंद्रे জৈলাল কোণে কোনা ভাবলেন বে ৰাৰি ভাৰ হয়ে এলেছে। মাৰ্টের মাধার বোৰা চাপিৰে ভিনন্ধনে চলভে আৰুভ করলেন। কিছা দরে চলবার পর ভারা জক্তালে পথ হারিরে ফেললেন। মুটে বোঝা ফেলে পালাল। তখন অধেক বাত। কি আৰু করবেন। বোঝা ছিল ভাগ করে ছিল-ক্ষরে কাঁধে মাথায় কলে নিলেন। চলতে চলতে ভারা এক চোরেদের গারে উপস্থিত इरमान । इठार अक्कन किसामा करन, एक ষার?' তিনজনের ক্সরে মূখ শাকিরে গোল। পর্যোশ্বরের নাম করে বনারসীদাস এক শেরতে পড়ে সেই লোকটিকে আশবিদ निरमा। स्तरे लाकि भावन स्व कवा রাহ্মণ, তাই উত্তর দিল যে, কোন ভর নেই, আমার উঠানে আৰু রাত্রে থাক। এই তিনজনের তখন ভরে বঙে কাপছে। রাত্রে তিনক্ষন কাপ্ড থেকে সংগ্রে বার করে পইতে বানাজেন আর ভল মাটি গালে কপালে তিলক কাটলেন। সকালে কখন চৌধরী লোকজন নিয়ে এল এরা উঠে তাদের আশীর্বাদ দিলেন। চৌধারী বলল কোন ভর নেই আমার সংখ্যা এসে পথ দেখিছে দিভিত। এ'দের ফ্রেপ্রের প্র দেখিত্ব দিৱে চৌধারী ফিরে গেল। ফাতেপরে পেণিছে দক্তন মুটে ঠিক করে বনারসালিস আর তার দাই সংগী চলতে চলতে এলাহাবাদে এসে পৌছলেন।

এলাহাবাদে সরাইতে নেমে গণ্যার ধাবে ভোজন সৈবে নিজেন: তারপর করারসীদাস শহরে বেজাতে বেরোলেন। হঠং সেখানে তার পিতা খলসেনের সংলা সাক্ষাং হরে গেল: পিতা প্রকে দেখে আনদে ম্ভিতি হরে পড়ালে। বনারসীদাস ভূলি করে পিতাকে লোনপার পেতিছে দিলেন, জার পাটনা না গিরে কখন বা বারাপদী জার কখন বা জোনপার খেকে নরোভ্যাদাসের সংলা বাবসা জারমভ করে দিলেন। এই সমর বনারসীদাস খ্য প্রখার সংলা কৈন-ধ্যার বিরক্ষ উপবাস ইত্যাদি পালন করতে জারমভ করেন।

একদিন বারাণসীতে তিনি পিতার চিঠি
পেলেন বে, শ্বরাবাদে তার স্থাীর একটি
হেলে হরে পনের দিন পরে মা ও ছেলে
দক্ষেনেই মারা গেছে। বনারসীদাসের শ্বদার
তার ছোট মেরের সন্দো তার স্বন্ধ প্রস্তাব
করে নারিকেল পাঠিরেছেন। তাই শ্বলাসনি
বিরের শুভ দিন ঠিক করে জ্বাব পাঠিরে
দিরেছেন। বনারসীদাস চিঠি পেরে অনেক
শামাকটি করলেন। ছ' মাস পরে তাঁর মন
অনেক শাক্ষ হরে গেল।

কিলিত খালের বড় ছেলে চাঁনী কিলিচ খান চার হাজারী মনসবদার ছিলেন। তিনি শুখ্য বে বাঁর ছিলেন ডাই নর, রাডা আর পশিকতও ছিলেন। তিনি বনারসীদাসের বিদ্যাসেরের কথা প্রেন তাঁকে শিলোপা দেন, আর তাঁর রচিত অভিতলতের হুন্দ আর নাম মালা পোনেন। মাথে একবার কৈছ্ দিনের জনা চীনী কিলিচ খানকে বাইরে বেতে হয়। সেই সময় বিনি জোনপরের চার্জে ছিলেন তিনি বনারসীদাসকে অনেক দ্বংশ দেন, কিন্তু মাস দ্বই পরে চীনী কিলিচ খান কিরে এলে তাঁর স্থের দিন আবার ছিরে আরে।

১৬৭২ সংৰচ্ছে চীনী কিলিচ খান মারা বান। ভার পর ছ' সাত মাসের জন্য বনারসী-দাস আৰু নৱোভ্ৰমদাস বাবসাৰ উদ্দেশে পাটনা ৰান, ভবে সেখানে বাবসার বিশেষ স্বিধা হর্নি বলে আবার ফিরে এসে তাঁরা কাশী আৰু জৌনপৰে নিজেদের ব্যবসা আরুত্ত করে দেন। এই সমর আগানুর বলে একজন ওমরাহ জৌনপ্রের নবাৰ নিব্র হন। তিনি আসভেন শ্লেই নগরে হইচই আরুল্ড হরে গেল-লোকেরা সব দিকে দিকে পালাতে লাগল। দুই বন্ধ্যুত্ত পালিয়ে অযোধ্যা চলে গেলেন। সেধান থেতে ভারা বোনাই বলে এক ভারগার গিরে দিন সাতেক ধর্মনাথের মণিদরে সেবক হরে থাকলেন। ভারপার ভাবলেন বে, এবার ঘরে ফেরা ৰাজ। পাধে শ্নেকোন বে আগানার এসে জৌনপরে আর কাশীর মারামাঝি ভাইগাই ভীবণ অভ্যাচার করেছেন। বাবসারাদৈর, বিশেষ করে হ্রান্ডওরালা, ভহারী আর শরাঞ্চদের ধরে কাউকে চাবক মারিরেছেন, কাউকে পারে বেডি পরিরেছেন यात काफेरक का जन्म कर्रेस्ट्रिक बन्ध त्राथरहरा। भएन मारे वन्धा भागित अव क्शाल नाकित्व ब्रह्मानः। छात्रभत वसन শ্নলেন যে, আগান্র আগ্রা চলে গেছেন তখন কৌনপরে এসে সকলে একর হলেন।

কছ দিন পবে নরেন্তমদাস তার পিতার কাছ থেকে একটি চিঠি গেলেন। চিঠিটি তিনি বনারসীদাসকে পড়তে দেন। তাতে লেখা ছিল "বনারসীদাস আর তার পিতা খলাসেন ধ্তা লেকে। এদের সপো বেশী দিন থাকলে তোমাকে ছিলা করে খেতে হাব।" নরেন্তমদাস কললেন বে, তিনি এইসব কথা বিশ্বাস করেন না। বনারসীদাস ভাবলেন বে, এই রকম মিত্র আর হর না। তিনি 'ইকতিসা সবৈর্ধা' হদে একটি কবিতা লিখলেন। এই কবিতার চার লাইনের প্রথম অক্ষর বথাকমে না, 'রো', 'তা' আর মা কবিতাতে নরোক্তমদাসের গ্রেগান ছিল। সেই কবিতাটি তিনি ছাঠেদের দিরে শহরে কতিনি করালেন।

ভারপর দুই বন্ধ ঠিক করলেন ধে, আগ্রাভে গিরে বাবসা করবেন। এমন সমর হঠাৎ বন্ধানেন অস্থে হরে পড়ালেন। বনারস্থানের আর ভাই ভখনকরে মত আগ্রা যাওরা হল লা। ব্রানের বার্ডানর ব্যক্তির বার্ত্তির দেখে বাবসার টাকাকছি, পর্যক্রিয়াটি বৃত্তি ভাগ করে নিরে নরোভ্যনাল নিকের ভাগ নিরে আগ্রা চলে গেলেন। বনারনীবান জানপুরে থেকে শিভার লেল করতে লাগলেন। বিক্সু দিন পরে বলানের মারা গোলেন। বনারনীবান কিছু দিন মোনিপুরে বারনা করবার পর ঠিক করলেন বে আগ্রা বারনা করবার পর ঠিক করলেন বে আগ্রা বারনা করবার পর ঠিক করলেন বে আগ্রা বারনা

আবাঢ় মাসে ভাল বিল দেখে ক্নার্কানীপাল আগ্রা বারা করলেন। সঙ্গে ভিনি একটা যোড়া আর ন'জন চাকর নিজেন। প্রথম রাতে বেস্রা গাঁরে উঠলেন। সেখনে মহেরী বলে একজন আগ্রাবারী যোক্তনপ্রায় ভরি সংগা হল। জরপার আরও ব্রুল মধ্রোবাসী রাজণ দ্বান চাকর নিরে ভরিনর সহবাতী হল। এর্মান করে উনিল জন্মের একটি দল তৈরি হরে খেল।

অনেক নগর আর প্রান্ত পেরিক্তে ছিরিয়া কোররা বলে একটি প্রান্তে পের্ণীছে সরাইছে এসে উঠকেন। সেই স্থান্ত্রশ ব্যুক্তান থাবার কিনতে প্রামের ভিডরে সেল। বাজারে থাবার কেনবার জন্য গরাক্তের দোকান হেকে উলো ভাঙিরে থাবার কিনে বক্তন ভারা একে আরগার বসেছিল ভবন পরাক এলৈ অন্তোর বলপ, বে ইকাটা দিয়েছিলে সেটা ব্যুক্তাল,



वयन निर्मानश्च पिरतात (क्षेत्रके) वरेग्नि सरमय वय नदक वस सम्याम सरस्टम गडीकिन

প্রথম রাজ সংকরণ

#### হাতের ভাষা

TR - 4.00

জার্পনি ও জাপনার হাত — ১২·০০ হ্রন্তরেখা অভিযান — ১০·০০ হাতের গোপন কথা — ২·৭৫ জার্পনি করে জন্মেছেন — ২·৫০

আট য়্যাও লেটার পার্বলশারী লগ্রুম্ম চটস, কলিকাত্য-১২ বনলে হাও। রাজাগরা বললা বে, এটা তালের দেওরা টাকা নর। এই নিরে কলহ বেধে গোলা। এরন সময় সেই শ্রাফের ভাই এনে রাজাপনের কাপড় খেকে প'চিলটা টাকা বার করে কললা বে, এইসব টাকা মেকী, এখনই আনি ভোভোরালের কারে বাজি। এই বলে





সে বাড়ি গিরে প'চিশটা মেকী টাকা নিরে কোতোরালের কাছে গিরে নালিশ করল বে কোতোরালের করে এক আলিরাতের দল এসে গারে মেকী টাকা চালাছে। কোতোরাল গিরে এই কথা হাকিমকে বললেন। হাকিম দেওরানকে কোডোরাল আর দেওরান সরাইতে এসে এ'দের উনিশক্ষনকেই বে'ধে নিরে গেলেন। হাকিমের কাছে সকলে নিকের নিকের পরিচয় দিলেন। বনারসীশাস বললেন—

লাকী নেমা সাহ(ক),
তথত কৌনপুর ভৌন।
বেওপারী কগমে প্রকট,
ক্রিছে লক্ষণ কৌন॥ ৫২০

আমার সপো নেমা সাহরে পার্টনারশিপ ভিড ররেছে, জোনপ্রে বাড়ি, দেখডেই পাছে আমি ব্যাপারী—ঠকের লক্ষণ কি দেখলে?

তখন হাকিম আর দেওয়ান ইত্যাদি পারসী ভাষার নিজেদের মধ্যে আলোচনা করলেন। তারপর দেওয়ান ফললেন যে, রাত্তির কেলা কিছু ঠিক করা গেল না, এখন এদের কিছু ব'লো না, সকাল হলেই এদের জাতি জানা যাবে। কোতোয়াল তখন এ'দের ফললেন বে, কোররা, ঘাটমপুর আর বরী, এই তিন গারে বদি তোমাদের পরিচিত কেউ থাকে তা হলে কল। অনা গাঁ আমি মানি না। এই কলে এ'দের চারিদিকে পাহারা বসিরে ও'রা চলে গেলেন।

সেই মাহেন্দ্রী আর বনারসীলাস সারা রাত ধরে পরামর্শ করতে লাগলেন যে, কি করা আর। বখন মাত আর এক প্রহর রাত বাকি আছে তখন হঠাং মাহেন্দ্রী বলল, "ভাল কথা মনে পড়েছে, এই বরী গাঁরেতেই তো আমার ছোট ভাইরের বিরে হয়েছিল। এইখানেই তো আমরা বর্ষাত্রী এসেছিলাম।" বনারসীদাস বললেন, "মংখা, এতক্ষণ এ কথা বলিসনি কেন?" মাহেন্দ্রী বলল, "ভরের চোটে সব ভূলে গিরেছিলাম, এখন সব মনে পড়েছে, তুমি এবার নিশ্চিতত চক্ত।"

তখন বনারসীদাসের মনে শাদিত ফিরে এল। কিন্তু তব্ও বে ভাবনা একেবারে গোল ডা নর, কারণ কে জানে মাহেশ্রী সত্য কথা বলছে কিনা।

সকাল হতেই মুটের মাথায় উনিশটা শ্বে চাপিরে পেরাদা একে হাজির হরে গোল। পেরাদা আবার ব্যাথ্যা করে বলল— তুম উনীস প্রাণী ঠগ লোগ.

এ উনীস স্কৌ তুম জোগা। ৫০২ "তোমরা উনিশ জন ঠক, এই উনিশটা শুলা তে:মাদের যোগা।"

কিছ্মুকণ পরে কোতোরাল আর দেওয়ান লোকজন নিয়ে এসে হাজির হলেন। বনারসীদাস ভাদের বললেন বে, 'বরী গারে আমানের পরিচিত লোক আছে।" দেওরান
গনে বললেন, "সাবাস, এতক্ষণে ভাল কথা
বলেছ। আমার সপো বরী গাঁরে চল। বা
বলহ তা সভ্য কিনা বাচাই করি।" মাবেরী
বোড়ার চড়ে দেওরানের সপো বরী গাঁরে
গোলেন। দেওরান কিরে এনে ক্লাকেন,
"সভিই ভোমরা সাহ, আমানের ভূল
হরেছিল, মাক কর।" এই বলে ক্লোভারাল
আর দেওরান চলে গোলেন।

তথম বত্ত মন্টের খোড়া সেই রাজনার বলল, "কিন্তু আমানের টাজা হৈ কেছে।" তাই শ্নে কার্মনীবাস হ' লাভ সের ক্লেল কিনে কোডোরাল, বেওরান আর হাকিয়ের বাড়ি কিছু কিছু পেনির দিরে কললেন, "সেই শরাকরা রাজনবের টাজা নিরে পালিরেছে, ডার কি ব্যক্তরা হবে?" হাকিম কললেন, "সে বেজি আমি আলেই করেছিলাম। ডারা স্বাই তথ্নি লী ছেড়ে পালিরেছে।" ক্লার্মনীবাস কিরে এনে রাজাগদের কললেন, "ডোমানের টাকা আর নেই।"

তার প্রদিন তাঁরা সকলে আবার চলতে লাগলেন। পথে বনারসীদাস একটি চিনি পেলেন যে তাঁর বংখা নবোন্তমদাস মারা গেছেন। বনারসীদাস এই সংবাদ প্রেপ্ত গোক পোনকান, কিন্তু স্নেইই দ্বাধের মান এই কথা ভেবে অতি কলে নিজেকে সামলে নিরে আবার চলতে লাগলেন।

বখন আগ্রার কাছে বমনোর অপর পারে তারা পোছলেন, তখন সেই দুই রাজ্ঞণ এ'দের পথ আটকে বলল যে, ডাদের টাকা না পেলে তারা মারা কাবে। যখন জনেক বোঝানোতেও তারা ব্রুকানা ডখন বনারস্থী-দাস বার টাকা আর মাহেন্সী তের টাকা দিরে ওবের বিদেয় করলেন।

আগ্রা পৌছে বনারসীনাস আলেকার সব বাবসায়ের সম্পর্ক ভ্যাগ করে একলাই বাবসা আগ্রম্ভ করে দিলেন।

বোল শ' তিরান্তর সংবতের শীওকালে আগ্রাতে প্রথম মহামারী আরুদ্ভ হল।

বৈস্থী সময় সিতি বিশ্তরী,
প্রী আগরে প্রলী মন্ত্রী।
কথা তহা সব ভাগে লোগ,
প্রগট ভয়া গঠি কা বেলেয় ৫৭ছ
নিক্ষৈ গঠি মহৈ ছিনমান্তি,

কাহ্কী বসাই কিছু নীছ চুহে মর্বাহ বৈদ মর জাহি,

তরসৌ লোগ অম নাহি খাহি ॥ ৫৭৩

"এই সমর ঐতির বিশ্তার হরে আগ্রাতে প্রথম মহামারী দেখা দিল। বে বেখানে গারল লোকে গালাতে লাগল। গ্রন্থির রোগ প্রকট হল। প্রন্থি বার হতেই ক্ষণমারেই লোকে মরে বেড—কার্রই কিছ্ করবার ছিল না। ই'দ্র মরতে লাগল, বৈদ্য মরতে লাগল, ভরে লোকে অন্ন হৈছে দিল।"

[बादान्यीतात प्राक्षकारमत प्रमाप बहरत

১৬১৫ খনিভাব্দে প্রথম এই দেশস রোস আরম্ভ হর, ও প্রায় আট বছর খনে উত্তর ভারতে বহামারীর রভ হড়িনে থাকে। ভূলসীনার এই বহামারী থেকে বাঁচবার প্রাথানা করে জনবাশ্বার উলোচন একটি স্কর লিখেনিক্সের্যা

কারবাদান এই নামা পালিরে পালের করু প্রানে ইলে গিরেছিলেন। বহাবারী কর হলে নামার আরা বিশ্বে আনেন। কিছু দিন পরে ভার বা জোনপরে থেকে জেলের কারে আনেন। কারবাদান এই সকরে বর্ত্তাবার গিরে বিত্তে করে বউ নিরে আনেন। বিরের পর হঠাং বনারসীদানের ধর্মে রাভ বেড়ে বার। তিনি আহিছার, হলিতনাপুর প্রভৃতি জন তীর্থ দালন করে আনেন ও ফার্থাক্রবানের বিব্যুর প্রকৃত্তি ইত্যাদি লেখা আরক্ত করেন।

১৬৭৬ সংবদ্ধে তাঁর এক পুর ক্ষার। তার এক বছর পরে তাঁর মাতার মৃত্যু হর।
১৬৭৯ সংবদ্ধে তাঁর পুরের আর ন্দিতীর পাঁর মৃত্যু হর। সেই বছরই তিনি আবার পররাবাদে সগাই করেন ও তার পরের বছর সংসার করেন। এই সমন্ধ্র তিনি ক্ষৈনধর্মের প্রথম পাঠ ও রচনা আরক্ষ্ম করেন ও কৈন-ধর্মের নানারক্ষ্ম অভ্যাস আরক্ষ্ম করেন।

১৬৮৪ সংবতের আবাঢ় মাসে তাঁর তৃত্যীর প্রতীর প্রথম পরে হয় ও করেক দিনের মধ্যে মারা বার। এই বছরই

ৰচপতি জহাপানৈ নিজনি, কানো বাজ বরৰ বাইস।

ৰাশ্মীরকে মারণ বীচ,

ক্ষাওত হাই অচানক মীচা। ৬১৫ মাসি চার-অন্তর পাবান,

আউ সাহিজহা স্বাতান। বৈঠরো তথত হয় সিরতান,

**हर, हकरेम रक्त्री जान॥ ७১७** 

সোরহ সে চৌরাসিরে,

তথত আগরে খান।

বৈঠনো নাম ধরতের প্রভূ, সাহিব সাহি কিরান॥ ৬১৭

ছত্রপতি দিল্লীল জহাশ্যার বাইশ বছর রাজর করে কাশ্মীর থেকে ফেরবার পথে হঠাং মারা বান। চার মালে পরে শাজাহান সংহাসন আরোহণ করেন। ১৬৮৪ সংবতে তিনি সাহিবে কিরান উপাধি গ্রহণ করে আগ্রার তথতে বলেন।

১৬৮৫ সংবছে কনারসীদানের আর এক পরে জন্মার ও মারা বার। ১৬৮৭ সংবতে তার এই ল্যার গড়ে ভৃতীয় পরে জন্মার। ১৬৮১ সংবতে এক মেরে জন্মার ও মারা বার।

এর পরের করেক বছর ভিনি আবার কৈন প্রশ্ব পাঠ ও রচনাতে লেগে থাকেন।

১৯৯৮ সালে ভার শেব প্রের মৃত্যু হর। এই ছেলেটি ভাট স' বছর বে'চে ছিল। বনিও ছেলেটি চিনন্দে ভিন, ভন্ নরটি ছেলেমেনের কবে। এই একটিই কিছু দিন বে'ড়ে ছিল হলে এর হারা বাওরাতে বনারসীদাস গভীর গোভ পান।

এই সময় পভাষ বছর ময়সে বনারসী-নাস ভার এই আজজীবনী অর্থকানক সেখেন। গোলের ভিত্র সন্ধান্ত ভল্লোপদেশ। নিম্মের জীয়নের ঘটনাবসারি কবা ভিনি ভার আলেই এই কর লাইন লিখে দেব করোরন—

কৰা সজনৰ বাল সোঁ,
বাল্যনাকী ব্যস্ত ।
ভীন বিবাহন ভালবা,
দ্বা সোহ সূত নাভ হ ৬৪২ সোবালক হলে ব্যস্ত নাভ হ ৬৪২ কাই মাই মা সোই।
জোঁ ভাবৰ গড়কা হলে

লতে ঠাইনে হোটা 1 680 শশক্তান বছর অবধি বনারসীর কথা কল্যান—ভিল বিরে, বুট মেরে, সার্ভ ছেলে। নটি সম্ভান হলে মরেছে, শুখু নারী আর নর বাকি আছে। বেমন পাভা করে সেলে। গাছ থেকে ভেমনি ঠাটো হরে ররেছে। ব্যারসীগাস এই সমর জৈনবর্মোর চটা করে নিজের মনকে ভূলিরে রাখবার চন্টা কর্মারকোন : নিজের ক্যাক্ষাবনের ক্যা শেষ করতে ব্যারসীগাস বলেকো—

বাঁতি কৰ' কৰান মহ বানায়নী ভানা। মুক্ত কৰি মহান হ'সহিলেব,

কৰ্মীয় স্থাতিত্ব বিভাগ কৰণ্ড বাৰ সেয়া কৰ্ম জোনী

কান শৈলবার নান। কর্মার মুনার বার্ডার পাটার,

विश्व कर तक सम्बन्ध ६५६ "बाँ क्षित्रकानक नगतनी प्रसिद्ध द्वे रमाक स्ट्रम दामरदा। बांबा नित्र काम अठि शक्रदम वा मृजदमा। रगदा काम छोशाहे रेकारिक स्व विशिद्ध अटक बारक ६५६ छै। वांबा अदेश्यूनि क्देर्यम, म्यूनर्यन, वाग्या क्यारम वा शक्रदम छोरम्ब म्यादेशाब क्यारम रहाका"

্তিৰ কথানক লেখবার পর বনারসীদাস আর প্রায় ধই বছর বে'চে ছিলেন।]

দাম ১৬.00

क्षकानिक रूज इक्कर्ष के दुनव बच्छ

# বিদ্যাসাগর

**त्राव**नी

সম্পাদনা দেৰকুমার ৰস্ ভূমিকা ও বিস্তারিত আলোচনা ভটর অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যায়

বিদ্যাসাগর রচনাবলীর শেষ খণ্ডটিতে তাঁর রচনা সম্পূর্ণ প্রকাশিত হ'ল। ঈশ্বরচন্দ্রের জীবন্দশার বহু লেখা ছল্মনামে প্রকাশিত হরেছিল এই খণ্ডটিতে সেগানিও সংকলিত হরেছে। ২র খণ্ড ১২০০০ শুরু খণ্ড ১২০০০ প্রথম খণ্ড ২র মন্ত্রণ বন্দ্রন্থ

व क व क क क व प्रति । प्रति ।



# प्रियत ! स्राज ३२ फिलरे फाँठ सकसरक प्राफा!

मक्रिमाली तळूत छत्रमूलात छाप (भभ्राखिन प्राज ३२ मितिरे मां छत्र भाषि प्रामा ७ सास्थाकुल कत्रात

নজুন কৰমুলা, বজুৰ হুগছ, বজুন
বোজক—পেণুলোভেও এখন এই
ভিন্নবিভ দিবে আৰো উচুদৰের।

এই বজুন করমুলার আছে
বহু বহুবের গবেৰণার কল ইরিয়াম
ম্লাস এল ভিঙ্ । লজিলালী উপালানগুলি
গাঁতের ওপরকার হোপ ভুলে দিরে সুকর বাভাবিক
উজ্জলতা কিরিবে আলে। 🗆 লোরালো জিয়ার কলে
গাঁতের করবোধ করে—কেননা অনিউকর জীবাণুবাহী
বাস্তকণা বের করে দের, আরক্রত-ক্রিয়ালীল প্রচুর কেনা
গাঁতের কাঁকে গাঁকে বব ভারগার হুড়িরে কের। 🗆 এর
নজুন প্রিছ সুগ্রুক্তী আপনার ভালো লাগবে। আজই
পেশ্যোভেও কিন্নুন। বাত্র ১২ দিন ব্যবহারে সুক্ল

ৰতুৰ ফরমুলা <mark>ৰিতুৰ সুগন্ধ ৰিতুৰ মোড়ক</mark>

বেজিঃ বাবহারকারী হিন্দুছান লিভার লিঃ এব তৈরী একট লেবা টুবপেন্ট



HDL 7765



এমিলি স্মিথ আর টিনা বস.

এ বা বস হোট মেরে। আনন্দবাজার ি পরিকার লক্তনন্দ প্রতিনিধি ভঃ कारान्य कर्म क्नाहा क्या कारवर शबन साप्ति task force-अब क्या मार्जिक्समा firm source South Hampstead High School-a TES! (747) WITH भागा करत बटका बाग्डरबंद राजाण्डला करता शासास सारमशारम दक्षकास सगरात रूप ৰাখ্য একা একা দিন গলেৱান ভার খনৱ নিৰে ভালেৰ সাহাৰ্য কমাৰ ব্যবস্থা কমাই हीत्रक दकारणीत्र काळ । अनुरामत्र रवधन रहाव होन्य अस एमनहे अक खरणाकत्रभीत कर्म। ছা ভেকেই সভ্যত নাম হ'নেছে টাস ছোল'। টিনার উপর ভার ররেছে মিস শিক্ষতে মাৰে মাৰে দেখে আসবার। তাঁর ভি স্বকার অলপ বিশ্বর সাহাব্য করাও টিনার দায়িছ। টিনা বে একাই এই মহিলার খেজি-খবর করে তা' নই। তার একার এড সময় কোথার? স্কলের ভাজকর্ম'ও তো বংগণ্ট থাকে। ব্যাড়তে মা-বাবা আছেন, দিদি মাাঞ্চেন্টারে গণিত পড়েন। সম্ভাহের শেৰে বাডি আসেন। সবাই তো টিনাকে পেতে চার কাছে। কাজেই টিনা ব্যৱ মিস স্মিথের কাছে সম্ভাহে একবার। অনা দুটি বন্ধ যার এক সংশা আর একদিন। স্কুলের রুটিনের সংস্থা मधन भिनास वायन्था इत।

মিস স্থিত্বের বরুস বিরানস্বই। একেবারে মহারাপী, ভিট্টোরেরার ব্যার মান্ব। চাদে মান্ব। চাদে মান্ব। চাদে মান্ব। ছাছ ছি। চাদ, আকাশের চাদ। ছার এত পবিরুতার এই পরিপাম! আবার ছোট ছোট বাজাগালি বারা তার কাছে আসে ভারাও চাদে মান্ব পাঠাবার গলপ করে। এমন বাজারা এসব কথা জানবে কেন? ভাগা ভাল বে মিস স্মিধ চাদ চর্চা বেশীদ্র করতে পারেম না।

মিস স্থিমের আর্থিক সংগতিও তেমন কিছু নেই। সম্বল্থীন বৃদ্ধ বৃদ্ধা সে দেশে সরকারের কাছ থেকে পেনসন পান। ভাতেই তার দিন চলে বার বেশ একরকম-ভাবে। এসব বৃদ্ধা মান্বদের সব চেরে কচ্চ সমল্যা একাকিছ। জীবনের থেব দিন কটা বেন জার কাটতে চার না। ব্যান বরস কম বাকে, হাতে কাল বাকে, পকেটে পরসা



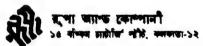
with this

बारक जमान बारक, बिरहरेगा मराजान नार्डि সংগতি মত অটে বার, কিল্ড বার্থকো? रक्यन करत राज त्रव किक्ट हाजिए साम । ভারতকর্বে এডকাল এ সমস্যা আমরা কর্ম দেখেছ। বৌধ পরিবার। পাঁচজন আশে-भारम शाकरण। वरतम्य प्रवीमा विनिके न्याम किन। वक्टन्कर मरमार्ड এখনও ৰে ঠিক তাই আছে এতটা কলাৰ ভরসা পাই কই? ক্লমণ বড়ো মান্তৰ আমাদের দেশেও বড় একা হ'লে পড়েছেন। বাবে কলচ বাবা থাকে ভাষা এড বাস্ত বে তার সপ্তে মুদ্রু বস্বার অবসর থাকে না। তবে পাণ্চান্তা দেশের মন্ত নিঃসংগভার হাহকোর এখনও আমাদের দেশের প্রাচীন বরস্কদের মধ্যে আসেনি ঠিক।

# त्र्योग काना

সহস্র ব্যের প্রেম বেদিন দুটি চোথ আর দুটি চোথের দর্শণে নিজেকে কলী লেখে তথ

বোৰ ব্যাত ভাৰ আৰু ব্যাত ভোৰের ক্যাবে বিজেকে ক্যা কৈছে ক্ছা হরে দাঁড়িয়ছিল ব্যাৰ সোদনই হলেছিল প্রথম প্রেমের কবিভার জন্ম। 'সহত্র বর্ষের প্রেম' <del>অক্যা বৌৰনের হুদয়-তীর্য-বাছার অম্ভয়ের উ</del>পাধ্যান। বহু চিত্র-লোভিত কাব্য-সম্কলন। ৩-০০



निविष्य देशादा। विवाद करा नगा वामा क्या जावा कामा जानाव रूपन्यात करा काद्य कास्य या अरुकारत ग्रापत करा रुगीरत राम विराम नमान्यात्वीता। अस्य ग्राम जानात करा द्वित्य अस्य स्थादितक-अस को। करादे त्याप दत्त ग्रामिकत्तिक क्षीत्र त्याप यापन्यात्व जानात करा ग्राम्य अरुका कार्यक्ष । यूष्प-क्षात्व त्याप कराव कराव कार्यक्ष त्याप क्षात्व त्याप कराव कराव कराव कराव त्याप क्षा ग्राम्य कराव अरुका करा वार्यक्षाः।

### वाषवात वर क्षकान कत्रत्व?

প্রকৃতিশি পাঠনে দশাদনের মধ্যে বিনাম্কের সংগ্রাক্ষার মন্তব্য পাকেন। ক্রে সাম্বাচন ক্রেনাথকতা নেই। ব্রু সাম্বাচন ক্রি (এ বি পি), ৫৫-১ ক্রেনার ক্রিটি, ভেডার, ক্রাকার্কা ১২।

(जि-६७७३)





বাক, মিস দিমধ আর আমানের টিনার কথাতেই কিরে বাই এখন্কার মত। এনের কিন্তু মনের খনর জনা। টিনা ভরেতীর মেরে। এমিলি দিলধ ভাকে বভ জল-বাসেন। নিজের এবটি নাজনী থাকলে কেনে আদর করজেল ভাই করেন। ভিনাকে ভিনি কলেন টাইনা। এই ছোট টাইনা ভার জাবনের এক বিরাট শ্নাভাকে প্রত্রেহে। ঠাকুমার মতই ভিনি টাইনার জনা সদাসতক'। প্রেঘাটে দেরি হলে বাস্ভ হরে ওঠেন। ভেবে চিন্ডে জাব্রর হন।

क्कीमत्मत्र क्कींठे चर्णेना वनीय। विमा জিজ্ঞাসাবাদ করে জানলো মিস স্মিথের মুগ্রি সূলে খাবার ইচ্ছা হ'রেছে। 🗢 আর বলে সে স্থাপ রামা করে। বাঁদ টিন একটা কিনে আনা বেন্ডো বেশ হন্ডো। টিনা বেচারা বাচ্চা মানুৰ। ব্যক্তিতেও কোনদিন বাজার হাট করেনি। তা হ'ক, প্রসা নিরে সে স্থাপের সম্থানে রওনা হ'লো। হরতো বে দোকানে স্নাপের চিন পাওরা কার সেটাই বাদ দিয়ে ব'তে ব'তে পাতানো द्यांट्राइ । अमिरक টাইনার ঠাকুমা ভাবনার পড়লেন। টাইনার এড দেরি হচ্ছে কেন? রাস্তার কোনৰ বিশদ আপদ হয়নি তো? বতই সমর বার, ব্ৰা ততাই চণ্ডল হ'রে ওঠেন। আহা বাকাটাকে স্কুপের কথানা বললেই হ'তো। ক্রমে এমিলি স্মিথ বিষম চিস্তার ছটফট করতে লাগলেন। নাঃ, আনু অপেকা করা চলে না। আজকাল হর থেকে কেশী বের হ দা। কোখার জনুতো আরু কোখার ট্রপী খালে পেতে পরে ফেলে টাইনার খেঁজে বাড়ির বাইরে পা দেবেন তখন স্থাপের টিন হাতে তাঁর টাইনা দেখা দিল। মিস স্মিথের স্বস্তির নিঃশ্বাস, ছেট্ট টাইনার ছোট্ট প্রয়ানে দেশিন বে যোগাযোগ রচনা হ'রেছিল ভা' অনিব্চনীর ৷ হরছো এককালে ঠাকুমা আরু নাতনীতে বে বন্ধন থাকতো তারই এক অভ্যুত লপর্শ টাইনা আর মিল দ্মিথকে বে'বে কেলেছিল। আণ্চর मत कि? नमाच धकरिम स्पाक्त व বন্ধনকে ভেন্সে চুরুমার করে চলে বার, ভারই মাকে ধরা দেকার জনা স্থাদন পরে আবার ন্তন পথ খেলৈ। আপন ঠাকুমা দিদিমা দুরে চলে গেছে, ভাই আবার এই প্রয়াস। এ থেকে হয়তো সাবধান হবার সংকেত আমাদের ভারতীর সমাজের মিলভে शादि ।

১৯৬৪ সালে ইংলন্ডে টাল্ক ফোর্স-এর সর্বাগত হয়। হয়তো অলগবিল্ডর সেবার পত্তন আগেই হরেছিল সকলের অজ্ঞাতে। প্রথম প্রথম তো বৃন্দব্দায়া নিজেরাই জানতেন না বা বৃন্ধতেন না কারা তালের আই অসহ্য নিরস্পাভার কাণবিল্ডর মাধী হ'তে চাজে। ভারা কেই বা টাক্ট কোপতি বলতেন Tak feron: ব্যক্তিয়া কে কোপ কোপার ক্রিক্তির কাটাকে বিদ্যুগ্রান কে কোপ কোপার করে কালে। বা ভাকহর করা ইভ্যানিরা বিদ্যুগ্রাক্তি বা ভাকহর করা ইভ্যানিরা বিদ্যুগ্রাক্তি কালে। ভাক্তি কোপার করে ভালের ব্যক্তি কেশা করে। কালে বলে গলেন করেব, বরকার হ'লে একট্ট্রাক্তি করে দেকে।

সবচেরে স্থিবা হাছে টাব্দ কোস'এর 
চালা নেই, মেন্বার্রালপের বাবেলা নেই, 
একগাদা কমিটি, নিডা মিটিং-এর বাবন্ধা 
নেই। অন্য বে কোন সংস্থার সপো হাছ 
হরেও Task force-এর একজন হওরা 
বার। বে কোন ব্যুক্ত কলেজ বণ্ডরের 
একজন হরেও টাব্দ কোসে বাস দেওরা 
বার। বরুস ডিরিলের সীচে হ'লেই 
হ'লো।

টাস্ক ফোর্স-এর সর্বদাই সমাদর হয় তাও नत्। अप्तक युर्का मान्य दशरका सूच ফিরিরে দেন। অনেকে বাইরের সাহার নিতে নারাজ। কেউ বা বাচ্চা বাচ্চা ছেলে মেরেদের কচ বেলী জনালাক্তন করেন। ব্যুক্তা মান্যের অব্যুক্তনা কৃতি ছেলেমেরের रयन जनहा क्षेत्र । जम् मानातन मार নাহ'লে হবে না, আনহ্ৰ পনীর নাহ'লে চলবে না এইসৰ জ্লুমন্তরা কেনাকাটার হুকুম দিরে অনেক বুড়োবুড়ি জনলাতনৰ করেন। হরতো পরসাকড়ি আছে তব মাধের তোড়ে চাকরাণী কাল করে না, কেউ বা প্রসা থাকলেও খরচ করেন না। আশা করেন বাচ্চাগ্রিল অনেক কাল করে দেবে। কৈন্ত মোটাম,টি হিসাবে ধরতে উপকারের যাতাই বেশী। বৃশ্দ বৃশ্দরে। নাতিনাতনী পান এবং আর নাভি নাভনীরা পার শাদ্ দিদা বা ঠাকুমা। মানুবের সংখ্যা বাস করার শিক্ষা মানবভাল সকচেরে বড় শিক্ষা। পাশ্চান্তা দেশে তো দার্প এক ন্তন ধারণার এখন সব মেতে উঠেছে। ছোট শিশ্র ন্যুক অভি জ্বল বরুসে মান্সিক ভবিষ্যতের পত্তন হয়। ভাই ছোট বাচ্চাদের Community living त्यवान मान्य মহতা চলেতে। Community living-এর व्यात अक्टो निक रव सुन्ध सुन्धा अवर की उ ব্ৰকরা পরিপূর্ণ করছে সে বিষয় সংক্র নেই। নেশা আর শৃত্থলাবিহীন জীবনের একটা **লক্ষ্য তো মিলেছে। ঐশ্চর্বের** প্রাচুর্বের আর বাধাহীন লক্ষাহীনভাই নাকি পশ্চিমের ব্ৰসমাজকৈ মজিরেছে। কাজেই টাস্ক ফোর্সা কতটা করেছে 📦 করেছে ভার হিসান করতে বাওয়ার দরকার নেই। কিছ, তো করেছে। গুনিবার ব্বস্**র্জ** আর পতিহীন শভিহীন ব্রাক্তের মাতে रमकृ एवा सम्भा म्द्रस्ट ।

#### চতুর্থ পরিকল্পনার জন্য অতিরিক্ত অর্থসংগ্রহ

- ভর্ম পাঁচসালা পরিবল্পনার অর্থ-সংস্থানের বে ব্যবস্থা করা হরেছে তাতে जवकादी क्लात ১৪,०५० कार्षि होका चन्छ ছবে। ঘোষিত কর্মসাচী অনুবারী এই **दोका मध्यह क्या मन्डर** इत्य किमा स्म क्रमादा । बाह्य व्यवकात कर्माकार करान्यस ভাতীর আরের শতকরা ১২ ভাগ সম্বয় कहरू भाइरम धरर छा ठिक्छार विनियांश করতে পারলে দেশের উল্লেখন শতকরা ৫ ভাগ থেকে শতকরা ৬ ভাগ চাবে বাদ্যতে পাবে 季素 বলে আশা হয়েছে। সম্প্রতিক ঘটনাবলীর পরিপ্রেক্সিতে তা কতটা সম্ভব द्याद बना कठिन। 2266-66 এবং ১৯৬৭-৬৮ সালে জনপ্রতি জাতীয় আয় ব্যালয়ে শতকরা ৭.১ জাগ এবং ১.৬ ভাগ काम शिराहिन। बनावानि এবং अखन्मात ফলে কৃষিক্ষেত্র থেকে আয় কমে বাবার महानदे अहे व्यवस्थात मुस्ति हराहिला। ১৯৬৭-৬৮ সালে জন প্রতি জাতীয় আয শতকরা ১-১ ভাগ বেডেটো ১৯৬৮-৬৯ সালে হয়তো জনপ্রতি জাতীয় আহু আরুও धकरे दर्फ थाकरद। कथा राज्य सन-সাধারণের মাধাণিছ জাতীয় আয় অলপ বাড়লেই আমরা এমন সৈখাতে আসতে পারি না যে লক্ষ্য অনুযায়ী সরকারের সণ্ডরের হার বাড়ানো সন্ভব হবে। কারণ সন্তর বাদিধ আনেত क्रिशामास्तर देशव নিভারশীল। চতুর্থ পরিকল্পনার সরকারী প্রতিষ্ঠানগালি থেকে উদ্ধান্তর পরিমাণ বেশী ধরা হয়েছে। চতথা পরিকল্পনায় দেশের ভিতর অতিরিক অর্থ সংগ্রহ করতে शत अधान अधारकत । वाह मध्याठ कडा। সরকারী অথেরি সাধ্য বাটন এবং অপচয় म्तीकतरभद्र माधारम किছा होका वीहरण পারে। তা না হলে আঁতরির অর্থ সংগ্রহের জনা ঘাটাত বাজেটের আশ্রয় বরাবরট নিয়ত হবে। অৰণা ঘাটতি বাকেট থাকা যে খারাপ ভানর। ভবে দেখতে হবে অতিরিক ঘটাত অথসংস্থানের বোঝা যেন মটোফাডির পথ সংগ্রম না করে। চতথা পরিকল্পনার ৮৫০ কোটি টাকার ঘাটছি অর্থসংস্থানের বাৰম্পা করা হয়েছে। অতীতের অভিয়াতা থেকে বলা যায়, ভৃতীয় পরিকল্পনায় ঘার্টতি অৰ'সংস্থানের পরিমাণ তার লকা থেকে **অনেক বেশী হয়।** তৃতীয় পরিকল্পনায় बार्गेक क्य मरम्यात्मव नका थता श्रामिन ৫৫০ কোটি টাকা: লেব প্রবৃত্ত তার পরিমাল পড়িয়া ১১০৩ কোটি টাকা। চতুখ পরিকশনার বাদ বাটতি অথাসংস্থানের পরিমাণ লক্ষ্যের চেয়ে অনেক বেশী হয়, ভবে আকর মুল্লফণীতির সূথি হবে।



অতিরিক অর্থসংগ্রহের ৰম'স.চী 909 করার অর্থ বিদেশ থেকে আরও বেশী পরিমাণে টাকা ধার করা नका वाकीट আমরা বে বৈদেশিক গণ গ্রহণ করেছি, ভার माम प्रथमात्र कना शहर বৈৰ্দোশক মতা দেশ থেকে বাইরে 57.01 417 M I 40 Mari বৈদেশিক অণেত্ৰ পরিমাণ वादव काळात्वा সহজ নর। তাই ফুভানি থেকে चारबद পরিমাণ বাতে আরও বাডে সেজনা চেক্ট করতে হবে। গত চার বছর ধরে সিংহল থেকে চা রম্ভানির পরিমাণ ভারভেচ চা রুতানি থেকে অনেক বেশী হয়েছে। পাটের তৈরী জিনিস রুপ্তানির ক্ষেত্রে পাকিস্তান ভারতৈর সবচেরে বড় প্রতিবোগী। রুস্চান উলয়ন কর্মসূচীকে স্থিতিশীল করতে পারলে এবং রুস্তানির পরিমাণ বে চারে বাড়াবার প্রস্তাব চতর্থ পরিকল্পনায় করা হরেছে (শতকরা ৭ ভাগ হারে) ভা করতে পারলে আমাদের আর্থিক স্থিতিশীলভার मम्हादना हे**न्छान इरद। क**त शर्ब करत অতিরিক অথাসংগ্রহ করার সম্ভাবনার বে সাযোগ আছে তার সম্বাবহার করা দ্রকার। বর্তমান বছরে কৃষি-উৎপাদনের অবস্থা र्दरे ভाष। ১১৬৮-৬১ माल कृषिक्ल উংপাদন ভালই হয়েছে। খাদাশসোৰ উৎপাদনও গত বছর ১৮ रिकासन हेन হয়েছে। জাতীয় আয়ের পরিমাণ্ড গ্ড বছর বেডেছে এবং আর ব্যান্থর অধিকাংশ OPTE क्रिक्त त्वत्व । কৃষিক্ষেত্রের বৃষি ত আর সুসংহত করা সরকারের পক্ষে সম্ভব এবং উচ্চ-আরসম্পান কুষকদের আর আরও বেশী করে কর-ব্যবস্থার আওতার এনে গরীব কুষকদের উৎপাদন বাজাবার ভাজে সাহাব্য করা হর্তবে সামগ্রিকভাবে কর থেকে প্রাপ্ত রাজন্মের পরিমাণ চূড়ান্ত পর্বারে বেডে বাবে। বৈদেশিক সাহাব্যের ক্ষেত্রে বে অনিশ্চরতা আমরা গত তিন বছর ধরে দেখাছ তা এখনও অব্যাহত আছে। দেশতে অর্থনৈতিক স্বরুভ্রতার পথে এগিরে বেডে হলে বৈদেশিক সাহাযোর উপর বরাবর নিভার করে না থেকে দেশের আভান্তরীণ সন্তয়, সরকারী প্রতিষ্ঠানগর্নির উদ্বৃত্ত, शर्भाणभीन कर-वायम्बा अवः कारमा होका নিরলাণের উপর বেশী নিভারশীল হওয়া । তবার্থ

गांड गांड भीनकायरण निम्मणारणागद्गीयाः कारणा

meefig Labour in West Bengale वर्षे हि मारम बाका अवकाद हि করেছেন ভাতে দেখা বার ১৯৬৮ সালো পশ্চিমবপ্রের শিক্ষাগ্রনির সামনে স্বচেরে বন্ধ সমস্যাগ্রাল ছিল আবিক অরভারের অভাব, কাঁচামালের পুস্রাপাভা, বেরাও এবং ধর্মারট শাগবলান্তলা হিসোক্ত काल कर्मां हारीरमंत कर्मा प्रश्वत नीरित अवः অন্যান্য ভারৰে প্রতিক অপাণিত। বহ'লট **এवर नक-चाछेछोत्र महान ১৯৬৮ সালে** পশ্চিন্যপো ৪৬৯টি লিলপ্সংস্থা কৰা হতে বার: তার ফলে কতিপ্রস্ত হন ২,৭৬,০২০ क्रम अवर कारकद मिन मन्त्रे हरू ৭০.৫৬.৯৩১টি। ১৯৬৭ সালের ওলনার ১৯৬৮ সালের লিচ্প-জলান্তির পরিমাণ বেলী ছিল: কান্ধ বন্ধের পরিমাণর বেলী ছিল। ১৯৬৮ সাজে ৩২৭টি সংস্থার মোট ১২.৮০২ জনকে কাজ থেকে ছটিটে করা इत। अक्ट वहरत ५८५६ जिल्लामरम्बा বন্ধ হয়ে গিছেছিল এবং ভার গরান ১৬ হাজার লোক কর্মহীন হন।

সমগ্ৰ ভাৰতেই ১৯৬৭-৬৮ সাল পৰ্যাক চার বছর ধরে শিক্সক্ষেত্রে প্রন্যা পরিক্রাক্তিক হয়। কিল্ড পশ্চিমকপোর অকলা স্বস্তন্ত। প্ৰিচ্যবাধ্য শিক্স-মুন্দার প্রধান আরব ভিত প্ৰমিক অশান্তি। বহুমান ব্ৰয়ণ্ট সৱকার এখনও পর্যাত এমন কোন প্রমনীতি বোরণঃ করতে পারেননি বার করে খিলপাক্তরে শ্ৰমিক অশাশ্তির একটি স্বারী স্বালধান খ',জে পাওরা বার। সম্প্রতি পশ্চিমকশ্বের कता रव रहेक वैकेनियन विका विकास प्रस्ताह टा करे शक्तकादी मदग्र कि मरका क्षेका-মতের উপর ভিত্তিশীল নত। বলিও ১৯৬৮ সালের শিক্প-মন্দার জনা বর্তমান সরকারের কোনও দায়িত্ব নেই কোরণ তথন বালীপভিত্র नामन हान्द्र दिन), ७२,७ ३३६४ मालत शिक्त-प्रमान कृषन बार्ड ১৯**६५ जारन** কাটিরে ওঠা বার এবং প্রমিক অন্যাল্ডর



পরিমাণ কমিবে কলা বার তার কলা
সর্গালক প্রচেষ্ট বাকাই কামা। বেরাও
স্বশ্বের একটি স্নিদিশ্তি নীতি বোরিত
হওয়া দরকার। বেরাও বে শিলপকেরে
উৎপাদন হাসের একটি কারণ সে সম্পর্কে
সন্দেহের কোন কারণ নাই। কিল্ডু বেরাও
কেন হয় তার কারণও বিশেবণ করা
দরকার। বেরাও বন্ধ করা বেমন দরকার,

তেমনি বেরাও বে কারণান্তির জনা হর নেলা্রিও নিমন্ত্রণ করা বরকার। এটা সম্পর্ক হতে পারে প্রমিক ও মালিকের মবের প্রমিকদের ও ালিকের মবার্থ জনেক ক্ষেত্রেই জালালা কিল্ফু একটি স্বনিন্দা ক্ষাস্ট্রী গ্রহণ করে সমবোতার পোঁছানো সম্প্রবিদ্যা সেণিকরের তার করা বেতে পারে। পাঁচমবন্দার

7.35 179

আপনার সারা বছরের কুরুশ ও এমব্রয়ডারি বুনবার আয়োজন!

নতুন কোটস্ 2 আছের
থ্যব্রহারি ও কুম্প বুনবার
পৃত্তকের তালিকার এখন কয
করেও ৩১টি আরের বই আছে।
এই কুপনটি কেটে আরাদের
কাছে পাঠিরে দিরে এক কপি
পৃত্তক-ভালিকা বিমান্তলা
নিরে নিন। এই ক্রেগ





चाननात्त्व	<b>ৰিবাৰুল্যের</b>	बच्चानि	পুতৰ-ভাৰিকা	winter
পাঠাইছা বি	त्व । উशास	বিশ্বক বিভি	व क्डीन चान्रनाव	नाहार्य-
परे शरेक व	वि वादिया ग	1 15		

Beiel-

জে এড পি কোটস্ (ইভিয়া) প্রাইডেট নিরিচেড মার্কেটং বেরন, ৮১ পটন রোড, বোঘাই—১।

Bancone-2630-Best



181

नवाशण्युक

বার গরিবথানার চৌকাঠে কোনো
নবাগস্তুকের পদধ্রি পড়া মাত্র ক্যালেভারের পাতা দেখে আরি ব্রেথ নিই,
কেন এই প্রভাগমন। সনাতক বা
সনাতকোত্তর পরীক্ষার কল বাদ বোররের
গিরে থাকে, তবে মিশনারী স্কুলে
চাকরির জনা উমেদারি; আর বাদি
বিদ্যালরের বব' শ্রের পালা আসম,
মিশনারী স্কুলে ভতির জনা ব্রোকারি।

সেদিন বিকেলে তাই বখন টোকা
পড়ল দরজার এক বটকার আমি নিজেকে
মনে মনে প্রস্তুত করে নিতে কেগে
গেলাম। অভার্থনিক তুটিহীন হবে,
প্রথমিক আলাপও বথাবথ সৌজনোর
সংগোই সারব, এবং বখন শেষ পর্যস্ত সেই
অবশাস্ভাবী কথাটি উত্ত হবে, ব্যক্ত করে
বিনীত ভণিগতে নিবেদন করব আমার
অপারগতা, সর্বপ্রকার শিক্ষা-প্রতিষ্ঠানের
সংগোই আমার সর্বপ্রকার সংযোগের
অভার…

কিন্তু না, আমার আজকের অতিথিটি এ সব কিছে, চার না, চার শ্বং করাসী পড়ার ব্যাপারে আমার সাহাব্য।

করাসী ভাষা শিকার উৎস্ক বাঙালীর সংখ্যা দিনে দিনে বাড়ে। কারো কারে। আগ্রহ কথ্য করাসীতে—ব্তি ক্টিরে বিদেশ বাবার আশার অগ্রিম প্রচিত্তি, কেউ কেউ আবার বাংলা দেশে থেকেই মূল ভাষার বাদল্যার রাাবো কি ভালোর পড়তে পারার ক্ষণ দেশে।

...ছেলেটি কিন্তু করাসী ভূমিতে
অবতর্গনের আকাপকার বেজন অধীর
নর, তেজনই করাসী সাহিত্যের
চ্ডার আরোহনের কেরে বসায়নদালের
গবেবদায় নিমক্তনেই অধিকতর উংসাহী
রাবো কিংবা ভালেরির নামও সে জানে

না, বোদলারের নামটা অবশ্য বলল

"শোনা শোনা লাগছে"।। কিন্তু রোম্যা
রোলার সে রীভিমতো এক ভত্ত, এবং
সম্প্রতি কোনো এক লাইরেরিতে অ্যাদ্
[ভারতবর্ব ] বইখানা আবিস্ফার করে
দার্শ উর্বেজিত। পাঁচশো পাতার এই
বইটিতে রোলার জানাল খেকে বিভিন্ন
সমরে লিগিবন্ধ করে রাখা তার ভারত
বিবরক সমস্ত উদ্ভি উম্বৃত ও একচিত
করা হরেছে; কালব্যান্তি ১১১৫ খেকে
'৪০।

"অতএব আসতেই হল আপনার কাছে, ফাদার...আমি তো ফরাসী প্রায় কিছুই জামি না।"

আর আমার দুর্ভাগা বে, আমি এখনো ভূলি নি...। বস্তুত বইখানার মোটাসোটা চেহারা দেখে বেশ ভড়কে গিরেছিলাম। কি করি কি করি ভাবছি, আর ভাবতে ভাবতে অধ্যনসক্ষাবে পাতা উল্টে বালি বালে বিদ্যাহের দতো ব্রির প্র টাইর হলৈ পেক। কোনো এক প্রাক্তন পালিক ব্রুব লল পিরে বইটা পড়েছে এবং ভার ভালো-লাগা অন্তেম্প গুলোর নিচে মোটা পেনের ব্রুয়াক কালিতে দাগ নিয়ে খিলেছ উদারভাবে। লাইরেরির বই দালানো বেবলে আমি দাগা পাই; কিন্তু সে ম্হুতে লোকভিকে আআর মনে হল পরম বন্ধ।

বললাম, "দ্যাথো হে, প্রেরা বইটি
ব্রিরে বলার সমর নেই, প্রয়োজনও
নেই—সর্বত সমানভাবে রস পাবে না।
দেখে শুনে মনে হচ্ছে, ঠিক ঠিক
পাসেরুগালোই চিহ্নিত করা হরেছে;
সেগ্লোই অন্বাদ করা বাক।" ছেলিটি
অগত্যা সম্মত হল। বোধ হর ভাবল,
উপবাসই বেখানে বিকল্প, অর্ধভোজনই
সেখানে ভরিভোজ।

সম্পেটা সেদিন কেটেছিল স্কুদর।

#### ভারতবন্দ, রোলা

বইরের প্রার প্রতিটি পাতার ভারতীর অতিথিদের উল্লেখ : রাজেন্দ্র প্রসাদ, লাজপত রার, স্থাী কন্যা ও ভগিনাী সম্প্রতিয়াহারে জওহরলাল নেহর,.....। তবে অধিকাংশই বাঙালী আগন্তুক : দিলাঁপ রার অমির চরবর্তার সৌমেন ঠাকুর, অরদাশংকর রার (রোলাঁ ভ্রমক্রমে লিখেছেন এ এস রাজ), প্রশানত মহলানবীশ (রোলাঁ লিখেছেন রশান্ত), জগদশিচান্ত সম্যা, ধনগোপাল মুখাজি রামানন্দ চ্যাটাজি, স্বানীন ঘার (রোলাঁর বৃষ্টিতে "উজ্জাল, সংস্কৃতিবান, প্রসাহাই একটি মানস্য, হ্বোপের মোহিনী



जर्बनगणकारम भाषा केन्द्रवे गांकि

মানা বাঁকে অবেঁক জয় করে নিরেছে।")।
রোমাী রোলা ইংরেজী জানতেন না;
এদিকে, কালিদাস নাগের মতে। অতি বিরঙ্গ
বাতিক্রম ছাড়া, তাঁর ভারতীয় আগস্ত্কেরাও
ভালো রক্ষম ফরাসী বলতে পারতেন না।
রেলার ভগিনী উপস্থিত থাকতেন দোভাষী
ভিক্রের।

সমশ্ত আলাপ ও কলোপকথনের সারাংশ এবং প্রাণত ও প্রেরিভ চিঠিপত্তের সংক্ষিণত বিবরণ—জার্নালভুক্ত করেছেন রোলা। শুখু তা নর, নবপরিচিতদের চেহারার বৈশিষ্টা, শোশাক-আশাক, কণ্ঠদ্বরের প্রক্ষেপ ইত্যাদি বিবরেও তিনি তার মণ্ডবা লিশিবদ্ধ করেছেন। কোথাও বা রয়েছে ইতালার কর্বাদে 'শ্রীকাশ্ড' পড়ার পর তার মনোভাবের উদ্যালন ঃ শ্যশানে ও গণ্গাবক্ষে রাহির বর্ণনা তাঁকে প্রবলভাবে আকর্ষণ্য

দ্মামকৃষ্ণ ও স্বামী বিবেদানশের উল্লেখ—
অবশাই—বারবার ঘটেছে দিনপঞ্জীর পাতাগ্রিতে, কিন্তু ঋষি অর্রবিদের ব্যক্তিছের 
প্রতিও তার কোত্তল স্কুপণ্ট ঃ অর্ববিদের
মধ্যে পীর্সনি তাকে বলেছিলেন, মিলিত
হরেছে রবীন্দ্রনাথের চিন্তা ও বাণীবিভৃতি
এবং গান্ধীর সংক্রন্দাঢা ও চার্চুবৈতব।
আদকে অর্ববিদের আভিজ্ঞাতাপনা'. সাধারণ
মানুবের থেকে তার দ্রেছরজা, রোলাকৈ
বেদনা দিরেছে। দ্র্দাশা ও নির্বাতনের
বির্দ্ধে এমন মর্মান্ত্র সংগ্রামের দিনে তার
এই আজ্বাচিত ব্যবধান ও অন্তর্গলচারিতা
রেলাকৈ প্রতিহৃত ক্রেছে।

#### कीत नवारणाहना

আগল্পুকদের প্রতি হুটিহীন আতিথেরতা রোলার ক্বভাবসিদ্ধ ছিল, কিন্তু তাদের চারিহিক নান্নতার প্রতিও তিনি অল্ধ ছিলেন না। ক্বামী সিদ্দেশ্বরানন্দ—প্যারিসে রামকৃষ্ণ মিশন কর্তৃক নিযুত্তপ্রথম সহ্যাসী— রোলার বিনীত শ্রদ্ধার্য পেয়েছেন: এদিকে



टबीसा

সম্যাসী-অভ্যাগতের কয়েকজন আত্মদপী উগ্রতা তাঁকে বিতক করে তলেছে। "আমি পাঁড়িত না হরে পারি না রুরোপে আগত ভারতীয় তর্ণদের নির্বোধ স্বাজাত্যাভিমানের বহর দেখে। য়ুরোপ সম্পর্কে কিছুমার না শিখেই তার প্রতি তারা অবজ্ঞা প্রদর্শন করে: রুরোপের নৈতিক ও আধ্যাত্মিক শক্তিকে তারা হৃদয়ক্সম করতে পারে না।" ভারতীয় আধ্যাত্মিক ঐতিহ্যের স্তৃতিগানে মুখর এবং আপন শৈশবের ধর্মের সংগে ছিল্লযোগ হয়েও তিনি অকস্মাৎ এই কথাঞ্চৎ হঠকারী মন্তবা করে বসেন: "ভারতবর্ষে নৈতিক ধর্মা বলে কিছু নেই। হিন্দু ধর্মের বিধিনিদেশিগুলি বহিরংগনিভার, সামাজিক ও আনুষ্ঠানিক— নৈতিক নয়। যে অশ্চিতাবোধ সব কিছার উপরেই সর্বগ্রাসী প্রভাবে আসীন তার মান নীতিম্ল্যবিরহিত বিধিলংখন আর প্রকৃত নৈতিক অপরাধ—দুটোতেই সমানভাবে প্রযাক্ত হয়ে থাকে।" এদিকে তাঁর মতে,

রুরোপীর জাতিসমূহের সমস্ত দোবার্টি সত্ত্বেও তাদের জীবনবারার খ্রীক্টবরের নৈতিক অবদান সর্বাহ বিদামান ঃ "ক্টবের্ছী, ক্রে শ ভো গী খ্রীকের ক্টালকাহিলা, বিবেকের অতন্ত্র প্রহরা, প্রাভাহিক ক্তর প্রীকা, পাপুশ্বীকার…"

বাঙালীদের প্রতি রোলীয় প্রম্পুট্
পক্ষপাত ঃ তারা ব্রিদ্যণিত, লাঁলিজআচরণ, বাকো ও প্রকাশভাগিতে আভিন্দরপ্রবণ, ঠিক ইতালীরদের মতো—কিন্তু
অধ্যবসারে দীন; বেমন চট করে উর্জেজত
হরে ওঠে, তেমনি ট্রুক করে ক্লান্ত হরে
বার । নেতাজী স্ভাবচন্দের মার্লিন
আগমনের সংবাদে, স্পণ্টতই অভিরক্তিত
সাধারণীকরণের প্রেরণার, তিনি জিখে
বসেন, "এই বাঙালীরা…এড উর্জ্ঞ, এড
আবেগপ্রবণ...ব্রিফ্রেডার ধার এরা ধারে
না। এরা শ্ধ্ মানে নিজেদের সংরাগের
তাড়না, ইমা ও দম্ভলিত আবেগাভিশ্বা,
আগ্র উর্জ্ঞেত কচিা মতের স্পশ্ভিতর।"

বিরক্তির ভিক্ততা কিম্কু সবচেরে প্রকট হরে
উঠেছে বইরের সর্বশেষ পাতাটিতে। দ্বিতীর
বি শ্ব যু দ্ধে র সমর প্যারিস-প্রবাসী
ভারতীরেরা স্বাধীন ভারতবর্ষ কেল্লা
নামক এক সংস্থার যোগদানের জন্য রোলাকৈ
আমশ্রণ জানায়। "তাঁরা জানেন, ভালো
মতোই জানেন, তাঁদের আমল্লাশ সাড়া দেবার
উপার আমার নেই—আমার নিজেরই মাড়ভূমি আজ দাংখলিত। কিম্কু তাঁরা দাংধ্
আপন দেশ নিরে ব্যতিবাসত: এবং ভার
ম্ভির জনা যে-কোনো উপারই অবলম্বনযোগা—এমনকি অপরের বন্দীদশাও।"

#### **ब्रवीन्छनाथ**

১৯৩০ পর্যাত, অর্থাৎ জার্নালের প্রথম অধাংশ জাড়ে, রবীন্দ্রনাথের আধিপত্য —শেষাধে ষেমন গান্ধীর। রোলী ভাঁদের তুলনা করেছেন যথাক্রমে শেলটো ও সদত পলের সংশা। এই দুই বিরাট ব্যক্তিম্বর মধো চরিত্রগত বাবধান ব্রুতে দেরি হয়নি রোলার। দুজনের মধ্যে তিনি খ'ুজে পেয়েছেন "মানবসমাজের দুটি গোষ্ঠী, দুটি শ্ৰেণীকে—একদিকে অভিজাত পুরুষ, রাজকীয় মহিমায় উভ্ভাসিত, আরেক দিকে জনপ্রিয় সার্বজনীন গ্রের প্রতিজ্ঞাব। যেন দৈবরথে মুখোম্বি ব্লল—চ্ডাল্ড লিল্পী আর আধ্যাত্মিক তথা রাজনীতিক প্রবস্তা।" প্রকৃতপকে, ভারত-দর্শনে ঝাকুলভাবে উংসূক হয়েও যে-সর কারণে শেষ পর্যন্ত তিনি বিরত হরেছিলেন তার অন্যতম কারণ रम এই मृष्टि रमान्धीत मरशा रमाहानात शर्छ न्विशारीन स्वाद जानका।

রোমা রোলা ও রবীন্দ্রনাথের মধ্যে চিস্তাধারার সাধমা ছিল প্রবল। এই চিৎসাদ্শ্য সর্বপ্রথম প্রকাশ শার ১১৩৬



সংশ্রে টোক্রো-র প্রথম্ভ রবীন্দ্র-ভারণের প্রতি রোক্ট্র প্রতিষ্টিলার মধ্য দিরে। মানব্রেডিহাসের একটি সম্প্রকাশ বলে ঐ অনুত্তিকৈ তিনি ক্রিকিত করেছিলেন। ওাদকে রবীন্দ্রনাট্যর উল্প্রিটিত হরেছি, রোলাই ছিলেন তালের মধ্যে আয়ার প্রদরের সবচেরে কাছাকালি, আমার অন্তঃ-প্রকৃতির নিক্টতম আন্থার।"

প্রথম সাক্ষাংকারের কাল (১১২১) থেকেই রবীন্দ্রনাথের ক্ষবিপ্রতিম দিবাকানিত ও মনোম-খকর সর্বতোভদ ব্যক্তির রোজার মন কেডে নিয়েছে। রবীন্দ্রনাথের প্রে-বধ্য বাকে তিনি বরাবর উল্লেখ করেছেন 'প্ৰতিমা' বলে—মাধ্যে ও সম্ভন জাগানো উপস্থিতি ও আচন্ত্ৰ এবং ব্ৰীল-পত্ৰ রথীন্দনাথের "মনোরম শিকাচার, আন্দ-সংহত ও নিখাদ সহান্তিতিশীল বিনম্ভা''ও ভার মনে গভার স্নিশ্ধ ভারাপাত করে-ছিল। করবার লক্ষ্ণ করেছেন রোলা রথীন্দ-নাথের সচেতন আত্মবিলোপী নেপথাবিহার. ষেন পিতার সেবাতেই জার জীবনের চরিতার্থতা : সমুস্ত জাগতিক চিন্তা-ভাৰনার বোঝা নিজের কাঁধে তলে নিয়ে পিতাকে তিনি আপ্রাণ প্ররাসে ভারম্ভ

রুরোপের সপো প্রতি তুলনার এশিরার
—বিশেষত ভারতবর্ধের—শ্রেণ্টতা বিষরে
রবীন্দ্রনাথের নিঃসংশরভার কথা রোলা
লিগিবন্দ্র করেছেন বিনা মন্তব্যে। রবীন্দ্রনাথের নিজের কথার, র্রেরাপ এক শক্ষ্
রারগর, স্গেন্র একটি বাদাবন্দ্র সে রচনা
করেছে, কিন্তু তাতে সন্গাত-বোজনা করতে
পারেনি: সন্গাতি ভারতেরই প্রাণ্যন্দর্গন ধ্রুরোপীর ভারতজ্ঞদের সন্দর্শেষ রবীন্দ্রনাথ
আন্থাহীন: ভানের স্বাপ্রেণ্ড পণিডভেরা
প্রাণ্ড, তার মতে, প্রকৃত হিন্দ্র মানস্ক্রিভিন্নে অবধারণার অক্ষ্ম।

#### मध्योक

নবীন্দ্রনাথ আর রোলাঁ, দ্র্জনেই ছিলেন সংগীতের সমজদার। রবীন্দ্রনাথ তাঁর দ্টি গান নিজ কণ্ঠে রোঁলাকে গেরে খ্রনিরে-ছিলেন। রোঁলার অভিমত : "গান দ্টি সাল্টরেথ, ছলোস্পান বাঁধা, অনেন্দটা ন্রোপাঁর মেলোডির মতে; খ্র বেশী উংস্কা জাগার না, কিন্তু সহজেই মনে রাখা বার, সহজে শেখানোও বার।"

পাশ্চান্তা সংগতি বিবরে রোলার বন্ধবা ঃ
রবীন্দ্রনাথ তার প্রায় কিছাই জানেন না ।
রোলার ভারি বিসমর লেগেছে ভাবতে বে
এই বিরাট প্রতিভার শিশ্পী, এতকলে
প্রতীটিতে অতিবাহিত করেও এবং
মুরোপীর সমাজের বিভিন্ন মহলে সছর্দ্ধ
বাতারাতের সুবোগ পেরেও, এমন একজনও
রুরোপীরের সংগে বাধ্বহুস্তে জাবান্ধ হুন্নি



बर्ग ग्लामा

বাঁর সত্যি-সত্যি কথাপ্থং সাংগাঁতিক দক্ষতা আছে। 'লাক্-এর নাম পর্যন্ত রবীন্দ্রনাথের কাছে অপরিচিত। তাঁকে বীঠোকেনের একটি সংগাঁতিকে বাজিরে শোনাতে গিরে প্রতিহত হরেছিলেন রোলী; ব্রুতে পেরেছিলেন, সংগাঁতের স্রেমহিমার কোনো অভিযাতই পড়ছে না শ্রোতার মনে ও রবীন্দ্রনাথ বলেছিলেন, কবিভার রস দেশ থেকে দেশান্তরে সপ্তারিত ক'রে দেওরা সম্ভব হতে পরে, কিন্তু সংগাঁত কদালি নর। রোলাঁর উত্তর: র্রেলে ঠিক উপ্টো; গোটে কিংবা শেলিকে কিছুতেই অনুবাদে ধরা বাবে না, অথচ উত্তর থেকে দক্ষিণ প্রাক্ত বাঁঠোকেনের স্বুলহরী অনুভত্ব অবাবহিত তর্গল তেলে।

जारबक्ति विवद खेरम कासमक क्रिक्ट রোলার কাতে : ববীদ্রনাথ তার কবিতার উপত্ত স্থান মেন, তাঁর গানকে এবং গানের উপৰ তাঁক ছবিকে : 'এখন আমার আৰু সৰ काक जन्मदर्क है व्यक्ति छेमानीन: "दश, अकृष्टि বিষয়ের জন্য আমি গর্ব অনুভব করি, তা আমার ছবি।' আসলে, রোলার মন্তবা, পাশ্চাক্রে তার ছবি যে বিপরে সংবর্ধনা লাভ করেছিল ভার নেশার যোর লেগেছিল রবীলুমান্সে—তিনি খুটিয়ে দেখেনীন কতটা তার খাঁটি, আর কতটা শুখুই ভদুতা-সম্মত অলীকভাষণ আরু ফোডোবাবুদের সবজাশ্তা মনোভাবের প্রকাশ। বার্ধকাপ্রাণত মহাক্রির শিশ্সেলভ অহংবাশ্বি বলে এই উল্লেখ করেছেন রোলা-এবং স্মর্প না **করে** পারেলনি যে ঠিক এই সময়ই ববীন্দ্রনাথের ञ्चापटम प्राथ-पार्यभार जाला ठालाइ नाडाहे. দেশনেতারা কারারশ্বে। আচার্য কগদীশের সংগ্রে প্রতি তলনা রোলার মনে এসেছে : ভারত ও ভারতের কন্টের সংগ্রাম ছাডা আর কিছ, তিনি ভাবতেই পারেন না, তাঁর নিজের গবেষণা পর্যাত থেমে আছে: "সভাই অলাদা ধাততে গড়া এই মানুবটিঃ স্বীকার করি তিনি আমার মনকে টানেন অনেক रवणी ।"

#### जनारम्ब कार्य

রবীন্দ্রনাথের সম্পর্কে রেলার কৌত্তলী ও সভ্রম্থ মনোভাবের প্রমাণ মেলে আরেকটি তথ্যে: রবীন্দ্রনাথকে চেনেন এমন অতিথি-অভ্যাগতের কাছে তার বিবরে তিনি নানান আগ্রহী প্রমন প্রসংগাজনে উপস্থাপিত করতেন, এবং তাদের অভিমত-গালি স্বান্ধে লিপিবংধ করে রাখতেন তার ভারেরিতে।

পল বিশার—অর্বিদেরর এক প্রাক্তন বংঘা: এ'রই দুহী পরবতী কালে পণিডচেরীর

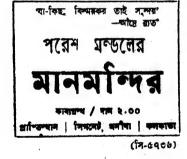
রাজতরিঙ্গণীর দেশে ৮০০০
এই রোদ এই ব্ভিট ৫ ৫০
দোলনচাঁপা স্থাট সেন ॥ ১০.০০
বিষের রঙ খ্নখারাবি শ্লে বিতান
চিরজীব সেন ॥ ৬০০০ জ্লান্ বন্দ্যোপাধ্যার ॥ ৫-৫০
বর্গলী প্রকাশনী ৭৩, মহাস্থা গান্ধী রোড, কলিকাতা–১

(সি ভে৮৬৬)

শ্বা' হবেন—বোলাকৈ জানান, "রবীন্দ্রনাথের সক্রেরে বড় দ্রভাগ্য হল বিপ্তবান বংশে জন্মান্ত্র, বার ফলে পারিপাদিবক সমাজের দ্রুখ-দ্র্দশার সভ্গে তিনি ছিল্লবোগ! সংগ্রেক্তি কন্পার্টমেন্টে ছাড়া তিনি কথনো ক্রমণ করেন না। আর তাঁকে খিরে থাকে এমান্ডা ও সভাসদম-ভলী। শাণ্ডিনিকেডন বিদ্যালয় নয়, ছোটোখাটো নন্দন-কানন একটি, দেবভার চতুম্পাদ্ব' বেষ্টম করে দেবদ্যতেরা বন্দনারত।"

**हितिस्ट क**रून প্রতিস্থানের खलगाङा রবীক্ষনাথের অনাতম সহবোগী এলম-बार्ल्ड का बारक खाली स्नारमन अन्यन ও লেছখনৰ তিনি, অপরের প্রতি সহান-ভৃতিশীল, কিন্তু অতিমানার অভিযানী ও তাঁকে বারা ভালোবাসে. স্পূৰ্কাতর। ভাবের প্রতি তার ইচ্ছাদরির উপর চাপ-স্থিত সন্দেহ তিনি এডাতে পারেন না। মান্তের মনঃস্মীকার তাঁকে তেমন কুণলী वना बात मा। त्यारकत वर्ष प्रतम वर्ष বেশী, আডান্ডিকভাবে কল্পনাপ্রবণ, লোক চিনতে প্রারশই ভল করে বসেন। অপাতে বিশ্বাস ও সপোতে অনান্ধা তাঁর ন্বভাবগত, এবং এ ক্ষেত্রে তাঁকে ফেরাতেও দরেহে।"

এইসব সমালোচনার উপর নিজের মতা-মত প্রকাশে, সম্ভবত ইচ্ছে করেই, বিরত থেকেছেন রোলা। তথাপি, রবীন্দ্রনাথের আচরণভাগামার কোমো কোনো লক্ষণ বা বৈশিষ্টা যে ভাতে বিরূপ করেছে—এ সভা তিনি গোপন করেদনি। তার বছব্যের মর্মার্থ : নিজের কণ্ঠস্বর শ্নতে ভালো-বাসের ববীন্দ্রনাথ, বাণিমতার আত্মতণিতর টানে ভেলে যান, বনে যান কথার পর কথা; বাকে তিনি সংলাপ বলে মনে করেন আসলে তা ব্যাতোভি, দীর্ঘায়িত নির্পদ্রব বাক-বিশ্তার তার পছণ্দ, সত্র থেকে সত্রোশ্ভরে চলে যান অৰুমাং...। নিজের বলার কথাটি वनक ना भारत जानी यथीत राज क्रिन। ভার গ্রহে রবীন্দ্রনাথের কারো দিন অবস্থানের পর রোলা লিখছেন, "আমি ভাঁকে গভারভাবে ভালোবাসি, আমি ভাকে শ্রন্থা করি: আর তত্ত্ব স্বীকার করব কি. এমন একটিমার কথোপকথনের কথাও यस १७६६ ना आमात, यात मर्था, कथात





মাঝখানেই, হঠাৎ উঠে বেরিয়ে আসার প্রবল প্রলোভন অনুভব না করেছি।"

তন্ত্রান্ত, তাঁর অন্যুরন্তিতেও যে বিশ্দুমাত ফাঁক ছিল না, ভারতীয় বংধার বিদারকালে, লেটলনে, ভারতবংধার আন্তরিক অল্লাধারা ভার প্রমাণ দিরেছে।

#### बहापा गाणी

এই আশ্তরিকতা গাল্ধীর প্রতি রোলার মনোভাবেও প্রা মারাতেই পরিস্ফুট ঃ "সমকালের অনা বে কারও চাইতেই আমি তাঁকে অধিক প্রশা ও সম্মান করি।" অথচ, প্রথম থেকেই এ-ও তিনি লক্ষ করতে ভূল করেনিন, গাণ্ধীর মধ্যে তাঁর মতো কোনো আশ্তর্জাতিকভাবাদীর সংধান মিলবে না। গাল্ধী লাভীরতাবাদী, মহন্তম ও বরেগাতম লাভীরতাবাদী ঃ কোনো শতেই নিদ্দের মেরের বিরে দেবেন না তিনি কোনো ম্সলন্মানের সংগা; একজন মানুবের প্রাণরক্ষার জন্য একটি গভাঁর প্রাণহত্যা তাঁর পক্ষেক্ষান্ত একটি গভাঁর

গান্ধী সম্পর্কেও তরি অভিথিনের অভিমত তিনি টুকে রেখেছেন ঃ "রাম-ক্ষের প্রভাবমুশ্ব তিনি" (ধনগোপাল মুখার্জিণ); "ছরিসারারদের ধারণা তিনি বিকেলানন্দের কাছেই পেরেছেন" (এশ্ব্রুজ); "ভারতীর জনসাধারদের উপর নৈতিক কর্ম্মতার এলিটের উপর রাজনীতিক নেতৃক্ষমতা তিনি হারিরেছেন" (নেহরু)।

রোলাঁর মড়ে মহাস্থার এক মহং গাঁণ এই বে. প্রশংসার চেরে সমালোচনার হাতিই তিনি অধিক্তর উৎস্কি, তার জনা, তিনি অধিকতর কৃতক্স। তার আপ্রমের বৃ' শো সভার কেউ-ই আপ্রমন্ত্রাই প্রতি প্রশো-পোরণে দীন নন, কিন্তু তাক সকলেই কার্যনি বিচারের দারিছে ও অধিকারে যন্তিত: 'এই ক্ষেপ্রে কিংবা ঐ বিষয়ে আমার ধারণা অনারকম…' এ কথা বলতে কেউ সক্চিত হন না, এবং গাশ্বী মতান্তরের ম্লা জানেন, জিল্ল মতের অবাধ প্রকাশ তাকে তৃন্তিই দের। আপন শিব্যদের মধ্যে ভারতের ভবিষাৎ নেতানের তিনি লালন করে তুলেছেন—যে নেতানের তিনি লালন এবং পরস্পরকে ছাড়াই আপন কাভ করে যেতে পারবেন। মহাপ্রেরদের মধ্যে এ দুড়াস্ত বিরল।

গান্ধীর প্রতি রবীন্দ্রনাথের কথান্তং প্রতিকলে মনোভাব পরীড়া দিয়েছে রোলাকৈ: গান্ধীর ক্ষাদ্রতর 'দিকগালিই উমি দেখেন: মহত্তর ব্তিগ্রালকে স্বীকার করলেও তদ্বিষয়ে অধিক কালক্ষেপ করেন না: নিজ উপবাসসমূহ সম্পর্কে গান্ধীর অভি-বিজ্ঞাপনী প্রণতা ব্রীক্রাথকে প্রিচ্জ করে। রোলার মনে হয়, গাণ্ধী তার जारुमानात এই कार्यभाव दवश्वात एव ভূমিকার নিদিভট করেছিলেন রবীণ্দনাথ তার মধ্যে তাচ্চিলা দেখেছিলেন, এবং সেই ক্ষোভ তিনি ভূগতে পারেননি। "আমাকে এই কর্মায়ন্তে কোনো অংশ দিতে পারেন ना ?" उदीगमनाथ जित्थीकाका भाष्टीत्वः গাম্ধী উত্তর দিয়েছিলেন, "চরকা কাটন।" রবীন্দ্রনাথ কখনও তা কাটেননি।

রোলার মতঃ দেশের যুবসমাজ রবীন্দ্রনাথের কাছ থেকে দুরে সরে গিরেছে:
নেতৃদ্বের কেন্দ্রবিন্দুতৈ এখন গান্ধী: রবীন্দ্রনাথ এখন গতদিনের সূর্য। এমন কি,
মহান উপন্যাসগৃলিতেও বরসের ছারা:
'ঘরে-বাইরোর মতো রচনায় নবা ভারত জার
নিজেকে খাড়ুজে পায় না: সে-সব উপন্যাসে
বগিত পরিম্থিতি এখন অতিকালত।

...তব্ দুই মহান বাজিছের এই পারদর্শারক সম্পর্কের ইতিকথা শেষ হর্লানি
বিষাদের স্কুরে। গভীর তৃশিতর সংগ্র রোলা স্মরণ করেছেন ১৯৩৭-এ কলকাভার
গাখ্যীর সংগ্র রবীন্দ্রনাথের সাক্ষাংকারের
কথা—বার মধ্য দিয়ে আরেকবারের
মতো, সমস্ত বিরোধ, ব্যবধান ও
মনান্ডরের পরেও—বার হরেছিল উভরের
প্রতি উভরের স্নেই, প্রশা ও স্বীকৃতি।

এই স্কলর, মধ্র, মর্মান্সালী চিত্র সোদন ইতি টেনেছিলায় পাঠে; পরিপ্রা আবিন্ট চিত্তে বিদার নির্মোছল আয়ার বাল্যালী বংধ—এ অবিন্যারণীয় মিলনছবির অন্প্রেরণা স্পন্টত আলো কেলেছিল ভার ম্বে।

"তা হলে আসি, ফাদার...বেলগাছিরার শেব ট্রাম এখনি ছাড়ল বলে...চলি।"



বিভাগের গ্যালাভোম কর্তৃপক সম্প্রতি তাদের গ্যালারীতে গিলপী পরিভোম নেনের এক প্রদর্শনীর ব্যবস্থা করেন। প্রদর্শনীতে গিলপার আবা ছবি, স্কেচ ও ছারিং-এর অনেকগালি নিদর্শন দেখা বার।

নিয়মিতভাবে শিক্সচর্চা করার জনা পরিতোর দেন সুপরিচিত এবং বয়জ্ঞাত খিল্পী হিসাবের ভিনি স্নাম অব্জনি করেছেন। তার সাম্প্রতিকতম দিলপকার্যে ভার চিম্তাধারা ও বিশিশ্ট অম্কনরীতির পরিচয় পাওয়া বায়। তবে বাঁরা গত করেক বছর বাবং লিল্পীর রচনাধারা দেখে আস্তেন তারা তার আধানিক নিদ্দান-গ্রিলতে কোনও বিশেষ পরিবর্তন লক करताइन वरण भए। इत ना। निम्मी जाकात অপেকা রঙ ব্যবহার পর্ন্ধতির ওপর অধিক গ্রেম দেন। আধুনিক্তম ছবিগুলির জন্য তিনি বৃহদাকার কানিভাস বাবহার करताहर ও সেগरिन প্রধানত নীল কালো. সব্ভ ও হলুদ রঙে ভরে ফেলেছেন— ক্যানভালের সামানাতম প্ররোজনীর অংশও তিনি রঙের সাধারণ টান শ্বারা পূর্ণ करतन नि । द्वारे ७ ७% गाना दश्या थी আঁচড়ে তিনি রচনাক্ষেত্রটি পূর্ণ করে ফেলেছেন ও তাদেরই মধ্য থেকে নানা সমবিমুর্ত ও বিচিত্র আকার শেষ পর্যণ্ড কটে বেরিয়েছে এবং কানভাস অন্যায়ী সেগ**্রলও বিরাট আকার ধারণ করেছে।** স,তরাং একমার এই বহং আকার বা মন্মেণ্টাল রূপ ছাড়া তাঁর রচনায় নতুন কোনও শিল্পধারার সম্বান পাওয়া গেল না। এবং একথাও ঠিক বে তার অঞ্চন পর্যাতর জন্য করেককেনে ক্যানভাসগালি অবথা ভারাক্রান্ত হরে উঠেছে—অর্থাং অনেক স্থানে ছোট ও বিভিন্নমুখী রঙরেখা ব্যবহার করার ফলে ছবির অন্তনিহিত আকার অন্পন্ট বা দ্ববোধা হরে গেছে। অবশ্য এর ব্যক্তিকমও আছে—বেমন বড়ে গোলাম আলি খাঁর িবতীর ছবি। পরিকশ্না ও সাকৌশল तक वायहात श्रमानीत मधा पिरत जिल्ली এর মধ্যে শ্রেষ্ঠ সপ্গতিজ্ঞার हिंग्रहिं ক**্টিরে ভূলেছেন। ছবিখানি অনে**কের মনে থাকবে। এই প্রসপ্যে আর একটি ছবির নাম উল্লেখবোগ্য-পোরেট অব জ্ঞান ज्यानिकान । द्य दक्क विन्ती दक्षणार्वाहेद সম্বাবহার করেছেন সেখানেই তিনি সুফল-লাভ করেছেন। এই প্রসপ্যে ক্রোটিং ফিগার-५-धर नाम करा हरन। जिल्लीत राष्ट्र ব্যবহার পন্ধতি, বিশেষ করে ছবির মধ্যস্থ



হেড ইন রেড

—পরিভোগ সেন

বিভিন্ন অপরিস্ফুট বা অর্ম্মণরিস্ফুট আকার দেখে নোলদে-র রচমার কথা অনেকের মনে পড়বে। হলুদ রঙপ্রধান ফ্যামিলি পোট্টেট ও পোট্টেট অব মিঃ এচ ভিন্ন মেজাজের। ফ্রাসীপ্রভাব খাকলেও

ছবিদ্টির সরজাতা ও অঞ্চনরীতি অনেককে
মুন্ধ করবে। দিল্লীর গান্ধী প্যাতিলিয়নের
জন্য রচিত বিরাট ক্যানভাসটির অঞ্চনরীতি
দেখে এটিকে প্রাচীন চিত্রের পরিবর্তে
স্বাহৎ গোণ্টিং বলে মনে হয়। ছবিশানি

### যাত্রাগানে মৃতিকাল রবীন্দ্র সাহিত্যে রায় ও তাঁহার আর্ম প্রভাব বারে চক সম্প্রদায় সেকু চক

পার বোল টাকা

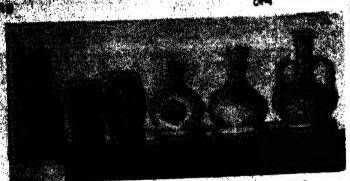
णः ररमनातासम् छहे।छार्च

বারা আৰু পুনুধ আসরে নার, মণ্ডেও ভারিন্টিও। প্রামে-শহরে বারার জনপ্রিরতা ক্রমবর্ধমান। মেই বারার জডিহেরে এবং বারা-কাডের দিকপাল মজিলাল রারের কথা জানতে হলে এই গবেবপায়ন্দটি অপরিহার। ভা সনুক্রার সেন প্রমুখ সুখীকন অভি-নালত। অস্থাক্র পুশি প্রম্প-ভারিকার জন্য লিক্সে।

कः हरजनातासय क्ह्रोडार्य

বৈদিক সংহিতা, ব্ৰহ্মণ উপনিবং, প্রাধ-তক্ষ, মহাকাব্য প্রভৃতি কবিপ্রবৃতিতি লাক্ষ্যক্তি কম তম করে তারতীয় কবির সামনা ও চিন্তার উল্লেখিকারী কবীক্ষাক্ষের বিশ্বন সাহিত্যকমে ও চিন্তার আর্ম্ব ভাববারার সংস্কৃতীর প্রভাবের বিশেষকা ও আন্যোচনা।

চলান্ডকা, ৭, নবীন কুন্ডু লেন, কলকাতা ৯



ग्रेंबिकिटम्ब नियम्ब

-- क्षेत्रारमा रह व क्षेत्रकी भगंती रह

এখনও অসমাণ্ড, স্তরাং ও বিবরে কোনও মুক্তরা না করাই ভাগ।

অপরাপর ছবির মধ্যে ফিলার ইন রু ও হেড বিশেষভাবে উল্লেখবোগ্য। নানা রঙ-সমুদ্রের মধ্যে আকার আনেক ক্ষেত্রে চাপা পড়ে গেলেও গিলপার বলিন্ট রঙ বাবহার ভয়া শুকুডেদ স্থিট করার ক্ষমতা সকলেই

পরিভোষ সেনের ক্ষেচ ও ভারংগালি

দেখবার ছড। শিক্ষা হিসাবে ভার বুনিমান যে কত সুদ্দু তা এগালি দেখেই বোঝা যায়। এখানে শিক্ষার ভাষা সংক্ষিত কাষ্চ স্পাই। তার প্রজ্ঞেনিট রেখা দৃত্ত, সাবলীল ও স্বতাস্ক্রে, মনে হর কলমের লেখার মত সেগালি বেন ভূলির মুখ খেকে অবলীলাক্তমে বেরিরে এসেছে। করেক্ষথলো শিক্ষা ইচ্ছাকৃতভাবে ক্যারিকেচারের বৈশিষ্টা দেখিরেছেন বা আকারকে ক্ষাং বিকৃত

প্রকাশত হয়েছে

সমরেশ বস্ত্র

## পাতক ৪.00

वान्ता ४.०० न्वर्गीमथ्य आक्रत 8.00

## देवगाशी वजल 👵

ন্রজাহান ১০০ ক্লিওপেট্রা ১০০

স্নীলক্ষার ঘোষ-এর

## ব্ল্যাকমেইলার 🚥

বীরেন্দ্রনাথ সরকার-এর

শঙ্কু মহারাজ-এর

भरथत जीरथ

পঞ্চানন খোষাল-এর

জাগ্রত ভারত ১ নগরীর অভিশাপ ১

श्रादमादन 8.40

नाज्या दिशय 👀

au frommer

<del>ष्ट्रिशा</del>श

विन्धाविश्वी १.००

জিনংউনিসা 🚥

कत्ना প্রকাশনী ॥ ১১নং শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট কলকাতা-১২

करतारमा। बारक कन्यां व करता कार्यम् एत्रे । बहे श्रम्याचा ५, ००, १५, १०४, ३४; ১১ ७ विद्यान करत ००वस्थान करता नाता।

পুল-কানে সাধারকানে কানাভ করে প্ররোজনের বাজিন বিভালনাক লীবিকা অন্তান করলেও বিভালনাক মধ্যে প্রক্রেডাবে হরত শিশ্পক্রেমা কর্মা প্রীতি ব্যক্তির বাজে। তার আহমেনে কর্মান না একদিন তাদের সাভ্যা লিছে হর। সম্প্রতি একাতীর এক ভর্বের সাভাব শেলাল। তার নাম শ্রীআলো দর। তিনি ও তার ভর্বা প্রী শ্রীমতী শর্মারী বন্ধ উত্তেই প্রারী শিশ্পী, এবং সম্প্রতি করেকজন নিমন্তিত ব্যক্তির্গকে তাদের তৈরী পটারী মিদশন

আলো দত অধানীভিশালে প্ৰাছটোতন ভিত্তীলাভ করে সকলের মত একটি জাপনে हाक्ति क्तर्टम । किन्द्र क्षेत्र शक्त विकारी बन बार्स बारक विद्यार स्वायना करका অবংশৰে একদিন ছিনি চাকরির মারা ভাগে কৰে কলকাভাৱ কাছেই একটি প্ৰাৰে কুনোরের চাকা ভাকা নেন ও একটি কুমোর রেখে সম্মাক পটারীর নানা জিনিস হৈবি করতে শ্রু করেন, এবং ডালের ভিজাইন অনুবারী কুলোরও পরীক্ষামাধ্যমে নানা নতুন আকারের ব্যবহারবোগা জিনিস স্থাতি करतन। क्रीनन व निम्मानगर्भी क्रियाम ভাদের মধ্যে কুজো, কয়, ফুলদানি, বোডল ও বাচি ভাতীর পা**র উল্লেখবোগ্য।** সব-গ্রালিই কুমোরের চাকে তৈরী অর্থাৎ ইংরাজীতে বে আকারকে বলে thrown shape: প্রভোকটি বস্কুট মাটির তৈরি— কোনভাটর নীচের দাই একটি স্থান ভোৰডান, দেখে মধ্যে হয় স্থান কেউ স্থান-गानिट्ड आश्चारमत हान मिटनट्ट। आकारतत দিক থেকে বিদেশীয় প্রভাব আকলেও কতক্যালির মধ্যে মৌলিক চিণ্ডাধারার পরিচর পাওরা বার। সম্ভবস্পাতী পোডা-মাটির জিনিসগুলির ওপর চক্চকে নানা भारतामा व्यक्त तक वावधात करतरकम ७ कार्त ওপর আবার বিভিন্ন উস্মান মতে থানা বিচিত রচনাকার্কার' (texture) স্থিত করেছেন—ফলে সেগুলি প্রারীর সম্পর নিদর্শনে পরিপত হরেছে। এগ্রালর প্রথান আকর্ষণ হল বিভিন্ন আকার ও উল্লেখন রঙ वा राजान । विरामन करत जाना क्रुग्रेका. মর্রকণ্ঠী রঙের জগ্ ও পিরামিড আকারের বোভল উল্লেখবোগ্য। বলা স্বাহ্নো ঘরের শোভা বর্মান করার পক্ষে এগর্মার বিশেষ উপযোগা। আলা করি এণটোর क्षांत्र उ अमारात क्या महाम्म्लाकी वधारमाना यानच्या शहन क्षात्का।

किर्वाद्यक



কালাটিৰ টবে স্থাট গোলাপের (भा भाभाष्मान करत्र रगन ; र्रातरवरण्ड পড়ে রইল রম্ভাভ গর্ভকোব—পরাগ এবং সঙ্গল বাতালে উদ্ভাশ্ত কিছু সৌরত। পাপড়িগলে লাটোছে এখন টবের মাটিতে वान् कनिएक-शिव्याधव करव বাভালে। বৃদ্ধি এসেছিল—বিষয় আকাশে শোকার্ত বর্ষণ: পাপডিগর্নেল করে বাবার व्यालारे राचि भएडाइन किना मत्न तारे. শ্ৰেহ্মনে আছে উচু নীচু ছোটবড অসংখ্য উৰ্ব্যাৰ স্থাবর জিরাফের মত ঠাসাঠাসি शामान रकाठा बन्नवास्त्रित माधात ७१८व वर-ভূক্ এক জ্যামিডিক নীলিমার গাঢ় কুকুমেছ फेंट्रे बर्जिंडन-र्टार मरन रह रवन थे बद-वाष्ट्रित त्वरबद्धे कारमा त्यांता छेर्राह्म मृत्त বিদ্যাৎ কলক্ষ্যিকা এবং বল্লের গর্জন আর সর্বায় ভারে উন্মাদ প্রতিমন্ত্রি ফির্ছিল। আকাশ উপড়ে করে অতঃপর বর্ষণ--আশাভত হাওয়া সজল এবং চতুদিকৈ जनसरहत्र वृष्णित्यस्य निर्वादस्य द्वाप-ক্যানভাসের ওপরে প্রত হাতে এসব জীকা इटल टेबन। भारमध्ये तक हिन-व्यामात বাভের ভূলি অসম্ভব হেডভার রঙের সংশ্র বঁত মিলিয়ে-ইণ্সিড রেখার টানে ক্যান-

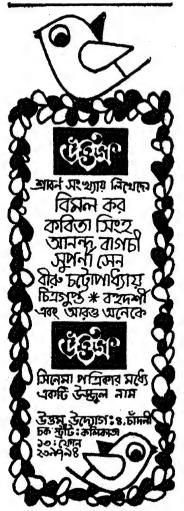
ভাসের দৈর্ঘালে অবলান্তিত পার্গাভ্যালি –হরিং বৃত্তবৃত রভাভ পভাভাৰ এবং পরাগের অবয়ব দিল এবং স্ক্যামিডিক नीनियात हर्नार-छेळे-व्यामा शाह 🗫 स्वय উক্তাৰি নিম্পাণ জিৱাকের মত অসংখ্য ব্যক্তিমর ও গোকার্ড বর্ষণ-এই পরিপাদ্র ও আকৃতি শেল। কিন্তু আমার হাডের উদস্মীব তুলির পতি ক্রমণ দিত্রিত হরে वाटन-मद्भार विकटत मरणत-धक्की विवाप শীতের কুরাশার মত সমস্ত শরীরে ছড়িরে পড়ে। জানলা দিয়ে ইলেক্সিকের ভার ল্যাম্প পোষ্ট এবং বিজ্ঞাপন প্রভেগামী বান-বাহন-রুশ্ডবাস্ড অসংখ্য মানুব দেখি আৰহা কোলাহল কানে আনে, চোধ কাপনা रत कात-जांकरे क्षत्र वात्रि धाँतरीत প্রতিকৃতি অকিন্দে না, এই প্রথম ধরিলী व्याद कामात माम्रज राम ताहै-व्यक्त ধরিত্রীকে নিয়ে আমি পালিরে এসেছিলমে—

ব্যৱহীর কথা মনে পড়ে। রুপ্ত ব্যৱহী
আহেই, সভত আমার চারিদিকে হাওরার
মত, আমার চোনে আলোককারের মত
আমার ভিতরে ইন্থার মত। তব্ এই
মৃহতে সমুল্ভ টেডনার ব্যান্ড বিবাদে সে
পণ্ট ইল—"ভোবার ছবি জ্যেন্দিনই শেব

हरन मा"—शीवती क्लाड, वर्ण **अस्त कर**न रामक त्वन धरे बहार्क धकवि नमी भवक থেকে সময়ে সিরে গড়ল। লে ছালির क्लाक जामात तरक**ः वरत राषः। जा**वि কোনদিনই ধরিচীর কোন ছবি শেষ কলতে পারিনি, তব্ আমি তলির উক্টোদ্ভ আৰ क्ट्रानिड क्षेक्रि स्तर्थ व्हरन कानूब-"আৰু হলনা, কোনদিন হবে।" বেন আৰার ক্ষার স্বটাই স্ভোক-ধাঁকটা এর্মানভাবে कार गुरे कृद अक करत खुक्ति क्राक-আকাশের দুই প্রাম্ভ বেন সেই মুহুভে এক হরে বেড, বাতি হলে দুই প্রান্তের जनगा मकत पूर कादाकांडि अटन त्यक. দিন হলে মনে হত আকাশ কত ছোট। আৰি বরিত্রীকে ভালবেসেছিলম। আমি আঁড শৈশবে গভীর বিস্তৃত শেবহুীন গাঢ় ছবিং ৰে অৱলা দেখেছিল্ম, আপাতত বা ধ্সর স্মৃতি—একমাত ধরিতীর অবিনাস্ত সুক্ कुन्छरमहे छ। कथरना कथरना छेन्छरन इक्ष: আমি কোনওকালে বে উদার অনাহত বিশাল বেরিছেনি নিপাট স্নীল **অথৈ আকাশ** मर्त्याव रंग रक्तम नगर्छ इस वीस्त्रीय প্ৰশাস্ত প্ৰশাসত ললাটে। আমার চতুল্যালের এখন উচুনীচু অসংখ্য নিম্প্রাণ উপস্ত

বরবাড়ি আমি আর প্রতাবে সন্ধাার দেখিনা, কিন্ত আমি প্রবে-পশ্চিমে দটে প্রাম্ভে ধরিচীর 9.(b)4 দেখত**ম। আমি শৈ**শব হ'তে কৈশোর--বৈশার থেকে এই বোবনে ধরিচীকে ভাল-বেসে এসেছি। ধরিচীও আমার रिकाहन कथाना-मधाना स्म धार कारह अत्त, बाब चीनके रात यथन जात छेखान দীর্ঘ দহাত বাভিরে দিরে আমাকে তার কাছে টেনে নিত তখনই আমার সর্বাপা কে'পে বেত ব্রকের ভিতরে বেন গড়েগড়ে করে উঠিত, আমার ভার, অসহার শৈশব ছুটে আসত আমার কাছে আর আমি শাল্ড এক আত্মনিবেদনের ভণ্গিতে ক্রমাগত তার শরীরের সংকান হয়ে যেতম, ধরিচীর উন্নত উক ব্যাল স্তনের নিবিড অধিতাকার আমি প্রতিপতব্যের মত-

ঠিক সেই মুহ্তে আমার নির্মাণের



(fr avao)

কথা মনে পড়ত। নিমাণ আমার সহোদর। একট মারের গভে আমরা পাশাপাশি প্রাণ পেরেছি, জান্মের আকাৎকার দশমাস দশদিন গডের অপকারে পাশাপাশৈ অপেকা ক্রব্যি মারের ছলিল নাড়ীর পাকে আমরা দ,জনে জড়িরে ছিলাম; মারের হুংগিডের রক্ত একই সপো আমাদের দক্ষেনের হংগিডেড শিরায় উপশিরার শরীরের কোবে কোবে বরে বেড: ওর হাত আমার হাতের স্পর্শ গেত আমার শরীরের স্পর্শ ওর শরীরে —আমরা পরস্পরের উত্তাপে খনিষ্ঠ ছিলাম —আমরা বমজ। আমাদের দ্রুলের মধ্যে কার চোখে প্রথম আলো পড়েছিল আমরা জানি না—মাও করতে পারেনি। মারের ধারণা হয়তো আমি নয় নিমাণই আগে এসেছিল। কারণ নির্মাণ স্বভাবে আমার ঠিক বিপরীড—নির্মাণ দ্রুল্ড বেপরোয়া দ্বদম। শৈশবেই নিমাণ নাকি বাছ পোব মানিরেছিল, কৈশোরে দেখেছি সে একটা ঘনকালো জোরান ব্নো ঘোড়ার কেশর काशको शत बारेख। जात्का मात्य मात्य আমি চমকে উঠি, সহসা নীল আলো-স্গাবনে ট্রমের ঘর্ষর পব্দ শনে আমি জানলায় ছুটে বাই- নিৰ্মাণ কী? নিৰ্মাণ কোন্দিন মায়ের কোলে থাকেনি—মাকে ও থাব বন্দ্রণা দিরেছিল, কোখার কোখার ও উধাও হরে বৈত। মা কে'দেছে—মারের প্রাণ, মা তখন আমাকে কোলে নিয়ে আদর করত আর তার আরত দুচোধ অস্ত্র-ক্লাবিত হরে বেত। আমি টের পেতৃম মারের চোখের জল আমার বাকের ওপর বরলেও মারের বাকের ভেতরে এই মুহুতে নির্মাণ। আমার ভেতরটা কী ঈর্ষার জনলে উঠত? রক্তে কিসের গড়েগড়ে শব্দ। অমি একান্ডে ছাসের ওপর পা ছড়িয়ে দিয়ে শাল্ড হয়ে ফুল নিয়ে খেল্ডম, নদী বেপথে বার আমি মাঝে মাঝে সেই পথ দিয়ে চলে বেভুম আমি পাখীর ক-ঠম্বর অন,করণ করেছি: সুর্বোদরে যে ফুল ফোটে সুর্বের সংখ্য সংখ্য যে ফুল পৰে থেকে পশ্চিমে ঢলে পড়ে আমি সেই ফ,লের অন,সরণ করেছি। আমি চণ্ডল হাঁসের সভ্যে জলের মধ্যে এপার ওপার করেছি-পশ্মবনের কণ্টকে আমার শ্যামল শরীর ক্ষতবিক্ষত হয়ে গেছে। মা ডাকলে আমি খনবনের খরেরী খুসর মলিন ঝরা-পাতার আলোছারা মাড়িরে মার কাছে ছুটে গেছি। মাকে দেখেছি—দ্যুলোকে মাথা হেলিয়ে ক্লাম্ড বিমর্য ভাগ্যতে বলে-এক-হাত বিশাল হরিং প্রাণ্ডরে স্থাপিত, অন্য হাত কোলের ওপর--বেন তার শাদ্র পদ-যুগল পূথিবীর শরীর ছাড়িয়ে কিছুটা বাইরে মহাশ্বনো ভবে আছে। তাঁর চতুদিকে গ্রহ নক্ষ্য নীহারিকাপ্তম দ্রভবেপে পরি-ক্রমারত—মায়ের চোখে সজল আলোর বিষয় উল্ভাস-সেই মাজে কবে ছারিয়েছি। মনেও পড়ে না, কী ধ্সর স্মৃতি। মাকে আমি

পরিত্যাণ করে এসেছি। যা কাদত নির্মাণের জনা: নিৰ্মাণ তখন অনেক দুৱে—খোড়ার খারে খারে ধালোর মেল কালফলবাকলভা পাদরর নিসগ আবাত করে দিত, বিশাস পেখম ভূলে বেন এক মর্র তাকে **অন্সর**ণ করত: আৰু যে মেঘ উঠে এসেছিল ভা रमर्थ शावमान निर्मारणंत्र कथाहे घटन गटक-আমার। সেই কৈলেরেই নির্মাণ উত্ত-প পর্বতের গভীরতম গাহার চলে বেড, দুগমি বনে হিংল পশ্যর রাজ্যে মাগরা করত। আমার মনও ভর আশংকা উম্বেগে উঠত তার জনা। আমির 2072 অস্থির হয়ে বৈভয়—'মা, নির্মাণ এখনো शिवरक ना रकन?" भारतेत में कार का निर्मार्शन कना छेडला हरत मा कौनक जान তখন আমাকে কাছে টেনে নিয়ে বাশ্ব আবেশে বলত, "তই কিল্ড আমাকে ছেডে যাস না ধীয়ান।" আমি মাকে সাম্পনা দিরে বলেছি সজল চোখে—"না মা, কখনো আমি তোমাকে ছেডে বাব না"—তব্ আমি মাকে ছেতে এসেছি, আমি পালিয়ে এলেছি, ধরিতীকে নিয়ে—মাকে ছেডে আমি পালিয়ে এসেছি-

কারণ খরিত্রীকে আমি ভালবেলেছিলম: কিন্তু নিমাণ্ড **ভালবাসত ধরিচুটকে।** নিমাণ্ড ধরিতীর সংগ চাইত এবং নিম্ম-ভাবেই চাইত। সেখানে ধরিতী অসহায়---যে কেউ অসহায়। নিমাণ ছিল বলিষ্ঠ দেহে ও মনে। তার দঢ়ে উন্নত কপাটবক रुभगीतर ल भीषा **उच्छान रा**ठ कमा के कांचा. কঠিন কঠোর মাখমন্ডল এবং সাগঠিত উরা ও জুগ্দার ছিল স্বতঃস্ফুর্ত শক্তির সম্ভ। তার চালচলনে ছিল গভীর আত্মপ্রতার আর ওই প্রথম আমাকে আগ্ন জনালাতে শিথিয়েছিল ওর চোকেই আমি প্রথম আগ্রনের শিখা দেখেছি। ও বহুবার আমাকে হিংস্ত পদার উদাত থাবা থেকে বাঁচিয়েছে। সেসব সময় ওর চোখেও আমার জন্য উদ্বেগ টল্টল করত। কুতজ্ঞভার আমি ওকে বলেছি, "তোকে আমি গান লিখিয়ে দেব নিৰ্মাণ, ফ.ল ভালবাসতে শেখাব।" সহসা ওর মূখ কেমন গম্ভীর স্তিমিত হরে ষেত। বিৱতভাবে ও বলত, "ওসব আমার হবে নারে—" তখন ওর কণ্ঠান্বর শুনে মনে হত কোখার কেন গুর একটা বেদনা আছে, ব্ৰের ভেতরে একটা কত আছে। ও খ্ব অনামনন্দভাবে আন্তে করে বলত, "জানিস, ধরিত্রী ভোকে বেশী ভালবাসে"— নিমাণের দৃঢ় মূখও তাহলে বিষয় হয়— আমি অবাক হয়ে বেতৃম। অথচ ও ছিল শব্তি সচেতন দাম্ভিক, ওর আচার আচরণে ছিল সহজ অহংকার। ধরিতী নিবিড় চোখে দেশত ওকে। ধরিতীর চোখে বত না ভর ভার চেয়ে বেশি স্ভৃতি ফাটে উঠিত। ধরিতীর আপাত উদাসীনতার মধ্যে প্রক্রত-गटक आकर्षभिरोरे हिन अवन, आभाद महन হত হবিষ্টে নির্মাণকেই বেশি ভালবাসে।
সেই কৈশোরেই বৃদ্ধি নির্মাণ ধরিটাকে
ছিনিয়ে নিরে শ্বলিয়ে বেত। আমার পোবা
কুকুরটা ককিয়ে উঠত, ততকলে নির্মাণের
দ্বেত ঘোড়া ধ্লোর বাড় ডুলে চুত ধাবমান; ধরিষ্টার বনকালো চুল হাওয়ার
উড়ত, তার চোখেম্খে বেন স্মিতউল্লেনা, তার সর্বাধ্য নির্মাণের সর্বাধ্যে
সংলেশন; নির্মাণের বলিষ্ঠ হাতে চাব্
কর্মে উঠত। স্বেরির তেজ সে সমর ক্রমণ
ভান হয়ে আসত, পাখি পাথালির কঠ
ভত্তথ। সেই কৈশোরেই নির্মাণ ভোগ করত
হারিচাকে।

কিন্তু নির্মাণের খ্র বেশীকণ—বেলিদিন ভাল লগত না ধরিত্রীকে। খ্রার বেন
মুখ বিকৃত হরে যেত ধরিত্রীক—"ও একটা
পশ্।"—তারপর কিছ্রদিন কেমন অনামনকর
অসহিক্য কুম্ম দেখাত ওকে। এসব দিনে
ওর মধ্যে যেন নির্মাণের প্রতি নিদার্শ
বিকৃত্যা আর খ্যা জ্য়া হত—"ও শ্রেই
ভোগ করতে জানে।" ধরিত্রীর সারা অংশ
বিশেষ। আমি দেখেছি ক্লমে এসব কখন
কেটে গেছে, আবার ওর চোখে স্তুতি ফুটে
উঠছে—চঞ্চল হয়ে উঠছে ধরিত্রী, আবার
নির্মাণের অধ্বংগ্রের শক্তের প্রতীক্ষা করছে।
আমার ব্যক্তর রক্ত গ্রেড্গাড়ে করে উঠত,
আমি অসহা বধ্যণায় অধিবর হয়ে উঠিছ—

ভাই একদিন ধরিছবি সেই বিস্তৃত দিনে তার বিত্যা ঘ্রা আর জোধের সাবোগে তাকে নিয়ে আমি পালিয়ে এসেছি। শৈশবের সেই গভার বিস্তৃত অর্ণা-হাসের জলকডি।--পদাবনের কণ্টক এবং ফালের সৌরভ, ধ্সরজীণ' খাররী পাতার মুম্বি ছেডে চলে এসেছি। করিণ-শিশ্র কাল্লা—সারসের ক্রেকোর এবং আমার মাকে ছেভে লক্ষ কোটি নক্ষরের অংকায় উদস্রাপত উপকার নির্দেশিত পরে অনেক রাতি পার হয়ে বহু যোজন পথ অতিক্রম করে আমি ধরিতীকে নিয়ে পালিছে এসেছি। প্রজায়নের পথে পথে কঙ্দিন আছি ঘননীল প্রশতরময় প্রতির সান্দেশে, অর্ণো নির্মাণের ক্লুম্ব অধ্বধ্যরের আওয়জ্ঞ প্রতি-ধ্যনিত হতে শ্নেছি। আমার পোষা কুকুর ক্ষিরেছে। আমি ধরিচীর দিকে বিদ্রাণ্ড দ্ভিসাত করেছি। ধরিতী ক্রমণ যেন অন্য ধরিতী হয়ে যাচেছ। তার চোখে কখনো र्निविष् अमान्डि-कश्टना अकत्न इक्षि। নীলিমার মত তার নিজনি লরীরে অস্ফুট শসোর বেদনার ভার-তার চোবে অফ্রন্ত জ্জার মর্ভাম এবং ভার স্ফীত ⇒তন ও দীঘ' উত্তাল হাতে উদ্মাদ উত্তাপস্পাহা, ভার পারে অবারিত পথযাতার উত্তেজনা সে কখনো কখনে প্ৰকিত কিন্তা মাজিতে ক্ৰ। ধরিতীকে আমি কোনদিনই সম্পূর্ণ ব্ৰতে পাৰিন। ধরিতী খ্ৰ কাছে এলে

ভাকে দ্বতম মনে হত, এর কোষাও
অধ্যার আছে—সেবানে নিঃস্ব দ্বামতা,
আমি উতলা হরে সর রহসা জানতে চেরেছি
—ওর সন্প্র মুন্স আমি স্পন্ট করতে
চেরেছি। পলারনের পথে উত্তা পর্বত
শীর্ষে নিবিড় প্রিমার ওকে বসিয়ে—
বিস্তৃত সমতল থেকে আমি ওর প্রতিকৃতি
এ'কেছি—ওর দক্ষিণ পাতের্ব উর্মা

ব্রাকার দ্বেথবর্গ চাদ—শরীরের এছাদকে
ক্যানিত জ্যোৎদলা অন্যাদকে গাঢ় অক্ষরের,
আমি ভাষণ উৎসাহে তুলির রেশ্বর ভাল
প্রতিকৃতি একে গোছ, কিন্তু ক্রমে আমার
হাত ধ্বাথ হরে এসেছে, নিবিড় বিষাদ ব্যাশ্ত
হরেছে সমন্ত চেতনার, ধরিয়ী বলেছে,
"তোমার ছবি কোনদিনই শেব হবে না"—
একটা অসহ্য অজ্ঞাত ক্যাণার আমি

#### ৰিশেষ বিশেষ বই পড়ুন! শান্তিহার বন্দ্যোপাধ্যার অশান্ত মধ্কর रथलाइ द्राञा कहेवल **€** • 00 তাল্কিকাচার্য ভৈর্বানন্দ क्रिक्टे रथनात्र যিলনত থি **बारेनकान्य** সীতাকণ্ড 2.00 **क्रिस्का**न वाष्णाशाधाध विश्वकृष्टेवल म्बा-नाबा नगबा ভারতীয় ফুটবল স্দৌন চট্টোপাধ্যার बारवार्ग रथरक ভারত কন্যা **रेट**ण्टन <u>क्वाला</u> ₹.00 **स्वम** मस র্মাপতি বস্ত ভালবাসার ভাৰতেৰ সাধিকা ৰীতি নীতি ... নিগ্ডানন্দ वाब, आब बिब স,কুমার রায় नौलमबारकात नहीं मकल मन् उशासान नगद्गी \$ 2.00 আাপস কলকাতার न यानाम कृशानः वरम्भाशाश 8.00 वन्नभीय मान्रस्त নীললোহিত न्यत्रणीय (अय २००० रमथा-नारमथा ...

**बामडीर्थ** / ১, विधान मत्रगौ, कनिकाठा—১২

কলিখা হলে উঠোহ, আমার হাতের পেশা
ভীকা হলেছে, বৃলি হরে উঠেছে পানিত।
আমার নালিকা লহুরিত হরেছে আর সেই
হছেছোঁ নির্মাণের চিল্তা একটা বিবাধ
ভীকের মন্ড আমার হংগিপ্ড বিশ্ব করেছে।
আমার পোবা কুকুরটা হটকট করে উঠেছো
বিজ্ঞী কেন আমার নাগা
করছে। করে কথন জানি না আমি আমারে

TOY OF A COMMENSAGE OF LIGHT

কত-বিক্ত করতে শ্রু করেছি। আমার ভেতরে আমারই অজ্ঞাতে বিকৃত নিমাণ আমাকে প্রাল করেছে লগালক থেকে। আমার চারিদিকে সংখ্যাতীত দেরাল ভূলোছ। ধরিলাকৈ বিরে ক্সে গড়ে উঠেছে লালানকোঠা বরবাড়ী—উত্নিচ্ স্থাবর জিরাক—আকাল হরেছে থাণ্ডত, মুন্ধ হরেছে বালুপ্রবাহ। আমি অন্ধ্বারাক্তাত আলোর বরিরীর বিচিন্ন সম আন্তর্কর বাকে
গ্রেছি। জানি না ককা আনাকে বিক্রের
অগ্না গ্রেছ বিবাভ প্রাচীন করের কর আনগাল, সরীস্পের মত কর্মান জাতিন
গিক্সান্ত গথ; স্ক্রেক্স করিনি মুক্ত বাক্ত ভীত মান্বের হাহাকার; র্থকা স্কর্ম লব্দে আলোড়িত চরাচক—কোবাভ জাতিন-রাদ্ধের কোলাহল—ক্ষক্তের জাতিন



श्राम, बाबाक रूप क्यमाराम्य गुजान्य-Cबाना हा**डे बाजाब बन्नब** मीनाटबंब केंद्र চাক ছাটিক ভিতরে পলিত নদ'লা ওপরে किरोडिंग, स्वानकार एक गाउँहे हारेज बाद চাজার সাইবেনের বসেশং ভার আতদাদ-

दम्हे चार्डनाम्टर विद्याल करत गरह काथाव द्यम निर्माण जावरात्रि दहरत छठेटा —তার ধাবমান অক্টের ছেরার কেশে क्रिक बनमाहि प्रदानाना। बाहार करिन मृन्धि जाकरत्न जागरकात जामक शरतरह আৰ নিৰ্মাণের অস্বধ্যের অন্সেধানী বিশ্বে শব্দ ক্যাগত নিকট হেকে নিকটছৰ स्टबट्ट। विका बीस्कीत नवीत म्हर् জানালার গরাদে—ভার দাণ্টি বহাদারে প্ৰসারিত, তার স্বাধেল প্রভাকার অবসাদ, তার দীঘ' আলুখালুকেল বেন অলনিবিদতে নিষ্তিত, তার বড়ের প্রবাহ মরা কটাল এবং ब खाकाव होत्मव न्यान्न खेल्यन। इटार वाक-পৰে নীল আলোৱ স্থাবনে ট্রানের ঘর্ষারে সে উন্মন: মরুরের পেখ্যের মত স্কারিত-খোলা নিয়ত চৰুল। নিয়াণ অন্তির— ৰোধাও বেন ছাব আবাস নেই—স্থিতি নেই—বে ভাবনার চেরেও কিপ্র—গলের ঢেৱেও প্রভেগামী ভার অব্বহরের ঘর্ষণে প্রাচীন পাথর ভেঙে চেটিচর হারে বার-মাটির শরীর থেকে গৈরিক ধ্রেলা ওড়ে, তার উধা হাতের অল্যাল নিপেশেই যেন হাতোপম আন্দেষ্গিরি সহসা অণ্নি উলাইণ বরতে থাকে. ভূমিকশ্পের গঞ্জানে কম্পনে ম্ভিকার প্রতিরোমক্প তোলপাড়-প্রিবী গ্রেড'র অনিম উক তরল লাভা বিকেলারত হারে প্রপ্রবনের মত উধের উঠে ছডিরে পড়ে চ্ছদিকৈ: সে-লাভালোতে লেহা তানা সোনা গল্বকের তল—উদ্রাপে ব্যর্থেন্ডল রক্তাভ। তার অধ্বখ্যের আখাতে আঘাতেই সে চল চকুদিকৈ ছড়িরে ছিটিরে যাক্তে-ক্ৰমণ শীতৰ কঠিন হতে। দীৰ্ঘ লোহপ্থ জনমূব পাক্ষে-সাউচ্চ সাবর্ণ ছোরণ ছারা গ্ৰহ ক'ড়েড উঠছে—ব্ৰামান প্ৰদেলাবের দ্রুত গ্রেল-মত চলের বিরামহীন ধাত্র সাধ্যাকে মাধ্র বাতাস: আকাশ প্রকালত একটা অস্থির অভিনরলয় যেন স্ব'ক্ষ্ খিরে রেখেছে নির্মাণকে।

চতদিকৈ জামার বরেব কৃকলাস रमजारमात भारता मिथत यम्मी शतिकी, जात আরত চোখের শক্তাবে অকুল নিজনিতা, "আমি হাপিরে উঠছি শীমান।" তার ফণ্ঠ-ম্বরে আবিল বিবাদ-গড়ে পীত তরে মুখ-মণ্ডল, তার শরীর দুরে জানলার গরাদে; বরিতীর কণ্ঠানর কেন শনেতে প্রইনি.— প্রভাররহীন আমি অব্যক্তারাভাব্ত মুমুর্ আলোর প্রভ তার প্রতিকৃতি একে গেছি। ভার নিরাবরণ নিরাভরণ শরীর-মূখ্য-ডল भौक वर्षा छेन्छ्रम स्ट्र छेरकेर । आमि , আগচর হরে ভেবেছি-প্রতিবর্ণ কী উবার আলোর প্রতীক? নাতি পাঁতবলে লোকের বাজনা—নাজি রহসোর চীপাত গর্হারতী নিক্ষের কিন্তার যে ধরিকীকে আগতে রেখেছে—আম্বাল করে রেখেছে—বার কারে আমি কোনদিন পে'ছেতে পারিনি-হাত বাভিয়ে দিরেছি হাত কেপেছে কোনদিন ৰার পদা পাইনি, বার কণ্ঠস্বর পানেছি জ্বত বাকে কোনদিন দেখিনি—বৈ অরণার গভীৰতম প্ৰদেশের মত-সম্প্রের তলদেশের মত--বে বীজের ভিতরে অংকরের মত পীত বৰ্ণ কী সেই ব্যৱহার আভাস? নাকি পীতবৰ্ণ আমাৰ বেদনাৰ পরিভাষা নাকি

গাঁত বাৰৱী আহার বেদনার প্রতিক্রতি? "ভূমি কা আমার ভালবাস না **ব্যর্কী**?" প্রভারতে খরিতী বেন বহুদরে খেকে स्थात काण्य निमन कर्ष बालाव-"वीमान. ত্যি আমার অনুভবে নিবিড হতে আছ: जानीत्वय प्रक कीय जामादक मा ब्राइसिंग-"আৰ নিম'm ?"

र्थावती पारक शीकाक अक्याव-दिन কুডলে আব্ত ভার সারা দেহ, আমি ভার মাৰ দেবতে গেতম না-"আবার ওর কবা रकत शीमान? हत्ना जानता करत गरे-" "কোখার বাব?" আমার নির্সিত প্রতের

বিশাখার প্রথম বট প্রকাশিত হল

## একালের প্রেমের কা

मन्यामता ३ मीडि जियांची

দাম চাব টাকা

রাজনকটো দেবাঁ, অরবিদ্দ গড়ে, সিক্ষেত্রর সেন, শান্তিকুমার ব্যের, স্থোঁল বসচু, সরং-কুমার মাবোপাবাার, সমার রারচোধারী লব্দ ঘোব, লংকরানন্দ মাবোপাবাার, আলোক সরবাব, তর্প সান্যাল, কবিতা সিংহ, ব্যাস্তর চরবতী, অলোকরঞ্জন দাশগানেত, আনস্প বাগাচী, শক্তি চট্টোপাধ্যার, শংকর চট্টোপাধ্যার, স্বলেশরঞ্জন দন্ত, সনৌল গালোপাধ্যার, লিবশন্তু পাল, মোহিত চট্টোপাধায়, স্ত্রতিং দাশগন্ত, বিনর মজ্মদার, বলৈক কল্মদার, মানস বাহতেবিরী, সমবেশ্র সেনগর্পু, স্বেশ্স, মাল্লক, আমতাভ দাশগর্শক, প্রশ্বেশ্যু দাৰ্গান্তে, জ্যোতিমায় দত্ত, ৰাণ্ডি কাচিড়ী, দেবীপ্ৰসাৰ ৰন্দোপায়ায়, ভাৰাপৰ ৰাষ্ট্ **ऐरशलक्यात बन**ा।

#### চোলিশ জন কৰিৰ একশ চম্চি অমৰ কৰিতাৰ সংকলন।

বিশালা/২৮।১৯ গড়িয়াহাট রেড/ক্লাট নং ২৫/কলি:--১৯ शाण्डिन्यान : मानाएण्ड बाफ त्यार, करनक न्योडि/कि बाब नारेख्यी, অংশাক ব্ৰুক লেণ্টার গড়িয়াছাট জংশন

(PR 4238)

अका निक इता दहः

মাজকের এই ব্যাসন্ধিকণে যখন চারিদিকে রাজনৈতিক অন্ধিরতা, তখন পাতবরের আলোর' উদবিশে শতাব্দীর করেকজন বিশিষ্ট মনস্বীর জীবন ও সাহিত্যকর্ম পাঠে गङ्ग शब-निर्मंत्र रम्ट्य ।

অসীমা মৈত্ৰ সম্পাদিত

## त जात्लाय

🕈 ছাব্দিশায়ন বিশিষ্ট লেখকের রচনায় সমাস্থ এক অভিনৰ সংকলন প্রদর্থ। শুৰু বাংলা সাহিত্যে নর ভারতীয় সাহিত্যে এ-জাতীয় সংকলন এই প্রথম। সূতুমার রার কণিতক

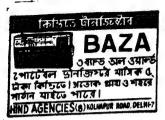
महानलकीत काणी 50. निश् छानम् अकृष्टि द्वशस्त्रज्ञ सक्षर ७.

वामभाग रमर्थ विरम्भी ५०. শশিভ্যণ দত্ত मीश जालाक ७.

**চরবর্তী আনত কোং** / ৮সি, ট্যামার লেন, কলিকাতা-৯

श्रीता वित स्थान-गडायात की किस्टे क्रम शरक मा भीवाम?" त्याका मार्थित पेरव करा जिल्लाहरू बीहरी त्याम बाह्र जरुजा, একটা ক্ষোভ কৰণা ভার সারাম্বেশ-শভূমি গান গাইতে ভুলে গেছ ধীমান, ভূমি আর कृत कालवान मा- प्रकल नाटक नतकात निरक हरन बात बातिही-प्राथात जात এক মহতেও আমার ভাল লাগতে না बीबान-बरे जन्धकारत-" जागरका नीच"-न्यारमध अस बर्ड करें सामात प्रकृत ভিতরে, ধরিতীর সর্বাপে আমার নথের আৰাত—"ভমি কী আমায় ছেড়ে চলে বাবে ধ্যিত্তী ?" ধ্যিত্তী নিৰ্বাক, তার মলিন দ্ব চোৰ অলুপ্ৰ। আমি শান্ত হরে নিজের ভিতরে ফিরে এসে দেখেছি—বিস্মরণ সব আডাল করে দিরেছে—মারের কাছের থেকে হে পথ ধরে আমি পালিরে এসেছিল্ম ভার নিশানা আমি ভুলে গেছি। আমি আর প্রভাবে সম্পার, রম্বরণ স্বোদর, স্বাস্ত দেখি না, পাখীর কণ্ঠস্বর শ্নি না কতদিন —পদতলে মাটির উক্তা নেই. পদাবনের সৌরভ নেই কোখাও—আমি মারের মুখ ভলে গেছি—তাঁর দীর্ঘবাহ্ শ্ত পদয্পল দেখি না বে কতদিন। আমি কী আর ফ্লে ভালবাসতে পারি না? আমার স্বাধ্যে স্ক্ রক্ষা-লোমণ হাডের পেশী কঠিন হরে

বহুবংশ চিত্রিত ক্যানভাসের ওপর
আমার দুত হাতের গতি ক্রমাগত ভালথ হরে
আসে—তুলি নিশ্চল, আমার ক্লান্ড শারীর
ক্রমাগত ভারী হরে আসছে; অবলন্নিত
গোলাশের পাপড়িগন্লি পোড়া মাটির টবে
ব্যালকনিতে থির থির করে কাগছে, সজল
বাভাসের নিরাকার সৌরভ আমার ব্কের



এস. সেন. জে পি
থারিক রেজিশেরীশন অফিসার
১৮বি ন্যামানেন দে পাঁও কলি-১২
কলেক পাঁও, বহাখা গারী রোভ লগেন
ফোল: 34-6896 Resi 34-4045)
রেজিভিটি বিবাহ
জাহিকস

পাঁজরের ওপর সির্রাসর করছে। সমস্ত শ্রীরে বিষাদ। জানলা দিরে ইলেকট্রিকের ভার ল্যাম্প্রেশন এবং বিজ্ঞাপন দুভগামী বানবাহন-চুত্বাস্ত অসংখ্য মানুৰ দেখি, আনে-চোৰ আবহা কোলাহল কানে ঝাপসা হলে বার—আজই প্রথম আমি ধরিত্রীর প্রতিকৃতি আঁকল্ম না, এই প্রথম ধরিতী আর আমার সামনে বলে নেই। আমার সব হর হুনা—সৈস্ব হরে আলো टनरे-क्नार द्रम्थ-यन्थ जामाना ठावनित्क নিঃস্ব ছাত-দেখানে কারো নিঃশ্বাস পড়ে না—ধ্ৰোয় ধ্ৰোয় কেবল অসংখা পারের চিত্ত এইসৰ জড়িত বিষণ পরিতার বরে ভণ্নচ্প অসংখ্য কংকালের মত ধরিতীর অগণিত পীত প্রতিকৃতি ছ্যাকারে পড়ে আছে—ধরিতী নেই। আমার সব ঘর শ্না করে দিয়ে ধরিতী চলে গেছে—আমার অজ্ঞাতে সব ঘর নিজনি করে দিয়ে ধরিতী ক্ষা পালিরে গেছে-

হয়তো ব্তাকার দ্পবর্ণ চীদ তাকে শুৰু করেছে—হয়তো কোন নিবিড় সপ্তর-মান বিশাল গড় কৃষ মেঘে হঠাং স্ফ্রিড-বিদ্যুৎ কিন্বা রুড় দুভগানী শৃক্ষালা ভাকে ঘরছাড়া করেছে; আমার পোষা কুকুরের পাহারা এড়িয়ে সে বেরিয়ে পড়েছে নির্মাণের খৌজে? কিন্তু কী করে ধরিচী পাবে নির্মাণকে। মা পারেনি তাকে ব্রকের কাছে রাখতে—মারের বাংসলোর দঢ়ে গুলিষ উন্মূল করে দিয়ে, তার দেনহের পিঞ্চর-কঠিন দুহাতে ভেশো দিয়ে সে বেরিয়ে পড়েছে; মা কে'লেছে; তব্ নিম'ৰ ফেরেনি; তার কোন আবাস নেই—কোন স্থিতি নেই—ভাবনার চেরে ক্ষিপ্ত শঙ্গের চেরে দ্রতেগামী তার যোড়া: এক অস্থির-অণিনবলর নিয়ত তাকে বিরে রয়েছে--ধরিত্রী কী করে পেশিছুবে ভার কাছে, কী করে ভার স্পর্শ পাবে? নাকি ধরিতী চির-কাল তার অধ্বিষ্ট রইবে? তার উদ্ভাল সূ হাত সম্মুখে প্রসারিত-কোমল তার ওঠাধর—কর্ণ দতন, ক্লাশ্ড ধীর পতিতে সে বেন শেষহীন পথে ফিরবে—যেন ভাকে আরো—আরো দরে যেতে হবে; সময়ের নির্বচ্ছিল রেখা তার স্বাংশ চিহ্ন রেখে বাবে। তার দৃষ্টি সজল, নিঃখ্বাসে মাঘী রাহির শীতলতা—তার ব্বের একদিকে নিমাণ অপরদিকে ধীমানের ক্মাতি-ভারা পরস্পরের থ্ব কাছাকাছি অথচ বহু বোজন मृत्त । नाकि धरितती भारतत नथ चर्मास-বে পথে আমরা মারের কাছ থেকে পালিয়ে এসেছিলমে ? হয়তো ধরিতী কোনদিন মায়ের উদ্যান খ'লে পাবে--পত্মবনের সৌরভ হরিৎ অরণ্য পাঞ্চিপাখালির কণ্ঠদ্বর ফিরে পাবে —হরতো মারের দীর্ঘ বাহ্—শ<sub>ন</sub>স্ত পদয**্**গল সে স্পর্শ করবে; সম্ভান পরিভাক্ত মারের निवान बुरक्त कार्ड छल बार्व ब्रिशी-

NICHE WING COICES WINE WIRE WIRE शीन्क जाव मर्याच्या बहुत हस्त्य। बीवडी रत्राका जावात जामारक व जारत। जारह जापि त्न नथ कूटन दर्शीय-मार्वाव विकासन थीतारीत न्यांक बाल निवसीय काम की जामात करे जजाजनात्न त्यां नाता । जारिय भारता कारणा क्या क्रम क्रम मारक मारक क्या निरहादिनाम, "मा बा, क्यू बहुना जानि रकामारक ছেতে বাব মা"। আমি বাকে প্রভারণা करतीय। जबाह जामात माजिक्टरम महस्रव নাড়ীর দাগ-আমার হ্রীপ্তে শিরার क्षमीटक बाद्यक तक-कामात पार्टीक বৰ্তমান ভবিৰাৎ বায়ণ কৰে আছে মায়ের আকাক্ষা। কথ্য আমি আর ভেমন করে গ্ৰন গাইতে পাৰি মা. আমি আৰ ফুল ভালবাসতে পাৰি না-

শতোমার ছবি কোনবিন শেষ হবে না"-ত্ৰীকা বিবাদ শীতের গাড় কুরাশার মত আমার সমস্ত চেতনার ছাড়েরে বার— উংক্তিত হাতে ভূলি কালে, নিজের ভিডরে বেন অনা কারো আন্ধিরতা। জড়িত বিবংশ খরের নোনাধরা কুকলাস দেরালে নেয়ালে ধবিত্তীর প্রচৌন কণ্ঠান্তর নৈঃশব্দে বেন প্রতিধানিত হতে খাকে-উন্মিন বাডানে তার নিশেবাস—আমার ইচ্ছার ধরিতী পারনের মত নিবাধ—অত্মের শ্নোতার ত্রণে তর্পো তার উত্তাল হাত: ধরিতী আরু দূরতম তবু বেন সবঁচ সে। আৰু পীত ধরিতীয় অবরব নেই--পীত প্রতিকৃতি নেই—আমার চোপের ভিত্তরে বাহিরে তথ্যবার—অধ্কার: এ অধ্যবার চেনাচেনা— এ অন্যকার আতি বিকাতি মারের গতের বিশ্তত অন্ধকার পট ফেন স্কনের মত আমার দর্শাদকে উঠে আসে-ভক্ষকালীন অভিথয়তায় চল্ডল সাম: বিচিত্র বংগ রাজত জামার কানভাল-বতদরে চোৰ বার উচ্-নীচু ছোট বড় অসংখ্য উষর্বায়ীর স্থাবির জিরাফের মত ঠাসাঠাসি দালান কেঠাবর বাড়ি-প্রচীন গ্রার মত অলিগলি চর-দিকে গলিত নদ্মা—মাথার ওপরে বহু-ভুক্ত এক জ্যামিতিক নীলিমা ভার সংস সন্তারিত গাড় কুক মেঘ—দীর্ঘ ভণিনাক স্কুরিত বিদাতের মের্ন রেখা—শোকার<sup>\*</sup> বর্ষণ এবং অপরাছের নির্ভেক রেপ-পোড়ামাটির টবে ব্যালকনিতে অবলা ঠিড গোলাপের পাপড়িসমূহ এবং উল্লেখ্য হারিং বৃদ্ধ ধৃত বীজের সম্ভাবনামর রভবর্গ গভ'কোৰ-আমার জনাদাশ্ত এ-ছবির রঙে রেখার কোন অবস্থানে অস্থির নির্মাণ वरेतः ? सामात्र अ निगम्छर्गि स्वित्र स्मामात রইবে মারের শ্বে শাস্ত শোকার্ত প্রতিমা? ध प्रवित्र टकानः कविन दमकाम सहैरव थीमान? जमण्ड स्ट दाथा भ्लाम करत এ ছবির দৈৰো প্রদেশ ধরিতী কী প্রদেশ্টিত হবে? আয়ায় এ ছবি কোনদিন শেষ ছবে?



প্রনাকে বলেছি কি সেই গলপটা ? এটি
আমি শ্নেছি কাকা বরসে আমাদের
বাড়ির এক নিরক্ষর দালীর কাছ বেকে।
তাই এটা হরতো লোকম্বে প্রচলিত
আঞ্চলিক কাহিনী মাল্ল-কেতাব-পত্রে শ্রাম
প্রায়ন বলে হরতো আপনার অজানা।

এক বাদশা প্রারই রাজধানী থেকে
দ্বে বনের প্রাণেড একটি নিজনি উদ্যানভবনে চলে বেডেন শাশ্তির জনা। সেখানে
বলেক ব্বরাজের জীঞ্চালণাী নমসিবার্থে

yin Lesa my

জন্টে যার এক রাখাল ছেলে। তাদের সংগ্রা রাজপতে কৃষক-পুত্রের ব্যবধান ছিল না।

বাদশা মারা গেলে পর ব্রেরাজ বাদশা হলেন। দীঘা কুড়ি বংসর ধরে ব্রেরাজ ঝার সাহ্যাগ পাননি সেই উদ্যানভবনে জাসার। মথন একোন, তখন সংখান নিলেন তার রাখাল বংধার—স্বায়ং গোলেন তার পর্ণাকৃটিরে। রাখাল ছেলে প্রেরিই মত মোড়াম্ডি দিল। ব্রেরাজ শহুধোলেন, "তেমোর বাপকে দেখছি না বে?"

"তিনি তো কৰে গত চরেছেন? আক্স তার আন্মার মধ্যকা কর্মে।"

"रगाव पिटन दकाथात ?"

"ঐ তো হোখার, খেজুর গাছটার তলার। বাবা ঐ গাছের রস আর তাড়ি খেডে ভালবাসতো বলে আমাকে আবেদ বিজে গিরেছিল তাকে বেন ধরই পারের কাছে গোর দি।"

্নাগরিক বিদশ্ধ ওমর ধৈরামও লাক্ষা-কুজে সমাধি দিতে কলেছিলেন, বাং?)

রাখাল ছেলে জানতো, আগের বাদশ্য গত হরেছেন। ডাই শ্যেজো, "আর হুজুর বাদশার গোর কোখার দেওরা হল?"

वेयर शर्वकरत नवीन बाका कारणन्

"জানো তো রাজাবাদশার বড় নিমক্টারার হয়, বাংশর সোরের উপর কোনো এলারও বানার না। ...আমি, ভাই, সে-রক্ম নই। বানার গোরের উপর বিরাট উদ্ধু সৌধ নিমাণ করেছি, দেশবিদেশ থেকে সর্বোক্তম মার্বেল পাধর বোগাড় করে।...এই কনের বাইরে গেলেই ভার চুড়োটা এখান থেকেও স্পত্ত দেখা বার।"

রাখাল হেলে কললে, "সে আর নেথিনি? কিন্তু চুমি, ভাই, করেছ ভি? শেষ বিচার কিরামতের দিন, আলা হুকুষে কিরিপতা ইসরাকিল বখন লিঙে বাজাবের, তখন কত লক্ষ মণ প্রথম খাঁড়ে খাঁড়ে তেওে ভেঙে উঠতে হবে কেমেশ্বনামে। তার কলা এ মেরেমতা তৈরি করলে কেন?... আর আমার বাবা ভার গোরের উপরভার আব হাত মাটি এক ধাকার ভেঙে কেনে হুল হুল করে চলে বাবে আলার পারের কারে!"

sk.

প্রির সৈরণ সাহেব, জ্ঞাকে দিরেকে
জানত গোল বিরাট ইট-স্রখির এই
বাড়িতে। বহু হরে জ্ঞা-সন্ধার এ-বাড়িতে
প্রথম প্রবেশ করি, ভখনই আমার পরীক্রটা
কেমন বেন একটা শীক্তনভার পরবে সির্বাসর
করেছিল, বদিও জ্ঞানার পরবে ভখন অভি

পূৰ্য আড়ি-কো মেনারসী গাড়ি, বিবলাপের জানা আরু স্ব'লের প্রড়িয়ে ব্যাপনার ভাতারের ঠাকুমার কাম্বারী পাল-বাস সাম্যা বাহির ক্রবাই হবে আধ্ সের।

জালান এ-বাড়ির অতি জল্প জলেই চেনেন। এ-বাড়ির পারের পরিক্রমা বিচে বজা বভাটাক মাগার করা। আমাকে করেক বিক্রমা পরাই এ-পরিক্রমা বাগাতে হর। প্রথম থান-একটা মন্দ লাগতো না-প্রাচনিক বিনের কড়লাভ সম্পদ্ ট্রিকটাকি, নারীমা বিনের কড়লাভ কিছু কর বার না-এক্রেজার বেন প্রেজেন্ট দেওরা একটা টেলিভিসন সেট-বনিও করে যে এটা ভাজে বালাবে, সেটা ভবিবতের প্রতেশ। কেন বাল্যারে এটা-ওটা দেখিছ বারে বেড়াজি।

কিন্তু চিন্তা কর্ম, বীদ আপনাতে বান্ধনে আহারনিয়া গান্পতাজীবন কান্দ করতে হয়, তবে কি রকম হাল হয়।

ভব্ বলি, এও কিছু নয়। সালানা ইট-পাথর, প্রাচীন দিনের সম্পন্ধ-একা প্রাঘটীন। এরা আমার মত সভাবি প্রাদচ্চক জীবকে আর ক্তথানি সম্মেহিত করবে?

ভিন্তু এরা বে সবাই সর্বাক্তন চিংকার করে করে আবাকে শোনাক্তে

"ইয়াভিনন! ইয়াভিনন ঐতিহয় ঐতিহয় গ্ৰ

সৰাই বলহে, সাভ প্ৰেছৰ বাবে এই বানদানী পরিবারে বা চলে আসহে, সেইটো ভোনাকে মেনে চলতে হবে, বাঁচিয়ে রাখভে হবে, এবং মরার সময়ও ভার ভাঁকবাতের জন্য পরিপাটি বাবদ্যা করে মেন্ডে হবে।

আৰু বান্ধ জাগত ? নাবেব, তান্ধ পরিবান্ধর্যা, এ-বাড়ির গারওরান ছাইডার বান্টি চাকর হালালখোর, পালের মসজিনের ইমাম মোরাজ্ঞিন সকলের চেহারাতেই ঐ একটি লক্ষ ভিলাকে ক্টে উঠছে ঃ ই্টাভিলা ও বিগলিভার্যাও বেগ্যস্যাহেবা বহি খানদানী প্রাচীন পালা মেন চলেন, তবে আর্বা ভার গোলামের গোলাম, আনরা নামান্তের পর পঠি বেক্ব আ্লার প্রপ্রান্তের ক্টিরে ক্লাব্যে,

रिश्रम युक्तका वावीद

শহর-ইয়ার

श्रज्ञाकारत नीसरै श्रकान कदास्व

क्वावप भावतमार्ग क्षाः विः

শইরা বুলা, এই শহর-ইরার বাল, বিল্লাকাশ, এই বুলিয়ার জালার ছারা'। ভারই বুলাভিল ছারাতে আমাদের জীবন, আমাদের সংসার, আমাদের মৃত্যা, আমাদের মোকা: তুমি তাকৈ শভার, করো, সহলার,

कार्य जिमिक नहें। जात्मव ध-शार्थमान, ঐতিহা রক্ষার্থক মনার সচুর WILE S আত্তীরকতা আছে, কিন্তু সপো সপো আছে त्रहे जातिक देन् मधिन् करे, जीवन नश्शास কোনোগতিকে তিকে থাকবার, কোনোগতিকে र्विक शक्यात श्रक्तको । ... आस दीन कानि-খাঠের মান্দর নিশ্চিক করে পরেং প্রজোরী-দের আদেশ দেন "চরে খাও গে!" তবে তারা বাবে কোষার? বর্তমান ব্রগোপবোগী জীবন-সংগ্রামে বৃশ্ব করার মত কোনো ট্রেনিং তো क्रमद मिल्हा इसीन। अस्तर अवस्था इत्त. খাঁচার পাখিকে হঠাং ছেড়ে দিলে বা হর। খাঁচার জোহদুগোঁ দীর্ঘকাল বাস করে সে আত্মরকার কৌশল ভূলে গিয়েছে, দু' বেলা গোরতের তৈরি ছোলা-ফড়িং থেরে খেরে ভূলে গিরেছে আপন খাদা সংগ্রহ করার ছলা-4

আবার আমার 'লোক-লম্প্রের' কথার ফিরে অনিম। এদের স্বাইকে যদি আমি কাল ডিসমিস করে দি,—সে একেরার জালার আমাকে দিরেছেন—তবে কি হবে? অধিকাংশই না থেরে মরবে। তারা শুং ছানে ট্রাডিশন। তাদের কশ্ম হরেছে এ শতাব্দীতে, কিন্তু মৃত্যু হরে সিরেছে উনবিংশ শতাব্দীর গোডাতেই।

জ্ঞামি একাধিক বার চেম্টা দিরেছিল.ম এ-বাড়িতে ফ্রেম্ম রাড আমদানি করতে। চাল্যাক চতুর দ্ব' একটি ছোকরাকে বর হিসেবে

#### চাঞ্চল্যকর আবিশ্কার লৈনালন একঘোরোম থেকে বাঁচুন

আমেরিকার একটি আবিষ্কার — বা হাতে গেলে শেভিং ব্রাল, সাবান আর ক্লীম আপনি ছাড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সর্বপ্রথম প্রবৃত্তিত হলো।

সবচাইতে মজার হচ্ছে, এই আবিম্কার কেবলমান্ত রেজর রেডের ক্ষেত্রেই প্রবোজা হচ্ছে মুখের ওপর নর। কুইক-এন-ক্লীন' এর (জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হলো সবচাইতে অবিস্থাসা ঘটনা, অঘচ এই দিরে আপনি অতি দ্রুত ও চমংকার শেভ করতে পার্বেন।

আপনার ব্রেডের প্রাক্তে এক ফোটা কুইক-এন-ক্রীন ঢেলে নিন্, তারপর মুখ জল দিরে ভিজিরে শেভ করতে থাকুন। আপনার রেজর রখন দাড়ির ওপর দিরে কার্পেটের মত কোমল প্রশা ছড়িরে এগিরে বাবে, আপনি তখন জীবনের স্বচাইতে বড় বিস্মর বোধ করবেন। বারের দিক দিরেও এটিতে সাশুর হয়। এক বোডলে তিন মাস চলে। নিরে এলেছি। জানেন কি হল? প্রজাবিক কাল যেতে না বেতেই ভারা ভিডে গেল প্রাচীনপঞ্চী দারওয়ান বাব্রচির সন্দো। ব্যে গেল, রুটির ঐ-পিঠেই মাখন মাখানো রয়েছে। সিনেসা যাওয়া পর্বভ ভারা কথ করে দিলা অক্রেনে হ্মরপাম করত্ব, বেড মা কিংবা ভারো বেলি ট্রাভিশনের মারাজাল ছিম করার যাভ মোহমুল্যর আমি রাভারাভি নাভারাতি বুরে প্রাভ, বাভি ছবিনভার চেন্টা করলেক-নির্মাণ করতে পারবো না।

অবশ্য আমার দেবভূষ্য ব্যামী আমাকে বাসর্থরেই সবাব্যামীনতা দিরেছিলেন, সব বাবদে—দে-কথা আমি, আপনাকে প্রেই বলেছি। কিন্তু ব্যাধীনতা দিলেই তো সব মুশুকিল আসান হরে বার না। ব্যাধীনতা পেরে খাঁচার পাখিটার কি হরেছিল? অনাহারে বখন ভিরমি গিরে চৈরের ফাটা-চেরা মাঠে পড়ে আছে, তখন দিকরে পাখিতাকে ছোঁ মেরে তুলে নিরে গাছের ভালে বলে কুরে কুরে তার জিগর-কলিলা খেল।

সে-কথা জানে বলেই এ-বাড়ির লোক আমাকে প্রথম দিনাই খাঁচাতে পর্বক্ত চেরে-ছিল। ওরা সবাই ট্রাডিশনের খাঁচাতে। খাঁচার ভিতরকার নিরাপরা, অরক্তল বাইরে কোথার পাবে? আমাদের এক সমাজভভ্বিদ নাকি বলেছেন, ১৯৪৭ এ স্বাধীনতা না পোলেই নাকি আমাদের পাকে ভালো হত। ও'র বছবা, ইংরেজ আমালে নাকি আমাদের ঘাত্রসবাতিলাত-ভূলবন্দ্রইন্ধনের স্ক্তিচ্নতা ছিল অনেক কম।

এইবারে মোলা কথা বলি। সেই রাখাল ছেলের বংধ্র পিতা বাদদাক তরি সন্ধাধ-সোধের প্রশতর তেওে তেওে উঠতে বত না হিমসিম খাবেন, তার সলো আমার এই উৎকট সংকটের কোনো তুলনাই হর না। জ্যান্ত লোরের মান্য আপন ছট্টটানিতে নির্মেধ নিম্বাস হয়ে প্রাণবার, ত্যাল করে।

তথাপি আমি ঐ খানদানী পাষাপদ্ধের থাকতে চাইনি। ঠিক মনে নেই. তবে গলপটি খ্ব সম্ভব সাথিকা সাহিত্যিকা শ্রীব্রুট্টা আলাপ্রণী দেবীর; একটি বালিকা স্বাধীনতা আলোলনে সংশিলাও করেকটি যুবকের সংশপশে এসে স্বাধীনতা সংগ্রামের আদশে উদ্দীপত হয়। অহত্তক বোলাবোগের ফলে তার কিল্টু বিরে হয়ে সেল এক অভি দুধ্রি ক্যাগরন্তানাক শ্রমিদারের ছেলের সপে। আমার মনে নেই, মেরেটি হয়তো বা আনিচ্ছার বিরে করেছিল, কিংবা হয়তো বলদ্ভ পদে স্বাধীস্তে প্রবেশ করেছিল, কঠোর প্রতিজ্ঞা নিরে বে এ-জমিদার প্রবিশ্বুক্তবা বাহর, বেটা গুলু ছল্লে বলা বার,

"পাকা রাদতা বানিয়ে কলে
দর্শীয় বুক দর্শিছ ভগবানের বাধার 'পরে হাঁকার দে চার-ঘ্রিছ।" (बाबाइ तर्वोत्समान क्षे ग्रहणार) बाबरमान केमल किमा बाल केस मानत कर करत बाकरमा ।) इसेर निर्माण क्षामायम । जिनकार क्षा कराय-बाह्यमा मानामा निर्मा इस्तावन हरन भरतासामा मानामिक गर्योग्ड करामा निर्मा ।

बन्द निरमक विका को सार्विक निर्माह का वा-कारिकों नाम्प्रकृति निर्माहक निर्माहक निर्माहक निर्माहक निर्माहक का का कार्य क

সংক্রেন সারি। আরু বহু বংসর পরে কি পরিনিবতি উল্ডাসিভ হল? সেই প্রেরটাই। বজাপ্রের তবা পরং! বন্দং তব্ধ প্রের! ইতিমধ্যে পাল্টে মারা গিরেহেন এবং সেই বিয়েহেরী তন্-সেই বারিল করে হরে গেমেন কে-সভলের ভার-সাটে রত্তপ্রিণী।

্ট্রাভিশন। ট্রাভিশন। সেই দ' থেকে বাঁচে কটা ভিডি?

কিংবা রবীক্ষনাথের সেই কথিকটি সংরবে আননে:

্ব্ডে কতার মরণকালে দেশস্থ স্বাই বলে উঠন ' তৃমি গেলে আমানের কী দশা হবে।'…দেবতা দরা করে কালেন…লোকটা ভূত হরেই এনের বাড়ে তেশে আক—না। মান্বের মৃত্যু আছে, ভূতের তো মৃত্যু নেই।"

সেই ভূতই হল ক্লাভিলন!

তার পর মনে আছে সেই ভূত-ট্রাডি-শনের পারের করেছ 'দেশসমুন্ধ সকই-কে' কি ধাজনা দিতে হল ?

"আন্দান থেকে জ্বলান থেকে বোড়ে। হ'ওরার হা হা করে উত্তর আসে, (বাজনা দেবে) "আরু দিরে, ইক্জক দিরে, ইমান দিরে, ব্যক্তর বন্ধ দিয়ে।"

দৈরদ সাহেব, আমি ইয়াভিশন ভূতের
বপরে সে-'বাজনা' দিতে রাজী বিলাম না।
ভার কারণ, এ নার বে আমি কুপণ। বিশ্তু
এ-মূল্যা দিলে ৰে আমার সর্বাসন্ত্যা লোপ পরে
আমার ধর্মা আমার ইমানা বাবে।

স্তল আশাপ্ৰার সেই বধ্র মত দিনে দিনে । আপন সকা হারিরে হারিরে অমি আমার শবলার , বাজির অচলারতনে বিলোপ হতে চাইনি। সেইটেই হত আমার মহতী বিনালি। ...

किन्छ उद् कार्नन, त्रिश्चन नारहर, शांत्र-কালা হীরাপালা রালাবালা নি**রে আ**মার দৈন দিন জীবন কেটে হাজিল। আমাদের কচিকাচা বয়সে একটা মামূলি রসিকতার কথোপকথন ছিল "কি লো, কি রকম व्याह्म ?" "कार्ड बाल्ड, किन्छु ब्रह्न गफ़्ट्ड ना।" बाबाद्ग रकता किन्छु "निम काठोद्र" मरभा क्षिण एक टक्टरे दक्टछे 43 कर् क् नक्टनब 40 **华**(京 रमग्रजारक पिरंत जाभात न्यामधान्याम नियुष्यनिश्चनम

THE PERSON NAMED IN THE RESIDENCE OF MANY AND ASSESSMENT AND reform our choice was wice are र्त छाइदे इक्काइराइ करन अवन्त क्रांचान BICO. S.CH. MIN. WAS CARISL MINN SCA लाडेनड द्वारा वासा वास ।

कारणा जालाव द्याना स्टूटनटकेंब केट्सटबा गरा। तो कृष्ट्राक् याक्ति हो।किनरमहं बक्त्यानाः वान्य विदेश

जार्गान जमगारे गारशास्त्र, शिक्कमार. তোমার এ-পরিবর্তন এল কি করে?

পরিবর্তন নর। জাগরণ। নন জাসরণ। \*

"त् भनावादमः कृत्य टकरण केविकास क्यानिनाइ के सगर न्यका नहा। तरकत व्यक्तत स्वीधनाम व्याननाव क्रून..."

আমার 'নব জাগরণের' পর আমি এ কবিতাটি নিৱে অনেক ভেবেছি। স্পণ্টত এখনে র পনারান র পকার্থে। অবশা এর পিছনে কিছুটা বাস্তবতাও থাকতে পারে। শ্ব; পদ্মার নয়, কবি গণ্গাতেও নৌকোয় করে সকরে বেরুতেন। হরতো বজবজ **অগুলে** কোথাও ঘ্রিয়েরে পড়েছিলেন; হঠাং ব্য ভাঙল ডারমন্ডহারবারের একটা আগে যেখানে द्राभनादायम् नमी गम्मात मरमा करम किरमरक । टकरण উঠ**েলন র**্পনারা**রণে**র ক্লে, 'কোলে'ও হতে পারত। "বংনা দেখছিলেন এতক্ষণ। অর্থাং তার আশী বংসরের জীবন স্বশ্নে স্বংশন, স্বংশার অবাস্তবতার কাটাবার পর রুপনারায়শের কুলে পরিপূর্ণ বাস্তবের অর্থাৎ 'র**্পের' সম্মুখীন হলে**ন। এক আলংকারিক রূপের ডেফিনিশন দিতে গিরে বলেছেন, ভূষণ না থাকলেও বাকে ভূষিত কলে মনে হয় তাই 'রুপ'া অর্থাৎ পিওর, নেকেড রিয়ালিটি। **তার কোনো ভবণ নেই।** 

আরু 'নারারণ' অর্থ তো জানি: নরনারী যাঁর কাছে আল্লর নের।

আমি অন্তত এই অথেই কবিতাটি निर्पाष्ट्र।

তাই আমি জগ করি সেই আলার (নারারণ) আশ্রন্ধ নিয়ে, তার রূপদ্বর্পকে স্মরণ করে, বার নাম "**লতীফ্"** (স্কুদর)। এবং তিনি শিবু **এবং স্তাও বটেন**।

কারণ আমি বখন আমার রূপনারারণের তীরে পেণছল্ম, র্ড়ভমর্পে আমার নিয়া-ভণোর 'ন্বিজয়েয়া' সম্মানীন হলাম তথন শ্ধ, যে আমার প্রবিশিত

ब्रेगिफन्म! ब्रेगिफन्म! ট্রাডিশনের পাষাপ্রাচীর নিমিডি 'অচলায়তন' দেশতে পেলুম, তাই নর।

च्याज्ञक, विष्यत, अयन कि नेवारणा

शास वीक्या सम्बद्ध वर्गन वास वास च्यान काम्यानीत, क्यान्यानीता कारान्यत प्रकृषिक त्व स्वयं स्वयं प्रकृष्टिकारेक माराम बाँग काम बारक रमनंद्रमान सबस्ट

अबर छात्र छात्रच बाताचन विकासिका-श्रह : कुन जानमाँ, कुन बर्जानिति, टनकार ट्यान, गामान 'পরোগকার' वहान्द्रम আলোক লভার উপর লভরে লভরে কাটে-ওঠা সংগীতের ক্ষণখারী আকাশকুসমে, কৃষি वाबस्तान कावान

· · · • व्या कीर्ग शामान व्यक्तिस শ্যমাকভিকার শোভা, নৈৰটে হানৰ ক্ৰ'ৰ ক্ৰ'ত

THE ROS MONIONIES ET चात्र कि तस कुल प्रत्यक्तिक कार्य ফিরিস্ত আপ্সাকে সিতে গেলে প্রেরা এক-बाला "स्माहन्यमी नामका" निश्रक इरव। धाक कवात रमस्ट्र कृत, शुनरतात कृत, मरमय ভল-পঞ্জেদিয়ের ভল। অর্থাং কিলোরী व्यवन्था त्थाकरे गुज्ञ करतीष्ट कुल धवर ठरलीष ख्या शस्य ।

আমি নিরাশবাদী নই: অতএব ঢেলে সাজতে হবে নতুন করে। জীবনের সপো রিটানমাটের এখনো সময় আছে—প্রস্তৃতি করবার।

কিন্ত পন্থা কি?

শিশ্ব বেমন মারের হাতে মার খেরে মারের কেলেই ঝাপিরে পড়ে আমি তেমনি

"ENRIGENT WITH HE SEMERATE CATCH!" MINERS CHOM HONCH !

"THERECOLD" MIGHE EN SPIN AT र्गावरीत्व वादवा वादव प्रमानवण बाँगाः তার সংখ্য আমার বিষয়ে। পরিচর ছিল। অতি ক্র কটি এ তার জীবনস্করে অত্তহীন প্ৰহ্মৰ' ভারার ভারার যে জীবন-স্পাদন আছে ভার লকাকেটিবলী কবে বভগানৈ অন্যভাবে অনুভব করে, ঠিক 🗟 অতি অল্পৰানিঃ সে-ই প্ৰছুত্ত পৰ্যালেকাৰ প্রচরতর অপবাশ্র । আরবা রজনীর অন্-ন্দ্ৰার একবাড়ি ডিম দিয়ে কলবার আঞ্চ करत छेक्तित्रवान एक विरक्ष क्षत्रवात क्षाप्रम ক্ষেছিল। ভার হিসেবে রাজভর ভুল ছিল না —ভূল হিল ভার হঠকারিভার। আর আমার হাতে তো কুলে সৰ্বসাকুলো হাত একটি ডিম। কাডিনাল নিউমান কি গেরেছিলেন -म्यारिएविद्यात बना क्या विका क्रीह "আমি তো বারালেবের দ্রেদিপশ্তের কামা-ভাষ দেখতে চাই নে: আমাৰে গ্ৰন্থ, একটি ना रकनात घर जारना संचार ।" "बारे छू नहे উরোপ্ট ট্র সী ডিসটেপ্ট সীন। ভয়ন স্টেপ ইনাক কর মী।" ভাই আমি "বিশ্বরূপ লতীকের" সম্বানে বেরলমে।

এরপর আমার বে সব নব নব অভিক্রতা হল তার ধর্শনা দেবার ভাষা আকর নেই. কখনো হবে না, কারণ আমি ভাপদী রাবেরা নই। আমি স্ব-কিছ্ ৰাপ্সা দেখছি। তাই আপনি আমার চোৰ কেমন বেন কুরাশা-ভরা किन्द्रय-छाका दन्दर्शाहरणनः।

বাংলা ভাষার প্রকাশিত চলচ্চিত্র বিষয়ক একটি প্রামাণ্য প্রশ্ব •

অসীম সোম সম্পাদিত

সভালিং রার ভাষক ঘটক, মূপাল সেন, তপন সিংহ, চিদানব্দ দাশগন্তে, সৌমিত চট্টের, রাজেন তরকদার প্রমূপ লেখকের রচনাসমূভ/

শব্দানৰী ও সংজ্ঞাৰ্য / গ্ৰন্থপঞ্জী / সভাজিং বাদ্ধ অভিকত প্ৰজ্ঞানলোভিত 🛭 ১৫-০০

.....সদ। প্রকাশিত উপন্যাস

#### नगम, जात्र

वाघवन्त्र

শিবরাম চক্রবড়ী 1 ৪-০০

আদিগ•গা

আশুভোষ সরকার ম ৮.০০

क्विक् ॥ ४.००

আশ ভোষ ম খোপাধার ॥ ৬.৫০ আক্রোলা-আফ্রিকার ভিরেতনাম

বর্ণ রার ॥ ৯.০০

ভোরাকাটার অভিসাবে (南京 泰等 1) 2.00 অপরিচিতা मन्त्र में टमर्क

बाटकब क्याना হরিনারারণ চটোঃ ॥ ৫-০০ स्मोद्रीन स्मन ॥ १-०० নৈকতন্দ্রী ও বহ্প্রেৰ অভ্রপণ্ডক व्यक्तिक कर म B-00 क्त्रद्वम् ॥ ३.००

म, जनात्र घत याउँ थ्याक वनाष्ट्र

আশুতোৰ মুখোঃ ॥ ৪-৫০

অজয় বস্ ॥ ৪-৫০

ৰুপৰেশা ॥ ৭৩, মহাত্মা গাম্ধী রোড, কলিকাতা—১

(সি ৬০৪০)

অতএব অতি সংক্ষেপে সারছি।

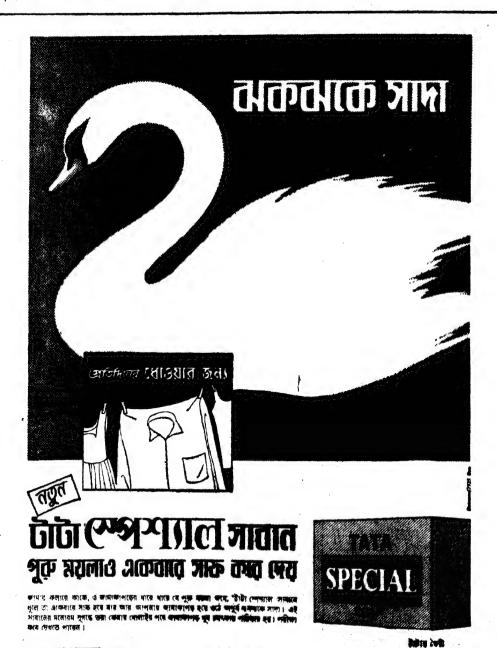
প্রথমেই আপনার কথা মনে পডেছিল। কিল্ডু চিল্ডা করে দেখলুম, আপনি স্বপ্নমণন না হলেও রুপনারায়ণের তীরে আপনি এখনো পে'ছিননি। প্রার্থনা করি কখনো যেন না পে'ছিতে হয়।

স্বাইকে যে পেছিতে হবে এমন কার. কোন্ মাথার দিব্যি? যদি রুপনারায়ণে পোছতেই হয় তবে যেন পোছেন আপনার গ্রেরই মত আশী বছর বন্ধদে। আমার

কপাল মুদ্দ (মুনি খবিরা হরতো বললেন "ভাগাবদত" আমি "অখণ্ড সৌছাগাবতী"). আমি বৌবনেই সেখানে পেটছে গিরেছি। কোনো ইরোরে:পাঁর বিলাসরস্তসে নিমন্ত্রিত এক ধনীর সন্তান, বৌকনে বর্লোছলেন "मालिएनन, मृति, साक? निम्हतरे हारे, প্রভা কিন্তু নট জ্ঞান্ট ইরেট" অর্থাং একটা शत इता इत ना अछु? खामात विनामवामना তেমন কিছু-একটা নেই, কিন্তু আমার বে **छत्र करत ।... जाननात काट्ड बाउना रम ना।** 

তখন পেল্ম পার সাহেবকে। জামার হল আনন্দ অপনি তাকে ভল ব্ৰেমনি। ভিনি কক খনো আলো আমার উপর কোনো প্রভার বিশ্ভার করতে চাননিও বরণ্ড ভিনি हान हाराम अध्यानामधे-तम अवनी परम्य পড়লেন। বাবে শেলাম, তার যেন মনে হর, যৌবনের কাম বাসনা ইত্যাদি থানিকটা भाषित्व निरंत्र जात्र शत शानशात्रशात रक्ता নামা প্ৰশৃতভৰ।

আপনি জানেন, যদিও ধর্মকরে আনার



क्रिके (न्श्रिमी)दि महात दिए पूर्व सामान्य कर क

ভার সে-লেখাটির নার বোধ হর উত্তর-পালা ভারণ।

আলীপ্রের বোষার সাক্ষ্য তথন সবে নের হরেছে। সদস্ত রঞ্জনা দেশ উদ্প্রেব, এখারে রীজ্যবিশ্য রাজ্যা দেশকে কেন্দ্র পথে দিরে বাবেন। জার বাজ্যা দেশের সন্দের বিজ্ঞান্তিত করেছে সমস্ত ভারতবর্ষের

কী গরেতের বারিছ। মার একটি লোকের ক্ষাকে।

তথন তিনি বে-ভাৰণ দিয়েছিলেন তার মূল কথা একটি নাকো বলা থেতে পারে, তিনি আপন ভবিবাং কতবা স্থেতে কল। দিনের জন্য নিজানে চিকা কয়তে কল।

আর আমি তো সামানা প্রাণী। আমার

এ-ছাড়া জনা কোনো গতি আর আছে কি?

আমি শুখু ভালো করেই জানি, আমার

কামানী অডাল্ড কন্ট হবে। এ-রকম

কেরেশভার মত শামা কটা মেরে পার।

ভাই জানি, যখন ভার কাছ থেকে বিলারের

জন্মাত চাইব তিনি আমাকে বাধা দেবেন

না। তিনি নিজে ধার্মিক—ভাই বলে বে

তিনি আমার ধর্মজীবনের অভিযানে বাধা

দেবেন না, তা নার। আমি বে দিনের পর

দিন বাড়িতে বলে বলে খুরে মরবা সেটা

তিনি কিছুতেই পইতে পারবেন না।

হার আলা ডালা! আমাকে ডুমি এ কী নিৰ্দেশ দিলে বার জন্য আমার এই প্রাণপ্রির স্বামী আমার মানিককে ছেডে বেতে হছে। নৈরৰ সাহেৰ, আমি জানি আর আমার न्यामी चाप्नन, चामारच चाक्क मदन दत আমানের বিরে বেন সবেষাত করেকদিন जारम इरक्षण्डा जामना देका এইমাত वाकं श मछी (ৰাপ্তলাম कि वद्धाः বিরাণক্ষ?) লেলে শ্টীবারের কেবিনে একে সদ্যের দিকে ভাষিরে তাকিরে একে সন্যকে किटम निष्कि। दक्षेप खिम **बरन फे**टेलन, "আমি কা ভাগানান।" লক্ষার আমার गांभा कामा एवंका। जाबाह ट्यामकी टोटन खीत भगणभाग करत कामान्य, "खार्गान क की कारमा ? जामि त्य जनमें जह क्यादिह कार्ड वाकिएम।"

िकाम करा क्या करण करता करते कामीकरणम "भाषानी !"

कियान्यानी केटबॉक्ट्रजन। जान संसान रेट्स इनटना, जानि नागोनसी। नदेरन जानि फानान केमन केमीय स्वस्क ब्रंट्स इस्त प्रस्ता संस्क रूका?

क्ष कारता? अन्न स्व स्थव स्थिति।

जाशमादक एकटक एकटक जामाव गिराकक জনা কথা হয়,—আপনি কতথানি বেদনা পাবেন, সে-কথা আমি ভাবছিলে। যাবাৰ दिना त्मर धकिं कथा दिन। यद स्था আপনার সংখ্য আমার পরিচর চর (আলা সে-দিন্টিকে রোশ নীয়র কর্ম !) ভাল থেকেই লক্ষা করেছি, আগনার ভছ চেলার সংখ্যা খুৰ নগ্ৰা নৱ। চরতো আপনাত চেরে কাঁচা লেখকের ভরের সংখ্যা আরো বৈশী। কিন্তু একটা জিনিস জকা করে আমি আশ্চর' হরেছিলুম এবং অতিশর প্রাকিত হরেছিলমে। আপ্নার নেই, আপনার কোনো রমণী উপাসিকা নেই। আমিই তখন হলুম আপনার অবিতীয় স্থী নম্সহচরী হে নামে ভাকতে চান, ভাকুন। এ-হেন গৌরবের আসন ত্যাগ করে বেতে বার কোন মুখী! छ्यः व्यक्त श्रवः।

সৰ্বদেৰে আপনাকে, নিতাসত আপনাকে একটি কথা বলি :

ঐ বে কবিতা—কবিতা বলা ভূসা, এ বেন আশ্ত্যাক্য—"র্শনারারদের কোলে/জেগে উঠিলাম" এর শেব প্রি লাইনকে আমি অকুঠ স্বীকার দিতে পারছি না। লাইন ব্যটি:

'সতোর দার**্শ মূল্য লাভ ক্রি**বারে

মৃত্যু তে সকল দেনা শোধ করে দিতে।"
এখানে আমি কৃষ্টিয়ার লালনফকীরের
আশতবাকা মেনে নিরেছি। তিনি বলেছেন
"এখন আমার দেহ স্মুখ, মন সবল,
পণ্ডেলিদুর সচেতন। এ-অবস্থার বদি
আল্লাকে না পাই তবে কি আমি পাব মৃত্যুর
পর?—বখন আমার দেহমন প্রাণহনীন, অচল
অসাড়?" আমি "সত্যের দার্শ মূল্যু লাভ
করিবারে" মৃত্যু দিরে "সকল দেনা শোধ"
করবো না।

আমার বা পাবার সে আমি এই জাবনেই, জাবিস্ত অবস্থাতেই পাব।

খুনা হাফিজ্! কী আমানিরা!! আপনার দেনহথনা কনীজ্ শহর-ইয়ার

হাত থেকে কর কর করে সব কটি পাতা বারাণদার মেকেতে পড়ে গেল।

এতকণ আমার (এবং শহরে-ইরারেরও) আদরের আলনেশীরান কুকুর "আল্টার" আমার পাশে শ্রের মাঝে মাঝে আমার দিকে ভাকাছিল।

এখন হঠাং বারান্দার পূর্ব প্রান্তে গিরে নিচের দুপারের উপর বনে উপরের দু'শা আফাশের নিকে ভুলে দিরে চিংকার করে ভুকরে ভুকরে আর্ডারব ছাড়তে আরম্ভ করলো। সম্পূর্ণ অন্তেড্ক, অকারবাঃ

ভবে কি মান্টার ব্রুডে পেরেছে, ভার আমার প্রিরবিজ্বের আজাই কানেল সে গোপন রহস্য। অবসায় বলে মৃত দেহে শ্বা। নিদ্দে । বনে আসমে না।

ন্ত্ৰ কাতে হঠীৎ দেখি মান্টার বিদ্যুৎ-বেলে নালার দিকে ছুটে চলেছে। হরতো শেরালের শব্দ পেরছে।

ভার থানিকক্ষণ পরে ঐ দুপুর রাত্রে কে বেন বারাল্যার উঠল। উঠুক। আমার এমন কিছু নাই বা চরি বেভে পারে।

হঠাং শনে ভাছারের পলা। আমার কামরার ভিতরেই।

এক লক্ষে দীড়িয়ে উঠে তাকে আজিপাৰ কর্মম। বাতি ভালনাম।

এ কী! আমি তেৰেছিল্ম একে পাৰো অৰ' উমন্ত অকথায়। দেখি, লোকটার মুখেডিন পোঁচ আনপের পলস্তরা।

কোনো প্রকারের ভূমিকা না নিরে, বৈজ্ঞানিক পশ্বভিত্তে কালে,

"নাম্বার ওরান : আমাদের বসতবাঞ্চি পরস্কুদিন পুড়ে ছাই।

নাশ্বার ট্র আমরা আগামীকাল বাছি স্ইভেজ। আমার রিসার্চের কাল সেখানেই ভালো হবে?

নাম্বার শ্লী ঃ (কাছে এসে কিসফিস করে বললেন) গহর্-ইরার অভ্যেক্তা।

নাম্বার কোর:—" আমি বাধা দিরে বলক্স, "সে কোখার?" বারান্দার। মান্টারকে খাওয়াছে।

বারান্দার এসে শহর্-ইয়ারকে বলল্ব, "সাইডেনে ছমি নিজনিতা পাবে।"

তারপর শ্ধাল্ম, "আবার দেখা ছবে তো?"

সে ভার ভান হাত তুলে—দেখি, আমি
ভাকে ঢাকা থেকে এনে বে শাধার কাকণ
দির্মেছদুম সেইটে পরেছে—সে হাত ভূলে
আতে আতে 'কীণ কণ্ঠে বললে, "কী
জানি, কী হবে।"

আমার এক কথ্ রবীন্দুনাথের মৃত্যু দ্বার শেষ মৃত্ত প্রতি ছিলেন। তিনি আমাকে বলেন, "রবীন্দুনাথ মৃত্যুর প্রে তার দ্বাল হাত তুলে বলেন—তথন তার চৈতনা ছল কি না জানিনে—"কী জানি, কী হবে।"

नमान्ड

#### কিপ্তিতে ট্রানজিপ্টর



२४६ होका नामक भूषियो विशास माणाना किन्द्रास ठ साम्ब्रह्म क्षणान्ध्री ट्याट्टियक होर्माक्रम्पेत

মাসিক ১০, টাকা বিশিক্তে কিন্দ। প্ৰতি প্ৰচেষ ও প্ৰবে পটাম বাব। বিশ্বনঃ Impex India (WD) Kallash Nagar, P.B. 1045 Delhi-6

## भाषा डात्राज डात्राज शिक्षाण भाषाप्रा

সন্তিই কী চমংকার সিগারেট।
কী অপূর্ব রাদ আর সোনালীবর্ণের
ভাজিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গর।
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
এত প্রির। আপনিও একে আপনার
একার প্রির করে তুরুর।



গোল্কের টোব্যাকো কোং, প্রাইভেট সিঃ বোগাই-ং৬ ভারতের এই ধরণের বৃহত্তদ

GT (P)-672 Ben.

## व्यमद्दत्रत्र मिल्ली

ত্ত হাত বাড়ালেই চাঁদ। আর সেই
চাঁদ্ধ অসীম নিশ্পলক চোথে বেন
আর্লনেরকে দেখালে, এই স্পান্দমান জীবলগতীয় মেখানে ছিল সেইখানেই আছে
নিজের সূখ-দুখে নিরে। আর কেন না
আমি এই জীবজ্পতের বাসিদেশ তাই জ্ঞার
চিম্তা এখনো আমাকে নিরেই, আমার
লাখাকে নিরে। আর কেননা ভালো হোক
লশ হোক আমার প্রার্থ গভারিগভাবে জড়িরে
রয়েছে জন্য মান্বের প্রার্থকে বিরে কাজেই
নিজেকে নিরে জ্ঞার অর্থ জন্য মান্বকে
নিরেও ভাবা।

সকালে মুম ভাপাতে নিজের ভথাই ভাবছিলাম, ভাবতে ভাবতে বিশেষ একজন

لعافك

মানুবের চিম্জ এগিরে এল আমার কাছে।
ভাবলাম সেই বিশেষ মানুবটিকে আঞ্চ
একট্ দুরে থেকে দেখন। দুরে থেকে
দেখার প্রভাব। স্পাট্ডর থরে ওঠে। সেই
মানুবটিকে দুরে থেকে দেখতে চেরেছি কি,
ব্রুজাম, না উনি নিভেই অন্য দিনকার
চইতে আজ দুরের সরে দা্ভিরেছেন। এখন
ও'কে অন্য দিনকার চাইতে অনেক স্পণ্টভাবে
বেখাকে।

লোকসভার গিরে ও'র নিকে প্রে থেকে ভাকালাম। শাশুভাবে উনি বলে রয়েছেন। আগেকার আসনে নর, অন্য আসনে। সিত-মুখে।

পাকেচকে পড়ে প্রার বছর দংশক জাগে 
উনি দিল্লী এসেছিলেন কেন্দ্রীর মন্দ্রী হয়ে।
কালরাজ প্র্যানের ভাগিদে কিছুকাল উনি
মন্দ্রিভ থেকে সরে দাঁড়িনেছিলেন।
কোদমকার সরে দাঁড়ানার সপ্যে আজকের
সক্রেশিউনোর বিশ্চর প্রভেদ।

বলছি আমি গ্রেক্সতি রাজণ বোরারক্ষী দেশাইরের কথা। যোরারক্ষী শব্দটা গ্রেক্সতি "মোর" শব্দ থেকে এসেছে। বার মানে মর্রে। বাজিগত জীবনে মর্রের মতনই সদাসবদা মাথা উট্ট করে চলেন যোরারক্ষী। কিন্তু কোথাও জীবনে কোনো অহুকার সেই। নির্দেশত সাগাসিধে এবং প্রচন্দ্র আছিজমানী এমন

পরেৰ খ্ব কেবল ভারতেই নর, বে কোনো দেশে দ্র্লাভঃ উনি এক অনন্য প্রেব; ছাবনভর খ্যু বৃষ্ণই করে গেছেন ব্রি ভাগ্যের সপো, কথনো বিপ্রাম দিরেছেন নিজেকে এমন কেউ শেনেনি। ওার ব্যক্তিগত জাবনের আলেখাটাই আজ আমি ভূলে ধরব।



कातावकी क्लारे

নোরারক্ষী দেখাইরের শোবার ছরে

ঢ্বলে দেখা মবে দেওরালে ফ্রেনে বাঁধানো

ডিসাটি ছবি। একটি শ্রীপ্রীরামকুকের।

অন্যাটি স্বামী বিবেকানন্দের। তৃতীর্যাটি

একাল্ড নিরিহগোছের একজন গ্রামা ইম্পুল

টাঁচারের। এই ইম্পুল টাঁচারের বরস যখন

পঞ্চাশ তখন মাইনে পেতেম তিনি পার্বাহশ

টাকা। নাম সামছোদি দেশাই।

রানছোদি দেশাই ছিলেন মোরারজী দেশাইরের পিতা। মোরারজী যখন সবে মাত চৌন্দ, দুর্দিন বাদেই বাঁর বিবাহের দিন ধার্ব হরেছে, তথ্য গুরু পিতা আছহত্যা করেন কুরোর ঝাঁপিরে পড়ে, বে কুলোর ভূবে মরেছিলেন গুরু আগের পক্ষের স্থা, মেনারজীর বিবাতা।

দারিয়্র কাকে বলে খোনারকী তা হাড়ে হাড়ে দেখেছেন। বাড়ির উনি বড় ছেলে ছিলেন। সংসারের সমস্ত ভার ও র মাধার এসে ভেলেন গড়কা। ম্যায়িক পাশ করলেন ১০ টাকা কলপানি পেরে। বস্বেতে চলে গোলেন। কলেকে ভার্তে হলেন জী। হলেনে গাওৱা-ছাওরান্ত্র ব্যবস্থাটাও জী হরে গোল। কলপানির সমস্ত টাকাটাই গারেশ

शास्त्र श्रीजबारम मण है।का, क्षीम श्रारीएक লাগলেন অসহার বৈধবা মাকে। তাই দিয়ে रकानवकरम शास्त्रव महमाव करना। निरम**व** क्रिक्र ना WEK-WEKT वक खाद्रा যোৱাৰকীৰ। আৰু কেননা তিনি ছিলেন অভাত মেধাৰী হল বি এ কালেও বাভি रशासन। अकाम होका बाटम। छेर्शाब গাটিকয়েক টিউলনিক অটিয়ে নিলেন। তথ্য ও'র অবস্থা সকল। এই শতাব্দীর গোড়ার দিকের কথা আমি বলছি। উনি বে কী ধরনের জেদী পরেষ তা একটি ঘটনা থেকে বোঝা বাবে। ও'র বরস বর্থন বুৰি মাত্ৰ নয়, ১৯০৫ সনে লভ কাৰ্জেন সাহের বলাভণা করতে উন্যত হয়েছেন, এই শনে বাগে মোরারজী চা পান করা ছেডে দেন তংকণাং: জীবনে আর কথনো চায়ের মাধ দেখেননি। আজও উনি চা তো খানই না এমন কি সিগারেট ক্ষি কোকাকোলা क अविदेश शांव काफ चिरियम मा। भांतरी গ্ৰন্থ কখনো শোকেনান। মদ স্পূৰ্ণকৈ উলি ঘোরতর অন্যায় এবং "পাপকম" বলে মনে করেন। মাছ মাংস স্পর্শ করেন না। ওঁর নিতাকার আহার ভাত, ডাল, একটি তরকারী। বেশি হলে একটা দাধ কিংবা দই। ভার যাবতীয় পোশাক পরিক্ষদ মাঝারি মাপের বে কোনো একটি সাটকেসে স্বচ্ছদের এটে বার। এবং সেই সটেকেশ নিরে বে কোনোদিন যে কোনো সময়ে উনি যে কোনো কর্মস্বল ছেডে অন্য শহরে বিদার নিতে



পারেম। গুর নিড্যকার সংগী গুর স্মী,

ৰা মোরারক্ষী দেশাই নিক্ষে করতে পারেন না ডা করার উপদেশ ডিনি অন্য কাউকে কখনো দেন না।

वि अ शरीकात छसीर्थ शरत स्वारातकी প্রতিন্দিরেল সিভিল সাভিনে চাতরি द्यम । इतिहा छथम छीम मार्छ-दार्छ द्व পরেছেন। জারামে তো থেকেছেনই। কিল্ড क्रमण भागकरमञ्ज श्रीष्ठ विष्ठक श्रात छेळ-ছিলেন। পরাধীনতা অসহা হরে উঠেছিল। অথচ বার চাকরি করবো, বার দেওরা ঘাটনে পেরে তোকা আরামে থাকবো বরে বলে অপ্টপ্রহার তার সমালোচনা করভেও विद्यास वरित । माजबार वादक वस्त हास्त्रित পর সে চাকরিছে মোরারক্ষী ইস্ভক্তা দিলেন। ছাক্রিডে তুর্কেছিলেন ১৯৯৮ সনের যে भारत। चार्यमानाम रङ्गी कालकोता। दिव मारमबर्टे अकपिन, ১৯৩० मारन, शप-ভাগণত দিয়ে ও'র ছোটভাই আন্বাভাইরের শাসার গিরে উঠলেন। ওই আহমেদাবাদ শহরেই। ভারপর মহাস্থা গান্ধী এলেন च विद्याः।

ভাবনের সম্ভ কিছু তখন অন্য থাতে ষ্ঠাতে লাগল। কখনো কোনো কাম না তেবেছিকে কোঁকের মাধার **উনি মেন**নি। বে কাজ হাতে নিরেছেন সমস্ত হাদর দিরে মন দিরে করেছেন। কংগ্রেসী নেভারা restor গিলে হখন 'বি' কিংবা "এ" ক্যাশের বরাশ আহার করেছেন উনি তখন চেরে নিরেছেন শ্বেছার স্বচাইতে নিদ্দ শ্রেণীর আহার। দেখেছেন दकारना (DICT) ক্ষেদী নেডা জেলে গিরে নিজেদের সুখ-সূবিধার জন্য জেল কর্তপক্ষকে মাজেহাল করতে পিছপাও इसीन. লোরারজী তাঁদের মধ্যে কখনো থাকতেন না। বেমন ছিল বাড়িতে, সেই চাকরিকাল খেকে. ভেম্মান জেলে উনি প্রতিদিন ভোরে বিছানা হেড়েছেন, হাতমুখ খুরে গারতী পঠে ভরেছেন, গাঁত। পাঠ করেছেন। এমন কি ক্ষােলী মুক্তী হবার পরেও কি বোদ্বাই द्यारात्म, कि मिल्ली तकरना और किन धाराः এখনো আছে ও'ছ প্রাতঃকালীন একই विवयनिकी।

বেমন কথা ভেমনি কাজ। তেমনি সংহত আচরণ। কোনোপ্রকার ভাষল-ভিলিং ও'র ঝতে সয় না। কেল্দ্রীয় মন্দ্রিভের সময় নিজের অধীনে সম্লত কর্মচায়ীদের উনি ভালাও নির্দেশ দিয়েছিলেন, ও'র ব্যবসাদার ছেলে কাল্ডি দেশাইকে কেন কোনোপ্রকার কেকার মা দেখানো হ'র। এমন কি এ নির্দেশত সপন্টভাবে দিয়েছিলেন ছেলে কাল্ডি দেশাই সরকারী কোনো পার্রিমট চাইলে সে কাগজপন্ত কেন ভখনি বার করে সোজাস্ত্রিক প্রতিরে বেকারা হের।

একখা অনেকেই জানতেন, কি কংগ্রেমী মহলে কি বাইরে, কান্ডি দেশাইকে উনি লপ্ড করে বলে কিরেছিলেন সে বলি সরকারের কাছ খেকে কোনো অন্যার স্বোগ নের ভাহতেন উনি আত্মহত্যা করতে প্রশিত কোনোপ্রকার ন্বিধা করতেন মা।

কব্দেশনের অনেকেই ঠাট্টাভামাশা করতেন এবং করেন তাঁর বাতিকগুলো নিরে। সিগারেট না খাওয়া, মদ খাওয়াকে পাপজ্ঞান করা ইত্যাদি। সব উনি হাসিম্বেধ সরে বান। নিজের বাতিকগুলো তো উনি অনোর ঘাড়ে চাপাতে চান না। অবশ্য মদের ব্যাপারটা আলাদা।

মোরারজীর চোখের নীলের মধ্যে তাকিরে
দেখলে স্পত্ট বোঝা হার কোথার বেন উনি
ভীবণভাবে একলা সান্ব। একবার
একজন জিগোস করেছিলেন, 'কোথাও কি
আপনি অস্থা? জোখাও কি আপনি না
ভূলতে পারার মতন কাঝা পেরেছেন?'
পেরেছি।' উনি জনার দিরেছিলেন।

প্র'র ছোট মেরে, ইলনু মার নম, আছাহত্যা করে মরোছল। বছরটা ১৯৫৫। মোরারলী দেশাইরের সেই অন্তা কন্যা বিরে করতে চেরেছিল বাংশর যে হেলে পছল্দ নর ভাবে। মাপ কিছুতেই মত দিলেন না। কিছুতেই না।

हेन्द्र आष्ट्रणा करना।

বাইরে মোররাজী দেশাইকে দেখে মনে হত উনি বাঝি থবে একটি অঠার ঠাই। অথচ ও'র অত্রপারা জানেন ও'র মতন নরম পরেষ হাঝি আর হয় না। জীন সভাবাদী, সভ্যের প্রজারী। উনি চান অভতত আগ-পাশের বন্ধ্বান্ধ্ব আশ্বীর স্বঞ্জনরা তাই হোন। হন না বলে অংশান্তি। কি বিদেশী অতিথিয়া আমাদের দেশে এসে বধন ভাদের দেখাচার নিরে মাতামাতি করেন ভাতেও উনি অংশ্য কণ্ট পনে। একটা উদাহরণ দিক্তি। গিসেস কন এফ কেনেডি ও'র ছোট বোনকে নিয়ে এদেশে এসেছিলেন ভারত সরকারের অতিথি হরে। ১৯৬২ ৷ সে সমর জরপরে মহারাজা মান-সিংহের সংখ্য জয়পুরে গিয়ে ও'রা রাভ জেগে জেগে খবে নাচানাচি করেছিলেন। মদ খেয়েছিলেন। তাতে উনি মহাখাপা হরে বর্লোছলেন, জানি বনি প্রধানমশ্চী হতাম এমন হতে দিভাম না।'

ভালো হোক মক্ষ হোক, যোরারজী দেশাই অনেক দিক দিরে আপসহীনভাবে সেকালের মান্ত্র। মক্ষ্মী হয়ে উনি কোনোপ্রকার দর্শদিকে ক্লিক করে বেড়াতে পারেননি, শৃত্রা, থেকেছেন আপিসের ফাইল নিরে সর্বক্ষণ, প্রত্যেকদিনের কাজ প্রতিদিন ব্যাসময়ে শেব করেছেন নির্মাহতভাবে। এ অভ্যাস ও'র চিরকালের। ও'র টৌবলে "পোণ্ডিং কেস" বলে কোনো ট্রে থাক্ত না। ১৯৩০-র লে মানে বেদিন ভেপ\_টি ফালেটাবের চাক্তবিকে ইস্ক্রয়া দেন এব क्षेत्र करताल जाताच केटन ग्रांक जिल्ला ছিলেন, তেপণিডং কেসগালো জনা হিছে रबका' फीम खरकनार बरलविरलम, निकार क्या त्वराव त्कन खादाब त्वरे। अवस कि আক্রের পাররা কেস্সালির জায়ি ডিস-পোলা করে দিয়েছি ।' ক্যাপারতা ভাবতে কেমন বেন অবাক লাগে। কেননা অনেকেট জানেন, কোনো মন্দ্ৰী আপিস থেকে বিদায় নেবার সময় বিস্তর সরকারী কাগকপর নিজে উপস্থিত থেকে জ্বালিরে টালিরে निनिष्ठक करत करत करत विमान स्नन । अध्य वहें ১৯ট कालाहे त्यातारकी रमणावेरवट कर्थ-মূলক বখন প্ৰায় অপ্ৰথেয়ভাৱে প্ৰ'ৰ ভাত रध्यक राठार करत किनियत मध्या हरना তখনো উনি কোনো পোন্ডং কেন আপিনের টোবলে অনোর জনা জেলে রেখে আপিস প্রিত্যাগ করেন্দ্র। এমন ভি একটির সরকারী কাগজপত্র এদিক গ্রন্থেব করার দর্শনে ও'র হর্মন। অথচ থামোকা দর্শাম রটনা করার মান্তবের অভাব নেই কোনো রাজধানীর দশ্তরেই। ভাতে বাঝি প্রেল্ড।

সব কথা গংছিরে সামানা একটি রচনার লেখা আন্তুলনতের নর। চলেন বে মান্ত্র সদাসবাদা লেখা পারে, কথা বলেন কটে।-কাটা, অভবা ব্যবহারে যার ব্যক্টা ফখন-তখন চুরমার হতে পারত, এবং পারে, আন্তর্ক বে মান্ত্রটিকে গাঁদচাত করা হলো তাঁর বিশান্থ ভালোর দিকটা অনেকেই হরত ভালো মনে দেখতে চাইবেন না। তব্ আমি বলব, কুর্-পাশ্ডবকালের এই ইন্দ্রশেখ মোনারকা ভাইরের মতন দেবতুলা মান্ত্র আমি খ্র একটা দেখে থাকি বলো হর মা। "দেবতুলা" বিশেষকটা অনেক ভেরেচিকেড বাবহার করলাম আমি।

অনেক বছর আগে কেন্দ্রাই শহরে জীন একদিন আমাকে নিজের পাংশ বসিরে জিলোস করেছিলেন, 'জীবন থেকে ভূমি কি শিংমছ?'

বালক বয়সে আমিও আমার বাবাকে জলের মতন ছারিরেছিলাম। আমিও ছিলাম বাড়ির বড় ছেলে। মোরারজী-ভাইরের প্রশেনর উত্তর দিতে তথন আমি পারিনি। আজকে বদি উনি সেই একই প্রশেনর জবাব চান ভাহলে আমি বলব, জীবন থেকে কি পেরেছি কি পাইনি কথার বলে বোঝানো ভা ব্থা।' তব্ বদি উনি জিদ করে বলেন, 'বটে ইড্ন দেন?'

পাইফ ইজ এক্সপ্রেসড ইন দি চরেসেস এরান মেকস', তাহলে এই আমি বলব। চলার পথের চৌরাচ্তায় থমকে গিরে পরে কোন রাস্তাটা আমি ধরলাম সোজা, ভাই আমি। চলার রাস্তাটা।

#### আন্তর্জাতিক লেখক সংস্থায় বাহনীতি

তথ্যতিক সেক্ষ সংস্থা পি ই এন
(পোরেটস স্পে-রাইটস, এডিউরস,
এসেইনটস, মডেলিনটস)-এর সভাপতি
নির্বাচন উপলক্ষে গোলবোগ দেখা দিরেছে।
পর পর দ্ব' বার এর প্রেসিডেনট ছিলেন
আমেরিকান নাউকার আখার বিলার। নতুন
প্রেসিডেনট নির্বাচিত না হওরা প্রকত
আরও দ্ব' নাস তিনি কাজ চালিরে বেতে
বাক্ষী হরেছেন।

अबाहे बाटन, बारे धतातन मरभ्याशानिएड সাহিত্য সংক্রান্ত কোনো গরে মুখ্রণ উল্লেখ-रबाशा चर्डेना चर्डे मा। **जायातग**ङ २३१७क নিবীত লেখকরা মিলিড হয়ে পানাচার ও আলাপচারি করেন, ভাষার ব্যবধানের জলে ইংরেজী ভাষার লেখকরা ছাড়া আর স্বাই প্রার অনামের লেখা সম্পর্কে অন্ত সাতরঃ ভার্ববিন্নরের নামে শ্বনিকটা নার্ভাসভাবে ভাসা ভাসা উত্তর-প্রভান্তর হয়। অভএব, এর সভাপতি নিৰ্বাচনের বাশিয়েয়ে যে সাহিত্য-কৃতি ছাড়া অন্যান্য ব্যাপারই প্রাধান্য পরে, ভাতে আর আশ্চর কি। ভবা সংস্থাটি বেহেতু আশ্বর্জাতিক এবং আফারে বেশ গড —প্রার ৬০টি দেশের লেখকরা এর সমস<u>ং</u> ভাই আলোচনার বোগ্য। উপকরণ কেন্দ্রেভি লংখন টাইমস থেকে।

মার্চ মালে এনের আন্তর্জাতিক ক্রাবির স্মিতির সভার সভাপতি পদের জন্য তিন্ট নাম উঠেছিল। বিদায়ী সভাপতি আং ব মিলার প্রশতাব করেছিলেন, মৌকুরান গেখক কারলোস ফিউয়েনটিস-এর নাম। কিণ্ডু তিনি নিৰ্বাচনে দল্ভিতে রাজী ননা বাকি দক্তেন হলেন, ছাঞ্চলের একজন সমাজভড়বিদ জোস্কার ডি কাসটো এবং বিখ্যাত ইটালিয়ান ঔপনাসিক ইগনাংসিও সিলোনে। ডি ক্যাসটোর নাম প্রস্তাব করেছেন পি ই এন-এর ফরাসী শংখা। সিলোনের সমর্থক প্রচর, তার নামের প্রশতাবৰ ভাচ শাখা, বেলজিয়ানরাও সমর্থন জানিরেছেন, এবং চারজন সহ-সভাপতি রোজাম, ভ লেশমান, দটম জেমসন, রবাট নিউম্যান এবং ভিৰোগিয়া ওকাম্পো (त्रवीकाराधन विकास') जिल्लासन्त शतक।

দ্ব' জনের মধ্যে প্রতিশ্বন্দিতা ও ভোটাভূটি হবে, এতে অন্যান্ডাবিক কিছু নেই,
কিন্তু এই উপলক্ষে আন্তর্জাতিক পি ই
এন-এ কাটল ধরার সম্ভাবনা দেখা দিরেছিল। ভার শাখার সম্পাদক ডেভিড কারডার
আবার আন্তর্জাভিক পি ই এন-এরও
সম্পাদক, তিনি ইম্মান্তির সিলোমের শব্দ
নিরে প্রচার শত্তর করেছিলেন বলে, তাঁর
হাতি পক্ষপাতিবের অভিবোগ এনেছেন
করাসী শাখার সম্পাদক মা দ্যা বিরের। দ্য



বিরের সিলোদে-কেও চিঠি লিখে অভিযোগ করেখন ধে, ভিনি প্রভিন্দাক্তা করছেন রাজনৈতিক প্রভিশোধ স্পাহা থেকে এবং পারের সংস্থাটাকে ঠান্ডা পড়াইরের আওভার বারার ভনা।

স্টিহতিক ছিলেবে সিলোটের আনত-ছ**িতক প্রামিশ্ব, তার প্রতিশবন্দী** ডি कारिके के लियक दलाई कर्णकर। जिल একজন সমাহাতভবিদ এবং অতি কাণ্টে ভাঁকে প্রার্থিক-এর আওতার ফেলা বার। অর্থাং ব্যেকার সূর্যবিধের জন। এইভাবে বলা বেভে পারে, তাঁর যে গ্রান্ত। আখারের নিঞ্জ ভারত বলা স্টিহতা স্মেল্নের স্থায়ী সভাপতি দেবেশ দাসের কাছাকাছি। অপ্র শক্ষে সিংগানে-র লোব তাঁর রাজনৈতিক পটভামিকা। ইটাঙ্গার রাজনতির স্থাগে তিনি খনিষ্ঠভাবে হার। ১৯৫৩ সালে মিলোটো ভোটের ফলাফলে আনভর্জাতিক পি ই এন-এর সভাপতি নিব্যতিত হয়ে-ছিলেন, বিশ্ত কেবার তিনি প্রত্যাল করে-ছিলেন ইটালীর প্রেণিয়েকী কোল বেলক ছন্য। সিলেনে এক সময় ছিলেন সকাবাদী, ইটালীর কম্বানিস্ট পাটির তিনি ভারতের প্রতিষ্ঠাতা—বিশ্ত ১১৩০ সালে পারি ভাগে করেন। সাতরং ভানেকের ভর এই সিলোনের মতন একজন পার্টি-জাগ্রী সভাপতি নিৰ্বাচিত হলে পূৰ্বে ইওয়োগের करक्षकीठे कमार्जिनचे स्टब्स्त मनमादा जिन्हरहे খুব বিরম্ভ হরেন, পি ই এন ছেডে চলে ষাওয়াও আশ্চর নহা।

যাই হোক, সমস্যা সমাধ্যমের জন্য সিলোনে প্রশুতার দিরোছিলেন, তিনি তার প্রথাপিন প্রত্যাহার করতে রাজী আছেন, বিদি তার প্রতিশক্ষ তি আসটোও নাম প্রতাহার করেন। সেই অনুসারে দু' জুনেই নাম তলে নিরেছেন।

শ্লাপনে প্রে করার জনা, ইংলাপ্ত থেকে প্রশতাব করা হয় ফরাসী কবি প্রীয়ের ইমানায়েসের নাম। প্রীয়ের ইমানায়েল বেশ নির্মানিট আনুষ্ঠানিক কবি। সম্প্রতি তিনি আকানেনি ফ্রাসের সদস্য নির্বাচিত হয়েছেন, এবং আভ্তজাতিক কালচারাল ফ্রিড্র সংস্থার সভাপতি।

#### गनकन्त्र । गृहक्ते आन

পৃথিবনির কোনো বেশেই লেখকদের রাজনীতির সপো প্রভাকভাবে জড়িত থাকতে বেখা বারু না। অনেক সুমর দেখক- নেরও জড়াবার চেণ্টা হর—কিন্তু রাজনীতি ও সাহিত্যের বিলান কথনো থ্য স্থাকর চরনি।

ভা বলে সব লেখকই বে রাজনীতি সংপ্রকে সংশ্রুণ উদাসীন, ভা বলা বার না। বিনি সাহের পাভার রং পাভানো পর্বত্ত লক্ষ করেন, ভিনি সোটা দেশের পট পরিবর্তান সংপ্রকে অবহিত থাকবেন না, ভা হতেই পারে না। কিম্তু সাধারণত দেখা বার, লেখকরা রাজনীতির কুটিলভা, বানা রক্ষ বিধি নিবেধ এবং প্রতিষ্ঠানগালিকে আক্রমণ করতেই চান।

এজটা পারলামেনটারি অপোভিশান অবলা এখন দুর্' রকম। সব দেশেই কলেজের ছাররা এই ভূমিকা নিরেছে, তারা অবলা শাসনভক্ষ বনলাতে চার পটকা ও ইণ্ট পাটকের ছারে। আর লেখক ও ব্যাসকাবিবারা চান—এর সমালোচনা ও ভেডরকার ধ্বংসের ছবি ফাটিকে পরিবর্তন আনতে।

বিখ্যাত জার্মান লেখক গ্রেট্র রাস ('তিন ড্রাহ্ম'—এর বহু পরিরচিত উপন্যাস) কিন্তু প্রভাকভাবে রাজনীতিতে নেমে প্রভার বিশ্বাসী। গ্রাস গণততের সমর্থাক, তিনি মনে করেন গণতন্তকে বাঁচাতে হলে তার সমর্থনে প্রকাশ্যে এগিরে আসা উচিত। আগামী জার্মান নিবাচন উপলকে তিনি সোসালে তেমোজাতস দ্লের সমর্থানে একটি সমিতি গঠন করেছেন। এই সমিতির নাম

বেরিয়ে পড়লো

## গলপক্বিতা আমোল গলপ

বিশেষ গলপ সংখ্য জ্বলাই-আগস্ট '৬৯ চেকোল্লোভাকিরা-প্রবাসী হিন্দি লেখক নিমাল বমার গলেপর অন্যবাদ করেছেন

কবি ও প্রাবৃদ্ধিক সভ্য গ্রহার প্রথম গলপ প্রণভা দে'র বাঙালী কয় প্রকার

मन्तीभन हरदेशभाशास

উদ্দেশ্যম্পক/উদ্দেশ্যহীন গচ্প লিখেছন দেবাশিষ বন্দ্যোপাধ্যার, আশিস বোব, বাণীরভ চক্রবভী, অর্নেশ বোধ কুমারেশ নিয়োগী, কুষ্ণগোপাল মলিক

আরো ৩২ জন নামী লেখকের ক্লিকাড়া গণেপা

দাম-এক টাকা

মূল পরিবেশক জবুনা ১৭/১-ডি সূর্ব সেন পরীট, কলকাডা ১২

(TH CYCC)

ভোটারস ভলাপ্টারি আক্রণান ফর দা লোস্টাল ভেয়োক্র্যাটস'। এ'দের কাজ সমরমালের কাছে সোসাল ভেয়োকাটসদের হরে প্রচার চালানো, শৃ্্ তাই নর, অনুরাগী পাঠকদের কাছেও এ'রা এই দলের স্বপক্ষে জাবেদন জানাবেন বেডার-টেলিভিশনে ও জাসভার। এ'দের এই কাজ স্বার্থশিন্ন্য এবং প্রব্রোচনাহীন।

প্রাসকে বলা বার নরম বামপন্থী। তিনি শাসন ব্যবস্থা পরিবর্তনের ব্যাপারে অগ্রিছী। সোস্যাল ডিমোকাটস দলের প্রতি ভার অন্রেভি ব্রিহান কথা নর। অনেক সমরেই তিনি এই দলকেও করা আনিকাণ করতে ছাড়েন না। ভিনি, মতে করেন, "গণত-লকে উলত করার আনিতম সাথাক উপার হচ্ছে এর সমালোচনা করা।" এবং তিনি এই জনাই গণতকা চাল করেন ভা সমালোচনা করার স্থোগ দের। একজন সেগকের পক্ষে এ অধিকার ছাড়া বে'চে থাকা সম্ভব নয়।

গ্রেণ্টর গ্রাসের বরেস এখন ৪২। তীর বখন ১৪ বছর বরেস, তখন তিনি হিটলারের ব্ব সংস্থার সদস্য হরেছিলেন। প্রবন্ধী কালে অন্তল্ভ এই আন্দর্শবাদী ব্রক্তন উল্লেখ্য করে বলেছেন, বে কোনো ইউটো পিলার বিশ্বাস করাই বিস্ফোন্ত। প্রাপনাদের পারিপাদির্ক অনেক কিছুই বে আপনাদের প্রকল হর না—সেটা অট্যান্ড সভিত্য কথা। কিন্তু এটা ভূল হবে, বালি মনে করেন, গণভদ্য ছাড়া আরু কোনো উপারে এক পরিকর্জন আনা সম্ভব।

সমাত্র পাঠক

র পদশীর সংবাদভাষা

শনিবার ২৭দে আবাঢ় "দেশ"
সংগতিশতি সংখ্যার 'র্পদশীরি' সংবাদভাবের জনা ধনাবাদ প্রানাই। র্পদশীর
মহাশর অতি বিচক্ষণতার সহিতই অধ্নাশুশুও রাঢ় দেশের "গাঠি বার মাটি তার"
ঐতিহাটির স্নেরংখারের জন্য (ভূমিহানদের) ভূমি ও ভূমিরাজন্মন্দ্রী হরেকৃক
মহাশরকে বাংলার মাও' খেতাকটি দিরেছেন।
সভাই আমাদের এই অধ্না-বদ্দা-কলিওগ
হরেক রক্ষের মহাপ্রের জন্মগ্রহণ করেছেন,
ভক্ষেছেন হরেক অবতার। বিদত্ত আসল
মাওওর জাবিশ্দশাতেই 'বঙ্গাীর মাওওর
অ্যাকিকার ও উপ্রের সভিতে বিক্ররকর।

তাঁর লেখার শেবের দিকের ইণিগত বিশেষ তাংপর্বপূর্ণ। বর্তমানে পশ্চিমবংগ সি পি এম 'অস্বমেধ বজ্ঞা' শ্বের্ করেছে। তাদের এই বৈশ্বেষিক প্রক্রেপে যে শবিকই ইতিকশ্বক হবেন তাঁদেরই প্রারা লিকুইডেট কর্মেনে। এ বিষরে প্রায়ের লাভি অভান্ত শুন্ট। যুক্তফ্রন্ট সম্বশ্বে প্রায়ের নাভি আভান্ত শুন্ট। যুক্তফ্রন্ট সম্বশ্বে প্রায়ের নাভি আভান্ত

"The Communist Party has always proclaimed its belief in 'United Front' tactics. Invariably, however, the united front has been nothing but a tactic by which the Communist Party seeks to reach the membership of other groups or parties in order to dis-



credit their leadership and destroy their organisation. The real operating maxim behind all united front organisations into which Communists enter is: 'Rule or Ruin'—Resolution & Speeches at the Seventh Congress of the Communist International—1935."

"Each Communist member must remember that he is not a 'legislator' who is bound to seek agreements with the other legislators, but an agitator of the party detailed into the enemy's camp in order to carry out the orders of the Party there. The Communist member is answerable not to the wide mass of his constituents, but to his own Communist Party—whether lawful or unlawful." Thesis of the Third Congress of the Communist International, 1921.

র্পদশ্লী মহাশরের বিশেষণ অতি স্কর। আইন করে জামার স্বেচি সীমা বিব ন্তন করে আবার নিধারণ করা হর, তবে তা সকলের উপরই সমানতাবে প্রয়োজ হবে আইনের দিক থেকে। কিন্তু হাজলা করে দংলা করলে তা বেছে বেছে করা মরা বিশেষ বিশেষ করির উপর। আর আমরা মারা এইসব বিষয় যারি ভারা কেউই সাচ্চা নর, তারা প্রাক্রিশশ্য।

'অজাতশ্ব\_'

ভারতীয় গণতকে সমতা

গত ৫ই জ্লাইরের দেশে আলোচনা বিভাগে এন্টালির হাকেজ জামির আলি "ভারতের গণতকে আরও সমতার প্রয়োজন শীর্ষক" আলোচনার এক জারগার লিখেছেন

বে সম্পত্তি হস্তাস্তর করতে গেলে ভারতীর प्रशासनात अकारत अवासिक या शास প্রধানের সাতিকিকেট লালে বে, বিক্লেঞ ভারতীর নাগরিক। জাপান্তদ্রভিতে এই ব্যাপারটা একটা দ্যাতিকটা লাগলেও একটা ভালাৰ দেখাৰ বাণলটো ভটটা জন্মৰ ধৰে মনে হবে না। আজি সাহেৰ কি অস্বীকার করতে পারেন বে. এমন বহু পাকিস্ভানী মাসসমান নাগরিক আছেন, বাঁকের প্রকৃত সুম্পত্তি এখনে ভারতে আছে । ঐ সকল বর্গন্ত দলি ভারের ভারতীর সম্পান্ত স্থাবিধা-মত বিভি কৰে ভাৰতীৰ টকা বিনেগে ভিত্ত খান (এটা **ওপো সিরেট বে টাকা পাচা**রের বহা গোপন পথ জাছে), ভা ছবো কি एटरमान कम्श्रम विराहरण ठरका बार्क्स वर ? शरा-ভাষের খাতিরে কি এতটাও সহা করতে হবে ? এছাতা সাম্প্রদানিকতাকে প্রচম্ভভাবে थाना करतरे कश्चित द्वाराख विश्वीह, धश्चा এমন বহুত হিন্দু পাৰিকভাৱে আছেন, মাধ্য ভারতকেই ভাঁদের মাজ্জুমি বলে জানেন, অপর পরেক ভারতেও এমন বহা মানলম্ম আছেন বারা পাকিস্ভানকেই আপন দেশ বলে ভাবেন এবং সাৰোগ গেলেই সম্পত্তি বিভি করে পাকিস্তানে চলে বান। আজি সাহেব কি এমন গ্যারাণিট দিছে পারেন হে. যাঁরা উংকোচালি নিরেও সম্পত্তি হস্ভাস্তর করিরেছেন, ভারা স্বাই এখনের স্থরীরে ভারতেই বসবাস করছেন? পক্ষান্তরে একটি কথা বলজে চাই পাকিস্ভানের শাসকরা আমাদের চেরে বিচক্ষণ। ওথানে আইনের কোন কাঁক নেই। পাকিস্ভানে হিন্দারা কোন মতেই সম্পত্তি হস্তান্তর করতে পারেন না। বেশের সম্পন্ন বিবেশে পাচার হলে বাবে গণতকোর থাভিরে ভার সহ্য করতে হবে, এটা কেম্ম কথা? বলি জানা থাকে, ভবে জালি লাহেবের উচিড বে সকল ব্যক্তি উৎকোচ গ্রহণ করে দেশের সম্পদ বিদেশে পাড়ার করতে সাহায্য করতে ভাবের ধরিছে দেওয়া।

> ্ সন্নীলকুমার চক্রতী<sup>6</sup> জনগ্রেন্ট্র



विलित (यार्क राजा इनिह्यतः इनस्मि-चीरनि उ श्रेलवः अर्थाप्य-चरन तुनियुत्र जीवनः वरः ॥ वामस्मा सूचारण स्वि॥

भीकृति नाटिजिमिट (स्थानाति 🗨 १८.महेन्स नामी तार, समि-क

#### ংকলন : চলচ্চিত্ৰ প্ৰসঙ্গ

চল্ডিত্রকথা। অসীম সোম সম্পাদিত। শরেখা, ৭০ মহা**খা** গাণ্ধী রোড. काळा-५। ५६.०० होका।

যেশ কিছুকাল যাবং এদেশে চলচ্চিত্র পার্ক সাধারণভাবে কোত্রেল ও উৎসাহ क (शरहार ) हमकित स्व ग्रां है श्रामान-করণ নয় বরং স্বতন্ত্র ও বিশিষ্ট একটি লপ মাধ্যম-এ-সতা ক্রমশই অধিকতর থাক লোক উপলম্পি করতে পারছেন। প্রমাণ ফিল্ম সোসাইটি জাতীয় সংস্থার বর্ধমান জনপ্রিয়তা ও সংখ্যা। শংধ কোতাতেই এ রকম চোন্দটি সংস্থা রয়েছে থানে দেশী-বিদেশী প্রকৃত শিক্পগাৰ-পল্ল ছবি নিয়মিতভাবে দেখানো এবং ভন্ন আলোচনাচক্রের আয়োজন করা হর। ফলে, চলচিত্তের বিভিন্ন দিক, ইতিহাস, ভাবনা ইভাগি বিষয়ে অনুস্থিৎসা চয় বান্ধি পেয়েছে। অথচ শিক্পজিজ্ঞাসার যানা শাখায় অধায়নের দ্বারা জ্ঞানাজনিক পথ খোলা রয়েছে, চলচ্চিতের ক্ষেত্রে লা ভাষায়, তা নেই। চলচ্চিত্রবিষয়ক ব্রকাগ্রালির অধিকাংশই শিলপগত শক্তে লোচনাকে, ব্যবসায়িক কারণেই হয়তো, গাঙ্ভিয়ে মনে করেন। মাদ্রিত **গ্রন্থের** যাওে অতি নগণ। চলচ্চিত্রবোধের প্রতিক চাহিদা মেটানোর

শহিশালী তর্ণ সাহিত্যিক শাশ্বত-এর চাগুল্যকর উপন্যাস চন্তরী-কৌশিক ত্ত-জগতের মহানায়ক কৌশিক কি গিয়েছিল এনামেল-করা গতের ভালবাসার ফাঁদে? আধুনিক র্ণ মনের শত-সহস্র প্রশ্ন-সমস্যার ণীবৰত চিত্ৰ।

ডঃ সন্তোষ মুখোপাধ্যায়ের দুণ্টি, ভগৰান ও সাধনা বজ্ঞানের মতে সাগ্রি আপনা থেকে: ব ধর্মে বলে স্থিট ভগবানের; কার **हथा** ठिक? ন্তন পথের সম্ধান गरवन । 9.60 হ্রকাশন : ৩০/১, কলেজ রো, কলিকাতা-১

(সি-৫৭৯৩)





সেগালিকে কোনমতেই পর্যাত বলা চলে না। এদিক থেকে, অসীম সোম পরিকল্পিত সম্পাদিত বভামান প্রকাট সময়োপযোগী किं चनना छेगराइ।

বিশ্চত আলোচনার পূর্বে বইটির সাধারণ কিছ বৈশিশ্টোর উল্লেখ করা যেতে পারে। প্রথমত, বইটি বে এককভাবে কারে। রচিত নর, বিভিন্ন ব্যক্তির রচনা-সংগ্রহ. গ্রন্থপাঠকালে ভা প্রারশই বিশ্মত হতে হয়। এর পূর্ণ কৃতিছ সম্পাদকের প্রাপ্য। করেকটি স্ববিনাস্ত অধ্যারে সামগ্রিকভাবে চলচ্চিত্রের উল্ভব, বিবর্তন, ইতিহাস, সমস্যা, সম্ভাবনা, নেপথ্যচিত্র আন্দোলন প্রভৃতি যাবতীর প্রাসন্পিক বিষয়ের আলোচনা তিনি এমন সু-ঠাভাবে উপস্থাপন করেছেন যে, কোনোকেতেই অন্তঃসংহতি ক্রম হয় নি। দিতীয়ত, বিভিন্ন লেখকের রচিত বলেই গ্রন্থটি সব'কেতেই বিষয়নিষ্ঠ হতে পেরেছে। वना वाद्रना अकक-व्रामा अहे नर्वाणाम् थी অভিজ্ঞতার ছাপ আশা করাও যেত না। পরিশিক্টে চলচ্চিত্রের পারিভাষিক শব্দাবলী ও সংজ্ঞার্থ প্রদান এবং স্থানবাচিত গ্রন্থপঞ্জি সংবোজনের ফলে গ্রন্থটির মূল্য ব্যাখ পেরেছে বেমন, তেমনই বইডিকে চলচ্চিত্রের একটি অপরিহার কোবগ্রন্থ করেও তুলেছে।

চলচিত্ৰকথা चाउँ वि স-পরিকল্পিত অধ্যারে বিভঙ্ক। প্রথম অধ্যার: দ্শোর দর্শদে। চলচ্চিত্রের স্বরূপ ও শিল্প-স্বরুক্তরতার সম্ভাবনামর প্রকৃতি বিভিন্ন দৃশ্তিকোণ থেকে আলোচিত হয়েছে এই অধ্যারে। সভাজিৎ রাম, মুশাল সেন, চিদানন্দ দাশগতে, জ্যোতিমার বস্রার, পার্যপ্রতিম চৌধ্রী, অসিড গ্লেড ও অসীম সোম এই আলোচনাচক্রে বোগ দিয়েছেন। চলচ্চিত্রের শিক্পর্প একমার ভার নিজ্ম্ব ভারাতেই প্রতিষ্ঠিত হতে পারে এ বিষয়ে, দেখা গোল, मकरनारे अक मण।

'সমীকা ঃ সেকাল-একাল' অধ্যারে চলচ্চিত্রলিকেশর কর্মবিকাশের বিভিন্ন শতর ও সমকা**লীন চলচ্চিত্রের লক্ত্র সং**বর্ণে তিনটি সংক্ষিণত নি**ৰম্প সন্নিবিশ্য হরেছে।** ততীয় (অবর্ব-আবরণ) मन्भू प्रति প্ৰয়,বিগত আলোচনা। সভাবিং রায়. कप्रिक वर्षक, अनुमान राजन এवर मिलील ম্বেশাধ্যার-এই চারজন চিত্রপরিচালক চলচ্চিত্ৰের ভাষা-শব্দ-ভাগা-আগ্রিক ইত্যাহি সম্পকে<sup>\*</sup> আলোকপাত করেছেন। চলচ্চিত্রের

গঠনপদ্ধতি সম্পর্কে একটি স্বচ্ছ ধারণা সহজেই গড়ে • তোলে আলোচনাগ**িল।** म्राज्य অন্যান্য শিক্সর পের সম্পর্ক উন্মাটিত হয়েছে চতর্থ অধ্যায়ে। **क्रिमानम्म मामग**्र≁ङ ও দিবোন্দ্র পালিত ও সাহিত্যের সংশা ব্যাক্তম সংগতি চলচ্চিত্রের নৈকটা খাণ ও নিভায়তার ক্ষেত্র অবিশ্কার করেছেন। এই অধ্যারের ততীর লেখক গ্রেদাস ভটাচার্য চিত্রনাটাকে একটি শ্বতন্ত্র ও শক্তিশালী শিল্প মাধাম রাপে উপস্থাপন করতে চান। এতে আপত্তির কারণ থাকতে পারে না। কিন্তু এই প্রস**েগ** 

> লেখার স্টাইলে ঝড তলেছেন সমরেশ বস্ত

পত্রিকার অভিনবত্বে তফান **তলবে** 

প্ৰিয় পাইকপাঠিকা

পাপপুণা পোরুয়ো যেতে চাই? তা-হলে 'রকের মানচিতা ধরে যাওয়া ব্যক্ত 'উর্বাশী-মেনকার দেশে'। একটি মেরে শমিতা, 'শমিতার স্বান' কিংবা 'জাহার ছারাতীরে द्दीलकोक र्योदन'। किन्द्रवरे चार्यदक रामा क বিচিত্র নেশা সম্বরেধ জানা বাবে আর জাপানী শিলপিং পিল কিড্স'দের খবরাখবর! আছো. अरे द्रा मन छात ना, 'तन्द छात'। वि**श्वन**, গভীর আশা পূর্ণ করতে বা মানব ভবিনের আশ্চর্য সত্য হতালা, ভেলের পড়তে বে কাহিনী দেহত থেকে জাহালাম পর্যানত হাটিতে থাকে, তাকে জানাই আমার উত্তত চুম্বন।

ইতি তেনেরই — नक्नीड

২৪, জাস্টিস মনমধ মুখাজা বো, क्लिकाटा- ৯

পিঃ এস. এজেট বন্ধাগণ পত্র দ্বারা নিমন্তরের **रा. कि भार्का**ना करहरून। माहि छेटत राम्स्टन।

(স ৫৮২৬)



সমকালীন সাহিত্য সম্পক্ত ভার ভার ভার বিচ্ছিন ও হঠকারী মনে হতে পারে। কোনো রকম বিস্তৃত আলোচলার নর গৈরেই তিনি এখনকার রচনার সাথাকভা নীমাবন্ধ এবং ক্ষমতার সীমা আৰু সন্ধা, এই সরকা সিন্ধানেত উপনীত হলেন কীক'রে, অনুমান করা দুক্তর। তাছাড়া বৈ ন্বিতীর ও ভৃতীর প্রেণীর রচনার বাজার ভরে যাক্তে বলে তার মন্তব্য, চিত্রনাট্যের নিল্পরীতি যদি সাহিত্যের মাধ্যম রুপে গৃহীতও হর (তর্কের খাতিরে ধরা গোলা), তাহলে নতুন রীতির টানেই দি সেগ্রিল প্রথম প্রেণীর রচনার উল্লিভ হবে?

শ্বনেশবীক্ষণ' শীর্ষক অধ্যার প্রধানত বাংলা ছবির ধারাবাহিক দিকচিন্দ নিরে আলোচনা। এ ছাড়া আণ্ডলিক ভাষার জন্যান্য ভারতীর ছবি ও হিন্দী ছবি বিবরে তথ্যপূর্ণ দুটি মনোজ্ঞ প্রবন্ধ ররেছে। আশীব বর্মণের 'একালের ছবি ও তার বিচার' আলোচনাটি বথেন্ট চিন্টা উল্লেক-কারী।

চলচ্চিত্রের নেপখ্য লোকের আনন্দ-বল্টপামর নানান ট্করো ও তীর ব্যক্তিগত অভিক্রতার কাহিনী বন্ঠ অধ্যারে শ্নিরেছেন থাছিক ঘটক, বিমল মনুখো-পাধ্যার, সৌমিত চট্টোপাধ্যার সভ্যক্তিং রার ও রাজেন তরফদার। 'চিত্রবিচিত্রা' অধ্যারে বিভিন্ন শ্রেণীর চলচ্চিত্র স্ভিত্র পরিরুদ্র দেওরা হরেছে। সর্বশেষ অধ্যার : রসিক অর্নসক্তর্য।

মুখ্যত দশক ও চিত্রসমালোচকের

একজিমা রোগ

সোরাইসিস প্রিত কত রক্তনের বাতরক্ত কুলা, খেত-দাগসহ আরও অনেক কঠিন কঠিন চর্মরোগ হইতে মাজিলাতের জনা ৭২ বংসরের চিকিংসা কেন্দ্রে চিকিংসিড হউন। হাওড়া কুউ কুটীর, ১নং মাধন ঘোর লেন, ব্রেট হাওড়া। ফোন: ৬৭-২৩৫১। লাখা: ৩৬ মহাজা গাড়ী রোড (হারিসন রোড)। কলিকাতা—১। প্রেবী সিনেমায় পারে।

স্তিত ভাষতা সম্পত্তে কচিত এই অধানটো বিশেষভাবে সালিখিত। মাশাল সেন-এর হাতে কলমও যে স্বক্ষণ গভিতে চলে 'একটি জাবনী' তাব নিশ্চিত প্ৰমাণ। এই अशास्त्र जारदकीं जेट्डायरवाका करूना श्र.व ক্ষিকা সোসাইটি আন্দোলনের গ্রেশ্রের **क्ट्रिक्स्मा** नम्जा'। क्रिक-नमारनावना . 31E917-6 বিমল ভৌমিতের THE STAN व्याप्त्ररणातिक स्टान्गीन विरम्नवन स्नीहरू-माःवामित्कत पातिक वन्ति कत्रतः। भक्तक नरखन 'ठनकित : निर्माण : गर्नक' ख প্রদর্শিতশুকর সেনের ক্রিকিল সমাজ দশকৈ তেমনই চলচ্চিত্ৰভোৱার নিজন্ব প্রস্তাতির কের मन्भरक विद्वाराणी আলোকপাত।

ভেলান্তর কথার বেশ কিছু দেশী ও
বিদেশী ছবি সংযোজিত হয়েছে। কিন্তু
অধিকাংশই ছবিতেই অভিনেতা-অভিনেত্রীর
পরিচর অনুলিখিত। গ্রন্থটির সামগ্রিক
আবেদনের দিক থেকে বিচার করতো একে
অসম্পূর্ণতাই বলতে হয়। আশা করি,
পরবতী সংস্করণে এ-ক্র্টি দ্র হবে,
কারণ 'দেহপট সনে নট সকলই হারার'
এ-কথা মনে করানো নিশ্চর সম্পাদক্রের
উদ্দেশ্য নর। ১৭০/৬১

#### কিশোর সাহিত্য

কেমন করে এলো। অমরনাথ রার। অশোক প্রকাশন, এ-৬২ কলেজ দ্বীট মার্কেট, কলকাতা-১২। ২০৫০ টাকা।

শিশ্রে বরেস যত বাড়ে, পারিপাশ্বিক
জগত সম্পর্কে তার কৌত্রল ও প্রশন
ততই বৃশ্বি পার । এটা কী, ওটা কেন—
সদাজাগত এই সব প্রশনর সদ্ভর জোগতে
অধিকাংশ অভিভাবকই বিরত হরে পড়েন।
শ্রীয়ন্ত অমরনাথ রার কিশোরপাঠা বহু
ম্কাবান গ্রন্থ রচনা করেছেন। বর্তমান
গ্রন্থটি তার আরেকটি সাধ্ প্ররাস।
আমাদের চারপাশের নানান ট্করের বস্তুর
জন্মকথা এই গ্রন্থে লিপিকত্ম করেছেন
তিনি। তার ভাষা সহজ ও প্রত্যক্ষ।
বিজ্ঞানের জটিল ততুও সরল কারে হাজির
করতে পেরেছেন তিনি। এমন একটি বই
নিঃসম্পেহে স্কুলের নিচু ক্লাসে প্রত্সঠন

র্পে পাঠা হতে পারে। তা না হলেও, শিশ্বদের একটি অবশাপাঠা প্রথমবেশ তানের হাতে তালে দেওকা বার। ১২৭/৬৮

#### প্ৰাপ্তি স্বীকাৰ

নকর করের কন্য। নীরেন্দ্রনাথ চরুবতী। । স্বাভি প্রকাশনী ঃ ১৮/১ দেওদার স্মীট, কলিকাতা-১১। মুলাঃ ৩০০০।

জাতির জনক গাশ্বীজ। শ্রীরঘ্নাথ মাইতি। গাশ্বী শতান্দী প্রকাশন ঃ ১৬৬ চিত্তরঞ্জন অ্যাতিনিউ, কলিকাতা-৭। ম্লা ঃ ১০০।

সভাগ্রহের কথা। শ্রীপৈলেশকুমার বন্দ্যোগাধ্যার। গাম্বী শতাক্ষী প্রকাশন ঃ ১৬৬ চিত্তরজন আ্যান্ডিনিউ, কলিকাত্য-৭। মলাঃ ০-৫০।

নাৰী উন্নয়ন। শ্ৰীবোগেশচন্দ্ৰ বাগৰা। গাৰোঁ শতাক্ষী প্ৰকাশন : ১৬৬ চিন্তৱন্ধন আাতিনিউ, কলিকাতা-৭। মূল্য : ০০৫০। হালেমের নারিকা। সূভাব মঞ্জমদার।

হারেমের নারকা। স্ভাব মজ্মদার। সাহিত্য প্রকাশ: ৫/১ রমানাথ মজ্মদার স্মীট, কলিকাতা-১। মূল্য: ৬-৫০।

ল্ৰ বাচি নক্চ। দিলীপ দে। ৯২/এ প্ৰফ্লেনগৰ, কলিকাতা-৫৬। ম্লা: ২-০০। দলটি গল্প। শেখর বস্ । এই দশক: ৬ সাহাপ্র মেইন রোড, কলিকাতা-৩৮। ম্লা ৩-০০।

দিবা স্কান। শ্রীকুমারকৃক ভট্টাচার্য। শাশিতলা প্রকাশনীঃ সংস্থা, দেওখর, এস-পি। ম্লোঃ১২৫।

স্থাটা একটা ৰাজনা। বাণীপ্ৰসায়। ভূপতি ভট্টাচাৰ': ১১৪/৪ বেচারাম চাটাজি' স্থাটি, কলিকাতা-৬১। ম্লা ২০০০।

বেকারের জনজি। হরি সিংহরার। নবপত প্রকাশন ঃ ৫৯ পট্যাটোলা লেন, কলিকাতা-৯। মালা ২-০০।

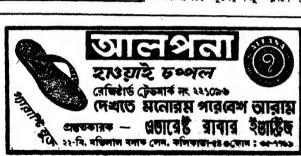
বৌভাতের থালা বা মেরে মপাল। ডাঃ শ্রীকনকভ্ষণ মুখোপাধ্যায়। শ্রীমতী কমা-রাণী দেবীঃ ১০০ মহবি দেবেনদ্র রোড, কলিকাতা-৬।

ছড়্র। সুধীরকুমার দাস। মীরা প্রকাশনী: ১৪৮এ আচার্য প্রফারন্দনু রেড়ে, কলিকাতা-৬। মাল্য ০-৬০।

নৰীক্স অভিযান (৪৭' খণ্ড) সোমে ক্রনাথ বস্। ব্কল্যান্ড প্রাইভেট লিমিটেডঃ ১ শংকর ঘোষ লেন, কলিকাতা-৩। ম্লা ৬০০০।

শ্বর্গাহের। প্রীপশ্বপতি প্রধান। শ্রীসংশ্যাবকুমার ভঙ্ক : শ্রীরামপ্রে উচ্চ মাধ্যমিক কৃষি বিদ্যালয় : পোঃ শ্রীরামপ্র, মেদিনীপ্র। ম্ল্যু ২-৫০।

আদিল লিম্পা। কুশান্ বন্দোপাধার। লাহিতা প্রকাশ ঃ ৫/১ রমানাথ মজ্মদার স্ত্রীট, কলিকাতা-৯। ম্লা ৪-৫০।



को जीका सथा। चारेरतव ववान जारे কৈন্ত অফলাইজের ব্যাপারে প্রতিub श्रद्धात विक्रक मान्ति व्यात ি কিকা যে লেব নিলেন দিয়েছেন ায়াড অফুসাইডের থাকলেই তার ব বাশী বাজানো উচিত সেটার তো । अत्र करण इसरण वदः रक्ट विमा দলে বাশী বাজিয়ে খেলার গতি মন্ধর চতে পারে। এবং এ কবাও সভাি বিনা চনে বাঁগাঁ না বাজাবারও পরামর্গ विक्ट অকসাইডের ব্যাপারে গাই বিভকের উল্ভব হওরার কিঞার ক্ষ বাধা হরে বেফারিদের পরামপ हत. चाडमेल ट्यलाबाट्सर चरण বার না থাক অফসাইডে থাকলেই তার व्य वीमी वाकारना উচিত। काরণ এই ার তার সুবোগ লাভের বখন সম্ভাবনা তখন হয়তো আর অফসাইড দেওয়া য়। খেলোরাড অন-সাইড হতে বান। ্ছৰ মোহনৰাগান ও ইল্ট বেংগলের । এই বিতক্ম লক কোলের ব্যাপারে র রক্ষাক্তর ঘোষ স্বমতে অবিচল থেকে **ঢ়ভা দেখিরেছেন তার জন্য অবশাই** প্রশংসা দাবি করতে পারেন। রেফারি-।ই গণে বভামানে বিরল।

#### -

দ্যাররানার মধ্যে বাঁধা এই বড় খেলার कड़, बनारक इरन अधरमहे मारे मानत াণার দুর্বলভার কথা বলতে হয়। क्षिनवाद्य वद्यात्र कार्वन श्रतहरू. ার্ডরা বহুবার গোলের মুখে এমন শ্রেছেন যা থেকে সহজেই গোল হতে । अश्रुष्ठ मृहे म्राल्यत्रे त्रक्रवर्द्ध नःकि মটা। সব বাৰাবাৰা থেলোয়াড়। ইস্ট গর তিন ব্যাক প্রথার খেলার কক্ষণ-ফাটল ধরার তব**ু কারণ খ**ুকে পাওয়া কিন্তু মোহনবাগানের B বাধা বাক র কেন পরাজিত হলেন? যে গোল র্ণ বিভক্তের স্থিট হয়েছে সে ক্ষেত্রে অফসাইডের প্রথন থাকলেও ইস্ট হুরোরার্ডরা কিন্তু সি প্রসাদ ও কে পর পর কাটিয়ে তারপর গোল ন। সভি। কথা বলভে কি. এ খেলার লের সামনেই গোল করার যত সুযোগ ইন্ট বেশ্যল ও মোহনবাগানের কোন এত সাবোগ সাণ্টি হতে দেখিন। াটি সামাগ্রক জীড়ামান মাঝারিয়ানার াখা থাকলেও মাঝে মাঝে দক্ষতার a ना भिल्लाइ. अभन नत्र। शांतिय छ দের একটি করে দশনীয় ভলি

हे गए बीठारना, व वि शाश्त्रीं अवर

जानाक हातिकों व अविते कार कार्य कार्य केलक किन्द्रामात भविष्य भिक्ता । নীচে চাৰ্টি ছিভিসনের লীগ টেবল रमख्या छ्ला।

#### क हेबल जीन रहेबरन কে কোথাৰ

#### शका किचन

शवा मार विश् शासनी de la constitución de la constit 0.00 30 0 2 25 মোর নবাগার 8 29 CHIEF WINE > 55 fe un wie 45 P वादी H 0 22 25 52 >6 हेः तन 56 W 8 20 22 20 Buris. 56 è 20 20 22 काम विक्र 54 . 9 6 54 59 59 कविवास 24 9 2 विविद्यम्ब 54 CIAUI EC: 36 0 9 20 50 50 बबार दण्याहिर ३७ 0 6 Confide bit 50 **>** 9 9 35 48 55 वाणि श्रीक्या ३७ 8 0 2 20 25 TH'ELD 36 0 0 b 28 कर्क रहे नि 50 0 2 22 20 00 >+ 2 5 20 4 05 মহমেভান স্পোটিং শেষ চারটি ম্যাচ খেলেনি। কালীঘাট খাঠে না আসাহ যোগনবাপনে de. খেলায় ওয়াক ওভার পেরেছে। উপরের পাঁচটি দলের সংপার লীগে খেলার কথা। কিল্ড ইন্টার্ন ব্রেলের বিরুদেধ উরাভি ক্লাবের প্রতিবাদের ব্যাপার নিয়ে উয়াভির কর্তৃপক্ষ আদালতে মামলা করেছেন। স্কুতরাং ব্যাপারটি বিচারাধীন। তবে ইস্টবেশ্যল, মোহনবাগান এবং পোট কমিশনার্স দলের সপোর লীগে ছাতার প্রশেন কোন অন্তরায় নেই।

#### चिक्रीय किक्रिया भीश

কুমারট্রীক	>6	20	0	0	२७	> 2	45
টালিগঞ্জ							
অগ্রস্মী	29	25	8	0	08	ù	28
ত্ৰাক সংঘ	29	25	8	0	04	q	२४
ঐক্য সম্মিলনী	24	20	₹	8	₹8	28	₹ ₹
देशः दक्कन	56	9	8	4	₹ ₫	25	24
ক্রিমখানা	36	9	8	Ġ.	29	20	28
ভবলিউ বি							
প_লিশ্	29	۹.	২	9	22	22	30
সালকিয়া							
स्कन्धन	>+	9	2	q	00	33	79
আর							
वार्रेष्ठ वा जि	50	Ġ	Ġ	. 6	₹8	२९	20
<b>है</b> जोतनाननान	29	b	₹	¥	28	₹8	28
বেনিয়াটোকা	24	•	>	2	२३	26	20
<b>अ्ति</b> शत	26	8	0	۵.	22	08	22
दानकात्रम	30	8	0	R	28	25	22/
चारवाता .	24	2	٩	q		30	
সি এ সি	54	6	0	22	>4	54	50

म बाववत १५ ० ० १३ १० ३६ क ीं वि श्रमाते अस

> ইউনিয়ন ১৬ ১ ২ ১০ ৫ ৪৪ ৪ क्यांन्त्रक क्यायं कि जागानीयास शबन ডিভিসনে খেলবে। গ্রীলগত অপ্রদামী এবং ভ্ৰান্ত স্থানে মধ্যে কে প্ৰথম ভিভিসনে খেলৰে তা খেলার সমর পর্যত অমীমার্গেনত।

#### ততীয় ভিভিসন সীম

চতুৰ্থ ডিভিসন লীগ							
চৈতালী স্ব	>9	>4	۵	5	98	>	65
বেলেঘাটা							
এ সি	24	20	•	ર	₹0	8	52
কালীঘাট							
মিলনী	24	25	*	0	84	28	50
মিরজাপরে							
ইউনি <b>স্</b> ন	59	20	0	8	29	50	20
কালীপরে							
<b>সর</b> স্বতী	39	22	0		03	22	**
ক্যালঃ প্রিল	59	V			16	>>	55
হাদ্বগ্র							
অগ্রগামী	59	50	>		₹8	29	2>
ব্যাদ্ধ	29	۵.	2		20		-
•	59				54		
ইউনাইটেড				-	•		
ন্ট,ডেন্টস	56	9	>		>>	20	34
	59		8		24	34	78
বেনিরাপ্রকুর				20			
बाधकुक	• •	•	•	•	•		• •
স্পোরটিং	<b>.</b>			9	\e	20	
বাণীনিকেডন				20			
वरारहोत	37	0	0		-	••	
ক্রেপারটিং		_	0	50		-	`
जन्मीलनी जन्मीलनी				22	_		
হোরাইট বভার	24	~	۵	> 5	2.	< y	3
শা:মবাজার							

B¢ € \$ 9¢ FIE

তীর মহাযুকের অবাবহিত পরে
কলকাতার জা তী র ব্যাডমিণ্টন
প্রতিযোগিতার ক্ষারক প্রিতকার ব্যাডমিণ্টন
ধেলার উৎপত্তির ইণ্গিত দিরে একখান
চুমংকার ব্যাঞ্গচিত্র ছাপা হয়েছিল। চিত্রের
বিবয়বস্তুঃ গাছ থেকে একটি স্ক্রের সিম্কা
ফ্রল নীচের দিকে করে পড়ছে, ব্যাট হাতে
দুটি ছেলে সেই ফ্রলকে পেটবার জন্য



ব্যাড়ীয়ণ্টন খেলার আধ্যানিক পোশাক

প্রস্তুত হয়ে আছে—বেমন ব্যাডমিপ্টন কোটে সাট্লকক পেটাবার জন্য প্রস্তুত হয়ে থাকে দাজন পেলোয়াড।

ব্যাড়মিন্টন খেলার স্থির পেছনে কি
সতির এমন কোন ঘটনা আছে? না,
সাটসকফের সিম্ল ফ্লের আকৃতি দেখে
শিল্পী ভার কল্পনার তুলিতে ওই ইণ্ডিড
দিতে চেরেছেন? হরতো ম্লে কিছ্ সভাভা
আছে, না হর সবটাই রঙীন মনের কল্পনা।
ভবে প্রায় দ্লো বছর আগে শ্কনো ফলে
পাথির পালক গাঁলে ব্যাটের আকারের ছোট
হাতিয়ার দিয়ে অইবেন (oiben)
নামে জাপানে বে ব্যাডমিন্টন খেলার মত
এক ধরনের খেলা হত ভার প্রামাণ্য চিত্র
আছে। ফ্লান্সেও ব্যাডমিন্টন অতি প্রাচীন
খেলা।

কিন্তু ব্যাভামণ্টন খেলার উৎপত্তির ইতিহাস যাই হোক, ভারতের মাটি খেকেই যে ব্যাভামণ্টন বিশ্বময় ছড়িয়ে পড়েছে থ্রনসাইক্রোপিডিয়া অব স্পোর্টস্য-এর প্রত্যাতেই সে কথা স্বীকৃত।

ভারতের খেলাটির নাম ছিল 'প্না' খেলা। সম্ভবত প্নার অধিবাসীরাই খেলাটি প্রথম আরম্ভ করেছিলেন। কিছু, শ্রিটিশু আমি অফিসার প্নার অবস্থান কালে ভারতীয়দের কাছ থেকে খেলাটি

## ব্যাড়িম'টনের আইন-কান্ত্রন

শিশে নেন এবং ১৯৬০ সন নাগাদ বিটিশ সামরিক ছাউনিতে খেলাটি বেশ জনপ্রির হরে ওঠে। ১৮৭১ কিংবা ১৮৭২ সনে খেলার কিছ্ উপকরণ পাঠানো হর ইংলশ্ডে। ইতিমধ্যে কিছ্ আমি অফিসারও ইংলশ্ডে গিরে বংধ্বাংধবদের সংগা 'প্না গোমসা খেলাতে আরুল্ভ করেন।

১৮৭৩ সনে বোফোটের ডিউক পলান্তরশারারে তার পল্লাভিবন ব্যাডামিন্টন'-এ এক
ভ্যেকসভার আয়োজন করেন। বোফোটের
ডিউক ইংলন্ডের নামী প্র্য । তার বাড়ির
ভ্যেকসভার বহু গণ্যমান্যদের সপ্পে ভারভ
ভ্রেক ফিরে বাওয়া আমি অফিসাররাও
নিম্নিত। খানা-পিনা এবং আমোদপ্রমোদের সপ্পে ব্যাডামিন্টনের হল খরে
প্না গেমসেরও আলর বসে। কিন্তু ওখানেই
মৃত্যু ঘটে প্না গেমসের। নামী প্র্যুব
বোফোটের ডিউকের বাড়ির নাম অনুবায়ী
ধেলাটির নতুন নামকরণ হর ব্যাড়মিন্টন'।

গ্রামীণ সিলেপ পাখির পালক দিয়ে তৈরি



ব্যাত্মিণ্টন আদিকাণ্ডে এক করাল কহিলার হেলার হবি, পরিক্ষ লকাণীয়

সাটলকফ এবং 'গাটস' দিয়ে গাঁথা অতি
সাধারণ ধরনের র্যাকেট দিরেই খেলা চলতে
লাগল। ১৮৮৭ সন পর্যাত খেলার আইনও
ছিল ভারতীর। কিল্টু সাহেষরা ১৮৮৭
সনেই ওই আইন কান্দ বদলাবার প্রয়োজন
অন্ভব করলেন এবং খেলার উপকরণও
তৈরি হতে আরম্ভ হল বৈজ্ঞানিক প্রথার।
ইংলম্ভের একলল খেলোরাভকে নিয়ে

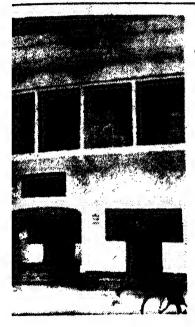


শ্কেনে ফলে পাখার পালক গালে ছোট ব্যাট দিয়ে ব্যাডিমিণ্টন খেলার মত 'ঘাইবেন' নামে এক রক্ষার খেলা জাপানে প্রচলিত ছিল

গুড়া বাথ বাড়িমণ্টন ক্লবই প্ৰিবীর প্ৰথম ব্যাভমিশ্টন ক্লাব। তারাই ১৮৮৭ সনে থেলার নতন আইন কান্ন রচনা করেন। ১৮৯৫ সালে বাথ বার্ডামন্টন কাবের বদলে ব্যাড়িমণ্টন খেলার কর্তৃত্ব গ্রহণ করে ইংল-েডর ব্যাড়মিণ্টন ज्यादमामित्रभन। ১৮৯৯ থেকে অল ইংলন্ড চ্যান্পিয়নশিপের म्हेना। ১৯৩৪ माल हेल्ल मान्स. ডেনমার্ক', ক্যানাডা, আয়ার্কাণ্ড, নেদার-ল্যান্ডস স্কটল্যান্ড নিউজিল্যান্ড ও ওয়েলসকে নিয়ে গঠিত হয়-ব্যাডমিপ্টনের বিশ্ব সংস্থা বা ইণ্টারন্যাশনাল ব্যাডমিণ্টন ফেডারেশন। পরের বছর অর্থাৎ ১৯৩৫ থেকেই ভারত বিশ্ব ব্যাডমিণ্টন সংস্থার अपना ।

টোনস খেলার মত ব্যাডমিণ্টনেও
ব্যক্তিগতভাবে বিশ্ব চ্যাদিপরনাশপের ব্যবস্থা
নেই। তিন বছরের ব্যবধানে সর্ব্যব

মহিলাদের দেশগভ প্রাধান্য প্রতিষ্ঠার টমাস
কাপ এবং উবের কাপের খেলার ব্যবস্থাও
হরেছে ব্যোভরকালো। ১৯৪৮—৪৯ খেকে
টমাস কাপ এবং ১৯৫৬—৫৭ খেকে উবের
কাপের প্রবর্তন।



## আদর্শ বাস্তবে র**্**পায়িত

\*

মহিলা শিল্পী মহল : দ্যুন্থ অভিনেত্রীদের বাসগ্রহ

সহায়ে অভিনেত্তীদের জনা বাডি মুহতা যে ন্ছেন এ-সংবাদ আগেই প্রকাশ (३५ छालाहे) গত সেমেবার কলকাতার গরচা লেনে ওই তলা বাজির বার উন্মোচন হল। ার খিলপজগতের ইতিহাসে এটি একটি গীয় ঘটনা। ন্বার উন্যাটনের উৎস্বটিও ছিল মনোকম। সকালে হল প্রো-বিকালে প্রতিসমেলন। বহু গ্ৰুট ব্যক্তি ও সাংবাদিক ওইদিন মহিলা अख्यास्त মুহালের নেক্র কানালেন। কপালে চন্দ্রের টা দিয়ে, অভিথিদের স্বাগত জানানো

দঃস্থ অভিযাতীদের আশ্রয় নিবাস কাভার কেন, ভারতে আর **কোথাও** । ভাবতে আরও আশ্চর্য লাগে, শাংখ-মহিলা শিল্পীদের প্রচেন্টার এই বাড়ি া হল। সিনেমা ও থিয়েটারের নামকর। চনেত্রীরা এখানে-ওখানে ছুটে গিয়ে । পারিশ্রমিকে দিনের পর দিন অভিনর াটাকা ভূলেছেন। বহু কণ্ট ও ত্যাগ কার করে তাঁরা একটি মহৎ উদ্দেশ্য প করে তুললেন। এমন একতা ও চা শিল্পীদের **জ**গতে এর আগে আর া বার্মি। ব্যক্তিগত জীবনে অনেক পীই হয়ত ভিন্ন ভিন্ন মতবাদ ভ বাসের ছায়ায় রয়েছেন। কিন্তু বখন লা শিক্পী মহলে, তথন শংধ্ একটি দক্ষের আদশেহি তারা অনুপ্রাণিত। রর সাধন কিংবা শরীর পাতন-এ-ছাড়া 🐷 ী নেই এ-ছাড়া লক্ষ্য নেই। তাই সিন্ধি

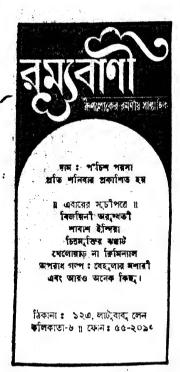
# 3 GAS

এত অপ্পকার্টের মধ্যে তাঁদের কর্ত্তলগত।
রবীশ্রনাথের উত্তি, আমরা আরক্ত
করি, শেব করি না। মহিলা শিশ্পীমহল
তাঁদের প্রথম পর্যারের কলে শেব করলেন।
গালভরা ব্লি নর, সাঁতা বড় কিছ্ তাঁরা
করে দেখিরে দিলেন—এই কথাটি বিশেষ
করে সেদিন অনুভব করেছেন নিমাল্যিত
প্রতিটি বালি।

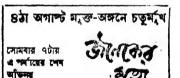
এত বড় সাকলোর দিনে মহিলা শিক্ষী
মহলের সভ্যারা বেন আরও বিনরী,
কৃতজ্ঞতার তাঁদের চোখ অপ্রাসিক।
কৃতজ্ঞতা তাঁদের কাছে বাঁরা তাঁদের বড়
কাজে উৎসাহ ও প্রেরণা দিরেছেন। কৃতজ্ঞতা
বাংলার শিক্ষরসিক জনসাধারণের কাছে।
সে কথাই সেদিন বললেন কানন দেবী



কলকাতার তৈরি গীয়ায়লি-চিচ্নবীপের রঙিল হিন্দী হবি 'রাহ্গারি' (পরিক্রান্ত) ৷
ভূম্বে নজ্মবার) এ-স্কাহে মুক্তি প্রক্রে-হবির বারিকা সম্পন্ন হবে



(সি ৬১৪২)



नार्टेक/निर्दर्गभना : अत्रीम ठक्नवर्धी स्टन विकित जारह । ८५-४२११

(সি ৬১৪৩)



িশীতাতপ নিয়শ্যিত নাটাশালা ]

নতন নাটক!



অভিনৰ নাটকের অপ্র'র শারণ! প্রতি ব্রুস্গতিবার ও শানবার: ৬॥টার প্রতি রবিবার ও ছুটির দিন: ৩টা ও ৬॥টার

। রচনা ও পরিচালনা ।

म्बनाबाद्यन ग्राह्य

া র্পার্ধে ।

অ্জিত বলেদাপাধারে, অপর্ণা দেবী, স্তুতা

চটোপাধারে, নালিলা দাস, সতীন্দ্র ভটাচার্বা,
জ্যোৎলা বিশ্বাস, দামে লাহা, প্রেমাংশ্র বন্ধ,

তুলী চটোপাধারে, শৈলেন মুখোপাধার,

স্থাতা দে ও ভান্য বলেদাপাধার।

মালনা দেবী, সরষ্ দেবী, চন্দ্রাবতী,
সাধনা রারচৌধ্রী, মঞ্জ্ব দে, নমিডা
সিংহ, মিডা চট্টোপাধ্যার, কেডকী দত্ত,
সাঁডা ম্খার্জি, স্কোডা চৌধ্রী প্রম্থ
নিক্পীরা। সরকারী সাহাব্য গাননি বলে
তানের কোন কোড নেই। তানের আখবিশ্বাস আছে, এতট্কু বখন পেরেছেন
বাকিট্কুও পারবেন। কোড অয়েমদের।
এত বড় একটা কাজ চলছে অধ্য আজও

स्व । जिल्लि मार्थ — ०८-७७७ ८ २०१ व्यागन्ते • जन्या शारील



णत्रणीत जिल्ला भारतपत्र श्रीहिन्द्र

दल द्विस जीनरण्ड

আবার গছর্বর সাড়া জাগানো নাটক

শ'র মিসেস ওরারেনস প্রফেশন অবলম্বনে **উৎপল গরের** 

#### यथ्र ठक

৬ই আগদট ব্যুত অধ্যয় নিৰ্দোশনত ব্যৱস্থাত্ত ভট্টাত্ত হলে তিকিট আছে।

(সি ৬০০০)

विष्ठे

4-00, 6-86 & SUM

ব্যুপার্করে ৩৯৫৭ জ্যাই থেকে! বিশ্ববিশ্যাত একটি প্রশন্ত কাহিনী! আনপেরাসের একটি হারাচিত। দ্যাস্থের একটি স্থান উপকরণ।



(ইউ) ৭০ মি মি:ছে চার্লস ডিকেন্সের জমর প্রশ্ব অবিভার টুইনেটর ক্ষমের মুগারণ! পর্যত সরকারী সাহাযা জ্টল না। ৫
চেয়ে দ্বংখন আর কী হতে পারে। ব
কাজ আমাদের দেশে খ্ব বেশী একা
চুর না। ইখন কদাচিং একটা হয়, তথ্
সবাই আশা করেন সরকার অতত এ
কাজের সাফলোর জনা রখাসাধা করবেন
সময় এখনও আছে, কাজ আরও অনে
বাহি। তাই সরকারের সাহাযা ধ
সহযোগিতা আমরা এখনও আশা করতে

কত বড কাজ সাধিত চল তা সেদিন উপলবিধ কবলাম আহাবা মানপাৰে নিম্শিত একজন প্র্যাশলপী বললেন : "ও'রা আমাদের মূখে চুন-কালি <mark>মাখ</mark>িতে দিয়েছেন। আমরা তো কিছাই করতে পারলাম না।" সতি। কথা, শিল্পীদের সংস্থা সব ভাষ্ণাতেই আছে। আবার একটি নহ একাধিক। এক একটি সংস্থার ভাঙন ও ফাটলের কথাও আমরা জানি। বড কাজ ত্যে দারের কথা, সংঘবদ্ধতা কী তা-ই দেখবার সাযোগ মেলে কম। এই কেং**ে** মহিলা শিল্পী মহল নতন ইতিহাস তৈবি করলেন। এবং এই সভা আম্বর আরও বিশেষভাবে উপলব্দি করলায় সেদিন উৎসবে গিয়ে। মহিলা শিল্পী মহবের প্রতিধিনিরা জানালেন, এখন থেকেই দঃস্থ শিলপীরা এ-বাভিতে থাকাত পার্বেন।

বাডিটিতেও পরিক रम निव উদযাপনের হাজালিক পরিবেশ। ধ্রপের গশ্বে সমুদ্ত বাড়ি ভরপুর। বাড়ির সানা রঙে কেমন যেন শ্রুণতার শী। অপ্রিসীম বাস্ত্তা বাড়িট লোকের ভিড—আবার তারই মধ্যে কেমন যেন এক শ্নাতা। বেদনার সরে ব্যবিধ मिल्भीरमत महनख। रण्डशास्त्र होखारना বল্যোপাধ্যায় রেণ কা ष्याकाद्भवाला रमवी भ्रमात्थत हवि। प्रशिका শিল্পী মহলে একদিন তারা ছিলেন আজ এমন একটি দিনে তারা নেই। যারা নেই. এবং যারা আছেন তাদের সকলের সাধনা দিনে দিনে আরও উত্জ্বল পরিপতি লাভ করবে—এই প্রতায়ের কথাই সেদিন বললেন महिला जिल्ली महल।

#### माञ्का উৎসবের ফলাফল

মন্তের ষণ্ঠ চলচ্চিত্র উৎসবের ফল বেরিরেছে। এবার কাহিনীচিত্র বিভাগে তিনটি স্বর্ণপদক পেয়েছে কিউবার "ল,সিয়া", ইতালির "সেরাফিনো" এবং সোভিয়েট রাশিয়ার "আনটিল মানডে"।

ভারতীয় চিত্র "মেঘ ও রোদ্র'-র জন্য চিত্র-পরিচালিকা জর্গ্রতী দেবী বিশেষ সম্মান পেরেছেন। ছার্নাটি রূশ নারী সমিতি (সোভিরেট কমিটি জব উইমেন) কর্তৃক প্রেক্টেড। নারী জবিকার প্রতিভারে এ-ছবি প্রেক্তা দেবে—এই কথা বলা হয়েছে প্রেক্টার প্রস্থা।

## ॥ किन्न-नबादनावना ॥

#### जीवात गुर्व

मायक बहिक वैश्वीसदासय जलादात्मय बाउठे बलाएक कालारक-काणि नाया काणाव बारतबरे खरन, ना-है वा बरेन निष्मित्रहत -- কাহিনীকার কিল্ফ ভাকে একালের কণ° ৰা সহাকাম ৰূপে উপদিৰত করতে ভ্রসা আসলে অপরিণীভার পরে নর "জীয়ার সার্ব"-র (সারীর মাখাজি প্রোডাক-গ্ৰুল) নামক শুক্তর—একখা একটা বাদেট कानित्व ए श्रवा करवरका অব্যক্তি অবৈধ বলে জন্মের প্রসূত্রতেই जग्दान के क অভিভাবক গ্রেডখারিগীয় পিতা) নালের হাতে জলে দিয়ে বলেছিলেন – নিরে বার একে, ইক্ষা হলে আবর্জনার মত ফেলে দিছেও পার।

নাস অপশা নবজাতককে ডাল্টবিনা-এ কেলতে পারেনি, নিজের সংভানের মত তাকে মানুর করেছে। সিলেমার নিবম জনুরাছী শব্দক বুনিভাসিটির সেরা ছাত্র-জারেছ, স্বায়রক হারেছে এবং জ্বাগাকেব (বার জ্বানিক সাভাহে। ভার জ্বান্তস্য নিয়ে নাটক স্থিতি দের অধান্তম—তথ্য সাভাহে। তার জ্বান্তস্য নিয়ে নাটক স্থিতি দের অধান্তম—তথ্য সেতার পিতার সপো মিলিভ। তার মা তো তাকে জ্বানী দিবেই মারা গোকেন।

ক্রিনীকার-চিত্রটাকার গৌরাপাপ্রসাদ বস্তুকে সিচে লোম দেব না। সিকেলের কাহিনীতে বে-সব উপকরণ ও ফরমালা দ্শক্ষির কাম্য তিনি সমজে সেগ্রেলই আবার তেলে সাজিবেছেন। নারকের জন্মব্রান্ত নিরে, এবং আর এক দিকে নাসা অপণার कीवरमंत्र बहेला टब्स्ट करत्र कानामा माही-চনকর কিনি ছবিশল বেখেছেন। স্ব মিলে "অখ্যার স্থে" আশান্ত্রপ নাটাসম্প হরে উঠতে পাৰেনি। ছাৰ কাৰণ কী? শিথিল जिल्लाहो ? सा निष्कि दिसान ? जिल्लाहो। किन्छ जवान्डव शहेना কয়। বতথানি কাহিনী প্রায় ততথানি ঘটনা। প্রবোজক-পরিচালক সংধীর মাধোপাধার নাটকের ৰক্তেগ্ৰাল সম্বাহৰ আগাগোড়াই ছিলেন, দশক কী-ছাৰে আয়োদিত হতে পারেন লে-বিষরেও তিনি ভেরেছেন। শক্ষর-সারমার মনে জনারাগের কলি খীরে ৰীৰে পাপজি মেলেছে, ৰদিও তা খ্ৰেই পরিচিত ছবে। এবং প্রেমিকের কল্পিকভ জ্বস্থিতবের কথা জেনেও সরেষা হর ছেড়ে ভার কাছেই ছুকে এসেছে। ক্লাইমাারে হোৰিকাৰ এই গৃহস্ঞাগ ও অভিসার সিলেমার অভি পদ্রক্ষা শ্রুত হলেও দর্শকের का मन्त्र मारल मा। क्यार मन्द्रिकत छान



গ্রে বাগচী পরিচালিত "ভীবভূমি" ছবির মৃতি আগামী লপ্তাহে—একটি কৃত্যু মঙ্গা দে ও বিভাগ রায়

ৰাগাৰ মত অনেক পরিসিংতি তৈরির কাজে পরিচালক নিশ্চয়ই স্ফল।

ভবে প্রথমসিকে সিন্দান্তিকে নিরে চিত্র-নাটোর অভিনিম্ন বিশ্বার ক্লান্টিরক। কো ভার একটা আলেই ব্যবক হতে পারভ। আর সেই নন্দিরে পাগল সাধারের (লে আবার বালার সংখ্যা কথা বলা) বিরম্ভিকর ব্যপ্তিটি কি বাদ লেওয়া বেভ না?

ভাভিদেতা-অভিদেতীদের কমতা যতই থাকুক, কাদেতার নথো তাঁরা কাঁ-ই বা কবাত পাবেন। তবা এরই মধ্যে দাঁগিত রাম (অপ্রাণ) ভাদেকাদিন পর একটি বড় ভাষিকায় তাঁব অভিনয়নৈশ্লা দেখাবার সাবেশা পোষ্টেন।

বোলাণিক নাকেনাবিক র্পে মুণাল মা্থাপাথায় ও বিলা ঘোষাক দশকিবা খালিয়ান নেকেন। সিন্নমার বোমাণিক প্রোমন নিরম-কান্দ তাঁলা বেশ ভালভাবেই পালন করেছেন। মাহতভা খালর, প্রেমিক শংকর, বার্লাই করেছেল। মাহতভা খালর স্বাধিক করেছেন। মাহতভা খালর স্বাধিক করেছেন। বিলা বোমানিক করিকা বিসাবে বিলা বোমা প্রাক্ত আরেল স্বাধিক করিকা বিসাবে বিলা বোমা প্রাক্ত আরেল স্বাধিক করিকা প্রাক্ত করাকি স্বাধিক করিকা।

সন্তান্য বিশেষ ভূমিকায় ছায়া বেবী,
কমল নিত্ৰ, অজিতেশ ববেদ্যাপাধ্যার, শৈকেন
মনোপাধ্যার, দীপুক মুখোপাধ্যায় নিজেদের
ভূমিকায় স্কুজিনের করেছেন। অন্যক করে
দেন ভর্শকুমার—একটি ছোট ভূমিকায়
অলপক্ষাের জনা এসে দশক্ষিকে দেখিয়ে
বিকোন অভিনয় কী বস্তা।

ছবির গানগালি সভিত শোনবার মত। সত্তর পিরেছেন ববীন চট্টোপাধ্যার। সত্ত্রনচনা স্কৃতিগত ও পরিবেশান্স, যেমন বৃত্তির সমরকার গান । স্যামল মিশুর গাওমা "রাত নিক্মে" গানটি (সূবার আছে) আরও ক্য়েকবার শোনালেও স্পত্তির ক্রান্ড অসেত না।

#### তপন্দী ও তর্নাল্পী

বাশদেৰ বস্ত্ৰ জনামানা নাটক "তপস্বী ও তরপিলী" আঞ্চাশ-বগাতে জডিনীত

#### धन वि अन्तेत्रज्ञारेकत अवम अर्थाकना "सकाद्यक" मन्त्रक

Ajatak is a refreshing departure from the beaten track in more than one sense.

Stateman

धक्षि जनाबात्रम् नाजेन्द्रहान्।

ख्या करिस्टा

#### আনন্দ্ৰভাৱ পৰিকা

Santosh Kumar Ghosh cannot afford to be intrigued by a commonplace theme.

N. K. G. (Amrita Bezar

नाडेकीं वौदा त्र्जीका त्रात्रका

द्वमञ

#### সন্তোৰকুমান বোবের নতুন আলিকের নাটক

## অজাতক

४ वागको, कनार्यान्तत (त्यकनशीवत नर्याः) जन्यत १३३ ३ जिको राज्य-४, ७, ३००

**জভিনরে : ম**রতা চ্টাংগ্যাম, আং ভ নিম্নতানিক হক্রেছিল কিছুকাল আগে। প্রথম মধ্যপ্র হল গড় ২০ জলোই কলামন্দিরে।

শ্রাপের ক্রাণ্সা-কাহিনী অবলবনে লেলা এই নাটক পাঠকমহলে বেমন সাড়া লাগিরেকে, ডেমনি "তপশ্বী ও তরপিগাণী"র নাট্যাভিনর সম্পর্কে দর্শাক্ষেরও কোত্হল সাম্বার ক্লাঃ করিতাভবনের প্রবাজনার এবং প্রভিজ্ঞা বস্বে পরিচালনা ও স্বেন-সংবোগে এই নাটকের আরও করেন্টি অভিনর অচিরেই মধ্যম্থ হবে। নাটকের প্রধান বুই চরিত্রের শিক্ষী ঃ দেবপ্রসাদ সিবহ ও মীণাক্ষী দন্ত।

#### , जानम्बराजात भीतका त्रिक्तिसम्ब कारवत्र जन्देशन

শ্বাক্ষকাল বহু অফিসের রিক্নিমেশন ক্লাবের সভ্যরা নাটক অভিনর করছেন। এই ধরনের ক্লাব ঠিক অ্যানেচার নাট্যগোষ্ঠীর মন্ত নর। রিক্লিরেশন ক্লাবগ্যালির এই নাট্যচর্চা আধ্নিক নাট্কাছিনরের কেটে
আন্দোলন না হলেও একটি আলাদা ঐতিহ্য
গড়ে তুলেছে। এ-বেন এক প্রেক জগং—
পেশাদার অভিনর-জগং কিবো একালের
নবনাটে আন্দোলনের পাশাপাশি এই জন্দোলন চলছে। সামগ্রিক নাট্য-আন্দোলনে
তাই রিভিরেশন জাবের দানও কম নর।"

গত ২৪ জ্বাই ন্টার রপামন্তে আনন্দবাজার পাঁচকা রিঞ্জিরেগন ক্লাবের তৃতীর নিবেদন "দুই প্র্ব" নাটকাভিনরের প্রারন্ডিক অন্তানে সভাপতির ভাবণে উপরোভ মন্তব্য করেন প্রথমত সাহিত্যিক ও সাংবাদিক প্রীসন্তোবকুমার যোব। গ্রী ঘোষ আরও বলকেন ঃ

শ্বানদদ পাওরাটাও কম কথা নর।
বছরে একটি দিনে এই অভৈনর-বাসরের মধা
দিরে সারা বছরের নিস্তনৈমিত্তিক
কর্মাস্টোকে বেন রঙিন করে ভোলা। এর
ম্লাও কম নর। ভার চেয়েও বড় কথা,
এই ধরনের অনুষ্ঠানের ভিতর দিয়ে আমারা,

সহক্ষীরা, পরশ্বের আরও কাছে আদি;
এবই মধা দিরে মড়ে ওঠে সংযুক্তাতা,
একডা। এইবানেই বিভিন্নেশন জানের
অনুষ্ঠানের আদিক মুলা—একে বেন আনরা
কর হতে না নিই।"

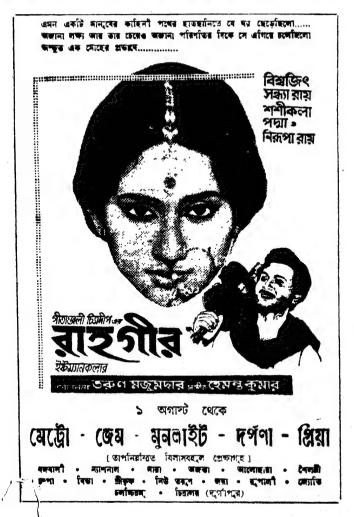
অনুভান স্কৃতিত হর স্কুলারক শ্রীচিত্তপ্রির মুখোপাধ্যারের গাওরা "মোর বীণা ওঠে কোন্ স্বরে বাজি" ববীশ্রসংগতি দিরে। শ্রীবিদ্যুৎ ভট্টাচার্ব সম্পাদকের বিবরণী পঠে করেন এবং বন্যবাদ আপন করেন শ্রীদেশাল চক্তবতী

আনন্দবাজার পরিকা রিক্তিরেশন ক্লাবের जननाय्न "न्दे ग्द्र्य" नाप्रेकृषि मक्त्य করে শ্বের্যে নিজেরাই আনন্দ পেয়েছেন তা নয়, অফরেণ্ড জানন্দ দিতে পোরেছেন দশকিবেরও। বিশেষ করে অমরেশ ভট্টাচার (ন্টবিহারী), অমরনাথ ছোব (মহাভারত), কৃষকুমার যোব (স্পোভন), অণোককুমার দাশগ্ৰেত (শিবনারারণ), অমিতাভ দাশগ্রেত (एवनावाराग) अवर मुधारम् हर्द्वाभाराज्ञ খ্বই ভাল অভিনয় **করেছেন। স্থা**-চরিত্র স্বিতা মুখোপাধ্যারের বিমলা এবং মুমতা চট্টোপাধ্যারের কল্যাণী রীতিমত উচ্চাশ্যের। সাতু ঠাকরাণের ভূমিকার লীলাবতী (क्यानी), भागात कृषिकात जन्मा जनका এবং মমতার ভূমিকার প্রতিমা পালের কৃতিহও উদ্রেশবোগা। অন্যান্য চরিফ্র অভিনয় করেন শম্ভুলাল বস্, স্পীল-কুমার দাস, মৃত্রুন্দ মাইতি, অনাদি নহাপাত, অনরেন্দ্রনাথ সেন, স্থীরচন্দ্র মাইতি, ব্রদ্ধা চটোপাধ্যার প্রভৃতি। সমগ্রভাবে নাইক্টির সাফল্যের জন্য পরিচালক শ্রীশশাব্দ ভটাতার্য क्षनात्रा भारतः।



মন্দো ফিন্ম ফেশিউডাল থেকে প্রীনতী জর্মণতী দেবী ফিরে এসেছেন। গর্টি কতক প্রদান নিমে রবিবার দেখা করতে গরেছিলার। প্রীমতী জর্মণতী বললেন, কালই কিরেছি। রাত গ্রেটার শ্রেছা। বত ক্লালত। উৎসব অভিজ্ঞতার কথা আলই গর্ছিরে বলতে পারব না।

কিউবা, ইটালী ও রাগিরার ক্ষণ'সদক
পাওরা হবি অনুসিরা', 'সেরাফিনা' ও
আনটিল মানডে' নিজে কথা উঠল। প্রীমতী
অর্পেডী ফালেন, 'অনুসিরা দেখা হরে
ওঠোন। সেগিন আমাদের একটা পার্টি হিলা সেরাফিনা ও আনটিল মানডে আমি
দেখেছি। আমার, ভবিশ ছালো লেগেছে।"



ভবে স্বভেৱে ভালো লেগেছে আফারকান দুটি ছবি—বিলভার ব '২০০১-ব

জর্শেন্তী পরিচালিত মেন ও রৌপ্র নিরে কথা উঠল। উৎসবে র্শ নারী সমিতি (মোভিরেট কমিটি অফ উইমেন) ছবিটিকে প্রশক্ত করেছেন। "লী ধরনের পরেশ্বার এটি?" জিল্পাসা করলাম। জর্শ্বতী বলনেন, "সন্দানজনক তো বটেই। এই নারী সমিতির সদস্য সংখ্যা প্রান্ন চলিশ লক্ষা সমিতি প্রতিবারেই মন্ফেনা উৎসবের একটি ভালো ছবিকে এই প্রস্কারটি দিরে থাকেন। একটি ভিশোমা। এ বছর ব্রেষ ও রৌপ্রর ভাগ্যে ভা জ্যুটল।"

উৎসবে এ বছর মানা দেশের তারকার সমাবেশ কটেছিল। ভারতের দেব আদল্য তো ভূরীদের মধ্যেই একজন ছিলেন। তাছাড়া বৈশ্বরুতীয়ালা ছিলেন, সরোজা দেবী ছিলেন, পাকিস্তান থেকে শামিক আরও তাজির ছিলেন। আর ছিলেন সোঝিরা লরেন। "সোঝিরাকে মিটা শাকরেনা? ছিলাসা করলাম। অরুপ্রতী আনুভ্রুতারের সংগ্রা বজলেন "হোঁ, তবে মেনশন্ করবার মত কোন কথাবার্তা হারনি আমাদের মধ্যে।"

ভারতের ছবি বলতে রাশিরানরা বোশাই ছবিই বোকে, অর্থধতী জানালেন সেকথা। কারণ, বাবসারিক ভিত্তিতে সেধানে শ্ধ্ বিন্দী ছবিই ছাল। বাংলা ছবি থাকবারেই না।

—विष्ठक

## ভরা থাক স্মৃতিস্থায়

বার নটাভারতীতে মেক্-আপের
টেবিলে মাথা গাঁলে তচ্য গাণগালির
সৈ কি কালা। কালার হেতু ভানতে
ভাক গড়ল তুলসী চল্লবতীর।
তিনি দ্ব-এক মৃত্যুত ইতসতত করলেন।
ভাবলেন, নিশ্চরই বিরটে কোন দ্বতিনা
বটেছে। এই অবন্ধার কণ্ঠশ্বর কভটা
কোমল করতে হবে, কেটা সহান্তুতি
নাখাতে হবে, সেটা ঠিক করে নিলেন।

ভারপদ্ধ কাছে গিন্তে পিঠে হাত রেখে খনে মোলারেম স্বরে ভাকলেন, "স্লোল— এই স্লোজঃ"

কারার কৌস-কীস হাড়া আর কোন আধ্যান্ত নেই।

এবারে গলাটা একট চড়ালেন তুলসী-বাব: বললেন, "কী হরেছে বলবি তো । ভা নর, ভখন থেকে কেবল কেনেই ভাসাজে। বলি, কেউ সারা গেল নাকি রা, জাাঁ?"



হিরন্দর সেন পরিচালিত জীর্যভারতীর 'বালক গণাধর'' চিত্রে চুম্বকী : ছবিটি জবিলাস্য নামি পাক্ষে

তেজনে মুখ তুলনে জহর গাগেরী।
চোধের জনে গ্লেগালে ভেলে বাছে। তুলসী
চক্রবর্তীর হাত দুটো জড়ির ধরে হাউহাউ করে বললেন, "এর চেরে মরাই বে
ভাল ছিল তুলসীরা! মোহনবাগানের গোহারার হারাটা ভাহলে চোধের সামান বেধতে হতো না!"

এই ব্যাপার ! হার ভগবান !

দ্বিতীয় বাকটি বার না করে সবাই বাদত হরে পড়জেন বে-বার মেকজাগ নিতে।

ভূলসী চরুবতী একটা রাগভ স্বরেই বললেন, "এরই জনো এভ কালা ! তোর কি ভীমরতি ধরেছে রা৷ স্কাল !"

তুলসীবাব, ব্ৰক্তেন জহর গাণাচুলির দনের বাথা। ব্ৰক্তেন, মোহনবাগান জহর গাণাচুলির কী এবং কতটা। ভাই সান্দনার সহের বললেন, "যাক গো, ভূলে বা ওসব কথা। কাসটো না হয় হতে পারেনি, কিন্তু সেকেন্ড তো হরেছে। কেন্স তো আর বরেন। ভা হলেই হলো। এখন নে দিকি, চটপট মেকাপ নিজে নে। ভ্রপ ওঠার সমর হরে গেছে।"

ঠিক সমরে ড্লপটি তোলা বাবে কি না,
অথবা দেদিন টিকিটের দাম ফেরং দিতে হবে
কি না—এ ভামনার প্রায়শই ভূগতে হতো
স্টেজ-মালিকদের। তবে তা একটি দিন—
ওই মোহনবাগানের খেলার দিনই। ক্ষয়র

গাল্গানীর তথ্য থিরেটারের টপ-স্ল্যানার আটিস্টানের একচন। '

পরবর্তীকালে অহর গাপানুলি মোহনবাগান ক্লাবের কর্তাবাজিদের একজন
হরেছেন, হকি-সেকেটারি হরেছেন, কিন্তু
জেলেমানুবি ব্যাপার-স্যাপারগুলি হাজতে
পারেন নি। মোহনবাগান গোল দিলে ছেলেমানুবের মন্তই নাচন্ডে পুরু করে গিডেল!
ঠিক একটি সাধারণ মানুবের মন্তই।
চলচ্চিত্রের অববা রুপায়কের ইভিহাস বারা
লিখ্বেন ভারা জহর গাপানুলিকে কর্তা
বাঁচিরে রাখতে চাইবেন জানি না, তবে ভিনি
নিশ্চর বেচ্ছে থাকবেন ঐসব সাবারক
মানুবের ক্ষ্যিত্তে।

বেদিন ক্ষিতারণ করতে গিরে উত্তরকুমারও ভাই কললেন। কললেন, "কেনে
চারতে হরতো আমি আমার নিজের মঞ্চ
করেই অভিনর করলাম, পরে পদার দেখলাম
স্কারণার হাপ সে চরিতে ক্ষান্ট। অক্টেডন
মনে কোথার বেন স্কালদা কেল একটা
হাপ রেখে গেছেন—মেটা মুছে কেলা মোটেই
সহজ নম্ন

নহজ মর বলেই ব্রে-ক্রিড ছত কথা
মনে পড়তে ওই অনেশ্য টিভার সামাল
সাঁড়িয়ে। মনে পড়তে, একটি সকাল থেকে
আর একটি সকালে পেছিবার জনা কড না
ক্রিন্সানন। মনে পড়তে একটি জন্মকার
সন্মা থেকে আর এক আলোকোজনে
সন্মার উপনতি হবার জন্য কী নিবার্থ
সান্ধার উপনতি হবার জন্য কী নিবার্থ
সান্ধার উপনতি হবার জন্য কী নিবার্থ
সান্ধার উপনতি

কিন্তু সে-কথা আৰু থাক। আৰু শ্ৰেছ ম্-ফেটা চোধের জনেট্ন জহর গাপাট্নির স্মাতিশ্লা করতে চাই। ও' দানিত! ও' শালিক! ও' নালিক!

312.174

-ৰস্ফেৰ

### दबाम्बारे विकिता

নাংবাদিক, লেখক এবং চলচ্ছিত্র নির্বাচা
খালা আহমের আখাল বত্যানে সাত
ছিল্পুলানী নামে একটি ছবি করছেন,
ভারতের বিভিন্ন অঞ্চলের নামকরা নেটক
এবং চলচ্চিত্রের সাতজন অভিনেডাকে
নিরে গোরার তার কাল চলছে। এবং ছবির
আগো তিনি একটি ছবি করেছিলেন,
নাম ছিল 'বোল্যাই রাত কী বাঁহো মে."
সেই ছবিতে আন্বাস সাহেব বিলির মণ্ড
এবং টেলিভিন্ন অভিনেডা বিমল
আহ্লাকে নিরে এসেছিলেন। "বোল্যাই
রাত কী বাঁহো মে'তে কাল কবাে কিরী
উল্লেখবোদ্য কোন চবিত্র হাতে তা্লিন

বিমল আহ.জার। মথেন্ট ছোরাঘ্রর করেছেন উনি বোম্বাই<sup>\*</sup> বাজারে, বিক্ত তেমন কিছ উংসাহ পাননি কারো কাছ থেকে। তব্ ভেগে পড়েননি বিমল। আব্বাসের ছবির কাজ করতে এসে বিমল বংশ্বর চটকদার হোটেলে থেকেছেন, গাড়ি করে ঘরে বেভিয়েছেন (সম্ভবত নিজের প্রসার) বশ্বের প্রামার রাজ্যে একট ঠাঁই করে নিতে, কিন্তু কালব্রুমে আবিন্কার করেছেন নিষ্ঠার প্রাণ-ব্যবসারী বোষ্বাইকে. ব্রেঞ্ছেন ব্যবসায়ী বোদ্বাই বণিতা কার হাতে হাত রাখে! সেই বোধের হাত ধরে বিমল আহ্জা আরো করেকজনের হাতে হাত রেখে মাত্র সাড়ে বোল দিনে একটি ন' হাজার (৯০০০) ফিটের ছবি শেব করে ফেলেছে। কয়েকদিন হোল। একমাত্র দুঃখ এই বে. ছবিটি হিন্দীতে নয়, ইংরেজিতে ! ঘদিও ছবির ঘটনা একটি নামকরা হিলা নাটকের থেকে নেওরা। নাটকটিব 'হত্যা এক আকার কী'। ইংরেন্ডিতে নাম হয়েছে "এটি ফাইড পাল্ট ফাইড।" এহাত্মা গান্ধীর হত্যাকে কেন্দ্র করে এ নাটক। একটি মাত্র সেট। মাত্র চারটি চরিত্র। গ্রাম্থী হত্যার পেছনে যে বড়বন্দা, এবং সেই বভ্যনের পেছনে যে মানসিক্তা তারই वाका विनाम अहे छिछ-नाष्ट्रक। नाष्ट्रकिछिटक হিন্দী থেকে ইংরেজীতে র্পান্ডরিত করেছেন জ্ঞান ভেলানি। সেই সংশা একটি চরিত্রে অভিনয়ও করেছেন। বাকি তিনটি চরিত্রের অভিনেতা ডেভিড, ইকতেকার এবং



কুলার বাল্যনের পরিচালিত একপেরিলেন্টাল ছবি "আটে জাইত পাল্ট কাইত" ১.০০০ ভেতিত ও জুল ডেলামি

প্রবাজক অভিনেতা বিমল আহ্জা নিজে।
ছবিটি পরিচালনা করছেন ফিল্ম ইনস্টিউট থেকে পাল করা এক উৎসাহী ব্রক।
নাম কুমার ৰাস্দেব। আলোকচিত্র গ্রহণ
করেছেন কমল বোস। সম্পাদনা করছেন
জান্ত বোস, সংগীত নির্বেশনা বসত দেশাই-এর। বোম্বাই-এ তৈরী এই ছবিটি

ইংরেজিতে করা হরেছে, আন্তর্জাতিক বাজারের আলোকধনা হতে হরত খন অস্থিবিং হবে না। কিন্তু হিন্দীতে বানালে হরত হবিটি রিলিজ-ই হোত না। এবং প্রকৃতপকে সেই ভরই ছবিটিকে হিন্দী হতে দিলানা।

সরল শ্মী

রবি বশ্সির

टारवाजनात

সাগর সেনের প্রিচলেনার

श्रावण जन्ध्या

৯ই আগস্ট ॥ **রবীন্দ্র সদন ॥ সন্ধ্যা ৭টায়**অংশ নেকে—কণিকা • দেবরত • স্টিয়া • চিন্দার • স্মিয়া • সাগর •
কমলা • প্রদীপ • ভাস্কর ও ৫০ জন শিস্পী
ন্তা পরিকল্পনার—মন্ধারিকা দাস | দানিত বস্থা টিকিট—১০, ৭, ৫, ও ৩, টারা
প্রান্তিস্থান—রবীন্দ্র সদম ॥ স্টাইলো ॥ মেক্ডি ॥ মাডাম (শ্যামকজার)

(जि-द६६६)

(ন্ডানাট্য)

मिक्कणी'त भिन्द-मिल्भीरमत निरंबमन

রবীন্দ্রনাথের গীতিনাটা

বাল্মীকি-প্রতিভা

২৪শে আগন্ট, রবিষার, সকাল সাড়ে দশটা ॥

कना-यन्मिद्र

১০, ৫, ও ০, ম,লের প্রবেশপত দক্ষিণীতে পাওরা বাবে ॥

#### यतानी व्यक्तित श्रीकिनीय मन मश्रीयोक

ভারত সরকারের উদ্যোগে ফরাসী চলচ্চিত্র উংস্থ সম্প্রতি অনুষ্ঠিত কলকাতার হবে ১৫ আগস্ট। উংস্ব উপলক্তে <u>ফরাসী</u> প্রতিনিধিনল GIALE এলেকেন-এ'দেব মধ্যে আছেন একজন চিচপরিচালক (জী দ্যানিয়েল সিম) এবং একজন অভিনেত্রী (শ্রীমতী দ্যারিরেল)। গত সম্ভাহে **ভা**রা কলকাতা-সকরে এলেছিলেন। বেপাল ফিল্ম কার্মালিক জ্ঞানোসিরেশন গড় ২১ জ্ঞাই গ্ল্যান্ড হোটেলে তালের সংবর্ষনা জ্ঞাপন करदम । जन्दर्शास श्रीज्ञां वर बाद 📽 প্রীতপন সিংহ উপস্থিত ভিলেন।

#### जानानी इनकित छेश्वन

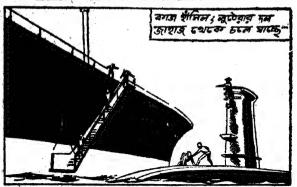
সিনে সেখ্যীল ক্যালকাটা, জাপান দ্তাবাসে এবং ইন্দো-জাপানীক জ্যানো-সিরেশন-এর বৃশ্ব উদ্যোগে ক্সকান্ডার ওলু ও কুরোসাওয়ার জ্যি সহ করেকটি সমকালীন জাপানী ছবির প্রদর্শনীর ব্যবস্থা হরেছে। জ্ঞাগের সিনেয়ার ১ থেকে এ জ্যাগানী উৎসব চলবে।

## অন্ধুণ্য দেব



## ती क्रक





















, j. K.

দিনাজপরে জেলার ইসলামপ্রের দু' দল লোকের মধ্যে সংঘর এই সপ্তাহের উল্লেখ-ৰোগ্য ঘটনা। পশ্চিম দিনাজপুরের ইসলামপুর মহকুমার চাকালিয়া খানার কাঁকি গ্লামে २२ क्लारे मान्या धरः भूनित्तव भूनिएक ५कन निरुष धरः जातक दम कहतककन चार्छ दरसाह। এই शास्त्र बारिककार्य मुठेलसाल व्यक्तिमाराया । मनन्य बनकार चारमण ঘটে। এ দাপ্যার উভর দলের পক্ষ থেকে তীর-খনকে বরম ও ধারালো অল্যাদ্র বাবহার করা হর। বু' মতাধিক বাজি ও দোকান ব্যুণ্ঠিত হর। অপ্নি সংযোগের ফলে ২৪টি ৰাড়ি সম্পূৰ্ণ ভস্মীভূত হরেছে। এ ছাড়া আরও ৪০।৪৫টি বাড়ি ক্তিগ্রন্ত হরেছে। धायात १२ वन्ताव कना कातकाः काति धारः ১৪৪ शायात यकावः कता वरतात्व । न्ययान्येयन्ती শ্রীজ্যোতি বস্ ২৪ জুলাই বৃহস্পতিবার প্রিচমব্দা বিধানসভার এক বিবৃতিতে বলেন ঃ দাপ্যার আগের দিন রাল্লে কাঁকি গ্লামের কিছু কোক স্থানীর বাসিলা শ্রীশ্যাম-नान इक्छितात कार्ष्ट ६०० होका क्रिक्शतम नावि करता अहे क्रिक्शतम शास्त्र कार्रम : अहे गांहर अक कार किह दिन जारा मानीय अक परिनारक नाहिए करविस्तान। **धरे क**िश्रत्न प्रथत देव ना। क्रियाक ममर्थन बानान शिकनक तात नामक क्रांतक স্থানীর ভদুলোক এবং আরও কিছু স্থানীর লোক। এইভাবে গ্লামে দুটি পরস্পর কিরোধী क्षण गरफ करते। तृ करण नःशर्व जातम्छ इत्र अवर जारक मरशालम् मन्द्रमारंत्रतं मृत्यन নিহত হওরার পরেই সম্ভবত ঘটনাটি সাম্প্রদায়িক রূপ নের। ক্ষতিগ্রম্ভ গ্রামগ্রিলতে हानकार हानावाद वावन्या कहा इरहाइ। किनीवे दिनिक रान्धेद बर्स थामाना अवर र्जीद रेटापि विष्त्रम कर्ता रहा। किनका मन्त्री कार्यात शिरहरूका। विहासमनी প্রীভত্তিভূষণ মণ্ডল জানান-এ দাশারে শেহনে এমন ক্তক্ণালি সিরিয়াস ব্যাপার আছে বা মন্দ্রিসভার গোপন বৈঠকে রিপোরট করা হবে।

#### ट्रामी जरबाय

১৯ জ্লাই—প্রীমোরারক্ষী দেশাই আজ রোকসভার বলেন: আছসম্মান বিসর্জন না দিরে তরি পক্ষে বর্তমান মন্টিসভার আরে কাজ করা সম্ভব ছিল না। প্রধানমন্ত্রীও এক বিব্যাতিকে জানান, প্রীদেশাইর হাত থেকে কেন আর্থ দফতের বদল করতে হলো। গ্রীমতী গাম্পী এটাকে শ্রুঘ্ অর্থ দফতের বদলের প্রশন বলেই বিব্রচনা করেছিলেন।

সংসদের জবিবেশন বসার ঠিক স্থিদন জাগে সরকার কেন ১৪টি প্রধান ভারতীর ধাণ্ডক রাজ্ঞীরত করার জনা অরভিন্যানস জারি করলেন প্রধানমন্ত্রী আজ লোকসভার তা বিশেববর্ধ করেন। শ্রীমতী গান্ধী বলেন, জনস্বাধ বিরোধী কোনরকম উদ্দেশ্য সাধনের সম্ভাবনা বাধ করার জনা হঠাং কিছু করা সরকার এবং অরভিন্যানস জ্ঞাতা সম্ভব নয়।

২২ জ্বোই—পশ্চিমবণ্য শিখান পরিবদ বিবোপ বিলাট আন রাজ্যসভার জন্মেনিদ্দ হর। লোকসভার আগেই হরেছে। সব দলের সদস্যরাই বিলাট সমর্থন করেন। ২৬ জ্বোই খেকে বিকোপ সংক্রান্ড রাষ্ট্রপতির বিজ্ঞাপিত জার্মকর হওরার সম্ভাবনা।

ইন্দির। মন্তিসভার বির্দেশ বি কে ডি, সভল পারটি এবং জনসভ্য অনাম্পা প্রভটের আনেলে সি পি আই (এম) ইন্দিরা গাম্পীর পক্ষ নেবেন। এই গলের সাধারণ সম্পাদক ব্রী পি স্ক্রেরায়া আক্ষ কলকাভার এক সাংবাদিক বৈঠকে এই নীতি ঘোষণা করেন।

২৩ জ্লাই—মার্যাকন ব্রুরাপের ওগলান কোম্পানীর জনৈক প্রতিনিধি নাকি ইনভিয়ান এরার-লাইনস কর্তৃক ডি সি-৯ বিমান করের বাবস্থা করার জনা ১৫ হাজার ওলার (১,১২,৫০০ টাকা) ব্যুব দেওরার প্রস্তাব করে ইনভিয়ান এরার-সাইনস-এর জনৈক অফিসারের কাছে এক পত্র দিরোছলেন। বিষর্টি নিরে আছ রাভাসভার খ্রই ইটট হয়।

হন্ত অনুলাই—জনসংঘ সদস্য শ্রীবলরাজ মাধাক কমিউনিসট দলগুলিকে "রাশিরা ঋ ∖ানের দল" এবং তারা দেশকে শাসবের শ্রুশধ্যে



প্রথালত করতে চান বলে মণ্ডবা করলে লোকসভার আজি তুম্ল হটুলোল শ্রু হয়। প্রার ৪৫ মিনিট ধরে হটুলোল চলে। এই মণ্ডবো কমিউনিসট সদস্যগণ তীর আপত্তি জানান এবং শ্রীমাধোককে তারা এই মণ্ডবা প্রভাহার ক্রতে বলেন।

করাজা বাঁধ নিরে বিরোধের সালিলের জন।
একটি আন্তর্জাতিক সংক্ষা স্থাপনের জন্য পাক প্রস্তাব ভারত দঢ়ভার সংক্ষা প্রত্যাধান করেছে। আজ করাজা এবং অপরাপর প্রাণ্ডালের নদী পরিকল্পনা নিরে সচিব প্রারে ভারত-পাক আলোচনার এই দাবি করা হল বলে জানা লাভ।

২৫ জুলাই—আজ তুমুল হবুবানির মধ্যে লোকসভার দেশের গাঁবিক্যানীর বালিজ্যিক বালেকসভার দেশের গাঁবিক্যানীর বালিজ্যিক বালেকসভার দেশের বিল উত্থাপিত হর। স্বতন্ত্র এবং জনসভা সক্সায়া একবালা দ্যুতার সংগ্রহ হন। ২৬০—৪৬ ভোটে বিলটি উপ্রাপনের সিম্পানত গা্হীত হয়। কংগ্রানের সংগ্রহ জনানার পাকে ভোট দেন। গাতকাল কংগ্রেনের জনানার পাকে ভোট দেন। গাতকাল কংগ্রেনের বালেক্যানির সাক্ষান্তর দেশের বালুক্ত দলের বালুক্ত দলের

২৬ অনুষ্ঠ—রাজীপতি নির্বাচনে ২৪ জন প্রাথমির ক্ষেত্র ৯ জন প্রথমির মনোনরনপার আজ রিচারনিং অফিসার পরীক্ষার পর বাতিল করেন। পানেরজন প্রায়মির মনোনরনপার ইবা বলে ঘোৰণা করা হয়। এই ১৫ জনের ববো আছেন প্রীসম্ভাব বেডভি, প্রীভিভি গিরি এবং প্রী সিভি বেল্যনুথ। আলামী ১৬ জাসস্ট রাজীপতি নির্বাচন।

२५ बहुमारे-गीनवान सहग्रहक गाँचन 👀

পরণাশর পাথর প্রতিমা থানার সংস্কানপরে হামে একদল দেওঁলার ও কুমকলের একটি বিক্রোভ মিছিলের মধ্যে সংবদে জোভারদের ব্যালিতে ২ এন কুমক সমত্ত ও ২২ জন আতে হামে আলিপুর মেলা প্রতিম্প সক্ষর প্রভাবে রামে আলিপুর মেলা প্রতিম্প সক্ষর প্রভাবে বাবাবোগা করে কোল সমর্থন পাঞ্জয় বার্মন।

তেলেপানা প্রধা পরিভিন্ন সংখ্যার পরিবাদ বৌষভাবে প্রী টি এর সনালকারি পৌরোহিছে। সম্প্রীভ অনুষ্ঠিত এক সভার দিবর করেছেন বে, আগামী শুকুবার থেকে হারদরাবার সেকেন্দ্রানা এবং তেলেপানার জন্মানা জন্মদে রূপ স্ভারেছ পুনর্ম শুকু করা হবে।

#### विदमनी अश्वाम

২৯ জুলাই—চাঁলের মাটিতে নীল জ্বার্ক্সইং এবং জ্বাজ্বন পা দেওবার হার প্রেসিডেনট নিকসন মতোর মাটি বেকে সরাসার জানের মধ্যে কর বলেন। প্রেসিডেনটের ন্তেগ্ কর্মা বলার পর জারবালীং চাঁদের যাটি সংগ্রহ করে ভা একটি থলের মাথেন।

২২ জুকাই—নভোশ্চরদের নিজে আপ্রেলান ১১ মহাকালবান বর্ডের সিকে পাজি জারিরেছে। গুলিকে জডরেল ব্যাক্তের হতে বাতার ভিনদত মাইল বেগে লানা-১৫ চালের ব্যক্ত গিরে আছাঙ্ পড়ে এবং চ্লানিক্রণ হরে বার। সোভিত্রে ঘোষণার পরিক্ষারভাবে আভাব দেওরা হারাহ বে, বানা আর প্রিথবীতে ভিবে আগতে না।

২০ জ্লাই—ব্ৰরাজ জ্লান কারলোস আজ রাত্র দেপনের ভবিষাৎ রাজা হিসাবে লগথ গ্রেব কারন। পারলামেনটের তেপন্টিরা ৩ই সমর হর্বাথনি করেন। জেনারেল জ্লানকে প্রশাস্ত্রিত জন্মতান দেখেন।

হঙ জ্বোই—চন্দ্রচারীরা চাঁদে যে সিস-মোমিটার বন্ধটি রেখে এলেছেন, সৈটি মংগলবার রাত্র ১–৫০ মিনিট প্রিবাকি জানিরে নিরেছে, স্বেমান্ত চাঁদে একটি ভূমিকম্প হারে গেল । ইতিপ্রে টানের কোন ভূমিকম্প প্রিবাদ্ত রেকরত করা সম্ভব্পর ছিল না। সংগ সংগা প্রিবার বিজ্ঞানী মহলে ভোলপাড় শ্রে হরে গিরেছে।

হও অব্লাই—আনব ইতিহাসের স্বাধিক রোমান্তকর ও ব্রুলাইসিক অভিবানের পরি-সমাণিত বটিরে চন্দ্র কর তিন মহাকালচারী আরার পাৃথিবীতে কিরে এসেছেন একেয়রে নির্দিত লগেন, রুডির কটিরে কটিরে ব্রুলিভি-বাল রাটি ২০-১৯ মিঃ-এ (ভারতীর সমর) মধ্য প্রশাস্থ সহাসাগরে। ন্তেভারীরা চন্দ্র থেকে কোন অনুলা ও অভ্যানা কীবাণ্যু বহন করে এনেছেন কিনা তা দেখাল ভান্য তীরা এখন কোলালানিক অন্তল্প

২৬ জুলাই—নিবাপতা বাহিনীর লোকের।
আল বানিলার কিলিপিন সকরে আগত রার্ভিন
প্রোস্থিতনট নিকস্তনর প্রাণ নাগের এক চক্তাত
বার্থ করে কেন এবং কল্ফের লড়াই-এ তার।
একান ক্রিটনিনট চাক্তে হত্যা করেন।

হৰ অনুনাই—হিউস্টনের চালু গ্ৰেৰণাথানের বিজ্ঞানীয়া স্পীকার করেছেল—চানের নাটি ও পাঞ্জের বিকে ব্যিকান্ত করে তারা সম্পূর্ণ নিরাপ ব্রেক্তেন। চানের পাথারগ্রির প্রথমিক প্রাক্তি শেব করে মহাকাশ কেন্তের বাভ্ততত্ত্বিব ডঃ কিং এক সংবাদিক বৈঠকে ব্যেন্-সামরা আনে বেরুমটি অনুনান করেছিলান, চাল হত সহজে তার কর্মা উল্বাচন কর্মন বলে ক্রে মসামান্ত কেথক চ অসাধারণ করে

গড়েন্দুকুমার মিতের অন্নাসাধারণ উপন্যাস

## আমি কান পেতে রই

- এতে উনবিংশ শতকের কলকাতা তথা বাংলা দেশের এক স্বাদ্ আলেখ্য পরিকট হরে উঠেছে। লেখক মনভতের দিক দিরে বিভিন্ন টাইপের চরিত্রের ক্রেতরকার দিক উদাঘাটিত করেছেন তা তার সমাজ-মানস বিজেবণের দলেভ ক্ষমতাবই পরিচায়ক। ... রসোভীপ এই উপন্যাস মহংগ্রেরণার অনুপ্রাণিত করবে शहितं-शहिकादक।" -4.11-64 <u>ক্রিটের পাওরা মেয়ে, এই মেরেকে কেন্দ্র</u> करतरे शरफ केर्द्विष्ट अक कर्रायमी। मात्रयामान আত্তকথা বলা চলে। পেনাদার কাতিনার সরেবালার জীবনকথায় ঐ গ্রেণীর নর-নারীর জীবনের সাখ-দাংখ বাঘাতা সাফলা ও বির্বাংবেদনার কথা ভাতাত নিপ্রেভারে লেখক বাস্ত করেছেন। সাত্রালার কটিতানের লহর মহং উপন্তের ফল্প্রতিরই অতেগ काशाब क्रमय-प्राप्त ।" --रवणाय-स्थार ॥ विতीय মাদুণ - চৌদ্দ টাকা ॥

ল লৈ মজ মদারের

## আর কোনোখানে

"স্বনামধনা লেখিকার স্মতিক্যা এই গ্রেশ্ব লিপিবল্প হয়েছে। শৈশব থেকে ছারী কমালীবনের পূর্ব প্যান্ত হৈ সকল ঘটনা-প্রবাহের মধ্যে দিরে বাদের ছেহসংস্পান্ত ও বে সকল অভিজ্ঞাতা লাভ করে তাঁর জীবন বার এসেছে তারই ধারাবাহিক চলচ্চিত্র বলা যার বইখানিকে। পড়তে পড়তে পাঠক-পাঠিকারা এই ধারণার উপনীত হবেন বে, তাঁরা বেন লেখিকার সজে এগিরে চলেছেন তাঁর দৃশ্যে কতু ও প্রত্যুত কাহিনী দেখতে দেখতে ও শ্নাতে শ্নতে।....উপন্যান্তর চেয়েও চিক্তাহাঁ এই স্মতিচারণ কথা।"

"প্রতিটি ক্যুভিকথাই আবরিক অভিজ্ঞতার অনাঞ্চবর বর্গনে উপভোগা হরেছে। ... ম্লত আঅকথাবিষয়ক গ্লম্ম হ'লেও আর কোনোশানে উপন্যানের মতোই স্থপাঠ্য।"
—ৰ্যাণ্ডৱ

॥ তৃত্তীর মালুগ — পাঁচ টাকা ॥
তেখিতার নাত্র জীবনাম্ভিক্তা

म्कूभाव बाग्न 811

নীরদচন্দ্র চৌধ্রীর বহাবিতবিক প্রাথ

## वाधाली जीवरन त्रमणी

শনীরৰচন্দ্র চৌধারীর বই বের্লেই ইংরেজী জানা প্রিবীতে সাড়া পড়ে বার।
ভার লেখা বাংলা বই বিশেষত প্রথম বাংলা বই সংপকে বাঙালী পাঠক-মহলে
কৌহারল স্থিত হবে ভাতে আর আন্চর্মের কি? কিন্তু লেখকের খ্যাতিই এই
বইটির আসেল গ্রেণ নর — বাঙালী-জীবনে রমনী — এ ধরনের বিষরের ওপর
বাংলাতে কোন বই আর লেখা হরেছে বলে আমার জানা নেই...লেখক ইংরেজী
সংস্কৃত, বাংলা এবং লাভিন সাহিত্য থেকে তুলনাম্লক বিষয় এবং উদ্ধৃতির
উল্লেখ করে প্রতিপাদ্য বিষয়টিকে উপাদ্যাপিত করায় লেখা বেমন চিন্তাকর্মক
হরেছে তেমনি জ্ঞানবর্মকও হরেছে।...খ্য অংপসংখ্যক লেখকের লেখার মাণ্ডে
এই সকল গ্রেণ্ডা এর্প স্কৃত, সন্মেলন ঘটে বেমন ঘটেছে বর্তানা প্রেক

শ্মেণিক চিন্তা ও ভাবের বেখানে প্রকাশ ঘটে, গতানগৈতিকভাকে বা নাড়া দের, অন্ভবে বা নড়নদের সাড়া জাগান — সে সাহিত্য অবেলাড়ন সালি করবেই সে সাহিত্যিকের সাধনার মধ্যে জবশাই সাধকিতা আছে।... এই ইতিহাসাল্লিত অথবা বৈঠকী গণশাকারে রচিত বাঙালী নরনারীর জীবনের স্বাস্থীণ দিক দ্র্তি গরিক্লেদ ও উপসংহারের মধ্যে নানা ব্রিছ, উপলা ও কাহিনী-সহবোগে একটি ব্যক্ষিদীপ্ত, সজাগ ও আধ্নিক মনের বারা সাম্পরভাবে ব্যাখ্যাত হরেছে।..."

17.84

"সমগ্র আসোচনাটি তাজা হাওয়াৰ ভ্রপ্রে নারন চৌধ্রী **এখানে গতান্গতিক** সমালোচক নন, তিনি প্রতি কাজে ঘ্রিনিষ্ঠ, প্রতিটি পাতা ব্লির বীপ্তিতে উচ্ছনের।" — — আন্দৰ্শনার পরিকা

শর্মনীর রচনা হিসাবে বইটি অসাধারণ। সাম্প্রতিক প্রকাশন-ভালিকার উল্লেখ-যোগা সংযোজন। স্কিথিত, স্থেপাঠা, জোরালো গলার বলা – নীরদ্বাব্র যা নিজব গ্ণে।" — <del>কাজাব্যালী, কাজা</del>ভা

এই প্রশেষর সমালোচনা করিতে বাংলার বাহিরের একটি সামরিক পত্র ছোট হরফে ১৮ প্রতা বায় করিয়াছেন। আনক্ষরজার পত্রিকায় পাঁচ কলমের বৃহলোংশ জর্ডিয়া এই প্রশেষর সমালোচনা প্রকাশিত হইরাছে।

ম বিতীয় মানুগ-দুপ টাকা ম

নির্মালকুমারী মহলানবীশের রবীদ্য-মাতিকগা

## कवित्र मुद्ध युद्रादश ৯,

—অসংখ্য চিত্ৰ লোভিত—

নির ও বোৰ, ১০, শ্যামাচরণ দে শ্রীট, কলিকাতা—১২ ঃ কোন ঃ ৩৪-৩৪৯২, ৩৪-৮৭৯১



त्रुघतनींत

# घतकनाश अथरमञ्

## প্রেস্টিড

Prestige

সবটেয়ে নিরাপদ ঃ मिनामधा मनति (वनी नामना

অনেকটা জায়গা ও আপনাৰ নিজেৰ নানান পাত্ৰ বা কীৰ

সার্ভিস ঃ বিশীর শর সারাভারতে সাভিসের ব্যবহা।

अल्डाक भित्रवादात उभावामी अर्विक मार्डेक

সময় ৰাচায় ইন্ধন ৰাচায়



विवास्ता

আপনার ক্ষরিবার কন্ত, একটি বাড়ডি প্লাপ ও শিক্ষা এবং হক্ষর প্রধানীর একটি বই কাইনের ভেডরে ড'বে কেপ্রয়া আছে।

তৈথী কৰেছেন : বি চি (প্ৰাইডেট) জিলিটেড ৰাজাটেনায়—১৬



বিষয়		লেখ <b>ক</b>		প্ঠা
	9 A 37	Programme and the state of	•, :	
म, दब्रम			***	222
পরীক্ষ	া ও পরীক্ষক	• 1	***	२२১
ৰ্জাচ্চ	<b>-</b> -		•••	222
देवदर्गाः	কী—দেবরাজ		***	220
म्भाभा	-शीनवात् १	ন <b>্</b> ত	•••	228
ब्र <sub>ाशम</sub>	াঁৰ সংবাদভাষ	<u>1</u>	•••	२२७
<b>अ</b> द्भाग	त कार्नान—	APT.		२२१
জমেছে	নভুন রঞ্জ (ক্র	বিতা)—শ্রীনীরা <b>ন্দ্রনাথ চ</b> র	দ্বত⁴	२२৯
माध (ः	কবিতা)শীরদ	মন আচাৰ'		२२৯
म, देशन	সন্ধানে-শ্রীম	শির লাহিড়ী		२०১
	<b>न्त</b> —≷न्प्रजि९		* •••	२०१

### त्रावली श्रम्थ्याला

र्वाध्कय রচনাবলী

শ্রীযোগেশ্যন্ত বাগল সংপাদিত। প্রথম খণ্ডে সমগ্র উপন্যাস (মোট ১৪%)-টা ১২-৫০। বিত্তীয় ঘণ্ডে উপনাস বাততি সম্প্ৰস্থিতা-অংশ—টা ১৭-৫০। ততীয় থকে সমগ্র ইংরেজি অংশ একরে—টা ১৫.০০।

मिट्डा म त्रह्मावली

ডঃ 'র্থীন্দ্রাথ বার সম্পাদিত। দুই খনেড সম্প্র ব্রনা। প্রথম খণ্ডে । ৫টি নাটক তটি প্রহসন, ৪টি কবিতা ও गारमत श्रम्थ ७ २कि भहा-तक्सा।—हें। ५२-७०। विकास খণেড (৮টি নাটক, ৩টি প্রহাসন, ৪টি কবিতা প্রাথ, ২টি भग-बहुना ७ देशबीह कविटा)-हो ३४-००।

मध्यम् मन ब्रह्मावली

ডঃ ক্ষেত্র গরের সম্পাদিত। একটি খনেত ইংরেজি-সভ সমগ্র রচনা (৪টি কান্যগ্রন্থ ২টি কবিতারলীর গ্রন্থ ৭টি নাটক ও প্রহসন, ৮টি ইংরেজি রচনা )-টা, ১৫-০০।

मीनवक ब्राज्यावनी

ডং ক্ষেত্ৰ গ্ৰন্থ সংখ্যাদিত। একটি খণ্ডে সময় ৰচনা ( ৮টি নাটক ও প্রহসন, হ'ট গল্প উপন্যাস, ৩টি কাবা ও কবিতা अन्थ )−हो, ५०००।

देवस्व ब्रह्मावज्ञी

সাহিত্যের শ্রীহারক্ষ মাথোপাধারে সম্পর্টিত ও সংকলিত প্রায় চার হাজার পরের আবর জন্ম 🖟 २৫-০০।

श्रीक बेहनायमध्य करियनी এ সাহিত্য-সাধনা জালোচিত

ठेका সংসদ

৩২এ আচার প্রফল্লেচন্দ্র রোড : কলিকাতা ৯

4.764 STOTES SO44 PICE MANING PRINTS

## वाश्लाश विश्वववास

শীনলিনীকিশোর গাত প্রথম

## वाश्वा अश्री (७३ 🗃 १

সক্ষার রার প্রবীত

## थालि शामव

জগৎ-জোড

निर्मातान्य दावकोधारी अनीव

## ভারভের শিপা ৪

( क. जि. साम.ली

ক্ৰণ-সাহিত্যে বে বইগুলি আলোডন এনেছে

অক অব্যাহ ১০টি পূব' প্রকাশিত शिम्द्रवायक्यात व्हर्वा

## **अक्टरका**त

हीजेगाञ्चाम बद्धाणायात

অমৃতভ্ৰ অমূৰক কৰ

मन्मश्र साम

## একই গঙ্গার ঘা**টে ধা**টে

প্রথম প্র **बीरमयश्रमाम मामग**्रस

## श्रिमालस्य व आ क्रियाय

রামপদ মুখোপাধাায়

प्तक सिशास

বিবেকরঞ্জন ভটাচার

प्रवर्षा विक्रव

#### **ब**र्च जावलब भगनीर्य

শ্রীদেবল

अ मा**र्थाकी' स्था**न्छ दक्षः शाहरूकहे लिश २ विष्क्य हमहोक्षी श्रीहे, कलिक उर ५२





विवय	লেখক -		প্ৰতী
পণতেত্র—ডঃ কৈয়দ মূহ	সূত্ৰা <b>আল</b> ী	•••	<b>২</b> 55
ৰবীন্দ্ৰনাথের 'কবিতিকা	'- শ্রীশানল প্রকারকথ	•••	280
জীৰন যে-রকম—শ্রীস্ন	িল গক্ষোপাধ্যার	•••	₹86
वानिदाब छिठि- है। 🔭	: ুন ব <b>বহন</b>	•••	265
ভায়েরির ছে'ড়া পাতা–	-যাদার পর্যভাষে		205
পারাপার—শ্রীশ্নিষ্টেশ্ন	ম(শেলপাধনয়	***	২৬১
ৰাংলার ঢা <b>লচিত্র—</b> শ্রীস্থা	াইল জন্বার		३७९
ভवना वामत्त्रत्र क्रेडिका	ও কণ্ঠে মহাবাক		
	শ্রীসংগরি বংদ্যাপাধায়	•••	২৭৩
আর্থিক ভারত—শীস		•••	২৭৫
হেমচন্দ্ৰ ৰাগচী—ইতিহা	্ৰেন্ডাথ সিংহলা <mark>য়</mark>		२९९

সম্ভেশ বস্থা বিপ্নয়ক্ত উপন্তস

## ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯:০০

এ উপনাস এক ছবিসমূরণায় ইতিহাস

স্নীল গজোপাধায়ে এর এই দশ্যের মহাভারত ম্বক ম্বৈতারা ৬০০০

শ্রীপারাবত-এর একটি বিশিষ্ট উপন্যাস

**আমি আরু নামিকা** ৭-০০ এ উপন্যাস এক প্রথাত চগক্তি<u>র</u>তিনেত্রীর **জ**ীবন-কাহিনী

কশান্ ৰদ্দ্যাপাধায় এই জড়িল প্ৰণয় ঘটিত ক্লাইম উপন্যাস উত্তৰ সম্ধায় ৬০০০

দৈশায়ন শচিত হারেমের নায়িকা মমতাজের প্রেম-কাহিনী

## शास्त्रका रिन्द ७.००

পঞ্ম তর্জ	1!	যীর <b>্চট্টোপাধ্যায়</b>	11 8.00
क्रीवरनब क्रिकेटा	11	্যানিক ব্ <b>দ্যোপাধা</b>	ात्र ॥ S·00
তামসপণ'া	11	স্তুতে ৰায়	11 0.00
<b>द्र</b> ्शकशा	11	সমরেশ বস্	11 8.00
क्तिन ভाলावाजा	n	জনমেজয়	11 6.00
তিন ভূবনের পারে	- 11	সমরেশ বস্	110.60

মৌদ্মী প্রকাশনী ১৫/২এ কলেজ রো, কলিকাতা-১

তারাধানতার, রক্তেনা পাধারে **जाधाशश** 20.00 अस्ति। अस्ति वस्य তম্ভাৰ জল 4-00 8.00 ব্যাপদ চৌধারী ভারতবর্ষ 🔞 खनतना शस्त्र e-00 এখনই k.00 স্ভাব নাখেপাধ্যয় नावरमव जार्य 3.60 Se Les कार्टा मरमाद .... कारताव अमध्यति आभागुगुक्त प्राप्तानाथरम् आत्नात ठिकाना 8.40 अडी बनवाशः दास्साकाशास्त्र यानम टेजबर्ग :- ०० অপ্রিচিতের নাম 8.40 দীপক চৌধারী ঘেরাও 6.00 গোরীশকর ভট্ট হর্য মহাকাৰ্যের প্র 4.00 टमक जिल्ली 2.00 প্রাণ্ডাম ঘটক তিনপ্রেষ্ঠ >>.00 স্দা প্রক্ষিত ২য় 8.00 दर्ग स्व গোপালদেৰের স্বংন 4.00 নভাৰৰ ব্যক্তাপাধনৰ চাপার গম্ধ 9.30 क्यांचित्रम नन्ती ৰসম্ভ স্বঙীন... 0.60 यामाभागा एकी অনৰগ্ৰণিঠতা 6.60 ডি এম লাইরেরী ৪২ বিধান সর্বী, কলিকাতা-৬

# ए० अयुमा लाङ!

ষ্টক থাকা পর্য্যন্ত



**এতি টি**রে ব্যেক্তিটার পরিকাশ কামের বড়নই রয়েছে (১০০ আদ নীট)

मक्रि, উৎসাহ ३ शास्त्र अता- *शिज्लिक्* (वार्ते छिए।

Bensons-2536 Ber

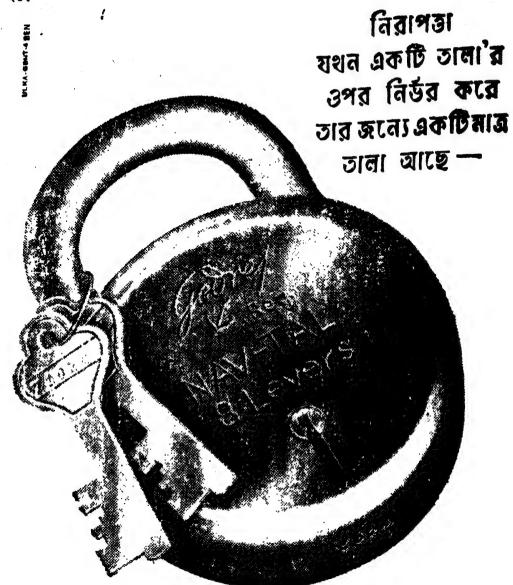
# यि वाशनात कान नाएकनक शतिकण्यना, श्राप्ताकनीय कातिशती कान धवर वावश्वीय कातिशती कान धवर वावश्वीय कान श्राप्त श्राप्त कान श्रीय कान श्रीय



আমরা আগনাকে অর্থসাহায্য করব যাতে আগনি নিজের ক্ষুদ্রায়তন শিশের গতন করতে পারেন!

বিশদ বিবরণের জব্য কাছাকাছি টেট নাজের অফিসের সঙ্গে যোগাযোগ করুষ

जकलब (जवास (ष्टेंग्रे बाह्र)



বাকি, কারখানা আর গুদামে ৰাবহার হয়—কেন না এটি निर्हत्याता। স্ক্ষ এর কারিগরী, প্রতিটি তালা'র হনো আলাদা আলাদা রক্ষের চাবী তৈরি হয়, তাছাড়া নব-তাল নিরাপত্তার সরঞ্জাম তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা— যাতে, খুলে বা ভেলে চুরি করা

না যায়, ভাই নব-ভাল দেয় সবচেয়ে বেশী নিরাপতা। পেডল আর ইম্পাতের ডবল খাপ থাকে ব'লে এটি দারুল মন্ধবৃত। এটি ভৈরি করছেন গোদবেজ— यात्मत कार्ष १० वहत्त्रतं छ বেশী অভি**জ্ঞতা**।

৫. মিলিমিটার (৬ লিভার) ७५ मि: मि: (१ शिकांत्र) ₩ (제: (\* 阿종대)



# क्षितिक स्प्रोत्मर्धि हित्र ऋग्री ह्या क्रम ?

बन बन बाबा बाद बाब शबब डांडबांव हुन छिक्टिंव ৰাৰ ৰাষ্ট্ৰ লাকায় লাগিয়ে নিক্তে সুন্দৰ করে माजिए कुनएक अप्तादकर वाला। এटक किस्तिम আপ্ৰি অনৈকের মুখ প্রশংসা অর্থন করবেন সংক্রেছ (गरे, किस क्रायरे धाननात हम छा'त मनकात मावनीलका शांवित्व मान क्टब केंद्रेत्व। अ नर्दमाना नश अत्ववादारे कनवारी। हत्नव त्रीसर्वत्व स्टब বাৰতে হলে নিতার দক্ষে নিয়লিখিত করেকটি সহজ নিছম আপ্ৰাৰ্থ মাণ্ডেই হবে।

- [5] क्रकिक्स चलुक: p'बाब चाल करव इस WISTICAL.
- कि जिटक इन का दीवा
- তি ভানের আরে অভতঃ পাঁচ নিনিট ভবারভুর ्डल बालिन करू।
- 📵 সঞ্জাহে নাত্ৰ একদিন মাথা হয়



সি. কে. সেম এও কোং প্রাইভেট লিঃ



Som

1

1. A

n,

## প্রকাশিত হল



माञ ४.००

সৈয়দ মূক্ষতবা আলী: বাঙালী পাঠকদের কাছে এটি শুহু, একটি নামই মার নর, এটি যেন একটি মশ্র; যে মশ্র উচ্চারণের সংশ্ব সংশ্ গাঠকদের অংশরে বটে ভাবাশতর, হুদরে জাগে প্রভাগা—নতুনতর শ্বাদ এবং বিশ্বাহর অভিজ্ঞান প্রভাগা, অকল্পনীয় রমাতা এবং অবর্ণনীয় উপভোগাতা স্থাবিত হওলে প্রভাগা। সৈরদ মূজ্তবা আলীর মতুন রচনাটি, তা সে উপন্যাস, গল্পং ব্যাদ্রচনা, অনুবাদ, ভ্রমণকাহিনী,—যে নামাজিক এই হোক না কেন। এমন সোভাগ্র খুব কম লেখকেরই হয়; এমন শক্তিও থাকে আরও কম লেখকের।

আলী সাহেবের প্রথম মৌলিক উপন্যাসের প্রকাশনা বাংশা সাহিত্যের ইতি-হাসে একটি 'ঘটনা' হিসেবে চিহ্নিত হয়ে আছে; এই শ্বিতীয় উপন্যাসতির

## रेमयम भाक्षण्या जानीत

ভিন্নতর পটভূমিকায় রচিত অভিনৰ উপনাস

# শহর-ইয়ার

প্রকাশও তা-ই হবে আশা করা যার। প্রথমটির মত এটিরও কেন্দ্রবিন্দ্র এক অসামান্যা রমণী—নাম তার শহর-ইরার। রংগে, গংগে, বিদার, মননশীলাওত, এবং সবোপরি মোলিকতার, বিশিষ্টা এই নারীচরিবটি বাংলা সাহিতে একটি উট্টালেতম স্থিটির মর্যাদা পাবে। উপরুক্ত, শিক্ষিত ও সংস্কৃতিবান মুসলারান সমাজের পর্টছমিকায় রচিত এমন উচ্চস্তবের উপন্যাস যে বাংগারা দ্যোভি এ কথাও স্বীকার করতেই হবে।

#### बड

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী ॥ দাম ৮٠০০

আৰু স্পিক প্ৰটনা-সংঘাতের জড়িগাতার চারটি নরমারীর স্থাতিমে হে প্রচাজ কড়ে উঠেজিল, এবং প্রায় সম্পূর্ণ ওলটপালট করে নিরেছিল ভাবের স্বাভাবিক ক্ষাত্রমধারাকে, তারই এক জনবন্য প্রতিক্ষাবি দক্ষ্যা।

#### নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

মতি নন্দী ॥ দাম 8.00

এই সারা প্রকাশিত অন্যাসাধারণ উপন্যাসাধি বত্তিয়ান কালের নিজ্ঞ-মধ্যবিক্ত নার্যারক কবিনের চরাম ধনুষ্কের বিবর্তম প্রবাস সংগ্রামে হারতে-হারতেও হার না-মানার এক অনুষ্দা জার্লাখা।

## দশ কের ভূমিকায়

यामान्ना एनवी ॥ नाम ७.००

্হ, বিচিত্র চরিত্র এবং তাদের ভবিনের স্থান্ঃখ-আনন্দ্রেনার তরপাভাগের মারে তীর আন্দেশিনত এক অজ্ঞাত এবং জন্মক্ষণার কাতর ভোগকসভার অন্যম কাহিনী এই অভিনয় উপন্যাস।

#### ৰোধোদয়

শংকর ॥ দাম ৫.০০

এ কাহিনীর শারে বিদেশের এক বিমানবন্দরে। যা কিছু ছটবার ভা ঘটছে ভারতগামণ এক বেলিং বিমানে। বাঙাঙ্গী লেখকরা যে প্রিবর্তির কারও থেকে পিছিয়ে নেই, এ উপন্যাসে তা প্রশাস্ত্রমাণ্ড ছবে।

#### সামান্য-অসামান্য

जामीन दास ॥ माम ४-००

সামানা দুটি রমণী—কাহিত একে বহু নগান্ত ৰ কানিচ গ্রাহিত হৈছিল বাহের জাবিন—আস্থানাত অসনি স্থাহিত ও গ্রাহিত রাহিত চাতি দ দুটি রমণীর মমাদ্রা জাবিনসংগতি এই উপ্সং নাম

#### একদা কুয়াশায়

বিমাল করা । দাম ৬-০০ \*
সচরাচর বাজবেচগাঁও বংসালাটি নীগোঁল কেছে এ ইল্লান্টিই লগুলা পুরি ভিন্ন স্বান্ধর। জনবাস-কর্তিনটি হন্দা সংগ্রু জ্বারে নিগ্রুই সাহিত্যস্থাতা হতে সংগ্রু ও উল্লেখ্য ২০ গ্রেম্ব

## न्रहाँदम्ब न्वदम्भयाञा

সমরেশ বস্ ॥ দাম 8.00

ভিন্ন কেলে বারা অকাঞ্চত, অবজের উজ্জন্ত প্রক্রিকাত নালিক কেলে কাঞ্চিত এবং সন্দেহভাজন প্রশ্বসারে অভিনত্ত এ কাজিনী কেলা বিভাগের বলি সেইস্ব হাত্ত্রের মন্ত্রের জীবনের মন্ত্রের প্রতিটিত।

#### প্রেম পরিণয় ইত্যাদি

বিমল মিত্র ॥ দাম ৭.00

জিনটি যুগের উপাখান দিয়ে লেখক মন্ত্রের চিব্রুন সংগ্রেষ মুম্মান্তিক ইতিকথা বলেছেন এ গ্রন্থে। বলুতে গ্রেম, এ বই একাধ্যের জানেনকাহিনী হয়েও তিন যুগের ভার্যদেশন।



वातनम नार्वालगार्र आह निर्मिट्ड

**অফিসঃ ৫ চিতামণি দাস লেন । কলিঃ ৯ ৫ ফোন ৩৪-৮২5৭** বিষয়-কেন্দু ঃ ৬৭৩ মহান্দ্ৰ। গাফী লোড । কলিকাতা ৯

#### বাংলা ভাবার সর্বাধিক প্রভারিত একমাত প্ৰথম দ্ৰেলীয় সাপ্তাহিক

०७ वर्ष । मध्या ८२ 41. 414 CS MAT 3046

#### **HEALINE** श्रीयरगाककुमात्र मत्रकार अध्यक्त अवशासक শ্রীসাগরময় যোষ

न्द्रशास्काती । भीत्रामक আন্তানৰ জাৰ পতিকা প্ৰাঃ লিঃ প্রকার সরকার স্থানি, কলিকাতা ১ rera क्रीलीकाश्चाकमात नानगान्छ ৰত'ক' মাদিত ও প্ৰকাশিত

क्षीं गरकाम 20-2240 20-1483

#### ufere Ere क्रीतकाडाव

.. 24.00 शांद्र त्रिक 28.40 BY 255 6.23

#### 1177

বাহিক সভাক ... ৩০.০৫ বামানিক \_ ... 50.40 লৈ সিক W-00

#### शांकण्डापन

(ভারতীর মানুরে) ... 60.00 \_ 50.00

W.00

#### रिया जिल्ह

#### wierze eifere

( জারাজ ভারের ) হ'রিক সভাক ... ৫২-০০

23.00

35.00 হৈম দিক

#### -

(रिमाम सारक)

2588 - 65.00 হ'নাসিক 33.60

হৈমালক 20.00

माम ৫० भवना

केत्रवंक क सामास ক্ষতিরিভ বিমান মাস্থ্য ও পরসা

#### DESH

Saturday, 16 Aug., 196s

ত ছালিলে প্রারণ (বারোই আসন্ট) ন্বর্গত সংরেশতন্ত মত্মেরার-বহালরের প্র কাশ্বনে ভাবন বেন্দ্রের আন্তর্গালিত হরেছে। স্বারেশ্চন্ত ছিলেন আন্তানের িনুল্যাকন আন্তল্পনাল্য প্রিকা প্রতিষ্ঠানের অনতেম প্রতিষ্ঠাতা ও পরিচালক। শুধু মাত সে-কারণেই তাঁকে আমরা স্মরণ করি এমন নর বাংলা দেশের বিশেব একটি ব্যাগর জন্যতম প্রতিভ হিসেবেও স্মরণ করি। বাংলা দেশের সংবাদপতের ইতিহাসের বেমন তিনি অপ্রণীদের অনাত্ম তেমনই জাতীয়তাবাদী রাজনীতিক হিসেবে বিশ্বী বাংলাৰ ক্ৰম্বাক্তৰ ক্ৰম্বী হিসেবেও তিনি নম্স। ব্যক্তি। তিনি ছिलान वधार्थ आपर्यवामी, क्यों-शत्वा वारकात विभिन्धे तास्रोती एक क्यों एख বৃশ্ব ও প্রামশ্মতা চিল্লের তার একটি ভামকা ছিল প্রক্রে। তব, সংবাদপর মার্ফটে তিনি দেশসেবার নিজেকে নিরোজিত করেছিলেন। তার পর্বোক্সমনের ক্ষতি আয়োগৰ বাণিত কৰে। সলখ চিকে আৰু ভাতে কৰেৰ কৰি।

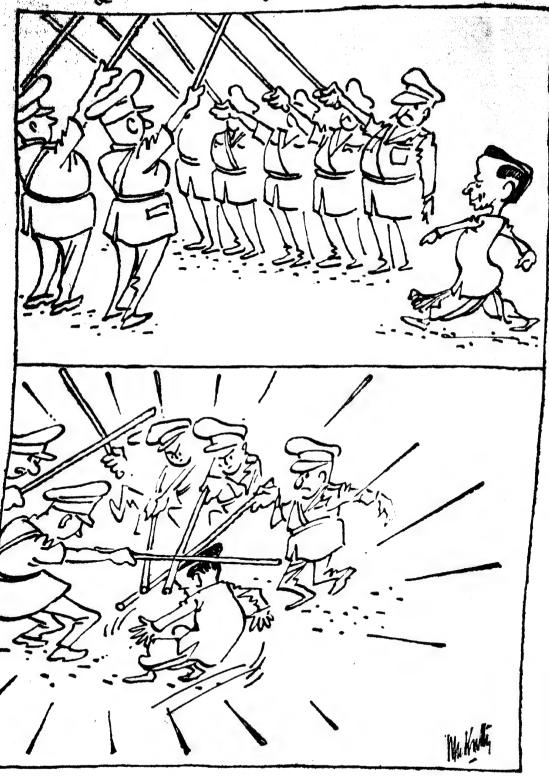
#### श्वीका व श्वीक्य

ত্রেকদিন আলে জনৈক অধ্যাপক ছালুদের পরীকার খাতা দেখার ব্যাপারে धकाँठे किठि मरवानभारत शकाम करताका। किठिछि भागात भन्न स्वाचा यात्र. আজকাল পরীক্ষার খাড়া দেখার রীতিটি মোটামটি কী ধরনের। প্রদেশক জানিরেছেন বিশ্ববিদ্যালর কর্ত্ত নিব্রু কোনো এব প্রীক্তব্তে ট্রেলর কার্যার ভিডে অলপ সময়ের মধ্যে গটে চারেক খাতা দেখা লেব করে গুল্তব্য স্থানে নেমে বেতে দেখে তিনি বিশ্বিত ও ব্যাথত হরেছেন। তিনি বলেছেন, এই খাতাগালি কলেজের মাম্নি পরীক্ষার নর, বিশ্ববিদ্যালরের পরীক্ষার (বি এস-সি. নভেত্ত, भार्षे हें)। बहेनाहि न्याटक म्याटक वाल भारताथक बहारे का खार खारहे। का হবার কারণ বোধ হয় নেই। কারণ পরীক্ষার খাড়া দেখার ব্যাপারে এও এক বঙ কৃতিছ। রেল কামরার প্রচাত ভিতে জনতার কোলাহলের মধ্যে চোখের সামনে, ক্রিক পাচিশ মিনিটে চারটি প্রীক্ষার খাতা বিনি দেখতে পারেন তিনিই তো বথার্থ পরীক্ষক। এই তংপর পরীক্ষক ভনুবোক স্থান-কাল-পার বিবেচনা করেন না, হাভ থেকে সমর পালিরে যেতে দেন না, পরীক্ষার গোপনীয়তা দ্বীকার করেন না। দক্ষম ও কর্মতংপর পরীক্ষক হিসেদে এ'র জন্যে বার্যতেরে আরও বহু, খাতা আসা উচিত। ইনি নমস্য পরীক্ষক, আদৃশ্ পরীক্ষক।

শোনা বায়, আক্রকাল পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারটা ফোটামটি এই নীতি ধারেই চলছে। সকল ফাইন্যাল হোক, হায়ার সেকেওড়ারী হোক—বা বিশ্ববিদ্যালরের প্রীক্ষাই হোক-প্রীক্ষাথীর চাপে প্রীক্ষরের যোগাতা বিচারের অবকাশ নেই, প্রয়োজন নেই। কোনো রক্তম যে-যোগাডাট্রক কাগাজেপতে থাকা দরকার সেট্রক থাকলেই ভার পরীক্ষক হবার বোগান্তা দাঁভিছে বার। এরা ক্রী দেখেন, আদুপেই নিজে উত্তরপত্র দেখেন, না ব্যক্তিতে নিরে গিয়ে অন্যক দিয়ে দেখিরে নেন ভাই বা रक कानरक! दक रमश्रक, और म मार्ट शाका भारे मिरन ना प्राफ मिरन सम्बन्ध ফেলছেন! খালার মানের মতন খাতার একটা মোট নামিয়ে দিতে পার্যে আরও বালি কিছা, পাওরা বার। সেটাও তো বাডের অধ্ব। কর্মপটা, বলে প্রশংসাও कुर्डाता बाब ।

পরীক্ষার কেলেঞ্চারি বত পরীক্ষার খাতা দেখার কেলেন্ফারিও তত। হারানে খাতাতেও নদ্বর দেওরা হর—এসব ধ্বরও তো আমরা শানেছি। এমনও শানেছি ফল বেরোবার দশ পনেরো দিন আগে জরুরী তলব দিরে ভেকে নিরে গিরে পাঁচ সাত দিনে হারার সেকে-ডারীর বিজ্ঞানের একটি বিবয়ের শ' দেডেক খাতা দেখে দেবার জন্যে বিশেষভাবে অনুরোধ করা হরেছে। কোনো কোনো বিচক্ষ হেড এগজামিনার সক্ষোভে স্বীকার করেন ভাঁদের অধীনে যাঁরা থাতা দেখছেন ভার मासा मा हारक्रम बाह्य जना भरीक्रकता अत्कवादरहे जायागा। वनाल वासा ताहे. এ'দের অবোগাতার দর্ম বিশ্ববিদ্যালয়ের বা পর্যদের ক্ষতি হর না, ক্ষতি হর ছাচদের। পরীক্ষার খাতা দেখার ব্যাপারে বহ: ছাচছাচীর (যারা সভিটে লেখাপড়া করে) অভিযোগ হামেশা আমরা শনেতে পাই। এবং মনে করি এটা একেবারে অকারণ নর। অবশা পরীকার ব্যাপারে। ক্তমত্রেডর কর্তা বখন পর্যদ ও বিশ্ব-বিদ্যালয়ের পরীক্ষক-সম্প্রদার তখন ছাত্রদের পক্ষে পরীক্ষার নম্বর পা**র্**ছাটা ভাগ্যের ব্যাপার বলেই সাম্মনা পেডে হবে, উপাত্র কি!

পুলিস পাৰ্ভ অব অনাহ*ং* 



र्वाद्

जर क ब्रिट्स स्टेब्स्ट्रिस स्टिब्स्ट्रिस CHAPTER WITH SER STATE STATE 50 जाशको 3589 । जीवन व केल-बरा नटन शास कानारम्ब ध्यामान प्रमा टेकीन करविकन । ामत हरत बाबात **कारण कावणा डि**प्लि ाशकावाम एवं अतन कामच निरमिक्त छारछ জারতবর্ষ দু'-উক্তরা হরে গিরেছে, ভার জনাতি প্রদেশ এখন ভিন সেশের এলাকা আৰু দটেটা প্ৰদেশ ভাগাভাগি হয়ে থ নিকটা প্ৰদেশত তাৰ ভাগে। খানিকটা নকন দেশ শ্বিশ্তানের। তবে এ দেশ ভাগ হলেও विशिव जाशास्त्र स रात एनटे माता। क्छाँदे করে চাচিতা একদিন বর্গোছলেন হিচিত্র का रहे শত কৰাৰ 3070 美国 研订事 जिल्लाकत अधानभागी जिलि दल्ला। किन्छ তকে বাঁচাতেও তিনি পারেননি। ১৯৪৭ হতে বিজেতের রাজা-রাণীর মাকটের মধ্য-ছালটি খলে যাওয়ার পরও ভার জৌলাক কিছা কম ছিল না। কিন্তু দেখা গেল সেই-ই শেষ লয়, প্রথম মাত। ভারপত কাইশ বছর মতে এতের পর এক ম্বান-মানক মতি করে গালতে সৈ মাকট থেকে। ভাগত আর প্রকিস্তান নিয়ে ভালের সংখ্যা এবে প্রার ত্তিক। এখন ভালে যা ব্যক্তির আচে তা रुक्ष इसे अपूर्ण प्रा**र**ा

উপনিবেশ সেদিন একা বিটোলেয়ই ছিল मा-किस कारमत, इकारफार, स्वर्धकर प्रत প্রতিয়ালের ক্রপরের আর ইউর্নল্ড ভবের মধ্যে ইউনিবর সব উপনিবেশই হ'বে গিলে-ছিল ভার হাওছাভা। সেগালৈ দখন করে নিয়েছিলেন ফিলেট্ড হোড়ীৰ হাত্তা উপনিদেশ ইউলি জাব দলি করেলি, বিবরত প্রতিষ্ঠা চেন্ডালি আন স্বর্থনিত। ভোগ করছে। কেপ্রের ক্রের্থন্সাত্র ভিন চরকোরছর আবো। উনবিলে শতকেই তার সেরীভাগদেশী অসর গিলেন্ড ভোর অভীন্তর বিশাস সভাবজনে হাখা ডিহ ডিয়া করছে গেটা ভিনেক আফিলাৰ ভালা। বৈশ্লিকামের উপনিবেশ্র ওখন ছিল শাধা অভিকার। আজ ভাত কেই। রায়ান্ড। আর শ্রেণিড বেলাভিয় মের পরতেন শেকল কেটে স্বাধীন রুট্টের ম্যানি প্রেট্ড। এশিয়াট্ড কিম্পু এ তিমটি সাম্বাজাবাদী গ্রেমর কেন্ত্র জ্ঞিদারী ভিল না। তাদের অর্থিপতেরে কেত ছিল আফ্রিকার। প্রাটা মহাদেশটাই ইউনেপের উপনিবেশ বনে গিডেছিল বললেই হয়। ভাকে ট্রকরো ট্রকরো করে পেটে সঞ্জাজাবাদের কাবাব কানিয়েছিল ইউ-রোপের রাম্বর্গর। ১৯৪৭ সলে গোটা আফ্রিকার স্থাধীন রাম্ম বলতে ছিল কলে িং. ট-মিশর, ইথিওপিয়া আর লাই-टर्रेड्सा । अ हाला मिक्न आधिका।

এশিরাকে পদানত করেছিল যে চারতি ইউরোপের দিন্দিকারী দেশ তারা হচ্ছে



দেব রাজ

রিটেন ছাড়া ফ্রান্স, হল্যান্ড আর পর্ট গ্রাকা। ভারতভাম তথ্য ইংরেজনের দ্থলে থাক্ষেও **छेर्नागरम** किटकेटकोचे। क्रान्त्र धात भारति । स्मायक किया । हैशतकाता का समा स्थारक বিদায় নেবার সংখ্যা সংখ্যাই পাততাতি গ্রেটিয়ে নিজ ফ্রান্সও। ব্রন্থের পরকার হলো না হাজামা বাধতে হলো না, আনেলালন कतार शका ना. बादन बादन कवामीबा हता গেল ভারতবর্ষে ভাষের ক্ষাদে উপনিবেশ-গ্ৰালো ক্ষেত্ৰ। নাছোভকানা কিন্তু পাঁচ ক পটাবাল। অকার তার ছোট হলে কী হর। ভার হাঁকের জ্যাও গগদ। ফাটে। নিজের সন্ত্ৰাক্তে এক ইণ্ডি কমিও ছাডতে সে বাদী নয়: ভার ভারতা **হছে** পরনা **হঞের লাহি** পিন সাম্ভত মেপিনী'। ভিটেন কিংবা ফাডেসর সংগ্ৰহত্ত্বে যা করতে হয়নি প্রটায়ালের বেন্দ্ৰ ভাই করতে হয়েছে, সেন্দ্ৰ পাঠিয়ে যাস্থ ভার পটাপ্রীজনের ক্ষেত্রত করাত হয়েছে। ভাতে পটালেল একটাত দক্ষনি। ভারতীর উপলিবেশ্ব অস্ব ভার দ**িব ভ**লভৌনাঃ ভাৰত আন্তর্ভালের আভিকাতে**র সে** ১১ প্রস্তিক আছে, নভবর নাম করছে না।

ভাগত ছাড়া এশিয়াতে হাালের সাহাল্য ছিল লক্ষ্ণের অপুরে। আছিকাতে ভার ছিল বিষয় **ভ**নিমারী। ভা ভেঙে ৈনি হ'লছে গেটা সহতলে। স্বাধনীন কাণ্ট। দক্ষেত্ৰ আশ্বয়তে ভার জামদানী অভতে ছাট হাল কাঁ হয় গ্রেম ছিল তার থাকৌ কেনী। আছে যে হব বেশের নাম লে কের মাথে মাথে ফিলাছে কেই ভিক্লেভন্ম, ত প্ৰতিয়া আৰু জাতুস ছিল ফ্ৰাসী \$ 100 5 26 কেডারকানের অংশটিন্ত : যুক্তের সমত জ্ঞাপানীরা দুখল করেছিল ভিয়েতনাম। লজাই **থামবার পর সে**খানে ফিরে একো ফ্রাসরি। শ্রের হলো ভিয়েত-ন মাজিক মাজিকাশ্ব। হারামেনে চলে গেলে বাধলো সেখানে ছনোয়া কডাই। থ লাবার চেন্টা হলো ১৯৫৪ সনে জেনিভাতে একটা আণ্ড**জ**িতক চুক্তি করে। প্রভাগ হলোভিয়েতনাম। কিম্ত শাণিত সেখানে দান বাঁধলো না। **উত্ত**র দ্বাি**কণে জ**ড়াই চলেছে সমানে বা মিচিরে দেবার জন্যে शाहितम यमा देवरेक। व्यवस्थाणे द्यानाका করে তুলেছে আমেরিকা দক্ষিণ ভিরেতনামের তর্ফে লডাইরে নেমে। করাসীরা ভালের সামাজাবাদী অধিকার ছেডে দিরে স্ক্রানে প্রস্থান করলেও ভিয়েতনাম স্বাধীনতার

AN AND STATE OF THE STATE OF LEVER FOR WHILE WITH STATE AND PARTY. war many mane squal beth THE COLUMN THE PARTY OF THE PARTY NAMED IN nen wie recurcie ne : oppolient त र्या वर्णेष ३३४० नमा व्यक्ति চুৰি (১১৫৪) ভালের স্বাধীনতা পাকা कराज करवाह । किन्छ हम होते वान्येग्स स्थाता जाना बागार कार्डेक्ट शास्त्रीम। छा না পার্ক, ফরাসী সাম্ভাজ্যবাদ ভার কবর থেকে আর জেলে ওঠনি। তেমনই শেষ িংশ্বাস ফোলছে ওলন্মান্ত সাম জাবাল ভারত মহাসাগরে তার দ্বীপময় উপনিবেশে। দক্ষিণ আমেরিকার সারিনাম আর কার্যার-বিষ্ণা সমতে তিন্টে শাংপ ওলালাম সায় ভাব,বের ধানি আজও ভালছে। কিব লে প্রায় ভিডার আগতের মত। এশিয়াতে হলাতে তা প্রতিপত্তি শেষ হরে গিরেছে। ভার সামালের ধ্যাসভাগের ওপর গাউ खेळेट श्राधीन हेल्लाल[शहा: **छात स्मीत** আন্দোলনে ভারতবর্ষও হিছা সাহার কারছে। কেবল মনতই দের্মান। নিউগিনির খনিকটা অংশ বাদ বিয়ে তামাম ইফেলা-মেশিবাকে সংগোলিলা হল্যানত ৰেখানক ই লোকেরের হাতে ২৭ ডিনেশ্বর ১৯**৪**৯: ভশিষ্যতে দেশিন জন্ম নিলা আর একটি

নতন স্বাধীন দেশ।

১৬ জাল্টে ১১৪৭-এর পর সম্ভেক্তা বার্না ঘটিওটিল এখিয়ার ভেঙে পড়েছে রিটেন, ফান্স, হল্যান্ড ক্ষেক্সর বিনাম নিড়েছে, পটালালকে গলা ধাৰা দিয় ভাভাতে হরেছে। আর একে একে নতুন ভার উঠিছে এলিয়ার উদার আও পে—ভারতবর্ষ পাকিল্ডান, সিংহাল, রফারেল, মালারেলিয়া সিগ্যাপরে, ভিরেতনাম, লাওস, কাম্বোভিয়া মুক্ত ও ওমান, দক্ষিণ ইলেমেন, কেবিয়া ইনেল্ডেশিয়া। দেদিন হঠাং জেন বহ শতাব্দীর প্রোটে ব'ধ যা সচাজাবাদীর অনেক মালিয়ানা করে গতে তলেছিল ত তেতে গোলা আৰু স্থাধনিতাৰ প্ৰাৰ্থন বৰ গের সরা এশিয়া জাতে। উষরে বেং অধ্বার কেটে জেলে উঠেছে নতুন প্রভাত সে জলভারেশ এশিখাতে সম্ভালবাদ ভা মরলো। তারপর লে তেওঁ অছতে প্রভাগে অভিকার সমান্তের স্থাপে দ্বাপে, নরী ন্ত্র তীরে ভারে, মহাভামর বাকে ওপর। ১৯৪৭-এর আড়িকা **আর** ১৯৬১ সনের আছিকা—এপের মধ্যে কোনও মিচ নেই। এ যেন পরোকো অন্তিকা নর আন এক নতুন মহানেশ। ভারতকর্ষের সংগ ভালের মেলে এইটাকু যে ভার স্বাধীনভা পর এসেছে ভাদের হারি। ভরত ভাদে অনেককেই প্রেরণা দিয়েছে স্বাতন্ত্রোর ১৫ আগস্ট তাই ইতিহাসের সন্ধি<mark>ক</mark>ৰ।

## ন্ত্রোবিংশতি বংসরে আমরা কোনা পথে?

 ৰঙ একটা বছাৰ কোট গোলা। দ্বাধীন আ ভরও কাইশ গেরিকে তেইশে শা रिक्स ।

১১৪৭-এ হাল জাগ্মহালন এখন ভারা . প্রারোপ্রনির হাবক। সেনিন যাঁর। হাবক ছিলেন আৰু ভাষা আনেকেই প্রেট বা বাংব। হাঁক তথ্য পেটালছ বা বাধাকো ভৌতৰ প্ৰস্থ সকলেই এজগত ছোড চলে গিতেছন।

সেদিয় ক্ষয়তা যদিদৰ হলত একেছিল এখন ভারের মধ্যে খবে কম লোকই বেংচ আছেন। ফেলিন শাসনভার বে দল পোর ছিলেন এখন তালের হাত থেকে ক্ষমতা হেন হার হার করছে। সেদিন ফেদ্র দল তিয়া তিয়া কর্মজন তা খাঁদের জনিভারত ছিল মা আজ ভাষা কয়েকটি রাজেন ক্ষমতা নথয় **4**(4)56 1

১৯৪৭-এর ভারত আর ১৯৬৯-র ভারতে বিরুট তকং—াদ্ভারত অার এ ভারতে অয়াক পথাঁক।

কিনত এই সীঘ' কটাশ বছাৰ পৰিবতান এসেকে একটা ধ্যেসঃ ধ্যাত ধ্যাত **আদেও আদেও। দেইজনাই বহা, ভারতবাস**ি এই পরিবর্তানের মধে থেকেও তাকে আলোল কাল দেখাত প্ৰনিষ্ঠ এই



পরিবতান সকল ভারতবাসীকেই সংগ্ কারেছে: কিন্তু চে পরশ আন্তমকা ধারা নয় ধলে আমর। অনেকেই বিশেষভাবে সেটা बारान्ड क दिला। उड़े क्टिक्ड फर शहर ह •াব ধীরে ধীরে ভাসাতে ভাসার জাসার **बारा क**डें। विद्यास्त वाकारण्डे दारेण । तक्ष ക്രസ് ക്രസ് പ്ര

ৰাউল বছৰ প্ৰতিয়া শতীলে প্ৰতিয় বিচেট্ট কিন্তু আহ্বা একেবার একটা নত্র ভাষ্ট্র একে প্রেট্রেছিল এমন একটা লাতন জনগা থেখানে বসত একটা। সংক্ গ্রাপ্রয়া একে জালাদের ধ্যারা দেবর। কেই ধুঞ্চ ভারত তিভিয়ে কটে, না এগেটা ल्यार रहा किया। किस्स दिहे स्थक হু ৬৪ টা সাম আসংখ্য প্রেম একে একে কুৰণাৰ প্ৰী বহুছোটা । আবহা ওয়া কেবে যেটো कार हा राजा है। कहा, तर नहीं के पान

্ভাগত বিভিন্ন **চন্ধা থেকে। অ**কিচাবের ত্রলোভ। অসমীয়ার। 4 m m বেজ্যালীর বলেছেন মান্রজীরা বলেছেন, এডিয়ার: বলেছেন, বিহারীর বলেছেন—প্রার দক্ষেত্র অবিচারের অভিযোগ এনেছি। কিংখ এইদার অভিযোগের মধ্যেও আমানের ভাষ্টেপ্তিক সহক্ষেতিটো এবং হয়ে যাহনিট মাৰে মালে কেথাৰ কোণাৰ হানাহানি হামাছে। সামায়ক বিক্লেন ঘটেছে। কিন্তু ক্রেইসর স্থেষিক বিজেপে সম্পর্কের পরের त्यहरू - चेतन িলকে পরেনি। এখনও दाकाला व दिशासन क्यमा छै। छरात उन्हें আৰুত্ত এবং মাধ্যানিক নিয়ে বাধ্যাৰী, ভাত্র, বিহারট পাঞ্চাবী মানাজী কারিবর র্ট্রকেল্য ইম্প্রত টেত্র**িকরে। এখনও** රසය ව. (රැපිරිදී, 'සිකි කුල්ල සැවලෑ **කිද** বিজেব কোক সাধা হালি বাস **কার**।

আমানের চেকে এখনত নামা দক্ষ নামা কথা অভিযেক কটা क्षीराकार प्रभाविष्ट संश्राक्षाक्षीचे द्वास्त्राप्त राप्ट प्राप्त रहाताही धार्मा असा अस्त முன்ன கண்க கூடிக் முற்கு குறிக (ব্যাহাড্ন), প্ৰতিক্তা কৰেত অসমী *আৰু*ছ্ফ কংশ এর *এনেকে সব স্থায় বাল্য ভারতে* হ'ত হ' হড়'বের সাহ্র প্রায়ে**ছ**ল। ত যা পলামন কাবন, উত্ত বেধেন ভা বিশ্বর জেটিল্টি অধিকার লিক্সেছে; এবং সংগ্ৰহণ হ'ল, ছিল্ল জাই হ'ল। হ'ল জাই জাই ନେନ୍ଦ୍ର ପ୍ରଧାରଣ ଅପ୍ରତ୍ତ (କ

# छ छो। हार्य इ

#### कार्याम् बहे C.00 ছাডপ্র 11 ष्म त्नरे 2.60 প্ৰ'ভাস ₹.00 মিঠে কভা 2.00 জাভয়ন \$.00 11 इन्टान 3.60 গীতিগ্ৰেছ 3.40

#### স্কান্ত ভট্টাচাৰ

मार्था हर के वह महत्त्वा

₹.00

স্কাণ্ড ভট্টাচার্যের প্রতিকৃতি

\$\$" X \$6" দায় এক টাকা প্রতিম পরবা

দায় ১৫.০০ টাকা

अतिहास अभवतिहास १५० অশোক ভট্টচাৰ্য বহিচ্ছ জীবন**ী: কৰি স্কান্ত** 🖰 ৩-০০

অর্যুণাচল বস্যু ও সর্জা বস্তুর**ঃ কবি-কিশোর স্কান্ত**্র ৩০০০ মিহির আচার্য সম্পর্নিত কবিতা সংকলন**ঃ সংকারনামা** ॥ ৩٠০০



## সারস্বত লাইব্রেরী

২০৬ বিধান স্বল্থ জলিকাতা ভ

দেন একবিনা বেশবের্যাই ডার সংস্কৃত কোল অন্তর্গা হরেছিল মান্যের সম্থান লাভের পর ভাবের ক্রান্ত্রাণ্ড ৪ खानेकाश शासीला

এপেশে এখনও - মান্তবে মান্তব বির্টে তা থকে পাথক।। কেট পাঁততাপ নিয়াণ্ডত-ব্যব্যয়ে স্থান করে, কেউবা শ্যাত কাক্যড র,দভাষ মরে। কিল্ড এই শাভিতাপ 12 14 3 - 4 24 X 26 4 - 47 का छेटित বিরাদের রাম্ভার 🕒 শীতে-ক্র'কুডে মরা সাল্র সংঘৰণৰ হাওয়ার অধিকার আছে এবং এই ভাষকার প্রয়োগ করেই এগেনে গমাবিরা বড়ালাকদের বিবাসের অনেকটা এবিয়েনছ। \*

खाल करें हुएश्रीकामां है। बहुत कश्राहा उपन उक्ते कारण र उक्त रशक्ति (वस्ति স্বাচালে বড় প্ৰাণ্ড এই ধরা অবাহেত থাকাৰ কি ১০১। বাইশ বছর এই পারে ১ এবিচার ত্র- প্রাথ এটেগটের আমের ভার করতার ১০ শ্বত করভেছি হৈ বিভাগে হৈছি কোট

আ ক্রাকের প্রথম, বাইশা বছর যে সালে ভালেছে

बारशास्त्रम अध्य अव्य साहिद्द्या वर्षाः क्षाचारण्डे विरागम मार्थत काम व्यवसारण्ड

वर्षाव रकाकशासाः कामि नार्षश्या वर्षाः প্রতিৰেশী রাজে। বছাবেদনা । সাংপ্রতিক ক্ৰিডায় বৰ্ষা: বুসাছলে কলকাটা ও কলকাতা ৰখন ভাসছে ৷ বৰ্ষার ছড়া-গান। বিদেশী বছাব কবিত। ও বাংলা সাহিতো ৩টি ভেন্ট ৰম্বার বড় গ্রুপ এ ছাড়া নিয়মিত বিভাগ 🔸 সিনেমা ্লিন্দী সাজাংকার, গটাড়ও রিপোট ৰাজ্য শ্ৰীৰজী : ২৯, ৬২টাবন, স্থানি, कें ज्यान्ये, एक स्ट इंड इंड इंड 5% à ₹**⊈**— ₹\$555

िंद ७४०७)

#### কিভিততে ট্রানজিভটর

হালিক ১০ টাকা ক্ষিত্রত আর্চান্ট বিশ্ব বিভা**র** 47 MES - 40 0 राज्य, याथ कर माज,



পোটোবল উল্লেখ্টির নিয়ন প্রত্যেক প্রায় ও মহার পঠান যয়। লিখ্যাঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

21.2

জাজা প্ৰথম আন্তেখন মাৰ্ড ঘটিন বা हरू छ हतन के हेरहरू । यहाँ है शास्त्र राष्ट्र राष्ट्र রাজা কথ্য শিথিক হার পড়ার ? বিভার বিস্তুপ আহ্বার মা অনুপুর করার করার তাজ্যে কৰ্ডৰ প্ৰতিন্তিত হ'বে লগ লগ্ন बाबा करा, बाबा करा १२३ वर्ग करा करा है।

ইনে/বিংশ্ভি বছরে তেই ধারই চলাব কি একনারকর বা কাধা-একনাংকর কারম **2**73 ?

হ্যাধীন হাত্রী প্তর 254 756 20.8 কংগ্রেমের বাপক ভখান এক গেলে বিকাপ কলত প্ৰিক জ্ঞাতীৰ বাজনৈতিক নয়েও অভাব অভাসময় ভারতবাসীর সমান এই প্রশা-शांक द्वान शांशकः

নবারণে গণেত

প্রকাশিত হয়েছে

38 56 नःখ्या 8



ৰৈশাখ-আৰাচ 2096

বিষয়স জী

পুঠিতের ১ কুম্ব ক্রেমিণ্ডাইর লিখিয়ে ভাতিকা । শুহত সংক্ৰমাৰণীয় জিলাং 200 BER 200 কাতি ভাৰে বিশ্ববিদ্যান প্ৰথম চৌত্ৰী स्राप्त स्राप्त कर कर्ने स्ट्रेट्टराका हर्त्य स्थानुस्थानुस्थान्य । १८५१ हास र रहा । ऋषा होताहर, हर्गा रहा हा 242 758

প্রের্থি । তার নার্ভার নার । ব

রববিদ্যাহা ঠাকুর প্রথম চোর্টা हीक्पुश्तेल हर উ±ুদ্ধরধ্যন হৈছে के को प्रशास अह क्रीकार है कर वह हेंगाउधार टर ∄বেড়েল ব সিয় রীস্ধংশ্ভ জেন্য ক্রান্থ সাধ্য <u>ตัวสุดติสสที่</u> แต่สุดคล

চিচস,চী

রাপ্তাম টির এই

র ছাজিংকর

कामाकोष्ट : तक एमार ७ अपर उध्याती उपर छोस्पति रमसीमान् **अपर** कं बहाँ, ७३२ कं घटी ७ हो सरक्रांटी कार्यट है। अ.उ मध्या ३-४० गेका

> ৰাবিক চাৰা: পত্ৰিকা হাতে নিলে ৬-০০ টাকা সাধারণ ভাকে ৭-৫০ টাকা ॥ রেজিন্মি ভাকে ১-৫০ টাকা

> লোকশ্যে ভাৰে দে ৬ফট নিৰাপদ, এতে প্ৰতিকা ভোৱা যাওয়াৰ व्यवस्था स्था

ষভূবিংশ বর্ষের চাঁলা ২৪ আগদেটির মধ্যে প্রটোলো বরকার

বিশ্বভারতী

ও স্বারকানাথ ঠাকুর লোন। কলিকাতা **৭** 

লকাড়ার বড ডাক্যরে সংগ্রতি রেল ভাকের থলির মধ্যে একটি বোমা বিদারিত হওয়ায় তেরজন ডাক-তার <mark>বিভাগের কমী আ</mark>হত হয়েছেন। সংবাদে মাত এইটকে বিষয়ই উল্লাখত হয়েছে। যদিও প্রেরক ও প্রাপকের—কারো ঠিকানাই এখনও জানা যায়নি, বিদর্শি পারসেলের অনু প্রমান যেতি প্রালস ওইসব ঠিকানা কোনও দিনই বের করতে পারবে কি না সদেহ, তথা এই অনামান অসংগত নয় যে বেমা-বাহিত পারসেল্টির একটি গশ্ভবা ছিল এবং গণতবো পেণছবোর একটা সাম্পণ্ট উদেশা ছিল। 'হ্যাণ্ডলিং'-এর দোষে পারদেলটি ডাক্মরে বিদীর্ণ হওয়ায় বোমাটি বে প্রকার্যসাধনের জনা লক্ষো পেণ্ডাতে পারল না, প্রেরকের পক্ষে এর থেকে ক্ষোভ এবং দুঃখের বিষয় আর কী হতে পারে?

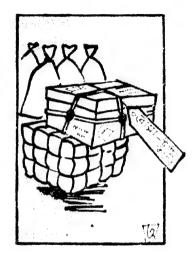
এর স্বারা কি নিঃসংখরে এটাও প্রন**ি**ণত হল না বে, পারসেল নাডাচাডার প্রশতিটি ভাক ও তার বিভাগ মেই মাধাতার অমল থেকে অনুসরণ আস্ভেন, বতামান বাগে তা সম্পান আচল হয়ে পড়েছে। ভাক বিভাগের কর্তাবাট হল, ডাক পারসেশ ইত্যাদি ঠিক ঠিকানার অক্ষতভাবে পেণ্ডি দেওয়া। বেমা-কহিত পারসেলটি গণ্ডবো পেণছবার আগেই ভাক্ষরে বিলীপ হওয়ার সম্পাণ দায়িও **ডাক ও ভার বিভাগের** এবং নীতিগতভাবে এই দায়িত্ব তাঁরা এডাতে পারেন না। ডার ও তার বিভাগ যদি অবিধানে ভালের আভ্যনতরীপ গলদ দরে করে যোমার পারসেল **রিক ঠিক লক্ষ্যাথেলে প্রেণ্ডিবে, এ** গ্রাহারটি দিতে না পারেন তার লোকে ভাকের পারদেলে বোমা বা ওই জাতীয় দুবার্যি পাঠাতে উৎসাহ পাবে কেন?

**এবং ভাক ও ভার বিভাগের এ কথ**িট জেনে রাখা ভাল, পশ্চিমবংগে সম্প্রতি বোমা-নি**মাণ শিবেপর প্র**য়ে আম্লে পরিবতনি **হরেছে। কৃ**টির শিলেপর পর্যারে এর যে শাধ্য বাপকতাই বৃদ্ধি পেরেছে তা নর, কোনও কোনও শিক্ষায়তনের ব্যক্ষণাগারে বিজ্ঞানসম্মত্ত বেও এর ্ডিয়াৰ কি ভ্যারাইটি ইত্যাদি বৃষ্পির নানার্প পর্লকা-নিরীকা ও গ্রেষণা সফলতা অর্জন করেছে। কিন্তুদিন আগে মার্কিন কনসালেট **ভবন এবং ইউ**নিস পঠকেন্দ্র প্রায় একই সময়ে সম্প্রতিজ্প এ-দেশে নিমিতি দুটো টাইন বোমা বিদারিত করে এইসকল বৈজ্ঞানিক গাবেষণার আনুষ্ঠানিক সফলতা খোষণা করা হয়।

এই রাজ্যের রাজনৈতিক পরিনিথতি ক্রমণ বেরক্স ভাটকীয় হরে উঠছে তাতে বোমা-নিমাণ শিক্ষেপ এখন ভয়ংকর তেজী



আকথা। যুক্ত ফ্রন্টের চ্চান্দটি খরিকের প্রতিরক্ষা বাহিনীগালি আব্দান্দর্থে মজুতের মাল্লই যে বাড়িয়ে চলেতেন তাই নয়, বেনামী জমি দ্থালকালে বিভিন্ন খাবকের মধ্যে বা ধ্যাঘটের সম্থাক ও অস্ম্যাকদের মধ্যে এইসকল এবের গ্রেগাল্লে প্রতিন্ত্র



প্রনেজনও হঠাৎ হঠাৎ দেখা নিজে। ফানে বোমার বাজার বেশ চড়েই আছে।

#### छानगरभन्न शास्त्र वनम्क

ভূমি ও ভূমিরাজ্যক্ষান্তী মাক্সির দী কমিউনিস্ট নেতা মহাবলী কমরেও হরেক্স কোঙার পালিসের ব্যবহারে কৈণ্ড হরে বলেছেন, তাঁরা জনগণের হাতে বন্দারু ভূবে দেবেন। এবং যুক্ত ফ্রণেটর কোনও গরিকট আজ পর্যান্ত কমরেড কোঙারের এ উটি সম্পর্কে কোনও উচ্চবাচা করেন নি। এমন নয় যে, কমরেড কোঙার কথাটা ইঠাং একবিন মাথ ফদকে বলে ফেলেছেন. বা ফিদফিদ করে কারও কানে কানে বলেছেন। বাংলার মাও এ কথা প্রকাশ্যেই এবং প্রায়ই খোরণ। করে চলেছেন। বেশ কিছাকাল আগ কানক দিন্তি এক শোকসভায় তথামতী ভীজ্যেতি ভট্টাসার্যও ছারদের হাতে কদ্যাক বেরর সাথ সংক্রম্প ঘোষণা করেন।

যান্ত ফ্রণ্ট সরকারের প্রাঞ্জন দায়িত্বশীল मन्ती यथन এकर यहरनह रेका अकारण প্রবাশ করেন এবং অনোরা সে কথা শানে যথন দৰিৰ থাকেন তথন এই নীৱৰভাৱ মান দাটো অথাই হয়। (এক) পোলালা কী না रान' रगान धातना करत रमहे डिकिस कार हा নেওয়া, অথবা (দাই) মৌনং সম্মতি লক্ষণ্মা এই নাতিকাকা অনুসারে তা মেনে নেওয়া। ভাম ও ভামরাজ্যব এবং তথা ও প্রচার - এই रहाओं कहताबकार्य स्कारत <mark>यात्र क्रम्के</mark> एवं स्कारी পাগমের হাতে তালে কেনলৈ ফে ৬০০ শাগ্ৰেণ বেকাং ভাউ এই কাগত কেন িয়েত হয় জনসংগ্ৰে ছাত্ৰ কলেক र्जना<u>र</u> 利便 おわっ ひとかう •ল। তার এ ক্যাটি তার সরক্রতিল্র যাধন করাছন । কেনাও কেন্দু হাধ্ বেরেন ? - নকশালের: ওত পেতে আর্ছন ? েবল্পাকের মধ্যে হাজনীতি তের মঞ্চলভাসেকই ন্দলাপান) না কি জনগানের হিস্ত িয়ে আবাৰ শ্বিকে শ্বিকে মাজন বিভাগের 6 (25) x (3)

কদাত হাতে না পেয়াও আলিপারায়হারে আনু এস পি বু জনগণ কলছে সি পি এম-এব ছান্ত্র, কোড়বিহারে ডি <sup>ভি</sup>ল ডাউ-এর জনগ**ণ** বনাম মার্ডিয়ার্ড রুকের জনগ্রে, ইস্লাম-প্রেরের কর্মিকার । ফরেডম্বরেড রাকর জনগণ ন্দাম সি পি এম এর স্কান্দ্র এবং প্রের-প্রতিময় সি পি এম এর তমগ্রশ্ক শিক্ষা দেবর জন্য এসেইট সিবে জনগণ যে বীভাসে অপ্তৰ দেখালেন, তাৰ ঘা কত্ৰিনে শ্যক্ষের কে জানে। এর উপর আবার বংল্ক হাতে তলে। পিলে তো সেনায় সোহাগা। কৈওের ভার কমারেড। ইরেক্স করেন না। সেখানে, ভারা জানেন, সব থেকে বড় গাছেই ভারের দাড় বাঁধা। ভবে যে নকশালপন্থীদের "রণ্ধিতে-স্ক্রয়া-**জ্যোত-প্রমা**দ চল্লের কেন্দ্রীয় সংখপর নিকসনকে নীরবে ভজনা করছে" সেই নকদালপদ্ধী জনগাণের হাতে বণরক গিয়ে পড়কে, এমন সম্ভাবনা অত্ত বলেই কমরেড কোণ্ডার এখন শুধু আওয়াজই দিক্তেন।

#### আগে কে বা

কলকাতার পৌরপিতাগণ ধর্মতলা শ্ট্রীটের নাম পরিবর্তান করে নাম রেখেছেন জেলিন সর্বণ—সংবাদ। কিন্তু মারকলের কী হইল? আজন্ম অন্যাত কান্দ্রীর কি কলির গালের প্রত্যে ছত পালার কিচ্ছ লাম্মীরা পালার না।



'সুরাভ-সমাচার'

'লিংহাসনে ব্যক্ত রাজা, বাহল ক্রীসর-ঘণ্টা, ছট্ফাটিয়ে উঠল কোপে নম্মীপ্রভার মন্টা—"

ত্তি শাতি ভূল হল কিনা জগনি না, ছেলেবৈলার সম্ভি থেকে লিবছি। কিবছু
ইতাকার সংজি নিয়ে সে আমর কবিতাটির
আরম্ভ কেনি ক্রি কেন্দ্রার রাজের
আমর আনোলভাবেলা আলো করে আছে,
তা ক্ষরণ করিছে দেওলাই বাহালা। করে আছে,
তা ক্ষরণ করিছে দেওলাই বাহালা। কেন্দ্রা
বিশ্বর ভালার কোনো এক হন্দ্রের
আমর গ্রাচন্ত্র মন্ত্রী পেশাকে কিছা আতর
মেশে সভাগ এসেছিলেন, ভারপারই
বিশ্বরি বাসারা স্বাচন্ত্র ক্রিমান্তরভা লাভ মেসে সভাগ এসেছিলেন, ভারপারই
বিশ্বরি বাসারা। এই গ্রাহালো সমস্ব সমান্তর্গে বার্না কর্নাইছি
অনাবশ্যক। আছেন—স্বাহালি অনাবশ্যক।

ভাতরের গণেশ যে এই রক্ষা একটা ঘোরতক পরিস্থিতি টেগ্রী হতে পারে, ছেলেবেলার সেটা সরল চিত্তেই বিশ্বাস করা গিরেছিল। তারপর বড়ো হয়ে ও-সম্পর্কে আর কোনো দুর্ভাবনা। কখনো জাগে নি। জিম্মু সম্প্রতি শিহারত হতে হল একটি মাকিনী-বার্ভা প্রমুখাং।

কোনো মহিলা তরি শ্রামার সংগা বিবাহ-বিজ্ঞাদ স্থিরেছেন। কারণ আর কিছুই নর, শ্রামা একটি বিশেষ ধরনের একেন্সা ব্যবহার করে থাকেন।

এসেপের জনো ভিডোস'? স্বামীর নাক ভাকে বলে ব্যমে ব্যাঘাত হয়, অতএব বিজ্ঞেন; স্বামী জনেক বেলা প্রবাদত ঘ্যামরে চাকরিতে যান আর স্থাতিক ভোরবেলাতেই



ঠেল তুলে কাজে পাঠান—এজনো বিজেপ, এসব ভালো ভালো কালে এর আগেই ভালেছি। কিন্তু এসেন্সের জনো? সেটা যেনাট হোক—নিন্চর 'গারবেজ্-কানোর নিগালিভ তরলসার নয়, ভার একটা চিত্রভারী সোরাহ থাকা স্বাভাবিক।

ভ্রমহিলার পক্ষে গণ্ধটা নাকি নিছক ব্যিত্যতভাবে আপান্তক্ষর নর; প্রতিজিরাটি দেখা দের একেবারে খার্মারিকভাবে, অথাং তার জার এসে বার। জামানের বাংলা মতে গারে জার আবে! নয়, লক্তুরমতো টেম্পারেচার দেখা দের। অতএব প্রাণ বাঁচাবার জনোর তাঁকে বিবাহ-বিজ্ঞেন চইতে হরেছে, তিনি তা পেরেড্ডেন। এক-পার্টি ডিগ্রী হরেছে কিনা জানি না, স্বামী সেই বিশেষ স্থানিষ্টি মেধে এসে আলালত গণ্ধ-বিধার করেছেন কিনা কান বার প্রভাত প্রকাশ নেই।

একজন নিত্তিই আউপৌরে বাঙালিনী নাক কুচিকে বললেন, 'ওদের জার কী— একটা ছাতো খাকুছিল, গোলেই হল। বত সধ—'

ভার বাকী মণ্ডবাগালো নিভাগতই বংগায় এবং জাগো প্রশাসোবটক নয়। স্তিয়াং সেগালো থাক।

বাঙালিনী বাগারটা এই প্রাত্ত নিটিরে দিয়ে রালাগরের তপার্কিতে চলে গোলন। নেরের— জনা নেরেরের সম্পর্কে— কী বলে বরাবরই একটা ক্রিটিকালা, স্কলিতি সম্পর্কে তাদের সম্পাত্ত প্রেরা নিভার-বোগা নয়। তাই প্রার্বের শিভালারি নিরে আনি কিলিং তভ্জিজাস্যু হতে চাইলাম। মাসের প্রথম বিকে—স্বাভাবিক কারেণেই মন প্রসাম থাকে, তখন ভালো ভালো জিনিসই আমি ভাবতে চেন্টা করি।

গণেধ জ্বর হর ? হতেও পরে—বাংলা দেশের কোনো কেনো ফালের এ-রকম অপবাদ আছে। কিন্তু তারা তো নিভানতই বন-বাদাড়ের, তাদের নিরে কেউ এসেন্স্ তৈরী করে না। আরু মাকিনিরির নিন্চর বাজারে এপিডেমিক এসেন্স্ চলা করবে না।

একটি উত্তর আছে—ভারারি-মান্চের সেই গোলোক-ধাধা—ধার নাম আলোজি । ও যেন সংক্ষত কোকে মেলাবার সেই 'চবৈতুহি', আর কিছা ধধন মেলে না, তথন क्वींडा वध्य र्गाभ्य ध्या धावातव कारशामास्त्रं कार त्वर डाम कारण



ভটা বসিতে দিলেই চল । জলে, কালে, আলোর, বাডানেস, ডিংডি মাছে, পাই-ভটির—জোধার নেই আলোজি ? এই ভত্ত-মহিলারও বোধ হয় তাই—কোনো বিলেব দৌরতই তার আলোজি, কলে কার এবং ডিডোলা ।

সভিনিম্নথা ঠিক জানি না, মহিলাদেরই সাগ্যান্থ সংপ্রকে বিশেষ আকর্ষণ আছে বলে

### নিখোঁজ



জারার প্র অম্ব জাকা (নাজু) হোর বই ডিসেম্বর লিবপুর, হাওড়া হইতে নিথেজি। বরস ১৭, বং কসা, ৫ কটে ৬ ইজি লামা। কোনো সহলর ভদুলোক সংবাদ দিলে চিরক্তের থাকার। —ডায় শিশির ঘোর, ৪ সোধনার চাটোজী লেন, লিবপুরে হাওড়া। ফোন ৬৭-১০০০।

₹. •

ভোষার মা শ্বাশারী। কোনো ভর বা লভ্যা নেই। শীন্ত ফিরে এসো বা চিঠি গাঙ। বাবা



द्वरका मान्द्रवह और श्रम ना...

জনপ্রতি। আর জনপ্রতি সবটাই বে উড়িরে দেবার মতো নয়, তার প্রমাণ কোনো জন্ম্ভানে বেল্বার সমার ভাঁচের অধিকাংগোরই সেই বোজনগণধার্প (কোনো কোনো প্রেষ্ড অবশা কম যান না, আমার প্রিটিত জনৈক তো র্জ-লিপ্সিটক প্রতি ব্যবহার করেন পোনা ব্য়:)

কিবত এইখনে একটি ক্ট-জিজাসা মনে জাগল। সাগেখটাও কি বিলেটিভা নত ? সানক বাবের মাতা কমন ম্যানাদের অন্ত্তি-গ্রেল।ও মোটাম্টি কমন, অর্থাৎ জে। বদ্ধা- মাখানা বসন্তের হাওরাটি মিঠে. গোলাপ ফ্লাটি দেখতে ভালো, ফ্লাকো এটি কিবল নিতান্ত বাটি-চকড়িও উপাদের। কিন্তু থারা আন্কমন—অথাৎ সাধারণের চাইতে কিন্তু আলারা, তারা হরতো বসন্তের হাওরার ১০ট মান, গোলাপের গণেশ ভাদের গা গোলার, ফ্লাকো লটি দেখলে কেবল মারতে বাকী রাখেন। উত্তরের কনকনে হাওরা ভাগের পছন্দেই গোলাপের চেরে ভাগের মনোহরণ পাট্রিকর গণ্ধ, লটি ফেলে হরতো একটা রস্কই চিন্তেও লেগে গোলান। সেইখনেই ভাগের করিছা, ভাগের কারাক্টার, ভাগে

আমার কোনো জাতাীয়কে মনে পড়ক। ছোলবেলা থেকেই তার গণ্ধরাতি আলাদা। কেরের্যাসন তেলের বেতেল দেখলেই খালিক रामाना नोग्रह वर्षा भारत विगया व्याप्त वाम गमान : 'কী চমংকার গণধ বে!' আনের বজারুম, 'এ রাম রাম, তুই কাঁ!' সে যে কাঁ-- মান কত ভিস্তিংতিভ, তার প্রমাণ নিলে বাড়া হয়ে। পার্টিশন হওরার পরে সবাই যথন शामादनात जान चीक्टक दम जेमार्ड देवना হল পাকিসভানে বাবসা করাও। এমন ६ । देश वार्यमा **कराम—स्य रा**ठात-कारणस्य त-প্রকেটমার ভারে দ্যা-হাতে সেলামা ঠাকতে माशमा जनस्था अप्रस मीडाउमा एवं कांक-শ্রনিও ভাকে হজম করতে পারে না—ভখন ভারতে প্রভ্যাবভাল। কী কার্নার চালে এল কে জানে, একটি কানকড়িও রেখে আস্তে হল না। সম্প্রতি তার আরে ক্রেস্টে মন নেই—সে কেন্দ্রীয় সরকারের এমন তাকটি



গেয়েবাগানের গাটালে আলিক ও গর্ গোর, প্রিকাশ্য সংয়ও

বিভাগের চাত্রার কেখানে চোখ বাবেল বাংবা ত মোল বাবে থ বাংবাই পরম কার্টিশক ঈশবর ভাইনে বাবে বাধ কারে থাকেন। এই বাংবালিনের শাধা—ভার কার্যবার স্তোন।

প্রতিষ্ঠান কৈ বিবাসিত র হাত হেকে বাঁচনত চাইতেন আমারদর ? কে জানে।
আমার সংগ্রহ হচ্ছে তিনি আন্। কামন বালেই
(সিশ্চর আন্। কমন, নইলে আমার ভ্রমণকর-ভবে সংগ্রহ-বাকরণ জানা সমন্তব!) এই ব্যন্তব্যাকরণ জানা সমন্তব!) এই ব্যন্তব্যাকরণ কাম জালা জাগত কিনা, কামন বাই হাম হাপানি আলোকাল জাগত কিনা, কামন বাই হাম হাপানি ক্রমণে তাঁর ক্রমণে তাঁরা ক্রমণ তাঁর ক্রমণে তাঁরা ক্রমণা ক্রমণানি নাইলাও ব্যন্তাত তাঁরাই মাজা আউটপটালিওং—হলতে হিন্তু, গ্রামারে তিনি অহবিটি।

আনিও আউটস্টানিন্তং ছওরার চেন্টা করব কিনা ভাবতে ভাবতে ক্রস, বাইরে ববরির পচা আবক্তনিরে গৃংধা ক্রনগাটা বংশ করতে হল সুখেল সুখেল।

বের হল ঃ শ্রীনবনুমারের নবতম ঐতিহাসিক উপন্যাস

# জ दल थावाञे ४ 00

মোগল হারেমের বেলোরারী বিলাস, জাহাগগারিক মদাস্তা ও ন্রেজগ্রাকের বড়বালের বির্ধে মাথা তুলে পড়ির এক লাগৈততা বথনারী। নিশ্বা চর্লাদনীর মত বে নারী র্পের কাঁপি নিরে বিবধর সংক্রের সংগ্রাহে খেলার মাতে ক্রেক্সার প্রতিলাধ নেবার আখার—সেই নারীর নাম জাবেখখাগাই। মোগাল হারেমের এই কলা নারীর কাহিনী নিরে সেখক লিখেছেন এক জা্লাকত ঐতিহাসিক উপন্যাস।

চূপি চূপি আঁধারে অবৈধ পাপ এবং প্রমীলা সংবাদ श कृशान् বন্দ্যোপাধ্যার ॥ ৫.00
श বীর, চট্টোপাধ্যার ॥ ৪.৫0

# त्रामाश्री (प्रमक्शा

প্রেমোপাখনন ॥ স্বাংশ্রেপ্রন ছোষ ॥ (২য় সংস্করণ) ৬-৫০

প্রকলে গ্রন্থাগার : ৫/১, রমানাথ মজনুমদার স্ট্রীট, কলি-৯

্(সি ৬৬৭৪)

#### জমেছে নতুন রঙ্গ

#### नीरतन्त्रनाथ ठक्वडी

একজন প্রণতিশ**ীল** নাটাকার প্নবাসনের অপেক্ষায় আছে। একজন সাহসী ব্বা মাহামহি, পোশাক পালটার। একজন বিশাদ্ধ গণতশ্লী আজ কৈবরশাসনের সমর্থনে বক্তা দেবেন। একজন প্রেমিক গিয়ে কথনো জমায় গদপ বাাহেব

কথনো সাপের মুখে চুম্ খায়। একজন ক্ষতুত-ভাঁড় মনস্কীর ভূমিকায় মাঞ্জ

(1/3/21

মাজে পালাচার ধার হয়। পরিবারতি **আলোকে,** কাজেটি চতুরকে ধার চেন। জমেছে নতুন রঞা কলকাতায়, দর্শকের চোঝে পলক পড়ে না।

একটি কুকুর-ছানা সিংহের গজনি দশদিগস্ত ফাইটেও সহসা উংসকে।

একজন আদর্শবাদী সন্ধ্যার আঁধারে অন্য শিবিরে গেলেন।

একজন প্রগতিশীলা ভিল-প্রেমিকের সঙ্গে বস্তুত কাটাতে

ভিন্ন ছাঁদে বেধি নেয় বেগী। একজন জ্যোতিষী গিয়ে জলের দপ্রিণ দেখে' মুখ অদ্লানবদনে বলে দিয়েছেন 'আমার দাদার জ্ঞাদারিতে কংকো কেউ অন্যয় কর্তেন।

#### भाध

#### রমেন অচার্য

িছে, ভাল লাগছে না। যেন এর জানে কেই দানী হালৈ। ভাল এত। যেন সতি। করে কেই দানী হালে কাঁচের জানলায় কিছা শক্ত জোধ ছাতে মানা যোতা। কানকান্য শক্ষ বাজতো। আলা, কাঁচের উম্জন্ধ দেহ খনে পড়তো খ্লান কান**া।** 

শরীরে বার্দ মাথা, বুকে চাপা আলো, তবা সেই বাটটি কাটির যৌদন ফারালে পার দেশলাইটা অন্ধকারে সারা রাত ধার একলা বাণ্টিতে ভিজবে। রোসের ঘোড়ার দীপ্ত মাথজ্যীব হতাং অধেকি পথে মাথ থাবড়ে পড়ে থাকবে আহত শরীরে।

উদাসীন বাসত মাখ চতুলিকৈ, সেটামনের সব ট্রেন একে একে ছোড় চলে শেল! মাকারী লাদেশর ধৃতি বর্গচোর। বিজ্ঞানিতর আলো প্রিয় মাধ রছখনি করে। যেন জনো শালেই বাছে। যেন কীতিনাশা নদী জোধ নিরে জমেই খবের কাছে, সাজানো বাগানে, প্রিয় মাধ্বীলতার শিকড়ের কাছে আসছে।

অথচ এখনো সম্পা হ'লে আমার একরতি থবে প্রদীপ করালাতে সাধ হয়।



## নতুন যুগের নতুন মেক্-আপ পশুস এঞ্জেল ফেস ব্যবহার ক'রে দেখেছেন কি ?

প্রস্তুর এঞ্জেল জেস'মেক-আপের পক্ষে নিযু'ত, - থেকে ছড়িয়ে পড়েনা। **ছেটে ছাত্র্যানে রেখে** छ। हाका (हत (वर्गा (बाला) इस भावेकात — (धधारत धूर्मा हला(भवा) कव्रव । भूलाक भवीत বিশেষ প্রক্রিয়ায় জীম মিশিয়ে তৈরী।

আভা গটার পর ঘটা গেমনটি তেমনি থাকার। পণ্স এন্সেম ফেস কখানা কৌটোর ভেতর

সারা ছনিয়ার রূপদী তরুণীরা পণ্ড স এঞ্জেল ফেস

ব্যবহার করেন।

চীজব্ৰো-পভ্স ইন্ক গৌনিত লামে নাবিন যুক্তবাট্টে সংগটত।

্মতে। মনোহারিণী হতে চানতে। আঞ্চ প্রস্ম এঞ্জেল ফেস লাখাতে বোলে। আয়েল। প্রস্ম এঞ্জেল ফেস মাখতে জ্বক করুল। মেই! **সঙ্গে যে** পাফ থাকে ভাই দিয়ে ভ্রম্ব চমানার বীলে - সোনালিতে মেশা এ**তী**ন বুলিয়ে নিন । পলকে আপনার মুখন হয়ে। কেট্টোয় পাওছ। যাই । কয়নান্ত সুন্দ্রীদের উঠার অপূর্ব সুন্দর আরে সেই জলজাল লারণোর স্থারে বাঙর সঙ্গে মানানস্ট তারক রকম वड भारवत ।







পানি তো মশাই আমাকে জনালিরে
থেলেন। আমার মত নগণ্য একটা লোকের জীবনকাহিনী জানার জানের আপনি কেন বৈ এত হন্যে হরে উঠেছেন জানি না। বাই হেকে আপনি বখন এত করে ধরেছেন, তখন আপনাকৈ বিমাণ করা সাজে না। আপনি কলেছেন, "বাহা বলিবে সত্য বলিবে, সত্য বই মিখ্যা বলিবে না।" কিক্তু জীবনের সব সত্যি কথাই কি মানুষ হজম করতে পারে? আমার ধারণা, পারে

না। বাই হোক আপনি ধখন বলেছেন

তখন আমি চেম্টা করে দেখছি, কিন্তু শেষ

অবধি পিশ্চি ধে, কি ছাই দাঁড়াবে, বলতে
পারি না। তথা সব বলার শেষে আমি

একটা নিবেদন রাখব, যদি সম্ভব হর সে
বিষরে একটা সচেম্ট হবেন, তাহলে হরতে।
আমার কিছা উপকার হলেও হতে পারে।

...আমার ঠাকুদার ঠাকুদামশাই বিরে
করে জোড়া শ্যালিকা বোডুক পেরেছিলেন।
ঠাকুদার বাবামশাই সাত্তিক প্রকৃতির মান্ব দ্টি কুলীন কন্যার পাণিগ্রহণ করেও সাধন ভঙ্গনের জন্য গৃথিতি তিনেক তৈরবী রেজেছিলেন। ঠাকুলামশাই পেটরোগা, সারাজীবন গিমে শাক নিয়ে গোড়ির কোল
থেরেই কাটালেন। বউ বলতে, সাধন
স্পাননী বলতে, সংশ-সচিব-লালিভ-কলাবিধৌ ঐ একটি, আমার ঠাকুমা মোজদামরী
ঠাকরেণ। ঠাকুমা প্রাভঃশরলীরা চরিত,
বলতে গোলে ভারিই শাসনে বাবামশাই কিছু
ইতিহাস স্ভিট করবার মত বরসকাল পারার
আগেই সাধনোচিত ধামে চলে হান।
স্তরাং বংশে বাভি দেবার মত সবেধন
নীলমণি, আমি, শেবরাতের সলতের মত
জালছি।

আমার ঠাকুমা আমাকে ধ্ব ভাল-বাসতেন। তাঁর আদরে আমত্র আমি

## विर्विता (वाक्यां)

প্ৰয় খণ্ড

শংকরীপ্রসাদ বস্যু । দাম ৩০০০০ নিবেশিতা কী ভিলেন এবং কী করেখিগেন, ভার অধার্ভ ইতিহাসকে বিপাল পরিলাম বহা অজ্ঞানত ভগ্নসং এই আবং-হলেখ লেখক উপ্যান্ত ভগ্নসংগ্

## গান্ধী নীর দূত

সাধীর যোষ ॥ দাম ১৫٠০০ ভারতবার । অন্তি-ফ্রান্ডের ইরিয়াসের ৪৯ অধি জন ভংগ এই আল্লক্ষা। ক্ষতী-

্রিত অধি জন জংশ এই আব্রুথা। শ্বন্ধতা-হত্যুদ্ধর পরের বয়া রেপথা-ঘটনার সঞ্জন-কর ক্রাইনী এতে বশিত হয়েছে।

## **लातल वाल है नारहै व**

এ, সি, জনসন ৷৷ দাম ৮০০০

'৪৬ সংলের শেষ থেকে '৫৮ সালের মাঝামাঝি প্রস্থিত ভাষত-ইতিহাসের গ্রেখিপ্রি
কালের রাজনৈতিক ঘটনাগ্রিক দিনলিপর
আকারে এই গ্রেখ লিপিবধ্ধ।

## বিশ্ব ইতিহাস প্রসঙ্গ

জ্ওহর্লাল নেহ'র ॥ দমে ২০-০০
জিলাপ্দেস তদ ও্যালড়ি হিস্টাল গুলেবর মন্থান এটি। এই মন বাদ ম্লা ইংলেকী গুলেহর অধ্নাতম সংক্রেগের সম্পা্ল পাঠ সংবলিত হ্যোছ।

#### আত্মচরিত

জাওহরলালা নেহর ॥ দাম ১২-০০
দেহর,ছার মানসিক বিকাদের এবং
দ্বাধীনাতা দ্বোগের ইতিহাস এ বইটি কোলে তরি কাজিলাত কারিনী নর, জাতীয় জালেন্দ্রনের এক গোরকায় অধ্যায়।

## বি'বকানন্দ চরি ত

স্তেপ্রনাথ মঞ্মদার ॥ দাম ৭.০০ যে সহাপ্রেষ ধরে, সমাজে, রাজে, সমাজিমান্তির সহান আদশা প্রচার করে। গেছেন, সেই শ্রামী বিবেকানদের অপ্রে বৈচিতাময়
ভাষিনকাহিনী।



আনন্দ পাৰলিশাস প্ৰা: লিঃ আফস: ৫ ডিডাৰ্মণি দাস দেন ৷ কলিঃ ১ বিক্সা-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মংনত্মা গান্ধী সোড ফুনেন: ৩৪-৮২৪৭ আনেকটা বোধ্ছ গিছেছি। বেধ হয় বাবারুণায়ের অকলমাতু, তরি দাপটের মুখটাকে
তুপদে দিয়ে কোণাও একটা ভালবাসায়
উৎসমাধ খালে শিয়েছিল। কিন্তু বে
নারী সারাজীবন দাবড়ে বেড়িয়েছে তার
ভালবাসার মধ্যে কোণাও একটা আধিপতেও
জের থাকার, স্তরাং ঠাকুমার ভালবানা
রধ্যে যতগানটা অভ্যানার ছিল ভতখানাটা
বাধ্য ছিল না। আমার মধ্যে সেই তরি
সেইসর গ্রেগণে অভ্যানার মধ্যে সেই তরি
সেইসর গ্রেগণে অভ্যানার ভালবাদিন বা

काम तुरुष्क अवस्था आक्रीमाः कामार्शातास তুকালে কে বিশ্বাস #877 TE 27 (54) श्रवद्यान्यानिकामीयातः । रक्षण्यस्य १०३ য় টাক প্রসত করে উড়ছে। দেশসেই লানে প্রায় একটা বছর চুফ লিখের নবালকে हाइका, गानिक वाका गाना, १५ १४व - ४कारम কটিল রামের থাকা **মাথা**র **গা**লা পাক ধ্য়েছে: হথড় চিত্তক **ল আ**ছি এইল দেখাত ছিল মানাং হবিও আমোর মাড ধারকটা আমার ঠকদামশ রের মত রেজে খেলেরে তব্যুও ছেলেবেলায় আনি নাকি আয়েও ফলা: গ্রেপ্রিক প্রিক দেখতে জিলাম। তথা আমার ঠাকুমা নীল ধটি পরিয়ে তথাল কনেচৰণৰ ছাখিয়ে - ত্ৰা**জ্ব** হিত্ত কোত্ৰ ভ্ৰা নিক্ত খ্যার দেড়ারেন।

অমি অনেক **বয়স জা**বচি ঠাকুমার কোল চড়েছি। **লেটেক, বিশেষ** শুরে মেয়েরা তামায় দেখলেই আজা-**উহ: ক**রত, কেট কেট িপ্রবিয়েলে হাত্রেখ জানাত, দীর্ঘাবাস হেজে**ত। ঠাকুমা** ভারের সংগে একষেণে দঃখের পাঁচালি আউডে আমার মণদভ্রা <mark>নয়ে সমিশ্বরেস</mark> পুথন প্রকাশ করতেন। কিব্ছ তারা চলে গেলেই ঠাকুমার দাঁত বেরিয়ে প্রভত্ত—মর্ণ। জানবের জর ভারণা পেল না! ঠাকুলা মুখত বড়ু বড় র ক্ষ কঠোর ছোখ জুলে আমার মুখ চোখ নিরীকণ করে অলকা কোন দাভাগে। দেখাত ৪াইছেন। লেকের নজরে মালরে আমার চেফারার কোন বৈশরীতা ঘটেছে কিনা দেখনার আগেই কট করে কানি অঙ্গেটা কমড়ে, আমার কপালের পাশে ঘঃ। ঘঃ। করে ঘড়ু ছিটিরে নিছেন। যত সব হাড়হাবাতে নচছার মাগী! ঠাকুমা বলতেন, নজরে বিষ মাখিয়ে সোহাগ \$ 1000

বীজমন্তের মত ঠাকুমার গাল-ক্টের দব
অথ ব্যুক্তে না পারলেও আমি যে কিছা
কিছা ব্যুক্তাম না তা নয়। শানেছি
ঠাকুমার গালমণ্য শানুনলৈ অধীম দতি বের
করে হি-হি হাসতাম। আর হাসলে আমার
ভীষণ বোকা বোকা দেখাত।

এখনও সে রকম বোকা বোকা দেখার কিনা জানি না, কিন্তু একথা দ্বীকার করতে লভাগা নেই বালক বনকে আমি খুব বোকা জিলাম। একটা মঞ্চান কথা বলি শান্দ্র, ছেলেবলার থাবার খেরে নিজের পোট ভরজ বিনা আমি ব কাতে পারতমে না। বেছে বলে অমি উঠে দাঁড়িকে ১ কমাকে আমার পেটে কেছেল। ঠকুমা এক নজর দেশে বলজেন, আর ভাট্টি খা। এগনি করে আর ভাট্টি আর ভাট্টি করে খেতে খাতে পেটেই পেটেই হখন করে আর ভাট্টি আর ভাট্টি করে খেতে খাতে পেটেই পেটেই হখন ১ কুমা বলাতেন, আর খাক। বাব খানা বাপ পা।

চেন্দ্রকা থেকেই আমি কেটারের চা ক্ষুব্ৰত হৈ ক ক্ষুক্ত ক ७८,४ व**र**्द 477818 আমি একে বেকে, 13 July # 18 661 ভাগ অসংখ্যাস্থে লোভী, ভার ওপর ১৩০০ ব উদ্বানি, বলুনে আছার **অস্ত্র** কি কে*মতি*ন সরায়? <mark>অলি মান্যানে</mark> दल्कलाकी हाम याख्यिसाय। आहे सारमगरे ব্রা ব্রক্তা বদ হলে একটা আলাদা জান্ত इत्य ७१८, "तरकार्डत ४.5" दलका दश्र টিক বলা হয়। আনি আনুমর সময় আন্ম গেয়ে নলি নীল মাতি মাধ্য জনে লং পোটে বলৈ অঞ্চাল পিশিছে দেখাল পা টিপে টিপে 177 মার তাম 646 जिंद जिंकरक সূপ্র 15 (8) क उत्तर হ'ায কেটেছিলম। বিশ্**র স্ব**চেয়ে ভাল। লাগত অবৃশ্ল লাংডে। শাড়ি ধরে ক্রান্তর্য প্ৰতিক কালে একটা সাচ্চে সাধা বাড়াল জাভীয় বিছা ভার গাম ফ্রিয়েং দিতুম, মেটা ফরফর করে তেওঁভাল ভানা দেয়ে। উভাত, তথ্য আহার বেশ হলে লাপ্র আহি কেই আরশ্লটো নিয়ে মাকে ভয় দেখার্ম।

বংশের একমাত থেপে ২ ওরার প্রথার জানক স্থিপে ছিল। জামার এসর জানার বিশিধ্যার মান্টাকুলা সরা করতেন। মার হৈলে কলেও আমারে মান কিছু কলাত বোলে ঠাকুমা বাক দিলে প্রভাতন। মান্দ্র ধর্তমান করিব বাজি করারের সলতেট্কু বেলে ব্রিক নোলা সক্সক্ করতে।

ঠাকুমার কথায় না কেনন কেন্টো হয়ে ষেতেন। অভিনবেশ ব্রাচ্ম ्रा कार्ड भएक्टन। अथर् वि आन्दर्श प्राव मृक्ष দেখালে আমাব দুঃখ হওয়া म्हात थाक. অ,ম,র বেশ লগেত। ভার অবশা কারণ আছে। যা আম কে লেখাপড়া করাতে চাইতেন, আমার খাওয়া দাওয়া নিয়ে খাত খাত করতেন, আমার মেশামেশি নিয়ে তার ন্নোরকয় বায়নাকা ছিল। লেগাপড়া করতে আমার মন বসত না. "লেখাপড়া করে যেই গাড়ি চাপা পড়ে সেই" এ প্রবচনটা আমার 🕊 লক্ষ্য ভিল। আমি প্রার্থ বইরের পাতা ভাষে গালে খোষ ফেলতাম, দেলট ভেগেল রাখার্ম, ধা তা খেতুম, রাস্তার আর্জকাঞ্ প্রাক্তানত সংখ্যা মেশামেশি করভ্য। ওরাই সংখ্যার পথাত্র ক্রারের ল্যানের ফাল্ডার কৈ পটকা কোষে আগ্ৰ জ্বালিয়ে দেবার ग्रहात (थकाठी भिथिताहिका।

অভ অভাষ কথা ছিল রাস্টার ধারের ঐ লংগতলা। অভ্যা অপনি হৈ কথনও ঠো কাট্র সময় প্রির চোগ কেবেছেন? ল সেখেনলৈ বেশ হয়, সেখেনেন পশার কলের অংকলি জাবেন না আপনি কি राज्याचार समाप्त दकारणाई कार्य व्यापाय কেপ্ল মাতভেয়ের চাউনি কর মলব । ∡⊄ম লিখবাস বৃদ্ধ চাপা ঘলার আকাল ভাক সভায়ত কাৰ্যার মাদ কার্ডা<sup>†</sup>

তথ্যত কটে সে সর বিভার রেমাশ্রুত क्रमा क्रमा कर से आकार कारण की है। उन्ह £ 21 2000 P. 13 18:30 কটো বৈচ ভালতি, কোকে কৌন বিক্যান্তক FIR BUTTO SAN TANKI WAR BY ath was fite "Magaz en lags". 41.5 නෙන නිව නෙන වෙර්වරන් ව දෙවන . 1.4 ±४.९ द्वादश्य का ता । उन्हें क्वांकरणस्य සුම් ලැපු ඇසි අදහ. සුදුදු নিশাস কামেছে, ককা ইত ছাত ন্তা মুক্ত た<sup>2</sup>また 数数性 光緒 (本)み 2018 - 2019 副 "能物" "按证法" 机油 "各"政治 "也"如"企业" অংশ প্ৰতি সভুত, বু.৮ বুলে । এস্ সিত্তির ডুকে আলচাতীর কামপানের হাত કરાને જારુ<sup>મ</sup>ેટ કરાય કરતા રાજ્યલા · 大大 大 東 本本本 (2014年) 主席の内容 | 数字 (2015年) 981 - OF 35는 - KNA 도쿄는 원급경 25 47 cg s

rila on areare en are មានជា ស្រាស្សស្រស្ស ប្រាក្សាបាល স্বাহ্ন কামন করবর কানে হ'ত বাছিছে द्वमाष्ट्र ६ फाउरस् किस्कु ब्राटम्ब भारतकर सार লা জনতেন আনের লালে এর ভারতের খাত্ত প্রধার অংগ্রী আহি অলম্মিক প্ৰায় ক উল্লেখ্য কোনে SAL ENTIRE **গ**াডপাড় কল্ডে কল্ডে হালিনামের মুক্ত কোনাকল ক্ৰমণ সভাৱ হিছে দেৱৰ আন্তৰভাৱ ছ, টে হাসেবান ভারপর শাব্র হবে ব্রাঞ্চন ালাপটোসা ব্যান্তবিষ্ঠা হাত হাত্ত কটাপ হাত্তিক কথা ভারতের এখনত। আমার হাজি রাসে। এবা সৈভাল ক্ষাড়কণ্ঠ করাত পারে ফেলেটে কথ **গ**ড়িছাছ, কিংছা মার শব্দ ক্রভ মানা, কারণ ভার W WARRY অহর হার অধাককান ভিতা

ক্ষণ যা ব্যালা আরু ক্রান্তা সংস্তালের ব্রস্তান বৈধ থাকে। এসর একসম (ছ'লে। কগা, বাজে, বনোলে।। সংতালের জালে। মার কোন ব্ৰদ্যাবেশ্ব থাকলেও থাকটে পাৰে। মা ভার এই অংশালন্ড ধ্যক্তে শিশান্তির জনে। প্রসংগর বৃহিত্য নাজিত বন্দ্রণা অন্যাত্তর করতে করতে ভবিষাং ভেবে নিজেকে বিজ্ঞাত দিয়ে যে নাঃখ কন্টের সোধ গড়ে ভক্তেন সেই কাৰপনিক লাংগটাকে চাটাকে আমাৰ বেশ আরাম লাগত। তাই বদি না হতে ত্বে একটা মান্তৰ আচমকা প্ৰে গিছে বাথ্য পোলে লেখকে হোসে এঠে কাগোলার ক্ষেত্রে ভাষিক দিয়েত দিয়েত খালাস্থ্য ? रथींफा-कारफा द्रम्थक रक्तीका ज्ञानात है।कहर পা উন্তিন করে কেন?

दार्ग निकारके काहे। नहींक विज्ञांकाक আলি অভ ডিজ্ব কর্তুম কেন্ড মিনটিত মানে মিনতি, সার্গত পিলিমার কেরে, সংপ্রেক আমার বেমা ক্রা আমাবের বভিতেই থাকত মিনতিরা, স্বভি পিলিয়া বাধ্যতন বাভাতন মিনতি ফাই-ফব্যাশ মাট্ড, একবার ঠাকমার মাথের গোডাহ, একধার মার পারে পারে ঘোরাঘারি করছে চে করছেই :

া মিন্তিক খাব ভালবাসায়েন। এট গারতা গোডদা হামদা-হামানে কার্ল-তে লো উক্তের আর ফুকপ্রত মেরেটার মাধ্য ভালত সাধাত হয় হয় বিজ্ঞা ভিন্ন আয়ে ব জানা ্তার হার ধর করে। ভারস ভিরম : এগার বছাবৰ খিলভিকে টোকে বছারেই আমাত টোয়ে ডডেক বড় চেকচেছা ফিন্তিক শ্রীকের নাম (১৯ মাডিট্র হা বি**হা** দেশবার । এট আলি জন্ম ক্রিনীয়া।

কল্প কিয়া সেখালেই ভাষে কাভার করে দল্ভ হ'ব উঠে পড়ে শ্রেছ্ম, মনভিকে দেশালই মালি দিন্দার হাছে উঠতাম। আমি নিৰ্নাচ্যক ডিমটি কাউতাম, জান্তমকা বেৰণী গরে উন্তাম থালথাকা পারের হাধ্যে পা জালার লেগা মাব্যাম এককার স্থামণ্ড নোতির নাকের ফ্রাটাম হেটে একটা প্রথিকর ালায় বিবেছিলায় সেটা **স্কুটিভ পিদি**না লেপ ভালে লিয়ে বের করে জানের। **আ**য়ে এববার বর্গে গরম খ্রিণ্ডর ছে'কা দিয়ে-িছল মান্তির উরাতে সেন্লল এখন লের একের লভ বড় **হরে গেছে**।

किर्गांड राशक, **काझाकाधि करत**, हानिश তবার কিন্তু আমার কিছা করাত পারত না স**িভাপিদ আমার পক্ষ নিয়েই তথক** ধনত তেল -- ইস! ন্নের পাড়ক! রামা একটা গণেষ হ'ত দিয়েছে ছেচ গলে গোল। মতাদী: বেশ করেছে মেরেছে। আরও #1212 E

ভিন্তি এক-একদিন ভিৎকার করত, কেন

সংবৃতি<sup>6</sup>পাসর এক উত্তর ছিল।—ব্রখ কাল্ডছ মেরেছে। স্বাস্তর জ্বান্য কৈফিনং रतदर नार्क् र

## কলকাভার ইলেক্ট্রা त अलाअक

ব্ৰদ্ধেৰ বস্থা প্ৰম ৫০০০

### ঘণগোকা

শ্রিফেন মুখোপাধার ৷৷ লম ৪০০০ .....

### रल्म वनस

ব্ছদেব গুহে ৷ দান ৪০০০

#### क्व मात

বলেডাবকুমার হেলে 🐞 দমে ৩-৫০

## অ'দুভায়া

সংশীল রয় : দাম S+no

## তপস্বী ও তরঙ্গিণী

ব্যস্তাদৰ বস্থা গ্ৰাম ৩০০০

#### রাতের পায

আশাপাণা দেবী । দম ৪٠০০

#### অমাবস্যার গান

নাররেণ গঙ্গোপাধনর ৷ লাম ৩০০০

#### জনম জনম হয

প্রবেধভয়ার সানাল । দাম ৪-০০

প্রেয়েম্পুর মিত্র ্র লাম ৩০০০



আনন্দ পাবলিশাস প্রা: লি: অফিসঃ ৫ চিকার্যাদ দাস দেনে । কলিঃ ১ विक्रब-रक्षण्ड : ७२७ महाचा गान्धी खाक CFA : CS-8389

সারভি পিসির একথা না বলে উপায় ছিল না, তাঁর হাত-পা বাঁধা, ভবিষা,তর আশাভরসাই তাঁকে আমার পক্ষ নিতে বাধা করত। ঠাকুমার অসবের গ্রেপালের ক্ষাত করা তাঁর সাধাের বাইরে।

মিনতি ফ্লেড। রাগে ফ্লেড। এক-একদিন বলত, আমিও একদিন মারব বলে বাংছি।

স্কৃতি পিসি রেগে ফেতেন।—িক বললি! গায়ে হাত তুলবি। তুলে দেখিস। দেখিস তোকে আমি আশু বটি দিয়ে কুচি কুচি করে কুটব। দেখি তখন তোর কোন বাপ এসে বাঁচায়!

একই ধরনের মজা বার বার "রিপিট"
করলে মজার ধার কমে আসে। একই
ধরনের নিষ্ঠ্রতার নিপড়িনের মজা আদে
না। মিনতিকে বিরক্ত করার জন্যে আমি
অন্য রকমের সাজার কথা চিম্তা করতুম।
এক-একদিন ভাবতুম আঙ্কলে ছ্মান কিম্তু
এগ্রেলা ভাবলেও ঠিক করে উঠতে পারতাম
না। মা মিনতিকে বড় চোখে চোখে
রাধ্তেন।

একদিন বাগানে জামব্ল গাছে চড়চা-পিশিড়ের কামড় থেরে আমার হঠাং একটা নতুন ভাবের উদয় হল। চড়চা-পিশিড়ে জাপনি দেখেছেন কিনা জানি না। কালো কঠ পি'পড়ে দেখেছেন নিশ্চমই, লাল ডে'মো-পি'পড়েও। লাল আর কালো এই দুই পি'পড়ের সারকস্তু নিয়ে যে মডার্ন তিলোত্তমা স্থিতি করেছেন ভগবান, পি'পড়ে-দের জগতে ত'ব নাম চড়চা-পি'পড়ে। সর্ ছিপছিপে দেখতে, হিপ-দেক করা মেরেদের মত পেছন, আর হুলের ধারে কট্ডাবিগীরাও লক্ষা পর।

এ নতুন আইডিয়াটা আমার মজার মাতাল করে তুলল। আমি একটা টিনের কোটো বেংগাড় করে তার মাথার টিনে অলপ দ্টোরটে হাওয়া যাতায়াত করার মত ছোট ফানুটো করলাম। তারপর ঠাকুমার পাকা চুল তোলার সোমাটো বেংগাড় করে নিয়ে বংগানে বসে বসে এক কোটো পিপড়ে ধ্রলম।

স্বতি পিসি আর মিনতি মার ঘরের মেকের শারতা। দাওকদিনের মধ্যে আমার সামোগ জারত গেল। সারতি পিসি দিবানিরা সেরে চলে গেলেন, মা অনা কোথাও। মিনতি উব্ হয়ে বসে দা' হাতে হাটা জড়িরে ধরে হাটার গুপর মায় অলতো চুপি পারে ঘরে অ্কলাম। মিনতি সজাগ হয়ে তাকাবার আগেই উপোসী পি'পড়েন

গ্রলেকে কোটো থেকে উপন্তে করে মিনতির গ্রেম মাধায় তেলে দিলাম।

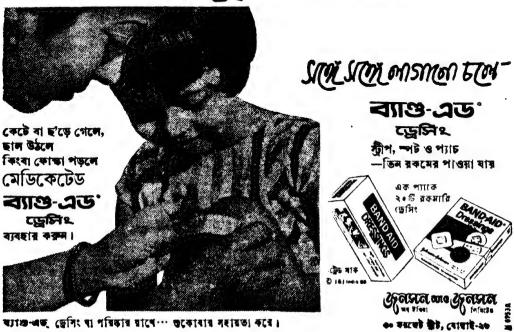
প্রথমে মিনতি ঠিক ব.মতে পারেনি
অচপ পরেই ব্রুল। মাধার চুলে হনো
হরে করেকটা ঘ্রেছিল, করেকটা ঘাড়ে
কামড়েছে, করেকটা ঘাড় আর গলার পাশ
দিরে গলে বোধ হয় ব্রুকের মধা তুকে
গিরেছিল। মিনতি চমকে লাফিরে মাধা
ঘাড়ের পি'পড়ে ফেলতে ফেলতে, বোধ হয়
ব্রুকে কামড় খেল। এক-একটা কামড় বিদ্যুৎচপ্টের মত, তার জ্বালা ভয়ংকর। জ্বালার
অক্সমাং জামা ধরে টানল মিনতি, টিপকলের
ম্থবংধ বাধন খুলে জামাটা অনুনক নিতে
দেয়ে এল। আমি এই প্রথম কিশোরী-দেহ
দেখলাম।

অলপ পরেই মিনতি জামা ঠিক করাও করতে দাঁতে দাঁত টিপে ঘর্ষণ করল,—অসভা \ জানোহ ব !

আমি ব্যেধ হয় জনোয়ারই জিলাম,
আমার কোন লুঃখ হচ্ছিল না, আমি স্থেধর
মধ্যে অনা একটা আন্ধেদর সংধান পাচ্ছিলাম।
আর এক জগতের, অনা জগতের। সোলিম
রাত্রে শ্রে শ্রেয় আমি নিচের স্বংগটা
দেখিঃ

লম্ব্য একটা ধারালো ছারি নিয়ে আমি একটা আপেল কাউছিলাম। প্রথমে স্থা





हे करवा भारत सामात काहेश्या । ठाका-ठाका জন্মা-ডয়ের করে মেরেদের কটনে কেটার মত কার্টছি। আমার ছারিতে রস্ত, আপেলে রত্ত, thing and beart the Bills and ছারিয়ে-ফিরিয়ে হাতটাত দেখাতে দেখাত च कडेशकाव भा क है। करता च रशन गरंश ফেলছি। আঃ! কি নকঃ? কি রসল। একটা পরে হারেলায় চোথ পড়ল আন্তর্ দেখলাম, আমার ঠেটি কাল, আমার 'লব লালা আমার হাতে লালা আমার হাত্তর হাতি লাল। অনুসর মেট নীকার্ণের নিম্নুত্ত মাতু কুমাশ্ আমি তাকটা পালবংগাল বড়ের শিহাস হয়ে উঠিছিল একটা প্ৰেই সাধৰ ভ্রেজ্যায় লাজ্যার মর্কিছে কর্নল কর্ম উন্তঃ আনোৱ পুটি কালি, কৈও কালি, অঅর হাত কলি আমার হাতের হাতি কলিন আটি সেন কমণ লগাও তাতা क रक्ता अन्धकार्त्त करान्य ६ छ। छेर्राष्ट्र ।

দ্যাপার নাড শার্ম হাপ্নার রোগ হয় হাম্ ইয়ে এটা বাং নাজে এটা নাজ্যা লা দ্রিটো স্থাতিত নাপ্রত আক্ষেত্র হাম্ নিহেন্ট্রমে কালে হয়া বাধি হান্তার হাম উল্লেখ্য এক নাই তিনা সন্প্রতিষ্ঠান বছর কোলাত হাম সত্ত্রা বছর বিহাস হাম্

कामकार्मेन कान्यांक राक्षा हरूकी 军医国地 医物色 "村"似"西西江美"的"张汉。 ঋল্মা নিয়ে বড় কটাকৈ ডিল্লা: লুল্ডাড়িড **্ষাংহক**ারের হয়কো একটার প্রথ করে। দেখেছেন THE BOOK OF BUT করালার সংগীকার করবের মত্তার তারে লত্তির পার্যা আস্পর্যার কৈই। অন্যান্তর্যার আর্থ্যা একটা অস্বাধ্যের জিনিস্ত কর্মটাত পুরুষে **ইয়াড় এক**টাু চে**খ** - প্রিচ্ম মাম, তারপর একটা একটা কাৰে মদল ভালকার সালে আলুস্ ভাষর সমস্থ পরিমান্ডল হেরে নীল সে এক আন্তের দুর্গি কলসে এটেন সং আচেব মোহাহাত মাজ্জুনা জিরো পাওয়ারের আবদ বাতির নিশ্রভ নির্ভোর অবলবে মত সমস্ত ভাষাীরে ভাষ্টাভে জন্মত এক জাওলালি স্থিত করে। সে আলো মদের নেশার চেয়ে গাঢ়, জ্বমাট বাঁধা বক্তের ডেয়ে কালো। ্স এক কালো প্রাথকারের মালো, স্থিতি তার **ভ**ুড়ি হোলা ভার ৷

যাক। এ সব কচকচি থক। আয়াব গলেশ সাবাৰ ফিরে আসি। একুশ বছর ব্যাহ্যে আমার বিষ্ণে হল। আমার বট একদম গরীব স্থান্তর মেয়ে, বছদ বেল দেশতে ছিপছিপে, একটা আলগা শ্রীর নাখন মাখার মুখ, বড় বড় চোখ। ব্যাহ্যার য়ে, বিনালারনার।

মাধ্রীকে দেখে আআৰ চেবী লাপানী প্রেট্রের প্রতি উদয় হয়েছিল কি না জানি না আধ্রী বড় নধ্য, ফুল্টুরে তাড়ালা যেন আলানা আলানা করা যায় মাত্রীর ছিড়ে নেওয়া যায়। দ্বা ছিড়ালারার বিধ মুল ইঞ্চিয়া করে আলানা আলানা করে মুল ইঞ্চিয়া করে আলানা আলানা করে জান ইঞ্চিয়া করে আলানা আলানা করে

মাৰ টেনিখন টেনিখন মাধ্ৰীট। গেয়োৱ মঞ্জিল। আমি যাবলি ভাই পঢ়া যাবলি ভাই সহ। ময়োৱ বই পঢ়া কল, ভানাভ আমি মধ্যৱীকৈ স্বাংলণা লো ভাষেদ পের্ছ না। আমার মনে হত **এমি** সেন্থ্যমার ভিত্তাকে থাদে মাড়ে গাড়ের নাগরি চাকভি।

একদিন আমার তার কথা মনে হল।

যে আমার রেখেছিল, তার কথা। সারাদিন
আমানা, রাতে শায়েও আমার ভাল লাগছিল

নাং নাধারী ধরে তাকে আমার বড় বিরঞ্জ
বর্গিল, আমার নাই কুন্ফুলীতে আঙ্কা
খ্যারিয়ে থারিয়ে সাড়সাড়ি নিচ্ছে, বগলে
কাত্যিত। এক সমায়ে মাধ্রী মূখ নামিবে
বলল কি ধ্যাড়ে

গুণ হ'ল উত্তর করল**্যে না। পরে** বজন্ম নাও প্রন্তে জীবনটা **বড় জোলো** হলে মাজেন

হণ্দী তি ব্যক্ত জানি না। **চাথ** লাখিলে হস্তে চস্তে বস্প্—**স্থেন প্রক্** তহ্ন করে নিগেই বর্ সাথি **কি বরণ** করেছি।

আহি জনবাহা কংগত নিচে বাতি বেংশ পা প্রভিত্ন হা প্রতীয় আমার হানের মত ভূমি বেন নিন্তু হয়ত পার্থে মান

্রিন ব লাধ্রতি **গ্রেল ভিজ্ঞানা** কর্ল, ভরপর বলল, জেলেরা **সর পারে।** একরর গ্রেল করণে দেখনে না নশাই।

মধ্যেতি জ্ঞানিক কো**ল হাসি চেকে।** যাস ভিন্ত হাসিত মধ্যেতি **এথের** এসি স্থাতিয়ে পঞ্জি **পড়েক। ভিলিমে** ভিজিল

্ঠ হব স্থাত পোকটা ক্যাছে উঠক। এই ডি. প্ৰেল্ড ক্ৰিছেকে সংঘত্ত ভাব আনুহাত হে কিছেব ক্ৰিছেছে ভা ভগবনই

#### वन-एकााएम्ना नाबारण शस्त्राभाषाष বই বেরুবার আগেই এই অভিনব বলিও কহিন্ট চিনুষিত হচ্ছে নেতাজীর সঙ্গ ও প্রসঙ্গ ন্ৰেণ্নাথ চক্ৰতী \$5 \$12 \$4.00 \$8 \$1.00 \$**4 4.00** অমৃতকুম্ভের সন্ধারে 4194,6 11 20.00 11 ।। সদা প্রকাশত নতুন উপন্যাস ॥ এখানে পিঞ্জর अष्ट वाग्र # 6.00 # मृय काँपरल स्माभा अवस्य भव পথ কে রুখবে ? মনোজ বস্তু 1 52.00 H हता जन्म यारे আশুতোষ মুখোপাধায় ॥ ৬.০০ ॥ কেউ নায়ক কেউ নায়িকা কিব বি वनग সৈমদ মুস্থাফা সিরাজ n bean n বেলল পাৰলিখাৰ্ল প্ৰাইডেট লিমিটেড, ১৪ বহিক্স চাউডেন স্ট্ৰীউ, কলিকাড্ৰা-১২

জালেন। মধ্বীর থাসি আমার সারা গাকে জালো ধরিরে দিল। অগ্র মাধ্বীকৈ বল্লনে চম্চাখার।

মাধ্রী গাল কিশত দিছিল কাম মাড় গাড়কাম। মাধ্রী ঠেটি এলির দিছা। মানি কলকাম জিলু দের কর।

ট্ক করে অখপ একটা জিব বাব ওরণ মাধ্ব<sup>†</sup>। জামি গড়ে নাড়তে নাড়তে কলনা—উয়া জারও বছা।

্ মাধ্রেরী হাসি হাসি ম্যাথই বলল। একেবাৰে বাক্ষক লী।

জাম হাসলাম। জামার মাণের মাণের মাণের কিব। চলনের হেজং বুলস্থিপাতার মতা, মাধ্রেরির হোমা আবেশে মানের আস্তিল, বালার কোলাও একটা ঘড়-মড় শালা হৈছে। বালার কোলাও একটা ঘড়-মড় দালাও কালাও বালাও বালাও

মধ্যের ডিক্কার করে কোলে টাইটের লিফে ইঠার ধনকে পঞ্জিল মান্তেরি সমুদ্র মাম কালিছে, মানুহর প্রথমের মূর ডিরভির করে কালিছে একটা পরে বিভানত এলিয়ে পঞ্জোমান বস্তম্ভারণ হেলেলা সর্পরের

মহাতীকথা তথিছে না তুকু হাখ

শ্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

শত্তি পদ রাজগ্রু

একটি গল্প লিখছেন

(3. 5=24)



এস সেন, জে. পি ম্যারিজ রেজিপ্টেশন অফিসার ১৮: শালাস্থ্য প্রেটি কলি-১২ কলেজ শ্রীট বংগে গাল্পী বেচি জংসন

கை 34 6896 Rosi 34 4045

রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস ভাবে আস্থিক কালে কালে বাণিচিল কালা আমার দ্বা চোগে সম্ব না। কেউ কালিক নেড় কুউর মত লাগে লাবার আমার নিজ হয় তবার প্রচাত একটা লাগি মারর ইচ্চেটে দলল করে আমি বহলেন, বেদা না নামারটা। আমি তোমাকে আনাদের অনা একটা জবতে নিয়ে হাব। এই প্রথম পাই, তাই হয়ত সহা করতে পারক নি একটি স্বীয়ে নার, তারপার দেখাব হলা কাকে বাল সংব কি!

মাস্থানেকের মধ্যে মধ্যেরী পালল এয

গোৱা।

পালেল বউ নিয়ে কেই হন বলে না
মান্ত্র স্বাই পাললা থাবাদে প্রেটা চা পদরী
দাই হনি পালল হয় আপেনি ডালেল পা
করে পালল গালান প্রাইলে পালেন জন্ম প্রাইলে জনাল জনকা না
প্রেটা ভাই করাছে পালেন ক্রিটা করা নলাব
না। নাম কথন হাসারে, ক্রিটা করা নলাব
না। নাম কথন হাসারে, ক্রিটা করা নলাব
না। নাম কথন হাসারে, ক্রিটা করা চালাব ভব
ঠিলা নাই। অভাত বির ভবিকল মন্ত্র চালাব
করেছে পালাভ ভবে ফ্রিটার নিভরা, পালা লক্ষ্মী টেলার সমান আন ক্রেমান পাইলাকন
ক্রেটার করা সমান আন ক্রেমান পাইলাকন
ক্রেটার ক্রিটার করা না
ভবে নিভেই সেই শক-প্রিটারন্ট করান না
ক্রেটার

ুধ্বীকৈ কোপিছে বিষয় হ'বি হ'ব পেছিল। সের বে জিনিস্পর হ'বছে।
আড়েছে, বাহছুতঃ আহি তার বৈতি কলকে পেড়ের জাকা বিভাগ, উর, ক্ষাড়ে বিভাগ, চাকের ছেলা কাঁচি বিগ জোটো কেলাক। একবিন প্রতার কলা বিশেধকল। কি আছুলা তিব কালাক। কি অছুলা কি আছুলা কালাক কালাকিব জালাক। কালাক কালাকিব জালার কালাক কালাকিব কালার কালাক কালাকিব কালার কালাক কালাকিব কালার কালাক কালাকিব কালার কালাকেব কালাকিব কালাকিব কালাক কালাকিব কালাকিব

আমার ব্যাকর নিচে মাধ্যেই, আমার বাতেই, মাধ্যেইর গলার চেপে বস্কিল। সে এক মহার দুশাঃ বালির প্রতিয়ে মত মাধ্যেইর তেথে, জিব বেইবেলে আসাতে চেপের কেনে লাল রক্তের ছিটে, ম্যুখের কোলে কর। একবার কোরে করে একটা শব্দ উঠল, তার পরই যাড়টা চলকে তেথে গড়লাঃ আমার মনে করে জাবিলে এই প্রথম স্থেখন সাম্বে অসি চান করে উঠে এলাম।

বউটা মরে গেল সার। আমি কিল্যু মারব বলে মারিন, সভি। বলছি। সংগ্রের সংখানে তথন আমার মাথার চিক ছিল না, কি করাত কি ধরে ফেলেছি। আমার হাত পাতথন, বাকের নধ্যে তৈকির পাড় পড়েছিল। ঘরের জালা আলো ফেন জালতে তালতে নির্বাচল, নিবছে নিবছে জালছিল। আমার হাসি পাছিল, কামা পাছিল। আমি কি করন চিক বাকের ওপার কান কাথেছিলাম না, মাধারারি বাকের ওপার কান কাথেছিলাম না, মাধারারি বাকের ওপার কান কাথেছিলাম

একবাৰ একবাৰ মাণেৰ দিকে ভাতিক TOTAL WHEN I THEN WISHING SIE BIG IN तक श्रंत का करते । अभावे तीहा का च লীয়া লাখের সারে। বেজে উঠকা। 1970-2 कार देखी छाउँ हाबाल कालत कह उत्पाद शायात ४० मीफिट्य रवाका (--ना, क्याराट) ভোধ এর মরোন। আমি দরেতে ওল আধারীকে খাটে বসিয়ে দিলাম। ভারপত্ত সত কোন ছাত্রে আলো নিবে प्राधादीत कामवारम जाना बाफ, रहेरन तथ ত্রতা আলা গলা-গলা চোথ, দীবের ক্রতি দ্বাটী একটাখানি **ফ্যাক্যেল ছি**ন্দ **কৰ** দেক र एक प्रका शाक्तिमा स्की वर्ग मय । स्था একস্পের স্বর্গাধ্য কলবর করতে করতে क्राच्यास्ताल क्रावित्रम सामाय माधाय कामा 5 W 6582 973 (57d) অ'ে প্রাপ সারণ প্রায় **হলে গোলালা।** 

এর পারে কাচে বছরের যালা আমি

গত ন । এ কারেক বছর সেনা রাহিব

বৈত্রীদিকা কিছালে বে আমি সাক ক চিমে

গুলিল উটো গুলিলার আমারে সাক ক চিমে

গ্রামি আম ল বংশার আমারে সাক্তরে আছি।

গ্রামি কিছালে বিশ্বনে আমারিকের আছি।

গ্রামি কিছালে বিশ্বনি আমারিকের আছি।

গ্রামি ক বিশ্বনি বাদারে কান্যান করেনির

ব্যামিক গত বাদার বাদারে বাদার ব্যামিক বাদার

করেনিল এ গ্রামিক ক্রামিকে আর স্থানের

সাক প্রামিক

ভানার কর করেল প্রস্থা 🕝 কথ 🐨 খ ଅନ୍ତ୍ର ଓ ୧୯୯୬ ନଥା ଅଟଣ 5 '2 520 X11 '5 पितियोज्ञ स्थंत বিক্রতির সাজ একটা তাদ্র ক্রানেরপথ মার্যান্তর হাজ লাংক এড়ার উল্লেখ্য এক বছরী ১৮% ମୁକ୍ତନ ଅନ୍ନିୟାର ଆନ୍ଧିର <u>ଅନନ୍ଧି ଅଧି</u> ଅଧିକ হার্থ হার্ডে সংগ্র প্রতি সংগ্র িবিশবাস হারার নি মানাধাক \$18.33d ভারবসাত হয়, ভা**লবেসে সাথী করতে** চাই, ভাব ভাবে আমার **কথাটা** একটা বলাকন। ফেটেটাই নাংঘ **বাথা সা**ট্য **অপ্রক্তে** সাং বিশ্বর প্রের। **এর ক**াল**ল অবশ্য এ**কটি। য়েছেদের স্বাস্থাকারায় আন্দদ্র ছোলাল বেলনা কেবিয়ের জাগে।

আংকটর আংশ, ব্যবহার না সাবে স্থার ইজাগড় আন্তুগড় ইজা স্থান্তমন তুই ন্যান্নফকার জানব্যনা ইডি। ক্রদীর গোপ্রা

বিং ৪৫ জনেক ভেখেতিকেত লোপালের এ

তিত্রি জনি "সন্তথ্য-সংধ্যো" নাম দিয়ে
প্রকাশ করে পিলাম। একজন সাখ-প্রয়াসী
মান্য তার নিঃসংগ নিজান জীবনে একজন
সংগী চাইছে। সে তার চারিতের জ্বিধ্বস্থিধ
জানিক্রেছে, তার থেকে তাকে লোকে মান্য্
বল্পবে কি না তালের বিবেচা। তব্য
লোপালের মন্যার্থিক্ ছাত্রি রক্ষ্য কর্মিছা
দীনার লোপালেকে স্থাধী ক্রেন্য

# বর্ষামঙ্গল

#### ই-দক্তিং

থানটার অন্ধি নবাংগ্রাং একেছি এই নাস

১ বরক আগো। বাংরেক প্রত্ত সন্ধির আক্রাক্ত নির্বিবিলা জারগার একটি
অক্ষরেনা জারিবিলা জারগার একটি
অক্ষরেনা জারিবিলা জারগার আকটি
অক্ষরেনা জারিবিছা তথা বলতে হাবং
আন ক্রিবিছা কুলনার বান্তানের এই
অলুরবিকা কেনা আওই নিশ্লনারি বলা
ভালা না আক্রাক্ত উন্না এবং নিগ্লনার
লালানা বহাক একেবারে ব্যক্তি ক্রিবানার
চল্লা সার ওর বির্বান ব্যক্তি নির্বান্ত
অন্তান ক্রিব্রান্ত নার্ভান বাংলাভ্রা
অন্তান ক্রিব্রান্ত নার্ভান বাংলাভ্রা
অন্তান ক্রিব্রান্ত নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রান্ত নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রান্ত নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রানার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রানার বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রানার নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রানার নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান ক্রিব্রানার নার্ভান বাংলাভ্রা
আন্তান

कार के भवारत कि है देशभाक्ति कर হ্র একটা হলাত সংখ্যাত কৈটালন ক্লীয়টোর 18 1 700 C & 2 5 68 88 1 2 8 रामका प्रदेशका राज्यका दिसीमा राज्यका গুৰুত দৰেন জাতে হাতা কালে কংগ্ৰ र्षकारी इस क्षेत्रिक भागत साक्षान रहाली-মুটির মারেটেক। এটগটেলর মারেট। মারে বসে সংসাধ হতুৰ সক্ষণ ক'ছ'ল সংগণ কৰে মান্ত এ সালিছা ভাষ্টিমামতা সম্ভল্নস্থ একার্ড তথ হারেও এবট্ট 🕬 আছে। ত তিস কম বিধা আতি সে সংস্কৃত, কারথ নার কল<sup>াই</sup>ল কাৰ্যনায় ছেলেছেল্ডেল্ডল ইম্ভেল কলে)লা গাইখাঁবা গাংস্থলেটির কারে ব্যস্তা ক্ষেত্র হাস্যান (ধ্যমূচ্ মুট্রাস্ট্র বংগ্রে চেডিছে কলিছে সং মিলিয়ে জ<sup>ি</sup>ক্টের ছুম্প । বজুর আ**ছে**।

অহর স্পর্যার ডিক স্মান্টেড্ড উইলের ছাওয়া লাব হড় গুটো প্রেছ হর। মারে কি করেছ। বাবহার ছাত জানি না। একল ভাউ দশ্চি দিখিছ,কৈ পার্বার এন মধ্যে। আগতানা করেছে। খাব কাছে িগতে প্ৰতিষ্ঠি ফলে হয় চন্তীইলেও বেজা দিরে প্রিশান করে জালাদা আলাদা গাংস্থালি প্রতিত্তে বামান ক্রেড এবং জনা গোণীর লোকও একই ছাতের ভলার ফিলেফিশে বাম করছে। এরা না থাককো আন্তর্কর জীবনের ছবিটা আমার কাছে অপার্গ থকত। আরু জ্পীবনের যে ছলের কথা ব্যক্তি সে ছব্দেও গ্রহ্মিল হয়ে বেড কারণ আজ্ঞাকর জীবন সেই পারাতন গরারের ছবেদ ভার চরে না। এখানে এরের काल दक्षा भाका सामायण्ड श्राहर धारन নহা ভিজ ইস্টেসনের প্রাটকরের এখন ওরেটিং রাম থাকবার মত। ভবা যাহেক **এकर्षे (वास कांत्र विशेष्टरत बरमरक् । क्**बरे পরিচ জীবনবারা। শহরেজনেরের ই পরিবারের পরিচর্জার্কাপ---১১৮র চেহার। শ্রিণ্ডিন্নেন-কাশ্য জীশী।

শংকার অধিকাসীরা সার্বাহিন করের করের বাইরেই কটোর, সংক্ষার লিকে হরে বিদ্যার বাইরেই কটোর, সংক্ষার লিকে হরে বিদ্যার বাইনেই কটোর, বাইনেই বাইনিই সংক্ষার করেই কটোর করেই বাইনেই কটোরেছে। আকু বাইনা আন্তর্ভা আকু বাইনার আন্তর্ভা আনু বাইনার আন্তর্ভা আনু বাইনার আন্তর্ভা আনু বাইনার আনু ব

নেকে ভালো কেগেছে যে দুংক কলেও মধ্যেও নেক মিকেনিয়াক আছে। নিচেল্টের মধ্যেও নেকা মিকেনিয়াক আছে। নিচেল্টের মধ্যে কংকলা করেও কাঠি করেতে দেবিয়াক আছে নিবল ভাকেকটি কেনে আছে নেবাত কাঠি। আৰু একটা ক্রিকেনিয়াক বা কিন্তুকা থাকা

ক্ষান্তবহু নয়, তবা ধায়ে মাছে, কটি লিকে, নিক্ষে লেউছে ডি এক বৰুত্ব কৰে কৰে। रम्पराप्तक दर्शमह सार्गाटरे गाउँ जना पार्टे, তহ্য স্থিতিকটা সোক জে কথা বলাই र इ.स. १ १८६६ १८६० रसाओड कराज असला उरान्द कार्या कार्या जाकोराम्थकन रहसी করণে আন্সংস লসকলের ফিট্রণট মেছেনেই হাতে ভারিটি বাগে বে'টে ছাতা। এই। এক সং কটি গ্রুস্থ বট একে সিজ হাড়ত ডেলেপ্সলেগ্ডলা হাঁ করে তাকি**তে** शास्त्र प्राप्त सामारही रिमनम छेटक। ठाव है। इंद्राल इंटर बाल इंड क्ट्री क्रिक्स এনের 🕶 দিয়ে ভাগো বারে। মানা করিয়ে সেই তে একচিত এটেবর স্থানি ছিল। **করের** গ্ৰাভাই তাকে কেই গ্ৰাফণ সম্প্ৰিত মূ চার ফিল ফেডেছি । বর্মা শার, **হরার পরে** 

বম টা এনার একটা দেবি করেই
একেছে । বিশ্ব একে অসমি একটা বাড়াবাজি
করাছ । মানন্দরে বাজি বজেছ এমন নার,
বিশ্ব বোজন বাজি চলেছে। তরাদ নাই,
রাস্তামাট ও লা লাবে শ্রেকার না। গার্কের
মান্টরেও সেংগ্রি এক রক্ষা, কিশ্ব এ কাশিনেই বেশজি চেয়াল্য লামনে এই
বিলিম্ন জি কাশ্রেলাটার বেখনা হাল একটা
ছাল্যালির বিজ্ঞান হালাজে গ্রেকা
মান্ট্রালালির কটি। বাশ্রেলা ক্রেকা
স্ক্রিলাপ্রেলিরেলা ভারণের মারো কাইকে
ছাল্যালিরেলা ভারণের মারা কাইকে
ছাল্যালিরি করাত পারে না, সারাক্ষণ ভারতর
ছাল্যালিরি করাত পারে না, সারাক্ষণ ভারতর

## সমাজতারী বিশ্বব দীঘ'জীবি হোক!

সম্ভূটিবাক গুড়াগ্ড

শেখৰ সেনগাল্ডের

# বিপ্লব দেশে দেশে ১২:০০

বিপ্লব কি ? বিপ্লবের প্রয়োজন কেন ? কেমন তার গাঁত ? কেমন তার রাপ ? প্রতিধারি বিভিন্ন দেশের বিপ্লব কেমনভাবে সংগটিত হরেছে ? বিপ্লবকে বিজ্ঞান ভিত্তিক সতোর উপর প্রতিষ্ঠিত করা সম্ভব কিনা ? এই সমস্ভ বিষয় ও বিভিন্ন বিপ্লাবর বহা দুম্প্রাপ। ছবি পাবেন এই বৈপ্লবিক বইটিতে।

জ্ঞানতীৰ্থ

১নং বিধান স্ব্ৰী, কলিকাতা --১২

ভেতরেই থাকে, খিটিছিটি করে, মান্তেরের জনাকাতন করে। বাইরে কংপড়জামা শুকোবার উপায় নেই, সারা গরে ভিছে কাপড় কলেছে। গুড়াম ঘরে এইনিতেই আলোর অভাব, এখন দেলে দেভরা কাপড় আরো অংথকার। অন্যান করা কঠিন নয় যে ঘরের মধ্যে একটা সোনা সেরা গধ্য গধ্য

এখন কি করছে কে জানে। তার উপরে আবার টাইলের ছাউনিটির যা অবস্থা তাতে বৃণ্ডির সময় ছাত দিয়ে জল গড়ানো কিছ্ম বিচিত্র নর। আঞ্চ কদিন যাবং আরেক ফ্রাসাদ হয়েছে— রাস্তার ধারের টিউবভারেকটি বিকল হয়ে আছে। এখন আরেকটা দ্রের গেকে জল টানতে হচ্ছে।
গিল্লীদের গলার আওয়াজ পাওয়া যার,

মাঝে মাঝে চড়া গলা, ছেলেগেলেগাকোকোর কারণে অকরেণে ধ্যকাছে। বেশ বোঝা যাছে নানা রক্তরে অসাছেশন মনের মধ্যে জমা হয়ে হয়ে এনের মেঞাজ চড়ছে, সংক্র সভো গলার আভয়ত।

ব্যার দৌরতেয়া এরের কন্ট দেওছ প্রথমটার মনে একটা অন্যান্ত বেদে করেছি। তার পরে যেমনটা হয় আমাদের নিবিকার



বাহারী গড়বের, সুবিধান্সবক রক্ষারি সাইন্সের, সহজে বাবহারবৈগ্যিও বহুকাল কান্ড দেয় এমন মজবুত ওগলে বড় মুখের কাঁচের ব্যেমগুলি, যতে গুলিবার। চা, চিনা, আচার, জাম ও এই ধরবের বহু জিনিয় পরিষ্কার পরিষ্কার ও

দী স্থাসমাতভাবে রাহতে চার, ত`তাদের কাছে সবসময়েই প্রদশসই। ওয়ুধপত্র, টফি, চাকালেট ইতাদির জনো এই বয়েম**গুলি একেবারে যাকে বলে উপযুক্ত আধা**র। এরমধ্যে জি**রিষপত্র** সাজিষে রাখলে দোকারের রাখার খুলে যায়।

সাজ্ঞাৰ বাবাবে পোনাবের বাসার বুলি বাবাব বিদ্যালয় বিজ্ঞান বিদ্যালয় বাহাৰের ক্ষেত্র ক্রান্তর বাহার প্রতিক্রের বাবাব ক্রান্তর বাহার বাহার ক্রান্তর ক্রান্তর বাহার বাহার

· ওগলে প্লাস ওয়াকঁস ্লিঃ-,ু (পিল্পুরি ইউনিট), পিল্পুরি, পুনা-১৮১

মন অতি সহজেই তার স্বাক্ষ্ণা কিরে পায়। দক্তোগ যে ভোগে অভ্যানে বেমন ভা গা-সহা হয়ে যার, যে দেখে ভারও মন-সহা হয়ে বার। ভলেই কেতাম, হঠাৎ **এक**डो शक्का रूपदा मनको व्यावात मकान হरत উঠল। মধ্যাক ভোজনের পরে দিবানিভার আমেডটা সবে জয়ে এসেছিল: হঠাৎ চমকে উঠে শালি আমার রিফিয়াজি প্রতিবেশীদের ब्राक्षा क्रकों। शहल्फ क्रमार द्वर्थ शिद्धदृष्ट् । क्षीं छादगी ना रहन क्षीं छादिशानी दनाई ভালো কারণ পরেষ অধিবাসীরা তথন গতে ছিল না। পাঁচ ছাজন গিলা এক সংগ্ৰ সমস্বরে চেডিকে। সে কলরবের মধ্য থেকে কল্ডের হেতটা ঠিক আমি বাবে উঠতে পরিনি, বাঝবার চেণ্টাও করিনি। থেকে থোকে দা একটা প্রাকৃত শব্দ কালে এসেছে, স শ্রাকা ন্তকটা ছেলের নাম ধরে বকলি, হরতে অরের মধ্যে হাটোপাটি করতে গিয়ে এর জিনিস ও হেচাপ্তার তারপারে জল— িউব**ওয়েল, হয়তে**। লা কারের ভ**্লের কলদ**ী কোনা ছেলে উল্টে নিয়েছে, তারপরে না ছোট কোক, ছোট জাত ইত্য়দি ইত্যদি।

গছটে জাত' কথাটা কানে যেতেই কোতাহাল হাল - দেখি এতা এনের মধ্যে ছেটে জারতর মান্যটি কেও জানলার কাছে পিয়ে উপিক মেনের দেখলমে, এখানকার যে বউটি भर प्रदेश्य भागती शतको छान्नम कार উত্তরেপ সম্ভাবন চলছে: ইউটি শ্রে স্পরী নয়, শাশত প্রভারত বাট। ব্রচারী অপরাধীর মতে জড়সড় হতে সড়িয়ে আছে। তার হয়ে অন্য দুটি বউ লড়ছে। বেধ করি এরাও ওরই মতে। ছেটে জাতের। বউটিল কর্ণ মূখ করাণ চাইনি ওকে থারেট যেন স্পের করে তলেছে। ভাবছিলমে কলহাণ্ডায়িতা নায়িকাকে নিয়ে बराक कारा रहना **इ**त्या**ष्ट्र, ४**डे बलह-নিপটিভূতাকে নিয়ে কি কাবা রচনা হতে প্রে নাট খ্রে পারে, বিল্ডু কারা রচনা এক কথা আরু নিপ্রিড্ডাকে নিপ্রিডন रेश्ट्रक तुक्का कहा धारा कशाः धाराहरूत् প্রতিকার করা কারেরে করা নয়। কাষা-কথা ঐ বধ্টির মটেটে দাবলৈ স্পের বলেই দ্ববিধা না পারে চর্ণসতে না সেখ রাজতে। এত মাসভোষী, ওর কথা লোকের কানেই টোকে না। তার উপরে আবার অভিমান্তায়

भ्जा नःथा अनाम-अ

## नभरत्र भ व न

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

(সি-৬২৯৮)

স্ক্ষ্যভাষী, লোকে কেউকু লেনে সেউকুও বোকে না। এই ধর্ম আমি বলি মঞ্চল সেজে ওলের ক্ষাড়া মেউতে কেভাম আর রবীশুনাথের ভাষ র কাবা আওড়িয়ে কলতম—

মোর কথা শোনো

লতদল পশ্চনেত জাতি মেই কোনো

—সে কথা কি ওরা শানত, না শানতে ব্যাত? মাকথান থেকে বিরম্ভ হত: নিশ্চর কলত, ঐ দেখ, উনি আবার এলেন আমানের লোলোক শোনাতে। কিবা করি থবি সোজা করেই বলতুন—সুন্দরের কোনো জাত নাই—
কলা বাহ্লা এও আমার কথা নর, রবীদ্রনাথেরই কাবা কথা (স্কুলরের কোনো জাত
নাই, মুক্ত সে সদাই)—তাতে বোধ করি
আরেই ক্ষিণত হরে উঠত। আহা, উনি আর
ন্যাকামি করবার জাতুগা পেকেন না। বড়
নতুন কথা শোনাতে এসেছেন—স্কুলরের
কোন কাত নাই! আরে মশার, স্কুলরই
তো একটা জাত। সে জাতের গমের কত,
সব আমানের জানা আছে। আর আগনি
যে বড় ভনার হয়ে ওকালতি করতে একেন

भगीन्त्र तारतत नकुन डेभनाम

বনফ্রলের নতুন উপন্যাস

## **ছড়া নো জালের বৃত্তে** অধিক নান

WW : 5.40

FIN : 6-60

দেবল দেববর্মার

চাণকা সনের

## রাত তখন দশটা শুধু কথা তিন তরঙ্গ

MIN : 9.60

PM : 0.60

८म् याप्टन ५.००

আধ্নিক শিক্ষার পরিবেশ ও পদ্ধতি (১০ম সং) ১০০০০ মাড্-ভাষা শিক্ষণ পশ্বতি (৪র্থ সং) ৫০০০ প্রভৃতি গ্রন্থের প্রণেতা বীরেন্দ্রমোহন আচার্যর

## वाधूतिक निकाश सरतातिकात भ्याल

ডঃ গৌৰৱণ কপাট-এর ভূমিকা সম্বলিত

বিমল মিহ-র

শংকর-এর

## এর নাম সংসার মানচিত্র সার্থক ছব্ম

92 MET A-80

১৭শ ম্প্রেশ ৬-০০

8र्थ स्टू<del>ष</del> ४-६०

নবীন্দ্রায়ণ ১ম খণ্ড ১২.০০ ২য় খণ্ড ১০.০০॥ শ্রীপর্বালনবিহারী মাসরেখা ৫ম মন্দ্রণ ৯.০০॥ জরাসদ্ধ সেন সম্পাদিত সাংস্কৃতিকী ২য় খণ্ড ৬.৫০॥ শ্রীস্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যায় উপন্যাসের স্বর্প ২.০০॥ ডঃ শিশিরকুমার চট্টোপাধ্যায় আমেরিকার ভায়েরী ২য় মন্দ্রণ ৭.৫০॥ দেবজ্যোতি বর্মণ কথাকোবিদ রবীন্দ্রনাথ ৫.০০॥ নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়

আশ্তোষ মুখোপাধ্যারের

বারীণ্দ্রনাথ দাশের

সমরেশ বস্ত্র

## तञ्च जूनित छै। त सोकृष्य प्राप्त । जनम्त

২য় মন্ত্র ৭-০০ মধ্বস্র গ P72 : 3.00

२इ.स्.चन ১৫.००

মধ্বস্র ভারাশক্ষর বন্দ্যোপাধারের আমার জীবন মণি বউদি ইন্দ্র মিগ্র-র আপনজ্জন

গম : ১৫.০০ প্রবোধকুমার সান্যালের

নিমাই ভট্টাচার্যের

নাম : S-৫০ প্রেমেন্দ্র মিত্রের

বরপক্ষ

পার্নামেণ্ট ছ্রীট

কুয়াগা

मा**म** : ७-००

**्व स्थित ए** १९०

0.00

ৰাক্ সাহিত্য প্রাইভেট লিমিটেড ৩৩, কলেজ রো. কলিকাতা-- ৯

সেও তো ঐ স্ফের ম্থের-বৃষ্ণ তাহলে, এর পরে আমি কি আর পালাবার কথ পেতাহ ?

ভেতার ভেতার একট, ঈর্বার ভাব থাকা কিছু বিচিত্র নর। স্কুলরী কউটিকে এরা বেধে করি খাব নেকনজ্ঞার দেখে না। কিছু রগরঞা, হিংসা বিশেষে যান থেকেও থাকে ভারকেও এতাদিন তো দিবিয় মিলোমগেইছিল, আজ্ঞাকে তবে এই বিশেষারণ কেন? একট, ভেবে দেখালেই থাকে যাবে যে এই কলহনটোর আসল Villainটি এই বহা। কেনি স্কুল্লে ম্বের মধ্যে একটা করে ভিক্তা জ্মছিল, সামানা কোন একটা ছাতোর স্কোট কেটো মেনেট শড়েছে।....ভারপথে এক সংভাহ কোতে না যেবেও এই তো সেনিন আল্লেক স্কাভ কোতে না যেবেও এই তো সেনিন আল্লেক স্কাভ হয়ে বেলে।

আক্ল কদিন ধার এই কথটাই ভাবছিলান। আদি শাহিতনাকতদের অধিবাসী। দেখানে বর্ষটা শাধা একটা ঋতু নহ, ঋতু উৎসব, বাতিনাতো সমাবরতের ব্যাপার। শাহ্ক রাক্ল ককির মাটির দেশ। বৈশাখ জৈলেট কি নিংকর্ণ তার মাতি। আবাত প্রাবদের বর্ষণ ঐ কারণেই দেখানে একন উপ্রোগ, এত তার সমাবর। চেতেবর

প্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

# প্ৰতিভা বস্ফ

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

(TR-6228)

॥ সাহিত্য বিষয়ক মাসিক পঠিক। ॥

कालिश्वकला

আষাড় সংখ্যার ধাঁর। লিখেছেন—

॥ প্লিনবিহারী সেদ ॥ ভারাজ্যোতি
মুখোপাধার ॥ সুরেশচন্দ্র সাহা ॥
মানব বংশ্যাপাধার ॥ দেবনারারণ
গুপ্ত ॥ বিমল মিত ॥ নির্মাল সরকার ॥
সুন্দরলাল তিপাঠী ॥ রেশ্কো দেবী ॥
ছবি মুখোপাধ্যার ॥ কাঞ্চন মাইতি ॥
বীরেশ্রকুমার বংশ্যাপাধ্যার ॥ সমর্বজং
দক্ত ॥ গোর শান্তিলা ॥

প্রতি সংখ্যা -৭৫ সাংগ্রাসক ৪-৫০ বাহিক ৯-০০

প্রকাশ ভবন, ১৫, বঞ্চিম চাট্ডেল প্রটিট, কলিকাডা-১২ কেনঃ ৩৪-৩৮২৫ সন্মাধে প্রকৃতির রাপ বদলে যায়, চভদিতিক ছল স্বাক্ত হয়ে প্রাণ্যন দ্বিশ্ব করে দেয়। আবার যত বর্ষণই হোক, উচ্চ নিচ জুমি বলে জল দাঁড়ার না. গাড়িয়ে ঢালা খোয়াই এর দিকে চলে যায়। 'জল ছুটে যায় একে त्वारक भारतेत भरतं—ध मामा करकरारहरे #গণিত নিকেতনের নিজস্ব। জলা জয়ে না ফকে কলেও হয় না। বাঁটি ষ্টক্ষণ চলাছে ভাতক্ষণ চার্যদক জন্ম থই থই। ব্ভিট থায়ল তো আধ ঘণ্টা এক ঘণ্টার মধ্যে রাস্ভাঘাট দিবা খটখাট। একথা নি স্চিভ য়ে বাণিডনিয়েকভানে রহরেক বর্ষারে অস্বাচ্ছণদ। খুব একটা ভোগ করতে হয় না। ঐ সংখ্য এরথাও স্ববিষয় করাতে হবে যে শ<sup>্রি</sup>ত-নিক্তন থানিকটা আমাদের Corrupt করেছে। প্রকৃতির ঋতু প্রযায়কে আছের। দেখেছি প্রকৃতির অলংকরণ হিসাবে। এক ট্রশাখের রাদু মুডিটিটক বাদ দিলে প্রকৃতির অপুসরা মুতিরি কথা আহর ভারতেই শিখিন। প্রতাক ঝড়র দক্ষিণ মুখ্টিকেই শ্র্কুক্মেছিন আসল কণ ব্যাকে আমর দেখেছি রবীন্দ্রাথের পান আৰে কবিভাৱ মধ্য দিয়ে। সে দেখা স্থেন হালেও সমপার্ণ দেখা নয়: আয়াচের বর্ণণ হাদি আনকৈ বহা- হাগের ওপারে নিয়ে যাথ ভাষে এ হায়েগর আষাত্যক হয়ে ডিক ডিন্টের পারর না। ত্রবা নদীর ভারে ফেলিনের ফেছের ঘটা হতট ফ্লেছর হোক জাজকে বিষ্ঠার ভারে রক্ষণায়ের ভটে মেখের ঘটাক কেউ মনেতার বলবে নাঃ আভাকের বহার লাভি ক্যাগ্র হাতে স্মান্ধ প্রপ্রভারে মত্ত কাজো হোষের ছাত্তার মনে যে চার<sup>ি</sup>ন চেকা কেয় চেষ ১০ছলি মাক্তিকার লয়। বিভ∜ষকরে।

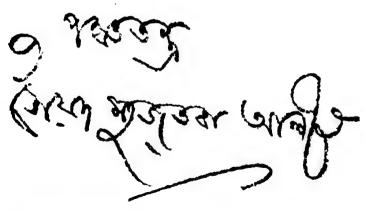
বর্ষা এখন সম্প্রত দেশের শক্ষের এক বিষয় সম্স্রা। অতিবর্ষাণে শাহাড়ের চল নেয়ে নদী নালা ফালে কোপে এটে, বনাং শরের প্রাম ভালিরে নের, প্রাণ্ডানি খটে, সম্পত্তি নাল হয়। কলকাভার বর্ষায় প্রথ ফদি বা বাঁটে, মান বাঁটে মান গতে বর্ষার জলভেষ্ক কলকাভারাসী সহক্ষে ভূলাতে পাবরে না। শাহিতনিকেভানের অধিবাসীনের দেশেকলকভোরাসীরাও বর্ষা সম্বাদ্ধ একটা পোশাকী ধারণা পোষণ করেনা। তারা ভাবেন বর্ষাটি চাল আবাদের কাজে চালীনেরই প্রয়োজনা। প্রতিম তাবেদর কাজে চালীনেরই প্রয়োজনা। প্রতিম তাবেদর কাজে চালীনেরই প্রয়োজনা। ব্রহার বন্ধরে বর্ষার আব্ধার কি প্রয়োজনা। ব্রহার একা তার শোধ ভূলাছে।

গুলিপ্রধান দেশে—বিশেষ করে যে শেশ কুনিপ্রধান সে দেশে বর্ষার চাইতে মধ্যকা কামী ঋতু আর কিছা হতে পারে না। সেই শ্রুডক্ষরীর এই ভয়ংক্ষয়ী মুর্তি কেন? ভয়ংক্ররী তো বটেই আবার এক দিক থেকে বর্ষাকে বলা যেতে পারে কোতুকম্মী। ধারাব্যাগে ধ্য়ে মুছে প্রকৃতির স্বাংগ

মার্কানা করে দেয়। গাছপালার চেহারা কী স্ঞাব কা সভেজ। কিন্তু মান্ত্রের ম্ডি ঠিক ভার উল্টো। 'আজি বর্ষার রূপ হেরি মানবের মাঝে' -সে র্পটা কি রকম ? কেশির ভাগোরই ভো দেখছি ভেজা কাকের মতো চেহারা। আমার মতে। প্রাকৃত সনরা কিংবা আমার দাদশোগ্রসত প্রতিবেশীরা তো বর্টেই: হাঁৱ: অপেকাকত ভাগাৰান-ভাল বাড়িতে ঘ্যক্র, ভাল গাড়িতে চথের, তারাও দেখছি এরই মধ্যে একটা হেন চুপলে গিয়েছেন। বড় ছেন্ট্ দ্রী দ্রিদু স্কালের জাবিনই অংশ-বিশ্বর বিশ্বপ্রভাগের প্রকৃতিদেবীর আন্তরণার জ্ঞানটি উন্টেন্ড। নিজের ভিনিস্টারু ধারে মাজে সাফ করে নিয়েছেন : বিশ্ব মানাপের হাড়া শহর বন্দর প্রয়াট ঘরদেশরের কবি দশাই ্র কর্নেছেন্ড প্রথম্বার্ট পান্তক্ষেত্র ক.ম., লচ্চ চলচ্ছে হয়। জাহা - কাপড়ে <mark>'ছচি</mark>ছে আরেকট্র ধরনে কোরে ধরবে ভবনে রসভয় নদক্ষিয়ে এক হয়ে মাধে, এক হাটিটু জল সভিত্য ক্ষরকার রক্ষ করে। বুলি ନାନ 'ଟ 15) ଟାଅଁଟି, ହି.ଡିନ୍ଟର ଟ୍ରିସ୍ଟ ଡିନାଟ উয়ার জ্বের উজার বংগলের **ক**ারে**ই** ভেড়িক চুট থাকারে না । নদামানু কুলু গারে এক্স লকাৰ। এককাটে বংগাঁ⊅লয় কালকাড়ত বয়াৰ ভূজ য়াঁদ বা বাছে, আন মাজুৰে নাও

কং উ শংব, হসেছিল হামার এই <del>প্</del>তির বেশানিক নিয়ে প্রিরেশের প্রভাব মান্তের ଭାରତ ଓଡ଼ିଆନ । ଏହି କୁଲ୍ମ । ବୁଲ୍ମ ଏହି ନାଞ୍ଚିତ୍ୟ জোগের সম্ভারী কেলা মাজেনা ভাষা নিজের এই স ব্রেসপদার সর্গা আসরে র অসেরে সেই প্রেস্পাংগ হয়েছের হয়ের হারে প্রবেশ কালেছে। তথ্য সংগ্ৰহ হচ সংস্কৃতি হচে কাষের ঐ কিসংবর্গ জাবিক। সংধ্য স্বাধ শান্তিরভাগে ওলার । মনুস একটা নুদ্রার দেওত যায় নাং শাব, ওচাব কোন মহানিন বহা চলাবে স্থাজের থাবা বড় একটা আংশেব**ট** মেলজ বৈশ হারাপ থকার। গুলিওর ভূপ এএজনীন এদের ভোগোয়নি, <mark>যাভ</mark>গনি (লাগা)জ্ঞা স্থাস এই ভিনেহা হলে ৷ 🛣 🥫 ধারতী কেবর্থ এতে ধনি বিগলিত ধন ততা সংহ্যাপের প্রাণ ভাষ্টালার হয়ে ভারের স্বান্ধার ছালিবেশীলের মারে বিজ্ঞানি সান্তি কেই। এই বর্ষার রাজে সাপে কারে চ্কারে পারে, ভারু সংঘাদীপের শিখ্য ছাড়া পরে আজোর রেখা বড় একটা দেশতে শাই হল। কবিয়াক। এদের জনিনে সংখাক হয়েছে— আখাৰ অধিনৱ ভালে; আলোর চেয়ে। এই সাপ্র আরেকটি কল্ভ জ.ড়ে দৈওয়া যায়— আমার প্রতিক্ষা ভারেণ বর্ষার চেয়ে। জন দাই তিন বাংধবাংধা আছেন। আৰু বিকেলের দিকে যথন অধ্যের বাজ্ঞ চলছিল তথন এদের দেখকমে নোর গোড় য় বলে শ্লাদ্ধিটতে বাইরে তাকিয়ে আছেন। বাঙ্কা দেশের বহুয়গের আহচে এবৈর চার্হনিতেই সতা হয়ে ফাটে উঠেছিল—

একদা আহাঢ় মাসে আহাঢ়াগত দিন সহজে দহৈখীর দিন যেতে নাহি চয়ে।



#### রাসক হাসন রাজ:

মাসন্দায়িত কেউ তিউমার প্রতামা করে না। তার মাকে মাধ্যা, ভারতবার্ধ এবং আর র র্মিটে এটিছলিয়া দেখা বছে। সেউট প্রথম ও বংগারিপ্রাপ্ত র প্রেম্বর সাই । সেউট প্রকর্মার সাই করা সাই কেবারার চেন্ট করিছিলেয়া যে প্রথম বিকারে আদিশা করে। যা প্রথম বারার করেই প্রমান করা সাই যা ক্রিটেকা সারা কিছে, তাইই প্রমান করা সাই যা ক্রেটিকার আছেন করা সাই যা ক্রেটিকার আছেন করা সাই যা ক্রেটিকার আছেন করা সাই লাকে উদ্বর আছেন করা সাই লাকে উদ্বর আছেন করা সাই লাকে ভারতবাল আছেন করা করে বার্কিন করা বারার আছেন করা বারার আছেন করা করা করা বারার আছেন করা বারার আছেন করা বারার বারার বারার আছেন করা করা বারার আছেন করা বারার বারার আছেন করা বারার বারার

উভাবে এক কাউজ গোজেছিন :

"মানুলের বান কে ডাকেছে সেনার অহারী,

ডিকামে মাসার কামল আ মানি আ মানিয়া"

তক অধ্যান্থ রাজ তরি চেরার অধ্যাক এক সর্থাকারকে আদেশ দেন, রাজার বাগানে ফেসর ক্লা ক্টিছে কেগালো সাজ্যা কি না স্বাচাই করাত। সে বাগানা লকলো তার নিক্স, অর্থার কান্সকার্থন নিয়ো। সেই নিক্স দিয়ো প্রত্যাক ফ্লা মধ্যে দেখে। কই সাজী তো সোনা নয়।

বাউল মখ্করা করে ব্যাহ্ম, শ্বাপ, হে,
ঈশ্বরের প্রতি আমর যে ভার্ড-প্রেম সেটা
সাচ্চা কি না, তার জনা তুমি উথপেন
করছো হাল্ডতকাঁ! এখনো, আজো, দেখতে
পাছেল না, লেখাপড়ার পরলা নন্দরী,
পরসাওলী, খাব্স্রেডী নারী প্রেমে পড়ে
একটা আফাট প্রতিরে সংগা। ছখন
সেখনে লাগাও না তেমের হ্রিডতকাঁ,
—িক হবে তথ্ন?

অদাদিনের স্যান্ডাঙ্গ মোলারেম রবরে তৈরী। ডোমার স্কন্ধদেশে বস্ত বেশী কাগবে না। ্রত ভত্তিত্বশালেশীর আপন হিশ্লীতে বলাহক:

ণ্টজসন্ত্ৰ হৈছে। শাটেকি সে বেঞ্চন্

যার সংক্ষা করা খাল খার। শার্টিকর সংক্ষা বৈগ্না: কেখানে জাফার আনা বেগাওর আরু ক্ষাখ্নী। আনাদের ভাষ-ভালে ব্লার মবিংখানে ভূমি ব্যক্তিক আন্তর্ভা করা

প্রেরত বংগতি বিলাতিই আছে :

'আরে! তেরে কড়কে কা

অলং তরেক: তেরে

ছাস্থান্তক: সির পর

চামকাকা তেল!'

অগাৎ ছাটোর মাধ্য সামেলির চেন্তা চলতে যেরে; না। ইংরেজিচেটের কথার কথার কলে, সি হাটা হাজে ইটল বন সাজন্মন্ত্র চলে।"

ভাউল বাউল মুখিনিটা ধ্যাস্পটিতকে

শ্যানিক্তীশ গাঁতিও বলা হয়। ইংগিলিতে
বলো মিলিকে। এ সব গাঁত বচায়তার
মধ্যে প্রবিধেন লগেন ফ্রাই স্পুটিস্ধ।

এবং আরেকজন কবিকে প্রকার রবন্ধিনাথ অকুপণ সম্মান দেখিয়েছেন। তরি একাধিক রচনার। এবি নাম বাসন রজা। আমি কিন্তু তরি ক্রাস্থিতিও পের্যাত, হিত্তমার। সেই নিয়ে অনুবার আলোচনা। মাস্যবিক্ষাল প্রেরা সাংক্ষক শ্রীব্যুত্ত সন্যাতন পাঠক মহালয় মমাগ্রন্ধ সৈর্

মাসাধিককাল প্রের স্থেলগক প্রার্থ সনাতন পাঠক মহাশর মমাগ্রন্থ হৈবদ ম্বাতাকা আলী সাবহাবের একখন গ্রাণ্থর আলোচনা করতে গিয়ের লেখেন :

শপ্ৰবিধ্যের দাজন কবির সংগ্রে তিনি (মাতাজন জলা)। অনুনক্ধনি লিংগ্রেন। একজন হাসন রজা, যার সংগ্রেক আমরা জনি সমানাই, কিংতু আমানের আনু ধে বা ব্রু বেল্ডাংগ্রাজ জলানি ।

হাসন রাজ্য সন্দোধ মাত্রীজা সারের জিংছেন, 'হাসন র জার কবিতা সন্দোধ বিশ্বক্রি বরীন্দুনাথ ব্যক্তনা রেকসারে ববেন, পেশ্বহাপের একটি প্রামা কবির গানে পর্বান্ধ বড় একটি তারু পাই সেটি এই কে বাজি স্বাহাপের সহিত্য সন্দেশ সা্তেই বিশ্ব

এরপর ব্যক্তিনাথ হাসন রাভার যে কবিতা উধ্তি করোছন, ওাতে বিছা উনিধ-বিশ আছে বলে বেববিসন্থন পঠিটি পোল-ছিলেন এক শ্রমন্থা লোকগোঁতি সংগ্রহাকর কাছ থোক: তিনি শ্রেছিলেন ভুল প্র

৯ সৈর্দ মা্ডাজা তালী, আনো্দর কালর কথা, বইগর, চটুলুম, ১০৭৫। পুনি

## বিমল মিতের

অননা কাহিনী

# **निश्लिशालन**



আনন্দ পাৰ্যালগাৰা প্ৰাইকেট লিমিটেড কছাক

শীঘ্রই প্রকাশিত হচ্ছে

লোকগাতির বেলা এটা আকছারই হর।) মুডাজা সাহেব শুন্ধ পাঠটি ছেলে দিয়েছেন (এবং আমার কাছে যে পাঠটি আছে ভার

भाका मःখरा अमाम-এ প্রেমেন্দ্র মিত্র সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখছেন

(FR-5258)



সংগ্রেবহা মিলে বারা)। তার প্রথম চার

"আমি হইতে আল্লারস্ক আমি হইতে কুল+ পাগলা হাসন রাজায় বলে ভাতে নাই ভুল। আমা হইতে আসমান জমিন আমা হইতে সব আমি হইতে চিজগৎ আমি হইতে রবা।"

এম্পলে উল্লেখযোগ্য বে 'কল' + আরবী অথে ব্যবহৃত হয়েছে। কুল=সম্পূর্ণ, সর্ব-रिष्य: राखना पीरनकन'य এই क्ल'िए আছে। এবং রব'† এম্পলে 'ধ্বনি' নয়: বরং এপ্থলে 'প্রভূ', 'স্ফিকতা'।

এমনিতেই আমার মগজে ফেটুকু দর্শন-জ্ঞান আছে, তা দিয়ে একটা মাছের টোপ হয় না, তদুপরি হাসন রাজার এই দম্ভতরা দর্শন যে স্বয়ং আল্লাভালা-রব্—ভার মাণ্ড থেকে সৃষ্ট হয়েছেন, এবে নাশ্তিক-রাজ চার্বাককেও হার মানার!

হাসান রাজা ব্ররং সে তত্ত বিলক্ষণ অবগত ছিলেন। তাই এই গানেরই শেষের দিকে আছে:

> "পাগল হইরা হাসান রাজায় কিসেতে কি কর মরব, মরব দেশের লোক মোর কথা যদি লয়।"

কিন্তু গানের শেষের দুই ছল্লে হাসন রাজা তার মূল বস্তব্য প্রকাশ করেছেনঃ--"আপন চিনিলে দেখ, रथामा हिना बाज. হাসন রাজা আপন চিনিরা এই গান গায়।"



কী রবীন্দ্রনাধ, কী শ্রীষ্ত সনাতন, কী মতোজা সাহেব একজন পল্লী কবিতে দাশনিক \*লাভো প্রচারিত দশনি পোর উল্লাসত সম্মোহত।

কিন্ত পরেবই বলেছি আমার দর্শনজ্ঞান ধুলি পরিমাণ।

আমি হাসন রাজাতে পেয়েছি হিউমার ও রসবোধ। কিম্তু তাঁর দার্শনিক র্পের পরিচয় দিয়ে পটভূমি নিমাণ না করলে এই বৃদ্ধা ধেথকের দা-চারজন অগা পাঠক হাসন রাজাকে হয়তো 'ভাড়' বলে ভুল করতেন। ত:ই অভিশয় অনি**চ্ছা সড়েও** এই স্থীৰ্ষ অবতর প্রকা।

ওদিকে মেখে মেখে বেল: হলে গিয়েছে। তাই অদাকার মত মার একটি চুটকিলা নিবেদন করছি। স্যোগ পেলে ভবিষাতে স্বিদ্তার হবে। এবং আমার স্থেগ হাসন রাজার ব্যক্তিগত যোগাযোগের কথা মোর একবারের তরে।ও বয়ান করবে। অবশা তার বয়স তথন ষাট, আমার সাত! কত-টাুকুই বা ব্ৰেছি, কতটাুকুই বা সমরণে व्याटकः।

এইবারে সেই কবিভাটি: এপ্থলে বলে র:খি, হাসন রাজা তার হদরের সত্থার ক্র দুই-ই চিনতেন। স্-কে নাম দেন হাসন জান, আর কু-কে হাসন রাজা।

**"কত দিন আর খেলবে হাসন** ভবের এই খেলা? খেলতে খেলতে হাসন রাজার না লাগে আর ভালা। এই যে দেখ ভবের বাজার क्वम এक स्थाना শ্চীপ্র কেউ নর তোর যাইতে একেলা॥ হাসন জানে হাসন রাজার भावत्मा এक ठाएका. চল্চল্শীয় করি, **ठल**् भानात भाना ॥°



**डाः ममन जागाज** 

# বিবাহিত জীবন

ৰিতীয় খণ্ড প্ৰকাশিত হইল II প্ৰথম খণ্ড ১০, II বিতীয় খণ্ড ১০, মিলনের আসনভঙ্গী এই প্রুস্তকের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা পার্বালকেশন্স । ৮৯ মহাঝা গান্ধী রোড । কলি: q



# ववीन्प्रनारथव 'कविं किंग'

শ্যামল প্রকায়স্থ

বিভিক্সা শাক্ষ্যি ববীক্রনাথেরই স্থানিইছ

--ব্যথান থারে বহু শাক্ষ ও শাক্ষ্যুপ্র মধ্যে কিয়ে বাংলা সাহিত্যের
রসান্ত্রধানের পথ প্রশাস্ত হতে দেখেছি
ভারই কল্ডে। এক্ষেতে এই শ্লিক্ষ্যুপ্র কল্ডে। এক্ষেতে এই শ্লিক্ষ্যুপ্র কল্ডে। এক্ষ্যুপ্র ইডিভা সার্ভ্রাত্রর সম্পূর্থীন হতে হবে দিবভারত এর স্থানিত্রক আভাসের ব্যথা। এবং
ভারতে রাজ্যালিক আভাসের ব্যথা। এবং
ভারতে গ্রিক্সালিকার চিত্রক প্রভাক্ষ ব্রার
প্রক্ষালিক। নতুনা ক্রিক্রিক্স্ত আভাসনাতি
স্থানির ভারতির না।

ত্রপথ স্থানির বিশেষজন বলা যায় সে,
সবলপ্রতম নাউকাক যে হিছেবে নাউকার (IN.AYDET) - মেউজিত কবার শাস্ত্রীয় বিদ্যা আক্ষার পাকে ও তেল্টা বিভাগেবই স্টাব্য হয় সে হিসেবে আভি স্বাজিবত, কমাপ্রক্ষ স্টি কাবা প্রক্রি এবা সামার্থিত লব সেবে এমি কাব নাম্নীতি নিটেশ কবার ভিতিতার সামান্য আমিত হম নাজ ববার ভা আছান নাম্যক বিভাগ বাসন্থ কাম বিসাবে স্থা ভাবেশ্য ব্রেক উদ্যাক কাম বিসাবে স্থা ভাবেশ্য ব্রেক উদ্যাক কাম বিসাবে স্থা ভাবেশ্য ব্রেক উদ্যাক কাম বিসাবে স্থা

শিষ্ঠ হি স্থা অবশ্যনকো বস্থা হারা ।
এই শাদ্ধ বচন হা সাংগণিতিক হাও আহাক।
দাবেট চন্তুনিটে হাস্কে । আহাক বিশিক্ষ কাৰে এই স্থাতিন অফাক বিশ্বনিক কেৰি জাৱ ধানি সেনা বন্ধ বিশ্বনিক স্থাতিক কেবি ইংগাচক। আৱা চাব আদ্ধা স্থানিক কিবি লোক ম্নিবিক্সে হল-স্থানিক কিবলা পায়্য প্রকৃতির স্থানিক ক্রিকানসংক্র অন্বিধিত।

ভৃত্যি স্থাত অন্যথা কিবিতা শব্দ দেক স্থাব কৰণালাকেল ইলিলত বিচ্ছাবিত হতে দেখি। তথা অন্তুতির সমস্তাবহ দেশীতকাল সাম্ভিক চেউত্তর ছলে চলমান নিশিল বিশেবর চিত্রকণশ্বা সাম্ভিশিত করে। তেমনি কিবিতিকা লাকেব অত্তরেও পাওয়া যায় সম্মার সংখ্যা অসীমের একগ্র উপস্থিতির সৌক্তা। অগাবি করিতিকা বিস্তাধনার চেত্রান্ধ স্মাত্র অসীমার গতি বংশনে স্মাত্রনালভাবেই উৎস্থাবিত করে তোলো।

'ক্ৰিডিকা' রচনার অপতানিহিত প্রেরণাই বিষয়ে রবীকু মানস-প্রকৃতির বিশেল্যণ করাই যুভিযুত্ত। কারণ রবীকু সাহিতোর অভিনিবিক্ট পাঠক মাতেই জানেন যে সম্প্র রধীক্ষ-সংকৃতি বারংবার ভার স্বর্প পালেটছে; কথনো তা কারা-নাটক-স্পাহিত, কথানা বা কপা সাহিত্য। অথবা প্রবংশ-স্মালোচন য়। এবং সংস্কৃতির এই পরি-বহান স্বতিই যে ভাবের জগতে সংগতিত হারছে তা নয়, রাপের জগতেও তার প্রভাব বিস্তারিত হারছিল। এখনে রব্ধিত বোধর নির্দান বহন করে।

ন্দ্রীয়াতী গতি রাসের ধন্যুরাসে ১০০৫ সালের ১৫। মাঘ রবীন্দ্রন্থ বে কোবিত্রগানির জন্ম বিস্কেভিলেন এবারে দেই পাঠানত্তরহীন আসনকলিও রচনাকে উন্তাভ করা যাক। বিস্কৃত্রিক সালের রাজে বিজ্ঞান প্রেক বিশ্বাসার জাবিন্নানি বেশ্ব হলে বিজ্ঞানির্ভারি সাজে। বিজ্ঞানির্ভারি সাজে। বিজ্ঞানির্ভারিক। বিশ্বাসার কাবিন্নানি বেশ্ব হলে বিজ্ঞানির্ভারিক। বিশ্বাসার কাবিন্নানির বাজে। বিজ্ঞানির্ভারিক। বিশ্বাসার কাবিন্নানীর কাবিনানীর কা

কারেরে রা্স বদকের দুটেশ্ভ সমস্প করার গাড়ভয় ভংগগাঁ রালেছে।

2000

সুর্বাঞ্চনগ্রহার প্রথম - জ<sup>নিস্</sup>নে কান ছাঞ্চ কবিতার যে জাড়ি কেম নিয়েছিল, তার 机间 化物料的 电心电路线 电影强的 草籽 ভার রুপ্রকার সভা ব্যবহাত ভিরবৈতিতা স্ৰধ্যা, এই কাৰা প্ৰা-ছাৰ্ন আঞ্চলীন হায় নহুম সম্ভাবনয়ক উপ্ভাসিত কার দিল। আৰ্ড এই পদা ও অধা আস্তরী কারসেম্প্রের রূপসম্ভাতেও যথেওী পাথাকা রয়েছে। অথাৎ এক-একটি কাবোর বর্ষণ প্রদার বা গানের অভিসাকের সাংগ্র ঘনিষ্ট সংগতির ফলেই কাবাকলায় স্বতশ্চ হয়ে উঠেছে। একটা সাক্ষ্য অংথ বলা যায় যে, বিভিন্ন কাৰে। রাপদৈলীর এই বৈচিত্য দ্যাইল নিভারশীল বলে ডা' দ্যাইলেরই র্পাণ্ডর। <mark>প্রকৃতপক্ষে এই জাত</mark>ীয় স্টাইল নৈচিতোর জনোই কাবা বিভাগ কবিভিকারে স্তেপাড**্**ত, যা রবীন্দ্ররেখর গভার রস- ন্তুগমটি হাল্য তাপ স্থাতিগত এবং দিতেতিটি এর অভেগ্যে গ্রেছ **ব** ঐতিহাসিক মহাদা বিষয়ক।

র্পস্থির ভাষের সাংগ ভারকেতুর ভাষের মপ্রহামতি ও সম্প্রত তাই ভাষ-কোণিয়ক হাপদেশনিই বঞ্নীয়: এতে যে ভাব বিবৃত হাবহে তাকে ধলা ধায়- 'চচনিকা'য় ক্রির আহস্পনি। বস্তুত বিশ্বরংগ্মাও टेक्ट्रींटक नाडोर्स अहिटमाय खीवन धर्मी छ মিকপরি ব্যাত্ত পরিশ্রমাক সংবাদ্ধার জানা গুমের উপায়ানের প্রয়োজন অন্ভত হয়, "চয়নিকা" ভার কডকংশের পাদপরেশে সমর্থ এই সংশয় ক্ষ্ম মননের প্রতি-ফলন্টু সমালোচা পংক্রিগালোডে অতাত भ्यापेकाददरे धर्तन्छ हाराष्ट्र। याद स्वर्यः পরিসরে জীবনপ্রেমিক কবির স্থানি চাতুর্ফে এই ভাবই হয়ে উঠেছে রেমাণ্টিক। এ মেন इकन्द्रोरकाण (Centrifugal) कौरन ্রতন্ত্র স্থাপ কেন্দ্রন্তিম্ব (Centripeপ্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

উত্তমকুমার

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(78-6584)



## बार्किफीरैंव वाक विश

(চংগ্ৰে গ্ৰাম্য কৰিব নিৰ্দেশ কৰিব নাছ গোচীৰ অন্তৰন সদস্ত শুতাৰিক বছুৰেৰ অভিন্তভা কলিক:তাৰ প্ৰথমে অফিস : পিলাঞাৰ বাউস ৮, মেডালী সুভাৰ যোড, কলিকাভা-১

ছানীর পাধাসমূক: • ৪০এ, নির্ভলা ঘাট ক্রীট ক্রিকাভা-ভ

- ২, মহাস্বা গান্ধী রোভ, কলিকাকা->
   ৯.৫. দেক্ষণীবর সরণি, কলিকাকা->>
   ৯.৮. গড়িরাহাট রোভ, কলিকাকা->>
  - পি-৩৭৫, রক 'জি', নিউ আলিপুর কলিকাতা-৫৩
     ৯১১ গ্রাপ্ত ট্রাছ বেছে, হাওছা
  - ২১, গ্রাও ট্রাছ বোড, হাওড়
     ১৬৬/২, বেলিলিরাস বোড
  - ক জেল ডিপোজিট লকার পাত্রন

No. 2



গতিছভা বন্ধন: বা tali क्रीवरशत 'কবিভিকার ভাব ও রাপের আর্থাণাক দক্ষণ হিসেবে গ্ৰহেৰ্বই केट १ ट \$1381**8** 1 অধিকতে সীমা-অসীমের এই রেফাণ্টিক বিলাসে অয়থা গারা শব্দের প্রয়োগ উপমা ও চিত্তকশের বর্ণালী বিহার কবি মননে প্ৰভাৱ বিশ্ভাৱ कार्याना । क्रका-रेशका न ক্ষেত্রত রবীন্দনাথ পংক্রিলোকে "কণিকা"ব হালকা চালেও বিনাস্ত না করে গম্ভীর অহ্য সহক চালকা ব্রীভিডে স্থান্ত্রিকট 427571

ঐতিহাসিক মুর্যানার প্রদেশত একথা প্ৰবয় স্মূৰ্ত্বা 73 এব মধে। দিবে "চয়নিকা" সম্পর্কে রবীন্দনাথের বিশেষ প্রাটিভ স্থারিত হয়েছে। বিশেষত এই আলোচা কবিভিক স বেহেত ভাবনার আভিব্যন্তি : "চয়নিকা" ব্যতিরেকে রবীক ই ভিছাকের প্রিধ নিশ্রের প্রচেষ্টা মার দ্বিট্র স্থরেন দাণ্ট সংকোঠের পরিচারক হ'বে সংগ্ৰহ গাঁট। ভাছাড়া তে যবিংকাল কারা সংক্রাল "সঞ্জিতা" নিয়েই **রবীক** ১৮ করেইতের আগ্রহ সীমাহীন রয়েপ প্রকাশ পেরেছে: কিল্ড স্বয়ং কবিও যে "চর্নিকা"র প্রতি কম আগুলী ছিলেন না, তার প্রমাণ, এই কটি ছাট্রই অন্সন্ত হরে আছে। সবচেয়ে বঙ কথা হাকো এই যে, রবীন্দ্র-সংস্কৃতি সনবংগ্র ল্লন্ট র ফিল্লব ভূমিকা **স্বা**দাই সংযোজিত হ ওয়ায় তা' দেই সবক্ষেত্রে ব্যাখ্যা—বিব্যাতর আমালা দ্বিষ্ণাহণ করেছে। কিন্ত কাব। সংকলন "চহানকা'য় এরকম ব্যান ভামিকার আদিত্ত পাওয়া ষয়লৈ বলে পাঠকের পাক রচয়িতার প্রতাক্ষ অভিমন্ত জানার সংখ্যাগও ইতে ভক্ষেত্ৰি সাহতাং **ব**হুমানে ব্যন্ত্রী সংকলন প্রসংখ্যা বর্তায়ভার সংক্রিণ্ড ভা জান 3 4 6 कर् शास्त्र 1913.5 20.03 **'চুমু**নিকা'র মৃৎব•ধরুপে িলিফির'ধায় এর ব কর: উচিত। সেই সংগ্র নিশ্চয় অন্তিভ্যাত না ভা**র**ডিলিভ "চয় নকালি প্রনাতে প্রবাহের সংগ্র এই কে বভিকালে মাহাবদেশৰ গ্ৰাহ লৈয়ে সংখ্যারিক্ত করা হোক। ভাবেই <sup>তারিক্ত</sup> ভারতীয় কতাপক রবীক্দ্র-সংক্রতি প্রতিভ প্ৰেক্তের একটি বথাৰ্থা প্ৰমাণ উপাস্থত করতে পারবেন।

১। রবীশুনাথ 'ক্রিভিকা'র কারির রস-রাপ ব্যাখ্যা সম্পর্কে ১০০৫-এর কার্ডির সংখ্যা "প্রবাসী" ক্রিখেছিলেন..."ল্যু চার্ডি রকের মধ্যে এক-একটি ভাবরে নিবিষ্ঠ ক লিয়ে তার বে একটি বাহুল্য-বজিতি র্যু প্রকাশ পেত তা আমার কাছে বড় বেখ সেরে অনেক সময় আরো বেশি আনর প্রেয়েছ। আমার নিজের বিশ্বাস বড় বড় কবিতা পড়া আমারের অভ্যাস বংলই কবিতার আয়তন কম হলেই তাকে কৰিত। কৰে উপ্লব্যি কৰতে আমাদেৱ ৰূপে।"

- ২। রবন্দ্রনাথের মতে, চীন-জ্ঞাপান প্রমণকালে স্বাক্ষর সংগ্রাহকদের অন্তর্গের কাগজ, রেশনের কাপড় ও তালপাতার পাথায় লিখিত ছেওঁ ছোট রচনাগ্রেলাই কবিনিত্রতার ব্যক্ষাহরী স্বেরণা ছিলা।
- ত। 'কবিভিকা'র স্চনা হয় ১৩০৬ भारत | ১৮৯১ | "कांगका" शकारणक घरता দিয়ে: প্রশ্বটি রব্বীন্দুনারেছর জান,জ কবি-বন্ধ্য अवयनाथ उ.श्टारेशकोत (১৮৭३-১৯৪৯) উদ্দেশ্যে উৎসগাঁকত হয়। আর ১৯২৬-এ বিদেশ প্রমণকালে বাডাপ্রাস্থ শ্বহুস্ত,ক্ষরে বাংগা ও ইত্রেকী ক্রিডামালা একতে "জেখন" শিলোনামায় মাদিত হয়। এবং বেল্পেনা এর কাবভাষি রচন্ত্র ১৬ ছে কাতিকি ১০১০ সালের মাধ্য হার্মছিল। অথচ কবি "লেখন"কেই কেবিভিক্রি ভগম রচ্ম কলে হিসাবে নিলেশ করেছেন। তবে কান্য সকেন বৈভারে কেণিকার **চে**চ্যে প্রেখন বেশি সংঘাক বলে প্রথমীয়াক স্মৃত্য ीष्ट्रहाँक्षेत्रिक शक्रम महन्त মাৰে ৷ আতি পৰে ক'লছিকাৰ আন <u>এক</u>ভি श्रीकृत्य । 'श्रुक सिंडला' 12002-22501 নায়ে আত্মপ্রকাশ করে।

s : ଏଂଲେଖରୀଣ : MT AS ব্যবহারে কবির জ অসঠেতনার প বহুত পাওয়া হয়। এহাত, ভার বিশ্ব স্থাহ্যভার বেস স্থপ্ত একটি প্রাস<sup>্</sup>থ্যক ব<del>রু</del>বা রুখাছা 5353 3876 S (# 5) 11,24% Comparative Literature ce ্টিকৈ হৈছে প্রিভার বলে A 143 to मध्यक्षीक उन्न श्रामकाकृत रहर ತ್ರಕ್ಕೂ Weblitemann 4 140 6 20 14 িব্যৱস্থা ক্রা 44.0 5. (%) 12 ST (18)

#### किंग्करङ प्रोर्नाक्षण्डेब



২৮৫ টাকা লামের প্রথাতী বিধান ন্যানাল ডিলারে তবনান্ড অল ভ্রমান্ড পোটোবল ট্রানাঞ্চান্টর

্যালেক ১০ টাকা কৈছিলতে কিন্নে। প্রতি ্যামে ও ৰহাত পাঠান ধার। লিখ্যেঃ

Impex India (WD) Kallash Nagar PB 1045 Delhi-6



n e n

, <mark>ৰক্ষেশ এ</mark>চনভিত্ৰ ওদের বাসে ভুকে নিতে। 9 বিকারে লাল রাজর ডি লাক বাস ঠিক সাড়ে সাত্টার সময় ছাড়ার কথা। কিন্তু প্রতিরিশেও ভাততে ্ন**া র**েটাদের বভিন্ন একজন চাকর ঐ বাসে টাটানগর ্থাক বংফ আনতে যাবে, সে ভখনও এসে প্রণাড়ায় নি। রাণ্টারা **এই এলাকায়** রজা-মহারাজার চেয়েও বেশী প্রতাপশালী, তাদের ব্যাড়ার চাকরাক অবহেকা করবে বৃদ্ধ : পর্যাদ এই নিয়ে ড্রাইভারের সংখ্য চোচাচেডি শাবা কবে দিল, সেও সরকারী অফিসার, সে ভার। প্রভাপ দেখাতে চার। অভচ মাঝ বাভিরের আগে জৌন নেই, আর ৰাসে টাটনগার পোছিতে লাগাৰে বড় জোৰ দ, খণ্টা--- দ্বীপ্, বিনা উত্তেজনায় বসে আছে জানকায় মাথা হেলিছে। প্রয়ম্পাকে এখন **২৬ এ**ক। দেখাছে, তার রোগা কবে চেহারাট্য এখন অসহায়ের মতন-একটাক্ষণের মধোই দীপ্রার অর্থ চলে গেলে, ও ফিরে গিরে ওর কোয়টোরের অধ্যক্ষার বিহানায় চুপচাপ क्षका भारत शकरत।

 –দীপা, পোছেই একটা টোলভাম করিস কিল্ড! চলম্ভ বাস থেকে হাসি মাথে मौशः बनात्मा, यनि छात्मा ध्वतः धात्क. ক্ত হলে টেলিগ্রাম করবো। বহি না করি, ৰুক্বি বাস্ত আছি। আবার আসবো!

—আসিস, শিগগিরই আসিস। অর্প জাসীব হেচা দ

আৰু হাটবার, ভিড় কটিটার এগিয়ে গৈল ৰাস, চাইবাসা ছাড়াতেই দীপুৰে মন খাৱাপ হয়ে গেল। একটা জাগে বাবার জস্বের क्या रक्त जात क्षयम मन रकमन कारक 🛣 —कृषे रका स्तरवीयन न्यानारक, व

ল্বে করেছিল, তার মধ্যে হতিলে—মৃত্যুর আগে বাবার করে গোঁছতেই হবে তাকে। बादाद अध्य, अहे हारेरामा हठे। रहरह যোত্ত ভার কণ্ট হকে। খদি সভি। সভি। নিলামে পৌনে সাতলো টাকার একটা টিলা কিনে তার ওপর একটা ছোটু শর বানিরে সে ওখানে থেকে যেতে পারতো চিরকাল! काला नागरका मा? अरेगेरे एक सूर्गावन, ठिक कर्मा किहा, दाना बात नाः मारब মাঝে মান্বজনের দেখা না পেলে প্রাপ হালিকে ওঠে, ছাটে বেডে ইক্সে হর ধন্ম-বস্থানর কাছে, হালেন্ডে পর্যথনী কাঁপনতে টাছে করে, মেরেদের চুলের ছাণ নাকে रुनदात करना अवक कुका कारण। खादाद मार्टक মাৰে এও মনে হয়, সায়াজীবন কোনো নিজনি জারণার বলে ধ্যান করতেও আমার ভালে লগেতে। কাঠবিড়ালী আরু মেটে भालिकामत मरभा वन्ध्य हात त्याः।

শনিকটা অপরাধীভাবে সে অর্পের দিকে ফিরে বললো, খাব খারাপ লাগছে ধে, আমার জনা তেকেও ফিরে আসতে হলো! ত্যোক হেসাডির বাংলো দেখাবো বলে-ছিলাম !

অর্প নম্ভাবে বললো, ভাতে কি হরেছে, আবার আসা বাবে!

—ৰাঃ, তোৰ তো বিবে হয়ে ৰাজে ৰু' মাস বাবে। তথন কি জার

—হাতে কি হয়েছে। **ওকেও** নিয়ে | जामद्या ।

—त्त्र रह गा। बक्रेंटक निरह दवकारक द्यत्तान ममन रक्षे वन्ध्रक निष्क वात्र मा। हें, रेज क्ल्शानि, ब्रि रेज बार्डिंड!

লোকের সপে মিশতে, আভা দিতে ব্র कार्रकायात्र ।

–দেটা জনা ব্যাপর। কিল্ড সাঁতা হেসচির ৰাংলোট<u>া</u> বিশ্বাস **₹**4, অপারে, চারদিকে কাচের জানলা—সার্লিদনে क्किं । मही मानारका मरण तथा हर मान —शास्त्र भारत भारत होएकड भागा—এ बरहा चार भव नचहे श्रक्तिर।

—তেও এসৰ জারগার জাসতে **খ**ৰে कारना नारंग नार्व ?

–সরোক্ষা ফরেন্ট আমার এত দেখা**র** ইক্ষে কিন্তু দ্ৰোর এসেও তো ঠিক দেখা হলো না। জানিস, সারান্ডা করেন্টে সাতলো পাহাড়, ওবানকার নালগাহগুলো **कादरदार्शद शाया अवराज्य मन्दा—এक এकটा अकत्ना-एक्ट्या वहरत्त्व भूरतारमा भूरतारमा** म्रां दिखारक राग्न रव-द्रक्य जन्सूक मार्जि, बहे मन सभारत हा मह द्रवस अवधी-

—ভুই ৰে প্ৰারহ বাড়ি খেকে এরকম চলে व्यक्तित कारण कर्जादाव इद मा?

-कि कर्जादरव ?

—ভোর বাড়ির লোকজনের, মানে, ভুই কোনো চাকরি টাকরি

—আমি তে কথনো চাকৰি কৰবো নাই

-- जाकिश क्रवीय मा?

--ना !

বেন একথাটার আরু কোনো ব্যাক্ষা দেবার সরকার নেই, তাই দীপা ওর দিকে ভাকিরে অভ্রভাবে একটা হাসলো। बहु भ बन्द्रमा, छ। इरम कि वाबमाब कथा ভাবছিদ ?

—বাবসা করবো, কাণিটাল কৌ**থা**র ট ঠোঁটে হাসিটা অবিকৃত রেখে দীপা বললো তুই জানিস না, আমি একবার চাকরিতে চাকেছিলাম, দেখানে চুরি করে-ছিলাম বলে আমার চাকরি বার!

-371

—তুই বিশ্বাস কর্মিস নাই চুরি করটো জনার, হুই একথা বলবি তো, কিন্তু হঠাৎ একবার জন্যার করতেও আমার লোভ হয়েছিল। সতি। বলছি, টাকাটার ওপর আমার লোভ ছিল না, কিন্তু रेक राज्य सार्वात अना क्रांट क्यान मारग-रमग्रे रस्थाख।

भ्का मरथा। अमान-अ

সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখছেন

(17-6224)

আর্পের মুখখানা বিবর্গ হরে গেছে।
ভার কানের কাছে মুখ এনে ফিসফিস করে,
কোন কোনো রসালো গোপন কথা। বলছে
এই ভণিগতে দীপ্ বলতে লাগলো,
বি কম পাল করার পর আমি দালগুণ্ড
আন্ত সেনগুণ্ড ফার্মে আটিকৈস্ড হরেছিলাম কিছুদিন। ওটা খুব বড চাটার্ড
আ্যাকাউন্টেলিস ফার্মা

—চিনি। আমাদের কম্পানিতেও ওরা অভিট করতে আসে

—প্রোফেসার দাশমুশ্তকে চিনিস? —দাওকবার দেখেতি।

—ঐ প্রোফেসার দাশগানত আমার মেসো-মশাইরের বাব বন্ধ। আটিকেলভ হতে তো হাজার চারেক টাকা জমা লাগে, আমার

কাছ থেকে সেটা নেৱনি। একবাৰ একটা

শকুল অভিট করতে গিয়েছিলাম বাঁসরহাটে।
আমি প্রোক্ষেমার দাশগুশ্তর সংশা গিরেছিলাম কেরানী হিসেবে। শুকুলের
আ্যাকাউপলৈ অনেক গোলমাল ছিল, হেড
মাশ্টার মশাই দেড় হাজার টাকা ঘুর দিরেছিলেন প্রেক্ষেস্টর দাশগুণ্ডকে। ঘুর
দেওরা নেওরাটা তো আর নতুন কিছু নয়—
কিন্তু যাপারটা এমন সহজ আর শাশুডভাবে

## টাকা বাক্সবন্দী রেখে কি লাভ

## পিএববি-ছে সঞ্চয় করুন

ৰাড়ীতে টাকা ৰাখা মোটেই নিরাপদ নয়।
এই খলস টাকা দেশের কোন কাজেও
লাগে না, ৰাড়েও না। আমাদের ব্যাস্তে
আপনার সন্ধিত অর্থ দেশের আর্থিক
অবস্থার উর্যভিকরে উৎপাদনশীল শিল্প, কৃষি
এবং বপ্তানীর ক্ষেত্রে বিনিয়োগ করা হয়।
তথু ভাই নর, এর থেকে আপনি সুদও পাবেন।
ভাই দলে দলে লোক আজকাল পি এন বি-তে
টাকা ক্ষমা রাখছেন। পি এন বি এমন
একটি ব্যাহ—বা সেবায় দক্ষ,
ব্যবহারে আমাহিক।



PRIPNAIATEA

চায় গোল সেটাতেই আমার দার্শ অবাৰ zলগেছিল। হেড মাল্টার মশাইরের সংগে चारत कि क्या दरहाइक मानि ना. छेनि এমনি ছয়ে চাকে বললেন, আপনাদের কলা प्रभाव क्षमा घटमाटक ब्रांच क्यो घटमाड, मा? শহরের লোক আপনারা—। বলতে বলতে উনি অকটা খাম টেবিলের ওপর রাখলেন. প্রফেসার দাশগুলত হাসজে হাসতে বললেন, মান্ত্র মারার এড অল্য বেরিরেছে, আল্প পর্বশক্ত মশা মারার একটা কিছু আবিক্তার ছলো না। খামটা জিনি পকেটে ভৱে নিলেন অন্যমনকভাবে। খামটার মধ্যে কি আছে দেখার জনাই আমি মি: দাশগুণ্ডার পকেট থেকে সেটা নিয়েছিলাম-রাত্রে সময়। উনি গাড়িতে ফেরার धारमाण्डिताम । श्रीष्ठ होकात स्मारहे एएख . হাজার টাকা। আমার তথন মনে হলো এম এ বি টি পাশ হেড মান্টার, আর্মেকিকার जा ह প্রোক্ষেমার দাশগণেত্র— ইউনিভাসিটিতে প্রান-আমি কি এদের থেকে আলাদা? তুই জান্দিন, প্রোফেসার দাশগশ্তেকে মনে হয় দেবত্ব্য লোক। কার্য্র সপো খারাপ বাবহার করেন না। হেড-মাস্টার্ডিকেও থারাপ লোক মনে হয়নি। অথচ থরা ঘুষে বিশ্বাসী। ওরা বা করছেন, সে রক্ম করতে আমারও কি রক্ম লাগে-সেটা দেখার জনাই আমি সাডে সাত শের **होका निहस निलाध।** 

বেন চোগের সামনে জ্বন্ত দেখছে, এমন-ভাবে তাকিরে আছে অর্প। তার নরম মন, টাকা-প্রসার বিশেষ মাল্য দের না সে কখনো। দীপ্র সাপো বেড়াতে এলে সে দীপ্তে একটাও প্রসা খরচ করতে দেশনি। সাদে কার্ড গোটাবাদ জ্বা দিশ্ব ওরকম করবে, সে বেন বিশ্বাসই করতে পাক্ষে না

মুচকি হেসে দীপ্র বললো, আমার আসল বোকামিটা কোথার জানিস? প্রোফেসার দাশগংশতর সাধা ছিল না, আমাকে মুখের ওপর চোর কলরে। আমার একটা ফার্মিল বাক গ্রাউণ্ড আছে প্রো! কিশ্ত টাকাটা নিয়ে আমি কি করবো ব্রুক্তে পারিনি। জর্লাত কাঠকয়লার মতন টাকাটা কিছুভেই নিজের কাছে রাখতে পারছিল্ম না। আমি কথাটা বাবাকে বলে ফোল্মুম। তারপর—আছে থাক—

— কি? তোর বাবা ব্রি

লে অনেক জটিল ব্যাপার। এখন থাক। আজ্ঞা অর্প, ভোদের কম্পানি থেকেও প্রোক্ষেমার দাপগংশতকে ব্যব দেওরা হয়,

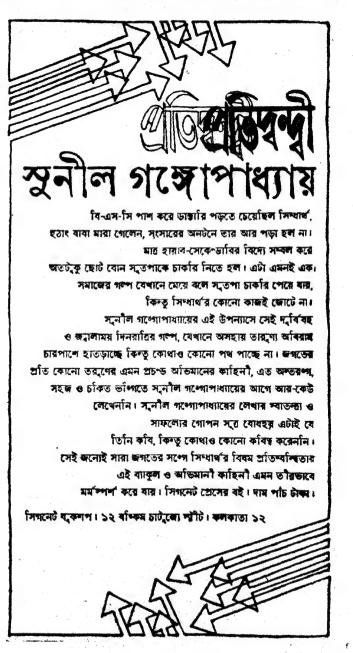
—ना, त्यार्टिह मा।

দীপা জানলার দিকে মাধ ফারছে বাইরের অব্দর্শর দেখতে লাগলো। মিলিটারি অফিসারদের বাব পাওরাবার মাগাত্রে অর্পের বাবার ফুডিডের করা কে मा कारन! 'त्राक्रम्यत्र त्यावान भूरते अवनी कर्रनान्यक भनात एक भिरत त्यावरक भारते —अकथा चत्र्रभित्र काकारकरे रा वनारक भारतह! चत्र्रभत्र भिष्टि क्षारे त्राक्षत्र केन निर्द्ध रामावनीत व्यानिक क्षश्रानात्त्र कना। कि शर्ष अन्य कथा वर्ष्ण! चत्र्रभत्र कानी वर्ष भारता!

এরপ্রেস বাস হটেরে সাঁ সাঁ করে, আর কোথাও থামবে না। অস্থকারে মাঝে মাঝে চুক্তক করে উঠাতে ডোবা বা বালের কল।

শ্বে বিক্সিক করে প্রামের আলো।
আকাদের এক পাল্টার শ্বে এক চাকা
কালো মেখু বাকি অংশে তারা কাঠেতে।

তব্ হঠং বাসটা থেমে গেল। এ বেৰ এক সংশ্য হাজার হাজার পাণ্ডির ভাক। এই রাতির বেলা। সতি; পাণ্ডির ভাকই প্রথম মনে হরেছিল দীপরে হরতো তার সামানঃ ভদ্মা এসেছিল। আসলে আটারশটা মেরে,



रम्हे इब्राम भाकृत।

শক্ষের খাসটা এক পাদে কাত হরে আছে। একটার জনা গাবেতর আফেনিজেন্ট হরনি। টটনগর থেকে মোররা এগেনিক করতে। ফেনব পথে এই বাপার। মোররা সব বাংকরে মরখানে দড়িরে চেটনেটি করে থাম্যরেছে বস, পালে খামর সংগ্রেই আরা গ্রেক্টেট করে বাংকরিক করা করেছিল বাংকরিক করেছিল বাংকরিক করেছিল বাংকরিক প্রান্তির সংস্কৃতি একটা আরগ এরা বাংস উন্তেই সভাবে সম্মুখনি হাংকিল, কিন্তু মানুহাটা বেন হাসির ব্যাপার, একা হেনে হেনে সেই ভারের গ্রাপা করাছে।

মাত্র তিন গংগটে পিউ খ লি ছিল, বালি লোকেরা কেট উঠে ওবের ভারেগা দিল না। বোকা বার, পরা সব ই নিশানারি ফ্রেরের মেনে, সব ই সজল পরিবারের, সপ্রতিভ্ কাব্যাই সাংস্থা ধারাপ নহ, জনেকেই বেশ সংস্থাই। তিনজন শিক্ষরিত্রী গোটের সভান পঢ়িয়ে গ্রেপ গ্রেপ ভুললেন ওবের, সপো একজনও প্রের মান্য দেই— কাজনা জোনো জসহার ভারও নেই। মেরেদের স্বারই নীল পোশাক, দেখলে ভোগ অভিকেন্বার।

জন্মই প্রথম বললো, আর আমরা উঠে ভানর বসতে দিই। দীপা সপ্তে সপ্তে দাঁড়িরে দুটি মেরেকে বলনের, আপনারা

भूका मःश्रा अनाम-अ

# वामाशृना (परी

नम्भार्ग डेभनात्र निश्रहन

(जिन्ध्यक्षर)

#### চাণ্ডল্যকর আবিস্কার দৈনদিন একযেয়েমি থেকে বাঁচুন

অনুমানিকার একটি অনিক্ষার — বা হাতে প্রেল শোভিং রাল, সাধান আর রুমি আপনি ছাতে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সব প্রথম প্রবৃত্তিত হতেল।

সবচাইতে মভার হাছে, এই আবিম্ফার কেবলমার রেজর গ্রেডের ক্লেটেই প্রবোজ্য হাছে—ম্থের ওপর নর। কুইক-এন-ক্লীনা এর জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হালা স্বচাইতে অবিশ্বাস্য ঘটনা, অঘচ এই দিরে আপনি অভি দ্রুভ ও চমংকার শেভ করতে পারবেন।

ভাগনার রেডের প্রান্তে এক ফেন্টা কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্, তারপর মুখ জল দিরে ভিজিরে গোন্ত করতে থাকুন। আপনার রেজর হবন লাড়ির ওপর দিরে কাপেটের মন্ত কোরল স্পর্যা ছড়িরে এগিকে যাবে, আপনি তথন জীবনের স্বচাইতে বড় বিশ্বর বোধ করবেন। বারের দিক দিরেও এটিতে সাপ্রর হয়। এক বোতলে তিন মাস চলে। বস্ম। স্কুলের উত্তি ভ্রানের বেরে, কর্তাই বা বরেস, পনেরো-বোলো, ক্লিক্ট এই বরেসের মেরেরেই আপনি করে সম্পোধন করেল তারা ব্যাই ইছ, দীপু আমে। তার্চ কুক লড্ডম নেউ ঐ মেরেসের, তারা ইতিমধ্যেই অনেকে বাক্ষারা করে বেখানে তার্চ কুক লার্চ্যা। পেরেকে বাস পর্যাই, বেস্ক সাত্রি একজম করে প্রায় ব্যেস্ট্রাই, তানের এক জারগায় উঠে বেক্টে বলে এরা দথ্য বার নিরেছে করেকটা স্টি।

এই মেরে দ্বি কিন্দু বললো, ন. ন.
আপন রা বস্নে না, আমরা দক্ষিরেই মেতে
পানরে! দক্ষি - অভ্যন্ত সম্মান করে
বলসা, তা কি হয়! আমরা বলে দাবো,
আপনারা দক্ষিরেন, বসান না! বাসে দক্ষির
আর অর্পের কর্মী আর কোনো হেলে
ভিল্ল না, তাই বেনে দ্বিটি আর সচেতন।
বাংলা দ্রুলের মেরে হলে লাক্ষ্ণিতা হয়ে
প্রের সালো কপ ই কলতো না, নিভেনের
মধ্যে ফিকমিক করে হাসভো। মেরে দ্বিটি
আর প্রতিন ব করালা না, বা প করে বাস্পর্জন, ভারপর চেপেরুশে একটা কারে বাস্তলা,
আর্প্যক কোনো স্থান না বি ই
দ্বিশ্য বগলো। বস্বার ব্যান ব্যান

জন্ম ক কেনে। স্থাস ম। স ব দীখু নগলো, বস্থা আহা! ব্যাস পড়ে বললো, আমাদের বাস বদি এবংসে না ধাম্যো, তাছলে কি কর্তেন আপন্ত: । জাব তো বাস নেই!

দাটি মেনের পোশাক তো একরকমই, চেলারাও প্রার একরকম, দাজনেই ফার্মা, তে থ-নাক-মাধ বেশ তীক্ষ্য কাটাপো, কিবতু একরক রাজভার মাঝখানে দাটিওর পড়ে-ছিল্মে, চাপা দিরে কাবে ব্যক্তিই থাকে একরন বললো, বাস না পাওরা গোলে বেশ মজাই থাকে, আমরা সাম্বারতে এখনে বেশ মজা করতুম!

এই থেকেই মেরে দাটির চরিত্র তার বোঝা হয়ে গোল। ন্বিতীর কথাটা যে বললো, জানেলার খারে বংসাছ সেই মেরেটি। তাকেই দীপার বেশী ভালো লোগে গোল। তার পালো যে বংসাছ, তার দিকে চেরে একটা, দার্থীয়ার ছাদি হেসে দীপা বললো, জামিই ভো প্রথম দেখাছে পেরেছিল্ম জাপনাদের। আমিই ভাইভারকে বললায়, রোক্তিক, রোক্তে—

পালের মেরেটি একটা দিবধা না করে বক্তবো, আপনাকে ভা হকে ধনাবাদ দেওয়া উচিত আমানের।

দীপরে ইচ্ছে হলো বলে, ধন্যবাদ দেবার বনলে তুমি ওদিকে বলে, জানলার পাদের মেরেটিকে এ পাদে বসতে দেবে? কিন্দু জা বলা বাম না। জানলার পাদের মেরটিকে বললো, সারারাভ না ফিরলে বাড়ির লোক চিন্দুয়া করতো কাঃ

- कद्दक दशा अक्षिम इसा। मक्दम

टका किए रक्ष्म्य ।

-नीत कावाद बान्सवा?

—ইস, জামরা ছাটারশক্তন, ডাকাড এলো ইলো আর কিঃ

- आश्रमातस्य माजासर मात्र कि?

—আমাদের আপুনি বলহেন কেন? আমার নম ইয়া ব্যন্তির্কি, আর ওর নছে গোপামটো ঘোষ।

—ছিল বেন? এখন-নেই ব্লিং? —এখনও সে আছে, কিন্তু এখন আছে সে অমায় কথা নৱ।

—का दर्श वाधनात ध्रथनकात वस्त्र नाम कि?

আজক ল বাতা মেহে ও এসৰ বাহেও। ব্ৰুচ্ছে গোৱেও এর অবত্যািগিছে চতুতি উপেক্ষা করছে পারে না। মেহে দ্বি প্রদশ্য চোলাচ্যােথি করে হাস্তাো। তাসপর লোপায়ন্তা ভিত্তেস করলো, আপনার নায় কি?

—আমার নাম গীপাঞ্চন সরকার। আর এই আমার বন্ধা—অয়াপ ঘোষাল।

-देश डैनि वशाङ भारामन ना।

অর্প ম্য গশ্ভীর করে দাঁড়িরে আছে।
মেয়ে দ্টির কথা দানে একটা ভদতার হাসি
হাসতে হর তাই হাসলো। দীপ্ এর পর
থেকে অর্পের কথা ভূসেই গেল। মেরে
দ্টিকে জিজেস করলো, তোমরা টাটানগরে
কোধার থাকো?

--শাক্চি। আপনি?

-- আমরা তো টাটানগরে থাকি না।

— यमकाठात्र भारकम ? आस वार्रिस्टर्डे रहेन थरदरन ?

—কলকাতার থাকি, কিন্তু এখন কলকাতার বাবো মা। টাট্যনগরে পেশীরে ঠিক করবো। হরতো রন্ধোলের দিকে চলে বেতে পারি। -- ट्याबाच बाटबन डिक टमरे ? अह चाटब हवाबाच शिटबीचटनम ? हारेवाना ?

—এখন চাইবাসা খেকে আসাছ। আজ সকলে ছিলাম হাটগামারিয়া বলে একটা জারগার। সেখান খেকে আমরা কারো নহী অবিস্ফার করতে গিরেছিলাম।

ইরার মধ্যে রহসা ও বিশমরবাধ বেশী।
সে চোপ বড় বড় করে বললো, নদী
আবিশ্বার করতে গিরেছিলেন? কোখার?
লোগামন্ত্রা এত সহজে আরক হর না। ও
হাছে সেই ধরনের মেরে, বারা বিবের পর
শ্বামীর সংগা করেণ্ট লাইক ইনসিওবেশ্ব করার, অচেনা বাড়িতে বেড়াতে গোলেও ঠিক ব্রতে পারে কেথার বাজর্ম আছে, সে কেন অত সহজে ভূপবে। সে বললো, ননী
আবার আবিশ্বার করবেন কি? এদিককার
সব নদীই তো কেউ না কেউ চেনে। কারো
নদীর নাম তো আমিও শ্রেছি।

দীপ্তির লোপাম্টার ওপর রাল করলো লা। তার উর্ব উরাপ তো সে প্রীরে নিজে। আগতেলাতবৈ ক্লালা, আমরা চতা কাউকে পথ লিজেন করিনি, কোনে মাপ ছিল না, গাইড ছিল না, নিজেরই খাজে বর কার্ছিন কেই আমানের অবিধ্বার। আমরা দ্যাক্রন দ্যালা হাছের চড়েন

জীয়া আবার তার বিশাল তেখে দুটি আবভ বিশ্যারিত কার বলালা, যোড়ার চোপা বিজেছিলেন ১

---শুমার লোগেলকের থেকে যে ডাই তেকে
চাল বিজেডিলাম লামিয় বান, পারাডের
বিকে ছাবল লোন মাধ্য র পথা, কেই ঘন
ছাবল স্থায়ার আগ্রে চোকে না---হঠাৎ
ব্যান করের নদী দেখার পেল ফাডির নিজান
ক্ষেত্র সেই জারবাটী, বাবে হয় সাধ্যবেশ্য
অপস্থীর বাবে ছিলাম বেলা করের আকে।
অনের সারা বাবে ছিলাম বেলা নবাবে আকে।
আন্তর্গান বাবে ছিলাম বেলা নবাবি পারে,
ক্রোবেশ্যায় ছাবের ঝিকিমিকি বেল্ছ সাভাই
মনে হচ্ছিল্লা--

ক্ষিকাসী লোপান্দ্র আবার বাধা । দার জিজেন করপো, কি করে ব্রুলেন সেটই কারো নদী? নদীর গারে তেঃ কার নাম লোগা থাকে নাট্

নম্পত্তি পাষে নাম লোগা থাকে না চিকট, কিপতু এক একটা নগতী দেখালাই চেনা কারণ তা থাড়া, কাছেই একটা গাংলো পেখেছিলান, কেই বাংলোর নাম কারা ভিডা। তানক সংগ্রেক টায়ের সেই বাংলোও কেড়াতে বাংল ক্যানকার দুশ্যে দেখারে জনা।

हैवः वनदनाः, औ क्रभारतः इदशमः क्रम्यू-कारमासभा रमहे ?

—আমরা হাতের পাল দেখেছিল মানুর থেকে। বাথের ভাকও শ্রেছি। নদীর পাখে পেথেছি হরিব। আমাদের সংগ্রাতা বংশ্কও ভিলা, আমার ঐ বংধ্ অর্প-ও তো খুব ভাকে শিকারী। তেশন আসবার বেশ খানিকটা আংগই
ভরা সবাই নেমে গেল। দীপা উঠে দাঁড়িরে
ভসের বেরিরে আসার জারগা করে দিল।
ইরাকে একবার ছোঁবার অনম্য ইছে হান্ধলা
ভার—কিন্তু লাকিরে-চুনিরে ছাঁতে ভার
একটাও ভালো লাগে না। ইরাকে বলগো,
খনে ভালো লাগলো ভোমাদের সংগ্রা দেখা
হরে। আবার দেখা ছবে।

—টাটানগরে আবার আস্তেন? ব্রীষ্ আসেন, শক্তিতে আস্তানের ব্যক্তি—

—টাটানগরে অসবেং কিন্য জানি না। কিন্তু বেখনেই হোক, আবার দেখা হবে।

গুরা চলে যাবার পর অর্প আবার বলে একটা হপি ছাড়লো। বললো, প্রদের ঐ ফুরি ফুরি মিথো কথা বলে তেরে কি লাভ হলো?

– মিথের কথা কোথার বলজাম ?

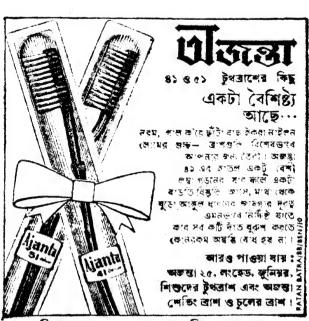
—সৰ ভাম **লাই**, আবার বলছিস—

নিমধ্য ঠিক নয়, আমার এগ্লো কণালা করতে জুলো লাগাঁছল, তাই বলে গেলামাঁ ক্র বেতে ইচ্ছে করে তো, তাই এমনভাবে বললাম—বেন সতিটে গিরেছি! মেরেগ্লোর সপো আর তো দেখা হবে না—আমানের সভি পরিচর ওরা জানচেও পারতে মা—বর ভাষার, এখনো এমন মান্য আছে, বারা ঘোড়ার চড়ে নলী অবিশ্বার করতে বার—ক্ষন কোলার বাবে ভার ঠিক নেই। এই সব-ব্যামাণ্টিক ব্যাপার কল্পনা করতে ওপের নিশ্চরই ভালো লাগাবে।

—তুই বে একটা মেরেকে বললি, আবার দেখা হবে। ভুই ব্যক্তি ঐ মেরেটার সংগ্রে—

—না, এই একটাই মিথে। কথা বলেছি। ওর ম্ব দেকেই আমি ব্রুতে পেরেছিলাম, আরু কোনদিন দেখা হবে না। তব্ বললাম। (রুম্ণ)

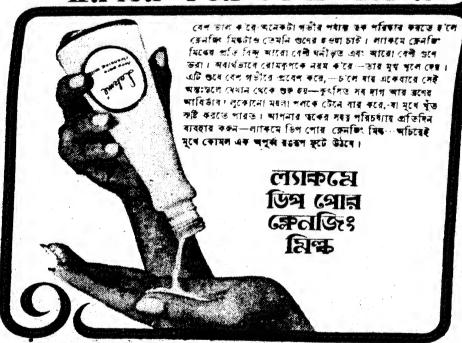




कि बटक काम ट्रेंड कार लिए बटक - के



## लडाक्दा क्लाजिश शिक्ष **दियो यिङ्याली दियी शाद्मि** श्रिक्षात क्रत दियी श्रित





ইতালীর প্রেপ্করেপ্রাণ্ড—"নিংস্থা স্থাসন" ছবিতে নিগুলীর ভূমিকার দ্রুংকো নেরে। —বালিনে চাঞ্জা স্থান

আসর কমেছে আমানের মাননীর কনসাল জেনারেল পি দাশগানেতর বাড়িতে। বার্মালনের আন্তর্জাতিক চলচ্চিত্র উৎসব উপলক্ষে ধারা এসেছেন, সিন্দ্রীক পার সহ



স্তালিং দ্বাস, অভিনেতা হবি খোহ ও তাশ্স इट्डोगाबाब शहराक्षक गाँवनातः बानाम नड ও অসীম বত্ত ব্'একজন সাংবাহিক এবং স্থানীয় বেশ করেকজন ভারতীয় স্থীক্ষমকে শ্রীদাশগুলত ভার বাসার আমশুল कार्तिकाकतः। शिक्षकी मानगारत्त्वक क्रांच क ভোজাবস্তুর আরোজন বে কম্ভ প্রসংলাবোগা তার প্রমান পাওরা শোল-আরেক বার "वाषा" ७ "ग्राभीव" बावारहव मामा। छी। रयम व्यानमा स्थायके बर्फ रशन। अक्षांकर बारबंद कारबंदांद सद । असाद মাৰ্যধানে স্বাট বখন খোড বাস্ত, ভার্ট মধ্যে উপন্ধিত স্বার বার্ত্তা বন্ধ হয়ে গেল -- "গ্ৰেপী" ভার "বাৰা"র সাঁতা সাঁতা হাত भिन्न भाराहरूत महमा। अकदत्तर भारत्याः সভাচিত রারের নর-শ্রীমতী দাশানতেতর। रमधान कारनाहना काम केरेन बाहना स्टब्स সিনেমা শিক্তপর সমস্যা নিরে।

সভাজিংবাবকে পাওয়া গোল করেরা र्भा करवरम् । साधनसामक शरा यांकारकार बारका एमानव, छात्राञ्च । चान्छ-ভাতিক চলচিত্তের সমসার কথা। নানা বিষয়ে প্রদাও করছিলেন ডিনি। বিশেষ कर्य अस्तरमय द्वार व्यास्मानस्थ्य अभ्य। কে জানে তাঁর মনে আবার কোন ডাক পড়েছে। তাঁকে প্ৰদন করাতে, তিনি থাবই **মাংখ্যে সংশা বলছিলেন—কেবল ভার** ছবিকে নয়, বাজিগতভাবে তার বিরুম্পেও সারলা প্রশের একদল চলচ্চিত্র বাবসায়ী গোদ্ধী তাঁকে কি ভাবে হেম প্রতিপল করে. দাব ছবি ভোলাৰ প্ৰতিক্ষক সালি ক্লাব চ্যানত চালিবেছে। তিনি কললেন-আমার ছবি ভোলার হাধা খাদ ও'রা স্থিত করেন, w/ত আলাকে বাদৰ বা **ল**ণ্ডনে ছবি তলাত इत्य । आभारक व्याचेकारदम श्रेता कि कारव ?"

বাঙলা দেশ, বাঙলা দেশের সর্বস্তরের ঘণ্য দলাদলি, ঈশাবোধ, দ্বাথাপরতা, অর্থানিকারের চক্লাস্ত কোথার গোটার্লে, সভ্যালিং রারের মত পৃথিবী খ্যাত চলচ্চিত্র দিশেশকৈ দুঃখ করে এ কথা বলতে হয়! বিদেশ থেকে আমাদের দুঃখ হয়—একেই বাঙলা দেশের সমস্যার অশ্ত নেই, তার থরে বাইরে সমস্যা। একেই হিন্দী আর বাঙলা ছবি প্রায় দেখার আবোগ্য হতে চরেছে—
আন্তর্ভাতিক প্রশাস্ত্র একেবারেই

STATES AND SPECIAL SON SERVICES AND SERVICES

আনেকেই জানেন, বার্মাজিনের এই উৎস্থ ইাড়িস্পানার। তার একটা এটিছের আকর গাড় ১৮ কলের করে বেংগাছ। বাঙ্কনা নেলের সংগ্রাহালিনের কেন এক ব্যাহ্যর আক্র



Rani Radovi (Early Works)-

সন্পূর্ক। সভ্যক্তিং রার ভার সেতু। পর পর তিন বংসরের বারলিনের সেই আন্তর্জাতিক চলচ্চিত্র উৎসব থেকে স্ব'ভেন্ট চির পরিচালকের প্রস্কার অর্জন এক ঐতিহাসিক ঘটনা। তার মহানারল অর গাত্রলাসক ভারতের মত চলচ্চিত্র নিপেশবিশানের গলেগেইসাশাম ভূরি ভূরি আনোদ্দানার গলেগেইসাশাম ভূরি ভূরি আনোদ্দানার গলেগেইসাশাম ভূরি ভূরি আনোদ্দানার গলেগেইসাশাম ভূরি ভূরি আনোদ্দানার সালগেইসাশাম ভূরি ভূরি আনোদ্দানার মারে আনোহনতের গাণ্টান্তা চলচ্চিত্রনিক্ষেপ্র মারের আনেক নাশ্চান্তা চলচ্চিত্রনিক্ষেপ্র মারের আনেক নাশ্চান্তা চাক্টের কালানাক্রার বিকিনিতের সোনাক্ষেপ্র চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের আনাক্ষ্য চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের আনাক্ষ্য চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের আনাক্ষ্য চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের আনাক্ষ্য চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের বার্থিচানের আনাক্ষ্য চাক্টের বালাক্রার বার্থিচানের বার্থিচানিক বার্থিচানিক বার্থিটানিক বার্থিটানি

भ्रका मःशा अमार-ब मिशक (हीशूदी मन्दर्भ बेननाम निषदम

(PESSY)

শ্বীকারদের মাথে রাডিরে প্রথিবনির আন্দা বে করজন বহুং চলজিয় নিন্দানী বিশ্বাস্থা চলজিয় নিন্দানে এখনো বাচিয়ে রাখবার চেন্টা করজেন, ভাগের মুখ্যে জনাতম নভাজিং রার, ছারতে বিনি এখনো কর্ম বিশ্বাস ব্যবিষ্ঠা তার কালন আন্ধানক আন্দান্ত ক্ষিত্র ভাগের উৎসক খেকে জনা ভিন্তব্য । আর সৰ্ বছরের রঙ এবারও বারনিদের এই উৎসব ১৯ বারের মড উৎবাগিত। তবে এবারের উৎসবের চাইতে বোগদানকারী দেশের সংখ্যা কম, চসচ্চিত্রের সংখ্যাও কম—তুলনাম্লকভাবে বলতে গোলে আর সব বছরের চাইতে এবারের উংসব খেন কয় জাকভ্যাকশ্রণ ছিল। তবে উংসবের বে বশ্বপূর্ণ গরিবেশ ক্লে বা তেনিসে

क्या बाह मा. बार्गमाल का मका। बार्गमालक इंगक्तित छैरनव याउँहा ना वाशीतांगर करमानत्त्व जाव हारे के चानक तानी तान বিৰেশী চিত্ৰ প্ৰবোজক চিত্ৰ পৰিচালক ककितका-अकित्मही जाद नारवाविकानका कान-कानाई-अब अहे नमाबी त्यस महि। क्रोडे विद्यमगीरम्ब गार्बामन वस्त सामन स्टब वार्वात्रम शक्तरपट-वेद প্রাচন্টার পেছনে রারেছেন ছাঃ রণ্ট্রার। यार्वामात्मक स्मिक्ति छैशमयस চলচ্চিত্র আন্দোলনের অলিচিপক বলা ভাল। योग्ड कान ७ एकिएएत एकमाई बार्टाम्ट्स्ट मन दशक किছ्। नीटिं हर वार्शनम চলক্ষিত বাবসার বাণিজ্ঞাক কেন্দ্র। কেবল বাণিজা করার নামে ভারাতর চিদ্দী ছবিত **ত্র**তির নিদ্দানের জন্যে ভারত সরকারের কিছা বিদেশী মাদ্রার অপবার। বেসৰ ভাৰতীয় ফিল্ম ব্ৰেসায়ীয়া এখানে অন্তেমন, ভালের প্রদাশতি ভবি ত একটার বিভি হয় না-উপনত্ত ওই ছবি দেখার পৰ বিদেশী করেকজন সংগ্রহ করা দশাকদের শ্বতে কণ্ট হয় না—ভারতের ঋগুণ্ডির পরিষতে পশ্চাংগতি কেন ?

ম্থাপতা, ভাসকম, সংগঠিত, ডিব্রা**ংজ**ন, নটেক কাৰ স্তিপ্তৰ ছল ছলাল আসল इल्लिक्ट एक में मिल अगर कि सा जा अस रामचे একটা বিরাট প্রশন। তার চলচ্চিত্র শিক্ষণ স্থ আৰু এক যিপাল দ্বিত অধিকাৰী প্ৰ বিষয়ে কালো সংগ্ৰহ দেই ৷ পুসই সংগ্ৰ सक्त यरगत उदाग <sup>5</sup>50 भ<sup>5</sup>त्राक्तरकराखा **অ**ন্তৰ **তালে**র কেন্দ্র করে গড়ে উঠেছে এক নতুন আহতি সচেত্র ধূল্কি সম্জ, ২৫০ অসংখ্য ছোট ছোট পাৰ্ছিত প্ৰেক্ষণাত বন্ধ অফিস বাদের উদ্পেশ্য নয়, উদ্দেশ্য নতুন শিক্ষ আর পরীক্ষা-নিরীক্ষাকে প্রায় ভূকে ধরার। আমাদের দেশে আঞ্জল কিন্তু ফিলম ক্লাৰ গড়ে উঠেছে। মাণ্টিকে কিছু সংঘঞ ব্যব্দিক্ষীবাদের কপাল ভাল। সেখানে কক্ষত অবশ্বার বিদেশী ছবির সবটাক সোল্ফা গ্রহণ করবার সংযোগ ঘটছে। যেতি দ্রেল্র অক্টোড ভূলে আমানের দেখের বহ **किन्छाभौन माधा**तम भागात्रतं काळ तथाक अहे সৰ ছবিকে দাবে সবিধে রাখ্যর গুড়টা দলে আসহে । প্রশন জাগো, তাতে আমাদের নৈশের মান্তবের চরিত কি এ দেশের মান্যবের চাইতে ভাল থাকাছ? না, যারা এই সব ছবি দেখছেন, তাঁরা কি সাধারণ হান্ত্রের চাইতে বেশী চরিত্রনান ? গত এক ল বছরের ইউরেপের বিভিন্ন বিক্ষর, মৃন্ধ আরু বন্ধ সভাতা তথা নাগরিক সভাতা মান্বের যৌন সম্পর্কের ধান-ধারণা সম্পূর্ণ পাকটে িরেছে, তার ফলাফল দেখি আমরা আঞ্চ রপোলী পদার। ইন্পদার ব্যারাগ্রিমানের "লি সাইলেন্স্" ছবির পর সারা ইউরোপে <del>হৰ ৰড় উঠেছিল, ডা এখন শাল্ড। যৌলু</del>





ভারতীয় পরিচালক হাদেন-এর পরিচালিত রিচিণ ছবি--"A touch of love"-এর করেকটি দ্বা

জালালালৈ ওখন স্লাকাদ্য কবে একটা বিচলিত করে না। বরং যৌন দাশা বহা স্পৰে ছবিৰ একটা প্ৰিটিভ কেসে তৈবি कताक। जात काना शासाकर, एउ गार्थः প্রয়োগ। জপানও তাকে গ্রহণ কারছে। আমানের দেশের এমন একটা সময় আসবে, বখন ভাকে আর আটাকে রাখা যাবে না। र्मानदात करना जन्म स्थाकरे अभारत्व দেশের রাজনীতিবিদা সমাধ্যতত্ত্বিদ, শিক্ষা-বিদ চলচ্চিত্রবিদ ও দিলপ্রী-সাহিত্যকরের চিন্তা শ্রে করা উচিত। সেদিন শ্রীদাশগাণেতর ব্যক্তিত সভাঞিৎ রাম ও কেল্পীর সরকারের ফিল্ম ডিভিশানের ভেপ্টি সেক্টোরী মি: খন্নাকে এ ব্যাশারে चादनम चानिरत्रिक्तामः। कामारमतः स्ट्राम সবই শ্রু হয়—তবে বন্দ্র দেরিতে। আমাদের দেশের সর্বকোরে আয়াদের নৈতিক ছবির বেখানে নেমে এসেছে, শিক্ষ ও माहिर्छात मृज्य र्थामार्थमा व्यावश्यकात अत চাইতে বেশী খারাপ হবার চাল্স নেই। আর

ল্কিকে ল্কিনে শ্বাশ শ্বি দেখা, খারাপ গল্প পড়া আর খারাপ আলেচনা করার গাইতে, সিনেমার হলে বিরে দু" একটা খোলামেলা শ্বি দেখলে দেশের মান্ত্রের মানীও খোলামেলা হবে। থাফলিনির "৮ই" শ্বির মত বলাতে ইক্ষা করছে—"তামি নৈরাখাবাদী নই—আমি বিশ্বাস করি, মান্ত্র ভার আজিক সন্তাকে ধাঁরে ধাঁরে জয় করে নিজে।"

আৰু নিবধা বিভন্ত পৃথিবীতে দেশে দেশে মধ্য মুখ্য আর ধ্বংস, ছভাা আর খ্ণার জ্ঞালিত পৃথিবী, সে সময় কোন নতুন আলোর আশা—বিশেষ করে জ্মানীর নিব্যা নিব্যাভিত রুপকে নতুনভাবে এক মঞ্চে সব রাজনৈতিক ভিত্ততাকে ভূলে গিলে শিলপগডভাবে সমস্যার সমাধান ধৌজার বে আরোজন ভার সনিন্দ স্বাহউরোপের সমাজভালিক বেগগ্লির এই চলচ্চিত্ত উৎসবে বোগগানের জনো বারলিনের কিক্যাক্তির ভরক ধেকে আমশ্যণ জানানোর মধ্য

চিরেঃ আরু ন্দক্তির আলা আকাশ্র প্রতিন্ত হৈছে চলচ্চিত্র উদ্দর্থ নতুন্ত্র দেশকে তার জন্ম বে নিল্পা-দেশলন, তার সার্রাধির বে তর্গ চলচ্চিত্র-কাররা হাকা, সে আলা নিডেই দেশ বিদেশ হথকে এই ইউরোপ সেন্টারে রান্বের স্বাক্রণ।

ভবে এবরের জরটা ছিল ভর্ত্বের, ভার্থেরেও বটে। বারলিন ফিল্ম ফাস্টি-ভারের বারা রখী মহারথী ছিলেন, ভারা সবাই অভিমন্টের কাছে পরাজিত ইরেছেন। ছাঁ-লাক গণার, সভাজিং রার, ভারোগি সাউরা, পসোলানি, রভ ন্টাইগার আর রিচার্ড লোসটারনের। কেউই প্রেক্ষার পার্মিন। জর হরেছে বামপাশ্বীবের, মাঞ্চ পথানের আর অভি ভর্ব পশ্বীবেছ।

প্রদানটা বামপান্দী দশক্রের সর। প্রনাষ্ট APO (আইন সভার বাইরের বিরোধী পক্ষ) SDS (জমান সোল্যালিক ছার সংক্ষা) বা

माधनमा कर्म नमारका जारमकिराव शन्म मा मेक्स किमाया प्राप्त तर शन्तरो क्रिडिंग्स्ट्रिक क्रम्य, बास्त्रमा ट्वट्नाव सक्तमान-भाषी के ७४ जारात क्यांजी वस अधा-पाएमा क्षान मर. शप्तके काम बाह्यक्रिक क्रिक्टिकेट सह अन्तर्भ वटक-वर्ण क्रांकिट केरमदर जान जामता कि जाना

কোন দিকপী ৰতটা বিশ্বাৰ শিকণ राशास्त्र भागरणम् एक क्ष ग्रामन् कारिमी भीतर्यमास कतर्छ भातरतमः एक वर्षाकरवत्र कल्या जामन विरक भावतम्म-नार तर्र **केटमाना । मा त्यहे जरून जामातव वर्षमान** श्वितीत मध्य मामाश्रीम चात वर्डमारमञ বটনা—প্রতি ঘটনাগালির প্রণর ভিত্তি করে. जिल्ला आमारमय कौद्या क शासियोहक

द्रियाचात्र द्राची कत्रद्र जिल्लास्ट्राहर

राज्य साम् ७० वरमास्तर कार्यकोश सारक ছ লেনের পরিচালিত ভিটেনের জঙ্ \_"A touch of Love" stati can re भावनकाष रशक मा। क्राप्त मानका क्राप्त क्राप्त क्राप्त -वा व्यावादनक नवादनक अवकी विकास সমসাকে আঁত মুদলিয়ানার সংক্র ছেখিছে केरमान शहर माथाणि चर्माम करवाह । अवित कार्ती हरेंगर कटड व्यन्डान्यका कटड स्थारन कि इक-रम्हे मधनार**क कांक्र**मही जार्माक ভেতিস অভি সংশবভাবে কাটিরে ভারতে। इ.स्मानव करतव माना मनाकक विश्वस्थान

क्रिके क्षिति शास्त्रकात मिरतरका विका-লিখিত ছবিগলেন-

HOW 21 74 T-

(वार्डानगर न्दर्ग सक्त.क) RANI RADOVI (Early Works) बारगान्ना स्था।

रिकादकदा वस्ट्रहरू---

"For its challenging confrontation of ideology and reality, and for the casual brilliance with which it humanizes political abstractions to make a drama as modern in its form as in its content."

এবার জ্যোষ্ঠ পরিচালক, লোক অভিনেতা আর অভিনেত্রীর জন্যে পাথক পাথক পরেক্ষার বাবলিনার রোখ্য ভারকে প্রধান না ক্ষরে আবের এখানি লোগী চলালিচলকে জনাদর সামগ্রিক শিশপ কুম'ত জানা বার্বালনার रतीका च्याक स्वया काराचा <sup>2</sup>वडा बक्रदा বলতেন-ত্রেণ্ঠ পরিচালক, প্রেণ্ঠ অভিনেতা ৰা লেখা অভিনেতী নিভাৰ কৰে লাম্ভিত ছবিত ওপর। তাই তারা লাম্ভিত-ভাবে ছবিগ্লিকেই প্রেস্কার দিছেন।

बार्बाकनात रहीभा कलाक BRAZIL ANO 2,000

পরিচালক-ওয়ালটার বিষয়া বিচারকলের অভিযাত-

"For its unhackneyed theme and lively characterisation."

नार्वाणनाव दवीभा कता क Made in Sweden (महिएपन)।

বিচারকরা বলছেন

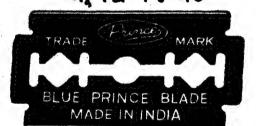
"For its force of argument and the courage with which its director has unhesitatingly affronted one of the most sensitive aspects of modern life."

ছবিটাকে ধনতক্ষবিয়োধী ছবি বলা চলে। ২৪ বছরের ভর্ণ পরিচালক Johan Bergenstrahler কু বাহবা পিতে হয় ভার প্রচণ্ড নিভীকভার জনো—হে ভাবে তিনি आहे कवित मटशा निटत निटलत एमएनब्-एनहे সংখ্য পশ্চিমী ধনতাশ্রিক দেশের অথ-ৰীতিয় নশ্ম চরিত্রটা তলে ধরেছেন ভার करना। निक्रम भूव अभिन्ना आधिका स्थरक আরম্ভ করে ওদিকের লাভিন আমেরিকা প্রবৃত প্থিকীর শত অন্যোত দেশ আছে



পরিকার কামাতে ও পালক-স্পর্ণ পেতে बावशात कत्रन

ফ্রোরো কার্বন ধার দেওয়া वल, शिम्म व्वलं





का गाहित BURE M-काटम त्रिकाव -71975 G SMETH WINT 1 मन्त्रया भ दिन्हा यात Bergenstrable of Made in Sweden कवित्त । जीव क्षीवाट त्यस्य मार्ड किरहर-माराह रामाक रक्षा करत बारेगार-छ পাধিবীর বিভিন্ন দেশের প্রাঞ্জপতিদের ममस्यम, कारमब स्मीचन यावशास कार পোলাকের অন্তরালে ক্রিনত च्या नहार ব্যবসা। ভার ছবিতে দেখতে পাই ভারত-ববে'র দারিলোর চরম পরিপতি-কলকাতা. বাণারসী আরু দিল্লীর পথ থেকে তোলা क्रयक्षत जब मामादिली-दि जब मामा कार्य আর সহা না করতে পেরে, হলের অর্থেক प्रमान्क ट्रांच वन्ध करत नटफ फ्रिका। नानन 5.05-

Joerjen अकलन स्मदादी मान्य । क्षीवस অনেক ব্যৱহা সে তার डेक्**छ**्न প্রতিবাদ মিছিল জবিষাংকে নাট করেছে আপোলন আর রাজনীতি করতে গিতে। ভার জীবনের কোন নীতিই নয়। ধ্নোপাজন না করে, তাই করে সে নিভীক ভার বাশ্ববী Kim-এর সংবাদিকতা। আৰ বাজনৈতিক লেখা তে ব सामवामा জ্বীবনের সম্পদ। কিন্ন প্রভাপনে করে সমাজতত। তারা প্রায়ই নানা দেশ ভ্রমণে বোরতে পড়ে। উল্লেখ্য বিভিন্ন লেখের HETTE BUT পরিস্থিতিকে র জনৈতিক করা। ভাদের সব চাইতে বেশী বিচলিত করে ভারতবর্ষ ও দক্ষিণ প্রে এখির র দেশবালির দাংখ বাদ্লা। তাদের সামনে দেয়—কিভাবে পশিসমের श्राप्त हरूपा ধনভাগ্রিক দেশগুলি দিনেদিনেই এইসব অনুহাত দেশগুলৈকে নানাভাবে শোষণ করে চলেছে। ভাদের আদেনবান ধনতদের विदारम्थ। माना घर्षेना हरङ .02 कि Joerien a Kim আকিকার করে তারা ষাদের হয়ে কাজ করছে, ভারাত এক বিরাট अरखंत भिकात मन्धानी क्रवर कड़े हराजा তাদের সম্ভানকেও দলে ভিডিরে ফেলেছে। দেই ফামেরি হয়ে ভাগের যেতে হয় TOSETA-JESOTA ভিষেক্সামের रिकास कारता कटन शटकाक. ्य मृत्यार्थ থাইলাতেডয় নিজনি শৌথিন বাংগোগ্লিতে পাহিৰীর ধনকবেরদের বাগানে ভলার-পাউন্ড মাকের (श्रमा । diali Joerjen বান্ধবীকে নিয়ে বেরিরে পড়ে क्षत्र भर्ष-क्षाव চলেছে গোশনে ভার ফার্মের কংসিত গোপন বাবসা—অস্ত্র সরবরাহ সেই উংস খ্রাজতে। ভারের জীবন সেখানে বিশাস হরে ভারা আবার কিরে আসে म.देरज्ञतः। स्त्रम कनकारबन्तम क्षेत्र करत দেন তার ডকুমেন্টারী ছবির মাধ্যমে তার

কাৰেৰ নাল চেহাৰা। দেব ব্লো দেখাকেন তিনি ৰাঙলা দেনের এক শ্ব্ৰতনিত্ব নধীর বাবের ব্লা, বেখানে গরীব বান্বেরা অনন্দ উংস্ব করে ডাক ডোলা শিটিরে নাচতে নাচতে চলেত্বে প্রতিমা বিস্তান দিতে। নেখানে তিনি বল্বেন ব্লেড বিব্লোক এইসব গরীব শাশ্তিকামী মান্বেরা কোন ব্লের কামান বরে নিরে যাক্কেন না তারা যাক্কেন তাদের উৎসাবের প্রতিমা বহন করে।"

এই ছবি দেখার পর মনে প্রথন জাগে—
আমাদের দেশের সমসায় ছবি বোধ হর
এখন খেকে বিদেশী ছবির মাব্যরেই দেশতে
হবে। আমাদের রাজনৈতিক সচেতনভার জন্য
দেখতে হবে জা-লকে গহারের "আনন্দিত
বিজ্ঞান" ছবিখানি, নর তো ইভালীর "His
glorious day" কিবো গদার-পাসানীনির
ছবি "Amore e rabbia" (আকাল্জা ও
বাদতব)। এই-সব ক্ষেত্রে ভারতের চলচ্চিত্র
শিল্প নিবিকার— তাঁদের লক্ষ্যা কেবল বক্স
আফস। দেখতে হর—কি ভাবে ইউরোপ
এগিরে চলেছে।

বাৰলিনাৰ ৰোপ্য ভাল্ক

"Ich bin ein Elefant, Madame" (আমি একটি হাতি, মহাশ্রা)—পশ্চিম জারমানির জাতীর প্রেক্তার প্রাণ্ড ছবি। বিচারকরা বলছেন—

"For the freshness, intelligence and technical confidence of its direction."

ছবিটাতে দেখাত পাওয়া বাদ্ধ বর্তমানের ভাষে বিদ্যালয়ের ছার্য বিক্রেলালয়ের ছার্য বিক্রেলালয়ের ছার্য বিক্রেলালয়ের সমস্যা ও করেণ। ছবিটার মধ্যে দিয়ে পরিচালক Peter Zadek বর্তমান জরমান সমাজটা ও ব্র সমস্যার বিভিন্ন দিকগ্রিকাক তীক্ষা বাংশান্থক দুশো তুলে ধরবার চেন্টা করেছেন। আর দেখিরেছেন Rull র মত ছার বারা, বারা বিশ্বের করে এই সমাজটাকে বদলাবার চেন্টা করেম ভারা

रमय भवन्त्र और और संस्थानम नेनास संस्थान असा नेनारिया।

> नत्तिनात खोना सह्यः Greetings (चार्यातमा )

विहादकरम्ब अष्ट--

"For its light-hearted non-confermity and immaculate teamwork of its actors and directors."

'শ্রেছের'' বইটি বেন আমেরিকার আর এ এক সমাজের সম্ভাবণ এই আন্তর্জাতিক চলচ্চিত্র উৎসবে। ছবিটা আমেরিকা থেকে প্রতিবাদ ছবি হিসাবে এই উৎসবে বেংগদান

### শ্লা সংখ্যা প্ৰসাধ-এ আশ্বুটভাষ মুখোপাধ্যায়

সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখছেন

(TE-6324)

ক্রোক্ত ৫০ গ্রাক্ত পিশ্চক লাইসেপের প্রয়োজন কৌ আর্থেরকান মডেল। প্রায় এবং এল প্রস্তুর হাত থেকে নিজেকে বড়ান। শিকানক প্রথম এবং নাটকের পাকে ইপরোকী। কক ব্যাক্ত ব্যাক্তিক

বাৰন্দ্ৰাসন্থ অটেনেটিক ৷ প্ৰাসকা ওঞ্জন
এন: প্ৰচাৰ বাব্যিক
আগ্যান আ পানা কে
বিসাদ কোক প্ৰমান



পালিসভা না ৩০ টা এক-৫০। জানাম মাজেক না ১৯ টা ১৫ ৫০ টা লি লি রেজ' টা ২ ৫০। চামন্টার কেল ৭ টাকা বাহ্যিকে প্রতি একসত প্রক্রিক। ৫ টাকা

GEM ARTS (WD 15)
Dassap Mobell, P B 1325.
Delhi 6





লাবতে। এই প্রতিবাদ একদল আমেরিকার इ.स.क्यू, अक्सम ख्यब तात्र वात्रा व्याप्तिकाद शामिक महालादक मार्ग ना, नतर श्रीष्ट शाम भाग वाक्स करत द्वापात बीता कितारमाञ्च बाल्यम् विन्दरम्य । जीता अदे स्वित गरम हित्र द्वितिएक क्राजन, क्रिस्टनाट्यं राज्य. আৰ খাস আমেরিকান সমাজের ছবিকে তে সালের তীরভাবে ভটাক আর বাংগ करत कात सन्न स्थानिक प्राधित हैन दन, ক্ষেত্ৰতা ছবিত্ৰ শেহৰ নয়, প্ৰেক্ষায় বিভৱপের দিন্ত এট ছবিটিকে প্রেম্কার দেবার সময় সমস্ত হল উল্লাসে ফেটে পড়ে। ভাগেরও পতিবাদ তেন বর্তমান আমেরিকান সভাতার বির শেষ। অভিনশন জানাতে হয় ফিল্ম দেহাটিভাল কমিটিকে—বে ভারা এবার 'Made in Sweden". "Greetings". Early Works", গদাহরর 'Happy Sciencer, इंडाकार्व "ভার গোরবমর দিনা আর পোলোকীনির ভবির মত হাজনৈতিক লুচে ভনময় र ग्राह्म **উरम्हर** काशक म **क**्रिशर्टामाक €20 क्टा निहास তালের এক নতন 7 U-নৈতিক বিশ্ব হচতনাকে স্থান भिरशासन-মেখনে রাপ পেরেছে পাথিবীর বিভিন্ন লেখের ছাত্র আক্ষেল্ন, হবে চেত্না, পশ্চিমী রুণ্টগারির অন্যাত দেশগালির <del>ওপ</del>র প্রভাগের বিরুদ্ধে নিজের জাতি ও সমাজের অ'থা সমালোচনা, যেখানে আলোচিত হরেছে, ধ্রেখাই, মার্কালা লি প্রভেরেরা, মাও সে-তং আরু বিশ্ববের কথা। চলচ্চিত মানে বেবল ক্ষিনী আর গ্রুপ হবে— ছবি দেখাতে কোবল মান্ত ভাবসর বিনোলনে **ম**্বেলভার বিরম্ভেষ যেন এবারের বার্যালনেই চলজিন উপেৰ এক T. 5 श्री प्रवास । চলচ্চিত্ৰকে হাতিয়ার করে এই সমাজে বিশার ঘটাতে হবে - মন্ত্রে পরিব্রাদ করারভ হাবে ধনতকের বিবাসেধ সচেতন হতে হবে, সমাজের বা কিছা স্থবির চিস্তা আর চিন্ডার চিরস্থায়ী ক্রানাবস্ত তার বিরাজেধ সংগ্রাম कराष्ट হাবে—তারই রাজনৈতিক আলোচনার ক্ষেত্র বেন এবারের क्वांकत উৎসাदत छेरणमा शाह मीछिरहों<mark>चन।</mark> সেই সচেতনভার জনোই প্রথম প্রেস্কার পার गृत्कारण्याध्यान् "Early Works" जाह शर्मन यमरछ-

"র্পবতী তর্ণী মের ব্যোক্ষাভার ফুলে সোনা চেলে দিরেছে রনভ রঙ, তার দেহের গঠনে এতটুকু খুডে নেই—সেই সজে অন্ত এক নিম্পাপ হাদর। তার বাবা ছিলেন—'কেন গুণ নেই ভার কপালে আগ্ন।" সেই জনো হ্গোক্ষাভাকে, তার যাকে আর ভার বোনকে ফঠোর পরিপ্রম করে জীবনবাপন করতে হরেছে। একদিন ব্যোক্ষাভার অধ্যার ক্রেডে হরেছে। একদিন ব্যোক্ষাভার অধ্যার ক্রেডে গরিবর্তন করেছে হরে। তাই একদিন অরে তিন সাধীর সপো

ভারা বেরিরে পাছে জানী পরেব ভার্স মাক'স-এর বাদীকৈ রূপ দেবার জনো-কি ভাবে ছান্ত ভাগের ভাগেরে পরিবর্তন করতে পারে। ভারা সাভ পাছাত পর্বত फिक्टिक का बामाएकत प्राथा नित्त कार्ड हरन । প্ৰথম জনসাধারণ ভাগের সাহাবো ACTOTE ভারা चारत বেহেত 春で高し বাচাৰ 480 TOP'S **कटनट≣** । FATA THE STATE OF সেইসর A 4.4.4 বখন এলের ক্রেকার জনো সংগ্রায় করাই इब. एक्स छाता दकको भटका बटगान्साका ভার দেহের ব্যাপারে ধ্র উদার। সে অতি সহজেই বংশাদের জনো ভার উংসূগ করে। কিল্ড তার আতা বাঁধা পড়ে থাকে ব্যক্তনৈতিক সংগ্রাম ও স্বাস্থ্যর সাথে। হখন বুংগাম্লাভা ও ডালু বৃষ্ট্রা দেখল, কেউ ভাদের কথার আন্দোলন চালাকে না. নতন জীবনের জনো সংগ্রম করতে প্রশ্তত নর তথন তারা ঠিক করল-ভারাও জন-माथातरगत कार्यात करोड जारमत काराज আত্মমহপুণ করুরে এবং ভনসাধারণের দ্রোপর স্থাপা ভাদের দ্রাথাকে জন্তাবার । কিংত শিক্ত দিনে ৰতই তারা দতে সিম্বাণেত আসতে লাগল-এই প্রথিবীটা বন্ধ নোরো. এবং এই প্রথবীর মান্ত অসং, স্বাধাপর আর কংসিত এবং তাতে ব্রোক্ষাভার জাবনে কেবল দুঃখই বাড়ছে, তখন ভারা তাকে মাজি দেবার বাবস্থা করব। তারা शास्त्राच्याचात मान्यद स्थार स्थारोज छान्या. আগান ধরিছে দি**ল, সে পাড়ে গেল। ভার** আন্ধা আকাশে ভেনে গেল। বারু পেছনে পাড় রইল, ভারা আবার আমোদ প্রমোদে . रमाड उठेन।"

'গুপৌ গাইন বামা ৰাইন' ছবিটি সেদিন Zon-Palast-এর স্থাক্ষের প্রচর আন্স্ দিহেছে। দশকরা ছবিটি খবেই উপডেগ করেছে, মনিও অনেক জারগার হাংলা ছবির রস উপলব্ধি করতে পাতে নি। ছবিটির সমালোচনার ব্যাপারে এদেখের পরিকা-গ্রালর মধ্যে দিবমত দেখা দের, বার্রালনের দৈনিক পাঁচকা "দেয়াৰ ভাগোস্পিপ্ৰাণেক" স্তাজিং রায়ের উপন্থিতিকে উচ্চ কং-ঠ সম্ভাষণ জানার। স্প্রিগোরের ২র শ্রেণীর পত্রিকা 'শব্দান পোল্ট'' ছবিটির প্রশংসা করে, বিশেষ করে সংগীতের। "গুপৌ গাইন ..." ছবির সঞ্চাতি এনেশের দশকিনের মন জর করেছে। অনাদিকে পশ্চিম জরমানির जनाउम दशके दान्धकीयी देगीनक भटिका ফ্রাংফরেটার রুন্ড্রাউ-র অভিযোগ ফিল্ম কমিটির বিরুদেশ এ ধরনের একটা রুপ-কথার গলেশর ছবিকৈ চলচ্চিত্র উৎসংখ আমশাণ জানানো হল কেন?

সভাজিংবাব্ অবদা এখনে প্রেস কন্ফারেন্সে বলেছেন রূপকথার আগতি কি? দেৱৰ সমস্যা আছে, সেই সমস্যা আজারিত অবস্থা থেকে নেশের লোক একট্র আনশ্য পেতে চার। তিনি এই ছবির মধ্যে দিয়ে সেই আনশ্যই উপস্থিত করবার চেন্টা করেচেন।

সন্তোবকুমার ব্লব

भावा नःशा श्रमाम-अ

রমাপদ চৌধুরী

अकीं गर्भ निषद्धन

( A-857A)





ক পচৰ্চায়া

क् रिस्कृत

NETT SORT



# <u>সারা</u> ভারতে তারিফ গেয়েছে **সানাসা**

সত্যিই কী চমৎকার সিগারেট!
কী অপূর্ব বাদ আর সোনানীবর্ণের
ভাঞ্জিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গছ!
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
ওত প্রির। আপনিও ওকে আপনার
একান্ত প্রির করে তুরুন।



গোনেত্র টোল্যাকো কোং, প্রাইডেট দিঃ বোলাই-৫৬ ভারতের এই বরণের বৃহত্তদ ভারতিয় উদ্যান

GT (Pp-473 Sen,



CHIM-PICTURE PERME

প্রকটা কেরিয়েছে বৈনিক পরের খোক-সংবাদের শঙ্কাভ---আঠারো বছরের অংশাক সোমের মাতা-সংবাদ।

পাঁচ-ছ' বছৰ আগে— সংশ্যক পড়ত গুজন আমানের পাড়ার বহাম,খাঁ এক হাইদকুলে—
ক খাব আমাত আমার বাছে : আমাত ওর নিচের আলি ছবি দেখতে, আমাত নিজ্কাতিক কারতার ছবা বিক করতে, প্রায়ই আমাত বিনা করেছে। প্রাইজ পেড না, কেলা করত না, খেলাত না ফার্কার বিনা করিছে আলাপ করার সাংশ্য আমার একটিবারও আলাপ করার সাংশ্য হয় নি; ভার না, কি বিরাট কারবারঃ বিলোভ হয়কে আল-আমানি।

কথাকারে উচ্চতর মাধানিক পরীক্ষা দিরে, গোকণত ডিভিশানের সালিফিকেট নিরে অপোক পড়তে গোল কি কানি কোন্ কলোকে। হাজার কাজের বর্তিবাশতভার ওর খোলখনর নিইও নি, পাইও নি, আর আজ্ব কাগ্যকের শোক সংবাদের সভলেড

প্রোনো ভাষেতি হৈটে উদ্ধার করকাম আশাকদের বাভির ঠিকনো। চাপলাম বালিগালের বাসে, গড়িয়াহাট অভিমুখে। শরোরান জানাল, "বাবা তো দেও বরুব হারা মর গরা…" কিংতু হার্ট, অশোকের মা 'আছেন।

#### चालावरे स्थाप

প্রথমে চিনতে পারি নি ভবিক-এলোমেলো গা্ড কেল, তুবড়ে-গড়া ফেকাদে গাল,
জনিপ্রাপ্ত চোধ। বসতে বলে তিনি
নিজেও বসলেন, আমার নিকে গা্নাদ্ভিতিত
ভাকিরে। রাস্তা থেকে আসছিল ট্রামের
ছন্টা, রিকশার ঠাং ঠাং, বাসের হর্নের
উদাসীন ঐকভান। খা্জছিলাম কিছ্
বলতে, বা হোক কিছ্, সাম্থনার কিছ্
সহান্ত্রিত আর সমবেদনার।

সম-বেদলা...কথাটা আমার কানে বেন কেমন শোনাছিল। আমার না কি আছে বেদনা, সেই প্রহারা বিধবার বেদনার সমান ?... পাড়তে লাগলাম ভগবানের মণ্যল বিধানের কথা। তিনি পাছে, ফা'্লির ফা'্লিরে বলতে থাকলেন, "আমার দোব, আমারই লোখ...আমিই অপোকের মা্তার কবেশ!"

"আগনি ও-সৰ বলছেন কেন? আগনি তো ওকে কত ভালোবাসতেন, আগনি ওর কত সেবা-শাহুৰো করেছেন।"…কথাটা বলরে সপো সপোই ব্যুক্তাম, আমি ভূল বলেছি— মারাজক ভূল। তিনি একট্ বেন অবাক হয়ে চুগি চুগি বলতে লাগলেন, "ভাহনে জানেন মা? শোনেন নি এখনও? অশোক সামহত্তর করেছে আমরে লোবে।"

আমি কিছু বলান আগে তিনি উঠে আলমানির এক জুরার থেকে একটা কাণ্ড বেস করে আমার হাতে তুলে দিলেল, "পজ্ম, ব্রুবেন সবই। ওর ক্মার প্রেটে, পাওরা গেছে—ক্ষাণিং পিল্-এর আলি বাক্সের মধা।"

পড়লাম—আর ব্রুলাম অপোকের মমাণিতক ট্রাক্কডি। অসোক্ষে চিঠি

"প্রকারি মা, জাঁকিত আগোকের জনো তেমার সমর ছিল না; মৃত আগোকের জনো পাবে কি সমর ? আমাকে তুমি কমা করবে কিনা, জানি না; ব্রবে কিনা তাও জানি না। বাও...আমার এখন সমর নেই..." কথাটা তোমার মৃত্যুর পর থেকে তোমার কাজ কোনি, বাবার মৃত্যুর পর থেকে তোমার কাজ বেভেছে খবি, তোমার হাতে বাবলারও উলাতি হরেছে প্রচুর; মানি সব, তুমি ছিলে ব্যবসা-সর্বাধ মা। তোমার কত-না ছিল ভর্তির কাজ-চিঠি গোখা, বিলা, সই করা, অপিসে আপিসে মিটিং, বাড়িতে বাড়িতে নিমক্ত্রশ-এত জর্তির কাজের মধ্যে তোমার অগোরের কালে। সনর ভিল কই?

"আমার দেনহত্বিত, দেনহব্যিত জভর এমন এক মাকে চাইত, মা, নিমালের মানর মতে: জানি, তিনি স্কেরী নন, গিজিজ নন, আধ্যানকাও নন; জানি, তোমাদের



अको कामक त्यत्र करन जामान शास्त्र पूरण निरम्ब

हरास गरा दर मा, दश गाँव निक-हरादिष्ठ महरावश राज्य। छाद, को, निक्रांतात बार्ग निर्दालर शान्य महाद खाद, मय-महर्षे महाद खार्थ: निक्रांतात राज्य, निक्रांतात करा राज्या—कोर्ग्ड निर्माणक गान्य कराव बर्गाट काल, महाना निक्रंत करावि काल। राज्यकोवन शास्त्र

শনা, অন্যান্ত নাবিল কৰা না, লা...
তোমার কাছে আমি এই আঠারো বছর আর তোমার কাছে আমি এই আঠারো বছর আর কোনো অভাব তারে করিনি: আমাব জানো কোনা তোলাছ অভাগর হাতে—সেরেটা নিজ লাগেলাত। নভুন জামার টাকা নভুন করিব টাকা, সাতামে সাভামে হাতে গরত, বছরে বছরে বেশ-শ্রমণ—সব পেরেছি ভোমার কাছে, মা... সের ছাড়া। ক্ষেত্র ভো আর দেওকা যার না সেরেন্টানির মার্কত!

"বড়িতে কড লোক আসত, মা;

তিনি নি ভালেত। বাবে কি ভালে কেউ কলা কেওড়াওলার খাটে । ভোলার ইকা ছিল, আমি বেন দেখা লা করি নিবাছক লগের লগেন—কি বানি বেলেটার মুখ কেকে আবার বাঁব অসভা কিছা বোনার !...

पहारा वाशनाव: व्यविकार हर्का नाशनाव: क्यांवा काल काल नारण—(वीका राक मि क्यांविशावक: कालको एका काल्योंका राक मि क्यांविशावक: कालको एका काल्योंका राक: काल्या काल्या काल्या वा मिनिया कारा विकास माला काल्या काल्या काल्या कारा विकास माला काल्या काल्या काल्या कारा विकास माला काल्या काल्या काल्या मानिया माला, एकाला एकाला काल्या मानिया बनान, 'काला, प्राधाना मानाव काराव स्वारत नव, काल्या! विकास काल्या होराक काविन बहुत। काला भारताव मानाव होराक काविन बहुत। काला भारताव मानाव শ্বাহ কোনাৰী কৰা কোৰে পালেৰ জ নিবেৰ বাবেৰ কাৰে বা বেতে পেৰে আনায় বাবেৰ কাছে গোড়ে।

प्राप्त काल दारकार, का दानाव दारकोशित द्वार कराव किराव कार्ति । पंतरका, जा। करा कराव, करा करा पंतरका, का

करावकी रक्कर रिकाम जल्लाका हा । शर्रक

#### AND DEPARTMENT

হৈছাৰ ছোলা তাৰ জহৰাকতে প্ৰতিকাৰেন্দ্ৰীক সম্পন্ন উক্ৰেম কৰেছেল 'প্ৰতিনা' ব'লে। ৪০ সংবাদ ৭১ পৃথ্যিত অপীক্ৰমাথ' দ্বীয়'ত অন্যাহকৰ ভূতীয় পৰিক্ৰোপ হাপাৰ ভূবে ভাতিমা' দোৰা হলেছে।





& Same

ह्याद्भव करहरू रुग्नेनम चार्न छाएम সাইদের ধারে এক নিরকো ভারগার **印存基础 [新]本 本型-**कोष्टर পড়ির জন্য পড়িরে 2011 বছর প্রত্যালা 78 153 সে বৈ'ডে কাছে, প্ৰথমবিত, र च ভার ুশহ দিন। রেললাইন বাঁক FILE हाल इल्लंड श्रीकटाल निरंक छलाम मार्टेड ভিতর বিবে। নিম্ফলা ফাঠের ওপাশে প্রকাশ্ভ সাহা ভাবে যাছে।। পাবে বহা দার গুলের হারের সাহিত্যের ধানকাকের শব্দ আসাই হকারত। নাকল জামিতে এখনো করে। তান্তে গান্ত বর্ষার জবা বান্তে ভাকছে। একটা चाए। दावका अकरो द्वार राणि फिटर राजा। বেশ বিকেল টি—জবোনভেজা মঠেখনট পড়াত টোদ প্রভা ফদলের মধ্যে দেবার। প্রাথী द्या करे। १५१४। - कार्यद्व शक्तकाथामा निद्धा চেত্ৰে ক্ষম মায়ে নেয়। গেষ বিকেলটি বড় স্বের্ট হান এমন স্বাসর হাত জাতিক - अम्म एद-छद्रम्ड निम्हम्स दिन्तकारित মতো! কিন্তু তা তের হয়নি। কবের ঋণ হিল আনেক, জামি জ্বলে হেলে মহাজনের ঘরে। ভাগচাস চলছিল দিন-বিশ্ত পর পর শ, বছর আরুদ্ধা। খানের দর পড়ে গেল। হরেন সায়ের কলে ঝাড়াই হাছে তরেই রেয়া কটো ধন। এখন আর তার কেনো দংশ নেই—একানি রেলগাড়ি তরে আসবে— বাড়বাড়ণত হেল্ফ সহিমশাইরের। ঝাড়া হাত পা ভারে, কদিবার কেট নেই এক যদি वाजाहे भारत एक्सक्रेशन कराइ भवत राय! छा रत भवता व घारव मार्जाक हारल-रभौरकरण পেণিছোতে মাসখনেক—তত্তিন হাওয়া-ৰাতাসে জলে মাটিতে মিচুশ কোথাৰু চলে ববে সে! ভার খানিকটা চলে বাবে व्यक्राम, समय इर्ड स्टाटबंड क्या स्कारत. णात **व्यात व्यानको। प्राधिट**ङ प्रिट्न यूटक करत रनरव रमहे बन, छात्र आत्र श्रामिको। इ.-इ. गिर्मात माना इत्वे काम धारमत जाना हैं(त हटन यादव दकाशाय ! मद्राभी दनाविहे।

ভার চরবারে অলোকি বিজেনটা নৈতে বিলয়। ফলিডল কেনারও পরসা ছিল না কলে সে আড়াই নাইল হোটে একেছে রেল-রাগতে পর্যাপত। উচু ভারতে গাঁড়াটেই ফ্রেফ্রের হাওরা লাগছে। বাতস্তাই একটা লল নিরে আসে। গ্রেগ্রে লল। প্রের রেলিডল উঠে এল গাড়ি। ভারপর পরের নাটে মটি চড়াইরের ব্রেকর মতে কলৈ। নাইলখনেক দ্রের বাঁচকর মতে কলে কলে রেলিডল স্বাহর বাঁচকর মতে কলে কলে বাঁচকটা ল্লেক্সন নেমে বার

লাল্য দেরে। উব্ দরে কলে একটা বিভি
ধলার। প্র জানের টানতে থাকে। বাঁকের
ওপর দিরে পাক মেরে আলছে ফাড়িখালা।
বিভি ফেলে লোকটা উঠে পঁড়ার। গামছাখানা জাড়িরে নের মুখে, তারপার দাই লাকে।
উঠে আলো ঢাল্য কেরে। গামছার আবছারার
ভিতর থোকে এককার কলো টোনখানা লেখে,
নার মার খোড়ো শাক্ষার নাধ্যে ফোটারে বলে
—ব-ছ্-ল, বা-আ-ই! বাভালের একটা ধারা।
লাগে জার।

অনেক হিভিবিভি দেশত লোকটা। লেখে কেলতেরর ওপর গাঁভিরে আলত একটা রেলগাভির কামরা। কিল্ড খুব ভার লাগে না। তার শরীরের ভিতর निरंत क्यांकन करत अक्छो नमी क्<u>रत शहक</u>— ভিজে ব্যক্তে খাস মাটি। সে ভালের জন্ম একবার হা করে। দু' বর তিন করে। मार्थ कथा कार्छ ना। चार्छी बाह्र हात বার। অনেক মানহেবর পা বার্তির স্থাতা মান্তিতে পড়ছে। অনেক লোক—অনেক লোক কথা কেছে। কিন্তু সে কেকা অব্যারে নদীর শব্দটা লোচন। ভার স্ত্রীরের ভিতর থেকে কুলকুল করে বরে ব্যক্ত। সে জালের জন্য হা করে। কেউ ভার কথা ব্ৰুতে পাৰে না। আগত আগত ব্ৰিট্ৰ करन एरन स्टब्स् राज्य स्थाप्ताना ! रत करा

#### প্রকালিত হয়েছেঃ

শ্বাস্ বাংলা সাহিত্যা নর—ভারতীর সাহিত্যা **এই আতীর সংকলন এই প্রথম!** ভতিতি প্রাণারে কাণার মতন এক কবিস্ফার্শীর সাহিত্যকম!।

অসীমা মৈত্র সম্পাদিত

### শতবর্ষের আলোয়

n नाम : भरनदता होका n

বালের পাতবর্ষা প্তা হারেছে এজন করেকজন সাহিত্যসেবীর কর্মানর জীবন ও সাহিত্য মিলা সাহগ্রান্ত আজোচনা।

নামপ্রসাদ, উপবর গণেও রামমেন্ডার, বিদ্যালাগার, রাজেন্ডারাল মিন্ত, জাইকের মধ্যেদেন, বিদ্যালাগার, গিবনাথ শালাই, রামশালার দক্ত, ইন্তনাথ বন্দোগোধার, অক্ষরকুমার মৈতের, রবিন্দান। হারলাথন মাথেগাধার, নিবেকান্দান, উল্লেখনাথ শালা, রাম্বাল্যান্দার, ভিবেদী, রজনীকান্ত, রাম্যান্দার চ্যোলাধার, যোগালিনাথ সকলাক, সভীলচান্ত রাম্যান্দার, হালাগালিনাথ সকলাক, সভীলচান্ত রাম্যান্দার, হালাগালিনাথ সকলাক, রাম্যান্দার, প্রক্রিন ও সাহিত্য মিরে বাংলা সাহিত্যে হালিবান্ধান বিশিষ্ট সোধার, ক্রম্যান্দার সম্যান্ধার, হালাগালিনাথ সোধার, ক্রম্যান্ধার, সম্যান্ধার, ক্রম্যান্ধার, ক্র

চোমংলামার প্রণীত

চোমংলামার চোখে উত্তরবঙ্গ ১০

কণিক বাদশার দেশে বিদেশী ১০, নিগ্লোনন্দ একটি বেগমের অল্লা ৬, সূত্যার রাজ মহানগরীর রানী ১০, রাহ্ন সংক্তারণ সপ্তাসন্ধ্র ৪০৫০

**চরবতী এন্ড কোং ম ৮** সি, টেমার লেন, কলিকাতা-৯

का सक्त का शिक्य कि यु सर्प्त भारत का रहेल का का स्वा स्था ति भाषा र परिक कर का स्था का स्था स्था र परिक कर का स्था क

অথ ব্যক্তে পারে নি, কিংলা কথনো
থখন বাইরের দাওরার মাঝলতে ঘ্ম তেতে
ফটেফ্টে জ্যোংশার হঠাং অপপর্টভাবে
নিজের প্রজিলের কথা মনে পড়ি-গাঁড়
করের প্রজিলের একেই খুলে বেড়িরেছে
এডাদন! এই দরালা ঘ্রথ্যনা—আহা, বা
পরের জনা কাঁদে—সমরে দেখা হল না পো
—এ ঠিক নিরে বেড ডাকে সেইখনে বেখানে
ক্রমবর আছেন। কচু পাডার জল মুখ ভরে
তেলে দিচছ মান্তা, চেলংখ মুখে পাড়ছে
কলের ছিটে। লোকটা জবাক হরে চেরে
থাকে—ভূমি কি উচেনা মান্ত্র! না গো
দুংখী মান্ত্র ডামাকে দেখলেই চিনে নেবে।

कर्मकात मत्म आह्न। नृत्यत स्थ हा नताना स्थाना छात्र निरम हात्र शहर करे क्रकान सन्त्र, हा छात्र करा करिहा हारको निष्ठित्य हाथ स्वाह्य।

আন্তে আন্তে তার মাথাটা কোলা থেরে
মাটির কার নামিরে দের রমেন। তারপ
উঠে দক্ষির। তালা কেরে আন্তে আন্তে
কেরে আন্তে নাজর জামিতে বেখানে জ
জমে আছে। হাতের রম্ভ ধোর, খাতি
ভিজিয়ে নের, মুখে জলের ছিটা দের
উঠে আস্বার সময়ে দেখে লোকটার ক।
তান হাভখানা পড়ে আছে। যার তুলে নে
সেটা। ভিড় ঠেলে মৃতদেহের করে রে
দের। তারপার একটা প্রাতর একটা আ্লতর
স্থা লাভারখানা হরে অলত বাভে। রমে
নিঃশাল হোটে এসে নিভের কামরার ওঠে

কামরার ভিতরে ভিড়ের মান্য ভাকে রালতা করে দেব। অনামনে সে এ: লীয়ার তার প্রেরানো ভারণের প্র বেলে মাঝ্যানে। শালতভাবে।

সভারে তার কাত থেকে সরে গে একজন লোক, বলল---আপনার কাপা এখনো রভ!

বৰণ জাতে একজন খিতাখিটে চেহারার লোক কলে আহে একজন খিতাখিটে চেহারার লোক কণেগ তিনটে বাচ্চা, আর কোলগাল কা রমেন প্রথম গাড়িতে উঠতে এই লোক ভাকে ভারগা দিতে চাছনি, বলেছে দেখাছ তো কাচ্চা-বাচ্চা দিরে বাচ্ছি, এর মহ কোখার বসবেন! সেই কোকটা মরে গেছে

ক্ষেন মাথা হেলাক।

— ইস্। কোকটা বলে ভারপর ছোলং
অকের একটা অংশ উল্টান দিয়ে জ্ঞায়গা ক দিয়ের কলে—আপনি বস্ন।

—আমি...মানে...আমার কেলেই জেক মারা গৈছে। আপনার বিছানাপর ছোঁ বলব।

—कारक की? त्रश कार्काभरत रश राहरे।

सरमन करना नः।

দ্রগাপরে থেকে গাড়ি ছান্তার শে
সমরে একটা পাচিশ ছান্তিশ বছরের ছেং
দোড়ে এসে গাড়িতে উঠেছিল। ওর দৌ
দেশে বোঝা গিরেছিল বে, ছেলেটা দোড়া
জানে। তার গারে হ্যাণ্ডল্যের চমৎক
একটা চেক শাট, পরনে কডের পাণ্ট, পয়
ছাণ্ডিং বট, কাধ থেকে একটা মাঝারি বি
রয়াগ ঝ্লেছে। গারের রঙ ফর্সা, এক
নিষ্ট্র চৌকে ধরনের ম্ণ, চোথ প্র
শিক্ষা। ত্রির, কিক্তু শাল্ড মর। ক
একরেখা। একটি বিংবা প্রটি খনে কর
পর মান্বের চোথ ওরকম্ লিথর হয়ে আসে
ভথন চোথের পাতার একটা গাড় ছায়া পা
চোথের মাণ্ডে।



कालां। मास्टिक क्लाब नव स्वत्करे সোল্ড-অলওলা লোকটার দলে ভার কগড়া इराइ। ट्राइटिंग यमान स्मरूगा छाईट उर्दे रमाक्डीत वर्ड बनाम-की करत कात्रशा दरव? আমাদের বাকা-কাকা...এত জিনিসপচ ত্তর শ্রীর ঝরাপ...। ছেলেটা মূখ বিকৃত করে যোলার চোধে লোকটা, তার বউ আর जिला वाकारक रमर्राष्ट्रक अकरे. किंग् यहानि। होन चन्छे।चारमक लाहे हर्नाइन, छाडे ह्यान्छ-अम्बन्धा स्नाक्षे अक्वात त्रस्मत्क कर्लाञ्चल-एगरवा एनरचर्डन? (भौरहारण পাথ বাত হয়ে বাব। আমি আবার থাকি ক্ষা হতাবন-এলাকটা ভাল নয়। অত বাতে জিনতাই ফিনতাই তা ছাড়া ট্যাক্সিওয়ালা-কেট বিশ্বাস কি? তথন দ্যোপারের ছেলেটি একটা আত্মপ্রতারের হাসি হেসে বলল-আমিও ঐ দিকেই বাবো। আমাকে সংশা নেবেদ? আমি সংখ্য পাবলে ভর নেউ। লোকটা বিব্ৰত চোখে ছেলেটাকে একটা নেথে মাধা নেতে কলল—না না, ভার দরকার तारे। एक एक हैं। के हे शक्त हैं वक्क - रकन. আমাৰে বিশ্বাস হক্ষে না? লোকটা বলল —না তা নতু। ভগবান দেখবেন। ঠিক পেণিছে যাবো। ছেলেটা এবটা হাসল— ভগরান তো একটা আগেও ছিলেন, বখন আপনি ভয়ের কথা বলভিলেন! লেকেটা দে কথার উত্তর পেয় নি, র্মেনের নিকে ভাকিয়ে অন। প্রসংগ আনবার চেন্টা করে কলেছে—অজ আমার আসার কথা ভিস না— জানে । ঠিক ছিল পরশ্র দিন আসবো। কিন্তু শান্তাম প্রশাদিন স্ট্রিড—বাংলা বনাধা ভাই আঞ্চকেই বেরিয়ে পড়লাম। পাঞ্জকায় দেখেছি অমৃত্যোগ ছিল আছ... যতার সময়ে। তারপর একটা **স্থান হেসে** বলগ্ৰ-কাশীন্ত সেবার ওগারিচার করালাম —দুর্ঘটনার মৃত্যুর যোগ। ভাই পঞ্জিকা না स्मर्थ रवरवाहे ना यस अवसे...। मार्गाभारतव **ए**टलिया है। पिरकार बाउक माथाना सम्दा करता হাত ছড়িয়ে দাড়িয়েছিল, একটা ঝিলিক দিল ভার হাসি, বলল-কেটে পড়ান দাদা, কেটে भक्रता भाषिवीरङ कारणा क्छ करा यादछ। ছ'জনের জায়গা দখল করে বসে অছেন. কৃতিজ্বনর খাবার টেনে নিজেন...

ঠিক সেই সময়ে ইঞ্লিন থেকে ভীৱ বালি বেজে ধীরে যীরে থেমে আস্ছিল गरीय।

সেই ছেলেটা এখন রমেনের গা ঘে'ষে

भ का मरथा अमाप-व

এकि शक्य निषद्धन

(14-952A)

আট টাকা

शीलवाड । कको कार्यमञ्ज हिन रामन एएलों छात्र कारमत कार्य ग्राम अस्त वनन -क्यन (मध्यमा ?

---

-- रनाकरे। रव घरत राजा ! रकारमा करी रभवा सा। देवमधेवन्ते।

ক্রমন উত্তর দিতে পারল না। ভার क्षि अकरे, क्रिन राम भारा।

ह्माणे नीह भगाव क्लम-आर्थानं स्टब শক্ত ? প্রথম প্রথম ওরকম হর। কলকাতার न्तरम अक्छ। यस स्ट्रान्स स्वरत न्तरका। जव ঠিক হরে বাবে। আমি মানুককে মরতে व्यत्नक स्मर्थाष्ट्र।

থবে ধার চাপা গলার রমেন বলল-श्रानि ।

ट्टरमाने **१८**व नामाना क्रको स्थर Bhar I

सर्वात ज्ञात काल गरीएव स्थापन प्रवास नाम्यतः नीकातः। मतकातः मार्थः चिरुकः। मार्याः লোক একে অনোয় বিভি থেকে আগনে र्थावरक निरुक्त, जाएरक बरक्शनद मदस्य ठिक भाराश्वा निरंत करन सरक मार्च।

स्मात्मरण छेद शास वरन किन स्नार्छ মতো একটা জোক। এত বে'টে বে, জার দ্ थक देशि ছোটো हरनहे वजनवीत हरत বেতো। পরনে ময়লা হাকণাট আর যতি। সে ভিডের মধ্যে একটা ফাক দিরে রমেনকে দেখাছল। হাাঁ, ঐ তো সেই লোক, যে টেনে कांग्रे-शका मान्यकोव माथा क्लाम कदा बर्ज ছিল, অচিন মানুৰের জন্য কে'লেছিল-এ ट्य त्मरे त्नाक! मन्त्र तमक्ते, मर्मा.

পি সৰকাৰের চাঞ্চলাকর গ্রন্থ

प्रत्था। साम्ब त्यान कार वर्षित भारतः ? **५**व सना प्रशास स्वयः दान्ये करुशानि बादौ ? जब शारनाव स्वयाव विकास करें शब्दविर्छ। साजस्या बहेना। স্বাংশ্বেজন বোৰের বহুবিত্রিত প্রশ্ব

লেখক ন্বরং নকশালবাড়ি বেরে দেখে এলেছেন লেখানকার সর কিছু। সর্বান্তারতীয় এই আন্দোলনের গোড়ার কথা থেকে আরম্ভ করে ততার কমিউনিস্ট পাচির ভব্ম करा करे आत्मानात्त्व यून केल्ममा केमनाहमत्र कात्रव मत्नात्रय कात्र समा। ভারাশকর ব্যক্ষাপাধ্যার

Cillina de de de de la contra del la contra de la contra de la contra del la contra de la contra de la contra del la contra del la contra de la contra de la contra de la contra de la contra del l	A4. 12.4
महानगती d.00	न्दर्भरवना ७.००
গাঁতিকার শামান গ্রেড	স্থোংশরেঞ্জন ঘোষ
व्योधात व्यारमा 8.00	রাগৰভী ৮.০০
ভেমেন্দ্র মিল	<b>चत्राम्य</b>
ক্লাবের নাম কুমতি 🚛 ৪-০০	নমিতা ৩⋅০০
জেগে থাকে প্রেম ৩-০০	भाननकता २.६०
व्यानान्द्रना दश्वी	ৰাজীৱাও সেন
ষিকীয় অধ্যয় ৩.০০	छन् निरम ०.००
n n	

প্রখ্যাত রাজনীতিবিদ্ বেদ্ইন - এর

## ता**जा आत त्नरे ५**००

4.00 नीशायसभान ग्रह्म -न्द्रच भर्ग 6.00 4.00 निमिनव. कामन भाषात ४.00 4.00 **इन्स्थाना** 8.00 नजवाडी 0.40 र्वाचन, नव चन ७.०० 0.00

ছাল-ক্ৰাম ঃ ১ কলেজ ব্ৰে ক্ৰাকাভা-১ रमान : 08-४३४० গারে হাফ-হাতা পাঞ্জাবি—হার্টি ঐ লোকটা। भतुन्छ भानायको को भारायानाय पिएक कार्स মরে গেল। মরণত মান্য লোক চেনে, ভুল ছয় না। এ লোকটাকে দঃখের কথা বলা बाब क दाबरव ठिक। स्म कदक वनादव গতবার তার কোলের ছেলেটা কীভাবে মারা শেশ। মিঠিপরে তার গাঁ, চাব্বশ পরগনার। গাতবার বান ভাকল বাত দটোর। খরে সে. ভার বউ আর দেড বছরের ছেলে। জলের महत्त्व ग्रम एउटेक स्मर्थ चरतत स्मरकार राजाव সাপের মতো জলের খেলা। ম.হ.-ছাত্র জল বেড়ে ওঠে. সে বউকে ভাকে-সামাল ! গ্রীব মান্ব, জিনিসপত তেমন किए दिन ना-याद एटा स्मग्रतमा याक, কিল্ড মানুৰগুলো বড় আপন। বউকে বলল —আমার কোমর প্যাচারে ধর। বউ ধরল। ছেলে কোলে করে জলে নামল সে। বরে তখন তার কোমর-জল, বাইরে নামতেই গলা পর্যাত। তথন মাঠঘাট কিছ, ঠাহর হয় না. অন্ধক্ষর অব্যোর বৃদ্ধি, বাতাস ডাকে, উধালপাথাল গাঁই-গাঁই জালের ভাক। লোকটা জলের মধ্যে টালমাটাল ছুটছিল, সপ্রে কোমর ধরা বউ, ব্যকে ছেলে। পশ্চিম দিকে বড়ের বটের তলায় মহাবীরের থান— সেই জায়গাটাই সকচেয়ে উ'চু, সেখানে বাঁধানো বেদী আছে। শতথানেক গজ দরে। ঐ এক শ' গজ রাস্তা তার বাকে ধরা ছিল ছেলেটা—জলের তলায়। গলা-জল ভেঙে বথন গিয়ে উঠল কবার থানে তথন খেরাল করে দেখে—আরে, এ আমি করেছি কি? चारी! दत्कत मर्था स्मारत राज्य धरतीच ছেলে, দেখি নাই তার মুখ ডবে রয়েছে জলের মধ্যে! ছেলে শ্বাস নের নাই! खााँ ?

লোকটা আপন মনে বিড়বিড় করল— এরে করো? হাাঁ, এরে কওয়া যার।

লোকটা হাত বাড়িরে রনেনের পা ছ**্**রে ভাকে—ও কর্তা।

প্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ
গ্রেড্রান্দ্রকুমার
মিত্র
একটি গলপ লিখহেন

(TH-6254)



রমেন নীচু হয়ে লোকটাকে দেখে।
গালে খোঁচা খোঁচা দাড়ি, জল-টসটলে চোখ।
একে দেখেছে রমেন। হখন টেনে কটা-পড়া লোকটা রমেনের লোলে মাধা রেখে মরে যাছে
তথন এ লোকটাই দৌড়ে গিরে কচু পাভার
জল এমে দিরেছিল, রমেনের কানের কাছে
বিড়বিড় করে বলেছিল—বাঁচিরে দিন,
কভা, বাঁচিরে দিন—আপান পারেন। হে
ঠাকর—

ব্যান নবম গলার বলে-কী?

লোকটা একটা বিভি **অভিনয় ধরে।** তার আনু কিছাই দেওয়ার নেই।

রুমেন বিড়িটা নেয়। লোকটার মুখোমুখি উব্ হরে বসে বিড়িটা ধারার। লোকটা
গলে ধার এই সোহাগে। বিড়বিড় করে
ভার দুরুথের কথা বলে। তারগর আগতে
আগতে রুমেনের ব্রেকর কাছে বাকে আগত লোকটার মাধা, ভীর ফিসফিসানির বর্বের কোকটা বলে—কলেন কতা, কেন ব্যক্তি হরে গেল! কী হয়েছিল আমার! কথে তুলে নিলেই ছেলেটা বেচে যেত, কিন্তু কেন বৃদ্ধি হয় নাই?

হাতে কচলে চোখের জল মোছে লোকটা। রমেনের স্কুলর মুখ শতখ্ হরে দেখে। ভারপর বলে—ভারপর থেকেই আমি বধ্বকী করবার প্রেড্ডে দেলাম, ধর্মে-ক্মে মন দিরেছি, তীথে যাই মাকে মাঝে, ভিথিরের ভিক্রে দিই, মান্যুধের বিপাদ দেখালে মনকমন করে, হুটে যাই—কিশ্চু এখন আর লাভ কী? ব্যিখনাশে ছেলেটা মার গোল। ভার ওপর দেখন আমি ঈশ্বরেছার বামন্বীর, আপনারে মতো লাভ কিশ্বর বার্মিন বিশ্বর প্রাপ্ত কারার হতে পর—কিশ্চু ভারমান চান নাই—

মনে মনে মৃদ্ হাসে রক্ষেন। কোন্টা জানে না বামনবীরের মতো তার চেহারের র্প করে পাড়ছে। সভা বটে, কখনো-স্থানো আমাদের প্রিরজন চলে বার, ভার শ্না পথানে অপতরে চলে আলে দরা, মারা, কিংবা বিশ্তার। লোক্টা এখনো টের পার নি। ছেলে না থাকার দৃঃখই ছেলে হরে ভার কাছে আছে।

রমেন তার কাঁধে হাত রেখে চুপ করে কলে থাকে।

লোকটা বিভবিত করে—আপনার বড় দরামারা। মরণত মান্বটার ভূক হর নাই।

গাড়ির গতি কমে আসে। অনেক লাইনের জাটিল ইরাভের ওপর দিরে গাড়ি বাছে। হোল্ড-অলওলা লোকটা গলা বাড়িরে ভাকশ—ও দাদা।

রমেন তাকাতেই হাতের পলাতিকের জলের বোতলটা বাড়িরে গিরে ম্লান মাথে বলল—বারবার আপনাকে কট দিছি। সামনেই বর্ধমান, একট্ম জল এনে দেবেন দাবা, কাইশ্রুলি। আপনি ইরম্যোন, ছাটে গিরে আনতে পাল্লবেন—অমনর সামাটিকা—

कामान्द्रमारन **धरक धक्यात क्रम धर्**व क्रिक्सिक तस्मत।

অভাসেশত বোতলটার জন্য হাত বাড়িরেছিল রমেন, কিন্তু হাতটা ফেরভ নিল। দুগাপুরের ছেলেটা শিথিল চোখে ভাষে দেখছিল। রমেন ছেলেটাকে দেখিরে লোক-টাকে বলল—একে দিন। ইনি এনে দেবেন। আমি মড়া ছাংরেছি।

লোকটা ইভ্ৰুভ জ করে। ছঠাৎ খেলার ছেলেটার মুখ বে'কে যার। রমেনের চেথে ভিথর চোখ রাখে ছেলেটা। মৃদু একট্ ছাসল রমেন—বংশুছের হাসি। ছেলেটা ছাসিট্কু ফেরভ দিল না। রমেন মনে মনে ব্যক্ত—আমি ভোমার শতা গই।

ছেলেটা চোখ সরিয়ে নিরে লোকটার দিকে হাও বাড়িয়ে বলল—দিন। এনে দিকি।

গাড়ি বর্ধানান পাল্ল হরে গেল। প্রতি-প্রের ছেলেটা জল এনে হোলড্মালওলার বেজে জায়গা পেরে গেছে।

দরভার কাছে গাঁড়িয়ে রমেন দেশে অপরায়ের অন্দোর প্রকাশত একখানা আদি-অপরায়ের অনুধার প্রকাশত একখানা আদি-অলতংশি মাঠ এতে পার হলে যাতে ভানেরে রেলগাড়ি। চিয়া ক্রমির ছারার মতে আকাশে ফুটো আজে কোন্ডাক্তা মেয়।

জ্যালার ধরর একটেরে স্থাটিটিতে কলে জিল ব্যক্ত একটা লোক! সে রুফেনের ব্যক্তিত রুক্তর জোপ দেখজিল, **লক্ষ করল** রুফেনের বিষয় মুখা ভারপার বলল— লোকটা ব্যিল না, মা?

রমেন হাথা নাড্ডা।

সোকটা একটা চুপ করে থেকে বলজচার্নিতেকই লোক মধ্যে বাচ্ছে থ্ব। খংগ্যসমসন। এই বাজ্ঞারে মান্ত্র বাচ্চ?.....
আপনি কোজার বাবেন?

- —কলকাভায়।
- —কলকাতায় কোথার ?
- —ঠিক নেই।
- —ठिक तारें ? ता की ? वाजि-वामा कारें ताथका ?

রমেন একটা ইতস্তত করে বলে—ছিল। কাশীপরের গণগার ধারে আফদের একখানা বাড়ি ছিল। শ্রেনছি সেটা উপ্সাস্ত্রা দখল করে নিরেছে। আমি কোনো বস্বুর কাসার উঠবো।

—ইস্, বাড়িটা বেদখনে চলে গেল!
আপনি এতকাল কর্মছিলেন কী? আজনাল
কি একটা বাড়ি করা সহজা! গণগার ধারে
টা জায়গার এখন বিশ-চিল হাজার টাক্র
কাঠা!

লোকটা উন্বিশ্ন হয় খবে। বলে—আদি বাড়ি ঐটাই?

—না, রমেন বলে—আদি বাংছ ময়মনসিং।

—মরমনসিং! লোকটা নড়ে-চড়ে বসে। মহমনসিধরের কোঞার? -कालीवाफ़ीब काटक।

-कारा बाफि?

— ক্লৱ হরেন্দ্রনারারণ চৌব্রবী। লোকটা সেজা হরে বসে—তিনি লাগনার কৈ হন ?

-919-1

লোকটা ফিসফিস করে বলে—ছোটো ফর্তা! আপনি আমানের ছোটো কর্তা না? ব্যাড়া লোকটের খেলেন চোখে কল চলে লাসে, সে আশেত আশেত উঠে দাঁড়ার— দেন, বলেন—

লমন ভার কাঁধে হাত রাখে। লোকটা क निरुद्ध वस्त्र शर्छ। स्त्र व्यक्ष्ट शर्द ा अह भारत की! ट्यार्टन कर्जाह भहता ্তিতে বুরের ছোপ, একটা আগে কাটা-গভা লোকটাকে বৃকে করে ধ্লোর বসে हल! शास्त्र मा-कामारना नाष्ट्रि! स्मारकात তা একটা ভিখিরি মানবেক সপো বিভি (म) की कदा इत्त! तम क्लाको कर्णात्क ডোর চন্ডতে পেরেখছে, বন্ধ চালাতে থেছে, সে দেখেছে ছোটো কর্তা তেরো বছর াসে একা মোটর গাড়ি চালিয়ে নিয়ে বয়ে। াই বাজির দেউজির ওপর সিংহের ম্তি ঠে পেথম-ধরা ময়রে, কড় কতা করাশশয় রবীর হাতে বলে আছে, ছোটো কতা বট রে চামভার ব**ল মারছে দেয়ালো।** কী করে 7.1

—আর হার রে, এ আপেনার কী চেহারা টো কতা ! জমি নাই—বাড়ি বে-৭খল— য় হার রে—

রমেন তার পাপে ঘোরে পাঞ্চার, কী বং ভেবে পার না রমেন। কেবল ভার গর হাত ব্লিরে দের।

লোকটা কতকর সেই ব্যক্তিত ছাটে হে দারে দফার! মুশ্কিল-আসান ছিল <u>ই বাড়ি। পাকিস্ভানের পর যখন থালি</u> া গেল কাড়িটা—কট্ট পড়ে গেল—তখন দিন তার ব্রুক হাথিরে উঠেছে। কল-গায় এসে কতকার অভাবে দঃথে তার মনে ড়ছে মরমনসিংরের সেই বড় বাড়ির কথা। ছ হরেছে—কাশীপুরে একবার ছোটো ার কাছে যাত্র। আপনারাই চিরকাল াদের দেখেছেন, আমরা আর কোথার য় ? কিন্তু আর হার রে—ছোটো কডার र जात्र किए, नारे। क्यम नाना नारग , নিঃস্ব ভিথিরির মডো লাগে নিজেকে। ীপ্ৰে ছোটো কৰ্তা আছেন, এই বাস নিরেই সে এতকাল অনেক দুঃখে লা পেয়েছে। কিন্তু এখন সে কী ভেবে ाना भारव!

—জমি ম্কুল খানিওরালা—মনে নাই? মেন মাথা নাড়ে—মনে আছে।

সং ছমিদার পিতার মতো। সাসনে ন. সোহাগও করেন। নিশ্বর ছমি দিরে বসত করান, ধরে-কর্মে মতি আনেন বর। কী মান্ব ছিল সব—মঞ্জা নুৱে আসত আপনা থেকেই। তার চেরে কি
এখনকার বি ডি ও-রা ভাল! না কি সরকারী
লোকেরা! অনেক ইররানির পর মুকুল
ব্বে গেছে—সব জোচোর, ঠক। এখন আরু
সেইসব স্বপের মানুবেরা জন্মার না, ব্রের
কাছে গিরে গাঁড়ালেই গ্রেখের কথা নিঃশব্দে
কাা হরে যেত।

নীরবে রুমেনের হাতে বে-ধেরালে ছাজ বুলোর মৃকুন। বলে—সব চলে গেল, ছোটো কর্তা। আমরা তবে কার কাছে গিরে দাঁড়াকো?

. রয়েন ঠিক ফাতে পারে না। কিন্দু কাতে ইচ্ছে করে—ম্পাকিলে পড়লে আমি আছি। আমার কাছে এসো।

কিম্পু সে বড় অংশকারের কথা। রমেনের মধে ফটে বেরোর না। সে কেবল মনুকুলর হাতে হাত রেখে ছোট্ট জারগানিতে খেশ্ব-যেবি করে ওর পালে বসে খাকে।

মধ্যে মাধ্যে এবকী ব্যক্ত মহারু আর একী) প্রেনো মেটরগাড়ির কথা রমেনের মনে পাড়ে। কছপের পিঠের মতা চালা, সব্জ হাঠে ধ্যের রঙের মহারটা এক বেঝা পেথম টেনে আপেড আপেড চরে বেড়াছে— এই দৃশ্য মনে পড়ে। বিংব সজ্বরে পারেনো, ক্যান্বিসের হাড়ওরাল ভাগের গাড়িটা ব্যিটর দিনে পাম গাছের ভলার দাড়িরে ভিজ্জে।

কথনে বা মনে একটি দুটি ভিন্ন ছবি ভেসে ওঠে। প্রকাণ্ড একটা ভাঙা পিয় নোর ওপর ধ্রোর আগতরণ, তার ওপর আঙ্গো দিয়ে রমেন তার নাম লিখছে—রার রয়েন্দ্র-নারায়ণ চৌধ্রী। কিংবা মান পড়ে প্রকাণ্ড দেউড়ির ওপর প্রেরানো জং-ধরা লোহার আচঁ, তাতে একটা চৌকো কচের বাতি ক্রেছ, আরা চেন্সের ফ্রেছ বেরে লাতিরে
উঠেছে হানবীলাতা। কিবো সেই সোলা-বরা,
লাচওলার সব্দা সেকালাগ্লি বা ভাষের
কাড়ির সীরামা ছিল, কর ওপর দিয়ে ব্ হাভ
ব্ দিকে পাশনার হতো হাড়িয়ে টাল ক্রেছ
ক্ষেত্র চোলা ব্রেছ কভানন হোটেছে রমেন!
কিবো মনে পড়ে ভালের ভ্রুলেল, প্রকাভ
কাড়িটার পালিসমার ভিত্রে কাছে এক্টা
ভালেনটার হাড়ে বালু বসে আছে।

এখন সেই বৃণ্টির দিন, আর পারগাছের ভলান দীড়ানো ভালের সেই হড়ো ভারা পাড়িটার ডিজে যাওয়ার কথা মনে পড়ল। ভারণর আল্ভে আল্ভে সেই বজে মরুরেটার পেখমের বোকা টেনে টেনে সভক চলা, প্র্যান্ড শিরানোর গারে লেখা ভার প্রেরানো নাম, আৰু আতসকাচ হাতে বাভিন্ন পশ্চিমের ভিতের কাছে ৰাদ্রে বলে থাকার কুলা মলে গড়ে গেল। ভার চারধারে এখন একবার ভাকিলে দেখলে কিছাতেই মনে হয় যা বে, নে সৰ সভিষ্ট একদিন ছিল—সেই জয়রে প্ররোদো স্বড়ি, সেই জ্ঞান্ড পিরবনো, কিংকা रनरे नामः। रवसन् सरन रह ना रहरतारकात সভাই ভাকে ঐভাবে ভার নাম সিশতে কা বলতে শেখানো হরেছিল-কার রমেন্দ্রনারণ চৌধরী।

(क्रमण)

শ্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ সেশ্ভোষকুমার ঘোষ

একটি গল্প লিখছেন

(FR-6528)





### जामनात स्थयानि कृत्वत भामिष्ट्रत प्राठा (मलव ३ त्रकत करत जूलर र्रे अप छानिमिश कीप्त



গঙ্গ ভানিশিং ক্রীমে আছে বিশেষ একটি উপাদাৰ

হিউমেকটাাক —এতে স্বের আন্ত ভাব অটুট থাকে। পঙ্গ
ভানিশিং ক্রীম ভাই আপনার মুখ্ঞী কমনীর, মস্প ও ভালা হাবে টু
আর ধুলোবালি ও কক আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচার।
ভূষার-গুল্ল ও হালকা পঙ্গ ভানিশিং ক্রীম এমনিতেই মুবে একটি
মাজিভন্তী এবে দের; আবার পাউভার বেস্ হিসেবে এর ওপর
মেক-আপ ধ্রাদেও কটার পর ঘটা নিধুঁত থাকে।

চীজ্রো-পণ্স ইনকপোরেটেড (নীবিত লামে মার্কিন মুক্তমাষ্ট্রে সংগটত)

পर्भ जानिनाः कीम-निष् ठ गाउँछा इतम्

### সাপ সন্ত এবং সাপুডে ঈশ্বর ঢালি

ण्यात ए देखांक खात कारन सरकात বিভিশ বসানো কুমীরম্বে বেত ৰাধানো সরবের তেলে পাকানো লাল টকটকে ছডি তৈরি করেছে ঈশ্বর ঢালি। সেই ছডিটাই তার হাতের অস্ত। আর रमाजे आरक् मन्त-मरन्त्रत नम्ह । रन विशास সাগতে, আবার ওঝাও। গ্রাম নর থানা নর জেলা পার হরে ভার নাম চলে গেছে কভ শত মানুবের ঘরে ঘরে। কত মানুবের ঘরের মেৰে খ'ডে সে পদ্মগোখনো, খারণ কেউটে, কাল কেউটে, উদয় নাপ, কাল লগিনী বার করে দিরেছে। সাপে-কাটা মরা মান্তকে মণ্ডর ক্যাপনা করে বাঁচিত্র হলেছে, সাপ খেলা দেখাতে গিয়ে বাশি র্যাল্ডরে নিজের তৈরি ছড়া-কবিত। শ্লিকে এত মান্তকে সম্মোহিত করেছে তার ইয়য়া

ক্রম্বর ঢালি নাম শ্নেরেকই স্বাই গ্রন্থির গড় কবে। এ ব্লের সাক্ষাং শবঠাকুর ও-বেটা। গলার ওর সাপের মালা। বিষধর কালা ফগীকে নিরে খেলা করে।

মাধায় চুড়োবাধা চুল ঈশ্বর ঢালির। গতে ফ্ৰের মালা জভানো। গলার কাল াটির মালা। বাম বাজতে ব্রাদাক। দক্ষিণ াজতে ওপতাদ কালা কয়ালের বর্থাসস eেরা রাপোর তাঁ**র।** তাতে আরবী হরফে ণ্যা ইসলামের মূলমন্ত 'লা ইলাহা त्वाल्का-रभाष्टम् इत्तर्वाल्का। রেরা ক্রিণ পের্যাে পাঞ্বী গারে ত্র ঢালির। পাঞ্জাবীর বোডাম নেই. গ্রাপ্তবন্ধ সাবেকী চঙের জামা। মাথে কটা ঙর গোঁফ দাভি। চমংকার গড়ন ভার হের। তীকা খাঁড়ার মতো নাক। চোধ টা দীৰ্ঘ, বিকশিত এবং ব্যক্তিদীপত। বেন ওরার আগনে জনেছে। কপালে একটা দ ফোটা। এ মান্যকে চাৰীবাসীরা रे म्हा एक-रे शुष्ठ करता जात हात्रभारम क रहा।

বনে বাদাত্তে ছারে বেড়ার ঈশ্বর ঢালি।
বিরে বেড়ার। ছাজার ছাজার গাছ বাস
পাতার নাম তার ম্থশ্ড। সে লেখাপড়া
ন।

মন্তব সেথের বড় বেটার বউকে সাপে

ডেছে। ঈশ্বর ঢালিকে আনা হল। সে

ব মোড়ের মাথার বসলা। চা খেল। খবরের

লে পড়লা। একালের অনেক শিক্ষিত
ল মন্তে বিশ্বাস করে না। ভারা ঠাট্টা
। ঈশ্বর ঢালি হাসে। ভার কাছে একটা
ঢার স্টুকেশ আছে। একটা হাড়িতে বিরটি
টা লেভিভান্তা কেউটে। পথে আসতে



আসতে ধরে এনেছে। রক্ষম বললে, সাঠের মার্যধান দিরে আসতে আসতে উনি একটা বিকোর পালে থমকে দাঁড়ালে। জাঙালের সর্ভাগ্যলোর ওপরে কান পেতে কী বেন



উপৰয় চালি লাপ বেলাডে লাগল

পুনলে বললে, রজব এর মধ্যে সাপ আছে।
পাড়ার ছেলের। এসে পড়তে বললে, একটা
ছড়ি আনতো বাবারা। পরে উনি একটা
গতের মধ্যে মন্ত পড়ে জোরে ক' নিলে।
একটা পানশিউলীর ভাল তেওে গতে
চ্কিরে নাড়া দিলে। ভারপর গড়ের মধ্যে
ছাভ চ্কিরে টেনে বার করে আনলে
সাগটাকে। লাজ ধরে শ্নো চাগিরেই
মাটিতে কেলে ছড়ি নিরে চেপে ছ্রি দিরে
বিধের ঠুলি বিষণীত উপড়ে কেলে
দিলে।

সাপটা বার করে দেখালে সবার অন্তরাবে ক্লুখবর ঢালি। ভারপর খেলাভে লালল। ভার চোখে বারা আছে, জাদ্ব আছে। সাপটা সেদিকে চেয়ে থাকে। ফ্লুল দোল খার। ক্রম্বর বিজ্ঞাল, 'একটা চোৰ কানা। শিকার করতে গিরে বেজির নথের চোট খেরেছিল। দেখা, সামনে কিছু নড়লাই তাকে সাপ ছোকল হানে। কেউটো কণা ধরে। বোড়া কণা ধরতে পারেল কেউটো কামড়াতে পারেরে না। সেলক করে—জানান্ দের। হিস্হিস করে। নাপ ভর করে। ভর, মের্ল্ডের একটা গাঁট বিল একটা চোট খেরে হেড়ে বার ভবে ভার ম্রোব গোল। ভাই ভরে এবং ক্রাণে ক্লিডে হর। তেড়ে এনে ছোবল দের। •সে ভার প্রাণ বিচানোর ভরে।

'সাপ নাকি তেড়ে কামড়ার না, বইরেডে ৰে লেখে?' শুখোর একটি শিক্ষিত ছেলে।

ইশ্বর ঢালি বলে, বইরে অনেত কথা লেখে লে সব কি সতি৷? ভারা রিসার্চ করা পশ্চিত, শহুরে লোক! কেউটে জাতার সাল, বিশেষ করে তে'তকো খবিল, গোপরো এরা তেড়ে কামভার। আসামের জল্গলে शास्त्र नाव्यक्षक विवाध मान-माजा रमाला বৈত্তে ওঠে—দেখে তার চেরে কে আবার বির্টে বীর আছে! তার জ্বিনসংশর ব্যাপার কেউ ঘটারে সদেবত করলেই ভেডে काम चार्यकारमाई महारक बारहण करता সাপের মধ্য জোধ আছে, সে বর্থন ছটেতে পাবে ভখন ভার তেডে আসতে বাধা কিলের? সাপ বলি কামড দিয়ে বাঁ দিকে ছোচড মারে ভাহলে বেলি বিব ঢালে। ভান निक खता थाता। यो निक्क विवाद ठे, नि বাঁচিরে রাখে। কেউটে কামডালে আগনে লাগার মতন 'জনলে গোল পাডে গোল' বলাৰে ৷

আপনার হাতে এই যে র্দ্রাক্ষ, এটা কি 'গল'?'

'ना **७**টा 'निरत्नुष्ठे' !'

কাজেই ঈশ্বর ঢালির ব্রি পরীকা করতে বাবেন না—নিজে বারেল হবেন। তার সংগা লাগা মানেই কেউটে স্থাপের সংগা খেলা করা। সে সাত্যাটের খেটো। আগো সমাজের কলংক থানার দালাল মদন দাসকে খুন করে সত্য স্বীকার করে সাত বছর জেল খেটেছে। তারপর সাপ্তেড় ছিল বহুদিন, সাপ খেলা বেখাত। সথির নাচের ছড়া কটেত আর বাশি বাজাত। আজ

भूजा गर्था अनाम-ध

## अस्थवाथ दिनी

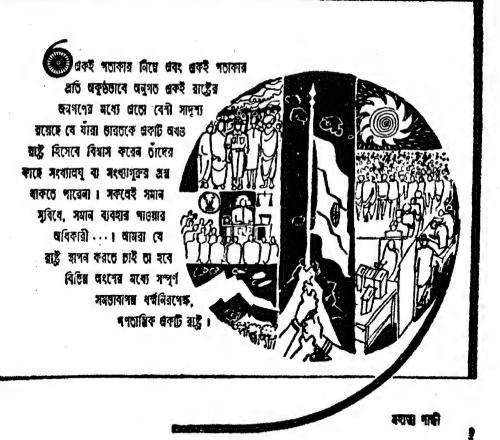
अकिं शन्त्र निश्चा

(সি-৬২৯৮)

বিশ্বাত ওকা। সাঁওতাল প্রস্ণার, কাষর্শে ছিল সে বহুদিন। পাহাড়ী সাঁওতালী এক মেরেকে এনে রেখেছিল বছর দুই ওর ছরে। এখন সাপ বিক্লি করে আসে চিড়িয়াখানায়। সাপ, বাঙে, বেজি, উদ্বিড়াল, ভাম, খটুাশ ছ্যা-হাড়গেল এসবের, চামড়া বিক্লি করে আসে কলকাভার চামড়ার গ্লামখানা-ভরা ক্রিয়াস' লেনে। ক্রণবর ঢালি একটা মন্তের বই লিখে ছেপেছে। সে বই ভার শিবা হলে তবে পাওয়া হাবে। চার আনা হাম।

ঈশ্বর ঢালি বললে, পথওরিটিকাল আর প্রাকটিকাল তফাত বাবা। প্রাকটিকালকে একটা থিওরিতে আনতে হয় সত্য কিল্ডু উপনাস গলেপর চল্পবোড়া বথন প্রায় ক্রিপ্রতীন তলালা বাঁশের ঝাডের মাথার উঠে শিব দিরে পাড়া বাত্ করে ভখন ডারে
বাস্তব বলবে কেমন করে? চন্দ্রবাড়ার গরে
২০ থেকে ২৭টা চাকা। লম্বা আড়াই হাত।
কলিঠাসা জাওরা বাঁশের ঝাড়ে হচতে
উঠতে পারে মান্বেখানেক—কিস্তু কেন
উঠবে—সাপটা বে নির্বাহ—চুপচাল পড়ে
থাকে পাডাযাসের মধ্যে। চোথে চোথে

## এক জাতি ঃ এক প্রাণ



R

GANCHI
BINTE CENTENHAM
OCT 2.1956 TB
FER 22.1970
HEICHT
TITEIT
AND RETHER
AND

পা কুলে দিলে ওবে কামড়ার। শহরের লোকর। জানে না—ভারা যদি সাপকে বাশি বাজাতেও দেখত, কলত, বারড়ুমের সাপ—হতেও বা পারে! আরে বারা, চল্লবোড়া কি বাব দের নাকি? আমি সাপড়েভ—সলের বাপার আছে বলে ছাস্রিল বাকের উপরথা সিনেমা দেখতে গিরে ক্ষেপ্রপান্ধা। বাংলা দেখটাকে একটা তামাপার ছারগা পেরেছেন বটো! উদর নাগোর বর্ণনাও একেরেছেন অবাশ্রের। ছাঁ, একমান প্রার্ভিত হালন বিভূতি বাড়াকেল।তার লেখা গড়ে আমি হাঁ হরে গোছ। গাছপালার বিক নাম ভল্লোক এত কেমন করে নালে।?

আগন মাল বিশ্বাস করেন?' प्रमु प्रान्तिक विद्या करत-दिश्रप्ताविक्य। वाशालहे आजन। रमधान मा, मिवठाकुरतद দায় সাপ কেন? তিনি ছিলেন সে ব্যগের প্রিশারদ। সাপ নিরে তিনি থেকা হতেন। অনেক ছড়ি বটি জানতেন। সে ্রেখন আমরা প্রায় ভূবে গেছি। তবে বা তোমাদের ৰলি, সাপ কামভালেই গ্যা বাঁধ্বে-প্রেরানো যি খাইরে দিয়ে । ঘণ্টার মধ্যে ছাসপাতালে নিয়ে বাবে। ধ বিধ্বাসে ছাতুড়ে বলি ওঝালের ডেকো । এখন ভাল ভাল ইঞ্জেকশন হয়েছে। বেড়া কামড়ালে নাক মুখ দিয়ে রভ <del>্য</del>ালা ফেটে বার—রস করে। ব্যাভার বিষ ট গাঁটে—এই আছে এই দেই ফো: খারা কামড়ালে ১৫ মিনিটের মধো া<sup>†</sup> ঢাল পড়বে। তবে কেউটের বিষ ন দাত ওঠে তেমনি দাত নেমেও যায়। রচীনর বিষ ভন্নংকর। বাঁচলনা কঠিন। াক্ষার বিষয় খাব ভীয়। চাং বোড়া বিঘাতে বোড়া চ্যাংমাছের মতন-লাফ কামভায়। আগে চন্দ্রবাড়ার কামড়ে ামরত—এখন শতকরা ৯০টা বেংচে হাসপাতালে গেলে। অমি ইছেকশন ার করি। বিষধর সাপ কামডালেই ত পারবে। <del>ব্রহ্মভাল্য</del> পর্যান্ত ইলেক্ট্রিক লাগার মতন লাগবে। কটো জারগায় পারমাংগনেট শাগিরে নাও। চুল দতি তুলে ফেলো। স্বার আগে কবে ববিন দাও পর পর। ভারপর ওঝা-ই।সপাতাল।

মটি ব্ভি মেয়ে এসে বললে, 'হাঁ বাবা তেরে সেই সম্পির নাচ শোনাবি না!

भ्जा मःशा श्रमाप-এ

गाणितिस वनी

একটি গল্প লিখছেন

(FR-6254)



174

লাল কাপড়ের দ্রটো সাথ বার করলে

এতকাল পরে এলি?

স্থিত্র থালি ব্রাভির পারে হাত দিরে গড় কংলো। বলালে, 'মা, সাংশেকাটা দেশতে বেবিয়েছি। দেরি হারে হাবে।'

ুড়ি বললে, তেরে নাম শ্নেলে সংগ্রন কটা রোগী কেড়ে উঠবে! গানটা বলে যা বলা—সবাই শ্নেক।

ইম্বর ঢালি হাসলে। স্টকেশ খ্লালে।
ললে কাপড়ের শ্টো সখি বার করলে।
নচাতে গ্রে করলে। ম্থের শব্দ করে
চোল-কাদা শোনাতেই বে-বেখানে ছিল ছাটে
এল। গান শাহা হল। সম্ভূত ঢলানি স্বঃ।

ভাস নাচবি থালি।

মবদ গেছে থান কাটিতে

সভীন আছে গৱে

দ্বৈ সভীনে যান ভানিতে

চুলোচুলি করে।

ম-সে-ব বি-নো-দি-কে
ভাল নাচবি খাদি।।

শর-সে-র বি-নো-দি-রে

बीका बीजिंग हुए मा एएटन ाह्यात देश हेशाहित रकार्के शिक्षा व कि कार्य रक्षा ভাষ্টে কী বাৰ্যান #-टन-# दि-स्मा-पि-स्त... काल सर्काव भौति ह কি পাক রাখনি খাদি পাটপাকের কোল चीना सार्व्य चन्नवर्णीन পাডায় গাডগোল I ब-एम-ब वि-एमा-पि-एत... ভাল নাচাব খাদি 🛎 টিলিব টিলিব পানি হয় बाधादा समान দুই সভীনে বুলি করে क्षतिल कित्न बाव ! ब-रज्ञ-स वि-रमा-मि-रव ভাল নাচবি খাদিছ क्कीर त्वीरे वहें फिल কলা গাছের আডে কলা পড়ে তিপির তাপির ব্যায়ে ভারতের **ঘাডে।** অ-লে-ৰ বি-নো-দি-বে ভাল নাচবি খাদি ছ মিন্দে এলে দুই সভীনে এক বিছানার শোর ৰটে সভানের চেন্থে আগনে জেগেই বাত পোর।

গান শেষ হলে স্বাই বাহবা দের। ঈশ্বর ঢালি উঠে পড়ে। স্টকেশ আর সাংপর হাঁড়ি নের তার সংগের লোকটি।

ভাল নাচবি খানি চ

ब-एम-ब वि-ला-मि-ख

রক্তব সেথের বাড়ি ভিড়ে ভিড়াকার।
রক্তবের বউমা রমিশা ঋতুনকে সাপে
কেটেছ। অক্তান হরে ঢলে পড়েছে। বছর
আঠারো বরেস। ঈশ্বর ঢালি ভার চোর্
দেখলে। নাড়ি দেখলে। ব্রকের মধ্যে হাড
দিয়ে হাণ্-পশ্যন অনুভব করলে।

কি সাপ কামড়েছে কেউ দেখেছ? কেউ কিছা বলতে পারলে না। ব্লছবেছ লা: বললে, 'রাত বারোটা একটার সমন্ত্র

### বিমলেন্দ্ৰ চক্তৰভাৱি ঐতিহাসিক উপন্যাস

### মহাসংগম ৫ 00

পর্তুগীজ বেনিয়াদের মান্ত্র কেনাবেচার পটভূমিকায় পশুমকার সাধনার ভৈরবী চক্তের নংন লীলাখেলার এক গদাগাথা।

প্রবীণ কমিউনিন্ট নেতা

खाबम्बार् बन्दलब नजून न्याद्यत উপन्यान

### আবাদ ১২ ০০

লৰকাতক প্ৰকাশন : দে বৃক স্টোর, ১৩ বণ্ডিম চ্যাটাক্লি স্থাট, কলিকাতা ১২

(সি ৬৬১০)

প্রকৃরে গোপনে গোসল বরতে গেছিল—এসে यमःम चारके जारक कि कामरक निरत्रह ।'

'অতো বারে 'গোসল' করা কেন?' त्रीमक्जा भारा ,कतरल क्रेम्बन र्जाला। मागरिक मरस्य काशक हाना नित्त्र ज्ञत्व रशन मण्या पाकवात कत्या।

ক্রমবর ঢালি উঠোনে একটা গণিত দিরে মন্তর পড়ে। ব্রেটা কাঠের পিড়ে আর धक्षे। मुभाति कामाल बनाम। धक्षे। গি'ড়ের ওপরে স্পারি বসিরে ভার ওপরে পিড়ে দিয়ে মণ্ডর ক্যাপনা আর্ল্ড করলে। একটা ছেলেকে পি'ড়ের ওপরে ভূলে দিলে। মজার কাল্ড! নিচের পি'ডে মাটি ঠেলে धारणास्त्र मान्य मान्यस्य निरत्। केथ्यव বললে, 'বিষ অনেক দরে উঠে গেছে। क्ष्प्रेट नाभ कामरण्यक मरन श्राक्ष । सागीरक

ककी बदाब बद्धा नित्त्र माड !"-

यन्थ चरतत मत्था छ एक क्रेन्यन दशक्ति। চেহারা দেখলে। স্বেদরী মেরে। স্ব্রান্তি हत्र मारे अथाना। वाच थाला रेडिकमान मिट द्विता करम क्लाल, 'यक प्रांत हारा शाहा হাসপাতালে পাঠাও নি কেন?

व्रक्रत्वत वर्षे वरम, 'ख बावा, शामभारतक কি বউমান বকে পাঠাৰো! তারা নাতি তেলী মানুষ পেলেই মেরে ফেলে তেল করে! মাথা ধড় কেড়ে লের। বিক্লি করে। ভূমি এয়েছ, ও বৈটি বে'চে যাবে।

'না, আমি বাঁচাতে পারৰ না।'

পারে জড়িয়ে ধরে তখন বউটির আপ্র मा। भा ছाएए ना। कौनएक थारक।

বার বউ তাকে বলে ঈশ্বর ঢালি, গ্রুৱে ভূই এই বউ চাস, না আবার বিশ্বে করবি!

'এই বউ চাই।' লম্জার মাধা থেয়ে সুখ নিচু করে বললে ছেড়িটা।

'বেটা পারিতের নাগর! দে একশো টাকা दम। ना शतम जामि मण्डत कालिना करत না। এখানে কে একটা খাদে ওয়া আছে। **ভেরেছে।** তোর বউয়ের কোল্ভেটা বার করে নিয়ে কয়ে শাল্যক পাতায় ভাগিয়ে রেখেছে! একটা কাক সেখনে কাকা করছে। যদি খেয়ে ফোলে ভবে হার বচিতে। बाद ना! रन ग्रेका छाए।

তখন বউয়ের মা তার গলার সেনাব ছারটা ওঝা ঈশ্বর ঢালির পায়ের কাছে রাখলে। ঈশ্বর বললে, বাব। একেই বাল মারের টাল-নাড়ির টান!'

একটা নতুন সরায় জল দিয়ে তথাণ করে কি সাপ দেখালে ঈশ্বর ঢালি! খারণ

মা মাসীরা খাট্টি ছেড়ে দভে, চুলের গোরে। খালে ফেলো, ফেফেদের করে। শর্ত্তীর খারাপ থাকলে এখান খোকে চলে খাও না হলে রক্তন্তাব হবে, যদি কেউ 'ভেরে' থাকো এখনি কাটান দাও, নইকে 'বাণ' মেরে ভার মুখ থেকে রক্ত বার করব ফিন্কি দিয়ে। ছাগল থাকলে সরিরে নিয়ে এস মাঠে। হারা মক্রে বিশ্বাস করে না তার। সরে যাও। नकेरण विश्वाम करता। भग्डत शहरक शहर कतल तमः

"কচু পাতার জল रवभन करत एकएक মা ৰাস্ত্ৰি ধরে আছে এই পিহিনিয়ার তম। মা বাস্কির মাথার জটা कारमा रहारभन्न भाग केमान कारण कारणा स्मरणत घरी वित्वत थाता कतात दा कालकणी! কামরূপে ধাম ভার কামর্পী কালী শিবকে ফেলে পায়ের ভলার करत ज्लाजीम।

শৈবকে জাগান কে रक्फेरडे त्याका चार्श्य ककाश रव শিবের চোথের জাগনে মারে শিক্

## कलागरे कवशव काव सूधव मूर्गक पृत् कर्णत ३ प्रावाधित पख्या विधि ककृत !



कांतनঃ अक्यात याज कमरबंडे एककाम क्षीत किरब माँक बान कतरमंडे पूर्वस करवत क्रम नाती वीकान्त महक्ता ५० कान नवस हत करव गारव।

বৈজ্ঞানিক পরীকার প্রয়াণিত হয়েছে যে কলগেট প্রতি ১০ জনের মধ্যে ৭ জনের मुर्चत क्रांच जरून मरनहे मृत करत रहत बार कारशहे श्राक्तिवात बाचतात क्रिक लरवहें

नां जान करता दानीत कान त्नारकत वसमय द्वार करा यात्र-- जाक नर्वक वस-চিকিৎসার ইভিহাসে বেমনটি আর কথনো राया यादनि । चात्र अक्षां कत्रहे 'अब (नरे अमान चारक।

শী কৃষ্ণৰ এর শিপারখেন্টের স্থান-कां के किलास्या कार्य ८७कोन कीय नित्व নিব্যাহত গাড আল कत्रंड कानवारमः

श्रीतक्ष विर्वत यात्रश्रयात्र विरव धवर में। उटक উত্থন সাদা করতে..পৃথিবীর অসু বে কোন <u> विश्वास विदय कारबंडे बारबंक (वर्षे</u> CITTO COCHE ÉC GLIS SM

वयत

करहार, कलरणडे हेव नाक्ष्मारम

बे मर अनदे नारवाः all (with writers

COLGATE

**प्रभात भारे**ण कित नगमा वाहात

নেই আগ্নে পড়ে মর্ক বিষ্

লাগ কামিকের কালী রুগতার নিব সকতর, সুন্তর পাথর কাজে কালীনহের করাল সমাল মারহো সন্তর হাড়ে। প্রিশ কেউটোর বাকা দক্তি আমার সন্তর তার করাত লাগ লাগ লা মা মনসার বার কলের মতন যাক না বিষ করে! [কাক্ ]

মা মনসার ভালা দেব দোব কবাক্প হল্দি সিদ্রে খন্তি সরা মেতি মাথা চুস। চুলের বেলী ফলা ফগার মারি কটা— জামার মণতর ফণী মনসার কটা। [ফ্ক] লাগ মনতর লাগ। সাতালী পর্যত ফেড়ে লাগ সভিতালের ভীরের মতন লাগ, সভিতালের পাছা ফেড়ে লাগ রঙ পড়কে করে চালীর নিশাচর শিষাল শাক শ্রে পড়ে পড়ে। কালী বাস্কি মনসা শিব মাথায় থাক।—মারি চাপড় পিজিমিতে

তার মা
ব্যাবর কুড়্নী মাগাী—
তার কোড়িয় এ কি! চন্দুরে ব্যাড়া?
পদ্যোগ্রো, তে'ডুলে খারণ, কালকেউটে,
গোড়ভাঙা কেউটে, শিষর চাদা, দাখাম্বি,
কালনাগিনী, উদয়নাগ, শংশচ্ড, চামবকোড়া, বর্চিডি, দ্ধে বোড়া, মলে বোড়া,
বিহাতে বোড়া, জল বোড়া, মালা..হজার
কল্পের সাপ...

উড়্ক ধ্লো।—কোন্ শালা ভারে?

পান বাপরে বাপ!

ভাগমাজি কানি!
কী বলাল গালা?

পালা বিষ পালা! [ফ্ক]
কামন্পের কামন্পী
বামাচারী কালী
ভাব আজে মন্তর বানাই
আমি উশ্বর চালি॥ [ফ্কৈ]

রাণীর পারের সাপে দংশানো জারগাটা দিরে চিরে দিলে ঈশ্বর ঢালি। বসিত্রে দ রোগীকে। গাল থেকে তার লালা ত লাগল। লোকে লোকারণা চারদিক। লে করছে তারা।

শ্বর বোঝে রোগাী বে'চে হাবে। কতক-শা শিকড় বাউতে দিয়েছিল সে। বাটা বোগীর গালে ঢোকানো হল। আশেত ত নড়তে লাগল রোগাী ঘন্টা চারেক

তের আওড়াতে লাগল ঈশ্বর ঢালি ঃ

খা ধা কেউটে বনে তোর বাস নে থেকে বেরিরে কেউটে মান্ব কামড়াস! বারোচিতি বোজ বোড়া আলোর কাহিনী

আলোর কাহেনা

এই মন্তে আড়িলাম বিষ

যা মনসা জগতিনী।

বিশিষা আড়ুনের অংগে নাই বিষ

বিষয়েরর আজে

যা মনসার আজে নাই..." [ফুকু]

শাক ভূলতে গেল বউড়ী
লাকে লড়াপাড়া
কি সাপ কামড়ালো বউড়ী
ওঝা পাবো কোখা?
ভঝা হল ধন্দক্রমী মা মনসার বরে
ভরা চৌবট্টি কলেকুট্টি সাপের বিষ
এই ফক্তরে মরে...
অমকের অংগা"..ই্টামি। ফুকেট

কাকা-কাকি উড়ে বার সংগ্
ভাহা দেখে আউলেরা বাপে কিরে
বড়ই রংগ!
ভাহা দেখে আউলেতে কাম্মল ইব
উড়ে বার ভঙ্গ বার অম্কের অংগ্
নাই বিব্..ইডাদি। [ম্কুড]

রোগীর চেতন ফিরল। চোখ নেকে
তাকাল। স্বাই তথন খালী। ঈশ্বর ঢালি
গোঁফে লোঁফে হাসতে লাগল। অনেক
ব্বতী মেরে জুটেছে দেখে সে এবার
পচাল খেউড় অর্থাৎ বোড়ার বিষ ঝাড়া
মাতর শ্ব্রু করলো। সেস্ব ভীষণতম
অঞ্লীল। মেরেরা পালাতে শ্রু করলো।
ঘরের মধ্যে আড়ালে থেকে শ্নেতে লাগল।
থিল খিল করে হাসতে লাগল ভারা।

অধল**ীল শব্দ তুলে** দিয়ে একটি বোড়া সংপের মনেতর নম্না দেওয়া গেল ঃ লাউ কাউতে গেল **হ**ড়ি

লাভ কাতেও গোলা ছা, জ লাভ রইলা 'মাচার' কোষা ছিলা বিষয়েতে বেড়ো কামড়ে দিলা পাছায়।

সন্ধান পর্যন্ত রোগিনী সেরে উঠকে দ্বীনর চালি খাওয়-দাওয়া করে চাকা, নতুন ক'পড়, চাল, মিণ্টি নিয়ে বাড়ি ফেরে। তার মুখে তখন কেমন আনন্দের জ্যোতি!

বাড়ি গিয়ে দেখৰে হয়তো অন্য কোথাও থেকে ডাক এসেছে। কেতেই হবে। কিছুতেই হাসপাতালে পাঠাবে না। অন্য বিশ্বাস। নিজেরও তার ভর করে। কত লোক মরে। তব্ বলে, দানা নেই—হারাত নেই— নিয়তি।'...

বখন ভাক আসে না তথ্ন সাপ গো-সাপ ইত্যাদির চামড়া নিয়ে ফিল্লাস লেনে বিজি করে আসে। তারা ট্যানিং করে ছড়ির বেল্ট, ব্যাগ, ছাতোর নকশা কত কি করে।

স্থিশবর ঢালি নিভাকি। বাড়িতে থাকলে অধিকাংশ সমর সে বনবাদাড়ে ছুরে বেড়ায়। জ্বপাল সে ভালবাসে। ছারা, নিজানতা, সরীস্পের নড়াচড়া দেখা ভার ভাল লাগে। সেসব অকৃতিয়া। কৃতিমতায় সে বিরক্ত। মান্য কথা বললেই সে রং চড়ায়, মিথ্যা বলে, ভাই ভার দিকে সে ভাকায় কৃতিল ভাকির চেতেখ।

সাঁওভাল মেরেটা যে ছিল তার মন ভরে যোবনের ভরা দেছের জোরার নিরে, সে যখন সাপের ছোবলে মারা গোল সাপ ধরতে গিরে সেই খেকে তার মনে যেন কেমন একটা জনলত বাহ—একটা ভরিত। রায়ে তাকে ভাল করে যুমুতে দের না।

তলয়তিখনি দ্ভিতৈ হাদশ লগ্ন (মিঘুন পৰ্ব নাছির হইল) মুল্য ১-৫০ মিথুন লগ্ন ছাতকের। ইহার সাহতেন। নিজের ই নিজের ভাগাফো ছানিতে পারিবেন। ভাগাফা হৈছাসিকের ছাবল

नरका -बहित हरेतारह। मूला ১.00

প্রান্তিকান ঃ— নদেশ নাইরেরী নাধ্যান এক্ড কোষে প্রকা ২/১ শামাচরগ দে ১১এ, এসপ্লানেড ইপ্ট, শ্রীট, কলিঃ—১২ কলিঃ—১

(TH 62 12)

भ्या मरथा अमान-अ

## (योत्रुबी छ।।।।।

তরি প্রথম প্রেম লিখছেন

(FR-6234)





সঞ্জল জীবনগণেনের ক্ষক্ত বং প্রজ্যেক্সন প্রকাসোক্ত ভা পাজের বার। প্রকাসনা অকালে বার্ধকা রোধ করে প্রক্রোর উত্তজ্ঞি করে এবা শবচেয়ে প্রটো ক্ষক্তর (বার্মানর বল ও বীন দিরিয়ে আনে।
সারা শুলিবীর লক্ষ্ণাক্ষ প্রাক্তর্যাক্ষ্

সাগ্য পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোভ আৰু ধনবৰ্ষক তথা জন্তবাহোগ্যাকারী আধুনিক ট্যাখনেট প্রকাল্য ব বহার করেন। পুকর প্রত্নীলোকধ্যে কন্ত পুথক পুথক প্রকাল্য পাওয়া বাহ।

প্রকালা - বর্মা - কার্মা কিছু লণ্ডুল- বার্চিল-এলু কৈনী বড় বড় ওযুখের গোলানে পারেন ক্ষরা সহাসরি বানের কারু বেকে পারেন :

OKASA CO. PYT. LTD P. O. BOX 398, BOMBAY.

CU-S

কিন্দু প্রশংসার কেমন খেন একটা মোহ
আছে তাকে সবাই শিব ঠাকুর' বলেগড় করে তাই সে মান্বের সত্য-মিথ্যার
অংধবিশ্বাসে সমাজকল্যাণে জড়িরে পড়েছে।
সে স্বশ্ন দেখে একটা সাপের চিড়িয়াখানা যদি নিজে করতে পারে! আর গাছ
আছড়ার বাগান। কিন্দু টাকা? হাড়ির মধ্যে
শইরে আহে গেড়িভাঙা কেউটেটা চক্লাকারে।

বাড়িতে আরো তিনটে আছে। কালকৈ তানের কলকাতার দিরে আসবে চামড়া ছাড়িরে। গো-হাড়গেলের চামড়া সন চাইতে বেশি দামে বিক্রী হয়, কিল্টু লোকজন দেখতে পেলে তার বুনীম হবে। গো-হাড়গেল সাপ খার—মান্যের ক্ষতি করে না—ছেট্টু কুমিরের মতন দেখতে—তাকে দেখতে পেলে ক্ষত্র দালি যেমন করে হোক মারবেই।

আনা কাউকে মারতে দেখলৈ সে ভর দেখা। খাবরদার মারবে না, ক্সজালে বতকণ ন আকাশ ডাকে ততকশ ছাড়বে না। আকাশ ন ডাকলে ঘোড়ার 'পেছবে' থেতে হবে, তরে বাঁচোন।' তারপর হাসে ইম্বর ঢালি। তর

व्यावमृत्त क्रस्तात

# विविधाः अक्षायाः अक्षायाः

- কুদ্র শিরের বিশেষ সমস্তাগুলির সমাধানের অন্ত দরকার বিশেষ ধরণের ব্যবস্থার। ইউবিআই-র সে ব্যবস্থা আছে।
- প্রত্যেকটি ক্ষেত্রেই গুণাগুণ বিচার করে ও প্রয়োজনীয়
   চাহিদা পূরণের দিকে লক্ষ্য রেথে অর্থ দাহায্যের
   প্রস্তাব বিকেনা করা হয়।
- বদি কোন কুদ্র শিল্পের রহদায়তন শিল্প প্রতিষ্ঠান গুলিকে উৎপদ দ্রব্য সরবরাহের সামর্থ্য থাকে,

অথবা

যথাযোগ্য শিক্ষা ও সামর্থ্য এবং অল্পস্কল্ন পুঁজি নিয়ে মদি কোন শিল্প প্রতিষ্ঠান বৃহদায়তন প্রতিষ্ঠানগুলির জন্ম যন্ত্রপাতি তৈরীর ছোট কারখানা খুলতে চায়, সে সব ক্ষেত্রে ইউবিজ্ঞাই প্রস্তাবগুলির সুসমন্তর করতে এবং উপযুক্ত অর্থ সাহায্য দিতে চেষ্টা করবে।

अ रिकासाय लिएक ट्यातिस यावियो

ইউवाইটেড ব্যাক্ষ অফ ইভিয়া

রেজি: ও হেড অচিদ : ৪, মরেক্স চক্র কর সরবি (পুর্বতন : ক্লাইড ঘাট স্থীট) কলিকাডা-১

A 4184 B.44

## তবলা বাদনের ঐতিহ্য ও কণ্ঠে মহারাজ

माधीत वरणाभाषाय

বা ব এক শতাব্দীগভ তবলা বাদনের
বাচে ছিলেন আমাদের মধ্যে। বহু আসরে
তার কৃতিত্বপূর্ণ বাদনশৈলী এখনও সঞ্চীব
রয়েছে অগণিত প্রোতার মনে। বারাপসী
হলার এই ধারক ও বাহক আর ইহঞ্জগতে
নেই। পরলা আগদট রাতে ৯০ বংসর বয়সে
তিনি দেহতাগ করেছেন বারাপসীর প্রোভূমিতে। কিন্তু তার খ্যাতির পরিমাণ এতই
বিস্তুত ছিল যে সমগ্রভাবে তা অমরত্বের
দাবী কবাত পারে।

গুচলিত উচ্চাপা সংগতিতে ক্ষেত্রে ভবলার বাদহার অনশ্যদভাবী। তাল প্রক্রিয়ার এই মন্টাটির সংশা হেরাল, টস্পা ও হুদ্রী শ্রেণীর গানের সম্পর্ক এতই নিবিড়ারে গানের উৎকর্ষ অনেক পরিমাণে উপব্যক্ত ভবলা বাদনের উপরই দির্ভারদলি। এই হিসাবে ভারতীয় সংগতিত্ব অংগনে ভবলা শিশেপীদের অবস্থান উৎকর্ষেরই দেন্তক। কিন্তু এই তবলা বাদনের ক্ষেত্রে ঘরানার ছাপ স্থেপ্টা।

প্রধানতঃ চারটি ভাগে এই চাপকে ভাগ করা চাল—হথ ঃ নিগাঁ, ফরান্ধারাদ, অঞ্চয়াড়া ৪ পর্নো (ব্যরাগদাঁ) ৷ ভালের মনোহারিছ নিয়ে একার পার্বাক ক্ষতে উঠিছে এবং ভালের মধ্যে স্বন্ধায় বৈশিক্টা বিশেষভাবে ক্ষার্গাঁর ৷

তবলা বাদদের ক্ষেত্র দিলী বাজই
দনে হর সর্বপ্রচান। এই বাদন পার্শাতর
প্রথম শিক্ষাী স্থার থাঁ এবং তাঁর
দক্ষণথাঁ এসে উত্তরকালে যে সব তবলোদিশ্পী আত্মপ্রকাশ ক্ষানে তাঁদের সমগ্র
চন্টার ফলেই গড়ে ওঠে এক বিরাট গোদ্ধী
দ বিল্লী ঘরানা নামে পরিচিত হর।
দক্ষেন্ডান থিরকুরা ও সামস্ক্রীন এই
দান্ডই চন্ড্রাত

ফরাকাবাদ ঘরনেরে আনিপ্রেয় বক্স,

। একাধিক শিক্পীর সমাবেশ এ
রানায়ও দেখা বার। পরবহনীকালে

নহম্মদজানও এই গোন্ঠীর সংস্পর্শে

দেসন। বাদন বৈচিত্রের ক্ষেত্রে এরানার মাসত খাঁ এবং তাঁর স্থোগ্য পরে
করামনুক্রার নাম সকলেই জানেন।

অজরাড়া ঘরানার মুখপার তিসাবে ীরাটের হবিষ্কোন থাঁর নাম উল্লেখ-নাগ্য। কিন্তু তাঁর শিক্ষণ প্রধানতঃ দিল্লী ষরানার নাখা, ধার কাছে। ব্যক্তিগত কৃতিছ দিয়ে তিনি আছাত জ্ঞানকে পাধক আকারে গড়ে তোলেন এবং তা কড়া বা কঠিন প্রকৃতির হলেও বৈচিতাহীন নয়।

প্রেণী মরানার প্রধান কেন্দ্র লক্ষ্মেরী এবং এখান থেকেই আবিভূতি হন তবলার



करण्डे सहाबाक

থাপ্রতিম শিক্ষাী আবিদ হৈচেন থা।
আবিদ হোনেনের হার বাংলার কৃতি তবলা
নানক হাঁনেনেরকুমার গাণালোঁ। বেনারসের
বির্মিশ্র আবিদ হোসেনের আর এক
কৃতী শিষা। পর্বতিনিকাল লক্ষ্যে কথক
নাকের প্রাণকেন্ত্র হওয়াতে নাকের আনিগক
ও হলের বাহার তবলা বাদনের মধ্যেও
এসে প্রতে।

্বারাণসী ধরানা **লক্ষ্যো মরানারই** শাখা এবং সেখানকার ভবলার ধারা নিন্দাপ্রকারের—

মন্ খাঁ, রাম সহার, ভৈত্যা সহার,
বলদেও সহার। বলদেও সহার গোণ্ঠী থেকে
আনিভূতি হন কন্ঠে মহারাজ। এই গোণ্ঠীর
অপর উক্তেখবোগা গিলিপব্দের নাম—
কৃষকুমার গাণগ্লী, আল্ডেম ভট্টাচার্য
এবং কন্ঠে মহারাজের পরে কিবাগ মহারাজ।

এ ছাড়া পাঞ্জাবকেও এক পৃথক ঘরানা ধরা হয়। এই ঘরানার অক্তর্গতি আল্লারাণার নাম সকলেই জানেন।

কণ্ঠে মহারাজের জন্ম ১৮৭৯ সালে বারাণসীধানেঃ পিতা দিলীপদ্দী এবং বেশিন্ট লিকপী। মাত্র ৭ বংসর বরসে
কপ্টে মহারাজ শিভ্বা বর্গদেও সহারের
কাছে ভবলা লিকা শ্রের করেন। কিন্তু
মাত্র ৫ বংসর শিক্ষাদান করে বলদেও
সহারকে চলে যেতে হর নেপাল পরবারে
সভাশিন্দার পদে। গ্রের অন্পশ্তিকিকৈ মহারাজকৈ নির্গেসাহা না করে অহুত
বিন্যা অনুশীলনের প্রতি অধিক অগ্রহা
করে তোলে। নিত্তে তিনি এ ভাল করে
চলেন একাগা চিবে।

বহুদিন প্র বলদের সহায় বারাণসাঁতে ফিরে আসেন, তথন এই অধাবসায় ও গ্রেপ্রীভি লক্ষা করে এতই সম্ভূট হন যে তবলার সর্বাক্ত কণ্ঠে মহাবাজকে দিতে মানন্থ করেন। তবলা সংগতের বাবহারিক কেন স্থান্য কণ্ঠে মহাবাজের সমাক জান গ্ৰেবট স্পেন্ট টোকা, বোলপরনের ঘন ਗੋਣ ਜਿ ছালের অপরে বিনাস এবং সরোপরি বাদনকালীন নবস্থি ও ভার পূর্ণে সম্পাদন কর্ণেঠ মহারাজ্যক ফলের শিখরে নিরে যায়। সূজন অন্রোগী মহলে তাঁর বাজনার প্রতি অকণ্ঠ আসন্তি বরাবরই লক্ষা করা গেছে এবং হয়ে উরব ভারতের সর্বার উচ্চাপা সংগীতের আমতে ভবলা বাদনের স্থান নির্দিষ্ট হবে বার।

সংস্কৃত দেলাকাত ভবলা বোলের আকারে প্রমিত করে কর্তে মহারাক্ত এক নাডন भएषत मन्यान एमन। ७ धवरनव वामन बौदा শ্নেছেন ভারাই জানেন কী অপুর্বে ভার গঠনপ্রণালী এবং গতিভাগী। আলা করি সকলেই স্বীকার করবেন, তবলার উপযুক্ত জবাৰ না হলে কণ্ঠ সংগীতেই হোক বা বন্দসন্দাতিই হোক সপাতি যেন কমে ওঠে ন, শিল্পী ও গ্রোতা উভরের মনেই বেন একটানা অভূপিত থেকে বার। ক্রেণ্ঠ মহা-রাজের কেন্তে এ অপুর্ণতা লক্ষা করা কৈতো না। স্বাকাসকের তাঁর জ্বাবের ধারা প্রোভার মন অভিভন্ত করভো। ভবলা বান্যনের মধ্যেও যে অপ্রতল সংগতি কুসের द्यांहर्व खाट्ड क्टर्ज भशावाटकव वामरन একথাই বারবার মনে হতো। বহু প্রখ্যাত শিল্পীকে তাঁর সন্সে গাইবার বা বাজাবার সময় অভিভূত হতে এবং বিকাশ প্রকাশ कत्रटा दमर्थाह।

भ्जा भरशा अभाग-अ

### यशास्त्रण (पर्वो

अकि गन्न निष्कृत

(P-4224)

বহু বংসর বাবং কঠে মহারাজ বিভিন্ন
সংখ্যীত সন্দেশনে অংশ গ্রহণ করে বে
বাদনশৈলী প্রদর্শন করেছিলেন তার তুলনা
বর না। বাদনকালীন তার হুও মনোভাবেই
তা প্রকাশ পায়। ছন্দের প্রোতে ভেনে
চলতো সংগীতের তরী—বেন হাল্ফা
হাওয়ায় শাল তুলে অগ্রসর হওয়ার এক
প্রতিম্তি। কণ্ঠ ও বল্যসংগীতের ভিরাসিক্ষা আন্সিক্ষের ম্লে তিনি বসে থকতেন
হাল বরে পথের নিশানা ঠিক করতে।
সংগতি যেন তার বাদনের সহায়তার প্রাণ

একথা বে কতো সতা তার সঠিক
দেখান পেরেছিলাম একবার। প্রখ্যাত
দরোদদিশী আলাউন্দান খাঁকে একবার
প্রশন করা হয়—কার তবলা তার ভালো
দাগে। কোনও ন্বিধা না করে সোজাস্কি
তিনি উত্তর দেন, কন্ঠে মহারাজের তবলা
হলে আর কিছ্ব প্রয়োজন হয় না।
প্রস্পার্কমে তিনি বলতে থাকে—একবার

কঠে মহারাজের তবলার সপো তাঁর সরোদ वास्त्रना हालाक । इट्स अधन अक आधारिक স্তবে তারা দ্রাজনেই গিয়ে হাজির হন যে লরের বিদ্রালিত দেখা দেয়। পার্টের विको विविधानकव भिक्ति भिक्ति व PLE SAST ফিরিয়ে আনতে হাতে তালি দিরে रमथार**७ गृ**त् करत्न। इठी९ टर्टन টেস্ক অপাথিব আলাউন্দীন খাঁ বলেন-এই भ, इ.ए.ज नय অকিণ্ডিংকর। <u>র্বিশংকর</u> আমাকে লয় দেখার! অবচেতন মন কে প্ৰ উন্ম, ক তাদের রসের সীমাহীন বিচরাণ বাস্ত সেখানে স,রের মিলনে কোনও বাকেরণসিম্ধ তারা ্ণ অসম্পা মানতে রাজি নন। ভারশা সাময়িক এবং উচ্চশ্রেণীর অভিবালি মাচ। মনের राम कर অভিভূত অবস্থা লক্ষ্য করবার সৌভাগ্য হরতো অনেকেরই হয়ন।

ব্যবিগতভাবে কণ্ঠে মহারাজ ছিলেন অতি সরল প্রকৃতির লোক। প্রচারের মোহ

ছেরি রস্থন ধারাকে প্রভাবিজ করেন। সংগতিকে ধর (লৱকাস প্রোগ তিনি কম্পনার করতে না। গায়ক বা বাদদেকের দ্বিউভিশির সংগ্র সমান পা রেখে চলাই ছিল তার शाता। সংগীতের অবিচ্ছেদ্য অপ্য হিসাবে ভৌৱ পশ্যতি ছিল সভাই বস স্থিত পরম সহায়ক। বয়সের সংখ্যা সংখ্যা কৃতিম্বের কাঠামো ক্ষীণ হয়ে এলেও শেব বয়সেও তিনি বে ছান্দর করতেন তা সতাই বিসময়কর এবং স্যাগ-ভাবে তা স্বাতকোর সম্মান কাভ পারতো। বারাণসী ঘরানার এই সংগতি माधक्त कीवनावमा नव माल्य धरे क्या है বারবার মনে আসে যে, সংগীত ক্লগত দিন ਸਿਮਣੇ ਯੂਰਸ਼ਜ਼ পাদান্ত। 5 71 ঐতিহার বাহক হিসাবে কল্ঠে অবদান মনে হয় লোপ পাবে না।

বলাদেও সহায় প্রবৃতিতি তবলা বাদনের বারা শাশতা প্রসাদের মধ্যেও প্রসারিত হয়েছে। কপ্তেঠ মহারাজের পাত্র কিষণ মহা-রাজ ইতিমধ্যে বংগণট কৃতিত অজান করেছেন।

বারাণ্ডী ঘরানার এসর বরলা কলাণে ভারতের সংগতি অপান সম্পা কথক ন্তোর সংগে তরলা বাদানর বিশিষ্ট ভগ্গী এই গোন্ধীরই বোল, পরণ, ট্রকরার প্রাচ্য নিয়ে ব্রুগ্নী **চং যে প**রিবেশ স্থিট করে চমক লাগাবার তারকাশ खारहरू । **ন্তোর সম্থান যাঁ**রা রাখেন ভারি আণিগ্ৰক ঘরানার তবলার অবদান ন্তাান্গ এ ধারা सरा । रान्त्रे ७ सम्ब मन्गीरजत छेनायागी जनना এ ঘরানার অবদানও সামানা নয়। বাসনের কেতে যে বলিণ্ঠ ধারা ঘরানা থেকে উদ্ভূত হয়েছে তার স্বকীয়তা সারা ভারতে স্বীকৃতি অর্জন করেছে। এই বলিচ্চ ও রসো**তীর্ণ** ধারার সামনে এলে মন ছুটে যায় সেই হটি, ব উপর ভর বসা তবলা শিল্পীর কাছে যাঁর আর প্রথিবীর মধ্যে সীমারশ্ব নয়। করি, কণ্ঠে মহারাজের অবদান সংগীতের অংগন থেকে মুছে যাবে সে-সম্ভাবনা যাতে না আরে আমাদের সচেতন হতে হবে।

## यात्य्वा

### এখন বাচ্চার জব্যে এই চমৎকার নতুন ফমুলার গ্রাইপ ওয়াটার নিন



भूका नःशा अनाम-ध

### অপর্ণা সেন

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(PL659A)

## এখন দরকার শ্রম-নিবিত্

खर्च श्रीतकण्यनात्रं सम्नीनिविक फेरशामरमञ् বিশেষ গ্রুম্ব আরোপ করা মালধন-নিবিভ উৎপাদন প্রতির inital intensive method of pro-माशास रमरमञ्जू निक्नाञ्चन हे प्रांच इस महम्मद নেই : কিল্ড w a পরিকশপনা , ক্ষিশন ₹. 75 मध्यान-माणिकातौ **शक्कम खात्र ट्रा**नी हाल: कराव खना वाका अवकावणां नव ্য আবেদন জানিয়েছেন। সম্প্রতি পরি-না কমিশনের কর্মাসচিব রাজ্য সরকার-র ক্যাসচিবদের কাছে এক চিটিতে ্যেছন যে, উংপাদনশীল ক্মাসংস্থান ার হার অর্থনৈতিক উন্নয়নের হার পিছির আছে। এখন অর্থনৈতিক ন প্রচেশ্টার বাতে क्रम म्रास्त्रम গ্ৰহারও বাডে তার প্রচেণ্টা চালানো া দেশের দ্রতে অথানৈতিক উল্লয়ন সামাজিক ন্যার উভর জাভিটভাগাীর থেকে বিচার করলেই এই নীভির করা প্রতিভাত হয়। এই বিশেষ কাণ থেকে বিচার করে রাজ্য সরকার-গুড়ুথা পরিকল্পনার ক্মাস্ডী প্ন-53 शंख्या महकाद । **राज्य भौतकाभ**ना 80'3A ! শ্ৰন নিবিভ कामाई क অনুযায়ী এমন-Best - 2 रादम्बादक নিয় শিশুত 5:4 दरम आभारमञ् बिह्नम

वन, धन, बन, बाज गा ७ जिल्ले (इ

व्यक्तीनियाम अस्ति। कहिनक

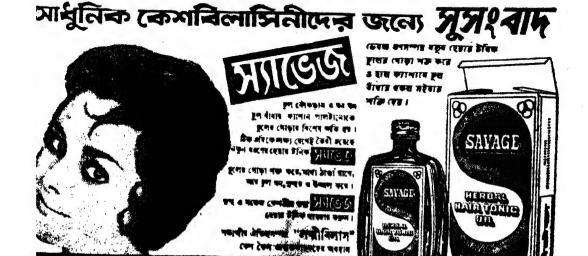


থেকে অন্সদানি করা কলাকোশলের উপর নিভরিশীল হরে না থাকতে হর; দেশে কারিগরি উন্নতি বতদরে হরেছে তার ভিত্তিতেই প্রমানিবিত্ব উৎপাদন-প্রকাশ চাল্ম করা হলে প্রচুর বৈদেশিক মুদ্রা বেংচে বাবে।

**छैर नामन नामांछ अवर विनिद्धारणत** লক্ৰ (investment criterion) কী হওৱা উচিত তা নিরে অর্থবিজ্ঞানীদের মধ্যে ৰংখনত মতজেদ জাছে। দিবতীয় পাঁচসালা পরিকল্পনাকালে 74 বিনিয়োগ-নাঁতি অনুস্ত হরেছিল তা নিয়ে হথেন্ট বিতকোর কভ বরে। গোলেনসম ও লিবেনশিন (Galenson and Leibens. tein) मात्म कथाँवकानीन्वत्र मान कातन, ম লখন-নিৰিছ গ্রেডার শিক্সগালির উল্লেখ্য উপর যদি বেশী গ্রেছ আরোপ कता रत. कटन धहे जिल्लागृज्ञित दकता লাভের পরিমাণ দুভ বাড়বে এবং তখন সেই লাভের টাকা বলি আবার বিনিয়োগ হর, তবে সামগ্রিকভাবে দেশের कार्य देन कि **छे**बत्तन हात क्ष सुक ৰাড়বে। এভাবে যদি দেশ দ্ৰভৈ অধনৈতিক উন্নরনের পরে এগৈরে বার, তবে গিলপ্-मण्डामानरमन माता । बाक्टब धावर हर्साम्ब

भव । स महान कर्म महम्बादनव 7-6 441 বিশ্ত ভারতের কেন্তে বভারৰ এই বিনিয়োগ-লক্ষণ গ্রহণবোগ্য नव वर्षारे बर्न रहा। अधन कानरक नवस्त्र ৰড় প্ৰয়োজন আদা नवना अवर दवकाव সমস্যার সমাধান করা। এ দ্রটো স্থস্যার সমাধান অজিভি হবার পর ভারত শ্রু ৰতপাতির মাধ্যমেই দ্রত শিল্পায়নের পথে এগোতে পারে। কিল্ড বর্ডমানে বলি প্রম নিংরাগ অপেকা মূলধন নিরোগ বেশী গ্রেম্ব লাভ করে তবে বেকার সমস্যার তীরতা বাড়বে: আর কুবির **উল্লেভর নাধ্যমেও** দেশ অর্থনৈতিক উল্লয়নের পথে এগোড়ে পারে--যেমন ভেনমাক" নিউজিলা ত অস্টেলিয়া প্রভৃতি দেশ এগিয়েছে। তা ছাড়া, গালেনসন ও লিবেনস্টিন নিদেশিত বিনিরোগ নাতি অনুসরণ করা খুবই খরচ-সাংশক: এত টাকা খর্চ করার কার বতমানে ভারতের গ্রহণ করা উচিত নর। ভাই বত্মানে লম-নিবিভ উৎপাদন পাশভিত্র উপর গরে আরোপ করা বিশেষভাবে কামা।

শ্রম-নিবিভ উৎপাদন প্রচেন্ডীকে কলপ্রস্কু করতে হলে করে ও কৃতির দিলেশ এবং কৃতিরক্ষেত্র উৎপাদন বাড়বার প্রচেন্ডী করেও ক্রেরদার করা উচিত, এবং তা করা হলেই আরও বেলা করে প্রমিক নিরোগ করার মাধ্যমে দিলেশ ও কৃতির দিলেশারালর সম্ভব হবে। করে ও কৃতির দিলেশারালর উময়নের পথে সবচেরে বড় বাধা হলে ম্লেধনের স্বল্পতা। তথে বর্তমানে বালন বড় বড় বাণিভাক ব্যাংকগানিকে রাশ্রারও করা



হরেছে তখন উংপাদনম্থী কম প্রচেণ্টা
স্থিতীর জনা মুলধন সরবরাহে কোন
জান্বিধার স্থিত হবে বলে মনে হর না।
ভাই পরিকল্পনা কমিশনের নিদেশ জানুবারী রাজ্য সরকারগালির উচিত অধিক
প্রমানিরোগকারী উংপাদন বাবস্থাকে
ভাইবলান্য অগ্রাধিকার দেওরা।

#### রুজানি বাদ্ধির নতন কর্মসূচী

ভরেতের ফলিত অর্থানীতিক গবেষণার জাতীর পরিষদ (National Council of Applied Economic Research) একটি সাম্প্রতিক সমীকার রণতানি বৃষ্ণির একটি মতুন কর্মসাটোর প্রতিবেদন দিয়েছেন। এই

কম'স্তী অনুযায়ী আমদানির সংশা ক্তানিক কোগসূত্র কলায় রাখার কবিন্থা ক্ষা হবে। আমদানি ও রুডানির মধ্যে বজায় রাখার জনা যোগসূত্র তিক্তি বিকাশ ਅਰਵਾਰ ਪੰਜਾਬਾਵ ਲਗ इत्याक् । প্ৰথম বাবস্থা অনুবাষী বংডানি-ক্র বীগ্রপ শতকরা ২০ থেকে ১০ ভাগ প্রথাত আমদানির যোগা সামগ্রী আমদানি করার স্টি'ফিকেট পাবেন। যে জিনিসগালি আমদানি করা হবে সেগালৈ কী পরিমাণে স্বরপ মাঝারি অথবা বেশী) বংজানি-সামগ্রী 'উৎপাদনের কাল্পে লাগ্রে ভার উপর আমদানি সাটি ফিকেটের লভক্তর

চার নিভার করবে। শিবতীয় কৰ अन्याती मुहेरि निमिन्ते शहत साम मार्जिकित्कडे एक्सा स्थरक भारत-एव : একটি হল্ডে শতক্রা ১৫ ভাগ হাতে . অপর্টি হতে শতকরা ৩০ ভাগ হা এটা নিভার করবে রুতানিযোগা সংগ গালির উৎপাদন কতটা আম্দানির 🕏 নিভরিশীল তার উপর। ভভীয় লচ অনাবায়ী নিদিপিট জিনিস রপ্তানিত বিশ যে আমদানি করা হবে দেগালৈ জি <u>শেণীতে বিভক্ত কার ব্যার্থ্য শূর্</u> ভাগ ৩০ ভাগ .D.3: আমদানি করার সাটি ফিকেট দেওয়া ত পারে। বভাষানে বিভিন্ন ক্রেকে আছে করার যতটা ক্ষমতা বা লাইকেল্স কর চারছে, ভার শভকরা DO THE ME দেওয়ার সংগ্রিশ করা হারেছে। কল্পান্তর সাফলোর জনা কোন ক্ষেত্রের পরেমের কডটা এবং কোন ত জিনিসের উংপাদনকে অগাধিকার ৮৯৫ উচিত অথবা উচিত নহ-সব দিক বিকো করেই এই স**্পারিশ দেওয়া হ**হেছে। এ কমাস্ত্রী চাল্য করার এক বছর ৫ আম্দানির পরিমাণ অবও শতকরা: ভাগ ক্মানো থেতে পারে।

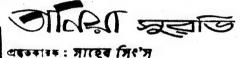
আন্লেড। প্রতিবেদনে রুপ্তানি উল্ল **র**ণতানিযোগা সামগুরি উংপাদন বডাং জন্ম অৰ্থ সন্বয়ন্ত, রংভানিয়েল সাম বিভয়করণের ধানস্থা প্রভাতির উপর বিধ গ্রেছ আরোপ করা হারেছে এবং এই বা গালি শার করার জন্য প্রায়াজনীয় সাংগলিং দৈওয়া হারছে। র\*তানি সামগাীর উংপাদ আরও বেশী করে মুলেখন সরবরাহর জ প্রতিবেদনে বাংকিং সংযোগ-সংবিধা য এ ক্ষেত্র অনেক বাডানো হয় এবং : কোটি টাকা মালধন নিয়ে একটি পা রুতানি ব্যাংক অথবা আমদানি-রুত্ত ব্যাংক গঠিত হয় তারও সাপাটি আলোচা প্রতিবেদনে করা হয়েছে। ১৪ বনংক জাতীয়করণের ফলে হয়ত রংটা সামগ্রী উংপাদ্ধন দে:শর শিলপ্রতালি অং বৈশী করে ব্যাংকের প্রদান আর্থিক সূত্র পারে. তব্রে বর্তমানে ভারতে এব রপতানি ব্যাংকের অস্বীকরে করা হার না। আলে श्री उत्पन्न व कथा । वसा इसाह রুত্যনি ঋণ নিশ্চয়তা কুপোরেশন (Export credit guarantee Cor) ration) প্রস্তাবিত রুতানি ব্যাংকের স এক্তিত করে দেওয়া উচিত। জাপান এ मार्किन बाक्कतारको एव धत्रदमह त॰ छानि दा গঠিত হয়েছে, অন্র্প একটি রক্ত ৰাংক ভারতেও ভাবিলদের গঠিত ইং रहकाइ।



### প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধূর!



ছুকান যেদিন প্ৰধাম দেখা, ও বালছিল, ভারী মিটি গছ তো'। আমি বালছিলাম, ভানিত্রা', এখন ও জামাকে ভাকে ভানিত্রা' ব'লে। আছ্বা, তানিত্রার মিটি গছে কি কামাকে ওর ভালে। লোগছিল, না আমাকে ভালোবেসেই কানিত্রা ওর এত শছক—কে জাবে।





'বিউটি ইজ ইওৰ বাৰ্ধবাইট' পুলিকার জন্ধ এবং আগনাত জপ-চর্চার নানা সমজার উদ্ভাবের জন্ধ আমাদের 'বিউটি কন্সালটেউস্', পোঁট বন্ধঃ ৪৪০, নিউ দিল্লী,—এই টুকানার লিখুন।

## द्यारेष्ट्र वागरी

সমীরেন্দ্রনাথ সিংহরার

ব্যাস যুগের কবি হেমচন্দ্র বাগচী আজ কাবত থেকেও মৃত। সাহিত্য জগতে একটি বিষ্ণুত প্রায় নাম। অহচ একজিন ভার গোহনী কি কবিতায়, কি গলেগ, কি প্রবাধে কেবল নৃত্য বরারই স্টান্ট করেননি, এক চন্দ্রলা এমেছিল। তার পদীপাণবতাশ গড় কবিগরে, ববশিশুন্থ হৈ চিঠি দিয়েছিলেন তা আজ্ঞ কাবণ কবেনে দের কবি গ্রেম্চণ্ডের প্রতিভাকে।

কলাণীয়েষ্, কলিকাভা তেনার দীপাণবভা পড়ে জনেদ প্রেটিভাবের স্থিতের স্থান বর্ষ, করর শক্তি টোমার ভারত। ইতি—২তাশ্ তেওয়োরী ১১২৯।

श्रीतरी स्ट्राय अत्रत

•গীরবস্থিত। **জনগাত যে স**মুস্ত সাতি ভাব তাৰ প্ৰথমেৰ জন্ম গ্ৰহণ মূলে ্রিটি উন্ভাগভার কৈ উল্লেখ্য করেছেন। তার মধ্যে কবি প্রমানন ব্যাপীর নাম ভার কার্যা-প্ৰকা আজাত সমানত। কৰি ন্দীয়াৰ লোককা গর গ্রাফে ১১শে আর্মিকন স্থাবিকার মধার্যার মধারারে ওক্ষর্যুণ করেন। ।ইং ১৯০৪ া কলেগিল খানার কেবে মের নিকটলত্রী এই গোলকারগর আন। তার টোতক বাসভায় **গোকছ**নগাবেট ব্যৱস্থাত কলে প্রাধি চালা গছ পালার ছম্ম, খালাবিশের হারে। চেট গোৰুৱা প্ৰচা **প্ৰকৃতি**ল - হাতছা, শাভ কবিত কিন্তু হল নানান কল্পনায়, প্রতির শতে ভ্রত্তের <mark>পিতারামান্দ্রস্থলনী</mark> জুছিলার। ক্ষেত্রকার জাজে করেছে। ନ୍ତର ନଳ 'ନଳ ଜ**ବୟଣ**ୀ ଅବଶ୍ର ସଂଖ-শিক্ষকের ক,ছেই কবির **লে**ম প্ডাশ্র, ৩২। টি সাক্ষী ভাগাস্থ কাৰা, ইবসাক্ষীকাৰ ভিজ্ঞাৰ গানের সধ্য দিয়েই কবি প্রথম কবিভার সূৰ বস গ্ৰহণ কৰেন। কবিৰ কাছেট শ্রেম্ছ প্রাজের ম্বীটের সমস্যাত বিজ্ঞা আছে গণার প্রভাব ভার কবি জ্বীবনের প্রেরণা ম্ গ্রেছে অনুনক।

কিংশার কবি পিতার সংগ্রাহ্মের বাইরে শ্রারের বিকে রওনা হাল্য। চাকরির জান্য পিতা বদলী হলেন কানিং-এ। পিছনে পড়ে রইল বহুস্মৃতি বিজ্ঞাত্ত গৈতক গ্রাম গোকুলনগরের মাঠ, খাট, নমানা বা নোয়াসার বিল, গণগা ভার গ্রামের সাথী বধ্ধ, চাধীর ছেলেরা। ভার জবিনে এই বাধ গ্রাহ্মপ্রাম্বাক্র চড়া। কানিংক্লের কাছ্রিতে বসে ধ্বা কাজ করেন প্রত্থেম্ব চন্দ্র পরিচিত স্থান ছেড়ে এসে কথ্য-কান্ধর-হীন অকস্থার বিষয়ে মতে বিভাগরী নদীর ধারে ধারে মতের কেড়ানা কড় একা, বড় ফ্রিম মতে হতে জ্যোল্য তবে বিদ্যাধ্যাী নদীর ধ্রে ব্যে খ্যিকটা



द्वमान्स बागावी

শানিত পোতন মনে ব্পাভন প্রেরণা। এখান করেকটি বই: পতিকার দশ্যন পোনন কবি, ভার মধোই পোরন স্মহিতের অস্বানন।

এর কিছুদিন পর কবি একেন ক্ষনগরে -গ্র্থীতে। ছ্বিতিও ভালের কৈতৃক
বিরাঠ বাড়। কেথানে থেকেই কলোজারেট
সকলে কবি পড়াশ্যা শ্রে করেন। এখানেই
প্রথম রবীন্দ্রাথর নাম শোনেন তিনি।
ভারপর বিভিন্ন প্র্তেক, পত্র-পত্রির রবীন্দ্রাথের কেথা পড়তে লাগলেন।
রবীন্দ্র প্রভাব কিশোরমন গ্রাস করল এবং
সেই প্রভাবেই কবিতা লেখা শ্রে করলেন।
এবও পরে কবি কর্নানিধান ও মেভিডলালের কার্ড সাহিত্য প্রভাবত কবি মনকে
প্রভাবনিধ্য করে। কিন্তু কবি হেম্ডের
শেষ প্রশিত করে। কিন্তু কবি হেম্ডের
শেষ প্রশিত করে। কিন্তু কবি হেম্ডের
শেষ প্রশিত সর কিছু প্রভাবকে এভিরে
নিজ্ঞ ভিল্নায় নিজ্ঞ বৈশিপ্টো যে করে।

ৰে সাহিতা সাহি করলেন তা আছেও নাজনারে দর্বি রাখ্যে প্রার্থ ক্রাঞ্চনগর কলেভিয়েও স্কলে সংভয় দেশীয়ে সংয 'ভাষত' নামে কবিভাটি शाहातिका अवस्थार का छतः अधिव करे ক্ষিতাটিই প্রথম ছাপার অক্ষরে। প্রকাশন্ত কবিতা। ১৯১১ সলে কলেতিয়েও স্থান হতেই মাণ্ডিক পাশ করেন। **ভারপুর** क्षक्रमध्य करमञ्जू हरार, याहि अन्न नि भाग करन বি এস সি প্রভাব সময় তাঁকে কলকাতার एक स्थाप दश अवा निर्धि करकाञ्च वि अ কাসে ভাতা হয়। কিনত দেৱ প্রান্ত বি এ পাশ করলেন বকার সী কলেজ সংকে। কলকাত্য থাকাকালীন বিভিন্ন সাহিতা প্রতের সংখ্যা পরিচিত হয়। ভ্রমারার দিয়ের লেখকলে ঠোঁর মুনান কেখার সাধ্য পরিচয় লাভ করেনঃ নিজেও কবিতা লিখাত শারা করেছেন কবি ৷ প্রাক্তি ভবিতা প্রকাশিত ও হতে কগেক ৷ নাত্রনর সাংগ্রিত কবি তথন একে প্র এক লিখে চালাছন। সেই সময় অভিনতাকমার ও দ্বীনাশবঞ্জন কবি হেম্চান্তকে কলোলগোষ্ঠার সংখ্যা পরিচর করিয়ে দিলেন) কবি যেন পথ খাতে পেলেন। কলেলে লিখাত শারা করলেন কৰি। তাঁর অনেক কবিতা কলোলের প্রথম পাটার ছাপা হাতে লাগল। জবি *বে*ছছালন ৰ গতী সাহিত্য জগতে কেবল প্ৰতিকা मान्द्रे कहान माशाम्य जा गर, गाउम मान्द्रेत পথে স্নাম অজনি কর্লেন্। কলকাতার বিভিন্ন প্র পরিকাতেও গলপ, প্রকাধ, কবিতা, সম লোটন মালক লেখা লিখাত লাগালন। বি এ পাশ করার পর প্রথমে সংস্কৃতে, পরে राशाह अस अ शाम कारत करिया



(7.8.5.DV)



কৰিয়া চিয়কালাই কলপলোকবাসী। কবি বৈষ্টেশী কলপনার রঞ্জিন তুলি ব্লিয়ে যেসব কৰিয়া, করে, সাহিত্য রচনা করেছেন তাতে কলায়া হোরাচ থাকলেও বাদতবর্প পালিকটে হরে উঠেছে তার লেখায়। তাই তিকৈ বাদতবের কবি বললে অত্যান্ত হবে বা। কবি সংসার ধর্মে প্রবেশ কর্লেন।

স্বোধনীর সংখ্য ১০২৮ সনে ২৩শে বৈশাথ কবির বিবাহ হলো। তিনি বাস্তব জগতে নানান কাজে জড়িত হলেন। ডবানীপ্রে পদ্মপ্ত্র ইনস্টিউজনে প্রায় দশ বছর শিক্ষকতা করেন (১৯৩১-১৯৪১) সেই ফাকে বি টি পড়েন কবি। কয়েকটি কলেজে তথাপনার কাজও করেন। যথন রাজসাহী সরকারী কলেজে হেমচাদ্

অধ্যাপনা করছিলেন সেই সময় ও তার কিছু পরে কবির মন্তিত্ব বিকৃতির লক্ষ্
দেখা দের। মাঝে মাঝে অসুত্থ হরে
পড়তে থাকেন। শিক্ষকতা ছেড়ে পরে
কলকাতার বাগচী এন্ড সন্স নামে পুত্তর
প্রকাশনার কাজ শার্ করেন। করেবটি
শীর্ষকার সংগা খনিভাঙাবে যুত্ত হরে
পড়েন। 'অলকা' পরিকাখানি কিছুকার
ভার সম্পাদনাতেই চলে। এর কিছুদ্রির
পর তিনি আবার ভার কৃষ্ণনারে ঘুণ্ডির
বাড়িতে ফিরে আসেন।

শরীর মাঝে মাঝে খারাপ হলেও কছ-মগ্রের একে সাহিত্য চচার মেতে। এঠান কৃষ্ণনগরের "সাহিত্য সংগীতি", "বংগাঁছ সাহিত্য পরিষদ ক্ষণগার সাখা" ক্ষেক্টি সাহিত্য প্রতিষ্ঠান ৫ সংগ্র গোষ্ঠার সংখ্য মিশে যান-জেখাল প্র আপোচনার ক্ষেত্র ওঠেন। এই সময় কেনেই কবির সংগ্রে ঘনিষ্ঠভাবে মেশবার সংগ্রেট কোৰকা হয় 🚉 ভাৱ লেখাৰ সংগ্ৰেভ প্ৰিচা ইয় ভালভাৱে। ঘণ্টার পর ঘণ্টা ক<sup>লি ভাল</sup> কবিত। বেশানাতেন, আব,জি করতেন, বং, পান্ডার্রাপ থেকে পড়ে পড়ে ব্যান্তান ভারি গ্রহণ প্রবেশ্ধ, সভাবেলাচন, ভুক্ষনগরে কাস্টে আরও সাত্রকটা বটা প্রকাশ করভেন কবি ৷ ১৩৪৮ সংখ্য বৈশ্বস্থায় কেন্দ্ৰের থেকে ভাঁর সম্পাদনায় । টেকেকামরা পত্রিক প্রথম প্রকাশ প্রের সমপ্রেমা **প্রকাশের সাহিত্যত ছিলা দবি। এটা সম্**য হাতে ভার শরীরটা আরেও হারাপ তাত থাক। এই প্রিকার যোগসংক্র কবিব আরভ খানার **于3.91供** ব্রেম্বানবের' চার্লি সংখ্যা প্রাকর্মিত র্ডার্ল শর বংধ হয়ে যায়। কবি আরভ এস,পা ইয়ে প্রেন।

অস্থে অবস্থায় অনার বাড়িতে মাক মাৰে আসতেন, আমিও যেতাম তাঁঃ বাজিতে। অসংলগন কথাবাতগির মধ্যে তাঁ কটে শোনা যেত—'আমার বই, পাডলিপি-গুলিছাপা হলোনা। আছেও ददसमा निद्य কবি পল্লীব নিভূতে আশা পথ চেয়ে বসে আছেন তাঁব পাণ্ডলিপিগ্লি ছাপা হবে। লেখনী >ভৰ্ম হয়ে গেল, কল্লোল মাগের কবি <del>জীবিত থেকেও সাহিত। জগতে আজ মৃত।</del> কবির কাবাগ্রণ্থ অলপই আলোচিত হয়েছে, প্রচারিত হরেছে সাহিতা ক্ষেত্র। অনেকদিন পর কবির ক্রুনগরের ঘ্রারি বাড়িতে গিরে জানলাম কবি গ্রামে আছেন। ক্বির ছোট ছেলে কবির পাণ্ডুলিপিগালি, বহন চিঠিপত, প্রশংসাপত দেখালেন, দেওয়ালে টাপ্যান অভিনশ্বন প্রগর্মিত দেখন ম। দেখলাম আলমারিতে কবির বহ আজও রয়েছে। ঘরের মাঝে करिंद ব্যবহৃত আরামকেদারা আর **ह**ीद्रीन**ः**Ф



সদি আর ফুতে অসুস্থ হ'য়ে
পড়লে আমার চলে না।
বলেন ভনৈকা প্রাইডেট নাস
শ্রীমতী একেলা কার্নেভিক

## অগুনাসিন <u>ৰুড়া গ্ৰমুধ</u> ব'লেই আমাকে দ্ৰুত আৱাম এনে দেয়।



## অ্যানাঙ্গিন **একান্ত** নির্<u>ডরযোগ্য</u> এমনকি বাচ্চাদের পক্ষেও।

আান্যাসিম কড়া ওব্ৰ, কাছৰ সাতা বিশ্বেত ভাকারের বাবার বেলনার উপলমে বা বা সুপারিলা করেন—ভাই এতে বেলী কারে দেওকা আছে। এটি একাছ নিউর-মোরা। কারৰ, ডাফারের দেওরা ওব্ধের মতুই বিভিন্ন ভিন্ন করেন আছে কি প্রিমাণ মত। আরু ঠিক পরিমাণ মত। আরু ঠিক পরিমাণ মত। আরু ঠিক পরিমাণ মত। আরু ঠিক পরিমাণ মত। আরু করেন আরু কোলার কারিকান করেন করি। আরু কারেকার উল্লেখনার উল্লেখনার বিক্রী-ই সবচেতে বেলা। আারোসিন—আবাররা, সদ্দি ও সু, গাণগতরে বাবা, ব্যক্তালা আরু পেনীর বর্ষণার ক্রত আবার এন দের।





Regd User: Geoffrey Manners & Co. Ltd.,

FMM

কবির স্মৃতি। কেবল কবিই নেই বরে।

বৈদ্যানর প্রকাশের সময় ধণ্টার পর ঘণ্টা
হেম্পার সংগা বসে আলাপ আলোচনার এই
ঘরেই কাটিয়েছি। মনটা ভারাক্রাক্ত হরে

দ্বাধীনতা সংগ্ৰামের শন্তবাহিকী ও দশমবাধিকী উপলক্ষে হ্যাপ্রীর ভার (১৮৫৭-১৯৫৭) নদীয়া জেলা কংগ্রেস ক'মটী ৯৫ই আগদ্ট ১৯৫৭ কবি হেমচন্দ্ৰ রাগ্রচীকে গ্রাণীজন সম্বর্ধনায় যে মানপত দিয়ে অভিনদিত করেন তা অভাও দেওয়ালে ঝালছে। ১৩৬৩ সালে ঘাণীর সভোষ সংঘ ও ৫নং ওয়াড কংগ্রেসের সভাবাদ কবিকে যে অভিনাদনপত দিতে অভিন্তিত করেন তাও দেখলাম। পরোতন থিঠিপ্ৰৰ বাণ্ডিল ঘটিতে ঘটিতে কবির রায়ালথ দ্বীপাদিবতা পড়ে শ্রীমেহিতলাল হলমদার কবিভায় যে চিঠিখানি কবিকে লোখন তা দেখে এখানে উপতে না করে নীলাকেত বন্ধ প্রসাম না। চাকা. গোর ১০০৫। ৮ই পোষ শ্রীমোহিতলাল ল্লাল্ড এট ক্রিডা ডিফিখনি লেখেন।

দীপালিতা দশ্নে

ভাগন হেম্ডন্দ্ৰ বাগড়ী ক্রক্সপ্রেম্থা,
যে নধীন বৈতানিক বাগড়ি নিকুপ্তরেল কলিং
তভাত কার্যপ্রিয়ানিক বাগড়ি নিকুপ্তরেল কলিং
তভাত কার্যপ্রিয়ার আবকার তিনির ফকলা
কেন্দ্রন শুন্রেম নিন্ আব্যাতনিন
দশ্যার শুন্র ইব নিশারে ক্রেনি অনাথা, যার বিন্যাতি সংক্রমারে বাগরিক ক্রেনি জ্বাহা
মারিয়াতে সংক্রমারে রাগরিক ক্রেনি জ্বাহা
মারিয়াতে সংক্রমারে রাগরিক ক্রেনি জ্বাহা
মারিয়াতে সমত্যার শাহিনীর সাক্রন

কলের জননী সেকি?—মহে বন্ধন হিমামা-ভামসা? যে চাকিন্য স্বাধনমোধে কবিয়াছে। মোরে

া জাকনা স্বান্ধধোৱে কারয়াছে মোরে গ্রহনীন— যার পিছে, রাম্ধ আথি, ফিরিতেছি কাননে

কণতার পিঠের তমিস্তা যার হেরি শ্ধু তার্জফ পর্নিঠেতা

এপোকেশী নিশ্বীথিনী। তারি লাগি আমি উদাসীন।

আন্মন্ত দেখিনি ধালা, তুমি কোন প্রতি হৈতিলে সে-স্থ তার—তব চক্ষে উপহারে সে দ্বীপান্বিতা।

এই রকম বহু চিঠি, প্রশংসাপত ছড়োও
গরিগত চিঠিপ্রগ্রেলি পড়বার মত। তারমধ্যে কয়েকথানি চিঠি এথানে উম্পৃত না
করে পরলাম না। একথানি চিঠি লিখেছেন
করি কর্ণানিধান কলম্বো থেকে ৮ই
সেটেম্বর ১৯৩৭। অপরখানি লিখেছেন
শ্রামধনা উপ্যানাসিক ও নাটাকার শৈলজানদদ
ন্থোপাধ্যায় বীরভূম জেলার য়্পুসীপ্রে
গোপালপ্রে) হতে। চিঠিথানিতে কোন
ভারিথ ছিল না। কবি কর্ণানিধানের চিঠির
ছবি এখানে দেওয়া হলো। আর শৈলজানদ্

The own around alon 1 zp. 1 Davis At tale one a lady of Liver (a. 200 1 lally last

John John

#### হেমচন্দ্ৰকে লেখা কৰি কর্ণানিধানের পত

ম্থোপাধারের লিখিত চিঠির নকল এখানে সম্পূর্ণটি উচ্চাত করলাম।

> র্পসীপ্র গোপালপ্র, বীরভূম (বীরভূম)

७३ एस.

তোম দের জভাব বড় বেশি করিয়াই অনুভব করিতেছি। লিখিতে এখনও কিছুই পারি নাই। লিখিবার জন্য নিজেকে প্রস্তৃত করিয়াছি মাত্র।

ভোমাকে আলাদা করিয়া বড় চিঠি আর লিখিলাম না। একখানি চিঠি লিখিরাছিলাম, কিন্তু হঠাৎ একদিন দ্বীর সংশ্য করিছা করিয়া চিঠিখানি লইয়া টানাটানি করিতে গিয়া ছি'ডিয়া ফেলিয়াছি। তাহার পর আর লেখা হয় নাই। স্বলের চিঠিখানি ভোমাদের দ্ভনের জনাই লেখা আসিরার দিন ভোমাদের বড় কণ্ট দিয়া আসিয়াছি। দেখা করিয়া আসিতে পারি নাই বলিয়া নিজেও কম কণ্ট পাই নাই।

তোমার 'প্রদোষ ও নিশা' আর একবার পড়িলাম। গলপটি স্থীর লইয়া ভাল কাজ করে নাই। সাধারণ মেরেদের ভাল লাগিবে না। অধাং ব্যক্তে পারিবে না।

এই সংশ্য হরিদাসবাধ্র চিঠিখানি পাঠাইলাম। তোমার 'বিজয়া দশমী' গুল্পটি ভাষাকে দিয়া আসিবে।

> বেলাদে প্রণীত সর্বভারতীয়

### রামা ও জলখাবার

লয়-৩০০০ : প্রতিটি গ্রিণীর অপরিহার্ব গ্রুডক

কলিকাতা প্ৰস্কলালয় ৩, শ্যামাচরণ দে স্মীট, কলি-১২

भूका मःथा अमाम-এ

अन्ध्या दाय

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(সি-৬২৯৮)

### ज्या दिसक्य धर्मा वर्त-त्र वृत्त्वं श्रमिति भ्यान

artengin alurer cere aren arment me men with with the continuous and any arment me man with a serial arment of the continuous and the arment of the arment o

#### द्यम्द्रम् रुकाकत

### भ्का मःशा अमाम-व প্রবোধকুমার সান্যাল

সম্পূৰ্ণ উপন্যাস লিখছেন

('স-৬২৯৮)

4.00

#### আমাদের প্রকাশিত কষেকখানি শ্রেষ্ঠ এর

#### व्यक्षण्य उपायीत्माणाय प्रातास्य प्रमानिक

- \varTheta আরিশ্টটলের পোয়েটিকস্ বা সাহিত্যতত্ত্ব
- गाया ६ असालाम्ता
- ●सधूत्र्पतात तांठिक ৮-६०
- **ॐ** कृकक्साती ताँछेक ७-४०
  - **उन्हेंब** भूरवायस्थात बार प्रनीत
- নবীনচন্দ্র সেনের রৈবতক
- 👁 নবীনচন্দ্র সেনের প্রভাস 💮 💩 ০০০
- **②** নবীনচন্দ্র সেনের কুরুক্কেয় ৬·০০

বি.বি. ব্রাদার্স এন্ড কোং ১৯/১ শ্যামাচরণ দে ক্রীট কলিকাতা -১২ ফোন: ৩৪ -২০৯৫ তোমার বাড়ীর অসম্থ-বিস্থ কৈ কমিয়াকে শ্লিয়া স্থাঁ ২ইলাম :

বিজ্ঞাদিন পরে আমি একটি বিশেষ প্রয়োজনে হয়ত দুর্নিদনের জনা আমার দুই স্থীকে লইয়া একবার কলিকাতা যাইতে পারি। যদি ধাই ত কোথার উঠিব তিনোর বাড়ীতে উঠিব কি জন্মান সদি ভ্রম তেন্র বড়ী এমনি গোলমালশ্ন) হয়। দুর্মীতন দিনের কেশী থাকিব না।

নটকটি কাল হইতে লিখিব ভাবিতেছি। ভূমি বি আন ন্তন কিছা লিখিলে? একটি উপন্যাস লিখিবার চেন্টা কর না?

কলিকাতার থবর দিও। আশা করি ভাল আছে। আমাদের ভালবাসা জানিও। ইতি

> তোলাদের ক্রিক্সালের

হারিদাসবাব্র চিঠিখানি একটি খামের ভিতর দিয়া উপরে ঠিকালা **লিখিয়া** দিয়া আসিবে।

কবি হেমচন্দ্রের হাতের লেখাও ছিল
স্পাণ্ট ও স্কর। তাই কবির লেখার নম্নাবর্গ বংগার বাগদি ছাতি শীর্ষক লেখাটি হতে খানিকটার ছবি এখানে দিলাম। এই লেখাটির শেকে লিখিত ঠিকানা খেকে জানা ধার কবি তথ্য মালদহ জেলার বজ- **জা**লে এক আদিনা কলেওে সংগ্ৰে<del>। ব</del> সংস্কৃতিত ভিত্ত কলেও কল্পা

বর্তমানে কবি হেমচণ্ড বেনুকার প্রামে তাঁর জেন্টে প্রেরে করেছ হাটেন পৈতিক বড়ো ছেড়ে ফার্কা মতের বর্ত্ত দর্শপুর্বরের পারে ন্তুন করে কবির লেন্ট্র পরে বড়ো করেছেন। সেই বাড়াতি অসংপ কবি আপান মান ধ্যোগাখাশীমত লিন্ট্র চলেছেন। শরীর অসমুস্থ, মাধারত তিক গঠ কিন্তু লোখার অস্তাস ছাতুতে প্রেমা আগও। লিখেই চলেছেন কবি। এইসব লোখার মধ্যে অসংক্রাভাত থাক্যেও কবিতর এবটা স্থার একটা রেশ আগও স্পণ্ড ইলি

বহাদিন পর কবির কাছে গিরে হাজির হলাম। প্রণাম করলাম কবিকে। বহাদিন পর দেখা তব্ত চিনতে পারকোন, নাম ধরে হাসতে হাসতে আহ্মান করলেন। জিলেগ করলাম, কেমন আছেন থ

উত্তরে বললেন, "গরীর ভাল যাজেন।
দতি, পেট, আর মাঝে মাঝে জনুর। তোমার
দারীর ভাল ত ?' কি করছেন জিপ্তাস। করার,
নাস্য নিয়ে বললেন, 'দেলট ওরাক' করছি।'
বলে হাতের দেলটাট এগিরে দিলেন—।
লোখার খানিকটা উন্ধান্ত করলাম এংটো

্রস্থান্থ্য Razor রাজেতে হেমদা উঠে
দেশছিল সকাল হ'ল ফিনা। ভারে সে
উঠেচ। নানারকন পাখী ডাকে। ইন্দুরতা।
ভাগি হ'টে চলেছি সবি ভারা ঐ পাখী
ডাক আমার শোনালো। পাখীর ডাকে সকাল
হ'ল। ১ বার শোনার পর ভারছি সকল হ'ল ক্রি। বেরিয়ে এসেই দেখি হয়নি।
আর একবার পাখী ডাকল। ভারপর সকাল
হ'ল। দুটো। Adventum Spirit ভিলে
ভাতেন্ত্র (বেলা প্রহর। সকাল দুপুর

করে ল স্বোর কবি হেমচবদুর শিশ্যেন একদিন পরারি যে ছবি, বে পাথির ভাক, তা রভিন সংখা পরে তাঁকে কাব্য জগতে টেন নিয়েছিল, সেই কবির সত্ত্ব অসংগণন লোনী অভাও পাথির ডাক, সকাল, দুপার সংখ্যা ভূলতে পারেনি।

করির সংখ্যা বহুছিন পর দেখা করে 
মন যেমন আনকে ভরে উঠা—নহুংগ বেসনা১৬৬ তেমনি কাতর হলো এডবড় প্রতিভার 
তপম থা দেখে। হসাং দেখে কিছা বেন্দার 
উপায় নেটা। গণপ করছেন, হাসচেন, 
ভিন্তেন আমায় দেখে মার বাংশী হ লন। 
ছেলেকে চা দিতে বলজেনা। অবশা তব 
মণের চায়ের বালপ্রা হারছে। চা জলমানর মখন এলো তথা শিশার মত কবিও 
কল্লেন, আমায়ক একট্ চা নিভাই ভারপর 
কল্লেন, আমায়ক একট্ চা নিভাই ভারপর

উন্তরে বক্সনেন্ গ্রিছাই করি না, সর সংক্ষণ করিছি তেই পাড়ার মধে তেওঁ, মত অন বসে খ্যাক। ক্ষেট ওচনা করি করি গ্রেগ্রামা করিতার বই ক্ষিপ করি মেছ এগত ওবে বড় স্থিটি বিদ্যাবিদ্যাত বসতে ২৪ং বল্লেম্য, খ্রাট দ্পান্তর মাত্রা সতেওঁ করি মেত শিক্সাম, ভ্রান্থ

থ্য থাশী হলেন্ আনকেন হাসত বাগলেন্ বলতে আক্লেন সমার ছবি বলবেন স্থাকৈত ভাকলেন বার বার ছবি খোলার জনো। কিন্তু তিনি ছবি ভূগতে বজী হলেন বান ক্লেকখনো ছবি ভূগলান। থাবেলর বিনারের পালা।

তরি ছেলের সংগ্য কথা হাজা কবিব লেখা বইগ্রিল নিয়ে—তথিপথে (১০০৯ । মান্ত্রানীপ (১০৪১), তপনকুমারের অভিযান (১০৪৫), মান্সাবিরছ (১০৪৫), কবি কিশোর (১০৪৮), দীপাদিবতা (১০০৫) প্রভাত বইগ্রিলের মধ্যে যেগ্রিল বিকর বায় গোছে সেগ্রিলার প্রমান্ত্রণ, থোগুলি রায়ছে সেগ্রিলা বিক্রের ব্যবস্থা, পাণ্ডুলিপি-গ্রেছে সেগ্রিলা বিক্রের ব্যবস্থা, পাণ্ডুলিপি-গ্রেছ সেগ্রিলা বিক্রের ব্যবস্থা, পাণ্ডুলিপি-গ্রিলার আলোচনা হলো। এসব বিষয় জাতীয় সরকার না করলে আর কে করবে? এগ্রিলার বিদ্যার স্বান্সার্র্বি, সান্ত্রার সিক্রার না করলে আর কে করবে? এগ্রিলাল ও বিক্ররের ব্যবস্থা করা যায় ত কবির এই অসমায়ে আথিক সাহায্যও যেমন হবে তেমনি অনাদত প্রতিভা সাহতা জগতে নতন প্রেরণাও বোগাবে। অরও স্থানলাম ১৯৫৪ সন থেকে মাত ৭৫, পাচান্তর টাকা করে সরকারী সাহিত্য মাসোহারা কবি পালেন। অঞ্জকের দিনে এই সামানা টাকার ক্রতি ও ক্রিক্সায়ার সাধারণ ভরণপোষণ্ও কি সম্ভব? পরে ভার কর্তব্য করছেন কিন্তু তার সামিত আয়ের মধ্যে নিজের সংসারের সংখ্যা বাদ্ধ মা বাবারও চালাচ্ছেন। অসম্প কবির বাতে ক্ষার না হয় সেদিকে দাণ্ডি রেখে এই মাসো-হারা যাতে বাণ্ধি পার সেদিকে সরকারী দাল্যি আকর্ষণ করে একছাই বলাভে চাই যে. আছ কবি অস্থে উপার্জনে অক্ষম, অকালে বলিণ্ঠ লেখনী সভস্ব। সরকার যদি মালেখারা বাভিয়ে দেন, বইগ্রেলর একটা স্টিগিড্ড স্বোবস্থা করেন হয়ত কবি আরও কিছাদিন বচিতে পারেন। কারণ এই অসাস্থাতার মধ্যেও কবি বার বার বলভেন, আননার বইগালি ৮০৩ হবে, তাই থাতি অধ্যান্ত ভাষি কেই অভ্যন্ত আকাৰে। ব্যালিকের আশা কি বার্ত্তরে রাখ্যা করের

কার্ক প্রণাম জ্যানিয়ে বিসয়ে। নিক্সো। ভবি বার ধার কারেলন, 'আবার এস, ডোমরা ভাল মার ভাল লাগে গমরাপাকুরের পার নিক্স কবির ছেলের সংগ্রে কথা বলতে বলতে রাম্ভায় এনে উঠকাম ভারপর বিদায় নিয়ে ার একার : আসাবার - সময় বার বার মান হাঁচ্চল কলেল ম্পোর কবি **হেম্***ডে***র**র ভাগ পুতিত ত লেখনী হাকাদ্যকভাৱে সং স্তব্ধ হায় গোল। সাহিত। জগং । সাহিত। সমাজ যে কাব্রস থেকে ব**্ডি**ড হলে। ভা প্রন্ধরতে হালে কাঁবর সমস্ত প্রুস্তকগর্মান, গদ্ধতিগৈল্ভি সরকারী ফ্রেণ্টার **ব**ছাই প্রায়ানুত্র প্রাক্তর করে করেছের কণ্ড প্রয়ে, কবির প্রতিই কেবল কতাব প্রাক্রাইরে নামেইরা জ্লাত তক ন্তুর অধারা সম্প্র পুরুষ**প্রকর্ম** হৈ হারে এনেকারেই পথ কৈয়াব। আজ স্কলের তার কাফা তার। সংহিত। নিয়ে আক্রেচনার দরকার। কারণ তাঁর শ্রেখা নিজে বিলেক আলোচনা ইয়নি ৷ অহার পাশ্চলিপির দ্য সভাপালৈত চেহালা দেখেছি তা থেকে অনেক কিছা ধয়ত উন্ধান করা যাবে।

স্বাধীন ভারতে এই কবি আজন্ত কদি উপেক্ষিত হয়ে পর্যারি নিজ্ত কোলে ব্রক্তরা আশা নিয়ে তিলে তিলে অবহেলিত অবস্থায় মৃত্যুবরণ করেন তার চেয়ে জাতীয় অভিসম্পাত আর কি হতে পারে? তাই সময় থাকতে এই আশা, এই নিবেদন পশ্চিমবরণ সরকারের কাছে যে নদীয়া তথা বাংলরে একজন কবিকে তুলে ধর্ন সকলের সামনে, তাঁর মৃত্যু ঘটলেও তাঁর সাহিত্য কীতির বেন অপামৃত্যু না ঘটে।

#### কয়েকখাৰি বিখ্যাত বাংলা व्यववाम् aris water আগালী দিনেৰ সৌৰপত্তি कि अन शास्त्रीन क्रीनकात - 8.00 হচাৰিত্ৰৰ মোল উপাদান আইভাৰ এদিয়ত दर्शाश्च छेरत नम्हाटन বার্টন ভোস E-00 क्रनाकीर्य भाषिकी बार्शाहको क जाडेख 6.00 বিজ্ঞানের অভিযান क्यान्येख है त्नाबत्न - 2.60 শ্ৰীডাৰ পাৰ্বালাশ্য কোং মহাবিশ্বের সম্থানে इदिस्क ६ अन्छात्र न -- 0.40 আমেবিকার বিজ্ঞানীদের কাছিনী বাপড়ি ভাষ - 4.00 यरण्यत्र भानाः বোরল বেকার - 0.40 সাগৰ পোৰতে ৰাত্য আখার সি কাক' - 8.00 জীবের স্বভাবধর্ম এণ্ডার্স ও ব্যক্তরার্থ - 8.00 র্শিম (দুশা ও অদুশা) ু ভ রাইন্ফেড - 4.00 মহাকাশ অভিযান হেমত ই, কেওয়েল - ₹·00 बन्धाता श्रकालनी আমরা এবং আগবিক শস্তি জন কেওয়েল - 5.60 হোমণিখা প্রকাশনী ভোলরী বিজিপ্ত - 2.00 इलाम म्यान হার্কার ও কান - >.00 মাটি থেকে মহাকাশ কুইড তর - 2.00 অতীতের সন্ধানে বিজ্ঞান কৈন ক্ৰম্ভ পাল - 2.00 ৰণ্য সাহিতা সংক্ষান আধ,নিক বিজ্ঞানের গোড়ার কথা 57 4(E) আইজাক এর্নাসম্ভ —প্রতি খণ্ড ৩.০০ ৰাক্-সাহিতা মানৰ ও সমাজ-বিজ্ঞান करे.हाउँ ट<del>ा</del>इड - 0.00 এ ছাড়া নানা বিষয়ে আলো জ্ঞানক বই ঃ প্ৰতক্বিজেতাদের উচ্চ কমিশন: তালিকা চেয়ে পাঠান : আজই অভার দিন এম সি সরকার আণ্ড সম্স প্রাঃ লিঃ ১৪ ব্যুক্তম চাট্ডেল স্থাটি : কলিকাভা ১২

# जमद्दब्रज मिल्ली

খা স কনট শেলসে। এই সেদিন। কনট শেসসের চোখ ঝলসানো ঝকমকে করিভরে দিনদাপারে সেদিন যখন জানৈক ইউরোপিয়ান আংরি ইয়ংম্যান, বাকে বলে একেবারে উলংগ-দিগম্বর ভাই হয়ে দিখিব হাসিমাথে ঘোরাফেরা কর্রছিলেন তথন শপিং-এ বেরানো দিশ্বসনা-প্রায় অজণ্ডা স্টাইলের তংবী-তর্ণীদের কেউ কেউ হয়ত ভুর ক'চকে বিদ্ময়াভত হয়েছিলেন। তার-পর সে যে কি মজার হুলুস্থাল হুটোপাটি শ্রীলশ! এবং অবশেষে খাজরোকো টাইপের ইউরোপিয়ান পরেষ মহোদয়টিকে অত্তর্বাস পরিয়ে যখন মাননীয় আদালত ভাকে দুখ টাকা জরিমানা করে রেহাই দিলেন তথন তা শানে আমাদের এক তরাণ অধ্যাপক বংধা সংখদে বলে উঠলেন, 'মার, মার দশ টাকা? **°লাস আণ্ডার উইয়ার? এমন জানলে** আমিও—' কথাকরের মুক্তকটি লোনায়ার আমি একটি ভিন্ন আস্বাদের প্রযোজনে হইহই করে তন্মহোতে ওর সংগ্রামন হয়ে উঠলাম। কদিন ধরেই ভাবছিলাম কথাটা কি করে পাড়ি। সাযোগ ছাটে গেল। হালে সংবাদপতের পাষ্ঠায় একবাক বিষময় নিয়ে অসম্ভব হইচই হচ্ছিল পালামেনেট চেণ্চিয়ে মেচিয়ে প্রশ্নাদি উঠেছিল ছাত্রসমাজটা নাকি অধঃপ্তনে যাত্তে। তাকে অনেকের হাদকম্প। निक्की विश्वविमालासूत्रत वहालाकी स्नामानवाल ছাত্তভারীদের কেউ কেউ নাকি চরস নিয়ে আজকাল থাব চারশোবিশ করছে। তাই নিয়ে এই কদিন অধ্যাপক ক্ষার সংখ্য যথন তথন সমানে আমার কথা হচ্চিল মওকা ব্ৰে এখন ও'কে নিবেদন করলাম. 'মে আই জয়েন 'দ জয়েণ্ট?'

'श्रा?-आल्ड मा करश्रे?'

ওর ব্রিঝ বিশ্বাস হলো না। বন্ধ্রিটি ফোডা ফাউন্ডেশনের বদানতার পারিদ নিউইফর্ম টোকিওর নাইটলাইফ দেখেছেন। বললাম গোরাই নট?' কেন আমি কোন্ সাধ্যেদ্য মহারাজ যে চরসের আন্ডার থেতে

भूका नःशा अनाम-এ

## গ্রীবির্পাক্ষ

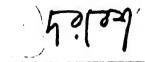
বাঙ্গ রচনা লিখছেন

(সি-৬২১৮)

আমার মাথা নিচু হবে? ফর এ পট্ অফ

পঞ্চনদীয়দের মধ্যে এমনিতেই বাঙালী রুচিবিরুচির বেশখানিক কেমন ছেন ত্রীয় ধারনা আজও আছে। কিছুক্ষণ আমার মুখের দিকে কিরকম ঘেন চোখে ভাকিরে থেকে অধাপক বন্ধা রাজী হয়ে গেলেন, 'অল রাইট। অই উইল ফিক্স য়ৢৢ্।—লেকিন দুসুরে কিসিকো বভানা নহি জাী।'

আমি তো জানি আমার মতলবটা সাধ্য বললাম, 'না কাকপক্ষী জানতে পারবে না।'



বাস্। সবদিকে অমনি চিচিং ফক।
আসলে কে না জানে রাজধানীর প্রয়
প্রতিটি অত্যাধনিক পাশ্চান্তাঘোষা শহরচলিতে মারিজ্ঞানা নিয়ে বে-আইনি
মাতামতি এবং ফলাও কারবার চলছে। ওর
চল হঠাং ধনী সম্প্রনারের মধ্যে হু হু করে
ছড়িয়ে পড়েছে। অবশা সরকারি আইনকান্ত্র
আইনত এ বিষয়ে দিখিব কড়ারকম। তবে
আভিজাতা শহরতলিগ্লোর বেচারা
থানাগারর। ও-সব দেখেশানেও না দেখার
ভান করে বসে থাকেন।

আনার অধ্যাপক বন্ধা তরি এক ধনীর দালাল ছাত্রের সংখ্যা পরিচয় করিয়ে দিলোন। অধেক কথা শানেল কি শানেল না, ছাত্রতি প্রশন করে বসল, খারিজায়ানা?

'চরস, ইয়ার, চরস।'

এ নাহলে আর দিল্লীতে অধ্যাপক!
প্রয়ং রবীণ্টনাথত এমন স্কুণর শক্ষে এবং
এত সংক্ষেপে জিনিসটাকে এত সহজে
ব্বিয়ে দিতে পারতেন না। ধনীর দ্বলালটি
জনতিবিলদেব বাড়ির গ্যারেজ থেকে নিজের
গাড়ি বের করে তাতে আমাকে তুলে নিল,
নিরে হাই প্পতি এল দশ না বারো মাইল
দ্বেরর নয়নাভিরাম কৈলাশ স্বাবে । এসে
এখানে সাড়ম্বরে পরিচয় করিয়ে দিল এর
সিশ্ধী ক্লাস-মেটের সংগ্য। দ্বশিক্ত মাটে
তর্ণী ক্লাস-মেটে। পরনে হল্ব হল্বদ
ফুটিক দেওয়া জ্বান্বঙর জ্বানা আর

খালপাতা রঙের স্ল্যাকস । পরিচিত চলা ভাইংরামে বসে বেখানে টোলভিশন। অভঃপদ বাডির বাগানে ডেকচেরারে বসে ফ্রীজ-কোন ভাচ বীয়ার **খেলাম। এইখানে** বীয়ার খেতে থেতে ভারদের চরস চল্লের সংশ্য পরিচিত হবার বাসনাটা এবার রয়েসরে পাড়া হালা। 'e আর বেশি কথা কী।' এই স্ল্যাকস প্র ভাক-বা গগলস চোথের সিন্ধী ছালারি ভার নিজের গাড়িতে করে পরের দিন যথাসময়ে আমার বিশ্ববিদ্যালয়ের কাম্পাস সোকা নিয়ে একো। পথে আমায় প<sup>টু</sup> পট কৰে শিখিয়ে নিরেছে আমি যেন চরস-চরে চাক নিজে থেকে মাখ না থালি। পরিচয় ট্রিচ্ছ হা দেবার সব ও নিজে দিয়ে দেবে। शहकार 'জাপনার গুণা-প্রাস গগ লস ?

'গগ্ৰস্?'

'হার্ট ভাক' গগ্লিস্ ?—চশমটো খ্রে ফেলে এখন গগ্লিস্ পর্ম ' ফেরেটি এদ-এ ক্লাসের ছাত্রী। বাবা শ্রেমিছ বিগ বিজনেদ-মান। ব্যাঞ্চক-এ। দিল্লীতেও। 'কিন্তু গগ্লিস্ তো আমার চেই।'

দেই গ কেরেটি ব্রথি একটা সপ্তস্ত হলো। ওর উত্তম ধরকের ফল্সীটা কথা যেন কোন সমরে ব্রেকর তেতর থেকে খাল ফেলছে। তাই ব্রকস্টো এখন সিগুলিস্ লগেছে। বললাম, মি গগ্লস্থ অমার কেটা

চট করে কি ভেবে নিয়ে শ্লাকস্পরিহিত। ছাত্রীটি আহত নিঃশ্বাবেস করতে, 'আছে', তাহালে এমনিই চলান।—হার দেখাই আপনার। যা দেখাকে শ্লাক্রন মন্তবন করাউকে হেন ম্বাক্রন তা বলাবেন না কিবত।

ক্ষেত্রিণেরে এইরকম বোগাযোগে অনি মিছে কথা বলে থাকি। তাই বললমি অজ্ঞা

কামপ্রেস চাকে নামকরা একটি স্টাটেটি হাস্টেলে এলান। আমার সংগাী আমাকে বাইরের ঘরে বসিয়ে বেথে একা একা হস্টেলবাড়ির ভেতরে গোল। মিনিট ক্ষেক বাদে ফিরে এলে বলল, গো। আপনারে দেখাছি তাকদির খারাপ। এখানে আপনাকে ইনটোডিউস করা যাবে না।

'ভাহলো?' খাব দমে গোলাম।

'আস্ন দেখি। আরেকটার।' মেটেটা অসম্ভব চটপটে। ক্যাম্পাসের বাইরে এসে বলল, 'আসলে কি জানেন, ওরা নতুন লোক-টোক তেমন পছন্দ করে না। একটা ঝিল ভো আছে। হাজার হলেও ইউনিভাসিটির মধ্যে কি-না।'

মিরাণ্ডা কলেজের রাস্তার ও বধন গাড়িতে মোড় নিল তখন আমি বললম. আছে আমি যে শ্লি এখনে মহিলাণের হলেটালত মণ্টদ নাকি একটা আধটা চলে?'
চললে খারাপটা কী?'

না আমি এমনি বলছিলাম আর কি।
ধবরের কাগতে পড়েছি নামকরা একটি
তেরে-হল্টেলের মেন গেটে নাকি প্রত্যেক
সোমবার সোমবার ভোরবেলাম কবাড়িভালাদের ভিড় জমে বার। থালি দিশিবোতল কিনবার জন্য। রবিবার-রবিবার
সংখ্যা নাকি থাব জন্যে এই বড়বেল কী

এবর আমরা সাণের কিট্রাট একটি মডান বাড়িতে এগাম। ছিমছাম বাগান। কংশাস থেকে বেশ কিছ্টো ন্রে। সংগী আমাকে বাগানের শেতপাথরের চৌকিতে বসিরে বেথে ভেতরে চলে গেল। মিনিট-লাই লগেছে কি হল্লি, সে এসে বলল আশ্লাকেও কিন্তু এরা যা দেবে তা থেতে হবে — নিন্তু

সংখ্যা তথ্য সোৱা স্থাটীটা কৈছি ঘড়িতে ভট দেশলাম।

রমুস্ট**র** व्यातम् ५ छ। অন্তর্ভিট্শন্ড ঘর্টায় আনের স্ভেন এলাম গে হারে জনাসংশক ছাত্র<sup>্</sup>ছল। গেনাগা্নতি රුන්රී මැද්දී 1. ඇමර එමර කරුණා 1 රෙමර්. একটা পঞ্জন। মতুন আবদতুককৈ দেকে কেউ দ বিরুত হালো বা কেউ খ্≄ী ডা ব্কা≇ প্রস্তাহ না াকেন না হাবছ, আর্গায় ঠক-মত কিচাই ঠাইর করাতা পারস্তাম না । কে ক্ষম আলার নিশ্রে একটা আন্মান্ত প্রধান **জ**ুড়ে িন্ধ্য প্রকল্পকে সামার সালের প্রতিক্ষে কম প্রয়োরের বৃদ্ধধার স্থান্ধা। তাত আবার শীলচে এমাল দিয়ে বেশ শশু করে জড়িয়ে লেকেট ভাকা।। সরজের জানালাল পরের প্রে दक दशर आर्थाश दशका. ाँशका ইবিলেষণ যেকে ভাতি স্তর্ণি**র** ইতুষ্ত্ত সেগে: অসরটা বেশ জামতে বলে অনুমান করসায়। কেউ আধ্যান্তা, ত্রুট বসা, কেউ স্টান দেকোতে। সার যেমন মাজি । ঘরের এক কোণায়। বড়মাপের একটি ধেকভ কেলয়ার। ত। কেন্ট বাজাজে না। কে যেন গ্রেমর উঠল, 'একট্র জল।' 'ট্রানিসিস্টার'ও অন্তে। তাও প্তথ্য যে যার খুশী মতন চুপ্চপে। বা একটা, আষটা, কথা বলাছে নিকটের মানাকের সংখ্যা নজরে পড়ছিল, প্রথম থেকেই, বিদ্যু বিশ্ব আগ্রনের টিপা সিগারেট। বিগারেটের তামাক ফেলে হিয়ে চরস। ্য চরসের কালোবজোর চার্নিচক। যেখান থেকে বিশ্ববিদ্যালয়ের নিকটে বাুঝি সমুস্ত কৈকিকোলার দেকোনে। চরসের ফলাও কারবার। চোরাগোপ্তা। লেনদেন আছে শ্রেতে হাই ফিনেনসিয়ারদের; পরে <sup>খ্</sup>টারা কুইক প্রফিটওলারা যে যা পারে <sup>দাঁও মেরে</sup> উস**ুল** করে নেয়। প**ুলিস** সব লানে। সরকারও সব জানে। তবে কৈ না কেনে৷ জানাজানিতেই শেষ প্ৰণ্ড কৈছ হয় না। এইপৰ ছেলেমেরেদের অততত কারে কারে মানবারারাও জালেন। ওঁরা হরত চুটিরে ককটেল পার্টি করছেন। ওংলের ছেলেমেরেরা আসে চরসচরে। একা একা একা মার্থিক অভার হাকার কথা নর। কলেজ থেকে বেরিরে কেউ যে বেকারছকে বরণ করতে বাধ্য হবে ভার মনে হয় না। তবে এর কৈফিরতা কী? এই দ্বংশার সভ্যের হকে সেন হে'ড়ে গলার বলল, সান্য ঘারডাবেন না।

এই পরিমণ্ডলের মানেটা কী : এরাই কি নতুন ক্ষিক্ষানী গ্রেণী ? প্রশের ১ প্রতা: ভবিষাং বাবেরাক্ষাট্য ? চলচ্চিত্রে নাটকে সাংবাদিকতার এরাই প্রথ দেখবে ? আমি কি লিখৰ না লিখৰ সে পাঠ দেকে

নিরীহের মতন চেরে চেয়ে আমি স্ব দেখতে জাগলাম। ছোটবেলার কথা মধে পড়ল, বেনারসে বাটে গংগার তীরে দেখতাধ ছাই ভাশমাখা সাধ্দের। ওঁরা কবে গালার দম নিতেন। বিন্দুটো বিকট দুর্গাধ। কই, ওঁনের তো কেট খারাপ বলত না।

এ কি ছেলেটা ঘ্মিয়ে পড়ল নাৰি? এতক্ষণে কৈ বেন আমার বসতে বলল। বলে আমার হাত ধরে বসিরে দিল একটা সোকার গদিতে। ভাষার টান শ্নে কেমন বেন মনে হলো ছেলেটা ব্যি বাঙালী।

নিৰ্ঘাত বাঙা**ল**ী।

এবার অব্ধকারে ৮প্টে হারে আসছে

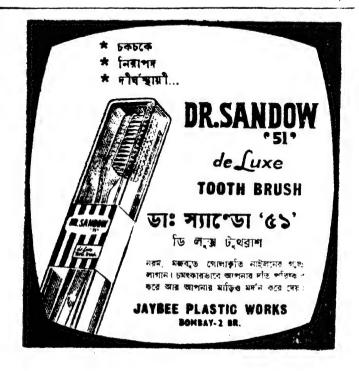
রাজতরঙ্গিণীর দেশে ৮·০০ এই রোদ এই ব্যুল্টি ৫ ৫০ দোলনচাঁপা স্ফাট্সেন।। ৯০.০০ বিষের রঙ খ্নখারাবি শ্রে বিতান

চিরস্থার সেন ॥ ৬-০০

कुमान्य वरम्भाभाषगरः ॥ ४-४०

ৰণালী প্ৰকাশনী ৭৩, মহান্ধা গান্ধী রোড, কলিকাতা-১

\*\*-5350)



আন্দোর ছারা। আনেকটি ছেলে বার মুখখনো একগম সাংধ্বদের মতন টকটকে কসা, চরস-ভরা একটা জ্বলভ্ড সিগারেট

> কসিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক শ্রীজাহ্ণবীকুমার চক্রবতী

> > STEPHÍNE.

विषव, क

ৰাশ্কমচন্দ্ৰ চট্টোপাধ্যায় - প্ৰণীত

**লিপিকা।** ৩০ ১ কলেজ রো, কলিকাতা-৯ **দে ৰুক স্টোর্স**। কলিকাতা-১২

(1িস ৬৩৪০)

প্জা সংখ্যা প্রসাদ-এ

শিবরাম চক্রবর্তী

बाक बहुना लिथछन

(TX-422K)

0.00

### नजुन नारेक

अहे आगरफेर शकानिक राष्ट्

ধনজয় বৈরাগীর কৈ'চো খ'ডেতে সাপ ৩০০০

পাথ'প্রতিম চৌধুরীর

শন্দর্প ধাতুর্প ৩.০০

শক্তিপদ রাজগারের

প্রজাপতি

কিরণ মৈতের

কৈচে গণ্ডুষ ২০৫০

वौतः भर्याशासासात

व्यम्ल बामल २.६०

গঞ্চাপদ বস্ব

বিশ্বাসের মৃত্যু ২.০০

खारता अरनक नकून मार्छक

সিটি ব্ক এজেন্সী

৫৫, সাঁভারাম ঘোষ স্থাটি, কলি-৯

আমার তাংগালে গাতে দিল। বিজে জিগোস করল হিন্দীতে, আপাকে ইসমে শ্রীফাট

্য ওর্গটি এখনে জন্মকে এনেছিল আমার হরে সে তথ্নি জ্বাব দিল ইনি মহব্ব আলী। কবি। গুটিয়েবাদ কলেজেও লেকচাবার।

মনে মনে আমি খ্ব একচেট হসেলাম।
পাটো আমি কারো নামধাম শুখোলাম না।
যে আমাকে এনেছে দেখলাম তরও গুখে
চরস-সিগারেট। শেখনেই বেনা বয় চরস।
এতে নীল নীল স্পিলি ধেনি।

মিহি একটি কণ্ঠপর 'এত রাজিসমুখ্য তেনোর কে অনেতে বলেছিল?' উভরটাও কানে এলো, 'রাজিসমুখ্য অবের কী। মতে একজন।'

'দেখিস চল্লে পড়িস না আবরে।'

দেশলাম প্রায় সকলোর চোথেই ডাক গণালস্। জানতাম না আলো লেগে চরটের নেশা মিইগে যায়।

সকলের মাথে ঠেটি বুণিধর ছাল। স্থার সধ দ্বাদ্ধাবান ব্যক্ত ব্যক্তী। কেউট বিশাবাট্য বছরের উপর এর। প্রাধ্যিতার অপ্যাল্যে ভাইলে এণের জ্পুয়াহাত্তী।

নতুন জেনারেশন। বিস্তবানদের সংভান আগবি জেনারেশন। এব ই কি ভাইলে "বিজ্ঞিনতাবোধ"এ জুগছে? তাও এখনো জানি না। এব বিজ্ঞাতাবোধ"এ জুগছে? তাও এখনো জানি না। সবার অংশ ম্লোবন পোশাক। সাটে সাটা। শাড়ি সালোওয়ার। গাড়িবারান্দার দেখেভলাম বিদেশী মাকা লিখেজিন। শাড়িবারান্দার ও জ গেখেজনাম বিদেশী মাকা লিখেজিন। শাড়িবারান্দার ওস টি সি খেক নিলামে চড়া ডাক দিরে কেনা। কে জানে।

এগের নাজিশটা কী? ধৌবনের কোও এ নিরাপতার অভাব ? শহুরে জীবনে বিতৃকা? মেকি সমাজের বিবৃদ্ধে বিক্লোও ১ কেন এই কেনা প্রবেজানিঃ ১

শারীরিকভাবে এভাবে শ্রাক্ষে মধ্যর তাজাশাস্থান কেন্দ্র এবাই হবে জেগক কবি বিশ্ববাই ?

निरमाङ ? कात विशास्त्र ?

কেন এই শ্লেষ কনোজাব? না কি বিসেমারক? নাকি এবাই হবে নাতুন যাুগোর বাহন?

এনের ফ্রিগ্লো এতই জানা, প্নরাক্তি নিম্প্রয়োজন।

আন্তর্গ উদ্যাগ পরিবেশ। এটা চরস চক্ত্রনা নবদেশান্মবোধ চচা ? বে মেরেটি আমার এথানে এনেছে ওকে দেখে তে। তীপার বৃদ্দির অধিকারিশী বলে মনে হলো। একদিন ওরই কাছ থেকে আদা করি এ বিষয়ে কিছা আলো দেখব। এখন ওকে ডেকে ফিসফিনেস গলার জিগ্যাস করলাম, থেখেত কি বকর লাগে?

'এখনো খেরে দেখেন নি?'

शाबा नाएनाम्।

্ৰিশ্ৰিকা<mark>রি ও</mark>ড়ে টান বিন, নই ন ত**্ৰ** বিপৰে পড়বেল

जान्योग्डकः। अधे कि विकित्यम्य २

নিক্ষাম আগেও করে একটা রন্য সিগারেটে। এখানা ওতে আগ্রেন ছিল। আবার দিক্ষাম টান ফোরে। মাধ্যে থেন কিমাকিম করে উঠকা। কে থেন করে ধেনামোক দান ল আগেও করে আবাদ্ধান দিক্ষামা। এই বেখতে চেরে যে ডেলে দলের এতে কী শানিত পাস্কা।

থিম ধরে এল স্বাল্পার খার জেও টান দিয়েছিলামা আন্তেত তাক্ত লগত আবদ্ধা অসপ্ট হয়ে গোলা। কারে ছত্ত্ত অবে আহ্ম স্পান্ট করে দেখাত কেলছে ১০ টা•দুয়ুগ**্রিল** িশ**্বি** \$78 S. \$18 i শৈরদভাটা কেমন নর্ম হার জেল: era বলে এল এস ভিট ছো কেন কাৰ্য লাভ ভারতীয় চরস। কিন্ত এখন এ কেশ ন্ত্র প্টাইজিশ মোড়কে মাজিজায়ানত : রাজ বদলে আসছে ভুস্বগাঁ আনেত্রিকা ভারে। গুরের উচ্চিত প্রসাদ না কোলে অন্যানর জার চলে না। কে বেন বলেছিল --হোমেন দৈ জাক', উই জাক' লাইৰ নাড। হোরেন দে টাইফা, উই টাইফা সাইক কল। ভাষের মরকাও আমানের স্বর্গ।

বাত ভগল ক্ষেত্র নটা।

কৈ কেন্দ্ৰ আমাৰে কামেৰ পাৰে কামৰ, ব<sup>8</sup> গৈ মাজা সেকাছে একেছিলেন গ

আরো ক্ষণকাল চুপ করে বসে থেকে জীব দীড়ালাম। পদা সরিয়ে বাইরের বাগাদ এলাম সোজা। চমংকার বাউসে দিক্তে বাইনি আর ট্রাটাপ বালিটা। মনে পড়লা, সেই ইউরোপিলাম ইয়া আন্তর্মি মাদান মার্যাদর আজা কের আবার কন্ট পেলাসে একংন নাম-দিগাদরর হয়ে ঘ্রের বেড়াজিলোন। মান পড়লা, পালামেনেট আজাকে মাল্টামানী আমাল করেছেন। দানু-জন মানানীর এম বি বরাটে পাতরে হালে দাবী জানিরোধন আবা বাহকমানদ্য চট্টোপাধ্যায়াকে প্রাক্তার করা থোকান কেন্ত্র

### শ্হ া ইয়ার

11 5 11

আলার কাছে হাট্ডে আরও অনেকেরই আছ 'দেশ' পাতকৰ আনাতম জ্ঞাক্ষ'ণ স্থান মাজতবা আলার 'শহর-ইরার'। তব स्वयस हारा साहब शास महान হয় সৈয়ন জ্ঞাষ্য যে রেশনি इन्द्राप्तव 27.452 ্ত্ৰক্তিনী আৰ एस: म *विरसाभा* व প্রায়ং পরেষ নাম **রাজে** 373 **97.78** রভাসির ভারতেরর **৴চ.খ প্রীধর্মভিল** জা ্ত্ৰ লগেকটাই হিছুমিত শেহৰা-ইয়াৰ এর রিণ্ডিং গুর্নি চলা **গলে। নাকি প্রথ**ন ুলার্যু প্রশ্রেকটে বিয়ে আরেরা উচ্ছর্মিত লোৱ আন্তাভায় আহত ? এমন নয় যে ১৪৫ চেট বাহিমিয়ান স্যাক্ষ্য, যা সম্ভব নভাছল কথা ভাষার **ডা**ণ্ডার থেকে নতন তিয়াপদ সংগ্রহ করে বাকা-বিনারেস তাংকম চ্টিড় স্টেল্ড বৈচিতা সাধ্যম এবং 12 24 भारकार प्राप्त भारतिक के के देश<sup>8</sup> রংস্থা ভাষ্টার শাক্ষর আভিয়ন্ত ত্রাছে পড়ে না। **কিন্তু পা**ন্নহণ্-এর বুলাহিত ভালাতে জেলালো, বাকানা, ঘাড়েড মা ভাষার সাক্ষয় সভাত সভারে কবিছ-#(৩% যে অভিরেশ প্রশ্রে আছে বা চেচা-ক্রিবীয় শস্টু আৰহ্ম ভ্রা হা বিক্রাজন হড় **আক্সির্কভাবে জনুলো** টিটে দপ কার। তার ক**ত**টাকে আলু অব্নিক্ট লৈনে সংগ্ৰেছ ক্ৰে**থা**ত স

শ্বর ইয়ার। প্রচাত পঞ্চ ভয়র নেরছিল পথার। আমাস বাব্যার প্রীত্তা নিরছিল বিদেশী রথার বারার যাজন্ত নারছে কিন্তু সেবালি নেতাবই থেমালী-ভাগ প্রশিক্ত। মানের মানের বৃচ্চ কথা স্বালাভাবে বলাতে বিদ্যু ইন্যুপাতারাধে বাঘাত ঘটিতে। এবং মান অভায় আমি স্বালাভাবে বলাতে বিদ্যুল্ভার বিদ্যুল্ভার বাঘাত ঘটিতে। এবং মান অভায় ক্রিক্তি বাঘাতিবে বিদ্যুল্ভার ভারতিবিভাগাত এবি বিশ্বাপ্রস্তুল্ভার ইনিভিগাত এবি বিশ্বাপ্রস্তুল্ভার মাহিতিক র্মিতি ধার স্বাধ্যা করিব আমানার্য্য প্রত্তিব মনে স্বাধ্যা স্থিতির অমান্ত্রের।

२०६५ १६ क ५७५७ हेम्सम अहराहर १९९३ (संचापा) सद हरूमा**क स**। 🕮 हरूमा-ত্তির ক্রেকটি হালা, প্রত্তে মার্কের স্টান্ট কৰি প্ৰাণ্ড পাৰটা কা ार नकता 'প্রতিশি বৈদ্যা, আছে: 'প্রা,বিস্' প্ৰিক্ত উপন্যস', 'বড়বাৰ,', 'মা ভিত্ৰ বিদ্যুত্যাড়', **'ভাষা**', 'গণতে ক্রমা गाउड़ान', 'काथ,शिका', 'तमाग्र ह्या', 'डिन्का', Y 34 3 রায়া, বিশিশী 'য় শ্রানে' <sup>্দিন</sup>িকিল মাকিকিৰী হ'হ', কছিল, भिन्न जालानमा कामाद्यस्या, कादादादि



ও প্রীন্তীরাগক্ষ প্রমহংস'। বিষয়
সান্সারে শৈলীয় রক্মফের আছে।
সাহিত্যিক বিচারে রচনাগানি সমপ্যায়েরও
নয়। বিষয় যে অনুলা শন্তি এগানির
অন্তার এক নির্বাজ্জা যোগস্তের হত
প্রবাহিত তা নাজতবা আলীর অসাধারণ
দ্যাতিম্য বাবাশিক্ষ যা শ্রেষ্ তার পক্ষেই
স্মত্র হয়েছিল এবং যার অন্কৃতি
১০৭৬এ তার পক্ষেও অস্ত্র

নরাসী ও ইংরেজি 'ব্যক্ত্রাংর্' বা রমারচনাপ্রলির প্রাণবিশন্ ভাষার বিস্মরকর প্রতিময়তা। ইংরেজ লেখকের রমারচনার ও বা তার চন্তি পার খোঁচাওলালা সাক্ষেন ও বিকম্বিত লগতিন লাকের টোকাটাকিতে। ইংরেজ জার্নালিজন্ম-এর নিশ্ব অন্সরশে তংসন, তুশ্তর আরবী, ফাসী, এমন কি কার সী ও জানা শক্ষের ম্থারোচক এবং সংপ্রিম, ইয়াতা সর্বশেষও, সাধিক পার্ট মশ্রলী সম্ভব হয়েছিল ম জাত্রা মান্ত্রী সম্ভব হয়েছিল ম জাত্রা মান্ত্রী ক্রমন্ত্রী ক্র

প্রাতিশিষ্ট্রর দুর্থ**ছি মাধার উপরে** হাত ভূলে এক প্রাক্তা**স ছেড়ে দের আর** 

আলবা অকগা ভাসগ্রেলা \$ 7°5 ভাগত ভাগত লোগে আলে। এখালে খন আকাশের অন্তরাল থেকে কোনো ইণ কর আকাশ পাহাত বন কল ০ই হরতন চিরতন তাহিতন ইশকাপানর নার-ধনা তাস কাচে দিয়ে ভাঁকে ভাঁকে কটাক নিয়েছেন। কিল্ড এ ওপতাদ লাল-কালোও দ্য রঙ না নিয়ে মেলাই তসবির না একে এক নীলের ভিন্ন ভিন্ন আন্তাস দিলে অপ্রের क्षक (इक्कि-वाकि एक्स्स्क्रम) स्था बाल ঘুম ভাঙল। দেখি আমার অজনোত বাহি ওলারা 077 আসমানের ফরাশে এখনে ওখানে ভারার মোমবাতি জনুলিরে द्धाः शिरहरू । अवाद्य भाषताद्वव ग्रामारस्या वम्(दः" (हिल्का)।

বিদেশী শব্দের যে সম্ভারকে তালী সাহের ভার লেখায় বার বার কাজে সাগিয়ে এক অপুর্ব এফেট্র সুন্ধি করেছেন তার ক্ষেত্ৰী হ'ল "মুবহ'বা' 'আফরীন', 'মেহেরবান', 'হিম্মং' 'গলেজার', মজলিস', ভামাম', দোস্ডি', আসমান', 'মোল', 'হৰ', 'কসুর', 'পামিল', 'বেআদবী', 'গোস সা', 'ধররাত', 'বরসাত', 'র,খাস,খা', 'মোকাম', 'ফারসং', 'জবরদৃষ্ট', 'জাসান', 'মেকদ্রে', 'বিলক্ক', 'ভাৰজব', 'নোক্রি' 'হার্ড'র' 'ক্লীসপ্', 'জিকটিং' 'প্পাঞ্জভা', জাঞ্জনীয়না, 'রট', 'वय्के ('भागिन', 'ब्राक्टमन' 'ब्रुएडम' बद् 'इधारतमाहेना'।

শহর্-ইয়ার' পড়াত পড়াতও আমরা বিদেশী শশ্বে ঠোজর খাই, বিশ্**তু কই** তেমন তো আর চমক লাগে না। বাকোর বে

ৰাগখ' প্ৰকাশিত

অধ্যাপক সূথেন্দুস্নর গঙ্গোপাধ্যায়

### সমালোচনা-সংগ্রহ পরিচয় ৩১

ালে সামকোচনা সাহিত্যার ইতিহাস ও সমালোচনার শ্রেণীপরিয়ে সহ কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় প্রকাশিত সেমালোচন সংবাহা প্রকেশ্ব নির্বাচিত প্রকেশ্ব বিস্তারিত অংলচেন। বি-এ অন্যাসেরি ছাত্রছায়ীর অবশাপাঠন।

অধ্যাপক সরোজ হত্ত

यधाः १क उ.घ. ला मदकात

রৰীন্দ্রনাথের বিচিত্র প্রবন্ধ ২০৫০ ব্রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতত্ত্ব ৪১

সংবাহন দত্ত ও অলোক বায় বৰীন্দনাথের কালান্তব ৩০৫০ बदलाक दारा

THE STATE OF STATE

প্রবন্ধকার বহিকমচন্দ্র ৩

অলোক রায় **স**ম্পাদিদ

माहिलादनाय-नाप्रेक

সাহিত্যকোষ—কথাসাহিত্য

পাঁচ টাকা

Eran Dram

ন্টক এবং উপন্যাস-ছোটগাল্প সংকাষত যাবতীয় পরিভাষ্য এবং তাত্তর নিভাব্যার্থ বিশ্তারিত আলোচনা :--বাংলাবেশের প্রথাত মাতিতিকে এবং অধ্যাপ্রামর বহন্য সমুস্ক।

বিভয় কৈ**ন্দ্র ॥ জে বাক দেটাল,** ১৩ বহিকাল চাট্টালোধালে পাটীট, কলিকাতা-১২ **এবেল পাববিকেশ্নস**, ৬৭/২ মহাম্ম গান্ধী লোভ, কলিকাতা-১ ইন্দ্রজ্ঞাল আলী সাহেবের রচনাগ্রিকে অ,ছ্রম করে আছে ১৩৭৩ পর্যক্ত তা বেন হঠাৎ রঙিন কথার কুয়াশার মধ্যে মিলিয়ে গেলা। 'শহর-ইয়ার'-এর স্টাইল 'চাচা-কাহিনী' ও 'দেশে বিদেশে'র অসামানা গদ্য-শিল্পের শোচনীয় ট্রাভেম্টি। অথচ বিশ্বাস করতেও মন চায় না ধে 'শব্নম্'এর লেখকও কোনোদিন বৃশ্ধ হ'তে পারেন, ভারিক প্রতিভাষ ভারী পাতত পাবে।

রঞ্জন বন্দ্যোপাধ্যায় স্কটিশ চার্চ কলেজ

भ्जा मःथा अनाम-अ

# সুপ্রিয়া দেবী

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(সি-৬২৯৮)



11 2 11

দেশ প্রিকাষ শ্রুদেধয় আলী সাহেবের 'শহর-ইয়ার' উপন্যাসটি তাঁর প্রে লিখিত 'শ্বন্যা'এর মতন্ট পাঠকদের বহা প্রশংসা অর্জন করবে বলে আমার ব্যক্তিগত বিশ্বাস। বচ ব তাছাড়া বৈশিখ্টোর দিক form विरम्भवासन कवरमञ्ज समा सःस स्य. अदे উপন্যাসের চরিত্রগালির, বিশেষ করে 'শহর-ইয়ারে'র কথোপকথনের মধ্যে আলী সংহেব তাঁর স্বভাবসিদ্ধ রচনা পদ্ধতিত নৈপাণো বাড়তি 'ফাও' হিসেবে আমাদের অজানিত বহা মালাবান তথা পরিবেশন করে গেছেন। এই অতিরিভ পাওনার অধিকাংগ তথাই পরিবেশিত হয়েছে রবীন্দ্-সাহিতা প্রসংকা হার ফলে কবির বহা কবিতা ও পানের অংক্লিচিত ভাব ষ্থোপ্যার স্থানে আলী স্তেব উপস্থাপিত করে আলোচা চরিতটি পাঠকদের মানসপটে মূত ও বাস্ত্ৰ আকারে পেণছে দিতে সমর্থ হয়েছেন। আর সেইজনেটে হয়ত শবনমা চরিত্রের প্রক্রান্ত ক্রিড্রকে শহর-ইয়ারের মত আর একটি নাৰী চবিত ফান্টির সধ্যে অকপটে স্বীকার করে নিতে ভল হয় না। র্থীন্দ্র কার্যাশ্রিত হয়ে চরিত্রটি এক অস্ধারণ সৌন্দর্য বহন করে আমাদের ভিতরে আক্রণ্ট করে রেখেছে। অবংশয়ে বাড়ভি পাওনা স্বরাপ রবীন্দু সাহিত। ছাড়া মাঝে। এখে। কবির ব্যক্তিগত দ্র' একটি ঘটনা যে আলী সংহোৰ আমানেৰ কাছে পেণীছে নিয়েছেন ভাব জনো ভাঁকে আমাৰ আন্তবিক ধনবোন

জানাই। বিশেষ করে উপন্যাস্থ <sub>এই</sub> ষায়লায় উল্লেখত, "শুশ্ৰেডিয় ৰূপে আঞ্চিত্ৰ গুরাদের প্রাসা হয়ে উপাসনা কর্জন এট উভিটির মধ্যে কবির দৈন্তিন ভাল খলরে তাঁর আধ্যাত্মিক চেতনার পূর্ণ <sub>পদাস</sub> লক্ষণীয়। যদিও কবির আধ্যার্গিয়ক চেক্তর নিদ্ধনি আম্বা ভার বহা কবিভায় গ্লে এবং সংবাপরি 'শাণিতনিকেতন' <sub>প্রের</sub> rপায়েছি কিল্ড ভার দৈন্দিন জার<sub>ন যান্</sub> প্রসংগ্ প্রাবলী আত্মক্ষা এমন কি কো প্রক্ষেই ভার প্রতিপালনের উল্লেখ না ভার এই ধানী রূপটি আমাদের মানসভর কাল্পনিকভাবেট রেখেডি। ভট উপন্যাসে উল্লেখিত এই স্থাপ্তি R 24 একাচত সালিখা যারা পেরেছেন ভাষে কাছে নাতন না হলেও সাধারণ সমাজের কাছে একটি নাতন তথা। আলী সাক্ষেত্র বাণতি এই ঘটনটির অন্যাপ আৰু একটি ঘটনা আমি বহাদিন পাত' দ্বগাঁৱ ক্ষিতীয়েছন সেন শাস্ত্ৰী গ্ৰামায়ৰ মানের সামের ছিলাম। যতদার মনে পাড়ে তিনি কলকভেন্ন একটি সভাষ বস্তুতা প্রসংগে এট উল্লেখ ক্রমেডিলের। সভাবর পাঠকানর ক্রান্ত লিকেলা যে আখাব কিমাভিব্যাত যদি হুকান হুলাখ তুলি প্রিক্<mark>রিকাত</mark> তথা লাখেন নিজ গাংগ সংগোধনা কাৰে জাংগোক গান ক্ষ্মাঃ সংখ্যীয়হান্ত্র কতেকি ব্লাভ ঘটনাটি এই বৃষ্ট্রেলি শ্রেটিভানিকেরের शाकाकाक्षीता गराकरी अम्बाद करारा । काँग्र এই প্রাস ১% থাকর রাপটি। কৌটেই বল্ভ কবি কখন খাছ খোক উঠে এই ভিয় পৰা কাৰণ কাৰেন সংগ্ৰহ দেখবাৰ জন্ম হাতিন ভারতী হন: সেইছাত 140 1000 ভ্ৰাক্ষা হয়ত ব্ৰুচ চুলিল চুলিল লিজন হয় চুলিক্ষা **ক**রে দেখালেন যে, ফাব স্থান মেরে । দিই \$୪୪୭ ଅଫର ବିହିଷ୍ୟ କ୍ରେଷ ଅଞ୍ଚଳନ **ସ**୍ দিকে মান কৰে একই ভাগিছে বসে মাজে আমার ভার স্থিট সামার দৈলপ্ত টেপেশ প্ৰায়ে দা, স্বাস্থান আৰু একেইভাগে - বাস প্ৰিক মুখন হাসের ভাগে ক্রাজন ভ্রন නියාන්ට සැපසු සැහැ විශාව මාන්ම 5 වීම් ভিনি কিয়ের প্রভীক্ষণ রুসে থাকেন। ক<sup>রি</sup> নাকি প্রভাষ্টেরে বলেছিলেন (মার্চি সেই क्षराध्य करना चारशका करत रहत शहर धाँक रहते **ক্ষ**ণে বন্ধতি পাৰ পাৰ্ব নিৰ্বাহত, প্ৰভূষিট প্রথম সাহা ভার প্রথম কির্ণ এটা বিশ্বপ্রকৃতি রূপ পথেয় বিকাণ করে এক এক<sup>ি</sup> পার্পাড়কে বিকলিত করে পূর্ণ প্রস্ফ*্রিট* করবে আর তারই উপর আখার আনক যেন गाँछ। करहरू शकार ।"

পরিশেষে উপন্যুস্থির শেষ প্রান্তির সেব প্রতির্বাদ্ধের "রুপনারাধের কুর্লিজেগে উঠলাম" কবিতংশট্যুকুর প্রকৃত ভাবি বিশেলবণপ্রিক উল্লেখ করে অলী সাংহ্র মধার্থী সাথকিতার পরিচয় দিয়েছেন। কবিব



ভাবিন সায়াহে লিখিত শেষ লেখা পর্যারের নালিক ভাব সামবেশে কাহিনীর শেষ বেশটকে মেন শেষ হরেও শেষ হতে চার না। তার ইণিগত সেই মহা অজ্ঞানার দিকে। পাঠককে কবির মন্তার শেষ মহতে অস্ফার উভিটি স্মরণ করিয়ে দিয়ে অসাধারণ নৈপ্রণা আলী সাহেব উপন্যাসের পরি-সম্ভিত টেনেছেন।

অনিল রায়টোধ্রী সিভিল লাইনস , কানপ্রে

- 11 0 11

গত ৩রা প্রাবশের দেশে সৈয়দ মুক্তের।
আলী শহর ইয়ারের চিঠিতে রবীন্দ্র
সংগীতের যে উন্ধৃতি দিরেছেন তাতে
বেদনায় ভরে গিরেছে শেরালার—একট্র
বাতিক্রম দেখা গেল।

**"ভর্গ** তোমার **অর্ণ অধরে** তো**লো হে তোলো।"** কিন্তু রবীশুদ্র রচনাব**লী**র্ (বিশ্ব ভারতী

সংখ্যা) ১৭শ খণ্ডে গ্রানটি আছে,— "কর্ম তোমার প্রব্যুগ অধ্যে

তেলো হে তেলো।"

অগের দিক থেকে শব্দ দুটির ব্যতিক্রম
লক্ষানীয় এবং ভাবের দিক থেকেও। কোন

শব্দি শ্ব্দ ব্যবহার করা হয়েছে জানালে
স্থানী হব।

জ্যোতিম'য় অধিকারী গোহাটি—১

#### লেখকের বন্ধবা

আমার কাছে যে-সব বইপর আছে তাতে সবহিষ্ কার্ণা। আমি কপি করার সময় বা তের্ণা লিখেছিল্ম, কিংবা ছাপাখানা ছল করেছেন। তবে ছাপাখানা সচরচের এরকম জুল করেন না।

যতএব আলি, মি লাট্, হাফ গিল্টি। সৈয়দ মাজতবা আলী

#### বিশ্ববিজ্ঞান

মধাপক জিতেনবাব্র যে দ্বিভীর চিঠি
ছাপা হয়েছে সেটির এবং তৃতীয়টির ক্রবার
খন সংক্ষেপে নিলাম। পরিক্রামানিয়ে তক'
করে লাভ নেই কারণ মতের মিল হরে না।
যে বক্ষাকের গালি পলায়মান মান্যভেদী
তা সবসময় লোকটির দারীরের মধাে পিয়ে
ধ্যম যায় না—এ ফোড় ও ফোড় হয়ে জনা
নিক দিয়ে বেরিয়ে য়ায়। শব্দভেদী সেই
মধ্যে প্রয়োকা। ক্রিভেনবাব্রক আমি
অণ্টা-সনিক, হাইপার-সনিক ও স্পারসনিক্-এর বাংলা পরিশব্দ জিলোস করেছিলাম, মানে নয়। কোন একটি আত্স
কীচের একদিক ফুলো এবং জনাদিকে

ফোপরানো হলে সেটা উত্তলাবহল না সব তলোত্তল বলা হবে সেটা কোন দিক থেকে দেখা হছে বা কোন বল্যে কোন দিক কোন কাজ করছে তার উপর নিতরি করে কিন্তু আতস কচি একই। বিষম গলটি আমারও পছন্দ নর কিন্তু বই-এ আছে বলে ব্যবহার করেছি—চিন্তা করে অন্য গন্দ বাছাই করার সমর ছিল না।

জিতেনবাব্র পুটি প্রধান প্রদেনর একটি শ্বাভাবিক অন্যটি তার কাছ থেকে আখাও করা বার না। বাই হোক স্থানাভাবের দর্থ ২।৪ কথার জবাব দিক্তিঃ—

(১) শক্তের হুর্ণন ও আবর্তনের গতি বে প্র থেকে পশ্চিমে সেটা নিঃসংশেহে জানা বার ভেনেরা-৪ প্রেরিত বেতার তথা থেকে, আরো জানা বার বে শক্তে দাহা অভৈব তৈকা সাগরে আব্ত—ডঃ হারলের এই অনুমিতি ভ্রান্ত। এই দুটি অবিব্জার হালের মান্ত ২০০ বছর আগেকার। ভেনেরা-৪ শক্তে অবতরণ করার আগেই ১১৬৪ সালের ০০শে অ গল্ট আরোডেমি-শিয়ান বারবোশফ্ শক্তিশালী দ্রবীন দিয়ে শক্তের সাদা মেঘাবরণের উপর ২ কোটি বর্গ কিলোমিটার আরতনের এক কলংকের আবিতার দেখতে পান। সেটি ছিল আসলে মেঘ গতীর ভাবে ফেটে বাওয়ার ফলে একটি গহরে। সেই জারগাটি পরীকা

করে বিজ্ঞানীরা শক্তের গতিদিক সম্পর্কে প্রথম সন্দিহান হন। ১ থেকে ৪ নন্দর পর্যনত শ্রুগামী মহাকাশ্যানগালিকে গণনা করে দিন ক্ষণ স্থির করে উৎক্ষেপ করা হতে৷ মঞালগামী মহাকাশবানকে বেমন প্থিবী ও স্বের গতির অন্কালে উৎক্ষেপ করা হয়। সেই জন্য ১ম ২য় ভেনেরা শুক্তে লক্ষাভেদ করতে পারেনি. তমুটি গিরে আছডে পড়ে। **চতথটি ধীরে** ধীরে প্যারাস:টের সাহাবে। শক্তের ভূমি দ্পাদা করে বহু অ**জ্ঞা**ত তথা পাঠার বেমন শ্রের ত্রান-আবর্তন বিপরীত দিকে এবং বেগ সেকেন্ডে ৩৫ কিলোমিটার, শ্রক তৈজ সাগরে আব্ত নয়, এবং সে আগেকার ধারণা মত সবসময় চাদের মত স্যের দিকে রেখে ছোরে না, প্রথবীর মতই ছোরে। এইসব আসল থবর পাওয়ার পর কে'চে গণ্ডৰ করে, নতুনভাবে গণনা করে, সূর্যের দিকে লক্ষা করে ছোড়া হয় ৫ ও ৬ নম্বর ভেনেরা পর্টিকে, বে পর্টি শক্তের কক্ষ অর্বাধ পেণছে প্র দিকে মুখ ঘ্রিয়ে স্য' কেন্দ্রক কক্ষ ধরে এগোতে থাকে। ওদিকে শুক্র আসছিল ঘড়ির কাঁটার মত দিকে ঘ্রতে ঘ্রতে ফলে प्र अभूष गुरु छ प्रश्कागयात्त्व, गामना-সামনি (পাশ থেকে নয়) দেখা হয়ে গেল এবং শক্তের অভিকর্ষে যান দুটি প্রহে

ক্রাসিকের নবডম অর্থা

কমল বন্দ্যোপাধ্যায়ের

### ভারত দশনি ৮'০০

কেরল প্রবিট সদ্য প্রকাশিত হল

[মিশ্রপর্ব ৮৻: মাদ্রাজ ৮৻: কেরল ৮৻]

দেশ ভ্রমণের ব্তাকত পড়তে বসে যাঁরা কেবল উপশাসের বিকৃত র্প দেখতে চান না, যাঁরা তথ্যসমূদ্ধ রচনা পড়তে চান তাঁদের জ্ঞানের পরিসীমা বিস্কৃত করতে—এই গ্রন্থ তাঁদের জ্ঞা। তথ্য সংগ্রহে গ্রেষ্কের ভূমিকায় লেখক যে অক্লান্ত পরিশ্রম করেছেন তার উজ্জাল স্বাক্ষর আছে এই গ্রন্থের প্রতিটি পাতায়।

### न्मर्जि-विन्मर्जि ४ 00

ভ: অর্ণকুমার ম্যোপাধ্যায়, অধ্যাপক কলিকাতা ফিববিদ্যালয়

শ্ধ্ই স্মৃতিচারণ নয়. এ গ্রন্থ নিজের প্রজ্ঞেদে সমগ্র বাঙালি মন্বে কথা: কুড়িজন বাঙালি লেখকের ভিতর দিয়ে এক বাঙালি শিশ্র মানস্বামা, হাসিখ্নিতে যার হাতেখড়ি, রবীন্দ্র গল্পে বিষাদের সংক্ষ যার প্রথম পরিচয় আর বঙ্কিম-শ্রতের উপনামে যার যৌবনের দীক্ষা।

श्र्भारे ५०,

বিক্রমাদিত্যের রহস্য উপন্যাস আন্ডক্ষণিতক গোরেন্দাচক্রের কার'কলাপ।

ক্লাসিক প্রেস ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে স্থীট, কলিকাত। ॥ ক্লাসিক প্রেস

গিরে নামল-সমন্ত্র লাগল মোট ২ থাস, আগেকার ৫ থাকের জায়গার। এই সমর সংক্রেপই ডো শুক্রের বিপরীত দিকে গতির প্রমাণ তব্ জিতেনবাব্কে বিশ্বাস করালোর জন্ম ২।১টি উন্ধৃতি বাংলার তর্জমা করে দিলাম ঃ---

(১) "...এমন কি শ্রের আবর্তানিকও আমাদের জানা ছিল না। তেজসজবস্থিতি-নির্ণায় কৌশলের কল্যাণে আছ জামরা জেনেছি...বে স্থের সংগ্র আপেকিক বিচারে গ্রহটির একটি ঘ্রণনে ১১৭ দিন (পাথিব) লাগে এবং সে অবর্তান করে স্থের বিপরীত দিকে...।" (রুশ বিজ্ঞান জ্যাকাডেমীর মহাশ্না গবে-বণা ভবনের অধ্যক্ষ জাচার্য কুটের গত ১৮ই মার্চ প্রকাশিত প্রবংধ থেকে গ্রেহীত)।

(২) 'নবতম তেজস-অবশ্বিতিনিপার কোশল ব্যবহার করে এই তথা
জাবিষ্কৃত হরেছে বে শরু উন্টা দিকে ঘারে
জার্থাং পশ্চিম থেকে প্রে নর, প্রে থেকে
পাচিমে।..." ("শরু তার গোপন রহস্য
প্রকাশ করছে" খার্মাক, আ্যাকাডেমিশিয়ান
দিশাইলাকের প্রবন্ধ থেকে উন্ধ্রেটা।

শত্ত্ব উন্টোদিক কাছাকাছি আসার অর্থাৎ মুখেনিখি হবার পর ভেনেরার লক্ষা-ভেদকে ভাই রুশ বিজ্ঞান-ভাষ্যকার মিঃ মারিনিন "hitting the bull's eye" বলে বর্ণনা করেন—পাশের দিক থেকে কি bull's eye-এ আঘাত করা বার?

জিতেনবাব, মীন, ব্র প্রভৃতি কেন রাশির সংশা শাকের গতি মিলিরে দেখলে সভ্য প্রভাক করতে পারবেন না। শাকের গতি নিশ্য করতে হয় স্থাবা লাখক নক্ষের অবন্ধিতির সংশা মিলিরে।

জিতেন্যাব্র জানা উচিত যে ২য় মহাযুদ্ধের আগেই মার্কিন বিজ্ঞানাচার্য রাসেল এক "সম্প্রসারণশীল মহাবিশ্ব" তত্ত ছাড়া সার জেমস জীলেসর স্থিট ক্রিয়া সম্পর্কিত অনুমিতি দ্রান্ত প্রমাণ করেন। রাসেল বলেন যে অন্য একটি নক্ষত আকৃত্যিকভাবে স্থেরি কাছাক ছি এসে পড়ায় (যা হতে পারে না) সেই নক্ষতের আকর্ষণে সূর্যের খানিকটা অংশ ছিটকৈ বেরিয়ে গ্রহ-উপগ্রহগর্নি স্তি করে-জীন্সের এই আকন্মিকতা ভিত্তিক সাণ্টি ছাড়া যুক্তি সভা হলে, গ্রহগুলি সুযে'র আরো অনেক কাছে ঘরত, সার্যের প্রচণ্ড মহাকর্ষের সংখ্য লড়ে এত দারে চলে যেতে পারত না এবং ফলত সৌর গভাজাত হলে সেগালির তপেমাতা আরো অনেক র্বোশ হওয়া উচিত এবং সেইবহিগত অভাতত ॰লাজ্মার খণ্ড বিখণ্ড হওয়া অসম্ভব। বদতর চারটি দশা। কঠিন, তরল, বাদপীয় ও স্পাক্তমা এবং স্পাজমার অবস্থায় কোনো বস্তুর থ<sup>e</sup>ডত হতে পারে না। **জ**ীসের অনুমিতি সতা হলে আললমার প্রচণ্ড তাপ ও সংযের নৈকটাজাত তাপে জৈব জগতের উল্ভব অসম্ভব হতে।। তারপর স্যেরি ঘূর্ণন বেগ সেকেণ্ডে মোট ১২ মাইল কেন এবং গ্রহগুলির বেগ এত বেশি কেন ভারও কোন জবাব রাসেলের মতে জীন্দ দিতে পারেননি। জিতেনবাব্যক অনুরোধ, তিনি অটো ক্ষিড টের "A Theory of the Origin of the Earth" of B Levin of "Evolution of the Earth and Planets" 33 wife যোগাড় করে পড়ান কারণ স্মিড্টের ততুই আজে স্বীকৃত।

তাধ্যাপক শিতেশৰ ব্র শন্মেশ আবার বার্ষিক গতি বি শৈ প্রশন শ্বনে আবার বার্ষিক গতি বি শৈ প্রশন শ্বনে আবার কলে। বিশ্বর-গান্দের প্রতাহকটি নক্ষর, গুরু ও উপগ্রহে আবারিক। আছে। স্পার্যর ছায়ালাখের কিনার কাড বরারর ককে (ছায়াপ পর মর্মা কেন্দের হারা সমবারের চারিশিকে) একবার আবার আবার করে লাবে ২ কোটি পার্থিব হল জ্যোতিষ্টীয় ভাষার যাকে বলা হল ভায়াপথ বংসর বা মহাজ্ঞারতিক বংসর Galactic or Cosmic Year

তর্ণ চট্টোপাধায়

#### স্নুশ্র জান্ত্র

গত শনিবার ১০ই প্রাবণ ১০৭৬
দেশিতে স্কুদর একটা প্রবংধ পড়গুন।
সেটা স্কেদের রেধা। স্কুদেনর গেবনীতে
বে মাধ্যা ফ্টে উঠেছে রংথর কেই
দিনগুলোর বর্ণনায় তা মনকে গ্রিভুত
করে দেয়। বাংলা দেশের এই জনপ্রিহ
উৎসবকে এতটা গভীরভাবে আরো কেই
লিখেছেন কিনা জামি না। রংগর নিকে
কলকাতাকে ভিনি আমাদের সামকে নতুন
করে উপস্থিত করেছেন।

ভারতে জাল লাগছে যে কলকালাতেও এমন সংগ্রুর একটা উৎসার হয়। যে উংসার প্রাণ ভারে ভাঠে এক নিমাল প্রস্যাভায়। যে উৎসার শিশানের যে উৎসার শিশানের । যত য়িলিটা।

म्नीन भ्राथाशासास

यश्चारम् ।

প্রতিটি প্রশ্বাগার ও ব্যক্তিগত সন্ধয়ে রখ্যার মত শাধ্বত সাহিত্য
ক্রিনান প্রতিটি প্রশ্বাগার ও ব্যক্তিগত সন্ধয়ে রখ্যার মত শাধ্বত সাহিত্য
ক্রিনান প্রতিটি প্রশ্বাগার কথা স্বরণ করিয়ে ক্রেনার মত একটি প্রবিষ্ঠানিকার রচনার হিল্প রচনার মত একটি প্রক্রিয়ার রাজনৈকিলার রচনার
ক্রিনান স্থাদের উপন্যাস
শিরবেশক ঃ কথা ও কাহিনী, ১৩ বঙ্কিম চাটুজ্যে স্টুটি, কলি-১২ (৩৪-৮৩৮০)

#### দ্ৰু শিক্ষা

নত ২০শে আষ্ট, ১০৭৬ তারিখের
কথা এ গ্রীলবিবেচনর চৌধারী মহাশাহের
কথাট পাঠ করিলাম। প্রবিশ্ব ইচনার
টালেশ ডিক ব্রকিলাম না। মদি "সেকালের
কথা লার চকে নতা শিক্ষা"—ইহাই বর্তামান
ভাইতের নিকট তুলিং। ধরা লেখকের
টালেশ হইয় গাকে, তহা হইলে বলিব যে,
তা প্রকেধ সেই টালেশা সফল হয় নাই।
তেই নিগত খ্লাক লেখক এক চক্ষর
তেহা হেছিলাগেছন। লেশিনাকারে বাংগা
লমাণের একটি অংশের মান্থের কথাই
ভিতিত ব্লিকাছেন।

ারিদ্বাব্ লিখিতেছেন হে, দতী শিক্ষা-লৈবোধী লেখকর ১৯ শতাবদীর "বেশীর चत्र व कालीत काछ वाङावा भाडेएरिक्स।" ্য ট্রিটি কভদরে সভা, সে বিষয়ে লগাই সম্পত আছে। বর্তমান ভারতের চল্লোঠ ঐতিহাসিক আডারা ব্যেশ্চণ্ড হলাঘদত মহাশয় তাঁহার সদা প্রকাশিত গুল্থ ीतराभागत-वाला गताव महना उ "स्वागिश्न নার[প্রগতি"তে শতক্তি কথা নারী<sup>\*\*</sup> নামক অধ্যায়ে লিখিডেনে যে, প্রী শিক্ষাকে সম্প্র হবিষ্টা ১৮২২ প্রতীক্ষেত্র নিদাকংকার 'দত্তী শিক্ষা বিধায়ক' নায়ে তবংলি প্রতিকা প্রকাশিত করেন। নাই বংসারে মধোই ইছার স্তুট সংস্কারণ িলেধিত হয় গাঁইত র দবারা বোঝা হাত হে, মূ<sup>এ</sup> শিক্তা সমর্থক লেখকগণত কর বাহ বা পন নাই। এবং ক্লে যাকে একটি কটকের দ্ধান্ত দুৱা বংসার নিজ্ঞায় হাওমায় ব্যুখ্য ্যারে, সমর্থাকদের দলত কম ভারী 27 71

জোক কলিছে**ছেন** যে, ক্ষে হাজেক <sup>কিন</sup>েবা মেয়েনের ক**কোজে পড়া ডাল চকে** উটান নার। ক্রেখক ক্রেবলয়ার ছিল্ল সমানের দেখা ধরিয়াছেন। কেই ভালু-পড়ার ফারে পরিশ্ববিদয়কায়ে পত্র ষেত্র নাময় নভাতে নিক্ষাদনের কেবল প্রচনিপালী হিদ্যাল নহে, রাজা সনাজের অনেকেও বেরতর অংপত্তি করির,ছিলেন।" (ডঃ ব্দেশ্যক্ষ মহামদারঃ বিসাস গর—বংলা গালন মতুনা ও ভারতের নত্ত্বী প্রগতি)। ভা মজ্মেদার তহিরে প্রদেশ র ক্ষা সমাজের ন্থপ্ত "তভুৱে ধিনী" পতিকা (চৈত্ৰ, ১৮০২ শকাৰু) হইতে একটি খুকুরা প্রকাশ ব্রুল্ডেনঃ "দুলী ও পরেছে জাতির গুড়<sup>া</sup>ত্র বিভিন্নতার নিমি**ন্ত দুইয়ের পক্ষে** <sup>এক</sup> প্রকার শিক্ষার **উপযোগিত** অসমভব। শুকুতি স্বভাৰতঃ হাদ্য-প্ৰধান এবং ?াষ প্রকৃতি প্রধানতঃ বাদিধ পুধান। <sup>তত্ত্ব ভাষাকেই প্রকৃত দত্তী শিক্ষা বলা</sup> <sup>शहेर</sup> भारत, यादात मर्था छेल्लमा क्*ररा*न्द केंग्रेड धवर त्यांन केंद्रम्मा वृश्यित केंग्रेड। বিধ্ববিদ্যালয়ে বি-এ, এই-এ প্রক্রীক র উত্তীপ হইবার জনা বের্প শিক্ষ প্রসত্ত হর, তাছা বৃদ্ধি প্রধান শিক্ষা হাদুর প্রধান শিক্ষা নতে; অতএবে এ প্রকার শিক্ষা নতে। জাতির পক্ষে উপরত্তে শিক্ষা নতে।"

সে যগেও বে মেরেদের উক্ত শিক্ষার প্রচুর সমর্থক ছিল 'ভাষার প্রমাণ পাওরা যায় কবি হেম্যুন্দ্র ব্যক্ষাপাধ্যরের একটি প্রসিথ্ধ ও জনপ্রির কলিতার। ১৮৮৩ সলে কলিকাত। বিশ্ববিদ্যালয় হইতে কালন্দিনী বস্ ও চল্লুমাখী বস্ বি এ পরীক্ষা পাশ করেন। প্রথম দাই বপানারীর এই কভিছ উপলক্ষে কবিতাটি রচিত হয়।" (বিদ্যালগর-বাংলা গদোর স্চনা ও ভারতের নারী প্রগতি—ভঃ রমেশচন্দ্র মল্মনার)। কবিতার করেকটি লাইন এইর্পঃ—

#### **इः योनलवत्रन गर्न्शानाशास्त्रत**

# আধুনিক ভারতীয় কাব্য পরিক্রমা

ভারতবর্ষের সংবিধান স্থাক্ত প্রতিটি ভাষায় আধ্নিকতম কবিতা রচনার বিবিধ বৈচিত্র, কাবোর গতি, প্রকৃতি, রীতি ও গৈলী সংগ্রেক অত্যন্ত এনোক্ক আলোচনা। বাংলা সাহিত্যের স্বাচ্ছাত্রী, অধ্যাপক ও গবেষকারত পক্ষে একথানি অপরিহার্য বই। মালা পাঁচ টাকা।

মোহৰ লাইরেরী ০৫এ, স্ব' সেন স্ট্রীট, কলিঃ-১

#### अत्रुण श्रकामनीत वहे

### আণ্নতট সপ্তগ্রাম ক্ষাট কেন ১০

( ভক্টর অসিতকুমার বল্যোপাধ্যায়ের ম্লাবান ছুমিকা সম্বাধ্যত )
সপ্তদশ শতাব্দীর প্রারম্ভে সপ্ত্যামে পর্তৃগীক ফিরিপিরা। যে উপনিবেশ
শ্বাপন করেছিল, যোগল শাসনে বাস করেও তা রোম্যান ক্যাথলিক ধর্মযাতক্ষের অত্যাচারের কেন্দ্র হয়ে ওঠে। ইতিহাসের হাত ধরে এ-উপন্যাস
বাংলা দেশের এমন এক বিস্মৃত মূগের সোর্য-বার্য, অত্যাচার-নিপজ্লি,
প্রণয়-ভালবাস্যার অন্তর-লোক উম্বাচন করেছে যা সকল গ্রেণীর পাঠকদের
তাভিভূত করবে।

আশ্তোৰ ম্থোপাধ্যায়ের সার্থক নতুন উপন্যাস

যার যেথা ঘর 🚓 প্রতিবিশ্বিতা

क्र एक ।। अन्वामक भागतनम् वरम्माभाषाय

গভঞ্চে মরগান 🐽 স্টীম হাউস 🟎

ন্নীলকুমার গজোপাধ্যায়ের সার্থক রচনা

कारला िष्ठा ००० क्यार कनचारेन २०४०

বিশ্বনাথ ৰস্

বিজয় চক্তৰতী

अिक्न • ज्राम्प्रवन ा. त्मर व्यत्वरा di.

পর্ব বাংলার : स५ কবিট। শক্তি চট্টোপাধ্যায় সম্পাদিত। যল্ডম্থ ]

भित्रत्यम्क : निगत्नहें ब्रूक्मभ : ১২ विश्वय हार्ग्युक्ता म्युगिरे : कलकाठा ১২

(গ্ৰ-৬৬৮৭)

"হরিণ-নরনা শুন কাদ্দিবনী বালা, শুন ওগো চন্দ্রমুখী কোম্দীর মালা, যে বিক্তরে লিখিয়াছি "বাণগালীর মেরে". ছারি মছ সুখ আজি ভোমা দোহে পেরে॥ বেতে থাক, সুখে থাক, চিরসুখে আর কে বজেরে বাণগালীর জীবন অসার।" শ্রীনীরদ্যন্দ্র চৌধ্রী মহাশর বাংগালীর মধ্যে একটা দিবছভাব দেখিরাহেন এবং

য় একান্ত অপরিহার্য য়
পি. ইউ., ডিয়া (পাদ ও অনার্দ)
হারদের কন্য

Critical Composition
Prof. M. M. Pal

যংকা কাহিত্যের ইতিহাস

(১৭৬০—১৯৬০)
অধ্যাপক দিলীপকুমার নদ্দী

**লিপিকা : ৩**০/১, কলেজ রো কলিকাতা - ৯

(সি ৬৬২৬)

भूका नःथा अनाम-अ

### বিশ্বজিৎ

তার প্রথম প্রেম লিখছেন

(পি-৬২৯৮)

জালাত কিছাটা বিদিয়ত হইরাছেন। তিনি লিখিয়াছেন "বাপ্যালীর মানসিক জীবনের এই আলোকের পাশে বেশীর ভাগ বাঙালীর অম্ধকার ও য়ানসিক क्षीवदनव কিন্ত বে কোন পরি বৰ্ডমান।" সমাজেই এই "দ্বিদ্টা" থাকা আশ্চর্য নহে। নীরদ্বাব্র প্রম প্রিয় "স্কেভা ইংলন্ডে ১৮৬৯ খন্টাব্দ প্রতিত স্বামী-ল্টাকে প্রহার করিলেও কোন প্রতীকার ছিল না: স্থাকৈ আটক করিয়া রাখাও স্থাক বিবাহ-বিক্তেদের পক্ষে প্যাণ্ড অভ্যাচার বলিয়া পরিগণিত চুইত না:.." (বিদ্যাসাগ্র —বাংলা গদোর স্চনা ও ভারতের নারী প্রগতি ডঃ র্মেশ্চন্দ্র মজ্মদার)। নীরদ-বাব শানিলে আঁতকাইয়া উঠিবেন যে এই সকল ঘটনা ঘটিয়াছে "শিলপ বিশ্লব" বা Industrial Revolution-এর একশ্রত বংসর পর অর্থাং যেই সময় কিনা ইংলাড শিল্প এ সাহিতো প্রিবীর স্বার উপরে। এই দ্বিষ্টা কি বাংলার "দ্বিষ্টা"-র চেয়ে কিছা কম প্রকট?

ভঃ মজ্মদারের গ্রন্থ হইতে এতবার উম্পৃতি দিবার করেণ একটি। ভঃ মজ্মদার বর্জমান ভারতের শ্রেণ্ট ঐতিহাসিক, তাঁহার মতামতকে চাালেঞ্জ করেবার মত লোক নাই বালিলেই চলে। মীরদবাব্ সেকালের বাজালী সমাজকে বন্ধ বেশী হেয় করিয়া দেখার চেণ্টা করিয়াছেন। সেদিনও থে সমাজের একটি বিরাও অংশ নারী শিক্ষাকে সমর্থন করিত তিনি তাহা বেমাল্য চাপিথ। যাইবার চেণ্টা করিয়াছেন। ভঃ মজ্মদারের

উম্প্তিগ্লি নীরদবাব্র সিম্পাদের সমূচিত শ্বাথ দিতে প্রারবে।

এবার একটা বভামানের গিকে তাতার যাক। নীরদবাবার মতে আঞ্চাক মেরোদে शिकामारनम् शिष्टरन अकृषि कार्रण रहेल ह ভাহারা ভাহাদের ভাতাদের অন यांकित प्रम <u> বোগাইবে।</u> নহে। মেরেকে লেখাপড়া সিদ্ধান্ত লন পিতা, মেরের অক্মণা চাতা নহে। কোন পিতাই আশা করেন নাৰে তাহার প্রেটি বড় হইয়া ভাদার কণ্টাছিত আল ধরংস করিবে। কোন ছেলেই ব্লুল ক্ম্যানিস্ট হইয়া জন্মায় না, একটি বিশেষ বয়সে সে বখাতে বা কম্যানিস্ট হয়। ইছাং বহা পাবেই পিতা ঠিক করিয়া ফোলন দ তিনি তাঁর কন্যাকে বিদ্যালয় পাঠাইরেন 😘 পঠाইবেন না বা উচ্চশিকা দিবেন । उ দিবেন না।

নীরদ্বাব্ তহার গতান্গতিক ভগাঙে বতামান সমাজের দোষত,টিই কেবল উল্লেখ করিয় ছেন। স্থা শিক্ষা কোন পথে গেলে দেশের ও দশের মগগল হাইবে দে কথা কলেন নাই। তিনি প্রবাহধর দেশ ভলে লিগিয় ছেন 'দারা জীবন একটা না একটা সংগ্রামে নিযুক্ত আছি।" আমি একটি প্রশ্ন করিতেছি—"সংগ্রাম" এবং "সমালোচনা কি একই বসতু? নিজের কথা শানাইছে শানাইতে সহসা কোন যে লিখিলে 'রবীন্দ্রনের ব্যাপারে ঠিক উহাই হাইবাছে" তাহা ব্রিক্সাম না। রবীন্দ্রনের গ্রাপারে ভিক্ত হ্রমন স্যাজের সংগ্রামী। তিনি একগিকে গ্রমন স্যাজের

### श्रकाभिण शेला



বারো টাকা

লোথক এখানে উদ্ঘাটন করেছেন গ্রাধীন প্রবিভিলার গ্রুপ্ত সমিতির কার্যকলাপ, 'আগরতলা ষড়ফল মামলা'র চাঞ্লাকর কাহিনী, তুলে ধরেছেন দেশপ্রেমিক যুবকদের ওপর ভংগী আয়ুবের এমন সন নৃশংস অত্যাচারের কাহিনী যা জানলে সভাহণত শিউরে উঠবে! উগ্রংগ ফুটেন্ত জলে মাথা চেপে রেখে হত্যা ক'রেছে ক্তোজনাকে, কতো যুবকের চোখ উপড়ে নিয়েছে, খুবলে নিয়েছে গায়ের মাংস। কতো মেগ্রেক যে ধ্যণি ক'রে নৃশংসভাবে

### क ल् श (व त

# বিক্ষান্ধ পাকিস্তান

হত্যা ক'রেছে আমুবের সৈন্যরা তার ইয়ন্তা নেই। তাদের অপরাধ তারা বায়ন্তশাসন চায়, চায় ভাষা ও সংস্কৃতির প্রাধিকার। তুলে ধরেছেন আরো অনেক চাওলাকর নেপথ্য কাহিনী যা সাধারণের অজানা। খাইবার থেকেটেকনাফ্ প্যশ্তি পাকিস্তানের সাড়ে এগারো কোটি বিক্ষ্কৃষ্ণ গণ-মানসের একটি অননা দলিল এই গ্রন্থ। সংশ্ব থাকছে দ্বপ্রাপ্য অনেক ফটো।

সাহিত্যপ্রকাশ/৫।১, রমানাথ মজ্মদার স্ট্রীট, কলিকাতা—১

কুপ্রগান্দিকে হাক্তমণ করিয়াছেন অপরনিবে আবার সমাজাক দিয়াছেন ন্তেদ
অংশকের সংখান। সেখানেই একজন
সমালোচকের সহিত ববীশ্রনাথের পার্থক্য।
কোন সমালোচক বদি রবীশ্রনাথের সহিত
নিজেকে তুলনা করিবার মত দ্রনাহন
রাখন তাহা হইলে বালিতে হর বে ক্লাইরের
সহিত শ্রাচিকিৎসকের ভূলনা করাও
সমাহর বাহে।

স্বাদেব দাস কলিকাতা-১৯

লাটিন শব্দের ভাবার্থ

দেশ পত্তিক র (৩৯ সংখ্যা, প্রারণ ১০, ১০৭১) "অভিনরপের প্রথম দুদিন" আরক্তে দেখন শ্রীতরণে চট্টোপাধ্যায় Per aspera ad astra এর একটি অভ্যুত্ত "ভাবার্থা" দিছেছেন। "Hev you/Heaven/ Take off your hat"। এবেন উভ্তুত্ত ভাবার তিনি কোলা না পাকলে মে-কোনো ভানিত সংক্রেটি তিনি এর সংক্র অপ্রথম পরতেন হ'লেই তিনি এর সংক্র অপ্রথম পরতেন হ'লেই কিন্তু পরতেন হ'লেই ক্রিনি এর সংক্র অপ্রথম পরতেন হ'লেই ক্রেমির করার কেকেনা অলাধ্যাহন ছিল্ল কিই

জগলাথ চট্টোপাধ্যায় শাংগীনকর

#### সংবাদ ভাষা ও দশাপট

ালে প্ৰিক্ষ গছ তথা ছাইপের সংখ্য এক শিত ও প্ৰশ্বী লিখিত সংখ্য চন এট ন্ধ্যাৰ ব্যুদ্ধ <mark>কৈথিত দান্তব্</mark>য সংগ্রে আল্ব বিছা ব<del>ছ</del>ব। আছে। তাতে ্টের্ডিটা ও জলটিয়া পরিকার সংবাদ প্রি-িশনত সভাতঃ প্রসংকা কিছা **আলোচনা** <sup>ব্যা</sup> ইয়েছে যার **প**ট্রছলি কিড দিকে ব ২০০০ বিহু ছাত্র রাত্রক সংযাদপত্র অফিস <sup>হাতর</sup> । ব্যক্তোয়া সংখ্যাদপ্ত যে কী প্রথা মিধ্যা সংবাদ প্রিবেশ্য করে ইয়াদি লিখে রুপদশ্লী যে দেল্য স্থিতী ধরার চেণ্টা করেছেন, তা এবং 'দাৃশাপটে'র লেখক ৮ ঠিক সেই একই বছৰা দিয়ে ভার প্রাপট্ট শ্রে করেছেন, যার সাংগ্র সংভার <sup>িবন</sup>েশত সংযোগ নেই। খনেক আজেনাজে অধার মধ্য থেকে যেউ.কু সারব**স্**তু পাওয়া যার এ দ.টি রচনা থেকে তার মা্ল বস্তব্য <sup>দ্টি</sup>া১। বুজোয়া সংবাদপত সম্প্ৰে যে সব উল্লিকরা হয় তা মিথ্যা ও উদ্দেশ্য-গুণালিত এবং (২) বুজেরিজাবিরেধী <sup>দল</sup>ীর সংবদপ্রগালির সংবাদ পরিবেশনা তে অবেল অসং, ত্তিপূর্ণ ও উদেদ্শা-প্রাণাদিত।

্যানার প্রধান আপত্তি প্রথম বস্তুফটি সম্প্রেণ। বিজেয়া সংবাদপত্র ও তার ভূমিকা সংশংক একজনের উদ্ধি উপাত কবা বাক, যিনি নিশ্চর একজন ক্মিউনিস্ট ছিলেন না। পাঁচিবদের অধীনে ব্যক্তি মান্বের রাজনৈতিক অধিকার প্ররোগ করা কিরকম প্রায় অসম্ভব সেই সম্পর্কে আলো-চনা করতে গিরে আইনস্টাইন লিখেছেন "Under existing conditions, private capitalists inevitably control, directly or indirectly, the main

source of information, Press . . . . It is thus extremely difficult, and indeed in most cases quite impensible, for the individual citizen to come to objective conclusions and to make intelligent use of his political rights (Einstein: "Why Socialism", page 10 M. R. Press).

কেন মনীৰী আইনকট্ৰেন ক্ৰম লিখলেন? সমগ্ৰ প্ৰক্ষটিতে (১৯৮

### COLLEGE BOOKS

[Calcutta, Burdwan & North Bengal University Course]

-	dengal Culversity Cour.	
	ডঃ সতাপ্রসাদ সেনগর্প প্রবীত	
1.	পাশ্চান্তঃ সাহিত্যের সমালোচনার ধারা (M.A. Course)	7.00
	ডঃ হরিপদ চক্রবরী সম্পাদিত	
1,	कृषीन कृषत्रवर्ण्य (Hons.: N B U. & M.A.: Calcut	ta &
	Gauhati University	10.00
	For P. U. & University Entrance Examination	
	অধ্যাপক চৌধারী ও অধ্যাপক সেবার সং	
L,	中 「可能的・型です (Deductive & Inductive)	6.50
	tottommenden bu CU and N.B.U as a Text books	
	Degree Philosophy Course (Pass & Hons.)	
	ভাষ্যাপকে প্রয়োদবন্ধ সেনেগ্রাপন প্রধান	
1.	भन देनते श्रीकृष्टिक (स्टिन्स्येश व कार्यास स्थाप करता ।	15.00
2	The state of the s	8.00
3.	कांबकाव मर्मान (३३ श्रदांश) — for B. II	2-00
4.	भाषां क्यां (Western Philosophy) - तह अस्वत्र	7,50
6.	TIBLE THE (for B U Part II)	10.00
6.	नीडिक्सिन ६ अञ्चालकर्मन- ५६ हाइहरू	15,00
7.	Allisama (Ethics)— os suare	8.00
8	সমাজনশ্ব (Social Philosophy)— ed সংকরণ	8.00
9	Mailann (Perchaland)	15.00
0.	Handbook of Social Philosphy-2nd Edition	12.00
L.	পশ্চান্তা দশ্ভিন সংক্রিপ নিজ্ঞাস - গুলামত তাও : বেকল্-হিটম	6.00
	EDUCATION COURSE	
	ভাগ্যাপক প্রসাদক্ষাত বাস প্রবীত	
1.	भिका-उस् (Principles & Practice of Edu.) = > अ अरक्ष	9.00
2,	ভারতের শিক্ষা সমস্যা (Indian Edn. Problems) -ত্য সংকরণ	12,00
•	অধ্যাপক সেনগ্ৰুত ও অধ্যাপক বায় প্ৰণীত	•
3,	विका-भरमाविक्या (Edn Psy with statistics)—२३ ज्यूक्ट्य	16 00
	B.T. & BASIC COURSE	
,	অধ্যাপক গোরদাস হালদার প্রণীত	
1, 0	निक्रम अनदक नमार्कावमा। (Social Studies)	8.00
3.	A THE THE PARTY OF	10.00
J,	(4-1-4)	
	काशाभक भएउग्मकभाव वार भूगीक	
2	বিকা-তত্ত্ব (Edu Theory)— ২য় সংস্করণ	9.00
۵,	ভারতের শিক্ষা সমস্যা (Indian Edu Problem) —তর সংকরণ 1	4,00
1	অধ্যাপদ ক্ষরণাক ও সাধানত রাম স্থাতি	
_	बिक्ता-ब्रह्मिकान (Edu. Psv. with Statistics)३३ प्रत्यक्त	6.00
6		_



#### BANERJEE PUBLISHERS

CALCUTTA 9: Phone: 34-7234

socialism ?) তার পরিচয় আছে। এক কথায় প'্লিপতি প্রেণী তার হাতে থা' কিছা পাবে তা' কেবল নিজের প্রেণী-স্বাংগ' লাগাবে এবং তার মলে কথাই হক্ষে "for profit, not for use" (উক্ত প্রবন্ধ, প্রতী ১১) মনুনাফা, সর্বসাধারণের প্রয়োজনের ক্ষনো নয়—এই হক্ষে পাতিপত্তিক

भूका भः था। अनाम

### 20ई वाश्विश

প্ৰকাশিত হৰে ॥ দাম-৪.৫০

(FR-6254)

<sub>षामुक</sub> लाउर प्रांति ष्राप्तित

A.77 9.80

विषय (खर्च शत्रायमिकः तिक्थि-षीदनि ७ ४१२१३ मः(पाप्र-वश्न प्रिनियुत जीदनः(दर्मः। ॥ व्यमस्या प्रव्यात्रा वृति॥

প্রীভূমি পারনিশিং (ফাস্পারি 
 প্রান্ত্রিয়া গানী রোড, কনি
 প্রান্ত্রিয়া গানী রোড, কনি-

### একজিমা রোগ

সোরাইসিস শ্মিত কত ব্রুগের বাহরক ফুলা, শ্রেড-দাগ্রহ আরও জনেক কঠিন কঠিন কারেগ হইতে মাজিলাগতর জনা ৭২ বংসারের হিনিংসা কেন্দে চেকিবাসত হটান। হাওড়া শুক্ত কুটীর, ১নং মাধ্য ঘোষ কোন, শরেট হাওড়া। ফোনাং ও৭-২৩৫১। শাশাঃ ও৬ মহাস্থা গানী বেডে হেচাবিসন বাড়।

প্रजिक्ष प्रभाना वावजाशी **लःफ्रीनावाग्नने उप्डादाव** 



বিশুদ্ধাতায় সবার সেরা লক্ষ্মীনারায়ন ভাণ্ডার ফার্মিসমুম্মিদেব লেডনালিকার ক্রেলাগান। এবং ভার জনে। জনসাধারণকে সভা সম্পার বিদ্রুত কর্টা খ্রই প্রোজনীয় হারে প্রে। এবং তার প্রয়াণ আমরা অহনিশি পোরেছি। আমরা তি ভলতে পারি রমাটির কাটি যখন বলাশভিক বিশ্লবের আদশকৈ পরের:পর্যার বিশ্বস করে সর্বহার্টের পক্ষে কলম তুলে ছিলন, তখন তদানীক্তন ফরাসী ব্যাজীয়া সংবাদ-প্রগ্রাল তবি সম্পার্ক িক বাবহার এটাও কি বিসমত হওয় করে ডিক ১ লামাদের প্রে**ক সম্ভ**র <mark>যে, য</mark>থন র শিতার বিশ্লবকে **স্মথ**নি করে রবজিন্নাথ তবি জনালা চিঠিমটিল লিখাছন তথ্য তল্যতিক বার্তিশ ব্যক্তারা প্রেস সেই তিনির বর্ষা-গালির প্রতি কি 'সাবিচার' কার্রিজান এবং মাত্র করেক বছর আলো মনীকী বালটাত ব্যস্তল ভিষ্যাহনামার ওপর একটি ডিটি প্ৰতিক্ষতিকান নিউ ইয়ক টাইমস প্ৰিক্ষ। উৰু পত্ৰিক ডি রামেল সাহেবের বৰ্ণবাটিকে বিক্ত করে পালেট অথ্য তাঁরেট লেখক পরিচিতিতে প্রকাশ করে কী নিলাজ্জ মিথাটোৰ কার্যাহল—সেটাও কি ভলে যাওয়া স্ভব? রাফেল সাহেবের Crimes in Vietnam' গ্রুম্থের একটি অধ্যায় সাভ বার্ডেরি সংবাদপারে এই নিলাক্ট ডিগন-চ্যারর বিষ্ঠাত বিষয়ণ আছে। জানি না, লপ্দেশী ভথকা নবারাণবাব্য এসন জন্তনা কিনা (অথবাজেনে শানেও না জানার ভাগ কর্তেন, ধ্কননা বহালপ্রচলিত এ**৯**টি পতিকায় প্রতি সংতাহে অতথ্যি বাগজ ভাতে এইসৰ বিষয় নিয়ে লিখে হাস্টেন ভাগত এট সমুস্থ খবে জ্বালের *ন*ে এবংগ বিশ্বাস কর। কন্সলিংয় ।)। মাল কথা গবালীন বা মাক বেখস' বলে যে কগড়া কোনে গ্য ক্ষেত্রী একটা বিশান্ত্র **ধাণ্প** । পাথিব<sup>ি</sup>টে কোগত কথাৰে '**মাছ' প্ৰেস**িছল না, জাতো নেই কি ধনতানিকে দেশে জি সমাজ ভণ্ডিক রেশে। সংবদ্ধর সর্ভ ধ্র মাজিকের প্রথেকি **সেব**। করে মানিক কথানা পাড়িলপতি, কথটো রাজুটা এবং একথা মানতেই হবে যে, সমাভ তুলিকে এক্ট র্বন্ত হল প্রিপত্রির স্কোলাগর বেলি ককাণে কাম্য করে ও করতে বাধা। 'র্গেদশী" ও নবার্গবাব্র জনতাৰে জায় একটি তথাও নিবেসন কর্মিঃ র প্রের হাতে পাড়ে বর্ণক্রম্বাধীনতার এবং সংবাদপত্তের স্বাধীনতার ক্ষতির অনেক বিশ্তুত যুক্তি থাকা সত্ত্বে যুক্তরান্ট্রেডাঃ রবার্ট হাচিনস্-এর পরিচালনাধীনে "The Commission on Freedom of the Press" দেশ প্রশিত এই উল্লিট করেন :

"Protection against government is now not enough to guarantee that a man who has something to say shall have a chance to say. The owners and managers of the press determine which persons, which facts, which version of the facts and which ideas shall reach the public" (Commission's Report;

এর পর নব র্ণবাব, কি আলোওপত করবেন জানতে ই জ করছে। এই কনি-শনের রিপেট এবং সাইনস্ট ইনের প্রোত্ত উম্প্রিটি কি যথেপট নর ?—বলং ব্যুল্ এ দটির কোনটাই মাকসিবাদীদের নহ।

তাদের দিবতীয় বছরা সম্পর্কের ক্রেড ০৪ অ—০কটি প্রাণ্য সংবাদপদ ০০-এড় দিলীয়া পর-কথারাই এক ব্যব লে পাৰে না। এবং ভাষনমালক বিচাৰ সংকলন হাব একটাক জন্ম আছে, তিনিই জন্ম সমান ধরবের নারি বিশ্বস্থের বা বস্থার ১৮৮৪ রুল্ন সমূহর **অস্থান বৃদ্ধ ব**িস্ফাল লগে বেলে ভালন চাল না। এবং কাক comparative studies as দলায়া পড় কথামাই একটি পাল্ডের সংগ্রহণ কর বিভাগে তি গাল সাহত ৪০৫ মিতেই জানিয়ে *দিকে* যে দকের উপলংগট ଓ ଓ ଅମ୍ୟୁଲ୍ଲ ଓ ଆନ୍ଦ୍ର ନାର୍ଥ ଅନ୍ତ ম্বার্থা, সালের দানিউভপাত্তিক যে প্রায়ান দোৰেট। এবং হাঁৱা দলখি পদিবা পাছৰ ভাঁৱা একল বুজানেই পায়েন – গিব্ৰুখ একট দক্ষীয় দাণিউত্তাৰ তথ্যক'কিছা **ঘ**টনা দথ্য বা আইভিয়াকে হয়ে ও ছালে। নিজন্ত আনক বালের বা হালাকেরের হাত একটি সংবদ্ধর বিশ্বেষ্ঠ পোটালির । হাজে বিশ্বের ক্রেই প্রাথমীয় িশেষ রয় স্থেপি স্যাপ্রিটি স্থো করেনে একগাভারতা ফলীকার করেনে নামায় অসাদ। হাত হাটে হল্য কৰা 5ছাছ। 🖒 हारूका द्वाराचन सुक्का हा लंदा । फिराक्टिक াক ব্রিয়া ল্ রাজ<sup>া</sup> ভাগনায় পুসেলা। अक्या हो। त्या । अध्यक्षित्र कि । अस्ति प्रार्मीक् रहा हो। **बारस्यत**्हार हो १५५)४४०० ० অন্তর্ভার এর হারন একটা বিরাঠ সংযাদ প্র প্রতিষ্ঠার । তার বংলেলের ব্রুষ এই অসংক্র **কর্ম**র বী আছে।—প্রেম**িট**ার হিন্তু তেকে বা তাৰ হ'ব। বাসকজন সাবে িক সমলমত হজার কান একেন প্রেট্ট ব্যবস্থা কান্য প্রবাহ সংক্ষা সময়ত প্রিল্পের্ডারে প্রশা**র** হৈ আন্নত্য জ্বৰৰ আন্নত্তী এবং কৰে য কলকাতার বেশির ভাগ ভোটনাতারা মাজিপ্ট ক্রিট্রিস্ট্রের E 33.3 প্রতেশ্রিক সর্বারী **স**হ'িগল <u>श्ल</u>ारिक পরিণত করত। কার্নে হার কালা-একটি পূর্ণাঞ্গ সংবাদপত্র কথনোই গাণশাঙ্ক 33

স্তিরং হৈহেতু আনক্ষর জার পরিবা নিজেকে গোষ্ঠীর সংবাদপত বকো কাটি দ করেন না, এবং যেতেতু এটি একটি প্রাণ্য সংবাদপত্—তাই কি গাণগাভ কি প্রাণ্য গতে, কোন দিক গোকট গাণগাভাব সাক্ষ এর তুকানা হলে না

> আমিতাভ চটোপাধারে বাৰুড়া

### 'সাহিতা আকাদেমির নতুন সভাপতি

কুপতি ডঃ জাকির হোলেনের মৃত্যুতে
বা সাহিত। আকানেছির সভাপতি-পদ

শ্বা হলেছিল। আকাদেমি স্বাস্ফাতিকুমে

সেই প্রে নিবাচন করেছেন জাতীর



न, नी छक्षात हट्टी नावतस

জনাগক স্কৃতি কুমার স্থানী সামারক।
সংগ্রহণিত গ্রাছণ আবা বিশ্বনিক্রার ও
উপাচ্যা ডঃ আরু কে প্রীনিবাস আরোপার।
স্বিত্যা আকানেনির প্রথম সভাপতি
হিলো ভত্তবলাল নেবর,। তবি পর,
ভারতের দুই রাজ্যীতি, ছঃ তার্কারক। এবং
তঃ জানির হোসেন সভাপতি হরেছিলেন।
এবংর এই স্থানিত প্রে অনিহিত্ত
হলো ডঃ স্কৃতি তুমার চ্ট্রেপ ধার।

#### লেখাকর পানজন্ম

বৃশ্ হোষক ভানাটোলি ভানিকিলাখিভিচ ক্রান্থেছ ব্যটান ভালা হাগণ করার শরী ভার নাম বংলা করে জন। এখন থেকে ভারি নাম এ আনাটোলা। প্রেরানে নামের সব রচনাও তিনি আব্বীকার করেছেন। নিজের প্রজন সন্তা সম্পার্কে তিনি উজি করেছেন শ্রীকুমনেংসভ ছিলা একজন পোষ মানা ভাতু লেখক। রুশ দেশে তার রচনার সম্পাণ অংশ কথানা ছাপা হর্মন। শ্রুম কন্যানিটেউ পাসনা ব্যক্ষার জয়গানি করা ছালা ওকা স্বাধীনিতা নাই। সে ভাই মেনে নিজেছিল। আমি এখন গ্রেক স্বাধীনভাবে লিখতে চাই।

কুঝ নংস্ক্ত-এর উপনাসে ব্যাবি-ইআরা বিশ্ব খ্যাতি অজ্ঞান করেছে। রাশিয়ার শারিশালী তর্ণ লেখকদের অন্যত্ম, তরি ৩৯ বছরের কবিনে কখনো কোনো বেচল বেয়া ব্যর্থা, ১৯৫৫ সালা খোক তিনি রংশ ভূমান্নিকট পাটিবি সুদ্ধা, বৃহ্বেল্ প্রচারিত।

# MARTIN

যুষ পরিক। 'ইরেরেনাস্টা' এর ভবিষ্ণ 
সংপাৰক হিসেৰে তার নাম ছেবিও 
হরেছিল। জ্যুষ ব্রেক্টের দলে ভিড্ডেও 
তাকে কথনো দেখা যার নি। এই রক্ষ 
একজন লেখক কেন দেখাতাল করতে বাধা 
হলেন তা নিশ্চিত ভোল দেখার বিষয়।

क्याभरम् (अथन भयाग्ड खीत्क ७ नाम्बई मरान्त प्रम कर्ताष्ट्र एकम मा, क कामाएं म माहब ভিনি এখনও লেখা শ্বের করেন নিন্ন) হয ভিটেনে আন্তম প্রাথী হলেন, ফেটা কোনো অংকলিক ক কিংধানত নয়। প্রেক্টেক্টান্ডাক্টার রুশ বর্তিনী পাঠানোর পরই তার মন তে ত বার, অন্যান) - অনেক রাণ লেখকের মতন। চেকোন্সোভাকিয়ার খটনার তাৎপর আনেক জাতির। প্রত্যেক মনেত্রের জন্য খান্তা প্রাঞ্জন-এটা যেমন সভা তেমনি ক নুধ খাধ্য প্রতি খেলে । খাঁচে না'-এটাও সভার ্ট সমুদ্র দেশ খাসা ও নিরাগভার বাংস্থা করতে পেট্রেছে সমস্ত মান্ত্রিসর— ্সেই সমসত সেখে মান্ত্রেক বাক ও চিন্তার প্রাধানিতা রেলা সেওৱা হারে না ? কৈলের বাধ্যা? লোখকর একটা দেশের ভি ক্ষতি করবে? যদি শাসন্তব্য বা কেন্দ্রীর নীতি যা সমাজ বার্যথার কিছু সন্মালোচনা ক্রেট ওঠেট লেখকদের কলমে—তা হলে সেগ্রেলা ধ্যোধরাবার চেন্টা না কার, লেখকদের দমন করার মধ্যে কিসের সান্ধাবাদ? সন্মাভত্তী দেশের যাঁরা প্রধান্মতী বা প্রেসিডেন্ট



আনটোল ভ্যাস্ত্রিছে কুমনেংসভ

হচ্ছেন, সাহিত্য-নীত নিধারণে তাঁনাই কি
নিতাল বিচারক? এ হটন বার বার শোল গোছ, স্টার্টিলন, রুক্তেড বা কোসিকিন কোনে বিশেষ গ্রন্থ ছাপ: হবে কি হবে না
—এ সংগ্রেলা ব্যক্তিগত নিগোল বিজ্ঞেন গোলেত্রনাক, সোলাঝোনগুসন এবং

#### বিশাখার প্রথম বই প্রকাশিত হল

### একালের প্রেমের কবিতা

प्रन्य मता ६ मीडि जियारी

দাম চার টাকা

রাজলন্ধাী দেবী, অর্থাবিদ্ধ গাৃহ্ সিন্ধেন্তার সেন, পান্তবুদ্ধার ছোষ, স্নীজ বস্তু, পরক্ষার মাথোপাধ্যার, সমানি রারটোগা্রী কংগ ছোব, গাকেরানক মাথোপাধ্যার অর্থাক সর্বার এরে সানালে কবিতা সিংহ, রারান্তার চক্তবর্তী, অলোকরঞ্জন লাগগা্ণত, আনক্ষরতারী, পাঁছি চট্টোপাধ্যার পংকর চট্টোপাধ্যার স্বদেশরজন দেও স্নানাল রাজিলাধ্যার, স্বাজিক লাশগা্ড, খিনার মজ্মেদার, দাঁপক মজ্মেদার, মানে থারটোধ্যারী, সমরেজ্য সেনগা্ড সাংক্ষার, মানিক, কমিতাভ দাংগাণ্ড প্রথমিন মানিক বিশ্বামার করি কালিক মানিক বিশ্বামার করি প্রথমিন বিশ্বামার করি প্রথমিন ব্যামার করি সানালিক বালিকার্মার বস্তু।

#### ट्रोशिम क्रम कवित्र अक्रम प्रमृष्टि अग्रद कविष्टात मारकन्ता।

্রিকাশা/২৮।১এ গড়িরাহাট রেড/জ্যাট নং ২৫/করি:—১৯ প্রাণ্ডিক্থান ঃ দাশগুল্ড এন্ড কোং, করেজ স্ট্রীট/ডি এম শাইঞ্জেরী, অংশাঞ্চ বৃক্ক সেন্টার, গড়িরাহাট কংশন

(FI 6358)

শলোকভের ক্ষেত্র)—এ ব্যাপারটা কি অতাত অস্থাতিকর নয়? সাহিত্য নিয়ে ও'নের অতথানি মাথা ব্যথা কেন? পালেতরনাকের উপন্যানে যে বিক্তবের খানিকটা ভিন্ন চিত্র ফুটেছে, ভাতে কি ক্ষতি হয়েছে সোভিয়েট দেশের? নিশ্নকেরা সায়্যাগ নেবে? অতএব বিশাল দেশেরও নিশ্নকদের ভয়? এতই হিন্দি ভয় হয়, তবে প্রাণ্ডা কি একশো বছরের জন্য কাব্য-সাহিত্য রচনা বৃশ্ব করে দিলটে হয়—শেলটো বেমম তাঁর কলিপত রিপাবলিকে কবিদের বাদ দিতে চেরেছিলেন। সভিট তো সাহিত্য-শিলপ তো আর মান্বের খাদ্য-বন্দের সমস্যায় কোনো কাজেলাগে না। সমাজতক্তী বাকক্ষার চেকো-শেলাভাকিয়া প্রভৃত উন্নতি করেছেন, সেথানে এখন মান্বের মান্বের

রুপ দাড়ার—সেটা কি দেখার বোগা ছিল
না? আজ সাম্যবাদের চেহারা নানা রক্য—
যুগোস্লাভীয়, রাশিয়া এবং চীন প্রস্পর—
বিরোধীভাবে সাম্যবাদী। চেকোস্কোভাকিরায় তার আর একটি নতুন রুপ
দেখা দিতে পারতো—সেখানে সৈনা পাঠিরে
কঠ রোধ করা সমস্ত হাঁত ও শা্ভব্দির
প্রিপ্থা।

চেকোপেলাভাকিয়ার ঘটনায় বহু রুজ লেখকের মধোই বিক্ষোভ रमधा निरम्भा 7-10 S 10 IC অগুগুণা লেখক এর প্রতির ৯ কার্বছিলেন। এই ঘটনার ভারা রাজ্যত গোরছেন, শাস্ত চেকোপেলাভাকিয়ার নঃ **अस्टास्था**तिक লেখকৰা Taire! স্বাধীনতার জনা দাবি **জানালে** জৌহের প্রতিও একই ব্যবস্থা অবলাদ্বত হরে। লেখার স্বাধীনতা না-পাওয়াই লেখকদের প্রধান মমাদাহের কারণ হয়। যারা স্বাথাপ্র বং সাবিধারাদী নহা দেশদোহী নহা বিদেশের টানে প্রপাশ্ব নয়-মারা শাধ্য ভাব প্রকাশের স্বাধীনতা চায়, সেই সমস্ত কেথাৰেক ভূপাৰেও স্থি সামকাৰী থজাইসৰ নামে জাষ ভাষের উপয়ে কিও আর, যে-লেখকের সামান্ত্র আল্লাসম্মান্ত্রান আলে তিনি কিছুতেই সহা করতে পরেন না-তার নিজের লেখায় অন্য কার্র কাঁচি চালানো। রাশিয়ায় অনেক জেখকের রচনাই সম্পূর্ণ অবিকৃত ভাবে ছাপা হয় লা৷ বেমন, ক্রনেংসভের হয়নি। তার দাটি উপনাস 'বঢ়ার ইআর' এবং 'ফাহার'<del>– দা</del>টিটই কিছ, অংশ কাটা গোছে ৷

क्टरकारम्माङ।किशात घडेमात भत र्थरकरे ক্ষানেংসভ দেশ ছাডার সামোগ খাজ-ছিলেন। সংযোগ এসে গোল, যখন তিনি লোননের জাবিনী রচনায় হাত হিলেনা লোনন কিছুলিন কাটিয়েছিলেন লংডানে, সে সম্পরের তথা আহরাণর জনা তিনি লংডনে আসেরে অনুষ্ঠি পান। লণ্ডনে স্ব সময়েই তাঁর সংগ্র একজন বাশ স্বকারের প্রতিনিধি ফাকতো। দেন্তো 97 A 3 শিশ্বপতিজ দেখতে গিয়ে সামানা স্থেগ পোরেই তিনি আত্মগোপন করেন এবং একটি সংবাদপত আফিসে গিয়ে তার বিবৃত্তি দেন। তিনি আগ্র ডিকা করেছেন বটিশ সরকারের কাছে এবং তা অনুমৌদিতও হরেছে। রুশ দ্তাবাসের কাছে এ সংবাদ এতই বিসময়কর লেগেছিল বে তার সতাতা অস্বীকার করেছিলেন। স্বরং র্শ রাষ্ট্রত ক্থানেংসভের স্থেশ একবার দেখা করতে চান। কুঝনেংসভ দেখা করেন নি, বলে পাঠিয়েছেন, আলে -14363 স্লোভাকিয়া থেকে সৈন্য সরিয়ে নেওয়া হোক, তারপর দেখা করবো!

সনাতন **পাঠক** 

### সপ্তম বর্ষ রবীন্দভারতী পরিকা শাবণ—আশ্বন ছতীয় সংখ্যা

সম্পাদক । রমেন্দ্রনাথ মারক লেখকস্চী । স্বৰীন্দ্রনাথ ঠাকুর (চিটিস্ত), ভূদের চৌধ্রী (রখীন্দ্র-কবি-প্রতিভার উন্দেষপরিচয় : 'প্রভাতসংগতি'), হরেন্দ্রন্দ্র পাল কোঁব মিজা গালিবের জাঁবন-আলেখা), সাধনকুমার জটাচার্য (কোচের শিক্সভতু), হিরুদ্রন বিদ্যাপাধ্যায় (ভারতদ্তে রবীন্দ্রনাথ), রমা চৌধ্রী ('সপ্তান্পপত্তি'-খণ্ডনা), দিলীপকুমার ম্থোপাধ্যায় (সংগতি ও বাংলার নাটাশালা : গিরিশ যুগা), জামরজুষণ মজ্মদার (আলোচনা : 'প্রচিন কোটাব্যার : ভাষা ও সংস্কৃতিচটা'),

ভৰতোৰ দত্ত ও অঞ্জিতকুমার ঘোৰ (গ্ৰন্থসমালোচনা )। চিহ্মাচী । গগনেশ্যনাথ ঠাকর (চিগ্রিড )।

তৈমাসিক সাহিত্যপত । প্রতি সংখ্যার মূল্য এক টাকা।

বার্ষিক চাঁদা চার টাকা (সাধারণ ভাকে) ও সাত টাকা (রেঞ্ছিন্টি ভাকে)।

রৰীন্দ্রভারতী বিশ্ববিদ্যালয় । ৬/৪ গারকানাথ ঠাকুর লেন, কলিকাতা-৭ পরিবেশকঃ পত্রিকা মিণিডকেট প্রাঃ লিঃ।১২/১ লিণ্ডসে স্থাটি, কলিকাতা-১৬

न्उन स्टन दरे	সদ্য প্রকাশিত			
नीम बन्मत	n	মাশাপ্ণা দেবী	11	0.00
শ্বপ্ল-সায়র	n	রবীন্দ্রনাথ <b>ম্থোপাধ্যায়</b>	11	A.00
<b>बा</b> णीवाञ्जे	n	বিমল সেন	11	0.00
তৰ, গঙ্গা ৰয়ে চলে	n	রমণীরঞ্জন গ <b>ক্ষোপাধ্যার</b>	11	R.00
নামান্তর		ভাকের	11	2.26
<b>न्यं भण्डात मृत्मा</b> (करिए)।	n	শিবেন চটোপাধ্যায়	11	₹.00
তেউ ভেঙ্গে পড়ে	-	রমণীরঞ্জন গঙ্গোপাধ্যার	-,	0.00
টাকার রং লাল		আদিতানাথ মুখোপাধ্যার		
চন্দনপ্রের কাহিনী		অ-কু-ব	11	৬.০০
মনে পড়ে	u	সভোষকুমার দে	11	২ ∙ ২৫
ম্পেনের কবিতা		শিবেন চট্টোপাধ্যায়		₹.00
HISTORY OF INDIAN E	DU	CATION—PROF. DATT	A-	6.00
বিচিত্তা প্রকাশনী -		৭, নবীন কুণ্ডু লেন, কলি—১		

(সি ৬৫৮৫) 🖰



### वरे পড় सात सांभि

#### ব্জায় ব্লকোৰ আশান্ন্প বিভি হলে বা

' ভাশা করা গিয়েছিল বিশ্বীয় শব্দকোব' ছার কম সমায়ের মধ্যেই নিঃশেষিত হবে ভাষণ বংগো ভাষায় ঠিক এই রকম প্রামাণা শব্দকোষের প্রয়োজন এখন নয়. ব্ববিদ্রনাথের সময় থেকেই ছিল। অক্রাণ্ড গ্রিক্স, অধাবসায় এবং বলা যায় সারা-জ্বিবনের সাধনার ফসল শ্রীষ ভ হারচরণ রক্ষাপাধ্যায় আমাদের হাতে তাল নিয়ে প্রেছন। কিন্তু অন্তানত দুঃখের সংগোই গুরারার করতে হাছে, এই ম্লাবন গুগাটির চাহিলা বিভিন্ন শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের হতে এখনত তেমনভাবে অনুভত হয়নি। হলে বংব **ঘরের মধো** বিমের পর দিম **মংথা** হটে নিরপোয় কেতাবদনী হয়ে বইগালি ମୂତ ସ୍କ୍ରିଲା ଅସ୍ଥରେ ସ୍କ୍ଲ ଓକ୍ତି ভারণা বঙ্গা ভ্রায় এক আলে क्षांच्या विकास

ভারিকার সংকলার আভিধান প্রণয়ন প্রসাংখ্য হালাখন বহুল বিশ্বভাৱতীৰ শৈশবাবস্থা, হয় চুখা মুখ্য নাম্বর কাম কথা প্রসংগ্র প্রজ্বাস্থা কবিবর আমে তে বঙ্গা ভ্রম ত্রলনি অভিযান প্রকার কথা হালিয়াহিলেন। তথন আ**ন্তা**নর বিদাধী-লাগর পাঠের কোন সংস্কৃত পাঠা পাইতক ভিল ১০ কলিবলের নিলেশ ন্যার প্ৰকৃত্য প্ৰবেশ তথা কবিতে ছিলম। ম্ভিবং ভথমই ভাষার কথান,সারে আভি-ধনের কার্যে হস্তক্ষেপ করিতে পারি নত : 'সংস্কৃত প্রবেশ' রচনা রমে রমে তিন খাড় স্থাত্ত হট্টাল, আছি একদিন কবি-ব্যৱস্থানিকটে পারে প্রসংগের উত্থাপন করিয়া অভিযান-সংকলনের ইচ্ছা প্রকাশ করিলাম। তিনিও আমার ইজানসোরে আনক্ষের সাতে ভংকারে প্রান্ত হইবার অন্মতি নিলেন। সেই দিন হউতেই আমি ভানীর অন্তিরুমে অভিধান রচনায় নিরত হইলাম। অভিধান প্রণয়দের ইহাই মূল কারণ। সে অনেক্রিন প্রের্বিই কথা তথন ১০১২

১০১২ সাল থেকেই কাজ শ্রে হর।
১০১৪ সালের ১৬ টের প্রথম শাল সংগ্রের
সমাণিতর দিন। তারপর সংগ্রেণীত শালামালা
মাত্কারণান্ত্রমে জিপিবন্ধ করতে প্রায় দ্র
বছর কেটে বায়। ১০১৭ সালোর বৈশাথের
প্রথম দিকে শালান্ত্রমিগাকা শোব হয়। পরে
বাঙলা শালার স্থোল বর্ণান্ত্রমে সংস্কৃত
শবল সংবোজন, শ্রেলর ব্যুৎপত্তি ও শিল্
প্রয়োগ ইত্যাদির কাজ চলতে থাকে।

অভিধান রচনার কাজ কিছা দরে

এগোনার পশ্ধই প্রকট আথি ত অস্থাবিধার মধ্যে পড়ে হরিচরগেবাব্ ক'জ বাধ র খতে বাধ্য হন। বিষয়টি রবীন্দ্রনাথের কানে আসে। তিনি মহারাজ মণীন্দ্রচন্দ্র নদনীর কাছে আথিক সহযোগিতার প্রভাব করেন। রবীন্দ্রনাথের প্রভাবে রাজি হয়ে নণীন্দ্র নদনী হরিচরগবাব্যক প্রথম না বছর ৫০-০০ হিসাবে পরে চার বছর ৬০-০০ হিসাবে ব্যক্তি দেন।

১০০০ সালে আধ্যানিক বাঙলার প্রাসিদ্ধ কবি ও সাহিত্যিকদের বাছা বাছা সাত-চিন্নপটি বই থেকে দ্বিতারিবার শব্দ সংগ্রহ ও সংযোজন করে হারচরপবার আগের পাণ্ডুলিপির সংক্লারের কাজ আরম্ভ করেন। 'শব্দকোষ' বই আকারে প্রকাশ করার আগ্রহা বিশ্বভারতীর ভিনা কিন্তু অগ্রিক্ অস্ত্রবিধার জনাই তা সম্ভব হয়নি।

রবীন্দ্রনাথের প্রশংসাপ্রকৃত কল্পতাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের কাছেও হাত্তর্গর বৃ বৃহতি প্রকৃত্যার কাছেও হাত্তরগর বৃ বৃহতি প্রকৃত্যার কালে আবেদ্যা করেন । পাণ্টুলিপির কিছা কাশ অনুক্রেন্দ্রনর জন্যা প্রশালধানি প্রকাশযোগ্য করেও কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় মন্তব্য করে বিশ্ব এখানেও বাধ সাধলা টাকা। বিশ্বাস্থা মন্তব্য করেল না।

এটেও হরিচরণবাব্ নিরাশ হনন। অভিসান প্রকাশের জনো অভানত কাওঁর সংখ্যা তিনি কিছা টাকা সংগ্রহা করেছিলেন। ত। নিরেই ২০জ শ্রের করবেন। আশা ছৈল হলে গ্রাহকদের শ্ৰদ্ৰেষ প্ৰক্ৰিত আন্ত্যাল্য ধাঁৱে ধাঁৱে কাজ চলতে থকারে। কিন্তু শন্তকাংসর আর্থেক খণ্ড-সংখ্যা ছাপা হওয়ার পরই তেনে অস্ত্রিধে দেখা দিল, পরে অনা একটি প্রেসে ছাপার কাজ শেষ হল। তথন অভিধানটির ছাপার খরচ প্রধানত গ্রাহকদের টাকাতেই চলেছে। বিশ্বভারতীর প্রান্তন ছাত্রছারীয়া কার্যক বা একবালীন কিছা সাহায়ত ভারাছন। ভাছাতঃ প্রজ্ঞান ববীনদ্র রচনাবলীর বিজ্ঞাপন ছেপে বিশ্বভারতী হথাসাধা অথাসালাহা करहाहरू। ७३७ व दिश्वजावजी, धारक्षण ছাত ও কথাবগোর আনাক্রলো দাঁঘা চৌদ্দ সম্পূর্ণ প্রকাশিত বছরে অভিধানটি হয়েছিল। কিন্তু সে সমরে টাকার অভাবেই বেশী কলি ছালা সম্ভব হর্মন। পাঁচ ভালে বিভিন্ন অভিধানটি অবশেষে নিঃশেষিত

ভারপর হহু বছর কেটে গেছে,
প্রমিদ্রণের কোন ব্যবস্থা সম্ভব
হয়নি। হরিচরণবাব্র জানিতকালেই সাহিত্য আকাদিন এ বিষয়ে
উৎসাহী হয়। পান্চন্নকণ সরকারের
অর্থান্ক্রো সাহিত্য আকাদিন নতুন
সংস্করণ প্রকাশ করেছেন। ভাও প্রায় ন্ ব্যৱ
হয়ে গেল। শুটি থাতে প্রকাশিত প্রশ্তির

দাম ৫০-০০। এই স্বৃত্ধ অভিধানটি সাহিত্য আকাশমির পাক্ত এই দাশে দেওয়া সম্ভব হত না ধনি না পশ্চিমবংশ সরকার অধসাহায্য করতেন।

আগের ভূলনার শিক্ষা প্রতিষ্ঠানের
নংখ্যা বেড়েছে, পাঠাগারের সংখ্যাও গ্রন্থর বিশ্তু বংগারি শব্দকোষ-এর মত একটি
প্রামাণ্ড অভিধান সংগ্রহের প্রয়োলন দেখা
নিছে না। তখনকার শালিতিনিকেতন শিক্ষাভবনের সংস্কৃত অধ্যাপক হরিচরণ বংশ্যাঃ
পাধ্যারের সংশীর্ঘ ছবিশ বছর কঠোর
পারপ্রয়ের মালায়ণ তবি উত্তর্গধকারীদের
ভারত মানসে কবে হবে কে জানে।

#### 'হাস্তিৰ বাকের উপকথা' ও 'দ্টে প্রেম' হিন্দীতে

তারালংকর ব্যালাপাধায়ের জ্ঞানপীঠ প্রস্কার প্রাণ্ড হই গণ্ডেইডার হিন্দী অন্ত্রপ্রকশিত হলতে ১৯৬৭ সংকোদ জনপ্রি প্রাণ করেছেন। 'গ্রণদেবতা' হিন্দ**ীতে জনপ্রিয়তাও পোরহে প্র**য়ুর। সম্প্রতি হিন্দীতে অনুবাদ হয়েছে হা**সাল** র্যান্তর উপক্ষা ও দাই পার্যা। বইও বেলিয়ে ব্যক্তি। আন্যোদ আর্ছেন হংস্কুমার তেওয়ারী। তাঁদালি বাঁকের উপক্যার দাম ১০-০০ ও পাই পারার' ৩-০০। 'গ্লনেরড' মালরাকী মও । অনাবাদ ইচেডা। অন্তাহ করছেন রবি বয়া। কাজ প্রচে শেষ হয়ে এমেছে ৷ পাল্য সঞ্জাশং এরও হিন্দী অন্বাদের কাজ শেষ হায়েছে। অন্বেৰ করেছেন রঙ্গনাথ রাকেশ। ছাপার কাজ শেষ হার প্রাজার আগেই। এটিও 🖼 নপঠি প্রকাশ করছেন।

#### 'প্রতিনিধি সংকলন'

বাংলা হিন্দী, পাঞ্চাবী, তামিল, তেলেগ্ন, মারাঠি, পা্থরাতী মালয়ালাম, কামাড়ী—প্রত্যেকটি ভাষার প্রতিমিধিস্থানীয় নাটাকারদের বাছাই করা নাটক নিয়ে হিন্দীতে একটি সংকলন প্রকাশিত হায়ছে। বাংলা থেকে নাটাকার মন্দ্রথ রায়ের একটি নাটক এই সংকলনে অভতুত্তি করা হয়েছে। প্রকাশ করেছেন জ্ঞানপঠি।

#### হিন্দতি 'দেৰতাকা হিমালর'

প্ররোধকুমার সান্যালের বিথাতে বই পদবতাখা হিমালর। এর হিশ্বী অন্বাদের কাজ শেষ হয়েছে। আগামী দু তিন মাসের মধ্যে তা বই আকারে প্রকাশিত হবে। এটি সম্পাদনা করেছেন শ্রীমতী কুম্থা কৈন। ভারতীয় জ্ঞানপঠি প্রকাশনার দারিত্ব নিয়েছেন।

পতজাল শৰ্মা

#### প্রবন্ধ

**উথিত আজিকা।** অংশ সন্তা আন্দর-ধারা প্রকাশনা ৮, শ্রমান্তর দে দ্রীট, কলকাতা-১২। দাল ১২ টকে।

ত্যান্তিকা সংগ্রেক ঔগনিবেশিকণের সূত্য ধারণা এলেগে আজ্ ও থানের সভি। বলে বিদ্যাস করেন। ইংকেজী থেকে ইতিহাস অন্যান্তানের কথা বাদ নিজে বালা ভারিয়ে আজিকা সমপ্রেলা প্রথম বই প্রকাশিত ইর ১৮৮৪ সালো। লেখক শামকাজ দিত ১৮৮২ সালো মিশত-অভিযানে অংশ গ্রুপা করেছিলেন। তারপারিও বালা ভারা এই বিষয়ে যেন্সর বই বেলিয়েন ভারা প্রথম বিদ্যাস করেছিলেন। তারপারিও বালা ভারা এই বিষয়ে যেন্সর বই বেলিয়েন ভারাবিকা বিদ্যাস করেনি বিশ্বাস হালা প্রকাশিকার করেনি বিশ্বাসকর বালা ভারিকারে আক স্থেল ব্যুক্ত করেনি যার্লা প্রকাশিকার স্থানা প্রকাশিকার স্থানা প্রকাশিকার মত



কেন বই ছিল না জীজংশা নাডর উথিত জাহিনা সেই অভাব আনেকটা প্রেপ কর্মা প্রস্থাত বলি জীপত আছিকটেই অধ্যাপনা কর্মাছন। অন্তিন্দা সম্পার্ক হবা হর্মজন্মার রাম্যা, তারি বইটি পড়ে কিছাট হাত্ম হাজভ হাত সংক্রে।

ত্রংম তথ্য জেখন মহারেশের জনসমূহির নৃত্তিক থালাচন বক্তাত্তির অভিনয় অধিন ভবিশালীকের মুহল্পকার ভবি বক্তা সামিদেশ বের্থাছন উন্তব- ভাষিকার দেশগালির জনস্মতির ১০০ হ্মেন্ডারে স্থান পায় নি। সাস-বাব্য ভার আরুত করে মহাদেশের বিভিন্ন জন্দ বিভিন্ন সমাভাবাদী শক্তি বিভাবে সংগ্ৰহত শ্বের প্রিত্তি করল কোমক তা জাকে 🔐 ক্রেছেন। ইউরে পরিজ্ঞা হে-সর তেন্ত্র বর্মাত স্থাপ্ত করেছিল, সেন্দ্রে এলকার তথ্যতিক উল্লেখ্য হওছণ অভিকাশ সং-প্রথম ভারিহাীর সমাজের স্থান্ট হয়। এর ৮৫ কেনের মাত্র জাল্লিকার সমাজে আবে ভার ভালি পুলাক ছিল ১০০ জাজুকাত কৰিলাৰ জ্ঞানিকৈ উচ্চতন্দ চেটা মূপ্তিক ১০০ এখনত হাজা বহ<sup>ত</sup>েতে। তারত আল্ডা ক্ষেত্ৰ প্ৰয়োজীয় 2003 क्षति श्रीत প্রতিজ্ঞ তাধিকত আহিছে হ ভাষা জন্ম বিভাগত বৈ S 75 56 3 2001111 277.35 ভাতিকাৰ সংখ্যাতা-জাত্ৰীয় ও প্ৰ-আভিয়ান আপোলার র করা আসে ৷ ৬-ৰ পাৰে হালৈ হয়ৰ কেশ্ৰেম ও সামাটিত সংগ্রহণাপ্তর অর্থনান্ত বর্গান, করা ইয়াছি। 5 2000 স্ব ধানিত: 20,749/09/04/2 ভারেজক ও ক্ষেত্র পার্চি উপ্রেখনে সাম বার্ট হলাক হড়ক। প্রহা কিডোয় মহামাণের সময় বিভিন্ন স্কুজনহাতী শ্বিস্থ সেন্ট্রা মত ভিনিত্ত অভিকল্পত ইউরোজ এটা মুদ্দ এর মতে মুদ্রই উল্লেখ্যমের 🖻 জন্ম সভাভান্ত ৰূপন প্ৰস্থাৰ স্থান্ত অঞ্চলের আজিনান্ত্র আল্লেন্ড স্বাহত স্কারের গুরুত্ব হার ১০০ জনসভূপিক (১৮ চার্ড আন্ত্রিক্র অভিযোগীর । হয় প্রাধান চালি প্ৰতেও ভাৰত জলসান হাটে। <sup>চ</sup>ৰভূমিত, সম্প্রতিক্ষারে অভিনয় হেন্সং পর স সভাতে আনিক্ষত নামছে বইটিডে ৮.4 হুৰ্বাল জানুক্ৰানুল। লেই ৷ অধ্যুদ্ধ এই জাভ ড সভাতার জন্য সাহায়তে। সাক্ষরণত অর্থাণা অভিয়ন্ত ই অভীভেত্ত জনা প্ৰতিভি এবং এ হয়ের পর্যায়কার প্রেসেম্পর্যার বিধেষ ধারণার সাণিউ হারছে ৷ ৫৫১% ইউদেশেশৰ বভালন সভাভান আলা আইন যে একটি উল্লাভ স্ভাতার অদিত্র বিভা এই ভাষ কেবল আফ্রিকা নয়, আমেরিকার নিয়েল-আনুষ্ঠ জনাক্ত যে প্রভাষিত কারেছে: নিলো-দোৰক জেলস বলাডইনও তা উটেব করেছেন। আনোনকান নিজোনের পাস-श्रद्ध स्य १५८११-अभ्यत्न राम करूड गी. এই ধারণার জন্ম সামাজিক অসমানের সামনেও তারং আভাষালা আর নিকেনের নিজ্যে বলে প্রিচয় সিচে অসমান বেব

ক্রেম্বর প্রনেজ্যান্তিকার আন্তর্গুলনের কথা বন্ধতে গিরে গারতের শতানিদ্ধার ফিরে চলোঁ আন্তর্গুলন ও ডু ব্যুগুলর ভূমিকার

কার কান

সৰে বেরলে

ৰোম্মানা বিশ্বনাথমের নতন উপন্যাস

### भारधः अभ

বিন্ধু কাহিনী আছে সেকালের তার কিন্ধু আছ এক নের কিন্তু শাধ্য প্রেম কেন্দ্রকা সেকালের। সাম ঃ ২-৪০

র্পমঞ্রী—		नदरन्त्रमाथ चिट	v.40
প্রণয় বিচিতা—(প্রেমের	eleal)	শিবরান চক্রবত্তী	€.00
শশী কবি—	(ইপন্টে)	ফণীন্দুনাথ দা <b>সগ্স্থ</b>	0.00

**স্টেশির** ৩৩-কি, স্থালন প্রি, বলিকাল ১

### প্রশন-উত্তর

্ভারত র বিভয় বিশ্ববিদ্যালয়ের সাজাবাস অনুযাসী বিব্যাস

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A. Modern History)
ভেল্পারকা এটিটার । বি. কোলা এল-এ

ভদ্মাম ১ **হিল্মি ভাৰ বে**ংগল (১৭০০-১৭৯৩) ১৬-০০

২ হিন্দ্রি আরু ইন্ডিয়া ( ১৮৫৮ - ১৯৪৭ ) উইথ দেশশাল রেফা-রেল্স ট্র ইন্ডিয়াল

ন্যাশনাল অ্ভনেথ ত দি অভিন্য ইন্ট্ দি ফার ইন্ট্ দি সাউথ ইন্ট এশিল্লা ইন দি নাইন্টিনথ্ এণ্ড উত্তন্তিথ দেনচ্যিস্থ ভগ্নি চ কানিজনিউসানাল হিশ্বি সফ গ্রেট ব্রিটন ১১-০০ (১১৮৫ টু প্রেট টু

ঙই•টার নাশি নাশ বিজে-শনস্

ও হিন্দিট্ট কাক পরিবাদিকালে এট **রুম ম্যাকিরাডেলী** টু প্রেক্টিকে

ব ইণ্টারন্যাশলাল ল এণ্ড জগনিষ্টভেশন এণ্ড ইউরোপ (১৮৭১) ১ মছপে ইউরোপ (১৮৭১)

এম এ ইংলাকৌ ও অনানা পাস্তক ভালিকার ভলা লিখ্ন

চলভিকা । নবখন কুছে লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলেকাতা-৯

कर्म अप्रमाधना करतस्य। फ वर्गम स्व গোর ব্যাসে আমেরিকান কম্যানিস্ট পার্টিতে ্ ফালান করেছিলেন, সে-তথ্যও ফোখক কিল্ড 907-B SE4 45 Te 75 ( Bel ! ভাবেল্লাসের এক সমরোর নেতা এছা গ্রেস্ট্রের নাম বইটিতে একেবারেট প্রান প্রায়। কমিন্টানের আফ্রিকান-বাংগ্রের ১°লে প্ৰভালের রাশিয়া ও কম্বানিজম ভাগ লৰে জাইকোৱা **শেষ** দিন প্ৰশিক্ত গাটন• তাহিকান আপোলনে নিজেকে নিমেডিত প্রভারের । এবং দ্বাধীন খানা সরকারের গ্রুপ্রতার প্রিস্তরে**ই মারা বন** জ**র্জ** লাভারনারের নাম অন্জেখ অরও একটি ত্ত বাণ ভিজ্ঞাসা পাঠকের মনে এক খিনিত হলেভাবের স্থাহিট করে। করেণ তিনিই এক্ষার প্রোক খিনি গোটা আফ্রিকার কথা ল্প চন্ত্ৰ ভাজতা বট, প্ৰশিক্তকা ও প্ৰকাষ ৪৯০° করেছেল। তা ছাড়া ১৬১ প্রতিষ্ঠা ্র-ভিশ্ উর্পান্নবেশের সংগ্রহ হর স**ী** রুগনিরাধার **পার্থাকার আরোচ**া পারবার স্থান জড়া প্রভাষাধ্বর "প্রায়-আড়িকার ইঞ্জ ল্লে কলানিজ্লে ব্রীটিক এক দেশ অধ্যাহর ত্যাল লিংকার্যর কথ্য মধ্যে পাড়ে :

0:4/39

ক্ষুণ্ডিভীপ আজ্ঞান। ভাগগেন গিবলৈ কৈত আভ্যাবকাৰী কৈকো চাল : কম পি তিল বৈজিতা, ২০০ নেভালো সংভ্যাব ১. কলি-কাহা-১। গালা ২০০০।

শ্বেরের দ্বাধনী তার। ইতির রুসর সংখ্ ক্ষেত্ৰণ ভাষামাল এখা বিষয়ে সংগ্ৰ धालिक र कार खाला। स्वर्गाता के काला विक ଅଟେବର ଅଟେଥିଲ**େ** ଅଟେ ଅଟେ ଓଡ଼ିଆ ভাষা মুক্তি সংগ্ৰহের অংশংশা বিভিশ भाजन्यक्रम हारहा। सन्तै वर्गप्रप्रहानी जन्छ প্রতিত বিশ্ববিধানের **স্বাধ**িতা সংগ্রেছীনের লৈ কি নিল্ল নিয়াতন করা হাত এবং ভ माइड सम्मीता छोत्रे मान्यम विकासि ন্ত্ৰে কেবল্যাত ভাগীবিত্ত নয় স্থাস্থান চিচ্ছের মাজির জনা নিজেপের <u>ইত্রী</u> শ্বরেজিবেদন ভারট একটি সংক্ষিণ্ড বিবরণ এতে প্রকাশ করা হয়েছে। এই সংগ্র আছে নিবাদিত বংশীদের মধ্যে যাঁরা সেকালারে থাকতেই শহর্ষি ছয়েছেন ভালের কভকজনের **জীবনী। পরিখিনেট জাবিত ও স্বর্গাত** বদ্দীলের একটি তালিকাও প্রকাশ করা ইলেছে। দ্বাধীনতা সংগ্রাম নিবালিত শ্রুটিনের ক্থা জানতে প্রবৃথি সাহায্য 15007

#### প্রাপ্তি স্বীকার

শোলা গণ্যা। বৈলেজনাথ চোমানার। স্টান্ডার্ড ব্রে কোন্যানারী : ১০/১ জি টি লোড, হাওডা-১। মুল্যে ০০০০।

শরংচন্দ্র। গোপাল্ডন্দ্র রার। সাহিত্য

স্থা : এ ১২৫ কলেজ প্রীট মার্কেটি, কলিকল্যা-১৯ ৷ মাল্য ১০০০০ :

Chaitanya His Life and Doctrine by A. K. Majumdar. Bharatiya Vidya Bhavan. Bombay 7. Price Rs. 2500

পাতার বাঁশী। সংগাদনা : শামাপ্রসাপ সরকার। এভারেপ্ট বা্ক হাউস : এ১২/এ করেজ দানীট মানেটা, কলিকাতা-১২। মাজা ৩-০০।

**মোজতাই ও জনতাই। ট্রানার এরতা হোর।** ৩/৫ নালর মা কেন স্থাতি, কলিকাভাতে। মালে ০০৭৫।

পরাধীন ভারতের মৃত্তি সংগ্রাম। ভাঃ স্বাধীরেণ্ড হৈছে। জে এন থেবে আগত সংস্কঃ ও বংকল ডাডালিগ স্থাতি, কলিকাডা-১২। নাক। S-৫০।

চাদে নাৰেন ৰাজা। তঃ কংশংগ্ৰ ভট্টতাৰ্য। জ্ঞান জ্ঞান ঃ ১১ শ্যোত্তৰ চে দুইটি, কলিক ভাত্মং । ১৩ ৪ ০০

Wings of Love & Random Thoughts: by Advarya Rayaneesh, Mothal Baraturolda of Burglow Road Jawahar Bajih, Didhi-7, Price 356.

Statistica) Elucidations for District Administration in (West) Rengal: by Ramendia Narayan Nag. Classic Press. 3.1A Shyama Charan D-Street, Calcutta-12, Price 10.00.

বিদ্যালয়ের। রাজ্পান্ত এক্ট্রনিত। তান হোল তিশ্যাসা হাটেও প্রয়ালিক হা প্রায়েও লিম্টিটিত হাছ্যা, শ্রম্ভিক স্ট্রীট্র, কলিক হাছ্যা আল্লাহ্যাক

গ্ৰহণ সৰ্গান। এতে (৮০) - অন্ধান হ মন্ধ্যান প্ৰদেশ প্ৰায় - অন্ধান প্ৰভাগনীঃ ব্যায় জডিপুশাৰ সাম জেন্ত কৰিব এ৮৬। মান ওলেও

্<mark>ষ্ঠানি হাউদ। হান</mark> ভোগা আন্তেপণ মান্ত্ৰেন্ত ব্ৰেন্ডপাধ্যয়েও অক্ষা **প্ৰ**লাদনীত ব্ৰাহ্যেক্তিকাৰ ও ধৰা কোন্ত্ৰিন্ত বাৰ্থিক ভাগা মূজ্য ভাগাল

প্রভু অধ্যক্ষরে আমি একা। রণীলং চলা। তিশ্ব প্রবাদন ও দেখুলি, ১ তিখ্য সংগী, কুলিংলার । মূল্য তান্ত।

কিন্তু নাটক নয়। ত্রণিনা্ছ । নালিকা প্রকাশন : ১৩, বিভিন্নবিহারী লাগা,লানী দানীট্র কলিকাতা-১২। মালা ৩-২৫।

্বৰীক মনন। শীলগতকুমার ভানা। বিক্রোকে লাইতেরী জাইডেট লিমিটেড : ৭২, মহামা গ্রাহী রেড, কলিক চাচিত্র মুল্যে ৮-০০।

**ম্থের প্রহর।** আবেল্ল বলি বলে। ফতিয়ে হাডুলার ৭২, প্রিলেখনে তেওঁ, বধ্যান। হাজা ২-৫০।

সমূচে ও রাজ বি'। বিলয় ১১ শ্রেট। উপরত থি ঃ ধাশগ্রেণী, ২৪ প্রথমান মুকা ১-২৫। হ**ংখাপাত।** যোপাল চল্লিক ও স্থানিত ছেষ। নিউ ওয়েত পাৰ্থলিখিং কো-পানী: ২বি সিম্পেশ্বকাল লোন, কলিকাতা-১**২**। মালা ৩-০০।

শতবৰ প্ৰের বাঙলা ও বাঙালী। জীলভাশিচার কায়চোধারী। জীবাঁরেকচাল ব্যাক ঃ ৩/৭এ বিব্যাসাগর পঞ্জী, কলিকাতা-৫৭। মূল্য ৫-০০।

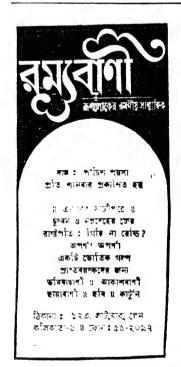
গণতকের সংকট। নিম্নিক্মার বস্। মেরিট পাবলিশাস ঃ ৫৯ বিধন সরণী, কলিকাতা-৬। মালা ৩-০০।

শিরি দেশে দেশে। নিথিকরঞ্জন রতা। ছত্র শিক্ষা নিকেতন : ২ বিশ্বম চাউর্লি ২০০১ কলিবাতা ১২। মালা ৬০০০।

া শব্দ্রং নারক। সংগ্রেক্টার ছোব। প্রশ্ন প্রকাশ : ১৯ শাম-চরপ হে প্র<sup>ক্টি</sup>ট, কলি-কাড:১২। মালা ১৮০০।

ত্যাতিষীর স্থিতিত শ্বাসন বানে। (নিথ্ন প্রা) এইক্সেগ্নেট ক্রেডিংশস্টী। ভাগ্য-ডর পতিকা : ২২ '১ এবিক্রেল কুপু সোন, বড়ে শ্বিপ্রে হাওড়া। ম্রা) ১-৫০। ক্যুক্টাস। ফ্রা বস্য প্রথ জ্পং : ৯ প্রিতিকা টেডিস, ক্সিক্তা-২৯। ম্রা ৩-০০।

অভিন**ত স্দে**রকা। বিধ্যা**থ হয়।** ১০ল প্রশানী: ৭ ম্নলকিলার দ্রে যেন কলক ডেডা ম্যোডেবের।





प्रभूत उँव जाञ्चात कल वृक्त्यावि वृद्याह्-भार्ति थाकः ताता वृक्त्यावि लभूर्व सन्दाप्तव स्वाप्तव विश्वूरे अथस लेवी श्याह्य !





विक्रुष्ठे

आऊर अक भग्नक भारत किल तिन!

আগনি খুনীয়ত বেছে নিম!
কান চাইতে ভালো, যদি সৰঞ্জিই খেছে
দেখন। ক্লেন্ডস্, ওৱালে, স্পিন-এইচ,
চৌন্ধালিংস্। সৰই চৈত্ৰী চয়েছে ভালভের
এক অভি আধুনিক বিশ্বুট মাষ্ট্ৰিটেড এবল
সবার গেছনে হয়েছে ৩০ বছরের বিশেষ আম।
ভালভেন সবংগ্রে ধেশী কাটভির নিষ্টি ও
বোঝা বিশ্বুট শ্বুকো ও মোরেকো প্রমানকারক
পার্গে হাড়া আনি এই বা এনন সুবাছ খাবার
এমে বিভ আপনারের কাছে;



神事本 事業を持たっているのでは、











everest/566 a/PPo

কুলার মুখাজনীর দ্যাতি বহনকারী দীলেজর লাত্যালিতা অভীতে দ্যাধীনতা বিব্যে অনুভিত তয়ে এসেছে এবং দ্যুলের ছাচ্চদের কম মুলো খেলা দেখার স্বোগ দেওরা তয়েছে। মুদ্দিবাদ জেলা দেপাটস আন্দোস্যাশন যদিও ২৩ আগস্ট খেলার কিন ধার্য করেছেন: আশা করব, ভারাও ছত্তবে কম প্রসায় খেলা দেখার স্থোগ লেকান

#### हाश्वरी वनाम **अवाश्राणी**

্লিন লাসলিম, ইউরোপীয়ান পাশী, कार्यक्षिक अहे शांठीं प्रेम निरंत **चारताक्रिक** rection লার কিকেট প্রতিযোগিতায় সাম্প্র-লাসক এব লংখ ছিল বলৈ মহাঝা পাংধীৰ ভাবেলনে পোটাগুলোর বিকেট প্রতিযোগিতা নদ হ'ল গিয়েছিল, আনিও বেকার মধ্যে রহালে সাম্প্রদায়িক**ার কদ্যা চেহারা ফাটে** ন্তান । ববং পাঁচ দলের পার>পরিক প্রতি-দ্বালয়ার হালে প্রকৃত সংখ্যারাভিদ্যালভ ্বালানির যথেটে পরিচয় জিলোকে এবং লনা লাধালার বিপাটাপোলোর বিবেশটের ফলো ভাৰতীয় ডিকেট সমান্ধ হায়েছে বহাল গ্রমণে ভর দেশের ভ্রমরার সাম্প্র-মাধ্য আর্থাভয়া আর্গের দায়িত **হয়ে** এটা জাতির জনক ভবিষ্যাতের কথা তেবে পেড পেলারের প্রতিকাদ করেছি**লেন। সেই** সংস্থানিক প্রক্ষেত্র ক্রেল সংগ্রেল হতে ০০০ কণ্ড দেশের বতামান <mark>আবহাওয়া</mark> গণ্ডত প্ৰত্য উধেন এখন কথা বলা চলে

াই স্বাদ্ধান ক্ষেত্রতা কর্মি ক্ষিত্রির বিভিন্ন বা ব্যবস্থানী ক্ষেত্রতা কর্মা কর্মান ক্ষিত্রির বিভিন্ন বা ব্যবস্থানী ক্ষেত্রতা কর্মান বিশ্বাহিক ব

#### ৰড়িয়া শেপাটি'ং

িতের ডিভিসন জিকেট লাগের রানার্স এবং জানিয়র নক-আউট চ্যাদিপরান বড়িবা লগাটিব এর এক কর্মকর্তা শ্রীপ্রদোষ স্টারির সি এ বি-র কছে থেকে বিজয়ার প্রকার গ্রহণের পর ক্লাবের গ্রাপ ছবি সহ আফসে হাজির। অন্যরোধ, তাদের ছবি ছাপতে হবে। কয়েক বছর ধরেই অপর দল তাদের মাথের গ্রাস কেড়ে নিরেছে। এবার ক্লাবের প্রথম সাফল্যা। ছবি ছাপলে বেলায়াড়রা অন্যপ্রেরণা পাবে, আরও ভাল বিশবে, তাই একট্ প্রিলিসিটির আবদার। থেলিথার নিয়ে জান্তে পারলাম, খ্র



ভিকেট জ্নিয়ার নক আউট বিভয়ী এবং ন্যিতীয় ডিভিসন চ্যান্পয়ন বরিবা ম্পোটিং কাব

ছোট আকারের সচেন্য থেকে ক্রাবটি আসেত संका कारा है के शहर करा वार स्कार করে বড়িক। অঞ্চলের স্বক্ষের মধ্যে মানা-রকমের খেলাধ্বা, জনহিত্তকর ক্মাপ্রচেটা ভার সাংস্কৃতিক ভাববিনিমরের উলোগ। ওবের ক্রীডাপান অক্সফোড' ফিশ্ন ম্যাঠক কোন সময় বিয়াম নেই। ভিকেট মুরসায়ে कितको, काजेवन भवनारम काजेवन अवर जाए সময়ে অয়থলৈটিক কেপ্টাস, ভলিবল ইত্যাদি। ক্লিকেটে গ্রুবারের ফল্ফেল খ্যুব্র স্তেষ্ডনক। লীগে ব্নাস্তির ন্ধ-অউটে বিজয়ীর স্থান ছাড়াও প্রাতি থেলার উল্লেখযোগ্য সাফল।। ক্রয়েকজনের নামের পালে। সেপ্সারের অংক। ক্লিকেট মরসাম আরম্ভ হাতে বেশ কিছা দেবি আছে। ইতিমধ্যে ওদের পরিকলপন্য আরুভ হয়ে প্রাম্বরাব্র আপনি ছবি ছাপনে, সামনের বার আমরা আরও ভাল খেলবই খেলব'। সেই প্রতিশ্রতিতেই বজিষা স্পোটি'ং-এর ছবি ছাপ্তি।

একলবা

এ.সরকার এণ্ড সঞ্চ সন মাণ্ডেঞ্জাণ্ড সঙ্গ জবলেট এম.বি.সরকার ট্যাডিশ্যনাল জুয়েলার্স

১৭১|১**এ রাসবিহারী এন্ডিস্ম** বালিগঞ্জ কলিবা**ন্ডা** ম্মেন: ৪৬-৬২৩৮

বর্তমান রাজনৈতিক পটভূমিকার রচিত বৈপারনের নতুন উপন্যাস

रघता ७

\$.00

সোৰিক কাৰ্যের নতুন বহুসা - উপন্যাস

ब्रेड रगानाभ बाठ **७**.६०

রাহ্বে সাংক্ত্যারণের নীহাররঞ্জন গ্রেণ্ডের সিংহ সেনাপতি পোডামাটি ভাঙাঘৰ

R·00 R·00

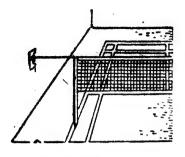
ভারেইটি পার্বজিশাল ঃ ১৩, কলেজ রো, কলিকাতা-১

(পি-৬৬৮৮)

বিশ্ব সম্ভাহেই কিন্তেছি, ব্যাভামিণলৈ
ইনডেজার থেলা হিসাবে গণ্য।
স্কুতরাং আইনের ধারার উদ্রেশ না
থাকলেও ব্যাভামিণটনের হল তৈরাঁর
লেগসিফিকেশন বা মাপজোক সমেত নিরম
আছে। সে আলোচনা আইনের ধারার
পরে। এখন দুই নন্দর আইন।

#### CHIP

্ ২। জাল খাটাবার পোস্টের উচ্চতা হবে 'সারফেস' বা মেঝে থেকে মাথা প্রবিত ৫



শোশ্ট ছাড়া নেট খাটাৰার নিরম

ফাট ১ ইণি বা ১·৫৫ মিটার। পোল্ট হুটি সাইড বাউণ্ডারি লাইন বা পাণ্ব সাঁমা রেখার উপর এমনভূবে স্থাপন করতে হবে বে. ৩ নদ্বর আইনে যেমন ্ৰেমনভাবে জালকে টান টান করে রাখবার পক্ষে ওই গোস্ট মজবতে ও শক হয়। বেখানে এটা সম্ভব নর অথাৎ যেখনে সাইড বাউন্ডারি **লাইনের উপর পোস্ট পোঁতা** সম্ভব সেখানে নেটের যে জায়গার নীচে দিয়ে সাইজ বাউণ্ডাবি লাইন গিংগছে নিদেশৈর জন্য অবশাই কোন বারস্থা করতে হবে। অর্থাৎ হয় কোন সরা পোন্ট. নাহয় দেড় ইণ্ডির কম চভড়ানয় এমন কোন সর জিনিস সাইভ বাউ-ভারি সাইনের উপর থেকে নেটের ফিতে পর্যাত সোজাস,জি খাটিয়ে দিতে হবে বাতে কোটোর প্রশেষর সংশ্যা নেটের নাই সীমার সমতা বোঝা যায়। ভাবলস খেলার কোটে **এই বাবদ্ধা করতে হলে দে বাবদ্ধাও** করতে হবে ভাবলস কোটোর সাইভ লাইনের উপর থেকে। তা সে কোর্টে ডাবলস খেলাই হৰ আর সিঞ্চালস খেলাই হক।

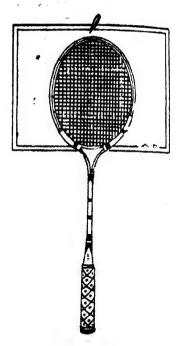
#### নেট

### ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্মন

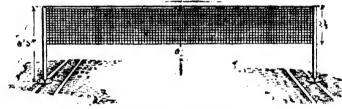
ভালের চণ্ডুজা হবে ২ ফ্রেট ৬ ইণ্ডি বা

০-৭৬ মিটার। ভালের উপরের দিকে ৩
ইণ্ডি চণ্ডুজা সাদা ফিন্তে এমনভাবে থাকবে
বাতে দ্বিক থেকেই সমানভাবে ওই ফিন্তে
দেখা বার। ফিন্তের মধ্য দিরে শন্ত স্তো
বা ভার নিরে গিরে দুই পোস্টের মাথার
মাথার সংযুক্ত করে এমনভাবে বাধতে হবে
বে ভালা যেন টান টান হরে থাকে। এক
পোস্টের মাথা থেকে আর এক পোস্টের
মাথা পর্যাত্ত টান টান করে বাধ্য ভালের
মাথানটার ফিন্তে থাকবে মাটি বা মেন্
থেকে ও ফ্রেট উট্ আর পোস্টের কাছে
মাটি থেকে ফিন্তে পাকবে জালের উচ্চতা
থ্যকবে ৫ ফ্রেট উল্ডি।

আতের—কেট টানাবার শক্ত সংতো বা তার পোদেটর সংগ্যাবেশিং রাখাই বাস্থনীর !



बतार्कामन्डेन शाहकडे



बराष्ट्रिक केन श्वास मार्थेस मान काक

যেখনে পেন্ট পেনীতা সম্ভব নর সেখানে হলের সেওছালের সংখ্যা বা অন্য কোন শন্ত জিনিসের সংখ্যা বাধাা ফোভ পারে কিন্তু গোন্টা না থাকলে আইনে বে পোন্টা নিদেশিক কিছা খাটাবার কথা বলা হরেছে তা অবশ্যই খাটাবত হবে। সংখ্যার ভারতাম দুর্ভব্য।

#### ब्रादक्षे

বাডিমিণ্টন খেলার প্রধান উপকরণ র্যাকেট। কিন্তু আইনে র্যাকেটের গঠন সম্পর্কে কিন্তু আইনে র্যাকেটের গঠন সম্পর্কে কিন্তু বলা হরনি। তবে সবাই জ্ঞানেন কাঠের ফ্রেমে তৈরী ব্যাটিমণ্টন র্যাকেটে 'গাটস' অর্থাৎ জীব জ্বন্তুর শ্কনো অন্ত দিয়ে গাঁথা। বহুদিন থেকে নাইলনের তন্তুও র্যাকেটে ব্যবহৃত হচ্ছে। র্যাকেটের ওজন সাড়ে পাঁচ আউন্সের মত। র্যাকেটের হ্যান্ডেলা সম্পর্কেও কোন নিধেশি নেই। সাধারণত নেরেরা ছেটে হাজেন প্রকাশ করেন। যার উপান্তর বারকেট পরিত হার তা ফাতানত পরাক। তার করেন। তার করেন। তার করেন। তার করেন। তার করেন বার। সেই করেন পরে সমনী রাধ্যকটাও সাম চারেনার (বিপ্রসের মধ্যে) বাংশার হায়।

00

### ফাইলেরিয়া

ছাপিরা রসবাত, একশিরা, বাতাশিরা, কাপ-করে ও আন্তোসক বাবতীয় প্রকণাদি স্থারী প্রতিকারের জনা আধানিক বিজ্ঞানান্থোগিত চিকিংসার ফল প্রতাক্ষ কর্ম পত্তে অথবা সাক্ষাতে বাবস্থা প্রতান। নিরাণ রোগীর একমান্ত নিভারবোগা চিকিংসাকেন্দ্র

হিল্দ রিসার্চ হোম
১৫ শিবতলা লেম শিবপরে হাওকা
ক্ষেম : ৬৭ ২৭৫৫



গ্ৰালৈর ছবি "কেডুসার মূখা"

### ফলেম শিলেপর শতের্ব চুম্বন, নগ্নদেহ

শ্বের শতে অথবা গলেপর
প্রয়োজনে ফিলেমর নায়কনায়িকার চুম্বন ফিলেম সেন্সরশিপ
তদন্ত কমিটির মতে আপত্তিকর
নয়। কমিটি আরও এক ধাপ
থাগিয়ে গেছেন। বলেছেন, শিল্পবোধের সঙ্গে উপস্থিত করা হলে
সিনেমায় নান্দেহের দৃশাও
থাকতে পারে।

এই ধরনের স্পাবিশ ভারতীয় চলচ্চিত্রকারনের কাছে অভারনীয় মনে হবে সল্পর্থ
নিত্র কারকে বিধিনিবেধের বেড়ার মধ্যে
এতনিন তানের কার কারতে হারছে। যৌন
উপাননের সঙ্গন কারতে চান হয়ত অনেক প্রথাজক অথবা পরিচালক। কিন্তু সেশ্যর প্রথাজক বিধালক সোজাস্ত্রি দেখাতে বাধা পেরেছেন অনেক শিক্পানক চলচ্চিত্রকার। যাই হোক, এই স্পারিশ ব্যি কার্যকর হয় তবে ভারত আর পিছিয়ে

তথৈ এই দেশের সপো অন্য দেশের তফত আছে। এ দেশে স্বাধীনতা বা গণ-তক্ষের সপ্রে যথেক্ষাচারের সংবোগ বৃদ্ধ নিবিড়। স্তবাং আশক্ষা হয়, প্ৰাধীনভাৱে অপ্ৰবহাৰ না মুঠা।

এই আগশ্য প্রকাশ করেছেন শ্রীস্তাজিছ রার। তিনি করেছেন, এই স্পারিপা চালা হলে না আবার পরিচালকরা বরু-অফিসের শ্বারো আদিরসাছাক দৃশা দেখাতে পরে; করেন। শ্রীরারের এই ধারণা অম্লক মর। অর্থানশ্য দেহ তো বোন্দাইরের পরিচালকরা করেনে তা আরও কুর্গাত, আরও অন্দালার ফেরে যে তা আরও কুর্গাত, আরও অন্দালার ফেরে যে তা আরও কুর্গাত, আরও অন্দালার ফেলেশাই বড় করা। আসল কথা হজে মোরিডা। এর বিচার করনেন কে? এই প্রশান শ্রীসভাজিং রারের। নগনদেহ কোলার দিলপাসম্মত, কোখার নর, ভার বিচার হবে কেন্দ্র মানদন্তেঃ

मार्गिएटः की प्लील की बंध्लील प्राप्त বিচার বেমন কঠিল তেমলি সিনেমার কোনটা 'रशाहरताथा थि' कार रकानके वान्य वीका कार रिएमरन्थ पाएँ। प्रदेश महत्व महा प्राटवार अह रिष्ठां इक या काता कतरका छात्र छेलत मछन মুপারিশের কার্যকারিতা অনেক পরিমাণে নিভবিশীল। ও ব্যাপারে সাহিত্যের চেরে ষিক্ষের ভাগা অনেক ভাল বলতে হৰে। জীবনকে খোলাখালি দেখাবার অনেক বা**ধা ছिन फिरम्ब, जेबाद छा माद इन : माहिरछाद** এখনও বন্দীদশা: **আমাদের দেশের ফিলে**ম শিশের র:চি. লক্ষণ ও শত বন্ধায় রেখে জীবনের অনাবরণ রূপ কে কতথানি দেখাতে পারবেন তা আমাদের এখনও দেখা বাকি। বিশ্তু আমাদের সাহিত্যের **ক্ষেত্র এ**মন শাস্ত্রমান শিবপার অভাব নেই বারা শিবপাঞ্ दिनम्द्रात भाग ना करत्व भौरतः दय-व्रक्य দেখাতে পারেন। তথু সহিত্যের সপক্ষে কোন সংগারিশ নেই। সে বাক।



ই ফিলম ভদশত কমিটির স্পারিশে একটি মেলি প্রদেশর উত্তর মেলেনি, লিলেনর শ্বাহর্থ কিবো গলেনর সংক্রেনি, লিলেনর শ্বাহর্থ কিবো গলেনর প্রয়োজনে দান্তর কিবো গলেনর ক্রেন্তর পারে। ক্রিক্ট্রেন্তর জনাত কি এই শর্ম জলেননীয় ই চুন্দান তো নরনারীর প্রেমের জনটি ন্যাভারিক সাধারণ বহিঃপ্রকাল। সিনেমার চুন্দান বহি নাতিবিব্যুম্ব না হর তবে প্রেমের দ্বাহ্য রাহাই চুন্দান থাকতে পারে। চুন্দান লিলেন্দান হর তবে প্রয়োগ করে প্রার্থ ক্রেমের সংক্রের ক্রেমের সংক্রের ক্রেমের সংক্রের সংক্রের ক্রেমের সংক্রের ক্রেমের সংক্রের ক্রেমের ক্রেমের সংক্রের ক্রেমের ব্রেমানক থাকে।

তবে মনে হর, এ দেশের সিনেমার চুন্দন বনিও বা কমে স্বাভাবিক হরে ওঠে, উনাপা দেহ কথনই হবে নাঃ কারণ, এ ক্ষেত্রে অভিনোতা-অভিনোতীয়ের সংক্ষার ও কান্দা এবং সর্বোগরি দেশীর ঐভিছোর প্রান্দ কড়িত। তবে কদাচিং কোন পরিচালক হরও সংস্কারমূভ অভিনোতা-অভিনেত্রী পান্ধে বের করে নানদেহ দেখাতে পারেন। সেখানেও শিলেশর বা আটোর অধিকার প্রতিষ্ঠিত বরর চাই।

তদত কমিটি গিলপার মৌল **অধিকরে** হসতকেপ অন্যার বলে যে অভিমত প্রকাশ করেছেন সেটা খ্ব বড় কথা। গিলপারি বাধানতা না থাকলে বড় স্ভিট হর না। এবং স্তিকারের শিলপাই ক্রাধানতার অপরাবহারও করেন না।



বাদৰে আভেক বে সি...(ফ্রান্স)

ফিলম সেংসর্নাপ তদনত কমিটি তাদের রিপোটো বলেছেন, যতক্ষণ প্রযাতত চলজিল-কার (অথবা শিক্ষা) দেশের আইন মেনে চলবেন ততক্ষণ তার চিম্তাপ্রকাশের মৌল অধিকারে কেন্দ্রীয় ফিলম সেংসর বোডেরি মুস্তক্ষেপ করা উচিত হবে না।

তদক্ত কমিটির রিপোটা গত ৬ আগস্ট সংসদে পেশ করা হয়। কমিটির সভাপতি পাঞ্জার হাইকোটোর প্রাক্তন প্রধান বিচারপতি ব্রী ক্লিডি খোসলা। কমিটি লক্ষ করেছেন, বর্তমানে প্রথবীর সর্বাত চলচ্চিত্র সেশসর ক্ষেত্রে আগের চেয়ে অনেক উদার নীতি অবলম্বন করা হচ্ছে—বিশেষ করে আদি-রসান্মক বিষয়ে।

কমিটি মনে করেন, এই স্বাধীনতা থাকলে মননশীল পরিচালকের পক্ষে আটা-চিন্ন তৈরির কাজ সহজ হবে।

তবে বিপোটো উল্লেখ আছে, যদি সমগ্রভাবে কোনও ছবিকে ব্যতিহীন ও বিকৃত মনে হয় তবে সেন্সর কর্তৃপক্ষ চিচ্নটিকে নিষ্কিধ করে দিতে পারেন।

ত্পণত কমিটি শ্বংধীন, স্বান্তবি, বিশ-জন সদসায্ত কেন্দ্রীয় সেন্সর বোডা গঠনের সংপারিশ করেছেন। বলা হয়েছে, সদসাদের কেন বিভিন্ন অঞ্চল থেকে নির্বাচন করা হয়, তাদের বৈতনভোগী হওয়া দরকার। কমিটির স্পারিশ: বোডোর সভাপতির বৈতন মাসিক ৪০০০ টাকা এবং অনা সদসাদের কেতন ৩০০০ টাকার মত হত্ত পারে।

### প্রলোকে হরিপদ চট্টোপাধ্যায়

বেণ্গল মোশান শিকচার্স এমপাইজ ইউনিয়নের সাধারণ সংপাদক বিশিণ্ট প্রত্নিত মেতা শ্রীহরিপদ চট্টোপাধায় গত ৪ আগপ্ট কলকাতার দ্রীপিকালে হাসপাতালে ৫০ বছর ব্যুক্তে প্রব্যাকগমন করেছেন। তাঁর দ্বী ও দ্বেই পত্র বর্তমান।

কিছুকাল যাবং তিনি পাকশ্যলীর রোগে ভূগছিলেন। চিকিংসার জনা তাঁকে রাশিরাতে পাঠিয়েও কোন ফল স্থানি।

১৯৫৬ সনে তিনি বি এম পি ই ইউ-র
সাধারণ সম্পাদক-পদে বৃত হন। মৃত্যুর
পূর্ব প্রশিত তিনি ঐ পদেই ছিলেন। মৃত
আ্থার প্রতি সম্মন প্রদাদের জন্য ৫
আগস্ট পশ্চিমবংশর সমস্ত চিত্রগৃহ এবং
কলকতেরে স্ট্রিভগুলি বন্ধ রাধা হয়।

কেওড়াতলা শ্মশানঘটে তাঁর শেষকৃতা সম্পান্ন হয়। সেখানে যাঁরা উপশ্থিত ছিলেন তাঁদের মধ্যে উল্লেখযোগ্য শ্রীসভাঞ্জিং রায়, শ্রীস্থানি কুমার, শ্রীযতীন চক্রবর্তী, শ্রীমনো-রগুন রায়, শ্রীসোমিত চেট্টাপাধ্যান, শ্রীঅন্প-কুমার, শ্রীর্বি ঘোষ, শ্রীভান্য বলেনাপাধ্যান, শ্রীচিন্ময় চট্টোপাধ্যান, শ্রীশিবনাথ চট্টা-প্রধান, শ্রী এন এ স্টাদ শ্রমাথ।

#### সাবিত্তী সভাবান

রপারাণিক বংলা কথাটিত "স্থাবিত্তী সভাবান"-এর মাজি এ-সংভাবে। এ ছবির প্রযোজক ও সংগীত পরিচালক রমেশ নারু এবং নির্দেশিক শ্বিজা ভাওমালা সংগ্রন করিছেন অর্ণ রাম এবং গান বচনা করেছেন শামল গংগু ও শামল গেমা গানগালৈ গেমেছন ধনজায় ভট্টাচার্যা, নিবাচন ম্যোপাধাার, প্রদীপ দাশগ্যুগত, গাতি। দ্যু ও নির্মাণা মিশ্র।

#### स.किनान

ছাধারাণী পিকচারসের "গ্যুক্তিক্রন্দ।
ছবির কাজ প্রায় শেষ। কাহিনী পরিপ্রদ রাজগ্রের। পরিচালক অজিত গাগলেনী এবং সংগীত পরিচালক রাজেন সরকার। বিভিন্ন চরিত্রে রাপ দিয়েছেন সাহিতী চার্ত্র-প্রধার, অনিল চাট্রাপ্রাধার, কালে ছিল লাহাড়ী সানালে, অজয় গাগগ্লী বানা বানারজি, ছারা দেবী, লহর রায়, গীত প্র, গোভা সেন, লালতা চাট্রারজি প্রভাত।

#### बर्ल्ड वेड नाम

ত্রীলীপক গণেতর পরিচালনায় নিথ ফিলমসের "ররের রক্ত লালা" তিনে ফ্রন্থতির পথে। স্বাধীনতা সংগ্রাম বংগার ডিন বরি সংতাম বিনয়-বানল গণিতর ভারতের ব্যক্ত থেকে রিটিশ শরিকে উপদ্দ করার যে সংধনায় ব্রতী ২য়ে জিলেন করা রক্তরান্ত অধ্যায় অবলদর্যে শ্রীগণেত চিহনান রচনা করেজন-ধার মাল গ্রন্থণা কঠিনী-কার শ্রীশৈলেশ দেবা। চিন্তের বিন মান্ত চিরিক্ত চরিত্রান্যুগ সভুন শিলপ্রিদর



### ॥ ि किश-अभारलाहना ॥

#### তীরভূমি

ছাবাটি কিবলু জন্যমনক হতে দের না কিছাটেই। শাবতে তো নারই। প্রথম থেকেই এই ছবি একটা একটা করে জবাক করে দর্শক্ষে। সিচ্চারশন, চরিত্র সবই কেমন যেন নাড়ন, কাবার প্রভাবিক। কোন লাশাই থেমে থাকে না। সব মিলো কেন একটা নাড়নার আন্মেল। শাচীশুনার বাদেনার প্রথমে গাপে, এর নারক-নারিক। কাবা। সবে চার্লার বাদেনার কাবা। শাবতি চার্লার বাদেনার কাবা। শাবতি চার্লার বাদেশ, এর নারক-নারিক। কাবা। শাবতি চার্লার বাদেশ অবসার নেওয়া তপন থাকা ও তার পাবী নেলা। না জান্পম ও

গুল্প এবলা ওপন, নেলী ও সেমিকে (১০৫ : তপ্ৰের মেয়ে সেমা, মে**লীর মেয়ে** মা: সেত্রীকে পরে সব **খালে বললেন** ওদান ম্থাড়িং, বিলেতে থাকতে তিনি ভূভতুগ্সভিলেন হোজিকে: কোজি বাংলা প্রত্তুপানর কাছে: **ফু**নশ্রা**েছ দেখানো** হয়তে, বিদেশিনী যুবতী স্থের কংলা লেও ডপন মাথাজি তার নাম দিরেছিলেন স্থান্ত সূভাতার মোর সোমা পরিকার লাল লাবে ভাতে আন্চর্য হবার কী আছে বিলোধে হার জন্মা, যার চনিশে বছর তেটিয় বিভেচ্ছ, মা মার রেজি শাক্ষীর গণে মুখাজাই কেই মেয়ে সেমে। গোলকে লিখে **অব্যাহ বাংলা ধলিয়ে** লভাত কলে পাৰো বাপাৰটা হেমন ফলভাবক লব্দ না। সিনেমার **লাইসেনস** টো বিছা থাক্টবই।

শেষ জাহাজাটি ব্যন্তে পোছিয়ে নিয়ে কাজিকি থেকে সূবে অবসর-নিয়েছেন <sup>তিপ</sup>ন ম্থাজি<sup>†</sup>। কিন্তু ড্নিব্রু বছরের বছরে গৈম এসে সামনে দড়িতে পাইলট ঘণাজা কেমন হেন দিশেহারা হলেন, গুলা মাহাজা ভার সহামার কন্যাকে মেনে <sup>কিটা</sup> পারলেন মা। সংসার-সম্ভের তপন ন্ত ড' ডখন তীরভূমি খ**ুজে বেডাছেন।** া মার অনেক বিবের সাধ সে কার্যার কাছে মানার দেও কি ভারভূমি **খাজে পেরেছে** ? ওপন নেলারৈ একমান্ত মেরে মিলি মারা াচে। নেলী তখনও সোমার মধ্যে মিলিকে ম<sup>া</sup>জ পাননি। তীরভূমিতে তিনিও পৈ হৈছে পারলেন না। ভাঁরে এসে সকলের ত্ৰবঁই ভিড়ল শেষ কালে। পৰে ছিল মেছ ६ ३ कुरामा, रम्भारत नाउँक।

নাটকের সব উপাদানই কিন্তু অভিনৰ নহ। নেলা কিছুতেই সোমাকে গ্রহণ করবন না—এ-নিয়ে প্রথমে দুঃখ-অশানিত। পরে যথন নিজেকে মানিকা নিলেন নেলা, ওখন দেখা পেলা দুন্টিভন্গির বিরোধ। নিধারণত ফিলেম দেখি, বার মনে-প্রাণে



লীনেন গা্শ্ভ পরিচালিভ "বনজ্যোংশনা" এ-সংভাহে মাতি পাছে—ছবির একটি স্থাে কাজল গা্শ্ভ ও কাম্ মা্থাজি। ক্ষােন

wisieीह इंदाद कथा नद्र, एम अकरें, दरमी পরিমাণেই ভারতীয় হ'র (সোমরে প্রত্যে সাহা বংলনা কেমন)। আকার যার বিলেতের আদ্বক্ষেদ্যে প্রতি আক্ষণি, তার মেহেও দেখি মতে হীন। এই পরিচিত নিয়মেই নেলী ও সোমার মধ্যে বিরোধ। নেকরি মনের মত পাত, ''আলট্রা-মডার্ন'', বডলোকের : शाम कोर्डाकशाक रिएस **कंद्ररेड** हा**डेन** ना সেমা। সোমা বিয়ে করল খাটি ভারতীয় অধ্যাপক অন্যুপমকে: তারা কউকে চলে গোল। তারপরেও নাউক থামেনি, **বরণ** তা আরও উগ্র, মেলোড্রামার রাপ নিল। নেলীর অভিনাপ ফলে গেল (এটা ব্যক্তি জননীর অস্তারের কথা নয়), অনুপ্র-সোমার এক-মত স্তান মাথে-ভাতের একদিন আগেই মারা গেল, নেলার মসিত্যক বিকৃতি তখন শারা। শেষ প্রণিত গোডম (তপন-নেলীর একমার ছেলে-যে সোমাকে সহা করতে পরেত না) গিয়ে সোমাকে নিয়ে এল তার মানোর কাছে। গোতম ব্যক্তি বুকতে পেরে-ছিল, মাধের অপ্রকৃতিস্থতার কারণ ভারি অপরাধবোধ, সোমার প্রতি। পরিণতিতে, সেম্ মা বলৈ জড়িরে ধরেছে নেলীকে।

শতীরভূমি"-র (চিত্রভারতী) দ্বিতীর
ভাগে প্রদেশস—প্রথমে যে নাটক দ্বিল
স্কান ও জটিলতার আভাসে জীবনান্থ,
পরে থাই অভিত্তীর, অতি নাটকীর হরে
উঠলা গতান্গতিক কিছা উপকরণও
জড়ো হল। তবে নাটামোদীদের দ্বিতীরাধে
নিরশে হবার কোন কারণ্নেই। নাটকের
স্বাদ—বা কথ্য-স্থনও পুই চোখ খাপ্সা
করে—তীরা পাবেন। ছবিটির ঘটনাবিনাসও
গতিসম্পন্ন। কোন দৃশ্য বা ঘটনা আজারশে
দীঘান্নিত নর। গ্রের্বাগচীর চিচ্পরিচালনার কার আগাগোড়া সুক্রে বার ফলে

সমাগ্রিকছণের একটি উপচোগ্য ছবি নশবিরা সোলন। এক্ষেত্র স্থার্গটিত ছিলনটোর (বিকাশ রায় কৃত) দানও কম নর।

अज्ञात क्रांक्रस्य जकालरहे **दे**ड् मारहः। সে-কারণে কিছা প্রটিবিচাতি সভেও ছবিটি সুখ্যভাগা। বিকাশ রার হাবছেন তপন মুখার্জাঃ এমন আবভুত, স্কুরে চরিত-বিশেলবণ তাঁর কাছ থেকে আনক দিন পাইনি। মঞ্চ দে (নেলী) অনেক কাল পর তার অভিনয়-নৈপ্রেণ্য দশকদের হাণ্য করলেন। অনুপমের চরিয়ে **বর্**থাচিত ব্যক্তি আবোপ করেছেন জনিল চাটাপাধার। মাধবী মাখাজি সোমার অস্কটে বন্দুণা, হিষা ও অসহারতার সপো ফেন মিশে গিরেছেন। অভিকং ঘেটেবর আর একটি সমর্ণীয় চরিত সাণ্টি: অহাক করেছেন ক্লোংসনা বিশ্বাস, খাব স্মার্টা ভার অভিনয়। তেমনি ভাজ জাগার মত রামা গ্রহঠাকুরতার বেদি (অন্প্রেমর)। গোটম-র্ণী শৃংকরও চরিত্রেচিত অভিনয় क्टब्राइन ।

ছবিতে গান বেশী নেই। বে-ভিনটি আছে শ্নেতে ভাল লাগে সূর রচনার গাগে। সংগীত পরিচালনা করেছেন বিজ্ঞান প্রো।

#### इ भनी

এ আর সি প্রোডাকসংক্ষর "র্পসী"
চিটের কাজ শেষ পর্যারে। কাহিনী, চিত্রনাটা ও পরিচালনা অজিত গাপালীর।
অর্গ রারচৌধ্রী এ ছবির প্রয়োজক এবং
জনিল বংগচী সংগতি পরিচালক। প্রধান
তিনটি চরিতের শিশ্পী সংখ্যা রার, কালী
ভানাতী ও শনিক ভয়।





ভেনিস প্রেক্ষারপ্রাণত 'ভূবন সোম' ছবিতে স্তাসিনী মূলে

ভেনিস চলচ্চিত্ৰ উৎসবে মাণাল তেন প্রয়েজিত-পরিচা**লিত** "ভবন والمنافق (वर्रावनी : तनकाल) श्राहरकात । এই दिन्ही চিন্টি পাৰে স্বৰ্গ পদক। প্ৰস্পতে উল্লেখ छैश्हरत এখন "क्वाँ कि" बरन किन्ना स्वहै।

উংস্কের জন্য নিবাহিত করেকটি প্রেঠ ছবিকে স্বর্গপদক দেওয়। হয়। মাধ্যক দেনের এই ছবি এখনও মান্তি পার্যান। তীতুমাং। যাঁল "ভবন ফেন্স" দেখেছেন, ভালা ছবিটি সালকৈ প্রশংসার গণমার। প্রায় সম্পার্গ

# ভাৰাৰ **ज**ावा जव खारा

(फाइटन) भनान स्नन



লাট্টাড়েরে ভোলা এই ছবির মুখ্য চরিত্রে तराहर छेरलन मख, महर्गानगी गरल, रहरद চারীপাধার প্রভাত। জানা কেল, ভেনিস পরেংকার ভোষণার জানোই পিছালী ফিল্মনের অসীম দত ছবিটির বিশ্ব পরি-তেশনবৰ নিয়েছেন। অভিনেই "কুবন লোম" মারি পারে।

**টা** ৰ নিয়ে এত হে**তাৰপাড় হ**য়ে গেৰা, টা ভায়ৰা মহাৰা কিবতু ভায়ে এতটাকুও প্রতিক্রিয়া দেখা **ব**র্জনি । কিলম সেনস্ত্রনিপ ভাগত কমিটির রিপোর্টাটি মাহতের্ভা সবাইকে চ<sup>ান</sup>ে করে তুলল। ফিল্মে 'চুন্নে a ন্দানারে" সাংগারিশ ! কলকাভার চলচ্চিত্র ম্যাল বিষয়টি রীতিঘত আলোডন সালি করেছে। এমন মুখরেচক বিষয় ভারে কী হাত পরে? সৰ বিভাবে ছাভিয়ে ছাপিরে গিরেছে এ বিহরে জনতিয় অভিনেতা **উত্তমভূমারের** ভব্তি, "চুম্বনের জ্ঞাল নারিকার ভারেরী প্রীক্ষার রিপ্রেট 5 F 3 1"

**উउपरादाद धर्र भहम भग्गादा गाँवका** মাল নানা প্রতিক্রির দেখা रिक्ट । <sup>'আনরা</sup>ও নারকের ভারতারী প্রীক্ষার রিংশার্ট **চাইতে পারি।" বলেচে**ন জনৈকা र्ज छान्त्री।

"এই প্রসংগে মাধ্বী মুখাজিনী (চক্রবভানী) <del>জানলেন, চুম্বন এবং নংনদেহ হ</del>দি ছবিতে শিক্ষসমতভাৱে ব্যবহাত হয় তাব ততে তরি **আদো আপত্তি** নেই। ফিকু ক্রিগ্রভাবে ভাকে যদি অনুরূপ কোন ছমিকার অভিনয় করতে বলা হর তবে জিনি অবশাই সেরকম রোজে নামতে সংকোচ করবেন। কারণ শত হোক বঞালী তো. ष्टात ७ भन्न बरतन बक्ते, मरन्कारत वाधरद!

শ্ভিরা দেবী কিন্তু সোদক খেতে क्रान्यभाष्त्र नरकावम्यः। छन्नस्यारवद्यः क्रान्। ठिन राजनः, "वाश्नारनरमञ्ज वर्णक



বছারের সাধ্যে ক্রডারতেই তিনি একম্ছ। শ্রীমতী মুখিয়া কমিটির সাপারিশকে আত্রিক অভিনদ্দন জানিয়েছেন। তিনি বালাছন, শনিঃস্কেব্ৰে এটা একচা চোল্ড প্রগতির গতিপাথক 7539( क्षान স্বাহাকের সমনে তালে পালা দিয়ে ১৯৫৩ হার বৈকি!" ছবিতে চুম্বনের ভপস্থাপন প্রসংখ্য বিনি বলেন, প্রান্তই ছাবাও চুম্বনের আর বাকী কী থাকে! তথান-রকামর শাড়শা**ড়ির চ**াইছে সরাসরি চুম্বন তের ভারেলা।"

এই প্রস্থেদ উত্তমবার্ধ প্রাইঞ্জ ভারতী পরীক্ষার রিপেটে' চাওয়াব'' কথাটে তাকে ক্ষরণ করিছে দেওয়া হলে জিনি ব্যব্দন, "ও ঠিক ব্যব্দেছে। অভিনেত্রী অঞ্চনা ভৌমিকও উত্তদ্বাব্য় বছৰাকে স্বাগত জানিরেছেন। তার মতে উর্নবাব্র বস্তব্যটি**ই সব**চেয়ে বেলী ইণ্টারেসিটা।

িবিশিষ্ট চলচ্চিত্ৰ প্ৰযোজক ডি এন ভট্টাচাৰা কিম্ভু এ ব্যাপারে কিঞ্ছিং ভিন্নমত প্রকাশ

ছবিতে ধ্যাপান অথবা নাতলামোট সহা कतरण जार ना। इन्दर **अथवा नग्नाटटड** शुभा किष्ट्राटडे छौडा दहमा**न्छ कहरका आ।** গ্রীভটাতার্যের মতে, "সপরিবারে বসে দেখার নত ছবি না হলে বংলা ছবি কিছুলিই रारमारिक आस्क्ला नाट समर्थ रह मी।"

ডি এন ভট্টাচারের এই ফতব্যের সংক্র অংশা অল্লাৰ একমত। তিনি বাটান "ভাল গোল চলবে না আমরা বঙ্গালী। নিলেয়া মদ খোড পারে, কিন্তু **জনত্ত মদ** েতে দেখনে কিছতেই বেন সহা করতে পরে না। এমন কি বঙালী ফেফেচের হাতে সিগারেটও অসহ।।

"अलको धहे कालाग्हे 'सम्धार**ी**लाह শিখা বাবসায়ি**ক আন্তন্তা পায়নি।**" বলকেন প্রবেজক-জজিনেতা विकारिय মুখার্ক, "স্টেচ্চ সেন মদ খ্যাক্সন, নশ্কিরা কিছুতেই নিতে প্ররেমনি।"

কিশেরী করিকা **মৌস্মৌ চাটার্জি** ত-বিষয়ে যা কলেছেন তা ভারী মজার, কিলোরীসঞ্জভ তিনি **বলেন "ক্রডে** পারছি নাকী বলা উচিত। জানার न्तरा विष्ट्राउदे हुन्यानतः शुरुता अधिनह করা সম্ভব হবে না। মুখন দুর্লা জো আরো নর। লক্ষ্যভেই মরে ধ্ব।"

"ষ্ঠি স্বাই পারে আপ্রিট বা পার্কো না কেন?" জিজেস করেছি নৌস্মৌক। উত্তরে উনি বলেছন, "সংট আর আছি का जरु नहै। प्रवास बस्ताम हसारह। करवा-

### এপিক থিয়েটার

দশম সংখ্যা

বিশেষ নাটাসংখ্যা

১৫ই আগস্ট বেরুবে। এডে থাকাছ

।। মান্মখ রায়ের নাটক ॥ খয়তানঞ্জী ।

।। পত্য ৰন্দ্যোপাধ্যায়ের অনুবাদ ॥ विष्टें दिश्य हे - अने क्वांके कानान ॥

॥ व्यक्तिक जनकारतत कन्याम ॥ त्वर्षे त्वथ हे - अत लाक्लाम ॥

॥ উৎপল দত্তের নাটক ॥ य. छः দেহি ॥

॥ दशीन्त्रकिमका ॥

॥ আলেক্সেই আরব্জভ-এর

हेरवाद्धि अवस्थ ॥ ॥ একাদশ সংখ্যার থাকরে বাংলার বিগ্রুত ব...গুর নাটা চাহারদর অধ্না-বিক্ষার वजना-मःस्वक्ताः ॥

এপিক খিয়েটার সম্পাদক উংপল দত

কার্যসচিব : জসিত বস্ ভারতের রেশ্ট স্মিলির সম্পাদিকা শোভা সেন

১৪০ ২৭, মেতা**ল**ী সাভাল বেস বেলে। केलिकारा-801 য়েলে ৪৬-৮৩২১

মান্দ বোবাবার ক্ষমভা হারেছে। আমি এখনও factoral in

লংখ্যা রামের সংখ্যা টেলিফোনে কথা হচিচল। তিনি কহিটিব 1279-14-1170 সহজ্ঞাত *যেমে* হিলম পার্যমীয় : বিষ্ঠাটিত তিনি বিভিন্ত। ছবিতে চুক্র ও কুকু-উপস্থাপনা? এ যেন তিনি ভারতেই পারছেন না। তিনি বালন 'যাগের সংগ্রানার হয়তো অনেক কিছাই মেনে নেবে। ভবে এই মালাতে সমূহব নহ। মডান জগতের স্থোধা থাপ খাওয়াত গিয়ে অমরা অনেক কিছাই। হারিয়েছি। আছে শ্বাধা এইটাক সম্বল কেণ্ডাৰ লক্ষ্ ও আবরণ। যদি ভাও চলে যায়, ভাছাল আর থাকে ক'ি" রগ্রাহ রগ্রাহ শীর্মী करना घाडा *देशासमाच* दाह राजन "মাজ বাঙালীর অদিয়ারে কথা ভারাল তাতে লল আনে। আনিনা 5 3 3 কোমৰ ধৰৱাক আৰু কৰা কঠিত হয়ত হয়ে ৮ সংগ্রানের মধ্যে নৈরেশ্যে আস্থের বরে इस इन्हा

(হাওড়া)

عاد

শিলেপা নিৰ্বাচনে 'বেজিমেনটেশন' বল' ইলনাং খ্ৰই শোনা **বাহ্নি**। হচিত্ৰ ভারের বাপার হরে উঠেছিল অনেক বিস্পৃত্ কাছে। মান হাছে, কোল্ড ওরার' কাট্ছ তহতে আদুপেই এমন কোন আন্তাল दाश्य किन ना। 'तिकियानकिना' किन অনেকের কলপনা। যই হোক, ক্রেপ্নির ভারে আর কোন কারণ নেই। যে সাঙ্গা প্রিচালক একদিন সংরক্ষণ সমিতি চেত্র দিয়েছিলেন, তাঁৰেরই দক্ষেনের ছবিতে উল্ল-কমার অভিনয় করছেন বলে থখা পাওয় গেল। একটি ছবি বিভৃতি লাহার মাল অপেরা", অনাটি অরুদ্ধতী দেবার ভাষ্ট্র প্রিচলত প্রিয়ের বস্তে স্নিটি ছেতে ছিলেন, বিন্তু উত্তমকুমারকে ১৪। 📆 भरतिक रासक **छेडम। ध**रित राम करि হনা চলচ্চিত্রলাকে আর দুটি হন হ शह उद्या

-विद्व

#### এবারে বিশ্বর পায় চতম খ বিশ্ববিখ্যাত নাটকের ৯৩তম অভিনয়

६४३ अधारते । साक वता নাটক /নিদেশিনা : অসীম চকুবভী বিশ্বর্পায় টিকিট পাবেন : ৫৪-৬২৬২:

(音響-ともから)



I AT TOP िर्देशक गाउँ।भागा 1

न्डन नाहेक।

আছিনৰ নাটকের অপাৰ রাপায়ণ! প্রতি ব্যুস্পতিবার ও শনিবার : ৬৮টাছ প্রতি রবিবার ও হাটিয় পিন : ৩টা ও ৬।টিয়ে

> 🛚 রচনা ও পরিচালনা ॥ रमबनातायुग गाु

> > ॥ द्वाशास्त्रम्

काञ्जिक बरम्माभाषाम्, सभागं दमनी, भारकम् চট্টোপাধ্যায়, সূত্রতা চট্টোপাধ্যায়, নালিমা দাস **ৰতী**শ্ম ভটাচাৰ', জোংলা বিশ্বাস, শানৰ লাহা रक्षमारम् वम्, नागखी हाहोभातास, देवदम् ম্থোপাধ্যায়, গাঁতা দে ও ভান্ বন্দ্যোপাধ্যায়



(नमनम) (बाह कश्रह) (यसश्रामी) (स्रार्थाशहर)

### ৰোশ্ৰাই ৰিচিতা

বাই লা চলজিতের সকল কসল বদেবর
বাই এলস্য ক্যার উতি উতি করছে।
লাল করেকজন সকল চলজিত বাবসায়ী
লার সংগ্রেগার হাত বাড়িরেছেন। মানাজ
লার জানোনালীপক ছবি পাল্রের পশ্চিনা
লালা বিভিন্ন তাভিন্ন করেছেন বলে ছবন।
লালা বিভিন্ন তাভিন্ন করেছেন বলে
সংগ্রের লাস্করী করিলান বলে
সংগ্রের বলিকলা
লালা বল্লা এলং উতিলানিক ক্যানাকই
লগত ইউনিবেশ। সেমানা ছবির কাজ
লোভ প্রানাকই

selest বনসায়ৰ সাহালৰ ভিস্লেক্টাৰ ল সমাল কমেকছামার থাস ভালের মাধ্য ভূতি কৰিছ কান্যন্তম চল্লা<mark>স্তৰ</mark> বাৰক্ষাস্ত্ৰ ০০০০ পাদার **ট্র**িফ**িস** কাদবার egi, si e 1,850 ki 7,166 158 \$59 7555 ্রাক্রান্ত (১০ কালে করিবার্গের । **বালে**ক ডিগা ভল্য প্রার্থিত সিস্টাক্ত স্কল্পতিব कु कु<sub>र</sub> क्षण **कें** किलेक्स संगुक्ती है क्रीए **क्**री হুও ভিদ্যালয়ের ত্রাজারের সংগ্রাস র্থান হ' তুর্গাছে কুল্টা হর **প্রা**র্থান ର କୁରୁ ନୟମର କାର୍ମ୍ୟ ଅଞ୍ଜ**ଞ** e nogal so a sistem nitro altera ELECTION OF THE MEN SETTLE OF 化二度压力 实现的过去式和过去分词 ত নাৰ্যালু লাভু কুপু কুলাৰ সংগ্ৰা<u>নিটা লা</u>ছে ৷ স্থান র প্রস্থ ক্ষর হের

াণ ফিন্স ফেস্টিভারের শ্রেণ্ঠ
স্থান্থাই প্রেক্সার পারের আত্মেন্ডাই
স্থান্থাই প্রেক্সার পারের বিশা ত
স্থান্তর ব্যবস্থাই জি পি স্থান্থাই ক জ
বিশার ছবি লি প্রিলেশ্য কর্মেন ছবি
স্থান্থাই ক্রম্পার্টি লি প্রিলেশ্য কর্মেন ছবি
স্থান জ্বা হার্মা। তার স্থান্থার
ইন্তিশিব ক্রেন্ডা সক্তান জ্বান্থার
বিশিশ্ব ক্রেন্ডা সক্তান জ্বান্থার
বিশিশ্ব ক্রেন্ডা সক্তান জ্বান্থার
বিশিশ্ব ক্রেন্ডা সক্তান জ্বান্থার
বিশিশ্ব ক্রেন্ডা সক্তান জ্বান্থার



এলেট ম্ডীজ-এর 'প্ৰীকৃতি' ছবিতে পমিত ভয় ও প্তেক্ষ্ চটোপাধার— কনক ম্থাতি ছবির পরিচালক।

ভাল পাল কা<sup>হি</sup>ল ভাগ ডালক ছো STATE OF STEEL TELL THE BETTER হিলেপা রাজে তুর্যনিক। তুরসভিত্র নিমাণি ভারেজ-অসমের মার সময়ে রাজারা কার্য কলমের ১৬ সমত এওক এতা সংবাহ এম*্নি* নি 5ল জার বিষ্ণার যে হারে বছেবল্ল লায় ইটার বাচে কেশ যাক্ষে যে, চুলজির নিমাধ তালৈর বিটানা বিশেষ ক্রেছেও জন হা লোকাই লাহস্কালে, একজিয়ে তিনা দিন কিলেপ্টিলের রাডে গেকে বংকারীয়েও মুকের চার মাছে: দলেস্ট্রের হলিম্থিক নির্দ্রিত হ 🐯 इम्रोक्तर शोकस्थराष्ट्र शोदराहर प्रदेश ं राज रक्तारत इस्रोध्य वरणा एका इस्रोक्ट तिस्कार हाद क्षेत्र केला क्ष्म प्रतिस्क किछा পাংস্কল্পের মারা গলাম আলোড় ডারন চল কলের নাম কার খেকে? :

স্বল শ্মা

#### "প্ৰকৃতি"-র শ্টিং চলছে

এবটান আট্টাডের স্টির্ভর পর তাশির বার প্রারেজিত এলিট ন্তিনের কর্মিটি হারর ইনাডার স্টির শ্রা, মানার বাত সংতাহে। হাসে-কারার ঘাত-প্রতিহাত নিয়ে ছবিন কারিমার বিন্যুস। নিশেষ আকর্ষণ এবটি কার্যার ভারস। নালর নিগতে নৃত্যিকরী ক্রীস্যারেশ ভাট ছবির ভাবস ভিনেইর। বিভিন্ন চরিতে র্গুনন করার্যা শ্রাভান্য চাটালারী, শিলিত ভগ্ল সংগ্রা কেনা, ভাল ব্যাণ, ভালা বানালারী, ভর্গকুর্যার, শেশর চাটালারী, সভালি ভর্গকুর্যার, শেশর চাটালারী, সভালি ত্যা নাগে প্রান্ত বারে তারে করেন জিলা কান ইতিমধেই বাকতা কর হাজেছে। প্রধানত কবিনী তার্লধন্য ছবিতি করি-তালনা কর্তিন কনক মুখোপাধার।

#### ওয়েন্ট বেঙ্গল আর্টস সেন্টারের উদ্বোধন অন্ন্টান

প্রতীন শাস্থা বাল্ডে, ব্যাল, বাদ্য এবং লাভা এই তিনটির সমাহাত্ত যে **সিক্সকলা**, ভাষ্ট নম সংগ্ৰিষ্ট। ভাষ্ট্ৰিছ ১৩ই আলাই মহাজাতি সদ্যা 'ওলাস্ট বেশাল অন্তর্ভার ক্রেম্বর উন্নর্ভার উপকর্ত দ্রুল মাথেপাধ্যারের থেয়াল ও ঠারেরী ি, জি, যোগের রেহালা এবং **শ্রীমতী মন,** পেলের কথক ন্যুক্তর সহিষ্টেশ, হলা যেতে পার, বেশ একটা পরিপ্র সংঘটিননু-ভানর আয়োজন করা হয়েছিল। এপের কালে অবশা আরে। শুজন তর্ণ শিক্ষী ছিলেন—কাজল দাস আয় গলিল চক্ৰবড**ি**। তবে, শ্রীমতী কাজল পাদের মালতান থেয়াল এবং শেষেক শিক্ষাীয় কিকৌটাত সেহার শানে যান হল এ'বা দা'লানে**ই** শিক্ষাব্যবিদার স্তার এখনও অভি**রুম ক**রতে পারেন নি।

শ্রীমতী সংধ্যা ম্যোপাধ্যায় সেদিন গেরাল গাইকেন বেহাগে আন পরে বিধানালন ঠংগাঁ। সংগতে ছিল ওংতার সাগেরিক্সিনের সারেংগাঁ আন ওংতার কেরামত্রুলার তবলা। বিশেগাঁর স্কুর্ন্ত, সম্বধ্ব অনুষ্ঠা, বিধানাল অনুষ্ঠানটি

সকলকেই পরিকৃত করেছে। বিশেষত, কোনো স্কা, জটিল বা দ্রুহ্ স্বর-প্রকরণে না গিমেও বেহাগের মাধ্যটিকে শিল্পী ষেমন সহজ আবেগে ফ্টিয়ে তুলেছিলেন, তা নিঃসন্দেহে প্রশংসাহ'। আরও উল্লেখ্যোগা, আলাপের অংশে সন্ধ্যা মুখোপাধ্যায় যে রসবোধের পরিচয় দিয়েছেন তাতে বোঝা গেল প্রধানত লঘ্রসাত্মক আধ্নিক গানের আসরে অবতাণি থেকেও গ্র্পাদী সংগীতের স্ক্তীর অনুধ্যানেও তার নিন্ঠার অভাব নেই।

্প্রতিষ্ঠানের উদ্যোক্তা শ্রীমতী মন্ পোলের ক্ষক-নৃত্য এবং ওদতাদ শান্তাপ্রসানের সংগত-সহ শ্রী ভি জি যোগের বেহালা—এই

**রপোণ্কন** প্রযোজিত ইন্দ্রনাথ উপাধ্যায়ের

### স্মর্তিরা উজানে

প্রয়োগনিদেশি ৷৷ তীরেন্দ্র চটোপাধাায় বিশ্বর পার বিশে অগান্ট সন্ধ্যা সাতটা ইলে টিকিট (সন্ধ্যা ৫—৭)

(ফি ৬৭৪১)

পণ্ড মিতুম্ অমিতা রায়ের

### शबादना हिंडि

নিদেশিনা : স্নীল বন্দ্যোপাধ্যায় মৃক্ত অঙ্গন

নোমবার ১৮ আগল্ট ৬৯ সন্ধা ৭টা হলে চিকিট

(সি ৬৬৩১)



#### नान्दीकाর

অগাস্ট ১৯৬৯

তথা রবিধার বাটানধর নাট্কারের সম্বান ১০ই রবিধার নিউ এম্পায়ার

শের অফিগান

১২ই মললবার না্ভ সলন

মজরী আমের মঞ্রী

১৫ই শ্রুবার পাট্না শের আফগান

১৬ই শনিবার পাটনা

মজরী অনুমের মজরী

ইইংশ শ্রেবার কলাম্নির

নাট্যকারের লক্ষ্য হৈ ১৯৮৮ কবিবার শ্রীরামপুর শের অফেগ্যান

৩১শে কবিবার নিউ এন্সারার

भागिकादस्य समाज्ञान

নিৰেশনা : অজিতেশ ৰদেনাপাধায়

(ग्रि-७७৭४)

দ্টি জন্জানই, শোনা গেল, যথেতী উপভোগা হয়েছিল। কিন্তু দ্বংখের বিষয়, অনিবার্যকারণে বর্তমান সমালোচক ততক্ষণ উপস্থিত থাকাত না পানার, সে সংগ্রে কিছু আলোচনা সম্ভব হল না।

- Ministration

### 

ববীন্দ্রনাথের গাতিনাট্য

# বাল্মীকি-প্রতিভা

২৪শে আগণ্ট, রবিবার, সকাল সাড়ে দশটা ॥

### कला-भाग्पत

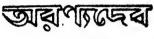
২০, ৫, ও ৩, ম্লোর প্রবেশপত দক্ষিণী'তে পাওয়া যাবে ॥

गुरुमालि : गुरुवाद : ১৫ आगण्डे !

ছাজৈতে ৰশীভূত ওগৰান। **ভত্তিৰ শক্তিতে বিষদা বন্ধ বিধিন বি**ধান। প্ৰাভূত প্ৰক্ৰোকনাথ ও মানবাসীৰ মননিশ্চয়তায় মা**সল্য ৰক্ষাৰ ম**হান জ্বোধান-



সর্জী — রূপন — আবেন্যা — আবেল্ছারা অরোরা (মেদিনীপরে) - জনপুর্বা (সোনারপরে) - রবা (বিরাটি) - ব্যাল্ডার্নী (বিসরহাটি) ও অন্তর্বা ক্ষেত্রিক স্থানিক বিশ্বর প্রান্ধিক



दिशास- यम् तर्षः बन्द्रः दाबादः एतून्य दम्द्रः कृषि ल मध्ये बन्द्रामि । कृषि स्थामादम् द्रास्य म्ह्रा

श्रीक दका

দেয়ালের প্রারে

সার ঠেখে গ্রিছাত্র!







अधित्य रजात्मा



লী ফক

**বেশ ভুমি ? শুলিদের লো**য়? ১

ছাগ্যার রূপরে হাত তোলো। **छालाचिंग बग्रवाव दछ्छी दगरहा वा** 





প্লাসটিকের প্রভার মধ্যে পুলি চালিড্রো, জ্ঞায়েন জ্রালিড্রো, জ্ঞোনের সঞ্চাশতানকে

প্রক্রিয়ে রাবতে সারি







×

ना।

সোমবা প্রার্থানার্ম, সুদ্ধি এবদ। বদ নার্থে সারো সুদ্ধি;

প্রিচমবাশ্যার চেটকল ধর্মাঘট বভামিন সংভাবের বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য ঘটনা। প্রিচারখের ৭০টি চটকলে প্রায় আছাই লক্ষ প্রমিক কক্ষ করে। বেডন বাংশ এবং মননান দাবি-দাহয় নিয়ে এইসর মিলের শ্রমিকরা গত ৪ আগস্টা থেকে । অন্মিলিপ্টকালের জন্য ধ্যাঘট । শূর্ করেন। ধর্মাহট শা্রু ছওয়ার অব্যবহিত পারেই ভারত সরকারের বৈদেশিক বাণিজা দফভারিব সেকেটারী ইমডিয়ান জুট মিল আন্তস্সিয়েশ্যনৰ কভালের ফোন করে জানিয়ে দেন যে আন্তলেসিয়েশন যদি অবিকাশৰ অন্তৰ্ভীকোলীন একটা বেতন ব্যধি যেখণা কাৰেন তা হ'ল ভারত সরকার শ্লক ছাড় ব্যেদ সাুযোগ সাবিধা করে দিতে রাজি। এই ধর্মায় ট্র সীয়াংসার জন্য ইতিমধ্যে নর্যাদিলিতে ভারত সর্বার, চটকল সমিতি ও চইকল প্রমিক প্রতিনিধিদের বৈঠকের ব্যবস্থা হয়। এই বৈঠকে অব্যোধে সর্বস্মাতিক্স স্থির হয় হে, ১ আগস্ট গে ক এ ছাড়া চটকল মালিকরা চটকল শ্রমিকরা ৩০ টাকা করে অন্তর্বভী সাহাযা পারেন। শ্রমিকদিগকে নবেশ্বর মাসে সামরিকভাবে ৩০ টাকা দিবেন। বোনাস আইন ামত বে≉ ৪ .শৃতাংশ বোনাসের উপর সাময়িকভাবে এই অতিরিক্ত টাকা দেওয়া হবে। বদলী দুমিকদের শ্বাপারে কমিটি চটকল শিক্তপর কমী সংখ্যার প্রয়োজন সামরিকভাবে বিচার বিবেচনা করে দেশবেন। নীতিগতভাবে আরও পিথর হার ছ যে পথায়ী পদগ্রনিতে পথায়ী কমী নিয়েগ করা হবে। চুম্মির শতাবেলী ভারতীয় চটকল সমিতি এবং টেড ইউনিয়ন সংস্থাগড়িকর জনত মোদন সাপেক। সোমবার ১১ আগদ্য মহাকরাণ শ্রমফটো শ্রীকৃত্বপদ যোষের হার চটকল মালিক ও শ্রমিক প্রতিনিধিকের মাধ্য দিলিকে সম্পাদিত থসতা চুক্তিক চ্ডেম্ড হাবে অন্ত মোদিত ও স্বাক্ষরিত হবে। ১২ অংগত মধ্য লবার সংতাহবাপী ধর্মাঘট প্রভাহত হবে।

#### दलनी जरबान

অপ্রস্ট শ্রীজেনতি বস্ আছ ব্রুড্ডন্টের
বিশেষ বৈঠাক আবণ্য করেছেন, বিধানসভার
 ড্রাইর ঘটনার জন্য বেসব উচ্চপদশ্র
পর্যালস অফিসার দারী তাঁলের বিব্যান প্রত্রাক ব্যবশ্য নেওয়া হবে। বিধান সভার
প্রারমী হাপামা সংপ্রত্রে অর্ন্ডান্টনা কর্বর
জনাই এই বৈঠক ভাকা হরেছিল।

আৰু ন্ধ্ৰমদনে ব্ৰেক্তনটের সভার গাহণীত প্রকারে গাত ৩১ জ্বলাই বিধানসভার কিছু, প্রিলিসের উজ্বেশ্য ও বর্ধার আচরগের তার নিল্যা করে এই "খাণা কাজে" নিশ্ত ব্যিনের বিষ্যুম্পে কঠোর শালিত গ্রহণের দানি জানানো

 আগাস্ট—আন্ধ রাক্তে নাগেনাল যে একাল কলেজ হাসপাতালের সামান হাংগামার পর্ব এই হাসপাতালের ২২ জন রোগী সহ ৭০ জন জাতত হন। এর মধ্যে পাক্তিলের আ্যাত গরেত্রের। এ সংপাক্তি পালিস এর বাতিরে ব্যেক্তরের করে। এই হাসপাতালে ধর্মার্থনী প্রাক্তিনেশন কমিটির পক্ষ গোকে সভিষ্যর জরা হয় পালিসের সামান্ত্র এই ঘটনা ঘটিছে।
 অরাবালি—আন্ধ লোকস্বার অন্তর্গার্থ এক

অরাবালি—আন্ধ লোকস্বার অন্তর্গার্থ এক

স্ক্রিপ্রস্কিন্দ্রির অন্তর্গার্থ এক

ব্যাক্রিক্তিন্দ্রির আন্তর্গারিক্তির অন্তর্গার্থ এক

ব্যাক্রিক্তিন্দ্রির আন্তর্গারিক্তির অন্তর্গার্থ এক

ব্যাক্রিক্তিন্দ্রির আন্তর্গারিক্তির অন্তর্গার্থ এক

বিভাগস্ট—আন্ধ লোকস্বার অন্তর্গার্থ এক

স্ক্রিক্তিন্দ্রির আন্তর্গারিক বিভাগস্থিত বিভাগস্থ বিভাগস্থিত বিভাগস্থ বিভাস্থ বিভাগস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাগস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্য বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্থ বিভাস্য বিভাস্থ বিভাস্য

ষ্টনা ষ্টে : ডিগ্রি স্থানির দ্বীয়ালিকার।র একটি সিম্পান্তর প্রতিবাদে খ্রী এস কে প্রিল প্রমাধ প্রায় ৬০ জন কংগ্রেস সদস্য সভাকক কেন্ডে চলে যান কিন্তু থেকে যান প্রায় ৯০ জন। এখানর মধ্যে ১৭ জয় মধ্যে। শ্রীয়ানিকার র সিম্পান্তর সংখ্য সিম্ভিকেনের অন্তম স্কুম্প ক্রমাস সভাপতি স্কৃতিত। এই ম্টনা রাজনৈতিক



পর্যাবন্ধবদের মতে 'সিনভিচ্নট-ইন্দিরা' বিশ্বপথ্যত আর এক জাকলোমান শ্রমণ।

পাত্রেল বেলের ছারা হাওছা ও নিব বাহর চেটান্য লাটির মধ্যে সংযোগসাধরের প্রস্তাহটি কলকাতা চক্রবেল প্রকারণার সংখ্যা যাত্র বিশেষজ্ঞান বিধ্যান্য করবেন। কংগ্রেল সংস্কার লালে বেলাভার পটার্মানিত করিছির টাটাকে বেলাশালী ছার বামাসাভার বিধ্যান এই জান্ত্রালা লেন।

ভ আগ্রাক প্রিমবর্গা সর্বার নাম্বার মেডিকেল কলেল হাস্তলা পেকে বেক্টানর অন্য হাস্পাত্রাল সবিজে নোবার সিংধানর নিজেছেন। শুন্ধ, তাই নর, জাত স্বাস্থাননা শ্রীনানী ভট্টারা এক সাংবাদিক গৈতার জানান, সর্বার সাম্যিকভাবে হাস্পাত্রালীর বাধ করে দেশাং করেও গাতীবভাবে চিন্তা কর্মানন।

আছ সদ্ধায় বলকাত। কেনাবেল প্রাণ্ট ভাষিত্র এলাকায় প্রাক্রমানের এব থানিব মানে প্রচণ্ড শাল একটি বেন্না কাটে। এট ৪) হ নিকেন্ত্রিত বেন্নার ট্রাক্রার মালাতে ডাক ও টাব বার্মানিকালে কলেজ হাসপাথেলে প্রচারে থে।

১ কাগ্যস্থান তিবিদ্যানি পর আন্ত বাত আন্তর্গীর নাগ্যাক মেডিবালা কলেজ হাসংপাত করে শিক্ষক, ছাত্র, নাবস্থানিক-কমডিটোলনের মার্থিই প্রভাবার করা হয়। অস্থানী অধ্যক্ষ ও স্থানিবাটোলনেটাই অপ্যাব্যার দ্যাব্যাক্ত ১০ জালাই থেকে এই ধর্মান্ত শাহ্যু হয়।

মুখারজি তদণত বাঁমটির বিপেরটের ভিত্তিতে
রাজা সরকার দ্বাঁশিয়েরর ঘটনাবলী সম্পর্কো
হয়জন প্রিলসকে সামরিকভাবে বরখাদেতর
(সাসপেনত) সিন্ধানত নিরেছেন বলে বিশ্বসত-স্তে জানা গিরেছে। দ্বৈ-একদিনের মধোই
এ সম্পর্কো সর্বারী আদেশ জারি করা হবে।

so जागनमें कराशन अम नि श्रीजवर्न

আবারা বাদ্ধীপ ক নির্বাচন শ্রীপিনিক সম্বাদ্ধ কথা এক প্রবাংশ যোগন এবেনা ইন্সানাই প্রথম কংগ্রেস গলা হান কংগ্রেম প্রবাদ্ধ কাল্পতির সিদ্ধানের বিব্যাধ্য বিশ্বনিক কেন্দ্রীর টোনের্বাটি তা তাপাল সম্বাদ্ধ বিবেশিকালেরের কাট্যের তাপাল কাল্দ্র প্রথম কাল্যানির বিব্যাক্ষ্ণর ক্রিম কাল্যান্ত্রীর কাল্যান্ত্রীর প্রক্রাক্ষ্ণর কাল্যান্ত্রীর কাল্যান্ত্রী কাল্যান্ত্

#### वित्मभी मःवाम

- অধ্যাসট—আমেরিকার মহাকাদ বিজ্ঞানীর
  আজ বোকণা করেছেন বে মারিনাথ-ও রার
  উপাগ্রহকে নির্দেশ পাঠনেন রারছেন্যগর
  গাহর চেহার বখন বেনানিট তার চোখে বং
  প্রার, তার ভবি সে বেন বংকলং ছা বেট
  সাইস লাকে স্বাসারি প্রিবারী টোলাজন
  পর প্রার প্রিয় লেয়।
- ৫ জাগদট—ক্ষেতিকাটর স্বারণী মুখার ইজ্বতিবিছয় বালছে যে, রামনিয়া বার সাজ-তারটী দিনিবর ছেছে বেনিয়ের বার্থমান গ্রেটার তার্থাল ক্রেলেনে ক্রেলেনের্লিক হাল প্রার্থিক ছাইবা। কথাটা রামনিকা এর আমারিকা বেনা ভূলে না বার। পর্যক্রের মরের ইস্ট্রিভিপ্তরার এই কলাকে রামনিকার গ্রি রালয়ার প্রাক্তর হামকি বালেই মান কর্মনিক।
- আগস্থা—বৈকী নাতা ও নিজ্ঞাব সংমাতিক নিজ্ঞা দেওবার জন্ম পার্বা পাকিছানে কৃত্রিকান কাছে একটি নিবির থেকা হাজ্য এই সংমাতিক নিজ্ঞা নিবিরে এখন প্রায় এব রাজ্ঞাব নারা ও আজ্ঞা নিপারী ব্যব্রাভা প্রমাণ সন্ত্রাপ্রত্র অব্যার অক্ষা জন্য গেলা।
- জাগ্ৰীস—আৰু এক সংবাদী খোলাই
  মদাবাত বলা হায়েছে সীমানত বালিকার
  সংপারে চুনি-সোহিত্রত মাসোচনা আৰু হামী
  বে,৪০০ত শেষ হারেছে। আলোচনা গেষ এই
  প্রোটালায় স্থামেরিক হাম এই। প্রচাই
  মালাচনা আলোমী বংসর চীনে হাম বাক সিরী
  হামী

  বিলা
- ৯ জাগস্ট—লিজির বিশেষজ্ঞ নহালর ছিল নত ও চাবি থাকা প্রসেব ফলে ভাওত দক্রী বালিছে বা ভারতকৈ জালাকের সাংহ্রাটা বালেজের বিশিক্ত হাব না। জানাস্তর সালা ভারতের বালিজোর পরিমাণ ধ্ব একট বিশ্বন্য এবং এপর্যালত জানাস ভারতকৈ খব বেলা ভারতি সামাল করেনি। জার মুলা হাস্ত্রিক করেছি মুলা ভারতকৈ মুলার বিশেষ পরিবর্তন্ত্র হবে না।
- ১০ আগস্ট পারিকতান যেকর বান গের অস্থাসন্ত ও সমরসগতার জিলেছে, ওও মার চোকান্দোভারিকার নামও যাত্র হালো। এর করেক মাস পারিক্তান চোকান্দোভারিকার এছ থেকে প্রচুষ পরিমাণ গোলাবার্য ও জনানি সমরস্ভার ভার করে।

44.

(शके रमभक । रक्षके काना

নিম'লক্ষারী মহলান্বিশের क्षण उन्म दिक्या

# युद्रादि %

त्रवीन्त्रनारथत् स्ट्रांशं क्रमरभत् जस्यातिनीत स्था। अखत्रम अक्रि बारमधा। अज्ञाधा कित स्थापिक।

नीना भक्त मनादात

আর একটি অসাধারণ রচনা

### ৰাদ,কৰ নবভয় উপনত্স

বিমল করেব

### সুকুমার

আবোলতাবোলের কবি, সন্দেশের সম্পাদক সক্ষোর রায়ের জীবনক্ষাতি কথা

আশাতেশ সাংখাপাধ্যয়েশ

সাত পাকে বাধা ৫১

প্রশাস্ত চৌধরেীর নবতম উপন্যাস

গোধূলী-রঙীন ৫.

আশতুতাৰ মুখোপাধ্যায়ের

বাজাকর ৮.

বিভতিভ্ষণ বদ্যোপাধায়ের ন্তন মুদুণ

আরণ্যক ৬॥ দৃষ্টিপ্রদীপ बैलिश (अद्र कालसन जार्ट्व 8, দ্বব্যাঞ্জ বলেনাপাধান্ত্ৰ

দক্ষিণারজন মিত্র মজামদারের

ठाकूतमामात अर्लि 8॥ किरभात श्रम्थावनी 8॥ नीवम्हन्द्र क्रोस्.वीव

वाक्रानी जीवरन ब्रमणी ১०

लीला मक्रमगादव

আর কোনোখানে

গভেন্দ্রক্ষার মিতের অসামানা উপন্যাস

আমি কান পেতে রই ১৪১

রাত্তির তপস্যা

b, महन e मीध

সেয়দ মুক্তবা আলীর

वाजा डेकीब ४.

তারাশং করেব

উত্তরায়ণ ৫॥ যোগভ্রন্ট ৭১

ভারতের প্রেক্ত চিদ্যানারকদের বচনা গান্ধীশতবাষিকীর শৃন্ধাঞ্চল

গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

অচিশ্তাকুমার সেনগ্রেশ্তর

গোরাঙ্গ পরিজন ১০১

অবনীন্দ্রাথ ঠাকরের

যাত্রাগানে রামায়ণ ৯

ছিত্ৰ ও ছোৰ, ১০, শ্যামাচরণ দে শ্বীট, কলিকাতা--১২





विवयं 🗸 🗸 🗸		গ'ৰ
অভিবৃদ্ধি : গ্রাম শহরে—	•	024
ৰাপাচিত্ৰ—	-	030
র্পদশরি সংবাদ ভাষ্য-	•	029
देवरमिकीरमनदाष्ट्र		OSA
मृन्युन्छे—श्रीनवात्न १८ छ	-	650
স্বশ্দর জার্লাল-	•	005
ৰাহ্ৰকের স্বগডোৱি (কবিতা)—শ্ৰীব্ৰদ্ধদেব বস্	•	000
অলো অন্ধকারে—শ্রীপ্রলয় সেন	-	200
গানের আসর—শার্জ দেব	•	082
পণ্ডতন্দ্র—ডঃ সৈরদ ম্জেতবা আলী	•	080
अम्रत्त्र मिह्नि-मत्रर्वम	•	084
পারাপার-শ্রীশীর্ষেন্দ্র মনুখোপাধ্যায়	•	082
ডায়েরির <b>ছে'ড়া পাড়া—</b> ফাদার দ্যতিয়েন	•	000
भारतित्वत्र हिकि श्रीभ्यतीस्त्रनाथ मर्प्याभावास	•	044

### ष्ट्राष्ट्रपद रमदा वरे

পাপ্তের বই

অতি মনোরম সংস্করণ।

ST TH ছল শেষাল

देशनाव माथी

**म्हामना-भीषित** ঈশান-কোৰে

हवित्र त्थना

**कार्यक** বৌদ্বগ্যক্ষ

হৰিতে প্ৰিৰী **३ (जाविक वृत्र)** २ (शन्यक्र माम)

ब्राटन ब्रह्म ভারত খ্রিকপ সাড়ে-আট বছরের শিলা 'পাপার অবিস্থরণীর সাহিত্যকীতি'। 14.001

নিল্পী শ্রীপ্রতুল বল্লোশাধারের ছবি ও লেখার অর্থোর পাশ্-भाषीत्म्य **कौ**यनयातात् कृषि ।

স্বশনবুড়োর রচনা, শ্রীসমর দে-র বর্ণালী ছবি। ভারত সরকার [ 04.5 . 00.4] কতৃক প্ৰশংসিত।

७: 'नानकृतन नानगर्रण्डत करून • श्रीत्व' सारवत स्विरक व्यवद्भा । [4-60]

শ্রীবাদল সরকার রচিত ও চিহ্নিত ছোটদের ধাঁধার বই। বাঙলার अमन वहे शक्स। [ 4.00 ]

'স্লেডা কর রচিড শ্রীস্থে রার চিত্রিড সেরা বৌশ্ব-সলেগর मरकहार । [5.60]

শ্রীমনোমোহন চরবতী রচিত শ্রীপ্রতুল বল্লোলানার চিন্তিত পরী ब्रुट्गत क्रडीम हिट्ट महल विवस्त्र। [शिंक काम 3.46]

শ্রীপূর্ণ চরুবতী বাচিত ও চিত্রিত ভারতের কিল্পনিবর্গনের ইতিহাস। বহু ছবি। বাজনার অন্বিভার বই। [9.00] गान्छक छालिकात समा निवास

০২এ আচাৰ' প্ৰব্যাৱন্ত নোড # কলিকাতা ৯

कार ग्रामी सर्गामक स्थाप

शिम्हरायसमात स्वयंत्री

द्याग्रेट्पत्र सन्त कायटका विकित वाका नित्र क्षक क्ष्मचीन न्यवस्त्रभागार्थ ত্ৰমণ-কাহিনী

### वायापित (भन

डेक्सि। वन्तः महिन्द्र

প্রতিটি বল্ডের হল্য : ২-৫০

তামিলনাত পৰ

नीप्रदे शकानिक इदेरन।

শ্রীসংবোধকুমার চক্রবতী

किरमान-किरमानीतात समा

শ্ৰেষ্ঠ শিশুসাহিত্যিক কুলদারক্ষন রাম

### कुलमा-किरमाज गब हरू है श

भ्राहरपत करण, कवार्वात्ररमायत, स्वत्राव एक विश्वांक क श्रीवनद्रक को शशिक्षि वरण्या नवन्द्रस्थ श्रीवस्थ । ET 1 20.00

भूना कीवनकथा व नौना अनक

### **अवस्या** शिवी वावस्था या

शिगालागाम्य प्रक्रिका

MAR : 20.00

३ शकालक ३ व. ग्रांचाकी कार-क रकार क्रांश किंग्र २ विकास हा।हेल्यी न्ह्रीहे, कविकाका-১२



वर्धेतः रचकारतं नदम् गरम् प्याम च्यांच्यां (यटम् । 'आकारक्रीते' वैर्व गारम्य सम्ब सम्ब व्यवस्था व स्टब्स् । व्यवस्थानक्री बर्च्ययतं रचनातां च्यांच्यांच्याः । व्याग्यसम्ब गर्मना (यान-चांच्यः वैरुप्त स्टब्स-च्यांच्ये अकक्षीं 'अकक्षक्रीं' वेर्क विश्वस्थाः ।

त्रवात हारेल जाला—'अजातकी'

UCSIN



বিবৰ বৈশ্ব		প ঠা
बाःगात हार्गाहत-श्रीव्यायम् न जन्यात	-	040
क्रीवन त्व बुक्त-लीज्नीम गर्काशाधाव	•	069
বিদেশের চোখে পথের পাঁচালী-প্রীচিত্তরঞ্জন ছোষ	•	095
ৰাথিক ভারত—শ্রীস্ত্রত গ্ৰুণ্ড	•	096
ঘরে-বাইরে-শ্রীমতী	-	999
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়	•	093
কৃত্ থেকে ক্যাম্পারের ওখ্য—শ্রীপ্রাণেশ চক্রবভার্তি	•	082
बार्वाच्या-	•	040
র্প ও র্পরার র্পকথা—শ্রীশিশির রার চৌধ্রী	-	022

निग्र्शनक-अद्ग

# शास्त्रम थारक वर्नाष्ट्र ५

नहेबाजन-अब

জ্যোতিবিক্স নন্দীয়

# 

नाजिशम बाजग्रहात

### সামনে সাগর ६

अमदबन्ध नाटनत

### वालात लगन ०.६०

ৰহ্বপৰ্যি

# वर्रमभौत नक्भा ५

मरामामा लगीत-रगोति श्रिया विकृतिश्रमा ८,

र्माननाम बरम्गानाशास्त्रत्—

স্ব-নিৰ্বাচিত শ্ৰেষ্ঠগলপ ১০১

বিশ্বাস পাৰলিশিং হাউস, ৫/১এ, কলেজ রো, কলি-১

্ ভারাশক্ষর বন্দ্যোপাষ্যা	7
<b>हाम्रा</b> श्थ	₹0.00
कारमाभक्कत्र सात्र	
कृष्णात कव	.00
बार्हे	
त्रमाशन क्वीध्रती	8.00
ভারতবর্ষ 🔹	
कम्याम्य शहल	<b>6.0</b> 0
এখনই	
	A-00
- স্ভাৰ হৰোপাধাৰ	
नाबरमब छाट्य	1न
	0.40
শিলা দ্ব	
कारहत्र সংসার	
কালের পদার্থনি আন্তোষ মুবোপান্য	
वारनात्र विका	100
শচীপ্রদাশ কল্যোপাধা	8-40
	1
	L
আনন্দ ভৈরব	0.40
আনন্দ তৈরব নগরিচিতের নান	L
আনশ্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী	8·40
আনন্দ তৈরব নগরিচিতের নান	8·40 8·40
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য	6.40 8.40
আনন্দ তৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌধুরী ঘেরাও	6.40 8.40
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌধুরী ঘেরাও গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্র	8.40 8.40 4.00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌধরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্র জরাসন্ধ দেহশিদ্দী	e-00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম গীপক চৌধরী ঘেরাও গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্র জরাসন্ধ দেহশিদ্পী প্রাগতেব ঘটক	8-40 8-40 8-40
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্ম মহাকাব্যের প্র অরাসন্দ দেহশিদ্পী প্রাপ্তার ঘটক ভিনপ্রের্ম ১ম	\$.40 \$.40 \$.00 \$.00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম গীপক চৌধরী ঘেরাও গৌরীশক্ষর ভট্টচার্য মহাকাব্যের প্র জরাসন্ধ দেহশিদ্পী প্রাগতেব ঘটক	8-40 8-40 8-40
আনশ্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচর্ম মহাকাব্যের প্র জরাসন্দ দেহনিদ্পী প্রাপত্তার ঘটক তিলপ্রের মুক্র বনহাল গোপালদেবের স্থান	\$.40 \$.40 \$.00 \$.00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্থ মহাকাব্যের প্র জরাসন্দ দেহনিদ্পী প্রাণতোর ঘটক ভিলপ্রমুম্ব ১ম সন্ধ্য প্রকাশিত ২র বনক্স গোপালদেবের ব্যুক্ত নারার্য্য প্রস্থোধার	\$.00 \$.00 \$.00
আনশ্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচর্ম মহাকাব্যের প্র জরাসন্দ দেহনিদ্পী প্রাপত্তার ঘটক তিলপ্রের মুক্র বনহাল গোপালদেবের স্থান	\$-40 \$-40 \$-00 \$-00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীপক্ষর ভট্টচার্ম নহাকাবেরর প্র অরাসন্দ দেহশিদ্পী প্রাণ্ডাের ঘটক ভিনপ্রেরুম্ব ১ম সদ্য প্রকাশত ২র বনক্ল গোপালদেবের ব্যুক্ত গোপালদেবের ব্যুক্ত নারার্গ গলোপাবার চাপার গ্রুম্ব	\$.00 \$.00 \$.00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীশক্ষর ভট্টচার্ম মহাকাব্যের প্র অরাসন্দ দেহশিদ্পী প্রাপ্তার ঘটক তিন পরুমু ১ম সদ্য প্রকাশত ২র বনফ্ল গোপালদেবের ব্যুদ্দ নারার্গ গলোপাধার চৌপার গ্রুম্ব	\$.40 \$.40 \$.00 \$.00 \$.00 \$.00 \$.00
আনন্দ ভৈরব অপরিচিতের নাম দীপক চৌহরী ঘেরাও গোরীপক্ষর ভট্টচার্ম নহাকাবেরর প্র অরাসন্দ দেহশিদ্পী প্রাণ্ডাের ঘটক ভিনপ্রেরুম্ব ১ম সদ্য প্রকাশত ২র বনক্ল গোপালদেবের ব্যুক্ত গোপালদেবের ব্যুক্ত নারার্গ গলোপাবার চাপার গ্রুম্ব	6.40 6.40 6.40 6.40



গিরিলকে দেখুন-খখন ওর বরস্থিত ভিননাস। মাত্র ১ সংগ্রহ
ধারস থেকেই ওকে আমূলক্ষে
বাওয়ানো ওক হয়।
লারীরেরও উন্নতি হ'তে
বাধেক চমংকল।

# ध्यन अरक (म्थून !

"আমূলশেশ'র এক প্রাণবন্ধ, চোমকুড়ামো লিশু। রোকই কিছুনা কিছু লিখে ফেলছে।" স্থার্কে বলেন, ১৩ মাসের ছেলে গিরিলের বাব। আ দিলীপ চৌবল।

আপানার বাচ্চার জরোর ওজনটা ছয় মাসের মধ্যেই বিশ্বপ এবং এক বছরে ভিনপ্তণ বেড়ে বাগুরা উচিত। আমূলজ্যে চমৎকার এক সুবয় বাবার। বাচ্চাদের ক্ষমও হর ধুব সহকো। বাচ্চাদের ক্ষীর আরও ভাল গুটু ক'রে তুল্ভে বাড়ডিবে প্রোটিন দরকার,ছবের বাবার আমূলজ্যেও আছে সেই বাড়ভি প্রোটিন।

আমূলতো তৈরী হয় উন্নত বরণের তোন্ডাইং পছতিতে। মাধিন শুক্তরাট্টে এই পছতিতেই আৰু সমগু বেবীকুড তৈরী কছে। তোন্ডাইং পছতিতে বুবের গোটনের সার আয়ুও ভালভাবে সংযুক্তিত বাকে।

হাক্ষার হাক্ষার মাহের। বৃষ্ণের প্রধের বিক্রা হিসাবে বা এক পরিপুত্রক থাহাত্ব হিসাবে বাচ্চাদের একেবারে এক সপ্তাহ বরস থেকেই আম্পক্তে বাভরাক্ষেত্র। আর ভাই যাক্ষারে বের হবরে ঠিক গু বছরের মধ্যেই অবিক্ষের বেবীসুভ করেট্র মধ্যে আমূলতেই বিক্রী হত্তে স্বচেরে বেনী।



মাজের মুখের এক চমৎকার বিকল



বিষয়	লেখক		भाकी
সামান্তের এই শৈল শহা	র—শ্রীকিরণশংকর মৈত্র	•,	৩৯৫
সাহিত্য সংবাদ—সনাতন	পাঠক	-	৩৯৭
প্রুক পরিচয়		•	<b>ల</b> ప్రస
থেলার মাঠে—একলবা		-	802
ৰ্যাডমিণ্টনের আইন কান	्न-भर्कृत	-	806
जंदभारमंब—		-	806
র্জজগং—		•	809
সাংতাহিক সংবাদ—		•	879

श्रक्षतः जीतामानस् वरस्माशासास

প্রকাশিত এবস্থা <b>ত সমরেশ</b>	<b>क</b> ्ष
পাত্তক ১০০০	वान्मा ४०००
ফল বৈশাখ	ी वमछ 👐
স্থীকর্মার ঘোষ-এব <b>ব্লায়াব</b>	न्द्रस्थात ५००
শংক্রম সংবাদ পথের তীর্থে 4-০০	भक्त बराहाञ्चलक देवभाशी भृतिश्री
ताद्र,म् भारकृत्रासम् এत	৬٠০০ পঞ্জানন হেচ্ছাল
<b>অগ্নি স্বাক্ষর</b> ৭-০০ শিবসব-বে	নগরীর অভিশাপ
ছाয়ाদোলে s.an	মহাদেশতা ভট্টচাম-এর
ক <b>ি</b> জক	<b>त्भन्ना</b> था
ঝাড়খণ্ড সীমাণ্ডে	নারাক্র সামাল-এর সত্যকাম ৭০০০
আগ্রমী সন্ত্রাট সেন	প্ৰকাশন অঞ্চীকাৰ
চিরঞ্জীব সেন	नामक नामिका ब्रह्मा
শঙকরনাথ রায় স্বামী নিলেপানন্দ	ভারতের সাধক (৯ম) রামকৃষ্ণ বিবেকানন্দ জীবনালোকে
कत्ना अकामनी : ১১, माह	নচরণ দে স্টাট, কলকাতা-১২



## কল্ হনের বিক্ষ<sub>র</sub> ব্র পাকিস্তান

অনেক—অনেক অজানা চাঞ্চলাকর কথা বলেছেন লেখক এই গ্রন্থে। বলেছেন, সেই সব সংগ্রামী ছাচদের কথা ধারা কারফিউ অমানা করে গভীর রাটে লক্ষ মণাল নিয়ে এগিয়ে ধায় কৌনগান আর ভ্রেনগানের মাথে; ডাক লিয়ে বলে, কে কে মরতে চাও, এগিয়ে এসো। বেরিয়েছে। বারো ট্রামা।

শক্তিপদ চাইগ্রের

প্রবাস ৬.০০

লেখক এই বইয়ে এটকছেন কাতলেকি মানুষ—হাট অখ্যাতাৰে জীপশিধি মানুষ নামের কাতেগঢ়াকা জীবের কথা।

স্ভাব সমাজদারের

#### হারেমের নায়িকা

মদের পাত সামান রেখে শাহফানে আর হারেম-বাদনা সালবারি কলকঠের সাজে বেখানে মিলে মিশে গোছে গণেত্যাতকের চাপা অটুয়ানি সেই হারেমের রেমাণ্ডর কাহিনী: গুল্প নর স্থাতাঃ ১.৫০

কুশনে, বুদেনাপাধায়ের

আদিম লিম্সা ৪.৫০

প্রেম-নার্কিছ্তা।—স্বকিছ্ ছিরে রুম্ধ-শ্বাস রহস্য ঘনিয়ে উঠেছে।

সাহিত্য প্রকাশ

৫ ১ ব্রমানাথ মজ্মদার দ্রীট, কলি-১

# ए० श्यमा लाउ!

ष्टेक शाका পर्याष्ठ



खिं कित त्वानिकियात भावसान स्थापन सक्तावे सरस्य (se · आम नीरे)

শক্তি, উৎসাহ ও স্বাদের জন্য- প্রীত্রেক্তিপ্ বোর্বভিটা !

Bonsons-2586 her

আচিন্ডাকুলার সেনগ্রুণত				
रेजारच्छेत्र क		\$2.00		
অচিন্ত্য প্রন্থাবলী	া । ১৯ খণ্ড	28 00		
শত গলপ ২০.০০ ম	र्ग रनरे मरगर	11 5.00		
উদ্যত খণ্ডা	ব্লাকর গিরিশ	চন্দ্র		
১ল : ৬-৫০; ২য় : ৭-০০	৬-৫০			
A A	न टनन			
र्वार्वाङ्या ॥		\$২.60		
भारतानिनी अभा	ক্তিফৌজ।।	5.00		
7	इन्द्रशा <b>लाक्षाम्</b>			
জালিয়ান ওয়ালাবা	ग ।।	. 800		
অমিত	াভ গ্•ভ	A, Indiana and Ind		
भद्द भारि	কস্তান ॥	\$5.00		
সম্ভ গ্ৰেত	অং*	ু দত্ত		
বঙ্গভঙ্গ ১৯৮৫০ উ				
***************************************	টুচোর্য শাস্তী	1		
<b>মহাভারতে</b> র		<b>2</b> A·00		
রামায়ণের	চরিতাবলী	शन्दुक्य		
আরাবল্লী থেকে ভ	ग्राथा । शिकाराय र	\$5.00		
মমতাজ-দ্বহিতা জ	গহানারা 🚁	9.00		
লোপাম্দ্রা	ে নিন্দ্ৰিস্কু নৈত	\$0.00		
প্রতিনায়ক	৷ পার্থ চটোপার্যায়	9.00		
ফিরিঙ্গি হাওয়া	্যু ক্রিক	A-00		
গন্ধরাজ	॥ दमस्च	A.00		
জাতিসমরের শিল্প	শলোকে <sub>া পঞ্চা</sub>	აცაიი		
<b>मिश्रानमी भा</b> रत	แ หรือ โรทอิ	<b>৬</b> .00		

#### ॥ या खानरकत ॥

১লা আশ্বিন আসছে
মারের অগ্রদ্তি
শারদ সংখ্য

### উল্টোরথ

উল্টোর্থে আসছেন

### সন্বোধ ঘোষ সমরেশ বসন্ বিমল মিত্র

তিনালেই নিয়ে আসাছেন একটি করে স্বাহৎ
মহান ওপনাস। উপনালেশৰ নামে বড়গাল নাম
সতিবাদের উপনাল—লাতে উপনাল, মনে
উপনাস বিস্তার ও গাভীরতার উপনাল।

#### সমরেশ বসরে উপন্যাস যার যা ভূমিকা সম্বন্ধে

इत कर्माश्या श्रदक मानेकात ग्रांनाहरू, अकिंगे িলের নাউক লেখবার আগে, **নাটকের স্থান**-। শালে একবার পরিদর্শন করতে। **ভার সংখ্য** চাল্ডেন, **যাবক প**রিচাতক, **মঞ্জের মালিক-**প্রভাক-নাট্যকরেরই বন্ধ, আর একটি েপসী হারতী—একজন **মনতিপরিচিতা**। অভিনেতী। এদের যাদ্রার রথ হল এক বিরাষ্ট িলোভ গাড়ি, রথী একলন বিহারী **ভাইভার**। ুলাং নগ্ৰা, কোই -আক্ষ্ণ কান কা**ংবের প্রকৃত** আৰু গভাঁৰ **অৱগ্**ৰ এদেৱ লক্ষ্য **এবং গদক্ষ্য।** ন*িল স্*তিটার এই যায়ার নেপ্র**থা, আর এক** िटिंड्स कांडेल बाद स्थानी राउँक चंदेर बहुक প্রতি কৃশলিবকৈ ছিবে। তাদের **পটিকনের** জবানীতে, সমবেশ বস্, সেই কহিমী অভাৰত আকৰ্ষণীয়ভাবে উপস্থিত করেছেন, এবার শারদীর সংখ্যাগ্রেরার, সর্বাপেকা সালীঘা উপন্যাসের মাধ্যমে।

আগমী সংভাবে স্বোধ খোৰের ও বিমল মিতের উপন্যাস্থ পরিচর দেওয়া হবে। উল্টেম্বিথে অবে বাঁরা মাসছেন ভাঁদের নাম একতে প্রকাশিত যাল, বাঙলা সাহিত্যের প্রায় সকল উল্লেখ্যের কথাশিলশীকেই দেখতে প্রায়েশ। এই এলাবনীয় সংখ্যাতির হাম

भौठ होका

# জামাকাপড় ধবধবে ক'রে কাচতে চান?

বাল্ডি, বোতল বা অনু জলের পাত্রে লাল্চে দাগ ধরলেই ব্যবেন, আপনার বাড়ীর জল খরজল। এ জলে দাবান বা লাধারণ ওয়াশিং পাউডার দিয়ে কাচলে জামাকাণ্ড মোটেই দাদা হতে চায়না।



# JOSIII COL

ভয়াশিং পাউভার

### विरम्य उनामात रेज्जी

তাই খরজলেও প্রচুর ফেনা হয়,কাপড়জামা পরিষ্কার ঝকঝাকে করে তোলে।

মামুলী সাবান বা ওয়াশিং পাউভারের চেয়ে 'স্পা' ওয়াশিং পাউভারের ময়ল। পরিষ্কার করার ক্ষমতা চের বেলী। 'স্পা' দিয়ে কাচলে ধরজলেও জামা-কাপড় ঝুকুঝকে পরিষ্কার হয়, একেবারে নতুনের মৃত দেখায়।



কুক্ষ খোডাইস লিমিটেড, কালকাতা-১



## প্ৰকাশিত হল



माय ७.००

তারা তিনজন—তিন কন্যা—জয়ণতী, সবিতা আর বনলতা। আর দশটা সাধারণ মোরের মতই তারা তিনজনই সংসার চেরেছিল, ব্যামী চেয়েছিল, সদতান চেরেছিল। সংসারে সব মেরে যা চায়, তারাও তাই চেরেছিল। কিন্তু এমনই তাদের অদৃষ্ট, এই সামান্য আকাশ্যনট্কেও তাদের পূর্ণ হর্মান। মুন্দা স্বাভাবিক জীবনের তৃষ্ণা তাদের অতৃশ্তই রয়ে গেল চিরদিন। অথচ অপরাধ তো তাদের কিছুই ছিল না; খাটোও ছিল না তো তারা কোনও অংশে লাল দশটা সাধারণ মেয়ের থেকে! তব্ত তারা দৃংখই সেয়ে গেল সারা জীবন, কেন্দা গেল, চোখের জলে নিজেদের প্রকাশ করে গেল। তারা কি তবে বেদনার মধাে পরিতাণ খুজেছিল, বিত্তবনে ২০০ চেন্টা বর্ষিগল ভাগের মধ্যে? শেষ পর্যান্ত

## বিমল মিতের

অননা কাহিনী

# निश्थिणालन

তো ভারা স্বই হারিয়েছিল, কিন্তু নাদের প্রতায়ও **কি ছারিয়েছিল** । কে বল্বে এই ভিন্ন কন্যার কর্মহন্ট চোট্টার ক্লের মধ্যে **শেষ হলেও,** প্রচ্যের ঐশ্যাসার মধ্যে তার ভিত্ত-লাশ্যে।

• इदि काभावत प्रस्तान वहें •

জেম পরিণয় ইডাদি ৭০০০ আতে রইকো তিন ৬০০০ চলো কলকাতা ৫-০০ নিবেদন ইতি ৫-০০ রং বৃদ্লীয় ৩-৫০ বৈগ্য ফেরী বিশ্বসে ২৫-০০

#### কোথায় পাবো ভারে

কালকুট ॥ প্রমণ-উপন্যাস॥ দান ২০-০০

#### সেতৃবন্ধ

মনোজ বসঃ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ১২.০০

# স্য সাকী

নরেন্দ্রনাথ মিত্র ॥ উপন্যাস ॥ দাম ১৪-০০

# वन्त्रलाभित अमावली

রমাপদ **চৌধ**ররী ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৮-৫০

# ब्रुअभी ब्राठि

অচিত্তাকুমার সেনগর্প্ত ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৬.০০

# भर्ग अभर्ग

বিমল কর॥ উপন্যাস॥ দাম ১০০০০

#### প্রেমের চেয়ে বড

জেলতিরিন্দু কন্দা।। উপকাস ।। দাম ১২.০০

## বস্ত্তিলক

সংবোধ ঘোষ ম উপন্যাস ম দ্বাম ৫০০০

#### সারারাত

শৈলজানন্দ ম্যোপাধায়ে ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৫٠০০

## শতকিয়া

স্ববোধ ঘোষ।। উপন্যাস।। দাম ৮০০০



আনক পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড

অভিনেত্র করি ভাগনি পাস জোন । কলিবঃ ৯ ॥ ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিশ্বস্থা কেন্দ্র : ৬৭এ মহাস্থা গান্ধী রোভ ॥ কলিকাতা ১

## বাংলা ভাষার সর্বাধিক প্রচারিত একমার প্রথম জেপীর সান্তাহিক

(फिय्मे

০৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪০ শনিবার ৬ ভালু ১০৭৬

#### ক্ষণাদৰ প্রত্যোককুমার সরকার

সংঘ্র সম্পাদক শ্রীসাগরময় ঘোষ

শ্বরাধিকারী ৩ পরিচালক আন্দের্জার পাঁচিব। প্রাঃ ক্রি ৬ প্রহার সরকার দু<sup>3</sup>ি, কলিকাতা ১ গেকে শ্রীপতিংশাকুমার দালগাণ্ড কর্মক ম্ভিত ও প্রকাশিত

> টেলিকোন ২০-২২৮০ ২০-৮৫৪১

#### ছাঁগৰ হাৰ জালকাত্যৰ

হালিক ... ২৫.০০ বাদেলিক ... ১২.৫০ হৈম্ভিক ... ৬.২৫

#### WINTER

ৰাখিক সভাক ... ৩০-০০ বাংমানিক ... ৯৫-৫০ তৈমনিক ... ৮-০০

#### পাকিস্টানে

(ভারত্যি মারুরে)
কর্মির সভাক ... ৩০.০০
হামানিক ... ১৫.৫০
হৈমানিক ... ৮.০০

#### ভারতের বাহিলে

(জাহান ডাকে) বাবিক স্থাক ... ৫২-০০ হাব্যাসক ... ১৬-০০

হান্মাসিক \_ \_\_ ২৬-০০ হৈমাসিক \_ \_ ১৩-০০

#### জাসক জগুলে

(বিমান ভাকে)

বাবিক ... ০৯.০০ যান্মানিক ... ১৯.৫০ হৈমানিক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উন্নয়ন্ত্র ও আনালে অতিরিক্ত বিমান মাসুরা ও প্রসা

#### DESH

Saturday 23 Aug., 1969

#### जीकरानि : जान ७ महरत

শিক্ষবাধনার এখন বর্ষার ঘনবাটা চলছে। কিছু, দিন আগেও আকশে বতটা মেলাভুল্বর ছিল, বর্ষণ ততি ছিল না। গ্রামাণ্ডলে, কৃষিকমের সংশ্য বালের বোগাবোগ তালের মুখে উল্লেখ্য হারা ঘন হয়ে উঠছিল। প্রাক্ষ বার বারে, অঘট আকালে জল নেই, চাববাসের কা গতি হবে, কে জানে! মানার মুরে খ্যালা প্রাক্ষ সে দুছিচতা অবশা দূর করে দিয়েছে, সারা পশ্চিমবংশে এ ক্ষান্ত যে বৃক্ষ বৃত্তি হরেছে তা এ-সরস্মে আর হরনি। বৃত্তির প্রাবলা কোখাও কোখাও বনারে অবশ্যা সৃত্তি করেছে। বেমন আরামবাগ ও খানাকুল বানা: মারকেশ্বর রাগের জলাকাতির ফলে এ দুটি থানার গ্লাবন দেখা দিয়েছে। মেদিনীপুরের ঘাটাল মহকুমাতেও বন্যা। বীরভুম জেলার অজনের বাধ তেঙে আউস ও আমন ফ্সলের কাত হরেছে মারাজক। ওই এলাকার চাবীদের দুর্দাণা নাকি সবচেয়ে বেশী। এছাড়া, এখানে বোগাবোগ বাবস্থা বিজ্ঞির হবার খবরও পাওরা বাছে।

ব্যাণ্টর ওপর কোনো হাত নেই ঠিকই, তব্ব দেখা বাচ্ছে—আমাদের এখানে আনার্ন্থির মতন অলপ সমরে অতিব্যাণ্ট বরাবরই এক সমস্যা, জলক্ষ্মীত, বধিভাঙা এবং অন্যানা উপদূব এসে ক্ষাতির মান্তা বাড়িবে ভোলে। এ ধরনের ক্ষাতির একমান্ত সমাধান দেখি সরকারী সাহাব্য। ভূক্কভোগী মান্তেই জানেন—ক্ষাতি বা হর সরকারী সাহাব্যে তা প্রেণ হ্বার নহ। অথচ আজকের দিনে জলক্ষ্মীতি বা বন্যা নিরক্ষণ অসম্ভব একটা কর্ম নহ। সেচ ও প্রে দশ্তর সামান্ত্রিক একটা পরিক্ষশনা নিয়ে বন্যা নিয়ান্ত্রংগর কাজে হাত দিলে স্কুল অনেকটাই ফলতে পারে। কিছ্টো উদ্যোগ নিশ্চয় প্রয়োজন। যেমন এবারে অজন্ধ নদের বাধ সম্পর্কে শোনা বাছে এই বাধের অস্তত চাল্লিশ মাইলের মেরামতি একাশ্ত প্রোজন—অথচ মান্ত চার মাইলের মতন মেরামতির কাজ হয়েছে।

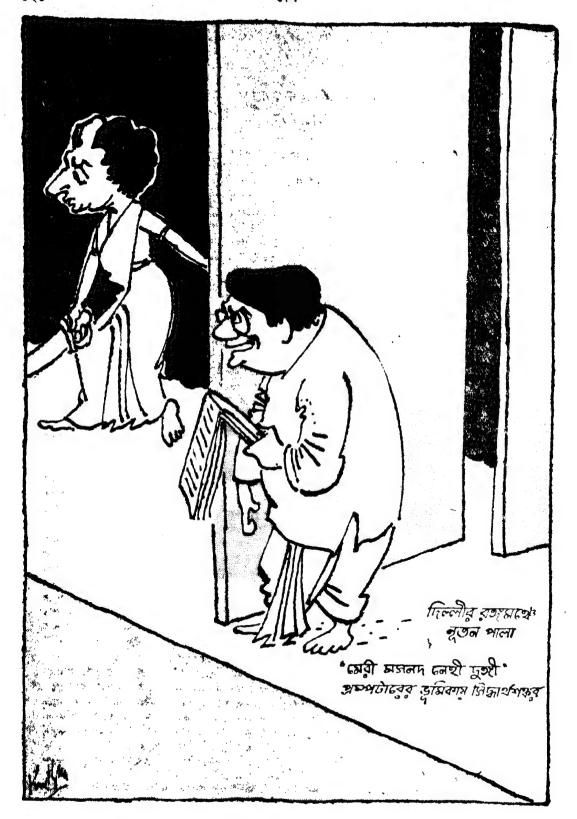
বাই হোক, এবারের মরস্থের অতিবৃশ্তির প্রথম চোটেই সরকার বলি সতক ও সাবেধান হতে পারেন তবে ভবিষাতে ক্ষরকাতি খানিবটা কম হতে, আর হাদি গায়ং গাচ্ছ করে দিন কাটে তবে বলা হায় না ভাদু-আন্বিন মাসের দ্ব এক প্রশাসা অতিবৃদ্ধিত অবস্থা কী দভাবে।

গ্রামের অবস্থার সক্তে শহরের অবস্থার মিশ্চর তুলন হয় না, তব, সাংগ্রতিক এই ব্যাণ্টতে কলকাতা শহরের হাল কেমন দ্যাজিয়েছে তা একবাব বলা দরকার।

গত সপ্তাহের ব্যক্তির আগ্রেই অলপ্যবহন্দ জলেই কলকাতার পথ্যটি তার্ব ছালীর্ণ দশা উল্লোচন করে ফোলেছিল : রাস্ভাঘাটের গহারগালি হে চালের গহার এনন বিজ্ঞান হতে পারত। তারপর বার দাই প্রবল বাতির পর সেই প্রেতন দশা : পথ্যাটে এক ব্যক্ত ছল, নালা নদা্মা থই এই বসংঘ্যাটের পিচ-পাথর উঠে গিয়ে হাড় পাঁজনা দেখা যাছেছ, নিজা এলাকার জল সাম আছে ফুটোর পর খাটার কলকাতা শহারের বর্ষার রূপ শতেরহাসীর অজানা নহা নামাদিন এই দ্যুভাগি সহা করে এসে মনে হরেছিল যুক্তগেটর আমালে কাপে জিলানর তংপরতা কিছার বাড়বে। মনে হয় না, তংপরতা কোগাও বেড়েছে। এখনত রাজতার বিরটি গার্টি গার্টিন পর দিন যথা অবস্থায় পড়ে থাকে, রাস্থাব বহা আলো আর চোখ মেলে চায় না, আবজনার কুন্ড বহাও জড় হয়ে খাকে দিনার পর দিন। জানাতে ইচ্ছে হয়, কংগ্রেমী অক্ষমতার সঙ্গের ছাটেটর ক্রিবিপ্তাদের সক্ষমতার পার্থকা কোথায়ের

শোনা বাচ্ছে, কলকাতা পেরিসংস্থা শহরের জগল অপসার্গের জনে। পাঁচিশটি নতুন লরি কিনেছেন, আরও পাঁচিশটি প্রভাব আরেই কিনে ফেলারন। সেই সংশ্যে জঞ্চাল বিভারের কমীনির একটি করে বয়াতিও দিচ্ছেন। এই বড়ভি বাবস্থার পর নিশ্চয় শহরের আবর্জনা মৃদ্ধ হতে সময় লাগবে না।

প্রসংগত কলকাতার ট্রাম কোমপানীর বিষয়ে কিছা বলার থাকে। প্রতিবার বর্ষার সমর ট্রাম কর্মচারীদের "রেনি ডে" বেশ মোটা হারেই হয়ে থাকে। জালে ট্রাম চলে না এ বেমন সতা কথা, সে-রক্ম এটাও অনেক সময় সতা যে, জাল সরে যাবার পর—মোটাম্টি ট্রাম চলার বোগা হয়ে উঠালেও ট্রাম তার বিপর্ল শরীর নিরে পথ জাড়ে দাঁড়িয়ে থাকে। কেউ কেউ বলেন খারাপ ট্রাম-লাইন এবং লাইনের পাশে বিরাট গর্তাগ্রির জানা এই সতর্কতা। এ বিষয়ে আমরা সম্পূর্ণ অজ্ঞা। বোধ হয় একটা ব্যাপার সরকার ভেবে দেখতে পারেন, এই অরম্থায় পথ আটকানোর চেয়ে পথে না নামাই ট্রামের পাক্ষে স্বিধের। আর ট্রামের লাইন মেরামত বা তার দ্পোশের গর্ত মেরামতের কথা তো উঠতেই পারে না—কেননা সরকারের হাতে এই প্রতিষ্ঠানের পরিচালনা ভার, কাজেই সেটা সরকাররে মর্মিক্মান্ত, বাধা কর্তাব্যের অগ্যীভূত নর।



প্রভাষক প্রদেশ করেরেরের সভ্যান বিভিন্ন বিভাগত নির্বাচনের প্রাক্তালে বিভিন্ন থেকে কিরে এ সই ডামাডোলে বিভাগত ও বিবাদগ্রুত দলের লোকদের ভেকে কললেন, ওছে, এই সংকটকালে মোহগ্রুত হওয়া কালের কথা নর। ডোমরা কান্ত হ্দর্যাবিলা তালে কর।

ভানৈক অন্পেক কলেলী এল এল এ ।

দ্ই পক্ষেই পিতা ও পিতামহন্দানীর
গ্রেজন, আচার্য মাতৃল দ্বদার প্রাতা প্রে
ও স্ত্দ্গণ ররেছেন। দাদা, এই ব্ন্ধাংথী

নকনবর্গকে দেখে আমার সর্বাংগ অবসর
হছে, মুখ শ্কছে, শরীর কাপছে, রোমহর্য
হছে, হাত থেকে ভোটপত্র পড়ে হাবার
উপ্রম হছে। ব্রজন বধ করে, পারটি ভেঙে

দিয়ে আমাদের কোন সংখ হবে?

অতংপর শালপ্রাংশ, মহাভূজ প্রিরনশী দেই নতুনদা উৎসাহব্যঞ্জক নানা বাকে কান্ত্রত কংগ্রেসী এম এল এ-কে কর্যন্তং ধাতত্য করে বললেন, ভাই, ক্লীবেল-নার আচনণ ক'রো না। বা অংশাচা তার জনা ভূমি শোক করছ, আবার দার্শনিকস্পভ নানা বলিও কপচাছ।

धनागक करवानी : এक निरक नजीत শৃ•থলার শাসানি—পারটির आशीरकड ভোট নিতে হবে, অন্য দিকে প্রধানমন্তীর ভাসানি-বিবেকের নির্দেশ মানতে হবে অর্থাৎ গিরিকে ভোট দিতে হবে। এই দোটানার পড়ে আমি বিহত্ত হ'র পড়েছি: ধর্মাধর্ম ব্রুতে পারীছ না। মহ আন্ আগনি অভিশয় করিংকমা, কটেশাস্ফে বিষয়ব, দ্ধ এবং আপনার অত্রননীয়। পিতামহ স্বেচ্ছার প্রশ্যায় শ্যিত হবার পর তাই আমরা সর্বসম্মতিক্রমে আপনাকেই সৈনাপত্যে বরণ করেছি। অধিকল্ত জাত সম্প্রতি আপনি প্রধানমন্তীর গোহালের খাস-খবরও রাখতে করেছেন। আপুনি সদা নিল্লি-প্রভাগত। আমাকে বথাবিহিত উপদেশ দিন। আমি আপ্নার শর্ণাপ্র।

নভুনদাঃ মৃত বা মৃত্প্রার কারও

ক্ষা পশ্চিতগণ শোক করেন না।

কংগ্রেস পারটি সন্পর্কে তৃমি বৃথাই

অসভিবৃত্ত হরে আছ। এ বিষয়ে প্রকৃত্তী

গজির হিসাবে গাঁতার ভগবান শ্রীকৃক্

অনুর্প সংকটে অর্জনিকে বা বলেছিলেন

তার অংশবিশেষ উন্স্তুত করছি। প্রবণ কর।

উগবান স্পত্তই বলেছেন;

प्रिंटितार न्या प्रदार को मात्रर

रंशेवनः क्या।

তথা দেহাত্তরপ্রাণ্ডবর্ণরত্ত

ৰ ম্হাতি ৷

আন্যত এব এব এ : হে প্রাক্ত, অপরাধ নেবেন না, কথাটা বদি বাংলার বলেন। বিনার উপর বদি অত দখলই থাকবে,



তা হলে কি আর ভোট কুড়িরে এম এল এ
হয়ে আসি ? পারটি করার ওইটেই তো মশত
স্বিধে, পারটির টিকিট কোনমতে একটা
বাগাতে পারলে গণিত বসার পথ পরিকার
হয়ে বার। তাই তো এত দিন চোধ বুলে
পারটি ধরে পড়েছিলাম। আরু আপনারা
বলছেন, পারটি নয়, দেশ। কংগ্রেস
সভাপতির নিদেশের চাইতে বিবেকের
নিদেশি বড়। এই পারটির নিদেশি মেনে
মেনেই তো চার চারটে ইলেকশন পার করে
দিলাম। কই, এই বাইশ বছরে একদিনও তো
বিবেকব ব্র মুখ দেখিন। উনি সম্প্রতি
প্রধানমন্তীর খ্র নাাওটো হয়ে উঠেছেন
ব্রিঃ?

নতুন্দাঃ অবিদ্যার কী অভ্যানীর নেতৃত্ব! হার, এইভাবে কংগ্রেস এতদিন চলেছে বলেই না আৰু ভার এই হাল! (দীর্ঘদবাস পত্ন)। ভাই, আগে ভগবানের শ্রীমুখনিঃস্ত এই বাণীটির উপলব্ধি করার চেণ্টা কর। দিবাজ্ঞান অণ্ডরে প্রজন্মিত হলে ভাষ্মিকভার বিনাশ ঘটে. মোহ দ্রীভূত হর এবং জীব এইভাবেই দ্রাত্বাশির কবল থেকে মুদ্রি লাভ করে। ভগবান বা বলেছেন তার অর্থ এইর্প ঃ দেহধারী আত্মার ষেমন এই দেহে কৌমার যৌবন জরা হয়, সেইর্প দেহাতরপ্রাণিত ঘটে ধার বাজি ভাতে মোহগ্রস্ত হন না। এই দিবাজানটি প্রধানমক্ষীর শাল্ধ চিক্তার দেদীপামান আলোকে স্নাত করালে বে রূপ পরিগ্রহ করে তা বলছি। কংগ্রেস দেহ, দেশ হক্তে আত্মা। জৈব নিয়ম অনুসারেই কংগ্রেস কৌমার বৌবন অতিক্রাস্ত হরে বর্তমানে জরাগ্রস্ত। তার কাল পূর্ণ হয়েছে তাই আত্মার্পী দেশের এখন নবকলেবর श्रद्धाकन। विकासमा किराद्ध खेमाख কণ্ঠে বলেছেন, জীর্ণ পরোতন বাক জেসে শাশ্তিনকেতনের এই প্রায়ন বাক। আশ্রমিকা ভাই ভার গ্রের বাণীকেই সমরসংগতি করে নিরেছেন। প্রধানমকা আমাদের নতুন খোবনেরই দ্ভী।

অনুষ্ঠ কংগ্রেদী এন এল এ ঃ হে দিশ-অর্থ, আপনি ধনা। আপনাকে নেভার্পে পেরে আমরাও ধনা। অনুমহ করে আপনি আরও বসনে।

নতুনকা ঃ অভএব, "বাসাংসি জীগনি বথা বিহার নবানি গ্রুতি নরোহপরাণি", অধাৎ, মান্য কেন্দ্ৰ ভাগ কৰা পৰিকাশ কাৰে হানা মানে বাত প্ৰহণ কৰে, আমানকাৰ কেইবাগ প্ৰথমসাধাৰী আদাৰ্শ অনুস্থান কাল কাণ পানটোকে পৰিকাশ কৰাৰ জন্য প্ৰাকৃত হবাৰ সময় এলেছে। আমানেৰ কৈনি থাকতে হবে। এই পৰিপ্ৰোক্তেই কৰোলা-দেৱ বিকেকের নিপ্লেক চলতে দেবাৰ জন্য প্ৰথমসাধাৰী কালে সভাপতিকে বাবনাৰ অন্যান্যাৰ জানিয়েকেন্।

অনুগত করেবা এন এব এ : মে করা-ভাগ, আপনার স্চিন্তিত বিচারে বাস নিরে করে হাড়ল। মুক্তগদ বিহালের মত লাইডিটি হালকা বোব হছে।

মধুনবা । দ্বা হাড়া প্রধানমপ্রান হাড়েই লেশের মানিকাতি।

कत्यकं करतामी का का का विश्वनारी सङ्ग्रमा : छ। शाक्षा छोत श्र ए यह सामार्थ किन्द्र मृतियां स्टार्ट ।

कार्यक करतानी का क्या के । का नाम कारक।

মতুনৰা : কডবা সম্পত্ন জা হলে জাৰ জোনও সংশয়ই বাইল মা

আন্দেভ কং**লোগী এন এবা এ ই কিছ্**ৰীয়া না। কিন্তু দাগা—

নতুনদা: আবার কিন্তু!

অন্গত কলেদী এন এন এ: পারটিতে

শৃংধনার্পী কোনও বঞ্চিই আর রইল মা
তো।

নভুনৰা : ন্নাঃ । জন্মত কংগ্ৰেদী এন এন এ : কোনৰ ব্যাপারেই না তো?

नपूनका : न्नाः। बादन?

অনুগত কংলোলী এন এন এ : এই মানে, পরিবদ দলে কোনও নেতা বা কারও বির্দেশ অনাশ্যা-উনাশ্যা বদি ওঠে, তক্ষাও বিবেকের নির্দেশ মানব জো?

নভূনদাঃ আরে না না, খবরদার মা। জনগণের রারে নির্বাচনে জিতে আনরা বারা
পরিবদ দল গড়েছি, ভাদের বিবেক জনসংশের
কাছে বাঁধা। দেখানে তো বা-ভা একটা করা
চলে না। বিবেকের নির্দেশ কালে লাভাতে
হবে বারা পার্রিটতে কারেমী আর্থের
দিকড় পেড়ে ভার হরে কলে আছে
ভাদেরই বির্দেখ। অন্য ব্যাপারে অন্য নীতি
আছে। ব্যা

বদ্ বদাচরতি শ্রেষ্ঠান্ডরদেবেতরো আনঃ। স বং প্রমাণং কুরুডে লোকন্ডনন্তাতে ই

অর্থাং শ্রী ভগবান লগত বলকেন, শ্রেড পুরুষ (অর্থাং পরিবদ দলের নৈজ্য বা নেয়াী) যে বে আচরণ করেন ইছর (সাধারণ) জনও সেইর্প করে; তিনি বা প্রমাণ বা পালনীয় গণ্য করেন লেকে ভারই অনুবঙ্গী হয়।

धन्तगर करवानी : मण्डि शारा, स्थापान बाउव करनन। হারে ভিত

তিহালের চাকা কখন বে বোরে জার বিলানু দিকে বে খোরে আগে থেকে তা चान्नाक कता वात ना एउन भाउता बन मा। तम व ब्राट्स हा दिल्ला ৰাম ৰখন তার ছাপ পতে দেশ কিবো জাতের ব্রের ওপর। (গ্রাঞ্চ नरभन्दात कहानी महात होलगाहेल अवस्था। ভাকে সামলাতে গিয়ে বা গলের মত বাবে লোককেও হিমসিম খেতে হচ্ছে। চার দিক থেকে তাঁর ওপর চাপ আসছে ফ্রার বাট্রার হার ক্যাতে, নইলে নাকি প্রতিক্লে আথিক ৰাভালে ভাৰ সাধের নৌকো ভো ভববেই হরতো বা বিটেনেরও, পশ্চম কামানিরও, धमम की आधारिकात्छ। मण्डतथी स्थान বিরে ধরেছিল অভিযান্যকে তেমনই এ কালের পশ্চিমী নবগ্রহ 💛 আমেরিকা, রিটেন, পশ্চিম জার্মানি, বেলজিরাম, হল্যান্ড, স্টেডেন: ইটালি, ক্যানডো আর জাগান-জোট বেবৈ চাপ দিয়েছিল ক্যাগত ভার গুপরে বাতে ভাদের দাবি মেনে নিয়ে ফ্রার ৰাটার হার তিমি কমিয়ে দেন। সংখ্য সংখ্য অবশা এ কথাও উঠেছিল জার্মান মার্কের বান্ধার দরও বড় কম, সেটাও সামলস্যের খাতিরে বাড়ানো দরকার।

ভবে এ ভৈরবচক্রের আসল উন্দেশ্য ছিল मा शत्नव नाककाणे। जीतक भारतन्छ। कतारे ছিল ওই চল্লের প্রধান লকা, বিশেষ করে প্রিচ্ন জার্মানির। বন ছারিতে শান দিয়ে তৈরি ছিল কখন প্যারিসের প্রাণপরে,বের মাকটা কেটে ফ্রাম্সকে তার মর্যাদার উ'চু আসন থেকে নীচে নামিয়ে আনবে। কিন্তু किए एउट्टे किए इस्ता ना-मा गमरक वाग স্থানানো গেলোনা। তিনি ফুরি দামের হেরফের তো করলেনই না উলটে বিধান বিলেন মাকে দর বাডাবার। বনের ধারালো ছারি দ্য গলের নাকে লেগে হয়ে গেল ভোতা। সেই ৰে রাগ করে জার্মানি ভার ভোঁতা ছারি খাপে ভরে তুলে রেখেছিল ভা আর বের করেনি—দ্য গল বিদার নিলেও নয়। নতন প্রেসিডেণ্ট পর্ণিদ, তো দ্য গলেরই হাতে গড়া, তারই মল্ফাশব্য। কাজেই ছাকে ঘটাতে কার্র সাহস হর্নি-না बर्मात्र, मा मन्डरम्ब, मा अहानिश्वेरमद्र। नवारे ধরে নিয়েছিল আপাডত দা গলপন্থী পশিদ্য গ্রের পথ ধরেই চলবেন, কিছুই फिनि वनकारका मा, जामन भवामात्र माज्ञिता জেতা ফরাসী মুদার মান তো নরই।

দেশ্ব গেলো এবারও তাদের হিসেবে ভূল।
ভাক পক্ষীটিও টের পেলো না—পর্শপদ্
রাতারাতি কমিরে দিলেন ফ্রার বাট্টার হার
ভা মরে গেলোও কমতে চার্ননি জেনারেল



দেবরাজ

मा शमा असन अंक्ष्री नाशास्त्र करना रक्षे তৈরি ছিল না-না ক্রিটেম, না জার্মানি, না আমেরিকা। এটা গোটা ইউরোপে ছাটির মাস। বিলেতের চ্যান্সেলর অব এক্স চেকার জেতিকাস গিয়েছিলেন জানেস ছাওয়া ৰদলাতে, জামান অথমণ্ডী স্টাউসও সেখানেই ছাটি ভেগ করছিলেন। ৯ অগস্ট ভারা খ্র ভেঙে কাগজে দেখলেন জনগর দিন রারে ফ্রার দান কমিরে দেওয়া হয়েছে। তারা ডো অবাক, সারা দুনিরাও। গেল বছর এই অবশ্য ভারা চেরেছিলেন। কিল্ডু সে চাওরার মধ্যে কডটা ৰে অথনিতি ছিল আৰু কডটা বে রাজনীতি তা বলা শক্ত। মেখ না চাইতে জলের মত বা চেরেছিলেন ভা অভাবিত উপারে পেয়েও ভারা খাশী নন। ভাদের চাপে পড়ে নিরপার হরে তো আর স্লাম্প তার টাকার পাম কমারনি দ্বনিয়ার বাজারে। সে কান্স সে করেছে ধীরে স্যুদ্ধে সম্ভানে, দেবক্ষার, স্বাইকে কেমন কেন বোকা বানিরে। এতো ফ্রান্সের ভিত, তাদের হার।

की हत्या क्वारण ? क्वाँत बाह्रोत हात दव ক্ষে গেলো ভাতে কী হলো ভার স্ববিধে? कौरे वा रतना अन्नित्य विश्व हरत থাকে? প্রথম লাভ হলো ফ্রান্সের দ্রনিরার হাটে। সেখানে ফরাসী জিনিসের দাম গেলো करम, कारकरे छात्र कार्वेष्ठ बाह्यात्र कथा। आन वितनमी किनियम्ब नाम क्वारन्य शान खरक। ভার ফলগ্রাত আমদানি কমবে। ভাতে ফ্রান্সের আগতি মেই, কেননা খাওয়ার (কিংবা পানের) জিনিস সে রুণ্ডানিই করে. আমদানি কৰে না। বিদেশী জিনিসের আমদানি কথ হলে ফ্রাসী শিকেশর হকে বাড়ব:ড়ন্ড। তাতে আজের তার ভারাই হবে। বিদেশে ফরাসী জিনিসের দাম কমে বাওরতে মুশকিল হরেছে কমন মার্কেটে তার অংশীনারদের, ফ্রান্সের সঞ্চো ভারা আর পাল্লা দিভে পারছে না। ডাই কমন মার্কেট জোটের দেখাগালো মিলে ফ্রান্সের স্থেগ देखिमरपारे अक्षे पृति करतरह बार्ड বিদেশের বাজারে শশ্তা দামের সূত্রিধে ফরাসী চাষীরা আপাতত পায়, কিন্তু আথেরে জোটের অন্য স্ব দেখেরও ছেমন কোনও অসুবিধে না হয়। প্রলা চালে জিড रमथा गास्क क्वारमहरे।

হৰ কোনৰ দেশেই টাকার বাটার চা क्यारन अकारजतीन नामात रखनी हरत क्षे कि निन्न गरतन नाम हर्ड मात्र । जयन नामि क्र মজারি বাড়াবার। দেঁ দাবি যদি মেনে মেওয়া बाब का रहन अबह सरक, नाम हटक बाब तह मका। इका गामन किनिज नित्न का कर विद्मारणात वाकादत वेकत दमकता बाब मा। कारकरे विकासिहतम्बात मारकत गर्क प्रथा इका मारमन भिन्नाकृत स्थरत बाबान केन्द्रम হয়। প'পিদু কেবল কান্ত রাজনীতিক না তিনি ব্যাক্ষারও। অর্থনীতির সূরে তার ভালই জানা আছে। তিনি আট্যাট বেধ उत् जामत जातरहम। अह तहा अह ছুপিসায়ে তিনি ক্লীর বাল ক্লিয়েছেন যে काठेकावाटकता कताली महा निता करा খেলার সূর্বোগই পার্ছন। ভার ওপত এব মুহুত সময় নক্ত না করে তিনি জিনি-পতের দাম বে'ধে দিয়েছেন। মজারি বাভাবর मानि जरमा समित्वमा छुन्दरहै। किन्छ बहे হ্বিটির সমর দল বাঁধতেও তো ভাদের সময় লাগবে। তত্তিক বর সামলাবার অবও একটা সময় পাৰেন পশিসা। এডটা মন্তগ্রিক্তর ব্যবস্থা না করলে নিঃখ্যাস পাবার ফারসভেও তিনি পেতেন না-খী करत, की बाइँटन।

ग्राथशास मस्य क्यामी द्वित्रिक्तं ভালই হরেছে বলতে ছবে—হারকে তিনি ভিত্তের রূপে দিরেছেন। প্রভাগ দানে ডিনি অপরকে মাত করেছেন, নিজে মাত হন্নিঃ কিন্তু নেষ রক্ষা ভার হবে তো? প্রারহ দেখা ৰার টাকার দালের ছেরজের একটা কে मरकामक दबाश, **अक्टी त्तरभा**न **हरन जा**त्र भौडिंगे राज्या मार्च्य भाषा । स्वीत बाह्रेल शह दम्भाराज्य मरभा मरभा चराक्रिकास कामही দেশের মাদ্রার দরও পড়ে গেছে। ভার কারণ ভার। ক্লার সংশ্যে এক গটিছভার বাঁধা। कतानी आपहे शास्त्रीय करे कामनी सम राज्य कान कानान शामान बाहोब हारबन रहनरून হর্মান। সেটাও ফাটকাবাজরা কিছ, করতে পারার স্বোগ না পাওরার ফল। ভর भारतीयन विरागेन की स्थामि भाष्ट्रियत की হর। চমকে উঠেছিল আমেরিকাও **ভ**লারের ভবিষাং ভেৰে। কিন্দু কী পাউণ্ড, কী ডলার, কী মার্ক অনিশচরভাত্ত ব্লিপার্কে পত্তে কেউ ভলিৱে মার্নি। জাপাতত দ্নিরার টাকার বাজার দিবা শাল্ড। অশাণিতর হ্ণী বলি আর না দেখা দেৱ, অনিশ্চয়তার ভূফান যদি সেখালে না ওঠে তা रंग र्काट श्रंव भीभन् हानही छानर मिटलट्य-कात्र शाका चर्छि ना कींहर नित्मक्ष पर्वि किनि पदा कुरमद्रमः।

#### আল্লাদের রাজনীতির নৈতিক মান্

লাদের দেশের রাজনীতির নৈতিক মান

কাথার গিরে দাড়িকেছে রাজ্পতি
নির্মান উপলক্ষে সেটা খ্রে খেলাখ্লিভাবেই ধরা পড়েটে: এখানের রাজনীতিতে
অন্দর্শনিষ্টা, সভতা, নাার-অন্যার বোধ
প্রভাত বসপুগালি ধে সম্পূর্শ উরে গিরেছে
এবার তা খ্র পরিক্রারই সাধারণ মান্ব
দেখতে পেরেছেন।

এমন নর যে, আমাদের রাজনীতির নৈতিক অধ্যপতনের দিকটা এর অব্যে জন-সাধারণের জানা ছিল না। জানা ঠিকই ছিল। বিশ্ছু এত খোলাখালৈ বোধহর এই তথপেতনটা অব কোনও দিনই ধরা পড়েনি। স্বাধানতার কিছুদিন অব্যে থোকেই আমাদের রাজনীতিতে যে অক্ষণতন ঘটছে, গত বাইশ বছরে যেটা সক্তেমক রোগের যত হাড়িরে পড়েছে, এখন সেটা একেশরে প্রকাশে তার গলিত নথানত প্রকাশ করে কেলেছে।

তত্তিন অনেক জিনিস্ট দেখা গিছেছে। কিন্ত কংগ্রেসের প্রধানমন্ত্রী, কংগ্রেস সভাপতিকে মিথাবালী কলছেন, এ দুশ্য र्क कान सम्बद्धमाः कश्या **क**श्क्रम সভাপতিই বা করে ঘারিয়ে ফিলিয়ে क्ष वा राज्य महाति हुक \$00000Fd **स्वर्धाताताती** চলত্ত্বারী বলেডেনাং বছাদিন আংগ স্ভাপতি শ্রীপার ছেত্যানাস ট্যনভনের সংখ্যা কংগ্রেস শ্রীনেহরের একবার লড়াই হার্যাছল। কিন্ত জল প্রধানমশ্রী বনাম কংগ্রেস সভাপতির পড়াইরে প্রকাশো যে নৈতিক অধংপতনের ছাপ দেখা খাজেছ ভেম্মনিট তখন কেউ দেখনন। বলগদার করতে প্রের্নান।

সর্বোচ্চ পর্যায়ে ভিছার বলায় যেন একটা প্রতিরোগিতা শরে: হয়ে গিয়েছে! প্রধান-मणी विभि मीर्चामन श्रास शिवास ভেত্তবার জন্য কমিউনিক্ট থেকে আরুভ করে আকালি মুসলিম লাগি প্রভৃতি সব রকমের বলের সভেগ গোপন ছব্তি করে গিরেছেন তিনিই মুসলমান্দের ভোট ভাগাবর উদ্দেশ্যে কংগ্রেস সভাপতি শ্রীনিজলিজ্যাপ্পার বিরাশে জনসংযের সংগ্র গোপন ছবি করার অভিযোগ এনেছেন! বিনি এস এস পি নেতা করক ফারনান-ডেকের ভাষায় ব্যাকমেলের বাজনীতি চালিয়ে যাকেন, বিনি একের পর এক রাজনীতিবিদ ও খিলপগতিকে ডেকে ভয় ও লোভ দেখিয়ে সমর্থন লাভের চেন্টা করেছেন তিনিই কিনা टीकाटमा 'विदव्यकत मिर्लिटमा' एकावे द्वावता াবি তুলেছেন।

শাৰার বে কংগ্রেস সভাপতি ও ভার



সংগোপাপোরা জনসংখ এবং শ্বভশ্ত পার্টির লোকেদের সংগে দীর্ঘদিন ধরে গোপনে আকোচনা চালাক্তেন, সমব্যোজ্য কর্ছেন তিনিই প্রকাশ্যে বলেছেন : কিছু কংগ্রসী ক্ষিউনিল্ট ও ক্ষিউনাসিস্টদের সংগ্রাপনে হাত মিল্লিরে গিরিকে জ্বোবার চেণ্টা ক্রেছেন! অধঃশতনের চুড়ান্ড দেখিরেছেম কিছু
কংগ্রেসী এম পি: তাঁরা সংপ্রেশ পরন্পরবিরোধী দুই আবেদনপতেই এক সপ্পে সই
করে কসে আছেন! একটা অবেদনের
বছবা: রেডডি নর ছি ডেটে: তাতেও এরা
সই বিরেছেন! আর একটার দাবি ঃ
পার্টির নিদেশি অন্সারে শুধাই রেডডি;
তাতেও সই করেছেন! মিধাচারের,
মেনুলভহানতার এ এক বিভিত্ত নিদশন।

\*

ইংরেজিতে একটা চলতি কথা আছে বার নালো অর্থা, প্রেমে আর যুক্তে কিছুই অনায় নর। এই সংল্যা ইংরেজরা এখন রাজনীতি শব্দটাও জুড়ে দিরেছেন এবং বলছেন : প্রেমে যুক্তে এবং রাজনীতিতে কিছুই অনারে নর।

# মহাত্মা গান্ধী-শতবর্ষ সর্লেখা প্রবন্ধ প্রতিযোগিতা

(সারা ভারত কলেজ ও বিশ্ববিদ্যালফের ছা**র-ছার্যাদের জ**না)

বিষয়

हैंश्ताकी: रहाबाकी देन करतन आदेश

वाःला : भराषाकी ७ नामावाम

रिन्ती : बहासाकी का नमाज नर्मन

বিষয়র মেওলার সভাপতি

रेश्ताकी: **अक्षात्रक निर्मातकम्य कहेतार्य** 

বাংলা : ড: শ্রীকুমার বন্দ্যোপাধ্যায় -

প্রতিযোগিতার জনা প্রবংধ দাখিলের শেষ তারিখ হরা অক্টোবর, ১৯৬৯। প্রতিযোগিতা কমিটির বিচারই চ্যুড়ান্ত বলিয়া গণা হইবে।

প্রেক্তার প্রথম : প্রতিটি বিষয়ে একটি স্বর্ণ পদক : প্রতি মাসে ১৬ টাকা করে বারো মাস স্টাইপেত ও গান্ধতিটার নির্বাচিত রচনাবলী।

শ্বিতীয় : প্রতিটি বিষয়ে একটি স্বর্ণখচিত রোপ্য পদক : প্রতি মাসে ১২ টাকা করে বারো মাস স্টাইপেন্ড ও গাংধীজীর নির্বাচিত রচনাবলী। তৃতীয় : প্রতিটি বিষয়ে : একটি রোপ্য পদক : ৮ টাকা করে বারো মাস স্টাইপেন্ড ও গাংধীজীয় নির্বাচিত রচনাবলী।

এতব্যতাত প্রতিটি বিষয়ে জাতরিত্ত ১০টি সাটিফিকেট অব মেরিট ও ২৫ টাকা নগদ প্রেম্কার ও গাম্বাজীর নির্বাচিত রচনাবলী।

अन्दर्शामस्य के कतस्यत कना नियान :

মহাত্মা গান্ধী শতবর্ধ

স্লেখা প্রবন্ধ প্রতিযোগিতা কমিটি
স্লেখা পার্ক : বাদবপুর, কলিকাতা—৩২

प्रसादिक देवला सामान मन्द्र किन्द्र को कार्य कार्य प्रमाद प्रमाद कार्य कर्माः का ज्यान प्रमादक क्ष्मान व्यक्ति व्यक्ति ज्यान प्रमादक क्ष्मान स्वामाः। प्रमादक क्ष्मान प्रमादक क्ष्मान स्वामाः। प्रमादक क्ष्मान प्रमादक व्यक्तिकार क्ष्मान प्रभाव क्षिणे प्रमादक प्रमाद क्ष्मान क्ष्मान क्ष्मान व्यक्तिकार प्रमादक मान्द्र प्रमादक व्यक्तिकार क्षमान व्यक्तिकार व्यक्तिकार क्ष्मान क्ष

বাংশলা বেলে বারা টেরারলট ম্ভনেট করতেন, জারতের বিভিন্ন প্রাক্তেও বারা নেই আন্দোলনে বোগ দিরেছিলেন তানের আদশনিন্টা, ন্যার্ভারণ, ন্যার-জন্মর্বাবের ভূলনা বিরল। আজকের রাজনীজিবিদরা তা কল্যনাও করতে পারেম না । আজকের সাধারণ রালন্বের কাহেও তা আমা জগতের কাহিনী রলে হতে পারে। ভারণারও বেশ কিছ্যান্য আমানের রাজনীতি বহু কল্ব-হতা ছিল।

বর্তমান সমাজের বখন অনেক ধাপ অধ্যপতন হরেছে তখন বর্তমানের রাজ-নীতিবিদদের কাছেও থ্ব বিরাট বিশাল একটা কিছ্ আশা করা অনার। রাজনৈতিক নেতারাও তো এই সমাজেরই প্রোডাকট! কিম্তু আমার ধার্মণা, সাধারণভাবে অম্মাদের সমাজের বতটা নৈতিক অধ্যপতন হরেছে ভার চেরে অনেক বেশি অধ্যপতন হরেছে আমাদের দেশের রাজনীতিবিদদের।

এদেশের মান্য কিন্তু বরাবরই মনে করে এসেছে যে দেশা সেবা করবে মে'নিজে না ভালা হলে লাকের না ভালা হলে লাকের হিত্যাখন সম্ভব নর । এটা আমানের দেশের মানুবের থিখনার। এবং আন্মার মনে হর এই বিশ্বাসটা বৃদ্ধিস্থাটারী যে সে সব সমরই না জর কথা ভারতে বাস্ত পাকতে বাধা, সে দেশের সেবা বা ভালা করবে কথন!

রাশ্রমণ আজ এত ব্যাপক এবং বিশালরূপ ধারণ করেছে বলেই রাজনীতিবিদদের
আরও সং আরও স্থার্যভাগানী হওরা
প্ররোজন কমতা অপনাবহারের প্রলোভন
ও স্থোগ আজ অনেক বেলি: রাশ্র চালকর
ক্ষেত্রা অপব্যবহার করেল সাধারণ
রাধ্যকে আজ তা অনেক বেলি পশা করে।
ভাই আগের তলনার আজকের রাজনীতি
বিদদের রাজীগরিচালকদের নার অন্যারবাধ
অনেক বেলি প্রবল হওরা প্ররোজন।
হির্থের বিষয় হরেছে ঠিক উল্টোটা।

जान गट्ट एवं अजा विश्वा वर्णन.

हराहानुही, सद्धान् स्वासं स्त्यावरण साण्य संदर्भ कार्ष सद्धाः भारतम् त्राम्य उद्देशम विस्तर् विस्त क्रिक्त वर्षणा निरद्धक गर्व स्त्यास्य सद्धान् व्यास क्रिक्तम् स्त्यास्य स्त्यान् स्त्यास्य स्त्राप्त स्त्राप्तान्त्र स्त्यास्य स्त्राप्ताः स्त्रापताः स्त

আছাতের নেভাবের জনেকের সাধারণ मन्याद्वायः व्याचनव्यामध्येक शर्यण्ड त्नरे। ৰাদের উপাৰ্জনৈত কোনও সং পথ নেই. ৰাৰা শুধাই রাজনীতি করেন অর্থাং হোল-টাইমার তাদেরও প্রারই দেখা বার রাজা-বাদশার মত চলতে। এবং সেজনা তাঁরা मार्केडे मन्डिक नन! व्यत्नक वामनन्धी নেতাতে পর্যসত দেখি পাকার পেন ককে অ,লিয়ে ছ্রাছেন, ক্যাপসটন বা ইণ্ডিয়া কিং সিগারেট খাজেন! আমি বলি না ওগুলি ওরা চুরি করে সংগ্রহ করেন। হয়ত কোনও অনুগত ভব দেন। কিন্তু এই প্রশ্নটা কি ওই নেতাদের মনে জালে না, ৰখন তালের হাতে রাশীর দান্দিনা বিভরণের বা নিদেনপক্ষে रेलकगत धिकिते प्रश्रात वा अभवाक किंद्रो म्विधा म्रायान करत ক্ষতা ছিল না ভখন তাদের পাকার পেন বা দামী সিগারেট দেওয়ার কজন ভর बर्षेट? उसे कि छौता तास्थन ना त्व कहे 'ভালমান্য ভৱবা' আসলে স্বাধানেববী, जनगत मृत्वागशाशी ?

#### s**k**e

একটা সময় এসেছিল এদেশে বখন गान्धीकी वा शान्धीनारस्त्र নামে সকল বৰুজাতিকেই বিশ্বনিধকরণের চেল্টা হত। যথন রাজনীতিতে সর্বপ্রকারের পাস गान्धीकी বা গাম্ধীবাদী <u> শ্বাধীনতা</u> আন্দোলনের নামে সহতা বলে দেখাবার প্ররাস চলত। স্ভাবচন্দ্রকে বিভাজ্নের বে বিরাট জঘন্য বড়বন্য হরেছিল সেটাকেও ওইভাবেই স্বাধীনতা আন্দোলনে একান্ড নিহপাপ क्षरबाष्ट्रनीय त्रर शहरूके वर्ष বোঝাবার বিরাট প্রচার অভিযান চলেছিল। কিল্পু দীৰ্ঘদিন এইটা চলভে भाग्यक्रीत मृज्यतं **अकृ**ण वहरतत मर्थारे গাম্বী টুলি আর গাম্ধীবাদ আজ দেশের বহু মানাৰের দ্খিতৈ জ্যাক্রির প্রতীক-চিক্ত হরে পাড়িরেছে!

আল সেখনে একটা নতুন জিনিসের
সাবিভাবি হরেছে। সেটা হল প্রগতিবাদ
এবং সমাজতন্তা। আজকের রাজনীতিতে
প্রগতিবাদ ও সমাজতন্তার নামে সর্বপ্রকারের
অসতভাকে নারে বলে চালিরে দেওরার চেন্টা
চলছে। আল বদি কমিউনিস্ট পারটি বা
ইন্দিরা গাংধী জনসংঘ বা মুসলিম লীগের
সংগে হাতু মেলান বা একতে সরকার গঠন
করেন তাহকো সেটা অন্যার নর। কিন্তু

--were many manual larger and गरीवकता दक्त गौक्रकः। योग श्रीवादमा स्वा Cereile all Rieffe Sieles meile टक्टमन कथम इडेक्ड नटक बारन 'कड <sub>होता</sub> ट्यांक्टी ट्यांब ट्यांबा ट्यांक्, क्रिक्ट स्था द्यापण जानक जानी रणीति কাগতো ৰাট লক্ষ্য টাকাল্প লোলার কেনেন कथन रमधा निरह क्के किए है बर्जन मा রেডডির নামে চরিত্রহান্তার अधिरवाम फेंडरफ भारत, किन्छ अगोलगीत কংগ্রেসী বাব, জগজীবনরামের নামে অতপতর পরও একটি কথাও বলা বাবে না। জিপ কেলেকারির কুকু মেন্ন সিরাজ, স্পিন ঘটিত ব্যাপারে জড়িত মলবা এখনও এদেশে মাথা ভূলে চলতে সাহস পান শ্ৰে প্ৰগতির আগ মাক ব্ৰে ঝুলিকে!

আমার আপত্তি খারুপকে খারাপ বদার
নর, আমার আপত্তি 'শুকল স্ট্যানডাডে'।
থারাপ বেটা সেটা সর্বক্ষেত্রেই খারুপ।
মিথ্যাচার, স্রুন্টাচার বে পারটি, বে রাজ্তনিতিক নেতাই কর্মন না সেটা নিম্পর্নার।
ক্যোলও ব্যক্তির নামের আগো কোনও পারটি
নিজের স্বার্থে 'প্রগতিশীল' শুক্টি জুড়ে
দিলেই খারাপ লোক ভাল হতে পারে না।

আমাদের রাজনীতি থেকে বদি মিথারে বেসাতি, প্রফাচার, দুনৌতি দুর না করা বার আমার দুড়বিশ্বাস তাহলে দেশের মণাল হতে পারে না। বহুদিন গাংধীনাদের নামে বহু দ্রুষ্টাচারকে আমারা সহা করেছি। ভাতে দেশের প্রভুত কতি হরেছে। আজ বদি প্রগতিশীলতার তেক ধরে আসকে বজেই আরও বহু দুনীতিকে আমারা সমর্থন ও সহ্য করি তাহলে আমাদের দুর্দশ্য আরও বাড়তে বাধ্য।

ম্ল কথা, কে কে স্বাধান্তালে রালি, কারা কারা সং এবং আদশানিন । বাদ কেট স্বাধান্তালের রালি না হন, বাদ কটাচারী হন ভাছলে পকেটে কমিউনিসট পারটির কারড থাককেও তিনি কমিউনিসট হরে বান না! এবং কমিউনিসট হালে আহে বলেই তিনি গরীবের বংখ হতে পারেন না! প্রগতিবাদী বলে কেউ মুখে জাহির করলেই তিনি প্রগতির ধ্যুজারের ক্রাধারী হতে পারেন না। সর্বপ্রকার স্বাধান্তালাকর ক্রাধারী ক্রাক্তালাকর ক্রাধারী ক্রাক্তালাকর ক্রাধারী ক্রাক্তালাকর ক্রাধারী ক্রাক্তালাকর ক্রাধারী ক্রাকালাকর হিংবার প্রবাধারী ক্রাকালী হওরার প্রবাধানা নাই—সং মান্ব হলেই ব্যেক্ট।

আমি মনে করি মতাদশ বার বাই হোক তিনি বাদ আদশনিকট হল, সং হন, স্বাধ-ত্যাগী হন তাহলে তিনি সামারকভাবে ভূগ করলেও শেব প্র'ত মানুহের কিছু না কিছু কল্যাণ করবেন্ট।

नवात्व गर्ड

'উপ-ব্যবসারের ধরিকার'
সৰ ছিল ন্বিভায় মহাব্রেধর সমর

(ব) কিবে ভার আগে। আমাদের তথন
ছত্ত জীবন। কলকাতার অনেক পাতেই
তথন সালালা রাভ হলে নিজনিতা ঘনাভো,
ছারা থাকত অনেক বেশি, নিজেকে নিরে
একা বসবার মডো খালি বেশ্বের অভাবও
হত না তথন। কিবো বডো বড়ো বড়ো লাতার
ছারেও থাকত প্রারাধ্যনার গলির মুখ, গাচকা বিরে দাড়িরে থাকা খেত সে-সব
ভার্গায়।

সেই সময়, একলা সেইসৰ বেণির ধারে

কথনো কথনো ছায়ার মতেও দেখা বিত
ভার একজন। আবছা অধ্যকারে গলির মাথে
ভারি বিতো আরো কেউ। একটা মাঠো
সাম্যে বাভিয়ে দিয়ে বলতঃ ভাবো কথম
ভবেন ববা, পাকার?

প্রকার, শেষ্ট্রাস, কো আমরেরর ন্যাটা লোটা চলটারমানন। রটিক্রান্তো লামী কল্ডান ব্যর্থ ধ্বকার দেই, ওগালো প্রকেট মার্যা ক্রিক্সা

কৰাৰে মাধ দক্ষী বিশেষী কলন হাতে না সহিত্য কাম গেছে, হাঁৱাও আৰু ককেটে নিয়ে বেৰোন না ফৈ সৰা কথন হাঁধকংশাই বাজ বহন ক্ৰেন সমাৰ ভা পেনা ক্ৰমেৰ সামান প্ৰয় চলা গেকে ভিন্ন নিক্ৰা সমিনা প্ৰয়





প্রেরার মা আর। কলম চুরির সে প্রশ্যন চলে গ্রেছ। এখন কারো প্রেকটে রামী। বিদেশী কলম থাকলেও হারাবার স্প্রাবনা। কচ, একালের প্রেকীয়াররাই সেগ্রেলা চেনে না, হয়তো দেও টাকার জিনিস মনে করে। মাথ ফিরিরে চলে ফার।

স্পত্র ক্লম প্রেট্মার ছোক মার নাই হোক, কোপেট কলম বিক্রীর সেই ট্রাভিশন কী করে রয়ে গেছে কে ভানের এখন পার্কে আর সেই ছায়ার নিজানতা নেই এখন গলির মান্ত সভিয়া সেই আবরক প্রভাবরকারকে পাওয়া যায় না মার ওবা সেইভাবেই মনের লোভেনিকে উপাক বেবার চেট্টা এমন কি, শোলান র জ্বপালের সভিব্যতম ভবিছের মান্ত বা কালে একটি কলম এগিকে বেলার উৎসাও আতি কংবরগোচারে বলাই নিম্মান

ভগাত সমস্ত্রীই মনস্ত্রা জাবিসে হা भगाक्षांत्रसक्तात स्वाकात्म्य श्राप्ता महन्न-৯স্থ টুপথেষ কা আমেরা আয়েক্ত করেছে পারি ল্ডার সংক্ষেপি প্রানিহিত্র প্রচাতনী এট ধ্রনের উপ-বাবেসলয়ের প্র≷জিল ්ශාර්තමකා පසුව තමයක් මුපළු මාදුන් আজকাক কাজাস কলে গেছি, কৈন্ত এখানা আবে আনক খাটিনটি জিনিস আহর এই অমসাধ প্রথ কেনা-কাটা করি-- নেবার ভাগে চোরের সংরুদ্ধভায় ভারিত্র চেছি চার্নিকে ভারপ্র বাভি ফিলে আমাদের বিজয় চিন্ধ আনক সময়ই । একেবারে ধ্যক করে নিবে **যা**য়। অর্থাৎ ট্রানজিন্টর রেভিয়োটার বাইরের আনরশটাকট জাপানী কাল্মেরটো ছারা এবং প্রেনেন ঘডিটার ভাষালে বোলেক্স্—কিণ্ডু ভার অভ্তরেলাকে যা ब्रह्माहरू, जात्र कथा या वनाई साहना।

কেউ-কেউ কি জোতন না <sup>১</sup> নিশ্চর জোতন। লটারীর শিকেও তে: কারেক জনের ভাগো কৌড়ে।

্তব্ এই লোডের টান এডানে, যায় না।



ফালসোসয়ানের শাদা, সামেৰ ৰাজি প্রোভাই

আমাদের এই প্রয়োখনটাই চোর-জারাচেনের
পরিপ্রেক, চুরির কাউটির পাটি। পরেক্ষভার — অপর ধা মালানীয় — আমাদের
তাদিকারেক্ষরই তগ্ডার একটি তদকর বাস
বর্গছা আমাদের মাধ্যে হারা হারি, ভারা
ক্ষেত্রকারিক চুরি কারতে নামে বাবের সাহস্থার
কৌ সেই আমালা চোর ইনির মানির ছারি
আনালারে তাদের অন্তেরণ বিরে ছারিক।
সাইকিষ্যান্তিদের জেন্তার অমাদের শাভকরা
নকাই কানই রোধ কার ক্রেটাম্যানিয়াক।

এই বে অমি প্রচা স্নান্দ, এই সব পিরিধ প্রাজে চিংতা চিতির্বাধ করে থাছি, কারক মাস আগে থানিও এইরক্ম একটি কলম কিনেভিল্মা না রাশভাল ধারের প্রসারিও মুখি গোল নাম কোনো রাঙালী ভট্রশভান এক কড়ি কলম নিয়ে আমানের আমারে এসেভিগেন। বল্লোন, এই কলম ভার নিভের অবিশ্বার, একেবারে জ্যানি ম রার স্মানুল, আশ্চম কোয়ালিটি, পরে প্রনার টারারে কামে শভ্রা বাবে না, এখন শা্ধ্ প্রচারারে ভিন্ম টাকায় বিভারণ করছেন।

আমি একটা বিনে ফোলসমে ওংক্ষণাং। ভারপর ম তার সমত্তা কলম কমেক দিনের মধোই বিদ্রেহ করণ এবং হঠাং তার নিবটি



অপোটের মাল সাভার

একট্করে। পাঁপর ভাজার ক্মনীরতার একেবারে বিধণিতত হরে গেল।

হবেই, আমার জানা উচিত ছিল। তিন টাকার কলম দোকান থেকে সোজা কিনে আমালে এত বিভূতা শ্নতে হত না, আর সেটা হেটিট-টোটট থেয়েও এক বছর-দু বছর গড়িবের চলতে পারত। কিব্ছু পনেরো টাকার কমে পরে পাওরা বাবে না ভেবে আমি বারো টাকা লাভ করতে চেরেছিলুম এবং বেছেতু দেড় শো টাকার কলমের গ্ণাবলী তিন টাকাতেই বিরাজিত—সেই জনো অবচেতন হিসেবের বাতার একশো সাতচালগ টাকা ক্ষম হরে বাজিল আমার। আপাত-দ্ভিতে আমি একটি উদীরমান বাঙালী বাবসারীর প্তপোধকতা করছিল্ম, কিব্ছু আমার প্রলোভন বলছিল—এ স্যোগ হাত-ছাড়া কোরে। না, পরে পনেরো টাকার নীচে—

যা আমি স্বাভাবিকভাবে পেতে পারি না, যা পনেরো টাকা না দিছে আমার পাওরং উচিত নর, তা পেতে চাওরার অথই আমি আর একজনকে বারো টাকা ঠকাতে চেরেছি। আমি তো বলতে পারতুম, 'আপনি লোকসান দিরে কেন দেবেন, আমিই বা নেব কেন—' কিন্তু এই সংসাহস্ট্রু তে: আমার ভিল না।

আসলে পরস্কের দিকে কিণ্ডিং তিথ'ক
দ্বিট না ধাকলে ক্রীকনের আকর্ষণটাই
ফ্রিরে বার বোধ হয়। তা না হলে পরমা
স্পেরী স্থাকৈ সপ্সে নিমে পরে বেরিরেও
চোখের সতকা চাউনি ইত্সততঃ পরিক্রমা
কেন করে! স্থানি প্রতি অনুরাগে কাপাণা
আছে তা নর, কিন্তু বাড়তি পাওনা, চুরি
করে পাওরাট্কুর আকর্ষণটাই যে ঠেকানো
যায় না।

আমার এক শিলপী ক্ষ্—নাম করব



সিকাকরা খালে বোচোর খনর

ना-इति छ। ताउँ चौरकनः करभग जाह উল্ছাবনী আছে, দেখবার চোধও আছে। নিচুছার ডেছাটুরই তিনি সংহাসিক হাত পার্যেরন। কিংক বাড়ভি পাওনার পিকৌ তাঁব রেলভে প্রবিধ্ন নামজনল ব্যাল - গুরুস্থা হৈতক শাহ্য করেছিলেন মজ্যেদার-পিকাস্থা ব্যক্ত গলিব কাত্র প্র একটা এদিক-ওদিক কানে নিবৈটানে আত্মধ বারে দেনাঃ প্রেরানে আমর্গর জনিদ্ধী আছলৰ মতে: মাইনে নগ্ৰা উপতিট ভূতি হাসের হাত লাভিয়েছে: বলম গ্রহণার পড়াতে গিয়ে চমকে উঠি তক-এক সংয ভাবি, এ যে ওকটা মাকিনি গণের বেমালাম বজাজ রূপ। অথচ হিনি লিখাছেন এর চাইতে ভের ভাবো তিনি নিজেই লিগতে পারেট্রন। বাংলা গাম শ্রমন্ত গিয়ে অকফাং ধ্যি শ্বালে তিক এই স্বারটার কি বিভিন্তী

্যিউজিকের কোনো বেকচের তার্য করিনি ? এবং কী আদ্বয়া, এই স্থোকার টো নিজেই উদ্ধারে গ্রেণী!

স্তিকং অবস্থাটা ব্ৰুতে পাৰ্ছি। যুগী
বদলাবে, জীবন বদলাবে, কিচতু চাপা গণী
এবং প্ৰস্থিত মুটের কলমের কেত্র কংশনা অভাব ঘটনে না। এমন কি, 'মোই-মুখ্যরাও যদি এক ট,করে কাগজের লোকে জাড়ে এগটে বি্কী করা যায়, লেখা থাকে — জেতা ভিল খালিবেন না—' ভা হলে একটি চুপি চুপি সংধ্যায় হাজার্থদেক বিকী হলে যাবে বোধ হর! কেতারা ভারপরে নিশ্চম প্রত্রেক্ত ভাই-ই নিয়্ম, আলার এক বৃধ্যুও তে। বাইশ টাকায় নোকেক্স্থ ঘড়ি কিন্তু মাথার অ্যেক চুলা উপাড়ে ফেলেছে!

আ্যালোপ্যাথ, হোমিওপ্যাথ ও আয়ুরেদিনীয় চিকিংসকগণের মিলিত প্রয়াসে বিশেব প্রথম সংবাদ, সাহিত্য ও বিজ্ঞানের মাসিক পদ্র

# চিকিৎসক সমাজ

প্রথম সংখ্যা প্রকাশিত হয়েছে ১৫ই আগস্ট

থেড অফিস: ১৫১ ডারমণ্ড হারবার রোড, কলি-৩৪ | সিটি অফিস: ১১৬ শরং বস: রোড, কলি-২১ প্রতি সংখ্যা : ২০ প্রসা বার্ষিক : সভাক ৩ টাকা

(সি ৭০১৬)

# ञाबादत এ ञाँधादत ১०:००

কল্যাণকুমার বস্

কবি অতুশপ্রসাদ সেনের রস-সম্প জীবন-উপন্যাস। অমৃত পত্তিকায় ধারা-প্রকাশিত গ্রন্থের পরিবর্ধিত গ্রন্থের্প। বহু দুম্প্রাপ্য আলোকচিত্ত।

অভ্যানয় প্রকাশ মন্দির । ৬ বঙ্কিম চাট্রক্তে স্ট্রীট্র কলকাতা-১২

(সি ৬৮৬৮)

# वाश्रक्त न्वगरणांख

# Besses

এই হ'লে। আরম্ভ আমার।
আমি কে, তা এখনো জানি না।
তব্ এই বাদিত আঁধার
আর তার বর্ধ মন্দ্রণা —
আংগাক উপার বিশ্তার :
ধ্র মন্দ্রহা ধ্যাধ্য।

মাঝ-মাঝে, জেনাকির মানো, কোনা-এক মানোতের কণা জ্যালে উঠে, মিলার চকিত্ত পশ্বানি অনিশ্চয়তার।

কালে লাভে গাউ শিংখ নিছে
কাকে বলৈ ভাবনা, বেসনা,
কুলনের বৈজাস কেথায়।
আব কাল চেবার নাজানা —
আব কাল চেবার নাজানা —
শান্তি ব শানার বিদ্যালি
শিন্তি ব শানার বিদ্যালি
শিন্তি — সে কি বারাছে এখানা ?

বেন্দ্রনির ছিলো এক নারী। বিশ্ব বহু বহু বহু বহু মান্ত্র সংগ্রু আবা, মান্ত্র বেগে উচ্চলিত। তাই থালো স্বতই স্থলিত মনিপার আলিংগ্রেকাটা।

বাক-মানে পাতার মর্মনে বোল ওঠে ক্ষণিক চেতনা : গোল এই চার্মন্তর কৃথক, বার মধ্যে আমি আছি পাড়ে — বার্মিন্ট, শ্লাসার ভাক — এই নায় অবোধা বঞ্চনা, এই ভার পক্ষে আবশাক।

সৰ হেন তারই আয়োজন, হবদ, শাস, ঘনত্ত তার। বিশ্তু চাই প্যাণ্ড আধার। অমি তার পক্ষে প্রয়োলন। সে-ই কর্ত্রী, আমি শাংস ছাতো।
আমি দক্ত, সে-ই প্রতিপ্রাত।
তারই দিথার অপেক্ষার তাল
ক্রমান্তরে আমি জায়মান —
যেখানে সে, পরিপ্রমে দ্লান,
তব্ হাদরি আবেশে দ্বিরি,
অদ্ভৌকে স্থিতি কারে চলে।

মনে হয়, আমাকে এবার মেনে নিয়ে সন্তার বিরতি, সব ইচ্ছা থেকে অপস্তু, হ'তে হবে তার দক্ষ হাতে বিচ্পিতি, র্পাল্ডরিত, বাতে অমাবক্ষের শাখায় রক্তবর্ণ বর্তুল রেখায় দীক্ত ফল পারে সে ফলগতে — তারই শেষ, পূর্ণ পরিগতি।

<sup>\*</sup> বাহকে : শাপগ্লকত, বিকৃতর্প নলের ছক্ষনাম।



# व्याभनात सूथथानि कृत्वत भाभिष्ठत प्राठा (भलव ३ मूलत कात जूलाव भेजूम जानिमिश कीप्त



পুৰুষ ভানিশিং ক্রীমে আছে বিশেষ একটি উপাদান হিউমেন্টানি — এ: ৯ ছকের আন্ত্রভাব অটুট থাকে। পুতুস ভ্যানিশিং ক্রীম ভাই আপনার মুখ্রী কমনীয়, মসুণ ও ভাজা রাখে। আর ধুলোবালি ও রুক্ষ আবহাওয়ার হাত থেকেও বাঁচায়। ভূষার-শুদ্র ও হালকা পুঙ্স ভ্যানিশিং ক্রীম এমনিতেই মুখে একটি মাজিভ্রী এনে দেয়; আবার পাউভাব বেস্ হিসেবে এর ওপর মেক-আগ ধরালেও ঘণ্টার পর ঘণ্টা নিখুত থাকে।

চীজ্বো-পণ্ড্স ইনকপোরেটেড (গীমিত দায়ে মার্কিন মুক্তরাক্টে সংগঠিত)

পণ্ড্স ভ্যানিশিং ক্রীম—নিখুত পাউভার বেস

# अन्य स्मन

বি ধরে আকাশ পরিক্ষার হতে বিকেল নেমে এল। স্বারেশ্বর বের্বার জনো ভোড়জোড় শুর করেছিলেন। সকালের मिरक दान ग्राहे हिन। मृत्राह अक পশ্লা টিপটিপ করেছে। ভারপর, ইচ্ছে পাকলেও বৃণ্টি পামতেই সুরেশ্বর বেরুতে পারেন নি। পথখাট পিছল। শিরণীড়ার গোড়ার একখণ্ড হাড় ভাঙা। একটা বেচাল हर**न**हे विभन्न स्टेंड भारत।

भू कि शाहे बहु क् मुद्र । द्वर्ग नवकात মাথে। আর এক পালে থোকন। স্রেম্বর খন খন বিভি খান। খাটে উঠতে ভর। প্রেটির তন্ত্রা কাটকে রেণ্ন মারম্থী হরে উঠাব। ফলে, তিনি খাটের এক প্রান্তে ৰান্ধ তোরপোর আড়ালে মলে বিশের বেড়ার পিঠ হেছে ভলচোকিতে বলে নির্পার म भूति हो कि कि कि कि कि कि कि कि

দিন পাঠেক হল প্রাটির জনর। কাঁথার নিচে ওর অপুন্ট শর্রারটা নিঃসাড় পড়ে আছে। মাঝে মাঝে চটকা ভাঙ্ডত স্বরেশ্বর উঠে দাঁড়িরেছেন। পরিটর ব্রকের ওঠাপড়া লক করেছেন। মুখখানা শ্কনো বাশপাভার মত বিবর্ণ। যেন কেউ উপরের সব্জ পাতলা চামডাটা খাসরে রক্তহীন করে রেখেছে। রেণ্ট্ সাধামত টোটকা চালাচ্ছে। त्रकाम मरन्य বাবর তুলসীর রস, আরো কত কি। किट्राउदे। ना का. (५।८० স্রেশ্বরের ধারণা, স্যাতসেয়ত মেটে ভিত, होनिहास्मत कृत्वीकाणे नित्त्र भारत्का भारत्का বুণ্টির ছাট নামছে অনবরত মরের চার

कांग्रामालएड-मार्गी পা শে ব त्यांवनी भाषा - बद्दरी মডকের **जेक्ट्रिक्ट्र**स्ट দাভিয়ে निर्धार

স্রেশ্বর থ্ব সত্ক, ঘাষ পাঞ্জাবিটা ঞ্বজ্ব नदीविशे दिख्यां চাপালেন। ৰাটা ভ এনেও न्यत्व वर्दन প-টির পড়েনি নিচের अन्तरक অসু থ কথাটা **অস্ব**স্তির জানানো বাজে বেশ্ৰ करमानीटि म् धक्कन काराक বলি যে নেই এমন নর। স্ব্রেশ্বর তংগর হলে প্রণামীতে ওদের একজনকে ধরে নিরে আসাও বেভে কিন্তু এককড়ি ওব্ব, তৎসহ পথের ফর্ন–পরসা তো আর রোগবীজাণ্র মত কাঁচাদালিতে रहा**ो छ**्डि दहाइ ना। **प्राय**यान থেকে রেণ্রে মগজে কিম্ভূ বাড়তি চিন্তা চাগিলে তোলা मात हरन। अर्धनरङ्के अ मध



# রাণ্ট্রীয় পর্রস্কারে সম্মানিত

वाकारमधि भत्रसात्र आख

ব্ৰুদেব বস্ত্র

# তপস্বা ও তরঙ্গিণী

ভগস্মী ও তর্নিগাণী একটি চার অংশ্বর দ্শাকার। এক অপাপাবিশ্ব ভর্ণ ক্ষি-কুমার এবং স্বর্বাধ্পতিমা পরম কলাবতী এক বারাগানার প্রোণোভ একটি প্রথম-কাহিনীকে স্বনাসধান কবি ক্ষেদ্রে বস্ত্ এ নাটকে এক অসামানা শিক্সক্ষ্প দান করেছন ॥ ভূজীর মুদ্রণ্॥ দাম ৩০০০ ॥

## রবীস্থ পুরঞ্চার প্রাপ্ত শর্রাদর্শনে বন্দ্যোপাধ্যায়ের

## पुत्रष्टात लेख

দক্ষিণ ভারতের তুজভান নদার তাঁরে অবজ্ঞিত ইতিহাসবিখ্যাত বিজয়নগরের বাগ্নিত্তা কলিলবাজকুমারী বিদ্যুল্যালা আস্হিলিন সম্প্রপ্রে বিজ্ঞানগর কিলবাজকুমারী বিদ্যুল্যালা আস্হিলিন সম্প্রপ্রে বিজ্ঞানগর কিলবাজকে কাত্তা বিজ্ঞান কাত্তা বিল্লাল কাত্তা বিজ্ঞান ক

## র নিদ্ধ প্রস্ক র প্রপ্ত গোপেন্দ্রকৃষ্ণ বসরে বাংলার লৌকক দেবতা

দক্ষিণ্যার, মানিকপার, পাঁচুঠাকুর, মানাল, বাবাঠাকুর, ঘোণ্টা প্রমাণ ভোঁচাদাট লোকিক দেবতাল প্রমাণ কান্দ্র কান্দ্



আনন্দ পাৰ্বালশাৰ্স প্ৰাঃ বি: অফিস: ৫ চিভাৰ্মাণ দাস দেন। কলিঃ ৯ বিক্লম-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মহাত্মা গান্ধী রোড ফেন: ৩৪-৮২৪৭

मार्थः আছে। मारे कार माराम्या अभिनाकी রেখে সাতপাক ছার মালাবদল করে রেণ্কে ঘরে তলেভিলেন। তা প্রায় সতের আঠার বছর আগেজত কথা। তারপর ক্রমণ, সময় লাউ খেয়ে গোঁকা মেরে তাদের অভাবের অপিনক্তেও ঠেলে দিকে। অধিকল্ড প্র'ট আর খোকন। তথ্য ভাগা সপ্রেসম বলতে হবে। খোকন হবার পর জ্বায়ার গণ্ড গলে দেখা গোল রেণুরে। ন**ইলে ফে**র আঁতভ হলে আর ফিরতে হক না। এখন ওর গর্ব করার মত বদত দাটি। রক্তাম্পতা আর হাটেরি অসংখাত লাভী ফেন এব গেট পাস। ই চচ করলেই সংসারের চৌ**কা**ঠ ছিজোতে পারে। ক্ষেপে গোলে প্রায়ই রেশা বালে আমার আর কি ৷ কড়ের হথে৷ কখন চেখ একটাবে: জলাট্যক গড়াবার সময় সাবে না -- রেণার এ জ্আপ্রসাদে স্রেশ্বরের ভয় যতটা দ্ধিক্ষতা ভাব চেয়ে জনেক নিয়মিত আয় বলতে - কাজারে দাটে মানী দেকে। ত হিসেব লেখার কল। এছাডা ট্কিট**িক বিছা ধাবনা** আছে। কভিয়ে বডিয়ে এতে তার সম্বল্য চাস সংক মাসের সব কটা রাখন তেলোট সংভ্রা রেণ্য যে **কেম**ন **করে টেনে**ট্রান সং ড*ি*ল র কিয়, **সারোধ্যর জানত ভে**লেও বাঝে টিঠ ভ भागवत रहा।

স্যারেশ্বর প্রার্ডী জ্বনার স্থান দিউলেন ব্রুপারত থেকে তির্ন্তী। বর করলেন। বিন করেক জ্বাগ প্রতিবেশী বতীন সিক্ষার এটা বিরেছিল। কস্বার ওর সেনাজানা এক ভ্রুক্তাক আমলা তেলের ব্যাষ্ট্রী খ্লেছে। কিছু সেলসমানে বরকার। এ করিন বিকেলের দিকে ফ্রুস্থ হক্ষান। তে বছিলেন আল দ্পুর্রের দিকেই রওনা দেবেন। ব্যিট নেমে গণ্ডগোলা বধিলা। এ লাই ন স্যারেশ্বর যে একেবারে আমাড়ী এমন নয়। জীবন ধারণের বড় দায়। অনেক প্রথই ঘোরণ্ডোরা করতে হয়েছে তাঁকে। কিছুতেই কিছু হাছে না, এই যা।

সজেরে চির্মি চালতে গিরে হাতে একদলা চুল উঠে এল। প্রিটি ফের বকবক শ্রের করেছে। এননিতে গেরেটা চুপচাপ, শাস্ত সরল। রেগ্র ধাত প্রেরছে প্রেটি। দ্রুপটা শাস্ত পরল। রেগ্র ধাত প্রেরছ ভেতর কথা বলা। তা অস্থ বলে নয়। স্রেশ্বরের মনে হয়, রেগ্র মত পর্টিও সংসারের ভবিষাংটা ধার ফেলেছে। বরস তো কম হল না। প্রিটির বয়নে এক সমরে মেরেরা মা হত। সববিছত্ব ব্রুতে প্রেছি বলেই গ্রুত প্রিটির ব্রুতের গিরে নিজের স্থুথ আহ্যাদ মিটিরে নিছে।

খোকন খরের এক কোণে বঙ্গে। নিজের রাজাপাট নিয়ে **তব্মর। ওর** চার পাশে খালি সিগারেটের প্যাকেট আর কিছ**্ পলকা** কাঠের **ট্<sub>ন</sub>করো ছড়ানো। কলোনীর পশ্চিমে** 

वर्णाबालक गा कार्य न्याई-छेटछत्र कात्रथला। शासाय मनवरमय मरना रमधान स्थर् को अश्चिक करत जाटन स्थाकन। त्रिशादताहेत পঢ়কেট স্কেত্ৰৰ বোগান। আয়েভন সামানা। কিন্তু বাতিকটা মারাম্বক। ক<sup>া</sup>ম দিয়ে কঠের ট করোগ লি কেটেছেটে রাজ্যার মাতে থে কন ঢাল তলোৱার বানার। বাজা-সাজায় ওর মৃত্ত শুখ। স্থারেশ্বর তির নি চালানো থামিয়ে বললেন, আমার স্যাভেজ ভোড়া বের করো ভো থোকন। খোকন উঠ थाएँड कारक कन । बत मारे साह मान दरात्य लम्यामस्य अक्ठो मामा माण। हेमानीर अ পাগলামি খোকনকেও পোয় শ্রকনো গামছা আঙ্কলে ক্ষতিয়ে গ্রাস গ্রন্থ কপালে রাজতিলক তৃত্তি। দ্যাহ ও ভরে মাদ্যলি। গলাভেও একগোচ दाकत काठि काठि शफ्ता का मामन বিচেত। ওদিকে **ঢোখ পড়তে** সংক্রেশর নিজের শরীরের চোরাগোণতা কটোপোল লগেগ**িল সম্পকে হঠাং কেমন সচেত্**ন হয়ে ওঠেন। দাই-ই ভার ফালত ফল হল থক। মাল্লিগালো রেণার কটিটা। আর স2বেশবরের শ্র**ী**রের ক্ষত্তিহুগুলি ভাতীর দিনের কিছা **অর্থহ**ীন স্মতি বহন করছে। স্তারেশ্বর এখন **আর সেম্বর** ঝোড়ে হাওয়ার দিনগালির কথা **ভাবেন না**। কোনও টুংসভ লেখ করেন না ভাবতে। বিষত রেণা ফেলেছ পার্টি থোকনের মা, ভারই - রভুমাংসে ভাল বলিয়ে ওরা পরিথবীর আলো-হাওয়া নিছে তাই সংতাদের প্রতি রেশার ভালবাসা আলো यन्त्राम। एक्ट्र यह अहेरेक।

THE PERSON NAMED IN COLUMN

জনের পর থোকই খোকন ভগাত। সারেশ্বরের অন্মান্ন ভার**ও** জালে গেলে: রেণ্রে পেটে থাকতে পোষ্টাই কিছা পর্যান ছেলেটা। তথ্য স্কুরেশ্বরের হবেস্থা ট্রেন মলো। খোকন হবার বছর দেড়েক আগে স্ত্রাগরী অপিসের অমন ভাল চাক্তিটা ছেডে দিলেন সারেশ্বর। তচ্চ করাণ ম\_পারিণ্টেডেণ্ট পাকডাশার সংগে বচসা হল। রক্ত থিতিয়ে এলেও সারেশ্বরের প্ররোন তেজ্ঞটা তখনো মরেনি। এক কথার চাকরিতে ইস্ভয়া দিলেন। স্বাধীন ব্রসং ধরলেন। জাঁকজমক করে বড় র স্তার ধারে লণ্ড্রী থাললেন। বছর না গড়াতেই বাবসা मार्छ छेतेल। उताहर कथा। प्राप्तात भाग्य সম্পর্কে তার ধারণাটা যে সেকেন্দ্রে হয়ে পর্জাছল, এতটা ব্বে উঠবার মত ব্লিধ তথনো স্বেশ্বরের পাকেন। ধার-বার্কিতে লাভের গড়ে পি'পড়েয় ঠোকরান্তিল। অবশিষ্ট নিয়ে সরে পড়ল দোকানের ছোকরা কম'চারী নারায়ণ। তারপর অথৈ জলে। সব ধকল রেণ্ড সইল। কিন্তু রেণ্ড তো জানতো না, নিজের শরীর দিরে অভাবকে র্বেতে গিয়ে সে পেটের দ্র.গটাকেই জখন করছে। এক সময় প'্টি-খোকনকে বিরে

· PRESENTE

বেণ্ বিছা স্থান দেখাত। এখন আৰা দেখেলা। দেখাৰ কথাত নাম। এক একটা নিৰ্দ্দ পাৰ কৰাই বৈশ্ব একন প্ৰালাক। আৰু বেণ্ড এক সময় আৰু লাজন নাকের মতই তাবত, প্রতি খোকন ভালমণদ দ্বেকা বৃত্তি থোকন ভালমণদ দ্বেকা বৃত্তি থোকনটা লেখাপড়া লিখে মানুৰ হৈছে। মেনু ক্রেকা স্বেকার ছেলোনা ক্রেকা স্বেকার ক্রেকার ক্রেকার স্বেকার ক্রেকার ক

স্তেশ্বর সাণেডল জোড়া পারে গলাভে দরভার মাধ থেকে রেগা অধাননক বলল, বের্ছে ? সম্প্রতি নভুন রেগো ধরেছে রেগালে। প্রথারে আর্রানারের পর গালিতে করেক মাঠো চাল নিরে কলৈব বছাত বাস। স্থারেশর বেরুকান রেগা ভেতরে বছার বছার প্রথা জালার নিরেকাক প্রথা জালার বিশ্বরাক্ষার বছার বালার ভারতার বিশ্বরাক্ষার বালার বালার

সার্থন্থ ব্যক্ষপাকটে হাত রেখে তিরকৃটি পশা করে জবার বিজেন, বর্টা —ছা
সাত বছর আগেও রেগ্রের প্রশা করে
ক্রেপ্টি বছ না। বের্বার মুখে করে
ক্রেপ্টি বছ না। বের্বার মুখে করে
ক্রেপ্টি বিয়ু গলায় শাখোত, কোথার সাক্ষা না
থাজাল ও প্রত্যাশা থাকাত। উত্তরে স্মার্থ্যকে
যাবিটা সর্ব হতেন। তথানা রেগ্যাক
বিব প্রত্যাশা থাকাত। উত্তরে স্মার্থ্যকে
বিবিটা সর্ব হতেন। তথানা রেগ্যাক
বিব প্রত্যাশ থাকাত। মুখ্যাক রেগ্যাক
বিবি প্রত্যাশ থাকাত। মুখ্যাক রেগ্যাক
বিবি প্রত্যাশ থাকাত। মুখ্যাক রেগ্যাক
বিবি প্রত্যাশ থাকাত। মুখ্যাক স্মার্থ্যকে
বিবি প্রত্যান স্বার্থ্যকান মাথা মুক্রাছে, তাবা
বিভাল।

ম্য ছোড় পথে নেয়ে স্মান্তবর বিভি ধ্যালন। আকাশ ভেমন পরিক্লার হয়নি। উত্তৰ-পশিচনে একথাত মে**য**ু **ৰড়বণ্ড-সংকুল** राह डेठेफ्रा शाँगे सर्वाम कार्रफ कुरन স্কেবর বড় বড় পা ফেলে এগাতে বাংলেন। নালি উপতে নোংরা জলে রাস্ডা উপদ্ৰত হয়ে ক্ষেত্ৰে। দ্বা প্ৰদেশ কাহ্যকপঞ্চা <sup>দর্</sup>মার ছর। মা**রে মধ্যে এক-একটা কোঠা**-বড়ি। চারপানের শ্রীহীনতার বেমানান। रिप्राता आफ़ाई काठी क्रीब दक्का कदाद करता স্রেশ্বরকে কম ম্কুডে হয়নি। রাতের পর राष्ट्र एक त्याच क्राधिमारबद काफ्टा एक छेन দের রাখ্যত হরেছে। অথচ এক সমর, সেসৰ িনের কথা মনে পড়ালে স্রেম্বরের ব্রের ভৈত্র একটা ধাখা পাশ ফোরে, গোটা দেওতকই তিনি কড জনারাসে নিজের বলে €াব;তন।

वेरिकत मृह्य अटन महस्त्रम्बन समास

বাড়াজেন । বিবেদ প্রতিক্ত প্রতিপ্রথ বিরে রাজিলাক ইনহানিরে এনিকে এনিকে আলছে। চোধের পদায় মরচে ধরলেও পাঞ্চনারকে ছিলতে স্প্রেম্বর ভুল করেন না। রতিকাকর মদ চোলাইরের বাবসা। ব্যাল টাকা করে স্রেম্বর ওর কাছ থেকে মদন কর্মা করেনিন। অনেককাল এ নিরে রাজকাক বাহিলাই করেনি। লেবে বথন কামল কথ মেটনোর ম্রেনি স্প্রেম্বরের নেই, তখন জালল ম্তিটা ধরা পড়ল। এখন ভাকে দেখতে পেলেই, তা বেখানেই হোক, রতিকালতর মুখের লাগাম থাকে না। বাছেভাই বলে ককেয়া পাঙনা স্থাদ আনলে উদ্যোগ করে নার।

স্বেশ্বর পিছা হটে সন্তবাড়ির খিলীয় পাছটার আঞ্চল হলেন। নাহা, রতিকাত ভাকে দেখাও পার্জন। স্বারেশ্বর বড় করে একটা নিশ্বাস জাজলেন। রতিকাত কালীছলার পথ ধরেছে।

কিছাটা এগাড়ে সারেশ্বর চৌরাস্থার যোগে এলে পোছালেন। কাথপোড়া र्दिष्ठो धरिता करन गुलो होन मिता कविन ক্সক্স দুটো থেকে উল্পে ভাড়ালেন। फारेटन रेन्क्टलत ब्रह्म्छा। दौष्टिक किस्ट्रो এগুলে বাজার। সমেনে কোনাক্রি ক্ষেক পা হাটলেই বাস রাস্তা। সামনের পথের বাঁ পালে সারসার দালানবাডি। দশ বছর আরগত তবিষ্ঠা জনারকম ছিল। উ'চুনিচু গোড়া কমি। ইত্ৰতত কিছু নিক্ষকা নারকের গাড়। অম্ভাম আঁগ-কলের বালান। এদিক সেদিকে ছোট ছোট পুত্র, ধলকলমীর ৰোগে আভাল করা) পথ চলন্তি স্থারেশ্বর, শীতের দুশারে, কডদিন দেখেছেন, কালকাস্ফের ৰাপসি খোক শেৱজান্ম ভার ৰাচ্চালের নিয়ে ফাঁকরে এলে রেভ পোহাছে। করেক বছরের মধোই সৰ স্নসান। ভোজৰাজির মত পালেট থেল সব কিছু। গাছগাছনির খানাখল লোপটে। মাটি ফাড়ে একের পর এক দ্বোনবাডি মাধা তলল। ভাদের কভ বাহার। বারণ্যার কেরারী করা কোহার জাফরি। সামনের জমিতে মরসামী ফালের ट्यमा। कारमात कारमात तकारक शरी। রেডিও'র মিঠে স্থার ৰাজ্যে সাম' করছে। **আনাত কানাচ থেকে মিন্তা নতুন** রাস্তা বেরলেং হাস করে থানিকটা নীলচে ধেঁয়া শ্ৰুনো ছিটিয়ে ৰেনিয়ে আসছে ৰকৰকে त्याजेनगाष् । ज्यासम्बन्न जनको ब्यास উঠতে না পারতেও এটাকু জনমোন করতে পারেন, দেশের স্বাধীনতা কিছু লোককে অণ্ডত সংখ্যে পথটা বা**তলে** দিরেছে।

ক্রিন কোনসিন বাজনা ধরকে খোকনাক নিয়ে সাক্তেশ্বর বাজারে আসেন। চ্রেরিসভার মোড়ে এসে এমিজে চোর পড়তে খোকনের চলার গৃতি থেকে ব্যার। কেবলই পিছা ফিরে

## তৃতীয় মনুদ্রণ প্রকাশিত হল



महार्क्त विकाशियात्यः

# ধরণী যখন তরুণীছিল

লেখাবার কাশ্যার প্রীতিহাসিক গগণা-জীপনাজ-পালে কামাদের কেনা কেই কাশমার মাধ্যর জুগাত নিয়ে কার, কেনানার সাদের জুলসামর জুগিনের কান্য জার কোনর মই ফিনে পাঙ্কা মাধ্যার না; অবচ কেই জুগণ্য ক্ষানানার কোই সহজ্ঞানীবান জামাদ্যার আজও প্রশাস্থ করে।

ইতিহাসের্দ্ধিত একটি গোট উপনাস ও করেকটি গালেগর সংকলন এই প্রশ্বটি গোখানর অন্যাত্তম লোভ সাহিত্যকীতির শংক্ষর চান্ত্র ৪-০০ ম

क हरे राज्याच्या स्थापण परि

<ul> <li>এই লেখ্যের অন্যান নই</li> </ul>	
বেণীসংহার	8.00
ব্যোমকেশের চিনয়ন	8.00
শজার্র কাটা	8.00
তুঙ্গভদ্রার তীরে	৬٠০০
भा <b>ःशकश्क</b> न	₹.60
কহেন কৰি কালিদাস	0.00
বহু, যুগের ওপার হতে	0.00



আন্দদ পাৰ্বালশাৰ্স প্ৰা: লি: আন্দা: ৫ চিডাৰ্মণ দাস লেন । কলি: ৯ বিজয়-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ মহাত্মা গাদৰী রোড কোন: ৩৪-৮২৪৭ ভাকার ছেলেটা। আর হেটিট খার। ওর চোখের তারা স্দ্র হয়ে ওঠে। স্কুরেন্বর বোঝেন, খোকন মনে মনে কিছু একটা রচনা করছে। কে জানে, রাতে রেণ্র ম্থেশেনা রাপ্রথার গলপ হয়ত ওর মনে পড়ে। স্বেশ্বর ওর হাতে ঝাঁকুনি দিয়ে বলেন তোমার নিয়ে রাশ্তায় বের্নো যায় না থেকন। পথ দেখে চলবে ভো!

রেল রিজের মাথে আসতে জগার চায়ের দোক:নের কাছে হাতকাটা জীবন ধরল। রাস্ভায় বাঁশের মাচায় বসে ওরা চ.ক বেধে গালতানি কর্মছল। এ তল্লাট্রে সকলেট ওদের সমঝে চলে। সর্যু প্যাণ্ট কোমরে চওড়া বেল্ট, চেথের নিচে ঘন কালির ছোপ, এক মুখা চল পায়ে হাওয়াই চটি। অনগ'ল দীতে হিশ্বী গানের কলি কাউছে। একবার ওরা রতিকাশ্তকে বেদম পিটিয়েছিল। ইচ্ছেমত ওরা কলেনীতে হানা দেয় হলা-গাল্লা করে, ভবকা ছার্লিডদের পেছনে ছোক ছেকি করে। সারেশ্বর একটা বিষয়ে নিংচত। ঈশ্বরের কুপা বলতে হবে। পাটির বয়স হলেও শ্রীরটা তেমন ফোটোন বলে এতদিনেও ওব দিকে ছেলেগালোর মজর পড়েনি।

জনিন হাক পাড়ল, বেশ কড়া করে এক কাপ চা করে তা জগ্ —ছার্ডনিতে গাড়েছ। চা চালবার ফাঁকে জগ্ আড়ােরে একবার স্বেশ্বরের দিকে বিরস্ত তাকাল। স্বেশ্বর বােনেন, ইদানীং জগ্ও তাকে তাছিলা করতে শিখে গেছে। কিছু বাকলেও কিছুতেই স্বেশ্বর মিটোতে পারছেন না। কোনদিন হয়ত রতিকান্তর মত ৩-৪ একহাট লােকের সামনে অপ্যান করে বস্বে। উত্তরে কিছুই বলা যাবে না। জগ্ এখন এ মহয়ার একজন কেন্টাবিন্ট্র বাভি। জীবনের দলা ওর হাতে।

জীবন কটো হাতটা দিয়ে সংরেশ্বরের পাঁজরায় খোঁচা মেরে বলল, আস্ন, বসা যাক ভটাচাযদা। গত বছর ক.লীপ্রেজার সময় বোমা তৈরি করতে গিয়ে ওর হাতের আধেকিটা উচ্চে যায়। স্কেশ্বর হাত ব্যভিয়ে চায়ের কাপটা তলে নিয়ে জীবনের পাশে বসলেন। এক চম,ক গ্রম পানীয় জিভে ধরতে বেশ আরাম বের হল। সকলের প্রই চচ্চড়ি তখনো হজম হয়ন। থেকে থেকে উক-তে কুর উঠছিল। মত র ওধার থেকে এক ছে:করা বলে উঠল. একটা খনেথারাবির গণপ হোক না ভট্চাযদা।-এ পাশ থেকে এক ছোকরা চেণ্চয়ে উঠল, চলাক গারা!--দারেশ্বর হামলে চায়ের কাপ শ্না করে উঠে দড়িলেন। সম্পা হতে আর দেরি নেই। <mark>কসবা অনে</mark>কটা পথ শির্লাড়র ভঙা হাড়ের বাথটো একবার মেচড খেয়ে উঠলে ঠিকমত পোছনো যাবে না। বাজারে কিছ্ চেনা-জানা দোকান আছে, যাদের কাছে মাল ফেললে দ্পাঁচটা শিশি নেবেই, অভতত স্বোশ্বরের মুখ চেয়ে। তথন পাঁটির একটা হিলে করা যাবে।

স্বেশ্বর' জীবনের দিকে তাকিরে মিনমিনিয়ে বললেন, আজ আর বসতে পারছি
না জীবন। একটা কসবা যেতে হচ্ছে,
বিশেষ কাজে—। স্বেশ্বরের কথা শেষ
না হতেই এক ছোকরা তড়িং উঠে তার
হাত ধরে টানল, মাইরী আর কি! নগদানগদে চা খাওয়াল্ম। কে.ট পড়বেন,
সেকি হয় দাদা!—আর একজন সপ্রে দিয়ে
চু'ই চু'ই করে সিটি মেরে উঠল। শেষটার
জাবনই বাঁচাল, বলল, ছেড়ে দে হাব্ল।
বটেমটা কামেলা বাড়াস না। আর একদিন
স্কেবি—

রিজ পেরতেে সারেশ্বরের হাঁপ ধরে গেল। শরীরটা **ভেতরে ভেতরে যে ক্সয়ে** অসছে এ পথে এলেই তিনি তাটের পান। জীবনের দলের হাতে এই হেনেস্থার জন্যে এখন আরু তিনি অপমানিত বোধ করেন না কত লাজনাই তো দিনে দিনে গা সওয়া হয়ে যাজে। এক সময় ওদের তিনি আস্কার। দিয়েছেন সবল মনে। এখন ছোবল মারছে, এটাই স্বাভাবিক। তাছাডা, তার সব কথা ওরা কেনই বা বিশ্বাস করবে। কেই বা করে। এমন কি রেপতে করে না। পারোন প্রদাপা তললে বলে থামো, ডোমার ওস্ব গালভ্রা কথা আর ভাল লাগে না।--একটা খতিয়ে ভাবতে গেলে সারেশ্বরের নিজের কাছেই নিছের অভীতটা হে'য়ালি বলে মনে হয়। স্মতি খাডে ফয়দা নেই কিছা, শুধা দাঃখটাই বাডে। উপরুষ্ঠ সব কথা এখন আর ঠিকঠিক মনেও পড়ে না। কেমন ক্রান্তি আসে, সব ভালগোল প্রাক্তরে ছাই ছাই হয়ে যায়। লাভের মধ্যে হতাশা বাড়ে, আপসে,স হয়। যে সময়টায় আর দশজনের মত গা বাচিয়ে ছিমছাম থাকলে এখন সংখ্যে মূখ দেখতে পারতেন, সেই বয়সে জীবনটাকে নিয়ে তিনি অথহিনীন ছিনিমিন থেলেছেন। এ নিয়ে রেণ এখনও উঠতে বসতে খেটা দেয়, পরিহাস করে। মাাচিসন মার্ডার কেসে চৌন্দ বছর জেল হল। স্বাধীনতার দৌলতে ছাড়া পেলেন আট বছর খাদে। ভারপর মার প্রীডাপ্রীডিতে চরম আহাম্মকিটা করে বসপেন। রেণাকে ঘরে তললেন। তখনো দেশে প্রেরান হাওয়াটা বইছে। জন্যে দেশের মান্ধের মনে শ্রুধাভবির কিছা ছিল। সেইটক শেয়েই সংসারটাকে উপেক্ষা করলেন সংবেশ্বর। বিয়ের কয়েকটা বছর ভালই কেটেছিল। সওদাগরী আশিসের চাকরিটা হতদিন ছিল। তারপর শ্রু হল কটের লালন।
একটানাঃ প্রথমটার স্বেরশ্বর ব্বে উঠতে
পারেননিঃ তখনো তার ম্বেটাথে ঘার।
মান্ত্রকে দেশের ব্যাপকতার মিলিরে
ভ্রুলিরে ভাবছেন। কিল্টু সময় মুত্
পাল্ট,চ্ছিল। হাওরা উল্টো মুথে বইতে
শ্রুর করেছে। বে'চে থাকাটা দেশের জন্মে
মর, নিজের জন্মে—শ্রীপতে—পরিবারের
জন্মেই, এ রুঢ় সত্যটা যথন ধরতে পারলেন
তথন বেরির হরে গেছে।

আমলা তেলের কাঞ্চী যে পাওয়া ববে না এমন আশতকা সারেশ্বরের ছিল। এলও তাই। যতীন সিকদারের চিঠিতে ফাটেররৈ মালিক প্রথমতার বেশ নরমও হয়েছিল। কিন্তু শেষ পর্যাচত কালো মাথ করে বেরিরে আসতে হলো স্বেশ্বরকে। শাধ্য একট্বরের চিঠির ওপর ভরসা করে, তা স্বেশ্বর ইনিয়ে বিনিয়ের নিজেকে যতই যোগা এবং বিশ্বস্ত প্রমাণ করার চেন্টা কর্ম না কো, পারো এক পেটি মাল হাত ছাড়া করেত ফাউরীর মালিক রাজী হল না।

পথে নেমে সারেশ্বরের পা চল্ডিল না। এলোমেলো এগতে করবার ধ্যক থাচিলেন অম্বাহ্য মানাষ। দেখে হাটবেন তো। বি ব্যাপার, কান্য ন্যাকি!' স্থারেশ্বর ভিডের ভেতর সেপ্ধয়ে নিজেকে কাতিবাসত বাহাব চেন্টা করছিলেন। একটেরে হলেই পণ্টি বিষয়ক অস্বস্থিতটা উভাক্ত কলতে পাৰ এমনি এক ভয় তাকে পেয়ে বসেছিল। রেশলাইন ছাড়িয়ে ট্রমগ্রমটি পেরিয়ে রাম্ভার উল্টোদিকে গিল্পে পাকে'ব বেলিঙ যে'ৰে একবার তিনি কিছাখন একলাও হে'টে ছিংলন। ভাতে বিপত্তি বই কমেন। বালিতে জনবিরল অন্বকার পাকের নিকে চোখ রাখতে বাভি ফেরার উংসাহ ক্রমণ নিবে এসেছে।

গড়িবাহাটের মোড়ে আসতে নাটকীরভাবে শ্বিজপদর সংগা দেখা। প্রায় দাই
যুবার ব্যবধানে। সুরেশ্বর প্রথমটার চিনতে
পারেননি। শ্বিজপদর সন্ধানী চোথ কিন্তু
সারেশ্বরকে চিনতে ভূল করেনি। গেউল
পাশ্বের মুথে দাড়িয়ে শ্বিজপদ ফ্রা
কিনছিল। সুরেশ্বর মুখোমুখি হতে
প্রায় চিংকর করে উঠল, আরে, সারেশ্বর
না! ঠিকমত চিনে নেবার আগেই, শ্বিজ্ঞাদর কন্টেশ্বর ধারালো অশ্বের মত কানের
পাদার বিশ্বতে, ঘুমের ভেতর পান্টি ধ্বেন
ভূল বকে—তেমনি অন্যমন্থক সুরেশ্বর বলে
উঠেছিলেন, শ্বিজপদ।

ব্যিজপদ এগিরে সুরেশ্বরের ভান হাত-থানা নিজের উষ্ণ মুঠোর চেপে ধরে বনন, হাাঁ, আমি। উষ্ণ, কডদিন বাদে দেথা!— ভারপর মুঠো আলগা করে পাশ ফিরে বলন, বাণী, এই বে সুরেশ্বর ভট্টাহার। আমার

अलिककारमञ्जातम् तस्यः ।—कर्तमङ्ग काका वर्दक চেপে ভামেহিলা সাঞ্জারা হাত গুথানি মনক কণ্টে জোড় করে স্মিত হাসলেন আপনার কথা ওর কাছে কত লানেছি-भ्यक्षभन्त्र एव महेविन ना। अब कथा

ভাগ বাসয়ে বলল, তই এদিকে-

সংবেশ্বর একপলকে দ্বিজপদকে বথাসাধ। চোৰে হলে নিলেম। আগাপাশতলা পাৰেট গেছে দিবজপদ। শ্রীরের অতিরিভ মেদ जिल्का भाकाविए अक्ट इता फेटिला ভবে গৈয়ে গাল ভাবে চিবুকের ভাভতর গ্রাখ্যানা ভারিকি হয়ে গেছে। পরে কাডের চন্মার ভেতর দাচোখে স্বক্ষর ত্তিত ট্রট্র 24751

সংবেশবর শেলামা টোনে বলালেন, কসবার দিকে গিয়েছিলাম।

দিবজপদ বাঁ হাতটা **এগিয়ে ফালওয়**ালার দিকে একখনা নোট ছাতে দিয়ে বলল, তই তথ্য কোথায় আছিল?

হোকে শ্র**ী**রের সংবেশবৰ ডান পাৰে ভ্রমায় রেখে বলাগেন এই তৌ, রেন दिक्ता स्थापत्।

ভিজেপন কথালে তেখে তলল, সেকি! এক আছাকাছি থাকিস, অথ্য দেখা হয় না। স্যুর্ণবর মালন হাস্পেন। এ **প্রা**ন্দর স্মিক উম্লৱ ভাব ভানা নেই ৷ কাছাকচিছ থকলেও এখন জার কেট পাশাপাশি নেই। আগে ভিল: এখন স্বাই কাছে খেকেও

দিবজ্ঞাপদ ভদুমতিকার দিবক মাখ ফিরিয়ে বলল বাণী ভাম চলে য⊹ও। অ≾িয় মানক পরে মাজিয়। ভদুমহিলা রাস্কোন, টিক আছে। তাভাতাতি এসো কিল্ড। যা ল্পেল্য --ভারেপর ফ্রান্সের : গ্রেছা সাম্বান্ মেটিরে উঠবার আগে সারেশবরটের বিক্রে ভাৰিয়ে বললেন, একদিন অস-ন অমানের যাড়ি। এই তো কাছেই---

র প্রায় কিছাটা হেশটে বেশ্টারন্তে গৌছানো প্যণিত দ্বিজ্ঞাদ স্তান্ধ্বরাক মনেক ঘটেরো প্রদান করেছে। স্থারদবর পের প্রশেষর দায়সারা: ভবাব দিয়েছেন। কেননা, পারোন প্রসংক্য আদৌ তার উৎসাহ ছিল না। উপরুষ্ডু দ্বিজ্পদর সংগ্র আকৃত্যিক দেখা হয়ে যাওয়ার সাথকিতার কথা ভাবতেই ভিনি তক্ষয় ছিলেন। বাণীর হাত ভতি গয়না, যোটরগাড়ি, পচি টাকার নোটটা ফাওয়ালাকে দিয়ে পয়সা ফেরং নেবার ব্যাপারে খ্রজপদর উদাসীনতা, ইতারিদ সত্তে ধরে সারেশ্বর মনে মনে धक्छ। कांग्न आधिकतना।

দেকানে ভাকে চেয়ারে বসেই **শ্বিজ্ঞপদ** वनसः कि भावि वन? असामसा मारतस्वत **ऐस्त्र क्त्राम्म, बाह्यक क्रकी क्रियः—।** সংবেশ্বর ভাষ্ডিকেন : ধার হিসেবে ওর <sup>কাছ</sup> খেকে কিছা টাকা বাগিয়ে নেওয়া ষ্টেত পারে। প্রমৃহ্ভেই পরিকাশনাতী वाहिन क्याला। श्रंब क्यालाटे हैं।कारी किरिया रमसाम अवति निर्मिक माय १९१७

বেয়ারা আসতে শ্বিরূপর कमोरमा है। অভার দিল। সারেশ্বর পরিশ্কার কাঞ্চ ক্রলেন, ওর বাঁ ছাতের সংগাল মধামায় शीरबंद व्यार्शके ठकांक कहा है। সংবেশবর সিম্ধানত নিজেন : রেণ্রে ফণ্ন-ভিল দিবত পদক্তে न्यारम्भाव कथा वरम বিগলিত করবেন। এবং আপাতত রেশ্র মুমারা না হলেও ওর শ্রীর যে ভাল নেই যে কোনদিন ও টে'সে যেতে পারে সেটা তো আরু মিপোনর।

বেয়াঝা এসে খাবার দিয়ে গোল। নানের रकोरहे। नाषारक नाषारक मिनक्षणन दशम. এখন• কি কর্মিস বে স্তেপ্তর ?

অপটা হাতে কটি চাম্বাচ তলে নিৰ্দে সংবেশ্বর বলজেন, তেখন <sup>কি</sup>ছা না।

দিবজ্ঞান হা করতে এর মাখের ভেত্র ফালকে: লাচির মত, মণ্ড মাংসাপিক দেখা লেল। কাউলেটের অধেকিটা মাথে ভলে দিব্দ্রপদ জিজেস করল ছেলেপ্লে ক'টে? প্রাটিত অসাপের কথা বলে ওর কাছে হাতে পাসতে সাত্যেশ্যের মন সাম নি**ভিল্** নাঃ যদিও একথা বলঃ সবতেবে **যথার্থ** &F, 2757 & ছবে ভবা বাবেষর মর্ম রাখ্যে প্রভানকে কথাল করে প্রসা ভাইটে বাধ্ডিল সাবেশবারের

কিছিল সংক্ষেপে উসৰ ক্ৰানেন দানি। শেলট ছালি করে টাবজপদ শাল করে

बीट्रमद्वनमुगाथ विभवादमव

#### प्रातित कल्याप्य तुप्राधित कर्न

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞান কলেজের অধ্যাপক ডঃ কে এল বায় এম এসৰ্ভাস ভিত্তিল এই কই সুদ্বদেধ বলেন্ দ্ৰান্ত্ৰসায়নের বিভিন্ন জ্ঞাতক ও গ্রেড়পূর্ণ তথাবৈষ্য নিষে মেট ধোলটি অধানুয় সংখ্যা । বাংলা বিজ্ঞান সাহিত্যে এবাপ নিগত্ত ভ তথাবত ল অহন সা্থাবাধ ভাষার **লিখিত জালোচনা ইতিপ্রেব প্রক**টিশত হ্যেছে বলে মনে হয় নাং আমার বিশ্বাস কেবল বিজ্ঞান অন্যোগী জনগণই নয়, বিজ্ঞানের ভাত ও শিক্ষকগণও প্ৰেচতখানা থেকে উপকৃত হবেন।"

<u>रङ्गारम्ना १८२-व</u>

গোরীশ শ্বর ভটাচাহেরি

गारक**्षानगरनंद** 

# বক্স বিষাণ রুদ্ধ যায়বের

বিমল মিটেব

আশ্রেতাষ হাখে পাধারের

# কথাচরিত মানস

माप्त : 5.00

FW 1 6-60

ভারাশ্যকর বাদ্যাপাধ্যায়ের গভেল্ডক্মার মিত্রের

#### (জনানা ফাটক আবোগ্য নিকেতন সন্দের চ্ডা

নতুন মূদ্ৰ ৬.০০

PE EEG 50.00

PR : 9.00

অচিন্তাকুমার সেনগরপ্তর

ভুৱাসকেব

अथम करम कुल

तगगम्

*(ली 5 क शा* है

২য় সংস্করণ ১৫.০০

৭ম মানুৰ ৭০০০ - ৩য় ২০৩ ৮৯ গাট্ৰ ৬০০০

**Public Finance** Revised Editn. 12.00 National Sovereignty &

Prof. S. K. Chatterjee's From Vico to Marx Revised Editn. 5.50 World Affairs 12.00

অধ্যাপক রথীন্দ্রনাথ সেনের

# হিসাবশাস্ত্র পরীক্ষা(Auditing)

বি-কম **ছাত্ৰদের জন্য সম্পূর্ণ পাঠাভাজিকা অনুষ্**ষ্ঠী লিখিত বংলা ভাষাৰ একমতে বই।

**তিবঁপ ১৫, বঞ্চিম চাটাজী স্থাটি, কলিকান্ড - ১২** 

পোটাকয় চেকুর ভোলার পর বলল আয়ি
ভাই নানা ঝঞাটে আছি। দুলটো করের
খানার দেখাখোনা, বড় ছেলেটার বিসেনটলি
ইনস্যানিটি গ্রো করেছে, বউ প্রেসারের রংগী।
তার ওপর বাড়ির তেওলটা কর্মাস্পার করার
কাজে হাত বিয়ে নতুন ঝামেলায় পাড়
গেছি। স্বের্ণবর হাত দিয়ে কটলেট তেওে
একট্রনরে মাড়ে প্রেলেন। তারপর
বিজ্ঞানকে উসকে বিজেন, আছো, তাই
নাকি!—স্বের্ণবর ভাবলেন: বাসে প্রেট্নার
হার গোড়ে, এ গাপটা ফ্রিলে মান্য হার না।
যেটা, খাব বিপানে প্রেড়া, গর আগেও
দ্যানিবার করেছেন তিনি।

বেয়ারা চা দিয়ে গোল। দিয়ক্তপদ বল্লা। তেওঁ বিদ্যাংকে মনো প্রভাব

মরেরশবর নাখ তুললেন, বিদ্যাব! কে—
চারের কাপ কোলের কাছে টেনে নিবলপদ
প্রল, আরে আমাদের বিদ্যাব সরকার,
কমেই ছেলেটা, কুমিলার বাড়ি, প্রেসিডেন্সইঞ
প্রতা

জালের জ্লাস নামিয়ে রেখে সা রশ্বর মাধ্য সায়েকোন, হার্ম হার্মনে পড়েছে।

শিক্ষপদ বলল, ওর কাছে এখন আমাকে পাটেই যোত হচ্ছে। মদত এক বিদেশী কেন্দ্রনারি ভক সাইটে থাফদার। তেরে কর্মা প্রথই বাল।

নীবৰ হেসে উঠাত সালেশ্বের মাথার খালির ভিতর টং করে একটা শিরা ছিড্ছে গৈল বেন। চায়ে শেষ চুমাক দিয়ে দিবজাপদ বলাল,

সংক্রেশ্বর দ্বিজ্ঞাদার চোখে চোখ রেখে বললেন, নাঃ, আর খাব না, শরীরটা বিশেষ-ভাল নেই। এর চশমার পারা কাচে নিজের মাখটা স্পণ্ট দেখতে প্রক্রিকালন সারেশ্বর। কপালের তলনায় দ**েচাখ ছোট। চোয়.ল** দ্যটো অস্ব,ভাবিক ছডানো। বাঁ গাবে**বর** কত চিক্টা প্ৰকট হয়ে গোটা মুখটাকে বীভংস করে ভূলেছে। সুরেম্বরের ব্রের ভেতর কেট যেন প্রতে সাটাইরে সংক্রো रशा है कि ल । सारा शाय वा बा क जाक दि ! ছটা টা ভার হ'ল পড়ে যা**জিল। জাগারেশনে** ভাষা চারজন ভিডেন। সারেশ্বর নিরে**ল** অব্যাস হত বিদাৰ করে **শিবজপ্র।** দিবজপদ বাজ চেত্ত মাথে গাড়ি নিয়ে অপেকা কর্রছিল। আসল কাজ সমাধা হতে। তেলন দেৱি হুখনি। পাল্যার সংয গণ্ডগোল বাধল। প্রালস আগ থেকেই সতক' জিল। বিদাং টাকা ভ**িত' সটেকেন**টা কে নমতে দিবজাপদকে। পেণীকে দিয়েছিল। অবনী সামৰত আৱ সাৱেশ্বর পাড়িছে ওঠার সময়েগ্র পাননি। অবনী সমেত ন্দীপথে পালাতে গি য**ু পালিসের মাথে**-ম্যাখি হল: উপায় শতর না দেৱেখ দারোলাকে গলি ডলিয়ে খতম করেও নিস্তার পেয়া না । অন্তা খেরে স্নারশ্বর বালারের ভেতর ল,কিয়েছিলেন। ধরা পড়ালন পরের দিন, পাদের আমে। পর্নিস বিদ্যালয়র ইদিস

পোল দিনকরেক পরে, কলকাতার। ফিছেপার পান্তা মিলল না। বিচারে অবনী স্থানতর ফাসী হল। স্বেদ্বরের আট বছরের কেন। বিদ্যুতের বরস ক্ম, বছর চারেকের সাল হল। এতটাও হত না। বদি না ফিছপদ্ রাজসাক্ষী হরে আদালতে দাঁড়িয়ে সব তথা ফাস করে দিত।

বিল চুকিনে উঠবার মুখে ব্যিজপদ বলল, একবার আলিল না আমাদের বাড়িছে। কাছেই, বারোর এক,

বাস রাস্তা থেকে খোওয়া ওঠা প্রে নেমে আসতে টিপটিপ বৃণ্টি শার, হয় ব্যাস। প্রে পার মেষ ডাকছিল। স্থেত থেকে বিদ্যাৎ চমাক উঠাত বাকের ভেতরটা নড়েরাড় উঠছিল। পার্টির মলিন মাধ বৈশ্ব, খোকন, ইনছাড়, সংসার, খ্যার ফিরে নতালিতা স্মান্ত্রক ব্যতিষ্টত করে তগছিল। নিজেকে আছুন্থ করার কলো তিনি একবাৰ দাভিয়ে পজকো। প্ৰাক হাত ত্রকিরে দেশলাই বের করকেন। পর পর কয়েকটা কাঠি জনালিরেও বিভিন্ন ধরতে পারদেন ন। অন্ধ্যাত্র গভীর করে একটা নিশ্বসে ছাড়াল্য।। এড় কথাং ফাঁকেও শেষ প্ৰশিত দিবজপ্যন্ন কাছে হাত পাটেতে পানেলেন ম ! ছেডৰ খোৰ বেট হেন তাকে বাধা দিভিচন।

কিছ্টো এগোচে ভাইনে আলের চলিব পাওর গেল। ওধানে জনা দেশ। স্বেস্থ বাড়ি। বার্ডাপার কেয়ারী করা লেয়ার জামার জানসার বড়ীন পাণা রেভিওর নিঠে সার হাসি পাণ কলারব। স্বার্থের নির্বাকার এগিলে চোলাপতার মোড়ে এলোন। রাস্তান বাভিনালো নেবানো। স্বার্থেব ব্যক্তিন, এসব জাবিনের দলের কাছ। নিহািং। সন্ধার সমস্ক ভারা এ ভ্রাটি হাম্লা করে গেছে।

শির্ণ ভাষা হাড়টার কেউ যেন ছারি
চলাক্ষে। শ্রীরের হোরা গোশতা কাটাশেটো নাগগালোর ব্লিটবিন্দা বিশ্বের।
তোগের সামনে সারোন দিনের নান। ছবি
একের পর এক ফাটো উঠছে। গরিললক্ষিনের সোকানের মাথে শিকেটিং, বিদেশী
কাপড় পোড়ানো, পরীকা হল থেকে
বৈরিরে আসা, গাণ্ড সমিডি, বাতক ভারাডি,
নোনাগালুরে বেমা তৈরির মহড়ো, মাাছিসন
মাডারি কেস...

সন্তা বাড়ির পথা অংথকার। বাডাস শারীর অডিড়াছে। সাধার ওপারে মেথের বছরকা। ব্লিটর জলধারা ভিজিমে দিছে শারীর। পিছল পথা তব্ স্টেকবর, অংথকারে বড় বড় পা ফেলে দুভে এগাতে লাগকেন। নেমন ভিনি ছাটতেন বহা বর্ত আছে, রাভের জন্ধকারে, রণ্পা পরে গানের পর গ্রাম।





মীজ্ঞানপ্রকাশ ঘোষ ত্রাম বাংলার শ্রেষ্ঠ স্পার্টিভাচার দের ত্রাতম হচ্ছেন প্রীক্ষানপ্রকাশ বোর । কি অধ্যাপনার, কি পরিচ লনার, কি প্ররোগ-বিধাৰ ভার মত প্রতিভা দলেও। এই প্রতিভাবে শাস্ত নৈপাশোর দিক থেকে বিষয়কর ভাই নর, পরিকলপ্নার দিক হেকেও আশ্চর। দ্রণ্টাশিক্সী হিস্তানে বে প্রোগেট তিনি হাত দিরেছেন সেটিই সমলা লাভ করেছে। করী হিসাবে তিনি ভাদ্যতীর বহু বন্দ্য তার দখল আবার গারন-শিক্ষেত তার ক্ষতা অস্মান। বহ কুলী ছাত্ৰ-ছাত্ৰী তাঁর কাছ থেকে শিক্ষালাভ बार त्रावना जर्जन कार्यहरू. दश, जरा हैन ্রচিত্র বা মন্তে ভার পরিচালনার গৌরবে त्रा काम हात डेर्फाइ। सामद्यकामाक वास রুলাতি বাংকার অন্যতম প্রতিভ বলকে क्षक्रीं इस मा। वाश्वात व शत्व सर्वे চেখেছি স্পান্তিক হিসাবে তাঁর অসামানা প্রিক্তা স্পান্তির ক্ষেত্রে উত্তর ভারতে সংশ্ৰহ তিনি সম্মানিত ধারি।

জ্ঞানবার্যর সংখ্যা বাঁদের পারিচর আছে ছবি জানেন তিনি অভাশত সহদর এবং বিনয়ী বৰ্ণির। বিজেখ সম্বর্ণের কিছা বলাভ ভিন্নি খ্ৰেট সংক্ষাত্র বে ধ করেন। আকাশ-হাণীটে জীর সম্বটেধ কিছা বলবার অন্ট্রেস করতে তিনি কেন খাবই পিরত লোধ করকোন এল নিভাস্ত প্রীয় প্রীয়িতেই অবলেকে করেকটি মতামার প্রদান করেকেন। এই প্রচারবিমাপ কোকটি বোধ কবি স্পন্ট মতামত বাস্ত করে ভারে বাংলাদের কার্র মানই আঘাত দিতে চাম না।

बागरीकाम सम्बर्धरम् करतेरः ১৯১० সংক। বাল্যকাল হথকে ভারি দুটি বিবার जारह हिन-धकाँठे भारपाता**क वास्**रासा অপরটি হাক এবং ক্লিকেট দেকা। দেকতে গিয়েই তীর চোখ খ্রাপ হর বলুজনে তিনি বরাবর কন্ট পোরে একেছেন। এটি গঠে যথন তিনি পালি ভাষা মিরে এম-এ পড়ভিলেন বেপ হর ১৯৩১-৩২ সংক্রে। তবসার তিনি প্রথম শিক্ষার্যণ করেছিলেন জাভিম খার কাছে: পরে শিক্ষাগ্রহণ করেন মলিদ খাঁর কাছে। পাঞ্জাবের ক্ষিরোজ খাঁর কাছেও তিনি শিক্ষা নিরেছেন। পালে ভার শিক্ষাগ্রের ছিলেন গিরিকাশকর চরবভা।

নিজের শিক্ষা সম্বদ্ধে তিনি এর বেশী किह् रका श्राह्मन मत्न करननीन। किन्छू अ পর্যন্ত বহু গুণী ব্যক্তির সালিধ্যে এসে গ্ৰেছন্মত বহু, বন্তুই তিনি সংগ্ৰহ করেছেন বা ভার আহরণকে প্রচুর সম্ভিধ প্রদান করেছে। সপ্রতিবিষয়ে বাঁরা ভাঁর সলো আলাপ আলোচনা করেন ভারাই জানেন কথাপ্রসংখ্য তিনি কত বিষয়ের অবভারণা করেন এবং নিজের অভিজ্ঞতার ক্থা বিবৃত করে।



সংগতিশিকা সম্বন্ধে তার ধারণা হাতে. সঞ্জীত কথাত ইম্বল-কলেজে পেথা যায় না, পরের করে শিখতে হয়। গরের সংগ্র নিতা সহবাসে নানা অবস্থায় বহু কত পাওরা যার, ইস্কল-কলেজের নির্মসাধিক শিক্ষার সে সব বশ্হর সংধান পাওয়া সংভব মর। এটি থ্রই সভি। কথা, বলিচ বভলিন পরিবেশে ইম্কুল-কলেজে সংগতি শিকাই একমার উপার হারে নাভিয়েছে।

সম্পর্ভি সম্বধ্ধে জ্ঞানবাররে তার একটি

ধারণা, সংগতিকে একটি দশন হিসাবে দেখাত হবে। সংগতিকে সেভাবে ছেখা ছয় ন: ২টোই বভামানে সংগাঁতের প্রয়োগ ক উপভেশ বিষয়ে একটা অধ্যাগতি দেখা দিয়েছে। বৃহত্বিক্ট স্পাট্ত সংখ্যালন-প্রিতে প্রাজ্যার করেকটি র্টাতন্ত্রীত প্রতিক্ষণ করলো এ ধারণা সাচ হয় হয়। দেশবর্গতাওর প্রতি স্মারিডার করে **এগটোর** আরোপ করা হাচ্চ না এবং ছোভোগের করতালি থোকে মনে হয় খেলার মার্টের দশকরাই যেন গানের **আসরে ভীত** ভালিয়েছেন ক্ষেবল রাধান্তর লাগ্র। সংগ**ীত** হান্তাং প্ৰকৃত নাগনিক অন্তেত্তি থাউলে হাতির এই বিকৃতি কখনও **ঘটতে পারত না।** যার: শাস্ত্রীয় বিচার করেন, তারীয় জায়েনের তে সংস্কৃত সংগতিশাস্ত্রকে স্পানের একটি

# 

ৰিপ্ৰৰ পটভূমিকায় অপূৰ্ব প্ৰণয়-কাহিনী। সিনেমায় চলছে।

জসীয়উন্দীন 11 0.00 11 ॥ राम्नरमव छहे।हार्य ॥ 8.00 नक् भी कांथात माठे हाँदम यादिन याँना

। আমাদের সদ। প্রকর্মিত নতুন উপন্যাস ॥

এখানে পিঞ্জর

। अक्त बाग

1. R. OO II

দ্ৰীপায়ন

॥ আশ্তোষ মুখোপাধ্যায় ॥ ৬.০০ ॥

**अः यं कांपरल स्थाना** ॥ ध्यायम् मिर

ফেরারী সিপাই ा कमिन्क

1 9.00 B

न्राया न्याप्य ॥ मन्याप

॥ मत्नाक बन्द्र बाह्मर्रेन उक छेलनाम । बीलके छेन्याहेन ॥

পথ কে রুখবে? 11 ১২:০০ ম

मरामनन्दी ঐতিহাসিক ভङ्केत त्रामनन्द्र मङ्ग्मनात वरनन :

"রাজনীতির কৃটিল চত্তে বঙ্গের অঞ্চেডেনের ফলে বিশ বংসর যাবং যে তাল্ডব ন্তা শ্র হয়েছে আপনি গদা মহাকাৰো তার যে রাপায়ণ করেছেন আমাদের ভবিষাদংশীয়েরা হয়ত তা একটা কাম্পনিক দৃস্বান মনে করবে। **কিম্কু এই নিদার্ণ মর্মান্ড্র সতা কেবল ইতিহাসের পাতায় না থেকে বাতে** সাহিতেরে মাধ্যমে চিরজীবী হয়ে থাকে আর্পান তার ববেস্থা করে আমাদের ধন্যবাদাহ হয়েছেন.....

अन्यश्चकाम C/o दवज्ञत शार्नालमार्ज आहेरक्रवे शिक्षिरहेक । कविकाला-১২

শাখা বলা যায়। আরবীয় এবং ইরাণীরগণ্ড **সংগাতিকে এইভা**ৱেই দেখতেন। গ্ৰীকদের মনৈভাবত এইরকমই ছিল। মুসলমানর "এলমে মাসিকী" বলতে সংগীতের বছত্ত ভব্তক ব্রাতেন। বাহতবিক গভীরতর দার্শনিক অন্ততি না থাকলে সংগীতকে উপলব্ধ করা যায় না।

জনবাবা খাব শীঘুই আমেরিকার পেন-সিলভাগনিয়। বিশ্ববিদ্যালয়ে যোগদান করবার ভাষা রওমা হচ্ছেম। বিদেশে ভারতীয় সংগতি বিদায় অধ্যাপনার জনা তাঁর চেরে যৌগা বাল্ডি খবে কমই পাওয়া যাবে। ভাঁই হছা ক্ষানাধ্যের সংগ্রাহ্মার বিদেশে ভার গৌরর কালনা কবি। জ্ঞানবার হ সংযোগ। সহধ্যাণী শ্রীমতী ললিতা ঘোষ সংগতি জগতে সাপ্রতিষ্ঠিতা। ভার মাধান্মও তার দ্বামার বহা বিশিষ্ট র**চনা প্রা**বিজ হলে থালে।

#### ৰাংলা গানের একটি গ্রন্থ--"বাংলা সংগীতের রূপ"

সাম্প্রতিক বাংলা গানকে স্বাজাীন-ভাবে অধিকার করে কিছা কিছা বই বৈরিয়েছে বটে কিন্ত তার অনেকগ্রিকট শার্থকি নয়, এমন কি সম্প্রাচনার প্রায়েত্ত পতে না। খাথাত এই ধবনের গুলেথার বিশেষ প্রয়োজন আছে ইতিহাসের দিক থেকে। এই অভাবটি পারণ করেছেন শ্রীস্ক্মার রার তাঁর "বাংলা সংগীতের রাপ" নামক গ্রন্থে।



স্কুমারবাব্ কৃতবিদা এবং সংগীতা বাভি। তিনি দীঘকাল ধরে এখন একটি প্রতিফানের সংখ্যা ব্যক্ত আছেন, বেখানে বিভিন্ন প্রকারের মার্গ এবং কাবাস্পরীক শোনবার সংযোগ ভার হয়েছে। বহু ভিল্পীর বাভগত সংস্পাদেও তিনি এসেছেন। এই স্পৌষা কালের ব্যাপক অভিজ্ঞতায় তিনি যা বলতে পেরেছেন তা উপলব্ধিগত সত এবং বিশেষবাসহ ব্ভিপ্ণ মণ্ডল, ভবিষয়তে বারা এ বাংগার সংগতি বিষ जारशाहना क्वरतम, **व** शास्त्रत महात्र তাদের নিতেই হবে। আর এ বংগে বারা এই গ্রন্থ পাঠ করবেন, তাঁরা এই প্রদেখন সাহাজে আত্মসমীকণ করতে পারবেন। রাংলা গানের কোনও ধারাই তিনি বাদ রাখেননি এবং সংগতি সম্বশ্ধে বারা চিন্তা করেন ভাষে যতামতগালৈ বিশেষ বিশেষ আলোচনত সবদ্ধে তলে ধরেছেন। তার নিজস্ব ভিস্ক ৫বং বিশেলবণ্ড বিশেষ মালাবান।

প্রতথকারকে অনেক সময় অবাও স্থাত কাছ থেকে শ্লেতে হরেছিল ব্যাদ্দ্রগার কৈ একটি সংগতিশ্ৰেণী ? যাদ ভাই হয় ছাহলে তার কারণ কি <sup>২</sup> এ প্রশা বারাজীয় কাছ থেকেও আমি শেরোছ। একনি দেন পরিচ্ছদে প্রশ্বকার এই প্রশেনর মীয়াংস করেছেল এবং চমংকারভাবে ব্যক্তির ভিষ্পত কেন বৰীন্দ্ৰস্পাতিকে একটি প্ৰেণী কৰে গশা করা হয়। রবীশ্রসংগীতের এই দিক্তির আলোচনা এর পরের্ব এমনভাবে হয়েছে বলে জানি না। এ ছাড়া আরও করেকটি পরিচনে লভাকার পল্লীগাঁতি, প্রাচীন ধ্যাতি গাঁতি, বাংলা গানে রাগসন্গাঁয়ভার প্রভার সমর্যন্ধ বিশ্তারিত আর্লাচনা করেছেন ৷ স্রেকারদের खरः भिल्लीरनत अन्यस्य निरमत्र अलकाहत। এই প্রথেষ করা হয়েছে। সকলেই থে সা ক্ষেত্রে তাঁর স্থাপে একমন্ড হরেন এমন নং কিন্ত তাঁর বস্থা। এবং ডিম্ভাধারাকে তিনি হথেক্ট যাত্তির সংগ্রে তক্তে ধরেছেন। আধ্যনিক বাংলা গানের ব্যাণিত যে কতথান এই ধরতার বই না পজাল তা হাসয়গাম করা ৰাষ না।

আমানের মধ্যে জনেক উল্লাসিক বারি আছেন যালের ধারণা সংগীতের কেটে धाधानिक दारवास नित्मव किन्ना कता शहाँग। ভারা হাল আমবেলর পরীক্ষা-নিরীকারে শ্বীকৃতি দিয়েত চাম না। অগভীর ধারণা থেকেই এই মনোভাবের উৎপত্তি। শ্রীস্কুমার বাবের প্রনথটি পাঠ করলে ভারা প্রাচীন এবং আধ্রনিক গানের যে মনোজ্ঞ তলনাম কর আলোচনা দেখতে পাঁবেন, তাতে তাঁদেঃ ধারণার পরিবতনি হবে বলে আমার বিশ্বাস। বৈবর্তন চিরকালাই ইতিহাসে একটা স্বাক্ষর রেখে যায়: সেটা আমাদের বিচার করে উপলম্বি করতে इ.स. । বিবতানের এই ম্লায়েনটিই করেছেন সাথকিভাবে। একটি যুগের ইতিহাসের <sup>বহ</sup>্ প্রজ্ঞা দিক তিনি উম্ঘাটিত করেছেন এবং বহু চিন্তার প্রেরণা দিয়েছেন। সংগীত সাহিতো তার গ্রন্থটি অভি ম্লাবান সংবোজন।

প্রকাশক—এ মুখান্তি আাণ্ড কোং প্রা লিঃ, ২, বঞ্জিয় চ্যাটাজি পাঁটি, কলি-কাতা-১২। দাম আট টাকা।

সদা প্রকাশিত

সদ্য প্রকাশিত

প্রথাতে সাহিত্যিক হরিনারায়ণ ১৬।পানায়ের পরিবালিত শিল্প করেবি শেষ্ঠ নিদশনি

# ठका ८.६०

ব্পালী পদায়ে যাদের হয়ে প্রতিফালিত, তাদের বর্গাটা, হামিত জাবিন্যাল্লাই শাস্ত্রাল তাদের বাথা বেদনা, আনা আকাক্ষার কাহিনী এই উপন্যাসে বিশৃত। মেকি প্রসাধন-সবস্ব নার্নীক্ষের প্রতি তাক্ষ্য কশাঘাতে এই উপন্যাসের প্রতিটি ছব রক্ষার, বেদনার্দ্র ।

্রেলক্ষার মিত্রের ৰ্বপু আমাৰ জোনাকি

প্রভাত মাখোগাধার कुरमनी काम्बीद 50.00 তামসরঞ্জন রারের ভারত-ভগিনী

বিজয়িনী

৫.৫০ শৈলজানক মুখোপাধায়

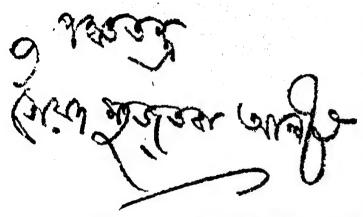
निर्द्वानका ३६.०० ৩.৫০ ভামার হলো জয় ৭.০০ ব্গাচার বিবেকানশ্দ ৫.০০

কলিকাতা প্ৰতকালয়, ৩, শ্যাসাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা—১২

छाः अमन बागाव

# বিবাহিত জী

দিতীয় থণ্ড প্রকাশিত হইল ॥ প্রথম খণ্ড ১০, ॥ দিভাঁর খণ্ড ১০, মিলনের আসনভঙ্গী এই পুস্তুকের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা পার্বালকেশন্স । ৮৯ মহাত্মা গান্ধী রোড । কলিঃ ব



#### হাসনরাজা (২)

দান রাজার সংশ্ব আমার একদিন একবারের তরে পরিচর হয়। তবে তার
বারের তরে পরিচর হয়। তবে তার
বার বেশা যে "আলাপচারী" হয়েছিল তা
নয়। সেই দোলাতপ্রতাপ, স্নামগঞ্জ
তঞ্জর একছ্তাধিপতি জমিদার কিন্তু
বিরাট এক কাসার থালা থেকে আপন হাতে
ত্লে তুলে আমার মুখে রসগোলা, কাঁচাগোলা, চমচমে পারে দিয়েছিলেন। সে কথা
না হয় সবিশ্তার আরেবারিন হবে। ইতিমধ্যে
তার সপো আপনালের কিছা পরিচয় হোক।
আমি কিন্তু তথনই লক্ষ করেছিলাম
বে তার টাঙঘরটিতে কোনো বাহারই ছিল
না, এবং বলতে কি, আমাদের মত মধাগ্রেণীর বৈঠকথানার চেমেও অথ্যে রক্ষিত।

তার ইয়ার-বখ্ণীর কেউ কেউ হয়তো
তথন এ-দিকে তার দৃষ্টি আকর্ষণ করেছিলেন। কারণ এর বহু বংসর, হাসন
রাজর মৃত্যুর অনেক পরে আমি নিচের
গনটি সিলেটের এক মাঝির মূথে শুনুতে
পাই: ভারও বহু বংসর পরে শ্রীয়াত নির্মাল
টৌধ্রী এ গানটি কলকাতা বেতারে প্রবর্তন
করে বিস্তর স্থাবাশী পান! করি মরহুম
আব্রাস উদ্দীনের স্থাবাগা প্রে মিরা
আব্যাসী এটি প্রায়ই ঢাকা বেতার ও টৌলভিগনে গেয়ে থাকেন।

"পোকে বলে ঘরবাড়ি ভালা নর আমার কি ঘর বানাইমা আমি শ্লোর মাঝার? ভালা করি ঘর বানাইরা রইমা

কত আর আজনা দিয়া চাইরা দেখি পাকনা চুল অফার।

আগে বাঁদ স্থানতো হাসন বাঁচবে কতাদন ব্যবাড়ি বানিয়ে নিত করিয়া রঙীন। এই ভাবিয়া হাসন রাজার বর-দুরায়

না বাশের কোথার নিয়ে রাথবে আলার সেছ্ ভাবিরা কালেদ॥" আমলে হাসন রাজা ডাঙার বড় একটা বাকতেন না। তিনি বাস করতেন তার বিরাট ভাওরালৈ নৌকার। আমানের বাসপ্রে সামনের সর্বমা নগাঁ দিয়ে সে-নৌকা উজানভাটি করতো। সে-নৌকা আলোককরন, এবং তার থেকে পাড় প্রস্ত ভেসে আসতো স্থেবর সংগতি।

একরা আমাদের নিমন্ত্রণ ছিল নদীর
ও-পারে। আমরা ডিঙি নৌকো করে নদীর
পার হবার সমর আমাদের সামনে দিরে
ধীরে-মন্থরে ডেসে গেল সেই ভাওরালি।
ভাওরালির খোলা জানলা দিরে রোমান্তিও
হরে দেখি, হাসান রাজা বেগনী রঙের
মখ্যলের পাজামা, লল রঙের কোট আর
সব্ক রঙের পাগড়ী পরে নৌকোর মধাধানে
ধেই ধেই করে চক্রাকারে নৃত্য করতে করডে
গান গাইছেন, আর ভার চভুদিকৈ মন্ডলাকারে বসে গাড়া আন্টেক ধাব্সারত য্বভী
ম্লালা মারেগাী বাজাজে (ভখন অবীলা এযাত্রগ্রো চিনিনি—পরবভী মুর্গে, ইন্
রিষ্ট্রসপেক্ট্র এলেরকে সনকে করেছিল্মে)

আর মাঝে মাঝে দোহার দিছে। হাসন রাজার অবস্থা তথা অণ্ডত আমার কাছে মনে হয়েছিল—উন্মতপ্রার। কারণ প্রকংশী এরকম দৃশ্য সে-হর্গে ছিল অসভ্তর, কদপনাতীত। পরবতী যগে শ্রেমছিল্ছ, এ-রকম 'বেদেলাপনা' সে-বর্গে করবার মন্ত হিমাং ধরতেন একমাত হাসন রাজাই, এবং আরো শ্রেছিল্ম, তিনি তথা নাতৃন নতৃন গতি রচনা করতে করতে, সাপো সপো সাজ দিরে গান করতে করতে, নাতোর পান্দেশের মারফাত তবলচীনীকৈ কি তাল দেটা বোঝাতে বোঝাতে দিনের পর দিন, রাভের পর রাত কাটাতেন।

ভাওয়ালি পেরিয়ে যাওয়ার পর লক্ষ্য করল্ম, আমার পিতা অন্যাদ্রে মাথ করে বসে আছেন : তিনি ছিলেন কটর কুছে-সাধনপদথী। ধমেরি নামে (কারণ হার্সন রাজা রচনা করতেন, গাইতেন ধর্মসংগতি, মিল্টিক গনে—রাজের বাউলরো যে-রকম একতারা ছাতে, নেডকাদে, কোদালির মেলতে মরীমন্ত্রা গাঁও রচনা করেন) এ-সব তলচোলা 'दिलाहा थना' এकनम महेर्ड भारत्कन मा। কিন্ত এটাও তথ্য লক্ষ কার্যছলাম্ বাবা আমাকে ভাওয়ালির পানে তাকাতে ব্যক্ষর বারণ করেননি।,,ভারপর এক্রাধি**ক ভ**টনা থেকে আমার মনে কেমন বেন একটা সংস্থেহ জাগে, বাবা হেন হাসন রাজ্যকে একটা এক্সেপ্শন্ বাভাগরেপে স্বীকার করে নিয়েছিলেন, তাঁর প্রতি বাবার হাদরের এক নিভ্ত কোণে কেমন দেন একটি প্রীতিভাব ष्टिल, देशीकराड वलाउ छाउन भवीमहा कवि হাসন রাজার প্রতি তাঁর একটা সফ্ট্র কনার ছিল। তা সে-কথা যকংগ। আহি উপপিত হাসন রাজার সাগে শ্রীঘাত সমাতন পাঠক এবং তাঁর মত অন্যন্য কোত্রেলী

ডেল কার্নেগার প্রতিপত্তি ও বন্ধনোড—৪॥• দ্বিদ্যতাহীন নতুন জীবন—৫॥• অচিন্তাকুমার সেনগ্রেতর **अथ•७ अधिम औरगोताञ—**১ম—৮॥• ২য়—৮. প্রভাতক্মার মুখোপাধ্যায় ভারতে জাতীর আন্দোলন-১১, প্থিৰীৰ ইতিহাস-১৬, স্ভাব চরুবভারি দীপক চৌধুরীর জৰাবদিহি (शम्द्रम्थ) পদ্ধ ও প্রেমিক Ġ, ধনজন বৈবাগীর পড়িমাটির স্বর্গ 9. मक्ना ক্রিরাদ (নাটক) OII. এক শেয়ালা কফি ₹11• আৰু হবে না দেৱী 2110 **छेश्शन नख**न्न क्तारी क्लेक 0, भ्रष्ठिन्द्रसाथ वरम्साशासारतत স্থের সংতান Œ, क्ट्यान গ্রন্থবিকাশ-২২/১, বিধান সর্রাণ, কলিকাতা-৬

শাঠকের পরিচয় করিয়ে দিচ্ছি। কিন্তু হার, সেই পঞাশাধিক প্রকালের অসহিক্ ধর্ম এবং কটুর সমাজ বাবন্ধার মাঝখনের বাতার হাসন রাজার কাবারস জীবনরস অদাকার সর্ববাবদে সংস্কারমত্তে পাঠকের হন্তর স্পারিত করার মত লেখনী তো বাশেশ্বী জামাকে দেবনি।

হাসন রাজা অত্যন্তম বিলক্ষণ জানতেন, ব্রতী রমণীমণ্ডলীর মধ্যভাগে তাঁর নাতা-গীত মৌলবী মৌলানা, কটুর মোল্লা-সন্তানারের দ্' টোখের দাশমন। তাই দেখতে পাই, যারা হাসন রাজার গীত চরন করে দেগন্ধো ছাপাতে চাইলেন, তখন হাসন রাজা যে গতি রচলেন দেটি এই। এ-গীত দার সঞ্চালার সর্বপথ্য :

"আমি করি রে মানা, অপ্রেমিকে গান আমার শুনবে না।

কিরা দেই, কসম দেই আমার বই হাতে ।

বারে বারে করি মানা বই আমার পড়বে না। স্পেরের প্রেমিক হেট জনা, এ সংস্কার

অপ্রেমিকে গান শ্রনিলে কিছুমার ক্রান না ।

কানার হাতে সোনা দিলে কাল ধলা চিনৰে নায় হাসন রাজার কসম দের, আর দের মানা।

আমার গলে শ্নাবে না, বার প্রেম নাই

শাস্ত্র্যাধিকার না থাকলে বেল পাঠের অন্যুতি নেই। ক্যাথলিকদের ভিতরও এই রীভি আছে। ধর্মশাস্ত্রে জ্ঞান লাভ হলে পর সধারণ কাথেলিক জন পান্তি সহেবের কাছ থেকে অনুষ্ঠিত পার বাইবেল পড়ার জন্য। এ-পথলে হাসন রক্ষা তাঁর স্ক্রের অনুভূতি প্রসাদাং—ব্রভিডকের পরোরা করতেন তিনি কমই—হদরপাম করতে পেরেছিলেন, 'অরসিকেব্ রসস্যা নিবেদনম'এর মত লাছনা ইহলোকে ভিততম অভিজ্ঞতা। ভাই তিনি বার বার 'কিরে' 'কসম' কেটে দোহাই দিরেছেন, 'মানা' করেছেন তাঁর গাঁতের আসরে যেন 'অপ্রেমিক' অর্থাণ

হবে না।। अর্বিক কেন না আবে।

জন্মান্য সাধ্-সন্তদের কথা সঠিব বলা কঠিন, কিন্তু হাসন রাজা জানতেন ওর সামাজিক আচরণ মোলাম্ন্শী অংগি 'অপ্রেমিকের' নিন্দা ভাজন হরেছে। তিনি খাবস্বাহ চালী ছাজি বিরে করে তার ভাগ্রালিতে নিরে আলতেন। এ-বিরয় জামি কোনো গবেষণা করিনি। তর খানেছি, বৌবন গভ হলে, চালী মেয়ে হান চাইতো, তবে ভাকে তিনি টাকাকড়ি জান্দ্রী

किन्कू अह काशा।

সর্বাপেকা আশ্চরের বিষয়, তিনি র শাধ্য 'দেশে দেশে' বিয়ে করতেন ভাই নর ভাওরালি থেকে নেমে নদী-পারে 'ছোল বারি' করতেন—আমার মনে সন্দ আছে, খ্র সম্ভব জিলকে চল্'-এর খাব্স্রতীধের সন্ধানে।

সাদীর্ঘ অবভরণিকা নিশ্পরেছেন। তার একটি গীত শনেন ঃ

"একদিন তোর হইবে মরণ বে, হাসন রাজা একদিন ডোর হইবে মরণ। মারাজালে বেভিয়া মরণ, না হইল সংঞ

একদিন তোর হইবে মরণ॥ ৰমেৰ দুভে আসিরা ভোষার হাঙে

দিবে নাড় উনিকো টানিকা **লই**কা **বাবে, ব**মের

ভংগারী ল'

এ প্রাফিড তো পাতানগুলিভিক। কিন্তু
এর প্র শান্নন্ন, কবি নিজের জাবিন, নিজের
চরিত্র নিবে কী ব্যুক্তা, কবি ঠাটু সংকর
করেজন

"সে-সমর কোখার রইব (তেখার: স্কুলর স্কুলর ক্টি:

ক্ষেত্র ক্রমণাশা, কোথার ক্রমণাশা, কোথার

(রামপাণা আরে লক্ষ্যেন্সীতে হাসন রাজার বিরুট বিরাট জমিদারী ছিজ। করবে নি রে, হাসন রাজা, রামপাশার

> করবে নাকি কাপনা নদীর পাড়ে ফোরাছ:িও?

জ্মিদারী >

জ্ঞার বাবে নাজি, হাসন রাজা, ক্রাজাগঞ্জ নিরা?

করবে নি রে, হাসন রাজা, দেশে দেশে বিয়া?"

কী প্ররোজন ছিল নিজের জীবন নিজের চরিত উদ্যাটিত করার? আর, এই একটিমাত গাঁত না, আরো বহু বহু জারণার তিনি নিজের দূর্বাক্তা নিরে মাক্রনা করে গান রচেছেন। এগালো চেপে গেলেই পারতেন।

কিন্তু না, এই মাটির মান্বটি ছিল সভাকাম, সভাপ্রামী



Distributors for West Bengal & Orissa:

M/s. PRAGATI DISTRIBUTORS,

24-C. Dr. Suresh Sarkar Road, Calcutta-14.

ভূমি ভাবছ আমি মরতে বাজি ভর নেই, তান প্রোনো ঠাট্টা তোমদের সঙ্গে আমি করব না।

·क्तीब क्षणः : बबीन्स्रमाथ

আলবার, ১২ই অগাস্ট। স্কুপর চেহারার
বঙালী একটি মহিলা নরাপিলা
মাজিনেটটের কাছারিতে—"ইন কামেরা"—
দ্বা লাইনের একটি লিগিক্ত স্টেটনেন্ট নিগোন: '১৩ই জ্বান ব্যক্তিগত কারণে স্বেক্টায় আমি চলে গিয়েছিলাম। আর
কিচ্নই অমার বলবার নেই।"

এই তো, শেষ প্রবিশ্ব সতাই দেখা গেলা ঘটনাটা এমন কিছাই কেকচার নর। অথচ 
এ নিয়ে বিগত প্রায় দেড় মাস ধরে বিস্তাব 
হরে হরে কি সমস্ত সম্ভব-অসম্ভব 
গগেতানি-গাজ্ঞাবের রঙ্গেরেড তর্মগাই না 
বইছিল! এখন দিন্দির স্বামিট্যাট। কে 
বলে দিক্ষাতে ভালো হবর মেট্য

গ্ৰেব নামক অশ্বীরী জনকাবোর নাকি মাকডশার মতন দশটা স্থাং। আর সেই দদ্ট লিকলিকে ঠাং-এ ভব করে কি অসম্ভব কাণ্ডটাই না ব্যধ্যয় গ্রন্থৰ । গ্রেক্তবে গ্রেক্তবে कर्मन्ट्टरे राष्ट्रभागी टरका गाम गुलकात। তার এখন তো সেনায় দেহালা টাইছ। ফ্র ফরে করে, ভূর ভূর করে, ভক ভক করে প্রভাবের প্রঞ্জন। আনাশা যাদাবলে প্রভাব মাত করে রেরখছে অসের। **মাকে সাম্নে** পাছে তাকে লেভেও দিছে গ্ৰহুৰ। কেউ বেউ বজ্জেন—মায় ইবিদক গান্ধী নিজ-লিখ্যাপ্যা-দিলীতে शुक्रदंद क्रालार িহাজাবার জেন মেই। তো কেউ বল্লেন যেমন সদা বিদেশ ফেরত অশোক মেহতা,— নিল্লীতে গভেবের এখন মরশ্যে পিরির্ভে। সংখ্যতিক সাংখ্যতিক গভেব, ফেমন, এই শ্রসাম, 'আপনি নাকি কার চাকরি খেয়ে मित्रत**्रह**ा। সভানিথা, অভিস্থিহীন, অভিস্থিপূৰ্ণ काटना-मामा যবতীয 5 1077 কেডকে যাওঁ সে আপাত্ত निःमरम्बर नयामिक्की। शृक्ष्य स्कारना अकारत একটিবার চালা করে ছিডিয়ে দিলেই হলো। অতঃপর, ব্যস, দেখো মজা। অমনি গাভবে P दशक् इत्व हेन्द्रभूषा जानभामा महम् শেষ পর্যান্ত কোন কলেকরে কোন রঙ ধরে সেই গ্ৰেষ যে কোন মূথে কিভাবে আবিভাব হবে তা দেবান জান্তি। গ্যজব বে শ্ধ্ গ্লবাজ্দের মুথে মুথেই ছড়িয়ে পড়ে তা কিন্তু নয়। নেহাও গেবেডারা ভালো মান্ত্রের মূথেও। মন্তী-দের নিয়ে ঢাকাও গ্রেব। রাজনৈতিক

দলের মাত্রবরদের নিয়ে চলতলৈ গা্রুব।
নেতাবার্ত্তিদের নিয়ে খট্ খই গা্রুব। বিদেশী
দা্ত্রবাসগা্লিকে নিয়ে গা রী-রী করা
গাল্তব। দিলপপতিদের নামে চেবে চড়কগাছ গা্লুব। সিনেমাওয়ালীদের নিয়ে
চটকদার গা্লুব। সংবাদপর মালিকদের এবং
সাংবাদিকদের নিয়ে মালালের গাল্ভব। সাঁত্র বলতে কি. গালেবে গা্লুবে ছেয়ে ছেয়ে
ছয়াকার হরে রয়েছে গাল্ভবার রাজধানী।
এমন কি সাধারল নগারকাসগৈক নিষ্ঠেও
সমাবত করেই অক্তহানি চলতে গা্লুব। আর

# لحقافك

এই মন্ধার মন্ধার গান্তবস্থালিও ব্যক্তি অমন।

এমন কি গান্তবের ভেলাপেও নেই। বান্ত্রপোকও সোক্ষেত্র ভেটকি লোচন। একে
নিভেন্সাল ভাষ অমব।

ভবে অশহতে আ-রাজনৈতিক একটি
গলেবের কাছারিরতে হঠং করে মৃত্যু ঘটে
গোল। "ইন ক্যামেরা" যে বংগ লালনাটি
১২ই আগপ্ট নিই লাইনের সব ফিটমাট প্টেটমেন্টটি নিজেন ভাকে ঘিরে পিল্লী
গবেষণ ক্ষেত্রে মাধামাণ্ডুহনি যে গালেবাটি
হিলাহিল করে প্রায় নেড় মাস ধরে জাবিত
ভিলা সে গ্লেবের মৃত্যু এতানিনে অনিব্যর্থভবে ঘটল।

এই মহিলা এবং ওর পরিবারীটকে নির্ভত গড়েবটি যথানিষ্কাম মৃত্যু মৃত্যু রস্ত পাল্টাচ্চিল্ন সে গড়েব পরিকল্পনান্য হী কলেবর ধারণ করছিল যখন হেমনটি মহিল। সংকদপরের পৃষ্ঠার নিতা নতুন নতুন গবেরকদের দিকানদেশি ছেপে কের্যুক্তিল। এমন সময়, হার, সবার সব থিউরিগলোই ভণ্ডুল হয়ে গেল। নির্মী প্রালিশের কৈওৱ কানাম। কিন্তু এই গুলোরিকে হতা করার সুদপ্রি সাফলা একমাত দিল্লী প্রালিশেরই প্রপা। বদিও এতে অনেকেই হতাশ হরেছেন। গুলুবের এই মৃত্যুতে। কেনা না গুলুবের গথা নাফি মিন্টি মিন্টি। মিন্টি জিনিসের মৃত্যুত্ত।

ব্যাপারটা খালেই বলৈ।

গত ১০ই জন দেখতে মিন্টি মতন ক্ষেণ্ডালী একটি বিবাহিতা মহিলাকে হঠাই আর কোণাও দেখা গেল না। তার কাড়তে না। রাজতাটে না। বাজারে সিনেমার না। কোখাও না। বাজালী মহিলাটির অবঙালী পামী চাণকাপ্রী খানার ভাররী করেনে, তার প্রতিক সম্ভবত কেউ কিড্নাপ করেছে। হাঁ, উনি সম্ভবত সম্ভব্যাপ করেছে। হাঁ, উনি সম্ভবত সম্ভব্যাপরিক্ষাপ্রতার বাসার বাসার খোঁক করেছেন। কাঁ হবে তার প্রতার ক্ষাপ্রতার ভারত ভিন্ন গানেব হরেছে?

সংগ্য সংখ্যা দিল্লী প্রানিশ এবার্ট হয়ে গেল। কভারে বড়ারে এলার চলে গেল। শহরময় তা তা করে ফান-হান্ট যারে বলে তাই কাগিছে দিল। ১৯ট কেট সদেশহ করে কাল, তাদুমহিলা কিড্নাপড হন্নি, খান হয়েছেন। কিন্তু লাশ কই? লাশ?

অমনি প্লিটেশর কনফারেক। বস্ত জরারি। লাশ খেলিখাবিক চলল। অব্যাসভাবে।

মা লাশ কোণাও পাওয়া গোল ২০ তা হলে আলবং কেউ ভদুমহিলাকে

তা হলে আলবং কেউ ভন্নমহিলাকে ভবরদাতি ধরে নিয়ে গমে করেছে। কলকাতা-মান্তাভ-বে দংই-কানপার চতুরিকৈ ভজন-ভজন টোলগ্রাম গেল। প্রক্রিশ গোল। সি আই ডি গেল। হাল্যখন্ন ভোলপাও করে আন্ত্রশান কর্ম চলিরে গোল বহনু-

जालककान्मात म्या-त

# थि बारम्क होशाम १.६०

অন্বাদ-শ্যামাদাস দে

জগদিবখ্যাত গ্রন্থের অপূর্ব অনুবাদ। অনুবাদ-সাহিত্যে উল্লেখবোগ্য সংযোজন। তিনশো প্রতারও বেশি সূত্তিং গ্রন্থ। সম্পূর্ণ কাহিনী।

অভ্যুদৰ প্ৰকাশ মন্দির । ৬ বঞ্জিম চাট্জেন স্ট্রটি, কলিকাতা-১২

(17-90S0)

নিশ্নিত দিল্লী প্রনিশ। যেন এই অন্-সম্থান ফলাফলের উপর নিভার করছে দিল্লী প্রনিশের জান-মান-প্রাণ এবং সমঙ্ভ সেম্বালি

শহরমর নিতা খ্ন-জখম চলছে।
লাখপতি মরছে তো ডিপ্লোমগটও বেঘারে
মরছে, ভিখিরি মরছে তো কেরানী-বধ্ও
মরছে। প্রায় কোনোটারই কোনো কুলকিনারা করতে পারছে না প্লেল। এবার
এই ভদ্রমহিলার বিষয়ে ও'রা একটা হেম্তনেম্ত করবেনই করবেন এমনই দৃঢ় সংকলপ
দিল্লী প্লিশ ইনেসপেক্টর-জেনারেলের।

ৰাঙালী ভদুমহিলার নাম কল্পনা। ও'র স্বামী ইন্ডিয়ান এয়ার ফোর্সের ক্কোরার্ডন লীডার ডি আর নায়ড়।

প্রলিশ খুরেফিরে স্কোরার্ডন লীডার নায়ডুর কাছেই বার-কার আসে। ধওলা কু'রার তার ফ্রাট। ডিপ্লোম্যাটিক কলোন চাশকাপরীর পাশে। পশ এলাকা ধওলা কু'রাতে থাকেন এয়ারফোর্সের অফিসাররা। এয়ার-ফোর্স' অফিসার ভি আর নায়ডব **ক্ল্যাটবাডিটা** জায়ি সুরুচিপ্র গভাবে সাজানো। তার প্রতিটি অপে স্থা কল্পনা নায়ড়র পরিক্তর শ্রীময়তার স্কেপ্ট চিক্র। আঠারো বছর আগে বৈমানিক নায়ড বাঙলাদেশের ব্যারাকপারে পোলেটড ছিলেন। সেই স্বৰ্ণ কল্পনাকে উনি সময়ে গাহলক্ষ্মীত্তে বরণ করেন। কল্পনার মা বাবা বর্তমানে বর্ধমানে থাকেন।

া নারভূদের প্রথম সংতান মেরে। মেরেটির বরস এখন প্রায় সতের। মেরের পরে ছেলে। সে পড়ে পার্বালক ইম্কুলে। সবচেয়ে বে



দেখন এবং দেখান, আপনার প্রিন্ন চিত্রতারকারা সিনেমার ৬' x ৫' পদার কমিক,
লড়াই, কার্ট্রে আপনাআপনি চলবে, নাচবে।
মেলার বা প্রদর্শনীতে ইলেকট্রিক বা টর্চ
বাটোরি দিয়ে দেখান বাবে। প্রচুর টাকা
রোজগার কর্ন কিংবা নিজের বাড়িতে
বন্ধ্যানধব বা পরিবারের লোকদের দেখান।
নুপার পেশাল প্রেজেকটা দাম ৪৫, টাকা,
১০০ ফুট ফিলম ক্রান্তর, ফিলেমর তালিক।
বিনাম্লো। ডাকথরচ ও প্রাক্তি ১০০ ফুট
ফিলম ১০ টাকা।

প্রচুর চাহিদা আজই অর্ডার দিন Holywood Cinema Corp. Kalyanpura, Delhi-6. ছোট তার নাম শেখর। বরস দশ। মারের আঁচল-ধরা শেখর কে'দে ছাসিরে দিশ বাড়ি। মাকে না দেখে সে জসম্পর্শ নাকি করবে না।

অমন স্পর একটি পরিবারে কি মা এই
দুর্যোগ! এই ছমছাড়া অবস্থা? বাড়ি
অপ্রকার। পাড়ার সবার মুখে এক কথা।
দিল্লীর মুখে মুখে ছড়িরে পড়ল কম্পনা
নামডুকে কেউ গারেব করেছে। কেউ ও'কে
খুন করেছে। কেউ ও'কে নিরে পালিরেছে।
কেউ ও'কে হত্যা করে লাশ গারের করেছে।
কেউ

স্কোয়ার্ডন লীডার নার্ড আপিস থেকে ছুটি নিরে, পাগল হরে বাবার যো। কী হলো, কী হবে, কে তাঁর সবানাশ করল, কে করল ও'দের সম্ভানদের মাড্ছীন ?

'আছো, আপনাদের কোনো অবনিবনা ভো ছিল না।'

'ell 19

'থ্ব ভেবে জবাব দিন, পলীক্ত।' 'না, তেমন অবনি-বনা তো কই আমাদের ছিল.।'

'কোনো ফ্যামিলি কোয়ারল?' 'তেমন কিছাই বিশেষ ছিল না।'

আর দশজন পরিবারের মতনই স্থীঅস্থী নারভু পরিবার। পরিবারের সমস্ত ভিটেল খ্ণিটরে খ্ণিটরে সংগ্রহ করল দিলী প্রিসা।

অদিকে শহরে কোবাও গ্রন্থবের হাছ থেকে নগরবাসী কেউ নিজ্কতি পেলেন না। কেও বললেন, নির্ঘাত এ খ্নের কেস। কেউ বললেন, না উনি কারোর সংগ্রাপালিয়েছেন। কেউ বললেন, মেরেনের আর বিশ্বাস কী।

আত্মীয়স্বজ্ঞনের ব্যাড় বাড়ি গিরে সারা দেশমর দিল্লী প্রালস অফিসররা থেকি নিলেন। কোনো গ্রেজবকেই প্রায় এতট্টক चर्दरमा कर्तम् मा। क्राकाए वर्ष-ও'কে-যাকে-তাকে-স্বাইকে প্রশ্নাদি করে চললেন। কল্পনার সংগী-সাথী-স্বজন কেউ কোথাও বাদ পড়কেন না। আৰু প্ৰভ ম্কোরার্ডনি দ্বীডার নার্ড্ড বেথানে বেখানে পোলেউড হরেছেন সেখানে কেখানে একার ফোর্স অফিসর মহলে মহলে তাল্যাম চলল। গাুণ্ড অন্সন্ধান চলল। কেও বাদ পড়ল না। দিল্লীর প্রালস তথন দশবান হয়ে সর্বত 4-(4) বেডাতে লেগেল বলে। কল্পনাকে থ'কে रवत्र कतरवर्रे বর্ধমানে গেল পর্লিস। না। কম্পনার মা বাবা ও'দের মেয়ের কোনো **খবর** পানান।

নারভূদের আত্মীর শবজন বংধ্বাধ্বর কেউই কোনোপ্রকার আলোকপাত করতে পারলেন না। ক্রমণ এই ধারণাই দৃঢ়ে হলো যে কংপনাকে তাহলে কেউ হত্যা করে ও'র লাশকে সভাই গা্ম করে দিরেছে। কিন্দু কংপনাকে হত্যা? কেন হত্যা? উনি তো কারো সাতে-পাঁচে থাকবার মেরে ছিলেন

ভাদকে শেখর ছেলেটি নাওরা-খাওরা ছেড়ে দিরে কে'দেকেটে অন্ধির। ওর কাছেও ওর মারের প্রেখান্প্তথ বিবরণ নিলেদ প্রিলস কর্তাবাভিরা। বেদিন মা হারের বান সেদিন তথন শেখর বাভিতে ভিল। দিদির সঞ্জে খেলছিল বসবার ঘরে বসে। মা অন্য দিনকার মতন সেদিনও সকালে বাইরে গেলেন কেমিস্টের দোকানে। ভার পেট-বাথার ওব্য কিনতে। মা বখন বাইরে বান তখন ভার বাওরার শব্দ প্রেমাভিত শেখর। মেইন গোটটা মা বাইরে যাবার সময় বশ্দ করলেন সেই শব্দ। বাবা তখন আফিসে ভিউটিতে।

গ্রহুবে গ্রহুবে বখন শুধ্ ধওলা কুনা-ই
নর, গোটা দিল্লীধাম অশ্বির তখন একদিন
খৌন্ধ পাওরা গেল এরার ফোর্সের এক
ভপ্রলোক কলপনাকে সেই হারিরে বাওরার
দিন গাড়িতে সিফট দিরেছিলেন। পিচ-গলা
রাশ্বার মিসেস কলপনা নারভু স্টেকেস হাতে
হোটে হোটে বাচ্ছিলেন। লিফট দিরেছিলেন
গাটেল চৌক অবিধ। কলপনা সেখানে নেকে
গিরেছিলেন ব্যাঞ্চেক চেক ভাপাবেন এই
বলে—উনি তাঁকে চিনতেন না। আগে কখনা
দেখেনও নি। তবে অফিসরটি এই লিফট
দেবার পর শ্বির করেছিলেন কোনো না
কোনো সমর ক্লাবে কিংবা কোনো পার্টিতে
ভার সঞ্চেপ পরিচিত হবেন।

এইভাবে গেল কেটে করেনটি
সুশ্ভাহ। কোথাও কোনপ্রকার চিহ্ন নেই
কংশনার। নারড় মুখাই যাকে বলে শ্রিকার
আযমরা হরে গেলেন দ্বিচ্চতার। জানতে
পর্যাত পারছেন না ওর স্ত্রী জাবিতা না
মুডা। সর্যাজন কেবলাই মনে হচ্ছিল কেউ
কল্পনাকে ইতিমধ্যে নিশ্চরই খুন করে
ফেলেছে। খুন করে লাশটা ষম্নার জলে
ভূবিরে দিরেছে। খেখর শুধু ভেউ ভেউ করে
কলৈ আর শ্রেষার,—বাশি, ব্যব্লু-বী
কথন ফিরবে?—কথন?

মাকে ও "বাশ্বল-বী" বলে আদর করে 
ভাকত। মাকে সর্বন্ধণ ও দেখত মৌমাছির 
মতন গনে গনে করে কাজ করতে। মৌমাছি। 
গুটো ম অক্ষর দিরে মাকে মৌমাছি বলতে 
ওর খাউব ভালো লাগত। ছেলেটি দেখতে 
ভারী স্মাট এবং স্থা, গোলগাল মূখ। 
তেমনি মেধাবী। না. ঃ আর তেমন বাংলা 
ভাষাটা জানে কই? দিদিও তেমন জানে না।

দিল্লীর প্রতিতি কাগজের সম্পাদককে
একদিন শেখর একটি চিঠি লিখল মারের
উদ্দেশে। যা কাগজ পড়েন। মা শেখরের
সেই চিঠি পড়বেন। শেখর খবে ধরে ধরে
লিখল,—আমার সোনা মা, বান্বল-বা,
লক্ষ্মীটি, ভূমি এসো...

কাগজে কাগজে তথানি শেখরের চিঠি

চেত্রণ বেব্ল প্রথম প্**ষ্ঠার। শেথরের মারের** ছবিত বেরিরে পেছে প্রথম পাতার। মারের ছবি কাগজে। মা এখুনি ফির্বেন।

সরাস্থাবতী সাম্পরী কলপনা নারাতু। ভরাট থোবন। কমনীয়তা আখা হাসি হাসি ঠেইটের মাহা একমাথা কালো কোঁকড়া চুল। চোথে

কংপনার পেটে বিরক্ষ একটা বাথা ভিলা তাই ওম্ধ থেতেন তিনি নিয়ম করে। আসফ আলী রোডে সেই কেমিসেটর লোকানা যেয়ান থেকে কংপনা ওম্ধ কিনাতন। শঙ্লা কুয়া থেকে বেশ খানিক মুস্তে প্রোদন দিয়ৌর গা লাগা। কেমিস্ট লোকান মোদন মিসেস নায়ভু ও'দের নোকান আসম নিয়া ভাতলে পাটেল ভোকের পর কি হালার ভারপের ব

ত্রিক বিশ্বামিষ গ্রেক্ট । কেউ বলেন এখনে ফে সের কোনে। অফিসারই কংশনাকে গত্র কান প্রকিয়ে রেখেছেন। কেউ বলেন লং রক্তার অন্য কত কিছা, যা ছাপালে ভাল কোনার লা। প্রক্রিক কতারা তো এননা তিম্নিম। তবন নিতা সিম্পতিত কেটা কেউ সভিত্র হাই। বেফোরে বন্দ গ্রেক্ট কিটা কিলা হাই। বর্জারে বন্দ গ্রেক্ট কান্ত্র কলান রাজ্য একটি নালাকে কিলা ব্যাহন কান্ত্র তাক্রিক লালাকে কিলা বর্জার এক্সিক্টর লালাকিটা বর্জার এক্সিক্টরেন। ভারপর নালাকিটা বর্জার এক্সিক্টরেন। ভারপর

লক্ষা এন কা এর নাগায়ুব তুতা সাংগল ইবাব যোবা তব্ ভুলিয়ে ভালিয়ে ক্ষেত্রকে বিন নিকুলো পাটাটে লাগালেন। ইম্কুলের সংগাবাধ ক্ষেত্রক কেমন যেন এড়িয়ে চলে বল কাটা কটা মুখ কেয়েন

জনতি মাস এমনিভাবে ধমধ্যে করে বাংলা প্রতিষ্ঠা, একতি নিন্তু বাদ না
িত, এতিধানীর প্রতিতি সংবাদপত্ত
ইংবেজা হিন্দা উদী ব্যুক্তি বিদ্যুক্ত সিংধা
মাজত, সমানে খবর ৯ পিতে বেজা—মিসেস
বংগনা নাম্ভর এখনো পেতি নেতা
স্বান্ত্রী আক্রেনানীকে কিন্তু বিশ্নুমার্ট
বিজ্ঞা দ্যা স্প্রান্ত্রী বাংলার ব্যুক্তি বিশ্নুমার্ট
বিজ্ঞান্ত্রী আক্রেনানীকে কিন্তু বিশ্নুমার্ট
বিজ্ঞান্ত্রীনা দ্যা স্প্রান্ত্রীনা ভাগের ব্যুক্তার

চ্যিশ দিন প্রেড সংবাদপ্রের থবর ঃ নিদেস কংপনা নয়ভুর খেজিখবর এখনো প্রভয় যাসনি।

এরপর, ঘটনার চল্লিখা দিনের পর, দিয়াই-শাসী ক্রমণ কলপনা নায়ভূকে ভুলে যেতে গাগল। একটি তো মাধ্র নাম। তা আর কলিন মনে রাখা যায়!

কিন্তু প্রিলস কমাচারীরা সেই নামের মহিলাটিকে সমানে খাজে বেড়াতে লাগলেন। প্রতিটি থানায় চলে গেছে কম্পনার ছাব। ছবি গৈছে এলাহাবানে। কলকাতার। ব্যারাকশ্রে। বদমানে ছবি গেছে মানবাছে। বাঙালোরে।

পাঁচই অগ্যাস্টের সংবাধ : মিসেস কল্পনা নারভূকে এখনো খাঁজে গৈওরা যারনি। সরকারী রেভিওর সংবাদ নয়। সংবাদপত্তের সংবাদ।

প্রলিসের তো লম্জা নেই। নইলে আথা নীচু করে চলত ওরা। দিয়ারি কফি হাউস-গ্লোর, পশ্লেমতবাগ্লিতে চুটিয়ে খ্র আন্তঃ জনল।

তারপরের দিনটা ছিলা ব্যধনর। ৬ই
অঞ্চা দুপরে না ফ্রেন্ড সমসত শহরময়
সহলা গম গল করে একটি সংবাদ ঝড়ের বেগে
ছড়িয়ে শড়ল,—কল্পনা জীবিত। তাকে
একাহারাদে পর্লিস দেখেছে। দেখে তার
পিছু শিছু গিয়ে তার তিকানা সংগ্রহ
করেছে।

বিল্লী প্রিচাস সেনিনত এলাহাবাদে কাপনাকে খাঁচুক বেড়াছিল। এলাহাবাদে এয়ারাফারের জনৈক অভিসাবের প্রতীক্ষপনকে একনিন রাগভায় দেখে ২৩৬খন। একিয়া এসে নামকার করে তিনি বাল্ছিলেন, খাবো মিসেস নাহতু। ভাল তো হা

এয়ারফোসেরি মার্ফার আগেভারে তিনি জানতেন মিসেস কাপনা নায়ভ নিখেলি।

'আমি মিসেস নাম্ভু নই'' এই বলে সেদিন অধ্যতিতি কলপনা পিছ, কিরে সোজা ভিন্ন পাথে চলে যান। এয়ারকোসাঁ অফিসারের কাঁটি তো বেকুর বনবার মাইলা নন। নামভুরা তো এই এপারেরের বছর দ্যোক ভানেরই প্রতিবেশী ছিলেন। অথচ এখন কলপনা বলছেন উনি নর ভিনি। কাঁটিন দ্যোবন কেনা। খবরটা ভগ্নি ভিনি ভার বৈমানিক প্রামীরক নিলেন। তিনি দ্লাকৈ করলেন কল্টাই।

তথ্য প্রকৃষ্ঠ কিমেছিল বিপ্রবী প্রিলস একাহাবাদে। সাক্ষাত্ত ঘটে গেল কংপ্রায় সংখ্যারসভায়। কংপ্রা যাজ্জির কেমিটেটর নোকানে। বাজারে। প্রিলস্ অভিসার স্বিনয়ে প্রার্থিন শিক্ষালন।

প্রিসাকে কংগনা সংলক্ষেন্ এ-শাবে সে-শহর মুরেটারে দ্ব-সংভাহ আগে তিনি এলাহাবাদে এসেছেন।

ভিলেন একজন বৃষ্ধার প্রেয়িং গোস্ট হয়ে।

ভাবঃপর একাছবেদ ম্যাজিপ্টেটের কছে ও'কে নিয়ে যাওয়া হলো। ম্যাজিপ্টেট যথান রুছিত ও'কে প্রশাসি করলেন। কংগলা বললেন, ও'র স্বামী এলাহাবাদে এলে ও'র যা বলবার তা বলবেন। এবং ও'র স্বামীকৈ যেন জনগ্রেহ করে জানিয়ে দেওয়া হয় তিনি যেন ও'দের কোনো ছেলেমেয়েকে না নিয়ে একাহাবাদে আদেন।

সেই দিনই স্কোরাভান কভিার নারভু

क्रमाशवास क्रमन्। क्रमा।

শ্বামী-শুনী, নার্ডু লংগীত, এক্ষ শ্বগ্রে দিল্লীয়ত। ঘরে ঘরে আবার অংশো বাতাস। বাধ্বল-বাকে সব সমর ঘিরে রারেছে ওাদের লগ বছরের লিশা-সাতাল শেবাস-বাদ্বল-বা, আরু কিব্ছু তুনি কোধাও বাবে না মা..."

সব মিউমাউ । বৈমানিক নারভু বলেছেই, চলে বাবার আগে নিমেস কলাকা নারছু একটি পর লিখে রেখে গৈরেছিলেম ভার উদ্দেশে। বাভির এই লাভভাত শোকাবুল অবদ্ধার প্রটি এতাদিন ও'র নালরে কেন্দ্রেশ প্রভেনি!

ভগত প্রজাবে প্রজাবে ব্যাপার**টা কোথার** বে-জারগার, রেনো তুগের গিয়ে এ**ক অসম্ভ**র স্থানে প্রণীছেছিল। নার্ড্যশাইকে ক্স্পূর্না দেবী ডিঠিছে কি লিখে বিদায় নিতে যাজেলের তা নিশ্চয়ই কোনো দাল্যভা-**₹**12.0 আডিপাতা £25 37.3 মিকেয়েজন: ভাৰ একদিন না একদিন करणभारक आधि वकारात वजर, 'तरीन्त्रसाध দেখিন প্ৰায় প্ৰাক্তিনী লিখেছিলেন, ক্ষাভিত্র কোন্ধানের এখন একরম নেই। কারো গ্রাদানসত ভাষেকাতে ভাউকে আত কেউ আজ-কাল ব্যাকে রাখ্যার পারেন মা। মহাত হ ওলটা **বাস্ত**বিক্র পড়েরালো **একটি ঠাট্টা**। ্লার আশ্রমে আশ্রম নিতে **যাওয়টোও আ**তি প্রাচনি একটা প্রথা '



## The best selling book

 ${\bf HOMOEOPATHY}$ 

#### THE PRESCRIBER

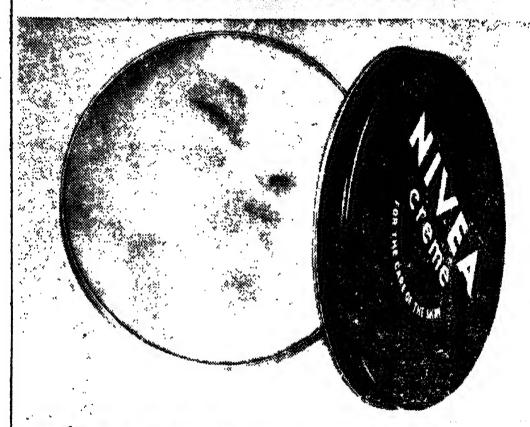
by J. H. CLARKE, M.D. Simple Prescriptions on practically every ailment and 64 pages on HOW TO PRACTICE HOMOEOPATHY 18/6d.—Rs. 16.65

A turther list of Homoeopathic books is available from:

#### RUPA & CO.

15 Bankim Chatteriee Street CALCUTTA-12.

# अये कोटिएण की आटि ?



# (जीन्नर्यञ्चसायस वृत्कत्त त्रक्तः !

ত্বক দাধারণত তুরকমের হয়। এক হ'ল স্বভাব-জাত দৌন্দর্যময় ত্বক, একটানা জ্বান থাকে যার মুষমা। জ্বান্ত ঠিক-তত—মুন্দর-নয় শ্রেণীর এবং এই ত্বকের দৌন্দর্যস্থমা ক্রেমণ জ্বানো বিকশিত হয়ে উঠতে চায়। নিভিয়া ক্রীম বিশেষ করে উভয় শ্রেণীর উপযোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রুয়েছে জ্বান্চর্য ইউদেরাইট, একটি বিশিক্ট উপাদান, যা জ্বাপনার দেহত্বকের স্বাভাবিক

তৈলভাগ জোগায় এবং ভাকে কোমল ও লাবণ্যময় করে ভোলে। আপনি যদি রূপবতী হন, ভাহলে নিভিয়া আপনার ত্বককে মন্ত্রণ ও ভারুণামণ্ডিত রাথবে। যদি আপনার ত্বক হয় শুক ও রুক্ষ, নিভিয়া সেই শুকভাকে দূর করে আপনার দেহত্বককে আরো সুস্থ, কোমল ও লাবণ্যময় করে তুলবে। আপনার দেহত্বক যোনাই হোক না কেন, নিভিয়া কৌম ব্যবহার করন।

নিভিয়া -তাফেণ্যমাঞ্চ লাবণ্যময় দেছত্বকের গোপনকথা।
শ্বিভ ও নেভিয়-র ভৈনী



4.4

को रलिहन-'कानि'। की काल [C] क्ला वर्ताष्ट्रम—'सान'। का कारन (ताको ? ताक आठेठा नागाम दावका লৌশনে নেমে বিভু ভিড়ের মধ্যে লোকটার পিছা নের। লোকটার ভান হাতে স্টেকেস, ৰা বগলে শতরাজতে বাঁধা ছোট বিছানা-মফবলীর মতো হাবভাব। কিল্ড ও কিছু একটা জানে। নিশ্চিত। গত কাল থেকেই বিভাগ মন ভাল নেই। মান্য কত সহতেট ট্রাক্তর মরে ধার। এই তো একট্র আগে বর্ধমানের কাছে কাটা পড়ল একটা লোক-এই ৰাদ্য কোকটা গিয়ে ভাকে কোলে ভাক নিল, কায়েক পালক এই লোকটাৰ 18.0 চেয়ে কটো-পড়া মান্যখটা মাৰ গোল। । কী সহজ্ব ব্যাপার! গতকাল আব একটা ত্রোক ঠিক ওরকমই সহজ্ঞভাবে মারা 7577 দুর্গাণারে। **ইউনিরনের সেই লেকে**টা কীরকম ছিল কে জানে। বিভ ভাকে চেনেও না। লোকটা সকালের শিক্ষাটে ডিউটি:ত যাঁজন—অবপ কয়াশায় আবছা মাঠের ভিতর দিরে, একটা টিফিন-ক্যারিয়ার আর একটা থলে হাতে চলে আসহিল দে—সনা ঘ্রমভাঙা চোধ তখনো বেধে ছত্ত্ৰ বট কি বাচ্চার মূখ-খনা ভাসছিল তার। আতশত কানে না সে কেবল লোক্টিকে আসতে দেখেছিল। লোকটা খেমে একটা বিভি ধর্মাচ্চল-বিভ হাতে-বাধা বোমাটা টপকে দিরে দৌড় দিল। রেল লাইনের ওপারে দীড়ির ছিল জীপ, গা<sup>†</sup>ড়টা ভাকে তুলে নিব। জীপ গাড়িছেই টাকার **বেন দেন** ার গেছে। এখন পকেট পরম, বিভূ ফিরছে কলক।তার। কিন্তু ভবু গভকালা থেকেই ठात यन काल तारे। म्यानिज्ञाकत अक मान्य, टात मदश मृ ( अक्लन मदन लाटन की इत्र! किन्द्र है ना. राज्यन किन्द्र इन मा। बहे दा <sup>9</sup>র্ধমানের কাছে কাটা পড়ল লোকটা ভার कता की दाराष्ट्र। क्षेत्रको आध वन्ती या র্মান্স মিনিট দেরীতে এসেছে —ভার **বেশী** কিছ,ই হয়নি। কামরার মধ্যে মা**ন্বেরা** 'व्यारा, **प्रेर**्' कर्त्राह्म वर्त्ते, किन्कु म्हार**श्व**्

চেরেও ভারা বিরক্তই ছচ্ছিল বেশী টেনটা लाउँ इतक यतन। तकरम ६२ मान्या तमाकडी-বার হাতে টিনের স্টকেস, বগলে বিছানা-কেবল ঐ লোকট।কেই অনাবক্ষ দেখেছিল বিভা কাটা ছেডি। খাতিলানো হয়ে বাওয়া, मानावदीतक कारक काशादे शर्दाक्रम । विक्रम मत्न काम मार्ट्यान। काक मामरतद की मार्ट्स? পথিবীৰ দ্'চারক্তন লোক কমে গোলে ক্ষতি কী? কালকের ইউনিয়নের সেই লোকটাই বিভব প্রথম 'কেস' নর। এর আলে আর একজন তার হাতে গেছে কলকাভার। हारावरे हारे चडेतात । **अस्टल विकृत अक्डो** অণ্ডত দুশা মান পড়েছিল। অয়নকদিন আলে দেশের ব্যক্তিতে বাবা ক্ষেতের কান্স করতে কেত। কেল্ডেশ্যে তার জন্য ভাত বার নিয়ে যেত বিভা। একদিন ভাত দিয়ে ফেরার সময়ে আলপ্তে খেলতে খেলতে অনামনে ফিব্লছিল বিভ। হঠাং পিছন থেকে কে বেন ভীষণ চিংকার করে ভাকল—ভাই রে-এ। পিছন ফিরে সে দেখল একজন

401 क किरम त्म, पूरे अटक पटन रहाते. বেকৈ ছোট আর ডখন বিভ পেরেছিল চমা জমির ওপর দিয়ে তার পিছা कान-क्किएं विस् श्राप्तीहरू। আর তার ছারার ছোবল মারতে মারতে পিছা পিছা সাপটা। ভর নাই রে এসে গোছ…' বলতে বলতে মাঠটা কোণাকৃণি পার হয়ে এল সেই যুসলমান मन्या माठित এक चारा मामग्रेरक निम्हल করে দিয়ে হাফাতে হাফাতে সাপটাকে बनन-वात अकर्षे श्रीबारे कामार छाडेरीहरू বেরেছিলি শালা...। অনুক্ষিন আগের সেই घटेना। छव, म,बाइटे विछत्र स्मिटे मुनाहे। मन्त भएएड । ह्या निष्यमा क्रीमंत्र । श्रीद উ'চু আলের ওপর দাড়িয়ে শেষ ব্যান আলোর হারার মতো একজন মুসল-মান লোক লন্বা লাঠি উ'চু করে ধরে ভাকে টেচিরে বলছে—ভাই বে, ভুই একে रवरिक रकार्षे, धीरकरवरिक रकार्षे, विस्तव মন তাল লাগে না: গতকাল সকাল বেলা লোকটাকে বোমা মেরে যখন জাপগাড়ির লিকে দৌভছে বিভু তখনও হবেহা সেই দেখতে পেয়েছিল-নিক্তেজ বিকোল ভারে পিছা নেওয়া সেই দারে অংশের ওপর পাঁড়ানো সেই কাঠিহাতে মসলমান লোকটা रड<sup>4</sup>डिट**ब** बक्टब. **-2-2-₹** 

এই **লম্ব**ু চেহারার **লোকটা বলেছিল—** জ্যানি। কী জ্যান ও? কেম**ন করে** জ্যানে?

হাওড়া কৌশনের প্রকাশ্ত হলঘর আর চাত্তাল পার হরে সিভিতে পা দেওরার



CO OF PAPE CHICA SID STOPE क्षाक्रीएक न्याची कराना

जास्य बाच चातिरत रमणना मानामारवद दन्ते दक्तन्ते।

—কোনখিকে বাবেন? ছেলেটা জিজেস **平211-1** 

ब्रास्थ्य मृत् न्यांक वरन-जात्नाद्वाद मा ZOINE !

—আমিও ঐ দিকেই। টাৰি নেবো. আশনাকে গোঁছে দিতে পারি। যাবেন ?

শা, বিভ আনোয়ার শা রোডের দিকে ৰাবে না. সে বাবে বেহালা। কিল্ড তাতে कि. बात्र आदम ना। दम वदः चत्रभर्ष লোকটাকে আনোয়ার খা বোডে নামিয়ে দির্বেই স্থাবে। জ্ঞানা দরকার এ লোকটা কী कारन! कछछे क कारन!

রমেন হাসল, তারপর মাথা নেড়ে জানাল —বাবে।

ট্যান্তিতে ছেলেটা রমেনকে সিগারেট

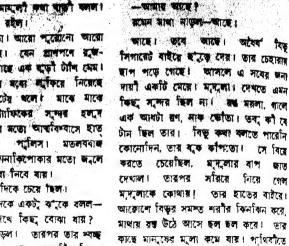
मिन। मू अक्टी माम्बी क्या बाक्री क्ला। তারপর চুপ করে রইল।

बाहेरत कलकाछा। जारता भुरहीरना जारता चिकि हरत रगरह। रबन द्वानगरन बर्क-शांकेकार त्यांत्य व्याद्य अने संस्की ग्रीम त्याम। **छानि** विकास बद्धा व्यक्तित निरम्ब वाळात कतात ठटाँच धटन है बारस मारक यकारम बार्क देशिकरकत मान्यव दकान বাতিটি। বিশাভার মড়ো আত্তবিশ্বাসে হাত মোডের যান ষের চোথ জোনাকিপোকার মতো জনলে উঠেই ভিডের মধ্যে নিবে বার।

রমেন বাইরের দিকে চেরে ছিল।

ছেলেটা তার দিকে একটা ঝ'কে বলল-আমার চেহারা দেখে কিছু বোঝা বার?

রমেন একটা নড়ল। ভারপর ভার স্বাক্ भ्रानंत भ्रायभागा क्यांन हरणित पित. নরম গলায় বলল—চেহারার মানুষের কমের किहा किहा हाश थाता।



नायी अकवि स्माता मान्द्रमा । सम्बद्ध अमन किए गुन्तत किंग सा तक महना, शाल धकं चाथता सन, माक रक्षीता। छन, की रव টান ছিল তার। বিভু কথা বলতে পারেনি কোনোদিন, তার বৃক কাশতো। সে বিভ করতে চেয়েছিল, মৃদ্লার বাপ ভাত দেখাল। ভারপর সরিরে নিরে গেল মদলাকে কোথার! ভার হাভের বাইরে। আক্রোশে বিভর সমস্ত শরীর ঝিনবিন করে। भाषाय तत किंठे जारम हम हम करत। जार কাছে মান্ধের মূল্য কমে বার। পাথিবীতে এত মেয়ে আছে, তার মধ্যে সে একছন সামান্য মাদ্লাকে চেয়েছিল যার নাত ভৌতা, গালে রণ, রঙ ময়লা। সে ঐ রণ-গালিতে আদরের হাত বালিয়ে দিত ঠেট ह्यांसारका हाला नाकविरक, निरस्त जारग्रामाच নিত এর মহলা বঙা। কভ কথা মদালাকে বলবার জন। মনে মনে তৈরী করেছিল সে। ব্যন একমার মাদ্যলাকেই চার সে একমার সেই ম্প্লাকেই পাচার করে দেওয়া হল অনা জায়গায়। সৈ জানে মাস দেছেক আবে মাদালার বিয়ে হয়ে গেছে। তাকে शासा भिन्न मा द्याराजे। हिन्त आरक्ष। स्तर এবার পাত্তা দাও বিভূকে, প্রশিববীর মান্ত্র। ব্যুটের লাখি খেয়ে পাতা দাও, ছোরা খেয়ে **চলে** পড়তে পড়তে, আচমকা ধ্রেম ধ্রের উড়ে যেতে যেতে...। দেখ হে, আমি বিভূ —বিভূ মাণ্ডান। বাপের স্পান্ত। কোথার যাবে মাদ্যলাঃ একদিন ঠিক দেখা হয়ে যাবে। বিভূ জানে।

খ্যাপাটে চোখে বিভু ভার দিকে ভাকাল--কিসের ছাপ পড়েছে আমার চেহারায়?

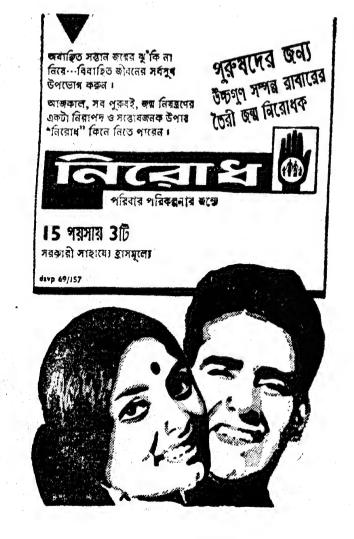
হাত বাড়িয়ে বুমেন ভার হাত্থানা ধরল। ম্লান মুখে বলল—আপনি তো कारनन ।

বিভূ হাত টেনে নেয়-কিন্তু আপনি কী करत कानत्वन ? ७१७ (मत् भएटा वकात्वन-জানি। কাঁ জানেন আপনি? আপনি कि ভোতিৰ?

র্থেন মাথা নাড়ল-না।

-- एरत ? तिङ् तिरुद्धनाङाख हार्त्रामस्क हार्त्र, বলে—আপনি তবে কোথাও আমাকে দেখে-टब्स् । दकाषात्र ?

কিংবা একটি দ্টি খ্ন করার পর মান,বের চোখ দিথর হয়ে বার। বাইরে থেকে দেখায় শাস্ত, কৈনতু আসলে ভা শাস্ত নয়। তখন চোখের পাতায় একটা গাঢ় ছায়া পড়ে চোথের মণিতে। রমেন তা জানে। কিন্তু কী করে তা বলবে রমেন, অত আন্দালী কিছ বলা যায়!



রমেন একট, কাশল, ভারণার ব্যক্তির বিশা কথাটা—না, আগনাকে এর আলে কোমাও বোধান। তবে আগনার চেহারা কথে কনে হর সম্প্রতি আগনার কোনো আগনারন মারা গেছেন।

ম্হতে আত্মবিক্ষ্ত করে বার বিভু, হঠবারীর মতো বলে কেলে—না, না, তারা কেট আমার আপনকল ছিল নাঃ আমি ভাবের চিনভামই না—

রমেন ব্রুতে পারে ছেলেটা প্রকৃতিত্ব নেই। সে ছরিতে ওর হাত নিজের কোলের ওপর টেনে নিরে বলে—ঠিক আছে, জামি ব্রেছি। ইণিপতে টার্মিকওরালাকে ক্ষেত্র ঢাগা গলায় বলে—ও শ্নতে পাবে; চুপ কর্ম...

বিভূ হকচকিরে চুপ করে বার। তারপর চপ করে থাকে।

রমেন ওর হাতে হাত ব্লিয়ে দের ভারপর খ্ব মৃদ্ গলার বলে—কে বলল যে ভারা আপনার আপনজন ছিল না?

আর কথাবাতী তেমন কিছু হল না। বিভূ সারক্ষণ জানালা দিয়ে বাইরের দিকে চেয়ে রইল। আর ওর হাতথানা কোলে নিরে বসে রইল রমেন।

অনেক দিন আগে, রুমেনের বয়স যখন দশ-এগারো, তখন যুক্ধ চলছে। তিনটে বন্দাক তথন সরকারে বাজেয়া•ত হয়ে বাওয়ার কথা। তাই সেই বরসেই তাড়াতাড়ি বশ্ব শেখানোর জন্য তাদের প্ররোনো চাকর উদ্ধব আর জ্রাইভার আশ্ব তাকে নিয়ে গোল কেওটথালির মাঠে। দুরে রাথল তিনপায়া একটা ব্লাক বোর্ড', তাতে দ্টো ব্ত আঁকল, তারপর তার হাতে তুলে দিল কার্কার্যকর। ভারী বন্দ্কখানা। বলল —मारता, भाक्षशास्त्रद्ध रताह्याग्रेश्च भारता। तस्मन মেরেছিল, ভীষণ শব্দে প্রথমবার হাত থেকে शाह विषेटक रशन वन्त्रकथाना, श्रीनिधी কোথাও লাগেনি--উড়ে গিয়েছিল। কিন্তু তারপর কয়েকবারের চেণ্টাতেই সে ঠিক मायभारतत्र व्हाउँ। कः व पिन। উম্ধব বলল-আর জনেম তুমি অর্জন ছिলে। তারপর বন্দক চালানো নেশার মতো পেরে বসল ভাকে। উষ্ধব দ্রোণাচার্যের মতো বোড়ে পাথি একে চোৰ বসিয়ে বলত— চোখে মারো তো। রমেন মারত। যখন এই ভীৰণ নেশা ভাকে প্ৰতিদিন বিকেল বেলা বর ছেড়ে বন্দ্রক হাতে বেরোনোর জন্য অস্থির করে তুলত, সেই সমরে একদিন वन्द्रकृष्ट्रला क्या भएए श्राम । अस्थरवना चीवन मुद्रश्य माम्द्र देक्सिटिह सारतन भारम क्षित्रक मृत्र गर्क वटन किन तरमन, नामर ভার মাঝার হাত ব্লিরে বলল—এ ভো ভালই হল। এর পরে এক্দিন তোমাকে **प्रिंग्ल जारवाथ जन्जूता छत्र रभरका। द्रास्म**  त्यास्त्रीयः ज्यास्त्राच्याः सहस्य व्यापः सार् सन्द न्यात्र पुरस्कारम् स्त्राणः सुनितरे यात्रात्र सन्द

সে কৰাটান কৰা বানেৰ একন মানিকটা বেবে । এই কে অন্তেৰা হেকেটা তাৰ পাপে কলে আছে এব কৈলোচনা ব্যাপেক ববে হক্ষতো মনেহে হক্ষত কৰা কোনা, ভলপেটার কাছে ল্কেনো হেনি—কছু কত নিবশ্য, অসহায় দেবাকে একে! এ কানে না অন্যের ব্যবহার, কিবো প্রকৃত কল্য কাকে বলে! একদিন এ নিজের হাতে সালা বাবে!

রমেন বড় মারার ছেলেটির হাতে হাত বালার।

আনোরার শা রোভের মূর্বে ট্যাক্সি থেকে নেমে জানালা দিরে ছেলেটার দিকে ভাকিরে হাসল রমেন—আবার কোনোদিন দেখা হরে বাবে। আছা ভাই...

—আচ্ছা...ছেলেটা হাত তুলৰা। ট্যাক্সিটা ছুক্তিয়ে নিল ট্যাক্সিওয়ালা। কলিতের স্থান ভাল ছিল মা। আর তেরের সারাপ ছিল ভার মন। সামা বিজের ধরে কী বে সব হলে বেল।

তাপের গুপর হাত চাপা দিরে বিছানার। পুরে মিল কলিত।

শন্ত্ এসে গরজার মুখ বাড়িরে ফাল— শলিতদা, আপনাকে একজন শালেছে।

विद्रांक्त मान्य देश जीलक।

গলির মুখে এনে দেশল আবছারার একটা লম্বা লোক গাঁড়িরে আছে। হার্ছে সুটকেল আর বিছানা।

一(事?

—লালত, আমি রে, আমি রমেন। ভোর কাছে এলাম।

হঠাৎ আননেশ উল্ভাসিত হয়ে গেল লালিতের ব্বঃ। কতকাল...কতকাল গ্রে খেকে ভার কাছে কেউ আর্সেনি !

—রমেন! দ্ব' হাত বাঞ্জির ললিত বলল —আর।

(BRP)

সংসারের খাটুনির পর মাধার একট্র

কেয়ো-কাপিন সেশ্বে আদ কৰে উঠলে সৰ ক্লাণ্ডি কেদ প্ৰক কৰে ব্যৱ



এতে চুল বোটেই চট্চটে বহু বা–বালিলে বাজাবাহু বাৰ লাগে না আৰু এছ ব্যটাও ভাৱি নিষ্ট

কেরো-ক্যাণিদ চুলে একা আতা এলে দের অ নারাধিন আনুন বাকে



PAPOM/LB +4/00

# क्रांच दिएं सिछाता



গোল্ডেন টোব্যাকো কোং প্রাইভেট লিমিটেড, বোখাই-৫৬ Bভারতের এই ধরণের বৃহত্তম জাতীয় উভয



1 9 1

#### प्रशीरमात्र भा

বিবারের নিক্মে, নিস্তব্ধ অপরাত্র।
পাশের বড়ি থেকে সর, গলির গ্রেমট
হাওয়া আমার কানে ভেসে আসছে
হগগৈর মান্য কংকৈবর ঃ

"ভূলে যেও না যেন... শিরালদার টুয়ে ধ'রে গোমেস লেনের শীপে নেমে এই ভান দিকের যে বড় বড়ি অগ্রহ—যেতীকে তেলায়কে কাল দেখিয়েছিলাম—ঐ বাভিরই দোভলায় ধ'

অন্তন্তর সামনে দাঁড়িতের মণীশের মা মণীশের চুল আঁওড়াজিলেন অভাশত ভণিগতে। আয়নার মধ্যে দেখাছল মণীশ মণীশের মানর প্রতিক্রবি—তাঁর অবসর দেহকাণিত চেত্রের নিচে ক্রান্তির কালিয়া।

ভাবতে লাগল মণীল। ভাবতে লাগল, তব্ ব্যাতে পারল না। মণীলের সেই মা কোধার? রোজই শোনাতেন দেশ-বিদেশের গান, কোধার. কোধার গেলে মণীলের দাগ, রংশ কাভাতে আনুলে দিশ-বিদেশের গান, কোধার...কোধার গেলে মানিলের দাগ, রংশ কভিতে ফাজেদে সিদ্বের দাগ, রংশ কভিতে ক্লেপড়া লোহার বালা, আর... কবে থেকে পরেছেন মা এই বক্সকাঠিনার ম্থোল? মাকে আর চেনা যাক্সে না. মানর জার কিছাই চেনা যাক্সে না। ভবে হার্গ, সেই শাড়ি, সেই ডিজাইন-কাটা সব্দ্ধ গাড়িটাই শ্ব্ধ্—মায়ের জন্মদিনে ববোর উপহার।

#### দ্যাস তিন্দিন

আগে ওরকম ছিল না কিন্তু; আগে ওরকম কোনোদনাই হয়নি...হাাঁ, বাৰা চলে না বাওরা পর্যাপত। বাবা চলে না বাওরা পর্যাপত কখনও বোঝেনি মণীল ওই সর্বাদ্ধান্ত, সব-সমন্ত্র-খাতা-ফাইলে-নিমন্দ্র বাবার উপস্থিতির মূলা।

্মণীশের ব্লব্ল ফেদিন মারা গিয়েছিল,

হ্যা সেই দিনের মতে। বাড়ি এখন যেন ফাঁকা ফাঁকা লাগছে। নতুন ব্লবলে এসেছে মণীশের পড়ার বর্রিকে মাখরিত করতে, কিল্ড কই...বাবাকে কি আর আনা বায়?



वर्गीत्मत या अगीत्मत हम कांहफांक्टमन

আজ হল দ্মাস ভিন দিন...আর ঠিক সেই সময় থেকে মণীশের মা...

'একট্ সোজা হরে দাঁড়াও না...এত কি
ছটফট করে..." মণীলের মা-র গলা কর্মা,
আনাবদ্যক কর্মাণ শোনাছে কচি মণীলের
কানে। ছেলেটি বলতে চাইল কিছু,
যা-ছোক কিছু, মিষ্টি কিছু, শুধু মারের
মুখের কোণে বিগত দিনের সেই দিমত
হাসি ফোটাবারু আশাস্তা। বুখা চেডা...

আর মণীশ বধন হাত বাড়াল মারের হাতের
শপদেরি খোঁজে, মা তথনই হাত সরিরে,
প্রসাধন-বাক্সে চির্নি রেখে শুধ্ বপলেন,
'অাজ্যা, সমর হরেছে, যাও এখন…। আর
ভূজে বেও না ঃ শিরালদার টাম ধরে…"

শ্রামার সংখ্য বাবে না?...তোমার হরে বাবাকে কি কলব মা?"

"ষাও, বলছি...সন্ধ্যাবেলা ওদের বি তেন্সাকে আবার এখানে নিয়ে আসবে 'খন।"

#### विकासकात है।

ওদের ঝি...বাবাদের ঝি...গোমেস লেনের ডান দিকের বড় বাড়ির দোতলার ঝি। বশ্রুদার্গকতের মতো মণীশ উঠল শিরালাদার ট্রামে, বসল লেডিছ সাটে—বসত বেমন বসতেন বখন মা তার কাছে। আছু কিন্তু মণীল একা...একাই নাছে মারের বাড়িছে বাবার বাড়িছে।

কিন্তু কেন?...কেন?...মণীল চেবেছে
খ্ব, ডেবেছে ক্লাসব্যে, তেবেছে শোনার
ঘরে। বেঝে নি মোটেই। বোঝে নি কেন এত
দিন পর, এত স্থেব এত দিনের পর...।
প্রণন করতে চেয়েছিল হার্ চাকরকে; পারল
না। মাকেই তো প্রণন করেছিল সেনিন;
উত্তর পার নি। আজ বাবাকে জিজ্জেস

শ্বনার বড় বড় ছেলেরা **ওকে ইপ্পিত**করে দেখিছে কি সব কথা বলে। জার মা
সেনি মিসেস দাসকে চুলিচুপি কি
বলেছিলেন..."ওরা জানার দ্বামীর ওখানে
ছেলেটিকে পাঠাতে বলেছে প্রতি রোববার
বিকেল বেলা।" ওরা কে?...জার কেনই বা
পাঠাতে বলেছে? কেন বলে নি বাবাকে
ফিরিরে জানতে? কেন বলে নি বাবাকে
মারের সংশ্বা জাবার ভাব করতে?

ঝগড়া হরেছে, রাগ হারাছ দুজনের মধ্যে ...হলেই বা! মধাশও তো চের করেছে আড়ি, চের করেছে কথা বন্ধ শকুলের কত ছেলে, পাড়ার কত ছেলের সংশ্য। টিকেছে কত দিন? আড়ি তো ভাবেরই প্রোভাব। কিন্তু বাবা-মা?...আজ্বে নিয়ে হল দুমাশ তিনদিন।



#### श्रीक दताबबात विटकन

কালকে এদের চাকর বাবার কাপড়-চোপড় জার সব জিনিসপত নিয়ে গেছে; শুখু নিয়ে ধায় নি চটিজনতো। একদিন অবার আসবে বাধ হয় লোকটি বাবার চটিজনতোর জন্যে। মণীল দেখেছে, স্বচক্ষে দেখেছে বাবা-মায়ের শোবার ঘরের আলমারির এক পন্রো ায়ার জালি।

বাবার আরাম-কেদারার এই দ্ মাস ডিন দিনই কেউই বলে নি—প্রিস বেড়াল ছাড়া; রেডিও কেউ বাজার দিন ছাওরার ঘরের এক কোণে এক গাদা নেউইনমানে, কেউ খোলে নি এই দ্ মাস ডিনদিন। বাবা কি সাতা সাতা আর আসবেন না ে বসবেন না আর সেই আরাম-কেদারার, বাজাবেন না রেডিও, পড়বেন না নেউউ্স্মান মণীশদের বাড়িতে? মণীশের বাবা কি আর কোনো দিন আস্বেন না মণীশের মাত্র কাছে?

লেভিজ সীট ছেড়ে উঠে নামল মণীল ঐ গোমেস লেনের মোড়ে, পা বাড়াল—মারের আদেশ মতো—বাবার বাড়ির অভিমুখে।

এমন বাবে প্রতি রোববার; আর জানবে না—কেন।

# স্নানের জলে কেন 'ডেটলে' মিশিয়ে নেবেন ?



আপনি হয়ত ভাবতে পারেন সাবান মেথে যথন রান করছেন, আপনার গা মথেন্ট পরিদ্ধার হচ্ছে। তা হচ্ছে। কিন্তু যেসব জীবাণু গৈনিক আপনার শরীরে চড়াও হচ্ছে, তাদের আপনি কাবু করতে পারছেন না। সেই জন্মে খবনই রান করবেন বা গা ধোবেন, তখনই জলে ভেটপ মিশিয়ে নেৰেন। রাখ্য রক্ষার জন্যে এটা অভ্যাস করা দরকার। ভেটপ জীবাণু নাশ করে, সঞ্জীবতা আনে এবং রোগ সংক্রমণের হাত থেকে বীচায়।

এছাড়াও, বাড়ির আরও নানা নিতানৈমিত্তিক প্রয়োজনে ভেটল ব্যবহার করতে পারবেন—কেটে গেলে, ছড়ে গেলে, গার্গল্ করতে এবং মেয়েলী স্বাস্থ্যকায়।

এক বোত্তল ডেটল আছই বাড়ি নিয়ে যান।

व्याननात वाष्ट्रि व्यासक सितानम ताथाव



विश्वत प्रवरहार विश्व कीवापूनाश्रक

বিনামূলো খবে থবে দৰকাৰ ডেটল নিবাপজা' ও ঘেৰেলী ৰাহাৰকাছ বিধি পুজিকাৰ ঋল্লে এই ট্ৰকানায় লিবুৰ ঃ জি.পি.ও বন্ধ ১২১, কলিবাজা-১



ৰত অভাবনীয় আকাপ। মেছ নেই। ব্লোপ G মনে করিয়ে দিকে দক্ষিণ ভারতের ল কাজবার মতো বসম্ভোত্তর উঞ্চভাকে। মাধ্য উণ্টিরে আছে সামনের ব্যভির ছাদে মাতে বাধা লাল টুকটুকে ছাতা। আলতা-কমলা বা ফিকে গোলাপীর न्याताह। धा वक विद्रम मृना। भरथ-ঘটে ছাল ছতিল জাতের টারিলটাঃ সাপারি গাছের মতো ঝাড়ালো, পাম্পশাদপের মতো সজীব শ্বতের কাশফালের মতো কেল-ভারাক্রাণ্ড উত্তারে মেরেরা: পিকাসোর ছবিব মতো সফুর্ত স্বচ্ছ নয়না, প্রাণোচ্জ र्माका कनावा: भिन्धनाम अवस्त अक्छे কিওপেরার মহিমামণ্ডিড কৃষ্ণ মহাদেশের দহিতাবা: একপরে খলো-পড়া সর্বে ফালের ক্ষেত্তরা অথবা সামানা নিল্পুড शक्रमण्ड-वद्रशा भाकाराभीत क्रमणम-वस्ता: চ্কিত্চরণা নিপ্পন-কলার: অতি-প্রসাধনে উগ্র মার্কিন মহিলারা সকলেই এই পণা-তীর্থে সমবেত হয়েছেন; কেন, জানিনে; কে एएकर कानिता क्यांन ग्य-ध वड লে। শোভা।

র্বাব ঠাকরের মতে, পরোকালে রাজারা দিণিবজ্ঞায় বাব হতেন শ্বংকালে। আকাশের এই শারদ প্রসার চেহারা দেখে দিগবীক্ষণে ঘূণ্ধ মন আমার কি করি কি করি ভাবছে, এমন সময় জাতীয় শিক্ষাদণ্ডর পরিচালিত সংস্থার নিমন্তব-পত পেল্যে—লোয়ার নদীর বাঁকে বাঁকে ফরাসী বাজতলের সভাতার যে ম্বাক্র মাধ্য উপিচয়ে আছে বেশ কিছা দ্রগের রূপ নিয়ে, আমানের চক্ষ্-কর্ণের বিবাদ অপনোদন করতে পারে ভারা ! ইন্টারের সাভ সম্ভাহ পরে পাংকোভ উংসব: যার দর্মে তিন দিনের একটানা ছাটি भाष्क् श्रीभान रहे।रभा: मुक्तन भ्रताभम करत जिम्मान्छ निमाम कहे मार्यारण वस ककता চকর মেরে আসা যাবে ইতিহাসের অফর মহলে। ইভিপাবে আমি দ্বাবার ওই অপলে মুদ্ধে এলেও টোগোর কপালে এই প্রথম শার্দ অভিযান।

ফলত মাতৃনাম শ্বরণ করে নিদিন্টি দানিবার সকাল পোনে আটটার আমরা চেপে বসলাম ভাড়া করা ট্রিস্ট ডি-লাব্রের বাসে। আমাদের দেখ-ভালের কঠা মারী ফাঁস মাইকে প্রভাকে বারীর নাম, দেশ প্রভাত পরিচর দিছিলেন: Les freres Mukherjee de l'Inde (ভারভের মধ্যে বডকটা আন্তরিকভার স্বের বেলে উঠল তরি গলার। চেক্, যুগোন্দাভ, কানাডিরান, পোলা আমানি, স্পেনিশ, ইতালাীর, রিটিশ, মার্কিন, লাতিন-মার্কিন,



আদ্রেলিরান, ভিরেইনামী, আপানী—সব মিলিরে বাট-পরবটি জন বিদেশী শিক্ষার্থী আমরা ছারা-প্রিবিড় মফ্সবলের প্র বাসের চাকার মুখর করে রঞ্জন হলাম।

স্বিদিত রবি,ইয়ে উপবনে কিঞিং প্রত-ব্যালের পর পারীর দক্ষিণ দিক ভাগা করে অগসর হল বাস। বেলা দশটা নাগাদ আমবা শসা-সমাম প্রাণতরের ব্রু চিরে পারিপাদির্বক শোভার মৃত্ধ হয়ে যখন ভাবছি ভানা গগের সাইপ্রেস ঘেরা গমের क्कण' क्रविधित खेलाक जान छतान्शत कथा, ध् ध् अम्राज्य भरतेत्र पिनारण्ड ननः स्नरे কণ্ডয়া নেই মাথা চাড়া দিয়ে উঠল এক গাঁজের চাডা : শাংর। পরোকালে এখানে ছিল কেলটিক আমলের প্রধান একটি ত্রীর্থাস্থান। রোমান ও গোলোয়া সভাতার সংমিশ্রণে এখানে প্রতিষ্ঠিত হয় একটি মাত্মদির': শিশকোডে জননীর প্রতি-মাতি। ফরাসী বিশ্ববের সময় এই দার-মতিটি পরিতরে ফেলা হয়। ভুগতের মেরী জননী' মতি'টিই এখন প্রতিষ্ঠিত আছে এই ক্যাথিভাবোর নিচে, খাণ্টধমে মাতপ্রার একমার সম্ভাবা প্রতীকর্পে। বতমান ক্যাথিড্রালটির আগে চতুর্থ শতকের একটি খ্রীষ্টান বাসিলিক (গাঁজা) এখানে ছিল : অন্টম নবম এবং ম্বাদ্শ সাহকের

অশ্সিকাশের বারে বারে গাঁজটি চল্মীতত হলেও তার কিছা স্মতিচিক আজো বাকি মিউজিয়ামে। স্বাদশ এখানের শতকের সাচনায় যে বিপালকায় ক্যাথিভাল ক কাম ব ফালেবের-এর প্রিচালনায় ভাষে খিরে বিশিষ্ট এক শিক্ষায়তন গড়ে ওঠে: किन्छ ১১৯৪ সালের অণিনক্যপ্তের হাত থেকে সে-ক্যাণি-ভালের সামানা অংশই রক্ষা পেরেছিল: ভগভের প্রাথানা-বেদী দক্ষিণের 'নহবং-খানা' ও মিনার দাটি পশ্চিমের রাজন্বার ভার অনাতম প্রধান দ্রুবা। এর পরবতী ছাবিশ বছরে যে শিলপকীতি গড়ে ওঠে শার্ণর-এর ক্যাথিডাল ব্রুপে, তার প্রেরণার অন্বিত্তীয় ও স্বক্তীয় উংক্রের সংপা শিলপীমনের যে মালাবোধ ও আঞ্চিকের ষে সামগ্রিকভার মণিকাঞ্চন বোগ ঘটেছে. স্তিটি তা শাচাৰ ভারে দেখতে হয়। এর পরে অবশ্য আঠারো শতক পর্যত পাংক্তি ক্যাথিড লের উল্লেখ্যেগা পরিবর্ধন কম সাধিত হহনি।

দাদী তুমি কোথা হইতে আসিরাছ?—
মহাদেবের জ্টা হইতে।' অবচেতন মনের
অধকার থেকে হঠাং হেসে উঠল এই
অবিসারণীর সংলাপে আমর লোরার নদীর
গতিপথ ধারে দক্ষিণে নেমে চলছি যখন
হু'ল হল। 'দাদা , গালিরে আর, ফাঁক
পেরে অংক শেখাতে চাইছে' মনোভাব নিরে
মার আতকে ওঠেন, তাদের কাছে আগে
থেকে নিবেদন ঃ ইতিহাস-ভূগোলে জ্ঞান
অমার নিজের খ্বই কম: কাছেই কোনরকম শিক্ষা দেবার প্রবৃতি দ্বের থাক, পখচলতি যখন যা আমার মন টানে, আনক্ষ

অসীমা মৈত্র সম্পাদিত

# শতবর্ষের আলোয়

া দাম ঃ পনেরো টাকা ৷৷

বাদের শতংবপ্ত হরেছে এমন করেজমন বাংলা সাহিত্যদেবীর কম্মির জীবন ও সাহিত্য নিরে সারগর্ভ আলোচনা করেছেন বাংলা শহিত্যের ছান্দ্রিশ জন বিশেষ্ট **লেখক।** এ জাতীয় সংকলন প্রশা ভারতীয় সাহিত্যে এই প্রথম । প্রতিটি প্রশাগারে রাখার মতন একটি অপার্থার প্রশা ওলা । চোমংলামার প্রশৃতি

চোমংলামার চোখে উত্তরবঙ্গ ১০,

কণিব্ৰু

স্কুমার বার

মহানগরীর রাণী

वानमात्र रमरम विरममी ১०

निग् जानम

নীহাররঞ্জন গ**্রু**ত **খরেতে ভ্রমর এলো** ৫.

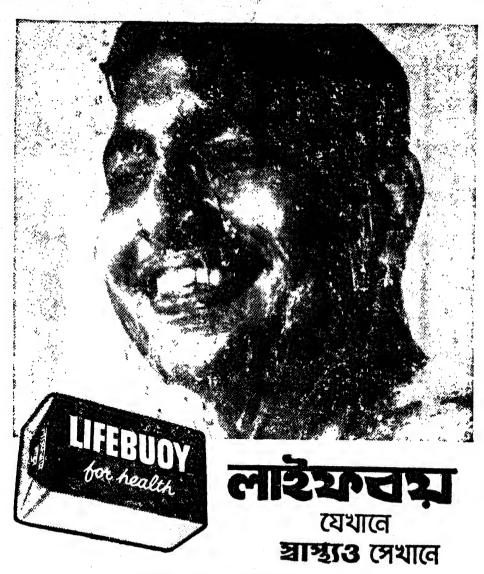
একটি বেগমের অস্ত্রা ৬

চন্দ্ৰতী এক কোং ॥ ৮সি, টেমার লেন, কলিকাতা-৯ ॥

দের, ভার প্রতি অনাদের দ্খি আকর্ষণ করেই আমি আগত। কিন্তু বাদের মনে থটকা লাগবে, তাঁলের জ্ঞাতাথোঁ জানাছি বে পাংর থেকে ক্ষিণে নামতে নামতে বে লোরার নদী (পুর্) চোলে পড়ে সেটির দৈঘা মার তিনশ এগারো কিলোমিটার। মেইন্ এবং অজিন্ নামের জেলা দ্বি অধিকার ক'রে এই নদীর বিশ্ভার। আর লোরার নদ (প্রী) হজে এক হাজার বারো কিলোমিটার দীর্যা,
অর্থাং ফ্রান্সের দীর্যাজ্ঞ এটা। নদের
বেলার দ্যী আর নদীর বেলারে, প্রং দেশে
বারা আমার মান্তক্ষ বস্তুটির দ্যাল্যা অথবা
প্রফ-সংশোধকের দৃষ্টি-ক্ষমতা বিষয়ে
দলিক্ষ হরে উঠছেন, তাঁদের ক্ষরণ করাই
ফরাসী ব্যাকরণে পানোজাফির প্রাত্ত্ব ঃ
মুন্তাল্ (গোপ) এবং ব্যার্থ (দাড়ি) দুটিই

বেকেতে শ্রীজিপা, কাজিদাসের ধর্ণনার আন্নাটীয় অংশ বেল থানিকটা আবার প্ং লিকো অনুষ্টিত হতে বাধ্য করানী ভাষার।

মারী-জালের বোষণা কানে এক, "আম্বা এখন শাডোল্যা বুর্গা দেখতে নামছি। সভরা দুশ বশ্টার মধ্যে দুর্গা দেখে, বে বার রু,চিমডো শাওরা সেরে ফিরে আসুন। বেলা

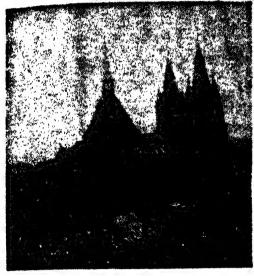


সাইফবর মেথে রান করলেই তাজা মরঝরে হবেন। এই চনৎকার মুহ পরিদ্ধে ভাব থেকেই বুঝনেন ভাল সাবানের সবকিছু গুণ তো আছেই লাইক্ষবরে, তারচেয়ে বিদীও কী যেন আছে।

लार्यवस्य भूलामस्त्रात सांगवीजातू भूत्य एत्य

হিন্দুখান লিভাবের তৈরী

शिन्द्रोत्त-L. 51-140 8G





ट्यामा गर्ग टबटक

न्तिक ग्रंग । ग्रंब श्वरक

দুটোর আমরা রওনা হব।" ব্রিট পড়ছে বির্বির করে; হাওয়ার জের কম নর। মধ্য ষ্যাপর স্মাতি বাকে নিয়ে এই যে দার্গ দাঁড়িরে আছে মাথা উচু করে, তার আহনন দক্ষ করে ব্যাসর মিরাপদ আশ্রয়ে নিরপেক্ষ বলে থাকতে গারলাম না। ইতিহাস বলে অলেয়া, আজু, ভুরেন ও ব্লোষা, এই চার্মট প্রধান কেন্দ্র নিরে ক্রমে ক্রমে গড়ে উঠেছিল লোৱার উপত্যকার বৈশিশ্টা: এবং এই होत्पद कारहे चाराकामधे रक्षकाना नश्च । অলেরার কাউ-উ জা গানেরার ইংরেজনের বিরুদ্ধে লড়াই করেছিলেন জান দাক (জোন্ অব আরু)-এর পাশে: ডাইনী অপবাদে জান দাকাকে প্রতিয়ে মারালও গানোয়া ক্ষাণ্ড হননি। বীর এই দেশ প্রেমিকের প্রতিম্তি শাতোদ্যা দুগের ঠাকুর-ঘরে (পাপেন্) দেখতে দেখতে আমাদের দেশের অবাহলিভ সেই বীর যোশ্বাদের কথা পড়ছিল মনে, ধারা জান দকের মডো অথবা দ্যুনোল্লার মডো-ঈশ্বরের সেবার অধ্য ব'লে ঝাপিছে পড়েছিলেন ভারতের মারিষজ্ঞে, সামাজা-বাদের উচ্ছেদ করতে প্রাণ দিয়েছিলেন ফাসীকাঠে. স্বীপাশ্তরে নরতো বা স্পশ্ত সংগ্রামে। ক্যানাডিয়ান সহ্যাত্রনী গায়েক ইতিহাসে এম্ এ পাশ ক'রে ভক্রটের জন্য প্রস্তুত হচ্ছে: ভার সংগ্রে ভারতের বর্ডমান সামাজিক অথনৈতিক চিত্রের পটভূমিকার পলাশী যুদ্ধ থেকে রামমোছন, ডিরোজিও श्रीतामकृषः विदिकानन्त-अर्त्रावन्त्र, বিশ্ববের বাণীমূতি ষতীশ্রনাথ প্রভৃতির আলোচনা কম করিনি। দানোরার প্রতি আমার মনোভাব ওর পক্তে অনুমান করা ग्रेम रुग। ७३ शर्वसभाद विवहसम्ब

সম্বন্ধ পদ্ধ একটা সিন্দান্ত এই মৃহত্তেঁ
দানা বাধতে দেশে মন আমার বংশেন্ট
উৎসাহিত বোধ করল। সায়াজাবাদের মা
মনসা বে উপানবেশিক ধ্নোর গশে
দ্বিষ্ঠ করে তুলেছিল জগতের কতক
অঞ্চের গণ কবিন, তার অভিজ্ঞতা
গারেগ-এর চেতনাগ্রাহ্য বলেই ভারতের
বিশ্লব আন্দোলনের ইতিহাস ওকে আকৃষ্ট
করে।

আমাদের ভানদিকে। পতে ১ইল ভাঁদেকে মগর। ছরাসী সাহিত্যের প্রসংখ্য কবি র'সার বা কবি দা বেলে'র নাম কে না कारम ? 'मन्डिया' ((न्नरेब्राम) कवि-रमार्फीत উচ্ছত্রসভম এই দুই কধুই বাস করতেন ভালেম এ: এখানকার পরেনো গাঁজাটিতে 'নহৰংখানা' অংশটির নিচের দিক চতুদ্কোপ, কিম্ভ শীরভাগে আট কোণা এক অনন্য শিলপকীতি! বেলডাঙার বেমন মনোহরা. ক্ষনগ্রের যেমন সরভাজা-সরপ্রিয়া, তেমনি ভালেমের বিখ্যাত একটি মিশ্টি আমার জানা ছিল। এক-আ-প্রোভাস অঞ্জের বাদাম-বর্ণ র (কালিস\*) মতো এই বস্তাটর স্বাদৰ ফরাসী র**সিকমহলে আ**দ্ভ। টোগে**শ্ব** বাঙালী রসনা বেশ খ্লীই হল, দেখলাম। লোয়ার নদ পার হরে পেছিনো গোল শাবর দ্বগো। রানেসাস যাগের শিল্প-জিজ্ঞাসায় মহৎ ও স্কেরের যে সম্বর ঘটেছিল, তার প্রমাণ এই দ্র্গটি। কয়েক জ্বেদ বিশ্বত এই জগ্পলে মৃগ্যা করছে আসতেন ফ্রান্সের রাজা-রাজড়া কোটাল-মন্ত্ৰী সমেত। সংগ্ৰাৰত খাট-পালং, কেদারা, আসবাবপত। অংগলের মধা দিরে वीधारना जाएक धरत मृष्टि वसन निवन्ध इत्र मानव गुरुशं व न्याभूषा-नगर्रह, भरन इधना

দ্বাভাবিক বে জারন-কাঠি মরণ-কাঠির
সংখ্যা নিছিতা , রাজকনারে সাক্ষাংও ব্রিজ
নিলাবে ওখনে। "বিভূতিভূষদের জারণাক'
আমার খাব অপরিচিত জগৎ নর; শৈশবে
দেখা সেই জগতের কতক বিশমর আমার
নতুন করে মুখ্য ২বলা রাজা প্রথম
কানোয়ে মার একুল বছর বরুদে ফ্লান্সের
সিংহাসনে অধিনিঠত হয়ে ১৫৪৭ সালো
হখন বছিল বছরের ব্রুজের শোবে মারা
বান, তখন ইভালিতে তাব ক্র্ম্-বিপ্রহ,
হানীর হেনবির সাধ্যা জোট শাকিরে শেশন
আরমণ প্রাভৃতি কাহিনীর চেরেও জনপ্রির

### চাণ্ডলাকর আবিস্কার

#### দৈনন্দিন একঘে'য়েমি খেকে ৰাচুন

আমেরিকার একটি আবিকার — বা হাতে পেলে শোভং ব্লাল, সাবন আর **দ্রীয় আপনি** হাড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সর্বা**ল্লথয়** প্রবাতিত হলো।

সবচাইতে মজার হাছে, এই আরিক্ষার কেবলমাত রেজর রেডের ক্ষেত্রই প্রবোজা হচ্ছে—মাথের ওপর নহ। কুইজ-এন-ক্রীন এর (জিনিস্টার এই নাম) বাগোলে এইটিই হলো সবচাইতে তাঁবোসা বটনা, অবচ এই দিয়ে আপনি আত দ্রতে ও চমব্বার শেড করতে পারবেম।

আপনার রেডের প্রান্তে এক কেটা কুইব-এন-রানি তেলে নিন্দু, তারপর মুখ জল দিয়ে তিজিরে শেন্ড করতে থাকুন। আপনার রেজর যখন দাড়ির ওপর দিরে বাপেনির মত কোমল স্পাদ ছড়িরে এগিরে বাবে, আপনি তথন জীবনের স্বকাইতে বড় বিস্ময় বোধ করবেন। বারের স্বিক দিয়েও এটিতে সাজ্ঞর হর। এক বোতলে ভিন মাল হলে। মহাক্ষি মেরপীররের করেকথানি নাটকের উপন্যাস রূপ অনুবাদক অশোক গৃহ

প্রতি খণ্ডের দাম দুই টাকা अटबाटमा किर कन माक्दब र गामदन है সিদ্বেলিন किः नियान मि ट्रिट्रिश्मि কোরিওলেনাস্ রিচার্ড দি থার্ড त्रामिख क्रिक्टांव मि छेरे छोर्न छिल वित्यमक्ष नाइवे छ्रांनग्राम मीकात কৰ্মোড অফ্ এরস टर्जिनः व्यक् मि आ द्याती मि अहेहेथा মেজার ফর মেজার রিচার্ড দি সেকেণ্ড ियन व्यक् अध्यन्त्र লাভস লেভার লগ্ট ग्राज रेडे नारेक रेडे মার্চেণ্ট অফ্ ভেনিস টাইটাস এাজ্জোনিকাস মাচ য়্যাড়ো এৰাউট নাথিং এ মিড সামার নাইটস্ভিম অ্যাণ্টনী অ্যাণ্ড ক্লিওপেট্রা ট্ৰ জেণ্টেলমেন অফ ভেরোনা মেরী ওয়াইডস্ অব উই ডসর শেরিকিস দি প্রিশ্স অফ টায়ার **जनम्** उत्प्रत मार्हे अन्छम् उत्प्रत

বিশ্বাস পাবলিশিং হাউস ৫/১এ, কলেজ রো: কলি-১

द्वात निरत्ताक निक्न-मादिरकात नाफेरनावक-रात्म छोत रहामानी कोछित कथाछ; धारे श्रथम करेशाहाहे छोड़ बााजिह छेशम,त धकाँडे দুপ গড়তে চেরেছিলেন শীবর ভার क्षीयत्नव जीवन्यवसीत अत्सक कीजित मत्या श्रधान। श्रद्भारको द्वांत्राच्या द्वांच्यात्मद्र सत्था দিবতীয় আহি থেকে, উত্তদ'ল লাই সেহে রাজা) পর্যন্ত অনেকেই নির্মিত শবির দ্ৰংগ' আসতেন মাগল্পাৰ জনা। শোষোত রাজার সভাসদ মোলিয়ার এখানে তার ব্রজারা জাতিজন দাটকটি অভিনর করান ১৬৭० महन । सामात्मत मत्ना बर्गान्नाक স্তেফালোভিচ আর পোলিশ তর্ণী অভিনেত্রী মারীয়া ছিল: তাকে বললাম, 'ফ্রান্সে তে। গোল্যানেডর **জ**র-জরকার। এমন-কি শাবর দ্বেগ'e ভোমাদের রাজা স্তানিস্ভাস তার ব্লারেখে গিরেছেন: শ্ব, কি তাই ? রাজা পণ্ডদশ লাইকে ভাষাই ক'রে ছেডেছেন। ধানা রে!" স্তেফান ফোডন দিল "তাই তো মারীয়াকে আমি কোন ফরাসী ছোকরার রিসমিন্য আর যে'ষতে দিচ্ছিনে।..." নুগের বহু-বিদিত সিণ্ড দিয়ে তিনতলা ঠেলে ওপরে যখন হাজির হলাম, অবাক হয়ে গোলাম, এত-ক্ষণের সাধাসিধে স্থাপত্যের উপরে--নৈবেদার চাডায় সম্পেশ যেন—ছোট বড এতার কড় যে কার,কার্যে ভরা মিনার আর হাওয়া-মহল আর তোরণ কোনটার ঝাড়-লণ্ঠনের আকার, কোনটা বা শিব-মন্দিরের ধ্বজার মতো। অবিশ্বাস্য।...পড্রুড रतार्ष वसङ्घि मुन्द्र इरह छेलेख जन्मचे ভেসে আসছে হঠাৎ বাসার কথা মনে পড়া শাখিদের ক্জেন, বন-মোরগের চিত্রবিচিত্র পাখা ঘাসের আড়ালে আচমকা মিলিয়ে বাচ্ছে: আমরা শ্থিবীর বিভিন্ন প্রাণ্ডর থেকে সমনেত হয়েছি শাবর দুর্গের প্রশাস্ত ছাদে। মন আমাদের দুবভিত হয়ে উঠল বরম,খো পাথির আকুল ডাকে। টোগো **डाकल, "नामा गाक?" "नामा गाक," সा**व দিল গারেল আর ভার বাংধবী জো-আগান, আর মারীয়া, আর ক্রেফান।

"আশা করি আজ আর দুর্গ দেখা বাঁকি নেই?" ক্লাশত সাশা প্রার স্বগতোতি করল আমার দিকে হেলে। শাশত শিষ্ট মেরেটি,— দিবতীয় মহাব্দেশর কিছ্ আগে ওর বাবা রাশিরা ছেড়ে ফিলাডেপ্ফিরাতে আস্তানা গাড়লেও, সাশার মন রাশ্যান থেকে গিরেছে ওর মারের প্রভাবে; রুশ ইংরেজি এবং ফরাসী ভাষা ও সাহিতা ওর নথদপণে। মার্কিন সম্পাতের ছাত্তী ক্যাথারিনের স্বের্গা গলার অপেরার গং বেমন আনারাসে আলোর ফ্লাকির বান্দি। হরে ছোটে, তেমনি বাকি। তোড় ঃ "বাঃ, এর মধোই খকে গেলে? এখনো তো শাতের্নি দুর্গ দেখিনি আমরা।" অন্যান্য দুর্গের ছাকালো

চেহারার পালে শান্তভর্নি নিভান্ত আটপোরে মনে হলের গুর বাগানটি এবং অপভাগ্রের সাজ-সম্পাই থানলানিবে ভালিকার অক্ষ্ম রেখেছে গুর নার। প্ররোপশ ক্রেরের আমল সমাক চিহ্নিত করে রেখেছে এই ব্লাতির প্রভাব খাতিনাটি থেকে শ্রু করে সামাপ্তক শৈকীকে।

মদীর বাবে ব্লোলার ক্রোরা গ্রাক্ত (হোরাইট ক্রস্) হোটেলে আমাদের রাড কাটানোর এবং নৈশ-ভোজের বাকসা ছিল। বে বার বারে পিরে ডিলাবের জন্য প্রস্তৃত্ব হরে থাবার বারে বথম নামলাম, এবটি টেবিলা থেকে স্মুশন এক ছোকরা উঠে এসে বলল, "বাঁক আসান্তি মা থাকে, আমাদের সালের বসবেন?" "আমার ভাই এর ঠাইও যাঁক থাকে, নিশ্চর আপনাদের সালিধা উপভোগের সাবোগ ছাড্র না"

ছেলেটির নাম জেরাল্ড্। অস্টেলিরান। সারপ্রদটা। অলিভিরে মেসিরার ক্রাসে ক্রেপাজিশন অধায়ন করেছে। ওর বান্ধবীর नाम माहेता: श्कारेकार एक बाफि: मनश्रुखत ছাত্রী। টোগোও এসে শঙ্কা। ভারি জাম গোলাম চারজনে। ভারতীর সংগীতের বছ-ভান্ডার থেকে কিছা কিছা এখবর আন পাণ্ডান্তা সংগীতের শ্রীব্রান্ধর জনা অপারহার, জেরালাডের এই অনুমান যথেষ্ট আদ্বসত হতে হতে বন্ধমলে ধারণার পরিণত আজ, আলিভিয়ে মেসিরা সাহেবের বাজিগত বিশ্বাসের আওভার। আলোচনার ছেদ পড়ল গারেল যখন জানতে চাইল, আমর৷ 'স' এ লটুমিয়ের' (Son et lumiere) দেখতে রোরা দ্বর্গে বাচ্ছি কিনা। পর্রাদন শান'লো দুর্গে ওই व्यन्ष्ठेरनद व्यारताकन व्यारह द'ल व्यामता ওদের সঞ্জে গোলাম না, কারণ শানসো দ্ৰগের 'স' এ লামিরের' জন্জানটি জগদিবখ্যাত। আমরা চারজন গণে করতে করতে নদীর পলের মাঝামাঝি পেণ্ছলাম। পারী তার নাগারিক জীবনের গতি বৈচিয়ো আমাদের এওদরে অভাস্ত করে ভূলেছে বে মাবে মাবে এই অলস বহুমান মঞ্চবলের কোলে এসে মনে হর বেন হাল হেডে বাঁচলাম।

রোরা আনার পরিচিত। আমার বশ্ব জর্জা গাঁব্লা এখানে থাকেন। তার কলাগৈ এর আধ্বসদিধ আমি যেমন চিনেছি, তেমান ওাকে চিনেরেছি ওার না-জানা একটা জগং। রোরা দুংগার পাশেই প্রসিদ্ধ বাদ্কর স্বাণা (Houdin)-র স্মাণিত-বিজ্ঞাতিত একটি সংরক্ষা-শালা আছে। স্বাণার বংশধরের তার দেখাদোনা করেন। এখাসে এই যাদ্করের উল্ভাবনী শান্তির আসারালা গারিচর আমরা প্রত্যক্ষ করেছিলাম। জেরাল্ডের আগ্রহ গেখে ওকে বললার বে'সা এ লানুমিরের' (ধ্নি ও আলো) পর্যান্ত





त्नाम' गार्गात शरवम-नव

मान्त्रा गूर्ग । गूर स्थरक

আবিদ্দার করেন র্দারিই নাতি পল রোবের-র্দার, ১৯৫২ সালে; ইনি দারির দ্রেরি এবং রোরা দ্রেরি সংরক্ষক। এর এই পর্যাত নরাদিরীতে কেন, পাকিস্তান আফগানিস্ভান, লেবানন, স্পেন, পর্ভুগাল থেক শরের করে জগতের বহু স্থানে জনপ্রির হয়েছে। প্রাচীন ঐতিহাসিক দুর্ঘার অভাতিকে মুখর করে ভুলে দ্যোর ওপারের ঐতিহাসিক কুশালিব, ঐতিহাসিক ঘটনা সন্দেরর মতো মনের পটে জাগিয়ের ভলতে অন্বিতীয় এই পর্যাতি।

পর্যদন ববিবার আমাদের বারা শার হল রোরা দুর্গে দর্শন দিয়ে। জেনারেল য়াগো, কবি ভিতৰ রাজ্যোর বাবা বাস করতেন রোরায়। কবির কৈশোরের স্মৃতি-কথায় একদিনের উল্লেখ আছে: নদীর ধার থেকে দীর্ঘ ভ্রমণে ক্রান্ড কিন্দোরকে জাগিরে দিল গাড়োয়ান। কবি লিখেছেন "চোখ মেলে তাকাতেই দেখতে পেলাম একসপো এক হাজার জানলা সারি সারি ঘরবাড়ি, খণ্টা-মিনার, দুর্গটা, আর পাহাডের চুড়ের ঝাড়ালো বড় বড় গাছের মুকুট, জলের ধারে চোথা চোখা পাথরে তৈরি সৌধশ্রেণী. নাটমন্দিরের মতো প্রাচীন এই শহর, ঢালঃ জমির ওপর ঢিপি খাজে খাজে গড়ে উঠেছে আপন খামখেয়ালে।..." ১৯৪০ সালের জ্ন মাসে প্রনো সেই শহর বিধনুষ্ঠ হয়ে গিয়েছে নদী আর দ্যগের মধাবত ী ভাংলে। সাবেকি ধাঁচের সপে বাপ থাইয়ে নতুন শহর **গড়ে উঠলেও পরে**নো শহরের মর্বাদা ফিরিরে আনতে পারেনি আধ্নিক স্থাপত্য। মনে পড়ল, নতুন শহরের স্বচেয়ে উচ ব্যাড়িটার চিলেকোঠা থেকে (ওই বাড়িরই একটি জাটে মাসিয়া গাঁবলোঁ থাকেন) বোরার অবিক্যরণীর দুশ্য বা দেখে-ছিলাম। নিমিবিলি পরিজ্ঞা আদিগৃতত সমতল উব'র খেত-খামারের ব্ক চিরে বরে करलाक समी: नमीव में बादत जाना क्या केंद्रे गिरम् व्यामभव भवन्छ। अहे जानः অংশে থরে থরে আশুরের চাব, থেকে থেকে নরম পাধরের গারে খোপ থোপ বাসম্থান-रवाम फेंग्रेटन रहाच थीथिएड बाज भाषायद्वे हाना (सहारा ) উम्बद्धा म्यक व्यकाम, नदास्त्रद সমারোহ, নদীর জল আরু এই শত্রতা-जव शिक्ता मृत्यद जगान्धर अहे निर्धाण ছবি দ্বতীয় মহায়াশের মাহাতে জামানীর খ্যাপা নায়কের মনে সাব জাগিরেছিল, এই-খানে তাঁর সামাজোর নম্দনকানন গড়তে হবে। কিল্ড এই সাজানো বাগান শুকিরে গেল জামান অধিকারের সমর-মির্শবিদ বোমার বিবে: বিবে বিষক্ষর হল মানব সভাতার এক অনবদ্য কীতির বেশ খানিকটা খেসারৎ দিয়ে।

ফ্রালেসর ইতিহাসে নবম শতাব্দীর ब्यक्टे श्रवन जाशनिक नामकराव प्रथा বোরার ডিউক-বংল পরিচিত। গাঁপাট পর্যান্ড এ'দের রমরমা ছড়িয়ে পড়ে বারো শতকে। ১৩১৭ সালে, আলেয়ার ডিউক न.हे. द्वाता भर्कुमात शकुष कर्मन करलना। ১৪১৫ সালে ডিউক ল.ইরের ছেলে শার্ল वन्ती इन देश्यक्षामय हाटछ: शांतिम वहब न-छत्नत मृत्रा ना व्यवस्थात नाम रामिन ঘরে জিরজ, তখন ভার কবি হিসেবে বেল কিছা নাম হয়েছে; সেই কবিখ্যাতির "ব্ৰীকৃতি দিতে পৰা এলায়েয়ারের মতো কবি ইতস্তত করেননি। ১৪৪০ সালে কাব্য-সাহিত্যের দ্বনিরা থেকে শালা বখন প্রবেশ করলেন দ্গাধিপতির ভূমিকার, তার খেরাল हानल, भूजरना मूर्ग एक बच्च धक श्राताद्य प्राणं निर्धारणद्वा भारतना प्राणं ह পশ্চিম মহল ভেঙে নতুন দুর্গের পত্তন इक । नार्जिद भार स्वामन बाहे सारमह সিংহ সনে অধিষ্ঠিত হয়েও ভুললেন না প্রিয় রোয়া দ্রগের কথা। ১৪৯৮ থেকে ১৫০০ সাল প্রবিত দ্রোর পূর্ব-মহল নিমাপের কাজ চলল সেরা স্থপতিদের পরিচালনার ঃ গথিক প্রেরণার সপো ইতালীয় প্রভাব মিলে স্বাদ্ধ লুই ও তার স্থা ব্রতাঞি'র **আন্কে** চির্লিনের জন্য অমর করে রাধল। এ'দের উত্তর্গধকারী প্রথম ফ্রানোরা, রানী ক্লপ. কাংবিন হা মেদিসিস, ততীর আহি প্রভৃতি একে একে নতুন নতুন ভিত্প-ক্যতির সংযোজনা করেছেন প্রতিনের পাশাপাশি। কিন্তু সভেরো শতকে অলেরির গাস্ড পরনো দর্গের আগগোড়া ভেতে সম্পূর্ণ নতন দুৰ্গ বানাতে উদত হলেও সোজাগোর কথা, ও অপকর্ম বেশিদরে অগ্নসর হতে পারেনি: মার পশ্চিম মহলটিই তাঁর নিদেশি-মতো নিমিত হয়েছিল। অর্থাভাব বে কত বভ সাকৃতির হেত হার পারে এই ক্ষেত্রে দেখা যায়। এই প্ৰিচ্ম মহলটির লিক্প-দৈনা मित्र क्वा करन इह त्य. व्यात-धक्ये ह कना বিলাপ্ত হাত সাবেকি দার্গের অন্য অংশ-গুলোও! তেরো থেকে সভেরো শতকের ফরাসী স্থাপতের শ্রেষ্ঠ নিম্পনি এখানে বেমন, ব্যেয়ার দুগোঁ তেমনি ইভিহাসের कुषाति वह सन्कल अस्तिक हासह। ১৫৮৮ সালে ধর্মবাদেশর বিশ্বশ্বনার মধ্যে ভভীয় আরি এইখনেই জঘনা চল্লাভ করে অপসারণ করেন তাঁর পথের কাঁটা গাঁজের ভিউককে।

বেলা তিনটে নাগাদ আমরা দীর্য ঢাল, বনপথ দিরে উঠলাম শোল (শোলগরম+ ম'লগাহাড়ঃ এই দুগেরি প্রতীক হল

পাহাড়ের চড়ার আগনের শিখা) দুরোঁ: থাক পশকা ব্লিটর গরে শেওলাঢাকা খড়ি-মাটির পথ বেল পিছল লাগ্যন্তিল। প্রচালয় मार्थक मत्न इन मार्शित शर्यम-भाष छ-विक পার হতে হতে। কর্ণদনের গরমের পরে স্নিশ্বতার এই মুহুতে হাওয়া খুশী হয়ে फेटरेट मार्टा वाशास्त रक्षां कार्वत शरका পাথর সাদা দেলটের ছাদ নীলচে কালো দ্ৰুগোঁৱ বাগানে সবাজেৱ বিভিন্ন বৰ্ণা**ল**— সব পেরিয়ে উ'কি দিচ্ছে উদার প্রসন্ত লোৱার নদীর কাগা-ডিম রং বা মনে পড়িয়ে দেয় অবন ঠাকরের আঁকা একটি ছবির কথা। শিবের জটার থেকে নদীব জন্ম নয় এলেশে তব্ৰ নদীৰ ওই দিনাদেতর রং আমার শিক্তিয় খী ধ্যানের আনন্দ দিক। ১৫৬০ সালে রাজা দিবতীয় আরি-র বিধবা রানী कार्शतन मा स्मिमित्रम अहे रम्या मूर्शित পরিবতে কৃষ্ণিগত করেন পরলোকগভ রাজার প্রেরসী দিয়ান দা পোয়াতিয়ে'র বাস-**স্থান** (রাজারই উপহার) শান'লো দুর্গাটি। बानी बानराजन, नाना काइरण पित्रान काजपात আকৃণ্ট ছিলেন রাজার স্মতিবিজ্ঞতিত শেবোভ দুর্গাটির প্রতি। নাপোলের সমুট হরে বিদ্ধী লেখিকা মাদাম দা স্তাল কৈ এই দ্র্গেনজরবন্দী জীবন্যাপন করতে বাধ্য করেন।

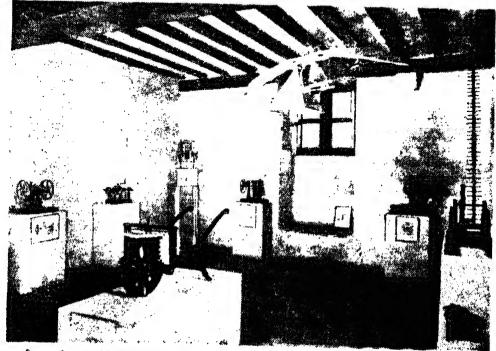
আবার বাস-খাতা, আবার দুর্গা-দর্শন। এবারে স্প্রসিম্ধ আঁবোয়াজ দ্রেগর পালা। এই দুর্গতির নাম জগতের শিল্পীদের কাচেছ সমাদ্ত। ১৫১৬ সালে রাজা প্রথম ফ্রান্সোয়া

ইতালি থেকে আমদাণ করে আনলেন শিল্পী जिल्लाएमा मा छिन्ति'रकः क्षेत्र मार्गिव भारमहे কো লালে নামে আলামবাজিতে জীবনের খেয फिल वक्क कार्तिक मा फिल्म क्रथारम नास्कृति বছৰ ব্যাসে দেহৰকা কৰেন ১৫১১ সালে। বাজা প্রথম ফাঁসোরার এই আমন্ত্রণ লিও-नार्मात निक्शी-कौरत क्य मान्यनात कार्य হয়নি। ১৫১০ সালে লিওনাদেশ রোমে গিয়েছিলেন সান-পিরেকো (সেন্ট পিটার) গাঁজাটির নিমাণ উপলক্ষে: তাঁর বিশ্বাস ছিল যে, তাঁর খ্যাতির সম্মান দিয়ে খ্রীখ্ট-ধর্মের হতাকভারা নিশ্চয জার উপরে নাস্ত করবেন এই গাঁজা নির্মাণের দারিত। কিল্ড ইতিপারেটি দ্রামান্ত এবং তর্ণ মাইকেল-**এक्षिला ७ दायासन अर्थान कर्ताहरू**नन পোপের সমাদর। অগত্যা আরো দ্র-বছর ক্রেমের বার্থতার মধ্যে কাটিয়ে লিওনার্লো চিরদিনের জনা জন্মভূমি ইতালির উপর অভিমান করে চলে এলেন ফ্রান্সে। তিনি অক্তদার ছিলেন। মনন অনুভৃতি ও স্ভানের তিবিধ মার্গে লিওনার্দা যে অম্বিতীয় প্রগতির স্বাক্ষর রেখে গিয়েছিলেন তার সমাক মলো উপদক্ষি করতে মানবভাকে পাঁচ শ' বছর অপেক্ষমান থাকতে হল।

আজকের বিশেষজ্ঞ প্রধান শিক্ষার যুগে জ্যাক অব অল টোডস, মাস্টার অব নান' কথাটি যথন বড়রকম সত্যে পরিণত, তখন বিস্করের অবধি থাকে না অতিকার এই প্রতিভার ম্লায়ন করতে গিয়ে: শিক্ষাই, ভাস্কর, স্থাতিত, সংগতিত, উম্ভাবক,

ইজিনীয়র, কিনা ছিলেন তিনি? আগিবলি যন্ত্ৰপাতি, আলোকবিদ্যা (অগটিকস), উভিছ विकान गातीत न्यान, खेनक (शहफा-निकन), श्राणीयमहा स्थरक मान्त्र, करत स्थालक टकान अधिराष्ट्रे म्राम्स अधिकात प्रकृति ইত্তত করেননি লিওনার্দো। তার অসংখ त्नारे । त्रशावितात्र चिख्यक चारे वि वा সংস্থা বেসৰ বৰুপাতি প্ৰস্তৃত করেছেন, ভার श्रमणानी वादबा मानदे एक्स यात्र का नाहे-ध्य छण्न-करकः दिश्वकारतम् छेष्ठन-रक (বিমানের প্রথম সংস্করণ), মুরুণ্ড সাজে ट्यांवरदात्र विकिस खेळारून, मोटकाराव উন্নয়ন প্রভৃতি কত রক্ম ফল্লী-ফিকির যে ঘারত ওই মাস্ক্রের আনাচে-কানচে ভার বাস্তবরূপ দেখাতে দেখাতে দা ভিলিত গ্ৰম্প কৃষ্ণ করাসী গাইভ প্রতি পাঁচ মিনিট অন্তর, "আজ থেকে গাঁচণ বছর जारंग **এ** हिन निखनार्टमा का जिलित অবদান", ব'লে সমরণ করাতে লাগলেন "আই কাম টা বেদরি সীজার, নট টা গ্রেইজ হিম" উলিটি!

লোরার উপতাকার প্রাকৃতিক সম্পির বিষরে আগেই কিথেছি। এদিন সংখ্যর আমাদের নিয়ে বাওরা হল এ অগুলের স্নাবিদিত একটি স্বাকৃতির কারখানার। বারে: কিলোমিটার খারে মাটির তলার স্ডেপে বে দীর্ঘামেরাদী উদাম নিয়ে দিনের পর দিন কবিরাজের ধৈর্য, পাচকের দক্ষতা, জননীর মমতা, শিশ্পীর প্রেরণা, বৈজ্ঞানিকের নৈপ্রা, বিশ্বক্ষার ক্ষমতা, ভালিপ্রক্রে



লিওনালোর খাতা খেকে নেওয়া নক্শা জবলম্বনে নিমিতি কয়েকটি বলা : উড়ন-য৽ল দেখা বাদেছ ছালে

নিন্দা নিব্ৰ হয় স্ব্ৰপ্ৰট চাক্ষারসকে

মাটির জারক-রসে পরিপক্ষ ক'রে স্মিন্ট
পনেীরে র্পাশতরিত করতে, তা প্রত্যক্ষ
করলাম এই প্রথম। স্বারং কারখানার
মালিক আমাদের ছ্রিকে দেখালেন তার
পথতি। এবং আপাারন করপেন সংদ্রাগ
পাতে করে প্রত্যকের জন্য স্বাদ্ এই
পানীয় দিয়ে। শাপাই (বা শায়শেপন) কেন
এদের উৎসবে-অন্টানে সঞ্জীবনীর
প্রতীক, ব্ঝতে পারা বায় এমিন কারখানা
দেখলে। বোঝা যায় কটিস্কেন লিখেজিলেন

O for a draught of vintage, that hath been cool'd a long age in the deep-delved earth,

Tasting of Flora and the country green, Dance and Provencal song, and sunburnt mirth!

O for a beaker full of the warm South.

Full of the true, the blushful Hippocrene.

With beaded bubbles winking at the brim,

And purple stained mouth; That I might drink and leave the world unseen.

And with thee Fade away into the forest dim:

এই কারখানা থেকে আমরা উপস্থিত হলাম ডিনারের নেমণ্ডর ছিল যে রেন্ডারার: প্রতাঞি অঞ্চলের নানাবিধ স্থানে। তৃশ্চ রসনা আমানের ভূলিরে দিল যে আমরা আজ্ঞীয়-শবজন ছেড়ে দ্রেনেশে এনেছি কচ্ছাস্থনার নামাণ্ডরে জ্ঞানের প্রিধি বিশ্তার করতে।

"না জানি কি এক অতল্নীর লাবণা আর বনেদি প্রসঞ্জত। ঘিরে আছে শ্যুসৌ দ্যাটিতে", লিখেছিলেন গস্তোভা ছোবের। "নীর্ঘ এক তর্বীথির পথ চলবার শেষে, প্রতিবেশী পল্লীর সমুশ্ব বাবধান পার হরে, জলের বুকে নিমিতি এই দুর্গটি দাঁড়িরে আছে দেখি, প্রশান্ত এক স্থানর থেলো বাগানের মধ্যে।...খিলানের তলা নিয়ে কুলকুল ক'মে বন্নে যেতে যেতে শের নদীর স্রোভ ব্যাহত হচ্ছে ছ'্চলো থামের কোণাগ্লোর। আভিজাতো কি বেন এক ণার্চা ও মাধ্র, প্রশাশত তাল বেদনামর পরিবেশে নেই কোন ডিঙ্কতা, নেই কোন অবসাদ।"—আমাদের ভ্রমণের ভতীর এবং শেষদিনে নতুন ক'রে শান'লো দুর্গটি দেখবার সময়ে গারেল সমরণ করাল ফ্লোবের-এর উভিটি। ভল্তার, বা্ফ', জা-জাক রুসো প্রভৃতি বহু নামী লেখক এই দুর্গে কাটিয়ে গিয়েছেন এই দুর্গের কর্টা ছিলেন বখন মানাম দ্বাপ্যা। ওপরে বলেছি আরি রাজার মৃত্যুর পরে তাঁর রক্ষিতা, দিয়ান দা পোরাতিয়ে'র হাত থেকে কিভাবে রানী কার্ণরিন এই দর্গাটি কেড়ে নিয়েছিলেন।

দিরাল ছিলেন অস্ত্রান্ত সৌন্দর্বব্যেষ্ট্র অধিকারী: শানালে গ্রুগার প্রী তিনি বেন্ডাবে বর্ধান করেছিলেন, তাঁর পরবতী ব্যোত—আন্ধ অবধি, অক্ষ্ম রয়েছে তার গোরব। লোরার নবীর ন্গান্নালর মধ্যে অন্বতীয় এক মহিন্ধার ন্থানে এই ন্গাঁটি অধিন্টিত।

जर्वराग्य गःश चारक-मा-विरमा श्रीवक्या সেরে বার হাল পারেল বলল, 'দাঁভাও। একটা ক্ষতিচিত্ৰ আৰু।" দ্ৰোট একটা সেত. পরিষার ওপরে। মধায়গের ইওরোপের প্রাচীন গরিষা পিছনে রেখে আমরা ফিরে হার বিশ শতাক্তর সালপথ প্রার চিক্তাব্রের প্রতীক মহানগরী পারী অভিমাথে। শহীরে আয়াদের তিন্দিনের পথলম ৰ্ভটা না সঞ্জিত হারছে মনের কোণে তার চেরে বহু গাণে फेर्ट मिश 8 PREMITA वाडी उटक CI LIVE প্রতাক অন্যাদিকে काशास्त्र जास्टिक O.S क्रम ब थ\_काथात्री खकाना 78 ভর্ণীকে জানলাম, এই জানবার পরশমণি

প্রাণে ছ'ত্রে নিরে বে বার পরিমন্ডলে কিরে বাবার বাধা, বে-বাধার মধ্যে নেই কোন ভিকতা, নেই কোন ভবসাদ। এন্ত কথা মনে হচ্চিল আমার : গারেলের এই ছেন্ট আমেরাহ কি তার স্বাটক ধরা প্রান্তর ১

বাস ছুটে চলেছে। মেক্সিকোর
বন্ধরা—লেতিসিয়া, খ্রান-কার্লোস মারিয়া
প্রভাত ভলনখনেক—গাঁটার বাজিরে গান
গেরে চলেছে। লাতিন আমেরিকার
দেপনিশ-ভাষী গানগালেকার লক করলাম
দ্বাটি শব্দের প্রথানা : "পরবে" (কেন?)
এবং কোরাখন্ (হেনর)। একটি জিজ্ঞাসা।
একটি জন্মতব। আমাদের প্রো তিনদিনের
যাতা, আমাদের জাঁবনও চিহ্নিত মনে হল
এই দ্বাটির আলোর, এই দ্বিটির ছায়ার।
ছুটে চলেছে লোরার নদী। প্রশন জাগল
মনে ঃ "(ওরে) তোরা কি জানিস কেউ/
জিলে। ওঠে কেন এত চেউ?"—মেলেনি
জিলে।

প্ৰৱীন্দ্ৰনাথ মুখোপাধ্যার



আরও কর্সা, পরিকার রঙের জন্যে ···

## ফ্লোরোডন

দিক্তে বিজ্ঞানসমত উপাত্তে আপনার ওকের পরিচর্যা করুন



আপনার চর্ম চিকিৎসকের কাছে আরক্তে পারবেন বে বেছের ভবর মধ্যে প্রচুর পরিবাবন বেলানিন রঞ্জক গালান যেশিরভাগ কেন্তে চানড়ার রঙ কালো হয়। পরীকায় কথা গেছে বে ভেষজমূক প্রাোজান অক্রেশে চানড়ার ভয়গুলি ক্যো কোনে ক্রুকে বার এবং অঞ্জক কোবসুনির ওপর সরাসরি কাল কোরে, বেলানিনের, আধিক্য ক্সিতে আপনার বাবের রঙ অনেক কর্মা ও পরিকার কোরে ভোলে।



हाहेबिनिक त्रिमार्ह हेकारिटिक्रेहे, नि. ७. यस ১১৯२, बरब ১



পালের নরখাদক বাঘের মতো ভরংকর **9** আরু হিংস্ল—টেরিফিক এবং ফেরোসাস-চরিত চাষী ইনসানের। গায়ে অসংরেত মতো বল। চোখ দুটো হাসা। গোঁফ দাতি তামাক-শোড়া কটা রঙের, কৌকডা কোঁক ড়া। গারের রঙ পাকা গ্রেমর মতে।। অসংখা তিল ভার গারে। মাথার চলগুলোও बाबकः। ভাকে দেখতে অনেকটা ভাভারদের মতো। মালোর মতো মোটা মোটা আগুলের भारति शाकिरत यथन टम कथाम्-ना-स्कता বেয়াড়া গর, ছেলে অথবা দ্বীর পাঁজরে ঘ'়ার সাটার, এক যার বেশি দুয়া মারবার আগেই জিব বেরিয়ে পড়ে তাদের। পানের মেট বাসে তোলার ব্যাপারে শিখ কণ্ডান্টরদের সংগ্রে বচসা-মারামারি বেধে গেলে ইনসান ভাদের তিনজনকৈ ছ খানা ঘ'্ৰিক আটম ছেডে শাইয়ে দিয়েছিল কিল্ডু দাবলি-হানয় বাঙালীরা তথান তাদের মাথার জল চাপড়ে ঠান্ডা করে দিতে মাথায় পরাড় বে'বে সরে পড়েছিল তারা।

ইনসানকে সবাই ভয় করে। খনী দ্রুত বেহ'শ লোক। ভবিণ বগচটা। প্রীবন্ন, ভার বউ, হার প্রীর মতোই বে স্পরী, মেমেদের মতন ফরসা, শ্লো দড়ির চাব্যকর বাড়ি ভাবে যখন মারে তার স্বাংগ্য भौकाम भारत्व भारतः काला काला दरा माम হয়ে মায়। পান থেকে চুন খসবার ভো নেই। কিন্তু তার বছর হোল বরেসের ছেলে আজাদ ভার অবাধা। তাকে কতবার মারতে মারতে বেহ'্শ করে ফেলেছে তব সে স্কুলে হাবে না। ক্রাস সেভনে উঠল, কত টাকার বইপত্ত কিনে দিলে, 'পেরাইপিট' 'বাঙাল' মান্টার রেখেছে, তিনি প্রতি সম্ধায়ে মালেরিয়া ডিপার্টমেশ্টের ফাকির কাঞ আর খাতাপত্ত মেরে পড়াতে এসে দেখেন আজাদের পাত্তা নেই। তাকে ধরবার জনো একদিন পিছনে পিছনে ছুটল তার বাপ। প্রামকে গ্রাম পার হয়ে গেল। তিনটে প্রামের বড় বড় মাঠ পার হবার পর এক পল্লীতে এসে ইনসান পেট টিপে ধরে শরের পড়ল। অজ্ঞান হয়ে গোল সে। সেই গ্রামের 田町 STREET লোকজন তার য়াথায় ভাদের জ্ঞান ফিরিয়ে বকাঝকা কর্তো । পারলে ধরতে আশংকা. (ছ्लाक मुख्यस्मद्र स्व হোক একজন মরত। আখ-व्यथवा मुख्यान मुख्यनारक धरत ঘণ্টা ধয়ে শুধু হাঁপাড। ছেলেকে ম্রেবার শক্তি প্রবিত থাক্ত না ইনসানের--আর রাগে ক্লান্ডিডে সে 'নট্কা' মারা হয়ে গিয়ে হার্টকেলও করতে পারত। ছেলেটা ভরে আছাত খেরে পড়লে মারা যেত।



আজাদ তখন একটা ভেড়ির কোলে শুরের পতে হাপাজে গাল হা করে।

কেন এমন অবাধ্য হল ছেলেটা ভেবে পার না ইনসান। দিন দুভিন পরে হঠাছ ভাকে ধরে ফেললে ইনসান বখন সে লাকিরেঁ ধানের গোলার মধ্যে কাদিভরা পাকা কলা খাছিল আরামসে পেট ভরে। 'বাকুলো' সে'ধভেই মা পরীবান্ ইসারা করলে, ভোর বাপ ঘরের মধ্যে নামাজ পড়ছে রে 'অভাগা।' কোথা আর ল্কোবে, সচ্টু করে গোলার মধ্যে উঠে গেল আজাদ।

কিন্তু 'সেজদা' থেকে উঠে ইনসান দৃশাটা দেখতে পেলে। নামাজ শেষ করে একটা শিক্ষা আর ভালাচানি নিয়ে নেমে এলে গোলার কাছে দাঁড়িকে হাক মারলে, 'নেবে আর হারামজাদা। যদি এক কথার নেবে আসিস, ভোকে মারব্নি আনু বদি'...

নেয়ে এল আছাদ। গাঁড়াল এসে বাপের সামনে। ইনসান ভার জবরবটা চকিতে একবার দেখে নিলে, থালোলা স্বাণ্ডাল একে। ছেবার কোমরে শিকল জড়ালে। বালার মধ্যে দিলে। লিকল গাঁলারে এনে একটা গোরো দিলে। টানতে টানতে নিরে এক বাইবের দলিজে। একটা মণখনেক ভারী বাবলা কাঠের গোড়েন্র সংগ্রে

বদ্দী করলে আজাদকে। মাদ্টারমশার
কেই অবস্থাতেই সদ্ধায় পড়িয়ে গেলেন।
পাড়ার লোকজন স্বাই দেখে গেল। রতা
পরীবান্ তাকে তাত আর আধসেরটাক
গ্রেম দৃশ্ধ খাইরে একটা বিছলা পেতে
মালরী খাটিরে দিরে চোখের জলে অনেক
কোদে অন্নয় করে বোঝালো। বাবা, তুই
মান্ব হ, লেখাপড়া শেখ। ভার জন্যে ভো
মোর গতর খোঁতো হরে গেল। কেন, তোর
লেখাপড়া শিখতে ভাল লাগে নে কেন?'

আন্তাদ গাড় গদ্ভীর প্লায় বললে, 'ক হবে লেখাপড়া শিখে?' শান্য ছবি!' প্ৰথাপড়া শিখলেই স্বাই মানুৰ হয় মাণ

'তবে তোর মতন গাছ গর**্হয়ে থাকলে** কি মান্য হয় ?'

্ষজনত নোহম্মদ, বাদশা **আকবন,** শিবাজী, এ'রা কি লেখপেড়া জানতেন?'

প্রবিজ্ঞা, আরি কি কেবে কি করে। তুরি কি কেথাপ্ডা শিখতে বারণ করেছে।

কোনো উত্তর নেই।

কিছুক্ত প্রে আল্লাম্ বা বললে তার মানে দড়িয়ে, শিক্ষিত লোককে দেখলে তার রাগ হয়। তারা লোককে ঠকায়। মিধ্যে ক্যা বলো। চালকছো। তাদের কশিদ, ভূরি আর বননারেসিতেই দেশের এত দুরুখা আর ঐ বাঙালা মান্দার, বনে বলে মাইনে নারে, তারে আমাকে এমন কোন্দেন ক্রে যাড়ে আমি জন্দ হই। সেদিন বললে, ৮০ হাত লালা আর ৮০ হাত চওড়া কারণা বদি এক বিক্ষা হয়, তবে ৪০ হাত চওড়া ৪০ হাত লালা জারগা কতথানি হয়ে? আমি বলন, দশ কাঠা। সে চড় মারলো! বাপ তথ্য এথখনে ব্যো ঘান্টার বললে,



ময়দা ও সুঞ্চির উপযুক্ত সংমিশ্রনে বৈজানিবা উপায়ে তৈয়ারী ম্যাকারনি রাইস রক্ষন প্রনালী প্যাকেটে দেওয়া সাচে



০৬ জালস্ক্রেম ট্রাট, জলিকারা ১৬ জোম ১৭৪-৫৮০৫ টি প্রায় : ম্যাকার্যুক্ত ৮০-কে ৮০ দিরে গুণ করলে হর ৮৪০০ ।
আর ৪০-কৈ ৪০ দিরে গুণ করলে হর ১৬০০। কান্ডেই এক বিষের সিকি ভাগ। পাচ কাঠা।—এই ঋণ্কটা যত শিক্ষিত লোককে জিল্ডেস করেছি স্বাই বলেছে, দশ কাঠা। তবে? বাপ তার জনোও মারলে আবার!

দীর্ঘ-বাস ফেলে পরীবান, উঠে চলে এল।

প্রদিন সকালে দেখা গেল আজাদ ছার শিক্তা বাধা মণখানেক ভারী কঠি কাঁধে তুলে নিয়ে কোথায় সট্কান দিরেছে। কাছাকাছি বন জপাল সব খেজাখাজি করলো। কোথাও পাওয়া গেল না ভাকে। গর্নিয়ে মাঠে হাল করতে চলে গেল ইনসান।

কাঠ কাঁধে নিয়ে বাড়িতে হাজির হরে আজাদ মাকে বললে, 'দে, খালে দে।'

মা বললে, 'আমার কাছে চাবি নেই।'

অগত্যা কডল দিয়ে গারের ছোরে বা কতক মেরে শিকলটা কেটে ফেলে নিজের বন্দীদশা থেকে মৃতি পেলে আজাদ। কিল্ড क्लाबरतत मिकलात शिक्तो असम क्रांट रशहक य ठा किছ, एउटे स्थाना शान मा। गिकनाठी কোমরে জড়িয়ে রেখে ভাড়াডাডি খাওয়া-দাওরা সেরে নিয়ে আবার পালাল সে। ইনসান দ্বাপারে ফিরে ছেলের খোঁজ পেলে ৰা কিণ্ডু কাঠটা **পড়ে থাকতে দেখে** পরীবান,কে ধমকাতে লাগল। তখনো রামা হর নাই, গর্র গামলার 'জাব' দেওয়া বাকি —এইসব অপরাধে পরীবানকে খভমের বাড়ি যা কতক দিলে বেশ করে। তার নাক দিয়ে র<del>ত্ত</del> পড়তে লাগ**ল। মারে**র চোট সে ছাতে পালিয়ে গেল **বিভকীর দিকে। ইনসান** টগবগ করে ফোটা হাডির ভাতগ্রেলা এনে গররে 'মাচলা'র ঢেলে দিরে এসে উন্নে জল ঢেগে নিবিয়ে দিয়ে কোদাল এনে উনোন কুপিয়ে দিলে। তারপর স্নান কবে এসে 'জোহরে'র নামাজ পড়ে মাদরে পেডে শ্বরে পড়ল দলিজে।

পরীবান তার হাতের সমস্ত চুড়িগালো ভেঙে ফেলে গরের পিছনে বসে কানতে

## একজিমা রোগ

সোরাইসিস ন্থিত কড রন্তদের বাতরক বুলা, খেত-দাগ্রহ আরত কনেক কঠিন কঠিন চমন্মোগ হইতে মন্তিলাভেছ কনা ৭২ বংসরের চিকিৎসা কেন্দ্রে চিকিৎসিত হউন। হাওড়া কুউ কুটীর ১নং মাধ্র ছোর লোন, মন্ত্রট হাওড়া। ফোনঃ ৪৭-২৩৫৯। শাখাঃ ৩৬ মহাজা গালী রোড় (হাারিসন রোড়া) কলিকাতা—১। প্রেবী সিনেরার পালে।



উন্নের আগেনের আভার পরীবান্র সায়া করসা মুখখান কেলন লাল হয়ে উঠেছে

কদিতে পাড়ার জারেদের বলতে লাগল ঃ
আমি 'রাঁটু' (বিধবা) হইছি। আমার ভাতার
মরেছে। সে মর্ক। সোলার সব ধান
'গম্তি' পোকা হরে উড়ে বাক। মেরে ছেরে
মোর 'খোলো' 'লোউ' (রক্ত) ফেলে দিলে
'বাঁ-গারের' মিনসে। ও মরকে।'…

কিল্ছু সংধ্যার অংধকার নামতেই থিড়াকিব বাশবাগানে বখন উদাস ভূতুছে হাত্তর আড়মোড়া মেরে ছুটে গেল—শাঁকচুলি বা ভূতের ভরে বাড়িতে আসে পরীকান;! শিয়াল বা কটালে নিরে পালাবার ভরে হাঁস মুরগিগলো 'খোল্লা'র (থোঁরাছে) তোলে। ঝটিপাট দের। সাঁলবাতি জনালে। আবার অনা উনোনে রালা বসাল।

ইনসান মাদ্র পেতে 'মগ্রেবে'র নামাজ পড়ে পবিত্র কোরআনখানি থলে পড়তে বসে। সরে করে সে পড়তে থাকে। উন্নের আগ্নের আভার পরীবাদার সাদা ফরসা মুখ্থানা কেমন লাল হয়ে উঠছে আর নীরবে দ্ব-চোথের জলের ধারা নামছে ভাতে, দেখতে পার ইনসান।

রামা হলে এক থালা ভাড, ভিম ভাজা, ভালা আর একটা মাছের তরকারী এনে সামনে দিলে ইনসান বিনা বাকাবারে সমস্ত উদরসাৎ করে নিরে টের্চ হাতে করে পাডার বের হয় ছেলের অংশবলে। আসলে সেবার না—লাক্রিরে থাকে। ছেলে মারের কাছে আসে কিনা লাকিরে থেকে পরীক্ষা করে।

কিন্তু বার্থ হয়। আজাদ তখন বাগানের বিরাট একটি নারকেল গাছের মাধার আজ গাতার মধ্যে নিজেকে শিকল দিয়ে জড়িরে বনে আছে! দাঁত দিয়ে ছোবড়া ছাড়িয়ে সারা বিকেল ভরে সে দুটো নারকেল ধেরছে। কড়ি ভাবের জল থেয়েছে করেকটা। দিবাি আরামের আনাদ জীবন! উপরে মৃত নীল আকালে অসংখ ভারা বিলামিল করছে প্রান্থের সংগ্রেম।

হঠাৎ সংকলপ পালটালে আক্রাস। সে গাছের মাথা থেকে দেখতে পেলে ভার রা সারারাত শাওরার বলে আছে লভ জন্মিলরে। ভার জনেনই এই ক্টাভাগ্র

ভোরবেলা গাছ থেকে নৈমে এল সে।
ভার নামা মানে সাঁ করে আকাল থেকে
মাচিতে পড়ে কাওরা! গাছের গলার কাছে
নেমে হাত আলগা করে পারের পাতার
ভর রাখা মাত। নিমিকেই মাচিতে। ভবে
গারের তলা একেবারে অনলে বার।

ভোরবেলা বাড়িতে চুক্তে আন্তে আন্তে এসে মারের কোলো মাখা রেখে নাঁভাল দাওরার নিচে। পরীবানা ভাকে কভিরে ধরে কাদতে লাগলা নীরবে। ছেলের গা পাতে বাজে জারে।

করেকদিন জনুরভোগের পর উঠে আঞ্চাদ নিজেই কোনাল কাটারি কালেড নিরে কজকাম আরম্ভ করলে। ইনসাম আর কিছু বলে না তাকে। দেখা বাক স্থাধীন-ভাবে ও কি করে। ও আর পড়াশোমা করবে না সেটা কোঝা গোছে। ভবে ইনসাম লক্ষ করেছে, ও জবেক সমন্ন খাডা কলম নিরে কি বেন সব লেখে। একদিন দেখলে, বত সব গাছপালার নাম, ধানের নাম কলা, আম, মছে, বাঁশ, আখ, কলাই, মাটি, কুল, মানুবের উপাধি লেখা। খাতা ভরতি।

মাঝা খারাপ নাকি।

একদিন দেখলে, বালি বাজাজে আজাল ঘাটের চাতালে কসে। আর একদিন দেখক বেগনে বাড়িতে একটা মড়ার মাধা শমশান থেকে কুড়িরে এনে লাঠির মাধার দিরে রৈখেছে বাতে রাতে বেগনে চুরি করতে এসে চোরেরা ভর পার।

একদিন সকালে আজাদ ছেলোমেরেদের নিয়ে ছড়া কেটে থেলা করছিল। সে বলছিল:

আকোড় বাঁকোড় ত্যাকোড় সলা ধন্ত্ৰ ধান্ত বাঁলের নলা, চামচিকে চটার ডিজ বহিশ আঙ্কলের তেতিশ সিং!

ইনসান বললে, 'পড়াশোনার নাবে অণ্টরম্ভা! ছড়া কাটছে! আর হাল জড়েবি আর। চাবার বেটা। চাব করবি চলা

আজাদ এল। লাঙল-জোয়াল কাৰে নিয়ে গর্ন তেড়ে মাঠে জানলে। দ্ৰ-বিৰোপ্ত বীজতলা ফেলতে হবে। তার জন্যে তলা-পোড়ে' চবতে হবে।

হাল জ,ডতে বললে ইনসান।
আজাদ গর জোড়াকে 'হাও কালা—হাও
বাবা' কলে দাঁড় করাতে চেরে গরুকে বাবা

বলার পর বাংশের মুখটে কেমন ইয় একবার দেখলে। ইনসান অনামনশ্ব ছিল। দইখই গাইগুলো উপড়ে ফেলে দিচ্ছিল। তারপর কাটারি দিয়ে বেড়ার জীবদশ্ত গাছ ছিরোতে আরুল্ড করে সে। বললো, পেকতের জনো বেড়া দিলাম, বেড়া ক্ষেত খার।

আজাৰ গর্ম কাঁধে জোরাল চাপিরে জোরালের মাথের দাঁড় এনে তার লোহার ফলকে বে'ধে দিলে। 'আঁ**জ' দড়ি জোরালের** লারখানের খাঁজে রেখে তার মধ্যে **লাভলের** क्रम' गीनारा भिटा जारका प्रदेश 'चौक्छ।' আক্র দিলে। এইবার আঁকড়ার তলার বাধা ডবল গরুর দড়িটা এনে লাগুলের গ্নাটেরা নিচে একটা ফের দিরে নিয়ে **কভিরে** লাবগো ভার ল'ডল জোড়া হচ্ছে কিনা লক্ষ্য দহভিল ইনসান। ঠিক হয়নি দেখে কাছে এল। কান ধরে ছেলেকে সরিয়ে দিয়ে লঙ্গ জাড়তে জাড়তে বললে **ভাষার** নেটা চাষা! মাকের ভলায় কালো 'রো' (গ্ৰহা গজিয়ে গে**ল**—বে দিলে সাত হোলর বাপ হয়ে যেতিস-এখনো তাম হাল জোড়া শেখনি। এই-এই রকম করে ছাড়তে হয়। থালি <mark>আধনের তিনংপা</mark> চালের ভাও মারা নয়! আচেটে মাটিভে শাঙ্গ 'শারা' করে জাড়ুলে গরার কাঁধে 'বটকা' লাগবে। গরা টানতে পারবে নে। 'থরে।' র,ড়বি 'একচার' ধ্বা হরে গেলে। একা 'দাবার' চলবে। লে চালা। 'আতড' বাড়। লাওল চলে গোলে চৰা মাটির যে দার্গ গড়বে ভার নাম 'সির্ভাল' আর হাত ছরেক ছালগা একবার ভেডারে যাবে আবার বাইরে আলার - ভিতর পারে গেলে আবার আভিড' বাড়তে হবে। এমনি **করে সবটা জায়গা হয়ে** গেলে অভ্যাতি ভাবে একে বলাৰ এক-চার'। ফের লম্বা দিকে শের হলে বলবে ি চা**ষ**া ভারপর **ঘাস উপড়ে ফেলভে** ইবে। কোদাল দিয়ে আ**গাছার গোড়া কেটে** 'গাসভে' করতে হবে। ভারপর **আবার চাব** দিয়ে মই দিয়ে ধান **ফেলতে হবে। এক** বিষেতে আট সের ধান লাগে। বীঞা তলা ঠিক হলে আৰাড় মাসে আগো' ভেঙে 'বোড়ান্বী' দিয়ে, 'কাদা' করে বীজতলা উপরে, তার মানে, 'বেঙোন' ভোও কমি ন্টতে হবে। ভান্দর মাসে ধান জমিতে নিড়েন দিতে হয়। ল্যাওলা, ভট্কা, কালেয়া ঘাস, পাতি, চে'চকো, শ্যামা অস. কুলপো গাছ, ওকড়া গাছ এসব্ উপডে रमगट इ:व-मद्या क्रा क्रिंग দিতে ইবে। চাবরে ছেলে কাজ শেখ। শরসা নেই। তিন টাকা জন। আমরা দ্ব-বৈলা ভাত মুড়ি দুধ কলা মাছ আপ্ডা যি নারকোল খাই—পাড়ার লোক ভি খার রা।? গমের আটাও পাচ্ছে না ভারা। সম্ধ্যার একদিন ভাতের মূখ দে**খ**তে পায় না। দশ বিবে জমি আছে, ভার পেছনে খাটলে

আমানের ভাতের অভাব হবে না। মন দিয়ে ভাজ করো।

কিন্তু ভাইনের গর্টা আঞ্চাদের হাতে
চলতে চাইছে না। মার দিলেও না।
খোড়াজে বেনা আনিকটা চলে আবার
দাড়িরে বার। কালার দৈখে ইনসান এসে
হালের মুটে ধরলো। যা কতেক চাব্ক
সাটালে কালো গর্টার পিঠে। বরেস-ভারি
গর্। পেট ঝোলা হরে গেছে। মাঝের
ভরার পড়েছে। গর্টা বনলাতে হবে
এ সনে চাইটা তুলে নিরা। কিন্তু দাড়ার
কেন গর্? বেশ করে মার দ্ভিতে তুল্ করে
সে দ্লো! ইনসানের মেজাল জনলে গেল।
অনা চাইী কেউ দেখলে, অপমানা। ভার গর্তু

ব্যুখে অসুন্থ অকেজা গর্টটক পিং ধরে ৰাড় ম্চড়ে ম্থটা শক্তি তুলে ধরতে গর্টী মাটিতে পড়ে গেল ধমাস করে। ভার চার পারে বেশ করে বেখি রেখে ঘর থেকে ছোরা বার করে আনলে। তারপর ওজা করে এল। আর বেটাকে বললে, খবা শালার গলার নালটি। বেশ করে চেপে !...

জগভ্যা আজাদকে ধরতেই হল। ছোরা চলল। রন্ধ ফিন্ডি বিয়ে বেরিয়ে ইনস নের ব্রু হাত ভিজিয়ে দিলে !...ল্.টাকা কেজি দরে পাড়ার মাসলমানদের মধ্যে বিজি করে দিলে ইনসান মাসগালো।

কিন্তু চাবের মরশাম নেমেছে। গরা চাই । একটা গরার ধাম সাডে তিনশো চারশো



वहामात स्टब हैनजान हाटात मार्ट बद्राल

শোর ? ভাল গর**্কিনতে পারে না ? কুপণ** লোক ! তাই চাবাুক ভাওলে, ঘ্যি ! তারপর গর্টে: উঠল ।

আজাদ বললে, 'ওর পারে বোধহর জেগে আছে। কবে বোধ হয় কাকড়ার গতে পা ঢুকিরে গারের কল্ সারায় রেখেছে। গারে হাড দিতে আমাকে একবার লাগিথ মেরেছে।'

হাঁ, তোর মাধা। ফাঁকিবান্তের মতলব কত রকম হয়।'

কিন্তু গর্টা আবার শ্রে গড়ল। তথন মই এনে শ্নো ভূলে সঙ্গোরে ভার পিঠে ফেললে ইনসান। 'শালা মরে মর্ক—আজ না হাল করলে 'ক্বাই' করে দেব।'

গর্টা আশ্ডা আশ্ডা চোথ বার করে গলা্গল করে গোবন বার করতে লাগল শ্রে শ্রের।

আঞ্জাদ বিরম্ভ ছর্ণ স্বরে বললে, গার্র অস্থা করেছে বেঃ

তখন তাকে তেতে গোল ইনসান চড় হাকিরে। গর্ম খুলে দিলে সে। তেতে দিতেই উঠে বাড়ির দিকে টং টং করে চলল গর্মটি।

হাল লাঙল আনতে বলে ইনসান গোঁ ভরে গর্র পিছনে পিছনে বাড়িতে চলে এল। এসেই ভাল গর্টাকে 'গড়ার' বে'বে টাকা। একালা বাঁল বেচাল ইনসান একালা টাকার, নারকোলা বেচাল ব্যুন্থা টাকার চারগো। এবার ? লাটার গলার হারটা বেচে আরো দুগো। টাকা হল। তারপর দিন দাতেক পরে বহুত্ব দুর ব্যুক্ত প্রান্ধ ব্যুক্তির করে একটা গর্ম কিনে আনলে সাড়ে তিনশো টাকা 'গোকা' দিয়ে। গরটা প্রশাসই।

পরীবান্ শ্বামীর থেজি মেজা**জ দেখে**থাবার পর বললে, গমের মেরে বউকে
ছেলাকে বিগ্ডোছ, এবার নতুন গর্টাকে
কালই হালে জড়েড়ে মার দিরে ভর-'তরাসে'
করে বিগড়েছিও! আলা তোমাকে বনের
বাধ করে দিও বদি তাহলৈ ভালা হত।
সদাই বার-হোক না-বার হোক ঘড়ে মাটুকে
রভ চুকৈ সাভ পেতে।

इनमान ११८भ वनात. 'भद्रौदान्-िर्शव



আমার—কড ধানে কড চাল হর, ভূমি কি জন্মর ৷'

শুৰে আমার সরকার নেই। সাডটা হৈলের হু-টা মরেছে, একটা আছে ভাকেও ছান থাবে। বাস্তৃতে জীন' আছে, তাই হেলে হলেই পোঁচোর' পেরে মরে বার শানে হালপাভালের মেন ভাজার হললে, 'ওসব বাছে কথা। বাদ্দিল কবচে—বাড়ি বেংথ' করে নিলানে' পাঁতে—'সরা' পড়া মাল্সা' পড়া দিরে কিছা হবে না—ডোমার ন্বামীর ভিত্তিকেই করাও। রজে সিবলিসের রোগ আছে। ছেলে পেলে বাঁচলেও পাগলাটে, বোবা, কানা, খোঁড়া, নিরেট বোকা হবে। ডোমার ন্বামী খ্ব গ্রম মেজাজের, না? জামি বলেছিনে, 'হাঁ!'

ইনসাম বলে, 'ঐসব মেরে ভাজাররা বলব! ওদের কাছে বেশিদিন গেলে তোর ছেলেপ্লে হওরার 'ফ্লেমর' কেটে লেবে মাকের গোড়ার ভিম্রি'-লাগা ওব্ধ দিরে অঞ্জান করে!'

পরীবান্ কিন্তু বিশ্বাস করে না। সে একদিন হাসপাডালে গিরেছিল পাড়ার একটি মেরের সন্দো—মেম ডাঙারুদের ক্ষরহার, কথাবাতা অভ্যত মধ্র, মোলারেম। তবে ডাক্স বলেছিল বটে 'লা্প' লেবার কথা।...

লে বাহোক ইনসানের নতুন গর্টা ভাল
পিঠ দিল কিন্তু! হালে মইরে সমান।
ইনসানের খ্রু জানন্দ। ছেলেও এখন ভার
বেশ বাধা হরেছে। কাজকাম করছে। সে
হাজার রক্ষের গাছ চেনে, একণ্যে রক্ষ ধান
চেনে, মাটি চেনে। দুর্বার—দুঃসাহাসিক।
ভবে, বড় একরোখা। কিছুদিন পরেই
জোরান হরে উঠলে বোধ হর বাপের সপেই
মারামারি লেগে বাবে। আর ভার খাদার্লির
মতো বাপকেও সে হার মানিরে দেবে।
একটা বড় মোরগা, আর কাগজের মতন
পাতলা চালের আটার ৮০খানা রুটি খেতে
পারে ইনসান। আজাদও ভা পারবে। কেন
না সে গোটা একটা ইলিশ মাছ ভালা খেরে

ছক্ষম করে ফেলেছে গতকাল। একসের গড়ে, এক সের দ্ব আর একটা বলেন নারকোল ছক্ষম করতে পারে সে। পেট ফাঁপে না ভার। এক পণ 'বীজতলা' ভাঙতে পারে। রুয়েও দিতে পারে সবটা।

কিন্তু ইনসান হঠাৎ একরাতে স্বংন দেখলে তার বর পড়ে বাছে হাড়মাড় শালে। ঘুম ডেঙে উঠে ছেলে. বউকে দেখলৈ, তারা ঘুমোছে, ঘরও ঠিক আছে। গোরালে গেল আলো নিরে। গিরে দেখলে নতুন সাদা গর্টা দাঁড়িরে আছে, 'গাঁজ' করছে না, পেট ফুলে দম্সমা। গর্টা ভাবডেবে চোথে হুম্মান্ম শালে ভার বাধা-কাতর অবস্থা লালে। দ্টোয় বেরে ভার জল ঝরছে। ছুটে গেল ইনসান গো-বাদার কাছে। গোবাদ্যি এল। বললে, 'গর্বিষ খেয়েছে! বাঁচালো যাবে না।'

গো-বাদার পায়ে ধরে কাদতে লাগল ইনসান। 'এমন গর মারা গেলে আমি মারা বাব লক্ষণবাব,। আপনার পায়ে ধার, ওবংধ দাও, ২৫ টাকা দেব আপনাকে।'

শুব্ধ বেটে খাওয়ানো হল। হাতীশ\*ুড়ের গাছ, আড়াইটা গোলমরিচ, তুলসাঁপাতা, হলুদ, গণগাজল। কিন্তু ভোর রাতে গর্টা মারা গেল গোঁলোঁ করে গোঙাতে গোঙাতে জিব বার করে। দেখলে কন্ট হয়। ইনসান আজাদ, পরীবান, সবাই কাঁদতে লাগল হাউ হাউ করে। একটা ছেলে মরার শোক লেগেছে যেন ইনসান আর পরীবান, কে। গোয়ালের দেয়ালে ইনসান মাথা কুটতে লাগল গর্টাকে জড়িয়ে ধরে বসে।

গলার সোনা-বেচা সোনার গর্ছল পরীবান্র। কতদিন সে খড় খইল ভূগিব ভাত খাইয়েছে! এমন লক্ষ্মী গর্টাকে কে বিষ খাইয়ে মেরে দিলে। ভারত যেন এমনি প্রশোক হয়। অভিশাপ করে প্রীবান্।

গর্তীকে সকালে ভাগাড়ে ফেলে দিরে সকলে চলে এলেও আজাদ লাকিরে বসে রইল একটা বাঁশ বনের মধ্যে। শকুন নামার আগেই একটা কালো মতো লোক ভর্মন কোঞা থেকে যেন উড়ে এসে গর্টার ছাল ছাড়াতে শ্রুর করে দিলে। আজাদ আড়াল থেকে বেরিরে এসে সেথানে দাড়ালে। গাঁচ মিনিটগু লাগল না ম্চিটার, চাম্ডা ছাড়াতে।

আজ্ঞাদ শুবোলে, 'চামড়াটা কত দিয়ে বৈচৰে ?'

'श्रात्तरता होका।'

'গর্টার দাম কড?'

'তা আমি কি জানি! তিন চারশো টাকা হবে।'

ভাহলে ?'

মুচি দ্রত হাতে চামড়াটা মুড়ে নিরে সরে পড়বার মতলবে ছিল। আন্ধাদ হঠাং ভার ছুরিটা নিরে গর্র পেটটা ফেড়েফললে, পাকস্থলী চিরে বার করে আনলে কাচা কলা পাডায় মোড়া সে'কে। বিষ এতথানা। বললে, কিবে শালা, এ কার কান্ধ? কালা সংখ্যার আগে রাস্ভার ধারে গর্বাধা ছিল, তুই শালা না বিষ খাইরে গেলে গর্ মরার সংখ্যান শ্ক্নির আগেই-বা পেলি কি করে?

ম্চির হাত চেপে ধরে গোট। দুই খুণর মারতেই সেও আক্রমণ করলে। তার ইচ্ছা ছোট ছেলেটাকে মেরে দিরে চ্যেথের আড়ালে মাঠ পার হয়ে সরে পড়বে। কিন্তু আড়াল তাকে শুইরে ফেলে চেটাতে লাগল। ম্চিকামড়ে ধরলে আড়াদের গলার নালীতে। তথন আড়াদ বাধা হয়ে ম্চির ছ্রিটা হাত দিরে হাতড়ে নিয়ে তার পেটে আম্লেবসিয়ে দিলে।

মুচি মারা গেল। গরুর বিদীর্ণ লাস পড়ে আছে।

লোকজন জাটুল চারদিক থেকে। ইনসান ছেলেকে জাড়িরে ধরলে। 'বাহঃ—শেরের বাচ্চা শের! সাবাস্!'

কিন্দু প্রিলস ধরে নিরে গেল আজাদকে। ভার জামিন দিলে না। কমাস সরে বিচারের রায় বের্ল 'একের অপরাধে অনাকে হত্যা এবং অবশান্ভাবী প্রাণ বাঁচানোর দারের লখ্ অপরাধে আজাদের ছয় মাসের কারাদক্য!'

তা হোক, ইনসান খুশী। তার ছেলে, প্রতিশোধ নিরেছে, বাংখর বাচ্চা বার্ছ হরেছে।

আবার কারকেশে টাকা জোগাড় করে গর্ কিনলে ইনসান। আবার তেমনি একটা গর্।

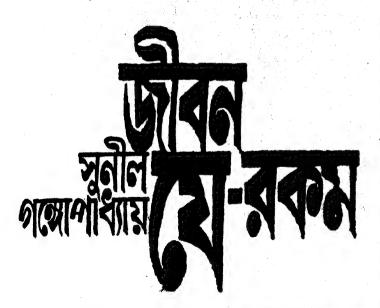
ভব্ বাপের প্রাণ। ছেলেটার জনো হু হু করে। করে ছ-মাস কাটবে? শক্ত কঠিন মাটি বিদীর্ণ করে চলে বাপ—ভার চোডের জল পড়তে থাকে প্রথিবীয় মাটিভে। দিন গ্রনছে সে করে ছেলে ফিরে এসে ধামাভরা বীজ ব্রুবে সেই বাপের চবা মাটিভে।

स्थाप्टेन स्वप्रसास्त्राखाः हिहिति। वाक्षण शकः स्वर्धिः मर २५४७८८

আক্সসূত্রে, পিড সালে, লিডার ব্য থা, মুদটক ভান, ডেকুর ওঠা, বামিডার, বুকজুলো, মদনারি, আহারে অক্লাট ইভারেই জোগে বিশেষ কলপ্রদ। বিফলে মূল্য ফেরং। এটি নেটা ওটাকা, ওকোটাটাঃ ৮'৫০। ডাঃ মাঃও গাইকারী দর পৃথক

দি বাকলা ওস্ধাল্য : ২৪২ মহা হা গান্ধী বো চ ক্রিক্র বা ব

व्यावम्बन कच्यात



non

ভো জানা কথাই যে আজ সব টোন লোট হবে। আজ দীপরে লাড় ফেরার থ্ব ভাড়া আছে বে! দেটখন ভীড়ে ভাড় কার। কোথার যেন একটা ছোটখাটো অ্যাকসিডেন্ট হরেছে, পাঁচ ঘণ্টা ধরে কোনো টোন আসেনি জামসেদপ্রে। অর্পই বেশী উদ্বিশন, সে বাসত হয়ে ছোটাছ্টি করে থবর নিরে আসছে। দীপ্ চুপ করে দাঁড়িয়ে আছে একটা লোহার থামে ঠেসান দিয়ে।

অর্প ভার বংধ্র জন্য যতথানি সাহাযা করা সম্ভব তা করছে ঠিকই। কিন্তু তার ম্খটা গম্ভীর। সে দীপার সংগ্র ভালো করে কথা বলছে না। অর্প বেশীক্ষণ তার भारम मौज़ातक ना, कथरना स्त्र हरन यातक জলের কল খুক্ততে ফিরে এসেই তার সিগারেট কেনার কথা মনে পড়ে, আবার সে টেনের থবর জানতে যায়। স্পাটফর্ম ভর্তি লোকদের মূখে একটা অপ্রসন্নভাব, অপেক্ষা করতে করতে সবাই অধৈব হয়ে গেছে। क्षि क्षे क्षां वल्ला, वर्ष भारतं कार्ष নাকি লাইনের ওপর সব লোকজন বসে শড়েছে, সভেরাং এদিক থেকে ট্রেন এলেও বর্ধমান পার হতে পারবে না। দীপ, কান খাড়া করে শুনছিল লোকজনের কথাবাতা. এক সমর সে লোকজনের মাথা পেরিরে **লাটফমে'র বাইরের দিকের গোল ধরনের** অন্ধকারের দিকে তাকালো। সিগনালের লাল আলোর চার পালে একটা জ্যোতি দেখা দিয়েছে না? আমার বাবা কি এতক্ষণে মারা গেছেন? আমি কি গিয়ে সভিটে ভাঁকে দেখতে পাৰো না? না ভা হয় না। মরার जारम वावारक एकरन खरछ हरव,

তাঁকে কমা করেছি। আমি সাঁতা কমা করেছি। বাবা মারা গেলে মুখান্দি করেবে কে? দাদা কি আসবে? মেকদি বোধহর অসহারের মতন হাসফাস করছে সারাক্ষণ।

—হ্যা রে অর্প, জামসেদপ্রে ট্ কাল-কাটা কোনো বাস বার না? আজকাল বে-রকম শিলিগন্থি কিংবা দীঘা পর্যক্ত বাস চলে।

-कान ना।

- এकरे, श्रीक तम ना।

—বাস চললে কি আর এত লোক এখানে বসে থাকে?

—এদের বোধ হয় স্বারই তিকিট কাটা
হয়ে গেছে! বাইদ্ধে বেরিল্লে একবার দ্যাখ না।

 —ভূই যেতে পারছিল না।

এতক্ষণে দীপু ব্যতে পারলো, অরুপ ভার ওপর রেগে গেছে। কেন? একট্ অদিক-ওদিক ভাৰতেই ব্ৰুতে পাৰলো।
বাসে মেরে দ্টির জন্য জারণা ছেড়ে দেবার
পর, তারা ওদের একজনকে আবার বসজে
বলেছিল। অর্পকে কোনো স্কোগ না
দিরে বসে পড়েছিল দীপ্। সতিটে ভো
অনেক তলাং, সে এসেছে দ্টি মেরের সংজ্ঞ
পা ঘোষাঘোষি করে বসে, আর অর্প সারা
রাস্তা এসেছে হ্যাপ্তেল ধরে গাঁড়িরে তাল
সামলাতে সামলাতে। অবচ টিকিট অর্পই
কেটেছিল। ইরার মনটা খ্র ভালো লেগেছিল
দীপ্র, আর লোপাম্লাকে তার পছন্দ হর্মন
কিল্ত তার শরীরের আঁচ নিরেছে।

—কিন্তু তুই তো বিল্লে করছিস দ্বোসের

হঠাৰ এ কথাটা শুনে হকচৰিত্র শোল অর্প। বললো, তার মানে? বিরে করে অন্যায় করছি নাকি?' সেই জন্য আমাকে বাসের খোঁলে যেতে হবে?

—তা হলে তুই রাগ করছিল কেন? মেরে নুটোর পালে বসতে পারিস নি বলে?

-क वन्ताना, ज्ञान करतीय?

— নিশ্চরই রাগ করেছিন! শুবু আমার ওপর না মেরে বুটো ববন নামবার সমর ডোকে নমস্কার করলো, তুই ভালো করে চেরে দেখলিই না!

—মেটেই নাঃ তোর মতন বখন তখন কোনো মেরে দেখলেই আমি অমনি হ্যাংলর মতন—

সভি কথাটা শুনে অর্প চটে সোহে,
দীপ্ হা-হা করে হাস:লা। হাসিটা শুনে
অর্প একট্ কুকড়ে গেল। দীপ্র মুখে
হাসি শুনলেই ভার ব্কের মধ্যে আছ শির্মার করছে। বার বাবা এখন মৃত্যু শব্যার কিংবা অলরেডি মারা গেছে. সে ওরক্ম ভাবে হাসে কি করে? সভি সভি গ্রেছ্রের কিছ্ না ঘটলে কি আর ও রকম টেলিগ্রাম পাঠার?

### সারস্বত

ং সাহিত্য ও সংস্কৃতি বিষয়ক হৈলাসিক পঠিকা বিভান্ন বৰ্ব। বৈশাধ — জাঘায় ১০৭৬ প্ৰকাশিত হ'ল

এই সংখ্যার নিখেছেন: প্রকশ্ব • অদ্রীল বল্লোপাধ্যার • প্রভাতকুমার গোল্বামী বিজ্ঞান লাস। গদশ • ফিলিস্ অন্টমান • চিন্ত ভট্টাচার্য • তপোবিজর খোল কবিভাগাল্ল • রাম বস্ • অমিভাভ চট্টোপাধ্যার • গণেশ বস্ • রবীন স্কার্ত্ত সভ্য গ্রে • স্কোমল রামচৌধ্রী। প্রকশ্বনাধ্যান • দীপেল্ চল্লবভা

> দাম এক টাকা আলোকচিত্র । সিক্ষেত্ররে মন্দির । বরাকর। প্রজ্ঞাচিত্র - । আজিকার ভাক্কর্য । কলো

कार्यानतः । नात्रम्यक नारेखनी । २०५ विधान नदगौ । कनि-व

(TH 6456)

দীপনু বললো, এখন দু একটা মেরেটেরে দেখে নিলে পারতিস! স্বংনার সংগ্রাবিরে হলে সে আর কার্র দিকে তাকাণ্ডে

শ্বশ্না মোটেই ও ধরনের গোঁড়া মেরে মর! এই ভো একাদন শ্বশ্নার বংধ, ম্প্রেকে দেখলাম ব্লিটর মধ্যে দাঁড়ি:ম আছে একাগন রোডের মোড়ে—এম-বাসে উঠতে পারছে না. টাাক্সি পাক্সে না—আমি একটা টাাক্সি:ত বাচ্ছিলাম, ওকে লিফ্ট দিলাম। স্বংনা ভাই শুনে বললো—

—অ.চ্ছা, ন্পার আর মুঙ্র কথা দ্টোর

মানে কি এক! তা হলে আজকাল আছু নুপ্রে না বলে ঘুঙ্রে বলে কেন স্বাই?

—কে জানে! শোন না, নংগ্রেকে দেখে দ্বংনার দাদা তো একেবারে ক্লাট। আমাকে একদিন বললো, ন্পারেকে দেখলে মনেই হয় না বাঙালী, ঠিক বেন কাম্মীরী মেরেদের মতন বড় বড় চোথের পাডা।

-শোন অরুপ, ভোকে অনেকদিন থেকে

अज्ञात कांत्रव

## त्रुत्रात मार्क मिया এकवात धूलिय जाता य-काता काश्रफ्-कान शारुजन मिया २ वात धूलि यण्डा कर्मा यय -णत्र क्रियु वन्नी कर्मा यव।





পরীক্ষাগারে বারবার বাপকভাবে
পরীক্ষানিরীক্ষা করে এটি প্রমাণিত
হয়েছে। সার্ফের রয়েছে অনুপম
পরিকার করার ক্ষমতা। তাই
জামার লুকোনো ময়লাও সাফ
করে দেয়। ভারতের সেরা ব্যাওটি
কিন্তুন: সুপার সার্ফ (কেবল ছোট
ও বড় প্যাকেটেই পাওয়া
যায়, যার গায়ে লেখা থাকে
সুপার সার্ফ)

সুসার সার্ফ সবচেয়ে বেশী সাদা করে ধোর (নীল বা অক্ত কোন পাউডার মেশবোর দরকার করে না) একটা কথা জিজেন করবো ভাবছিল, লুই কবে স্থানাকে প্রথম বিয়ের ক্যা কলজি? তার আগে কি বলেছিলি, আমি তোমার ভালোবাসি?

-SITE!

—वन् ना, नच्का कि! आिम मार्टित ठिक द्वाउ शांत ना, ठिक कान् स्माहमत्त्वे के कथांगे वनाउ इस!

—তুই শংশতাকে কোনোদিন বলিস্নি?

 —শংশতাকে? না! আর একজনকে বলবো
বলুবো ডেবেছিল্ম অনেকবার, কিশ্রু মুখে
কি রকম আটকে গেছে! ভুই কি ক.র
বলেছিলি, বল্না? শিখেনি!

যেন সতি। সতি। গরের শিষকে শিক্ষা
দিছে, এইভাবে অর্প গলার আওরাজ্ঞ
নিকটা ভারিক্ষা করে বললো, ও কথাটা
ঠিক মুখে বলার পরকার হর না সব সময়,
মনে মনেই জানাজানি হরে যায়! অনেক
মেরের সংগাই তো অনেক ছেলের চেনা
হয়, কিল্ফ তার মধ্যে ঠিক একজন আুরেকজনকে চুন্বকের মতন টানে—কেন হে টান
ভা কেউ বলাভে পারে না—দাট ইও লাভ
—ভা ভো ব্রক্জাম! কিল্ফু বিয়ের কথাটা
ভো আর মনে মনে থাকলে চলে না—সেটার
জনো ভো মুখ ফুটো একদিন প্রশ্রা
করতেই হবে। সেইটা ঠিক কখন

অরপ এবার সংযোগ পেরেছে, সে দাীপরে উদ্দেশ্যে পিঠ চাপড়ান হাসেলা। গবিতি মুখতিগা করে বলালা, জেনাইন ভালোবাসা হলে সেই মুহাতটা ঠিক বোঝা যায়। তুই যাকে ও-কথাটা বলবি ভাবেছিলি, ভাকে বলাতে না পারার জনা সে নিশ্চরই ফক্রেক গোছে? ঠিক সময়টায় বলতে না পারারল—

—আমি ভাকে বিরে করতে চাই নি।
আমি ভাকে বলতে চেয়েছিলাম, আমি
তোমার ভালোবাসি। কিব্লু সে-কথাটা
বলতেই এমন লক্ষা করলো। যাক্লে, তুই
বংশাকে কি করে বলালি?

—তুই যার কথা বলছিস, তাকে আমি চিনি। কার সংশ্যে তার বিরে হয়েছে তাও আমি জানি! তুই খ্ব আঘাত পেয়েছিলি নাবে?

—মোটেই না। স্নিশ্ধা বিরে করতে চাইলেও আমি বিয়ে করতুম না। তোর মতন এমন চব্দিশ বছর বয়েসে বিয়ে করার ইচ্ছে আমার একট্ও নেই!

—আজকাল ফরেনে অনেক ছেলেনেরে সতেরো আঠেরো বছর বরেনে বিয়ে করে। —তুই ফরেনে জম্মালেই পারতি! অতদর কোন, বিহার-উত্তর প্রদেশেও তো এখনো অনেকের আট ন বছর বয়েসে বিয়ে ইয়া

— তুই আমার বিয়ে করাটা পছক কর্মিস নাঃ

—ना, ना, रकन कर्राया ना। आध्वा, जूरे

ষধন শ্বনকে প্রথম বিরের কথাটা বললি, তথন শ্বনার মুখখানা কি রক্ম হলো? প্রথমটা ধ্বে লক্ষা পেয়েছিল।

—তানসেন মিউজিক কনফারেসে, লাস্ট নভেদ্ররে স্বাধার ব্যাড়ি স্ম্থ্র স্বাই গিয়েছিল, আমি গিরেছিলাম একা—

দীপ্র ব্যুতে একট্ও অস্থিধে হলো
না যে অর্প বানচেও। সতা সতি যা
ঘটছিল তা হাবহা বলবে না। কেউই বে.ধ
হয় কলে না। ভূরা দুটো টান টান করে আছে
অর্প, যেন স্বংশাকে বিয়ে করলে সে অধ্যেক
রাজত্ব সমেত রাজকনাটক পেয়ে যাবে।

অরপে বলে চলেছে, আমি বসেছিলমে স্বান্যদের রো-এর ঠিক পেছনেই। রাভ চারেটের সময় আলি আক্রর খা স্বরোধে ধরেছেন কালেভা, স্বণনার বাভির স্ববাই তখন হাত পা ছডিয়ে ঘুমোছে-স্বংনা বাইরে এলে। চা খেতে, অমিত উঠে এলমে। স্বন্ধা আমাকে আগেই দেখেছিল আলাপ করিয় নিয়েভিক ওর দাদার সংগ্রে—প্রণনা আর আমি বাইরে বেরিয়ে এলম–মহাজাতি সদদের উল্টেইনিকে একটা ছেটে পাকা আছে দেখেছিস তো? সেটায় চাকতে গিয়ে দেখি এক পাদা ভিখিতি-টিখিত শতে আছে। তখন আমাপের প্রতিট্রে মধ্যে। 2739 বসকাম! এত অপ্রে' লাগছিল না! ভালো কার ভার হয়নি তথ্যা, একটা আলো ফাটোছে রুস্হায় একটাও মান্তি নেই – ঠাণ্ডা ঠাণ্ডা হাওয়া, ওচিকে ডেকে আমছে কা'লাড়ের সূর। আমি দ্বপনার একটা হাড তলে নিয়ে থেলা করতে লাগলাম---

দীপ্র একটা ছোটু কালি দিল, থকা কো। আর্তিম মাথে অর্প বলটো ডুই যা ভাবছিস মোটেই তা নত্ত! অরু কিছা করিনি, এই তোকে ছারে বলীছ। সত্যিকারের ভালোবাসা হলে অসভাতা করার দিকে মন যায় না। প্রশা সে রকম মেয়েও নয়। আমার তথন খবে ভাজা লাগছিল, আবার কি রকম কণ্টও হাছিল ব্যক্তর মধে। আমি দ্বশনাকে বললাম, আমার ভেতরে বসে শ্রুতে একদম ভালো লাগছিল না। ও জিজেস করলো, কেন? আমি বললাম, তুমি ব্যাত পারো না? আমি যদি ভোমার পালে বসতে পরিতাম...স্বন্দা দুল্ট্রিম করে হেসে বললো. কেন তোমার ডান পাশেও তো একটা খবে স্পর দেখতে বসেছিল-একটা দার্ণ দেটাল পড়েছে যে মেয়েটা...আমি বললাম, অন্য কোনো মেরেটেরে আমি গ্রাহা করি না আমি শৃংহ তোমার জনা... স্বংনাই তথন ফট করে আমাকে জিজেস করলো, তুমি সতিাই আমাকে ভালোবাসো? আমি বলল ম...

হাসি লুকোবার জনা দীপ**্রকটা** সিগারেট ধরালো, নরতো এমনিতে সে বেশী সিগারেট খায় না। হাসার কোনো মানে হয় ः अर्थाण श्रकामनीत स्त्रपं छेशनग्रन ः

অগ্নব্রেন্দ্র দাসের সর্বাধনিক শ্রেষ্ঠ ঐতিহাসিক উপন্যাস

## रिवलायात्री विलाभ ५०.

রাজনীতি যে কত ভরশ্কর, **এ উপন্যাস তার** প্রমাণ। এ উপন্যাস নর, জীবন দলিক

সদ্য প্রকাশিত ঐতিহাসিক উপন্যাস
: বৈপায়নের :

### রক্তাক্ত গোড় ১০১

প্রকাশিত হয়েছে আধর্মিক উপন্যাস ঃ ব্লুপশংকরের ঃ

### भीनाकी मन १

: দৈপায়নের ঃ ঐতিহাসিক উপন্যাস

### ব্ৰহ্মাভা মধুমতা ১০,

শ্রীনবকুমারের : ঐতিহাসিক উপন্যাস

### মণিহারা চিতোর ১০,

অন্ত্রেন্দ্র দাসের: আধ্নিক উপন্যাস

### তিজিফা ১০,

क्षनत्मकसाद : तरुमा উপन्যाम

### यायाची (बाहिबी ७,

শ্ৰীর পকের: ঐতিহাসিক উপন্যাস

### विज्ञित बाग मयबम 8,

ৰীরভদ্রের: ঐতিহাসিক উপন্যাস

### ভাণ্ডীর বন কাঁদছে

শীয়ই প্রকাশিত হবে।

नवेत्राक्षरनद्धः ঐতিহাসিক सहजा উপন্যাস

### **बा**जनागिनौ

শীঘই প্ৰকাশিত হৰে।

ঃ পরিবেশক ঃ মৰ প্রশ্বকৃতির, ৫৪/৫৩, কলেজ দুরীট, কলি-১২ বা বনিও, কিন্তু পাছে তার কি করা বাবে।
একটা ছেলে আর মেরের কাছে এটা হরতে।
ক্ষানন সরশের ব্যাপার, কিন্তু অন্য কেউ
ক্ষান সেরির ব্যাপার, কিন্তু অন্য কেউ
ক্ষান সেরির বাশানে তথ্ন ছাসি পাবেই।
নেও তো বেলিন প্রথম ক্ষানীরটা থরথর করে
কেপেছিল। কিন্তু, আমার কি বাবা মারা
গেছে এর মধ্যে? আমি কি পিতৃহীন?
আমার গরীরটা হঠাং এত ছাল্ফা লাগছে
কেন? বেলিকে ক্ষাকাতা, দীপ্র সেই
ক্ষান্তারের খিকে ধর চোধে তাকালো।
ক্ষান্তারের খিকে ধর চোধে তাকালো।
ক্যান্তা পর্যান্ত দ্লিট বার না, দীপ্র ভার
মনের মধ্যেও ক্যান্তার কেরনো দ্শ্য দেখতে
পাজে না।

অর্প বলে চলেছে: বখন ভেডরে ফিরেন এলাম, ব্যানার বাড়ির লোক তখনও ব্যাহেছ, জালি আক্বরের সংগ্য তখন



# वु षूर् क्रुग्रह् जता लिफितजा



- ১০৮ টি দেশে ভাকাররা কোস্ক্রিপ্লন করেছেন।
- (व (काम नामकता ७५(वत (वाकारमहे भावता वाता

DZ-1676 A-BEN

কেরামতুলার লড়াই চলছে, তব্ খ্ ভাঙে নি—

—মটকা মেরে ছিল বোধ হর। কিংবা তোদের ফিরতে দেখেই আবার চোখ ব্রেহ

-जात गारन ? दक्स !

—তোদের চাল্স দিছিল। দ্যাথ অর্প, এক হিসেবে ভোকে আমার থ্ব হিংসে করার কথা।

অর্ণ আবার গবিতি ভাবে বললো, আমাকে? কেন. স্বংনার জন্য?

—না, না, স্ব\*নাকে আমি ভালো করে চিনিই না! হিংলে হওয়া উচিত এই জনা বে তোর বাবা মা দ্'জনেই বে'চে আছে-তারা তোকে কত ভালোবাসে। তই একটা মেরের প্রেমে পড়ে তাকে বিরে করতে हार्रेनि, अर्थान एठात्र वावा-मा . आह मरे মেয়েটার বাবা-মা হইহই করে আনশ্দে রাজী হরে গেল! তোর কোনো কিছুরই অভাব र्नरे, यथन या ठारेशिय वाष्ट्रि व्यक्त व्यक्त যাজিস-বি কম্ পরীক্ষার আগে তোর জন্য দু'জন প্রফেসার রাখা হয়েছিল।—আমার দ্যাৰ এর স্বই উল্টো! তব্ব, আমি কিন্তু তোকে কখনো হিংলে করি না। কেন করি না জানিস? আমি জানি, চিরকাল তো আর` এ রকম চলবে না, গরীবরা কন্ট পাবে আর বড়লোকরা শৃ**ধ**ু আনন্দ করবে। দেখিস তোদের টাকা পয়সা একটিদন সব বিলিয়ে দিতে হবে।

লীপতে হয় দেৰো! আমার অভ টাকার ফাকার ওপর মারা নেই! কিন্তু এসব কথা তোর মুখে মানার না! তুই নিজে একদিন টাকা চুরি করেছিল।

—আমি তো টাকা চুরি করিনি! আমি দেখতে গিরেছিল্ম, টাকা চুরি করতে কৈ রকম লাগে।

—ও তাই ব্ৰি: তুই আমার টাটো কি করোছিস: সেটাও ব্ৰি বেশতে গিয়েছিল, অপরের টা হারিয়ে ফেলতে কেমন লাগে?

—তুই দেখছি টেটো হারানোর দুঃয এখনো ভূলতে পারিস নি?

— টচটি বাবা আমার জন্য এনেছিলেন নেপাল থেকে।

—তোর বাবা ইচ্ছে করলে ও রক্ম একশোটা টর্চ একনুনি আবার আনিয়ে দিতে পারেনঃ

—তা বলে তুই আমারটা হারানি লেতে লে দিকি একটা কথা, তুই আমার বাবা সম্পর্কে ও রকম খোঁচা মেরে কথা বলাব না।

- स्थीं का स्मरत कथा यनन्म कचन ?

—নিশ্চরই বলিস্! আমি আজ দংশ্র থেকেই লক্ষা করছি। সোজা কথা বল্লা. ইউ আর জেলাস! তোর বাবা সব বিষয়-সম্পত্তি উড়িরে দিয়েছে বলে ডোদের এখন অবস্থা খারাপ হরে গেছে, তাই তোর রাগ। আমার বাবা নিজের চেন্টার বড় হয়েছেন।

—সত্যি অর্প, বিশ্বাস কর, আমার বাবার ওপরে আমার কোনো রাগ নেই। বিষয়-সম্পত্তি আমি খোড়াই কেরার করি। ভোর বাবার ওপরেও

ফল হলো এই, বাকি সময়টা ওদের কথা
বথম হরে গেল। দুংজনে দুংটো সুটকেসের
ওপর আড় হরে বংসে বইলো, অর্পের ফসা
মুখখানা উত্তেজনার লালচে, দীপ্ত চেরে
আছে অংথকারে—বেদিকে কলকাতা। অর্প
তক্ষ্মি ঠিক করে ফেলেছে, আর কোনোদিন
এ রকম বংশ্-বাংথবের সপে বাইরে
বেড়াতে আসবে না। বিরের পর স্বংনাকে
নিরে সে ভালহোঁসি পাহাড়ে বাবে।
চাইবাসাটা অতি বাজে জারগা, কিছুই দেখার
নেই—এত নোংরা চারদিকে! দীপ্র খালি
বড় বড় কথা, অম্ক জারগার বাবো, তম্ক
জারগার বাবো, আম্ক জারগার বাবো, তম্ক

দীপ, অন্ধকারে কিছুই দেখতে না পেরে. চোৰ সরিয়ে আর একটা কোনো খাজতে লাগলো—যার ওপর চোখ ফোল সে তম্মর হতে পারে। একটা কলাওয়লা দাঁড়িয়ে দাঁড়িয়ে খুমোচেছ, এই ব্যাপারটা ভার মলোবোগ কেন্ডে নেয়। একটি ফসা হিন্দুস্থানী বউ কয়েকটা বাচচাও বুড়ি সমেত বসে আছে মাটির ওপর, মাঝে মাঝে হাওয়ায় অভিন সরে গেলে দেখা বার তার প্রেণ্ট্র ব্রের ভাজ—সেদিকে তাকারে না ঠিক করলেও বারবার চোধ চলে যার। অথচ দীপত্ন দেখতে চাইছে কলকাভায় তার বাবা ঠিক কি অবস্থায় আছে। মৃত্রে আগে বাবার সপো একবার দেখা হওয়া বে বিশেষ দরকার! মেজদি কৈ ব্রুষতে পারছে বে, টেলিগ্রাম পেরেও আমি ইচ্ছে করে रमत्री कदि ना?

রাত প্রায় তিনটে আন্দাল একটা ট্রেন এলো ঝনঝনিয়ে। অর্প আর দীপ্ দ্ব'জনেরই আবল্লী এসেছিল, ধড়মড়িয়ে উঠেই ष्ट्रिटना। म्र्'करन এकर कामवास एँठे:ना वर्धे, কিল্টু পাশাপাশি রইলো না। বসবার জারগা পাওয়ার তো প্রশ্নই ওঠে না, ধারুষারিতে দ্ভানে ছিট্কে গেল। বাধর্মের পাশে মালপরের পাহাডে ঠেস দিয়ে রইলো অর্পে, দীপত্ন চলে গেল ভেতরের দিকে, সিংগল সীটের মাঝখানে বেকায়দার দাঁড়ালো। অর্প কথনো থার্ডক্লাসে চাপে না, তারই কণ্ট হচ্ছে খ্ব। পাল্ডিতে এশে অপ্রত্যাশিতভাবে দীপ**্র একটা সিট** পেরে গেল, স্টকেস রেখে তাড়াতাড়ি সেটা দখল করে সে চে চিয়ে ডাকলো, এই অর্প এখানে জায়গা পেয়েছি, বসবি আয়! অর্প কোনো সাড়া দিল না।

## विदम्दश्वत रहाद्य अद्यत भाँहानि

#### চিত্তরঞ্জন ছোব

কাশের দিন থেকেই বাংলা দেশের

স্থান পেরেছিল। কিন্তু বিদেশে এ বইরের
নাম কেউ জানত না। সভাজিং রায় বখন
আমাদের এই খরের কথাকে বিশেশর দরবারে
হাজির করলেন, তখন আনক মৃশ্ধ
দর্শকের উপন্যাসটি পড়ার আগ্রহ হয় ৷ কিন্তু
থোল নিয়ে তাঁরা হতাশ হন : অন্বাদসম্প্র ইংরেজীতে পথের পাঁচালীর কোনো
ভাষান্তর নেই ৷ তবে তাঁরা একট্ আশ্বস্ত ও
হরেছিলেন অন্য একটি খবরে : সম্মিলিত
ভাতিসংখের শিক্ষা-বিক্তান-সংস্কৃতি সংস্থা
পথের পাঁচালীর ইংরেজী অন্বাদের বাবস্থা
করাক্তন ।

সেই বহা-প্রত্যাশিত অন্বাদ-প্রথিটি সম্প্রতি বিলেও ও আমেরিকার এক সংগ্র্থেছাণত হয়েছে। এই উদ্যোগে ইউনেস্কোর সংবাগী হয়েছেন ভারতবর্বের সাহিত্য আকার্চেমি। বইটি প্রকাশ করেছেন আলেন্ আতে আনুইন্।

পরিচ্ছর প্রকাশগালে পার্যারণ শিলিং

দামকে বিদেশী মানে বেশী মনে হর না।

দেশী মানে একটা বেশী নিশ্চরই। পেপারবাক্ বা ঐ জাতীর কোনো স্কুলভ

সংক্রণ বেরোলে ভারতীয় পাঠকদের পক্ষে
স্বিধে হয়।

নিজের ছারাছবি থেকে নিরে প্রক্রণ করেছেন সভাজিৎ রার। সামনের প্রক্রণে অপ্ ও পেছনের প্রক্রণে দ্গা মাঠের মধ্যে দাঁড়িরে। সে মাঠে বাংলা দেশের মাটির গণ্ধ পাওরা বার।

বাংলার জল-ছাওরা-গাছ-পাথি-মাটিতে
পথের পাঁচালী এত বেশাঁ নিষিত্ত বে, এর
ভাষান্তর অভান্ত দ্রুর্হ। এই দ্রুর্
কাকাটির দায়িছ ছিল টি ডর্রু ক্লাকা এবং
ভারাপদ মুখাজির ওপর। উভরেরই
ইংরেজা ও বাংলার বিশেষ অধিকার আছে,
উভরেই লংডন বিশ্ববিদ্যালয়ের স্কুল অব্
ওরিরেল্টাল্ জ্যান্ড আফ্রিকান স্টাডিজ্-এ
অধ্যাপনা করেন। অন্বাদটিতে নিস্টা আছে,
আছে জন্রগা

ইংরেজীতে উপন্যাস্টির নাম কেওরা
সং অব্ ল্য রোভ'। মিঃ ক্লার্ক ভূমিকার
বলেছেন, বেহেডু পাঁচালীর কোনো প্রতিশব্দ নেই, ডাই বাঞালীদের প্রামধ্রে নিক্টডর অংশ এই 'সং' শব্দটি তিনি বেছেছেন। এ
বিবরে সম্পূর্ণ ব্যাধীন হলে হরতো তিনি
বইরের নাম দিতেন 'Bend of the
Road'। এ কথাটা মূল বইতে একাধিকবার
বাবহুত হরেছে। আর এতে স্তর্রবিভক্ত পথ
ও বাঁকের অংতরালের অক্সাত অনিশ্চরতার
অংগিটি ভালো আলে। একজন সমালোচক
আন্টানি বেভিন্স্ মনে করেন, 'Ballad
of the Road' হলে নামটি সাঁচক হতো।
বইটির দুটি ভাগ। 'The Old Aunt'
এবং 'Children make their own toys'

—'বরালী বালাই' ও 'জান-আঁটির ভে'প্'-র রু'পাণতর। 'জনুর সংবাদ' বাদ। ফিল্মের মতই বই দেব করা হরেছে অপুর নিশ্চিন্দি-পুরে ভ্যাগের অধ্যানে।

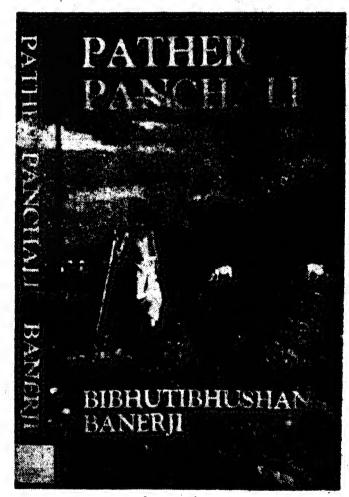
ভূমিকার বিভৃতিভূষণের জীবনী 

সাহিত্যের বিশ্তৃত পরিচর দেওরা হরেছে।

এ ছাড়া বিদেশে অপরিচিত একান্ত বাপাালী
প্রসংগগলের শ্বততা টীকা আছে।

বিলেতে একাধিক পঠিকার সং কর্ দ্র বোড'-এর সমালোচনা বেরিরেছে। নানা দৃষ্টির কাগজৈ সমালোচনারও বিভিন্নতা আছে।

তবে সকলেই বিশেষ গ্রেছ দিরে
বইটির আবোচনা করেছেন। অনেক কাগতে
হরতো 'পথের পাঁচালী' সহ একাধিক বইরের
সমালেচনা করা হরেছে, ক্লিক্টু সূব বইরের
শারে প্রথমেই রাখা হরেছে 'পথের
পাঁচালীকে এবং পোটা সমালোচনার নাম
দেওরা হরেছে পথের পাঁচালীর কমে। বেশব



পড়াজং রার অপ্টিড প্রাক্ত

অক্সংফার্ড সেল-এর সমালোচক এম জি ম্যাক্নে তারা লেখা আরুভ করেছেন এই লাইনটি দিলেঃ 'Pather Panchali is a marvelous book'। অবশ্য সংগ্যা করেছেন যে, পথের পটালীর ক্ষাং শিলেপ্রমত পশ্চিমী দুনিরা থেকে ভরংকর-রক্ষের আলালা এবং তাই এই দুনিরার ক্ষাছে প্রায় অপ্রাস্থিত।

মিঃ মার্কনে অন্বাদকের নিষ্ঠা ও পাশ্বিতার প্রশংসা করেও একটি মতপার্থকার কথা বলেছেন। সং অব দা রোডের
পরিসমাণিত পথের পাঁচালীর থেকে আলাস
হওয়ার কারণ—অনুবাদকদের মতে :
.....লেখক ছিলেন এত সরল বে, তিনি
জানতেন না কোথার থামাটা সবচেয়ে ভাল।
মিঃ মার্কনে লেখককে এতটা সরল বলে
ভাবতে প্রস্তুত নন ঃ '...বইটি এত স্কলিখিত
বে, সাধারণ পাঠক লেখককে এতটা সরল
ভাবতে পারেন না। লেখক নিজেই হয়তো
অত পরিক্তম সমাণিত চানমি। তিনি হয়তো
জানতেন যে, জাঁবন উপনাসের মত অত
মাপা নয়। উপনাসের আদি-মধ্য অততকে

হরতো তিনি অভ বেশী শ্ৰ্থলার বংধনে বাধ্যে চাননি।

বই তো শ্রুই হচ্ছে একটি সমাশ্তি দিরে—ইন্দির ঠাকর্নের স্মাণিত। ইল্মিরের প্রতি নিন্দ্রর হওরা সর্ভ্রেক সর্বাদ্ধা একজন সাবারণ মান্ত্র—সদর, মা হিসেবে ভাল, এ জানন বড্টা অনুমোদন করে ভঙ্টা সংবেদনশাল। ভারপরে কাহিনী চলে গিরেছে সর্বজ্ঞার আমী, পুর ও কম্যার মধা দিরে। প্রতিটি পরিক্রেদ 'আলগা এলোমেলোভাবে রক্ষ, জীবনের অ্টিনাটির দিকে খ্রই নজর, কিল্ডু বিশ্বাসের স্বাক্ষর সর্বাচ—যা পশ্চিমী সাহিত্য থেকে বড্মানে নির্বাসিত। এ বইডে প্রোনো চিরল্জন মোলিক সত্য উদ্ভাসিত।

পরিভান্তা বৃন্ধা ও অবে।ধ শিশার কাহিনী এটি, কিম্পু এ কাহিনী জীবনকেই দ্যুভাবে প্রকাশ করছে, তার মুখ্য কারণ, এ জীবন মুভার খুব কাছাকাছি দড়িরে আছে। মিঃ ম্যাকনে তার পর আরো অগ্রসর হয়ে বলছেন বে, এথনকার পাশ্চায়ের লেথকেরা জানেন বিচ্ছিরতা, বৌনতা, বিশ্বাসঘাতকতা, হত্যা ও লাহাবিক বিপর্যার, কিম্পু এই বাংগালী লেথকের কাছ খেক পাশ্চায়ের লেথকদের দ্বু-একটি মূলগত বিষয় শেখবার আছে।

লাভনের বা লিসনার কালজের সমালোচক বিচার্ডা জোনব। পথের পাঁচালী প্রসংপা তাঁর মার্কা টোরেনের হাকলবেরী ফিন-এর क्या बरम नरफरहं: शक्नारवर्षी क्रम-वर्ष बक्द व वह निन्दरनत निरह रमश दिल्ह् निन्द क वहन्य क्रमातत करना रमशा

শাট বাল তেনল কিছু নেই! বইনের আলগাতি বাঁকে এক আপ্যান থেকে আর এক আপানে এবং লব পরিজেলই বেন মুখে মুখে বলা গলেশর মন্ত। বইনের পটভূমির জন্ত ব্যানার্জি তাঁর নিজের স্মৃতির ওপর নিজর করেছেন, এবং খুব খুনিরে যখন ডিটোল-এর পর ডিটেল তিনি বোগ করে বান, তখন 'a general impression of fruits, flowers, clouds, water and children is created, so that the visual effect is rather like that of a Douanier Rousseau picture.'

একটি গ্ৰ-বা উপন্যাস-সাইতে প্ৰশ্ন দ্বাভ-পথের পাঁচলীতে ডার প্রচুব আছে। গুণটি হচ্ছে, 'জীবনের হোটবাট জানসের প্রতি মমতা। বইতে আছে সাধারণের একটি হুন্দ ঃ ধমীর আচার-জন্মান, পাল্চান্ডো অপ্রিচিত বংগার গ্রামীৰ জীবনবালা, এবং প্রতিক্লের বির্দ্ধে নিয়ত সংগ্রাম।'

বইতে কোখাও ভাষাতিশবং নেই। চরিত্র-গ্রালকে দেখা হরেছে সম্পূর্ণ অধ্যক্ষক চিভিটি দিয়ে।

রিচার্ড কোনসের শেষ মন্তবাট উপন্যাসকে ছাপিয়ে আমাদের সমজের ছাটে তেওঁ তোলবার মন্ত ঃ ছোট মেরেটির প্রতি তার মা-বাবার, বিশেষত মা-র বাবহারে একটা বোধহান অস্যাভাতার চিক্ বর্তামান রে অসাভাতা পাশ্চাক্তা উপন্যাসে শিশ্ অপরাধের উৎস অনুসংধানেই মান্ত লিখিত হল্য, কিশ্তু এখানে তা সেরকম বিশেষ কোনো দৃশ্টি হা মন্তব্য ছাড়াই লিখিত।'

১৯৬৮-র ৭ই ডিসেম্বর এডিনবরার দ্য ফ্রেটসমান পরিকার মার্টিন সেম্রে-স্মিথ পথের পরিনাশীর বে সমালোচনাটি লেখেন ভার নাম দেন—'দ্য বেষ্ট অব বানাছি'।

এত বিখ্যাত ও ক্ষনপ্রির একটা উপনাস ইংরেক্সীতে এত দিন আন্দিত হরনি বলে প্রথমেই তিনি বিসমর প্রকাশ করেছেন। তার মতে, অন্বাদে কোনো আড়ুণ্টতা নেই। বইটি 'পড়তে একদম বাধে না।' 'পড়তে স্কর।' এর পরে বিভূতিভ্রণের দীঘ' পরিচয়, পথের পাঁচালীকে বলেছেন চার চারতের একটি 'haunting story'। এ বই 'একটি স্কর কিল্ডু কঠিন শৈশবের কাহিনী।' থাবং এ শৈশব, সবট্কু না হলেও অনেকটাই ব্যানার্ক্সির নিক্সের। পথের পাঁচালী সেই ক্ষাতের একটি স্কর্মের বই, বার লেখক ও বিষরের শ্রুণ পরিচয় দেওরা ছাড়া সমালোচকরা আর বেশী কিছুই বলতে পারে না। পরিদেবে সমালোচক আশা করেছেন বি,

### विभ्रमिल व्यवशत कतटल क्वशन्त्र हैथ(त्रष्ट सार्कित (शालत्यात्र (८) प्रॉटक उक्स ताध कत

করহাল টুবপেট মাড়ির এবং গাঁতের গোলবোগ রোধ করার অন্তেই বিশেষ প্রক্রিকার তৈরী করা হরেছে। প্রভিদিন রাত্রে ও পরন্ধি স্কালে করহাল টুখ-পেট দিরে গাঁত মাজলে মাড়ি স্ক্রন্থ হবে এবং গাঁত শক্ত ও উচ্ছল ধরধরে সালাহবে।

"ম্যানাস ভেটাল।	বাংলা ভাষার রঙীল পুল্তিকা — দঁগাঁড় ও নর সলে ১০ পরসার ট্যাম্প (ভাক্ষান্তল বাবং) সৈরী ব্যারো, পোক ব্যাগ নং ১০০০ বোহাই-১ এই
টিকানার পাঠালে ও নাম টিকানা	এই वेहे शास्त्रत। स्क्रम
ভাষা	DI

**শ্বিহাট্সে** ট্থপেষ্ট-এক দন্তচিকিৎসকেন স্বাষ্ট

---

বাংলা ভাষার এই ক্লাসিক প্রশায়ি ইয়বেকী ভাষাতেও ক্লাসকের মুবাদা পাবে।

वाबिरहाम रभाग्ये, पहे फिरमपत्र, ১৯६४। हारवानि छेशनात जनारवास्त्रा करहरकन আর সি চার্চিল। বই চার্ডির মধ্যে স্বচেরে পাঁচালা। কিন্ত क्शरतंत्र नाम-शरधंत প্রথের শিরোনামে কোনো উপন্যালের প্রতি প্ৰপৃতিত নেই। নিরপেক ক্রিরোনাম— নিউ ফিকশন। গোডাতেই সমধ্যাচকের মনে शासा शक्तारवती किम अवर एकिस ত্রপারফিলেটর কথা ঃ To this small group of pecumasterpieces beliarly "native" longs Banerji's famous novel PATHER PANCHALI'. DICE জিকনসের মত ব্যানাজির নারক অপত্রে কেথকের আত্মছারায় বচিত।

উপসংহারে সমালোচক অপুরে মতই পল্লীভারতের—কালহানি ভারতের—অংশতাক
হয়েকেন, হেমান দীর্ঘাকাল ধরে ভারতীর
পাঠকরা কালহানি মিসিসিপির ও ভোভার
রোজের অংশতাক হয়েছে। আর ওকাই
বোঝা ব্যাক্ত, 'বভ হার উঠলেই টের পাওরা
ব্যাহ যে, এটি একটি ছোট্ট প্র্যিবটি।' এই
ভীন্তিটি দিনেই আর্লাচনা শ্রুত্ব করেছিলেন
সমালোচক, সেটি প্রতিপার ব্যার আর্লাচনা
সেখে।

প্ৰলা ভিচ্ছোৱ, ১৯৬৮, লিভারপুল দেহীল পে হট ও বেহিছোছ আন্টেনি ছেভিনস-এর আল্লাচনা : Bengal tope-try । ৫ বইয়ের বছল ও অব দা রেভিদ্ নাম ভিনি স্ঠিক মনে করেন, এ কথা আগেই উল্লেখ করেভি।

প্রথম বাংলা নেশের দানিভাবেদনাই বিভিন্নের চেত্র পড়েছে বেশী। বইরের বানের কথা এসেছে একটা পরে। এ বইকে কাসিক বলে উল্লেখ করেছেন ভিনি। শিশার বিশ্বামাণ্য দৃণ্টি দিয়ে দেখা এ কাহিনীতে তের বেনি ও ডেভিড কপারভিক্তের বিজ্ঞা ব্যান বলা ভিনি মনে করেন।

পথের পাঁচালী বাংলা দেশে বহু দিন ধ্যেই বেষ্ট সেব্দার, এবং তা 'বিনা কারণে নর। এ বইয়ের প্রধান গণে স্মূপণ্ট সঞ্জীব পরিবেশ অংকন ত্য পরিবেশ রহস্মর বৌদ্যা ও ভাতিতে প্রা। এর মধ্যে বয়েছে দাটি শিশ্য যারা PA7923 ওপর सिक्का है। निष्मान ব\_শধসংশ্র 8 শিশ্ব দুটি এক অসীন পথে চটিতে পেরে খ্শী। কাবা-মা একটি কোন সীমা গভিয়ার জনো হাতড়াচেছ। এই পরিবেশ So overful of a mystical beauty and terror, gives the boy his simplicity and takes his sister's life. It just wears the parents Out !

বালাজির বিশেষ সাফল্য চরিত্রগুলির

চার গিকে ক্রীডিনীডি ও আচার-সংকারের বরনে। এর কলে এ বই নিছক গলেন চেত্রে কিছু বেশা, এ কন-বানসের কাহিনী।

নানতে ইবৈক্ এ সন্দোজনা প্রসংশ আনিবাল নাইমন্ত্র বলেছেন হৈ, সভ্যাক্ত বারের কিলেছে কলাদে পথের পাঁচালী পশ্চিমে বিশ্বাভ হরে গাঁবরেছে। কৈন্তু চলচ্চিত্র-নিরপেকভাবেই এ বই পাঁচবোগা। বইটিভে গরদ ও যাবছে দিরে বিশেব দশকের ভারতীর গ্রামলীবনকৈ আঁকা হরেছে। ব্যানার্ছি একজন 'unsophisticated' লেখক। ইংরেজী পাঠকের কাছে ভার লেখার আক্ষণ হছে, 'সরল গ্রাভাকতা… সহান্ত্রতি…'

পরিবারটি দার্শ রক্ষের দরিল, এবং আনেকটা এই দারিদ্রের দিক খেকেই বইটির একটি বিশেলীয়ত সংক্রিমতসার দেওরা হরেছে। পরে সমালোচক বলতেন যে, এই কাহিনীসার থেকে বইটিকে একটা '৪০৮ একেছে' বলে মনে হতে পারে, কিন্তু বানাছির 'সারলা খ্বই ফুভিছের সংশ্য ভারতিশবাকে বাদ দিরেছে।'

সমালোচনা শেষ করছেন বানেজির চেন্টাহীন বাস্তবভার প্রশংসার ঃ

'this unforced realism gives his fiction the quality of an artless, unembittered, gently imaginative stretch of autobiography.'

২৮দে ভিসেশ্বর ১৯৬৮, ইনকোরারার কাগজে পথের পাঁচালীর সমালোচনা করেছেন আইফনি হোসগ্রেছ। সমালোচকের মতে এটি ঠিক উপন্যাস নর, এটি ভিপন্যাসের আধারে আত্মকীবনী'। সেই- জন্মে কট বা চীবন্তের বিবর্তন এবালে সামানট আছে।

চার্ত্তপূর্ণি একটা রাস্টাকে অভিতর কর্মে—হৈ হাত্তা বাংলার শ্রমীর মধা বিষে M'COCATCO SCOTCE, SCOTCE CEIS MIN. जयलम व समारमय प्रथा निरंह । को शरबंद बश्यकात बहेना दियाता हाक बक्छि क्रम्मा-প্ৰবৰ্ণ শিশ্বে চোম দিয়ে। শিশ্বটি দ্বিদ্ৰ 🐠 প্রায়ণ ক্ষাত থাকরেও দৈন্দির জীবন-बारेनाड दम खानक गांव, अटल केरमाका बाद्ध ভার। লেখক কথার ও ইপিতে পদ্রীর মহৎ সৌন্দৰ্যকে সন্ধারিত করেছেন। কিন্ত পলাপ্তকৃতি অনেক সমর নিষ্ঠারত। বর্ষার জলধার মু দরিদ কৃতিরটির বিধানত হওরার एमा এट कौरण्ड स शाहक मर्वाक्यात আত ক এ অসহায়ভাকে নিজের বলে উপলব্দি করে। যাত্রাদলের আবিভাবে অপরে উল্লাস ও শিহরণে পাঠকও হয় অংশীদার। অপুর আকৃষ্মিক কথ্যাতে আনন্দ, অপ্রত্যানিত কোনো আদি এবং মাড়াতে মুমাণিতক শোক—এ সব অপরে घर्टरे भारेत्कद्र क्रीयनार्ग्य भीवन्त इस।

এই সব মহতবোর পরে সমালোচক লেখা শেষ করেছেন এইভাবে : 'দুঃখ ও সূত্র জানিনের মধ্যে এমনভাবে মিশে আছে বে, বলাই অসম্ভব কোন্টা প্রধান, এবং এর অনিবার্যাতাই এ বইরের ভাববসভূ। বিটনা-গর্মান আমরা ভূতো বেতে পারি, কিশ্চু বাংলা দেশের সেই প্রধান বাস করবার সম্ভি মন বেকে মেছে না।

লগভনের ভেইলি টেলিগ্রাফে **আলোচনা** করতে গিরে মাইকেল মানসপ্র**রেল ক্ষরী** বলেড্যন, আমানের রাগ্ডা এখন মোটর-

### সেয়ুগের কেচ্ছা একালের ইতিহাস

न्यां वासकोगावी

কেছা মাতই ইতিহাস নম, ইতিহাস মানেই কৈছা নম। আঠারো শতকের কলকাতার কোন শিচপপতি ঘোষণা করেছিলেন, সমাজ তামার সিক্ষাকে? কোন বিধবা-বিধার প্রসাজে মাজ লিখেছেন যে, নেপো-লিয়ন যেমন গোল সপতক পারাসকে অভিযেক জিয়া সম্পাদনে বাধা করেছিলেন, তেমনি গড়েগড়েছে ভট্টাচার্যকৈও উন্ধ বিধবা-শিবাহে পৌরোছিতা করতে বাধ্য করা হয়? এরকম করেকটি কালজারী কেছার বিধরণ আছে এই বইছে। ৩.০০ টাকা

#### কাচের পাহাড

आफालदवर्षे ज्ञिकटनेत सन्तात ह

মান্ত্ৰায় ছাল ভেনাতৈ জনতিয় ববার **হাতিছ**মান্ত্ৰায় ব্ৰেক্ষ্যাপাধ্যায়ের। তিনি **এবার**আমানের পক্ষিয়ে বারাল্ডন সিম্মান্তর-এর
রচনার সংগো। টেম সামান নীটনে বারী
লেখার বিশেষ অন্ত্রানী ছিলেন সেই
মাডালারেটা সিটফটের বচিত কারের শাহাক্ত একটি আন্তর্যা উপনায়ে। অল্পুস্ অপ্তলের
ত্বার পাহায়েড়া কার্ডত আর সালা বলে দুই ভাইবানে হার্ডিয়া বিয়েছিলা—কী করে
ত্বারকান্ত্র মান্তা তাবা আরক্ষা করেলা আর থী করেই বা বড়েলিনের দিন ভাকের ব্রাক্ষণেস ও উত্তেজনাহেল্ল পাতাক্ত্বারাই ব্রাক্ষণেস ও উত্তেজনাহেল্ল কাহিনী।

व्याध्निक कारमा नकुन बहेराव कना :

**5कारिका. ५ नवीन कुछ लिन (कलिय द्वार किउदा), कनकाठा ৯** 

গাড়ির জনা গাইগ-লাইন নাচ। জীবনের উত্তান-পতনের নয় নিরে বায়ার প্রাতন প্রভীক রা তীববিষার তব প্রত অবলিত হজে বা হয়তো প্রশিষার সাহিত্যে একনও ভিয়নী কোচে আন্নোর

্বালটোর প্রথানত আকর্তীকনীন্ত্রক আন্টারকীল সংখ্য প্রতিক্রীতে আরে অকটি নরল কোনল সৌলবা ৮ रहे व कर्वाम्ब क्षेत्र सम्बद्धान्त्रा बाह्य । वहेतित्र haunting quality-like music heard across water-has been marvellously captured by the translators.

সংক্ষিণত এক পার্টেসকের কাহিনী-বিশ্বেরণের পেরে অপ্তরেক বলা হরেছে, সাক্তরত লোধকের শিক্ষানারা'। উপলহেতে জগ্-নুসা সন্পরে হৈ
কট নলেতেন, 'এবের পরস্পরের প্রাত্ত এবং উজলেতে আত, বলে ও বরের পালের করা ক্রীবাসের প্রতি বাতীর আভারতাবার আছে।'

নিউ শেটটসন্মানের সমালোচক ক্ষেত্র ক্ষানের সভাজিব রাজের ছবি ও মূল বইরের



হবো পাথ'কা দেখতে পাজেন। উপন্যানতি অন্তত অংশত আত্মকবিনীযুগক, এবং পালা নিৰ্বাচনে অপাই।

তিনি তরি লেখার উপসংহার টেনেকের
এইতাবে: স্থানীর কুসংক্রার, ক্রমীর উৎসবতন্তান—এইসব অনেক ক্রেতি, ইলোকীপক
বিষয় আছে, কিন্তু গুরুছ বা কুছতা
নির্বিপেবে প্রতিটি ঘটনাই সমান বছ ও জোর
দিরে বলা। রবনিদ্যাধ খেকে বেসক ইংরেজ
পাঠক অনেক পেতে পারে, তাদের কাছে এ
বইরের আবেদন জোরালো হবে বলে অনুমান
কবি'।

তবে এই সমালোচকের কাৰে এ বই 'pretty, exotic, and rather boring.'

পথের পাঁচালী এত বেশী 'বাংলালী' বে,

এ বই—বা আমাদের খ্ব প্রিয়—তা
দ্নিয়ার হাটে কার কেমন লাগবে, এ
সম্পর্কে বাংলালীবের আশুণ্ডনা বাবাং
বাভাবিক। কিন্তু স্থের বিষয়, বিদেশের
সাহিত্যের রসগ্রহণের জনা মনের বে বিশতার
প্রয়োজন তা এখন সব দেশেই বেংড্ছে।
এখনে বে সমালোচকদের আমার; দেশলাম
তাদের প্রায় স্বারই—এজজন বাংল—এ বই
মেটের ওপর ভালই লোগেতে বলা যায়।

তবে বে-কোনো ভাল ইই সংপকে ব ঘট এখানেও ভাই ঘটেছে। নানা লোকের নান দিকে চোখ পড়েছে। কেউ এ বইতে নিকি সভার উপস্থাপন লক্ষ করেছেন। নেই বলছেন, রীভি-সংস্কার-বিশ্বাসের অবেণ্টনে এ বই উপন্যাসের চেরে কিছে বেশী। অনেকেই উপন্যাসচিতে আক্ষ্তিবনীর ছাল দেখতে পেরেছেন। সমুদ্ধ পশ্চিমী জনতের সমালোচকদের প্রায় সকলেরই চোঝে পড়েছে নিঠার দারিয়ের প্রসংগটি। বংলা দেশের জীবনের খা্টিনাটি ও সেই খা্টি-নাতির প্রতি লেখকের প্রতিভ অনেকের দ্বিটি আকর্ষণ করেছে।

আদ্যমের বিষয়, নিবিদ্ধ প্রকৃতিপ্রতীতির প্রসংগটি অনেকেরই দৃণিও এড়িরে গেছে। তেইলি টেলিগ্রাফেই মার প্রসংগটি ষপ্রযোগ্য গ্রেড পেরেছে। লিভারপাল ডেইলি পোষ্ট পরিবেশের 'mystical beauty'-র উল্লেখ করেছেন। আর ইনকোয়ারার প্রস্লবিংলার 'beauty and grandeur'-এর কথা বলেছেন। আর উল্লেখ্য, শেষের দৃটি কাগজেই এই সৌন্দর্যের সংগ্য নিক্টারতাকেও লক্ষ্ণ করেছেন সমালোচকেরা। একটিতে 'terror', অনাটিতে 'cruel' শব্দ ব্যবহৃত হরেছে। বিশোল চোলেচকদের এই নিক্টার দিকটাবিশেব চোলে পড়েনি। হয়তো গা–সএরা বলে।

একজন সমালোচক এ বই পড়তে খুবই ফাল্ডি বোধ করেছেন 'unselective,... pretty, exotic, and rather boring'

ভূলনা প্রসংশ্য বইরের নাম অসেছ—
হাক্লবেরি ফিন, ছেডিড কপার্ফিড ও
আখালবিনীম্লক এ বই দ্টি। ডেডিডেরও
কঠিন বালাকবিনের অভিজ্ঞাতা ররেছে।
কিন্তু পথের পাঁচালবি সংখ্য দুটি বইরেরই
মূল স্থের ভারতমা আছে।

পথের পাঁচালী প্রসংগ্য বাণ্যালী সমালোচকদের কারো কারো মুখে জাঁ জিলতফের নাম শোনা গিরেছিল। বিদেশী সমালোচকদের কারো মনেই এ সান্সা জারোন।

প্রকৃতির সংস্পাদ একটি আছার জ্বমবিকাশ-এই বিবর-সাদ্দো ওরার্জনওরার্থের 'দ্য প্রেল্ডে এর নাম মনে পজা
অসবাভাবিক ছিল না। কিন্তু তা হরনি।
আমরা আগেই দেখেছি, প্রকৃতি প্রসংগাদী
বিদেশের সমালোচকদের কাছে একট্ ক্ব
গ্রেছ পেরেছে। তা ছাড়া দা প্রেল্ডে
উপনাস নর—সেজনোও বাদ পড়তে পারে।
আর পথের পাঁচালী ও অপরাজিত সম্প্রণটা
মিলিরে এ তাৎপর্য বতটা পরিস্ফৃট, খাঁন্ডেও
পথের পাঁচালীতে জা নত।

তলনার ক্ষেত্রে একজন চিত্রশিল্পীর নাম मारानियात इ.मा.व 91:00 717 41705 (১৮৪৪-১৯১০) আসল নাম আছি রুলো। তিনি তার জীবনের পনের বছর সাারিক भौधारण्ड भावक आमारहद काक करदिशिकान। এই থেকে 'দোয়ানিয়ের' (অর্থাৎ কাস্ট্রাস অফিসার) কথাটা তাঁর নামের সংপা ব্রন্ধ হরে যায়। গাছ, পাতা ফাল, মাটির গণ্ধ তার লাগত। তখনকার প্যারিসের শহরত লিতে তিনি किलान। स्मार्थान 'তার সামনের ফাল মন অবগাহন করত। স্যাত্রিসজে মারির উষ গল্য ালের আশ্চর্য গণ্ডের সভেগ মিলে ভরি চেতনাকে আছ্মন করত।' কিন্তু এ অবস্থাতেও তিনি ছবির পর ছবি এক যেতেন। (আরি ব্রশোঃ জাব্রেড। **उन्न**फरवार्न भरक**हे जाहें** मितिस्स । भू: 0)

এই বৈষ ও বজের ফলে হৈ ছবিগ্নিল সূত্র, তার ক্ষায় এইল্বলৈ বিখ্যাভ হ—দা জাণাল: মাংকিজ উইখ অরেজেস, লোটাস ফ্লাওয়াস, দা ছিম, একলোটিক ল্যাণ্ডদেকণ প্রকৃতি। এই যালিয়ালৈর লাহ্য কলে প্রচয় ব স্থাটির সংশ্বে বিকৃতিকুর্বনের কবা স্থান প্রচার প্রচার

নেশ্ব উলেব করা বার, বিকৃতিভূতবের
বাত ক্রোক প্রতিজ্ঞা সংশাবেক বলেব,
বিপারীর মাত আছে। অনেকে বলে করেব,
টেকনিক ও বলেবালিসনের রাজিতে মুচনা
অভ্যাত সরল, অনিজ্জি, মারাগতা। ভার
সব প্রবিধ একেকে ভার সহজ্ঞাত নোমা বা
ক্রিনিক্সেই জোকে। অবাধ অনেকে বলেব বে,
ভার আর্ট অভ্যাত স্ট্রিনিক্সা। (প্রেবিধ
প্রবাধ। পরে ব)

বিজ্ঞতিভূষণ সম্পতে ও ঠিক এই ব্রটি বিশ্বতীত যত প্রচলিত হার উদাহরণ বর্তমান প্রথমের বিদেশী সমালোচকবের উম্পতির মধ্যেও করেছে।

বাই হোক, বিদেশীদের এইসব সমাজো-চনা দেখলে জার একবার একট্ জিল স্থাতিতে বিশ্ব পরিপ্রেলিকতে প্রের পাঁচালীকে দেশবার সাব ঝালালী পাঠকের মনে লাগতে পারো। এত দিল বরের চোখে ঘরকে দেখোঁছ, একন একবার বাইরের চোখেও বরকে দেখা বেজে পারে।

নিবচিন • • • • •

কৰা ও কাহিনী ১০ বণিকৰ চাটোলী বাটি, কলিঃ ১২

(TT-6662)





#### স্টেট ব্যাংকের ঋণদান নীতির নতুন ধারা

স্প্রতি ব্যাংকের অণ্দান নীতির একটি স পরিবর্তন স্ক্রীচত হয়েছে। স্টেট ব্যাংক যোষণা করেছে যে সারা ভারতে তার ৰে সকল শাখা আছে সেগালির মাধামে ছোট ছোট ব্যবসাহী ও বিভিন্ন ব্যত্তিতে নিয়ত্ত ব্যক্তিদের কার্যকর মালধন বোগান এবং अनामा शकाद थन मिलहोत উल्मामा এकि প্রকলপ তৈরী হচ্চে। এই প্রকলেপর উদ্দেশ্য ছ'ল, শিক্স ছাড়া অনা ক্লেন্তে অথ নৈতিক তংপরতার স্মাহত উন্নরন। প্রকল্পটি শীয়ই কার্যকর হবে। এই প্রকলপ কার্যকর হলে খাদাশসোর দোকানদার মুদি-থানার মালিক ভারারখানা বড বড माकानमात्र, काठी काशरण्य वावमाश्री व्यवश বৈদ্যাতিক সর্বলাম বিক্যকারী প্রভৃতি স্বাই শেটি ব্যাংকের ঋণ গ্রহণ করার অধিকারী হবে। ভারার, শল্য চিকিংসক দণ্ড-চিকিংসক স্থপতি কারিগার উপদেশ্যা প্রভাত বিশেষ ব্যক্তিতে নিয়ক ব্যক্তিগণ ছাডা সরকারী সংজ্ঞার পড়ে না এমন সব ক্ষাদ্র শিলপকমে নিযুক্ত ব্যক্তিরাও এই প্রকলপ अनुयामी अप ७ व्याधिक माहाया भारतन।

গত কয়েক বছরের হিসাব যদি আমরা পরীক্ষা করি তবে দেখা যাবে ব্যাংকগ্রাল কৃষি এবং ক্ষাদ্র শিলেপ খাব কমই খাণ প্রদান করেছে। বাণিজ্ঞাক ব্যাংকগর্নল মোট যে পরিমাণ ঋণ দিয়ে থাকে তার মাত্র শতকরা চার ভাগ কবি ক্ষেত্রে দেওরা হরে থাকে। অশ্তত গত আথিক বছর পর্যাত छाटे छिल। अक्सात रुठे गाःकटे कृति अवः ক্ষুদ্র শিল্পকে অগ্রান্ধিকার প্রদান করে তার খণদান নীতি কার্যকর করেছে। স্প্রতি খণ প্রদানের ক্ষেত্রে স্টেট ব্যাংক যে নতন প্রকলপ তৈরী করেছে তার অন্যতম উদ্দেশ্য হল, সারা দেশে শিল্প ছাড়া অন্য ক্ষৈত্রে অর্থনৈতিক কর্মতংপরতা সহ দেশের স্থেম অর্থনৈতিক উল্লয়নের পথে সঠিক প্দক্ষেপ করা। আমাদের দেশে করে শিলপগ্রল ৰাণিজ্যিক ব্যাংকগালি কতুক প্ৰদত্ত দীৰ্ঘ-মেরাদী ঋণ লাভে সর্বদাই বঞ্চিত হয় ৷ এমন কি স্বল্প-মেয়াদী ঋণ লাভের জনাও বে জাতীয় সিকিউরিটি ক্ষুদ্র শিলপগ্রলির রাখা मत्रकात. তा ताथा अर्यमा मण्डव रत्न ना। লেও ব্যাংকের নতন খণদান নীতিতে বলা হরেছে, ছোট ছোট ব্যবসায়ীদের কার্যকরী इ. नथ्रत्न बनाहे श्र्यान्छ अर्थ्वत श्रर्याञ्जन।। বেসৰ কেন্তে দোকানে মোট মজ,ত পণাদ্ৰবা সিকিউরিটি হিসাবে যথেন্ট বলে গণা হবে ना मिक्कत एक्टे वाश्य वर्ष वर्ष वावनाशी গোঠীর বহিত্ত খণগ্রহীতাদের কাছে



বংশক রাখার প্রশ্নতার বিবেচনা কবতে
পারে। আবশাক ক্ষেত্রে ঋণ প্রদানের ক্ষেত্রে
একই সংগ্য জামিন অথবা উপযুক্ত গাারণিট
চাওয়া হৈতে পারে। এই নতুন ঋণদান
নীতিতে সাজসরস্কাম কেনার জন্য অর্থ
সাহাব্যেরও বাবস্থা রয়েছে: যেমন, কোন
ওম্পের দোকান যদি রিফিজারেটার কিনতে
চার তার সেই দোকানকে ধার দেওয়া হবে।
ভাছাড়া ক্ষেত্রবিশেষে ওভারজ্ঞান্ট দেওয়ার
স্ম্বিধাও নতুন ঋণদান নীভিত্রে আছে।

দেটট ব্যাংক ঋণ প্রদানের ক্ষেত্র যে নাতন নীতি প্রবর্তন করেছে, দেশের স্থেম অর্থ-নৈতিক উন্নয়নের জনা তার গার্ড খাবট বেশি। অন্যান্য ব্যাংকগালিও যুৱত স্টেট ব্যাংকের অন্যরপ্র ঋণদান ন্যতি গ্রহণ করে ভার বাবদ্যা করা নরকরে। বভামানে ধ্রথন দেশের চৌদ্রটি প্রথম শ্রেণীর ব্যাংক ভাতীয়-করণ করা হয়েছে, তখন সরকারের পক্ষে ম্টেট বাংক কতাক প্রবৃতিতে খ্রুদান নহিত্র নিভ'র ক্যুৱন্ত 103 চৌদদটি নীতি বাংকের খাণ্ডান ्रेस<u>श्रम्</u>य করার গ্রহণী। 155 Bise 1 সম্প্রতি প্রধাননতী যোষণা कादाधन ব্যাংক কোঁডট এখন থেকে প্রয়েঞ্চন-ভিত্তিক হবে। ঋণ প্রদান করার ক্ষেত্রে ঋণগুহীতার খণ-গ্রহণযোগ্যভা অপেক্ষা খণের উদ্দেশ্যের উপর বেশি গ্রেড আল্লেপ করা হবে। ব্যাংক জাতীয়করণ করারে অর্থ এই নয় যে, সকল শিলপ কোন ব্যাংকের নিকট হতে যে সকল সংযোগ-সংবিধা পাছে সেগালি বরবাদ করতে হবে। রাষ্ট্রায়ন্ত ব্যাংকগালির উদ্দেশ্য হবে, দেশের অর্থনৈতিক উল্লয়নে অর্থ সাহায্য করার জনা যতদ্রে সম্ভব জন-সাধারণের সক্তয় ব্দিধর হার বাড়ানো। ব্যাংকগালি এই অথের অধিকাংশ খরচ করবে কৃষি ও শিল্প ক্ষেত্রের উলয়নের জনা। এক্ষেত্রে স্টেট ব্যাংকই অন্য চৌদ্দ্তি ব্যাংককে পথের নির্দেশ দিতে পারে।

#### क्रान्य कर्क माम्रामाला हात्र

সম্প্রতি ফ্রান্স যে তার মন্ত্রার (ফ্রাঁ)
বহিমিলো হ্রাস করেছে তাতে পশ্চিম
ইউরোপে বিশেষ চাশ্চলোর স্থান্ট হরেছে।
ফ্রান্স মন্ত্রাম্লা হ্রাস করার সপ্রে স্থান্টের
ওয়াশিংটন এবং লাভন থেকে ঘোষণা করা
হয়েছে যে ডলার এবং পাউন্ডের ম্লা হ্রাস

করা হবে না। অনেকের ধারণা ফ্রান্তর মাল। কমে যাওরায় জার্মান মাকের মলা বাদ্ধির সম্ভাবনা হরতো বৃশ্ধ হয়ে গেল। কিন্ত পশ্চিম জামান সরকার ঘোষণা করেছেন যে, এজন্য মার্কের মূল্য পুনরার বাডাবার সম্ভাবনা নক্ট হয়নি। এয়নিক মাকের মলো ফ্রা-এর ম্বা অথবা ডলাব এবং পাউল্ডের অনুপাতে একটা কম বলেই অনোকের ধারণা। তাই জামানী যদি এখন মাকেরি মলো বাড়িয়ে দের তবে অ<sub>শচর</sub> হবার কিছা নেই। কিশ্ত সেপ্টেম্বর সামে জামানীতে যে সাধারণ নির্বাচন হবে ভার আগে জার্মানী এই ঝাকি নিজে যাতে কিন তা-ই প্রশ্ন। অনুমিত इरहरूच कारकह বত্মিন মাদার বহিমালো ডলাবের আলপান শতকর: ১২-৫ ভাগ কমে গেছে। যদিও সরকারীভাবে বলা হয়েছে যে, মানুর মালা হাসের অন্যপাত হচ্ছে শতকর ১১-১১ ভাগ। এখন জা-এর মূলা হচ্ছে প্রতি তপারে ৫-৫৫৪১১ ফ্রাঃ ফ্রান্সে মদ্রমালা হাস যেখিত হারার স্থো স্থোই ভিনিস-পতের দাম যাতে না বাতে সেজনা মালা সংক্রোচনমা লক ব্যবস্থা: (Price Freeze) অবল্পিকত হারেছে।

মাদামালা হুদ্দর অমাতম উদ্দশা হাজ রুতানি বাডানো এবং আছেন্নি ক্যানো: ভাত ফালে টোদেশিক বাণিজা অথবা বৈদেশিক লোনদেনের ক্ষেত্র যাতে দেশের সংখ্যার উয়াতি হয়। কিন্তু রুজানি কতটা বাড়বে —অথবা আমদানি কতটা কমৰে তা অনেক-ข∷็ส উপাদানের **উপর** নিভরিশ্লি। বৈদেশিক বিনিময়-হারের পরিবর্তন বাণিজা নিয়দ্রণের একটি উপায় মার। ফাল্সের ম্দ্রাম্লা হ্রাস পাওয়ায় রিটিশ পাউপের য়ালা হাস করা হয়নি। ভবে পশ্চিম ইউরোপের বিভিন্ন দেশের পারস্পরিক বাণিজ্যের উপর এই ঘটনার প্রতিরিয়া দেখা দিতে পারে। ইউরোপের সাধারণ বাজারে (European Common Market) রিটেনের প্রবেশ সম্পক্তে আবার বিতর্কের স্থিত হবার সম্ভাবনাও রয়ে গেছে। তবে ভারতের এজনা বিশেষ চিম্তার কারণ নেই। কারণ ভারতের সংশ্যে ফ্রান্সের বাণিজ্ঞাক लिनएमन थ्र छेट्टाथ्यामा नम्। ১৯৬४-७১ সালে ভারত এবং ফ্রান্সের মধ্যে মাত ১৭ कार्वि ३० लक ग्रेकार वानिकाक लनाएन रसिंख।

গত দু বছর যাবং আল্ডক্সণিতক বাজারে যে ম্যো সংকট হয়েছে, ফ্লাল্সের ম্যোম্বা প্রাসের ফলে তা তীব্রতর হবে বলে মনে হর নাঃ

#### क्यांत्रत्व क्यांत्राम

ৰতবৰে'ৰ সীমানা পার হ'লেই প্রথম प नकात कारम स्मातापत পরিবর্তনশীল চটক। লেবাননের রাজনৈতিকভাবে रवव है। কিন্ত সেখানে পে'ছেই আরব দ নিয়া। প্রথমে পেলাম মহিলা ফ্যাসনের এ মৌসামের সংবাদ। চাকাপানা হীল দেওয়া ভাতে: বিরাট গোল গোল রোদ-চশুমা অর্থ নান মিনিস্কার্ট, পরচুলার পরম জন-প্রিতা-আরও কত কি। ট্রিক্ট বাবসারে বেবট ফেপে উঠেছে। তাই রাস্ভার দাঁভিরে ৰ মধাবয়দক মহিলা কোমৱে হাত দিয়ে অপ্র পারের আরে এক মধ্যবয়স্কার সংশা চেচিয়ে ঝগড়া করেন তিনিও পরেন বাহারের বেশ। যদি পথে ঘাটে অনা রকম বেশ্বাস দেখেন ব্যাধবন সে বাইরে থেকে লম্ছ। স্যালেন্টাইনেব বাদতহারাদের ফেডিভেও মিনির মানা নেই।

क वाल वलाया या । व्यवस्था काणानिह করা হথান। বুচনা হয় আরও পশ্চিমে। হয়তে টেলতে টেলতে পেশীছোবেন একেবাৰে মৌপা হয়লাব দেশ মার্কিন মালাকে। এখন নাকি ইউ বালের মেয়েরতে হাঁ করে চেয়ে প্রক প্রদিকে। জগকোলান কেনেডি **ওনেসিস** ফাশ্নের স্মী। প্রসা নিবে নাকি ব্রগতি স্মানীর সংগ্রাদন্যবাদ বেশ ছতে। সাঞ্জ-পেশাকে বা কেশ**চচ**ার চড় চড় করে হাতের পরের: চলে যেতো। এখন সে ভাবনা নেই। জগতের শ্রেষ্ঠ ধনীদের একজন ওদ্দিস সাহেব। তবে আমাদের স্ক্রাদ হড়েছ ভাতেলিন হঠাং ভারত**ীয়** <sup>সক্ষার</sup> আগ্রহ প্রকাশ করেছেন। ফরাসী ক্ষেন স্কল্পিলপা নাকি অণুপ্র সে দৈকে অ'/কৈছিলন। চিলা প্রভামত হত Bell Bottom পাণ্ট, শাডির আঁচলের মত বাহার দেওয়া সাধ্যানাচের সাজ সব আগেই চালঃ যায়ছিল। জ্যাকেলিন ছমিয়েছেন সেই ভিজ-<sup>এর উপর। গলপ শানেছি—সভাতা সম্বন্ধে</sup> ছোর করতে পারি না—যে, একদিন নিউ ইয়**ের এক ভারতীয় দোকানে জ্যাকেলিন** ওনেসিস বেছে নিজেন তোতাপাখির মত সব্জে বং-এর কৃতী আর পাজামা। আর যার কোগায়? মার্কিন সমাজের শৌশীন স্ব <sup>ভে:</sup>শা পড়লেন দোকানে। তেতাতা আর কই? যা আছে ভাই দাও। 'আরে এ যে মাপে বেমানান' ব**ললেন ভারতীয় দোকানী। । । । । ।** হক, আজই চাই কুৰ্তা পাজামা। এখনই যেমন করে হকে টেকার টকরে কিংএর <sup>ৰাক্</sup>থা করছে হবে। দোকানী তো এখন এক মহোৎস্বের আন্দাত্তে আরোজন क्दर्नात। महा विश्व।



এট যে ভারতীয় ছেভিয়ার জনা পাগলামি তা ছড়িয়ে পড়েছে দিকে নিভে। কত দিন চিক্ৰ'ৰ তা জানি না। এই মওকার বাদ আমাদের কেনাবেচার বেশ ভাল একটা দাঁও হতো বন্ধ ভাল হতো। আমানের দোৰ সব ৰ্যাপাৰে দেৱি হওৱা। হয়তো বা আরোজন হতে হতে হ.হ. করে ফ্যাশনের ছাণি হাওয়া কোপার চলে বাবে। লংডনের বড বঙ লেকানে ছেন্ট ছোট "Indian Boutique" হরেছে। দার\_প কামাচ্ছেন কতারা। অধ্য আমাদের প্রচেষ্টা আর একটা বাডলে হতো। আণ্ডজাতিক সৰ খবরের কাগজেই কি কম চর্চা হল্ডে: ফাশেন লেখিকারা স্বাই বলছেন "In look is Indian" এখন ভাৰতীয় ধারার ক্রমর হারেছে। সংস্কার। গাইসংকা থেকে দেহসকল সব। পার্টিস TQ 4 International Herald Tribune-oz र्राष्ट्रकः भौजीतीध दलाइन It's going to be an Indian Summer." তবে তার ফাড হিপিরা (hippies)-এর জনা দারী। হতে পারে। চাদর, ধর্তি, জপের মা**লা** সবই তো ভারা নিয়েছে। আমাদের এক বাব বলভিলেন, লস এয়েলেসের পথে হঠাৎ এক দিন বেতে বেতে শ্নালেন কে বলে বাছে
নারারণ নারারণ। ফিরে চেলে দেশলেন
গের্রাবদন এক হিপি সাহেবের মুখে
উক্তারিত হচ্ছে নারারণ নারারণ। অবাক
হবার অবশ্য কিছু নেই। প্রাচুর্যাভরা দেশগ্লিতে অতিরিক্ত ঐশ্বরের প্রতি আর ঐশ্বর্যানারের উ্পারের প্রতি বিতৃকার ম্বশ্সমাজ হাত পেতে ভিক্লা চাক্তে ভারতীর
আধ্যাত্মিকভার ভাছে। কিছু দাও, কিছু
দাও, না হলে অপান্তিতে আমরা অশ্বির
হচ্ছি। তাদের জীবনের পশ্বতি সম্বশ্বে
ভাবনা হতে পারে কিন্তু ভাদের এই দিনা
না ব্রবরের মত নত্ত।

যাক এ তো অনা কথা। ভারতীয় হাবভাষ নকল করাস গিছে হিপিতা সভাই ভারতীয় সঞ্চার খারা পশ্চিমকে পরিবেশন করেছে। প্রথম সম্প্রার্মিক গুণীজানী হবে ফিরিরে নিরেছেন। বং-বেরং-এর বাছারে ভৌদের বিষয় আপরি। আপরি টি**রুলো** कड़े ? এडे एक स्मिम्य विसम्मी कानास्म स्रीय দেখলাম নিউ ইয়কের এক স্বনামধন্যা গ্ৰহস্ভা ডিজাইন' শিল্পী হাতির হাত-পার অনুকরণে আসবাবের নমানা দিকেনে। সাদা রং করা হাত-পা। তার উপর **টেলালা** রং-এর কশন দি**ত্রে** বসবার বাবস্থা। ধনী-গ্রের হলবরে ত্রেই প্রথম থাকবে এই বাহার। বহারে বসবার বাবশ্বার পা মতে বসে নিভত ক্ষেন বেশ চলবে। নামও ভাই ভার Love seat! শোবার হবে ভারতার





दमाननाम विकास १ १९८७ जाताम क्या ७ काम्यान स्टब्स्ट । जानारस्य मिटक ७७०। मा स्टब्स १ जानारस्य मिटक अभ्या मरमारस्य मानारस्य स्टब्स अभ्यास स्टब्स मानारस्य मानारस्य स्टब्स स्टब्स मानारस्य मानारस्य स्टब्स मानारस्य मानारस्य स्टब्स स्टब्स

মার্কিন দেশের বিখ্যাত মহিলা পাঁচকা
House and, Garden: Mary Jane
Pool ভাষ সম্পাদিকা। সম্প্রতি এক চমক
সালানো আরোজনে স্বাইকে অবাক করে
কিন্তেলন। আই বে সব সম্ভা হাতের হাপা
বিছারা ফ্রাকনি আক্রাল আমরা কিনে থাকি
ভারই এক মানা নিয়ে করের দেওরালো সবছে
সেটেছেন। পান্চিমের সমাজ তা দেখে মুখ্য।
বলছেন এ বেন এক মমতাজ মহলের বাসের
বোজ্য ব্যবস্থা। হার আমানের মমতাজ কি
ভার এ ব্যের মার্কিন মহিলা ছিলেন?

আমরা বে একেবারে চোথ বংধ করে
পশ্চিমের ধ্বেরালীপনা দেখছি ভাও নর।
মার্কিন দেশে ভারতীয় ভাব আগ্রের চলেছে
বটে কিন্তু আমরা ভেকেছি ফরাসী রসিক
Pierre eardin আর Jeanne Perabca
আমানের ভিজাইন সম্বথেধ উপদেশ দেবার
করা। সরকার বেসব দোকান 'সোনা' নাম
দিরে বাইরে খ্লেছেন ভাতে লন্ডন নেই
কিন্তু প্যারিস আছে। ওড়িখার বিরটি
ছাতাখানা মেলে প্যারিসের সেনান' পলকও
ফেলতে পারে না। বট করে বিকী হয়ে যার।
বাম ১,০০২ ফ্র্যান্ক বা ২০০ ভলার মানে
১৫০০ টাকা।

ভারতীর এশ্ররড়ারি করা আসবাবের জন্য কাপড় বিক্লী হর নিউ ইরকে ২৭ ডেলার গঞ্জ হিসাবে। কাশ্মীরের ডাল হদের कमल वरम रव शांकेम:वार्ष व्यवस्त विस्तामरमद স্বংশন পরিণ্ড ইয়েছে ভার আসবাবের সব नम्बना नकनात कम बाब ना। धकरें दित्ररण्ड तकाँ कालवंबन कार्यः श्रीमार्टास्य बीमारकत 450E ভাই আলো নিউ ইয়কের East 55th Street.c প্লানা' খন্দের সামলে উঠতে পারছে না। व्यिश्व राष्ट्र (माकारमह वायम्था इस्ह। मान আরও চাই। এমনকৈ নাইরোবির দোকানও বেচা কর্ম করছে না। প্যারি:সর সোনাও ঠাসাঠামি ব্যাপার। তব্ চোখ ঝলসানো ভারতীর পসরা থ্'জে বের করতে কম উৎসাহ নেই রুশরসিকের।

এক সময় ভারতীয় শাল ইউরোপে हानि इहिल्म गुम्पती श्रथाना स्कारमध्म । ভার বিজয়ী স্বামী কোথা থেকে যেন এক উপহার পেয়েছিলেন কাম্মীরের অপুর্ব শিল্প রচনা। এনে দিয়েছিলেন প্রেরসীর পেলব করে। তার পরের ঘটনা সবার জানা। পেইজলী শাল সেই কাম্মীরকে করেছিল কিন্ত সাথকি হয়ন। অনুকরণ সাধারণের কিন্ত ধনীর অংগে উঠিছিল ঘরে ছিল কাশ্মীরের কাজ। আজও যেন সেই ইতিহাসের এক নতেন রূপ দেখছি। তফাৎ আছে। ফরাসী বিস্তবের আগের ইউরোপ ছিল আর এক রকম। ফ্রাশন ছিল না অমসাধারণের নিতাকার লখ। এখন ফ্যাশনের পর্যায় থাকতে পারে কিন্তু অধিকার অলপ বিশ্তর স্বার আছে। আমাদের কঠের খড়:মর অন,করণে কাঠের জ্জা চাল, করলেন এক জামান রূপকার। আর বায় কোথা! পথেঘাটে শুনবেন খট খট্ খট থড়ম পায়ে ব্বক ব্বতী চলেছে। ভাতারখানার বিক্লী হচ্ছে খড়ম! পারের পরম উপকার করে এ ভারতীর নম্নার পাদ্কা এই ধারণার সবাই স্বাস্থ্য সচেতন হয়ে ছুটে ধার ভাজারখানার। জুটোর দোকানেও গাদা গাদা ঋড়ম। আমদের দেশে তো কখনও শুনিনি ঋড়ম পারের পক্ষে ভাল। হরতো এমন বহু সাধারণ জিনিস আছে আমরা বুঝি না ভার

ফ্যাসনের ফ্যাসাদ এই যে তা ছাত্র কটার মত হরে বার। বর্তমান পশিস্কর সমাজে তো তার বেগ সামলানো দার। ভারতীয় পোশাকের এই "I U" অকলা থাকতে থাকতে ভারতীয় গৃহসভ্জার কদর কমবার আগে বদি কিছু পণা বেল জমিত বসতো তবে দরিদ্র ভারতের বড় একটা উপকার হতো। জমিরে বসার বাবসায়ী দিক একটা আছে, আর একটা দিকও উপেকা করার মত নয়। ভারতীয়রা বদি নিভেরা নিক্ষেদের জিনিসের যথেষ্ট মর্যাদা দেন তবেই স্থায়ী গোরব সম্ভব। বিদেশে কেন ভারতের পথেঘাটে মেমসা'হব সাজবার প্রচেষ্টা লক্ষ্য করলে এ কথাই বার বার মনে হয়। এক কালে দেখেছি শাভিকে থাটো করে স্কার্টের অন্করণ করতেন তথাক্থিত বাংগালি মেমের দল। স্ব:ধীন আমরা হয়েছি। সাহেবরা সরে গেছে কিন্তু মনের স্বাধীনতা কতটা পেয়েছি কে জানে? সময় সময় ভাবনা হয়, রাজনৈতিক স্থাধীনতার বাহানায় ব্ৰবিবা আত্মিক স্বাধীনতা হারিরে হিপিদের মতই হতাশায় আময় গোছে। পাছিছ নাকি হাততে বেডাচ্চি হদিশ আমাদের নিজ্ঞস্ব, কোথায় আমাদের কৃণ্টি। সেও এক ফ্যাসাদ বই কি।

শ্রীমতী





নেকে মনে করেন যে শাণিতনিকেতন 🛈 কলাভবনে যারা শিলপ শিক্ষালাভ করেন তারা এখনও বেংগল সকলের গণ্ডী অতিক্রম করতে পারেননি, **অর্থাং তার**া এখনৰ একাশ্ডভাবে অশ্তম্থী, বহি-ছাগতের চিত্তকলাধারার ভাঁরা কোনও সংবাদ হাবন না। এই ধারণা যে ভল তা তারাই হাতার করবেন গাঁরা সম্প্রতি আকাডেমি लाकाबीतर बन्द्रीकेठ শাশ্তিনিক্তন অগহিক সম্ঘ আয়োজিত শিল্পীদের भागी 'मार्थाक्षत्। श्रुप्तभातीरक नयुक्तन জিলপীর পোণিটা আফিক <u>ত ভাস্কার্য</u>বি ৪০টি নিদ্যান দেখা যায়। এ'দের পান্যকট শাশ্ভিনিকেতন কলাভবনে ভিক্সালাভ কাৰ্যভৱ <u>।</u>

8 39 75 3 कक्षकारण र खाल दिने ह প্ৰশানীতে বলাভবান শিক্ষাপাত্ৰ ঘাএকজন শিলপার নতন মনোভারের পরিচয় পেয়েছি। লোভালাবশত লেদিন প্রদশ্মিতিত পদাপ**ণ** কার আনক্ষিত্র পালে কলেভেরতের বভামান অধ্যক্ষ খাড়েলখো শিক্ষী লী দিনকর কেটিশকের সংখ্যা দেখা হাছে গ্রেক। কথা প্রসংগ্র জানতে পারলাম বঙ্গ উপাদান মনোনয়ন, চিম্ডাধার। ৫ অংকনবীতি বিষয়ে মিল্প মিফার্ডাপেনর আক্রকার স্বাধানিকা দৈওয়া হয়-জাল সকলেই আপন বছবাটাক বিভিন্ন ব্যতিতে প্রকাশ করার সাক্রেলা পান। প্রদর্শনীর যে সামগ্রিক বৈশিক্ষা প্রথমেই টোখে পড়ে সেটা হল লিলপীদের স্বাধীন চিন্টাধার। ও সমসাময়িক শিক্সধারার ওপর डीतनत शाधानामाना भिल्मीदा अकरनाड ছর্ণ। তেল ও জলরঙ তথা টেম্পারা মাধ্যম তারা কাজ করেছেন উপাদান হিসাবে একজন ভাঙা কাচ, কড়ি ও বিন্তেও ব্যবহার করেছেন। প্রায় প্রতেংকের কাজেই পরীক্ষা করার একটি স্বাভাবিক <sup>৯প্তা</sup> দেখা দার। আবার করেকজনের রচনা দেখে মনে হয় সমকালীন শিক্প-ধারার বিষয়ে সচেতন হলেও তারা ফেন বিদেশী প্রভাব থেকে একেবারে মূর হতে भारतनीन। वना वार्या, श्रमनानीरङ বিম্ত ও সম্বিম্ত শ্রেণীর কাজও দেখা

জর্থ পাল বিম্তে রচনার পক্ষপাতী। শিল্পী বিশ্বভারতীর স্নাতক, ১৯৫৮ শালে তিনি ক্লাভবনের ডিপ্লোমা লাভ



हैन पि गार्डिन

-चनिक सम

করেন এবং এখন সেখানেই অধ্যাপনা করেন।
তাঁর রচনায় চ্যাড়উইকের প্রভাব দেখা যার,
যেমন পেণিউং—২। বিশিষ্ট আকারের
সরলীকরণের জন্য পেণিউং—৩ অনেকের
চোখে পড়ে। ধর্মনারায়ণ দাশগণেত ১৯৬১
সালে কলভেবনে শিক্ষা গেষ করেন, এখন
কোনও স্থলে শিক্ষা গেষ করেন, এখন
কোনও প্রতা শিক্ষা গিক্ষক হিসাবে কাজ
করছেন। শিক্ষারীর রচনা সমকালীন।
প্রাচীন লোক ও ভত্মশাকে বাবহাত বিভিন্ন
পরিচিত চিহ্ন ও প্রতীককে অবলম্বন করে
তাঁর রচনা মালত গড়ে উঠেছে ও ভাঙা কাচ,
বিনাকে ও কড়ি সহযোগে রচনাক্ষেত্রে তিনি

বিচিত্র কার্কার সৃথি করেছেন। এই প্রসংগ্য কংশ্যাজিশন ৫ ও ৬-এর নার করা বার। অতি সরল ও সার্থক রচনা হিসাবে কংশ্যাজিশন-২ অনেকের চোবে পড়ে। শিশ্পীর রচনার ভারতীয় ঐতিহা ও আথ্নিক শিশ্পরীভিত্র স্ক্ষের সম্পন্ন দেক্ষা বার। ১

শ্রতিরত দেব ১৯৬৩ সালে ক্লাভবলে শিক্ষা শেব করেন। শিক্ষীর ক্লারও ও টেম্পারার কাজ দেশে মনে হর ভিনিও প্রাচীন লোকচিত্র কাকে উৎপ্রেরণা কাক



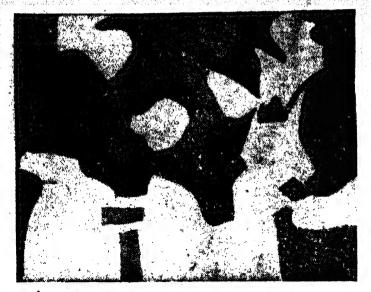
## **국**기취직

कास्टर्डटमान्क विश्वय देशामादन क्षयक



हारमधान मुख्य ७ शृहाकन गरि कानि, यहकत ७ शामसदार गोहात सिर्गर केनकारी है हिमक दिमार निव्याप राज्याद स्टब्स (गोर्सना ७ स्थाक हुन करन ७ नदीहरूव मृष्टि मार्थन करिया याष्ठाकीय शूमस्थान करन ।

८नक्रम ८न्डिनिक्गाम श्रीशंश सारारे अनुर



कृंक्र

-শাৰ্তন, ভটাচাৰ্য

করেছেন। ছবির মধ্যে ফেনক গড়েস উল্লেখযোগ্য। রেখা প্রধান ব্রায়ার্ড ছবিতে রবীন্দ্রনাথের অংকন প্রথার প্রভাব দেখা যায়। অমিত রারের রচনায় বৈশিষ্টা আছে। ১৯৬৬ সালে কলাভবনে শিক্ষা সমাণ্ড করে তিনি ১৯৬৮ সালে ব্রোদা শিক্সসংস্থ। থেকে স্নাতকোত্তর ডিপেলামা লাভ করেন। শিক্পীর রচনা প্রাচীর চিত্র জাভীয়, রঙ মিশ্রণ ও ব্যবহার প্রণালী লক্ষণীর। নীল **কালো ও গেরুরা** রঙের সাকৌশল ব্যবহার গালে তার রচনার কোলাজের বৈশিক্টা ফাটে উঠেছে। বেমন আউটিং ও ইন দৈ গাডেনি—₹। পার্থপ্রতিম দেব ১৯৬৬ সালে কলাভবন ছেডে ১১৬৮ সালে কবোদা থেকে স্নাতকোত্তর ডিপ্লোমা লাভ করেন। শিক্ষী সোচ্চার, উচ্চাত্র রঙ বাবহার করেন এবং অংকনরীতির দিক খেকে বিচার করলে দ; একটি কাজে আমেরিকার শিলপ প্রভাষ দেখা বার। বিশেষ করে 'ন্যাচারাল' ছবিখানির গাটে নীল রঙ বাবহার অনেকের ভাল লাগবে। লাশ্তন্য ভটোটার্য ও চিন্দার বার-দ্রুলেই গ্রাফিক শিল্পী। প্রথম জন ১৯৬১ সালে কলাভবনৈ শিকা সমাণ্ড করে প্রাফিক শিলেপ বিশেষ শিক্ষালাভ করেন। ১৯৬৮ সালে বরোদা থেকে স্থাতকোত্তর ডিপ্লেম লাভ করার পর থেকে তিনি শানিতনিকেতনে প্রাফিক শিল্প বিষয়ে গবেষণা করছেন। এ'র লিখোগ্রাফ প্রিপ্টের বৈশিন্টা হল সরকতা ও রঙস্থেমা-বেমন কুৰিং। কেলাজ নিদ্দনি হিসাবে শিল্পীর ना फरन्कश केत्रबर्याणा। करना शुष्ठे-ভূমির পরিপ্রেক্ষিতে ছোট ছোট লাল রঙের আকারের মধ্য দিয়ে প্রাম প্রাণ্ডে কয়েকটি

हिन्द খে ক. বিশেষ 150 78:13 हात বছের অচিতে প্রকাশ করার জনা পিত্র আনকের ভাল লাগে। দিবভীয় জন ১৯৬৮ সালে কলাভবন থেকে স্নাতফোত্তর ডিপ্রেলয়া লাভ করার পরে প্রাফিক শিলেপ উক্তিশকা লাভ করেন। শিক্পীর প্রিণ্টগ**্রল**তে প্রধানত নানা জাতীয় খেলনা ও পাতলের আভাস পাওয়া যায়—যেমন ৩৬ ও ৩৭নং প্রিন্ট। শিংপরি খেনাই কার্য সংক্ষা ও অন্তুতি-শীল, এই প্রসংগ ফিল্সফার-এর নাম করা যায়।

ভাসকর্য বিভাগে অবশ্য বিশেষ উল্লেখ-যোগা কোনত নিদর্শন চোটেখ পাড়েনি। বিপালকান্তি সাহয় ও ভাতুল বড়ায়া দাুজনেই



কুটির দেখান হরেছে। প্রিকল্পানর <u>শীর্ষা (স্থান্টার) —িব্</u>থকালি<u>ত সাহা</u>

बान्कत । ग्रामात्र क्लाक्यत शिकातक करतन। अथव कन शरत व तामन मिका मह করেনা বিপলেকাশ্তি শ্লাস্টার মাধ্যমে প্রধানত প্রতিকৃতি তৈরী ৰাতনামা শিক্ষণী সোমনাথ হোডে প্রতিকৃতি অনেকেরই চোখে পড়ে। গ্রাম बींएव पिक स्थाक अप्रि উল্লেখযোগা। 'শামলা'-র মাখম ভলেও বালিকাস লম সরলতা লকণীর। অতুল বড়ুরার করেত্ত্তি कारक সমकानीन दिशिको तथा वस। क्र ব্যেলাই করে ও সিমেণ্ট জমিয়ে তিনি বিমৃত সমকালীন করেকটি নিদ্দর্শন দেখিলেছন। সম্বিগত আকার গঠন প্রণ লী ও আয়ত্তিত সৌন্দর্যের দিক থোকে প্রথক প্রতভাষ গঠিত ও একটে রক্ষিত ক্পোলিশন উল্লেখ বোগা। অন্যানা নিদশনের মধ্যে স্টোলাস ইন কেরস-এর নাম করা চলে, যদিও ক্ষেত্র-স্থানের গঠন পদ্ধতি দেখে ধনরা**র ভ**গারে कान्करर्यंत कथा जत्न भए यात्र।

#### \*

রবীন্দ্রনাথের মাত্রোধিকী উপলক্ষ আক্রেড্মি কর্তপক আক্রেড্মির ফ্রেট পালারীতে রজিত বর্ণদলাগত ত'ল হিত্রসম্ভাবের মধ্য প্রেম সানিবাধিত ক্ষেক্টি ভবি জনসংধারণকে দেখার সামের দান করেন। কলিতা কোখাল সম্ভা কালি-নাথ ন নাভাবে পান্ডলিপি সংক্ষার ব্যালা। সেই নিজস্ব সংস্কান পুৰালীর মধা দিটে কবির অক্তাতে পাশ্রলিপিত এপর রেনান বিচিত্র আকার ফাটে উ৯৫৫: সে কথা সকলেই **कार्ट्य । विवर्ष्ठ (त्या, 'ह्योलिक, चिकि' ए** অনেক কোনত বিহাৰে হা কারের দিক থেক শিক্ষজনতে এগালি এক বিশেষ পান **অধিকার ক**রেছে। পরিগত ব্যাস ব'ব কালিকলম তুও ও তলি ক্যালাগ্ৰাম ছবি জ্ঞাপদার মনে এখন ধান : নানালী টে বিভিন্ন প্রতিকৃতি তিনি স্থিত কলে তলে মধে কয়েকটিকে অভীনিদুর রূপত আট ওঠে। কবেকটির মধ্যে তাঁর সহিতা সদভাবের কোনও বিশেষ চরিত্রেও সম্পন পাওয়া যায়। ভাছাতা নিস্প দ্শাত আছেই—সেগ্রনির মধ্যেও স্থলে স্থলে কবির আত্মসম্ভিত রূপের প্রিচ্যু পাওয়া ধার। প্রদর্শনীতে করেকটি প্রতিকৃতি ও নিম্প দ্**শ্য সকলেই উ**পভেগ করেন। <sup>রহীদূ</sup> নাথের চিত্রকলা বিষয়ে আলোচনা হলেও মনে হয় একেতা গভীয় গবেষণার এখনও অবকাশ রয়েছে ৷ কবি **अक्लाक** मिथात व চিত্রসম্ভার স্যোগ কর র আক্রাভেমি কর্তৃপক্ষ দেশবাসীর ধন্বার चाजन इद्याद्यन ।

# कृত्, थ्यक्क क्रानमाद्वत

### ওষ্মধ

প্রাণেশ চক্রবতী

সারোগ্য ব্যাধি কাদসার। শ্র্থিবীর
কত্মত সান্ধ্য যে এই ব্যোগে আঞ্জনত
কা নারা ধাতে তার ইয়ন্তা নেই। কত কঠিন
কঠিন রোগের প্রতিযেশক আবিশ্বনর হয়েছে,
কিং অঞ্জ পর্যাণত ক্যানসারের কোন ওম্ধ
লিংকর হয় না।

সংগ্রন্থি একটি থবরে প্রকাশ, ইলিনারস বিশ্বস্থালয়ের প্রথাত জীববিজ্ঞানী ডাঃ চুন্দ্র সংগ্রেজনামান বিরোনিউল্লিক আর্নিসঙ িন্ন গ্ৰেষণা করার সময় এমন এক জৈবিক (১০.১.জন জানিক্ষার **করেছেন, যা নাকি** १८ (२)०। कानमास्तर विश्*रम* **मध्यास** ভুক্তি শতিকাল্যী হয়তিয়ার হবে। তাবকা এন এ এ সংগ্রেক বিশে**ক গালেষণা চল্লাছ**। ্যাল্য নারি চল্লান্থ আলাদের ভিন্নার্কান্ত উপের ভেষ্ঠ ক্তা নিয়েও। উদিউদ-িজদানিক ভাষায় । **ভারই নাম স**্কেরিয়া Empl SAUSSUREA LAPPA) ( প্রেমান ইংমারাসে উৎপক্ষা এই কুতা-এর মাণ ক্ষেত্ৰাব্যার প্রত্যাধক ওকার পাওয়ারও াকি প্রেট সমভাবনা রায়নুর। উদারীং টোর শ্বামেরিকারেও এই দ্বাভ বস্থারিক যুগে প্রিমাণে চালান চেওয়া **চেড**। টেলটো গালেখনতা গালে**ষণাগায়ে কুত্ িয়ে** ন্য প্রতিষ্ঠানর **করছেন। ভারত এ**র জন বলেনা লেক কিছা **বৈদেশিক স্**ট্রা অঞ্জন

কার্যাল পাইবের ধারণা, ভামানের হিসাব্যার উংপানিত এই কৃত্ প্রেক্ট কোর প্রাথক কামান্যারের প্রতিষ্ঠেক আনিজ্ঞার হার বেলাল, তার স্থিকিবাস, প্রকৃতির ইম্পানত উদ্ভার হিমালারে স্বর্তরাহার ওস্থান্ত হিচাক মান্বের অবজ্ঞা ও ইমান এই সমস্ত বলোক্ষার্থালির পরিভারের অভারে আমার ভাকে মান্বের কলাবেশ লগানত পার্ছি না।

করাল পাঠক জানাজেন, করেক বছর তাগেও ক্ত্-এর এত সমাদর ছিল না এ অগুরো প্রকাতর উদম্ভ ভান্ডারে আপন কোনথাগিতেই তথন কুতা জুদ্মাত। তাগনা-আপনি বেড়ে উঠত এখানে-সেখানে। আর ফেখাসকের দল তার পাতা খেরে পাট ত। কিন্তু যে মৃহ্যুতে বিদেশীরা হিমাধ্যের অভিনা থেকে কুতা তুলে নিকে গৈল নিজেদের গ্রেষশাগারে এবং নানা পরীক্ষা-নিরীক্ষা শেষে ধথম ক্ষামসারের সংভাবা ওক্ষরের আভাস পেকা তথ্যমন্থ স্বলেশে কুড়া-এর মহিসা গেলা বেড়ে। ভাই অ.জ গোটা লাখ্যল-স্পিতি উপতাক্ষ পরম বন্ধ সংকারে এর চাব থলে থাকে। আগছো কুড়া আজ অনেক চাবীর ভাগ্য ফিরিরে দিয়েছে।

শাশবার এক-নেড় ফাটের বেশী হর না
পুত্ গছে। কারেডার টেরে পাতার আর্কার্ট
লেশ বড় ও গোলাক্রিড। কেংডে জলেকটা
কুমড়োর পাতার মত। গঢ় সবার ওর পাতার
অসংখ্য স্ক্রো স্ক্রে কটি আছে। মার্ল
কারের গোড়া পেকে ধানের শীবের মত
একগোছা ফাল বেরোর। এই ফাল সন্দা
০-১৫ থেকে ০-৬ মিটার লশ্বা হন্ ডবন
ও কেটে নেওরা হন বীজের জন্য। একএকটি গাছ পেকে গাড়ে প্রার আড়াইলো
বিদি গাতার স্বারণ কেলা গাছে প্রার্থকার



কৃত ক্ষেতে কৃত গাছ

হাজার বাঁজের ওক্ষম সামান্য, কম-বেশী এক কিলোপ্রাম হয়ে থাকে।

কুত্-এর শিক্তই সবচেরে দামী, শিক্তেই রয়েছে ক্যান্সারের প্রতিবেধক। ইরং সব্তুক্ত ভার রং। এক-একটি গাছে প্রার্থ দেড়-দুই কিলোগ্রাম শিক্ত জন্মার। ছা থেকে দশ-এগারো হাজার ফুট উচ্চত ন্তিশালর-মূভ নরম ক্ষমিতে কুটা ক্লেম। চা-এর মত কুতা গাছের ক্ষমির উপরে অলপ-বিশ্তর ছারা থাকা প্রয়োজন। তা নাহকো কুড়া ক্লেমনা। বাকা ও কার গাছের ক্ষেত্র ছারায় কুতা



कुड-अत भीक्ष

সনচেরে ভাল জলে। শ্ধা তাই নর, বে জামতে বছরে কমপকে তিন ফটে তুবর জমে একমাত সে সকল জামতেই কৃত্ জন্ম থাকে।

বীজ লাগানো ছাড়াও শিক্ত পাতে
কিংবা কাড়ে কেটে বাসরেও বুড় উংশাদন
করা যায়। তার লাহ্লা-শিপতির অনেক
চাহীর সংগা কথা বলে দের্গেছ, তারা
শিক্ত কিংবা কাড় কেটে লাগানোর চেরে
বাঁজ বংলা করাই সবচেরে ব্লিব্ছ মনে
করে। কারণ, এতে নাকি হাংগানা কম,
গরচও হাব-একটা শেশী হলনা। এক কুইণ্ট ল কুড়ারর শিক্ত উংগা করাও পারি পাড় প্রায় একশা টাকা। এক গেইর ক্ষমি চার করতে পারলে প্রায় যাট কুইণ্টল শিক্ত ভ্যায়ালে উঠি আনে।

তটোবন-মবেশ্বর মাসে অর্থাৎ বরফ পড়া।
শ্বের হওয়র আগে পজি লাগানো হয়।
সংধানত পনেরো সেন্টিমটার গভার পতা
শ্বেত তাতে ছিল সেন্টিমটার অন্তর অন্তর
করেকটি করেকটি করে বাজি পায়তে দেওয়া
হয়।

ভারপর ধারে ধারে কুল্ গাছ বড় হরে ওঠে। সেই সংগ্রে রাড়তে থাকে সাটির নিচের থাকড়ও। এইভাবে ভিনটি শাঁতের ঋতুতে বল্লের মধ্যে থাকার কলে লুড়া পরিণত হারে ওঠে। আধ্যা, বর্ডের নিচে থাকার সমর বুড়াএর পাতা মরে গেলেও আসলে গাড়ের কোন ক্ষতি হয়না।

তিন বংসর পরে আগস্টের শেকে জথবা সেপ্টেম্বরের গোড়ার বিকে গর্ভ খণ্ট্রড় শিকড় ভূলে নেওল ২ব। ভারণার সেই সমস্ভ শিকড় ধ্রে-ম্যেছ রোকে শ্রিভরে

म्योग मृत्याभाषतास्त्र विश्वास केमलास नुउनाँद शासाम् आसाम् कि अस • १९ गुरू • मथा • मारिसी

(त्रि-४४०२)

	शंक्षा वृत	क <b>हा</b> छेन-अब व <b>रे</b>
*****	5 હ	.00
विम्हानागत तहनावनी	(চতথ খ	<b>(৬৬) দেবকুমার বস</b> ্ক্রমণাদিত
	\$8	3.00
বিক্ষ রোডেসিয়া		
		₹.00
আৰুৰ-কাঁটা ইজরায়েল		
		১য় খণ্ড) দেকুমার বস <b>্সম্পাদিত</b>
ווייר וויינא אוייוויון ווייריו		0.00
ফেড ইন ফেড আউট	<b>.</b>	ইন্দ্রজিৎ সেন
শিবাজীর দ্বপ্ল	n	স্থাত সেন
কেউ ফেরে নাই	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	শক্তিপদ রাজগা্র্
	11	• •
ৰাদশাহী মসনদ		কুশান্ বন্দ্যোপাধ্যায়
উনিশ বিশ	11	ডঃ অসিতকুমার ক্সোপাধায়
		•00
অঘটনের প্রবিরাগ	11	••
		.00
ভুকি হারেম		সংলতানা চৌধংরী
মেহেরউল্লিসা	u	দ্বৈপায়ণ বিরচিত
বিবি যদি রাণী হ'ত	ll	মোহিতকুমার বদেদাপাধ্যয়
	9.	00
অধিবাস	11	স্থাট সেন
<b>त्रि</b> दका	11	দাফন দ <b>া মরিয়র</b>
X	<b>.</b>	.00
<b>মতিবাঈ</b>		<u> </u>
		00
ছায়াপথিক	11	<u>শ্রদিনদ্ধ বন্দ্যোপাধ্যায়</u>
হাই সোসাইটি	u	শতি চট্টোপাধ্যায়
অনৰরত'র অবিশ্বাস্য	u	মহাশ্বেতা দেবী
বিদেহী আত্মা	u	স্নীলকুমার গ <b>ঙ্গোপাধ্যা</b> র
এবিস অসন	n	শ্রনাগর্মার গরেনাগরনার শ্রীবাসব
শতাব্দীর শত কবিতা		সমরেন্দ্র ঘোষাল সম্পাদিত
नाजानमात्र नाज कामज	ı u	रामध्यपन्न स्यावाक जनगामि
वादबाग्राजी विवि	11 8	·০০ চন্দ্রগ্নপ্ত মৌর্য
মাটি ও মান্য	11	দিগিন্দুচন্দ্র বনেদ্যাপাধ্যায়
अनकनमा	11	নারায়ণ সান্যাল
हि <b>टेनाटेंब्रड ट्यंस</b> विठाउ		্রুশান <b>ু বন্দ্যোপাধ্যা</b> র
		শক্তিপদ রাজগারে
নোনা গাঙ কালীঘাটের <b>ঘরসং</b> সার	11	নাওপে রাজগেন্যু আমরেন্দ্র দাস
काल । था८७ सं सम्मर्गाम		
রাইনের চেউ	11	পরিতোষ মজ,মদার
কুমারী কন্যার মন	11	প্রতিপূর্ণ দেবনাথ
প্রানো সেই দিনের	कथा ॥	রাহ,ল সাংক্তাায়ণ
		·০০ স্নীলকুমার গঙ্গোপাধ্যায়
<b>র,পমতী</b> (ঐতিহাসিক		গ্রীমন্ত সওদাগর
কাঁচের আয়না	11	পরিতোষ মজ্মদার
- মণ্ডল ৰুক হাউস	11 98/5	মহাত্মা গান্ধী রোড ॥ কলি-৯
, , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	., .	

সরকার অন্মোদিত একেণ্টদের কাছে বিভি

সাধারণত কৃত্ গাছের পাতা চামীর দরে জমা করে রাখে শাঁতের প্রাঞ্জালে। তুরার-পাতের ফলে যখন চারিদিক তুরারে আজর থাকে, কোণাও কোন যাসপাতার চিদ্ধারে না, তথন এই জমানো কৃত্ পাতা ভেড়াবকরীকে খেতে দেওয়া হয়।

হিমাচল প্রদেশের চাম্বা জেলার এইলার বিহুলিদের গেওঁ, জউ, মটর আল্ ইডারি চাম করার পরিবর্তে কুত্ চাম করার করার পরিবর্তে কুত্ চাম করার করার পরিবর্তে কুত্ চাম করার করার লাগে। তারা শাধ্য জানে কুত্ রির করে দুটো পরসা পাওয়া যায়। মা হারার করে দুটো পরসা পাওয়া যায়। মা হারার করে চামা কুত্ ক্লেডে নিজারি সিচ্চিত্র গাম, আলু ইডারি চামের পরিবর্থে করা কুত্ চাম করে জানতে চাইলো চামারি জরার করার করার লগের পরসা না হলে জাবিনাধারণ করার প্রান্ধারণ প্রসা না হলে জাবিনাধারণ করার প্রসাদার। তাই গাম আলুর চাম করিছ। তা ছাত্ গুড় চাম করিছ। তা ছাত বুড় চাম করিছ। তা ছাত বুড় চামা করিছে। তা ছাত বুড় চামা করিছে। তা ছাত বুড় চামা করিছে।

কে মাই হোক, বতমিন নিজেল অবভারণার উদ্দেশ্য চিকিংস্ক ইব্জানিক এবং সাধারণ মান্যকে কত সংগ্রে অবহিত করা। আমি উণ্ডিন বা ভেষ্ড-বি**জ**নেট নই ৷ বুনেটাৰ্য সম্প্ৰেচ লগাও কোন জ্ঞানত নেই। তবে কোত্তল আছে শ্ৰোছ, ভারতব্যের বিভিন্ন স্থানে কান্সর বিসাচ ইন্সিটটিউট আছে। কুত্*নি*লে সে সমস্ত গবেষণাগারে কোন গবেষণা হয়েছে ব হচ্ছে কিনা আমার জানা কেই: বিদেশে স জিনিসের এও কদর, স্বদেশে সেই বংগ্র যথার্থ স্থাদা পাছে কিনা, তা জাতে আগ্রহ হয়। বিশেষ করে বাংলা দেশে বং প্রথাত ভেষজবিজ্ঞানী রয়েছেন। এই কুর্ নামক বনৌষ্ধিতি পোকে ক্যানসারের প্রতি-রোধকারী ওষ্ধ পাওয়া যাবে কিনা ভারা দেখেছেন কি?

তবে করেল পাঠকের মত আমারও শুটা বিশ্বাস কুত্ থেকে ক্যানসারের ওপ্র পাওয়া যাবে। আমার ধারণা আরও বন্ধান্ত হওয়ার পেছনে খানিকটা স্কুতি আছে ও হল—কারপাট্ নামে হিমালয়ের একটি গ্রামের একজন বৃদ্ধ লামার কাছে শ্রেটি যে, দেছের পচে যাওয়া অংশে বা দগ্রে ঘা, যা বহুদিনেও সারে না, ভাতে কৃত্তির শিক্ত বেটে লাগালে নাকি কোন কোন ক্ষেট্র

ক্যানসারের সপ্তে এ জাতীয় ঘটনার কোন সাদৃশা আছে কিনা জানি না, তবে আপাত-দৃণিউতে একেবারে মূলাহীন বলেও উড়িগে দিতে মন চায়'না। তাই কুতা থেকে ধাঁদ ক্যানসারের প্রতিবেধক আবিশ্কার ২২ তা হলে বিশানুমায় আশ্চর্য' হব না।

#### শত্র-ইরার

11 2 11

গ্রান্ধের পাঠক শ্রীরঞ্জন বন্দোগাধারে মহাশর, গত সংতাহে দেশ' পত্তিকা মারফড সৈয়দ মূজতবা আলী সাহেবের রচনাপ্রসংস্থা তাপনি কিছু অভিযোগ এনেছেন।

অভিযোগের উত্তর দেবার প্রে আপনার রসবোধ ও স্পত্তকথনের ক্ষমতার প্রশাসন র প্রয়োজন। হাঁ, অতিশয় সতা কথা, হক্ কথা বে, 'শহ্র্-ইয়ারে'র গারে গ্রনার প্রাচ্থের অভাব বত মান। বা আপনার ভাষার, "'শহ্র্-ইয়ারে'র স্টাইল 'চাচা কাহিনী' ও 'দেশে-বিদেশে'র অসামান্য গদ্য-দিশের শোচনীয় দ্বাতেজিট'। কিল্তু কেন এই ভাজাব ? অথিং, কেন এই ভাষার প্রতেজন ?

এর ভারণ বোঝাতে গেলে স্বাকারে ফলতে হয় যে **শুধ**ু আলী সাহেব কেন, তার গরেনের স্বয়ং রবীন্দ্রনাথও এ অসম্ভব সাধন করতে অক্ষম। প্রমাণন্বরূপ রবীন্দ্র-মাধের চার্বটি রচনার কথা বলছি: বাংগ-ৰেতিক তোতাকাহিনী, কতার ইচ্ছায় কর্ম আর পঞ্চত । এ চার্রাট **লেখার রঞা-বাশ্যের** আসর জমজমার্ট। কিন্ত ভাষা?—সে বেলায় কখনও কখনও সন্দেহ জাগে যে, এ চার্রটি কি একট লোকের লেখা। যদিচ প্রথমটিতে মেটা দাগের হাসারস, ন্বিভীষ্টিতে হাস্য ও বাণ্য, ততারে বাণ্য ও জনচেতনার আহনান এবং চতথটিতে হাসা ও দাশনিক জানই ম্ল উপজীব্য। তবেই ব্রুয়ন, ওপতাদের ওম্তাদ স্বয়ং রবীন্দ্রনাথও ভাষা বাবদে হিন্দীওয়ালাদের মতো সরলীকরণ করতে চার্লান। তিনি ইচ্ছে করলে চারটে রচনাই এক ধরনের গুদ্যে লিখতে পারতেন। কিল্ড এটাও তিনি জানতেন বে তা হলে চারটেই থালাদা আলাদাভাবে পাঠকমনে এরকম ছাপ ফেলতে পারত না. এবং তাদের বিশেষ বিশেষ উদ্দেশ্য সাধনে বিফল হত। রবীন্দ্র-নাথেরও সাহিত্যগরে বিক্ষানন্দ্রের দর্গেশ-র্নাদনীর কথা সমরণ কর্ন। আশমানী ও গজপতি বিদ্যাদিগ্রাজের কথোপকখনের ভাষায়, বা আপনি যার ওপর জোর দিয়েছেন, অর্থাৎ স্টাইলে, বঞ্চিমচন্দ্র আয়েবা ও ওসমানের কথোপকথন লিপিবন্ধ করেন নি। অথচ উভন্ন কেতেই মাত দ্বটি নারী-প্রেষের কথোপকথন বিবৃত করা হয়েছে। এ থেকে বোঝা যার যে, বিষয়বস্তু অনুসারে বীংকমচন্দ্র তার ভাষায় ভান্সমা, গ্রুম ও গতিবেগ দিরেছেন। (এ প্রসম্পে পরে আরও বলছি)

এই সব ওস্তাদের ওস্তাদ, তস্য ওস্তাদের যথন পিছ হটেন, তথন মুক্তবা



আলী সাহেব আর কি করেন? ওচ্তাদের ওচ্তাদ ডো দ্রক্থান, অন্চিতভাবে নিজেকে ওচ্তাদ বলে জাহির করতেও তিনি নারাজ।

একটা বিষর কিন্তু লক্ষাণীর। রবীদ্ধনাথের বে চারটি লেখার কথা বলা হরেছে ভার
প্রত্যেকটি ত হাসারস ররেছে। তব্ তাদের
ভাষার পার্থাকা বিপ্লে। আর বেখানে দৃটি
লেখার বিষরবস্তুর আসমান-জমিন ফারাক,
সেখানে ভাষাগত বিরোধ তত্যোধক। 'বাণ্যাকৌতুক' বা 'সোড়ার গলদ'-এর ভাষার সপো
'ছ্টি', 'একরাচি' বা 'ক্ষিত পাষাণ'
ইত্যাদি গলেশর ভাষার তুলনা করলেই ভা
বোঝা বাবে।

এতকণ বা বলা হল সেটা একটা ফর্মালা থাড়া করার জনা। ফর্মালাটি সর্ব-লোকে জানে, এবং স্বীকৃত। এই ফর্মালাতে বলে বে রূপ (form) নির্ভার করে বিষয়- শক্তর ওপর, এবং বিষর্শক্ যতই জোরালো হোক না কেন, ঠিক র্প না দেওরা হলে তার আবেদন সাথকি হয় না। এখনোই বিক্সচন্দ্র-রবীন্দ্রনাথের মতো রথী-মহারথী-রাও তাদের সব লেখা একভাবে লেখেন নি, যদিও প্রেই বলেছি বে, তাদের সে ক্সমতা ছিল। কিন্তু তারা বন্দু ও র্প বাবদে প্রতি-মান্তার ওয়াকিবহাল ছিলেন, এবং তাদের মান্তাবোধও ছিল অতি নাজ্ক। পাঠক, আপনিই কন্দানা কর্ন না হুতোমী ভাষার কাব্যে উপেক্ষিভাদের নিয়ে লেখা হরেছে, অথবা হরিদাসের গুশ্তকথা স্বাই জেনে ফেলস পরিচয় প্রবশ্বের ভাষার।

সত্যি কথা বলতে কি ভাষার ওপর দেশী নজর পড়ে তখনই, বখন ভাবের ভাগতারে ভবানী মাতা বিরাক্ত করেন। ভাষাটা আসলে অলংকারবিশেষ। বে রমণী সেটার বত মাননসই ব্যাবহারে পট্, সে নারীর সোন্দর্মর ততই প্রকাশ পার। আপনি বে উদাহরণটি আলী সাহেবের চিক্তা' কনাটির খেকে দিরেছেন, ভার ভাষার চিক্তকশগন্ধ অত্যক্ত প্রবল। ফলে চিক্তা'র রাতি ভার সমগ্র রুপিটি নিরে আমাদের কাছে ধরা

### वर्धभान विश्वविष्णालय প্रकाशिष्ठ

करम्कशांत प्रनातात अन्य

	•	A 94. 4	444 1	C,
	ACTIVATIVE TO 1	Safara		

म्हरूक्ट अमात्र अन्यभागा । मात्रक		
বৈদিক সাহিত্য সংকলন	অধ্যাপক জি, মুখেপাধ্যায়	টাঃ <b>২-৫০</b> টাঃ ৩-৫০ (ৰোড ৰাবাই)
উপনিষ্ণ প্ৰসঞ্	শ্রীমং অনিবাণ	०००० शर्च
প্রত্যাভিজ্ঞান্ত্রম্	ভধ্যাপক জি, মুখোপাদার সম্পাদিত	हो। १-००
কৃষ্ণ কথাকাহিনী অন্যান্য প্ৰকাশনা	শ্রীদিলীপকুমার রায়	ថា: ৬.০০
অহৈত মকল	ডঃ রবীন্দ্রনাথ মাইতি	के ५०.००
Aspects of Indian Thou	ight M. M. Gopinath Kaviraj	हो। २६ - ००
Dr. Radhagobinda	utilya's Political Thinking Basak	होत ७.००
Vivekananda Comment Dr. S. K. Raichaud	oration Volume Edited by	টাঃ ৩০০০
Essays on Shakespeare	Edited by Dr. B. Chatte	केंग्र ५०.००
mohan Banerjee	se History Shri Diptenca.	\$# 20.0¢

क्रमुख्य

হৈদিক হবর রহস্য প্রিডত অ্যোধ্যানাথ শাস্ত্রী Objective Correlative Dr. M. K. Sen A Study of Freedom from Metaphysical & Scientific Points of View Dr. S. K. Raychaudhuri. দিয়েছে। তাই যদি কেবল ভাষার মারপাঁতের জন্য সবাই সেটাকে মনে রাখতেন, তবে বলতে হত যে, লেখাটি রসের পরীক্ষায় ফেল মেরেছে। পরম স্থের ও সোভাগ্যের বিষয় যে, আপনি সে অভিযোগ আনেন নি। আর এ র্যাদ সম্ভব হত, তা হলে সহজ, সরল, অলংকারবার্জাত অনেক বাউলগান ও বৈক্ষবকারা মধার্গ থেকে আজও কালের দরবারে নিতঃ হাজিরা দিত না: এবং তাদের চেয়ে ভাষাসম্পদে অনেক গরীয়ান কিম্তু অনতঃসারশ্না, অনেক কবিতাই পরবতীয়াগে রচিত হয়েও এমন নিঃশেরে লোপ পেত না।

মহারথ-অতিরথদের ছেড়ে এবার আলী সাহেবের লেখার কথার আসা যাক। আপনি বারন্বার 'চাচা-কাহিনী—শবনমের কথা ভূলেছেন, বাল-লাত্রের বৈশিষ্টা প্রিথনে-ছেন। কিন্তু সারিরস লেখায় বাল-লাত্রের

নাদ সঠন্মান ভ্রমেক্ট্র मैब्रुक्स मैद्रालाब्राज বিমলকর • আর্যভর্ট অপ্ৰবায় • বশুদ্মী শচীন ভৌমিক • চিম্মুপ্ত निक्कन जाल এবং আরও আনকে 1किं **উত্তম** উদ্যোগ 8 চাদুনী চক স্ট্রীট•কলিকাত

ভাষার অনুকরণের সম্ভাবাতা সম্বশ্ধে काथाछ रामन नि। 'ठाठा-काश्नित्रै' राम-লাতার গোচের। ভাতে ভাষার অব্যথ স্বাধীনতার **সূযোগ আছে। 'শ**গন্ম' দুটি তর্ণ হাদরের প্রেমোপাখ্যান। বিষয়বস্ত রঙান, কল্পনার বারও অবারিত, ফলে ভাষাও বাধাবনধনহীন, উদ্দাম। খাহর-ইয়ার' বান, গাহস্থ-রমণী, তার ওপর কিছ,-কাল হল তাঁর আবার ধমে মতি হয়েছে। ভাব কথা লিখতে বসে তে৷ বঙ্গীন ভাষায় ততোধিক রঙীন চিষ্ট অঞ্চন করা বায় না। এ-লেখার বেলায় তাই সাকাসে দড়ির ওপর অভি সাবধানে সাইকেল চালানোর মতো লেখক কলম চালাক্তেন—ভাষার সামানাত্য মারপাটিও যেন চিত্রে ঢুকে না পড়ে। একবার ঢাকলেই সর্বনাশ! তা হলেই ভাষার যে কারিকরী লেখক সারা জীবন করে এসেছেন, ফের তার দারে মজে থাবেন। শহার-ইয়ার হয়ত শ্বন্ন ধনে ধাবেন, কিংবা আরও অকলপনীয় কিছা।

আরভ একটা কথা এ-প্রসংসা বলা আবখাক। আপুনি আ**লী সাহেবের যে** ভাষার অর্থাৎ চাচা-কাহিনী-শ্বন্মের ভাষার জনা প্রশংসা করেছেন, যার অভাবে আক্ষেপ করেছেন, আলী সাহেব তো সে ভাষার জনো সারা লেখক-জাবিন ধরে নিশ্দিত হয়েছেন। তার ভাষার সম্বশ্বে ম্থানে-অম্থানে বহুবার খ্যাত-অখ্যাত বহু, জন বলেছেন, হাঁ, ভাষাটি মনোরম, কিন্ত প্রচর গ্রেচ-ডালী দোষে দেশী-বিদেশী भाष्ट्रे । তংসম-তণ্ডব, ইত্যাদির অরাধ মিশ্রণ তারা সইতে পারেন ন তা সে ভাষা যতই প্রাণকত, প্রকাশক্ষ্ম হোক না কেন। এবার মাজতবা শাংশতর বাংলা লিখেছেন। আরও দ:'-চারটে লেখা বেরোক, দেখা খাক, সাম্পে বাংলায় লেখাতে আগের মতোই তিনি জেলা দিতে পারেন কিনা, অথবা ফের আগের ভাষাতে ফিরে যান নাকি। যাই কর্ম না কেন, ইতোমধ্যে লেথকের ভাষায় শােশ্বতা আনার প্রচেণ্টাকে নির্ংসাহ করা উচিত নয়।

আপনি সর্বাশেষে দৃংখ ও ক্ষোভ করেছেন আপনি সাহেবের বংশবংপ্রাণিততে। আপনি দৃংখ ও ক্ষোভ না করলেও এটা অবশাশভাবী—নরসের ক্ষেত্রে। তবে লেখার ক্ষেত্রে বংশবের অভিযোগ হয়ত এখনও আনা যায় না। প্রমাণশ্বর্শ আমি আপনাকে সম্প্রতি-প্রকাশিত আলী সাহেবের রাজা-উজীর বইটি একবার সড়ে দেখতে অন্রোধ করছি। (আপনার চিঠিতে উম্পৃত আলী সাহেবের বই বা প্রবাশের বাইরে রেফারেশ্স দিতে চাইছিলাম না; কিন্তু আমি নিভান্ত নির্পায়)

সত্যকাম সেনগর্প্ত

ৰুলিকাতা-২১

ধনাবাদ জানাই আপনাকে এ সংখার শে পতিকার আপনার লেখা 'দহার্-ইরত-এর চন্দির পরিজেদ-এর শেষ অংশে আপনার আমি যে চিঠিটি ইভিপ্রে লিখে এবটি সংক্ষিত ভাষার পেরেছিলাম, তার এব শ্রম্ম ও বিশাদ উত্তর পেরেছি বলে: অবদা হার্ ধরেই নিই আমার চিঠিরই উত্তর গ্রাম

অবীয় আপনাকে কলতে চাইনি স্তৰ্গন क्षवीनमुना**रथत (ल**थात जन्दकतकः स्तर ব্যাশিক্ষার যেখানে প্রিকা বা মাসলম্য উল্ সম্প্রদায়কেই যেন আঁত সংতপাণ আলগোড় ্রতিক্তে গিয়ে বিশাশ্বে নিরপেক এক আন **ওদার সমান্ধ ধা সেইরপে সাহিত।** সাধি করে আমাদের কাছে দিয়েছেন, দেখান অপন ছিন্দু মুসলমানের মধো আপনার স্কর **লেখার মাধ্যমে হব একটি মিল**া সেত ক ঐক্তা আনতে সক্ষম এখানেই অপন্ত রচনার বৈশিষ্টা: আমি যে অপনাকে একট চিঠ লিখতে উৎসাহিত বেধ করেছিলম. সে ভো এই কারণেই যে আমার মনে হয়েছিল আমি ধরতে পেরেছি আগনর লেখার সংখ্য অন্যদের লেখার পাথক কোথায়। অবদা, আমি আপনার লেখর মূল সারটা হাদয়খ্যম করতে, কিছ্টো বিশেষণ করে পেণিছতে চেরেছি আমার সিখাপে: এবং একটা ভলিৱে দেখে মনে হারছে আপুনি ব্যুক্মচনেত্র স্পে তুলনীয় হাই भारतमः क्रैका वन्धानन भरुष्णोत्। धकी বিশেষ কারণেও এটা তাংপর্যপূর্ণ মনে হয়: ব্যজনৈতিক ও ধাৰ্মিক নানা সম্প্ৰানহিক সংগঠন ও শক্তির বিষয়েশ্যে সাহিত্যিকের এই প্রয়াস বীর্থপূর্ণ ও অনেক বাধা <sup>াবেছ</sup>। কাটিরে তেলার এক মহৎ রত। আন আন্দিত হে, আপনি এ বিষয় স্ফলত লভ করেছেন। এ জনা আপনার সতিটে উচ প্রেস্কার প্রাপা। আপনি রাষ্ট্রীয় মহাস পাবার যোগা। দেখলাম, আপনি যেন একট করে হরেছেন। তাই লিখেছেন "লোকে ভংব, হয়তো ঠিকই ভাবে, আমার নিভস্ব কোনো ভাব ভাষা নেই" ইভাদি। কিল্ডু কেনে কিছাই নিবিচারে গ্রহণ করলেই কি তার মূল্য বাড়ে? বরং কন্টিপাথরে ছবে যচ? করার পর সঠিক দাম ঠিক করা বার। ভই আমি পরীকা করে দেখলমে অপ্নার লেখার মূল্য আসলে কোথার। রবীন্দুনা<sup>থে</sup> প্রভাব অনেকের মধ্যেই ব্যাপ্ত। আনি তো रामरा **थालारे वलाउ ठारे जा**लनात काउँ রুপকংরি বিশেষ 6/6 মতো সামান্য হাতিরার সম্বল করে. বিরুশ্ধ দাভি ও সংক্রো विशास वर् বির্দেধ য**ে**শ অবতীণ হ'তে হর। মহং धकि कमानकरी সাহিত্যের ভিতর উদেশ্য থাকে. তা মাকসিস্ট না *হয়েও* ৰোধ হয় বৰু চলে; ৰেটি হল মান্ৰেয়

ভালো কিসে হয় তার অন্সম্পান করা এবং এ বিষয়ে বিজ্ঞানের উদ্দেশ্য ও মহৎ সাহিত্যের উদ্দেশ্য একই।

আমি আরো একটা কারবে আপনাকে

থাগের এই চিঠিটি লিখেছিলাম। কিছুকাল

থাগে আমার মনে হরেছিল বে বিজ্ঞানের

হাত উন্নতির বংগে শিলেগর বাদ্ লিভামিত

ব অপ্রয়োজনীর হরে পড়তে পারে। একটি

বইতে এই magical qualityর অভাব
ভানত আধ্নিক সাহিত্যের নিজ্ঞান

বধানের বিষয়ে একটি প্রবন্ধর পড়েছিলাম;

ইটি হাতের কাছে নেই, ভাহলে তার সক্রিক

উল্লেখ করতাম। তাই, আপনার লেখায় নেই

হাত্র স্পাশ পোরে, আমি হুন্টাচন্ত হরে

আপনাকে পত লিখেছিলাম। আপনি বে

আনেকেরই প্রীতি ও শ্রুমা লাভ করেন, তা

আপনার নিজন্ম গ্রেপেই। আমার সেলাম

নেবেন।

বলা বোধ হর বাহ্না বৈ আপনার উন্ধৃত রবাণ্ডনাথের অনেকগালি গানই বে শুধ্ আমার প্রিয় তা নয়, আমি ভাগাব ন. বে, আমি সেগালি গাইতে পারি। নিশ্চয়ই আমরা সবাই রবাণ্ডনাথের কাছে নানাভাবে বাণা, তব্ ইচ্ছে করে রবাণ্ডনাথকে নতৃন অবলতে আবার দেখতে। আপনার লেখার বৈং বে একটি পরিহাসের সার আছে, বেগাক উইউ-এর মধ্যা দিরে উক্ছাল শণিত করে তুলতে বে চেন্টা, তা বারাড শ-এব লেখার মধ্যা পাই। সম্ভবত, সেই বাণার্য্যানাই আপনার লক্ষ্য।

দিলীপ রায় কলকাতা-২৯।

জীবিকার সম্ধানে জননী

তরা প্রবেশর দেশ পতিকার ছবেবাইরে প্রসংশপ জীবিকার সম্পানে জননী—
দেশে ও বিদেশে প্রবন্ধটি পড়লাম। লেখিকা
মার্কিন ব্রুরান্তে কর্মরতা জননীর সংসারে
স্থতানের অবহেলার নজির নিয়ে আলোচনা
করেত গিয়ে খানিকটা একম্খী সমালোচনা
করে বদেছেন।

গত দুই বছর আমি আমেরিকার ছিলাম, সেই সমর মোট ৬টি বিভিন্ন মাকিন পরি-বারের সপেগ বসবাস করার সুযোগ আমার ইরেছিল।

বে সমস্ভ মা ওদেশে চাকুরী করেন,
গক্ষাস্তরে বাড়িতে কেউ দেখাশানার না
থাকে বা তথনও সেই সমস্ত শিশার স্কুলে
বাবার বরস না হরে থাকে, তা হলে সাধারণত
ভাকে পাড়ার 'ক্রেসে' অথবা কোন প্রতি-বেশার বাড়িতে রেখে যান। ক্রেসগ্লিতে
শিশারা দেখেছি সদা আনন্দ-উংফ্লে ও
কীড়াচগুল। প্রতিবেশার বাড়িতেও শিশারা
নোটেই বিমাত্সক্লেভ ব্যবহার পার না। অনাথ অথবা জারজ শিশুকে মানুষ করার জন্য ওদেশে ত কাড়াকাড়ি। পরিসংখ্যান অনুযারী একটি জনাথ শিশুর জন্য যুব্ধান্তেই অন্তত্ত দশটি পরিবার উদমুখ। আমি এমন একটি পরিবারে একবার ছিলাম, যারা তারের ০টি আপন সংতান থাকা সত্ত্বেও একটি শিশুক্রাকে দত্তক নিয়েছেন। তারা যাঁদ আমাকে না জানাতেন তবে আমি কোন দিনই জানভাম না বে শিশুটি তাদের আপন সন্তান নার, এমনই ভিল তানের আহত্তিরক স্নেহ-ভালবাস।

নেহাং ধন্যী না হলে ওদেশে সারা দিনের জন্য বড়-একটা 'বেবী সিটার' কেউই রাখেন না। 'বেবী সিটার' লাধ্যু নিগ্রেরা নয়, সাদাকালো নিবিশৈষে ওদেশে বেবী সিটার হয়। ক্যালিফোনিয়ায় আমি প্রথমে যে পরিবারের মধ্যে ছিলাম, সেই পরিবারের কর্তা ছিলেন একটি বিখ্যাত ইন্সিওরেন্স কোম্পানির 'বোর্ড অব ডিরেইরের' চেয়ারমানে। ধন্যী এবং অভিজ্ঞাত পরিবার। তরি মেরে হাই ফ্রুলে পড়ত, অথচ প্রারই সে 'বেবী সিটার' হত; যে পয়সা পেত তা দিয়ে সে নিজের জিনিস্পত্ট কিন্ত। ফাবেলম্বন ওদেশে একটা বড় কথা আর তার অন্যশীলন হয় ভোট ছেকেই।

জননী উৎকৃতিতা হয়ে ছেলে-মেরেদের জন্ম শাধ্মান দরজার দাঁড়িয়ে থাকলেই কি দেনহের পরাকাতা দেখান হয় হ আমালের আগপাশের বাড়িতে প্রায় ত দেখিং ছেলের কলেজ অথবা কারখানা থেকে ফিরতে দেরি হয়েছে, মা উৎকৃতিতা হয়ে দাঁড়িয়ে আছেন। ছেলে ভবিত পায়ে, হত্তদত হয়ে চোরের মত বাড়িতে চ্কুতেই মার লেনহ-চুম্বনের (সেটা ওপেলে প্রারই চোখে পড়ে) বনকে বির্বাচ হতে থাকে অজন্র কট, গালিগালাল, বেগলে শুরু অল্লাব্য নর, উপরস্কু ছেলের পৌর্ব ও আজবিশ্বাসকেও সারা জীবনের মত নদট করে দের। মাড়ন্দেহ তুলনা করার জিনিস নর; দেশ, কাল ও পান্তের ওপরে তা চিরাদিনই অক্তিম: কিন্তু আমাদের অন্ধান্তর আমাদের সম্ভানদের বেখেছে বাঙালী করে, মান্ব করেনি।

লেখিকা বলেছেন, ব্যৱসামে কিছা কিশোর ছেলেয়েরের হি**পি হরে বাওরার** পিছনে ব্যৱহে ক্মবিতা জননী এবং তাঁৰেৰ দেহত নৈতা। লেখিকার এই বিশ্বাস লোটেই ঠিক নহ। এদের চিপি চার্রার পিছনে ররেছে মোটামাটি তিনটি বৃহৎ কারণ : (১) প্রবল প্রাচরের মধ্যে একটা ভরছাভা বৈচিত্র্য খোজা: (২) ছেলেমেরেনের অপর্যাপত বাকিল্বাধীনতা ও (৩) চলতি সমাজ ও সরকারের প্রতি একটা বামপন্ধী মনোভাব। ব্রুরাজ্মে নিগ্রো-সমাজের মধ্যে সমস্যা সব-চেরে প্রথর। দর্মিরদ্র, বিক্রেন, **জারত** সংভাবের জন্ম, মদাপান ইত্যাদির সংখ্যা সাদা চামভাদের চেয়ে অনেকগুৰে বেশী: বিৰুত আন্চৰ বে, নিগ্ৰো-হিপি কচিৎ-কদাৰ্গিং চোৰে পড়ে: অধিকাংশ হিপিই অনুস সংগতিসংগম, উচ্চমধ্যবিত্ত এবং শিকিত সাদা **পরিবাব থেকে।** 

লেখিকা আমাদের দেশের মারেদের সারধান করে দিয়ে বলেছেন, **পোশচান্তা** সমাজের তীন-এজার প্রবলেম বেন **তীরা খাল** কেটে ঘরে না তোকান'। আমার মনে হর,

— नकृत न	াটক প্ৰকাশিত হল —			
গ্ৰুগাপদ বস্ব	ৰাদল সং	वामल अवकारतत्र		
<b>अक्</b> कारत्त्र <b>रङ</b> ्	· do वाकि देखि	इ।म ० २७		
****	अन्याना ग्रन्थ —			
ज्ञत्नक मित्नत्र रहना	শক্তিপদ রাজগ্র্	৬.০০		
ভূমিকালিপি প্ৰ'ৰং	অবধ্ত	4.40		
আলোকে তিমিরে	হরিনারায়ণ চটোপা	ধ্যায় ৫.০০		
জোনাকির দীপ	হরিনা <mark>রায়ণ চট্টো</mark> পা	ধ্যায় ৫٠০০		
মাটির দেবতা	নারায়ণ গণেগাপাধা	য় ৩.৫০		
<b>मन</b> काता	<b>শর্রাদন্দ</b> বন্দ্যোপাং	गाय ७.६०		
কত ৰঙ	প্রভাত দেব সরকার	8.00		
আলোর ইসারা	শিপ্তা দত্ত	9.60		
कारनद राजे	শিপ্রা দত্ত	0.00		
— স্পান্ধ স্ক্	ক তালিকার জন্য লিখনে —			
গ্ৰন্থপীঠ	সমরেশ ভূ। হু। ভারি গ			

### ন্ত্রি-বার্ষিক ভিন্তি কোসের মেষ্ঠ পস্তকাবলা

অধ্যাপক রাম ভটাচার্য ও অধ্যাপক চিত্র বন্দ্যোপাধ্যায় কত

### ভারতীয় সংবিধান ৭.০০

্ ১৯৬১ সালের জলোই মাস পর্যান্ড বাবতীয় শ্রেণীর সংশোধন পরিবর্তন ও পরিমান্তনি হারা অলংকত !

#### **সংবিধানের** কথা १००० রাজীবজ্ঞান ৮০০০

মাকিন যাল্লবাণ্ট रक्षे हिट्टेन সংইক্ষারলান্ড ও সোভিয়েট ইউনিয়নের मर्शिक्सान १

কিলকাতা, বর্ধমান ও উত্তরক বিশ-বিজ্ঞালয়ের প্রশন ও তার স্বাবতীয় আদর্শ উত্তৰ সম্বলিত 1

অধ্যাপক হারিদাস বদেনাপাধ্যায় কত

ভাৰতীয় দৰ্শনের মুম্কথা 9.00 मर्मन मीत्रका (General Philosophy) 4.00 নাম্মারেগর পাশ্চাতা দশনের ইতিহাস (Western Philosophy) ৫.00 र खका इंडेरस काली र নীতি-শাস্ত 1 Ethics-PROM REPORT 00.0

প্রকেসর পি সি ব্যানাজি এবং প্রকেসর শাস্তা ভটাচার্য কন্ত Essays & Essay-writing 6.00

[For P.U., III-vr D.C. B A. & B.Com, students] (thoroughly revised):

#### By Prof. S. Banerice M.A. Complete Notes on (For 1970)

1. Selection of Essays Arts 4.25: Com. 3.75 2. Book of Poems Arts 4.75; Com. 3.50 3. The Strife 4.00 4. Julius Caesar (with Text) 5.50 5. Lovalties 2.50

Bengali Notes on : মেঘনাদবধ কাবা, সাহিত্য সম্পাট, রাজা ও রাণী, কপালকু-ডলা ও সোনার তরী [একতে] 12.50

। প্রত্যেকখানি বই ভিন্ন ভিন্ন বাঁধাইয়েও পাওয়া যার।

B.U. III-yr. D. C. Complete English Notes on-I. Golden Treasury (with Text) 3.75 2. New World 3.50 ... 3. Ivanhoe 4.50

FOR PRE-UNIVERSITY STUDENTS

#### By Prof. S. Baneriee M.A. Complete Notes on (For 1970)

P.U. English Prose B.U. English Prose

P.U. English Verse B.U. English Verse

B.U. Bengali Notes

P.U. Bengali Notes

B. T. ছাত্রদের জন্য

বিভ্রঞ্জন গুরুহর শিক্ষার পথিকং

বনফাল-এর

•

7

শ্রীনিবাস ভটাচার্যের विकामभीका

2.96

শিক্ষার ভিত্তি

\$0.00

Indian Associated Publishing Co. Private Ltd. 93. Mahatma Gandhi Road, Calcutta-7.

লেখিকা হয় বহুদিন ভারতবর্ষ ছাড়া আৰু নশ্বত সমসণ্টিকে এড়িয়ে গিয়ে আত্মদর্ভাই প্রান্ত করছেন।

আমাদের দেশে 'টীন-এজার' সমসা আৰু একটি নিঃসদেহে জিবলত সমস্যা ज्याचि नित्क वक्षे क्लोडि स्थाशस्य का কর্মছ: দেখছি, স্কুল পালান, স্কুলের এ জাতীয় সম্পত্তির ক্ষতিসাধন, দলবেশ্স গ্রুডামী করা, মেরেদের বিরম্ভ করা, চরি করা ধাম ও মদাপান করা, অভদ্র আচরল প্রভাত কাও আজকের ভারতীয় টেল এজারদের মধ্যে একটা সাধারণ ব্যাপার হলে দাঁডিয়েছে। লেখিকা শানলে হয়ত আগর্জ হবেন যে এনেশে শতকরা ৭৫ ভাগ প্রেট টোন এক্সাব। יות ביות ביום ביות প্রবালমাকে আমরা এত দিন অবজ্ঞা করে এসেছি, কিণ্ড আজও যদি আমরা চোল বুজে থাকি তবে তার ফল আমাদের শাছিট কডার-গণ্ডার প্রেড হবে।

ওদেশে আমি সোস্যাল ওয়ারে একটা 'ফিল্ড ট্রেনিং' নিতে গিরেছিলাম। অভ্রন্ত প্রতিষ্ঠান, হোম, জ্বভেনাইল কোট প্রভাত সমাজ-সেবাম, লক কেন্দ্রে আমাদের হাতে-কলমে কাজ করতে হয়েছে। আমি যা দেখেছ তা থেকে যদি নিরপেক্ষভাবে সত্যকে স্বীকর করতে হয়, তবে বলব, যুৱরান্টে অনেক সামাজিক সমস্যা আছে ঠিকই কিণ্ড আমাদের দেশও ওই সমস্ত সমস্যা থেকে **जारमत थारक भारत अक्षेत रामी मारत नह।** ভফাত শুধ্র এইটাই, ওরা আশ্চর্য সাহস আর সততার সপো ওই সমস্ত সমস্যাগ্লির মোকাবিলা করছে আর আমরা শুশু এডিয়েই যাচ্চ।

> তপনকমার ধর কলিকাতা-১৯

আইন অমানোর বিপদ

আপনাদের ২৪ প্রাবণের সংখ্যা 'দেখ'এর সম্পাদকীয়টি খুবই সুচিন্তিত। আপনারা লিখিয়াছেন, "আইন ও নীতিকে দ্বীকার করে না নিলে শ্বৈরাচারের প্রবৃত্তি আসে। যাভ্রমণ্টই হোক আর কংগ্রেসেই হোক-কোন রাজনৈতিক দলই আজ অস্বীকার করতে পারবেন না, আইন ভাঙা বহা ক্ষেতে একটা मश्कर्म, विश्वत्वत् कर्म वट्ट स्वीकृष्ठ रहा।"

এই প্রসংশা রবীন্দ্রনাথের একটি মন্তবা প্রণিধানযোগা। ১৯২৯ সালে মহাত্মা গান্ধী বখন আইন অমানা আন্দোলন শুরু কর্বেন ঠিক করেন তখন গ্রেদেব রবীন্দ্রাংগর নিকট পত দেন। রবীন্দ্রনাথ তার উত্রে লিখেছিলেন-

Passive resistance is a force which is not necessarily moral in itself, it can be used against it as well as for it. The danger inherent in all force grows stronger when it is likely to gain success, for then it becomes a temptation

9.00

this is wher I pray most forvently that nothing that tends to weaken our spiritual freedom nav intrude upon your marching nay more apply a son marring ine, that marryrdom for the me, that may never degenerate into the self-deception nat hides itself behind sacred

publ বলান্দ্রাথ আইন অন্নানোর মধ্যে रम विश्वम आहम् ए किसाम्बिकेट्ड रमश्रद ত্তি বিশ্ব বাহি বাহি আজ সর্বাক্ষেত্র: নিমালয়ে পেলার ১ ঠে, বাসে, দ্রামে এবং আকুমাণে গ্ৰেম্ मार्भभारित भूताम িল্ডে। সাজকার িল্লব ডগা অরাজকভার शिक्षा काम का क दाव करे. काम মুদ্রিক স্থাক্ত কোটা ভার ফলেটা বিস্পাব ও এবাজকতা সমাধাক হয়ে গেছে। অনেকগালি লোক দলবিংশভাবে যে কোন ককমাই করাক ন কেন তা আজ তার অনায়ে বলে বিবেচিত এয় রা। আজ এমিক-মালিক, বা বিভিন দল্পত গোটোর মাল। যে সংস্থান **চলচ্ছে** তার পিছনে কোন আনশ্বাদ বা নাহিবাদ (Ethies) কেই, হা সম্পূর্ণভাবে জোভ, লালতিক লাডেও মোহ দবারা পরিচালিত। এর ক্ষেত্রে বিংলব বা সংগ্রাম অরাজকতার প্রধাসত হাত বাধা। এই নগতিবো**ধ** জাতায় জানিনের থোকে অস্তাহাত, তাকে গ্রপ্রেডিস্টা করতে আখিক সাধনার প্রয়োজন আছে।

> প্থৱীশ ভটাচাৰ্য कराको हा उत्

#### ভারতীয় গণতকে আরো সমতার প্রয়োজন

গাও ও জালাইয়ের দেশাএর আলোচনা বিভাগে হাফেজ আমার আলির "ভারতের গণতথ্য আরও সমতার প্রয়োজন" শীর্ষাক 31771b-11-1 প্রভারের গ্রীসানীলকমার চরবর্তী ২ আগদট সংখ্যার উক্ত বিভাগে ভারতের মুসলমান্তানের সম্প্রিভি হস্তান্তরে ভারতীয় নাগারকঃ প্রমাণে অন্তল বা লাম-্অধাক্ষের স্বাভিফিকেট প্রদান প্রচলিত আইনের প্রয়োজনায়ত। সম্বর্গ্ধ যে সব ধর্মস্কর গ্রহারণা করেছেন সেই সুদ্রশ্বে আমার किछ, दक्षता आहरू।

वेक्तरों भ्रामात्रा भग्यता करता**छ**ना ह्या. ভারতের বহা মাসলমান পাকিস্তানকে নিজের দেশ বলে মনে করেন এবং সমুয়োগ পেলেই তারা ভারতায় সম্পত্তি বিঞ্জি করে পাকিস্তানে চলে যান। এইভাবে ভারতীয় অর্থ বিদেশে চালান বংধ করার জন। ভারতীয় ম্সল্মানদের উপর সম্পত্তি হস্তাস্তরে ওই-র্প বিধিনিষেধ থাকা <mark>সমীচীন। তি</mark>নি অবশ্য দ্বীকার করেছেন যে, ভারত থেকে টাকা পাচার করার বহু গোপন পৃথ আছে. আর এটাও সবার অবগত সে, ভারত থেকে প্রচর পরিয়াণে প্রদেশ অবৈধভাবে চোরাই-পথে বিদেশে (পাকিস্তানে) চালান যাকে। ত। হলে সম্পত্তি হস্তাশ্তরে মাসলমানদের উপর বিধিনিষেধ আরোপ করেও দেশীয় অर्थ विरामाण शाहात वन्ध कता गारा कि कि ? ভার মতে, ভারতীয় মাসলমানদের সামানা গণতাশ্যিক অধিকারাথে দেশের অথনৈতিক দিকে এত বড় ক্ষািতসাধন সহা করা সম্ভব ন্য ৷ তিনি হয়ত দুই-একডি নাঞ্জ দেখাতে সক্ষম হবেন, শেখানে ভারতীয় কিছা মাসালমান সম্পত্তি বিক্তি করে পাকিস্তানে চলে গেছেন। তারা নিশ্চয় তানের সম্পত্তি ভারতীয় নাগারককেই হস্তান্তর করে থাকবেন। কিন্ত ভারতীয় সামান্তরক্ষীনের সদাসত্ত্র দৃষ্টিকে ফুর্নিক দিয়ে কোনা পথে লানা অর্থ চালান করবেন? তথ্যও র্যাদ করে থাকেন-তা হলে আসল গলন কোথায় ? ५७व औं प्रशासक सिम्ब्य सम्बन्धित करावन ना দে ভারতের অভাশভারে জাতি-ধর্ম-সম্প্রদায়-লিবি'লেষে কিছা অথ'লোভী মান্য আছে, যারা অর্থানোডে দেশীয় প্রদেরা বা অর্থ অনৈধভাবে চোরাই-পথে বিদেশে চালান দেয়। তবে তাদের প্রতি কড়া নজর রেখে, দ্যুদ হুষ্ণেত ভানের গুইরূপ অবৈধ কার্যকলাপ বন্ধ না করে দেশের এক শিশেষ সম্প্রদায়ের উপর আলাল করে একটা অগণতাণ্ডিক আইন প্রণয়ন করে কি কিছু স্ফল পাওয়া যাজে?

চরবতী মহাশ্র আরও এক জায়গায় भिरश्रकत त्य अहे आहेत्नत नागात প্রকিস্তান সরকার বিচক্ষণতার পরিচয় দিয়েছেন কিল্ড আমি বলব, ভারতের মন্ত এড বড় একটা গণতাশ্তিক দেশের পাকিস্তানের একটা রুগ্গী-শাসকের সহিত তুলনাম্লকভাবে আইন প্রণয়ন করে দেশের গণতান্তিক মর্যানাকে স্কান করা সমীচীন নয়। তা ছাড়া ভারতের সরকারী **কার্যে বহ**ু গ্রেছপূর্ণ পদে বহু মুসলমান কমলিশত অবস্থায় রয়েছেন। চক্রবতী মহাশয় কি অস্বীকার করবেন যে এ'রা কর্মক্ষেত্রে যে সূব গার্দায়িছ বহন করছেন ভার ভূলনায় ভই সৰ সম্পত্তি <del>হস্তাত্তর ব্যাপার অ</del>তি ৩০৯ ! যে সব কতিপয় সংখ্যালপ ভারতীয় ছাসল্যানদের পর্নকস্তান**িপন্থী বলে ম**নে হবে হিন্দু-মুসলিম কৌথ প্রচেণ্টায় তাদের মেই পাকিস্তানী দ্বিউভগ্যার পরিবতান করে শিক্ষাদীক্ষার মাধ্যমে ক্রমে ক্রমে ভাদের মনে দেশাৰবোধ জাগিয়ে ভোলা উচিত বলে মনে করি। ওই সব সংখ্যাপের জনা সমগ্র ভারতীয় মাসলিম সম্প্রদায়ের উপর একটা অগণতান্ত্রিক **আইনের বেড়া স্**নিট করা উচিত নয়।

দেশের ক্ষতি হতে পারে এমন কোন কাজ দেশের কোন স্নাগরিকই করতে চান না, সে বে-কোন সম্প্রদায়ভূতই হোক না কেন। চক্রবতী মহাশর কি বলতে চান বে,

ब्राञ्चल-भावेकरम्ब এकहि अभीवद्यार्थ अन्ध

(উপন্যস খণ্ড)

#### অশোক ক'ড

0" STB --

- (ক) বাঁ-কমচন্দের জীবন ও জীবনী-अकारत उधाः।
- (খ) ৰভিক্ষ-উপন্যাসের নাম ও পরি-टक्ट्रम्ब नाम अस्पर्धीय आह्वाञ्चा।
- (গ) ৰাজ্জ্ম উপন্যাসের চারত ও তং-अस्टक्षीय उपाक्षात्मा।
- (ম) ব্যক্ষ-উপন্যাসের দার্হ শব্দ. ट्टोलाझिक म्थान छ विविध विश्वय ।
- (৯) বাংকম সভাবিত।
- (চ) ৰাজ্জ্ম-সন্বন্ধীয় আলোচনা-প্ৰশেষৰ তালিক।

बारका, उननाटमद केंग्रिकांत्रक का अक्साप बरक्ताभाषाम व्यास-५०० त्र भारत किय তর্ণ শিক্ষারতী জীমান গ্লোক কৃত প্রথম ঐপন্যাস্ত্র প্রতি এই অসমাণ্ড প্রে সম্পূর্ণ করে আমাদের লংজা নিবারণ करतरहा दम 'विक्क्य-कविश्वम' नाम मिता ব্যক্ষ স্থাৰীয় যাবতীয় তথা সমাৰেশ করে এক কোষ্যান্য বাল্যান্ডমণ্ডলীর ও ধ্যবিষ্ণ সরস্বতীর হাতে উপধার দিয়েছে। এ এক নীরব ভারের নিকেম প্রভারাল 🗔 আশা করি এই নীরব গুড়র উপহার সকলেই কৃতজ্জতিতে গুলুণ করবেন ও অধ্যতিত সাধ্বেরে এই তর্গণ স্থেপ্রত প্রিক্তক উৎসাহিত করানা "

ভাতীয় অধ্যাপক ভাষ্টায় ভ**ং স্নীতি**-कुमान हरहोत्पाधाक दर्शन--- राशनात र्दाश्काः অভিধান দেখিলাম। সাগান বাঙ্কম সম্প্রেষ বেশ পড়াশ্না ক'ব্যোছন।" স্কুমন্ত্ৰাচক **শ্ৰীক্ষেঘনাথ বিশী** ব্ৰেন—"**এ** বই আলে প্রকাশত হ'ল বার্কনস্মতি**ত।** পাঠ ও আপোচনায় আমা চানক উপক্ষে হয়ত। অবশা ভারতাতে তা**ল লাগারে** আশা রাখি।....ত্তিকভান্ত গ্রন্থাবলীয় সংক্ষাই এ বই অমাদ গুদ্যাগন্ত বিবাস করে বণিকম-সাহিত্য প্রতির পথ আ**লোকিত** করবে। ক্ষুদ্রন্ত গুলুর ১৬য়, আবদাক। বস্তুমান ও অনুগড় প্রাক্রমা**জের জন**। প্রশেষকার যে পরিশ্রম স্থাকির কারছেন সেজন তিনি বাঙ্গলী সনাজৰ প্ৰাৰ্থদেৱ **পাচ**।"

म्मा भनद्र होका माह

.....

#### ভাৰতী বুক স্টল

Maine a white fares ॥ ৬, রমানাথ হত মধ্যে স্থাতি, কলিচচ ॥ ভারতীর মুসলমানরা এথানে গণতাণ্ডিক আধকার থেকে বণ্ডিত হরে সাম্প্রদারিক ভেলাভেদ রেখে ম্বিতীয় শ্রেণীর নাগরিক হিসাবে বসবাস কর্ক! তাই আমার বঙ্কর হল, ম্বাধীনতার আঞ্জ বাইশ বছর পরেও ভারতীর মুসলমানানের উপর ওইর্প একটা সম্পেহম্পক আচরণ করে তাদের মনে সলেহ, সংশয় না রেখে ভারতের স্ববিষরে, স্ব-সম্প্রদারের মত, স্ব স্থে-দৃংথের স্নান অধিকার দিরে দেশকে সত্তিকারের ভালবেসে দেশের সেবা করারে স্বোগ্য দেওয়া উচিত।

সেখ আসাদ আলী
নাগরাকাটা, জলপাইগর্নাড়

#### রবীন্দ্রনাথের দরংখের গান

১৯শে জ্লাইয়ের দেশে প্রকাশিত শ্রীমোহিতক্ষার মজ্মদারের পরের কিছু মুদ্রবার সুদ্পকে করেকটা কথা বলতে চাই। তিনি এক জায়গায় বালছেন : সাহিত্যের সতোর কোনো নিদিন্টি স্বভিনীন মান্দ্ৰভ **নেই। তার করেক লাইন পরেই** যোগ করেছেন "কবিতার ব্যাখ্যা কবিতাকে ছাড়িয়ে ধতদরে থাশী যাক....শ্ধ থেরাল রংগ চাট এমন কিছু না এলে পড়ে বা সেই ক্ষিতার ম্লেভাবের বিরোধী।" বরবাটা আমার ঠিক বোষগমা হল না। এক্ষেত্র কবিতার "মূলভাব" কোনটা? মোহিতবাব, বা ব্যৱেছন তাই? না কি. শ্রীআব্যু সয়ীর আইয়াৰ বা ব্ৰেছেন? তাহলে মোহত-বাব্র "এ কথা অবশা দ্বীকার্য হৈ সব স্মালোচকই কাবোর অর্থ তাঁর নিজের কাছে বে রকম প্রতিভাত সেইরকম ব্যাখা करत थारकन"-वहे डेवित अर्थ की? কাব্যের যদি একটাই মাত্র "মূলভাষ" থাকে. তাহলে ব্যাখার বিভিন্নতা আসে কোথা থেকে /

আসলে মোহিত্বাব্ ঐ Encounter with Nouhingness কথাটাকেই সহা করতে পারছেন না। তার সমালোচনার ম্লেডাব এই অসহনায়তা। না হলে তিনি ব্যাত পারতেন শ্রীআন্ সরান আইয়বের ঐ বাখ্যায় খ্রু একটা তুল নেই। নোগ শ্রার হৈ বুনং ক্রিডার তিনি উল্লেখ ক্রেডন, তার শেষ চার পর্যন্ত হছে :

তারপরে জানি যথে তাম চলে যাবে-আতংক জাগার অকসমাৎ উদাসীন জগতের ভীবণ সত্থতা।

এখানে ঐ ছোট্ট "ল্লানি" শব্দটা লক্ষাণীর: বার জাগ্রত অর্থাবভাব এই বিশ্বাদের জন্ম দিরেছিল বে "আকাশে অগণা গ্রহতারা/অন্তহনীন কালে/আমারি প্রাণের দার করিছে দ্বীকার/' কবি যদি এ কথা জেনেই থাকেন যে সে চলে যাবে, তথা

কি উদাসীন লগতের ভীষণ স্থাধাতাটাই বাকি থাকে না? আর সেটা কি Encounter with Nothingness নয়? এ কবিভাকেও বে কা করে সেব-মাধ্যের প্রতি অকুণ্ঠ বংবনা ভাবা থেতে পারে ব্রক্ষাম না সম্ভবত, রবীণ্ড জীবনের ঐ সাংসারিক বিকটাকেই একমাত্র মাপকাঠি করে রবীণ্ডান্যরে দিকে ভাকালেই এ রকম হতে পারে।

অনাভাবেও দেখা যেতে পারে এটা। রোগ শ্যার ১৮নং কবিতায় "বিশ্ব" "দয় ময়" কিল্ড ৭নং কবিভায় জনত "উদাসীন"। ভার "ভীষণ স্তৰ্ধতা" আত্ৰকজনক। ১৮ নম্বরে বিশেষৰ দয়াকে বদিও "বিনিদ্ৰ বাকেল আখি পাতে" সংহত দেখা যাকে বোঝা ধায় ভার লিবেংপক ভব: অদিত্ত আছে, তার স্বতদ্য অবস্থিতিতে কবি বিশ্বাসী বদিও কারো মাঝে তাকে "সংহত" হতেই হয়: কিব্তু ৭নং ক্ষিতায় ব্যাপারটা সম্পাণ পাথক। বিশ্ব যে দর্মের, ভার যে প্রাণের দায় স্বীকারের বিশ্বমার অভিপ্রার বর্তমান, এটা শ্রাধামত কোনো মানবার মাবামেই জানা সম্ভব হছে: তার নিবপেক্ষ কোনো অভিতম্ব নেই। ফুর্লে, মানবীর অভ্রধীনের সম্ভাবনার জগত তার ভীবণ স্তথ্যতা নিয়ে "আতংক ভাগার অকদ্মাং ।"

আমার তো মনে হয়, এই দুই প্রাণতীয় অন্তেতির মধানতী হচ্ছে ঐ শেষ কবিতাটি। এখনেও "স্থিতির অমোছ শান্তির কথা বলেছেন কবি কিন্তু ওটা কথাই,—নিজে বিশ্বাস করতে পারেন নি। না হলে, বে কবির মধ্যে একদ: ভাগত এসে কোলাকুলি করত, তিনি শুধু এক সেবিকার অন্পশ্ছিতিতে একেবারে আত কল্পনায় উন্দ্রাণ্ড হরে উঠলেন কি করে? যদি অমোদ শান্তির স্বতশ্ব অভিতমে বিশ্বাসাই থাকবে, ভাহলে স্থিয় একটি ক্ষ্মুসত কণিকার অনুপঞ্জি এতবড়ো বিপর্যার ঘটাবে কেন? হয় বলুনে, কবিভাট লার্ণ সেণিউনেণ্টাফা-পর্বর্থ দেবার পরকার নেই কিছ; না হয় তো দ্বীকার করতে হয় যে औ "সমর্থান" भारती मा शाकरण विश्वत অয়োষ শাণ্ডির কোনো অর্থ হয় না। অমোঘ শাণিত থাকুক বা না-থাকুক ভাতে किहा थात्र यात्र ना. यीन ना रतथा यात्र रव ঐ "তুমি"টি পাশে বলে আছে। তাই শ্রীআব সরীদ আইর্ব যদি বলেন এখানে "রবীন্দ্রনাথ অনুভ্য করছেন তার মাথার উপর আকাশ শ্না, তার মানে বিশ্ব রুমাণ্ডই শ্না।" তাহলে কোন কারণে তা তথাকথিত 'ম্লভাব'কে সমর্থ'ন করবে না? এই স্তেই বলে রাখা ভালো যে, অস্তিছ-বাদী সাত্র যথন বলেন 'আমরা সবাই খুনী' তথন যে নৈতিক সতো তিনি দাঁড়ান সেটা একাতই মানবিক, আাব্সার্ড তভে বিশ্বাসী

কাম কগতকে অর্থাহীন কেনেও, মান্তর প্রতি আম্থা বৈখে যান; অর্থাৎ, তুনিতে বিশ্বাস Encounter with Nothing, চান্ত্য-এর সংখ্যা অনিবার্যভাবে অসংগত নর। করেণ 'শ্নাতা' কথাটাই আপোন্ধন লোলে একটা প্রতির সম্বান জানা না থাকনে ওব কোনো অর্থা হয় না।

> বীরে•দ্র চরবতী কলকাতা ৩৮।

#### সাহিতা সংখ্যা ১০৭৬

পত করেও বংসর ধরে বেশ পরিকর কড়াপক "দেশ সাহিত। সংখ্যা" নামে য়ে বিশেষ সংখ্যা প্রকাশ করছেন, জন্ম ধারণা, তারা অর্থাশত পারক সহায়ের কতজ্ঞভান্তালন হয়েছেন।

অনেক প্রের থেকেও সম্পাদক্ষণভালীকে

এই মহৎ প্রয়াসের জন্য অকুজ অভিনন্দর

না জানিকে পার্রছি নাং। অন্যার এই কর্

অভিনন্দর পার্য হথন । অপন্যারে ক্ষান্তর্য করি করে করি কর্

নাল্য থাকরে নাং। কিন্দু কি করে কর্ কর্

লাহাক ভারক পরিকা প্রেত প্রতাহিত মাসের মন্ত্য সমস্ত্রালো

এই সংখ্যার, (১৩৭৬ সাথের বিশ্ব সংখ্যা) "বিবর মৃদ্ধ" আলোচনা করে আমার অন্যতম প্রিয়ু লেখক উচ্চিমানেশ বহ সম্পর্কে শ্রীসোমনাথ জটিচা হৈ মুখন ভাষার ও ছাম্প মান্তব্য করিছেন ভার করি জাকে জানাই অসংখ্য ধনবাদ। আর সেই জনাই মাধ্যম হিসাবে গ্রহণ করিছ আখানর এই পত্রিককে। এ কথা আজি স্বাধ্যম হত্ত শ্রীসম্বর্গ বস্ত্র দশ্লি, বিবর থেকে ম্নি

আজ সাহিতো অন্ধালভার প্রশা উঠি।
এবং যার জনা আদাকারের দাও গো
করতে হয়েছে লেখককে, এ যে বিচারের ক
বড় প্রহান, সে কথা আজ প্রতি
সাভাকারের সাহিতাপ্রেমীই জানা। কিং
এ কথা সভা কালের বিচারে মন্ত্রে
আলালতে শ্রীসমরেশ বস্ বেকস্রে খনা
নিক্পাপ।

সব থেক বড় কথা, আমার সেই শ্রুই
জাবিন থেকে সমরেশ বস্ আমার হা
অধিকার করে থাকলেও তার বাজিল
জাবিন সম্পর্কে আমার বিশেষ কিছু জা
ছিল না লেখক সোমনাথবাব, মান্
সমরেশকে মান্বের সামনে নতুন করে তু
ধরে সকলোর কৃতজ্ঞতা ভাজন হরেছেন।

োবিশ্লাল ঠাকু খাতুল, গ্ল সাহিত্যিকের প্রতি সরকারী কর্তবা

ত্রা শ্রাবণের দেশে শ্রীগোবিন্দ চট্টোপাধ্যার লিখিত নক্সীকাথার মতেস কবির স্মিধে কিছ্কণ কেখাটি পাঠ করিয়া জানদ পাইয়াছি। বিশেষ করিয়া কবি ছাস্মউদ্দিন প্র' পাকিস্তানের বতামান স্চিত্তির ধারা ও সেখানকার সাহিত্যিকদেব গুখ প্রা**ন্ত**ালার ব্যাপারে। সরকারের অবনানের বাপার যে সমগত উদ্ভি করিয়াছেন, তাহা रियम्बर्कार अनिवारसाया। निःमरन्तर र्शकाराभाव कारिया-खनावाणी भातते अव স্ব সংখ্যাস আন্নিরত ইইরেন। কিন্তু এট প্রদাণে আমানের মানে দ্বতাই এই প্রদান জালে যে, আমাদের সাহিত্যিক-কবি e ভূতানের পতিবারবর্গাকে সংসময়ে রক্ষার জন্য অ্যাদের সরকার ক<sup>া</sup> গ্রেণ্ট বানস্থা करमस्यम् कोउडाराङ्ग ? ऋडिटिशकानद्र अरक्ष যাল্যা সর্কারী বা বেসকারী কার্যে নিয়ার আছেন তহিচাদের কথা ভটিছের। দিকাম। কৈতে যাহাতা চাৰ্তী ভাটাচনত সাহিতা কার্য ব্রাণাড্সবরা**প হাওয়ার আলাংকায** সংপাণ সময় সাহিত্তার কালে বাব কর্তেন র্বভালের ভাক্ষামক কোন দ্বেটিনা ঘটিলৈ, ত্তিক্ষে প্রিয়ার্যগারে জাগিক সংকট চটাত বক্ষা করার 💮 জনা কৈ সকলবে পাক ररेट गणाव्य सायम्बः आह्य ? योबाक्ष निरमक ণা দিন শ্রু'রের র**কু জ্বল করিয়া আম**াদে**ব** ন্দ্ৰ খোৰাক নিটাইবৃত্তেলন ভারাবেলয় 😅 ত্তিনের পরিবার দর সাখে স্বাক্ষ্যাব্যার পতি পুনি দিবার পা**রিও আমাদের সকলেবট** র্থাইয়াছে। সর্কার যেখ্যত আমাদ্রব প্রতিভূ, সেইজন। সরকারের কাছে নিম্ম-বিখিত আবেদন জানাই ঃ

- ১। সাহিত্যক ও কবিদের প্রত কনারে জিলাবেল্ডম সকুল-কলেন্ডে পাঁড়বার ব্যবস্থা।
- रे। स्थात विना तस्य जिंकश्रस काराश्री।
- া অক্টেমক দাঘটিনার বা রোগে শংগ্র ইটাল বা মাতৃ। ঘটিলে, তাঁতাদের পরিবার-বর্গতে মাসক পেকানের বাবস্থা।

সৈতেতু, সাহিত্য কামে সম্পূর্ণ সময় ব্যক্তি লেখক বা কবিদের সংখ্যা খ্য বিশী নাই, এইবাপ সাধ্যেগ স্থিধার

> এ.সরকার এণ্ড সঙ্গ সন মাণ্ডে গ্রাণ্ড সঙ্গ জ্বলেট এম. বি.সরকার ঐ্যাডিশ্যনান পুরুলার

১৭১)১**ও রাসবিহারী এতিকু** বালিগঞ্জ কলিক**তা** ফলন: ৪৬-৬২৪৮

ব্যবস্থা করা আছার ধারণায় খার কপটকর হুইবে না। ই'হাদের আর কি সাযোগ সংবিধা ৰাইতে পারে সরকার বিশিণ্ট সাহিত্যিক 👁 গণৌদের সমন্বরে ঘঠিত একটি বোডেনি সাহাবে৷ এই ব্যাপারে जालाइना क्रिक्ट भारतन। स्वर्थक भार्व পাকিস্তানের সাহিত্য সমাজ ও জ্যাক্র স্হিত্যিকদের প্রিপ্রেক্ষিতে আমার এই বস্থুবোর অবতারণা, কথা উঠিতে পারে যে, প্ৰ' পাৰিসভানে পাঠক সমাজ তৈয়ার হয় নাই বলিয়া সেখানকার সরকার সাহিত্যিক-দের জন্য এইর্প স্বেগ্র স্থিয় দিয়াছেন। পশ্চিমৰণ্য ৫ তাহার বাহিরে একটি বভ পাঠক সমাজের অসিত্র করিয়া নিলেও, চলচ্চিত্র সুপারণের মাধ্যম গাটি ক্ষেকের 'লা প্রসা' করা ব্যাতিরেকে, ক্রছন সাহিতি।ককে ধনী বলা ৰাইছে পাৰে ? रे**र**ात्त अधिकाश्मरे आभारतत्र ग्रह प्रशादिख

দ্যোগীর বাঁহাদের প্রতি আমাদের দায়িছ অধ্বীকার করিছে পারি নাং

> চিত্তরঞ্জন নাগ বেহালা, কলিকাতা-৬০

ঝংলার চালচিত্র

গাঁরে গান্ডে, শহরে শহরতলিতে অসংশ্য
মান্বের মানের ছবি আমানের দৈনিগদল
জীবনের হিসেব নিকেশের থাতার আঁচড় কোট দিয়ে বার । কিম্ছু তাঁরা আমানের
কাছে অচনা বরে গেছেন। সেই জচেনা
মান্ববালিকে চিনে নেবার প্রয়োজন সাছে।
সাপের খোলসের মড জামা ফাশড় পর্যে
থাকা লোকগালির বিশ্তর বর্ণনা বিশ্তর
সাহিত্যিক দিরেছেন। তাই কালি ও
কলমের টানে প্রাম বাংলার হরেক কিসিপের
সাধারণ মা্য ও মনের বর্ণনা গড়ে আনন্দিত
হবারই কথা।

স্রঞ্জন সেনের নতুন বই

### वारवायानी भ्रानत

### यायला

তরাই-এর জন্পলে মহিষ্কার বাং**লোর জো**ড়া খানের তদকেত তথা-সন্ধানী জগদীশব্যব্যুব কীতি-কথা, রোম**হর্ষক আ**কর্ষণীয় গল্প। পাঁচ টাকা ম

এই লেখকের অনা বই

वा प्राक्ष्यमात वः00 जानकारक त्रंत्र भे जन केः00 रमक दिन्दारमा थ्रान क्रें00 थ्रानी जत्रा विः00

বিরুমাদিত্যের রোমাঞ্চকর রহস্য উপন্যাস

ञ्भारे ५०.००

বেদ্বইন-এর রাজনীতি-প্রধান উপন্যাস

## শতাবদীর অভিশাপ ৮০০

বাজনীতির নেপথে ৮·০০; খানার কালো মান্য ৮·০০
কমল বন্দ্যোপাধ্যায়ের তথ্যসমূদ্ধ দ্রমণ কাহিনী

ভারত দশনি ॥ কেরল ॥ ৮.০০

ক্লাসক প্ৰেদ ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে দ্বীট, কলিকাতা ॥ ক্লাসক প্ৰেদ

আকৃত্য জবলার সাহের বার্লার চালচির।
শীষ্ট রচনার প্রার্শিভক 'গর্থাটা'র চিত্র
নিপ্র হাতে এ'কেছেন। প্রবন্ধটি পড়ে মনে
হয় স্মত্র বাাপারটা যেন বিবিহাট আর
উল্বেড়িয়ার উপর থেকেই লক্ষা করছি।
গর্ম বাাপারটারা দ্বিসালাভ করলে
টাকৈর কড়ি যসিয়ে লালপানি গিলে পাড়া
মাত করে ফিরে—এ চিত্র হরনখাংই আমরা

যারা গাঁয়ে থাকি, লক্ষ্য করি। তড়িপ গড়ন, চনবনে কাজলচোখো গর্ন। হলে জাম চাই স্বিধের হয় না। ফসল ভাল হয় না। না হলে বাল বাজাদের কলট হবে। তাই আবাদের মরশ্যে গরা কেনাবৈচার বালোবটা চিরকালাই জমজমাট।

ব্রুথতে অস্থিধা হয় না নগেন কোরোংয়া আর জলিল মোলার মত লোকদের সংগ আক্রাক জকার সাহে বের প্রিচ্ন হবির বলেই ভার নগানা এটা গানি এর্বাহ্ম হতু প্রেক্তে।

প্রদাশ পরি চকা বাংলারে চলচিত্র পরে ভাবছি হয়ত এরমের মানুষ এত নমে পরের ভলার আকাশ্বিদত মানি পেতি চালছে।

্রাজিম-উপ-দীন আহমেদ কলকাত্ত্র





্ৰকাৰী চিন্তে বংকাছ কাৰণ প্ৰথম, আহৰ কটাকে বংকাৰ বিভাগ কুৱালকাৰ ৷ কোনাটা কাৰ্য্য কোনাটা নকাৰ গ্ৰামানুষ্টা কৰ্মানুষ্টাৰ উল্লেখ্য কৰিবলৈ দি কৈছে কাৰ্যান্ত হয় গ্ৰামানুষ্টাৰ কাৰ্য্য কৰে কৰে কৰে কৰে কৰে কাৰ্য

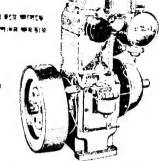
রলতে পারেন কি কোনটি আসল?

ছাল ছিনিদের নকল খুন ডাড়াড়াড়ি হয়ে থাকে। জার ক্ষমন্ত ক্যমন্ত নকল ছিনিব ঠিক জ্ঞাসলের মতে।ই দেখায়।

িকিলোকের ৫ তর্ম পাওয়ারাএডি ১ ডিজেল এভিনের অধুকরণ সর্বাট করে আসতে। এই অধুকরণ চর্য় জাসতে শুধুরা, গঠন, আর্ডাড ও ডিলাইনের দিক থেকে। কিন্তু টকনাবের শুণো, নির্ভর্যোগ্যভায়, ও কর্মসম্পানের ক্ষমায় রিলোকেয় এডি ১ এন অধুকরণ কামত অধুকরণকানীকের শক্ষে সম্ভুত এব

সককাল্যে ন্যানজন একমাত্তে মিলিপ্ৰায় নিশিষ্ট ছিলেল এডিন কিলেখিন এডি ১ ব্ৰহমান্তি ক্লিকাৰ্য এ শুমানিক্সে প্ৰযোগের উপনোৱা। লাজি- নিৰ্ভন্নখোগাড়া, ক্ষমনায় নীৰ্ম্বানিক ও সন্ধোষককভাবে অসমজন কমসন্পাদনের কল্যে এ হচ্ছে এক বিশিষ্ট শ্রেমীর এক্সিন। ভাঙাক্ষা এর সংবোধনেক্সেক ও কিলোখিনের উচ্চ শ্রেমীর সেলস্বান্তিন।





আসল কিলোম্বর এভি ১ - ৫ হর্স পাওয়ার কিন্দুন। – নকল কখনও আসলের মতো উৎক্লপ্ত হতে পারেনা।

ফিলোস্কর আয়েল এঞ্জিন্স লিমিটেড, ঞাঞ্চনটোন রোড, কিরকী, পুণা-০ (ভারত)

কিলোস্কার (R) হল কিলোস্কার প্রোপ্তাইটারি লিমিটেডের রেজিস্টাড' ট্রেডমার্ক', কিলোস্কার অয়েল ইঞ্জিনস্ লিমিটেডকে লাইসেম্ব প্রদত্ত।

May was the Bear

## রূপ ও রুপয়ার রুপকথা

শৈশির রার চৌধরী

তি কৰীর নাচ ভাল হলেই থথেওঁ। তার বিপর থানে নতাকীর রূপে-যৌবনের ভাল্পত থাকে, তা থলে তে। আর কথাই নেই। দোনা যার, এমান নাকি এক রূপবতী নতাকী ছিলেন ভারতের পশ্চিম উপক্লের কোন এক মোকামে। ভার খ্ব-স্রুতকে কেন্দ্র বেল করে গড়ে উঠিছিল বলেই মোকামিটির নাম হয়েছিল স্বারট।

রক্ষণনাল তথা নাতিবাগাশর। বলেন,
হাঃ, হাঃ, তা কা করে হয়! অমন একটা
গ্রেখপ্যা বলরের নামকরণ হবে একটা
নতকার র্পকে ভিত্তি করে? বিশ্বাসবোধ্য
তা নয়ই, বরং হাসাকর। আসলে, সরেট
গল্টর উৎপত্তি স্বাপরে শল্টর ওবতে
স্যোর পাত হল এই স্বাপ্রে ওবতে
স্যাট, আর কন্যা হল তাপা অর্থাৎ তাপিত
নদী, বা স্রেটর পাশ দিরে প্রাহিত।

অবশাই ইযোৱোপটিয় ভাষাকারগণ বলেছেন ভারতের এই গোঁড়া হিন্দু পশ্চিত-श्रीत अरकवारवरे नन-रत्रनत्र। त्रव किस्ट्रे ধমাীয় পরোণের রাপক দিয়ে ব্যাখ্যা করে। **धरे क्**श्मण्डात्कत मन कारन ना रव. कन-প্টাণ্ডিনোপল-এর সলেভানের হারেম স্ত্রথা নামে এক নতাকী ছিলেন। কোন কারণে স্লেতান ক্রমণ নতকীর উপরে নির্দায় হয়ে উঠলেন। একদিন তাঁকে হারেরের বাইরে তাড়িয়ে দিলেন। ব্যাপারটা জানতে পেরে রাজ্যের অনাভ্র সওদাগর র্মি অতাত বিপদের কর্মক নিরেও স্কেথাকে আশুয় দিলেন। খবর পেরে স্বতান দ্ভনকেই রাজা থেকে বহিৎকারের আদেশ দিকো। বিন্দ্রমারও বিচলিত না ব্য়ে র্জি তলিপতল্পা বে'ধে স্বথাকে নিরে হিন্দৃহতানে হাত্রা করলেন। ভাণিতর ভীরে রানের এসে ভিড়ল তার জলবান। কিন্তু ডকাতের ভয়। রুমি এক দুর্গনগরী তৈরি करत वादमा-वाशिक्का भारतः करतः मिरमान । ব্নির বাবসা-বাণি**লা এত সম্প্রসারিত হল।** ভারতীয় ও অ-ভারতীয় বণিকদল কুমেই मध्यात्र त्वरङ् छेठेन । आस्त्रमावारमञ् भाजक কাপারটা জেনে সম্ভূষ্ট হয়ে বুর্নিকে বথেষ্ট ক্ষতা হেড়ে দিকেন। রুমি এক নতুন শ্তিকে জাগর্ক রাখবার জন্যে নগরের नाम ताथानन माताहै।

र्यान थ-७ विश्वान ना करतन, छा रहन

শুন্ন আরেক ইতিহলে। এক বিধবরে গোপী নামে এক পরে ছিল। তাব সেই প্রের ফাসী ভাষার অসামানা ব্রংপতি ছিল। কোথাও চাকুরি জোটাতে না পেরে অভঃপর গোপী দিল্লীতে স্লভানের দরবারে চাকুরির জনো হত্যা দের। এমনি সময় এক-দিন বখন সব রাজকর্মচারী বাড়ি চলে বায় ভখন রাজদরবারে ফাসীতে লেখা একখানা গ্রুত্বপূর্ণ চিঠি আসে। স্লভান পর-পাঠককে ভেকে পাঠাকোন, কিন্তু গৃণ্ডর তথন সানা। কিন্তু কী উপাল অক্নি চিঠিব মহোশোর আবশক। দ্রোরানের হরিৎ
গোপীর কথা মনে পছে। গোপী তবন
গেটের বাইরে যুমোছিলেন। মোপীকে
ডেকে আনা হল। মাচ একবার পড়েই গোপী
এক নিশ্বাসে সব মানে বলে দিল।
গোপীর পাশ্ভিত্যে স্কুলতান তথন অত্যক্ত
থ্যা হলেন। গোপীর বরাত ফিবল। গোপী
শ্মালিক গোপী" হরে স্বুরাট শাসন করতে

বোড়শ শতাব্দীর দুই শতক অবীৰ স্বাটে মালক গোপীর নাকি থ্ব প্রতি-পান্ত ছিল। গোপীর চেন্টার অনেক বিশ্বক স্বাটে এসে বসতি স্থাপন করে। প্রমাদ-স্বাদে গোপীবাড়ী বা সোপীপ্রার পাবর দিরে বাধান বিরাট প্রভারণী 'গোখী ভালাও'এর কথা অনেকেই বলেন। মালিক গোপীর স্থার ভাগ্যে রালী বেভারক স্কেট-



ভারতে ত্রিটিশ বাণিজ্যের স্তিকাগার হল স্বাট। ১৬০৮ সালে কাটেটিন
ছক্তিস্প্তর আগমনের পর থেকে অনেক উত্থান-পতনের মধা দিরে ভারতে
ইংরেজনের বাণিজ্যিক ও রাজনৈতিক ক্ষমতা বৃদ্ধি পার। বদেবর উয়েতি না হওঁরা
প্রশিত স্বাটই ইংরেজনের প্রধান কেন্দ্র ছিল। ছবিতে ঐতিহাসিক ইংরেজ ভূতির
একাংশ দেখা ঘাড্রে



স্বোচেন করি-শিক্স বিশ্ববিশয়ত এবং অতি প্রচৌন। সামাজিক, রাজনৈতিক ও অর্থনৈতিক করেশে আজ এই কুটীর শিক্স বিশেষ অগ্রসর হতে পারছে না। চিত্রে একজন মহিলা কর্মীকে নিজের ধরে বলে জরি তৈত্তি করতে সম্পূর্ণ সংস্থ



ন্রেকটের দক্ষিদ-পূর্ব প্রাণ্ডের ঐতিহাসিক "উধ্না দরওয়াজা"। ১৬৬১ সালে মারাটা সন্তাজ্যের প্রতিষ্ঠাতা শিক্ষণী এই দরজা দিয়েই স্বোটে প্রবেশ করেন। তারপরে আরের দ্বোর এই দরজা দিয়েই নাকি খারাটারা স্থাটে প্রবেশ করে ল্টেশাট করেছিল। এই গেটের প্রশেষ্ট রয়েছে ভারতের স্বটেরে বড় কো-জ্পারেটিভ শিক্ষক্ষিদ্ উধ্না উর্ব্যোগনগার

ছিল। ক্ষি ক্ষিত্ৰ উন্দেশ্যে রানীতালাও নামে এক প্ৰকৃষিক্ষিত খনন করা হয়। কিন্তু কোলার ভৈরী লহরের কোন নাম ছিল না। লোকে বলত "সরী জালা" নথাং নতুন জালগা। কাই হোক, জোতিবীরের কংশা পরামলা করে এই খনরী জাগা"র নাম

তৰে স্ব'প্রে কেন স্থির হল, তার শেছনেও আরেক রুপকথা আছে। রুণেরের এক ধনাতা সভদাপরের মাশকী অর্থত বক্ষিতা কভার সংগ্রেমতানৈকা হওয়া নিরাশ হরে মকাচলে যাচ্ছিলেন। হার মাইল খানেক পথ অতিক্রম করার পরে ক্রান্ত হরে বখন তাণিত নদীতে মাছ ধরার দুলা দেখছিলেন, তখন এক ব্রাহ্মণের বিধ্বা প্রতীর সভ্পে আকাপ হয়। পরে এই বিধবকে त्मितिका हिमार्**व नियः क**रत्रन । दिशरात সততার ও থেদমতে খুলী হয়ে মুস্লিয় মাল কিন তাঁর সব গছনাপত্তর বিধবার করে পক্তিত রাখেন। হল সেরে ফ্রেএস দেখলেন রাজাণ নোকরাণী নেমকহার্মী করেনি ৷ তাই গহনাগ্যলো একেবারে নিখ্যুত পেরে গেলেন। তা ছাড়া, সভলগরের স্প্রে প্রেমিলিনের আনকে মেহেরবান মাল্রিন সব দৌলত বিধবা ও তার পত্রে পোপটিক निरंग मिर्लाम । ज्थित इस. धरे धरानीनाइत একাংশ দিয়ে দা**তীর স্ম**ৃতিরক্ষার বাবস্থা গোপী করবেন। সেই জনোই মহিলার সার্থ নামকে অমর রাখতে নতন শহরের নাম রাখ হয়েছিল স্রথপুর। কিন্তু স্রথপুর গ্রু दिन्म, शन्य थाकात शुक्रतारहेत जुलहर সামান্য পরিবর্তন করে কোরাণের পরিছেদের সংলা মিল রেখে নামকরণ করলেন সুরাট।

अथन कान कथा विश्वाम कद्रत्वन वन्ते? आदिक मे**न अब डेफिट्स** मिट्स दरन छ सर বাজে কথা। গোপী নামে এমন কোন লেকই ছিল না। তবে হাাঁ, নবাবের দুজন রক্ষিতার একজনের নাম ছিল গোপী। আর অন রক্ষিতা ছিল, গোপীর জানে-দুশমন। য'ই হোক, নবাবের কিন্তু বেশী আকর্ষণ ছিল লোপীরই ওপর। একবার নবাব গোপীকে এক**জ্যেড়া রম্বকংকন উপহা**র দেন। এতে অপর রক্ষিতার গোপীর প্রতি বিশেবষর্গ্ জনলে ওঠে। সে প্রতিক্রা করে বসল, গোপীর काइ (थटक जे कश्कन स्वकादवहे १६:क, १४ হস্তগত করবেই। সহ-মাশ্যকার উদ্দেশ্য জানতে পেয়ে গোপী একখানা কংকন বিভি করে দিরে সেই টাকা দিরে গোপী-তালাও নামে এক গভীর প্রকরিণী খনন করিয়ে वाकी करकनशामि के भाष्क्रतिगीरक हराज् रफरन रमस। अर्थार स्काम स्कामहे बार्ट जन রক্ষিতার হাতে কংকনখানি না পড়তে পারে। রক্ষিতা গোপীর থেরাল চরিভার্থের জনো এই পাক্ষরিশী খনন করা হলেও, সওয়া শ বছর ধরে এখান থেকেই সম্মেটে পানীয় কল

দরবরাহ হত। এমন কি, বাসশাহ আক্ষরীক দাকি এই ভালাও-এর জল ব্যবহার করেছেল।

নামের র্শকথার মততেদ থাকলেও, ধনলোলতের রংশকথার মততেদ তেমন একটা
দেখা হার না। আর স্বাই প্রায় একরকম
দেলাগন দিরেই বলে, "স্বেং কেনালা ম্বং"
স্থাং স্থাট সোনার ম্তি। কথটো
গুকরেরে উড়িয়ে দেওরা যার না। কেনা,
দ্রাট হান সোনার ম্তি না হন, তবে
দওয়াল গান্য কোঠো"—মানে নওরাল গান্য
কটা কহত্রীর মতো ম্লাবান কেগরের
নাটে কী করে তৈরী হল? তা হলে
টোটা শনেন।

স্বাটের ধন-দৌলভের প্রাচর্বের কথা एक धवराव धक वन बात्रा छेडे खाबारे केंद्र চ্চর বেশর নিয়ে হাজির হল স্রোটে। কিন্তু के हभी क्यांत कनवाद करना कान माठित দ্রগত দেখা গোল না। অতঃপর 🖼 হরে मयादेव त्राठेरमञ् अकारमा निग्मा गाउँ करत টল ব্যাজারা। মরের দাওয়ার বসে নিমের ত্তল দিয়ে দাঁতন কর**ছিলেন নওয়াল লা।** লেভারার নিক্লা তিনি বরদা≃ত করাতে প্রবেদ না। মানীমজীকে ডেকে তক্ষানি চুড়া দিলেন বন্জারার সব মাল কিনে থেতে.-তা যে দামেই হোক না কেন। তার-ধ্য সৰ কেশৱ কিন্তে বনাজ্যৱার সামেনেই তা মিশিয়ে দেওয়া হলা বাডি তৈরীর মাল-শেলার সংখ্যা বাটা বনাভারেট্রক চাক্ষয রবির দেওয়া হল সূর্ভী ধ্যুদ্র হি**ল্লভ** মান প্রসার জোর কতা। বন্টোরার লক্ষ বিকার কেশর নাওয়া**ল শা**-র পালানের এক মাশ্র গাঁথনিও নয়।

ানগার রহিত্য সোনীর বাদ্। রহিত্য সানী নানে এক সংগাঁক র জিলা। সে নাকি ম কোন বাতুকেই সোনায় পরিণত করতে গাঁবত িকাতু আফ্সেসেসের কথা হল ১৮৯৩ গাঁবর বৈশ্বনায়ের তাশ্ডবস্থাীলায় সে ধ্রাসে যে বাহ। নইলে স্বাটকে মুড়ে লিভ সান্ত্র।

নেহাট পাঠক, হাসকেন না, এ সন গল্প নিল কারা এ সব কাহিনী বলেন, ভালের ২উ কেউ হলত গালা বা চরস খান, কড় সব ঐতিহাসিকই এসব খান না।





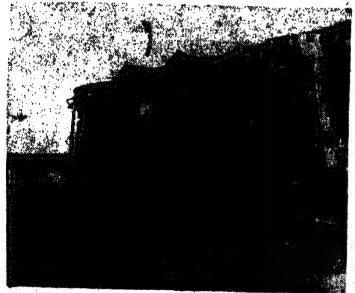
স্রাটে অবশ্যিত এই জৈন দশিবের কাডের উপর খোদাই করা কার্কার্য দশতিকর প্রশংসা ও বিক্ষার উচ্চেক করে। ছবিতে মন্দিরের ভিতরের সংশ দেখা বাজে



গ্ৰুকরাটের পূর্বা নাচ ভারতবিষয়ত। আর স্বরাটের ভার্যা আদিবলিলের নাচ গ্রুকরাটে বিষয়ত। উপরের ছবিতে ভার্যা আদিকলীলের নাচতে বেখা বাকে

তাঁরা বলেন, এখানে উড়ত চোঁরাখি বল্দরর, বাউতো, অধাং চোঁরাখি বল্দরের পতাকা। আর তার নীতে জমা হরেছিল ইরোরোপ ও মধাপ্রাচোর সব জাতি। ১৬৬৬ সালে একমাত ইংরেজ ও ডাচদের কাছ থেকেই শতকর। ৩ টাকা হারে ১২ লাখ টাকা

শুক্ত আদায় হয়েছিল। যে কোন বেনেই
সিম্পুক খুলে পাঁচ-ছ' লাখ টাকা দিতে
পারত। আর বহিব'ণিজের জন্যে এই
বন্দরের ৫০ খানি জাহাজ ছিল। দ্রদশী
আকবর বাদশাও মসনদে বসেই এই "বাব্লমকা" (মকার খার) দখল করে নিয়েছিলেন।



জাপিত নদীর তাঁরে বিখ্যাত ঐতিহাসিক স্বোট কালেলের দৃশ্য। ১৫৪০ সালে পার্তুগাঁজনের বনন করবার জন্যে এই দৃশ্য তৈরি করা হয়। তুকাঁ কামান দারা এই দৃশ্য স্বাক্তিক হিল। ১৫৭০ সালে জাকনর নথন করেন। কিন্তু জাশ্চর্যা, দৃশ্বার স্বোট জাল্মণ করলেও, শিবাজা এই দৃশ্য প্রতি উ্জোপ্ত করেননি। জারপরে ১৭৫১ সাল থেকে জালে ইংরেজের জ্বানে। বর্তামানে রাজ্য সরকারের প্রার দৃশ্ভকন কণ্ডর এতে নির্মাত্তাবে কাজ চালিরে ব্যক্তে

ভবে ডা নিশ্চরই হজের রাস্তা স্থ্য করবার জন্যে নর। পশ্চিম দুনিরার কাথে বাণিজ্যের রাস্তা প্রশৃত করতেই

কাল ঃ পাঁচল প্রসা প্রতি শনিবাল প্রবাশিত হয় য় এবারের স্চীপরে য় কিবারারির কাবা কংগ্রেকের জ্বত্তিকল ক্রাল কের ক্রালাণী য় জাকাশবাণী ক্রারাণী য় জাকাশবাণী ক্রারাণী য় ক্রার্রের কেন ক্রানাতা-৬ য় ফোনঃ ও৫-২০১৭

(সি ৬৯৭৪)

তিনি স্রোট দখল করে নিয়েছিলেন।
আর শিবাজী ও তার পরবতী মার.ঠী
শাসকরা অন্তত তিন্বার এই "মজা-তাগোর"
অর্থাং মজার জানাজা ব্রুঠ করেছিলেন।
তারের উদ্দেশ্য ম্সলমান হজবালীদের জব্দ
করা ছিল না। লুঠের তিনবারই লক্ষ্য ছিল
নানাতট ন মে ধনদৌলতের আসল বাজারটি।

র্নামর মৈহবুৰা স্রেখার আক্ষণিই হোক আর ফালিক গোপীর পরেবকারই হোক, মধ্য প্রাচ্য ও ইরোরোপ থেকে বংগভ বণিক সমাগম হয়েছিল স্বোটে। স্ভের্হ নেই তাদের কিছু সংখক নরনারীর মেলামেশা হরেছিল স্থানীয় লোকদের সভেগ। সেই মিশ্রণের ফলেই বোরা, থেকা প্রভতি সম্প্রদায়ের লোকদের এত বেশী র্পকান ও র্পকতী দেখতে পত্তিরা বার। কিন্তু পাশীদের কথা স্বভন্ত। কারণ পাশীরা সাম্প্রদায়িক বন্ধায় রাখতে এডই সন্ধাগ বে অন্যান্য थर्मायमप्रीएक मरका न्यक्ष প্রচার তো দরের কথা কোনও অ-গাশীকৈ ধর্মগ্রহণ করতে তার দেন না। ভথাপি খাঁটী ভারতীয় হয়ে পাশীরা আজো বে'চে तरसंख्य। अत महान राष्ट्र भागीरानत छेनात দ্ভিউভণাী ভথা নিভেজাল ভারতীয় জাতীরভাবোধ। র পকথার বলে, ইর'ল থেকে পালিয়ে এসে পাশীরা বখন স্থাটে প্রথম আশ্রর ভিকা করেন, তখন স্রোটের শাসন-কর্তা তাদের আবেদন প্রত্যাখ্যান

করে দেশ। াম্বভায়বার মধান আবেদর
আলে ভখন স্বাট শাসক স্বাটে পানাভাবের কথা জানাবার প্রভীক হিসাবে
একেবারে কানার কানার ভতি এক জাস
দ্ধ পাশী নেভাকে পাঠিরে দেন। উত্তরে
পাশী নেভা ঐ দ্বেধ একট্ খ্যাব্ ছেড়ে
দিরে দ্ধ প্নরার ফেরং পাঠিরে দিলেন।
এবার স্বাট শাসক ব্যুক্তন যে পাশীর
জনসমস্যা ছটিল না করে স্বাটকে বরং
খ্যাব্র মতো আন্দম্য করে ভূলবে।
অভএব স্বাটে পাশীনের আশ্রার দেওয়া
হল।

আজ হয়ত এখানে সুর্গার নাচ দেখতে কেউ অ সে না। এই 'বন্দর-মোবারর'এ কেউ কাউকে মোবারকবাদ জানাতে হাজির হয় না। আজ এই "গেট-ওয়ে-ট্-মেলা" দিয়ে হাজীরা যাডায়াত করেন না। জরি শিলপ জয়ে গ্রিটের আসছে, হাড়িমেটাই বিশেষ বিক্লি হচ্ছে না। কিন্তু আধুনিক ফল্মণাতি সমন্বিত শিলপ-সংখ্যা ও বিদ্যালয়ের সম্প্রসার্গ যেমন গ্রুত গতিতে এই দক্ষিণ গ্রুজরাটের ঐতিহাসিক শহরে ঘটছে, ভাতে মনে হয়, এই র্প ও র্পরার র্পকথার শহর আবার সকলকে টেনে আনবে।

শ্রীশ্রীঠাকুর সাঁতায়ামদাস ও•কাশ্রনাথ মহারাজ প্রবৃতিতি

#### আর্মামাস্ত

মাসিকপতে বশ্যান্যাদসহ মহার্য বেদনাস রচিত মূল

### क्षे सराडात्रङ

আৰাত ১৩৭৫ সংখ্যা হইতে প্ৰকাশিত হইতেছে।

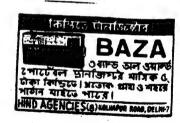
বাৰিকৈ অগ্নিম সভাক গ্ৰাহকম্লা ১৫.০০ আয়াশাস্থে প্ৰেপ্তকাশিত নিম্নলিথিং গ্ৰাহাশিক এখনও পাওলা বাল।

- ১। बन्दमर्श्विका- ७.०० होत्रा
- २। विश्न मर्शक्का ७ न्यांक-२२.४० "
- ७। श्रीवाचीक बावासन- ७०.०० ॥
- 8। श्रीवक्र्यान- ৯.00 ..

(ডাক মাশ্ল স্বতন্ত্ৰ)

#### जार्य (माण्य

০৮সি, বিধান সরণী (বিবেকানন্দ রেচডের মোড়), কলিফাতা-৬ ফোন গ্র ৩৪-৪৪০৮



# भी भारखब এই শৈল শহরে

কিবণশুক্র হৈছে

-গাভমিতে প্রায় বারেমাসট বৃত্তি হয় তা অলপবিদতর। শার হয় সেই মার্চ-এ)পল থেকে স্তিমিত হয়ে আসে সেপ্টেম্বরে। এখানে এখন ভরা বর্ষা। গেলবাজের মন ভোলায় অপর্প প্রাকৃতিক দ্রবার সমারোই। সকালে বাক বাকে যোগতা, আপসে বেরতেই বির্বাকরে ুলি হাসের হাসের ক্ষানিত **অপরাত্র বেলায়** প্রায়) ক্রেগে ডাকা—সেন বাংলাদেশের শীর:ভারের ঘনকয়াশা, কাছের জন**মান**ব ল্লা। বিশ্বিং অত্যাস্ত হলেও—ফগ ল্ল কিবলৈরে বাণ্ডি মেশানো **আবহাত**রা কথান। কখনো লাডনাকে মনে করিয়ে দেখ। ে স্থালে স্থানীয় হ্যাধবাসীদের কেউ আট অধি ভবে **যে-কথ** বলেন-- তার টালগ করা যোগে পাবে : আলোচন নালা-লাণ্ডকে ডচ্চ ছেবো না ৮ ইংলণ্ড স্কট-লাণ্ড আয়ারলাণ্ড সাইট্ডারলাণ্ড— ভাষ ভারপবেই *নাগালা*ণ্ড। কেতিয়াব ব্যাহরণে আমেত আমেত শহরের রাপ ফ্রেট উটেছে। যদিও এখানে শিলংযের হতে। গুট লল্ফ পাইদের সারি, তবা এখানেও 'ফি' য মৌনদায়' 'পিথ'র স্থাইন-ডেরি-ব্যাউষ্ণের শাহলিক। পাহাতের হাপায়, বাকে, কোলে সূপে হোগের আস্তর্প হার পাহাডের প্রেক্ত প্রেক্টা নীয়েই সবান্ধ অথবা লাল-সপ্ত মেশ্চনো কাঠের সাজিবালি ভারব (स्थापन) श्रीकातका ।

কেরিমার আধ্যাদী নালাদেরই প্রাধান্য বেশী নামন ব্যাক্রচার মাওন লগের। কেরিম মার্করচার-ট্রেনসংগ্র- এই তিন কেরিম নিয়ে গঠিত নালাভূমির প্রপ্রসর মের্করচালের কথা বারাণ্ডরে বলবার ইচ্ছে কিনি, লোখা, বেশ্লমা, চাকেসার, সেমা প্রভান করেন। আংলম্বান আশো-শাল বাস করেন। আংলম্বান শিক্ষা-শিক্ষা এই রাজ্যে অনাত্রম অরাসর উপ-জাতি। এটা তি এল আংলামী ভত্তপ্রে ম্যান্ট্রী, বত্তিনা মান্ত্রসভায়ন্ত গ্রেছ-প্রাণ্ট্রিমার মন্ত্রসভায়ন্ত গ্রেছ-

শিক্ষিত নাগারা প্রায় স্বাই খাণ্ট ধনাসলম্বী। কিন্তু একথা বলা ঠিক নয় যে, নাগাভূমির অধিকাংশই খাণ্ট-ধনাসলম্বী। এই রাজোর অনেক লোক এখনও প্রাকৃতিক শক্তির উপাসক। কৈউ কেউ নিজেদের হিম্মা বলেও পরিচয় দেন শনোছ।

কোহিমার উপকণ্ঠে পাহাড়ের উপদে

সারাণস কলেজ, শহরের মধ্যে নৈশ অউস্
কলেজেও ক্লাস চলছে। সরকারী হাইপ্রুল ছাড়াও আরো করেকটি প্রুল রয়েছে—
এর মধ্যে উল্লেখযোগ্য বিদেশী সম্মাসিনীদের তত্ত্বাধানে পরিচালিত লিট্ল্
ভাওয়ার'—শহরের একট্ দ্রে ছোটু একটি
পাহাড়ের চ্ড্লের। কিছ্দিন অরো স্কুলের
কাছে প্রাপিত হয়েছে মাতা মেরীর শ্রেমর্মির ম্তিন রাতে দ্র থেকেও দেখা যার
তার বেদীর ভালোকমালা।

যদিও অফিস-কলেজগামী নাগাপুরেব হারোপায় পরিধান গ্রহণ করেছেন—
মেরেনের নিম্নাশেগ সাধারণ নাগাচানর এবং
উপরাখেগ রাউছ, কারো কারো গারে বাড়তি
নাগা-স্কার্যা। (পরিধেয় চাদর এবং স্কার্যা
অগিকাংশ সমরই নাগাদের নিজ্স্ব উপকাতির নিদেশিক। যারা নাগালাখেজ
ররেছেন তারা পরিধেয় বন্দ্র দেশেই বলতে
পরেন—কে আ্গোমগাঁ, সেমা বা কুকী
সম্প্রদাযভুক্ক।) অনেক আধ্যনিকা পারো
ব্যরোপাঁয় পোলাক গ্রহণ করেছেন। তাঁদের
স্কার্টের হুস্বতা এবং বব্ডা চুলের বিচিত্র



जाश्मिक जाशामी श्वकी



ही हि का जानामी

বিনাস আপনার বিভিন্নত দৃষ্টি **আকর্বস** কর্বেট। অতি-আধুনিক তর্ণদের পরনে ভেন্পাটপ টতার্ফি ক্যুও শেখতে **পাবে**ন।

নাবাল্যাণ্ড কেট প্রান্সপোট রাজ্যের
পরিবহণ বাবস্থার দায়িত্ব গ্রহণ করেছে।
যদিও বের্যাহ্যা শহরে কথানা ক্থানো
টোটন বাস শিরোনামাণ্ডিনত একটি বাহনকে
চলতে দেখা যায়—সেটি নির্দিণ্ট সমর
সামার বংশনে এমনি বাধানে শ্রেরাসীদের
প্রয়োজনের তুলনায় নিতান্তই অকিঞ্জিকর।
আবালবা্ধরণিতা নির্বিশেষ স্বাইকে সেই
আদি ও অক্তিম পদয্যলাকে সম্বল করতে
হল যাভায়াতের জনা।

শতন আশ্চর্য হবেন না—শহরবাসীরা (याटा वाहेरत एथरक कार्र्याश्रवस्क अशास এসেছেন তাদের মধ্যে প্রায় সব প্রদৈশের মানাৰই আছেন তবে বেশীৰ ভাগ **বাঙালী** এবং অসমীয়া। সাধারণ্ড সন্ধ্যে ছ'টা**র পরে** বাইরে থাকেন না। কোহিলা শহরে **মাস**-ছয়েক আগেও সম্পোর পর দা'একটা মারা-মারির ঘটনা প্রায়ই ঘটত। কিন্ত বভামান ডেপ্রটি কমিশনায় দ্রী এম এল কম্পানির কার্যভার গুলুপ কর্ষার পরে শহরের শানিছ-শ্রুখলার উল্লিভ ঘটেছে। মি**লিটারীদের** নিয়মিত টহলও ফলপ্রদ। তবে বিশে**ৰ** 'পানীয়' গ্রহণের ফলে নিশাস**মাগমে কারো** কারো যে হঠাং করিড প্রদর্শনের ইচ্ছে জাগবে না--এমন কথা ধলা যায় না। কিন্ত विश्वात्र कत्न ठाएँ ना-१ क्यून : श्रीम কোনো মহিল। আপনার সংগ্র থাকেন-রাতে রাসভায় বার হলে সাধারণত কোনো नागारे आभनारक किंद्र, दलस्य मा, अस्तको।



উপজাতি পোণাকে অধ্যানী ব্যক

নিবাপদেই আপেনি সাংধাল্যণ করতে পারবেন। প্রতির অধিবাসী সহজ সরল নালাদের জনাত্ম গ্রিণ—তারা মহিলাদের সংখ্যান করেন।

এই পার্বভা প্রদেশে সারা বছরই শীত। মে-জুন মাসে দ্পেরের রোগে কথনত কথনত আপনি ঈষং গ্রম অন্ভব করতে পারেন এবং শুধু সার্ট পরে বাইরে

#### কিছিততে ট্রানজিট্র



২৮৫ টাকা দামের পৃথে বী বিখাও নাক্ষাক ডিলার ত্বাগ্ড জল ক্ষাড প্রোপ্ত জল ক্ষাড

মাসিক ৯০ টাকা কিপ্তিতে কিন্নে। এতি গুলম ও শহরে পাঠান বায়। লিখুনাঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, P.B. 1045 Delbi-6 লোনেত পারেন সোমেটার ছাড়াও, জিলত সারা বছর ধানেই রাতে আগনার নিতাসলগাঁ লোপ অথবা রাপেকট জাতীয় একটা-কিছা। তাই কলকাভার লোকেরা হথন গরমে হানি করছেন তথন আনক অপ্রাণিভার অস্থানিয়ে সঙ্গেও কোহিমার মনোরম আবহাওগার অবামে দিন কাটাবেন। হলত মাজি-প্রবানের জননাই অব্যাণ নিদেক জাতীর প্রানীর পানীর) ও মাংস নাগাদের অবশ্য এবং নির্মিত আহার এবং এইনসংগা উদ্ধেশ—প্রায় কোনো প্রাণীকেই এবা অখাদ্য মনে করেন না।

নাগাভূমির মেছাছেল রাজনৈতিক জাকাশে ধীরে ধীরে দেখা ফাছে মেছাম্ভির আভাস। অবিশা সম্বান্তির এই বিলম্বিত লয়কে চাততের করা যেত কিনা এবং এতংসংগুল আমাদের জাতীয় সরকারের অন্স্ত নীতি কতটা নিজুল—সেকথা তক্সাপেক। তবু বতামানের শৃভ- স্চলাকে ব্যাগত জলালেই উচিত।

এ-প্রসংগা নাগাজুমির সাম্প্রতিক নিবাচনের
কথা উল্লেখ করা যেতে পারে। নিবাচনের
ফলাফলকে অনেকে সীমানেতর এই
পার্যতা রাজ্যের তথাকথিত রাজনৈতিক
সমস্যার সমাধানের স্চক বলে মনে করেন।

ভারতের প্রই প্রভাবেতর দ্টি গহর কাশমীর ও কোহিমার মধ্যে অনুসন্ধিংস্রা কোনো কোনো দিক দিরে মিল খানে পেতে পারেন। দিক দিরে মিল খানে পেতে পারেন। দিক নিরাপ্তার নিক দির গ্রেপ্থা। তাই সরকার সদতবহু, কালো মতে, অর্থারে অর্প্থা। শামে নিক্ষাত্রের করতে পারেন, বিকলু এর পতি যে কোহিমার ভিখারি নেই গারারে অন্তর্গানি কান্দ্রিকার পরিকল্পনার নম তেমন উংস্তাভার এই সাধ্যে অবশ্বর করেকান তথ্য ক্ষেত্র পরিকল্পনার নম কেনে উংস্তাভার এই সাধ্যে অবশ্বর করেকান ভব্র সাধ্যে অবশ্বর করেকান তথ্য ক্ষেত্র ওব্র সাধ্যে অবশ্বর করেকান তথ্য ক্ষেত্র পরিকল্পনার নম কেনে উংস্তাভার এই সাধ্যে অবশ্বর করেকান ভ্রের ভ্রের ভ্রের ভ্রের ব্র ব্যার করেকান তথ্য ক্ষেত্র করেকান ভ্রের ভ্রের ব্যার ভ্রের ব্যার করেকান করেকান ভ্রের ব্যার করেকান করেকান ভ্রের ব্যার করেকান করেকান

নাগাভনির প্রধান উপজাতি আও আজ্লেট্, জোমা, সেলা, সালটেছ হ্মেড্পের, ক'লচাক, 757 75 কুলিয়াতা ককি ধেপামা চাখেয়াত পূচীৰ প্রেরেজ্য ভালাল ভালা আছে (এর মাণ চাৰেসাঙ্র আনার চিন্টি উপভাষা। তথ রাজের সরকারী ভাষা শৈরেলী সৌ कारण कारण्य तसास्य अस्य ताराक রাধার্যাক ভাষার স্পাকর-নাধার্যার বার-সভায়ও মাননাট্য সদস্থাণ হানেক সময় <sup>বেন</sup> ভাষাত পথ্য-সভাগানীবছক' কলে। (মাস্মীক আস্কুল নক অসমীক: অস্মানি), যাংলা ও কিলিং বিদেখিয়াশৰ **সংগ্রিয়া**র। কার লাগি। আপো-আন সেই এ ভাষা বাখণত পানে : একংলে উলেখা ! রাজের একমত চাতিকো পট্নম কেবিম হৈছেৰে কেন্দ্ৰ উপয়তিৰ প্ৰধান প্ৰধান উপ-জাতীয় ভাষা হাডাও ইংগ্ৰেণী ও লগমেলিকাই প্রধানত ভালাকাল প্রচার করে V. (40)

ভারতের পার্গেশ্রতের নালাভিগিট রাজধানী এটা কেল্ডলের সংগ্রেক্সী সাভাষ্ট্ৰৰ ও ছবি আলেল বিশ্ব কোটেল ন্ম স্ফরণীয় হয়ে আছে: (Kohima War cemetery) अवस्ता प्रतिस भारत ही শহরের।) কলকাত। থেকে আপনি টেন (ডিমাপরে-মণিপর भारतन রেলওরে স্টেশনে নেমে বাসে সোফা 👶 भइरत), अथवा एकात हैम्फल हैम्फल ए<sup>ए</sup>ं বাসে। ভারতের এই অধ্যারক্রো সাস<sup>্তে</sup> इ.स., भरन बाध्यदन, आश्रनारक Inner line permit নিতে ছাব। কিম্তু যদি কথান আদেন-সীমানেতর এই শৈল্পহরের দেখ বৃশ্ভি-রোদ আনেশছার ম মারাতরা প্রাকৃতি म्या निष्ठबरे घुण्ध कत्रत्य काणनात्कः

' 'ক্ল্যানেট নিউক্ক', আ্যালেন গ্ৰীন্স-বার্গের নতন কবিতা

আলেন গ্রীন্সবাংগার নতুন কবিতার বইটি সম্প্রতি হাতে এলো। ১৯৬১ থেকে ১৯৬৭ সালের মধ্যে কবিতাগালি এতে সংকলিত হরেছে। এর মধ্যে অনেক কবিতাতেই বাংলা দেশের পরিচিত্ত অব্যাগ আছে।

১৯৬০ সালে আালেন গাঁন,সবাগাঁ

আংগি প্রথিবী ঘ্রতে ঘারতে পারে

ভোটে কলকাতার এসে পৌছি ছিলেন,
ভরপর বেশ কয়েক মাসের কন্য আশতানা
গড়েন। এর কিছুকাল আগে ভিনি
ব্যাহর বস্যকে বলোছিলোন, একনিন
ভারতবার্থ যাবোট – আর কিছু ভারত প্রবাস
হার এই বাইনার করিতাবলাতির অভানত
প্রভার বিশ্বর করেছে। এর ফল খার
ভারত বিশ্বর করেছে। এর ফল খার
ভারত হারতের করেছে। ওর ফল খার
ভারত হারতের করেছে। তর ফল খার
ভারত হারতের করিছে। তর ফল খার

नौराजर्रात अकसर भाँछे व्यक्तीतकार কবি, গোটা আফেরিকা ভার নিচন্দ্র হস্ত্রভিটাকর মতন আপন এবং এই তাম্বিকা কোনো ভাব মাতি নয়, এব বিশ্লাভ শক্তিব লাপট ও অণতঃসারশানাতা —সংট তার কাছে পরিচিত এবং একমাত্র সামেরিকার মেনিখক ভাষাই ভার কবিভার শক বাঞ্চল পরে আন নিবে আন এক মত উপস্কাঃ ভার **ডিন্ডাও অনুমা**রিকাকে দেশ্ৰ কারই, ডিনি চান একটি বিশ্লব আনতে—য়ে বিষ্ণাৰে বভামান আমেরিকা ধ্যাস হাবে এবং নতম আগেগিকার ভাগা ই.বা এবং একজন **ক**ৰিব বিশ্লৰ শেলাগান শৃত্য ভাষার প্রতিষ্ঠার করিছের এই বিশ্লাবের বাণী বার বার ধর্নিত-প্রতিয়ে নিতা

এই রকম কবিতার মধ্যে কাজীমাতা ও
গগা নহরির বদদনা, দশাদ্রমেধ ঘাটার
ব্রিটি, বিবান্ধর স্বামার উপপেশ, ধানে,
বির্বিকমি প্রভৃতির উল্লেখ থার মিশ থেতে
গরে কীং অবলা, এই ধরনের কবিতা
কতগাম সংগকি, তা এখন বোঝার উপার
কেই, তার হাজার হাজার অন্কারক জন্মে
গৈছে এখন, প্রচার পালটা প্রচারের চাক
তাল কান কালাপালা। ইংরেজি কবিতার
এ রকম দ্যু একটা আমাদের চেনা শশদ বিশ্বে হিচাতো আমাদের আহার হতে
গারে, কিল্কু বাংলা কবিতার অনাবশ্যক
লগানিন বা ভামিল শ্রেকর মতন এগালেও
তে ইংরেজি পাঠকদের কাছে বিরক্তিকর
লগান কথা।

এক সময় অ্যালেন গ্রীন্সবাগেরি সংক্র আমাদের বংলাদেশের অলেকের সংক্রেই শিরচর হরেছিল। এই বইরের বেশ করেকটি



কবিতা রচনার সময় বেখন তখন ভারেতিত ক্রিকা কোলা জার । কেন্তা কালার উপলক্ষ্যে সময় আমরা উপস্থিত ভিসাম। THE Last Night in Calcutta\_ কবিতাটি কলকাতায় এব শেষ বাত্ৰ--কেটে ছিল ভরাণ কবি উৎপলক্ষার বসার ব্যজ্ঞিত অমর্থ করেকজন সেখনে কিছা সময় উপ্পিত ছিলাম—অ দ্বৰ্ষ, কবিতাটি কিল্ড আমাৰ এখন পড়তে ভালো লাগলো না। এর অনিক কবিতা তার মাখে শার্যার অংকরি শান্তি এখনত কলে ভাসে তার ভুৱার সারেলা গুলায় The Change কবিতার আলম্ভ : বাকে মাজিমিয়ান্স, কম হোমা অনেক কবিতা তথ্য সভি ভাৰো লেগেছিল, এখন সম্পাৰ্গ বহীট পাছে তেমন ভণিত হলে। না।

চিংকার ধনী লাইনের মধ্যে ধর্নীন সামজসা বেগে পালের বাবহারই গাীন্সি-বাধোর কবিতার প্রধান পরীক্ষা। এখন ভাতে চিংকারটাই একটা বেশী প্রচলন মধ্যে গাছে। গড়তে পড়তে একছেরে লাগে। ভারি প্রাবতী নতুন কবিতার বইটির বিশেষ ভ্রত হাটিক পাঙ্যা হয় লা।

ইভিল্যে বিখাত হায়েছে, ভার এলন কাষকটি কবিভা এতে আছে। যেসম ছো উইল টেক ওভার দা ইউনিভাস'' ডেখ নিউজা, দি চেল্ল—কিডটো-টোকিভ একছেল, 'উইচিটা ভরটেকা সরে' ইতগ্রি। করেকটি ক্রিতা এককম ব্রেড পারা মায় না, ক্রেকটি কবিতা অধারণাড়া সাবেধা। আগের প্রেক এই সিম্ধানেত আনে ই স্মিরিধা-জনক—এই কবিদ্ধ কোনো কবিতা হদি ব্ৰেছে পাৰি এবং কোনো কৰিত। পাৰি না —তা হলে না বোঝা কবিতাপালো বাজে। বেমন স্তোৱন চা কলী ডেস্ট্রার অব देशिकेकारमा : अंद्र मादेशश्रीम अ तुक्य : O Republic female mouth from which two politics trickle they who recite

the name they thy 28th star OMAHA subjugate hungers a: creech under Gold Reserve host hordes

আমার কছে বিরক্তিকর ও অসহা হলে হলো। "দা চেজা : কিও টা-টেনিও একাপ্রেস" কবিতাটির কিছু কিছু অংশ অবশা বিধাই কলকের মতন স্থানর। ধ্যেমা:

In this dream I am the Dreamer and the Dreamed I ar

that I am Ah but I have

Jooh for the hate I have spent in donying my image & cursing the breasts of illusion— Screaming at murderers, trembling between their legs in fear of the steel pistols of my mortality—

Come, Sweet lovely Spirit, back to your bodies, come great God back to your only image, Come to your many eyes and breasts.

অপর পক্ষে তার বহু বোবিত কবিতা

#### প্ৰকাশিত হল

(मथ्र (मनश्रक्त

# विश्वव प्रत्भ प्रत्भ

[ নাম বারো টাকা ]

ইটালী, ফ্রান্স, কশিয়া, লাল চাঁন, ভিষেতনাম, কোরিয়া, মধ্য এশিয়া, আফ্রিকা, লাটিন অমেরিকা, পূর্ব ইউরোপ প্রভৃতি দেশের বিংলব কাহিনী এবং ভারতে আগামী বিংলবের সম্ভাবনা সহ অমিমহুগের সন্থাস্বাদী বিংলবাদের রোজ নামচা।

প্ৰিৰীয় সেৱা বিপ্ৰগ্ৰিয় জজন্ত ছবি দেওয়া আছে।}

# अक्षि **हाक्ता**नत **उँभवग्रम**

क्नीन्म्रताथ वरन्ताभाशादम्ब

#### অশান্ত মধুকর

(পাম সাত টাকা)

জ্ঞানের যাব যথাগায় মানসিক বিকার-গ্রাম্থ তার বাঁরা ভূগজেন ভাদেরই পথ নিম্যাশ দেবে "অধ্যাদত মধ্কর"।

#### জ্ঞানতীৰ্থ

১নং বিধান সরগী, কলিকাতা-১২

The second of th

সতপ্রথ ও রাধানাথ পর্বতাভিযানের পটভূমিকায় রচিত—

শঙ্কু মহারাজের

# চতুরঙ্গীর অঙ্গনে

শৃথকু মহারাজ বাংল। সাহিত্যের একটি সুপরিচিত নাম। বিশেষ করে

হিমালয়ান রচনায় তার স্থান প্রথম সারিতে। তব্য বলব, এমন প্রামাণ্য
প্রক্থ তিনি এর আগে আর রচনা করেন নি। এবং এমন প্রক্থ ইতিশ্বে

আর কোন ভারতীয় ভাষায় লেখা হর্মন। অসংখ্য আলোকচিত্র, মান্টিত
প্রস্কার বিজ্ঞান প্রত্যারাহণপঞ্জী সহ।

সাল বল ইক্স

विश्ववी निकुक रमत्नर

# বক্সার পরে দেউলী

● আণিমযুগের পটভূমিকায় লিখিত আমাদের আর একটি অত্যাশ্চর প্রশাষ।

• দল সাভ টাকা

শক্তিপদ রাজগারের মতুন উপন্যাস

# मर्डिन्नाम ६

বদি জানতেম ১০০০০ ॥ জনম অর্থাধ ১০০০০ ॥ জলসা ২, রূপ বদল ৫০০০ ॥ অনেক বসত একটি শ্রমর ২০৫০

রবীন্দু পারস্কারপ্রাণ্ড লেখক নারায়ণ সান্যালের নতন উপন্যাস

# তাজের স্বণ্ন ৮,

ক্লীলকুমার কারা প্রাচীর ১০১

স্বোধ জোষের গল্প মণিঘর ১৪১

#### রতনকুমার ঘোষের পরেস্কৃত নাটক

সিণ্ড় ৩.০০ ॥ ফেরা ২.৫০ ॥ অমৃতস্য প্রা: ২.৫০ ॥
সম্ভু সন্ধানে/পাপ পূণা (একাংক নাটক) ৩.০০
প্রথৰ মিনেৰ একাংক নাটক ॥ আলো নেই/কণ্ঠস্বর ৩.০০
বৰণীল ভট্টাচার্যের ॥ আমায় বাঁচতে দাও/সংবাদ বিভাট ৩.০০
পার্থ ৰন্দ্যোপাধ্যারের ॥ আদিম ৩, ॥ গোর শী ॥ বিশ্লে ৩,
বিজন ভট্টাচার্যের ॥ দেবী গজন ৩.০০

ভবীকু লাইভেনী: ১৫/২, শ্যামাচরণ দে দ্রীট, কলিকাতা-১২ : : ৫৪-৮৩৫১

"ভহাচটা ভরটের সূত্র" চে'চাফচিত্র ভতি<sup>র</sup>।

এখনও মান হয় ক্তেত্ত আমার নিরিবিলি আবেগের কবিতাতেই গ্রীলে ৰাগেৰ প্ৰতিভা সম্পূণভাবে cs'ভামেচির কবিতা তার নিজস্ব চায়ের তাপ নৰ। দেখেছি তো লোকটিকে দেখলে যার নিজেরও ডিথারী হাতে ঠাক হর, নদী দেখলেই ইচ্ছে হয় ভারগালন করতে, যার ধানের মন্ত "আমি ধন মান চাইনে মা, চাই প্রশ্বা ভার"-তেই মান্ত্রত প্রক্ষ বাট বা হিপিদের নেত্য গেল স্বাধীনতা বা মাদক দ্রবা সেবনের প্রাধীনতা আদেরালনের হোতা হ'ওয়া ঠিক যেন গানত না। একজন মান্ত্র কি দিয়ে নেশা করতে কিংবা কাকে যৌন সংগী নিবাচন কর্ত্ত **সেটা তার সংপর্গ**িনজ্ঞত ব্যপার এ নিয়ে কোনো আপেন্সন করাবা এর প্রিবন করাই একমাত ভালাগার বাগার মান্তম গীনসাবাগ্রিত এর মধ্যে নিজেকে কেলাভেম।

তেও বক্তম ित्रभा गाम এই বইড়ে প্**তথ** নিউজ' কবিতাটি। িছিনি হঠাং क्रीय **উইলিরাম্সা মারা গোছেন। কবিতা জগতে** উইলিয়ামস - ই গ্রীন্স ব্যাগের প্যাটারসনে কিলোর গাঁনসাকারা কেতেন ভার কাছে, লাজ্যক গলায় কথা বলাডেন চিঠিপতের (উইলিরামস-এর এর উল্লেখ আছে।। এতদরে বিদেশে সেই গ্রেপ্রতিম কবির মাতা সংবাদ পেয়ে ভার আঘাত ও বিমাড়ত। চমংকার ফাটোছে। তরি একটি সাক্ষর ছোট কবিতা সম্পূর্ণ উপাত करत जारमाहरा स्मित् कर्राष्ट्र। करिन्छापित নাম 'গ্রেরু'।

It is the moon that disappears
It is the stars that hide not I
It is the City that vanishes. I
stay with my forgotten shoes
my invisible stocking
It is the call of a bell

সনাতন পাঠক

এস. সেন. জে. পি নারিক রেজিভেট্নন অফিসার

১৮খি গামাচরণ দে প্রীট কলি-১২ কলেজ প্রীট, মহাত্মা গান্ধী রোড জংসন ক্ষেত্র: 34-6896 / Resi · 34-4045)

রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস পূর্ব পাকিস্কান। অমিতান্ত গণ্ড । আনন্দধারা প্রকাশন। ৮ শ্যামাচরণ দে দুর্গীট কলকাতা-১২। বোলো টাকা।

वारमात माहि, वारमात सम, वाक्षामीत चरव হত ভাইবোন স্বাইকে এক করার শপ্ত নিয়ে যে স্বাধীনতা আন্দোলন সঞ্জীব চ্যোছল একদিন তারই সমাণিততে আমরা পেলাম থা-ডত বাংলা। বাংলার জল মাটি ও মান্বের অখণ্ডতাকে বিস্ঞান দিয়ে '৪৭ সালের স্বাধীনতাকে স্বাগত क्षताट इन आमारमत्। न्यत्नीत कारनत মুখা ইতিহাসের এই নিম্ম পরিহাসের কোন তলনা নেই। কোরিয়া, ভিয়েরনাম, জার্মানীর কথা সমরণে রেখেও বলা যায় এই অপ্রত্যাশিত কৃত্রিম দেশ বিভাগ-বাংলা ও পাজাবের বাকের ওপর দিয়ে যথেচ্ছ এই हेला. जपारमत রঞ্জনৈতিক সীমানা খতাক্রিরাপী স্বাধীনতা সংগ্রামের কোন পরেই আশৃৎকা করা বায়নি। আশৃৎকা করা যায়নি যে, এই বিক্তেদ বহিরাগত কোন সামরিক আক্রমণের ফল হিসেবে নয়. দ্বাধীনতা প্রাণিতর শত হিসেবে আমাদের দেবচ্ছায় বরণ করে নিতে হবে। কোটি কোটি সাধারণ মানহে OF. কৃতিম দেশ বিভাগকে আজও মনের সংগে মেনে নিতে পারেনি তা রাজনৈতিক শাসন বা নির্দেশ যেমনই হোক না কেন। তাই দেশ ছেড়ে দলে দলে ভারা এপার বা ওপার বাংলার আশ্রয় নিলেও মনে মনে তারা তাদের পরিতার বাসভূমি বন্ধ:বান্ধব আত্মীর পরিজনের বিজেদে সদাকাতর। শৈশব বা যৌবনের স্মৃতি মমতার নস্টালজিয়ার আকারে আজ পূর্ব বা পশ্চিম বাংলার ম্তি পরিগ্রহ করে। বলা বাহ্বা, এই ম্ভিরোমন্থন বিলাসিতা নয়, বাস্তুচাত মান্বের অনিবার্য বিধিলিপি।

প্র' ও পণিচমবর্ণা সম্পর্কে তাই
সাধারণ মান্বের কোত্হলের শেব নেই।
দ্টি দেশের ধ্বরাধ্বর, অবাধ বাতারাতের
দ্বোগ বাঞ্জলী মারেরই কামা। কিন্তু
রাজনৈতিক পরিস্থিতির চাপে মান্বেরা এই
সামান্য স্বোগাট্যকু খেকেও বন্ধিত। পণিচমবংগার দির্ক খেকে বনিও এই ভাব ও হাদর
বিনিমরের ক্ষেত্রে কোন কঠিন বাধানিবেধ
আপিত হরনি, কিন্তু প্র' প্যাকস্তানের
দিকে বে কঠিন লোহ ববনিকার অন্তর্জাল
গড়ে উঠেছে ধীরে ধীরে ভার বেদমাদারক
কলভোগ করতে হচ্ছে উভর বাংলার
মান্বকেই। ভৌগোলিক বিক্রেণকে রুমশ
চ্ডান্ত ভারবিক্রেণের রুশ দিতেই এখন
ভঙী হরেছেন প্যক সরকার। এমন কি বে



ভাষা ও সংকৃতি উতর বাংলার নিবিদ্ধ সাব্যাের ভিত্তিত্যি তাকেও আঘাত করে খণ্ডিত করতে প্ররাস পেরেছেন ঐসলামিক রান্দের সামরিক প্রভূব্দ। কিন্তু সংকৃতিপ্রেমী ব্যকের কোন্দিনই আভাব হর্মান প্রেবিদের। পাক সরকারের ক্টেডের-বির্মেশ তারা বিদ্রোহ করেছেন, তাবা ও সংকৃতির ঐতিহা রক্ষার হাসিম্থে আন্বর্বিল দিয়েছেন।

শ্রীঅমিতাভ গাণ্ড তার বিশাল প্রশেষ পূর্বে পাকিস্ভানের সেই অসমসাহাসক যুবকদের ভাষা ও দেশীর স্বাতন্তা রক্ষার সংগ্রাম বিশ্বাসবোগ্যভাবে তুলে ধরেছেন। এগুলো তিনি প্রধানত সংগ্রহ করেছেন প্রবিশের বিশিশ্ত নেতা ও সংকাদপতের মুক্তবা এবং রিপোর্ট থেকে। আয়ুবশাহী ভেন্সগাড অমলের বিভিন প্রতিরোধের যে চাপা স্রোভ বয়ে গেছে দেশ জ্বড়ে তারও যথেষ্ট প্রামাণিক বিৰয়ণ আলোচা গ্রন্থের সম্পদ। শ্রীগাুণ্ড দেখিরেছেন গণতদের প্রতিশ্রতি কী শোচনীয়ভাবে নিম্ম একনারকছের রূপ ধরে পূর্ব বাংলার কণ্ঠরোধ করে আছে। বিশ্বেষ ঐসকামিক वार्षे निर्मार्शिय सक्षाशास्य कीसार्व निर्म প্রাণ্ডকে পশ্চিম প্রাণ্ডের শাসন ও শোষণের একটি স্থায়ী উপনিবেশে পরিণত করার চেণ্টা চলেছে। এবং এই স্বাধীনতা হরণ কীভাবে পূর্বে বাংলার বিশ্লবী মান্ত্রকে জাগিয়ে তুলে নতুন এক বিলোহের স্চনা করেছে। লেখকের আলোচনা সর্বচই যুৱি প্রমাণ ডিভিক। এ ধরনের একখানি প্ৰাণ্য গ্ৰন্থ রচনা বর্তমান পরিস্থিতিতে ধুবই লভ। তিনি নংশা সংক্রের সাহাবে। সেই শন্ত দারিছটি পালন করেছেন। লেখকের এই পরিভাষ ও মিষ্ঠা বার্ষ হবে না, প্রেবিশ্য তেমিক বাঙালীর সংখ্যা পশ্চিমবশোও কিছু অপ্রভুল নর; ভারা मवाहे धरे शम्यदक न्याग्रक कामारवन।

369/83

সপাতি শাস্ত

গশ্ভীরা : লোকসপাতি ও উৎসব। একাল ও সেকাল। প্রদ্যোত ঘোষ। চর এন্ড কোহ। ৬৪বি, প্রতাপাদিতা রোড। কলকাতা ২৬। পতি টাকা।

गन्छीता गाम्बद मर्ल्य मानावन मान्यस्व

ছাল্প স্বৰূপ পরিচয় থাকলেও এর সংখ্য बुक छेरत्रव ও विकिस शक्ति वाहात, चाहतन चात्रारमञ् जात्मरकाहे वकाछ। बारमा भारतक रमण। समयात्र, खेणिया. হয় এবং মানসিক্তার প্রবর্তনার এদেশে मचि शहाइ-केंग्रिंग. भाषामभाषि. कार्तिवानिः मादि बादि हेन्ना, कदि, खतका, আৰ্ড়াই, গাঁচালি, গম্ভীরা। দর্গহতা ও সংস্কৃতির বিবর্তন ও বক্ষিবদলের সংগ্রেও अरमन माणित मन्त्रक त्रस्तरह। विस्तव আশালকতা ও লোক সংস্কৃতির সাসনও এদের ওপর দুনিরিক। নর। তবু ম্বত দুটি মৌলিক শতরভেদ আমাদের লোক-शीष्टिक विभिन्छे क्रक्स्था , क्रेड्सछय ना বলে হয়ত আবেদন ও ফলপ্রতির তারতমা বলাট অধিক সভাত। কারণ সাধারণভাবে ধর্মালিত গাঁতাত্মক এই লোকসাহিত্যের একটিতে আমরা প্রতাক করি ভাবের জগং। লেই লগতে বিশেষভাবে প্ৰ' ভাৱতেৰ ভাত ধর্ম ও দালানকতার ভাববংশটি প্রধান। এবং এর সংগ্র সর্বভারতীয় ধ্মীর মনীযার বোগ অন্না নর। কীতান, বাউল বা দেহতকোর গান বিশেলবণ করতে গেলে সেই মরমীয়া ভাবসাধনার ধারাটি আমাদের এক বৃহেৎ ভাবের কগতেই নিরে বার। অপর্যাদকে অন্য এক শ্রেণীর গানের शास्त्र वित्नवकाट्य शुर्ज दर्गिय जामारमञ ছরের কথা। রাশুলীর ঘর, সমাঞ্চ, পরিবার তার সহত্র খাটিনাটি, কলছ-ঈর্বা, প্রেম-প্রীতি বেন স্বতঃস্কৃতভাবে প্রবাহিত হরে চলেছে এই লোকগাঁতির প্রবাহ করে। চণ্ডী, মনসা, ধমঠাকুরের মান, পাঁচালি, সূর্যার, ভাটিয়ালি স্বই সেই হরোরা কথারই রকমফের। সম্ভীরা গান ও ন্তা এই ধারার ঐতিহাবাহী।

গদ্ভীরা শব্দটির মূল অর্থ দেবালর। কিন্তু গদ্ভীরা বাংলার বিভিন্ন **অগুলের** 

#### धना धना পড़ে गिन

ৰাংলা সাহিত্য পেরেছে ভার নিজ্পৰ পকেটব্ক সম্পীপন চট্টোপাধ্যার-এর

# সমবেত প্রতিদ্বন্দ্রী

ও অব্যাব্য ৩.০

জন্না ১৭/১ডি, সূৰ সেন স্বীট, কলভাতা ১২

(সি ৬৯৫৪)

পাজনোৰসবেরই একটি রূপ। জন্য জগুলে বা পিবের পাজন গোড়বপের মালদহে তারই নাল প্রকল্পী স্থান কৈ-সিবকে নাল প্রকল্পী স্থান কৈ-সিবকে নিয়ে মন্ত্র জিনি দেবাদিদেব বোলক্ষেম ক্রেইবর নান তিনি বাংলাদেশেরই বাউক্তরে মান্র, চাববানের দেবতা। ধর্ম-রাকুর বা মঞ্চাল কাবোর সংগ্য এর বোণ প্রাক্তরে গাভারীর ম্লেড চাববাস, সমাজ এবং আধুনিকরালে রাজনীতিকেই বেশি প্রাধানা দিরেছে। নাচ, গান উত্তি প্রভাৱির

সমাহারে গঠিত গল্ভীরার মধ্যে শ্রীকৃককীর্তন'-এর নাটগাঁতের আদব্যও পাওরা
বার: ফলে প্রচীনভমকলে থেকে বে
মোলিক সংক্ষেতির বারাটি আমাদের সমাজ
ও বরের কথা অবলম্বন করে বিবৃতিতি হরে
চলেতে গম্ভীরা তামই একটি উল্লেখবোগ্য
রূপ।

কোখক তাঁর এই গ্রেমণাম্লক গ্রাথটিকে গান্দচীয়া ও তার বিভিন্ন রূপে সংস্কৃতি বিশ্হত আলোচনার লোক সংস্কৃতিপ্রেমী পাঠকের কাছে বিশেষ উপজোগঃ করে তুলেছেন। এর মধ্যে গশ্ভীরার গান, তার উৎসব মণ্ডপ, দিনলিপি, বিজিল ন্তা এবং গশ্ভীরার কমবিকাশের সংক্ষিণ্ড বংশরেছে। করেকটি গানের সংবক্ষান নির্দেশ করেকজন লিপেনী পরিচিতি ও বিভিন্ন মরনের মন্থোশের পরিচিকের শ্বারা রচনাটির আকর্ষণ বৃদ্ধি পেরেছে। লেপকের ভার অহেতুক ভাবাবেগে দ্ব একটি স্থানে কিছু তরল। গবেষণাম্লেক নির্দ্ধ রচনার ভাবা আ্বেগবিজ্ঞিত ও স্পন্ট হওরা বাজ্নীয়া আশা করি লেখক ভবিষাতে এসিকে স্থিতি বাথবেন।

#### क्षेत्रे विकि

বিগত ১৭ই ছাবণ দেখ'-এর 'প্রত্তর পরিচর' বিভাগে শ্রীঅসমি নাম সংগণিত 'চলচ্চিত্রুপথ'' গ্রুপ্তির আলোচনার অমার এক রচনার উরেপ্তালে আমাকে চিত্রুপরি-চালক বলে পরিচিত করা হলেছে। প্রাস্থিপকভাবে জানিরে রাথা প্রায়ান্তর স্থে অতীতে অথবা বর্তমানে চলচ্চিত্র পরিচাগার সংগো কোন প্রভাক যোগারোগ আমার এই। দিলীপ মুর্থাপোধ্যায়

কলকভে এ

#### পাপি স্বীকাৰ

প্রতিবিশ্ব। তারাপ্রসাদ ভট্টভার্য। রম! ভট্টভার্য: ৩৯ পি সি ব্যানাজী রেড, ক্লিকাভা-৫৭। মুলা: ০০৫০।

সমবেত প্রতিষদ্ধী ও অন্যান। সদগ্রন চট্টোপাধায়। অধ্না: ১৭/১ডি স্ব সেন স্ট্রীট, কলিকভো-১২। মূলা: ৩-০০।

গভকে মৰগান। জ্বল ডেনা। অনুবাধঃ মানবেন্দ্ৰ বদেনপোধ্যার। অনুবাধ প্রকাশনীঃ ব, যালাকিলোন দাশ লেন, কলিকাতা-৬। মালা ঃ ৫-০০।

9.00

এই জালো হাওয়া রোটো। সংপানকঃ বিজিংকুমার ভট্ট হাঁ। কৃতিবাস প্রকাশনীঃ ৬৬এ, সাউধ এন্ড পার্কা, কলিকাড ২৯1 মালা: ৩-০০।

কুঠনের। প্রীপার্যতী সেন। পশ্চিমবংগ গান্ধী-শতরার্যিকী সমিতি ঃ ১৮৯,
চিত্রজন অ্যাতিনিউ, ক্রিকাভা-৭। মুল্মঃ

সাম্প্রদায়িক স্বস্থা ও পাশ্বীধী। রেজাউল করীয়। পশ্চিমবংগ গ<sup>ৃহ</sup>ী-শতবাবিকী সমিতি : ১৬৬, চিত্তর্ঞান আ্যাভিনিট, কলিকাতা-৭। মলা : ০-৫০<sup>‡</sup>

নীল পাধরের আকাশ: মগীপ্র গ্<sup>মত</sup> ৷ বিচিচা: ৬, বাংকম চাট্ডেস স্থীট ক<sup>রি</sup>ন কাজা-১২! মুলা: ১ ০০:

জোনিন ও ভারতবর্ষ : চিল্মেচন সেহানবীদ। কালাস্তর প্রকাশনী ১ ১৯, ভাঃ দারং ঝানাজী রোভ, ক্লিকভো-১।

#### COLLEGE BOOKS-1969

[Calcutta, Burdwan & North Bengal University Course]

#### For P. U. & University Entrance Examination

অধ্যাপক চৌধারী ও অধ্যাপক সেনগুশুত প্রণীত 1. ভক্ষিক্সান-সংক্ষেপ (Deductive & Inductive)— ওম সংক্ষেপ 6.50 (Recommended by O.U. and N.B.U. as a Text book)

#### Degree Philosophy Course (Pass & Hons.)

व्यशासक अध्यामनम्बर त्मनगात्र अभीक বৰ্ণনের মূলতত্ত্ব (ভারতীয় ও পাণ্চান্ত্র দর্শান একরে)—৫ম সংস্করণ 15 00 ভাৰতীয় লগন (Indian Philosophy) - তম সংস্কৃত্ৰ 8.00 3 **জাৰতীয় দৰ্শন** (২৪ প্ৰাৱ) -for B. U. 2.00 7.50 4. The state of a (Western Philosophy) - on minare भाग्नाका वर्षान (for B. U. Part II)— ३॥ महत्त्वतुव 10.00 15.00 मीकिविसाम स अवास्त्रमर्गन- वर मान्यतन 7 afficiation (Ethics)- qu nesses 8.00 (Social Philosophy)- and Arrange NUMBER OF 8.00 15 00 (Psychology)- on acres staffarn 12.00 10. Handbook of Social Philosphy-2nd Edition 6.00 11. পাশ্চান্তা বৰ্ণনের সংক্ষিত্র ইতিহাল-আধানক হলে : বেকন্-ছিউম **EDUCATION COURSE** 

অধ্যাপক লতেন্দ্ৰমার রয় প্রশীত 1. শিক্ষা-তত্ত্ব (Principles & Practice of Edu) \_ ২য় সংকরণ

2 ভারতের বিক্ষা সমস্রা (Indian Edu. Problems) - ০র সক্তরণ 12:00 অধ্যাপক সেনগলেন্ড ও অধ্যাপক রাম প্রণীত

#### 3. विका-बदनाविकान— (Edu. Psy. with statistics) — २३ शुक्काल 16:00 B.T. & BASIC COURSE

#### অধ্যাপক গৌরদাস হালদার প্রণীক

 1. শিক্ষণ প্রসাকে সমাজবিদ্যা
 (Social Studies)
 8.00

 2 শিক্ষণ প্রসাকে অর্থনীতি ও পৌরবিস্থান— (Eco. & Civica)
 10.00

 3 শিক্ষণ প্রসাকে ইতিহাস
 (History)
 (ব্যক্তিশ)

1 দিকা-তন্ত্ব (Edu. Pheory)— ১৪ স্পের্গ 9.00 2 ভারতের দিকা স্থাস্থা (Indian Edu. Problem) —০৪ স্পের্গ 14.00

ৰধ্যাপক কেনগতন্ত e ৰধ্যাপক বায় প্ৰণীত। 1 শিক্ষা-মনোবিজ্ঞান (Edn. Psy. with Statistics) — ২৪ সংক্ষরণ 16.00



#### BANERJEE PUBLISHERS

5/1A, College Row, CALCUTTA-9: Phone: 84-7234

#### সাওলকৰ

ন। ব্যান্তমিনটন শেলার সাটল-এর ওজন হবে ৭০ গেকে ৮৫ গ্রেনের মধ্যে (S-৭৩ গ্রেনের মধ্যে (S-৭৩ গ্রেনের ১৯ গ্রেনের মধ্যে (S-৭৩ গ্রেনের ১৯ গ্রেনের মধ্যে শ্রেনের মধ্যে করের জাল থাকারে এই গ্রেনের পালক থাকারে লালার ১৯ গ্রেনের মাকারে মালার মালা

গুসনের কোনরকল বাতিকল না করে এবং গাঁহ, ওজন ও চলনগালিতা কিক বেখে জাতুমি সংস্থার অনুমোদন সাপক্ষে স্টাল্কের স্থানা পরিবর্তন করে যেতে প্রা

(৪) সেমন, জাবহাওয় বা সম্ভুচ ক্রী থেকে স্থানের উজ্জভার করেল বলি সাওকের কিছা প্রিবর্থন প্রায়াজন হয়।

াবি। কিংবা, বিশেষ কোন কারণে এবং বেলার জবরে**ী প্র**রোজকে যদি স্বক্ষান্য কবিবত নের সংখ্যান্তর লকে।

সাউল এর প্রতিবেশের স্বথাখাতে। বোনার 
ক্রীলাম একটি বাকে বাউন্ডারি লাইনের উপরে 
দাড়িরে আন্ডার-হ্যানেড অপর বাকে 
করা। 
স্বারেশ ক্ষমতা সম্পল কোন দেখলৈ নাড়ে 
সংলোৱে আন্ডারহানেড উন্ফু করে দেউকে 
করল সনি সাউল অপরনিকের বাকে বাউন্ডারি 
ক্রীনের ভিতরের দিকে এক ২০টি থেকে 
২ নাউ ৬ ইন্ডির মধ্যে পড়ে ওবে ব্যুক্তে 
হবে সাউলের গভিবেশ ঠিক আছে। বাকে 
ক্রীডারি লাইনের ক্রিক্ত ক্রাক্তির বাকে 
ইন্ডির বেশ্বী দ্বের সাউল পড়ে ওবে 
ব্রুক্তে হবে গভিবেশ ঠিক কেটে।

#### वाक्रवा

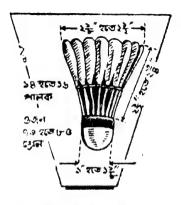
ব্যাভাষণ্টনের ব্যাকেটের চেরে সাটল ব্যবহারে ব্যথেণ্ট সভকভা অবলম্বন প্রয়োক্ষম। সাজ ব্যবহারে ব্যথেণ্ট সভকভা অবলম্বন প্রয়োক্ষম। সাজ করার ফলা একজন খেলোয়াড়ের কাছে সাটল বেরার সমর কথানাই ক্লোর বা পাটাওনের উপর দিয়ে মেরে সাভারের কাছে সাটল গাঠানো উচিত নর। সাটল-এর আরু ক্রণেগারী। সাটল-এর পালক একবার ভেগের বা দ্যোড়ে গেলে সাটল-এর গাঁত নণ্ট ইয়ে সাটল অবেজাে হরে বার। আজকাল ক্রাচিটকসাএর সাটল ব্যাভামিন্টন ফেডােরখন

#### ব্যাড়িমণ্টনের আইন-কান্ন

জ্ঞান্টিকস-এর সাটল অন্যোলন করলেও প্রতিযোগিতার খেলা বা গ্রেছপূর্ণ থেলা পালকের সাটলেই অন্যতিত হয়।

#### Collins

৫। (এ) পেলারার শাক্তর আর্থে তালেরই বে ফারে সরি। কেলাছ অংশ গ্রহণ করবেন। (বি) ভাবলাস-এর খেলা হলে। দাইজন



बार्काम-हेट्स मार्डेनकक व कांत्र मान कांक

কার খোলায়াড় থাকবেন এক এক পক্ষে। স্থিপালস এর খেলা হলে। এক এক পক্ষে থাকবেন একজন করে খেলোরাড়।

্সি) হৈ দল বা খেলেয়ড় সাভিন্স করবে তাকে বলা হবে 'ইন' সাইড. আর প্রতিসক্ষ বল বা খেলেয়াড়কে বলা হবে 'আউট' সাইড।

#### i n

ও। থেলা আরদেভর আলো দ্বু' পক্ষের
দ্বুক্তন টন করবে এবং টনে হারা ক্লিডবেন
ভারা নাচেয় কোথা ভিনটি সিদ্ধান্তের বেকোন সিদ্ধান্ত বেছে নিতে পারবেন।

- (এ) প্রথমে সাভিসি করবেন কিনা, ভাগবা
- (বি) প্রথমে সাভিসি না করে সাভিস বিসিভ করবেম কিনা, অথবা
- (সি) কোটে'র কোন পাশে দাড়াবেন।

যারা টলে হেরে বাবেন ভারা টলে জরী পক্ষের সিন্ধান্ত গ্রহণের পর বাহি সিন্ধান্ত গ্রহণ করতে পারবেন।

**জাতবা**—ভিনটি সিম্ধান্তের ব্যাপারে

ושים עו מישורים מיים ביים וושור ושיש ভাল করে অনুধাবন করলে বিভাণ্ডর কিছা থাকে না। যেমন ট্রেস হুলী পক্ষ বাদ জোটোর একটি পংশ বেছে নেয় ভবে অপর পক্ষ প্রথমে সাহিত্য করার সিন্ধান্ত নিজে পারে আবার প্রথমে বিসিত্ত করার সিম্ধান্তত্ত নিতে পারে। সমভাবে উসে বিজয়ী পক্ষ বাদ প্রথমে সাভিসি করার সিন্ধানত গ্রহণ করে ভাবে অপর শব্দ কোটোর পাল বেছে নোর. ভাদের প্রথমে রিসিভ তো করতে হবেই, হথ্য তাপ্ত পক্ষ পথ্য সাভিস করার সিংধাৰত নিবেছে। হাৰ টাসে বিজয়ী হাৰ কেউ প্রথম বিসিভ করার সিন্ধান্ত নের ভবে অপর পক্ষার একইভাবে প্রথম সর্গান্তাস করতে হবে। ত কোরে পরাজিত প্রেকর কোটোর পাশ বেছে নেবারও অধিকার श्वाकार ।

#### हैन कवार निरम

ব্যক্ত মিণ্টানর টস মান্তাক্ষেপণের প্রারা হর না সাধারণত এব পক্ষের একজন ভেলেমাড় রাকেটের মাথা মাটিতে রেকে র্যাকেটের হয়ণেডলে আগালে দিকে পাক দেন ভেখন অপর পক্ষের একজনকে রাফা অথবা স্মান্তা বলতে হয়। রালেটের পলার কাছে চিটং-এর ব্যান অন্যায়ী রাকেটের কোন দিক রাফ এবং কোন দিক সম্থা বোঝা যায় এবং সেই অন্সারেই টসের জয়পর।জন্ম মামিংসা হয়।

4.00

**ারামদয়াল ম**জ্মদার প্রণীত

#### প্রাপাতা

তিন খণ্ডে প্নেম্ভিত হইণ্ডেছ। ইহাডে
ম্ল্ সার সংগ্রহ, টাকা, জন্ম ও বল্লান্দার
আছে দেলারের প্রদান্দার প্রদান্দার
জাছে দকল লাল্যের সমণ্যর করিয়া প্রতিদলাকের ভাংশ্যা রাখ্য। এই লেবোল
বাপারই মান্দরী রাম্বাল মহারাজের অপ্রা
কীতি। সংক্তি টাকাল লাক্রালার শ্রীধর
কামা, মধ্যাল্যে সর্ভাত, আনন্দর্গারি,
বল্লান্দ্র বিল্লান্দ্রন্গারি, বল্লান্দ্র বিল্লান্দ্রন্গারি,
বল্লান্দ্রন্গান্দ্রন্গার করিয়া ব্যাল্যান্ধ্রন্থ
সারাধ্যা চরন করিয়া ব্যাল্যান্ধ্রান্ধ্রন্থ
অপ্রামালা লাথিয়াছেন।

মালা প্রতি খাত ১৫.০০ টাকা। ধহিছো জন্ম ১০৭৬ মধ্য তামে টাকা জমা দিয়া নাম তালিকাড়ক করাইনেন তাঁহারা ১২.০০ টাকায় পাইনেন। কাতিক মালেন মধ্য প্রথম খন্ড বাহির ২ইবে। নিন্দালিখিড ঠিকানায় যোগাযোগ কর্ন—

ভিন্তৰ বিষ্ণানন্দ, আৰ্থনান্দ কাৰ্যালয় তথ্যস, বিধান সংগ্ৰী, কলিকাতা-৬ জনম : ৩৪-৪৪০৮ মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভওয়ার্ডস<sup>2</sup>এর বাণী

वाशवात वाकारक मुद्र वात मुशे तारथ

# উভওয়ার্ডস

প্রাইপ ওয়াটার

বংশার্ম ক্রিমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মায়েরা উডওয়ার্ডস আইপ ওরাটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের পেটব্যথা, অমতা, পেট ফাপা আর দাঁত ওঠার কটে উডওয়ার্ডস মূহর্টেই আরাম দেয়।





স্তাজিং রাম পরিচালিত ''জরবেল্ল বিস রাত্রি' : জাউটভোরে বৃশ্য নেওয়ার আগে কাবেরী বস্ ও শর্মিলা ঠাকুর ফটো-দেশ

# কুরোসাওয়ার ''ইকির্ু''

1

সম্পতি জ্ঞাপ্তনৰ যে কম্টি ছবি দেখানো इत्यतक (क्राटे केंद्रनाएकाव अन्त निरम स्मन्द्रीस. क्लकाडा दिरमध्यक्तर्य समायानाटी। ठास अब কর্মটি সম্প্রেক আর্লাচনা না করতেও ইক্কিন্ত্র কথা বলতেই হবে। ক্রোসাওয়ার ছবি বলেই নয়, বলবার মতই ছবি বলে। ক্রোসাওয়ার যে কর্মাট ছবি আলে দেখেছি, "**દ**િવવ" মেগ**্রি**র চেয়ে আল্লান্ অভিনয়েক তেন বটেই বিষয়সভ্য চিক পেৰেও। স্বাধিল্ডত মন দেখনের চেয়েও বাধিতে আক্রমত গর্মকর মানসিক প্রতিকিয়া रिभारता कार्यि आहत् कार्रिक-दिशमय करत धनन प्राप्तां र एकरण स्य अधिराभन काछ-ক্ম' ও চলাফেরা স্বই করতে পারে অগচ <sup>ভানে</sup> তার হায়, মার আর ক্যেক মাস। এই নিম'ম সত। প্রাণে ও বাসনায় জানাজ নি হয়ে যাওয়ার পর মানুষ কা কবে? এই প্রতিক্রিয়া খাবই জাটিল, তাকে সহজে অনা-সরণ করা **হায়** না। কুরোসাওয়া জটিলতার **অনেকখানি আ**ম্যাদের দেখতে, বেকাতে পেরে ছন। ভার প্রোট নায়ক (পোরসভার বড় অফিসর) যথন ব্রুলেন তিনি কাস্সারে ক্ষরাস্ত এবং তার জীবনের মেল্লাদ মার আর ক্ষাক্ট মাস, তথ্য তাঁব জাবিনবাসনা উন্থেল হয়ে ওঠে, জবিনকে প্রোপ্রার



উপরেশ বরতে চান তিনি। তারও অংশ প্রথমেরর প্রতি, দেবেরর প্রতি, দেবেরর প্রতি তার তার আজমান-তাদের কছে যেন তিনি ব্যক্তিক কর্ত্বর মতই অবহেলিত। এই চরিয়ের বর্ণনা, অম্পিকতা ও অসহায়তা ব্যক্তে অস্থাবেশ হয় না। তা সম্ভব হরেছে কুরোসাভয়ার অম্তান্তি ও মননশালিতার জনা। শেষে পরিচালক জানিমাত নামকক্ষেমানিক ম্লাকেরেশ্বর শঙ্ক মানিকৈ ম্লোকেরেশ্বর। অথাবে এই প্রভার নায়কের মনে ক্ষমেছে মরুতেই যথন হবে তথন কিছ্যুকরে গরি। মন্তবার আলো সাধারণ মান্তের জনা সংগ্রম করে বেলেন তিনি (একটি প্রাক্তির করেছেন)।

অপ্রয়েশ্বনীক্ষ দৃশ্য ছবিতে আছে ঠিকই, ছবিটিও দীর্ঘা। কিন্তু মূলে বিষয়বশ্তু কুরোসাওয়া চমংকারভাবে বিশেলখন করে-ছেন। এবং জবাক হতে হয় নায়ক চারতে ভাকাশি শিম্বায় জভিনয় দেখে।

#### कतानी वर्णाकत छेश्नव

ভারত সরকারের তথা ও বেতার মন্ত্রণালরের উল্যোগে ইন্সো-ফ্রেণ্ড সংস্কৃতি বিনিমর কর্মসূচীর অন্তর্ভুক্ত "ফরাসী চলচ্চিত্র উৎস্ব" গত জ্বাই মাসের মারা-

ছবি থেকে শারা হয়ে দিলি, ব্যাপালের, লক্ষ্যে এবং বোদ্বাইয়ের পর কলকাতার অন্ত্ৰিত হলো গত ১৫ থেকে ২১ আগস্ট প্রাণ্ড লাইট্রাউস চিত্রতে। ১৫ আগস্ট স্কাল উৎস্বের উদ্বেখন করেন পশ্চিম-ব্যুপরে মুখামন্ত্রী শ্রীমজয়কুমার মুখো-পাধার। তথা ও জনসংযোগ মন্ত্রী ঐচেনতিভূষণ ভটাচাহ' আধ্নিক সিনেমা HEN & আলোচন করেন। পিয়ের स्थाना হ য পরিচালিত ''লা গ্রালিঘ্র''। পরবড়ী দিনগালিতে প্রদাশিত হয় "লা পিসিন" (পরিচালক ঃ জাক দেরে), 'জা ভিলম এ ল'ফা" (ক্লোদ বেরি), "ম(লেড" (রোধের (दम'), "वारमकर्जन्द्र नः विदयः चारतः" (ইউ রোবের), "জেতেম, কেতেম" (আঙ্গারী বেনে), 'ভল বিসাক দ্য মেতিরে' (জাদ্যর কাইয়াত) ইত্যাদি চিত্রগাল।

বলা বাহালা, ফরাসী চলচ্চিত্র উৎসব চিত্রামোদী মহলে খাবই সাড়া জাগিরেছে। ছবিগালি সুম্পর্কে পরে আলোচনা করা হবে।

#### ॥ िठठ-त्रभादलाठना ॥

बनख्यारण्ना

সাম ছবি "নতুন পাত্ত"-র পর "বন-জ্যাংস্না"-তেও (সঞ্চায়তা ফ্লিফাস) দীনেন গশ্ত তারকা-প্রথা বন্ধনের সাহস দেখালেন। তা ছাড়া, ছবির যেটা বহিরগণ দিক—যেখানে চাক্ষ্য সৌনদ্যা ও গট কংশাজিশন বা দৃশাগঠন—সে ক্ষেত্রেও "বনজাংশনা"র বৈশিণ্টা অস্বীকার করার উপায় নেই এবং মনে রাথার মত কিছ্ শক্ষ্যহাত রচনায়ও শ্রীগণ্ড আগের মতই কম্পনাবোধের পরিচয় দিয়েছেন। লোকেশান নির্বাচন স্কুদর, ক্যামেরার কাজও (পরিচালক-কৃত) প্রশংসনীয় কিন্তু সব মিলিরে "বনজাংশনা" কেমন হরেছে কিংবা দশক্ষেরসের দিক থেকে ক্তথানি দিতে পেরেছে সে অবশা ভিল্ল পদন।

গলপ পড়ে আনন্দ পাওয়া এক, গলেপর
চিত্তর্প দেখে আনন্দ পাওয়া আন্ধ জিনিস।
"বনজ্যোৎসনা"-র গলপ (ম্লে রচনা ঃ
নারায়ণ গল্যোপাধাায়) বাংলার অণিনব্দের গভিছামতে লেখা। জ্যোৎসনাবনে দ্টি প্রাণ কতই দ্বান দেখতে পারত। কিম্তুনা, তারঃ গ্লিতে মারা গেছে। বনজ্যোৎসনায় দ্টি মৃতদেহ পাশাপাশি, একটি বিশ্লধী মহীতোবের, অপ্রটি শিউক্মারীর।

ছবির শ্রে বিশ্ববীদের নিরে। বনের ছধো প্রিবশের দ্থিত এড়িয়ে চলেছে করেকজন বিশ্ববী, মাঝে-সাঝে গ্রিবিনিময়।
তদেরই একজনকে (মহীতোষ) আহত 
অবশ্ধায় ঘরে নিয়ে আনে শিউকুমারী।
শিউকুমারী ও তার বাবা পরম সমাদরে
তাকে ঘরে শ্রান দিল। মেয়েটির সেবা-যর 
থ মমতার তো শেষ নেই। বিশ্ববী ধান 
ভাগিত তপানার ফল শিউকুমারীর পায়ে 
উলাড় করে দিতে পারত কি? এতটা 
ভাবতে হরত আমরা রাজী নই। তবে

MARKET LAND

মহীতোবের মনে সামারিক দ্বালাতা ও মায়া-মোহের ইণ্ডিত ছবিতে পাওরা গেছে। শিউকুমারীর পরিবর্তান ও অফ্ডরের প্রেমের কথাও দশকের জানতে বাকি নেই। ওই প্রাণ্ডই। তা নিয়ে না কোন জাটিল্ডা, না আবেগের নাটাকিয়া। অর্থাৎ ওই বাড়িতে থাকাকালীন মহীতোব ও শিউকুমারীকে কেন্দ্র করে গলেপর স্বাদ কিছুই পাওয়া গেল না।

অপর দিকে, এক অসচ্চরিত্রের যোর সংখ্যা পর্যালকের যোগা) সদা খ্যানদাণিট শিউক্যারীর উপর। *স্*বামীর কোন কক্ম**ি** তাব শিক্ষিতা স্বীর অঞ্চলা নহ। ১০ই মহিলাব পাশে কিডাকাণের জনা তার পারতিন वन्धारक राज्या रागरक। अञ्चे हर्जित हितानारहीर की উদেদশা সাধন করেছে বলা দ্যুকর। এক কথায় গ্ৰুপ কোথাত দানা বাঁধেনি না এই অসজ্জিতের ঘরে তের দত্রী অবদা দ্রামীর চারিত্রখীনতার জনাই হয়ত একবার ফ্রাপিয়ে কে'দেছে। না মহীতোষের জীবনে। গাণেশ্র দিক থেকে বিচাৰ কৰলে শিউক্যাৰীৰ বাডিতে মহাতিভাষের কয়েকটি দিন কাউলেন বেন বাথা। অনা বিশ্লবব্রিভ জ্ঞালে এক ঘ্ৰে শ্ৰেট্ট আন্তলোপন কলে বইল। কেডিট টাইটেলৰ আলে এবং ছবিব শেষে প্ৰতিষ্ঠেৰ সংখ্য ভাষের ত্রকাউন্টার দেখানো হয়েছে। রোমাণ্ডের উপকরণ তাতে আছে। কিংত বিশ্লবী যাগের পটভূমিতে এই ছবি দশক্তির মনে দেশাভাবোধের প্রেরণা কিংগ্র তেমন করে জাগিয়ে তোকো না । দেশভবির কথা ভেৰেই হয়ত "ৰ আমার দেশের মাটি" গান্টির বাবহার। ভাও কৃতিম লাগে গ্রালিতে নিহত বিংলব কৈ করর দেওয়া
দেখে—-জাগলের পালে যতথানি সময়
বিশ্লবীরা নিরেছে তাতে চিতা ছেলে
মতের দাহের বাবন্ধাও সম্ভব ছিল্
(বনে কাঠ কি পাওয়া যেত না?)। অবদ্য
"দেশের মাউ" কথাটির সংগ্য মিলিয়ে যাদ
কররের বাবন্ধা হ'রে থাকে সে অনা কথা।
তা বাদে বিশ্লবীদের পিছা নিয়েছে যে
গ্রুত্চররা তাদের পক্ষে প্রিলাকে বিশ্লবী
দের গোপন আন্তানার সংখ্নট্ক দিয়ে
দেওয়াই শ্রাভাবিক, নিজের হাতে গ্লি

এই ধরনের ইন্টি ছবির সামগ্রিক দ্বেলিভার বিচারে হয়ত তুক্ত। আসলে চিইনাটাটি (অজিতেশ বলে।পেথায়ে রচিত) কেমন মেন খাপছাড়া। সব ঘটনা কেমন আলভোভায়ে সাজানো। তবে পরিচালকের ক্তিক, পরিমিতিবোধ তিনি প্রায় সব দর্শেই কামটেই সাফল দেখনি। অথাং রসের মুন্তি বা নাটাম্ত্র্তি বঙ্গত তুরু আর্থে ক্রেলার অভ্যান্ত্রি প্রায় কিন্তুত্বি কা নাটাম্ত্র্তি বঙ্গত তুরু আর্থে ক্রেলার অভ্যান্ত্রি ক্রেলার অভ্যান্ত্রি ক্রেলার ত্রিভার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রিলার ক্রিলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রেলার ক্রিলার ক্রেলার ক্রিল

ছবিটি কেন্দ্র স্বাধ্যালিভাগর হার সং ৰাঠে না তেমান অভিনয়ত ন্য⊹ু চঠো মধ্যে কোন কোন শিল্পী অভিনয়ের ক্ষত দেখিকেছেন, কিংত ভা স্থান্তে লাগেনি। ক্যা ম্যাপোপ ধনমের (নাস্চরিত্র ছেন্ছের ভূমিকার অভিনয়ত ছবিতে সকলের ট্রপর। ১ চরিত্তির নৈপ্রা লক্ষ্ণীয় ৷ বিশ্লবী বৈশে শ্মিত ভঞা (মহাতিরার) ও চাহিতে। वरम्माभाषाष, निदश्चन वास निप्रांच ह्या প্রমাথ বিশ্বাস্যোগা। শিউক্সারীর বেং মীনকেই দত্তকে আনিসেকে ভাল, তট অভিনয়ত সপ্রতিভঃ হলিত কোন কো মাহাতে বিশেষত তেতাৰ আভিক্তিটো তবি অভিনয় 'স্থিকনিকেন্ড্র' বুজ গােও, উমানাথ ভটাচায়া, সবিভা বসা এছ বিভিন্ন চরিতে সাজভিন্ন করেছেন।

ছবিতে গানও আছে ক্ষেক্টি। স ক্ষতির প্রয়োগ স্টিনিত্ত নমু। খ্বছ বিল লাগে ঘোষজায়রে বংখার মাথে গান। তা গানের সারে ভাল। সংগীত পরিচালন ক্ষেত্তন নামার বাম।

#### ক্রী শাহিদার রাজা

লোকায়ন প্রয়েজিত গোরিত চট পাধারের স্বাধিপর রাজা' আবার মাজ্ঞপর মাজস্থা হচ্ছে আগোমী ২৫ অবস্টা সেম্বর্থ সংখ্যা বুটায়। নির্দেশিকায় আছেন প্রা রায় ও স্পর্যাত প্রিচ,গ্রায় সূর্বে ২,জারিকা।



এ সংখ্যা রাও পরিচালিত "মন কা এটত" হিন্দাতিত এ-সম্ভাৱে মাছি পাছে—হবির একটি দ্বেদ্য লীবা ও সেঞ্ছ বস্তু



ল সেন পরিচালিত "মন নিয়ে" ছবি প্তায় মৃতি পাবে—একটি স্থেয় নারক-নায়িকা উত্তয়কুমার ও স্গ্রিয়া দেবী

# ল- ি প্রানী

हाला मा **इलाल श्रासक्**कानम ং হ'ত পড়ে। ভুক্তোগী **জ**নৈক ব সেদিন মুম্ভব্য করজেন "পরি-আমার ভাবিয়েছে। কতে করে गर धरे कंदरवन ना किस्ट्राटरे कि ্ৰ শ্ৰান আশ্চৰ্য হবেন, এই একই ক মহোদয় কিছুকাল আগে তার াহিটা ছবির স্ময় গবেরি সংশ্যে 🛫 বলাছলেন "কেমন ভোবভিলাম নটাল কি আর এমনটি হত?" ফেদিন ভাঁকে বলেছিলাম, "পরি-াও নিশ্বর কুডিছ আছে।" বাঁতশ তি বার করে প্রযোজক সেদিন জবাব লৈন, ''আরে সেও তো 'আমার ERCEL IN

ইখন হিট্ করে, ভার কৃতিখের ব হার ক্রেনেকেই এগিরে জানেন।
ক বলেন, "আমি জাগেই ডেবে" নারক-নারিকা মণ্ডব্য করেন,
আর্থি-এর দৌলতেই না এমনটি
কারিনীকার মনে ভাবেন, "বে বা
লা্ক, গলেপর জোরেই ছবি হিট্
" কামেরাম্যান বুলোন, "জমন সাংশর ফি না করলে দেখভাম…।" দ্ব'একজন
ফাটিন্টকেও বল্ডে লা্নি, "লাকি
ট এক সিনে নামলেও ছবি হিট্
ভামি বা জ্যেকে প্রজ্ঞান্তর ভ্যাব সেই বহাপঠিত কবিতাটা মনে মনে আওড়ান কিনা, "রথ তাবে আমি দৈব, পথ ভাবে আমি, ম্ডিডা ভাবে আমি দেব, হাসে অনুস্থামী"।

অন্তর্যামী হাসবার মতা নানা ঘটনা এই हेन्छ न्द्रिष्ट भ्राह्महे चर्छ शहक। मृन्धिब রাজায়ে গোড়াতেই সংহারপর্বাশ্রে হয়। মনে কর্ন, গ্লেপ্র শতমিত আপনি ছবির একটি ভালো নাম ভাবলেন, "পারে পারে পথ"৷ মাহাতে নামটি নাকচ হলে বেতে পারে প্রয়েজক কিংবা পরিবেশকের একটি মার কথায়, 'না, না, অত বড় নাম ছবিতে অচল।" সচল নাম খাজতে গিয়ে আপনি দেখবেন, গদেপর মাল সার থেকে অনেক দুৱে সূত্র গিয়ে শেষ প্রবিত আপনাকে अक्षि नाम ठिक कराष्ट्र श्लाह । वरकार शका পোষে পারে পথাএর নাম দিতে হবে 'বিপথগ্যমী'। ছবির নাম নিবে বাংলা দেশের অধিকাংশ প্রযোজ্যকর মনেই নানা সংক্ষার। নামের আদ্য অক্ষর 'অমাক বর্ণ' আন্লাক, সাভরাং ঐ বর্ণ দিয়ে নামকরণ চল্যে না। পাঁচ অক্ষরের নামের ছবি হালে দুপ করেছে, অভএব পাঁচ অক্ষরের নামও শাপম্ভি, সাড়ে চুয়ান্তর হিট করেছে, সাভরাং নামের আদ্য অক্ষর 'শ' ও 'স' লাকি, খারু হয়ে গেল ছবির নামের আদ্য অক্ষরে ঐ দুই বর্ণের ব্যবহার। পর পর ছবি হয়ে গেল সমাপিকা, সবার উপরে, শাপ্মোচন, সাঁকের প্রদীপ, স্বতিভারণ এবং আরো অনেক। আবার কোন আদ্যক্ষের দ্পু করার পর তা অন্লাকি। উদারপন্থী প্রয়েজকও অবশা কেউ কেউ আছেন। ছবি হিট্ করতো পরে বারা বলে থাকেন, "নামে कि जारम कात! श्लामान्यक स्व महम्मे स्ट्रस्ट बानान-ब्यानान।"

সামকরণের কেন্টে প্রয়োজকণের মধ্যে জনেকে আবার বিলিতী মতে চলেন। বাংলার বাই হোক, নামটি ইংরেজীতে বানান করলে বেন সাত অক্ষারের হর বিশ্বাস কর্ন চাই না কর্ন, একাধিক সফল ছবির প্রয়োজক গিরুলির সিংহের সাফলোর গোপন চাবিকাঠি নিকি তেই। "মণিহার", বোছিনী" ইংরেজীতে বানান কর্নে, সাত অক্ষরই হবে। আনক ভেবে চিতে প্রীসিংহ একরেও এমনই কেটি নাম প্রছন্দ করেছেন শাক নিরে"র প্রতিং শেষ।

\*

কিছা কাল আগে আমি একটি আনবাসংবাদ শানিয়েছিলাম ' উন্তমকুমার শাঁচই
একটি ছাঁব পাঁবচালানা করবেন, খার
প্রয়েছিকা ৬ নায়িবন চবেন শ্রীমানী
সালিয়া। সংপ্রতি বিষয়টি আনকটা এগিছে
গিছেছে। উল্পট্ডের বিখাতে 'রেসারেকসান'
অবলবান চিন্তনটোর কাজ প্রায় গোঁড়ই
শাুটিং শাুরা হতে পারে। এখন সমস্যা
দেখা সিয়েছে উন্তমকুমারের 'ডেট' নিরে।
পরিচালক নিজেই তাঁর নিজের ছবিব 'ডেট'
দিতে পারছেন না। ফাল প্রয়েছিকা সমুপ্রিরা
দেখা বিশ্বন সমস্যান প্রস্তাহন।

—{**व**िक

#### হীরের প্রজাপতি

ह्यांग्रेसिय कता क्षीर यस धको दस नार দেশ ক্ষোড়া এত বড় সিনেমাব্যক্তর কি'ওং অব্যাহ্য কি লিশারা পেতে পারে নাই শিশ্চিতের অভাব প্রা করার জনাই চলচ্চিত্রকার শানিতপ্রসান চৌধারী "হীরের প্রজাপতি" (মূল কাহিনী : দীলা করেছেন। হীরের ম্ভ্রেম্নরে) তৈরি প্রকাপতিও কি উড়ে বেড়ায় ? গলপটা সে রকমেরই। বড়ে পিসিমার সেই হীরের প্রজাপতি ফালের টাবের ভেতর থেকে বেরিয়ে যে কত জারগার উড়ে বেড়াল তা নিরেই মজার গণপ। হীরের প্রজাপতি খাকে বের করার জনা আবার ডিটেকটিভ রবি ঘোৰ উঠে পড়ে লেগে গেছেন। এদিকে অন্পকুমারের নৈতৃষে ছেলেদের আর স্ত্রতা চট্টোপাধ্যারের অধীনে মেরেদের নানা আডভেঞ্চার ৷ গান-বাজনা-নাচ ভো আছেই। সৰ মিলিয়ে অনেক শিল্পী নিয়ে কেশ মজার ছবি "হীরের প্রজাপতি"। ছোটদের ভাল লাগবে এই ছবি, ভাল লাগৰে পিসিআবেশিনী রাজলক্ষ্মী দেবীকে এবং সবাইকে। গানের স্কুর দিয়েছেন নির্মালেক্ট্র

গভ ৪ আগস্ট রক্তি মিনিরেচারে এক বিশ্ববাধ প্রধানীতে "হারের প্রক্ষণাডি" এবং



শহীরের প্রজাপাত ছাবতে লগ্ন কুমার, স্বেডা চটোপাবাদ স

আরও স্টি অবপটেন্থেটির বি াঅ জারওর লিবস্টা (শানিভপ্রসান চৌধ্রী কত) এবং
রাজীর প্রেক্জারপ্রান্ত ব্যানকার রি'
লাবেটিকদের দেখালো হয়: 'অ জারের
লিবস্টা নামে করের টি চিতের একটি নিরিক্ত তৈরির ইক্টা চিত্রামান্তার। প্রথম ছবিটি
ভাষানাগিক্সা পরিভাব সেনের (লিবস্পান্তা ও তার শিক্সাচিত্র ক্রমিববভাসের র্পটি লাক্সাকারে ফ্টিমে তুলেছে। বর্ণ প্রশাসিত 'এনাবোরারি'ান্ত পাধ্রের ম্ভির উপর সংগতি ও রেখার (আলিমেল্সাক্ত) প্রক্লেপ দেশ্য ম্বাধ্যতি হয়।

#### क्रियुक्तराज्य ''म्याचन भारत स्मच''

গত ১০ আগস্ট সকাপ্ত রঞ্জহত রঞ্জামধ্যে কিব্রন্থানের প্রয়েজনার প্রমুখ্যর প্রের
মধ্যে ন্তালাটি বিরিচালনা করেন ডঃ স্কুতির
কোনা গাল এবং নাচ উভর ক্ষেত্রই
ভই জন্ম্ভানটি ছিল উপভোগা। গানগালি
গোরেছেন মিতা চাটাজ্যা, বননা সেনগালি
গোরেছেন মিতা চাটাজ্যা, বননা সেনগালি
গোরেছেন মিতা চাটাজ্যা, বননা সেনগালি
গোরেছেন মিতা চাটাজ্যা, বননা সেনগালে
গোরেছেন মিতা চাটাজ্যা, বননা ন্তাগালে
কিবেনি ভামা, তপন সিংগ্রহণন ভটাগার্য,
পারা ভরকার এবং স্কুতির সেনা ন্তাগালে
ভিরেনন রুবি সিংহ্, উৎস্প ভামা, বুংকুম
গাহু, মারা চাটোজ্যা, মানাক্ষ্যা সিংহ্ ও
স্কিন্ধারেন।

#### বৈছালা হাসপাতালের সাহায্যাথে<sup>6</sup> সাং<del>গক</del>ৃতিক অন্তান

আপামী ৩১ আগগুট রবীন্দ্র সদদে ক্রেন্থে হাসপাতালের গ্রেন্থিনিনিনি সাহায়ের করে একটি বিশেষ অন্যুখ্যনে এন বি এপ্টারকারইকের "অভাতক" নাটবানিট অভিনাতি হবে। সংশা একটি বিভিন্ন চানের আরোজন করা হারছে। সংগতাবকুমার ঘোষ রাজত "অভাতক" নাটকের বিভিন্ন চারিকের বিশিক্ষা সাক্ষা চারিকের বিশিক্ষা চারিকের বিশ্বার সাক্ষা চারিকের সাক্ষা চার সাক্ষা চারিকের সাক্য

নিজা চেডালিক। বিচিন্ননিজ্ঞিক যোগ দেৱেন স্পৃতিত নিজে ভিত্তিখ ন্তেশ-পাৰাল, শতেভদ, চড্টোপ্ৰায় প্ৰমূৰ শিক্ষিকাশ

#### न । नामस्त्रा । मनाका (वा

হাওড়ার শীশমহল রংগমাও শংকা
শীবরাজ বউ" নাটকটি নিয়মিত হাজা
হচ্ছে। নাটারপে ও নির্দেশনা বৈর
ভটাচারের। নামভূমিকার ভাতির রুর
ভূপিত মিত্র এবং নীলাম্বরের হার
তথ্যক্ষার। তর্গকুমার এ নাটকে গর
গোরেছেন। অন্যান্য চরিতের খিলপাঁ: ছি
ভট্টাহার্য, কালিবাস গাশ্যুলী, বিয়ান বল
পাধ্যর, ভান্য চট্টোপাধ্যায়, শুভু বল
পাধ্যর, ভান্য চট্টোপাধ্যায়, শুভু বল
পাধ্যর, সীতেশ চক্ত্যতী রুগ্ বর
প্রান্ধার, সীতেশ চক্ত্যতী মুগ্রুলী চির
ভিন্নার সাক্ষ্যানী, গোলী মুগ্রুলী চির
ভিন্নার সাক্ষ্যানী, গোলী মুগ্রুলী চির
ভিন্নার সাক্ষ্যানী, গোলী মুগ্রুলী চির
ভিন্নার বি

#### "โยสมุขใ มา"

বীরেশ্রক ভ্রের ব্যাহনী ও জি 
অবলম্বমে রুপ্রথিব জিল্লান্ত ভ্রের প্রিয়রণী মানতের জিল্লান্ত হবং হারতে সম্প্রতি ভ্রেরতির 
স্ট্রিভারতে। প্রাণেশ্য রাল্লান্তা লি 
প্রিয়ালক। প্রথম দিবের বিশেশী লি 
অন্দদ্ধ মুখ্যালী ৬ স্বীমা জনা।

# **छक्रवात, २२८**म जागष्टे शिक-

ভাগাবিডান্বিত এক সংগীত সাধ্বের জীবননাটা.



চিত্রনাটা : **বেদনারামই গ্রুড** সম্প্রিনা : **বেদন বোলী** ম প্রভার : ৩, ৬, ৯টা এবং প্রচৌতে ২ম, ৫ম, ৮মটা ম

श्री १ आही १ होक ता १ परणी

শ্যামান্ত্ৰী । নিউ তক্ষ । শ্ৰীলা (অভূদহ) । কৈলী (চুড়ভা) । শ্ৰপ্না (চুফ্লন্মণ্ড) নৈহাটী সিংসকা । শ্ৰীলামপুর উক্তি

# वाम्बारे विकिता

्राचन विका-सनाटक गू.जन देकेन्ट्रक कार्ट विकासका मुख्यानाई निरम्ब निरमत कारणाह अवस्ता व्यमित्रहार्वत्रात्म विकास-वात। अक्वत देखेन क बादेरक बानतावा স্বাই চেনেন, আপনাদের কাছে ভিনি मिलीशक्यां नारम श्रीब्रीहरू। आदक्कम ইউস্ক ভাইকে বন্দেতে ৰালা ছবি তৈলি ক্ষরন ভারা স্বাই চেনেন। এই স্বিতীর हेर्देम् ए छारेसन जात जना कान नाम तारे। कारत हैनि स्व काक करतन मिथान नास्मर्ड দেৰে বাজেৰ বেশী দাম। ভাই এই ইউস্ক জানত পৰিবেশের চাপে নাম পাল্টাতে হয়তি। ইউস্ফ ভাইরের সঠিক বরস প্রা গ্রু। পরিপ্রয়ের পরিচর্যার শক্ত শরীর ! কাত্ৰ সময় ছাড়া ইউস্ফে ভাইকে কথনো দেখিনি: সাভবাং গাবের রঙটা ঠিক কিরকম लिये क्या नहा हुन जाना, ना काँठा, वा সাদাকাকোর মেশানো কিনা সেটাও বলা कतिन । একবার ভিজেন করেছিলাম ইউস্ফে ছাই, আপনার করেস করু? থানককণ মাথের দিকে তাকিয়ে থেকে ভারণর খানিকটা অপ্রশ্নতত হয়ে কবাব ਜ਼ਿ:ਗਹ ঠিক বলতে পাৰব ं ना !' क्फ पिन चाटन, शादन লোন সালে, কত ভারিখে, বা কি করে তার জন্ম সেটাও ঠিক খেরাল নেই। ইউস্ক ভাইরের হাতে সর্বাদাই সমর এত কম বে, বরে কেতে বেতেও বরে বার না। তাই ইউস্ফ ভাই ররে গেছেন। প্র'র তেমনটিই ররে গৈছেন। আমিই তো আৰু প্রার তের বছর দেখাছ ইউস্ফ ভাইকে। लिहे अक्ट ब्रक्म जब किए। अउक्स আপনাদের নিশ্চরট জানতে ইছে করছে যে. বে ইউস্ক ভাইকে নিয়ে এত ধানাইপানাই रत राजिति जामरा रक. कि. रकन, करव. काशाम ? क्लाक्क-रावजारवय रेकेन्स कार धक्कन गाक शाकिक रणकीत, বরি নাম চলজিতের লক লক দশকিরা क्लानीमन द्वर्यका ना इत्थामी भूगात्र, बीमख বা দেকে ভা হলে ভা মনে রাখবার প্রয়োজন रत ना-अभम अक्छा नगमा नाम औ याक গ্ৰাউণ্ড শেক্টারের। কিন্তু অনেক বাজা ৰাখা শিক্স-নিদেশিককে পাগলের মত ৰ লৈতে লেৰি ঐ ইউস্ফ ভাইকে। मवरे हा रविष्य । CHICE! काल नकारन न्यूडिश ब्राफ व्यावेवी বাজে অথচ সেই ব্যাক প্লাউন্ড গেল্টার <sup>ই</sup>উস্ক ভাইরের এখনো দেখা নেই। ইবোজক, পরিচালক, শিক্পনিদেশিক স্বাই माथात राज निरम यरनरक्। न्यूडिक स्मात



ন্ধীর ম্যাজি পরিচালিত আর ডি বনসালের 'ঠেডালি' ছীবতে কলক চৌন্তী ও তন্তা। —কঠো-দেখ

এক শো কুড়ি ফুট বাই এক শো আশি ফুট, তাতে আদিগতে সাহারা মর্ভুমির সেট লাগিরেছেন শিল্পনিদেশিক। এক শো দশ লরি বালি এসেছে। প্লাটফরম হরেছে বাইশ শোভন্তা এ'টে, কিল্ছু এত সব সক্তে স্ট্ডিওর সাহারা ছেলেখেলা বলে মনে হচ্ছে।

বাঘা শিলপনিদেশিকের উপযান্ত সহকারী বহু দ্বের কোন এক স্ট্ডিওর কোন এক অংথকার কোণ থেকে ঘুমণ্ড



"নতী নাবিন্তী-সভাবান" (গত সংভাহে অভি পেরেছে) ছবিতে জয়লক্ষ্মী

देखेमाक कारेरक शरह नित्र करना। रश्रक निम इरतक आरत किंक स्वयनिष्ठ দেখোঁছল ম ইউস্ক জাইকে সেইবক্ষই CHESTIN I এমন 👣 দেহাতা নত পরিক্রমণ্ড। এখানে নেপথো বলে রাখি. ইউস্ফ ভাই মালে এক দিন স্নান করার সময় পান, কখনো কখনো সেটাও হব না। হেদিন স্নান করেন সেই দিনই জামাকাপত চেঞ্চ করেন ইউস্ফে ভাই। আর চেঞ্চ করা মানে একেবারে ভাগে করা। ইউস্ফে ভাই জামাকাপড কাচান না। নতন কেনেন। এবং একবার ভ্যাল করলে আর শরীরে ওঠান न।। বাই হোক. रेडेम कार बामराजरे বাঘা শিলপনিদেশিকে স্বতনে ইউস্ক 21 B-6 **हारेटक** বোঝালেন ব্যাক কিব্ৰুম চাই। কালাৰ স্কীয়। পারসপেকটিউ। ভাইমেনসন। হা করলেই शास्त्रा त्यात्वन देखेमाक छाहे. माजबार বাঘা শিল্পনিদেশিকের ভাষাও টেলিপ্রাক্ষিক ! ১

ইউস্ফ ভাই অনেক টাকা রোজগার করেন দিনে। কিন্তু তার গাড়ি নেই নিজের বাজি নেই। কিছু দিন হল দুটি টাঙ্গি কিনেছেন। ইউস্ফ ভাইরের দুই বউ। নাটি বাজা। বাজারা ও'কে চেনে কিনা উনি কালেন না। তবে কনা তিনেক হাড়া বাকি সব বাজারে উনি দেখলেই চিনবেন এমন কথা বুক ঠুকে বলতে পারেন না ইউস্ফ ভাই। ইউস্ক ভাইরের একপাল তাস্ডে বংখ্ আছে; ভারা ইউস্ফ ভাইরের বেগাল। জন্ম ত্পিতার স্টাভিতর ঘ্রে বেগাল। জন্ম পেলেই মাদ্রে বিভিন্নে বসে পড়ে। ভাস, দিলমিদ এবং সংলার। ইউস্ফ ভাই ফতুর। ইউস্ফ ভাইরের আক্ষাল্য



# य क काजरन

ोरशंच चाका

मामयाव । २०८० चारान्ये । वद्या १ दमाविक इदोरभागाम नकीय ३ पूरणम रावादिका

(14-9050)

আবার কেন্দ্রীর অভিনয় --निकाम प्राचनद्वा

मिर्ण गरा । व्यवस्य वास

# প্রজাপতি

निर्मणना-न्दनीन बानपास विश्वद्भाव २६८म धाशम्ये वर्णात

(TH 450V)

তত্ত্ৰণ আপেৱা কচ ক

चानानी '०ता रमरण्डेन्दरा मन्या ७॥डेत बहाकां जिल्ल

# হিটলার"

क्लोबीन स्ट्रोभागाय प्रविक बाका बागत्मारन ৰুত্ৰাগ বচিত रमनिन

প্রিকালনার — ল্যে-অবর বের

66-9525 वाहा कगर' गण्न -

(TH 6264)

্ৰীত্যতপ निक्री गांड নটাশালা 1

मफून नाइक !



প্রতি ব্রুস্পতিবার ও শনিবার ঃ ৬॥টার প্রতি রবিবার ও ছাটর দিন ঃ ৩টা ও ৬॥টার

> प्र बह्ना व भौतहानमा प्र दणवनात्रात्रण ग्रह

॥ स्ट्रास्ट्र ॥ जीकर बरम्याभारास, जभना स्थानी, मरफनर् हरहें। भागात्र, मृत्यका हरहे। भागात्र, मीलिया शम् नजीन्द्र ज्हेकार्य, त्यारका विदान, नाम नारा, CBमारम्, नम्, वामखी इट्होभावाम, देनटलन ब्रुटबानाबाब, भीका दन । काम् बरन्तानावाब

কোন সহকারী নেই। উনি বলেন সহকারী মানেই নিমকহারাম। 'কোন শালা काम करत काक रमार्थ मा व्यथा-त्याक मिन कार कथा, कार्क कारन मा अथह भागारमञ् কাটের ঠেকার অধ্যকার—ওসব আপনারা শিক্তি শোক, আপনারা সহা করতে পারেন,

ক্থা বলতেও ইউস্ফ ভাইয়ের ভীৰণ षार्गीख । "कवा वका माटनहे जमह नग्धे।" कथा শ্নতে আগত্তি মেই। "কারণ কথা শোনা मारनदे निका।" "वाशनात गॅकड वनात बारक क्ल्न, आभारक जिल्लात्र कहरवन ना, आभात কৈছ বলার নেই।" "কিন্তু আপনার সন্বংখ

स्रत्वीश इति।

আমরা পারি না ।"

व्याप्र जानएक हाई-म्जूब्यार जागनारको इरव निटल्य रन क्षी নেহাত-ট আপ্নার নিশ্চয়ই काक নেই!" বললাম, "হাাঁ, তা সতি। আমর সতিটে বাজে লোক, কিন্তু আপনাদের মূল লোকের কথা লোককে জানাতে চাই—তাই—" "আমাদের মত লোকের কথা জেনে লোকের কি হবে ?' "এক কখায় কবাবটা দেওয়া শ্ৰ: "এক কথার বে কথা বোঝানো যায় না সে কথা বাজে কথা, হাজাররকমভাবে বলেও সে কথা বোঝানো বাবে না। আমি শ্রে এইট,কু বুঝি হে, আমার জীবন যদি হন কারের উপকারে আসার মত জীবন হয় তা হলে সে সম্বন্ধে আমাকে নিজেতে কোন দিনই বক্তা দিতে হবে না। ঐ ভো প্রতিউসার, ডিরেক্টর, হিরো সব আছে, ওনের कारह याने ना. मन्या मन्या कौवनी भारत লেখবার মত। ফুল ফুটলেই তার সুগ্রু বে:রায়। ফুলকে ঢাক পেটাতে হয় না।" এই म्, नम्यत्र हेफेम्स छाहे। ब्राप्यत् अक नस्य ব্যাক গ্লাউন্ড পেণ্টার।

> সরল শর্মা गाक्रवीं नमावर्णन छेरमव

গত ৩ আগস্ট গান্ধব্যর স্প্রয় প্রতিখ্যাক বি উৎসব **অ**ন্তিত হয় রবীন্দ্রসর্বোবর প্রেক্ষণতে। পৌরেহিতা করেন স্বামী প্রস্তানালন। শ্নাতকদের গণ্ধর্ব উপাধিতে ভবিত করা হয় এবং অভিজ্ঞানপত প্রদান করা হয়। এই উপলক্ষে রবীন্দ্রসংগীতের ব্যাহিসী নিল্পী প্রীমতা কনক কিকাসকে গান্ধবারি পদ থেকে সংবর্ধনা **জাপন ক্**রা হয়। এই এক পরিজ্ব সংগণিত ও ন্তান্তানে অংশ গ্রহণ করেন গাণ্ধবীর **শতাধিক শিক্ষী।** অদিনকার সর্বশেষ অনুষ্ঠান ছিল রবীন্দ্রনাথের ব্রাসংগীত **अरुगप्र**त न्छान्छान "कृष्कि"।



রূপবাণী-অরুণা

পদান্ত্ৰী - অন্যোকা - পাৰ্বতী - মান্তাপরেট शाबा - गोबी - बाननी - ब्रुनाविनी काळी - क्यापी

> বিশ্ব পরিকল্পনা বিশ্ব • পরিবেশনা भित्रामी विकास



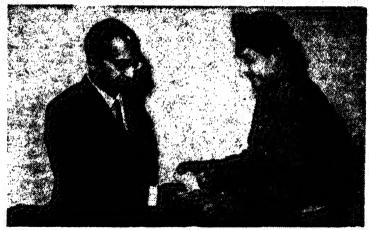
भागवीं मनावर्षन कान्यादन কলক কিবলৈ সংব্যিত

#### वक्षं म्यादनावना

शिवादम्ब कन्। ্টেচ-এম-ডি রেকডে সম্প্রতি শিশ্বদের ल इकार शाम शिक्रदर्शम क्या इताइताइ। হৈত্তপ্ৰাতি নিঃসন্দেহে माथ-वाटनस গা। এই সিরিকে গান বেমন আছে. क्रीत बस्त्रारगीछ छ- शिमारम् विभवातमञ् रात्व वर्ता"। "मृद्रात वर्ना" कि कवि-ব্ৰ "বীৰ প্ৰেৰ" কৰিতাৰ সাংগীতিক প্র কিছুকাল আলে শ্রীবিশ্বাস ও হ সহশিল্পীরা "বীরপার্ব"-এর সংগীত-ল টুপ্স্থিত করে রাসকজনের অকণ্ঠ लगः चर्चन क्राइटिनन। चालाःहा ভার্ড "বীরপ্রের্ব" কবিভার উল্লেখ । রেকডের কভারের ছবি অবলা এই किमीय कथारे मत्न कतिता तत्र । त्न बारे ্র এই অকেন্ট্রি শুধু শিশ্বদের প্রাকট ব্যক্তিরে ভলবে তা নর বভদেরও तक तर्रात । माथाए वाँनि महस्वात स्व চেংগতৈ পরিবেশিক ভার অন্সরণে हीं काशास्त्र त्यान शास्त्र काम । वर्षार বিশ্বাস বাতিমত একটি গ্ৰুপ বলেছেন-ত নাটকীর চমক ও রোমাণ্ড ররেছে। দ্য বোৰা যায়, পাৰিক চলছে, প্ৰাম ছাড়িয়ে ছে ('প্রাম্ছাড়া ওই রাভামাতির পথ''— নর সরে), করে: যেন কাঁপিয়ে পড়ল, ভার থারের লব্দ ইত্যাদি। 🗷 বিশ্বাসের শর সরেও রাগাশ্রমী। এক কথার, ি অভিন্দনবোগ্য প্রচেম্টা "স্করের

সিরিভের বিশেষ উল্লেখবোগা রেকর্ড रक गारतव भारते" (भविद्यानना : गारनन খাপাষ্য)। শিশুরা এই রেকর্ড শানে ংশানার আনশ্দ তেঃ পাবেই; তার য়ত কছ কথা, তারা গান শিখতে **ও পরেবে।** গীতের পাঠ চিত্তাক্ষাক করে তেলা াছ রেকডডিতে কর ছাটির পর াদের গান শেখার পালার মধা দিরে हेत शारतन **जानक एक्खा अवर** शारतन দেশর ভিতর দিবে ভাদের কিছ: চমংকার खाइफिना-बामक িও অব মিউজিক" প্রভাবিত তব্ এর রিতা অস্বীকার করবার নয়। সংগীত াচালনা খ্ৰই প্ৰশংসদীয়। লৈলেন माराबाच कारतन, की करत मिन्द्रस्त्र बन कतरक दहा। शामक अनुमन रगरहास्य ীরা মুখোপাধ্যার, অতদী ঘোষাল, <sup>াণী</sup> সেন প্রমূখ <del>ভিত্ত</del>ীরা।

একক গাল পরিবেশন করেছেন প্রেবী শিধারের ও মঞ্জু কলোপাধার। প্রেবী শিধারের গাল—একটি হল 'কড়িংবাব্র র'' (বোগীলুনাখ সরকারের রচনা)— ই আদরণীর হবে ভোটদের কাছে। শীর গলার সরল, মেজাজ ও স্বে



চিত্রভারকা কিবলিং গড় ১৫ জাগত গরির ছাত্রদের সাহাব্যের জন্য ১০,০০১ টাকার একটি ফেক রাজ্যপাল শ্রীদীপনারারণ সিংহের হাতে জপুর্ব করেন; রাজ্যপাল ক্ষুত্রভি ব্যৱহ হাত্রদের জন্য এ কচি ভ্রম্মিক প্রেল্ডেন

সবই আছে । গানের স্বেও স্বেরর দিরেছেন স্থান দাশগাণত । লৈলেন ম্থেগগাধারের স্বে দেওয়া মঞ্জা কদেনপাধারের ছড়া মন আকর্ষণ করে। মঞ্জা বলেন-পাধার কাঠনিকদী ছিলাবে অনেক উল্লভি করবেন তার এই দ্বিটি গানই সে প্রমাণ। তার গাওরা 'শিক্ত জন্মদিন'' শিশ্বদের খবই ভাল লাগাবে।

অনা একটি রেক্ড "চলতে পথে" (বচন: সমর চট্টোপাধার) শিশাদের কাছে খুবেই উপজোগা ধনে হবে। গানের ভিতর দিয়ে তাদের চোধের সামনে অনেক চরিত

হেফতকুমারের বারে তাঁর কলা বান্ ব্যোগা পাণার এবার প্রকার এইচ-এম-ডি রেকডে' 'পূপ লড' লাডীর বাংলা গাল গেলেকেন

এসে দাঁড়াবে, ভাদের কোত্হলও, উঠৰে
চরমে। সব মিলিরে পথ চলার আননদ বা
একটি আড়াডেন্ডারের ন্বাদ পাবে ওরা ।
এই আখ্যানের রাপ দিরেছেন লিন্দ্র
রংমহলের শিল্পারিন চন্দ্রভাগত শীল,
জতসী ঘোষাল, স্থিয়া সেন প্রমূধ।
গাওরার গ্রেণ রেকডটি বেদা মনোগ্রাহাী।

#### ৰব**িদ্ৰসংগ**ীত

বাইলে প্রাংশ উপলকে গ্রামেকেন্দ্র কোন্দানি রুবাইনুসংগীতের করেকটি রেক্ট কের করেছেন। দুটি রেক্ট আমানের হল্ডগত। একটিতে গ্রেরেছন চিন্তাপ্রর মুক্ষোপায়ার অপরটিতে রুরেছে বীধীন বন্দ্যোপায়ারের গান। রুবাইনুসংগীতনিক্দী ছিসাবে চিন্তাপ্রম সুস্রারিটিত। তিনি এবার গ্রেছেন 'মোর বীগা ওঠে কোন্ সরে ব্যানেই পাই প্রাংশর হলা সারা'। দুটি গানেই পাই প্রাংশর স্পর্যা, গরদও অরেছ। 'মোর বীশা ওঠে কোন্ সূরে কাছি" গাইছে হলে বে বিশেষ সপ্রাণ ভণ্গির দরকার, তা শ্রীমুক্ষোপ্রারের গানে রুরেছে। গান ব্রীট জনপ্রির হবে নিংসক্ষেতে।

বীখাঁম কলেলপাধ্যারের রেকর্ড এই প্রথম। কিন্তু তাঁর নিখাত চঙের গান শালে মান হর না জিনি নথাগাড। দটি গালই তিনি চমংকার গোরেছেন। নিকপী হিসাবে বে প্রতিক্যোপাঞ্চার অভিরেই জনপ্রির হবেন ভাতে সলেহ নেই। তাঁর গলার মাধ্যতি কবেউ।

#### ন্তানাটোর আলিকে তাসের দেশ

প্রশাস্ত্র সংগাতে হেড্ন, মোবসার্ট, বিধাতেন প্রমাথ দিক্পাল স্কেকারদের রচিত সংগতি দিক্শতাধিক বর্ষবাপী অভ্যানর ব্যানিত হরে আছেও এক-একজন ক্রেডাক্টরের নিপ্ল নির্দেশনার কত বেন্ব নব রূপে জন্তর্রারত হরে ওঠে, ভার

देशका शर्मी जिल्लाहरूक साह्य प्राप्त न्यान स्थान स्था

আন্তীল প্রালোচনার আলে অবলা
একটা কথা বলে নেবার আছে বে, রবীপ্ররচিত ভাসের দেশ'-এর অবিকল উপস্থাপনা
এটি নর। রবীপ্রনাথের ভাসের দেশে'
সংলাপ এবং সংগীতের সমান ভূমিকা।
আলোচ্চ প্রবাজনার সংলাপ সামানা, প্রধান
আলা সংগীত। সংগীত বলতে শ্র্ গান
নর। ভার সংগে আছে স্পরিকলিপত ন্তা
এবং আবহসংগীতের বাজনামর ভূমিকা।
ভাসের দেশ'-এর স্কুন বাজানার প্রকা।
ভাসের দেশ'-এর স্কুন বাজানার বিল্পরস্ভাবক সংলাপসমূহ বজন করেও ভার
বিশেব তত্তিকে মর্মানার করানোর প্ররাস
এক দ্বানাহসিক পরিকল্না, সপ্রেহ নেই।
এবং এই দ্বাহ কালে রবিভীপ্রাস্কল।

শ্রু থেকে শেব পর্বাস্ক শ্রেকার প্রতিবেদসাশার এই প্রবোজনার ক্রেকারি মৃত্তি অবিশ্যরণীর ৷ স্মৃগভার বাজানাবহ শিলপালান মুখ্র বেন চিন্নাপিত নিশ্চক ক্রেকার মুর্তি—এইভাবে তাস্থ্রীপের প্রথম অবভারেকা, কিংবা 'ওগো শাল্ড পাবাল ম্রতি'—গানের পর তাস্থ্রীপবালাদের অন্তরের নবঅব্দ্রিত চাঞ্জা—এই সব কিছ্ মিলিরে ভানের চোন্দ্র নিগ্ত তত্ত্ব এক

পশুমিত্ম আনতা রামের

# ছত্ত্বির খেলা

निस्तानमाः न्योग वरणाणासास द्वावीयम् जामन व्यवसा | ६९ जामण्डे ५৯ | जन्मा ७॥ स्टाल गिल्को

(সি-৬৬৩২)



পড়াপীর সভুন নাটক

श्र मा भ

ন্ধনা : নিদেশিনা : অফিনা বাবল সরকার কবিবার ২৪লে আগন্ট সন্ধা ৭টা হোকাপ মেমোবিদাক ক্ল টিকিট ১, ২, ০, ববিবার হলে

(FR-GUBY)

PROPERTY SECTIONS OF SEA SECTION

करे शरिकारकारि सन्त्रव विकास अञ्चलक्षिकाल आवाक जटन केर्टिट कार्रिक मत्ना नर्वाद्ध स्टन गण्ड सन्य-मरगीष्ट वर्गावका शीरनम स्टब्स्ट नाम । क्षीकृति र्ड डेर्ड अपन कि बारता डिडराव कीव-प्रांक्रिक गढ ७ व्हल बाम म मन्यकार संक्षेत्र क्टब रहराच मुच्छाण्ड अब स्मार्श चात्र द्याता वर्षात् न्यानारणेत्र अवाकनात म्पर्वाह स्टूल ग्रांस नाह ना। अवह स्वाधाव মত্রাবোধের অভাব নেই। এতট কু অভিশব্য নেই। আর এই সংগতিতর সব্দে প্রতিটি গদক্ষেপ আরু অঞ্ছেতিগর সমতারকার ন্তাশিকণীদের 'কৃতিখই কি কিছু কম! বাজপুরের ভামকার শিবশংকরন, দান্তা বস্তু बारबद शहरमधा अवर करती कार्रहिकीत হরতনী তো নিঃসংগতে বিশেষভাবে উলেখ-ट्यामत। किन्छ ५ रमत भारम श्रीष्ठीपे ভূমিকাই যে সুনিস্বস্ভ বে অভিনীত, 'ভাসের দেশ'-এর সামগ্রিক সাফলাট ভার

क्षणाम । अनेकार जाना ज्यास्य नारत, धरे केव कारतम् इत्याधनमात्र नारना नानाचि तारत करन वारतम् निकाधित्य चात्र धनमे, र्गानचे करते कुणार्क क्रवन्त के राज्यना चित्रम कार्यम्

ক্ষার্থনের, স্থানের দেশ নাটকে ন্ডানাটোর আগিপার প্ররোগের সাথাকতা সন্ধার
এই কু বলতেই রজেন যে এর অন্তরিছিল
নাডারারের বিপাল সম্ভাবনাই বান্ডান
রাগারিত। তিক বেমনভাবে একটি বার্ডা
গলপার নাটাসম্ভাবনা র্ণাগিত হয়েছি
ভারের দেশা-এ, শ্বরং প্রদীন হার্ডা
এই নাডানেরটা র্লা নাটকের অনেক কিছু
পরিকতান-পরিবর্জন ঘটেছে, এমন কিছু
একটি নাড়ন গানাও সংযোজিত হয়েছে ব্যা
একটি নাড়ন গানাও সংযোজিত হয়েছে ব্যা
রবীশ্ররন তার বিশান্তার ঘটিত নেই মন্ত্র

व्यानम् वधन

এবে থেছে — স্নাল দত্তর অভ্যাশচর্য চালজন নবাসভ — নতুন ভারকা — নতুন মুখ ঠিক বেমনটি চাইছিলেন আজ খেকে টিকেট বিভি



(वाष्ट्रीत्र - (सतका

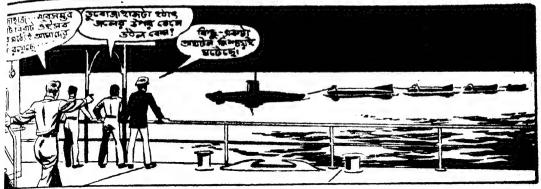
(ভাগনির্বাদ্যত বিলাসবহ,ল)

প্লক্ষ্য ঃ কলকাতার মার নাটে চিন্নগৃহে। ভাড় এড়াডে ডাড়াভাড়ি বিকেট কর্মন

# *অাৱাণ্যাদেশ্ব*



ती क्वक

















আসম বাদ্দৈতি নির্বাচনে দিবধা-বিভক্ত কংগ্রেস প্রাক্রামেন্টারি বোর্ড ও তাঁদের প্রস্পারের ভামিকা আলোচা সংভাহের বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য হিষয়। কংগ্রস-প্রথী শ্রীসঞ্জীব রেডডি ৰ নিদ'ল-পাথী জী ভি ভি গিরিব মধ্যে রাথীপতি পদের জন্য প্রবল প্রতিদ্বন্দিতা চলে। এই নির্বাচনে কংগ্রেস সভাপতি, কংগ্রেস প্রার্থী শ্রীরেডডির অনুকরেল ভোট দেওয়ার জন্য এম পি ও এম এল এ-দের প্রতি হাইপ দেওয়ার কনা প্রধানমন্ত্রী শ্রীমতী গান্ধী ক অনারোধ করেন। কিল্ড প্রধানমন্ত্রী বিবেকের নিদেশিয়ত প্রাধীনভাবে ভেট দেওয়ার পক্ষে মত প্রকাশ করেন এবং হাইপ দিতে অস্বীকার করেন। ফলে কংগ্রেস শিবির শ্বিধা বিভক্ত হায় ৰাষ এবং শ্রীমতী গাম্বীকে অপসারণের জন্য বিরোধী শিবির কংগ্রেস ওয়ারবিং কমিটির কলেছ দাবি জানায়। এই সংকট এডাবার জন্য প্রধানমূলীর সমর্থকরা একটি প্রসত ব উত্থাপন ক্তে বলেন : কংগ্রেদ ওয়ারকিং কমিটি যদি আন্তোনিকভাবে বিবৃতি দেন যে, প্রধান-মন্ত্রীকে অপসারণের কোনরকম চেন্টা চালানো হবে না এবং একদিকে স্বতন্ত্র ও জনসংঘ এবং অনা দিকে কমিউনিস্টদের সংগ্রা কংগ্রেস কথানা কোর্যলিশন করবেন না—তা হলে এই সংকটের অবসান ঘটানো সম্ভব হরে। অবশ্য এ ব্যাপারের এখানেই পরি-সমাণিত ঘটে। এদিকে পশ্চিমবংগ কংগ্রেস পরিষদ দলের সভায়ত কোন স্ববিদ্যাসন্ত সিম্ধানত গ্রহণ করা সম্ভব হয়নি। ১৬ অবস্ট যথেষ্ট উত্তলনা, উদ্দীপনাও তীব প্রতিম্বন্দিতার মধ্যে রাজ্মপতি নির্বাচনের ভোট গ্রহণ পর্ব শেষ হয়। ২০ আগস্ট ভোট গণনা হবে।

#### हमभी जावाम

টালিগাল পাইলট দিকম অফিসের গাফিলতিতে ওই অঞ্চলে অন রাসে আদার-যোগা প্রার দেড় কোটি টকার পোর কর দীর্ঘাকাল ধরে নাকি আনাদারী আছে। মেয়র প্রীপ্রশাসত শার এতে ক্ষুম্ম হরে পাইলট দকীমের ভারপ্রাপত সাব এসেনরকে বদলি করার কথা বলৈছেন কমিননারকে।

১২ আগস্ট—সমগ্র ভারতে পাঁচ লক্ষ বা তার চেরে বেশী পরিমাণ টাকার আরকর বাকি ররেছে এমন আরকর দাতার সংখ্যা ১১০০-রের বেশী। ও'দের কাছে মোট পাওনা ১৬৭ কোটি টাকা। ও'দের ছাড়া ১ কোটি টাকার বেশী আরকর পাওনা আছে, এমন আরকর পাতার সংখ্যা সভেব।

১৩ - জাগদট — শ্রীমতী ইন্দির। গাগ্ধী কংগ্রেস সভাপতির পর পর দ্বাধান চিঠির জ্বাবে অঞ্জ পরিক্ষার ক্লানিয়ে দিয়েছন — র দ্বীপতি নির্বাচনে কংগ্রেসপ্রাথনী ক্লানেইছির অন্কর্লে ভোট দেওস্কার ক্লা তিনি কংগ্রেস এম গি এবং এম এল এনদের প্রতি ছাইপ দিতে বাজি হতে পরেছেন না। ওই চিঠিতে প্রধানমতী অভিযোগ করেছেন, কংগ্রেসের ন্যাতির প্রোপারি বিরোধনী রাজ্যাতিক দলের স্বর্ণে বংগ্রেস সভাপতি হতে মেলাজ্যন।

মৰ কাৰ্যস্থাই—পশ্চিমবংগ প্ৰজিস আন্ত্ৰা-সিংসাধনের স্থাবৰ সম্পাদক ডি.এস পি শ্রীসাবেধ দত্তকে ব্রথায়ত করা যায়েছে। প্রকাশ, ৩১ জালাই বিশাসভায় একদল প্রিলেক ডেডব সম্পাকেই এই ব্রথায়তের অসম্পাদেশে হয়। এই ব্যাপারে এই প্রথম ডি.এস-পি র্যোগ্রাস্থ এবাঞ্চার করা ক্রিনা সম্পাকে ১৮ জনকে ব্রথায়ত করা স্থানা সম্পাকে ১৮ জনকে ব্রথায়ত করা স্থানা সম্পাকে ১৮ জনকে ব্রথায়ত করা স্থানি সম্পাকের ১৮ জনকে ব্রথায়ত এদের প্রিকাশক।

রেডডি না অবাধ ভোট-পশ্চিমবংশার



কংগ্রেস পরিবদ দল আন্ধ্র এ সম্পর্কে কোন সিম্পানত নিতে পারেননি। তিনমুণ্টা উন্থপত অ লোচনার পর যথন কংগ্রেসী এম এল এ-দের তেটাজুটি হতে যাজে ঠিক তথন কংগ্রেস সংগ্রেম পরিষদের জন্মপঞ্জাশেক নাম্যানিক সারক বেছাভাকেই তেটে দিতে হবে—কমিউনিস্ট দালাল সিম্পার্থ রায়ের ঢালালি চলাব না বলে চিংকাব করতে করতে দরজা ঠোলা সভাককে ঢ্যুক পড়েন। বৈঠক সংখ্যা সংগ্যা তেখো বার।

১৫ আগস্ট—গ্রেমীয়াটে মহাঝা গ্রাফারীর সমাতিবেদীমালে প্রাথমি সভা ও প্রেপার্থ অপণি, জাতীয় প্রতাকা উত্তোলন, রিগেড পারেড গ্রাউনাড দেশাঝ্রেথক সংগীতের আসর এবং উত্তর, দক্ষিণ ও মধ্য কলকাতার বিভিন্ন প্রায়েক কংগ্রাসর উদ্যোগ ক্রসভাব মধ্যেয় আজে ক্রাধানতা দিবস উদ্যাপিত হয়।

১৬ আগসট—শ্রীরেডডি বা শ্রীগিরি যিনিই জিতন রাজ্যপতি নির্বাচনে কংগ্রেস দক লৈ ধাক। পোনাছ তা সামাল প্রীয় কঠিন। উর্ভেজন পার্ণ নির্বাচনের শেহে দালত নির্বাধ জমান করে যোসব প্রবীণ নেতা গিরির হারে প্রায় চালিরেছেন ভাদের বির্দেশ শাস্তিমালক বাবস্থা নেওয়ার কথা ভাবা হাজে বাল শোনা শ্রাজে।

প্রায় ৩০ জন সংসদ সদস্য করে প্রস্ সভাপতি 
নিনিজলিখণাপার সংখ্য সাক্ষাং করে রাজীপতি 
নিবছিনে দকের নির্দেশ অমানা করার জন্য 
প্রধানমন্ত্রী শ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধীর বিরুধে 
গাস্তিম্লক ব্রেক্থা অবলাব্যনের দাবি জানান । 
কংগ্রেস সভাপতির সংখ্য কেবা আনের 
লগতে বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ্ধি 
বিরুদ

১৭ জাগসট—আজ থেকে পশ্চিমসপ্পার তিন শ চা-বাগিচার প্রার দৃশ্ লক্ষ প্রমিকের অনির্দিত্টকালের জন্য ধর্মঘট শ্রু হচ্ছে। ইতিপুর্বে বিরোধ মীমাংসার জন্য ত্রিগাক্ষিক বৈঠক বাথ চায়। চা-ভামিকদের প্রধান হা জাম ও প্রামিকদের বভামান আন্পাতিক কমানো চলাবে না—অথাং হাত সংখ্যক প্র বছারে অবস্ব নেবেন, তভ সংখ্যক প্রামি কাজে নিয়োগ করতে হবে।

কলক তা নাশন ল মেডিকালে কলেছের প্র অডিট বিপোরটে এই সংশ্যার নামপ্রকার চা বিফুতি এবং গারাতর আর্থিক গলন হ পড়োছ। এ ছাল নানা প্রশাসনিক অবাবহু কথাও বিপোরটে উল্লেখ করা হয়েছে। উদ্ধ্ থাকে যে ১৯৬৭ সালের ৭ জ্ব এই চা পাতালটির পরিচালনভার রক্তা সরবার প্র করেছেন।

#### विषया विषया

১১ আগসট—কোষ্টেরনটাটনের বিজ্ঞা থেকে মান্ত হায়ে অমেরিকার ভিন্ন চল্লান্ত আদ্ধানিক নিজ ঘরে ফোরে গোলেন। এক্সানি জনগা ভাদের কোন্যারনটাইন শারা হয়। গ্রান্ত অজানা পরিবেশ থেকে কোন জারি গ্রাহান বা আনেন নি, সে বিশ্বয়ে নিঃসন্দের হরার ভা ভাদের সম্পর্কে এই সাতকভাি অবলম্বন ক হয়েছিল।

১২ স্বাগস্থ করিব দ্রুপ্র ইন্তর দ্রুপ্রত্ব থোক ভারতীয়দের এবং এথানকর ভারতী সম্মারিক যোগাযোগকারী গোস্ঠীক সবির মেওয়ার বিষয়তি নিয়ে ভারত সরবোরে কাধ আলোচনার জনা দেশাস থোক একটি বী শ্রীগ্রে প্রতিমিধি দল শীষ্ট্র নর্বাধী আসাভান।

১৩ জাগসট—আজ সিংকিরণ স্থান বাশ ও চানা সৈনাদের মধ্যে জেব লাট গ্রে গ্রে লাট গ্রে গ্রে লাট গ্রে গ্রে লাট গ্রে গ্রে লাট গ্রে কারেছে। আর এট রাপানে হার্থিয় গুলার বিলয়ে প্রকলেই বাল্টিনে হার্থিয় হ

১৪ আগস্ট—চেক ও সোভিয়েই সৈনা সংঘার একজন চেক অফিসার ও পতিন দৈ নিয়ত হারেজন। খবরতি পুতার করেখন বি চয়ন এজেনি । খবরে আরও বলা রোজি দখলদার রাশ সৈনারই কথম গালি গালি চেকাদের হাতাতে করে। বন-এর এক খালি প্রাণা হারেজিলাভালিয়ায় ও ভার চর পার্টি বিপাল সংখাক সেভিয়েই সৈনা মোভাযেন কর হরেছে। এ কাজ শার হারেজে গাল সংগ্রে

১৬ আগস্ট নয়াদিলিতে পাওয় এই সংবাদে জানা বার—তিবতী বৌধ্যানত নৈই পানকে লামা চীন থেকে পালিয়ে গিলেন্ট তিন সপতাহ আলে পাঙ্ধা ওই খবরের সভাই পরীক্ষা করে নিঃসন্দেহ হওয়া গিলেন্ট বটি প্রকাশ।

১৭ আগসট তানজানির। থেকে মা ঘোষণা করা হরেছে যে সাড়ে সাত্ত লক্ষ বহ আগেকার এক মানুষের মাথার থালি উট তানজানিরার আলভুজাই গোধি সংকাশ পা শাওরা গিরেছে। মানুষের হাতে এখন এটা প্রচীনভাম মানব কংকাল। বিশালক বছন কা এরা পূর্ব আভিকার ছুরে বেড়াত বনল খুন নেওয়া কেতে গারে। गायम रहे । अवस्य रहे

নিমলিকুমারী নহলানবিশের রবীণ্ড সম্ভিক্থা

# কবির সঙ্গে য়্রোপে

আসংক্ৰ ছবি ৬ কবিল হস্তাক্ষরের চিত্তর্প সহ । দশ টালা ॥ লেখিকার আর একটি স্মৃতিক্থা

# বাইশে শ্ৰাবণ ৬.

লীলা মল্মদারের

नदर्भ अदमान

#### भ्रक्रभाव ताय 811

'আবেংলতাবেজোর কবি স্কুমার রাগের জবিনী ﴿ ঐ পরিবারের ইতিকথা কেপিবার

ব্রুটান প্রেম্কারপ্রাপত বই

वात (कारबायार द,

ভাৰত তথা ৰাংলাদেশেৰ সৰ্বাদেশ্য চিন্তাবিদাদেৰ ৰচনা-প্ৰদাৰ্ভাল

# गान्धी भारतक्या ১৫,

াৰপ্ৰে ভূম, আলাগোডা কাপডে বাঁধাই

ন্তন লেখ পড়া জানালেং উপায়াগ্ৰী গ্**জেন্দক্ষাৰ মিতেৰ** 

भाग्धीकीवनी आ

গালেদকমার মিদের কারন উপনাস

আমি কান পেতে রই ১৪১

রাতির তথসন ৮, নবজন্ম ৪,

परन **उ मी** १७ ७,

হাৰার হয় প্রাথম প্রাথমীয়

न्दश्रव्या ५

সাত পাকে বাঁধা ৫. বিছলিচয়ণ বলেলগাধনলের

यात्रगाक का प्राप्त ७॥ मर्गाष्ट्रभूमी १९

রাধা ৮, যোগভ্রন্ট ৭,

লোহকপাট ক্লে

20,

্রল সিংবে কলকাতা থেকে বলছি ৬, উমাগ্রসাদ মুখোপাধারের হিমালয়ের পথে পথে ৭, গঙ্গাবতরণ ৫, অচিভাক্ষার সেনগ্রেপ্র

গোরাঙ্গ পরিজন ১০,

প্রবোধকমার সামটেলর

এক চামচ গঙ্গা ৪, নগরে অনেক রাত ৪॥

নৈয়দ মাজতব। আলবি

রাজা উজীর ৮,

শঢ়ীকুলাল রয় অন্তিত

জাহাঙ্গীরনামা ৮, বাবরের আত্মকথা ৫॥

- বুল *তাঙাপাধায়ে*র

চিরকুমারীসভা ৪১ তিন শতকের কলক৷তা ৬১

আশাপ্ণা দেবাঁর

প্রথম প্রতিশ্রুতি ১৪, স্বর্ণলতা ১৩, প্রথমেগ বিশীর উপন্যস

বিপ্লে স্দ্র তুমি যে ৭॥

নীরদতন্দ্র চৌধ্রীর

অবন শিরনাথ ঠাকুরের

वात्रालो जीवत्व त्रस्यो ५०,

याद्वाशात्व द्वासाय्य ५,

মিত্র ও ঘোষ ঃ ১০, শ্যামাচরণ দে শ্বীট, কলিকাতা – ১২



# व्यामनात सूथथानि कृत्वत भाभिष्ठत प्राठा भिलव ३ मुम्बत कात जूलाव भेजून जानिर्मिश कीप्त



পঞ্চ ভানিশিং ক্রীমে আচে বিশেষ একটি উপাদান

কিউমেকটান্টি—এতে ত্বেৰ আট্ডাৰ অটুট থাকে। প্রুস
ভানিশিং ক্রীম ভাই আপনার মুখন্তী কমনীম, মুসুণ ও ভাঙা রাধে।
আর বুলোবালি ও ক্রক অবিকাধয়ার কাত থেকেও বাঁচায়।
ভূষার-ভন্ত ও কালকা প্রুস ভ্যানিশিং ক্রীম এমনিতেই মুখে একটি
মাজিডন্ত্রী এনে দেয়; আবার প্রেডার বেস্ হিসেবে এর ওপর .
মেক-আগ ধ্বালেও ঘটার পর ঘটা নির্ভ থাকে।

চীজ্বো-পণ্ডৰ ইনকৰ্পোৱেটেড গৌমিত দামে মাৰ্কিন যুক্তৰাক্টে সংগঠিত)

शिक्त लानिनाः कीम-निध् व नाडेकाइ तन्

P-4932AB



বিষয়	ट्ना	খক			न छै।
রাত্মপতি শ্রীগিরি	•••	•••	•••	•••	842
ৰ্জিচিত্ৰ—	•••	***	•••	***	800
র পদশীর সংবাদভাষ্য-		•••	•••	•••	805
বৈদেশিকী—দেবরাজ	•••	•••	***	•••	80२
म्भाभके श्रीनवात्व ग्र	ত	•••	•••		800
म्रानम्ब जानील-	• • • •	•••	•••	•••	806
দ্রান্তিবিলাস (কবিতা)-	– শ্রীগোর	<b>কিশো</b> র	ঘোষ	•••	809
না আমি তোমাকে (কবি	তা)—ই	ोट्टना इ	ानमात्र	•••	809
घणी बर्जन थ्याम शास्त्र	(কবিতা	)—শ্রীপর	নাশ মিত্র	•••	809
পঞ্চত্ত-ডঃ সৈরদ মৃত	তবা আ	नी		•••	804
অলকাপ্রী—শ্রীসত্যেন্দ্র	আচার্য	•••	•••	•••	802

#### সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্ৰন্থমালা

कालिकहे থেকে প্ৰাশী

শ্রীসতীন্দ্রমোহন চট্টোপাধ্যার রচিত। পশ্চিমীদের **প্রাচ্য** অভিযানের কাহিনী। দৃশ্টি মানচিত। [७-৫০]

देवकव **भगवज**ी

সাহিত্যরম শ্রীহরেকৃষ্ণ মুখোপাধ্যার সম্পাধিত ও সংকলিত প্রার **ठांड शाकांड भटनंड व्यायन शम्य ।** [ 24.00]

SIECOS र्भाक-माथना क শাক সাহিত্য ডঃ "দাশভূষণ ৰাদগ্ৰের এই গবেষণাম্কক প্রভটি সাহিত। आकामभी न्द्रान्कारत कृष्टि। [ 54.00 ]

बामासन <u>কবিবাস</u> বিৰুচিত বাঁকুড়ার र्मान्त्रव

সাহিতারত শ্রীহরেরুক মুৰোপাধ্যার সম্পাদিত বুগোপ্রোগা প্রকাশনার সৌন্টব্যান্ডিড। ভঃ স্নীতিকুমার চট্টোপাধারের ভূমিকা। স্ব' রার অভিকত বহু রঙীন ছবি। ।১.০০]

শ্ৰীকমিয়কুমার বল্যোপাধ্যার রচিত বাঁকুড়ার তথা বাছকার মন্দির গ্রনির সচিত্র পরিচর ও ইতিহাস। ৬৭টি আর্ট প্রেট। ।১৫.০০ ট

**উপনিষ**দের क्षा अ

প্রতিরাধ্য কল্যাপাধ্যার রচিত উপনিবদ-সমূহের প্রাঞ্চ কাথ্যা। [ 9.00 ]

ववीन्म-कर्म न

শ্রীহিরপময় বন্দ্যোপাধারে রচিত রবীন্দ্রনাথের জীবন-বেলের সরল वााचा। (२.६०)

**अक्तवाफ़ी** ब

জীহিরপার বলেনাপাধ্যার রচিত রবীন্দ্রনাথ ও তাঁর প্রাণাহ্য 🛊 **উखन्नग्रह्मायन ग्राफ्ट्रं कारणाह्ना। (३२-००)** 

इवीन्स्रनाथ । ७: म्यारम् विमन वक्षाः शत्वक्षाम् नव नवन वात्नाहमा। बोद्ध अरुक्षिक कथानिक श्रदावहत्त्व त्मरनव कृष्टिका। [50-00]

**रवर्डिनके विका**रणन्त् नामग्रास ब्रीडकः। श्रीकृरणन्त्रकृतात नरसङ्ग कृतिकाः (०.००)

## श्चिष

কলিকাতা ১ **०२७ जाहार्य शकुझहन्छ स्ता**ण 11

ন্তন হুপে ন্তনতর পটভূমিতে আরু একটি পৰ' প্ৰকাশিত হল क्रीन्द्रवायकुमात क्रमणीं व

# त्रशां प्रवोक्ता

#### कर्नाहे भर्व ১०० (छेन्नान-वर्गनक व्यन-कार्य)

উত্তরে কেমল হিমালর, তেমনি দক্ষিণে নীলগিরি - পাহাড়ের রানী উটাকামণ্ড কুনুম ও কোটাগিরি। কর্ণাট পর্বের वर्गानका फेट्टेट्ट बहे मीर्जार्जात भाराएक। দেখান থেকে পাৰ্যত্য পথে বিভিন্ন সম্পদে পূর্ণ মহিসুর রাজা। একদিকে সোমনাথ-পরে বেলয়ে হালেবিড 🔹 প্রবণবেল-গোলায় ভারতীয় স্থাপতাকলার শ্রেষ্ঠ নিদর্শন, অন্যদিকে রামারণের ব্রুগর কিশ্কিয়া, বিজয়নগরের ধরংসাবশেষ ও টিপরে শ্রীরঙ্গপন্তন। প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের আকর জোগ ফল্স্ শিবসম্নুম ও ৰুন্দাবনও কম আকর্ষণীর নর। কিন্তু क्ष्मरनद रमय अदेशास्त्र नद्र। आय्रीनक ব্যাসালোর ও অন্থের ন্তন রাজধানী হার্রাবাদ হয়ে অপর্প গৃহার্যান্দর ইলোরা ও অঞ্চতার এই পর্বের শেব।

> ছাভা ভাষরা আরো ১২টি পূৰ্ব প্ৰকাশ করেছি।

> > ब्र्फन शकायन

#### वाश्वाय विश्वववाम

मरानाधिक क्रूच म<del>श्च्यत्र म्हा ३०</del>००

শ্রীনবিদারিকশোর গ্রে প্রণীত

#### বাংলা সংগীতের রূপ R.00

স্কুমার রাম প্রণীত

#### খ্যাতি যাদের

জগৎ জোড়া

निर्मातनम् तामकोभ्रती প्रगीउ

#### ভারতের শিষ্প ও

वासात करा ५०.००

क्रीकदर्श मुक्ताव गरन्शाभाशाव ( । ति. गात्र,नी ) अभीठ

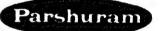
अ म्याकी ब्रान्ड स्कार शाः निः २ वॉक्क्य हााग्रेक्टी न्यूटींग्रे, क्लिकाका ५२





পরক্রাম স্যানিটানীওয়ার লাগিবে আপনার বাধ-ক্ষকে বিলাসকল নববীবন দান কমন। ক্লেক কাইল, বাজিক ডিজাইন আর নবনাডিরাম স্বঙের জনোই এডসির এডো আদয়।

ইউলোপের খ্যাকনামা স্যানিটারীওয়ার নির্বাকা ক্রাক্সের পোর্ণের-এর সহযোগিকার ভিত্রবিহীন, চিড় না-বাকরা ভিট্রিরাস চারনা অর্থাৎ কাচের যক চীনে-বাটি বিরে কৈরি। পরক্ষরার স্যানিটারীওয়ার আপ-নার স্টাচি-- ও সাধ্য অহবারী ব্যবক্ষরক আকার, রাপ ও রঙে পাওরা বার। চিত্তাক্রক ও টেকস্ট্র এস্ব ভিনিব বীর্থকাসের ভক্ত ব্যর করা সার্থক। বিভাগিত বিবরণের জন্ম লিখুন।
পরত্যান পটারী ওয়াকস্ কোং, লিঃ, যর্ভি, ইভিয়া
নিয়লিখিত খানে কার্থানা আছে।
মহতি, খানগড়, ওয়াহানের, এংগঞা।



भवनुदाव गाविहाञ्च श्राव



বিবর	লেখক			भंकी
অপ্ত বিভূতিভূৰণ—		<u>লিখ্যার</u>	•••	884
बन्ध् इत्मान्नत्न कवित्र-	গ্রীরবীন্দ্রনাথ দত্ত	•••	•••	885
कम्द्रबन् मिल्ल-मत्र्यन	• • • • • • • • • • • • • • • • • • • •	•••	•••	862
জীবন বে-রক্স-শ্রীস্ত	নীলকুমার গণেগাপ	ধ্যায়	•••	863
বিশ্ববিজ্ঞান-শ্রীসমর্বাত	ত কর	•••	•••	869
মন্কোর চিঠি-গ্রীননী	ভৌমক	•••	•••	845
পারাপার-শ্রীশীর্ষেণ্দ্র	ম্থোপাধায়ে	•••		866
ভারেরির ছেড়াপাতা	দাদার দ্যাতিয়েন	•••	•••	859
ৰরে-ৰাইরে—শ্রীমতী		•••		890
ৰাংলার চালচিত্র—শ্রীআ	বদ্ল জন্বার	• • •		894
ডিভিচিতে নৰ অধ্যায়-	–্শীঅভিতক্ষা: দ	<u> </u>	•••	895
শাণ্ডনিকেতনে কৰি ভ			<b>Eal</b>	
-डीश्रानाम				860
ৰবীন্দ্ৰসংগতি প্ৰসংগ্ৰ		য়েস্থ	•••	866

#### স্নীলকুমার গলোপাধ্যার-এর একটি আণ্চর্য-স্কুর রহস্যঘন গ্রেত্তর কাহিনী

# পাপী

প্পাই এবং পাপী! এই প্পাই -চক্ত পাপ-চক্তের বিরুদ্ধে একক সংগ্রামে লিপ্ত হ'ল আমেরিকার এক নন্দর এক্তেণ্ট XX-1—ডেল ফিশার। তারপরই শ্রের্ হ'ল এক একটি উত্তেজক ঘটনা রোমাণ্ডক পরিস্থিতি, একটির পর একটি হতাা। আরও কত সব মর্মান্ড্রদ কাহিনী...... দমে পাঁচ টাকা জাকুলার কাহিনী অবলম্বনে লেখা স্নীলকুমার গঙ্গোপাধ্যায়ের জার একখানি রহস্য উপনাস

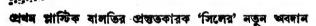
# वि**द**म्ही आञ्चा ७००

	નંદ્રન	વેર		
শিৰাজীর স্বণন	n	সম্রাট সেন	u	\$0.00
वारतामात्री विवि	11	চন্দ্রগর্প্ত মৌর্য	n	8.00
क्ष्प हेन क्ष्म बाउँहे	n	<b>श्मा</b> िकः स्मिन	u	\$0.00
आवन-कांग्रे हेकतारवन	u	<b>3</b>	u	\$2.00
<b>कृ</b> कि हारत्रम		স্লতানা <b>চৌধ্</b> র	n	A.00

**মণ্ডল ব্ৰুক হাউল** ॥ ৭৮/১, মহাস্মা গান্ধী রোড ॥ কলকাতা-১

ভারাশকর বন্দ্যোপাধ্যার <u>ভায়াপথ</u> >0.00 অস্ত্ৰদাশক্ত বাৰ তম্বার জল 4-00 8.00 রুমাপদ চৌধুরী ভারতবর্ষ 💩 जन्माना शहल 0.00 এখনই W-00 স্মান্তার স্মান্থাপাধারে नाबरमब जार्यात 0.40 भिन्ना मृद्ध কাচের সংসার 4.00 কালের পদ্ধর্নন আশ্ৰেকাৰ মনেখাশাধাৰ आलात विकाना 8-40 न्हीन्त्रराथ कल्याभाषात्र আনন্দ ভৈৰবী ০.৫০ অপ্রিচিতের নাম দীপক চৌধুরী ঘেরাও 4.00 গোরীশকর ভট্টার মহাকাৰ্যের প্র W-00 दम्हमिनभी 4.00 প্ৰাণতোৰ ঘটক \$2.00 বনফ ল शाभागरमस्बद्ध म्बन्ब নারারণ গক্ষোপাধ্যার চাপার গম্ম .40 জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী ৰসত্ত ৰঙীন... 0.40 আশাপ্রণা দেবী জনৰগ্ৰহিতা 6.40 ডি এম লাইরেরী

8२ विधान **मत्रगी, क**िकाछा-



# দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ণ সম্ভার

শাধক্ষে বং এর ছোঁয়া দেবার জন্ত—মগ, বালতি এবং টয়লেট সীট। রাল্লাঘরের জন্ত—গামলা, বাটি, ঝাঝরি, খাবার টেবিলে উৎফুল্লতার জন্ত—মাটি, গেলাস এবং মেট,গৃহস্থালির প্রযোজনীয় আরও জনেক কিছু—বাজার করার বাাগ এবং বাভির শেছ—বেমন রংচলা, তেমনি সহজে পরিভার রাখা যায়। হাজা এবং শেছকুর। নানাবিধ মনোহর রংবে। সবই 'গিলের' তৈরী—বারা প্রথম প্লান্তিকের নালতি তৈরী করেছেন।

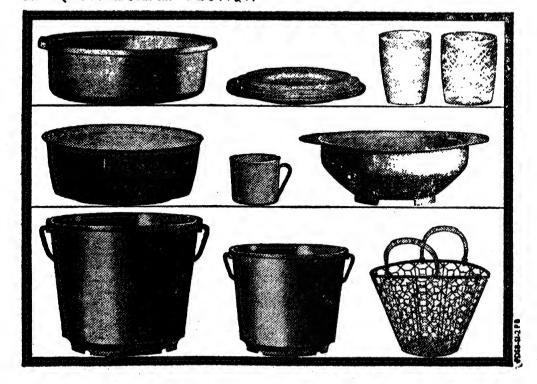
"দিলের" তৈরী বাবতীয় জিনিব নির্ভরবোগা ও টেকসই। কেননা, এ গুলি বহুকালখনে ব্যবহার। করার উপবোগী করেই তৈরী। আধুনিকভার আল মান্টিকস্—"সিল' এর ভৈরী প্লান্টিক জব্য কিন্দুন।



স্থপীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড



ওচ্চ লক্ষমী মিলস্ কম্পাউও ওয়াডালা, বম্বে-৩১।



ভিন্মিবিউটর : পশ্চিমবণ্দা, আসাম, বিহার, ওড়িখা, মধ্য প্রচেশা, জনপ্প প্রচেশা, দেপালা, সিভিম এবং ভূটানের জন্য এ- মেলার্ল প্রেমমেটিং কর্পোরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি রোড, ০ম তল, ম্ম সং ৪বি, ইন্ডিয়া একচেজ প্রেম একটেজন, ভলিকাডা-১২। ব্যক্তর কলিকাডার জন্ম মেলার্ল পিনর জ্যান্ড কোং, ৪১, সার হরিয়াম গোরেখ্যা দুর্শীট, ভলিকাডা-৪



বিষয়	<b>লে</b> খক		<b>লে</b> খক		<b>श</b> न्धा	
আথিক ভারত—শ্রীস্র	<u>च</u> स्था		•••		৪৯২	
চিত্ৰপ্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়			• • •	• • •	850	
थारनाहना—	• • •		• • •	•••	858	
সাহিত্য সংৰাদ—সনাত	ন পাটক		•••		855	
শ্ৰুষ্ঠক-প্ৰিচয়—				• • •	605	
খেলার মাঠে –একলব্য	• • •		• • •	•••	608	
नत्रकाम जेटन व आहेनका	गुन न्ह्	ূল	• • •	• • •	608	
র্গজেগ্হ—	• • •				605	
अवगरम्ब—	• • •		• • •		1330 .	
সাংতাহিক সংবাদ—			•••	• • •	७३० ,	

श्रष्ट्रनः श्रीवामानग्र बरम्नाभाषाम्

কমল বদেরাপাধ্যায়ের তথাসমূদ্ধ ভ্রমণ কাহিনী

# ভারত দশন

মিশ্র পর্ব ৮: মাদ্রাজ ৮: কেরল ৮, কেল প্রাট সলাপ্রকাশিত হল।

বিক্রমাদিতোর রোমাঞ্চকর রহস্য উপন্যাস

न्भारे २०.००

স্রঞ্জন সেনের নতুন রহস্য উপন্যাস

लाटलायानी थर्दनत

# यायला

ত্রাই এর জঙ্গলে মহিমার বাংলোয় জোড়া খুন। তথাসন্ধানী জগদীশবাব্র রোমহর্ষক অভিজ্ঞতা। পাঁচ টাকা ॥ স্থর্জন সেনের অনা বই ঃ ব্লাক্ষেলার ৭; ডানকার্কের গতন ৯; লেক প্লেসে খুন ৮; খুনী তর্গী ৭

ক্লানিক প্রেন ॥ ৩/১এ, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা ॥ ক্লানিক প্রেন

#### - বিদ্যোদ্যের বই <sup>-</sup> माराक्षक्यात राजाकोशालीत विभागम **ब**शु दाको 8.00 গ্রকপোতী O · O O সোমলতা 8.00 মধ্যমিতা ₹.00 হুবিনে প্রথম প্রেম 8.40 প্রেমেন্দ্র মিতের ব্রহসা-উপন্যাস शासाना हलान পরাশর বর্মা 8.40 মণ্ডিশ দাউকেং উপন্যা**স** न-नथन 9.00 নার্ডের ব্যান্যপ্রধান্তর স্মাতিতির বিপ্লবের সন্ধানে ২০০০ কে, ভ্রম, পর্নথন্ধরের উপন্যাস কেরল সিংহ্যা প্ৰিয় অব্ধন্ধ প্ৰদেষৰ স্মাতি চিত্ৰ চলমান জবিন: প্রথম 00.3 সংগাঁর করণের দেশপ্রেমিক কাহিনীগক্তে অরণাপ্রুষ ব্যক্তির চটেপ্রধারের উপনাস প্রিষকা 0.26 পৰিত গলেগাপাধানের লেখনীটে মার আন্মানের অমর কাহিনী চাহার দরবেশ 0.60 গ্ৰেময় মালার উপন্তেস लशीमन मिशाव 4.00 न्योन कराद देशराज ৰেলাভূমির গান \$.00 স্য'গ্ৰাস 0.96 শিশির সরকারের উপন্যস **शि**बिकना 2.60 বেদ্ইনের উপন্যাস ও মর্তিচিত্রণ भए आहरत প্রথম পর ৩-৫০ খিডীয় পর ৪-৫০<u>।</u> বেগম নাজমা ফ্রাংকাইন ৩.৫০ যশাইতলার ঘাট 0.00 অনত সিংহের পর্তিচিত্র অগ্নিগ্র চটুগ্রাম প্রথম খণ্ড 22.00

বিদ্যোদয় কাইবেরী প্রা: বি: ৭২ মহাত্মা গাস্ধী বোড : কলিকাতা ৯ কোন : ৩৪-৩১৫৭ সারা পরিবারের পড়বার

জনপ্রিয়

সাহি ত্যক-সাংবাদিক

विभारे एष्ट्रीहार्य

্সম্পাদিত

অনন্য সাংতাহিক

**अ**ष्रुन

ছ' মাসের চাদা ৩ টাকা আজই মনি অডার কর্ন: আমরা, ডি-১, জংপরা নিউ দিল্লী-১৪

ৰত'লান ৰাজনৈতিক পট্ডাসকায় বচিত নতন উপন্তেল

&.00

বৰ্মাণের বাজ্যাস - পঠন জড়িল হলস্য - উপন্যান

রক্ত গোলাপ বাত 6.40

রহেলে সাংকৃত্যারণের নীহাররঞ্জন গুরেপ্তর গ্রেন্দ্রক্ষার মিরের

সিংহ সেনাপতি পোডামাটি ভাঙ্গাঘৰ

B - 00

न्बन्त अन्धत

**ভারেটেট পার্বালনার্ম ১** ১০, কলেজ রেণ্ কলিকাড় ১

প্ৰকাশিত হল

দ্বৈপায়নের ঐতিহাসিক উপনাস

রাজতরঙ্গিণীর দেশে ৮০০ **এই রোদ এই বর্গ**চ্ট ৫'৫0 रमालन हाँ शा अबाहे राम 11 50 00 বিষের রঙ খুনখারাবি শুলু বিতান

वर्गा**ली अकामनी** ५७, प्रश्तका शक्षी तराज् क्षितारा

চলচ্চিত্ৰকথা

नगभ, आब

कान्द्रदाष श्रामानाताम ॥ ३ বাঘৰন্দী ডোরাকাটার অভিসারে

जामिशका

অস্থিরপণ্ডক

রতের ক্য়াশা

অপরিচিতা

क्षित्रनाबाष्ट्रभ क्ष्यद्वीत्राध्यात्र ॥ ७-०० मृजनात घत

याठे थ्याक वर्नाष्ट

कामहरकाव बहुरचालामहाब ॥ ८-६०

আক্রোলা-আফ্রিকার ভিয়েতন্ম

गाकी

(FOOP PT)

ৰালিকাতা - ১

# বিরহী বিহঙ্গ আশান্শ দেবা ৪-০০ টুসীটারগাড়ির রহস্য চরঞ্চীর সেন ৪-৫০ ধ্সর দিগত হারিয়ে শ্রেরার চরক্রী ৪-৫০ পথ থেকে হারিয়ে শ্রেরার চরক্রী ৯-৫০ সোনালি রুপোলি মাছ অলাহশ্র ১-৪০ ফিয়ড দেশের মেয়ে বার চন্ত্রাপাধার ৪-০০ চলো যাই দ্রদেশে নিল্লি মালারার : আসল প্রবাশ

পার্মিরাস । ১ চিম্বার্মাণ লস লেন । কলিকাত্র-১

157 435 B)

॥ প্ৰণাশত হ'ল ॥ - প্ৰথাত কথাশি≂পী নিম'লচন্দু মৈতু-এ<mark>র চাণ্ডলকের উপন্যাস</mark>

#### अखदान

পাৰ্য - পদ্যিয় প্ৰাধিকভাবেনৰ এবং হাংল্লজনীতিক **ৰাণ্টনৈতিক চলাবের** পটভূমিতে, প্ৰাধিকভাবেনৰ সমস্ত্ৰমিতক কাবেললেন - বিক্লোকের **উপাদ্যানে** কাচত, ৰা্কি - দাখি উপন্যাস :

প্রগতিবাদী সাহিত্যিক সৌরী ঘটক-এর বাদতবধর্মী উপন্যাস

# রক্ত রাঙা নগরী

ত মাগের কাগেল্যা ইপ্নাস। সৌরীন সেন-এর বই

্ৰ দৰ্ম-১.০০ ছ অজিত সেন-এর

<b>ि.श.टनाम</b> ५०.००	वगञ्चता (बाहँक) 💎 😜 🥸 🔻
কঙ্গে। থেকে ফের। ৮০০১	বনফ্ল-এর উপনাাস
্শ্য হার। (রাটক) তেত	রালি ১-০০
সলিল সেন-এর	<b>हा</b> गका त्मन- अब
স্বৃহং উপন্নস	রাজপণ জ্নপণ ৭-৫০
एस्ब प्रकृष्टि	সমূদ্র শিহর ৭.০০
<b>নতুন নাম</b> ১০-০০	धीरत वरश <b>बीव</b> ५०.००
- गीघर	বের বে

শ্বানন্দ পাৰ্মা রচিত হে অতীত কথা কও (১ম খণ্ড)

॥ •বাধনিতা আন্দোলনের ইতিব্র ॥

নৰভাৰতী, ৮, শ্যাসাচরণ দে স্টাট, কলিকাতা -- ১২

শারদ সংখ্যা

# উল্টোরথ

#### প্রকাশিত হবে ১লা আশ্বিন

প্রধান আকর্ষণ মতে তিনটি উপন্যাস কিন্তু প্রদৃত উপন্যাস, তেওে উপন্যাস লিখেকেন

#### সুবোধ যোয়, সমরেশ বসু বিমল মিত্র

গত সংখ্যার সমারণ বস্তার উপন্যাসের কিলা প্রতিষ্ঠা সেওয়া রয়েছে। এটি পা্ডে এটে প্রকাশত হরল সাম হরে বাস এম করে স্থা মার্কা।

#### স্বোধ ঘোষের

"ৰণ্যা, গোপাল" প্ৰসংগ্ৰ

ভাম মা তেওঁ এ বিশ্বীয়াল হায় সানেক তেওঁ এল জাল কৰা মাণিটেই মাবাই ভিচাৰ এল মানীৰ। মাবে মাবে সাব ধূদকা মন ৰা চামানী মাবে স্থায়ে কাল্যাৰ লাভ তেওঁ বিদ্যালিক তেতেক্ত লাভানিক তেওঁ আন্তাহন কাল্যা মান্তাৰ এল সভি আন্তাহন মাহে কিন্তু লাভানিত তেওঁ বিশ্বী মাহে মান্তাৰ এল কাল্যাৰ কাল্যাৰ ভামানে মান্তাৰ এল কাল্যাৰ কাল্যাৰ আছেই মান্তাৰ এল মানীয়া। কিন্তু সংখ্য

ভাগ বাংলা সংগ্ৰহণ কাহিছেল **এক** হাণ্ড ভাগ বুলিছেল। স্থাপ্ত **ভাইছং** ক্ষান্ত বিশ্ব লাখেল হাই হাই হাইছ কাল হাত, হাইছে অংশ ইয়ালাকা ভাগ ভাগত লোগ নাকা বিশ্ব কাইটি কালেলি লোগ হাইছে হাইছে বাংলা কাই কাইটি কালেলি ভাগত হাইছে বাংলা হাই কাই কাইটি

अविते हेम्बराफ्रास्य मीर्च भाग्य **नियाहन** 

#### শংকর

িভুন্নী বন গ্ৰহণ লিখেছেন—

মনেজ বস্ : প্রমথনাথ বিশী আশ্তেয়ৰ ম্বেগপেধ্যয়

অন্যান ব্যানার পরিচয় আগামী বারে

দাম পাঁচ টাকা

পুলকিত জ্যোৎস্থার স্নিগ্ধ স্থামা ফুটিয়ে তুলবে লেডাকুনো সাটিন স্লো



উজ্ল বীপ্তির জরল মেক আপ। এনে দেবে চক্রাকোকের মধুর আছে। আপানার মুখবানি নাচিন প্রোপ্ত কেমন নলীব মাধুবে ভারে তওঁ দেখুন। কছে বধুর হাজা এই ভাউকোনে আপানার খক নত ভোটা সুনের মত কমনীর লাহাব্য ভারে উঠনে । বেশমী-পোল্য এই অনাধনীর মাধানী প্রশে নব খুঁত চাকা প্রবেনিয়েবে।

माहित (प्री) व परि केन्द्रमा लाएक कालबाह काली काहत कालकल हां ह केरेर । इन्हें किरलीड (लाइक केंद्र बहुका-काका) प्रशास्त्रक हाइक बाहाह अस्य इन्हें किलान है जि

নিম্ম নগুৰ আজাৰ মুখনীকে অগৱস ক'ৱে ভুগতে নৰ্ম্বদ। খাবলার কলন লাংকনের ন্যায়ন লোও

୯୪ାବଧୋ ଧାର୍ତିତ (ଲା ୭ ଶଟ ଅନ୍ତ ଓଡ଼େଅନ Likal SATIN GLOW LOUID LOUID LOUID LOUID LOUID LOUID LOUID

Section of the contract

8.00

স্প্রীলকুমার ঘোষ-এর একটি বিল্যারকর আবিম্কার

# কারা প্রাচীর

এ আর এক জগং, অন্য এক লোকের কাহিনী। এর লেওয়ালে লেওয়ালে আবর্জনার স্ত্রপ জ্যাপসা গশ্বে মাডোয়ারা। পোষের পাক। ফসগের ইসারা, শিশিরে ভেজা সকালের সোনা রোদের ফ্রাদ আর সৌন্দর্য করেদীদের দার্ঘশ্বাসে ম্লান। এখানের রাজা, উজির, সেপাই—সবাই ভূমিলের প্রোতে মরিয়া হয়ে ছুটছে। এরা বধির—এই অধ্বকারার শিলগালি।

শক্তিপদ রাজগারের নতুন উপন্যাস

# मर्डिङ्गान ६

বদি জানতেম ১০-০০ ॥ জনম অবধি ১০-০০ ॥ জলসা ২ রুপ বদল ৫-০০ ॥ অনেক বসনত একটি এমর ২-৫০

রববিদ্র প্রেম্কারপ্রাপ্ত কোন্তর নার্থির সালেরের নার্থ উপন্যাস

# তাজের স্বণন ৮,

সিভ ± ১৮৭ • . ২ / এনারার

# অবগ্রন্তন ৫১ নীলাঙ্কারীয় ১০১ আধুনিক ৬১

কুশা প্রাণ্যশের চিঠিও, ব্তর্বারভার ৪, ব্রংকি ২ ৫০

**ডঃ কুদ্দানৰ** চ্টুড়াহাত নতা পুৰুণসূত্ৰ **এল**ণ কৰিবটী

# বিপাশা নদীর দেশে ৬১

ें कुली, शामाला के उत्तर है के पान पर प्राप्त करता है

# ভূস্বগ কাশ্মীর ৬,

#### রতনকুমার ঘোষের প্রেস্কৃত নাটক

সিশিড় ৩০০০ ॥ ফেরা ২০৫০ ॥ অমাতস্য পারাঃ ২০৫০ ॥
সমত্রে সন্ধানে/পাপ পালা (একাংক নাটক) ৩০০০
প্রশ্ব মিতের একাংক নাটক ॥ আলো নেই/কণ্ঠস্বর ৩০০০
বৰশিন্ত ভট্টাচার্যের ॥ আমায় বাঁচতে দাও/সংবাদ বিদ্রাট ৩০০
পার্থ বলেদাপাধ্যারের ॥ আদিম ৩, ॥ গোর শার ॥ তিশ্লে ৩,
বিক্রন ভট্টাচার্যের ॥ দেবী গ্রন্থা ৩০০০

রবীন্দ্র **গাইরেনী : ১৫/২**, গামানেন দে মুখীট কলিকাতা ১২ : : ৩৪ ৮০৫৬

#### भारकाय नावेक

খ্যাতনামা সাংবাদিক - সাহিত্যিক সম্ভোষকমার খোবের

# অজাতক

[পূৰ্ণাঙ্গ ]

উংপল স্ত্র-স্ক

ছায়ানট প্রিমালিত। ০.৫০ বাইফেল (ব্যক্তর) ০.৫০

অগ্রম বহু অভার পাঠান

শৈকশ গুর নিজেগীর **জনশন ভঙ্গ**াহ∷িসর| ২৮০০

1.4 医阿斯克氏管 (唐) **建** 

মাতুরে চোখে জল: কাল বিহস: কামধেনা ॥ ৩০০০

টি এই ভট গামের **(কৃষক)** 

অন্ন চাই প্রাণ চাই তিংওঁত। মন্ত্র ক্রেল

**ধড়ের কাছাকাছি ¦প**্ণা**জ**} ৩∙০০

Ø·0

প্ৰতিষ্ঠিত তাল্ডীর হায়েনার দাঁত (বহসো) ত ৫০ কালজয়ী নাটা সংগ্ৰহ (২য়) কাল্ডপ্ৰত চু দীন্**ৰন্ধ মিত্ৰ** 

বিশ্বন নি সাধা আ এলতি বি

প্রেম্বরি ইমানা ও **তুলাসী লাহিড়ী**আমার মানী ও **মনোরজন বিশ্বাস**ক্ষার বিপ্রেরের তিন বাবের তিনটি **প্রেচি**ক্ষার বিশ্বার বিশ্বনার স্থানি করা মালা ও ৬০০০
১৯ মালা ও জাত তা গোলিকে তিনটি নাটক,
সা প্রামী করামান্ত ক্ষিত্র বিশেষ্ট ক্ষাইক,
সাধারেরে মানু ইমানার ওট্টার্মেরে নীরের
মহলা সম্মীল প্রবাধান্ত বিশ্বর

#### विमन्ध এकाःक

নি নি প্রকাশনে সংগ্রাট নাটক সংগ্রাহ হাল ও মালা : ৫০০০ নোড়ে হাল নহজ : মালারক্সন বিশ্বাস । স্থাচ : উপেল শস্ত ও বাত করে এক্ষ লোক স্থানিল পত্ত ও এই সক শ্রেণ্ড । ভাজতে গ্রেলাপাধ্যায় । নানা বংগারে দিন : ভাজতেল বংলাপাধ্যায় । বাইনারর দরজা : মোহিত চট্টোপাধ্যায় । বেইনারর দরজা : মাহিত চট্টোপাধ্যায় ।। বেইনারুকা : বিজুতি মুক্তোপাধ্যায় ।।

একালের একাংক (৩য়) ৭.০০

জাতীয় সাহিত পরিষদ ১৭ কান গুলুম্বর দাঁট কলিঃ ১

#### প্রকাশিত হল



# वित्रव शिखत

शासित अधारणात भाषा एउ দাৰ ৬.০০

 এট লোগতেকর অন্যান্য বাই প্রেম পরিণয় ইত্যাদি 9.00 হাতে রইলো তিন & · 00 চলো কলকাতা 6.00 বেগদ মের্গ বিশ্বাস \$6.00 নিবেদন ইতি 6.00

#### मना अकामिए करशक्रि **ઉ**थवााम

শহর-ইয়ার

সৈয়দ মুজতবা আলী ॥ ৮.০০

নায়কের প্রবেশ ७ अञ्च

মাতিন্দী ম S-00

क्योतव

বিশ্বল করা ৷ ৩ -৫০

# কুবেরের বিষয় আশয়

শাসন গ্রেমাগারবর ॥ ২০১০০

(প্রমিক

কলোজ কস্যা ৬-০০

# **म्** हाँ ए त य(দশ্যাত্রা

기위(전략 전기, 1LS·00

#### (वर्गामःशात

भविष्टिकः, दर्भाशासाय ॥ ८.००

नुरनंत शुष्ट्रव সাগরে

ধনজয় বৈরাগী॥ ১০.০০

## ठज्थ माम्न প্ৰকাশিত হল



मुनोव भजाभागास्य

# <u> अंतर्गात</u> **मिन्ना** वि

माभ 8-00

বিশ্ববিশ্যাত চুলাচ্চত্র প্রিচালক সভাগিং রায় এ উপন্যাসটিকে धर्माष्ट्रदः त्रुथ मिस्सर्छन: **এ**वः শ্মিলা ঠালর, সোমিত চটো-পাধায় সিমিম প্রভতি খাতেনামা শিংখা আভনতি এই ছবিটি श्राविक किया का गाउँ ।

উলেখা, এ উপন্যাস্টি এইথাকারে প্রকাশিত হওয়ার **মাত** সাত মাসের মধ্যে এটির তিনটি ম্চুণ নিঃশোষত হয়ে চতুথ মাদূৰ প্ৰকাশিত হল।

🔍 এই লেখকের জালু একটি উপন্যাস 🔍

#### আত্মপ্রকাশ

দাস ৬.০০



রং বদলার

🗫 আনবদ পাবলিশাস প্রাঃ লিমিটেড

0.60

অফিস ঃ ও চিড়ামণি দাল লেন । কলিঃ ৯ ॥ ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিশ্বর-কেন্দ্র: ৬৭এ মহাত্মা গান্দ্রী রোভ ম কলিকাভা 🖫

# নাংলা ভাষায় স্বাধিক প্রচারিত এক্সাত্র প্রথম শ্রেণীর সাপ্তাহিক

ক্ষেত্ৰ

ত**৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪**৪ শ্রিবার ১০ ছার ১০৭৬

#### দ্যাদক শ্রীস্ক্রেক্স্মার সরকার সংঘ্র সংগদক শ্রীসাগ্রময় ঘোষ

শ্বর্যাধকারী ও পরিচালন ভানেদনাজার পরিকা গুল জিল ৬ প্রবাস সংক্রম স্থানী, করিকাটো ৯ গোক ট্রিকাটাংশাক্রমান দাখনামুখ্য বার্তক ম্প্রিত ও প্রক্রিত

> টালিকোন ২০-২২৮৩ ২০-৮১৪১

#### চালার বাস্ত ক্লিকাতার

হানিক ... ২২:৩০ হাণ্ডাহিক ... ১২:৩০ হৈছেতিক ... ৬:২৫

#### 515.3

বাহিক স্টাক ... ৩০-০০ বামালিক ... ৯৫-৫০ হৈমালিক ... ৮-০০

#### শা ক্রিয়ারে

(ভারতীয় মান্তায়)
ভারতীয় সভাক ... ৩০-০০
যান্ত্রিক সভাক ... ১৫-৫০
হৈমানিক ... ৮-০০

#### ভারতের বাহিরে (জালাজ ভাকে)

কাৰ্মিক সভাক ... ৫২.০০ যালাসিক ... ২৬.০০ হৈম্পিক ... ১৬.০০

#### আসম **তথ্যে** (বিমান ভাকে)

হার্যিক ... ৩৯.০০ হার্ম্মাসক ... ১৯.৫০ হৈমাসক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উত্তর্বদ ও আগামে অতিরিক্ত বিমান মাস্ত্র ও প্রসা

#### DESH .

Baturday, 30 Aug., 1969

#### যান্ত্ৰপতি প্ৰীগৰি

ৰ নিৰ্বাচিত রাশ্বৈপতি ন্ত্ৰী ভি ভি গিরিকে আমরা ন্বাগত জানাই। ভারত রাশ্বের প্রান্তন রাশ্বেপতি হিসেবে ডঃ রাজেন্দ্রপ্রসাদ, ডঃ রাধাককন, ডঃ জাকির হোনেন যে ঐতিহা স্থান্তি করে গেছেন ন্ত্ৰী গিরি সেই ঐতিহার উত্তরসাধক হলেন।



প্ৰসঙ্গত মনে বাখতে হবে ভারতের বে বাজনৈতিক অবস্থার প্রাক্তন বাদ্দ্রপতিরা তাদের দায়িত সংঠ্ভাবে ও মর্যাদার সঙ্গে পালন করে গেছেন সেই রাজনৈতিক অবস্থা আরু নেই। বলা বাহালা নেহর জীর আমলে তিনি একদিক দিয়ে সোভাগাবান ছিলেন। একদিকে তাঁর সমর্থনে ছিল শক্তিশালী কংগ্রেস দল আর অন্যাদিকে তারই সহ-ক্মীরা ছিলেন রাম্মুপতি। সেনিন আর तिहै। धर्कामरक विद्वारी मन, अर्गामरक ভুগ্নপ্রায় কংগ্রেস দল—এরই মধ্যে বনে য়েয়ন দেশের বর্তমান প্রধানমান্ত্রীকে লয়িছ পালনে কুনশই এগিয়ে যেতে হাবে. সেই রক্ষা রাজ্পতি 🖺 গারিকেও নানা দ্যাভার হল। করতে হবে। স্বভাবতই ্রু শ্রীগিগরির সংগে প্রাক্তন রাজ্যপতিদের একটা ব্র পার্থকা প্রথম থেকেই থেকে যাকে। এ

সংস্তৃত আমরা আশা করি, শ্রীগিরি তাঁর দীর্ঘ অভিক্রতা ও ন্যা-বোধ নিয়ে এই দ্রেং কতরি স্থান্তারেই পালন করে যাবেন।

ভারতের রাষ্ট্রপতি নির্বাচন নিয়ে এবরে যে আরোজন ও উত্তেজনা সারা দেশের ওপর দিয়ে বয়ে গেছে ইতিপ্রের তা আর দেখা যার্ছন। বাদত্রিক প্রক্রে, এই প্রথম—মগর্থ আর্থ, রাষ্ট্রপতি পাদর জানা একটি উত্তেজনাপ্রি প্রতিষ্ঠিনের। গেখা দিয়েছিল। এবং কে প্রতিকলিতারে আমরা সম্প্রতিকলিতাও বলতে পরি, নির্বাচনের ফলাফ্রেই তার প্রমণ। এই নির্বাচনের তাংপর্য ও গরেও গেরি, নির্বাচনের ফলাফ্রেই তার প্রমণ। এই নির্বাচনের তাংপর্য ও গরেও গেলা নানার্বম, এর মাধা বিভিন্ন ধরনের চমংলারৈও কেবকার রয়ে গ্রেছ। তার যা প্রধান তা হলে ইনির্বাচন ধরনের চমংলারৈও ক্রেকার রয়ে গ্রেছ। তার যা প্রধান তা হলে ইনির্বাচন কর্মের কর্মের করেই বিক্রমের অস্ক্রের করেই ক্রিকার করা ক্রমের করেই ভার করা করা ক্রমের নার করে ক্রমের করেই ক্রমের আর্লিডন করা ক্রমের করেই তারের বার করা ক্রমের প্রাক্রের নার রাজনৈতিক স্বর্গেলির সম্পর্যের ভারের বালীকরা যাহা। আন্নাদের প্রক্রের আর্লিডন স্বর্গালির সম্পর্যের ভারষংন বালীকরা যাহা। আন্নাদের প্রক্রে আর্থতেত আপ্রক্রা করাই প্রেয়।

দেশের রাজনৈতিক ভবিষাৎ যাই থাকে শ্রীগিরি এই রাজের শ্রীসামান প্রাক্তিয়। রাজ্পীত হিসেবে তাঁর একমাত কর্ত্বরা স্বদেশের জলাণ ও অগ্রগতির জারে সম্পাণ আজানিয়েলে। আমারা শ্রীগিরির মাত্রন অভিজ্ঞ ও উলোগোঁ মানাবের কাছে যে আশা অবশাই করতে পারি। মান বাখতে হারে শ্রীগিরির কমাজিবন নানা অভিজ্ঞতায় ভরা। তিনি আইনজ্ঞ, তিনি আইনসভার কাছে অভিজ্ঞ, তাঁর প্রেরণায় সারা ভারত ট্রেড ইউনিয়ন কংগ্রেরের জন্ম, তিনি এই প্রতিষ্ঠানের অনাওম প্রতিষ্ঠাতা ছিলোন। সারা ভারত রেলকমাণি ফোলাকশানবও তিনি গঠনকতা ছিলোন। এছাড়া তিনি বিভিন্ন সমায়ে মালিসভায় স্বসা হিসেবে থেকেছেন, বিদেশে ভারতের প্রতিনিধিদ্ধ করেছেন সরবারী কমাণি হিসেবে; উত্তরপ্রশেশ, কেরালা, এবং মহাশিরে রাজন্পাল হিসেবেও দীর্ঘাকাল নিয়ন্ত থেকেছেন। এত ১৯৬৭ সালে তিনি ভারতের উপরাজ্ঞপতি পদে নির্বাচিত হয়েছিলোন। ডঃ জারির হোসেনের পরলোকগ্রমনের পর তিনি অন্থায়ী রাজ্ঞপতি হিসেবেও সামায়িকভাবে ওই পদে ছিলোন।

নতুন রাষ্ট্রপতি নির্বাচনে জয়ী হয়ে শ্রীগিরি দেশের অধিকাংশ মানুষের সাক্ষনা ও আনক্ষের কারণ হয়েছেন। আশা করা যায়—বিজয়ী রাষ্ট্রপতি অভঃপর ব্যাদেশ ও স্বজাতির মধ্যক ও কল্যাণের কর্মে নির্বত্তর সহযোগিতা করবেন। আমরা তাঁকে শুভেচ্ছা জানাই।



# SKSM-GVB)

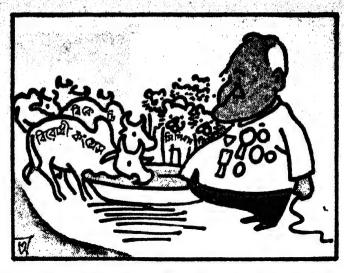
त गत्रां अवसार्य क्या बादता कारक वा वरन নবনিৰ'15ড खामार मुद বালুগতি মহামানা শ্ৰী ভি ভি গিরি ভা দেখিরে তাক কাগিরো দিরেছেন। ফ্লাফল প্রাণ্ড হতে দেখা গেল তিনি ভোট পোষ্টেন কংগ্ৰেস স্বত্য, জনস্থা, বি কে ডি সংঘ্র সোসালিসট পার্নটি, প্রজা সোসালিস্ট পার্টি বাম কমিউনিস্ট পার্টি. জান কমিউনিস্ট পার্রিট আর এস পি. এস ইট সি জি এম কে. ফরওরারড ব্রক, আকালি হল, বাংলা কংগ্ৰেস, লোক সেবক সংঘ, মার-কসবাদী, ফরওরাড ব্লক, আর সি পি আই, প্রেরেসিড মুসলীম লীগ, ঝাড়খণ্ড পারটি এবং নিশ্চরট আরও সব ইতাাদি ইত্যাদি পার্বাটর ভোটদাভাবের কাছ থেকে।

স্তরাং এই সিম্পান্ত নিঃসন্তর্হে আসা বার বে, শ্রীগিরিক ভারতের প্রথম সর্বাদনহাদনা রাজীপতি। শ্রীগিরিক ভার হোক। এবং দণচাক কীভাবে ভগবান ভাত হান, সেটা সালগাল-কভাবে দেখিরে প্রম্থান করার জনা কংগোল নামক একটি রাজনৈতিক সংস্থার সংক্রি প্রথমী শ্রীনিকাম সঞ্জীব রেভি ও ভার প্রিবাধবর্গাকে আলভারিক সম্বেদ্না জগাতী।

শ্রীগিরির জর নিঃসংশবতে প্রগতিশীলতার জর এবং প্রগতিশীলভার জর অনিবার্থতার ব্রক্তনটের আগমনী। পশ্চিমবংশার
ক্রেড্রনটের পরাক্তাত ম্থামন্ত্রী শ্রীজ্ঞর
মংখাপাধ্যর হৃষ্টিচিত্তে আশা করছেন,
শ্রীনতী গাংধীও অচিরেই কেন্দ্রে ভার পদাংক
অন্সরণপর্থক একটি ব্রক্তনট সরকার
গঠন করে ফেলবেন। শ্রীমতী গাংধীর
কথাবাতা শ্রেন ভারতের জনগণও সেই আশা
করে বসে আছে। এবং শ্রীমতী গাংধীও
জাগণের দরজার দরজার ব্রের এইর্প একটি
মাজে বাণী তাদের শ্রনিরে বাবেন বলে
শিংর করেছেন।

পশ্চিমবশ্যের প্রকৃতিশাল জনগণের পক্ষ থেকে জনারানেই এই প্রতিভান্তি দেওয়া বারু বে. এই ধরনের ব্যাপারে আমাদের বরাবর্থই উংসাহ আছে!

বিশেষ করে কমরেন্ত স্পরারা বধন সব্জ বাতি পেথিয়ে দিয়েছেন, তথন আর আমাদের দিবধা বা সংকোচ কিছুই থাকতে শারে নাঃ কমরেন্ড স্কোরা মারকসবাদী



কমিউনিসট পারটির পালটব্রের সিম্পান্ত বোরপারালে অতি স্কেরভাবে বলেছেন, শ্রীমতী ইন্দিরা গাল্বী বলি কংগ্রেসের গাল্ভান্তিক গোল্ঠীকে নিরে সরকার গঠন করেন, তবে মারকসবাদী কমিউনিসট পার্মট ভাকে সমর্থন জানাবে। শ্রী ভি ভি গিরিছ জর চরম প্রতিভিয়াশীলাদের বিস্কেশ জন-সাধারণ রু গণ্ডান্ডিক শ্রির জর।

আবার এই বছবাটাও এই সপো শানে
নেওরা বাক: "শ্রীমতী গাণধী তার দেশকে
সেবা করবার এবং একানত প্ররোজনীর
সামাজিক ও অর্থনৈতিক সংস্কারের
স্থানিস্থিও বানতবসম্মত কর্মস্থানী
র্পরণের মাধামে তার দলকে ঢেপে
সাজানোর এক চমংকার স্বোগ পোরেছেন।
এরকম একটি স্বোগ আর না আসতেও
পারে।" না, এটা পলিটবারের সিন্ধান্ত
নর, সামাজাবাদী আমেরিকার সব থেকে
প্রভাবশালী পারিকা নিউ ইয়রক টাইমসের

স্বোগ বধন সম্মুখে ভখন আর তা নিতে বাধা কি? ভান কমিউনিসট পার্টির সেনট্রাল সেকরেটারিরেট ক্ষিণপথ্যী প্রতি-ভিরাশীল প্রির বিরুদ্ধে গণতন্ত্রী কংগ্রেসী-দের জেট বাধার আবেদন জানিরেছেন।

অবিশা বর্তমান লোকসভার দলগও
দারের যা অবস্থা ভাতে শৃধুমার পাশতশ্রী
কংগ্রসীরা জোট বাধনেই বে কেরা কতে
হবে তা মর, ওই সংগ্র প্রধানমন্তীকে আরও
গোটাকতক প্রগতিশীল দলের সংশ্র জেট বোধে বে করু হাসিল করতে হবে, একথা না বলবেও ছলে। কথা হচ্ছে, কে

পশ্চিমবশ্য ও কেরলে বে শুটো ব্রন্তফনত সরকার আপাতত বহাল আছেন তাদের অবন্ধা ক্রমণাই তো শ্টেট বাসের মঙ হরে আসহে—বন বন ব্লেক ভাউনের আশ্বর্ধা

কেরলে বিধানসভা মূলভবি করে দিভে शासनीय निभकाव महापद वाथा स्टब्स्स ! ভাবণ, ভয়বের এ কে লোপালনের মতে কেরলে যুদ্ধানট ভেঙে পড়েছে। কেরল কংগ্রেনের কেটি বেসবকারি প্রশাব সি পি আই আর এস পি. মুসলিম লীগ এবং ভারতীয় সোসালিসট পারটি (এস এস পি'র ভানালে) সমর্থন করার এই সংকট দেখা দিরেছে। পলিটবারো বে-সর দল পি সি পি আই-এর বভবলোর ফাঁদে পা দিরেছেন, ভাদের সভর্ক করে দিয়েছেন। কমরেড গোপালন আশক। করছেন সি পি আই ও অন্যান্যরা হুজাপালকে সরকার ভেপো দিতে বলতে क्रमदाख ज्ञानवाहा वर्ताहरू পারেন। সরকার ভেঙে গেলে 'অমবা मःगरित कवव।'

এদিকে পশ্চিমবশ্যে বাম কমিউনিসট পারটি ব্রক্তনত সরকার বিরোধী চক্তনত প্রতিরোধ করবার জনা পঞ্চাশ হাজার দেবজ্ঞাসেবক বাহিনী গড়ে ভূলাহেন। এই দেবজ্ঞাসেবক বাহিনী গ জ্পাহ নিরেছেন তার মূল বরান ঃ 'ব্যক্তনট সরকার বিরোধী চক্তালত কিছুতেই বরদাসত কবা হবে না—ভা সে বে-যপেই আস্কেনা কেন"—

এতগ্রিল বয়ানের যেগফলে সি পি আই-এর অবস্থা কী দাঁড়ার, তা দেখেই কি প্রধানমন্দ্রী তার নতুন সবকারের পারটনার নিরোগের কথা ভাববেন ?

भाना भानाभ?

মারকসবাদী ক্রমিউনিস্ট নেডা শ্রীজ্যোতি বস্ব বলেন (বিভিন্ন প্রগতি-দাল দল নিরে গঠিত) এই ব্যক্ত মোচা গঠিত হবে একটি দ্নাতম সাধারণ ক্রমাস্টার ভিত্তিত।—হ্গান্তর, ২০ আগস্ট, পৃষ্ঠা ১ বে নদী মর্পথে

ইরে থেকে দেখতে গেলে চেকো-वा स्वाकाविकारक ১৯৬४-व **企**奪[新 আগলেট আৰু ১৯৬১-র একশে অগলেট এমন কী ভফাং? গেল বছরেও প্রেসিডেণ্ট হিলেন স্ববোদা, প্রধানমন্ত্রী ছিলেন চানিক এ বছরেও ভাই: তফাতের মধ্যে শাধা এই আলেকজান্ডাৰ ডবচেক ছিলেন ক্যানিস্ট প্ৰের সেরেটারি, এখন তাঁব ক্রগার এলেছেন দলের কর্তা হয়ে গ্রেতাভ হাজাঞ জাতীর পরিষদের অধ্যক্ষ সেবার ছিলেন স্মরকোভাস্ক, এবার ভবচেক। আরও কিছ রুণ্বনলও, অবশা হয়েছে, বেমন পাতির প্রেসিডিয়ামে অধাৎ সভাপতিমণ্ডলীতে অর মিলিসভার। সভাপতিমণ্ডলীর সদস্য সংখ্যা একশ থেকে কমিরে করা হয়েছে এগারো भूरतारमात्रा एकछे वा चारहन, रकछे टा গেছেন। নতুনও কেউ কেউ এসেছেন। বলা বৈতে পারে এ সব হেরফেরে অবাক হবারই ৰা কী আছে? আপত্তিরই বা কী আছে? অন্য দেশেও তো এমনই হয়, বে সব দেশে <del>ক্</del>মানিক্ম নেই সে সব নেশেও। বিলেতে আমেরিকার, ভারতবর্ষে, জাপানে—কোথার **ন। মাকে মাকে মণিলসভার অনলবদল হচ্ছে?** 

কিন্ত কেবল বাইরেটা দেখে বিচার **স্বরলে রাজনীতি-কটেনীতিতে ঠকতে** হর. ক্ষ্যুনিস্ট দেশে তো বটেই, জনেক অক্ষ্যানিস্ট দেশেও। ক্ষ্যানিস্ট দেশে ক্ষমতার সিন্দ্রক বার হাতেই থাকক না ক্ষেম চাবিকাঠিটি পার্টির হাতে। সে কাঠি ভাৰ হাতে গেন্ধ বছন ছিল বলেই ভবচেক ভার নতন উদার নীতির সাধক রূপ দিতে পেরেছিলেন সরকারী কমরিম আর আইন-কান্নের মধ্য দিরে। একুশে আগস্ট পর্যস্ত চেকোম্পোভাকিয়াতে ক্ষ্যানজমের বে **রুপান্তর ঘটোছল তা স**ম্ভব হরেছিল পার্টির পরজা নদ্বর সচিবই তার মলোধার ছিলেন বলে। রাশীকা সে দেখের ব্যক্তর গুণর সৈন্সামন্ত অস্তর্শস্ত্র নিয়ে চেপে ৰসার স্তেগ স্থেগ্র কিন্ত তার হাত থেকে চাবিকাঠিটি কেড়ে নেয়নি, তাঁর ওপর লোকের অসাধারণ টান দেখে। তাঁর আর তার সংগীদাথীদের মাথার ওপর কামান-বন্দুক উচিরে তারা কাজ হাসিল করার বাবন্থা করেছিল। ভবে ভারা সংযোগ খ্রাছল ভূৰচেকের হাত থেকে চাবিকাঠিটি কেড়ে নেবার। সতেরোই এপ্রিল সে স্যোগ এলো। দলের নতুন পরলা নদ্বর সচিব হলেন হ্রভাক, ক্মতার চাবিকাঠি হলো ভুবচেকের शाउद्याजा।

কাজেই ৰাইরে থেকে দেখে বদিও মনে হল্পে এমন কী আর বদল হরেছে এই এক বছরে চেকোন্সোভাবিরার আসলে কিম্তু হরেছে জনেক কিছা। হঠাং বদি দকুল-ভাঙা আসন বৈগে পাগলপারা ছটে-চলা নদী



দেবরাজ

শ্কিরে বার, ভা ইলে স্বাঞ্জীন বেমন দেখতে দেখতে মর্ভমির মত খাঁ খাঁ করে তেমনই হরেছে চেকোন্সোভাকিয়ার। কটারের ঠাট ভার হয়তো বজার আছে, কিন্তু কেন্দ্রটা कर्मा शिराहर । शिराहर वना ताथ इस कन श्रमा- এখন क काला । न्यायान कार्निक নিজের নিজের জারগার আক্রম্ভ আছেন, তো কেলে কিবো শিবিরে মেই। **ভব**্র কৈন্দ্ৰ ভারা থাকার भरधारे । 30 7514 ভুল হোৰ নিজেৱ পথে চলতে তাঁৱা আৰ পাকেন না, ভাঁদের চলতে হচ্ছে রুপিয়া ভাঁদের জন্যে যে সভক তৈরি করে দিক্তে তাই বেরে। তারা বে ছক এখন দিকেছে তাই ধরে। বাঁদের হাতে আরু ক্ষমতা ভাঁরা উগ্রপাথী সকলে নন্ কিন্ত মর্রান্তরানা করছেন মদেকাভলা উত্তপ্থীরাই। হাজাক ঠিক সে দলে পড়েন না ভৰে মান্বিক কম্যানিজ্যার আদুশে তাঁর বিশ্বাস নেই। শোনা ব্যক্ত ভাকেও সরিবে দিরে কটর মদেক পদ্মী স্ট্রগালকে কসানো হবে ভার

त्यभीतन्त्र भाभकिन खबरहकः स्वरवामा-চালিক-হাজাককে নিরে নর, ভারা ফাঁপরে পড়েছে চেকোন্ডোভাকিয়ার সাধারণ মান্ত্র-দের নিরে। কিছাতেই তাদের কলে আনা যাছে না। একুশ বছর কম্যুনিস্ট রাজছের পর সে ফেলে তে৷ আর প্রতিভিয়াশীক শোষক শ্রেণী বলতে কিছা নেই যে ভানের ওপর দেবে চাপিয়ে পেওয়া বাবে, আঞ रमधारम वा शास्त्र छात्र छात्रा। हवाँका প্রতিষ্ঠেছে ছাত্র-ছাত্রীরা, ভর প-ভর গার: করেখনের মঞ্জারেরা ৷ ত দেৱ TITH দর্গিজ্যরেছে দেখকেরা, সাংবাদিকেরা, রেভিভর ভাষাকারেরা। এরা সবাই উদারভার নদীতে উজ্ঞান বেয়ে চলেছিল প্রমান্দে। রুশীদের কড়া অনুসাদনের বাঁধ বখন সে নদীকে বে'থে ফেললো—তার বাকে ক্লেগে উঠালা চড়া—তথন তারা গোড়ার হলো হতভন্থ তারপর হলো **ভূম্প। কিন্তু** রাগ করে তার कतरत की? এकारमञ्जू भारतगारमञ्जू मर्दण তো আর দ্য-চারটে বোমা-বন্দ্রক নিষে পেরে ওঠা বাবে মা। ভেতরে ভেতরে ভার গ্রেক মরতে লাগলো। রুশীদের ওপর ভাদের হলো বিজ্ঞাতীর বৃণা। সাথে নাথে ভুক্ কারণে ভারা ভাই ফেটে পড়ছে ভীর িবিক্ষোডে—ধেকার নাঠে, নাকের জাসংহ, সিনেমা-থিকেটারের হলে।

সরে চেকেন্ডেনাভাকিরতে আর সরে मीतव श्रीकटताय। जन्म जात्कारम लाह्न আত্মণীড়ন করে প্রতিপোষ নিজে নিজেনে ৰপৰ নিজেদের স্বাভন্তা রক্ষা করতে পারেন বলে। পূৰ্ব ইউরোপে শিলেপ ভারটে ভিত কৰ চেলে জগিলে। এই এক বছৰে গেটা দেশটা দেউলে **হডে চলেছে। কলে ক**র্থানার काम शतक वरते, विकाद स्वारकत कारक हर নেই, কালেই উৎপাদনের কোনও লক্ষেত্র পেণছনো বাজে নাঃ জিনিসপর সধ দুরার इरत छर्ठेट्ड। ट्याम क्याम क्याम নাকি উৎপাদন শতকরা ৮০ ছাল ক্ষ গেছে। দোকান সম খালি। পোলাল থেকে আমদানি করতে হতে কাকা, অস্থিয় रश्यक रहमाहारे। अवह धाउँ रहामान हरे দ্ৰটো জিনিসই চেকেকেলাভ কিয়া ৰংভান করতে: উৎপাদন এত বেশী হতে। খান্ত ন্ধিনিসেরও অভাৰ দেখা দিরেছে৷ ছাংস্ আর ডিমের যোগান দার্প করে গিরেছ। তৰে কারখানার ৰতটা অপাতিত দেখা হ'ছে মক্রেদের মধ্যে ভত্তী ক্ষেত্থমেরে নেই ' ন থকলে কীহয়, সেখানেও সর্বস্থী কড়াকড়ি আৰু বিধিনিবেধ নিরে চোত বেধেছে । রাশ টেনে ধরার ফালে চাবীদের উৎসাহ কলে বাজে বা বাডছিল ভবটোকর উদার অর্থনীতির আমলে।

একুশে আগদট গেছে চেকোন্সোভা-কিয়তে ব্রণিয়া আর ভার সংগোপাপোনের অভিযানের বার্ষিকী। মদকার আশংক' আর পশ্চিমীদের আদা ছিল লেদিন একটা সাংঘাতিক কিছা হয়তো হবে। সে জাশংক ও সূতি। হয়নি, সে আখাও পোরেনি। বেকা গেল বুলীদের দাপটে মাথা ভোলবার শ<sup>ে</sup>র চেক আৰু কোভাক্ষা হারিরেছে। তট্ বলে ভারা হাল একেবারে ছেড়ে দের্মন, প্রতিরোধের আগ্রনত একেবারে নিতে যার্হান। সেদিন ভারা রাশীদের ধিকরে দিরেছে শহরে শহরে, অহিংস উপারে জ্ঞানিয়েরে ভাষের অভিযানের বিবাসেধ প্ৰতিবাৰ। সকাল থেকে লোকে গাড়িতে না চড়ে পালে হে'টে গিরেছে ৰে মার কালে, প্ৰুলে, কলেজে ও কারখানার, থিরেটারে, সিমেমার, রেস্ভারীর কেউ বার্নান, কারখানার কারথানার হরেছে প্রভীক ধর্ম ঘট। কড়া হক্রেম ছিল সরকারের সেদিন বিক্ষোন্ত না দেখাবার। বেশীর ভাগ লোকেই তা মানেনি। একদিন নর তিনদিন ধরে চলেছে শহরে শহরে বিক্ষোভ, গঢ়লিও চলেছে, লোকও মারা গেছে। নতুন করে কড়া আইন জারি করা रक्राष्ट्र अवाधा क्रानियदाधीरमक "भारतन्त्रा করার জনো। জার এমনই জনুদের পরিত স ভাতে সই আছে স্ববোলা, চানিকি আর ভুবচেকের, হ্জাকের নর, স্ট্রগালেরও নর!

तिसभी मीला स्थला

. বেশীরা আমানের রাজনীতিতে নাক वि शमारण्डन. U. OTCHO! - A প্রসা कांसाबाश दर्शामध्यतः। शामिक विद्या এইবক্স অভিবোগের মাত্র কিছাটা বেডেছে। তেলা সাধারণ নির্বাচনের পর্ট পারকানেনটে এজবাৰ এ নিৰে জোৱ ছইচ্ট হয়েছিল: বহ সংস্না ব্যব্দিকেন, নিৰ্বাচনে বিদেশী উচ্চাত্ৰ real চলেছে। রাগ্মপতি নির্বাচনের কারেকfor আগ্ৰ লিবিতে ক্ষেত্ৰকান বামপ্ৰথী নেতা বিক্তি দিয়ে বলৈছিলেন ভাষা কৰ ৰজনীতিতে বিদেশী চূপ বাড়ছে। এবং এই ক্ষেত্ৰ ৰাষ্ট্ৰপতি নিৰ্বাচনেৰ পৰে লোকসভার আবার বিদেশী টাকার অরাঞ্চিত খন্তবেশ নিয়ে ভোর বাকবিভাজা হার 75年1

আমানের রাজনাতিতে টাকা গালার বা নাক গলাবার অভিযোগ যে বিদেব তেখাও একটি রাজের বিরুম্পে তেমন নর। অভিযোগ জনেকেরই নামে—মার্রাকন যান্তরাক্ট, রাশিকা, চীন, পাকিসভান প্রভৃতি আনোকেরই নাম লোনা গিলোছে এই প্রদানের। খাব বাদকা থেকে অভাবত গার্ভপ্রা, সব রক্ষারই ভাতবেলে উঠেকে এনের বিব্যাহয়।

বারা এই সর অভিযোগ তোলেন ওাঁগের
মধ্যে জবলা মোটামাটি একটা ভাগা ছিল এর
আগো। কমিউনিসট এবং তাঁগের আনগোমীর
ভিতরেগ তুলতেন শাধ্য মারকিন ব্যক্তনেগর
নির্দেশ। আর, অক্সামউনিসদীরা বলতেন
কেবলমার রাশিরা এবং চাঁগের নামে।
সপ্রতি অবশা এর কিছুটা হেরেছের ঘটোছ।
বেমন, সি পি আই (এম)-এর নেভারা এখন
আর শ্রেষ্ মারকিন ব্যক্তরাল্টর নম বলেন
না। তাঁরা এই প্রসংগ্র চাঁগের নাম
ধেলাখ্লিই উক্তারণ করেন এবং রাশিরা
সপ্রতি প্রার প্রকাশেই অভিযোগ আনেন।
হশ্য পাঁচিক আগো সি পি আই (এম)-এর
শ্রীরামমার্তি এবং এব এপ পির শ্রীমধ্যালিমারা
একটা ব্রুছ বিব্তিতে স্বেশ্বাসীকে ব্রম্মান

# ''চোকে-চু-হং-কি''

-मृत्क माखिरक नावारभना ३। जाम्युनिक कन्द्रीहे डीक हो। ०-६०

२। वैश्वीत्रमाननाम नावा है। 8.00

ৰাংলা ভাষার একমার বই
লেখক ও প্রকাগকঃ বীনেধ্যুদন নজ্মেদর বি. এন. ই (মিলিগান), এম. এস (ইলিমার) ১৬ বি জি রোড, হাওড়া--ও, পশ্চিমবাস বর্ডার ও এজেলার জন্য চিঠি লিখ্যুন।

(সি ৬৮৬০)

AMAIR

বিদেশী প্রভাব সংগকে স্তক করে দিরেছিলেন। রামম্ভিতিক জিজেস করা
হতেছিল, আগনি কোন্ কোন্ বিরেশী
শক্তির কথ বংলছেন? সি গি এম নেতা
জবাব সিয়েছিলেনঃ ইয়াংকি, বাশী, আংগো
সব। ফরওয়ারত রক সংগ্রতি খোলাখ্লিই
মার্থিনা এবং রুশী হসতজ্বেশের কথা
ব্রেছন।

দি পি আই-র অভিরেশ অবশা শ্রেষ্
পশ্চিয়া রাণ্ট্রগ্রিকা বিরয়েশে। তারা চাঁটেরে খেলাগেও বাগন। কিন্তু রাশিরা সংশক্তে তার আজ পর্যানত একটিও 'ধারাপ' কথা উদ্ভাৱন করেছেন বলে কেউ কথনও গোনেন নি। তেমনি সি পি আই (এম-এল) চাঁটের বির্যাণ্ড বিধাই বলেন না। তাঁলের অভিরেশ শ্ধ্ 'আংলো-আমেরিকান সম্ভেজাবাধ এবং রাশী সামানিক সম্ভেজাবাধের বির্যাণ্ড।'

শবতার এবং জনসংখ্যার অভিযোগ প্রার্থ সং সময়ই কমিউনিসেই রাখিবালি সাপারে হিল্পান্থ কড়া কড়া কথা বালেন এবং মারে মধ্যে প্রতিষ্ঠানি বিশ্বান্থ কড়া কথা বালেন এবং মারে মধ্যে প্রতিষ্ঠানি বিশ্বান্থ কড়া কথার বিশ্বান্থ কলা কথার কংগ্রেস নামক বিভিন্ন রাজনৈতিক দলটিত বিশ্বান্থ এস কে পাতিকা থেকে অভ্যান আরোর প্রয়ান্ত সককেই আছেন, সাতরাং কংগ্রেসর পক্ষ থেকে লুই নিকের বিরুদ্ধেই অভিযোগ আন্ত্রাং

আমাদের সরকার কি বলেন এ প্রসংগ্রাণ তারি সর্বাদাই না ক্রান্টাত না ক্রান্টাতর মধাপথা অবলম্বন করে চলেন এবং প্রতিবাবই প্রতিগ্রাভি দেন : বিদেশী প্রভাব ধর্ব করার কনা সর্বাভানের বির্দেশ কঠোরতম ব্যবশ্বা অবলম্বনের কথা ভাবাছ!

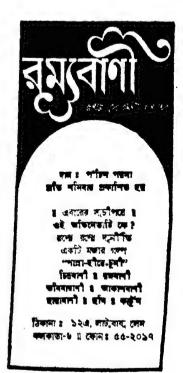
বিদেশী অর্থ এবং নিদেশির থেকা বে এদেশে চলে তাতে আমার অন্তত কোনও সন্দেহ নেই। এবং, আমি এ সম্পানেও নিশ্চিত বে পশ্চিমা এবং কমিউনিস্ট দ্ই পক্ষই আমাদের রাজনীতিতে বেশি করে নাক গণাতে উদ্যোগী হরেছেন। ভারত সরকারের

গোরেন্দা দক্তরের কর্তাবাভিরাও এই ক্যবর্ধানান বিদেশী হল্ডকেপের ক্যা জন্মবিভার করেন না।

কোনও বিদেশী গুতাবাস যদি শাইনসিম্ম উপারে এদেশ সম্পর্কে ধবরুম্বর
সংগ্রহের চেণ্টা করেন, ভাতে আপত্তির
কিছাই থাকতে পারে না। এ বাজ ওাঁদের
এতিরারেরই চেণ্ডার। কিন্তু ধখন ওরি।
গোপনে খবর নেওরার বা গোপন সরকরী
ভথা সংগ্রহের চেণ্টা করেন, ভাকা আইনের
সীমা ছাড়িরে বান—সম্পূর্ণ বে-আইনী
ভির্কেলাপে লিক্ত চন।

শ্বে এইউকু বে-আইনী কাল করেও
ক্রার অনেকে সম্ভূট মম। তারা নান্য
আভ্যানতরীণ ব্যাপারেও হস্তক্রেস করতে
উল্যোগী হন। এ দেনের রাজনীতি,
অর্থানীতি সব বিভাবেই প্রভাবিত করতে
চান এবং সেই জ্যাই নানাভাবে আন্দের
ব্যাপারে নাক গ্লান, চাকার ক্রেলা বেলেন।
এই ব্যাপারটাই সবচেরে আপত্রিজনক। এবং
এই খ্যালা বে সেপেই বিদেশীরা চালাতে
পারবেন সেই দেশেরই সর্বনাশ হতে বারা।

বে দেশ আভানতরীগভাবে বভ দ্রেশি, বার রাজনীতি বভ অনিধয় এবং বাশী-পরিচালকরা বত বেশি স্বাধানেবরী বিদেশী-দের দাীলাখেলার স্থাবাগ সেই দেশে ভঙ



তে উদ্যোগী হরেছেন। ভারত সরকারের (সি ৭০৬১)

বেলি। ইতিহালে বার বার বেখা গিরেছে বিভিন্ন বিবেশী স্বাহা এই সব স্কেশ্য নিরে নানা বেলের সর্বনাল করেছে। ভারতেও বে আল বিবেশীবের লীলাবেলা বাড়ছে সেটা ভারতের এই সব ব্যক্তার স্ক্রোণ নিরেই।

শ্বিষ্ণা বিধ এই বিদেশী লীলাংশলা বিশ্ব ভরতে না পারি ভাহতে আমানের সর্বাশিলা হতে বাধ্য। আমেবিক ই হোক, রাশিলাই হোক—নিজের দেশের সংবাত হকে বা হওরার আশংকা আছে বলে ওরা মনে করবেন সেইখানেই নিজেদের শ্বাংশ ভারতে প্রামেবন গ্রাহাত বলে বা হার্বান ক্রিড করতে এগিরে বাবেন গ্রাহাত করতে এগিরের বাবেন বাবেন গ্রাহাত করতে এগিরের বাবেন গ্রাহাত করতে এগিরের বাবেন গ্রাহাত করতে বাবেন বাবেন

ভারত যদি আফরিকার কোনও প্রতেত একটা ছোটু দেশ হত তাহলে অবশ্য এদেশকে नितं वर्ष बाच्छेग्रीम बाधा ना चामिरतं व পারতেন। কিন্তু ষেহেতু ভারতের এই গ্রুষ্ণ্ণ ভৌগোলক অবস্থান, বেহেড ভারত বহু কোটি মান,বের বিরাট দেশ এবং বেহেড় শক্তিশালী দেশ হিসাবে দাঁড়াবার মত স্বােশ ও সম্ভাবনা ভারতের যথেন্ট ররেছে সেই জনাই বৃহৎ রাণ্ট্রগালি তাদের নিজেদের অর্থ-নৈতিক, রাজনৈতিক এবং সামরিক স্বার্থে ভারত সম্পর্কে এত আগ্রহী—নিজ নিজ স্বাথেই ভারতের বর্তমান ও ভবিষাত পরি-চালিত করতে ব্যগ্র। ভারত বাদ নিজের পারে নিজে দাঁডার, ভারত বদি দশ বিদ্য বছরের মধ্যে ব্যাপকভাবে বিদেশী বাজারে নামে, ভারত যদি শৃধ্য নিজ স্বাথেই ভার বৈদেশিক নীতি পরিচালিত করতে পারে ভাহলে বে বহু বড় রাজ্যেরই ভাতে কর- বোল কতি হবে সে সন্পক্তে সন্পন্ন নেই।
সেই জন্ম এই সৰ বড় রাজ্ঞ নিশ্চরই চাইনেন
না ভারত নিজের পারে গাঁড়াক, নিজের নীতি
সন্পন্ন নিজ স্বাচর নির্ধারিত কর্ম এবং
বিশ্বের অর্থনীতি ও রাজনীতিতে এগিরে
নাজ।

আই জন্মাই, বে বত আজনের সাহাম্মই
কর্ন না নিক শ্বামের কথা সব সমর তারা
ভাবেন এবং সেইভাবেই কাজ করেন। মুব
খোলাখালি বললে বলতে হর, আমেরিক।
হোন, রাশিরা হোন আমাদের সাহাম্য করার
পেছনেও তাঁদের শ্বাখাব্যিশই সবচেরে বেনি
কাজ করেছে এবং করছে। তাঁরা সাহাম্য
করছেন, আমরা নিশ্চরই কৃতক্ত থাকব; কিশ্তু
কৃতক্ততাবশত আমরা বেন একবারও মনে না
করি যে তাঁরা নিছক প্রহিতে প্রাণ দান
করতে এগিরে এসেছেন!

\*

সরকারের পক থেকে প্রারই বলা হর,
বিদেশীরা আমাদের আভ্যানতরীপ ব্যাপারে
নাক গলাচ্ছেন জানতে পারলেও তাঁদের ধরা
কঠিন। সতিা কথা; বহু ক্ষেত্রে বিদেশী
লীলাখেলা জানতে পারলেও ধরা ফঠিন।
কারণ তাঁরা হে সব খেলা খেলেন বহু ক্ষেত্রই
তার কোনও প্রমাণ রাখেন না। ধর্ম,
মারকিন সি আই এ ডি এম কে বা মিজো
ন্যাপনাল ফ্রনটকে টাকা দিল অথবা র্শ কে জি বি সি পি আই-কে টাকা দিল—
এগালি আভাসে ইণিগতে জানা গেলেও ধরা
অসম্ভব। কিম্তু সদিজা ও দ্যুতাতিজ্ঞা
থাকলে সরকার নিশ্চরই বিদেশীদের লীলাখেলার স্বোগ অনেক কমিরে আনতে
পারেন।

great wer, we factable acre WINES CHANIE SERVICE TO 1 गारावा विरुक्षम बद्धा ? एरा कि वित ५ बाणिया जेगर डीटमंत्र काब स्थाप का महाता बिट्यून ? किन्यु क्षिक्रिनिम्हे ब्राप्टित स्टार रक्ता नरक्र कथन सून वा डीनरक जिल केवन किरमाजमारम मीडि लाट कारम निरम्गाहम ? अस वक्ष मार्थाकन गुक्ताचेर ज्ञाना अक्ष कीर्व जाक्कालनक बाल हानात्काः কিন্তু ক'জন হলে বা চীন সৈনোর সাহায় নিরেছেন ডিনি? প্রার-ভূবন্ত ন্তালিন ধ্যা আমেরিকার কাছ থেকে অন্যতিকা নিতে-ছিলেন, ছখন তিনি ক'জন নার্কিন সৈনা ब्राणितस्य क्रूक्टल निरम्बिकान रमदे मरभा? এমন বে আবা-স্বাধীন (রাজনৈতিকভারে) পশ্চিম আরমানী সেও কি ভার সং কলকারখানার ইংরেজ বা মার্রাকনীদের **ध्वट एस** ?

আৰু আন্মানের দেশে? হিসেব নির্দে হরত দেখা বাবে প্রতি লক্ষ্য জনার বা ম্বরন খল নেওরার সংশো আমরা একজন মার্রিনা বা মূলকে অকতত একমাস এনেশে বসরাস করতে দিরেছি। পাঁচ বছরেও আমানের দেশের ছেলেরা কলকারখানার কাষ্ট্র পরেও সব ক্যার্রখানার বিদেশী বিশেষজ্ঞ অভ্যাবশার কিলেট বলবেন না বিদেশী মার্যই গ্লেততর বা চঙ্গাতকারী; তবে, এটাও নিশ্চরই সকলেই স্বীকার করবেন বে, বশক্ষন ভালো বিদেশী বসবাসের অধিকার প্রেকাই মা ভার মধ্যে একজন খেলোরাক্ব পাঠাবার স্ব্রোগ মেলে।

শ্বতীরত, দে সব প্রতিতাদ বা পরপাঁরকা কোনও বিদেশী পাঁজর হরে ওকার্লাভ
করে বা তাঁনের স্বাথোঁ বিকৃত বা অসত।
সংবাদ সরবরাহ করে তাঁনের অর্থাগনের স্ব
ধরা বার না? রাজনৈতিক দলের আরবরের
হিসাব চাওরা না হর স্কর নর; কিস্তু আনা
বে কোনও প্রতিতান বা প্রপাঁরকার হিসাব
নিশ্চরই আইন্যতই সরকার পরীক্ষা করতে
পারেন। আরেরিকান বা রুশ অর্থানকেলা
বে সব প্রতিতান বা প্রশারিকা চল
সেগালের আর বারের হিসাব বলি সরকার
প্রকাশের বাবন্ধা করেন ভাইলেই অনসাধারণ
ভাবের স্বরুশ চিনতে পারেন।

এমনি ভারও কতকগ্রি বাবস্বা দেওরা বার। বার ফলে বিদেশী লীলাবেলা সম্পূর্ণ বৃষ্ধ না হলেও কমতে বাধ্য।

চ্ডাম্ভ বিচারে অবলা একখা ঠিক বে বড়িদন না দেশের মানুব জাতীর স্বার্থ ব্রুবেন, বড়কণ না বিদেশী সাহাবাপ্টে রাজনৈতিক দল ও নেতাদের সম্পর্কে সভক হবেন, ডড়িদন বিদেশীদের লীলাখেলা কেউই সম্পূর্ণ বণ্ধ করতে পারবেন সা।

नवात्व गरण्ड

# दमवी हन्मग्रु अ

बाजीन्द्रनाथ नारमज्ञं नफून छेननात । ४.००

পটভূমিকা যাপ্তবংগর, মোগল বংগের চেরে অনেক বেশী ক্লমকালো, কিবু ক্লীবনরকাণা ঠিক আজকের দিনের। ইতিহাসের নতুন পরিপ্রেক্ষিতে একটি রোমাঞ্চমর প্রণরমধ্রে উপন্যাস।

रबन्देन - এর সর্বাধ্নিক शन्य

# সাদা মান্য কালো রক্ত

সভা খেতকারদের নাগপাশে আবদ কৃষ্ণকারদের স্বরুণ কাছিনী। দার ৭.০০

# সিয়া একটি গোপনচক্র

দেশে দেশে কর্মান্তল মার্কিণ-গোরেন্দাচকের কাহিনী। V.O.

প্ৰাইমা পাৰলিকেশন্স । ৮৯ মহাত্ম গান্ধী রোড, কলিকাতা ব

#### 'সামাজিক দায়িছ'

আৰু ট্রেনর একটি সাপ্টরাল কাষরার

() আমি আরোহণ করেছিলুমা। অবলাই
নির্ভর প্রসাল নয়—তা হলে এমন বোকামো
আমি কথনোই করতুম না। কোনো এক
হাত স্পার অতীতে এই সব গাড়িতে
প্রসালীয়া বোম হয় থাকত, গাবীও থাকত
বাল যেন সপের হয়েথাকত, গাবীও থাকত
বাল যেন সপের হয়েথাক। কংলা তেনের
ক্রম্ভী রাস্যে ৮৬ মন্তর্গ বোকালে ত্রিনর
ক্রম্ভী রাস্য ৮৬ মন্তর্গ বোকালে কিছঃ
মন্ত্রন করে, হস্যতা বা মধ্যির
ভালিকর বিজ্ঞান, হ্রাপ্রাত লাগাননা, তা



कामना ना मनदल देवमर्गिङक होगाउँ छ। सन्दर्भ दम

ইতে তেওঁ একট কল্টেজন ন্তাৰণ, লগাই বিশেষ তেওঁ এটাছা হৈছি চাকাৰ প্ৰিক্ত তেওঁ একেটা, তেওঁ হকু আনন্দান কিছা বিশিক এক উন্ধিয়ন ক্ৰেকা হাল নিকটো ইতাৰ সংগ্ৰেশ ক্ৰেন এন-ইচ্ছা স্থায় এই কিমা একং ক্ৰিনেয়া আৰু ফ্ৰেকা নিয়ে উন্ধানিত ক্ৰেচনা ক্ৰেন

আনার ভারত কিছা আসে মহা না— বিশেষ করে নিজের প্রসায় হবন চির্কিট কিনি নি: ভার ট্রেন হবন হিল সেকেও থেকে এক মিনটের বেলি থানে না এবং ইংলকটিক কোচের থেছে জা দানী নেই, সৈহেতু গাড়ি থানাবা মত্র যে-কোনো একটা বিল্লা বরজা পেলেই চ্যুকে পড়তে হয়, প্রাণের দায়েই চ্যুকে পড়তে হয়,

কিণ্ডু রেগতত্ত্ব থক। আনি অন্য কথা জনছিলনে।

দেনিন আমার কপাল মানেছিল। পর পর



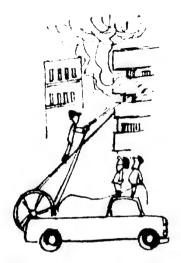
দ্যা দিন ছাতি, কালেই গাড়াহৈত ভাঁড় কৰি ছিল না, অন্তি কালেত পেরেছিল্যন আলার সংগ্রুতক সামে ছিলেন আর এক করি, তার আর অনার মাধ্যখন খানিকটা খালি কালানে ছিলা।

নিক্তি কৰাক এক ক'বা ছেওঁ ছেওঁ ছেওঁ লগ্য নিক্তি কৰাৰ ইন্দিভিন্ত কৰি ছেওঁই হালগাই, কৰান নিক্তিয়া লাপ। দ্বিত্ৰ হালগাই, কাম এই কোনাক লাপ কিল্ডিল ক্ৰোন্ত কলা কাম এই নিক্তিয়া লাপ কিল্ডিল কৰা হিলা কাম এই এই এই নিক্তিয়া কৰা কৰা হলা কোনা কিলাকৰ ক্ৰিয়ালয়। স্বাধিক ক্ৰিয়ালয়

ভা নিন্দ সংগ্ৰহণ জাত এই কালোটি মৃথাকে দিনি লাভ ক্ষি কড়ি শাশা সেটে আন্তা, তো ভা ভার কালিক আমিকার চিকার শামিকার চিকার প্রাক্তি করে কার ভিনি ভ্রাভ শাস্থান এবং বাক্ষা-ব্রেণ নিসিক্রভাবে ভাই ব্রেভ শাস্থান ভার এবং বাক্ষা-

্ৰমেয়েছ, ডিকি করছেন ( জন্মন্ তৈকে। বুট্টেডিল নিম্ম ক্রেকেয়েল

Telle de part 124 anger



আলগান না লাগলৈ কানার ছিগেড কমীরা বেকার হবেন

কোৰো বসাৰ তো। কেখে সাভো বসবে।

নিঃসদেহ। দেখে গানে হৈ না বসকে। সাহিত তো তাকী।

াজার মেকোতে যে ফেলছেন, কেউ পা**-টা** শিকাল---

বিদ্যাল বিলা কৈ চোপ ব্যক্ত হাঁটে মধাই ?—বেশ উগ্লাহরে বললেন, সোপানি তো বেশ বলে সভ্যাল, আপনার তো কোনো অস্তিরে বল্লে কালে না সাহ বলের কে কালে দোল আছেই, তারাই সাফ করে বেরে একেং ব্যাটিরা তো একবার ই বিলাহ সার একটা



কুলোকে বলে, বালে না সরালে কন্ট্রাইররা সাংলাই দেনে লোগে গেকে?

হাস্থ স্থিয়েই তিটিউ সেঠ করে মার। ক্ষেত্রতার ১০০০ স

কেইবাৰে কামান জনানাত গল। কাহিটা হা, চানেৰ বিশান কৰিবাৰ সকলে কাইবা, বানেৰ বেশা ছাড়াব না কাইবা, কাহিটা হা, চানে বেশা ছাড়াব না কাইবা, কাইবা,

কারার সম্ভিদ্ধ সাম্ক হিসেকে, জ্ঞানের জ্ঞান্ডার্থই একটা নৈতিক স্টার্থ

দাঁভিয়ে বাজে। আহ্বরা প্রস্পরকে কাজ দিতে তার কাজ ব্যাড়িয়ে দিতে ন্যারও বাধা। এই দ্বিটকেন থেকে সেনিন পথে আর একটি দুশা দেখে, সভাটা আরো বৌশ উপদাস্থ করলাম আমি।

ছোট একটি শোভ্যালার পারোভাগে জনৈক অসাবধান প্রেটমার। মাথার মাথে ভর রস্ভ এক গালে চন আর এক গালে কালৈ চল আধকি কামানো 2 21.8 সংক্ষিণ্ডভয় একটি *লম্*জাবাস। *লে*গেকটিকে এইভাবে সাজাতে অনেক অধাবসায় দরকার হরেছে সন্দেহ নেই, একটা গাধা বে'ধ হর পাওয়া যায়নি তা হলেই আয়োজনটা ক্ষণলাটি হাত। পোহন থেকে, দ্য' পাশ থেকে কিল-চড চলছে সমানে, পাকটমার রঙ্গের হাতে নিজেকে স'পে দিয়ে নিবিকারভাবে এগিয়ে হাজে। কোথার যাতে বলতে

পারলাম না, হয়তো খানার, হয়তো বা এক বালতি গোবর জলে তার অবগাহন বাকী আছে এখনো।

একটা সাক্ষ্যভাবে দেখলে বোঝা ঘাবে, এর মধ্যেও সেই সামাজিক সাহিত্যেও কাজ করছে। কারো অকারণে বসে থাকবার এইট নেই তা হলে খাওয়া বংশ, সাত্রাং উদ্ভ লোকটিকে প্রেকট মারতে হচ্ছে: যার প্রেকট ল্যাণ্ঠিত হল ভার যদি কিছু বেলি ট্রা वरण १९१क थाएक, ला शरण अहे घछे छ. ব্যক্তেট পরেণের জনেন ভারিক প্রাণপুর প্রাণস বাড়ন্ত হবে এরপর অথাৎ ভার ক্যাপার নতুন প্রেরণা পারেছ: হারা প্রেরটমারকে ধ্রের ফোলাছ, তানের অনেকেরই হাতে কারু ছিল मा, अहे करिक छाता मार्काम मध्या करत उत्तरी। মহৎ কতাকে সিম্ধ হয়েছে এক চুক-কালি, মাথা কামখনা—বিধিনতে প্রহার তার



धानाव दरकर्ज किक बाधाब कना मार्थ शास 'ফলস কেস' ধরতে হয়

উল্লিছ এই লোভস্তার। সাহারে সালে ক্রোনের চীর্ডারা হাছে। অগাদ প্রেট য়াবর ভার সংঘ**্রিকা** । গণিক গালন করে প্রারণ্ডার উদ্ধীসায়

्वरोक्षक्षाः व्यानपातकः निश्व মূলে কর্মা 2.70 % অংশ ত আ প্রান্ত স্থান্তর । ১৫৩ ট্রাস্ক্রিকর සනාකණට කැලීමු- සා ඉවළ වේදී§§97 9 ලිලී শ্রেণি করে একেবায়ে অবব্যুদ্ধ হয়ে হিন ଟ ନରି ବ ରିଟ ସିକ୍ୟବର ଅ∗ଞ୍ଚ **ଜ**ଣ୍ଡି ଅଟ ছ র ভিয়েত, সুধ্যুক্ষেত হলি কে সংগ্রহ যাকে, যান এবং উক্লিন্ত কাছে গোলিং--ত দেৱ ক্রেটাটেন আ জ্রাণিটে সেরোল জীকলন নাজার পেয়ন অসভাজাকে কিছে, প্টেক দেৱে ভাষর **শক্তিকে টুম্বাল্য ব্যা**র্থ আপ্রার অঞ্চল জনিব্যয়ন্ত্রত রুচিত্রতার বেগ একে কেল। হান আবো ভাঁত, হন, ও ইানী हरफरार **हा**केश <sup>र</sup>कशाह प्रशासन करर ह*रें*ड है কল পেৰে হোৱহছি ধ্লুছি । জলা টানটো অবিভানি ৬ কে সাবাদ্ধ দেৱে এক দেৱে<sup>ত</sup>ে হেল্মটি এর ফজিলাম করছে **ল**গেলা টে জালিক্তের কাজনি কন্তার্ক লা হাতে সুখী ভাৰমনী উৰু নিয়ে ট্ৰেন চাপটে প্ৰায়াল ক্তিবে কার প্রয়া বিয়েও হবে না।

ভাগাত স্বাদ্ধী এমন কাজ করা দটকার হণ্ড আনেত্র কথাশকি অবিজ্ঞান বিকশিউ হার ভার । অপ্তরণ-

এই তারিক্তারের আনক্ষে ভাষালাট ছিল না যে আলাৰ দেটশন সমাগত এবং পাড়ি থান্তে মত্তিশ সেত্রণভা হাড়মাড় করে মামাত গিয়েট দঙ্গা করে সেই শশার থোসত একটি দ্ধার্ম আছড়ে!

ফাল, আমার কারি কলাশালি দিবগাল উদেবাধিত হয়েছে। আমার রা হটিটেও প্রবল বেলে মলন মর্নিশ করছেন ছিনি।

#### আগামী ১লা তঠোবন ন র-নার ৩০শ বর্ষ শারদীয়া সংখ্যা মালা তে∙৫০ সভাক ৪∙৫০

प्र मात्रमीय गरभन्त गीता निगरकन ह

তাল্লালাকর রাজ । বিবেকাম্পদ ম্যুলালালার । সাভাক্তমার ফোদ । দ**িক্তাবর** । বাস क्कार्य के दिन्छ। सम्बर्गी । अस्ति में का का को लाग है। यह सामार्ग अस्ति का ना वहते से का का का का का का শিশির জাহি**তী । কলা বস্ ।** তার মান্ত রাজ্য ও তার কর্মে রস্ভাগির**ী । ওঃ** মান্স রজনেশ্রেরী । ভার বিশ্বনাথ করে । অন্তর্ভ আন্যাক । এবর প্রেছে আন্স্যান্ত নিয়ের শ জ্যানের অনুকর্ষণীয়ে আপ্টের্গলটে ছবি

সংগ্ৰেক ঃ স্ট্ৰোম মিশ্ৰ লং ন্যাংগ্ৰেক : কোন্ত্ৰ নিত কার্যালিয়ে ॥ এ নবনি কুণ্ড কোন । কলিক ভান্ত ॥ ্কান তথ্যসূচ্ছ

(সি ৭১৬২)

## **স**ুরঙ্গমা রবীন্দ্রসঙ্গীত শিক্ষায়তন

৯০, রাজা বসনত রায় রোড, কলিকাতা-১৯

(कामका हा है। इसके ६ काल। বসত বাল রোইছর সংখ্যোপরের পাঁ•ংক্ষ। নতন শিকাবদের জনা ভতি সরে, হয়েছে।

कामनिया हविवाद मकाम पहे। शहर ५२-५५ मि: भग रह, गाँगनाव विक्रम ्हा (शहक क्ष्में) ए अम्हामा निम विद्याल क्ष्में। (शहक क्ष्में) **भवांग्ड श्वाला** शहक।

রবীন্নস্থের শিক্ষাদ্রে স্পালকবিপত প্রথায়ক ডিলোমা পাঠকম অন্যায়ী প্রবাহ্য ভিন্ম ভারে। এবলিন্ত সংগ্রাভি শিক্ষা দেওয়া হয়ে। থাকে। আবশ্যিক বিষয় হিসাপে ভিন্দস্থানী সংগত্তি ও প্রচান বাংলা গান ভিন্নোমা পা**ঠকমে**র **অন্তর্ভক। ভার**ত নার্ডান ও ফাঁণগারের সম্বাতের সম্বাবের নাতাকলার পাঠকম সম্পরিকারণত। শিশ্বদের উভর বিষয়েই চার বছরের পাঠকুম। বয়স্কনের উভয় বিষয়েই পাঁচ বছরের সর্নানাদ'ক পাঠকম। গাঁটার ও এস্রান্ধ শিক্ষা দেওয়া হয়। তা ছাড়া অগুসর ছাত্র-ছাত্রীদের জন র্বাণ্ড সংগ্রীতে বিশেষ ক্রাম নেন শ্রীমেলজারজন মজামদার। শিক্ষা-পরিবদে রয়েছেন : রনা চক্রবাতী (শিক্ষা-আধকতী ) নীলিমা সেন শিবানী স্বাধিকারী উমিলা ঘোষ পারেবী বসা, পার্লিমা ঘোষ, ছবি দাশগাপুর প্রফুলকুমার দাস, দেবজের্নাত দত্ত মঞ্জানার বাস দেব ভট্টাচার্য চাণ্ডদাস মাল সোমনাথ চট্টোপাধনর, অস্থাবুমার দাস, প্রথম সেন ভক্ত দাশগতে, গৌরহারি কবি**রাভ**, থেলেন্দ্র মাথোপাধ্যায়, শাভিময় দে, গাল**মোহ**ন নন্দী, বিভূতি সরকাং।

## ভাণিতবিলাস

গোৱাকশোর ঘোৰ

দেখুন, একটা কথা কলি
আররা বিভান্ত
কিন্তু আমরা খাছি দাছি নিতুল
নিরিখে নারীর শরীরে ডিম পেড়ে বাছি
যার কাছে
কিছু থারি সময়য়তন তাকে
বৃন্ধাসমুষ্ঠ ঠেকাছি যার
কাছে কিছু পাই প্রাপ্তিযোগ
দেখে নিরে তার ধারকণও হছি ঠিকঠাক
ঠিকানা আদৌ ভুলছিনে

যাকে ঘূণা কৰি ভাকে ছাড়া আৰু কাউকে কৰ্বছিলে ঘূণা যে কাজ ফাঁকি দেবাৰ ভাতে ডিকে ভুল হচ্ছে না একবাৰণ

পাওনা গণ্ডা যেপানে বা কড়ার্রান্ডতে উশ্লে করে নিচ্ছি একবাবও কডার ঘণ্ডা না শ্ধে

আয়ানের দেবাৰ পালা ধুখন আসছে সেই তথনই আয়ানা বলভি শ্যুনছি দেখছি আয়ানা কী নিদাব্য বিভাশত

## না আমি তোমাকে

द्वना शालमात

না আমি তোমাকে যথাসবঁদৰ দেব না ত্মি আৰ পানাৰ না দসতো কৰতে দেকজাত নী অভাৱা পে'ল্বে তোমান ফোনোৱা যদি পাগলেব মাতি করে থাকে তাই থাক। আমি তাকৈ জলেব লীবন্ত লকে আৰ দীক্ষিত কৰব না। আমি হাড়েব পাহাড় খাড়েও থাড়ে বঙ্জ জাগাৰ না। আমি রাশি বাশি হলুদ পাতার আগ্রে লাগাবো কিন্তু কোন ব্তেড কুড়ি ধরাব না।

না তুমি আমাকে আর তোমার চক্রান্তে পনের্বার চলিত করবে না বাদ্দুদ্দের অমোঘ নির্দ্ধণে ২০ ভাগেও। গড়ো কর পারাপার চাতুর্বের সাকো হামি আর নীলপ্তা আনতে গিয়ে বিজ্ঞাত হব না ।

বেননা জেনেছি এই মন্ত্রপত্ত জল: মরীচিকা তোলাৰ ভূপানে শৃধ্য অকুণিঠত আকণ্ঠ ছলনা এখন এখানে আর কোনো দ্যো বিকার পত্তৰ না— পত্তিৰ না পাথারে জল, কিংবা হাড়ে রভের বিদান।

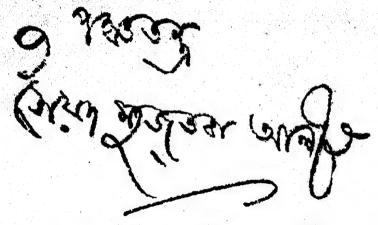
## घन्डाधर्मन रथरम रगरन

পলাশ মিত্র

চ্চোল্বেলা ঘণ্টাধনীন থামার পর কে বেন ব্লেছিলেন, 'আহনস্কু কামায় প্রিয়ো ভবীত' আত্মাই পরম প্রিয়তম। ব্লেছিলেন, আত্মাই তোমার আত্মীয়।

ধ্পের মধ্য থেকে
একটি কালো হাত ইশানা করছিল। সাবাক্ষণ
ধ্পের ধোঁয়া
চন্দন
রক্ষনীগৃধ্যর শতক্ষ
কালো হাতের ইশানা।

श्वादात श्रेणोधद्वित स्थातम नेशरप्रश्चित । द्यातम शिद्धिश्चल एजई जस्तुहरू ३ : श्वासाद शतम द्याराज्य ।



হাসন রাজা (৩)

ইরদের পরবে বেইমাম হাসন, ইমাম
হোসেন প্রাক্তরের মৃত্যুর জন্য
শোক প্রকাশ করা হর তাদের নিমাম
হন্তার্পে ধরা হর থলীফা বাদশা
আজনকে। এই এজিদটি কবি হিসেবে
উক্তম না হলেও ছিলেন মধ্যেমর তেরে
সরেস এবং মদ্যাশ। তার একটি কবিতার
ভাবার্থা:

"এক পার মদিরা পান করলেই আমার হয়ে বার অগ্রচুর ফ্রিট। তব্ খাই শ্বিতীর পার— কেন?

কারণ হোলারো আমার স্রাপান প্ছবদ করে নাঃ

নিছক তাদের চটাবার জন্য খাই তথন ্তিবতীয় পাত্ত।"

হাসন রাজ্যর সংগ্র জন্য ব্যবদে খুলী ফা এজিদের জুলনা হয় না। শুধ্র একটি বিষয়ে দুজনাই সমগোলীর। ফোলাদের নিয়ে নিভাদিন বাংগা-বিদ্রুপ করাতে দুজেনাই ছিলেন বিদংধ পরিপক্ত খুলি ফে।

হাসন রাজা বে "দেশে নেখে কান্ডা"
ক্রে ঘুরে বেড়াতেন সে-কথা 'প্রেই
উল্লেখ করেছি: একদা তাঁর হন্যমনের
কিলিং লেননেন হম্-দরদী হর এক
মোলার কন্যার সংগো! সেই স্ত্রে হাসনরাজা একটি গতি রচনা করেন:

"কারে বংধ্ করিবে পার, মোলার বি, কারে বংধ্ করিবে পার? তোর বাপ করে নামাজ রোজা আমি গ্নোহাগার॥" ১ তোর বাপে দিনেরতে নামাজরোজা করে, লোকসমাজে বসে কেন নিশা করে

ত্যারে ?২॥

তোর বাংশ সর্বদাই করে এবানংও মাই গনোহা্গার লইনা কট্ মোলার৪ মত॥ চোধ থাকিতে দিনের কানার মত নাহি লই। সাক্ষাতে যে কথা খাড়া, মোলায় ঘলে কই?
হাসন রাজার কথাকে মোলায় নাহি দেখে।
আজকোরও আদিধ লাগছে কট্ মোলার
অতিথ।

(১) গ্নেহগার=পাপিন্ঠ। ধ্যের বিধান অন্যায়ী জিরাকমা করে না। (২) বে-লোক ধামিক অন্যুষ্ঠান করে তার তো উচিত নয় পরনিব্দা করা! (৩) এবাদং নামাজরোজা প্রভৃতি জিয়াকমা। (৪) কুট্রেবটার, কঠোর। কট্ মোলা বলতে বোঝার বে-লোক ধ্যের স্মুদ্রোত্ব বাহিনক আচার-অন্টেনন নিয়ে মেতে থকে, অনতরে প্রবিশ করে ন। অন্য এক ক্ষি এরই বর্গনা দিতে গিয়ে গেরেছেন:

্মরম না জানে ধরম বাখানে এমন আছয়ে যারা। কাজ নাই, সথি, তীদের কথার বাহিরে থাকুন তীরা।।

হাসন রাজা বলাছেন, ধরা বাবাদ আমি এসব "কট মোল্লার মত" (অনুসাসন, ডক্টিন, শিবলেথ) গ্রহণ করি না। দুচ্থ থাকা সভেও যারা "দিনের কানা" একমাত্র তারাই এ মত গ্রহণ করে। অন্মি তো দিবাৰণ নই। অমি তো আমার চেংখের সামনে স্পণ্ট দেখতে পাছি, আমার কথাকে (আল্লাকে), আর ধটা মেরা তাঁকে না দেখতে পেয়ে শাধোয় তিনি কই?" (৫) আজল=শেষ বিচারের দিন=কিয়ামং=ডে ष्यव् तिमारतकभगः। कहे स्थाद्धाः खेषिस्मत ভয়ে এমনই বাহাজানশ্না সেই ভয়ে তার চেখে এমনই অধি লেগেছে যে ভরি সম্মুখে উপস্থিত আল্লাকে সে দেখতে। পাছে না। কিব্তু হাসন রজে৷ তে৷ আল্লাকে কথারাপে दर्भ क्टइट्ड, स्थ्य दिहारम् किम अभ्यास्थ काम কোনো ভয় নেই –বংখ্য কি কখনো ধংখ্যক সজাদেয়!

\*

হাসান রাজা তাঁর তথাকথিত পাপাচারের জন্য তাঁর গাঁতে স্বাদাই নিজেকে দেন্ধী বলে স্বীকার করেছেন। কিন্তং বা প্র জন্মকৃত পালেগর ফলভোগের নেহাই দেননি।

"আমি ধারতে না পারি গো ভারে আমি চিনিতে না পারি গো ভারে। কে রে সামাইল১ আমার ঘরে॥

ধরতে গিরা পাই না ভারে লড়ে আর চড়ে।২

আন্ধাইর গ্রেষাইরত ঘরের নাঝে হড়েছ জ্জাড় ক্রে।

कड तरका जस्मा स्म रव

র্বভের থেকা করে। বাজিকয়ের ব্যক্তির গ্লন্থ

খেলে তার তারভায়

জাত্যা জাত্যার ধরকাম সামি বখন তাহারে

দেখতে দেখতে দেখি ধর্ছি

হাস ন রাজনারে!! হাসন জানে বলে আমি

হাসন জানে বলে আাম থাকিতাম হাজাৱে।

যেইখানে যাও তুমি সংগ্ৰ নাও আমাৰে॥

(১) সামাইল=চ্কলো। (২) নড়াচ্চ করে। (৩) আম্থাইর গ্রেথাইর গোর এর অধ্ধকারে। (৪) তরে তরে গ্রের বেররে কামনার নানাপ্রকার। (৫) জাত্যজ্তা= জেতেজ্তে=জাবডে ধরে।

#### $\dot{\gamma}$

হার হাসন রাজা, ভূমি ভোবছিলে, তোমার জীবনে তোমার সংস্কারে বৈস্ব পাণাচার জনাচার হচ্ছে তার জনা দায়ী তোমার কোনো এক দুশ্মন, বাইরের কোনো লোক। জশেষ কসরৎ করে যখন ভূমি তাকে জবড়ে যরে তার মাথের দিকে তাকালে তথন দেখতে পেলে সে ভূমি নিজে।

তথন কুহাসন রাজা সাহাসন জানের আল্ডানিল।

এ.সরকার এণ্ড সক্স সন মাণ্ড জাণ্ড সঙ্গ জেকট এম. বি.সরকার ট্যাডিশ্যনান পুরোলার্স

১৭১)১এ রাসবিহারী এতিকু শালিগঞ্জ কলিববজ্ঞ ক্ষেম: ৪৬-৬২৪৮



বিষ্ণাকর অন্প্রামী টেলিভারের যাত 
প্রেক একটা মাজরাত কি থারিয়াল টাভ 
প্রেল যেমন অসমত্বেদ কাঙ্গি জনকক্ষণ 
ভারণ্যলা, তেমলি অসম থেলাল গ্রামীকে 
এই নগটা এই জলকাপ্রের ওপর নিষে 
ইয়া থেকে পক্ষিণ একদিন যার পিছেলি। 
এই রেলফলয়ের কোন অনিতর তথন ছিলা 
ন বংল নগটার প্রতাপ ছিলা। গরাপ্তাপ 
কিলা আমন্ত্রাকা আসত এই নগাঁর ওপর 
বিষে সেদিন লাইতরাকা আসত জলদম্যা । 
কিল্তু সেই প্রেতি, সেইস্ব সরল ম্পের ভিলা 
ঝাজ নেই, শ্বিষ্ এই গ্রাম অসক্ষণ্যরী ওপর মুখ্যুণ্ব বিছেল গলে বেইচ আলে।

একদিন এই নগাঁন স্লোভ বেনিন হানিয়ে কলা ক্ষাণস্লোতা হয়ে গোল উভানে চনের পথা নিশ্যুর মত লোকালয় গড়ে উঠেছিল। এই ক্ষাণতর স্লোহের নতই তার কিছু। এই ক্ষাণতর স্লোহের মহালিক্ষা হাওয়া এই আমা, নিক শহরের ব্যালিক্ষা হাওয়া এ গামকে দশশা করে না, চিমানির কাল খোঁয়া ও গ্রামের ছায়া ডিঙিয়ে উড়ে গ্রেম না বোনানিয়া, তথ্য শহরের প্রতিনিম্ব এ ইয়ের ধ্যুর নাম বাল একবারমান্ত ব্যাহর ধ্যুর নাম বাল একবারমান্ত ব্যাহর ব্যাহেই প্রক্রার নিয়ে বাসে কর্কারা।

গুলাম না হলেও, বাস্ফ্রিলিং লামের ওপর
সিন্নের: ভিক। স্ট্রেকশ ভিক। ভাই ক্রিন ক্রিয়ে ঘেরা গেলও ২ ১ হিল। বসায়ে বার সুই সাকাস গ্রুষ্ সভ।

ভট শতকা দেশ কৰে এ গ্ৰাকে চাৰক পা লিকেই চেন্তা পড় শ্ৰেন ক্ষেত্ৰ, কিছে হল্প। আৰু বনকাৰ পটিয় গ্ৰাকে কাজত দিনে তৈকী ঘাড়ি বেলে আছে। কোচকাৰ পৰিবাশ্য মঠ, নাঠ লাঠ গ্ৰাক ভিত্ত ভাব মাঠ পাৰ হলে এট গ্ৰাক্তাক্ত প্ৰদা পড়িলেই ন্থোম্থি দ্বাটা প্ৰক চেন্তা পড়াত। একটা নেয়েনের, স্প্রটা ছেলেনের। অসলে লুটো সেইছেবন। ইনাম্ব ক্ষেত্ৰালিকানে।

শ্বলের দক্ষিণ কোন কেনিতে তামক্ষ শবরের আলোর যেসে নাডামতি করে তার শবং ক্রিয়ে গেলে মরা নিমার তারে ভোড়া ঘুঘ্ এসে বসত। সেই নিমান কোনে মুখোমুখি নুটো বাড়ি ছিল। একটা আন্যানের। অপরটা পর্ল নিনিমিগনের। আশ্যান ভাষায় সেনিকনিসের।

আধানের ভাষায় আনোদেরও সক্রোধন

ছিল—'রাজ্যজারী'। মর্থার এই জনার প্রকর্মন জনার রাজা এবং ক্যামে প্রক্রা জনার জনার ক্রাজ্য প্রক্রা জনার প্রক্রা ক্রাজ্য প্রক্রা ক্রাজ্য করে। জানারে ক্রাজ্য রাজ্য করে। জানারে জানার করে। জানার জানার ক্রাজ্য বার্লিক করে। জানার করে। মানার জানার করে। মানার জানার করে। মানার করে। মানার জানার জান

আমি ভাকাভাম। প্রথমত ভিরাকাশী,
সাংসভাজন শেষ করে এই সংখ্যার নিজেপ্ত করে। আগ্রমের শান্তব্যক্ত বর্গেয়া করে শে নাভার বংগা, স্থানিসি তথ্য এসে চারত। বলত, সর শান্ত গোট গোটে জীবনের মানে কোথাও গাঁকে পোলার না ভাই। সর্ব শান্তেই ভাইন অসিতা, কমাই জীবন। কিব্লু—

প্রকৃত বেশ্য থাকার ব্যাখ্যা সোধ ইন ক্যোম সন্মে সিক্টাক বোগা নেই।

নাখা থামির দিতাম। কেনাকের বেশ খান লার সভিত্ত রেখে স্থানমালের ভৌশে তাকাতমে। রমান্চনা ও জাবন্চরিত

and the state of t

## मणाम् (कत् (वर्राक

সাগরময় ছোর ॥ ৬.০০

কাপান্ত্রের টোরারো প্রাথে মেন মার্লিকার-নের জ্বীনারে এনিস্থান লেগত রক্তাই একে প্রত্যেত্রন ও ক্ষেত্রন প্রথম মার্লিয়ান্ত্রে এক্তিয়া এনে পাইবাক বিধানন।

## ন্বিঠাকুরের আপন দেশে

য়াণ্ড সান্দাল ৷ S-00

ব্যাং কালেনার এক অগারিটিত লৈশে — উলিকাপ্যাং — বিজে পাড় শিশ্যে অসমি কোতারল নিজে সেকদেকার স্বা নিজ্ প্রভাজ কালেজন সেক্ষিকা কাথে এক অলুত গৌলকারিক স্বাস ভাজিবত তার জন্পন কালিকারত।

## ইন্দজিতের আসর

হীরেন্দ্রনাথ পত্ত ॥ ৩٠০০

বোশগরণ বং গালগালৈ বলতে যা বোজার ইন্যালারের আল্রা-এর বচনাগানি ভা-ই। এই মধ্যে ও লান্ বচনাগানি গলে-উপন্যাসের মার্ছ ছব্মগ্রাটী, জ্বাচ বঙ্গা-উপন্যাসের মার্ছ হ্রমগ্রাটী, জ্বাচ প্রার্থ জ্বিসাসার মার্

## वि(विप्रिण (वाक्याण

MAN ALE

শংকরীপ্রসাদ বস্থা ৩০১০০

মান্ত্রত এটি মিনেসিত জানিমখন এলেও, উলিম মাত্রমা সেম্ব এটির মাত্রমা সেট্টের বিশ্ব ভারতের সংক্ষরিত্রক ইতিহাস ফলিটে তাল্য এটা আন্তর্গন্তরি ভাসরিক্ষরি

## বিবেকানন্দ চরিত

সংস্থাননাথ মজামদার ॥ ৭.০০

থাকো ভাকার নতিক ক্ষান্তী নিন্দান্দ্রকর স্বাপ্তক্ষা ভাজার জানিত্রিভা ভাজাতর বিভিন্ন ভাজার জনাবিভা; এবং কেনিক্রমার নাক্ষা ক্রমারিভিন্ন ক্রমারিভিন্ন ক্রমারিভিন্ন নাক্ষাভা



আননদ পাবলিশাস প্রাঃ লিঃ অফস: ৫ চিঙ্কনিগ নস জেন। জনিঃ ৯ বিজয়-বেন্দ্র: ১৭ ৪ মচ। বা গেলে রৈছে ক্ষেন: ৩৪-৮২৪৭ ্স্থিয়ার চোধ্যমূলত এবর। বহার। ভালত চালিয়াধান

545

তেও গ্ৰহ একটো সময় সক্ষাম নিশা গোলিক গ্ৰহণ, আহিছা, নাম্ভী আন এ ভালতাৰ নাই

প্রথানত শাস্ত্রকা উচ্চালে করে। ছানি নার ব্যক্তম, আমাদের কাই ছানিন ভানত, আমাদের শাক্ত আবেদ, লো কমানাক্তর। ধ্যাপাল-এর কাছে শাপ্য নিরে এই নহান ভাত তুমি দৌকা নিয়েতে,

51.1

্যনে, বেষ শালীক বেবা**তার ন**িকের। ভাগতানি কয়তে লাক। ভাই লাও

500

ভাট ভালাখা শাপাৰ

স্থিয় লাভালাভ।

তান জনবাব ভেতা নির শাকাশ তাক হাম। তাকির তাকিরে ব্যক্তাম, বাল জোহন, মানেকটা, পরে আক্রেমর মানে আহারে পঢ়াল আক্রাম আরো প্রিক্ত হারে। নির্মাধারের

বেদ নিজ্ঞান (১৮ খ্রিবরে বাস গাকও স্বিত্র । তাজিও স্পূর্থ (১৮৮৮) সহ, স্থানিক (বাজ এটা আনামর চরা কেলাকের ভেতর স্থান ভিলা । সংশ্রাণ বাল ও এই ভালামর কাশিয়ার প্রথিকার পানে একন প্রাণ জিলা। ভথাতি সান্ত্র পানে সালকর প্রদানীয় হালা।

্ষণ কথান কোনাই নই সান্নাক্ষ আন ও নাড়িং সাধ্যা সেনাবি পাস্থান্ধান হাটছে কডিল সেন্ধান ভালপ্য পাহ হার নদীর পথ ধারছে ভরা। ববজ বিজ্ঞানর মানে, অন্নির সেতে বাস্থান্ধ ভানা। চারিধানে স্ট্রুক ক্রে অনুটাছে। চিত্রিকার বারির ভগর এক বিজ্ঞান আনে ১০না রিম্নার। সেই আলার ফালে ১০না রিম্নার। সেই আলার ফালে ১০না রিম্নার। সেই আলার ফালে ১০না রিম্নার। সেই এক সমত। নাড়রীকে ও সাড়ির ভৌনাটো রপ্য ভাল নিত্র হানার হার সাজ্যা এসে নুক্তা।

হিন্দু হৈন্দু। বিশ্বস্থান

্যানির্নাস এক চ্বাস্থ্য আরু আরি যোক। সংগঠি একটা সংগ্রিকার করে বিক্রোবস্থা, অসমস্থার প্রস্থানে গ্রিকার

এই স্থানিসলি আমনের হওঁই এই সের্ভান এসেতিল তথাও ব্যক্তব্যতিকারের ভালবোস। কর্মকি ভালবোস। সংগ্রুত এই ব্যক্তবিজ্ঞ, মুখাক সেনা করাছে সংক্ষাক ভালবেস। বেনা এই সেলিক হি-কের আমকে ভালবেল নেকের ওপর দিরে এসেতে। বেনা একের সেকের ওপর দিরে ভালবের ত্যাকে চলো লোছ। আমনের ভুলে গ্রেহ। প্রথম বিষয়ে গ্রেই সানিমার্থক ব্যাদ ভার কোনেতিল। সানিমানের জ্বনে গুলাই কাল্ডিক। এন্য কালে ব্যাদ সংগ্রেই কাল্ডিক। এন্য স্বাহ্রে বেন্ধা ব্যাদ ইট্রিজিল। ভাই ব্যাস স্বাহ্র ভাতন্ত্র কল্লান, প্রমিনিক। একদিন চাল ব্যাদ সানিমালা।

স্থানিমান প্রাপ্ত কর হাস্তা স্থাপ স্থান্তর সংগ্রুত প্রাপ্ত (জি জার ব্যবহার এটা মার্ক বিশ্বস্থা জ্বা এটা মান্তর স্থাপ কর্মা বিজ্ঞা সিধ্যা, রস্যা জি চেন্তর স্থাপ ব্যবহার

্রতিকার মানে হয় তানে সংগঠি কৃতি ৷ প্রত ভারি

ন্ধ ক ক ব্যবহার স্থানিমার। ব্যবহার কার্টার স্থানির ক্রেটার স্থানির বার ক্রেটার স্থানির বার বার ক্রেটার স্থানির স্থানের ক্রেটার স্থানির স্থান

কালে। অন্যতীকাত উত্তর তিও সানে কা জনক হারেছি জাহি। স্থানিয়াল বলেনে মাধ কি: এই মাঠ, শানিক শোভা, এটা আ আন হেন্টি নবী, জাহ তেলেনে এপর কালে, স্থানিনে কিছু কেকেনেতে। আনার ভল কালে সনিক্ষে।

তবাও অভিমান আনতার গলায় ভূমি (ক আমানের ছেছে চাল মারের

ও তুপ কারে থাকত :

कृषि भारत का भारत है।

४ एक क्षा दशह गा।

ুণ্টাক এই হাসি শ্বেষ্ কাড়ি হায় থাকান

ভিন্নেকার *ল* স্টির্জা

বলত ম, জালের গাও জালের পানে, ভাতার ওটা বিলাস স্থিনমালা।

্রতক্ষ পরে স্থিতিল বলত, জাজা, মুখ্যী আন্তেভ্যন্তে, নাট

আনি ছুপ করে প্রভাগ। স্ট্রিফ্ল বলভ, মেরেরের জ্ঞানি বিস্ফার করি নাঃ

এএকং পরে আনি সানিমালের তোপে ধপ্র স্থান পারেই সারার ক্রোর্থ লোকে সার্থ্য হয়, কন্তই ভালাসারি সাক্ষ্য বেটাক করে।

্ন। তাল দিও স্থানিয়াল। ফারেকনি তাল কেন্দ্র না

ত্রী তোমার জন্ম স্থানিসলি। তার ছাল সেতান মানি সেনাম্প্রের এফকার মন্যর বালকারিকনাদের কানি হাত ধার্ ইটিছি। জন্মর ছানিং ব্যুহ্ কালিনাজ্যা তথ্য তারিণ নিজেকে বিশ্ল কার ম্নিন্লাকে কস্মার হাল মনে হত। তার ম্নিন্লাক কস্মার হাল মনে হত। তার মন্ত্র ভাকাতার। জান্যজ্যা নাঠ সামন পাড় আছে। বৈশ্যাব্য জাক্যান্য কাম নিজ্ শুলাভিল্ল হার ধারে পাক মান্তি ভূজাত দেশে পঞ্ছ সেন কান্সানের হলিকে চরপাদে সারে পানে আদৃদ্য কোন প্রতী একে লিকে। পান্দ্র, সভাত, প্রাধার এই জনাপ এক প অসহার দেশ ভূলা বিজ বল্লাস, স্বতিকারের প্রেক্তিক যাত কলে পানে বল্লাহ প্রদিবীকে। ভূমি ভল্লাহ ভূমিকার। সামস্ত্র ভালাহুই কল্লাহ ভূমিকার। সামস্ত্র ভালাহুই

্রিনিয়াক সহতে, কালে সংখ্যাত আনক লোকনি লোকনি কালিনীবাছের বেত্রা। দুরা প্রসামী স্থানিবলৈ সাধ্যা লিভে চাইতে। নতে, সৃত্যাপত বেপ্রাম কাল সাঁকোও **৩**পত্তি প্রামিত

্র্নিটা উচু বার ধনাপারের শ্বের বির্থ ভারতে হটার নিজেকে নান্যানর একজন ন্তানান হাত রসিক্তা নরতাম, তুনি তেনে বাচু বাক্ত স্থানিম্বাট মাধ্রী ততামার নার্নাল।

তার তার কেন বিদ্যা কিলো কল্পেরর হার উল্লেখ্য নিজর কেন্দ্রেখানার মূর্য। বেন এ এড়িনাক সতক পাহারা বিকেন, প্রতি ধ্রিল-নির্পুপান্ত কোলে কোশে রংগাত কাইছেন। এক একনিব ও বাড়িয় ওপর কান রোধ ব্যবহান, মানুমী জালো নিবিয়া কাশকারে নিজন। কোন কোনোকিন কেনিবাপ্রধানা ভারা ভংগনা করছে, চীংকার করে মানাক্ষ শান্তর প্রভাষ।

তত বেশ মাধ্য কেবিকাৰির সাধ্য আলো গীলাৰ বাবে মানে হাতঃ বাবেল কোনাবিদ থকা কোনাব্যাত কোতাস, আহি জালাকা, অধ্যা—

37(4)

তানির পরে ধর্মপারেমর ছবি কট্ট । তাম বিনিম্বি।

না। সমের **মাধ্য পাপ** যোগ **ঐতিক** সিয়ল কী কলাৰ আন জন্ম

₹. (i.)

ু গাঁপৰ জনা শানিত হোৱা আম্বুৰ আমান নিজ ধুড়াবে।

সিংখানো এই ব্যক্ত নিকা বিভেন, বিজ্ঞানখন। বাতে না, ও ধান্তির নার বিজ্ঞান বার ও বাধিতে বাস নানে, জন বান সভারা পান্তি বিজ্ঞান কালন পানি বুশাল নিজেন স্থান বাধ্যক। বিজ্ঞান বাক্ষিক ব্যক্ত আছিল। বিজ্ঞান

বৰ্ষময় ভাৰাত।

ু কৈ নেকি পাৰেছাত বাকুছে। মাধ্য কিনিবি গ্ৰান কৰাত কৰিবলৈ কৰা চেন্ নিবনিত কী আৰু পড় মুখ গালেক কিনাৰ গিৰাল সান্তল ভাকাৰ। এই লউ, কিনা নিক্ষাম বান্ধ প্ৰাণ বাংল উপস্থিত বিজ্ঞা কৰাত প্ৰাণ্ডাংগ উপস্থিত বিজ্ঞা কৰাত প্ৰাণ্ডাংগ বাংল

ভীৰণ শ্ৰাস দ্যালিকৈ ভাৰতে। সংঘদিনা। বৈৰ্প্তালা ভাকেন, এই শ্ৰান্টী ? रक्षान्य ।

करः विश्व जिल्हा कराव ना ककारा। अधानी अवस्थ

কল্প কিছা, মান একেই সংগ্রাক জাকান। ভাগের এই নারী দেহা ভাসার, রক্তপাইকানির ভাষার, সহস্পত্র মানস্পিতে। এরশার কিছাক্ষণ চুপ্তাক, নাড়িক আন্তর্মন হাতা, কোস্বিমিনি। মান্ত্র বেকে

এরপর । কর্মণ চুপ্টেক সান্ত্রে থাক্তের করা কেবলিবিম্পি। করে ব্যক্তি প্রচাতির মৃত ব্যবস্থাতির কর্মান করে করে। ভাষা মনাজর করেও প্রচান্ত্রা ভাষা কর ভারা ভিমান ক্রাপ্রতি স্বর্ধান একিছিল

একট্রাল চোম ব্রিজ্যে থেকে বলানে, বাবার ভারত জনার নিশ্লালার চোম-ঘ্রলার। চোম কেটে লল বাসনে। ১৭৪ কার মানাবারের কাট এট সংসারে ধানিটা জার ম্বিটির সোল স্থান বেগত গালে। মানাবার নারকী স্থা গ্রেগর নাবা সার জাবিনের মত ভারর মাধান ভুলে বির সালি র গোল। ভারতিন গোটো বানর; ভারের কভিত্র একারি। ভারতীনাট

হ'ে। শ্ৰ'নী ভাৰায়।

এই নিকাশ ক্লেন্ট্লার আমন্ট ত মা, আমন্ত্রী ত বাস। সামলা এনের সংগল, থমা সংল্যা স্থানিক্তা।

এই বছল, সালো, বত বিজয় মহিমা, সম বিজয়ের জনা হৈ এই স্বাহর স্থিপনী—এই প্রিমানীর এশন জীবন ঠান বাল ব্যাপ বিজে জন্ত গছিলে পাতে স্বান্তমানার : প্রকাশনী ব্যালিতা দেশা বিজে ব্যাহন, কভাবা জামানের বিভা, নিজমান্ত্রভিভি: সালানের মাত্রা, টবিত আমানের ইন্টানেরভা: তথ্য জারো ব্যান কঠোন ব্যাহন মাথা ব্যাহানিক প্রি ভারবতন, এই স্কাল্য

Z .. E

a : 517 3

· 1

ন্য নামে ? তাৰে যক্ত কোন্ত কোন্ত ভাতত প্ৰথম মুখাটো লাল্য নাজ্ঞ না কোন ?

ক্ষমনাত ভূমার ওপত গোক এক পেট নক্ষ নিজে মধ্যটা উল্লেখনে মুখ্য সেমটিশ কুমার এপতা তাকান। প্রমান্ধানিত ব্যবহা ক্ষমান কৈয়া লয়। প্রমানকা, মান নামানকা, কিছা, নতা প্রক্রিকারি। সান নিজেন বিশিন্ধ গ্রহার প্রস্তার ক্ষমান্ধান্ধান্ধ কার প্রত্যান কার্ছিনা ক্রমিট মধ্যবহাস প্রান্ধান্ধ কার্ছিনা ক্রমিট মধ্যবহাস প্রান্ধিত করে ক্রেটিনা ক্রমিট মধ্যবহাস

রতের বেলগাড়ি নিন্দান কাল বরণ-গালের ওপর উঠকে তার বিভিন্ন গানের আওরাজে বিনিস্থানির মানাট্রনা বভাঙে বছিল বেলা ক্ষমে পেডেন তানে। বিভাগে বছিলে ভোস বাফ্টার সংভ্যাক এক সময় ব্যালভার নিশিয়ে বোলা ব্যাভান বাত বাবাছ। বিশ্বিষ্ণ বেশ্বা ভাগত বাইবা। • বাজনৈতিক সাহিতা •

## প্রগতির পথ

ध्यानि हर । जान ७.००

প্রথাত ও উলাতিও মাধা শতাং কা নিজ স্থান তিকাঁও জালোচন বাচে জালাস্ক বোধ বিদ্যাতি বাতে বাহে কে উল্লেখ্যাই ও বোকো জালালাত ভূলব্যাই বিদ্যান যাজি ও তাল বাহেকাঁও পুলাই জন্ম

## গণযুগ ও গণভন্ত

ध्रम्लान प्रदेश मान ७.००

মনার্থী প্রথাক্ত প্রস্থাক্ত বন্ধান সভ জ্ঞানত সিদান গৈছিল কানাত সমস্থ নিজে ভার এই ক্ষেত্র আজি চেল্ডান্ডলা প্রকারকীতে জননা জনস্থাকিতান সক্ষেত্র

## গান্ধাজার দূত

স্থার ঘোষ ॥ দাম ১৫٠০০

প্রবাহণ্যত প্রাক্তন সংসদ-সদস্য স্থাবি ঘোষর সাক্তরণা প্রাক্তিরীর দ্রোপ্তর প্রকাশ ভারতবাহার রাজনৈতিক ক্ষেত্রে প্রকৃতি ইলেগাসংগা ঘটনা। তার কালণ, এই ক্রাক্তনা বাস্তুত ভারতবাহার প্রবিভিন্ন ক্রাক্তনাক্রে হিত্তাকের এক ফ্রাক্তেল ভাগাঃ

### তরু।ণর স্বপ্ন

সভোষ্টন্দু বস্যু গ্ৰহম ৬.০০

স্ত্রজ্জের স্থান জিরস্থাতি চল ভিন্তি সংসাধ প্রত্তির স্বান্ধিত সংসাজ সংস্করে এ বইটি: এ স্থানি মা মোলুর কম্ ভাষ্ঠিন হেন্দ্, আভাও লগেত সভা সাহে।

## কামার '৬৫

সংকলন ॥ দাম ১০.০০

ে সালে মাধাীত সম্যাস্থার প্রভাজ বিবরণ। সাভরকের জালাগিও সাধা প্রিটি স্বাহারত। সম্যাত থপাতে, ছাত ছাত্র কোলাবার্কের গছ, ধ্যাবিকের রাল্র স্পর্যা। কাম্যারের ছিলব্য মান্তির্ক্তিক্রিক স্থানিত্র কাম্যারি জানিব্যার



জানক পাৰ্বালাস প্ৰা: লিঃ জানক ও নিজমাৰ ক্ষম কোন। নাজ ১ বিচয়-মেন্ড ৩৭০ মংজা গোলাই বেড জোন : 15-১২৪৭

ু দি**দিমণি চদ**ন কাঠর খড়মে সুন্ধর জেতেন বিবিমণি-কান উপালে ধেন্ম মুখা জাত। মাধারী অভু নিবিম<sub>ণি।</sub> বিচিত্র শ্বদ তলে শুড়ে যেতেন ও ঘরে। যেতে গিয়েও এবা থমাক দ**াঁড়াতেন। বল**তেন, কি নুৱাঁট বল ছার প্র**াবই বল**, সেহের ভেতর যৌন ব্যাগুলি পশ্রাজ। নাড়া পেয়ে চলন কাঠের খড়ম **থেকে গণ্ধ** উঠত। বাইয়ে বিচীঝপোকা **ভাকত। যেন রাতে**য় কল উপ্রার দিয়ে

আসে, যেমৰ সংযোৱ হাত সভি। তেহান দ্বিহন্ত ধ্তুবিন জোহাত ভাউতি কেলা ভাকে ত্রতীনন মনের খেলকে দেও আঙ্গরেই। দিখান ราช ตำแ

যোগ বিষয়েও ভবা বাবে পঞ্জিলেন হৈছে দিদিমাণ। চোখ বাজিয়ে কাঁ থেন ভাবতেন, বলভেদ, কটা, মাধারীকে দেখড়ি জা কাণ

বলাকে কুপুথে আ বাঢ়লে নিচ্ছে # Pr MIT I BAKE তিনি ঘাসতে র কন। জান ক্র জেনি হয়

THE ST. MESS, LENSES NO स मास्ति १. इस्मा १६ प्राप्ति । অপলীবাত ল বাড়িং - টুং মুক্ত



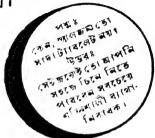
# वाथा (बंपताय जाकानु शल

স্যালজন মাথাধৱার যন্ত্রণা থেকে আরাম এনে দেয়। দাঁত-ব্যথা, গা-গতরে ব্যথা, ফু ও পেশার ব্যথাকেও সাৱিয়ে দেয়।



🐒 ব্যরুত্তর

# आलफात



विज्ञान्ति, विश्विण्णाति स्वण वाया-तिम्वा (यत्क वाजाम भाव मित्र।

স্মিগ, স্ট্যানিস্টাট কৈরী

১৩ ভার ১৩৭৬

भू भारत बने हैं. आहा, आबता छ मानूब,

নার তাকাতাম। স্বান্ধল ভূম্ কোকাত। একট্ থেমে বলত, মাধ্রীর জনো বড় ভয় হয়, ভারী দুঃখ হয় আমাকে ভাবাসে বলো।

স্থানমলি তাকাত বাইরে। কলমিলতার ফলের ওপর থেকে দিনের আলো কানেক মাগে মুছে গোছে। শিম্পের ডালে শুখাচিসের ছায়া নেই। বহুক্ষণ বাইরে গাকিরে থেকে স্থানমলি বলত, কাল জামরা গাই নদীর চরে গিয়েভিলাম।

হ**্।** স্থান্ত দেখলাম।

হ'। অমি ওর হাত ধরে হাটিছিলাম।

৪ বাজিতে থাবার খণ্টা খোনা গেল। এবং এক সময় খণ্টার আওয়াজ সংনির্মালের এই কাহিনীকে ভোঙে দিরে খেনে গেলে সংনির্মাল জার নজুন করে ঘটনার জের টানছিল না। জার কিছু বক্তিকা না।

স্নিমলৈ নিজের ঘরে চলে গোলে আমি
স্নিমলের কথা, মাধ্রীর কথা ভাবতাম।
তার তাবলেই মনে হত নিজোজানের দৌকো
অভ নদীর ওপারে নিরে গিরেছিল দিদিমাধ্রে। কুন্টাপ্রমে। তথান মনে পাড় বেত বিনিমণির কর্তাবাগ্রেলা। ইশ্বর,
ররক, কান, মানবিক্তা এসবের কাখ্যা শোরঘটার পালে, বেখানে বিভিন্ন বর্তাবস্থা ঘটার পালে, বেখানে বিভিন্ন বর্তাবস্থা মার্লা স্থানির দাছিরে আছে। বৃশ্বা,
বাত বৃশ্বা, ভারিকেত মুখ্বীর কাছে গিয়ের ব্যাত্তন—"ভূমিন্ত"?

ত্রেথ দিয়ে জল গড়িছের শত্তত ব্র্তার, মতিলে মাুখ ডাকড। চমাসার পেটটা অঙল ডুলে দেখাত।

থপ করে হাতটা টেনে নিয়ে একটা টাকা হাতে গাজে দিতেন মুখ্য সেবাদিলিমণি।

বৃন্ধার সর্বাপ্ত কলিছ ধর্মার করে। নিঞ্জালানের নৌকায় একে বসতেন হৈছ নিন্দানি।

নিঞাজান হাল লাগান্ত জলে। ছোট্ট ছোট্ চেউ উঠক। খ্রিঞাজান অব্যক্ষারে জালার দিকে তালিকে গ্রেন গ্রেন করে গাইত শামনের চাবি হারাইছি যে কোথার খার্মিজা, নাঝদরিয়ার খার্মিজ চাবি ব্থাই বে ছব দিয়া।

িক। সেবাপ্রধানার চোধ জলে ভরে উঠত। সারো জোরে হাল নারত নিঞ্জাল। ভারো জারে গলা ভুলত—'নিঞা, বৃক্ষই বে ভুর দিয়া'।

व्हिटेंड व्हिटेंड बात विकास श्रीकृष्टि वर कोई अगलक क्लाटक। अग्रमस श्रीव व्हिटेंस কেন কোনদিন হয়ত এ খার এসে দীড়াতেন, যে হরে বালিলে মুখ গাঁহেছ মাধ্যী শহরে আছে।

কোন কথা বলতেন না সেবাপ্রধানা।
পাগের ঘরে চলে বেতেন, যে ঘরে পরবার
বসত অলকা, স্নানা আর চিত্রা সেবাদিনিমাণিনের। অলকা বাসবদালর শহরে গিরে
নিয়মিত সিনেমা পত্তিকা কিলে আনত। দামী
এলেন্স। প্রির নায়কের ছবি কেটে
আালবামে ভরে রাখত। ক্থনো ক্থনো
এলেন্স ছিটিয়ে দিত। স্নানা বলত,
নিশ্চয়ই ভূই আমাদের লাকিরে লাকিরে
ছবিতে চুম্ খাস।

অলকা হাসত। বলত, কাগজের ফ্লে গথে নেই। গলা ছেছে হাসত অলকঃ। তেসে হেসে অলকা ফড়িরে ধরে স্নেলনে। ব্রের ওপর মুখ রেখে অনেককণ চুপচাপ পড়ে থাকত। কেমন একটা খ্যাতৈ **অন্তঃ** 

চণদন কাঠের খড়মে খটাখট শব্দ আর স্থানর গাংধ তুলে হেড দিদিয়াল ডড়ক্ষণে এগিরে অসেডেন। ধ্যাকাডেন, কী, কতদিন না বলেছি, ওইস্ব গানের শুর ভারের না? কেন ভক্ষন গাঙ, শাংলুস্পাটিড গাঙ, কই তা তো গাঙ না? সেবাপ্রধানা এবার নিজের ঘরে ফিরে বেতেন। স্নাম্ব উণিক দিরে বাইরেটা দেখে নিরে কল্ড, আছা অলকা, তোর তির নারককে ভোর দেখতে ইচ্ছে করে না?

করে। অপকা বলে, আশোকদা একবার বলেছিল, ওই নদীর চরে নাকি স্টিং হবে। লাভ সিন। প্রেফ গাঁজা।

তোর থালি **ওই অশো**কনা। এদিকে ত বালিস, তোর অশোকনা মাল খান, বালিস

ডঃ গোৰীনাথ শাস্ত্ৰী প্ৰণীত

## সংস্কৃত সাহিত্যের ইতিহাস

ভঃ সোরীনাথ শাশ্চী রচিত ও Oxford University Press প্রকাশিত A Concise History of Classical Sanskrit Literature এর বাংলা সংকরণ। পরিশিক্তে বৈদিক সাহিত্যের আলোচনা গ্রন্থটিকে প্রণাপা করে তুলেছে। সংক্রেপ দেখা অবচ সকল প্রয়োজনীয় তবা সমাবেশে সম্ভ, সরল প্রকাশকরী অবচ উক্তমানের এই প্রশ্বটি সংক্ষৃত ও বাংলা সাহিত্যের ছাচনের পক্ষে অপারহার্য, সাহিত্য-রাসভূদের করে অবশাস্টার ১

भारत्यक मार्डेखरी । २०७ विधान अतुगी । कामकाछा ७

(TH SAVO)



## गः ९७ स्त्र त अप। वाविष्ठांव छिवि छैनवः क

## শর্ৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাখার অভিনব ও অভাবনীর আয়োজন ২২**লে ভাচ (৮ই সেপ্টেম্বর )হইতে ৫ই জাঘিন** (২২**লে সেপ্টেম্বর) পর্যস্ত** 

সম্ম্যিত রয়েল সাইজের রেক্সিনে বাঁধাই এই গ্রন্থাকলী ১০টি সম্বৃহৎ থণ্ডে সমাপ্ত।

প্রতি বংশ্চর ম্লা : ১২·০০ টাকা উপর্বি ভারিখের মধ্যে ১০·২০ পরসার পারেন

সামাদের নিকট হ'তে এই গ্রন্থাবলী দ্বতন্ত্র ও সমগ্র খণ্ড বারা ক্রম করবেন টুপার্ট্র তারিখের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫-০০ চাকা হারে কমিশন পাবেন। যারা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগালি ক্রম করবেন, তারা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও শরে সমহারে কমিশন পাবেন। ভাক মাশ্ল স্বতন্ত্য।

এম, সি, সরকার জ্যান্ড সলস প্রাইভেট লিঃ ১৪, বঞ্চিম চাট্জো স্ট্রীট, কলিকাতা—১২ না তো কলক তাম দি হণ্ডার একবার করে কেন ব্রে আনে? স্নেলা একটা থামে। বলো, না হর একটা সিনেমার ফানেজার। হা, ভারী তো সিনেমা।

শ্রুই, অশোকদা না মাইরী রেস খেলে।
শ্রুকা বলে, অথচ দেখ, স্পের একটা মন
আছে। গণশ লিখে লিখে কগেজে দের।
শামকে কবিতা শোনায়। পৌষ মেলায়
শানিউনিকেতনে বার। বাউল গান কত
ভারবাসে।

হেড দিনিম্পি হাঁকে, শারে পড় তিন নশ্ব হর!

আলো নেবাতে নেবাতে অসকা বলে,
খালি মুক্তে পড় আর মুক্তে পড়। তিন
সকালে কাকে নিয়ে শোবো। একটা
দীর্মনিবাস তুলে অংথকারেই বালিখে মথে
রাখে অসকা। শোবোত শাধ্য বলুগা নিয়ে।

্সনেক বৰে, মাধারীটা তবা যা হোক করেছে। জনতত একটা প্রেম ত করেছে জীবনে।

্ভাঠিক। <mark>জলকা জন্মকারের</mark> ভেতর চোধ ব্*ভিরে বলে*।

সন্দেদা বলে, ওরা গতকাল নদারৈ চর গিয়েছিল। মাধ্রী বলছিল।

অংশকারের ভেতর চোখ খুলো ভাবেভাব করে তাকরে অলকা। ফিসফিসিরে বলে, আর কি বলল রে? পেট পর্যাত বিছানার ক্রেশে দাই হাতের ওপর চিব্রুক রেখে জনকা উ'ছু হয়।

গুলার ক্ষর নিছু করে সন্দ্রা বলে, ক্রিমাল বাকি হাত ধ্রেছিল।

হা— ত ? লম্বা করে উচ্চারণ করে অসকা।

শব্দ না করে অধ্যক্তরে সনেশা হাসে।

হাতঃ

সৰ কথা মেরের। বলে নাকি? জলঞা বাতের ওপর খেকে চিব্রুক সরিয়ে নিরে বালিশে মাথা রেথে চিং হরে শোর। কোনারের কাপড় আলগা করে দিতে দিজে বলো, নো শারে পড়।





স্থানদা লোক। বাইবে জোওসা আবো সানা। হাওরার কেমন শীভ শীভ ভাব। বাইবে জোওসার ওপর স্কার কুরামার বেল্ মিনো গেছে। অন্ধকারের ভেতর দ্রুটি প্রাণী ঘস ঘস নিঃশবাস ফেলে। এক সময় স্থানদা বলে, ভুই ম্যের ভেতর স্কান দেখিস না অপকা?

দেখি। অলকা বলে, এক এক সময় এত ভাল লাগে। কালই দেখলাম বেন একটা ছবিতে আমি নায়িকার অভিনয় করছি। আমি ভীষণভাবে ভালবেলে ফোলীছ নায়ককে। ক্লোৎসন্দর ভেতর ছমুতে বাব কি, বাসে, ভিরেট্টর বলল, 'কাট'। হাম ভেঙে গোল। চেয়ে দেখি ভোর এলে আমার জনেলার পালে দড়িছেন। তেওঁ দিবিমণির প্রভাত বশ্বনার দেভার করে।

অমিও দেখি। স্নেদ্য একটা নিঃধ্বসে জুলে বলো। কাল ভাঁষণ ভয় পেরে গেছিলাম। দেখলাম বীভংস একটা মাখ। বনে রাক্ষমীর মাখা। আমাকে ছায়াও আসাছে। ভার চীঙকার করে উঠলাম। এনা, হঠং ঘাম ভেঙে গেলা। দেখি হৈভ দিলি-মানি উক্তি নিয়ের আমাকে দেখছে।

স্বেদা চুপচাপ শ্রে থাকে জনেককণ। বলে, আছো, এই জলকাশ্রী তোর ভাল লাগে? অলকা এই জলকা--

না কোনে নেই। একটা নিজবাস তালা স্নেপা পাশ ফিজবা। পাশের ঘারই মাধারী। মাকে শাধা পদা। দক্ষিণার জানলা দিরে হাওরা এসে অধ্যক্ষারে প্রতিটা লোক্তিবা। এক সময় সাম্বন্ধাও ম্নিরে প্রকা।

এই দিনরতির খেলার তেতার একটিল নতুন দিন সংগা দিয়ে বৈশাখ এল। রোদের প্রচণত তেল ছড়িরে পড়ল মাঠে, জপালে। নদীর চরে দিমালের ভালা থেকে খুলো উড়িয়ে বাতাস খেলা করতে করতে উড়ে গেলানদী পেরিরে। রোদের তেজে বালাকণা ভোতে গেলো কিংনির দল বোপের অড়োলো লাকেলো। একদিন বৈশাখের এই ভোরে সেবাপ্রধানা আর জগেলানা। খুমের ওবাধ খোর আছাহত্যা করলা।

সেইনিন ভোবে স্নিম্মলের ম্বাথও জার দেখতে গেল না কেউ! এই ঘটনা নিরে সেবায়তনের চার দেয়ালের ভেতর জারার ম্যালা উদ্ধলা। কেউ বলল, জাহা, কত ভাল ছিল হেড দিলিসাল। কেউ বলল, ভালাই হল, নিজের লাজা নিরে নিজে চলে গেলা। ও বাছির কেউ কেউ কালা। কেউ মাখ লাকিরে সমালোচনা করল। শাধ্য রজনা ধর্মাপালা পদাধিকারের লোভে নদী গার হয়ে কুক্টাপ্রয়ে সেবা করতে যেড।

किट, बर्टना, किट, काशमा अक अर्था कपू

হয়ে আকশেশ ৰাভালে জেনে বেডাই। কেই বলল, দিনিমাণ কভ পাপী ছিল, বেড বন্দ, স্নিমাল কত জনং ছিল। মুখ্ মাধ্য কিছু বলল নাং। কোনানিন মুখ মান কারো কাছে কিছু বলল না মাধ্যী

নেই থেকে দেখতখ, এই অলভাগ্র कार. अरे स्मवा**डक** अवर मना एकएए अन्य क्षाक नवाहे स्काम नामारक हारे है। एउना रहारथत खरात धक नमत शामनामा, विम्न কর্ণাকেমন ভিছে ব্রুছ হয়ে গ্রে। আংশত আংশত সৰ কেমন ভাল গেল স্বাই। শৃষ্ট দেখতাম, এক একদি সংকোর ওপর মাধ্রী দাঁভিয়ে জাছে। দীঘদিন পেছনে ফেলে এলে জাল ব্যাসং ভারে পথং নাকা। একটা মেটা হারছে। কেন্সরের ওপর গোটা তিনেক ভাল পাল্যে। আমার চেথের ওপর শাধ্য স্মতিগাসে জন্মত। মাধ্রেরি ক্রতি। সুনিমারে ক্রতি। দেখতাম সাঁকোর ওপর দাঁড়ার মধ্রী স্ব<sup>ং</sup>শত দেখছে। একা এক दकार्याचन समीत इदहत सिदक दश्या हालाह। চার সেই শিম্বা আৰু নেই। শিম্বার শীর্ণ ডালে বাবাই-এর ন্যুলতে বাসা ট্র করে থকে পড়ে ভেকে ভেকে ভূবে চায়ে একবিন। তব্যস্তানদীটা থেকে জন্তে আজত। পরেনা মাধের ভেতর জায়। ধর্ম পাল হয়ে রজন। মাধ্রেরী।

কানিনীবালের সোর ভের তের কোনাবিবালো ক্রেড্ছে বৈথলে রহন বলং, ক্রাদি কনতকলে ধরে ৩ই কোনাবিবালের পিঠে করে বার বেড়াছে প্রেম। জানাবের তেরের বেখা আছে শাদ্ধ কত প্রেমের গ্রুপ্ ক্রি তোমার পড়াতে প্রেত্য জ্যিকের?

চে:খ দিয়ে জল গড়াত ব্রহ্নার। অংচ ষাহ্বরে কথা নর। হতে পারে রক্ষণ য**ত্ত**্যাংসের মানু**ৰ কিন্তু অলকাপ**ুরীর এই অভ্যমের ভেতর পদাধিকারে না ধ্যপার? মান্ত সম্বাংধ তখন অংহত ধারণা চ্ছ আমরে। তখন একটা বোধ এই আন্তম থেকে টেনে বেন রাশ্তায় cm দাঁজ করাত। এই আল্লম জার প্রথিবীর স্প্রেডখন কেন প্রভেদ থাকত না। সমস্ত প্রথিবীটাই एथन धरे अनकाश्वी दरन करन हत। মান্বের ওপর তথ্য আবস্তুত ধ্রেণা হত अगत्। शृध्यदेव ওপর। निष्ठा. ভালবালা এ সংসারে ফিছা নয়। সেবা, ধর্ম, সংযত ভুর্পের তাস। তসর্ফের সাধ্তাশ Cille: 1

ভগনো চেতেথর জাল মোছা গোল হত না উল্লেখ্য ভাকতাম, ধমপাল— উ°।

কেন কানি মনে হর রক্তনা, এই সাজানো কাবং সংসারে স্ব প্রের্বাটালা এক এবটা সচ্চত্র লাল হারড্না, স্ব নামীই লোভী রুমী হোমাছি।

# অপ্ত বিভূতিভূষণ

, भुगीलकुमात हिंदुोशाधाय

১৩২ সালের ১০ইমার্চ অপরাভিত-ব ঠ শেষ ধর্মা প্রাক্ত দেখে বিভৃতিভ্রমণ লিখেছিলেন প্রতিট স্মরণীর দিনটা।..... ইসমাইলপারের জন্দালে এমন কত শীতের গভীর অন্ধকার সাহিচ, ভাগকপারের বড রসার এমন কন্ত আনের বউলের গণ্য-ভরা ফল্যান দ্যাপার, কত চিত্ত-বৈশ্যাপর ভিত্ত-হালের গণ্ধ-মেশানো অলস অপরাত্ত, রভবাসার ছাদে কভ প্রতিমার জ্ঞ্যাৎস্থা हाँत जग्र, मार्गा, शत्र, नर्यकता, श्रीबश्त, शुंग्रीत ज्ञास किन्डास काणिट्यकि।.....जान प्रीकृष्टि कच्छे इ.स्कृ । जाना, कालन, २.गी. লালা-এরা এই সাদায়া পাঁচ বংসরে অনোর আপনাৰ লোক হয়ে পড়েছিল। অভ রাচে ত্তে কতথানি নিঃস্থা ও একাকী বোধ করছি. জান সভালঃ ভিভিন্ত স্থানেতা বিভিন্ন কথানা এমন দীয়া পাঁচ বংসর ধরে গ্রাটকতক চারিত্র সাক্ষাধ ভেবেছেন। —ভাবের সংখ-পরংখ, ভাগের আশাননির শান্তাদের জবিষাং সম্বর্ণে দ্রোগরে বক্ষে চিন্তা করেছেন।

বিশ্বত করে না জানলেও প্রায় স্বাই ছাতে গথের পাঁচালি-অপরাজিত-র নারক অপ্ বিভূতিভ্রণেরই ছারাম্তি। হেমন ছারাম্ভি শ্রীকাণ্ড শরংচণেরর, ডেভিড ক্পার্রাফ্চড ডিকেন্সের, ফিলিপ সমাধ্রসেট মমের। শুধু এরা কেন, আছঞ্চীননীমূলক উপন্যাস প্রার সর্বান্ত নাজক চরিত্রই রচ্চিত্রভার স্বাধিক খনিষ্ঠ ছার্ম্ভিটা অন্যান্য চরতের তিনি যদি হন ব্যাখ্যাতা, নারাক চরিতের তিনি ব্রচয়িতা। রচনা নিক্তের মনের শাধ্রী দিয়ে। তাই নায়ক স্বাধিক ভারই। ক্ষাটা মুরিয়ে বললে দাঁডার, তিনি সর্বাধিক নারকেরই বা নারকেই। বিভূতিভূষণও স্বাধিক অপ্রেড্টা প্রের গুণ্ধাৰালে প্ৰকাশিত ছকে বিভৃতিভূষণ স্ক্ৰাকান্ড লাসকে যে কণিখানি উপহার শেন ভতে ভিনি স্বান্ধর করেন জেপ; নামে।

একজন গাণগ্রাহী তাঁকে একলা জিজাসা করোছলেন, আছো, অপার কাহিনী কি সভি সভিঃ আপনার জীবনী?' তিনি বর্গোছলেন, কিছু সভি। কিছু মিথো। বেনন শ্রীকাশ্ড আর পরংচদর।' বিভূতিভূবণ নিজেও এক জারগার শ্বীকার করেছেন, সে ছিল অনেকথানিই আমার সংগ্র

কিন্তু কতথানি? বিভূতিভূষণ এক দিন-গিশিতে লিখেছিলেন, 'নডেলে....টেশাব-কলের ক্ষাভিরই প্রেরাব্যন্তি কর্মিছ মারা।' প্রথের পাঁচাজিতে বিভ্তিত্বদের শৈশনের
সম্ভবভ আদিত্র স্মাত্রর প্রারের ভিত্রদের
ইরেছে সর্ব্যবতী প্রজের বিকেশে কুঠির
মাঠে হরিহারের সল্পো অপার নাঁজকাঠ পাঁথি
কেখতে বাবার বটনায়। সর্ব্যবতী প্রজের বিন বিভ্তিত্বশ্ব কেঠারশারের সল্পো প্রঠির মাঠে
নাঁজকাঠ পাঁথি দেখতে গিরোছিলোন। প্রান্তর
পরিচিত গণিতর বাইরে পা নিয়ে বালক বিভ্তিত্বশ্বর মনে যে ভার হরেছিল তার
কথা তিনি কথনত ভুলতে পারেনান। উত্তর-ভিরিশের এক নিনালিপিতে তিনি লিখেছিলোন কেন্দার লেখা থাকাবে এক মুংধ্মাত
আট বংস্রের বালক জাবিনে প্রথম গ্রেমর উত্তর মাঠে তার জাঠামশারের সপ্রে গোড়রে

হেলেন্ড্রেস বিভূতিভূষণত অপ্র মত, ব নার সংগ্যা কথকত। ও শিষ্ক বাড়ি মতে উপলক্ষে এম থেকে প্রমাণতার যুবে বেড়াভেন। তার এই প্রামান্য জাবিনে আড়ংখাটা ঠাকুরবাড়ির ক্ষাতি বড়ো গভার। বোরার করণে ক্ষাতিমান্যা আড়ংখাটার কথা

কি কথানা ভলবো? বাবা আ এবাটা বেক দেৱ জ্বৰে অভিভৱ হয়ে বাড় ক্লি হ ওয়ার উঠেই প্রথম কথা প্রসাধি স্করী খেকা কই খোকা--? অথচ তিনি জানীৰ তামি বেডিং-এ আছি। সেই অসংখ জৈ আৰ ভিনি ভঠেননি।' পথের পাঁচটিন-অপ্রাভিত্তে এই আড্যোটা ঠাকরবার্ডির উল্লেখ আছে। বিভাতভয়ণের ছবিনের এই প্রথম খোকের ছার নগান্ত্রনে অপরে পিঞ্ খোলের জাহিনী রচিত। কথকতা উপদটক বিভাতভয়ণ যখন ব্যৱসাহাণ হালীৰ জেলায় শাগঞ্জ-কেওটায় আসেন তথন সেখাটো থাকাকত্ত তিনি প্রতেন প্রসম গ্রেমশারের পাঠশ লায়। বিভতিভ্ৰণ এই পাঠশলাটিকে প্রপের পাঁচালিতে অবিস্মরণীর করে রেখে-ক্ষেয়। এটি বাজীত আন বে-সমুস্ত পাঠশালার ভিলি পড়েভিলেন সেগ্রলির মধে। বনগাঁর কারে তার স্থগ্রাম বারাকপারে রাজ্য পার্য-মুখ্যান্ত্র পাঠশালা অনাত্ম। এই পাঠ-শ*লোটির পরিবেশের প্রভাব যে পথের* পাঁচালির প্রদান গরেছশারের পাঠশালার ভগর পড়েছে তা তার ফিনাসাপ পভাগ থনামান করা যায়। সেই ছেলেবেলার রাজ্য গ্রেমণারের পঠিশালার পড়তে বাবার সমর চারিধারের বাঁশবনে বেমন অজানা প্রেশ ল্ভিড়ে থাকত—গ্ৰুতধনের দেশ তেমীন

## ॥ মরোজ বস্ত্র ॥

## **ठीन रिंद्य धलाय १४ ०.६० १४ ०.६०**

ৰহা বিত্ত কি জাড়া জাগানো প্ৰচ্ছা চীন দ্বেদত গতিতে এগিরে চলেছে। চীনের মহা-বিশ্বর সে দেশে বে অভূতপূর্ব জীবন এনে দিয়েছে, সেই ছবি এ বইরের পাতার পাডার। এ বই নতুন চীনের জীবনের স্পশ্বন অন্ভবের ব্যক্তা খালো দিয়েছে।

। जना अकानिक नकून वरे प्र

रयोवन निक्रक	नियादे खड्ढीहाय	n	8.00	R
অসতী	<b>च-</b> क-व	u	9.00	n
আকাশকুস,ম	विश्वन क्य	B	2.00	ij
<b>न्वग्नः</b> नाग्नक	নতেবকুমার বোৰ	n	8-00	u
গদেপর মতো	জমিতাত চৌধ্রী	u	8.00	11
मरण्का त्थरक माम्रि	मि विस्तीन बालाकात	n	4.00	u

বেলল পাৰ্বালশাৰ্স প্ৰাইভেট লিলিটেড । ১৪ বঞ্চিম চাটুলেল স্ট্ৰীট, কলি-১২

देशकारक रचंद्र विकृष्ण्यात कथक संवाह असु वामना दिन। किन्छु कथकण द कादम जात स्थाण कावात ? स्थाणत संवादम शहज ककों किन निर्देश जिन रेक्समणीय निर्माण जीत कार्यका। स्थान किम्मा करत करूर गृनिस स्टिज्य। स्मान र्काम अरूर सावात कर विद्या स्था २० तो, विस्मा स्था किन हमा। विकृष्णिस्ताल कर्युः सिर्माण क्यककात करिनी कार्यकान जारू व

অপুর মন্ত বিভূতিভূবণের কাছে বাঁকা কণ্ডি বিবা অভাপত শংখা জিনিস। তিনি নিত্তেই স্থানার করেছেন, বাঁশের কণ্ডির জন্যে আহেটো আমার চিরধাল সমান রইল সেই বাল্যকাল থেকে।

ছেলেবরুসে প্রায়ে খাকতে বিভাওভবণ কর্মনা একা, কথনো ভার বালাবখ্য, ভরতের (নামাণ্ডরে ভারতের) সংগ্র ইছামতীতে খুরে বেডাতেন, সমান্ত ভ্রমণের বই পড়ে ভার প্রণন रपंश्रासन, स्थानीय स्कान थान वा बौक वहेर्य-প্রভা কোন বিশেষ কার্গা বলে কর্পনা করতেন। বালো ওইসব বাদলার দিনে ক্ষেন নৌকা বেয়ে একা বেডাতম, ওদিকে চালতেশোভার ' বাঁক, চট কাতসার থালের मान द्वारणीन्त्र Oysterbrook (अन्छोद-রুক)—তথ্য সমাস্ত ভ্রমণের নানা প্রভাষ, সর্বদা সেই স্বাংন দেখতম। সেই সম্দ্র e আমাদের এই ছোটু ইছামতী, ভার अन अक्टे कारना अन ।' शर्धत शाँजीनार्ड পট্র সপে অপরে ইছামতীতে নৌকা শ্রমণের কাহিনী বিভূতিভ্রণের নিজেরই বাল্যকালের কাহিনী।

পথের পাঁচালিতে অপ্ বেস্ব গ্রন্থের সংগে পরিচিত হরেছে তার একাখিক উল্লেখ বিভূতিভূবণ তার বালাজাবিন প্রসংগ করেছেন। ছেলেবরুসে অপ্তেক যে বইটি সবচেরে বেশী প্রভাবিত করে সে বই মারের মৃথে শোনা মহাভারত। বিভূতিভূবণও বালাকালেই এই বইটির সংগে পরিচিত হন। ছেলেবেলার রাজকৃক রারের পদ্য-মহাভারত একবার পড়েছিলান।' অপ্ দ্বৈদ্ধ বেলাল
 সভ্পের প্রের পাছারা দেবার পরিবতে বেলাল
 নই পড়তে পেড তার মধ্যে আহারালা জীবনপ্রভাত' অনান্তম। এই বইটির একাধিক উল্লেখ
বিভূতি ভ্রপের নিনালিপিতে পাওরা বার।
'মনে পড়ে বহু কাল প্রে এই সম্মেই
লৈশবের সেই আধবীকদ্বন ও ক্লীবনপ্রভাত'।' সেই রম্নাধ্নী ছাবিলানারের
কালো তর্ব চোল ব্রি ও শিষ্যান্তির হাতের
কপারমান বর্শা মনে পড়ে।'

পথের পাঁচালিতে অপ্রে বারা দেখার কাহিনী বিভূতিভূষণের বালাকালের এামে বারা দেখার কাহিনী অবলম্বনে রচিত।

বারার্গলে বে ছেলেটি রাজপুরে সেকেছিল সেই সমবরসী অজনকে অপু বাড়িডে নিমলুণ করে আইরেছিল। এই কাহিনীটির উল্লেখ বিভূতিভূষণ তাঁর এক দিনলিপিতে করেছেন। বারাদলের ছেলে ফলি বাড়িতে থেছে এল।

প্রথের পাঁচালির অপু বেমন বিভৃতি-ভূষণের বাল্যকালের, তেমনি অপ্রাক্তি-র অপু তাঁর কৈশোর ও যৌবনকালের চারামতি।

অপরাজিত তে বিভাতিভ্রণের কৈশোরের সম্ভবত আদিত্য স্মৃতির প্নরাব্তি হয়েছে অপরে দৈনিক চার ক্লোশ রাস্তা হে°েট আন্তবোরালের দক্ত করার কাহিনীতে। গ্রামে পড়া শেষ করে বিভতিভ্রমণ চোপ বছর বরমে বনগাঁ হাই স্কুলে ক্লাস ফাইন্ডে ভার্ত হন। প্রথম প্রথম তিনি প্রতিদিন ছ' মাইল পথ হে'টে দক্ষ করতেন। তারপর এই বছরেই তিনি অপরে মত স্কল বোডিং-এ চলে আসেন। অপ্ত বেদিন মনসাপোতা থোক দেওরানপরে স্কুল বেডিং-এ চলে আসে তার আগের সন্ধার সে কণ্ডদের বাড়ি মনসার ভাসান শ্নতে গিয়েছিল। বিভতিভয়ণের জীবনেও ঠিক এমন্টি ঘটেছিল। 'সেই ১৯০৮ সালে, এক সম্ধার বেহারী থোষের বাড়ি মানিকের গান হল-প্রদিন জিনিস্প্র নিয়ে সেই যে বেডিং এ এলাম।' থাড ক্লাসে পড়ার সময় বিভৃতি-ভূষণের পিত্বিরোগ হয় এবং বেডিবি-এর থরচ চালানো তাঁর পক্ষে দুক্ষর হয়ে পড়ে। সেই সমধ্যে স্কুলের প্রধান শিক্ষক ভারতেন্দ্র মুখোপাধ্যারের চেণ্টার কনগার ভদানীন্তন সরকারী ভাতার বিধাভ্রণ বলেনা শাধারের বাড়িতে তিনি গাজেন টিউটরের চাকরি পান। এই সহদর পরিবারে বিভৃতিভবণ বাডির ছেলের মত ব্যবহার পেডেন এবং ভদুলোকের কন্যা প্রীতিসভা (ভাকনাম খিন,) তাকে ধৰে সেবা বন্ধ করত। এই সব জংশে অপরাজিত-র পাঠকদের ব্রভে অস্বিধে হর না অপ্র স্কুল-জীবনের কাহিনী বিভূতিভূষণের শ্রুল-জীবনের অভিজ্ঞভার ওপর নির্ভার করে লেখা। এই প্রসংগ্র केटबार कहा तान विस्तृ हे चनताहित-सिमाका हिन्द्रतत छेरम।

जनात करनक निरमंत्र महत्त्व विश्वित

वनगा म्बन त्थरक छामछारव माधिक गत करत विकृष्टिकुवन ग्रास्त्रभाभ करनास । साम विनाम करनक) चार्ड व कार्य की के उसे ৰলভাভার গোডার দিকে ভিনি মদনভাত নেন লেনের এক মেল বাডিভে থাকালা शर्य विकाशित महीराजेत करणक शर्मा कार्य আসেন। অগতে ক্লকান্তার এলে প্রথমে এর পঞ্জামান দাস জেলের এক মেসে, পরে কাসের करकतान जाम जिल्ला एवं वामा-ठ/मांभ করেছিক সেখানে সে উঠে বার। অপরাঞ্জিত সাক্ষর ঠাকর নামে এক ভারতাসার **জ্যোটেলে খেরে দাম না দিতে পারার অগ**রে লাভনার যে উল্লেখ আছে তা বিভৃতিভ্যাণর क्षीवरमत वर्षमा। '১৯১১ সালের कामार्जात মালে আমি মিকাপার প্রীটের একটা উত্ত ঠাকরের হোটেলে দিন কতক খেতুম। উড়ে ठाकत्वोत गाम मान्त्र ठाक्त । मान्त्र ठाक्त रमाकारम बारव शिक्त नाहि रथक्य-रमाधा থেকে যে দাম দেব না ভেবে খেংবই বাজ. ংখ্যেত ৰাজি। কৰেছে পভাৰ সময় সাহিত। ছাড়া আর ৰে বিষয়ে বিভৃতিভ্ৰণের খ্ৰ উৎসাহ ছিল ভা ডিবেটিং। ওভীয় বার্বক <u>লোগীতে পভার সময় কলেজের এক বিতর্ক</u> সভার তিনি 'নভেনের আহ্বান' নামে একটি প্রবাদ্ধ পাঠ করেন। বিভবের অন্যাপ উৎসাহ ছিল অপার। সেও কলেজের বিভঙ<sup>ে</sup> সভার ৰে প্ৰবংশটি পড়েছিল ভার নাম সংভাবে 1 'SISIP

কৃতিছের সংগে আই এ পাস করার পর অর্থাভাবে অগরে আরু বি-এ পড়া হর্ন। সম্ভৱ টাকা মাইনেতে সে খবলের কাগৰের অফিসে চাকরি নের। বিভৃতিভূষণত লেখা-পড়া ছেড়ে দিয়ে কিছা দিনের জনো খবরের कागरकत कांकरन ठाकति निर्ताबरगर। ক্লেজের লেখাপড়া বাধ হলেও বিভৃতি-ভ্রণের হত অপুরঙ প্ডাশ্নোর সংগ সম্পর্ক কোন দিন ছিল হর্না। ইনিপ্রিরাল नारेखितिए (वर्जनाम नाममान नारेखित) ভার নির্মিত যাতারাত ছিল। অপুর বিশেব আগ্রহ ছিল ইডিহাসের ওপর। সাধারণ মানুবের ইতিহাস সে জানতে নার। এ क्रक्बार्स विक्रीक्कब्रंगत मरनम कथा। किनि বলেন, 'গুটসের, রোমের বব ও গমের ক্ষেতের शादा श्रीकास बनामाकात त्यारभन शानात काशाय ट्र टेम्लिंग्स्स क्रीयम क्राकात क्राकात यहत धरत जकाम-जन्मा यानिए इरहरू-তাদের সূত্র-দর্ভয় আশা-নিরাশার গলগ, ভাদের ব্রকের স্পদ্নের ইভিছাস আহি জামতে চাই।' ইতিহাসের আর বে রংগে অপ্ কৌত্হলাক্তাণ্ড সে রুণে মহাকালের বিরাট মিছিলের। আইজাণ্টাইন নাম্রাজ্যের



ত্যাস বিবেশ এমশ্যের কিশিক্ষাছেন, কি লি কেই জনশ্ৰুৰ জিশিয়া**ছেন ত**িবন্ত হার ৩৩ কেতিহেল নটে. সে এই. ্ত্ৰহপাঞ্চত মহাকাণের এই বিরাচ নাছলে। হাজার যুগ অপ্রেকার কত রাজা, নিনী, সভাট, মন্দ্রী, পোজা, সেনাপতি, আলক, মুখা কত ওপ্রস্কা ওরাণী, কার অঘাজিপ্যা রাজপুরুষ—যাহার। তথের ভান অণ্তর্গর মধ্যে গ<sub>ে</sub>শ্তক্ষা প্রকাশ করিয়া ভাহাতক ছাত্রকার কুঠারের মালে দিছে <sup>কিন্</sup>ধা কোষ মরে মটি-ডান্সর কাসসাম, দে ইয়াদের ভারিয়া ব্যাধ্যার। ব্যাধ্যানের মত মিলাইর। হাওয়ার দিকটা। ঝোথায় তাথানের বাখা শ্রের প্রার্থকার। ভালের অঞ্জীলক্ষার হথকতা গুলিহাতিভয়াণ্য ভাৰণা ৬ ভাষাৰ সূত্র অগরে ভাইনা ও জনার যে <sup>হি</sup>ন আৰু ্রিটাপ্র ভাষাধ্যের রকা মারণ গভার २ क किन्द्रके अभागवान प्रदेश कार्श हरेरात শ্বাস্ত্র শ্বাস্ত্র প্রতিখ্যাস্থা । কর লাগে ହ୍ୟା ଅଞ୍ଚିତ୍ର ଓଡ଼ିଆ ହେବା ହେବା ହେବା ହେବା ଓଡ଼ିଆ । ଓଡ଼ି স্দেরী ভর্ণী বাসক যালের আশ - দিলাশ্ব **୭,୭.୯ ୫ ବିଜ୍ୟା** ଅନ୍ତ ମୃକ୍ୟାଣ୍ଟର ଓଡ଼ାନା শুক্রা, শুক্ত অভাগরার-উংপাীজুল, *হার*ল, পারণ জন্মত প্ৰায় সভয়ত আছে হৈছব চাংল হারেরি, হালের বিভারত পাত্র মিলে এক। ଅଞ୍ଚିତର କେ ବ୍ୟବଶ୍ୟ ପ୍ରତ୍ୟ ଅନ୍ତ । '୩୫ ଅଟେ ଅଟେ 'ନ•ଅଟେ ଅବସ୍ଥ ଅନୁହାନ ହେବ test for el alla son i 104000 0000 গুশ্ভুকার প্রামান করে। ভূরক মাদ এক Based was local from the district of the ৰাজিলা নিঃ <sup>বিভা</sup>কত ভালভা বাক্ষত 电影性 制造学 医对巴巴二氏腺反应 医水液 ম ব্যা স্থানৰ অনুস্থান বাইড টোইন The later of realist folds the age of follows Profession for the first state of শিষ্য ত হৈ ৩৩ কৈতিকো কেং ছৈ ক 🖚 आप काशः उद्योदाच्या करत छह न्याकात्वाक 2. 77

519<sub>11</sub> ; ; ; • • • • • হাসন্ত্র সংক্রমহার 🖰 المراج المراشق المحقوم ভাগর ভাতভাগর শশুভারীবারর লিভিড্ ছারা পড়েছে। বি এ ବିଞ୍ଚ୍ଚ ଜ୍ୟାତ ବିକ୍ରୀ ଅଞ୍ୟାବଶ କଥାର ବୋଟିଟ বিৰা**ং ২ল। তা**রি নয়স ভঞ্জ তেইশ, গোটার ଔଳ । ଅଷ୍ୟାଲ୍ଲ ଅଧି ହେନ୍ତ୍ରି ଓଡ଼େ ଓଡ଼େ ଓଡ଼ିଆ টেকা স্থের, তেল্ল তার স্বভার ভৈল নিটি। জ্লশ্যার রয়ত করনস্টির रियानसं धीराकामा (२५२) विकास १२३ জ্বে চালাক্ত্রের প্রতি হিভূতিভয়বের এই প্রজিতা। জোরী মারা হাবার পর <sup>কল</sup>ণাতার চেত্রে থাকার সময় তিনি প্রতি দিন ফল্ড এক প্রসার চাপাসলে কিন্তেন। পরিমল গোপর্মেট - একটিক কেখে ফেলেলে ভিনি সম্ভুত হালেয় ভালভিজেন তেনেক <sup>নি</sup>নি।' অপ্রাজিভ-তে চাঁপ্যফ্রের সংগো 🎙 📭 🐧 ক্ষাৰ্থ চিক এই একই কারণে এত

মধার। পাঠাবেস্থার বিধাত গুরুর লেখা-মাড্র পাছে ধ্যাপাত হয় দেপনো । গাঁরীর ৰাব্য গোরণিকে তাঁর কাছে রেখে দেন। বি-এ প্রশাক্ষা হয়ে যাবার পর ১৯১৮ সাপের জ্ঞান্ত জালে বিভতিভ্যণ গোঁৱনিক নিয়ে হাসবচ্চাট্র কাজে পালিতর হাছ থেকে ধাৰাকপ্ৰায় জ্বান্ত্ৰাৰ প্ৰথম এই প্ৰথম প্রস্পারের প্রস্থারকৈ এত করেছ পাওয়া। লে সমায় বসিরহাট থেকে বলগাঁ থেতে হাল रस्राक्षमान्ति विकासन्तिमारमा पार्ने कु सम्बादात साह । বনগাঁচের গাড়ির অপেক্ষান্থ এইখনেই ব্যঞ্জন প্রদর্শন সংস্থার প্রেডে হিলেন। প্রার্থি, সেই **য**ালায়ের গাভিতে কা, সেই বেলেঘাটা বিক দেওঁশাল আমালের প্রথম ৬ শেষ ধরতায়, সেই অয়না বর করে দেওয়া, সেই চিসি ব্যুক আর হাধ্য কপালে ঠেকালের ওথা ୭୯୯ ୬(୭୮୭(୭୮**୭**୭୯) ଅଂଷ୍ଥ ଅନ୍ଥାତିକ মনসংপাতর আনার সময় ভৈরণ নাদর ধারে কার্মট প্রথম সংস্থার ক্যেতেছিল। ব্যাকীকে ए गात शह शहाकशाह । स्थीरान्ड **य**ाहराजा ি ১০ ৮৬বলের কর্ম্ম জি৯ মধ্যে **হয়েই** শা দেল কৈছিল। বিভাতভ্ৰণ দেশা হল এ ত সেতু ছ • ৷ প্রক্রেপারে ক্রের করে। ট্রাল জন্ম তিনি কলকাতার প্রবাদবাদের the in the begings being better withing পুটির<sup>ত</sup>, সমুগে ভিন্নার বা ভারত ল প্রেমিন চ 'ড়েম'-পকের সা•গ্ডি— ইড়েন ডেন্তি স্থায়ে ন : নগালের শাস্ত্রিত জেরকম ভিলা ১**২০** වුය පත්වේදී සිතා වේද 9.3% සුවේස বুলহাতিক। ক্ষেত্ৰী আহলত সহাল সংগ্ৰহ ্লিত সেই শেষ সংগ্ৰন্থী ভোগেই গ্রেলর ১৯ল র টাটাক বরের বাতি **থেকে** নি 😸 ৪০০ এক - ভাই মাসকালের - পাকে ଏହାର ଅଧି ବିଳିକ କାର ଆଧାର ବିଶ୍ରିଞ୍ୟରେଶ Marie Esta bile ereis meter bie වෙනු යන <sup>දි</sup>ලම් දෙමනුනන වර්ග ගෙන ක්ෂාදන জ্ঞাতি সা ক্ষেত্ৰীয় কোনেকে এই কৰে জন্ম। বিহুতি হসায়ে হত হ গ্ৰেষ জন্মের জানেকর সংশাস্থা স্পান্ধ এন দিয়ে ইন্ডিস সময় কটির নে। তর পর এম এ পড়াই ইস্থাস্থা নিয়ে ত্রামীন জেনাল ভার থাজ পাড়াগেলির সমুদ্র। ১৯১৫ সিটো তিন অঞ্চলত সংখ্যা করে। কেনে। কেন্দ্রাল কিছু নির জ্বলৈ কথক পদ সম সেনেরপারে হারেন্ডি A8 411

ক্ষানার মাত্র পর চাপ্রামি শ্রান নিজকতে নিয়ে তাপ্র অজ্ঞাতবাস ভাইতর-ভ্রে জীবন্স পরের কাহিনী বিভাতভ্যাবর কারণত জনিন বেরক লেভ্রা বিভাতভ্যাবর কারণত কিয়ে সংসার করার সম্প্র তাপ্র চাবার করত শালোসর অফিসে। আফ্স-ভাবারর বব্যতা থেকে মাজির জনো মারো-মার্লিয়ে রড্গক ব্যাক বার করে নাই শ্লাকে জন্মন্তিনী পঞ্ত। জিব জ্ফাতি কর্ত্যা বিভাতভ্যাব। আজ্ঞারতে নিগো ব্যাবনের ব্যাবনাতে ব্যে ব্যাবস্থান্তর ক্ষণাউল্ভের

ক য়কখানি 'বখ্যাত অন্তৰ	ITA		
এম. জি. সরকার জ্যাত সংস প্রাঃ বি স্বস্মাজ ও ক্মিউনি <b>জ্</b> ম	Y:		
িচায়ত করানল ক্মিউনিজম ও বিশ্বব	6.00		
हा के छ शतरहेंग - ह	8.00		
র্পাণ্ডরের দ্বগমি <b>পথে</b> ং⇔ঃ	00		
বাক্ত-সাহিত্য এশিয়ার ধুমায়িত অণিনকো	ref		
•	000		
অথনিতি ও মানৰ কল্যাণ			
প্রশেনাত্তরে আমেরিকা	3.00		
ানৰ ও সমাজ-বিজ্ঞান	3.00		
ক্ষেত্ৰ চল ত প্ৰিবীৰ অধৈক মান্য	.00		
,	<b>:</b> -00		
উপনিৰেশ থেকে কমিউনিজ			
া বিষয়ে প্রতিভাগে বিষয়ে কিছে বিষয়ে কিছে বিষয়ে কিছে বিষয়ে কিছে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বিষয়ে বি	\$ · & U		
আজিকার উত্তর ভিয়েংনাম	2.60		
সাম্বাদঃ বিষয় বৃদ্তু ও	\$-60		
কাৰ্য'পা	খতি		
জনশঙ্গর ও রজেন ভি <b>য়েংনামের যুক্ক কেন</b> ?	5.40		
,	000		
कार अस्तर ।	2.00		
সালজ্জ বাল শহর কা <b>লো গাল</b>			
াচ্চ সন্ত ত <b>প্ৰতিকা</b>	000		
প্ৰান্ত ব্ প <b>ুন্মিলন</b>	0.00		
*	.00		
গালিয়ে এলাম			
ରବାନ୍ତି ହୋଲ	0.00		
হিউবাট' হোরেশিও হামফ্রী ভিঞ্চিত ১-৫০			
নানা বিষয়ে আ <u>ৰো <b>অনেক বই</b></u> প্ৰতক্ৰিকেতাদেৱ উ <b>চ্চ কলিখন</b>			
<b>ওালিকা চেয়ে পাঠান</b> আজই অভাৱ দিন			
এম সি সরকার অনুষ্ঠ সম্প প্রাঃ	निः		

28 राजक उन्तर अंगे ते कांशक का **३३** 

ানকে চেত্র শ্বংচন্দ্র ল্প্টীর গ্রিক্টার থ প্রথম প্রথম সেই প্রেলা কর্মার সমর সিন্ধেশ্বরবার্গের অফিসে কাছ ক্রার সমর টেবলের স্থারের বেখন জ্বাক্তা থারত। কর্মের স্থাকে ফাঁকে চট করে এক্বার স্থার করে নিয়ে প্রথায় ক্রান্থন, ব্র লেশ্বের বর্ধান প্রভারত ও র্বেশ্বাস চেত্রাকে চালা, করে নিউম।

স্কুসের ডাকরি ছাড়ার পর বিভাভভ্রণ কিছা, দিন কোনের ৯ পোননারের গ্রেম্বরণী সভার প্রভারতকর চাকরি কার্ডা। পরে ভিটি পাথনিয়াখাটার খেলাত্তন্ত খেবের কড়িতে হথাক্তমে গাহেশিক্ষক, প্রাইডেট সেক্টেটারি এং ଞାମନାମ ଶଂହେତ ভারপায়ধ্যালের থ্যাসেস্টাণ্ট সন্তেভার লৈয়া 🛎 **অপর**্ভিত-(৩ লপ্তর হাত্তাক্টার্ম জিল ৩-ভরণের অনুধ্যাক্ষের ফ্রান্তির প্রায়ার্ভির উত্তর ভারতে এমণ করাত করাত তথার চ্চেট্ৰে মাজাৰু(জেল যে বিষয় ই সভ্যাপ চল প্রভারে বিভারত্বর ভারে প্রভাক কার্ডার তা ভাষাবাদ-ই**সমাইলপ্তের্ড ভাগ্রেম**ই তেও নিনালীপাতে বিশ্বাহন, তেন অপ্রের রাখ্ ভাঁপ্র মহাকালের এই ভাণ্ডৰ ন্তুক্তন শ্ব ধ্যা ধরে রাজা, সহারজা, সহাজা ক্ষাইদালৈ উভিয়ে জোল গৈয়ে আপন কৰে কোন বিশাল অন্তর্বর মান্ত্রের গনভার বৈত্ৰের সংখ্যা তাজা জোখে লালাছে, মহাধ্যান ভারে মহানিধয়াল ক্ষু আনন্তৰভা হার 溪 **ଅଧାର ଓ ଓଡ଼ିଆର ଓଡ଼ିଆର ଓଡ଼ିଆର ଓଡ଼ିଆ** 

দীয়া চুলিবস বছর বচন অপ্য চিডিচ কন পারের ফিরে গেরছ। ভবন বীয়ে লাকের পেছ। বাংলাদ লাভাকার বস্তুত এই সমানেই নামে : পথ চালতে চালতে প্রথম ধ্যান্ত ফালে এর ৰেণ্টাৰনেও সেশ্বিৰো সে মাণ্য *ভট*্য। গোলা। **এই কম্পামান টৈর** নাগোরের ভারতের সাংগ্র আ্রাণফার্রোর গ্রেষদ্র স্যাংগ ব্রৈখন সেই নিশ্বেল আছে ক্রান্ত লোভ কৈন লাখেব ହର, ଶଞ୍ଚ **ଓଡ଼ି** ଓ..**୭**୩ ଫେଟେଶ ହେବର ଓ୬୯୬-প্রের যাত আবোজার শ্রেমিডা সম হাতে আমে কডাইতে আল্মা। অপ্যতাল, আহা, ভাষিক এই এদের কড় আন্দেশ কড় স্থাকতার জিনিক! দারিধারে চাইয়া চ্ছাইয়া কেবে সমূহত কলেনের ভল্টা ধ্বেম্ন কৌতুক পর্ চীংকাররত বলেক-র সকাতে ভার্য বিদ্যুত "বিভাতি ভবণ ভাতে বিদ্যুতি প্র বস্তাকপরে ফিরে এসেছেন গাঁকতি শক্তে किर्यहरू प्रक देवकारण कामरेक्षारी तक ভাঠে: তেম হয় রোজ রোজ।...সমস্ভ অম-বাগালের তলাগালে ধারমান, কোত্কপর, চীংকাররত বালক-বালকাতে ভার যার-সভাত্রাগণিকা। পেরের পাঁচালিত এই আমগ্রছটির উল্লেখ আছে), তেওঁলভেল... স্মাসত বাসেন্দ ধাতারাত্তর ধাম পাড় <sup>গি</sup>নরেছে ! ক্রমনির ধর মোধের ছায়ায় ক্রেক্সেপাড়ার স্পাই ---প্রতী-পারেষ-বাশ্ব-বাশকের। ধামা হাতে আম

কুড়াছে গৈখে আনার চোখে জল এলা জনিয়ে এই এটের কন্ত ৩,২৫৮র, জন্ত সাহাকভার জিনিসাং নিশ্চিদিক্যারে সিংক-দের ভিটোতে ভাকে অপ্নার এন সংরাহ, এই বেল হল আ স্বাঠ থেকে লা ধ্যারে ফরস্থা ৰূপত পৰে প্ৰদীপ হাছে সংধ্যা হৈছে চনাত ব্যস্তান্ত তেওে সংগ্ৰাহে বাভি ফিলাল মাপ, সা পরিভার ভিটোত ভার চ্যেরে পরেছে। মায়ের রয়েত কছা, বিশ্ব চাতব লকরে। এ একেবার হাবহা ିନ ଗୌଟ**ଞ୍**ଷ୍ଟେଣ অনুভাতিঃ ওইমর অন্নান ভারেত বৈভাতে জিয়া ছকা খন-এক ট্রাকর্য সংগ্রেক চাভিত্ত টাকের। ত্রাহে ক্রেক্স-ক্রেক হয়ত হ'বল ৷ মতে হল মানের স্কু'ত ভিটের সংখ্যাবেন মাম্যা মা এই ইন্ডেন্ডের স্বাট্ট নেচ্ছ গ ধানে ফসা কাগ্য গাড় এসে জান্ধ দেৱ धारत त्रिक्का—ड्ये **इ**धिई है। तहन्त भूत স্কৃতিৰ মাজ্জ কঠা সভাৱ কৰে সংশ্ৰ ক্ষেত্র করের ক্ষান্ত কর ভুগালিল এটে ভুগালের জ্ঞান এল ভু 3.86 P

খণত ভিতৰ এমেলরে প্রেক **জল্**ক সকলে ইছামতীয় পরে সড়িয়ে আপ্রজক ম্ভার জান্দে-বিষ্ণান গতি সারাত্র ভূতীবা -भारित हार्तिक विश्वतीय समान व्यापका ফলীর হারে আইজবন্ধ **এ**ই ভাসন্ত সভাত্ মাভারে মহলোপ কে কেবিছে পাইজাং সাকা হাইল ম্যাল বাটুলে তে জন্ম ন্তেন্ত্ৰ কোন िरक्षा अध्यक्षा जात्र स्थापिक स्थापिक क्षा स्थापिक क्षा स्थापिक ষ্টাত্রে<del>লা</del>তি জন্ম সুক্রা <del>ক্রী</del>স্করে পর কোন্ভালকার ভূশীলয়ে ভালিয়েছ হার, কথমন্ত দা সম্পৃতি কথমন্ত দ ব্যৱহৃত সদ্য হিজিলা অপ্তেরিসস্থিতী—গৃহস্তর জালিক স্থানির জার্টা – ছা হাজার বছর আলে হয়ত কে জানিয়ত হিল্ল প্রচারি ই জালট – সেখারে নজমাধান্ত প্রতিক্রকের সংগ্রীকান দেৱ ଓର୍ମ୍ପର୍ନ<sup>ତ</sup> ଓ ଓଡ଼ି ଅ**୫**୬୮ କରିଲ୍ଲ ଅଧ୍ୟେକ ଅଟନ୍ତ ৰাপ ভাই কোৱাৰ পাৰ্যালয় সাজে কৰে সে এক হাস্ত্র বিশ্বর ক টাইছে। তিজাত্তে ভারের হারত ভদ্যা দিয়া হল বাইন নগীয় স্বান্ত—ককা ভক্তা, বটা ভ বিচি বড়ের শামাল ছায়ের বলেটো খারের প্রতিনি প্রসংদে, মধান্যাগের আঞ্চনর প্র ভাষাধ্যমূল স্থান্য সংগ্রে ল্পোটাজার কছে*।* পর আবদ হয়**ভ**ূস প্ৰিষ্ঠিত ফিট্ডা অনুসংধ তথ্য কি ১টো পভিন্ন এব রক্ষানের এই ভাবিক টা :-- কিবেং ্ক জন্ত আৰু হয়ত জ পাহিলীতে ও সিত্ৰ মা—এই সে বটগাছের সাহির মাধার ক্ষীণ প্রথম ভার টি - ওলের প্রসায়ত অঞ্চানা ভবিষা ধারার মধ্যে হয়ত এবার নবঞ্চা !--কভবার য়েন সে ভাগিদ্যান্ত...জন্ম হুইতে জন্মান্তরে, মাজা হটাত মাজার মধা িরা—বহা, বহা, দূরে অতাঁতে ও ভবিষ্যতে বিদ্যুত সেপাণ্ডা সেয় ৰেশ কেণ্ডিতে সাইল…কত নিশ্চিন-পরে, কভ জপণা, কভ দুর্গে দিনি-

ক্ষীবনের ও ক্ষমমুক্তার স্বীধিশুল স্থান क्रान्ड च जार्गीनम्ड बाकास उस कि वस्त्र জানমান সামে জানতের সৌরনে ভার राज्या स मुक्तर त्याचे स मारिकार है सर्वः स्टेन हम फाल्स न्हेल्ड केन्ट र्शांश्योत भीवनोज् अन कर छए छ। स ्रद्रका जनगरीत खार्क सहित् জনত্ত ভিতে, বংকো জন ভনিরা হিন্দ প্রাণ্ডত তার আলা, সে অরে ও জন केन्द्राम्य २ वर्ते समझ्यात उत्तीतसम्बद्धाः THE CONTRACTOR NEWSTRAND মতি মতি বৰে দেনৱা সে ভারত জনিকত্ব হইটে ভাইকে কংটিভ লগ কৰিবাৰ শ্ৰীভ নাই—ভিহাৰ মনে *প্ৰৱা*স ল<sup>া</sup>ল নাৰ **ভাজ** নাজ—এটাক বেশ্ব নাৰ ভাল জ্ঞানেভভ নকা সে জন্মধানান্তরে গ্রে জাস্কা, দার হাইতে কোনা সাধারর কি মূহন শংহানি শধ্য ভার কাছে এই নিগ্রু মতি ভাৰতে, আপেলা ভেন্তিভাৱ সংভাৰত ভল ছালাপাল বিশ্বল ভাৰত ক্ৰিত নীয় বিকার **স্বাহ্ রাহ্**যাল ভিত্তে তেওঁ। মত সংস্থা মতাক্ষী ভার পারে দ্বার কা ভার ও সকলোর মাজুক সংখ্যা জগানী ক িবর ট ভাশীবরটো নিডিউনের অহাস্মানুরর হয় The Bus SAMBUR RUNG-typ's সঞ্জ বহিরা কো গড়ি স্পাঞ্চাকু হয় **ম**্বোষ স্তামীয়ে ৬ উক্ষাণ । জনসংগ্ৰহ স্থান্ বৈত্তিভাগত দ্বা উপজেপা

ি<sub>ন</sub>িভ<sup>া</sup>ৰ চুতু চিন্তু হৈ বিলাগ, বিলাধনা স্থান্ত হ হাজে হাজা এর **ভালমাখ্যান্ত কে**লা এন <sup>বর</sup> දැපල් \* ගැන්නීම මුදුලු මොදේ ලේල මුදුම් දිදියි স্যা হাজান্ত ব্যৱস্থ আনুদ জনুকান্তিনতে দিখিটো দেক ে গ্রাহার ছার স্থা সংক্রেল <sup>হরি</sup> (Nito) জ্বল প্রেটিনীন্ড ভার্ট কেন্স*্* ষ্ট্ৰেল হ'ু কেন্ট্ৰাপ, জাই, ফ্লুফ<sup>্টন্ট</sup> ন্ত্ৰা ভৰু জ্ঞাপানী চুঁছজন চুৰ্যাট্টাছ, ডিগ্ৰীট ত্রভানার পারে জাসার মার্টাটি বছরের জ্যা යුතුවීම යනුදැලුණ්ම කුමාන අමයි <sup>2</sup>් অংশন কোহার চলো সাবে তর জা*নাই জী* Cycle of Birth and Death 37 িন্দ্ৰিয়ন্ত কন্তাল **অ**্তি ভাঁকে কাণ্যা <sup>কাঠ</sup> ি দুৰ্ভাল ভিন্তি এক বড় দিল্পনী চু কে জ ନ୍ୟ ଅନ୍ୟ ଓ ଅନୁଷ୍ୟୁ ଅନ୍ୟାପ୍ୟ ! <sup>ଜୁନ୍</sup> নক্টো বটবাছের সারির ছাগ্র সংশ্রেটটো -- ওর সারিকাশে একটা অস্কা গ্রহ হরটে স্থারছে, ভার স্থাতে স্বেচ্ছ পারি...মতা হ জালি দীল নত, মুখ্যী নত্ত্ৰ কালু হয়, টেই গ্ৰসত জড় মান্ত নৰ জাতীম জনমাজকাণেডাটো প্রিক-আক্রো সূরে যেখকে চকান স্টেড্রে <sup>কি.ড</sup> ন্তন পথধান পদে **আমা**র গতি<sup>– এই</sup> বিশ্ল বিশ্ল, এই বিশ্লল নীল তাকিটা জগণা জ্যোজিকোঞ্চ, এট সহস্ত <sup>সংই</sup> শতাক্ষী-জামার পারে চলার পথ নিংশী শ্রুন। বেকে কে গুড়ি আমার ও সারা মান্টর ৰাগে বাগে বাধাহীন হোক।

# वन्धा राभायान कविस

त्रवीम्पनाथ प्रख

🕳 মানুন কৰিটাৰ কলো আনৰ প্ৰথম 🔾 পরিচয় ১৯২৭এ। ইন্টার্মিভিয়েট • শ করে সংখ্যাত দি ও ক্রাসে উঠিছ। ওল প্ৰত্যাল ব**ন্ধ** ভয়াই এম সি এ জেল-কটেন্ড রাজে ফোনবার ইট্রেছি, হেলাস্ট্রার হাৰোচার জন্য টেবল-টেনিসের প্রতি ভারণার ছিল খাব: বছরখানেক প্রতি সংধার গাঁদিনত এডাফ করে দক্ষতাও এফেছিন বিশ্বটো । তাই ভাল গোলসালের গেটিছ হারতার হারদেশে চেন্টার ৷ সেখালা ভারে ভারতের প্রভার টেনিল-টেনিক প্রভারত ভিজ হামারলে। ছাত্র হিসাকে জালি ভিলম তাতি স্কলে অন্ত কে তথ্য ভাষাত্র স্তার্ভয় নিশ্বনিদ্যালয়েরে সব্ভেরে খ্যাভ্যামা ভাত : এন এ প্রতি। সাত্রার প্রতি বা প্রতি সালিক দিয়েই <mark>কৈ আম</mark>াৰ নাগালেৰ বাইছেও হঠিত র্থক নিয় ভার স্থাপর প্রভাকে স্মাহনত প্রথম টুলিং আছি **একজ**ন ন্মজনে শ্লেণ্ড মনেরানের কাছে জালে চলে কল্ডটা জালি ভার চাইলার করে বসল্যা। স্থানিক ছার্থক সে আমারেও নিরোজ্য—বিশ্র সমূতে হয়। ব্যাস প্রেম হাতে প্রতিয়ে প্রেম ক্রমস্থা করে বস্থা, 'ভিম্বেড়ি তাৰ্ড একচিয়া কেলেড়ে ইটো হারটে পারেল কিল কেলের লা এটা টেব্যা-টেডিকের মাধ্যমেই ভারে আছে ৮ব প্ৰিতিজ্ঞা হয় ও আপ্ৰিনি ব্যাক্ত জ্ঞান 'ভান'তে লেল ভাক।

পরে পারিবারিক সারে চমই সাধ্বংব র্থিতির হল। আল্লাস ভোগে সালেক **জিমাণীগ্র**মার ফে। তেখন বিটায়াভা আই তি একা**ন্তর চুদ**্ধিত কলিও কংগ্রান্ড্রিয় লৈ বৈজ্ঞি ভার সংখ্য হাত্রতে জিলা। সে বাড়ির সনক্ষে ভারক পরিস্থানে একজন বলেই মান করতেন। আমার দতী স্থান ক্রিড ক্ৰিণ্ঠ বোল কলাপোৱক চেদ নিজের পুৰ্তে ব মতই মলে করতো। আমানুদু বিশহা প্রথ লিপর হয় তথ্য হয়ে যুক্ত অক্স্রেল্ডের ইয়ে। বিনেধ ধবর প্রের ক্সানেটকে কে লে চিঠিও স্পর্ভত কবিত পঠার তা কনিওার তিত **ক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ প্ৰ**ীতি ও ভাৰৰক্ষাৱ धक बत्रास्त्रता। कन्नागीतन्त्र राष्ट्रिक शाम শ্যার **রেখেছে। কল্যা**ণীদের ব্যক্তিতে গ্রাহ-বৰুলা কৰিছাপাঠ ও নিজের হচিত লাটক জীওনর নিজে হামারতে আনক সময় কাউ।১। <sup>ম</sup>্নিজি দেই সমতে সুশৌলদের আভারহ <sup>\*</sup>বিশিন**চন্দ্র পাকা মাশারের সাং**গ এই পরি-শারের সকলে একদার গোলিভি গিরেছিলেন: ইমার্মের সম্প্রী হরেছিল। জাটিতে সহর কটে না। বিপিনবাব্যর ইচ্ছার হয়ে।রানের

ନିର୍ଦ୍ଧେଶ ହେଲା <u>ଉ</u>ବର୍ତ୍ତି ଅଧିକ୍ରତ ହେଲା ଅଧିକ୍ର ভট বে দেশ হি.ম. জড়িছাৰ কৰে। কিচাকি ব 15 7 148 5 7 8 4 544 544 545W করে এটার বিভাগ করে ১৮৮ বাংলা পার করে कीरधार, दर्जान्द्रभाषतः देखार्थणः क्षरणः ক্ষ করে। ক্ষা সেই থাকের বাটি করে কবি



रामामान कवित

উন্দান্ত কর্মান্ত জাজনে এই প্রদাংসার করেণ হোরা সারে—"**সণ্ড**ল রাজাইল কে আছের ন্দ্র আরো প্রায়ে ক্রেছিন্ন নতা কাতে ভুলাইজ (চাট

> পত্ৰিয়া আই য় কমায় কৰি উরেছিল ফাটে কাল কলিক ৫৮% আলার সাল<sup>ল</sup>

ফার করে **মান্ডি এই** জেশী হারা চন্দ্ৰ সংক্ৰাক কৰে ৰংগাঞ্জালাত **মট্**জ মারে বলাওম প্রামায়ান ভূমি এবার ভার ফাদট হাতে পালার মানা নেলা কাহালা, তেই এডবং সূত্ৰতে দে কাৰ্ৰেছে কিংক ବିଶ୍ୱର ଅଟନ ଅପରିକ୍ଷା ଓ ଓଡ଼ିଶାର ଅବସ୍ଥାର ব্ৰেপ্ৰান্ত ব্ৰেছা কৰি আহি হাৰেটা প্রিক্রেডি সে রেখেছিল। এটাক কাম গ্রে লে যথন স্বাহীন ভারত স্বকারেন নিক্ষান মন্ত্রকের প্রধান উপদেশ্যে তথক কে যেন তাকে বার্মাল প্রকৃষি মতী হতে পার তো ব্যবহের 🗓 উত্তরে সে নর্গেছিল—শহাক্সা ভাই যাৰ*া ক*ৰ **প্ৰিচ**টিভ প<sup>্</sup>নত হার্মাছল। একটানা নয় বছদ্র লে মালছে করে গেছে। এই আছবিশ্যাস এর বাজারারা হুলকে হুৰ্য কৰিয়া প্ৰভিত্ত জাইটে ভিন্ন :

३००० स्ताता अक्तारकाड

আনুহৰ্ণ কাইছে এছাছি ন•ছি, রাজন<sup>3</sup>িত ও ভারতি হৈ কার্যাধ্যম প্রত্য হয় চলত ভারত ক্ষেত্ৰত প্ৰচাৰ কৰি কৈ জন্মত আহিছ বি হাত প্রতিয়ে। জন্ম ক্ষরতা ক্ষে স্থায় ক্ষাক্ষালয় বিশেষ্ট প্রেরেট সার **ছ**ই-ক্ষাল্ডৰ সংকা হাভবিভাবে **সংস্**ৃতিয়া < • የተፈፀ ማ ፈጽ እንደ ፡፡ ፡፡ መንግሙ ያ ইছালেন্ড ছফ্লিফ ভেরতীয়াবের ছাত্রতারী সভাপতি ভাল গ্রামান্ডা ইউনিয়ন ক্তেমটোট্ট <sub>ন</sub>িশ্বনিধা**লয়ের সামতিক ছাত্র** কলিছিল। জমানুটালি ছিলা। কেই সময় ছায়ালর এন ভারসিভার প্রস্তার উপফার্লিত ক্রম কে, পর্যা সভু, বাড়িশ সরকারের ভারত ছাক্ত নার্নীক সম্ভান কলে নালা <u>পিলাটের</u> হৈছে৷ হৈছে৷ ছাল এ কিডিলে কেই ভাৰা ওপা নিয়েভিন্ত পুৰ্তালীত দিপ্লো বভাটাবিকো রাভাগির হার : পুগ রাগের সংগ্রের জন্মতার বৰু ভিল হাম হাম কলিয়া ভাগ ডেঙে লক্ত ব্যুদ্ধ ও এখাড়ক<sup>কৈ</sup> যান্তি সংবাদ ত্রকাসাক্ষেত্রভার ভংগালীর হারেরভার ভারতীয় **ছাত**িও এফ ধারকো । বিভাগানে ক্ষ্যারন্থ সংখ্যাধ্যকর সম্প্রকর প্রতি 25.5 r 18 19 6 1 158 66 হ্রকার ভারতার 52.50 200 লাভ লাজের ভবিষ কৌন ছল ବ୍ୟକ୍ତପ୍ର ବ୍ୟକ୍ତ ବ୍ୟକ୍ତ ହିଲ୍ଲ ହିଲ୍ଲ ଓ কৰে আহে *কিল* কেনিয়া উপস<sup>্</sup>ৰত হারভিজ •১৩ রাতর তা**ছ**—চেডারেড ভার, আ**মা**র ও অমারে**র** মতি ভিগ্নি ষ্টেশকৈর ভারত। ইন্ত হল লা হাম্য্র এত জনপ্রির ভিল যে, পার ব্যাহ হল ইউ-লিফাল আলেইটিন সভাগ্যস্থ প্ৰাণী লো ভাষ্ম ভাস্থ **অরুণান্**ভাস্তি হারের । আন্দর্ভার লেভি **কেবছক**ৰ ছালে **ভো**লে <sup>কি</sup>ন সৰা ব্রেটার সর প্রায়ুক্ত অব্যাহারিকা এর উপপিষ্ট **যাকা**ত জন্তা আবেক ভানে অনেকেই একে ছিল। দেহকালে কি বাচিন-শাসিত এক ভারতীয় খোকর ২৩ পাঁত হরে! প্রসংগত বলা দরকার ভ্রাতের **ঐতিহান্দানে ইউনিয়ন সেপাছ** টিল সভা-প্তিয়া পরে সাম্বাজ্যর প্রধ্যমন্ত্রী হাত ব যা কোলা ভেটিকলার করে কয় এটা লেভি লভ এড চেন্দা সংখ্য হচ় হচ় সভ ্তিন ভাটে প্রতিত হয়েছে তই চনার পরাভারের প্রতিবাদে এর পর যেতেই প্রকেট ছাত্রের ভোটাধিকার থে ও বলিও কর হয়। সেই নটিত আজাত অভাসা্ৰাভা বহাল আছে। **অৱসা**ফোডে' ছাৰ্ডি কে ব্যটিশ জাতায় ছাত ইউনিয়নের তক্তি কিউটিভ কামটিরত জন্মে জনক্ষি সভা

লকে ফিলে **হ**ড়েয়ন প্রথমে জাবনের ৪৩ করে নিরেছিল।

দিক্ষাবিদা হামায়ান কবিবের স্থান্ত বেশী কিছ বলা নিজ্পোয়জন। রাজনীতিক ও কেন্দ্রীয় মন্দ্রী হিসাবেও তার খ্যাতি ব,বিদিত। ভবে মুল্লী হিসাবে তার পশ্চিম-বজ্যের স্বার্থারক্ষার ব্যাপারে কর্মাবনোট প্রবন্ধ বিরোধিতা সম্ভেভ দারেকটি FIG. 4 क्षाप्रकार कथा रवास हुए खड़ारवह er Celel না। সে যথন অসামরিক বিমান বিভাগের মশ্রী নিবার হয় তখন জেট-মালের সচেনা। ভার নি য়ই দেখে ভোট বিয়াল **Бमाहरम**ब सना खान्याङ स नशांताकी এরারেরভাষ দর্হির সম্প্রসারবের a cason সম্পূর্ণ: দলদ্ম 414 905 হোটে 1 অধ্যেত : টাকা নেই। হানায়ানের তথ্য আন্দোলন ও অংশ্ডনীয় যারির 8/29 क्षेत्रज्ञ मध्याम *प्राप्त । म*हेरम 200 মান্তির জোকা কলকাতা আও 10.1350 ছলে যেতো। পরিবহণ বাবস্থার S-14.0 মালেদতের আন্না ব্রেমা বন্ধ হবার। স্টেলিড। মাখ্যমূলী ভঃ বিধান রায় ভাই 17800 कर्ताहे नामाधिक भाष्ट्रिय हाडेरनमा १ १४५ डॉ জ্ঞান্ত্রন অসমত্রের জ্ঞান্ত্রেই ভা ভিনি এটা গোলা। সে যথম বিজ্ঞান গবেষণা সাংস্কৃতিক দেওবের মণ্ডী তথ্য 43 6. নেটের নীতি ভিজা কেবলমান জেলা শহাতেই भाजितिकविक भक्ता २,७ शहरता तरे

লাভি পালটিরে হ্মান্ন ভারতবর্ষে সর্পপ্রথম মফ্রুবলে, বেড়াচাপা ও বিক্স্প্রের,
পালটেকনিক খোলার। ভার পেট্রোকেমিক্যালস মন্ত্রীছের সমস্ত্র ক্যারিষেট ও 
কংগ্রেস দক্ষিণ ভারতীয়দের প্রকাল
প্রতিপত্তি। ভালের দাবি ঃ দাক্ষিণাভে
ভারেকটি তৈল খোদনাগার চাই। হ্মাস্ন্র
চাম হলদিয়াতে। অনেক বাক্বিত্তার পরেব

হামারালের চরিজের প্রেণ্ঠ ট্রাম্প্টা ভিল তার বিরাট হান্য ও উদার মানবিকভা। এই প্রসংগ্র তার কৈশোর জবিনের একটি ক্ষতিতার কথা হলে পড়ে। ফ্রথাগালি Sa মনে নেই তবে প্রথম পরীন্তর মনার্থা ছিল: ধ্লায় স্তিত স্বহারা ফলা ভারাই ভোমার শ্রেণ্ঠ সম্প্রা। **อเทอ**า๊สเต সেল্লাবলাও দুড়িকালৰ সংখ্যাত সংখ্য ঘটিস্টেভাবে জড়িত ছিল। আঞ্জের প্রামিক নেভালের অনেকেই যথন ছাচার-গ্র সে তথ্য ভারতের তিনটি ইউনিয়ন (কলকাতা বন্ধর, দেকাল ও স্থা রেলভনে এবং নিখিল ভারত আৰু ও তাস ক্মী) এর সভাপতি ছিল: প্রায়েঞ্ছন হত সাহায়। করা ছিল ভার বৈদিক રાઈકેલંક હતાંકે અલ્લાક હાત 1550 ভাব জেনত্র আপ্রাম ভিজা

সংকীণতা হ্মার্ডের বৈন্দ্ৰোৱৰ্ম দ্ৰভাৰবিৱশে ছিল, তা ব্যক্তি বা ভাতিগ্ৰ ह्यांक वा वासीहरू ह्यांक। हिन्त, ब्रम्लाहरू नियः नामनी, १९८ नैकोग, सत् अधारात भारतार जात वर पान्हतरहा तन्त किंगा **এই क्लाइ फ्रांबरशास्त्र** (नडभारत क्ल পাকিস্তানে। তানের নিবাস হওয়া সভর দেশ বিভাগের সমরে হ্মাস্ন গ্রভিত্ত পাকিস্তান রাজ্যের নাগারক না হরে ধার নিবংশক ভারতকেই তার ফ্রন্ডান বল গ্রহণ করে নিজেছিল। ভার বংশাবগ্রা প্রদেশে নর, সারা বিশেব আগুও ছার্ন আছে। পরিথবীর বে কোনো জারগা 🧸 সমাজে সে নিজেকে দ্বাভাবিকভাবে মানিক নিতে পারতো। হামায়ন কবির মান্যত মানতে বলটে চিনেছিল, সে-মান্ত কো-ধ্যায়ি বা কোন্ত কেশবাসী চেটা ভূম লোগে ভিন্ন একা-ভট গোল। ভাট ভারক প্ৰেৰ বাংট্ৰপতি আৰি দাৰ্শাইন ডঃ ১৪. ক্ষণ ভার সম্পর্ণের বাসোন্তম জের সাম্ভ ভার উলার আনবিকাত্যাবোধ এদং ফোলেন তিনি বাস করেন তার সাম্পিক উল্প সাহত চিল্ডার কারণ বেরো সভাগ ব্যা স্থানের অন্যতম বিবেশী বন্ধ ইউনেমধেন रिक्रातर्वेत एककारातका तराकः भावेता वरवराकः – গোনার তোগে হামায়ান কবির মানবৈরতর র্নাহ উম্বর্নাইজ্ম-এর । পার্শ প্রতীকার বিল মেন্দ প্রচৌন হত্যান আন্তানিক: জন আভাবেশ্বীর উভ্যন্ত পাশ্চাউভার ১..... ৯ জ-নিকভানেকে উপন এট গভীর বিশ্বাসী ত্রি ও আমার বংরামের মার সাহা,..... ্রিটি সংব্রুণ কেন্দ্রে ভার জন্য ভারে ি জোকট সভা মতে। করি।

স্তিক্তাত জনীবনে। আহমি ভার কাই বিত্রা সমলে নানারকলে সাহায় ও আত্তরিক বংশাভার নির্মান TP13 121 মেন্ন আনোর কাছে তেম্বীল আলার কাছেও প্রতিবাদে লে কিছা সার্দি। সে সকলকে দিনেই গেছে। আগতেইব একবিনের জন্ম কলকাভার তেনে সংখ্যে দেখা করবার আগ্রহে বার বার টে<sup>জি</sup> ক্রান আলার থেঞি করে। দুড়াগা সে তথ্য আনি বাড়ি ছিলাল মাৰ আমার স্থা টোলনেল্য ধরে কিছু বিশেষ জরারী কার্ড আছে কিন্যু কিন্তুনে। করায় ও ঘলেছিল দা, শ্রেম্ বেঘা করতাম।' ভার**ণ**র ১৬ই আগস্ট-এর লোঘা চিঠি তার মাজুর TOTESTED আখার হাতে এল। ভাতে সে ৩০শে সে আসছে ও তথ্য আনার সংগ্র হবে। চোখে স্মান্য অপারেশনের জন্য আনুমানিক ঐ সম্রে আমার হাসপাতালৈ থাকার কণা! হামায়াল লিখেছে সেখানো গৈয়েট আমার স্তেগ দেখা করবে। আমার দুর্ভাগা সে, ইহলেকে ভার সংগ্র আনার আর দেখা श्रामा नाम



# अग्रद्धत्र रिक्षी

লক থড় প্র্কা। প্রেট প্রেট বর্ণিক তালেকে বিছন হাই হরে মেলা। স্বান্ধার মোলাটে মাড়ামেড়ে জল বেখানে ছিল তালেলালে আর নেই। রামাপতি নিবাচন প্রটাও চুকেব্লে গোছে। তাকের বালি। আবলা ধর্মের তাক আপান বাজল কি না তা বলবেল আগোমি নালের বান্দাথ সরকাররা। বিজিক্স স্ত্রালাকে তারা যথন ক্রেড ক্রেড, একচ করে দেখানে। তথন হাতলে আগোনেতার

# لعافعا

প্রাণণ চিত্র দেশবেন। কি-না বালিটা চোণে
পড়াছ আমাদের। রগড়াতে গেলে ভাই
রাজছে বেশি। ভাছাড়া বর্তমানে আমরা
শ্বে বংভচিততে মত হরে ররেছি এবং
কোকারণে প্রতি-অপ্রতি। সাধারণ লোকেদের হিসেবটাই ক্ষাণ্ডের। পতাল্যুগতিক
চিত্রনা। চতুদিকের অব্যাননার আমরা
আক্রম রয়েছি কি না।

"জাঠামশাই" নাটক দেখছিলাম। ব্ৰাদ্নাথের চতুরকা থেকে একাংশ। তাতে চরিত শাচীনের মাথে শানলাম, খারা নিক্ষা বরে তারা নিকা ভালোবাসে বলেই করে। সতা ভালোবাসে বলে নায়।

শ্রেন কোথায় যেন প্রদীশ্ভ হরে উঠলাম। রবশ্বিনাথ যেন পাশে, এই আমার নিকটে বসে ছিলেন। জাঠামশাই। শ্রুণীশের জাঠামশাই। অমন জাঠামশাই কেন ২তে শারেন না আমাদের সব বড়-রা!

নাটকটি মঞ্চপ কর্মছলেন রাজধানীর
শানিচক। প্রক্র স্কুদর সাবলীল অভিনরের
এমন প্রান্তাবিক নাটক বহুকালা জামি
শিলিতে অন্তিত হতে দেখিন। শানিচক
কোনো বাইরে থেকে আসা নাটকগোষ্ঠী নয়।
এরা এই দিল্লীরই। 'চোখে বালি পড়লে
রগড়াতে গেলে বাজে বেশি;' বললেন
শাচামশাই।

কথাটা মনে রাখবার মতন।

বড়মাপের খক্ষকানিগ্রিলকে দেখতে গৈখতে অনেক সময় আমরা ছোটমাপের শিলপথভাকে দেখতে জুলে বাই। অখন ছোট-আপের শিলপথতাগা,লিই আমাদের দৈনিন্দান জীবনের পথারী সংপদ। তাদের দেখতে দেখতে মনে হয়,—কই এত বে ছিল তা তো আপে জালভায় না।

এখন এই রাজনৈতিক ভূমিকশের পর
চোখে পঞ্জন, আ-রে। এটা যে ভার মাস।
রোদের রঙ গেছে পালেট; আকাশটা হরে
গেছে আগের চাইতে আবো বড়া আর এই
বিরাট জাকাশটা তো দাম দিরে কিনতে
হয় না।

ব্র্তির পর দিল্লীর রাসভাষাটে, এডিনা, নত. স্কোরারে, এমন কি শমশানেও গাছগাছালিগালিতে রঙ্বেরছে কত বে নানাকৃতির তরতালা টুকটাকে ফ্লে ধরেছে। বাড়ির উঠোনে টবে ফলেগাছ। তাতে ফলে। জাটের, আগপর্টানেও বাড়ির ব্যালকানিতে গ্রেছগ্রেছ উটিকা ফলে। সভ্যের ডাস্ট্রীনের গা ঘে'বে ফলে উ'কি মারছে অবহেলিত কোনো চারাগাছ থেকে। খেলার মঠে লতানে ফ্লেগাছের বেড়া। বাজ্গলোগ্রেলার ফ্লেল বাছার। পাড়ার পাড়ার পার্বাগ্রেলার হেলার বাছার। পাড়ার পাড়ার পার্বাগ্রেলার হেলার কটে প্ৰিয়ে সাই সম্পান। কোনো কোনো বাল সম্পানকোৰ ইনিবাৰে কোন বাসকং নীল সায় কোনো কৰাৰ হ'বা বাসকং হল্ম বাসকা কৰ্ম। কিশেল কাইবাৰ বাল সমত চকলেয় হ'নভাভাবনোৰ।

গাছ ছেবে থালোকা গাইগেট কৰে ছেগোৱ বাতিক এখানে বড় একটা চোজে গাড়ে না। এখন কি নিলাৰ বাঙ্জালীবাৰ বখন তথন কৰে চুলো নের নং গাছ কেবে। তা হোক না কেন রাস্তার বেওআরিল গাছ। কিবো পার্বালক পাকের ক্রপাছ। এমন ক্রিস্পো স্তী অথবা বাস্থবী থাকলেও না

অধ্য নিল্লীতে ভোষন কোনে। কালের নোকান নেই। কোন অধাক লাগে।

রাজধনীতে যা দ্-একটি ফ্লের দোকান তা শুধে দেবদেবীর মিলেরের সামনে। প্রোর ফ্লা। আর আছে দিল্পী-দের সৌজনো। ফ্লা ছাড়া ওদের জীবন কপ্পনাতীত। দিক্ষিণী বউ-বিরো বিকেল হ'ল কি অমনি খোগার বেলকালের মালা জড়ল। সাদা। কালোর উপর। এই দিল্লীতেও। ওদের দেখে ধ্রণালনালাও খোগার ফ্লা পরে। তবে কেশা দ্টাইল করে। ভাতে মানামসাই রঙের শাড়ি-রাউজ-চপ্পল। ফ্লোর রঙের রঙ মিলিরে।

হাদের বাড়িতে বসবার বর আছে তাদের বসবার ব্যৱত ক্লেদানিতে ক্রেলঃ গ**্ছে**।

প্ৰকৃত স্বাহ্যিতা - সাংস্কৃতিক বুচি ও মহাসায় আপেন্য ন স্কৃতিটাৰী তিমাসিক



মৰপৰ্যার বিভীন বৰ্ব প্ৰথম সংখ্যা প্ৰকাশিত হরেছে

প্রবন্ধ । রবীশুনাথ ভিটোরিয়া ওকাশেশা

অন্বাদ : শংশ পোল
ভেলে বাই -- ভালে পাতি / সরোক্ষার রায়চৌব্রী
অস্করের প্রর্প : অবনীপ্রনাম / সভাজিং চৌব্রী
কালের গ্রেণ্ড রাগাল / স্নীলকুমার নালী
প্রবিংলার গোকসংগতি / নিখিলকুমার নালী
স্নীলকুমার নালীর কবিতা / স্মিডচণ্র মজ্মদার

উপল্যাস । জন্ম-জন্মান্তর গাঁলেশ রার গলপ। মাজির রঙ/শস্ত্রীস্ট্রনারারণ দেব অনুবাদ কবিডা। শিকভ্রের ডানা ঃ বন্ধ্যেন/শব্ধ বোদ কবিডা। হরপ্রসাদ মিট সানীলকুমার নন্দী সমরেন্দ্র শেলস্থ্য ইন্দুনীল চট্টোপাধ্যার মণিভূষণ জট্টার্যা

> সমপাদক | স্নীলকুষার নগদী ২২ বনফিড দেন, কলিখাতা ১। ২২-৫০০০ প্রতি বংখা ঃ এক ইকা পথাপ। সভাক ঃ সাড় ইকা

> > (17 908b

জ্ঞান কি শোবার বরেও ক্লা। বিছানার শিরতে ফ্লো অবণা ক্রের স্বস্তুরে করর জ্ঞার আভিজ্ঞাত। জ্ঞানা নসজিদ অঞ্জো। সেই বাদশাহী আনল থেকে। রুটি কিন্তে বাজারে এসে তা না কিনে স্থোন জ্ঞানেক ক্লাকর। আর ধ্যাপ্রতি। ফ্লো অর জ্ঞাতর। আর ধ্যাপ্রতি।

ওই অপতে কারো কারে। খানদান পরিব-খানরা এখনে। আছে ইরানী গোলাপসাড়ের ঝাড়া প্রটোখ মেলে চেরে বেখবর মতন সব গোলাপ। নাল গোলাপ। সাদা গোলাপ। ফালো গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙের প্রান্ত গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙরর প্রান্ত গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙরর প্রান্ত গোলাপ। এমন কি ভাকরান রঙরর

তবে সবচেরে অপুর্ব গোলাপরাগান রাত্মপতি ভবনের মোগল গাতেনে। ওথানে আম-আদমির অবাধ গতি তো নেই হরবঙ। নাইলে দেখতে পেত সবাই হার্ট গোজাপ কাকে বরে। শিরাজি গোলাপ। বাসরাই গোলাপ। ডামাস্কাস গোলাপ। বন্দারি ভারিকি গোলাপও। সব যেন আগ্রয়ে অধীর হরে ররেছে। সে এক এলাহি বাপার। প্রতিটি পাপড়িতে যেন ধরতে গোনা বিগলিত স্মাভিমন্ত। কবিতার মতন।



TO, IZHOI

মন্দিরের কেরগোড়ার থালি সম্ভা দেপাটি আর রাশি রাশি গর্মনফ্রা। অর কাঠগোলাপের অনাস্ভ পাপড়ি। ওদের দেখে মারু লাগে। কেউ পোটেছ না।

ফ্লের দিকে ব্যান্ধ পাঞ্জাবীদের ভেমন নজর নয়। ওদের ভিড় চাউভজ্ঞালদের দোকানে, সকল বিকেল। মেরেরা কেউ কেউ নাইলদের ফ্লে খেশিয়ে পরে। খেশিগানুলো থেন কুডুখিনার। ওদের শাড়ি রাউজে ফালের ছাল স্ব্যান্থ বেশি সিলান্তি রাজক্ষানী বউনিবদের খাবরায়। যুকের কার্লিত।

রুদভার ধারে ধারে, শহরভালির মাঠে মাঠে হয়তো নদীৰ ভীৰে ভীৰে এমন কি অভিন্তিত কম্পার্যারের ভালে ভারে শার দ্যাতির রুশ্ভ রুশ্ভ দোলানা ঝলোকে। আরে দেই দোলনায় দোল থাকে বাৰুস্থানী বউ-বিবিয়া। ওদের স্বাদিকা প্রা**নীণ গে**শাক যা িত। ভরা পরে থাকে রঞ্বানীতেও। পোশাকের রঙগালি মেটেমেটে এমন উচ্ছান দে তা পথচারীয় ক্রোথে শভবেই শভবে। গান গেয়ের পেয়ের ওরা অনবরত দলেছে जीनक श्वारक जीनरक, जीनक स्थारक जीनरक। কেলো কোনো লোকানায় হয়ত একটিট খনতী মেরে। কোনো কোনো লেখনের দ্যতি। তো কোনো কোনো দোলনার একসংখ্য ভিন্তি কি সংখ্যার ভারত ভাষক। একসম দোলনা ছাতে কি অনা দল তথানি তাতে धारम कट्टा वरम। धामाना स्मामना स्थ्या मात বার ভলাটার একটি দ'ভর খাটিয়া ব'ধা। व्यान रमके थार्षिताह मुक्तार नासित या स्मारत বউ সকলো। একসংখ্যা। গাম গাইছে গাইছে। সিনেমার গাম নয়। গাম ছেডে একেছে সেই शामाकौरानत माथमारायत गाम। व जम्भारन বছরের এইসময় ভীজ পর্বা। ওবের সেরা উংসব। সমুহত বছরটা ধুধু ধুসরভার মধ্যে ওয়া অপেকা করে থাকে কথন একটা বর্ষা নানবে। বর্ষার পর একটা-একটা স্বক্ত। তাই এখন স্বাধের মেলা ত্রিক রাজস্থানের সর্বর। এবং রাজস্থানীর। যে থেখানে থাকে সেখানেও। তাই পরেজাতার্চা। ভাই অবাধ নাচগান। তাই আনক। মিশ্টিমংখ। ছেলেমেরেলের জন্ম মাটির থেকনা, কেমন আমাদের রখভলার।

বছরের এই সমর রাজস্থানীরা একরকম মিছিট বালার ভার নাম ফির্মান। দেখান্ত গোল গোল থালার মন্তন, ওবে বালিরো। আরু রস্কটা ঘিরো। এই মিন্টান্না ওরা বংশব্-বাল্যব আত্মীরুবজনের মধ্যে তৌজনার উপলক্ষে বিভরণ করে। নিজেরা তো যথনা তথন ঘ্রছে-ফিরছে থাজেই ফির্মান। সমস্ত দেখের সমস্ত মিন্টানের চাইতে এই মিন্টি ভালের কাছে স্কুবান্য আর তেমনি দামেও সঙ্গা। ওজনে ফ্রের মন্তন ফিনে-ফিনে হান্কা। দুধে ফেটিরে ফেটিরে থিরে

क्षां । ध्रांश्वा यात्रभा साक्षात्रात्र।

রাজধানীতে প্রায় এক মার্ক্স গ্রাথ প্রবাসনী রাজস্থ না। এরা কারে। সাতের খাকে না। নি লেবের জাবনে বার্ক স্বর জনমান্ত খেটে খাওর নান্ত্র। তার পার শুনাক ওরা গাকে মাথে না, তাই স্বান্থ ওরের দান্দিত চেত্রে দেশবার মতে শারীরের কোনোখানে বাড়াত দেন তে মেরেপার্য্র সকলের ছিপভিপে গানা। তার বের কেম্বার্য সকলের ছিপভিপে গানা। তার

রাজধানীতে নিতা নিতা চাছদ ১৯ বাড়ি তৈবি হ'লে লাল্ডেবলের। লাই 😅 ব্নামোর হালভূলি কাজে এরা ফিডেন আ অভিযানে কাৰে বাৰে। কেন্দ্ৰ ব্যৱহাৰ তে। কেউ আহোকিছা। জাৰ্ভতাৰত এই গাড়নিমাণকমে সকলে সন্ধা হচত তে: *শাওঁছেই। মেরেনের কেউ কেউ মা*রর কার ইণ্ট বইছে, কেউ ইণ্ট গ্রাভিয়ে চিক কেউ সিমেকেটার বোরা গালি করছে কেট সেই সিমেণ্টের সংখ্যা চুন মিশিরে মধ্যা ভৈত্তি করছে। তো কেউ কেউ নদ্ধা । গালেলক এক এক কৰে নিচ থেকে ছাত্তে দিকে উ'চতে ঠিক একদম বাজমিতার সকলে হাতের মারেল। ভাষর কোটো কবৈশ্ব বাচ্চাকান্ডারা কর্মস্থলের এইকে रमित्क महरत वरम शास्त्र। भारत राज চেনে দেৱৰ কথাকত বভাৰে। কিংবা শাস্ত THE WAR

রাজস্থানীরা ব্যক্তি বানিরে চিক্তে জা সকলে ভাতে থাকুৰে বলে। অংচ ভাৰে ছর বেখানে সেখানে বস্তিতে। কেন্দ্র মাধা গাঁজবার নাই। তবা মাণে ঠেটি হাসিতি অভ্যন্তহর লেগেই আছে। হাস্ত হাসতে হাডখাটানিতে করেকটি বছা কাটিরে দিভে পারলে ভারণর মজা। <sup>কর্ম</sup> করে, কিন্তু হাসিমাথে থেকে, টাকা ক্রিট জামরে শেষপ্রতিত ওরা যে বার প্রমে<sup>হিরো</sup> যার। ফিরে গিয়ে নতুনভাবে ফের সংস্থ গড়ে তোলে। খেতখামার করে। নগরজীবনের °সানি ভূলে যায়। বিকশিত মন যেন তংগ **ভরণার। ওপের বাঞ্চির উঠোনে ফ্রা**গাছ মর্মর প্রয়ে এদের জীবনসাতা বেমন সংগ্ এবং সরল তেরান তা.টি স্টিক। জায়াকাণ্ডা খেমন ওদের রঙের বাহার, কি প্রেষ<sup>ীং</sup> ন্রী, তেমনি কাহার এলের ব্র<del>জপ</del>ার শৃপ্রিট্রে। সর্বায় ওরিজিনাল ছবি নিজহাতে আঁকা। আটিক্ট ভাকিত বারা বাহালারি করে বলে বেড়ায় ছবি বালি না, কাৰা বালি না ভারা ব্ রাজস্থানীদের চল্ফে সরাই একটি অট্রাস।

সর্মায় রাজস্থানীরা যেন ব<sup>্রিন</sup> ক্যাক্টাস-এর এতন ক্ষ্ণীয়।



11 8 11

বুণা কেন্দ্ৰন একে ক্ষেত্ৰিকালা প্ৰকাশ বিষয় নাইছে। অফিনেন ব্যাহ, চাবি বিশ্ব ক্ষান্ত আৰু একটা ক্ষান্ত আৰু এই ক্ষান্ত ক্ষান্ত আৰু এই ক্ষান্ত ক্ষান্ত আৰু এই ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্যান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষান্ত ক্ষ

অব্প আর দীপার সপো কথা বলছে না, কিন্তু হটিছে পদোপানিই, ভিডে জালার বার নি, ভার কাছেই ডিকিট। সময় ট্রাক্স পার্থয়ার তো কোনো প্রশনই थाठे ना । । । । जिल्ला काल्याचे व विद्वार काटेन ६ কট দ্বাথপিরতা। দাড়িয়ে থাকা বাস-গলৈয় পর পর ভিন চারটে পর্যণত মান্ত্রে ঠাসারাসি, করেকটা বাস গুলারাকে ছাড়ার জনা, করেকটা সদা ছেড়েছে, ফিরে জাসছে জনকগালো এ গলি ও গলি দিয়ে বাস, জাইনে ৰাস বাঁৰে ৰাস, স্টাস্ট ৱিক্সা, পিক্পিল্ মান্ৰ, ফেরিওয়ালা, কুলি; सहर कहा है। हिल्ला मायशास कि कि कि वे क्षिक कर्माण्येक मनाहे स्वट्ट शाकात सना শ গুল ! এবই মধে: একট: সামান্য টেম্বেশ্ রাস্তার মাঝখানে একটঃ বেকে দর্গীভূরে ৰ ঘাৰ্যাল দশ নালোটা ভব**ল ভেকারকে** 120,00 কিলোক। দেখতে ট**্ৰফিক জাম**া ব্ৰেসর **ভ**ন্ত-Colmidad वादीदा

উদ্দেশে চেটাক্ষে এই লালা হারামীর বাক্যা...মাইরি নটা চল্লিল হার গেলা...এই কেকাটো--, প্রপর দাদিন লাল লাগ পড়ে গেছে...এই সময়টাতে রোজ থড় বামেলা, ও জাইভার দালা, মারনে না বাম-তের পেছনে এক ধারা...। চাইবাসা-হল্পেথ্যির পেকে এই সময়ট র কল্ভান্ত। পেশিছোলে একটা কর্মশা কঠিন ধারা লাগে। মানে হয় সভিটে কলকাতা থেকে চাইবাসা আনেক জনেক দার —স্থানে পোনে সাজ্পা টাকার একটা গোটা পাছাড় বিভি হয়।

কৰ্মণ, আহার একট্ আড়চেটেখ দেখলে কলকাতার এই সব কিছু জড়ানো-মড়ানো গোটা দ্যাটা এক হিসেবে মজারও বটে। হাতে সময় থাকলে, এক কোৰে চুপচাপ দাঁড়িকে—এতগালো মান্বের বেচে থাকার জনা হাটোপাটির দাখা দেখতে দেখতে বেশ মজা পাওয়া যেতে পারে: কিন্তু দীপার এখন মজা দেখার সময় নেই।

কল্পকাতার পা দিয়েই সে দার্ন অপ্পির হার উঠেছে। এখন বাবার কথা হাড়া আর কিছা মনে পড়ছে না। বাবা, মেজনি, দাদা— বাড়িতে ফিরে কি দেখবে দীপা? স্টেশনের বাইরে এসে দীপা অসহারের মতন এদিক ওদিক তাকাতে লাগলো। অর্পেও উদিবল্দ ফেরার জনা, কিন্তু এক্ট্নি ফেরার কোনো উপারই তা নেই। গদভীরভাবে সে দীপাকে বললো, বাসে না উঠে তো উপার নেই…। দাজনেই বাসের চেহারা সেখে নিরেছে অবশা, প্রভাকে রুটের বাস পর পর চারখানা ভানতত একেবারে গাদাগাদি হরে আছে, পঞ্জম বাসে উঠে কি কেউ প্রতীক্ষা করতে পারে—যার বাবা বে কোনো ম্হুতের মারা বাবে?

হেসন টাছি ঘতী নিহে ঢ্ৰুছে, আগ থেকে তালের এক গকে বুক করার জন্ম ছাটে লাটি করে ধরতে থিকে করার জন্ম প্রিল্ডের কাছে বকুনি খেল। একজনমাত ষ্টাকৈ নিয়ে বেরাজে একটা ট্যালি, দীপা প্রায় সেটাক কালো, আপনি কি নামে বার্থীটকে বজালো, আপনি কি নামে বার্থন প্রজ্ঞান্ত দ্বিশ্ব দ্বকার, আমাকে একটা, জামাত্র বিশেষ দ্বকার, আমাকে কেটা, জামাত্র বিশেষ দ্বকার, আমাকে কেটা, জামাত্র বিশেষ দ্বকার

লোকটি কভিটা কারছা করে ছ্রিরে চোলের সাকনে এনে বড়ি হৈছে বললো, না, স্বি অভি সাউলে বাবে।

সান কাস পরা গোকটার চোখ দেখতে গাছে না দীপ্, তব্ ভার কোনো সংসহ নেই, লোকটা বিধেয় কথা বললো। দীপ্ আবার কাতরভাবে অনুরোধ করলো, দরা

প্ৰকাশিক হল ঃ

क्ट्रेस जानक्रमात सम्म्यानामाह ज्ञनीक

## সাহিত্য জিঞ্চাসায় রবীন্দ্র নাথ का

(প্রথম খণ্ড)

[अवानक मृशीतकुमात गामग्र बक्छामाना]

রবীন্দ্রনাথ খাধ্ রসশিক্ষা ছিলেন না, রসপ্রমাতা সমালোচক হিসাবেও তাঁর একটি বিশেষ মহিমা আছে। কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক তঃ অসিতকুমার বন্দ্যোপাধ্যার এই গ্রন্থে "অবজেকটিভ মেণ্ড" অর্থাৎ বিষয় প্রধান রীতি অনুসরদ করে সমালোচক রবীন্দ্রনাথের এক নতুন পরিচর উপস্থাপিত করেছেন। যুক্তি ও বস্তুভিত্তিক আলোচনার পটভূমিকার রচিত এই গ্রন্থ রবীন্দ্রপ্রতিভাবে সমগ্রতা বিচারে বিশেষ সহারক হবে।

कत्ना श्रकाननी, ১১. नामाहत्व एन म्योहे, कनकाछा-- ১২

ক্ষার ক্লি একট, আমার ৰাজিতে খ্ৰ বিপদ

লোকটি বললো, পঞাল মিনিট লাইনে ক্ষিত্রে টাজি পেরেছি—দেরী হরে বাছে আমার—আপনারাও লাইনে দড়িন না—

দীপা গাড়ির হাপেডল হৈছে দিল। এক এক সমর মনে হয়, প্রভ্যেক মান্থই প্রভ্যেক মান্থের শতা। অর্প বললো, এখানে ইমপসিবল—
হাওড়া রীজের ওপাশে বরং পাওরা বেতে
পারে! দীপু আর দিবরুদ্ধি না করে
স্টকেসটা তুলে নিরে ছটেতে কাললো।
হাওড়া রিজের ওপর দিরে মানুবের ভিড়
ঠেলে দৌড়োছে দুজেনে, মাঝাঝাঝি এসেই
হাপিরে পড়লো অর্প, কিন্তু দীব্র
কোনো হাুশ নেই। বিজ শেষ হরে বাবার

পরও সে ছোটা খামাছনি, যেন সে এইরবন-ভাবে ছাটতে ছাটতেই আনহাস্ট স্টাট পোতে বাবে।

দৈশাৰ বছৰাজানের মোড়টার কাছেই একটা ট্রাজি পাওরা গেল। তিনটি স্থ্লাপ্দী রঘণী ট্যাজি থেকে নামবার আগেই ওরা স্কুলনে স্বিচিকের দরভা অকিছে ধরেছে। উঠেই সীপ্ বল্লো



# ভারতে এই প্রথম

পুরুষদের জন্যে বিশেষভাবে তৈরী হেয়ার ভাই (চুলের কলপ).

# ট্র-টোন

ছনিয়ার সব চেয়ে বড় হেয়ার ডাই নির্মাতার তৈরী !



চুল লেকছে ব'লে আসনাকে অভালে বুড়োটে দেখাল কী ?
ভাবৰে না, এখন চুলের ব্য়েস কমিয়ে কেলা বাল ।
কী ক'বে ? খুব সহজে — ক্র-টোল লাগিয়ে। আন্তর্জাতিক
স্বেলা হেয়ার ভাই-এর একটি এই ভাই, চুনিয়ার লক্ষ্যক
পুত্রর ব্যবহার কর্ত্তেন—আলমিও কলন। খুব সহজে, বাড়ীজে
বলে লাগাতে পারেন। চুলের রঙ্ক এমন বাভাবিক হল্পে বারে এ
বে কেউ ধরতেই পার্বে না আপনার চুল লেকছে।

মনে রাথবেন, সরো চনিয়রে সব রক্ত চুলের অপর পরত্ব কারে দেখে, বছ কঠিন বিসাঠের পর তৈরী হয়েছে— ট্র-টোনা [

ছ'টি মাপে পাথবা হার -- বড় আর মাঝারি।



र्टलत कार्षित्र

क्षाः क्षः व्यक्तन कावित्रश देशी

শিগাগর চল্ন, আমহান্ট স্ট্রীট! জোরে চালানা ট্যাক্সিওরালা একবার বাড় ঘ্রিরের দেখে নিল, ওরা কোনো পলাতক আস্মেরী কিনা!

অর্প থাকে পশ্মপ্রুর, সে দীপ্রে নামিরে দিরে যাবে ৷ গাত রারের কগাড়ার জন্য তার ম্ব এখনও আড়েন্ট, তব্ এ সমর ওসব মনে রাখাল কোনো নামে হল না, তাই সে এতকণ বাদে একট্ সহকভাবে কালো, দীপ্র, আমিও নামবো তেবের বাড়িতে? থাকবো তোর সপ্রে

—না, না, আৰু দরকার নেই। **তুই বাড়ি** 

—আমায় একানি ৰাড়িতে না গেলেও চলবে। আমি বানিককণ

-काला मत्रकाद लाहे

—তোর কিছন টাকা লাগবে? আমার কাছে এখনও বোধ হর ল' দরেক

-- ग्रेका? रकन?

—এমনিই কাছে বাখা, বদি হঠাৎ লাগে টাগে

—না, টাকা নিলে আমি আর শোধ দিতে পারবো না

বাড়ির গাঁলর মোড়েই দীপু চে°চিরে উঠলো, মেজদি!

হাতে একটা কফির টিন নিজে দীপুর মের্জন একজন ছাতা মাখার মহিলার সংগা কথা বলছিল। দীপুর দিকে তাকিরে বললো, এসেছিল? কোন শ্রেনে এলি?

দীপ্ততক্ষণে প্রজা **খ্লে নেমে** পড়েছে। মেজদি আবার জিজেস ক্রলো, টেলিগ্রামটা পেরেছিলি?

-शौ। वादा-

—বাবা বলছিল, টেলিগ্রাম পেলেও তুই আসবি না! আমি ঠিক বলেছিলাম

-বাবা এখন...

মেজদি মাখ ফিরিরে ছাতা-মাথার মহিলাকে বললেন, আছা অনুভাদি, আমি তা হলে আপনার সন্দো দেখা করবো পরে! তারপর দীপুর দিকে ফিরে, ভালো আছে থখন। তোর স্টুকেস কোখার?—মেজদির ঠোটের কোণে কি একট্ব হর্দাস ঝিলিক দিয়ে গৈল?

অর্প টারিওরালাকে গাড়ি খোরাবার নির্দেশ দিরে জানলা দিরে বললো, আমি হা হলে চলি রে, দীপঃ! দীপরে মেজদি বন কি রকম, বাবার অসুখের বাাপারটার দ্রুছই দিক্ষে নাঃ কি রকম অস্ভুত ধরনের গাড়ি ওদের? ওরকম টোলারাম পেলেও শিং আসবে না, দীপুর বাবা ভেবেছিল? অর্প বাড়ির সারনে নামতেই বেশ একটা ধরবরে ভাব বোর করজো। বেখানেই বড়াডে বাও না কেল, নিজের বাড়িতে করলে বেরক্স আলার লালে—! একজন দির কুল ব্রক্স বিলো রাড়ির সামনের রকটা মুছতে, অর্প তাকে একটা আদর-করা ধমক দিরে বললো, এই সিত্, ওটা রাখ এখন, সূটকেসট ধরতে পার্যাহস না?

থাইরের ঘরে বাবা কথা বলছেন করেকজন লোকের সপো। করেক বছর আগেও
তর্প কোথার বাইরে আজাদা বেড়াতে
গেলে, বাবার সমর এবং কিরে এসে বাবারে
আর মাকে প্রশাম করতো। আজকাল
লক্ষা করে। তব্ কেরা মান্তই বাবার সপো
দেখা করার রীতি এখনও মানে, তাই পালের
নরজা দিরে না চাকে এলো কাবার বরে।
রক্ষেত্রর ঘোরল ছেলেকে দেখেই অনাদের
সপো কথা থামিরে জিজ্জোস করলেন, কি রে
তুই এর মধোই কিরে এলি? স্বাস্তাহ
থাকবি বলেছিলি না?

—আমার বে বন্ধরে সংশ্যে গিরেছিলার, হঠাৎ তার বাবার অস্থের টেলিপ্রাম পেরে —ভালোই করেছিস। আমার শ্রীরটাও ভালো বাজে না করেকদিন ধরে...

-িক হরেছে ভোমার?

—বিশেষ কিছুনা—কোমরের সেই বাখাটা, দুর্শিন বেরুছি না বাড়ি থেকে। বা ভেডরে গিরে হাত মুখ ধ্রে নে। কেন্ টেনে এলি?

শুন্ধ বাবার কর্মচারী নর, বাবার কথ্শ্বানীররাও জর্পের সংশ্য খানিকটা খাতির
করে কথা বলেন। উপন্থিতদের মধ্যে
একজন সেই প্রফোর দাশগ্মত, দীপ্র
বাল্ল কথা বলেছিল। প্রফোরর দাশগ্মত
জিজ্ঞেস করলেন, ওখানকার ওয়েদার কেমন?
গরম পড়ে গেছে, না এখনও ঠান্ডা আছে
একট্? সামনের সম্ভাহে আমাকেও
একবার জামসেদপ্র বেতে হবে!

—না, তেমন গরম পড়েনি। আমি বে বন্ধরে সপে গিরেছিল্ম, তাকে আপনি চেনেন। ভাক নাম দীপ্র, ভালো নক্ষ দীপাঞ্চন সরকার।

—দীপাঞ্জন সরকার? কে বলো তো?

—আমহাস্ট স্ট্রীটে থাকে। আপনাদের ফার্মে কিছ্মিন কাজ করেছিল—কোথার একবার স্কুল অডিট করতে গৈরেছিল আপনার সপো—কাল রাত্রেই ও গলপ

श्ररक्रमात्र गाणगर्णस्य मृत्यदे এको दिश्चाख वमनारमा ना। यमराजन, खः रहा, तामरभावनसम्बद्ध रहरणः । सामरभावनवाय् स चन्द्रभ वृद्धिः ।

-शां।

—তা ভদ্রলোকের বরেসক তো হরেছে। স্বাস্থাটি কিস্তু ভালো, এককালে থ্ব ভালো ফুটকল ফেলডেন। এ ডিভিলানের ফেলেছিলেন মোহনবাগানে

ভারতের হঠাৎ ইচ্ছে হলো, দীপত্রে টাকা চুরির গদপ বলেছিল, সেই গদপটা ভালো করে প্রয়েক্ষার বালগদুকর কাছে শ্নে নের। গীপ্ন নিকরই অনেক কিছে। গ্রাক্তিকে।

প্রজ্ঞের দাশগুশ্ত নিজেই জিজ্ঞের করলেন, দীপ্ ডোমার কডাদনের কব্ ? —চার পতি বছরের।

্ছেলেটি যেশ ভালো। তবে বস্ত ছটকটে। কোনো জিনিসে মন বসাতে চার না। আমার কাছে আটি ক্লভ ছিল কিছ্বিন, হঠাং ছেড়ে দিল। লেগে থাকলে উলভি করতে পারতো। তাহলে তোমানের বেডানোটা এবার ইনকমশিসট রয়ে গেল?

অর্প থানিকটা অবাক হরে রুইলো।
দীপুরে বংলছিল অন্য কথা, সেই টাকা
চুরি টুরি, প্রকেসার দাশগনুশত সেদিক দিরে
তো গেলেনই না, বরং দীপুর প্রশংসা
করলেন। দীপুই মিখো কথা বলেছিল,
না উনি বলছেন? অর্প ঠিক করে
ফেললো, পরে এফ সমর বাবার সপ্সে
প্রকেসার দাশগন্শত বিকরে আলোচনা করবে।
হব লোক ঘুব নের, তার গ্রপর তাদের
কশ্পানির অভিটের তার দেওরা কি ঠিক?

অর্পদের বাড়ির সিণ্ডিগ্রেল সাদা রঙের। সারা বাড়িতেই সাদা টালি বসানো। দোভলার উঠে এলো অর্প, রা একম্থ হেসে বললেন, ফিরে এসেছিস? ইস্চোথ দটো বলে মেছে, রাভিরে হমেসনি ব্রি?

অর্প কালো, রান্তিরে টোনে অ্নোডে ইচ্ছে করে না আমার!—কার সমর অর্প ভাকলো, মা বদি শ্নভো সারারান্ত ভিড়ের সংখ্য বদিড়ারে দাড়িরে এসেছে সে, ভাহলে মারের মুখের অবস্থা কি রক্ষ হতো! মা ভো ভাকতেই পারে না—

—ৰা, ভাড়াভাড়ি চান করে থেরে নে। তারপর শুরে ধাকবি। আৰু আরু কেরোস না কেখাও!

—থাবার দাও, আমি চান করে আসছি।
নিজের ঘরে গিরে জামা কাপড় ছাড়লো,
কিপ্তু চান করতে গেল না। নিজের টেকিলে
কোনো চিঠিপত এসেছে কিনা উর্ণকি দিরেই
চন্দল পারে আবার নিচে নেমে এলো।
দোতলার একটেনশান টেলিকোনটা তুলেই
শনেতে পেল নিচের টেলিকোনে বাবা কাকে

## कर्म थानि

জাপান আট শাড়ী টেরিলিন স্টিং রেডিমেড পোষাক শাল, নাইলনের মোজার অর্ডার সংগ্রহের জনা মাসিক ৬৫০ টাকায় অথবা উচ্চ কমিশনে সেলসমানি চাই। নম্নার জনা লিখ্ন।

Foreign Agencies (66) Dassan Street, Box 1456, Delhi-6. বেন ধমকাজেন ৷ কবা বলছেন, মাথা তো কাধের ওপর সব মান্ত্রেই থাকে, কিংতু আমি আশা করেছিলাম, তোমার মাধার মধ্যে একটা আধটা খিলাও থাকবে !

—না স্যার, আমি তো ভেবেছিল্ম ৰাজ্যজ সাহেব

তিমাকে ভাবতৈ কে বলেছে?
 ভোমাকে ভামি বা বলে দিরেছিলাম, অরুপ

টেলিফোনটা নামিরে রাখলো। খানিকক্ষণ অপেকা করে আবার রিসিভার তুলালো। বাবা তখনও কথা বলছেন, তোমার ছেলে-মেরেরা বান থেতে না পার, আমি ভাসের খাওয়া পড়ার ব্যবহুথা করবো, তব্ তোমাকৈ জেনে পাঠাবো অমি

—না, সার, এবারকার মতন দরা করে —অন্যার করকোই করি দয়ার প্রথন ওঠে? অত দরা করতে গোলে আর এত বড় কারবার চালানো সম্ভব নয় :

বাবা খ্ৰই রৈণে গেছেন মনে হছে।
এখন বাবা সহজে টেলিফোন ছাড়বেন না।
অর্শ তব্ টেলিফে নের আনেশালেই হ্বছ র করতে জাললো। স্বংনাকে একবার
টেলিফোন করতেই হবে।

**基**某啊



মেরিনার—ও থেকে জেলা স্পালগ্রহের ৩৮ কিলোমিটার ব্যাসের একটি পার্যাতা গৃহত্ত। গৃত ৩১ জ্বাছী মেরিনার—৬ স্কল-গ্রহের ৩,৪০০ কিলোমিটার বৃত্ত থেকে ককপুর মাজিকা করেছিল।



#### সেই লোহিত জ্যোতিক

হাৰিত্ৰকিতি সেই লোহিত কোহিক সাধারণের কাছে বার পরিচর কাল তারা বা মধ্যাল গ্রহ, চালের মাত হয়ত সেও আমানের নিরাশ কববে : সম্প্রতি মাকিনি লেশর মানক-আরোহীছীন মহাকাশ্যান क्षितिगांत्र ७ अवर ५ प्रभारतिक आहरू का থেকে পর্যবৈক্ষণ চালিকে যে সংবাদ শতিরেছে ভার সারক্ষা : মধ্যন চালেরই মত কতকগলে গহনরে ভরা। ভার বাকে কোন থালের অসিত্ত সে থ**ু**জে পাহনি। সেখনে অন্তিকেন নেই। সম্ভবত নাইট্রো-কেনও। যাদের এতদিন স্বার্থ কেন্দ্রা চিহ্নিত করে এসেছি তার মাঝখানে এক বিন্দর্ভ জল ধরা পড়েনি। এমন কি, মংগালয় মের, অঞ্জের শা্ত্র মেখের মত যে ছায়াকে বিজ্ঞানীরা এতকাল জলকণার সমাবেঁল বলে বিশ্বাস করে এসেছেন তারও মালে কুঠারা-ঘাত হেনেছে মেরিনার-৭। মধ্যলয়ের ও আগলেট সে মঞ্চালের দক্ষিণ-মের অঞ্জ থেকে যে মেখের ছবি পাঠিয়েছে তার প্রাথমিক পরীক্ষার কাজ শেষ করে বিজ্ঞানী ডঃ রবার্ট লাইটন মন্তব্য করেছেন, এ মেঘ জসংখ্য সক্ষেত্র বর্জের কৃতি দিয়ে তৈরি। छर्प रन बत्रक करनद नह, कार्यन छाई-অকসাইডের। বাকে আমরা ড্রাই আইস বলি, ভাই।' অতথ্য মধ্যালর ব্বে আমাদের মত কোন জৈবিক সভাতা এখন অলাক ক্ষণনা।



ুলাগানিক এবং বিজ্ঞানী ফেপনসার-জোনস ভার প্রখ্যাত প্রকর্ম প্রাইফ ইন আদার ওয়ালভসাত মন্তবা করেছিলেন : মঞ্চল গ্ৰাহ উদ্ভিদ-জগৎ বে আছেই সে সম্পৰ্কে আহি নিশ্চিত। আমার বিশ্বাস, বখন মশালে গিয়ে আমরা উপস্থিত হব তথন দেশব, সেখানকার জৈবিক সভাতা কমেট বিলাণিতর চিকে এগিছে বাজে। বাতিমত বিপরীত পরিবেশের মধ্যে পড়ে বেন খাবি থাছে। অবুর ভাবষাতে তার এতটুকু চিহ্নও আর থাকৰে না। শেৰোভ মন্তবাদি পড়ে মনে হয়, ষথন প্রথিবীতে সবে জীবন-স্পাদনের শ্রু, সেই আদিকাল, অৰ্থং প্রায় ভিন শ' কোটি বছর আগেই সে দেশে উন্নত ধরনের জাব-সভাতা বিরাজ করেছে। কালের प्रोन्नवात विवर्ण्टनम् प्रशा पिटत विकिथिक সেই প্রাণজগৎ অভিতম মুহুতের ফিকে এগিরে এসেছে। মধ্যালে যদি এতট্র জীবনের অস্তিম অবশিষ্ট থাকে তা হলে এখন তা শেষ অভেকর শেষ ব্লোর মত। থবনিকার আর দেরি নেই।

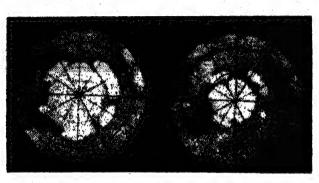
बन्धूक मध्यन श्रद मुख्याक मदलदेख

চ্মকল্লৰ সংবাদ সৰ্বপ্ৰথম পরিবেশন করেন हें द्वाचित्र জোতিব জনী TO SEINIA সিয়াপেরেকি ১৮৭৭ খান্টালে। ২১ সেণ্টিমিটার ব্যাসের একটি পুরবীক্ষণ বন্দ্র দিয়ে মিলান শহরের স্বচ্ছ আকাশে প্ৰবেক্ষণ চালিয়ে তিনিই প্ৰথম ছোৰণা করেন, মুপালের বাকে তিনি কতক্যালি সরল রেখা দেখতে পেয়েছেন বা সেখানকার লালটে মর্ভুমির উপর দিয়ে গিয়ে পাশা-পাশি দুটি সাগরের মত অঞ্চলকে হার করেছে। তাদের সক্ষা গড়ন দেখে ভার মনে হর বগুলি খাল, যা মশালের কোন উল্লন্ত ধরনের প্রাণী কোট খাকবে। কিল্ড এই ঘটনার পরবতী নয় বছর বহা চেন্টা করেও এবং আরও উল্লভ ধরনের দরেবীকণ ফলের माशास्त्रा भवर्यकम जीनारसङ खे थान आह कि एक्स करना ना।

কিন্তু ১৮৮৬-তে ইংরেজ জ্যোতিবিজ্ঞানী এস উইলিরামস সিরাপেরেছিকে
সমর্থন করে জানালেন, মণ্যলের ব্রুক্ত
তিনিও নাকি 'খাল' দেখতে পেরেছেন। ঐ
সমরে লাপলাসের কসমোক্রেনিক ল' বা
জ্ঞ্ঞান্ডের গঠনতত্তিকে সকলেই বিদ্বাস
করে নিরেছিলেন। এতে বলা হয়. গ্রহ
হিসেবে মণ্যল প্রিথবী থেকে প্রনা এবং
সেখানে মান্বের চেরেও উর্বভ জ্ঞান সভাজা
বিরাজ করছে। ফলে, তথাক্ষতিত ঐ খাল
স্বাধ্যবের ব্যুক্ত জ্যাক্ষতিত ঐ খাল

करत । अब शबहे शि लाश्वरतम नाम करेनक মার্কিন কটেনীতিবিদ সিয়াপেরেলির সংশ্ भवानाभ करतन अवर च्यातिस्थानात प्राप्त-শ্টাক মানমশ্দির থেকে ৬০ সেণ্টিমিটার बारमा धकछि र्ववीकन वन्त निव्ह नवीका ছালিরে বেশ করেকটি খাল পরিকার रमुद्रक रमासरक्त वरम गावि करक्त। ১৯०৯ নাল থেকে সোভিয়েত জ্যোতিবিকানী জি ট্টিকড পালকুছো মানমন্দির থেকে এক-নালাড়ে ক্ষেক বছর মধ্যনের গতিপ্রকৃতির क्षणक करवनगा हामासः। को नकता छिनि হুসন্ধানে প্ৰিক্তীৰ মন্ত্ৰ ৰাত্ত-চক্ৰেয় কাশ্ডিছ बाका कंटरविस्तान । गर्का क्टान, क्लारतक स्थार व्यक्षकात बद्धाका वयम द्वान रगरक धारक ভখন ভার চার পালে রুমেই একটি অংথকার रक्ष्ट्रेमी बिर्झ स्मरण। खनरणस्य এই खन्यकार বিশ্বত হয়ে এগিয়ে আনে নিরক্ষীর কিলোমিটার উধ্বাক্তংশ তাপমাতার পরিবর্তান হয় চার ডিগ্রি সেন্টিয়েড করে। এ ছাড়া উত্তর মের, অগুলে কতকগ্রাল মালভূমির তিনি ছবি তোপেন, বাংগুর গড় উচ্চতা প্রায় এক কিলোমিটার।

তবে বিংশ শতাব্দীর গোড়া থেকেই
মণানের বৃদ্ধে কবিনের কণিতার সন্পর্কে
আনেকের মনেই সন্পের ধেশা দিতে বাকে।
অভ্যন্ত আবৃনিক পশ্যতিতে পরীকা চালিরে
১৯৬০ পর্বান্ত বিক্সানীরা মণাল সন্পর্কে
আনেক নতুন তরা সংগ্রহ করকেন। এসের
মধ্যে উল্লেখনেয়া আবিন্দার হ মণালের
বৃদ্ধে পাঁচ থেকে পাঁচিল কিলোমিটার
উন্নালাল পর্বান্ত বে বেগন্নী রভের
বার্মণভল পেথা গোছে ভার মধ্যে প্রচুর
পরিমাল ক্ষমাট কার্বান ভাই-অকসাই ভর
কেলাল বা ক্রিন্টাল। সেখানে ক্রলের



বালনিকের ছনিতে নললের সৈত্ব অঞ্চল শ্বান্ত বরকে জন্মে রাজেছে। ভাল পালে সেই বরক গলতে; আর ভার চারপাল থেকে একটি কালো বা অঞ্চলর অঞ্চল এগিতে বালেছ নিজকার অঞ্চলর নিকে। এই ছবি ব্যক্তি ভূলোছিলেন হৈয়।

অগতের দিকে এবং কখনও কখনও নিরক্ষীর অগতের অভিত্রম করে বার। এ থেকে বারণা করা হর, সম্ভবত মের্-দেশের ঐ শত্র অংশ মের হাড়া আর কিছ্ই নয়। হরত বা বরকের আশতরূপ। গরমের দিনে ঐ বরফ গলে কল হয়। সেই কলকেই দ্র থেকে অথকারের মন্ত মনে, করফ-গলা কলের বিস্তৃতি। তবে কারোর মন্তে, অত্যুক্তর পরিবর্তনের সংগা সংগা সম্ভবত মধ্যাকের বৃক্তে গারুবর্তনের সংগা সংগা সম্ভবত মধ্যাকের বৃক্তে গারুবর্তনের সংগা সংগা প্রজাতে থাকে এবং ভারা হড়িরে পড়ে। ঐ গাহুপালার মর্নই তথন কেশ কিছ্টা স্থান অথকারের মন্ত মকে হর।

ইতিমধ্যে বি লরেট নামে জনৈক জ্যোতিবিজ্ঞানী দুরবীকণ ক্ষেত্রর বথেপট সংক্ষার
লয়ধন করকেন। মাত্র করেক বছর আগে
জ্যালপস-এর তিন হাজার মিটার উপরে
অবন্ধিত পিক ল মিদি থেকে গবেষণা
ছালিয়ে তিনি প্রমাণ করেন, মুন্সালের সেই
'জ্বল' লোটেই সরল নর। বরুং এবড়োহুপর্যায়ে। তেও প্রমাণ করেলের ক্রান্তের প্রতি

সমগ্রেক ष्यत्तदकरे जिल्हान। মাঝে মাঝে সেখানে পিশাল বর্ণের যে মেষ দেখা বায়, অনেকের মতে সেটা হয়ত বালির কড়ে তৈরি হরে থাকে। এই বালির উপাদাম লাইমোনাইট। বা প্রিবীর খনিজ পদার্থ আক্রিক লোহ রাউন হিমেটাইট বা লোহার অক্সাইডেরই অন্র্প। কারোর মতে, এই মেঘ নাইট্রোজেনের অক্সাইডও হতে পারে। আর এই নাইট্রোজেন আন্নের্যাগরি থেঞে উংগর হওয়াও অসম্ভব নর। উল্লেখা, মণ্যলে জীবিত আশ্নের্গারির অভিতয় সম্পর্কে একটি নির্ভারযোগ্য সংবাদ পরিবেশন করেছিলেন জাপানের জ্যোতিবিজ্ঞানী টি मारहोक ३३६०-६३ मारम भरवयथा हानिता। अ'त रहरा, ओ जमत मन्नात्मत् र 💝 हैंनि नांकि श्रमन बर्छन किन्द्र किन्द्र स्मर ভাসমান অবস্থার দেখতে পান। মারে মারে **छाता जाग्णा रक्ष बात्र। यस इत बार**ण्यक्र-निवित्र जन्म्दरभाष्ट्रत मम्बद्दे छात्रा मृत्ये इटलाइन ।

গত চলিশ বছর ধারাবাহিক প্রবিক্ষণ চালিকে মপালের আবহাওয়া সম্পর্কে ব্যাটাম্টি বৈ তথা পাওয়া গোছে তা হল ।
মণ্ণালের মাটির ব্বেজ্ব বার্চাপ মার ৬৫
মিলিমিটার পারস্কতত্তের সমান। অধাং
প্রিবীর বার্চাপের কাল ভাগেরও কম।
এর আবহাওরার মুল উপালান কার্বন ডাইঅরাইছা। ডাঙ্কে পরিমাল প্রিবীর নিক্রা
বেশ্বের ইউল্লেখন, হিলিরাম বা নির্নের
আরু কোল ইকিলা গ্যাল ধরা পড়ে মি।
ব্যাহারীক্ষের কালার আকতে পারে। বিহুটা
নাইটোক্ষের কালার আকতে পারে। বিহুটা
নাইটোক্ষের কালার আকতে সারে।

এ ছাড়া শ্রেকার থেকে মঞ্চলের তাপমারা পড়ে ভিরিকা থেকে চল্লিল ভিরি
সেশিটারেড কমঃ নিরক্ষীর অঞ্চলের তাপনালা
শ্রেনার দল থেকে কৃড়ি ভিরি নাঁচে।
সেখানে দিন এবং রাতের তাপনালার পার্থার্জ
পঞ্চল থেকে বাট ভিরি। উত্তর মের্ অঞ্চল
এই পার্থাক্য এক ল' ভিরি, দক্ষিণ মের্ডে
এক ল' কুড়ি ভিরি। বাতাসে কলার বালের
পরিমাণ প্রথাবীর এক হাজার ভাগের এক
ভাগ। অতএব এত শ্রেকার ভাগের এক
ভাগ। অতএব এত শ্রেকার আনো
সম্ভব? মণ্যলের মাটির নীচেও ছালাঃ
অতিক ধরা পড়ে নি।

কীবনের মূল উপাদান প্রোটিন। তাদের তৈরি করতে গোলে প্রয়োজন হাইড্রোঞ্জন, আরিজেন, কার্বান এবং নাইট্রেজেন। এ হাড়াও ফসফরাস, গণ্ধর এবং আরও কিন্তু মৌলিক গদার্থা। এই সমস্ত পদার্থের সমন্বরে জটিল প্রোটিন অণ্ তৈরির জনো কল অবলাই চাই। সেই জলই বদি মপালে না থাকে তা হলে প্রোটিন অণ্ তৈরির প্রশেই উঠতে পারে না।

সোভিয়েত বিজ্ঞানী ডঃ এল লোফনা-লোজনাস্কর অভিমত : মপালে প্রোটন নিউক্রেয়িক অ্যাসিড তৈরির মত পরিবেশ নেই। অতএব প্রথিবীর মত প্রাণী সেখানে থাকতে পারে না। তবে প্রথিবীতেই গবেষণাগারে মঞ্চালের অন্ত্র্প পরিবেশ স্থিত করে দেখা গেছে, কোন কোন ব্যাকটেরিয়া বা উপ্তিদ ঐ পরিবেশে জীবিত্ত शाकरक वा वरमद्भि कन्नरक भारत। উদাহরণ, नाइप्रिक व्याक्छेत्रियाम। अत्रा नाइप्रोप्सन আবহাওয়ার জীবনধারণ করতে পারে! এমনও দেখা গেছ, কোন কোন ব্যাকটেরিরা লোহার অক্সাইড থেকেও অক্সিজেন সংগ্ৰহ আবার ইনফিউ-कत्वात कमणा तार्थ। সোরিয়ান কোলপোড়া' নামে এক ধরনের সেণ্টিয়েড ডিগ্রি ৰ্যাকটেরিয়া ডিরিল **थ्याक मार्रनाज नौरह अक मा विज्ञानको** फिशि প্রধানত তাপমাতার পরিবর্তন হলেও বেটে बाबरङ नारत। स्वर्रष्ट्र प्रभारम पिन-ताउ অথবা ৰভুগাৰ্থকো ভাগমান্তার বাবধান व्यटनक दर्गी, बना दबटक भारत, रमधान औ ধরনের জীবকোব, থাকলেও থাকতে পারে। किन्द्र केक भवादमंद्र आगी वा किन्द्रम ?

বিশেষজ্ঞানর উত্তব : না। অংশতত প্রথিনীর অনুসূপ প্রাণী বং উপিচ্ছানের পাক্ষ মংগালে বৈচি থাকা সদত্য নার। জি এন এ বা আর এন এ উচ্চ প্রযাণের জীবন স্থিতীর মূল উপাদান। মংগালের পরিবেশে এরা স্থিতি ছতে পারে না।

১৯৬০র ফের রারিতে সেভিক্লত সেশ মংগল দশনে পাঠালেন মারস মহাকাল্যান । প্রদিকে মার্কিন দেশ ২৮ নভেশ্বর, ১৯৬৪তে মেরিনার-প্রকে পাঠালেন মুক্তল সংখানে। আর মংগ্রুম সংশক্ষে মীরা আশারাদী তাদেরকে ক্যে গ্রুমত এক আ্যাক্ত হেন বসক এই মেরিনার-৪৭

সেই প্রথম মংগলের অনেক কাছ থেকে ছবি ভূলে পাঠাল মেরিনার-৪। মেরিনার গ্রাপ্ত কার গ্রেক্ত পাঠাল মেরিনার-৪। মেরিনার গ্রেক্ত কার মারা। কারণ, ভাতে মংগালের গৈঠে এমন কিছা কিছা অঞ্চলের সংখনে পাওনা গোল যেখানে বিগতে দা'ল থেকে পাঁচ দা' কোটি বছর পর্যাপত কেবল প্রাকৃতিক পরিবর্তানই ঘটোনি, প্রথিবীতে জল, বাতাস বা ভ্রম্পন মেমন ভ্রক্তিতর পরিবর্তান বা ভ্রম্পন মেমন ভ্রক্তির পরিবর্তান বা ভ্রম্পন কিছাই ঘটোনি সেখানে।

আবিনার-৪ এটাও আবিশ্কার করে বসল প্রিবার মত মধ্যুক্তের উধ্যাক্তমে ভানে আলেন বেলট'-এর অনারাপ কোন আছে'দন নেট। বিজ্ঞানীদের যারণা, পাপিবার অভ্যতরে লোহা, নিকেল প্রভৃতি যে সমগ্র পদার্থ উত্তরত তারল আবন্ধায়ে রয়েছে, প্রতিবার আবেতানের জন্ম ভারা দারণে-ভাবে আবৃতিতি হলেড, 200 'ডাইরেনেমো'র মত। ফলে, নিয়ত ক্ষথান স্থিট হতেছ প্রচাত পঞ্জিশালা বিনাং-প্রবাহ। এই প্রবাহ তৈরি করছে চনবক-ক্ষেত্ৰ। সম্ভবত এই কারণেই প্রতিমণী একটি বির্ট চুম্বক। এই চুম্বকের প্রভাব উধ্যাকাশ পর্যাত বিষ্কৃত হয়ে প্রথিবাকে শ্বেন একটা আবরণের মত ঘিরে রেখেছে চ স্থা বা সান্ত্র নক্ষর থেতের যে শক্তিশালী মহাজাগতিক রুশিম যার মূল উপাদান শক্তিশালী প্রোটন কণা, নিয়ত ব্যিতি হক্তে, ভার বেশির ভাগ অংশট বংলী করে নের উধ্বকাশের এই চুদ্র্বকাক্ষর বা ভানে षात्मा दक्ति। कत्न एता भुडाक्रस्टाद প্রথিবীর ব্বেচ কোন আঘাত করতে পরর না। মণ্ণালে এ খরনের আঞ্চাদন না থাকায় শেখানে মহাজাগতিক ধুমিন্দু ব্যুগ অবারিত। এই রশিম প্রাণী-কোষকে ধরংস করে দের। অতএব মঞ্গালর ব্যক্ত মানাৰ ৰ অনুৰূপ কোন প্ৰণেশী বাস, করতে भारत ना ।

আবার প্থিবীর মত নংগলের আকাশে কোন ওজন' গ্যাসের স্তর্প্ত ধরা পড়ে নি। কলে, সূর্য থেকে আগত প্রচুর ক্ষাতাস-পাম অতিবেগ্নী রশিম ভারাধে মুগুলের বুকে আবাত হেনে চলেছে। এই পরিবেশে
অন্তত পৃথিবীর মত কোন গাছপালার পদ্দে
সেখানে বেণ্টে থাকা সম্ভব নয়। কারণ এই
রশিম উদ্ভিদকোবের পদ্দে ভীবণ
অতিকর অর্থাৎ এই মূহ্তে মঞ্চালে
অবিনের অন্তিত পার্নাছ না।

্রান্দন উঠেছে । তা হলে সেই থালের বি
ছল ? মালালের ব্বে সালা থেকে অথকার বা
লিঞ্চাল বলের মেখ, এ-সমদত তা হলে কি ?
বিশেষজ্ঞানের উত্তর । "থালা আসলে দ্বিতীন
আমা নালালের ছবি প্রিবীর বার্গিতরে
এলে কেলে ওঠার ছবিতে অন্ন 'দ.গ' এর
বা রেখার স্থিতি হলেছে। আর ভার ব্বে
ছবে পরিবর্তন সম্ভবত কোন রাসাছনিক
প্রতিভিন্নারই ফল।

ত্ব, অংশকা করতে হবে ১৯৭১ এবং ১৯৭০ প্রশিক্ত। ১৯৭১এ মধ্যকা প্রথিবীর

के वस्त নিক্রীকর দাবছের মধ্যে আসছে ! অভ্যত আহানিক ধ্রুপাতিতে সালিরে নতন करत शत्र देशकेन हालानत करना संभारतात আর্থ কাছে একটি মহাকাশ্যান পাঠাকেন মারিন দেশ। আর ১৯৭০এ **ভারা পাঠাবেন** ভাবজারভার' নামে আরও একটি মহাকাশ-कात अधिक काक्वाद अन्त्रात्व गाउँ माधिक किया अर्रिक एएस म्बद्धा स्ट्र আয়াদের দীঘ' জক্পনার বাস্তব বুংগটি 🗣 ৷ প্ৰয়াভ কল্পকাহিনীকার আখার ক্লাৰ ১৯৪৫ সালে ঘোষণা করেছিলেন ১৯৬১এ माना ह कीए विश्व मानाव । जाने ५५५०व माता रम कर्यकरन कराव कना शहर कार्यक श्रथम कवियास्यानी अकन इरहाइ। अनाइ প্রত্যাক। ভিত্তিটির সাক্ষার ক্রে। বর্ত তার মানাই মণ্যালের প্রকৃত রাস্টি আনামের भागा द्रांत गाव ।

সমর্বজিং কর



#### বেঙ্গল কেমিক্যালের

## शास्क्रित जासला (र्यात वर्यत

কী সুক্র ঘন কালে। চুল : (দখাল চোখ জুড়ায়। এমনি সুক্র ঘন কালে। চুল আগনারও হ'ত পারে। নিক্ষয়ই—ষদি আগনি চুলের এবটু হত্ব নেন জার নিয়মিত বেসল কেমিকাালের গোল্ডন আমলা ছেয়ার অধেল মাথেন।



কর্মাটক ডিভিন্ন বেঞ্চল কেমিক্যাক কলকাতা • বোদ্বাই • কানপুর • দিল্লী • মাজ্রাজ

Progressive/BC(cm)6/60

# <u>সারা</u> <u>ভারতে</u> তারিফ সেয়েছে সানাসা





গোল্ডন টোন্যাকে৷কো:, প্রাইভেট লি: বোগাই-৫৬ ভারতের এই ধরণের বৃহত্ত্ব ভারিয় উদায

67 (Pp-672 See.

(5) ব'লেল রাস্ডার ৫৩ সম্বর বাড়ি। বাইরে থেকে একটা রাশভারিই মনে চার। ভারি পালার দরজা ঠেলে ভেডরে ए काएडे स्था बाटब मामदन गकि ह क्किंग ছবি সেই সংশো তললিপি ঃ 'আছি সর তিছার জনাই বই রের কাছে খণী। বাঁ দিকে মাড়া মাথা মায়াকভাস্কর একটা প্রকাশ্ত প্রাক্ত কিছুটা বেন উপ্রাক্ত। দিকে শেনিনের আবক্ষ মুর্তি, শ্বেড পাথবের এক ছাট সিণিড, বেটা উঠে গেছে ওপর তলার প্রেক্ষাগাহে অথবা সভা ক.ক। ফেটা কড়ো হল ঘর। নিচের তলার খারেকটি ভাগিবশন বর বেটা ছোটো। আরো নিচের কলায় নিজান নিজত কাষ্টে, বিলিয়ার্ড বলের ধর। মাঝখানের বড়ো হলটার একটা বড়ো-সভো রঙীন টোকাভিশনের সামনে বসে कारककान कार्येवन एपना प्रभावन । औनक ক্ষেক্জন জ্বো গেছেন দ্বোর। সাবি সারি রণকে অজন্ত বই সাজগুনা। সাধারণত সোটারেড লেখকদের হালে প্রকাশিত বই ওখানে থাকার কথা। এবার কিল্ড সাজানো দেখলাম কোবল জন্যাদ বিশেষর নানান ভাষায় সোভিয়েত সাহিত্যের হা তভাঁহা হারছে, ভার কিছা নমানা। একটা রাক পারোপারি ভারতবার'র **জ**না। ভবে ৫ই হলটার পোছৰার জাগে একটি সভাত পোর্যে বেভে ছবে, বার মিরাভবণ করু গ্রন্থরে উৎকীর্ণ আছে গ্রদ্মান, গাইডার ৰাণিন, নেমচেঞ্জো প্রভাতি মন্তেকার ৮৩ জন কৃতী লেখকের নাম, গভ মহাবাদেধ বাঁরা প্রাণ रिट्राइक्स ।

না বলসেও চলে হে বাড়িট: এ দেশের কেন্দ্রীর লেখক জ্বন। লেখকেরা নিশ্চরা সবত, এবং জবলাই কলকাতা, পার্নির বা মানকার জাভার তন্ত। আর আভার জনো কোনো অভানত রেন্দেতারা, কোনো লাকোনা কারে বা অভিথিবংসলা বৈঠকখানা কারের কারে কারে কালে বেলি বাছনীর ঠেকলেও লেখক জবনের নিজন্ম রেন্দেতারাটি নিশ্চর ভাটে দিড়ালে জামানং বাজেয়াপিতর বিশ্বন ঘটবে মা।

এইখানেই কী একটা সাহিত্য সভা 
টগলকে এসে আলাপ হরেছিল তর্প 
শ্বপতি-কবি ভ্রাকিনেনান্দির সংগাঃ 
কৃতিষ্টা দেশ পত্তিকার লৈকের। কবে কোল 
একটা পত্তিকার ফোটোগ্রাফ দেখে কোনে 
লীবন্ত মানুষুকে সপো সংগাই সনাম্ব করার 
নৈপণ্য আমার আদপেই নেই। কিন্তু বে 
কোনো সাংস্কৃতিক ব্যাপারে সদাইকোত্ত্বলী শ্ভমর আমার নিষধা অগ্রাহ। 
করেই নিঃসংশার প্রামন করে বসলেন ঃ 
আগনি নিশ্চর কবি ভ্রানেসেন্সিক ? 
অগনি নিশ্চর কবি ভ্রানেসেন্সিক 
স্বিষ্টা বিশ্বসাধান 
স্বিষ্টা বিশ্বসাধান



স্থিকারে দেখলাম বে, আমার চেরে আনেক অলপবর্গী, একট্ খেন-বা ঠেটি চাণী ছেলেটা কলাল 'ছাাঁ,' এবং শাভুমরের সংগ্র আলাপে মেতে উঠল।

আমার কাছে কিছা সাদা কাগল ছিল।
আলাপ শেবে ভারই একটা গিটে
জলনেদেনস্পি লম্বা করে একটা পারাবেলা
আকলেন এবং ভার তলে বে দা ছত কবিতা
লিখে নাম সই করেছিলেন ভার বস্থবাটা এই
বক্ষঃ

অনিম রাকট, যত দুরেই যাই, প্রারোলার পথে ফিরি প্রিবটিডেই।

ভর্মনেসেমানক হরত তথনো ভাবেননি বে দিন ক্ষেক পরেই তাঁর দেশেই প্থিববীর ই মাধ্যাকর্ষণ কর করা একটা গতিশান্তির রকেট তৈরি হবে যা কোনো পালাবোলাতেই প্রথিবতৈ ফিরতে বাধা নর।

\*

ছত্র প্রটো ফের খনে পড়ল লেখক ভবনের বেশেতারার চার বেয়ালে চেখ ব্লেভ গিরে। এ এক আশ্চর্য দেয়াল, আভার দেয়াল, ভার স্বশিংস অনুডে কেবল সরস ও সহারের বাংগচিত্র ও শেলবোজি বা এপিপ্রাম। কনিরামকর পাত নিয়ে ভবে বিভাবে ভালোচনার উত্তেজনার লেখকের ফেসব ছভা কাটন, পছলন্সই হলে ভা সংগ্র স্থানে স্কোন এখন দেখা হল্ল দেয়াল। আগা ফেসব ছভা দেখেছিলাম, এবার দেখলাম ভার কিছুই নেই, কেননা, কে না জানে, আভার ভথানি শেষ, বর্থনি ভা একবেলির।

লোভ হলেছে। এই ধরনের দ্বারেকটা চুটীকর নম্না দিই, যদিও জানি অন্বাদে ভার আসল ফলাটা অনেকটাই লারা বাবে। বেমন, মারাকভশ্কির এই চার ছব উম্পৃত করেছেন মিঃ হেতিরাক্তঃ

একটা কথা মনে মেখে দিও,
ক্লাবে গোলে বোকে সজে মিও—
ব্রেকারার মকল করের মা—
পরের নর, নিজের জেনানা !
এম সিমরনভের একটা সদ্পানেশ ঃ

বলি তুলি এ ভবনে এসে খাকো লৈখবে
বলে, ভার মানে এই নর বে তুমি লেখক।
কৰি রবাট রজদেশত্ভেনশ্বির নাম আশা
করি আমাদের দেশে তত অজানা নর।
নবীনতক কবিদের মধ্যে ইনি বরোক্রোণ্ট এবং
স্প্রতিন্ট। ভারতবর্ষেও গিরেছিলেন কিছুকাল আগে। তবি একটা চিমটিঃ

ক্ষিত্র ভবনে বদি ভোষার বির্মীত করে
গিয়ে থাকে, তবে জেনো কেথক ভবনের ও
বির্মীত ধরে গেতে ভোষার ওপর ৷'

আর নবীনদের হবো সবচেরে সোকার কবি ই রাজতুশেশেকা, বরি কবিতঃ তত না হলেও নাম অংতত বাঙলা দেশের জানা, তরি বতবং :

লেখক ভবানে হোক সকলের ঠাই, বে রাভাই নে রাভাই না, আমারা সবাই, কারো মুখ চেরে কোনো খোশামোল মাই, তেমান হব না কেউ হিংসের কাঁই, এখানে চলাক গ্লোকার, রোশনাই, কশের তেজান তৃত্তি হোক বত চাই, শ্ধ্—ভূপিড়াটা না ধেন বড়ে ভাই।

বিদেশী অভাগতরাও সম্ভবত এখালে ভালের স্বাক্ষর রেখে যেতে গররাজী নন। লা স্ট্রেজা (নাম লেখে মনে হচ্ছে এলেশী নন) লিখেছেন:

পান করা বার সব কিছু,
শাধা জেনে রেখেন থেন,
কোগার, কথন, কার পিছু,
কতটা এবং রেন।

আমার বিবেশী এবং চুটাঁরগুলে। আগ্রহী কেখে বেকেতারাঁর পরিচারিকা অথবা অন্যতম পরিচালিকা ভদ্রতা করে জিজেন করেছিলেন, 'আপনি কিছ্য লিখবেন? বিখ্যন না।'

অভ্যার মতে আঁতকে **উঠে বললাম,** পাগল নাকিঃ মনে হজিল মাকা**লতর কথা,** সাকালত ভট্টাচার্যা, গে একলা বে**লেঘাটার** বিদ্যাত খড়ি নিয়ে নিয়েখনিকাঃ পদসালে



দেখনে এবং দেখান, জাপনার প্রির চিত্রতাবকারা সিনেমার ৬ × ৫ পদার ক্রিফ্রক্রাড়াই, কাট্রেন আপনাজ্যাপনি চলবে, নাচবে।
মেলার বা প্রদশনীতে ইলেকট্রিক বা টেট
বাটারি দিয়ে দেখান বাবে। প্রচুর টাকা রোজগার কর্ম কিংবা নিজের বাড়িতে বাধ্যারকর্ম কিংবা নিজের বাড়িতে বাধ্যারকর্ম প্রাক্তরাভ্যাকরের দেখান। সুপার শেশাল প্রোজেন্টাভ দাম ৪৫, টাকা, ১০০ ফ্রট ফিল্ম শ্রুটান, ফিলেমর তালিকা বিনাম্লো; ডাকখরচ ও প্যাকিং অতিরিক্ত টার ৬-৫০ প্রসা। অতিরিক্ত ১০০ ক্রট ফিল্ম ১০ টাকা।

প্রচ্ন চাহিদা আজই অভান দিন Holywood Cinema Corp. Kalyanpura, Delhi-6. হারালে মনের শেরালে লিখি কথা। আমি হব শেরার, পেটেছি লেখার ন্বাধীনতা।

আমাদের দেশে এখনো কি একটা লেখক কাৰ গড়ে, উঠতে পারল না, মেখানে কনিয়াক না আকলেও (থাকবেই বা না কেন?) বর্তমান ও ভবিবাত স্কাশ্তরা দেয়ালে কোলে ভাদের আভার মেজাজ রাখবে?

\*

এবার অবলা লেখক ভবনে বৈজে
হয়েছিল অনা উপলক্ষে। গড বছর থেকে
মন্দেবায় সোভিয়েও সাহিত্যের অনুবাদকদের
একটি আন্তর্জাতিক সাক্ষাংকার চাল্
হয়েছে। এবার হল ন্যিতীর সাক্ষাংকার।
প্রতিনিধি এসেছিলেন ইংলন্ড, ফ্লান্স,
ইতালি, অন্থেলিয়া প্রভৃতি ভিরিশটি দেশ
থেকে। আলোচনাগ্রেলা চিন্তাকর্ষকঃ ধেনন

সাণপ্রতিক ব্লুশ সাহিত্যিক ভাষার ভী বী বদল ও স্টাইজের দিক থেকে কী বী বৈশিক্ষা দেখা দিজে, বা হরত জনেক সমর বিদেশী অনুবাদকদের চোধ এড়িরে বায়। অথবা কৰিতা অনুবাদের স্থস্যা বা সব ভাষাতেই এখনো একটা অসাধ্য স্থস্যা। শেষ দিন পর্কা জ্লাইরে হল আন্তর্জাতির সাহিত্য সংখ্যা। সভাশতির আসনে স্বক্ত

श्रजात कारात

# त्रुत्रात मार्क मिया এकवात धूलिय खता य-काता कात्रज़-कान त्राजेजात मिया रे वात धूलि यण्डा कर्मा यय -णन क्रिया कार्य वन्नी कर्मा यव।





পরীকাগারে বারবার ব্যাপকভাবে
পরীকানিরীকা করে এটি প্রামাণিড
হয়েছে। সার্কের ররেছে অনুপদ পরিকার করার ক্ষমতা। ভাই
কামার প্রকানো ময়লাও সাক্ষ
করে দেয়। ভারতের পেরা ব্যাওটি
কিন্তুন: স্থপার সার্ক (কেবল ছোট ও বড় প্যাকেটেই পাওরা বার, বার গায়ে লেখা ধাক্ষে

সুসার সার্ফ সরচেয়ে বেশী সাদা করে ধোর (নীল বা অশ্র কোন পাউডার মেশবোর দরকার করে না) त्वन दृत्का हृद्ध श्राद्धन । चात्र कविकास গোল পেলেই বারা বে কোনো প্রকারে चामना नव मरशास् व्हाटी, टमरे बबरना রুশী লোভার গোটা হল বরটা ভরা। তবে वान्त्रज्ञांत्रिक कर म्यूनारक्षादक क्षकरे. विधिष्टे वज्ञारक एता कार्याम, व्याननाच, আর্মানি, ইতালীর এমন কি আমানের মাল্যালম ভাৰাতেও দৰেক হয় কৰে কৰিতা या कमा किए मृनए वांचा रक्ता मरहेक আসরটা যে শেষ পর্যশন্ত একটা বেবেলীয় মিনারের আকার নিশ না, ভার কারণ সকলেই রূপ ভাষার রসিক। তরুপ মিশরীর কবি শোনালেন রূপ ভাষার তার নিজের কবিতা। মারাকভাষ্ট্রকর স্বচেরে সার্থক अन्तापक अ त्यो नि सा म इ.टगा-इ.टगा শোনালেন ভার স্বর্গাচত করেকটি ছব। আর সাদাচলো বাড়ো ইংরেজ গুরাল্টারতেড পছলা করলেন কিনা তর্ণ কবি ভজনে:সন্তিক্ত ক্বিতা অন্বাদে আবৃত্তি করতে।

বলাই বাহ্ল্য, এই ধরনের সভার কেউ কারো চেরে কম করতালি পান না। ভাহলেও গাঁট্টা গোট্টা, চিপ-কপালে রোজদেশততেনন্দির পর পর করেকটা কবিতার প্রোতারা বেভাবে সাড়া নিরেছিল দেটা দেখবার মতো।

আসলে শ্যু কবিষশপ্রাথীদৈর মধ্যেই নর, সাধারণভাবেই কবিতা তথা সাহিত্যের প্রতি এবের এমন একটা মর্মান্সদর্শী মমতা আছে যাতে মাঝে মাঝে আমার অবাক হতে হয়েছে। এই বোধ হয় একমাত দেশ বেখানে ক্ৰির মূতে ক্ৰিতা শোনার জনা পেটভিয়াম লোকে ভরে বায়। বইরের দোকানে কবিতা বা সাহিত্যের বইরে খালো; জমবার সাহোগই হর না। প্রতি সেকেন্ডে ৪০টি করে প্রতক ও পর্টিতকা প্রকাশের এই দেশে, গভ বছর যার মোট কপির পরিমাণ দাঁড়িরেছিল ১৩০ কোটি ৪০ লক্ষ্য বইরের এই অভাবিত বনার দেশেও নিজের প্রিয় লেখকের হালেব व्हेरि किनटङ स्व म<sub>्</sub>ष-७७ स्पति कतस्त. ভাকে ত্রিভই থাকতে হবে। ভাই বুই কেনার নিশ্চিত একটা উপায় এখানে হল বই বের,বার আগেই বই কেনা, ছ' মাস, বছর, দ, বছর আগে থেকে প্রকাশভবনে নাম লিখিরে, টাকা জনা দৈরে অপেকা করা। ল-ডেলের টিউব रप्रेमगरुमात्र धक्या देवीनरच्छेत्र कथा ज्यातकर वन्द्रम : আপিসগামী বা ফেরতা বারীদের সেখানে দেখা বাবে গাড়িতে উঠেই ভাকাতি ক न्नास्विरक्षभकाती चंद्रेमाद चवरत छत्रा भवत्वत्र कागरकत्र जाषारम ग्रंथ मृक्टछ। এখানকার বাস, প্রীলবাস বা মেণ্ডোর ওরাগনে 'হোভদা' বা 'সাংধ্য মন্তেবা'-পড়িয়ে অনেক দেখা বাবে সন্দেহ মেই, তব সেই সন্দে এমন জন চার পাঁচ ছেলেমেয়ে দেখা বাবে (वनाहे दाह्ना हादा) बाता जन्मन रहन क्यारना अक्टी विकास या रहेक्सनीय यह শতহে, অত্তত্ত ব্ৰেমের কোলে গুপন্যাস বা সাহিত্যপর, আর নিশ্চর একজন তার প্রেট रंगरक नाव करत दिश्व कविता गांकते वह जरण्यप्रगाँगेटल **भावता। क**ल्याती एका प्रम বেধে মদৈকাল উপকণ্ঠে কাল আৰু বাচ' বনে চড়াইভাতি করতে লেছি আমরা। ভার রসদল্য হিসেবে খালা, পানীর, সাঁতারের পোশাক, ভলি কা হাড়াও ইসেনিন কি रेताकपूरमरम्मा, वासमानव अवधा म्याजिक्या বা নিতাত্তই হুশী লোকসংগীতের একটা यहै, कहे बाम भाग्रत एका प्रिच मि। बाब मन्या करत रहेरन वींग रक्छे वरणन रव मनाग्र হাজার হলেও ব্যক্তিশীবা, তা হলে বলৰ কি সেই রোগা, ক্জেন, গোল্লো পেনসদ-ভোগার কথা, বিরাজানের এক গভয়াবে বিনি আমার ভারতবাসী জেনে প্রণন করে-ছিলেন, আজা, ভারতবর্ষের চা-কুলীরা ভি সতিটে অভটা দঃব্দ স

ম্ব্ৰের দ্বীট পাভা একটি কু'ভি' তিনি পড়েছেন।

কিংবা পার্ক কুলান্থার কাছে নতুন জোলা কাফেটার সেই পোলাক আমাদার। লাকটা বাংলার নেই, কেননা আমাদের দেশের আবহাওরার কোনো কাকে, রেশ্তোরী, থিরেটার বা সভাগ্রে চ্কুতে হলে টুর্নিপ ছাডা ওজারকোট রেনকোট কোনো একটা জালা বরে আমা দিরে তবে ঢোকার রীতিটা এত অপরিহার্য নর। বেন্টে, চৌকো, স্চার্ খালা দাড়ি, নীলাভ চোখ, চেহারাটা গাভ শতকের ব্রজ্ঞীবীর মতো হলেও ব্রেচর বে কাজ সেটা ওই ওজারকোট নেওরা আর ফেরত দেওরা, আব্রনিক পরিভাষার বাকে বলা বাবে আন-শিক্সাভা লেবর। অনেকটা আমাদের দ্রোরানা। আমার কোটটা নিরে চোখ কুটাক বসলেন, আরব ?

'কা ভারতীয়।'
"ভারতীয়?' বলে যা বসলেন তাতে
ভারতীয় বুজিজীবীও একটু চুমকাইঙ

भारतः। शाँ, शाँ, व्याम कर्तनः। करब्रमान

নেহর, সম্পর্কে কেবা আমি প্রভার । বিকাশী । মন্তের বড়ো লোক । আমি কালি ? তিনি বে জানেন সেটা ভরি সম্পর্ক পরবতী আম বন্টা আলাপে নিঃস্তেশ্য না হয়ে আমি পারি লি।

অথবা আমানের সেই ছুতোর, প্রারই বে
আনে বাড়ির এটা ওটা মেরামত করতে?
নাম তার ভোল্যা, কোদলের মতো চ্যাপটা
চৌকো মুখ, দড়কচা মারা চহারা, বে কোনো
লোকের সপো বে কোনো ছুভোর যুরোয়ীর
করতে এতটুকু আপতি নেই বলে মনে হবে।
একবার কাজের সপার্ক পেয হরে স্বরার
সপার্ক শরে, হতেই দেখলাম একেবারে জনা
লোক। কী একটা কবার বধন হঠাৎ বলে
ফেলল, আমিও কবিতা লিখি'। দেখলাম
ভার ভরাবহ মুখখানা হরে উঠেছে বালকের
মতো লাজ্ক।

শ্ৰন্থেন ?

কবিতা সে লিখেছে আমানের সামনেকার সব্যুক্ত আভেনিউটার গাছগুলো নিরে।

শ্নলাম তার কবিতা, তবে বরে নর,
বাড়ি থেকে বেরিরে গিরে ওই গাছগালোরই
তলে বনে। সে কবিতা কোনো কাগালে
কখনো ছাগা না হলেও মান্বভীকে কবি
বলে মানতে আমি আপত্তি করতে পারি
কি?

কাবা প্রসাগা শেষ করার আসে ডাঃ আমির চরবতার কাছে পোনা একটা ঘটনার কথা বলে। আমেরিকা থেকে ইউরেপ ঘরে দেশে যাবার পথে ট্রুক করে একট্ মন্ফোও দেশে গোলেন। এটা তার ভৃতীরবার মন্ফোও দেশে গোলেন। এটা তার ভৃতীরবার মন্ফোও আমা. অহচ ইরাস্নারা পলিরানার তলস্ভরের ভবন মিউভিরম্ঘিট তার দেখা হর নি। সে অভিলাম এবার মিটিরে গোলেন। আর সেই সপো একদিন একটা টাারি নিরে একা চলে গোলেন পেবেদেলাকিনো গুলেম। তিনি রুলী জানেন না, ড্রাইভার বা ও জারগাটার লোকজনেরাও কেউ ইংরেজী জানে না। ভা হলেও কৈছ্ ইশারা এবং পোলেতরনাকা এই নামটি করা মাত লোকে তাকৈ সমাধিকেটটা

गरन रनग्रून

বোজানা বিশ্বনাথমের নতুন উপন্যাস

## भ्युध्य त्थ्रम

কৈছা কাহিনী আছে সেকালের, আর কিছা আছে একালের কিন্তু শাধা আম' বেন এ-কাল সেকালের। দাম ঃ ২০৫০

রুশমস্বরী— (উপন্যাস) নরেন্দ্রনাথ মিত ৩-৫০ প্রশন্ন বিচিত্রা—(প্রেমের গ্রন্থ) গিবরাম চক্তবতী ৩-০০ শশী কবি— (উপন্যাস) ফণীম্পুনাথ গাসগম্ভ ৩-০০

স্তীপর ৩৫-দি, স্ব' দেন নাটি, কলিকাতা-৯

হানিয়ে দিলে। বড়ো স্থানিকের, ভার ঠিক কোন জারবাটিতে কবিছু স্থানি, তা ব'জে পেতেও ব্যক্তিক হল লা। অবপ জারান জানা একটি জোক ভাতে সপো করে নিরে এলেন। এটা কোনো বিশেষ দিন নর, তা হলেও জনিয় চরবভাতির হতো ভিনিও এসেহিলেন কবির স্থানির কাছে গুলেও বাভাতে।

্ত্রমির চর্ক্তী আমার কাছে তাঁর বিশার প্রকাশ করলেন। পালেতরনাকের সংগ্রুতার ব্যক্তিগত আলাপ ও পদ্মবিনিমর ভিল। তাই

দুপরিচিত্ত বিশ্ববাদ্য প্রতিষ্ঠান বেসলৈ ডেকরেটর ১০ চিত্তরঞ্জন এডিনিউ,নালিংড



স্কল জীবনথাপনের জন্ম বা প্রয়োজন প্রকাসায় ভা পাওচা যায়। প্রকাসা অঞ্চলে বাদিচা হোধ করে, বান্ধ্যের উইভি করে এবা সুনচ্চায় ঘেটা জুক্তী, যৌবনের বল ও বাই ভিসিত্তে আনে।

সারা পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আজ বসুবর্ধক তথা জতরাছে।জাগুকারী আধুনিক ট্যাবলেট প্রকাসা ব বহার করেন। পুন্তর ও রীলোকদের জন্ম পৃথক পৃথক প্রকাসা পাওবা বার।

ওকাসা – হুর্মো – কার্মা ফিচু লকুন- বার্জিন-এমু তৈনী বড় বড় ওয়ুর্ধের লোকানে পারেন ক্ষরী সন্তাসরি বাদের কাড় বেকে পারেন:

OKASA CO. PVT. LTD P. O. BOX 896, BOMBAY-1. ভার আসার ভাগিদটা বোরা বার । কিন্তু বলকেন

এই নিয়াভাল একট্ স্বাধি, আৰচ টাটনা ক্ষেত্ৰ ব্যৱহে দেশলান, কেউ দিৱে গৈছে নিশ্চয়, ভাল বানে লোকে স্মান এখনে, একে ভোলে নি!

ৰ্যাৰ ও কৰিচাকে এয়া দাভাই জালোবালে।

#### ×

ध्य क्रको होकाहाँकि काकाकाँक निरंत খেব পর্যাত গ্রীক্ষ এলে গেল মন্কোর। প্ৰতিটি মোড কাৰ ফেটোৰ কাৰে মিনাকেল ওয়টোর আৰু সিরাপ জলের যে স্পাট মেসিনগালো এডদিন পর্যক্ত চলাদে চোৰে মন-মরার মতো গাঁডিরে ভিল চঠাৎ ভিড कत्म फेटोट्ड रमधात। हाकार क्लाता रूट्ड মুখ্য লোহার পিপেগুলোর কাছেও সুখ্যা লাইনঃ রাশিকার একটা প্রাচীন, জাভীর পানীর 'কোরাস' ভরাদের দেখা বাবে এখানে। রাটি এবং নানাবিধ লভাপাতা জারিকে তৈরি জিনিসটাকে রশৌরা ভাদের কালো রাটি, শাটেকি মাছ আত্র শন্ত সমেজের মতই ভারি ভালোবাদে। মদেকা নদীর ভল এতদিন প্রক্তিও ঝাপিছে প্রার মত প্রম না৷ আর অবিরাম সিট্টাব বাতারাতের ফলে সে জলে একবার ডব দিয়ে উঠলে সাদা গারে পেটলের কালো প্রকেপ शावरमंत्र विभन वरभणे शाकरमं के के केम्स्य খোলা নগটার কছরে মার দিন তিখোকের মতো ঝাঁপঝোপি করে নেওরার সৃত্ধ কি আর কোনো কৃতিম সাইমিংপালে মোলা স তা ছাড়া কাছেই যে লেনিন পাহাড় রৌপ্রকাভীনের শ্রীকের। গোটা পরে।ডটা একেবারে নদীর ভট পর্যান্ত ভারে উঠোতে নরনারীর সাদা দেহে। বধাসম্ভব থালি গায়ে রোদ পোয়াচের সবাই। বছরের এই কটা দিন যে বত রোদে পতে যত বেশি ভামাটে हर्डि भारत, उटहें छात्र कारह मार्थक महन इत्व श्रीच्यणे। श्रीच्य मात्नहे वत्र हाट्छा. **ए**कारणे, कटमा वत्न, भाशास्त्र, नमीरङ।

অন্য রক্ম ভাকাডাকিরও অভাব নেই। গ্রীক্ম মানেই বত রক্ম প্রদর্শনী ভারে প্রতিনিধি। এই মুহতেও দেখার মডো তিনটে ঘটনা চলছে একই সংশা; ক্ষনগণের পোলাপ্ডের ২৫ বছর প্রদর্শনী, আধুনিক ম্রণযদ্যের আশ্তর্জাতিক প্রদর্শনী, প্রাচীন <u>ৰিবিকপার</u> প্ৰদৰ্শনী। নিক্তেকে অন্ধিকারী কলে যদি নিশ্চিত না জানতাম, তা হলে আশ্চর্ব সব রুশ আইকন ও অন্যান্য শিলেপর এই শেষোক প্রদর্শনীটি নিয়ে কিছু অবাচীন উল্লিব দুঃসাহস করা বেত। তাই বরং এ গ্রীন্মের সবচেরে ঝলমলে चर्णेना मटन्का विकास छेरत्रवर्णात कथा अकरे. বলি। রোসিরা হোটেলটার লাউল্লে এ কর দিন বেন পরীর হাট বঙ্গেছিল। চুক্বার

বুবে গোগালের মত্যে কলাকা করেছ ৭০টি বেশের পান্তাকা কারে আটোয়াকলোকা গোটা কিশোর কলাকার করেছে। গানের করিকরে রাজ্যর কলাকার হাতে লাকা নাশ্য বারা কেনার করেছের রাজ্যর করেছের ক

আই প্রসংশ্য জালাপ হল ঢাকর প্রতিনিধি
দলের সংশা। সালাহউলিন, হাসান ইমার,
আলোরাল সাবের পরিক্রার না পেরের
ভারি খ্রিল রে প্রের বাংলার ছবি দেখির
বেবতে পারলেন। নিজেদের সমস্যার করা
কললেন। বছরে ০০টা করে ছবি তোলা হর
কিন্তু শহরের সিনেমা হল কয়। উদ্যু ছবি
প্রতিবোগিতা কার্ডিরে উঠেছেন ওারা, কিন্তু
নশাকের সমস্যা মেটো নি। সমস্যা সমধ্যের
একমাত উপায় গাঁরের মান্ত্র। ভাই গাঁরে
মান্তের প্রির ব্যক্ষাগ্রেলাকেই তার
চিপ্রবুল নিজেন। প্রদর্শন সমরের ৭৬%
ভাগত লোককারিনা।

কে জানে, হয়ত ভবিষয়ত এর একা ভারে। ফলই ফলুর।

আগেই বলৈছি, কিলোৱ মাুন্কার বাছে উৎস্বের প্রধান আকর্ষণ ছিল ভারকার: । 6.4 চাঁদের কাছে তারকার महिष्ट क्यात कटरें कु? कात डेश्मारत हिन र्माक्षा **रक्षा**शाहतके **यथन र**मके औरनव राजि মানাবের পদপাত আসর চল भागितात मत्या शाही मतस्कात भव हाइ E. 5 4 3 4 4 ब्राक वर्म 18 0 टिंशिकिमत्नद माम्रत्न। खान्हर्य त्मर्वे मुनले रमथ**ना**च आमगा**ट। हो**रम्ब सभव मान्य, मान হল ফেন° হাটিছে না. প্রায় ভাসছে। গোঁডা হল আমেরিকার পতাকা....তবে ভারতের পাঠকদের কাছে তো তা সবই জানা। তা সংভেও পানরাভি করার প্রয়োজন বোধ করলাম এই জন্য বে কাগজে দেখলাম, প্রেসিডেণ্ট নিকসন বলেছেন যে, দ্রাটা সারা দঃনিরা দেখলেও রাশিয়া দেখে নি। খোঁচা দিতে হলে কি মিথোই বলতে হবে?

্জয় হোক জাতীয়কৃত বাবেকর! প্রান্তদার, ইজভেশ্তিরার, রেডিওতে টেলিভিসনে ভারতের ইদানীং কালের আর কোনো আভাশ্তরীণ ঘটনাকে এত বড়ো করে এত বেশি কলম আর মিনিটে এত নিমাদিত হতে আর কথনো পেথি নি।

ননী ভৌমিক



(近季年)

ত্র হারের মধে। অসপত কথা বলে পাল

সিহিরল পাশবতী। মৃদ্ধু একটা হাসল

সংখ্যের ভিতরে।

হৈমণতার গাঁহের ওপর তার পা। তৈমণতা ঠেলা দিয়ে বলল—এই, ঠিক হরে শে: অমার গারো ঠাং তলে দিভিছন।

শাদকতী ঘ্যোর মধোই তাকার, তারপর
বিড় বিড় করে অসপত কথা বলে একটা।
বেগ হয় বলে, তোলর। সবাই শাদকতীকে
ক্যা কোরো। অনি কি ছাই ব্যক্তি আয়ার
মন। তোমাদের কাউকে যদি দাংখ দিয়ে
থাকি-ক্ষা কোরো।

প্রবিদ সকালে শাশবতী ভাবল, থ্ব শীগগারিই সে একদিন লালিতের সপেল দেখা করবে। লিজেস করবে—এতে আপনার কী শ্বাথাডিল ? কেন আপান এমন কাঞ্জ করলেন /

ললিতের সংখ্যা খগাড়া করার মতো আনেক কথা শাণ্যতীর মনে পড়ে। কেন আমাকে কৈউ মন বোঝার সময় দিল না! ধরে বে'ধে नित्र राम भारतक-रतिकम्प्रोटस्य कार्षः की ম্বার্থ তোমার, দালিত! না, অভ পরে্য মান্য মিলে জোর করে কোথাও ধরে নৈরে যেও না শাংবতীকে। বরং তাকে আর একট্ সময় দিও। আর একট মারা করো শাশবতীকে। শাশবতী কি ছাই বোঝে তার মন! আর তুমি! শানোভ, কাল টোলফোন ডিরেক্টারর পাতা ওল্টাডে ভোমার হাত কে'পেছিল, ত্রাম দ্ব আঙলে সিগারেট ধরে রাখতে <mark>পারছিলে না। ভূমিও</mark> তে: জানতে না. লালত, তুমি কী করে ফেলছ! তব্ ভূমি জোর করে কেন বঢ়াতে চাইছিলে ঘটনাটা! তোমার মারা দরা নেই।

শাশ্বতী কলেকে যাবে কিনা তা তেবে
একটা ইতস্তত করল। আরু তার কলেকে
বৈতে ইক্ষে করছে না। শিবানী এসে বলল
—আরু কলেকে যাবি না? এস বির ক্লাসে
আরু পলিটিকসের নোট দেবে!

— जाराम बारे छन।

অনিছার তৈরী হরে নিল লাশবজী।
বাসে বসে লিবানী জিল্পেস করল—তুই
তো কলেজ থেকে রোজ কাটিস—কাল
কেটেছিলি হ

- -5--31
- —কোথার গিরেছিলি? সিনেমার। শাংবতী উত্তর দিল নাঃ
- —খাব উড়ছিল! দিবানী দুঃখ করল,
  নিঃশ্বাস ফেলে বলল—আর দাখ, অলক ষে
  সেই চাকরি করতে গোহাটি গেল, একটা
  চিঠি পর্যাপ্ত দিল না। পরেষ মান্বদের
  বিশ্বাস নেই।

শাশবতী চুপ করে রইল।

কলেজের স্টপেজ এসে গেল। নামবার জন্ম বাসের পা-সনিতে নেমে একটা মাুখ বড়তেই শংশবতী দেখতে পেলা কলেজেয়

২০৯বি, বিধান সরণি, কলিকাতা ৬

লামনের মোড়ে বকুল গাহটার তলার কালা রোগামতো একজন লোক লাভিবে আছে, বেখানে গতকাল ট্রানির গাঁড় করিরে আদিক্ত অংগকা করছিল।

前,然后就不透**为搜查。**李安是他,从这个心态,**为**了这个心态的概念。

্থী কৃশ্বা লোকটা কি আৰিছা? ব্যৱ থেকে ঠিক বোঝা বায় না। ভবে আৰিছা মুন্তয়া অসম্ভৱ নৱ!

শাস্ত্র পিছিয়ে **এল, ব্যাল—আরি** মামবোনাঃ

-সে কীট

না। শাশবতী মাধা নাভ্ন—কারি একটা অনা কারগার বাবো। কাল আছে: -কোধার?

কোধার তা শাশবতী ভাড়াভাড়িছে ঠিক করতে পারল না, বলল—আছে।...তুই পালিটকসের নোটটা আমাকে দিস, আমি টাকে নেবো।

্ আবার বাসের মধ্যে ফিরে এসে বস্ত্র শাংবঙা। পরস্যা বের করে কণ্ডাকটরকে বলল—আমি রাস্বিহারীর মোডে নামব ।

মনে মনে ঠিক করল শাশবতী বে রাস-বিহারীর মোড় থেকে ফির্মান্ত কাস ধরে বাজিতে ফিরে বাবে। কিন্তু রাসবিহারীর মোড়ে এসে তার থেরাল হল, এখান থেকে দক্ষিণ মুখো কিছুটা গেলেই লালিতের বাসাও ঠিকানা জানে না শাশবতী, কিন্তু বাড়িটা তার মনে আছে। তার মনে গতকলের রাগটা থাবার থাকতেই বোঝাপাড়াটা মিটিরে আনা ভাল। বেশী দেরী করার দরকার কী? বেশফিদ রাগ থাকে না শাশবতীর, সহজেই গলে জন্ম হরে বার ।

अस्कारत्व वृद्ध ७.४०

#### — नावेक — न्यान मार्थानायास्त्रत वाम्बा नवकादिव वाकि इंछिअम आङ्करकर्त्व ताष्ट्रिक <sub>१०००</sub> 0.54 मारे नाति নীহাররঞ্জন গুপ্ত 0.00 घ्रीर्ण শৃশ্ভ মিত্র 9.00 কান্তনরপা শৃশ্ভ মিত্র ও অমিত মৈত্র ৩০০০ মেঘে ঢাকা তারা শক্তিপদ রাজগরে 0.00 বাধ স্শীল মুখোপাধ্যায় 0.00 উদাৰিকী স্শীল মুখোপাধ্যায় 0.00 कौरन किसाना মন্ট্র গভেগাপাধ্যায় 0.00 আজ অভিনয় ৰদ্ধ বীরেন্দ্র পালচৌধরী 2.60 <u> भागावम्ब</u> দ্ৰোসা ₹.00 - প্ৰাঞ্জ তালিকার জনা লিখনে --शकाशम बन्दन अन्यभी है

দক্ষিণদিকে উনতিল নন্দর টাম বাচছ ক্রীকঃ নান্দ্রতী উঠে প্রভল।

কাল রাভ থেকেই লালতের মারের মনে
একটা সংশ্বর ছাকেছে। এই বে রমেন
নামে হেলেটা এনেছে লালতের কার্ছে, এ
হেলেটার রক্ষটা কী? কাল রাতে বখন
এল তখন খাড়িতে রজের দাণ, গালে খোঁচা
খোঁচা লাভি গারে একটা ফতুরার মতো
হাভকাল পালাবি। সালে গোলে দানবরিদ্রা কিন্তু মুখখানা দেশে মনে
ইয়া বড় মরের হেলে। বড় স্পের
ব্যক্ষালা। চেনা-জেনা লাগছিল, ভিন্তু
ভিনতে সার্জেননি ভিনিঃ লালভ কলছিল

বটে—রমেন ৫ বাসাতে অনেক এংসছে সা,
প্রকে ভূমি কতবার দেখেলো! কিন্দু আজকাল চোখে একটা খোলা-খোলা ভাৰ— কোনো কিছ্টু ঠিকমভো নজরে আসে না। ভা ছাড়া কভদিন আলে দেখা—অত কি মনে খাকে।

সে বাই হোক, কিন্তু গাঁলত কাছিল হেলেটা নাকি সমানতী ধরনের আল্লেম থাকে! এটা গোনার পর থেকেই ফাটা কোন থচ থচ করছে। এই সমানতী হেলেটা লালভের ফাছে কেন এলেছে। কী ধরকার। বড় ভর করে লালভের মারের। এ হেলেটা আবার ভূক করে বাবে না ছো লালভকে! একেই ভো লালত উদাসী ছেলে, আধা-প্ৰম্যাসী হয়েই আছে।

काम सार्फ अरु विकासात पराव करन बाक श्वांन्ड स्वरंग क्वा ग्रंचन क्या वर्गाका। की त्व चार कथा अत्यव महिल्ला म कानक क्रकी कालार ग्रन्तक। क्रिकु ग्रन कटम अन्य, शरीन, त्मनाहे बदानकात कम् काम किस कारम कारणीन। नामा बाल कारण के टक्टनकी ट्रांस की जब यूक्टिकट नांत्रकट লেই কৰে একটা বাল্টাৰীয় চাক্তি আহিছে किया स्थित अवद्या कारको क्रम त्या क्रेमिक रकारमा सन्दे। गुरुत स्त नवस कार्बेश्स कारतस दमाकारन जित्र बारकर विम कार्विटक जाटन । क्रष्टे यहन-व्यक्त टबाडेल्ड्रीडे करत. डेटनजमी स्टब क्य कि: कटक टक्टम मानदर्श का कादर मा कि बनारमारे बरन-जामना रहा गुजन दिव हत बाद्य। बादशब न्यकाय। यह वाश माहाही क्षीतम दश्या-दश्या कदत्र शामन दिल, वाधित মান্তকে চিনতেই পারত না। সে লোকী সারাটা জীবন কেবল আপ্তবাকা বলে গোল -- शतनाकिक निरम की बम्रा क्रांतित करती শিয়ে ৰয়ং হাতি গলে ৰাৱে, তব্ কোনো क्षात्माक न्यान वात मा । वान कानर मुक्कारनावे बावमा दव वास्त्रमाक बन्दवानेत बाब किया मारे। कात करत करे कत रबकारव क्लारक क्लारक। लॉकारक बन्धता ওয় মতো বোকা নর, ভারা সমর থাকতে বে ব্যরটা পর্ছিরে নিছে। ললিডটাই হব-চ্চোরা। কোথাও খিরে পড়িতে গারে না. रक्रफकरक जासरक भारत मा निरुद्ध कारबढ़ि। अथह द्व सहस्वाती। एएनर ৰাভিতে ৰখন হরির লুটে পড়ত, তথন कांकिक नीकिएक बाक्क नृद्धाः अत कारबर সামলে জন্য সহ ছেলেমেরে মাটিতে পড়ে कालाकाषि करत बाकामा क्रजारण। व नावस् ना। किन्छ मुद्रत मीस्ट्रित धमन छावसमा क्रम्छ स्वमं अनव स्थारणेला विव

भरता ७ टनहै।

' जीनराज्य व बन्ध्की वकरें, चना प्रकासत।
वियाली राज्यात्म कु का जीनराज्य गारता।
की क्या राज्यां करता वरता वारता।
वर्षा क्या राज्यां करता वरता वारता।
वर्षा क्या गार्मा, कांच क्षान जारात

স্কালে লালিত বাধনুদ্ধে গিরেছিল, সে
সমরে মনেদকে একা পেরে লালিতের মা
এনে বলল—ব্রুলে বাবা, লালিতের তো
সংসারে মাত সেই, ভূমি ৩৫০ একট্ ব্রিও
তো! দেখো বেন ওর আর একট্ লোভটোভ হয়, টাকাকড়িয় সিকে ঝেকি আসে।
আর দেখ ও মেরেছেলে দেকলে চোখ তুলে
ডাকার মা—কিস্তু এ ব্যাসে এককম ক্ষতাব
কি ভাল? তরভালা ব্যাস—এ ব্যাসে
ব্যাবা—



অবাক ছবেন নিজের বং দেখে!

পারের রং তরসা বর বা কিছুটা চাপা ব'লে রাম রাম বীক্ষের আকশোস্, এবার উদ্দের ভাবনা সূর ভরবে ভারাক্ষেত্রর হোরাইটনিং কীর। গীর্থ পারবদার এবং কিলাসসভাত নামা কুম'ন্ত উপকরণের সমবচ্চ তৈরী এই কীর,—অধু ওপর-ওপর রামাপ দেবার কাজ করে না, রোরাজুগৈর গভীরে হৈছে এরম সব নোল পরিবর্তন ঘটার বে জাপনার রং হ'লে ওঠে উজ্জ্ব আর দিবে দিবে আপ্রি ভরসা ও আরো পুলন্ধ হ'লে ওঠেন।

## **जर्मादक्यात** शियारैंगैविश सीय

मायान हाना ब्रद एरव कतक हानात प्रक मुनरत

धक्यकारकः ज्ञाहिक जिर्भेत्

'বিউটি ইফু ইওর বার্বরাইট' সুন্তিভার ক্ষত এবং আপনার স্নপ্রচার বানা সহজার উচ্চরেছ ক্ষত আনাদের 'বিউটি কনলালটেউস্',পোট বল্প: ৪৪০, নিউ দিনী,এই টেকানার লিবুন

Progressive/58-1/69 A

—সংখ্ৰো মাস'হা। হেতেটা বাড় ভাঙে

্ত্যা দেখো, ওর বেল সংসারে মূল হর। আমি ওর জনা মেরে শাস্ত্রীট

চা-টা খেরে ওরা ন্তেন বৈরিরে বাজিলা, ললিতের মা জিজেল করল কোবার বাজিল

্রেই কাছেই। গ্রন্থনার গোকান, বিমানের বাজি কাছাকাছিই আহমে।

আছা। আছা। কচকাল শানে অসেত্র রমেন। আল কেবল আছার দিন। চারের দেনানে, রকে. বাটো। সম্ভাবক ববর দেবে ললিত, কুলসীকে ভাকিছে আনকে—ভারপর লোল হরে বসবে সবাই...পুরোলো বিনের কথা হবে কড, গা শিউরে উঠবে রোমাপে...

কিল্ছু মাঝে মাঝে ব্ৰেক্স ভিডরে কী
একটা থামচে ওঠে। আর কত দিন।
কতিন আর! সে মরে বাওয়ার পরও
আভা চলবে এখানে। ঐ গণেশের দোকানে,
রায়বাব্দের রকে, মাঠে, খাটে। হাঁ, তথানা
অবিকল একরকম খাকবে কলকাতা। ভূলসী
ইটির ওপর বৃতি তুলে ক্ষুলে বাবে, সঞ্চর
গাড়ি চালিরে ফিরবে তার রিনি অর
পিকল্রে কাছে, আর ডভসিনে হরতো
আনর ভাবসাব হরে বাবে আলিতা আব
শাশবভীর—ওরা দোকানের আলোর ক্যুসাথ
ধরে অনিদিশিভাবে জনেক দরে হেটে
কারে

প্রথিবীর বড় মারা। ছেড়েড ব্যুত ইছেই হর না।

কাল রাতে এক বালিলে স্থেখাস্থি শ্রের রমেনাকে সব কথা বলে নিয়েছে লালত। শ্রেম রমেন অনেকক্ষণ চুপ করে থেকে বলেছে—ডব্ডা তোর এখনো হু মাস কি এক বছর সমর হাতে আছে! এর মধোই তোর সব সাধ প্রাহতে পারে... এইরক্ম সব করা।

দ্র। কলিত কানে, ধরোঁ অনেক আকান্তি জাদবাস থাকে। শ্রীপ্রীচণ্ডীর শোবেও লেখা আছে একলবার চণ্ডীপাঠ করেল দ্বিচিকিৎস বা্যার সেরে বার। আনলে ওসব প্রা, চণ্ডীর মাছান্তা প্রচারের করা লোককে লোভ দেখানো। আনলে ওসব কিছুই হর লা। তব্ কেমন বৈন লোভ হয়। একলবার চণ্ডী পাঠ করে দেখকে ইক্ষে হর।

কাল রাতে রুমেনের কথা শ্নতে শ্নতে কেমন একটা আগা ভরসা নিশ্চিশ্তর ভব এনেছিল ভার মনে। রুমেন বলছিল—এই বে এডকাল ধরে তেলিশ চেলিশ বছর ভূই প্রিবীজে থেতে আছিল এর কোনো ধাম আছে? এডকাল ধরে কী করেছিল ভূই? টা খেরেছিল, আশ্রা দেরেছিল, অনিক্ষার করেছিল ব্যরণারা এক চাকরি—এরপর হরতে। একদিন বিয়ে ক্রতি, ছেলেনের বউ নিয়ে অভাবের সংসারে টেনেটানে চলতি আরো বিছুদিন-ভারণর অলাতে একদিন দমে করে করে যেতি। দরে। এ কি ছবিন? ভার চেত্রে এই তো ভাল-এখন ভার জানা আছে মৃত্যুর সময়, হাতে আছে হিসেব করা দিন। বে'চে থাকার এই জো ঠিক সমর-া লাজত উত্তর দিয়েছে দুরে! कृदे नवां कर्या कर्या कर्याक्त-वर्त्त किन् भारत नाकि! रक्षण कृषा। भटन तरान তার গারে হাত হোৰ মনেছে—ললিড, व्यक्ति एवं कथा बनाटक हाहे, रमाने अक्नात कृदेदे ब्राकार। क्यांगा कार्यके अक्यांक कार्य श्रदायर अस ग्रंथ। चता, स्रवित्व आता মান্য ব্যু স্পৰ্কাতর হয়, সচেতন হয়ে ভঠে। তথন লৈ সাতদিনে একশ বছরের জ্ঞান লাভ করে চলে বার।

নিভালতই মাম্লী কথা। তব কেমন ব্ৰুক ভৱে ভঠে। কাল রাভে রানেনের কোল-যেথি গাবে নিন্দিনত মনে ব্রিরেছে লালভ। মাঝে মাঝে ব্রুম ভেঙে গেছে, অংথকারে পাশা কেরার সমরে লে অংথটে গালার ডেকেছে—রমেন! সংগ্রা করে। করে। করে। করেল ভারারাভ ধরে মাঝে মাঝে কেরাে উঠে নিসের অভালেভ রমেনকে খাজেছে। রমেনকাছে আছে, জেগে আছে জেনে আবার নিশিচালত ব্রিরিয়েছে।

লালত স্কাল্যেকা ক্ষমনকে জিক্সেস ক্ষেত্ৰিল—চুই কাৰ বাতে খ্যোসনি ?

—ना। एकस ॽ

রখেন একটা মিলি হাসি হেসে বলল— কেমন সেন মনে হরেছিল নাতিবেল। ম্ম ভোঙ গেলে তুই আমাকে গাঁভবি।

লক্ষা পেরে কলিত বলে—তার জনা মুনোসনি? তুই কীরে শালা, অভদর টেন জানি করে এলি—তোর টারার্ড কাগছিল না?

রক্ষেদ মাধা নেডেছে—না রে। এমনিতেই জামি কম অ্যোই। আমার দিন তেনের বিনের চাইতে অনেক বড়।

যে রমেন চলে গিরেছিল লাগিত লানেসে রমেন ফিরে আসেনি। এ যেন অনেক
ল্রের একটা মান্ব। কোন বহসাযর
অচেনা লগে থেকে এসেছে। এ হরতো
এমন কিছু জানে বা লালিতের এতকাল
জানা ছিল না। যে রমেন গাড়ি চালাতো,
সাজার দিত, স্ট্রবল খেলত কিংবা
পিরানো বালিরে গাইত গান, আর বে
রমেন লালিত খুলবে বলে সারা রাত জেগে
থাকে তারা কত আলান।

রমেন কার সারা রাড তাকে ব্রেকর মধ্য নিরে প্রের ছিল। সে কথা চেবে স্কাল- বেলা আবেলে লালিতের একটা ঠোঁট কাঁলে। অনেক কথা বলতে ইচ্ছে করে ব্রমেনকে। হ্যা, একে বলা বার। এ বোঝে।

তার ব্রুকের মধ্যে গ্রেগরের করে এঠে একটা কথা। বিজ্ঞেল করতে ইচ্ছে করেলাথ রমেন, আমার চলে বৈতে ইচ্ছে করে না। বল তো বাল বেতেই হয় তবে কিরে আলার কোনো হালতা আছে বিলা! বলৈ আর একবার লালত হয়ে আলি তবে লেকিব, আরি বুল নাব্যানে থাকবো। অলারের জাবারা না, থালি লেটে লিগারেট টেনে কলিবলা পরীয়, লারে এবং কার্ডিই ক্রেকা বেবে চলাব। বল তো আবার আলা ব্রুকাই কিন্তু ভিত্তেল করে না লাবার আলা ব্রুকাই ভিত্ত ভিত্তেল করে না লাবার আলা ব্রুকাই

লালতের মা লোকরার মরে ইল্টেনর গাঁড়ো থালতে এলোকনা। এমন সময়ে গাটগাট করে খুব তরে করে কে কেন করুন নাজন।

দরকা খালতেই দেখা গেল, তীতু জাজেসড়ে এক মেরে। হাতে বইখাহো, পরনে
চমংকার একখানা জরপ্রী হাণা লাড়।
খ্যামলা রঙ, স্মের ম্খখানা। প্রার কিলকিস করে জিজেস করল—কালড...লালডবাব্ এইখানে খাকেন?

পর-পরিকা ও সংগীসমাজে সমালোচিত

श्रीबायकृष्य गारमञ्

## **हार्क वार्णावव॰००**

সাধারণ মানুষের জন্য নৃত্ন রাজনীতি ও অর্থনীতি। লেখক এক
বংসর স্বেহি ব্যাহ্ক জাতীরকরন,
উচ্চান্কের নোটের বিলোসসহ জন্যান্য
কর্মস্চীর কথা বলেছেন। বস্মতী
বলেন স্বিভিকাখানি সমাজসচেতন
বাজিমাতের কাছেই বিশেষ ম্লাবান
হিসাবে গণ্য হবে।

## धकिँ अभागशेव मछा

कारिबो

8.00

হলহাড়া ব্বের সমস্যাসন্ত্র পট-ছুমিকার কোডুকধমী ব্রিষ্ঠ উপন্যাস প্রাপ্তিস্থান : বনোহর বাহিত্য বিশ্বর ০০ কলেজ রো, ব্যাব্যাস-১

ওরেন্ট বেজনা ব্রুক সেলায়ন্, ২১৬/এ বিধান সকলী, কলিকাতা-১২

(পি ৭০৪১)

আহা, ললিভের সন্সে বন্ধ হানার। —জুম কোবেডে আসজো গ

स्माती सामान गुरूष काम-वानवग्रहा कामान्यवान् सार ?

- वर्षे दरतारमा। जीव स्टा धरन धकरी रवारना। छाटक गाठीकि। दवणी नृदह सहस्रिः

্রন্থন জোড়া বাইরে ছেড়ে বরে এল লাম্বতী। ললিডের থালের ছোট্রো চৌকিটার একধারে এডট্কু হরে বসল। বাস দটপ ছেকে অনেকটা হেটে আসতে হরেছে রোদে, শাম্বতী ছোটু দলা পাকানো রুমালে কপালের ঘাম মুখাইল।

ললিভের মা আদরের গ্লার জৈভ্রেস করল—গরম লাগতে ?

লক্ষর মধা নাড়ল লাশবতী—না। ললিতের মা একটা, হেলে পাখাটা খুলে লেয়।

ললিতের মা দেখল, এখন বেখানে মেরোর বসে আছে ঠিক সেইখানে অনেকদিন আগে একদিন দুশুরে মিতৃ বসেছিল। ললিতের বড় পছাল ছিল তাকে। কিন্তু ঐখানে বসে মিতু কেনে কেটে অস্বীকার করে গোল। ললিতকে বিয়ে করতে রাজি হল না। ঐ চোকিটা বেখানে মেরেরি এখন বসে আছে—ওটা অলক্ষণে চোকি।

ললিতের মা বলল—ত্মি ওখনটার ললিতের চৌকিতে এসে বোসো। এখানে বেশী হাওয়া লাগবে।

भाग्यकी वाश स्मारत्रत्र भएका छैठी मनिवाक किनिवाक शिवत वसना ।

লিলের মা মনে মনে বলল-ঠাকুর, ঠাকুর, দেখো এ বেন সেই হর বাকে লিলিত বিয়ে করনে। আহা, বড় লক্ষ্মীনাত মুখ-খানি। লালিতটা বড় মুখচোরা। কই, এতদিন বলেনি তো এমন একটা মেয়ের সংশা তার ভাবসাব চেনা জানা হরেছে! বোকা ছেলে তুই কাউকে পছাল করলে আমি কি রাগ করব? তোর পছাল জেনেই তো মিতুকে আমি ডেকে এনেছিলাম। মিতু রাজি হল না, আমাকে কত অপমান করে গেলা। কিম্তু তাতে আমি দুঃখ পাইনি। তোর ব্যক্তর ভিতরটা বে প্রেড় গিরেছিল—তার চেরে কি ওইট্কু অপমান বেলী? আহা, লালিত, এবার বেল পছাল করেছিস।

কভিতে মানজ্জিতীয়

স্থান আনজ্জিতি বাসক ৫

টাকা কিছিতে। সভোক আনাও শহরে

শাটান মাইতে শাটের।

VENUS SALES 1121 ROOP MAGAR DELM 7

নিতু মুলর হিল কিন্তু এর মতে সক্ষ্মীয়ার হিল না। বেল রে ললিভ, বেল।

—একট্ চা খাও মা, সংগ্ৰান্ত ক্ৰী খাবে—দটো চি'ডে ভেজে দিই।

—না, না। সম্পার বাধা নাড়ে সাধ্বতী। কানের মাকড়ি বিকিন্তে ওঠে, কণালের ওপর এক থোকা চুল কোল থার।

হেলেয়ান্য! কচি। মুখ্য হরে চেরে থাকে সলিতের সাঃ

শাশ্বতী এই ছোট্ট বরবানা দেখছিল। নিজ'ন সালের বরখানা, বাইরের জোনো শব্দ আলে না। জানালার ওপর ধারে আছে সব্ৰে, সভেজ একটা পেরারার ভাল। পাৰ্থী ভাকছে। ভিতরে ছোটু একট্, উঠোন, এক পাশে তুলসীমপ্ত। বরে আসবাবপদ্য বেশী নেই। যা আছে ভাতে বোঝা যার करमंत्र जनम्या खानको मान्यकीरम्ब মতোই। ভাই এই মরে বসতে মার একটা অস্বস্থিত হয় না। সমান অবস্থার মানুবের সংখ্যা মিশতেই স্বাস্তি ৰোধ করে। সে। धकथा ठिक, भागवणी दकरनानिस भूव विकृत्वादकम् बद्धः वर्षे श्रामः । वर्षः । वर्षः । रिमान वतरमात, जरुरक जरुमचा जानवाव, চাকর বাকর—এসব কোনোদিন ভারতে ভাল লাগে না ভার। মন খারাপ হরে ধরে। কোনোপিন বডলোকের মরে গেলে শাণবতী হাঁফিরে উঠবে। সেখানে ज्ञान हरूहरू जिनिम्भाता हो। ये येथिता বার, মান্বগালোকে প**্রতলের মতে। লাগে**। रव चात्र वाजदावशत कम जिहेशास मान्य-গ্রেলার ওপর বেশী করে চোধ পড়ে, সহজ

ওপর দিকে চেরে লাশ্বভাী দেখল ক্রেড়ার মাধার মতো নড়বড়ে কানটা দ্রাছে। ওটার নড়া দেখে একট্ হাসল লাশ্বতী। ভূলে গেল বে সে ঝগড়া করতে এসেছে।

একটা ৰাজ্য ছেলে লেভিড় এলে গণেশের লোকানের দরজার মুখ বাড়িরে বলজ— ললিতদা, মাসীমা ডাকছে, একজন বলে আছে আপনার জনা।

রমেনকে বসিরে ক্রেমে ললিত উঠন, বলল—তুলসী ফ্লসী কেউ এসেছে। দাড়া, দেখে আসি।

বরের পরজার পা সিরেই পাশ্বতীকে দেখতে পেল কলিড। লাফিনে মোচড দিয়ে উঠল ক্র। ধঞ্জাস দাব্দ হল দারীরের মধ্যে। হঠাৎ যেন বংশ হরে গেল বাডাস। পারের নীচে দ্রেদ্র করে কেপে উঠল মার্ডি।

—আপ্রীন !

শাশ্বতী উঠে দীড়িরেছিল। দালিতের ধারালো উচ্জনে মুখখানা একপলক দেখেই চোখ নামিয়ে নিল শাদ্বতী। কোনরকলে বলল—আমি, আমি একট্র এলাম।

ভারপরেই সে অবাক হরে টের পেল ভার

আর কোনো করা কশার নেই। জবা নেই। আন্তেক কানেক নিকেকে সামলে নিক কানিক। করে অনুস্থান সম্ভূপণে নারের চৌকটাতে কান্তঃ।

শাল্বভার খ্য ক্সড়া করার করা। সে করতে একেছিল—কেস আপনি ঐ কাথ করতে গেকেন? আছে আপনার কী বাধ' ভিত্ত

বিশ্বু সৈ কৰা না বলে সম্পূৰ্ণ করা কৰা বলল পাদ্বতী, বলল—কাল আহি ওবান বেকে চলে পিরেছিলাম। আপনি ভাতে রাগ করেননি তোঃ

উত্তরে কলিতের বলার কথা—কো আপনি ওরকম করকেন? হিঃ হিঃ কাহিছ। থেলে গিরে সক্ষরের পেটে লাখি মেরেছে, আমার পলা টিপে ধরেছে। কেন আপনি আমাদের ম্যারেক্স রেজিস্টারের সামনে বে-ইস্কাত করকেন?

কিন্তু সে কথা বলল না লালিত, বংং অপরাধীর মতো মুখ নামিরে বলল-না, আপনি ঠিকই করেছিলেন।...বিমানের সাধ্য এখনো আমার দেখা হয়নি, দেখা হল ওকে বলব—সাবাস!

শাশ্বতী হাসল। ভার সালা ছোটো ছোটো দাঁতে সকালের সতেভ লো ভার শেরারা সাভার সব্ভ রডের একটা ভাল বিক্ষিকা করে গেলা।

हारहेद काम जात हिट्छ छाछात (भावे हार्ड या वरत हर्कमा। शास्त्र श्रुट्क हाता हार्मि। वममा—मीमाछ, फूटे अकडें हा व्यवि? करत एएसा?

—না। ললিত ব্লল—রয়েন লোকানে বলে আছে।

মা লংশবজীকে চা-টা লেয়। বলে--একট্ বার্ড। এ বাড়িতে প্রথম এলে। ধার।

জা রেখেই লালিভের মা ভাড়াভাড়ি চলে বার। মনে মনে বলে—ঠাকুর, ঠাকুর...

মাখ লীচু করে বলে ছিল শাদবতী। হঠৎ
মাখখানা তুলো বলল—দেখাদন, আপনার
অনুখ সেরে বাবে। আমার মেলোমখাইয়ের
একদম সেরে গোছে

বাবে! সেরে বাবে! হঠাৎ বেন ব্রেকর
মধো জল ছলছলিতে ওঠে ললিতের। আহা,
বিদ সভিাই সেরে বার! সেরে গেলে সে
একদিন টোপর মাধার বাদ্যি-বাজনা বালিরে
গিরে শাশবতীকে বিরে করে আনবে...

শাশ্বতীর ছেলেমান্বের মতো সভেজ ম্থধানা আছবিশ্বাসে কঠিন হরে বার, সে বলে—দেশবেন...

গুরুকমভাবে বদি কেউ চার, ওরকমভাবে বদি কেউ বলে ভাহলে ' কীভাবে মরবে লালভ? কী ভাবে?

ঠোঁট কেংশ গুঠে ললিভের। চোগে জল এসে বায়। দুবেলিভা! কই, এভজাল ভো এইকম দুবেল লাগেনি নিজেকে?

(**200**1)



অনিবারণীয় মাত্তা

কীক্ষ কিংবা ঐ ধরনের গালভবা

একটা নাম ওর ছিল অবশা; আজ

অবংগলিত ধরে পড়ে আছে হারার
সোলগুনার সাটিফিকেটে, কলেজের রোলবানর খাতার, আর খারতো বা বাবানমার
মাতিত। পাড়ায় ক্লাবে, বলাসেও নাস
গাকোর জলসার, কফি হাউনের বংশ্বে
বংধ্বা তার অসংখ্য পার্টিত অধাপার্টিভের কাছে—সে মান্তা। অনিবার্যা,
অপারিয়ের অপ্রভারাধনীর মান্তা।

কথা সে আহার, বহা দিনের কথা, আলার ফোডে: পাত—এবং চাপ চাপ বাল, কথাতং শন্তার কারণত বটে। বিন্যু নোটিলে, সময়ে অসময়ে, দামদাম করে ভারে ধামধান আবিভাব দরজা ঠেকে, গাছিলে ভেবার একটাও ফারসভে না দিয়ের আমার ঘরে ভার উচ্চনাদ বাচিক -প্রবেশ: এবং অভিবাদন কিংবা প্রসংগানোর সাধারণ রাভিন্নীতি সোপনগালে: বেমালামে টপাকে সোজা মার্থম থেকে তার কথাবাতার আরম্ভ, দ্বোর ভোড়ে। নিভি<sub>ন</sub>্তন স্বাচন ভার माथाय, नामा विकास नामान तकरमत वर्षे লেখার পরিকল্পনা : ভাক্ত ভোরেরিকার নিয়ে সমস্যা'—কাল আধ্যনিক লিলেশর ইডিং।স ও তাংপর্য', পরশা, বাংলা কবিতার ফরাসী সাহিত্তার প্রভার ধ

প্রোচ বরসের বার্তাপন্ত নিরে জামি পেরে

উঠি না এর আগ্রহের সপো ঃ গ্রে সমর্থনি
করলে বে চলবে না, জামার সজিয় সহযোগিতা চাই প্রতিটি বাাপারে। তবে রক্ষে
এই মাণতার কোনো উৎসাহই তে-রান্তির
সোরায় না, এক প্রকাশ থেকে জারেক
প্রকাশে তার হরিশশিশ্র মতো অবাধ
বিচরণ, একট্ বেশি দ্রুভগতিতে।
শরমেশ্বরতে ধন্যবাদ।

#### जनादनक ट्राट्य

একারের শিরোনামা ঃ কান্যদের চোতে পানরা (নেহাংই অভ্যর্কতিশিকালীন নামকরণ, ফাইনাল নামায়ন এখনে। বিবেচনাধীন ঃ
বোলাবালাও একটা টাইটল দিতে হবে,
ফারার; দেখবেন মার-মার কাটডিড')।
বইটইও বোগাড় হরে গিরেছে ভার—
কলেজ ক্টীটের প্রেনেনা বইরের বলকান
থেকে সম্ভা দরে কেনা সব বই। সম্ভাবা
স্চৌগারও টেরি। প্রথম অধ্যারটাই মাণ্ডার
বভানা আগমনের হেতুঃ ফারাসীদের
চোবে বঙালীরা'। অন্যান্য অধ্যারগ্রেমার
নাম দেখিনি, ওবে আন্যাক্ত করতে পারিঃ
ক্রোন্যের চোকে চোকে লিখ-সম্প্রনায়', এক্রিমোন্যর
চোবে ওভিয়া সমাজ'...

মাশ্রা স্টান একটা বই লিখে হাজির: ভঃ প্রিভার্টিভ 'কান্ধীর সংগ্রেভারতে' নামক १६५ भी छन्य। इन्हरूक डेरेमा म-राग्ने আয়োরট আয়োর ব্যক্তিগুড়ে সংগ্রহ হৈকে ১৯৬৫ সাজের ২৫লে জ্যোই নিশ্চনত হ যুদ্ধি, লোটবইয়ে আজ্ঞ ভারিথটা লেখা রায়ন্ত : অধ্যণ ছিলেন প্রেক্সার, নি. সাজনবার আপনাকে আলি 'বিটো করব না। শ্বাহ ভাবছি কি করে বে-কত হাত যুরে—শৃংখল-যাত্রার উপসংহারে প্রেসিডেনিস ক লভের রেলিঙের ধারে ভার গতি হল। এই গোরেন্দার্গারই হবে বোধ হয় মণ্ডার পরবতী গবেষণার বিষয়। বভামানে অবশা সে চার আর কিছা নর, শাধ্য তার উদ্দিশ্ট গ্রন্থখানির এক বাংলা সারসংক্ষণ-এবং লেখ্য কর মভাষতের উফার আমার প্রতিকিয়া।

THE YEAR

धाः व मिराम शिका ১১०১ मारमा रणस्वत मिटक स्मामाधीयम देवेक-स्मातंत्रा গাংশীক্ষার সহযাতী হতে ভারতে আসেম ? रवाच्याष्ट्रेरक मामाज अल्ल निरमक मर्ट्स भाग्धीकाँव मर्टन छ एत्र विराहम दह है পালিস এসে গোপ্তার করে নিয়ে ব্রু এহাস্বাকে। প্রিভা-দম্পতি তথ্য কিছু দিনের জনা আমেদাবাদে চলে আদেন: সেখানে থাঁৱা আহিস্তা গ্ৰহণ কৰেন আডুমিবাল স্থানের কন্যা গান্ধী শিক্ষা মীরাবেনের। তারপর ভারা একে একে পরিবর্শন করেন আলা ও ফভেপনে সিফি বেনারস ও সারনাথ। তাদের সাক্ষাংকার ঘটে দিল্লী ত বভকাটের সংখ্যা আরাকপারে রবীক্ষাথের সংগ্রে সিংহল হারার পথে সিংহল থেকেই ভারা কের জাহাজে ভাঠন ৷ মহাবলীপারমা ও মাদারাই রর মন্দির্গালি ভারা দেখে বান। সব মিলিয়ে এক মাসের কাছাকাছি তাদের ভারতে অকথান এবং জাল-পরিমাণ এত কম বলেট এই ২৪০ পশ্চার জনগ্রাহিনী রচনার প্রলোভন জর করা বোধ হর তাদের পাক দার্হ ছিল। এক পারো বছর থাকলে তার: ২রটো ২৪ পাতার বেশি লিখ্যতন নাং আৰু ভারতে দুশ বছর বসবাদের পর ভারতের বিষয়ে কোনো বই লেখার কংপনাও ভালের মাধার আসত না। নিজের কথা যদি বলতে হয়, বলব, দেও বালোৱন বেশি হাত চলল আমি বাংলা দেখের বাসিন্দা তথা বাঙালীয়া মাছ কোত ভালোৱাসা কিবো বেভালীকা আভাপ্রির জাতি' গোছের সাধরণ একটা সমাচারত পারোপারি আত্মবিশ্যাদের সংগ্র निट्य फेठाड शादि ना।

#### गान्दी-क्रीतक

গান্ধীনীর ব্যক্তিরপ্রভাবে প্রিভা মুন্ধ।
গান্দিনের বে জানকগানি ও'কে প্রেপ্তার
করতে এসেছিল তাদের আচরাণ তিনি
সপ্রাধ্য সম্প্রমানার কলা করেছেন; ভাষাকের
কাশেন ছিলেন বিনি, তিনি তো
গান্ধীঞ্জীকে খান্য করার জন্য কতানা
করতে প্রস্তুত ছিলেন, অগ্য তাঁকে কোনো
কিছা করতে দিয়েও গান্ধীজী ছিলেন তেমনই

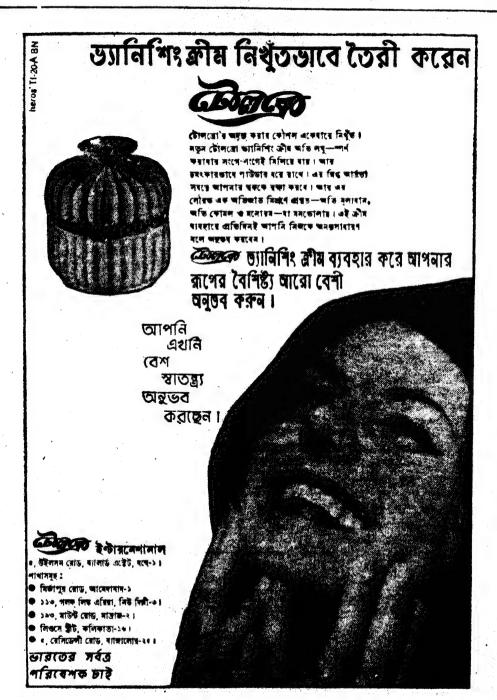
काः अपन जानाव

# বিবাহিত জীবন

বিভার খাত প্রকাশিত হইল গ্রাপ্তথার খাত ১০ স্ব বিভার খাত ১০, মিলনের আসনভঙ্গা এই প্রত্তের প্রধান আকর্ষণ। প্রাইমা পাবলিকেশনাস । ৮১ মহাত্মা গাখ্যা রোড । কলিং ব নারাল—ব্যোতেন জাহাজের ডেকেই, চতুর্থ রেলণীতে প্রমণের অভিজ্ঞতা থেকে বঞ্চিত না হতে দ্রুদেক্তকণ; আর স্কটল্যান্ড ইয়াডোর ঐ ন্তেন ব্যক্তি, ইতালার রিশিস্তিত সম্রুত্ত থেকে বারা তাঁকে র্মাল নেড়ে বিদার জানিরেছিলেন, "তিন মাস ধরে একবারও ডারা তাঁকে চোথের আডাল করেনি, পারেনি তাঁকে ভালো না বেস;

ওলের একজন মারের মতো সেবা করেছিল তার, বনে বেড়াত তার বালিল আর চানর, পথে পথে তার চওড়া ব্রুত তাঁকে আগলে রাখত।"

জাহাজের উপরেও জীবনবাতা চলত আশ্রমের ধরনে : ভোর চারটের আর সংখ সাতটার প্রথমিনা, প্রতিদিনই এক খেকে দু' কিলোমিটার পরিমাণ - সুডো কাটা, ফি- নামবার মৌনন্তত-প্রিক্তা বার আখা
দিরেছেন রসনা ধর্মঘট'। "কোনো রক্ম
গোলমালেই তাঁকে বিচলিত হতে দেখা বৈত
না." প্রিক্তা জানাজেল "আর নিয়াও তাঁর
ইচ্ছাধনি ঃ নিধারিত সমরের আগে কিছুতেই
তার অ্য ভাঙবে না। ধন্ম লেখেন, কাঁক্
ধেকে মাছি তাড়াবার ফ্রেসংট্রকুও নান না
ভান হাত ক্লাণত হরে গেলে বাঁ হাতেই কলম



ধরেন। আর ডেকের উপর দিরে হাটেন এক মুড বে সেই সমঙ্গে ভার সংগে কথা বলতে গোলে বে-কেউ দ্র-দশ্ডেই হাঁপিরে ওঠে।"

প্রিভা বিশিষ্ঠ হরেছেন গান্ধীজীর অফ্রুন্ড সমরণশান্ধ আর লিখন-দক্ষতা দেখে। রোমা রোলার মতোই তারও অভিমত ঃ "গান্ধী মতান্ডরের সন্মন্থীন হতে ভালোবাদেন ঃ বত বেশি তার সংখ্যা আপনি নিবমত হবেন, ভত বেশি বাড়বে তার বংশ্তা।"

গাগধীকীর রাজনীতিক বৃশ্চিভণিগর উদারতাও প্রিভাকে আকর্ষণ করেছে খ্র ঃ শ্বাধীন ভারতের সংগ্যা রিটেনের সম্পর্কা তিনি অক্রের রাখতে চান বাতে তারতবর্ষ ভবিষয়তে দক্ষিণ আফ্রিকার নির্বাতিতদের সাহায্য করতে পারে। স্বদেশের স্বাধীনতা তার কাতে অপরাপর দেশের শ্রুপ্রমন্তির উদ্দেশে পদক্ষেণ।"

প্রিতা যেখানে যেখানে গিরেছেন, সর্বন্ত তার সবচেরে মুল্যাখান পাসপোটের কাজ করেছে হ'-লাইন ইংরেজী আর তিন লাইন হিন্দীতে গাংখীজীর লিখে দেওরা এক পরিচরপরের চিরকুট—ঠিক জাদ্বে মতোই অমোধ ও ফলপ্রসঃ।

গ্রাধীজীর কি-অসীম প্রভাব সেই স্ব মেয়ের উপর বারা তার নাম নিরে মদের বারগর্নিতে ছারে ছারে সারাসক্তদের চেতনা-मणारतत शक्ताम करत् व्यन्द्रतारथ छेनरनरम इ 'छारे, এভাবে धन्तम कदावन ना नित्काक. নিজের দেশ ও জাতিকে, স্বরং মহাস্থাজীর এই আবেদন আপনাদের কাছে।' আপন ম্নাফার শত্র হলেও এই নারীদের স্থ্যান জানাতে অপারগ হন না বার-এর মালিক. কখনো কখনো স্বতঃপ্রবৃত্ত হয়ে এ'দের জনো চেয়ার পেতে দেন ছারার। বিদেশীরা অন্যানই করতে পারবে না, এইভাবে প্রকাশ্যে খোরাফেরা কোনো ভারতীর রমণীর পক্ষে কতথানি সামাজিক ঝারি। সপ্রশংসভাবে এ'দের মনোভাব লিগিবন্ধ করে গিয়েছেন গণেমাণ্য অভিথিঃ 'এ শাধ্ দেশপ্রেম নর; শুর ভা-ই হলে আন্দোলনে আমরা এতথানি খনিষ্ঠ ও সন্ধির অংশ নিতে পারতাম না। আমাদের মুল প্রেরণা— আমাদের নেতার আশ্তরিক শ্রচিতা। গাশ্বীক্রী আমাদের মধ্যে জাগিনে ভোলেন পরিপর্ণ আন্ধা। আমাদের এত কাছের মান্ব তিনি, এত আশ্চরভাবে বোকেন মেরেদের মন 'একাধারে তিনি পরেহে ও নার**ী**।'

#### नक्न दरत्नत ज्ञानी दन दन...

থা মন্দের প্রথম পাঠেই একটা সভা স্পর্ট ধরা পড়ে: ভারত ও ভারতীরদের প্রতি ফরাসী ভারত-পথিকের আবেগমন্তিত শিক্ষণাত। গাম্ধীর প্রতি তার অপরিমের অনুরাগ গাম্ধীর বেশের উপরেও সমান- রভিন চণমার তাঁর প্রতসাধিত দেশ-দর্শন ঃ

"এ-ও কি সন্তব, এমন দরার্গ ও

অন্কেশণী জাতির অস্তিত আছে প্রথিবীর

ব্কে? বে-কেউ বে-কোনোজানে নিরাপদ,
এমন কি রাত্রেও। মেরেরা
পাশ্চান্তের প্রধান নগরগ্রিসাতে বেসব
আশ্বনা আছে, তার কশামারও এখানে নেই।
নিরাপত্তা বিভাগে কর্মান্ত এক ইংরেজ
ভালোকের মুখে শ্নলাম, তিরিজ বছর
চাকরিতে আছি, এমন স্ক্রের জনসমাজ আর

কোধাও দেখিন। মেরেরা একা একা বে-

কোনো জারগার বেতে পারে, কোনো বিপদের

ভন্ন নেই। পৰে পৰে পাহারাদার খাড়া নেই হন্নতো, কিন্তু লোকের হৃদত্তে আছে সদা-

জাগ্রত প্রহরা—আর সেটাই অনেক নিরাপদ প

ভাবেই কভেছে। সহান্ত্রভির ও সম্প্রীতির

সংবেদনের এক স্কা আবরণ যিরে রাখে বা কিছু অতীব ব্যক্তিত। পাশ্চান্তা দেশের তুলনার এখনে গলা চড়ে কয়, অপমান করার দৃশ্টাশ্তও বিরলা। খ্ব বেশি কুন্থ হরে পড়েরে একজন তামিলভাবী তার আগন ভাবার সবচেরে তীরভাবে বা বলতে পারে, তা হল ঃ 'দেখুন, দেখুন, এবার কিন্তু আমি একটু উর্ভোজত হরে পড়িছ।' বস্তুত, ভারতবর্বের পাশাপাশি রুরোপকে মনে হয় আমার্জত। আর ভা তো হবেই—বে সমরে ভারতবর্ব বড়্দশনে নিমন্দ্রিক, আমরা ছিলাম তখনো পর্বশত বর্বরঃ ভদ্র ও শোভন আচার-আচরণের দিক দিয়ে আমরা বে দ্ব' হাজার বছর পিছিরে আছি, সেটা

কলকাতা সম্বধ্যে প্রিভার অভিনত ঃ মিছিলে একটা খা্বিরও বন্লা দেওরা হর না একটা লোম্ভি নিক্ষিত হর না, শ্তধলার

আমাদের দোষ নর।"

পরাকান্টা বিরাজিত এখনে এবং জনগণ সাহসিক।

প্রায় সব কিছুর জনোই ভার আছে
ঔদার্যসিন্তিত ভাষাঃ হিন্দু আর মুসলমানদের পারস্পরিক সন্পর্কে বে তিবাতার
আভাস মেলে, ভা তার মতে ধমীর নর,
রাজনীতিক, বিলেতী প্রবা বর্জনা আন্দোলনের একটি শোভাষাতার সন্মুখীন হরে
ভিনি মন্তব্য করেন ঃ "বে উন্দীপনা
মানুকের বিরুদ্ধে ভরাবহ হরে দেখা দিভে
পারত, এই ব্রকট তাকে বন্তুর বিরুদ্ধে
চালান করে দিংস্লছে।"

#### मारक मारक बढ़े कि'एक किन जान

ভব্ দাকিগাতো গাংশীজী কথাণ্ডং বার্থ হলেছেন বলে প্রিভার ধারণা। এক তামিলভাষা ভদ্রলোকের উত্তি তিনি স্মরণ করেছেন ঃ 'গাংশীজী নিজে খাীখেই দুখেতা
অজান করেছেন, সে শুখেতা এমন পরিপূর্ণ বে কোনো মালিনাই তাকৈ ছাতে পারে না।
কিন্তু আমরা তো আর এত উচ্চতে উঠতে
পারিনিঃ সেক্লেরে অসপ্শানের সপশা করে
কিভাবে শ্রিচতা হারাবার, ঝা্কি নেব

একমার বে জারগাটি তাঁকে আনদ্দিত করতে পারেনি, তা কালীঘাট। গাংশীজা তাঁকে বলে গারেনির কালীঘাট। গাংশীজা বিত্ক করেনে, বাদ দেবেন না তার অংশকার দিকগালা। কলকাতার গিরে কালীঘাট দেখুন—তা যদি আপনাকে হিন্দু ধর্মের প্রতি বিত্ক করে তােলে, তব্ও। সৌভাগাত তা ছাড়াও অন্য কিছু আছে। মান্দিরের চেংল মেলা ব লই বেলি মনে হর কালীঘাটের মান্দরকে;



बामानान कितिकाता, करियह कर्रिका बारमत नर्वद्रशास्त्र विकेश

বেরিরে এসে কি স্বশিত! বেন পলক্ষাত প্রিভা ব্রুতে পারেন, কেন খ্রীষ্ট চাব্ক হাতে মুনাফাখোরদের উপাসনাগৃহ থেকে বিতাডিত করেছিলন।

#### रक्षारमामा के किस कि

উংস্কেভাবে প্রিভা কড়ির নিরেকেন রেল পথের বহু বিচিত্র অভিজ্ঞতার টকরে ঃ ভ্রামামাণ ফিরিওরালা, কাধের ঝালতে ৰাদের স্ব্রোগ্রহর বৃত্তিকা, পেশ্সিল কটা ছ্রাড় কিংবা সাধান, আরু সলো দিবভাষী প্রস্পেক্টাস: বাণিমতার সুপেটা নিজ নিজ পণোর প্রেণ্ঠতা ও কার্যকারিতা সম্প্রে সান্দর বস্তুতা দেয় সপ্রতিভভাবে। অধে ক লোক শোনে, অরে বাকিরা ঘুমোয়, বু'কর উপর দু-হাঁট তলে জুণভাগ্নমায়। ভারপরই উঠে এল অন্ধ গায়ক। এখানে-ওখানে ধরা পড়ে জনকরেক ভরত্র টি। বিনা টিকিটের বারা 1, গার্ড এসে খেদি র নামিরে দের যাদের, আর তব্য বারা শেষ म,रू.एवं ठिक छेळे शर्फ धकरे छोता जना দিক দিরে..। কামরার সহবারীদের কথা-বার্তা কাম পেতে শোনেন প্রিডা, কথাবার্ডার বিষয়বস্ত বেটাক বোঝেন ভাতে অবাক হয়ে বান ঃ সতা, প্রকৃতি, সংসার মৃত। বিবেক। রারোপে এসব নিরে আলোচনা শারু করলে আপনাকে অবধারিত পাগল ভাৰত স্বাই।

পথে যেতে থেতে প্রিভা লিপিবস্থ করেন, ট্রেনের জানালা দিরে দেখা কত ট্রেবরো ছবি ঃ গরের পিঠে বসে থাকা কাক, দেওয়ালে



কলদী মাধায় জল-ডৱে-খরে-ফিরে-চলা মেরে

খাটের বাহিনী, কলসী মথোর জল-ভরে-ঘরে-ফিরে-চলা মেরেদের ছন্দসমুব্যা-ভরা জন-...

তিনি লক্ষা করেছেন, ভারতে দিবারাটির চক্তে কোনো বিরতি নেই, দিন ফ্রোবার পরেই নক্ষ্য-ফোটা আকাশ, মাঝখানে কোনো যতিছেদ চোখে পড়ে না। আরেকটি পার্থকা অবশা হল ভারতের শভ্চাদ, শিং দুটো বার উপর দিকে বাঁকা, চন্দ্রবিক্ষ্য ধরনে, রুরোপে চাঁদের বক্তা শুধ্য ভাল দিতে অথবা বাঁ দিকে।

ভারতীর কালেন্ডারের ছবির বৈশিন্টাও প্রিডা উল্লেখযোগ্য মনে করেছেন ঃ কোনোটিতে সিংহবাহিনী দুগা. কোনোটিতে কারারুখ গান্ধী, আবার কোনোটিতে জাতীর পতাকা হাতে জহরকাল।

অণ্যক্ষহলে সামান্য উ'কিখ<sup>\*</sup>্কি দেবার অবকাশ পেরেছেন প্রিচ্চা, টুক্টাক বা দেখেছেন গেখে রেখেছেন মনে ঃ বরের দোরগোড়ার, দরকার দ্ব' পাশে ছেড়ে রাখা লাদ্কা ও চটিন সার, রামা করার চুলা [ যাকে তিনি বলৈছেন পারিসের কামে-গালিতে, বীঞ্চিকার ধারে, দীতবাল জ্ঞালানো রাসেরো-চুলির এক ক.৪ প্রকরণ ], সারা দিনবাাপী মেরেদের ক.চা. কাচি, ঘাবাঘার্য রাড় পোঁছের পরিশ্রম-যুর কঞাল সবই আশ্রম নের পথের উপর।

মেকেতে কিংবা পি'ড়িতে উপবেশন হত কঠিন লাগেনি প্রিভার, কিন্তু ভারি শরু ঠেকেছে উপবিশ্বী অবস্থা থেকে শোভন ও সমুভত্ত ভাবে গাতোত্থানা। এই বংগীয় ধরে বাবা হয়ে বসা এবং অবলালাক্তমে উপে গতা এই হতভাগাকেও স্বিশাল্য করেছে কম নতা মাকে মাকে ভারি এই অক্ষমভানার মাকে আছে এই তথাটা যে আমাকের কৈশর আমরা কেওলেকাঁকে ভারতীয় কার্পত্র বর্থের বর্থনার ব্যং ব

#### লাখারণ মদ্ভবং

সমন্ত্র অলপ কিন্তু ঔংস্কা তাঁধক—কাল সাধারণাঁকরণের দিকে তথাক প্রাভাবিক। প্রভার মতে এ দেখের রাজনাগতির কেন্দ্র বোম্বাই, সাংস্কৃতিক কেন্দ্র কলকাতা এর মান্ত্রাক্ত স্বার উপর ধ্যাক্তিয়ের তাহন; ভারতাঁরদের স্নায়জ্ঞান আখানের থেকে আলাদা—শাশেখীকে বাদ দিলো, হিনামুতাই সমন্ত্র বাদানের সম্পূর্ণ আচেত্রম…; ঠিকানা গ্রেলাও অপপত্য, সংখ্যাকে যেন তারের ভাষণ ভন্ন, ভবে বাড়ির নাম তারের কউঠপন…; পরিচন্ন করিয়ে দেওয়ার ব্যাই ভালের মেই…

আর সতি, মাঝে মাঝে মাড্রির ন্বরে বা
কটিলতা দেখি...১।৩৬।বি-২ গোছের
মাথা-গা্লিরে-দেওরা ঠিকানার থেকে অনেক
বেশি সম্তিসহ ও স্বিধাজনক বটতলার
মিন্দের বাড়ি' কিংবা 'মাধবী-নিক্জা বলে
উল্লেখ। আর ধর্ন, সেই বাড়িতে আগনি
ঘণ্টা দামেক কাটিরে এলেন, গলপ করলেন
সবাই মিলে, গান গাইলেন বাচ্চাদের সংশ্যে
একতে বলে বহুপদ নৈশভোজ সমাধা
করলেন, ভারপর পান চিবোতে চিবোতে
বেরিরে এসে; বাড়ি ফেরার পথে ভারতে
ভারতে চললেন, ঐ যে বড় ঘরের কেপে
কলে ছিলেন প্রেট্য ভদ্রলাকটি, উনি কি
গৃহকভার মেজো শালা না কি গ্রিবেণীর
মামাধবশ্রে...

"তাহলে", মান্তা শুধোর, "ভাহতে আমি লিখে দিই, কাদার, ও'র মভামতের সংগ্ আর্শনি মোটাম্টি একমত ?"

"লিখে দাও", উঠতে উঠতে আমি বলি, "দেশ পাঁচকার 'ভারেরির ছোড়া পাত! পড়তে—আর কলেজে ঠিক মতো পেণিছোতে চাও বদি, একটুনি কেটে পড়।"



जित देश रहेल अनुर पूल छेश वक्त करत माथा अधा ताथ

তার্ক্স শতাব্দীর স্মুনামের উপর প্রতিষ্ঠিত

#### এৱা আৰু আমবা

দিল সৌভাগ্যক্তম স্বামী রঞানাখা-भि <sub>माञ्चर</sub> माल्या एपचा हता राम। আন্ত্রীক্ষীকে ভারতবর্ষে অনেকেই ব্যক্তিগত জ্যার চেনেন। রুপানাখানক আর শিকাগোর र्धानमञ्जूष ভাষ্যানন্দ সবে वित्वकानम মিশিশান প্রদেশের Ganges Township rord fargreat Ganges Township ভাষাদের জাহুবীর নামের ছোট শহর। লিলিলানের কোনৰ গভনবি নাকি ভারতের প্রতি আকৃষ্ট ছিলেন। আরও দ্ভারটি ভারতীয় নাম তিনি দিয়েছেন দেশকে। মাই হত আগোড়ত Ganges Township মহাতীর্থ। সেখানে «স্বামী विद्यकान्तरमञ्ज नाट्य मठे न्याननाव छिति ছয়েছে। ভারই মহে।ংসবে পোরোহিতা করে চিবেভ্ন ব্যালীজীবা। হাজার হাজার মানবে একট হয়ে ভারতের দিকে চেরে প্রার্থনা করেছে। শানিত দাও, আত্মাকে সাথকি করে। এ প্রাথনিয় আন্তেক্তর নহ। ১৮১৩ সালে স্বামী বিবেকানন্দ যেদিন শিকাগো শহরের ধর্মা সম্মেলনে সাধীজনকে সংখ্যাহিত করেছিলেন সেদিন থেকে কেমন করে বেন এ প্রার্থনা ছড়িত্রে গেছে দিকে क्रिका

শ্বামীজীর সেদিনের কথাও স্বাই **9**573334 1 World Parliament of Religion-এর বৈঠক বস্তে শিকালেতে। শ্বমজিীর নিম্নতণ ছিল না। ভক্তরাধ্রে বসলেন তাঁকে এ সভাতে যোগ দেবার জন্য। কজা মহারাজারা অর্থ সাহায়া করতে প্রস্তুত। তবু মহাপুরুষের মনে সাড়া আসহিল না। এমন সময় ঠাকুর দশনি দিলেন—নরেন তই আরু যেন ঠাকর সাগর পাড়ি দিক্ষেন আর ভাকছেন নারেন पूरे आहा।' नरहरनंद आह न्विधा हरेल मा। শিকাগো পেণছৈ স্বামীজী দেখকোন বৈঠকের মাস দুই দেরী। হাতে প্রসা কম। <sup>বস্টনের এফ সহদয় মহিলা স্বামীজিকে</sup> অতিথি করে নিয়ে গেলেন। থেকে হার্ভার্ড বিশ্ববিদ্যালয়ের গ্রীক ভাষার অধ্যাপক রাইট সাহেবের সঞ্জে অসাপ হয়। দিন পনেরো আ**লাপ** আলোচনার পর শানীজ বললেন ধ**ম সম্মেলনে** তো তাঁর নিম্বরণ নেই, অথচ তিনি কিছ, বলতে চান। রাইট সাহেবের তখন তার উপর অগাধ ভব্তি **জন্মেছে! বললেন, "স্**রাকে কি কেউ আলো দিতে নিম্বল্ল জানার?— তোমাকে ধর্ম সন্বল্ধে বলতে অনুরোধ করা Tel "asking the Sun to shine!" আবার শিকাগো, আবার পথে পথে বোরা। এবার থাকবার মধ্যে ছিল রাইট সাহেবের একখানা চিঠি বা পরিচিতি পত্র আর বা



কৈছা স্বামীজি কলতে চাল ভার একটা খসভা। কোন কেন্টারেণ্টে বা হোটেলে তথন কালো মান্তবের প্রবেশাধিকার ছিল ना। क्रान्ड, चाड्ड नजानी घटन घटन <u> পাগরের মত অথৈ পারাবার লেক মিশি-</u> গানের কাছে পৌছে একটি গাছের তলার অবসর দেহে বসে পড়লেন। ক ছেই Dearborn Street-a engen A . লীয়তী তেল। কেয়ন কেন তাঁদের মনে হলো স্বালীজিকে দেখে। ভলে যরে নিয়ে গোলেন : স্বামীজির প্রেট থেকে ততক্ষণে মাসাবিলটোক পর্যান্ত হারিবে গেছে ৷ তা হক। পার্লামেণ্টের বৈঠকে আহতে স্বামী বিবেকানন্দ সমবেত হাজার হাজার মানুহকে মুদ্রমাণ্য করে দিলেন। সেই সম্মেলনের সভাপতি বারোজ সাহেব তাঁর বইতে লিখেছেন যে দিনের প্র দিন সম্মেলনের এত্যালি মান্য অধিকেশন চালছে। সমান আগ্রহ নিয়ে এতটা সময় বৰ তা শ্বেতে পারে না। কথনও বা কোন অধিবেশনে সমবেত মনেষ ধৈৰহাত৷ হয়ে এদিক ওদিক উঠে বাবার চেণ্টা করছেন. বাবোজ সাহেব বান্ধি করে ঘোষণা করলেন, श्यक्षी विस्तवकारसम् अवस्त्र समस्य वनस्य । অমনি স্বাই চপচাপ বলে গেলেন। কথাটি নেই কারও মথে।

সেদিনও নিজা মেরে সিসিলির। স্মিছ্
দরজা খুলে বখন আমাকে বিবেকান্দদ
মালিরে নিরে গেলেন, চারদিকে দেখলাম
মার্কিন মান্ব। কে কোথা থেকে এসেছে
জানি না। তবে এসেছে সভ্যের সম্পানে,
শালিরের আহ্মানে। খগ্বেদের মহামন্দ্র,
মালিরের বাইরে লেখা—Truth is one.
Men call it by various names.

বসবার খনে শ্বামী ভাষানন্দ এসে
বসলেন। দক্ষিণ ভারতব সী কিন্তু পরিজ্বার
বক্ষকে বাংলা বলেন। বলনেন, আরে
জার্গনি যে বাংগালী। শ্বামী রংগনাথানন্দকে ভাকি। শ্বামী রংগনাথানন্দ এখন
বেলাভ মঠে খাকেন। রামকৃষ্ণ মিশনের
Institute of Culture-এ এক সমর নিভা
ও'র দশন পেভাম। বহুদিন পর এখন
বিদেশে এসে ও'র দেখা নেহাং ভাগা
বলতে হবে। কেরালাতে জন্ম শ্বামীজির।
বাংলা বলেন আপনার আমার মত। কভ
আপনজনের কুণল প্রাম করে কথা
ভারত্ত করলেন। রামকৃষ্ণ আশ্রমের ১৬টি

কল্য আছে উত্তর আমেরিকার। কার্ক্র ভলেছে আদামের্শ। ন্যামী রণ্ঠানাথ নাল্ কলেনে ওলের দেহ আছে কিন্তু আছার কথানে হুটে ক্লোর। বিন্তু, সম্পদ, তথা-অভিত বৈজ্ঞানিক বিকাশ সব সভেও দরির ভারতবাসীর কাছে অঞ্জীল পেতে চার আর কিছ্। আমরা শত দ্বংখও সেই আছার গান্তিতে বিশ্বাস করে আজও মরি নি। বিদি সে আছাকে উল্লীবত রাখতে পারি ভবে লোকিক কগতের বাল্যিক উম্বিভি হরতো একদিন পাকো। বদি আছার অথাং আমাদের চৈতনামর সম্ভার শেব হরে বার, বিদ্ পশ্চিমের মন্ত বিক্রিশত মন সভাতার আমরা পড়ে উঠি তবে আমরাও চাছাকারের মধ্যে বইলাম।

শ্ব তাল লাগছিল ব্যাষ্ট্রীকর ক্রম শ্বেতে। সম্পা হর হর। স্বাম্ট্রীক্রদের জনা কাল আছে। উঠে আসতে আসতে ভাবছিলাম সমসত অন্যারকা কেন, ইউরোপেও এই সমস্যা। শুমগুণের জভাবে

> বেলা দে প্রণীত সর্বভারতীয়

#### রামা ও জলখাবার

লাম—৩০০০ প্রতিটি স্হিণীয় অপরিহার প্রতক

ক্ষিকাডা প্ৰত্ৰাপৰ ৩, শ্যামাচ্যপ চদ স্থাটি, কলি-১২

#### চাণ্ডব্যকর আবিস্কার দৈনন্দিন একখেয়েমি থেকে বাঁচুন

অমেরিকার একটি অবিষ্কার — বা হাতে পেলে শেডিং ব্লাশ, সাধান আর **রীম আপনি** ছাড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই স্বা**ল্লথম** প্রবাতিত হলো।

সবচাইতে মজার হচ্ছে, এই আবিক্ষার কেবলমান্ত রেজর রেডের ক্ষেত্রেই প্রবোজা হচ্ছে—মুখের ওপর নত্র। কুইক-এন-ক্লীন এর (জিনিসাটার এই নাম) ব্যাপারে এইটিই হলো সবচাইতে অবিদ্যাসা ঘটনা, অথচ এই দিয়ে আপনি অভি প্রভ ও চমংকার শেষ্ড করতে পারবেন।

আপনার রেডের প্রাত্তে এক কেটা কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্, ভারপর মুখ জল দিরে ভিজিরে শেত করতে থাকুন। আপনার কেজর বখন গাড়ির ওপর দিরে ক্রপ্টের মত কোমল স্পান্টর করতাহতে বড় বিদরে বাবে, আপনি করবেন। বারের কিক দিরেও এটিতে সাল্লচ্চ হর। এক বোতলে তিন রমে চলে।

লবাৰ উন্দেশপূৰ্ণ। উন্দেশ সভাচার
দক্তম্ব কিলে কোবার বেন গার্থ দ্বাতা। আমি ভারতীর মেরে। মোটা-বুটি রক্ষাশীল আবহাওরাকে আনি। এই দ্বাতা উপলিখা করতে কন্ট হরনি। সবার
বুনে থা এক ক্ষা। কিরাট এক ক্ষাকি ভারা
নিক্তকে দিক্তে প্রদাতর নাম ধরে। আর
প্রস্তির খেলার ইউরোপ আর্মেরকার
করেরা ভোসেত্র ক্রেলেরে চেরে ভানেক
বেশী।

অক্তালে ডালের বর ছিল; এখন কোন কথন সকলকে বাঁথে না। সমাজে কোন আচরণই নিশ্ননীর নর। সবই সবাই মেনে লের অথবা অনোর চাল-চলন নিরে কেউ মাখা বামার না। ফলে উচ্ছৃত্পল, আনরমিড, বিশৃত্পল বংলছাচারী মেরেরা সংসারের চিরাচরিড প্রথাকে পিছনে ফেলে আসতে চার। সবাই এমন একথা বলছি মা। সবাই বেদিন হবে সেদিন প্রলর বলিরে আসবে। মার্কিন দোকানে কোন-কাটা করতে গেলে, মার্কিন দোকানে কোন-

আমাদের প্রকাশিত কয়েকথানি শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

अस्तरण आसीरमागात जातास जाननिष कवादिग्ठितस १९साठिका व गारिलाला

काषा ६ जतात्माच्या ५-००

●तर्पूर्णतत्र तांठेक ৮40 ●कृककुरात्री तांठेक ७-४०

क्रकेत भूतायतकात साथ अनीत

● तबीताङ्ख टाइतम् - द्विवस्य •-००

● वरीवान्छ *प्रात्यः* - शहाञ •-००

● तरीतकस्र (गततः नुस्त्रस्य ७००

বি.বি. ব্রাদার্স এও কোং ১৯/১ ন্যামাচনপ দে ক্রীট কলিকাতা -১২ কোন: ৩৪-২০১৪

কোলিডাং ৫০ গ্রুজার পিশ্তল গাইনেশের প্রয়োজন নেই। লামেরিকান ধর্মেল। চোর এবং বলা জম্মুর হাত থেকে নিজেকে বাঁচান। পিকমিক প্রমণ এবং নাটকের গক্তে উপযোগী। শালির

বাবস্থাসহ অট্টোমেটিক চালকা ওজন
একা চোৰ বাবিনা
আবাদে আপ নাকে
বিপান বেকে বুকা
কলকে। বুকা ৫০

STA STA

প্রতিক্রায় নাই ৩০ টার ৯৩-৫০। জাখান ব্যক্তক নাই ৯৯ টার ১৫-৫০। জি. পি. পি সেক্ট' টার ২-৫০। চ্যাক্রায় কেল প্. টাকা। ক্রিক্টিয়ার প্রতি একশত গ্রাক্তিন ৫ টাকা।

GEM ARTS (WD 15)
Dames Mohaii. P. B. 1825,
Debit 6.

চিঠি ভাকে দিতে গেলে আলাপী মেরেরা
এগিরে আহে। আহা গো, ভোনাদের ভারতে

কি দৈনা, কি দ্বেধ। চক চক করে চেটে
ভাক টিকিটের আঠা ভিজিরে খালে আটিতে
আটতে বলে, লোকদখ্যে লাকি এখন
৫০৫ বিলিয়ন! এ বরনের গারে পড়া
সহাশ্ছতি বহা করা লক। চকামর
বেথৈ কোলনে করতে ইক্ষা করে। তরকে
বলতে ইক্ষা করে আনাদের এক নারিয়ো বা
সংবল আহে তা ভোমাদের কলনা শরির
বাইরে। আমাদের নিরম পরিবারের জননী
বে কি তা ভোমাদের বিরম পরিবারের জননী
বে কি তা ভোমাদের বিরম পরিবারের জননী

এই তো সেলিৰ সামিত ব্যৱস্থ কাগতে দেখলাম বাগ মারের বিজেনের পর ছ'বছরের টোনিকে চিপিলের আবাসে আশ্ৰহ নিতে হয়। প্ৰতিসে সে ৰাপ-মাতের পাত্তা করতে পারেনি। হরতো বা ছিপিদের হেফাজতে শিশুকে গছিরে ভারা কেরার र अतारे य वियास मान करतास ! कि अकता শিশ্বেশন্ত অপরাধ করে কের্লেছন লে। তাই তাকে মরলা, আবর্জনাপূর্ণ একটি कार्छत बारज यन्य करत न, मान वाका হরেছিল। স্থানটি কলোরেডো দ্বীর করেক मारेन न्द्रत, त्मारक्क मन्नकृमिरक। ১১० তাপমাত্রার ৫৬ দিম শিশাকে जेकार व বাঁরা রেখেছিলেন ভালের মধ্যে বুটি মহিলাকেও প্রিলস ধরেছে। সাজের জাত

ন,শংসতার এমন সব থবর আম্মা দেশে यामहे यर्थको भारे। जन्म अक इसकश्रक ব্যাসারের আভাস দেশে থাকছেই জেনে-ছিলাম। ইউরোপ পেরিরে আসতে **জাস**তে किए, किए, नजरत ना अरम्बर छा महा মাকিন দেশে তো রকম-সকম লেখে একে-বারে হতভদ্দ হরে গেলাম। অধিকাচিত কিশোর-কিশোরী, ব্রক-ব্রুক্তী স্বাদী-স্তীর মত দিবাি একর বাস করে। এদের ভাবার वावन्थापित नाम living together | जार्यानक পরিভাষার বিশেষ অর্থবোধক শব্দ! দার-দায়িত নেই, আছে আগলভাশ্যা অসংবত टेन्दराहार । यादा-मात्रा अन्य बृद्ध शास्त्र । ম্ৰ খ্লেও লাভ নেই। কৈলোরের সর্প্রেণ্ঠ कामना वाश-भारतत्र रन्तरहत्र मीक रहरक केरफ পালিরে বাওরা। বাপমারের সেকেলেপদা, ব্ৰশ্বিবেচনাহীনতা খেকে দৰে নং গেলে বদি প্রোপ্রি অগ্রগতি না হয় ভবে কিশোর-কিশোরী ভাদের নিজেদের সময়ত मान रमशास्य कि करत ? किरमावी रेकरमाव পার করেও নবলব্দ স্বাধীনভা সহ সময় **ट्टि**फ् ट्रम् मा। প্রপ্রিকার, living together নিয়ে বেশ সরাসরি লেখাও হয় : এক পতিকার পড়লাম living together en আনশ্বে বিভোর এক ব্রভীর শেষ পরিশাম। প্রেবৃতি বেশ কিছুদিন ভার অথে আমিরী करत, वाकी भग्रमाहे कु छात्र मिरत इंखेरतान বেড়াতে গেলেন ৷ বলে গেলেন Business...

এর সংগাদে কাজেন কলিন পরে জি বান্ধবা ভারবেংগে সংবাদ পেরেন ভার boy friend এক করালা নেরেনে বিবাহ করেছেন। সংখ্যে খাঁডিভ সারিকা কামেন, নারক ফলাই ভার করে অভিনন্দন জানাবার পরসাটাকু প্রকৃত ভার কাছে বাদ্দা রেবে বাদ্দান। Business ভালই হলো।

शरबबारडे करका जानदृत्वत् गुर्वाप रतथरम जामन यक रहकी रतरमत स्वरतक দ্রেখ হয়। জরার জন্মবিত মানুবের ক্রে नाम व्यरे अभावता शत्रमानवामा बहुका-वाकी जरबंद स्वारत किया जात्रास्य कांग्रेगात कांग्रेगात कांग्रेगा करतम, जाब बाद का ताबे काद जमा जात সরকারী ব্যবস্থা। থেতে পরতে পারে माबात छेना हान जाटह, जज्ञ करात क्त्यभव कारह। त्महे माथ काशनकता মমতা। বেখানে আছি ভার কাছাকাছি একটি ৰু-ৰ-ৰ-বাৰ আবাস আছে। ধনী বৃত্ধ-ৰুম্বা। ৰীলা কোলগালীয় সময়কতে বিয়াট नाफिरक रहाते रहाते क्याते करब क्रवशाला न्द्रका मान्द्र अकत बारकन, त्वम अक निरंगर সম্প্রদার। ভার মধ্যে ভারার লক্ষ্য ভবলার न्द्रकृत क्रदत न्यात मरना जलक वर्गी। মেরের। নাকি বাঁতে বেশীদিন। লোকচর্মে **चटके तक्षमी**, सहस बान्गारना धनाधनी व्यक्षन राज्याचा नाव्यीमात्री नगरक राज के गादका अश्मिकितमस्या दक्तकौदक्रको धान। नामरन बाचा महाच मना जाब बाना, किन्छ চোৰের দ্রণি উদাস। ছেলেয়েরের কখন। খেলি নের না। একদিন এক বাখ্যা আমার দেশে এগিয়ে এসে জিল্পাসা করেছিলেন, তোমাদের দেশে শর্নি মা-বাবাকে ধ্রে প্রথা কর। এখানে কিল্ডু ব্র্ডো মান্বের বর্ড অস্তর বেলনা। রেজে শানি স্ব sex murder\_এর কবা। কিন্তু ভাই ধবরের কাগজে কলাও করে ব্য সমাজকে চমকাবে। বত অবশ বরুসের ঘটনা ততই নাকি চমক বেশী। খলের তোবার সমাজ। বর্তমানে এবং ভবিষাতে। ভাষের সভস্তি দিলে তবেই তো বেচাকেনা চলবে। কাগ্লের र्वाहरूमा काशास्त्र विख्याभरतव भरणाह रकारकमा जबहै। भगाजवीन्द रहरून जमारकर তাই এই ব্ৰিপাৰ।

আমাদের সরাজে পশ্চিমের প্রবেপ লাগবার আগে আমরা বেন সাবধান হই। ভালের বে লার্প শ্নাগার্ড সাংসারিক জীবন ভার কলে বে সব প্রতিক্রিয়া দেখা দিয়েছে ভা' থেকে বভিতে হবে ভো। এদেশে পাগল হর ছেলের তেরে কেরে বেশী। প্রার দলে দলে। জন্প বিশ্তর প্রলাপ ভো রাধা-ঘার্লার ব্যাপারই নর। যারুদে বাধ্বরা-আসা করে বাজকর্ম চালান। আমাদের ভো রামা-ঘর্করা গ্যাজেট নেই। গারুদে বাভারাতের সমর কই?

#### দলিপাড়া মেটিরার্ক

वर्षक गरम मिनाहे कम हनाइ। चार-হী লার 'কামকাজ' হচ্ছে। প্রতিটি বাজির मीलाक मीलाखा कारता अकरो हमिना, कारता বা দুটো-কারো আবার দশ বিশ্বানা। बौता রদ 'ওস্তাগার' তাসের পরেনো ঢে'কিকল ট্টলসন মেশিন বাতিল হরে গৈছে। এসেছে সিংগার বা উষা মেশিন। স্থান্ত দ্বিদ বাজাবের চালানী 'বেডিমেড' মাল সাংলাই দেয় তাদের সেই মান্ধাতাকালের মেশিন काष्ट्र। जात्मत एवं कार्णात टमरे ट्यानिस्थान. সেই আবার 'খিলো' 'টে'কে নেয় জানা-বাউজা বড় বড় ওপ্টাগার দক্ষিণনের পাকা যাতি। বাইরে দলিজভরা 'কামকাজ'-এর काक। ठकारक कोडि (मॉक्सरनेब ভाষाর 'কে'চি') চালিছে বড়ড়া পাকা 'আট' অথাং কাটার খান কাপড কাটছে কাচ কাচ শক্তে ফিটার রা গজ ধরে মাপ নিরে পৌশস্ব অথবা গিবিমাটি দিখে দাগিরে নিকে। কানে আত্তবৰ্গালা পাকা দাড়িওয়ালা এলো গা. ভৌডের উপর চওড়া চামডার বেল্ট দেওয়া পাট করে সিম্পাপারী কাম্পাপরা ওপতাগার চা খেতে খেতে মাটকে সভক' করছেন বাতে হিসেবের ভূবের কাপড় বাজে খন্চ না হয়। ক্ষ্যেল্ডা' কোটা ক'লেডাট কাগডাগালো রেখছেন। বারা ছাতের কাজ করছে অথাং হাতা খিলছে, 'পালেয়া' জাডাছে, পটি জাডাছে, বোভানের ঘর হৈছিন করছে—ভানের ভাড়া ৰাগায়। বড ব্যক্তির সংমনে মোটর পাঁডিরে আছে, অথবা ঘোড়ার গাড়ি। কার্ডা যাবেন কলকাভার দোকানে। অথবা কোনো সমাজ-कन्तारभन्नं भिष्टिश्टहः।

পাড়ার পাড়ার স্তেরে সোকান। মনিহারি আর মিডি দোকান। গোস্ত বেকান। খড়ম পারে দার্জারা চলেছে এ দলিজ থেকে ও দিলজে। ছোট ছোট ডেলেনেরেরা ফিরছে মান্তাসা থেকে। দলিজিবের বাড়িছরদোর খেরা। শ্রুরুষাট খেরা ছামাড় দিরে। নারীরা এখানে 'অস্থিস্পূশ্যা'।

ক্ষকাতার পশ্চিমে ল্লেগ্, জগতলা, ক্ষন নগর, চটা বাঁশতলা, রায়পর, বাঁড়ুক্জের কানথালি, বাঁডলা, পাঁড়ুক্ত, কালথালি, বাঁডলা, পাঁডুক্ত, কালথালি, বাঁডলা, পাঁডুক্ত, কালগালা, বাঁপালাড়া, হালগারপাড়া, আনদারপাড়া, মালপাড়া, হোলগারপাড়া, কালথানা, পাকিশাড়া, বাঙালা বাজার, মুদিরলেই কলকাতা-১৮ আর কলকাতা-২৪—করেকটি খনার বিস্তীণ এলাকার মান্বরা শতকরা বানার বিস্তীণ এলাকার মান্বরা শতকরা বার্বিকা। লাক লাক মান্ব। শতকরা প্রার

মেটিরার্জ, বড়তলা, আখড়া মহেশতলা, শাতলা থানার এই বিশাল ভূতাগ সারা



ভারতে একমাত্র **দক্ষিণিকেশর আ**দি পঠিস্থান।

পাইওনিরার, হরলালকা, ওয়াছেল মোলা,



#### यह यस माटम बाह्य बाह्य दलकावेकन हरनाटक

স্বিধ আলী, কমলালয়, এল মজিক
সন্ত্রান্ত বে দোকানেই আশীন দামী স্ট কিন্ন তার শিহনে মেটিয়ায়ুক্তর পাকা
ব্টো দলির হাত আছে। ভাদের অনেকের
শিক্ষা আবার স্কুর রেণ্ড্রন। এ দেশে
বধন লাক্যন্ত্রে সাহেব মেময়া রাজত করত
তাদের ছিল বাঁখা দলি। সেই দলি সেলাই
করত মেমেদের গাউন সাহেবদের কোটপাান্ট। কোলো কোলো দলি বা ওশ্চালায়
দেশবন্ধ্র চিত্তর্জন, নেতালী স্ভাবচন্দ্র,
বিশ্বক্ষির রবীন্দ্রনাত্ব প্রম্ম ব্যক্তিধের সন্ত্রান্ত বাড়িতে কাল করড। এক বাড়িতে কাল করনেই সংসার চলে বেত তাদের। জালা প্রকাশ হলে দাল তো দাল—উপরি বকসিপ। দেশপর্যর পালাবির সাজেরি লালভের গল ছিল নাকি তথনকার কালতে এক লো টাকা। আর সেলাইরের দাল দিতেন তিনি আড়াই শো চীকা। তরি কাছে যদি একবার সাহস করে কোড়হাতে বলা বেত, 'হাজুর, আলার ডাগর মেরেটা বিদার করতে পারছি না—বড় টাকার অভাব...একটা কেলে কটেডে '

1 874 BIS-RIP

সে নিশকাল আরু মেই। বড বড মিল-**থালিক বা ব্যবসাদাররা এখন বিলেভ** শ্যারিস, নিউইয়ক' থেকে শেয়ৌ-কেমিকেলের टकार्टे नाान्धे व्यान्त्रह्म। राक्षानी वाद्या কেমরিক বা আন্দির পাঞ্জবি দুখানা আর ষ্ঠিত চারখানাতেই সম্ভন্ত। দাঁতে মডজোর একটা সাম্র আর খাল লাগে। কিন্ত টোরিলিন টোরকট আমদানির সংগ্র সংগ্রেই হিশিদের চুল্ড প্যান্ট আর হাওরাই ন্বীপের খাটো কোডা-জাতীয় বলে সাটা আমলনি হওরতে দক্তিদের ফ্যাশন স্ব্রেখ্য প্রোতন মাটে বা কাটার পাল্টালে। প্রতেন দলি-দৈর জাত গোল ভাত গোল। ভালের মধ্যে ভাছিলাভাৰ। অধ্লীল পোশাকের বতই বাহাদ্রী খাক ইংলিল কাটিং কোটপালেটর কাছে এসৰ অতি হ'ন। জ্বনা। এসৰ কাজ শিশতে হ' দিন লাগে না-কিম্তু ইংলিল কোটের কাজ দিখতে দল বছর লাগে। হাতির কাছে ছাগলছানা!

বুড়ো দজি রদাদ মিয়া জেলে ধেলার রেগগুনে পিয়ে বমা মেয়েদর সংগ্রে মরকার করে বিশ বছর পরে দেশে ফিরে বড় বড় বাড়িতে কাজ করেছে। হাড় পাকা বুড়ো। কেলি ধরে ধরে আঙ্কলে 'হাটা' পড়ে গেছে। সে কলকান্তার বড় বড় নামজানা সাহেববাড়িতে কাজ করত। মেম পারিসের একটা 'আলবাম' খুলে নতুন ডিজাইন পেথির দিত। অনেক দামের সিক্ক কাপান্ত দিও। শুমা রেসিয়ার গায়ে সব্জ-আলো-



fance wh

জরালা-খরে দাঁড়াত পরীর মতন। রশীদ মিয়া ফোকলা গায়ে স্তিমিত চোখে হাসতে হাসতে বলে ছাত আমার কাঁপত। মেমের যাখাভরা সোনালী চল। বেন আগ্ররের ৰ লো। আৰু চালিশেও 'বৈবন' বেন একট, টসকার নি 'করো !' ব্রেকর ওপর দিরে ফিতে ধরে মাপ নিতাম। নিটোল পাছার মাপ নিতাম। শ্রু নিক্সেস পরে থাকত। भाषा शाकाभी छेद्र मुत्या त्वन हाँत्मद জোছ না ধোরা। এখানের মেয়েদের দৈ পাছাও तारे तम द्राभव तारे। **धाकरम** राम मा দিনের জনো। আজকের গাউন ভার কালকে হবে না। খেম মাপ দিরে আবার পোশাক পরে কাপড কম পড়বে কিনা জিজেস করত। আমি কাপড দেখে বলভাম—'বেশিই আছে।' মেম হেলে বলত, 'তোমার লেড্কির ফ্রক বানিয়ে দিও ওশ্তাগার মিয়া। সেই মেমের একখানা গাউন তৈরি করতে লাগত পনেরো দিন। স্টোমে চড়িরে 🛇 নদ্বর স'ই দিয়ে তিল তিল করে খিলুতে হত। টেকেন দিতে **२७। এक**ট গোলমাল হলে আডাই শো টাকার কাপভ নষ্ট হয়ে ব্যবে। প্যাণ্ড হোটেলে কিংবা লাটের বাডির কোনো ভোজসভার গিয়ে মেম বদি দেখে হুবহু ভারই মতো ডিজাইনের গাউন পরে এসেছে অনা একটি মেম-তর্থান সে ফিরে এসে দৃষ্টিক ডেকে তার সামনে পড়পত করে গাউন ছি'ড়ে ফেলে দেবে। লেডিভ কাজে কার, সপো কার, মিল হাতি পার্বে নি 'করে।' সেইখানেই ওস্তাদী। এ তোমাদের ছ'চলো পাতলানের ছ'চোবাজী নর। মেমের গায়ে পরিরে হাতে-মেলা গাউন পরিরে ট্রারাল দিরে আসতে হত। গাউন পরিতে দিলে সাহেব পাইপ টানতে টানতে মীল চোখে বেন 'পরেমী' কষে দেখত। একট্ ভিরুটি' হলে দেখাত আঙ্কে দিরে। ব্ৰু আর পাছা ঠিক করা—একেবারে সেম সেম থেলানো' কঠিন কাল! কোৰাব তির্টি'—মন খেলেও সাহেব ঠিক ধরতে পারত। হেসে শুধোত, তোমার কেমন क्याशतक ?'

বলতাম, 'পাছা, কোমর, পেট, পিঠ ঠিক আছে পেরার'। ব্রুটা খ্রুটে হবে।

কোথার দেখাও—হরার, ফিক্সড বাই দা ফিংগার। দেখাতেই হড়। তারপর মেন জানা



হাতে-বেগা গাউন পরিজে টারাল দিরে আনতে হড

খালতে পারত না—কোধার বোতাম? আর্মি খালে পিতাম। সেই জামাতে মলারী পেতাম দ্র' লো টাকা। সাহেব দিত, উপরি পর্ণাচণ **ठोका वर्षात्रम।...टम द्या हटम रभटह।** नट्छे শাক পাই ডাঁটা চিৰোনো ৰাখালী সাহেব বাব্রা ভাদের মেমেদের বিবিদের বগলকাটা 'ছেলেখরা' রাউজ আর হ্যামিলটনের সারার ওপরে বড জার বেনার্যস কিংবা তাতের শাভি পরার। এখন আমাকে সাভ টাকা রোজ দিয়ে বড় বড় ওশ্ভাগাররা মিলিটারী, প্ৰালস বা নেভির পোশাক কাটতে ভাকে! আরে বাবা, এসব তো টাংরার মেশিনে বেমন গর, কাটে একসংশ্যে পাঁচ সাত শো শুইয়ে দিরে, তেমনি করেক হাজার খান পাট করে কেটে নিলেই হর! আর 'মোকে' ভাকে হাওড়া মপালা হাটের রেভিমেট চালানী 'কাম' কাটতে। আমি এসব করতে পারব না 'করো'। পেটে ভাত নেই তো নেই। অনেকে পাকিস্ভানে চলে গেল। বড় বড় <u>রুকাগাররা সেখানে দোকান করেছে—</u> নামজাদা দলি দের নিয়ে চলে গেছে কভ।

আমি মাটি কামতে পত্তে আছি এখন। এখনে বাগ দাগার কবর। এসব ফেলে হব কোথা?'

রশাদি মিয়ার বাড়ির ফাটা ছাদের ফারু

দিয়ে পানি পড়ে। 'ঘরে ভিরিশ বছরের

অন্টো মেরে ফালের মেশিন চালায়। চোল

চারজন পরের দলিকেলে কাম-কাজে হার।

তারা অসং—ভাল করে কেউ কাজ গোগেন।

সবাই ঝড়ের কেগে মিলিটারী পোশাকের

মেশিন চালায়। পাঁচ টাকা বোজ। কর

লোকের কাজে দেনা, টাকা নের আব ফাঁকি

দিয়ের অনের কাজে চলে যায়।

মেরে সফিরার ওপরেই রশিদ চিয়ার একমার বাঁচা মরা নিতার করছে। তাতে বিদায় দিলে বডেডা খাবে কি?

সারা মেটিয়ার্ক অওল দ্রুপ্থ অসুস্থ মাবহাওরায় ভরা। শতকরা ৯০ জন মান্ত্র দারিপ্র। ১০ জন মান্ত্র কাজকাম করে দরিপ্রনা। মান্ত্রী সভাবে ধরাত পরে না। সেসব করতে গোলো গাঞি চাই বড় বড় বেড়া বা মন্ত্রী হাতে থাকা চাই।

ভাই বরো দিন আনে দিন খার তাদের আনেদাসিরেশন গড়ে উঠেছে। ভারা পাঁচদেও চালে বসিত অন্যলের খুপরি খুপরি ফরে থেকে মশা, চারগোকা, ধোঁরা, ধুলো, কাশ, নদমির মধ্যে সূখ শাণিতর খোঁক মণ পাচে কিনিউনিশ্যা হরে গেছে। কথার কথার ৩ বের ক্ষোন্ত মালিক বা বড়াকাকেদের বির্দ্থো ভারা ভিন মাধা হয়ে গেছে বুড়ো শুনুনের মতো খাড় মুড়ে বুসে সদা টোন বারা জাঁবন বড়েকার পেকে কাল্প করে করে।

মেতিরায়্জ বউতলা, আংজ্য, কানগ্রিণ, চটতে হাইবকুল আছে। আংজ্যর, বটতলার মানুসলিম ধমীর শিক্ষার পঠনপাঠানের বীতি আংলা চলছে চিমে তালো। এখানের মানুষ্টিজন ম্সলিম পোশাক আলাবেল অভাবত। তবে স্টে পাপেও আংশ্লাকক আলাবেল হরেছে। জনসংখ্যার অনুপাতে এখানের মানুষ্টেলর শিক্ষার হার অতাবত নগগা। শতকরা পাঁ জনও হবে না। কেননা অধিকাপে দরিদ্র পরিবার তালের সরে মাইছাড়া' বাজাদের হাতে স্ই' তুলো দের। পরের দাঁলাই বোডামের বর সেলাই করতে নিয়ে বার্ন্যা চার আনা পরসা পার ভাতে দ্বাধানা চাপাটি রুটি অথবা দ্বটো লিক কাবাব হবে।

এখানের রাস্ভাষাটের অবস্থা চিরকালই
জযনাতম। কীলখানার পচা রক্ত বখন গাড়ি
বোরাই হরে চলে বার ডখন লক্ষ্যিক
লোক দুর্গান্ধে করেক মিনিট প্রায় ক্ষানহারা
হরে থাকে দ্যা বংধ করে।

রশীদ মিরা বলে, মেটিয়ার্জের অবশ্বা ফেরানো কঠিন। এখানে যে ইতিহাসের ফলংক লাট কেলাইড' সাহেব 'পেরথম' 'জাহাস' থেকে মাটিতে পা দের। এখানে হাসপাতাল নেই। মানান রোগের ডিপো!



এটা শুক্রখন গারদখানা। মেরৈরা ভাগের আরু
নিরে আজীবন থারের কোণে কদৌ। এখানে
পাড়ার পাড়ার মসজিদ আছে, নামাজ পাড়া
হয়, মোলা মাসলী তানেক কিন্তু কিছতেই
নান্যের দঃখ ঘ্চছে না। সম্পা হতে না
চতেই শায়তান 'নমর্ম' বাদশাকে অসদ করার
লানে ধ্যান খোলা মশার কাক ছেড়ে ছিলা
চতান মধান খোলা মশার কাক ছেড়ে ছিলা
চতান মধান নামে এখানে।'

অধ্যনিক শিক্ষিত ছেলে বারা 🖭 চার ক্ষাতি এ এম-এ পাশ করেছে তারা বলে. আছে আসল্মান বলৈ কোপাও চাকরি পুছি না। (?) নিজেদের বাবসাপাতিও ত্যক উঠাছ। হাওড়া মপালা হাটে হাক কাৰ্যসং করত তারা প্রতিকোণিভার প্রের্থার পিট্নিত বিভাগ ব্যক্তির are দান্তাত পার**ছে** মা। সেখনেও ন্নান্ন সাম্প্রদায়িক'-'রাজনৈতিক' বাকিতে हरकार इंडिइड হাস্ত লিভ দামী গুটাবলিভ গুটাবকট, দিবক, সা**জা** সার্ট ছাড্ডে হয় পাট**কার**ী। **পরের হাটে** হ্বদ হাসের তেতি টি, এটক, পাটনা, লাপালিং, বজবজ, **কৈ**হাটি, ভমক্তে, বর্ধসাল সমস্যাল এসম জ্ঞাস্কণণ বর্ধকে পারীকের না-এল প্রে ১৯৯০ ছান্য বড়ার টাকা আটাকে পূচর। শুজার ক্ষেত্রতা স্থানের মান ভারের ্তি হ'ল হ উঠকে না। শ্টাৰের ভক্ত বাকি প্রাল নগুলা হাটেছ মালিক ভালা লাগিছে ্বান প্রিক্রিপ্রের নিমে হার আন ব গ্ৰাস, বিদে মা থাকলে মতন আগণ্ডক-জব সাচে পালো দিয়ে পাল্যে কেম ? দিবা স্টেপর, ছেলে হয়: **কাঁ**চের **মা**ড। **চোক**, মান মেডেড। পাড়া দাগ-নেমা**লট** আছাত শরেকো এ ছেলে মেটিয় মুক্তের দ্রিলাদের च्यामे ज्वयं श्रेष्ठा **का**रस सा। ७:४.३ গৈটক অভানে দক্তির কাঞ্চ আরে ব্রেম্য চলিত থাছে। এই যে চাঁদে যাবার এত বঙ্ একটা গৈজানিক কাল্ড ঘটে গোলা এখানের सिन्छत्व गामलगानदा आहर्त जिल्लाम कदएङ পারছে ন। চাঁদে গেলে নাকি আলা ফেলে লেবে! কোনা ব্যান কোনা মেজান্তে তারা বস করছে ধ্রুন। সিনেমা দেককেও **ভারা** 'গাপ কাজ' মনে করে।'

ভাষত 'হাওড়া মংগ্রুপা হাটের মালিক নিগেনির সরাব কিংবা কেংল চাল মিনানীর কাছ বেজি নিয়ে দেখান, শতকরা কত হারে মালিক দিজি চার বাবসায় ফেল মোর হাট থেকে পারাড়ি গাটিয়ে নি য় লিফে সাধারণ দিজি হয়ে কোনোরুমে জাবিকা চালাতে বাব ছেছ। আর কত বাড়ছে উন্দাস্ত্রীক রোডের হিন্দু বাবসায়ী।' হাওড়া প্রশেষ্ট কিব রোডের গারে যে প্রাতন হাটিট আছে তার বয়স এখন দেড়া গো বছর। বালায় মালিক মালালীবর সরাব। এই বাজার ছাজার প্রভাবরালা লক্ষ লক্ষ্বিসায় মিলর মালাবারের পাঠিপান-টিতে প্রান্ধ সংক্রান হয় না বর্ধে হাওড়া

এক নদবর দ্বালিড রোজে আর একটি হাট হৈরি হরেছে। এর বয়সও আর একটি হাট উপর। মালিক কেবলচাদ মিনানী। কর্মেটের গাঁথনি দোতালা আর একটি হাট হৈরি হরেছে সম্প্রতি। আড়াই হাত শইলের সালামী তিন হাজার টাকা। ছাড়া বছরে এক শো আলি টাকা। কিন্তু হাওড়া মধ্যলা হাট —বেটি মেজো—ভার ভাড়া বহিণ—আলে ছিল চন্দিল টাকা।

এই তিন হাটেও কুলোর না।
হাসপাতালের সামনে আরো একটি হাট,
বসেছে হোট থতন। ভারে সপে হাট
আাসোসিয়েশনের অফিস। তব্ত স্টল পার
মাই বহা লোক। পথের পাশেই দোকান

ফোদেছে প্রকৃতি আর প্রাক্তিসের হাতে নিজেদের মান ইব্ছত বা দার-দায়িছ সমপ্র করে।

দক্ষিদের কী ভীষণ কন্ট এই তিনটি হাটে তা দেখতে গেলেই টের পাবেন যদি আপনার পারখানা বা পিপাসা লাগে। পাঁচ মিনিট স্টলগঢ়লো দেখতে দেখতে বেরিরে আস্ন, যামে আপনি নেরে বাবেন। মনে হবে এ এক হাবিরা দোক্ষণ।

এখানে খ্চরো বিভি নেই। ছজন ডজন, গাঁটকৈ গাঁট মাল পাইকিরি হর। ভারতের দিকে দিকে ছড়িরে বায় এইসব জিনিস ঃ ক্লক, শার্ট, কোট, পেনি, ব্লাউল, র্মাল গেজি, গমছা, মশারী, তোরালে—নিভা



ৰবেহাৰ' হাজার বক্ষের জিনিস।

বার পাইকের এক না তার একগাল মাছি। আবার নভুন পাইকের ধরো। বিশ্বাস করে মাক ছাড়তেই হবে। সেও বার দ্ই দেওরা-নেওরা করার পর হঠাং হাওরা। জনাখামে মাল নিছে দেখলে—খরো দালাকে! তারপর ছাতাহাতি—মারামারি। বিচার-আচার। মালিকপক সুযোগ পেলেই দিলেন লোকানে কপি ফেলে। নতুন সালামী বিলিতে অনেক টাকা।

খ্যাতিমান দলিরা পাকিক্তানে চলে বাবার পর বহু অস্থিবার স্থিত হরেছিল কিন্তু কারো জনো সময় কাল বা কাণানের গতিরাখু হর না। লিক্তি দলির চাহিলা এখন বাড়ছে, বেমন কাতিরের স্মার্টনেসের দিক খেকে তেমিদ বাবসায় ব্লিক্তে।

মেটিয়ার,ক্ষের হাড়পাকা বাজে গলি রশীদ মিরা, তোমানের মেন সাহেবর। তার ফিরুবে না—ফালের জটিল প্রতিষ্কা গতিপথে বেশানে মোটর ছাটেছে সেখান লাঠি ধরে খাড়িবে খাড়িরে হাটলে ভিশারীই বনতে হবে—অভএব সাবধান।

আবদ্বল জম্বার





de fina some aver until mice etter favor spierre i colef mice , eich eine facht aver financia etter favor etter financia etter etter favor etter financia etter favor etter financia etter etter

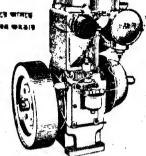
### বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

কলে বিনিধের মধল খুব ডাড়াডাড়ি হতে থাকে। আৰু কথনত কথনত হতন ক্লিবে ট্রক আসলের লডোট বেখার।

কিলোঁকের ও হর্ন পাওয়ার/এডি ১ ডিজেন এছিনের অনুকরণ মর্কাই করে আগছে। এই অনুকরণ বহে আগছে। শুধু বং. গঠন, আকৃতি ও ডিজাইনের চিক থেকে। কিয়ু উচ্চবাধের স্কুণে, বির্ক্তরবাধ্যকার, ও অর্থমুক্তান্তর ক্রমের কিলোঁকের এডি ১ এর অনুকরণ ক্রমন্ত অনুকরণকারীকের গকে সমুখ নয়।

নপ্রভাবে বাবজান্ত একমন্ত্রে নিনিস্তার বিনিষ্ট ভিকেল এক্রিম নিবলান্তর এতি ১ রকমারি কৃষিকার্থ ও প্রমানিক্রে অব্যোধনত উপবোধী। লক্তিন নির্ভরবোগান্তা, ক্ষমান্তর, ক্রীর্থভাবিত ও সংস্তাবক্তমকভাবে অসমক্রম কমসন্দাননের করে এ ক্রমে এক বিনিষ্ট মেন্ট্রীয় এক্রিম। ভারান্তর এই মধ্যে ব্যৱহার ক্রম ও ভিলোক্তরের উচ্চ মেন্ট্রীর সেনস্ সার্থিস।





আসল কির্লোদ্ধর এভি ১ - ৫ হর্স পাওয়ার কিত্ন। -নকল কথনও আসলের মতো উৎক্রপ্ট হতে পারেনা।

किर्लाक्षत्र आराल अञ्चित्र लिप्तिर्देख, श्राहनको पान (काइर)

কিলোপনার (It) হল কিলোপনার প্রোপ্রাইটার লিনিটেডের রেজিপ্টার্ড রেডনার্ক, কিলোপনার করেন ইলিবস্থ লিনিটেডকে কাইলেন প্রবস্ত।

# ভিত্তিচিত্তে নৰ-অধ্যায়

অভিতকুমার দত্ত

ৰপৰে থেকে সড়ক সেছে উক্তের 😈 দিকে। দু ধারে বেশির ভাগই ধ্সর রক চেহারা। গরমের দিনে স্কাল গড়িরে मान मान इंश्लोब जाशिर नव द्यम जाते गुक्ता जात थी-थी क्रशाता निरहरक। কিন্ত ভাতে পরোদ্ধা নেই। খাদ্য সংগ্রহের ট্রন্দেশ্যে কটা-গ্রন্থ-সমাকীপ বালিরাডিতে চরে বেডাকে ছাগল আৰু ভেডার পাল। बाहेरकाम हामाह रमान । रमाहरन कार्विहारक চয়ত একটি ছাগল-ছানা আৰু সংশ্যে বাঁধা সংগহীত কিছু ভাল-পালা। কিল্ড বাঁচার এই তাগিদ শধ্যে ছাগল আর বাচ্চার নয়, নজরে আসে অন্যার । উষর মর্ময়তার मार्था इठार इठार किए. जवास्त्र रहाना মাথা তলেছে ক'টি বড গাছ। ই'দারা আর পাশেশর সহারতায় সেচাই আর চাব হচ্ছে। পাশেপাশে গা ৰেবাৰেৰি করে গড়ে উঠেছে বসতি জনপদ।

কত গ্রাম, কত বিচিত্র নাম—সংশোনীর, দীবা, গনের, বেলবা, চাক্স্ম নিরানী। অনুরে এককালের রাজবদ্দীদের ক্যান্দ্র দেউলী। ক্রপুর থেকে মাইল চল্লিদের পথ পেরিরে—বনস্থলী। নামেই নর, পরিচরেও ভিন্তর। ধালিধাসরভা আর নাড়া

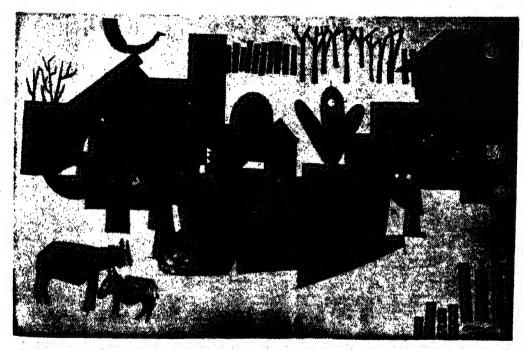
চেতারার হরত আলেপালের গাঁরের সংখ্য তেমন পাৰ্থকা কিছু নেই কিন্তু বনশ্বলীয় আৰু অন্যতম পরিচর এক বহুং বিদ্যায়তনের কেলভাষ হিসেবে। বছর প্রবিদ্য আলে প্রামোলক কর্মসাচী ছিলেবে ছোটদের বে শৈকারতনের সরেগতে হরেছিল, আরু ভা সম্পূৰ্ণান্ধ এক মহিলা বিদ্যাপীঠের আভার গ্ৰহণ করেছে। এখানকার পশ্বমাখী শিক্ষার মানসিক তথা শারীরিক বিকালের কাবস্থাও ররেছে। প্রসংগত উল্লেখযোগ্য বে প্লাইডিং वा क्राहेश-वव चारहाकत्नव ক্ত প্ৰক্ৰের সমান উৎসাহ। নাস্থারী থেকে স্নাডকোত্তর পাঠছমের বাবস্থা বেখানে শিক্সশিকা रतथाटन शाकरवर्धे. दमक्षे दस्य वस बना बाइ,मा

আর এই শিক্স ব্যাপারেই বনন্দ্রকীয় আৰু শ্বকীয় এক বৈশিক্টো চিচ্ছিত হওরা সম্ভব হরেছে। ভিত্তি বা দেওরাল-চিত্র, বিশেষত রাজন্দ্রানী-জরপ্রী রীতি-প্রকরণ ও ভার প্ররোগে উৎসাহ প্রদানের ন্দ্রানাই বিদ্যাপতি আৰু এক নতুন পরিচ্চত্ত প্রের্ডে।

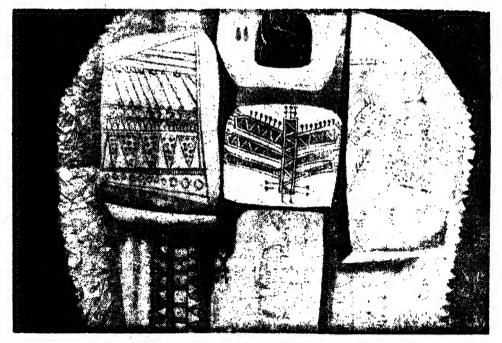
ভারতদিদেশ ভিত্তি-চিত্র একটি বিলিপ্ট স্থান অধিকার করে আছে। মহাকার্য,

পরোণ বা প্রাচীন সাহিত্যে ছবি জীকার উল্লেখ মিললেও পরোনো কোনও ছবিত নিদ্পান অমিল। হয়ত কোনত স্থাতী शास्त्रक दल जिल्लाक कर्ता क्रम साथ प्रदेश-भारत चौका किसावकारिय गर्मा सामारमय स्थ भीवत्व बाढे काएड त्यम खावा बाब हा. বাজপাত্ত মহিমা বা ধর্মসভ প্রচারেত আকাল্যা যে ভারণেই হোত, পিলপীয়ের সে বাবতে কাজের সংবোগ মিলেছিল। গণ্ডে স্বামলে অক্তাৰ এবং প্ৰাৰ সমস্যালীন বা কিছা পরের বাষগ্রার, বলা বেন্তে পারে, ভারতীয় ভিত্তি-চিচ উৎকরের চরলে পেশকে-ছিল। সন্দেহ নেই এ ধারা হয়ে ক্ষীমরূপ হতে পড়েছিল। হতত ছবিত পরিকাশনার कार्यक्य-क्रा-शामाना क्षेत्र कार्यका ভবে বেভাবেই হোক, একেবাৰে কিন্তু এছ বিলুপ্তি ঘটেনি: ইলোৱা, শীতনাজালুসাল, এমন কি আৰুও পৱের অনেক মণ্ডির ও প্রাসাদ-গাতে, সদেরে কেরল পর্যন্ত ভিত্তি-চিয়ের বহ: সন্থান সিলেছে। ভারতের र्शान्त्रमाश्रदमः बाव्यस्थापन अ शाबा अवके दिनिको राज शरिशक करन निवक मिनिरतका বা ভোট আকারের ছবিই সেখ্যনে আবিক্তর জনপ্রির ভিল।

উদরপ্রে, বিকানীর ইড্যাবি স্বান্দে রাজ-প্রোনার প্রানাদ-সম্পন্ন জন্স হিসেবে ডিভি-চিচের দেখা মেলে। ডিভি-চিচের রেওরাজ ক্রমে জোরালো ও জনপ্রির হরে ৬ঠে এবং জন্টারণ শতক নাগাল অরপুর



कानम रान्द्रि कुछ दरक्षान्-दिस



विकास कहेकार्यंत कहा किंति किंत

এ কাজের একটি কেন্দ্রগলে পরিণত হয়।

মুখল আমলেই জয়পুরী কাজ সুপরিচিত

হিলা। মুখল-মহিমা লুপ্ত হওয়ার পরেও কুল্

কাংড়ার নালা পাহাড়ী রাজ্যে জাজের জনা

জরপ্রী শিশপী কারিগরদের ভাকা পড়ও

বলে জানা বার। সংক্ষেত্র নেই শ্বেড পাথরের

গাঁড়ো, চুন, নানা ধরনের পাথারে ও মেটে রঙের সহজলভাতা ও সর্বোপরি প্রশ্পরা জয়প্রী ধারাকে বিশিশ্টভা প্রদান করেছিল।

প্রধানত চর্চা ও পৃষ্ঠপোষকতার অভাবে ভিত্তি-চিত্তের জয়পরেী ধারাটি অবল্লিতর পথে চলেছিল। এ শতকের গোড়ার দিকে শিল্পগর্র অবনীন্দ্রনাথ তার শিষ্যদের এ ধারার সংখ্য সমাক পরিচয় ঘটানোর কথা চিত্তা করেন। পরে আচার্ব নদলাকও ছাত্রদের এ বিষয়ে শিক্ষাদানে সচেন্ট হন। শিক্পী বিনোদ্বিহারী মুখোপাধ্যারের এ সম্পর্কিত এক আলোচনায় উল্লেখ পাওয়া বার বে, জরপরেী এক শিল্পী-কারিগর শ্ৰীনরসিং লাল বিশেষ আমদ্যণে কলাভবনে এসেছিলেন এবং শিক্প-প্রকরণ ও প্রয়োগ-বিশ্যার ছাত্রদের সহারতা করতেন। কাজের পরীকা-নিরীকা, যেমন পাথরগাড়েড়া ও চুনের মিশ্রণে রকমফের বা রঙের বাঁধনি হিসেবে কখনও গ'দ, কখনও বা শিরীবের बावदारतन कथा, किश्का वह स्मामास्य नावि চুনের মরলা খিতিয়ে পড়ে ও ব্যবহ,ত রভের ঔশ্বন্ধা বাড়ে ইত্যাদি বিষয়ও উল व्यारमाञ्चा रथरक कामा बाह्र।

জরপ্রী রীতি শিক্ষণ প্রচেণ্টা নিঃসংলাহে
ক্রিছেল। জরপ্রের শিক্ষণী প্রীদেবকীমলাল পর্যায় এ'দের একজন। বছর কুড়ি
আনে লাল্ডিনিকেডনে একবার গিরে বিষয়ট।
ভিনি জানতে প্রেরেন এবং নিজেও এ

সম্পর্কে কিছ্ করতে বন্ধপরিকর হন।
কর্মসারে বনস্পলীতে থাকায় নিজের
কাজের অভিজ্ঞত। থাকার ফলে বিদাপতি
কর্মপক্ষের কাছে তিনি ভিত্তি-চিত্র উৎসাহ
লানের এক প্রস্তাব পেশ করেন। তাতে
গ্রীষ্মকালীন অবকাশে সংক্ষিণত এক
দিব-মাসিক শিক্ষাক্রম প্রবর্তনের কথা তিনি
বর্দোন। কাছাকাছি শিক্ষানী-কারিগর পারের
অস্ত্রিবধান্ত ছিল না। সব মিলিয়ে এই
শিক্ষাক্রম চালাই হতে তাই বিকাশ হয়নি।
গাত বছর পনেরো বাবং এ কার্যক্রম কেবল
চলাইই তা নর, ব্যেণ্ট ক্রমিয়াতা অক্সানেও
সেটা সক্ষম হরেছে।

ৰহ্ব শিক্ষী, বহু গুণীর পদাপণ चरहेरक वनन्धनीरक विशंक करतक वहरते। অনেকে গেছেন নিছকই ঔংস্কা নিয়ে অসিতকুমার দেখতে। তাদের ভেতর হালদার, ম্লকরাজ আনন্দ ও কে লি স্কুল্যমের নাম উল্লেখকোর। অংও বহুজন সেখানে গিয়ে থেকেছেন, নিজের কাল করেছেন। আর প্রবৃতিতি শিক্ষান্তম অনুযায়ী কেবল ঔপপত্তিক দিক জানা বা একট্র পরীক্ষা চালানো নয়, হাতেকলমেও কাজ করতে হর স্বাইকে। ফলে, বিদ্যা-পীঠের একটির পর একটি ভবনের দেওয়াল, প্রানেশের পরানেশে আরু খিলপঞ্জীমণ্ডিত बद्ध फेर्टिट । त्मनद भिल्मीरमंत्र प्रदेश रेगलम रम् विस्नामीयदाती महत्याभाषात्र. এস এন বেলে, সুপাল সিং লেখোয়াত. জ্যোতি ভট, শাল্ডি দছে, দীনেশ শা, সংখ্যা विद्या, आक्षत्रक मा, व्यक्तिम्बनम् अवर नि अने





● ১০৮ টি দেশে ভাক্তাররা থ্যেস্ট্রিপশন করেছেন।

তি কোন নামকরা ওবুধের
 লোকানেই পাওয়া বায়।

DZ-1476 R-MN



বনপ্রলার জ্যেকাশদেশর নমানঃ

চারেলের নাম উদ্রেখ করা বেতে পারে।
বিষয়গাত নেপাল ও সিংহলের শিক্পী এবং
বিনাগতির ছাত্রীদের কাজ তো আছেই।
নাম রকমারি প্টাইলে করা সব ছবি। মৃত্যুঁ,
প্রত্বিমৃত্যুঁ ও মণ্ডনধর্মী নানা বাছারের
সব কাজ। সব মিলিয়ে বনস্থালীতে গড়ে
উঠিছে এক নিচিত্র ও কর্ণাচা গঢ়লারী।
একট ভাইগার সাম্প্রতিক ভিত্তি-চিত্রের এত
বিশ্লেক র ও বৈচিত্রাময় সমারেশ আরু
বেগার মেলে না। বনস্থালীর অন্যতম
বিশিটা এগানেই।

ভিত্তি চিত্তের প্নের্জ্জীবন-প্রচেড্টার ব্যক্তি কর্মান্তির প্রেক্ষ ফলও কিন্দ্র নিশ্দন করে করে প্রক্রি করিছে। আজু ব্রেম্যের শিল্প-শিক্ষান্তানেও ভিত্তি-চিচ্চ একটি ঐচ্ছিক বিষয় বিশালা ও প্রভিষ্টানের ভরক্ষেও প্রতি বছর শিক্ষান্তি লো প্রেরিভ হচ্ছে বনশ্দনীতে। ব্যাহ বা ভারা ফিরে পিরে স্ব্যোগমতো নিজেলা বেওয়াল-সল্লার সচেন্ট রবেন। কেন্দ্রান করে বনস্থলীতে একটি প্রেটার লালভকলা আকাদ্যান্তি কার্মান্তার ব্যাহর অন্থাবন করে বনস্থলীতে একটি প্রেটার কাল্প আকাদ্যান্ত একটি প্রেটার কাল্প আক্ষান্তার শিক্ষান্তার কাল্প আক্ষান্তার বিস্টোন্তার কাল্প আক্ষান্তার বিস্টোন্তার একটি প্রিটার্মান করে বনস্থলীতে একটি প্রিটার কাল্প আক্ষান্তার শিক্ষান্তার একটি

কান্দেপ আমন্দ্রক অংশ গ্রহণকারী ছ'জন হলেন : কলকাতা থেকে প্রণেশ ছালাই ও বিকাল ভট্টাচার্য, মান্তাজ-এর (বর্তমানে দিল্লীর কার্সিসনা) কে ভি ছরিদাসনা, চন্ডী-গড়ের রপেচাদ, বন্দের পি এম কলটে এবং ব্যাহারদের কে শেষগিরি রাও। গ্রীন্দের দার তাপ বা অনা কোনও কিছুই এ'দের প্রণাজনতার বাধা স্থিত করতে পারোন। বাসি-গলেপ-গানে এবং সর্বোপরি কাজের আনতারিক উৎসাহে ছণ্ডা ছরেক বেন কোখা বিরে ফ্রিলের হেছে। ক্রেক্স শেখা বা কাজে

করা নর, এর। যুরেছেন ও দেখেছেন আগেপালের সর্ব। কি সরিকটন্য হন্মানকার গ থালের, কি প্রায়া ও লেকায়ত দিশে স্থিট, স্বই তারা সমান উৎসাহে নিরীকণ করেছেন। তাই আলেপালের গাঁরের দেওরাল-দরজার উপরে করা ছবি নক্লাও তালের প্রেরণা যুগিরেছে অনেককে। নিজন্ম পটাইল তো ছিলই। ফলে শিবির-অন্তে মৃত হয়ে উঠেছে প্রাণকত কটি তিত্তি-চিত্ত। কনপ্রলীতে নতুন এক সংক্ষেত্রন। কিংবা বলা বেতে পারে, প্রাতনের সন্দো নতুনের অভিনব এক সম্পূর্ক স্থাপনা।

ক্রম্প্রাই তো আজ জয়গ্মনের নতুন এক কাহিনী।

# श्चरमत्र कारिनी ...

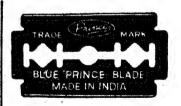


### व्यात श्रिन्त्र द्वा. रत्नुष्ठ काश्तिराष्ट्र रतामाध प्रथात करत्वर्ष



পরিক্ষার কামাতে ও পালক-স্পর্শ পেতে ব্যবহার কর্ন ক্লোরো কার্বন ধার দেওয়া







# বহুক্ষণের জন্য এমন অনিন্দ্য উদ্ধ্ব মুখশ্রী এনে দিতে পারে পন্ত্র্স ফেস পাউডার

রেশমের মন্ত মোলারের পণ্ড স ফেস পাউডার বেথে
আগনার মুখথানিকে অনিন্যা- সুন্দর আতার ভরিবে
ভূসুন। এ পাউডার বাবের সাথে ধুরে বার না, আবার
এখানে গুখানে অমেও থাকে না। পণ্ড স ফেস পাউডার
নারা মুখে হালকা ভাবে ছড়িরে থাকে তাই আগনাকে
বহুক্রপ ধরে অপরুপ সুন্দর দেখার।

৮ বক্ম ভ্ৰীমক্লাওয়ার রতের মধ্যে বেটা ইচ্ছে বেছে নিন:

ভাচেরাণ, র্যাচেন, গোল্ডেন র্যাচেন, শীচ, নান টাান, ব্রোন্ন, হনি মো ও হোরাইট।

जिनवक्य गाँदिय शांख्या बाव : ह्यांहे, मांखांति अ वक् ।

अचन

५ इक्स सत्वाद्यस्य

इत्स्व भारतव । भारत्वद्व इत्स्वद्व भर्त्व शिरत्व व्याभनारक खारद्वा इस्पीत्र करत्व जूत्वरव ।



পশুস फ्रिज शाउँछात् - विभीत स्व व्यास्त्र बना क्या गाउँमात्तर त्यात असे विभी नवन

# শান্তিনিকেতনে কবি অমিয় চক্রবর্তীর সঙ্গে কিছমুক্ষণ

#### भ्वानन्म हत्योभाशात्र

ইলে দ্বাব্য সকালে শালিতনিকেতন-वर्गी का सार्थ्य গ্রামের লিল্লাল্লেলিকীর ভালান্ট্রন শেকে দেখা ৰতি অভিন চক্ৰড়ীৰ সংখ্যা <sub>ক</sub>ৰ্ত্ত কলকত্ব পরিচিত আশমবাসীর সংগ্র আলাপ্তত তিনি। প্রান খণ্টবের পাজায়া, প্রাণ্ড-প্রভাষ কালতে মাণ্ডিনিকেতনের গৈলিক উত্তরীয়। তেলিন আনুষ্ঠানে আর एक है के के दिवसीय भारत करदर्गान-अवक প্রাসী কবি এখনও শাণিতবিকেতনের ইংসাবর সাজ্বি ভাল যাত্রি। প্রায় করে উঠে দান্তিত তই বলবেন -- প্রেয়াতক আয়োর প্রয়েজন। খবরের কাগজের সদের যোগ আছে তেমার-কিছা থবর দেব তেমাকে। বাজিক একে আলি হ'ব।" সমাৰ্থ হাজি হলাম। বাউদে কাবল-এট পাণ্ডিন ভার স্বাচ্ছ' পাওয়াটা কোভনায় মান হল আয়া**র** CTTE 1

শাৰিতনিক্তন থেকে তে-পথ গেছে গোয়ালপাড়া লাম ছাড়িয়ে কোপাট নদীর দিকে—তার্ট বা পালে উত্রায়ণ আত ভান পালে বাসা বেংধেছেন কবি অমিষ চক্তভী। বড়ির নাম রাসাকা। সাপরিভার বাডি— ম্যুফিড ব্যানা সেখনে পেছিতেই হাসিয়াৰ অভার্থনা ক্লানালেন কবির বিদেশিনী প্রাী--রবীন্দ্রাথ হাঁর নাম রেরখ-ছিলেন-হৈমণ্ডী দেবী। তিনি তথন বাগান-পরিচয়তি কাজে বাস্ত। জানালেন কিছাকাণের মধ্যেই ডঃ চরুবতী উত্তরারণ থেকে ফিরে আসবেদ—অংশকা করতে খনারোধ করলেন। বসার ঘরে নিয়ে হেতে বৈতে বললেন—"আল আপ্রয়ে ব্রুলোপণ হবে–বাজিতেও আমি সেই বৃক্ষরোপণই করছি। প্রতিটি দেবদার্ম চারা স্থোপদ করবো আল।" শাণিতনিকেতনী-মিলপ-বীতিতে সাজানে বসার খনে অপেকা কর্ছি এমন সমরে হণ্ডদেত হয়ে খবে ण्कालाम कवि । तमीन श्रमाण करमा **ग**्रम धेकांग करत शैकिटहशास्त्र श्रीनरह मिरनान निकारक। रिकारमञ्ज महात्र स्थरम स्थरम বললেন—"উন্তর্যাল খারে এলাম। গাভ ভিসেমবরেও প্রতিমা দেবত্তীকে দেখে গেছি।

এবারে মনে হল উত্তরম্ভণ যেন ভাঙা হাট। ওখানকার সব আলো নিবে গেছে। প্রাণহীন হয়ে আছে বাডিগালো। আমার জীবনের অনেকগালি শহরের সংখ্য উত্তররাশের যোগ। তাই মনে হয় উত্তরারণকে শ্বে শুম্বিক भिक्षत करत वाश्राल हमार्य मा। वाडिमार्जिएक অফিস বসানোও শোভন নহঃ সমুদ্দ উভবারণকে ভিরাশীল প্রাণচন্দ্রল কেন্দ্র করে তললে সবচেরে ভালো হর। পারিবারিক প্যতিচিক্ত সেখনে থাকবে ঠিকই-কিন্ত সেখানে যেন প্রাপের স্পাদান জনাছর করা যায়: যদি প্রাপ্তনা-গবেষণা ইত্যাদি কাজ সেখানে চলে—ছান্-অখ্যাপক-গানেবাকর দল সেখানে যাঁচ ভিড করে থাকেন-ডক্টে উত্তনায়ণ আবার প্রাণবন্ড সঞ্জীব হত্তে "। कर्राजी

একটানা কথা বলার পর থামলেন কবি। জানি—শ্রীচক্রবর্তীর কাছে আমার মতো रकारकत किए समाद सारक जा। फिलिडे খাল কথা ব্যৱহ্ অ মানের তো ভার কাছে নিবাৰৰ থাকতে হয়। এব আগেও দেখেতি হথা বলতে তাব ক্লান্ড নেই-লোজ शाकालके कला। जामध्या विकित विवास करि ভাবনা ভিকি প্ৰকাশ কৰেন এমন ভাৰাই ও क्षीभागत-हा खायाह क्षाय प्रमान क कविकारे प्रचल्का प्राप्त कर । भागा विकासक स्ववसादना कारत फिकिनाम खालाइताव कार्टी-শতবৰ্ণিকী, পাদেতব্যাক, লাখার কিং, বুশ্ধনের বস্ত খেকে শরে করে আরব-ইজরারেল প্রসংগ পর্বাস্ত ওঠে। আমরা জানি তিনি পার্ব-পশ্চিমের ফ্রিলন বারির-ছেন তাঁর কবিনে। এই দুই মহাদেশের 'পথে পথে বিসময়কর চলমান পথিক' ছিনি বছ মানে निकेटेस्क व ইউনিভাবসিটি करनाम छः ज्वरही অব্যাপনা করেন। মাস দেক্তেকের জলো এসেছেন ভারতবর্বে। পাতিয়ালার পান জাবি বিশ্ববিদ্যালয়ে এখন তিনি তলনাম্লক ধর্মতন্তের উপরে বক্তা দেবেন। ভাছাল অব্যাহী ৪ সেপটেমবর থেকে সেধানে গঠে नागरकत भगा छन्य-गाउवाधिकी छेशमन উপলক্ষে যে আলেওনা-চরু বসরে ভারে বোগ দেবার জনো প্রীচরবতী আর্হান্তভ

এ-সব কথার ফাঁকে কাগছের জনো বে-খবর দেবেন ফর্লাছলেন দে-সাবধের জনতে চাইলাম। উত্তরে বললেন,—'এবার দেশে

### গান্ধী শতাব্দী প্রকাশন

न्यानाथातरमञ् छेन्द्रयाधी नतन छावात धाकी-छावधातात निक्दवयन

গাদ্ধী-কথা (জীবনী-কাব্য): গ্রীপ্রভাতমোহন ব্দ্যোপাধ্যায়	2.00
আর্থিক সমতা : শ্রীভবানীপ্রসাদ চট্টোপাধ্যায়	0.40
অস্প্ৰতো ৰজন : শ্ৰীনিশিকানত মজ্মদার	0.40
भव्याच्या : जीकानारेनान मड	0.60
मार्ती-केसद्रम : शिर्यार्शमहन्त्र वाश्व	0.60
কাতির কনক গাম্বীকি (জীবনী) : শ্রীরঘ্নাথ মাইতি	2.00
সভাগ্ৰেছের কথা : শ্রীগৈলেশকুমার বল্দ্যোপাধ্যায়	0.00
কুণ্ঠলেৰা : ডা: পাৰ্বতীচরণ সেন	0.40
সাম্প্রদায়িক সমস্যা ও গাম্বীকি : অধ্যাপক রেলাউল করিম	0.60
গাম্বী-বাৰী ঃ শ্ৰীমনকুমার সেন সম্পাদিত	0.40

अहे नवारत जातक यहे श्रकारनत जरनकात •

পশ্চিমৰজ গাছী-শতৰাৰিকী সমিতি, ৰহাজাত বনন, ১৬৬ চিত্তরজন আন্তিনিট, কলিকাজ-৭ ফোন: ৩৪-০২০২ रकतात अर्थ मानका चारत अनाम। जिल्ल-ছিলাম টলস্টারের বাস্তবন ও কৃষি ভবন ইয়,সনায়া পলিয়ানায়। টলপ্টয়-সংগ্রহশালার व्यक्षक धन शासन महर क्रेंगे क मनद-প্রেমিকের ক্তিবিকড়িত ঘর-বাড়ি, প্রকর बाजान, बामाववाडि- मद किट्टे उस उस करत कामारक रहपारतन। डेबाजनाब) পলিয়ানা থেকে বিদায় নেবার আগো অধ্যক্ষ न्यक्रित ऐनाचेरात्रं वाशात त्थरक अकीं क्र-हे क्रवत हाता डेलहात क्रिक्न आमारक। कामारवाध करात्मन के ठाउा शीर काशि निकारिक মহাত্মজীর ক্মতিপ্ত রাজ্যাটে রোপণ काम छाष्ट्रांक दिन धना दक्ष कत्रद्वन। विकारिक स्मयादे वाक्याके विद्या विद्यानी क्ष्युत्र बाजना कामि अप करतीह। त.ग-ভারত সম্পর্ক নিরে জনেক খবরই ছো সাগলে বেরর। যে-রুশ মনীবীর প্রতি আমাদের মহাআজির ছিল আপরিসীম শ্রণ্যা —ভারই সম্ভিপ্তে বাগানের চারা রোগিত करायक মহাজাজী'त সমাধিউদানে-এ-খবরটাও দেশের কোত্তের জানা দর্ক'র ! বুশ-ভারতের আত্মিক মিলন ঘটেছিল এই # ই তপুদ্রীর জীবনে। উল্লেখ্য-সংগ্রহণ সাধ দেখে এসেছি ১৯০৪ সালে মহান্যাজী ব বে-র্জনা টলস্ট্র সাগ্রহে পর্ছেছিলেন ভা সেখানে সমানরে স্রক্তি।

মহান্ধান্ধনী-প্রসপো আরেকটি খবর তুমি
দিতে পারো। টলস্টর-সংগ্রহশালার অধ্যক্ষ
প্রিক্ষা আমাকে অন্রেরাধ করেছেন শতহার্মিকী বছরে উলস্টরের ঐ ইয়াসনারা
পালরানার গাহধীন্ধী সমপর্কে একটি
প্রদর্শনী আয়োজন সম্ভব কি না জানাতে।
ছবি এই প্রস্তাব সম্পর্কে দিল্লীতে প্রধান
মান্দ্রী ইদিরার কাছে আমি বলেছি। এবিষয়ে তাঁর তো খ্বই উৎসাহ দেখলাম।
ইদিরা বলেছেন—তাঁর পক্ষে বা করা সম্ভব
ছা করবেন।"

क्तिकराज बार्नाककोड



२४६ होका नात्रक भृश्वदी किया छ नाभाग छिना छ उत्तर्भ जन स्वरण्ड रमार्ट्सिक होन्स्क्रिकेड

মাসিক ১০ টালা পিলিড্ডে কিন্দে। প্রতি স্থায়ে ও শহরে পাটান বার। লিখনে।

Impex India (WD) Keitash Nagar, PB 1945 Delbi-6

হালিয়া-ভাগে আমার কাছে তীথ-ভাগে তলা ज्ञारक इ.स. विकास-स्वारम्था क्रेस्कान বাশিয়ানদের আমার ভালো লাগে। ভাগের সামীয়ক উল্লাভিত চিরকালই বিসময়বোধ क्टर्डाक्ट। এবারেও মতের হয়েছি তাদের সোজনো আন্তরিকভার ও সহদেরভার। তবে একটা বঢ়পারে সেভিয়েট-দুর্বলভা প্রকট হাষে উঠেছে আমার কাছে। এবারে শহে টলস্টরের বাসভবন দেখে আসিনি— মহানা প্রণ্টা পালেভরনাকের বাডিও দেখে এলেভি। নোবেল প্রেক্তর বিজয়ী সাহিতিতকর অবহেলিত বাভিত্র জীপদশা দেখে বেদনা অন্তৰ করেছ। সেভিরেট সরকার भारम्बद्दमादकक वाजकत्रनित्क वीव्यद साभाव চেন্টা করলে থানি হডাম। অথচ রাশ-জনমণের কাছে পালেতরনাক যে-প্রশা ও ভালে বাসা পান—তার পরিচয়ও এবার পেরেছ। গিরেছিলাম প্রেম্ভরনাকের সমাধিতে প্রেয়ার্য নিবেদন করতে। ভাবনা ছিল সম্বি প্রাণ্ডেৰ অসংখ্যা সম্বাধির মধ্যে কোনটি প্রভারনাকের ভা চিনবে কি করে। কিন্তু আন্চয়েত্র বিষয় সেখানে গিয়ে খেজ করতেই উপস্থিত রূমীরা সম্প্রভাবে আমাকে চিনিয়ে নিকেন পাদেত্র-নাবের সমাধিবেদী। বড়ৈ ভালো লাগুলো –ভারদান, সভিষ্ট–নানুষের প্রতি বিশ্বাস ছারাবার কোনো কারণ ঘটে নি।"-

ত্রার প্রস্পান্তরে এলেন করি। তরি সামনের টেবিকের ইতসতে বিক্লিক কাবজ ও চিঠিগতের পাশে রসেছে আব্ স্থীদ আইর্বের 'আর্মিনকতা ও রবীদ্দার্থ'। দাটি বই ই মানে হল নতুন পাওবা। জানালেন অইহাবের বইটি তিনি গথনও সম্পূর্ণ পড়ে উঠতে পারেন নি-ত্রে অবার ভবিষতে বইটি স্ক্রের একটি সমালে না বেনার ইছা। তরি আছে। ব্যাপন ভারতে সম্জান কার্মিক ও বৈদ্যুগ্রে আর্মিক ও বৈদ্যুগ্রে আর্মিক ও বৈদ্যুগ্রে আর্মিক ও বিদ্যুগ্রের প্রায়ের আর্মিক রা অইর্বে সাহের আ্রার্ম অংশ্র

স্থাদ্যাথ দতের কাবাসংগ্রেখনো হা ত তুলে নিচে ঐতিকবতা প্রথমের বইতির স্থান শনার উচ্চাসিত প্রশংসা কাবলেন। বংলা বইরের এনন স্কানর প্রচ্ছেদ, বাধাই ও মনে বইরের এনন স্কানর প্রচ্ছেদ, বাধাই ও মনে বিটান নাকি বেশি দেখেন নি। তারপর স্থান্দান্থের স্মৃতি সপ্রাথ চিত্তে স্মরণ করে কালেন,—'বৈদানিতক পিতার পণ্ডিত ও মনবা সতে হিলেন স্থানিবার। অসা পাঁচজন সহারর পাঠকের মত আমিও তার বৈদেশা ও মনীবিতা সব সমরে অন্তব্ধরেই। অনেকের মতে স্থান্দান্থের কবিতার রসাক্ষাদনের জনো পাঠককেও সনিশ্চতারে পরিস্লম করতে হবে। দ্বংশ এই বে, স্থানবান জন্মতে বিষয়ে নিকেন, ভার

কালে আমাদের আরে বেশি প্রত্যালা চিন্

—সে প্রত্যালা প্রেণ করার, সময় গেলের
কট?"—

क्यांक कथात्र स्थाप्तराग् यामानव राज्य প্রসংগ ভললেন। জানতাম ভিনি তা ভলকে --জাত্তাও নেখেছি বাংলা সাহিত্য প্রসংক আলোচনা উঠালট ভিনি উচ্ছবাসের সালা दान्धानय-अमारका कारक क्या करहत । दाध-रमद्दत्र कि.स. विद्नाय कल । अवादत्र वालामन -"त.म्बरमयवाय हे धकान्छ अन् ताशी अधि। ভার বাদারচনা আমাকে সবচেয়ে আকট করে। তিনি আমাদের পদাসাহিত্যক আর সম্ব্ৰহতে প্ৰতেন। তই আগলেম हत-हिंस खाइता गनख्ठता सहस्त मा (देस) ভার ক্রেপ্রেছির ফেল'-এর এখনো ক मधानत हत ? भादा नारमा नव-नामान বাবা'র ইংরেজী রচনারও বড়ো ভর অগ্নি হরত অনেকে জানেন না তার ইংরেচী खशायरि जाश्रामिक'।

ভবে জালো বেলগেছে এইজনে বে, বাস্পদেববাব, নাটক রচনায় প্রয়াসী হাজেন। ভবি শতপদৰী এ ভরতিগালী অভি চাংকাৰ হামেছে—মাধুধ হারেছি আমি—ফাভার উংগ্রে রচনা মনে হংয়াছে আমার। এভাবে তিনি ধনি নাটকের এবটা ধারা খালো নাটাকালিত। অবশাই উপকৃত হাম বংলা আমার ধারণা।"

धर्की शास्त्रहरू इस्ता कींद्र योगर **চক্রবাটীর সাহিষ্ণ প্রের্ছিলার।** ভার মধের টীকেরে। টাকরে। যে-স্থ অনুসাচন। হর্ডভিন - छा है किया किया तिस्त्राथ कशनाम। संव আলোচনার রাজনীতির ছেতিয়াও ছিন। ব্যব্যতি লোক আবেব-ইসরাফেলের উল্লেখন ব্ৰভেই জলেছে-সমান ভূপ লগ্লেপ হলে মহাযুদ্ধ অনিবাৰ হাট শুদ্রো অনবদ্রদী কবি সংখ্যে অর্থী বলকেন, ভিয়েজনামের য**়েখ** আমেলিক৷ শ বায় কারছে—তার এক শতাংশও ঘটি মান্তের মধ্যেরও জনা ব্যাহিত হ'ং- ডাই ক্রমিয়াতে কোনা ফলাতো। মন্যাহর গ্র<sup>াত</sup> কবি অমিয়তদেরে স্গভীর ধ্রণা, অপ্রিটে ভারের ব সা ভাষালাধ বিশ্বসং। <sup>বিশ্ব</sup>ণ ভাষনাও তার হারিয়ে স্থান বিধার। শানিজ নিকেন্ডনে বঙ্গে এ-ধরনের মান্ডবের স্বত্য পাওয়া আক্রের বংগে আর সংলভ নয়া

অথচ বিশ্বপথিক এই মানবসংখানী তার জানিবনের ঘট পূর্ণ করেছিলেন শানিতনিকেতনেই—বিশ্বভারতীর প্রশান অনুনা তার জানিবনের প্রচি পাঁপড়িতে পাঁপড়িতে
প্রতিফলিত—প্রচিটি কমে' ৬ চিন্টার প্রতিভাত! রবনিদ্রনাথের অনতমানে তার প্রতিভারতেশ নিশ্বভারতীর আদেশকে বর্তন করে যিনি পৃথিবীর প্রতানত প্রদেশে পাঁড় দিরেছেন—তিনি রবনিদ্রনাথেরই অন্তর্ভন্ন করি অমির ভরক্তী!

# त्वीमुत्रशाीक अन्दक

স্বোধ প্রোকারস্থ

প্রা প্রস্তান্তই স্বীকার্য হৈ, স্বাল উপাতি ভাগের ক্ষেতে বস্তুত্ব সহজ্ঞাত রাচি ও
সংখাই বিচ রকের আসন গ্রহণ করে থাকে।
এই কারণেই একজানার বিচারে বা জনবলা
অপর আরেকজনের বিচারে ভা-ই
অপাংকের। একজনের পক্ষে বা নির্ভাগ্ত
সংজ অপর ব্যক্তির পক্ষে ভা-ই একগেস
ম্বোধ্য সংগীত, উপাজনেগর ক্ষেত্রেও
আন্তর্গ সংগাত চোলে প্রে।

સીકા नर्वान्य-मरग्रीट्डन Mrs all 7177 ভার: ভা ক্রিক্*লা* বিশ 400 দ্বিতি আৰু প্ৰত্যাহ্য-भ्यमार रहे शास्त्रम করণের মৃত্যু কোন সভেতন চেণ্টা ষ্টান্তরেকেই পারেন। আর ঘারা তা পারেন মা হারা কিছাতেই পারেন না, সম্ভবত কোহাও একটা অন্তিভ্ৰম্য বাধা আছে ব্যৱহ পারে। না। এই কারগেই, একই আসরে প্রাপ্তির উপবিষ্ট দুইজন প্রোভা একই গ্ৰান শালে যে প্ৰদেশৰ বিব্ৰোধী মণ্ডৰা করতে পারের সে-সম্ভাবনা বাভিজ **করে** বেওলা যায় নাং এবিশ্বরে নঞ্চীরের অন্য-সন্ধান অন্যাসনাক। অন্যাস্থাপ একটি ব্যক্তি-গত জাজিকভা আমাৰ সমাজি ভাল্ডারেই TOS WITE

বাপারটা ঘটেছিল আরু ধেকে প্রার ৩০ তেওঁ বছর আলো এক সংগণিতের আসেরে। এক-একজন উচ্চাল্যাগাণীত গায়াকর ঘণ্টা-ব্যাপী ভাল-বিস্তাদ খানেছিলাম আল মনে হাচ্ছিল, আগচর এবের ধ্রনিকে বলে আন্তর সাধনা! কেউ কেউ আবাদ্ধ কেশ সংক্রেলা কাঠের ভাষকারী। এরা হলি এটটা উত্তেজনা প্রকাশ না করে ধীর শাষ্ট্রতার বৈশ্বনিক্ষার মত সাগ্রাগিণ্ডির কেবল সেই कामवानिये धाताव कात रम्भाएका स्थवारमा গটার কথার পরে সর্বোভ্রম ভ্রেব করী সাংবরই না হত! কথাকে লেফ বাদ পিরে ম্রটিকে নিরে এমন নলাইমলাই-ই বা ক্রাচন কেন! সারের মতই ঐদবর্য থাক, শ্ব্ স্বে শ্বেই ধরনির সংগতি বৈ তো নর। ভেমনি শ্রে বাকা যতই বসাশ্রক থেক, আলংকারিক ভাষার তাকে বড়জোর কথার সংগতিত বজা হৈতে পারে। এ বারের माध्य विकास करें एका कर्जनश्मीक वन्तरहा!

অবশা এ বিষয়ে যে মজাশ্তর থাকতে পারে সৈটা জানা ৰ জিলা। পার্দাশত জনে উঠেছে' বিনার মশ্যেবা মাথে মানে কানে আসছিল। সে কথা থাকা একজন গায়ক সবে মান্ত গান শেষ করেছেন, মাথে কিছ্কেল্ বির্ভিত পর্য এককন জনপ্রির শিক্ষণীর গান শোনা বাবে,
সকলেই প্রতীক্ষার ব্যার্ডন—সেই প্রকাশ
অবসরটাকুর অথেই অপ্রত্যানিপ্রতর
আবিভাব! আসরে বসে শাদত সমাহিত্য
কর্মে হিনি গান বর্গেন ভার নামটি জানা
হয়নি কিন্তু সেই অব্যক্ত গায়কের অস্বান
স্থানীত একতি রবীন্দ্র সংগীতের আব্দন
স্থানীয়ারা পার আসভ সেন স্পান্ট অন্যান

মনে হল, বেন গানের দুটি মার শংকী
দানেই উপন্দিতে প্রোভমান্তলী এক সহজ্ঞ সৌল্যানি মহিলায় অভিভূত হার পড়লোন। এন্নত আন্তল হল, কেন এডজন চোল-ধারানো ঐদর্য পরিবেশ্টিদ হাসে কাজ-মধ্যার উপলিট ছিলান, সহস্যা নিক্তেবর মধ্যে ধার্মান্তল কোন নৈস্থাক সৌল্যানি লোকে উদ্দিশি হাস্তাছ। একটি মাত ভারা সেন্ন কারে সমস্ভ সংধ্যকাশ্যক নির্দেশ্তর বন্ধ করে থাকে, মান হল, রক্ষিন্তসংগতিতর প্রভিত্তিক লা সার, মাতি, গমাক স্পাধ্য স্থেকভাবে প্রয়ক্ত।

প্রে ওারের চোডেন্নারে মান্য ভারাজ্য লক্ষা করে মানুনার মান্য নান্য কথাই বাসবাদের করে হোকা উঠিছল। ভারাছিলাম, পরক্ষারার বাজালারৈ কথান কেন্দ্র কে লামার্য মেন্যারেই হোক, সে সংগতিকে বাজালারী কথান ভারা মানুনার ম

গ্র কেষ হলে নিজের অন্ট্রান্টটা বাচাই কববার কেমন ইক্তে হল। কাছেট বাল-ছিলেন জনৈক সংক্ষা পরিচিত বাজি-ছিলেন জনকাতের অগ্রেক সমকরের। গ্রেমাহনে ভর করে খোব কিনা তাকেই জিজ্ঞানা করে কেল্যান, তাইলে রবীশ্রন্থকাটিটা আপনাদের কাছেও ভালাই লাগালো, কা ধ্যান্ত

একটা, বিসাদের, অভানত ভিনেজনে একটা কুন্ঠিত জবাদ একো, শতা, আসমানের , রবীন্দ্র সংগীতে তো কাবোরই জ্বরজরকার, মশাই!

শালে মনটা খ্বই দ্মে গিরেছিল। কিন্তু অধ্পেরে এই ভেবেই সাক্ষ্মা নিলাম, 'ভিন্ন-র্টিলি' লোকং'। বিচার ভণ্ণির পার্থকাতে তু উত্তরটা অন্যান্থ কবার উপায় ছিল না।

আমানের বহা শতর বিশিশ্ট স্মালের

সন্তিই তাৰ ক্বৰিক্সংগীতের ক্সপ্তাতিগাই সংখ্যার অধিক হবেন সেরাপ্তা আদা করা বাক্তিবাছ হর না। ভিন্ন ভিন্ন বাচিক লোক ভিন্ন ভিন্ন সংগীতের অন্যাগী হবে থাকে। ভেন্ননি গীতিকারগার সকলেই-কিছ্ম একই ভেন্নিক হতে পাকেন না।

कार्ति मांड ग्रेन्ट्रड ग्रेन्ट्रड, शर्मी क्ला कारोड कार्डेंच्य रव-सानीय गामग्रीम म-स्क कर्ल शास बात राहेशरकाहे व गहाकिवि বিভূচিত খাটি ক্লীসাগীত এবিবরে কোন महम्महात कारण हमहै। अयर के हम ठाएमण-ছীন হেদরম্বাধন্ত বাকে ও সাবে প্রাথিত ওই असला शासक एवं अकति नवस्ता देश स्ट्राइक ात्रकरास जाम्बीकार्य । आव अक श्रेण छेत्री এলে দেখি, সংগীত ভিল রূপ পরিয়াই কারেছ। হন্তান্ত্র্যার সালে উচ্চতর ভাব ও ব্যাচর সংফিল্লণ করেই দপণ্টতর হরে फ्रिंग्ड । এই स्टान्त शानगांका मास्त स्थासत মনে প্রাব্তই এর প অন্তুতি জানে এবেন ভারত অভিক্রতা, ভারত কথা: কেনস গাঁচিকার ডা স্পেণ্ট ও স্থেদর-ব্যাপ প্রকাশ করেছেন মান্ত। ফারো ভাজা-জাবিদ্ধার্ভনিত একপ্রকার সাখ অন্তেত হয়৷ তেমনি, জার এক জেগীর গান আছে বা মহন্তর ভাবের সংগ্রে পরিচর ঘ<sup>্</sup>রতে থাকে। কলে ছোডা বা লাভ কারেন ত সুৰ অংশক। উচ্চতৰ অনুভতি। সাহিত্তার পরিভারার আনে লোকেন্ডর खानक (Transcendental joy) दका ত্তাত প্ৰৱ: ব্ৰহীক্ষাখেত সংগতি স্থিতিত এই শোষাক ভেগাঁর গামের স্টোলেডর আভাবে ছবে না ঃ

আমি তেমার সংগ্রাবেশ্বৈছি আমার প্রাণ সংকর বাধ্যে।

আমি তোমারে পেটেছি সভানা সাধনে॥
সে-স্থনার মিশিরা হার ধ্রুলগ্ধ,
সে-স্থনার মিজিরা হার কবির ছণদ্

ভূমি জামনা, তেকে রেগেছি ভোমার নাম— রঙীন জারার আক্ষানকে ৷৷

তেমার অর্প ম্ভিখিনি–

ফাগোলের আলোকে বসাই আনি। বশিধী বাজাই জলিভ-বসকেও,—

সান্র বিগাদেও—

দেনার আভার কাঁগে তব উত্তরী গানের ভালের সে-উক্যাপনে।

এ গানের ভাষা ও সরে মন ও মননকে একই সংগো আকর্ষণ করে। এ গানে তত্ত্ব আছে কিন্তু সে-তত্ত্ব সৌণদক্ষীর অন্যামী।

প্রবর্গা সংধন' তে নর সৌল্যস্থিকই হচ্ছে করির সংধনা। এ বিশেবর সকল সৌল্যুর্যা কবি তার নাম র্ণ পরিচয়ংগীন অংওতের' কনের আভাস পেরে খাকেন,

जन्छदान प्राथाते जातक जान कारात । जातान মাৰে মাৰে এমনত তাঁর মনে হয়, এমনতর শার্মার বাস্তবভার আলোক কোথার অ শ্রেট ক্রপনার ক্রমীন ভাষা মান। টেখ্ড ড পানটি এই মাল ভাবটিরই গ্রীতির প। কবি ভাতে বলেভেন ভোষার সংগ্রাভারত এ প্ৰাৰ এক গুলিখতে বাধা পড়ে আছে, সে-ৰ্ষিন্টি সংরের। ভোষাকে গেখেছি এক অজ্ঞানা সাধনার সে-সাধনার সংগ্রা বকল-পান্ধ আর কবির ছান্দের কোন অমিল ঘটেনা। তব্ মনে হয় আমি যেন তে মাকে এক রঙ্গীন ভাষার আক্রাদনে রেখেটি। নব বস্তের গোভার মধ্য তোমার অবাস মারিটি আমি মনে জাগাই। পরিশেষের চিত্রকপটি সভাই অপরপে। সেখানে দেখি কবির বাঁশিতে বাজছে ক্লিতবস্ত্রাগ: কখন সদ্ব দিগতে ছেগে উঠেছে সোনার অলকানি। কবির মনে হরেছে, ব্রথি তারই সেই বাশির তানের প্রতিভাষণে দিগড়েত সোনার আভার কাঁপতে তার 'অন্তর্ভাবন' দশল উত্তরীয়খান। কিন্ত প্রক্ষণেই নিজের ভল শ্বধরে নিয়ে কবি বলছেনা মা তুমি আমার কথা ভানও না। 'তুমি জাননা' এই কথা দটি বেন সমুহত গান্টিকে এক অপাধিক অভিমানের সাধায় পার্ণ করে তোলে।

এ এক অতিস্ক্র অন্ভৃতির জগং।
এখানে তত্ত্ব সৌন্দর্যা একভিত হরে
এক অতীন্দ্রির আনন্দর্যার পরিমান্তল স্থিট করেছে। সভাত শ্রোতা এখানে ন্যাগত।
অথচ আন্দর্যা এই যে কেমন ভ্রম জন্মে,
এথ্যেন ভার আপন অন্ভৃতির রাজা, এ
রাজ্যের ভিনিই অধনিবর এবং এর সকল
সৌন্দর্যা, সকল ব্যাসর তিনিই প্রকৃত
ভোৱা।

আসলে শ্রেণ্ডার এই সক্ষানেভ্ডিটি ববীন্দ্র মানসেরই দান। ববীন্দ্রনাথের কাছ থেকেই উত্তরাধিকারসূত্রে এই প্রশাসিন্টী আমরা লাভ করেছি। এ উত্তির সমর্থান সাই বথন দেখি, সচরাচর ববীন্দ্রসাহিত্যের অন্রাগীরাই রবীন্দ্রসংগীত থেকে সম্মধিক আনন্দরস আহরণ করে থাকেন।

রচিরতাকে রচনা থেকে বিচ্ছির করেও বেঁসকল গান উপভোগ করা সম্ভব রবীন্দ্র-সংগতি সে-গালোর সংগাত নর। নিশ্চয় করে বলা কঠিন, রবীন্দ্রসংগীতের প্রাতা ঠিক কডক্ষণ একাগ্রমনে গানটিকেই কক্ষা করে চলেন আর কডক্ষণই বা কবির চিকরুর সামিষা অন্ভব করে থাকেন। আফালের তো মনে হয় এই উভর্গিরা কথনও পরপর কথনও বা ম্যাপথ চলাতে থাকে। মনের এই বিমিল্ল অবস্থাকে বর্ণার ব্যারা প্রকাশ করতে গেলে মর্বক-ঠী রঙ্টির কথাই মনে

व्यत्नदक किकामा करत्र थारकम, त्रवीन्त्र-

নাব্যের মৃত্যু একজন একাশ্ত আখ্যাত ক্রির গান উপজ্যোগ করা সাধারণ প্রেক্তাদের গতে কতারে সম্ভব। রবীল্যসংগীতকে মাজ্যিতর্টি শিক্ষিত সম্প্রদারের ধান বলবে ভূল হবে কি?

व्यामातमा खेखराचा अहे त्व तर्वांग्य-সংঘীতকে 'জনভা'সংগীত কলৈ কলেনা করাই ভল। পাপর পাক্ষ জনগণের জাল-माणा प्रकाशाणाः शास्त्रक कार्यरवाष्ट्रक शास ধারে এমন শুমাণও পওয়া বাহ না। সংগতি मकालां सामगाराम किन्छ मकालां अकडे कारत जानवानर्यन क्षम बाह्य साहै। বেশিরভাগ লোকে সংবের ফিন্টভাটকেই আস্বাদন করে খাকেন এবং ভাষের শভকরা ৯০ জনই আবার প্রথম শংক্রিক গায়ক। প্ৰথম পংক্তিৰ এই অংথ' কে এবা গানাটিৰ প্রথম দ্রচারটি কথাই মাঝে মাঝে প্রেগাল করে কতকটা নিজ্ঞাব সারেই গোরে খারেকন। নানা দিক থেকে পান্টিকৈ বিচার করে ভার সামগ্রিক ম্লায়েনের প্রয়োজন বোধ করে থাকেন অফল লোকেট। ভথালি একথা মানব্দিদেশর ভেষজাগারগালিতে আজ প্ৰাণ্ড যে-কটী হনজলানো এৰধ অবিকৃত হারতে অয়োছতার ভার কোনটাই সারের সমকক নয়।

বাঁশিওয়ালা বাঁশিতে একটাক্রে মিন্টি সাৰ বাজিয়ে রাজপথ দিয়ে চলেছে: হয়ত জেতার মনোবোগ আকর্ষণ করাই উল্লেখ্য। কিন্ত কী আশ্চয়ণ ! কেমলি স্বেটি কানে धाना उत्पादार्खाई हैश्वर्ग আকাশে তথ্য চাঁদ উঠেছে প্ৰজ্ঞ-লয় মেমের দল ভেলে চলেছে সেই সংগ্র স্রিটি বডই মধ্রে বোধ হচ্ছে। কিছা খে স্পত্ত করেঁ বলছে, এমন নর। তব**্রিল্লা**র ন্দেইটাৰবলক। কাকলির মতুই কী ভাষ আকর্বণ! ুপালৈত হরিণ বিশ্টি তেমন করে পতিগ্রেগ্নিনী সকৃত্জার বস্তুত্ প্রাম্ভ ধরে টামছিল স্রেটিও বেন ভেমনি করে আমার প্রাণমন ধরে টানছে! পড়ে রইল হাতের কাজ, ভালে গেলাম আপন পরিবেশ। আমি বে সওদাগরী আপিসের একজন ছাঁ-পোষা কেরাণী হাত এই নিকার সভাটি মাহতেই বিকাত ইক্ষা এক অনিকেশ্সা অপাথিব জগতে আপন কনে কত-কী ভেবে কতক্ষণ যে মূরে বেড়াই, किल्नाई शास्त्र ना।

এমন কেন হর? উত্তরটা কঠিন নর।
চুদ্বক বেমন আরত্তে পাওরা মানুই লোছথপ্টকে আকর্ষণ করে থাকে সোল্যবা ধেমন
ব্রতির অবতারণা মান্ত না করেই মান্থ করে এও ঠিক তাই।

কিন্তু প্রচলিত ভাবার বাদের ওস্ভাদ বলা হয় ভারা বোধ হয় এ নিয়ন্ত্রের বাতিক্রম। কারণ স্বের সম্ভোহিনী মাল্য ভারা বেন অভটা কাব্য হয়ে প্রেম না। প্রশাসিই জানের সংগতিসাধনার গরনা
সংসিদ্ধি এবং প্রকাশিতেই ভারা মুখ্
হলৈ থাকেন। সংগতিত হৈ এরও চার
মহন্তর উদ্দেশ্য খালা উচিত একথা ভারা
কেন ব্রতে প্রদেশ্ত নন। এপে
সংগতিসক্রালী না বলা সংগতিসক বললে
ভুলা পরিচর দেওয়া হয় কিনা ভানিনা।

রাগবিশের ব্যবহাত সারগালি বিস ছেরফের করার খেলার মধ্যে আছে এব वतानव जानमा जात ताहे माराहे जिल बात कन्टेकी जागादना दनशाबात छाउत्रकाम क সংযোগ। কাজেই বাগতীকে থানিহত আছাত দ্মতে কমিরে বাভিয়ে এরা এমন সর কাশ্ড করতে থাকেন যার ফলে ভার আবেদন সাকাদের মেয়ে খেলায়াড়ের চাইতে অধিক ব্যশীর মনে হয় না। ছিলে। স্মাতিহ্যিন সভপাকৃতি স্বয় স্মাণ্ট্র ছত-ছডির মধোই এই জাতীয় সংগতির সাম উৎকর্ষ প্রতিক্ত। রবীগদুনাথের লাভ সংগতিতর এরা স্থাপতি নতা বাণি নটাল ইণ্ট চনেসারকি আর বিভিন্ন ভারাকে শাধারকৃচিই এনের কণ্ঠ-কামান প্রাক্ সগৰ্কনে উপাণি হয়ে থাকে।

এদের মধ্যে भाकित्यम् एव कका সাগায়ক আছেন ভারা নৈভারাকে প্রাান। ভাষের সংগতিত সংখ্য ও প্রিমিত ব্যার প্রকাস স্পশ্<del>টই লক্ষা</del> করা হার। বস্তত, সহজ্ঞাত শিক্ষাবোধগ্যাণেট ভারা উভার গিরেছেন। কিল্ড সাধারণত এল্ডানী গান মাধ্যালৈশহীন এমন কি বিব্রুক্র। অনেক আচার্যকলপ সংগতি স্থানোচক क सम्बरम्थ सर्थम । केन्द्रि केन्द्रम् कान्स्हरः। সতা বলতে কি ওচ্তালাণ গা' ধাতুর একটি माठ त्रांके स्वीकात करता, रूप त्रांकि অসমাণিকা রুপ। অথচ সামিতি সাথক প্রয়োগ জাপকতা, সূবিহিত স্থাণিত অংশং একটি সৌল্যময় পরিণাম এ গালোই বল মহৎ শিকেশর আনাত্র আবশ্যিক লকণ। কৈ, সাহিত্যের বেলাজে তো পাঠকগণ এঘন লাবি করে বসেন না যে, লেখককে ভার গোটা উপকরণ ভান্ডারটি খনেল, ছড়িয়ে দেখাতে रहव। विभि व**स्ताहक সহरखंडे স**ुन्नत अवः স্ফেরভাবে সহজ করে তলভে পারেন তাকেই বলা হয় প্রকৃত বাক্লিদ্পী। স্ব-শিক্ষীর কাছে প্রোতাদের দাবিটা বিশ্রীত কিছা হবে তেমন মনে করা যাত্রিয়াত হর

বন্দ্রসংগীতের সংগ্র আমাদের ভাষাহীন
পরিচরটা অগভ্যা আমরা শ্রীকাল করেই
নিরেছি। কিন্তু কণ্টসংগীতকে ভো
বাজ্মরী বলেই জানি। ভার কাছ তেকে
এমন কিছু প্রত্যালা করি যা আভাস কিন্তা
অনুমান ন্যায়া থাণ্ডভ নয়। সংগীত
বলতে শুধু সূরই বোঝাল এবং কথার মূল্য
দেওয়া ভার পক্ষে মর্যাসাহানিকর একবা

নেনে নিজে কেন্টসংগীত' কথাটার তাৎপর্য ্রেজ পাওরা শক্ত হয়। অথচ কথার প্রতি হেন্ট্র প্রকাশ যেন ওস্তাদী সংগীতের বিশ্ব লক্ষণ।

অস্তাদী সংগীতের <u>প্রবভাগণ এ</u> সব ক্রথার জ্বাবে সাধারণত তারার স্ক্রগালিট থবচার করে থাকেন। সংক্রেপে ভাদের পুৰুৱাটা কতকটা এই বুকুম **ঃ উক্ল**ঙ্গা হুগুটিতে ব্রাগুস্বর পই প্রকাশ্য। কথাকে দ্বালয় কলে না বেডাপেও **উচ্চতণ সংগীতের** শিলের শিবত লা°০ হয় না। সেহেত পতিতি রাগেরই একটা নিজম্ব অভিবারি ্রেছে, কথাকৈ গায়ে পড়ে ভার হয়ে রুর লাভ করবার প্রয়োজন নেই। আহিতে ধর্বার জন্য পতাকে যেমন একটা কারিব হাত তেখে হিতে হয়, ভেমলৈ একটা ত্যাল ত্রমন কথাকে সারের সংগ্রে জাডে চেত্ৰহাট সংগ্ৰহট। व्यक्ति स्थापन करत ব্যার্থনের পরেপ্যতেপ প্রজন্ম করে দেয়া নগাকতারত তেমনিভাবে কথাকে ছাপিয়ে কৈল-এটা এছল বটি সংবেচিশ ব্যক্ষার ই

বাপারতা খ্রুই স্বেরাধা নয়। কিন্তু এ বিষয়ে আনালের চিন্তাটাই কিছু এ বিষয়ে আনালের চিন্তাটাই বিছয়ে ভিনতন রাগানিসালের চিন্তাত রেগাচিত্রটি রগজ্জতা নিজেই চেন একি বিষয়েজা: বেক্টেন্টি কিন্তুই বিচার সহকারে বাবহার কানেই ব্যাবা্গতী এতি বেলায় সাভাই জনান্ত্রহার সম্ভাবন গ্রেক।

হলপর, লগালি**ংগে**র লিগেল আভি-মাজির জে-কথাটা হাজাশার ভাষা হয়, প্রিচেটে সে হিছার অন্ভারগত তেও ছলট স্বাভালিক। সংস্থারবার অন্তর্বর ভাংমান্ত ভাটেত মাধ্যেন্ট্রন বিদ্যালান। মোটক্না রগেহিশেষের নিজ্ঞান আভিবর্ণক কণ্টুটী নিণ্ডিং ছায়াল্ড ৷ ভার উপরে ভাষার <sup>শু</sup>ুলাক সম্পাত না ঘটনো ছেণ্ডার কল্পনা টাতে কোন সংগারস্থাট ভাকচাতিই ভার भूगामान ३८७ शास्त्र ना । या नियस রবণিত সংগণিত তা সম্মেহ । ীয় 4/11 প্রসালগাল বিশিষ্ট ভাষা সামেটিকে শ্রে ছার্ডান্ত্রই করে না, ভার উপরে *একটি* চহস। প্রনাত ব্যালিয়ের দেয়।

এ কথার অর্থ অনুষ্ঠাই এই নর সেং সংগতিত কথাই মুখা। আর সর্ব গৌণ। শূলিক স্থাইতা স্কের না-ইবা আকলো, জন্মকে ভার অবদান অন্য স্কুট । সাম্বিরের প্রথম্পাধনীয় বলেই চনি নিজেও স্কুলর হারেছে আর ন্যাজিলে, মেঘলোকে, শ্রাকল কুলোর মাধার মাধার ন্যেগ্রেই ভার স্পুল্যাবাধ কোগেছে। রুপ্রমেধানেই জার স্পুল্যাবাধ কোগেছে।

্রজনির করে ভাষাধনি স্কুর্ত বচনকে জনিবচনীয় করে তেওগে। স্রে বড় কি কথা বড় এ নিয়ে শৃধ্ সৌখীন বিতক্ট চলতে পারে। বাস্তবিক, উভয়েই স্ব স্ব ক্ষেতে অপ্রতিস্বন্দ্রী। সংগীতের এ দ্টী উপাদান পরস্পর পরি-প্রেক। রবীন্দ্রসংগীতে কথা ও স্বে পরস্পরের ঐশ্বর্ষে অন্সাত্ত বলে সংগীত সেখানে প্রতিট্রি নিয়ে বিরাজিত।

কথা ও সারের আদর্শ-নাম্পত্যকেই সংগতি বলা সংগত সূত্র যদি প্রবলা শ্বীর মত কেবলই একতর্ফা হাক্য চালাতে থাকে আর কথা নির্পায় বেচারী ম্বামীর মত পদে পদে হাঁনতা স্বীকার করে তাই ভামিল করে বাম তবে সে-মিলনে ভোন পক্ষেত্ৰই গোৱৰ বাড়ে না। কথা যদি কেন মালাবান কথা বলে থাকে তাবে সারের উচিত নিপুণা গ্রীণীর মতই সর্প্রয়য়ে এবং দ্বদ্পত্ম উপ্ররুগে তাকে স্পের্ডম রাপে রাপায়িত করা। তেমান সার খার কোন মহৎ সৌন্দর্য প্রকাশের প্রেরণা এনভেব করে তবে সে-স্থেবাগ প্রভঃপ্রবাত্ত হারেট দেয়া কশ্তত এই কার্যেই দক্ষ গ্রীতিকারগণ গানের এখানে-ওখানে কিছু কিছা অবকাশ রেখে দেন: সার সেই শ্লেস্পান্যটিল আপন স্বেমায় পার্গ করে তেলে। বলা বাহাল। কথাও সে-গোটাবের ज्ञानित एक भारत।

তান কন্তবিবেকই যাঁৱা সংগতিত ব সারবদ্ধ বলে মান কৰে থাকেন তাঁরা বেংধ পরি তুলে মান যে, প্রাচীন আচামাদের সংগতি চিদ্তায় ভানকন্তবির ভূমিলা ছিল অপ্রধান। কিন্তু কেই অপ্রধানকেই একনিম সর্যপ্রধানরতাে দেখা গোল—ক্ষানন মানক গোপ্টিই হলে উঠকোন সংগতি মানক গোপ্টিই হলে উঠকোন সংগতি মানক গোপ্টিই হলে উঠকোন সংগতি মানকাশিকার কোন চিক্লই তার বইলো না এভাসলন্ধ অসংগারের ভার তার সংগতি চেপে বসলো। মেনব্লিশকেই ভার স্বাহণ্য লক্ষণ বলে ভূম করা হক্তে। মনো ভার চানীলাক গাঠানোই আজ অন্যুখ্যমের বিষয় হলে দাভিবেতে।

জাঙ্গ পৃষ্ঠাত মান্সিক বিকাশ তার সামানাই হারেছা। গানের এক-অন্সর্চা কথাকে টেনে নিয়ে কথাক কথাক চার ভার সংগ্রা নিয়ের প্রাথের রসকে দেশাতে চেন্টা করে থাকে বটে কিন্টু প্রকৃত প্রস্তাতে গতন্ত্র্যালিকভাবে কর্নচুষ্টালিকভাবে কর্নচুষ্টালিকভাবে ক্রিছুই নর। ঠারেরি গাইরে মান্টাই বিশেষ নিশেষ রাগের উপর যেসব কাজ শেষিরে থাকেন সেগ্রেলা বহান্ত্রত। ব্রাথের গাকেন সেগ্রেলা ব্রাথের। গ্রের

বে-শ্রেণীর রচনা ওপতারী গানের পঞ্চে নিশেষ উপযোগী তার কানুনা তো এই:— সাথ! পঞ্চের কটিতে জানার আঁচল যে বিধে গিয়েছে। কিছুতেই তা ছাড়াতে প্রাক্তিনা, এখন উপার্য কাঁ করি? জানার প্রাণ যে তার সপ্সে মিলিত হবার জন। বড়ই ব্যক্তন হয়েছে।

'ব্যাকুল হয়েছে' এ দুটো কথা নিরে 
ধুম্ভাদ গায়ক যখন একট্- মাধট্ দুরে 
ধুম্বাট্ড থাকেন ওখন চত্দিক ধ্রেক 
সমকদারগণ সম্পর্য 'আহা আহা' করে 
ধ্রটেন। রবীন্দ্রসংগাতের মাধ্য শ্রোভাদের 
কিন্তু বাহবা দিতে দেখা ধায় না। গান 
শ্রন ভার। যেন আপন মনের মধ্যেই তলিয়ে 
ধ্রন।

এখানে একটা প্রশান স্বভারতই মনে
উদয় হয়। সেটা এই যেন ওসতাদপদিধাপ তো ববশিশ্রসংগাতের স্বরাংশকে 'জলো',
গ্রাব্দির স্বর' প্রভৃতি নানা বিশেষপেই
বিশেষিত করে থাকেন, কিংতু সেই স্বরগ্রিলই অপরের কটেও গাঁত হয়ে কাঁ করে
প্রোত্মনতলীকে এনন ম্যাপ করে থাকে
আর ওসতাদের কটেও পড়ে কেনই বা সেই
কুস্থ-কোমল স্বগ্রিপ এনন হানি দশা
ঘটে ব টেটিটা স্কেন্ডেন স্বরাণ্থনজনিত
কি ওসতাদের শিক্ষত কটেওর, বিষয়টি
চিত্যায়ে গ্রা

কোন কোন সমালোডকের মতে বুরুর্তাত মিলপালেরে কোলানিরে নিনশনি হতে পারে না। তারি বালেন, কেতেত্ আনন্দরনেই হছে আর্টার প্রথম লক্ষ্য়, বত্তুজনকেরেই হছ মহৎ শিলপ স্থিতির তার্ধান্ত লক্ষ্য। একলাও তারা বরলাতার, স্মিতিই সৌনকারে ম্ল তড়, পরিমাণহানিতাই শিশ্যারের কারণ। একথা মেনে নিতে আক্রি বর্ণার না যদি না অভ্যাসলভা বা বায়েম্ছাটিত নৈপ্রেকেই শিলপাত উৎকর্ষা

অসম্প্রিটির হলেও ক্রাটা মিন্দ্র দর বে, ওপতার মহলে অন্টার্থ সংগীতের সংগীতপ্রহারতা প্রকিলে লা করাটাই রেওলালা কেট কেট অসমর এমন ধারণাও পোদ্ধ করেন, সান ইচ্ছান্য সংগতি বাল ভাছিছিত সংগতিটি প্রচলন ম্লি-ধ্রিকান ধ্রন্ত্রন সভা, সাভ্রাং অপ্রিব্রাক্সিকা।

উদ্যোগ সংগতিক সনি ভারতীয় সংগতিতা কর ব্যাহন করেও হয় তার সে কেন্দ্র এই সামন্য সংগ্রিকা করেই বলা সারে বেন করেবর মত এটাত চতুরকা। মাসত ; প্রায়র করেবর মত এটাত চতুরকা। মাসত ; প্রায়র করেবর মত এটাত চতুরকা। মাসত করেটা সংগতিতা করেটা সংগতিতা করেটা সংগতিতা সাক্ষিকাশনাগত সাগালাভ স্মুক্তি। ভালসাধারণের নিক্রিকাশনাগত সাগালাভ স্মুক্তির বাব এব না আশা করেই স্টেন্কু সংক্ষেপে বাবার চেপ্টা করবেবা। উস্টো কিক স্থেক্তি শ্রেক্তি করার চেপ্টা করবেবা। উস্টো কিক

ঠাবার ২ল সেই জাতীয় সংগীত যেখনে রাগ-রাগদার ধেবল শ্রহিতমধ্র আংশগ্রেকোই পরিবেশন কর। হয়, মিন্টভার মিন্টার বিতরণ আর কি!

উপপার সংগঠন-কদার বিশেষ করে দালাদার তালকেই প্রাধান্য দেওয়া হয়েছে। সারটিকে অকেগময় করে তোলার বেশ ফলপ্রাদ প্রধাত।

তান ও গানকৈ সমার্থবোধক করে তোলার বেপজোনা খেয়ালই বোধ করি খেয়াল সংগতিতের বৈশিশ্টা।

সংস্থা, শান্তরস, স্থান-ভীষা এবং সধোপার সংহাত সংগঠন পরিকল্পনার জন্ম ধ্রাপদট শ্রেন্ড বলে বিরেশ্ভিত। জনেকের মতে, নাজিগত হিভাবে এটি রবন্দ্রি-সংগাতির সংগাত।

অতীতের জাগিতগুলি পরিবর্গন-পুর্বন্ধ তার কলাগে ও সৌল্ধর্য বিধারক স্কুগ্রেলাকে বর্তগালের মধ্যে ধারণ করার নামট রোধ করি সংস্কৃতি। সব গতিমান শিংসাই এই স্থাটি অবলম্পন করে থাকে। সে হিসাবে রবীল্লাব্যের গানগুলিকে প্রগ্রেবীশ্রিক সংগতিতর সংস্কৃতর্প বল ব্যে পারে। বিবভিত্ত রুপ বলতেও বাধা নেই।

অতি তথ্ব বংসেই কবি হিন্দী টপ্তা, থেয়াল এবং বিশেবভাবে প্র্যাসদান তেওঁ কিছু সংখ্যক সংগতি রচনা করেন। কিন্তু সেইসব গানের মধ্যের উপভোগ তথা উত্তেহে। তই সকল গানের ম্থারণে কবি স্বান্তি অধ্যানর বিভিন্ন প্রেণাভুক্ত সংগতিতার অংশবিশেষই প্রথাবোদ্য দনে করেছেন; বাকী অংশ সমন্তবত স্বান্ত থালেনে।

ক্রির পরিণত ব্যসের সালগুলির **মধ্যে স**েগদের সংঘ্রম, রাগসংগীতের আনেগ এবং বাউলসংগণিতের সহজ মমাস্পরিশতির সাজাকিরণ অনুভব করা যায়। কিং র্বান্তি সার্গ্যালর বৈশিন্ত্য কোন করি এই যো, সেগালো কস্তুরী ধ্রেপর গঞ্চের মত শ্রোতার চিত্তকে মহাতেই এক উচ্চতর ভারভূমিতে আকর্ষণ করে নেয়া নেউ কেউ হয়ত প্রশা করবেন, 'কেনেন গালে সে এমন গুলোঁ ? অথাং রুবাঁণ্ড সারের এ ছেন অন্তর সাধারণ গ্রেণর তভগত কাংগ্রে ফ্রি। আলোচ্য বিষয়টাও ভাই। এবং কারণ হিসাবে, পথ্যতে কবির পরবর্তীয় পরিকংপনা অনুযায়ী সুর্যোজনার প্রশার্টীই উল্লেখ্য। কিন্ত তৎপূরে ভেবে দেখা প্রয়োজন.-অন্যান্য সংগীতের পদাৎক অনুসরণ কেন্ট্ বা তার মনঃপতে হয়নি।

উচ্চাখ্য-সংগীতের কথাই ধরা যান।
আকারে প্রকারে এটী সমাদ্রগামী জ্বাথ্যকের
তুলা। ভিল্ল-বিরহ প্রভৃতি মান্য মান্য অতি পরিচিত কলরগালিতেই তার
যাতায়তে। তার ক্তা-কৃতিকে রবীন্দ্র সংগীতের উদ্দেশ্য সাধিত হর না। প্রচলিত সরেশেজনার রাজপথটিও বহুস্কেগামী নর। ব্যবীশুসংগীতের লক্ষাম্মল দর্গঠ,— আলোছারামর: মনের রহসংখন সকল অনিতে-গলিতে।

ভান-বৈচিত্তে রবীন্দ্রসংগীতের ভূননা বনাথার র অথানে উচ্চন্টরের কাল্যের কথার স্থার মেলাতে হরেছে; কাজার কথার কথার সূর মেলাতে হরেছে; কাজার নির্মান্দরের প্রান্থির প্রকল্প মূল্যে প্রান্থির শবক্তর মূল্যে সালীকার করেছে সমগ্রের সালে। কাজেই অথানে বিশেষ একটি রাগের ধরা বাধা গতিবিধি আর স্বীমিত প্রবাদ্ধ করেছা করেছা কাজার উপর সদ সমরে ভবসা রাখা চলেনা। স্ক্রের কাজের জনা চিত্রশিলগাঁকি সাক্র্যা ভূজি অর সাক্র্যাতর হিসাবে বিশিব্ধ ব্যার বাধ্যার করেছে ব্যার বাধ্যার করেছে বাধা চলেনা। স্ক্রের কাজের জনা চিত্রশিলগাঁকে সাক্র্যা ভূজি অর সাক্র্যাতর হিসাবে বিশিব্ধ ব্যার বাধ্যার করেছে হয়, ববীন্তম্যুরের শিল্পার্টনা অনুন্ত্র বাধ্যার করেছে হয়,

ভাতি রুবী করা বি প্রতি বিরুদ্ধি করের প্রতি রুবীকুরাথের প্রভাবিক বিরাগ দাক্র করা সারা। কারণের অনুনামের বার্থের হয়। আরু তার প্রভাষী রাজির ছাট স্বভাব ৮৫জা। আনুদ্ধি ভার অপপটিতা ভার চারিত্র করেন। প্রতিটি করা ও সংরের মধ্যের প্রতিটা করা ও বংগের বার্থির হাতে করা করেন। ভারিতার করেন। ভারিতার করেন। ভারিতার করেন। ভারিতার করেন। ভারিতার করেন। ভারিতার করেন। করার করার করেন। সভার করার করেন। মারাক্রর সার্থিন করার করার করেন। করার করার করেন। মারাক্রর সার্থিন করেন। সভার করার করেন। মারাক্রর সার্থিন করেন। সভার করার করি সার্থান হার সভার করেন। সভার করেন। মারাক্ররেক্স ভার সংগ্রিতার উপরোধারী মারাক্ররেক্স ভার সংগ্রিতার সংগ্রিতার উপরোধারী মারাক্ররেক্স ভার সংগ্রিতার সংগ্

নবশিকসংগাঁত তাল ব্যাহ্র এই প্রত্যাত বাহনাটি সভা হল। শিক্ষেত করে তার উচ্চান্থ পরিক্র সাধ্যাহ্রিস কক্ষা করে ব্যাহ্রিস ক্ষান্থ করে স্থান্থ করে কর্ত শাক্ষ্য করি স্থান্থ করে স্থান্থ করে স্থান্থ করে স্থান্থ করে ক্ষান্থ করে স্থান্থ করি স্থান্থ করে স্থান স্থান্থ করে স্থান্থ ক

রবীশুনাদের স্থারদৈশী আর তরি স্থান্ন কালগালির অনুস্থান করছে হবে তরি অনতি সংখ্যক স্থারের অভিনয় নিনাসে, একটি দাটি স্থারের আশ্বর্ষ ভাংপদাপাণা প্রয়োগে, তানের সংগঠ ও সংগঠ পানহারে, কালগু ছোট্ট একটি মাডে বা গ্যাকে, কালগু বা ভাতানিত একটি স্থানে

এ থেকে কেউ কো না মতা করে। ৮ **আ**নিম বলীপ্রস্কারের ভারটি রচন্ত্র ফেরন্তের সংবিদ্যালের চেন্টার করে ল জগা কেনা ব্ৰেটেড সক্ষম সৈং কেন বক্তম কারকেশে বলীপ্রকান। থেকে ৩০০ গাটো কর শাক্ত জার আলংখাকে স্কর্ সমাতেশ ঘটাতে পারালেই জা ব্রু<sup>হ</sup>্তকাত হয়ে জলৈ না শিক্ষায়নে দেল আংশটি স্বান্ট শিক্ষাল আন্টেড্ড কে এক অসম্ধানমীয় প্রক্রিটেট চেই সাধিত হারে থাকে ৷ এই নিমিত্র প্রায়ত্ত ভার নাম দেওর। হয়। স্বাভিন্তা। সভিন। বিশেষকারে পার্থাট ছেটে দিয়ে জন্তার এ কথাই বলতে হাবে, সার্নবিম্নেস্থ ক্ষেত্র ব্ৰণীৰ বাহা তেকাৰে সালেই স্কল সকল সাসকাং আদা ফলা**হ**াতি ছিল্পে ১০ प्रशासकार । जा ।

মিতাতত বাজাক বহালেই সংগ্রিতন সাধ্ ক্ষাধিক মে-একটি ক্ষান্ত সকলো চাড়ে এচ ভবি প্রথম বৈল্যানেই ভা ভাত্ত লভ্ত পারিণত হয়েছিল। দেশন ফেটেই ক্রিড ব্যুব্যগ্ৰীৰ জন্মচানি জান্তি তেভিড কাল জোলাডে অধিয়া আছিল কা **प्या**जीतिक असे ना एस शीवक उनीन्त्र र বাচ্চতে ওপত্ত জিলেল না, সংগ্ৰিস্থান স, ক্ষ্যান্ডয় ভাগনভায়ান্ডারগ্রালের প্রস্কৃত 😸 ভাষার কোন্তরে ভাসোঁজন সে <del>প্র</del>য়োজন ক্ষেত্রত ডিবলৈ ক্ষেত্রতালাক ক্ষেত্র ২৮ সেও মতুই প্রায়ের করতে প্রত্তার জ্ঞাত্র ভিন্ন তার প্রয়োগ। সেই কার্ডের ভিন স্থারেরিল-ডে•বজার জেল সম্বর্গের মতে হর। **স্থা**ল্থানি ভাষ্টেশ্লান্ড ভার্ডান্ড স্তান্তের সাক্ষাত ভারে বেগারেই মিন্ট রণীপ্রসংগীতে মিজাবে নাং

নবীকা সারগারীল শানতরক জগ সারগালি, সংগত অথচ আরগগাণ জাপানভাগত জড়লনী যা রচীরতা কর গানের তাতিরি কথাকেই হলেলর মত পথ সোনের কাতির তেওানানি, সে মনোরা আলো করে সেগালেন মনুটে উঠেছে ত জারা অংগালের অভি স্কার ক্ষণাণানি প্রাণ্ড তিনি ছোতার জন্মস্থান ক্

কিন্তু কিশ্রীত মণ্ডবার না গেনা পর জন্ম নয় করের কারের মতে কলীর সংগাঁতের স্ট্রাংশ দ্যালা। এ কিশ্র ভাগের অকার স্ট্রিটা এই যে, রবীন্দ্র বড় করি হতে পারেন, ভস্তান তো না সংগাঁতের কভ্যানিই বা ভিনি জানেতো জ্বার সাধনাই সা ক্রু স্ট্রীপান করেছিলেন স্থানির বিশ্বাস সরকার কর্ত্রা সম্বান্ধ জ্বান্ড ধার্থার সম্বান্ধ হয়েই ভারা এসব জ্বান্ধ বাব্র থাকেন। ভা গ্রেম হয় মনে করে থাকেন। মালান্ধ ভালির আবংশ স্থাতিকে মিনি স্থাতির দ্ধাঞ্জ বোরাই করতে শারেন তিনিই ওত বড় স্কুরকার। ধারণাটা কডগানি যুক্তি-ভিভিন্ন ডেবে দেখা দর্শকার।

ক্রচীকভাষ্টীন ধর্মির সমানরেই স্থারের স্থান্ড: তাই স্থারের জালা বহু, সংশোহ জন্মান সাংগক্ষ অথচ কথা ও স্থারের একালা ঘটিত আবেদনই হল গাঁতিরস। স্থানের ইংকর্মান কথার পরিপ্রেক্ষিতেই স্থানের ইংকর্মান কথার পরিপ্রেক্ষিতেই স্থানের ইংকর্মান কথার সংগ্রাভাষ্টীন স্থানের আনুতির একালা প্রভিন্তা করাই স্থানারের চিন্তানারি বিষয় এবং একমাত্র কর্তার। জালা বিষয়ে এবং একমাত্র কর্তার। জালা বিষয়ে সংগ্রাজকালা মার আর বঙ্গের স্থান সংগ্রাজকালা

রবী-ভুসংগণিতে কথা ও স্থান্তর নিন্দানি ও শুন্ধ সহক অবভ আবেগ স্থানর। মান মার আজা প্রকাশের স্থানিক ক্রমেই কগাগুলি মেন স্বভাই সূরে হলে উত্তলা। কবি এই প্রবৃহ কালনি বিন্দা স্থানেত্র এবং অবলীলাভামেই স্থান ক্রাভ্রম।

রাজের বিশ্বন্দতা রক্ষা গেখা কি গেখা
মা ধবীকানত ক্রিনিক এ, ক্রেক্স ও করতে।
মাণ কালাকাল বিভারপানকৈ রাগাণির
কান্ত্র সম্পাকে তার লে কেনা সংস্কার
ছিলা তেমন ক্রক্ষা রেখা মার না। তারি
স্বান্ত্রমন ক্রক্ষা রেখা মার না। তারি
স্বান্ত্রমন ক্রেক্ষা করেনে ক্রেক্তার রক্ষাত
পাটা তারার ক্রেনিরেরের নেম্ম মতেনে
ক্রান্ত্রমান মান্ত্রমান ক্রেনিরের
ক্রান্ত্রমান মান্ত্রমান ক্রিনিরের ক্রেনিরের
ইনির ক্রেনিরিটা ক্রমান স্ক্রমান

বর্ণান্ডনাথ ভিজেন স্থানের বাব্যবরণ ইতর্বাহিতও তিনি। বেথাগের বেশন জাতির ছিলার রাজের জিলার রাজির জিলার জাতির জাতির জাতির জাতির রাজের জাতির আনুক্ষরের অধ্যান্তর প্রায়ের ভারের আনুক্ষরের বেশনানি বেরালার আনাই আনারা অনুভ্র করতে সারি বেলার ভারের স্থানি বার্গানির স্থানির জাতার আনারা আনুভ্র করতে সারি বেলারা আনাই আনারা অনুভ্র করতে সারি বেলারা আনাই আনারা আনুভ্র করতে সারি বেলারা আনারা আনারা সারা করতে সারি কর্মানির স্থানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির সারা বার্গানির সারা রাগানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির বার্গানির সারা বার্গানির বার্গানির সারা বার্গানির করাত সারের, রব্ণান্ডনারের ভ্রাক্ষরিত কালানির বার্গানির সারা বার্গানির সারা বার্গানির সারা বার্গানির বার্গানির সারা বার্গানির সারা বার্গানির সারা বার্গানির বার্গানির বার্গানির সারা বার্গানির বার

রবীন্দ্র-স্থাব বাংলা গানোর স্থারতাত বিভাগ ভিল দ্র্টিট্,—'অস্থারী' (শ্বামাী) আর অপতরা। দ্রির অধিক কলিয়ার গানের বাকী অংশটি সাধারণতঃ অংতরার স্থারেই গাওয়া হাত। সন্ধারী নামক বে-অংশটি অধ্যাতম বাংলা গানে প্রচলিত হরে গিলোহ, প্রকৃতসক্ষে সেটি রবীন্দ্র প্রভাবেরই দ্যুভকল। সংগতিক্তরণ এই অংশটিকে প্রবিদেশ্য স্থার বলে চিক্তিত ক্রতে স্থারন, কিছতু কার্থতে ও সার্থত বৈতিচাস্থারের সক্ষে এই ব্যক্তনাতির সূত্যা অনুস্বাক্তিন। স্থানির কথাটার তাৎপদা হিক ডাই কিনা অঞ্জার ৫ বিবরে নির্সাদেশ্য নই। স্পান্ত বংশার স্থানির করে সন্ধারী অংশের অথাবাতা স্বাক্তন করে ব্যক্তনা, সভাত আগানা বিবর স্বাক্তিন, ব্যক্তনার করে ব্যক্তনা, সভাত আগানা বিবর স্বাক্তিন ব্যক্তনার করে ব্যক্তনা

মহাশরও বলেন, 'অতুসন্তি'। আমরা ফিল্ডু এতদভেৱের একর ব্যবহারেরই পক্ষণতে।

রবাণ্ডসংগীতের সারগৃত্তির মধে একটি নৈস্থিতি সারগা ও প্রথমানতা আছে, সম্ভবতঃ এই নারগেই ওসভাদ-সন্ধিগণ রবীণ্ডসংগীতের প্রতি এক ধর্মের অনুক্রশার ভাব গোলগ করে আনুক্রশার ভাব গোলগ এই যে, শিক্ষাক্ষেপ্র

न्धारम्जकम खाउवन

# नकभानवािष् ४.००

মুক্তর বিষ্ণেপ্তরে প্রভূতিকার কোনে রঞাল করিবরী। পি সরকারের

# त्रयार्जावद्वाधी १.००

সমান্ত্রনিবারে ন্বী করে। ই । এর জন্য সমাজনাত্রকা এবং রাখ্য কতন্ত্রী নার্হী ই অনুধ্যা সুসায়কার মুদ্রীয়া

বেদ্যাইন - এর

# পিকং থেকে বলছি ১০.০০

২০ এ জানের জনমান্ত ভালে কারেও মাত কেন্তুর-এর জিতাবার র অন্তর্গানা জালের তিও বিভারের স্থাতির ২০ (২০০)।

### রাজা আর নেই

মন্ত্রীপতন

রাজনীতির দাবাথেলা জ্বাতিক উপেকিত ৰসন্ত •াঁঃ টকা

গ্ৰীত্ৰার শ্রামল গ্রেপ্তর

বাজীরাও সেন

# आँधाর আলো s.oo তব, বিহঙ্গ s.o

আশাপ্রণা দেখী

স্বাংশ্বরজন ছোব

### দিৰতীয় অধ্যায় 🕬 রাগৰতী 🕝 🕬

ভারাশকের ব্যক্তাপাধ্যার

প্রেমেণ্ড নিত্র

অধ্যুত

মহানগরী

৫.০০ কাৰের নাম কুমতি

8.00

याम्कती

Ø-00

জেগে থাকে প্রেম

0.00

উটন্\*্ব্য •ৰগ′ খেলনা

ু ৬.০০

জনাহত আহ্তি

6.00

गौरावदण्य भर्दश्य

কোম্ল গান্ধার ৮০০০ সূর্য মহল ৬০০০ উৰসী ৬০০০ লভিন্য সন্ধ তব ৬০০০ নিশিৰধ্ ৬০০০ চলনমালা ৪০০০ দরবারী ৩০৫০ নটিনী ৩০০০ ছমে ভাঙার রাভ ৩০০০

**ডুলি - কলম ঃ ১**, কলেজ রো, কলকাতা-১

টোল : 08-A2A0

সহজ্ঞ হওয়াটাই জগতে সৰ চোৱা সহজ 'উচ্চাজ্যসংগতিতর' লক্ষণতালি **ঘটনে না পেয়ে রবীন্দ্রমংগতিকে কে**উ কেউ লঘসংগতির প্যায়ত্ত ক্রার হাতি প্রদর্শন করে থাকেন। জনতে গরের আনোপের একাধিক কারণ বিস্ফোর প্রাক্তার এ বিষয়ে গারাভর মতভেদ দেখা দেওয়া অশ্চেম্ নয় ৷ বার রূপ সহজ তার রাপায়ণ এकान्छ मात्राष्ट्र २८७ शास्त्र। निर्धेनि कारनात গঠনও সরল কিবত রাপর্যাসকের চক্ষাদর্যি ওই একরান্তর অকলে পাথারেই দিক হারিরে বলে আছে! এমন যে পশ্ম ফাল তার শিক্ষারনে তো প্রকৃতির কোন পালোরানীর किर एर्था यात नो। ७३ एक कराविष রেমার সৌন্দর্শ! কিন্ত ভইটাকর জন্মই **এত** তাৰ সমানৱ। একমণ ধ্যেও সে โชโชก เ

এমন হত প্রচলিত আছে কাব্যংগ্রের গাণেট লাকি বৰ্ণান্দসংগীতকৈ এখন গ্রেণিবত মনে হয়। অভিত কথা! বর্ণহীন জল যেমন রঙীন কাচপাচ্চির রডেই রঙীন নেখার খেল সেইরকল একটা বস্তধলগিত থাপার। গালের ক্ষেত্রে কারণংখের এওটা মাহাত্ম কি সভাই লক্ষ্য করা হার -আনাদের কিণ্ড বিপরীত অভিজ্ঞতাই আছে। এমন বহুসংখ্যক 'জনপ্রির' গানের কথা আমানের জানা আছে যেগ্রেন সম্বদেধ ভাবলৈ সারে অধ্যতারণ গহিমা क्रम्बरम्थ क्राम्पर शास्क गा। इतीस्त्रगर्यत সারগালির *সংবা*ধে *ছ*ানভাস্যাচক উত্তির অসারতা বিলাতকে তংকণাং হঞ্জত হলে যায়, যদি কোন সারকার যে কোন তক্ট त्रवीनतगरशीर्ड निक्षत्र मात्रायाकना कत्राङ সম্বাভ হন। সে ক্ষেত্রে দেখা যাবে স্তুট কাবাধখের গৌরব লাভ করেনি: काबाहरभत लोतवश्रामितहे कात्रम १८१८५। ব্রবিশ্রনাথ কেন শে তাঁর স্যানের উপার সামান্যভম হস্তক্ষেপ্তে বিপ্রত বোধ করতেন ভার হেডটা তো এই।

কালো কালো মাথে এমন কথা শোনা

গেছে, নৰীশ্বসংগতিত সংগতি প্ৰদেশ্য যদি কিছা থেকে থাকে তবে সে তার এই খান-ক্তক উচ্চাত্য ধানের গালেই আছে।

সম্ভনতঃ কবির 'মন কানে মনোমোধন আইল' জেণীর প্রশেনজোর গনেগালির কথা কারণ করেই এরাশ মণ্ডবা কবা হয়। এই অধ্বি গানগালি আমানেরও একণ্ড তিয় কিল্ড উচ্চাগ্য ধারের রজেই নয়।

বিশ্বালান্তন ববীশবানিতের ভাষা
সর্গ্রেই যে অভিয়া, এমন নার। কর্মির কোন
কোন অবশ্বের ভাষা রটা এমত গামভানিগার্গা। বিশ্বর সংক্ষ্রেত শব্দ ও দ্বীমান
সমাসবাম শব্দ ওই স্কল রচনার মধ্যে স্তির
শ্বানী জামিরা করে আছে, এমন দেশ
বিশেষ জান্য বাতে করেন, এ কথাও সভা বিশ্ব জান্যে মান করেনার করে।
কিল্কু সমাসের দ্বা স্বেইই যে ভারা মান্যে
বার মান কেন্দ্র মান করেনার সংগ্রেত করেন
ক্ষেত্রতা ও ব্যক্তির, বারীশ্রস্ক্রেভা চিন্তার
স্ক্রেভা ও ব্যক্তির স্বাভারিক ব্যব্
কর্মানিত্রতা ও ব্যক্তির স্বাভারিক ব্যক্তির স্বাভারিক ব্যক্তির স্বাভারিক ব্যক্তির স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্বাভার স্ক্রিভার স্বাভার স্বাভারতা রামন স্ক্রিভারে।

শারণ সংবার থাশিবনের ফরিক ফরিক বিশেশনের ভোগার সে-ব্রুগ ভার মুর্লে অর্কে চিনেনার: ভাবার রক্ষা নির্মিতে বিগণেতা জনগামিরে ভোগা ভার সে-স্থাসভারি সৌনার ভারত বর্ষণ ভার সকলে রবাই-প্রসংগীতের উপভোগা প্রে মুর্লে ররাছে একই সভ্যান্দ ভারতি রাবাই-ভিন্ন স্বার্থনির জার স্থাবি রাবাই-ভিন্ন স্বার্থনির ভার স্থাবিভিন্ন স্বার্থনির ভার স্থাবিভিন্ন স্বার্থনির ভার স্থাবিভিন্ন স্বার্থনির এই ব্যাহির স্বার্থনির ভারতা রবাই-ভারের স্বাহারিতারই জানর রবাই-ভারের ব্যাহারিতারই জানর রবাই-ভারের ব্যাহারিতারই জানর রবাই-ভারের ব্যাহারিতারই জানর স্বাহারিতারই জানর স্বাহারিতারই জানর স্বাহারিতারই জানর স্বাহারিতার করেরিভা

র্বান্থিত সর্বয়ে বিধান আন্ধর্ম আন্ধর্ম আন্ধর করিব করেবে আন্ধ্র করিব আন্ধ্রম আন্ধ্রম আন্ধ্রম আন্ধ্রম আন্ধ্রম আন্ধ্রম আন্ধ্রম করেবে করেবে করেবে আন্ধ্রম আন্ধ্রম করেবে করেবে করেবে করেবে করেবে করেবে করেবেরেরেরের করেবি করেবি করেবি আন্ধ্রম আন্ধ্রম করেবি করেবি করেবি আন্ধ্রম আন্ধ্রম করিবি করিবি করিবি করিবি আন্ধ্রমের করিবি করিবি

বৈশিক্ষাগান্তনা এউই ভাঁক্ষা যে, নবাঁও স্কু কলো চনতাত বিশেষ বিচার বান্দির প্রচারন ১৫ না। এই ফাক্ষিতেই তাকে একলেনে নতা যায় বিনান যে বিশাস কিলোভনত তত্তিক লোৱা।

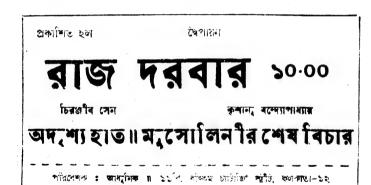
অভিভাগন প্রতীয়ালেরই একটা স্পান্ধ দ্বানীয় ছবি বা প্রাপান হাকে। অভিভাগ দ্বানীয় ছবি বা প্রাপান হাকে। অভিভাগ দ্বানীয়ার ছবি বা প্রকাশ কোনা হাই অন্তান বা-বেশে, বে-ভাগনালাকে অন্তান ভিন অপর কেউ এই সে ধণা জানাতে বশানিকে নাডকের শেষ দৃশ্য পর্যাপত অপেকা নরতে হাত এ।। এ খেকে বলা চানা বা তারি রামের ভাগনা, মাইকেলের ভ্রানানা, অল্যাগানের ভ্রানা, মাইকেলের ভ্রানানা, অল্যাগানের ভ্রানানা, চাণ্ডাকার ভ্রানানানির শেকা, চাণ্ডাকার ভ্রানানানির ভ্রানানার একটা ভাগ অগ্রানা সব ভ্রানারহ কেন্দ্রারহ একটারা অভিনান।

এখানে বছাক ল প্রবিদ্যার একটা ছটলা ইঞ্জীই মনে উল্লয় হজা। সংগ্রেম কজ্পত্ত লোপ হল ভার চেন্না ক্ষিক বিশ্বাসালেটা মনে কল। ভাই, কথানা ক্রিন্দাই সল্পান্তাই বলাত হাজে।

বৈল্প কা ভিগ্যা <u>প্রাক্রেলালেলে</u> তক্ষেত্র নি সংখ্যা হ'বে ছিটেন্টা। এক ভ্রমণ হ'রক প্রথম ব্যাক্তি করেন্ত্র পাথে, রে জ্ঞার ভালের কর্মাজনা চিনি হাজেল এক্টিন হলে তক আৰিশ্বস্থানকঃ ভণ্যান্ত্ৰান্ত বিভাগ স্থান িটের কাশকেই বিশ্বাস করতে পুরা চেতা ার শিবভাষিকার প্রশ্ন করে জেনারেভ লখন সেই একই কথা লোনা চোল - ৩০০ কি**হাক্র তো উল্লে**লভার মাধের নিকেই ভানিরে থাকতে হল। উন্ভট আয়ারের। ভাকে বাকৈ দ্বাধানা ব্ৰীন্দ্ৰসংগতি নিতে **হবে, এই**ছে তার রেক্ডে দেরই এর নান দ্যভাগোৰশভঃ পাৰস্কটাকে ফেকিন ও কংটাও ধলে গিলে হতেছিল বে. রশীপ্রমার্থর মিক্টের লোহা ও স্ট্র বেওলা পানগালিট হল স্বাণ্ডস্থাটি। ିଥିବା ସମ୍ପର ସେଷ୍ଟ୍ର ଅନ୍ୟାନ୍ୟାନ୍ୟ (କ୍ରିଆନ)ସ র্ঘান্ডলার) সঞ্জে কথা ব্যক্ত দেখ্যান্ত প্রারেয়।

ভাষাদের দৃষ্ট বিশ্বাস, রবাদিক্রংগীয়ের সাঠিক সংজ্ঞা গারেক সাধারণ সকলেই অবগত আহেন, উক্ত গারেক একক বর্গতক্তম দার। কিব্ছু ভংসংগের এও মলে হয়, রব্ধীদ্রমারের সংখ্যোধনীয়াতা স্থান্তধ ভেবে থাকেন। এইন্দ্রে কিছ্কোংগাক গারেক মিক্টাই আছেন। এইন্দ্রে এই বে একটা অভিযোগ—রবীশ্রসংগীয়েত গারকের স্বক্ষীয়াতা প্রকাশের স্বাধীনতা স্বীকার করা হস্তান—এটা তারা ছাড়া জার কেই বা করতে সাজেন।

সাহিত্যিকদের রচনার উল্লিডসাধ্যার অধিকার কেন্ট্র বা পাঠকের গাকরে না— এ মনে আজ প্রশান্ত কোন দাবি পাঠক সংগ্রাধের তর্ত্ত থেকে উপাশিত থ্যোভে কিন্য জানা বার না। সম্ভবতঃ তা করা হর্মি।



কারণ পাঠকাণ স্থানেন, একজনের শিল্পকৃতির উপর অপরের আত্মনেকেপ ক্ষাচিত
এবং একাক্ত অংশান্তন। এ সম্পর্কে কোন
মত্রা না করে শ্রেষ্ এ আশাই ক্রবো,
উর অভিবোপের অক্তরালে ক্তথানি অবিনর
আর আত্মন্ডরিতা বে আত্মগোপন করে
আক্রে একট্ ভাবলেই অভিবোপনারিগণ
নিকেরাই তা সমাক উপল্পি করতে
গারনেন।

শ্যামা, চিত্রাংগদা, চণ্ডালিকা প্রভৃতি ন্ত্রমাট্যব্লির স্বরপ্তথ্য সম্বংশ অন্তি অস্তর্গনীর। সেগ্রেলাও এক ধরণের বরীনসংগতি বটে।

ন্তানাটো যদিচ ন্তাকলারই প্রাধান্য লাকিত, সংগতিকে বাদ দিলে সে অচল হরে পড়ে। গাঁতিহীন ন্তানাটা সবজ্ঞিন ম্বিলিত নিবলবস্তু বা ঘটনাবলাতিই সামাবন্ধ থাকতে বাধা। নবস্থে মোলিক চরিলগ্লির অভিনয় গালের সাহায়া বাতিবেলে, একক ন্তেবে স্থারা কথন্ত

উল্লেখ্ড ন্ ভানাটাগঢ়াঁগার 77.3 মোটামনিট দাটো ভাগে চিহ্নিত করা চলে। একটি অংকগভিত্তিক। কেমন ব্যোদনভব। अन्तर्भ कपत्ना आफ्रांत वृत्ति आला। क्र ধ্যাপর পালের প্রভাক্ষ আবেদন প্রোভার ংললে। নাটকৈ বণিত প্ৰেপান্তীৰ প্ৰতি যুরগালি গ্রোভাকে পরোক্ষভাবেই সহান্ত-ছতিশীল করে ভোলে। দপ্রের উপরে <sup>পড়ে</sup> আলোক যেমন প্রথমে দপণিকে এবং গরে—সে-আলোক যার উপরে প্রতিফলিত ইর ডাকেও গোচরীভূত করে থাকে, কতকটা সেইরক্ম। কিন্তু অপরভাগের স্বরগ্রালর ভিত্তি গতিশীলভা। নাটোৰ বিভিন্ন চরিত্রভিনরের কাজ এই ধরণের স্র-गर्मात्करे मध्यस क्यां इस। असन कि, নটকের আখ্যানভাগকে, ভারসানারক।প্রক **हत्र ग्रह्राफ** रमगोरक रमनात स्थात छ মরগ্রেলার উপরেই নাম্ত। কবি ন্তান্টো রচনার এই দ্রুছ অংশটিতে সৌকহা এনছেন শ্বিৰধ উপারে। একদিকে স্বাংশে বেনন কভিনরধমিতা আরোপ করা হরেছে, অনাদিকে তেমনি ন,ভাষদেও আনা হয়েছে ভাৰান,বারী খন খন পরিবতন। দটৌ নম্পূৰ্ণ ভিন্ন ৰাভীর চরিতের মধ্যে সংলাপ .. সম্ভব করে ভোলার কালে 'ভালফেরতা' যে ক্ত নিপ্ৰেভাবে প্ৰবৃত্ত হতে পারে রবীন্দ্র-ন্তানাট্য দশকের সে বিষয়ে একটি পরিক্ত बाद्रशा क्टन्स्।

দেশী-বিদেশী স্বচচার অবকাশে জড়ি বালক বরসেই কবি এই শেষেত্র ধরণের স্বল্ডিটা প্রেরণা লাভ করেল এবং গরে গাীড়িনটো বাল্যীকি-প্রতিভার সেটি ব্রীক্ষান্তকভাবে প্রয়োগও করেন

সরেহীন গানের সংশ্য ছিল্লপঞ্ প্রজাপতির উপ্রাটি ধ্রেই সাথক মনে হয়। গানের সংখ্য প্রজাপতির একটি আদাত विन मका कहा बाब। जिन्दर्भ अग्रह रता वदाकाल भग्नाकाकी मान भारतां छ লাভ তুতীৰ অবস্থার স্বীর লালাভাত **७-७कारम बादन्य हरत शांतिकताल धार्य** এবং পরিশেষে প্রভুক কুর্প কাঁটের মধ্পারী স্র্প পতপে র্পাণ্ডর প্রাণ্ড —এই হল প্রজাপতির সংক্রিড বিবর্তন ইতিহাস। গানের জন্ম-ব্রোণ্ডটাও হ্বের অনরপে। প্রথমে গাঁতিকার যে-প্রেরণাটি লাভ করেন সোঁট আকারহীন ভ্রুণড়ল্য। ছমে রচারতার প্র'ল্ম অভিজ্ঞতার প্রি-শেষণে তার একটি প্রাথমিক রাল জেলে হঠে। পরবর্তী' স্তরে সে সৌন্দর্যের শাসন रम्पा त्यर-निर्देश वेदन करत् होन्न भरनात गर्राहेका-संध्या । अयः स्मर्टे स्वर्ताहरू सम्बन নিজেই ছিল্ল করে ফেলে বখন সে বৈরিয়ে আলে তথ্য সে সুরের পাথামেলা প্রেদ্সত্র গানের প্রজাপতি। মোট কথা, প্রজাপতির দেহের সংখ্য বেমন পাখার, তেমনি গানের কথার সপো সারের একটা অংগাংগী অবিক্রেদা সম্বন্ধ থাকা বাঞ্চনীয়। ভবেই रम क्योनकारमत म्बाजानिक धाताह मृत्य 🦦 কথায় একটি পূৰ্ণ প্ৰিণত গান হয়ে উঠাত্ত

কিন্তু বত্রমান বাগিছা ব্যেগ প্রমবিভাগনীতির জন্মরণে ভূরি পরিমাণ সংগীত
উৎপাদনও সম্ভব হয়েছে। গানের জল
ভী হবে সে-নির্দেশ দিছেল একজনতিনি রেডিও প্রমোজেন অথবা চিচুনিমাণ
প্রতিগানের প্রতিনিধি স্থানীর বে কোন
বাভি হতে পারেন। বে-ন্বিতীর বাভি
লিপে দিছেল, অধ্নাতনকালে পাঁতিকার'
ক্রপরি তাকেই ব্যারি থাকে। মূর দিছেল
অপর এক তৃতীর বাভি। এ হেন ব্যক্তার
ম্কল কভ্যানি প্রত্যাশা করা বার, সহজেই
জন্মের।

ৰ্ণতজ্জিক গালের কুজিটীকে স্বরকারের ফ্রেলননীতে স্থাপন করলে তার বিকাশে কথনও প্রাণবেশ্য হতে পারে না। 'ক্ষাব্রুক্তাক' ক্রেটি তা বিকৃতির উথেন' উঠতে সক্ষাহ্য না। রবীশ্রুবংগীত সের্গে প্রভ্রেক্তার ভাগিদে করিম উপারে ক্রিটের ভোলা ক্রেন্
নর। এ ক্রাটি শ্রুগেন্তার সতেলনরস ব্যেত মুক্লিত এবং প্রশি-প্রাক্তিত ও

দরকা ব্রাবে একজন আর পাঁজ থেকে

নস্পাঁকের স্তেচ বেরিরে আলবে অপর

এক বাজির আঙ্কেরের চিপের গ্রেদ, কর

কেতে এথেন প্রমারভাগের আরা গ্রেক্স

কথনো প্রত্যাপা করা বেতে পারে বাও

গাঁতিকার ও স্রকার হবেন এক এবং
আলম ব্যাভ, ভবেই না সম্ভব হবে হথে
সংগীতস্থি। শিবজেন্দ্রলনে, অতুলপ্রসাদ এবং সর্বাধ্যর ব্রচিত গানস্থিকার

কাজী নজর্ল রচিত গানস্থিকার মধ্যে
আশা করি এ উভির জোরালো সম্বাদ

পরিপেবে প্রার্থি বরণ করেও এই কথাটাই বলতে হবে বে, সংগীভরস হছে কথা ও স্বেরর মিলনরস। বেখানে এর বে কোন একটি একাই আসর রাভ করতে বাস্ত সেখানে, আর হাই ছোক, ফিলন ঘটনো বলবো না।

ববীলুসংগীতে ধর্নি ও বাণীর বেমিলন ঘটেছে তা প্রকৃত অথেই অপুর্বী
এবং অতুলনীর। বস্তুত রবীন্দ্রনাথ কথা
ও স্বের এক দ্বেধিগনা মিলন লোকে
উত্তীর্ণ হলেছিলেন, একথা বললে রোধ হয়
অভিকশ্বনের অপরাধ হটে না।

mercere fames efferen

# र्भाश्ना

এবার ২০ ববোঁ পদার্থণ করে। মালু দুলা টাকাল ১ বংসকের প্রাহিকা।

#### व्यक्ति कार्यालयः

১২০/১, আচাৰ **প্ৰকৃষ্ণ বোচ, কলি**-চ ফোন : ৩৫-৩২৫৩

# **उसार वावाउँ फिल मश्गां यशाविमावश**

(দি ইণ্ডিয়ান এসোসিয়েশন অব মিউজিক কর্তৃক অনুযোগিত)

व्यक्तितात गुला, भीत अ यह निक्रम स्थल

(মগিতেশ—শ্রীঅজয়কুমার সিংহরায় (গেতাঃ)

३०६. नरमण्डनाच स्ताच, कनिकाचा—१४, ६९-०६६७

#### हा जिल्ला महक्र

হ দিন অংগে পাট্টানলে প্রনিকরা क सक्तांत वृश्यित धव घडे माविद्य कर्राष्ट्रका । रकमीत সরকার श्रीक्षत्रवन्त्र अतुकारत्वत्र श्राटक्योश् श्रमाच्यायेत মীয়াংসা হয়েছে তবং ভারতীর কটে মিল মালিক আংসোসিয়েশন প্রায়কদের অত্বর্তী ব্ধিত মজুরি দিতে প্ৰীকৃত হওয়ায় ভাদের ধর্মঘটের অবসান হরেছে। সম্প্রতি कातात हा जिल्ला बांबिकतात वर्षायर शतात । গত ১৮ আগস্ট থেকে পশ্চিমবন্ধে ৩০০টি চা-বাগিচার প্রার দুই লক্ষ শ্রমিক ধর্মবটে যোগ দিয়েছেন। ভারত সরকার বে-সকল খিলপ থেকে বেশী পরিমাণে বৈদেশিক মাদ্রা অর্জন করেন তার মধ্যে পাট লিক্স এবং চা শিলেপর পরে সবচেরে বেশী। চা রুতানি করে ভারত সরকার প্রতি বছর প্রায় ১৮০ কোটি টাকা উপার্জন করেন। যে দুশু দুফা দাবির ভিত্তিতে চা শুমিকরা ধর্মঘট করেছেন তার মধ্যে আছে মজারি থার প্রেবিন্যাস করার দাবি, চা-বাণিচার স্থানীর শ্রমিকদের নিরোগ করার দাবি এবং স্থেপ হারে খাদাশসের রেখন ব্যক্তা চালা করর দর্যবঃ প্রমিকদের আরেকটি দরি হচ্ছে জীম শ্রম অবাপতের (Land-Labour Ratio) পরিবর্তন করা সম্পর্কিত। ১৯৬৬ সালে কাদের নওরাজ কমিটির (Quader Nawaj Committee) স্পারিশ ছিল দাজিলিং অপ্তলে প্রতি একর জ্মিতে ০-৮ থেকে ১ জন করে শ্রমিক নিয়োগ করা: তেরাই অঞ্চল এবং ভুয়ার্স অঞ্চলের জন্য এই অন্যুপাত ধরা হরেছিল ব্ধান্তমে



#### কিহিততে ট্রানজিফটর

মাসিক ১০ টাব।
কিন্সিক্ততে পার্নাণ্ট ব্যক্ত বিষ্ণ বিখ্যাত ন্যালনাল - ৭০ ত বাল্ড, অল ওয়াল্ড



বান্ড, অল ওরলেড গোটেবিল ট্রানজিন্টর নিন। প্রত্যেক গ্রাম ও গহরে গাটান বার। লিখনেঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10) Dassan Street P.B. 1576, Deihi



একর প্রতি ১ থেকে ১-১ জন
প্রমিক এবং ১-১ থেকে ১-৩ জন
প্রমিক। চা-চাগিচার মালিকগণ প্রমিকদের
প্রাবিগনিল মেনে নিতে না চাওয়ায় ধর্মাঘটের
আহ্বান প্রানানে হয়েছে এবং ধর্মাঘট শরেন্
হয়েছে দেশের চার্নিট প্রধান প্রামক-সংঘের
সম্মান্তা।

চা খিলেশ আন্ধ যে সংকঠ দেখা দিয়েছে তার কারণ কিব্দু শ্রমিক অখানিত নয়। দরং বলা সেতে পারে, সংকটের পরিণতি হক্ষেমিক অখানিত। কেননা, চা খিলেশ ধনি তার সংকটের মাল কারণগালি এড়াতে পারত তবে হয়ত শ্রমিকদের অবস্থা উল্লভ করার পথে অনেক বাধা অপস্ত হ'ত। অবশ্য শ্রমিকদের অনেকগালি দাবি চা খিলেশর বর্তমাল সংকট থাকা সত্তেও মিটিয়ে ফেলা অসম্ভব নয়। ষা হোক, চা শিলেশর সংকটের মূল করেণ অনুস্থান করা যাব।

চা শিংশের সবচেয়ে বড় সমস্যা হচ্ছে যে হারে উৎপাদন বাড়ছে, সেই হারে দেশে চারের বাজার সম্প্রসারিত হচ্ছে না। মরিসাস अरम्बक्तत (Mauritius Conference) চার•তানিকারী দেশগুলি কতটা চা রশ্তানি করতে পারবে তার পরিমাণ বা কোটা বিষয় হারে যাওয়ার ভারতের পক্ষে রুত্যান বাজার সম্প্রসারণ করা সম্ভব হচ্চে না। আবার চারের উৎপাদন যদিও দ্রতে বেডে যক্তে, দেশের ভিতর চা করের পরিমাণ ততটা বাড্ছে না। তার ফলে চায়ের যোগান বেডে যাক্ষে এবং রুজানির ক্ষেত্রে চা-এর ইউনিট দান কলে। যতেছে। ১৯৬৭ সালে ম্তানিকৃত চা-এর ইউনিট দাম ছিল কিলো পতি ৮-১০ পাসা: ১৯৬৮ সালে ভা করে ৭.৭০ গরসার দাঁডার: ১৯৬৯ সালে ভা য়েছে কিলো প্রতি ৭-১০ পরসা। যদি ্তর আভাতরীণ বাজার সমেংহত এবং রিববিধিত হয়, তবে চা-এর ইউনিও দাম কমে হয়। প্রতিরোধ করা বেতে পারে। বিদ -এর ইউনিট দাম বাড়ানো দরে, তবে তানির পরিমাণ কিছ, ক্ষা হলেও পুশিক মাসা অঞ্চনের পরিমাণ তত্টা মবে না। বর্তমানে চা শিকেপর ধা অবস্থা াড়িরেছে তার থেকে দেখা বার প্রতি বছরের গুনুরারী মাস থেকে জুলাই মাসের ১৫ তারিখ পর্যাত সময়ের ভিত্তিতে ১৯৬৭, ১৯৬৮ এবং ১৯৬৯ मारम दिर्शिशक मास अवस्थित शीतमान दिन यथास्य ७७ ४७

टकांग्रे केका. ६१-१० टकांग्रि केका उस ৫০-৫৯ কোটি টাকা। বেংত চাল্ড विश्लामन शक करतक वहत थरत कराई ताएक এবং সভেগ সংখ্যা রংডানি বাজার সম্প্রসাধিত লা হবাৰ দৰ্ম ও চা-এর ইউনিট দল ক্রম বাওয়ার দ্বান সংকটের সাখ্টি হয়েছে সেজন চা-বাগিচার মালিকদেরও অস্থাবিধা হছে এবং অগর দিকে শ্রমিক অগান্তিও ১৯৪ বাভছে। এ কেনে সরকারের দায়ির চাঙ এমন এক নীতি অনুসরণ করা যাতে চা-এর हेर्देश्ति प्राप्त (Unit Price) ना काम उस গুলসাধারণের মধ্যেও চা-পালের অভাস সম্প্রসারিত হয়। এ ব্যাপারে Tea Board-এর দায়িত হতে উপ্যাত প্রচারের মধ্যম মান্ত্ৰত মাজিদ। মাতে বাডে সেই বাবদ্যা গ্ৰহণ ক্ষরতারে কথা সভা চা-এর বিকশপ পানীরের জনপ্রিয়তা ক্রেট বাড্ডে। কফি-পঞ্জ ক্ষরিক্ষাতা সম্পর্নি र्भाषाच्यात्राच्याः सार्यः কেন্ডেকে। চাত্র জন্তিরতা বছার এখাত হাসে ট্রংপাস্কের মান আরও উরাত করতে হুবুর গ

ট্রফেপিক মুক্র য়ে খিক্স আহারেন্দ্র অভানের কেন্দ্রে বিদেষ পর্বাদিশ্য সেই শিলেশ দ্রামিক অশানিত কক্ষেনীর নয়। বত দুভ এই অশাণিতর নিংপতি হয় ৩৩ট মধ্যক। সরকারের দিক থেকে জামকানের মঞ্জার নিয়শ্রণ করার নাতি সাধারণভাবে গ্রুটি হলেও স্ব কেলে এখনও অনুস্ত হয়লি। চা-বালিচার শ্রমিকালাণ্ডী অভীতে হ্রেণ্ট শোষিত হয়েছে এ কথা অসবীকার করে হার হা। এখন একদিকে সেমন প্রায়িক অশাণিতর মলে কারণগালি দার করে বৈদেশিক মেলে অজনিকারী এই শিংলেগ উংপাদন ও রুতানি অব্যাহত রাখা দরকার. অপর দিকে তেমনি সরকারের দিক থেকে চা-এর দাম গাারাণ্টিকত হওয়া দরকার দেশে চা-এর জ্বাের পরিমাণ বাবেত আরও বাড়ে সেজনা ব্যাপক প্রচার কর্মসূচী গ্রহণ করা দরকার।

মনিও চা শিক্স বর্তমানে সংকটোর সম্মুখীন হয়েছে এবং বলিও বহু কেতে আমর। সিংহলের মত ছোট দেশের কাজেও প্রতিযোগিতায় হেরে যাছি. তব্ও চা শিলেপার ভারিষাং তমসাবৃত নর। চা-এর উংপাদন জনেই রাজ্ছে। যে যে অস্ম্রিয়া বর্তমানে চা শিক্সকে বিরত করেছে সেগ্লি উংপাদন সম্পর্কিত অস্ম্রিয়া নর—অস্ম্রিয়াগুলি প্রথমত দাম, আভাতরীশ চাহিদা এবং রত্তানি বাজার সম্পর্কিত। যে-কোন অস্ম্রিয়াই দ্রে কয়া সম্ভব হবে বদি সরকার চা-শিক্স সম্পর্কে প্ররোজনীর নীতি প্রহণে দ্যুতার পরিচর দিতে পারেন।



নাডোম গ্রালারীতে সম্প্রতি শিক্ষী ০০ নিতাই বস্তু, শ্রীমতী স্বশ্ন রায় ঘোষরোঁ তপন অধিকারী, যজেশ্বর ছলিয়া n প্রতীপ মালা এক বোধ প্রদর্শনীর আছে হয় করেন। এইদর মধ্যে কেউট সিক অনুষ্ঠানকভাবে কোনও আটা স্কাল ভিক্ত লাভ কাবন নি এবং পোশাতেও এখনের দেউ খিলেগী কর। শিলেগীদের মধ্যে কেউ র্লিলীলার দেল্ট এখন**ও বিশ্ববিদ্যাল**ারের আল্যে হল শেলীর ছাত্রী কেউ বা আবার দিশ্বক। আথাড় শিক্ষে**ড্যাবে প্রতি - এ**শ্বর দ্বংট আগ্রহ আগ্র, তাই এবা সকলেই দিক্ষী নিখিলেন নামের **অধী**নে, **এ**বং তাঁটে পট্ডিডাত অবসর সমায় শিক্ষেকলা-বিরাং শিক্ষা করেন। প্রদর্শনীতে এংকের আঁকা মেটে ২৪টি রচনা দেখা যায়। ছবি-গুলি জল ও তেলবাক আঁকা বিষয়বাশত সংখ্যা অথাং প্রতিকৃতি ও নিস্পাদ্শা ত প্রতীক্ষেতিরক:

বলা বহালা, স্ব নিজ্ঞানই শিক্ষাথী-মূল্ড। তার দেখে মনে হয়, প্রচোক্ষই নিজ, মাছে এবং জবস্বকালে নিজ্মিতভাবে মিশ্যকা চচা করে থাকেন। স্কলেট





ाभाराकी नगण्डात्कम-- २

—নিতাই বস্ত

ক প্র আপন চিন্তাধারা সন্মানী ছবি

এক্তিছেন, করেকজনের ছবিতে আধ্নিক
ধানার বৈশিপ্টাও বেথা যার। তা হলেও
জনোকই এখনও প্রাথমিক অক্ষনবিবার
প্রক্রিলাভ করতে পারেন নি, ফলে করেক
ক্থালে রঙ বাবহার-বৈচিতা নেখা গোলেও
ভিক বস্স্থির পরিচর বোধাও পাওয়া
যাখনি—অবশা সে আশা করাও ঠিক নম।

শিংপীদের মধো প্রতীপামারা ও নিতাই বসরে। রচনা প্রথমে চেটেখ পড়ে। প্রতীপ লগ্রে যে নিয়মিতভাবে তেলুরতে ছবি অধৈকন সেটা তাঁর অধ্কনরীতি দেখে গোৰা যায়। বচনাক্ষেত্ৰটি কাৰক ভাগে বিভক্ত করে, সেগালির ওপর অন্য রঙের সাহায়ে শিল্পী কার্যকার্য সাজি কারছেন, য়েলন কেইপস্ত। রচনাকার্যকার্যের সংখ্যা নিজ বন্ধনাট্যক প্রাঞ্জনভাবে ক্যাথন করতে পারালে কার্ক অধনকের ভোগে পড়ত। (एक्टाइाव' अन्यसम्बद्ध के कथा वना करना। নিত ই বস্তভারতে আনকন্থনিও তার অস্কনপৃশ্বতি মিশ্র। কানক স্থালে বিন্দ্র-প্রধান বাঁত (pointillistic) চেত্র প্রভা এই প্রস্তেগ 'এসকেপ'-এর নাম করা বার। তবে এ কোতেও শিল্পীর ছয়িং নিভলি নয়, ফলে ছবিটি সাথকি হয়ে উঠতে পারে মি। মনে হয় নিসগদিশো রচনার শিংপী অধিক আছবিশ্বাসের পরিচর দিয়েছেন-বৈমন বেলপাহাডী লয়ক্তকেপ। শ্রীমতী ব্রুলা রয়ে চৌধরী প্রতিকৃতি ও স্টিল লাইফ রজ্নার পক্ষপাতী। শিক্ষার্থীস্কান্ত হারেও তাঁর আঁকা প্রতিকৃতির মধ্যে একটি সহজাত ক্মতার সম্বান পাওয়া যায়, অন্তত 'লাইফ' নেথে ভাই মনে হয়। শ্টিল লাইফ-গ্রেল মণ্দ লাগ্রে না। তপ্ন অধিকারীক

রচনা অংশক্ষাকৃত দূর্বলি। যজেশ্বর ভূনিয়া
চাপা রঙ কর্যার কর্য়ের পক্ষপাতী। তাঁর
রচনার স্থিকমাণ রপে অনেকের চ্যেথে পড়ে।
বিষয়কত্ব্ব নিক থেকে বিচার কর্যান বলা
বায় যে, চাপা রঙ বাবহার করে। স্থানিংশী
স্থাবিবেচনার পজ্যির নিয়েছেন। জ্রারিং বা
রঙ বাবহারের দিক থেকে এগালিকে চিক্ক
রাস্তের্টির্গ বলা চলে না, তার দ্যুক্তিনি নল্ল
লাগে না। এই প্রস্থানে প্রেশ্বরুলান্তর নাম
করা উচিত। অতি প্রয়েলনীর প্রাথমিক
অংকনপন্থতিট্রু হথায়গ্রানে আর্ক্ত করে
মিন্টা সহক্রের মিন্সস্ট্রা ব্যর যান তা হাল
তারী যে একনিন লাভবান হরেন সে বিমার
ক্রেন্ত সন্থের নাম্যর

আনহাতনি অব ফাইন আইস-এর উদ্দোধ্য অ্যাকার্ডেমি গালোকীতে বাংসহিক মধ্যতীষ্মকাসীন প্রদর্শনী শ্রেন্ হরেছে— চলবে ৫ই সেপ্টেম্বর পর্যাস্ত। আগামী সংখ্যার এ বিধরে অলোচনা করব।

চিত্ৰ<u>প্ৰি</u>

#### এস সেন জে পি ব্যারিক রেজিস্টেশন অফিসার

১৮বি পামাচরণ দে পাঁতি বাল-১২ . বলেভ পাঁতি, মহামা গান্ধী মোচ কলেন কেনঃ 34-6996 r Resi 34-4045

### রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস

সংবাদভাষা সাক্ষর নিবেদন, নাবলে ধ্পদশী। এই ব্যক্তিক ক্ষেত্ৰ হ'লে সংবাদভাষা পড়ে ক্ষি ক্ষাক্ষ ক্ষায়।

नर्तानम्यः यटमाञाषात

#### SKIPERI O KATO

কালেক ব্যৱস্থা আৰু) আলোচন বিভাগে কাৰ্যাক্ষক ও গোগত বাৰক আলোক্ষক জীপাক্ষক চটোপানায়ের বছবা जानका शामास किया अधि-स्थाना चार्ड। क्रिंद्रदेश्यासाम् कृति विक्रियक क्या शायन जरबा े रमस्य अविश्विक जूनमयाजि अश्वानकाक व क्**डीमवाद्य शृंदण्डव मृ**गाभर्छ' नित्व प्रवादना-, इना करबरका अवर रमहे श्रमरका बरमाखन ৰে: 'অনেক আবেবাজে কথার মধ্য থেকে रसके मानवन्त भाक्या बाब ध माहि बहुना रथरक छात्र अल्न यक्या मृति।' এथारन 'आक-বাজে বলতে প্রীচটোপাধ্যার কী বলতে চেলেছেন ঠিক বোকা গেল না। আমি তো ग्राममणीय जे मरकम्कारवा क जे मरकाव দ্শাগটে একেবারেই কিছু আক্রেবাজে কথা দেখতে পাইনি, পনেরায় পতেও পেলাম না। म् प्रिके क्या अकान्य मुल्ला । अवना একজনের বছবা স্তুতীক্যু দেল্যাপ্রিত, অপর-জনের বৃদ্ধি বিচারপূর্ণ, কিন্তু অসপ্টতা ৰা খান ভানতে গিবের গতি সুটি:তই किए हैं जिहें।

ষাহেকে, প্রীচটোপাধ্যার বলেনে ব বেদ্বিট সার বছবা তিনি ওরা প্রাবংগর 'সংবাদভারা' ও 'দ্যোপট' থেকে সংগ্রহ করতে
পেরেকেন, তা হোলাঃ (১) 'ব্রেজ'রা সংবাদপত্র সম্প্রেম বে সব উত্তি করা হয় তা মিথ্যা
ও উন্দেশ্যপ্রস্থানিক', এবং (২) ব্রেজ'রাক্রেম্বা দলীর সংবাদপদ্রগ্রিণর সংবাদ পরিবেশন্য আরও অসং, চ্টিপ্র্ণ' ও উন্দেশাপ্রন্থানিক'। এবং ভিনি ঐ প্রথম বক্রোর
বির্দ্ধেই তার সর্বপ্রধান ও প্রবশত্র আপত্তি
উপন্থানিক করেনে স্বিস্টারে। আমিও
ভ'র প্রের এই অংশ সম্বন্ধেই আমার
আক্রেম্কনা নিবন্ধ রাথবো।

ক্রীচট্টোপাধ্যার কলতে চেন্তেহন যে
ব্রেলার প্রেস মিথা সংবারই দিরে থাকে,
না দিরে পারেও না; কারণ এর শারাই তার
ক্রাম্বা রুছত পারে, সভ্য শ্রারা নয়। এবং
এই সিম্বান্তের পোষকভারা সাক্ষা হিসাবে
ভিনি হালির করেছেন বিভ্নানী আইনভ্যানের
একটি ক্রিভি, রোম্যা রোলার প্রতিশ্বানা
ব্রেলার সংবাগতের বাবহার ও রবীপ্রনাথের
ব্যানিরার চিটিরা বিরাশ্যে ব্যটিশ ব্রেলারা
ভ্রেলার জারবে এবং বার্টাণ্ড রাসেনের
ভিনেত্রার সংবাদ্যার সংবাদ্যার



ইরশ' টাইমস পটাকার বাধাকা প্রকাশিত না বঙ্গার ব্টনাকে। একটা বাক্ষা কর্মাই দেখা বাবে যে এই সংগালি লাকাই এক জাতের নর এবং সবগালিই মুক্তোরা প্রেলকে বিধানে বাহক প্রমাণ কর্মে না। তব্ধারই উপর ভিত্তি করে শ্রীচটোশালার একটি অতি মারাক্ষক generalisation-বে পেশ্চেছেন ঃ ম্লক্ষা, প্রাধীন বা মৃত্ত প্রেল বলে যে কথাটা পোনা ধার, নেটা একটা বিশৃশ্ধ ধাশ্পা। প্রিবীতে কোথাও ক্ষমও মৃত্ত প্রস্কাছল না, আজও নেই—ক্ষি ধনতাশ্রিক দেশে, কি সমাজতালিকে দেশে।'

আমি প্রথমে মার প্রেস সম্বর্ণেধ শ্রীচটোপাধ্যারের এই উভিতি বিভার করে তারপরে তার দেওয়া সাক্ষাগ্রাল পর্যালোচনা कत्रदा। সংयामभटाव भागिकता दा সংयामदक কিছুটো নিয়লিটত করেন না তা জনেকেই অস্বীকার করবে না কিন্ত এও স্বীকার্য যে 'মাৰ প্ৰেস' থাকলেই এবং আছে বলেই कारमा-मारकारमा अध्याप्तभव स्थरक अक्छ তথা পাওয়া সম্ভব হয়। ধুনিক ছাড়া আঞ্চ কাল সংবাদপত চালানা অভাত কঠিন। কিত্ত সৰ খানকের স্বার্থ তো এক নয়। যেমন বার্টিশ ধনিকের স্বার্থ ও ভারতীয় ধনিকের স্বার্থ এক নয়। জবাণ্যালী ধনিকের স্বার্থ ও বাজালী ধনিকের দ্বার্থ এক না হতে পারে: বাহৎ ধনিকরগান্তীর স্বাছেরি স্তেগ ক্ষাদ্র ধনিকদের প্রাথেরি বিরোধন্ত আক্ষত शास्त्र। धक्ठी छेनारत्र मिर्टे। ১৯৫० मार्टन वधन वीत्रभारम विस्नृतिधन वस छानीक्ष छ হাজারে হাজারে হিন্দ্রা স্বাধ্যানত হয়ে ভারতে পালিয়ে আসতে থাকেন, তখন আমি একটি ইংরেজি সংবাদপতের গ্রাহক ছিলাম। সেই সংখ্যাপতে—নিশ্চরাই ভাষের মালিক-গোষ্ঠীর স্বাথে-তথ্য এই সব সম্পিত্ত भरकामगारमा किन्द्र निम अस्कवास्त्रहे द्वरस्त्राक्षीन, এবং এজনা এ বিষয়ে আমি কিছুকাল व्यक्तरे विकास । भारत वन्धा वान्धवासत्र कारक धोरे वीस्थम भारतातम्ब कथा कानास्य स्भारत এবং অন্যান্য সব ভারতীয় সংবাদপতেই এ সংবাদ বিস্তারিত প্রকাশিত হচ্ছে তা-ও জনতে পেরে সেই সংবাদপত্রটির গ্রাহকছ व्यदिनास्य १६८६ निर्दे जयर अना जक्ति পতিকা রাখতে শ্রে করি। তাতে ব্রি-मारणत घर्षमात भागामा विवतन श्रीकृतिकरे পেতাম। মূভ প্রেস' একেই বঙ্গে। কোনো कारना मरवामभद्य या देशाश्रम या विक्रक

করবে, জন্য কংবাদগতে ভারত সভিত স্বর্ণ প্রকাশিক মুক্তম স্ক্তব। এবং তা অবিভাগ टक्टा इटक्क बाटक । **कार्ट स्वकारम** ट्रिकेट छेना बारकी जन्मून मानवाविकार व নিম্পূৰ নেই দেখানে সভ্যের প্রকাশ অগ্রতি-टबाबा अबर कम्प्रानिन्छ कौटनंत जाबानगत (क्षर रक्षणकरकक) रव व्यक्त जारशहरा १५ व्याच्या कार्या के हरात सहस्रा अवस्था मध्याव मञ्जूष क्रिया स्वदा बर्जाबन-छ। बार्ट्यायकत कृष्टि स्त-এর নাজর কোনো মতে তেনের দেখে भिनास मा। मश्यामरक शालन **६ हे** छिहानरक विकर कहार महकारी । अकटाविश स्रोध क स माथा कथा निन्छे सनगानित । महेशिनात्व সমরে রুণ বিশ্ববের ইতিহাস একজাত लाच इटाईइन, नोर्सनात्त्व इ.का.स. मोर्गानामन भाषा ६ जरमानाज्ञास्य भार আরেকভাবে, কুক্তের কুকুমে। এমন इत्लट्ड ७ इन्ट्र ७३ मन वार्षा।

কিল্ড 'মাৰ প্ৰেস' বলতে এ বোঝাৰ না ह्य अय अश्वामभरहरू अय थवव अप्रका कलाव করে বা গরেছে দিয়ে প্রকাশ করা হবে। বাভির ক্ষেত্রেও এ ব্যাপারে বেলন ভিল্নতা দেখা বার, সংবাদপতের কোতেও তেমনি--ब्रीह ७ स्वार्थात शास्त्रहे वहा हया किन्ह প্রকাশিত সংবাদ নিভরিয়োগা নয়, এ দুর্নাম রটে গেলে সেই সংবাদপতের পাঠকসংখ্য कराज थाएक। छाडे छारमय क-विवास स्था-সম্ভব সাবধান হতেই হয়। দলীয় প্রগালি অবশ্য এ-বিবস্তর নিরম্কুল। কারণ তারা জানে যে তাদের পাঠকরা দলীর উত্তেশনার খোৱাকের জনাই ভাষের পদ্মগতিকা পাড় সংযাদ পরিবেশনের অবিকৃত সভা . জন্য নয়। বেথানে বাশ্বই একমাত সংবাদ পরিবেশক বেখানে বাগেইর কর্ণধাররা কেট্র সংবাদ দেওয়া বা বছখনি অবিকৃতভাবে তা পরিবেশন করা যুদ্ধি ও স্বাধাসপাত মনে করেন, জনসাধারণ তাই প্রেম্ন থাকে। সেখনে ধরেই নেওয়া হয় যে, সব সভাই জনসাধারণের স্বার্থর অন্ত্রা নর এবং রাজ্যের কর্ণ ধাররাই বিচার করতে সমর্থ কোন সভা, কতথানি ও কীভাবে দিলে আদের কতি

এইবার শ্রীভাট্ট পাধাারের দেওয়া সাক্ষাগা,লি বিদেশবাধ করা যাক। জাইনন্টাইন
কথন ঐ Why Socialism লিখেছিলেন,
সে কি বলগোভিক বিশ্বনের আনে অধবা
পরে: এবং ডখন কম্ম্যানিট লাসনে সভা
সংবাদ পাওলার মানুবের মৌলিক তামিকর
যে রাণ্ট কছকি অপহাত এ তথা তিনি
জানতেন কি না বোলা গোলা না। বইটির ও
লেখাটির তারিখ দেওয়া থাকলে এটা ব্যাহে
সহারতা হোত। আইন্নটাইন বস্তেন বে,
ধনতান্তিক সমালে ধনিক স্বাধা নিম্নোভিত

সংবাদপন সংবাদ গোপন ও বিকৃত করে
ভানসাধারণাকে বিভাগত করে ও ভানমাতকে
নির্মান্তত বারে এবং নিরেল প্রাথমিকভাবে সব
সভা সংবাদ ও তথা লেনে ও বিচার করে
ভানগানের পাক্ষ ভাগের রাজনৈতিক অধিকার
প্রাংশ করা আভানত কঠিন হরে পাঞ্চ
("extremely difficult.... to make
intelligent use of his political
rights")

স্মানত ব্যাহার ইউটো পরাম রূপ হাড়া গ্রহত কর্মানস্ট রূপ সম্বশ্বে আইন-ओहेर्ट्स महत महिक थादना थाकरन कवनहे িচনি এমন কথা লিখতে পারতেন না। কারণ ফার্লাক সমাজে ধনিকগোষ্ঠী পরিচালিত বিভিন্ন সংযাদপতে প্রকাশিত সংযাদের বিভিন্ন রূপ **থেকে তুলনামূলক** বিচারেও দ্বারা চেন্টা করলে সতোর কছাকাছি আসা ক্তিন হলেও অসম্ভব নয়, কিন্ত ক্যানিস্ট লাট্য সভা সংবাদ পাওয়ার উপায় ও আহ-বার হামগণের হাতে না থাকাম তাপের পাকে eই সতে। পোঁছানো কোনো কালেই স**দ্ভ**ব লো তা হাড়া একল**লী**র শাসকে জন-সংখ্যকরে হাজনৈতিক আধ্বন্ধ প্রয়েশের পদ্মও সেখানে নাই। এরপার শ্রীচাটোপ্রথেয়ার ভাষা *চ*া**লার** বলকেটিভক বিশ্লবাৰ সমর্থানের বিভা**দের করাসী বা**র্ভাভিঃ সংবাদ-প্রগর্মির সাচরণের উল্লেখ করেছেন। কিন্তু কী সে আচরণ, কে কি বিশিশ্ট সমালেচনা, निगा, वश्ना या द्यारा किछा का रकादनीय। সৰ মত সকলের পক্ষে--যে কোনো কার্যাই व्यक्तिमान स्ताप्तीर नरः शहे महाम्रहरः প্তিকাল সম্লোচন হাত্রেই পরে। প্রতিকলে সমালোচনঃ প্রারটে, কিব্রু মাত্র প্রসারও ঘটে। কম্যানিষ্ট দেশে ভাই প্রতি-ক্লি মতের সমালোচন। কর, হয় হা, একে-ব্যার 'রাকে আউট' করা এর ঋণাং চেপে लक्ष्य गर । दर्यांन्ट्रनारश्चय धार्मनराद जिटि সন্দেশ্ব ব্রতিশ ব্রক্তোয়া প্রেস বচি নিজনতি কার **থাকে ভাতেই** বা কী ক্ষতি ভারেছে ? সে-ক্রের **প্রভা**র তো করেনি ভার ম্বারা?

সার বালোরা প্রেনের মধ্যেও দ্যাধীনত। আন বালাই জানাক পর্রগতিকা 'ওনিধ্যার তিত্তির মৃত্তবন্তে প্রশংসাও করেছিলা—বিশেষ ভারতীয় 'ব্যক্তায়া প্রেস' তো যাউট্।

নাই তে বাসেলের ভিরেৎনামনিষ্যক তিওি অনিকৃত্তার নিউ ইংক টাইমস প্রিকার প্রকাশিত না হাওয়ার ঘটনাটা সভিটে নুহারে। ফিবতু হয়তো আমেরিকারই ফল কারেকটি কাগজ-ছেলন Washington Post—ঐ তিঠি কাবর ততাবেই লাগতে গাঁটাতেন। ফাতত কোনো কোনা কারেকটা লাগতে। সভা মুখ্য বোলান কারেকটা লোক শিক্ষা লাগতে। সভা মুখ্য কোনা কারেকটা লোক শিক্ষা লাগতে। সভা মুখ্য বেশালন কারেকটা লোক শিক্ষা হাকেই হবে; কিবতু মুম্বানিষ্ট দেশে শিক্ষা বে বিবন্ধার সম্ভাবনা নাই ডা মুখ্য ভাসেরই জেগতে।

Why I am not a Communist, Symptoms of Orwell's 1984, From Logic to Politics তিন্তি বচনাই ব্যৱস্থাত

Fortraits from Memory and other Essays, ১৯৫৬ সালে জর্জ জ্যালেন আগত আনউইন, লংজন, কর্ডক প্রকাশিত প্রত্তরের অভত্তি আই তিনটি রচনাতেই পাওয়া বাবে। রাসেলের আছালীবনীকেও অবিশাস দঢ়কতেওঁ বাবে বাবে ধর্নিত প্রকাশে নিবন্ধে বাবেল কি বাবেজন শাননা :

"Russians are kept as far as possible in ignorance about Western countries to the degree that people in Moscow imagine theirs to be the only subway in the world." (জ্বাৎ, রান্ত্রিনাকের কলিজারী দেশবালি স্বাধ্য ধ্যাস্থত আত্ত তারে রাখ্য হর, এমন কি বালে মাস্কারাস্থীরা মান করে পাহিনীতে তারেই ওখনে একমার ভূগতালিং বেলপান। এর উপ্র মাতবা নিশ্বারাজন।

ভাক:প্র **শ্রীভাগী শাধা**র ा कर एकी সংশ্রুপত্রে **আধী**নভার উপরে রবটো লাচিনস কৰিশকের উমল্ভি ভাল প্র*ছে*ন িছের স্বপক্তে। এই কমিশন বলচেন যে, ব্যাধিত গ্ৰেছ স্বাধীনভাবে তাও মতাম্ভ প্রকাশের সংযোগ নিশ্চিত করার ব্যাপারে, ভাকে সরকারী কমভার অপনারভারের विदारम्य प्रका कप्राद्दे शायको महा अध्यानभाउत মালিক ও প্রকাশকরাও যে করির মতামত প্রকাশের মানোল নিয়নিকত করে কোনা कांक्ष्य कथा, स्थान उदा, स्थान आहे उदा কী ধরণে, জনসাধারণের কাছে পোইনের তেওে নিমানিক করে চের একও বিভারণ हेल्याम् यायभ्याः कदा तद्रकातः। भादने हिन् কল। হয়তো এই কমিশনের সংপরিশ মতো সংবাদপতের এই প্রকার ক্ষমতার আভিস্কা ও লপ্রবেহার বন্ধ করা বা সংক্রিত করার নিশ্বরত চেশ্ব। হরেছিল ঘরনাপৌ। এই হাতিমান্ কমিশন কৰে বাস্থালৈ এবং পার ওট ধ্যানর আন্তর অম্পিন বাস্থিস বিন্যা তা আনি জানি না। তলে কেবলে**শ স**তা জানা ও সভা প্রসাশের মেলিক হাধিকার দ্বীরাত এবং সাম্ভাকাত, সে-নেকো করিব স্বানিক স্বাধীনতার যে কোনো প্রকার বাবা যা গ্রাস্থ্য হোমের জন্য এ জ্যাত্রীয় কমিশন ব্যতিক্রম নত্র, নিয়ম। স্বরেজনিক রাজেইই এটো চরে হাকে অব্যৱস্থার আকৌ নতা। ব্রং সংবাদপ্রগালির জাতাধিক ক্ষমতা সেখাদেই দ্যানিত বহুত্ব কেন্টা করা হয় এবং **ছে**ট ছেট প্র-পরিকার্যালকে স্বাধীন ও স্থানভার করার করা বিবিধ সরকারী সাহায়াও লেওয়া

আর একটা কথা, কমিশন কিবতু বলাছ না যে বৃহৎ সংবাদগতে প্রকাশিত সংবাদ-মাতেই নিধ্যা। এ সম সংবাদগতে প্রকাশিত সংবাদ ও সভাসাত্তর প্রকৃতি ও প্রিমাণ ভাদেরই ইচ্ছার আনকটা নিয়ন্তিত হয় একথা দাকিবা; যেনে দ্বীকাৰ্য যে, বৃহৎ সংবাদ-প্রগৃত্তিই জনসাধারণের সংবাদ প্রাণ্ডর আনকথানি ভারগাই ভাদ্য আছে।

विन्त এও अन्दौदाद करा याद्र ना स्थ. ত্ত্বর সংবাদপারে হয়েত্ব প্রতিযোগিতা আছে একজনের মিথ্যা আরেকজন ধরিরে দেওবার ডেম্টা সব সমরেট করে থাকে: সা ছাড়া ডে'ই ছেট সংবাদপরতালি স্বাধীন-ভাবে সতা সংবাদ চোওয়াব চেডী অবিৱাম করে চলে, কারণ ভারা আনে বে সাধারণের করে ভাষের আদর এই জনাই: ভারপর, ব্যক্তি বিশেষ প্ৰাস্তক-প্ৰাস্তিকা প্ৰকাশ করেও ৩ কাজ অনেক সময় করে পাকেন, বেমন ফ্রান্সের Dreyfus Case-এ এমিক ভমিকা, কিন্বা বভাষান আন্তর্গতিকাতেও ভিত্তেংনার সদবক্ষা সরকারী ন্ত্রীত স্মালোচন। করে এবং সরকারী অনেক সন্ত্ৰত প্ৰকাশ করে, বহা, বই বেলোনের তো বিরাম কেই: এবং পরিকারে রাক্টের বেভার টেলিভিসন প্রেম বিজ্ঞানিক ও নান্য প্রকাশনের মধ্য দিয়েও সতা সংবাদ বিভরণের চেক্টা যে নাহর হানর। করেই। সহা গোপন ও মিখা সংবাদ প্রচারে কোনো বাইং ব্যাহার্য্য সংবাদপত্রই নিরাক্ষ**ণ হতত প**ারে না কিন্তু বলা সহালা, যেগানে **সং**নাৰ िरण्डराप्त अवसाध शाह हाएक्ट्रेंग्र साहि धदर দে গড়ী জনগণের মত প্রদাশের স্মাধীনতা ও সতা সংবাদ জানান জাধকার দ্বীকার করে ন, দেখানে অবস্থা সম্পূর্ণ ভিল্ল।

> অধ্যাপক শ্রীক্ষতীশচনদ্র ঘোষাল ভ্লন্তঃ-৩২

#### ফ্রী প্রেস

ক্রী প্রেস নিয়ে যে বিভারের স্থিতী হয়েছে—'দেশেন' পাতার (০১ প্রামণ) সোণান সম্পাত যুক্তি ও প্রমাণ উম্পার করা ধারেছে। স্বায়ের ব্য কথারে করা করিছে। করা বানে নিয়েও কিছু বলাতে উদ্বেতিত হজি।

প্রথমত, দর্শন বেবার জন্য মার্কান্তরে কাছে পাঠ নিত্ত যাওয়ানী মান্তিবৃদ্ধ নর। তেমনি মার্কাস বোরার জন্য রবীক্ষানাথের ভিত্তা-ভাষনার বাছে যাওয়ানী অসমীচীন।

গ্ৰামৰ ব্যৱহাৰ হা উম্বান্ত জ্ঞানমাণগা নিৰাস্থা দ্বিট করে।

মতে প্রেস ফোথাও কোনো দিন ছিল না চলে যারা ভাবেন সর্বাধের ভাবের একথাই বাধ হয় মনে রাখ্যর দরকার যে ব্যাপারটার মর্থ এই নমু যে, রাজ্যের আপামর জন-দাধারণ মাজকল হবে বছবা রাখতে সচেণ্ট हत्यत ।

মতে প্রেস বলতে মোটামটি হা ব্রিক তা ব্ৰেধ হয় চিম্ভার স্বাধীনতা: বিয়োধী <del>ব্রের প্রতি সহনশীল্ডা। ব্রভিমানসের</del> अनिविक्तीय गुगायमी अवास्त्र अवाधिक সূযোগ—বার ম্বারা সমাজ পরিপদে বিশেষভাবে-শব্রবা विश्वविद्यान अव রাখার নিরাপ্রান্ত এ স্বই প্রতালিকে ব্যবস্থায় স্বীকৃত মাল উপায়ান।

दिक्कारम् जाङ माहदाःमाभन्। भव्यदा-চার' নিজ বিশ্বাস জনাযায়ী বরুবা রাণজেন। कारत श्रीक स्टाबारवाश करन गाळन । রাজ্যে ও-রাজ্যের শাসককল, স্ব বস্থবাইত প্রকাশিত হচ্ছে। দেশ আনন্দ্রাজার স্টেটস-মান সর্বাট্ট প্রচর স্বপ্রক্ষেত্রপাকে বছরা রাংল তবেজা।

ত প্রতিত "dangereous thought" ধা "againt people" এছৰ ফুডোৱা জারি করে নিবিভার গ্রেণ্ডার বা রাভারতি লোপাট করা হচ্ছে কি এবরে? কিন্ত হাজেকি গ্রেমের ওপর হামলা কারা কারা গুলালো! আয়ো কথা হাছে মাৰ তেম বক্তে গ্রাটিকরেক সংবাদকেরী বা সংবাদগর লগতো নর, এর গারাম ও প্রারালনীয়তা আরে BUTO I

এখন গণ্ডাত্র প্রতি মান্রা কতটা ভাকৃতিম মানাভাব পোষণ করি সেটাট কথা। এ সম্পাক বাঙালী ভিতাবিদ, যিনি এ ব্যাপারে ইতিমধ্যে শ্রদ্ধার স্থান ক্রীকত, তিনি শ্রম্থের অম্লান দত্ত। তিনি For Demogracy-র ১৭ পঃ বলছের: Democracy is not just a political system; it is a way of life. लक्षणीत "it is a way of life, ल्ल-তান্ত্রিক জীবন ধারায়"

"The greatest enemy of the democratic way of life is fanaticism.

Fanatics are rarely guilty of lack of idealism; ্ক্ত ক

What they lack is tolerance.

সহনশীলভার অভাবে কি হয় : "Through his intolerance he extents the boundaries of that field in which, self-righteously, he acts in open disregard of morality. Thus, the fanatical idealist, in the persuit of his ideal. verv builds a world in which contempt of all ideals 'is law'.

পর্বারের পক্ষে কেউই ওকার্লাত क्याक्रम मा: किन्क् भा क्याप्त मामक খ্যালে কাহাত খনি Socialism প্রজ্পান্ধার্য হয় তবে Socialist Slavery করতে হবে 135.7

्व प्रस्थार्क गांकारकार्काक्राविया छेक्स्नाव लदर प्रता हच्छीरछ।

আর হাতা প্রাধীন চিম্ভার ও ভার নিরাপত্তা সম্পর্কে কিছু, বজেন, তাঁদের শেষ कथा जनरहेशावत अन्तान रचारगार :

"I disagree utterly what you say and will defend to the death your right to say it."

এই right-এ তথাকথিত বত'মান বিধ্বাস জনগণ-মন-অধিনায়কেয়া क/वन কিনা প্রধন সেখানে।

"কোথায় আছি"র আশংকা ও উক্তরণ হৰত সে জনাই।

> দেবপ্রসাদ ঘোষ সাউথ অমনগৰ ২৪ পরগ্রন ।

"শহর-**ইয়া**র"

٠٠. প্রিকাষ থানার চিক্তভার প্রকাশিত "শহারা-ইয়ার" পড়তে অত্যুক্ত ভূ ল লেগেতে কেবলমান সৈয়দ **মাজত্**যা **আল**ীর কেখা বলে নয়। রচনাটির একটি সম্পূর্ণ জন্য ধরনের মান্য' জনে**ছ বলে। কে**উ কেউ অভিযোগ করেছেন এই বছনাটিতে দৈয়দ সাহেরের আগের রচনাগালির বিদেশ ভাষা বিনাস খালে শভয়া যায়নি এবং এটি বিহুটো নিশ্বয়ানের রচনা হায়েছে। লেগকের স্ফিতা স্থিতির প্রতিতা হাস পোনাই এমন আশংকাও কার্ডেন কোন প্রতি। কিন্ত এই ধারণা স্বার নিশ্চর**ই** নর। সভা বর্তী "শহার্-ইয়ার"-এর ভাষা একটা ফনা ধরনের। কিন্ত ভাট হাল, নিক্ণীতর বাল গাহ দেওয়ার মত কোন কারণট ঘার্টান। যাংলা-দেশের অভিজ্ঞান মুসলমি মুদ্রে একটি दब्-- शालीगडास् সম্ভাৱে ভেজ্মবীতায় য়ে অভুসনীয়া, রবীন্দ্রনাথের গালের অয়াত ধানার বার সমস্ত জনর পরিপূর্ণ, সংস্কারের বৰ্ণনাও ঐশ্বর্যা হয় একাশত বিনাধ সেই "শহার-ইয়ার" সৈরৰ সাংগ্রের 'শ্বক্তের' চাইতে বেনে অংশে কম নয়। সংখ্যা ভিন্ন প্রভীনকায় এই ৰটে পশ্চিম্টী নামীর খানগোনা। ভাই পাঠক মতার প্রতিভিয়াও অনা র্কম হবে। লেগ্রের পায়েড ভাট কলো असाना दश् रहना रिस्ता দ্বিধায় বলতে পারি আঙ্গী সাহেবের প্রভাকটি ক্রনা প্রভাকটি থেকে অকার। তাঁর প্রাচ্য পাশ্চাতের, হিত্র মসেলিম-খাতীভীর ভারের অপার্ব ভার বচনাতে প্রতিফালত। নানা ভাষার ভাতোর থেকে নালা শক্ষের মনিমানিকা চরন করে তিনি জামানের উপফার দিয়েছেন তাঁর রচনাগট্নার ভিতর দিয়ে। "শহরে-ইফার" তাঁর অনা ধরনের স্থিট। এতে ন্তন ন্তন মকের প্রীকা নিবাকা হরনি। হরেছে একটি নাহর ভার-ধারার। গুড়া বিলাসবৈভবে পালিতা এবং প্রাতীন আদর কারদার বেডাজালে আর্থ্য একটি নারী—বার মার মন চায় সংসারসীয়ার ধাহিতের **কোন আশ্রয়**। "শহর-ইরারের" ভিতৰ পাই একটি বৈশ্বগামর হুদয়—সূত্র-নাথীর মত যে চেরে আছে পরম শাণিত্যন উল্লেখ্য পদপ্রাক্তে। ভুগার্যাদ্দী মৈতেই মত ভাট সে অনুনা।

এমন একটি অনবদা কাহিনী বাংলাভাৱৰ পাঠক-পাঠিকাকে উপহার দেবার কনা সৈচন মাজতবা আলী সাহেবকৈ সমস্ত্ৰ সহস্ত माथ-राष्ट्र कानाकि।

भाषाती क्रिक्टी अ लिक का -- 00

#### "ভাৰতীয় গণতকে সমতা'

গ্ৰন্থ হয় অন্যাকেটর "দেশ" আলার এই আলাটারের প্রকর্মিত "ভারতের এরলক্ষ আরো সমতার **প্ররো**জন" আলোচনার উপরে ही मुनी मक्याद **5क्ष** र टीय "ভারতীয় গ্ৰহুক্ত সমতা" শ্বিক অলোচনটি প্রভাম। প্রচেত্রবভাবি যন্তব্যাক কেন করেই আমি এই সালোচনার সমতারণা কর্রিটা

স্নোলিবার আমার পারে আসেড্নার ব্যব্যালয় উপরে জোন বস্তুলা রাজনতি উনি কেবল একটি পয়েন্টের প্রতি কটাক্ষ ক'রে করেকটি **উভি করেছেন।** সামার আলোচনার ভেত্তরে সম্প্রদায়িকতার কোন গ্ৰন্থ ভিন্ন না। যদিও আলোচনাটি একটি সম্প্রসায়ের পাক্ষ গোচ দ্বাও বলাবা আমার জনকাত্ৰাৰ লাভি **ছিল মান্ত এবং স**াৰিক পাধিবিভাগনতে উা**ইটন্ব**ত। আনি কেবল ওঁ একটি পরেন্ট দিয়েই আন্ত্র আলোচনা ্শ্য করিনি, আমি সমত্তের অবজেলিত বিষয়, যেগটোল এজেবায়ে অপ্রিয় স্মেট্রির সালপ্রসংগ্রাপ সমাকোহনা করেছি :

किर्णकर - 'याश हो शुरावैजयार, জাগাভসাণীতে এফট্ট ভালিয়ে দেশ্য राण्डिको प्राचन एको क्याप्त राज राज হবে না" এবং **"বণতকের** আহিরে <sup>এই</sup>ট সহা করা হবে না"। উপরের উভিনেলি পাড় জানি কেন যে কোন চিন্তাশীল ও সাল্য মলিভকের মানুষে মানু কথাটা পাডিন —**मृत**ीमवात् शास्त्रत् र**क**ा शगङ<sup>ीस्</sup> 3. (73 লেশ্ৰ किन्द्रा नागतिकात्रज्ञ. সংবিধানগত অধিকার হতে বীপত কচাই मिक्ट होत

বেগাৰে গণতান্তিক বৰ্ষানাৰ নাগরিক সমানভাবেই ভূষিত, যাবের ভোটের দৰ্শনা সমান এবং বে নেশে যোগাতা পাক্ষ য়ে কোন সম্প্রয়ের মান্**র প্র**ধানমতী তথা রাদৌপতি হতে পারেন সে সোশার শ্রেণীয় নাগরিকদেয় উ**পর এই এক ভ**র্ফা ্ সন্তামী এখনত সংক্ষাকা ও বাই, ক্ষানতে ইচ্ছে প্ৰতাহতিক।

রার বংগ্রাপ ।

রাপ্তর প্রথম লিগেবেন, শবরেক্তা, ভারতের
নাগরেক ক্রমি নিজি পানিক্রতান চকে বাবার
কনা গান্ত না । এই কথা গান্তি একজন থাণহরের সুপ্তর নাগরিকের জনা কি প্রয়োজনে
কা যেত পারে ৷ সংবিধানগাত ভাষিকারে
প্রতা সর্বা ভারতার নাথরিক, আর
গানিক্রম চকে ধানার বাস্পারে অঞ্জল
প্রথম লিগে গিলেও কেউ ধনি চোলা চালাম
করে ভারতার সংবা জিল্টার অঞ্জল
প্রথম তা কি করে ব্যবেকা এইল
স্বাস্থ্য আলেন গান্তা দিলাক্য স্থানি করে হয়।
কর্মান ক্রিপ্তান্তা ।

ক্রমির হার ।
ক্রমন্ত্রা ক্রমির স্বা

ঠানা প্রসা, মাজ্পত্ত, সম্পত্তা লাগে সেলেয় সংগ্ৰহ সংবাদন পাড়ার হাতে একং চেরেন লান স্থান্ত দাকাৰ—একথা দেখেনা কেন গালেই ক্রেটার কাল্যে ক এবং সম্ভালন্ত মতে মতি বিষয় সহলে সহলে জন্মতে र्जाना बराव एक छ, छत्राजनात उन्ह <sup>१</sup>जिथ म**्य** कसारा छारा ठाडेबाबायस्ती খ্যান্দ্র হবে করা হারতে এবং ডা ব্রুপ্তাহত <sup>ছনা</sup> বিশে চেৰংখাদেই, গোলেনা লিভাগ গং প্রতিরাধ ব্যক্তিনী প্রাক্তরতা হত মহরের করা হালেছে, তাল্লাস্ক ত্তিপার জনতা অপস প্রচাত স্ভর্জ জন বৈনিদ্যং নিতে ব্যব না। এফাড়া আমি अक्षात विवाद पासकावनास रवता वाकास 👁 পটার কলাকার থাকার যা রাপার কালচুক <sup>এরিনি</sup>, জালি কলেছি জাধিকারের অলপানের 2.00

শ্রীক্ষান্ত আক্রান্তনার ক্রান্ত করিছে ক্রিটে করা বেশের ক্রান্তন বিরেশে পারার গর হারের ক্রেন ক্রান্ত নাই হারা ক্রেটই লেকর বিধ নাগরিকত নাই ভারা ক্রেফ চিয়া, ক্রান্তনাক্র ক্রম্ চেয়ান ন্যান্তনাক্র

নির্ভাৱে প্রতিরাশ স্ক্রীক্ষমন্ত্র এই
ইটির সাধিন্ত্র নক ব্যানই তামি মনে
করি এখানে পাতিনের দেনে প্রশন পারত না প্রশন হালা অধিকারের। পশ-ইনিক বেশে অধিকার ক্ষান্ত কা অপরার বি নদাস ভুল তার। বেশের নাম্যানিকারের বে নেন নারসংগত অধিকার কর্ম কর্ম আরু বাজিগত অধিকার নহে। তিনি ইব্যাস্থ্যী, তিনি রাম্মাণতি হাই হোল না কেন দেশে। স্থাথে চাড়া ব্যক্তি স্থাথে 
ত নেশের যে কেনে সম্পাদ বা বিষয়ে 
হাডায় বিশ্বার করতে পারেন না। দেশের 
বিরাট স্বারণ ছাড়া দেশের অথানৈতিক 
দিকের কথা এবং বিভিন্ন সমস্যার কথা 
তেবে প্রয়োজনে "শাতেজ্যা" সমস্যার কথা 
করা উচিত। গণতক্যের প্রাণ্ড 
মীমাকম্ম করা উচিত। গণতক্যের প্রাণ্ড 
ব্যক্তির। দিকের দেশের শাসন্তম্ভ এগোতে 
থাকলে নিশ্বার দেশ স্বব নিক বিরোই 
এগোতে থাকনে।

হাফেজ আমির আলি এটালী।

#### ভেম্বন্দ বাগচী

কাশে (৩৩ বর্গ, ৪২ সংখ্যার) শাহনকাশ্র বাল্ডী প্রায় জনার কোনা প্রদান কাশের বিধ্যার কাশের প্রায় আনার একটা আনুর কিনিবালি কাশের বর্গ কর্মানি ব্যাসকাল হার বাং কালের কিনিবালি কাশের কাশিলার কাশের কাশের

ক্ষি ব্যাদ্যকের বিভিন্ন ক্ষেণ্ড্রের এবং ব্যাদ্যকর্পনি প্রকরার জ্ঞান করে ক্ষেপ্তার ক্ষার করে ক্ষেপ্তার করে ক্ষার করেছে প্রায়ের করেছের বাংলাকর করেছের প্রায়ের করেছের বাংলাকর করেছের করেছের বাংলাকর করেছের ক

**সম**িরেক্রনাথ সিংহ ভাষ

#### -বসিক হাসন রাজা

ারেশ। পরিষয় সৈত্র মুজার আনী সারে তেও পরিষয় রাস্থা রাজান পরিষ্ণ রচনারি পরে জানেরিছে রাজিছে। কেন্দ্র সাজার জানের জির জোলা নাটি কো রচনা আনার জিল ভাল লাগে বা তের জন্ম আনি সাংভালিক পরেশ। পরিজার সারে প্রতিকার থাকি। তার জালে নাইন গ্রহীকারে থাকি। তার জালের প্রেরা মান্ত্রকা আলী সারেন কেশ বিভারের প্রেরা মান্ত্রকা জ্বাসী সারেন কেশ বিভারের প্রেরা মান্ত্রকা জ্বাসর প্রতেশন সর্কারী চাকার মান্ত্রকা জ্বাসর প্রতেশন সার্কারি যে ক্রান্ত্রকা সারিকার রক্ত ক্যাক্তর সাহিত্য সার্কার রক্ত ক্যাক্তর সাহিত্য সার্কার রক্ত ক্যাক্তর সাহিত্য সার্কার

সৈয়ৰ মাজত্বা আলী সাহোত্ত বিভিত্ত "বসিম হাসন রাজ্য" প্রবন্ধ সম্বদ্ধ তানি दशकान्य Indian Philosophical Congression was signeria itale va ১৯২৫ (১৬ স.ম.) ব্রুল্লোথ সভাপতির তল্ম। সভাপতির অভিভারণে তিনি লাসন রাজার "আলার নহন হইতে পর্ল **লাসমান** জ্মিন" এই কবিভাটি উপলত করেছিলেন। পরে ১৯৩০ সলে। রবীলনাথ অক্সলোডা "Tree ex" (Religion of man) সদব্ৰধ ভিন্তু ব্ৰহান্তন্ত এই কেছে।-থাকা 'ি, কিজন চাত খানে' নাকে প্ৰেচকাকাৰে ীংলতে ১৯৩১ সদে প্রকাশিত হয়। ১৯৬১ বেল্ফ ১৯৭৬ সন প্র্যান্ত এট বট श्रीप्रतार ज्ञान्य शायाज ७२६ विस्तवस सामाप्तिक ত ডিব্রাম্থীল সমাধ্যের স্থান্তি কার কার ছা। বিজিয়ন আন মান'-এ বলীদানা**প** লস্ম রাজ্য *এ*বটি অনিভার ইং<mark>রাজী</mark> ত্যাবাদ উচ্চাত কাড় নিকালিখিক মধ্যক 4 F 5 . : --

"It is a village poet of Fast Bengal who rreaches in a song the philosophical doctrine that the universe has its reality in its relation to the Person, which I translate in the following lines:— "The sky and the earth are

horn of my own eyes.
The hardness and softness, the cold and the heat are the Products of my own body.

The sweet smell and the bad are my own nostrils". (Religion of man, Fifth Impression

আন্তর্গার নিজন—নিশ্বকবি তবি লগনিক চিদতার মাধ্য সিলোটৰ এক গ্রামা ভাষানিক কবিও রচিত কবিতা আনতভূক কার তা নিশেষর স্থাতিসমাকে প্রচার কারাছন।

> শ্রীবীরেন্দ্রলাল সেন নির্ম

#### विश्वदिकास

শ্রীতর্গে চারীপাধার ৩১ প্রারাপর দেশে আমার ন্যিত্রীয় ও ডাড্রীয় (বা দেশের পাতার ছাপা হয়নি) চিঠির উন্তরে যা লিখেছেন আবারও তার প্রতিবাদ করতে হচ্চে।

তরু,ণবাব, নিজে কি জিংখজিলে**ন** সুবিধামত তা ভলে যান। তিনি লিখে-ছিলেন 'জি:তনবাবু বলতে পারেন ইংরেজীতে ultrasound e supersound দুটি শব্দ কেন ব্যবহার হয়?' এর অর্থ কি 'পরিশব্দ জিজেস' করা? বিশ্ব-বিজ্ঞানী তর্ণবাবা যে শ্যের শাণ্ধ রুপটি প্রাণ্ড ভানেন না তার প্রয়োগ নিয়ে পরিভাষা চাইলে আলেই কৌদল করেন ! দিতাম। এখন জ্ঞাতাথে নিবেদন Supersonic-শ্বেদান্তর বা শ্বেদর চেয়েও প্রত-গামী, ultrasonie-অভিশাবিক। তর্ব-বাবা আবারও শানে নিন শ্বন দুটি সমাথাক ন্য ৷

আতসকাচ অথাং লেনস সম্বশ্ধ এবাবে তিনি যালি খছেন, প্রীক্ষার থাতার ছাতেরা ঐবকম লিখলে শ্রে পেত। কোন লেনসকে convex বা concave বলা ইবে তা 'কোন দিফ থেকে দেখা হচ্ছে বা কোন ফল্ড কোন দিকে কোন কাজ করছে' তা দিয়ে বৈচার কুৱা হয় না। concavo-convex লেনস বলতে ব্যব্যয় সেই লেনস যার একটা দিক concave অপর্টি convex, কৈত্ লেনস্টি আতিসারী বা convex—খনীয়ে: প্রকাশ্ভরে অন্যরাপ লেনস্কেই বলা হাবে convexo-concave ব্লিউহা অপসারী অথ'াং eoneave -হয় হিঃ হয়। বাংলাতে আমনি হথে বাবহাত হয়ে পরিভাষা प्यरहर्काङ्ग या छेछनायरका छद्रभवाग् লেনস সম্পূৰ্ধ এই মূল ওড়টা ছানেন না যে জেলসকে জোন নিক থেকে দেখা হচ্চে সেই অনুযায়ী ভার অপসারী ও অভিসামী ধর্ম বা নামকরণ বদক্ষে না।

শ্রের সূয়া পরিক্রমণ সংপ্রেক স্বারীঘা তে আকোচনা তর্গণাবা করেছেন তার খার স্বট্যকই আৰাণ্ডর- হয়েলেয় জলৈব তেপ সাগার, রাসেলের সম্প্রসারণ্থীল মহাবিশ্ব হা জীনসের স্যাণ্টিভন্ত এস্থানিয়ে কোন প্রশ ছিল কি ভিরাণবাবার কাছে origin of the earth-এর ততুও আমি শিখতে চাইনি বা শেখনীয় দরকার হবে না। 'পাশ থেকে মা হয়ে সামনাসামনি শুকু ও মহাকাশ্যা**নের** বেখা হওয়া বা ভেনেরার শতকে পেশছানর সময় সংক্ষেপ হওয়া এই তথাগালো থেকে শাজের বিপরীত গতি হয়ে সাবা পরি**রুমণের** ব্যাপার সরসেরি প্রমাণিত হয় না, ভাই গুটকা দায় হচ্ছে না। উল্লিখিত তথা থেকে শাকের স্থাপরিকুলা অথাং বাখিকগতির বিপরীত র্ণীত বিষয়ক সিংবাংতটি তর্গবাধ্য নিল্লাস্য না হলে এতং সম্পর্কিত সরাসরি প্রামাণিক উম্পতি দিলে ভাল হত। তর্ম-বাব; ভাষাকে বিশ্বাস করালো**র জনা** যুখ্যান, বাদে (ইংরেজী হলেই ভাল ব্**রাতাম**  কাৰণ তর গ্ৰাব্র বাবহাত পরিভাবার অর্থ সব আঘার জানা নেই) যে উম্পৃতি দি রছেন তার ভেতরে শাক্তের বারিকগতির দিকও সার্যের এ অনা সমুহত গ্রহের উল্টা' এর সমূর্থক কোন কথা নেই বরং উপেটাটাই আছে মনে হচ্ছে। ঘার্শনে ১১৭ দিন লাগে, সে আবর্তন করে সার্যের বিশরীত দিকে'-এই উন্ধৃতিতে ঘূৰ্ণন ও আবর্তন, কোনটি কৈ অংথ' ব্যবহাত হয়েছে ব্যব্দি না। দুটো একার্থবোধক নয় ধরে নিচ্ছি, ভা হলে ঘ্ণান ও আবতান দুটোই বিপরীতম্থী একথা কিন্ত উম্পতিতে নেই। উপরুত 'সাযে'র বিপরীত দিকে আবতনৈ করে' এর সহজ অর্থ সূর্য স্বীয় অক্ষের উপরে বে পাকে যোগে শাকের অনারাপ আবর্তন ভার বিপরীত দিকে। শক্তে স্থেকে পরিক্রমা করে কিভাবে সে সন্বন্ধে কোন কথা এতে নেই। দিবভীয় উম্প্রতিটিরও অন্ত্রুপ অর্থ হতে

রাশিচন্তের নক্ষতের সাপেক্ষে দৃশাভ শংরের স্থা পারক্রমার গাতি পাশ্চম থেকে পারে হলে লুখ্যক নক্ষতের অবস্থিতির সংপা নিলিয়ে তা পার থেকে পশ্চিমে হবে এটাও বড় বিচিন্ন মনে হচ্ছে। মোটকথা আমি বা জানাত চেয়েছিলাম তর্গবাব্ এত কথা লিখেও সে বিষয়ে আমাকে নিঃসংদেহ করতে প্রেমনি।

বাহি কগতির দিক স্থেতি এবং অনা সব থানের উচটা একথা লেখনার সময়ে তর্ণ বান্ স্বেতি galactic year-এর কথা তেবিছালন, একথা কংশনার আসেনি বা এচনত তা কিবাস করিনা।

তর্গথাব্ আমার কোন্ বই পড়া উচিত বা কি জানা উচিত সে বিষয়ে বেশ ম্রাংশ্ব চালো উপলেশ লিয়েছেন। মহাজনের অন্সরণে আমিও তাকৈ স্থিনায়ে প্রামশ্য বিচ্ছি পদার্থ বিজ্ঞানের স্কুলপার্ডা বই যোগাড় করে শিক্ষকের কাছে পড়তে আরম্ভ কর্ন। কেন্যা তা হালা গতির একক 'সেকেন্ডা/ কিলোমিউয়া এমন ভুলগ্লি শোধরাবে। শব্দের বানান জভিযান দেখে শিখে নিম্কারণ DOZE, MARCHENT এগ্রোলা মন্ত্রিকর প্রমাদ বঙ্গলে সকলে বিশ্বাস নাও করতে প্রে।

জিতেন্দ্রচন্দ্র মুখোপাধ্যায় ক্রমণ্ট্র (পশ্চিমক্র)

#### বাংলার ঢালচিত

শাংলার ৪ লাডির" পর্বারে আন্দ্রেল করেরের ফিন্নরগর্নাল আন্নাকে চনংকৃত করেছে। বাংলা সাহিত্যে এই ন্যাগভ সাহিত্যসাধককে দ্বাগভ জানাই। বিভিন্ন দৃতিকোল থেকে দেখা গ্রাম বাংলার সমাজ-চিত্রের বাদত্ব বিশেলহণে তিনি যে দক্ষতা দেখিয়েছেন তাতে মুক্ষ হতে হয়। তাঁর

লেখা "চৰী বাড়ির সাদিয়া"-র ভুল<sub>না হয়</sub> না। অতি অলপ কথায় গ্রামা গ্রেছ মুদলমান চাষী পরিবারের যে নিথ'তে ছবি তিনি এ কৈছেন তা অনায়াসে একটি টংকং উপনাসের পটভূমি হতে পারে। প্রের আমার বাড়ি। দেশের গ্রামে এবং শহারত বাডিতে দরিদ্র এবং মধাবিভ মুস্লমন পরিবারের ঘনিষ্ঠ সংস্পরে আসবার সাযোগ আমার ঘটেছিলো। মাসলমান প্রিবার সাধারণত পদানসীন হয়। সেখনকার অব্দর মহলে হিন্দুদের প্রবেশের অধিকার লাভ সহজ বাপোর নয়। কিন্তু বালাকল থেকে এক পাড়ায় এক সংগ্ৰামশাৰ কৰে কোন কোন পরিবারে ঘরের ছেলের মধান পেরেছিলাম। প্রসংগত মনে পড়ে ১৯৫০ সালের কথা। মাসকামান বন্ধার বিখেত করের বাভির মেহমানদের আদর আপ্রায় করার ভার পেয়েছিলাম। দলেহার যাভিত্র অন্যান্য পরিচিত মিঞা সংহ্রান্ত লগ একজন ধাতি পাঞ্জাবি পৰা হতে "बनाइ"एक छाएलेखालि कवर धरतमादि करण দেশে এবং ফারং ফারাং পদা ঠেলে যাছি **অবদরে ঢাকতে দেখে মে**ছের ভর্ছের মেচমানবা-ভ ভাজেলবা অবশেষ হল **জানকোন যে এ হচ্ছে দালহ**ামিঞার সবচেরে **পেয়ারা দোশত তথন ও'**দের চোখের দক্তি ধীরে ধাঁরে স্বাভাবিক হয়ে এসেহিলে এবং টাপি ঘারিয়ে ঘন ঘন ১,ওয়া গাওয়াও কং হুবেছিলো।

প্রেবিশ্যের কবি জসীমউদ্ধীন কলত এটা এসে সম্বর্ধনা সভার দাংগ করে গেডে এই বলে যে, হিন্দু বড় সাহিত্যিকের, যেন শরংচন্দ্র মানিক ব্রুন্যাপাধায় ভারাশগ্রু মাসলমানের ঘরের কথা নিয়ে কিছা লিখনে নি। আমাদেরও খাব দাঃখ হয় <sup>হথন</sup> দেখি যে, এই বিরাট জনগোণ্ঠীর মাশা আকাশ্চা আনশ্দ-বেদনা এবং স্থিলী-নৈরখোয় কথা সর্বোপরি ধনাশ্রমী 🙉 সমাজের কথা আন্তরা প্রায় কিছুই জানি না<sup>ং</sup> কিন্তু কে লিগবেন ও'নের অন্নর মহতেও থবর ? হিন্দ্রা 🌢 ও'দের ঘরে আপন 🕬 **प्कट** भारत? आत्र **डाला**डार ना जिल তারাশ•করেরা তেমন উপন্যাস লিখতে রাজী হবেনই বা কেন? তাই নিজেদের কংগ প্রথমে নিজেনেরই লিখতে হবে। <sup>ড</sup> সৈয়দ মুক্তেষা আলীয় মত পণিডত লে<sup>হত্</sup> **থেকে শ্**র্ করে সৈয়দ । মুস্তফ। সিরাই আজিজ আল-আমান এই আবদ্ধ আলসমূল জন্বারদেরই এই ভার নিতে গুরু কেবল তাহকেই আমরা বাঙ্লী নাসলমান সনাজের অন্তঃপর্রের সাপন ব্যর**ি** পারে। **জন্দ**র সাহেবের লেগায় ভারই প্রতির<sub>ি</sub>ট শেয়েছি।

**ज्यमात प्रशामा** 

NAME CORRECTION

০১ গ্রাবণ ১০৭৬, তাই সংখ্যা নেক্ষেত্র ভিরেল ঐতিহা ও কণ্ডে মহারাজ বিজ্ঞান্ত্রার স্থার বলেলাপাধ্যারের কোখা কন্যাতি পঠ কল্লাম। স্থারবাধ্র তথ্যের মধ্যে কিছু ভূলভাতিত চোধে পড়লা সেডী এখানে ভূলে চিলাম।

১৯: তবলার বে চাষ্টি বরানার কথা বল।
সেঃ তবলার বে চাষ্টি বরানার কথা বল।
সেলাহ তার মধ্যে ফরকাবদি ও বারাণালীকে
প্র' ঘরানার অত্তর্গত ধরা হয় ও এই
দ্টিই লক্ষ্যে ধরনোর ভিন্ন লাখা।
তালয়াড়া কথাটি ঠিক নর। আসল নাম
স্প অজরালা। এটা দিল্লী ধরানার একনার

প্রাথা। লোকার বিশে মধ্য ও বর্তন্ত (পাছেদেই ছাই) থাকে লাকেন্য বর্তনার ক্রাটা হিলেন্থ পাঞ্জা বর। এতা প্রতেশেক দিল্লী বরানার হার ও স্থার খা সাহেনের পোর।

স্তরাং দেখা বাদ কে শ্ব বিদ্যুটি তবলার একমাত মূল মরনো। 'পালাব' বরনার পাধোনতে এব বৈশিদ্যা বতমান নামেতে। স্তরাং তবলার দিক দিরে এই ঘরানা সম্পকে তিল মতের অবকাল রয়েছে। (ভালগুকাব : কেথক ভগবতে দারণ দারা। সম্পাতালাক্ষার প্রেম ২ ও ০) ভবলা ভরকার বি এস নিগম প্তা ৮৪)

হয় ই ক্ষাক্ষাৰ্থ কানাক জানিক্ষুক্ত হাজী বিদ্যান্ত কালী থা। ইনি কাজাই থবানার ছাউ ও করকবাদের বানিক্ষে ছিলেন। লাজ্যে বাজেক এক বিদ্যান কলে দেওবাতে এই ব্যানার স্থিট হয়। বকল যে হাজা সাহেবের ধ্বন্ত। (তালারকান্তঃ প্রতি) ০)

> কৈদারনাথ ভৌমিক ব্যরণসী

#### দ্টি দুদ্দিত নতুন কবিতার বই

শ কিছুদিন পর দ্বানি সভিক্রের বিল নতুন, সহসা, সাবলীল ও জোরালো বাংলা কবিতার বই হাতে এলো। বাংলা কবিতা বিষয়ে যাঁবা উৎসাহী তার নিশ্চিত এই বই দ্বামান পাছে আনাইই মতন গ্রামা সবেন। অনি অবশা, যাঁবা সমাজত্ত্বিদ, তাদেরও এই সব কবিতার বই প্তেদেখতে অনুবোধ কবি।

্দ্রখনি বইয়ের কবিতাই তর্ণ ক্ষিদের বলা, যে সধ কবিদের ব্যৱস তিবিশের এগারে যা সদা ওপারে।

প্রথম বইটির নাম 'এই আলো হাওমা রেপ্রি'। কাহাড়ের বারোজন তরাণ তরাপীর কবিতা আছে এ বইছে। সম্পাদক, বিজিহ-ক্ষার ভট্টাচার্য। কবিতালালি সম্পর্কো আমার প্রথম সম্ভাষণ : বিসমরক্ষরা কাছাড়ে এই বে বিনি কবির দল কবিতা রচমায় মন প্রাণ সম্পর্ণ করেছেন, এবা আচরকালের মধ্যেই সম্প্রতিক বাংলা সাহিত্তার স্বভাবে উর্থমান্তার কবি গোম্বা হিসেবে প্রথ ব্রব্যাবার্য। বাহ্নার

এই সংকলনে কবিত। লিখেছিন, নাজিপার বিজ্ঞানী, বিমল চৌধারী, রাজনদুকারে সিংহ, বিজিৎকুমার ভট্টাচার্যা, উদরন ঘোষ, জিটেন নাগ, উমা ভট্টাচার্যা, বিশ্বজিৎ টোবারী, রাজিরা শ্যাম, শাল্ডনা ঘোষ, বংজিং লাস, মলোতোর চকবত্রী। এর মধ্যে সংল্টের বেশী করিত। আছে শাজিপার জলারীর। এর বার্থা জলার সংজ্ঞানীর। এর বার্থা জলার সংজ্ঞানীর। এর বার্থা জলার স্ক্রাভার এবং বালিষ্ব ভাগেশ্যে বাংলা কবিভার মানার অধিকারী। তার লোগা আমার আলিভ্রম মানা। কবিভার আর্মভ্রার আলিভ্রম মানা। কবিভার আর্মভ্রম এই রক্ষার

<sup>"একটি</sup> হাছে তেমার হাতে নিবৈধায় রেখেছিলাম

বিন্তু তুমি জার



একনিষ্ঠতার মূল্য প্রতীক্ষা করেছ। অন্য হাত অব্যেলায় আদ্বর্গা—সংসার ভূগিয় ভূগিয়ে চক্র ম্রিরেছি— একেই আস্থান্ত ভূমিক।

নিয়েছো। বিধ্যা গ্ৰথম কাজগত কালেণ চিত্তাগ্ৰহত কবিতাৰ ক্ষেক্টি লাইন ঃ তোগাতে নই, আমাতে এই, বিৰয়ে অমি

লিশত লগোম-ছে'ড়া তিমটে যোড়া **ভীৰণ** রক৯ জিশত

বিজন মাঠ বধাভূমি
ধবতে গেলাম, তখন বুমি
সবে নাড়াও অধ্বহাহন, এবং বলদৃশ্ত বক্তে-বাড়াও মাতাল ঘোড়া ভিনটে সমান

कि॰ छ।

উন্ধৃতি দৈতে গেলে প্রায় স্বার লেখা र्थाकरे (मधरा स्थातः भारतः। छाहरू ক্ষাংপাজিটার মহোবয় আমার ওপর ক্ষি+ভ হাবন। কিন্তু এ কথা সমূভাবে বলা যার, সবার কবিভার মধোই একটা মিনিমাম কৃতিৰ তে৷ অংছেই, প্ৰান্ত সবারই কোনো নাঃকোনো কৰিতা খন গপণ করে যায় : হা ্ব क्षा स 9431 লাইন চেনা-চেনা TOTAL ! रस, घटन অপর কোনো কবির বচনার পড়েছি--কিন্তু এটাও আমান কাছে অন্যান্তাবিক মতে। হয় না। এপুনর প্রতেপ্তর নিজ্ঞান্ত। धनन्यौदार्थ। काञ्चकहामत काञ्च हे नाहरन्य উन शहन मिक्कि : शॉरकद्व अव गांक क्या. काश्मि केरिनेन कारमानाति मा ।/जिल्क हामदान क्षेट्रे व्याप चार्डेन्ट्रेन कहित शक्रि (জন্ম থেকিই অন্তংকারী : বিজিংকুমার ছট্টাচার্য)। "অতন জলে ডোবা বালকে রাজবাড়ি/হাজার অধিবাসী—হানর জি সেরানা/নিজেই সেজেভিলে, দু" এক অতিচেনা/ম্থের পরিচয়ে!" (রহসাময় আগতেক : উদ্যান বোর)।

র্চিরা শান্তমর করেকটি কবিতার মধ্যে "শোক" কবিতাটি নিটোল বিষয়ভাময়, তার করেকটি লাইন উম্বৃত না করে শারা যায় না ঃ

"এমন অংশকা করা যর যিরে নিশ্চিভ

আবার প্রফালে জড়াজড়ি জট থ্লতে মাধা নাড়ে ক্ব,

ওঘ' বৰ' ৩য় সংখ্যা বের হল

# আলোক - সরণি

#### ॥ भवेगाधातलव भावका ॥

অভিন্যয়াপ্ষেদ্যী সম্পূৰ্ণ নাটক :

• নতুন ঠিকানা — লিখেছেন সঞ্জীব সরকার • গল্প, কবিতা, রমারচনা, সিনেমা ও বংগমণ্ড • শেষপাতা, কলকাতা বাঁচাও, সংরের আকাশ • নতুন নতুন আকর্ষণীয় রচনা •

প্রতি সংখ্যা ৭৫ পঃ : ঃ বার্ষিক সভাক ৯.

শারদীয়া বিশেষ সংখ্যার প্রস্তৃতি চলছে

### আলোক সুৱাণ

৬৫, মহাত্যা গান্ধী রোড, কলিঃ ৯ কোন ঃ ৩৪-৮৮৭৯ এ বড় পিছৰ ঘটে, হাসতে গিয়ে গোছ কলৈতে হ

কীৰতে হয় তোমাকে বলেছি সই, জল আনতে নদীওে বাবো না ।\*

রণজিং প্রদের ব্রেস মাত্র উনিশ্ এব কণ্ঠ পরব প্রিক্লার, কক্ষার তেজ অসামনে, এমন কবির সাক্ষাং পাওরা একটি প্রতি ঘটনা। এব একটি কবিতরে নাম ঃ দেউ হবার ব্রেস একো; তার প্রথম ক্রেকটি লাইন ঃ

নদ্ট হৰার কায়স এলে স্বাইনাকি শস্ত হাতে নাম প্ৰবী আঁকড়ে ধুৱে, ডডুদিডিক সামাল

रहाक क्रांच शांक का छाता. नामनश्ह

মধারাতে

শাভির নিচে কেই কেও না—
এমন পরিকারে উচ্চারণ বার, জামরা সেই
কবি সম্পাকি দার্ণ আশানিক রইলাম।
বস্তুত গোটা সংকলনটিই আমাদের প্রত্যাশা
বিপ্রসভাবে ভাগিরে দের।

দিবতীর বইটি তুবার রারের 'বন'জ আপটার'। তুবার রারকে তর্ণ কবিদের মাকুটিহীন রাজা বলা হার। কবিতার সমসত প্রথাস্থ্যত রাতি তেঙে তুরে, শ্বেদ্র জগতে একটা বিশ্লব ছটিরে তিনি স্থ্যাণ নতুন কবিতার জন্ম বিতে চলেছেন। এমন কবিতার আহিভাব, বে বোনো সাধিতোর পকেই ুএকটা শুভ ঘটনা।

বাংলা কবিতার বিইয়ের প্রতি প্রকাশকর অন্কলে নায়, অতি তর্ম কবিনের তার প্রকাশক জোটা এক দ্বাভি ঘটনা। ত্যার রায়ের কবিতা: ইদানীয় এত সাড়া জাগি য়াছে খে, তার কবিতাগ্রাথ প্রকাশ করেছেন একটি নিতারত অব্যাসায়িক প্রতিটোম। তিনটি কবিতা প্রিয় তর্ম নিয়ক শাগের বাদ ত্যার রায়ের কাষ্য গ্রাথটি প্রকাশ করেছেন, তাঁলের সাধ্যবাদ জ্যাত।

ুষার রাধের বহারের প্রথম কবিছো, দেশে। কেবেলা। ভার ভারদভ এই রক্ষাঃ

গবৈদ্যে বধ্বগেদ, গণগানে কাঁচের মধে।
শানে এই শিখার রামাল নাজু নিজেট গোলা
ছাই ঘোটে দেখে গোবেন পাপে ছিল কিনা !!
বদত্ত পাপপাণের তোরালা কারন না এই
কাঁব। কারণ তাঁর নাতে, "কবিতাই জুনাশঃ
গণ্যের মাতা সাফ কর্ড মধ্বা কারল। "

ত্রার রাজ কেন্স একলিকে স্কেট্র রাসের কবি, তেনিমি নানবাভা বোধ এবং স্নাজ সচেত্রনাথ ও তার মধ্যে প্রের নারার উপিসিরত। কম্পুত, রাস্তার বার কেল্ডান্স কের, তোলের কম্পোই নার করা উভিত নার কে, কোলো কবি ভালের কেন্দ্র কেন্দ্র কিন্তু

মান্ত্ৰিক দুংগোক তথা। স্বাধ্য এসং কৰা বস্তু ব হালা।

্এই হাত কবিহার ধুবার রার কৈংছে:

এই হাত রক্তে তরা দ্যাপে:
বন্দ্রক দ্যাপে: ধোরাজে:
এই মার্র কামি খতম করে ভাসতি

কালে বাজাবক

শান ছাবৈছে কালিকে পানো ক্ষমকানক এ অন্সার সভাগ্রহ উতে হতাগ্রহ, বহা, " শিশকানা" কবিতাটি জীবনান্দ দাশকে একটা চালেক বলা বাহ। কবিতার কোনো নাইন বিবাহ দেই। নজন একাণ্ড ভাষা। কুষার বাব প্রক্রেমার মানিব চামান কবিতার দার্থ ভাবে প্রভিত্তি কার্ডিন। শ্সেই খানাই (তা কবিতার এব) গভার বিধাননার উপক্ষিত্র সূত্র লাভি

শ্বেশানে প্রেম ও প্রতিষ্ঠান কাটে পঢ়াই থাছে। ব্যব্ধানে প্রেশ সম ও সর্বেশ্যন

ওপর নিত ভাইনে বাঁহ সদ্যাস সাক্রিয়ে আছে সোফার ছালাপান্তর দরে ভালিতাত সাক্রোনে আরু বিশ্বেষ বান্তেও বেল

ন্থ দিন পারে নাডোরায়ীতেও ভাও বলাও ভিনিসগ্রেকাড়।

সনাত্র পাঠক



भारकात जातक जारगई रवतारव



#### रतथक शादी :

ভারাশংকর কর্দনাপ্রধ্যের ব্যুক্তরের বস্যা, সাগরন্য ঘোষ, সমরেশ বস্থা, বিমল কর্ রমাপদ চৌধারী, জ্যোতিরিকু নকী शरमाञ्च वर्त्राः নরেন্দ্রনাথ মিত্র, শিবরান চক্রবতী, স্নীল গণেগাপাধায়, শ্রীপান্থ, প্রফার রার, আশাপাণা দেবী, মহাশেবভা দেবা, সমুপণা সেন, প্রতিভা বস্ শতীন ভৌমিক, নিমাই ভট্টাচার্য, পার্থ চটোপাধারে, অজর দাশগণেত বিমল চরবর্তী, উত্তমকুমার, স্বিপ্রিয়া দেবী, বিশ্বজিং, ্অপণী সেন, বসন্ত টোধ্রী, শ্বর্প দত্ত, মৃণাল সেন, তর্ণ মঙ্গুমদার, এবং জারও অনেকে।

সিনেমা পরিকার মধ্যে একটি উল্লেখ্য নাম **উত্তম উদ্যোগ**:

৪. চালনী চক প্রাটি • কলিজনে ১৩

৪, চাদনী চক ক্ষীট ● কলিকাতা ১৩ কোন ঃ ২০৯৭৯৪, ২০০১৫৬

#### আলোচনা : বিশ্বাসাগর

विकासाग्रह । दारमा गरमाव माउना ब লবতের নারী প্রগতি। শ্রীরমেশচন্দ্র জে হসার। জেনারেল প্রিণ্টার্স আ**ন্**ড গুল্মান' প্রাঃ লিঃ, ১১১ ধর্মাভলা স্টাট, প क्षत् छ - ५०। ६१ होकः ।

উন্থেশ শতাক্ষির প্রতঃক্ষরণীয় মহা-শার হা বিবাসে গারের আগবি**ভাবে আ**গোরের কুলীয় জুনিয়ে এক ধ্রুগ্রেক্ট প্রত্যা। প্রায় স্থান্ধর মহাপ্রেয়েকর প্রতিভার বিচারে রতী এসেছেন বভাষার ক্ষালের অনাভয় প্রভা ৯ সমূত্রত সদ <u>র শেষত রাজেশ্রন্ত</u> আল্লাস্ট্রন হারে চুকুর কেটা বিস্তৃত্ত হৈতিয়নের ংস্কাং ক্ষাত্ৰ স**ম্ভ**ি প্ৰকাশিত এই ma মির প্রকাশ বঙালালী সাঠাকের । কাছে ত্ত স্কাৰ্য কি কিছে কিছেব ত কৈছেলিনাছালুখ ভাষ**্টাৰে প্ৰ**ন্ত জিল সংগ্ৰ ধরতার হা ব্রেক্ত কা কিন্তুকা করিবল সম্মান বিভাগত ক্রেছে এই প্রাক্ষাং সক্ষাত্র সংখ্যা মেট গাঁড়ায় বিষয়সমন্তর ফিল ছোকে এটা বস্থাতান সংখ্যার পাণ্ড লাট্ড ভাগে ভাগ কল য়াল। প্রথম বস্তুতি বেটেলী থানা সাহিত্যতার উদ্ধর পর্যা প্রথম ভারে। 'ছঙীর ভারে। इक्ट ५८% रहेडार छाट्टे रहेडा ४३०% ମହା ବେଧାରଣ 'ଭାଗରେଖ ନାଣୀ ଅଟନ୍ତ'

গ্রাহর হিরেমামের লিকে নজর প্রথালট লৈকা বাবে, **জীয়ান্ত মঞ্**ষদান বিদ্যালয়টো বিপাল বিষ্ঠাত কলাজনীবাল্ড সালবিক দিচাৰে উদ্বৰ্গ হত্তি তিও বিবাদ মানের জীবনক দভর ব্রুটি প্রধান ক্রীভিরে 67 ট উল্লেখন প্রতির্ভিত্ত নালে প্রাণ্ড ইম্ম মহামা শিক্ষা ছিল্মতে সিদাস গতের ধব্দম এবং নারীমর্মন্ত আন্দেশজনে তাঁব প্ৰথীয় প্ৰচেম্বাট্য তিকের ভপ্র গ্রীংক জালো কেলোছেন। তথং এই বিচারে শীমার মজ্যাদার যে আনুকাচনার আয়ভারেশ্য শ্ৰমেন্ত এর মেনিক্সকভাত ও প্ৰসংগ্ৰ ইক্লিম্ব্যেপ্ত। বুল্লখন, ভানানে সমারে চন-ার মতে, সর,মারি বিদ্যাস্থারের গণ্ডরীতির <sup>কিচার</sup> কিংবা **স্থানিকা বিশ্ভ**েরে ও বিষ্যা বিধান প্রচল্পতেন ভার ভূলিকন সম্পর্কা <sup>ভারতি</sup> করেলনি। বিধনসংগরের এই <sup>টাবত</sup> কীভি'র পরি**প্রেক্তি**টি রচনার ডি'ন <sup>জাঠকত</sup>র মনেযোগী হরেছেন। ফলত, িল স্পর সম্পরের আগ্রহী পাঠক এই <sup>গ্ৰহ</sup>ণ ঠে এমন একটি অভ্তপ্ৰ প্ৰি-কেলের সংধান পারেকা, বা এই মহা-িব্ৰের কর্মান্ত্রীবনের এবং সাহিত্য-চেন্টার মার্থারানে নভুন দিগুকেন্তার সম্ধান দেবে। <sup>সংক্রি</sup>শত পরিসরে বাংলা ধরের বিস্তানের হৈ ব্যৱেষ্টি লেখক জভাত বিশ্বসভভার



লাগে চিত্তিত করেছেন, ঐতিহাসিক তাপাৰ দিক কেন্ত্ৰ হৈছিল। তেত্ৰীয় বিদাস গৰেৱ গ্রারটিওর ভুলামাল। বিচারে হারণ্ট সাহার্যা কর্তে। বসভূত প্রাক্তিস্কাগরে বাংলা লচনত বিতর্গদারতে সমাক পতিটে ভিস নিনাক জাৰের আন্তর্নীয়ের নিবে বাংলীকা হাতে প্রে নাং তথা তথা বিচারে কীথাছ **東京後の行行と 思ずます。 アルバル 54 - さごうごう** অনুহা কার এক দ্রাত সাহসিকতার প্রিয়ে সমেষ্টেশ্য রাখ্যে আল্ড ট্রারান্ধ্যির দ্যাকর ক্রেড় কোটা ট্রাক্রে ক্রেচের আনন্ত্ৰামান্ত্ৰলৈ বিভাগত মাজ্যত বিভাগ साम्बाहरत करान कार प्रतान कराई। साह লক্ষেত্ৰ ক্ষেত্ৰ বিশ্বস্থানৰ ভাইন ক্ষেত্ৰ ଶ୍ରମ୍ୟା ହେଉଛି ଓଡ଼ା ବିଶ୍ରମଣ ହାହେଅ**ଅ**। করেছেন। হারশ। এই হার্থের নিবভাষি ভাগ, ଅଧୀତ ଭାରତ୍ୟ ନାମ୍ପି ଅପ୍ରିଞ୍ଚ 257.45 তা লোডন। প্রতিত্ব কাছে চাধিক রয় গ্রেষিক কলে বিভেন্নির করে। করেন করেন মধ্যান র 🙀 তাকেরেরের বিন্তুস্থারের অবস্থা ্র বিশ্ব ক্রেন্ডার করে এর <u>ব</u> ভারতারেল প্রাক্তি হার্ডে ভার বিশির ভাষা ∆ନ୍ତଃ ଆନ୍ୟ\* \*୬୯% ଅଞ୍ଚ ଞ୍ଜାବର୍ଷ ଅଟନ ଅନ୍ତିର୍ଶ **ଅ**ଟନ ଜନାଗଞ হিলাপে হাড় কারকে হেনাল হারর **কৃতিলের** 

विकास कर्ता हैएसरह । खारताका द्वारथ सीयाह মজামদৰ সদ্পাধ দৰতেও সাহিত্তিকাৰী প্ৰায়াল করেছেন। বৈনিক যাগ থেকে ভারতীয় সমাত্রল নার্বাজনিত্র স্থান এবং ভ্রমিকার ইভিহাস বান করে একটা প্রশিন্ত বার বিব্ৰভাগাৰ বেখা চহ অঞ্চম করে সৌৎক বিদ্যালয়ের কলিভের বিভারপ্রসূমী হজেছেন: 'ভলেবদেশ যাগে ভারতীয় নারী'. অমাত্ৰচেক্র হাজে ভারতার নারী? তহা মধ্যনুত্র ধল নত্র ভারতী অধানে ভারতীয় সমাজে নারীর অধিকার 🗢 ক্ষাত্র বিহার শ্রীয়ার জল্মবার মারাবান ভ্রাস্কর বহা সাভিশেষ্ট্র উল্লেখ করে ভরতীয় নতীপ্রতিত স্বর্প স্কটিতর ভালেছেন। ভূট প<sup>্</sup>রেন্তাপ প<sup>্র</sup>েষ্টার্যা সমস্থান ভারতীয় নারীপুলান্ত সমস্যা**রা** ক্ষেত্ৰত প্ৰকৃত্ৰত ভূক ও সংগঠি ধাৰণ গাড়ে ভুলাত সহায় কলার তেমান বিলামালবের লারবিল্লাক ভার্তনালার সংভালাহিত শক্তি <u> खुद्दश्य सम्पाद्ध ग्रह्म मुस्तिस सन्दास</u> උදෙදන අමුත්වාහ හමුවන්දීම අනගැඳවීර অধ্যান্ত প্রশাস্ত ভারধার এবং ব্যবার নিয় ভ্রতীয় নাববৈত্যতির সভিড ছোধ্যের স্ত্তীয় বিশেকহণশন্তির প্রাণ্ডার ১৯ংকরে সামপ্রসংলাভ করেছে। এবং এটিটাই শ্রীয়ের নিজ্ঞানর বিভাগ হারের সমাজ ও সাহিত্যক্ষিতাকে এক হাঁওজ একা অনুন্ত গ্রেরার বিষয়ের চ

প্রাধ্যে স্পত্র জন্তীয়ী ঐতিহালিকর মিল্পেক দ্বিভিজা তথ্য প্রিবেশনে নিপাণ্ড বিচারপ্টেডিড নিটো 💩 সংস্কৃত্র পরিচয় প্রেয় মন্ত্র প্রতি षात्रक ततः सम्हास ३५ सः ८०,१६६ । सून ७।

M. A. ENGLISH SERIES:

**क्रिमालन क्रिकेट :** अप्रथमन क्रिमालिक उपाद्धा र उन्हें। ভল্যে ১ সেকা পরার \$3.60 াপ্রিস্থিতি হয় সংগ্রহণ্ড

३ क्षत्र अंशिकाइयशास् हे. द्रमद्रहाद्रम्न

ত রোমাণিটক বিভাই ভ্যাল y 30

8 क्रम ভिक्तितिकान हें मछार्व 52 60 ८ अस्क देशीयमा अन्छ

कनर्गाञ 4.60 ७ ज्यान 25.00

1€ 15 € 16 €ts TISSEN 50 2 2 1 5 1 1 1

ভল,ত ৭ কিটিসিজন \$ 00 ४ जिल्लाहेक्टि अल्लाह म ००

🏃 अञ्च श्वादिन भन

,, ১০ হিশ্বি অফ ইংলিশ निर्वादनहान ( ५३६ अन्छ भिष्टित देशीलण )

,, ১১ आन हेल्ब्रांडाकमन है. त्रहेरेत्र आक्ष्या नाकत्रन প্ৰাইমাৰ উইথ মডাৰ্ণ বেন্ডারিং এন্ড কম-विषे क्याफ नारेन-

এম এ ইতিহাস ও জানানা শুস্তক তালিকার জন্য লিখান

**চলাম্ভকা** ৭, মধীন কুল্ফু জেন কোল্ড বোর ভিতরে , কলিকভা—১

বিদ্যাসাগর-বিষয়ক আলোচনা-গ্রন্থখা, লির ভেতর শ্রীব্যক মজ্মেনারের এই প্রন্থখানি শ্ব্য একটি উল্লেখযোগ্য সংযোজন নত্ত, নহক্তক কীতি হিসেবেও মর্যাদা পাবে।

208/62

#### **ভ**বিতা

বরে দ্রো নিগক্তরেখার। দিবসম্ভূ পাল। লাহিত্য পচ প্রথা। কলি-৬। তিন ওকা। রক্তর ভিতরে রৌচ। প্রথশ বস্তা। দিগনেট ব্যুক শপা। কলকা-ডা-২২। স্থা টাকা।

**জনের জনের ব্যক্তরতা**। অধীর সরকার। আশিকা পার্বাজাশিং কোন্স্থানী। কল্কত-৯২। স্থাটাকা।

সমাজ ও জাবিরোর অধ্যকরে বিক জধবা জেনা থেকে প্রেন্থনিতার নিবিত্ চেডনার ধনো ধরণা, ভাবনা ভিনতা তিন জবির বিভিন্ন দুন্টিরোকান দ্বত্নভূত্ব উল্ভানন হয়ের উঠেছে তিন্তি কার্লাণ্ডর। কবি শ্রের এই অন্তান্বন্দ্র, বিদ্রের, বিজ্ঞাভ সোজারিত।

শির্শমভ পূজ তানেকীনে 12 70 **লিখছেন।** দশক ফিলেবে ভাগ কৰ্ত্তা **ভালে পণ্ড** দেৱ কৰি ব্যঙ্গত হিজিত কৰা বার। মালে হয়, 'বারে দারে দিগদত রেখারা' ভার প্রথম কবেওদের। এ কবেওগের **প্রথম কবিভায় কবির দ্বগতেটিও তে**কটি **ছাটে কবিতা জিলে আসতি প্**থিয়তি কৈঃশক্ষের ভিডে শানে থমাক খেনে হালেও সমগ্র কাকালুন্থ পাড় মান হয় ঐ একটি ক্ষরিতার আধ্রয়াণ করি ভার ধ্রাপ্ত লাল-ক্ষাক্রি বিজে মহার দর্ভা থালে কবিত্ব প্রশাস্ত্র ভারসায়ে প্রবেশ কারেছেন--যেবানে প্রেম আছে রেখানে রাণ্ড প্রাণাধক **হারটোর আতি**নাস কোনো যার---গোমার কর<sup>া</sup>র হৈতে শাষ্ট ক্ষিত হয় বিষয় পোন্তত

তব্ কথন বেন এ পোড়া হসরে বিকারেশ শব্দস হিল্লেলিত ফস্পের ক্টেপ্তর দত্র উচ্চলে হরে ওঠে। কবির অতি দপ্ত আ্থাক্যন মাবো-মধ্যে কবিতাকে জান করেছে। শব্দস্যন, ছব্দ সম্বর্থে কবি স্কার্যন

মামকরণ থেকে শরেচ করে বাটের কবি লাল্য ব্যার **ভত্তা কাবারাক্য ক**হা ব্যাব ধান সম্পাৰ্গ বৈপ্রতি। **বেকের ভিতরে ৰোদ-তে** বৰাৰে অঞ্চলে ক্ষেত্ৰাৰ আ ভাষাক্ত হালৈত সহতে জনজা লাগে। প্রমণ্ডিকভার প্রয়েম হাভিমিয়ে কেন-রক্ষে একটা গোট কবিছা ରେସ୍ଟ୍ରିକ୍ର গালেশ বস্থা নাভিত্যত - তেওঁ জিলা তেওঁ চিটা मार्चित राम कार राक्त-प्रका र म হয়ত হলেস্থক হাড়র ছালের শিক্তিস ভাষাত ভাল মাজেশ আহন/নিচাড করে বাংগ (চন্চা/বিধান ক্রেন্স্/প্রেন্ধ্র ক্ষেত্রের ବରି ନିର୍ଣ୍ଣ ବଂଗ୍ରୀବାରଣ ଏହା ୬ ଛମ୍ଲ ଏହାଲ ক্রাম্ম হারির নিক্রার কর্মার তালের হার বিভারত খাটিছ গ্ৰহ ভালাগৈয়েন। এ সাভিত ୯୯୭ ଜଣ ୧୯୯୭ ଅଟେ । ଅଟେ ୭୭୯ ୬ । গাল এটানিয়া কলিক উত্তৰ সংগ্ৰুষ অধ্যালত হাত পার।

শংকার মধ্যে মুকের মধ্যে কাল প্রাধ্ব আনহিন্দ্রের সরকার আনকার রেড নিকার ভারে কবিতার প্রেম স্থানি এক করি লা মান প্রিমান্তর স্থানি করে। আনকার করি লা মান বালে সাম্প্রিমান্তরে ক্রারা এর লাকিলে সাম্প্রেমান্তরে করি আনর লাকিলে সাম্প্রেমান্তর আনর করি লাকিলে সাম্প্রেমান্তর। জলা ১০০ ইন্দ্রিকার চ্চেন্তর উন্দর্ভিত । জলা ১০০ রাজ্যা আর ইন্দ্রিলা আনর আনর করে সার ক্রায়ে আন এক ন্রায়ের স্থানিত্তি। জলা এই নিকার আন্তর্ভানিক স্থানিকার লাক্তর নিকার আন্তর্ভানিকার স্থানিকার আনক্রির আনকর আনক্রির আনকর আনক্রির আনকর আনক্রির আনকর আনক্র ক্লাকত বিশ্ব দিন্দ্রকান নাহকা কান্য সংগ্রাহ প্রকান বেলাল-প্রেবাণেও ফালে কোনে তে কানি অভিযোক হয়/পালিচিত পানিবল প্রাড়ে তেওঁলা পিন্নত নাহান্যসূচ্য

#### 218-21

প্রথের প্রেম। মাল কর্। চন্ত্র প্রথিক্ষালা করেছ জুলি হওৱা। কলকাত্রিহা সাম ওবার ওক্

শ্রিম কাষ্ট্র শ্রেমির প্রেম এর দানু ইছার গালেপার সংকল্পনা এল এবং একর স্থানীয় সংকলবার শ্রেমির কার্ত্য একর শ্রেমির বার্লি জার জারের লাল ৮ ৪ জারুল শ্রেমির এই জারুলির স্থানির এর জারু রোধ বার জারুলির জারুলির বার্লির জারুল কার্মির জারুলির জারুলির স্থানির ভারতার ইর্মির স্থানির প্রায়মির স্থানির স্থ

শ্লাশ লিয়াকৈ বা বিষয় সৰু বিদ্যালয় কৰেছ কলো মান্তি এটা এই বিষয় কলো লৈ কা এ কা কি , যি এটাছু নামৰ কলি কলো লিয়া মান ইবল এই এনৰ স্থাপন সংগ্ৰহণ হ'ব এই কলোন লিয়াল কৰিছিল হ'ব এই এই ইবল কলা আনুনাল হ'ব লাগ লেয়া এই এই কা এই কৰা আনুনাল হ'ব লাগ লেয়া এই এই কা এই বা আনুনাল হ'ব লাগ লেয়া এই এই কা এই বা আনুনাল হ'ব লাগ লেয়া এই

#### 314.8

্রথীদেরনা। জীনন্দ্র সংগ্রিকান্ত ভারতিবা প্রাথমিকান্ত ভারতিবা প্রায়টি বিজ্ঞান বিজ্ঞান করিব হয়। ব্যবহার বিজ্ঞান করেব

মাপ্রতিক কলে বলীন্দ্র পের গাঁলি প্রতিক্র স্থান্ত্রানি দ্রালে এক বলালি স্থান্ত্রাক স্থান্ত্রানি দ্রালের প্রতিক্রালি এটা হাটে সালার নামা স্থানত কেই। শানি লগো ধেলা নাম সমার ভাল করালার সাম্পান্ত্রিক সংকাতির কেনালা স্থান সংস্থান্ত্র ক্লোক করাল্যানের স্থানা ক্রমন সংস্থান্ত্র ক্লোক ব্রান্ত্রানার স্থানার প্রস্থানার। এ বিদ্যান্ত্রা স্থানার করালা স্থান্ত্রস্থানার। এ বিদ্যান্ত্রীয়াক করালি স্থান্ত্রস্থানার। প্রক্রিক্রান্ত্রীয়াক করালা

মেটে বারেখিন প্রস্থেধ বিন্তত এই
সমালোচনা-এথে লেখক রবীশুন খের কম বু ভাবনার বিভিন্ন অভিবর্গক সম্প্রেট আলোচনা করেছেন। এবং এই আলোক সম্প্রত সর্বত এটিন কুনা ব্যাল্ড প্রশংসনীয়। বিশেষত রেবীশুনাথ ও বাইন সংগাত, সেবীশুনাথ ও বাংলা লোকিব ক্ষণ, রেবীশুনাথ ও বাংলার যুত্তাসাহিত্য এই প্রবশ্বরুষীতে লেখক যুত্তত মেলিব চিন্তার পারিচয় বিস্তেছন। তবে বেশিব

বিনায় ঘোষ ও অক্যোকরপ্রন দাশগ**ুপ্ত** সম্পর্যাতিত

### ঈশ্বরচন্দ্র গাঁওেতর কাব্য-সংগ্রহা

G < 3

### ৰাংলা ৰ্যন্তর্চনা ও নক্শা সাহিত্য

(ভবানট্টরন থেকে কালট্ডসর সিংহ প্রয়ণ্ড) বিস্তারিত সামাজিক পশ্চাদাভাগি সাহিত্যিক বিশেল্যন, ব্যাথ্যা টীকা-টিম্পনি-সহ অবিলন্তে প্রকাশিত হবে

> পত্তিকা সিণ্ডিকেট প্রাইভেট লিমিটেড পি ১১ সি আই চি রেড কলকাতা ১৪



জ্যোন ভেলোকটিক বিপাবলিলের প্রথম িল্লন্যাফিজ ও কড়ি উৎসৰে লিপজিলে মহি লালের জিম্ন্যাফিজ প্রদর্শনী

তই কথা সফল করা ছিল আমার জীবনের। এক করু সংধ্য

তে কোন বড় সফেলের মালে শক্তি ও নৈপানের অবদাই প্রয়োজন। কিন্তু তার চেরেও বড় প্রয়োজন মানের হারার, সেই কথাই প্রয়োগ করেছেন রম হিলা।

#### পরাজিত করার প্রতিজ্ঞা

রন হিজের জরের স্বশের মত বিউশ হা জাদপার লানি তেভিসও মেজিকো ভারিদিশক আসরে প্রজন্মের পর প্রতিভা কর্বিহালন প্রথিবীর বড় লং ভাদপারকৈ তিনি একদিন প্রাভিত করবেন।

কে প্রতিবাধি বড় লং জ্যাদ্পার ? নিশ্চয়ই আহেরিকার মিল্লো জ্যাথলটি বব বীমন। মৌৰকোতে লং জাম্প ভার অলোকিক ক্রীত্র-যে ক্র্যাত্তকে আছেলটি বিশারনরা বিংশ শত্ৰদীর অ্যাথলেটিকস জগতের হিসাবে চিহিত সংচেয়ে বড কাতি কারণও करताइन। চিহিত করার শাস্ত্র ছিল। কেননা কোন বিষয়ে रगरन প্রায় শেষ সময়ে रभौरष्ट ভারপর সামানাতম উল্লাভিও অসাধারণ ফাতত্বের পরিচায়ক। সময়ের স্ক্রাতি-र्का छन्नारम या शक-कार्वे-हें छ किरवा মিটার সেণ্টিমিটারে সামান্য অংশের উর্লাভ তখন আলোকিক কৃতিৰ বলে চিহ্নিত হয়। আর বব বীমন বিশ্ব রেকর্ড থেকে এক লাকে প্রায় ২ ফাটে অলিয়েয়ে লিয়েছিলেন। লাফিয়াডিলেন ২৯ ফাট ২ট ইণ্ডি।

টোকিও অলিম্পিকের সংগ্রপদক বিজয়ী
এবং তথ্যন র কিব কেকডোর অধিকারী
পরালিত লানি চেডিস দাঁড়িরে দাঁড়িকে
বামনেক লাফ সেখে বলেছিলেন—অলোকিক
কালির অধিকারী হালেও জামি মনে করি
না বর বামন বিদেবর স্বাকালের লোট লাং
ভাশপার। বামনের চেরে রাল্ড বেন্ট্নকেই
অলি বড় লাফিয়ে বাল মনে করি। বামনকৈ
ভালি প্রাজিত করাই।

তেতি সের সেই প্রতিজ্ঞা সফল ইন্ডেছে গ্রীগারে ইউরোপ ও আমেরিকার গৈতে আবেলেটিকস লড়াইরে। গ্রীটগারে তেতিস ২৬ ফাট ৭ৡ ইলি লাফিসে প্রথম হরেছেন। বর বামন ২৫ ফ্ট ৫ৡ ইলির বেশী লাফাতে পারেনিন।

দ্বীকার করি, সব প্রতিযোগিতা সবার পক্ষে অন্ক্ল থাকে না। শরীর এবং মনের উপরও নানা কারলে সামরিক প্রতিক্রির স্থিত হয়। স্ট্টাটের পরিবেশ হরতো বীমনের অন্ক্ল ছিল না, কিংবা শরীর ছিল না প্রোস্রির পট্। তাই পরাজ্য হরতো অপ্রতাশিতও নর ৷ কিংতু কথা হচ্ছে, বে প্রতিবোরী অসৌকিক ক্ষমতার অধিকারী এবং বার লাক রভমংসের মান্বের পক্ষে প্রায় অসম্ভব সেই প্রতিবোরীকে পরাজিত করার প্রতিজ্ঞার

হত্যে যে মানসিক স্টুড়া সেটাও প্রায় কল্পনার কাইরে।

#### देशायन्त्रम् भाग

জ মেরিকা ও ইউরোপের মানের সংশ্ব ভূসনার আথলেটিকস ক্ষেত্রে এশিয়া অনেক পিছিরে আছে। বিশ্ব আগথলেটিকসে অধ্যার অভিযার সাম্প্রতিক কৃতিছও সমরণ করবার মত। তাই এশিয়ার কোন ছেলে বা মেয়ে হাদ আন্তর্জাতিক ক্ষেত্রে বড় সম্মান পায় সেটা অবশাই সংবাদ হরে ওঠে।

ভাইওরানের গোনেডন পালা চি চেপ্স আনেকদিন থরেই আথেলেটিক জগতের সংবাদ। মৌক্সকোতে ৮০ মিটার হার্ডল রেমে পেয়েছিলেন রেঞ্জ পদক। সম্প্রতি ভাবলিনে আরোজিত ক্রনিলফ ছারিরার্স ইন্টারনাদনাল আথেলেটিক প্রতিক্রোগিতার চি চেৎগ ১০০ গঞ্জ দৌড়ে বিশ্ব রেকর্ড স্থিতি করেছেন। অবলা এই রেক্ডে তিনি একক কৃতিখের অধিকারিণী নন। আম্ফৌলরার এম উইলাভি এবং আবেরিকার নিপ্রো মেরে উওসিরা টাইউসের সংপ্য রাকেটে ভার বিশ্ব রেক্ড।

চি চেপ্সের ভাবলিনের সমর ১০-৩ সেকেন্ড আরও উন্নত হতে পারত বিশি ফাইনালের পারা হত তীরতম। হিটে তীর



ষিউনিকে ১৯৭২ লালের বিশ্ব জালাণিপকের জাসর বসছে। তার প্রকর্তি চলছে জ্যোব-ক্সমে। অলিন্পিকের বিভিন্ন পেটভিরাম ও জান্দেশিপক কাজের জন্য বে ক্সম্প্রীকশন বোর্ড গঠিত হরেছে সেই বার্ডের ৪ বিভাগের ৪ জন কর্মী জালান্দিক ক্রেডিরামের ভিত্তিপ্রস্তর বরে নিয়ে বাছেন। গড় ১৪ জ্লাই ভিত্তিপ্রস্তর প্রাপন করা হয়েছে

সম্ভ্রম হরেছিল ১০-৫ সেকেণ্ড এবং অতি
সক্ত্রী ও অনারাস ভণিগতে তিনি দেটিড়েক্রিলন। আশা ছিলা ফাইলালে ১০
ক্রেকণেড দ্রেম অতিক্রম করবেন। কিণ্ডু
ক্রেড়ি শেষে বলেছেন কোন প্রতিযোগিনী
অলার পিছত ডাড়া না করার সময়টা ভাল
ছর্মন।

ভূবেদ্ব ভাবলিনের আণতজাতিক প্রতিব্রেটিগভার নয়, তার তিনিদিন আগে
করিতকের এক আনতজাতিক প্রতিব্রেটিগভার এশিয়ার এই মেরে ১০০ মিটার
ক ২০০ মিটার দেড়ৈ এবং ১০০ মিটার
হার্টেল রেসেও বিজয়িনী হন। তার কিছন্
আলে লাভনের হোয়াইট সিটিতে মহিলাদের
আমেচার আগবেলটিকস চ্যান্সিসমানিপে
১০০ মিটার হার্ডাল রেসে করেন ব্রুয়জ্যের
মন্তুন রেকর্ডা। ভাবলিনে ১০০ গলে বিশ্ব
রেক্ডা করার পরের দিন ২২০ গল দেড়ি
এইং ২০০ মিটার হার্ডালসে বিজয়িনী
হরে ঠিমাকুট সন্মান পান।

#### भागात्त्व भवाक्त्र

পঞ্জাদের পরাজ্ঞ বললে হরতো কথাটা ঠিক বলা হবে না, পঞ্জাদের প্রচেন্টাই বলা উচিত। তবে শক্ত সমর্থ জোরানদের চেরেও যদি পঞ্জাদের কৃতিছ ও নৈশ্ল নজির স্থির কারণ হর তবে পরাজ্ঞ বলতেই বা বাধা কোথার?

সণতাহ দ্বই আগের একটি খবর হ বোল্বের নৌকাহনীর হাসপাভালের রোগী ম্রালকানত গেতকার প্যারাশ্রেলিক অলিম্পিক থেকে একটি সোনার মেডেল লাভ করে আবার হাসপাতালে- ফিরে এসেছেন।

ইংলন্ডের স্টোক ম্যান্ডেভিলের প্যারা-শেলজিক অলিচ্পিকে মুরলিকান্ড বিজয়ী হয়েছেন ৫০ মিটার ফ্রি স্টাইল সাঁভারে। ভারতের একমান্ত প্রতিযোগী বিনি স্বর্গপদক প্রেছেন।

ম্রলিকাণ্ড পেডকার ছিলেন কোর অফ ইলেক্ট্রিকাল ও মেক্সিন্কাল ইঞ্জিনিরারসের

সাঁলোর। বাহিনীর একজন সৈনিক। ১৯৬৫ मारमात भाक-कालक मरकर कात त्मानाक जाबाटकत करण मिन्नामा जलाइ रस रहा। ভারণার ভাতে ভাত করা হয় বোলে नाजन रामभाजन जिल्ली एउ। महिला-বেরাণি তিকিৎসার অপ্য হিসাবে তিন अक्टे अक्टे क्रम मीकात कांग्रेस भावन कटबन । जाएका जाएका बाहेबा कारादित कार मामा सक्टमस द्वार्यमास्य द्ववसाय आर्थ्य হর। শেলাখনোর প্রতি আগেও ভার बायको जाहाह किन असर नामांत्रक वाहिनीएक निविधि देशायाना करत्रहरू। भभा **बरत शकाब शत अहे स्थान्य गारक**हे क्रीवताव ভ্ৰন্ত হিসাৰে কেছে নেন। কলে গাৰে:-শ্ৰেকিক শ্ৰেটিলের নালা বিবরে প্র প্ৰচৰ পদৰ ও কাপ। তবে আদ্তেগতিত আসৰ থেতে স্বৰ্ণপদক লাভ নিশ্চরট ব্য কৃতিছ। সুর্বালকাত এখনো হাসপাতার চিকিৎসাধীন। ভার আলা খেলাধ্লার হধা দিরেই তিনি তার সহজ্ঞ 🔹 স্বাভাবিক कीयत किरह जामक भावतम।

তেটাক স্নাণেডভিতের এই প্রারাপেলির করিলিপতে উপবাপির স্বাত্তর (রোম ও টোকিও) অলিশিক মাাঝাখন চ্যানিংসন ইবিওপির আবেবেং বিকিলাও বেলা বিরেছিলেন পাপার অবস্থার। মাস পাটের আবে এক ভাবিপ মোটর স্প্রিনার অত্ত ইবার পর বিকিলা এখন স্টোক মানেভাঙন হাসপাভাবেক চিকিৎসাধীন।

প্রকারের জালান্ত্রিক প্রতিবারি বং পাল্যার অংশ গ্রহণের উৎসাহ দেখে বিকিলার প্রতিবোগিতা করার ইক্রা ক্রাগে তার रहोर्ड मह। रहोर्ड बना भा डाँड এখন गणे, इस्त अलेनि। न्याकाविकलात शानेत्र ক্ষারও ক্ষাতা নেই। জাই বিকিলা ঠিব করলেন হাইল চেরাতে ৰসেই প্রতিব্যঞ্জ করবেন। বিষয় হিসাবে বেছে নিলে ধন্বিদ্যা। মাত্র ৭ দিনের অনুশীলা थर्गार्विमात्र विकिता सवस स्थान रशाहरूम প্রতিবোগিতার পর বলেছেন, 'কোন ম্থান বা ৰুজ পরেণ্ট পেরেছি সেটা বড কথা না বড় কথা আমি আবার দেপার্টসে অংশ গ্রহণ করতে পেরেছ। আমার মত এমন দ্বটিন चाटनरकत्रदे वर्गटक भारत। किन्छ रहः भ বা মুৰভে না পতে তারা বদি আবার সোল হরে দাঁড়াতে চেন্টা করে তবে নৈরাশ व्यक्तकाश्य दक्के बाइ'।

সতিছে নৈরাশ্যাকে জর করার ক্রেটি হেকাধ্রার এক সন্মোহিনী পাঁভ আছে পংগার ও অপান্তদের সাফলা থেকেই তা প্রমাণ মেলে। তাছাড়া বারা জন্মাণ তারাও তো দেখছি অসাধ্য সংধন করছেন কিছুদিন আংগর আর একটি সংবাদ ইংলন্ডের ৪ জন জন্মান্ধ সাতার বিবে প্রথার সাঁতার কেটে ভরাবহু ইংলিশ চ্যানের অভিক্রম করেছেন।

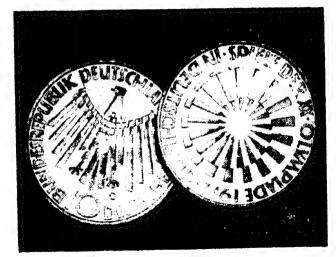
### ১০ ভার ১০৭৬

#### ভারতের জাতীয় কটেবল

ভারতের জাতীয় **ফার্টবর্গ বা সন্তেখা**ছালে খেলা এবার অন্যা**ন্টত হছে আসালের**নভাবি জাতীয় ফার্টবলের এটি **২৬৬০**জালুলনা ১৯টি র জা এবং রেলওরেজ
ভ সভিসেস দল—আটি ২৯টি সলা নিজে
ভাতায় ফ্টবলের খেলার ভালিকা প্রস্তুত্ব
হয়েছে। গতরারের খিলারী মহীবারে
বের রনামা খালাকে ভালিকার দুইনিকে

্বাতের ৪৪ ২৬ প্রতিকালিকার মধ্যে নুষ্ঠাকের কবি কেলা **হড়া রেডা**র্স ্ণেড় ৪ ১: ৫ফ এ ∙ীকেওয় ংলা ১ সূত্র ভিন্ন এবকো আছে। আইবলের য় সভাগত উপেৰল **িয়েই জা**তনি ১ ৮ ৪৪ আলেজন করা হয়, ভারেশর লামা জনজন ভাততালি **প্রতিয়েতির তার উপ**র **এগন** ে । তা এখেতি এর ছাপ মারা হয়। ফাল ভারত হার্যার মান্র **প্রতিস্থাতি হা এবং** ্ল কেন্তু সন্ভাৱতে হৈ ২৯,১বল কড়াই চ ark ৮২ ফলে স্থানেলের স্থান কর্মানুক লেডিডেট ক্ৰম্য ভিৰা কাৰ্যাটেই হাজে ভো ৩০০ কর। ১০৮ কিছেই মন্ কিছে চার্টো বিশ্ব এই মান কে **ভাত স**ৃত্বি **ভা** য়ভাভ পাৰ বৈদেশী দৰোৱ স্থান্ধ আহাবদৰ ଅଟସ୍ୟାୟଟର ଅନ୍ତର ଅନ୍ତର ଜଣ୍ଡ িল কাউ আহিমনীলনকৈ **উভি**ত পাদ্ধিত্বে ধার্ত সেংখনিং আচক টা নিজ্ঞাক বৈধি ভাইবাকের **কাছে আ**কারের ল গাঁচ লক্ষে শোচন বিভাৱে হার স্থাকার। প্রতি মার্ডিকার হৈল্প আমেটের মাগণ: পণিয়ে লিলোভা কন্ততি নি গলৈ ও বৰ্ণানাল গেছলতে আছেনৰ কেইবিস্কাৰ ত্তি চসমান্ত কেলাস কুসকাকেলাকৈল ৪০০ টা যে গৱ ৮৪ ৮.৫ ছবিল ফাটবালের দাব লছা মাণে সাগালে ভিয়ে ভাগালে দিয়েছে। শ্বিশারী উপন্তিপাল যে দারার অন্তত্ত সাত <sup>মানুকন</sup> খেলোয়াড় ভাষতের জাতীয় দলের ইতিনিধির করেছেনা দক্তিশ ব্রমারিয়ার হারকা <sup>৪৯</sup>টের গেলার ভারের এই বিশ্বার নিশ্চরই উত্তি ফটেবরেলর কৈনোর পরিচয়। এই ৈ। কলেকর ক্ষেত্রে অনেক কিছাই হরতে <sup>ত</sup>ের হাছে। আগতঞ্জাতি**ক প্রতিষ**্গিতার বিশী অব্যোজন দে একটি উপায় সে বিবসে <sup>িকার</sup> সদেশহ নেই। **জাতীয় ফুটবল** বা <sup>অন্তর</sup> প্রতিযোগিতা কমিরে আন্তর্জাতিক <sup>বৈপার</sup> বাদম্যা করতে হবে এমন কথা কেউ <sup>বল্</sup>নে না। তাব দেশের মধ্যে পারস্পরিক শড়টোল মান উল্লেখ্য হতে পাৰে না। বিদেশের মন এবং খেলার প্রথা-প্রকরণ সম্ব**েধও ভালা** <sup>ধারণা</sup> জন্ম না। আশাক্রি ভারতীয় <sup>क</sup>्षेत्रज्ञत कर्णभातता कथाठी **एकटन ए**कट्टन।

জাতীয় ফটেবলের বেলরে তারিম সমেও ভালক নীচে ছাপা হলঃ



১১৭২-এর জালানিশক মটো এখন প্রেলাল্ম পশ্চিম জালানিবি ৭টি টাকশালে তৈরী ছলে। প্রতি টাকশাল থেকে ১০ মার্কা মানেলর এই ধরণের ১৫ লক্ষ করে মটো বার হবে। মটোর একপালে ক্ষেছে ৭০তম জালানিপ্রের এইকি চিহা, জাতীর প্রতীকি দীশালের মাতি

#### প্রথম প্রশে

**६व लाउँग्ड**—(क) ४४ <u>४</u>७०ग उसक डेल्सिस्ट १२७ ज्यार्टस्टर

**২ল রাউণ্ড—**: বা) মহাীশার ব্যালা কেন্ত্র নিজয়নি ৪ মার্ক বর্বন

> তে বিশ্বিক কাম তেওঁ ভাগে মেন্দ্ৰ কোন্তৰ কাম

হৰাঃ কাইনাল— গাণ্ড কাম গা শিক্তীয় গ্ৰাপ

**১৯ রাই-ড**—: ৪ -ডিপ্রের কাস উল্লেখ

ভে শাল্ক কাম জন্মত্তিক কামিক। ১৯৯ কেপ্টেন্ড

**২য় রাটকে—**:৩০ গ্রুড বং.৯ ০ইব বিত্ত হয়ত, হুদ সেবেনিস্পত

কোঃ কাইনাল—(ক) ও বন্ধ ক। প্ৰতীয় গ্ৰেপ

इ**म बार्डेन्ड—**: এहा हा हमा, दर घ पाइन्हर है

(६५ जार्रोस्टर)

**২য় রাউণ্ড—**েই) মহারাজী ধনাম জন (১৯ সেলেউন্ধর)

.ঠ। ৩০৫ বলম ব্যক্তপান

(६ वाई रद्र)

्रकाः कार्देगान् ७. ३ व्याप्त हे

हरूषां इ.म

ুম রাউণ্ড— ১ টিং বন ম বেত্রত ১৯ জন্তের।

9 : 19 등 전 12 (건선건 (\* 50%,56)

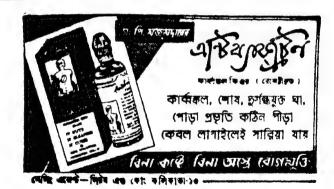
इकाः काहेनाल्ल-००० गरण <u>१</u>

प्रयोग-भाईनाव

18 18 KEV 51

्रा श्रहेनःश

[8] Val. 4:



# ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্যুন

কেই ঘ্রিরে টস না করে ম্রা
ক্ষেপ্ণের ব্যারাও টস হতে পারে।
ক্ষেপ্রের ব্যারাও টস হরে থাকে। আরে র
ক্ষ্রাকেট ঘ্রিরের টস কররে সমর রোফ বা
ক্ষাথে না বলে অনেকে হেড অথবা টেলও
বলৈ থাকেন। রাকেটের যে সাপে চাপ
দ্বেওয়া থাকে সেই পাশকে হেড বলে ধরা
হর্ম।

**Config** 

্র্র (এ) ভাবলস এবং স্ক্র্রুলর ক্ষিপালসভার প্রভাব একটি সেছে হত ১৫ প্রিণ্ট ব্যাহ্য প্রেণ্টে। ১৫ প্রেণ্ট্র গ্রেম হঠিব, ন্য ২১ প্রবেপ্ট গেম হাবে জ। প্রতিযোগিতা কমিটি ঠিক ন্ধিতে পারেন। সোধারণত সব জারগার ১৫ প্রত্যেক্ত গোম হার প্রত্কে) ১৫ প্রেক্টে গেম **হাঁ**লে ৰখন পয়েণ্ট হবে ১৩ 'অল', অৰ্থা<del>ং</del> দ্ধি' পক্ষেরই ১৩ করে পরেণ্ট হবে তথন **যে** প্রক্র প্রথম ৯৩ পরেন্ট করবেন *সেই* পরে পরেকেট প্রেম 'সেট' করে নিতে পারবেন, কুৰুই ভাবে যখন ১৪ 'অল' হ'বে তখন ৰে কুঁক প্রথম ১৪ পয়েণেট পেণছবেন সেই <del>রীকা ৩ প্রেরণ্ট গোল চেন্টা করতে প্রেবেন।</del> লৈম 'সেট' করা হাল 'লভে-অল' থেকে **টেকার** গোনা আরম্ভ হবে এবং ১৩ 'অলে' আদি গেল সেওঁ করা হর তে পক্ষ প্রথম ৫ প্রতিতে পেট্ডবেন সে পক্ষ জ্বী হবেন। শুমভাৱে ১৪ 'অলে' যদি গেম সেট করা হয় হাঁৰ পক্ষ প্ৰথম ৩ পারেকেট পোইছবেন সে পক্ষ টোম জয় করবেন। ১০—১৩ প্রেণেট্ট হক কৈৰে: ১৪—১৪ প্রয়েটেই হক প্রেম 'চ্ছেট' ক্রীরতে হলে দেটিং। পরেপ্টে পেশিছবার পর **ন্ত্রাভিসি করার আবেগ অবশ্যই 'সেট' করার** हीवी कानाटा श्रव।

্বি ২১ পরেণেট গেম হলে একইভাবে ১৩— ১৯৩ এবং ১৪—১৪-র ববলে ১৯-১৯ বা ১৯০-২০ পরেণেট গেম গেসটা করতে হবে।

্ব (বি): মহিলাদের সিংগলস গেম হর ১১
পরেনেট। এখানেও ৯ অল অর্থাৎ ৯-৯
পরেনেটর সময় বে মহিলা প্রথম ৯ পরেনেট পোছবেন তিনি ৩ পরেনেট গেম 'সেট'
করতে পারবেন এবং বখন পরেন্ট হবে
১০-১০ তখন বিনি প্রথম ১০ পরেনেট
পোরবেন তিনি ২ পরেনেট গেম সেট করতে
পারবেন।

#### SCORE CARD

EVENTS Mens' Singles				ROUND Final		
NAME_abc_		, VS	- Management	xyz		
1	1	1		1	1	1
1 2		2		2	2	2
3	3	3		3	3	3
4	4	4		4	4	4
5	5	5		5	5	5
( 6	6	6		6	6	6
7	7	7		7	7	7
1	8	8		8	8	*
9	4	9		4	9	4
10	10	10		10	10	10
11	11	11		11	11	11
12	12	12		12	12	12
13	13	13		13	13	13
14	14	14		14	14	14
15	15	15		15	15	15
16	16	16		16	16	16
17	17	17		17	17	17
18	18	18		18	18	18
	MATCH	WON	BY 15-9	, 9-15.	15-9	_

CHIEF REFERES

UNPR

ৰ্যাডমিণ্টন খেলার কেনার কার্ড। তিনটি গোমের জন্ম তৈরী এই কেনার কার্ডে শাব্ ২৫-৯, ৯-২৫ ও ১৫ ৯ পরেণেট খেলা নিংপত্তি লেখানো হরেছে। কিন্তু বেলন বেলন পরেণ্ট হবে আম্পারাররা সেইডাবে পরেণ্ট কেরে বাবেন

্টিন)। বঁদ কোন পদ দেবটা করার প্রথম স্বেলাগ গ্রহণ নাও করেন। তবে দ্বিতীরবার স্বেলাগ পোলে যে স্বেলাগ গ্রহণ করতে পরেবল। প্রথমবারের প্রত্যাখ্যানে দ্বিতীয়-বারের অধিকার নাট হয় না।

(ডি)। হংশিভক্যপ গেলে সেটিং-এর নিষ্যু নেই।

৮। হ'দ তালা কোন বক্ষের বাবস্থা না
হরে থাকে ভবে দুটে পাক্ষের মধ্যে তিনটি
গোম গোলা হবে। তার মধ্যে বে পক্ষ দুটি
গোম জিতবে সে পক্ষ জরী হবে। প্রথম
গোনের পর শিবতীর গোমের আগো দুটে পক্ষ
কোটের পাশ পরিবর্তান করবেন। দিবতীর
গোমের পর বদি তৃতীয় গোমের প্ররোজন হর
আবার পাশ বদল হবে এবং তৃতীয় গোমের
মাকে নীচের লেখা পরেণ্ট অনুবারী কোটের
পাশ বদল করতে হবে।

(এ)। ১৫ পরেণ্টের গেছে বন্ধন কোনে। শক্ষ ৮ পরেণ্টে গেছিবে:

(বি)। ১১ পরেণ্টের গেলে বখন কেউ ৬ পরেণ্ট পেশিছদে: (নি)। ২১ পরেণ্টের গোলে নগন কেন পক্ষ ১১ পরেণ্টে পেশিছরে:

হাতি কালে মাকের তৃত্তীর লেকে গেট পরেতেটর অবেন্ধি পৌছলে কোট পরিবর্তন করতে হবে। (কিজ্যেত্ব পরেতেটর গেম হলে তৃত্যাংশের জারগার এক ধরে নিরে অংশিক ঠিক করতে হবে। বেমন ১৫ পরেতে গেই হলে ৮ পরেতেট কোট বদল করতে হর।।

ৰণি তিনটি গেনের বদলে একটি গেছ খেলার ব্যবস্থা থাকে ভবে ভৃতীয় গেছের মালে বে ভাবে লোট প্রিব্তমি কর। ইর সেই ভাবেই কোট বদল করতে হবে।

বদি অমনোযোগিতা বা ভুলবশত আইনে লেখা পরেণ্ট অনুবারী কোটের পাশ বংল না হরে থাকে তবে বখনই ভুল ধরা পড়ব তখনই পাশ বদল করতে হবে। তবে শেকারের কোন অদল বদল হবে না। ভুল ধরা পড়ার সমর যে শেকার শ্বাকবে সেই শেকারেই খেলা চলবে।



# করাসা চিত্রকথা

आवर्श (तरन



द्बादबर द्बन

# 3 BASS

ললম নলতে হাবে। ত লিকা ছোক বেনা ও
আলোঁ বেনে বাদ বানান। অসান
কুণাপ্রকল হার করাসী সরকার এই দ্টি
ভার জনতে পাতিরেভিলেন। কিছাকাল
জনান কেভারেশন জব দি হিলম সোলাকেতিকের উদেশো এবারের চোর আলোক বেশী ভার ক্সামী ছবি দেখন ব সালোগ আমান পেলেভিলাম। এই উৎসারে ভালিকা প্রেক গ্রার, হ্রাকো ও নাল বাদ বানান। এবারের প্রন্থানীতে ভার কিছা ন হেলক লাই মালোর একটি ছবি অন্ততে ক্যান পাবে ভোরভিলান—সেটি তিনি করে কলা কাছার উপর জুলাভেন। না, সেলিক প্রেক ও
জারা বিশ্বত।

ক্ষেত্রভাশেন করে ফিল্ফা সোসারেটিক এত ভাল ছবি বোগাড় করেছিলেন কেন্দ্রন করে? শুনুরতে পাই চিত্র নির্বাচনে ক্ষেত্রকানের কিছুটো হাভ ছিল। এই সুকোরে ফ্রাম্মী সরকারও কি ভারত সরবারের তথা ও বেভরা মক্তর্বত্ত হিরেছিলেন? ক্ষি দিয়ে গাকেন তবে ব্যুবতে হবে, সংশ্লিষ্ট কতান্ বাভিরা চিত্র নির্বাচনে স্ম্বিবেচনার পরিচয় বিতে পারেম নি।

ন্দিতীরত, আগের বার উৎসাবের বাবস্থা হরেছিল অনেক স্কুর্বর। ফিক্স আরিত-



ST. PHYS

সিয়েশন যাঁদের তাতে কিংবা ঘাঁদের রাড়ছে বিবেশী চিত্ৰ সম্পক্তে সং অন্তৰ্গান্ধংলা জাবাই ছবি নেখবার সায়ের পোছাল্লান। এবার সরকার তারশা জনসাধারণের জনা শ্বার উদ্মান্ত করেছিলেন। কিল্ড সে ছিল একটি মার সিনেমা হলেও বার। এবং সরকার বাঝাত পারেননি "আনসেম্পরড" ছবি দেখবার জনা আবাহিত ও অবসিক দশকের কাঁ পরিমাণ ভিড হতে গতে। এবং কোন একটি ছবি দেখাত বাস যথন ভাগেব বিকৃত রুচি বিডমিবত হল তখন তারা হলে কীল্ডকাকাত শ্রে করল ভার বর্ণনা এখানে দিয়ে লাভ কেই। প্রেক্ষাগ্রহর হিসাব ক্রব য়ালিকর। ক্ষত-ক্ষতিব দিবভাষিবার এ ধরনের তেজা উৎসাবের জন্য ইল ভাড়া দিতে রাজী তবেন কিনা জানি হা। এদিকে ফ্রাসী ছবিত সম্ভাবা নংগদ শ্র দেখবার জন্য উদ্মন্ত দৃশ্যকর ভিডের দ্রান **সাতিকোন্তের** বিদেশ্য স্থাকর। সিদেখন হালের কালে তেখিবনে সাহস্থ পান্নি। হাবা বিশেষ कारजा करण जिल्लाक सामान सामान प्रथम स्था নিজ, অথক টিনিকটের কলেলারাজাতে হারা টেকল পা প্রসা কাছিল্য হিলার রাজ্যত প্রা উৎসার সাথার হতেতিল ঠিতাই। তিনত ছবি ছালৈ বেশেষক ভালের জন্ম নয়। ভারণা আঁল কি**ওটে সংগ্**লি লোভজাত লা। ফিকাল কালেও সভাবের জন। মালাম ধ্যোর বাব্দয়াত ছিল। 

#### রেস'র ''ন্যশেত"

মারী বেরসার ও আলার বালযাকার 👇 -এর সেই মেয়েটি) ও মানেতের শ্বভাব ও সম্সা পুষ্ অনুষ্পি হালও, তেগার "বাল-ঘাজার"-এর গভীরতা ও কর্মিত "মালেভ"-এ নেই। রেস' থার কাশী ছবি। করেননি। তার মধ্যে "বাল্পান্তার" ও



THE CASE OF CASE

"মতাশার" প্রমাণ করে হিল্পেরসার চল্লিক हों है की उद्देश की और छेन्द्र हैनाका है। অর্থাৎ কলার বহলে মারি জেখ কেয়ার বাব কথা কলে খথবা ধর্মি সংল্পের কড়ব্লি পরিণরেক সে ধারণা আমরা শেরে কট।

হাতি ভাগর পাথকা ঘ্লাভ গুলীক মাত্রী ও বাল্থাজারের বিধাসত সন্তার করণ পরিচয় টাকরো টাকরো করে রেশ সংখ্ क्रीवट क्रिक्ट निर्फाक्टमा। साथ प्रश्न निष প্রারণ দুনিয়াটার চেহার। গাগরা দেশক পেরেছিলাম। "ম্বেশত"-এ বিশবরাপ 😥 পাধিবটো যেন অনেক ছোট। গ্রন্থ ज्याद्या हा । আজবিদ অব্যেকার ব্যবিদ (বিশেষ করে পিতার কাছে) ম্যুশ্রের ফা যোম ক্রমণ সংক্ষিত ইয়ে আসহিল। স্থ মাত্তার মায়েত্রকারের এবং সংখ্যান জিলার স্টিল্ডের ম্বেল্ড কেন কিলা স্বাভাবিক। এবং ভট মুক্ত ভিড় দর ম্ফোড কড়িভিট্ড টিছের ১৮ মালেটের স্থান্ত মারেটের প্রতি সমাভা তর সভাসৰ কাংগ্ৰের বিস্থাসক চাকা বিভান শ্বল হ\_ভিত্ত পৰে বৃদ্ধতে বহু সংগ্ৰহণ কৰে তেতিত প্ৰিবলৈ আভাত রের বিকাম অত তেখনী **প্ৰ**তিবাদ কলেবলত **প**লত का उन्हरूपत उन्हें हे का एनएएन शुक्ता को word खारकर । कर अने कार्यक । सर्वक्रमास्त्राप কৈটেড ৰেট কিন্তু সংগতে জে কন্ত্ৰপ্ৰ নায় বিভাগ বিভাগৰ সংক্ৰমেন। আনুদ্ধ আসংক্ৰিত សុ ទ «ប្រែក ភ្លេស) ស្រាស្ស ( ប្រ សម្បន្ទ 9 24 2 9 hay বুল জ্বন্ধন কুলু ও <sup>প্র</sup> ড়িত। জনসং হালেগৰ হালেগৰণের ক্ষম । স থ সাজনীয়কে উপ্রাচনক প্রান্ত গাঁল বল কুল্লের জনুল লিলুর জন্মতে মার্ কাজিত সাত কলেও জেলালিং না সেইব ছাটোলে তেওঁটো যান্সলে প্ৰায় টাল এট <sup>স্থ</sup> দ জাল্য । বিভাগতে ক' এব । বেগ' ইবি তে ত্তৰ আন্তৰ্জ ক আন্তৰ্ভিত ৯ ট্ৰী-ভা তালবংকারের করিবছা চুট্রের**ল** মেট্রান্ড ভিত্র জার কিছা মার্ডার জারতী প্রতিষ্টা "হেকেটে" স্মধ্র প্রতিলালন

#### রেনের ''জে তেম জে তেম'' "His (Alain Resnais) quality surely that he escapes an classification."

আলের্ন রেনে সংগকে উপারে ম<sup>ন্ত</sup> **ছ**িসোর **এফোর। আ**ভএর রেনের উপ বেনে নিজে, ভবি ছবির জলন চলে ভবি ছবির সংখ্যা স্মালোচকর। রেটের <del>ছবি</del>নি "থাম অব টাইম" বলে বগুনা করেছেন বসতে পারি, রোনের ছবি আসলে ফার্ক मर्भाग-जगान्ताहरू 'क्लमांक । हाला ह বেংনা দশনের ক্ষিত ব্পা? এ ক স্থীকৃত এবং আল্লোচ্ড বেগসি<sup>\*</sup>-রশ্টি প্রতিপাদ্য বিষয় রেনের ছবিতে ভূত্ব "জে তেম জে তেম" চিতের কথাই ধরা <sup>নাব</sup> ছ'বটি কি কাহিনীচিচ? মেটেই নী অথাৎ কাহিনীর সূত্র কিছুই থ**ু**জে <sup>পাও</sup> যাবে নাভবিতে। এক বাজিকে <sup>নি</sup> বিজ্ঞানীদের এক্সপেরিমান্ট –ভাকে ত অত্যত জীবন বিদ্ধান্তবার জন্য পোটি

न्तिमक्रण विमालस्यत माहायादर्थ

# **थि**द्युष्टे। दुब्ब

নাটকাতিনয় ও বিভিন্ন স্থান

# ततील भरत १

ৰ্ভেম্পতিকৰে ওটা কেন্টেকৰ, ৬৯ সমা। সায়েছ ছাটার

वाडेक : প্রাপ থিয়েটার

9[[6]

ঃ হেমান্ত মুখোপাধায়ে, সুচিতা মিন্ত, শ্যামল মিতু,

আরতি মুখোপাধায়ে অঘণ সেন

ः गम्क भिक्त, कास्त्री नवानाकी त्वयम् जाता वरम्माशाधाव আব**ি**ত্ত

হাস্যকোতৃক: রবি ঘোষ, তপেন চটোপাধ্যায়

विकित्ति 1 \$0.00, 6.00, 6.00

राक्षेत्र (कार्याम -कालाक रिपेर जिल्लाकारक रिपेर शिवसकारी तुलक मार्कारी।

র সের্বশক্ষণ - ১০৩ লেক টেনাস। আন ২৯। ফোল : ৪৮১৫৮ন

(সি ৭০৯৫)



দুহার্ডার" (পরিতালনা : দিলাীপ বংশেন-প্রিয়ে) হবিতে হাসমু বংশরাপাধ্যয় ও মহায়া মোৰ

एक शह किन । दिख्य एक एकोन इस रहीयात्मक ८५ छन्। का व्यवस्त । देशारा । यसम মতীতে পেট্ডল কৈবেল অতীত ও বড়মান ধ্যুক অংক জাবাভ্য প্রবৃহত্ত্ব সভায় विनीह-- एक्स कासकी वाकरण है,कास ছবিল্যার সাহিত ইয়েজ-এর মত ংগলাস জীব সমাদের চেচেধর স্মান্ত কী মালে <sup>শ্</sup>টামে, কোনটা পরে—সমুহের সে কবেখান ছবন বার্তকর চেত্রনার নাক্ষ্য হারে গোড়ে। ধাই জাব্যনত্ব ঘটনা তখন পাবেশপ্যাবিহানি, ৬৫ই ঘটনা বারেরবারে ফিনর আসচে; <sup>মানের</sup> ঘটনা পরে, পরের ঘটনা আলে। জীবভারত অনুমান বিভক্ত রাপে দেখ মং<sup>8</sup>ত বড়'মান 🐞 ভবিষয়েত্র কাল বিভাগের এবং পথান-কালের বিভারতে। "Pure duration is the form which our eonscious assume when our ego lets itself live, when it refrains from separating its present state from its former states" (Time and Free will-Bergson).

বৈগালার মতে, duration এর নিখ্যিত ক্ষা হয়ে প্রাতির ভিতর দিয়ে। প্রতির প্রতা দিয়ে। প্রতির প্রতা দিয়ে। প্রতির প্রতা দিয়ে। প্রতা দিয়ে। প্রতা দিয়ে। ক্ষা দিয়ে ক্ষা দিয়ে। ক্ষা দিয়ে ক্ষা দিয়ে। এই বাধ জ্বাতে পারে, কিবছু হা কি আবার সমসার স্থানি করে না? সম্মার কী করে নিশ্চিদত হব যে আমাদের ভাঙি আমাদের ক্ষা দিয়ে ক্ষাতে পারে? আমাদের প্রতা দিয়ে ক্ষা দিয়ে। আমাদের প্রতা ক্ষা দিয়ের ক্ষা দিয়ে। আমাদের প্রতা ক্ষা দিয়ের ক্ষা হাছা ও প্রয়োজনকে ক্ষা ক্ষা দিয়ের বি

কৰে না? বেনেৰ "ছিবে শিলা লনালালা এ ପଟି ଅଟନ୍ତ ଲୋଗିଲା ନିର୍ମିତ ଓ ୧୯୮୩ ପ୍ରତି ମଧ୍ୟକ୍ଷ ସ NUMBER 1786 7782 778 7787 on #2778 *(१९८१)* किया हम आह्याहमा प्रकारका-চ্ছমিক" গ্রেষ্ট্রারস্ভ । । রেলের ছবি বিজ্ঞ "আক্রেড্রারক" (ভারাক এরম রুক্তর। কবে থাকেন। নয়। তিনি ফিলেমৰ মিডিয়ামে বেলসি-দশবৈৰ তও প্ৰতিফলিত করেও ফিল্মকে ফিল্মই রেখেছেন। আমরা ধ্রেমন "জে তেম ভে তেম"-এ দেখি অভীত বার্মান, ভাব্যাং ও প্রানের বিভাগ অবলাশ্য তবং তক্তি নিত্রীভাল ও আদি-অন্তর্গন অভিয়য়ে প্রার্থাস্ত (প্রাতির ভিতৰ দিয়ে হার প্রধান), তত্তমনি ফিলেন্র প্রমানিত মুক্তে পাই একেন্ডালে প্রতি িত্রে (নায়কের) মহেন। ভাতে নিটেন্স গ্রহণ কেই এক ই জীলানৰ কথা আলা। কোনক दक्दा इस्ट भ्दलकण self-explanatory ন্তুট এর ভান্ত আমারের নিশ্মিশাসর হয়ত খীটাত হয় বিশ্ব দশ্মিতত প্রতিষ্ঠা হয় সিনেমার, ভারিনের স্বভাবল্যে হা ধরাবাঁধা নিয়মের বাইরে ৷ "ডেজ তেম জেল ডেম" দেখা**র** বাল মনেটাছমান এই ছবির কোন সিক্ত পরীয় বিজ্ঞা। পরিক্রেরিকার রাজারাধ অপাই দেখাছিল পৰে তেম জে অনেঞ্চ পরের ছবি। এদিক T 227 থেকে বৈনের বর্তমান ভাবনা এ ভিন্তার প<sup>্</sup>কার পেলাম। এটা তার অভীতের সংস্থা িশিয়ে একাকার করে সেধতার দরকার নেই ৷ মনে হল, কেনে (ছিবে শিমা মন্ম্যিক-এর পরে) আরও ধেদটি দার্থনিক তাহ প্রভেছেন সেই সংক্র আর্ভ বেশী মি<sup>ল</sup>লাক জিলাভ তিনি আমানের বিলেন।

উৎসবে আর যে সর ছবি বেখানে ছের বে লিনে পারক্ষারপ্রতাত লা ভিলম এ লাফাঁ লা পিসিন, লা প্রাদান্ত্র, অলেক-লাদর লা বিদ্ধে আরির এবং লে রিসক দ্ব মোডিয়ে) কোন না কোন দিকে সর কর্মিট ছবিস্ট উল্লেখযোগা। বড় কথা, ছবিগালি উপভোগা। কোন ছবিতে অস্কৃত্য ননের প্রেমিক/অথবা প্রেহমহানিতাই তার দ্বভাব লো পিসিন), কোনটাতে বা নিংপাপ দিশ্ব ব বৃদ্ধ (ল্যা ভিলম এ লাফাঁ) কোন ছবি কমেডি (আলেকসাবর...), কোন ছবি/আবার মনসভবুম্লক, "আভোলেসেন্ট" নেয়েদের অবজ্যেন ও অপরিগ্রামনশাঁ প্রেম কো বিক্স দ্ব্ মেডিয়ে)। হাদও এর কোনটাই অস্যান্যাতার প্রবিল্যে প্রেম্ব

#### ॥ िठ्य-अभादनाठना ॥

#### পালা ছারে চুনী

ধাংলা ছবিতে বিশেষ এক ধ্যানর 
থেনটারটেন্যমনটা ধরি। খোলেন—ভাল ভাল 
লোকদের অবস্থা বিপাধে একটা কদিতে 
চান, লুভোগ কোট গোল স্বাস্টিতর নিঃম্বাস 
ফোলেন, মাসার স্থানার গান প্রেল থানী হান —ভাবের জনা পাগল হবির চুনলা (বিনিম্ম 
চিচম)। ছবিটি সম্পাকা ভাগে থেকে বিশেষ 
প্রভাগা দ্যাকদের থাকবির কথা নয়। বড় 
ভারকা ছবিতে নেই ধারা ছবিটি টোর 
করেছেন ভারতে ওপেকারত নবগাত। এবেন



অমণ্ড ছায়াপ্ত "এক শ্রীমান এক শ্রীমতী" (পরিচালনা : ভাপ্পী সোনি) এ-সংভাছে **ছ**িজ পাচ্ছে—ছবির একটি দুগো ববিতা ও রাজেন্দ্রনাথ

হ 😥 ত। বলার সরকার লেই। অস্থাভাবিক

ছবি দেখে যদি সূখ মেলে তাৰ গ্লে। যাল্ছ বেশী, অপ্রতম্পিত বংলই ২৪ত।

অবশা এই ভৃণিতলাভের জনা দুশকাক জাপস করতে হয়। যুক্তি-বিচারকে বাধ রাণতে হয়, যেন ছবি দেখার সময় বাংঘাত

्या ज्यरकेन्वव ७॥जेस जुन्ने प्र

অপেরা কড়<sup>ক</sup> অবসরে 'খারাজগং''

943 A 1

।। ইয়া

ক্রমনের বলিপ্স নাটক

ক্রিসামার

প্রক্রমান ১২৬

বাজা বাজাঘোহন।

হর্মনন
১২০ ব্রাচ্চ সংগ্রাহ

1.6 5.5

মহাজাতি সারন

বিভাবনার নামে যা কিছা ঘটছে তাতে যেন হাথা গলাবার চেণ্টা না করে। আন্টোটা ছবির কথাই ধরা যাক। এর নামক গোপাল — ভুরাণ গায়ক—গ্রামের যাত্রার দল (আসরে দে বিষেকের গান করত। ছেও ভাগোর সংখ্যার কলকাতায় এসেছে। যোগালোগও হারাত খথাসমায়ে, এবং জনপ্রানের মাধ্য ফলনিয়াম সে খাতির শীষেও উঠেছে। এই অবধারিত ভাগোলানেতার পথে কী পরিসাল দ্যাভ'লে ভারক সহাতে হায়ছে কেণ্টর দাঘাউনার জ্বাধ্য হায়ে স্বাওয়া তার মাধ্য একটি পার অবধা সাভিত্তির ফ্রিরে ক্রেকেছে) তা লিছেট কহিনী তথা **নেলোড়া**মা সেন্থেন। দাস ব্রতিকা। **কর্**ণ মার্টানের **সঞ্জরে জ**নত এই ধরতার কাহিদ্ধীতে দিয়াতির লোলাই। দৈওয়া ইয়া। ভবির পার শারীর দিয়ারি যে ফাসলে কাহিনীকার অথবা ভিরুমাটাকারেক

मार्ल राया रहीय, की एक रूप हात । অস্ত্র ভাল, যে লাল সে ১) রুলে 🚉 কে ভাল বালি সে বিক্রার বালি হালে রাজন মল, খলচবিতের বথা সেনেন্দেই কিংকা করে। পরের হানা প্রাক্তিক বলন ছত বাজি । আধিতে নায়াবের দার্থ্<sub>ছ</sub> অপ্তেরশন কবিয়ে ফিলিয়ে সমার জনা স্ব কৃত্রির কাজ করতেও অপ্রেপ্ত ১২০ সহ নাটকৈ অনুদ্ৰ হত্যাৰ নহৈছে বান্ত্ৰ কৰে জন্ম জনিত কুইমাজের কেলিকা ১৪ জন্ম দশ্ভ কিন্তু মতে হাত্ৰাৰ *প্ৰ*জ্ भिन्न भी पर्वार कर कर महास्त्र कर स 电辐射 经第一条款 医性 医性 自然成功 如此 海绵 অভিনেত্ত প্ৰায় হৈছে হৈ লগে আৰু হ জানিকৈর ক্রমেন্ড করে কার্থন নিজে দুরু Sulfa in the Park Harry of a <del>ପ୍</del>ରେକ୍ଟେମ୍ବର ଜଣ ଓଡ଼ି ମହା । ଏହା ବ୍ରୁଟ なり もまける (table town) to (ja

**৩১শে অলস্ট** রবৈরর সকল সাড়ে স্কট



নিউ এংপায়ারে নাক্ষীবার

**ন।ট্যকা**রের সন্ধানে ছ-টি চরিক্র

**১লা সেপ্টেম্বর সোমবার সাতটায়** শন্তিমবর্গ্য প্রটোর তিত্রাজ্ঞ আমিত কর উৎসাধ্যে সংক্ষমতি তার আচ্চেত্র স্মতির উৎসাধ্যে উৎসাধা উৎসাধার

ন্ত্ৰীন্দ্ৰ সদনে বিশেষ ভাতনয়

শেব আফগার

নিবেদ শন্য ঃ অভিতেশ সংক্রমণ।ধরে । ॥ ভিতিত প্রক্রমণ করে ।

P 4:35)

सीत

াশীতভপ নিহনিত নাটাক লা ]

नकुन नाउँक!



ক্ষাজনৰ নাটকের অপ্যান গ্রাগারণ ! প্রতি ব্যাস্থাতিবার ও শান্যারে ১ ১৮টাফ প্রতি র্বিবার ও ছাটির সিমার ৩টা ও আচার

॥ রচনা ও পরিসাসনা ॥

रमबनातायन भर्य

॥ র,শ রাগে ॥

ভঞ্জিত বংশদাপাধ্যম, অগর্ধা দেবী, শ্রেইন্দ্
চটোপাধ্যম, সরেতা চটোপাধ্যম, নার্কিম, নার,
সভীন্দ ভটাচার্বা, কেয়াবলা বিশ্বাস, শ্রাম আহা,
প্রেমাংশ্রেস্ট্রার্কার চিট্রার্কার, বৈশ্বাস মুকোপার্যার, গাঁতা গে ও ভান, বংশ্যাপার্যার



অপেরা – জেম – উচ্ছলা – খান্না – নাজ – গ্রেস

তসৰ্বীয়মহৰা: চন্দা ঃ লান্ডি : পিকাডিলি : অলক। : পি-সন (বাজাবজেন) (বাজাকশ্ব) (তাওড়া) (পালেনিয়া) (নিপেন্ন) (নেন্তিব্ব্্জ) চিত্ৰপূৰ্বী : শ্রীকৃষ্ণ : আনন্দাম : জন্ম : চিত্ৰণাম : মহাশীর বিশ্বনিম্নপূর্ব) (তল্পেন) (বন্তব্বলী) (বেল্ড ডিউন) (ন্ব্ৰাপ্র) (ডিন ও্রান্সি)

কর'ত গ্রেছ কোলে যায়। যদিও সে চোর নহ গুৱা জেল থেকে বেলিয়ে দাগাঁ আসামীর হত এক গাল দটিভ নিয়ে লাকিলে বেভার সংখ্যান লোকের ভিড়ের মধ্যে দার থেকে গ্রেপালের গান শোনে। তার এই আছা-লোপদাৰ অৰ্থ-সাধ করে দাগী সোভ থকার কারণ—চিত্রনাট্যকারই জানেন। জীবন-বোধবজিত চরিত্র প্রায় সকলেই। এবা শাধার নাটকের চারিত্র-দশাকের অধ্য হিচ্ছান ও হয় উৎপাদনের এক একটি ж<sup>9</sup>স্ম উপ্রবর্গ। তাদের নিরে রাপকখার काका मध्य त्रम त्करते चात्र । छात्र महसा छेशद মান্য এটা মোন্য ডিকে--বে বকবার ছেলেনের সংখ্যা মিলে মুখ্যানিত্র করে—নিত্রে দুখ্যাকর ⊁মধ্ কাটে খাৰ ভালা। ৰদিও আনকটা জাবদহাসা তথা ৬ই চারিতের মধ্যে কিছাটা ফেন নাগ্রিক উপাদান আন্তঃ। এই উগর পারে খাৰত ভাষেটোড - মনে ভাষেটোড ড<sup>©</sup>বর বেলাক নাধ্যের প্রতি অন্তর্ভা ভানের স্পানী ব্যালাপ হে কেবলেনা হয়লি ফেটাই হ'ডেকা :

প্রধ্যে ধাড়ের পদপ্ততি প্রিচিত এটেরটেন্মেটে নাম্ক ক্ষ্যেত কাহক ছবিটিও তাই মিউজিকাজ বা কারপ্রধান--ওট সৰ কাৰণেই হয় গ্ৰাহ্ম ছাত্ৰীত ছন্ত্ৰীগ বৈংক উপভোৱা ভূমহ। প্রিক্রেমার রাল্ড মাছে ছবিতে। তর্থ পরিজন্ত ক্ষেত্র নত মোলাড় মানসবাসৰ এই ছবিৰ জিটালনেই ক के रेगोर्निमन्द्रम् स्राप्तान्त्र-रेम्प्यस्य स्थापिकाः ছ<sup>াল</sup>াক তিনি মশ্যর হাত দেন নি এক ম্যাতেও স্বা থেকে দ্ব্যাল্ডরে ছবির িত লক্ষণীয়। একোরে চিরুসম্পাদক ব্যেখ যোগীর কৃতিৰ অবশাই প্রীকার্য। ছবির मारम्ह शामार, **मारा**त कामाराद काले जाते. দাশের সংখ্য ভেডিট টাইটেল ফেলে প্রেরক সংক্রেভাবে কাহিনী উপস্থাপন কবেছেন। এই প্রয়োগ কেখবার মত।

থতিনায় সকলেবাই ভাল। নায়ক স্থেন নিত্ৰ তাঁই স্থেতিয়ালো দিলালৈ বায় ও সংগ্ৰিক্ত এবং শলনায়ক নিবজন বায় থানিব সভিনীত চবিতে বীতিমত প্ৰাক্ষণায় কাৰ্যেন। যে কাৰণে কাহিনীয় অনুসভাৱ নোই আনক পৰিমাণে কোট গোছে। সপ্ৰাণ আভাবে কবাক কাৰ্যেন ইণ্ডাবেশিনী বায় খোষ লা অন্যান্যদেৱ হথা স্থেতিনায়ের জনা নিশ্ব প্রশংসা পারেন বালী গোলালী ও স্থোক্ষা বিশ্বাস। যদিও জ্যোক্ষা বৈশ্বাসকে প্রামের মেরে মনে হয় না, সনেকটা কো শহরে।

গান, জাগেই বলেছি, ছবির অনতেম অধন আকর্ষণ। গানের সার নিয়েছেন অভয় দাস। প্রত্যেকটি গানেই জনপ্রির হবার মত। নায়কের গানগাঁল গোরেছেন শানেল নিত। বাংগ্রেছী সারে পিনট্ ভট্টার্যা ও শ্যামল মিউর গানটি চমংকার।



"পালা হীরে চুনাঁ": স্থেন দাস ও জেনংকা বিশ্বাস

# छेलि- छिश्रती

শবিনাসের পারিপারে নারিকানের

চেরে নারকের নিজ্ কন যান না।
বালা ছবির একাধিক জনপ্রিয় নারকের
দেখেছি চুল নিয়ে জনেক ভাবনা। অনেকে
আবার পরচুলোও বাবহার কারন। নিজের
মায়ার চুল হয়রভা যথেও ভালো, কিন্তু
পরচুলো যেন একটা ফালান। স্বচেয়ে
অব কালাগে যথন দেখি শাটিং-এর সময়
দিশপার অভিনারর দিকে যত না নজর, তার
চেরে অনেক বেশা নজর চুলের দিকে। চুল
মেন নায়কের প্লামারের এক বিশেষ
আল্ফার। শটের আবে অধিকাংশ শিলপাই
ভার মেক-আপ ব্যবহার চিক-অপ করে

নেনা নজাব মেন বেশী থাকে বুলের নিক্ষা।

উত্তয়কুমানের বুলের ইয়েক বাংলা ছুবিশ
বিশেষ এক ব্যাসের নথাকের করাছ
কিনেন্দ্রীর মতে। এখ্য মহার বিষয় উত্তয়বারর চুল কিন্তু খাবই সাধারণ, এবং বাংলা
নেশের শতকর। পণ্ডাশাকন লোকের চুলার
করেন। উত্তয়বারর চুলার প্রতীল আপেক্ষা
আনেকাথ্য ভালো। খুলার প্রতীল আপেক্ষা
আনেকাথ্য ভালো। খুলার প্রতিভ উত্তয়বা
কুমারের য়ওও খ্র বেশী নেই। শ্রিটাংকর
সময়ও তিনি এ ব্যাপারে অনেক কর্ম
সংঘ্রন।

সংগ্রতি একট নিম্বিসাগ ছবির সৈতি
আমার এক বিভিন্ন অভিজ্ঞতা হলি।
কালকাটা মাভিটেনে সেনিন শানিং ছিল
উত্তমবাবার। একটা ভাগমানিক সিন।
আনক্সিডেন্ট নিজের কোনের মারা হারেছৈ,
সেই সংবালটি স্বান পদ্দীর কাছে কার
কারত হাব। কোজ-আপ ভেন্ন কানেনারী।
উত্তমবাবা কেডি হারেছন টোকর জনা।
পরিভালক পদ্দীটা সাউন্ডা নিবোশ নিলেম।
স্বান ভাবনারাই আনো ভাবন উঠিক



শক্লান্ত নায়ক''-এর নায়িকা অপ্ণা দেন--সলিল গত্তর পরিচালনায় ছবিটির ভাজ প্রায় দেব জটো--দেব

ক্ষেপ্ৰ সংখ্যা। স্টেক্তিত কটিট হল। ইটাং
ক্ষামেরমান চেটিচার উঠালন, কাট্,
কাট্টা। কী বনপার? উত্তম অসাক এরে
তাকালেন। কামেরামান সল্প্রেন্ড প্রাপ্ত ক্রিয়া বিশ্ব বিশ্ব ক্রিয়া বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব বিশ্ব ক্রিয়া বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব বিশ্র

সংক্রী করোর। পরিচালক ৪,টারন নামকের বিজ্যা বিজ, জনা বেজা, উচ্চতাল্য কাজ আর ধ্রীটা করবেন না, কান্দ্র নায় তার নাই হার বেছে। পরিচালক সান্দ্রতার নাকায়ে বেজা করবেন, কিন্তু উভ্নাত্রতার কোলে কজ্যাতেই শ্যাহে ছাইবেন, না। নাল্লো, একাল প্রতী বাংলায়ে একে এই নার। কালেকায়ানক কলে বিভ্ ভূবই কারিটা নিয়াল

প্রতিজ্ঞানি ধ্রি প্রত্ত বিজ্ঞান্তর দিউ থিছেই সাত্রক নগরত প্রতিজ্ঞান্তর সংগ্রাক প্রথান কর্মান্তর কিন্দ্রিক প্রতিজ্ঞান ক্রিক ক

নিধ্বজিং ছানালেন সে কথা। বংলা লেশেও

অহনে আহে একটিক। কিন্তু সহারের

অহােব উনি চুল্লিগার সই কংগত পার্কেন

না। তাই বলে বাংলা ছবির মারেকটি নাট

হার বার এমন কোন কাছা করতেও

বিশ্বজিং নারাজ। বাংলা দেশ থেকে শাঁছই

উনি আরেকখানি ছবি প্রয়োজনা করাবার

কথা ভাবছেন। ভালো প্রিচালাকের অধীনে

জালো রাল নিয়ে বাংলা ছবিলা অভিনার

করার নাাকা ওবি বাবারের। বিশ্বজিং

এখন একটি ভালো গাবপ খা্লাহন,
প্রিচালক নিবাচন প্রা

বিশ্বতিয়াত্ব কথা নিয়াই বাব নাকি ভাজ নিয়ে একথানি ছবি প্রাক্ষালয় করছেন।
কিন্ত্রিক জনালেন কে কথা উল্লেখ্য ছবি প্রাক্ষালয় করছেন।
কিন্ত্রিক জনালেন কে কথা উল্লেখ্য ক্রিনার দিনি ক্রিনার ক্রি

-- विष्क

#### তিংশ শতাৰদী

পনিংশ শতাক্ষী (নাউক: বাদক সরকার) নাউকে আগনিক বেজা বর্ষণ এবং বাইড্রেড্রেন বেজা বিশেষ্ট্রনের জন্ম জার্মিরানে জডিয়ার কবা হারাছে। বেজা ক্ষা ভাষারে বিজেডিয়ান ভাষার মধ্যে তেকে এনে কৈফিলত চাপ্যা গোছ।
একজন এখন ছোকে, স্তেক্ত বে প্রতিদিবিব্যুপ তাঁর ক্ষ্তিক আন করে। দৈজানিক আইনাকটাইনকেও গোলা গোলা হয় নি । যোমার জ্যাকতত্তা বলমার কো কারেকজন প্রতাক্ষণনীয় মন্ত্রুপ নিয়াল দেওয়া হয়েছে। কোম পরে এ নাইকে নারক ডিন্ম শতাক্ষ্তি মন্ত্রের বল্য নিয়া শতাক্ষ্তি এই প্রক্রের কৈফিল্ড হাল্ডি সি

ত্ত প্রক্রান্ত প্রকৃত্ত বিশ্ব বিশ্



াখ্যালত কর্পা জাজবী ৰম্না" ছবির সংগীত পরিচালনার দায়িক নিয়েছেন প্ৰকৃতকুষার মালক—গান রেকাডিং জন্ভানে বাবে সংগীত পরিচালক এবং তার সংখ্যা মঞ্জা বংদ্যাপাধ্যায়, ভর্প বংদ্যাপাধ্যায়, জর্প দত প্রমুখ শিদ্পীদের দেখা বাকে

# বোদ্বাই বিচিত্রা

्राप्तत नव किस्ट्रे विक्रित। या किस्ट्र र्वाश्चीयक दरा क्षेत्रिक का क्थारे अवादन ম্বার্জাবক এবং উচিত পরিস্থিতিতে হটে চিত্রনিমাতা क्रमावादन না বেসব চল চত্ত্ৰের মাধাম নিয়ে নিয়মিত পরীকা-নিত্তীকা করতে পারেন, কম পরসার কম সময়ে অনুয়াসে ছবি বানাতে পারেন ভারা ত্ৰ স্বাচ্চবিক অবস্থার কথনই করতে চান না প্রশাসিশনের জটিলতা খবন জটিলতর গ্ৰহে প্ৰাড তথ্য এ'বা হঠাৎ এক্সপেরিমেণ্টের ল্লা ভাবেন। এবং তাই নিয়ে বাবসা-रिस्ट्रेड विश्वनगढ्ड ध्यार मारवाणिकडाड ক্ষেত্ৰ চই চই পড়ে যায়। বশেষর জনাতম তিখাত চিত্র নিমাতি চেত্র একজন বি আর চ্যাপর্য-খিন চিত্তজগতে প্রবেশের পরের্ব ছিলেন। চোপরা একজন সংবাদিক প্রিবারে একমার নারক-নারিকা ছাড়া স্বাই অভূচন, এক ভাই প্ৰযোজক, আৱেক ভাই কামেরাম্যান, অন। ভাই পরিচালক। গ্রুপ ্লখ্য **জন্য আছে স্টেগির ভিপাট**্মেন্ট। নিত্রপত্তর ছবি 'আছমি আউর ইনসান'



दक जानिएकम् 'काक जानक शक' हिटा



স্বোধ দ্খালৈ প্লোভাকশন্ত "ৰাভিনেটী" হিন্দী চিত্তে হৈছা বালিনী জন খনী কাশ্য

খেৰ হবার পর সেদেহ নাকি সে ছবিকে क्टिक्के छहनह करत जिल्हाह। मुख्डाः সেই ছেডাথেডি ছবিকে রিপেরার করতে সময় এবং চিন্তার দরকার: স্তরাং इंडेनिनेटक बीमात ना त्राप इते करत अकते। ব্যালয় এক্সপেরিয়েন্ট করে ফেলার কথা ভাবলেন প্রীচোপরা ৷ সপো সপো একটি ইংরেজী খেকে নেওরা স্ফল গ্রেজবাতী নাটকের স্বস্থ কিনে ফেলা হল। ভারপর একেন নারক নারিকা রাজেপ খারা এবং নলা। শ্রীচোপরার এই বোল্ড এক্সপেরি-स्मर-छेत कमा मात्रक मात्रिका मुख्यत्करे धक-নাগাড়ে এক মাস ডেট দিতে হল। ভারা দিলেনও। ভার ফলে অনা যেস্থ নিমাতা বিপদে পড়কেন, তাদের কথা নেপথা-नाउँक। धक भारत धक्छाना त्राडिः कात्र একটি রঙীন ছবি শেষ হবে, তাও আবার একপেরিমেন্টাল, অভাত্ত আনক্ষের কথা, अवर इविटल माकि जान-देनव धाकरह मा। স্তরাং হরত এ ছবির সংগতি নির্দেশনা ৰোগা সংগতিনিৰ্দেশক সলিল চৌধ্ৰীই कर्रायमः। अबहे छानः। अवहे आन्तरमतः। किन्छ এটু স্বরনের এক্সপেরিমেণ্ট সাধারণ স্বাভাবিক অবস্থায় শ্রীচোপরারা কেন করেন না म्बरिटिंड कामसा ब्यटिक शाहि ना। यथन গভালকাপ্ৰবাহে হঠাৎ গিট বেংধ যার তৰ্ন স্টপ গ্যাপ প্ৰভাকশন ছিসেবে অন্তদ্ত বৈপদে কেলে, আপাতত বিপদ থেকে উদ্ধার टमएक दक्त आहे "विभक्ततक अन्नामातियान्ते। कता ट्राइटरोडे स्कटल धकरे, कर्च दस।

বদেবর আকাশ বাতাস কপিয়ে ফরাসী ছবির উৎসব হয়ে গেল। এই উৎসংবের ছবি বিজ্ঞা আক্ষামনা ক্ষা ঠিক নক। কিন্ত করাসী ছবির উৎসব উপসক্তে ক্ষে বাজার व्यक्तमार्थि प्रकृत स्टाइन, साह क्रि. इंडिट्ड भाक्षेत्रसङ्ग मा मानारक आमाद मानव हान्छना समार ना। स्वासी ছবিগালি বন্ধেতে পৌছনোর আগেই কে करद रचन ब्रद्धे राज रव, आहे श्रीवन्यानिक प्रत्या करत्रकृषि इति स्तिक स्वन स्वामाक्ष्यके ভাবে উক্ত (হট)। বাস অমনি কৰে গৰাৰ ছিভিসনের (श्रुवा। विकास नाटकराजः। कराजी कनजाटनाटनेत कर्णशास्त्रक কান ছে'ডা যার আর কি। বে প্রেকাল্টে ছবিগ্লি দেখানা হবে সেধানে কভকে খিরে মাছির মত বিভিন্ন বরসের বিভিন্ন পোশাকের নরনারীর ভিড । বশ্বের **একজন** বিখ্যাত চিত্ৰপরিবেশক নাকি একটি ক্যালী ছবি দেখবার জনা এক ল' পাচিল চাকা দিলে একটি পাঁচ টাকার চিকেট কিলেকে। मारदामिकदा **भद किए, एएएए कवाणी एवि** एम्बार समा जशीत। मूजबार विश्व ডিভিসনে প্রতিদিন দুটি করে একই ছবির শো। বদেবতে যে এত সাবেদিক আছেন এবং তারা সবাই যে এত চলচ্চিত্রালয়োগী ভা এর আগে অন্ভব করিন। **একে ফরাসী** ছবি তত্ত অন্নান্দৰস্বত, সাত্ৰয়ং **বাৰতভ**ই পারছেন : প্রথম শো স্বামী তার বাশ্বীকে নিবে দেখছেন তে খিতীয় শোলা তীয় ভৰ্তদের সংখ্যা দেখাখন। প্রথম স্মৈণ্ডে প্রার বৃদ্ধ সুম্পাদক পিতাক দেখা যাকে 🕈 দিভীস ক'বহু ভাঁৱ মাবতী কল্পুক কে**থুত** পাছিত অংশকার প্রোকাশা হ প্রায়ণ করতে। ফরাসী ছবিত দৌলাত বিহা বিরল নাটক দেহতার সাহতার কোলাছ আম**র। যে নাটক** জেকেলভা এবং দেশেরের ভার জেন দিনী লেখা যাবে না। সভিটে কি ভারতক্ষেত্র



"এখানে শিক্ষর" (পরিচালনা ঃ বাচিক) ছবির শ্রিটিং জারন্ড হরেছে ঃ একটি গুণ্য প্রবংশর জালে উত্তরভুলার ও বিজ্ঞীপ সুখার্জি জারন্ড হুটো—বেল

অধিকাংশ লোভ হিপোড়িট! গড় করেক ৰছতে ফিল্ম সোসাইটিগুলিৰ কুপার আমাদের দেশে নাকি একদল সচেতন চিত্র-দশকের আবিভাৰ হরেছে। বারা ফরাসী, চেক, সূহডিশ বা পোলিল চলচ্চিত্ৰের ইতিহাস গালে খেরেছেন। ফলে, জীদের মনে, পেটে বা মাথার ভারতীয় চলচ্চিত্রের জন্য আর একদর কোন স্থান নেই। আজকাল ভালের কাছে সভ্যাজিং নারও 'ট্রান' হরে গেছে। ভাগেৰ মাথে আক্ৰকাল নিউওয়েভও একটি পরেনো ব্যাপার: তারা আজকাল আনভার প্রাউন্ড মৃতি মৃত্যেন্টের কথা বলহেন এবং আনভার গ্রাউন্ড মুডি मुख्यात्चेत चाहात्र वावदात्रस्य निर्वाहत्त्र ৰ্যবহায়িক জীবনে টেনে এনে অপূৰ্ব এক একটি সং সেজে আমাদের দেশী সংসারে 👣 ফুলিরে হুরে বেড়াছেন।



পরিচালক অসিত সেন করেকজন সহ-বালীর হাতে হাত মিলিয়ে একটি ভারকা-বহুল হিন্দী ছবি শরে করতে চলেছেন। ছবিটির ছিল্মী নাম 'সফর'। এটি ও'র প্রথম ছবি 'চলাচলে'র (বাংলা) ছিন্দীর্প। এ ছবিতে অভিনয় করছেন, অশোক কুমার, শমিলা ঠাকর, রাজেশ খালা, ফিরোজ খান, জাই এস জোহর প্রভৃতি। বন্বেতে অবধি অসিতবাব চলাচলের হিন্দী করার कर्ता वद्यक्रत्व कार्ड डेश्नाव श्रकान করেছেন, কিল্ড গলেপর বিরোগাল্ড পরি-মতির জন্যে এখানকার প্রযোজকরাও ছবিতে হাত দিতে সাহস করেন নি। স্বাই নাকি একই কথা বলতেন, "ছবির শেবে ৰদি মৃতকে বাচিয়ে দিই তাহলে প্রবোজকের মৃত্যু জনিবার্ব !" এ কথার উত্তরে হাসি হোত। সেই হাসি নিয়ে হাসা-হাসি হোত কিম্তু ছবি হোত না। এখন **হচ্ছে। মুডরাং মুখবর!** 

সরল শ্মা

#### শ,ডারম্ভ

গাত ২০ আগস্ট প্রয়ে ক্রক আগিস রায় তাঁর নতুন ছবির কাঞ্চ শ্রে করলেন সংগতি গ্রহণের মাধ্যমে। পার্থপ্রতিম চৌধ্রেত্রী এ ছবির পরিচালক এবং সংগতি পরিচালক। ইন্ডিয়া ফিলম ল্যাবরেউরিডে সেদিন প্রতিমা বন্দ্যোপাধ্যারের একখানি অতুলপ্রসাদের গান এবং কন্পকুমার ঘোষালের একখানি রবীন্দ্র- সংগীত গৃহীত হয়। ছবির শৃতিং অবিলদেবই শ্রে, হবে। অপণা দেন সম্ভবত ছবিয় নায়িকা।

২১ আগস্ট ইন্দ্রপারী স্ট্রাডিওতে মনর মিত্রের পরিচালনার তর্ব পিকচার্টের প্রথম ছবির মহরতে সম্পান্ন হরেছে। মহরতের শিল্পী ছিলেন বিকাশ রার ও রল্লা ঘোলা।

#### छान अकाम घारबब्र मःवर्धना

বিখ্যাত সংগতিক শ্রীজ্ঞানপ্রকাশ যের পেনসিক্তানিয়া বিশ্ববিদ্যালয়ে ভারতীর মার্গা সংগতিতর সাময়িক অধ্যাপক নিয়ন্ত্র হয়েছেন। এই উপেন্দে আমেরিকা যায় করবেন। গতে ১৬ আলেট সেই উপলক্ষে ভাঁকে সাবধনা জানানোর আয়োজন করে ছিলেন ম্বেক সংগতি সংসদ। শ্রী ঘোর উন্তর্গন করে একজন বিশিষ্ট স্ভা।

ওই একই উদেবদো শ্রীজ্ঞানপ্রকাশ ঘোষের ছাত্র-ছাত্রীগণ তাঁকে সংবর্ধনা জনিয়েছন গত ২২ আগস্ট বিভূলা আন্তর্গতিক্রা ভয়ন।

#### बालक शमाध्य

ভীথাভারতী নির্বেদিত শ্বাল্ক গ্লাপ্ট ছবিটির মৃত্তি আস্থা। প্রমণ্রার প্রীজনি মক্ষাদেবের বালালীবনকে কেন্দ্র কর এ ছবির কহিমী, চিন্নাটা বচনা ও পরি-চালনা করেছেন প্রীহিরশ্বয় সেন। সপ্তি পরিচালক: প্রীঅহীন ঘোষ। বিভিন্ন চরিকে শিল্পী: শ্রীমান সৌমিত, কুমারী চুমকী, ছারা দেবী, গীতা দে, স্বপনকুমার, অমরেশ দাস, নাপতি চ্যাটা**জী, বীরেন চাটালী** প্রভৃতি।



ভাৰ, মুখাৰ্জি পৰিচালিত পৰিদী চিত্ৰেৰ "নৰবধ্"-তে সতীক্ষ ভট্টাল্লৰ্থ ও নৰাগতা শ্ৰণনা আৰ



লেছ ও বোলু' ছবির একটি বিশেষ যুগাল্লহণ পর্ব : আটিডে হটি; গেড়ে বেশছেন পরিচালকা অরুশাভী সেবী क्छी-स्व

#### স্জনের 'ঋতপত্র'

तदौरकता १६ मक्षेत्र दर्शस्त्र ংগ্র অংকন্ত্রে 'ঋতপত্র' নারিক একটি 'সভাল' নামক তার সম্প্র হল। পৌত্র পক্ষ থেকে। প্রায়জিক গ্রেনের পরিকাশনা প্রসংখ্যা নিশেশক গুলু হায় প্রকেটাই জালিকে ভালো গ্ৰহন যে এই মধ্যে। নাডাৰাটা স্তিট্র নে প্রাস নেই। কিন্তু ভাহালেও পরি-দ্ৰ সমপ্তক' কিছা অসপভটতা থেকে । वरीम्प्रताथ सध्य भाववाला ১৮४७ क्रदम्बन क्रद्रन वे शह जना वहत ন তীরবড়ী অঞ্চল প্রকৃতির নিবিছ राषा उपन जीवन সম্প্ৰিছ তার টা উপলম্পিকে প্রকাশ করে প্রায় শৈত চিঠি লেখেন, বেগুলি পরবতী-ল 'ছিল্লন্ডর' সংকলিত। এই সময়কার 'जिल्लाफ्क शानग्रांच मिर्द अकिंगे ল-ক্ষনাৰ অভিনাৰই বদি থাকে, ভাতলে ह-रेगिक्ताव भरशके विवदरक जीमाजिक कवा ঋতু-বৈচিত্তোৰ ্ৰেন? 'ছিল্লপ্তে' गरमान बाह्य मा ट्रहाटच भएक काम टहरता म जन्कुछ इस क्रशर । क्रीवन जन्दरन्थ ার স্নিবিভ উপলব্ধি আর ভার সংক্র <sup>ক)</sup> অনিদেশ্য সৌন্দর্যনাকুলতা। আর ই উপলব্ধি শ্ৰহ্ম জো সেই সময়কার, সেই वित परिकास महिल्ला नहार महा औ ক্ষুৰ আছে বিভিন্ন মাসে আৰু মতে কবিৰ प्राप्तक करियमदाः भी भाषनाय **८ ज्ञानस्य**। कार कार्ट साँग इस कारतमा सन्दर्शनिवेदक ্যিলপ্রের সভো হার কারে বিশেষভাবে চিলিড করবার সাথকতা কি? এর মধ্যে ন্তন্ত তোকিছা নেই-ই বরং বিজ্ঞাপনটাক না থাকলে রসোপটোগ হয়ত স্তক্ষতর হও কেননা সেখনে ক্রারেশ ছিলপ্র' খাছে হেড়ারার লর থাকত না। কেননা অনুষ্ঠানের পানপ্রতি। স্থানবাচিত এবং একক গানগঢ়লি স্গতিত। ভিতেজন হাখোপাধার, কনানী ছেবে, ন্বপন গণেড এবং অর্ঘা সেন-প্রতেপ্তেই দরদ দিরে মেরেছেন। অবশা বনানী বেতবর স্বিতীর গানটিতে শিল্পীকে কিছুটা আড়ণ্ট হ'ন হল। নাচ, পাল গাহের সানিপাণ বাজনাময় নত্যভাগামার ক্যা বাদ দিলে. রসেক্তীর্ণ হতে পারেনি। লোক-ন্তা-গুলি পৃথকভাবে ভালোই, কিন্তু সমগ্ৰ অনুষ্ঠানের সপো ব্র সামলসাগ্র বলে মান হর্মি। আরু বাটল-নাতোর পানঃ-গৌনিকতা এই জন্তোনের ब्रुम्बिद श्रीतशम्बी-हे मादा नत् अहे नारात ज्ञाला নিৰ্বাচিত গামের বুর ও ছাব্র (হেমন, আমার মুভি আলোর আলোর) কোনো মিলও খ'ডেল পাওরা গেল সা।

जना-कारनद शम्हाम् गरहेत्र जारमात्र काळ মুসাম্বাদনে আৰু একটি প্ৰতিবন্ধকতার স্তৃতি ক্রেছিল। ব্যৱিশাভ কিংবা ব্যাপাভ--

ৰাস্ত্ৰকে বিজ্ঞান্তি বুচনা অথবা সৌন্দৰী স্থি, কোনো নিক থেকেই সাৰ্থক না হওয়ার র্রীতিমন্ত প্রীড়াদারক বলে মনে হাছেছে। এ সম্পর্কে দৌপচিয়কার কণিক্ষ लित्त बाद अक्षे बद्यभीन श्वाब श्रासावन WITE .

श्वासम्बद्धां व ।

#### সারা বাংলা নাটাসংগ্রাম সমিতি

অংশশাদার নাটা সংস্থারার আভাস্ডররীব চিত্ৰট কী মৰ্মান্তদ, ডা জানতে পাৰা গোৰা "সাতা বাংলা নাটা সংখ্যম স্বিভি" আর্রোলভ मारवाषिक **मत्याना**म।

গত ২৫ জুলাইরের ঐ সম্মেলনে সমিভির পক বেকে জানানো হল, অপেশাদার নাটা-লোকীর নিকট থেকে সরকার বে কর আগার करतम हा जनात, करवेडिक। अहे क्स হকুবের জনাই সমিতি আন্দোলন শ্রু करतरहरन । अहे फेरम्मरना महत । शास अ গ্ৰাক্ত তাঁরা এটি আঞ্চলিক অধিবেদনে ৮৪২টি সংস্থার সপ্যে জড়িত প্রায় বাজাে হাজার নাটাকমারি কাছে তাদের বতব্য পোরে দিয়েছেন। এইভাবে ওারা আরও ৪৭টি অধিবেশনের মাধ্যমে সমগ্র পশ্চিম-ব্লোর বৃহত্তর অংশকে এ বিবরে স:চত্তৰ कत्त्वन कर्र ममधन कामना कत्र्यन।

প্রসংগত ও'রা জানালেন সারা বছরে গড়ে ह्याडे खाँकना बार महत । महत्रकनीरक २३



माहासन চরুবতী ও বিমল ভৌমিক পরিচা লিড "দিবারাত্তির কাব্য" ছবিতে মাধবী, মুখোপাধ্যার ও স্বপন রায়

হাজারের মত একং মফঃশ্বল জন্মত ৩ হাজারের মত। সর্বমোট ৬৫ হাজারের মত। এই সমগ্র অভিনরের উপর সরকার প্রামোদকর আদার করে পান মার ৪০ হাজার টাতার মত।

স্তরাং, সারা বাংলা নাটা সংগ্রাম
সমিতির এই প্রমোদকর মকুবের প্রস্তাবটি
ববি সরকার মেনে নেন তাহলে তাঁদের কাঁড
হবে মার ৪০ হাজার টাকার মড, কিস্তু সারা
বাংলার মুমুর্ম্ নাটাসংস্থাগালি ভার
বিনিমরে টিকে ধাকার ভরসা পাবেন।

সাংবাদিকদের প্রশ্নের উত্তরে সাঁমাতর পক্ষ থেকে জানানো হলো বে সারা বাংলার প্রায় ২২ হাজার নাটা সংশ্থা আছে। এব সপ্সে জড়িত নাট্যকমাঁ, শিশুপী ও নাট্যকারের মোট সংখ্যা ৪ লক্ষ ৪০ হাজারের মঙল। ভানের অনে প্রতিপালিত হরে বেচ্চ আছে প্রার ৮৩ হাজার মানব। এছাড়া মানুল, জাগজ, লোহা, কাঠ ও বাল, বন্দু, মীবন, ডেকরেটের, প্রসাধন, স্টেশনারী, টিন, পাট, বৈদ্যুতিক সাজসরজ্ঞাম ও বাদ।-থণ্য—এতগ্লি বাবসার প্রতিষ্ঠান এই সব নাট্যাভিনরের বারা উপকৃত হছে।

#### আবার "এপ্টনী কবিয়াল"

বিশ্বনাথ রুপামণ্ডে আবার বিধায়ক ভটাচার্য রচিত "এ-টনী কবিয়াল" নাটকটির নির্মায়ত অভিনয় হচ্ছে। ভূমিকা-লিপিতে দটি উল্লেখযোগ্য পরিবর্তন ঘটেছে। স্বগত জহর গাণ্যাল রুপায়িত ভোলা মররা'র চরিত্রে এবারে রূপ দিক্ষেন অসিত্বরণ (চলচ্চিত্রে এই চরিত্রে তিনিই অভিনয় করেছেন)। 'মামাবাব্'র চরিত্রে এই প্রথম অবতীর্ণ হচ্ছেন মহেন্দ্র গুল্ত। अच्छेनी अवः स्त्रोगांभनीत कांत्रता भारताता জাটি সবিতারত দত্ত ও কেতকী দত্তই থাকছেন। অন্যান্য ভূমিকায় আছেন স্ক্রীবেন বস্, কালিপদ চক্রবতী, তর্ণ মিত্র, কল্যাণী যোব, সাধনা রায়চৌধুরী, সীতা মুখাঞি প্রভৃতি। সংগীত পরিচালনার রয়েছেন অনিল বাৰ্গাচ এবং আলোকসম্পাতে ভাপস সেন।

#### সিনে মেক-আপ আর্চিন্ট্রস জ্যাসো-সিয়েশনের বার্ষিক সভা

গত ৭ জ্লাই ইন্মপ্রী স্ট্ডিওডে সিনে মেক-অংপ আটিন্টস আমোসিকে- শনের বার্নিক সাধারণ সভা জন্তিত হলেতে। প্রবীণ রুপসভাকর শ্রীমদন পঠন এই সভার পোরোহিত্য করেন। চলচিত্রের রুপসভান-শিক্সীদের বিভিন্ন সমস্যা এবং এই লিল্পের মান উমারন সম্পক্তে আলোচনার পর ১৯৬৯-৭০ সালের কার্যকরী সমিতি নির্বাচিত হর। নিশ্নোভ ব্যান্তবর্গ নির্বাচিত হরেছেন। সভাপতি—শ্রীশন্তি সেন: সহ-সভাপতি—শ্রীলিলোচন পাল: সম্পাদক—শ্রীদ্যা চট্টোপাধারা; কে বাধাক্ষ-শ্রীজনাথ মুবো-পাধার। শ্রীমদন পাঠক এই সমিতির উপদেবটা।

#### ज्ञान्त्राक्ट्यत "किंगीव विठाव"

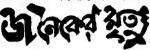
ব্রুগরাক্তমের শিক্ষীরা উপহার দিলে ভিটিনীর বিচার'। স্থান মার'বল প্রালেম। মণ্ড করে অভিনয় পরিসরও সীমার্থ। তথাপি আলোচা সংস্থাত শিল্পীরা ভারত নিষ্ঠা ও আন্তরিকভার বহ -অভিনীত এ নাটকটির বে মন্তর্প পরিবেশন করলেন স নিঃসম্পেহে প্রশংসার। এ'দের দলগত অভিনয় যেমন স্কের ব্যক্তিগত চরিত্তিগণ তেম্নি উপভোগা। অনেক কেটে উচ মানেরও। বিশেষ করে ডাঃ ভোস, সেতে, সমূব ও ভটিনীর চ্বিল্ডিন্যে ব্যাক্স বীরেন্দু মল্লিক, সলিক সরকার, স্কুলিড ব্যানার্ক্তি e কৃষ্ণা রার এক কথার অপ্<sup>র</sup>। চরিতান,বারী স্-অভিনয় করেছেন শাহলী দ্রগ্রেক্ত (কলিতা), নিশা মিল (ক্ষ-ভামিনী)। অন্যান্য ভূমিকার ছিলেন ধ্বপন দত্ত, ভরুণ ঘোষ, নীরেন্দ্র মাল্লক, সমীর শেঠ, বিমল শীল অবৰণ ভোমিক মিতা কর প্রভাত। কণ্ঠসংগীতে শিখা মিশ্র ও र्र्जां जानाम-धर काक ज्रामद । नाणे-निर्माणनाम् कृष्टिष बौरतम् ब्रोझरक्र।

#### रक्षभावे मदम नहे...

শিলিপন্তি থেকে প্রীথেকন সেনগণ্ড আনাজেন বে দেশ' পরিকার ২৭ আবাদ সংখ্যার "দেহপট সনে নট…" নিবশে কার্শীপ্র দমলান্দাটে গিলিরকুমার ভালন্তির মৃত্যুবারিকীতে একজনও অভিনেতা অথবা অভিনেতী উপস্থিত ছিলেন না—এ কথাটি ঠিক নর। জনৈক শোখন অভিনেতাকে ভিনি ঐ অনুষ্ঠানে দেখেছিলেন বলে উল্লেখ করেছেন। তিনি শ্রীঠাকুরদাস মিশ্র।

এই প্রসংক্ষ আমাদের বছবা ঃ প্রীঠাকুরণার মিত্র ঐদিনকার অনুষ্ঠানের অমাজ্য উদ্যোজা। স্তরাং তাঁর উপন্থিতি পিল্পী-সমাজের অন্যান্য সকলের অনুপাশিতির পারিপ্রক ছিলেকে পথ্য হতে পারে না কলেই স্কার্যালয় কিলাস।

ন্ত জলনে (৪৬-৫২৭৭) চতুল্ব নিশ্ল সমত নাটকের ১৭তল অভিনত



এ মানের একাট মান্ত আৰ্ডন্ম সোমবার | ৮ই সেপ্টেম্বর | সম্ভে সাডটার নাটক | নির্দেশনা ঃ অসীল চকবভাঁ কমান্সারে আগামী তিনটি প্রযোজনা ন্ডেম্বর ১৯৬১ — মার্চ ১৯৭০ 1 Bertolt Brucht's Die Heilige Fohanna der Schlachthofe অনুপ্রাণিত অজিত গঙ্গোগায়ের অথ মাসভী ব্যক্ত কথা 2 Bertolt Brucht's Mutter courage und ihre kinder ecourage und ihre kinder ব্যান্সার্থ উৎপঞ্জ দত্ত রাচিত হিন্দ্রতবাই 3 Albert camus' Caligula অন্সরণে অসীম চকুবতী প্রচিত 'মালি একা'

**अपूर्य 8**3/3 व्यव जालेखी भीति, क्लि-3

(FR-9354)

# আৱাণ্যদেৰ



#### ती क्रक





















ভারতের রাণ্টপতি নির্বাচনের পরিপ্রেক্ষিতে উদ্ভূত রাখনৈতক পরিপিতি এই সংভাতের প্রধান আলোচা বিষয়। এই নির্বাচন উপস্থাক কংগ্রেস শিবির প্রধানমন্তী প্রীমতী ইন্দিরা গান্ধী ও তাঁর বিরোধী—এই দুই ভাগে বিভক্ত হয়ে বায়। প্রধানমন্তীর দল নির্বাচনে কংগ্রেসপ্রাথী প্রীরেডভিকে পর্যথন না করে নির্দাল সদস্য প্রী ভি ভি গিরিকে সমর্থন জানান। প্রীগিরি নির্বাচনে জরী হয়ে রাণ্ট্রপতি নির্বাচিত হন। কংগ্রেসের উভয় শিবিরের মধ্যে একটা মিটমাটের জন্য প্রী ওয়াই বি চবনের আপ্রাণ চেণ্টা রাথতিয়ে পর্যবিসিত হয়। রাণ্ট্রপতি নির্বাচনে কংগ্রেসপ্রাপীর প্রাজ্যের জন্য দারী কংগ্রেস নেতৃব্দের বির্দেধ শাস্তিম্লক ব্যবস্থা গ্রহণে কংগ্রেস সভাপতি শ্রীনিজ্ঞাপাপা দুদ্রপ্রতিজ্ঞ। ২৫ আগস্ট ওয়ার্কিং কমিটির বৈসকে সংক্র কেন্টে গ্রেছে। ওয় কিং ক্রিটিটি সংধানত নিয়ে হন—প্রধানমন্ত্রী ও তাঁর স্ক্র স্বরাহ্ব বির্দ্ধ কেন ব্যবস্থা নেওয়া হিবে না। ফলে দলতার বা পদ্তাগে বিছুই স্বর্ভছে না।

#### रहकी अरवान

১৮ মাগসট-লাউপতি নির্ভিনে সংক্রী
প্রাথীতি বিল্টেডিড করে বর্গন করে জনা
কর্গনে সর্পতি ইটিনিইলিগাপের নাকি প্রান্দ মন্ত্রী ইটিনেডা বানধাী, তার রাজন সিন্দর সমর্থাক ইতিক্রাইলিনি আলি আমেন ও ইটিনিটার বাম এবং নির্ভিন্ন উত্তরপ্রান্দ ও প্রাক্রাইন বাম এবং নির্ভিন্ন উত্তরপ্রান্দ ও প্রাক্রাই কর্মের প্রয়োহন করে প্রতিবিদ্যালন।
তিনি জানিকে বিয়োহন করে তালিব অব ধ্রেনিটার বামি ব্যাহার্যার ব্যাহার্যার স্থান্ত্রাস্করাপত।

প্রীর্ট্যাব্যন কবির আজ সংখ্যা পৌনে সাতটার সময় নর্টাবিরর ওরেলিংগুন নাবদিং লোম প্রকারক্ষান কবেন। হাল্যাব্যে আরুদ্ধ লাক আজ সকালে তাঁকে নার্টাসং রোমে ভর্তি কব্য হয়। নৃত্যুক্তালে তাঁক ব্যস প্রায়-ছল গুল বংসক। তাঁর স্থা শানিত কবির এবং গুটা ব্যক্ত মৃত্যুক্তালে তাঁক প্রায়েশ্য ভ্রেল্য। তাঁক ছেলে শ্রুকালে তাঁক প্রায়েশ।

১৯ আগস্ট— মাপ্স রানর জন ঐটানেকে নেটা সামুও প্রতিকান্দ্রী কংগ্রেস নেট্র্যুস সং স্থ ব্যক্তিত জনড়। যে প্রথ ভাঁল চলেছেন ভাকে বিনামনিহানি সংঘর্ষ অনিবান। প্রিল্যে দল ভোগে বাওয়াও জন্মভব নহা। নিজ্লিগোপা পিছা হটাত নারাছা। কিছুটেই তিনি গালাকল নোটিসা প্রতাহার কর্মেন না। মোন্ট্রাজনি মতে প্রধানমন্ত্রীর আনুরশ 'আন্রাজনিরি'। অপ্য-শিক্ষে প্রধানমন্ত্রীর মনে ক্রেন্, হারপ নিয়ে দলের শৃপ্রভা ক্লো আস্চত্র।

বিধানসভায় ৩১ ছালাইয়ের প্রতিষ্ঠী হামলা সংপ্রেল ভানতক লে গ্রুত কমিটি আধ ভালনের মাত বাখা বাখা প্রিস অভিনারের কাল-কলাপ স্থালোচনার ফেগ্যা—এই সিন্ধ দেও প্রেটাছেছেন বলে বিশব্যত স্থার জ্বামা বিধ্যাত।

২০ আগসট—রাত্মপতি নির্বাচনে বেলাইর ফলাফল থেকে জানা থার যে, প্রধানসভীব সমর্থাকদের প্রধানি চেটটো লাবির ফালা বংগানের এবং বেশীর জার রাজা বিধানসভার বাবশানিছ, সংখ্যক করেছেন সমস্য নিরে শ্রীগিরিকে ভোটী নিরেজনা এই

প্রতিবিধ কথকাভাকে প্রধাননাতী ইতিক পাষ্টির নাতির কর এবং সিন্তিচেটবালে পরিচিত কংগ্রেমীলে ভাবি পর ছার বাল্য বেশ-ব্যাসী বাল করাজন। আরু কোন নির্বাচন নিয়েই বেশেল বাংগ এত উংসক্তা, এত উত্তেজনা বেশা দেশ্ব নি

২১ আগেষ্ট—বার্ট্রপতি নিবাচনের টকেজন হাস পাওবার বংগে বংগে কংগেস নেকৃষ্টে নই শৈব্যিক মধ্যে মিটমাটের জন। প্রভাইষতী শ্রী ওয়াই বি চবন আবার টাঠ-পড়ে পেগেছন।



হার্থনে বিভিন্ন নার্থন । ব্রুক্তর শার্ হার্ডে সিন্তান বিবাসক । ব্রুক্তের স্কর্তাক ইনিক্লিনে কে হেন্ডে ১৯ ক্রেড্রেস হ্যাবিত ব্রুক্তিন ব্রুক্তেম

্ধিপেনিক ব্যিল্ডেন্ডাই ন্ত্রী হৈ লাব লব্ড আল বাদক্ষাত ব্যেলা যে সংক্ষে কহিনাক আলানির না বিলাপারে এই সিক্ষান বিয়েছেন বে নিয়াপ সংক্ষান বহিনাল আন্দানীর পালা ভালার সংক্ষান ধ্যাহ বহিনা বিয়ালয় আবাদ অন্যানিঃ

 তে আগেনট — এবলৰ পথানী হ বলৰ বা ভি
বিজ্ঞান কা নামন্ত্ৰী লাকজনন কাজে প্ৰশান
কালী কীম্বালী উনিক কান্ধী জীলো কাছে নক
সংক্ৰীলোঁ জিলাৰ কালে কা, যান প্ৰিলোক শীল সমাক বলকাৰে লিলাবিদ্যা কাজেন নামী নি-জন আম কাজেন। সাংবালী কীজন নাম কথা না বাহে বাবন আল্মী পথাৰা মহাল বাছ ভাব লিলোক্যা কাজন আৰু ভাব নিজ্ঞান স্বালী কোলা আন্নান।

নীমারী কালোন বিলোকিলা কাল্যাল ও জার।
কৈতিক সিনিত কালো বংগনত ইলিজ্ঞী কালোক কাল্যার তবিল আকা বংগানতেন, কাল্যার কালি ভান কাল কালে কাল্যারতা কালো তাইক জানা কাল্যা কেলা কালা না হালা, কালো তাইক জানা কাল্যা হালিন কেলা কাল্যাক্রা কাল্যান ইলিজ্ঞানী কাল্যার ইলিজ্ঞান্ত্রাক জালা বংগানত ইল্যানী কাল্যান হল্যার কিন্তালী কাল্যান প্রথম কালে জালাক্ষ্যান হ্লামার বিভাগীত ক্ষেত্রা ক্ষান কালে জালাক্ষ্যান হ্লামার।

১৩ এবাসগ্ট—তথ্যত সভাপতি ইণিতালিক প্রা মান ও প্রানা ব্রেন : তে কোন মালে কংগ্রেস প্রথল। কল্প কর্তেই প্রথে। অপরেরিকে কংগ্রেস সংসদীয় দলে ইনিক্রা-সমর্থকদের সংখ্যা যে কম ন্য তার সহাভা দেওগ্রা লয়। প্রাক্তন কংগ্রেস সভাপতি ইণি সি সঞ্জীবালার বাস্তব্যে সংস্থানে উভয় সভার প্ররে ২৫০ জন কংগ্রেসী সদস্য নিলিত হায়ে জীনতী গ্রাফ্ষীর নেত্রের পূর্বে আস্থাজ্ঞাপন করেন।

কসকাতা রান্ধীর পরিবয়ণের অসতত এক হাজার চালা বাস (৫৫০টি দোডসা ও ৪৫০টি একডসা) থাকা দরকার। করেকটি জারপার মাটির নার্হিচ ট্রাম চালাবার সম্ভাবনা ডোর দেশতে হাবে। যোজনা কমিশ্যনের মেটরোপলিটন পরিবরণ দল ভাঁদের প্রতিবেশনে এই কথাবালি হ'ব আগেলট—আল সকলের সংস্কাহ স্পান হ'লে এক বণাচ। অনুষ্ঠানে ভাগান তুল ক্ষমীপাত শ্রীববছ পিনি দেকট নিতি পথ প্রহণ করেন। সংসদতবান সমানেত জনমালা ক্ষমতালৈ দিয়ে তাঁকে অভিনানিত করেন এব ক্ষমতাপিতি ভাষানের চৌহাদি পোক ৩) বহ ভোগায়ীন কয়।

-একটি অনুষ্ঠানে বেগে দেবার জন সঃ
মাদরে। শহরের মধা দিয়ে বাবার সময় মাস কংগ্রেম ও বাব বংগ্রেমের কারেরেন মরু শ্রীকারভাতে কারেলাপরাক। সেংগা ৬৫ শিক্ষালাপর বিপাত বাবা সমাজ্যানের বু ফিরে ব্যোগ্রাম বিনার

#### बाह श्रम्

১৮ জনান্ট-নাকেল নাকট্টনা প্ৰাক বাসপান্ত মান পালেন (৪ ৩৭ চিচ টোনা - কাৰে বাৰ্ডিল বাত (১৮৮ চিচ বাতিকা সামৰ কাৰ কেবিন-সাত (১৮ মাস। ১৬১৮ সাকৰ ১৯ নাক্তি বেৰ্ডিল ট কাৰ্ডিল বিশ্ব বিস্কৃত সৰ্বাধ্য কিছে বিশ্ব ক্ষিত্ৰ বিশ্ব কৰা প্ৰাক্তিন ট বেছ্য ক্ষেত্ৰিকালে বাব্য ।

২১ আগ্রান্থ — নাজনাগণ নাক কর প্রথ বিশাসি ওও বাজার বছর জাগোড়ার ওও বিশাস বাংলা করলে করার বাজার করার বিশাস বাংলা করার প্রথমি করার বাংলা বাংলা করার বাংলা বাংলা বাংলা করার বাংলা বাংল

১৬ **সাধানী— এয়া**গে নিজ্ঞ কৰোতি মালম্প্ৰি দৰাক্ষ্য প্ৰত্য প্ৰিক্তি শিক্ষা দাসৰ প্ৰাপ্তিক্ষয় নাম সমান প্ৰ আন্তৰ্তীৰ নিজ্ঞা হাৰ্য বুট প্ৰত্য নাম জায়ালৈ ক্ষ্যাৰ ক্ষ্যাৰ ক্ষ্যাৰ ক্ষ্যাৰ কৰ

रहक विकासका को प्रेसिक्टि क्राणाव प्रक्रमाध्य काल की क्रिकार करिय त्रापाद कार्याकार्षीया त्राप्त की विकास कृत्य कार्याक क्रापादक कैंद्रप्राणात की विकास कृत्य कार्याक करियामका के स्टब्सि

য় হা আন্তর্মী— আয়াবজালাতে টান্ট আটি লাটিনি নিশ্ব প্রত্যাসন্তি পাটিছ প্রকাশি কাল্য সাল্টি প্রতিষ্ঠ কর্মার প্রতিষ্ঠ পাই ক্রান্তি লাহ্য সাক্ষ্যি পরে সংখ্যাস্থ লাই ভাল্য হিছি সোল প্রস্থান ক্রান্তি ক্রান্তি ক্রান্তি লোক বিশ্ব প্রস্থান্ত ক্রান্ত্র ক্রান্তি ক্রান্তি নার্যাক্রান্তিত বিশ্ববিদ্ধ কর্ম ক্রান্ত সাংস্কৃতিই লোক্সান্তিত বিশ্ববিদ্ধ কর্ম ক্রান্ত সাংস্কৃতিই

২৫ জাগাদরী—সংগ্রাহীর এর সংগ্রাহ গুরাহার বালাকার বাহ প্রথান্তা বাজ গ্রাহি ও গ্রাহীর সিন্তির প্রাস্থান মাধ্য সংগ্রাহ গ্রাহার ভি ৪৫৯ জাইল লাভি তে নতুন বার্ভাই নির্বাহ হারছে আগোলীবাল আন্তেনিকভাবে টেই রস্তানি থালে দেওরা হবে।

১৪ আগস্ট শ্র প্রিক্টানের চলা বিশ্বর প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা কিলোকালা প্রকার বিশ্বর প্রতিষ্ঠা প্রতি

行為自己的學生 不可能能够。

क्षणांक्य आय भक्षामक्रम त्याचे विकासीत्यक स्ववसालकाह्य

# গান্ধী পরিক্রমা ১৫১

বিভতিভ্ৰণ বন্দোপাধাায়ের

আরণ্যক 🕬 ৬॥

গ্জেন্দ্রকুমার মিতের

জামেছি এই দেশে 8॥

প্রবোধকমার সানাদেলর

নগারে অনেক ভ্রাত ৪।।

নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়ের

নতুর তোরণ 💵

ভারোশ কারের

রাধা ৮, যোগল্পষ্ট ৭,

লীলা মড্মদারের

আর কোনোখানে ৫,

**রাধাকস্তা**ন্য

ধার্ম প্রাচ্য ও পাশ্চাত্য ৫,

धर्म अ प्रमाज ५०,

বিমল মিতের

সখী সমাভাৱ ৬,

नौदातत्रक्षन गुरुष्ट्रव

অপারেশন ৭,

পূব'পাব'তী ১১,

স্মথনাথ ছোষের

वंकिएसाठ १. बीवाखवा १,

- ব্টি কম্ভ ব্যক্তিকথা -নিম'লক্ষারী মহলানবীশেষ

কবির সঙ্গে য়,রোপে ১০১

ह जनत्या होत नज्ञाय ह

नीना यक्त्रमात्त्रव

मन्कूमात ताश 811

আবোল ভাবেলের কবি, সন্দেশের সম্পাদক স্কুমার রায়ের আশ্চর্য জীবনী

। न्छन वरे ॥

গজেন্তুমার মিতের ন্তন উপনাাস

আমি কান পেতে রই ১৪১

बाविब क्रमना है, भरन दिन बामा दे, महन ६ मीचि ७,

প্রবোধকুমার সানালের এক চামচ গঙ্গা ৪১

আশুভোৰ মুখোপাধ্যায়ের

দ্বরাজ বদেনাপাধ্যায়ের

त्रवंशर्व, जा ७, विशा १,

সৈয়দ মুজত্বা আলীর

রাজা উজীর ৮১

অচিন্তাক্ষার সেনগরের

গোরাঙ্গ পরিজন ১০১

শচীন্দ্রলাল রায়ের

জাহাঙ্গীর নামা ৮১

নকুল চট্টোপাধায়ের রোমাণ্ডকর সভা ঘটনা

हित्रकूमाती त्रजा ८.

नौतमहन्द्र कोथ्रजीत

বাঙ্গালী জীবনে রমণী ১০,

অবনীন্দ্রনাথ ঠাকুরের

न्जन बहुत ॥
 क्याद्यनाम सृत्थाशास्त्रत्

हिमालायुक्त भाष भाष

9.

মির ও খোষ : ১০, শামাচরণ দে শাটি : কলিকাতা-১২ ঃ ফোন ৩৪-৩৪৯২ ii ৩৪-৮৭৯১

প্রথম প্লাস্টিক বালভির প্রস্ততকারক 'সিলের' নতুন অবদান

# দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লান্টিক দ্রব্যের পূর্ন সন্দার

বাধকমে রং এর ছোঁয়া দেবার জন্ত—নগ, বালতি এবং টরলেট সীট। রারাছরের জন্ত—গামলা, বাটি, কাঁঝরি, খাবার টেবিলে উৎফুরতার জন্ত—মাটি, গেলাস এবং প্রেট,গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাছার করার বাগে এবং বাতির শেড্—বেমন রংচলা, তেমনি সহজে পরিকার রাধা বায়। হাঙা এবং অভঙ্গুর। নানাবিধ মনোহর রংগ্নে। সবই 'দিলের' তৈরী—বারা প্রথম প্লাষ্টিকের বালতি তৈরী করেছেন।

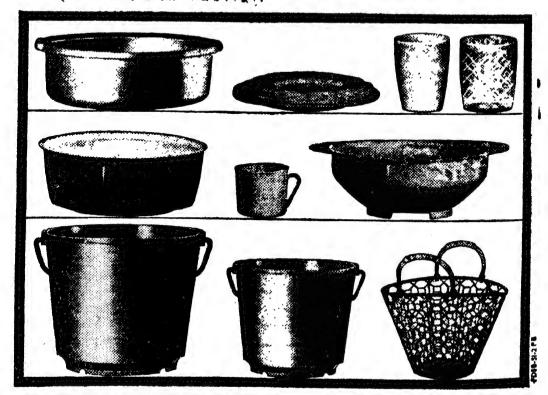
"দিলের" তৈরী বাবভীয় জিনিব নির্ভরবোগ্য ও টেকসই। কেননা, এ গুলি বছকালধরে ব্যবহার করার উপযোগী করেই তৈরী। **আয়ুমিকভার অল** সান্টিকস—'সিল' এর তৈরী মান্টিক জব্য কিন্তুন।



স্থপ্রীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড

SIL

७८ नक्सी मिनम् कम्लाङ्ख खग्राङामा, वरष-७১।



ডিলিট্রিউটর ং পরিচ্যবঙ্গ, আসাম, বিহার, ওড়িলা, মধ্য প্রদেশ, জনপ্র প্রদেশ, নেপাল, সিকিম এবং ভূটানের জন্য লেলার্ল টোড প্রেমেটিং কর্পোরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি রেছে, ৩য় তল, রুম নং ৪বি, ইণ্ডিয়া একচেল প্রেস একটেনসন, ক্রিকারা-১১। ব্যাহতের ক্রিকালের করা ক্রম্মেটি



• 10	T .		
বিষয়	লেথক		প্তা
दन्ता : भानमञ्	, ब्रांभ मार्वाम—	•••	(00)
ৰাজচিত—		•••	60S
দুশাপট—শ্রীনবা	রূণ গর্প্ত	•••	৫৩৫
देवदर्भागकीरम		•••	609
भाननम्ब जानीव		•••	605
व भन्मीत अर		***	685
	থ্ৰিত্ৰি ক্দ্যোপাধায়	•••	<b>689</b>
অদ্বের দিলি			669

রাজনৈত্রিক পটভূমিকায় নিমলিচন্দ্র মৈত্র-এর উপন্যাস

# **अख्डा**ल ७.७०

সোরি ঘটকের বাস্থব্যন্তি উপন্যাস

## রক্ত রাঙা নগরী ৯.00

**সৌর**নি সেন-এর অবিসমরণীয় বই

ভিয়েতনাম

भूय शांता (नाविक)

50.00

.....

#### কঙ্গো থেকে ফেরা ৮∙০০

আয়াও বই	
শতরুপে শতবার (উপন্যাস) শ্রীপারাবত	8.00
<b>আসম্ভ</b> (উপন্যাস) অচিন্তাক্ষার সেনগর্প্ত	6.00
পন্বল (উপন্যাস) বিনয় চৌধুরী	<b>9.00</b>
ৰিদ্যা <b>স্ক্ৰের মালিনী</b> (উপন্যাস) বিজন চক্রবতী	9.00
ৰাত্তি (উপন্যাস) বনফ্ল	8.00
ৰস্মেরা জাণো (নাটক) অজিত সেন	₹∙₫0

শাঘ্ট বের্বে..... ী

সভ্যানন্দ স্বামীর (হ অভীত কথা কও

नवडाइडी, ए. भागाऽत्व त न्यूरीहे, कलिकाङा-১২

ন্তন রাপে ন্তনতর পটভূমিতে আর একটি পর্ব প্রকাশত হল জীলুলোককুমার চলসভায়ি

# त्र भागि वोका

कर्नाहे भर्व ३००

্রাত বেমন হিমালের ডেমনি দক্ষিণে নীক্লির - পালেতের রানী উটাকামণ্ড কন্ত্র ও কোটাগির। কণাট পরের যবনিকা টাঠছে এই নীলবিরি পাতাতে। দেখন থেকে পাৰ্বতা পথে বিভিন্ন সম্পৰে পূর্ণ মহিসার রাজ। একদিকে সোমনাথ-পারে বেলুরে তালেবিড ও ভবেণ্যবল-গোলায় ভারতীয় স্থাপতাকলার **গ্রেপ্** নিদর্শন অনাদিকে রুনায়ণের যুদ্রের কিভিত্তকা, নিজয়নগরের ধরণদাবশেষ ও িশ্যে শ্রীরজগরন। প্রাকৃতিক সৌন্দর্যের আবর জোল কল্ড শিবসমান্তম ও रकारत का प्रावधीगीय का। दिन्छ জনারর শেষ এইখারন নয়। সাধ্যানক হুম্পুরের হয়ে অপরাপ প্রাম্কির টলেটা ও অহাত্যে এই পরের শেষ।

> এ ছাতা আমরা আরো ১২টি। পর্ব প্রবাস করেছি।

> > न उन अकानन

## वाश्वाय विश्वववान

সংশোধিক চতুর্থ সংস্করণ—মূল্য ১০-০০

শ্রীনবিনীফিশোর গৃহ প্রণীত

## वाश्वा भश्मा (छत क्रभ

F.00

স্কুমার রাম প্রতীত

## भाि याँ एन त

জগৎ জোটা ৭

निर्मालामा बाग्रहोध्यो धर्गीक

# ভারতের শিশ্প ও

वाशात करा २४.००

শ্রীঅধেশ্রিকুমার গণেগাপাধার (৩, সি. গাস্ত্রী) প্রশীত

এ মুখালী জাণ্ড কোং প্রা: বিঃ ১ বাংকা চনগালী দুটাই, কালকাতা ১২

(जि ५५०४)

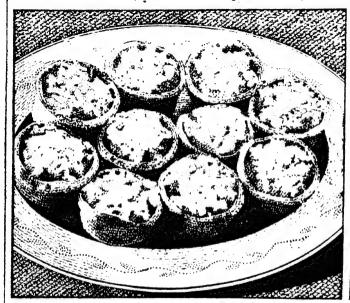


नियारी अधीता नाम প্রথানে পাকপ্রণালী বিশেষজ্ঞার একটি প্রসাত शाबात टेडरीर निरमणना

# হ্রুটি কার্ভটার্ড টার্ট হেরী করবার জনা

# रित २३ शलजत

ভ্যারাইটি কাস্টার্ড পাউডার ব্যবহার ক'রে দেখেছেন কি গ এই সম্বাচ মিষ্টি খাবার আহারের সঙ্গে বা চায়ের সঙ্গে বাজীর সবাইকে খুসী করবে।



ব্রাউন এণ্ড পলস্ম করেবলী কর্মার লিক প্রকর, সাবের মত মোলা, যম। নামত বৰামৰ ক্ষত প্ৰতিষ্ঠ চন্দ্ৰ টোলী কৰকৰ क्षण वर्ते कार्याण्यं शहर अवस्थार ४३० + द्रावादान

**द्धाउँम এ५ भनम्म** हरा १८ ७८० भारतके हैं का साह भारत है के समा सरा उसत ইপান্ত্ৰে (ভগ্নী এবং কাতি স্থাড়ে শুক্ত च रोका क्रिकेट अञ्चलकात कालार काला है।



- Cieff Griffe www.
- 24 101 28F1
- 418 (61851R5 MR#
- see die die er fe fa
- s≥ ६ छात्र का**च**न
- ১ পাল্ডট জাউন এন্ড প্ৰস্ক
- ছাবোষ্টি কাস্টাই পাউডার ১ কাশ টুকারে।কর। আংশেল
- ছড়িলে দৈবার জন্ত কোজালো

- মাধন হোল নিয়ে মিশিয়ে নিন; প্রে ডিম্বুলি আর ক্রেটিয়ে নিৰে খাল ক'ৰে মিলিছে দিন
- २६ ड्लीड चन्द्र सद्ध करेड़े ब्रह्माय शानन मानिहरू ब्रह्माड श्रक मा क्ष्मा क'रब (बर्ल जिसे ६ ४ के कि मक ।
- मामामा भागामाकारन जैएतेत हैं। के या सिन्ना क्रक्रिया Bis Bing went fein fan :
- ছা সেক্ষাৰ পাজের অপ্রার্থিক ১৮-২০ মিনিট সেঁকে ছিল
- (६०० फिल्ली काइन्स्मावेडे) । e. लाहकार्डेड जनवकाव निर्माण अवश्ये जाकिम .a.m.
- প্ৰস্তুত্ৰ ভাৱেট্টি ক্ষেট্ৰ ৰেখ পুন্তাৰে জীমের মত খন ক'রে নিন।
- আংশেলন্তলি চেলে নাচতে গড়ন :
- ও টাটের আধারপ্রলি ও অস্টোট ই'লা হ'ছে দিন। ৮। কাষ্ট্রের মিলার লিবে প্রেম্বির আধ্যের শ্বলি করে মিলো,
- ভবে ওপরে বেশ ক'রে ন্রেট্ল ছডিছে ছিন।

. १ कि. अ.ड. मार्ट्रास्थ्य -- इंस्ट्राङ्कीर ५ (३ म्हेरिक) বাংল্যে-এ:মিলেণ্ডেলেগ্রন্ত মালযাল্যে

্রিটা কুপ্রনাটি ভারে নীচের ঠিকান্যে পাচান : িকন প্রোড়ারীস কাম্পানী টেকিবা আইডেট **्रिलिमार्डेड,की निवास शास्त्र, स्थास्त्री** लाए. (बाबाई > वि-वात । 

অপেনার পরিবারের স্বার মনেরমত এরকম জারও নানান খাবারের জন্য এই পত্রিকার পাতায় দৃষ্টি বার্থন।

थात्रा क्रितिज थात्रा स्त्र स्व थाग्रव, व्राह्म प्यानवाद जरे ठ'लवा जन्तत।

কর্ম প্রোডাক্ট্রস কোম্পানী (ইণ্ডিয়া) প্রা: লিঃ



শ্রীনিবাস হাউস, ওয়াড্রী রোড, বোখাই-১ বি-আর



বিষ্	লেখক		<b>ग</b> ुको
জীবন যে-রকম—জী	ন্নলৈ প্রংগপাধন্য	••	669
বিশ্ববিজ্ঞান—ভাস্থ	ভিন্ন বার	•••	৫৬৩
বাংলার ঢালচিত-ই	গ্রদ <b>্ল জব</b> রে	•••	૯૭૧
ডায়োৱৰ ছে'ড়াপাতা	-कारात रिवेड्डन	•	690
পারাপার <u>কী</u> শ <sup>ং</sup> খেক	TO THE PROPERTY.	•	699
গানের আসর—১০	\$84	•••	640
ঘ্ৰে বাইৰে—ই সত		• · ·	649
নিউভিন্নাংভর চিনি	3—है (३४८) य देवताय	• • •	652
আথিকি ভারত— <sup>ই</sup> ⊃	TR 1 C. %	*	৫৯৭
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী - চে		•••	629

स्मान्यो अनामगीत विভिन्न स्वापन कस्मकृषि উপनाम

রী পারাবত-এব একড়ি বিশিষ্ট উপন্যস

## আমি আজ নায়িকা ৭.০০

s উপ্রতিস এর প্রগতি চলচ্চিত্রিভারি **জীবন করিনী** 

যুৰক যুৰতীরা	সামীক গাংগাপাধাক	₹.00
ারেমের কোহিন্র	देवशासन	७.00
উত্তর সম্ধ্যায়	कुभागः, वरमाःशक्षाय	A.00
চাৰনের জাটলতা	মানিক বাদনাপাধায	8.00
পণ্ডম তরঙ্গ	ব <u>ির্চটোপাধ্যায়</u>	8.00
কেন ভা <b>লোবাসা</b>	জন <b>্ম</b> ক্তয়	¢.00
<sup>त</sup> ्भकथा	সমরেশ বস্থ	8.00
তিন ভ্ৰনের পারে	সমরেশ বস্	৩৽৫০
তামসপর্ণা	স্রত রায়	••••

সমরেশ বসরে বিসময়কর উপন্যাস

## ভান্মতীর নবরঙ্গ ৯:০০

এ উপন্যাস এক অবিসমরণীয় ই**তিহাস** 

মৌস্মী প্রকাশনী – ১৫/২এ কলেজ রো, কলিকাতা-৯

তারাশংকর ব্রেসাপাধ্যয় ভায়াপথ \$0.00 অল্লাশ্যকর বাষ তম্বার জল 6.00 जाहें 8.00 त्रमाशन क्रोधारी ভারতবর্ষ 🧓 यनाना शन्भ e.00 এখনই F-00 স্ভার লাখাপাসা नाबरम्ब जार्याब grannara? কাচের সংসার ১০০ কালের পদধর্নন অন্তেশ্য ন্ত্ৰপ্ৰায় আলোর ঠিকানা गाठीरत्वाध राजनाशाधाय আনন্দ ভৈৱৰী ৯.৫০ অপরিচিতের নাম দীপক চোধারী ঘেরাও 6.00 গেলিখনত ভটাচার্য মহাকাব্যের প, তুল 4.00 দেহসিল্পী 6.00 প্রবেদ ঘটক 6.00 গোপালদেৰের স্বংন 6.00 নারায়ণ প্রাক্তাপাধায় চীপার গদ্ধ 0.40 क्लाडिजिन्म नन्ती ৰসন্ত ৰঙীন... 0.40 লাশাপ্তা দেবী অনৰগ্ৰুণিঠতা 4.40

> **ডি এম লাইরেরী** ৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-৬





বিষয়	লেখক		শ,ষ্ঠা
পণ্ডতন্ত—ডঃ সৈয়দ	ন্জতবা আলী	•••	৬০১
आत्नाहना-		•••	৬০৩
সাহিতা সংবাদ-সনা	তন পাঠক	•••	920
প্ৰেতক পৰিচয়—		•••	677
रथलाब गाउं—এकनव	T .	•	৬১৩
वतार्धाभ•छेत्नद्र साहेन	कान्त-गुकुल	*11	৬১৬
র গাজগণ—		•••	७५१
ञत्रगादम्य—		,	७२७
স।প্ <u>যাহক সংবাদ—</u>			६२८

প্রছন : শ্রীমজয় দাশ

# পাঠকদের নিজস্ব রুচির কাগজ

# **४**र्जान

াখন প্ৰতি ৰুছম্পতিৰাৰ আপনাৰ হাতে পে<mark>ণছে ৰাছে।</mark>

#### প্ৰতি সংখ্যাৰ আকৰ্ষণীয় স্চীঃ

নাদ/সমরেল একা: তারি কেখা সংগ্রেলী সর্ব্যাহে বড় কথা, তার জাবিন অক্রেমণ।
ভূপন্নির্মিন স্ক্রেমণ সিরাজ : মাজেড়া উপনাস্থির প্রভুমি, কাহিনীর বিশ্তার এবং
১৪বংগালির মান্সিক বা প্রতিব্যাহর মান্সিক বার:

শ্বাপথ। সমাচার : ধর্নির প্রতায় নতুন সংখ্যোজত। এই বিভাগে স্বাস্থা সম্প্রে নির্মিত মালাচনা এবং প্রিবীতে স্বাধ্যাক আবিষ্কৃত প্রতিষ্থেক সম্প্রে স্থাচন্ত সংবাদ। শীমানের ওপার থেকে/শ্রেবীণ বা : পাকিস্তানের রাজনৈতিক, কথানৈতিক, সামাজিক ৪ সাম্প্রেতিক বিষয়ের স্বাধ্যের থবর, যা একমতা ধর্মিতেই লক্তা।

লৈ ৰংগের কৈছা, একালের ইতিহাস/স্বাধীর রাজচৌধ্রী ও প্রেনো যাগের বিষয়া িত্যাস লেখাকের কল্লা উচ্ছালে হাছে প্রতি সংখ্যায় প্রকাশিত হাছে।

कार्टेन किठाव/मन्यय बाब **मान्य तिमार्जी**।

্ম ছ ড়াও প্রতি সংখ্যায় থাকছে। মেয়েদের নামা কামা-জজানা সংখ্যাস ভবা জন্মন্ত্রীক।

ম ছ ড়াও প্রতি সংখ্যায় থাকছে। মেয়েদের নামা কামা-জজানা সংখ্যাস ভবা জন্মন্ত্রীক।

শৈবর নামা প্রাণেতর বিজ্ঞান বাতা পিছিচ বিজ্ঞান, লাহের কেথার কি কি কিনাতে

শিওয়া বায় 'হাটেরাজারে', আপনার সাহিত্য সংবাদ লাহিত্য সংক্ষতি, নামান মজার

মান্ত্র আরু ঘটনা নিয়ে চেনাজনেনা, আকর্ষণীয় ভিত্ত ও জন্মনাক, মান্ত্রী-জন্মনান এবং

শর্মার ভালত, নপুদ্র হাংলা, বিশ্বপরিভ্রা, বাশিজা, গ্রুপ, ক্রিডা এবং প্রতি সংখ্যার

রামা প্রতিযোগিতা, আক্রণীয় প্রকৃত্ব ও প্রজ্ঞান কাহিনী। প্রতি সংখ্যা ও৫০ পর্যা।

সকলের গেকে স্বভন্ন স্বাদের পরিকা 'ধর্নি'র প্জা সংখ্যার জন্য আপনার এঞেণ্টকে এখনই বলে রাখুন।

**पर्नान कार्याणम :** ৬০/২, ধর্মতেলা স্থীট, কলিকাজা-১৩, ফোন : ২৪-৫৩১৩

#### विद्यामत्म्य वर

মোচিত্রলাল মক্তমদার

## किं सीयभूमृत्व ५०.६०

সাহিত্য-বিচার বাংলার নবযুগ বাংক্ষ-বরণ

8.00 8.00

সাহিত্য-বিতান ভূজ্জভূষণ ভটুচাৰ্বের বৰীদ্য শিক্ষা-দৰ্শন 20.00

সংগ্রহাশ রায়ের

## ভারতের কৃষক-বিদ্যোহ ও

গণতা লক সংগ্ৰাম ঃ

প্রথম খণ্ড ১৬.০০ শুলিবজন সেন্ডেগ্রের

অলিম্পিকের ইতিকথা ২৫.০০

ভ: ব্ৰুদেৰ ভট্টচাৰের প্ৰিকৃৎ রামেন্দ্রস্থৈদর

ডঃ বিষ্ণানস্ত ভট্টাচাহেৰি সং**ত্ৰত সাহিত্যের** 

त्राभ्यक्ष्य नावरकार त्रभ्यवधा

>00

K.00

H . DO

শ্ৰীমন্তকুমার জানার

# **त्रवीॡ्रयन**न

রিচা : রবীদূনাথ ও বৌদ্ধ সংক্ষ্মিত; রবীদূনাথ ও বাউল সংগাঁত; রবীন্দ্রনাথ ও বাসসভাতা; রবীন্দ্রদ্যাঁতিত সংভাষতনাঃ; ভারত ও সিংহল এবং রবীন্দ্রনাথ; রবীন্দ্রনাথ ও বাংলার লোভিক ছলা; রবীন্দ্রনাথ ও বাংলার বাটো-সাহিত্য; চিদ্রানিদ্রনাথ; রবীন্দ্রনাথ ও আর্বান্দ্রনাথ ভ্রমণ-সাহিত্য; রবীন্দ্রনাথ ও আর্বান্দ্রনার মন্দ্রে; রবীন্দ্রনাথ ও আর্বান্দ্রনাথ ও আর্বান্দ্রনার

ডঃ সাধনকুমার ভটাচাবের

নাট্যতত্ত্বমীমাংসা ১৩.০০ জনাই সমূহত্ত্ব

**।** छञ्जन भेव

\$4.00

খংগাদুলাথ মিতের শ্**তাক্ষীর শিশ্সোহিত্য ১০**০০০ প্রামিত হাহা**ড** 

কিশোর ও তর্বে জগতের সচিত্র মাসিক মুখপত

# কিশোর ভারতী

প্ৰথম বৰ্ষ মাদশ সংখ্যা য় ভাস্ত ১০৭৬/ সেপ্টেম্বর ১৯৬৯ য় দলে ৭৫ প্রাসা

বিদ্যোদম লাইরেরী প্রাঃ লিঃ ৭২ মহাম্যা গান্ধী রোড ৷৷ কলিকাতা ১ ফোন : ৩৪-৩১৫৭

# ति प्रकाशि खाफ्टे बांबा यायः

- ১ দক্ষিণ ভারতের সেরা কফিদানা থেকে তৈরী—১০০% ভাগই খাঁটি কফি
- পৃথিবীর সর্বাধিক অভিজ্ঞতাসম্পদ্ধ ইন্ট্যান্ট কৃষ্ণি প্রস্তুত্তকারকের ধারা এই কৃষ্ণি ভৈত্তী
- ক্রিমত বেষল ক্ষি চাই তেম্মি বৈশ্বী করা

  চলে—হালতা হা কলা—

চাসচে অন্ন পরিমাণ

সাধারণভাবে পর্ব চামচ Ala elae,

আর এতে খরচারও সাত্রম প্রয়োজনমত নেগ্জাফে নিল→ কিছুই ফেলা যাবে না।





NESCAFE

तिস্কাফে – স্থাদে অতুলনীয় কফি

अल्युकारक-ल्युत्वह देवती हेनुकारक कावह द्वाककार दक्ष्याके,

# এकरे ििंडेत-किन्नु शॉंं कितिं≃ा

্র বহুমূখী একই টিউব বিজিন আগপকেশাইট বেস পেন্ট্য-এ উপধোগী ৷ মনেরমত জিনিশ—নিমেবে তৈরি ৷ প্রায়নার মত চক্চকে মধ্যালের মত মসুব-ঘ্যক্সাহ্যামার, মেটালিক এইরকম ব জিনিশ ।

্র এই সর আপেকোলাইট বেস পেন্টসু **থেকে বেছে** নিব:-সিনথেটিক এনামেল, আগজিকিক ইমা**লসর,** ডেকোপ্লাস্ট ওয়াল ফিনিস, সিনথেটিক মাটা, স্থামান ও মেটালিক এবং আগত্রিলিক ওরংশবল্ ডিসটেম্পার ত সঙ্গে সঙ্গে রঙ খেলাবার করা মাঞ্চিকটাচ

# यार्किकरीए

मदम मदम बढ (मनावांत करा

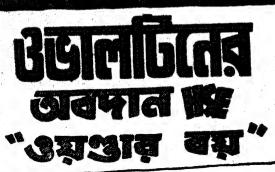


এশিয়ান প্রেনীস

সব রঙ কবার কাজে এশিয়ান পেন্টস

LPE-ALYARS A. 1924 BN





# উদ্যম আর উৎসাহের সর্বেবান্তম প্রতীক



त्व अहे "अवशाय वह"। बालकहें वादा, wie wie Benten afegia-areis कान क्लामतिम या जानमाटक क्लामाटक। প্ৰাদেৰ উৎস-সদা উচ্চল বাবতে যাকৃতি যে উদ্যানৰ প্ৰয়োজন, ডাই পাবেন ওভালটিনে। প্ৰতি পলে পৰে জীবনকে উপভোগ করতে ওভালটিন আপনাকে জোগাবে অভুবত শক্তি कार काक देश्याद्। क्यांनदिसंद संदय बरगढ गम्बलि এই "अवसाय यह ।" अकामकी পর্য সুরায় ও একাত পুরিকর: সংযুক্ত शास्त्रीयक बालकाव स्वयुष्ट । अकामहित्र অমৃদা হল্টের পরিয়াণ কর বে-কোনো की। यह यह इस । आरष्ट, (साम्रिय, कार्टका-शहरकृष्टे, किरोबिम बाब बनिक नशर्व। সৰ কিছু নিযুত ভাবে মেলালো। অভি केशारण्य अब समुख्य प्रत्मेष साम । क्कामतिम क्रमा क केरमारस्य नवा केरम ।

প্রভাকতিম ওভালটিম খোর বাছে।, শক্তিতে, উল্লয় আরু উলোছে মিজেকে ভবিবে চুলুন। ওছালটিম থালু-পানীত বিজে স্বচেতে বেশী বিক্রী হচ্ছে। পরিবাল্লের স্বার পচ্ছে প্রস্ন উপকারী।



ভারতে তৈরী করেদেন স্তুপাৎ জিড ইণ্ডানিট্র জা লিমিটেড কাহিলরী সহারতাহ আচন এ গুরাণ্ডার লিমিটেড, লঙ্ক একমাএ পরিবেদ্ধ : ভোলটাদ দিমিটেড

হাজন মজাৰ পুৰো বাঙৰ এক বাঁবাৰ ছবিদ লয় আছেই চিঠি লিছুৰ। বিৰয়ট হ'লো—
"এইড, এস. এ. ই-উচ্চাবৰম:" আলমাতে শুদু নীচেৰ মুগনে নাম ও ঠিকানা লিকে
এবং ওডালটানৰ কোটাৰ চাকনাৰ নীচে পাজনা যে সীলের পাডট ব্যৱহে সেট কোঠ এই ঠিকানাম পাঠিয়ে দিন।

লগংকিত ইণ্ডান্ট্ৰিল লিবিটেড ৩৪, বিং বোচ, নরামিরী-২৪

নাম "

विवास्ति

**िंका**बा

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দী।। উপন্যাস।। দাম ৮.০০

#### "दबादधामय

শংকর ॥ উপন্যাস ॥ দান ৫ ০০

## **बमः** लगा

্বনফুল ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩ 00

#### ভালোবাসার অনেক নাম

শিবরাম চক্রবর্তী ॥ গল্প-সংকলন ॥ দাম ৬ ০০

### পাতাল থেকে আলাপ

ব্দ্ধদেব বস্থা উপন্যাস।। দাম ৫.০০

#### टलाकढा

গৌরকিশোর ঘোষ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩.০০

#### বেগম মেরী বিশ্বাস

বিমল মিত্র ॥ উপন্যাস ॥ দাম ২৫-০০

#### ব্ৰজদার গ্ৰন্থ-সমগ্ৰ

রূপদশ্যি। গলপ সংকলন ॥ দাম ৬.০০

#### বন উপবন

সংবোধ ঘোৰ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৪.০০

## খডকুটো

িমল কর॥ উপন্যাস॥ দাম ৪.০০

## भग्न दी

ারেন্দ্রনাথ মিত্র ॥ গলপ-সংকলন ॥ দাম ৩٠০০

#### जाबाना-अजाबाना

मानीन तात ॥ উপन्यान ॥ माम ७.००

## नागिना बाराएण

গৌরকিশোর ছোষ ॥ গল্প-সংকলন ॥ দাম ৪.০০

## द्याभरकरम्ब विनयन

भारतिमन्मः वरम्माः ॥ शक्य-সংकलन ॥ मात्र 8·00

#### প্রজাপতি

সমরেশ বস্থ। উপন্যাস ।। দাম ৬.০০

### ঘরণীর বিকল্প

শিবরাম চক্রবতী ॥ গল্প-সংকলন ॥ দায় ৩.০০

## পরাজিত সমাট

রমাপদ চৌধ্রী॥ উপন্যাস ॥ দাম ৪.০০

#### विवर्

সমরেশ বস্থা উপন্যাস ॥ দাম ৫ 00

#### जन माउ

সভোৰকুমার ছোষ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩٠৫০

#### স্বৰ্গ সজ্জা

মনোজ বস্ ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৪٠০০

## गरनंत्र यान्य

শৈলজানন্দ মুখোপাধ্যায় ॥ উপন্যাস ॥ দাম ৩.০০

#### ভারত প্রেমকথা

म् द्वार पाय ॥ शक्य-**मःकलन ॥ माम १** ०००



📞 আনবদ পাবলিশাস' প্রাঃ লিমিটেড

## বাংলা ভাষার স্বাধিক প্রচারিত এক্ষাত্র প্রথম শ্রেদীর সাম্ভাহিক

# (किट्रा

०७ वर्ष ॥ मर्था। ८८ লানবাৰ ২০ জান ১০৭৬

#### **सर्गाम्** গ্রীঅশোককুমার সরকার

श्यास जनगामक গ্রীসাগ্রম্য ঘোষ

বেছাধিকারী ও পরিচালক লাল্ডলবাফার প্রিকা প্রাঃ বিচ ৬ প্রসাল স্তর্য দুর্গীট, কলিকার। ১ থেকে শ্রীদটিভাংশকেমার দাশগােড কহ'ক মুদ্রিত ও প্রকলিত

> टोनिएम 25-2240 25-4682

#### Birig EIS ক্লিকাডার

হাতিক - 34.00 হ'ু সব ... 52.40 লৈ সক 4.23

বাৰ্ষিক সভাৰ ... ৩০.০০ ... 54.40 ট্ৰেমানি*ক* A-00

#### পাকিত্যানে

(ভারতীয় মালুয়ে) যাগির সভাক 👑 ৩০.০০

ষামাসিক 🔔 🔔 ১৫-৫০ হৈম নিক

#### Sigtog affett ( काहाक (Vin)

যাবিক সভাক 🛶 ৫২.০০ হান্মাসক ...... ২৬.০০ থ্যৈগ্ৰিক ....... ১৩.০০

#### कांगल कथान (दिमान खारक)

বাৰিক -- 03.00 ৰাশাসিক - 33.40 देव्यानिक

30.00

গাম ৫০ প্রসা केत्रवाम । जागाद्य অতিরিভ বিদান মানুকা ও পরনা

#### DESH

Saturday 6 September, 1969

#### मन्ता । जानमर, जामिनावार

মানের এখানে বর্বা কিছুটা দীর্ঘানারী কড়: প্রাবণে তার বিদারপর্বের 🖫 স্কেন্ হয় বে তাও নয়, ভরা ভার ররেছে, তার পরও খেপা আন্বিন। মোটামটি বর্ষার মেষ কাটতে আদিবন শেষ হরে বার। এর ওপর প্রকৃতির বার-श्वराजीभना एए। आह्नहें। श्रीमहमवरणा क्षतात वर्षा सामरे किह विनाम बर्फरेड ! এই বিলম্বের জনো কিনা কে জানে নিয়মিত বর্ষা নামার সংখ্যা সংখ্যাই প্রবল বর্ষণ। ফলে আজ ভাদের মাঝামাঝি এসে আমরা দেখছি, পাশ্চমবশ্যের আর্থক এলাকা এখন বন্যার করলে। মালদত মুদিদাবাদ পদিচম দিনাজপুর, কোচবিহার, মেদিনীপুর, চন্দ্রিশ প্রগণার একাশে ও নদীয়া থেকে নিতা বন্যার সংবাদ পাওরা বাচ্ছে। এর মধ্যে মালদহের অবস্থা বোধ হর সবচেরে গরেতির। म् निमातात्मत्र व्यवस्था त्मरे तक्य। मानमर त्यकात मनावि थानात्र मध्या नर्जवि থানাই বন্যার কবলে, বন্যায় মতের সংখ্যাও তেইল জন। স্থানীয় লোকদের মতে, গত পাচিশ বছরে এমন বন্যা এখানে দেখা বায় নি। মার্শিদাবাদ জেলারও ব্যাপক এলাকা বন্যার কবলে। গুপা ও ভাগীরথীর জল বেডে চলেছে, জেলা সদর বহরমপুরের সঙ্গে জংগীপুর লালবাগের যোগাবোগ বিচ্ছিম। জাতীয় সভকও জলে ডবে আছে। মালদহের বনায় ক্ষয়ক্ষতির পরিমাণ বা শোনা যাকে তা ভয়াবহ, প্রায় সাড়ে তিন লক্ষের মতন বারি আছ বন্যার ফলে দুর্গতি ভোগ করছেন: আন্মোনিক দেও কোটি টাকার মতন ফসল নন্ট হয়েছে। মুনিশ্বাদের বন্যায়ও ক্রতির পরিমাণ কিছু কম নয় এক লক্ষ লোক বন্যায় বিপার, আশ্রহারা হয়েছেন শত শত পরিবার, জংগীপরে মহক্মাতেই ধানের জয়ি নণ্ট হ**রেছে প্রার** পৌরে দুই লক্ষ একর। সমগ্র জেলাতে নয় লক্ষ একর মতন ধানের জমি **জলম**ণন। ঘরবর্গাড় উভয় জেলাতেই নষ্ট হয়েছে প্রচর।

এই সংক্ষিণ্ড ও আনুমানিক হিসেব খেকেই বোঝা যার-নালদহ ও মর্নিশ্রবাদে বন্যার অবস্থা কতটা মারাত্মক হয়ে দর্গিডয়েছে। স্বভাবতই ব্যাপারটি আমাদের উদেবগের বিষয়।

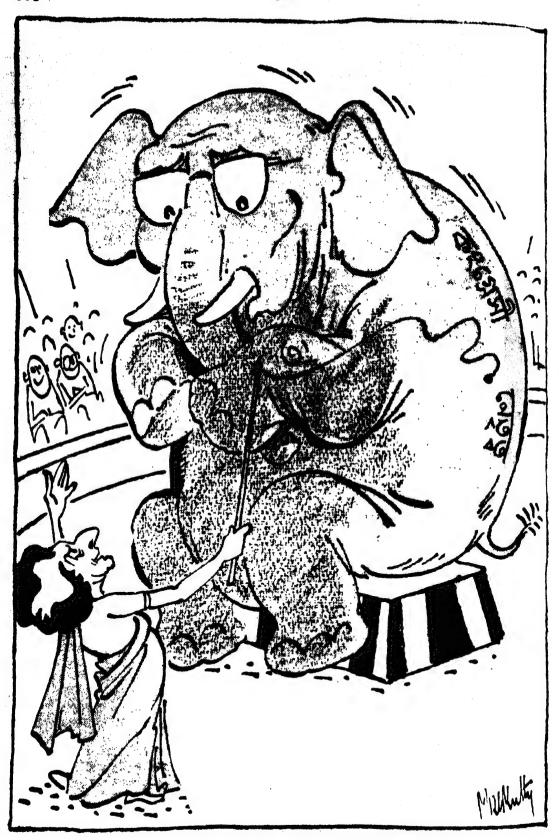
বন্যার ফলে যে পরিস্থিতি দুভিয়েছে তাতে সরকারের পক্ষে চাণকার্যের ব্যবস্থা করা ছাড়া আপাতত আর কিছু করার নেই। রাজা সরকার সে ব্যবস্থা করেছেন এবং সাম্যারক বাহিনীর সাহায়ত নিরেছেন। তব্য শোনা যাক্তে এই ব্যবস্থা প্ররোজনের তলনায় সামান। বিধানসভার অধিবেশনে জনৈক **যুৱফ্রণ্ট সদস্য** ম্পিশিনবাদের বন্যার উল্লেখ করে যে মন্তব্য করেছেন তা মারাখক। বিপন্ন ব্যক্তি<mark>দের</mark> উদ্ধাৰের কাছে আক্রেন্ডের সামারিক নৌকো পাঠানোকে তিনি 'প্রহেসন' বলে উল্লেখ করেছেন। অন্য দিকে মালদহে কন্যা-দার্গতদের মধ্যে ধারা রিলিফ ক্যাদেপ আশ্রর প্রেছেন, তাদের দাবি খাদা। অভিযোগ উঠেছে, ওারা কালেপ তিন চার্রাদনের মধ্যেও ভাতের মথে দেখেন নি।

সেভিজের কথা, বনারে জল ক্রমণ সরে যাছে বলে খবর আসছে। বনার জল নেমে গেলে ১াণ-কারেরি স্থাবিধা হাবে বলেই আশা করা যায়। তখন <mark>অবশ্য সমস্যা</mark> আরও জটিল হায়ে দেখা দেবে : যেমন ক্ষতিগ্রস্তদের আশ্রেষ্কের বাবস্থা করা, খালোর ব্যবস্থা করা। পর্টিভত্তের চিকিৎসা ও সেবা শুগ্রেষার প্রদর্শনিউও বভ করে দেখতে হবে। উপরত্ত কনার পর মহামারীরও আশুজ্কা থাকে, সেদিকেও বিশেষ লক্ষ রাখা প্রযোজন।

সরকারী তাণ ব্যবস্থা ত্রটিমান্ত ত্বে এমন আশা আমরা করি না। এই ব্যবস্থার স্থেগ বেসরকারী বারস্থাও থাকা দরকার। বিভিন্ন সেবা প্রতিষ্ঠান ইতিমধ্যেই শ্রুনেছি এ-বিষয়ে সঞ্চাগ হয়েছেন। বন্যাত দের রক্ষায়, বিপত্মদের দুর্গতি মোচনে লেণ এবং সেবার কাজ স্বরান্বিত ও স্কুট্র হোক--আমরা এইমার কামনা করি।

প্রসংগত মনে রাখতে হবে, মাঝ বর্ষার এই বন্যাই এবারের মরসংমের শেষ বন্যা না হতে পারে। কাজেই ভবিষাতের জনোও সরকারের সতর্ক থাকা প্রয়োজন। ইতিপূর্বে আমরা বলেছি আজকের দিনে বন্যার ক্ষমক্রতি অনেকটাই নিবারণ করা যায়--যদি আগে থেকে বন্যা নিয়ন্ত্রণের ব্যাপারে সতর্ক দুল্টি দেওয়া বার। সেচ এবং পতে বিভাগের দায়িত ওটা, চাণ বিভাগের নয়।

পশ্চিমবশ্যের সেচমন্ত্রী শ্রীবিশ্বনাথ মুখার্জি সম্প্রতি উত্তর বাংলার বন্যা নির্মণ্ডণ সম্পর্কে দিল্লিতে কর্ত্রপক্ষের সঞ্জে কথাবার্তা বলছেন। <del>জানা গেল, বন্যা</del> নিয়শ্যণ প্রকল্প কার্যকর করার জন্যে ১৮৫ কোটি টাকার দাবি তিনি জানিরেছেন। এ ব্যাপারে দিল্লি কী করেন দেখা যাক। এ বছরের বনায় ক্ষতিগ্রস্ডদের জন্যে ৫ কোটি টাকা মঞ্জার করার অনুরোধও তিনি জানিয়েছেন। আশা করা যায় এই অর্থ পাওয়া বাবে।



গুলিব ভোই

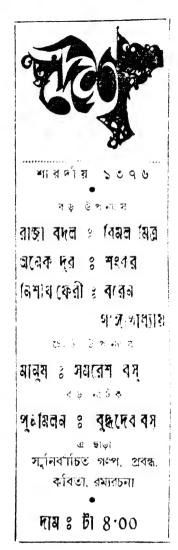
নিতে কাল্লেস এবং তিতেন্দামে ব্যক্ত নিতি লৈ প্রসাধান কর্মান ক্রমান ক্রম

ল হলে কে ভেৰোছলেন বছনে এ**তশতর** •৪৮ এলারস অটার থাকার ? কে বারাত royals (not প্রধানমন্ত্রীর আমন সার মহাস ধ্বনিত্র গ্রহ এবং কংগ্রেম সভাপনিত ক্ষম চ্চৰত সংকৃত ওচালাকং কমিটিটে আবাৰ স্ব্রাছ জার ভার হার স্থানে বা ক্রান্ত লেকেপথেটি মাতা জনসংখ ভ স্বার্থ প্রার সংখ্য কর্মের স্থাপ্ত বিশ্ব ভাততের আহিলাসে সংগ্র প্রথানি**র** বিল্লেখ হেও বিশেষ ভবিত্ত হৈ কলেকবিষ আৰু আন্তৰ শিশাৰ সংক্ৰি হয় তথাবন ম জন্ত হল সংগ্ৰহ হুল । তেওঁক **ব**িল'— একেটা বা বল ১৮,মান করাত কুমুরে, রুজ্যুর <mark>স</mark> \* 4 6 (20) 4 \* 4 4 4 \* 24\$ \* \$ (45) 2 (1278) হিচাৰ জন্ম ৰাজ্য হ'ল সমূহৰ বিভাসনিক্ৰ বিতার বাবে ভিলাভ ক্ষা **হয়ে**। ক্ষাক্রাকার সেল శ్రీ జనన్ ేంద్రోనికె, దక్షాన్లు కాణంగ్రామా গ্ৰিম্ভিত প্ৰতিব হাস নাজাই কেন্ ತ್ರೇ ೨೦೬೬ ಕಟ್ಟಡ ವರ್ಷ (ವರ್ಷ) ವರ್ಷಕ Constant 9

MON 1992 Chase \$900 1 (44) শক্ষেত্রতা হার্চ বিবার বিরুদ্ধেরে কলে **মানে** na in the State of Biographic A ক্ষাৰ্থত কৰেছিলেন কে ভাৰত ছাত্ৰছাত্ৰ ইত্তর্ভন স্কল **ইনিসম** ক্রেণ্টের **ও** এনাৰ কংগ্ৰেমৰ সালে হনত ভিন্তৰত্বে ভুনাই মিক বৈৰ পাছন ছট্প্ৰে চেন্টা কল্**চ**নত মন গায়, স্থানেশ্রীর সেই আভ্রো**প** সম্পান উল্লেখ্য পারতি লৈ পি এই 🗗 বৈষ্ণাট কড় ভুৱেনছিলেন এবং ীকভাৱে নাধ্যভিপালের ধল লি পি আই (এম) তক্ষেত্র বার বার ঘোষণা করেছিলেন 'আন্তা এই আভিযোগ নাখপথ নহ প্রমাণ ্বতে পারি'? সহক্ষীরি বিব্রুপের্ শরিক <sup>মন</sup> সম্প্রেক সেই মান্ত্রপ্তাক জাভযোগ আ**জ** <sup>এর কেরে</sup>রত **শ্**রনো ব্যাপার। ভারণরও <sup>কিং</sup>গু কেরপের শ্**তু**গ্রনট সরকার টি'কে <sup>উচ্</sup>চ! মাস চায়েক আগে কলকাভায় <sup>মলের পরিচাটব</sup>ুরেরের এক বৈঠকের প্র ন্যান্ত্র্যাদ্র সাংক্রনিকলের কাছে **ঘোষ**ণা র সেলেন "সি পি আই এবং তাদের



বংধাদের চক্রাণেত বেরবেশর যাক্তমনট তেতাল পড়ল বলো। মুনট বিশতু এখনও আটট! কলড়ক বিধান সভা বংধ, লোপালন সামেব বলেই দিয়েকেন "করেকবিনের মার্মে



আছরা হয়ত বিরোধী হলে বসব – সি শি আই, আর এস পি প্রত্যতান কংগ্রেসর সংগ্রহণ হাত মিলিয়ে সরকার গড়ভেন : ভারপরত প্রায় একমান হয়ে গিয়েছে — শ্রন্ত সরকার ঠিকই চলছে! এখনও স্ব**ই** বিন্তাত মিট্মাটের ফলেল্ল। খালেছেন।

ওলা অধাং কোন্ত কংগ্রেস সরকার ঐবং
কেরলে ব্রুফনট মিটমাট করে টিকে থাকুল
তাতে আমার কোনও আপতি নেই। খুলি
ওারের শ্রীবৃদ্ধি পটে তাতেও আমি কথুলী
ধ্ব না। কিন্তু আমি শ্রুম্ব চাই, ওটুনর
সংগ্রুম্ব স্থান বিশ্ব হোক। ওাদের অনিইডর
বিল শ্রুম্ব নিজেনের কল্যানের জন্য হর,
বিল শ্রুম্ব সাধ্যার লোচেনীগত ল্যাথামিন্দির
উপেন্দা হয় তাহালেই আমার যোর্হের,
তাপতি আছে। যে সর্বার শ্রেম্ সরকার
শ্রুম্ব গোটী স্বার্থ রাজার প্রয়োজনে
ভাগিত আমি মনে করি জনস্বার্থের বিচারে
স্ক্রেকার গ্রুম্ব স্থান্য বাহার ই ভালা।

এইসর প্রস্পা তর্বনা উঠতই না যদি দেখা থেত গুল হা ভাগতলী বলাই নিটারে কেলো এক হাম জননিত্ত আহিনিয়ে ল করেছেন। তা করেছে পার্ডের না বালাই আজ নানক প্রস্কা করেছে। বলাড়াকাটি থাকরে না, এমন করা কেটই পলাকেন না। বিরেখ বাদি মহাদ্রশা নিয়ে হয়, নাতাজন বলা কেটই পলাকেন হয়, নাতাজন করে ভার সর্বেল থার বাড়াকার হাল করেছে বা কোনিটার জরা করি বাড়াকার বা কোনিজ গুলাকার না করেছে বাজা কে বিরেধে বাব বেশালী আজ্বিত কেনাড়া কিছা দেখালৈ বাজা করা করেছে বাজা করা করেছে বাজা করা করেছে বাজা বাজা ব্যাকার বাড়াকার বাড়াকার বাজার বাজা

প্রমান্ত প্রদান ও তার সম্মাকরা বলছিলেন, রাজগাত নিরাচনে তার যা সর
করেছন সভ্যর নাতির জনা বিবেকের
নিরেশে। তার ব্যান কার্ যদি হঠার
বিবেক চল্যা হয়ে ৩৫০ তাতে আমি আপতি
করে না। বিশ্রু বিবেক চল্যা হয়ে উঠে
আবার এত তাজাতাড়ি তা চুপসে পেল
কেন্স প্রান্ধ ম প্রীরা বলেছিলেন,
প্রীমিজনিগরাশা এবং তারি বন্ধরো
শ্রীমজনি রেভাভরে কেতালার কন্য কংগ্রেমর
আদশের থেরতর বিরোধী দুই দক্ষ জনস্যায়
এবং শ্রুভর পার্টির সঙ্গে যাত মিলিয়েকেন
বলেই তারা কংগ্রেমের প্রাথীর বিরুদ্ধ

ट्डांचे पिट्सट्टन। स्टब निमाय कथाचे जला। কিমত বদি ভাই হবে আ হলে (১) পরে প্রধানমান্ত্রীরা জনসংখ এবং স্বতন্ত্র পর্টি ষ্টিত সব অভিযোগ ভল বোঝাবুঝি' বলে তলে নিলেন কেন? এবং (২) সেই অভিযোগে কংগ্রেস সভাপতি এবং তার বৃষ্টদের কংগ্রেস থেকে বিভাডিত করার मारि जानातम् ना त्यन ? श्वनकारी शीन লেই পথ ধরতেন, ধাদ তিনি ব্যক্তিস্বার্থের কথা ভূলে এবং গাঁদর মোহে এ'টে না থেকে মূল অভিযোগে ও পাবিতে অটল থাকতেন তা হলে মান্ত ককতে না তালৈ সালেই আদর্শের জন। লডছেন। সে লডাইরে প্রধানমন্ত্রীরা যদি হারতেন যদি কংগ্রেস থেকে তাঁদের ধেরিয়ে আসতে হত তাহলেও মানাবের সমর্থন তারাই পেতেন।

কিন্দু বদলে ওয়ে কর্ফোন কিট বংগ্রেস
ভ্রায়বিং কমিটিতে বসে বহাফেন হ মতি,
ভূল থবর শ্রেম কি ভূল বোননার্থিট ই না
হয়ে গিরোছল! আহা, কটি খোলখনের
দল! একেবারে পরিখনার ধরা পড়ে গিরেছে
এবার, ক্রেফ বাহিগত ও গোন্টোগত স্বার্থে
ওই অভিযোগ তোলা হরেছিল: আবার
মথন দেখা গোলা সরকার পড় পড় মন্তিছ
যায় যায়, তখন দেই বাভিগত ও গোন্টাগত
স্বার্থেই ভূল বোনাব্যুক্র অভ্যুহতে
ভ্রাবিধ্বত হল!

শ্রীনভালগোপ্য এবং তাঁর তার বংবাদের রেকড় কিট হাংকার দিলেন ডিলিস্পিল রাখতেই হতে। বল্লেন দলের শাংখ্যারকার ঐতিহালাণ্ডত নাতির প্রশা এটা। ধ্রাণ্ট্রপতি নির্বাচনের ফলাফল যথন বেরালো যথম দেখালন ভিত্তভেন প্রধান-হলাবি দল এবং ঘলে পাহাৰ ওদিকটা ক্রমেই ভারী হচ্ছে, তথ্য কিন্ত ক্রমেই সরে নরম হল এবং নিজেদের মধ্যে মততেন বাজন। শেষ প্রাণ্ড, ওয়ার বিং কমিটি বসার ল্থে যথন ব্ৰুজনেন, এখন ভিসিংসানের চাপ দেওয়া মানেই বৈভিন্ন রাজ্যে ও কেন্দ্রে কংক্রেস সরকারের পাতন, তথন তাঁকের থাত পা ঠান্ড। হয়ে গোল এবং প্রায় সর্বসম্মতি-ক্সেভেই ভই প্ৰদত্যৰ অন্তেমিত হল। লিজালালালে এবং তার কথারা যান সাতিই লড়ইয়ে নামতেন এবং শেষ পর্যনত হেরেও যেতেন তা হলেও মান্য ক্ষত

#### কিছিততে টান্জিট্টর



২৮৫ টাকা পানের প্রিবী বিখ্যা ও না ন না ল ডি লা ও ত বাশ্ড জল ওরাল্ড পোটোবল ট্টার্নাঞ্চনট

মাসিক ১০, টাকা কৈস্তিতে কিন্নে। প্রতি গ্রামে ও শহারে পাঠান সায়। লিখনেঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, PB 1045 Delhi-6 ওরা একটা কিছু নীতির জনা **লড়ে** হেরেছেন—ও'রা ক্ষাতালোভী বাকাবাগিশ অথবের দল নন!

এইভাবে কেরলের যুক্তমনটের বিরোধ বিশেষণ করলেও দেখা বাবে যে, লড়াইটা ঠিক নীতির জন্য বা জনহিতের গণ্থা নিরে নর। লড়াইটা প্রধানত দলগত এবং গোণ্ঠীগত প্রথের।

সি পি আই (এম) বার বার বন্ধতেন,
সি পি আই ও তাঁর বন্ধরে কংগ্রেসের
সংশ্ হাত মিলিয়ে যুত্তভাত সরবারের
পতন ঘটাবার চেন্টা করছেন। ধরলাম
তাভিযোগটা সতি। কিন্তু যদি এ অভিযোগ
সভাই হয় তা হালে প্রশান উঠার সি পি
এম সেই সর বংগ্রেস বংশ্বাদের স্যাপ্য এক
হারে চলাছেন কেন ? কেন সি পি এম এপের
ম্যানাশ খালে সিরো কনগগের কাছে আবার
রহ চাইছেন না ? বার বার অভিযোগ ভুরো

সি 'প আই আন এস পি এবং সমগের হিনের হাতিরের পি সামি এর বার জনাতের নামে আসলে পার্বিউত্ত চানাতে চাইছেন। তার। এই পথে এতব্রে এগিরেছেন যে, (১) সকল সরকারী যতকে পার্বির কাজে লাগাছেন: এবং (২) সেজনা পার্বির ও ভিত্রিসার পার্বির দানী ভিরাক্ত মার্বারির পানত প্রতার দিছেন। আনা দাসের মার্বারির ক্ষেত্রে দানীতি তাল্যতা যে ক্ষান্ত হার ক্ষান্ত ব্যাহিত তাল্যতা যে ক্ষান্ত হার ক্ষান্ত বাক্তর বাক্তর মার্বারির ক্ষান্ত তা ক্রান্তে কিছ্তেই রাজনি রাজনা না।

ত অভিযোগ স্টিও খ্বই গ্রেছপূর্ণ।
কিন্তু তথানেও সেই প্রন্থা। সতিই যদি তাত
মরোজক অভিযোগ থাকরে সি পি এম-এর
বিরাধে ত। হলে সেই সব অভিযোগব ফরসালা না করে তাঁর মন্দ্রিসভার পাক্ষেদ্র কি করে একস্পোন সি পি এম-এর বিরাধে তাঁর- যো ত সব আভিযোগ তুলাভ্যন বর্বা নি গ্রেভিট।

#### 4

কৈন্দের কংগ্রেস সন্ধানর এবং কেন্দ্রের মুক্তুন্ত যে গোস থেকা করেও থেকে থাকে আমার মনে থকা তার স্বত্তের বড় কাল্ড হলো, যে যতই বগজে কর্ত্তা ক্ষতাতা কেউট জড়তে চান না কে কোনও ও বে সরকারী ক্ষতাতা অকৈন্ডে থাকার অসন্ধা বাসনাই শত বগজ্য সন্ভেও শেষ প্রযাশত ওপনের ঐক্য জাতা রাখছে।

নিভিন্তকট "ডিসিংসান, ডিসিংগান" করে গোঁচরেও শেষ পর্যাক্ত পিছিরে গেলেন, কারণ তার। পরিন্দার ব্রুবলেন আর এগোলে কেন্দ্রে এবং করেকটি রাজে কংগ্রেস সরকারের পতা ছটবে। করেকটি রাজেনর পরিবাতি দেখে তার। এতাহনে ব্রুবে গিরেজেন, একবার কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকারের পতান ছটলে জ্বাপাতত বেশ কিছুনিদেরে জনা দলও ছবে বাবে। কেন্দ্রীয় কংগ্রেস সরকরে তাঁদের হাতে নেই বটে: কিন্তু কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকার আছে বলাই দল এখনও বে'চে আছে। এবং সরভারতার স্থায়ে দল না বাঁচলে রাজনৈতিকভাবে তাঁদেরও আর খ্যুব বেশী দিন বে'চে থাকতে হবে না। কেন্দ্রে কংগ্রেস সরকার থাকার য়ে ছিটেফোটা ভাগ সকল কংগ্রেস চোতাই প্রন

এই জনাই চরম সংবটের মুহা্রেও ছোট বড় সাব কংগ্রেস নোডা আবেংন জানিবেছেন : ইউনিনিডিঃ

প্রধানমন্ত্রীরও সেই দশ:। ইন্দিরা দেবী
মুখে যতই বলনে, "আমি গাদের প্রেলা
করি না", তিনিও খুব ডালা করে জানে
ভারতের বহামান রাজনীতিতে গাদের মূল্য
কত। আজ যে তিনি এতচা এগোড প্রেরিছন স্পেটাও প্রধানমন্ত্রীর ঘান একবর
প্রেমিতিক ব্যাহরী। না প্রেলা এইনিমা
তিনি কর্মান বলেই। না প্রেলা এইনিমা
তিনি কর্মান বলেই। না প্রেলা এইনিমা
তিনি কর্মান বলেই। আন্মান ক্রাড

ভ্ৰমণমন্ত্ৰী ত কথাও কামেন, তবৰর কংগ্রেস ভেগলৈ গোলো আন ভার ভার পাছে তব দলের এত ক্ষমভাবান প্রধানমন্ত্রী হত্যা হার না। বামপার্থী যাস্ত্রজ্ঞানী করে গোরসভার সংখ্যাগলিকতা প্রধানমন্ত্রী করে ভার কাম্বর ভাই দেশ প্রধানমন্ত্রী করে ছারার মেরানা ক্রমণার ক্ষমভার প্রভাই দেশ প্রধানমন্ত্রী করা হারার মেরানা ক্রমণার ক্ষমভার প্রভাইত সালা ক্রমণার ভ্রমণার ক্ষমভার প্রভাইত সালা ক্রমণার ভ্রমণার ভ্রমণার ক্ষমভার প্রভাইত সালা ক্রমণার ভ্রমণার ভ্রমণার মিরানা।

এমনি বিচার করলে দেখা হালে বেনাং বিদ্যালয়ের আন্তর্গান্তর আন্তর্গান্তর করেন্তর করিছে বার্থিন সংগ্রাহ্যান্তর হল্প করিছে লাভ্যান্তর করেন্তর করিছে বার্থিন করেন্তর করিছে বার্থিন করেন্তর করিছে করেন্তর করিছে কর

দুলগালি তু নেতাদের এই ফেনারের পুরাররের বাজনগাঁতির স্থানার বাসনাই ভারতের রাজনগাঁতির স্থানার টোর আন্তেন ভারতের রাজনগাঁতি রুপাই না ইন ক্রেছেনের প্রিরতে ক্রিনা হার্য গাঁতির প্রান্তির জন্ম হছে না হার্য গাঁতির প্রান্তির জন্ম হছে । রুজনগাঁতিতে নাপেকভার ধাশপালালা এবং দুলগাঁতির আগমনের মুলোভ এই জন্ধ গাঁদির মোহা।

আগে মনে হারেছিল, এই বার্নিতে শর্মি কংগ্রেস এবং কংগ্রেসীরাই আরুণত। ১৯৬৭ সমের পরে কিংতু দেখা যাছে, না অ-কংগ্রেসীদের মধেন্তে এ বার্নি বাংশকভাবে সংযোগত।

এ বর্গাধ থেকে যদি তানিলদের ভারতের রাজনীতি এবং রাজনৈতিক দলগুলি মার্ট না হতে পারেন ও। হলে এদেশে আর ঘাই থাকুক গণতন্ত থাকবে না।

নবার্ণ গ্রেত

#### নতন নজির

রো বছর পরে এই প্রথম ভেতম, শ ব্য হলে ঘলায়। গোষ্ট কোষ্ট আর চালেন্ডকে হিলিয়ে মনর পরন ্যা হল ১৯৫৭ সলে। তথ্য তার র শার্প ত ration entreme un merce desperation ां क्या श्रमात क्रमान अभिन्दा। स्माद . के १९१६ और छा । उनके बाद धनाव 28 2015 A. প্রিটিশ শাসকের **উচ্চে**দ মান্ত্র ওর সু**ংজিতে অভিয়েতি** প্রস্থান ০০০ কেন স্বহান হার স্বল্প স্বা மாக முது அனு அரசு கொறி**க்கு 1** ்கூக প্ৰস্থাপৰ ভিনি কল্পতে প্ৰেলনি। **প্ৰ**লভ্য <sub>এতি প্</sub>ৰতা তিতি ট্ৰয়াট্ৰী হয়ে। বলে-<sub>্ৰিক</sub>্ৰ জিল'ডুক উল্লেখনে সভা তিনি সংগ্ৰহ ১০০ সংগ্ৰহণ চাহাৰ সঞ্চ र आहर्षक है होने होने देखन देखन देखन हैं ১৯ ১৯% কলেও তিক সল কলেত <sup>হ</sup>িল Special State of the State of t ন হয় ভূত্ৰা কুৰ্মান্ত কুলোৱাৰ কৰা হ'ল হ'ল মনভজাত হয় হয় । সংক্রেনে হাকালী বা হাই ନ୍ତ୍ର ଅଟ୍ଲେଖ୍ୟ ০০০১ তেওঁৰ কলে হলে উৰ্কেন জন্ম জন্ম ভাৰতীয়। কোলেকত জাসহা ছবিল জান কোন। িল নিখানে তো সম্ভাৱে বিভাগ কে ভাবেৰ ই বাল জনত কোন্ধা ব্যবস্থা **সালেন করেনে সালে**ল ালঃ জাই কলিবলোম একেল অ্বরেটটের টাত সভাগ পোল নমত ক্ষেত্ৰী**তক্ষের চ**লবা 

১৯৬৬ সালে জলাহানি হাকা এ: Section Consistent Contacts of Special াল হাবে হলেছ। বিষয়ে কেট সাভ্যাই ংলাশাংহ হাওচ হাজে, চুল্ছ ভূতি∌ অস Harris and the territor in the শাংকৰ প্ৰতি একঃ ক্ষেত্ৰৰ ক্ষেত্ৰ কৈছে: বিশ্ব ক্ষিকেট ক্ষেত্র করেলকর ক্রান্ত্র মাল কর নিজিকে বিরোজ ्प शहर <sup>61</sup> জালি হাজানী হাজা হাজালুকা 521# R কটাপাল অহাত জ ভানি মাছি পাৰ্যন সচে হাল তার ওপর দেশ শাসকের ভার সিঞ্জে িজনা কেনের। সে কাইপিয়ের **সং**ধিয়াক <sup>হাতা</sup> করা দিল, সংসাদেশ ভেড়ে দির <sup>সভসত</sup> রাজনৈতিক - সম্প্রক দেখে ইয়াই সংগ্র <sup>হেন্দ</sup> করালা। ত*্তি*রুমার কন্তেনস্ন শিপসস্পতিত বাদ গোলোনা। তবি <sup>হলে</sup> ভরজুবি। তিনি বাচকার চেন্টা যে <sup>হরেন</sup>ি তানর। বিশ্বত সাঁতরে যে পারে <sup>উর্বন</sup> তিনি তার জনো, এক গা**চা বড়ও** <sup>ওর চেথে</sup> পড়লে না। বেটাকু চেন্টা তিনি <sup>কর্</sup>টন তা বাইরে থেকে। ভার গ*ে*রো খনই আসফাজন। আদর্য - তাকে তার <sup>বিশ্বাসি</sup> অনুমারকট বিষয়, আন্তান্ধত দি**লা**, কিন্তু িবা । কামান বংসকে অস্ত্রশক্ষ্য সেনাসামণ্ড। জতিরি মুক্তি পরিবদের ফৌজনী আর



#### দেববাজ

প্র লাগ। জেতারা বিশ্ব ক্ষমতা হ'তে পেরে তেশে পাক পালি হ'লে চিরকাল কলেল থাকরে । ধরণ্ড ভারা কলেছিলের ভারের क के एक बाजर । कहा रहिन्नकर हिन्दी की য়ে প্রায়াভত জন্ধান জন্ম করেছে তা সাফ গুণত বৈশ্বক কর। তারপর কথ সমস্ভা সর্ভারর হাতে শাসমের দায়িক তারা আবার ভালা দেৱক । ভালের ক্ষায় অবশা বক্ষা कर रहा । अर ही होते हैं है है है है নামক্র ভ তারকেক এন ভেলাকেলিল কি শেলা। সংখ্যে হিন্তুৰ কল্পত কোন সংক্ৰাক্ত সমূহ ভুৱান **খন**ত ফুল্টালী আন প্ৰস্থা সংগ্রিত বহু বহু কিছা ৯ ব্যৱস্থান গণভাগ্র যে গভরিকে তারা উপতে ফোলাভারন ভক্তির ভাকে ছবর সমাজ তেওঁল কলেছেন। জাতীয় মৃত্তি প্রিয়নত জগাঁ ভাৰত বিভানিত আন্তৰ্ম কৰিছে । তেওঁ জাই মতেম ব্যাক্ষণ করলেন কেলিট শাসনের অবস্থা হটার ৩০ কেপ্টেম্বর নতন মানুসভ হাড়ে ৩২ লাড়ে সেশ বাসকের লাকিঃ <sup>বি</sup>ষ্টারক দেওয়া হারে। অবসা ভার আবে হাবে সাহৰণ মিলাকা গণৱা দুক্ত প্ৰচাইছে ৷

क विश्वास्त्र शहर (१५५) के १८ १८ १८ শাক্রার: পুরুর *ভার্গ*া 88 TO সভালায়ের বিভাগি হার হার বিভাগি হারিক ভাগির करा बाह्य हरू ६६७७ वर्ष इ स्टब्स्ट वर्ष इ ভাৰত ভাৰত কেন্দ্ৰ কৰিছে কৰিছে বিশ্বতি (प्रदेश) १५ वर्षे होते १४ के हिंदे । १४ वर्षे গড়হা <sup>ক</sup>েৰ গুলুৱে অনুধ্য অনু কিবল कार्योत तह क्याई कहा। एवं ड•ाइ.३४८ (୫୮୭.୧) ହେବା ନନ୍ଧିକ୍ତ । ୧<sup>୮</sup>୨୮୧ - ୮୫.୫୮୯ ଶ୍ 585 68 \$78 km + 20 + 79 Ex উঠান কাডেরেডিটা লড়াত ডিকেছালন বিশ্বস্থাস্প্রার ক'টি এক্স এবট সগ গড়ের বি**ক্রে** সেন্দ্র সময়ক কি যাবে ব্যৱ হেৰল হয় এই বলে কে, ক'ওঁ জাওন ধ্যোত ক্রাভেনস্থ পি**পজ্**স পরিটিট বেল্মবর। তবে তার একফালের ঘনিষ্ঠ করে আর সহয়ে গ্ৰী গ্ৰেডমায় পদকে নিৰ্বাভনে যেগ দিতে দেওয়া হরেছে। সে দালর নাম ন্যাশনাক ভাগকায়েশস তার সিধারালসা অথাং উদরেনীতিকদের জাতীয় মিজিত দ**ল। আ**নেকে ভেবেছিলেন ভিনিই হয়তে এ রাড়াইয়ে। জিল্লে মারেন। তা অবশ্য হয়নি, সংখ্যাগরিষ্ঠ ভার দল হতে পারেনি। হালত তিনি প্রধানমাতী হাত পালতেম কিনা সংগ্রে। এনারামার আমলে তিনি হিলেন

অর্থমন্ত্রী তার তথম তিনি সতেরে হাজার পাউতে আন্দানং করেছেন করে প্রমন্দ হরেছে। এমন লোকের প্রধানমন্দ্রী হওরের সাহবিধানিক বাধা আছে নতুন বানার।

বিজয়লক্ষ্মী প্রসার হরেছেন বাঁর ওপর िर्देश रूपक्का एर एका के वाकिया। श्रेका-অসনের ইম্বউটি 2008 See 3 ন্থক করেছে তার ক্যা প্রোগ্রেম শ বি অর্থাই প্রথাত দল। স্থানার তিনিই স্থানে নতন প্রধানমন্ত্রী কেনাপণিতভন্ত শেষ হ'ওয়ার প্র। জঃ বর্ণসূত্র থানার একছান পরেরানা সংবাহনী কাছা। বিভিন্ন স্থানন উ**চ্চেনের** চন। যে অনুষ্ঠান কেছনে চলেছিল ভারও পালেভাগে তিনি ছিলেন ডঃ এন্ডানের মাতা। তবে তিনি ছিলেন এন্তর্গার প্রতিপ্রভা জ আহলে বিরোধী দল টাউনাইট্রেড প্রিড জথাৎ সংখ্যার দলের বিশ্বিত ভিস্কৃত কান্ত সেই হিসেপ্ত ভাকে ফুল সময়ের জড়ির তার দি তাংগাঞ্জি<mark>মান</mark> শহাত সিরোধী দায়র কোতা বলা করে। ভার এখন খ্যাব নাহভার, প্রতিপত্তির আর। বাদিংজাবিক ভাষ এইনিটে ভক্ত তিনি কে জ্যিতান্তন ভা থেকে মনে হাছে ডঃ এনগ্রমার ওপর হানার লোকেদের ছব্তি চাট গিয়েছে। দে যটা হোক, নভুনা পানাল**ম**ণ্টো একটি ান সলের একটিংপতা যে থাকরে না ভা স্পূৰ্ণ আৰম্ভ প্ৰিটা গণ্ডাল্ডিক সেলেন মত ক্ষাত্ৰ সমূহি এবনস্থৰ থাবাৰ না থাকাৰ লেখায়ে শাসন হার ভার হারা নিভার কর**েব** ਪੁਛ-ਵਿਹਾਰ **ਵ**ਿਲਾਂਗ **ਦ**ਾਗਰ

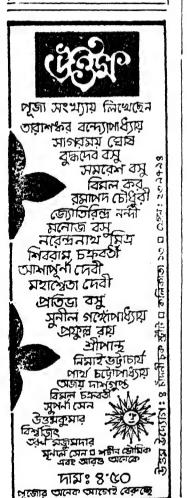
গাস নিবল্ডিন সিকে বিবেশ্বিক বিশ্**তর** ঠিউ ভাষাস্থ কৰলেও এটা সপ্টিয়ে গুলারারালা কে চেকে কেলে উঠেছে **১১০টা** ভাষ্ট্রার জন প্রাটা স্ভার্মিক Syo হত। কুটোইড কয় কথানয়। দিহাডি<mark>নে</mark> দলীয় লীভি কিংক প্রে**ল্ডালের ওপর** ুল্টাদের সল প্রমন্ত গুলার করেছিল। **সেমন** ালাত প্রাধিনের *বারি*ন্ত স্থাল বা গ্রাস্ত্রির এ অভিযোগ হয়তো কৈছে ন্ধ্য বিশ্বস্থা কৈ কেন্দ্ৰ জাতুলাভা যে লাভ্না বন্ধান্ত আনুসাল নিহে সংক্ৰম কৈ হল আই বস্তাভ বেলে ভিড এক ভি চারটো সেমানে মাুখ্য ব্যক্তির না ভার কেনে হ'দ প্রাক্ষিত্র কারিখেত সভত র ভপর ড<শী নজর দেয় কেটা ক্লিজন ভাতে গণতাত্র বর্গভার মটোছে ? ভাব সব ভার তারিফ করতে হয় বিগেডিয়ার আভিজ্ঞা আর তার সহক্ষী'দেৱ। খাহাবলে ক্ষমতা দংল করে ভারপর তা শেবছায় ছোডে দেওয়ার । নভিার অভিকার ইতিহাসে তেতা দেই বিশেবর ইতিভাসে আত্ম কিনা সংশ্বহা লেখের ভালের জনাই তাঁর এনজানাকে সাবাহ-ছিল্লেন্ নিজেন্তর সংখ্ঞিপর ভান নত এর থেকে ভার অরভ ভালো প্রমাণ কী क्षांक शास्त्र है।

#### চাণ্ডল্যকর আবিস্কার লৈনন্দিন একজে'রেমি থেকে বাঁচুন

আমেরিকার একটি আবিদ্বার — বা হাডে পেলে পোডং রাশ, সাবান আর রুটা আগনি ছুড়ে ফেলে দেবেন—ভারতে এই সব প্রথম প্রবৃত্তিত হলো।

সবচাইতে মঞ্জার হচ্ছে, এই আবিজ্ঞার কেবসমত রেজর রেডের কেতেই প্রবোজা হাছে—মাথের ওপন নর। কুইক-এন-ক্রীনা এই কিটেই হজো সবচাইতে অবিজ্ঞানা ঘটনা অগত এই সিরে আপনি আতি প্রতি ও চনংকার শেভ করতে পারবো।

আপনার রেডের প্রান্তে এক ফোঁটা কুইক-এন-কুনি ঢেলে নিন্ ডারেপর মুখ জঙ্গা দিয়ে ডিজিয়ে গেড করতে থাকুন। আপনার কেজর যখন দাড়ির ওপর দিয়ে আপেটের যড় কোচল পদা ছড়িয়ে এটারে যাবে, আপনি ভগন জাঁবনের সবচাইতে বড় বিদ্যাল বেধ করবেন। বারের দিব দিয়েও এটিকে সাধার হয়। এক বোতলে তিন মাস চলো।



## বিভিন্ন পদ্ম-পত্রিকার ও বিশিষ্ট ব্যক্তিদের প্রশংসাধন্য



অমিতাভ গুপু

নারী ধর্ষণ, টগবণে ফর্টণত জলে মাথা চেপে ধরা বা চোখ উপড়ে ফেলা ইত্যাদি নৃশংসতার কাহিনী নিয়ে নর এ-গ্রন্থ। এ গ্রন্থ— পর্ব পাকিস্তানের সমস্ত গণ-আন্দোলন ও সাংস্কৃতিক প্রবাহের এক অসামান্য ইতিহাস। বহু দর্লভি ফটোগ্রাহ ও শ্রন্ধের বিবেকানন্দ মুখোপাধ্যায়ের ভূমিকা সম্বলিত ॥ ১৬-০০

শ্রুমিতাত গণ্ড তাঁর বিশাল গ্রন্থে পূর্যে প্রাক্ষিতানের সেই অসমসাহসিক ধ্রকলের ভাষা ও দেশীয় স্বাতন্তা রক্ষার সংগ্রাম বিশ্বাস্থোগাভাবে
তুলে ধরেছেন। আর্বশাহী আমলের বিভিন্ন তোলপাড়, বিরোধ প্রতিরোধের
যে চাপা দ্রোত বয়ে গেছে দেশজ্পে তারও যথেক্ট প্রামাণিক বিবরণ
আলোচা গ্রন্থের সম্পদ। শ্রী গণ্ড দেখিয়েছেন গণতন্তের প্রাতন্ত্রাত কী
শোচনীয়ভাবে নির্মাম একনায়কত্বের রূপ ধরে প্রতি বাংলার কণ্ঠরোধ করে
আতে। বিশন্ধ ঐসলামিক রাজ্যী নির্মাণের অজন্ত্রাতে কীভাবে পূর্বে প্রান্তরেক
পশ্চিম প্রাক্তের শাসন ও শোষণের একটি স্থায়ী উপনিবেশে পরিণত করার
চেক্টা চলেছে। এবং এই স্বাধানিতা হরণ কীভাবে পূর্ব বাংলার বিশ্ববি
মান্সকে ভাগিয়ে তুলে নতুন এক বিদ্যোহের স্ট্রা করেছে। লেখকের
আলোচনা স্বতিই যাতি প্রমাণভিত্তিক।

এ ধরণের সামান্ত্রক ইতিহাসকে যথার্থ পরিপ্রেক্ষিতে সামান্ত্রকারে ফরির হেলার জন্য যে কুসলতা ও নির্নিশ্চ দ্বিউভিনির প্রয়োজন তা শ্রী গ্রেত্রর জন্য যে কুসলতা ও নির্নিশ্চ দ্বিউভিনির প্রয়োজন তা শ্রী গ্রেত্রর অংশ্ব এবং তার ফলেই বইটি নানা দিক দিরে আকর্ষণীর হরে উঠেছে। পূর্বে বাংলার মানুষ নির্নেদের রক্ত দিরে এই বাংলার মানুসের হার্ত্রর হিত্রেরে পূর্বে বাংলার মানুসের হার্ত্রর হার্ত্রের এই স্বৃত্রুত্ব প্রশে এই বাংলার মানুসের হার্ত্রর হার্ত্রের আই স্বৃত্রুত্ব প্রশে এই সংখ্যানের এবটি ইনিত্রাসিক আলেগ রচন করেছেন। প্রাক্তরানে প্রাক্তির প্রাক্তরার হার্ত্র রাজনৈ বিভিন্ন আদেশের নেতার। প্রাক্তিরানে প্রত্রুত্র প্রাক্তরার জন্য যে সংগ্রাম করেছেন এবং প্যাক্তরানের হার্ত্র সমান্ত্র বিভিন্ন আদেশের নেতার। প্রাক্তির বিশ্বের রাজ দিরে যাকে মহিমান্ত্রিক করেছেন, লোভক বহু কঙ্কে ও আন্তরিকতার সেই কাহিনী এই বাংলার মানুষের জন্য লিপিবশ্ব করে একটি প্রশংসনীয় কাজ করেছেন।

আলোচা গ্রন্থটিতে লেখক গ্র্ব পাকিস্ভানের একটি বিরাট চিঠ উপস্থাপিত করেছেন। সমস্ত মানুযের গণতান্তিক অবিকার, সামেরে অবিকার এবং শোষণ ও বঞ্চনামূক্ত সমাজের অধিকার সেখানে ভূল্যু-১ত হরেছে। প্র বাংলার অধিবাসীদের সর্বপ্রকারে বলিত করে রাখা হয়েছে। প্রেবাংলা আজ বিদ্রোহের পথে। লেখক প্রে পাকিস্ভানের নেতা ও সাংবাদিকদের কাছ থেকে এই সব বিরাট ভথা সংগ্রহ করেছেন। গ্রন্থটি সম্পূর্ণ বাস্তব-সম্মত হয়েছে। বিদণ্ধ সমাজের কাছে বইটি আদৃত হবে আশা রাখি।

--মাসিক বসকেডী

जा न न वा जा श का न न ॥ ৮ भागाहतन एन मोरी है, कनिकाछा-५२

#### 'মৌলিক অধিকার'

স্থান পর, রাত আটটা নাগাদ, উত্তর
স্থান ক্রম্পার কোনো বিশিশ্ট পতিকার
অফিস থেকে বেরিয়ে একেন সম্বা চেহারয়ে
একজন প্রেট্ড ভণ্ডলোক।

বাইরে তাঁর মোটর গাড়ীটি ছিল।
কিন্তু সেই মহেতে উক্ত গাড়ীটির বনেটের
৬পরে আসীন হয়ে, কিংলা তার গাকে ঠেসান
নিয়ে সাংখা-সংলাপে মণন ছিল ভান করেক
ম্বানীয় ওব্ল। প্রনে যথানিরমে সর্



লঙরালটা চুনকাল করিছে দিন পোলটার লাগিছে সুখে হলেছ না

प्राप्तकात, यूण गाउँ, व्यक्तिता स्थरक वाहेटगाउ भस्म वस्त्रमः

ভদ্রলোক গাড়ীতে উঠে স্টার্ট দেওয়াতে উত্ত তর্গদের খ্র খারাপ স্লাগ্যস, তাদের আতা শেষ না হওরা প্রফত গাড়ীটা ওখানে অবশাই রাখা উচিত ছিল। অতএব কোনো মৌলক অধিকারে বা পড়ল নিশ্চয়। তাদের মনে হল, এই ভদ্রলোককে নিদার্গ দাহ-শ্বন, অতীব মর্মস্থাতী গোটা করেক সংলাগ শ্নিয়ে দেওয়া দরকার।

কিণ্ডু কী বলা বার ? স্বা' দিরেও আরুও করা যেত, কিণ্ডু এরা আর একট্ নংক্ষৃতিক পথ ধরল। পালেই বথন শীচকার অফিস, তথন, তারই প্রভাবে বোধ ইর সোলা চলে এল সাহিত্য। এদের উচারণে আঞ্চলিক ইংরিজি 'এস'-এর



প্রভার ক্ষরতে রাংগুরু সংক্রপের মাধ্য অবো ভারে করে হৃদযুক্তার হবে।

পরিকার অঞ্চিস থেকে হংগে বেরিরেরেছেন, তথন লোকটি সাহিতিকে এটাই ধরে নেওয়া থেছে পারেন। তিনি যে বিজ্ঞাপনসভা গতে পারেন, অনা কেনো কাজে আসতে পারেন, কোনো পরিচিতের সংগানেও তরি অসা অসম্ভব ক্ষা— এসর প্রদা এপের মনে একানা। অভএব বৈশ্ গলা চাডারেঃ

'অংগক'র সাহিত্যকরা— ব্কলি জালেকার সাহিত্যকর।—পরে লেডে ফেড। টু'লে ৪লিড। এখনকার সাহিত্যকের মেটবে ১ডে।'

'এখনকার সাহিতিকেরা—স্বন বাটো মূল থায় ৷'

্তগত লাগা—সক্ষেদ্ধ—সক্ষেদ্ধ অভ কড়ো সাহিত্যিক, মল খেতেন, থেতেন কখনোল

অংলকার সাহিতিকোরা কেবল চল খান <sup>১৯</sup>—একটা বে-পাড়ার নাম করে কললে, তেখাতে যাহ—

যার উদ্দেশে এই সর শব্দেভেনী
বাণ ছোড়া থক্তিবা তিনি সাহিত্যিক
তেন বিজ্ঞাপনগতা কিংবা ব
গালি হোন নিবিকারভাবে গাড়ী নিয়ে
চলে গেলেন তিনিই যে এদের উল্লেখি তা
ব্যায়তেও পারলেন কিনা সাদেহ। আমি
অস্থারবাতী একটা সিনারেটের ব্যাকানের



সামনে দক্ষিতে এই সংলাপ প্রবণ করক্ষা গাড়ীর রংজাসন থেকে এই তর্গদের অপস্ত করবার প্রতিক্রিয়ার গাড়ীওরালাক কী ঘটল জানি না, কিল্টু মারখান থেকে বাংলা দেশের সাহিতিতেবনা কিছু সালালালা থেকেন, একটা অপ্রাণা কম্পিলমেন্ট পেলেন শরংচন্দ্র, বাঙ্গলী লেখকদের উপেশো এর পর ক্লার প্রয়ো শ্রেহ হল বাধ হল, কিল্টু আর শ্নেতে পাইনি, আয়ার সময় জিলানা।

এরা কি বংলা ধেশের সাহিত্যিকদের বিলাসিভার মুমাহত এই তর্শরা কি বঙ্গা সাহিত্যিকদের চারে বেছার মৃত্যি উৎসাহী দেব বৃহম্ভ ব্যুহ পার্কে আমি



कि जिल्ह

ষ্থাচিত খালি হতুম। কিবতু লোভ-চরিতে অমার হৈ বংসামান। অভিজ্ঞাল আছে, তাতে কার —একের চেহাবা এবং **মুখতালার** মারেট মকটেতার আমি মেভাবে আশাদিবভ হতে পার**ল্ম**ান।

অসেলে, অসমতে গাড়ীটা সরিষে নিরে, 
কণের সিনেনা, থেকা। এবং অগানিধ মাখরোচন আলেচনার বাধা সাফিট করে 
মেলিক অধিকারে হস্তক্ষেপ করা হল। 
ফাল বঙালী সাজিভিনকরা—মারী 
বেওয়ারীশ ফ্টারগের নতে। মারে পড়ে 
থাকেন এবং ফে-কেট হথন খালি কিছু 
করাত পারেন তাঁগের, সেই সাছিভিনকদেয় 
গুপর পিরে গারগাছ খানিকটা শাল্ড করা 
গোল বেধ হয়।

তা হলে কথাটা দাঁড়ালো মেজিক অধিকার। এইটেই—যাকে বলে আগেল অব ডিসকর্ডা বোন অব কনটেনখন। এই অধিকারে না জেনে হল্ডাক্স করলেই জীবনে আর শাহিত থাকে ন।।

সম্প্রতি আত্মাদের পাড়ার একটি ডাসা পার্টির উপর ঘটছে: ব্যেজ বিকেলে, সাঞ্ তিনটে থেকে ছাটার মধ্যে অব্ভত ঘণ্টা দাই দুটি ধেড়ে ঢাক, একটি বেডি ডাক, এবং আরও কিছা বেকার শালেক, ভাতুসপুর,
ফাগিলের ডাগনীপতি পরিবৃত হইরা জিলি
কর্নিপ্রতি করিতেরিলেন। ডাহাদিগকে
জাল, কর্ম, ন্যাতি উপ্রেলন। ডাহাদিগকে
লাহাকে ব্যক্তা, বাচ্চা, বাতা, কাহাকে প্রমাণ,
প্রমের, প্ররোজন, সংশর, নিশ্ম, ছল প্রভাত
গাড়েক, কাহাকে বিবতবিদে, কাহাকে রাংক
লাতীরকরলের স্পরিপাম ব্রাইরা নিতেক্রেন; এমন সমরে তাহার প্রোক্ত্র্ক জালমনা,
লিব, নিস্পাক, শেষ মন্ত্র্ম, শ্বং বাক্ শতিবিহান হইল। ব্যক্তিবানি প্রিরেশিনীর
ভাতেও গোল। ডিনি বোগবলে জানিলেন
ক্তমণ আলিবাতেন।

व्यक्तीय भाग्यकाभागी जिल्लाक्याभा। ভারতের রাখীপতি নির্বাচনে প্রধানমন্ত্রীর উক্লানিতে কল্মান দলেত বিশ্বর এয় পি अब अन अ मनीय शाधीरक दकारे ना मिसा ভাহার প্রতিব্যক্তীকে ভোট দেওয়ায় তিনি मा व्यमाख्याकानीत्मत खेलत ग्रहाबाल्मा हदेसा উতিরাছেন। প্রিরদ্দিনী মাধ্যে এখো জীয়া टेक्सरी ब्रून शातन कतिया छोडात छेटकटना ভক্ত গজন করিতেছেন, তাই কংগ্রেস সভাপতি শ্ৰেকার ব্যাস্ত প্রয়োগ করিয়া श्रमाम्यक वि দর্শত্রেশ করিবার জনা লিন্বিলয়ে বহিপতি ইইরাছেন। farer-जिल्लां ला कदब्रकीमन बीतहा ক্যাগভ मार्थमाशम्या करामा লেকা: বিভিন बार्ट्याक मानामन्त्री लटनन करतान जला-পতি প্রভৃতিত্ব সহিত আলোচনা করিয়াছেন ৷ ওরার্থকং কমিটির ভাষাশাবজে যোগ দিতে बारेवात जारन करतकक्षत मन्त्री नदेशा रेमना-ভালনার পরামর্শ করিবার জন্য তিনি

कश्ची केंग्रामची प्रदेश शामीमधि निर्वाष्ट्रत नजीव श्रावीटक ट्रकांग्रे विका नटन ण प्रथमा तकान जानमं न्यानस सरिया-विर्यान जाणा किया रक्तानीक क्रमाधानस्थ বিশ্তর সদস্য ও এর পি-রাণ ভাষ্টার পদানক অন্সরণ করিবেন। কিন্তু হার সে হৈসাব মিলিল না। তাঁহার উচ্চাভিলাবের চৌবাক র न्देषि नामि निवा यक कम प्रक्रियात क्या তিনি দেখিলেন ভাহা অপেকা অনেক विनी सम अविषे मामि निवार बारिय हरेबा ব ইভেছে এবং সে প্রবাহের গতি আপাতত প্রিরদলিনীরই সিকে। তিনি সেই প্রবাহ ব্যেষ করিবার জনা ক্যাপ্ত সংকেত্যর जिल्ला वाकादेरजस्कत। असम श्रमम बारलाक ও भीउथर्सि इहेन। इक्त गाम न्हिन्स्स আছি ৰক্তাৰ **७ व**्चित्सन। ক্ষতামর জান্তম জান্তম विकादम **প্রিত হইরা লাহিজেলে। কির্থক্ত** পরেই কংগ্রেস ওয়ারকিং কমিটির ভাষাশা-जर्नाजीनदम्ब शमाहानिए ৰ্কি বার। তাই অভনৰ হার হার क्रिंडिटरक्न । गारे क्रियान । अक् क्रियानी रागरे बादनक दक्षाका।

#### ...

আজি ইন্দিরাপ্তদেশ মহাপ্রকার উপনিশ্বত।
আজি বনি রকা হয় তবে ভারতে কংগ্রেস
বলিয়া বন্দু থাকিবে। আজি কংগ্রেস
গুরারকিং কমিটির ভারাদা-বক্ষা। কংগ্রেসের
ভূচর, থেচর, উভচর প্রভৃতি সরুত প্রানিবন্দ আহত হইরাছে। বক্রত্বলে আসিবার
প্রে অভূগদের গালে প্রিয়র্লাশনীর হাদর
কিন্তিং চরীভূত হইরাছিল, সে ভাব আর
তাহার মধ্যে নাই। তাহার সমর্বাক্ত্র্ন
রগং দেহি, রগং দেহি হুংকারে রাত্রনতর
সর্বা কাগাইরা ভূলিয়াছে। গালিত ও
দ্ব্বলা বক্ষ্যে বিলেব প্ররামী মোডামেন
ক্রিতে হইরাছে। নিক্রালগ্যান্থার পির্বির
হততেও যোরনাদ ব্যাক্ত হইতেকা। স্কর্মার
ভি হয় কি হয় স্কর্মা

এখন সময় রখার হারার ব্যাপ্তরের নিক্ষালিকাশনার আভ্যানিক বার্তিন দেখিলেন ভিনি পানা হইছে প্রতিত প্রবিতে অভিত্যেকা ক্রেক্সের একার ভিনি কর্ম

माणिकाम । जावाह जाम दहेगा भारत क विकान, काकि (काक्षक ? इक् प्रतिका स्मिथ्टक टाक्या क्षित्रकान । स्मिथ्यका क्रिक TENT! PENTIS PE LIEU STRIL काराव क्यान। बाद क्याव कार्यक जागात मान्य एक चार्ट ? कामसाब काय है ट्याबार्टीक ? नार्डिक ? ेन्ट्रबंग कडता? with sw. calatona i calaton. Con OF THE कांस्कृत. वावेटकि ? अक्याब मान कांत्रकान, गांब হসাতল নিকটে। একবার ছহিতে ৰটিল। দেখিলেন, কানরাজ বোসার উপর চাপিয়া বসিয়া শীতল পাটি চিবাইজেনে न. त्व वीकारेबा जीशांक क टमबाबेटकटबन अवर शहर ग्रहम जक्ना द्वाव প্রিরদশিনীর অচিলের আভাল চটতে ভেংচি কাটিতেবেন। ভরে ভীত হট্যা कावात जल्हान इडेरलन।

একবার ভাবিকেন, আমার স্থি কোখার? জাবার জন্ধনা। আবার ভাকিলেন, তাহা তো গিরাছে। আবার জন্ধনা। কেন দ্রাকংকা করিরাছিলাম, কেন বাঘ হইতে গিরাছিলাম, কেন দলের শৃত্থলারকার দার একা ঘাড়ে তুলিরা কইরাছিলাম, কেন বাণ্টামো করিতে গিরাছিলাম, কেন সব হারাইলাম। এখন কোখার হাইতেছি, জানি না। ফিরিবার শন্তি নাই। চাহিবার শতি নাই। আবার জন্ধান।

চৰন অলোকিক শক্তিবলে কিন্দিলাপাৰ দ্বালা ব্ৰিকে পারিলেন।
তিনি আর নুষ্ঠান বিশ্ব না করিরা
লান্ডি-প্রশুভাবর্গী বীলা বাজাইয়া গান
বার্কেন, দেখু দেখি রে একবার এই বিশাল
বীর, এই প্রকাশত তপ্তবা, এই অভ্ত মন্বা—ভাষার কি দশা হইরাছে। জতএব আর নর, এবার সব ভাই ভাই বল। আমান সেই তামালা-বজ্ঞাতাশিক সকল মন্বোর অনর প্রবীভৃত হইয়া লোল। এবং চল্পিক ইউতে ভাই ভাই বোল বোল শশা উঠিতে লাগিল। সেই রণাশ্বনে চবুনের ঐকান্দ্রে

हरू अस्यामणकामाहरू

## কংগ্রেলের গোলুমাল মিটে গোল

नव रिक

A friction of the experimental series and the experimental



বিশুদ্ধ ও মুপরিচ্চত তিল তৈল হাতে প্রস্তুত ভূল উঠা বন্ধ করে মাথা সুণ্ডা রাখে

ত্যের্ক শতান্দীন সুনায়ের উপর প্রতিষ্ঠিত লের মত বঙ ক্রিকা সেনিল আকানের।

সুরুলা বিজ্ঞানার শুনে ছিল। সুরুলা

রুলা। বাবুল ক্রারুলের কেলা ক্রেলা

রুলা। বাবুল ক্রারুলের কেলা ক্রেলে

বাবুলকে রুল কিলে না বিরো কেলাজারী

কলে নিরেছিল। কেল্যাজার চাকার সালালা

কল হছিল; পাখা ভাকছিল আকালো

ভোরের সুর্ব উঠে আলাছে। ক্লালালার

পাতাবাহানের গাছ। বাহে কালা, নীলা,

হল্ম পাডা। বুলি হয়ে বাওয়ার পাতার

উপরে পরিক্রা ভাবঃ সভেল এবং ক্লিম্ব।

বাবুল গাড়ী ঢালাভে চালাভে ভাকক, বাবা

ভাবার পাড়ীটা চলাভে চালাভে ভাকক, বাবা

সভীল পাড়ীটাতে হড়ি বাঁবা বেকল।
গাড়ীর চাকা অনুবাহ কা কৰে কাৰ্য গড়ি বার টলছে এবং চালাবার চেন্টা করছে।
সভীল নারে গাড়ীটা উল্টে বিলি। আর পিন লাগলে গাড়ীর চাকা আবার অনুবাত থাকা। বাব্ল রেকাসাড়ীটা চানতে টানতে গেরানে বেল হর পাখী লেকা, বোব হর পাখী উড়ে সেনে বেকালে সে নিজের হারা বেখে থেমে গোল এবং কেমন ভর পোরো কাল, বাবা ভূমি আনার পালে বসবে।

ব্ৰুতে না পেরে সভীল বাব্দের
মধ্যের মিকে ভানিবরে থাকল কিছ্কল। বড়ু
টোল বাব্দের। হাসলে সালে টোল পড়ে।
কালো রঙা। মধ্যের ভিডর টোল ম্টোই
সার। ছোট করে ছাটা চুল এবং ব্যক্তিত কোন বেন বান্ আছে। বেন ক্রের কোন
মাঠে ব্লিসাতের পর সামানা জ্যোক্সা—
জ্যোক্সার ছোট শিশ্ম দ্বাহাড ভূলে ছটেছ।
সভীল ব্যের করেছ হাব নিরে ফালা, কি
কালো?

বাব্দ এবার গড়েটা ক্যনে নিয়ে নতীবের সামনে লোভা হরে দক্ষিল। বলল, এখনে ভূমি আমি বসব। বলে সে धनिस्तात क्रिकोट्ड न्याम निर्मिष्टे क्यरन সভীশ বলল, যা কোথায় বস্থে? কথা गरन बाब्दन एक्टेर न्विथाय भएए राजा। মা প্ৰশে না বাৰা পালো? কে পাৰে কাৰে সে এ-মৃহ্তে কিছুই স্থির করতে शतिन ना। अत्र क्रारथ-मृद्ध क्रिके अक ভাব ফুটে উঠছে। স্কুলাং স্কুলি বলল, ছমি বেণানে ৰসাবে আন্তরা সেখানেই বসব। তেলার গাড়ীতে কে কোবাল বাবে ভূমিই ঠিক করবে। বাব্রা এবার গাড়ীটা কেলে गरतत कारक करके दनका। जनका अकाल द्भ त्यस्य क्रिकेन। अत्र त्युत्री मदत्र क्रांत সভাল। বি আলবে। এবে সৰ হাভের न्दर अपन निरम एन सामा क्सरन। क्स रेग्टी की शाम ककी जब नवात । जामाना जनारकस्थान व्यक्ताता धनर जनारवसम राज्ये ग्राह्म मध्य मध्य श्राम श्राम श्राम

णातः। याम्या विकासस्य भारम जामरण्ये मृद्रामा प्राथात क्षांच स्थापनः। यमना, रणात-रक्षा श्रामी निरतः रयणरण उनके। अधन भाषरण रवाणः। अधन कथात्र वाय्चा विका करात रमणः। मणीरम्य निरक ना णाविद्यके सम्मा, वावा कृति जामास्य भारम यमर्थः। या विकि भिक्तन वायरः। रकात्र करात मृद्र्य सम्मान विकास रम्या जामनारम् करेते चारम्, अवै याय्चा, रहात्रै वाय्चा रमवेत्रकम्य वाणावाणि करतः और मरमात करतः कृत्विकाः। श्राह्मास्य —ভার পিছনে কে বসবে? কারণ
বাব্দের গড়ে চার কামরার। সে এবার
কি ভারণ। জানলার পাডাবাহ্যেরর গাহ।
ভারপর পথ। এই প্রানাদের রত বাড়ার
ভিতর এক কালি মর নিরে সভীল ররেছে।
ন্মী স্বেমা আছে। এই বড় বড়ার দ্বে
গালে ক্লোর বাখানা। বাগানে কড় বিভিন্ন
ক্লা। এবং বাখান পার হলে প্রুল, পাড়ে
গাড়ে আমলকি গাহ। এখন কি মাস
সভীবারে কেন মনে আস্টিফা মা। এই
আমলকি গাহের হারা এবং বন ভার পরে

#### আৰ্চারত

জ্ওহরলাল নেহর, ॥ ১২.০০

## বিশ্ব-ইতিহাস প্রসঞ্জ

क उद्युवान त्नद्र ॥ २०.००

## **बी**रगोत्राञ्

প্রফুল্লকুমার সরকার ॥ ৩.৩০

### জাতীয় আন্দোলনে রবীন্দ্রনাথ

প্রফুলকুমার সরকার ॥ ২.৫০

## कशिक्द दिन्म्

প্রফুরকুমার সরকার 1 8.00

#### ভারতে মাউণ্টব্যাটেন

a. সি. জনসন ॥ ৮·00

## আজাদ হিন্দ ফৌজের সঙ্গে

ডাঃ সত্যেন্দ্রনাথ বস, ॥ ৪.০০

#### STUDENTS FIGHT FOR FREEDOM

Amarendra N. Roy. Rs. 6.00



আনম্প পাৰ্বিস্পাৰ্স প্ৰাঃ কিঃ অফিস: ৫ চিন্তামণি দাস লেন । কলিঃ ৯ ক্ষিক্ষ-কেন্দ্ৰ : ৬৭এ মহাখা গাড়ী রোভ ক্ষোন ৩৪-৮২৪৭ মাঠ, মাঠ পার হলে রেঁল কলেনীর লাল। ইটের বাড়ী এসব ভার মনে আসছিল।

বাবলৈ তখন বলল, ভার পেছনে বিদিয়া।

---আৰু কেট নৰ?

----

—তোমার ঠাকুমা ঠাকুদী।

এবারেও সে দিবধার পড়ে গেল। সে কিছনু না কলে গাড়ীটাকে টেবিলের উপর রেখে দিল। তারপর একটা চেরারে কলে। ইভিছাসের পাতা খালে পড়তে কলল। রাম-রাবপের ছবি। রামের মাখার রাজার টুপি। বড় জদ্বা টুপি দেখলে বাবুজের মনে হয় এই ব্বি রাজার টুপি। সে করোকে কতবার এমন একটা টুপি কিনে দিতে কলেছিল, সতীশ কলেছিল, রপের মেলা খেকে কিনে দেবে। কিন্ডু রপের মেলা খেকে না রথ, না টুপি। সে ল্ম্বা এক রেলগাড়ী কিন্ন এনেছে।

বাব্ল কি চ্ছবে ছেব নিবিণ্ট হল ছবিতে: সতীশ কি ছেবে জন লগতে পাতাবহাবের গাছ দেখল। আর সারমা দরছার উকি দিয়ে দেখল ঝি মংগলে: এসেছে কিনা। অফিসের সময় হায়ে যাছে:। সে তাড়াণত ডি উঠে বসলা। ক্লোত এবং বিষয় চোখ স্বমার। দুই স্বতাবের জনমী সারমা। চোখে-মাথে বিস্বদের জাপ শ্ধা। সে উঠতেই বাব্ল বলল, আমি আর পড়ব না মা।

—কেন পড়বে না?

—বাবা বলেছিল ট্রিল কিনে সেবে, রাজার ট্রিপ। ট্রিপ না দিলে আফি পড়ব না। বলে সে একটা খাতা টেনে ছবি আঁকতে কসে গেল।

স্ক্রম ধমক দিল একার ।—বাবাল তুমি পাকা পাকা কথা বলবে না। এখন পড়াপোনা কর। কেবল ছবি একৈ খাতা নম্ট করা। সতীপ একো বলকা, তেমার ছেলেমেরেকে বলে বছব দুপ্রের বাউরে বের না হতে।

এই এক ভর স্রেনার। স্রেমার কেন,
সত্তীশেরও। কাড়ীর বাইরে ফ্লবণান,
বাগান পার হলে বড় জলাপার। জালে কালো
রঙের শাওলা। এবং বড় গভীর। এত বড় বাড়ীর এক কোণার সত্তীশোর জিনকামরার হর। প্রাসাদের মত এই বাড়ীর কোন ভংলাংশে বেন সত্তীশ এবং স্রেমা তাদের দুই সংতানের প্রতি কেন্হ নিরে
জীবনের বাকী অংশট্রু কাটিরে দিছে।
সত্তীশের ভর, বাব্লে একা একা—বখন স্রেমা দৃশ্রের ব্যাবিরে পড়বে, বখন নিজনি দৃশ্রের পাতাবাহারের গারে কিছ্ পাখী ভাকবে—ভখন এই বাব্ল ভালপাতার ট্রিপ মাধার দিরে কাঁধে খেলনার বস্কুক নিরে দৈতা শিকারে কর্মাধ্যে পড়বে। আর সংশা থাকরে মিন্টা। দাই ভাইবোনে চুণি চুণি বের হরে ফাল ফল পাথীর জন্য দারোর নারের নদের খাণীর অবস্থার স্থানির মার অস্থের সভাটাকে খালবে।

and the second of the second o

करे वस नरदा करन महामात Parson ক্ষা ভেগো গোল। সতীল সেই Plint. বাহারের পাতা দেখতে দেখলে জাবল। এই বড শহরে বড নিঃসংগ সে। क्रेंप रम अन्यित हता फेंग्रेस । कात्रथानाव কিছু কিছু ঘটনার কথা মনে পড়ছে এ সময়। সতীশ একদা বিদ্যালয়ে শিক্ষকতা করত। সারমা শিক্ষরিতী ছিল। বছ মাঠ ছিল সামনে। মাঠ পার হলে দেইকা। स्पेशत रामगाणी क्राप्त शायात । राजम আর মিন্টা রেলগাড়ী এলে জীবন দংত্রীয় কাঁধে মাঠ পার হরে। স্টেশনে উঠে হেল। বার্যদার ইভিচেতার থাকত। সার্যদ এবং সতীল বসে বসে ওদের অনুলা হয়ে যাওয় দেশত। এখন কেন জনুনি সে সব ছবি প্রশেষ মত মান হয়। এখন শ্রেষ করন কারখনার ঘণ্টা প্রেটানোর শব্দ চেক্স व्यक्ति। देक द्वार व्यक्तकारद काम शासन प्राप्त এক অণিনাগে লাক ঝালিয়ে ব্যৱস্থাত তথ কারা যেন মাথায় রাজার টালি পররে কল ক্রমান্বর ঘণ্টা পিটিরে যারেছ। এই ছাটা পেট নোর শব্দ কানে একেই সভাবের হাত-পা কপিতে থাকে। কেবল মনে হর কারা যেন সব সময় হলে। করে ওর পেছনে ছাট আদহে। আজ সোমবার। বোনাস সম্পর্কে কথা বলতে আসছে। स्तिक शक्त एश्टर কথার কথার বভঙ্গা হবে। নানাবকমের ভয় ভীতিতে এর গল শাকিয়ে আস্থিত । সে ঝি মপালাকে ভাকন: জল, এক পাস ভাল নিতে বলল মঞালাকে। ভার পর कना । एक एक करत स्थर स्थलन धरः भारत्वार्क छेरामना करव रक्षक जास किराउ দেৱী হতে পারে। অবধা অমার জনা हाबद्द मा।

স্রেমা মুখ ফেরাজ না । বলল, ভোমতক একটা কথা বলতে জলে গৈছি।

- To ou?

—বাবার চিঠি এলেছে। অফিস ফেরত চিঠি পড়ে মাধ্য ঠিক র খতে পারবে না বলে দিউ নি।

সতীশ সামান্য হাসল। —কট্ পেথি
চিঠিটা। স্বুরমা ফালিগের নীচ থেকে চিঠি
বের করল এবং সতীশের হাতে দেবার সমর
বলল, এ নিমে তুমি মাথা গ্রম করেব না।
স্বুরমা সতীশকে লপথ করাতে চাইল।
সতীশ কবাব দিল না। চিঠির তাল থলে
সেই বৃশ্ব মান্যুটির হুস্তাক্ষর দেখল।
হুস্তাক্ষরে সতেজ স্কল ভারটা
ক্রমে কেটে বাজে। প্রম কল্যাপ্রর
—এমা এই শক্ষ্ এবং অধ্য প্রমে অস্প্রী

হয়ে আসহে। সভীপ গত হাসে বাডীছে নিয়মিত যে টাকা দেৱ তা দিতে পাৰে নি। তাঁব কোম্প্নীর অবস্থা খারাপ হবার स्व १ द्वास्था व करा शारह। म् छताः व स्कर ছটত। বাৰা নিশ্চরই চিঠিটা শ্ব রেশে PUM - WIN विरिश्यक्त । সে 9 cor 26 न्द्रतिष्ठ एक माद क्रविद्युष्टक दृद्ध शुरुष्ट আৰু গাঁচৰত টাকাৰ মত। আমাকে প্ৰতি হাসে একশত টাকা দাও। আমরাও চারজন ভোষরাও চারজন 1...এ মাসে সেই সামানা দ্দ্র তমি আরও সংক্ষিত করেছ। এই বৃষ্ধ ব্রুসে অনাহারে দিন বাপন করতে চাব ভাষতে কন্ট কাৰো। কল্যাপীর সম্বাধ এক্তির। পর্পক কলক তার তেম্ব বাসার কাছেই আকে।...সতীশ কৈমন জন্য-ফুলকভাব চিরিটা পড়ছে। পারপকের থেভি-श्वत तारा नियम विकास एम दश धाकना। লোক আরও অসপ্ত করেকটি লব্দ। সাতীল চেবের কাছে এনে উন্ধার করতে পারতা। हरीताव आदाव अक्टि फारब हरहाइ । जाना কৈ ক্ষেপে গেলেন ৷ সভীৰ কেমন অস্থিক গ্লেখ না বলে পারল নাং এবার পরেব খাব নাত্ৰ পোনাং' এই শব্দ বাৰহাত্ৰ চিত্তি শের করেছেন। তুমি লিখেছ একা তেমার পক্ষে সংসাধের দায়দারিত বহন করা ক্লাম কঠিন হয়ে পড়েছে। ভূমি বলতে চাইছ, বহুনি সংসারে সামানা সাহায়। করাক। ক্টীন রেলে চারুরী করে। সামানা ভিন্নত টাকা মাহিনা। ছরটি কন্যাস্থতান उ द : ওর দজন। ভাও বড় মেরেটিকে আমি এ-মাসে নিয়ে এসেছি বলে রক**।** তিনি মেন দয়া করে পদ্র **শেষ করেছেন।** তিঠিটা ষতীশ ভাজ করে সরেমারক দিয়ে দেবার সমর কথাটা না ভেবে পার্কা না।

বনার এই এক অঞ্চাত। সংসারে
সতীল সামান্য দেশী আয়ের চাজুরী করে
বনে এবং বিশ্বান বলে মন চাপ এর উপর।
দ্যাম সংসারে বড় ছব থেকে আলায় এবং
মানানার অমতে বিবাহের দর্ম সকলেই
দ্যাম প্রতি যেন সংগোপনে আক্রেল বহন
বরে বেড়াছে। কারণ বিকের আগে সতীল শেষ কপদকি মাহার হাতে দিরে দিরেছে
এবং সংসারে সেই প্রান্ত দারে দিরেছে
এবং সংসারে সেই প্রান্ত কার কিল। কোছাকার
এক উটকো ব্বতী এসে সতীপাকে সংসার
পৈকে বিজিয়ে করে দিল। সভীপ চিঠিট
স্ক্রের হাতে দিরে বলকা, তেবেছি বাব্লাকে
দাস্য কাছে সভক দিরে দেব।

म तमा वनना, छात्र भारत ?

সতীশ হাসতে হাসতে বলন, দালর শ্রস্তানের বড় প্র।

শেষ না কলে বল কাথপির মান্ব।
ব্রমা কেপে গেল। এই মান্ব সভীগ
কৈন উৎসগড়িত প্রাণ। সব দার দারিছ তার।
কেন বংশ-স্রমার রংশ হাত পা কপিতে
থকস, কন্য দুই ভাই ভাহে তেরার, ওরঃ

কাল করছে। লেখাপায়া লেখাবার চেলার চ্যুটি ও ভূমি কর নি। ল্নেছি ভূমি টিউলান করে, পরিকা হকারী করে ভোমার পড়ার খরচ চালিরেছ। আর ভূমি ছোট ভাইদের পড়ার জনা কি না করেছ—ওরা মান্ব না হলে কার দার। সাজার একটানা কথা বললেই স্রেমা বড় বেশী কাত্র হরে পড়ে। সে বিছানার উঠে বসল।—ওরাও কিছা কিছা করে বাকাকে

সভীল তেমনি সরল সহজ মাৰে বলল, দেখাল তে মাখা থাবাপ কৈ করছে।

স,রমা বিছানা থেকে নেজে দরজার দিকে বেতে কেতে বলল, জামার বাব্দকে জামি দিতে বাব কেন?

—না নিজে দানা কেস চালিকে বহবে। সভীগ ঠাটা করে বলল।

—েরেস চালালে দারিস্তা বাড়বে। তর্ত্ত আমার কি: সর্রমা ক্রমে ক্রিশত হরে উঠাত। সভীদোর ভারা লাগতিল স্বেমাকে রাগিরে নিতে। বললা, দাদার করে থাকাও যা আমার কাতে থাকাও ভাই। সভীল বারাণদায় নেরৈ গিরে স্বেমার ম্থ দেশতে চাইল।

---হাতাক জামার। সংসারে তমি তেমার মা-বাবা দাদার জন্য সব করতে পার। জারি পুরি নাঃ তেজার বা চাকরি কবে কোন্দন সৰ বাবে আমানের। আমারা পথে গ্ৰিচ দক্তিব। কি সম্ভৱ তোমার বল? এত দিন চাকুরি করে কি করেছ তুমি? মিণ্ট্ ভালের লিকে তুমি একবার বভ হয়েছে। ভাল করে তাকাও। তোমার কারখানা, ভূমিক, মা-বাৰা দাদা ওরাই সব। ভারপর আহত কি বলতে গিরে স্বেমা খেমে গেল। এই এক অভ্যাস স্ত্রমার। রেগে গেলে সকলকে টোন আনবে। কোখার কেন সরেমা অন্তিচ্ছতার ভগতে। সতীপ নিজেও মাকে মাধে জীবনৰাপনের নিরাপত্তাবোধের অভাবে জন্মে। কারখনার ক্তির পরিমাণ কেড়ে যাকে। রাম রুমে খণ বাড়ছে এবং কার্থানার নাভিদ্যাস উঠছে। সে বেন কোনদিকে পথ খাকে প্রেছ না। প্রোনো ফরপাতি এবং প্রাচীন সব পর্যাতর জন্য প্রতিবোগিতার ক্রম ভারা হটে বাজে। ফ'ল করেখনের দুল্য চোৰের উপর ভেসে উঠলেই মনে হর, এক বড় অভিনগোলক, অভিক্রম করতে পারলেই রাজার মাধার টুলি। সতীপ বার বার প্রাণপুণ চেন্টা করেও সেই জন্দিগোলক ততিক্রম করতে পারছে না। স্তীপ জাল-কাপড় পরার সময় ভাবল, বাবালকে আজ হোক কল হোক সে একটা টুলি কিনে দেৰে। সে রাজার ট্রিপ পরে রমা অথবা রাবণ কেন্দে বাবাকে ভর দেখাবে। সে ভাকল, বাবলে ভোমার পড়া হরেছে?

काथात्र वार्ण ! कचन वार्ज टोविस्तत

## প্ৰতিভা বস্তু

डे न ना न

্ত্ৰিত য় দৰ্শন ৮০০।
এক দ্বালচিত প্ৰেছ এবং বিপৰত হড়ায়া
এক নালীর বিপত্ত লীবনায়নের অবলপদী।
বাচিনী কেবিকার এই ব্যক্তৰ উপলানটো।

রাটা ভাটা চাদি 8-00
বাচল চিত্ত প্রেমের গভালিকপ্রবাহত্তর
এক নতুন বজনের কাহিনীলম্ম উপজ্ঞান
বাভা ভাভা চাল বাংলা সাহিত্যে এক
অভিনর সংবোজন।

# **ञामाभ**ूर्ग रमबीब

উ भ ना। भ

দূর্শাক্তির ভূষিকার ৫০০
বহু বিচিত্র চরিত্র এবং ভালের জাবৈনের
সংখ্যাবে-আনসংক্রানার ভালতভালে করে
বার ভালোগিত এক ভালাভ এবং ক্রান্ত

স্ত্রীর্মির ক্রিব্র তিনি কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান ক্রিম্বর কর্মান ক্রিম্বর কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান কর্মান ক্রমান ক্রমান

সেই ব্লাপ্ত প্ৰই দিব ৫০০
সম্ভ আন উমিনা—একুল আন বোল।
ভালাবেলভিল ভাষা; অনিকার করেছিল
নম্পাকে পালপারের মধ্যে। এই প্রাক্তরন প্রোমন প্রোক্তিন সকল বালা উক্তরণের
এক অপর্যের কাহিনী।

রাটের পাবি ৪০০
নবীলা প্রকান বিকরিনী আলাস্থা বেবী রচিত প্রাণপ্রান্থাকী কামনা-উবেদ এক তম্পীর প্রেমের বিকর্তনের এই কাননা কহিনীটি বংলা সাহিংক্যের একটি সম্পদ্ধ কলে গণ্ড হবে।

্শিতিব। ৫০০
গ্রহীর এক সংকটের রশ্য বিরে শুরু
এ উপন্যাসের কাহিনী। এর আক্রমণ অপ্রতিরোধা হরেও, পারিবারিক জীবনের রানসিকতা ও হোটগাট হাসিক্লার উপার্ক। চলচ্চিত্রে রুপারিত।



আনস্থ পাৰ্থিশাৰ্স প্লাঃ জিঃ অফিস: ৫ চিডাৰ্ফাণ নাস কেন ৷ ফলিঃ ৯ কিজ-কেন্দ্ৰ: ৬৭এ ফংছা খাড়ী রেক্ট ফোন ৩৪-৮২৪৭ 19 V.

250

নিতে বলে মার অস্তের দৈত্টাকে बान्यतः राटक वन्त्रकः त्कामदव त्वन्ते क्षयर কাতে অটা চকচকে লোহার পাত। बारण मिट्र त्याजा। मत्न रह, विवाद है देशिक रेगरक कहे अश्मात स्थरक স্ব অমশ্যল দ্বে করে দিতে চাইছে। বের ইবার মুখে সুরুমা ফের সতীপকে বলল, ভাগের ভূমি বারণ করে বেও।

मणीन वसन, मिनी क्रांच वाव नारक निःत माश्राद्य दिव बद्ध वाद्य या।

বাৰ্ল টেৰিলের নিচে খেকে ব্লল, না বাৰা, আমি বের হব না। দিদি আমাকে रकवल तक्त करना

মিণ্ট, বলল, হাাঁ আমি তোমাকে কেবল रवटक र्याम। निरम्भ स्मा स्वरक कारन ना। বৰাড়া দেখে সতীশ বলল, ভূমি

बादवं मां । जुनि जीकात काम सा। काल भाउ टनाटन टक्**डे ट्रॉड नाटव**ारा। छ।त्रभा स्ट्र म्बारमात्र सना वकाम একটা অভগর সাপ আছে। ट्याटनरे स्थात स्थलातः দ্ৰা সভীশকে কেমন ভীত বিহত্ত করে ब्राट्य। व्यथना व्यक्तित्र अधन् अधन् कर् अनम्ब राम्न भएन भएन रहे, वाव न वह

# আপনি कि আপনার শিশুর পুষ্টির थात्र प्रतथ स्थाल-जाता अनुष्ठे जाष्ट्रत ?



PATE 17-1. 14-14 00

वियुषान निकारश्य अवस्थि छेश्यहे छेश्यास्य

THE CASE OF STREET STREET, STR THE WAS REPORT FOR MAN AND MAN AND ## WEET WIT WITH THE PART PART SINCE COL SUPPLIES THE THE ACTE AND CHARGE THE PERSON

REA REA OF SHIPPING AND UND

श्रव त्वत हराहर विकासकीरक अक वस रमहाम धावर जनक रताते। अवने नाव क्षा वाटन केंद्रक इस रनवाटन अक कुछेत्नीत ग्रंथ, जात हाड शास्त्रात जिल्ल गुजरू बारक। यहरन डाकिन दनहे बाकीन গলিত শবের মত হাত পা মুখ; আরু কী बद्ध देखा जात मा शहर मूर्व क्लाम হরার। সতীশ এখানে এলেই সামান্য সময় দাত্র, কিছ, সাহাব্য দের।...তারপর বদি ছাম কোনাদন দ্যাখো সংসারের স্ব দ্বোস रहात्राय कता जरभका करव बाटके? अवेन কথা মনে হয়, তখন ? সভাল তখন ভাটে পালাতে চায়, কিন্তু কে বেন ভবন পাৰীৰ হত ডেকে ভেকে কলে, বাবা ভূমি আমার इज़ार्ड द्वेनि किरन एएटव ना ? स्ट्रीय सामारक वक बार्ट निरंत्र बार्ट ना ?

অফিসে চ্চেই সভীল न्तन, ्लाक श्रेष अर्थन ट्रिया क्रवाद টোবিলের ব',স W. TE I 7.79 উপর কিছা চিঠি পত্তে আছে रनाक मुख्य বাইবে আছে। সে বেল টিলে অভিনালবাৰকে ভাকাল। বলল, কারা এলেছে? কি চার ৰা: ইউনিয়ন থেকে আৰ্ফোন ডো। সতীৰ अन्त प्राकाम। अवर क्षमम् आभीन वस्नुन व्यक्तिमवाद्। उता धरन वनन, कि हरे? बना जनादन दमान, जात्र रूनावे किमटक हाहे।

সভীস এবার চে'চিরে উঠল ৷—এখানে रणाउँ विकि इत ना। अधारन रणाउँ रकना হর। সে কেন জানি সহসা মাথা গরম করে रक्तनः। प्राथा श्रीवा कता दान्धिप्राहस्त अन्तर् নর। সে ব্র লাক্লিক্ট বালকের মৃত হবে करत करण बाकाब रहको। करत रम्बन, बना किन्द्र, क्लाबु दक्की कन्नद्रक । - क्लाब्न । थना मार्ज र्भक रुका क्लेर्फ। जाव खर्मक কোল্পানী ভ আজকাৰ কোটা কের করে निक्रि करत निरंक्ता।

बाबता विकि ना। अवह नातीन साहन मामकाम यामकारका एकटा निक्रि जाना বিভিন্তে লাভ বেল। কড়পকের বিভিন্ন निटन क्रमणे ट्यांक बादम्। संबद्ध क्रमण निकाणाबरनम् वासकातिक काव बाकरव । हमः बहारक कर्ण करत रामा महामा, अनारम का रत ना। धनाक ग्रांकन केल रगरनह जनते। কোলাহল **স্মান্তে গোল। সকলো নিলে** विक्टनत मिटक काटड कानटक। काडीवन par cales and see cacus scuce :

A TO SEE SEC. on one with surprise THE PERSON NAMED AND ADDRESS OF THE THE PERSON NAMED AND POST बार्काम्बर्कः एककामित्र राख केन्द्र स्माद्धः। क्षा जाकीमध्ये किनावे रामगाकान क्ष - व्यक्तिद्वारम् स्वत्या स्वरूप स्ट्रा कटान रकामाक्त मानदक मा। शकीन मना वक मरकारीरक रक्टक काला, बढा मकता गारेटा रक्ता। ब्राइट रक्क्सा रक्तक कार्य. काम क्यारक कार्म। जाति अन नामधा क्षांच ।

मृज्य लाक एकक्षाबीएक शतनाकारण নিয়ে হলে বাছে। সভীৰ ধৰের জেভ कार्या, अनाव टकावडा का कि कारव?

> –সারে পাঞ্চিং মেশিন খারাপ ছিল। —ग्रनाबकारेकानस्य निरमार्थे करबस् ?

-

eration made work agreement to मन जीक्ष्माराम अन नवस शकासिका स परम । इतिक गाउँ मा समा सहसा Bris crists strict sit. ... Minerican Grat of from APPENDED THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE PA शास्त्राम हान निका जनर युवान, की आह क शक्रम मा। हिक काटब ट्रमानमा जिल एक्कारी कारामानकार काल कार्यक ভারণার লে চাবিটাতে হাত দিলে ব্যাল ভিতৰ চাৰিত্ৰ বাট করে লেহে। বাট করে रशरम मार्च मारक जांच बक्का मा जनर क्रक शकास मन्द्रासमा सार्ट्स क्रिक्ट क्रिक्ट ভাৰ ব্ৰ কাঁপছিল। ৰেণিন আলই প্ৰ रक्कारक शरद । चाना ठाका क्षापर ठानि व्यक्ति

वर्गीन्द्र बरस्त्र मणून छेलनप्रन

बनक्द्रणा नकुन छल्लाम

# ष्ट्राता आत्वत तुर्छ अधिकवाब

TH 1 8:40

जनका त्यदनत मकून क्षेत्रकाल

बीद्धमाद्यादन बाह्यदर्श

वायुविक निका व(वादिकाव >>---তধুকথা

TH : 0-60

জা গোড়কাৰ কলাট-এর কৃষিকা স্পানিত

বেবল দেববর্ণার ক্রহসা উপন্যাস

वान्द्राव स्र्यानावादक तञ्ब ञ्लित है।व

রাত ওখন দশটা WH : 0.60

SE MEN 4-00

क्ष शकानंत स्थावाल

प्रम साथा साहि 4-40 আল রাজা কাল কবিক 9.00 वर्णार्वाव ... को पा को मा

न्यवास स्थारभावास जिन्नाकात जिल क्रिनाधाम्य स्ट्रिन्सम्बद्धाः

मर्द्यमा, स्वाम

विकास विश्वन

8.00

#### এत ताम मश्मात गवत्र हा त

T.

ON THE B. CO.

ভালবাদার অত্যক্ত নাম

68 KEY V.40.

# বোগ বিয়োগ গুৰ ভাগ বাৰাচন্ত

वासीन्द्रमान्य सान्। अस

344 234 नमस्त्रम् यम् त

बर कार

别于中 引水村

वाश्वत की वय

AL MAR PO-00

AM 1 >9.00 वीतिक्षात ब्रियानामात, नाववीक्षणां कर् क नावद राजातिक

षाकाम उत्ता सूर्येखात्रा

1、甘可用品

WH 1 8-00

M M 34.00

বাৰ-কাহিতা প্ৰাইতেই লিকিটত ত০, কলেছ যো; কালকাডা-১

দিতে হবে। সে অনুহাত কের করার তালে
চ নিদিকে কি খালে দেখল, কিছা ভাজাভালির জংশ নিচে এবং নিচের দিকে চোল
কেবেই কাল, এখানে এসর কেন? নিন্চরই
কেবে জেতে পালিঃ চালাজিল তেওরারী।
সে জভিবোগটাকে হারির দিজে। সম্পূর্ণ
হার্ম দিতে পারলে কোনো জভিপ্রগের
ক্রমা লাজবে না। বার নারিক সব প্রান্ধকর।
ইউনিসনের বাজন পাশ্চা লোককে ভেকে
চারশাশ্চা দেখল এখানে এসব কি হর।
সে প্রশারভাইজারকে পর্বান্ত শাসাল।
ক্রীনার্মকে এবার হ্স করে কাক তাড়ানোর
ক্রমাক্রা সম্ভারে হ্রম্ব দিতে চাইল।

কা রিপোটো লিখল, কাজে আনার্ক্রমকতা এবং হুবাটনা। দ্জন রিকিকে সাজী নিরে রিপোটা লিখে বিভেই প্রাংগর ভিতরে কেমন যেন এক বছ-যোগা জীব উদ্ধি লিয়ে ফের রাজের ভিতরে ক্রমেন বিশ্ব হৈ বানের

মলা বেশি, গ্রুই হ্র তথন উপনি দের—
মিন্ট্, বাব্লের মুখ। রক্তপারা জীব বেদ
এবার ওদের তেতে বাজে। বাব্লা একবার
ছবিতে রাম-রাবলের ব্লা দেখেরিল। ব্লা
দেখে বলেছিল, বাবা জামি রাম সাজব।
জামাকে রাজার ট্লি কিনে দেবে বাবা।
রিপোটে সই করার পরই সভীলের
মেজাজটা কেমন র্ক হরে গেল। রখের

সে অফিসে বসে, অন্যাননাকভাবে কড়-গুলো বিল সই করল। চিঠি সই করল।
চিঠি অথবা বিল সই করার সমর অন্যানানিবের মত সে সবটা পড়ে সই করল না।
এমন কি একবার চোখও যোলাল না। এই
এক বিশ্রী অভাসে তার, ডিতরে কেন
পাপবাধ কাল করতে থাকলে সে কেমন
ভিরমণ তরে পড়ে। সংসারের বিবিধ কারণ
শিক্ষরে তার সোনার কাঠি রাখতে দিছে না।

त कामराज का की अक बाग्य। जात कारो देखा किया मा एक कहा हो जा तर्गाण अमा रहाक। कया कार्ज कमा, का कि मारे मिमा-मण्डाम असर ब्यकी क्या मा की जात मा बाबा कारेरव दमक कथा एकर जामात कार्ठ दम निवादत बाधका मा। मय दकरण मिन्ने स्व रक्षमा कामान्य असर कुछमान रहत राजा।

ট্যান্ত্ৰিতে কৰে হাসপাভালে নিয়ে হাবার नमत टिक्कासीय वर्कणे कीर्माहक। बानामा দিরে সভীশ সেই মুখ দেখল। সভীশ করে टकरण बाल्क। **अ**हे हैनिस्त्र विनिस्त काहा त्न नहा कराफ शत्राह ना। इस्म त्न जनश्रु रात शक्टक। तम केंद्रं माँकाम धरा व्यक्तान ভিতর পারচার করতে থাকল-যেন সে সাহস সম্ভয় করছে। সে অবিনাশকে ভেকে वस्ता अरहत अवाद स्टब्ड वस्ता। अधान दासकाधि करत जात कि शत। वन्तर সতীল এখন নিরাজ্য মানুবের হত। সংসারের অধ্যকারে এক কালো ঘোডা আছে **ए.८७ व्हार मिन्डिंग कार्टीन-वारिको अर्थ** পার হতের বাজেছ। মাঝে মাঝে বেমন হয়-কেনে দাংখের ছবি, জাতেরি কণ্ট ভার -নিরপেতাবিহীন জীবিকা দেখলে কেন হর, সংসারে পাখী ওড়ে না। মর্ভিমির মত माठे नाया मामान, कात अक डेडे-नीय नथ-বাহী নদী নালা বিহাঁদ নাঠে অন্তর্ত উট ছাউছে। সতীৰ তেমনি নিজেকে কিসের আশার ছটেতে দেখল। কারা বেন পেছনে ভাড়া করছে; ফুটপাখের বাসিন্দা, অনাহারে म् वानदक्त इति धवः हारे कृष्ठेत्।।। সে এবার চীংকার করে উঠল, অবিনাগ-बाद ।

- —আৰু আমাকে ভাকছেন স্যার!
- ব্যাখন ভ তেওয়ারীর বউটা এখনও কাশহে কিনা।
- —ना नात कौराष्ट्र मा। कथम ध्वा हान देशहरू!

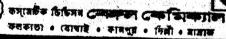
স্তীপ কেমন নিশ্চিস্ত মনে এবরে ৰলে পড়ল। সে গাই হাভলে হাভ রেখে শৰীৰ সেক্ষা কৰে দিল। কোনও দিকে **डाकाल ना। त्वानाम मन्मादक कथा का**रड হবে আজ, সম্ভবত কেরাও ক্রবে প্রমিকেরা बक्द बदलक मानिमाधका निद्य हीरकार क्ष हारबंहि हरन। स्त्र निरम्बद्ध बच्चा करावत कटना काण्यानीय दर की कत्रक्या मृत्यक्या इनाट्ड, जान ब-काटन क्लाटन टबनीमिम काल कानात्मा बाद्य मा केरनावन मा बाजादन द्यांकरवाजिकात काहे ट्यंटक क्टब-अ-अब निरा নিজের মনেই ব্ভিডাকের জাল বিশ্তার করতে করতে কথন বেখন সভাগ আর নভান নেই—নে এক জাল্যা রেলগড়ি হরে टनरहा अन्य मार्टेजिस स्वरंत स्वयंद्य नीन करकत रहेन का नामध्य करहे दवत करत बाटक। दन अवाब दनाका क्टा बनन अवर बनन, राव मा। स्ति कहा क्लन, छा कि करत क्षा। दम बनाम, नाक बक्दब चारित दक्षामादनव



বেজন কেন্দ্রিক্যানের

### शिष्ठिव खाससा द्याव व्यव

তী সুসৰ কৰা উপৰা। পূৰ । কেবাৰ চোৰ ব্যক্তাই । এমাৰ সুস্তুত্ত কৰাৰো চুৰ আগবাতত হাত গাৰে । বিস্ফাই—বণ্ডি আগৰি চুবেত একটু কচু বেৰ আছ বিচাৰিত বৈজন কেটাকমানত ব্যক্তিৰ আকৰা হৈছাত আকৰা বাংকিছ।



Franchis Comme

तरका कारका करबाँक, एकामचा केरणायम अक विक् बाजाब वि। काम्नानी ताई सन्तरा शास्त्र नाम वाकारकं शास्त्र मि। कामना समन হেরে বাজি-বোশ্পানীয় কমল ক্ষতির श्रीदेशन त्याप बारकः। किन्छ बना निरुवंक. क्षा किट्टे म्याद मा। छैरेनामन बाखाद লা। সে এবার কাল, সরকার ভোমাদের खामात्मत त्व दत्ते त्वर्थं क्तितात्वम छाडे পাৰে। মালে কোন্ন আৰু কৰটি কলে সভীপ শেব করতে পারল না। সমস্বরে চীংকার माना श्रम-जाशदनत नावी मानटक स्टव। স্তীৰ এবাৰ অবিনাশবাৰ্র দিকে তাক ল। ভারনাশবাব, কিনাপবাব্র বিভে ভাকাল-वता जकरण रवत क राज राज-मानावरो र्वट रगद क्या वनट गर्जीका मा। লয়ে এ-অণ্ডলে <del>অপ্</del>কার নেমে জাসছে শুধু এইটাকু ওরা টের পাছে। ভোমরা দ্রজা ছেছে দাও—আমরা বাব। সতীংশর বলার ইন্ধা হল। কিন্তু দরজার মান্তগালো অরেও জট পাজিয়ে বসল। এক্সর ওরা एउ बहातीत कथा कुमार । कामारमत कथा ভালবে। সভীপ ভিতরে ভিভারে ছটফট क्त्राल शाक्न। वात्नाते अध्य कि कत्र ह কে জানে! যা ছেলে! মা'র জন্ম বাড়াল ছেলের ফুল ফলের জন্য বেন আকব'ণ বেড়ে বার। সে এবার অবিনাশবাবার সিক ভাকিরে কলল, চলান ভবে উঠি। কিল্ড ধারা नतका कागरन वरम हिल छाता वरमहे धकनः फेर्रम मा टक्छे। अजीम जीवनामरक महाका एकरफ मिन ना। उर्राह দাবী না মেনে নিজে সভীল এবং অবিনাল क्टि शहर मा। **ऐटेरहः क्षमम माच कानस तम्बान ग्रामटे दन** পারে। সে বললা, সরজা ছেড়ে বস। আমরা वार। अज्ञा ज्यात्रक वस हरत वजना द्दतान्द्रति चारुक निका। खाद्यारमञ् मार्वी बानटक हरद-मन्त्रका जाग्रेटक मिरत अभग कथा কতে চাইল।

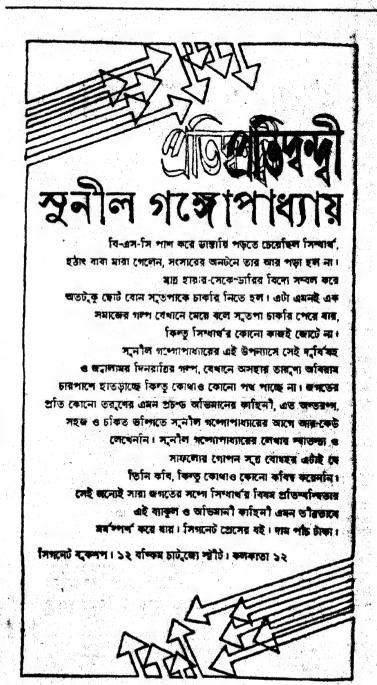
—তবে ভোমরা আমাদের আটকে বাগতে চাও।

—লে আমরা পারি সাম্<u>রা</u>

ाँच जावात विस्तात जवकात नाठांचा नावाद त्यात्व क्रिक्ट क्रांचा वर्षा ह्वाचा । त्या विस्तानवाद्व विरक्ष क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचाना क्रिक्ट क्रांचा क्रांचाना क्रांचाना क्रांचाना क्रांचा क्रांचाना क्रांचा क्र

রাজ রাখলে হা হা করে ছুটে জাসবে।
স্কুরাং অবিদাশ করের ভিতর উটের রাজ
মুখাট ভূলে পারচারি করার সময় বিনাদমাব্দে সংক্তে হি সং বলে দিতেই তিনি
বের হরে কেলেন। প্রার একশত মুখ এখন
দরকার জনবার বিভ্ কিছু মানুহ
সামতের মাঠের অধ্যকারে উপিক দিরে আছে।

নাইন সভাবের জনা এর কাতে বাতে বালে দিজিল—আমাদের হাবী বানতে হবে। বাল এরা বালের হত থাবা উচিত্রে বাস আছে, অবিনাশ অথবা সতীল বের হলে বাভে লাক্তির পড়বে। তথন বিনোদবাৰ, স্বর রাশ্তার হটিছিল—হাতে আবেবনশ্ব—টিই আর রংফ্লি ক্যকাইন্ড। কে রাশ্তার নেমে



INK CONDUD

विवित्त स्थान अवस्थात आवात तुर स्थान अवस्थात आक व्यवस्था

करेंग्य कराता करता, व स्थानियाम् वास साथे तह तुव त्रावा साथ, तुव त्रिया व्यापात निर्देश व्यापात नामात्र तुव का अर्थनात नामं द्वार त्राव साथ कार्य कार्यात कार्यात्रक तृत त्राव कार्य कर्मा कार्य कार्यात्र कार्याः । अर्थ कार्य त्रावाः अर्थाः वर्षाः कार्याः व्यापात्र त्रावत्रक वृत्ता कार्यात्रक तृत्व कार्यात्रक नामात्रक तृत्व । वर्षात्रक SPECIAL

-

the Col. Little was been also also and an address with

्रथात्राष्ट्र गया क्षणा हो कालाकारि हाउ द्ध धुट्स आता. किंद्र कार्ट्स क्या

আহে ! हाउ ग्रंभ स्**रम करती क्या हुनी कर** क्ष्या-अन्वन्यक्रीय कि क्यांका । क्यांक्रिक क्या हारति । भावी भाउता व्यक्ति । क्रिक शाव हाछाउ शास मा। अस्ता क्वामारिक प्र शहम ट्राहर मठीच कामाव क्या त्वाब १व सामकारव ग्रान्ट शामिक ना। टन বাবলৈকে দেখছে। বাবলৈ ভাক থেকে কিসৰ गावाटका काटकत भाव दरन रक्टब्स গ্ৰাৰ ভয়। পাদার সামনে খ্ৰ জোৱে সে মত্ও দিতে পারছে না। দাদা আহত হতে গারেন। সে থবে নরম গালায় বললা, বাবাল र्ग्न भीक स्मय धन। शब्द बाद्य। शब्द গলে হাত পা ভাওবে। বাব্ল কথা নেছে না। জাঠামশাইকে **দেখে ওর** বজার সাহস বেড়ে গেছে। রালে সভীলের थार तक উঠে আসছে। एवन मामा क्यालन. কলে ভোমার **আশায় আছে। যদি ভূমি** ত না দাও তবে এ পার্রাটও হাত ছাড়া हा बादव !

সতীশের দা হাত তলে চীংকার করতে ছা হল, আমাকে তোমরা কি ভাব! আমি চুরি করব! আমাকে তোমরা চুরি করতে নছ। আমার কি **আর! আমি কোথা** ্ৰু এড টকা পাব। **সভীশ অথচ ক্ষোভে** ং দ্বংখে জবাব দিতে <mark>পারল না। স</mark>ে মাপা নীচু করে বঙ্গে **থাকল। এবং ধীরে** ধারে কাল, লেখি কি করতে পারি। দাদা চল গেলে হতাশ মুখে **যরে চ্রুকল সতীল।** লে চোখ হ্রেখ টানছে। ক্রান্তকর জীবন এবং স্বর্গাদনের **খণ্ড খণ্ড হঠকারী ঘটনা** e.क বিচাতেই **স্থির থাকতে দিকে না।** বাব্লের উপর রাগটা কিছুতেই মরছে না। বাব্লের কাছে সতীল বুলি ধরা পড়ে গেছে। ক'প্রে,বের মত চোৰ বার, বার মাথা উচু নর-সে মেলা থেকে কি করে वकात है कि किनता तम किको कर्ताहरू ভেতরের রাগটা দ**মন করতে। ভেতরের রাগ** <sup>সম্ম</sup> হলে বাব**্লকে পড়তে বলবে। কিন্তু** দরে চ্কতেই স্রমা সতীশকে অভিবোগ বরল, তুমি বারণ করে গেছিলে ছেলে-নেয়েকে বাইরে বের হতে। দেশবে কোন-िम खता **करण पूरव मरत शाकरव।भर्**नद्रत কেন ফাকে বের হয়ে গে**ছে।** 

সঙীশ এবার দ্ব-হান্ত **উপরে ভূলে হ**টে গোল। বেন সে মেরে ফেলবে বাব্লকে। त रक्त वायान जुमि वाहेरत जिल्लीकरण, প্রেরে গিরেছিলে। সভীশের এক ভর, নিরাত্র এক ভর। ্বাবা আৰু তাকে মারবে व्द वायक्त क्राउ <sup>বারান্</sup>ধার চলে গেল। সঙ্গীল বারান্ধার शिक्ष वादनः चरत्र। चत्र वातान्नाः, <sup>দর্জা</sup> দিরে সামানা এক বাব্ল সভীপকে

अंत्र काव बावानाव बर्डिटा घाष्ट्रा । नावा कान बक देखा हता त्याहर त्य बद्धारिका আৰু বৰ্ণাছক, বাৰা আৰু বাব বা ৷ তোমাৰ नाइक नामीक नामा स्वाधि स्वाध माथ मा। दन হাউ হাউ করে করিছির। সভীপ চাংকার कर्ताहर, यायुक्त कृषि क्रिकेट मा। बायुक्त कर वर्गाहर, कृषि सामात्क त्याता मा वाचा. আমি আয় বাৰ না। কিন্তু হায় কৈ কাকে রকা করে নতীন ছটতে ছটতে সভি অম নৰে হয়ে গেল অথবা এক দৈতা সে वाब्र्टानंत कूटनं बदन टक्नान, छात्रनंत দ্-হাতে উপরে তুলে, দোলাতে থাকল আর দিৰ্মাম আৰু তে আৰাতে ওকে কৰ্মাৱত कडन। म्या इत्ये क्या ध्रत क्लन छीन কি পদ্ধ হয়ে লেছ, ভূমি কি ছেলেটাকে ट्यारव ट्यम्मद्व ?

মিণ্ট্ তখন খাটের নীচে চলে খেছে। কারণ বাব্যলের হরে গেলেই বাবার মিণ্টার কথা মনে পড়তে পারে।

খেতে বলে সভীল বলল, ওদের দিলে ना ?

–ভোষাৰ দেৱী সেখে তুলৰ খাইছ मिर्फाष्ट्र ।

সভান খালার বড় পাটি মহ ক্লেছ रपर्य यसन, बाह्य एक बाह्य मिन। कार्य मठौरनात्र साम् मण्डारव मः निन अवस्थि তিৰ একং ব্যবিষারে খাংস। বাব্যস্তে माक ना करण कक्ष मा। किन्द्र मधीलदक वारकार्व क्या कहा क मण्डारक किया किया নির মিষ থেতেই হয়। নিরামিক **খানার** কথা। বড় প'্ৰটি মাছ দেৱে সভীল ভাল্ডৰ यत्न रमना।

স্রমা বলল তোমার ছেলের সাক্ষা পরের থেকে দারোয়ানদের কেউ বোষ হয় মাছ ধর্রছিল। ওকে তিনটে মাছ দিরেছে।

— ७८क मिरहाटक, ना, क राज्य अस्मरक। - त्र आंत्र कानि ता। श**क**ीमता वनन् একটা বাবা খ বে। একটা **আমি খাব।** 

সতীশের গলার মনে হল ভাত আটকে বাছে। সরমা মাছ প্রসপ্যে এত বলছিল। বে সভীশের গলার ভাত আটকে বাচছ। काटना! भूतमः वह वह छात्र करत वनन वर्ष मोहणे वावा थावा। बाता! महत्रमा



६ ि উপन्যान

रेनवकानन ब्राप्याभावा मरकारकुमात त्याव नगरतन वना आमाभूनी राजी नानीम भागानी ७ नम्भामत्कत्र व्याभि

সাগরমর যোগ পরিমল গোলনামী প্রাণডোব ঘটক মণীপ্র রায় স্বালীল রায় नकून न्यारमञ्ज ७ × ० = ১৫ हि शन्भ

ভেলেন্দ্ৰ বিভ বনকলৈ নামায়ৰ পাপালোঁ জ্যোতিবিন্দ্ৰ নন্দ্ৰী নবেন্দ্ৰ মিত কমাপৰ চৌৰ্কী विश्वास कह जानहरूपाय शहरायायाम बरहून भाग्यहारी अरवायवन्य, आंधकाती स्थित्य गहरू त्थाभाग मामक त्यवहक महत्वाभावात मीरवामह महत्वाभावात

क्षी**रत्नत्र गृबंक गृह्दर्ज** ७ कर्नाश्चर्य नायक। অত্যত **गण्याकत महराज** ६ ट्याप्टे नाग्निका। অসহ্য কর্ব ম্হেতে ৫ সংগতি-লিল্পী। প্রেক্ষার ছাড়া ও পরিচালকের মৌরবময় মৃহ্র্ড । **অসহায় মৃহ্তে** ভারতের ৫ জন খেলোরাড়।

ग्रुश् ७ શહ્ય ડે

[ क्नाम म्रामानामा ] मम्भामक-माखन, शम

রসরচনা / কার্টুন / অজন্র সিনেমার ছবি ৪০০ পাডার বই দাম মাত ৩॥•

अरक-ऐंग्रा स्वामारवाम कन्न,न। प/र्जन, कामफेन्न त्याच द्वाफ, कविन-४०। रफान ६७-२५०३

(সি-৭৪২০)

वि बर्ग निए 25 रिए

সেশর সেনগুপ্ত



[ দাম বারো টাকা ]

(প্ৰিৰীয় বিভিন্ন বিপ্লয়েৰ জন্ম ব্যুক্তান্ত ছবি দেওৱা জহেছ)

কেবন প্রাপ্তবয়সকদের জন্য

क्नीन्त्रमाथ बरम्याभाषाव

**थ**गाउ

মধ্ব কর

[পাম সাত টাকা]

জ্ঞানভীর্থ ১, কিনে স্মণী, কলিকাডা–১২ ক্ষার ভালের বাটি এগিরে দেবার স্থার ক্ষান, বিকেলে সালাক্ষণ ছুটে এলে থেখে সৈছে নাই রিক্ষত রেখেছি ভিলা—না বেড়ালে বাণ্ডেড়ে থেরে নিজ—এর কি উন্দর্ম এই মাহের কনা, কোবার রেখেছি কিভাবে রেখেছি—কি উৎলাহ ছেলের—বড় মান্তটা ভবে খেডে দিলে খেল না, ভোষার কনা ভূলে রেখে দিল—বাবা থাবে।

সভীলের কি কেন কণ্ট ভিড়রে। এবার বৰাৰ'ই গলাৰ ভাত আটকে গোল। সে ভাল খেল চৰ চৰ করে। সে ভাতগ্ৰেলা নিয়ে নাডাচাডা করতে থাকল। কোপার কেন এই மன்ற वताक WINCE! সতীশের ভীষণ কাঁহা পাছে। ED 43 শিশ্ৰ কি ভার পরিচর-সারা সংসার জুড়ে লে বেন কেবল দাপাদাপি করে বেজার। এখন মনে হল সে নিষ্ঠার এবং ভ্রম্ভর-ভাবে অসহার। যত অসহার বোধ করতে তত এই সংসারের সব কিছু অপ্রীতিক্ত সূর্মার রুংন মুখ, বাবুলের 0574 ध्वर श्वनार्यत ब्रह की সংসার নিয়ত **ওকে ভীত বিহাল কার** দিক্ষে। সে ভয়ে খেতে পারল না। বাব্যলের প্রতি নিষ্ঠার আচরণে ওর ভিতরে ভিতরে জলের স্রোতের মত এক কারা এল। সৈ অবেগে কেমন অস্থির হরে উঠল এবং বেখানে বাব্ৰ কাদতে কাদতে ছামিয়ে পড়েছে তার পালে গিরে দাঁড়াল। ওকে বুকে তুলে বেমন অনাদিন নিজের বিছানার 4.64 निर्ह MICH. मा शहर के के बतात्व **4**17 **5** ट्टिमन--- এथन 775 সংস্থানের মূখ 73 W.E. গিরে মনে হল, পিঠে বড় বড় দাগ্ ফালে গেতে। অন্ধ্র ব হচ্ছিল: সভীশ সেই মান,বের মত, হার এক মান্র—জীতদাস-প্রার মান্র। স্তীক পাগলের মত ওর পিঠে মাথে ভালবাস্থ্ হাত ছড়িরে দিতেই চাপ চাপ রভ। সে ভার দুই নরকপ্রার হাত নিরে ছুটে গেল, দ্যালো সূরেমা আমি কি করেছি। ক্ষত স্থানে হাত পড়তেই বাব্ৰ ককিলে উঠল। এক অমান্ত্ৰ, ভিতরে এক অমান্য কেবল খেলা করে বেড়ার। সতীশ দ্-হাত সংর্মার মুখের नामरन धरत हीरकात्र करत छेठेन, जा.मि कि कदर्जाछ मादिया।

ভারপর বাব্লের পালে বলে আছত স্থানগ্রেলাভে নরম নরম চাপ দিলে দেখতে পেল টেবিলে নীল আলো জ্বলছে। রাভ ক্রমে গভীর হরে আলছে। কোথাও আর বেন রাভের কটি পতপা ভাকছে না। ধরণী শালত এবং স্থির। সে দেখতে পেল তথন নীল আলোর ভিতর দুই ছবি। রাজ রাব্রের মাধার রাভার টুর্নি, রাবনের মাধার রাভার টুর্নি, রাবনের মাধার রাভার ট্রিন, রাবনের মাধার রাভার ট্রিন, রাবনের মাধার রাভার ট্রিন,

AND MARKET AND THE PORT OF THE व्यक्तिक संस्था स्टान सामारा । महीत्म असमें जाबारियद्वत बडेना श्रक ग्रहे कात स्ट्र बरक मान्या । एककाबीय बकेंग स्वाप रह बरन बरस अपने क्रांस्ट्रा नरनात कि ह चंद्र कि त्व सम्दर्भ व मान त्र किही निवर्त क्रमाटक भागना मा। त्काल त्यक वाहेरत वान्यान ट्सनगाजीको जाला त्कारकात गर्क बाद्य। क्यांकात्वत राहे - धरे खाटन करे बाब, धरे नामा ख्यारम्या এই অগ্ৰহার। বাব,লের কোগাড়ীতে নে रकन अथन अका बरन जारह। रक्षे प्रहे। সকলে ওকে এক বছ মাঠে ফেলে কেন এৰ जकाठ त्योगात प्राप्त त्याका त्या ग्राप धनकिनेछे। निस्त्र मार्छत विकत्र कृतका न्य क्लिशाफी इस क्ला

ভোৱে মুখ খেকে উঠনে সে আর জেনগাড়ী থাকল মা। বাব্লের জন্য রজার
টাুলি কিনে জনতে হবে, স্ভেরং সহার
থারের সব দরজা জানালা খুলে দিজ। সে
বে লীওদাস এ সংসারে তা আর মনে থাকা
না। সে বাব্লাকে কাঁধে নিরে পাতাবাহারের গাছটার পালে দাঁড়িরে ভোরে
সূব দেখতে দেখতে বলল, সামনের
দিকটাকে আমরা প্র দিক বলি, ভানার
পাঁচ্যা এবং বাদিকে—ভূমি বত দ্রেই চল
পাঁচ্যা এবং বাদিকে—ভূমি বত দ্রেই চল
বাও না উত্তর দিক হবে। সভাঁশ ছেলেন
কাঁবে নিরে ভোরবেলার আজ কি ভেবে
দিকনির দেখতে থাকল।

এস. সেন জে পি মারিক রেজিপেট্রখন অফিসার

৯৮মি পালাচরৰ দে স্থাটি কলি-১২ কলেভ স্থাটি, মহাস্থা গাড়ী রেড জনেন ফোজ: 34-6896 (Resi 34-4045

ৰেজিণ্টি বিবাহ অফিস

একজিমা রোগ

নোরাইনিন প্রিক্ত কন্ত রক্তবান বাতনত কুনি কুনা, কেত-বাগসহ জারও জনেও কনিন কনিন চর্যারোগ হইছে রাজিলাকের জনা ৭২ বংশরের চিকিংসা জেনেছ চিকিংসিড হউন। বাওড়া কুন্ট কুলীর, ১৯ং রাধ্য বোব লোন লোন, পরেট হাওড়া। জোনা ৪০-২০৫১। লাখাঃ ০৬ রচান্ডা গারী রোভ হোরিসম রোভ), ক্লিভাডা—১। প্রেমী সিনেরার গারী।

# ः अपरदब्रब मिल्ली

তলোর সংক্রা কামার কোনো বিবাদ নেই। তথের উপর মতামত? বস্ত মানুষ ভস্ত মত। —সম্রাট এবং কবি ইখনটেম বাকে শেষপদাশ্য হত্যা করেছিলেন রক্তপ্রোহিতকুল। খ্যু শ্রু ১০৬২

THE RESERVE OF THE PARTY OF THE

क्यों गूर्वि श्रीत करत जाउनाकत कारक अर्थामा श्री केंग्री

ত ই হোক।

ছাদিকাল অগাপ্ট শ্লণ্যক্ষবার স্কলিতর নিঃশ্যাস কেলাল রাজধানী সিক্লী। স্বাধ্বাসন

## لعافعا

কার কোনো রাদ্রম্ভিত তেন্তে আস্ত্রিকা বড়ের বেগে, ছান্বিশে অগ্যাস্ট মঞ্চানবাব্রে মাবপ্রবাহক তা ফিলে চলে গেল।

আগের ক্ষিন বেংধ করি ব্রেজা। হরে বৃশ্বিসম্পন্ন দেশবাসী যাত্রই প্রার্থনা কর্মাছল,—হিতাহিতক্সাম ফিরে আসাক।

মানে বোঝা নেয়ে গেলে যে জানক সেই জানদ আমি নিক্সীবাসীর চোগেমাটের পড়বাম ছানিবলে জগান্ট মকালেরারে : ক্রান্স সকলার যে জানবটো সামজসানিহানৈ ভরাবচ পরি-বিধারে অভিযাতে ছাটে গিরে হামেড়ি গোরে পড়াত বাজিলে ভার প্রভিত্তিকার ভাবিত হার বিসারেশ হারে আস্চিল চিন্টালীয়া মন্ত্রের। সেই মান্য এখন নম নিতে লোগেড়ে স্বভিত্ত :

বন হঠাৎ করে জীবনের অসল নিকটা চোকে পড়ে গেল: সর বাধাবিপতি পেশিকে ক্ষ্মেতার উপরে উঠতে কংগ্রেসী অধিনায়করা পারলেন তাহলে শেষ প্রবৃত্ত।

থ তো গেল ২৬লে অগাদেওর ছবি।
চাণ্ডলাকর ২০লে অগাদেও তারিখটাও দিল্লীনাসী আঞ্চবিন মনে রাখানে। সাধারণত
দিল্লী-নাসরবাসীর রাজনৈতিক চৈতনা কলকাতাবাসীর শতাংশও কি না সন্দেই। তবে
রাখণিতি নির্বাচন ফলাফল বৈষেণার দিন
রাজধানীবাসীর বে উৎসাকা বে উৎকাঠা বে
তামাতা বে শ্রুডাশ্রু চেতনা জেগে উঠতে
দেখেছি তা দেখেছিলাম মান্ত আরেকদিন।
বাইশ বছর জাগে প্রাধানতার সজাগ সচলা
সজীব প্রথম দিনে। বাস্; অতঃপর
ন্দীর্ঘাকালে বাদে ক্ষের আবার।

সমাজনীতি, রাজনীতি, অর্থনীতি সম্ভ যেন মিতার করছিল নির্বাচন কলাকলের উপর।

কি দ্বী কি নারী সকলের সমান উৎক-ঠা সৌনন বেংখিলায়। ব্যতিক্লা নকরে পড়েছ। ভা নগণা। এবং ভাতে করে সিনটর আরে। ক্লানিক।

২০শে অগান্ট সকাল এগারোটা খেকে
রাত্রি এগারোটা গশশন্ত ঘরের ব ইরে বাইরে
কাইল। কফি হাউদে জনজনাট ভিড়।
কোইলেই গ্রেকার ভিলধারদের স্থানাভাব।
কোকারেলা স্টলগারেলার সমেনে জটলা।
করেকারেলা স্টলগারেলার সমেনে জটলা।
করেকারেলা আপিবলে হাজিরা সালেরে চলে
এদেছে। কলেজের ছাইজারীরা সালিকের
এদেছে কলেজ ঘেকে। বাবসা বাগিজা ছেড়ে
কেউ কেউ এদেছে। নিতাশ্ত নিবিবাদী
মানুষ্প্র আন্ধারণ্ডার মানুষ্প্র আন্ধারণ্ডার মানুষ্প্র
রারাছে রাদ্যপতি নিবাচনের মাহান্ত্রি
আগতে লেটেণ্ড ঘবর শোনার দিকে। যাত্রত
ট্রামাস্টার।

স্পন্টতই বোঝা বার কেউ অস্থিরচিন্ত, কেউ ভেতরে ভেতরে শাস্ত।

সভ্যক রাস্তায় চৌম ধার খবরের কাগজ-গালোর আপিসে-আপিসে স্পট নিউজ-এর সামান আগ্রহী পাঁচমিশেলি ভনতার ভিড্ডভ্রনা সমস্ত দিন ক্যাউভাবে কোগে বারেছে তো বারেছেই। পশ্চারমান নরনাবীর ৰ্কনার জিকা: বি—হলো বি—হলো আ চাই ভা হলে তো?

গনিব নিত্র হারের বাকানগালেছেও সমব্য করা রালা ভিড়া সেবারে বিউন্ নিসিপাল ইপ্রগালের মান্টার, বোকানার, জলানা লেখক, করি, মুহারি শিক্ষী, ভিশিত; টাপ্গা-জলা বাসের ক্ষাভারীর সিনেমার গেটকীপ র : সকলের ব্কটা করছে দ্র-দ্র । কথাবাতার ব্যবহারে প্রকাশ প্রেছে নিন্টার আসামান্টা। —কী হবে। কী হবে।

বে স্ব প্রশাস্ত এতিন্তোলো সচরাচর অন্তৰ্গতন অনুনা সোদাৰে সৰ্বাদা ফাৰা হলৈ হাকে যে সৰ ব্যক্তপাহের জনবির্জাতা রাজ-ধানীর উচ্চতর শিশুরে ব্যুসাহেবদের স্মর্থ করার তাতে আরু পথ ভাতি চলাচল। বিশেষ প্রয়েজন ছাড়া এই তল্লাটের বাসিদের কেট-ট বড একটা কারো বাডিতে বাওয়া আসা করে না কেউ কাউকে না চক্ষে দেখতে পারে না, উয়োসিকতার বারা কেই কারোর কাছে হার মানতে রাজী নয়, বানের প্রভাকের भारत्यक खाटक माहि-अकवि-दिम्हि (बाहेन গ্রন্থি বসবার ছবে টেলিভিশন, হাগানে কিংবা বালেকনিতে ফালের গছে, বিছানর ভলার • অথবা বার্ডাত কোটগুলোর প্রেটে-প্রেটে ব্যবিধ একশো টাকা নোটের মোটা মেটা বাণ্ডিল,—আজ ২০লে অগাস্ট তারাও সকর প্রয়োজনে সবার **কছে। সকলেই যাওয়া**-আসা করছে পরস্পারের কাছে। সংগ্রহ করছে এর এর সংবাদ। মিলিয়ে দেখাছে নিজের চেত্রর চিত্র অন্যদের মধো। যার **মানে** এদেরও শরীর রক্ত মাংসের।

এই সমন্তিগত সামগ্রিক **উৎকণ্ঠা দেখতে** দেখতে আসহিলাম কন্ট <del>পোসে,</del> দে<del>খনা</del>ম

## रेमलकानम भार्याभाषास्त्रत

বিচিত চরিতের মিছিল

## (लाक बर्गा



আৰুৰ পাৰ্বালনাৰ প্ৰাইতেট লিমিটেড ক্ড'ৰ

শীঘ্রই প্রকাশিত হচ্ছে

বালনা আবাদরেশী কা নার্চী সাইকেন খেতে

ক্রী করে করে গার্ডাক প্রত প্রত্বেপত
নেই সাইকেনের কোলিয়ারে বলা ওর পারী
পালার বাল্টিডাল হরেছেন নেরে পড়ে
নগার্কী একজন পথচারীকে আগ্রই ভরে
বিবাসে করেলেন, খেল্টেন্ট ধবর প্রেছেন,



দাম ভীষণ কমানো হ'ল ভিন মানের জন্যে

আগেরকার দাম ৩২০, টাকা প্রতিটি এখনকার দাম ১৩০, টাকা প্রতিটি আশ্চর ভারাল লাইটসহ প্রবি-বিখ্যাত সর্বাধ্নিক জাপান মডেল ওরারলভভরের ০ ব্যান্ড অল ওরারলভ গ্রানজিন্টর কিন্দ্র। প্রতি প্রায়ে ও শহরে পাঠানো বার।

> আছাই গিখ্ন বিনাম্ল্যে টেরিলিন স্টে পিস All World Agency (EN) Kalyanpura, Delhi-6.





यार्कफीश्व वाक विश

(ইংলণ্ডে সমিতিবছ)
হংকং ব্যান্ত গোড়ীৰ অন্তজন সকল
পড়ানিক বছরের অভিক্রতা
কলিকাতার প্রথম অফিন :
নিলান্ডার হাউ,
৮, মেডাখী সুভাষ বোড, কলিকাভা-১
হানীর গাবাসমূহ :
৩ ৪০এ, নিম্নভান খাট ট্রীট
কলিকাভা-৩
৩ ২, মহাদ্বা গাড়ী রোড, কলিকাভা-১

 ১, মহাছা গাছী লোড, কলিকাজা-১
 ৩৫, শেলুপীরর সর্রাণ, কলিকাজা-১৬
 ১৫, গড়িরাহাট রোভ, কলিকাজা-১৯
 পি-৩৭৫, রক 'ভি', বিউ আলিপুর কলিকাজা-৫০

एक्टरेन्ट्रे कार ?—ीगीन-वी इतिम् हामात एक्ट्रे क्षम विचेदन ? शकावी मनावनकात कारणन, को मुस्ति ?

কী? আপনি এতে থুপী হন নি?' বেবে বেলেন সম্প্রিকী। এর স্মী এখন মাটি থেকে উঠে ব্যক্তিরেছেন।

শখচারী বলবেন, আমার উরং এখন হাসপাতালে কি না, তাই দিল্টা খ্র আট্রা আছে ৷'

'গুঃ—আছা।' এই বলে মাধার পাগড়িটাকে ঠিক করে নিয়ে স্থাকৈ এবার স্মুখের রড়ে তুলে নিলেন। নিরে বাই-বাই করে প্যাডেল চালিয়ে মধ্রা রোডের দিকে চলে গেলেন। মধ্যে গান।

এমনই স্ব অংশব চিত্র। সারা দিনভার দেখলাম। সকলকে বেন এক নতুন চেতনার অধিকার করে বরেছে।

কেউই আজ ব্যুত্ত দোকানের শোকেসগ্লোর দিকে ঝ্'কে পড়ছে না। চাট-এর
দোকানের স্মৃত্ব, দেই-ভল্লার স্টলের সামনে
আজ তেমন মাগলে খলের দেখছি না।
নিতানৈমিত্তিকতার উধের উঠে বসছে স্বাই।
ক্বেচ্ছ অংধরাও আন্ত ব্রি অনা মান্হ। অর
এই সবেতে একের প্রতি অনের বে
শ্ভেচ্ছা তাও লোক দেখানো নর। অদ্শা
একটা স্তোর গ্রাম্বতে বেন মালা হরে
গোধে গেছে দিলির মান্হ। সব মান্হ।

এমন কি তর্ণীরাও তাদের র্ণসভ্জা আরু ভূলে গেছে। গৃহস্থালীর কাজ ছেড়ে গৃহিণীরা রেডিওর পালে কসে উদম্থ হার ররোভন হার-জিতের খবরে।

পথে কেউ অপেকা করছে কখন বেরুবে
সাখ্য পরিকা। কেউ সমশ্তক্ষপ ছুটোছুটি
করছে একে-ওকে-তাকে খবর বিতে। খবর
নিতে। কফি হাউসে দম ফাটা ভিড় দেখে
সেখানেই কোনোরকম কাছাখোলা অবশ্যার
চ্বেক পড়ছে। বেন এমন ভো আর দেখেনি,
শোনেনি, ভাবেনি। কিছু বেন ধরাছোঁরারমধ্যে আসছে।

কফি হাউসে সমলত দিন আৰু অবিশ্বাসা ভিড়। কেউ বসে তো কেউ দাঁড়িরে। কেউ এক কাপ কফি সকালে আসামান্ত শেরেছে আর খেতে সময় পাইনি বিকেল পাইন্ড, তো কেউ পাঁচিল কাপ কফি পার পার গিলেছে। টেকিলে টেকিলে টেকিলে টাকিলে বানাপ্রাত খবর অন্য টেকিলে অপরিচিত কার আছে, কেউ বা ব্রেছে চিংকার করে আনতে চাইছে,—কী? লেটেন্ট?

কেউ উঠছে। কেউ বসছে। অচেনা অস্থানা এ ওকে আলিপান করছে। কেউ অ্থরের কাগজের সাধা অংশে কসপরেণ্ট দিরে জিখে লিখে ভোটের ম্লোর ছিলেবনিকের করছে। কেউ কেউ আবার তা নিরে আলোচনা করছে সম্পূর্ণ অপরিচিতের मार्ग्या। देवके क्षेत्र करते त्यावस्य वास्त्र पक्षत्रक कालस्यक न्याते मिकेस्ट्रा मध्यास्त्र एका स्वयं काल वास्त्रक मार्गारमध्ये शक्षत्रत्र विस्त्रके स्वयंत्रक कान्द्रव नव गुणा। वा

त्वीमा काम जानरे हरेक छथा सर কোনো মতামত। সলিত সংবাদ। কড় জোন टक जिल्हा अकारित, अकारित जासार বলো। এদের স্থাপন ব্ৰশ্বি এবার বাস্তরে র পাত্রিত হবে। কো কেউ জানে না তথা श्रमानमची देन्स्ता भाष्यीत मासा बता जन एव করছে এক নতুন ভারুবা। সেই ভারুবাত क्रमास्य करता निवन्तरभारत वाकिन्या क्रमास्य कबटक निटकरमञ्ज कविवार । ইण्मितारक वृधिका ওরা ধরাছেরিরে মধ্যে শেরেছে। মন্বাদের প্ৰচণ্ড অপমান দেখেতে ওরা। সেই অপমান বুৰি অতীতের ইতিহাস হবে। মুখিনেরের অবার্টক শব্তিমন্ততা থেকে এবার আসছে বাৰি মাছ। এতদিন কারেমী স্বাধেত শিকার থেকছে ওরা। ব্যথিত মন দ্বন্দ দেখছে। ভারই ক্রি সংক্তে ধর্নি আল বাজছে সর্বস্ত।

বিষ্ট জনতার চোখে আগামী দিনের
রঙীন ছবি ভূলে ধরা হরেছে। বেমন তা ভূলে
ধরা হরেছিল আজ খেকে বাইল বছর আগে
১৫ই অগালট। জনতা ধরে নিরেছে ভি ভি
গিরির নির্বাচনে দেলের সামাল্রিক অবনাতর
এবার অবসান ঘটবে। ধরে নিরেছে ওদের
ভবিষাং এখন খেকে উল্জাল হবে। ধরে
নিরেছে, এবার, এই এও বছর পরে,
ল্যাধীনভার সভিজারের স্থাদ পাবে। প্রধান
মল্টী ইল্মিরা গাল্ধী এবার ওদের ভরকে।
তাই ভাঁর জিত মানে জনসংগর জর।

বিশ্বত ওবের হনে না জানি কেনন করে
এই ছবিটাই জবে গেড়ে বংসছে। বাস্।
আর কোনো দ্শিক্তা নর। বে করে হেকি
ইন্দিরাজীর হোক জর। তাহলে বতম হবে
কালোবাজারিদের সর্বপ্রাসী ট্রংগাড। বতম
হবে বা্রাক্রেসির জুকুর। বতম হবে
ব্রবেধারদের পালসা। ব্রহের রাজ্যের সপ্
আরাক্তা, নেক্তানীরাদের প্রভীচার।
ভারতিরক্ত জনভার সক্তেব বিরাট একটি
প্রলোভন। বলতেই হর ইন্দিরা গান্দ্রী নত্ন
করে জাগিরছেন দেশবাসীর চিত্তে এই
প্রলোভন। ব্যক্ত মান্ত্রেকেও উনি জাগাডে
সর্ব্ধা হরেছেন, এটা ফল্ড বড় একটি ভবা।
এবং ভব্যমাটেই পবিস্ক।

কৃষ্ণি হাউস থেকে বেরিরে হিন্দুক্চান টাইন্স পরিকা আপিসে বাজিকার। বাবসা আন শুখু কঢ়িলি পরা রক্তবালী বিনম্পার একটি ব্রক্তী এগিরে এসে আবার উক্তরেল মুখে শুখুলো, সাহব আভি কৌন জিত রহা হারি?"

वामात नारनत मार्डिंग र्डिंग जाकी

10 ME 3

PARTY NAMED IN

CANAL CANAL

THE RESIDENCE OF THE PARTY OF T 27 TH THE THE THE वर्णाकः जानित्र नामित्र कार्यक नामित्र DESCRIPTION OF THE PROPERTY OF THE PERSON OF इंग्ली देर तथी जान्या लेखकार्याता निवा त्यस्थतं काषाकार्यः । नात्य दन्तन् न्याः व र अकाम भारतात्मा जातात् । जामान द्रम सारो । ार्छ अन्तर्ध निष्ठेश-धाः नामाना सन्तर्भारत क्यमा कि गृत्य कि मार्थी। काल काल त्व काता राष्ट्रह एका राष्ट्रहे बालाह कात जनाद्याण्ड सिर्वाह्म । जरवाने । अचनदे त्थाक कि कि विशिक्षक दशकान दकारक क्षांव स्तांच क्रीनस्त्र बास्क्रम स्त्राम মধ্যে নিশ্তব্যতা। সোনালী রঙের নিজ্বের াডি পরা ফর্না একটি ব্ৰহী ঠার পড়িক রেছেন একমুখ খোচাখোটা সাজিঅলা টেমজারের মতন দেখতে এক ছোকরার গা-াগা পালে। টিফিন-কেরিয়ার ছাতে ভঙা গাছের একটি বালক বাজ্ঞিল বাকি কিছ কনেকেটে নিয়ে সেও সাঁডিয়ে গড়ল ভিডের ালে। পাড়িরে পড়ে প্রশ্ন করল, গিরিক্ষী हर तहा हाति...ना ?' **अब अस्मब स्वाय** বোর আগেই আলোর অকর ফুডে ফুড়ে বেতে লেগেছে,—তি ভি গিরি ভিত্তেন। মনি আকাশভরা উলাস। তে বে কার্কে गोमभारन क्रीज़त बताक व्यानत्त्र दाव ঠতে পার্রছি না।

পরের দিন বিভ্না কোপানীর হিন্দুসভান ইম্স পাঁচকা বড় বড় জক্তে যে কলা রলেন : "ইট ওরাজ টুলি এ সিপল্স চাট"—এইন জাজত জনতা সভিত কেখিনি। জানরা কোম্পানীর টাইজ্স অব ইন্ডিরা গধ্নেন : গিরির নির্ভান্তনে বিজ্ঞীর অসীন দিক।

TOTAL MINISTER CONTRACTOR OF STREET

## **ह**ण्डकोत अक्टन

শক্ষ্য সহার্থক বাংলা আহিছের একটি স্প্রিটিত নাব। বিশেষ কর্মে হিমানার্থক ক্রমান কর্মি পথান প্রথম সাবিতে। তব্য কর্মন, এজন ক্রমানার্থক তিনি এই জাবে আর রচনা ক্রেন নি। এবং এখন রাগ্য ইতিস্কৃতি আর ক্রেন ছারতীয় ভাষার লেখা হর্মন। ক্রমাণ্য আনেক্রিক, নালচিয় ও প্রসাহী অবংশার প্রথমেনাক্রিক, নালচিয় ও প্রসাহী অবংশার প্রশাহিত্য

রবীন্দ্র পর্যাক্তারপ্রাণ্ড লেখক নারামণ সান্যালের নতুন উপল্যাস

## তাজের স্বণ্ন ৮,

मीनक क्रोद्वीत

कुमानी कन्या ४,

यथ्यक् ७,

नाव इस्टेरनावस्था

निः तक अमाज्यि ४, म्ट्रिन वाकाम ०,

क्रिकाचि स्मरमा

**চ**न्दरमञ्जू आउ॰क ८, दश्मा कूरश्मी ८,

BETT-4

**क्रिलाटम्ब**न

क्टियन उग्नार्ड १, আङ्गव नगद्गी ८,

ফাঁসির আসামী ৪, সতী অসতী ৫,

बार्क बार्ककासस्य

-

of marries

উত্তরাংশ ৯১ উত্তরক্ষ ৬১ জীবনরক্ষ ৬১

क्यानन क्रोग्रांत

जाणान्द्रनी दनवीत

PERSONAL PROPERTY AND PROPERTY

जरण्यम् ६, मारे नामिका ६, त्रमणी ८, तरमामणी ६, नीलाक्षना ७, मागङ्का ७,

## রতনকুষার ঘোষের পরেস্কৃত নাটক

লিপি ৩:00'॥ কেরা ২:৫০ ॥ অমৃত্যা প্রাঃ ২:৫০ ॥
সম্ভ সন্তান পাল প্রা (একাংক নাটক) ৩:০০
প্রাৰ নিজের একাংক নাটক ॥ জালো নেই/কাঠবের ৩:০০
কবিদ্র জন্তানের ॥ আনার বাঁচতে দাও/সংবাদ বিভাট ৩:০০
পার্ব বিশেষ্পাবাদের ॥ আদিম ৩ ॥ গোর নীর ॥ লিশ্র ৩,
বিশ্বন জন্তানের ॥ নেবী সজন ৩:০০

स्थीत सहित्या : ३६/२, नाम्स्ट्रम् त भीते क्लिकाका-३२ : : ०४-५०६३

## शिविण ब्रह्मावणी

নাইলোলা ক্ষিত্ৰকাৰ বোৰের সময় জন্ম-নাটক, উপন্যাস, পাল, কহিছা, পাল, অহামাণি, প্ৰথম, বিভিন্ন স্কালীয়ক ক্ষেত্ৰ আ কিছু বাহাল সম্ভাব স্মালকী আমন্ত্ৰা সংস্থাই করে চাহ গণ্ডে প্রকাশ করছি। প্রতি বংশ্ব বে-সৰ বচনা সন্মিনিক ইয়েছ, বাল ভাগিলা সেওৱা হল। क्ष जान मन्त्राक्षम करतायन का 'तथीन्त्रमाथ तम । का रस्तीनम करोतार्थ अन्य अरे बटक नरदानिक रिनीकनकरमस्त क्षीयमी अ নাহিত্যকীতি আনোচনা করেছেন ওঃ ভট্টচার । জনা কুজন্মিতে বে-নৰ ক্রনা সাম্বিক্ট হবে আরু সম্পাননা ও সাহিত্যকীতি অনুবালনা করেছেন। প্রথম বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগে বিভাগিত হবে বিভাগে क्रींक द्वींके बन्क, क्रकीय के क्रकृष' बन्क जाना क्रींत 3590 जरन्स प्रत्यादे शकानिक दर्व।

अनारनं छेतावन, विश्वित्रकरण्डतं किन्द्र तकता माछान्छ रूप्थाप्ड विस अपर मारकार्यण्ड विसा, जानका बाद बातारम् का मारबार साम

বিভিন্ন প্ৰেড সমিবিট করছি।

वीता नामवंदी चन्छम् जि माध्या मन्मरक म्हार्जान्छ इरक हान, करिन्द नाम-विकास बामप्रत बान्पर नामेप्र बन्दरताय क्याँह। পর পর প্রস্তানি ব্যন্ত প্রকাশিত হবে, আর্ম্বর পরবাল ভাবের সে বিবরে অবগত করব। এ ছাড়াও বিভিন্ন পরপতিকার প্রকাশন त्यानका विकारियक कटन ।

হাল্যে বালাবিকার করা প্রথম কর্তন হাল্য কৃতি টাকার কম ধার্ম করা সাক্ষ্য হাল লা। আৰু ক্তম্বালিক আনুপাতিক

वाला कांत्र, विश्विमाद्दरस्य तक्षत्र काला अकामदन्त्र बामादन्त्र अ अक्रको विकेणाधारुपय नमान्य वाल कार्य।

#### প্রথম খণ্ডে সলিবিন্ট রচনা

साहेक: 5। जकानत्वसम् २। ताल-नीला छ। गीछात कामान छ। गीछाराल ६। ताल-नामान्छी ७। त्रीह्रक-साहात ६। गार्ज-চন্দ্ৰ ৮। বিবাদ ১। হারানিধি ১০। কমলে কামিনী ১১। মলিনা-বিকাশ ১২। নিমাই সম্লোস ১০। জনা ১৪। জনা হোকেন বা হঠার বাল্সাই ১৫। জালাদিন বা আন্চর্যা প্রবীশ ১৬। কণীয় মণি ১৭। পারসা-প্রসূম বা পারিসান্দা ১৮। পা-ডব-रशीवर ३३। जित्राकरम्पीला २०। विश्वान २३। बात्रजा-का-छात्रजा

श्रमाञ्चा : ३। रशीतांशिक मार्टक २। मर्टित जार्रवमम ०। तथा। बात ८। बर्तामम संशोधिक ६। मार्टी-मन्त्रि ७। मार्टीकाउ

१। कारा ६ र न

#### ছিডবি খণ্ডে সমিবিক বচনা

माहोक: ১। जानामनी २। नक्षत्रका छ। जीवात नियास छ। त्रका विद्यास ६। मान्यत्रका ७। त्रावनका ५। व्यक्तिमन्त्रका ४। त्रावनक स्य (मार्ग्रेजरूप) ৯। कम्प्रमण्डि सम्मे ১०। टेंग्डन्समण्डिंग ১১। युक्तस्य ग्रीत्रक ১२। मीर स्थानिक ১०। তালিত ১৪। অञ्चरात्रा ১৫। দেলদার ১৬। মারাতহ্য ১৭। बुकूम মুক্তম মুক্তম মুক্তম ১৮। দালিক ১৯। জান্তমা ২০। পঢ়ি কবে ২১। সভ্যতার পাশ্জ ২২। হীরার ফলে

छेनमान : ১। बालाबाद र्योश्खा २। नीना

शान्त्र : ३। राया २। कळव वाली ०। वाल्यान ८। त्यांच्या ८। व्यांच्या ६। व्यांच्या वे। व्यांच्या

প্রাক্তর : ১। কবিবরু স্থানীর নবীনজন্ম সেন ২। নবীনজন্ম ৩। কবিবর ব্রহ্মনীরাল্ড সেন ৪। সমজ্ঞ সংখ্যার ৫। দুর্গীয়াকা 🔸 हैरताक तुम्बरक वाक्या वा नत्क 😾 १ गृत व चररण सम्बी सावी चिक्टसकी 🍃। चिक्टसकी जनारमांत्रसा ५०। राज्यस कविका क्ष किरमही वहेरछ दक्ष 55। केरियत ६ किरमण 5२। वहं,ब्र्भी विवस 50। म्छाकका 58। मध्यावक 54। छात्रक कर्षत्र त्रव 56। ब्राक्टमण्डक कारणाच्या

কৰিছা: ১। প্ৰতিধননি

#### ততীয় খণ্ডে সমিবিস্ট রচনা

मानेक: ३: व्यक्तिमान २: इत्क्रीक ७। ननगणनाम ८। शान्य त्यतं व्यक्ताक्यान ६। श्रद्धानकीतः ७। नकानकामा १। इत्रतीती ⊌। इ.गमनाखन ३। कामाशास्त्र ३०। सम्बद्धालयो ३३। इत्तर्शाङ निवासी ३२। सानवास्त्राः (इन्छ) ३०। सक्का ১৪। অলোক ১৫। বাসর ১৬। মনের মতন ১৭। মলিনমাল্য ১৮। হীরক অংকিনী ১৯। কমিনী চলুমাহীনা গোশন চুকন २०। एकारे घन्छम २५। मण्डमीरङ विमन्द्रान

छेनमान : ১। ज्या

द्यवन्य : ১। तन्त्रामाद्र दनद्रभा २। न्यत्रीत कदर्यन्यद्रमान्य यः न्यत्री । न्यत्रीत कदरक्ताम कद ४। न्यत्रीत किहानीनाम हारोशिक्षातः ६। न्यभीतः व्यवातमाथ शार्कक ७। मार्गिक्क्षी यवानाम व। न्यभीत व्यम्प्रकाल विष्ठ ४। विद्नानिमी कामी কৰিতা: ১। গাঁতাবলা (প্ৰথম খণ্ড)

**ठ**ण्ड बरुष निर्मादणे बहुना

নাটক: ১। তলোকন ২। প্রভাসকল ৩। প্রবিংসচিন্তা ৪। রামের কালাস ৫। ব্যক্তেও ৬। নাল্ড ও লাল্ড ১৪। নাল্ড ৮। কিবমধ্যকা টাকুর ৯। সংলাম ১০। রালা প্রতাপ ১১। মারাবসাল ১২। মার্কবেশ ১০। লাল্ড ও লাল্ড ১৪। বাহ-ক্ষমী ১৫। মহাপ্ৰো ১৬। মোহিনী প্ৰতিয়া ১৫। ক্ষেত্ৰের জ্ল ১৮। বড়াবনের বর্থান্দ্ ১৯। ছটাকী গ্রুপ : ১৮ একথম ২। নতে ০। ক্ষেত্ৰের মাঠ ৪। প্রের জ্ল ১৮। মার্লিচর ৬। টাকের উবধ বা ধর্ম বাস ৭। পিছ প্রায়ণিচর ৮। সাধের বর্তী

अवस्थ : ) मिनकाम २। वर्ष ०। छाउ वर्ष, छाउ वर्ष हा ८। धर्मन्यानक ६ वर्ष वाकक ६।वर्ष ६। मृत्य अरहाकम १। अनाम ना जा छ। निरुक्तचे करण्या ३। श्रीतामकृष ७ विरवकामण ३०। बाबकरा ३३। ण्यामी विरवकामण वा श्रीशीमाकृष्यहरूवन प्रदिष्ट स्वामी विरवकामरमान जन्यम ३२। शतमहरजामरवन विद्यालयक ३०। विरवकामण ७ वन्त्रीत द्वकाम ३८। व्यवकार ३८। णाण्डि ১৬। সেড়িন বৈক্ষ মন্ন ১৭। ভগবান প্রীরামকুক্তমের ১৮। সক্ষ্মী বিবেক্সক্ষেত্র সাধনকল ১৯। রামকৃক্ষ মিশ্নের সক্ষাসী २०। किन्दान २५। तिस्तात द करणमा २२। बहरून १०। बीमनाच १८। नाची गार २६। स्ट्रांस दक्ष स्विका : २। शीकायनी (२व पन्छ)

### ना हि छ। न १ न म

৩২এ আচার প্রফুলচন্দ্র রোড 🗯 কলিকাডা - ১



n o n

দ্ধিকা দিয়ে গুটেক সিগাঁগুর কাছে
দ্ধিটোকস্টা দুমা করে নামিকে তেথে
দ্বীপ্ত এগে কোটা পড়ালা। এর মানে কি?
আমাক একটা ফলস টেলিয়াম দিয়ে ভেকে

মেলনি বললো, মিশ্বে। হাবে কেন? প্রতিটি তো বাবার অস্থে হয়েছিল।

—এমন কিছু অস্থ হয়নি, যে জন। অন্যক ডেকে পাঠাতে হাব!

— মামি একা মনেম্ব—পরবান্দিন মেসো-মশাই এসে বললেন—

 মানি এসেই ৰাকি হাতি যোজা করবে ? মোলামশাই বখন এসেছিলেন

সি'ড়ির ঠিক বাকটার দীপ্র বাবা বাসমে হন দড়িছের। চাইবাসা যাবার আমো দীপ্তার বাবার চেহারা বে-রক্ম দেখে গিয়েছিল, এখনও ঠিক সেই রক্ম। অস্থের চিক্মান্ত কেই। লখ্যা বিশাল প্রেরটি সি'ড়ির ওপর দড়িরে অংক্রেম শক্তা হরে।

বাবা গৃহতীর করে বললেন, বদি দেখতিক আনার দারনে অসমুখ, ভা হলেই ব্রিছ খ্যা হতিক?

দীপা বসলো, সে কথা হচ্ছে না! কিন্তু জামি চাইবাসার একটা জর্মী কাছে গিমেছিলাম

-লব্ৰী কালটা কি লানি?

—ংসটা আমার প্রাইতেট ব্যাপার! কিন্দু এ রক্ম মিথে। টেলিপ্রাম পাঠিরে শুবুই শুধু

-पूरे ग्रहेबानाम मा द्यायात्र शिरतिवित.

শাৰাৰ আনে আমাকে বৰে পিয়েছিলি ?

—মাজনিকে তো বলে গিয়েছিলায়

বাই: হঠাং প্রচণ্ড চিংকার করে উঠলেন, ত বাড়ির মালিক কে? মেজনি? জামি কি মার গেছি! ওসব এখানে চলবে না! ইচ্ছে বাং তুমিও তোমার দাদার মতন বে-খানে খ্যা গিয়ে থাকতে পারো! জামি বাতিন আছি—

দীপা কি ষেন বলতে ব্যক্তিল, মেলনি তাড়াতাড়ি তার হাত ধরে টেনে বললো, না, বাবা, ও বাবার জালে তোমাকে খ'ভেছিল বলার জনা। ভূমি লোকন ভবানীপারে গিরেছিলে

—ভার আগের দিন বলতে পারে নি !
নাকি বাক্স বিহানা প্রছিত্তে ভারপর বলতে
হবে? প্রকম বলার সালে কি? একটা
অনুমতি নেবারও গরকার নেই?

উত্তেজনার বীপরে হ্যথনা জনে জন্দ করছে। সে জানে, সে একটা কথা বললেই বাবার সমস্ত রায় চুপলে বাবে। বাবাও রোধ হর জানেন সে কথা। তব্ প্রাণস্থে নিজের বারিছ প্রতিষ্ঠার চেন্টা করছেন বাম দেখিরে। দাস্যু নিজেকে খানিকটা সাহলে নিরে বললো, আমার হঠাৎ বাওরা ঠিক হবেছিল।

—গত মাসে হৈ আসাম না কোছার গোঁল, সেবারও কলভিলি ?

মজনি আবার বললো, বাবা, দীপা তা হলে এখন চান টান করে তৈরি হয়ে নিক্। একে তো দাটোর মধ্যে বেরুছে হলে—

দীপ**্রথাক হরে জিজেস করলো.** কোষার?

—টেতার একটা চাক্রির **ইণ্টারভিট** আছে আজ

—ইপার্রাভউ? **অমি তো কোণাঙ** দরখাস্ত করিনি

—সেকেণ্ডারি ব্যক্তেরি সূহাস্থান্ত্র বাব্যকে কলেছেন, আন্ধ ভগতে ইণ্টারভিট আছে, ছাজ্য লোক নেবে—ব্যোকে একেবারে

## नील अभाम अवाक रम्भ

শক্তিপদ রাজগ্রের ভ্রমণ উপন্যাস ॥ আট টাকা

वामे द्वशम बाँकी ॥	व्यवस्तु मात्र	11	>≥.00
मक्की निकी ॥	जमात्रम् मान	R	R.00
कारनका मिलन ।	অমরেন্দ্র দাস	u	4.00
সিলভার লক 📗 🔏	স্নীলকুমার ঘোষ	H	A.00
बारवं व भारतव ॥	স্নীলকুমার ঘোষ	n	6.00
डोर्डिश्च गार्म ॥	<b>স্নীলকুমা</b> র ঘোষ	П	8-60
द्योगत्मक्र मात्रिका	শক্তিপদ রাজগ্র	H	8.00
बानव अनीन ॥	শক্তিশদ রাজগারে	n	8.00
जारमात्र पूजा ॥	শংকর সিকদার	11	8.00

## প্ৰাধীনতার হাত্বদল

म्नीनक्षात द्याय-अत हाण्याकत ताजदेनीं क कारिनी ॥ आहे होका

जातीक श्रकानमी, C/o. कृति - क्या, 5 करमा रहा, क्रिकाला - 5

স্থানত লিখে নিরে বেতে বলেতন!

दनवे अक न्याणात । नावा निर्द्ध कारमाणिय प्रकृति करका निर्द्ध क्रांत क्रिया । अश्वन प्रकृत क्रिया क्रिया अक्रों क्रिया । इस् प्रकृत क्रिया क्रिया नामक अरक्ता । इस प्रकृति व्यापात क्रिया अक्रों क्रिया व्यापात । व्यापात क्रिया क्रिया अक्रों क्रांत क्रिया व्यापात । व्यापात क्रिया क्रिया अक्रों क्रांत क्रिया व्यापात । ববে মাটির ভাঁড়ে চা খাছিল। একটা ট্রাক্ ছাইভারের কাছ খেকে শানে নিচ্ছিল সারান্ডা করেন্টের প্রথাটের খবর।

नीभ्य रेन्सरवत अर्थन वसरना, का इरल कार्य रेम्स्य कथा अब वारका?

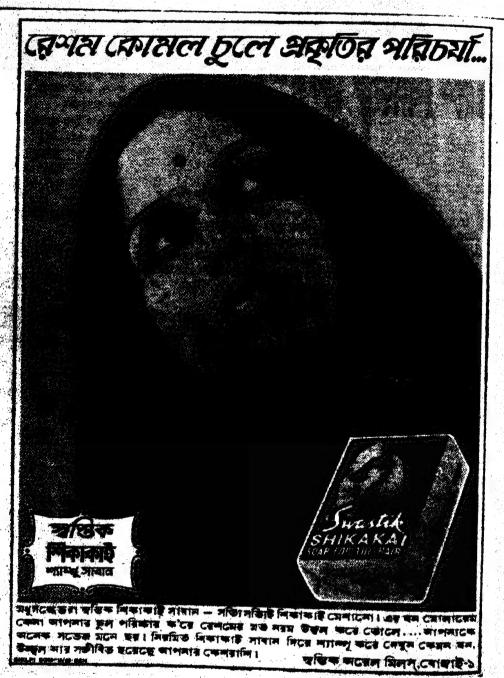
মেজদি শশবাদেত বলে উঠকো, লা, লা,

यायात सदस्य भक्षामा अवकी कारणा बाला।

তেতো গলায় াললেন, দাখে প্রান দাখ আমি অস্তেম এর গোলেই আনার ছেলে খুন্তি হয়

মেতারি তথনও বলার চেণ্টা করতে: গোন্ বীপ্ত পরস্থানি বাবা বাধবায়ে—

্ষীপন্ন দেলোনা। চেফ জানিরে দিন্ আমি ইন্টারভিট ফাটারভিট দিতে বাবো বাঃ



বাবার গলায় আবার তেজ ফিরে এলো, চেতিয়ে বললেন, বাবি না মানে? বাবি না! আমি স্থাসকে কথা দিয়েছি

্যে-দেশে স্বার চার্কর জাটে না, নেথানে এ রক্ষভাবেই চার্করি বোসাড় করতে হয়। তুই আমাকে ন্যার-অন্যার দেখাজিস ?

—হাাঁ।

-कि वर्गान ?

দ্ জান সোজাক্তি তাকিরে আছে
দ্রালনের চোপের বিকে। উত্তেজনার এমন
তাপছেন বাবা, কেন মনে হল নিশীকর
ওপর থেকে তিনি বৃশি কাশিকে পদ্ধানন
দীপরে ওপরে। দীপর তব্ চোল সরাকো না,
বর দ্যিতিত তাকিলে, আনত আনতব
বদলো আমার কাছে এটা অন্যার।

ভারপর বাড়িতে একটা ভূম্ব কাক প্র হরে গেল: দেবার এভক্স মধ্যপতা করার চেন্টা কর্মাছক, এবার সে সম্মানি চল গেল বাবার পক্ষে: ফের্মান বানিও জানে, ভার ধানকে কোনো কাক ইলে না, তব্ বললো, সাথে দাশিন্, ভোর বাড় বাড়ু বেড়েকে আনকাল! ভূম ভেকেছিল কি?

বাবা ফালেন, কেন্তিরে আ নাড়ি থেকে। এক্টান বেরিয়ে বা।

मीन्द्र कामान त्यांक कारणा, का राज भागात हाहेबाना त्यांक तहत्व कामातन रून ?

—বেখান থেকে এলেছিল, সেখানেই বা ভাহতো! আৰু কোনোলিন কেন হ'ব বৈখতে না হয়। বড়টা কেলিকে লেকে, ছোটটাও কো সেইলিকে বাবে। বা, নিজের পথ দারখ।

—गा, बारवा मा १ जामि नागात प्रकन जठ कारनामान्य सहै।

-पानि मा बारमा ? ब्यूची शहरूत छटल न्यां शातान खारमा ! काल ठाडे कर्ता रनडे, जापात ब्यूच्या क्यां क्या

मीन् निवा कार्य कार्यित है है वा स्वार्य पिरकः। हैराक कार्यस अक कवात रम रावारक वान्द्रीन हैपाल मिरक भारतः। छात हारक जारव अकाव्या कार्य आकृति अस्टक का्क रमदे बाग रम निर्माण्य अभारतः वान्य रूक विश्विता गिरक भारतः। किन्यु अकारत वाक्रक रम काल काल रकार्यमा वार्य मा। मीन् निरमारक मानक काला रम्पो कार्यक रिक्ष भारत्य मानकातः। मानात कार्यक्र रोगाला रमात्र रम रहा। हार्य अस्मा वान्य प्रवारक कालाकारकोः। क्ष्मा अस्म मानात আসুৰ নেই দেখেই ছি তার রাগ এত খেড়ে মাজে? দীপুর ইজে হলো, আর কোনো কথা না বাড়িরে সোজা নিজের খরে গিরে দ্রে থাকে। কাল রাত খেকে থকল কম মার নি। কিম্পু ওপরে উঠতে পারছে না, মারা দাঁড়িরে আছেন সিম্মির ওপর, বেতে ছলে নামার পাল বিয়ে খেতে ইয়।

দীপ্ত ঠাক্তা ভাবে বললো, না, আমি ব্যক্তিটেই থাকৰো।

চেচামেটি চলচলা আরও কিছুকণ।
বীপা আর একটাও কথা না বলে, সিপাড়র
এপর এক পা ডুলে দাড়িরেই রইলো। শেষ
পরাশ্চ রাবা সেই প্রেলনা কথাটাই আবার
বলচলন। মেলারির উপোনো বলচেন, পানি,
ভোর মেনোকে একটা বরর পাঠান্—বাড়ি
বিক্তি করে দিকে কলকাভার পাট তুলে
সেবো আরি। আরুই বরর পাঠান্শ ভারণর
বাবা চাট ফটফটিরে এপরে উ ঠ সেকেন।

तील् निर्मात वह धार ब्युटाणी ब्राह्मा मृथ्, हारणंत नागणे नागे नाहर मृद्धा नाम्या हिद्दानातः। चिरम्य हन्ने ब्युटाक्षः। काम ब्राह्म व्यवस्था कृत्य बावसः दर्शनः। बाद्यस्य संस्था वर्षकः दर्शन कृत्य बावसः कृष्यदे हम्मानि हन्ने। ब्युट्यस्था चिरम् हम्मान्यस्था

बान्डर, मीन्द्रक आबाह गाम नक्ता, शांक्षा एकेन्द्रात साहै मानन्यात क्ष्मिक स्था। स्म क्षांकी क्षेत्रक विद्या गामिल प्राप्त क्टबाइन काव्यानी OHLERIA: निर्देश दर्भारक मिटका देनाक्की द्वाब इस गाँछाई वाजिल्ला वाज्यिन, गाँछाई सर्हीत काम किल-मीना रहा जार नाम न्यांन नहीं रजाकरीत काम रमचटक लाव में, बंदेखरजा कि कात रन रन बिर्मा कथा कनार ? रकारमा शान्त्वहे कमा भान्त्वत न्त्रव क्रिक क्रिक द्बारक भारत मा! कांत्र वानाम काम्रायन श्रद्ध क्ष्टवार्ति. छा स्माक्को स्वाद कि करत । करनक स्थाक रका मिला मिलिश যাবার অস্থে, মারের অস্থ বলে টালিতে क्षिक्ष होते। अक विश्वास कीन्द्रक एका ब्रिट्सा क्या क्योंब्स, ह्या क्या ना कानहनक, काम गामाक रका जीकारे चन्द्र करत नि! भीना कृति रमावकात कारक बरम करन वाइटना

এখন ইটাছ করতে: কাল্য কাশা করা বলে সুলো খানতে। এমন থেওঁ নেই বার কাছে ছুটো বৈজে পারে। যক বিধে বাড়ছে, তত ব্যুক্তের কলো রাল মিশছে। এ রকম জানতে, হাওড়া পেটশন যেকেই কিছু গেরে আগতো। ইপ্টারভিউন্নের কন্য টেলিয়াম। ইপ্টারভিউ সেবে না ছাই দেবে। বউনির ः क्षक्षांन श्रकानमीत स्त्रपं केशमान ः

অথবেন্দ্ৰ দাসের স্বাধনিক জেও ঐতিহাসিক উপন্যাস

## दिवात्राज्ञी विवास ५०.

রাজনীতি যে কণ্ড ভরণ্কর, এ উপন্যাস ভার প্রমাণ। এ উপন্যাস নায়, জীবন বলিক

স্থা প্রকাশিক ঐতিহাসিক উপন্যাস ঃ কৈপাকনের ঃ

## ब्रङाङ रगोड़ ১०,

প্রকাশিত হরেছে আধ্যানিক উপন্যাস ঃ বুপাশ্যকলোঃ

### भीनाकी मन १

ঃ বৈশাননের ঃ ঐতিহাসিক উপন্যাস

वरवाश यगुयरो ১०:

Bergerinte a Albertary Service

## नियम हिस्स ३०५

**र्जाडका** ५०

व्यवस्थातम् । स्ट्मा छेन्नाम

## बायावा (बा रबो ए,

ক্রিব্রেকর : ঐতিহাসিক উপন্যাস

## विजि वाथ नववस 85

बीबक्सक : क्षेत्रिक्शिक क्षेत्रमात्र

### **जान्डीत वन कांपट**!

गीवरे शकाणिक श्रव।

वर्षेश्वास्त्रम् । वेश्विम्यानिक स्टूना क्षेत्रसान

### **बाक्यनांग्यनी**

नीक्षे अस्त्रीमक स्ट्रा

ः निवर्षकः । सर्व क्रमपूर्वितः, १७/००, वर्षाकः न्हेरिः वर्षान-५३

## भाषा डाव्राक जाविक (त्राया त्रानामा

সতিইে কী চমংকার সিগারেট!
কী অপূর্ব স্থাদ আর সোনালীবর্ণের
ডাজিনিরা তামাকের কী অপূর্ব গন্ধ।
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
এত প্রির। আপনিও ওকে আপনার
একান্ত প্রিয় করে তুরুর।



লেকেন টোবাাকো কোং, প্রাইডেট লিঃ বোগাই-০৬ ভারতের এই ধরণের বৃহত্ত্ব

67 /F 1-472 Sen.

কাৰ গোলে এখন কিন্তু বেংছে পাওয়া বেড। কিন্তু এখন আৰু মেই পাইকপাড়া श्वरंग्ड व्यक्ति देख्य क्यार मा। आत्म मामा আরু সে এই একই যরে থাকতো। জানসার भारत खेथान हिन मास्त्र हरित हरियाना शामारे नित्त रशद्ध। मामा कटन वा खतान मिन দীপু কে'দেছিল। তার মনে হরেছিল এত বড় প্ৰিবীতে দালা কোৰায় বেন হারিরে राज्य। उथन करणा नानाव विरास कथा দীপু জানতো না। নিজের জিনিসপর शहा द्यारमाहित ग्राहित्स द्वाचटक कारन ना কতাল এমন হ'বছে কোথাও কোনো विश्व महकाती काटक मामाटक स्थए इस्य-গোল কিবো আন্ডারওরার কিছাই পাওয়া য়াত না। সারা বাভিতে কি হ্লম্থ্ল কান্ড বাধিরে বসতো দাদা তথন। দাদার কৈত ধৈয়ত অনেক বেশী দীপতে চেয়ে: হবা কি বিভিন্ন ভাষার অপমান করেছিল होतित मात्र करते. मामा 'अको कथा ७ वर्ज নি শুধা বলেছিল, আমি এ বাড়ি ছেড়ে brत याहिता

এক সময় ব্যাহার পড়ালা দবিশ্য। তার তিপাছাপ লাক্ষা শরীরটা বিজ্ঞানার ওপরে ফানার্ট্রা, একটা সাতের ওপর মাধ্যানার সমানা কাত করে উপাড় হয়ে ব্যাহাটেত। সামা রাত টেনার জানালায় হাওয়া লোগ চুলাগ্রলা এলোমেলা জট পাকানো। গাণ্টের পকেট থেকে করেকটা ব্যাহারা পরসা ছড়িছে পড়েছে বিজ্ঞানায়—প্রকাশিত হা হাতথানা সামানা মান্টো করা। নাকের নিচে জাটে উঠেছে করেক বিশ্ব ঘাম, মানোলাই তার এই রকম ঘাম হয়। মাণ্ডের ঘামারা কাত্রর। কে জানে, ঘ্রামার ঘামারা সামানা কাত্রর। কানা হা হা হা হা হা হার এই রকম ঘাম হয়। মাণ্ডের ঘামার সামানা কাত্রর। কে জানে, ঘ্রামার ঘামার সামানা কাত্রর। কে জানে ঘ্রামার ঘামার সামানা কাত্রর। কে জানে ঘ্রামার ঘামার সামানা কাত্রর। কে জানে ঘ্রামার ঘামার সামানা কাত্রর। কে জানা কাত্রের। কে জানা কাত্রের। কে জানা কাত্রিয়া কাত্রি

সাভে বারোটা অলদাল মেছনি এসে তার বরে চ্কেলো। প্রথমে নার থেকে ভাকলো, এই দীপা, দীপা ওঠা। দীপার সাড়া পাওয়া গেল না। কাছে এসে দীপার পিঠে হাত বিরে আবার ভাকলো, দীপা, ওঠা, ধারি নাই

্ধীপা ভাষ না মেলেই বললো, 'না পাবা না।

- -क्न? शांव ना क्न?
- थिए दन्हें!
- শতা ধৰে অসময়ে এ রকম ঘ্রেম্বি? উঠ চান টান করে কিছা খেরে নে, ভারণর বিদ আবার ঘ্রুমোতে হয়ঃ
  - -বলাছ তে। খিলে নেই!
- —তুই আজকাল এ বৃক্ম খিটখিটে হার গৈছিল কেন রে?
- ্মেশ্বদি আমারে জনালিও না এখন। মেশ্বদি খাটের উচ্চু নিকটার দারীরের ভর নিরে দ্যাড়িকে রইকো একট্মেণ। আঁচল

দিরে মুখটা মৃছলো একবার। গণত বোঝা যার, একট, আগে সে কানছিল, চোৰ দুটো এখনও লালচে।

গলা পরিক্তার করে মেজদি আবার বললো, তুই শুখু শুখু আজ এত রাগারাগি করলি। বাবা তো তোর ভলোর জন্টিঃ

—আমার ভাবোর ধানা কার্তে ভাবতে হবে না।

—ভূই ভ্রেছিল্ তোকে নিথামিথা টেলিলাম পাঠিরে ডেকে আনা হরেছে! ভা কথনো কেট পাঠায়? ইণ্টারভিউরের কথাটা ভো স্থাসবাব কাল বিকেলে বলে গেলেনা পরশাদিন মাঝ রাজ্যিত বাবা ব্যের খোরে বাধব্যে বেতে গিয়ে অক্সান হরে পড়ে বান

—সামানা একটা আছাড় খেলেই বৃক্
টোলগ্রাম পাঠাতে হয়? ওরকম একটা
আখটা আছাড় খেলে মানুবের কিছু হয় না!

—দীপ্র, ছুই অমন বিভিন্ন ভাবে কথা বলিস না। বাবা আছাড় থেকে আন্দান হননি। এমনিই শ্বা শ্বা অজ্ঞান হরে পতে পিয়েছিলেন-ক্রেকের মতন হল পর্যাত বলতে পার্যাছলেন না-সেই রাকেই আমি পাশের বাভি থেকে টেলিছোন করে মেসোমশাইকে ভাকিরে এনে ছিলাম। জ্ঞান ফিরে পেরেই বাবা - আলভিলেন, দীপুরেক এক,নি টেলিগ্রাম ক'র দে ফিরে আসবার জনা! অমি একটা বড় বিভিন্ন স্বশ্ন দেখেছি! অমি হৰু•ন ানখনাম--দীপরে একটা সাংঘ**িতক বিপদ হ**য়েছে। সেই থেকে আমার ব্রুটা আম্প্র অম্প্র কর্মছল। একটা ভাক বাংলোর সামনে-

জনা বৰুষ কৌতুহলে দীপা ধড়মঞ্চ করে। উঠে বসলো। জিজেন কবলো, কোষার? কোষার আয়াকে বংগ দেখাকেন বাবা ?

নাবা তো জাল সকলেও সেট স্পান্টার কথা বলভিলেন। কি একটা ভাক বাংলা, চার পালে লগাল—সেই মাঠের মধ্যে ভূই পড়ে আছিস্—বাবার ধারণা কেউ ভোর মাধার মেরেছে—এই স্বন্দ বেশ্বর পরই মধ্যমে বেভে গিরে বাবা অক্টান হয়ে বানা

দীপ্ অকটে ভাবে কললো, হেসাভি।
চাইবাসা থেকে তার আর অর্পের হেসাভি
বাংলোর বাবার কথা ছিল। সেখনে গেলের
কি তার কোনো বিপন হতো? স্পেনর
আবার কোনো মানে আছে নাকি? কিন্দু
দীপ্ত টেলিয়ামটা পাবার পর একবার
চোখ হ'লে দেখেছিল, হেসাভি বাংলোর
পালে বাবা পারচারি করছেন। বাবা ভাকে
পাহারা দিছিলেন সেখনে? দ্বাপর মধা?
কি মানে হর এর? দীপ্থ বিষ্যুভাবে
দেখতে লাগলো বেড কভারের ভিজাইন।

—त छेर्। इस करत रन! कछ रक्या इस लाग, चरिना?

- এको भारत

—मीभर, टाउक क्रको कथा कारता, ग्राचीव ?

- 67

—বাবা ৰখন খুনা চল, ইণ্টারভিটটা দিরে আর না! এখনো ডাড়াতাড়ি চান করে খেরে নিলে পোছিতে পারিস্: চাকরি লা হয় না হবে, কিন্তু একবার আছে দেখাড় কৃতি কি?

-ना।

(BNS)





Bensons | 2123 Ben

## तुष्ठीत रेख्वा ञानाज शृष्ट आधूतिक्यात् जाँगा अत प्रय

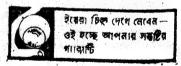
#### सअवुठ ३ छक्छरक

ইরেরা পেলাসগুলি আপনার দৈনন্দিন জীবনে সৌন্দর্য্য এনে দেবে। নির্দৃত পেলাসগুলি বিচিত্রকমেন হয়ে পাকা নতে ও ডিজাইনে পাওরা হায়। পেলাসের ধরেজনি অতি মসৃণ এবং প্রতিদিকের ব্যবহারের চ্যেট্চাপটেও কাটল ধনে না। দেনী না ক'রে ইরেনা গেলাস, বেছে নিন্ধ—বিঃসম্পেন্তে সবায় সেরা।

#### नवतकरमञ्ज लेभवरकत बढा मानावनहे हैराता कारूत जिनिन



প্ৰভতকারক : আনোধিক প্লাস ইঞ্চান্ত্রিক লিমিটেড, বংরাদা-৩। ভত্তবের সর্ববৃহৎ সম্পূর্ণ ধরংচাধিত কাচকারখারা



#### লাখনের 'আদি-অত্তে'র হিসেব

THE THE THE THE THE MICH 'त्री कातकारे मार्गाटक भएकम रेज वि श्रमात्र श यात्रव WARY TO ANT STATE efag. करमकी वर्षकी प्रियास्त्र । उपन्त्र, राख्या, धारात गीडिमक খ্ৰুত কৰে বিদেব কৰে বলৈ দেওয়া সম্ভৱ চার অভিভবিষাতে কোন একটি বিশেষ क्षीत्व क्षीत्रसंका वा श्रकी क किमने इतक পাৰে অথবা সাধাৰ অভীতেই বা তাৰ চাৰ-हमा रकाम किया। कडकहें। ठिकान रकाशीत লত। এই মডেলগালির সাহালে। জীব-विकासीता कार्याट भारतस BUT T প্রাধিনীয়ে কোন কোন প্রাণী বা টাল্ডিন ক্ষুন এবং কোহায় ীকভাবে তব্যবাভ are seit Batien toil ferien Giren eng বিবতানের ছায়া লেমে এপেছিল কেন कारण प्राप्ता शहित्याच्या उत्तर उत्तर विभाग यान কিন্তাৰে এক, স্যান্টিত্তভাৰ ক্ষেই আদি প্ৰকেশৰ স্থাদান এবার তারা বের করতে পার্বেন। এফা বি নামারকম সমীকরণের সমাধান ক্ষা ভাষা বলে দিতে পাৰ্যের শেষ প্রাণ্ড জানজনাত্র পরিন্তিটা কোমার লিখে নত্তিকে প্রায়ে । অর্থাং এক কল্পা সংখ্যাদটি যোৱন চমকপ্রদ তেখাল বেশ কিছাটো प्रभावकार स सहि।

আন্তেপ্ত क्रांच्य **क**रतास 27773 বিজ্ঞান বিশ্বস্থান श्रहमहरू व राष्ट्राक्षां এইভাবে ব্যাক্ষণত ব্যাক্ষ্য দু মনে - করান কোন কিছা হৈছিৰ কৰাৰ জননা বিষয়েই একটি মত তৈবি করতে হবে। কেক্ষেতে প্রথাক্তি-বিদ্যা কি করে থাকেন ? প্রথমে তারা ঐ বিষ্ণাট যদেশ্বৰ একটি ছোট মডেল ইছবি কৰে নেন। ভারপর সেই হড়েলটির কার্যাকাবিভা লক্ষ্য করে মাল মাশ্রর কার্যকারিত। কতটা উমত হাতে পারে অথবা ডা দিয়ে কিডাবে কাজ চুলাভে হবে ডা ফিলর করা হয়। मिटे मर्का करकार्तमः आर्थित्यः विद्रमय বা সম্বীকরণও। ঐ স্মাকিবলের কোল্ডিকে সমাধান করে বলা খাবে কত তাপমান্তার गण्डीं डामडात्व काक्ष कवाड भारत्व। अथवा দিনে কত ঘণ্টা ঢাল: থাকলে ভাষ একটি िरामध अश्म मुम्म राष्ट्रात्त्व प्राथा क्रम हरत हो. रेडाएम। ब्रान्सक्त वाम्भारको किन डाई। একথা ঠিক বিজ্ঞান জনতে গাণিতিক शासन क्यान दकान नसुन नश्यम नसी নিউটনের বল সমান তর এবং ভরণের গাণ-"ফল, আইন্স্টাইনের শক্তি সমান ক্ষত্র ভর धार आकारकार शिष्ट्र रागांत ग्रामका माञ्च अराहना देवन १० हो न्यक वा है हनकरकी-मानातिष्ठिक एक्ट्राञ्चात मधीकत्व अथवा क्रिक्नमारबस नमीकत्र शक्रीत्व अरहारकरे

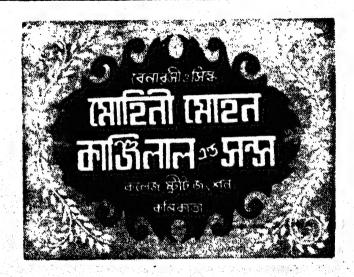


এক একটি হাসাত্তকারী সাণিতিক সেডল ৷ कामक रम्थान मान कहा रकाई अकड़ि खानकर एतम्ला वा एटमन किছा। किन्छ जे स्त-श्वात प्रथारे निश्चि आए सार्कोणक वाडी हा प्रियम ८३ अधियों दा सकार छत वट् कार्यकातगरकहे त्याचान द्वा साहक। कार्त्यकरे इस्ट सार्त्सन महिनीकन वरस्टर সভায়ে চিক্তি করার অনেক আলেই নেপঢ়ন বা প্লাটো গ্রহের সম্পান বিজ্ঞানীরা পেরেছিলেন শ্বে অংক করেই। বাকে বল হয় গাণিতিক মতেল। ব্রেডিয়াম প্রভাত एक फिल्क त्यों लक भगार्थ राध्य स्मारिक्क छ इश्रीत जात बातक बालके गामा कडकमानि সম্বিক্রণের সমাধান করে বিজ্ঞানীরা তাদেহ र्वाष्ट्रक प्रवेश ग्रामादक्षी जन्मदक्ष खत्मक उपा माध्य कराज्य मध्य हन।

কিন্তু প্রশ্ম হল জাবিকান্তর কেতেও কি তেমন কোন গাণিতিক মডেল তৈবি করা সম্ভব? বছর তিনেক আগে আইগর পোলেতেইয়ন্ত নামে লাইনক গণিতক্ত কতক-গালি বিশেষ অঞ্চলের গাছপালা এবং কাবিকাত্র কাবিন প্রকৃতির উপর ধরা-বাতিক গবেষণা চালান। এদের ফ্ল্ম-মাত্র লক্ষ্ক করেন তিনি। একদল প্রামী ভাষ এফদল প্রাণীকে কথন ভক্ষণ করে, কিন্তাবে করে, কেনই বা বিশেষ বিশেষ প্রাণীকে ভাষা নিজেদের খাদার্পে নির্বাচিত করে, একট গোম্বীর মধ্যে চালচলনের প্রিবর্তন প্রদূলি লক্ষ্য লগে ব্যালেকেট্নেক্স কৃতক-গ্রিল কৈ জাবনাক্ষণে ইক্যালন্দা লা পত্তি-মাণক সমাকিরণ হৈ বি ক্রেক্তন। প্রশ্ন বহুবা, এই সমাকিরণের এক একটি বিশেষ কোন প্রাণী বা উদ্ভিদ বংশের মন্তেল। এই সমাকিরণের সমাধান করলেই ঐ প্রাণী বা উদ্ভিদের অভীত, বর্তমান বা ভাষকার জাবনধারা সম্পাকে অনেক ক্ষাই কামবা জানতে পারব।

द्यानीत नाडेल क्षेत्र क्यांनीयत चाल-পেটত নামে আর্ভ দ্রুন বিভানী বিশেষ ধ্যানের ক্রিম পরিবেশ স্থান্ট করে কতক-भारत अवग्रहायाँ शानीय वरणवाण्यत गालामां। मका करवन श्राधनीय करक क्षान कि सर्वास्तव भविष्यम अभि श्रेष्ट পাৰে আত্তীত বতামান এবং ভবিষাতে ভাৰ মধ্যে যেমন্তি পরিবর্তন থাকা সম্ভব করিম উপায়ে তা সাভি কবে পরীকা চালান হাহাছিল। আর সেই পরীকার কল-গ্লিকেই রূপ দেশ্যা হয়েছে বিভিন্ন ধরনের সমীকর্ম। এ'দেরও বিশ্বাস, এই সম্পিরণগালির সমাধান বের করে ভবিবাৎ প্রাণী বা উদ্ভিদ জবাং সম্প্রকে আনে থেকে কিছা বলা হয়ত ভেমন কঠিন वाश्वव दाद ना ।

একথা ঠিক, পবিদেশের সালে নিষ্
সংগাতের মধ্য দিয়েই জাঁবজগতে আসে
বিবাহান। কিন্তু কিভাবে তা বটে, সে
সংগারে ভারতইন, লাম ক', মেনভেল বেকে
গার করে বহুমিনের বহু জাঁব-বিজ্ঞানী
নানারকম তত্ত্ব প্রকাশ করলেও খ্লা প্রশন
কর্মাণ কোন পদ্ধতিতে তা সম্পন্ন হয়
সেটা কিন্তু আতও বহুসোর তিমিরেই
থেকে গোছ। এনন কি সনেক ক্ষেত্র আজও তৈবিক বিবাহারের ধারাবাহিকভার



## णिजाणिकि वड्या-विदता पूर्व कवाव जत्तड अकपाय स्वाजन्द्शा है भारेदनाध्यक्ते कहा







নিমোক প্রকারের যন্ত্রপার ন তুন মাই ফোকাই গু 'জ্যাল্প্রো' থাবেনঃ গণা-বেদনা ন মাথার) নগা-বাগা । লু । এর-ফ্র ভাব । সাঁটে বেদনা । গ্রাবাধা ।

মাত্রাঃ প্রোপ্তবয়ক্ত ঃ ছইটি টাবলেট। এরোজন হলে আবার আবেন।

শিশুদের জন্য:একট টাবলেট বা আপনার ভালারের নির্দেশক। করুম কাইফোফাইগু 'জ্যাস্থো' ব্যথা-বেদ্ধনা দুর করার স্বাধুনিক উপায়।

নত্ন মাইক্রোকাইও তার্যাস্ক্রেম' তাড়াতাড়ি ব্যথা-বেদনা হুর করে

নিকোলাগ-এর 😥 ভৈরী

ব্যামধ প্রমাণ আবিক্ষার করা সম্ভব হয়
নি। কোন বিশেষ কারণে বিবভান জাঁথলগৎকে উমভেতর করে অথবা উনভেতর
কোন অবস্থা থেকে মোড় খ্রিরে কেন
দুর্বল অবস্থার ফিরিয়ে দের বা ধরণে
করে তারও উত্তর এখনও সহস্র ক্রিফ্ট্রেড
ভরা। অথচ গবেষণালারে বলে শুধ্ তব্
খাড়া করে স্থাবেক্ষণ চালিরে তার সঠিক
উত্তর সংগ্রহ করাও সব সময় সম্ভব নয়।

মান্ধের কথাই ধরা যাক। মানবদেহের কমবিবর্তনের আদিমাতম স্তুতির
বাশেরে এখনও কিজ্জাসার সমাণিত ঘটে
নি। বানর বা সিশ্পালি, যে ধরনের প্রাণী
হৈথকেই মানব দেহের উপতব হোক না বেন
ঠিক কোন সময়ে প্রথিবীর কোন পরিবেশে এবং কি ধর নর পরিবর্তনের মধা
বিজ্ঞানীরা থাজে পান নি। এখন কেন
ভাবিসমত পাওয়া যায় নি, যার। পরার সঠিক
বলা চলে মান্ধের জৈবিক পরিবর্তনি
কিতাবে দানা বীধতে থাকে। অথচ তার
এই অভীত অধান্যতিকৈ জানতে পর্বে
হয়ত ভবিষ্যতেরও অনেক কিছা কথা এই
মুহ্তির আনরা জেনে ফেলতে প্রভান।

अभी नगा छन्छित्रहरू राज-পঞ্জী সম্পর্কে আজ্ঞাকের বিজ্ঞ নীরা কম্ আগ্রহীনন। ধনে যব, গম বা তন্ত্প শাসের কথাই ধরনে। এদের বংশগতির ধারাঝাহিকতা, বিভিন্ন নৈস্গিতিক প্রিনেশ কিভাবে এদের সেই ধারটকে প্রভাবিত করে, কোন পন্ধতিতে কি ধরনের সংকর ফাল উৎপাদন কর: সম্ভব, এ সলস্ভ তথা যদি আগে থেকে জানা সম্ভব হয় ভাহলে চেই-প্রয়োজনমত উৎপাদনও আমরা বাড়িয়ে তুলতে পানি। এখন সেটা সম্ভব হবে ঐ সমীকরণের সাহাযো। এই সমীকরণই এক क्किं गानिक माजन। লিয়েপনেভ नाम ब्राटेनक श्रीगडक भाग বত মানে বিভিন্ন উশ্ভিদের উপর পরীক্ষা চালিরে যে সম্ভ গাণিতিক উপাত্ত বঃ ডিডাকসন সম্কিরণ তৈরি করা হয়েছে বা হবে ভাদের সাহায়ে। স্দ্র ভবিষাতের**ও জ**ীব প্রভৃতি সম্পকে ব্হ" TOP S भ,र, उटि वामता कारन स्कनारक भ द्वर।

ভৌগোলিক পরিবর্তন এবং ছৈবিক
বিবতন এক সতে গাঁথা। প্রয়ন্তিবিজ্ঞানের উত্তরেতের উপ্তির সংগ্রাস্থান্ত
ভবিষণে ভূপ্রকৃতি, তার আবহাতেরাম্প্রল
প্রভৃতি সম্পর্কে নতুন তথা বেশ কিত্
আবে থেকে জেনে ফেলা তেমন কোন শক্ত
নাম্বার্থা ভাশ্পদিনের মধ্যে হয়ত জামরা
মৃদ্র ভবিষাতেরও আবহাওয়া সংবাদ,
মুরাকাল থেকে আগত অভিবেশ্ন রিমা,

মচাজাগতিক বশ্বি প্রভৃতি, তথ্য প্রিবীর যুক্ত ভাপসঞ্চারণ কিন্তাবে চলবে তার ওপত আনক তথা জেনে নিকে শারুষ। প্রসংগত वाल वाचि देशियक विवर्णन अध्यय श्राम्य कारास्य दिन्ती। विद्यास विद्यास खेल्डिन स পাণীয় ওপর ভাদের প্রভাব এবং অন্যানা আরও কিছু কিছু কারণের কথা স্মর্ন লেখে তথন তৈরি করা হবে এক একটি পু গতিক মডেল। তার কোনটি ধানেব कार्तां शामत या मानात्मत श्रक्ति । छेना-इतक्त्रत्भ वमा हत्म. धकरे शास्त्रत আংগলে প্রতি দশ বছর অণ্ডর গুণগত গর্থকা ধরা পড়েছে। এমন প্রমাণও পাওয়া গ্রাছ এক ধরনের বার্মাল গম এবং গাত-গালিত পদা করেক সার্ব পর পরই খ্যাদের অনেক মোলিক গণে হারিয়ে ফেলে। तास्य काषक श्रद्धाराज পর্যায়ন্ত্রীয়ক বিষ্ণান থক্ষ করে তার পাণিতিক রূপে <sub>সম্প্রধা</sub> তেখন কোন জড়িল সমস্যা এয়। লার সেই সমুখ্য সম্বীকরণ থেকে এটাও ভালা সদত্তব পাঁচ বন্ধরে যদি তাদের এই হাল হয়, পাঁচ শ বছরে কি দশায় গিয়ে ঘটিটে পারে। লিখেপ্টেড মনে করেন, এট সমূহত গালিতিক মতেকোর সংগ্রেম আছার। আন্তাল্যর প্রয়োজনীয় পশ্ম বা লীক্ষাদের উৎপাদন আত্তে বাভিয়ে চনতে 91761

কিন্ত এখানেই শেষ নর। বিশেষজ্ঞ-দের বস্তব্য মানাষের মনিতক্ষের কার্যধারা সম্প্রেভি অনেক কিছা জানা যেতে পারে. এট সমূহত মডেকের সমাধান ধের করে. এবর শুধ্ আক কমেই বলে দেওয়া মাবে তার বত'মান এবং ভবিষ্ণাৎ স্নায়াতালের ভটিল কার্যধার।। আভকের পাথিবতৈ মান্য নিজেই তার কাছে যত বড় সমসা। ভার চেরে বড় সমস্যা হয়ত আর ডিছা নেই। অথনৈতিক সামাতিক পারি-প দিব'ক, এমন নান্য ধরনের চাপে মান্তের চিন্তাধারা তথা মাননেত মধ্যে আৰু সাতি দিন হাজার লক্ষ ধরনের বিবর্তন চলছে। এই মানসিক বিবস্তানের সংখ্যে ভার কার্য-প্রণালী এবং বাইরের সম্পর্ক যে কত নিকটের আজকের দিনে সে কথা সরুলেরই জালা। মনের সংগা আসে দেহের পরি-বর্তন। তারপর পরে,ষান্রমে তারই ভিনতর রূপ পরিগ্রহ। দেহে এবং মনে। অবশেষে কার্যেও, এটাই বিবর্তনের স্বীকৃত ধরাবাহিকতা। বিজ্ঞানীদের চেন্টা একটি মার গাণিতিক স্ত-একটি ডিফারেন-সিরেল ইকারেশনের মধ্যে তাকে ধরে রাখা। বেন আরব্য-উপন্যাসের স্মাজিক আয়না'। তার দিকে চাইলেই সমস্ত ভূত-ভবিষাৎ দেখা যাবে। বলে দেওয়া যাবে এ জীব काशार हिल, क्यान करत बना ब कीव আরও, আরও হাজার বছর পর কেমনভর: <sup>হবে।</sup> শুধু সমীকরণ্টির **যথ রথ স**মাধান

করতে পারলেই হল। আর তাহলে হয়ত বহা অনিশ্চরতার হাত থেকে নিজেনের আমরা রক্ষা করতে পারব।

মানবের কারণাকাননে কাররে অভীত धावर कविकार एक मिरक के बसरमंत दिनिक ম রাতা হয়ত 'এছিকস'এ বাধবে। কিল্ড 'डेन पि भोगल अन **এकक्षित्र**होत्त्र पि नात-कारेरवल कार्य कि किर्फेट्डें-अब कार्यास रहते हासारम रहाम स्कान कींड हरफ हारा गा। किस्मिन जाशका करान। प्रथतमं ले সমুহত সমীকরণের একটি সংকলন হয়ত চন্দ্রা দরে বাজারে বিভি ছক্তে। ভখন কৃষক তাঁর ভবিষাং বংশধন্তরা কি ধরনের শসা रश्रक ' रव'राह शाकरवन रकरन ' रक्नारवन । বর্তমানের গর অথবা ছাগল এক হাজার বছর পর কেমন দেখতে হবে কডটা দরে দেবে অথবা আদৌ দেবে কিনা এমন অনেক তথাই আমরা জেনে ফেলব। তেমন কশলী গাণতক্তের হাতে পদলে আপনি নিজেও ১মত একটি 'ডিফারেনসিয়েল ইকারেশন' বলে যেতে পারেন। আর ভার সাহাযে। মাহার্তার মধে। জানা হয়ে যাবে তাপনার ভারমার বংশধরনের উর্লাভ এবং অধ্য-পাতের হাবতীয় সংবাদ। জীবন রহস্যের কলেগলৈ তথন সাঞ

সমর্বজিং কর

#### বিজ্ঞান-গ্ৰন্থ

বারেনল ইন ইনভিয়াল ভিউচর ই
বিকাশ পাবলিকেশনস, ও পরিয়াগঞ্জ,
আনসারি রেডে, পিলি-৬। দাম ১৫ টাক।
শ্বাধানতা ল তের দবীর বাইশ বছর পর
এখনও পর্যাপত ভারতের বৈজ্ঞানিক অগ্রগতি সম্পর্কে বৈশির ভাগ মান্ত্রই অজ্ঞ
রয়ে গেছে। অথচ এরই মধ্যে দেশে বেশ
কিছু সংখ্যক গবেষণাগার, প্রশিক্ষণ কেন্দ্র
এবং বৈজ্ঞানিক প্রতিষ্টান স্থাপিত হয়েছে।
প্রত্ব বাধাবিদ্যা সত্ত্বও জাতীর স্বাধে
ভানের ভ্যক্তার কথা, সেই সংগ্য ভানের
সাম্প্রাসরে খবর আমরা খ্যুব ক্য়ই রাখি।
এই অজ্ঞতাই আমাদের বিজ্ঞান প্রতিষ্ঠানগ্রির ওপর সাধারণ মান্ত্রের অনাস্থার
একটি বড় কারণ।

আলোচা গ্রন্থটি এই চুটি অপনোদনের
একটি বিশিষ্ট পদক্ষেপ। বিভিন্ন বিষরের
উপর মোট আঠারেটি প্রকশ্ব এতে স্থান
পোরেছে। লেশকদের মধ্যে আছেন ভারতের
বিশিষ্ট বিজ্ঞানী এবং গবেষক। আজারাম
এবং এম এল ধর দুটি প্রবংশ দেশের
বিজ্ঞান গবেষণা সংপ্রকে মনোজ্ঞ আলোচনা
করেছেন। তর্গুণ গবেষকদের মাতে প্রকথ
দুটি বথেণ্ট সমানর পাবে। এ ছাড়া উল্লেখ্ন
যোগ্য রচনা এইচ এ বি পারিপরার খালা
সংরক্ষণ পথিতি, পুলিট সমসার উপর বি
গোপালনের এবং পরিষার প্রকশ্নার
উপর বি এল মইনার আলোচনা। বি কে

নালার এবং ক্যানেশ রারকে ধন্যবাদ। বিজ্ঞান বিষয়ক সাংবাদিকভার শ্রুটি এবং পরিসংখ্যাল এবং ব্যক্তির মাধ্যমে ভানতের কোন কেন সংবাদপশু কতটা বিজ্ঞান বিষয়ক সংবাদ শুচারে উৎসাধ নিয়ে থাকেন ভার যে কর্মণ চিত ভার, ভূকে ধরেছেন নিঃসন্দেহে ভা একাল্ড ক্যোভের। বিজ্ঞান বিষয়ক সাংবাদিকভা প্রসালে ভাবের বস্তব্য ম্যাবাদন।

### ॥ নিতাপাঠা তিনবানি গ্ৰন্থ ॥

#### मावदा द्वार कुछ

—সম্যাদিনী প্রীদৃশামাতা রচিত—
আদ ইণ্ডিয়া রেডিক বেডারে বলেকেন্
বইটি পাঠকমনে গভার রেথাপাত করবে।
বংগাবতার রামকক-সারদাদেবীর জীবন
আলেখের একগানি প্রামাদিক দালক
হিসাদে বইটির বিশেষ একটি রাজা আছে
সপ্তম্বার প্রকাশিত ইইয়াছে—৮

#### (मो टो या

ৰুপাশ্চৰ :— তিনি একাধারে পরিরাজিক।
তপ্নিনা কর্মী এবং আচ্যান। বটনার পর ঘটনা চিত্তক মৃশ্ব করিয়া রাখে।... গোরীমার অলোকসামান। জীবন ইতিহাসে অম্লা সম্পদ হইলা থাকিবে॥
পঞ্চনার প্রকাশিত ইইলাকে—ক

#### माधसा

বেদ, উপনিৰং, গীতা, মহাভাৱত প্ৰভৃতি
গানেচর সংগ্ৰাস্থ উত্তি: বহু, দেততে,
সাড়ে তিন গত বাংলা, হিন্দা ও ভাতীয়
সংগাঁত প্ৰংশ সমিবিভট হইয়াছে।
বস্কুতা বলেন—এয়ন মনোক্রম দেততে,
গাঁতি প্ৰভুত বাহলায় আনু দেখি নাই।
প্রিবহিত প্রম সংক্রমে—৪,

#### क्षेत्रे भाइ (मश्रद्धाः वाश्रव

২৮, গোরীয়াতা সরণী, কলিকাতা-৪

(সি ২০১৮)



## 'এভারেডী'টর্চ থাকলেই নিরাপদ



ब्रह्मणा ऋश्वाम

তাদের প্রবীন-চোখে স্থিবীর
মাটি ত পরিভাত মত জীবজনতুদের দেখে
বড়ের বেংগ নেতে আনে তেমনি গাঁ-ববে
কোনো গেরস্থ-বাড়িতে সম্ভান হলে কলকাতার টালীগঞ্জ, থিদিরপ্র, ধর্মতলা,
টাংরা, তালতলার বস্তি বা জ্বত্পাতবাসী
হিলড়েরা কেমন করে সংবাদ শেরে ছু;ট
আসে তা খেলা জানেন!

কোনো 'আনেসাসিদ্ধেশন' না থাকলেও হিজড়েদের মধ্যে একটা বোঝা-পড়া আছে কে কোন্ কোন থানার বাবে। আসলে তারা পাড়ার নাচ-গান করতে এলে বখন সব মের বউরা রুগ্য তামাশা দেখতে এসে ভিড় করে দাঁড়ার তাদের মধ্যে কার কার সকতান হবার আগ্র সকতানা আছে তা লক্ষ করে আসে।

ুলকে এ বছর চাষ্বাসের অবস্থা খারাপ. 'চাঁদে মান্ত নামার পাপে' জল বীটিট হচ্ছে মা, ভাদু মাসের অধেকি হরে গেল, খাল বিল থেকে জোয়ারের জল তলে ধান রোয়া হ ছ. এমন দুর্দিনে হিজডের একটা দল এল গাঁয়া ফাই ফাই ইলালে গাড়ি ঝরছিল। চাষালের শিক্ষিত ছেলেটা গামবটে পায়ে. গায়ে ভয়াটারপ্রফ জড়িরে আলের ওপরে দাঁডিয়ে দাঁডিয়ে খবরের কাগজ পড়ছে। তার পাদেই একটা মানপাতা চাপা ট্রামজিস টর দেট রেডিও থেকে রবীন্দ্র সংগতি হচ্ছে-দশ বারে জন জনমজার জমিতে কান্ধ করছে হ্মড়ি থেরে। পড়ে। হঠাৎ হিজড়েদের আসতে দেখে ভারা হই হই করে চিৎকার করতে থাকে—যেমন পাগল বা মাতালকে নেখে মান্যজ্ঞা আমোদ পায়।

র্পোনশি আর ময়না তিনজন হিজত্তে পথ দিয়ে আসভিল ক্তেরালী গাইতে গাইতে। রুপো গাইছিল মূল পানটা—ধ্য়া ধরভিল ময়না আর বশি। ঢোলকে ভাল দিছিল ময়না আর হাতের ভালতে কড়া কিন্তু সুডৌল আত্রাজ ভুলছিল বশি।

রংশা প্র্য-ভাতের হিজড়ে। সে
আননা করে যারে রোজ সকালে চচ্চড় করে
কড়া দাড়ি গোঁফ চাঁচে। বাঁলি আর মরনার
দাড়ি গোঁফ হার না। তারা দ্রুল মেরের
লাডের। তিনজনেই শাড়িশরা, হাত তরা
ভাবের কাঁচের চুড়ি। মরনার কোমরে
বিশোর চন্দ্ররে। রুপোর কোমরে বিছে
বারের গোছা। তাতে লকেট ক্লেছে। রুশো
ভাবের সরদার। গলার শ্বর মোটা। বয়েস
শণ্ডাশ পণ্ডার হবে। গারে ব্লাউজ। কুচিম
ভন। ঠোঁটে রঙ দেওয়া।

মহানার পারের রক্ত ফরসা। তার বরেস বছর প'চিল ছান্তিশ। মুখটার আদল কাঁচাকচি-নারীম্পেভ। চোখ দ্টি মারাময়। দেখলেই মনে হয় কোনো সম্প্রাণ্ড হর থেঞ



এনেছে। ভার চলনভাগ্য এবং ক্ঠাবরও কিছু রমণীয়।

র্পোর কথার, মরনা আমার চপানা জার বাঁশি হল কালনাগিনী কংকাবতা কালিপনী! পথে একজন প্রোহিত রাজণ নামাবলী গারে জড়িয়ে বজমান বাভি বেরিরেছিলেন



চাৰীদের শিক্ষিত ছেলেটা গামব্ট পারে, গারে ওয়াটারপ্রাঞ্চ কড়িবে ববরের কাগক পড়াবে

भ्रद्रकात, रहार माम्रदन शिक्रद्रफ्रामत रमहर्ष 'ताम ताम' करत फेटेरकन।

র্পো হেসে শ্ধোলে, বাচানাদিও! ও ঠাকুর্মশার, হরি খোষালের বাড়ি যাব—এই শুরুত ডো?'

ঠাকুরমশার কেংনা উত্তর না পিরে, তাবের শানিকটা দ্র দিরে, মাঠে নেমে তাবের একেবারে ছারা এড়িয়ে, চুভে সরে গোলেন। মরনা তার সারা ঢাগিয়ে ধরে ঠাকুর মশায়ের পিছা পিছা ধাওয়া করলো ঃ 'হেই মরদ, শুনে যাও'… কিন্তু ময়না জানে না ঐ রাজ্পটি কে?
রংগাও চিনলে না হরি ঘোরালকে।
অনেক বছর এদিক আসে নি। নে ঐ ময়নার
জনোই। এই মারুপুর গাঁরেই বে ভার জন্ম।
অবংশবে হরি ঘোরালের বাড়ির দোরগোড়ার এসে রংগা হাঁক মারলে: 'ওলো
দিদিরা, আর লো ভোরা! হালি হালি
বিদার দে লো, হালি হালি বিদার দে!'
ভারপর ভারা ঢোলক বাজিরে গান জাভে

তারপর তারা ঢোলক বাজিরে গান জুড়ে দিলো। পাড়ার বত ছেলেবেরেরা ছুটে এল। ঘোৰল বাড়ির সামনেটা মান্বজনে ভরে গোল।

খোষ লীগানী এনে দীড়ালেন তাদের
পাকাবাড়ির দোর গোড়ার। তার ছোট নেরের
একটা খোকা হরেছে মান ভিনেক হল।
কচি খোকাটাকে নিরে আলতেই র্পো ছুটে
থিরের রমলার কোল থেকে তাকে ছিনিরে
নিরে শ্নেন্ড হু'ড়ে তুলে দিরে আবার
ল্যে নিরে রমলাকে ফিরিরে দিরে গেল
ছেলেটা কে'দে কবিরে উঠতেই।

মাচ জুড়লে তিনজনে। গান গাইতে লাগলঃ

> মাটির ধরার আজ এল চাঁদ সে চাঁদ সোনারখনি কত রাতের খোপন চুমার তৈরি সে ধনমনি!

ভাদের গান শ্নে মেরেরা হৈসে গড়াগাঁড় খার। মারে মারে হিজতেরা ভাদের সম্পূর্ণ আর্ উন্মোচন করে। ব্যাটাছেলেদের সরিরে নিরে মেরেরা খিরে ধরে মরনাকে। র্শো বউগ্লোর চিব্ক ধরে অস্সীল কথা বলে ভামাণা করে। ভাদের সেটে ছাত নিরে দেশে। কাতুকুতু দের।

ভারপর ভারা ঢোলক আর কনকনি ব্যক্তির কাওয়ালী জোড়ে।

মরনার দিকে স্বাই তাকিরে থাকে।
অবিকল কেন ঘোষাল বাড়ির ছোট মেরে
রমলার মতোই দেখতে, একই রকম মুখের
আদল। সে কথা দু-একজন মেরেও
বলাবলি করে।



व्यवस्था और मान गार द्वारक नवस्य देना को देन स्वादक राज्येत सहित स्वीदार केरा स्वादक राज्येत सहित स्वीदार कार्य स्वादक राज्येत सहस्य व्यव स्वाद कोर्य स्व व्यव स्वाद कार्य स्वाद स्वादक स्वाद स्वाद स्वादक स्वाद स्वादक स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद स्वाद सामग्र स्वाद स्वाद स्वाद Colors and Tooling and

বি বা জোনার মধন আছে দেখার।
বার্থপরার মোচন করচেন বোনারাগিরা।
বিশ্বপরার মোচন করচেন বোনারাগিরা।
বিশ্বপরার মান্তল মান্তলার মান্তলা
আর মধ্যেশ থানে গালের রেখে বিনি
বানের গাবে যাবা রেখে কলিক লান্তলার।



বানাবিক কৰি। কালে কেটা বান ক্ৰী কে মা। বহা বাতিকাৰ বিজ্ঞানীৰ বান ক্ৰম কোন কৰে…'

রমলা ব্রেপানে আছি মার মেন জানলে। গৈঠার জগানে বান প্রাথম বুলো। যা মেন ব্রুক্ত ব্রুক্তার ভাল নি-ম ফালে দেবার সময় ব্রুক্তানে ভাল নি-ম বুলো, তুই বে আমার ক্ষান্তের নিমে গিরোহালি, সে ফি ক মারার

भा का मा दम काना ट्याका विकास अकरात करणमा माना

'সভি। কৰা বন্ নাৰা, কাৰি মা, আমি চিনতে পেরেছি। আঁ জো কয় বেনে ব্যক্তার মাকে আকল।'

র্ণো দেখলে মহা ম্বানক! এ হল অছেল সেহের বখন। ভার আলা উচিত হরনি এথানে। বললে, আ মা: নেই কমলা!' মা এবার ভকরে কে'বে উঠলেম।

রমলা বেরিয়ে এলে মরনার হাত ধর্মে টেনে আমলে বাড়ির মধ্যে। সে কিছ.ই ব্রুতে না পেরে হাঁ করে রইল। বাঁলা বাইরে বসে বিভি টালতে লাগল। হঠাং বোরালাগালী ছুটে এসে মরনাকে ভড়িরে ধরে কাঁগতে কালতে তার মাধার মুবে চুমো খেতে লাগলেন। আর বলতে লাগলেন, আমার কমলা! আমার মরনা! তুই আমার নাড়ী-ছেড়া ধনা ওরে তুই কোথার বাকিব! কত কট পাসা!...

রংগা মাথা হেণ্ট করে বলে আছে। ভারত চোখ থেকে টগটপ করে জল পড়ছে নিমেন্টের ওপর।

त्रमणाख कीमाइ।

কিন্তু ময়ন। তথকো ভাল করে বাবেনি। কড়ের বেগে সে বেন কচু গাছের মতো দলিতমথিত হচ্ছে পরম প্রকৃত এক দেনতে।

খোষাল গিলা বখন বলে উঠলেন, আমি বে তোর মা—এই রাপো তোকে কুড়ি বছর আগে আমার কোল শ্না করে নিরে গিরেছিল'—তখন ভুক্রে কোলে উঠে মাকে ছড়িরে ধরে তার বাকে মাখ ঘরতে ঘরতে এক সময় হঠাং বলে পড়ে অক্সান হরে গেলা মরনা।

রমলা আর মা ভার মাধার মুখে জলের মাণ্টা দিতে দিতে ভবে আনে ফিরল।

মা বল্লেন, পর্পো, বিকালে যাস বাবা, ভোরা স্থান করে স্পুরে অওরা-পাওয়া করি। যা এখন বাইরে যা।

ন্দেশা চলে এলে ৰাশিকে সব ঘটনা বললে। বাশি বললে, 'শালা! তোর মাথার বাজ পড়বো কেন এলি এখানে? মননার মনে আগনুন জনেতে চিরকাল। তোম শালে ব্যালক কাঁচা-কা!

बाइनि बौनि, त्यानात कमम, व्याम मरन करतोहरू, उता क्रिमर्टन सा !! मा भागा, वा मानक क्रिसेट मा ! अ कि टक्सक विभवी निस्मता !

সুলো নামকেন ছোগ্য নতে আল গালিকে কান্ত্ৰ কেনে টাকি থেকে সহ কোনকে বাৰ কৰে কান্ত্ৰ কান্তে নাম কে উন্তেহ সাকল। কোনা কাছে কলে হুপ্ৰ কান্ত্ৰ প্ৰতি একটান ?

নমলা ভার হিছাটে লিখিকে বারের মধ্যে নিমে লোল। আইপালর জালাবার ভার মর। বার মানার কেন্টোটের কোনো নিমে মারনার কেন্টাটের কোনো আরুর সম্ভানানীর হত। বার হ'ছা। আরোর সোকে কোনার টালীগজের বিশিস্তে আল ভার বাস। মুখ্যা আরু হামপোলার কানোর কোনো রাহাই মুমোতে গারে না। নোরো পারিবেশ। র্পো মারে। নোঙরা প্রতির লোককন্দের কারে ভারে ভিজিরে দিয়ে প্রসা নের।...

मा स्टारक जानक क्या विकास करता । जात कोरूब । मान स्टार हमा नात : आहरते इस टेस्ट्रिक ! जाना ना करते टेस्ट्रिक जीवत हमा बारिक क्षारक ! त्या नाति कालाना नाति । प्राचिक ट्रांक क्षारक !

र्शत रवाहान ग्राह्म करते करिएक विका राराया रागरिक गरे करिया चाम अस्तरा स्थान करून रागरिक गरे करिया चाम अस्तराह करि बार्या करिया में निर्माण स्थान रागरिक स्थानिक करिया करिया स्थान करिया करिया करिया करिया है।

गण्यात हम माथा नामाहन ।

বাৰার কণ্টাৰর গ্রন্থ। কালেন, ভোনার কপাল মা! ভগবান'.....

আর বিষয় বলতে না পেত্রে চোপে হাড় চাপা দিয়ে তিনি আড়ালে সরে লেলেন।

প্ৰকাশিত হল

देशभासन

## ताज पत्वात ১०.००

विकाशीय दमन

कृतान्, बटनग्रशासान

## अप्रभा शांखा ।। भारत्मालनीत रमय विठात

পরিবেশক ঃ আন্দেশক ৪ ১১বি, ব্যান্ত্র চ্যাটার্কি স্থাটি, কলকাতা-১২

(TR 9808)



म : एहास्यत अगा जाविलाव किया केंप्रवास

## শরৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাথার অভিনব ও অভাবনীয় আরোজন ২২**শে ডাদ্র** (৮**ই সেপ্টেম্বর )হইতে ৫ই আরিখন** (২২**শে সেপ্টেম্বর) পর্যন্ত** 

স্মানিত রয়েল সাইছের রেক্সিনে বাঁধাই এই গ্রন্থাবলী ১৩টি স্বৃত্ত থড়ে সমাপ্ত।

প্রতি খণ্ডের ম্ল্য : ১২·০০ টাকা উপ্যান্ত তারিখের মধ্যে ১০·২০ পদ্মশার পাবেন

আমাদের নিকট হ'তে এই গ্রন্থাবলী স্বতন্দ্র ও সমগ্র খণ্ড হাঁরা কর করবেন উপর্যাক তারিথের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫·০০ টাকা হারে করিখন পাবেন। হাঁরা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগালি কর করবেন, তাঁরা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও পরে সমহারে কমিশন পাবেন। ভাক মাশ্যেক স্বতন্ত্র।

> এম, সি, সমকার জ্যান্ড সদস প্রাইভেট নিঃ ১৪, বঞ্জিম চাট্জো স্মাট, কলিকাতা—১২

प्रभाव फिल्कमस्य योगस्य स्मार्टे सार् चारमान त्यामान विकारी

रवना गीवरत राम करा। बाबाय जिलाहरूस भारता ।

वाका, मा, त्वान जवाहे कौनटल कागालम। कार्यक्रमण्ड अक्रमान काल बात बाला एकाव करत रहेटन निरंत क्षेत्र। त्न किस्टाएटे कामरण हात मा। 'सा सा'--चटन टक्वल केटिन। আবার লৌডে পালাতে চার। হাতে কামভার ALCOHOL:

कृत्भा बाद दण्ड । भागाभाभा कृत्य । भागा হারামজাদা মাগী! চল। তোর বাপ-মা ভোকে নিরে কি ধরে খাবে? ভোর কি ट्रांक इटन-छाछात्र इटन-खाट्ड का नव ভার? থাকলে মানবে ভোকে আমর করত। মেধেয়ান্ত বড়ট রখেলী হোভ ভার বদি দেহটা বেকল হয়—প্রবেমান্ত দেবতা TOTAL WITH CHEST CHEST COMIT STORES মান্তের সমাজে ভার ভই বাম আছে। आंबादनय कि नाम आदह? दक्त नाम दनदन তাবা? আয়বা হলায় জগতের অভিশাপ দ

কদিতে কদিতে চোৰ মূৰ বাল করে এক नमस भाग्छ दश्च महाना। संदर्भा वरण वास : 'আমিও তো এক ধনী মাসলমান ব্যাভিতে क्रट्यिक्नाम। स्तिनिनारात्र छात्रत এथला পাকা দালান কোঠা আছে। আমার বড ভাই

जका बन्धे। बानास यह शासामा। को राज कि सामि त्यस्य साम ? सामता शास कारमञ्ज्यान वाद । औं जन्मत्त्रमात्र कारत हमचारण मा-नः मान कर नायक रहा ? जाबादमय कथा टक्के काटब बा। दब' शर्दक्त जामाटनद कथा काटब नि । जामता महत्ता न्दर्भ वाद मा नहरक बाद छा स्कारमा शर्बात বটরেও লেখা দেই। আমাদের সার**দে** কেট ध्य स्टबंद जामता माणी स्टब्स शास्य सा। আৰালতও আমাদের মানুৰ' বলে গুৰু কৰে নি। তবে বড বরা. কেউ মারতে পরেবে না।... आमारमञ्ज सन्ती दनहें, मन दनहें, नमान ार्के जरमात स्मेहे. वाभ स्मेहे. या स्मेहे, स्वासी टनहें. बर्फे टनहें. टबटन टनहें, त्मरत टनहे.-আমরা হিলড়ে। নশুনেক। কিন্তু আমাদের শেট আছে, খিলে আছে, রোগ আছে তাপ जाःइ, वाजना-कावना जारह । जाति ताका করতাম, নামাজ পড়ভাম, খোদার কাড়ে কর কাদতাম-কিন্ত সে সব ছেডেছি। ভি চাৰ अनव करत? हिकास्त्र जावात धर्म। এই বেমন নকল মেরেমান্ত লেভে আছি। দুধের স্বাদ কী বোলে মেটে? বা হোক ভোকে মা-বাপের মুখ্টা দেখিতে গেলাম আমার ककी बन त्नाथ हन।

বাগি কালে, আমাকে তো দেখাস মি STREETS ?"

'ভই বাগদির খরে পরণ হরেছিল। -তোর বাপ-মা পঞ্চাপের নাভিক্তে रशक्ति ।

ওরা তিনজনে গাঁরের মোডে দোকালে চা খেতে বসল। ছেলেছোক্যারা মস্কারা করতে লাগল। মন্সার দিকেই তাদের লক। মান্ত্র কামনার কতথানি অধ রাপো ভা বেশ ব্রুডে পারে।

গ্রামের মোডে কোলাহল। ভিড। লাল পতাকাবাহী ব্ৰক্রা চিংকার করছে। একজন বলতে, ভাগে নামল বে সব বীর-শরেবরা ভারা এক একজন ১১বার করে আটেম বোমা বিস্ফোরণ করে কোরিরার भान-वरमत ध्रात करत এনেছিল-কোরিরাবাসীদের হাত পা চুল চোখ খনে খালে পাডেছে বছরের পর বছর ধরে। মনে चाट्ड हिट्सिनियांत्र कथा। अहे जब चार्यग्रेर কলিশসরা সেই বুদ্ধে বোমার জেট পাইলট हिन। हमस्कात देखिहादनत विहात !'...

स्ट्रिंग कथांकी भट्टम बाबा माख्टक जानन। ठिकरे एका। रुठार यहन छठेन, 'रेन किनाव किम्मानाम !

नवार रहरन छेना। हत्ना सक्द राज। তার ধর্মির কোনো মুলা নেই? ভারা বে হিজতে ! কেউ ভাগের চার না !

नाम जामराज्ये जाता जिनलाम PUN!

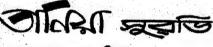
ময়না কেলে আলা প্রভাতর **छाक्तिः कामान कामान आयागा। छात्र सम्ब**-শ্বান, বাপ-মার দেশ-সা ফোলে চরখে চলে



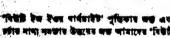
### প্রথম প্রেমের মত স্লিঞ্চ মধুর।

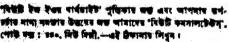


प्रकात (वर्षित धवाब (नथा, ও वालक्षित, काही किहें नक (ठा' । खाबि वालहिलाब, 'ठानिहा' । এবৰ ও আছাতে कारक 'कानिका' व'रत । खाड्या, जानिकात किट बाक कि आक्राक ७इ छात्वा त्वात्रहित, वा वाज्ञाक छात्वातात्रक्रे ठाविहा उत्र 40 नक्न-क बारत !









বাছে—আবার কখনো আসতে পানৰে কিনা কৈ লানে! ভার এক ভাই আছে নাকি— কলকাতার সদাগরী অফিনে বাব্যিনী কাছ করে। ভাকে জখনো দেখেনি—দেখলেও চিনতে পারবে না। মরনাকে দেখলে হঠাং ব্যার হয়তো সরে বাবে।

বাসার ফিরে মুকলিয় হোটেল থেকে থাল কতেক চাপাটি আর শিক-কবাব আনকো রুগো। মরনা কিছু থেল না। শুকে পঞ্জ আপাদলকক বোলের-দেওরা-একটা-গাড়ি পাট করে মুড়ি দিরে। স্বাধার হুলে ভার মা জন্ন বোলের হাতের মধ্যুর গালা পাক্তে বেন এখনো।

বিভবাভির পালে শ্কার চরে বৈভাজে।
তালের বেবিথেবি শালা আসে সাক্ষে মারে।
পালের বার থাকে বেশ্যারা। তালের
নিত্রকার মতো মুখিখিতি শোনা বার
অংকত। মরনার চোখে খুম আসে না। ছিটে
বেড়ার একটা ছোট্ট বর। বারো টাকা ভাড়া।
বাশি আর রুংশা খুমোভেছ। নাক ভাকতেছ

মননা উঠল। সে পালাবে বলে আচেত আচেত টিনের লোর ঠেলে বেরিয়ে পড়ল। মা আর বোন কটা টাকা পিলেছিলেন আলাদা করে সেগ্রেকা ভার নাইকেচিডের খুটো বাঁবা আছে। মরনা এসে ট্রামে উঠল। ভারসার লাল্ট বাস ধরে কলকারা থেকে আবার এক সে প্রামে।

রাত তথন বারোটা বাজে প্রার।

কেউ লোকজন নেই পথে। অপকারে বনকপানের মধ্যে নিরে পথ ছাতড়ে হাতড়ে পেল সে ঘোরাল বাছির দোরগোড়ার। করেকবার পড়ে গেছে খনা-ডোবার। পাহাত-পা হিছে গেছে। রক্ত বার হাছে বোব হয়। তা হোক। তবা তো এসেছে।

্ষিপ্ত ভাকৰে কাকে? এখন রাভ বোধ হর বেজ্টা হবে। নিশ্চুপ নিশ্চিত প্রাম। মাকে ভাকতে গিরে গলার করু কটেল না মরনার। কে কেন কণ্ঠ রোধ করে আছে ভার। পোরগোড়ার বলে মইল সে। বলে বলে কখন কন খ্মিরে গড়েছিল। হঠাং খ্ম ভেঙে গোল কার কো কাশির শব্দ পেরো। ভার বাবা কাশছেন। রমলার হেলেটা কাদছে।

ভোর হরে এল। হঠাং মরনা উঠে পড়ক।
ভার মধ্যে ভাবাশতর এনেছে। মা খাপ ভাকে
রাখতে পারকে কি বিদার দিতে পারকেন?
রাখতে পারকেন না। দুদিন বাদেই চলে
বেতে বলকেন। নইল সমাজ একখরে করবে।
ভার বাপকে আর কেউ প্রেলা করতে ভাকবে
না।

চোধের জল শ্বিকরে গেছে মরনার। সে উদ্দেশ্যহীনভাবে চলতে চলতে নদীর ধারে এসে গেল। নদীতে তখন প্শ ভোরার। হত্তহুড় খলখল শব্দে করাল জাঁবার পর্তে জল ভাঁমগর্জনে জাবভিতি হচ্ছে। নদীতে খাঁপ দেবে বলে মনস্থিয় করলে মন্তন। কেউ জানবে না, কেউ দেখবে না। বেণ্চে খেকে লাভ কী?

কিন্তু বড় তর--বড় প্ররণর মারা হর। মরতে এড ভর হয় কেন? আবার সে কানতে লাগল। শেষবেলা যখন সকাল হয়ে গোল, লোকজন দেখতে পেরে ভার বেন খানিকটা ঘোর কেটে গোল।

জাবান্ধ দে চলতে চলতে এনে এক সময় বাসে উঠ বসল! বাস এসংলানেতে এসে থামল। তারপর আবার সে ফিরে গেল টালীয়ালে মুপোন্ধ বাসার।

র্পো ভাকে খেজিখিছি করছিল।
মরনাকে আনতে বেখে আপালমণ্ডক একবার
কেবলে। কড়ে বিধঃশ্ভ গাছের মতন।
কপালে হাত দিরে বেখলে ভাষৰ জন্ম
অবেছে মরনার। কপিছে সে।

ভাকে শ্বৈরে চাপা দিরে রুপো কজিরে ধরে বক্ততে কাগক, ভাবিস না, পাগক হরে বাবি! আমারা অক্তত এক করি। আমানের কথা ভগবানও ভাবে না! ভামিই ভোর মা বাপ কামী ভাই--স্ব কিছু! —যাই তোর ধব্ব আনি।

মরমা ভিত্ত বংশেকে ছাত্তস না। ভার পলা লাড়ায়ে ধনে উভরার কাদতে লাকার। অপভারা চোপ সংটো চকচক কাজে লাগল বংশোর।

नारगरेन जन्मा



হখন বিশ্ববিদ্ধত বিজ্ঞান্ত (Cheiro)

নইগ্নি জনোর মত সহজ করে।

অন্বাদ করেছেন পরীজিং।

হাতের গোপন কথা— ২-৭৫
হাতের ভাষা— ৫-০০
আপনি কবে জালেয়েল— ২-৫০
হাতরেখা অভিযাদ— ৯০-০০
আপনি ও আপনার হাত— ৯২-০০

আট ব্যান্ড লেটার্ল পাবজিলার্ল জনারুন্য হাটস, কালকার্ডা - ১২





## अये क्लेटिएण की आएए?



## (अन्धिश्रम्भाभम् वृत्कत्त्वत्रभः !

ষক সাধারণত সুরকমের হয়। এক হ'ল শ্বভাব-জাত সৌন্দর্যময় ত্বক, একটানা অক্লান থাকে বার প্রবমা। অস্ফটি ঠিক-জত-পুন্দর-নয় গ্রেণীর এবং এই ছকের সৌন্দর্যপ্রবমা ক্রমশ আরো বিকশিত হরে উঠতে চায়। নিভিয়া ক্রীম বিশেব করে উভয় গ্রেণীর উপযোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রয়েছে আল্চর্ব ইউসেরাইট, একটি বিশিক্ট উপাদান, যা আপনার দেহস্বকের শ্বভোবিক তৈলভাগ জোগায় এবং তাকে কোমল ও লাবশ্যময় করে তোলে। আপনি বদি রূপবতী হন, তাহলে নিভিয়া আপনার স্বকুকে মস্প ও তারুশ্যমতিত রাখবে। বদি আপনার স্বক হয় শুক্ষ ও রুক্ষ, নিভিয়া সেই শুক্ষতাকে দূর করে আপনার দেহস্বককে আরো সুস্থ, কোমল ও লাবশ্যময় করে সুলবে। আপনার দেহস্ক বেমনই হোক না কেন, নিভিয়া ক্রীম ব্যবহার করুন।

বিভিম্না –তাক্রণামণ্ডিত লাবণাময় দেছত্বের গোপরকথা!



#### वर्वाण्य-मात्वावात

ি রেছিলাম রবীন্দ্র-সরোবরে, কেঝার
টিগ্রেকা জন্য জন্তেরণার থেতি।
বস্তিলাম এক বেখিতে, শ্রেলা সেবীর
টিবসেন্নর প্রতিকাম। বীশাপাণি অভিসারে
একেন না, একেন চশমা-পরা টাক-পড়া এক ,
ভারির ভদ্রলাক। বসলেন জ্যোর পালে।
বিনা বাক্রারায়; বেখিটার কাঠ জ্যুপত্তিক্রাপ্ত এক স্থিতিবাস কেবালা।

লোকটি নামকার জানালেন, জানি জানালান প্রতি নামকার। তিনি বললেন, বেশ বোদ পড়েছে: আনি বললান, পড়েছে বটে। তিনি বললেন, কালকে কিন্তু ব্রুণ্ট আসতে পারে: আনি বললান, কথাটা সমপ্রি সভারণাবিবহিত নয়। জার এখানেই বে ধহা আনারের ওই মালারান কথাবাভাষিইত পড়ত হবি না চলানা-পরা টাক-পড়া ভারিক ভরগোকটির নজরে আসত আমার বেশা। থেকে কিছুটা ব্রুবিনে-আলা রবনিনাথের প্রুপ্টেট ক্রিকার্র্র গদাকাতার ফরাস্থি জান্বালে জান্ধি সম্প্রতি বস্তা।

তিনক জিলাব্য তিনক জিই তার নাম--জ্ঞান কর্টান জন্ত ক্রেড কারেলা করলেন,
ভাগ আরেলান ভিত্ত ক্রেড কোনা করলেন,
ভারতিনাথ স্বলিবলের স্বাকালের প্রেড করি।" আমি অবশ্য স্বলিবলের স্বাকালের সাহিত্যের সভেগ পরিচিত নই; তুলনাম্বাক্ বিচার করতে সাহস্ট কিব্বা হঠকারী—হব

"ওরি মতে আর কজন এ—ত লিখেছেন,
বল্ন? রবশিদ্র রচনাবলীতে কত শুশু
আছে জানেন? চন্দিলাণ্টা, অপ্রচালত
বিচালি বাদ দিয়ে!" আমি নমভাবে
ইন্লিত দিলাম যে, ওজনেই যদি লেখছের
ইন্লিত মাপতে হয়, তাহলে ন; শ' স.তামো
উপনাশের লেখক আলেকসাঁহু দামা
বর্ণান্ধনাথকে অনারাসেই হারতেও পারেন।

#### বাৰীলৈক কলকাড়া

তিনকজিবাব জনেকক্ষণ চুপ করে থাকলেন, বেন ধানমুখ্ন হরে, ভারপর ইঠাং বাল উঠলেন, "রবীন্দ্র-সরোপর ক্ষাটা কিম্পু মুখ্য নম্প্রাপ্ত রবীন্দ্রসর্গি, রবীন্দ্রস্থন,



রবাশুভারতী কনে কত মধ্র শোনক বস্ন তে:। আসলে কি জানেন, আমরা এখনও এত পিছিরে আছি কেন, বলতে পারেন : রবাশুনাথের আদর্শ ভূগেই গিরোছি ব'লে। দেশ উম্পান্ন করতে গেণে আমানের কলকাভার আবহাওয়াকে রাবাশিশ্রক করে ভলতে হবে।

"ইন্টান রেলঙরেকে আমন্ত্র বাদ প্রেবীতে নামান্ডরিক্ত করতাম, তবে বাচীরা কি রাবীন্দ্রিক আদর্শে অন্প্রাণিত হরে উঠন্ত না, বিনা টিকিটো টেন চাপত আরু?...হণ মার্কেট বেউ ঠাকুরাণীর হাট'-এ নামান্ডরিক্ত হলে দোকানদারেরা কি পরেত বুশেরদের ঠকান্ডে? চারনা টাউনকে হিং চিং হট' নাম দিলে কলকাতা-নিবাসী চীনাদের আমন্ত্রা কি পরে ব'লে মনে করতে পারতাম?..."

তাই তো...আন্ন মনি ট্রাম-বাস্কে 'বলেন' বল্ডাম, আন্ন ট্রাম-বাস্ মাচীদের বলতাম সীরপার্ন্ব'? ভারম্বনকে মনি বলতাম নির্দেশ মতা', পাসংপার্ট- আনিপাৰে বলি বলভান কৈতে নাছি বিলাপ আর ভেড-কোটার-আনিপানকে বলি বলভান 'এবাদ দিকাও মোরে', আমানের নেলে কড-না নৈজিক, আমিকি, সামাজিক, রাজ-

অন্ধ আমাদের পালের বাছির সনং মাজাটা, সে একটা অভি সামানা হোগ এখনও পারে না কেন, জামেন? রাবীলিক পার্থভিতে পেকে নি ব'লে। স্থির করলাম, এবার থেকে আমি ওর সংখ্যাপরিচরের ভার নেব ঃ একজন লোক, দুংই বোন, তিন কন্যা, চার অধ্যার, পঞ্চত

তিনকড়িকাব্ ভামাকে থামিরে করণ করাকেন বে অংকশিক্ষণে কড়ি-পদ্ধতিরও ম্লা আছে: "এককড়ি তিনকড়ি, পাঁচ-কড়ি, সাতকড়ি..." এই কথা ব'লে তিনি গালোখান করলেন, বেলিটার ফাঠ এবংই ম্ভিনিম্বাস ফেলল।

#### असम्बद्ध नहाडे

ভাৰতে কাংগলাম রবীন্দ্রনাথের অভুলনীর ভানিপ্রবার কথা। আর কোমা চেশে এনন কবি জন্মেছেন, তিরোধানের প্রার হিশ বংশর পরেও প্রতিটি অনুষ্ঠানে বাঁর কবিভার আবৃত্তি অপরিহার্যভাবে অবাহত, নিদিয়া থেকে নাতনী প্রতিত তিন পরের ধরে বাঁর গানের অপ্রতিহত সমাদর, আকালবাশীতে একেকদিন নাবার আন্দ্র প্রায় দ্ ঘণ্টা বিশ্বান, প্রোত্ত্বেশের সাগ্রহ অনুরেবেথই গাওরা হরে থাকে।

আনানা দেশের সাহিত্যেতিহাসেও এরকর একছর অধিপতা বিরল নর—প্রমাণ ইংলও ইতালী, ভারানী। ভার দেশনেও তো আছেন সেভালৈতস, প'ভু'গা লে কামোরাস, হলাতেওর ভলেল—তিনভনেই আসন আসম দেশে এভারেসের মতো অপ্রতিহল্পী। ফরাসী (কিংবা রুশ) সাহিত্যিক ভূগোল কিন্তু অলাল জাতের।

#### ভারতে এই প্রথম

০৫ মি মি হোম সিনে ভোজেঞ্জন। নিজের লাড়ীতে বলে সিনেমা সেখার আনক্র



উপভোগ করনে। ওচের বাটারি বা ইলেকট্রিসিটির সাহাবো আপনার পছন্দ-মতো চলন্ড কবি পদরি বেখতে পাবেন। সিনেমা বলে বেমন দেখেন ঠিক সেইভারেই প্রার পারে। সাইজির কবি চলাব, অভিনর করবে সারবে।

শেশতাস কোৱালিটির দল্প ৪০, টাকা। এক কলি ফিল্ম বিদাম্পের। জড়িতিক ফিল্ম প্রতি ফিটল ১, টাকা। Rolex (India (DC-44). P. Box 1574, Delhi-6. আই মানে সৰ্বা এই নর বে, ফরারী
সালক বৰ্ণজনাইতের সংগ্য একেবারেই
কণরিচিত। আঁটে জিন, সিলভা লেভি,
কোলা রোলা এবং 'ভারতের পাণ্ডের'
নিরিজের সংলাদিকা আটেই কাপ্লেস-এর
প্রস্টেট ভাগরের' নাম জানেস অনেকেই
স্নেজেন বেরালার জো ইজা ছিল রবাণ্ডনাক্তের বিকরে তিনি একটি প্রণাপ্য বই
লিক্তেন; ভার জন্য তিনি ভারতে গিয়ে
করেকমান কিবা অন্তত করেক সংতাহ
কবিস্তের প্রথানে থাকার কথাও ভেবেভিলেন।

#### क्रारून प्रयोगामाध

ভাগর বলতে ফ্রান্সের বারণা ক্রীরের বিবার; এমন কি অনেকের ধারণা ক্রীরের প্রেলাক (বার ফরাসী অনুবাদ আছে ) ভারই রচনা। মহবিকে কেউ চেনে না. ভবে প্রাস্ট ভাগর' [প্রিণ্স ব্বারকানাথ ] তার বিভাগর প্রার্কিন বারার, ১৮৪৪ সালে, ফ্রান্সের অভিজ্ঞাত মহলে ভবেল অভার্থনা লাভ করেম, তার বিদেশীর ভারতির বা দানশীলভার জন্য; সেখনে

অনেকেই ছবি গরণাপ্তম হরেছিল, কিন্তু বানক্মে ব্যক্তিবশৈলের চেরে রুপ্ত-সমিছিত প্রকিট বিবা চবি পক্ষপাত।

১৯২০ সালে छाएन वर्गीन्सनात्वत शब्द भागभंग वारा जिल्लाको दलीक क दरशादनी-वार मत्थां कोंब जाकार। ১১२५ जाता किंब आबाद आहम-दिशास (आह औड़ कृषि शादात शक्य विकास-याता), त्वासीत जल्ब रम्बा करवम आविद्या प्रति विवय : शाही-शाहीहीत मिलन जात बाफेका : न्येजबार्का, त्वधारम जिन्नको स्वीक অধ্যাপনা করতেন, তিনি বনধানী'-শীর'ভ धक्रिके स्थापन दलना किस्तालिन জামানীতে তার উক্তারিত উদ্ভিব জনা ফালেস কিছাটা আলোজনের সৃষ্টি হর। ১১১৪-০ দক্ষিণ আমেরিকায় বাওরার পথে ১৯২৬-এ ইভালী থেকে প্রভারতানের গর আবার তার ফ্রাণেস আগমন। শেষবারের মতো আসেন ১৯৩০ সালে, তার ছবির প্রদর্শনীর জনা।

#### बनीम-माहित्यात समाना

রাশিরায় ও জাপানে না কি রবীশ্রনাথের সম্পার্থ রচনাবলী অন্যদিত হয়েছে: ফরাসীতে কিন্তু রবীন্দ্রনার্থের প্রেক্টার প্রাণিতর কাল থেকে শতবাবিকিই বছর পর্যন্ত পাঁচিশটি মাত্র প্রশ্নের অন্যার প্রকাশিত হরেছে। সেগালিও আবার প্রায় সর্বদার वैश्वासकी कारा-पारमुक का नक्षमा वात. शहान मान बारका स्वर्ध स्वर्ध

ইংকেই কি কলমা বৈনিকেনে আন পালেকেই নাটকের; কারালীতে মার পালিক; ডাক্তর বিলালীত নার পালিক; ডাক্তর বিলালীত কিন্তু কার্বাল কিন্তু কার্বাল কিন্তু কার্বাল কিন্তু কার্বাল কার্বাল, ১৯৪৫ ও ১৯৬০ বিবার অভিলাভ (অন্বালক নাম নিকেনেন ক্ষত ও বেবালানী: ১৯৫০)

নাটাভার হিলেবে রবীস্রনাথ ফালে জনবিশ্বতা শাভ করতে গারেননি। 'ডাক্রক क 'किकायमा' डेरकान्य ECHCE. 257729 ১১২২-এ-ভার সার্জনীন প্রদর্শনী নয় वाक्रशाभ्यात्र । बावम्था शमात्वहे 'BI - 12 - 42 अन्मानी इस ১৯२४ স্ব'সাধারণের উদ্দেশে 'ডাঞ্চর' এর প্রথম অভিনয়-আলাই-এর 'মালগ্রহীন বার্টা' नाएंगा किनदबंब आरंग काफ-रन् बंबा अकीरे बालिका-मध्याजन दिस्मरनः ছিল সংগীত माबिकाम রচরিতা, কলেং প্রশংসা করেছিলেন সেই



নগাঁহের। ১৯৬১ সালে বিশেষ কর্মানিক বিশ্বতি উপলকে, নিমানিক প্রেক্তানাক সালের প্রায়েশন করেন হিলেকেই ভাকরা সালের হয়।
ব হাড়া ১৯৪১-এ ব্যালিক করে ১৯৯১-তেই আনের্থান অভিনাত হারেছ ক নাটকটি।
ভিজ্ঞেলার অভিনার উও-এ অ ও৮-এ ক্রিন করে, ৬০-এ অ ও৮-এ ব্যালিক করে, ৬০-এ অভিনার করে।
১৯১৯-এ আভারনের জন্ম।
বিস্কাল-কর অভিনার হর ক্রেন্ডেলার:
১৯২০-এ প্যালিক নস্বাহিতে স্কাল্য-ভাক

উপন্যাস অন্নিত হরেছে মোট চারটি র বনে বাইরে [১৯২২] চতুরপা (১৯২৪। নাকাছবি [১৯২৯] এবং গ্যেরা (১৯৬৯। চতুরপোর অনুবাদিকা রোমা রোলার বানে গ্যেরা অনুবাদের ইচ্ছেও তার ছিল তেবছিলেন বাংলা লিখে কালিদাস নাগের সাহাযো মূল থেকে অনুবাদ করবেন—তা আর ঘটে ওঠেন।

ছোট গ্রুপ-রাবীন্দ্রক ছোট গলেশর ত্তাতীত অতলানি ঐশ্বর সত্ত্ত-ধ্ব राणी कन्याम श्राहर वना वारव ना। ইংরেজী আসি' সংকলনের চোম্পাট গলপ ইংরেজী থেকে ফরাসীতে ভাষাণ্ডারত হরেছে যদিও ক্ষুধিত পাষাণা প্রভাত গালেশর ইণান্বাদ থাকলেও অজ পর্যণ্ড কোনো দরাসী অনুবাদ বেরোয় নি। একেবারে সোজাস,জি বাংলা থেকে ফরাসী অন্বাদঙ্ আছে ন'টি গলেশর, যুক্তর অনুবাদক শ্রীমতী লিন্তিন বসনেত। ইনিও এককালে শান্তি-নিকেতনে ছিলেন | এবং শ্রীকমলেশ্বর ভট্টাচার্য: পলাগত্রীলার নাম অভিনি, গত্রুত্বন, प्रय ७ द्वीत, मृजाणा, विहातक, महामाजा. অন্যিকার প্রবেশ, সমাণিত, চোরাই ধন-সংকলনের নাম ভববনুরে । এই নামেট 'অতিথি' গ্লপটি অন্দিত হয়ছে।। ১১৩৪ দালে ভোতা-কাহিনীরও একটি जन्तान शकाणिक इस।

কবিতা প্রশেষর মধ্যে পাঁডাজলৈ ১৯১০ नात्महे कर्नांन्ड श्वाहः উল্লেখবোগ্য বে সেই সকল স্ইডিশ ও ডাচ্ অন্বাদ ছাড়া আর অনা অনুবাদ প্রকাশিত হয়নি; ইতালীয়ান ও জামান অনুবাদ বেরিরেছে ১৯১৪ मार्ज, अमार्गितम खन्द्रवाम ১৯১৫ বালে। ভারপর ১৯২০-তে ত্রেমের মালী আর 'ফলের ঝাড়ি' এবং ১৯২২-এ 'কবীরের कविडा गुल्हा । ५५२२ मारबाई सकामिछ इंड আরেকটি কাবা সংকলন সা কর্মাকতিত্ वात अन्यामिका हररसकी अञ्चलस्य किन्छो। वान निरत्रदान क्षेत्र द्यान निरत्रदेशन करत्रकाँ है অপ্রকাশিত ক্রিডা, বেগালি রবীণ্যনাথ निक्षरे जीत काटक भाजिएत मिरतिकालन । **३५३० जाटन ट्वटबाब फिलीबमान छन्छ**, <sup>3300-क</sup> क्विका। ३३२० माम स्व

বাকে বজাকার অনুনাদ করে প্রকাশ করেন কালিকান কাপ ও কবি পিরের জা অত্ ক্রিকালী নাম সাজহলে।—ইংকেলী অন্-কালের ৩২ বছর প্রের। ব্যক্ষে বিবর কবিদ্যানের কোনো "উত্তর কাব্যের" করালী কান্যান ইক্লি।

আৰ আছে জীবনন্তি [১১২৪] এবং চেন্তাবেলা [১৯৬০], কবিবৰ' [১৯২৪] অধ্য কিন্তেটিত মুনিটি এবং মানববৰ [১৯০০] আৰু বন্দৰ্ভ কাছে প্ৰসংক্ৰ [১৯০১]।

त्व जिमिति शुम्ब ग्रांस स्वंतक जम्मीमण इरहाइ | अकृषि कावा, अकृषि नावेक अकृषि গ্রহণ সংকলন। সেগ্রাল একজন বাংগ্রালী कार अकार क्यांजीत वृत्व शाल्का। कार গর্মত কৈ বাংগালী কি কর সী কোনো कन्दमकरे धका भूग छावा प्राप्त अलाक অন্বাদে হাভ দেন ন। তাবে সিলভা লেভি ১৯০৮ সালে পাঁচটি অপ্রকাশিত ক'বতার অন্বাদ প্রকাশ করেছিলেন। অবশ। সিল্ডা লেভি নর লেস্নি-ই রবীল্ডনাথের প্ৰথম বিদেশী অনুবাদক। এদিকে প্ৰেভি সাহেব শাণিতনিকেডনের প্রথম বিদেশী অধ্যাপক: তিনি শাল্ডিনিকেডনে ১৯২১ সালে আসেন, তার পরে আসেন চেক-्मम्भी M winternits e V lesny. नव अत्य दिन्तीय S konov , शानाविश्वन Germanua est C formichi e S Pucci

১৯৪৯ দালে প্রকাশিত কা জান স্বানী প্রকাশি কালার কালার কালার। কালার কালা

#### न तम

গতেকাল তিনকজিব ব্র সংশে গজিলাইটে বালারের কাছে দেখা: আমাকে জোর করে নিরে গেলেন তরি বাজিতে। লাক করালার তরি বাজিটির নাম কিন্তু ববলিরেন্দ্রকার করে। 'চৈতালি' রাজেন নি, রেখেছন সাইট হোম'; আর তরি জিনতিনটি কনারে নাম—না 'চিলা' নর, 'বানসী' নর, 'বলাকা' নর, জাল, পাল আর ভালি। ছ বছরের উলির সংখ্য ভাব করে কলালা, বলো তো অকুমান ঐ ছড়াটা—কান্তব্জির দিনি শাশ্ভির পাঁচ বোন…

ছি হি করে হেস উঠে বড় গ্রহন বলল;

'ও আবার কি ছড়া, ফালার?...বল ডো
ডলা, শ্রীনরে দে ফালারকে ডোলের বইরেম কবিভাটা ঃ হাম্প্রি ডাম্প্রি স্যাট্ অন্ এ ওঅল্...।

কমল বদেদ্যাপাধ্যায়ের তথ্যসমূদ্ধ শ্রমণ কাহিনী

## ভারত দশন

মিশ্র পর্ব ৮; মাদ্রাজ ৮; কেরল ৮, কেরল পর্বাট সমাশ্রমনিক হল।

বিক্রমাদিত্যের রোমাঞ্চর রহস্য উপন্যাস

न्शाई ५०.००

স্বঞ্জন সেনের নতুন রহস্য উপন্যাস

## वादनायानी थ्रान्त

## यायला

ভুৱাই-এর জঙ্গলে মহিমার বাংলোর জোড়া খুন। তথাসকানী জগদীগবাবুর রোমহর্যক অভিজ্ঞতা। পাঁচ টাকা ॥ সুব্যক্ষন সেনের অনা বই ঃ রাক্মেলার ৭,: ভানকতের পতন ১; লেক স্থেনে খুন ৬,; খুনী তর্থী ৭

ক্লানিক জেন । ০/১এ, শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট, কলিকাতা ও ক্লানিক প্লেশ

त्रुधवनीव शिक्षां अथरमंशे धवकनाश अथरमंशे छोंशे श्रिमिका

Prestige

मवर्ट्स निवाशन : क्रश्नान महत्वा त्वनी श्रमक

অনেকটা জায়গা ও আগনাৰ নিজেৰ নামান গান্ত বা কীন

मार्डिम : विक्रीय पर मात्राचायक मार्कित्मर श्रास्त्रा।

প্রত্যেক পরিবারের উপযোগী সরিক সাইক

সময় বাঁচায় ইম্ধন বাঁচায়



विवास्ता

আপদার কুবিদার ক্স, একটি বাড়ডি প্লাপ্ ও পিউল এবং রক্ষর প্রণালীর একটি বই কার্টদের ভেডরে ড'বের কেপ্রয়া আছে। ভৈগী করেছের : ট ট (প্রাইভেট) নিন্দিটি বাজাটেগায়—১৬



(वारेण)

দেবে বলে লালিত তার সংশ্য বেরিরেছিল। গালির মুখটার এসে রমেনের কথা মনে গড়ল। রমেনকে চারের দোকানে বাসরে রেখে এসোছল, ততক্ষণ সে একা বলে আছে। শাশবতীকে বলল—দভান, আপনার সংশ্য আমার এক বন্ধার পরিচর করিয়ে দিই। খুব অদ্ভূত বন্ধ—সম্প্রাসী।

–সল্লাসী ?

—হাাঁ, ওর বউ পালিয়ে গিরেছিল <sup>‡</sup> ভারপর থেকেই—

—আহা বে! বউ পালাল কেন?

—কি জানি! ওর বউ ইরা ভাল মেরে ছিল না।

শাশবতী ভার কক্তকে ছোটো ছোটো দিতে নীচের নরম ঠেটি কামড়ে ধরল। ও জানে না ঐ ভগনীতে ওকৈ কত সমুগর দেখার। মাথা কাঁকিয়ে বলল—পালানো কি খারাপ? আমিও তো গত্কাল পালিয়ে ওপেছি।

কথাটার লালিত একট্ বিচালিত হল। মুখ ফিরিরে নিরে হলল—আপনি ঠিকই করেছিলেন। আদিতা তো আপনার ইয়ে চিল না—

িছল না ঠিক। কিন্তু আর একটু হলেই কালকের বাাপারটা হরে বেত। আর তারপর বিদ আমি পালাতাম তাহলে লোকে আমার নিদ্দে করত না? ও হরত সম্যাসীও হয়ে বেত আর তথন আপনিও হরত বলতেন—ঐ বালে মেরেটাই বত মন্টের গোড়া। এ রকমইতো হর সব ব্যাপার, লোকে ভিতরের কথা না লেনে নিদেল করে—

দলিত এত কথার উত্তর দিল না। জিলোল করল—আর একট্র হলেই কালকের ব্যাপারটা হয়ে বেত কেন? আপনি কি সই করতেন?

একটাও শিবরা না করে বাড় ছেলিয়ে শাশবতী বলল—করতারঃ আমি ভীবণ ভয় পেরে গিরেছিলান। মনে ছাছিল, সই না করলে আপনারা ভরণকর কিছু একটা করবেন। ঐ বিশ্রী ঘরটার আমার দিম আটকে আসছিল। আপনাদের হাত থেকে ছাটি সভেরার জনা তথন আপনারা যা বলতেন তাই করতাম। তারপর বাড়িতে ফিরে এসে কী করেছি ব্যুতে পেরে কাদতে বসভাম। তথন আমার একদম জান ছিল না। অপনাদের সেই বাতেজ-বাঁধা বংধু—কী ফেন নাম।

—বিয়ান।

—হা। উনি বের করে আনার পরও আমি ব্যুত্ত পার্রছিলার না, আমি সতিট স্ট করেছি কিনা।

ললিত কেঠো হ'সি হেসে শ্কনো মৃথে বলল—আমরা বলেছি বলেই আপনি সই করতেন কেন আপনার নিজের পছন্দ অপছন্দ নেই পছন্দ না হলে কেন সই করবেন আপনি ?

—বঃ, আপনিই তোতখন সবচেরে বেশী জোর করছিলেন! কেমন গাগলাটে দেখাছিল আপনাকে। মাধার চুল উড়ছে, লাল উক্টক করছে মুখ, চোখ জালছে—আপনাকেই আমি সবচেরে বেশী ভয় পেরেছিলাম। আনিবাৰে আনি চিনি, হ বৰ্তী বাৰ্থী কৰলো বুল আক্ৰম বিহু, বহুতে পাত্ৰী আৰু বিল্কু আন্নায়ক সেংগ আন ছবিকা, আন্নান বেগে গোলে আম্ৰমন্ত কান্ত কাৰ্যে গায়েল। —মী বাৰ্থা?

The transfer of house week his in

—হরতো—হরতো—ধ্ন করতে পারেন আয়াকে।

লাজ্যক মুখে একট্ হাসল লালিড।
বলল—মান্ত ডো নিজের মুখ দেখতে পার
না, কাল আমাকে কী রকল দেখাজ্যিল কে
জানে! কিল্চু বিশ্বাস কার্ন, আমি মনে
মনে বোধ হয় কখনো চাইনি বে, আপনি
সইটা কর্ন।

—চালনি ? গাধ্বতী অবাস্ত হর!

र्नावर याथा नाएन-ना। जावि करन करन চাইছিলাম, বেমন করে হোক আপনি ঐ क्षताते एक वर्षा वान । सामान से जासते এত খাটি ছিল, এত তীব্ৰ বে. ভগৰান আপনাকে বাঁচিয়ে দিরেছেন। আমি অবশ্য एगदान मानि ना. किन्छू देनद दास अक्डो किहा जारहरे। नरेल रहार छेहे का বিমানকে কেন আমরা সপো নিরেছিলাম? ও বৃদ্দ সংখ্যা না ছাকত তাহলে—আপনি रम्मन क्याकारी स्टब्र-ठिक मरे करा ফেলতেন। কেউ বাঁচাতে পারত না। আমি ছে: নয়ই। কারণ, বিয়ের স্ল্যানটা আদিতাকে দিহেছিলাম আমিই। ও প্রথমে কিরের কথা भारत वर्ष्णांक्रम रव. जार्थान बाक्षी शरवन ना । তথ্য আমি আপনাকে বাজী করানোর ভার নিয়েছিলাম আমিই পছন্দ করে ওর জামা-কাপ্ড ফুল আর আপনার জনা শাড়ি ক্রিল্ম, আপনাকে ভূলিরে ভালিরে ট্যাক্সিতে ভুসলাম, সঞ্চারকে সাকী বোগাড করে—এত সব করেছি আমি—কিণ্ড সারাক্ষণ আমার এম চাইছিল— যাক্ গে, আপনি কি আমাকে বিশ্বাস করছেন?

শাশ্বতী হাসছিল। মৃদ্ধ চিকমিকে হাসি। মাথা নেড়ে বলল—বিশ্বাস করেছি।

## দ্ৰণন আমার জোনাকি

গৰেন্দ্ৰকুমাৰ মিচেৰ – নবতম উপন্যাস

ফিল্ম পাগল একটি ওর্ণী মেরের নেশা-ধরা ও নেশা-ছোটার অভিনৰ কাহিনীই এই গালের উপজীব।

ৰুপান্তৰ বলেন :—স্থামী দিবোলাকে ছেড়ে গিলে বোল্যের এক নামকর। অভিনেতীরলে প্রতিন্তা অকানের এবং জনুলেপনতে দছনের মমাকথা।.......পদ দিবোলা ও নিঃশেষিত সন্নোরার মমাবেদনার ইতিবৃত্ত আঁকতে গিলে লেখক কাহিনীর বে ব্যঞ্জনামর পরিসমান্তি ঘটিরেছেন তা বিশেষভাবে আমানের মৃদ্ধ করে এবং বিস্মরেই আমানের বলতে মন চার চলচ্চিত্রের নেপথা লোক নিয়ে এ ধরনের ম্মান্সপাণী চলচ্চিত্র বাংলা উপন্যাস আর নেই। মূল্য ৫-৫০ পরস্থা

কলিকাতা প্রকালয়, ৩, শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২

-- BIS. WAI ?

बान्यकी हानिस्ट्राप करनक्यानि पाए दर्शनदा वनन-करहोह।

ভারপর একটা চুপ করে থেকে বল্ল-আপনি ক্ষেন আমাদের বিরে দিতে ফেরেছিলেন জানি।

---

—আমিকা আপনাকে কোনো গোলমেলে কথা কলেছিল আমাকে নিয়ে। না? কলিক মাথা নাডল।

শাস্ত্ৰী গুলা নীচু করে বলল—কিন্তু আমাকে বাঁচাতেও চেরেছিলেন কেন?

প্রশাস্ত্র জন্য এক্ষম তৈরী ছিল ন্য লালভা। লে শ্তশ্ভিত হরে গেল।

এখন তার সামনে জীকত, তরতাজা এক দৃশা। বন চুকের ভিতর থেকে ফিকমিক করছে কানের রিং, পরনে কালো হল্পের সুক্রে কট্কী শাড়ি, নিকোনো উঠোনের माला निवन्तात तनशीन मा अध्यमा । योष कथन नीगठ उर्व कानवाजाद कथा बर्ग जाहरत লাজ্যক মুখ নামিরে সম্মতির ছাসি হাসবে। এতক্ষের হাসি ধুশী আর আনলের ভারটা हर्ते। मृद्य निम्न भाषा-काशस्त्र शहका अक বিবাদ। দভাই ভো। বে কেন চেলেছিল শাংবতীর বে'চে বাওরা? তার ভাতে কী লাভ? আদিতাকে ভেলেবেলা খেকে চেনে ললিত। ফুডিবাল আমুদে ছেলে, দরাল সরল মন-তার সংখ্যে শাশ্বতীর বিষ্ণে হলে কতি কি ছিল? তবু তার মন চার্মান বিয়েটা হোক, বিশেষত ঐভাবে ঐ থালোটে ঘরে সরকারী ভাষার আধ্যনিক মন্দ্রপাঠ करत। त्र ठावनि धरे काणे काणे। मृत्यत भागमा तरकत स्मर्खाणेत्र विरत्न श्रक शक। কিণ্ড কেন? কী লাভ তার?

ললিত চেথ ফিরিরে নিতেই শাশ্বতী বলল—আমি কিন্তু জানি।

वक गतन, रवाका स्मरत्रहो। की काटना

ष्ट्रीय ? बीव स्वाटमा, प्रदाव वरणा ना स्काटमारिका।

-करें, व्याशमास सन्द-रमहे महामा

লালিত লিয়ে দেখল গোকানে একা বনে আছে রমেন, জার লোকানের বালিক গণেদ তার কথ্যালারের তুলোর কারবার কী করে বিলোধ-বাকি পাড়ে কোনে গোল নেই গলপ রমেনকে লোনাজে। পান রম দিরে খানছে। রমেন। লালিত রমেনকৈ তেকে আনলা।

—এই আমার বন্ধ রমেন, আর ইনি শাশবতী ব্যানাজি'।

লাজতের লাজা করাছিল। রনেনটা কী ভাববৈ কে জানে! কিন্তু লাদ্যতীর এর বেণাী পাঁরচর দেওরার কিছু নেই। আর কিছুদিন আগে হলে সে বলতে পারত—ইনি লাদ্যতী বার সপো আদিতার বিয়ে হবে। কিংবা সে বদি স্কুম্ব স্বাভাবিক হত ভাহলে হরত এমন কথাও বলা সম্ভব ছিল—এই লাদ্যতী বাবে জানি বিয়ে করব।

রমেনকে সরল একটা প্রম্ম করল শাশ্বতী—আপনি সম্রাসী?

রমেনকে স্থান একটা, হসল, বলগা—না তো।

--- गम **१** 

द्रायम याचा नाष्ट्रन—नाः

-514 ?

ক্সমন এইসব প্রশ্নের সামনে বরাংর মূশকিলে গড়ে বার। সে ভিত্তেস করণ— জাপনিকি চলে বাক্তেন?

শাশ্বতী বলল—হাঁ, অনেকক্ষণ এসেহি। এবার যাই।

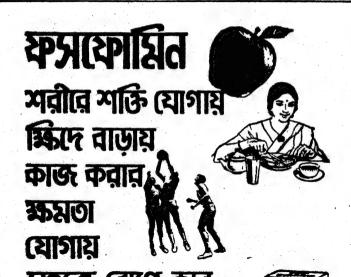
—তাহলে চল্ন, আপনাকে একটা এগিরে নিত।

তিনজন আন্তেত আন্তেত হাঁটিতে লাগস।
আনোরার শা রোডের মৃথ পর্যণত এসে
হাঁপিরে গেল ললিত। লক্ষ করে শাশবতী
বলল—আপনারা ফিল্লে বান। আমি তো
বাশতা চিনি, বেতে পারবো।

রমেন বলল—ভূই যা, আমি এগিলে পিয়ে আস্থ্যিঃ

ক্রিন্ট একট্র হেসে লালত দাড়িরে গেল। অনেককণ দাড়িরে রইল। তারপর ফিরে এল আন্তেড।

্লাণ্বতী শ্লেছে, ক্যাণ্সার হলেও কেউ কেউ বে'চে বার, বেমন ভার মেসোমশাই বে'চে আছেন। ও কি বে'চে বাবে! মৃত্যুর মুখোমুখি ও এখন যন্ত একা। একা বলেই मार्क मारक निरक्तत छनत रेत्रर्थ यात्र। शब-काल अर्क लक क्रात्र শাসমতী। মতে रम्या किन धकस्य नागदनत —ওর মন চাইছলি না তব জোর करत मान्यजीत्क द्रीरक त्करन रमखात रहणो करत्रिका। कारम बरत वारव-छाडे छत काइरकात, जानवजीरक व्यवद्शना ক্রেছিল। কিন্তু শাশ্বভীর একট্বও রাগ



সহজে রোগে কা হ'তে দেয়না

ক্সকোমিন-এর কল্যাণে— বাড়ীর সবাই স্থস্থ আর সবল থাকার আনন্দে সমুজ্জল।

কুসজোমির—কলের গত্তে ভরা সকুত বংরের ভিটামির টারিক বি কুমপ্লেক্স আর প্রচুর বিসারোকসংকট্স দিরে তৈরি।

© है. बाह. बहेब कह तन हैन कर्तार्थ हैं। बाह खिलाई अध्यात नहीं नाहरतन बाख बर्जियि नह हैन द्वार हैं। अध्यात नहीं नाहरतन बाख बर्जियि नह हैन द्वार हैं।

SARASHAI CHEMICALS

shilpf so 50/67 Bes

নেই। প্র্যনান্ত্রি ব্যুতে আৰু মিনিটির
সমা লাগে না। গতকাল অত স্ব ক্রেগানের
মধ্যে লাগতকে ব্যে গিরেটিল লাক্তরী।
ব বি মরে বাবে। কেন মরে মাবে।
ক্রান্সানের তো অব্ধ বেরিরেছে, শাশবভাী
পড়েছে কাগজে।

র্মেন হাত ধরে শাশ্বতাকৈ রাশ্তার বারে मीत्य यामन । शिष्टाम यामककन यात दर्भ मिक्किन अवणे गामि मान्यकी गान्दक পাছনি। সে একটা লাজ্য হাসল। ব্যক্ত ললিত সামনে ছিল ততক্ষণ লোকটাকে ভাল করে লক্ষ করেনি আশ্বতী। এখন লক্ষ করে দেখল লোকটা একটা খামের মত বঙা। গাহের ফুসা রঙ থেকে রোদ ভিকরে আস্থে। স্পর চেহারা, কেন্ডু পোশাকের কেনো মহ নেই। পরমে একটা হাক-হাতা পালাবি আর ধাতি । লোকটা বোধ হয় কথনো খেরাল করে নাবে সে ক্রান্থনি স্কর। শাস্ত্রতীর ভালে লাগেল বে সে রাসভার মার্কান বিয়ে **অসাবধানে হটিছিল** राज रवावधी सारक अकते व समक विक मा. উপ্দেশ্ব দিল না। শ্বের হাত ধরে সরিকে কলে অভার নিবিকারভাবে **হাটছে। যেন** দরকার হলে আবার **হতে ধরে সার্যে** আনবে, ধমক বা উপদেশ দেবে না।

শংশতী জিজেস করল—বললেন না তো অপনি সল্লাসী কিন্তু!

র্মেন শাণ্ডভাবে বলগ—না।

শাশ্বতী তাঁর দাঁহে তিনী টেপা **স্ফার** হাসিটা ক্ষেপ্ত বলল—বিশ্তু আস্থান সন্ধাসী হল থক ভাল হও।

-(42)

—স্থানসাধিত তে: অনেক তৃকতাক তত্ত্ব-মত্ত জানা থাকে। আমি আপানার কাছ থেকে কাল্যারের অব্যুধ জেনে নিভাম।

तामन अवने शामन।

শাখনতী চিণিতত মানে **ধলল—কিন্তু** বস্তুর মনে হয় আমি কাগজে দেখোছ কাস্পারের অধ্যন ধেরিয়েছে। তাই না

শাশ্বতীর মূখ সামানা উজ্জাল দেখাল। বিলল, আপনিও দেখেছেন না ?

রমেন একট্ব চিল্ডা করে বলক—দেখেছি

—বেরিরেরেছ। শাস্বতী হঠাৎ নিশ্চিস্তির <sup>ম্বাস</sup> ফেলে বলাল—আছি জানি।

রমেন একট্থ হাসল না। খ্য গশ্চীর-ভবে বলসল—আমি অবশা একটা টোটকা অব্ধের কথা জালি।

--কী সেটা?

হটিতে হটিছে বাস-ইন্স্টার একে গিয়েছিল ডারা। রয়েন বলল— আর এক্টানন বলা ধাবে। ঐ আপনার বাস-স্টাপ্।

না, আগমি বলুম। অধ্যেমার স্বার বিচল লাগবতী। এদিক ওদিক একটা দেখে नित्त क्लावा—धीवाटम धकछ। दत्तर्गेद्दान्छे रणवाः वाटकः छन्नाः धकछे, योतः

রমেন একটা ইত্নতত করে বলল— আমি রেন্ট্রেন্টে কিছা থাই না।

—আহা, আহি চা ধাৰো। আপনি বসকো। চলুন।

সকাল সাড়ে সলটার রেন্ট্রেণ্টা খুর
ফারা জিল না। করেকজন ইতর ধরনের
ছেলে ছোকরা এদিক ওদিক বসে আছে।
কেন্দ্র জোরালো লিস্ দিছে, তার সংগ্য
টেবিলে আছুল বুকে ভ্রমা বাজানের
লবন। দেখেলনে মুখ খুকোলো লাখবতীর।
বজল—এখানে হবে না। বড় বাজে জারগা।

—সৰ স্বায়ণাই এরক্ষ। আস্ম কোনো ভয় নেই।

ভিতরটা মোংরা অধ্বকার। ছেপে-ভোকরারা লাখা একটা টোমল দখল করে রেখেছে, বাদবাকী রেপ্ট্রে-উটা ফাকা। এরা আন্তা দের বলেই বাধ হর এখানে তেমন খলের অন্তা বলে দে দোকান অক্যার এ ধরনের আন্তা বলে সে দোকান আন্তে আপেও ফিইবে বাব টিম টিমা করে চলে।

—ইস্, কী অসডের মতো তাকাছে! ফিস ফিস করে শাস্তী বলগ।

-वार्गामक छाकाम। का नारवन मा।

--- Tir

র্মেন তার সর্জ স্কার চোথে তাকৈরে ভিজ ছেলেগ্রেলার দিকে। প্রায় নিশ্পলঞ্জারে।

শাশবতী ফিস্ফিস্করে বলল—কী করছেন। এরা ভীষণ বাকে:

সে কথায় কান দিল না বনেন। তাকিয়েই রইল। ব্যাপারটা খ্যু আপেত আপেত ঘটতে লাগল। কালো কোলো, রঙচঙে জানা পাশটি পরা ছেলেগ্রেলা ধন স্বন তাকাছিল তাদের দিকে। হাসাছিল গা টেপাটেপি করে নীচু বরে কথা বলছিল। তারা কিছ্ কণ রমেনকে লক্ষ করল, তার চ্যোখর দ্যানি ফেরত দিল সমানে সমানে। একছন বলল—
নাইরি, আনাদের তস্পো করে ফেল্বে। তারা আরপর আপেত আপেত ঠাপ্ডা ল্ডাইটা তারা হারতে লাগল। কিছুক্শের মধেটি তারা

রমেন শাশ্বভীর দিকে মৃথ ফিরিরে একট্ হাসল। ভারসার বলল—চোথের একটা কোনো শত্তি আহে। আপনি বহি কথানো এ সব হেতের চোথে সাহস করে চোথ রাখেন ভবে দেখবেন এবা সেটা সহা করতে পাবে না। ভত্তে খুব সরকজনে ভারতে কর—

-किन्छ करात्वत क्यांगाः

নমেন মাধা নাল্লল—হা। সেটাও চোখের অস্থেছিল। আমার ঠাকুশার বাবা ছিলেন প্রায় অব্ধ মান্ত্র। দানু সেই অস্থটা সেরা প্তাসংখ্যা শারদীয়

अनुव

जीवन

৫টি উপন্যাস লিখেছেন সমরেশ বসু ক্রোতিরিন্দু নন্দী অবধ্যে হরিনার য়ণ চট্টে প ধ্যায়

হারনার য়ণ চট্টে প ব্যায় ক্ষীয়োদ চট্টে প ব্যায় ২চি উপন্যাসোপন বন্ধ গ্রাম

বৃদ্ধদেব বসু অম্যেক্দু দাস

वृद्धि शक्ल

সন্তোষ ঘোষ, বিমল কর, শক্তিপদ রাজগ্রেন, শ্রীমতী বাণী রার, বিভূতি নিয়োগী, সৈয়দ মন্তাফা সিরাজ, কুষাণ্য বন্দ্যোপাধ্যার

যৌর,বব্যক প্রবন্ধ ৩০টি

\* আলোড়ন স্নিটকারী বোল-বিষয়ক

त्र एव बेल्बा ५०६

\* २८६ि क्टोशाकनर

আ ধবির ৪শর ৪০জ শতাধিক ফটোগ্রাফ ৮ লাম চার টাকা একেটাগ্রাম বোগাবোগ কর্ন

সংশ্ৰহ জীবন : ১১৭/১, বিগিন বিহানী গাণ্য্লী স্থীট, কলিকাতা-১২।

क्याबारत रशासीक्षामम्। स्थोपनकामा स्थापन ভাকে চনমান মণ্ডে আভসকাচ কিবো দরে-बीम मार्चहार क्यार्ड इक । आवार नामार मार्टे চেনে আছাৰ বাৰা আৰু জানামগাই, আৰু क्षक द्वारक, खाबाक निम्मीया-क्रास्टक दक्क তিত্তিল পেকোনোর আগেই চোখের দৃথ্যি আপষা হতে শার করল। আর চারশের আগেই সকলের অন্ধ হতে ব্যওয়ার লক্ষ্য दिन्या व्यक्तिका। द्वारे जमदा जमजा। दन्या पिरविष्टिन कामारमय विवाद विवस अन्यति ৰাডি, বাগান খাজনার হিসেব এ সবের দেখা-লোনা নিছে। কে এসব দেখে? আমার ঠাকম। বরাবর ভিতর বাভিতে থাকতেন বাইরে বেরোতেন না। কিল্ড লেব পর্যাল্ড যখন বাবার চোর্থারাপ হতে শুরু করল তখন ঠাকমাকে বেরোডে হল। আরু অস্চরের বিষয় যে ঠাকুমা খুব অচপ দিনেই সব बाद्य माद्य नित्मन। श्र निथा जात-এমন কি দাদর চেয়েও ভালভাবে তিনি

জমিদারি চালাতেন। আমাদের বিরাট বাড়ি,

বাধান সম্পত্তি সম কিছুৱ ওপর ভার ছবিদ্য তাৰ ছিল। সকলের দেখা তিনি একা रमयरकम्। कांडे कल क्रीका स्टब्स्कि कांब চোৰ যে বাগানের একটা ফলে কেউ ভললে ভিনি টের পেতেন, গাছের একটা পাতা পতে গেলেও তার চোৰ এডাত না। প্রতিটি প্রজার মূখ ছার মনে থাকত। আমাদের वाकारा अवज्ञ जिल्माक, जानमाहि जाई वाक গাটিরা ছিল-ঠাকুমা সেগ্রেলার একবার চাবি চাকিলে খালতেন, কখনো কোন ভালার কোন চাবি তা ভল না। এইভাবে সারাদিন চোখ করতে করতে তার চোখ ভরণকর তীক্ষা হয়ে যায় আরু বিষয়সম্পরির ওপর स्यम्कर এको। सामवामा हान O. शेक्स অশ্ভত ব্যাপার ঘটেছিল। ভার উन्देशि इत्स्थित। গালে এসেছিল গ্যাংগ্রীন হয়ে পাচ গ্যাড়গলর হাড় বেরিরে

नाक्षांकत । छाडावका क्याव मित किन्छ ठेकमा मतीकामन ना। अवस्थि मामिन करक विकास ग्रहणाम त्य दि हरेरहता। के टकामा नहां नमा मंदीत्वत हत्। अक्सार ভার ভোৰ দ্রটোই ভিল দেখবার হাতো। সেই ৰড় বড় চোৰ, সেই টেক্ছাল न विष्ठे अक्ट्रेसक्य क्लि खार्श्व ककी ल বলতেন—আমি মরে গোলে मिश्राय ? द्वाध श्रा मिहे काइएलहे ইচ্ছাশভিত জোতে তিনি ্থেল আরো সাত আট গ্রাস। সেই বে'চে থাক है। स्थाव प्राप्ता তামার ভোগীয়া ঠাকমান শৈয়নের দিকের আলমারী খালে কা ফেন বের করতে গেছেন ঠাকুমা ঘাড় উজ **র্নোদকে তাকিয়ে** *ভিডে***জস করলেন**—ব্যৱট কী নিচ্ছ? ব্যাস, ঐ অবস্থায় তবি প্ৰ বেলিকারে লেজা। আমার। চেল্টামেটির জাজ দৌডে গিয়ে দেখি অক্ডত দুখা। খাত উত্তা

## आशतात श्रिय शर्ख काश्रफ़ व्यक्तित!

#### गार्त्स

## **हिरेत हो छा**व 🛞

ন্তমংকার সেরা সেরা কাপড়—পপলিন, দ্বিন্দা, গড়েক ইতারি — স্তারা লানে। মানবুত, আনেক টেকসই ও অপরুগ জিনিশের, বাতে আনেক গোলাইরের পরও নতুনের অভনাই লাগে এবং শ্রমিনও কো মুক্তর বাতে ৪



## **अ**तितिश

'টেরিন' কটন শাটিং মিশুতভাবে বোনা। ক্ষেত্রত কিনিব। নামারক্ষের মনোরম রঙে পাবেন।



#### शार्ख गायायद्ग्य

'টেরিম' মেশানো স্থাটিং স্বস্থা পুরুষ্টের জালামানিক। উল্লেখ সালা থেকে হাজা ও ক্লেখ পুলর বুসর বর্ণের রক্ষারিতে।



अञ्चलकातकः बाह्यता मिनन् दकाः निः, बाह्यताहे,



अवस्था व्यक्तित्र

ठाक्या वर वह दए काट्य जालमाविकास मिटक ्राष्ट्रम—একেবারে **क**ौरेण्ड अस्टब्स श्रहा त्यामा हाथ, त्करम हो-करा महत्त्व क्षा जीनास थाक किन्छ। त्नरच त्याचा बाह श्रेवमा त्व'रह रनदे। रनदे रचाना रहा व सम्ब करात आभारमद तथ कन्डे कंबरक स्टाहिन। যত্বার ব্জিরে দেওয়া হয় ততবারই আন্তেত পাতা थाल बाब, चाब সংস্ত চেংখের চাক্সা তাকিয়ে থাকেন।

\_আহা। স্ভবত कामन নাশ্বতীর। তার চোখ ছলছল করে।

- यदायद कथा है। की कार्त्स ? ठीकमा ল্বে যাওয়ার পর আমি জনেক তেবে সেখেছি ঠাকুমরে যে মরতে অভ সময় লেগেছিল তার একটা কারণ হচ্ছে ঐ বিষয় সংপতির প্রতি ভালবাসা। বি**ষয় সংপতির** পতি বেশী টাল डालवामा গ্ৰহ্মবা ভারতী হবা প্রদান করি না,-কিন্ত ত্ব বিষয়সম্পতির মতে। খারাপ জিনিকের প্রতি ঐ চালবাস-ও ঠাকুমার আয়, বাড়িয়ে লিকভিল। ভাহলে দেখান ভাল কিছা সং বিছার প্রতি ঘটি মানাবের ওরকম তীর ওল্য সা গায় আৰু ভাকে বক্ষা করা**র জনা** খনি মান্য সজাগে হায়ে ভাঠ ভাইলে ভার মধ্য বেছে যাথে না : শাুধা <mark>মায়া নয়, তার</mark> চেবের লাটি বেডে **যাবে, বাভবে প্রবণ**-ক্ষাতা, বেড়ে বাবে স্মৃতি সাজি কিংবা ভবিষয়ে বৃণিট। তথন আৰু পতিয়ান **যা** গৈছে না, যা শোলে না তার সর সে দেখতে বাশনেতে পাৰে। ভাই নাং

অনক্ষানি ঘাড় হেলাল শাশ্বতী, বলল - 350

ভারপর একটা ইতস্তত করে বলল-ত্তলে আপনি বলছেন, আপুন্র কথ্র মস্থেট। সেনে হাবে ২

মিলীমট করে একটা হাসল রামেন, বলল— মাপনার কী মানে হয়?

গঢ়ে প্রধন। শাধ্বতী এক উন্তর কালে না। ললিতের উম্জন্ত চোধ। ম্বধানা। সে ননশ্চক্ষে দেখাতে পার। মাতার মাখো-ন্থী একা একটা লোক। রাগাী। শুস্বতীকে কোর করে বিলিয়ে দেবার চেণ্টা <sup>করছে।</sup> প্থিনীয় সংগ্য সম্পর্ক চুকিয়ে িতে চয় छ। मृत्रां ना न्यारीक काराम- किन्दू मिर्गादक स्वीकात कत्राक एडेन सा. अध्यस অহংকারী! রুমেনের न्त्रत **भटन मः धश्र**मात **मिटक** क्रिय শাশ্বভার ঠোট முகந் क्रिंश बड़े। রদেনের প্রশ্নতার কোনো উত্তর দের না गाभाडी, किन्छु इठा९ न्यांमाठ शमास यहन-या भीन एक वीडिएक किन।

এই থানের মতের প্রকাণ্ড লোকটার সামনে केंग के रक्तरह अकार्य कम्बा करत मा आहरा है दि ।

রমেন একটা নিশ্বাস ফেলল।

क्षक काम हा मान्द्रम काकिता चाकिन। শাগবতী ভাতে হ একবার ঠোঁট ছাইয়ে বলল-অনেক উঠে শতল रवना द्वा

বাস্ত্রে আসে শাংবতী বলল—বাসনি धक्यो कथा कास्ट्रक बनादम मा

-की क्शा।

-वाशि स्टब कानवाति। ब्रायन याथा नाष्ट्रम--वनव ना।

বাস স্টাপের ভণ্ডি থেকে একটা আলগা দক্ষিল দ্বান। শাশ্বতী হাত দিয়ে রোদ থেকে ঢোখ আভাল করে মাখা উচ করে রুমেনকে দেখল। তারপর বলল-আপনি वतः ७८क वनायन।

-47 ?

শাংবতী লাজকে মুখ নামিয়ে বল্ল-বলবেন বে জামি একে ভালবাসি।

ভারপর একটা ইতসভত করে মানবতী বিৱস্ত 5.74 वनन-वामादक मीन छ ভালবাসে তাহলে হয়ত—আপনি বা বললেন সেরকম-ওর আয়ু বেড়ে যেতে পারে-

রমেন একটা ছেন্দে। মাধা নাডল—না। মেয়েদের ভালবাসা ভো সোজা। সে ভালবাসায় লাভ নেই। বরং ফেরেদের প্রতি चराधिक ভानवामा मान्यवत भर्या मृज्यक्षम करीशस्य सम्ब

--লেকী?

শাশতভাবে বলগ—আপান বে কোনো প্রেমের কবিতা পড়ে দেখবেন, কিংবা হোমর গম্প উপন্যাস, তাতে দেখবেন মাড়ার

कथा किन्द्र मा किन्द्र थाक्टवहै। बाता श्रिज-ট্রেম করে তাবের কথাবাতী শানে দেখবেন **छाता मृ बम्छा कथाद भरतहे अरक अनारक** ৰলছে—আমি বদি মরে বাই ভাহলে ভাষ কী করবে? মাতার চেতনা ছাডা কিছাতেই প্রেমকে মহং করা বার না। ওরকম প্রেমে कि व्यातः वार्षः ?

-छरव? कारक?

तरमरमद मर्थ छेखन्छ। अरम निरम्भिन, किन्छ त्म छेकाइन क्वल मा। 'नेन्यव' मन्नही **फेकातण कदााद धकते। विराग्य अध्य काउड्.** নইলে তা মানুষের মান তরণ্য তোলে না। বরং শানে মানাব হেসে ওঠে মাধ ফিরিয়ে নেয়। কিন্ত কথনো কখনো এক একটা বিশেষ সময় বখন মান্য জেললাইনের ঢকা জানতে বাডিরে থাকে রেলগাডির প্রতীকার. ষথন জলপাবনে ছেলে কোলে আত্রর খাজে विस्त्र, किरवा वधन-। छात्रे ब्राप्टन कथा यत्न ना। अक्षेत्र दादन माद।

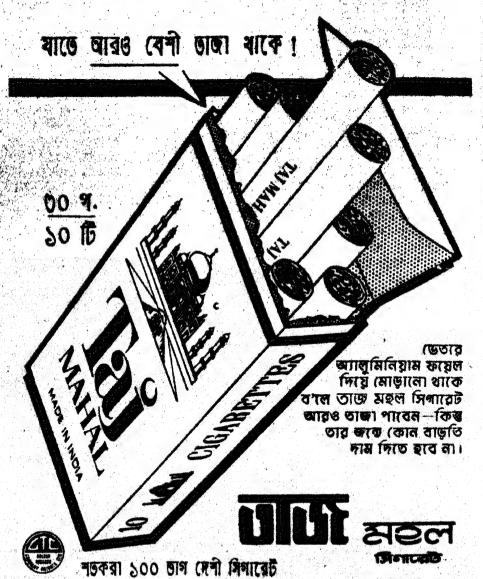
শাংবতী মূখ তলে র্মেনের উল্লেক ट्यांच मृज्यामा ट्रम्थन। श्र्वांच किट्कम করল—আপনার কখনো চোবের অসুৰ वयति ?

-ना। करण भाषा नाएन तकन, जातभा একটা চুপ করে থেকে দুন্টা ছেলের মতো হেসে বলল-কিন্তু একবার আমি অব্ হয়ে গিয়েছিলাম, কয়েক মুহুতের জনা... কিন্তু ঐ আপনার বাস এসে গোল।

क्रम्य



# क्रायल हिए। स्मार्काता



लात्क्रम हो।वार्त्मा त्याः वाहरको निमित्तक, वाहाहे-०० मिकाबरकम आहे अमरवस मुख्यम साक्षित क्रिय

क जिल्लान यामारतक अवसी बन्द्र वह निवा र तत जा निका देखा स्थानक विकासक श्रद्धमा ना कड़ा। स बद्धम स्त्री जीक जाशादन शहर ग्राम स्माम समित जाना श्यित इश:- अमवक स्ट्री- अक स्ट्रांस देखी अवद्या कानाम्य शासा किया नारात भारत वात हा शोत्रातानकान न्यान करिकाद काड বসেছে। অতএব কোনটার কি ছবো ভা তে श्यित कत्रत्व ? जामाच मध्य कत्र म्हणामस्पत मिक शका द्वारण अध्यान बहुता हुन विवस्त ঘটৰে তাৰ বিবিধ বিশ্বাস্থ পৰিচয় প্ৰাক্তা प्रकार। अ स्टान कावामध्योक अ स्टान ग्राम मध्योत व ब्राम्य व्यापनम्मीड-त अव विकास त्व शामानाचा प्रीकृष दराव कविकारक स्मिटेश्टिमारे करण देखिएएनस क्रमानात । क्रमंद शाल्यत : व्यामका दक्षमन स्टा দিই না ভাবি এসৰ লেখা আনাড়িমের জন্য -शत्स वीम स्मादक विषय स्मादक । এসব বই এব তেম্ব সমালোচনা কা জালো-क्ता कानपेडि रह मा<del>- कम द्वारिक जनहे स्थार</del> यात। अहे कातान जन्मीएकत छोक म है यह আমাদের দেশে উ'চদরের নর : ঠিক ভেমনি, সমসাময়িক সংগীতশিক্ষী বা সাভিকারদের कीवन काश्नि, या शत शतिकाश मारव मारव প্রকাশিত হয়, ভার বিশেষ গরেছ আমরা দিই না, বোধ হয় এই সব পরিচিতির মূল্য বিজ্ঞাপনের চেরে বেশী ময়। অথচ এমন একটা সময় আসতে পরে যখন এ'দের মধ্যে করুর कीरनी या श रुपात कथा कानवात श्रासकन খ্ব বেশী হতে পারে। যা আমরা নিতা চোখের ওপর দেখাছ তা এত স্পত্ট এবং প্রতাক বে তা নিয়ে লেখবার প্রয়োজনীয়তা আমরা বোধ করি না, আর লেখা হলেও তাক অতি সাধারণ বলে ভারজা করি। এই দ্দিট হতেছ সাধারণ দৃদিট কিম্ছু আনার মনে হয় বারা সংগতি সম্বন্ধে চিল্টা করেন তাদের আরও দ্রদ্ধি সম্প্র হওয়া शाक्ता.

বিবর্তন বস্তুটা প্রতিনিরতই ঘটে চলেছে
কিন্তু তাকে আমরা তেমন করে বোধ কর:ত
পার না। হঠাং এক সময় বটনারতা তান্ত্রক
করি নিতাকারের প্রতাক বিবরে কখন একটা
পরিবর্তন ঘটে বেছে এবং লে পরিবর্তন বড়
কম নর। তখনই আমাদের মনে এংস্ক্রে
ভাগে, তান্ত্রিকারের জালে কেমন করে এই
পরিবর্তন ঘটল। তখনই আমারা এই
জাবশাকতা বোধ করি যে একটা বারাখাহিক
বিবরণ বা ইডিছালে প্রকৃত্র কাল হত বা
আলানের অনুমানের পরিপ্রকৃত্রত হতে পারত।
গত করক বংসারে স্থিতিভাকরের মধ্যে
কানেতে আভাকাহিনী, ক্যুতিকারা বা তানের
সম্সামরিক বিবিধা বিবরণ প্রকাশ করেছেন।
এই বব রচনার মুব্যা অস্যামন্ট্য কারণ



नाम एउ

সাহিত্যে বিবস্তান সম্বাদ্ধ বাঁৱা অনুসম্বাদ कतरका फोराब और जब रक्षण रहणराउँ हाउ এবং ভাই থেকেই অপ্রদাত্তর ম্ল্যারণ করতে राव। वहे बस्टान सम्मादक स्था काना नाम न्य कान क्याम वह निक स्थाप कर श्चाहक वारकः। अक्कम जाजीकांप्रेष সাহিত্যিত কথা তাত কাতিনা লিখতে কলেন তখন তার লেখার মাহিতের সংগ্র সমার্থ বা क्रमान श्रीकाराहास वट किए। श्रीक-ফলিত হয়। বর্তমানে অভিনয় জগতের टबर्ड टक्डे जाचकाहिमी दक्ष्मा कंदारहम। क्रांतिहरू य क्वांत जीकन्द्राय क्यारी বিবাত হরেছে এমন নয় সমগ্র নাটা সমাজের কাহিনীই বিবৃত হয়েছে। এইভাবেই সাস্যাতিক বিষয়ৰ বড় একটা লেখা হয়নি, কিল্ড লেখা হলেই ভাল হত, সংগতি क्रमार्ड्ड वह, विवयं मार्डे मेर रमका स्परक भावता त्वल ।

গত ব্ৰেখ্য প্ৰবিতী হাগের সংগতি সন্মেলনের সংপা স্বাধীনভার পরবভী বংগের সংগতি সম্মেলনের 'পার্যকোর কথাই ধরা বাক। এ পাৰ্থকা বভ কম নৱ। মাত্ৰ দ্-এক দশকের ব্যবধান অধাচ গারন ও বাদন পশ্তিতে কী বিরাট পরিবত ন হরেছে। এন্থেটিকের বিচার আলাদা কিন্তু পরিবর্তন व रक्ष: इ को जन्दीकात कता यात्र ना अदर এটাও সভা বে এই পরিবর্তন বিবর্তনগভ। এই বিবর্তনিটা আমরা প্রভাক্ত দেখেছি বলে বহু প্রশ্ন আমাদের মনে উদয় হয় না কিল্ড যদি কেউ তিরিশ বছরের ব্যবধানে নতন করে क्रको मत्मनत्न रहार क्रांस महारून राहरन প্ৰথম শ্ৰেণীৰ কোনও অনুষ্ঠানে তিনি বিক্ষয়কর পরিবর্তন পর্যবেক্ষণ করতেন এটা ठिकरे। এই मुधि बर्गाव अक्छा याजायारिक ইতিহাস রচনা করা আজ বিশেষ প্রয়োজন। ভবিষাতে সংগতি সংবংশ গবেষণা বখন অন্তৰ অনেক ব্যাণিত লাভ করবে তখন এই ধারাবাহিক রচনা পাওয়া যায় না বলে व्यानकाक व्याकालान कहार हार। मान्यमानह ইতিহাস মানেই সান্দীতিক বিৰতনের ই ভিচাল।

প্রচলিত কাব্যস্থাতির কে চত এইরকুমই একটা বিষয়ে পরিবর্তন ঘটেছে। এইখানেও আমি এপেটিয়ের প্রথম ফুলছি না, কিন্তু কাৰাসপৰীকে যে মানটোৰত সৈতে সলো पाएमानन पढ़िएए-क्यो एक कन्यीनाह कर्मगढ केलाव एक्ट । य नमाव एकट शासकता बरुदे शाक्य मा एका, शाम स्टाइक स्टब स्टाइक बना कारक का गामक एका बाई। वस महता व्यत्मक गाम ब्रह्मासीनिक स्टब्स । मन्त्रीरखर ইতিহালে এই পিরিয়াছের ম্বো কছবানি নে विकृतिक विकास श्री कार्य विश्वविकास जरका महनात "किम में हता" माने क्षीयर बार्य क्यारक शास क्रिक क्रमान মানদশ্ভকে বারা প্রশার চোবে সেপে ভারা निवार्गात विद्यारे व बार्ग्य मण्डीरका विहास करायन । अ गाला शासक शासका वीक्रिकार गातकार-जोशा योग निरक्षणंत व्यक्तिकार्याव विवयम शामान करता अवह काल सामान RAILER AS RISCON CAME FOR PARTY घटनरको करक्की विकास बालको अस्ट Grant land and the water water i - इत्रांश वर देशा प्रांतक स्थानक स्थान किन्यु अवने 200नीटक जन्मीकेट कर्या कामकामरे दाविका हात सा। **परिवा**स এ যুগের কাবাসপাতি নিজ্ঞ আলোকা हर्रे अवर एक्नकार समाव निक्रमाना বিবরণী থাকা সরকার।

সংগতি সম্পন্ধে নানা আলোচনাই বুনিসেই একই ভাললাগা আর মন্দ লাগার কথা,
সেই করেকজন প্রখ্যাত স্বকারকে নিরেই
আলোচনাকে সীমাবদ্ধ রাখা। কিন্তু সমাজভাগে
সম্পতিকে বিচার, তাকে বাজিগত বুলির
উন্নে তুলে বরার চেন্টা খুর করই দেখলে
পাই। আমার মনে হর আল সেই সমার
এসেছে বখন এই সম্কীন বুলিইকে পরিহার
করতে হবে, একটা বিরাট প্রশাসাকি কংলার
করতে হবে বা সব প্রচেন্টার ম্ল্যারলে কংলার
হয় নতুবা সংগতি সাহিত্যা কেবল ক্রিড়ি
নিন্দা এই স্ট্টি বন্তু থাকবে, নিরাসন্ত পর্যবেক্ষণ নিরে স্পাতিতর ইতিহাস সংগতিত
হবে না !



## শ্রীতারাপদ চক্রবর্তী সঙ্গীতাচার্য

শিপরা মিলন কী আল"—বোগিরা রাগের বেদনা বিধার সারের মার্কানা মাধ্যের শেব রাতের জনহান রাজপথে ছড়িরে পড়েছিল সেগির। রাজপথে ছড়িরে পড়েছিল গৈছিল সদালখ শিকারকে থানার নিরে বাবার সংকলপ। রাজপথে শারে থাকার অপরাধে ব্ত কিশোরকে মারি দিয়ে গেল সে গানে মুম্ম হরে। বিহারের কোন অথাত গ্রামের সেগাইটি বোধ হয় সেদিন প্রথম শ্রীকৃতি দিয়েছিল আগামী ব্রের এক অসাধারণ সক্ষীত প্রতিভাকে।

করিদপরে পশিচমপাড়া গ্রামের ছেলেটি

মর ছেড়ে উথাও হয়েছিল কিসের এক তার

আকর্ষণে। সংগতি আর কাব্য-ব্যাহ্মরণে ছিল

ভার জন্মগত উত্তর্রাধিকার। কিন্তু তব্

গ্রামের সেই ছোট পরিবেশে তার মন ভরল

না সে পেতে চাইল সময়ের ক্রাদ।

অক্লে ডেসে গড়া সেই ছেলেটির প্রকৃত
সংগতি জীবন শ্রু হল কলকাতার আসবার
পর। নিঃসহার কপদ কহান হরে মহানগরীর
পথ পথে ঘুরে কেটেছে কতকাল; চরম
হতাশা আর লারিপ্রের মধ্যে শুধু দেখা
দিরেছে কণিকের সৌভাগ্য। মিলেছে আশ্রর,
—মিলেছে শিক্ষক। এরই মাঝে কিছুদিন
সে যুগের বিখ্যাত সংগতিবিদ সাতকড়ি
মালাকারের কাছে তালিম পেল তারপর পড়ল
ছেদ, এলো আবার সেই অধ্বার। কিন্তু
ভব্ এই অনিশ্চরতার মধ্যেও উৎসাহে ভাটা
পড়ল না ভার। নভুন করে চলল আশ্রর



ভাৰাপদ চক্ৰভা

সংধান আর সেই সংগ্য সুর সাধনা। বিচিত্র সে সাধনা আর বিচিত্র সে সাধন। তার কাছে একটি তানপ্রা প্রশিত সে সমগ্র স্বংশনর ছিল। অদমা উৎসাহ, অসাধারণ শক্তি আর অপ্র কণ্ঠ, এই ছিল তার সে জাবনের পাথেয়। অবশেষে একদিন কাছ জা্টল কলকাতা বেতার কেশের, তবলাবাদকের। গ্রাসাজ্যানর সমস্যা মিটল, এবার তাই নতুন উদ্যুদ্দের সমস্যা মিটল, এবার তাই নতুন উদ্যুদ্দের হল সংগতি সাধনা সবার অলক্ষো। বিধাতার কুপার এরই মধ্যে ঘটল এক অন্তৃত্ব বোগাবোগ। বেতারে সেদিন অন্ন্টান ছিল স্বর্গতি জ্ঞানেন্দ্রপ্রসাদ গোস্বামানীর। কিন্তু নির্দিষ্ট সময় দেখা গেল শিক্ষণী অন্ন্প্রিপত। বিরক্ত বেতার অধিক্রতা নিত্যত

অননো পার হরে ভাকলেন তবলা বাজিরে ছেলেটিকে। শোলা ছিল ছেলেটি নাকি একট্, আঘট, গাইতেও পারে। জিজাসা করলেন তাকে বে একট্, কিছ, গোরে নির্মাণিরত সময়ট্র ভরে দিতে পারে কিনা। গাইল সে আর তার ফল হল অভাবিত। সারা বাংলার রসজ্ঞ লোভ্যাতকে। বাংলা তথা ভারতের সংগীত ইভিছাসে সংবাজিত একটি নতন নাম—ভারাপদ চক্রবর্তী।

এর পর চলে নির্মাত সংগতি পরিবেশন আর সেই সংগ্রে কঠোর সাধনা। কমলা বিমুখ রইলেন কিন্তু কুপা করলেন বাগুদেবী। বহু আকাৎকার পর প্রকৃত গরের সংধান মিলল এতদিনে। নিজের ভাশ্ডার উজাভ করে পিচ শিষ্টক দিলেন গ্রে গিরিকাশুক্র চক্রবর্তী। সে যুগে উচ্চাপা সংগীতের তথা বললেই মনে আস্ত উত্তর ভারতের কথা। नत्कारे, अनाशायाम, रवनाइन किन नलारिजय কেন্দ্র। বাংলার নিজন্ব যে ঘরাণা ছিল তা প্রধানত প্রাপদের। যথেগর পরিবর্তনের সংগ্র সপো তথন থেয়াল, ঠাংরীর প্রাধান্য এসেছে হিন্দ্রশ্বানী সংগীতে। ধ্র্পদের গাভীর্যকে ভাসিরে নিয়ে গেছে খেরাল ঠংরীর সর্লোলত মাধ্যর। হিন্দ্রশোনী গারকেরা তথন সংগতি জগতের শিরোমণি, বাংলার ভামিক। সেখানে গোণ। তাই দ্বভারতই সঞ্গীতের ছাড্পত পাবার জনা বাগ্যালী শিল্পীকে যেতে হত লক্ষ্মো বেনারস, স্কেন্ডে হাত প্রয়াল সংগতি সম্মেলনে। হয়ত এই অবস্থা ব্যথিত করেছিল আচার্য গিরিক্ত শংকরকে। বাাকল হয়ে তাই তিনি 🗨 জছিলেন এমন একটি প্রতিভাকে যে সর্বভারতীয় সংগীতের দরবারে বাংলাকে আপন মৰাদার প্রতিষ্ঠিত করতে



लकी निसाय र डिम किकारा क

পারবে। গ্রের সে আশা ব্যা হয়নি। বাংলার বাইরে সারা ভারতে আজ তারাপদ চরবতা একটি নাম। আর প্রচার, প্রসার মান এবং বিচারে সংগতিত্ব পঠিম্থান বলে বাহিতি পেরেছে বাংলা দেশ।

নিগুল স্থিত মূল কথা হল সীমার মাঝে অসীমের আবাহন। ভারতীর সংগীতে রাগ আব তালের বংধনের মধো থেকেও নিগুলী আরাধনা করেন এই অসীমের, উপসন্ধি করেন তাকে। ধ্যানের মণনাতার মধ্যে দিয়েই আনে এই ভারব্পের উপলব্ধি।

সংগতিচার তারাপদ চন্ধবর্তীর গানের মূল উপজীবা হল এই ভাব। স্বেরর বিশ্তার তার কাছে এক আশ্চর্য সাধনা। সাতটি শ্বর তার কঠে বেন সাডটি দীল হরে জরলে ওঠে আর সেই দীপের আলোর ভাশ্বর হরে ওঠে স্নেরের শাশ্বত রূপ। শিশ্পীর সংগতােত পশ্ব পার সেই অতিশিক্তরের বাকে ধরা বার না, ছোঁরা বার না, বে শ্বেত্বর।

দীর্য করেক দশক ধরে বাংলার আকাশে বাতাসে ছড়ির পড়েছে এই স্বরের ইন্দ্রজার । বাংলা তথা সমগ্র ভারতের সংগতিশিপাস্তা ছণ্ড হরেছেন সংগতিচাবের গানে। তার সমগ্র এনে বংলার নবনি নিল্পীর। তথেগ পেরেছে সাধনার। নিজের সন্তর থেকে করপণ হাতে বিনা।লান করেছেন তিনি। আচাবের কাছে শিবেন্ন স্বাগ্র বড় যোগাতা হার একাগ্রতার, তাই আগ্রেক লাভ কতির ইন্দা কথনাও বড় হয়ে ওঠে নি তাঁর কাছে।

ত্রতলে জা খাতির এই শিলপীর সংগ্পা এলে সম্ভানের সপো মনে উল্লেক হব কিছাটা বিদ্যালয়। নিজের যশ এবং প্রতিভা বিশেষকাণ নিস্পৃত্ত শাণত এই নারেটির চোখের কোপে মাহত্তের জনো নার নের আগানের কথা।

াবালা ভাষায় উচ্চাপা সপাতি কেন হবে না বাধানী সিদপী কেন বথাবোগ্য মহান পাৰে না বাংলারই সপাতিত্ব আসরে —এনে করে নিজেনের আর কত অপমান ব্যব আমনা এই একটি প্রান্ধান্তার হরে ধ্র ব্যাসভাষী মানুষ্টির কঠে।

প্রতিবাদ, ভাই ড' করে চলেছি বাকী
জীবন ধরে। বেখানে কেবলমান বাগ্যালী
হবার অপরাধে মর্থাদা খোলাতে হবে,
সেখানে বাবার দ্রুণীগা আমার বেন ক্থনেও
না হয়।—এই হল শিক্ষাীর সংক্ষা

শিংপী হিসাবে ক্ষমভূমির সেবা তিনি করে চলেকেন লীঅদিল ধরে। বাংলাল লগগীত স্থির ক্ষেত্রে সজির অংশ নিরেকেন তিনি বৌননাল থেকে। তার বাংলা গামে রাগ-স্থাতির ঐতবর্ষের সংগ্যা সমন্বর ঘটেছে বাং, সংগাতের রসমাধ্যের আর তা রুপা পেরেকে তারিই রচিত বাংলা গাঁতি কবিতার মাধানে। এখ নে তিনি সফল স্বল্ডী, গায়ক ও গ্ৰীডিকাৰ।

পরিপত তাঁর ছাঁবনের সাধাকতার নিকটা।
স্পান্ট হরে চোধে পছে। কিস্তু সকলতার
শিশরে পোঁছতে কি অপনিসাম মূল্য তাকে
দিতে হরেছে দেউকু না জানলে সম্পান্তাচার্যকে সম্প্রাক্তিন কার্যনার মধ্যে দিরে এই

পরিপ্রতা এসেতে তা হরত সরস্করিব সাধারণ মান্বের গৃড়ি এড়িরে বাবে। কিন্দু আলা করতে দের নেই বে, ভবিষতে কালের সংগীত-ইতিহাসকার সেই স্মন্ত কাহিনী সবছে আহরণ করে ভূলে রেখে দেবেন উত্তর কালের সংলামী শিল্পীদের প্রেরণার জন্য।

রেখা বড়ুরা কলিকাতা-৪৫

প্ৰকাশিত হলো

न्यारमास्थन स्थात्वह

# नकभानवािष् ४.००

কুবক বিচ্যোহর পটভূমিকার লেখা রস্তান্ত কাহিনী।

थि. अनुकारनन

# न्रयार्जाबद्याधी १.००

প্ৰকৃতকাৰীয়া সমগ্ৰুৱ হনে বন্ধে আৰু বাসা বেকৈছে। তদ্ৰদাৰ অসংখ্য ঘটনা এই গ্ৰনে বলা হরেছে।

दबम्हिन - ध्रव

# পিকিং থেকে বলছি ১০.০০

চীনের নহান নেতা মাও সেতুং-এর চিভাষারার গণজামরণ এবং সাংস্কৃতিক বিশ্ববের স্পৌর্য জাহিনী।

रेमरमम रम-व

# ফাঁসি মণ্ড থেকে ৬০০

্ব্যাধীনতা সংগ্ৰমে বাঁরা শহীৰ হরেছিলেন জীবনের জর্গনে সেরে তাঁলেরই অক্ষিত সাঁচর কাহিনী।

তারাশঞ্কর বন্দ্যোপাধ্যার		<b>উ</b> ख्यभ्रद्
<b>अरानगरी</b>	4.00	न्दर्भ स्थलना ७.००
আশাপ্রণ দেবী		नामन गर्छ
দ্বিতীয় অধ্যায়	0.00	ভাষার আলো ৪٠০০
বাজীরাও সেন		জরাসন্ধ
जन, निरुष	0.00	निमका ७.०० बानम्बना २.६०
<b>८</b> अटमन्त्र भित		न्धारणद्वक्षम स्थाय
क्रात्वत नाम कुमांड	8.00	রাগৰভী ৮-০০
অবধ্ত		रवम् हेन
द्वादबद्ध दशाय, नि	20.00	মন্ত্রীপতন ৮-০০
অনাহত আহ্বতি	6.00	बाका कात दनदे ४.००
	नीशका	।न गर्ष

স্মেশিক্স ৬·০০ কোমল গাম্বার ৮·০০ উবসী ৬·০০ নিশিক্ষ ৬·০০ কভিন, সঙ্গ তব ৬·০০ দরবারী ৩·৫০ চন্দ্ৰমালা ৪·০০ নটিনী ৩·০০ বুম ভাঙার রাভ ৩**·০০** 

ভূমি - বন্ধ ১ ১, কলেক রো, কলকাতা-১

ফোন : ৩৪-৮১৮০

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভঙয়ার্ডস'এর বাণী

वानवात वाकारक मुद्र वात मुनी तार्थ

# **উ**ডও ग्रार्डम

প্রাইপ ওয়াটার

বংশপ্রেক্সমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মারের। উভওয়ার্ডস প্রাইপ ওয়াটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের। পেটব্যথা, অমতা, পেট কাঁপা আর দাত ওঠার কর্ত্তে উভওয়ার্ডস্ মূত্তত্তি আরাম দেয়।



ALMA

# 2 appe

### বাঙ্গা ইণ্ডিয়ানদের মেরে

व नाम हीन। आमादनक केकावरन 🖁 হান বেরকম সেরকম নর। হান-ম। शास रक्ष थाकी। द्वारामात्रात्व वस्त्र, त्यान. সেছ এইভাবে ডাকা বোধ হয় পাৰিবীয় বহ, জারগার আছে। নেপালীদের মধ্যে হনে शक्तक एकठी प्राटेकी हेडाएंक नाम। काकी দো পাইই শোনেন। মানে কনিষ্ঠা। হীন-एवं जिन छारेखालन मध्या एम्या राजा। होत हाता सार्य। हाता व सारवात बारम এ বৰম সেজ মেজ কিছা হবে। জামি গ্ৰালয়ে ফেলেছি। ওয়া জনেক ভাটি ভাই-বেন। এসেছে জাসরে নাচতে। ওলের वावः हवगी किन्द्रः करतन ना । छाहे वाहनता. নেচে গোরে গ্রীকেয়র সময় বেশ ভাল পরসা বামার। যা ঠাকুমা খেটে খটে সংসার চালান रशकेश कि।

হাঁনর রেড ইণিডর ন । এখন সম্প্রত প্রতানিরে মার্কিন মান্ত্রে আত্তরেক অপ্রেং আদির আনেরিকাবাসীকেও আর বড় রেড অংখ্যা দিতে শোলত বার না । হারা এখন আনেরিকান ইণিডরান অথবা সংক্রেপে অমেরিণ্ডিবান।

সারা দ্রনিয়া এখন মার্কিন দেশের কালো মন্বের জনা কে'নে অপ্নির অথচ বেডারা অদি আমেরিকাবাসীর দল হয় সম্পূর্ণ न. "उ र'ता बाला न एका बाकि तित बात्य. নর তারা দারে লাংখে দারিলো মাথ বাজে দিন কাটাছে। ভারা প্রায় প্রভিকের रण्डेतात भवारत भरक खारक। काम्ड्य । धाम्म धक्काता समा क्रिया এসকিয়ো থেকে নিবে দক্ষিণ আমেরিকার সীমানত প্রাণ্ড প্রান্ত একট্ট ভাতীর লোক কলাবাস আমেরিকা আসবার আগুণ কাৰিপতা করেছে। আৰিপ্তের সংযোগ रित ना, मान्यका किल ना, किल मा काश्रामिक मछाठात करनक किए, एव, धरा दिन धामरमात्र बाक्सा। छादै एका मानि ठाउँ। करव वना एक कार्रमा जान-बटक बीम आर्किन धर्मामात जनकी ना एमकशा इस उटन जामात्रक हा शाना मन्। जानाक एका जानाकक धार्यर योष्ट अन्धानिन खार्यात आश्रम् । अक টেলিভিশন প্রোপ্তমে ছিল রেড ইন্ডিয়ান विकरमहरू महना मान्यावकातः। मान्यावकाती भाकिन जाएंडव ज्वानक स्थानित स्वत्स्म Welcome to the studios, care



अरमना उद्यक्त कामरण भागक ना Shiming feather

ইণ্ডিয়ান বৈদ্য মণাই হেসে উঠলেন—

"Welcome to my country," এরক্ষ
বহু গণণ আছে। ' কলন্দাস আমেরিকা
তাবিন্দার করেন এ কথার আমেরিণিজনান
বলেন সে কি? একটা দেশ আছে। সেখানে
মান্রজন বসবাস করে। বেছেতু এক
শেবতকার ইউরোপার একসিন প্রথম সেখানে
গোছেলেন তাতেই তিনি সে দেশ
আবিক্রেক? সেই যে এক ইণ্ডিয়ান
কুমারী নাম পোকো হাণ্টাস, এক ইংরেজ
সাহেবকে রেড সদাকের কোপ থেকে বঁচার
আর ইংরেজ তাকে বিরে করে ইংলণ্ড নিরে
বার সে মেরে কি তবে ইংলণ্ড আবিন্দার
করে? সেই তো প্রথম রেড ইণ্ডিয়ান
ইংলেড পদাপাণ করেছিল।

রেড ইন্ডিরানরা করে কিকাবে এদেলে বসবাস আরম্ভ করে তা নিরে অনেক মৃত আছে। কেউ বা বলেন দশ এমন কি বিদ হালার বছর আগে মধা এগিলার মালভূমি रक्ष एक गाविद्य केटलेकिन। त्यावि अवस्थित মান্ত্ৰ ভাই এগিতে চললো। চলতে চলতে বর্ষে জন্ম আলাকার সংগ্র সংকর সাইবেবিয়ার বে ভখডাটক ছিল ভাই বরে পেণছৈছিল ভারা আমেরিকার। কেউ বা दानन वादाः वाधात्महे हिद्दिनन विद्यानन। रक्छे राजन स्तोका फुरिएक निस्त अस्तिकन একদল মানাবক। দক্ষিণ আমেরিকার रकाम रकाम व्यागियानीत्मव जरुन साकि মিশবের পরেতন যাগের মিল পাওমা গেছে। আমানের সাংগ মেকসিকো ও তার কাছাকাছি অভটেক, মারা ইত্যাদি সভাতার সাবুশা चारक राज प्रधननाम नास अक सामक চয়ক লাগানো একখনা বট লিবে প্ৰচাৰ করতে চেয়েছিলেন বে কোলকলে ভারত-गर्वा मरणा अस्तरमञ्ज स्वाच प्रजिन्त। त्र कथा अवना छः ज्ञानीक इत्होनाशास माक्क क्टब मिर्द्यक्रम ।

আদি আমেরিকান বেখান খেকেই একে

कानक शकः द्वाविश मर २०४०४० कानक शकः द्वाविश मर २०४०४० काम गृह्या, जिल्ल भारता वार्था, व्याप्त गृह्या, जिल्ल भारता वार्था, व्याप्त काने क्रम्ब वर्ग मार्थान, नृक्वाला, प्रमाशि, शास्त्राव वार्था के कामि द्वारम विराग करायायः विकास प्रमुख (स्वतः) आउं कामि व सेना, ५ दनेते क्रिक्त प्रमुख मार्थ नाईनक्रम् नृष्ट



बीनता नाक्टब-टमरमन मरणत न.कः

क्ष्मण काष्ट्री ककी। ST. তিব্বত বিদেৱ ভটিয়া. এম্ম কি त्म भारत 270 317461 দেখডিলার। <del>হ</del>ীনবা জাব করেকটি ভেলেমেরে ब्रिहेल (6)(5 ছলেছে। নাচের সার পায়ের কাছ সব ভটিকাদের মত। নাচের আসল ছোল ছাল সব ছেলেদের আর ফেরেরা নাচে তাদের পিছনে। নৃত্যপূচ্ নতকি হা বচনা করবে ভারই শেষের রেশ মেরেদের হাতে। ছোট কিংত **रक** रहारबरग्रहमस कार्डे । THERE মেয়েদের পোশাকে বেশ বাছার! कील त्य পে শাক পরেছে তা দেখতে অনেকটা আমানের পাহাড়ী এলাকা, লাদাখ, ডিব্ৰত ধা সিক্ষিয়ের মেরেদের পোশাকের মত। পোশাকের গারে রক্ষারি প'্তির নক্ষা। নক লা কিন্ত পোশাকের গারে ফ.ল ভোলা মর। কাঁচের ছোট্ট পার্ছি পার্ছি দিয়ে ন্ন,ভাবে গাঁখা নকাশা আলাদা তৈরি করা। ভাষপৰ পোশাকের গায়ে থোলানো। হীনর ঠাকমা নাকি এ কাজে অসাধারণ গিলপী।

হুনিরা বেখানে নাচছিল ভার পালেই रक्ष हे प्रहास अक Trading Post এককালে তাদের সাদা মান্থের সংখ্য বেচা ट्रंकनाम धकि करत शांधि शक्राणा। खता আনতো জীবজনতুর fur, তামাক, বাংশর ৰাছি, বেতের ছপছি। বিনিষ্ঠে নিয়ে ষেটো লোহার হাতিয়ার, মদের বৈতেল আর वलाक। Sir Walter Raleigh अध्य এদের কাছ থেকে তামাক নিরে বান। এরও প্রথম চম্কে স্রার পেয়ালায় দিয়ে তার নাম free fire water | a trading post পর্যটকের পরেট হাতভাবার বাবস্থা है किहे कि বই আর কিছ: 1 31 ভার ধন্ক, পাতির সলা, পালাকর यनी শিরোভ্রণ শথের খেয়ালে भागत्व निर्म बाम । Trading post म्बानाता কর্ম কর্ম একটি কেয়ে। নাম তার একলে।
এথেল ইংরাজনী নাম। মেয়ে প্রের্ সকলেরই
একটি করে ইংরাজনী নাম জার একটি করে
বজাতীয় নাম রাখার চলন। এথেলের
সকলাতীয় নামের মানে Shining feather।
আদ্বর্য, এরা প্রজাতীয় নামটিও ইংর জনী
অন্যানে বলে! আমেরিকার Wisconsin
প্রকাশের যে শহরে আমেরা এই উংসব
দেখছিলাম সেই শহরে আমেরিলিড্যানদের
এক ম্থপাত্র থকেন তাকৈ স্বাই জানে
Little Eagle নামে! তার নিজের নামের
মানে তাই। Little Eagle শিক্ষিত
মান্র। আইন বাবসায়ী। আমেরিলিড্যানদের
এককলে যা অধিকার ছিল তাই নিজে



अक्षि जादमाति क्यान विशि-कान

মামল: চাবান। কৈতে নিজের নামটি ইবাছ

এথেলের পোশাক্ত হীনর মত বাহাক।। শ-তির বদলে কভি দিয়ে সাজানো দাব अच्छा। शीनरम्ब नार्ष्ठ रमधान शायास ६८१४ क्रकीं करत Boud दा रंगांक शांवे। क्रायानव সে ব্যাপারে একট আশ্বনিকতা এসেছ। विवटनंद्र यम्हन स्थाणे कर्फ मिर्म स्थाना इस मामनात्ना। कटणीत धक व्याम वटल व्याप মাথে সামানা প্রসাধনের চিত লক্ষ করলায়। क्षरेत्रक्षमी स्मिट्ट। अन्त्रे स्वकारक प्राप्त গোলাপী। নহতে কৃতিম প্রসাধনীর নীলাভর ছায়। এথেল। নাকৈ কিছাদিন ব্যু শুলুব প্ৰসাধনীৰ : দেকানে কাজ ক্ৰেডিল ভা এ সতকতি। প্রসাধনীতে বিশহস কর কর ভবজাতীয় মোয়র। আনেকেই বিশ্বাস করে না বিশ্ত প্রকাটিত গোলাগের গান কলেছ B TYP জনৈক দেয়ের। এগেল বল্ডির Trading post\_s gen or the ore আনস তথন তেবেছিল **উপার্জনের পাথর মত এও এক পথ।** তার শ্বশারের কারিবারিক ক্রসা এট**া** এখন আদিম আমেরিকান অংশাং তার সংহাতি সম্বাধে ভার এক জনভার সাম্যালা লক্ষ্য **এমন করে দলিত হ**তে কেন তার কল कार्देशके ? एकसङ्घाता द्वारा क्षरत ऋषा दावारवार ভাৰে কৃষ্ণির প্রতিটি চিফ্রণন তাকে মমতার ভাবে তালেছে। এথেনেও সংখাতি ভিষেৎনাম যাদেধ নি য় লিখেছিল। এখন সে **ছাড়া কোনেছে। ম**াজিল আন্তেদ দ্যালের বিদ মারে ফিরে বেডানর পরিকাপনা করেছ। তার माकार रक्टरा याद्य काट्मत विद्वारत সভাতার সমাক সাধনায়। জানি না কংটা তার কলপনাবিকাস কিন্ত কথাত ছিল বাপ্ট দরদ। **জাজটেক, হায়া** ইভাগি বাগেও বা আমে বিশ্বিষ্টাল সভাদা কেল উল্লেখ ছিল একদিন। ১৮৩৮ খ্ৰীজ্যালেদ যে চেয়েকী ই বিভয়ানদেৱ ខែនៅ មែលទេខ March & रहेरन क्रेक क्रावशाह करहा दहा হার্যাছল তাদের সম্বদেধ এক দেবতকার বে<sup>থ্</sup> मि शासन

The cherokees were civilized Indians; perhaps more civilized than their White pioneer neighbours—চেরোকীরা ছিল সংসতা ইণ্ডিরান, সম্ভবে ভারা ভাবের শেবতকার প্রথম আমেরিকার আগস্তুকের চেরে বেশী সভা ছিল।

রাণা ইণ্ডিরামরাও কিন্তু নারীর কংগ গৃহ এই চিরকাল মনে করেছে। ওরে উপকথার প্রথম নারীর বিশ্ব স্থাতকতার গুল্প আছে। স্থিতীর আদিতে এক পরে, ও ও এক নারী ছিল। নারী কোনে কলগেন সকলে না হলে তাদের সংসারে সাহাধা করবে কে? পরেষ বললেন তবে দুটি ছেলে হবে। মেয়ের চেয়ে তারা কাজে লাগবে বেশী ভাই কুলো। দুই ছেলে আর মা মাঠে কাজ

क्रांत चार राचा करकम क्या क्रम्यू क्रिकार। हात गूरि तक करत वा दक्त रताक हक बाब চলে যান কিছ,কাণের জনা। একসিন ভারা मात शिक्षा शिक्षम शिक्ष दशकाला मण्ड गाइ। कारमंत्र मा ज्याप का दमरन गाक स्थरक বেড়িরে আলে বিশাল সাপ টেমে সেই সাপ क्रत यह अकृषि त्यवकाल न्यान । कार्यक মারের পরম অন্তরপাতা এই লোকটির मत्था। छात्रा छात्मत्र वावादक वटना दलता क्षणान स्थातके कविन्यारमञ्जू गुजू । दावना সদাব্যাও নাকি বলতেন নারীকে বিখ্যাস-तिव तिव ह। छेमादतम कि अक्छो ? आह श्रीकोर जामिएउट कि असन क्योडिश ? नर्स ह Pontiac एक (किस्तिव क्या । पात्न माहनी ত্তীৰ সদাৰ পণ্ডিয়াক। তব বিভিন্ন ভাৰে অ্যুসমপ্রে বাধ্য করলো। তার নিজের ন্ত্নী এই অপমানের পর ভলবেসে ফেললো এক ইংরেজ যুবককে. নাম লার উইলিয়ামসন। পশ্টিয়াকের বোরতর আপত্তি এ মিলনে। উই লিরামসন জবন আর এক রেও ই-ডিয়ান ছোকরাকে ব্র দিরে খুন কর ল गर्गात्रक। यम्ब कि जारवाडिक। ए টোমাহক (কুঠার বা পর্যান্ত) পণ্ডিয়াকের আপন শৌর্বের সাক্ষী ভারই বারে বারেল হলেন তিনি। তবে সদারের প্রতি বিশ্বাস-বাতক্তা করার প্রতিশোষ নিতে সুবে দাঁড়িরেছিল ভার দলের প্রতিটি মান্ত। ভবন সেই নাতনী এলে লুটিরে পড়েছিল উইলিরমেসন আর জুল্ব দলের মাকে। প্রযুক বের্মোচল আদিম মান্ত্রের একদল। নারী বলি কোল-প্রেট্রের ত্রেলে এন্ন পাগ্র হয় জার এরন করে প্রাণ ডিক্স চার তবে রেড লৈর শালের সে পরেবেকে ছেড়ে দেবার বিধি আছে। উইলিয়ামসন রক্ষা পেলা আর পেল বেড কুমারীর পাণি কিপ্তু ক্রটে পেল নারীর নিন্দা। বেচারা পশ্চিরাক কি আর সাধে म्बत्यस्य विश्वान कत्रहरू मा ?

নারী কুছকিনী। ভাই ভাদের গানে,
বাষার কত কথা আছে। কুছকিনী কন্যা
আপন কুছকে আপনাকেও আক্রম
বরে ফেলে। তার গানে আছে।
ব্যুথ মাটিতে বেংগ গারের অছি।
নাগর নাই বা এক। বুকি মানরের পরোয়া কে
করে? গাইতে গাইতে কেন্দে আকুল ছরে
বাছে তব্ আবার বক্তে এক কথা।—আমি
কি হিংসা পাই?

গ্হের লক্ষ্মী কিন্দু আবার সেই নারী।
বন বে'থে রেড সংগতি গ্রহারেল করে। কার্ ক্রে আস্ন আলার প্রের আর নারী লতে হড়িরে দের ভূটার আটা। প্রাথনা করে " হৈ জাগন, হে পরর পরি পর্পু, ভূমি আবার সংসারে ভাপা আল, আরার সংভানের স্ম জান।" জাগুর, হে কুছ্মিনী, সেই লাবার কল্যাণী।

গ্রীমত ব

সমরেশ বসরে নতুন গ্রাদের উপন্যাস অচিনপরের ৮'০০

অপরিচিত ৬:০০ অগ্নিবিন্দ, ৪:০০ অগিন্দ ৫:০০ রপ্তান-এর

শীতে উপেক্ষিতা ৬ ০০

নিমাই ভট্টাচার্য-এর উপন্যাস মেমসাহেব ৮<sup>.</sup>০০

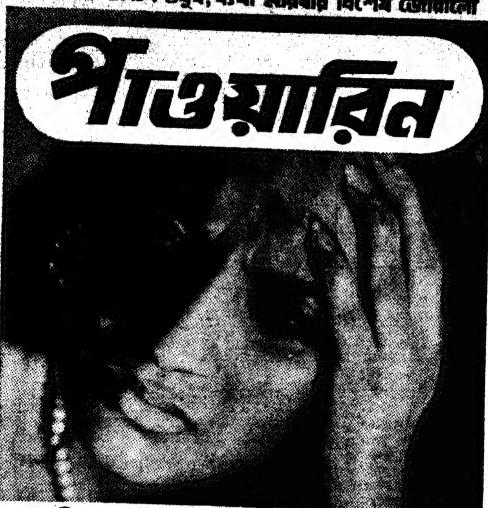
প্রেমেন্দ্র মিন্ত-র গোয়েন্দ্র কাহিনী
পরাশর এবার জহররী ৬.০০
শংকু মহারাজের ভ্রমণ উপন্যাস
গারো পাহাড়ের পাঁচালি

প্রশান্ত চৌধ্রীর উপন্যাস
থ্রজ ফিরি তারে ৮.৫০
শ্রীবাসবের রোমাণ্টিক উপন্যাস
আনন্দী কল্যাণ ৫.০০
গোমতী গঙ্গা ১০.০০
বাধন ছে ড়া দাগ ৬.০০
গ্রেবান্য ৮.০০

। বিশ্ববাদী প্রকাশনী ৪ ০/০ বে বুক ক্টোর ৪ ১০ র্থক্স চ্যাট্যার্ক স্টাট । কলকাভা—১২

# त्युतः!

साथाधवार जावऽर्थ उत्रूप, गण्या समावार विल्या व्यातावना





करमें कटत यञ्चणाटक मानामता, नार बाबा, नार्छ बाबा, त्रान वा क्-त करत कावारता करते विद्यालये ।

্ত ক্যাপস্থার আক্রারের ট্যাবলেট, সমূকে সেলা রাম্ব বিসেব ক্ষেরভো পাওয়ারির এগ্রামারকেনিক ট্যাকিউর



व्यक्ति वावश्यकारी इंट्यांड कामान नागक त्यार विश्व

PW-4-242 Base

ক্লি এখানকার মিউজিরনে প্রেকো স্থাথ ও অপ্রকাশিত চিঠিপত ঘটিতে ঘটিতে একটা উল্লেখবোগ্য বিষয় চোখে গড়ল। বিখ্যাত ইংরেজ সাহিত্যিক চালাস ডিকেসের সপো নিউজিল্যান্ডের একটা ঘনিট সম্পর্ক ছিল—এ খবরটা এখনকার অনেক নিউজিল্যান্ডাররাই জানেন না। অবশ্য সম্প্রতি এ বিষয় নিরে একটা বই প্রকাশিত চর্ছে। ব

এ দেখে ইংরেজ আগমনের প্রথম দি কর অর্থাৎ ১৮৪০-৫০ সালের ঘটনা। বলেছি দেখন ইংলন্ডের আর্থানীতিক জীবনে একটা माको हर्माइन, यात गतन व्यत्मकई रत्र त्रमग्र এ দেশে চলে আসেন নিশ্চিত জীবিকা A নিরাপরার খোঁছে। ডিকেন্সের কাছেও সেদিনের ইংলপ্ডের সমাজ আক্রণ হারিছে क्रामांडम । जाडे जिस्करमधं निर्धे क्रिमारिक পাড়ি দেবার কথা ভেবেছিলেন। ভেবে-জিলান এ দেশে এসে একটা সাহিতাপর প্রবাশের ঘাধামে নিজের স হিভঃপিপাসা দরে করবেন। সেদিন ইংলপ্ডের সামাজিক-আর্থনীতিক জীবন অনেকের মনেই হভালা স্থি করেছিল। তাই অনেকেই নতন দেখা দেশ নিউজিলা ভেকে নতন আশার দেশ (the Land of Hope) जा भी कारण (the Happy Colony) वृद्ध भूत कर्डा भूत्व এবং ভেবেছিলেন, ক্ষািক্ত যুৱোপের ভবিষাং অব্দকারাজ্ঞন হলেও মহাসাগবের অপর পারের দেশে (নিউজিল্যান্ড) তার সভ্যতা 😝 সংস্কৃতি নতুন করে বে'চে থাকবে। এইরকম সময় অর্থাৎ ১৮৪৭-এর এক শীতের স্কালে পঞ্চীভূত হতাশা নিয়ে চালাস ডিকেণ্স তাঁর বন্দ জন ফর্সটারকে লিখেছিলেন, 'এখামে কোন কাজে উৎসাহ পাছিত না কিছ করতেও পারছি না। ভাবছি নিউজিলাতে বাই এবং সেখানে একটা সাহিত্যপত্ৰ ইকাশের কাজ শুরু করি।'

অবশ্য শেষ পর্যাপত আর তিনি আক্রেম নি। লাওন থেকেই "Household Words" নামে এক সাংভাহিক কারজ সাংগাদনার কার্জ শ্বে করেন। এই সাংভাহিকে সে সমরকার নিউজিল্যান্ডের জাবনের বিভিন্ন দিক সংগঠে লেখা প্রকাশিত হও।

ধ প্রসংশ ভিকেশের সংশ নিউজিলানেডর সন্পর্কারত আরেকটি ঘটনা উল্লেখ
করি। সেদিন উক্রাশিক্তি অনেক ইংকেজ
ব্বক ইংলন্ড ভালে করে জানিকার জন্যে
নিউজিল্যান্ডে আসবার জন্যে মরিয়ঃ হরে
উঠিছিল। ভিকেশ্যের ছোট ভাই আলবাট ভিকেশ্যে ও'দের মধ্যে অন্যতম। আলবাটের



সিভিল ইঞ্জিনিয়ারং-এ ভিন্নী ছিল এবং তথন তিনি বামিহায় আাণ্ড ভারবি রেলওরে কোম্পানীতে ভিশ্টিস্ট ইঞ্জিনীয়ারের পণে কজ করছিলেন। আলবাট নিউজ্জিলাণে চকরির জনা যে দরখানত পাঠিয়েছিলেন, ভার সংশ্ব চালাস ভিকেন্সের একটা স্পারিখপ্রত দিয়ে দিয়েছিলেন। চালাস লিখেছিলেন প্রটি ভার এক কথ্য টুমাস ফস্টাবকে।

"A younger brother of mine, Mr. Albert Dickens being desirous to try his fortune in your new colony and being a District Surveyor and Civil Engineer of the First Class, I take the liberty of recommending him to you as a young man who is in every respect qualified to serve in that capacity."

"He has been educated for his profession under the very best and has been practically employed for

the last four years without cessation on great public works. He is extremely intelligent, active and enterprising and I trust I need hardly say that unless I were well assured as to his fitness for the office I could in no circumstances whatever countenance his application."

কিম্পু বরস অংশ হওরার আলবাটের কাজটি হরনি। তবে তাঁকে সহকরীর পদের জনো দরখামত দিতে অনুরোধ জানান হাগজিল। দর্শের বিষর, অন্যান্য কাগজিল থেকে দেখা বার, ঐ কাজটিও আলবাটের হর্মন। যোগা দরখামতকারীর সংখ্যা অনেক ছিল বলে।

×

এখানে আসবুর কিছ্লিন পরে এখন কার একজন বয়স্কা বিধবা ভদুমহিলার সপ্পে পরিচয় হর। ভদুমহিলার স্বামী ছিলেন এই বিশ্ববিদ্যালয়ের অধ্যাপক। ভদুমহিলার বয়স ৫২, ডিল মেয়ে ও এক ছেলে। বঙ্ দুই মেয়ে বিবাহিতা, ছোট মেয়ে ও ছেলে স্কুলের শেষ ফ্লাসে পড়ে। ভদুমহিলা সরকার থেকে বিধবা ভাত, বাবত মাসে ৫০০ টাকা মত পান এবং বিরাট বাড়ির কিছ্ম অংশে পেয়িং গোস্ট রেখে বা উপার্জন করেন তা দিয়ে সংসার চালন। অবশা অবিব হিত ছেলেমেয়ে দুটির প্রত্যেকের জন্যে ৫০ টাকা

্ব আমর সাহিত্য প্রকাশন ছ			
আশ্তোৰ মুখোপাধায়ের	জর সংশ্বর		
ন্তন উপন্যাস	द्धात्राजा		
	জায়গা		
বাজীকর ৮১	আছে ৪১		
গজেন্দ্রকুমার মিচের	মহাত্মা গান্ধীর		
ন্তন লেখাপড়া শেখা লোকের	भणाश्वर		
উপবোগী যুক্তাক্ষর-বিরল			
शाकी जीवनी 3	॥ <b>সাড়ে</b> সাত টাকা ॥		
। বড় হরফে ছাপা : বড় বড় ছবি ॥ । (সভাগ্রহ সম্পর্কিত যাবতীর রচনা)			
বিষ্ক্রমচন্দ্রের সাহিত্য বিষয়ক	नीशतत्रक्षन ग्रदश्वत		
সমগ্র রচনা সম্ভার	রাতি নিশীখে ১০		
-6-6-	🛚 ন্তন উপন্নাস 🗓		
সাহিত্য চিন্তা ৮,	প্রশান্ত চৌধ্রীর		
। প্রমখনাথ বিদী সম্পাদিত ॥	গোধ্লি রঙ্গীন ৫		

नारिका श्रकाणन : 9,

টেমার লেন.

O'M-X.

<sup>\*</sup>Charles Dickens and Newzealand —I. S. Ryan and A. H. Reed. Reed Publishers, N.Z.

মত সরকার থেকে বে ভাতা পান, তাও गरमादवव माइस्या जाटम। क रभरण वावा-मा প্রভোকটি ছেলেনেরের ১৮ বছর বরুস পর্যন্ত সরকার থেকে মাসে ৫০ টাকা করে ভাতা नान । अ शाषाल, व्हिलामात्रता ১२।১৪ বছরের পর থেকে কিছু না কিছু উপার্কন कतात मृदयाग रमात बारक, का मिरत कारमज नरक्षे थक्रें, जिस्त्रवा एक्षा, वन्ध्र वा वान्ध्वी বাবদ খরচ চলে বার। এই উপার্ছনের একটা অন্যতম সূত্র হল-রাতে পরের বাড়ির শিশ-শেরদের পাহারা দেওরার কাল। একট খলেই বলি। এ দেশে পরিবার দুধুমাত ৰাবা-মা ও ভাদের ছেলেমেয়ে নিয়ে। বিরের পর ছেলেমেরে তাদের ভাই দারের কথা, বাবা ও মার সপ্যেও থাকে না। অংশিক সভাতার এদিকটা আমাদের জানা। আমাদের দেশেও এ রীতি ধীরে ধীরে প্রচলিত হক্তে বড় বড় শহরে। সে যাই হোক, এর ফলে, ৰাবা-মান্ন বাদ রাতে কোখাও নেমশ্তর থাকে

বা সিনেমা খিরেটায়ে বৈতে হর ভা হলে
শিশ্মের বা কন্যাদের রাত ১১।১২টা
পর্যাক দারিছ নের প্রতিবেশী বা জানাশোনা
পরিবারের তর্ণ-তর্শীর:। এটা নিরুশ্যর
নর, এর বিনিমরে রাত প্রতি ৫।১০ টাকা
মত উপার্জন হর। ফলে, এদের অন্য দিন
সিনেমা-খিরেটার, কাফে-রেশ্তরী; বর ফ্রেন্ডগালা ফ্রেন্ড বাবত জরচ করার স্বোল অটে।
বলে রাখা দরকার, এ দেশে ১২।১৪ বছর
থেকেই প্রতোকটি ছেলেমেরের বর বা পার্লাফ্রেন্ড থাকে। পদ্চিমের সব দেশেই এটা
রীতি। ছেলেমেরেদের অবাধ ফেলামেশার
এইটে একটা র্প। বাবা-মারের সমর্থনিও
থাকে—থাকবেই বা না কেন, ভাঁদের
বেলাতেও ভো ঐ নিরুদ্রই ছিল।

তা সে যাই হোক, ভ্রমহিলার সংসারে কোন অভাব বেখিন। জীবনমানেও, ভ্রদ্দ মহিলার মতে, স্বামীর অবতামানে কোন পরিবতান ঘটোন। অবশা ভ্রমহিলাকে

বেশতাৰ সারা দিন পরিভাগ করতে। সকল वणे त्यात्क बाल ३२में नाम के क्यारिकात দেখা বেড কোন না কোন কাজ নিয়ে বাস্ত। ভরমহিলা লিকিতা, আৰুও প্রতি দিন গড়া-শোনাৰ ৰেশ কিছু সময় দেন, রোডভতে বলে থাকেন রাজনৈতিক ও সামাজিক সমস্যা নিরে। একদিন কথার কথার আম্বা বলেভিলাম ভদুমহিলাকে, "এই ব্যাসের জাপনার কর্মক্ষতা দেখে জামরা স্থিতি বিশিষ্ঠ হরেছি।" ভদুমহিলা উর্বে য বলেছিলেন ভা শুনে অবাক হয়ে গিয়ে-क्रिमाम। अप्तमीहरूना अन्तरकार वृद्धक्रिता প্রেব, জামি নিজের ক্ষতার বোধ হয় অপ চত্ত কর্মাছ-জামার মনে হর আমি বাদ আবার বিদ্ধে করতাম ভা হলে দচী বা গাই-ৰুৱাঁ হিসেবে আগের মতই সাধাৰ গ্ৰন্থ পারভাষ। মাধ্যে মাধ্যে মনে হয় স্মেট্টার বিত্তে হতে গোলে আমিও বিত্তে করি: টেনের কি বলা?"

আমরা কি বলব ? আমরা ভ্রমহিলত কথা শুনে হতবাক। ভ্রমহিলা অমানের উভারের জনো অপোক্ষা না করেই বলে বেতে লালকোন, "জান, আমি এ নিয়ে অমার ছেলেমেরেনের সপো কথাও বলেচি মেরের কোট কেলে আপত্তি নেই—তব্ ছেলের বলটি ভাববার। ও বলছিল, মা, ভূমি বিষয়টা বত সহজ ভাবছ—তভটা সহজ নর। কেলে, ভূমি বাঁকে বিরে করেবে তিনি ভোমার বহলী বা তোমার চেরে বজ্ হবেন। আর ঐ বরনের প্র্বেদের তোমার খ্র dull মনে হবে। তোমার মত সজ্বীবভা তাদের না আরাই সম্ভব। অমিও কথাট, ভাবহি, জানাই

আমরাভ কথাটা ভেবেছি অনেকবার নানাভাবে—আম দের দেশের পরিটোক্টেও। এই বরসেও জীবনকে নতুন কবে বাবংার করবার, উপলব্ধি করবার মানাবক (humanistic), ইচলোকিক প্রভার বেধে সভাই খ্ব ভাল লেগেছিল। তবে সংকৃচিত বোধ করেছিলাম এই ভেবে, এদের নতুন করে বাবহার করবার ধারণাটাও প্রচারতিক ছকে বাবা।

উন্নত অর্থানীতির ফলে জীবিকার দিব থেকে স্পর্ণ নিশ্চরতার দর্ন এ দেশর মান্ধের অবল বরুসে অর্থাং ১৮ 1২০ বছরে বিরের বীতি প্রচলিত। তার ফলে এবং বিরের পর ছেলেনেরেরা ভিন্ন হরে গিরে স্বতন্ত পরিবার ছিলেবে বসবাস করে বলে বাবা-মার প্রায় ৪২ 1৪৫ বছর বরুসেই পারিবারিক (ভারতীর অর্থা) সকল কাজ শেষ হরে বার। এই বরুসেরও প্রায় ৫ 1৭ বছর পর আমাদের দেশের বাবা-মারা প্রথমে ছেলে-বউ, ভারপের নাতি-নাত্নী নিরে জমজমাট সংসারব হা শুরু করেন। অবশা অবশ্বাই ক্রমণই পালটাছে।

व मिट्न याचा-भार शक्क विद्यारे समला



(साक्टम ) अवर कात्रमध गामक (मेंगाकाई भागिक)

86 वहरतन नाम चन्छा **०० वहन** (ब দেশের মানুবের গড়জার, ৭৫ বছর) আবার ল্ধু মাত স্বামী-স্তী হিসেবে একাকী ভাটাতে হয়।

এ দেশে সামাজিক নিরাপতার নানা রাবন্ধার প্রচলন ররেছে। জন্মকাল থেকে য়তা পর্যণত স্বর্কম অস্থার অবস্থার ঞ্না সামাজিক প্রতিরক্ষা বা নিরাপত্তাব वातन्था द्राराष्ट्र। सन्धावात्र भन्न स्थरक ५४ বছর প্রতিত Children বা Family benefit অধাৎ পরিবারকলাণ ভাতার বাবস্থা, যৌবনে বেকার জীবনের অসহায় অকশায় সরকারী ভাতা. বিধবা ভাতা (Widow Pension) এবং ব্ৰুখ বরুসে Old age ভাতা এবং সরকারী বাসগাচে থাকা ও দেখাশোনার ব্যবস্থা প্রচলিত। ল চাড়া চিকিৎসা, হাসপাতালে থাকা ও রুষপুরের খরচও কারও দিতে হয় না।

বিকলাপা ও অক্ষাদের জন্য মানিক erers (Invalid's Pension) বাবস্থা সচলিত।

তলে খনেব ভরণপোষণের WITE A (Orphan's benefit) সরকার দিয়ে धारकन ।

এ দেশে দাঁতের রোগ খবে বেশী। আর এই কারণেই এ দেশে দাঁতের হাসপাতাল ও স্কুল প্রতিষ্ঠিত হয় প্রায় একদা বছর আগে। সম্ভবত জলের জন্য অথবা এ বেলে সংলভ ও মুখ্যরাচক নানা রক্ষমের চকোলেট, কেক ইত্যাদি খাওয়ার ব্যাপক অভ্যাসের ফলে দতি খারাপ হর খাব বেশী বলে অনেকের ধারণা। ১৮ বছর বন্ধস প্রশিত দাঁতের চিকিৎসার বার সরকার বহন করেন। গ্রমন কি, বাধান দাতের খরচও সরকার দেন। ফলে, এ কেনের মনুবের এক বড় অংশেরই অল্প বয়স **থেকেই বাধ**ান দতি। দতি বাধাবার খরচ খ্র বেশী ভাই আনেক क्टिटि ১४ व**स्टाइ जार**ण मोठ कको খারাপ হলেই বাবা-মা ছেলেমেয়েদের সব দাত তুলিয়ে বাধান দাত লাগিয়ে নেন সরকারী জরতে। বলেছি এ'বের শ্রমনীতে স্কচ রক্তের প্রাবলা বেশী। অবশ্য এ'দের শক্ষেও বৃত্তি আছে—এবা বলেন, আমাদের ট্যাক্সের টাকা খেকেই ভো সরকার খরচ করে কাজেই সুবোগ আমরা ছাড়ব কেন? কিন্তু বাধান দাত বলে অলপবয়সী হেলেমেরেদের মনে কোন সংকোচ বা শব্দা নেই। বিরের বাজারেও দাম কমে ना, काइछ, वद्भर खेंग अक्छो म्यावर्थ वा भूप বলেই পণা হয়। কেননা দাঁভ বাৰত বিকাহিত জীৰনে কোন খনত নুইল না, দৈবাৎ বাদ না বাধান দাঁত তেপে বা হারিয়ে বার।

মাটানিটি বেনিফিটের ব্যবস্থা খ্ব

ভাল। বিনা ধরতে হাসপাতালে পথ্যাদি.

চিকিৎসা, দেখাশোনা, সবরক্ষ বাবস্থা করা

হয়-জাতি ও আৰু নিবিলৈয়ে সকলের জন সমান সুৰোগ ও বাৰন্ধা। বিশ্ব জাত্যৰ পর বেশ কিছুদিন স্থান্সেট সোসাইটির (Plunket Society) warsang wire শিশ কল্যাণ ব্যবস্থার शाकाल इसे। त्म मार्ट विव निकेष्टिमारा १५व **ंजाटक** हे অবদান অভ্যানীয়। পনিউজিল্যান্ডে শিশ্ব-মৃত্যুর হার প্রথিবীয় মধ্যে সব চেয়ে কম। धवर धरे कृष्टियत जवहारे कारकहे সোসাইটির প্রাপা। নিউজিল্যান্ডের ডান্তার ज्ञाद ग्रेवि किश (Sir Truby King) ১১০৭ সালে এই সেসাইটি প্রতিষ্ঠা করেন এবং ভংকালীন গভনবের স্থার নামান,সারে সোসাইটির নাম স্লাভেকট সোসাইটি। সোসাইটির নিজ্ঞৰ পত্যতিতে শিক্ষিত নার্স আছে। হাসপাভাল থেকে কেরর পরে শিশকে প্রতি সপ্তাহে এক দিন করে দেখে যান এ নাসরা এবং প্রয়োজনমত নির্দেশ দিরে থাকেন। অসুস্থ শিশুর চিকিৎসার ব্যবস্থা করে থাকেন নিজেমের হ'সগাতালে वा हिकिश्मादकान्य। वना दाशना धत करना এক কড়ি খরচা নেই গৃহস্থের। অবশ্য काम या योग धारमत छेशतम निर्माण অবহেলা করেন তাহলে এরা মাকে কঠোর ভাষায় শাসন করতেও দিবধা করেন না এবং অনেক সময় শিশরে কল্যাণের কথা ভেবে শিশ্বকে মার কাছ থেকে সারিরে সোসাইটির হাসপাতালের তত্তাবধানে রাখেন। এই নাসারা আমাদের দেশের ঠাতুরমা, দিবিমার কতবা করে থাকেন অবশা আহুনিক পণ্যতিতে। এ'রা কারিটানে (Karitane) নাস বলে খাত। ডানইডনের কাছে কারিটানে গ্রামে এই সোসাইটির কাজ প্রথম লারা হয়, সেই থেকেই এই নামকরণ। নিউজিল্যান্ডের প্রায় সব শহর ও গ্রামে এই সোসাইটির কর্মাকেন রয়েছে। আভ-কাল উন্নত অথানীতির দেশগুলিতে এই সোস ইটির অন্করণে শিশু কল্যাণ প্রতিষ্ঠান গড়ে তোলা হছে।

**अटमटम**य সরকারের স্বাস্থ্য ব্যবস্থার আরেকটি দিক হল, এখানকার সব স্কুলের ছেলেমেরেদের বিনামালো দা্ধ ও আপেল থেতে দেওরা হয়। ১১৩৪ সালে জর্জ বানাভ শ' ৰখন তাঁর সোস্যাল লেবরেটার' নিউজিল্যান্ডে বেড়াতে এসেছিলেন ভব্ন তিনি প্রথম এই ব্যবস্থা করবার জন্য পরামশ দেন। ১৯৩৫ সালে যখন এদেশে লেবার পাটি ক্ষমভার আসে, তখন থেকে ध वायन्था ठालः इत।

এর আলে লিখেছি, উনিশ শতকের মাৰামাৰি কাল থেকে এদেলে ভাগ্যান্বৰণের **উरम्पर्भा देशन-७ स्थाक महा महा हा क** জাসতে থাকে। এদের অধিকাংশ নিন্দবিত্ত দ্রেণীভূত। স্বদেশের দ্রোণী বিভক্ত সমাজের মর্বাদা ও নিরাপত্তাহীনতার হাত থেকে भाषा मरबग

প্ৰকাশিত হবে ১লা আখিন

প্ৰধান আকৰ্ষণ

তিনটি উপন্যাস, কিন্তু প্রকৃত উপন্যাস, **जेननात्मव नात्म वस भन्न नहा।** 

जिएकान

## বিমল মিত্র भारताथ रघाय उ नगरत्थ वन्

সমরেশ বস্তু ও স্বোধ ঘোৰের উপন্যাসের পরিচর দেওরা হরেছে। এবারে অমর কথাপিল্পী বিমল মিত্রের উপন্যাসের পরিচর দেওরা र एक।

শহর ছাড়িয়ে তনেক দ্রের এক প্রাত্তে চলে वाग्न। वाबारमद धरे मिननाद्रभद्दा। এখানে খৰৱের কাগক পোঁছোর না, সভাভার ছৌর্ফ এখানকার আকাশ-বাতাসকে স্পর্ল করে না। তব্ এখানকার র পচাঁধ মৌলক বাছাকোর ভারে নারে পড়লেও विभाग जालाम प्रकलात भवता-भवत रमह। অর গোবিন্দ ভার মাদিখানার বসে তেল-ন্দ-মঙ্গলা বেচে, কিন্তু নিমকহারামি করে না। এখানকার নিতাই বেকার মান্ত্র হরিশদ এখানকার বনেদী বেকার। তব্ তাদের অভিযোগও নেই করোর ওপর। मिलामात भूरवात मान्य मातिमा-ज्ञाय-जन्मेन নিয়ে বেশ সুখেই ছিল। কিল্ড সুখ বোধ হয় এক আশ্চহ সামগ্ৰী: ভাই স্ব ইতিহাসের সৃহ্য হর না। তাই একদিন উত্তে পাতে গুল দিল্লারপারের। ইতিহাসের দাবাথেলার রাজা-মন্দ্রী-গজ স্ব কানতাল হলে গোল জাভারাতি। এই রাজা-मन्द्री-शरका वानकान शरत वाश्रतात काश्रिनी লিখেছেন স্বনামখ্যাত সিল্পী বিমল মিল একটি স্কীৰ্য ও মহং উপন্যাস

শহর ছাডিরো-র মাধ্যমে

এটি প্রেকাকারে প্রকাশিত হলে বাম হবে नम क्षेत्रा।

**এ ছাতা** वकासकना जिल्लाकन कार्यक्ष रात, नातात्र पदमानासात, क्रीमान्य, क्रीरिश्रामान्य क क्रीक्टाक। नाम नीठ ठीका। अकाक ६.वढ क्रेका।

ৰ্ট্যাৱ ক্ষুত্ৰাই বেশির ভাগ লোক প্রধানত ক্রমের ক্রমেছিলেন। তাই নতন দেশে প্রতিষ্ঠিত সামাজিক ও রাখীর জীবনের অন্যতম উল্পেশ্যই ছিল সকলের জন্য সমান ছব'লা ও নিরাপরার ব্যবস্থা করা। ভাই সাধিবীৰ সকল ধনতাল্যিক দেশসালির মধ্যে নিউজিল্যান্ডে স্বাধিক সামাজিক নিরা-প্রায় ব্যক্তা। প্রাকৃতিক সম্পদের তলনায় म्बल्स खब्क मानक स गिकिए सनगरशा-জামেট প্রাথমিক উৎপাদনের কেন্দ্রে সীমারিত ভীবিকা সভেও বিপাল আর ও সেই আয়ের বিনিষ্টে বিদেশ থেকে আমদানি ৰকা উল্লভ ক্ৰীবনমানের **উপযোগ**ী উপকরণের অধিকারী এদেশের অধিবাসী। ভাই রাশীর হস্তক্ষেপে উদ্বান্ত সংগ্রহের সাহাকে এদেশে নানান ধরনের সামাজিক নিয়াপরা (Social Security) বাকথা প্রচলিত হল। ভবিষাং নিয়ে ভাবনা, জীবিকা নিয়ে ভাবনা, সব কিছু ভাবনার দার ব্যাণ্টের। বাস্তব ক্রীবানর প্রায় সব-রক্ম আঁচড খেকে মান বকে আভাল করে রেখেছে এদেশের রাশ্রীর ও আখিক বিধি-বাক্ষা। কিন্ত এই ফলে এলেশের মান্ত क्मणडे फेनामशीन हरत शखर धार जाय-কাল তাই এ নিয়ে অভিযোগ, আলোচনা-সমালোচনা শর হরেছে বিভিন্ন ক্ষেত্র। अर्पाद्यक Social Security वाक्याक প্রশংসার কথা বলতে গেলেই প্রতিবাদ শ্নতে হয় আক্ষকাল অনেক (कार्य) প্রতিবাদের মূল বৃদ্ধি হল, জীবনসংগ্রামের সব কিছু থেকে আডাল করে রাখার ব্যক্তা মান্তকে উদামহীন করে তলেছে-মানুবের নতুন কিছু করবার, ভাববার প্রেরণা নেই কোখাও। ভাই নিউজিল্যাণ্ডে থেকে নিউজিল্যা-ভাররা নতন কিছু করতে পারেন না—অখচ এখান থেকে বাঁরা বিদেশে গিরেছেন তাদের অনেকেট জীবনের বিভিন্ন ক্ষেত্রে নতন অবদানের সম্মান লাভ করিছেন।

এই প্রতিবদের সনোভাব আজকের নিউ-জিল্যান্ডের বাদত্ব অবস্থাপ্রস্ত। অধান ন্বিতীর মহাবন্দের পর থেকে আগতর্জাতিক ক্ষেত্র প্রাথমিক বাজার সংকৃচিত হরে আসছে। আজকাল অনেক দেশের অধান নীতির পকেই তা সংকটের স্ভি করেছে। প্রাথমিক পণ্যরস্তানিকারী দেশ নিউলি-ল্যান্ডও শ্বভাবতই তার হাত থেকে

এই অবশ্বার মূলে ররেছে উন্নত অধ্বনীতির দেশস্থালির অনেকেই বেমন
আমেরিকা, ইংলন্ড, জার্মানীর প্রাথানক
পণ্যের বোগানের দিক থেকে স্বরং সম্পূর্ণ
হবার মনোভাব। তবে এর চেরেও বড়
কারণও ররেছে। তা হল, ব্দেখান্তরকালে
অতি উন্নত উৎপাদন কৌশল উন্ভাবন ও
তার বাবহারের সাহাব্যে একদিকে বেমন
কৃত্রিম কাঁচামাল তৈরি করছে এসব দেশ,
তেমনি উৎপাদনের সময় কাঁচামালের অপচর



ভাগে বা বটত তা ক্ষেত্ৰাকা কৰা প্ৰাণ পেক্ষেত্ৰ কলে, এসৰ নেশেত্ৰ লাজ কৈ বন্ধক বাত্তৰ ভাগ চেৱে অনেক কৰা হয়ে একাল প্ৰাথমিক পালের চাহিলা বাত্তিত্ব। অবাচ সংগ্যা সংগ্যা কৰাতিক আৰু নেৰ্ক্ষা-দাবের সংখ্যাত বেড়েত্বে। সক্ষা কৰাক বাত্তা-দাবের সংখ্যাত বেড়েত্বে। সক্ষা কৰাক বাত্তা-দাবের সংখ্যাত বেড়েত্বে। সক্ষা কৰাক বাত্তা-ভাগিলে কচি আলা রুণ্ডানি করে ক্ষানাতি এবং (অবাণ্য আধিকাংল ক্ষেত্ৰে) ক্ষিত্ৰানাত ভোগালো আমদানিক বিকে সক্ষা ক্ষেত্ৰানাত ভাগিতক বাজ্যানে কচিয়ানাক অন্যানা প্রাথমিক পালের বেলাকা ভুলনাক অন্যানা প্রাথমিক পালের বাজ্যানাক।

প্রথমিক পদা সংজ্ঞানিকারী দেশ নিউজিল্যাণ্ডকে শ্বভাবতই এই বিষত্তনের পুকল
ভূগতে হছে। ডাই প্রভিন্নিরাক শ্বহ
হরেছে। এলেশে ভাই প্রভা দিলপারনের
পারকশনা নিরে মাজা বাজানো শ্রহ
হরেছে। ধনী কৃষক প্রেণী ও শ্রেকেশিক
বাণিজানিভার ব্যবসারী প্রেণীর ভাই
থেকে এই প্রচেণাকে প্রবস বাধার সংক্রিম
চতে হরেছ।

এগেশের সামাজিক নিরাপতা ক্রম্পা বা নোসাল সিকিউরিটির একটা দিক নিরে সম্প্রতি আলোচনা-সমালোচনা সূত্র হরেছে। সেগিকটা হল, Children বা Family benefit অবাহ পারিবারিক ক্ল্যাণ ভাতা (১৮ বছর ব্যাসের প্রতিটি হেলেনেরের ক্রম্য বাবা-মা বে ৫০ টাকা ভাতা প্রতি মানে পেরে বাকেন)।

অনেকে মান করেন, প্রায়োজনের ভুজনার ভাতার পরিমাণ অলপ, তাই এর কোনও গ্রেছ নেই। কলে বেশির ভাগ কেরেই তা ভাতা পাওরার দিন পোরা-এ অথাৎ মানের দোকানে 'boosing' অর্থাৎ মানের কোনে কোনেকাই বার হয়। তাই এনের মাড়ে এটা তুলো দেওরাই ভাল। তবে এর এই খারাপ দিকটা সংশোধনের জনো সরকার সম্প্রতি অবটা স্বালোক দিক্ষেল—ভাহল, এই ভাতার विवादित्य वांचा तारण गुजवार्य तथाय अथ-कार्त्रीत यथ उनुकार दरन निर्मान नांकि कवारत बद्धार अग्रेर मान देव नांना निक प्रमान वद्धार दरन निर्माणकारण वांकित कांचान दरमी-निर्माणक वद्धार अथान प्राचीत नांकार नव्या, किन्दु वांकि महा। सांचार कांग्रेस वींकायानक व्याचित्रांतिकांत्र स्टब्स केंद्र वांकि नांकारण व्याच्यायाच्या

बहारम्ब व्यवस्थाता याचि धारम् साम ट्या वाना वान निवन्तरभा नावेरत हरन বাজে। ভয়ে পারিবারিক শাশ্চিম জন্তাব बर्गेटल । अहै। इसक किस्ट्रो मका। करत এর সাথে আরোকটি কারণত বোধছর বোগা THE RESERVE AND PARTY OF THE PA প্রাচৰেত্র অধানীভিত্তে অলগন্ধনেই যথেত रंपकरमंत्र क्रामीय विमा अक्टमोरको गानगर PERSONAL PROPERTY CALLED CAMERINI REPORTS METERS CHEMICALITY बाज नाएक करते। अस महत्त्व केल क्षा भागित-याबिक महमकेन । बाबा-बा अवर एक्टनएकरहत्र बार्याकार क्यांग्रे निविध जन्मक । रैनम्ब-काम त्याको पात बादकाका रूटा किया पटन **एक क्टबाम मुद्रक** द्योषकात द्यानलक विदेशक गरका गरका बाबा-सांब गरका छित्र द्राव শ্বভন্দ পরিবাদ গড়ে ভোগায় ভার শে**য**় এ বাৰণা মেনে নেওয়ার কথা ভাবতে আহাদের এখনও বানসিক বল্পা ছোল क्सरक हत्। आश्वासा वन्नावन, सामना এখনও সামস্ততান্ত্রিক কর্মনীতি ও জীবন-ৰায়াৰ প্ৰভাৰ খেকে আমানেৰ মানসকৈ মুক कारक भारतीय। या भारताहोहे न्यासाविक-जाबादनक दमाण जनाज बानदनहे कि दन ब्रुवि बटलेट्ड ? माडि बच्च बलेटब—उच्च बहे गुनन्धारको कि अकवात वायन्या करत स्थान নিছে হবে? জন্ম ভাল বিকল্প বাক্ষার क्या कि छावा बात मा ?

নিউজিল্যালড়ৰ সমাজের আবার সে बामादिक साहै। अमारम जामण्डाकरनाव दकान অনিভয়ত জোননিম ছিল না। উন্নভ বন-জান্তিক দেশ ইংলাভ খেকে বনভান্তিক कृषि-वर्षभौतिक विभिन्नकृष्या स्टब्स् मिर्स बदन न्याहक नवाय-वायन्याविक्रीन बन-निसम्म दनरमञ्ज केर'त कांग्रिटक दसारान कता হরেছিল। প্রচলিত কোন নিনি বাবস্থার गर्भ रकाम मरशाम स्मर्-विमा जान्नरमर्दे বিশকে বিভ উৎপাদিত হলেছে। এ বিভেদ माणिकानाम जन्द्रमा मानिके त्यामेम् हि न्योक्क । क्यांन के क्यांक जाता प्रान्तरवर নিরাপ্তভার ক্রিছ ক্রিছে হলেছে রাপ্তভো व कांक जावन शहक इट्सिक्स ट्योस्ट्स्स Mother country winners bearing 1 BUILTING WANT

नाम जिल्हा समाना किस्ताने शान्तेत्रक एक स्टाह्म

शिमारकाय स्थित



# **উट्टिंग तथ**

প্রকাশিত হতে ১লা জাগিকা ব নিবাসে ডিগের ক্লাম এ

সিটা উপ রার সভাল বিশেষক বংশর বিভিন্ন লোগাঁট এক উচ্চাসের হরেছে যে বিভিন্ন একজন সাহিত্যিকা বলা চলা।

বিজয় করু সন্ধলে সিংকাল জ গ্রেক্সে জীৱার

(मर्वत्रः) विद्यात्र नन्दर्भ निरम्बर्भ क्रिकी नम्बर्ध दनन

विक्षेत्र जन्मस्य जिल्लाम सम्बन्धः काला समीवन बद्धानमञ्जूष

(হয়ন্ত মুখোপাৰ্যার সকল লিবেহেন হেমক নাভা কার্যকোর্ত ক্রোপান্যায়

উত্তৰকুষাৰ সন্তল নিজেন উত্তৰ-প্ৰাতা ভাগেলুকার আৰু সবাৰ দাধা প্ৰদান ধা সম্ভল

निरूप्टन विविद्धि । निरूपीत ब्रोस्कर्ण निष्यक विकासन

विविक्तिः, न एक हातिकी -बायवी हक्ष्मकी

> व व्यक्त निर्माणक विष्याच प्राकृत स्वीव

ছবির বিভন্ন দাম পঢ়ি টাকা। সভাক ৫ ৭৫ টাকা

नि मसभावित्य न शास्त्र निवा ३६६वेव, विजयनम् साथ, स्रोबास्त्रान्



# ं যাঁরা স্লো মাথেন তাঁদের কাছে খুশির খবর!



Blue Seal snow

Blue Seal snow

हीमाद्वा गुण्य देव्यु-धव चात्र धवडि चन्द्रच देश्यक्त হাডিদিন হু নীল জো বাবহার করন · · নাখার নলে নলে নিবেই অভ্যন্তৰ করবেন, কী আক্র্য কোমলভা এনেহে, তুখনী হরে উঠেছে কুটকুটে কুম্বর ও আভাবর । ননীর মন্ত মরম রু নীল জোতে আপনি রাপলাবণো পরম রমণীর হয়ে উঠবেন । মুখনীতে লাবণ্য কুটিরে ভুলতে চান জো নিয়মিত ব্যবহার করম রু নীল স্থো।

টীকুমো-পাও্য <u>বিচ্চা</u> প্ৰীয়ত দ্বাহা আন্তর্যকা প্রসাথে কর্মেক পাশ্চমবংগর প্রতি আবার আবিচার

द्वार्शीकर १४ किनारम क्षिमत्नद স্পারিশ প্রকাশিত হরেছে। বিশত চর্টি ফিনাম্স কমিশন আরক্তর বেকে প্রাণ্ড বছদেবর যে শতকরা আংশ পশিচমবংশার জনা ব্রাম্প করেছিলেন এবং কেভাবে প্তিমবশোর প্রতি অবিচার করেছিলেন তার সংগো পণ্ডম ফিলাম্স কমিশনের शुश्रातिम इनाम कराज स्मया बार्टर. अवस्त्र প্তিমবলোর কপালে আরকর খেকে প্রাণ্ড র্জন্বের আরও শতক্রা কম বংশ জাটেছে এবং অবিচারের ধরাও অব্দুর আছে। স্পারিশ क्षिण्टनव एट्यी किलान्त्र অনুযায়ী আয়কর থেকে প্রাশ্ত রাজন্বের শতকরা ৭৫ ভাগ রাজাগত্রীলয় মধ্যে বা-টত হার্যাছল এবং তার মধ্যে পশ্চিমবাশ্যের প্রাপ্ত ছিল শতকর। ১২.০৯ জাগ। উতুর্থ কিলাম্প क्रिमारस्य म्हणाविद्याक वाकामहीकाव महिका WHEN THE SHEET SHEET 46 ভাগ বণিত হয়েছিল, (আনার পরত আন দিরে) এবং তার মধ্যে পশ্চিম্মকেরে প্রাণ্ড किन गटकता ১০-১১ छात्र । एकति धर्मर চত্য উভর ফিনাল ক্ষণানের কেনের রাজাগ্রনির মধ্যে আরকর থেকে প্রাণ্ড রাজ্য্ব বৃষ্টনের সূত্র ছিল অনসংখ্যার ভিডিতে শতকরা ৮০ ভাগ এবং আরকর সংগ্ৰহের ভিভিতে শতকরা ২০ ভাগ। কিল্ট প্ৰদায় ফিনাল কমিশন আন্তৰ্ভ হোপ্ত রাজন্বের শতকরা ৭৫ ভাগ রাজাণ্টালর মধ্যে বণ্টন করার সুস্থারিশ করজেও বন্টন বাৰস্থার বে সূত্র উস্ভাবন করেছেন ভা প্ৰবিত্তী কমিশনবালির সূত্র থেকে প্ৰাঞ্চ <sup>भारत</sup> किनास्त्र **क्षिमानस अन्**भावित जन्दात्री दाकाभृतिम् मरशः चात्रकतं स्थरक धा<sup>र</sup>ण दाक्रम्य वन्धेत्मक **मृहः मृह्यः मृह्यस्**ता ১০ ভাগ জনসংখ্যার ভিত্তিতে এবং শতকা ३० जाग चात्रकत्र मस्तारम् किविटक । अ**रे** স্পারিশের ফলে পশ্চিম্বশের প্রাণ্য गीक्टार गणकता ३-३३ काम। अहे नकून ব্যক্তার সপক্ষে পঞ্চম ফিনালস কমিলনের হতি হল এই বাৰন্ধার অপেকাকৃত वन्त्रमत ताकाग्रीम छेनकुछ इरव। किन्कु श्यन राष्ट्र व्याभकाकृष्ठ व्यनक्षमत वाका-গ্লির উল্লেখনের জনা কি আলাকা জক वतान क्या त्यक जा? भौक्रियवाल्य त्य र्गातमान जातकत नश्लाहीक वह का रन चत्राच्य त्व-त्काम सारकात **मध्या**रच्य र्गातमारणह रहस्त रवजी, न्यूबर जान्हे नह णाहरू व तकत त्यात्क हम क्रांचन्य अरुज्योक रत कार असे जनकारात्मा दक्की जनकहील रत भौग्ठमस्टला। एकण्डमानिक व्यवस्थानिक बना बाहका स्थान शानक सामाजना नाककार 1. 11 . 6 8



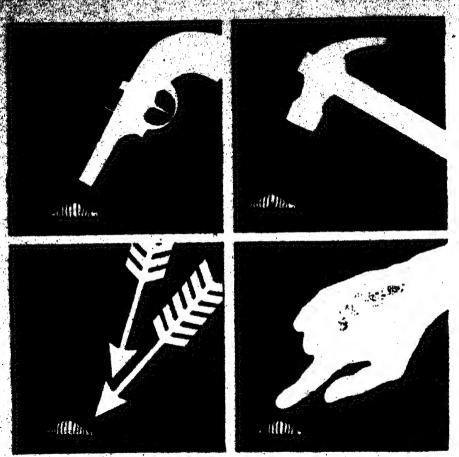
२.७ कास (काशास चढा वाम नित्र) सदान्य कर्मा दरसंदर्भ।

शुक्रम किनाम्न कमिनानत श्रीकारमान विकिन बादकाव मर्था वाकम्य वन्धेताव স্পারিশ হয়েছে নির্দালখিতভাবে : অল ৮.০১ শতাংশ, আসাম 5.64 MELEN विराव ১.১৯ मखारम, गुलवारी ৫.১० गठारत. रहियाना ১.४० भुकारम् सम्बद्ध । कान्यीय ७.१३ महारम् (क्वांसा ०.४० नकारण, वयाद्यालन १.०३ नकारन वहासानी 33:08 MERT HETE 4:80 MERT नागामा प ०.०४ मण्डाम् केष्टिया ०.५८ नकर्त, नामान १-४६ नकाल, सामाना ACA MERCA MINERAL BO-B MURIT, BURERY 30-03 MERN WAR हान्स्मिक्क ३-३३ महारम् । केस्सहारम् अवर महाशान्द्रे, धारे गारे सारका भीनामानना रमाज महत्त्व का शहिमारण बाहकर मान्द्रीय दश्या महत्त्व वहान दशान दशी बता रहाएर। ३३७७-७२ माला एवं क्रीक्रम आवक्ष आवात क्या हत्तीका जात स्थाक প্রাণ্ড রাজদেবর শভকরা ২-৫ ভাগ কেন্দ্র-गाँगक सक्तकर्तानद बर्धा अवर करीनकारन क्यामा बाकाग्रीमा भरमा बन्धेमा बावन्या क्या हरतरह। अ याक्षात हमाडे ७५५-५३ কোটি টাকা বণ্টিক ছবে।

(Union Magia Cade . Excises) (बर्ट्स शान्त बाबरम्बर मंद्रकृता २० छात्र वन्हेंट्स (कामात्र भव्रक्त साम विदेश) ক্ৰেবভী কমিশনের নীতি, অৰ্থাং শতকরা ৮০ ভাগ জনসংখ্যার ভিত্তিতে এরং শতকরা ২০ জাল কর জালারের ভিত্তিতে বাউন করা, चन्द्रमञ्जून कता हरूव बरल क्षिणम स्पापित निरहारकन्। दिक्तप्रीय कान्छ।महत्त्व स्थान প্ৰাণ্ড ব্যৱস্থের যে লডকরা ২০ ভাগ যণ্ডিড र है-छक्षीद्वारम 11 4 4 4 ब्राष्ट्रान् निव ECT (महे মৰো মেৰ্ডিছে গড় জনপ্ৰতি আয় স্বভারতীর এক অনুহাত আর অংশকা क्य। अर्वामके अक-कृष्णीहारम योग्वेक दरव কোৰ অকলের ক্ষমানরতা কত ভার विविद्या । अहे अनुन्यात जन्दान्तिक स्थान গ্রাভিত রাজ্য বর্তনে পশ্চিমব্দের জন্য बद्यान्य क्या इरक्का ३.४८ मधारण : जनार क्षान्, मनाक्षरमन, महानानो धनर উत्तरास्त्रका कार बहान क्या स्टाइव वंशाहर १-५४

महारम् ४ ८४ महारम्, ५-५० महारम् अवर ১৮.৮२ गडारम्। यसा वाद्या, अहे हाना-গুলি হেকে পাঁচমবলে অভ্যান্ত আদারের পরিমাণ বেশী। কভিপন্ন নির্বাচিত সামগ্রীর উপর যে অভিনিত্ত অস্তর্গতেক বার্থ করা হবে ভার থেকে প্রাণ্ড স্বাঞ্চন্দের শউকরা ২-০৫ ভাগ বণ্টিত হৰে কেন্দ্ৰ-শাসিত অকল-ग्रांगरंड, ०.४० महारम स्मवश स्ट्र बन्द काम्यीय बाकारक कार ०-४ मकारम ए द्या हर्ष नागासकरक। ১৭:০০ শতাংশ বণ্টিড হবে রাজাগটোলর মধ্যে। তার মধ্যে পশ্চিমবশ্বের পাওনা হবে २४०-८५ मण होका; छत्व शुक्रवारहेत পাওনা হবে ৩২৩-৪৫ লক ছাকা, মহারাজের भावना द्राव ५०० वय मक होता. केंद्रव-श्रामाणव शास्त्रा इत्य ६०६-३३ नक होका बागर रामिणनाष्ट्रत भारतमा इत्व २४६-०८ गम होता। धरे कहेन शहात प्राप्तान एक स्वरक शान्य दाकरम्बद रव कर्रामचे करन शाकरत कारक शाक्तमनरभाव आगा हरन पछक्ता ४-१८ छात्र; विष्णु सहाताचे क केन्द्रशास्त्राच्या मानवा प्रत्य विद्यालय व्यवस्था TO NO MENT WAS DEAD OF THE WESTLAND LAND THE WHITE MARKET গতিক্ষাকাৰ হৈছি কৰিছাৰ কৰা ব্যৱস্থা।

MEIN-CHENN (Grants in aid) বভানে কৰাৰ পশ্চিমবংপাৰ কৰা বিদ্ধা বছাপ क्या स्टाट्स: इप्टर्स क्रियामा क्रियान सामा क रक्त अन्तिमनभारक श्रेटकार्गात वीक्रक করেছিলেন। পশুম ফিনাম্স কমিশনের স্পোরশের ভিত্তিতে পশ্চিমকল কেন্দ্রীয় সরকারের কাছ থেকে সাহায়া-জন্মান পাবে ४२-४२ कार्डि डोका: किन्छ जानाम क উডিব্যা অনুসময়তার দাবিতে সাহায্য-অনুসাম भारत क्याक्टन ১०১-৯५ स्कारि होका क्या ১০৪·৫৭ कार्डि होका। क्रिक शन्दिन-यानात केरण निष्ठ हा बन्छानि करत हम छात्रक সরকার প্রতি বছর ১৮০ কোটি টাকার উপর डेनाज न करबन अवर गौक्तिवरण्यत्र रेडबी **हर्षे इन्हानि-हे (व छावछ महकाराव देवर्गाणक** महा जलामत नर्गारमका बहुद्दकर्ष देश अपर अवन्त्र एवं शन्दिययंत्रा स्कान विस्तव আৰ্থিক সুবোগ অথবা আৰ্থিক বয়ান্দ भारक मा, क्रियम दन क्या क्रिका करवन नि। আমরা আশা করেছিলাম, মহাবীর ভাষীর সভাপতিতে গঠিত পশুৰ বিদ্যালয় কৰিলন কলকান্তা সহানগরীর ব্রবস্থা, বিশেষ করে এই মহানগরীর পরিবহণ ও জন্ম নিক্সংসলের प्रवन्धा प्र क्यांत्र क्यां, वनग्रविग्रन्त केलव-বুপোর অধিবাসীমের প্রবীসমের জনা, এবং স্বোপরি পাকিস্চান থেকে জালভ नत्रवाचीत्रत्व भूनवीत्रत्तव सन्त त्राहासः ' जन्मात्तव भविमाण ज वेड वाज्यस्म ।



### बिस्मारक हाउरामाका ध्वरून क्याबाड क्या क्याब क्याह-वक-३३ विकास !

মক্ত লভ কোন ভারগোকা বাবার क्यूबर दादा ३००% त्वती काम त्वता। बुत्रहे प्रतिकृषः चक्रव क्य । (क्रामिन रक्षम क्रिक गावना क्रेड निम । क्रिका क्षणं विरक्ष गारबम् । जानगरन शाकीरक विक्रीरत सन्दर्भ-रक्षमः जानगरन कृत THE





बारकीय गामाबीटक मन्द्रीक श्रमणानीय सनाकान গ্ৰামকাল ন স্তাকাডে মি 2672 ্ৰুনসাধান্যপ্ৰ क्ष्यालीत जिल्लीत्यव क्रिक्नाक्कां व श्रीवक्ष शास्त्र करा। जीतन्त्र फिल्ममा किवनश्ल मधन कार्यन क्षिकारण जिल्लीहे যোগদান করেনেন ক্ষেক্ডান সাপ্রিচিত ভরাণ শিশ্পীর সাক্ষাং এখানে পাওয়া বার্ত্তন। করকাতা ও গংলা দেশের বিভিন্ন স্থান থেকে ৭৪ জন গ্ৰুপীৰ ভাস্ত্ৰ নিৰ্দ্তন সত যোট ১১১। हे राज्या अपूर्णातीएक एक्स अस्य। নির্বাচন ব্যাপারে ঠিক সংবিচার করা গ্রন। ছবির **সংস্থা অপৈকা কতৃপিক** র্ভান উৎক্রাম্বার निष्क अस्तराखान मिराउन া হলে প্রদর্শনীর মান আরও উল্লভ হতে গ্ৰাফিক काञ्चर्यातप्रमाग्नेत्र সংখ্যা অংশ। প্রদর্শনী দেখে মনে হয বাংলা দেশের অধিকাংশ শিল্পীট প্রগতি-বাদী - স্বপ্ৰাং ব্রেগর চাহিদা অনুযায়ী <sup>সমকাল</sup>ীন বীতিতে **কাজ করেছেন।** গুদশানীতে বিম্তা, সম্বিম্তা, স্র-রিয়ালিভিক ও **আধনিক নানা পৃশ্**তিতে র্গাচত অনেক নিদশন **দেখা যার। প্রদশ**নীর বৈশিষ্টা এই বে. এখানে করেকজন প্রতিভা-শলী তরাণ দি**ল্পীর সাক্ষাং পাওরা যা**র। वरा:छाष्ठे मिल्लीसब सहना जब स्कटा খাশান্ত্প নয়-অনেক স্থলে প্রতিভাবান ভাবে শিলপীদের পালে ভালের দর্বল বলে मान रहा। वह उद्भाव विक्ली आसकान নির্মান্তভাবে **কাজ করে চলেছেন, স্তেরাং** मधकानीन अटहन निम्मीरमञ्ज भरवा देवीनकी বজার রাখতে হলে ব্যাক্তেক শিক্তীদের धक्ना-अधिक नात्मद त्यार कान करत নির্মিতর্পে কা**জ করতে হবে। সমকালী**ন তর্ণ শিক্শীদল সক্তির ও সচেতন। কেবলমাত অতীতলক্ষ স্নামকে সম্বল করে চাদের মধ্যে স্বাভন্য বজার রাখা আদৌ সম্ভব নর। তাছাভা জনসাধারণেরও র**ু**চি वनत्नारक । विकासत्वाव द्वरकटकं कविर्ण চর্বণ তারাও আর সহা না করতে পারেন। তিনটি স্যালারীতে রক্তি ছবির সধ্যে भूवं शालाबीणिहे स्त्रफं - धशास क्राक्कन



हेटकाम हैक आएन्ड जाहे

—सम्बन्धनाम क्रोस्सी

ভর্ণ পরিচিত ও অল্প পরিচিত শিল্পীর फेट्कथरवाला निमर्णन एमवा बाह् । **अधर**मरे চোৰে পড়ে সমৰ ভোমিক গণেশ হালাই. মহিম বুদু অমবেন্দ্র চৌধুরী ও নিম্নাল সমের বচনা। বিষালিস্টিক হালেও সমর ভৌমিকের কমপোজিশন ১-এর মধ্যে পরোনো ও নতনের সম্পর সমন্বর দেখা যার। প্রধানত উল্ভাৱ লালরঙে মধাস্থিত মতিখানি একৈ শিল্পী চাপা রঙে ইম্পান্টো ব্যাভিতে বচনা ক্ষেত্ৰ নানা কার-কাৰ' সৃষ্টি করেছেন। ন্বিতীয়টির পূর্ত-ভামতে কাচের কার্কার্ব স্থি করে তিনি চাপা রঙ বাবহারে কৃতিত দেখিরেছেন। বদতত দুটি ৰচনাতেই শিক্ষীর ভারতীর ভাবধারা ও আহানিক রচনারীতির পরিচর পাওরা বর। জলরও ও রেখা মাধামে অকি৷ গণেশ হালাইরের গোলভেন ফিল-এ পাচীন চিত্তকার আভাস পাওয়া যায়। ছবিখানি বাহ লাবজিত, কেবলমাত পাতলা জলবন্ধ ও রেখার সরলভার মধা দিরে শিক্ষী যেন এর মধ্যে প্রাণসন্তার করেছেন। মহিম বুদু বিমূত শিল্পী পরিচিত, যদিও প্রদর্শনীতে এবারে অনা-জাতীর ছবি দেখা যার। এ ফ্যানটাসি ট্রী মনে হয়, রুপক্ষার ভিত্তিতে রচিত— বিচাৰ্ড ডয়েল-এর একদাখাত ফেয়ারী खबिर-धंद जल्म धंद किছ. मान मा व्यक्तकत कार्य भएए। नाज देन व जानि शादर्धन खाँबर हिनारव मन्य नह। जान, নীল ও হল্পে রঙের ছোট ছোট চতুভূজ সহকারে অমরেন্দ্র চৌধুরী তার রচনার প্রাচীন চিত্রজাতীয় সরলতা অনার চেষ্টা করেছেন—এই প্রসপ্তে ইডেনস ঈভ আওড

क्रोधम विक्रमी शक्के वृत्ये পালে একমাত্র দড়িতে পারে

# সমবেত প্রতিদ্বন .३ जत्रात्र

সন্দীপন চটোপাধায়-এর প্রথা ভাঙা গল্পের বই ৩٠০০

व्यक्तात्मा २३ वर्ष ১১म मः

## গলকবিতা

পরের সংখ্যা : শুধু কবিতার জন্ম

सदना

১৭/১-फि. जार्च त्रान म्हीते, क्लकाका ५२

(FR 9008)



# अक्षकन्या

# र्कान्ड्यन आहाय

বারা ফণিভবণ আচার্যকে ক্রেক্সাত কবি বলে ভানেন, তারা करक भारताभारत करनन ना। তার উপন্যসগ্রিল বারা পড়েছেন, তারাই জানেন, তাঁর উপন্যাসের কোথাও তিনি কবিছ করেন না। ভারনের অজন্র ভারাচোরা ও উত্থান-পতনের ক্ষ্য মুম্বান্তিক ঘটনার দুন্টা ফণিভবণ আচার্যের বিচিত্র অভিজ্ঞতার কথা জানতে পারা যাবে পশুকন্যার মূল নারক म वश्चरात व-कम्या উনিশ শো তেতালিশের দ্যতিকের সময় সে একা প্রথম কলকাতার এলো। রাস্তার, পার্কে শুরে সে षिखीत्र महास्ट्रास्त्र माहेरतम ग्रास्ट्र ভারণর নানা উত্থান-পতনের ভেতর দিয়ে সে বর্ডমানে একজন কতী রিপোর্টার। সে দেখেছে, দেশ ও সমাজ কিভাবে ভাঙছে। সে দেখেছে, জীবনের মলেবোধ আৰু কোথায়। তার সেই অভিজ্ঞতার ব্রে এসেছে बद्द विक्रित हिंद्रताद नदमादी। তার মধ্য থেকে মাত পাঁচজন লাজিতার কথা নিয়ে অত্যত লাগিত ভঙ্গিতে লেখা তাঁর 'পঞ্চন্যা' সাম্প্রতিক পাঁচশ বছরের ছিল্লভিল সমাজের এক দ,বিবহ বিব্যতি। क्षा बारता होका।

এই লেখকের জন্যান্য বই :
পূজাশ বনের গোষ্টা ৫.০০
সহরোর নেশা ২.৫০
হল্ম পাখির ডাক [নিম্নেবিড]

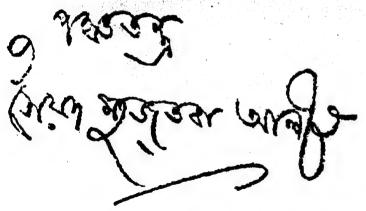
## त्रवीन्त्र लारेए बती

১৫/২, শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট কলিকাতা ১২ ফোন ৩৪-৮৩৫৬ बाठे अत्मक्त मृष्टि व्यक्त करते। नियंश मखत मुणि ছবির মধ্যে বারাণসী খাট উল্লেখ্যালা। ইয়প্রেসানিস্টিক ব্রীভিতে হলুদ রঙ সুকৌশলে ব্যবহার করে শিল্পী বারাপদী আটের বৈশিন্টাট্রক ফুটিরে জলেছেন। বিমার্ড কানার মধ্যে বরেন বদার ক্যপোকিশনের নাম করা বার। ক্র কাডীর **५०७** नात्नव ওপর আকারের সাদা ব্ৰেছ বহি রেখাম লক নানা বিম্ত আকার এটিকে বিলিফের বৈশিন্টা দান করেছে। রখনি মৈতের আই ক্যানট ভাই-এর আবেদনে করেকজন বে সাড়া দেবেন সম্পেহ নেই। আর একখানি ছবি অনেকের চোখে পড়বে-বি আর পানেসার-এর সেলভা সেল-ভাগিরা। হলুদ রঙের পাঠভমির ওপর নীল রঙের লম্ব্যান ও সাবলীল তালির টান দেখে শিক্ষীর জনারঙে বছবা প্রকাশ করার ক্ষমতা বেঝা বার। কাভার্ন লাকলাতের সরেরিয়ালিশ্টিক রচনা অপেকা পার্ট অব মাই হাউস বেশী ভাল লাগে, যদিও এতে কিছ, আমেরিকান প্রভাব আছে। কাতিক পাইন দুটি ছবিতেই নিজ স্বাতস্তা বজার রেখেছেন। দটেই সরেরিয়ালিন্টিক, বনিও হল্দে রঙপ্রধান মিডডে ইন মিডসামার সকলের ভাল লাগে। নিসগদিশা হিসাবে শ্যামশ বোসের মনসূন ওরাশ-এর ভিন্ন স্বাদ। ছবিটি এ**রপ্রে**লানিস্টিক, ভ্যান গ'র প্রভাব লক্ষিত হলেও শিল্পী ভার মত সমুজ্জাল রপ্ত বাবহার করেন নি। একা-প্রেশানিষ্টিক রীভিতে চাপা রঙে আঁকা দুটি ছবিতেই অনীতা রয়চৌধুরী তার স্বাতন্যা রক্ষা করেছেন। পরিভোষ সেনের দুটি ছবিং-এই তার অব্দ্রাতির বিশেবর रवाका बाब।

উত্তর দিকের গ্যালারীতে থাকে জলরঙে र्यांका नाना इदि ও निमर्गप्रमा। व्यथिकाः भद्रे ভারতীয় পশ্বতিতে বুচিত, অলপ কয়েকটি ছাড়া অনা কোনও ছবিতে কোনও বৈশিদ্যা तिहै। अवाति श्रयत्मेर कात्य नास् मणीना-ভূষণ গালেতর প্যাড়ি ফিল্ডস। প্রধানত একটি রঙের স্তরভেদের মধ্য দিয়ে বাংলা দেশের বিশ্তীর্ণ ও শ্যামলকোমল ধানকেতের এমন অনবদা রূপ আর কেউ প্রকাশ করতে পেরেছেন কিনা জানি না। প্রভাতমোহন বন্দ্যোপাধ্যারের ল্যান্ডন্কেপও এই প্রসংস্থ উল্লেখযোগ্য। धन डाक्नामाद-धद · গোল্ডেনফিশ অনেকের মনে রেখাপাত করে। জলের মধ্যে বিচিত্র ও রঙীন নানা শ্যাওলা ও লভাপাতার মধ্যে কিভাবে করেকটি মাছ আপনার মনে ছারে বেড়াছে त्रक्ष ও রেখার নানা काর कार्या अधा मिस्स শিল্পী সেটি প্রকাশ করেছেন। গোপাল ঘোষের দুটি মিনিরেচার নিস্গৃদ্দের মধ্যে শ্বিতীরটি অনেকের ভাল লাগে। মৌলিক बहन्पर्वीष्टित । बिरम्भ करत चाकारमह रहक বনারমান নীল রঙ্ক তথা মেবনৈচিতা দেখা গেলেও তাঁর কাছে আরও অনেক কিছ্ আশা করেছিলাম। অন্যান্য ছবির মধ্যে হনিকুম (রাখাল লাশ), ল্যাণ্ডদেকপ (প্রেম-তোব মুখাজী), ও আ্যাপ্রোচিং নাইট (অনিল পাল)-এর নাম করা চলে।

পশ্চিম গ্যালারীতেও বিশেষ উল্লেখ্যালা নিদর্শনের সংখ্যা অবস্থ। তা ছাড়া সংগ্রিক প্রদর্শিত বিভিন্ন শিল্পীর অনেক করে ध्य दन दम्या याम-त्मना विकासक মধ্যে ধরিনি: কারশ, সেগ্রেলার আলোলা ইতিপর্বে হয়ে গেছে—বেমন ১২, ১০ 93, 80 03, 80, 83 303 @ 303 E নিদর্শন। এই গ্যালারীর ছেণ্ঠ বচনা হিসাবে স্থিং নন্দীর সেল্টিনেল-এর না করা উচিত বলে মনে করি। পেরেড, কু ও রিভেট জাতীয় নানা উপাদান সহকারে শিক্ষণী স্বীয় বস্তব্য প্রকাশ করেছন। পরিকল্পনা ও বিভিন্ন উপাদান সাসংস্থাপন করার ফলে পরস্পরনিভার কমপোজিলনাট आर्थानक शामक अकरमात्र कार्फ अञ्चलका रत छे:ठेट । अब भद नकद भट वर्ति লোস্বামীর 'ভাক'। সম্ভব্ত ই<sup>িড</sup> হন কালো কালি ও কালিয়াফিক বেখা দৰে রচিত এই সাধারণ অথচ আধানিক ছবিলিতে শিল্পী বেন তলি ও রঙ মাধ্যমে প্রণস্থার करतरहरू। म्नाम्बारनद श्रास्कारे । পরিমিত স্থানট্কুতে চাপা রঙের নানা লম্বমান টানের মধ্য দিয়ে সাবল পাল ভার দ্রটি রচনাতেই (পেণ্টিং) ইমেজারীর স্থি করেছেন। **এ গ্যালারীতে** আর একথানি ছবিও অনেকের দৃশ্টি আকর্ষণ করে— স্ক্রাজ টিকু-র অটাম রিফ্রেকশন। প্রদর্শনীর অপরাপর ছবির মধ্যে ছবি-রাগ দেশ (र्ञानस्य स्ननग्रुण्ड), देकनामभर्ती (रेग्स দ্বগার), ইনোদেশ্য (জীবেন সেন), কমপো-জিলন-১ (ধ্যুনাবাৰণ দালগুলে) বিক্লাইনিং ফিগার (মশে,বৃহত সিং বোধরা), দি মন (নিসার আজিজ) ও কমপোজিশন (নিখিলেশ দাশ)-এর নাম করা উচিত।

গ্রাফিক ও ভাল্কর্য বিভাগ দুর্বল।
প্রাফিকের মধ্যে শ্প্রিং (ছরেন দাশ) ও
কমপোজিশন-১১ (নিরামর রার) গ্রিণ্ট
উল্লেখযোগ্য। ভাল্কর্য নিদর্শনের মধ্যেও
অনকগ্রির ইতিপ্রের অন্যান্য প্রদর্শনীকালে আলোচনা হরেছে। অর্থিন্ট
নিদর্শনের মধ্যে বিশেষ উল্লেখবোগ্য কোন
ভাল্করশিক্স নকরে পড়েনি—তবে তর্প
ভাল্কর সভ্যেন মজ্মদারের কমপোজিশন
(সিমেন্ট)-এ আফ্রনিক গঠনরীতি ও
আরতনিক সমতার পরিচর পাওরা বার।
সমরেশ চৌধ্রীর কমপোজিলন (ক্যান্টার)এ কোনও বিশেষত চোধে পড়ল না—তার
কাহে উৎকৃষ্টতর নির্দেশন আবা করেছিলার।



হাসন রাজা (৪)

মী হটাওলে চাষা ভূষে দের ভিতর একটি দীবড় স্ক্রব প্রথা আছে।

कान हमा मीम बिरत कराद ক্ষাক ক্ষাসের ভিত্তে**ই দেখতে পার বে**. তাং প্রী বছই বুশ্চরিকা তথন সে আপ্রাপ 550 TEN মেরেটার স্বভারচরিয় जाः भरत সংশাধন করার। কিন্তু यक েখ যে ক্ষয়েটা জাত-ক্ষাত-খন্তর তখন ে তথ শাশভেষি **কাছে যায়**় গণ্ড়ী এ নেয়েকে গড়ে ধরেছে ভাকে বড় করেছে, মা মেয়ের দ্বভাব ভাল করেই ছানে। একমাত্র সেই ব্**র**রতে পার্বে চ্বার দৃশ্বতা জীবন যে সংখ্যুর হ'ল না তর জনা দামী তার মেরেই।

চারী তথ্ন শাশ্চীকে কলে "আশ্মা, ডুমি তো সব জান, আমি আর পেরে উটিল না, তুমি আমাদের একটা তালাকের বক্ষা করে দাও এবং তুমিই বেছে নিরে অমাকে অনা একটা বউ দাও।

এপথান বলা প্রয়োজন, লাশন্তী যদি বৈজ্ঞায় তালাকের বারস্থা করে দিরে নিজ প্রভান জামাতার জনা বধ্রে, সম্থানে বিবের তাহালে সবাই অক্নেশে ব্যুক্ত বার বৈ এই তালাকের জনো চারা লারী নর, দ্বী তার বউ।

হসন রাজা এই প্রথার সংবোগ নিরে <sup>এবটি</sup> গতি রচনা করেছেন। বে গতিটি <sup>টীকটিশ</sup>নী সহ একট**্ ব্**ঝিরে কলতে বে।

ক্রিভিতে জানাজ্য জান ভালত আল ওমার্ল্ড গোটেরল জানাজ্য দরে মার্গিক ও টাকা কিছিতে। সংক্রাক প্রাক্ত প্রথম সাধান মাইতে পারে। গামিচ AGENCIES(a) মার্গ্রাক্ত প্রথম সংগ্রাক শ্চনা শক্ষের অর্থা প্রিবী: 'তবজানা বে প্রিবীকে আমরা 'জানা' প্রাণ দিরে মহন্দত করি। অথচ এই প্রিবী কার্তেই প্রতি নিতাদিন স্প্রসাম থাকে না। - আজ একে রাজা বানার, কালা তাকেই কের ফাকর করে দের। এই প্রিবী অর্থাং 'তবজান স্থিট করেছেন আল্লাভালা; বে রক্ম চাবার শ্রী তবজানের জন্ম দিরেছে ভার মা।

তাই হাসন রাজা আল্লাকে উল্লেখ করে গাইছেন,

শুই মোরে কলংকী কৃত্তিলা গো,
হবজানের যা।

তুই মোরে কলংকী কৃত্তিলা

তোর মাইরা ভবজানকে

কেন বিয়া দিকো গো।
ভবজানের মা! তুই মোরে কলংকী কৃত্তিলা।
ভবজানের হাখিলা হার স্তুপেতে মজিরা,
সব ছাড়িয়া বইলাম কামি,
ভার দিকে চাইরা॥"

এরপর সেই ভবজানকে অভিসম্পাত দিতে তার উন্দেশে হাসন রাজা গাইছেন,

শতোমার বত রগীত নাতি,
জানিরাছি জারি।
বিন কতেক পর বর
নতুন নতুন সোরামী ৪
কড কড রাজা বাল্লা,
লাইলার ভূমি বর।
ভরেবে ছাড়িরা কর,
ভূমি জনোর বর ৪°

এরপর হাসন রাজা তার গাশাটো তবজানের যা অর্থাৎ আলোতালাকে কাতঃ ক্রমনে নিবেদন জানাজেন.

া হাসন রাজার তত্তি করে

ভবজানের মার পাও (পারে)

শীর করি শাশ্বভী মাই,

ভবজানেরে হাড়াও ম

(তালাকের ব্যবস্থা কর)

এবং সর্বন্ধেরে হাসন রাজা সেই বৃষ্টরিয়া ভবজানকে পাসাক্ষেন, হাসন রাজ্যর বলে পিনন্ধি, করবো না ক্ষে ভোর। হাসন রাজা সম্বন্ধে আমার দ্বতিনটি কোথা বেরোনোর পর একাথিক প্রান্ধন শ্রীহট্রাসী আমি হাসন রাজার বে সব গান উম্বত্ করেছি তার ভিন্ন ভিন্ন পাঠ উল্লেখ করে কোন্টা প্রকৃত পাঠ কোন্টা প্রকিশ্ত জানতে চেরেছেন। জনৈক স্কেদ তো দলিল দশ্তাবেজ নিরে দীনের কৃতিরে ইপশ্ছিত।

শ্বরং রবীন্দ্রনাথের রচনাতেও—জার শেক্সপীরতের তো কথাই নাই—কোন্ পাঠ যে শংশু কোন্টা অনুম্য তাই নিরে তকাতিকির অবসান নেই। হাসন রাজা তো এাদের কাচে কিছাই নন।

আমার নিবেদন, হাসান রাজার জীবিতাবস্থাতেই হাসন উদাসা নাম দিয়ের তার একটি গীতি-সংকলন প্রকাশিত হব। আমার তাবং উম্পৃতি তার ধেকেই কর্পে কর্পে, অকরে অকরে।

### न्कृन

# नार्क

मिनीश ভ्योठार्यंत्र नाउँक

### कारनारमयान

### **त्नि भर्**था

দুটি নারাঁবজিত প্রেক্সরপ্রাপ্ত একাক নাটক। একলে ম্লা ৩-০০ ভালাপ্রয় নাটকার •

অমর গঙ্গোপাধ্যারের নাটক

### অন্ধকারের আয়না

সামাজিক শ্পান্থ নাটক। দুটি নারী একটি সেট। সাসংশেক। মূল্য ৩-৫০

### र्थमा <sub>त्रवीनः</sub> ভ्रोहार्खन्न काथाय जारना

সৌরীন্দ্র ভট্টাচার্য দ্বিট নারীবর্জিত প্রেক্সারপ্রাপ্ত একাক্ত নটক: একতে হল্ম ০.০০ সৌমেন চট্টোপাধ্যারের নাটক

### नागभाभ

য়হস্য প্ৰায়। একটি নারী ৩-৩০

পরিবেশক: নবপ্রদৰ্থ কুটির ৫৪/৫এ কলেজ পাঁটি, কলকাজ ১২

# হবিজে সবচেয়ে তাড়াভাড়ি রান্না হয়-সবচেয়ে নির্বাঞ্জাটে এবং সবচেয়ে নিরাপদে।

কেন মা

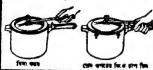
ভটে নালেনার ভালের জন্ত জারগা আছে কেন। ওয়া গাডেট ও সেকৃটি ভাল্ড অনেক বেন্দীদিন ভৈক। আর হকিলের ডিজাইনাই এমন নাডে ফুর্মটনার কোন ডয় বাজে ব।

একচা প্রেলার কুকার আপনার অনেক সময় ও পরসা বাঁচিয়ে দিতে পারে—বিদ অবস্থা ওর ঘন-ঘন বেরামতি বা বক্তসাগেক অচলবদগের মরকার না হয়। আপনার কেনবার পক্ষে হক্তির হতের কর্তচেরে নির্বহাটের প্রেলার কুকার। বাঁটি ক্থাড়লি হতের এই:



া অভাত অধিকাশ নামার কুলার যে কোর অধ্যাত নার্যে ভাষ্য নার্যাত করে কারে কার্যাত চালা মারা হা কিছা বাল ও বাল নার্যাত করেন বিশে বিশ্বিল নিজে পরাও বিশেষ, আছত ক্ষেত্রি বিশ্বসাধার করে ক্ষেত্রী কারণ বালে সংক্রাত হারতে





s; আনুষ্ঠ কৰেও প্ৰেমান কুনাকোঁ, কেবলে চাপ বাকৰে চানামা পুৰুৰ সম্ভৱ্য চাকৰা চিকিক কৰাৰ কা কাৰে। চানামা চাকৰা চোক কাটক কোনা কা বা ব্যৱসা বা চাপ সম্পূৰ্ণ বিভাগৰ আৰু আৰো। কাৰা, চানা, কোনামান কাৰ্যা আনুষ্ঠাৰ আৰু চানামান্তিক সান্তৰ্য কৰা চোলাকে কা



া বজাত অধিকাল প্রেমার ক্কারে সেগারেটর সাল্প্রাবে পারের সলে এটে বার এবং স্থাতে অংশর চলাচদের কভ অভি আরই রাজনা। থাকে। ছবিংল দেশারেটরে অংশ্র রাজনা থাকে আরও আনভাবে বাল্ চলাচদের কভ এবং আতে আপনার আরও আয়াকাটি ও আরও স্বান্দ্রাব্য রাজ্য হয়।



পাঁচ বক্ষরে নাইন। বাবারি (৩.৭৫ নিটার),সাইজের নাম ১০৭ টাকা, টালে আনারা। ৫ জনের কল নিথিত গাারাকি। তাড়াটা সম্পূর্ণ নির্দেশবরী নহ একথানি প্রেসার কুকারের বই। আপনার কাছাকাহি হকিলের লোকানে নিজে কিকেই নেথে আল্পন।

> বৰিক ইউনিবাৰসাপ-এর প্রায়তকারক
> ক্রোনান্ত ক্রুক্তাব্যসন্ প্রেপ্ত
> ক্রয়াইনান্তেক্সকেল্ডান্ড প্রায়ত করিব ইইনাইটেড ইভিজ বিলিডা; কিনানানা বেহতা বেড, বোধাইন । এন বি হবিক এও কো বিং, ইউ কেন্ত্র বাইস্কেন্ড ক্ষমিন হৈছী।

Hawkins

সব রক্ষের প্রেসার কুকারের মধ্যে একমান্ত হকিসই পেটেণ্ট ছারা সুরক্ষিত।

### Town Name IN

বিদেশে থাকার বাহার করিব হৈনা
পাই আনক সেরাহেড! ক্রকার বেরার করেব
আলোচনতে বোল নিতে লেকে করিব
সভাহের বাবধান একে বারা। কিছু লার
২০০৭ আমানের বিশ্বনিকার্না
পরার সম্পর্কে বিশ্বনিকার্না
পরার সম্পর্কে আলোচনা
ক্রিকার্নার চার্টাপালারের উত্তর পরে
লনে হলো, দেরি হলেও কিছু লোকা হরতেল
অপ্রাস্থালাক হবে না। বারা আমার চাইনত
আলো দেশা পর্কেন হারা কেউ এ সম্পর্কেশ
ইল্পা কিছু বলে থাকাতে পারেন।

পৃথিবীর खार कि वा शर्बही সংগ্ৰিত। ভোগক विश्वास 7314 तिस्तरिक निष्ठेव करते वसरक भावत्यम किया क्रांति सा । सिर्वास विकासी वरण পুঢ়ার করবার ধাদ্যক। নেই। তাবে গাভ বিদা वार्टेन वहात धरव विश्वमञ्जाहत শ্বীকৃত ক্রিনীদের করেও করেও কাছাক্রছি আসকার সৌতাগা হয়েছে। ত'তে করে, অথবা দেহাত জীবিকানিবাহের জন্য অক্তরীক (Space science-wings) विक हाला किया कालि या) अवीरवर्ष সামানা কিছ, চচা করতে হয় কলে, মনে হলো হরতে। কিছু মুক্তবা করতে। পারি। রে প্রদানিরে আলোচনা তার জন্ম খুব वस विकामीत शरकाकत स्मेरे।

গতলেখক শ্রীন্দিকেশ্চন্দ্র রাষ উব্তি বিরেছেন, সাধারণ লোকের এনে প্ৰিবীয় আকৃতিত ভোটামাটি மகப் धातभा रमयात कता रकान रकान विकासी धे वक्स विदवन मिटल शारकमः। भाषिकीटक খাঁয় আছকাল ক্ষলালেবহুর ফালে পেরার (Pear নাসপাতি নর) এর সাথে ভুলনা क्ल्रहरू। हाद आहम किन्छ अ मन द्व र्गायदी **উद्धत-मिन्न किंद्र** हो हाना व शतनाठी कुल। विवास्तरसभात काटक ग्रिकीर बाज छन्नम, जीकन मूहे स्पत्र ग्लाक्त ठाहेरक ट्वम्पी। ट्याह्न निट्कत वाल शांत २৯४ छारमत धक्छान कम। धरे च्छन-मिक्टन हाना त्यामदक्त (Ellipsoid) षेशत **आतात ताला आहणात स्वीधिः** वा जन्मिक (depression) आहर्षाः केन्द्र त्मर्व काटक नामाम्य ५० विशेष्ट्रक मार्क <sup>छे</sup>र धवर क्षेत्रन सम्बद्ध कारण आह ७० विधान नीष्ट्र। अ साम्राध करमक जानगान नामाना विकास आरम्। दवसम्, जरमेनिता-निर्धित्रीना बार्स 40 विकेश वर्ष न्योंकि Control of the property of the

বিজ্ঞানীয়া এইসৰ সিন্দালক প্রেটিছেনে, প্রত্যানের বে সব ভবা আন্যাহিল ভার উপর কৃত্রিয় উপাত্তরের বেকে পাওরা ন্তেন উপালান থেকে—ভালের কক্ষণারের সামানা পরিবর্ভানের বিবল গালিভিক বিশেলবংশর ফলাকর বেকে। এই আভীর উপালান প্রথম আসতে শ্রুত্র কর করে বর্মানার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বিশ্বার বালিভিক ব্রিভিড সলেহের বিশ্বার অবর্মাণ্ড নেই।

লেখক প্রীতর্শকুষার স্টোপান্যর বুল বিজ্ঞানীদের বে নব উল্পৃতি দিরেছেন তা কবেবার বা কি পরিপ্রেজিতে বালা তা আমার জানা নেই। কোন বিজ্ঞানী বাধন বিদশ্ব সহাজের কাছে নিজের ফিল্টাবারা পোল করেন, জখন তা বাকে কিছু জংল ভূলা নিলে, সব সমরে তিনি বা বালতে চেরেছেন তা প্রোশ্ধির বোলা বার না। বতস্ত্র জানি, প্রিথবীয় এই আছুতি সন্দেশ বুলা বিজ্ঞানীয়াও ন্যিমত নন।

শিক্ষাতের কথা বলি মনেন, তবে
গ্রিবীর নানা দেশে এখনও বিকতর লোড লক্ষেত্রন বাঁদের গড় বিশ্বাল বে প্রিবী সমতল (flat)। তাঁদের করণার বিপারীত কোন ব্রিভ নিতে তাঁরা নারাজ। বেশী দিন মর, গড় ১৯৬৮ সালের ভারতীর বিজ্ঞান কংগ্রেকোর কারণারী অবিবেশনে প্রাথ বিজ্ঞান গাখার এই সোক্ষীর এক-জনকে বস্তুতা গিতে দেখেছি।

जाब, निक विकास्त्र ज्ञांगीकर जावार সংবারণের উপব্র ভাষার বলা বেল কঠিন काल । शास २० वहद चारण व्हान क विकास' महिकार अवर 714 टेरटबक्कीरफ निषयाच रहकीत अंतर BANK . वेस्टबर्क रिक विष्य देख সহজভাৱে वक्रानिक क्लाक अस्ताकरने व जनसम्ब जावाना किन्द्र थानेता या गढारक, का रक्षरक करिय रमानक कहर नवाद रक्त गुरुष कारकत काव मिरमायसः। विकारमा इ.क कहानकित कृत्यं टकान पाकिन्दिल्लाक भटक विकारमा अवस्थ गाना शानाना जिल्हारस्य अवस सामा गांकर स्था। कारणे हारभारका रकाम रकाम

# **VERNEAU**

to the state from

## न्द्रवाद स्माप विश्वन मित

नगरतम बन

ুপ্তকাকাৰে প্ৰকাশিক হলে প্ৰকোশী উপনালের দল হবে কম করে দল টাকা ট

५ वि क्षेत्रवादमानं रोगं साम वित्यवान भ्युः कञ्ज

তুটি বদ গণ জিকেছৰ মনোজ বস্ আশ্তোৰ ব্ৰোপাধ্যাৰ প্ৰস্থনাথ বিশী

5 हि नाहा-सामारण नाहेच निरमान

Mil century frences

বনক্ল আচিত্যকুমার সেনগ্রেত প্রবোধকুমার সান্যাল জ্যোতিরিক্স নক্ষী স্নালি গড়েগাপান্যার নিনাই ভট্টান্য বরেন গজোপান্যার

ट्यायम् विव

**ि १३ त्यावेशनमा निरम्या**न

অন্তৰাশ-কর রাম, শ্রীশান্দ শ্রীবিদ্পাক, শ্রীকল্ফে ও লাভায়ণ গ্রহোপাধ্যার

আনও করেকটি বচনা বিশ্বছৰ

কৈবিকং - বাৰবী ক্লবড়া - ব্যুক্তব্যু

চাট্ডলী - বন্ধুবুজনার - ব্যৱহ্রনাটিত
ব্যুক্তবার - ব্যৱহ্রনাটিত
ব্যুক্তবার ভালার ক্লেন্ডলার

কল্পনার ভালার কল্পনার

কল্পনার প্রক্তবার

ক্লিন্তর প্রক্তবার

ক্লিন্তর প্রক্তবার

ক্লিন্তর প্রক্তবার

ক্লিন্তর প্রক্তবার

ক্লিন্তর প্রক্তবার

ক্লিন্তর

ऽला जाश्वित

ৰাম পঢ়ি টাকা । সভাৰ ৫-৭৫ টাকা

জারগার ভূলহাটি হওয় ব্রই
দ্যালানিক। ব্যি কোল পাঠক তা তার
ব্যেরের জান্যার ক্রেটা করেল, ভবে তা
সহজ্ঞতাবে মেনে দেওয়াই শোকন এবং
বৈজ্ঞানিক ব্রিউভন্নীরও পরিচারক। তাই
২০নে আবাচের সংখ্যার জালোচনা এবং
কিছ্মিন জাগেকার শ্রীব্র মেনে রাহা
ব্যালকের চিটি সাপ্রিক মেনেন

वाबारकर कार्य कियाणे श्रीकृतिमात्रक ।

এই সৰ আলোচনা দেখে, আৰ একটা কৰা ভেবে একট, দুঃখ ইয়। কোন প্ৰদেশৰ উপায় সংক্ষেত্ৰ এলে আমাৰা বুল বা আমে-বিকান কোন প্ৰবান্তৰ দলিব দিই। বিজ্ঞানের সমস্ত শাৰাতেই, উপায়ক ও ওয়াকিবহাল লোক আমাদের দেশে, এবং ক্সকাভাতেই, বংশক সংক্ষেত্ৰন, বাঁৱা এই সমস্ত প্রথম সন্দেহের নীনাংসা কর নিতে পারেন। অন্দেকেই আছেন বার এব একটি বিশেষ পাষার বিজ্ঞানচর্চা করে বাজেন বছরের পর বছর। তাদের মিজেনের চর্চার বিবরে বিবেশীদের চাইতে তাঁর কর কর্মাক্ষিক্ষালন।

> অর্ণকুমার সাহা ত্রিসবেন, অস্টোলয়

# এই ঢা-ই আমি ঢাই

# लिপটेरतत तिष्ठक रचसन तथ रजसनि चाम



विश्व-कार्यात संगत कर हा। प्रयुत्त वर् कार्यो कार। कार कार विश्व कार्यात्व विश्व-व्यवदे वायर कार्यो कहा। ( कार्याक विश्वास कार्या कार्या अन्त कार्य कार्या वर्ष कार्या कार्या हा।

LIPTON

विश्वीन बहाराई प्राप्ता हा.

LAC-JAMEN

# PENGUINS First on the moon

16 July was the Car Festival day (Ratha Yatra) in India When Apollo 11 started hurtling towards the moon. 24 July happened to be the occasion for the Return Car Festival (Ulto Ratha Yatra), when Appollo 11 splashed down on the sea.

PENGUIN announce to publish INVASION OF THE MOON 1969. The Story of Apollo 11 by Peter Ryan 5s. Rs. 4.50; 70,000 words—16 pages of illustrations. Stock is expected in November. Kindly register your copy with your bookseller. In case of need, please write to:—

### RUPA & CO.

15 Bankim Chatterjee Street Calcutta-12.

দ্বিতীয় সংস্করণ বের্ল

# नार्वेक

জীবনধমী নাট্যকার জ্যোত বলেনাপাধ্যায়ের নাটক

# मार्ड या

## (याद्यना

গিরিশ নাটা প্রতিবোগিছার প্রেণ্ট নাটক একটি সেটা প্রিট মারী। প্রাক্ত ০-৫০ • নাটাকারের কল্বান্য মার্টক

জাতুগাঁহ ২.০০

নারীবজিতি বিধ্যাত একাঞ্চ দ্বিষ্ঠ ২.৫০

সামাজিক প্রের্ছ। দ্বৃতি নারী।
বিধ্বরণ 
দ্বৃতি প্রাণ একতি মন
একতে দ্বৃতি জনপ্রিয় একাক্ত। ০-০০

গরিবেশক : নমগ্রন্থ কুটির ৫৪/৫এ, কলেজ শ্রীষ্ট, কলকাতা ১২

### অদুরের দিল্লী

প্রবাসী দিল্লীর কঙ্কোলী কলে সকভাবত 'দেখা' পরিকায় দরবেখা লিখিত 'STATES দিল্লী' পড়তে উৎস্ক হই। কিন্ত দুছোগা বশাভ এই প্রকেশ্বর উদ্দেশ্য স্বাঝা আহার পক্ষে দাংসাধ্যে এতে পাধ্য রাজধানীর কংসা ও বাভিচারের কথা প্রকাশ कि मका? पित्रीर सम्ब रशक ্রেক্টের বে সমুগত সংবাদ ও পরিবেশের পরিচয় লাভ করবার প্রায়লন বোধ 'अमारका मिली' भावकर एक कर Scandals প্রচারিত হতে লেখে স্থিতিট স্থান্ডত হলে গিরেছি। আমার নিজের বিশ্বাস এ ধবনের প্রবাদধর উদ্দেশ্য র জধানীর তংকালীন প্রিম্পতির ছবি ফাটিলে ভোলা -কংসা রটানো নত। শ্রেষ্য শ্রেষ্য লা তিন। 20.01 रताबाट करत जिल्ली सन्भाक अकड़ा OF A ধারণা পরিবেশন করে দরবেশ কি 747.01 বাহৰে প্ৰেণ্ড চাল ২

গাভ সংখ্যার সংখ্যা ৪২, ৩১ শবেশ ১৩৭৬) বরবেশ 'চরদ' দিয়ে দেখলার বেশ একথানা ক্ষিপ্ত প্রবংধ वितार भारतका এবং ভাশভাবে নিজের গতিবিধির জানিরে দিরেছেন। সেই সূত্রে দিল্লীর করেকটি কলেজের কথাও উল্লেখ করেছেন। দর্বেশের ভাগে ভাল যে নিজীন কালাজের ভাগ ভাষনগ্ৰহ অব্যক্ত কৰি এবং বাধালী অধ্যাপক ণিকাদের দ্বার্থের লেখা প্রারার সময় নেই। কিন্তু তিনি বেধে হল शियाको उर्व निकीतन अक्षा स्थात व আছেন বাঁরা এসৰ কালাজের সংগ্রাবিশেষ-ভাবে জড়িত। স্বভাবতই এই স্ব খনর সম্পর্কে তাদের হতে প্রথম জাংগ। দরবেশ এক জারগার লিখেছন—

শিবাংজা কলেজের রাস্তাস ও সংঘন গাজিতে লেজ নিজা তথন আমি কললাম জোজা আহি বে শানি এখানে মরিলাদের ইস্টোলাও মদটদ নাবি একটা আঘট চলো?' 'চলালে খাবাবা কি?'

'না আমি এমনি বলছিলাম আর কি!
খবারর কাগকে পাড়ছি নামকরা একটি
মেরে-হস্টেলের মেন গেটে নাকি প্রভাক
সোমবার সোমবার ভোর বেলায়
ক্রাড়িঅলাদের ভিড় জ্বমে বার। খালি
শিশি কোতল কিনবার জনা। রবিকর-রবিবার
সাধ্যার নাকি খ্র জ্মে এই বড়লোকী
হল্টেল।'

রন্থখনে বি কোন্ থকরের কাগতে

এরকম রসাল থবর পরিবেশন করা হর

আমরা জানতে পারি কি ? কারণ দিনের

পর দিন কলেজের ভেতরে থেকেও বে

জিনিস চোখে পড়েনি সে থবর দরবেশ

এত সহজে কাথা থেকে পেলেন ? দরকেশ্যের জন্য কি একটি বিশেষ কোন গাণ্ডে

### শ্ৰীমং প্ৰামী যতীক্ষ ৰামান,জাচাৰ্য কৃত

### গ্রুবর বলরাম

সিদ্ধ সাধক ও ভক্তজনের আরাধ্য শ্রীশ্রীবলরাম স্বামীজীর দিব্য

জীবনকথা আর একজন অপূর্বে ত্যাগী

এই প্রন্থে এক পরম তপদ্বী মহাস্থার জীবনকথা আর একজন অপ্রে তাগগী ও ভগবংকুপালের সাধকের লেখনী হারা লোকসমাজে প্রচারিত হইরাছে। আবাল্য গৃহত্যাগী সম্র্যাসী শ্রীমং কগরাম দ্বামীজীর জীবনকথা, তাঁহার বৈরাগ্য সাধনা জ্ঞান তান্তি তাগা ও নিস্ঠার কথা এমন স্ক্রেরভাবে বিনাল্ত করা হইরাছে যে, সাধারণ পাঠকও এই গুল্পাঠে ভগবং-গ্রীত লাভের প্রকৃত্ট উপায় কি, তাহা অনায়াসে ব্রিকতে পারিবেন।

্প্রথম খণ্ড—দশ টাকা; দিতীয় খণ্ড— হয় টাকা; দুই খাড একার—প্রেন্ড টাকা]

### শ্রীভগবদ রামানজৈ বির্হাচত

### খ্রীভাষ্য

সহ

### ब्रक्षमुख ( वमान्त्रम्ब)

[প্রথম খণ্ড-- চতঃস্তেই]

#### —यन्दरस्य श्रीवर स्वामी यजीन्त बामान,जानार्य

বজ্ঞাক্ত সংস্কৃত মা্ল, মালান্থ স্বজ বজ্ঞান্বাদ, কঠিন শাল ও বিষয়সমূহের বিশ্যন টাঁকাটিশ্পানী।

রয়েজ আউডো মাইজ-৪৫০ পৃষ্ঠা মালা—সাড়ে ছর টাকা

\_প্রাপ্তভান—

### ১। **শ্রীবলরাম ধর্মাসোন** প্রেঃ বলরাম ধর্মাসোনা, **খড়দহ**,

২৪ শরগণা।

২ ৷ -- ঐ-- কলিকাতা শাখা

**যতিরাজ ভবন** ১০১ বিবেকানন্দ রোড, কলিকাতা–৬

(त्र ५२७२)

ব্যবহার কাষাল প্রকাশিত হয় ? কারণ ব্যবশার ব্যক্তমান সংখ্যার (সংখ্যা ৪২, ৬ ভার ১০৭৬) দরবেশ একটি সন্দানত পরি-ব্যবহার কুম্মা রাইছে সিরে উল্লেখ করেছেন— 'কাগান্তে কাগাকে ডখনিন শেখনের চিঠি হে:প বেন,ল প্রথম প্রতীয়। শেখনের মানের ছবিও বেরিরে গেছে প্রথম পান্ডার। মানের ছবি - কাগানে।'—অস্ততঃ আমানের

MARINE EN

जताना अकाननीय वहे

শক্তি চটোপাধ্যায় সম্পাদিত

# भर्व वाःलात्र दशके कविजा

এপার বাংলা ওপার বাংলা
দুই বাংলায় ঘর
কবিতা কল্পনালতা হইলেন স্বয়স্বর

কৈ বলতে পারে হয়তো দ্ বাংলার এই রাণ্ট্রিক বিচ্ছিন্নতার জনাই একে অপরকে এমন প্রাণপণ টানে। নাক-ছোঁয়া পাঁচিলের দাগ স্বীকার করি, কিন্তু তাই বলে চোখ তো আর কম দাাখে না। ব্রের গভার পর্যন্ত চলে যায় তার আপন স্বাধীন দ্ঘিট। সেই ছবিতে বভ বেশি মায়া লেগে থাকে।

পূর্ব বাংলার সমাহ কবিতায় কারিগরি-পরোক্ষ, প্রত্যক্ষ শস্যশ্যামলের ছোঁয়া আগের মতো এখনো আছে। সেই শ্যামলের
উপর কখনো চেপেছে নৈরাশোর ঘনকৃষ্ণ রঙ-বর্ণ, কখনো পড়েছে
ক্লেম্লাবী জীবন জিজ্ঞাসার কীতিমান ছায়া। রাজনীতি
সমাজনীতি ও দেশ বিভাগ-জনিত অভিমান অনেক রচনায়
ভাস্বর। অনেকেই উচ্চক্রণ্ঠ ৫ কাব দোষে ?

আশিরপদন্থ চণ্ডল এই কাণ্যারার শ্রেষ্ঠ অংশ, প্রায় প্রথম যুগ থেকে অতি আধুনিককাল পর্যন্ত নির্বাচিত হলো। কবি-পরিচিতি ও পর্বে বাংলার কবিতা সম্পর্কে আদর্শ আলোচনা সন্নির্বোশত হলো। লিখেছেন কবি সেবারত চৌধুরী। মনোরম প্রচ্ছদ এক্ষেদ্র প্রথমীশ গ্রেস্থাধায়। প্রাচ টাকা।

# **अभाउ (जिलियाः क्रांड ५०**,

(নাগাভূমির পটভূমিকায় রচিত উপন্যাস)

পরিবেশক ঃ সিগনেট ব্কেশপ ঃ ১২ বঙ্কিম চাট্জে স্ট্রীট ঃ কলকাতা ১২

(প্রি ৭৪৯৮)

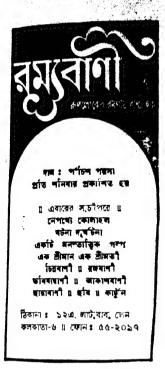


MENTAL ADVE भरखीं । क्यांस स् मान्डे कटम्दा शर्मण्ड शिर्य कारण 'हैंसे कारमदात महताम कीत कारम गिता लोक्स तम्बाह र्मेख बाज দিল্লীর মরে মরের গ্রেডানি খবরও তিনি পেরে বান। এই দিয়ে তিনি বে প্রবন্ধ্যালি লিখলেন উল্লেখাটা জানাই আয়ার প্রথম। একটা অভ্রেপ্রের দাম্পতা লোক চক্ষের সামনে রেখে তিনি যে উপকার সাধন করছেন তা তিমিই জানে। এ বোঝা আমার সাধা নর। নিল্লীত রোজ বহা আকর্ষণীয় ঘটনা ঘটছে বিশেষ কৰে বাণ্ট্ৰপতির নিৰ্বাচন দিল্লীকে প্ৰা করে রেখেছে। সে সব বাদ দিয়ে বাঙালী পাঠক কি সভাই প্রবাসী বাঙাজীন আস্তাকুতিত্ব খবর জানতে চান ?

> জনৈক অধ্যাপিকা মিরাণ্ডা হাউস, দিলী

### জনীবিকাৰ সম্পানে জননী

২ ৩৫খা আগেদেউর 'দেশে' ভাপনকলনে ধর লৈখিক ডিমিটিকে জিনি জৌবিকাৰ সংগাদ জননী—দেশে ও বিদেশে প্রবংধটি সাবংধ বলতে গিয়ে যেসব মত প্রকাশ করেছেন তাৰ প্ৰতিবাদ কৰা প্ৰয়োজন ' তিনি হা বলেছেন তা প্রধানতঃ এই যে আমেরিকার সমাজে ক্ষেত্র ভালবাসার অভাব ও নেইট বরং বেশবিট আছে : পশ্চিমী সমাজ স্থাধ্ধ আয়ার বাস্ত্র অভিজ্ঞতো কিছু আছে কারণ আমারত তদেশে কিছাদিন কাটানর সোভাগা হলেছিল: আন্নার অভিজ্ঞাতা থেকে *বে*খি য়ে ভার বক্তবা ঠিক নয়। পশ্চিমী সমাঞ্ মান্**ষ চাড়াগত**রত্বে আত্মকে<sup>ন</sup>্ডক হয়ে পড়ার ফুলে, সেখানকার পরিবারের অবস্থা এইরকম দাড়িয়েছে যে, একটি পরিবারের ভিতরেই প্রভোকে কেবল তার নিজের কথাই কেবল ভাগের পিতা বা মাতা নিজেদের নিয়েই বাসত সম্তানের প্রতি নজুৰ দেন না। আবার সম্ভান্ত সেইর্<sup>প</sup> বিবাহ কেবল প্রতিদান্ট দেয়। সেখানে একটি দৈহিক সম্পরের পরিণত হয়েছে, ভাই কয়েক বছর পর পরই ওরা স্থী বা স্বামী বদল করে কারণ, একজনকে নিয়ে ওরা bored হয়ে যায়। 'bored' भक्छि শ্বনে অবাক হবেন না, ওদের অনেককে এই বিশেষ শব্দটিই ব্যবহার করতে শ্নেছি। ওরা দাম্পতা জীবনকে এই দ্যুন্টভগাতৈই দেখে, ফলে বিবাহ বিচ্ছেদেরই নামান্তর হয়ে দাঁড়িয়েছে। যাই হোক, তাঁরা 'bored' হয়ে পাথক হয়ে গেলেন, ইভিমধো সম্ভান যা জাগুনাছে ভাদের: 'হোমো' দেওয়া বলা 'হোমে' দেবার পর কিছু বাবা-মা ভারের



(7-4650)





ত্যা তা ভ' ভানল সিপকার ৩ বাণ্ড অধা ওয়ালভা পো,টো-বলা প্রনাজসভার। যে কোনো জা হা দা ম

শুনি বার : TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post Bag No. 11. New Delhi-1.



খনৰ মুখেন, বাৰ্ণীয়া ভাও ব্লাখেন না। त्वत्वत्क देवत्वीवनाव-छात्र ३७ वष्ट्र वर्तामदे हम क्षत्रीय 'क्ष्य' व मारक वर् করছে এবং প্রের বিব হজাত সকলানটিকে জন্মের পরই হোড়া বিদার করে ও তারপর করেক বছর সে মুক্ত মের নিয়মিত খবর बाधा पारत थाक अकवार्य एक्थाल करहीता। তর ভাব দেখে মনে হল, সম্ভানের জন্ম দিরেই খালাস তারপর আরু দারির নেই। रबेनव क्लार्ड 'वरंखन इंड' ना, गुनवारमध আনক জারগার সম্ভ নের। কিলোর ব্যাস্ক হলে, স্কল হাভার আগেই বাবা-মার খেক অবদা থাকে, হেং দাল প্রভাজ্যত সিটার' খেতি कः तुन বাবা-মার সংখ্যা शकक डार्मन 'শ্বাধীনত'' SE 18 2 7 6 7 6 W TIAL -ক্লের शन्य है অনককেরেই দেখেছি বাবা-মা আর ভানের দারিভ নের না: তখন বাদি তারা কোন অ থিকি কণ্ট বা বিপাদ পাড়ে ভখনও বাবা-मात विरमव हिन्नहासना घरहे ना। अमनल ঘটে আনক মেরে আর্থিক কণ্ট ও বাবা-মার অবহেলর জনা নাইট ক্লাবের নতাকী বা কল-গালের কাজ নিতে বাধা হরেছে। সমাজে দেনহ-প্রেম-আণ্ড:রকতা উপে গেছে, সবই হয়ে অফিসিয়াল-ফমাল: সেখানে মা বনি ছে'লর ৰাজী আসে তহলেও 'আপায়ন্টায়ন্ট' করতে হর। তিনি যে 'टनार-धृष्वदमव' **427** থার গেছে ফর্মাল, ভাতে ক্রেছ কটেক আছে সদেবহ, তানের সম্পর্কো কান প্রাণের পাৰ্থ হৈছে। সম্ভানত সেই প্রতিদানট বাশ বয়সে শিতামাভার একেকারে নিংসালা জীবন সদভান কোন নজরই দের ন। তিনি লিংখাছন, <mark>ভারতে</mark> জন্ধক্ষেত্র সংভাগার "রেখেছে বাঙালী করে, মাধ্য করে নি।" তিনি কি <u>বেখেননি,</u> কত ছেলে टिंग्डामा क्षेत्र विभी कात. स्रोत स्मीत करत, शामा भामा विकेशीय करत পড়ার খন্ত চ'কার, সংসার পালন কার। এদেশের মা'-রা কি থালি গলিগালাকট বর্ষণ করেন,-পরেম বাড়ী ঝি-এর কাঞ্চ করে সম্ভানদের मान्द्र करतम धमन माख व्याख्न। नामाना । दर्माश्च. পশ্চিমী সমাজে সম্ভানের অসুখ করলেও মা সেদিকে দ্বেকাডও না করে প্রে<u>ক্</u>বন্ধ্-रमन मान्य मान्ये कारन करील कराल याना न्याभी त्यारतम जना त्याकरम्ब সাথে, দত্রী ভোরেন অনা পরে,কদের সাথে-ভাবের মধ্যে কি সেমের সংপর্ক থাকতে পারে, বাইরের 'show' ট্রকু ছাড়া।

প্রভাব সম্ভানের ওপর পড়ে এবং মানসিক

পণ্ডিমী সমাজ সম্বশ্বে হা বললায় এর



# ক্ল্ছনের বিক্ষ্ব পাকিস্তান

কে না গোল্ড মাগ লারের যোগসা**জ**স পারে! -- ইম্কান্দার মিজার সংগ্যে কাসেম ভার্টির সেই লেনদেনের সম্পক্ষ ছিল। এই বইয়ে লেখক সেই চাওলাকর কাহিনীই তলে ধরেছেন, श्रद्धा পাক-রাজনীতিতে C 3 অংহাবের প্রবেশ ও প্রম্থানের নেপথা-শাহিনী, বালচে ও পাখতুনদের ওপর মান্দ্রী সৈন্দের নাশংস অভ্যাচারের কথা এবং আরও আনক ঘটনা। রাজনৈতিক উপন্যাস্তির প্রথম করেক্টি लाहेन भाष्टलाहे तुःभन्दारम् स्थाय नाहेन यवीर ना १८७ ७ठा.राष्ट्र ना। वाद्या गेका ৰিঃ ছঃ দাম আগাম পাঠালে বিনা ডাক ধরচায়ই আপনি বইটি পেতে পারেন।

নবেন্দ্রাথ মিল

# ब्रू भानी द्वथा

অচিন্তাকুমার সেনগ্রন্থ

### **हम्मन** यानिका

অমরেন্দ্র দাস

### ब्रंड वंपलाय ....

সাহিত্য প্রকাশ ৫/১, গুমানাথ মজ্মদার স্থাটি, কলি-১

(17-9668)

ব্যতিক্রমন্ত আছে, কিন্তু বেশীর ভাগ ঘরেই এই অবস্থা।

ওদেশের 'টীন-এজার'-দের উচ্চ্ ংখ্জতা ও গ্রুডামির একটি প্রধান কারণ, স্নেহ-ভাকবাসার অভাব। পশ্চিমী দেশগালিতে প্রতিদিন যে পরিমাণ হত্যা ও ধর্বণ হয় তা প্রতিবীর আর কোথাও হয় কিনা সংশ্রহ।

অনবগর্কিতা

এছাড়া, আমেরিকার রিভসবার দেখিরে ছিনতাই, বলে টেন "hold-up" করে লাঠে, নিগুলা কেরেদের ব্যেছ্ড অগমান করা, মেরেদের "panti-raid" করা, এসব হারেদাই ঘটে—গিকাগোর গা্ডারা ত বিশ্ববিধ্যাত। দ্ভিন বছর আগে ভালেরিকার এথটি বিশ্ববিদ্যালয়ে একজন

ছাত ছাদের ওপর উঠে বেশরের রা গালী চালিরে তেরজনকে হণ্ডা করে: তার এই মানসিক বিকৃতির কারণ স্বর্শ বলা হরেছিল তার শিতামাতার অসম্থী দাশারা জাবন। ভারতক্ষে এই ধ্রনের ঘটার একটিও ঘটেছে নাকি বে তিনি সাম্মারে এব করে দিরেছেন। আঞ্জাবল ভারতে এ সমস্যা বাড়ছে ঠিকই এবং তার করেণ প্রশাসকীতর প্রভাব প্রত্

ছিনি 'হিপি' হওয়ার কারণ সংসাত' একটি অম্ভত ব্যক্তি দেখিয়েছেন--ব্যাপ্ত মনোভাব'। বাংলাদেশের ভেলেরা ভ অনেক বেশী বামপূৰ্ণী, ভারা হিপি হচ্ছে না কেন্দ্ আর যেগালি পারোপারি 'রামপ্রথ' চন্দ্র লেখনকার ছেলেরা ত ছিলি হয় নাল ভাবের সরকারত হিপিপিরি সম্পান করে। ইওয়ার কারণ *হাছে-মান* সভা का शिक्ष extreme Trustration (  $\mathbf{L}_i$   $\mathbf{S}_i$   $\mathbf{D}$ ৰ কৈ $m{x}$ ায়া কমিল জনবা  $m{x}$ ানা  $m{x}$ ানা জ্বীব্যবর থেজি করে *ন্*রিক, আমাণ্ড হতাশাকে সাম্ভিক্তার ভ্রতে ১৯০০ হৈছের। তাম তেওঁই পরাজ নায়। প্রত্যাহার হাজতের সেখানকার সমাভাসবামালক **তর বিরুদের স্থান্তরভাবে চেটা বাবে।** বাসন্তব ভারস্থা থেকে ও মনো ইং ন প ভার: ঠিক পাখে ঠিকভাবে ক্রান্ত করা কার ঐ সমস্যা ত বেডেই চালেছে।

প্রথম প্রবেশনিত জেখিক থানানা কল ঠিকই বজেছিলেন, কিন্তু তাঁহ মতে নাবা স্বাধীনতা, কমানতা জননাবি এব বাবা একথা ঠিক নার। জাবন কমানতা লানা কোভারেট ইউনিবলে আনক বেশা বিশ্ব কোথানকার স্মানের অবস্থা বিশ্ব বিশ্ব আসলা কারণ হাছে তার্কর মানিবতা, ভাষেন্দ্রনাবিতা।

> **ডঃ পশ্**পতি **ম**ডল ক্লন

### কাভয়াবাভার ইন্রধন

ুগশ প্রিকাষ ধার ব্যহিকভাবে এক শন্ত কাওয়াবাভার ইন্দুধন্য উপনাসর বংগান্বাদ সংগ্রহ পাঠ করেছি। জাপানী ভাষা থেকে সরাসরি উপনায়েসর অন্তর্ব বংগ্রহার সম্ভবত এই প্রথম। অন্বাব্য-দ্বলক অভিনশন জানাছি।

প্রস্পাত, ইণ্ড্রমন্ট্রপন্যাসে কাওলার জাপানী শব্দের লিপান্তরে যে ম<sup>হতি</sup> জন্মত হয়েছে সে সম্পর্কে দ্ব-একটি কথা নিবেশন করতে চাই।

প্রথমেই উপনাদের ভূমিকার গ্রংগেই জিডাই' এই বানানে একটি জাপানী পাঁতকর নামোক্রেথ করা হয়েছে। প্র-লাথকের মতে বাঙ্গার এই পঠিকাটির নামের বানান হওরা উচিত 'ব্যাগেই

#### নিফ্লেন্দ রাজপথতীথ जिसमान भाषा भन्न ५०.०० 6.00 11 A.GO नाच दनडे জ্বাসন্ধ সম্পাদিত 10 8.00 শ,ডসংবাদ निक्छे मुद्र স্নীলকমার গঙ্গেপাধায়ে 6.00 n कनत्य कनत्य শীপারাবত 11 8.00 আমি সিরাজের বেগম 6 0.00 n যোগল হারেম n শ্বৈপায়ন 11 8.00 ৰাইজী থেকে বেগম 3 11 50.00 11 জগৎশেঠের কাহিনী কণিণক 11 50.00 n नवाव निम्मनी घटमाँ है (4) 8.00 তাতল সৈকতে সাতর্গক সেন 11 6.00 n क्रशमी भवदतावा বিষাণ মিত 11 ৬.০০ দিলদার সম্পাদিত **এই त्रमा क**ण्ड ₽.00

সে ছিল আমারই মন্ত্রীম নাম-না-জানা দেরে জারিল —নিবার সিরাজোনরার আশ্রের বেগম ব্যুক্তরে ব্যাহিনী। বিশ্বত তার অবজেলি হ প্রান্তর বেগম কেব্রেসেল আমি। নামারী সারের একা একা বিভাবে নিক্সের জাবিন কেটেছে, নামারজান কিন্তরে দিন নিম আমার জাবিদ্ধা করেকো, তিনি আমার তার প্রিয় বেগম লাজ্যার হারির হাসি নিম দিন দিন কিন্তার আমার হার্রহামি করেছিল, এ কাহিমী কেই জেব্রেসেলার অন্তর্গ, করিছামী। আমার মার্জান্ত, প্রাণ আছে, যৌবন আছে। আর আছে স্কান, স্কান্তর্গ, স্কান্ত্রে স্বামী। আমার মুর্থিনসূত মুর্বার্থন ব্যাহিনা ব্যাহিন

'আমি সিরাজের বেগম' পড়েছেন তো !

॥ নীহাররঞ্জন গ্রেত

# হারেম থেকে বলছি ৭'০০ বরেন বস্ব ॥ জঙ্গী ভিয়েৎনাম

महून अकानक ॥ ১৩/১ दोव्ट्स आउ.ड १५७ व्याक्टा-५२

(17-9660)

11 6.00



<sub>িলট'।</sub> 'বুন্গেট' (সাহিত্যাদি কলা: literary arts) दाना व रगरे धरे माडि মানা ভাষাগত পদের (মুখ চীনা ভাষার ভ<sub>িকং-এর</sub> উপভাষায় **শব্দ দুটির** বত্রিন ট্রজারণ ঘণারুমে 'ওয়েন' ও 'ই' সমলে. হিচ্ছা জাপানী চিল্লব্ৰের না'-ধর্নন পরবর্তী' সিলেব্রেশর ত্ৰাহ্যত জিহুৱাম, লীয় ধ্ৰনিৰ প্ৰভাবে ্রাল্ডার "ও"-এ পরিণত হয়। কিন্ত নিক্রম্ব জিমিজ রাপ ক গুলী ভাষার বানাৰ ও'-ধৰ্নি প্ৰকাশক কেনও চিল त्त्र । एकाशान यान् +रगरे=याकामर काम e क्रांशारी यसका डा 'र-म-रंग-रं', धरे-লোকট লিখিত হরে থ্যকে। জাগনী হারাফে জিপাদ্যারহিটার-চেত্ৰৰ বেনাল উচ্চারণভেদনিবি শেষে লাক্তের তাই স্ক্রামান প্রের তাশ্তবিশ্বত 'না-কে 'n'-এর দ্বরা চিতিতে করবারে ধারা প্রচান্তিত আছে। ক্ল Bun Ku-Bunka (সংস্কৃতি, কৃতি), Bungka ন্য ৷ অনুবাদেই অন্যন্ত 'গিনকো' বন্ন লেখা হায়েছে 'গিংকো' লেখা হয়ন।

### নবজাতক

সম্পাদিকা মৈত্রেয়ী দেবী

পার্বা ও প্রশিক্ষমণাক্ষর প্রথাতিশালৈ বছনার সংযুদ্ধ বিদালিক স্থাহিতাপত্র নবঙগতাপের সাঠ বলা শারে, ইবা। একোট চাই। তালে হাজে দিয়া দিয়ে চলিক গালোট ভালিকা দেয়া। ক্ষেতিয়া হ ২০/২, গাম এতিনিটা, ক্ষিত্রিয়া

117 9358)

### কিহিততে ট্রানজিস্ট্র

মানিক ১০ টাকা বিস্তৃত্যত প্রয়োগ্র-বাস্থ্য কিব কিবছে নাক্ষাল - ৭০ ত বাত, আল ভ্রালাভ সামান্ত্রতা চাল্লাভ্রালভ



গোগেন। ঐনতিক্তার মিন প্রতেজ। তথ্যসে পঠেনে যস্ত্র। বিশ্বন্ধ হ

MUSIC & SOUND (D.C. 10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

হার্বিয়া কাইকোররা, এ০ শিরা, এসবাও বার্ডাশিরা, এম্পন্ধরে

ও আন্যাংগক বাবভার লক্ষণাদি গুয়ে প্রতিকারের জনা আধুনিক বিজ্ঞানন্মেদিত সিবংসার জনা প্রভাক কর্ম। পচে কর্মা শক্ষাত ব্যবস্থা লউন। নিরাল রোগীর এক্ষাত নিভারযোগা চিকিংসাকেন্ত্র

### হিন্দ রিসার্চ হোম

১৫ শিবতলা জেন, শিবপরে, হাওয়া কোন ঃ ৬৭-২৭৫৫ শ্বিতীয়ত, 'জিতাই'। 'ড' অক্সরের শ্বারা যে ধানিটিকে লিপ্রণতারিত করা হয়েছে, মূল ভাষায় তা দলতা। জাপানী ভাষায় মাধান 'ট' বা 'ড', এমন কি লতমালীয় 'ট' বা 'ট' সম্পূৰ্ণ অনুস্থিত। শ্ব্যটিয় বাতলা বানান 'জিলাই'' (মূল) হওয়া উচিত। একই কারণে 'তেজিকা' কোনা বিশেষ।

এর পর 'আসাকস্য'। তের্নকলের এই অন্তলটির নামে 5 2 3 'সেলেক'ল অাসা-ক-সা। দিকতীয়টি দীর্ঘতম তার্ট প্রভাবে ভাহীৰ্যাট 574 7850 THE THE জ্বাপানীর উচ্চ ব্ৰংগ भावजीते ख STREET, रभागाज व শোনতে পরে: किंग्ड व्यविकाश्यमक्रहे फेंक्कार्ट्सन क्रहे के-धनीन সোপ পায় ना। कारकड़े লিপান্তরবিধির অনুসরণে আসাকুসা সেখাই

'क्शिका' e 'शाकरा'। ऐरवाकित शाका জ্ঞানীতেও অক্ষরণ ও মহাপাণ ধানিব বৈষ্কা অথান্তর ঘটার না, কিন্তু সম্ভব্যক্ষার উভর ভাষাতেই হ-ধর্মন সংযোগের প্রবশ্বা লক্ষ্কর যয়। কিন্তু যে করেনে বঙ্জ স্থ chair বা Charles-এর ক্ষেত্র ছেয়ার' বা 'ছালসি' না লিখে 'চেয়ার' ও 'চালসি' কাখা হয়, <mark>সে ক</mark>রণেই ভাপানীর বেলায়**ও** "एश-६४मा" मा जिर्देश "एडा-६४मा" "शारकता" मा লিখে 'ভাবেদা' লেখা সমীকীন। ত এইকে 'তেলীকতো'-র বন্ধান তেলিভাবলা (বা 'ঠোকিয়ো') লিখতে হল: 'আভ্যাৰভাৱ' ফিডের ১.এই তেই aspirasion-তর ফরে 'হ ভয়াবাতা'— এইভাপে । উক্তারত 2 3 থাকে। কিংৱ অন্যবাদেও কেওয়াবাডাই কোন হাত্যে।

পরিশেষে বিলিক্রাটিন। দিশধানি কর্মাটিনাটে ইপরে ব্যুক্ত থাল লাপ্রনি ভাষার দেশটি বা বিশান্ত পরিপত হল হথা বিরোধিনাই ক্রিটিনা করিবা ইড দি। এই করে বালা দেশর মুক্ত হল অপশার সা (৪), হয়া আসমুকালে ক্রিটিনাই ক্রিটিনাই মাজা হলা জিলাইর মাজা হলাও বিরোধী শালের জিলাইর স্থাতা বার বার স্থাতার স্থাতা বার বার স্থাতার সা এবং স্থাতির ক্রেটিনার সাক্রিটিনার সাক

বলা বহুলা উপারে: বিষয়গালি কোনওভাবেই ক্ষান্ত্র অন্যব্যারর সৌক্যাকে করে। বাওলা সাহিত্যে ত্র ও অনু বা দেৱ 1127 ক্রবর্ধ সাম তখন লিপান্ডারের ব্যাপারে একটা নিধারিত র্টীতি স্থাপন কারে সর্বন্ন ভারে অন্তেরণ করাই মংগল মনে ক'রে বর্তমান আলে চনায় প্রবাত হলমে।

> কল্যাণ দাশগ**্ৰুত** মান্ত্ৰ-৩৫









বিকু দে'র ষাট বছর

প্রান্ধ বাংলা কবিতার প্রধান প্রবীণ প্রজনের মধ্যে বিক্-চদ কনিওতম। তারও বাট বছর পূর্ণ হয়ে গেল গত সম্ভাহে। অবদা, প্রেমেন্দ্র মিদ্র বা ব্দুধদেব বসুর মতনই বিক্ দে'-র শরীরেও বার্ধ কোর চিহুমান্ত নেই, চিন্তার তার্ণাও বিস্ময়কর। সম্প্রতি তার নতুন কবিতার বই বেরিয়েছে, শসব সংবাদ্ট কবিতা"।

গত রবিবার গ্রুপ থিয়েটারের উদ্যোগে এই উপলক্ষে কবিকে সম্বর্ধনা জানানে। ইর বিজ্ঞা আকাডেমী অব আট আশ্ডে কালচ র রঞ্গালয়ে। শৃত্থধনি দিয়ে, চন্দনের তিলাক পরিয়ে কবিকে মঞ্চে বিসয়ে সামনে সমবেত হয়েছি লন কবির অনুরোগীরা। সংক্ষিত্ত ভাষণ দিয়েছেন হিরণকুমার সান্যাল। বিজ্ঞান করা হলে, তিনি স্বভাষসিধ্ধ চাপা হাস্যে জানালেন, বাট বছর বয়েস হওয়া মেটেই আন্তেবন নর।

দুশুদ মুখোপ্দারের বিবাত উপনাস ইম্পাত ওরা ভাঙবেই

de apau

প্ৰকাশিত হল

আনিলবরণ রায়চৌধুরীর

### हता, भरभत (भर्म यार ३)

কিলোম-বিবেশারাঁদের জন্মে গণপ গণগ অন্যক্ষা স্থাতি। যোলটি গণেশর প্রত্যেকটি অপুরো। শিশ্ম সাহিতে। এক বিশেষ সংযোজন।

(সি ৭১৯৫)

এ.সরকার এণ্ড সস সনমাণ্ডেগ্রাণ্ড সঙ্গ জ্বলেট এম. ৰি.সরকার ট্রাডিশ্যনান জুয়েনাস

১৭১|১এ রাসবিহারী এ<mark>ডিন্স</mark> বালিগঞ্জ কলিবা**ডা** জ্যোল: ৪৬-৬২৩৮



### अकृषि शृत्युष्भान बाब

সম্প্রতি ভারতের স্থিম কেউ সাহিত্য বিবরে একটি গার্রছপূর্ণ রায় নিরেছেন। "রম্ভা" নামে একটি মারাসী সাহিত্য পরের এক সংখ্যা অমলীলতার দারে অভিযান প্রমিল বোম্বাই হাইকোটোঁ। ঐ পার্যকার প্রকাশত একটি গলেপর জন্য অভিযান; গলপটির নাম শানা, লেথক চম্প্রকাশত কল্যান্দ্র সাক্ষেত্র । গলপটির সংক্ষেত্র সার জানা গৈছে, এর নায়ক একজন কবি, তিম্নি নায়িরার প্রেমে আসন্ত, মানের ব্যরেস সত্তরে থেকে পারিশা। কবি তানের স্থেগ বরর রহসা আবিশ্বনের মন্ন ভিরেশ।

নিন্দ আগলেতে রচনাটি অন্লালিত র অভিযোগ থেকে অব্যাহতি পেলেও, বোদনাই হাইবোট পত্রিকান্তিক অন্লালি বলে ঘোনগা করেন ও লেখক ও প্রকাশকের জরিমানা হয়। তারা অপিলা করেছিলেন স্পৃত্রিম কোটো। স্থাতিন কোট তারের সসম্মানে মুক্তি বিয়েছেন। মাননার বিচারপতি মন্তব্য করেছেন, যৌন প্রসংগার উল্লেখনাস্ট্র বনি স্থানীল হয়, তাহলে তো ধ্যা প্রস্তুক ছাড়া অর বিহা পত্র ই উচিত নয়।

### ৰণ্গীয় সাহিত্য পরিষ্ণে **আ**খ্নিক সাহিত্য বিদ্যোপ্তা

গত শনিবার নগনীয় সাহিত্য পরিবাণের উল্যোগে তাপুনিক সাহিত্য ও নিংসংগতাকর্মা বিষয়ে তর্মা সাহিত্য ও নিংসংগতাকর্মা বিষয়ে তর্মা সাহিত্য করেন একটি
আলোচনা সভ থকে গেলা। অনুলাচনার উবে বাধন করলেন ভারাশক্ষর ক্ষেণ্যাপাধার,
সভাপতি সোনেন্দ্র চন্দ্র, আলোচনার অংশ
এংশ করেছিলেন অতীন ব্যন্যাশাধার, সৈয়দ
মুস্ত্যেল সিরাজ, শংকর চট্টোপাধ্যার, পার্থা
চট্টোপাধ্যার প্রভৃতি।

সবচ্যের উল্লেখযোগ্য, বংগীর সাহিত্য পরিষদের পক্ষ থেকে এখন একটি সভার উদোগা। ইনানীংকার সৃ্তিউম্লক বাংলা সাহিত্যের সংগ্য বংগীর সাহিত্য পরিষদের কোনো সম্পর্কটি চিন্দান। সার্কুলার রোভ ও সহিত্য পরিষদ সিইটের বাড়িটির অভানতরে কোনো প্রণের চিন্দ্ আছে কিনা—সেটিটি জিল সংগ্রের বাপার। অন্তন্ত বহুকল বাবং সাহিত্য পরিষদ বাংলা সাহিত্যে কোনো ভূমিকা নের্মান। আকাদেমী ফ্রান্সের কথা বাদ্ট দিলাম, এমনকি ঢাকাদ্র বাংলা আকাদেমি যতথানি ক'ল করছেন, তার কণা মান্ত ভাগ উন্দীপনাও বংগীয় সাহিত। পরিষদের ছিল না। বাংলা কবিতা সম্পরেশ সাহিত। পরিষদের ছিল না। বাংলা কবিতা সম্পরেশ সাহিত। পরিষদ বহুকেল ঘাবং কোনোরকা আগ্রহ দেখারান (যদিও বছরের গ্রেপ্ট কবিকে প্রেপ্ট করিবে কেবার কথা এর সংবিধানে আছে), গাম্পা উপনায়সের ক্ষেত্রেও যোগা প্রথের সমানর বা দেশবাসীর কাছে তার পরিষদ্ধ নে নি। এমন কি, প্রবন্ধ সাহিত। পরিষদ্ধ সাহিত। কর্মান করেও ইতি কালে করেছেল, সে সম্পরক প্রশ্ব করেও ইতি

সম্প্রতি এই প্রতিষ্ঠানের কিছা পরিবর্তন দার্ব্য হরেছে মনে হর। এখন এব সভাগত হরেছেন ভারাশন্দকর ব্যাকাগাধারে। সম্পাত্ত সোমেন্দ্রচাল নালাই, এই প্রতিষ্ঠানের সবাসের ভর্শ সম্পাত্ত এই গত দানিবারে সভাগি, বহাকাল পরে, একটি ভার্তির সভিতি বিষয়ে সভা।

শানিবারের সভার আলোচনার ম্পরধে তারাশকর বলেনাশা**ধারেও** উল্লেখ কর্ণনা, এই প্রতিষ্ঠানের সভার জনীবিত স্বান্ত্রের সাহিতিকরের যোগাযোগের প্রয়োজনীয়তর কথা। সম্পাদকও সেই মত বজ্ঞ কর্নে। আল্র ভারিবাত বলগাই সাহিত। গাবের আবার প্রবেশ্য লাক্ষণ দেখতে প্রভাগের এ রক্ম আগ্রা কর যায়।

আলোচনা সভার দুটি বিষয় প্রদান হার্লিছল। মানুহের জীবনের ইনিংশ-তা বোদ ক্রিনির ইনিংশ- হার্লিছাই নিংশ- বোদ ক্রিনির তুলাই আশা ভুগা, উল্লেশ্যবিনিই, স্মাতির অসালাই লোখকের লানে প্রভাব বিষয়ের করেছে। আর একটি বাগার এই বাগার করিছের বাইরের বাইরের বাইতের এই দ্রামিতির ক্রান আর্শ্রিকাটি বিক্রান আর্শ্রিকাটি বি

সনাত্র পাঠক



### ইতিহাস ও রাজনীতি

कि अवधिविक्त कारमक (देन्सिस विकेटेस 2870 alle 2770); At alles দিপারি। ওরিরেণ্ট লংম্যানস। ১৭ চিত্র-রঞ্জন এভিনিউ, কলকাভা-১০। দ্য-১৮ तेका भा १०५।

জাবতে বত্নানে বাহ্নীয়ডিক আম্প্রায়িক দ্টে ধরনের চরম পদ্ধার আবিভাব অনেকের ভীতির কারণ হিসাবে राया मिरतरक। ८३ म.डे रश के दि খরিখালী হওয়ার জনা আনেকে স্বাধীন ভারতের রাজনীতিকে দারী করে থাকেন। বিশ্ত লাজনাতির ক্ষেত্রে এই বাই ধারা প্রভাব বিশ্বার করতে আরম্ভ করেছে আন্ত আগে থেকে। পাকিস্তান স্থিত্ত ছবি উখাপনের আনেক আগে। উনবিংশ খাতাবদীর শেষ দশক ও বাভুমিনে খাতাবদীর পথ্য দুগক ভারতের ধর্মা, স্মান্ত ও রাজ-নীভিতে চরমপাধাী মনোভাব কিভাবে শার-স্থা করেছিল, লেখক বর্তমান গ্রন্থে ভা সংক্রেপে আলোচনা করেছেন। ভারতীয়-দেৱ উপৰ পশ্চিমী জীবন্যালা, খণ্টধুমা ও ইউডিলেডির্ম মতবাদের নৈতিকতা ও সামাজক মাজাবেষ হিলাপেয়ের নিকট একটা *চাংলেজ* হিসাবে লাজিয়েছিল। সংহোৱী জীবন্যান্তার আভাসত ভারতীয়নের তলনার নিজেদের হাীনমন্য বােধ থেকে গেভিন शिक्टाक्त गरमा अक भतानत समस्त्रीतमा অহামকা গড়ে ওঠে। ক্লেমক ত ব্যাপারে वीध्वयप्रमु, विज्ञक् विह्यकासम्भ छ महास्टब्ब বছৰা বিশ্বভাৱে আছোচনা করেছেন। অন্যান্যাদের ত্রানায় প্রিদ্মাী সংস্কৃতি ও চিন্তাধারা সম্পাকে দল্লান্স একেবারেট অঞ্ছিলেন এবং অনা ধ্যেরে প্রতি বরা-



... এপ্রশার মনোভাব পোরণ করতে। গৈয়ৰ আহমদ খাঁকে তিনি বেদের শ্রেণ্টৰ মেনে নেওয়ার জনাও একবার জনারোধ कारवीष्ठामम् । द्वरान्त W 77 3 সমাজের প্রেলবিনের জনা তিনি আর্থ-স্মান্তৰ প্ৰতিষ্ঠ করেন। তার মতে, शिक्तानं ग्रह्मा क्लानीन, दाना दिवाह. অসত্যালিতা সংখ্যাসরতা ও বেদকে অব্যুক্তার জন্য জারত বিদেশীর পর ধনি হয়েছিল এবং ৫ দেখেগালে দরে করতে না भारतम् हेश्सकात्त्रं विद्यातम् मध्यारम् कः न স্থানল পাওর। বাবে না। প্রান্তেপর চিল্ডা-ধারা প্রসারই উত্তরে ভারতে গো-রক্ষা স্মিতি এবং বভাষ্টা জনসংখ্যা ভল-প্রিয়ভার একটি করণ মনে হয়।

গত শতাব্দীর শেষ দশকে ভারতীর রাজনীতিতে মডারেট্রাই স্বেস্কা ছিলেন। তারা ভাষাত্র ইংরেজরা সাঁতা সতিটো ভাষেত্র উল্লাভ চার। বিভিন্ন কারণে মোহভাগের ফলে অর্বিদেন্য মত একদল ভাৰতীয় দশান ও সংস্কৃতিৰ মাধা ভাৰৱ धीकरण माशासन, रिक्ट গ্রারবহিত, মাজিনি, কোস থা ওরাশিংটনাক অনুষ্ঠিকারে দেখাত আসম্ভ করালা। ইংলাণ্ডের প্রজা-বিদ্রোহের ইতিহাস, আনেবৈক্র স্বাধনিতার মাশ্ধ ৩ ফর স্থী বিশ্বর জনমানস্থেক ন্তেনভাবে

# শারদীয়া (১৯৬৯)

"আনন্দৰাজাৰ পানকা" "विष्मुम्थान म्हेग्रास्ट्राफ"

"**'' '' ''** 

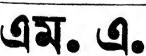
প্রতিবাদের নায়ে খাবদীয়া সংখ্যা আনল্য জার পরিকা হিল্মস্থান ভারতার ভ দেশ আগ্রমী মহালয়ের পারেটি প্রকর্মনত হাবে। আগেমী ১৬শে। কোপ্টেম্বর ১৯৬৯ তারিখের মধ্যে <mark>এই</mark> व्याच्याच्या १८४७ वर्षे । याचा चत्रप्रद्रा जिल्लाक গোৰ সংপাৰ অভয় অবিভ জলা লিজা উৰু যে কোন শারদ্যি সংখ্যা পাওয়া হ,টে। আর্থান্ত লাভা ভালা পোরে কোন অভার গুড়ণ কর কিছর। ভি পি ভাকে আলাদের কেন প্রকাশনী পাঠারার নিয়ন নেই। উপারেক তারিখের পরে কেন্স মাত্র অভার প্রণ করা হবে মা।

রেজিকটা গরচসর প্রতি সংখ্যার মাল্য ভাৰতে

আন্তরভার পরিভা — ৫.৫০ শাসা লিন্দা,স্থান স্টালভার্ত — ৩ ১৫ প্রসা - ६००० डेव्हा

ভারতের বাহিরে স্থাহাক ভাকে আন্দ্রভার পরিকা - ৬.৫৫ গ্রামা বৈশ্বস্থান স্টাল্ডার্ড — ৪.৭৫ প্রসা 10 63 - 0.56 MEET

> প্রভার অধ্যক্ষ আনন্দৰাভাৱ পাঁৱকা (প্ৰাঃ) জিঃ



ভারতীয় বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালনের সিলেবাস

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A. Modern History) रक्षमारतन आंख्येत : वि. स्वाव, अव-अ

ভল্যম ১ হিশি আৰু বেপাল

(5900-5950) 58.00 र विनिष्ठे सक देन्सिया

- ( 2868 2784 ) (উইখ দেশবাল রেকাcare & Efrenia
- न्।ाथमान म्हारमण्डे) o for form and for कात देन्द्रे वि माजिय रेच्डे अभिन्ना (रेम नि नारे नडिनव हैरसर्वाडेश दलसङ्गित्)

অনুযালী লিখিত।

- ভস্ম ৪ কন্তিটিউসামাল क्य दक्ष विद्याम 58.00 (३८४८ हे ब्याक हे टक्टे)
  - ८ वे को सम्हाम नाम जिल्ला
  - ७ हिन्ति अक श्रीमधिकाण थरे एक बाक्तिहरूको है त्याचन्त्रे स्व
  - केन्द्रीक्साम्बस्तास जगामहरू पन
  - মভাৰ কন্তিটিউসালস --S बडार्न देखेरबान (5४95)--

ध्य, थ, देश्ताकी ७ कर्गामा भाग्यक खाणिकात क्षमा निध्न

চলভিকা, ৭ নবীন কুড়ু লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলিকাতা-১



बाबवादान्त अक्टूबकान्ड वन् नम्भाषिक

### বাংলায় উপনিষৎ

রেক্সিনে বাধাই, পাঃ ৮৩৪, মালা ১২, लेन, रकत, कठे, टेटरिस्टर्श है, ঐटरहरू, रकोशी-ভাক, প্রশন, মাভক, মান্ডকা, দেবতাদবতর, ব্ছদার্শাক ও ছালেল্যা উপনিষ্যাপর বিভিন্ন মতান্যায়ী বছখা সহ বাংলা অনুবাদ। উদ্বোধন বলেন, "ঘাঁহার৷ মূল সংস্কৃত ভাষায় উপনিষদ পাঠে অসমর্থা বা শংকানিবত তাদের পক্ষে বাংলার উপনিষদ অভনত উপযোগী।"

नदर्भ गारेदबरी

२/১ भाषाहतन इम म्ब्रीहे, कनि-১२

(P-5260)

कि विकास वा ५५०६ माणा विकास कार्यक मार्ग अपने गार्ज विश्वास्त्र वाकना संच्या आक्नाम अस्य कार्या महाराज्ये कार्यन्तीयन । **उन्नयान्या दावनी** जिल्ला अवर अर्जनिक ব্ৰিদায়িকতা বাজনৈতিক পৰি হিসাবে প্রকাশ করে ১৯০৫ সাজে বলাভলোর নিবে। বংগভংগর বিক্রম্থে সারা ক্ষি যে স্বদেশী আদেদালন ও বিদেশী পৰা অমাটের আশেরালন আরুড হল, বর্ডমান প্রতি সেই আন্দোলনের চরিত্র সম্পর্ক বিশ্রারিত আলোচনা করা TOTAL ! আধুনিতার আন্দোলনকে পঞ্চা, করার জনা क्षात वन्तरक मारे जान करत अकमितक ক্রব্রুগে ঢাকার নবারকে দিয়ে প্রেবাংগ শুসালিম আধিপতা এবং অপর্নিকে বিহার উডিশার সংগ্রে অবশিষ্ট বণ্যকে যুক্ত রেশ্বে কলিকাতার বাঙালীদের প্রাধান্য নভের ক্রন্তা হর। প্রেবিণের হিন্দু-ম্সলমান নার স্তেশাত ১৯০৫ সাল থেকে। ঐ মুদ্ধ অনেক জমিলার যে চরমপন্থীদের বিশ্বন করেছিলেন, তার কারণ তারা বিভঃ বিশেষ চিরস্থারী বেশাবস্ত বাতিলের ক্রিকা করেছিলেন। আবদ্ধ রস্পু নিত্রাকত হোসেনের মত মুসলীম নেতারা

क्लाक्या विद्यार्थी जारमानस्य वीशिक्ष গভেল আৰুল কালাম আনাদৰ এক विकारी गर्म बान स्वन । धर्म नगरन WINDSUM MINERS PRESENT FREE N.CO. बाबा सम्बद्ध दशक शहर । सामिनाए करणास्त्र चयाक चिरतारकार महिन्दा अथरम क जाभार अवकारक अक्क बरद रहत। পরকতী অধ্যক্ষ আচ্বিন্ড ভাইসরয়ের स्मातकोती **फासलन न्यिशतक कि**ठि लिए जबकाव रश्राक गर्काव संवादिक नर्भ नाक भाषिन्य यान प्रस्ताव वायन्था करास धरा তিনিই মুসলীম লীগ প্রতিষ্ঠার উলোগী হন। এদেশের মাক্সবাদীরা মাসলীম লীগ স্থাপনের ব্যাপারে অথনৈতিক ব্যাস দেখিলে থাকেন, বভামান গ্রেপের পঞ্চম অধ্যার পড়লে তাদের সে ধারণা একেবারেই মিখ্যা প্রমাণিত হবে। এদেশে হিন্দু-মাসলমান সমস্যার মনস্তাত্তিক দিক কখনও দেখার চেণ্টা হয়নি। তাই কোন্ ঘটনা কি জনা ঘটছে তা জেনে কার্ণ্যালি দরে করার চেষ্টা হর্মন। সমাজকে আধ্যনিকী-कर्म कराउँ रमान रकाम धराराच अधिक्या দেখা দিতে পারে, তাও জানা প্রয়োজন। ডঃ বিপাঠি সমসাময়িক সমসার উংস সন্ধান করতে গিয়ে আমাদের কৃতজ্ঞতাভাজন 808/69 হয়েছেন।

60 E

ৰাংলা নাট্য সাহিত্যে আৰু একটি আলোড়ন

রমেন লাহিড়ীর

### अरलस तज्त (मरण

অন্নিদ্তের— কিম্ছু নাটক নয় তিনটি একাংকিকা

সম্পূৰ্ণ নতন স্বাদ ও আল্মিকের

১টি সেট/২টি স্থা দাম : ৩.২৫

পরেন্কারপ্রাপ্ত প্রণাঞ্চা নাটক।

(পা্রস্কারপ্রাণ্ড পা্র্ণাণ্য) ৩১২৫

তিনটি একাংকিকা (দ্বী বভিত্ত এক।দ্ব) ৩ পরিবেশক : নবগ্রন্থ কুটির, ৫৪/৫এ, কলেজ স্থীট, কলি-১২

নীলিমা প্রকাশন ঃ ৪৩, বিপিনবিহারী গাংগা,লী স্থাটি, কলি-১২ ৩য় ডল, ফোন : ৩৪-১১৩৮

(সি-৭৫৬৬)

এবারের প্জোর ছোটলের নতুন বই জ্যাতি বাঘের কবর — হরিপদ চ

**র্বর কবর** — হরিপদ ঘোষ ২·০০

একটি রোমান্তকর শিকারের প্রশ

21 4

ছায়া-কায়া

- হরিপদ ঘোষ

2.00

সত্য ঘটনার ন্যায় চমকপ্রদ একগজে অসাধারণ ভৌতিক গলেশর সংকলন

এছাড়া আরও প্রিট ভাল বই

জনেক হাসি — শিবরাম চক্রবতী রুপকথার ঝাপি — স্বাজতকুমার নাগ

₹·00 ₹·00

ন্চীপত ঃ ৩৫সি, স্ব' সেন স্থাট, কলিকাতা-৯

तर्वाचनाटका शत

[11] [20] 内国 医鼠虫虫类 [27] [27] [27]

हिनिशास क्योग्स्ट्रांच न्योग्स्ट्रांच्याचाराम्-८२ शरकम अस्मिन्द्रं क्याकाळा-১०। शाम-मण् केवा १ न्या-२००।

কৰিকে তাঁর জীবন-চরিতে পাওরা বার
না, রচিত প্রশান্তিতেও আসল মানুবের
সকান মেলে না। প্রধানত প্রিরজন ও পরিচত বাজিদের নিকট লিখিত চিঠপতে
লেখকের সভিলোরের পরিচর পাওরা বার।
বিভিন্ন প্রসান্তার মনে কী ধরনের
প্রতিজিরা স্থি করছে, কেমন করে তিনি
সে-সব সমস্যার সমাধান খালেছেন, প্রির
জনদের নিজের কথা জানাবার সমর তা
অনেক সমল আপনা খেকেই বেরিরে অসে।
মানুব রবীশুনাথকে জানবার জনাও লেখিক
তঃ বীণা মুখোপাধার কবির চিঠিপতের মধ্যে
আসল মানুব্টিকে খালে বের করার চেণ্টা
করেছেন।

রবীশুনাথ সারা জীবনে অঞ্চ পর ।
বিশেষেক। অনেকগালি আসলে পরই নার,
গতের গণিড পরিবের রবীশুনাথ তার বরুবা
বলতে চেরেছেন। চিঠিপত তাকৈ আনেক
সময়েই গা্ব-গদ্ভীর প্রবাধ রচনার ঝানেলা
ধ্বেকে মাজি দিয়েছে। তিনি নিজেই
বিশেষেক, ''আমি বে-সব চিঠি লিখেছি,
ভাতে আমার মনের সমসত বিচিত্তার ধেবকম বাজ হরেছে, এমন আর কোন লেখার
হর্মন।'' (পরে ১০)

লেখিকা রবীন্দ্রনাথের চিঠিপ্রগ্রলিকে তিন ভাগে বিভক্ত করেছেন—(১) ছিলপ্র ভান,সংহের পদাবলী পথে ও পথের প্রাক্তে, (২) পঢ়াত্মক প্রবন্ধমাল। এরাশিয়ার 'โรโส์' 'পারসো প্ৰভাৱ ৷ আতাগত **फारशंह** । চিঠিপত্র বিল পর্যালোচন্য করতে গিতে লেখিকা যেমন অনেক কবিতার ব্যাখ্যা খু'কে প্রথায়েকন, তেমনি অনেক কবিতার প্রথম খসড়ার সাধানত চিঠিপরের মধ্যে মিলেছে। বইতির শ্বাদশ অধ্যায়ে এ-বিষয়ে বিশ্ভারিত जारमाहना आरह। बहेरित हर्जमं न अधारत এদেশের ও বিদেশের পত্র সাহিত্য রচয়িতা-দের একটি সংক্ষিণ্ড পরিচয় দেওরা আছে। রবীন্দ্রনাথের চিত্তাধারা জানার বাংগারে বইটি বথেণ্ট সহায়ক হবে। 'বাংলা বইতে দ্ৰভি 'নিদেশিকা' এই গ্ৰহেশ্ব একটি **भिद्धां भरवाना जरवास्त्र ।** 

(\$\$8/67)



বৈশাটো বল জীবাক্তিগটো আসিক ও টাকা কিছিলে। মহেলা প্রায়াও শহরে সার্বান আইডে পাটো। HAVA SALES (২০) SHAKTI NASAN, DILIM-V ाबार्ड मा नावजाय ज्या जायात जामातानीक वीयन हतरका अवारनहें रुपत हात रवक। हाई विश्व दिक्क क्षेत्रक दिक्क कामाना প্রাজিত করা আমার কবিনের नवकार स्थातनीय चडेमा ।'

জায়ারা প্রেস আাথলেটিক থেকে অবসক नवाद श्व नारमकमा वंधन ১৮.६० विक्रीय বে লোহার গোলা ছাড়ে নতুন বিশ্ব বেক্ডা হবলেন তখন আখলীট বিলারদক্ত তার ৰতিশ্বে অতলনীয় কৃতিৰ হিসাবে চিক্তিত ক্রেছিলেন। যদিও মেক্সিকো অলিম্পিকের क्ष आर्था आर्था किया शास्त्र रहे हैं शिवेद मारत शाका काए नारमकमात्र विश्व ব্ৰক্ড' ভেংশা দিয়েছিলেন তব মেক্সিকোর तारम्कन है किरलान मायन मन्छायनामधी कारा । ভিতৰ ফেকিকোয় গামেলের নিক্সিকত গোলা বিষয় বেকড ছাড়েরে আরও এর সেণ্টিমিট র এগিয়ে যাওয়ায় নাদেজদার মানসিক শৈথা ন্দ হয়ে হয়। এ বাৰকে। খেকে লেনিনগ্ৰাদে ফুরে এসে আবার সাধনা আরমত কারন কেচ ভিত্তীৰ এলেকেভেবে অধীনে : SEPER লাত সাম্পতিক ক্ষীতিবৈ লাজৰ সংধ্যাই দিখির সোপনে সে কথাই আর প্রাণ করামার স্থানেকার। ভিত্রভার, ।

#### शीश्यकीत टेन्बच अक्टब

'ভেডালে' নিউজিলাদে ও ইংলাদের তারীয় টেম্ট মাটে শেষ হবার সংখ্যা সাংগ্যা ইংলালেডর ক্রিকেট মরসামের উপর প্রায় ধ্রানিকা নেমে এসেছে। দাই একটি মামালি খেলা শাখ্ afa:

প্রথমে ওয়েন্ট ইতিডভোর স্থের ৩টি, পরে িউজিলাগ্রের সঞ্জে ৩টি—দৈবত সফরের ৬টি টেকেট ইংলণ্ড ৪টিতে বিজয়ী হয়েছে। দ্যতি টেটেটর ফলাফল অম্বীমার্যসিত থেকে গেছে। টেম্টে অপরাচিত থাকার কৃতিস্ব সমেত দুই দেশের বিরুদেধ 'র বার' কাভ করার ইংলপ্রের নতন অধিনায়ক রে ইলিংওয়ার্থের অবশাই কৃতিত্ব আছে। নির্ভার-বোগা কয়েকজন খেলে ব্রাডের চোট আঘাতের ফলে ইংলন্ড কয়েকজন নতন খে:লায়াড়কেও দ্র সিরিজে পরীক্ষা-নিরীক্ষা করার সংযোগ পেরেছে। কিন্তু ক্লিকেটের দ্রভিটকোশ থেকে বিচার করলে বলতে হয়, এই দৈবত সফর ইয়েছে দীণিতহীন। ওয়েণ্ট ইণিডক্ত সিরিজে र्वाप्त वा किष्ट्रां छैश्म इ ऐन्त्रीभना अक করা গেছে, নিউজিল্যা: তর সিরিজ হয়েছে धक्तवादार व्यक्षभारीत।

লডাসের প্রথম টে.স্ট ইংলন্ড আহি সহজে ২৩০ রানে জয়ের পর ট্রেন্ট বিজ্ঞ টেস্ট ব্ভিটর জনা অমীমাংসিতভাবে শেষ হয়। ওভল টোলত ইংলণ্ড অতি সহজে নিউজি-শ্যান্ডকে ৮ উইকেটে পরাজিত করে।

ইংলন্ডে ক্রিকেটের জনপ্রিয়তা ক্রমেই ক্ষে আসছে। এবংরের শৈবত সফর সেই



भूवं कार्यानीत बुवक बुवकीत क्रांकिननप्रश बरण स्वास्था प्रशांत श्रांव

নির্ংসাহে একটাও উৎসাহের স্থাত করতে পারেনি। কিভাবে ক্রিকেটকে জনপ্রিষ ক্রবা यात्र. **এयन कातम्छ इत्याद्य स्म**डे शहरवर्गा। ক্তি.কটের জন্মভূমিতেই ক্রিকেটের এই रान, क्रिकारें के केर्या जब भाष निकारें माछ ইঞ্জিত নয়।

যাই হোক, ওভালের ততীয় টেম্টে নিউ-জিলানেডর সহজ্ব পরাজয় তাদের ব্যাটিং বার্মান্ডারই পরিচয়। প্রথম দিন দিনের শেষে তার: করে ৭ উইকেটে ১২৩ রান।

দ্বিক্তীয় দিন ১৫০ বানে নিউজিলাভেডর ইনিংস শেষ হবার পর ইংল্ডের ৫ উইকেটে ১০৪। ততীয় দিনে ২৪২ রানে ইং**ল**ন্ড ইনিংস শেষ। নিউজিলাণেডর দিবতীয় इतिराम 5 डेरेक्ट वि १३। इडथ मिन निडे জিল্যাপ্ডর ব্যাটিং-এ কিছ্টা দ্রতার পরিচয়। ফলে দ্বিতীয় ইনিংসে তাদের ১১১ वान। कारबंद कना देश्वार-खंद ১०४ রানের প্রয়োজনের মধ্যে ওই দিনই ১ উইকেটে ৩২ বান সংগ্ৰহ। শেষ দিন ৯টি **উইকেট হাতে नित्य वाकि ১০৬ दान कता** প্রার নিয়মরকার ব্যাপার।

ইংলান্ড থেকে নিউজিল্যান্ড দল আসত্ত ভারত সফরে। ভারতে তাদর তিনটি टोटम्पेत अथम टोम्पे मात्रम् इटाइ २८ সেপ্টেম্বর তারিখ থেকে। দেখা বা**ক নিউ**-জিলাণ্ড ভারতেই বা কেমন খেলে।

নীচে ওভাল টেন্টের সংক্ষিত কোট বেড দেওয়া হল।

নিউজিল্যাম্ড-প্রথম ইনিংস ১৫০ (জি টানার ৫৩. বি কংজন ২৪. বি হেস্টিংস ২১: ডেরেক আন্ডার্টড ৪১ রানে 💩 উইকেট. রে ইলিংওয়ার্থ ৫৫ রানে (हेक्ट्रेट्स)

**ইংল-ড**—প্রথম ইনিংস ২৪২ এডরিচ ৬৮. ফিল শাপ ৪৮. জিওফ বরকট ८७, ट्रोमंत ८५ जान ८ উই को, कानिम ৪৯ রানে ৩ উইকেট, হাওয়ার্থ ৬৬ রানে ২ (वंकाईर्थ

নিউজিল্যা ড- দিবতীয় ইনিংস ২২৯ (বি হেদিটংস ৬১ বি কংডন ৩০ জি ভাউলিং ৩০, ফি টার্নার ২৫: ডেরেক আন্ডার্টড ৬০ রানে ৬ উইকেট, আলান ওয়ার্ড ২৮ तात २ छैदेकिए हमा ६२ जान २ छेदेकिए)

ইংলাক-দিবতীর ইনিংস (২ উইকেটে) ১০৮ মোইক ডেনেস নট আউট ৫৫ ফিল শার্প ৪৫: কানিস ৩৬ রানে ২ উইকেট)

(देश्लाष्ड ४ डेरे.कर्ट विक्रमी)

একলব্য

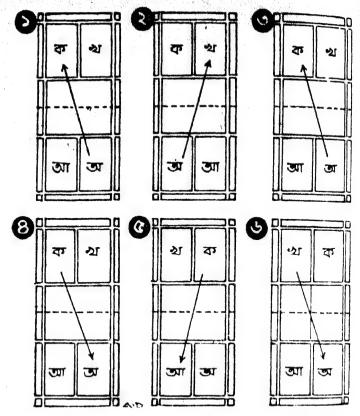
## ব্যাড়িমণ্টনের আইন-কান্ত্রন

ত্ব সম্ভাহে গেম সেটিং সন্বল্ধে বলা
হরেছে। ১৩—১৩ পরেণ্ট বা ১৪—১৪
পরেণ্টে (মহিলাদের ক্ষেত্রে ১—১ এবং
১০—১০ পরেণ্ট) গেম সেট করার ব্যাপারে
আমর্শ রারেরই সংশিল্ট খেলোয়াড়ের কাছে
কিজ্ঞাসা করা উচিত তিনি গেম সেট করবেন,
না সরাসরি খেলে যাবেন। তবে আন্পায়ারের
ভূল হলে খেলোয়াড়ও সেটিং-এর দাবী
ক্লাতে পারেন।

#### कावशास्त्रव रथशा

৯। (এ) কোন দল প্রথম সংভিসি করবে ভা কিম্পতি হবার পর ডাননিকের সাতি'স কোটে অবস্থানকারী খেলোয়াড কোন কনি বিপরীত সাভি'স কেটে' সাটল সাভা করে **খেলা আরম্ভ করবে। যদি সাটল প**টোতনে বা মাটিতে প্রবার আগে শেষেক শেলায়াড (বিপরীত পক্ষের ডান কোটের হখলোর ড) সাটল মেরে ফিরিয়ে দেন তবে **উন' সাইড-এর বে কোন খেলো**য়াডকে আবার সাটল মেরে অপর কেটে ফিরিয়ে <sub>শিতে</sub> হবে আবার 'আউট' সাইভ-এর একজন সাটল 'ইনা সাইডে ফিরিয়ে দেবেন। এইছারেট খেলা চলবে যতক্ষণ না বেট আইনগত ভলতুটি করবে বা যতকণ না भाउँन रथलात वाहरत वरन गग हाव (वि अस्टल्डम मध्या।।

র্যাদ 'ইন' সাইড-এর কারো মারে আইনগজ ভুলু বা নুটে হয় ভবে তাদের সাহিস করার ভাধিকার চলে যাবে। কারণ যারা খেলা আরুন্ড করবে প্রথমবার তাদের একজনট সাচিত্র করার সংযোগ পাবে (১১ নাশ্বর আটন দুণ্ট্রা)। এইবার বিপরতি প্রেফর ভার্নদিকের কোটো অবস্থানকারী থেলে য়াড় সার্ভিস করবে। যদি এই সাভিস মেরে ফিরি'ছ দেওয়া না হয় কিংবা 'আউউ' সাইড শেলোয়াড মারে, আইনগত ভল কটি করে জ্বে ইন' সাইড একটি পয়েণ্ট পাবে। এই পরেণ্ট পাবার পর ইন সাইড-এর বে থেশেয়াড সাভিসি কর্যালেন তিনি ডান-দিক্তর কোট থেকে বা দিকের কোটো ফেরে আবার সাভিসি করবেন কোনকুনি বিপরীত रकारहें (रमफ़हें रकाहें 'शरक रमफ़हें रकारहें)। শতক্ষণ ভাষের সাভিসি নাট নাহাব অথাৎ ভাষা টেমা সাইড হিসাবে থাকবে তডকণ প্রতিক্ষেত্র স্তিসি কোট কলে করে কোনা-ক্ষানি বিপরীত সাভিসি কে টো সাভিসি করতে ছবে। অধ্যা ওখনই এবং কেবল মাত্র তখনই



ভাৰণস-এর খেলা আরম্ভ ও কোট বদংলর নক্স। ১ নম্বর চিত্রে 'অ' খেলা আরম্ভ করছেন সাভিস্ন করে। ২ নম্বর চিত্রে পয়েণ্ট পেয়ে বা দিক থেকে সাভিস্ন করছেন। ৩নং চিত্রে পয়েণ্ট পেয়ে জাবার ভান দিক থেকে সাভিস্ন। ২ নম্বরে সাভিস্ন নেটের পর অপর দলের 'ক্স'-এর সাভিস্ন আরম্ভ ভান কোট থেকে। পয়েণ্ট পেয়ে ও নম্বরে বা দিক থেকে সাভিস্ন। ৬ নম্বরে 'ক্স'-এর সাভিস্ন নাংটর পর 'ম্ব'-এর সাভিস্ন জনন কোট থেকে

সাভিসি কোটা বদল করতে হতে যথন একটি প্রেটি সংগ্রীত হবে।

(বি): যে কোন দলের বা পক্ষের প্রথম বারের সাভিস ডান স্যাভিস্কেট খেকে আরুত হবে। যিনি স্ততিস কব্রন তিনে র্থাকেট দিয়ে সাউল মারবার স্থান্য স্থেগ সাভি স করা হয়েছে বলে ধরা হবে। ভারপর যভক্ষণ না সাটল মাটিতে পড়াছ কিংবা কারো মারে আইনগভ ভলতাটি না হকে: অথবা 'লেট' এর । অইনগত কারণে আবার সাভিসি করা বিধানকে কেট' বলে) ঘটনা নাঘটছে, বা ১৯ নম্বর আইন अन्द्रभारती प्राप्तेन रचलाह वाष्ट्रेटव दरन शका जा হচ্ছে ভতক্ষণ সাটলকৈ খেলার মধ্যে বলে ধরতে হবে। সাভিসি হয়ে যাত্র পর যিনি সর্ভিসি করছেন এবং যার কাছে সাভিজ্য করা হচ্ছে তারা ইক্ষে মত নিজেদের পাশের কোটের যে কোন জয়গায় দভাৈতে পাৱেন। এমন কৈ নিজেদের পাণের কোটের বাউন্ডারি লাইনের বাইরে দাঁডানোতেও বাধা নেই।

১০। যে খেলোয়াড়কে সান্তিস করা হবে

কেবল মাত্র ভিনিই সাভিসি মেরে খিবির বিবেন। কিংকু যদি তার সহ থেলান্ত্র সাটেল সপ্পা করেন বা লারেন তার উনা সইও একটি প্রেম্প সার্থে একই লেমে কোন খেলে রাছ পর পর দাটিট সাভিসি রিসিল করেন প্রাক্রম (১২ নদ্রর আইন স্ব প্রেমি করেন মাতিস কোটি কলের ভূলের ক্যা বলা হয়েছে)

১১। যে দল প্রথম খেলা আর্ম্ছ করবে প্রথমনার ভাদের একজনই সাভিদ্য করার স্থানার পাবে। ভারপর সাভিদ্যের ক্ষেত্রে প্রতি দলের পৃষ্টজন পর পর সাভিদ্য করার স্থোগ পাবে। তবে বিজরী দলের যে কোর পরের পেরের এবং প্রতির করের কেনে থেলারাড় পরের গেমে প্রথম সাভিদ্য করার সংখ্যা পাবে। তবে বিজরী দলের যে কোর খেলোরাড় পরের গেমে প্রথম সাভিদ্য করতে পারে এবং প্রতি পক্ষের হৈ কোন খেলোরাড়

# 36ms

# ित्रम् जिन्न नमन्त्रा

9 দিচমৰণ্য চলচিত্র সংরক্ষণ সমিতি গত দাক্রবার (২৯ আগসট) এক সাংবাদিক বৈঠকে জানিবেছেন, 'পূর্ব' চুক্তি লংঘন করে এবং সংগ্রীত পদিচমবংগ সরকারের উদ্যোগে গঠিত ব্যরেজনের কমিতির ("গ্যুপী গাইন... এর মাজি বিরোধ নিংপত্তির জনা গঠিত) জন্মরেধ উপেক্টা করে মিনরে বিজ্ঞলী-ছবিন্দরের কর্তৃপক্ষ কদি "গ্যুপী গাইন বাংশ বাইনা ছবির পর "আরোগ্য নিকেতন" প্রদর্শনের জন্ম রাজী না হন তবে সমিতি জাবার অগ্রপালন শার কর্বেন।

সমিতির অংশেশনের পাঁচ-দ্রমা কমাস্ট্রী এইব্প : (ক) প্রেটের, লিফ্লেট ও জন-সভা করে আন্দোলনের কাবণ বিশেল্যক (খ) সাহিত্যিক সাংবাদিক, শিক্পাী, ট্রেড ইউনিয়ন কর্মাী ও চলচ্চিত্রলাকের বিশিপ্ট হাজিদের নিয়ে কন্যভনশনা (গ) নিনারে-বিজ্ঞানী-ছবি-ঘবের সামানে শ্রেকার (৫ সেপ্টেম্পর) সভীক বিশ্লোভ প্রদর্শন (খ) উক্ত চেনের সামান প্রতীক জনশন (৩) উপ্রোভ কর্মান স্ট্রী বার্থা হলে সভাগ্রহ।

সাংবাদিক সন্মেলনে গ্রীঅভিত বস্তু, গ্রীস্তাব্ধ মির, শ্রীবিজয় চট্টোপাধ্যায় ও শ্রীপারিজাত বস্ত্রিভিন্ন প্রদেশর উক্তরে তাদের বক্তবা পেশ করেন।

মিনার-বিজ্লী-ছবিছার অর্বেতী দেবী পরিচলিত কে এল কাপার প্রোডাকশাদের "দেঘ ও রৌদ্র" মাজি পাবে বলে দোনা মাজে। এই বিলিজ চেন-এ চিত্রমটির নিয়ে নতুন স্থাসন্ত্র পরিপ্রেক্সিতে ব্যব্দ-ভানর কমিটির আহ্বায়ক শ্রীএম এ এক বিব্যাভ্যে (১৫ 1৭ 1৬৯) এই অভিযোগ করেন বে, মিনার বিজ্ঞানী-ছবিষ্বের কর্তৃপক্ষের অসহযোগিতাম্লক মান ভাবের পরাণ উক্ত চেন-এ "আরোগ্য নিকেতন" ম্বির ব্যবস্থা সম্ভব হল না। তিনি বিকৃতিতে আরও বলেন, ৫ মে ৰে <sup>ছুতি</sup> স∗পানিত হরেছিল সেই অন্ুসারে "গ্পী গাইন…"-এর পর মিনার-বি**জল**ী-ছবিষরে সংরক্ষণ সমিতি নিবাচিত দুটি ছবি দেখাবার কথা, ভারপর 'মেছ ও রোদ্র'। এই প্রসংশ্য মিনার-বিজ্ঞাী-ছবিষরের দালিক পক্ষের এক বিষ্তিতে বলা হয়, ৫ মে তারিখের চুত্তির শত ভপকারী শৃত্যনকারী পতিচমত্তা চুলজিয় সংরক্ষণ



শন্মার কা সপনা' (পরিচালত : হ্বাকেশ অ্থাজি') এ-সপ্তাহে মৃত্তি পাছে—হবিদ্ধী নারক-নারিক্য কিবজিং ও লালা সিনহা

সমিতি, মিনার-বিজ্লী-ছবিষরের কর্তাপক নন। ৬ মে উর্জ সমিতি বারোজনের কমিটির কন্যরোধ ও প্রচেণ্টা ধর্টিলসাং করে ৫ মে তারিখের চুক্তি লংঘন করেন এবং "গ্রাপী গাইন..."-এর মাজির বাঘোত সাণ্টি করে সিনেমাগাই ও মালিকের গাহের সম্মানে मराध्य स अनमन आत्मालन मात् कार्यना অতঃপর ৫ মে তারিখের চরি বাতিল বলে গুণা হয়। উরু চেনের কর্তপক্ষ আরও জানান, "গােপী গাইন..."এর পর উর চেন ১ মার্চ', ১৯৬৮ তারিখের প্র' চুত্তি অন্বারী "মেঘ ও ৰৌদ্ৰ" দেখাতে বাধা। তবে "মেঘ ও বেদ্রি"-র প্রবোজকের সন্মতি সাপেকে সম্মতি আদারের দারিত্ব বারোজনের কমিটির) "গাুণী গাইন..."-এর পর "লারোগ্য নিকেজনা দেখাতে তাদের আপত্তি নেই কলে नानिख्यान।

### แ िठ्य-अभादनाठना ॥

रेग्राकीन

প্রা কমিটির স্পারিশের করেক দিন প্রাক্ত "ইরাফীন" (বিজ পরিচালিত) হিলা চিত্র দেখা গেল শমিলা ঠাকুর 'শুটা' (তাও আবার বেশ ছোট) পরে বেশ শ্বার্ক্তরীর ছুটে চলেছেন, তারপরেই নারক ধর্মেক্তরের উৎপাতে (গান সহ) শমিলার কপট বিশ্বীত এবং ধরা-ছোঁরার বাইরে বাবার নকল চেট্টা। এটা অবশ্য নায়িকার গোঁসা, মিটমাট। হর্ম একটা, পরেই।

প্রেম ছবির বড কথা নর। আসল বৈশি ক্লাইম। এবং এ ছবিতেও আবার সেই প্রতিবেশী শগ্ৰ বাজেব वराशाव-डाका ভারতের একটি লাবেরেটরির গোলান গবেষণার বস্তু (কী তা পরিচালকই জামেন) জেনে নিয়ে ল্যাবরেটরিটি উভিয়ে বিজ वाह । नाहक धर्मान्य **७**ই ल्यायस्त्रवेतित अक्रीन বিজ্ঞানী, রিসার্চ ওয়াকার। তারই সর্ভ হ্বহ্ দেখতে এক বাজি (ভুরাল রোল-এর এই পাচিটি হিন্দী ছবিতে নতুন আমদানি রয়েছে শত্রাজে। আগেও হিন্দী ছবিতে দেখেছি, আবারও দেখলাম নারকের ভারক সেই ব্যক্তি অবলীলার ভার নীল ক্রেছ কালো করে ফেলেছে। এবং বেশভবার নায়ক ধর্মেন্দ্রর মত সেক্তে ভারতে এসেত্তে নাশকতাম্লক কর্মস্চী সম্পাদনের জন্মা ভবে গলার ব্বর তো আর এক রক্ষ হয়

৯ই সেপ্টেম্বর মঙ্গলবার অক্ত অকলে এটায় साम्मीकात शर्याक्रिक

### राशत এका

निहर्म नमा । अजिहरून बहन्सानाशास এই সেপ্টেম্বর শ্রুবার থেকে তিবিত পাবেন

(TR QUEST)

**१३ रमरण्डेम्यत अन्धा ७**॥हेत्य दनोवीन्स्ट्रमाङ्गं इट्डें:भाशास्त्रक

গ্রা পরা

রাজা রামমেত্রন মাগামী নাটক

কত ক

শৃশ্ভ বস্তার ट्यांनन

৯৯০ বৰণিৰ স্বৰ্তিত ও মহাজাতি স্থান विकित । वद-१३२5

शकाकारि मनदन

অবসরে বারা জগৎ প্রান।

(प्रि. ५८६२)

প্রযোজিত

একালয়-দ্রগাপারে क्रकानय-क्लागीरक क्रानय-जामभुद्र अकानम-देशान्दर

একানয়

गुल अवदन

১০ই কোপ্টেম্বর স্কেল সাত্টার হলে টিকিট আছে।

(TR 9889)

<u>ালীডাতপ</u> লিখ নিয়ন্ত নাট্ডোকা 🕽

नक्त नावेक!

অভিনৰ নাটকের অপ্ৰ' রূপায়ণ ! প্রতি ব্হুম্পতিবার ও শনিবার : ৬॥টায় প্রতি রবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ও ৬॥টায়

> ॥ রচনা ও পরিচালনা ॥ म्बनाबायन ग्रह

> > ॥ त्रावादः ॥

कांकिक बरम्राभाषांत्र, क्रम्भा तनवी, मृत्कम् हरहे। भाषतम्, भावात्रा हरहे। भाषतम्, भीविमा नाम, अक्टीन्ट करोहार्य, दकारबा विश्वान, महाम माहा. প্রেমাংশ্রস্ বস্থা ব্রেমার চট্টোপাধ্যরে, শৈলেন স্বােশাপানাম, গাীতা দে ও ভান্ বাল্যাপানাম না ড है নকল নামক হয়েছে বোরা। এদিকে नायक-ट्यांप्रका विके (नायिकाद को नाम त्य কতবার আর হিল্পী ছবিছে শুনেব। ধরেই নিয়েছে তার বছাত বাকাশীর ছারিছে আবার তাৰ কাছে ফিরে এসেছে। রিটার (লামিলা) বিশদ অনেক বেশী, সে সম্ভানসম্ভবা। অভএব নায়ক ফিরে না এলে এবং পরে কথা অনুযায়ী বিয়ে না হলে তার সর্বনাল। রিটার অন্তঃসভা হবার কী দরকার ছিল? এই কারনেই নায়কের স্বন্ধারী জিলেন রিটাকে খন করতে পারেনি। তার উপর কতারেলর ওইরকম্ট আন্দেশ ছিল। পরে অবশ্য তাকে বলা হয়েছে, এই ধরনের কাজে জন্তব্যত্ত (অবেগ) জ্যোদ্ধ। পার না।

সে যাই ভোক, ব্যক্তিয়ান ও দুঃসাহসী নায়ক যথাসময়ে শতার জোর কারাগার থেকে পালিয়ে যথাসময়ে (অর্থাং লাব্যেটার ভিনামাইত দেরে ভাত্তে দেবার এক মৃত্ত कारमा अस्म लारह। छित्मम माम्बद्धार्वेत्ररहे नारक मासा दगः ह। रगारसन्त्रा भानित्त्रत् शास আন্য পূর্ব এও ধরা পড়েছে—তাদের মধ্যে একজন আবার প্রতিস অফিসার (এটা একটা সাসপেনস), বে শত্রপকের হয়ে রাজ কর্মাছল ইত্যাদি বে-সব ব্যাপার ঘটেছে—য দশককে কোত্হলালাত ও রোমাণিত রেখেছে—তারই ফাঁকে ফাঁকে রয়েছে শৃংকর-জয়কিখণ সারারোগিত গান। এবং ইস্ট্রান कानारत र्वाभक व्यत्नक मान्यत मन्त्र

#### ব্ৰেক্ড'-সমালোচনা

গত ২৯ আগ দেব দেশ-এ কেড সম-কোচনায় ''সহস্ক গানের পাঠ'' রেকর্ড বি সারকার-রচয়িতার নাম উল্লেখ করা হয়। ওই রেকভের পানের সার রচন্ত্র কৃতির শ্রীয়াগাঁশন চরবার বি।

# স্বপ্ন-রঙান অনপম অঘ।

ত্রেরসীর স্বপ্নান্ধ্রীয় স্মেন্স গ্রিডক্তর ত্রেন্স্প্রের জাবিন-সংগ্রহের

অশোক কুসার-মালা সিনহা-বিশ্বজিৎ- জনি ওয়াকার হেলেন



পৰিলালনা হামীকেশ মুখাড্রী সংগীত ভিত্রগুপ্ত

भाराहार्वित-कृषा । यसा ग्राम-क्रभावा देखीता

ন্তিয়া (বেহলো) • ন্যালনাল (খিদিরপার) • খাডুনসহল (त्मर्छयुत्र क्ष) • नवकानक (राउका) • करनाक (भागिकिया) নৰন্ন পৰ (কলমন্ত্ৰনা) • বৈদ্বী (চুচুড়া) • ক্যোডি চন্দননগন্ন) • **চনচিন্তন** (কোনগৰ) कत्रज्ञी (नदानगत्र) • जीना (नदमन्त्र) • नीना (राहाकग्रह) • जनदृताया (नर्गाग्रह) कमानी (रेमराधि)

# छेल- िश्रिती

, বশেষে বাংলা **ভবিতেও** 'চম্বন'' সেপসত আ ক্রিডির ছাড়পর পেল। একটা নর, লাটো চুম্বনের পূলা **ছিল 'মন নিয়ে'** ভবিতে। পরিচালক স**লিল সেন বেশ এক**টা िरिस्टेर फिल्म माण माहि नित्य। स्टेक কাৰ পৰ এ**কৰাৰ** *চেবেছিলেন* **এডিটিং**য়ে বাদ দিয়ে দেবেন। কিন্তু খোসলা ভামটির িপেটে বেরমেন **পর ভরসা করে আ**র বাং কেনি। গত শ্র**ন্ধার ছবিটির** সেক্সর তাৰ গোল। "আনাকাটা-ইউ" চিক্তে মন দিয়ে তিলিত হল। ছাবর তুম্বনের সূত্রা নিয়ে দেনের কর্তাপক কোন প্রানাই তলালেন না। र्गननराद्भाक रननार, "तिराह गालक।" ্রির টান বল্লেন, "বোচে গোলাম কৰে। আমাৰ ছবিছে **চু**ম্মানৰ নামা সম্পূৰ্ণ শিকসমান্ত যে ইপা**ন্থা** পিড়া

গান পাড়ে দাখাটি টেক কর ব দিন
গাঁতিথকৈ আমি হাজির ছিলাম। পরিচ লক
প্রিসন উত্তমবাব্রে কানে কনে বলে দিলেন,
গাঁব করে রাখি, ভারপর সেপের আপত্তি
করে কেনে দেব।" দ্যাটি বে সেম্ব প্রথতি
নৈতি নিচে ন্যনি ভার জন্ম পরিচালক এখন
খন খাশী।

#### 

িছে। কিন্দ্র লাভেরের বীর কাণিনার সেলি।
ত্রিপ্র্যারের সংশ্য দেখা। একলা চুপ ঢাপ
বস্থিতের। জিজ্ঞাসা করলান, "শৃতিং রেই
ব্রিক্তি তর্ব জানালেন, "গত নামে নার
দ্রিন শৃতিং করেছি।" শৃত্র এতট্কু অবাক
ক্রান না বালে ছবির অধিকাংশ শিক্ষার
ভাতে এখন কাছ রেই। নতুন ছবি থাব
লৈ হৈছেও না। কারণ, অনেক ছবি শেষ
ক্রারবাদী হরে পত্তে আছে। হাউসের
ক্রারে রিলিজ হতে পারছে না। এমনিভর
শেষ করে থাকা "আনরিলিজত্" ছবির
সংখা নাকি প্রায় একশ, তথাটি জানালেন
ভর্ণকুমার। সেই সব ছবির প্রযোজকর।
ব্রেক্তিইই নতুন ছবিতে হাতে দিতে



জব্ৰিক মুখাজি'র প্রিচালনায় "নিশ্পক্ষ"-র কমে এগিয়ে চলেছে—ছবির একটি দ্শ্যে স্বিত্তী চ্যাটাজি' ও উত্তমকুমার ফটো—চেক্

পাটেছন না। তর্গকুমানের হাতে এখন নার্দ ছবি মাত তিনটি। তার মধ্যে গৈপ্রথ-বেলার রেকা ওবৈ মতে ইপার সেনের শপ্রথম কারা ক্রালা এ। তার্গ সংরক্ষণ সমিতির একলান প্রাং সাপেটিটার। ইনার সেনের ছবি নাকি আসংরক্ষণ হায়েপর। ইনারেলার যে তর্গকুমানাক তার ছবি থেকে বাল দেননি এটাই প্রেরায় প্রমাণ করছে বালা: ছবির জন্যতে এখন আর কোন দলাদিলা বেটা। কলানান কর্মণকে সে কথা। মাচকি লোক তর্গকুমার মাত্যা ক্রালেন শ্রান্ লিজন্তের নিবাশনের মাত্যা ক্রালেন শ্রান্

#### – বিচক

### "আমপ্রকাশ" ছবি হচ্ছে

স্থান গোলাপ ধ্যামের বহু পঠিত উপনাস "আছা প্রকাশ" ছবি হচ্ছে। দেশ-এর বিশেষ সংখ্যার প্রকাশের সংখ্য সংখ্যই উপনাস্তি পাঠকমতাল সাজা জাগিলেছিল। জানা গোলা, প্রায়েজক বিজ্ঞা চাটা পাধ্যাম কাহিনীটির চিত্রস্বত্ব কর ব্রহ্মেন।

### স্থীর প্র

"দ্বাদা নিয়ে"-র পর প্রেণিন্যু প্রতীর বিজনাথের "দ্বানীর প্রত্যাজনার এই ছবিতে করছেন। রুপদার প্রেলাজনার এই ছবিতে নতুন শিলপাদৈর দেখা যাবে। চিত্রপরিওলেনা ও চিত্রনাটে রচনার বৃদ্দে দারিছ প্রাণ্ডারি। বাংলার দ্বাদাশী আন্দোলনের প্রভূমিতে এক সম্ভ্রান্ড গৃহ্বধ্র নাম্বীর জ্লাদা প্রতিভার জনা ভাগা ও সংগ্রামের কাহিনী নিরেই "দ্বার প্রত্যা

### "র্পসী" ঘাউটভোৱে

গত সংতাহে আউটাতারে এ আর বি প্রোভকশনের "র্পসী'র ব্রিং অরক্ত হরেছ। কর্মিত কাহিনী ও চিনোটা ঘরনাবনে ছবিটি পরিচালনা কর্মান ঘলিত গাংগালি। সম্পারর, শনিত তত্ত, যোগী ব্যানাজি, রবি ঘোষ, অন্তা ঘোষ, জাই ব্যানাজি, তপেন চাটাজি, চিনার বার, বাংক্য ঘোষ, স্কাল চৌধুরী প্রমুখ ছবিব বিশিষ্ট শিল্পী। অনিল কণ্টো সংগতিপাবচালক।

### "দ্টি মন" ছবির চিত্রগ্রহণ শ্রু

গত সংভাবে এস এস ফিলমসের "বৃটি
মন" গবির শ্চিং পাঁব্য বস্তুর পরিচলনার
আরম্ভ হরেছে। বিনর চাটালির কাহিনীর
ভিত্তিতে ছবিনি তৈরি হছে। স্পূর্পা ক্রে
ছবির প্রয়োজকা এবং নায়িকা। উত্তর
কুমারকে দেখা যাবে ছৈত ভূমিকার। প্রথম
বিনের শ্রুটিংয়ে এই দুই শিহুপাঁ সহ ছারা
বেনীও ছিললন।

### "আমি মত্তী হৰ" রঙমহলের নতুন নাটক

ত্তনহলে আবার হাসির নাটক "আছি
নহা হ'া। শ্র্য হাসির নাটকই নর,
বাবেগরও। রচরিতা: স্থালি চক্রবতী'। গ্রন্থ
ত সেপ্টেম্বর জন্ম জুমীর দিন নাটক
অভিনয় শ্রু হয়েছে। সর্য দেবী, জহন্ত
রায়, সত্য বন্দ্যোপাধায় হরিধন মুখাজি,
অভিত চাটাজি, বাসবী নন্দ্রী, নান্দ্রতা বে,
রয়া ঘোষাল প্রমুখ বিশিষ্ট শিক্ষীয়া
বিভিন্ন চরিতের রুপদান করবেন।

#### প্রলোকে এস এস ভাসান

দক্ষিণ ভারতের বিশিষ্ট চিত্রপ্রযোজক ও স্টাভিত্তর জেমিনি এবং প্রতিষ্ঠাতা শ্রী এস এস ভাসান অংশক ল কোলোগের পর গতে ১৬ আগস্ট প্রালাক-প্রমা কবেন। তাঁব ব্যস হয়েছিল ৬৬। খ্রী ভাসান বাজাসভার কংগ্রেস সদস্য ছিলেন। "আনন্দ বিকাতন" নামে একটি জোছল সাংতাহিক পঢ়িকা তিনি সম্পাদনা করতের। তিনি দাই বছরের জনা ফিল্ম ফেডারেশন অব ইণিডয়ার সভাপতি ছিলেন।

भारक्षा (८४-६२११) **४० म**्थ विश्वविश्वाक नाहेरकर ५००० ककिनय



সোমবার । ৮ সেপ্টে । সন্ধে ৭টার নাক নিৰেশন : অসীম চকৰতা ॥ হলে টিকিট পাওলা যাতে ।।

(ति १७६७)

८ इंट ट्याट केंच्यत — ७॥क्रीय রহাজাতি পদন 38-6-6W ভাৰতীয় শিপ্পী পরিষদের প্রীচৈতন্য

ৰঙ্গনী ব

১০ই সকলে ১ইয় ভিকেট

550म ७ २३<sup>०म</sup> সেশ্টেঃ সন্ধা ৭টায়

.१८ म स

১০শে ৭টার ও

तळूत (५१%) २४% मार्ज् थ्रोत

काडेन आर्टिन इल. नशामिली नाउँक निहार गाः इत्यन गाहिसी চেনা মহলের সৌলনো

িস ৭৬৩৩)



শোভনিক-এর অভিনয়!!

৬ই∕৭ই ॥ আণ্তিগোন ১১ই/১৮ই ৷৷ ছুটি, উপসংহার ও পাতা ঝ'রে যায়

১৩ই ॥ নোনা জল মিঠে মাটি ১৪ই ॥ এবং ইন্দ্রজিৎ **ন্ত অসন ॥ ১২**০ শ্যামাপ্রসাদ মুখাজ**ি** য়োড, কলিকাতা-২৬ ॥ ৪৬-৫২৭৭

(त्र १२१५)



তা ছাড়া, তিনি চলচ্চিত্রজগতের আরও এক ধিক সংগঠনের নেতৃত্ব করেছেন। ভারতের চলচ্চিত্রনিম্মিতাদের অন্যতম নেতা <u>জীভাসামের মাতাসংবাদে কলক ত। যোগটো</u> ও মানাজের চলাঞ্চতশিকেপ গভীষ শোকেব ছায়। কোনে আসে। বিভিন্ন সংস্থাব কর্ণাধারর। শোকবার্গী **প্রেরণ** করেন।

শ্রীভাষান ১৯৪১ সরে ছেমিনি স্টাডিও স্থাপন করেন। জেফিনি চিনুস্বভারতীয় খানীত লাভ করে "চন্দ্রলেখা" ছবির মাধানে। ভারপর অনেক হিন্দী চিত্র তিনি উপহার বেন। তার মধ্যে "সংসার", "মিঃ সম্পত", "নিশান", "আজান", "ই**নস**িন্যাং", "বহ**ু**ত দিন হায়ে", "শতরনজ" ইত্যাদি উল্লেখ-যোগা। মতাকালে তিনি দ্বী, এক পত্ৰে ও এক কন্যা রেখে যান।

### বংমীকি প্রতিভা

অথাক করে নিয়েছে দক্ষিণীর দিশ্য শিলপীরা। গত ২৪ আগস্ট সকালে কলা-মনিদরে তার৷ কবিগারার "ব্ৰুমীকি-প্রতিভা" নাত্য-পরিত্রটোটি ফেরাপ দক্ষতার সংখ্য পরিবেশন করলো তার তুলনা হয় না। শিক্প**ীনের বয়স খাব বেশী নয়। পাঁচ থেকে** পদেরোর মধ্যে। কিন্ত কি নাচে আর কি গানে তার উপস্থিত দশকিদের মাণ্ধ করেছে, বিশ্বিত করেছে। শেষ প্রয়ত উচ্ছনসিত করতালৈ আদোয় করে তাব হেড়েছে। কঠি কঠি মুখ, ছোট ছোট হাত-পা. কিল্ডু কি আকেশনে আরু কি এক্সপ্রেশনে বভারের চেয়ে কোন অংশেই ছোট নয় তারা। গনেগ**িল শিল্পীয়া নিজেরাই গেয়েছে।** এমন কি রগোশ্রয়ী গানগর্মা<del>ল</del>ও। এটা বড় স্ত্রু কথা নহ।

মঞ্জের উপরে যাদের দেখা গেল ভাদের কে ভাল আর কে মশ্দ আলাদা করা দুল্কর। তবে নিজির ওজনে বাল্লীকি (রাজীর্য চাটেভা ি আর পেটমোটা দকটে (কলে ছেন্ত্র বেশী প্রদাংসা প্রের।

এই অসাধারণ সজেলে চমটোৱা পশ্চ দুপটে বড় যারা আছেন ভালে ধনাবাদের পাত। **অমল** নাগের সংগীত পরিচালনা এবং আলো রায়ের ের পরিচলনা প্রশংসনীয়।

ক্র উপহার্যাট্র গোষ্ঠীকে ধন্যবাদ জান্যচ্ছি। ধন্যবাদ জানাছি আশিস মাখাজি, মঞ্জালা গড়-ঠাকরতা এবং শাভ গাহঠাকুরতাকে। তারের এই নিবেদনটি ভোলবার নহ।

### তরুণ অপেরার ''রাজা রামমোহন' ও "লেনিন"

তর্মের অপেরার "হিউলার" যাক্টানার ইতিমধ্যে জনপ্রিয় হয়ে উঠেছে। এই সংখ্যার পরবর্তী দুর্লিট নিবেদন "র লো বাছফোরন" (রচন: : সেনি শিলুমোহন চটোপাধাল তেও "লেনিন" (বডনা ঃ শম্ভ বাল্ড *হ*া নাটকেরই নামভামকার শিল্পী শাল্ড গোপাল। বহীদন্ভারতী বিশ্ববিদালকে অধ্যাপক ভাষর হোষ দুটি চাকিই প্রিচালন: কাপ্রয়। আলেম্ট *র স্থেপ্টা*লর সন্ধায় মহাজাতি সদ্দে "রংগা এমংমারে" অভিনয় হরে। তার লাগে ট্রীটেট্র টোবাৰীকৈ সংবর্ধনা জ্ঞাপন করা হাবে : ১০.৭ অপেরা জ*িনহেছেন গাত* ৩ জানের গহিট<mark>লার" অভিনয়ের বিভয়ক্ত</mark> অগ্নিগে শিলপানের কল্যাণে দান কল হলে।

### জামসেদপুরে "অজাতক"

জ্যাসেদপ্রতার "ক্রাস্ক্রেণ লউসংগ্রা দিতীয় বধুপতি উপলক্ষে ৭ ৬ ৪ কেপ্টেম্বর স্থানীয় মিলনী গুণ্ডে (বিংটাপ্রে) দাই দিন্যা প্ৰী নাটোলসংব্র আহেচানে কা হয়েছে: প্রথম দিন সংস্থার সভাসতা 🕾 কত্তি হোতিত ঘটোপাধ্যায়ের চক্ষাক্রীত সাস" অভিনীত হবে। দিবতীয় দিনে এটা ক্ষক্ষেত্র এন হি এন্টারপ্রাটেল-এর প্রয়েজনা **সংভাবক্ষার যে**খে র<sub>িট</sub> "সভাত্তর" **মগুম্ম কর্**ছেন। এই কটাকর নিকেশিনায় আছেন অশোক হিছ। আছে। মণ্ড সংগীতের দায়িত রারভেত ধ্যাত্তি স্বর্প মাুখাজি, **সাুরে**শ দ্ত ও ভা<sup>স্কর</sup> মিত। তিনটি মা**ত** চরিংত্রর এই <sup>নারতার</sup> শিলপী হলেন মনতা চট্টোপাধানে, ছা<sup>ক্ত</sup> মিত্র ও নিমু ভৌমিক।

यम, बः म

প্রখ্যাত নাট্যসংস্থা থিয়েটার গিল্ড অংগ<sup>া</sup> ১৩ সেপ্টেম্বর শনিবার সম্থায়ে এক ডেমি অফ ফাইন আটসি হলে বিনল করের "यम्बर्भ" भणम्थ कत्रदन । अभीव नर्तिर्छौ উপন্যাসটির নাটারশে দিরেছেন। অভিন্থে যোগ দেবেন গিকেডর শিক্সীগোলিট।

# वाम्बाई विहिना

ত ছাবিশে আগস্ট সকালে ভারতীয় গ<sub>িল</sub>ভিন্তর একটি বহু, ঘোষিত নাম ে ছাগং ছোডে ঢলে গেল। শ্রী এস এস লামন কবিনে প্রায় সব **কিছ** ই বহংভাবে স্থেগ করেছেন। জ কিছামকের গংগ্রিকস্কেভ প্রচার্যপ্রয়তা তাঁর সহজাত দেন এ ছাড়া গ্রীডাসান ছিলেন প্রচন্ডভাবে ি কলালে ও বিশ্বাসী। সূব কিছাই তিনি হা সময়ে নিধারিত নামচা অন্যোথী er m এবং সহস্থিতাট সকলাক করাত বাধ্য arran করে ছবির কাজ আরম্ভ করাবন মত লাভার শেষা হবে এমন কি কৰে সে চুত গুতি পাৰে এ সমস্য কিছুই আগে ners las করে ফেল্ডেন এবং সেই গ্ৰহণী ভাৰ ভাৰত বিশ্বত সংস্থা প্ৰচাৰ লগ লেখা হৈছে। শ্রীভাষান একাধারে সংখ্যার প্রয়োজক, **প**রিচালক, **পট্**টিও েত এবং ভলচিত্র বাবসায়ের জন্যাতম ্চ্নভূমিকায় অনায়নে কাজ করে গেছেন ালাল মলেং। কাধা হাধা বাহনীতির গলত চাপার সমবন্ধ স্থাপন করেছেন খনত খাল খেকে ভিবিশ বহারবত ব্যাল আৰু শীভাসান সহযোগী প্ৰাচ্চ বিক্ৰাৰ চলচ্চিত্ৰ ভগতে প্ৰবেশ বালা এ সমায় শ্রীভাসানের সাংবাদিকতার ীংল্ডাং প্রায় বাবের বছারব। দিতীয় গণ্ড যে বছর **শার; হয় সেই বছরে** প্রিচ স্পরে শ্রীভাসান প্রবেশ করেন এবং ব্যাভ মতন মধাপাথ, ভার্যাৎ উনিশ 'শ বিচাৰণ সংলোতিনি ভারতের **অন্যতম** <sup>৩০ হ</sup>ৈও 'জেমিনী''র প্রন করেন। ৪১০ প্রাঞ্জ **প্র**ম ছবি (সহযোগী) সংক্ৰিক**ত**্ব \$ 415.15 B <sup>সংগ্ৰেচ</sup> ত্ৰিটিশ সংক্ষানেৰ কোপানকো ঁত মূডির আলো থেকে যান্তি হয়। এই <sup>এছা</sup> ইভাসান সম্ভবত সারা **জাবিন মনে** িটিন। তাই প্রয়োদ জ্ঞানীক মূখ্য করে <sup>হা</sup>েক এবং - জোলামের প্রভাষে **ছড়িবে** <sup>একটির</sup> প্র একটা সা**থকি ছবি করে গ্রেছেন।** <sup>যান্ত্র</sup> ভারতীয় চলচ্চিত্রের ইতিহাসে <sup>ছিছিল</sup> দেৱ ভবি 'চন্দুলেখা' এক নতুন <sup>ওদায়ের</sup> স্থাতি করেছে। স্টার ভ্যা**ল, ছিল,** <sup>প্রতি, থক্তা</sup>। কিন্তু প্রভাকশন ভালতে <sup>ই প্রমান</sup>্ডাহ্য হতে পারে এটা শ্রীভাসানই <sup>এয়</sup> এদিকের চিত্রনিমাতাদের বোঝান। <sup>বি সম্প্</sup>ত" জাতীয় দা-একটি ইনটারেণ্টিং <sup>িও কলে</sup>ছেন শ্রীভাসান। কিন্তু মৃত্যুর ি গ্রীভাস্ম কি করে পাতরঞ্জা-এর মত <sup>া</sup> করলেন এটা আমাদের অনেকেরই <sup>ধামে</sup> নয়। তব**়ও শ্রীভাসানের মৃত্যুতে** গুটার চলচ্চিত্র এমন একজনকে হারালো



"লোনাই দাঁখি" ফিল্ফ হচ্ছে এবং তাতে বোদবাইয়ের প্রাণ ও জয় ম্থাজি অভিনয় করবেন—প্রাণকে (ভাবনা কাজাঁর ভূমিকায়) শিক্ষণট পড়াফেন পরিচালক অসীম বানেজি

থিনি নেতা হারও প্রাছর ছিলেন, তিইবাবসাধী হারও বিশ্বসার্থান ছিলেন,
স্পাকুলেটর হারও থিনি নিজ্ঞান্তারী
ছিলেন, অভিভাবক হারও থিনি
বংতিনদ্দনীর ছিলেন। ভারতীয় চলচ্চিত্র
বাবসার শ্রীভাসানকে জন্মদে শ্রেণ করাব
হারে সংগ্রা

\*

হিল্পী চলচ্চিত্রে আকাশ নানা রাশ্ব বঙ্গীন মেয়ে সর্বাল মেহলা। কঞ্চকাপরে শারতারাম, চোপড়া, রালহাম প্রভৃতি প্রদর্শিত চৰভাকে চমকদাৰ মোমে আকাণের অনেক খনি আৰুল। তারই ফাকৈ সাদ্য কালো মেহের উাকিখাকি বেশ আক্রাণীরভাবে চোমে প্রভাচ আরুকার। ক্ষেত্রক বাৰসাধীও আছকাল ঐ সাভা কালো মেখের মাুখ চেয়ে বলে আছেন। মাঝে মাুঝ এক আর্ঘটি ঐ সাদা কালো মেঘ থেকে অপ্রত্যাশিত সাফলা ব্যিতি হকে। অংগ্রা মুক্ত 'বালক' নামক একটি ছবি বাদব্যন্ত বৰ অফিস-রেক্ড করেছে। মাণভা সেনের "ভবন সোম" **ভোনস ফিল্ম ফে**স্টিভয়লে সম্মানিত হয়েছে। **এই সব খ**বরের সূত্র ধার বাদবর বাবসাবিধনেত জগতেও বেশ চাওলা সৃদ্ট হয়েছে। এই চাণ্ডলা নতন পথাক বতথানি সংগম করবে ত: বলা শ**ভ**। কারণ "কজ" অনুপ্রাণিত পথ এবং "এফেই" অন্ত্রোণিত পথ এক হয়েও ঠিক এক নয়। কারণ 'কজ' অনুপ্রাণিত পথে প্রভারের পদচারণা আর এফেট্র অনুপ্রাণিত পথে লোভ এবং আশ•কার ঠগের বাস। ভাই বখনই "কন্ধ" অনুপ্রাণিত প্রডাক্ট বাবসা

কোৰেও সাথাঁক হয় তথাই ভয় হয়। 'ক**ফ'**' বালেয়া সাথকি হালেও তার ফলে কী সব ছবির জন্ম হাতে পারে সে ধারণা আমানের আছে। একজন সাথাক সত্যক্তিং বারের আহিভাবের প্র ক্রজন অসাথাক অসম্থা সত্যক্তিতের ভাশ্ম বাংলা বেশের চলজিত জগতেই হয়েছে তার হিসেব আমার পাঠক-দের কাছেও খাব পরিকার। সেই জনাই বলছি পরিবর্তন আসছে বলেই উংফ্রা হাত পার্বছি না, পরিবতানকৈ যতক্ষণ পরিবেশ **হভম করতে না পারছে ততক্ষ** স্বাস্তর শ্বাস ফেলা অসম্ভব। কম্পিয়া-লিছামের করমালা আছে, আট্টাট আছে, বিশেষ দুন্দিউভকাৰী আছে, ভাগো বিশ্ব স আছে। কিন্তু এক্সেগরিমেণ্টাল বা আর্ট ফিল্ম-এর ক্লেলে নিমাতার প্রতায় এবং যোগাতা ছাড়া আর কি আছে? আর এই প্রতার এবং যোগাতা যে উপযাত এর বিচার इति देव इत्र कालाई क्व कत्रका अवेग अक्रो 5: 44 !

সরল শুমা

### "জল বিন মছলী, নৃত্য বিন বিজলী"

অগস্ট মাস ভি শানতারামের 'জল বিন মহলী নৃত্য বিন বিজগানির আনক দৃশ্য প্রথণ করা হারছে। লক্ষ্যীকান্ড প্যারেলালের সুবরচনায় একটি গানের দৃশ্য তর মধ্যে একটি। গানটি নায়িক। সন্ধার মৃথে, গোরেছেন লভা মন্ত্যশকার। ছবির শ্রটিং প্রায় শেষ।

#### 'পাঞ্জনা'র 'কুমারসম্ভবস্' : একটি নুত্যনাট্য

श्रष्ठ द्यावनी भूनिभात मन्धा स कना-মুলিকে "পাণ্ডজনা"র উদ্যোগে কালিদাসের ক্ষারসম্ভব অবলম্বনে বচিত ন্তানাটোর অসক্তানটি প্রপদী কাব্যের সংগ্য প্রপদী ন্ত্রকলার সাথক সমন্বয়সাধনার একটি য়সোভ্তবল দৃন্টানত। সম্তদশস্থ সম্বলিত ক্ষাবসম্ভবের প্রথম সাতটি সগই মাত্র কালিদাসের রচনা আর অনেকেরই অনুমান প্রবড়ী যে অংশে কাতিকিয়ের জন্ম থেকে আরুভ করে তারকাস্তর-নিধন পর্যান্ত বিভিন্ন ঘটনা বিবৃতে, তা উত্তরকালের প্রাঞ্চণত অংশ। সেদিনকার নাতানাটাও ক লিদাসের মূল অংশকে ভিত্তি করে হরপার তীর মিলনেই সমাপত। কার্যাটর ন,তানাটার পারোপ, সুর-সংযোজনায় ন্তাপরিকল্পনায় এবং সমগ্র অন্ফোন্টির নিদেশিনায় নাটাচার্য শ্রীআনন্দমের স্গভীর



লাইট হাউলে বৰ্ডমান আকৰ্ষণ জ্যাতিপা

রসবোধ এবং প্রশংসনীয় দক্ষতার পরিচর

মালত ভরত-নাটানের আজিলত **উপস্থাপিত এই ন**্তানাটো উল্লভ নতে নৈশ্ৰলোর আকর্ষণাই ছিল বেশী। দ্য কথাকলির চতে কে ধোন্দীতত শিবের তাল্যর নাভার দ্রুত ছব্দ নরেশকুমারের প্রতিথি পদক্ষেপে আর স্থানিয়ণিতত অংগ-সঞ্জল বে তর•গ ছড়িরে দিয়েছিল কিংবা মদনেব ভূমিকার কেল্ল নায়ারের অংচর্য প্রায়ার কাজ এবং কথাক লিব ন টারসালিত ভাবাভিবারি যে রস স্থিট করেছ, তর উপ স্থিত রস্ত্র দশক্ম-ডলী অনেক্ষিয় মনে রাখবেন। রতির ভামকাটিও সোল্ফ. মণ্ডিত ও প্রাণবদত করে তলেছেল হল্ল-গ্রেছ। অবশা কেলা ন্যারের সালে যাত্র-নাজ্যে ভাকে **যেন** কিছাটা প্রিশাস্ত খন হত্রেছে। পার্ব**তী**র্ত্তিপণী ইন্দুনী বাং-চৌধারী দশকৈদের নিংস্টেদ্রে পরিভত্ত করেছেন এবং পশুমুখীতে পাঁচটি গিভিন ভালে ও ছালে তাঁর মাভাপরিবেশনায় একটি নত্ন ছদেশপদের স্ভার ও স্কে প্রয়ে গেরে পরিচয় ছিল। এই অংশের প্রার্মিতক শেলাকটি যদিও স্থানর পরিবেশ ঘ্রনা করেছিল কিন্ত ক্ষিতি, অপু প্রভৃতি পাওতোতিক প্রকৃতির লোবলটি মৃত-পরিবেশনায় খাব স্পণ্ট আকার নিয়েছে বলে হলে হল না।

তুম এসংভ্য-এর নাত্রবাকে সাথার হার তোলার নাপোরে আবহসংগীকে ভূমিকাটি িশ্যম উল্লেখযোগ্য। একদিকে ফেন শৈবরঞ্জনী, ভূপালী, বাহার, নালকের হেমাত প্রভৃতি রাগাগ্রয়ী স্বারের স্পশে একটি মলোক্তর পরিবেশ গড়ে উটেছিল, জার একদিকে আবহ যতেরর স্থের স্পতে প্রভিটি মুহাত্ত স্পাদিত হয়ে উঠেছে। এ প্রসাপের ঘাক্তির নার্ডার-ভারতীর মান-প্রয়োগে যে অভিনবম্ব ছিল, তাও প্রশাস উল্লোখ্য বাহার বাবে।

পশ্চাংগট এবং মূল মণ্ডে আলোর কর্ম ভাল তথে শিবের অসমটি একট্ স্ফেল্ডিট হতে পায়ত।

আনন্দবধন

#### আলেয়ার আলো

মণাল চরবতী পরিচালিত "আলেরর আলে,"-র শ্টিং প্রায় শেষ। সেরির চাটনির্জ, সাধিতী চাটাজি, অন্পর্মার সংধারানী, কালী বানাজি, মঞ্চ, দে, ভান বানাজি, শেষর চাটাজি, জ্যোৎসা বিধ্বা এবং রাধানোহন ভট্টার্য ছবির বিভিন্ন প্রধান চরিতের শিক্ষী। সংগতি পরিচালনার দারিত্ব গোপেন মজিকের।

## জ্ঞ ক্লব বু ে সেপ্টেম্বর জ্ঞভা কি!

ভারতীয় চলচ্চিত্র এই প্রথম সমানের **অতল জলের রঙিন দ্শো—!** প্রশিক্তি মাধ্যপুতি রংসা ও রোমানে**র ভরা—** তর্গুয়েম বুলিং ২-৯-৬৯ তারিখ আরম্ভ হ**ইবে** 



(म। माइँ हि - एक स - सूतला इँ है - मर्भवा

প্রিয়া - ভারতী সেবগ্লি ভাগনিমলিভ বিদাসবহাল প্রেকাগ্ছ

হারা - অলকা - নারামণী - রিজেন্ট - অরক্তা - বৈশক্তী - ক্যন্তী - ক্যনী - ক্যনী - ব্যাদী নিবেলা - দ্বীপক - ক্যন্তী - ন্থানা - অরপ্তা (ব্যাদেশুল) - ক্রেল্ড (পিলিম্নিড্) বিহার (ব্যাস্থা) - এলাক্সনেষ্টাল (প্রেটনা)



ती क्रक





















ভারতের উপরাদ্যপতি নির্বাচন এই সংগ্রাহর বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য ঘটনা। কংগ্রেসপ্র ধর্ণী শ্রীগোপালস্বর্প পাঠক ভারতের উপরাধ্যপতি পাদ নির্বাচিত হরেছেন। শ্রীপাঠক তার নিকটত্য প্রতিশ্বদ্ধী শ্রীজে শিব সম্মাধ্য পিল্লাইকে ২৩১ ভোটের বাবধানে প্রাক্ষিত

নকটত্ব প্রতিশবদ্ধ প্রাক্তে নব সন্মুখ্ম । সমাহকে ২০১ তেতির বাহরেন। প্রীপিলাইকে সমর্থন করেন ডি এম কে, কি মি উ নি স ট ও অন্যান্য বামপৃশ্ধী দলগালা। নির্বাচনে মোট ৭২৫টি বৈধ-ভোট পড়ে। তার মধ্যে প্রীপাঠক পেরেছেন ৪০০ তোট। শিল্লাই শেরেছেন ১৬৯ তোট। পি এস পি এবং বি,কে ডি স ম থি ত তৃতীয় প্রাথী এইচ ডি কামাথ পেরেছেন ১৫৬ তোট। অন্য তিনজন প্রাথী কেন ভোট পান নি। রিটারনিং অফিসার ভোটপর্য শেষ হওরার ২ ঘণ্টার মধ্যে তেটের ফলাফল ঘোষণা করেন। গ্রীপাঠক সবচেরে বেশী বরুসে উপরাত্ত্রপতি নির্বাচিত হলেন। এখন তার বরুস ৭০ বংসর। গ্রীগিরির উপরাত্ত্রপতি নির্বাচিত হলেন। এখন তার



বছর বয়সে। প্রীক্তি এস পঠক আজ উপরাণ্ডপতির কার্যভার গ্রহণ করেন। রাণ্ডপাত ভগনৈর অন্যোক হলে রাণ্ডপতি প্রীগরি শ্রীপঠিককে মন্ত্রগৃতির শপথ পঠ করান।

#### त्मणी जरवान

হও আগস্ট—বাংগালেরে কংগ্রেসের বে সংকট দেখা দিরেছিল, তা কেটে গিরেছে, ওয়ারকিং কমিটিতে মিটমাট হারছে:—প্রধানমন্ত্রী ও তার দুই সহক্রমীরি বির্দেধ কোন বরেশ্যা নেওয়াহবে না। ফলে দলতাগা বা পদতাগা কিছুই ঘটছে না। এই বাপেরে সর্বসম্মত এক প্রশহরে করেন, রাজনৈতিক ও অথানৈতিক ক্ষেত্রে দলকে নতুন বলে বলীয়ান করে তেলের জন্য কংগ্রেসক্রমীদের ভাক দেওয়া হরেছে। কতেলার ক্রাক্রমিতিক ও জনসংখ্যা সংগ্রেষ্টানিজনিশ্যাপার আলোচনা সম্প্রেকিও কমিটি একটি প্রশ্বার প্রবালনার আলোচনা সম্প্রেকিও কমিটি

২৬ আগসট কংগ্রেস সংসদীয় দলে শ্রীমতী ইন্দির। গাঁথারি বির্দেধ একটি গোণ্টী গড়ে তোলার জন্য কট্রপণথীদের চেন্টা বাথা হারেছে। এই গোন্টী গড়ে তোলার প্রশতার প্রবীণ নেতাদের মন্যুপ্ত হয়নি। অধ্য উদ্যোজার। তাদের প্রতিপোষ্কতা লাভ করতে চেয়েছিলেন।

উত্তর প্রদেশ বিধানসভায় বিরোধী পক্ষ সোমবার হঠাং হোটের দাবি জানালে সরকারের পতন ঘটতে পারে—এ আশাংকার হপাঁকার নাকি সে-দাবি নাকচ করে দেন। তারই ক্ষের হিস বে আজা বিধানসভার তুলকালাম কণ্ডে ঘটে। বিরোধী সদস্যারা সভার কাঞা চলানো অসাভব করে তুললো শতাধিক এম এল এ-কে অপসারণের জনা গাঁলিস ও সশস্য কনসটেবল বাহিনীর লোক ভাকতে হয়।

একদিনে মালদহের আরও ২৫ বর্গনাইল এলাকায় বনাার জল প্রবলবেগে চাকে পড়ে। বহা প্রাম জলমনন। কালিয়াচক থেকে থেজাবিয়াটা জাতীর সন্ধাকের উপর মাথা সমান জল। র, নহায় বানবাহন চলাচল সম্পূর্ণ বিপ্যাস্ত।



২৮ জাগ্সট—কেন্দ্রীয় মন্তিসভা আজা
বিজ্ঞানের ব্যবসঃ প্রতিষ্ঠানগালির বিরয়েশ
আনতি অভিযোগসমূহ সুন্পরে তদতের
জন্য একটি কমিশন গঠনের সিশ্বনত নিরেছেন।
দত্ত বমিটির স্থানিবিশের ভিত্তিতে মন্তিসভার
এই সিশ্বনত। জানা গৈলে প্রস্তাবিত কমিশন
হবে ভিভিন্ননে বোস কমিশনের জনারাপ।
ভিভিন্নন বোস কমিশনে জনারাপ।
ভিভিন্নন বোস কমিশন তদতত করেছিলেন
ভালিয়ো-জৈন গোষ্ঠীর বিরাধে আনীত
দ্যৌতি সুন্পরে। দ্যোসের মধেই ক্মিশন
রিপ্রেট পেশ কর্বনে বলে আশা করা যাছে।

পশ্চিমবংশ পরিবরে পিছা তিন একর প্রথিত জমি খাজনা-নৃত্ত করার ব্যব্দথা পাক। রস্থা এর ফলে প্রায় বাউ লক্ষ পরিবারকে কোন খাজনা দিতে হবে না। আজ বিধানসভাষ সংশিল্প বিলটি স্বস্থিতিভ্রম গ্রেটিভ্রুয়।

২৯ জাগসই—বড় বড় শিলপাগাতীর চাতি-বিচুতি, অন্তিত কাজ এবং ভূলজানিত তদনত করার জনা কেন্দ্রীয় সরকার ১৯৫২ সালের তদনত আইন অনুযায়ী একটি ক্মিশন গঠনের সিন্ধানত করেছেন বলে শিলপ উল্লয়ন ও কোপানী বিষয়ক মন্ত্রী শ্রীফকর্মিন আলী আমেদ আজ র জসভার ঘোষণা করেন।

চের্জালেমের আল্আক্সা মসজিদে অণিন-সংবোগের প্রতিবাদে আজ প্রিচ্ছবংশ্যর ম্সলমান সম্প্রদার হরতালা পালন করেন। বিকালে কলকাতার শহীদ মিনারের নিচে লকাধিক ম্সলমান এক প্রতিবাদ-সভার মিলিভ হরে মসজিদ অপ্রিচ্চ করার ঘটনার প্রতি ভীর ধিকার জানান।

৩০ আগলট-কেন্দ্রীর সরকার নির্ভ বিশেষজ্ঞ কমিটি কলকাতা ভকের ৪০ থেকে ৬০ বছর বয়স পর্যাত প্রমিকদের দেবজ্ঞার অবসর গ্রহণের জন্ম স্ক্রানিকা করেছেন। এই পরি-কল্পনা অন্যায়ী ৮ হাজারের কিছু বেশী ভক প্রমিক দেবজার অবসর রহেদের স্বেষা পাবেন। গুই ৮ হাজার নিজে কলকাতা তাকের প্রমিক লংখ্যা ১৮ হাজার। কোন প্রমিককে অবদ্যা ছটিটেই করা হবে না।

আজ পৃথিচমবংপার স্বায়ন্ত্রশাসন মন্ত্রী প্রীসোমনাথ লাহিড়ী বেণাল চেমবার অফ কমারদ ও বেপাল নাাশনাল চেমবার অফ কমারদের প্রতিনিধিংদর জানান, বগাীয় গৌর (সংগোধিত) আইন অনুবায়ী বার্ষিক তিনলক্ষ টাকা ম্লোর শিক্স সম্পদের উপর যে বর্ষিত কর চালা, হয়েছে তা পরিবর্তান করা হবে না।

৩১ জালস্ট নাত ৩১ জালাই বিধানসভা ভাবনে প্রালিকী হাললা সম্পর্কে ভাসতের জনা গতিছ আর গাশত করিটি তার দীঘ রিপেরটাএ প্রলিকের আই জি এবং প্রেলিরের সমাজানার ভাত জিব কার্যকিলপ্রের কঠের সমাজানার কারন। এ ছাড়া গোরাকা বিভাগের ডি জাই জিলা কারের ব্যুতিও বিশেষভাবে উল্লেখ্য করা হারেছে।

ঢা দিকেশ ধর্মাঘট নিরে তিসান্ধিক তৈঠক আজ সকালে কার্যাভার প্রথমিকত তারেছে। প্রমানতী শীক্ষপদ ঘোষ সাংবাদিকদের বলেন, তৈঠকের অগগতির সংখ্যা সাংবা মানিকপক এত-পা এগিরে না এলে এক-পা খিলিয় গোলেন। ভাব মীনাংসার জন্য ভিনি ভার চেন্টা চালিয়ের বাবেন।

#### मारुशर शिवयरती

২৫ আগসট এর লিখনৈ বেশান প্রিয়র বলা বাশাল গ্রাসাকালারীরা চাঁদ খেকে বে সবল পথেরকচি কৃড়িয়ে এনেছেন বাসার্যানক বিশেষণ সেগালির ব্যাস ৪৫০ কোটি বহরের কাছাকটি বাল ধ্যা পাড়াছ।

হৰ জাগদট সোভিয়েই স্থেক ইউনিয়ানৰ মাণপ্র হিটোরেনিরায়া গোলিনিয়ার এক প্রাথেধ দারি করা প্রস্তান্ত যে ১৯৫৫ থোক ১৯৬৫ সাল প্রথিক দীনে অভানি কোটিবত থোলী লোককে নিশিক্ত করা হারাছ। সংবাদ সংস্থা তে সা এই নিয়াধানিক উলোধ করেছন।

২৮ আগস্ট- তাক কলিউনিসট পার্টির নেতা গাস্তাক আজ্ঞা সাবোচ্চ সোভিয়েট ও চেক সম্মানে ভবিত হারেছেন। মাত এক স্থত্য আগে তিনি ওবাসে চুক্তিত দেশগালিব চোকাশ্সাভাকিয়া আক্রমণের বার্ষিকীতে শংশা

১৯ আগস্থা নহংকে: এ প্রাণ্ড সংবাদে জানা গিরেছে, সোভিরেট ইউনিরনের সংগ্র যদ্পের আশাক্ষায় চীত জনসাধারণাক সংহত করছে। সদভাবা বিয়ান আক্ষাণের আশাক্ষার করেখান-গালিকে স্থানাক্টরিত করছে, খালা মহার করছে এবং সীয়াক্ট অঞ্চলে প্রচুর সেনা পঠিছে।

৩০ আসসই ভাপানের ব্যক্তগানির স্পের হার ট্র শতাংশ বাড়িরে ৬টু% করা হরেছে। মাল্লাম্পীতি রোধ করার উপ্লেশ্যে সত্রতিম্বেক ব্যক্তা হিসাবে স্বাস্থ্য হার বাড়ানো হারেছে।

es আন্দেট সিরিরা সরকার আনাজেন,
আরৰ ক্ষানভোরা গত শুকুবার ঘাটীবাহী যে
বিমানটি জোর করে এখারে এনেছিলেন তার
বাচীনের করে। ৪ জন ইভারারেলী মহিলাকে
হৈছে দেওবা হছে।

भूजात न्छन वहे ॥ 534 6 EN11WO SAISSAI निर्म निर्मा कि विव निर्म सुद्वादि १६ आएँ १३८ अह त्नका, त्रुम्बरी त्नका ৰস্ত্ৰ **ऐ** शनगत मिक्रनी 8, प्लारक शिनयन 811 বিমল र्शननाबामण युक्ता अन्छवा ६, गरायन कन्गाकूयादी ६ मक्रामाद्वर निद्वास त्राय हा। 24 भारतासम्बद्धाः शक्तिकीत গান্ধীজীর দ্যন্টিতে ভৰানীপ্ৰসাদ **हट्डी भा**शास्त्रज्ञ वाःमा ७ बाझानी ६, পঠনকর্ম 🔠 ১ম খন্ড-৬ গান্ধী রচনাসম্ভার গান্ধীর ह्यादेश्यत भाग्न मुप्रधनाथ स्थारमञ् न्यनका बाध-त नीना मज्यमाद्वत किरमात अञ्चाववो 8, নুত্রতর গণ্প ৩, **ৰেগোর বই 8.** শ্রাবণী ৩, বহিশিখা ৩ नौदात्रक्रम ग्राधन जननीन्युनाथ डाक्ट्रबर जान्द्रकाव म्द्रवाशायाद्वर श्रारकण्यकृत्रात विद्वत আমি কান পেতে রই ১৪, न्बम्राव,का ७, ब्रोक्तिव क्रभना। ४, घटन क्रिन कामा ७, नगत भारत त्भनगत ১५, नीवनवन्त्रं क्रोध्रवीत अधिकाकुमात रमनग्रक्षत গোরাপা পরিজন ১০ बाज्याणी जीवरन ब्रम्भी ५०. লৈয়দ ম্জতবা আলীর প্রবোধকুমার সান্যালের

. अक हामह शम्भा ८,

नामाज्यन

मों है.

किकाजा - ১২

बाका खेकीब ४,

द्यान

50,

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভওয়ার্ডস'এর বাণী

oda nastrodistrika anaksa generat ikumut kan sakelit ikina ada kin silipasi nga kanto kati jin in 🖓 🖟 jinggata 🦇 📖

वाशवाद वाकारक मुद्र वाद मुशी दार्थ

# प्रकाश श्रापेत

বংশায়ক্রমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মায়ের। উভওয়ার্ডস এছিল ওয়াটার দিয়েছেন নিজের ছেলেমেয়েদের। ्रिचिथा, ब्रम्का, र्रो कांग्र बात मांच क्रांत करहे केंड क्रांक्त मूहर्त्वहें वाताम (म्रा)



নিরাণণ থাকুন विनिष्ठि शाकुन नवनमङ् একশিশি কাছে রাধুন উভওয়ার্ডন আইপ ওয়াটার শতাধিক বছর ধ'রে बुक्षिमजी मास्त्रता, ব্যবহার করছেন

AT JO BN



বিষয়	লেখক			শ,ষ্ঠা
- Permilala				
নতুন উপরাশ্রপতি—			-	609
ৰাজচিত্ৰ—			•	404
म् गा अहे — श्रीनवात् व गर्श्व			•	603
त्भमभीति नःवामकावा—			•	485
रिवामकी—एनवर्ताक		1,10	•	685
भूनम्मत्र कार्नाम-			• 1	480
म्कृत रबाका-शित्मयम म्रा	ফা সিরাজ		•	484
यम्द्रबर मिलि-मन्द्रदेश				444
পণ্ড ক্র—ডঃ সৈরদ ম,জতবা	আলী ়			609

### ब्राज्या श्रम्थ्याला

ৰ্ণিক্স स्ट्रावली

প্রীব্যোগেশচন্দ্র বাসল সম্পাদিত। প্রথম থক্তে সমস্ত্র উপন্যাস (মোট ১৪টি)—টা. ১২-৫০। বিতার করে উপন্যাস বাতীত সমগ্ৰ সাহিত্য-অংশ-টা. ১৭-৫০। তৃতীয় বল্ড সমগ্ৰ ইংরেজি অংশ একরে—টা, ১৫-০০।

THE STOR ब्रह्माबली णः "संयोग्यताथ तात जनगामिक। न्दे बट्छ जनक सहना। शक्य बर-छ ( ६ कि नाउंक, ० हि शहजन, शिंह करिया । গানের গ্রন্থ ও ২টি পরা-রচনা)—টা ১২-৫০। বিভার बर्फ ( क्षेर्ड मार्डक, क्षेर्ड शहजम, क्षेर्ड कविका शब्द, क्षेर्ड शमा-बाज्या व देशतीक कविद्या )--हेर ১६-००।

मध्न कम **ब्राजन**ी

ড়া কোন গালে সম্পাধিত। একটি বল্ডে ইংরেজি-সভ সহত बहत्य ( शिंहे कारामान्य, शिंह करिस्टायकारेत सन्त्र, विहे आहेक e द्वारान पढ़ि हैरदर्शक बहुना )—हो ५०.००।

नीववड ब्राज्या । তঃ কেন্তু গত্তে সম্পাদিত। একটি খণ্ডে সমগ্ৰ বচনা ( ৮টি नाउँक в शहजन, २कि शहल छेलनाज, ०कि कांदा क कविद्रा 200 1-01 20.001

देवस्य **ब्रह्मावल**ी

নাহিতারত শ্রীহরেকুক, মুখোলাবারে লল্পানিত 🛊 সংক্রিত ेशात हात दावात गटका काकत शम्थ-हो, २६-००।

क्षांक बह्मानजीटक कीनमी ও বাহিত্য-সাৰ্থ্য ভালোচিত

मारिका मरमम

৩২এ আচাৰ প্ৰফলচন্ত্ৰ রোড ঃ কলিকাতা ৯

ন্তন স্পে ন্তন্তর পটভালত আন একটি প্ৰ' প্ৰকাশিত চল जीन, रवाधकमात सम्बद्धी व

উভৱে বেমন গ্রিমালয়, তেম্মান প্রক্রিক নীৰ্লাগৰি - পাচাডেৰ ৰাম্বী ইটাকাম্প কুনার ও কোটাগিরি। ক্রাট প্রের वर्गामका छेट्छेट कहे मीलांगीय शासाहर । সেখান থেকে পাৰ্যছা পৰে বিভিন্ন সম্পৰে পূৰ্ব মহিসাৰ ৰাজ্য। একলিকে সোহনাথ-পরে বেলরে হালেবিভ ও প্রবন্ধক-গোলার ভারতীর স্বাশহারলার তেওঁ निसर्भान, जनानित्यं बाजासत्यतः बालाव किन्किका। विकासमग्रहत बहुरम्बद्धाव 👁 টিশ্যর প্রীরস্পরন। প্রাকৃতিক সৌলবের অক্রি জোল কল্স বিবস্ময়ের ও दामायनक क्या चाकर्षणीय नव। किन्छ श्रमानत राज अधेषात्म नम्। जावानिक बाजरणार्व क सर्वाव गायम बाजवानी राज्यात्राम शरह चलहरू सहाजनिव हेरलाना । बाह्यस्थात अहे शृहर्वत्र रमव।

এ ভাড়া আমরা আরো ১২টি পৰ প্ৰকাশ কৰেছি।

## वाश्वाश

नरानाविक हरूवा नर्म्बन-यूना ३०.००

बीनीयनीकिरनाड गढ़ अमीक

## বাংলা সংগাদের ক্রপ

ग्रुवात बाब श्रेमीक

## খ্যাতি যাঁদের

ं जन् (जांधा 9.40

निर्मादणान्य, बाबदानेयाची शणीक

## णात्राख्य मिण्य अ

00.9¢ [80 5 8 00

श्रीकार नहसूत्राम भारत्याचानाम (ब. नि. शाम्ली) समीक

क मानानी जाएक दकार शार कि २ विष्क्रम क्राणेकी न्यूडि, क्रिकाटा ५२



ছলের সময় শারার ওজন ছিল পুবই কম। জন্ত এক বেবি-জুড ছাড়িরে ওকে আমূলজ্যে খাওয়ানো গুরু হয়।



আগনাৰ বাফা প্ৰথম বছরেই সবচেরে ভাড়াভাড়ি বেড়ে ওঠে। এই সবরের মধ্যে ওর করের ওজনটা ভিন্তপ বেড়ে বাঙরা উচিত। আগুলংশুতে বে বাড়তি প্রোষ্টন আহে ডা আগুলার বাফার গরীর ক্ষত পূঠ করে তুলবে। আগুলাপ্রে তৈলী হচ্ছে উনত্যরণের শ্রে-ডাইং প্রভাতে। বাহ্নিন ব্রুলাট্টে সবক বেলি-ছ্ড তৈরীতে এখন এই প্রভিত ব্যবহার করা হচ্ছে। শ্রে-ডাইং প্রভিতে অপেলাক্ত অর ভাগে হ্বটা ওবিরে নেওরা হবে। আগুলাক আরক ভারকে। আগুলাক বাকরে আগুলাক ভারকে। আগুলাক বাকরে আগুলাক ভারকে। আগুলাক পুর ভাল এক প্রথম বাবার। এটেড আছে ভিটামিন, কার্কোহাইড্রেট, ধনিজ্বাহার্ত্ত

আৰু কৰ্যার ক্রড ক্রছ সৰল করে বেক্টে উঠতে আপনার নাজার বা-বা গরকার দৰই আছে আবৃল্যতো'তে। হাজার হাজার বাবেরা উচ্চের বাজাদের জন্মের একেনারে একেন নাজার বেকেই সুক্ষের-চুধের বিকর হিসাবে বা এক নারিবৃদ্ধক বাবার হিনাবে আনুলতো বাওরাজ্যের। আর ভাই বাজারে বেকবার নার ছ বছরের ব্যাই ভারতের বেবি-সুভগ্রনার লথ্যে আনুল্যতো-ই বিক্তি হজ্যে লবচেত্র বেলি।

MISTORCES

La Tutian



विषय	লেথক	•ডো
গারাপার-শ্রীশীবেশিন্ ম্	<u>খোপাধাার</u>	- 665
बाःनात हार्नाहत् श्रीणायन्	ল জন্বার	- ৬৬৯
द्रिक्ट्रात्व किंडि-विक्रमाणि	डा	- 696
कौरन स्य-द्रक्य-शीम् नील	ণ গঙ্গোপাধ্যায়	- ৬৭৯
বিশ্ববিজ্ঞান—শ্রীসমর্ক্তিং	क्र	- 645
আৰ্থিক ভাৰত শ্ৰীস্ত্ৰত	গর্প্ত	 - 645
চিত্ৰ প্ৰদৰ্শনী—চিত্ৰপ্ৰিয়		- ৬৯0
ডায়েরির <b>ছে'ড়া পাতা</b> —ফ	দার দ্যতিরেন 🔍	- ৬৯৫
ঘরে বাইরে—শ্রীমতী		- 905

नजून नाएक 🍙 नजून नाएक 🍙 नकुन नाहेक 🌚 नकुन नाहेक সজন িকাশত ব্ৰুপ্যাপাধায় সম্পাদিত **ডঃ অজিতকুমার ঘোষ** ভূমিকা

সতেরোজন জনপ্রিয় নাট্যকারের সতেরোটি বিখ্যাত একাংক নাটক বানের নাটক এতে আছে • আহর গ্রেশাপাধ্যায় \* অকন্ত সর্বাধিকারী \* জাগ্রন্ত নিরণ দৈত্র 🛧 জ্যোতু বন্ধ্যোপাধার 🌴 দিলীপ বসাক্ 🍍 পার্ছাপ্রতিম ভৌধ্রা 🔻 বিমল্ কর মনোক মিল \* মোহিত চট্টোপাধার \* মণ্টু গজোপাধার \* ববলৈ ভট্টচার \* বামন वर्गरफ़ी के रुप्तत प्रत्याभाषात के मृतीष्ट प्रत्याभाषात के स्रोतमन स्रोतमन स्रोतमात के रक्ती-কান্ত কান্দ্যাপাধ্যার। মূল্য ঃ দশ টাকা

অমর গলেগাপাধ্যায়ের নাটক अक्रकार्त्रब आक्रमा

প্রাঙ্গ সামাজিক। দুটি নারী। ৩.৫০

শেয়া 🔸 রবীন্দ্র ভট্টাচার্য সোরীন্দ্র ভট্টাচার্য • কোথায় আলো

मानि नार्वीयकिंड भूतन्यातकाण्ड अकान्य गतिक। अकार स्वा ७.०० 🚴

তানপোষ্ সাম্ই এর নাটক न्यक्त अजीहिका বলিক্ট প্ৰাল। একটি নারী। ৩ ০০ स्त्रोट्यन हट्योशायाटसंत नाउँक নাগপাশ

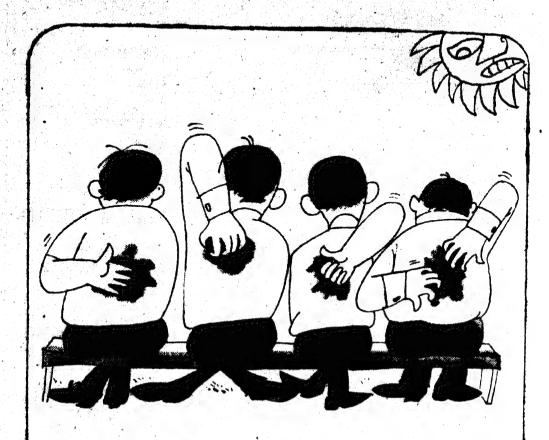
अविधि माली। कार्यम भूगात्र। ७.००

দিলীপ ভট্টাচার্যের নাটক कारना रमग्राम • रनभरधा ্লুটি প্রেম্কারপ্রাপত নারীবজিত একাব্দ माउँक । अकरत भूगा ७-००

**बन्धे, गटल्लानाथाएसत ना**ष्टेक ৰাচতে চাই নারীবজি ত সিরিয়াস প্রাস। ৩-০০

शतिद्वभक ! **सब धन्य कृति**व ৫৪/৫এ, কলেজ গাঁটি, কলকাতা ১২

खादामाध्याच वर्गमा भागाव ছায়াপথ 20.00 कार्रामाभक्तव वास তম্ভাৰ জল .... जाहें 8-00 রমাপদ চৌধারী ভারতবয बन्ताना ग्रहभ 6.00 এখনহ F-00 সভাষ মুখোপাধার नावरमब जार्य 0.40 শিপ্রা দত্ত कार्ट्य नश्मात व.00 कारणा भन्यतीन আশ্ভাৰ ন্থোপাধার आरमात्र विकाना 8.60 नहींन्स्नाथ वर्षमानायात्र खानम टेंडबरी o.co অপরিচিতের নাম 8.40 मौभक छोश्जी रघनाउ 4.00 গোরীশব্দর ভট্টাচার भश्कारवात भ्रूष F-00 क्ष वामन्ध দেহ শিক্সী ... প্ৰাণতোষ ঘটক 25.00 ममा शकामिल 6.00 বনফ্ল गाभागरमस्य न्यन 6.00 नातात्व गट्याभाषात् চাপার গ্রন্থ 0.40 क्याणितम् नम्मी বসনত রঙ্গীন... 0.40 वामाभूना एकी सनवग्री देखा 6.40 फि अन नारेरडनी ৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-৬



# श्रुणि तष्टरत्तत सामा

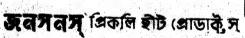
अवः (कमत क'रव ठा कूर्णाठ इव



ৰাষ্টি। এট বিন্ধী গোটা গোটা बंदम, ह्वादकारक ह्वादकारक मन्त्रान । कमनमन् जिक्ति शीर नावान अवः खिक्ति शीर्ड পাউভার ভাড়াডাড়ি বাষাটি সারিছে বেল। त्व. वेयविष्क अनुसनम् जिक्ति ही । नावाव নিরে যান কলন। ততে রোবসূপের জানার व्यक्तिय त्रम, मध्याम् (प्राथ काम ।



একলি গাঁও পাউভাৰ









विवन्न	লেখক	,	প,ষ্ঠা
बालाहना—		•	906
त्राहिका त्रश्वाम-अताव	ন পাঠক	-	950
প্ৰতক পরিচয়—		•	956
रथनात्र भारते- এकनना		-	959
ৰ্যাৰ্ডামণ্টনের আইনক	ান্ন—মৃকুল		920
অরণ্যদেব		-	१२२
রকজগং—		-	१२०
<b>ৰাপ্তাহিক সংবাদ</b> —	•		928

প্रष्ट्म : श्रीतामानन्म वरन्माभाशात

প্থিবনীর সংগ্রামী জনগণের মধ্যে চে বেচে থাকবেন।
আন্মোৎসর্গে প্রস্তুত ভিরেতনামের ম্বিয়েন্ধাদের মধ্যে, কন্সোর
ম্বিকামী মান্ধের মাঝে, আন্দিজ পার্বত্য গ্রামাণ্ডলে, পানামার
ক্যানাল জোনে ও হাইতীর তুলোর খামারে চে বেচে থাকবেন।
নিগ্রো অধ্যাধিত হালেমি-এ, র্নিভারসিটির ছাচছারীদের মধ্যে
আছেন চে। খান অণ্ডলের অন্ধকার ভূমিগ্রেভে মেহনতী মান্ধের
তিনি প্রেরণা। চে বেচে থাকবেন তার অতুলনীর রচনার

## বলিভিয়া মারীন সেন ১২০০০ তৃতীয় মন্দ্রণ প্রকাশিত হল

মধ্যে। অতিশয় প্রিয়দর্শন, ততোধিক নিজ্কল্য জীবন, আদর্শে অবিচল, অকল্পনীয় সাহস ও দ্র্দমনীয় সহাশব্রি এক অতুলন ব্যক্তিসন্তা। হাজার হাজার মাইলব্যাপী লাতিন আমেরিকার ব্বকে, আন্দিজ পর্বত্যালার শিখরে শিখরে ও ক্যারাবিয়ানের শাশত জলরাশিতে এই অশাশত বিদ্যোহীর পদধনি কানে বাজে। সিয়েরার জ্ঞালাকীর্ণ নিজনি পথে চে-র নিষ্ঠ্র হাপানোর তপ্তশ্বাস ধর্নিত ও প্রতিধর্নিত হয়ে ফেরে।

জান সংখারা প্রকাশন ॥ ৮ শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট, কলিকাতা-১২

#### ॥ अक्रि विलय स्थायना ॥

...বহুদিন পরে আমি অনামধেরা
এক কাহারও নিকট হইতে একটি
চিঠি পাই। রেজেস্টারী করা; খাম
খ্লিয়া দেখি ভিতরে কাগজে মোড়া
একটি নীলা পাথর। চিঠি বলিরা
বিশেষ কিছ্ নাই, ছোট একটি
কাগলের ট্করায় লেখা — 'এইটি
বাধিরে পরোঁ।

আংটি করিরা অনামিকার ধারণ করিরাছি। যথনই সন্দেহ হর, এই বিষের রং-মেশান হারার দিকে চাই—
মনে পড়ে, সতাই একদিন ঘ্ণার সংশো
মেশানো ভালবাসা পাইরাছিলাম,—
এই হারার মতই নাল, এই হারার
মতই থাটি।"

বিভূতিভূষণ মুখেপাধ্যারের

# নীলান্ত্রীয়

ं द्वारा द्वारा होता आह

একদা মন-পাগল-করা বে দ্র্লভ উপন্যাসখানি সকল শ্রেণার পাঠক-পাঠিকার হ্দরে এক প্রচন্ড আলোড়ন স্টি করিয়াছিল, এক দ্বিবহ ফলুগার দাহে নব-ফোবনকে পরিরে-ছিল অন্নি-টিকা, সেই অবিস্মরণার উপন্যাস বিভৃতিভূষণ ম্বোপাধ্যায়ের 'নীলাঞ্গ্রিয়' রবীন্দ্র লাইরেরী থেকে নতুন কলেবরে, অভিনব প্রচ্ছদ-সম্জার স্বাক্তে প্রকাশিত হলো।

#### अहे रमध्यक्त जन्माना वरे

আধ্বনিক ৬.০০
কুশী প্রাঙ্গণের চিঠি ৫.০০
অবগ্রন্থেন ৫.০০
অত্তক ২.৫০
নাটক নয় নভেল নয় ২.৫০

## त्रवीन्द्र लाहेर बती

১৫/২, শ্যামাচরণ দে স্ফ্রীট কলিকাডা-১২ :: ফোন ৩৪-৮৩৫৬

# এक्ट्रे क्रिंखेच-किन्तु शॉंक क्रिति≈ा

া বহুমুখী একই টিউব মিজির আাপকোলাইট বেস পেন্টস্-এ উপবোগী। মবেরমত জিনিশ—নিমেত্রে তৈরি। আরনার মত চক্ষকে মধমলের মত মস্ব-ক্ষান্দ্রামার, মেটালিক এইচকম ৫ কিনিশ।

ত এই সৰ আপিক্ষালাইট বেস পেউস থেকে বেছে নিব :- সিনথেটক এলামেল, আক্রিলিক ইবালস্ব, ভেক্ষোপ্তাত ওয়াল ক্রিলিক সিনথেটক মাটি, হ্যামার ও মেটালিক এবং আজিলিক ওয়াশেবল্ ডিসটেম্পার এ সংক্ষ সর্বত্ব মেলাবার কমা মাজিকটার

आदिकिता

সৰে সৰে রঙ মেলাবার জন্ম

শব রঙ কবার কাজে অশিয়ান পেটস

into g

প্রশিমান প্রেনটস্



LPS-MYAREA 1924 BN

উদ্যম আর উৎসাহের সর্বোত্তম প্রতীক



(क अरे "अरकास मड"। मामक**ी पाना**, wife wie bentres afferfile-eruse कान क्लामध्य वा व्यानमाहक त्यांनाहर । शार्वा केरन-मना केल्प प्राच्छ बाक्डि त्य উচ্চয়ের প্রয়োজন, ভাই পাবেদ ক্যানাট্রে। श्रांड गाम गाम जीवबरक देगरकाच कराड ভয়ানটিৰ আগনাতে জোনায়ৰ অনুবত ক্ষ चार चमक करगार । क्यांनहित्तर मतक करनव नमति वह "क्षत्रकात ववं।" क्यांनी পরন সুখার ও একার পুরীকর ৷ সং যাভাবিক ৰাজভবে কাপুর। করা অবুলা মন্টের পরিমাণ অভ কে-জোলো भागीरबंद करब रंबनी । अरक **चारब ठाइका** witne au gu : mice, cerifin, witch-शहरप्रहे, फिरोबिन जान परिक नवार्व । সৰ কিছু নিষ্টুত ভাবে বেলানো। অভি क्रेमारबंद अब बातुनाव बार-केंद्र बांव : क्यांगांधित केवल क केरमारक्ष नमात्र केरम ।

SERVER TO THE ST.

প্রভোজনিন করাসক্রির কেরে রাজ্যে, গজিতে, উন্নর আর উৎসাহে নিজেকে জাইতে ছুলুন। ওজালনিন বাক-শানীত বিজে সবচেতে বেশী বিক্রী হচ্ছে। পরিবারের সবার পক্তে শক্তর উপকারী।



ভারতে তৈরী করেবেন ভাগত্রভিত ইণ্ডান্ট্রিক লিমিটেড কারিবরী নহারভার অহেন এ ওয়ারার নিমিটেড, বঙ্গ একমান প্রিবেশক: ভোলটাস লিমিটেড

লাজৰ মন্ত্ৰান্ত থুৱো ব্ৰহ্ম কৰ বীধান ছবিন জৱা আন্তই চিঠি লিবুল। বিষয়ট হ'লো— ''এইড, এল, এ, ই-এছডাচনৰ।'' আপনাকে তথু নীচেন কুপনে নাম ও ঠিকানা, লিখে এবং ওডালেইনের কোটার চাকনার নীচে পাওলা বে দীলের পাওটি রয়েছে সৈটি কেটে এই ঠিকানায় পাঠিছে দিন।

साम्बिक देशानि स जिलिट्डेक वह, विर व्याक, महाविती-६8

fåeren :



চ্ছল সৌন্দর্যে চিরে রাখে ছিন্সীল্ব পিওর সিল্কের পাড়ী

বিচিত্র-মূল্যর রঙের রকমারি, কোমল ও বিকমিকে উজ্জল, চলতে, ফিরতে চেউরের মত লীলায়িত ছল্ম জাগিয়ে ডোলা—বিনীর জর্জেট, শিক্ষন এবং শট সিক। শাড়ীর স্থ্যমায় একটি গানের কলির মত মনের মণিকোঠার আপনি চিরদিনের ঠাই করে নেবেব।

-

জানো, রাস্তাঘাটে আমার দিকে তাকিয়ে কারো পালক পড়েনা...



তোমার দিকে না হাতি,
তোমার পোশাকের দিকে।

বিমান বার সাবারে কাচা জামাকাপড়

নিষ্ঠুত নতুনের মাতা ধ্বধরে দেখায়
তার তাইতেই সবার তাক লেগে যায়।
তাম্যুলে, কেরামান্ত তোমার নয়—
বিমান আর আরা আমার।



ু **কুমুম প্লোডাউস লিমিটেড,** কলিকাতা-১



माय ६.00

কিছু কিছু লেমক আমেৰ বানের গলপ-উপন্যাস পড়তে পড়তে পাঠক কথন বেন একসম্ভন্ন সময় এবং আন্ধবিকতে এক মন্তম্ভ শ্রোতার পরিষত হয়ে বান; আর লেখক হরে ওঠেন এক মারাবী কথক, বিনি ভার অমোঘ এবং লক্ষাভেদী ক্ষার মারক্ষেদে পাঠকদের শ্র, মারাম্মেই করে তোগেল লা, তাদের নিখাস ফেলার স্বাধীনতাটুকুও যেন হরণ করে বসেন। এমন লেখক খবেই কম: ভব্ৰও আছেন ঃ প্ৰবীণ গৈলজানন্দ, মুজ্জবা আলী, বিমল মিচ, এবং আরও टक्छे क्छे। धीरमत लिथा भाठेकरक यथ करत—यन्मी करत रक्टन।

শৈলজানজের নতুন বই "লোকরহস্য" এক দক্ষ চিত্রীর স্বয়-নির্বাচিত চিত্ররাজির এক **অম্ল্য জ্ঞালবাম যেন।** বর্ণময় পরিপ্রেক্ষিতের ভূমিকাহীন

## दे**नल**ङानन्द मात्थाभाधप्रदय्नत

বিচিত্র চরিত্রের মিছিল

## (लाकत्रश्रा

প্রক্স কিছু রেখার টানে স্পরিস্ফুট এবং দবিস্ত করেকটি অন্পম রেখাচিত্রের ন্নালবাম। সামান্য কিন্তু সবল ক'চি রেথা—আড়ন্বরহীন এবং বর্ণাচ্যতা-হীন—অথচ তারই মধ্য দিয়ে বৈশিষ্ট্য এবং বৈচিত্রনায় ক'টি ব্যক্তিষ্থ এবং চারিত্রের উক্ষরল উম্ভাস। স্বল্প পরিধিতে আবদ্ধ, তংসত্ত্বেও এতই স্কীবস্ত ষে, মনে হয় এরা আমাদের খুব কাছের মানুষ, খুব চেনা মানুষ, অহরহ বেন এদের দেখা ভাষাদের চারপাশে ঘ্রতে ফিরতে, কথা বলতে, হাসতে, কাদতে। **এরা যেন আমাদেরই প্র**তির্প, কিংবা আম্রাই।

এই লেখকের অন্যান্য বই

মনের মান্য ৩.০০

প্রেমের গলগ ৪.০০

সৈয়দ মুজতবা আলুীর

সশ্তোষকুমার ঘোষের

**শহর**-ইয়ার

প্রেম

म,'श्राता

जन माउ

नमा প্রকাশিত।। দাম ৮-০০

চতুথ মনুদ্ৰ ॥ দাম ৪٠০০ । ছিতীর মনুদ্ৰ ॥ দাম ৭٠০০ বিমল করের

HIN 0.60 भौद्यंनम् भूरथाशास्त्रत

शर्व

পরিচয়

ঘুণপোকা

ক্ত্রতি প্রকাশিত ॥ দাম ৩-৫০ তৃতীয় মুদ্রণ ॥ দাম ৪-০০ তৃতীয় মুদ্রণ ॥ দাম ৪-০০ সমরেশ বস্ত্র

দাম ৪-০০

এপার ওপার

मुट्टे खत्रगा

विवन्न

প্রবোধকুমার সান্যালের

बिडीस मन्द्रण ॥ नाम ७.००

তৃতীয় স্দুৰ ॥ দান ৬·০০ নবম মুদুৰ ॥ দান ৫·০০

जनम जनम रम চতুর্থ মনুদ্রণ।। সাম ৪.০০

বিমল মিত্রের

শর্কাদন্দ, বন্দ্যোপাধ্যায়ের

প্রেম পরিণয় ইত্যাদি রং বদলায়

करशन कवि कालिमात्र

**সম্প্রতি প্রকাশিত ॥ দাম ৭**০০০

शक्त म्सन ॥ नाम ७.४०

ठलूथाँ बन्तव ॥ नाब ७·००

শংকর-এর

ব্ৰহ্মদেব গ্ৰহর

निर्दिष्णि विज्ञार ने ने निर्देश कि विज्ञान वि



त्रातनम् भावतिमात्रं साः विश्वितिष्ठ

অফিসঃ ৫ চিত্তামণি দাস লেন । কলিঃ ৯ ॥ ফোন ৩৪-৮২৪৭ বিক্লম-কেন্দ্র ঃ ৬৭৩ মহাজ্মা গাংধী রোড । **কলিকাতা ১** 

### বাংলা ভাষার কর্ণাধিক জ্ঞানিক একমান প্রথম জেপার সাভাহিক

## (प्राया

with.

৩৬ বর্ষ ॥ সংখ্যা ৪৬ খনিবার ২৭ কার ১৯৭৬

সম্পাদক শ্রীঅশোককুমার সরকার সংব্রু সম্পাদক শ্রীসাগরমক ঘোষ

ক্রমাধিকরে ও পরিচালক আনদ্যালার পরিকা প্রাঃ লিঃ ৬ প্রফ্রে সরকার স্থাটি, কলিকতে ১ থেকে শ্রীদীতাংশ্কুমার দাশগাণ্ড কর্তৃক মান্তিত ও প্রকাশিত

> টেলিকোন ২৩-২২৮০ **২৩-৮৫৪১**

#### চালার হার কলিকাভার

#### WINCE

বাৰিক সভাৰ ... ৩০.০০ বাৰ্মাসক ... ৯৫.৫০ হৈমাসক ... ৮.০০

#### পাকিতানে

(ভারতীর মান্নায়)
বার্ষিক সভাক ... ৩০-০০
বাংমাসিক ... ৯৫-৫০
তৈমাসিক ... ৮-০০

#### ভারতের বাহিরে (জাহার ভাকে)

জাহাল ভাকে।
বার্ষিক সভাক ... ৫২-০০
বার্মাসক ... ২৬-০০
বৈমাসিক ... ১৬-০০

#### জাসাল জগুলে (বিমাদ ভাকে)

বাৰিক ... ৩৯.০০ ৰাশাসিক ... ১৯.৫০ হৈমাসিক ... ১০.০০

দাম ৫০ গ্রন্তা উত্তৰত ৫ আনতো সভিনিত বিদান মাস্ত্ৰ ৭ গ্রন্ত

#### DESH

SATURDAY 13 SEPT. 1969

#### নতুন উপ-বালীগাঁড

বিশালে সাহৰ প্ৰশালিক সাহৰ প্ৰশালিক বিশালিক সাহৰ প্ৰশালিক বিশালিক কৰে প্ৰশালিক প্ৰশালিক প্ৰশালিক প্ৰশালিক বিশালিক বিশ

শ্রীপাঠকের সাফলো একটা হয়ত খাত থেকে গেল, তব্ কংগ্রেকের তাতে কতি কিছু হয়নি। আময়া নর্বানর্বাচিত উপ - রাজ্পাতিকে অভিনালন জানাই। তিনি প্রবীণ ও অভিজ্ঞ ব্যক্তি, রাজনীতিতে তার দক্ষতার অভাব নেই। কেলীর, মন্ত্রীরপে কিংবা রাজাপাল হিসেবে তার অভিজ্ঞতার কথা বাদ দিলেও বলা বার, গ্রাইনজা হিসেবে তার অণেষ স্নাম আছে। দেশের বর্তমান রাজনৈতিক অবস্থায় নতুন উপ-রাজ্পতি তার সাংবিধানিক দায়িত্ব স্কুড্রেরে পালন করবেন, এই কামনাই করি।

#### পরলোকে 'ছো'

গণতাশ্যিক প্রজ্ঞাতন্দ্রী ভিরেতনামের রাণ্ট্রপতি হো চি মিন গড ৩ সেপ্টেম্বর পরলোকসমন করেছেন। গরেতর হৃদুরোগে তার জীবনাবসান ঘটে। প্রার আশি বছর বয়সের মুখোমুখি হয়ে প্রেসিডেন্ট হো চি মিনের এই বিদার অম্বাভাবিক না হলেও নিজের দেশের এবং স্বাধীনতাপ্রির সকল মানুষের কাছে তাঁর মৃত্যু একটি গভীর আঘাত ও বেদনার বিষয়। আজকের জগতে রাজনৈতিক নেতার অভাব বড় নেই, কিন্তু তেমন নেতা দূলাভ যিনি দেশের সকল মান্যবের কাছেই হৃদরের ধন, বিনি দেবতাজ্ঞানে প্রিক্ত ও আদর্গীয়। হো চি মিন তেখনই একজন মহাপ্রাণ ব্যক্তি। ' এই রহসামর মানুষ্টির জীবনকাহিনী বর্ণনা এখানে অপ্রাসন্পিক। তব্ মনে রাখতে হবে, স্কলে বিদ্যালাভ শেষ করার পর যে তর্ণ রুক্তি রোভাগারের জনো জাহাজের সামান্য তৃচ্চ এক চাকরি নিয়ে জীবন-সংগ্রাম শরে, করেন, তিনিই শেষ পর্যতে কোটি কোটি মানুষের কাছে আৰু শ্রেষ্ঠ সংগ্রামী, বিপ্লবী ও দেশসেবকর পে অভিনন্দিত হয়ে উঠেছেন। হয়ত একখা বলা চলে, দুটি মহাবুদ্ধের মধ্যে তিনি বহু, অভিজ্ঞতা ও সাধনায় নিজেকে এবং নিজের আদর্শকে প্রস্কৃত করেছেন, গঠন করেছেন স্বদেশের স্বাধীনতা সংগ্রামীর ষিতীয় বিশ্বব্যন্তের অন্তে জাপানীরা আত্মসমর্পণ করলে তিনি তীর দলীয় সৈন্যৰাহিনী ও শ্ৰমিক কৃষকদের সহায়তায় দেশের স্বাধীনতা ছোষণা করেন। করাসীরা ভেৰেছিল, এই স্বাধীনতা তারা অপ্ররণ করতে পারবে সে-আশা ভাবের সফল হর্মান ফরাসী সাম্বাভাবাদকে বরাবরের জনো পাততাভি গটেটাতে হয়, সেটা ১৯৫৪ সালের কথা। এ-সময় হো চি মিনের সাহারো বিটেন ও আমেরিকা এগিরে আসে। **র্থা-ডত ভিরেতনামের উত্তর অংশ—উত্তর** ভিরেতনাম হো চি মিনের নেতৃদে, নব চেতনার জেগে ওঠে। কিন্তু ইতিহাসের की जन्छछ नियन बाह मन बहुत शदा तारे आत्मित्रकारे दश कि बितनत महत्त्रत्न দেখা দিল। মার্কিন বোমার আঘাতে আঘাতে উত্তর ভিরেতনাম সদ্যুষ্ঠ হরে উঠল। তব্ব, না তিনি, না উত্তর ভিয়েতনাম মাথা নত করল প্রবল শত্তির কাছে। অপরাজিত, অনমনীর, আদর্শপ্রাণ এই প্রশান্তমুখ মানুর্বিট সমুস্ত এলিয়াবাসীর কাছে আৰু তাই কীতিমার পরেব, রহস্যমর প্রেব। তার মৃত্যু – মানবতার। একটি প্ৰায় কতি বলেই - छन।

3



বানলারী এখন কা করবেন।

ভারতের রাজনীজিতে কাল এইটাই
সবচেরে বড় প্রনা একং এই প্রশেষ
করবের উপর দুখু বে কংগ্রেস রাজনীজির
প্রায় সব কিন্দু নিভার করছে জেমন নার,
নিভার করছে ভারতের গাঁকলপালারী এবং
ব্যাপন্থী রাজনীজির ভারবাং। খুব
ব্যালার্টিন বলতে গোলো প্রধাননালীর

পরবতী পদক্ষেপ সামগ্রিকভাবে বর্তমান ভারতের রাজনীতির গতি অনেকটা নির্মারণ জববে।

প্রধানমন্দ্রী কী করবেন, এই প্রশেষ ভবব খাজেতে হলে আমানের অবশান্ত সব বিহরে আগেই তেবে দেখতে হবে, প্রধানরন্ত্রী কী কর করেত পারেন; বিচার করে 
বরতে হবে, গ্রীমতী ইন্দিরা গান্ধীর সামনে 
স্কার্ কোন্ কোন্ পথ খোলা কাছে।
ভাই অস্ব আমর প্রথমেই প্রতিলাচনা 
করে প্রি, প্রধানমন্দ্রী কী করিছে 
গারেন।

প্রথম সম্ভাব্য পথঃ প্রধানমন্ত্রী এখনই কংগ্রেস সংগঠন দখল করতে এগোটে গারেন। তিনি সেজনা শ্রীনিজলিখগাপশাকে গরিবে মনোমত জাউকে কংগ্রেস সভাপতি করের চেন্টা করতে পারেন। এবং সে কার্কে সামলা অজনি করলে নিজের কোরিট ও পারেন। নেটারি বোরজ পানগাঠিত করতে পারেন। কর্মাটি অথবি মানে নিখিল ভারত কংগ্রেস ক্রিটি অথবি এ আই সি সির বে জিপাবেনা ইওরার কথা আছে প্রধানমন্ত্রী গেই সমরই কংগ্রেস সভাপতিকে সারাবার চেন্টা করতে পারেন।

ষিতীয় পথঃ প্রধানমন্ত্রী ঠিক এখনই
কিছা না করে সাংগঠনিক নির্বাচনের
সংবেগের কনা আগামী বছর পর্যপত
কপেকা করতে পারেন। সেই সমর তিনি
নিজের মনোমত প্রাথীকৈ কংগ্রেস সভাপতি
করার চেন্টা করতে পারেন এবং সেই
সভাপতির মাধ্যমে নিজ্বপ ওয়ারকিং ক্ষমিটি
এবং পারলামেনটারি বোরগুও তৈরি ক্ষরিরে
নিতে পারেন।

ত্তীর পথঃ প্রধানমন্ত্রী আপাত্ত, তথাং অন্তত্ত বছর দেজু দুই সংগঠন প্ররোগতের ব্যাপারে তেজন রাখা না ছালিরে প্রধানত জনসাধারণের কথো নিজের নেজুছ প্রতিষ্ঠার ভেন্টা করতে পারের। এবং এইভাবে আপান হাজিছ ল অনাম্মিছারেই সাংগঠনিক নেজানের কুলনার অনুবাদ উবের্বনিরে গিয়ে ভারপর অন্বিন্তির্বাচনের প্রতীক্ষর ভারতে পারেনার প্রেটা করতে পারেনার এবং

চতুৰ' পৰঃ প্ৰধানকটা স্মেপ্তিকভাবে সাংগঠনিত সৈভাসের সংখ্যা কোনত অভাইয়ে



ना निराम करक करक स्वरण स्वरण कंटरन

আইনসালে একটা কথা অছে, মনতানক জানে না কার মনে কী আছে। ভাই, কার মনে কী আছে। ভাই, কার মনে এটা ছিল, এমন কথা ধরে নিরে ভাই বিচার হতে পারে না। প্রধানসম্ভীর কেতেও ব্যাপারটা ভাই। প্রধানসম্ভীর মনে কী আছে এটা সাধারণ মানার অন্তত্ত জান্দোল। সেইজনা প্রধানসম্ভী এইটাই করবেন বা এই প্রেই বার্টেন, এমন কথা ধরে নিরে পরিম্পতির বিচার করা আনার। পর্যারক্তরা অবশা ভবিষয়াণী কর্তে পারেন, বিশ্তু ভাতে ব্যেশ্ট বিশাস আছে। সে ভবিষাং বাণী নাও মিলতে পারেন্বিশেষ করে প্রধানসম্ভী কর্মন প্রার্টিনিশ্ব বাণী নাও মিলতে পারেন্বিশেষ করে প্রধানসম্ভী কর্মন সেই দেবা ন

जारस क्रकेंग साथात जाता। अधाममन्त्री करे माहेक्द माधक (माहिका नम्।): किन्छ তি । ই একমাত চাৰুত নম। এ নাটকে অনেক পু ধর্ব চরিত্রও আছেন এবং সেই সর পাশ্ব চবিত্রের ভামকার নগণা নর। ভাষের গতি-বিষ্ঠিত প্রধানমক্ষীর গতিকে বেল কিছুটা প্রভাবিত করতে পারে । ধর্ম নিভালিংগাংশা कर ता स्थाताहरू के कामदाक महरवागिक स প্রধানমক্ষীর সংখ্য ও আই সি সিভে এক চাত লড ইছ জনা এগিছে গেলেন। প্রধান-मन्दीरक उथन अक्छे किट करा हरत: তিনিও চুপচাপ বলে ধ কভে পার্বেন না। অথবা ধর্ন, বাব্ ভগভাবন সামের সমর্থকরা প্রধানমন্ত্রীকে জালটিকেটার দিলেন প্ৰামানের নেডাকে উপপ্রধানমালা করতেই হবে"। তা হলে**এ প্রিম**তী গালাকৈ কাম প্রোক্তাম গালটাতে হবে।

আমি বলাই না, হ'রা এই সব করা করাবনাই; দুন্ প্রাণ্ড করিবে দিছি, হ'রা এট্রন করা করাবে দিছি, হ'রা এট্রন করা করাবে পরিদ্যাতি পালটো বাবে এটা ছার্মানার লাভিক হরা হ'ব। ডাই, ছারানারকারী নামক হলাতে নাউকের পরিকাতি ছারা হ'লার বাবেলারেশ নিক্তির করাবেশ, স্বান্ডার নির্দ্তার বিলি করা হার্মানার ভারিকার জারাবার ভারিকার করাবেশ, অনুনারেশাহ ভারিকার করাবার লাভিক পারে।
তিকা নেই পারে এব্যান্তে লাভ লিভে পারে।
হল্পিকারই ছবাবনারী ক্রিক কর্মানারেশ্য হলাকের।

हतर कर्यकाल वा विद्या नक्त विश्वास कर्य रवया के के देकान नहन कहनाहन की की की मुस्तिन वा कम्मुनिया।

প্ৰথম প্ৰথমই প্ৰথম আন্তঃ বাৰ্কাঃ প্ৰথমমন্ত্ৰী ৰাদ এক্ষাই সংগঠন সংকা কৰাই
এন্যোন, বাদ আগাৰী এ আই দি ট্ৰীন
অবিবেশনেই শ্ৰীনিকলিখ্যাপন্তে সাৰিৱে
ননোমত কংগ্ৰেম সক পতি বসাতে চাম ভাতে
প্ৰধানমন্ত্ৰীৰ কী কী স্বিধা, অস্বিধাই বা
কী কী?

শ্রীনিক্সলিংগাংশাকে সরাবার দুটো প্রাথ হ'তে পারে ঃ (১) সেই জবন পরিস্থিতি সাঁটে করে তাকে পদত্যাগ করতে বাবা করা বার; এবং (২) তার বিক্রফো অন্যান্ধা প্রস্তাব পাশ করা বার।

প্রধানমন্ত্রী এবং তাঁক সমর্থ কলের পাক এর বে কোনও পথে সাকলা জলানই খ্র কঠিন বাপার। করপ নানাভাবে জপরানিত করে পদতারা করতে বাধা করতে চাইলেই বে নিজলিপ্যাশশা পদতারা করবের ভার কোনও গারেশিত নেই। ধ্রুন, এ কই সিনি, একটা প্রশুরার পাশ করে কলন, কর্মেন সভাপতিকে এই এই পথে চলতে হবে খির কোনও কংগ্রেস সভাপতির পাকেই এটা জপরানজনক ব্যাপার। কিন্তু তিনি, বনি বলেন, "ভাল কথা, এ আই সি লি-র নিলেশগালৈ শিরেধার করে জামি এই ওই ভবেই চলবা ও হলে কান্ট্র কিছ্য করর থাকাত পারে না।

এরকম কিছু বা জন্যালাপক একটি প্ৰশাস করানোও খ্ৰ সহজ কল নর। কারণ, কংগ্রেস সভাপতি এবং ভার সমর্থকরা কংগ্রেসের ভেতর অভ দূর্বল মন। রাম্মণতি নিবাচনে প্রধানমন্ত্রী প্রচন্ত প্রচার হৰ চালিয়েও মুসলমান এবং তপণিলী-দের নানাভাবে সভেমতি নিরেও কংগ্রামী टिल्डिस मक्क्सा २०।२७ हिन त्रमारी ভাগ্যাত পারেন ন। দলের এম এল এ এম গি'রের মধ্যে প্রধানমন্ত্রীর মত প্রস্তাব, আই সি সির প্রতিনিধিনের মধ্যে ভার ভার চেরে বেলি প্রভাব जरह बरन जरम कडाइ माना ह्यान कातप रनहे। श्रवसम्बन्धी अक्को रक कक्षाबेटर किएडएक ए हैं जात मध्यक मास्त्र कि हो बाजा न्याकाविक। किन्तु धारे जनस्य-बान्य मरमा भारतारमन्त्रीषु छेटेरमा अध्याहे बर्डि म्मूने, माशार्रिक एकता एकता र्भीतम्बद्ध नेता। हा इंट्रांट खक्या बन ক্ষাভাবিক নর। কারণ পারজ ক্রেনটারি উইলোর সনস্কা, বিশেষ করে এম-পিক্স, म्हार्क्स महस्रहाल कर्ड भरताम महाभाषक ছুলনাৰ প্ৰবাসফালীৰ উপন্ত অনেক ব্যোদ निक्रिकाणील।

स्वतान के वह अस्तानकार से क्ष्य के स्वतान के

আন্তর্ক কর্মান সভাগতিকে আঘাত
কর্মান বাশ্যরে অবদ্য প্রকালকারীর বিশেষ
ক্রমান্তরিক আছে। তাঁর সকচের
ক্রমান্তরিক সাক্রমাতি নির্বাচনে করের
ক্রমান্তরিক, সাক্রমাতি নির্বাচনে করের
ক্রমান্তরিক, সাক্রমাতি নির্বাচনে করের
ক্রমান্তরিক স্থানিকা, সিমান্তরেকট নার্মাক কর্মান্ত
ক্রমান্তর প্রকালকার করেনে রংগুলাত
নির্বাচনের ক্রামান্তরি তেওঁ প্রেন্তর হয়ে
করেব এবং সিমান্তরেকট আবাল বাজা স্পর্বাচনির এক হওরার চেন্টা করেব।

द्यपालमची कीन अध्यह किए ना कंद्र নজীর নিবাধন পর্যত অপেকা করেন? বলি তথ্য তবি নিজন্ব প্রাথীকে সভাপতি क्लात क्रमी क्रांन ? निःमरम्बर, इयन्हे বংগ্রেস সভাপতিকে সরাকার চেরে ভবিষ্যুত নিক্ষে লোককে সভাপতি করার কাপারটা ক্তকাত্রল দিক থেকে সহজ। কিন্তু ৫৫৫৪ क्टग्रीन वाम्बिया व्याहा मक्टाउ वक् व्यक्तिया इस, मिर्चाउटन करों इ स्तात सामानको। जय मरमातरे तीचि, जरशकेन गाँउ হাতে দলীর নিবাচনেও তরিই স্থিধা। কংগ্রেসে এই ব্যাপারলৈ আরও স্পন্ট। বিমি অফিস দথল করে আছেন তিনি ভূরা সদস্য করেই নির্বাচনে জিতে আসতে পারেন। ৰদি অধিকাংশ প্ৰদেশ কংগ্ৰেস কমিটি নিবাচন প্রবিভ নিজলিপাংপার লেকদের हाटड थाटक टाहटन श्रयानमन्त्रीत भाक उहे रणार्छीटक हाजारना कठिन।

প্রদেশ কংগ্রেসগৃহনিকে নিজালিখ্যাপ্পার প্রেক গরিরে নেওয়া নার দৃভাবে ঃ (১) প্রদেশ কংগ্রেসের প্রধান পরিভালকদের দলে টেনে: একং (২) আরম্ভ হক কমিটি বলিরে প্রদেশ কংগ্রেসগৃহলি নিজের লোকদের দশলে এনে। এই দলে টানটো কতকগৃহলি ক্ষেত্রে সম্পত্ন হলেও কংগ্রেস সক্তপতি একং ওয়ারফিং কমিটির সম্বতি ছাড়া অরাড ইক কমিটি করা অসম্ভব। কংগ্রেস গঠনতম্ব জন্মারে প্রদেশে আছে হক ক্ষতে পারেন একমাত সভাপতি ও ওয়ারফিং কমিটি।

দলীয় নিৰ্বাচনে নিজের লোককে

THE THE STATE OF T

একাই হলক করে করা লাউন পারীটা কনরা সম্প্রিলতভাবে কোনও প্রথমী নিজে প্রধানসাধী তাঁদের হারতে পানকো কিন্দা; তবে, আমার মনে হর, প্রধানমাধ্যীর পাকে পারে নিজেব কংগ্রেস সভাপতি নির্বাহিত করার চেরে অনেক যৌশ কঠিন হবে এখনই কংগ্রেস সভাপতিকৈ সন্তানো।

**এই अनुरक्षा कर्यात्मक बरमान अधानकना** হয়ত নিজেই কংগ্ৰেল সঞ্জাপতি হথাৰ চেম্টা করবেন। ক্ষেত্র, একদা ভার পিতৃপের প্রধান-মন্ত্রী ও কংগ্রেস সভাপতির দুটি পদাই দখল করে ছিলেন। সমার কিন্তু মনে হর না, हे क्लिक छ एन्डे क्राच का काफ दवन। अधन নর বে, বর্তমান প্রধানমত্তীর দ্রাই পুদ অধিকারের প্রশ্ন নাতিগত কোনও অপতি आरक् । अधन्छ नत्र त्व. मुद्दे भरतत् मात्रिक প্ৰকাশ করতে প্রক্রেন না কলে তিনি ভর পান। এর **আসল কারণ হল**, বৃত্যান রজনৈতিক পরিম্পিতিতে যেখনে বহ রেজের অকংগ্রেসী সরকার, সেখানে প্রধান-মতীই কংগ্রেস সভাগতি হলে তার জাতীয় দেতা হওয়ার স্বান ভালে বেতে হয়। কংগ্রেস পরলামেতারি পার্টির লেতা হওয়া ৫ক জিলিস, আর কংগ্রেস সভাপতি হওয়া তার এক জিনিস। তার চেরে প্রধানমন্ত্রীর অনেক স্বাবিধা হ'ব, যদি তিনি একেবারে হাতের লোককে সভাপতি করতে পারেন।

প্রধানমন্ত্রী যদি আরও অপেকা করেন?
বিদি আপনতেও বছর দেড় দুই সংগঠনের
ব্যাপারে খুব লা মাথা খানিমার দুখুই
জলসমক্ষে নিজের ইমেজ বাড়িড়ার বাওয়ার
চেন্টা করেন? এবং যদি আপন বাড়িড়াও
জলপ্রিরতাকে সাংগঠনিক নেতাদের চেরের
অনেক উংগ্রিনিক গিত্রে ভারপর অব্পালিহেলনে তাদের চালাবার চেন্টা করেন?

শিত্দেব নেহনুর অকলা এই অবদ্যাই ছিল। তিনি সাংগঠনিক নেতাদের গরেজাই করতেন না। জাশ্ডনজীর শর সরকা কংগ্রেস সভাশাতিই তার অলা, জি হেলনে চলেছেন। নেহনুর অবলা একটা বিলেম স্কৃতিয়া ছিল। তিনি অনেক দিন থেকেই—কংগ্রেস হাতে শ্র্ম ক্ষান্ত পাওয়ার বহু প্রেই—ক্ষান্ত বিন্তা ছিলেন। প্রধানমন্ত্রীয় দথল করে তাকে জাতীর নেতা হিজেন। প্রধানমন্ত্রীয় দথল করে তাকে জাতীর নেতা হওয়ার চেন্টা করতে হর নি। বেরুলাট কুনাকে করতে হরে।

নেহর আরও একটা স্বিধা ছিল।

कृति साम्यक्ष तृत्व क्षणां वह स्थानको विद्य विकार क्षणां विद्या क्षणां विद्या स्थानको विद्या कृति वृद्धा क्षणां वृद्धा स्थानको स्था

একটা জিনিস গরিকার, তাকত আমার করে । ইন্দিরা বতই ব্যাক্ত নামানালাকৈ কর্ম করে হতই সমাজকলের কথা বল্ন খ্র বড় লোকনের সংখ্যা এখনই সক্ষয় সারে নামান্ত্রর করে তিনি প্রায়ান্ত্রর করে। তিনি প্রায়ান্ত্রর করেরী করেইকেও খাব বেনি ঘটাতে চন না। তবিদের ক্ষমতাকে এখনও ভার করে। প্রধানমান্ত্রী বাই কর্ম, বৈশ্বাবিক পরিভিত্তি স্থিতি করতে এখনও আনিচ্ছেক।

প্রধানমারটী কমি "ডিভাইড কান্ড রুল" নীতিতে চলেন? ফার একে এক নি-ডকেটের নেতালের খতম করার চেন্টা করেন?

এই নীতি অবশ্য তিনি প্রথম থেকেই অবসাধন করেছেন। প্রধানজন্তী হওরর পর থেকেই তিনি এইস্তাবে এগোছেন। কিন্তু এ কাপারে এখনও তিনি খুব রেণি সংখ্যা হতে পারেন দি। তাঁকে সকই এত বেণি বর্বা গিরেছেন, জেনে বেলেখেন বে কেউই আর বিশ্বাস করতে পারছেন না!

\*

নালা অস্থানিখা সড়েও প্রধানমাতীকে বিকল্প একটা বিকল্প করতেই হবে। কারণ, বেশিনিনা অপোকা করতে দকের ভেডারে তার সমার্থাকর হভাল হবে পঞ্চকেন। অরুর, গেটা দেশে তিনি বে প্রত্যালা কর্মিনাই ত্লেছেন তেমন কিছু কাজের কাক্ত না দেখালো দেটাও প্রচাধনাক আহতে হবে।

শ্রীমতী সাম্পার সামতেও আই বিরট প্রাণন : তিনি এখন কোন্ পথে এগোনে ? বে পথেই এগোন, বিষাট খানি আবার তাকে নিতেই হবে। পদক্ষেপ করতেও বিশলের আনংকা, কিছু না করতেও আবার বিপদ ডেকে আনার সম্ভাবনা।

্রধানজন্ম একার ক্রী করেন সেইটা দেখার জন্ম তাই: সকল রাজনৈতিক পর্ববৈশক অধীয় কারাহে অপোলা করছেন।

सवाद्रान ग्रुं

করণ, একমান্ত কলক জ শহরেই কিম্পের সর্বপ্রকা বেশীসংখ্যক নামালক-ন্যালকরে বাস! কলিও ক্লাইন্টেব্র নাম থেকে কলকাভার নাবালক এবং নাবালিকরে প্রকৃত সংখ্যা কড তা নির্পূপ্তের জন্ম ব্যালকভাবে আদমস্থারি চালাবার কোনও চেন্টা আৰু পর্যালত হর্মান, ভবে নিশ্রেমজ-গণের অসমজ্ঞ (এবং বলা ভালা, এই আলাল স্যালগেল সারভের ভিত্তিতেই গড়ে ভোলা হরেছে) কলকাভার ন গরিকদের বিশেষ করে বংশন্ত বী নাগরিকদের শতক্রা

ছেলেশররো বেছে বেছে 404 B ৰাগ্ৰেলী মহান্ত্ৰিকেটেই কেন কে এছ হানা মারে, সেই রহসোর উপর এই সাম-শেল সারভের রিপোটাটি মুখেন বা কোজকা ত করবে বলে মনে হর। डेक विद्यालिंड হচনতেই নাৰালক কাতে বলে সে সংগৰে বিশ্তর্নিত আলোচনা করা হলেছে। একুশ বছর বয়েস বার হর্তন সে-ই নাব্লেক নিগোটের রচরিভাগণ প্রথমেই এই প্রচলিত সংক্রতিকে ব্যবিক করে দিরেছেন। ভারা বলেছেন, শারীরতত অথবা মনোবিজ্ঞানের ৰায়৷ এই সিম্বাস্ভটি সম্বাধিত নয়, তাই এই সংজ্ঞা অবৈজ্ঞানিক। ভারা বরং বাংলা ভাষার অন্যতম শ্রেণ্ঠ অভিধান রচরিতা হরিচরণ বদেশ্যাপাধ্যার ক্রন্ত "বে ব্যবহার-रमाना दसाक्षाण्ड नम्"<del>नाव बाटकम्</del> धरे অর্থাটর উপরই পক্ষপাত লেখিরেছেন।

দাধ্য তাই নর, রিপেটের রচরিতারা কে "বাক্সেরেশ্য কারগ্রাত নর" কতকগালি বাক্সের আরা তাকে চিক্তিও করেছেন। বথা ঃ (এক) পরমতনিভার, (গুই) বিশ্বাস-প্রথা অর্থাৎ চিক্রে কান নিজে গ্রেক্তা এই কথাটি শোনামান্ত বে স্বাক্তপে হাত না ঠেকিরে চিক্রের শিক্সের গোড়ার, (তিন) কিন্তুক্ত (করেসের ধর্মাই হজে কিচারক্তিশ বাল্লভ করা), (চার) গোলে বুরিবোজে বার অত্যাধিক আসতি, (পাঁচ) অন্তিব্যুম্বভি (কর্ম) ইঠকারী, (সাত) অপরিবাহনগালী, (আউ) প্রতিক্রে গরিবেশে বে সভা প্রকাশে



ক্ষিক্ত্র, (নর) ক্ষর মান্তির (মন্)
মই ক্ল রক্ষা পৌলানিক্ট কর ক্রতীর,
ক্ষম (এগার) বাল্রে ভিতরে মাধ্য গুলো ক্ষে (এগার) বাল্রে ভিতরে মাধ্য গুলো কে বিপদ ক্রড়াত হয়ে। মাধ্যক্তের ক্রই
ক্রান্ত সক্ষণ।

এই একানশ লক্ষ্যুত্ত নাবালকের সংখ্যা অংগ্রাক্ত কম বর্জেই অর্গ্রালী মধ্যার



ছেলেধরার উংপাত অংচবাজকভাবে কন্পশ্বিত। অতএব কলকাভার বাংগালী
নাবালক মাহাদরগণ সংবধান। পারতপক্ষে
বাড়ির বাইন্রে পা পেকেন না। স্পাস্বলা
স্ফাব আঁচলধরা হয়ে থাকুন। আর নিভাগত
অফিস-কছাভিডের ক্ষেত্রে হলে পারি কছ থেকে চিরবিদর নিরেই বাল করা লেখ।
কৈ থানে নিকটপথ দ্বাম অ্থব। বাস গ্রাপর
ভিড্রের মধ্যে হেলেধরা হয়ত আপনার
জনাই ঘাণ্ডি কৈন্তে অপেকা করে আহে।

#### निक् किश्रानी ट्रानवता

দি বাৰ ব্যালী হেলেবয়া কল্ক ভার আসহে, এ সংবাদ রটে বাওরার পর খোক পশ্চিমবংগর রাজনীতিক মহলে এক মিশ্র প্রতিভিয়ার বৃষ্টি হরেছে। শোনা বাংগ্রু, এই ছেলেবরা নামিক বিষয়েই একটা, বংলি পশ্চিমৰ পাল বৃদ্ধ দ্বানী এহাকেও অন্তর্গক লেখা দিয়েছে। কম কমিউনিলই নাইক জোল পাট বোৰণা কলে নিয়েছেন বে নি পি আই নিস্তালিক্সলৈ কেলেক্সার পশ্চের পাছে গিয়েছেন। বাংলা কংগ্রেল সম্পাক্ত ভারা মনে মনে মনে অধ্যাই স্থিতিয়ান।

সম্প্রতি বর্ষানগরে সি পি এর এবং সি অভ-এৰ স্থানীয় নেতাস্থ মধ্যে भासराव करियात अस वाहेन्द्र अधिनकि प्राप्त থেলা এমন এক খাবাৰক পৰ্বাৰে পেটি शिक्तां वाह करने स्थानीह जक जि कि वाहे त्तरा ७ चन्द्र बक्कन महिन मन्ना धार-তরর পে আহত অক্সার হাসপান্তালে ভার্ড ररतरहरू अब करण जि शि खाई-जि शि এম-এর সম্পর্ক কোন পর্যায়ে পৌছেছে ভা সি পি আই-এর ব্রানগর লোকাল কমিটির প্ৰে প্ৰচাৰিত এই ইশভাহাৰের করেকটি মশ্তকাই জানিরে নিজে। ইপভাষারে কলা श्राहरू, "बन्जाबादण कार्ट्स एवं मास्त्रज्ञवानी ক্মিটান্ট পার্টি ম্বরান্ট দ্রুতর্জ্জ সামনে রেখে সারা পশ্চিম বাংলা ভাতে সমস্ভরকম নাজনৈতিক পলের উপর এবং নিরীত জন-সাধান্ত্ৰের উপর বর্ষত্ম হিংস্তা আরুম্প, कानिता गा**रू**।...चारकाक अन्य करान त्य. জ্যোত্ বস্ পশ্চিম বলসার স্কর্মানতী, না মারক্রবাদী গ্রন্ডাবেদর রক্ষাকর্তা স্বরাদ্ধী-মশ্রী।" এই জাপারে প্রতিকার দাবি করে সি পি আই ব্ৰছ ফুণ্টের বৈঠক প্ৰণত বছন कर्त्राक्ष्म ।

এর উত্তর সি পি এম বলেছেন, মারামারি তো নতুন নর । ও তো চলছেই, চলবেও। হঠাং সি পি আই নতুন স্বরু বরছে কেন? এ এ আর কিছু নর, নিল্লিওরালী ছেলেবার চুক। প্রোরেসিভিয়ানার ফ্লে শ্পিকরে সি পি আই ক ব্লির ভিতর চ্কিরে কেলেছে, ভাই সি পি আই এই ধরনের অভিযান্ত ছাড়ছে।

পশ্চিমবজ্ঞের বাম রাজনীতির আকর থেকে অনবরত হকি উঠছে: ছেলেবরা অক্টেং হ'নু—গি—রা—রঃ

WAS MAIN THEN IN THE PERSON NAMED IN free rate and Scotter, on other \* THE WILL WILL WIN HAVE LAND MINES ---. व श्रम कार्रीनः वादेगातः कर गूरत ग्रीकर कीन जन्मक की जार व्यक्तक समस् क्षांचन छाटक कारण क्षांनी केटबाकीस। ৰারা আৰু চারাশ গোরারতে তারা ইম্পুরে करे गायके माध्यम करत अत्यस, मार्माहरतक को नाम जाया बाकरता टन धनानक ছিল পাঁচটা ভাগ-কোঁচন-চীন, আমাম छेर्रीकर काटचा जिला जात माक्ता । ट्यानिकार कतानी माझारकात धरे क्वांकन-ठील, जानाम जात हेर्नेक्र मिनिस रेफान हरतर जनस्कत क्टिक्टमामा वर्धेहे स्टब्स् व जन्मेनचित्र नारकरी नाम का कारक कुनाउ तरनिकन कतानी जेशनिर्दामकजावास्त्र माश्रही।

करमंद्र मीन्दर किदित अटमीक्टमन विनि ভার নাম নোগ্রাক্রেন টাট খান বাকে ভতায় দশকে শানিতে লেনক জানতো নেগুরেন आहे क्याक, जबीर तमक्क मागासन बल আর দুনিরার লোকে জানে হো চি মিল অধাং আলোকদতে হো বলে। সভাই তিন ছিলেন দেশ-অত্ত প্রাণ, আলো জেনলোছনেন কলেশের আত্তকিমাতির গভীর অন্ধকরে। देश्विकारमत विकासमीत काटन करन एवं निर्देश একটা ক্রান্তের মর্যাদা উন্ধার করে তাকে নিজের মহিমার প্রতিপ্রিত করা একটা অসম্ভব ব্যাপার বললেই হয়। সেই অসম্ভব वाशास्त्रकरे मन्छव कर्जाइत्यन रहा कि विन মাকৈ পরম শ্রম্মক আর আলকে ভিয়েত্সামীরা ভাৰতে। চাচা হো বলে। একটা মনা জাতকে শ্ৰেক্তৰ দেওবাৰ, একটা ভাল বাওৱা পভাতাকে বাঁচিকে ভোলার অনুন্য গোৰাক फीर ।

বেশীর ভাগ দেশেই উপনিবেশিকতাবাদের শ্মশানশাখ্যা তৈরি করেছে অবিচার আর অনাচার। ভিরেতনামেও ভাই হয়েছে। তার নেশের লোকেনের ওপর যে অবিচার कतानीता करतिहल. य अकथा अलाहात ভাবের ওপর চালিরেছিল ভাতে ভার বাকে वाश्वत बद्धा छेट्डीइन। क्यांशा द्यमन পরশাশাংখ্য থাকে থাকে ব্যক্তিয়াছিল, তেমনই তিমি দেশে দেশে সামলের মত द्धारहर न्यांवीनका कितन कार्तित मन्यादन বতে তার মরা দেশ আবার জেগে ওঠে। অস ফরাসী মুরুকেই তিনি পাড়ি নিরে-व्हिल्ल मारा अवृत्त बहुत बहुत काराहरू टकरिन तम व्यर्थार कामनात भूमनावात क्रकांत निरत। क्रिक्कांन गात देशीना ভাতেল পৌররে বিলেভে এসেও দিন কতক চাৰ্ক্সপিনি করেছেন। ত্রেপ্র ফিনে এনেছেন ফ্রান্স। সেখাহেই ভিনি দক্ষি। ক্রেম



**(**प्रवक्ता

ক্ষমান্ত ব্যানিক। পরিশত ব্যাসে তিনি বে ক্ষ্মানিস্ট ব্যানিরার একজন নিকপাল হিসেবে স্বীকৃতি গোরেছেন ভার স্তেশাত রুশ-বিশারের জনোই ফরসে। করাসী ক্যানিস্ট দলোর স্থান তার সম্পর্ক ১৯২০ সনে তার প্রেরের সমন্ত্র তেকেই।

यान्स जिल्ले वान ५०१२ महन। सकत



ৰুৱে ক্যানিক্সমে জিনি পাঠ নেন দুৰ্নিমার প্রথম সাক্ষাবাদী রা**ন্টে**। দু' করুর পরে ভাঁকে **घीरत भाकारना श्रकांक्न माध्ययम अधारका** জনো। তথন দেখানে জাতীক্ষতাখানীদের ताकाव। किसार कार्ड टगटकत महला कार्यानिको-নের বিক্লেন ভখনও বর্জনি। সমোবারে প্রণার বিশ্বাস থাকলেও সারা দ্যানিরাতে রাস্থাবিশ্ববের পথ প্রশাস্ত করতে হো চি মিন তত্তা উৎসূক ছিলেন না. বতটা ছিলেন নিজের নেশে স্কাধীনতার জ্ঞারিথীকে বইয়ে নিতে। চীনে তাঁক প্রধান কাজ ছিল मरशामी विदयक्तांक क्यानात्म मरशास्त्र भएक তলে ফরালী উপনিবৌশকভাবাদের ওপর চরম আমাত হানা। আন্তর্গতিকতার তাঁর বিশ্বসে विकास असम स्वा। কিন্তু তার থেকে অনেক কেশী আনুরাগ ছিল एनटमञ्ज अन्तर मानासरमञ्ज क्षेत्राच महा ৰে সামাজাবাদ, জার ভাকে নিমুল করতে ना गानका रव गाउनामा जनाम-सक्ता वनरन महन नवाक नटक रहाना बार्च सा व প্রভার ভার ছিল। স্বদেশের মধ্যকের জন্য তিনি ভাই নিজেকে উৎস্গা করেছিলেন আৰু रा मन्त्रावास्पेट्ड भूभा कात्राह सरावाह

क्षेत्रम कर करने विकास स्टास्टर THE PART OF SER WATER BUT कराम न्यानील सम्वानिक जिल्लाम शकापरणात वाकिकार। एवं महिन्द्रम १०० क्रमीबल क्रिक्टमसम्बद्ध काम चारणीमाच क्रि क्समण किर्निय क्स्प्रेस कान्स् दमनाटामी का কাতীরতাবাদীরা আরু ক্র্যুনিন্টরা তথ্য काछ जिल्लिका। रेक्टबार् कारल শক্তনের শর ১৯৪০ সলে কাপানীর দংল करविका हेरनता में, अकते करता न्यारीत সরকার ভারা সেবানে পঞ্জাও করোঁলো। महाबद्धक लाव अन्य वर्ण्ड भागत जामार व्यानात्वा उन्हें त्यम निम ठात्रिम्टक दिना देश আর অরাজকতা ইউরোগেও, এশিয়াতেও। মিত্রশারিদের কারে তর দিরে জাল্স আবার ফিরে আসতে চাইলো তার প্রোটা क्रिताबीट्ड। अकारण ब्रह्मक् ब्रह्माट वाली घटनत ट्या कि जिल देरमाठीन शहराहार দ্বাধীন অংশীদার হিসেবে তার প্রজাততা ভিরেতনামকে 9125 क्ष्मार्ड। क्षान **কিন্তু তার কথার কেলাপ করলো।** তারপা का द्वार टावे रहा। वाधाना महादे। एत প্রথম পর্কের শেষ ডিয়েন কিয়েন মৃত্যু ফ্রাসী বাহিনীর শেচেনীয় প্রাক্তথা

ফরসভীরু যাকার পর আসরে এলা আমেরিকা। ১৯৫৬ সনে যে ভিরেতন্ম চ্চিত্ত হরেছিল ভার একপকে ছিল ফর স্বার আর একপকে হো চি ফিনের দল ভিয়েতমিন। শেহন থেকে মনত দিয়েছিল বিয়েলৈ জনে রূপিয়া। কিন্তু এ চুভির ফলে হে। বা চেরেছিলেন তা পরেরপর্যার পান দি। **भ्वाभी**नेका **१९८०**मा वर्छे. १९८०मा मा काठीय সংহতি। ভিয়েতনাত হলো দু' ভাগ। উত্তরে তিনি ক্লালেন কাম্পুপতি হিসেবে সবেসবর। দক্ষিণে হলো জাতীয়তাবারী-নের আধিপতা। হেল আশা ছিল নিবাচন হলে ভাঙা ভিয়েতনাম আকার জোড়া লাগবে। किन्छ ना रत्ना निर्वाप्तन, ना भूतरता छाँत ইকে: উদাটে কাশকো লভাই উক্তরের সংগ্ দক্ষিণের। দক্ষিণের সহার হলো আমেরিক। গে।ডার মার্কিন ফোজ ছিল আড়াবে আবভালে। তারপর সরাসন্তি নামলো যুক-टक्टा किन्छ टनरे विकार गार्किन वर्गारनीरक বেভাবে হো আর ভার সেমাপতি গিগাপ नाटकर्णा क्टार्ट्स छात्र ट्याटम रूगना देखिकारण उन्हें। दशक आक्ना किया न्याबीनाल के सा CHCHIN স্বাধ নিত তিনি লেখে বেতে পোরেছন বটে কিন্তু সাহতি এখনও অনেক দক্ষে। তাতে কিন্তু তার মহিলা কিছুমার হাস পার্যান। ভিয়েত-मादम्स म्हिनायक क्षेत्र मिक्षीक स्थापाटक বিশ্বের নিপাঁড়িত মান্য ভিরকাল মনে APPLA I

বৃদ্ধি দিয়ে অবোধা'

ব বাংলার একটি বড়ো শহরের কোনো

প্রাত্তসীমার, একদা রাভ এগারোটা
নাগান, পরিপ্রেণ চন্দ্রাক্তোকে, আমার
পনেরে-কৃড়ি হাত সক্ষনে একটি অপ্রগামী
বাভি অকক্ষাৎ ইংরিজী মতে 'স্ক্রে বাতাসে'
ভিক্তির গির্মেভিল।

ভৌতিক ব্যাপারে আমার আতণ্ক ছেলে-ধেলাতে কথনো ছিল না আজও নেই।



গোশাক শীত গ্ৰীক্ষ নিৰারণের জনা, কিন্তু ব্যবহৃত হয় শীত গ্ৰীক্ষে কন্ট পাওয়ার জনা

অনেক রাত পর্যাতত একা শমশানে বাসে থেকেছি, যে জংলা পেনেড়ো কবরখনায় সাহেব-ভূতের সজো দিনের বেলাতেই নাকি দেখাশ্নো ঘটে—সেখানে নিশিরাক্তে একা ছরেছি—শেরাল ছড়ো আর কেউ-ই দশান দেনিন। কিন্তু আমি যখন বিশ্ববিদ্যালয়ের ছাত্র, মাথার ভিতরে ফাটেনত রাজনীতি এবং সামারক সাহিত্য, ছটিতে দেশে ফিরে—অনেক রাত পর্যাত আছা দিরে ফিরতে কিরতে—ইঠাৎ এমন কাউকে দেখতে পাব, বে নিজন পথে অভতত মিনিট চারেক ধরে আমার আলো আলো যেতে যেতে—বিনা নোটাখো—একটি ছোট মাঠের ভেতরে প্রেফ হাওয়ার মিলারে যাবে— এ অঘটন আমার কাপনাতেও ছিলা না।

খ্মের চোথ অবশাই নর, কারণ সে বরসে রাত একটা-দেড়টা-দ্টো প্র'ভত যা খ্লি পড়বার অভ্যেস ছিল আমার: ভূল সেখবার কোনো কারণ নেই—বেহেভূ তিন গর মিনিট ধরে আমার আগে আগে যাছিল স। লোকটির ২ঠাং ল্বিয়ে পড়বার কেনো



জারগা ছিল না—কারণ মাঠের ভেতরে একটা ছোট কটি। ঝোপ পর্যক্ত নেই—একেবারে দ্বপ্রের রোদের মডো পরিশাটি জ্যোংশনা সেখনে। অথচ—

ওই 'অথচটা নিরেই খ্শকিল। আজ পর্যতি ধাঁধাটার জবাব মেলেনি। সেই লোকটি বাঁদ কোনো জাদরেল মাাজিশিয়ান হয় এবং সে রাত্ত আমাকে বিনাম্লো একটা খেলু দেখিয়ে খাকে, তা হলে অর্থা আকাল কথা, আর তা নইলে শেক্স্পীররের ভাষার বলতে হয় : 'হে হোরেশিরো, কর্ণা মতেনা এমন আরো জনেক কন্তু আছে, বাদের' —ইত্যাদি।

ভটা যা-ই হোক, অবপ বরুসে এসব জিনিসকে আনে পান্তা দিইনি আমি। কিব্দু যতই বয়স বাড়াছ—ততই দেখতে পাচ্ছি—বাখি দিয়ে বোঝবার চেন্টটাই পণ্ডপ্রম। বস্তুতঃ কিছাই বলতে গেলে বোঝা বার না—এবং বতই অবোধাতা বাড়তে থাকে, ততই রেমাণ্ড জাগে (সে রাত্রে বেমন চকিতে আমার মাধার চুলগালো পর্যতি কদন্দেক্তরের মতো প্লকিত হরেছিল). বিসমরের রসে মন আগদাত হয়. কম্পনার দিগণত খালে বায়, জীবনে মনোটনি আসতে পায় না এবং রোমাণ্টিকদের ভর্মা দিয়ে বলা বায়—কোনো ভাবনা নেই, ভোমাদের উৎস আন্তর অফ্রুরত।

ট্রামের ভাড়ায় কোলান্য আসবার পরে পারতপক্ষে ওটিকে এড়িয়ে চলি, বাসই আমার বাহন। কিম্তু প্রশ্য দয়ের প্রভেই



ডাম্টবিন আৰক্ষনা রক্ষায় কন্য, কিন্দু ডাম্টবিন আৰক্ষনা হড়ায় বেশী

চাপতে হরেছিল। রাজবিজার থেকে সোরা বাগানের মুখ—দশ প্রসা ভাড়া নিমে ভার্তী

আজন্ত সেই পথে—সেইখানেই গোছ এব পরসা বারে। ফেরবার সময় কভাকটার বলতে, তেরো পরসা!

जाम्हर्य हरत्र कालाम, भाग शतनाहै रखा मिटे।

কজক্তার সেই দ্বিতিত জাজার বিকে তাকালো, ছাপরা কিংবা মন্ত্রকরপুরের পাঙ



ক্টপাৰ পালে হাঁটার জন্য, **লেখালে ধৰে** বাজার

সে' দেহাতী মান্য কলকাতার প্রথম এলে যে প্রিটন্তে তাকে দেখাত হয়। কললে, 'উয়ো সেকেন কেলাসমে। ফাস্ট কেলাসমে উঠনে হি তেরো পরসা।'

তেরে পরসাই দিতে হল, তিন পরসার
ক্ষতি এমন মম'ডেদী নয়, কিল্তু সংগা সংগা
আমার বৃদ্ধি একটা মারাত্মক হোঁচট খেলো।
বাওরার সমর, আজো, দশ পরসাতেই দিবির
বসে পড়া গেল, আর ফেরার মুখে উঠুনে
হি তেরে পরসা?' মার আড়াই ফণ্টান্ডেই
টামের ভাড়া বাড়ল? কিংবা সন্ধো সাড়ে
ছটায় 'চীপ ইভনিং' ছিল, রাত নাটার রেটমাফিক? অথবা এর আগে আমি সক্তার
ক্ষনতা টামে চেপেছিল্ম, এটা রির্যাল ফাক্টা

ভাষতে ভাষতে মাথা গরম হরে গেল, নিজের দটপ ছাড়িয়ে আমি শেরজালার পৌছে গেলমে। না—আর ট্রাম নর, এবার সোজা রিকশ। রিকশ ভাড়ার কোনো জটিশভা নেই, ভার রেট নিভার করাছ আমার আর রিকশ্-ভার নৈয়ায়িক তকোঁর ওপর।



दमाजेबवाछि हुन्छ छ्लाब कना किन्छू ध्यावेदब स्त्रती इत दवनी

বাস্তবিক, অনেক কিছুই বোঝা যায় না। এবং—বতই বোঝা যায় না, জীবন ততই রোমহর্বক হয়ে ৪ঠে।

ক্ষিত্রিদন আংগ পথে বেরিরে হঠাৎ
আক্ষমণভাগু বৃশ্চি। আমার ছাত্য ছিল না,
কারণ থাকলেই তন হারার। ছুটে
কাছাকাছি একটা মসজিদেই ঢুকে পড়লুম।
ভগকানের আগ্রায়ের চাইতে ভালো জারগা
ভারে কী আছে।

আমি ছাড়া আরো জন দুই চাবী মানুব সেখনে অগাশ্রত কোনো কাজে গ্রাম থেকে শহরে এসেছে। চাববাসের অাসোচনাই চলছিল। অন্তমকা একজন জিল্লেস করলে, 'বাংশু সারেব, একটা কথা বলতে পারেন?'

কামি ফিরে চাইতে বললে, 'এই যে সব পোকামরের ওব্ধ দিছে, এতে তো দেখছি পোকা আরো বেড়েই ফাছে ফসলের। বরং আগে যেসব পোকা ছিল না, তারাও এসে যাছে। ব্যাপারটা একট্ব ব্বিরে দেকেন?' আমি কী ব্বি যে বোঝাবো! বোকা-মোকে প্রাক্তের নীরব হাসিতে পরিশত করস্ম।

ম্বিতীয় কান্তি কলকো, পোকা মারা ওষ্ধ থেয়ে আরে। তেজী হচ্ছে পোকারা। কিণ্ডু জান্তের মরবার সংবিধে হলেছে থ্ব. কী বলো মিঞা? আগে গ্লার দড়ি-টড়ির অনেক লমঠা ছিল, এখন এটু:খানি ওব্ধ থেয়ে নিলেই—বয়স!

aring the second responsible to the second responsibility to the second responsibility of the second re

আবার সোলোক-ধাঁধা। বুন্ধি দিয়ে ব্যাখ্যা করে কে? ফলল কাঁচিমে মানুৰ বাঁচানো—পোকামারা ওব্ধের এইটেই উদ্দেশ্যা ছিল কোধ হয়। কিল্টু ভাতে করে যে মানুবের মারবার রাশতাটাই পরিখনার হয়ে বাবে—একখাটা জানলে বকর্পী ধ্যা তাঁর অহনাহানি ভূতানি র মধ্যে এটাও জ্বে পিতেন খ্যা সম্ভব।

ना-किट.रे काथा यात्र नहा कालेकारि পদচাবানার পকে কপোরেশানের রাশ্তাটা মশ্দ ছিল না৷ হঠাৎ একদিন এলে সেটা সারাদিন খোড়াখ'রডি করে-ভারে দুগায় করে চিরকালের মতো পরিত্যাগের রহসা যে की. का क्कंड क्यारन मा: क्कंड वलटक भारत না-কোন্ গড়ে গভার কারণে ভাস্টাবনের স্থানিকপৰ্বীঞ্চত আবর্জনা পথে সংখ বিকীপ করে এমন বিশ্ববাদিত ঘটিয়ে দেওয়া হল ৷ আফার এক কথ, লিয়া দৈনিক একবারও টেলিফোন করেন কিনা সন্দেহ—তিনি সংপ্রতি এক হাজার টাকার উধেন একটি বিল এবং অবিলভের তা জ্যা দেকার নির্দেশ পে**রে বিসম**য়ের যে অভধে ভূবেছেন, কে তাঁকে সেখান থেকে উণ্ধার করে? জানৈকের একটি চাকরীগত ইণ্টার-ভিউয়ের চিঠি কলকাতার এক প্রতেও পোষ্টেড হরে অপর প্রাণ্ডে পেণিছেছে একফাস সতেরের্গদন পরে, অথচ ভিউরের তারিখটি ছিল একমাস আগে। কিশ্ত ডাক-বিভাগের রহস্য ভো অন্ত-কালের মহাতামতে ঢাকা, মহাকবি দাণ্ডের কলপনারও সাধা কীয়ে ভাতে স্চীভের

আঞ্জ বদি পথে বৈরিয়ে হঠাৎ জনতার চেত্রে ছেলেধরা' রুপে প্রতিভাত হয়ে, সামাগ্রিক প্রহারে আমি পণ্ড পাই, তা হলেও বুন্ধি দিয়ে কিছুই ব্রুত্তে চাইব না। দেখছি, ও চেন্টাই পণ্ডশ্রম!

#### ৰাগৰ্য প্ৰকাশিত

বি-এ অনার্স ও এম-এ পরীক্ষাধীদের অবশাপাঠা গ্রন্থ অধ্যাপক অম্লা সরকার প্রণীত

## রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতত্ত্ব ৪০০

রবীন্দ্রনাথের 'সাহিড্য' এবং 'সাহিড্যের পথে' গ্রন্থের প্রবন্ধগর্মার বিশেষধ এবং রবীন্দ্রনাথের সাহিত্যতম্ভ সম্বন্ধে প্রথম প্রণাণ্য আলোচনা। অধ্যাপক সরোজ দম্ভ প্রণীত

## त्रवीन्ध्रनादथत्र 'विbo अवन्ध' २·७०

অধ্যাপক সরোজ দত্ত ও অলোক রাম প্রণীত

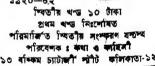
## ब्रबीम्प्रनारथत 'कालाम्ब्रन' ७·৫0

অধ্যাপক সংখেন্দ্রন্দর গঙ্গোপাধ্যায় প্রদীত

## সমালোচনা-সংগ্রহ পরিচয় ৩.০০

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় প্রকাশিত সমালোচন। সংগ্রহ গ্রন্থের নিবাচিত প্রবন্ধের আলোচনা ও বাংলা সমালোচনা সাহিত্যের ইতিহাস। ভূমিকা—ডক্টর অভিনতক্ষার বন্দ্যোপাধার।

বিক্তর কেন্দ্র—এবেন্ন পার্ননিকেশন্স, ৬৭/২ মহান্দ্রা গার্ননী রোড, কলিকাতা-৯ বে ব্যক্ত ভৌন, ১৩ বঞ্জিম চট্টোপাধ্যার স্থাটি, কলিকাতা-১২ নেতাজী
নিবসন ব্যৱেরর
নিবেদন
স্যোগতন্ত্রের
ভারতের
মাজি সংগ্রাম
১৯২০—৪২



मात वरन हथा में वहत. अकीपम विदिवाल म्कूल (बारक किरत सिंध হতে দরজার করে মা দাড়িরে আছে-इ.ची नाम मान्न करना करना काम হুটো ভিলে। যা সন্বরত কোস্কোস करत श्रमात्तव रहान माना ऑडरक मन्क वातामाद-नद्रकाद **পাশেট** নোডায় বসে আছে 040 क्लाकतिक शत्रात एक वाकाणे क्यांका गाउँ ভীষণ ময়লা সাদা হাফশাট গোছের যেটার কাঁধের দিকে কোন কলার নেই। তার পারে কোন জাতো ছিল না। প্যাবডা হলদে আর বাঁকাচোরা পায়ের অভাল-প্রবো। ফাটা হাজাধর বিজিপের পা হতৌ দেখেই অনার সামানা অভিজ্ঞতা বলে निल এडे क्लाकरें। निर्योग्ड शारे घाउं বনবাদায়ে জলকাদায় দিতার পর দিন ্রেপ্ট্রে। আঙালে আঙালু আঁকডানো হাত দটোও তেমনি কিছিরি হলদে, ভীষণ পার, আর খসখসে। প্রচণ্ড বাধা পার হতে হতে যে জিনিস্টিকে এগোডে হয়-সম্ভবত সেই জিনিস্টিকে চালিয়ে বা ঠেলে নিয়ে বাবার জনের ভার হাত দুটোর এ দশা



মুস্টাফা সিরাজ

হয়ে থাকবে। কারণ, এই বয়স ছেকেই अक्तकत्मत क्वाटा खामात किला या निरंक খ্যিতির সব কিছু লব্দ ক্রতে প্রতার। বিচার-বিশেলক। করতে পারতায়। বেলিক ভাগ ক্ষেত্ৰেই আমাৰ এ চেকা সভাৰ কাছে পৌছে দিত আমার। এই বে লোকটির হাত পা দেখছিলাম, তার সপো সহজেট ইতিহাসের ভোলানাধ্বাব্র DIE-MICE তলনা করা গেছে। চকের হালকা दक्षमात्रा खाक्ष्म, स्वम मन्या खात्र हामका. ডিমের মত সাদা চেটো—ভাতে শিরাগুলো অর্থাং কররেখা ব্রুই স্পন্ট আর গোলাপী –বিশেষ করে ও'র হাতের চাপ সরত্তে আমার অনুভেব করতেও হরেছে—হাতে টের পেয়েছি আৰই নরম। ও'র হাত দটেন धवर ममता ना मत्यो छिवितन काल मिलाक একই রকম ধারণা করা গেছে। তা ছান্ডা লাস্ট পিরিয়তে কেলিন ইতিহাসের 🚁 🛪

বাদামী কেচিকনো শিরাবহাল দেহ নিরে বে লোকটি মোড়ার বসে ররেছে, তার চিম্ক-গাল সাদাকালো দাড়িতে তরা, কেবল গোঁফটা বছু করে কামানো। তার



ৰাধান ভালের মন্ত বোৰবা গোল-কডকটা बण्डात्ना बाधिक मार्डक, धकडी कारणा है नि। পরে এর সংখ্যা যথন যেতে ছাজল জেনে নির্মেছলাম, এই উর্নিটা ভালগাছের বাগড়ার নীক্তে বে জালের মত জড়িল শব শিক্ষালো থাকে. তাই দিয়ে সে নিজেই তৈরি করে নিয়েছে। জোকটি আশ্চর ক্ষমভার আমার ভাক লেগে গিয়েছিল। বেতে বেতে তারপর আরও বা সব শোনা-

ভিজ, চারপাশের পাডাগোরে সেহ প্ৰিবীর খাটিনটি জিনিসে কড কব রহস্য, কি মজার মজার ব্যাপার রয়ে গেছে —আমি তোওকে মনে মনে DIFIE मान्धेत्रमनाहरपत्र रहरत व्यक्तक यष्ट. মহৎ অনেক শবিমান হলে ভাষতে শ্রে করেছিকাম, প্রতিতি পদক্ষেপে স্বোকটি জানিরে পিচ্ছিল বে. প্রথিবীক্তে মোটামটো দ, জাতেরই মান্য আছে—এক জাতের

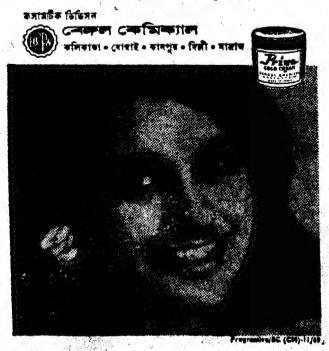
দীপালি স্থান দেখছে—সমূদ্র কত দ্রো গীতা স্থান দেখছে— সমান্ত কত কাছে! কিন্তু সমান্ত? তার চোখে কিসের স্বংন? এর উত্তর দেবে

অজিত গাল্লীর নতুন স্ভি

কলিকাতা প্ৰতকালয়। ৩. শ্যামাচরণ দে স্থাটি/কলি-১২

कार्य नहीर कल वा प्रावाय वाहता बंगस (प्रशास बहुता कंग्र कंग्र আপনার ত্বক ক্লক্ষ, বিষর্গ দেখার। জিল্লা ক্লোক্ষ ক্লীম সেই গড়ীরে চুকে बुरलामक्ता भविकास क'रत खानतात एरकत ठाइन्छ, लाबना, कम्मीस्छ। अकृत ताथ । जाहे (ताक तात काठ बावात कार्य किया का का की ब आथत । जनात किंठे (मशावत जानतात एक (कारतत छात्रा कुरवत प्रतह केन्द्रल नावगामह !

# অ্রিম কোন্ড ক্রীম



मान्य रण स्मारक अवर अन्त्रकारकत बाग्र्य राक्त रेडिशास्त्रम् कानानाथवाद्। जावि কোন জাতের, ভা জানতে চাইলে নিৰ্বাভ নে জবাব দিত, ভূমি এখনও খুব ছোট তো-**डारे रहामात्र मानद्व यना ठिक रूख ना।** 

स्य लाजमान क्ला स्कामाम कि? আলে অনেকগ্ৰেলা দিন ভাৰতে হয়েছে তিকতাক প্রপরস্পরা গোছাটনার চেন্টা করতে হরেছে; কিন্তু লিখতে গিয়েট সর ष्यामात वर्ष मार्नाक्षा, अदे शक्तार विचरार প্রাপর সমস্পার ও সরক্তা আমি হারিবে रक्नारक यत्नीकः।

এর কারণ কিন্তু একটাই। ন্মতি ভীষণ দুশ্মন। কর্তি বড় স্বাক্তর। ক্ষতি কলছ প্রিয়। वमदमकाकी विकिशाह কটুভাৰী। তাকে আমি বলব রোগা হাতিসার রোরাওঠা নেডিকরা ব আমার কত কিছু নিয়ে আগতে বসে আছে এশপের গলেশর দি ডগ ইন দি ম্যানজার— নিজেও খাবে না. আমায়ও খেতে দেবে না।

বারান্দার উঠতে গিরে দেদিন আমি ভড়কে গিরেছিলাম। সচরাচর এই গড়নের বা চেহারার কোনও লোককে এত থাতির পেতে দেখিনি। ওকে দম্ভরমত একটা মোডা दम्बक्षा इंद्याद्व ! अकरे, बहुत्म दमार इत्र । আমার দাদ, মুসলিম সমাজের এক ধর্মগরে। ইসলামধরে বদিও বা জাতি-বৰ্ণভেদ নেই, সব মুসলমানই মান্য হিসেবে সমান, বাদশাহের পাশের আসনে পথের ভিষিত্রীও বসার অধিকার পার-অনুশাসনের সংগা প্রথার কিম্তু ফারাক আছে অসামানা। কালগানে সব ধর্মের গত ইসলামের একলা হাজার বছর পরে প্রথাকে ৰ্ব বড় করে দেখা হাছিল। ফলে অভিচাত নিভাজত মান্ত্রা চিহ্নিত হতে থাকল **शृथक शृथक हिट्छ।** आमारमन वरणधाना অভিজাত। যার দর্ম আমারও পাড়াগে'য়ে সমাজে লোকেরা খ্ব সন্মান দেখাত। বিশেষত আমার দাদ, ধর্মগারে, মৌলানা। আর ব্যাখ্যার দরকার ছবে কি ? ভা হলে ट्या शक्यों चाद स्मथा इस्त कर्क ना!

..... অথচ আমরা ছিলাম, লডিা বলতে কী, ভীষণ গরাীব পরিবার। **ষ**তদরে জানতাম, এই গরীৰ খাকার প্রকৃত কারণ व्यामात मान्त व्याहतम। विष्ट् रेशङ्क ভুসম্পত্তি তার ছিল। কিম্তু একে ব্যাবর **চরিত্র (দাদ, বলভেন, আমরা এ**লেছি প্রক্রের খোর,সান থেকে), তার ভবিণ क्षिम्ख्याद्वी कदर का काल्यक। एवेन वर्षा केवत बारबाह क्रक नियानीक व्यक्त मात्रा बान । जान त रवान कथन भएनक । करन, भिरकद वर्षे निरक्षरे भद्रक निरह्मित्तन किनि। धरे नन्याः स्माति की कात्राम कावारका। करत-क्रिया। प्रापं, कामभन रहा केंद्रणन कामना

উপন্যাসের সেই বালনাত্ শাত্রিস্থানের হত-বে রাতের পর রাভ বিরে করে আরু প্রতি श्रद्धार कारक इकत करत स्मर्क नामी ক্রতির প্রতি ক্লোধশরবাশ হয়ে। না. অতটা जन्छव हिल मा माम्यूब भटका कार्यन छिलि दातगार तन कवर रमणे विक देशस्त्रक वास्त्र । अपूर्णाम समामद्रक अक्ट नद्रका छात्रदर्ध वंधे बादा बाब। मानः डाक्टेड विच्नद्व मन्दान দটো একবার এবং পরি:শবে মাত এক-कारको विस्त करविष्टलन । अहे रमा दहें। हाक मक्र वह विस्कृत्ये स्वारण शासा शिरश-हिता (नकाल नामाना स्टब्स्मादिवर स्वाध ছিল না ভালো, অতি সহজে মান্য গ্রম গরে শুরে পড়ত জার ঠাশ্ডা হয়ে। বেত। জন্মৰ ঠাৰুমা দাদতে শেষ ৰউ। থাৰ খাটি-্রি লক্ষ্য করার মত ক্যান্তা ছেলেবেলার ন থাকলে অনি তো জানতেই পারতাম ন। जागत को ठाकगांकि कक निम्नवरमाँक হিন্তর মেরে—বাকে ব্রেক্তী ব্যুসেই ডাইনী बान गौरहद (नारक दकानरीमा करह १३८% ছিল! লোকের অপরাধ আমি খাজি না। সে যাগে মানাৰের সংখ্যা প্রকৃতির যোগা-যের হত বেশীই থাক না কেন, ভার: প্রকৃতিকে ভীষণ অমংগ্রেল আর রহসাময় बरम मन्त्र बहाछ। अथन, अहे ह्याहिन्द्र महत्त्र

নাকি প্রকৃতির যোগাযোগ ছিল একটা ভিন্ন রকমের। সে সাধারণত রাহিচারিণী ছল-গভার বাতে ক্রবালাডে ভাতে চাপ-হটিতে. গ চপালা-পাৰি-জনত -লানেয়াব-পোকামাকাড়ের সংখ্যা ফিস্ফিসিয়ে কথা বসতে লক্ষ করা গেছে। কেউ দেখেছে সে মাথার ব্যক্তি নিষ্ণে অন্ধকার ফাকা মঠে পিছা হোটে অথাং পিছোতে পিছোতে কোপায় ট্রাণ্ড হরে যায়। সে ছিল বিধবা-তাদের জাতে সাঙা বা প্রার্থবারের প্রথা ছিল। কিন্তু সে আৰু পরেৰ বাচেনি। धकरी गारेगत. गरते हागम करतकरी होन-ম্রণি (ম্রণিও সে-জাতের মান্য প্রত) আর উঠতের সর্বান্তর হাচা কি ব-চারটে ফলমাকাতের গাছ নিয়ে ভিক ভার সংসার t হা একট ভাহাক পাণির বাচা একবার বশিবনে কৃতিয়ে পেরেছিল সে। বড় মায়ার তাৰে প্রেমভিন : পাশার গারের হাট থেকে থাঁচা কিছে একেছিল। ভাহাকটা বেল বড় হল একদিন গভার রতে নিশ্চয় সে **एकर-न्द्**कृद्**न्द**् ... ev. ঠাতমার পাশে শাষে এইসর গলে শানতে শ্যনতে আমি দিব স্পাট দেশতে পেতাই, শ্নেতে পেতান এবং কেন কে জানে, কুব্... कृत्, कृत्, कृत् अक्को अनुमान क्रालहै নাম হক্ত, কে নিব্তি রাতে আচমকা একে আমার ব্রেকর ভিত্তর আছেল গলিকে কলজের খোঁচা গিছে এবং...না নাঃ কলালা নর, ভীষণ কাতৃত্তু পেরে হিছি করে বেবল হাসছি। ঠকুমা বলকেন, ভূই হাসছিল খোকা, কেন রে? ...এখন ব্রি, সে ছিল ঠাকুমার গ্রুখের গলপ। কারণ, আমার হাসি গেখে ঠকুমা একট লীক্ত্বাস, কেলে প্রে, বস্তুজন, ব্রেমা। রাভ হরেছে।

ভারণর কী কেন একটা ঘটোছল। সেই গাঁরের কোন বছবাৰ, না ছোটবার্ত্তর ছেলের রঙ ছিল করের মন্ত সাধা। একটা লাউ বেচতে পিরে রহসামরী যুবতাটি আরু লোভ সংবরণ করতে গার্হনি। ইঠোনে হলোর বেলতে বসা খোকাচিকে কোকে ভলে বলে-ছিল, আহা হা, মনিক সেনো ছোৰ লিকে काराज मन त्नरे तह। कुरे कि बारगान रथनाराह धन ? एहे धार्कीय कि ना बाब-মশারের শাটপালকের শোভা সম্পার দিকে मामा (शाकाबावारी) रहार गील राज **ब**्रासाल रगाउँ असद बात भएक कम् साब कथा। বাংলা দেশের সেই সমর্টা জলপাডাগাঁরে या अधना ना हिल। छात्रिका नात् क्रिकिन কেশাৰ ব্যৱস্থানপড়ের নিষ্কার্যন্তি আস্তানা গেড়েছন! অহত ব্ৰছটিকৈ উলার

# (MA)

## শারদীয় ১৩৭৬

॥ মহালয়ার আগেই প্রকাশিত হবে ॥

বিশেষ আকৰণ: ব্ৰীন্দুনাথের প্ৰথম হিন্দী বঙ্তা ৰক্ষ নাটক:

প্নমিলন: ব্ছদেব বস্

र छ छ भ ना म :

রাজা বদল : বিমল মিত্র

অনেক দ্র : শংকর

নিশীপ ফেরি: বরেন গজেলাধ্যায়

क्षा है के श ना श :

भाग्य : नमरतम वन्

वित्नव सक्ताः

শব্দছক: সত্যজিৎ রায়

नाम : 'हा ब्रं हो का



এ হাড়াও বিখছেনঃ

অক্তি দত্ত . অমদাশ কর রার অমিয় চকুবতী अमीय मान क्याणितम् नमी पिट्नम माज नातायुग भएकाभाषाय नीरमञ्जाध চক্রবর্তী প্রতিভাবস, প্রস্থনাথ বিশী বনফুল বিমল কর বিষ্ণু म अभाभन क्षित्री गाँक क्छी-প্রাায় শরংকুমার মুখোপার্যায় গঙ্গোপাধায়ে সুভাষ ब, ध्याशायाय স্শীল রায় সৈয়দ মুজতবা আলী হরপ্রসাদ ध्यः वात्र ख

े स्त्रीम भि सारकः भौड है या

কর্মার ক্রিটা ক্রেটিয়াট ব্রুটার স্পান্সাধিক সাপ্যান বার্টি বিজেপিন ব্রাহ্যা হল চাক্রেক ক্রা ক্রিটো করে পারে, রাপ্যান সকল নক্ষ এক ছিলা, ব্রুটার প্রতি, লাম্পটোর সকলে করে এবং অ দেবা একটা ক্রা নিশ্চর করা ক্রেটিয়া বালীপকে ব্রুটাটি ফাট মাজন ক্রিটার প্রতি ক্রিটার করে ব্রুটাটি হালতে হালতে প্রেটারিক ধরে বার— ব্রুটাটি বলল কি জানেনা নকল,

ধরাবক র কোলানা আনার ইজানালারে আনার ইলভার করে দাজিত করেনে এবং বলি করেনে অনালাকদ্শ তে কটেই আনার দাব্র চাক্ নিশ্চাই ছালাবড়া হরে লাক্ষা

এখন ব্রি এ ছাড়া কোন উপায় ছিল না ঠাকমার। ভারপার জার কী। নতুন বউ সংখ্যা নিরে সদলবলে জাকিরে বাড়ি কিরলেন নার্। কুন্রে হল কুলন্ম। ন্না কৰ কৰে উঠাৰ একাৰনে। বানেও উঠান পড়াৰ বাৰ্ডানাটির কোননে। চাপাগাছে চাপা কুটাৰা শিক্তীৰ বাবে শিক্তীল।

कवाक बटन, विरुद्ध बाँछ प्रजन्मात्त्व शिखा मुद्धि स्थारन अक इस रम्पणनव वांशाक्री कल्पना कर्मन । नाम्य साध्या द.िक्को बाकाबर्धिक म्यून्स्य दरह छैठेता। উঠোনে কলেকলে গাছ, ঝকখনে বাছামাটিব जनन नवस्ता। एकाम धूनि शा गणान नाह । माठ शक्रमाव काथ अकाश ना। सक मरक वाजनदकाजन, क्रिक्शंघ तक्ष्यां तारक गारव कर्तात शन्ध मांकरण मांकरण या माता बाह्र। उत्व ब्राप्त व वााशास्त्र-वर्ग, अक्टात ট্রেনিভের দরকার ছিল। মাস্থানেক থেকে গোলেন দলের বেন। নন্দ যার করে গোখালেন শোলাও-কোর্মা-কালির -কোণ্ডা কাবার গুরুর কারণ দাদ্র ভে জনবিলাদের কোন মত্র ছিল না, ভাছাড়া শেখালেন আবরী ফ্রফী কেতাৰ পড়তে, শেখালেন কোৱাৰ পাঠ এবং ন্দাক ইতাদি অবশাপ্তনায় ধ্যাত্রগ বোৰালেন হাদিষ অর্থাৎ অনাশাসনের স্তাৰলী! আশ্চর ক্ষমতা হিল ঠাক্মার! किट्यमिन भरत्रहे, बचन नाम: घटन उन्हें, আকৃষ্মিক জরারী লোন লাপারে **অহাং অন্যাসকের বিধিটা ক**ি জনসভ জনো লোকে বিবিসায়েবার কাছে মতামত নিতে আসে !

জার একটা কথা ভাষতে আনক লগে।
নান্ত্ৰ ব্যাস তথন বাং ল কি পণ্ডল সাল্যনার
ব্যাস বঁড়জোর তেইশা কি পণ্ডল সাল্যনার
নালপতা প্রেমের ব্যাস কি আস্থান ভালান না
ব্রিল না। তাঁলা কি আস্থান ভালান না
সক্ষেপ্র বৈলা ব্যাস্থান। এই না বছল বহল
কথি যতে স্মৃতিল থালাল হালান সাল্যনা
করি, কোননিন কোন দ্রুপাতা কলার লগেই
আসপা ভাতে দেখি না। খাবই নিনাতি নম্ম
জাতরণ ছিল তাঁলা। শিকাবাড়ি স্থান শেষ
বান্ধ্রালা ঠাবান হেতাকে সক্র সাল্যনি
ভার পান্তোল ঠাবান হেতাকে সক্র সাল্যনি
ভার পান্তোল ক্রম্ম হতাত উনি কাগের লিকার
ভাবিনের ভারাল বক্ষাতে চ্না, ক্রমিই আন ন
বিবেতা।

#### \*

ঠাকমা মরে বাবার পর দাদ্র একরকম বাড়ি আসা হেড়েই সিয়েছিলেন। পরের। একটি বছর জার তাঁর দেখা নেই। তবে মাঝে মাঝে তাঁর মুরীদ অর্থাৎ শিবারাড়ি থেকে লোক আসত এক কলসী গড়ে কিংবা কারক সের ছেলেকমুস্মারি কি গ্রেটা নারকোল নিরে। মা দাদ্রর এপর খংপা ছিলা করেন, মানুর করের আরম আর পাইনে। বাবা দাদ্রর মত মোলানা না হরে নিজের চেলার স্কুলে পড়েছিলেন। এনটাসস্পান করে জিনি বিবেশে চাকটি করেন।



# भारमंवा

अथव वाष्टात अर्थ अरे চমएकात बजूब कर्मुलात धारेश अग्राष्टात विब



29 BIB >090

ज्ञारम-जारम रव कीका ज्यादित का विस्ता काजारमञ्ज रकामजकरम क्षेत्रक काज क

সেই এক বছরে করেকবার বাব, আরার দেখতে চেরেছেল—য়া স্থানিতে নাবারি হলনি । আনার এক ইছে করত বেছে। বিশেষ করে নার্ম বাবার করে মানেকার আরারিক না। নার্ম বরের হাল থেকে টাঙানো নিকেগ্রেলাতে ক্লা এনামেনের হাড়ি লক্ষ্ক করে ক্লামে ক্লামে। একসমর হাড়িগ্রেলা কোন না কোন স্থান্যে প্রা থেকেছে। দাদ্ ভীষণ তেজনবিলাসী ছিলেন কি না।

সেনিন শক্ষা থেকে কিন্তা, লোকটাকে লেখ আমার খাব খালী ইওরা উচিত ছিল —কেন না, এতে করে নিশ্চর কোন গড়ে নারকোল কিংবা সংগ্র উপাহার জালা করে। কিন্তু খালী ইওলাকে চেপে ফরেছিল বিসময়। লোকটি মোজাল করার উপাহার মর—এবং মা কালতে প্রজ্ঞার আফ্রালে! কা ঘটাছ?

জামি এগিরে বেতেই মা স্থামার দ্র্ হাতে ব্যুক ধরল। ভারণর চাগা স্থারে বলল, খোকা, তোমার দাদ্য মারা গেছেন।

মারা গোজন! সভি বলতে কী. মারা যাওয়, স্পুল্বা তথন এক অস্তৃত ধারণা ভাষি পোষণ করি। আমার বরাবরই বিশ্বাস্তিল বেহেডু আমার, মোলানা এবং কুল-গালালের অব—আমারেল করেরই মালা মারার উপত্তে কেনা বারা দারা মারার মানার ও ঠাকুমা ছাড়া প্রনিরার স্বারের আমারা আমারা আমারার মানার। ওরা সংগারণ, আমারা আমারারণ। তা না বালা করাই বা লোকে আমার মত ক্রেন লোকতিকেও এত ভিন্তাম্থা করে! কাজেই আমারা অবশাই বেচে থাকব। ঠাকুমাকে মারত গেখেও এ বিশ্বাস ছোচেনি। কারণ, ঠাকুমা তা হিন্দু ছিলেন।

মারের কথাটা গানে তাই আমি তাজিলা প্রকাশ করে বলে উঠলাম, বঙ্গা কে বলেছে? মা বললা, এই লোকটি ধরর এনেছে। অস্ফাট চেটিছে বলাম, ও মিখোবাদী। বলার সমল লোকটিল দিকে আড়চোখে তাকিয়েছিলাম। দেখি, সে বেন হাসবার চেণ্টা করল—মাখাটা দোলাল—তারপর আফ-কেসে জিতে চুকচুক গাল করলা মাচ।

মা আমার মাথে হাত চাপা হিরে
বগল, চুপা, চুপা। বলতে নেই। খোলা,
তোমার নারা, সাঁতা মারা গোছেন। তোমার
বাবার এবিকে কোন খবর পাছিনে—মাসের
গোড়ার মানিকাড়ার একে ছ—তাতে কুপান
কাপ একটাখানি চিঠি ছিল। কী হল, কিছা
ব্যুক্ত পারছিনে—তার ভপর এই বিপান।...
মাকে চুপ ক্রতে গেখে আমি বললাম,

॥ तहेका॥ वाप्त भवकार ॥ व्हाछे छेल्लाम ॥ N as short व्रक्षणग्रह क्रिगुल्किं सर्वक्र निर्धा के अध्या प्राची अकियामिक दकता, क्विका थेवः ध्यानमामना NAIR MISE BE BISOLN

मान रण गाइ**एँ** क्रम्बर्ग्यम स्ट्राहरू

नहें साहेरे

॥ পৰ্বত অভিযান কহিনী ॥

त्र गामग्र त्र भकुष्ठ

বীরেন্দ্রনাথ সরকার ॥ ৩-৫০

नम्मकाग्ड नम्माघ, ग्रि

গৌরকিশোর ছোৰ ।। ৫-০০

अভाद्यच्छे छादम्बरी

স্থাংশ,কুমার দাস ॥ ৯ 00

কাওনজংঘার পথে

বিশ্বদেব বিশ্বাস ॥ ৫٠০০



আন্দদ পাৰ্বজন্ম প্ৰাঃ বিঃ অফিস: ৫ চিন্তামনি বাব ফোন ৷ কলিছ ৯ বিক্তম-কেন্দ্ৰ : ৬৭এ মহোৱা গাছী মোজ ফোন ৩৪-৮২৪৭ THE RESERVE OF THE PARTY OF

THE PARTY WAS PERSONAL PARTY TO THE PARTY WAS PERSONAL PROPERTY OF THE PARTY OF THE

द्धी सामि नार्ड स्ता स्विधिता मा । स्व व्यानिक श्रीक प्राप्त ताचे श्रीक्ता स्तान रही देश चरत क्षत्र साम स्विपता स् पाल क रहास्त्राह स्वत रहास्त्राह स्वा कार्य सामा इस्ट्रें पाल होत्र सम्प्रीकारण प्राप्त सामा इस्ट्रें पाल होत्र स्वक्रीकारण वार्य, स्व निराह स्ववद्दर स्वा गढ़ाय-देश स्वा सामाक्रम रही बार्ड स्वक्रीन को हिए। नाहिएक रही बार्ड स्वक्रीन को हिए।

্থাব্যর ক্রাকেটা জার্থন উন্ন্যুক্ত হার্থ খ্রাল। আপনার মাদ্দেশন্তব হারার সময় জাপনাকে দেখাতে চেরেছিলন। জার তেনার ইচ্ছে ছিলা, শ্রম্ আপনা তেনার কবনে এই ক্রিটের চাটি মাটি দিয়ে জাপেন।

না বহুকের হেলে আমি। সামার,
ভারেনি প্রাটার অবাক হবার ছিল না।
পাড়ার বিনির ভাগ নান্তই আমার অপনি
ব্যক্তি কিছু এই লোকটির ক্যাগ্রেলা পানে
আমি ক্রাক হবান। স্থায়ত কছ থেকে সারে
পরজার পাশে এলৈ দড়িলাম। বললাম
নাগ্র ইছে।

**লী হাঁ**ৰ লোকটি সসন্তাম নাহটা নাম ল। নিজের পারের দিকে ভাকিরে বলল, হাজার সাহেব ইক্তের কথাটা আঞ্চ ভোর-বেলার জানিরেছিলেন। তখনই আসা উচিত ছিল। কিবছু খেলার ইছে। বড় আফলেল - वामान व्यक्तितः सत्रती काक हिन। ভাবলাম ामण १९१म रिकट द दि किस শুড়ব । बारा छ। (सामान 2:304-225 कामात टकरडत काक न्याबाआधि इरहरू খবর গোলা উনি মারা প্রেছেন। জামার रंगानंद रस रंगल, की कबर !

লোকটা কপালে করাখাত করাত থাকল।
তাংলে অমার এক্নি গুর সাংগা বেতে
ইবে সংগা কিছু, মাটি নিরে। দান্র কযার
দিতে ইবে। তা না হলে নাকি দাদ্র আত্মা
লাগিত পাবে না! মা সারা গালে ভালোমত
কাপড় অভিনে আকটার পাল দিরে
বেরোল। উঠোনের প্রশালে রালাহর। তার
ল গোরা একটা ছোট্ট হরে লাল্ল, থাকতেন।
একটা কটোরি দিরে খানিক মেনের মাটি
ছুলে অভিনে রাজল মা। তারপর বলল,
থাকা, তাক থেকে এই পাটিরাটা নামা।

পার্টিরার ঠাকমার কিছু কাপড় চাপড় ছিল। একটা প্রিক্তার ক্রের রেগ্মেট পাড়ি - টকুম বলকেন, এর নাম মর্বকঠো পাড়ি, ওবি বিরের উপহার—আমার চোধের সামনে where the basis plant of the proparty of the basis of the country of the crack of the basis of the property of the all country of the crack of the proty are their about the pro-

या ज्याम कालकः ए किन्द्र माहिक्त्रा क बर्गत रम्भिक स्थान स्थान छात्र क्ष्मण प्रकृत कर्मक स्थान स्थान माहि क्ष्मण प्रकृत क्षित्र माहित्य स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान स्थान क्षित्र स्थान स्थान

मा किंग्डिकारच तका दबरेंग हित देपान काथाव में केटक कीहन

তিক এতক্ষণ জানার ক্ষণটা প্র হল।

नमत्ते किन कर्यान नवरकान । नर्य वात्मक काळे दर्गावरक किल्क बाह्मकता जारिस-সে<sup>\*</sup>তে অলেপ্তে আমরা যাত্র। শুর**ু** করেলাম। আকালটা ভিল খন উল্ভান্ত নাল অব व चित्राहा । : तकतान आरक्षेत्र तमान अगारक ब्जन बटक्त कुलामा हुनमा केलिका वांभारम সূত্র ক্লেখ আফলা কেনাকান চলচি। ৰাতাস বইছে শনশন করে। পাৰেব জাতো चामाक दरक बादवाद-बार्म (कामा ক্ষেপাৰ কালা জাম আছে। হাটাৰ নাচিটা হাসের ফালে কুটকুট ভবছে। বারবার হাত ব্যক্তির আক্তার গারে ধানের গোড়ার ক্ষেত্রের कराना क्या जन्म कर्नाका সেই চন্ধকার প্রত্তি অঞ্জ পোক আর কালে মাছ ছোটাছানি করছে। কোথাও বা খানকে শাক্ত ব্যাড়িয়ে ঘাসের ভগা স্পর্শ করছে।

মাথে মাথে এইসর দেখবার জনে লাড়াতেই পিছন থেকে লোকটা তাড়া নিচ্চিত্র, জলারি চলা্ম, জালারি। অনেকটা লার যেতে জারে।

কত বড় মাঠটা ওলে, হতে হতে বেখানে পিছিলাম সেথানে শাধ্য কল কর জল। ধানের ক্ষেত্র থেকে বেরোতেই সামানে হঠত বিশাল উল্লেখন উত্তরণ কল—প্রত্তে হার থমকে দাঁভিরেছি সংখ্যা সংখ্যা। পারের কারে তেওঁরে কেনা আর খড়কুটো দলেছে। কলকল ছলাছল আনে দুনকারী, ধ্রনিপাজের কাছে নিজের কঠেনর খ্রেই অসহায় জাব অবন ঠেকল। বলাছিলাম, আমরা কোবার?

পালে এসে দক্তিরেছিল লোকটা।
আমর ভয়তে কঠেম্বর শানে সে তার বড়বড়
বল্নে দতি খালে হাছা করে হাসল। বলল,
ভর কাপছে? পানি পেরোতে হবে না।
আমরা এবার বিলের ধারে ধারে হাবে।

বিনা কাশকুশে ছেন্টবড় বোপের পাল দিনে উচু পগারে আলর। বিলটার সমাস্তরাকে কিছ, দ্র ছে'টে গোলাম। কটি ঝোপে স্ক্রর স্কুলর প্রজাপতি উড়ছিল। ক্রেকবার হাত বাড়ালাম তাদের ধরব র জনা। একবার শ্যু সামানা একটার জনো হাত, ক্সকে পালাল একটা। পরে দেখি CANCIA-AN PROPERTY AND

शिक्ः

८थ८क

वलिष्ट

[शाम मण ठाका]

क्रे रमधरकव

ताका **जात** त्नरे

মন্ত্ৰী পত্ৰ

वार्ड जेका

রাজনীতির দাবাবেখনা

इस डोका

উপোক্ষত বসন্ত

शौठ होका

ভূগি-ক্ষর ১, ক্লেছ রো, ক্ষকভা-১ ক্ষেত্র : ১৪-৮১।

क्रकरम ग्टंब चामरमाटक जामान मायांत मानाव्यक कार्या अल्ड के होता अवेगर रणाकामाकक शकानीक नाक्कीक नाम-কৰিব সাপ কৰে জলেও হানিবাহ ক্তকৰ আমাৰ হোটে ट्याटक करने ? दकानावा मिटक नारक कार्यक ?. श्यम स्वीतन्त्राटम सास्ट्रहाटर निषदम समा वानीयमाम। गुरु हान्यत नाविकास वर बार्वका दाकावता संबद्ध ना महाहा-विकित र्वाकाकाता त्याचे। क्टबक्के। चाष्ट्रम ! अहे भागाणी मात्राक्षीयन कर्णानम भएक वार्मान সৰ বিভিন্ন দুখাত পথ ছে'টেছে এবং जामांबर कि जर्मन करत होतार कार छा? चात्र चाण्डम, बाहे शक्ष बाहे निविद्य मुनिता সল্পকে এর বিশ্বমার জীতি নেই বিশ্বর নেই, আশ্চর্বরক্ষ নির্বিকার সেঃ চোধ-দুটোর শেষবেলার লালচে রোন প্রতিফলিত राक् कर (भारक धामन्त्र केका, गांता प्राम न्दित करे त्यामः मृष्टिक मित्रक् वीविदत्र-व्यक्ष रत्र ठिक्दे शा दक्कार व्यक्ति हेर्नाह । रगरब निषय करामाय, वी भारम करनद निरक আৰু ডাকাব না।

ভ্ৰমণ পথ সামনে উচ্চতে উঠে গেল। একটা পৱেই দেখি—নদী।

নদাঁ! নদাঁ সেই বহনে বাবু তিনেক মাত্র লেকেছি। আমাদের গাঁরের পালে কোন নদাঁ নেই। পিলার বাড়ির পালে নদাঁ দেকেছি। সেই নদাঁটাই তিনবার মাত। তার-পর নদাঁর কথা ভূগোলে পড়েছি। সেই নদাঁ দেরোতে হবে যে।

একটা জোড়বাঁবা তালডেঙার মাঝি আমাদের পার করে দিল। এপারে গিরের প্রসা চাইলে লোকটি আমার পরিচর দিল সবিশেব। দান্র মৃত্যুস্বোদ জানাল। দুনে মাঝি বিভাবিত করে কী বলতে বলতে ডেঙাটা ঠেলে দিল। ব্যু জ্বাক লাগল। আম দের চলার কেউ কোন বাধা বিজে না বেনা স্বাই পথ মুক্ত রাখিতে সাহাব্য করতে।

বেলা শেষ। আবছায়া বন করে ভূগেছে বিশ্বত নালাভ সুয়াখা—খানের ক্ষেত্র, গ ছ-পালার, গ্রামের এপর—সবখানে। বেন খ্ব মু করে কুরাখা দিরে তেকে দেওয়া হকে দুনিরাটাকে। কেন? খ্বিনাটি ককা করার 788 3787 380175 88



वृक्ष्यव वश्व

আকাদেমি পরেস্কার প্রাক্ত যাত্র

তপদ্ৰী ও

তপ্ৰবী ও ভ্ৰমিনী একটি চার অক্ষের দুশাকার। এক অপুদাবিদ্ধ তব্য ভবিক্ষার এবং শ্বাব্পতিয়া পর্ম কল্মেডা এক বারাজনার প্রাবেছা একটি প্রশাকারিদাকৈ শ্বামাধনা কবি ব্রবেশ্ব বস্তু লাটকে এক অসামানা নিশ্বপুল লাল কল্মেন। লোকে, ভারই প্রভাবে দুশামান্ত, ঘান্ত, ঘান্ত, বান্ত, ব

नाम ०.००

এই লেখকের জন্যান্য কই
 কলকাতার ইলেক্টা ও

সত্যসন্ধ ৫-০০

গোলাপ কেন কালো ৫٠০০

তুমি কেমন আছো. ৬.০০ পাতাল থেকে আলাপ ৫.০০



আনন্দ পাৰ্বালশাস প্ৰায় জিঃ অফস: ৫ চিকাদৰি বাস জেন ৷ কলিঃ ৯ বিচন-কেন্দ্ৰ: ৬৭৩ সহাৰা বাজী রোভ ফোন ৩৪-৮২৪৭ ENTERNI DE RICH ACRIS: BIS AST LO BRANCATION DES SERVI CHAPE COLUMN SERVI CHAPITAL DE COLUMN APRIL (SERVI ESTA ESTA L'INDE COLUMN COLUMN SERVI COLUMN SERVI COLUMN COLUMN SERVI CHAPITAL DES SERVI COLUMN COLUMN SERVI CHAPITAL DES SERVI COLUMN COLUMN SERVI CHAPITAL DES SERVI COLUMN COLUMN SERVI CHAPITAL DE COLUMN SERVI COLUMN COLUMN SERVI COLUMN SERVI COLUMN SERVI COLUMN SERVICIO COLUMN SERVI COLUMN SERVI COLUMN SERVICIO COLUMN SERVICIO COLUMN SERVI COLUMN SERVICIO COLUMN SERVICIO

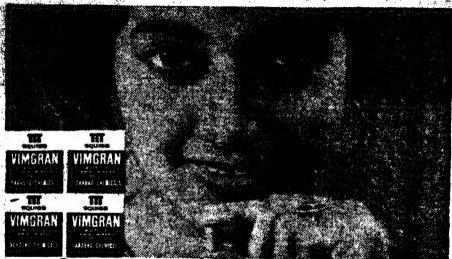
त्व करत्वत्र महित्र हानून काका क्रांत्रका कर्मात्र सामान कान्य आकार्यो महित्र कामान कामि त्यर काम्यका छत्व त्यर बन्दर प्रोक्षात्मा कामान कामान त्या हान कार्यक्षम महान काम्य काम्य त्या हान्य मुख्यम महान काम्य काम्य केन्द्रस्य त्या काम्य कि, कार्यन काम्यक महित्र केन्द्रस्य त्या क्रांत्रस्य कार्यन काम्य

SCHOOL SOUR CHANGE; SCHOOL STATE OF THE CALL STA

মুক্তর কো ক্রিকেন্ট। কবরের নাচে পোকারাকড় আর প্রকাশতিকের তিন ৪৪-দেরকারা বিভাবিক করে গোলালা কি বরংগুল বার্ত ব্যালিকে কেন্দ্র পান্ধান

## विष्टेवित ३ शतिक भएश्यं जाभवात भतिवाद्यतः अक्टबत शास्त्रात स्वा अकान्र शस्त्राक्रवीय

ठेंडा कि का चरचडे महिसाए भारतक है



## নৃত্ৰ ! তিমুপ্তাৰ গৰিবিৰ ভিটামিন ও

ভিটালিন ও বনিজ পালাবেঁর জড়াব আগনার পরিবারের একলের বাজ্যের পতি করতে পারে। অবনার, মহি, প্রালোপ, আয়ালানি, চর্মনায় ও বাজের বছল—এনব-নাবারণকা ভিটানিক ও বনিক পরার্বের অভাব ব্যবেকী করি।

व्यानमात अतिवादन आछादनहे बादक चीदनम

অভ্যোজনের অসুণাতে এইসব একার মান্তারসীর পুট্টভারত পথার্থ বিশিক্তাবে পেতে পারেব, সেইজরেই অসত কেন্দু বিশ ভিস্মজ্ঞান — মুইবের বিধিং বিটায়িন ও অনির পথার্মিক টার্থনট—প্রতিধিন একটি ভারে। এই বায়াকত অভ্যানটি আরু অতেই ব্যাক করে বিধ বা কেন্দু

**डियग्रात** 

अक्रियात किमश्राटम जानमादक मानामिन कर्य काना

W CONTRACT

SARABHAI ONENIGALS

Chipm South some orth setting one which was to see to see to setting the see to see the section of the section

5 http:// 254 Bet

WHEN THE PERSON NAMED IN वाणि नीता, बार बोर्डिक बारी गण्या fasan was L

THE RELEASE OF THE PERSON NAMED IN

(MIN) SIN SINGS SON SECOND SINGS बीगात निका स्थान, काका देव, कानावी कुन विद्यालाय । बान, सहस्य निकालक कानाया स्था THE WIGHT I THE WIND WHAT SHATTERS THESE मान क्याता जारा हो. के देखा

टक क्षेट्र (माक्केर) कार्क्स्ट्रव**्या**मान ात राज दांस साम पात साथ साथ तो प्रसादित है।साल नाम स्वाद साथ िमासिट्य केंद्रेट्ड । जान्या: जान्या का टक्ट्या क हरिक्न जावनात जाएक जाएक इनाम शीव वाजित मिन। शहन्त्र कांकृति कांक्काम। ৰ একটা সভিচ্ছাত্ৰ ৰোডাত্ৰ মন্ত লোডভে গরে করেছে। বতদরে পথ আমরা এলেছি, সবাই আমানের সম্প্রতে পথ ছেড়ে সিরেছে —সতে গেছে। এবার আরও প্রভে দ, পাবে সতে যেতে খাকল—কেন জীবজনটো শব र्भातन्कात करत निम धारकबाहर ।

তারণর অধ্বার রাজের মার কুরাশা পর গ্রাম পেরিরে কড দরে দরেল্ডর পাড়ি দিরে ও এগিরে বা**জিল একটা ক্ষরের উপেলো**। ক্রম সব একাকার হলে বাচ্ছিল। দুশাহীন काला सूनिकास रक्षण किस्कास कर्राहरू কিছ, পেটা, কডিগার পেরাল আর হাজার नक स्काधि मर्थ्य होत्र स्त्राकामाकरपुरा। বিহ,কৰ পারেই মাধার ওপর নক্ষচময় ज्ञानाकील ए.क शाना छथन द्वार अवशे जन्मकाम ग्रहात शर्मण क्यमाम जामता। वामि देशनद-दशकाटमा वावमाम अक्छा दवाजात গলা অভিনে সেটে রইলাম। এক হাতে ठाकमात देशमधी नाफ्रित है,कटतात वांका नान्द ভিট্টের কিছে আটি লাতি লাত করে সারা জীবনার সমস্তামে দু পালে সরে-সরে বেডে वास्त्रा ।

्रिताबात्र भटण्यात् अमादमहे त्याव । कर्म कि दकान शक्तिमान बादन-धन्नम प्रेंक नीव द्यारमक नाव द्यान द्यार श्रीकर जन्दे के त्यानन क्रीक्यिनिय में प्रदर्श वा मत्य किस्ता शासकाम देवच विकास करता टकटण থাকে, তার মানে-জাপনি ক্রিয় মাটির ওপর गोंक्स, बरन में गुरस (बर्क्क क्रिकेस रनहें व्यक्ति वास एक्ट्र निकास श्रीम मां-प्राथात द्रात समारक दलके समा।

किया मार्क रहा सा कुरन थानि-नान्द्रदेशक फिटफ या निवसारका अध्या-किरवा কাৰে ৰাশ্ভতার দায়িত্ব পাল্তন আন্প'বেবেৰ শাওয়াদাওয়া সামাজিকতা কড কিছতে। किन्तु वचनह अकता इटब शक्ति, न' वहत

सारमं अप नावस्तानिक राष्ट्रे चार्कसाच परिवास के।पान मा-क्साना स्थापन किरवा ungaba sam algines una airas क्षा करिं। बाह्य प्रकारत स्थापन स्थापन गामिक एक बारका चक्क निवन क्रीक-द्वान-द्रोप्तद्रांतप्र यह द्रोप्तशांत्रक। व्यक्त जातात को नीव जाती करने तथा दनका चांबदक केंद्र कार्य, कार्य रकावास इत्योच ? महात मारत । रकाशा निरंत व छता इराह व्यामात्र-बार्ट. व्यानकारत कृतानात निर्मागरत ? केंग्ला दास भट्डा, बच्चा क्षेत्र न्यांच বিদ্যালয়ে ওঠে তোমার বালা ভোষার TAPIELAS ANDIONIA! MIN DIN द्मार्डी लिप, ज्यालक्ष सद वर्गम SPECIAL SAIMS OUT AND ADDRESS. बारमा वक मीन दला बागक उसी – সাতি করে সা नारम गरेड जारक क्रीमार ENGINE TOWN SPRINGES ECH CHAIN CHAIR day have marked the freshing took CHAIL STATE STATE STATE STATE STATE STATE I feet senie or con the bren ষ্টোটা অমিকতর শত চুটো কাছে। আৰি शनका हरे की अब गाँची शांतिक मानाज।...

ण रक्षा यहा यह **छ म' बहुब महत्रहें** करिन ७ माजास नामना क्रिका केन्स्स के wife the total frittleans

(क्यारका ग्रह-म

रमोजीगक्कत छहे।हार्यं व

## मका बबानम वीकर्ष क्रेमंन्सम

4.40

कुष्ठ सारावत

নতন উপন্যাস ৬-০০

AND MARKED A-OO

শ্রীদেবেন্দ্রনাথ বিশ্বাস-এর

#### सावत कलाएन तमाराव वन्द्रव

की को जन्महर्क है-छहान चारमामिरक्षन कर कि बालिएसका एक मारकन कर দাণ্ডিনার্প পালিড, ডি এস-সি, এক আর-আই-সি, এক-এইচ-আই মহান্ত্র বলেন, "-- बनाबरम्य विकास विकास स्थाउँ ১७ छि काराप्तक वहेचारित जण्माना वाहता विकास সাহিত্যে এর প তথ্যবহুল বিস্তৃত আলোচনার বই আর প্রকাশিত হরেছে বলে মনে হয় না। রসারনের বহু জ্ঞান্তবা বিষয় অতি সংস্বর সাবেশীল ভাষার পরিবেশিত ইরেছে। द्यवन विकान निकाशीय मन् मागारव विकासन्तामी समयग्र वर्षे गुरूएक गाउँ य्ायर साम ७ वामण माछ क्वादा ।..."

বিমল মিতের

আশ্তোষ মুখোপাধ্যারের

क्य। छविछ स्रावन

सबस्य छिका FIR 4.00

সভীনাথ ভাদ,ভীর

प्रजीसाथ विक्रिजा

रिश्व अ।अ अ। शती

4M A.40

MM 2.00

354 M 4.40

भन्नश्रुष्ट हर्दिशाधारसम

#### साकाह न लिल बमार

WH G-60

कामावार

বিষ্ণ ড

ON 6.00 64 6.60

WW 0.00

হেরশ্বচন্দ্র কলেজের (সাউথ সিটি) অধ্যাপক রথীন্দ্রনাথ রারের

## | 三万||石町||田 タカ||称| (Auditing)

कलिकाना, क्यामन, केन्नवेक्या क कोशांत्रि किक्यियानस्वयं प्रकृत्य जिल्लाम कार्यासी दिन्कम इसरम्ब क्या भ्यामा ज्ञाम वहे। बाम ১०.৫०

বিমলকৃষ সরকারের

ইংবিকী সাহিত্যের ইতিবৃত্ত ও মুল্যারণ

প্रकाम ७५० ১६ विका गांगेकी गाँगे । क्लिकाल-১২

वार्टे स्टिब्ड फिन वामात मुश्यानि वाश्य (कामव ह वावशामत रहा हैंठव !

## ৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা चात्रांत काकारण विवर्ष मुख नित्त कि केवत एकर धरे वच्छेंब चिटित क्वि

नीजिल्लाय ना, अन्यक दनीत्मत मत्म नित्नत छिलादन बनाटक बरब आहे त्यारहे । किस वाकि । टक्टव कुल चाहेमा, अवन नवड स्थीलात कथा क्रांस शरह राज ! क करनहिम, राकन-धव व मिरम क्रमणाबरगाव रातिकक्रमात क পালা কৰি পেরেছে; তিক করনাম, আমিও ভাই করব !

### পরিকল্প। ৪ তার কাজ

अक मखान ब'रब रहाक ताखिरत अक्वांत नत्र, प्रवास করে পঞ্স কোন্ড জীব মাগতে লাগনাম। এখনে क्लबकान मनता ଓ (मक-काल छट्ठे लाग ।

#### দ ভাষ্নার ক্রাম লাগানেব भग्रम्हें कट्डे छेटेल क्रिश

क्रिकेशकाम मृत्य क्षीम माथनाम--- म्राथनावटगाम त्वन प्र कारण : अहे कीय ठावड़ात पूर क्लार निरंद असन नव कुक्टमा बहुमा दवन क'रत पिन, कल छ नावाम बाह नानान नामका । जुनकी श'रत किंद्रा कवनीय केन्द्रग ।

বিশেষ সম্বাটি আমার অনুধীয় হ'লে রইল---ত্নীল কৰ, আৰম্ভ ৰূখেৰ দিকে চেন্তে নাকি পতক পড়ে না ! প্ৰাৰ কোন্ড শ্ৰীম আমি গ্ৰেক গ্ৰান্ত ছবাৰ মাৰি। चाक बाक स्थायक निक्त न-धन न-मिर्स क्रमणीयरगात्र প্ৰিকলনা কাজে নাসান আপনার মুখ্যানিত হঙে ब्रिंद जान्त्रदें (कांप्रत जात नावाना जरा।



선생님 보기 보다를 하겠다면요 보니다는 마니는 하나를 하다.



**न**ञ्ज काल क्षीय — श्विवीत धर्र युवती विर्यवकाती क्षीयर कारिलिए नवाब हुन्त

होन्दिन गुरु में होन्या नारवर्षेक । बोरिक बार्क वाकिन स्वकारों कारकेक

# धार, दवन मिल्ली

শ বিষয়ি মেশবরে ইবলাম্যর বিক্তবামধ্যবংশ বিজ্ঞান কর্মান্তরে পরেই 
মধ্যবংশ বিজ্ঞান কর্মান্তরের পরেই 
মধ্যবংশ বিজ্ঞান করা হতেই, বন আফ্রম্মী
তাত্শর বিজি পেই অংশ্ট্রেক্ত ওনের
বসরস সর্বাধিক। উত্তরে চ্রানিনিচক।
গভিচ্নে হোস কর্মা। পরে রাজ ক্রেমা।
এবং দক্ষিকে ভূজানা সর্বাধ্যালয়। এই
অভিজ্ঞান সম্ভাবন্ধ্যা। ভার কেল্ট্রুক্ত
ভার্ম মস্থিক, বা ভানাম হিন্দুক্যকের
ব্যব্ধ মস্থিক। একট্র ক্ষিব্যাকর হল্পে

Lelish

কি শহুধ প্রথমতি নক্ত, কড়িগালোর নিচের তলতেও একক্ত কল। আর সেই গ্রেলর সংগ্রা মেশামিশি নদ্মির নোংরা। এখানে এখনে কাছে মদরানা। ইনকেকশানের বিন্তা অভিকৃতি। উন্তান কর্তার বদলে শ্রেনা কঠি। বেশ কিন্তু কড়িতে এখনো বেশ্যিন লাদশ।

এখনে যে কোনো সমরে বে কোনোসিনা যে কোনো হেনেনৈ এখনো প্রেয় একটি গে)-তর লাও বাওজা আছু পঞ্চাল সমসার। বেকবাপের ব্যাস কলা শংকর: ভাতে বড়-মাপের কন্যাস্থ্যকার্তি সান্ত্রতি অরে ভালার ভালা।

শংক নেক্ষ্ম করে জাপন মনে তেওঁ আওচালে তার কেনেনা প্রিন কবিতা। পরে কালের নোকাল। আওচালে নেকাল। বইনের শেকানা প্রেন তেকেনা করের মার চরি-চাট কবিকাল করে করে গড়বালার আক্রেক্ত্র ক্রেন্সা করে করেনা করে কর্ম-

গাঁৱা কৰচে কি ভাজধানীর এই গাহৰানাৰত আনার হাছে কয় নিৰটো। অজ্ঞার কৰ্মানাৰ একং বছু আন্তা তরে বেশির ভাগাই রাজধানীয় এই আভিচ্চাত্য ক্ষানাৰ অধ্যান

বৌশর আগর রাজ্যন্ত্রীয় এই আভিসাত্য স্থানিক আলক্ষ্ আন অভিন বলে এই আলক্ষেত্র বাসিসের ক্ষেত্রি বাস্থান্তর ক্ষেত্র সংসংক্ষেত্র স্থানিক আলক্ষ্ম ক্ষিত্রতা সংস্কৃত্রের ক্ষেত্রকর্ম শহর নিয়ে। সেই

মধাৰ্ণীর শাহক্ষামানন এলাকর বইরেও অল অক্ষা মমজিদ নিয়ে নিদার্থ বিক্ষোভ প্রিভূত হরে উঠেছে ভার্কানীর সমশ্ত ম্সেকামাননের মধ্যে। মসজিচ্চ-মসজিলে একজাত জ্বোচনা—তাল অক্ষা।

এনের সংখ্য জন্তেন জন্মসক্রনেরত।
সকলেই কেব্রেজনামের দিকে জনিব্রের সকলেই কেব্রেজনামের দিকে জনিব্রের সক্রেনে : সেখামে নতুন দি মইবে জন্তান এবর : কেব্রু নড়াই ?

এবটা সমন্ত ছিল করে-দুই জাগেও বখন এই প্রদেশন জবন জামের খুনতে পেড্রফ করানে শহর থেকে, বংগদল থেকে, ভাম করে থেকে। কিন্তু জাল ওয়াও বিশীতিকে ভাষত হলে করেছে ইযুদী রাষ্ট্ ইক্রেইনের দংগঠ। স্ভারং আন-জকরণ কার্মান্তকে থ্য নিগগিনি ভূগে হেত কারা বাধ্য হবে, ইউনাইটেড সেপনস-এর কান্তক সভেও।

কাৰা মানীকৰ একাক্ত বেখালৈ ভিনকে কাৰ পৰে প্ৰতিনিক্ত বেখালৈ আনুৰেৱা পানিক-পাথলৈ কেনাকে কৰে আছে—ভিন্ত পানিক-পাথলৈ কেনাকে আৰু কাৰ্য্য কৰি কেন্ত আৰু কিন্ত কাৰ্য্য কৰি কাৰ্য্য কৰিবলৈ তাৰ কৰিবলৈ, 'স্বা সকলা—নহুৰণ প্ৰতিনি আনাকেৰ শ্লিকেছিলেন কৰিবলৈ—নহুৰণ প্ৰতিনি কৰিবলৈ কৰিবলৈ ক্ৰিকেল ১১৪২-এন কলাক্ট বিশ্লাকেৰ এক নহুৰণ প্ৰতিনিক্ত

এই এখন এবর দেখলাম ওছন-ওছেন নর, ওর ন্তরেছকে। কবি একা একা পড়েছিলেন ইনউইন হাসপাত লের ফেনারেল ওলারে। পানে না ছিলা কেনো কবা, না কেনের আশ্বরীর সংক্ষা। কেউই না। তলাপর ওরা মাত্রেছেও এল হাসপাত্যলের এমারেশিলা ওলারেতি। মালেও বেন উনি ক্যালেন ধেনা এই তো কেণা।

ভারও অতে ক্ষর করেক থরে নির্মিত ও'র ব্রিক ক্টেতে না কোনো প্রতিকর থার পর্যাত। কবিতা লিখে ক্ষীকিকর তো কোনো স্বাহা হর না। কেইজনাই লিখবিতান ব্রিক একর একটি উপন্তর,

#### । नम् अकाशिक नकुन वहे ॥

जिला छण्गतन यादे जानाहरूल बहुनानावत्रत ॥ ७-०० ॥
नथ दक ब्रूथद बहुनाम नम् ॥ ५-०० ॥
विश्विष्ठिः नगहन नम्याका निवास ॥ ४-०० ॥
नहम न्याका निवास ॥ ४-०० ॥
नहस्त्र नुदर्शाम स्वरंग ॥ ४-०० ॥

ভয়ংকর পদ্ধান বর্ণ ॥ ১০০০ ॥
ত্বাধকের নতুন রোমাঞ্চকর মহন্য উপন্যান।

আধ্বিক শিক্ষাউত্তৰ গাঁৱসংখ্যাহন আহল ১০-০০ পরিবধিত অভ্যা মুদ্রুণ

শিক্ষার পটভূমি, পরিবেশ ও পদর্যত

जरेबाक्यूमाक महकार, अम अम्मिन, विन्तिः, क्याली निकल-विकल करणहरूत १९७० असक रकाम पार्विजयार्थ आहे जिनिहरूक, 58, त्रिकम कार्मेहरू, ज्योते, रं.... १९३० সাহিতারস পিপাস, ও বিদদ্ধ-তেকে আলোড়নের সংখন টেউ এনেছে যে বই

## শেখর সেনগুপ্ত



#### দাম বার টাকা

গত শতাব্দীর নাভিশ্বাস থেকে জ্বন্ধ যে অজ্ঞা অগ্নিস্ফুলিসের, তাদের মৃত্য অভি-প্রকাশ বিশ্ববেশ্ব রোম্ব্রয়াত স্টিকালারে।

রূপকথা নর, নর গলপগাথা, দাণিও তলোরারের মাজে সুদ্দর, সুবেদ্ধ মাঙো ভাস্বর আগ্রেনর মাজে নির্মা। ইভিহাসের সমস্ত ভঞ্জালকে জ্যালিরে পাড়িরে থাকে করে লিক্ত যে আয়োছ রন্ত্রোয় ভারই সাহতাসন্দদ্ধ রাপ্রেথা।

तर, मण्याभा क्रीत अहे तरेरतत क्रील शामक भागादगरमत मामिन। व्यानका शक्ता

ফণীন্দ্রনাথ বল্দ্যোপাধায়ে

**य**भाख

**মধ**্কর

দাৰ সাত টাকা 🦠 🔭

আনতীর্থ বিধ্যান সরণী কলিকাডা-১৯ নিকাং সটভূমিক হ। চেই সিকাং বা আৰু অসিংহ ত আৰু ক্ৰেছা হলো নঃ শেৰ। শেৰ প্ৰশিষ্ঠ উনি নিকোকে স্বাধীকৰ আনে ক্ষেত্ৰান।

ক্ষণন্থ উদা ক্ষাবালাগ্রে ছিলেন কাপুণ ডিরিল বজা। অভ্য ক্ষিতা ওর কাম থেকে অনব্যত করত না: ডবে বে ক'টি কবিতা লিখেছেন উদান্ত্রিতের তা ম্থায়ী হরে থাকল। প্রচলন না, একেই তো বলা কহী।

গাকিকতানী সাহিত্যিক বন্ধবাশব, সাহবাদিক পরিচিত্তরা, একনিয়ক্তার ও'কে সানের আহনান জানিরেছিলেন "বন্ধকালের জন্ত"। কবিতার লিখেছেন এর জনাব মধ্যম : "এই আমার বর, জন্ম আমার হিদ্যালনে এইকানেই অমি থাকা।"

মৃত্যুদ্ধ পর মৃতদেহতা গেল ভাগনানা হারার বাদে। তেওঁদানে খুব সম্ভব ভিজ্ হবে ওর মৃতদেহটাকে একটা গেশবার কন্য চেরে চেরে।

ও'র ভাজ। কবরের উপর পড়বে গ্রেছগরেছ যাত্র ফল।

অথচ জীবনের সংশ্যা বৃশ্ব করে করে জীবনকে ছিনিনে নেরার স্পার চিত্র ভাও দেখলায় এই সপ্তর্গে। ইনিও প্রথাতে কবি। মালরালায় কবি মাধ্বন নামবৃদ্ধি। বর্মসামাত ছতিখা।

দেশকাম ও'কে কেরালা ক্লাবে। শেশার মোটনগাড়ির ড্রাইভার। ও'র কবিত্রর প্রথম সংকলন ছেলে নেরোর ১১৬২-ডে।

সাতের বছর বরসে কিশোর মাধ্বন জন্মন্থান ছেড়েছিলেন। ইস্কুলে পড়ে-শেস্য করের তো অর্থসংস্থান ছিল না সেণিকে সহযোগ সম্বিধাও করে উঠতে পারেননি।' বাড়ি ছেড়েছিলেন মোটর रमकांतक शतक रहे जानाता क्या करत বড় দ্বন্দও উদি দেখতে তথলো গেথেমান। কিন্তু মেন্টের মেক্রনিকের ক্ষে বিখ্যুত শিংতে হলেন কবি, ভাইভরি শিক্ষলেন মেটের গাণ্ডির ৷ হকেন ক্রেম্বার ৷ ক্রেম্বার টাইমে পড়তেন কলিবস। পদ্ধতন কাকাৰি। ইংরেজি সহিত্যে PC 4 অধ্যাসক ওকৈ পড়তে সেন ভেপ্ডার जरफन धनः धकता भाष्ट्रभात कि कि মালানলাম অন্বোল। ১১৫৪-তে একজন সাংবাদিক-সাহিত্তিক গ্ৰ'ৱ কৰিতা নিয়ে কেখেন "মাতৃত্যি" পহিকাশ একটি নিকৰ। ফের তিনিই এ'র এই নতুন চাকরিটি জ্ঞান্তিরে দেন, ইণ্ডিয়ান এরার কাইশেকা বোঝাই শহরে সালেকার কল-ভাইভার। স্মাইনে ভালো। প্রচুর অরসভা। ডাই বেশি করে ক্ষিতা। বেশি করে বেশ্চে **\*\***1

দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ের অসমালার সাহিত্য বিভাগের অধাপক ও'র কবিত্য নিরে এবার ক্লাসে আলোচনা করবেন। সেখানে কৰি অমুশ্চিত। দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ের বুংকা বিভাগে খুরুন হর? ভাগে। কিনিব্রাক ক্ষমুক্তবাধ বুলি ক্ষমুভ দেই?

निके दिन जाते कार्याचेक कार्य कार्यमा द्व जार्यमारासक द्वांत्र कार्यमा हिल करणक किं कविकारतक मार्गाटास्क गुजनक कार्य कार्य मना। करणक सर्थ जार्यमानक देखा बहुना शहरा स्थापके किंग। जव जार्यमानक देखा बहुना शहरा स्थापके हिला। जव

#### राजनाकत साविकार

নৈদালন একটো জাবিকার – বা হাছে লাগেরিকার একটা জাবিকার – বা হাছে পেলে লেভিং রাশ, সাবাম আর রাম আগনি হাছে কেলে কেবেন্দ্রনাল্ডারতে এই সর্বাস্থয় প্রবৃত্তি হলোঁ।

সৰভাইতে মাজান হচ্ছে, এই আনিকার কোলমার রোজন ক্লেডেন কেন্টেই প্রবোজ হচ্ছে—আ্বের প্রপন্ন নর। কুটক-এন-ক্রানা এব। ক্লিনিস্টির এই নাম। ব্যাপারে এইনিট বংলা স্বভাইতে জনিকাসা বটনা কচন এই নিরে জাস্বান অভি প্রভা ও চন্দ্রকার গোড করেন স্বান্তন্ত্র।

আপনার ক্রেডের প্রান্ত এক কোটা কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্ন, ভারপর মুখ কর দিরে ভিজিতের পেন্ত করতে পাকুন। আপানার রেজক রখনা দায়িক ওপর দিরে বাপেটের মন্ত কোকা প্রশাস কর্মান করিছের এগিকে বাবে, আপানি ভাষম ক্রীবনের সম্ভাইতে বড় বিশাস বেহি কর্মেন। বাজের মিক দিরও এটিতে সাভার কর। এক বোডকো ভিন্ন করে।



क्षेत्रका साम्छ। दक्ष वेरक्षक, दक्षे भारते समान। किंद्र मध्या दिवा देवा क्रमाधन। एक व्यक्तिन লাহ্য বাসী তো কেউ সিপাশকের साताकल दारमानीद खाला। दक्के बाला ভাবত হয়ত গবেৰ হাকশাৰ স্বীপ থেকে তো THE WHEIR SPIRE COM CHECK ! CANS তাত জানিয়ার তর পী কো কেউ কিনিয়ার। हित श्लिककारी, स्मर्शन अंबर क्रवानी ভরতবাসীও। আন ছিল সমের লাভ লা काल गण्यासम्बद्धां सार्त्य, कार्यकरम्बद्धां का তর্ণ, হাজবাদের क्यानी। कुछिता राकवाद क्षेत्र करणादस्य एक्ट-गर्मफट्ड क्टब सर्वा प्रति क्या स्थानिय स्थाताना राज हेटन क्लामें रिमाय अभिनेत अधिकार न बरत िमीटर ध्याष्ट्रम कंग्नाबद्धानस बार प्राच्याता हर श निरुष्ठ । ३७.००० साहेन कारत-कारत करन मिलाई। **भटकाई भारता** থকলে তো অনেকেই আলতে পাৰে। ওরা च्यानीयः "तर्वाद" সেভাবের আন্তর গাঁভয়ানে **ভারত্তি আনতে গোলাছ যা**রন ध्यक्षे भारता व**िकास क्यांन** क्रिक्ट मन्त्रा भूतशारण व्यक्तात-अवकारत श्रीकारतत ভবুৰ। 'বয়সাম অভিকা মার' *প্রা*ছন ভাষর দাপুনিত **জিও**ছনক গ্রেমারী। ত্রিন্টিশ তা আছে বিভিন্ন এককালে জিলেন কৰেল। "ত'ম"" অভিযান সংগ্ৰে উলি চরতর গ के कर्म हिन्द्र के स्टब्रिया कारण निर्मेश्व क्रिक महान ক্ষুপার্শ **ব্রেলিস্টেক্টা "ক্রেক্টা পথ্য"** নিক্ষতি **এপেছিল চর বছর ক্ষ**রে। তথন उट विका एक**ावेकावे महत्त्व का**न एकाका करता. क्षतेमन कामामात्र, याचा चटाना समान মর গ্র জারাজ্যের শান। তেওঁ বালায়ে ক্রমি, ক্রেকট বল্ড দিব**লর কেলের নত।** राव है कर्तात चारत चारत है। स्कूटिंग খ্য নাজা বারে। রাজারত। এই একম रकारना ना हकारना अवने विकास शहनी शहन তাৰ 'কমেৰু'' অভিযানের সক্ষা হওৱা 734231

উঠেছিল এসে ওরা রবীকা রক্ষালার।
প্রে রেতের পালে বেছানে রাজ্প্রানী
আরবলী পালাড় মাথা মাইরে ররেছে
বুং করক্ষী পালের একরে। ওকত ওরা
হোট-জেট তাঁক ঝাটিরে। ভারতীর
ব্রক্ষের সকলে মিলেলিলে। নাতত থাকেবজনা করত, আর মেলেলেল করত
গালপ্রা। কারণে অক্যানেল হাসতে প্রত

তাসল উৎসৰটা ৰেণিক শ্বে হলো মলালবার হয় সেল্টেম্ব সম্প্রান, কিব-ভানতী বিশ্ববিদ্যালয়ের তর্ণ-ভার্ণীয় হঠং উৎসব ছেড়ে একাম চলে গেল।

কারণ কাই ছোক, কিন্দু আনত্রিকাই কি ভাতে ছিল ভালন্তোল কেন্দ্রে ক্তি? মনটা থালাপ হলে গোলা চলিনিচকোন একটা চাত্তর দোকানে বলে, কারা মদ কানের একরে, চা কান্ডিকার। কর্মনা দেকার ভিত্তকের বছরের ফিল্টার লেন্ড ভানে বার মুলেনকে। পারে হোটে বাবলোকের এই মনের্বিট ক্যোজিয়াল ক্ষেত্রে নেরজা এলেন্ড্রন ভারতকারা আন্তানরকে নাটোও মোলো দেশকে করে।

পাঁচনিউ ছেলেফেয়ে, নাভিনাতনি।

দাব, সংগো এসেছেন একটি প্রীক্ষেক, আর কাঁবে হাবাছ স্কৃত। সক্ষত পাণ্ড পুন্ধ, হোটোছেন। হোটো হোট ইস্কান্ত্রক হুরো, তারিক শহর হয়ের, ইস্পাথান হয়ে, এই निया अका-दक्त भारत श्रीत भारत।

क्षिण्यस्यातम् विकारितः निया कर्षः

क्षिण्यस्यातम् विकारितः निया कर्षः

क्षिण्यस्यातम् विकारितः निया कर्षः

क्षिण्यस्यात्म विकारितः निया कर्षः

क्षिण्यस्य कर्षाः व्यापः

क्षिण्यस्य कर्षः

क्षिण्यस्य व्यापः

क्षिण्यस्य विवापः

क्षिणस्य विवापः

## न्य कांपरन रमाना ॥ त्यालमा निष्ठ ॥ ১६-००

নজুন অভিকে কেখা অনৰণা রে,প্রাপ্তমধ্য উপন্যাল। বিষয়বস্তু বংসা ও ভারতীয় সাহিত্যে এবং প্রথিবীর সাহিত্যেও অনন্য। এটি নিঃস্পেত্র প্রেডেণ্ড মিরের একটি রেপ্ট স্থিতি।

## वन दिला १ मना ॥ नात्रावन भएकाभावात ॥ 8:00

॥ करहकांचे नकत केननाम ॥

श्वारन भिश्चत अस्त्र तथा
 श्वार विश्वास अस्त्र व्यापन का प्रत्यापन व्यापन व्यापन

नकून काहीलट्या कना निध्न ।

9.00

॥ व्यामिक्यीन ॥

8.00

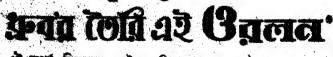
## **ৰক্সী কঁৰোৱ মাঠ** ঠাকুৱবাড়ির আঙ্কোয়

## নতুন চীনের কবিতা 🚥

বিশ্ববী নতুন চীনের শতিমান কবিনের অগ্নিবর্গী কবিভার সংকলন। অনুবাদ করেছেন প্রেমেন্দ্র থিচ, সত্তাধ মুখোপাধ্যার, মনোজ বসত্ত মধীপ্র রার, সমরেশ বসত্ত, সংভাবকুমার ঘোষ, সত্তাধি গ্রেপাধ্যার, প্রফলের রার বৃদ্ধদের গত্ত, গণেশ বসত্ত সম্খরা।

গ্রন্থপ্রকাশ । ১৯ শ্যামাচরণ দে স্ট্রীট । কলিকাতা—১২

# कि लाभूवं जावाप्रचाशी कि लाभूवं भूकव...



এই অপুৰ বিজয়কর কাইবার ছিয়ে আপনার সৌন্ধকৈ আরও ক্রমান কোনে ছুনুন। এব'র তৈরি এই ওয়ননু ভারি ফুন্র হালা আৰু সরুষ। আর দেখুন কভরকদের রঙের হড়াছড়ি। এ থেকে বেছে सिन त्यकि जानसाव शहन दत्त, जानसात क्रकित नत्त्र वाल वाहा।

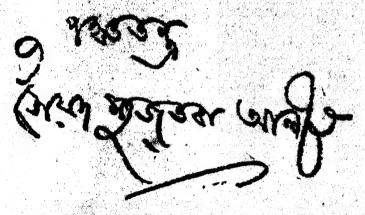
প্রশাস জৈরি ভরলনের বছ নেওরা নিভাক সোলা। বভবার খুলি খোজা বার , করেছ নিনিটে শুকিরে বার। কুঁচকে খাটো না হওরা কম্মে ব্যাসাতী ক্ষেত্রা হর।

अन्य बेटनम मिनम् आर्टरके निविद्वेष, त्यायाई-১० त्यांग त्यांगर अरक्षण :





है निक्य काकोशिय गरियाका क्षेत्रमाई ह



ভাল - মসজিল - উল - আক্সা

তা লকে বিদেৰ কিব মুসলিন প্ৰয়ানত
ভালার বরকাবাতে, মদীনার প্রয়ানত
কবনের প্রতি সম্মান প্রকাশন করতে এবং
ভতীর লেহালালেকে কবানে ইহুদি, খুন্ট
র ইসলাম ভিল মনের সমন্দর হয়।

প্ৰকৃত লাম্ভ বিধান অনুবোৱা কিন্ত বিশ্ব ম্বালিমকে বে-ডিমটি 'পুৰো ভূমি পাঁকার কাতে হয় ভার একটি মহার কাৰা धनर कात्रभव त्व बद्धिति ग्रन्तः व्याप्नक উল্লেখ কৰা হচাছে ভাৰ দুটিই জেৰু-कारनारम । अस श्रवपारि अकारिक मारम পরিচিত। ইংলিজিতে একে জোন আৰ দি রক্ (রক্তপ্রশেষ্টরের উপর নিমিত ছোম= গল্পে), ঐতিহাসিক জান্তিবলভ ওমর মস্কৃও বলা হয়: আৰুবীতে এচিকে কুলত **ग्रापता (कृष्यर=एकाम: गर्**ता=धन्छ। यना रत)। **अधिक देशनि अन्धेल अनुसा**सन সকলেই সম্মান প্রদর্শন করে। কারণ এই ডিন ধৰ্মেরই সম্মানিত রাজা সংকোমানের প্রসিন্ধ मन्तित धकता ध-म्थरमहे न-फान्रमान दिन । अहे সলমনের টেম্পল্ একাধিক বার বিন্তী হয় धारः जनरमस्य जन्मान विमन्ते इस २० प्रकोटन त्रामामरमञ्जू न्याता। छन्यन्द्ररभत উপর ভাবং শহরের ময়লা স্ত্পৌকৃত হতে थारक द्वास गाएक शांड म बरगत बदस । ७०८ খ্ণীৰে মুসলমানদের শিতীর খলিকা रकत्र अम्ब बाब्डोनरम्ब हाछ स्थरक জেনুজালেয় অধিকার করে জঞ্জাল স্থিতে धकति करत मर्गाक्य निर्माण करतम अवर अत শক্তাল বংসর পর আমানের লাহ জাহাসের মত বিভাগালী ও স্থাপতের স্কৃতিস্পকা খলিকা আৰুৰে মালিক সেখানে বে প্ৰিৰীয় অন্যতম অন্বদ্য ইয়ালং নিমাণ করেন সেইটিই ১২০০ বংসর মতে সেখানে पारे है अकार व्यवस्थात मीक्रिज विस्तवस्थात সৌন্দর তুড়ি ও প্রত্যাঞ্জলি গ্রহণ করছে। আমি বতাদন, বেলকোনোনে হিচ্ছে তার প্ৰায় প্ৰতিদিন একবাৰ না একবাৰ একা একা दत्त दत्त थ्राविता व्यक्तित उत्र विवाद

আর্রাবটেকটনিকাল - বৈত্তর থেকে করেতন অগতকরণ দেখে মুখ্য হতুম।

(১) কাবা, (২) উপারে উলিখিত এই মুসলিদ—তারপরই ভাসে (৩) মুস্ভিদ-উল্-আক্সা, সংক্রেপে আক্সা মুসলিদ। এই আক্সার উল্লেখ কুরান পরীকে আছে (স্বা ১৭ ঃ ১)।

এ স্থলে কিবিং ইতিহাসের প্রয়োজন। আমুৰ ও ইত্ৰি একট সেমিতি বংশ (रहान्) ब्राफ, अक्टे तक शतन करता चात्रवी ब शीब (देश मित्रत वह कावारकर कारनव बाइटरम ब्राइक) छावा गुरे छन्नी, पार्यार क्नारमण् । अवर जन रहता वर्ष कथा, बाहेरवाल बागिक हेर्दी शर्किंगन यहा, जाहार्य, দারণে, সালেমান ইতাাদি করান দরীকেও न्वीकृष्ठि जास करवास्त्रा। हस्त्रार मनी फारे যথন ইসলাম প্রচার করেন তখন তিনি ইছনুদ वात्रत्व रक्ष्मक्रीय रक्षम्कारमध्य विद्य ग्रंच करत नामाल गण्डल मात्रम्क करत्ना। কিন্দ্ৰ হক্ষতের ঘদীনা শহরের বসতি न्धानमा क्वात ग्रे वश्मत नत काम व चारमरण मकात निरक मृत्र करत नमाळ गरकन —এবং আৰও সেই ব্যতি প্ৰচলিত আছে। अतरे करन रक्षत्र जारमस्य मनमस्य मन्मिक्षिय ম্সলিম জগতে ন্বিতীয় স্থান পেল বটে তহ কেনো কোনো জাডায়ভিমানী আরব সেটিকে বহু দভান্দী ধলে প্রথম স্থানেই ट्रार्थाइटनम-विरम्बङ **डेन्स**र्ट (अमरिकास) श्रीनकादा। अनाकात नित्न किन्तु गुर्जानय জহান প্রথম স্থাম দের মকার কাবা পরীকড়ে अवर न्याकीय स्थान स्थार्कारकरम् अभूवन মালারকে বার উপর প্রতিষ্ঠিত আলবে মালিক নিমিতি অমারতের বরান এই মাত্র मिटका व वार वास भारत वालाम, छात्रीय भूगहरू मन्त्रिम्-किन्-वाक् मा।

বিশ্বত তৃতীয় হলে কি হা, এই আক্সার সংশ্য বিক্তিত আছে বিশ্ব হুসলিমের রোমহর্ক উত্তেজনালারী ঐতিহা, প্রথাভার সংশ্য বানবাভার সন্মিলিত হবার

কৰিম্মনীয় অভিযান এবং ভার রাম করি প্রাম্ক্র নামাং, সোজ, করা পরিনিধান, বা-খালী বলতে পারেন।

ক্যাল পরীকে এ-অভিযানের বে-বর্ষার লেখা আরে ক্রানে ভার বে গাঁড়াটিপনী আহে (ক্রান হিন্দুলের বেপথানীয় প্রান্ধ: হলীসকে স্মৃতিলালয়ের লগেল সময়নাম একা বছ, আলা ভার কেনের না) দেব্লার প্রকাশ করা হল, আলা অপরাধ নেবেন না) দেব্লার বিভিন্ন করে প্রকাশ করে। অপরাধ করেন না) করেনের বার ভাবতে হবে—বিজ্ঞাপন বাল বিরে। অপরুভ ইরোরোপীয় ভাবের ইভিন্নের ইসলাক্ষের এই অন্তেক্ষাটি কুম্বা আলোক্ষন স্কৃতি করে। সাম্ভের মহাকাবা "ভিজাইন ক্রেডি" এর বাতে কলী—এপরাণ ভার-সাহিজ্ঞার

-প্ৰোৱ অভিনয় কর্ম-नाहेक मण्ड मिट्डन मीराक्तकम गुरुवर 0.00 অন্ধকাৱের ব্রস্ত ১.৫০ नागम जनस्यान-नद्रवीम मद्रवाभागातम व । ध 0.00 আজকের নাটক উৰাৰিকী শশ্দু নিয় ও জনিত লৈৱের কাধ্যনৱঙ্গ , , , , नकिनन बाकम्बद মেবে ঢাকা তারা ৯.০০ मन्त्रे गट्यागायातात **जीवनक्रिकामा** 0.00 বারেন্দ্র পালচোধুরার माक कांचनत नह 2.60

গ্ৰন্থপতি। ২০৯বি, বিবান সর্বাদ, কলিকাডা--৬

"कामन्यकास गीउका" विकारकाम की। फाए"

200 नात्रकीता जरका बानमयाबात गविका, दिन्त बान की। छाउ तम्भ जागायौ यहामबाद भारति श्रकाणिक श्रव। वालामी ३५८म टनटकेन्द्रत ১৯৬৯ छानिटचन मध्य अडे অফিলে থেকেন্দ্রী ভাক খরচসহ নিলোল হারে সম্পূর্ণ মূল্য অগ্নিম জন্ম দিলে উক্ত বৈ কোল শারণীয়া সংখ্যা পাওয়া बादन। आर्शनक माना क्या त्मात कान অভার প্রহণ করা কিন্বা ভি পি দ্রাক আমাদের কোন প্রকাশনী পাঠাবার নিংম নেইঃ উপরোজ ভারিখের পরে ভোন न्छन कडांत शहर कहा रहर मा।

त्रिक्यी अक्रमर श्रीठ मरचात्र मना ভারতে

আনন্দবাজার পাঁচকা - ৫.৫০ পরসা হিন্দুস্থান স্ট্যান্ডার্ড - ৩.১৫ প্রসা - ৫.০০ টাকা

ভারতের বাহিন্দে স্লাহাক ভাকে আনন্দরকার পত্রিকা — ৬-৫৫ পরসা হিন্দুস্থান স্ট্যান্ডার্ড - ৪.৭৫ পরসা CPM

- 0.54 MAZI

প্রচার অধ্যক্ষ আনন্দৰাজার পাছকা (প্রাঃ) লিঃ

॥ नजन नजन नाउँक ॥ त्कामा परस्क

ৰিছিৰ পেনেৰ

ञ्ब १ न

0.00

क्रेणाबा

2.00 देवानाथ क्षष्टीहार्यक

क्रम भ्रमू

0.00

भूग তालिकात क्या निध्य গিপিকা: ৩০/১ কলেজ রো. কলিকাতা-১

(F 400d)

অচিন্তাকুমার সেনগভের

অননাসাধারণ রচনা

ववृष्ठभू इन्य

স্র, হচ্ছে আলোক-সর্গণতে

গালীজানী আলম্কারিক সাঁতিত এই মত टण यण करतम ।"

কুরানে আছে, প্রগৃহ্বর সাহেব মস্তাতে हेजलाब शहाद कादम्स कतात किस. कारणत মধ্যেই স্বৰং আল্লাভালা ভাতক পরিশ্রশ জ্ঞান এবং পরম সতা ধর্মের নিগ্রেডম ততে দীক্ষিত ক্রার জনা তার প্রধান ফেরেশডা ("एपरम् उ"-देशींबार्ड "चारक' छन" कित রাউল=গেরিরেলতে পাঠান মুহম্মদকে (Ps) তার সমাধিশ নিয়ে আঁসতে।\* কুরান শ্বীফে अभागीकात तथा शरहात.

"সেই (ব্যক্তি) ধনা যিনি এক সং**তেই** অন্তরসহ शर्माक्रम - जेका-इताम (क्यभीर प्रकार कारा (भरक) अकरें तारा মসজিন-উল-আক্সা পর্যত্ত (ক্রের্জালেম) প্রমণ করেন, যার চতুদিকি আমর। পতে करतीं । अवर शहर करत स्र मता जीतक আমাদের চিক্ল বেখাতে পারি।" (করান मतीय: मता ५०: ५)।

व्यवस এवर होका : "रमहे वर्षक" र कत्रर। "একই রাতে"—তথ্নকার দিনে যানবাহন যা ছিল ভাতে করে মলা থেকে জেরজালেম পেখিতে অত্ত (উটে চডেও) প্নারা দিন লাগার কথা। এটা আমার অন্মান মাত্র। ক্ম তো হতে পাবে না : বেশীই হবে।

"আমাদের চিহ্ন দেখাতে পারি"—অথাং আল্লাভালা স্বয়ং তাঁকে সভাধ্যের গভার তত্ত্বে দাক্ষিত করবেন—প্রবেশ্তি নজাং মোক ইভাদি।

अश्यरम अन्त प्रमास्त्रम् छन्-व्यक्तमा रकात স্থলে অধিতিত ? মুসলিম অমুসলিম (অমুসলিম এই কারণে বলছি, প্রচলিতার্থ অহিন্দু মারুম্বার যে-রক্ম বেদ নিয়ে গবেষণা করেছেন ঠিক সেই জিনিসই করেছেন একাধিক ইয়োগ্রোপীয় অম্সলিম পশ্ভিত কুরান হদীস নিয়ে) সকলেই ভার जिथिकोन (जत्वारमध्य हिन वर्ज न्थित নিশ্চর—ত ই আমি অন্বাদ এবং টীকাতে একই রাচে মকা থেকে জের্জালেম ভ্রমধের কথা বলৈছি।

পণিডতদের বছবা, মন্ধা শ্রণীফের বাইরে এমন এক জারগা যেটি আল্লা স্বয়ং প্রত পবিত করেছেন সে-শা্ধ্ জের্জালেমই হতে পারে। কারণ ইসলামের প্রথম অভাদারর সময়ই হজরং নবী ঐ দিকে মুখ করে নাম।জ পড়েছিলেন। অতএব সেই ভেরুঞাগেয়ের সল্মনের মন্দিরের সংশা সংযার ভূমিতেই আছে মস্জিদ্-উল্-আক্সা।

পূৰ্বেই বলেছি, খলিফা ওমর সলমন মন্বিরের সেই ভানস্তাপ পরিকার করে নিমাণ করেন একটি মসজিদ এবং পর্যতী কালে অন্ত্ৰে মালিক নিৰ্মাণ করেন ডোম

**क्तान मतीरक जित्त्रिकात जेताथ स्टि।** একাধিক হুদীসে স্বিশ্তর আছে ।

অৰ দি বৰু প্ৰাৰং ভানট অভি ক্ৰম जा नक्षे व एका विवाद मर्गाक्षम-या वाम মুস্তিগ-উল-আকু সা।

तिकार क्षेत्र कि क्षेत्र একটা পাছারের চড়াদকৈ গড়া হয়েছিল বলে স্থলাত रमणेटक ठाकाव कामान समामाथी समान-बारमत क्रमा विवारी - क्रम्याव विराह नारका মি। ভাই তিনি সোষ্টকে করেছিলেন স্থের मध्ता व्यवना धर्माकरमत हर्जामंद्र मिल ছিলেন প্রশাস্তভ্য অঞ্জন (এনেশের ছালেন সংকীপ গাড়া প্রের চত্দিকৈ বে-বেছ বিষ্ঠাণা অপান বাখা হয়), কিন্তু গ্রাম-कारण त्याद्र जारमध्यत निर्वश्वत त्योक সেধানকার অনাচ্ছাদিত মাসালগান-হেখানে মুহতকোপ্রি স্মের প্রতাপের চেরে পদতলের পাষাণ চের বেশী পীডানারক— সেখানে জুমা নমাজ পড়া অহেত্ক পীড়া-দায়ক হাবে বলে ডিনি নিমাণ করেছিলেন ভার প্রাণ যা চার সেই পরিমাণে বিশ্তত, মসজিদ-উল - আক সা।

কিন্ত এহ বাহা।

আসলে বিশ্ব মাসলিমের কাছে মসভিদ-উল্-আক্সা তাবং প্ৰাভূমির মধে সব চেরে রোমাঞ্কর।

কুরাম হাণীসের সংখ্যা যে মাুসলিনের সামান্যতম পরিচয় আছে, সে-ই আপন হনে কংপনা করে, সেই স্পার মকা থেকে আলা ভার প্রিয়া মবীকে রাভারাভি নিয়ে এলেন মস্ভিদ্ উল্-আক্সাতে (শব্দার্থে মরা থোকে "সবচেয়ে মূরে পরণক্ষেত্র" সেখানে তার জনা অপেক। কর্যছল, 'ব্রোকা' নামক পক্ষীরাজ অস্ব এবং তার মুখ মানবীর নায়—কেই অশেব সোহার হয়ে নবীজী পোছলেন বোহশাতের স্বারপ্রাণেত।

এই নিয়ে সে মুনে মুনে কত না কল্পনাই হলক বোনে। স্বয়ং আল্লার সংখ্য স্থানীট माकार!

\*অবশা এ-কথাও সভাবে বহা মাসবিম माभौनिक, भूकी (इहामानामी कंक=विधिक) এ প্রশন বারবার শ্বিরেড্ডন, এই যে হজরতের স্বগারেরাহণ এটা কি বাস্ত্র না স্বংন: তিনি কি স্বরীরে স্মাণা গিলে-ভিলেন না তার আবাে মাচই সন্মাখীন হয়েছিলেন? কিন্ত- মোলাকাই त्व इत्त्रिक्त स्म-मन्त्रम् मदाई निःमर्ग्यर।

\*

या है इहाक, या-हे शाक, - अहे अम् जिन-**छेम**्जाक्ता थ्यःकरे, आझाछामा इक्तर्रक দিয়ে স্থাপনা করলেন মত্যভূমি ও স্বর্গ-ভূমিতে যোগ-সেতু।

সেই সেতুর পাথিব প্রাণ্ড পর্যাভ্রে দিয়ে সে-সেতু বিনাট করার প্রচেন্টা অভ্য বিভা त-त्वाद्भा ग्रममानत्वर विश्वास करात्र कथा।



(रङ्ग)

বা সটা সামনে এসে দাড়াতেই কিন্তু শাশ্বতা পিছিয়ে গেল, ব্লল—বভ ভাড।

রমেন একট্ চিন্তা করে বলল—তাহলে চল্ন রাসবিহারীর মোড় পর্যাত আপনাকে স্তোটে এগিয়ের দিয়ে আসি।

শাশবভীও তাই চায়। এ লোকটার দেই
অধ্য হয়ে যাওরার গলপটা তাকে শানতেই
হবে। সদাচেনা একজন শোককে এতস্বে
খানোখা হাঁনিয়ে নিরে যাওয়া হে কেমন
ক্যোনার তা তার মনেও হল না। বলস—
বেশ হবে। চলনে। ওপান বেবক মামি
যানবপ্রে যাওয়ার বাস ফাকা প্রের।

কিছাক্ষণ তার। নিঃশক্ষে হাটল।

২.উপাথ নেই বলে রাস্তটা বিপক্ষনক,
অনিবল গড়ি যাকেছ। রাস্টার নিকটার
রামন, বাস্টার ধার ঘোষে শাস্বতী। থানিক
দ্বাহাটে শাস্বতী হাটার গড়ি কমিলে দিয়ে
কলল—এবার সেই গাল্পটা কল্ন। সেই
অব্ধ হয়ে যাওয়ার গালপটা—

রমেন সংমানং একটা হাসল। বলল— রাম্তা একটা ফাক্স পাই, তারপর—

কেলভাজ পেরিয়ে যাওয়ার পর চওড়া স্ফার রাস্তার ফ্টপালে উঠে এল দ্রেন। শাস্বতী এতক্ষণ কোত্তল চেপেছিল, এবার শ্বনে ফেলে বলল—এবার—

রমেন মাধা নেড়ে কলক—আমার ঠাকুমা মারা বাওরার পর একদিল সম্পেরবলা খেলা-ধালো সেরে ফিরেছি। আমাদের কাড়ির সামনের দিকটার কিরুট হক্তবরের মডের একটা কৈঠকখালা। সেই কৈঠকখালার সম্পের লংগকারে দেখি দাল, প্রকাক পিরানেটার গালে বনে আছেন। হাতের আভেসকাট দিরে পিরানোর গারে কী বেন দেখার চেকটা করছেন নীচু হরে। অগ্নি ভাঁকে টের প্রেত না দিরে পা টিপে টিপে বড় ঘরটা পৌরবে বাছিলাম। এয়ন সমরে দাদ্ খ্র আশেত জিক্ষেস্, করলেন—কেই আমি প্রাড়িরে

কলাম—অগম। দাদ একটা হাত সামনের দিকে বাড়িয়ে—ফেন আমাকে কোলে त्तर्वन - ध्रानसार्व वन्नर्जन - न्रद्भन ! कार् একো ছো। করে বেতেই উনি আমার কাঁধে হাত রেখে বললেন—আমার সামনে বোসো। আমি ्भर्यात्र হটি. বসলাম। দাদ আমদা মাৰ হাতে তলে বললেন—দেখি রমেন, তোমার ম**ংখা**না। আমার মাথের ওপর আতসকাচ ধরে দলে অনেকক্ষণ ধরে আমার মুখ দেখলেন। তথনো ঘরে আলো দিয়ে যায়নি, ঘরটা অন্ধকার। অবড়া একটা শেষ বেকার আলোর সেই আত্সকারের ভিতর দিয়ে আমি তাঁর বুটো প্রকাশ্ড চোথ, নাকের উ'চু হাত, ঘন ড্র, আর কপাল দেখতে পাচ্ছিলত্ম। দেখতে দেখতে হঠাৎ মনে ছচ্ছিল সেই চোখ জোড়া আমার ভিতরে অনেকথানি দেখে নিছে। তথন আমার বয়স দশ কি এগারে, তথন আমি আত্মার প্রথম বয়ংসন্ধির খারাপ স্বর্ণনটি দেখেছি আর একদিন দুপ্রেকেল অলি नाट्य धकरि सारत छात्र-छात्र स्थलान नगरत श्कुला प्रानिषय अन्यकारक मानिस्त আমাকে একটা চুম খেয়েছিল, তথন আমার गारम अक्रि मुचि तन रम्था निर्मा कार्ट দাদরে সেই চোখ জোভার দিকে চেরে মনে হচ্ছিল তিনি আমার দ্ব কিছু স্পন্ট দেশতে পদক্ষেন। আত্মার ব্রুক কাঁপছিল। কিন্তু দাদ, দেদিন আমাকে অনারকমভাবে দেখাছলেন। অনেকক্ষণ ধরে দেখে তিনি শ্বে অস্পন্ট গলায় জিজেস করলেন-রমেন, তমি কি ধ্ব বেশী কিছু চাও? খ্ৰ টাকা **शत्रमा, वफ्र क्रांत्रमात्री, व्यत्मक व्यक्ति-गा**फ्रि? সে প্রশেবর উত্তর দেওয়ার মতে। তথন আমার क्रम नव। माम, जात-कक्षम हुन करवे एथरक নিজে থেকেই বজুলেন—ত্যম কখনো খ্ৰ বেশী কিছ, চেও না। লেমক কেন একদিন তোমাকে ভিবিরের পোশ্যকেও ঐশ্বর্যবান কলে চিনতে পারে। এই কলে দাদ, আতস-কাচ সরিয়ে রাখলেন, জলভরা চোখ দুহাতে মুছে নিয়ে একটা অপ্রস্তুত হলিস হেসে वकारमन-रहाथ वर्छ भाराव मृन्धि करत। ८१ ঘটনার পর্যাদন দার্দ, দ্বপ্রেরবেকা একা একা ছাদে উঠে গোলেন। তারপর আতস্কাচের ভিতর দিয়ে ভরদাপারের স্বেরি দিকে চেরে দেখলেন। তাঁর দুটো চোখই একদম নন্ট হয়ে গোল। এই ঘটনার আমি খ্ৰ ভয় পেরে গিরেছিলাম। তার ওপর আমার ম মধ্যে মাৰে আমাকে আড়ালে জিজ্ঞেস করতেন আমি চোখে কীরকম দে**ৰি। আমি ভালই দেখতাম, তব**ুমার भरन्मर राष्ट्र नः, क्षिरस्त्रमः कतारचन—ঐ रा রক্ষাপারের ওপর দিয়ে নৌকোটা মাক্ষে কল তেন এটা কী নৌকো কখনো

#### न्नीन गरकाभाषाय-এর

নতুন উপন্যাস প্রকাশিত হ'ল

## ब्रिशाली भानवी ७.००

#### नमर्त्रम वन्त्र

वर, ठाक्काक्त्र जेशनात्मत्र २३ मन्त्रन शकाशित इल

অপরিচিত ৬:০০

চলচ্চিত্ৰ বুপায়িত হচ্ছে।

বিশ্ববাদী প্ৰকাশনী C/o. লে ব্ৰুক ক্ষোৱা ৯ ১৩ বছিকম চাটোৰি' প্ৰাট ॥ কলি—১২ Bear Trace of the Sale and States of the Sale and States of the Sale and Sa

द्रान्धे करकमः। बाँग दंश्यानीसम् गीवाहे कार्थ हरत बाहे चटन दश्य हर्षाके ह्रान्धेव्या गण्डल मा हत्तः। धार्थे दश्यो चार्गा व्यक्ता शामगद्धि वंश्यासः धार्मा शास्त्रकः शास्त्रकः रहीत्ये दश्यतः गामगद्धिः स्त्रुः। चारमात्र धार्थे कारकार मन्त्री विका ग्रेम्बर महाः चारमात्रकः व्यक्त सम्बद्धाः। दन चारमाद्यः शास्त्रि चंदतः

करण कारणार जिल्हा कराया , कारणा बाराय इ.ण प्राटन करणा क्रिकेट क्रिकेट (स्टाइ जिल्हा करणात स्टाइ क्रिकेट के क्रिकेट (स्टाइ क्रिकेट करणात स्टाइ क्रिकेट क्रिकेट क्रिकेट प्राटक । जाल सालि तकी भागाने क्रिकेट प्राटक जिल्हा करा क्रिकेट कराया प्राटक एक करवाया । क्राह्मणा क्रिकेट कराया प्राटक एक करवाया । क्राह्मणा क्राह्मणा क्राह्मणा प्राटक क्राह्मणा



## त्रिशतप्राल २८ घको धंद

## आश्रताइ माँछक द्राम कत्र



त्रिंशनडारलन् लाल व्यानाम् सार्कं व्यवादमस्तार्किनः या इत्स्वमनो वीउत्तर्तृत्वः अस्मवादा विर्मूल कप्न व्यन्ता।

টুগরাশ যে সব জারগায় পৌছুতে পারে না, নিগ্রাল গাঁতের সেই সর থাক্ত থেকেও ক্ষরকারী বীজাগুরার করে দের। এর জোরদার কেনার গ্রুণ আপনার মূপ সারাক্ষণ পরিক্ষর ও ঝরবারে ডাজা থাকবে।

সবচেরে বড কথা,ব্রাল করবার ঘণ্টার পর ঘণ্টা ধ'রে সিগন্তাল গাতকে ঘট্ট রাগে। আব কোন সাধারণ একটি টুখণেই কি এমনটি পারে ?



हिन्दान विवास अवृति केंद्र केंद्रास्त

शिनहेश्य-इट. 25-140 80

040

OF MINICHE THE THEFT SHE THE THE CLE ES PROPERTY SHOP MINACES THE THE THE PLA PLES AND वाक्तार्ट युक्त द्रांत क्रम निकान गीक्रिय जिल जिल सामि अस समान जिल्हा कान वास त्रहेशाम विकटेक गानि आसीताः ाडेस्टरवर्डे खाळाच वचन ट्रांच्य च्यमदता समय ব্যাস তথন আমি ক্ষতে পার্লাম যে আমার আর কোনো ভর দেই। একর আমি আমার অধ্যকার দিনগালোর জনন প্রদর্ভত। (महे त्रमातहे अर्कामन चर्चन है। चर्चेन । व्याहि द्वाल भूव रकारत छेर्छ कामेबल जिल्ह ে লোভোতে বেভাম মাঠে। বলটা মাটিতে গড়িত্যে দিভাম অরপর সারে পারে কল নিয়ে মাঠের চারদিকে চৰার। অক্ষকার शाकरत आभाव लोख गाउँ इन्हें भारते दक পাঁচ কি ছবার পাক দেওকার পর আলো ফটত। রোজই এরকম হত। একদিন খ্র ভেরে উঠে দৌড়োতে গৈছি, পরে বল-দোডোতে দোডেনতে পাক থাছি মাঠের চার্দিকে। ক্রমে ক্রমে এক দুই করে সাভ আট দশ ঝার মাঠটা ঘুরে একাম। কিন্তু দেবিন ভোর হাজ্জল না। অব্ধকার জমাট বে'ধে বুইল। কিন্ত সেদিকে আমার থেয়াল ছিল না আমি বিভেন্ন হয়ে দৌডোতাম এবং প্রায়ই সে সময়ে আমার চোক বন্ধ থাকত। কিন্তু হঠং এক সময়ে আমার পা থেকে বলটা একটা জোৱে পড়িয়ে গেল আমার আয়তের বাইরে। আমি থেমে চে.খ খালে বলটাকে খা'ক্লতে গিছে দেখি চারলিকে নিরেট ঘটেঘটি অন্ধকার। মাটির দিকে চেয়ে দেখি জন্মত অন্ধকার: আকাশের দিকে চেয়ে দেখি চাদ তারা কিচ্ছ দেখা যাক্ষ না, চার্রাদকে চেয়ে দেখি কোনোখনে কোনো আলো নেই, খাপসা গাছপালা নেই। কিচ্ছ, নেই। আমি চোখের কাছে তলে অমার সাদা হাতটাকে দেখন চেটা करनाम, दरशनाम किष्कः स्मरे। मस्म भएन আমি মাঠটাকে অস্তত দশকার পাক দিয়েছি তব্ সেদিন ভোর হয়নি। আমি এক জারগাতেই স্থির হয়ে দাঁড়িরে রইকাম। অমি যে চোৰ বুজে হটিতে শিৰেছিলাম, কিংবা শিখেছিলাম দিকনিগ্য করার কৌশল সে সব কিছুই তথন আমার মনে পড়ল না। আফার স্ফল্ড শরীর ঠান্ডা হয়ে গেল ভরে। আমি আর এক পাও এগোবার সাহস পেকাম না, দিকনিশ্র করতে আমার ভর হল— ৰ্যাদ ভূল পথে চলে ৰাই? ভাই ভখন আমি খ্ৰ অসহায়ভাবে আন্তে আন্তে হটি, গোড়ে বসলমে। আন্দার চেম্থ কেরে ভালের ধারা নামল। খুব তুল্ভ কারণেই তখন আমি কাৰ্দছিলাম—কখনো হান্ধনো বলটির कता. कथरना र्वान मारम स्मारे स्माराधित कना. কখনো বা ঘরে বাওয়ার ফেঠো পথটির जन्छ। आणि कि आज कंबरना किंक् है रमधव

मा ? अपने का भारत कार्रिय का किया जा जी है। किरन का किन् आमान (मचा देशीन कामि সেই সৰ বিষয়ে কনা কণিছিলাম। এইছাবে यक्षीक चनन्छव करतकाँछे इट्टाफ दकरछे শেল। এর অধুণা আমি কথানা ভগৰানকে ভাকিনি, ভাকার দরকার হয়নি বলে। হলেওর मञ्दर वन्म का जाई गाँछ वहस्तरा के द्दर बार व वेट्स प्रण-कार्या वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र हासारक লিখেছিলাম তেরো করুর বরুসে লিখেছি गांछ हामाट्ट भरतरका स्वस्का क्ट्र क्ट्रन লিখে গেছি কী করে চোখ বলে চলতে रत। আমি তো সব किन्द्र कराई निक्षत ওপর নিভারশীল তবে ভগবানকে আমার কী দরকার। যে নিজে নিজে চলতে পারে তার ভগরান দিরে কী হবে? তাই সেই व्यक्ति मध्य मन्त्र व व्यव हत् बार्ट्ड মধ্যে বসে থেকে বখন আমি ভগকনের কথা ভাষতে চেন্টা করলাম তথন তার কেরনা চেহারাই আমার মনে এল না। তবু আমি ञाकुल इरह क्ल्लाम दक्षा करहा. खामारक वका कट्डा-- आमान काथ किविटर मन्छ। সেই আকুলতার মধ্যে বোধ হয় একটা কিছ. ছিল আফার মনশ্চকে ভগবানের একটা চেহার ভেলে উঠল। কেমন জানেন? সেই অতসকাচের ভিতর দিয়ে আমি দাদ্র মুখ যেরকম দেখেছিলাম অনেকটা সেই রকম। সে যেন দদের মতোই আমার ভিত্ত কেউ যে আমাকে বড ভালবাসে, সে বেন একটা আতসকাচের ভিতর দিরে মিবিড ভালবাসায় শেষবারের মতো আমার মুখখানা দেখে নিক্ষে। যেন কলছে—আহা, ভমি কি

আমার রাজন! আমার কালে ি তারী ।

তোহার মুখন না। আমার বালের মারের মারের আরি লোকার নারের মারের আরি লোকারের মারের মারের মারের মারের আরি লোকারের মারের মার

্রশাদকতীর পা কথন থেকে শিরোছল। সে মুখ ভূলে শ্বাস চেপে শিক্তেস করল— সভিঃ?

ক্রমন কান হাসল আবার, ব্যাল— স্থাতা ।

ক্ষতো। —আপনি ক উকে এ গ্ৰন্থ বলকেন না?

—আমি দাদদাক এই ঘটনার কথা বলেছিলাম। দাদা তথন ছিলেন সম্পর্থ অবব,
তাই আমার বিশ্ব স ছিলে দাদা সেই ঘটনাটা
অবিশ্বাস করবেন না। তাই সেদিন সংখ্যাবেলা দাদা তার অদিকে সেরে এসে যখন বড়
ঘরটার আরাম কেদারার বসেছেন তখন অমি
তার পালে সেকেতে বসে সকালের ঘটনার
কথা বললাম। শানে দাদা আমার মাথার
নীরবে অনেকক্ষণ হাত ব্লিক্রে দিলেন।
টের পেকাম তার হাত থরখন করে ক'শ্রেন।
সেক্রেনিট্টা কমিয়ে দেওয়া ছিল, তব্ সেই



#### मद्रश्रास्त्र भूगा चा वर्षाव हित्य हैनवाक

## শরৎ-সাহিত্য-সংগ্রহ

রাখার অভিনব ও অভাবনীয় আয়োজন ২২**শে ভাদ্র (৮ই সেপ্টেম্বর )হইতে ৫ই আখিন** (২২**শে সেপ্টেম্বর) পর্যন্ত** 

স্মৃতিত রয়েল সাইজের রেক্সিনে বাঁধাই এই গ্রন্থাবলী ১০টি সূব্যুহৎ খণ্ডে সমাপ্ত।

প্রতি খণ্ডের ম্বা : ১২·০০ টাকা উপর্যুত্ত ভারিখের মধ্যে ১০·২০ পরসায় পাবেন

আমাদের নিকট হ'তে এই গ্রন্থাবলী স্বতল্য ও সমগ্র খণ্ড ধারা ক্রয় করবেন উপর্যুক্ত তারিখের মধ্যে, তারা শতকরা ১৫·০০ টাকা হারে ক্রিমশন পাবেন। ধারা বর্তমানে প্রকাশিত সমগ্র খণ্ডগলি ক্রয় করবেন, তারা কোন খণ্ড অপ্রকাশিত থাকলে তাহার উপরেও পরে সমহারে ক্রমশন পাবেন। ভাক মাশুল স্বতল্য।

এম, সি, সরকার জ্যান্ড সন্স প্রাইডেট লিঃ ১৪, বহ্নিম চাট্জো স্থাট, কলিকাতা—১২ आश्वात तिरुत्व बाश्याधुतीत ब्हत्तारे जनसित्र!



সারাদিন নারনারে থাকুর.. স্বিষ্ণ থাকুর... শোভন থাকুন!

নতুন চারমিগ্ আপনাকে সাবাদিন রিজ শীশুকা রাধ্যে। নতুন স্পৃক্ত টনে চারমিগ্ পাবেন। এর মধুর সৌরজ আপনাকে এক আশুকা রাহার বিবে বাকরেও এর স্বাভি বাহ্নরের বজ আপনাকে স্ক্রীবিভ করে তুলবে। আপনাকে এক বধুর বীজিতে করে তুলতে, চাই চারমিশ্

চারমিস্

মনোমুগ্ধকর সৌরভে **ভরা** ট্যালকাম পাউডার

CH.TP G.US

करन बाजादक एन्स्नाम छोत् गाल दर्द CORNE ME MINER MORE I STREET চপ কৰে চকৰে- ভিনি আদেও আদ**্** समारकतः, केनवारमक कथा कावरक किएक ভাল কেন একজন মানুবের কল্প ভাষতে কমেন? ভগবান কি মান্ত ? আমি এর **উত্তর পিতে পারশা**ম না। কিল্ড সার মনে তেবে দেখলাম-সভাত তে: ভগবাল कींग मानात्क्य माटाहे एमधा इस एर्ट आउ সে ভগকন কিসের? তব, আমি মান कानाय-बान्द रहाड मा भूव अवस्य मान्य है वे आकाम भएकत माथा, आने जान कार कार्यन गर्या एवन शहा मबार कुम्ब ब्रह्माद्य। महत्व मान् द्रांत क्लारमा कार्य श्रवाफ इत्यारे कि जातात হয়? প্রকাভতাই ধরি ভগবানের গ্র **তবে ত্রমি আকাশ, কিংবা পা**হাড় বিভাগ সম্ভে-কিংকা এসৰ যা কিছা মিলিয়ে জ প্রকাণ্ড চরাচর ভাকে ভগবন ভাবলে ম কেন? কিংবা তমি তোভবড়ে প্রাপ্ যে তিনি এ সংক্রে অতীত একটা শাস্তা সন্ধ্ এই কথ্য শুনে আমি ভেবে ফেখলাম যে ল **इत सा। भाराष्ट्र आकोम** बिस्ता आहार को **করে ভগবন হবে-ভারা কি** আমার প্রা শানতে পেরেছিল? তার্দর কি মন ৬ জ **হৈ আমার কথা ব্যাবে?** ভা ছাড়া তাঁহ ভার যে মাখ দেখেছিলাম তা অনেতট নান্ত **মতে ই - যিনি আ**মাকে খণ্ডে ভাগত জন। **चित्र एमड़े कथाडे शास्त्रक** अमासाय १ ४४म **পদ্ধ আর হাসলেন না**, আছবিভাগে ১প **करत दरेखान छ। दशक उर्ज समा**। तम एन —রুমেন, অনেক্রিন আর্গ ভ্রত্ত এবলা **ফলেছিলেন যে তিনি বাব বাব প**্ৰথবলৈ আসকেন। যদি সে কথা সভি। গো এটা ঠিক যে তিনি বার বাব প্রিয়ালে **আস্তেন। হ**য়য়তা এখন এ ম,গোলাও **তিনি আছেন প**্রথবীতে। কিণ্ডু মন্ত্র **एक कथा**णे विश्वास करत रा । दानरे विष् कथरना थे, एक रश्रंथ ना। विन्तु एपि १,७ **দেখো। ভূমি ভার কথা ম**নোষকে বে<sup>লাজ</sup> বোলো বে ভূমি তাঁর কাচে যাবে। এত আ কেউ না কেউ একদিন ঠিক ভোমাকে ৩ ব काटश निटन वएत।

ব্দেশনাসে শাস্বতী জিজেস কলে ভারেশর—আপান কি ভাকে থাজেই বেরিব্রেছিকেন ?

ক্ষমন সে কথার উত্তর নিজ মা, কলল— কিন্তু আমারা কোথায় এসে পড়েছি দেখেছেন ?

শাস্বতী দেখল, বাস্বিহারীর মেডা ভার মন খারাপ হয়ে গেল, বলস-ত্যাপনার ভানেক দেবী করিছে দিলাম।

ক্রমেন ম্দ**ৃস্থরে কলল**—দেরী হর্মান তে।? ভারপর শাশ্বভীকে একটা ভ্রনডেকারে ভূকো দিয়ে রমেন ফিন্সে। গত বাত প্রায় একটা পর্যক্ত বিরাদে গতিল পড়েছে। পার্টির অন্যতম প্রেটি কবিতা তার কাছে। পড়তে পড়তে হ'ল হল বখন মাথার পিছন কিন্তে তার একটা বাতলা দেখা দিল হঠাব। চোধের ছিল দটো টনটন করে উঠল। ছখন বই রেখে বাতি নিবিরে দিল কিলার। কিলাই পড়েছে গালে ব্রুল ছুকু আনহরে না। ছুকু সন্তে গালে ব্রুল ছুকু আনহরে না। ছুকু সন্তে গালে ব্রুল ছুকু আনহরে না। ছুকু সন্তে গালে ব্রুল ছুকু বালের বালের কে একটা রুকাল গাল কট্ কটে করে বেখে লিটি দিল। ভারপর বির্লা হাওয়ার ব্রুলের বলে দক্ষার তালা দিরে বেরিরে পড়ল।

বট গাছের তলার কন্দাংলো ছেলেছোকরা বসে আছে। তারের পরতে সরতে সালি, গানের বছচতে শান্তী, মুখে সিগারেও আর ছাতে মাডির ছাঁড়। রাস্টার আবছা আলোর তানের সেখা নার। তা খাওয়ার মতে। করে মুনাক দিয়েছ ভাড়ে। একটা, চা খেলত বিভাগেরও ইছে করছিল। কিন্তু সে বাছাকাছি কেনো চারের সেকান সেখতে পেল না। অসপ দ্রের একটা পানের দে কান খোলা আছে কেবল। সে দাভিয়ের বাপ নটা ব ধাবার চেন্টা করছিল। আনি একটা ছেলে উঠে এসে কড় গলার ছিল্পেস কবল করি চাই।

িম্য একটা ইত্যুত্ত করে বলল— ৬৪টা চাক্তার পাওয়া যায় !

্টেরেট খাবে অন্তক্ত হতে বজল—য়ে! প্রন্তমাক কে একজন জিজেল করজ— তে ৪৪

কেলেট মূখ ফি বিশ্ব কলল—চা চাইছে। গা-আ-আ-ক্ষে একটা **হাসির শ**ৰ্দ হলা। যাও একজন বলল—নিয়ে আয়, চা খাইছে বিজি

মার একজন বলল—হার্ট, খাওয়াও মার কি-এমন প্রসার মাল কেমথাকার কোন মতাকে—

ন্যাঃ, মান ক উকে বিষিট্ট জ করতে নেই,
পাপ হয়। শচে, নিয়ে আয় ভালেনাককে—
মাপর মধ্যে তথ্য এম্য একটা নপদপ রক্ত বওয়ার শাদন হাছে, আর এম্য নৈটো করছে
নিটো চোগ যে বিমান ব্যাপারটা খ্য ভালা ব্যাতে পারল না। এরা তাকে মান বাওয়াতে চিছে। সে কংগো খাম্বনি। কিল্কু মাথা যার চোকের এই অসহা খাল্যায় কিছা একট করা দরকার। যদি খ্য মেশা হয় ভালা সে হয়তো খামিয়ে পাড্যে।

থেলেগ্লে খ্র ফরাপ নয়, সে এগোটেই
বিন্নো বেলীয় ওপর একটা সরে বসে
ভার জন্ম জালগা করে দিলা। বসায় পর
বিনান বেখল এদের দলে—কী আগচর্য—
একটা মেয়েও রক্ষেছে। চেন্তেটার ম খ
জ্যাপিকে ফোরানা এক একপ্লাক বেখলেই
বোনা বার মেয়েটা একেবারে রন্দি। মানে

ক্ষতিবিত্ত পাউডার, খ্ব সমতা ক্ষমানে একটা পাড়ি। হেকোগ্রেলা ওর নিক্ত ভাকাক্ষেত্র না, খ্ব সম্ভবত অসর গ্রম করার কন্য ওঠে নিরে এসেহে ভাড়া করে —ভারকর স্বাই ঠান্ডা মেরে গ্রেছ। বিশ্বান চোৰ ফিরিয়ে নিজ।

ভাতি প্রথম চুমুকটা দেওয়ার সঙ্গে সচ্চেই হার নমণ্ড শরীর পেট থেকে জিব পর্যাত্ত করা নিঃশন্দে চেটিরে উঠল—না, না, এ জিনিস আমরা নেবো না, এ জিনিস আমাদের সংখ্যা খাপ খার না। বিমান না,খর মধ্যে টেকিটাকে রেখে বঙ্গে বংগা করিব; গিলাতে পরেল না। ফেলাতেও না।

তার পাশ বোরে বসে আছে সেই
সম্বেদনাশীল ছেলেটা, যে তাকে ডেকে
বাসরেছে এইখানে। সে ছেলেটা তেমনি
মাদর বসার মতো গলার ছিল্ছেম্ করে—
কেমন লাগছে ?

বিষ্ণান চেকিটা গিলে ফেলস। কাশির দমকে চোথে জন এসে গেল ভাব। স্লম্পত্ত-ভাবে ধনসা- ভাষণ ঝাম আর ভেত্তা-চেত্তা —এতে কা ফলেন

—কী জানি। শালার। কাত কিছু মেশার। কারবাইছে থাকাতে পারে কিংকা বে কোনো প্রচান। কিবতু এসব সারে হার ইম্নানিটি ফার্মা করে গোলো কিছাই আর হার না—াগামি তে বিলিতী জিনিস কত খোরেছি কিবতু বাংলা মালের তুলনা হয় না —আহা, বংগার মাটির জিনিস, বাঙালীর হাতে তৈবি—

বসতে বসতে ছেলেটা কণা থামিয়ে গ্র-গ্র করে গাইতে স্গল--বংগ আমার, জননী আমার, ধারী আমার, অমার--

— ও আমার সোনার বাংলা— হার একংন আব-চেতন সরের গায়, তারপর হেসে ৬ঠে। সেই সম্প্রেনাশীল ভেলেটা নীচু গলায় জিজ্জেস করে—কোমার বেরির্মেছিলেন। — व्यापा क्छ दावा शहरीका।

-- १४८३ निमः। याथा ह्यः व्यक्तिः भारतम् मा। ह्याधादः शहरतनः १

—কছেই।

-001 ?

-2-1

্ছেলেটা হাসকা। তারপর কানের কছে মুখ এনে বলল—তা হলে আপনার জন্ম আরো ফাস্টা ক্লাশ বলেন্বত করতে পারি। এ যে মেরেটা—ওকে ঘরে নিরে যান। ও অপনার মাথা টিপে স্নের, পর্যস্কার করেই, ছাম পাড়াবে—দার্গ একপাট নেরে—নেরেন সংখ্য ভর নেই, ওকে কিছু দিতে হবে না। টাকা প্রস্থা বা দেওয়ার মাথাছিলে রেখেছি—

নেকে! মেতে লিয়ে বিষ্ণান কী করবে। শ্যান সে ভবিধ চনকে ওঠে, তর পেয়ে পরে —ন্যান্যা, তার দরকার ফাই—

শ্বনে থেকেটা ভীষণ হাতাশ হয়। বাজ—
নিন না। মেরোরের বা বা থাকে ওর সম্ব
আছে, বয়সও এমন কিছা বেশী হয়নি।
কেবল আম দের কাহে একট, প্রেরানা হারে
গেছে—বাজ আদে তো, তাই—কিন্তু
আপনার কাছে বেশ নাতুন লগাবে—নিমের
বান—বলে ছেলেটা মুখ ফিরিয়ে মেয়েট কৈ
ডেকে বলে—পার্ক, এই ভদলে।কের সঞ্জে
যাবে? যাও না—ব্র ভাল লোক—

মেরেটা ফিলেও লেখে না। আর বিমানের ভারণ ভর করে। সেই ছেলেটা বলে-নিন না। আপদার ভালোর ছলাই বলাচ--

নেদণিটকে খিরে অবো সাত আট্ডক বসে পটিটো ছিল। অধ্যকারে তাদের কারো মার্থই ভাল দেখা যার না। তাদের মধ্যে কোট একজন .চেচিরো কলল—কে নেবে পার লকে? কেন শক্ষো। আন্ধ পার্কা অমরে।

## ভ্যাদিমির মায়াকোভ্চিকর ভ্যাদিমির ইলিচ লোনন

সিশ্বেশ্বর সেন অনুদিত

কেনিনের জীবনাবস্থান (১৯২৭) মাধ্যাকাত্ পিক পতিত "ভ্যাতিমির ইন্সিচ লেনিনা" এক ঐতিহাসিক মহাকারে। এই স্থাতি কাবে। পরে পরে উল্মাচিত হারেছে শোষিত গালাবী মান্তেই সংগ্রাম ও বিজ্ঞান বারে, র্লালেল বিজ্ঞান কার্জালাক মহাবিশ্বাবে বিজয় এবং কাল্ডানী, মৃত্যুম্বী লেনিন। সম্প্র কারেছ মুব্রাহিত হয়েছে অবিশ্বাম, উত্তাল বিশ্বাধী জন-ভরত। নাম ভিন টাকা পঞ্চা প্রসা।

লেনিনের জন্মশতবর্ষপাতি উপলক্ষে প্রজাশত

· **সারুশক লাইরেরী ঃ** ২০৬, বিধান **সরণী ঃ** কলিকাতা ৬



## खाश्रतात यपि উल्लिथयागा कात श्रतिकन्नता थाक जाश्ल खाद्यता खाश्रताक खर्थ त्राशया कत्रव

আপনার যদি কোন মুদূচ পরিক্ষনা, আবশ্যকীয় কারিপরী জান এবং সাফন্যজনকভাবে কার চানাবার দক্ষতা থাকে, তাহনে আমাদের কাছে আখুন। আমরা আপনাকে আপনার নিজয় কুন্ত শিষের শন্তন ক্যানে সাহার্য করবো।

সকলের সেবায় ষ্টেট ব্যাস্ক

क्या वाम (क्रांता) ७ भाग व्याप केंद्रे भागात्मा मावान विद्यात । यम करत रमभागोदास काकि स्वादम क्रांत करत वान वाना हारच स्मातकोत बद्दान कृत्य वात् प्रभू रम्थात रम्पो करत। करण कृति वाराम मुखे?

মেরেটা কটকা মেরে ছেলেটার ছাত্ত সরিরে দের! ছেলেটা তথন দেশাসম্ভরের কাঠি ফেলে দ্ব ছাত বাড়িরে খিমতে ধরে মেরেটাকে। রে-রে' করে হাসে। মেরেটা ছানা কাপটানোর মতো শব্দ করে।

क्कर्ट जात्था-अन्धकात्व 2(國)7年( साभातको हनएउ शहक। व भाषकोष क्रात्माक क्रिके शास्त्र मा, वर्षेशास्त्र छेल्हो দিকে একটা পোডো ফাঠ-ভার ওপাশে र्वाञ्छ। 'खारमभारम मृद्र धक्रो शर्दीय-भूद्रवात मौन-मतिश याना सरस्टाः विन्छ কোনোখান থেকেই কোনো প্রতিবাদ আংস मा मार्च एक्टब बाटो जारभ मा रेलाक। इसाज ঐ সব কাসাক যারা ভাকে ভারা অন্ধকারে জানালার খড়খড়ি খালে দাশটো দেখার চেন্টা করছে নিঃশক্ষে, হয়তে বউকে **क्षित्रीक्त्र कार्य कार्यः**—कौ कान्छ शहक দেশ গো—সেই বদ ছেলেগ্রেলা গো অঞ্চটা মেয়েকে...। বউ হয়তো ঢাপা বাংগৰ প্ৰৱে বলছে--তা তোমার ভথানে দ্রকার কী? भिनका**न जान ना, जा**नाना दस्य करत करन £(7)

এবার ভাঁড়ের ওরল পদ্রপ্রটার কেনো তেতো-কট্ ধ্বাদ পোল না বিমান ৷ চক-**ঢক করে জালের মতে: খেন্তা নিল। কিল্**ছ সমস্ত শরীরে বিদান চলকে মেঘ ডেকে **डेटन राम।** काम प्राथ रहाट्य दर्भक्ष বাজনা বেজে উঠল। মনে পর্ড গেল **व्यक्तिक रम अवने। रम**रस्यक वंधिरसर्छ। সরভা, শিশ্বে মতো একটি মেছেকে। মেসেটা क्षिक्ति। अव ध्यासरे क्षिन एकनेना মান্ধের জন্মের রহসা বাঁধা থাকে ভারই আহিলে। সে জানে, তাকেই সংভানের ভার बर्भ कवरङ हरन, वश्च करण्डे धन्या पिराड हरन। ভবে সে কেন বহন করাবে খেমন তেমন শৃশ্তান-সে কেন চাইবে যে খালি সংতান দিরে যাক আদ্ধ গভে ? বরং সে মনে মনে प्राथमा करत द्वार्थ धककन भारत्यत्र सारक সে হর তো কখনো পায়, কখনো পায় না, কিন্তু অংশক্ষা করে ধাকে। যদি শ**্**ত শ্রুবেও ভার দেহ ছি'ড়ে খার ভব্ সে স্কভাবে থাকে একগামী—খ্যাকে সে হরভো कथता प्रत्यान स्मेरे एमणे अक्लन भारत्य **छात जन्छरत न्यामी हरत शारक। छा**टे रमरत्रमान्द्रवरक ना हिन्दम छाटक कच्टना र एक तारे। किन्कु भू भे हाबात भएका वर्ष-গামী পরেবে মাটি না চিনে বীক ছড়িয়ে ৰয়। প্ৰিকাশ্ত কত মান্ৰ তাদের क्किशिका क्वीरम्स क्वाश्तमक क्दत गाउ

নিজের অকাশ্যে। কখনে কোকে না একটি প্রতিক্ষিয়া কড দরে স্বানাশ নিয়ে আসে।

কল্মছ ছাড়ির একট্ দ্বেই কল্ফারের বাঁডি লেবনো একটা ট্যারি গাঁড়িরে আছে। ট্যারিটা বােষ হয় এদেরই ছেলেটা পার্লকে সেই দিকে টেনে নিয়ে যাকে। অনিকান বাকে পার্ল, তাকে বেতে হবে কলে। সে টাকা নিয়েছে। অন্য ছেলে-গুলো চপচাপ বলে থাকে।

মাধার মধ্যে তীর বল্লগাটা হঠাৎ কেমন ভৌতা হয়ে আসে। এক ডেলা মার্টির মতো অথহীন লাগে মাধাটাকে। বিমানের হাত-পা অবশ হয়ে আসে। ফাধা বিমানিত্র করে। সে হঠাৎ পাশের ছেলেটাকে ফিস্-ফিসা করে বলে—আমি ওকে—ঐ পার্লকে নিয়ে বাবে—

হেলেটা হেলে ওঠে। চেচিত্র কলে— গলং পার্ককে হেড়ে দে, এই ভদ্রবাক রাজী আছেন—

তেবলটা কলে কোট্ শালা। আজ পার্ল আমার। আমার হাত কামড়ে দিয়েছে পার্ল, অম্টে দিয়েছে গালে, তব্ আমি ভালবাসার জনে বাজি—

—শ্নেকেন তো, ও ছাড়বে না। আপনি বান না, ওর সংগোলড়ে কেড়ে নিন পার্লকে। যদি পারেন তবে আন্তর্জা স্বাই ক্লাপ দেবো—যান না—

ছেলেটা ভাকে ঠেলে ভূলে দেয়। স্থাই হাসে, চাপ্য গলায় বলে--খন না, মশাই, যান--

বিমান উঠে দাঁড়ার, কিম্পু ঠিকমাতা দাঁড়াতে পারে না। পা ফরণ হরে অংস। সে আরার পড়তে পড়তে সামাল নের। এমন অশালীন, কুংসিত একটা দাশা সে আর কথনো দেখেনি। বহু পরেষের মধ্যে একটি মেরেকে নিরে উন্নটিন। আজ বিকেলে সে একটি মেরেকে বাঁচিরেছে। যে মেরেটা বাঁচতে চেরেছিল। কিম্পু হার, ঈশ্বর এই নন্ট মেরেটা রে জানেও না সময়-নাতা কে'দে উঠতে। একটা, পরেই ওর জোর নন্ট হয়ে বাবে—আর ভারপর—

হঠাং দ্ব' হাত ওপরে তুলে বিমান চে'চিরে উঠল—বাঁচাও—বাঁচাও—

কিন্তু কিন্তু হল না। গলার স্বর ফুটল না তেমন। হতাশভাবে ভীত চোবে বিমান দেখল অস্থকারে ছেলেচ্ছেলা স্বাই তার দিকে মুখ ফিরিয়েছে। তাদের সিগারেট জনেছে।

কিন্দু কেউ কিছু করার আগেই বিমান খ্র ক্লান্ডভাবে মাটিডে পড়ে গেল। চোখ বোজার আগের মৃত্তে তার মনে হল—সে একা বড় অসহায়ে। বিশক্তের শহদেল বড় প্রকা। এখন খ্র শতিমান, খ্র প্রকাণ্ড কেট যদি ভার কাশে থাকড়। ভারপর আন্তে আন্তে **হ্রিরে প্রচ**্ছিল বিমান।

খ্ৰ ভোৱে তার খ্ম ভাঙল, ব্ৰেক্ত এখন অংলাটি চোৰে পাড়ার সংশা সংশা ।
শিক্ষণ বেংগ দপদপ করছে মাখার শিরা।
ভাল করে চোন্ধ খ্লাতে সময় লাগাল অলেক।
চোরে দেখল সে গাছতলার পড়ে আছে। ভার
চারদিকে ভাঙা মাটির ভাড়, শালাপাভা,
করেকটা দেশী মদের বোজন, ম্লোনা
ভাতোর ছাপ। দ্ধ একজন কৌত্রলী
লোক পথ চলতি না-খেমে ভাবে দেখতে
দেখতে চলে যতেছ।

খনে ফিনের তালা খনে ভিতরে চ্কেডেই
সে একটা জিনিস টের শেল। ক্র্কেল
বাবে ভার মাধার ভিতরেট আকর বাকা
কাগছে। সে মাধা ঝাকাল, কিন্তু পানী
টের পেল মাধার ভিতরে আকরণের একটা
অংশ চাবেক কাছে। কেরোছে না আব্দের
আব্দেত বেলা বাড়তে লাগল, আর সে টের
পোত লাগল কোন স্মান্ত থেকে আকরণের
শ্বাতা ভ্রারপাতের মতো নিঃশন্দে ভার
মাধার ভিতবে খনে পড়ছে।

খ্য বিষয় হয়ে গেল বিমান। **আর মার** করেকটা দিন। তারপরেই সে আবার কিছ্
গিনের জন্য পাগল হরে বসবে। পাগল হরে
বাওয়ার নাগের এই সক্ষণগ্রেলা তার খ্ব
চেনা। এখন পরিচিত স্বাইকে এই খবরটা
তার জানিয়ের দিতে হবে। তেমরা স্বাই
সান্যান গোকা, আমি পাগল হরে ক্রিছা।

স্বার আগে খবরটা জনানে দরকার অপ্রণিক। সে হরতো একদিন না জেনে হাই করে চলে আসবে। ভেবে-ছিল্ছে অপ্রণাকে একটা চিঠি লিখল কিমান-অপ্রণা, আমি অনেক দিন ভাল ছিলার। অভ স্কাল থেকে টের পাক্তি আবার আমার সেই পাগলামিটা আসহে। করেক দিন ভূমি অর এসো না। অমি ভাল হরে গেলে

চিত্রিটা ভাজি করে সে উঠ**ন। আছে** পারে দিয়ে ঠিক দ্বান্তবেলার সে কেরিছে প্রভান।

(300)

## একজিমা রোগ

সোরাইসিস প্রিত কত বরুদের বাজেক তুলা, বেত-দাগসহ আরও জনেক করিন কঠিন চমারোগ ইইতে মাডিলাভের করে এই বংসদের চিকিংসা কেন্দে চিকিংসিড হউল। হাওড়া কুউ কুটীর, ১নং মাধর বেল কেন্দ্ ব্রুট হাওড়া। কোনঃ ৬৭-২৩৫৯। লাবাঃ ৩৬ মহাঝা গাছী রোড (হ্যারিসন রোড), কলিভাডা—১। প্রবী সিনেলার পারে।



## नवून यूराव नवून सक्-वान शक्ष अध्धम स्कान ग्रवशव क'रव (मर्शक्न कि ?

শিঙ্গ এপ্লেল ক্যে মেক্-আপের পক্তে নিপুঁত, বেকে ছড়িছে শাড়না। ছোট হাতবামৰ রেখে ভাছড়ে। চের বেশী মোলায়ের শাউভার---বিষয়ের প্রক্রিয়ের শাউল ক্ষিত্র কিন্তু

বিশেষ অফিলায় জীম মিশিরে তৈরী।
শণ্ড স একেল ফেস লাগাতে কোনো আমেলা
নেই! সলে বে পাফ থাকে তাই দিয়ে তপু
বুলিয়ে নিন। পলকে আপনার মুখনী হয়ে
উঠবে অপূর্ব স্থান্দরআর সেই ছলছাল লাবগোর
আভা ঘণ্টার পর ঘণ্টা যেমনটি তেমনি থাকাব।
শণ্ড,স একেল ফেস কখনো কৌটোর ভেতর

বেকে ছকিছে পছেনা। ছোট ছাতবামৰ রেখে বেবানে খুলী চলাচেরা কক্লৰ। পলকে পরীর মাতা সনোছারিনী হাতে চামাতা আকই পছ,স একেল কেস মাধাতে গুক্ত কক্লন। চমংকাক নীলে – সোনালিতে মেলা বঙীন কোটোয় পাওয়া যায়। কর্মবাত স্থপত্তীদের মুখের রঙের মান্ত মানান্তই হারক রক্স বঙ্ক পারেন।

শারা ছনিয়ার রূপদী ভরুণীর। পশুস এঞ্জেল ফেস ব্যবহার করেন।

Angel Face



डीकट्या-भश्म हेन्क (भीविक मध्य मानिन मुखबाद्ध गरमधिक)

তিয়োর বোনে বাঁশের আটল

ত্তিৰ তিরিল হাত লক্ষা এক 'কেগান্ত'
মাটা 'বালনী' বাল পাঁচ সাত মাইল
মুর কেকে কাঁধে করে বালে আনতে 'হেংড়া সেকে' যার। গাড়ি টালা পরুরে কাঁধের মতো কড়া পড়ে যার কাঁধে। এক হাঁট, কাষা-লোক ঠেলে এগোতে হয় এই বর্ষাকালে। পাঁকাল মাছের মতন লিছল এ'টেল মাটি, হাজার বুড়ো আঙ্লা টিপে টিপে চললেও— হাঁদ একট্ পা 'হড়কা'র তো চিংপটাং। বাল সমেত পড়লে কোমরের খিল ছেড়ে বাবে।

'च'्नि', 'आंग्रेल', म्श्रीत', स्वीकृति, প্লালা তৈরির জনো দ্রকার বাশনী আর কলালে বাঁগ। একথানা বাড়াই বাঁশনী বাঁশের ছাছ তিন টাকা। 'তল' ভা' হলে দ্ৰ-টাকা। ফটোরী হাতে 'তিয়োর' বা 'ডে মে'রা বাঁশ কিনতে এসেছে দেখলে চাষীরা কামত দিয়ে দর ধরবে। নইলে ঢালি ভেলাকো' 'গােডি ভেলকো' বাঁশের দাম একলো প'চিল টাকা শ। প্রমান বাছাই বাদ। সরা তড়িপ বাদ ষাট টাকা। মাঝারি আদি। 'ডেলাকে।' বাঁশ रवीम मक कारकार वॉमा। 'बाख्या' वॉटनव গাঁটে গাঁটে হয় প্ৰচৰ কৰি। সেগালো ছাডাৰ মতো চারদিকে ছডিয়ে থাকে ভিয়াক রেখার। 'ছাওয়া' নাশের বড় একটা উপকর পাওয়া ধার না, ভবে কাউ, সিন্ন, বরবটি, কমডো পালা ঝিঙে করলা ইতাদি লতান গাছেত ছবিলার জনো এ বাল খাত কাজে লাগে। কণ্ডি বেশি কল এর ভাউলাইয়ে মাছ ভার 'শ,'ড' বা আঁকাড়ি জড়িয়ে বে'র চারণিকে প্রসারিত হত্তে পরবে।

বেশিনী। বশি পাকরে । পাত্রড় লাল হয়। তিন পো এক হাত ছাড়া পাব' হয় এর। কব্দি হয় পাতালা। তিন 'স্তুন' বাঁদা ঘরের কাজে লাগে। কাটারি মেরে মেরে ফাটিয়ে 'ছাচিা' তৈরি করে 'আগ্যেড' বা দোর অথবা र्दिषा करा दश । भूगीरेत काटब उ मार्ग उरैन গোড়ার দিকটা। নচেং এ বাল ফ্রাপা। জেকেরা ইলিশের জালের চোঙা তৈরি করে এ বাঁশ বেকে। 'ভল্ডা' একেবারেই ফাঁপা। চলচলে নরম প্রকৃতি এর। এ বাঁশত চোভার জনো জেলেরা ব্যবহার করে বদি খুব মোটা হর। এর জটা বা ভূ'ইফেড়ি খেকে ভাল 'ছিপ' হর। মাছ মারা চৌকির 'ছড়' এবং আডেবাঁশি তৈরি করা হয় 'তল্তা' বাঁশের সর: ভূ'ইফোড় থেকে। প্ৰ বাংলার মান্বরা 'তল্তা' वीगरक भागि वीम वरता। मानि वीम स्थरक স্পর স্কর ছামাড়া দর্মা তৈরি করতে ওস্তাদ পদ্মাপারের মান্তরা।

চাৰীবাসীদের ভাছে বাঁশের চাইভে উপ-কারী বশ্চু আর শ্বিতীর কিছু নেই। কথার বলে হলে বাঁশ মলে বাঁশ। সম্ভান কলের পুর ভার নাড়ি কাটার জলো চাই বাঁশের



'চারিটি' আর মরলে চাই ছরিবোল দিরে কাঁধে ভোলার জন্মে বাঁশের 'বাট্লি'। আর ম্সলমান্দের পিছনে ভো বাঁশ ধাওরা করে একেবারে কবর প্যশ্ত!

'ঢ়লৈ ভেল্কো' অথবা 'গ্ৰ'ড়ি ভেলকো' বাঁশের চাহিদ ই বেশি সংসারে। তাই গ্রামে গ্রামে প্রতি চাষ্ট্রিই তা বাঁশের কাড থাকে। 'বাঁশনী' বা 'তল্ডা' তেমন কোনো ক'জে লাগে না কলে ঝাডে পড়ে খেকে পেকে যায়। ভোম বা ভিয়োরদের দরকার হয় এক সনের বা দ্য-স্থের ক'চা বাঁশ। কাঁচা বাঁলে ছাণ ধার — তাই ষর বাডি তৈরির কাজে পাকা বাশ চাই। কিন্তু পাকা বাঁশ এখন পাবে কোথা ? পান বরেজ আর কলকাভার বড় বড় ইমারত তৈরির কাজে সমুস্ত কাঁচা এবং মোটা মোটা এক স্থান দ্ৰ-স্থানে বাশ গাড়োয়ান খণেনৱংগর বীটভর বাবসায় মিলে হাবভ' হয়ে ষাজেচ। কণ্ডেই কাঁচা বাঁশে ধর তৈরি করো, খাুণ্টি मां अ आएकाठी, 'नाम ना' मां अतुमान পাড়েন, দাহানে, বাখারি, বাটাং করে। সব ছ-মাসেই বাধ ধরে ভেডে পড়বে।

गांध फिरमद रामाडे नव श्रीफ बाटा-वरि वर्षा क त्नल-गाछि गाछि यौन नाटक छान খেতে শহরে। পাকা বাস পাবার উপায় নেই। তিন সন পার না হলে বাঁশ পাকে না। পাঁচ সনের পর বাল দুকিরে যার। শহরের ব্যাপারীরা মোটা আর লব্দা বাঁলের বেলি দাম দেয়। ভারা ফি:ভ দিরে গোড়া भारत। कारकें कारों। कांहा वान। यात कांहा বাঁগও বেশিদিন টিকবে না—তাতে ব্যবসার লাভ বেলি। কাঁচা বাঁল কাটলে ঝাডের भर्तनाम दह। किनना धक मत्नेत्र धरः मृ-ज्ञात्व वीराव घाल वा "मारणा" स्थान 'তেউড' বার হয়। তিন সনের হয় না। সেটাই কটোর নিরম। এব পর ভোমের স্কেলরা কণ্ডি কিনতে এসে যদি মালতক লানা বহুং কণ্ডি বিশিশ্ট 'কাক মরা' বাঁশের কণ্ডি কেটে লের আডাই টাকা তিন টাকা পদ দরে তবে এক রাতের গালোনি কভ খেলেই কাড়ের সমস্ত বাঁপ ভিটকে পড়ে হাবে চার্যদকে ছত্রথান इत्स ।

ভখনকার ব্রেড়া বাপ ঠাকুরদারা বলত, 'গুরে কাঁচা বাঁপ কেটো না, পাপ হবে। দানি মংগল বাবে যাঁগ কাটতে নেই।' কিন্তু এখন কে সেন কথা লোনে! কিন্তু মাসলমান গাড়োরানরা ভানের আড়াই সের ওজনের ভারি কাটারী মেস্কে এক কোলে মতই কাঁচা বাঁশ কাটার ডাম বা ভিরোররা ভা করে না। ভারা বাঁশ চেনে। ভব্ও লোকে বলে, 'বাঁশ বাগানে ভোম কানা!' ভার মানে একটা বাঁশ দর দিরে সে কোঁড়া, চুবাঁড়, কুলো, খ্টুমি, চালানী ভৈরি করবার জনো কানছে, বেছে নিতে হবে ভো? কোনটা নোবে না নেবৈ ঠিক করতে ভার সময় লাগাবে

#### ঃ প্রমা, প্র, 'বিশেষ পার'র জন্যা বি শষ প্রয়োজনীয় ঃ ভঃ আশ্ভোষ ভটাচার্য লিখিত দীর্ঘ ভূমিকা সম্প্র

এবং অব্যাপক শীস্ভোষ্চন্দ্ৰ বন্দ্যোপাধ্যায়—প্ৰণীত

#### পাশ্চম-সীমান্ত ৰঙ্গের লোক-সাহিত্য

উৎস ও অভিপ্রায় ১০ ্ সংশংশ বৈজ্ঞানিক দ্যাতিতে এবং ভূচনাম্লকভাবে লোক-সাহিত্যের আলোচনা প্রশা

> কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের রবীন্দ্র-অধ্যাপক তঃ আশ্বতোষ ভট্টাচার্য-প্রণীত

## नाष्ट्रकात श्रीयथ्र मद्दमन ४

त्रामान अन्य दकार । ১/১७ योग्का गागिनी न्योरि । क्लिकाणा ১২

#### बहेकि। किन्छु शाका तीम जंगहे काता।

জিনার ভাল জেন এ দ্টি সংগ্রনত জিনা কৈলোল শশুলার নিক্রবর্গত হিন্দু। জাল বাল বেকে বাখালি কেকে সর্ সহ কাল বাল কাটি বিবে নাম ধরা অনি-, কালে মুদার হালিবা পোলা কালা এবং অলভা বাল থেকে এসব কালিবা এবং অলভা বাল থেকে এসব

তিন্দ সংগ্রানরের লোকরাও নিজবর্ণ বিশারে এর 'জুলি ভেলকো' বা পার্ডি ভেলকো' বেকে তৈরি করে 'ঝেড়া', 'কুলো', চুবজি', চান্ডারী', 'ধ্চুনী', ছাকনি' জালের ক্লেডে' ইজাদি।

ক্ষাতা থানার উত্তর পূর্ব দিকের বিপতীর্ণ ক্ষাকা ক্রেড় সতোল, কলসা, হরিশপ্র, রামনেখা, কলাগাছিয়া, হিন্দেবেড়িয়া, দেবত-কালনা, ঢোলা ট্রকারী করেকটি প্রামে প্রায় বর্শ হাজার বর তিরোরের বাস। এনের উপাধি মালা, সরদার, দাস, মণ্ডল, মালিক প্রামানিক ইত্যাদি। পাশের গ্রামগ্লিতে বাস করে ডোমেরা। পশ্চিম পাশের গ্রাম ব্বেক, লোশালপ্র, সরার হাট, সোনাড়িয়া, মোহন-প্রে ইড্যাদি গ্রামে সতেরো শো ধর ম্সলমার্ল কোলার বাস। তারা নিজেরা চরকার স্তৈতা পাক দিরে হগতের ভাঙ



भारत्यका कीटम बीक निरंत जाति मारणव रभिंडे बरस निरंत जारून

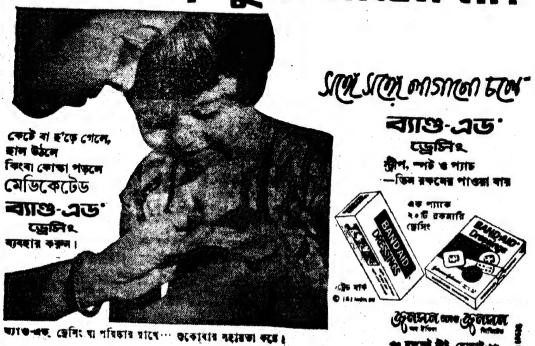
চালিরে গামছা, মশারী, ধ্বীত, শাড়ি বোনে।
বেখানে তিরোর সম্প্রদারের বাস সেসব
জামগা এখন বর্ষার জলে ডোবা। পথঘাট বিরল। দ্-চারটি কাঁচা মাটির কদমিবহল আল পথ। পাড়া থেকে পাড়ার যোগ। জার বর্ষা হলে সেসব পথঘাটও ভূবে হার।
শালতি বা ভাল গাছের ডিভি তখন ভ্রসা।

बात निरंक शादमत शव शाम, बार्टन शह शहे सन्दर्भ काम स्कारणं जिल्ला विश्वन मारक नरका ट्यांडे ट्यांडे आय-काल-नावानक WIN - WILL CAMP A THORSE CALL ! BOILD व्याक्टरके कारणा हुन वर्षात शह बहार जनानांत्र विक्रिक्ता। स्रोक नवर (राज्यान बहाकार, स्थानका कान, जीव कान, शकीन कान, टनारमा निर्देश माद सहस्त कार्य। बाला अस्ये, जरुवाशम, स्रीत किरत्व बार्ड, वात्र আছে বাঁলের আছে। গাঁরব গোরস্থদের গাঁচ নাত কাইল দৰে খেকে বান কিনে কাংধ কৰে ৰৱে আনতে হেড়ো লেকে বার। কৰি কলে **उ**ठि। के बाज़ा स्थानगरक वा स्मावनगरक য়বিবারের হাট খেলে বাল বিন্তে হর। চারদিক থেকে প্রচুর বলি জাসে শাক্তীত করে অধ্য লেদ বেত্র অলের ওপর দিরে টেনে टिंग्टन। दिस्ता नवा। बाटनद वक्त बावना, विका টাকা ভারাই সেসৰ বাল কিনতে পারে।

পাড়ার চ্কেলে ধেকতে পারেন ঝোবছা কোবড়া কুড়েবর। খড় বা উলুরে ছাউনী। খোলা বা টিনের ঘর বালের ভাদের অবন্ধা মাঝারি। পাকা বাড়ি এক-আধ জনের! সভোল গ্রামে আছে একটি হাইন্ফুল। দেবছ-কালনা, ঢোল ট্কারী আর সভোল গ্রামে বাস করেন পু-এফ ঘর ব্রাহ্মণ। ভারাই শ্রীভো-আচ্চা করেন এদের।

মুনি, আটল, ফাঝার, ম্পরির মাল তৈরি

# ज्ञान क्रिक तित्तत ता!



হাল মেয়েপুত্ৰ মিলে কাছাকাছি গুলু মাইল গোৰে পাঁচ সাভ মাইলের মধ্যে মোহমপার. भवाव शाहे, लागामणामा व्यक्तिमाना यामवाव हार्त्ते विकि क्लरक कारम । श्राह्मस्ता कारम वांक निरंद शासानात्मक बरका स्तांत प्रारमक रशिं क्टा निता जारत मांकी मागरक भारक हमात जाटम जाटम । देनदेशका नीक टना अक काश्रम वान्तिक सबाब मटका किंचियाक वा 'आते' व 'वाबा माचार्च मिट्स कामा-दमाक क्षेत्र करा मानित मानित करिए बादक हारा करतः। व्यक्तिवारमञ्जू हाते धत्रवास करमा তারা বৃহস্পতি, শক্রবার ভোর বেলার দংগল **छात भथ कराड़ क्रिकेट थारक। कश्राना** কখনো হাল্লাক হয়ে গেলে বউতলায় বোঝ। লালিয়ে থালের জলে নেতে কোমৰ প্রতি एकाहरक' वा 'फिहांकदि' स्मरत छै। काना ধারে নিরে সকলে জটল। করে উবা হয়ে বাস বিভি টানে। **রায়পুরে ভিন্নে তবে নৌকো** ধরার। তারপর যাবে দশ মাইল দার উলা-বেড়ে। সেখানের হাটে বসে মাল ব্নবে চাহিদা মতো। একটা আডাই হাত লদ্বা, দেড হাত চওজা পাঁচ সাত টাকা গামের कांकादि वा आधेन इतन रेडींत बल शीन সবাই খান কড়ি করে রাখে তবে হাটে জারগা গাবে কোথা? পাঁচ সাত শেং ভিয়োর আসে যে প্রতি হাটে! চোল্দ নন্দর হলেটর পাইকের-দেৱত কেউ কেউ **মাল পাট**কিৱি দেয় খাদেৱ হাটবাজারে ধাবার লোক নেই।

সতোল থেকে भाँठ **भारेल प**रत अताव शाउँ -- এ হাট বলে বৃহুম্পতিবার আর রণিবার। দা মাইল দারে শাকাকুর সোমের হাট গোপালপরে। আরু মিতা হাট অগাং বাজার বাস পাঁচ মাইল দারের হ'রণ ডাঙায়। মেংনপ্রের হাট বুধ রবিবারে। রাথবার হাট বৃহস্পতিষারে। আরু আমতলার হাট মগ্রল শনিবারে। কোথার মাল বেচতে যাবে শও প্রতিদিন হাট আছে। সমাজকতাদের দ্বারা এসব হিসেব করে দিন ঠিক করা আছে সেই মহাভারতের যুগ থেকে। হরিণ ডাঙার যবে? চালের দাম সম্ভা। সহতে ভিন টাকা 'দোন' বা 'পালি।' পালি মানে আড়াই সের। মাল বেচে চাল ডাল নুন তেল আনাঞ্জ কিনে আনতে হবে সারা সম্ভাহের মভো হাট থেকে। কিছু ফুরোলে আর পাবে না। शास्त्र थर्म भर्म भर्-अक्षे अर्मि माक्रात्न যাও-সাতকে সতেরে। দাম।

পাড়ার পাড়ার বিশ্তর হাঁস আর মুরগি
চরে বেড়াচ্ছে ডিরোরদের। মংস্য ব্রবসারী
হিন্দু সম্প্রদার হল ডিরোর আর মুসলমান
হলে ডাদের বলা হয় নিফিরি।' ফলতা
থানায় 'পাইকান' গ্রামের খন খন গারে গারে
লাগোরা বস্তি হল করেক হাজার গোরালাদের—তারা গরু মৌষ পোলে দুবের কারবার
করে শহরের ছানা ছোগান দের প্রতিদিন শভ
মণ করে। কাছেই ক্রেক মাইলা দুবের বজবক্ত



निकार योगांत काकृष्ट माहित्व युद्धा

খানার রায়প্র গ্রামে সব চাইতে পাতলা (এক শ' খানায় এক কেজি) পাঁপর তৈরির আড়ত বড়বাজারের আগরওয়ালা ক্নক্ন-**ब्रामार्फ्य—काम्मठी कादशना—मास्म करमक** नक देकात मान छेळे महा छाउरएव पिरक **ETUCK** বার ৷ क्या अ কলকাত: 797785 - মাসকলাই ম্প কলাই का किरह (4) कमारे डेसर शामन भ, भ, स রাজ্ঞপান. ভার পাশে বিরুল পটেরর বিভাবে প্রেক্ত। কোটি টাকার চটকল—কোটি প্রতিষ্ঠান। কিছু দুরে বন্ধবন্ধের কেরে।সন তেলের ডিপো। বাটা নগরের **জ**েতার কাত্ৰ না। ক**লেজ স্মীট মাৰ্কেটে খেজি নিলে** জানবেন, সব চাইতে ভাল কলসাঁ তৈরি হর বজবজ থানার ভোঙাভিয়া গ্রামের কুমোর প্রভায়—আর নাসারীগলোয় কলম বা উবের গাছপালা ৰোগান দেয় এই থানার মুচিসাহা প্রায়ের ক্লোক।]

তিরোর, ডোম, **ম্চি, মালি,** জোলা গোয়ালা—সব সম্প্রদারের মান্ত্রী আজ পতপোর মতে। পেটর জনালার ছুটেছে জাত-বাবসা ছেড়ে কলে কারখানার। সুস্ট রোগের মতে। তাবের দেহে কাব্লী মা মহ জানর দেনার করণা—মুখে লাল বা-ভার জরখনি। বর্ণার নদী থেকে বালের জলে বেমন কোটি কোটি কোজোর (কাজ্ডার বাজা) এসে জেরে বার চারদিক—ত্রমিন সর্বত্ত, সমাজের জালতে স্টারতে রাজ্মীতি ছেরে গোছ আলা বেশনে জভাব স্থারিটা ক্ষাভ সেবানেই রাজ্মীতি।

ব্যজ্যে মাহিন্দ মাল কাটারী চালিরে বাখারি ফাডতে ফাডতে গালাগালি করে ঃ শোলা একটা জন পাওয়া বায় না বে বাশ ফাঁডৰ। মেরেটাকে বলি আমি চেরা বলৈ তলে वर्त्राष्ट्र एटे दिए काले ही भात। छा त्म काले ही हालारक त्वरव नालीव र्वांहे जिल्ल छाछा বাঁশের ভিতরে হাত চালিরে। কেটে ফাঁক হয়ে গেল দটো হাত। খাসী কাটার মতন রম্ভ দেখে আমার পভমরি লেগে গেল !... পাডার চা দোকানে কে রাজা হবে কে উজির হবে তাই নি'র 'গাভাই' মারছে ছেড়ারা 'ব্ৰেডিও কল' বগলে নিয়ে—কাজে ভাকো. বলবে সাত টাকা ব্লেক্ত দেবে? আডাই টাকা রোজ, সাত টাকা চাইবে। ক'টা ফার্কার আটলর মাল বুনবি ? আর কাজৰ জানে না কিছু। ফলত সব। জাতটকে বেকার করে দিলে! ভাল যারা ছাজ শিখতে চার ওদের পাল্লায় পড়ে গোলায় বাচ্ছে!

মহিন্দ বুড়োর বরেস নাকি চার কুড়ি পাঁচ। তব্ এখনো 'কামর ভাঙে নাই, দাঁত পড়ে নাই, মড়মড় করে খেসারি কলাই ভাজা চিবেয়ে। চোন্দটা ছেলে আর সাডটা মেরে তার। ছেলেরা, ছোট দুটো বানে স্বাই

## नील त्रयाम त्रवाक दम्भ

শক্তিপদ রাজগ্রের ভ্রমণ উপন্যাস ।। আট টাকা

ৰাঈ ৰেগম ৰাদী	ŋ	অমরেন্দ্র দাস	u	25.00
নত্কা নিকা	n	অমরেন্দ্র দাস	H	A-00
जारनवा मश्चिन	n	অমরেন্দ্র দাস	n	¢.00
সিলভার লজ	n	সুনীলকুমার ঘোষ	n	A-00
মার্বেল প্যালেস	n	স্নীলকুমার ঘোষ	u	6.00
होर्हे भिन्छे भाग	n	স্নীলকুমার ঘোষ	ıı	8.40
व्योवस्त्र नाश्चिका	n	শক্তিপদ রাজগ্র	n'	8.00
ৰাসর প্রদীপ	u	শক্তিপদ রাজগর্ব	lì	8.00
जारमात्र कृष्ण	n	শংকর সিকদার	u	8.00

## প্ৰাধীনতার হাত্বদল

স্নীলকুমার ঘোষ-এর চাঞ্লাকর রাজনৈতিক কাহিনী ॥ আট টাকা

चलांच श्रकाननी, C/o, चूलि - कलम, ১ कामक रता, कलिकाछा - ৯

আধাদা। মেরেদের জ জনের বিয়ে হরে গেছে। তার সংসারে এখন বউ হিপেলতা, মেরে কালিকনী আর ছোট ছোল দুটো আছে। তারা উলা্বেডের মাল নিরে গেছে। বরাস তাদের কুড়ি একুল। প্রতি বছরে একটা করে ছোলে বিই রছে হিপেলতা। একুল ছেলের মা সে। মারাল বেমন রোজ একটা করে তিয়া পাড়ে অমনি। সে তব

ভোরা চোম্পটা ডিম পেড়ে খান্ত হয়—এ একেবারে পাঁচ গান্ডা একটা। আজে। ভাগড়াই চেহারা হিঞ্জেভ র। ছেজে বা বউদের সাথে বচসা লাগজে নাল কোঁচা মরে হটে যেরে লড়াই লেগে বার। ভূলে আছাড় নের জেরান মন্দ ছেলেনের। সে কোমরে আঁচল জড়িরে যেনো চালিরে বাঁথারি থেকে সর্ব, সর্ব, কাঠি তৈরি করে নিরে ভালে চোঁচ' দৈরে পাটা ব্নহে। পাশাপালি হোট হোট থোপ মরের ডিটের ব ওয়ার পি'তে বা চট পেতে বসে বারোটা ছেলের এট আর তাদের ছেলেমেরেরা 'পাটা' চিট্ডিয়ড়' চালা ব্নহে। বাঁথারি ফাড়ছে, কঠি চাঁচছে ভাল ডাঁটার বাগড়া' পিরে খেতো করে বোঁচ তৈরি করছে। চক্ষবদ্দী বাড়ি। মাঝখানে উঠোন। প্যাচপেত্রে কালার হাঁস মুর্গি চরে



বৈড়াটেও। হাঁসাকো কানার মূখ জাকিরে চরচর করে শব্দ কুলাকে।

মাহিল মেটা থাটো চেহারার জোক।
দুটা কাষে কড়া পড়া কালো দার্গ। পারবট্টিমন নোক তার ছেলেমের নাতি নাতকুড়
নিজে। সে এক বিরাট মহারিহের ম্লা।

भा रुप्त वर्ल यात्र : 'आमात्र श्रेक्त्रमा दिन সংখ্য 'নোকা'। বেতের বাধন দিয়ে কলে হাথার চে'ছে উল**্লেদের ছাউনী করে একটা** টুলারি করা ভাষা আটচালা বেথেছিল গালুব্র হবে খোট। *অভিনারের নাবে*র আর বড দারোগা এসে সেই আটচালার বসে নাকি र क्षांक्रण-'या । द्वारा माद्यम नहम्म वारत्ना ।' ভা সেই বাংলো বাজির ফ**লে বাঁথারি তৈরি** ফতাত এসেছিল নাকি স্পের্বন অঞ্লের अकाः त्वाक। स अश्वताद त्याक व्यक्ते. मार्माण्ड धराराज्ञ इत । देशाया आमारमञ প্রথমে থারা খনী আসামী ছিল ভাষের চাড়ন দেবার লোভ দেখিছে সৌদর্**বন** व्यादास्त्र करना शाहित्वक्ति। छात्मत द्राक्त रत ७५। **रमाक्जे अवार्टरक "क्टे" वकाठ।** চাতে মনেলমান। ভারি কাজের লোক। ফ্ল বাঁথারি এমন সগোল করে সে চাঁচতে পারভ নে দেখলে অবাক হতে হয়। কিল্ড সারা বেল্য সে ভিনটের বেলি চাঁচতে পারত মা। তাই একখনা বাঁখারি নাকি আমার কপ েল ফলে। তা সেই সৌদরবনের বাডো করতে কি জানো? **ভাঙা বাঁখনির দিয়ে দিলে** पः कटस्क कथितः। श्रीकृतमा स्माक्नीरक वका-যকি কলতে সে চলে গেল। আর এল না। িণ্ডু ফ.ল বাঁথারি চাঁচবে কে? কেউ<sup>ল</sup>পারে म १८मम-धादा कराज। धारकादा 'रमीशाक'। শেষে বেটাকে হাতে **ধরে: 'কস্বে' মেনে** আনতে হয়। এই যে এক-আৰ জন কাজের েতে সংসারে পাওয়া যায় তাকা আরু নাট 初窓 初飯!

মাহল কিন্তু ভোট দেয় কমিউনিস্ট দেবই। কারণ তারা মাকি গরিবদেরই বন্ধঃ। বন্ধান বড় লোকনের। যানের দালানকৈ ঠা আছে তারা কর্মক না কংগ্রাসী, ভাতে তার আগতি নেই।

ছেলের সবাই গেছে উল্বেড্র হাটে মাল িরে। বড়েছ তব্ দ্টো একটা মাল বেচবার ছলে এড়াভাড়ি করে। সোলখোলীর কবি ১নুর কলে রেখেছে খান দুই স্বাতর করে বেরার করে।

ক্তা গামছা পরে পাঠা, চাল, চিড়িবাড়, চাচ ছবার ছবির নিয়ে বেরিয়ে পড়ে। ডিঙি বের বেরে লগি ঠেলে ধান বন চিরে এলে এটে নেত্নপর্বে। সেখান থেকে হেন্টে হেন্টে নেত্নপরী। ভোলাসাহার কন্দ্রোলা আর ম্বিলানার সামনে—বেখানে পাক্ষীবওয়া বেহারারা থাকে—সেখানে বাবা পঞ্চাব্যের চাতালে বলে গাঁছা টালছিল ধবি অবিধারী। মাহিন্দ এসে বাবালীর পারের

কালা' নিরে জিবে ঠেকিলে (বর্ষাকালে বাবাজনীয় পারে ধুলো ছিল না) গাঁজা কলকেটা নিরে বার কছেক গম সেরে বল্ বল্ করে কড়া কট্যাল্থ নীলচে ধোঁয়া বার করে নাক মাথ দিলে।

CHI

ক্ষি ঠাকুর বলে, তেনার আসতে দেরি হল ছে মানের পো! নাও নুটো বড় আটল তৈরি করে। পোলের মুক্টাতে বসাব।

ক্ষেত্র ভোজে পর পাঁটলো ব্নি এক টাকা, পাঁবরি পাঁট টাকা, ব্নি সাড়ে তিন টাকা, আটল ছোট দেড় জীকা, কড় আড়াই টাকা সার বড় মুখ্যার দশ টাকা। গাঁচ টাকা করে দশ টাকা দিতে হবে কাবাজাঁ আজাই নগগ।

'হাঁ হাঁ—ছুই কর না। এই মে, টাকা না।
এক্নি সাংশ কাটা রোগাঁ দেখে উপার করে
অন্ন্। শালা, বাঁকরিতে বড় 'ভেকটি'
(ভেকুট) মাছ পড়েছে মনে করে পশ্যানদের
ছেলেটা ভেডরে হাড় টোকাতেই দিক্রেছ
মারর কন্যে বাঁকরির ছজে। ভাল ক্রে
দিরে এলাম। মনিরাল গাছের দিকড় ন্ব
দিরে থাটিরে ঘাইরে দিতেই বিব কেরে
পেরা। আরু গালা মশ্যান ক্রের
ভাগিরে হানিরে ছাড়িল্লোকে একেবারে
শাইরে ছেড়ে দিরে এনা হে মালোর পো!
আমার নাম হল ভ্রি ঠাকুর! হে হে...!'

মাহিন্দ বুড়ো বলে বাবান্ধী, 'গোড়িভাঙা কেউটো আমাদের ওদিকে বন্ধ বেশি। বেখানো মাছ ও পলো সেখানে আছেই। তবে বেশি আহার করেছিল বলে কেশ্ব হর বিষ তেমন জ্যের ধরেনি।'

হাহত করে হালে কবি ঠাকুর। মুখে তার লাভি লোক। মধোর সব চুল। এলো গারে মেটা গৈতে। পারনে গোরুরা কাপড়। মাহিন্দ কতের লাখনে কালে তৈরি করে লের 'এজে' 'চাপনা, 'জান, 'পরীন আঁটো,
তাল চেটি পিরে বেনে। সম্পার পার্মন
বাসে থাকে। ছেলেরা তার কিরবে হাট থেকে এই পথেই। জালের সপো বাবে। ভতক্ষণ বাবা পথানদের কেনীর চাতালে বসে করতাল বাজিবর কবি চাকুরের সাংগ-পাংগালের সংগ্য ইরিকাম করতে বলে।

কড় হোতা কাৰণ কিবলে, ফাহিন্দ উঠে
পড়ে স্বাইকে প্ৰদান জানিকে। হ্যাবিকেন
আনলে কাৰণ। আৰু ভাইবা ভাৱ আনে।
ছোট ছোল মন্ট্ আন মন্ট্ হিসেব কেছা।
দেড়ুলো টাকরে মালা বিভি হরেছে। কাৰণের
আলেভে স্বাই গেলেও বুড়ো মাহিন্দ ভার স্থাপ কথা কলে না। ভার সপ্রের
থোরাড় থেকে মুর্বাগ চুবি করে নিরে নাকি
কার্যাড় থেকে মুর্বাগ করে কারণ। মুর্বাগ নিরে
বাগ্রাকীয় করে করে বাকন। ভারণার
বাগ্রাকীয় করে করে।
ক্রেটিক করে করে করে বাকন।
ক্রেটিক করে করেবার।
ক্রেটিক করেবার।
ক্রেটিক করেবার।
ক্রেটিক করেবার।
ক্রেটিক করেবার।
ক্রেটিক করেবার।

আনামাকাল মামকার দিন আছে। বাপ-বেটার ভারা বাবে এক নেন্দার। আজ টাকার বোলাভ হতেছে দু-পঞ্জেরই।

जानगढ़न जन्मात





# णाभुवादा जात्सक्तया जावत्क गाभवाद

ভাজিনিয়া ভাষাকের অপরুপ মিশ্রণ की शानारमम् की बातारम्ब

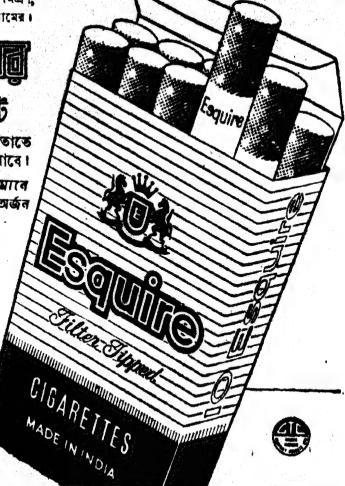
### किवछै। जिनादा है

এসকোয়ার সিগারেট থান, ভাতে विदम्मी गूजा (वैंट गांदा।

विरमभी मूखा वाँ छात प्राप्त विरमभी मूखा जर्छन

CC 9.

शास्त्रन होतात्का (काः लाइएड निः, ताशाहे-१७ ভারতের এই ধরণের রুত্তম জাতীয় উল্লম





বিশ্বস্থার মোহ ও মারা কার্টির আজ রেগনে থেকে বিশার নিশাল।

কাহাজ নোপার তুললো, ভার পর एस्ट्र हमरमा साहारकत्र भारतः। जाक आपि ट्रमर्ग किरत याचि, किन्दू छन् व्यक्तन बरन একট্র আনশ্দ নেই, চম্বনতা নেই। কোমর আমার দেশ? ভারতকা, না এই কা ? ভারতবর্ষকে আনি নিজের চোবে দেখিনি **उद भ्वत्म कम्भना करतीय। धरे का** एम्हणत कल, यात्, माठीत गटना आजात क्षीवन जिल्लाक्ट्सा। अहे एनटन्हे आमाद জন্ম এট ছিলো আমার ভিটেমটৌ, কামা-হাসির অভিনরের রশ্যক্ত। আমি ছিলাম ব্যার ভারতীর। কোনাদর্শ এই দেশ ত্যাগ করবো কর্পনা করিন। ভেবেছিলাম এই দেশ খেকে চিরান্তরের অনের বিদার নেবে যোগন আমার মৃত্যু হবে। কিন্তু আমার वाजना भूग हरना कहे?

আৰু বর্মার নতুন রাজনীতির প্রোত
বইছে। তাই বন্ধীজিরা বলালের: আমি
ভারতীর, অতএব আরু আমার এই দেশে
ঠাই নেই। তাই আরু আমি অতীতের
মাতিট্র বহন করে ভারতবর্ধে রুওনা
হিছে। কলতে পারেন বিদেশ বালা করছি।
আবার আমাকে নতুন করে জীবনবালা শ্রে
করতে হবে। সমাজে শ্রান করে নিতে
হবে, মানুবকৈ চিনতে হবে। আরু আমি
ভারতীর হলেও আপনাদের কাছে অতিথি,
প্রদেশী।

প্রায় দুই শতান্দী আনে এই দেশে এনেছিলাম। আমি আর্গিনি, আমার বাপ-ঠাকুদারা এসেছিলেন। বছরের ছিসেব রাখিনি। করেণ কোনদিন বে এই দেশ ত্যাগ করবো কলেনা করিনি।

স্পোদন ছিলো ইংরেজের শাসন, গোরা-**भन्छेन्द्रमञ्** রাজ্য। ট্যসন-ডিকিনসন-হিণিনসনের সংগে আমার প্রণিতামহরাও বর্মার এসেছিলেন। করুস করুতে, কড়ো বড়ো সাহেব কোম্পানীর ঠিকাদার হরে। व्याचात व्याचाना व्याचीत-न्यवटनता व वटक একে এলেন। আরো কভো ভারতীর এলেন তার হিসেব কেউ ক্লানেন। কেউ বা দোকান-শাট খ্ৰাজেন, কেউ ৰা সরকারী কেরানী হলেন। দিনের বেলার ওরা কালি কলম নিরে হিসেব করতেন আরু সংখ্যা হলেই লাসর জয়িরে বয়বক্ষ করতেন। স্বগড়া-বিবাদের মীমাংসা করতেন উকীলবাব্র। **जामारमञ्जू रमरमाम रमाम। आईनकान्**न अरमक मार्ट काटगरे बाक्टका। क्ट्या शांकिक हिर्तान मारहर, नाम सूथ। व्यवसरम्ब जम्द्र रतन जाबावेसार्या बातम नाताटक जामाजन। व्हरणाता म्यूटन शक्रवण। दक्तमा



আ্যাকাডেমী বা চেটিখার স্কুলে। এপতার স্কুল ছিলো, কুলেজ ছিলো কর্মার। এমনি করে বর্মা শহরে ভারতীয় সমজে গড়ে উঠে-ছিলো।

দিনের বেলার ডিকিনসন-হিগিনসন সংহ্বরা টাপাল্প চড়ে হাওয়া ক্ষেত্ত কের্ডেন। ক্ষািচবেলার ঐ পেগা কাবে নাচের আসর শ্রুর হজে। বিরারের শ্লাস হাতে নিরে সাহেবরা গান করতেন গাড় সেড দি কিং।' আমাদের মজ্জিশ বসতেন দ্গলোবাড়িতে কিংবা কালীবাড়ি বা শিশ মন্দিরে। স্তেবেলের ও আমাদের পানে ক্ষাীজিরা সম্প্রম দৃশ্চিতে তাজিরে থাকতো। তথন কী ওদের পরেয়া করেছি। ক্ষাীজিক মনে মনে কদতে আমরা হলাম ক্ষাী। ওদের দেশকে লুটে-প্রেট থাছিছ।

তদের কাপনা ফিথে নর। এই কার্যা দেশের সম্পদেই আমরা পরিপুন্ট হরেছি।
ব্যাতি করেছি, ঘর বানিজেছি, ধনবোলত সর্বই
ওদের টাকার। তখন এদেশে কিল্ডর সূর্য ছিলো। মাণমুঙা কিনকেন ম্বাল স্থাতি
চলে বান। মাছ আর চাল দ্টেই কলের দামে বিক্রী হতো। কলকান্তার কাসিন্দারা ধনী কাউকে দেখলেই কলেতঃ ঃ ওরা কার্যার থাকে।

আৰু ভাগার উজান বহৈছে অনাদিকে।
সেই রামও নেই, রাজস্বও নেই। ব্যুম্বর
শৈরে বেই সাহেবরা এদেশ থেকে চলে
সেলেন আমনি জামাদের ভাগোর পরিবর্তন
হলে। একদিন বে কমভা, ঐশ্বন্ধার বছাই
করেছিলাম, সবই আমাদের চলে সেলো।
দেকিন ব্যুতে পরবাম হৈ ভূপের কর্মানের
বর বেংগাছলাম। আরু আমি বিভ্
মুলারিচিত এক ভারতমানী। অক্ত একটা
বুল, একটা সমাজ ধুসে গোলো।

কিন্তু আৰু কেন এই দেশ হেছে জলে

ৰাজি? কোনদিনই তে ভাবিনি শ্না হাছে

দেশে কিবতে হবে? এই দেশের নাগরিক

হবর চেন্টা করেছিলাম। নিজের মাতৃভাবা

ভূলে নিরেছিলমে। আমার মুখে বমীজ
ভাষার এই ফ্টেলে। ধ্নিত চলর ছেছে

লুগি পরতে শ্রু করেছিলাম। আমার

লুগী বেনেরাও লুগি পরতেন। কিন্তু
পোশাক আর নাম প্রতেই কর্মা দেশের

নাগরিক হবার অধিকার পোলাম না।

ভিকিনসন-হিগিনসন সাহেব চলে গেলেন। কিন্তু যাবার সময় ওপের চোপ দিয়ে এক ফোটা জলও পড়েছিল। ওরা মনে প্রাণে ছিলেন ইংরেজ। কোন্দিনই এই

नवटक्टस कम नाटम टनता नातनीमा नःथा।

#### আলোক-সর্রাণ।। আলোক-সর্রাণ

रबन इरक् अना करहोबन, ७৯

• ডিনটি সাড়া জাগানো উপনাস • অনেকগ্লি গ্লপ • নাটিকা • প্ৰকৰ • কবিতা • কাৰ্টুন • চিত্ৰবিচিত্ৰ নানা আকৰ্ষণীয় ফিচার • বহুৰপ্রিজত প্রজ্ব

श नाम माठ रुक् गिका ॥

ं **श्र काळहे कळान मिन** ॥

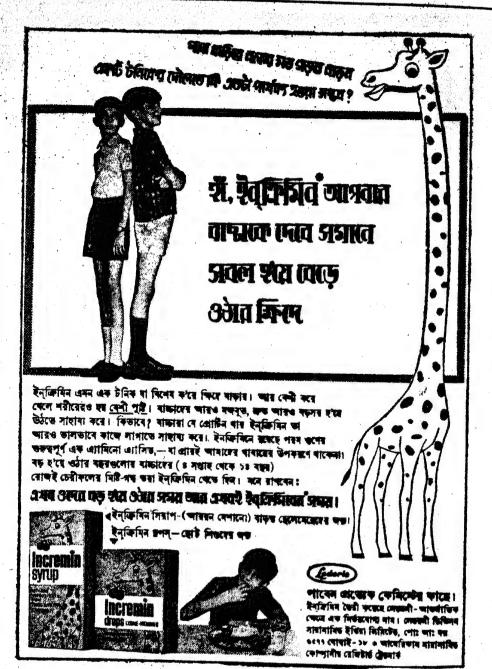
बारना क- न अनि से ७६ तर बराचा नामी स्त्राफ, कतिह ৯ ॥ रंगाम ३ ०৪-४४५৯

দেশে বালা অধিবার সংক্রণ করেনীন। এই দেশে বাবনা করতে এসেরিকোন। বেদিন ওবার টাকা রোজনার করা শেব হলে। সেনিন ওবা দেশে কিরে গেলেন। কিন্তু জানার বজের মতো নিজেনের সম্পত্তি জানারে রটকার।

ব্যুখ্য শ্রে হলো কিন্তু আমরা বর্মাতেই করে গৈলায়। এতিয়া বিপ্লের মধোও একবিনের জনোও বর্মা হেন্ডে বাবার কথা
ক্রাবিনি। ব্যাহর শেবে ভাইবেনেরা, বারা
দেশে কিরে বিত্তাহিকোন, আবার বর্ণাড়ে
করে একোন। আবার আমরা অভ্যাত কবিনকে
করে পেলাম, জামানের ভাঙা ভারতীর
সমাক আবার নতুন করে বার্ড উঠালা।
জামানের ব্যবসার শ্রীকৃতি হলো, সোকামপাট
স্কোলায়। কিন্তু হঠাৎ একসিন দেবতে

শেলার বে অক্টের ব্যাতি আমল হরেছি অপলিচিত, অবাহনীয়।

এবার ক্মানির ক্লের পাসন্তল্যের তার নিবেদের হাতে নিলো। দেশের সমাজে ও দাসন্তলে অনেক পরিবর্তন থালো। দেশে নতুন আইন-কাল্য গঠন করা হলো। এবার আমারা আমাদের নিজেদের ক্রীকারায়ার বাধা দেশার। ব্যবসায় রুলা পঞ্লো। আমার



বমীজ নাগারিক নই তাই চাকুমীতে ইত্তজা দিতে হলো। এবার ব্যুক্তে সারলাম বৈ বর্মা থেকে আনালের বাব্যক দিন জনিবের এসেছে। ভারপর বেলে সামারিক শাসনভার কারোমী হলো। এবার আনালের স্পৃত্ত ভারার বলা হলোঃ পুইট বর্মাণ।

ভাই আৰু ক্ষিয়া বেশনে ভ্যাগ করে ভারতবর্বে চলে বাছি। একবার ভাবি গেলাম, ভালোই হলো। সেই অভাততের রেশ্যনে তেও ভার নেই। রংশ্যনিটের নাম পালেট গৈছে। চালের দাম মাছের দাম প্রভিনিনই বাস্তছে। ভারে জীবিকা প্রেকাম করবার জনো অনামার জিনিস ভো চোথেই দেখিছে গাই নাং দোকাম থেকে জিনিস কিনতে হবে মহলা কমিটির কাছে বান। তিন্দিন ধন্ট দিলে একবানা কাপড় পাবেন। ব্রটির শোকানের সামনে লাইন বেধে দাঁড়ান। তবে ব্রটি পাবেন।

ছেলেনেরেনের কোখার পড়াকো কল্ন?
একদিন এখানে বৈক্ল আরাক্তেডী
ছিলো। বর্মা সরকার স্কুলটাকে নিজের হাতে
নিলো। ঐ স্কুলে আরুকাল আর ইংরেজী
পড়ান হর না। বংলা ছিস্দী তো দ্রের
কথা। ডাছার উকীল বাব্রনের পসার কমে
গেছে। স্বাই এখন দেশে ফিরবার জনো পা
কাডিয়ে তাছেন।

আর যাবার কথা ভাবলেই জাহাজে বা শৈলনে চড়া যালু না।

ভারতবর্ষে ফিরে যাবেন? প্রথমে ভারতীয় দ্তাবাসের আজি পেশ কর্ন। বর্মা ভারতীয় কংগ্রেস ও দ্তাবাসের কর্তারা অপ্রনাদের আজি নিরে বিচার করতে বসলো। আপনি ভারতীয় নাগরিক। আপনাদের চাংশ ফিরবার অগিক র অংভ। ফিরবার আগক ব্যাহার নাগরিক হ'ম ভারতীয় অগচ ব্যাহার নাগরিক হ'ম ভারতো দেশে ফিরবেত অপ্রশাকে অনেক হ'লায়া পোয়াতে হবে।

এবার আপনার আর্ক্সি বর্মা সরকারের কাছে গেলো। ওরা আপনার কাছে ইনকাম টাব্রের হিসেব চাইলো। পাওনা টাকা আপনি মিটিরেছিলেন হয়টো। কিন্তু যেই আপনি দেশে ফিরবার কথা কলেছেন অমনি আপনার কাছে আবার বর্মা সরকার আর এক দকা ইনকাম টাব্রের হিসেব পাঠালো। পাওনা টাকা শোধ করলেন জো খাবার অনুমতি মিললো।

ি কিন্তু বাৰার আগে অগুপনার বাড়ি সরকারকে দিরে বেতে হবে। হোক না আগুনার নিজ্ঞুৰ ৰাড়ি। জাবনে তো কোন-দিন দান ক্ষরতে ক্রেননি। আজ বর্মা থেকে বাবার আগে বাড়ি আর বাকী সম্পত্তি দাম করে না হর থানিকটা প্রাণা করলেন।

এই সব হাণ্যামা আমাকেও শোরতে হরেছিলো। ধাবার অনুমতিপর নিরে সকাল থেকে জাহাজ ঘাটার দ<sup>্ধ</sup>েরে ছিলাম। মন্তে। বড়ো লাইন, প্রার হাজার নেড়েক ধারী হবে। প্রথমে প্রিলমের খাতার গিরে নাম লিখতে হলো। প্রিলম আমার বাবার অন্মতিসার প্রথমন্প্রথ করে সরীকা করলো।

এবার সেলাম কাল্টমসের গরবারে কী নিজ্ঞা সংগ্যা

গরনা। অসম্ভব। দেড় ছরি সোনার বেলী
নিত্তে পারব না। ওটা কাঁ? ওরাল ক্লব।
ক্লম্ট্রমেনর ক্লম্ক্রটারা আহরে বড়িটা এক
পালে সরিরে রাখনেন। বলনেন ওই বড়িটা
নিরে বাবার আহার ক্লেম অধিকার নেই।
..না..না, আহার প্রতিটি জিনিস দেখেই
ওরা একই স্বে বলতে লাগলেন না..না।
কাল্টমেনের বেড়াজাল কাটির আহি বখন
লাহাকে উঠলায় তখন আহি বিজ্ঞ কান।
ন্ধ্ অভীত বহা দেশের স্মাতিট্ডু সংগা
নিরে অজ্ঞ দেশের পানে রওনা দিলায়।

আজ আমাকে বিদর দিতে কলকাভার জেটীতে কেউ এলো না। বহু বছর আলে অমার বাপ ঠাকুদা যখন রেশ্যুনে এনে-ছিলেন তথন এই কলকাভা কেটীতে বংখ্বাগধ্ব আখারি গ্রহনে গমগম করতো। আজ এই পাড়াটা একেবারেই নিঃক্ম হরে গেছে। জাহাজে উঠবার অংগ পরিচিত কার্র মৃথ দেখতে পেলাম না।

প্রতি বছরই ছটা করে জাহাজ রেপ্যনে আদে বাল্লীদের ভারতবর্ষে ফিরিয়ে নেবার জন্যে। এই জাহাজ করে আমরা মালুজে হাই। বর্মা সরকারের কড়া হাকুম বে আমাদের স্বাইকে দেশে কির্ভে হবে। আজ্ব যা হয় কাল কিবো প্রশা।

জাহাজে উঠ শেষব রের মতো রেপানের পানে তকালাম। জীবনে হয়তো আর কোনদিনই রেপানের মূখ দেখতে পাবো দা, শুখু আমার জীবনের হিসেব নিকেশের বাতার দেখা থাকবে—আমি এই দেশে এসেছিলাম, এই দেশের প্রেমে পড়েছিলাম কিন্তু এই দেশবাসীদের হুদর জর করতে পারিমি। এই হলো আমার জীবনের খেদ।

আৰু বাহার আগে ভাবলামঃ এই দেশের
পরিন্থতির কী কোন পরিবর্তন হবে না?
একদিন মনে মনে আশা ছিলো যে হরতো
আবার হারানো দিনপ্লোকে ফিরে পাবো।
কিন্দু আৰু মনে হলো আমি শুধ্ স্থানই
দেখেছি।

জাহাজ জলের বৃধ কেটে চলেছে। দ্র থেকে ইজিনের শব্দ ভেসে আস্ত্র—ঝক্-ঝক্-ঝক। ভেকে চার্নাদকে ছেলেনেরেরা ছুটোজ্টি ক্রছে। সবাই হিসেব নিকেশ করতে বসেছে, কে এসেছে, কে আসতে প্রেমি।

আমি নিজের মনে মনে ভাষতে লাগলাম এই দেশে কী পেয়েছিলাম কী পাইনি।

ধারে ধাঁরে রেপানে শহর আঞ্চর কাইছ কল্পান্ট হরে এলো। অতে: বড়ো শহর আঞ্চ একটি ছোট বিশ্বন্ধতা হরে গেলো। একদিন এই শহর আলোর থলমল করতো আঞ্চ সেই আলো নিম্পান্ত হরে গেলো। কোথার গেলো আমার প্রির শোরে ভ্যাগোন গাগোড়া, মুগল স্থাট, কালী বাড়ী, কালো বল্ডী। সবই আঞ্চ আমার কাছে অভীতের স্মৃতি হয়ে দাড়ালো। অধ্বনার নেমে এলো রেপানের ব্যকে।

এক মাস পার হার আমি আর এক বাসে এলাম। তাই নিজের মনে মনে বললায় ঃ বিদার রেশ্যনে।

বিক্রমাদিত্য

#### নতুন আবিষ্কার বিনা অস্ত্রোপচারে অর্শ অপসারণ ও আরোগ্যের জন্যে প্রষধ

धारे अस्य कृतकानि वक्त करतः ...करत्रक मिनिएके खाना - मञ्जगा छेन्नम करत्।

মিউইয়র্ক— বিজ্ঞান এখন এক নতুন নিরাময়কারী শলংগ্রের সর্কান প্রেরছে হাতে অল্ অপসারাবের অভান্তর ক্ষমতা রাহেছে। জানা গ্রেছে যে এই ঔবর ছারা ওকের পর এক বহু অল্বিরাণী আবিলালা লাভ করেছেন। লেখা গ্রেছের এই মলম্টি প্রারোধন কলে আলাব্যরণা ভূলক্তির উপশ্ব হয় এবং একট সমরে অল্প মলম্টি এতই ক্লপ্রেম্ব বারা আস্প্রে, মলম্টি এতই ক্লপ্রেম্ব রোগীরা। প্রশাস্বার সংগ্রেছলছেন/অশেষ চিকিৎসা আর ভাচলে কোন সমসাট নর ।

এতে নিলাউল্লেক্তারী, অনুভূতিনাপক
বা কোট্রোবক জাতীয় কোন পাগওঁ নেই।
আপনার কেমিট্রকে বারোক্তর্ডাইন- বুরু
এই বোক্তম ঔর্ধের প্রয়েতপ্রাপ্তর্গ এইচ'
লথকে কিজেন্ ক্রন। ৩০ গ্রাহ ও ৫০
গ্রাহ এর টিউব (আগসিলকেটর স্ব)
পাওয়া বায়। আব্রো অবিক জনেত হরে
বিনার্লো প্রিকার ক্রনেত ইক্রেরি ব্যানার্ল্
এও কোটে বিং গোই বর্ষ ২০১০০ বব্বে ১।
বি, আর

61-PH-82 8N

## वित्र-ट्सक-वाञ्च दिया वात् जिका छ्लट्य ता

(जानवात श्रातान माठ कार्स नहरतहै)

बाज ১৭ वहतं वर्ग इत्माद्धः जमम असम्बद्धः भाव कर्मातः द्यम्य अणिष्ठः मैरिडत जमादम्म महे कद्य सञ्चनामास्य विश्वि गाउँ रुष्टि कद्य डाट्म्ब विक्रटक वर्ग्या स्मर्तमस्य कर्म्यः विम्राका सुद्धाताहेषु देवसम्बद्धः वर्ग्यकारम् निर्माणे स्मर्द्धाताहेषु देवसम्बद्धादय मुख्यानी क्ष्यः स्मर्द्धाताहेषु देवसम्बद्धादय मुख्यानी क्ष्यः सिट्यु स्मृत्य वर्षः वर्षः

সাম্প্রতিক গৰেষণার এটাই প্রমাণিত হয়েছে যে বিনাকা সুরোরাইড-এর অভ্যন্ত কার্যকরী সুরোরাইড উপাদান, (সাভিরাম্-মনো— সুরোকস্ফেট (এস্-এম-এজ্-পি) দাভের এনামেলের সাথে মিলে নিয়ে তাকে সুদৃচ করে তোলে এবং তি-বিধ প্রতিরোধে দপ্তক্ষর বন্ধ করে।





নাতের কর ক্ষ ছব আদাকনা থেকে উৎপাদিত এসিড থেকে। এট এসিড নাতের এনাথেকা নট করে দশুকোন বিদ্যুদ করে। সাচীব প্রায়ু বীকাশু বারা আজান্ত হবে গঠ সম্ভিক্তি



বিনাক। কুরোরাইডএর উপরেজি উপাদার এন্-এম-এফ-পি বিজের একারৈজের সহিত একত্র হতে, এলিচ-ক্ষরিত্ত কর ।





আধ্যক কৰে
বিদ্যালয়
কুলোৱাইড-জৱ
তিন্তু
তিন্

वश्चनामात्रक गुजु व मार्टिक मार्टिक विश्व विश्व





T & T

শিক্ষা সেরে দাই স্থী গলপ কর্মছল কারাপার কসে। হাতে চারের কাপ। আজ চা কানিয়েছে মাধ্রী। শক্তে বললো, তুই কোন্দোকল থেকে চা কিনিম রে? লাকি স্টোস'? আমার চারে তো এমন ফ্রেডার হয় না!

মাধ্রী ফললো, প্রভোক মানের চা ও নিজে বড়বাজার থেকে নিরে আনে ৮ চ-টা একটা ভালো না হলে ওর আবার প্রধ্ন হর না।

—দাম নিশ্চয়ই অনেক বেশী?

—বারো টাকা কিলো

—উরিব্ বাবা! নীলাঞ্জনদার শব্ব আছে কিন্ত।

—এই শুধু চারের বেলাতেই! এদিকে দেখিস না. দুখিন তিনদিন কালারেই বার না—মাছ-নাংস না হলেও কোনে আপতি নেই থাওয়ার সমর। আমার আবার একট্ মাছ না হলে একসম ভালো লাগে না!

—নীলাঞ্জনদা বাসত থাকে। তা ও যখন বাজারে যার, ভূই ওকে বলে দিলেই পারিস?

—বলবো বলকে ভাবি কিন্তু রতনদা এত স্কাল সকাল বাজার বায়—থেয়ালই থাকে নাঃ

—ঠিক আছে, বলে দেবো, ক'ল থেকে তোকে একৰার জিল্পেস করে বেতে

কোনো চুক্তি নেই, তব্ বিকেল বেলার চা-টা দ্কিনে পালা করে বানার। আজ মাধ্রী চা তৈরী করেছে, কাল বিকেলে দ্লো বলবেই, আমাকে তো দ্ধ গরম করাব জনা লেটক ধরাতেই হবে, আজ চা-টা আমি বানাছি। মাধ্রীর দামী চা, শ্লা চারের সংগ্য দ্ব'খনা কিন্তুট আনে। বিকেশকেনা চামিয়ে বারাশার বসা, দ্ব'জনের অভোস।

পাশাপ্রশি দুখানা থরে দুক্তমের সংসার, এক বাধরুম, আর এই বারুলাটাও দুজুরে। কিন্তু রামা হয় আলাদা। নীলাঞ্জন বড়ি কেকে অগায়া করে চলে আমার পর রতনই কলেছিল, তুই এসে আমার সংগে থাকতে পারিস। আমার তেড়া দুটো ধর লাগে না, তা ছাড়া ভাড়াটাও আমার প্রক্ষে বেশী হরে বাক্ছে। দুজুরে হাফ হাফ দিলে ঠিক ম্যানেজ হরে বাবে! নীলাঞ্জন তংক্ষণাং রাজী হরে গিরোছিল।

নীলাঞ্জন আরু রতন অনেক দিনের বংশ্।
ভাগান্তমে দ'্ভানের বউও আগে থেকেই
পরস্পরের স্থাঁ। মাধ্রী আর শুদ্রা পড়,ভা
আগুতেনের, এক ইয়ারে। মাধ্রীর বিয়েটা
প্রেমের, শাদ্রার বিয়ে হয়েছে সম্বন্ধ করে।
রতন নীলাজনের চেয়ে অনেক বেশী
প্রাক্টিকল মান্য। এরই মধ্যে সে
সোনারপ্রের চার কাঠা জ্মি কিনে ফেলেছে।

করে দেখনে বাড়ি কমাবে তার ঠিক নেই অবশ্য, কিব্দু ভারমণ্ডহারবার লাইনে লে কাল ট্রেন আরও মাড়ানো উচিত এ বিষয়ে সে থবরের কাগজে প্রায়ই চিঠিলেখে। রতন নীলাঞ্জনকে বলেছিল, দাাখ, মেরেতে মেরেতে যতই বর্ষান্থ থাকুক প শান্দালি সংসার করতে গোলে একদিন না একদিন বগড়া লাগবেই! নীলাঞ্জন বলেছিল, বাঃ কি বলছিস, শ্লো আর মাধ্রী দ্ভানে দ্ভালনক এত ভালোবাসে—!

রতন চোথের একটা বিচিত্র ভণিগ করে বলেছিল, যা বলছি শানে রাখ না! তোর চেরে আমি তের বেশী চিনি যেরেছেলেনের—

নীলাঞ্জন তথন সবেষতে বিবে করেছ,
নিজর দ্বীকে নেয়েছেলে হিসেবে উলেব
করার রাপারটা তর গারে করে। সে করভবে ভাকার। রতন কলেছিল, বংগুল
একদিন লাগবেই—াদ এত স্কে, বারলে বে
ভারে আমার রে বার সাবা নেই! কিন্তু
তথন যেন ভোডে আমাতে কেনেনা পুল
বোরাব্ধি না হর! তথন কিন ব্লেনে দ্রটা অলান বাঢ়ি দেবে উঠে গেলেই
হবে। বতদিন এক সপে চলে, ব্রুলি
না! রাল্লাবালের বাপারটা এক সপে করলে
কন্ট যার একট্ কম পড়াতো কিন্তু ঐ ভার
একটা ক্লিক জিনিস! রালার ব্যাপার
নিয়েই মেয়েছেলেনের...।

নিজের শ্রীকে মেরেছে'ল হিসেবে উল্লেখ করলেও, ভ লবাসে খুব রতন। মাঝরাত শ্রোর একট্ পেট রাখা হলেও রতন ডাক্কার ভাকতে ছোটে!

এই দেড় বছরের মধ্যে কগড়া কিন্তু হরনি
একবারও, চারজনের বন্ধায়ে একটাও ফটল
দেখা দেরনি। রতন আর নীলাঞ্জন বখন
বাড়িতে থাকে না তখন দুই সখীতে
ট্রিটাকি সংসাবের কাজ সংরতে সারতে
গণপ করে। নীলাজনের চেয়ে রতনের
রোজগর কিছা বেশী, কিন্তু শ্রার
বাবহারে তা কোনোদিন প্রকাশ পার না।



वाज्ञाना (स्वयं कार्यास्त कार्याः (स्वयं क्रियं कार्याः (स्वयं क्रियं कार्याः (स्वयं वाज्ञं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं क्रियं वाज्ञं क्रियं वाज्ञं वाञ्ञं वाज्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्ज्ञं वाज्ञं वाज्ञं वाज्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्ञं वाञ्जञं वाञ्

নাশতা থেকে ওদের বার লাটা সব দেখা বার কলে, ওরা রেলিংগ্রের অনেকখানি কাপড় দিরে তেকে রেখেছে: মেড়া পেতে বসরল এখন শাধ্য মূখ দেখা বার। দ.প্রের আন পেকে ওঠার পর এখনও ওবা গা ধোরনি চুল বার্ডেনি পাছ্যানর লাড়ি রাউজ আলপাছ হয়ে অংছ। মার বী এখনও তবনী, কিন্তু দ্প্রের ছানিয়ে খ্যিরের

पुष्ठात क्रशासा अध्य अक्टी कारीच निर् শেনের কাছে রাউজের কোন্তামটা লক্ষ্যা থেকে কিকেল প্রিটা প্রতিত নিয়ামত খেলা থাকে। শীত শ্লীম সব সময়েই শ্রোর বগলের কাছটা ভিজে। রংটা বেল ফর্সা ছলেও সন্দেরী বলা আছ ना गुडारक हाना नाकहाड পত্তা-প্তল CH WIN শাস্ত্রাকে দেখতে ভালো লাগে, ভার একটা ছেলেমান বী भाषात्मा। मुन्दर्वी शब्द सम्पत्नी, नास छ भाग्यती नाम. रमचारका है द्वाका बाब दह ধরনের মেয়ে অন্তত চল্লিশ বছর বয়েস প্রবিত সংশ্রী থাকরে। মাধ্রীর বয়ে**স** এখন মত তেইখ-চাৰ্ক্ষ। কিল্ড মাধ্ৰী ভার রূপে সম্পরের্য উনাস্থীন, ফার্টিতে পা থেলে এখন বসেছে শাভিত থেকে ভানেক-খানি শ্রা হৈরিয়ে পড়েছে 6 ওড়া গোস বসালো খালা—বিধেয়র আ**গেকার।** 

সাধারী কালো ঐ সাহ হাত হাথার কৈটোকে দেখোহস? রেজ এই সার মার—বৌধ হয় কোনো ইম্কুলে কাল করে। মুখ্রা কালে। কে জানে কোনো ইম্কুলে

ক্ষা কর্মনে কেনে ইন্কুলে ক্ষাক করে কিনা—তবে দেখনি হখন এ পাকেরি কোণটার কবে, এবটা ভোগ জ্ঞানরে আসকে ওর দিকে। রেভে।

—करें, **ए**एमणे करें स्व?

- आमर्द, इत्यदि, ठिक आमरवः

শ্বাসনেই উন্থানিভাবে চোম লিয়ে

অনুসরন করলো মেরেডিকে। লাল ছাত্রমান্যার মেরেডি পাতের কেন্দ্রান করে।
শার্রান করিকে পাতের কেন্দ্রান কেন্দ্রান করে।
শার্রান করিকে করেন্দ্রান কেন্দ্রান করেন্দ্রান করেন

্রসনিক কোলে কোন ফিলিয়ে গান্ত কালো, ভূই এ সংভাইইর বানে আন্তর্গার

—হ) হাই, কি বিভিন্ন হল ৩% ককিব

---চাল ছেত্তে দিলেই পালিচা চিত্ৰ তেন প্ৰায় ঐ লামেই এখন চিত্ৰ পালিচা কৰে আমি তেন শুধা চিত্ৰিটা অভিনা

—-ঐ তেন, বাজনর করাটা ওর নেশা। এক ঘণ্টার আধ্যে বাজার গেকে ফিবারে চানা না! জিনিস্য কিনাকে না কিনাক দরদাম করা ৮ই'

—ভাঙ ভালে কিন্তু! ও তেই চটাইট করে বাজারে গিয়ে সামনে ফটা পাছ, সেট্ট কিন্তু ফোলে।

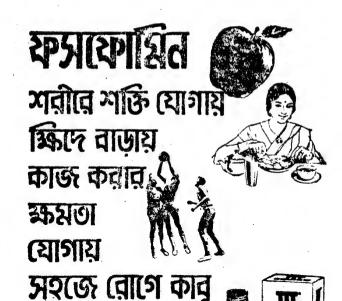
নীলাঞ্জনদা কলে বাঁধা কপি এনেছিল
না ? এখন তো এখা কপিল কেশ সাম

—**खे एर दमल्**म, **मामर**म इस्ट्याङ १९७५

—শোনা আমি মান্তের কাছ থেকে গিথেছি বাঁধা কলি বদি অলগ একটাখনিন দেশ্ব করে তারপর শহুকিয়ে তেখে নস, তা হলে অনেক দিন্দারে খাওয়া সায়। দ্বাসভ—

মাধ্রী হঠাৎ হাসতে আরম্ভ করলো।
শ্রো হকচাক্তর জিজ্ঞেস করলো।
হাসভিস কেন?

্রতিয়ের পর সচিতাই মেসেরা অনেক যুদ্ধে যায়। আন্তরের ওতরকম গণপ্



ইতি পেয়না ফসফোমিন-এর কলাণে— বাড়ীর সবাই সুস্থ আর সবল থাকার আনন্দে সমুজ্জল।

ক্সকোমিন—কলের পরে ভর। সবুক বংবের ভিটামির টারিক বি ক্মপ্লেক্স আরু প্রচর প্লিসংরোধসংকটস দিয়ে তৈরি।

ক্ত ই: আৰু সুক্তৰ এক দল ইন ৰপোৰেটেন্ডের ৰেজিষ্টার্ক ট্রেড়নার্ক ব্যৱহার করি নাইলেক প্রাপ্ত ব্যক্তিনিধি করম চাদ প্রেম চাদ প্রটেডের্চ লিখিটেন্ত

SARABHAI CHEMICALS

shipl sc 50/57 Res

III.

Phosfornia

हिंग, अपन प्रमू बीवाकीं जान होरानक क्रीका

খুলোও হাসকে সামালো। বসলো, সতি। ভাই, আলে মা-মালীবের নেবে হাসতুম, এখন ডা মনা, নিকেন ও ঠিক এক-রক্তা, কি করে যে অপেনা-কাপ্রনি মনে অসে ঐ সন কথা—

্তার মনে আছে, একলিন আনরা কলেল থেকে বেরিকে ব্যক্তিন ব্যক্তিন নাটক নিয়ে কি তক করেছিলমুম, প্রায় দুৰ্ভাষ্ট্র

—এখন তো বই পদারও সময় পাই না! নীলাখনপা আন্ত কখন আসংব রে? চল, আন্ত একটা সিনেমা দেখে অগিন, ওর ডো ফিরতে কিরতে রাভ দশটা

—ও সাতটার আলো ফিরবে হা! নাইট শোর কি আর বাওরা হবে?

—নেখ তো. সেই মেয়েটার কাছে সেই কেনেটা এসেছে কি না?

শাল ছাতা নাথার সেই মেরেটি তথ্যপাবেটি কোনার দাঁজিরে। তার প্রেমিক
এখনও আসৈনি, বোঝা যার, খ্বই দারিছরূপটান প্রেমিকের পারায় পড়েছে
মেরেটি। কিংতু চরে পরিজন লোক
ভোয়ো পিপিডের মতন এখন মেরেটার
অন্দেপনেশ ঘ্রঘ্র করছে। শাল্লাই প্রথম
দেখতে পেল দলিগ্লে। বললো, এ দ্যাখ্য
ভোৱ দেবর আসাছা

মধ্যেরী ঝাতেক পাড়ে বজলোনা কেম্পার ? ব্যান, ওলভা কেম্পায় বাইনের বেড়াতে কিমেভিলা এর মধ্যেই ফিলে এলো ?

—প্রীপা্র কিন্তু দিন দিন বেশ **লাশা** হচ্ছে। নালিঞ্জনবার চেয়েত্ত বেশী **লা**শ্বা, মারে?

-- হার্ট, ও ওর কাবার চেলারা গেয়েছে। বৈশ স্কুদর স্বাশ্ব্য হরেছে দীপ্রে।

অন্যমনস্কভাবেই মাধ্রী পাড়ি টেনে শায়া ঢেকে দিল। আঁচলটা ঠিক করে স্পলো। শ্রোও ব্রুকের আঁচল পরিপাটি করে নিল, কিল্ডু পেটের কাছে রাউজের খোলা বোডামটা লাগাতে ভূলে গেল।

স্কাসরি বারান্দার এসে আর একটা মোড়া টেনে বসেই দীপ্য বজালো, বেদি, চা করো, দুর্ঘি বামাও, লোকাল থেকে মিল্টি আলতে দাও, পার্মণ থিলে পোরেছে!

ক্ষান্ত্রভাবে ঠোট টিপে হেসে মাধ্রেরী ক্ষানো, ইস, ওনার জন্য এখন আমি লাটি বানাতে বসবো! ক্ষেন, এত খিলে প্রেচছ কেন?

-चाल ग्राह्म धार्रीन!

-रकन, म्द्रशहरत्र चार्खान रकन? क्यन रिकारण?

-ফিরেছি সকালো। মেজদির সংগ্র ক্যাড়া করে দ্বশুরে ধেক্তম না!

—আৰু আকার মেক্সির সংখ্যা বংগড়া

कारका ? कि जिल्ले पंगका शरणा !

দীপত্ন হোম কুচকে কললো, তোমাকে তা কাকে কেন? আমানের বাছির গোপন কাপার ডেলাকে জানাকে কেন? ভূমি তো আমানের বাছির কেউ নও!

—আহা-হা, শুনু খাওরার বেলার বৃদ্ধি আমার সংগা সম্পর্ক? তুমি মনের আমানে জেজনির স্পো বগড়া করবে আর আমি তোমার খাওরাবো! মেজনি ভাবাংন, আমরাই তোমারে আম্বারা দিভি

—বাঃ, আমি কি চেতামার কাছে সে লব্দ থেতে চাইছি। আমি থেতে চাইছি, তোমাকে একটা সংখ্যার দেবো তার ববলে শ্রা কিজেন করলো কি সংখ্যা?

সাধ্রী-কালো, ওর কথা একনম কিবাস করিস না কে! ও রোজাই ঐ রকম একটা না একটা কিছা কলে—

দীপ্ন বললো, এই শ্রেটিপ, তোমার বা বে নারকোল মাড়া পাঠিরেছিলেন, তা সব কারিরে গেছে! দুটো দাও না!

— ওমা, সে তো ফুরিরে গেছে সে-ই ক-বে! তুমি তো এসেছিলে সেই দশ বারো দিন আগে

—আমার ক্ষম দটো নাড়া রেখে বিতে পারে নি!

—কেন, তোমার জন্য কৈছে দেবে৷ কেন?
ভূমি কে এমন নাড়লোগালা!

দুই সধী হা-হা করে হাসতে লাগলো।
দীপা মাখবানা ক ইচ্ছে থার বেক। বেকা
করে রেখে ওগের আরও হাসার স্থেগ দিল।
মাধ্রী হ'স থামিয়ে কললো ও বেলার
চাটি ভাত আছে। গ্রম করে দেবো, মাছের
কোল দিরে খাবে?

—ধ্যাৎ, এই বিকেলবেলা ভাত কে খাবে? বলছি তো লাচি টাচি বানাও!

—**ইস, ল**ুচি বান তে বড়ে গেছে !

শ্বা কালো, এই তো দাপা, এসেছে। দাপা, তুমি আমাদের আঞ সংখ্যাকো একটা সিনেমা দেখাও না!

দীপা চোখ গোলগোল করে বলনো, আমি সিনেয়া দেখাবো? সাম র কাছে একটা পরসা নেই! আমি এসেছি বৌদির কাছ ধ্যেক পাঁচটা টাকা ধার চাইতে!

মাধ্রী হসাতে হাসতে গড়িকে পড়ে আর কি! বস্থালা, ধার! ডিক্শনারিতে ধার কথাটার মানে দেখে নিতে পারো না? এর আলে আর কতবার নিচেছো?

—স্ব শোধ করে দেবে। সব। দাথে। কি একটা ভাষকের কান্ড করছি শিখাগিরই

—সে তুমি ঝা-ই করো, তোফার দাদ। তোফাকে টাকা দিতে বারণ করেছে

দীপু একেবারে গার্জন করে উঠলো, মো-টেই না! আমি তা হলে সম্প্রেইর কাছে বদনাম করে বেড়াবো, বৌনির জনটে দাদা কিস্টে হরে গেছে! দাদঃ আরু আমি क्का क्रांच्य म्हान, गांच आर्थ मानहरू क्को मुळी केका क्रिक क्षा गांच विक्र

মাধ্রীন ব্বে সালে ভিত্রত তাই।
মাধ্রী বে কোনো কমার ভেতরের ব্যানিরের
করতে পারে। কালো, নে ভূমি বা-ই বলো,
ভেত্রার দালা আমাকে বলেতে, বখন ওবল
দীপ্তে টাকা দিও না। ও কি করে না করে—

—একটা দ্যাড় কাম্মকার রেড পর্বশ্ব তেই আমার

লাড়াও, চানের জল বাসরে জালাহি

্রাধ্রী ভেতরে বেতেই দীপ্ত জেজা
থেকে উঠে দাড়িরে রেরিব-এ বাকে

দাড়ালো। আজও টালা টান্ডেন পেছলে

মেঘ-পাহাড় জমেছে, সেই দিকে ভাবিরে

দালাকে সম্পাণ উপেকা করে রইলো।

শুদ্রা নিক্ষাস্বরে **ভিভেন্ন করলো, ভোর** কটাকা সরকার?

মুখ না ফিরিরেই দীপট্ন কালো, জাম তোর টাকা কেকো লা!

—কেন, আমার টাকা নিতেও দেল?

—তুই আমাকে কেন জনাকাতন কর্মাছস বল তো শ্বো?

—তুই বন্ধ মেলে আছিল লীপ্র!

—আমি রতন লাকে বলে নেবো বলাছি একদিন!

- क वनि ?

মাধ্যে ফিরে আসতেই শ্রা কলস্বরে বললো, মাধ্রী, আজরা বনি টিনিকটের দাম নিই, তা হলে দীপ্র আমাদের সিনেমকর নিরে যেতে পারে না? অনেকাদিন বাবে স্নিচিত্র সেনের বই এসেকো-

মাধ্রী কলকো, কি দীপ্র, বাবে? শ্রো ববলো, চলো না ভাই! একদিন না হয় আমাদের জনা।

দীপা এবার মাখ ফিরিরে বললো, না, শালাদি আন্ধ আমার একদম সিনেমা দেখার মাত দেই। তোমরা নিজেরাই বাও না।

(কুম্শ)

ঘালতঃ ৫০ মুলির পিশ্তল

নাইসেপেসর প্রবোজন নেই। **আমেরিকান**এডেল চুম্ব এবং বনা **জগতুর হাত থেকে**চিন্তার বঢ়ান গলানাক প্রমণ এবং
এটাকর পশক উপায়োগী। গশ **যালি**ন

বাবস্থাসেও অন্ট্রোমেন দক্তি হালফ প্রজম এবং চ্রেন্থ বা বা লাব্যুম আ পুনা বে কেপ্ড খেকে প্রজ্ঞা কব্যুম মুক্তা ক্র



য় কিম্মত বা ৩০ ব্রিঃ ১০ ৫০ আন্সন্ধি ক্রেন্ড কর ১১ ব্রিঃ ১৫-৫০। ভি পি পি বি ক্রেন্ড কর ১৮ বে ক্রেন্ড ব্রেন্ড ব্রেন্ড বিভাগ প্রতিরিক্ত প্রতি একলভ ব্রিন্ড বিভাগ

GEM ARTS (WD 15)
Dassan Monsii P. B. 1828,
Delhi 9.

#### বাত্মূলে চুল থাকলে এ রূপের কী দশা হত ভবুন তো...

কুদ্ধিত, আৰাজিক চুলের জনো আগনার আমন সৌক্ষর
কোন মাটি হতে দেন গ এই বালাই এখন আপনি আনায়ালৈ
দুব কবতে পাবেন। উচ্ কৌরকনের ধার দিগেও বাবেন
না। ওসব পুকরদেরই সাজে। ডাড়েডাে কানাল চুল
ভাচাড়াছি বাতে. কডাও কর বেলি। রাচি করবেন গ্
লোকে দেখালেই বার দেশার। ভাব চিত্র আলন
দুর করার চের সকলে নির্পাদ এক রমগ্রে উপার
আছে। সে হল মৃত্ ভ্রাসিক আন্তর্জন হবার
রিমুদ্ধর জ্বালুলিকা লাগিবে দিন। ইচিপ্র মিনিট ক্রেকে প্রে মুড়া কেলাকা...বামা আর্ মেই।
সপ্লেকে প্র স্থাত ভ্রাসিক আন্তর্জন মান্তর্জন স্থাতর বার স্থাতির কর সংলাভ একেবারে ককরাক



#### . कृट्यत्, जन्यात्न

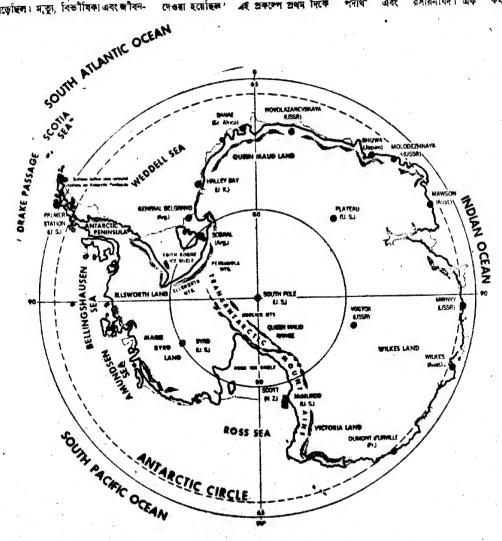
Great God, what a horrible place !

বাদি ব্যালকন পরিবেশে কাপটেন রবাদ ব্যালকন সকটের ক্তরেছের পাশে বে গিনালিপিটি আবিশ্বত হরেছিল তারই এক জারপার এই করটি মর্যাপিতক পক্ষালিথে রেখে গেকেন করট সেটা জানরোরী, ১৯১২র করা। তারও প্রার এক মাল আগে, ১৬ ডিলেশ্বর, ১৯১১টে নরওরের অভিবারী ক্যাপ্টেন রোয়াল্ড আয়াল্ডসেন গাঁকণ মের জার করেন। তারও দ্ভিটতে এই জন্তুলিট একটি জরাব্য করিন পরিবেশ র্লে ধরা গড়েছিল। মৃত্যু, বিভাষিকা এবং কাবন-



ধারদের এক প্রতিক্ল পরিবেশ ব্রিক প্রিবেশ ব্রিক প্রিবেশ আর একটি খু'লে পাওরা ভার। জুলাই ১, ১৯৫৭ খেকে ভিসেম্বর ৩১, ১৯৫৮ বে ভূ-পদার্থ বংসরের স্ট্না হর তাতে সর্বপ্রথম কুমের সম্পর্কে বিভিন্ন বৈজ্ঞানিক অনুস্থান ম্লানর ব্যাপারে জ্যের দেওরা হয়েছিল। এই প্রক্তেপ প্রথম দিকে

লগাটি দেশ পার্মপ্রিক সহবোগিতা রেবে আদ্ধান করে করেন। এর: হলেন আর্জেণ্টিনা, অন্থেলিয়া, বেলজিয়াম, চিলি, ফ্রান্স, নিউ-জিল্যান্ড, নরওরে, ইউনাইটেড কিংডম, মার্কিন এবং সোভিয়েত দেশ। পরবর্তী এক দশকে জাপান, দক্ষিণ আফ্রিকা, পোল্যান্ড, চেকোস্পোভেকিয়া, ভেনমার্ক, বেলজিয়াম, নেদারক্যান্ডস প্রভৃতি আরও বেশ করেকটি কেশ সন্মিলিতভাবে ক্মেন্ অভিযানে অংশ গ্রহণ করেছেন। স্কট এবং আমান্ডসেন-এর দেখা মানবহান পরিবেশে আন্ত হাজারো মান্বের ভিড়। এ'দের মধ্যে আছেন প্রাণী-বিজ্ঞানী, নৃত্ত্বিদ, আবহাওয়া-বিশেষজ্ঞ, পদার্থা এবং রসায়নবিদ। এক কথার



मुरमहर अवारतरम् नार्नाहर । मुरमहर विकार जातिक नामान नामा वास अन्ते विरम करत नामरक भारतः। राजी केस विका परिवार का कारक नामक, भारत-भीका निभिन्दः। अनामकात मार्च अन्ते ममकरण क्यारकात करतः।

विकार निकारित करिया है हैं।

कर रिकारित करिया वर्ष करिया मानाकरिया करिया करिया करिया मानाकरिया करिया करिया करिया करिया मानाकरिया करिया कर

উত্তর কথবা ভূ-প্রকৃতির গঠন সম্পর্কীর অঞ্চল নতন তথা।

সম্প্রতি আইজন মার্ক্ ব্রুক্তানী ক্রেক্টির আকৃতির আন্দিত্তর এক ধরবরণার কাজে হাত দিরেছিলেন। ক্রেক্টের উচ্চার তিন হাজার পাঁচ ল' সাতবাটু মটার। এটাই লাকি প্রিবার শাঁতলতম মের। এখাসে দার্ঘ শাঁতলল তারা অতিবাহিত করেন শ্লোরও নাঁচে প্রার উননন্দ্রই সেতিপ্রেড তাশমন্তার। মান্ব এর আগে আর কখনও এত নিশ্ল তাশমন্তার এত বেশা সমর ধরে কখনও বাস করেন। উচু জারগার অতিরিক্ত শাঁড এবং



একটি প্রেষ আডেলাই শেপাইন তার লাপানীর ডিমে ডা বিজে

নিজ্ঞানতা মানব মনে এবং দেহে কি ধরনের প্রতিজিয়া স্থিট করে এটা জানাই ছিল এই বিজ্ঞানীদের উল্লেলা। সংক্ষিপত সংবাদ । এ ধরনের পরিবেংশ তাদের মনে হরেছিল পাথিব কোন সামগ্রীর প্রতি তাদের কোন মোহই দেন নেই। একটা অন্তুত অংক্ষ সংঘম এবং মনোবল তখন তারা অন্তুত করেছিলেন। সেই সংগ্ণ একটা নিবিক্লপ

কুমের্র ভূ-প্রকৃতি সম্পর্কে আজকের **সংবাদ : এখানকার সব কিছুই যেন এক** অশ্ভত চরম অবস্থার মধ্যে বিরাক্ত করছে। এর সারা অক্তল জ্বড়ে সর্বদা বরে চলেছে প্রচণ্ডতম কডের ভাণ্ডব। এই ঝড়ের গতিবেগ কিলোমিটার। এখানকার সারা অঞ্চল প্র, বরফের আশ্তরণে যোড়া থাকলেও সে বরফ শ্ৰুকতার কেন মর্ভূমির বালিকেও হার यानिता एका। आवशास्त्रा এए जनाई, वात সংখ্য তুলনা চলে একমাতঃ সাহারা বা গোৰি मत्र्कृभितः। भान् त्वतः शत्क अभन स्वरनः জলীর বাম্পবিহান পরিবেশে বাস করা রীতিমত দুঃসাধ্য ব্যাপার। কুমের; পৃথিবীর শীতলতম মহাদেশ। মের-অঞ্লের মাল-ভূমিতে অবস্থিত সোভিয়েত দেশের গবেষণা-কেন্দ্ৰ 'ভোশ্ডক' থেকে সৰকাৰীভাবে বলা হয়েছে, সেখানকার সর্বনিন্দ তাপমালা শ্লোর প্রায় ৮৮-৩ ডিগ্রি নীচে। কোন কোন অঞ্চল বরফত্রপের গড় উচ্চতা সমান্ততল থেকে দা হাজার মিটারের বেশী। বরফের পাহাড় এলসওরাথের উচ্চতা পচি হাজার এক শ' চলিশ ফুট। দেড় কিলো-



#### আমার বৃদ্ধা সুভাব

भिनी शक्षात साम ॥ ६.००

#### नजून भानव सभाक

बार्ज नारकृष्णासन ॥ 8.00

#### হ্যানয় থেকে সায়গন

रवम् देन ॥ ७.००

### প্ৰাহ্মত

कानिमात्र बाब्र ॥ ७.००

#### ণ্ল্যামার গাল্

वम्द्रेन ॥ ७.००

#### প্রেত প্রেয়সী

अनीम वर्धन ॥ 8-८०

#### কুহেলি রাত

ब्रक्क मिन ॥ ७.००

#### অভিসারের লগ

र्शतनाताम् हत्याः ॥ ৯.००

#### ध्रमदत्र द्रीष्ठन

**पिनी भक्ञात तात्र ॥ ১:00** 

। বিশ্ববাণী প্রকাশনী ॥

কলিকাতা—১২

মিটারের মত পাছাটের সংখ্যা করেক क-काशते बद्धक काळा। ভলের কেত্ৰকা এক কোটি কুডি লক বৰ্গমিটার। আর এই বরফের পরিমাণটি कर्छ ? वना इरहाई धीर अधानकात अमन्छ বরফ গলিরে শ্র্ম জলে রূপান্ডরিত করা ৰার তাহলে সেই জল সাথা প্ৰিবীর জল ভাগের গভীনতাকে পঞ্চাল থেকে বাট মিটার ৰাভিয়ে দেবে। এতদিন অনেকে ধারণা করে अरमरहन, करमद्भाव वदरण्य नौक्त भाषा বিক্লিণ্ড কতকগুলি বীপ ছাড়া আরু কিছ নেই। কিল্ড সাম্প্রতিক অনুসেশানে জানা গৈছে, খণ্ড খণ্ড শ্বীপ ছাডাও মহাচেশ্ব মত এখানেও অবস্থান অথন্ড বিস্তৃত এক স্থল ভাগ। তবে লক লক্ষ বংসর বরফের চালে এই স্থল ভাগ क्रभान्यत्य स्टम वाटक । देखिमस्या द्वाच र मा भिष्ठोत्र वरम् । राष्ट्र । शाकु-विकानीतनत्र वास লকা সেই ভদকের নীচে। কারণ, সেখানে সংধান পাওরা গেছে প্রচর পরিমাণ আকরিক व्याद्ध स्त्राना दर्वात-পদার্থা। যাদের মধ্যে नियाम, शीवक, एटकान्क्रिय भागर्थ, अज. গ্রাফাইট এবং নানা রক্ষের মুলাবান পাথর।

আর জীববিজ্ঞানীদের কাছে কমের, যেন দ্বর্গ। এখানকার প্রাণী এবং উন্ভিদজ্ঞাং আজন্ত আদিমতার প্রথম প্রারকে অতিক্রম করে বেশী দরে অগ্রসর হতে পারে নি। লক লক্ষ বছর আগে বখন এখানে প্রথম বরফ জমতে শরে করে সেই প্রাচীনতম কালে তারা যেমনটি ছিল, বেভাবে তারা জীবনযাপন করত, তার ধারাবাহিকতা আজও তাদের মধো যেন অপরিবতিতিই থেকে ষেখানে মাটির কঠিন আবরণ প্রোথিত রয়েছে প্রায় চার হাজার আট শ মিটার বরফের লীচে। ভাষতে গেলে অবাক হতে হয় সেখানে আজন্ত এমন কিছু, কিছু, স্থলজ-উদ্ভিদের চিহ্ন পাওয়া যায় বাদের অনুবীক্ষণবন্দ্র ছাড়াই খালি চোখে দেখা সম্ভব। মাত্র দু ধরনের সপ্রশক উম্ভিদ এখানে পাওয়া গেছে। একটি ডেসকাউইপসিয়া নামে ঘাসের অনুরূপ। অপরটি কলোবাউথাস নামে এক शत्रतत्व **लव**ण्याण्यी ङिण्डम । এम्ब म्,िक्टिक्टे প্রচুর পরিমাণে দেখা যায় কুমের উপদ্বীপ **এवः वालाना रक्ते अश्वलः। अल्लक् मन** করেন, এ দুটি উদ্ভিদ অতি সম্প্রতিক কালে কুমের, অঞ্জে দক্ষিণ আমেরিকা বা কাছা-কাছি কোন ছ-ভাগ থেকে এসে থাকবে। এ ছাডাও সেখানে আছে খেওলা সপ্তপক ছত্রক। হিমবাহের বয়ে আনা পলির স্ত্রপ, শুক্রনো উপতাকা, পিঠ বের করা পাহাড় বা পর্বতচ্ডার এদের বাস। किছ, किছ, ज्रूर्य्य क्षक स्पत्त ठाव ডিগ্ৰি কাছাকাছি অঞ্চলেও দেখা গেছে। তবে भविष्यार्थ क्य। विख्यानीया भरन करवन.



ক্ষতিরিক ঠান্ডাই এর কারল, নর । আসংল অত্যাত অন্যার্কতাই বের অন্তর্গে উন্ভিচনের শক্তে বে'চে থাকার ব্যক্তিকৈ বন্ধু অন্তরার । শক্তাচর প্রাণীর ক্ষরো আহে সামানা বীর-গতি-প্রাণী টার্কাড্যোভা এবং প্রার বাট রক্ষের সন্ধিশন প্রাণী। এরা হল কোলেমবল। কিছু গোলাকৃতি প্রাণী এবং প্রজাবীত আছে। থালি চোকে এনের দেখা

বার নাঃ একের বেশির ভাগই সাধারণত বার করে সীল অথবা সাম্ভিক পার্গির ব্যবের ওপর।

किन्छू न्यक्रफारंगत सकाव रवन शूर्य करतरक काठत शार्गी वा छेन्क्रिका। अधानकात करन नाज करत शुक्र शतिकाथ नम्युट-रेगवान। करन, वस्त वस्तु शार्थारतन शरक करन अवदा হারেজনে আনেকশত বারে বেড়ান শন্ত নর।
তিনি, রাজনের ইত দেখতে ওরেডডেল সাল,
লরণতি আন্তেলাই প্রেণ্ডাইন বা কডকটা
নংশতিলের ইত বাক পারি সকুরা। এনের
বাল বহুতার। আর এবের জীবনের সভরত
একটি আইনই যেন চিরুতনেরপে বিরাজ
করে চলেছে। সেটা হল, হর অপরকে বাও,
ভাষরা নিজেকে কাউকে থেতে লাও। তাই
মের, অগুলে পা থিলেই আপনার চোলে
পড়বে কোবাও হিংস্ত তিমি আড়ি গেতে
অপেকা করছে সালের কশনের জনো,
নেকডে-সাল বালিয়ে পড়তে পেতাইনের
কপর। আর হতজ্ঞাড়া পকুরা সতর্কতার
বংগা কৌগলে চুরি করে চলেতে পেতাইনের
ভিমা বা ছানা।

যে-সমুদ্ত জীববিজ্ঞানী क्री वर्शा कर উপর ধারাবাহিক গবেষণা করতে চান তাদের कार्यक करमत् धाक्षि न्यर्ग । विवर्णता স্পূৰ্ণ এদের আজও অনেক পেছনে ফেলে রেখেছে। জৈবিক পরিবর্তনের বহা পরেনা প্রতা হয়তো এদের মধ্যে আমরা আবিশ্বার করতে পারব। এখানে এমন কিছা কিছা উদিতদ বা প্রাণীর সংধান পাওয়া গেছে বাদের প্রথিবীর অনাত্র আর কোথাও দেখা ষায়নি। এতে পরিকার বোকা যায়, দীর্ঘকাল কুমের, মহাদেশের স্তেগ অবশিষ্ট প্রিবীর कान त्याभारयाम फिला ना। ७ थतरनद आव সাড়ে তিন শ' রক্ষের সাপ্রদেক ছত্তাক এবং বেশ কিছা মাছের সংধান বিজ্ঞানীরা পেয়েছেন। এ'দের ধারণা, এরা প্থিবীতে জাবন স্থিট এবং তার বিবতবের উপর অনেক নতুন তথা কোগাতে সমর্থ হবে।

সম্প্রতি করেকটি চমকপ্রদ সংবাদ : নের্ অপ্রধের জ্বাসের তাপমান্তা অম্ভত সমতা রেপে বিরাজ করছে। সেই সংখ্য তার অক্সিজেনের পরিমাণত অনেক বেশী। ফলে, যে-সমস্ড মাছের দেহে রও কম তারা অনায়াসেই এই স্থালে বে'চে থাকতে পাবে। এমন চালিকথারাইডস গোষ্ঠীর কোন কোন মাছ শাদের দেহে এক ফোটাত লোহিত কণিকা নেই, তারাও বহাল তবিয়াত এখানে বাস করছে। একটি বিরাট প্রশ্ন, হিমাঞের নীটে ভাত কম তাপমানার সেখানকার মাছের পঞ্চে বেচে থাকা কি করে সম্ভব? সম্প্রতি জাবিষ্কৃত হয়েছে, এই সমন্ত মাছের দেহে अभन अक धराजार रामारानिक भगार्थ आहरू, ৰা শৈতোর হাত থেকে তাদের বাচিয়ে রা<sup>শে।</sup> প্রদন: দক্ষিণ মেরতে স্তন্যপায়ী প্রাণী ওয়েডডেল সীল বাস করে। মের্দেশের দীর্ঘ রাতে ভারা খাদ্য শিকারের জন্যে বরফের मीटि एवं मिर्ड वर् मूद्र नवन्त हरन वाम निकारतव शत **अक्**रोना **अश्यकारतव मरधा** পথ চিনে আবার সেই ব্যক্তের ফোক্রগামে বাইরে বেরিরে আসে, নার ফাঞ্চ দিরে সে ভূব निरम्भिका। जन्मकारतद्व भर्मा किकारन अभन





পাথায় কটকা কুলে শিকারের দিকে এগিয়ে আসছে কুমের্র বাজগাথি শ্রুয়া

পথ চিল চলা তাদের পক্ষে ਸ਼ਾਸ਼ਤ? বিশেষভার মান করেন, বাদায়েভর মত এই স্বীলরাও শব্দ অনুসরণ করে চলতে পারে হালট এটা সম্ভব। কিছা দিন আগে কার্নি-ফে নিমি: বিশ্ববিদ্যালয়ের ক্ষেক্জন ভাবেষক যার একটি অদ্ভুত প্রাফা চলান ত্যাকোলিক স্বাক্ষণ নের তে । একটি ভাগের গালে কিছা हें क⊚ज़ 773 নিয়ে এ'রা ভাষতিকে ঘোরাতে শ্রের করেন পর্নিথবটি হৈ দিক-বর্বর অংবতনি করে, ঠিক তার **উল্টো** দিকে। অর্থাৎ প্রথিবী যেমন ভার অক্ষের চার প্রশে পশ্চিম থেকে পৰে দিকৈ ঘারে ভাষ্টি ঘ্রছিল ঠিক তার বিপরীত দিকে, প্রেথেকে পৃষ্টিয়ে। পৃথিবীর আর্ভনি উণ্ভিদজগংকে কিভাবে প্রভাবিত করে. এই পরীক্ষায় তার উপর বেশ কয়েকটি নতুন তথা পাওয়া গেছে।

তব্ কুমের্র বিজ্ঞানীরা আঞ্চ চিণ্ডিত।
নেব্র এক কোটি সীল এবং এক কোটি
পেগ্র্টন এতাদিনে যেন সত্যিকারের
বিপদের সন্মাখীন হরেছে। সে বিপদ বরফ
বা শক্রা পাথি নয়। তাদের বিপদ আঞ্চ
নান্র। সেখানে গবেষণার জনো বড় বড়
হেলিকণ্টরের আতানাদ অথবা ব্লভজারের
গর্জন তাদের শাশত পরিবেশে বিঘার স্লিটি
ক্রেছে। সেই সংগ্র গ্যানের ধোরা বা
মান্রের বরে নেওয়া আবর্জনা তাদের
বাসস্থানকে করছে কল্মিত। কে জানে,
মান্রের কৃত্তিম পরিবেশ হরতো প্রকৃতির
চিরর্জিত এই প্রাণীদের অবল্যাণ্ডর দিকে
ঠেলে দেবে না?

কুমের্র আরও একটি উল্লেখবোগ্য অঞ্চল বায়ারড। পশ্চিম কুমের্ অঞ্চলের এখন থেকে বিজ্ঞানীরা চৌলকীর বিপরীত বিল্যুর উপন গণেষণ চালাজেন। এখানেই প্থিবীর চৌশ্বকাঁর বলরেখা প্রাথবীর প্রেঠকে ছেপ্
করেছে। এ ছাড়াও এখানে গবেষণা চালান
হচ্ছে মহাজাগতিক রশিম, ভূ-চূম্বক ক্ষেত্র,
ভিত্র কম্পন্মান্তার তড়িং-চৌম্বক তরংগ,
ফর্নেশের শীতকালের প্রায়িষ্ক, অরোরা বা
মেরপ্রভা এবং দেখানকার বাভাসের এক
ধরনের প্রভার উপর।

এখানকার অভ একটি উল্লেখযোগ্য ব্যাপার হল এক ধরনের শিস ধর্মিঃ মাঝে মাঝে অমানের রেডিও গ্রাহক যথে বা আমরা শ্বনে থাকি। যথন নিশ্ন কংপন মাতার ত্তিং-চৌদ্বক তরুপা ভূ-চুদ্বকের যুক্ত বিনদু থেকে আগত চুন্বক বলরেখা বরাবর অগ্রসর হয় তথন শিসের ঐ শব্দ শোনা বায়। এর ওপর গবেষণা চালিয়ে ভ-চন্দ্ৰক, উধৰ্বাকাশের বায়কেতরের আবর্তন সম্পর্কে অনেক নতন তথা সংগ্রহ করা যাবে। এই তথা আবহ;ওয়া বিজ্ঞানীদেরও যথেষ্ট সাহাষ্য করবে। সেখানে শরে হয়ে গ্রেছ বর**ফ খেড়ির কাজ। বিভিন্ন স্ত**রের-বর্ফে কতথানি মহাজাগতিক ভদ্ম জমে আছে তা পরীক্ষা করে বলা যাবে, কখন কতটা পরিমাণ ঐ ভঙ্গা দুরাকাশ থেকে পৃথিবীর বৃক্তে বৃষিত হয়েছে বা হবে। আবহাওয়া এবং মহাকাশ গবেষণ্য সে তথাও বধেণ্ট সাহাষ্য করবে। বিশেষজ্ঞদের অভিমত, প্ৰিবীর এক মের, থেকে জন্য মের পর্যত বার সঞ্চালনের ব্যাপারে মহাজাগতিক ভক্ষ এবং বৃষ্মি যথেণ্ট প্রভাব বিশ্ভার করে।

দক্ষিণ মের্র আগল অবম্থান হয জারণাটিতে তার নমে দেওরা হরেছে আমান্ডসেন-ক্ষট স্টেশন। উচ্চতা ২৮০৪ মিটার। তার উপর দাঁড়িরে ২৬৯৭-৫ মিটার প্রে বরফের আন্তরণ। জার তার চার পাশে কয়েক শ'কিলে,মিটার বিস্তৃত অগুল নিশ্রাণ বেন বর্তের মর্ভুমি। ১৯৫৭তে মান্ত এই মের বিদ্যুতে সর্বপ্রথম স্থাপ্ততে প্রভাক क्रक সোঁতাগা অজ'ন ত্তৰে त्यद्र विन्म । १४१क মাইড मतान्छ-धव ভটৱেখা বিশ্তত অঞ্জে আছাও মান্যবের পদাচক भ:र्जान । এक सामर्क इरव । रश्यावे: रश्वेमन, যার উচ্চতা ৩৫৬৭ মিটার এটাকেট বলা হয় প্ৰিবীর শীতল-মের। এর রহসাও আজও মজানা। জানতে হবে বিয়ার্ডমোর হিম-বাহের দর্গম পথ। একসময়ে এটাই ছিল দক্ষিণ মের গামনের রাজপথ। বরফের এই নদীটি ছিবানব্ট কিলোমিটার লবা. চওডার আটচল্লিশ কিলোমিটার। এর এক প্রান্ত গিয়ে উপস্থিত হয়েছে রস বরফের ধাপের মাখ বরাবর। সম্পান নিতে হবে মেরা-দেশের সম্প্রতি খ'্রে পাওয়া কাচের মত দ্বক্ত মাবেল পাহাডের শ্রেণীর প্রকৃত প্ররূপ। এমন হাজারে তথ্যের সন্ধানে কামবাকে মাধারত করে রেখেছেন আজকের বিজ্ঞানীরা। কারণ দক্ষিণ মেরুর সংখান আজ শেষ ভৌগোলিক অনুসন্ধান। বিশেষজ্ঞরা মনে করেন, অবশিষ্ট প্রথিবীর বিশ্বতার পরিপরেকরপে হয়ত কমের কুমারী আমাদের অনেক নতুন আশার বাণী শোনাতেও পারে।

সমর্ক্তিং কর

প্র-প্রিকা ও স্থীসমাজে সমালোচিত

श्रीताभक्क मात्मत

#### **हात्क वात्मावब**०००

সাধারণ মান্ধের জনা ন্তন রাজনিতি ও অর্থনিতি। লেখক এক
বংসর প্রেই ব্যাংক জাতীয়করণ,
উচ্চাংকের নোটের বিলোপসহ অন্যান্য
কর্মস্চীর কথা বলেছেন। বস্মতী
বলেন প্রিত্তকাথানি সমাজসচেতন
ব্যক্তিমাতের কাছেই বিশেষ ম্ল্যবান
হিসাবে গণ্য হবে।

## একটি প্রয়াণহান সভ্য

काशिबो

8.00

ছলছাড়া য্গের সমস্যাসংকূল পট-ছ্মিকায় কৌতুকধর্ম বলিণ্ঠ উপন্যাস প্রাপ্তিস্থান : মনোহর সাহিত্য মন্দির ৩০ কলেজ রো, কলিকাতা—১

ওরেল্ট বৈজল ব্রুক সেলারস্, ২১৬/এ বিধান সরণী, কলিকাতা-১২

(পি ৭০৪১)



মসুণতা ও শীতনতার করু "এডারফেশ" বিশেষভাবে মিতিত। কালেকৰে, বেলাধুলারে, সারাদিন সহল-ভাবে পরে থাকার উপবোগী বস্তু হল "এভারফ্রেশ্"। "ব্যাকারসী'র একারক্রেশ" — দুটিং ও সাটিং।

এছাড়া আমাদের বস্ত্র সন্তারে বরেছে 'থাকারসী'র-দি ছিন্দুস্থান স্পিনিং ও উইডিং কোম্পানী লিমিটেড দি ইপ্রিয়ান ম্যামুক্যাকচারিং কোম্পানী লিমিটেড

লাভ ) কাপানের একেন্ট : সে: বাসচন্দ্র ইন্মুখানবন্ধ, কং, লেট ব্যুখানাল বাচাভ সুটিট, কলিকাসেনি

कवि, श्र कााकावक केलावि।

ভাত্যি শ্রম কমিশনের প্রতিবেদন ্তীয় শুম কমিশন সম্প্রতি যে প্রতি-ত্রিকর পিয়েছের তার ফলে ভারতে का इत्राम्य भारत्य सामिकाम्य भन्माक गाउँ एत कारतास इत्य आणा करा माहा भारत वित्याद्धार मिल्लीख. प्रकादि निव्यान. जमाक খাঁল শামক সংখের উল্লয়ন প্রভৃতি বিভিন্ন সংপ্র জাতীয় শুম ক্**মেশন একটি প্র**তি-ত্তেসন বিধেন্ত্ৰ। **ভারতেই সংস্থ**ীম কোটে ব েবপার প্রধান বিচারপতি দীবি পি सामार अक्कारवर मंडार्भाख्य ३৯७७ माल ্ৰাহ হয় কমিশন গঠিত হয়। এই কাল্যালার স্বস্থা ভি**লেন ১৪জন**ন ভারতের ল'চৰ প্ৰকোলকাৰ ইভিচাপে এই ধরতেও ০০টা ভাতীয় শ্রুম ক্ষিশন গঠন অভ্যুপ্তি. ace এই কমিশামের **সা**পারিশগানির গা**র**ারও রাধারনেলি। হয়তে কমিশনের **সর সংপ**র্ণিরশই emergen, gree en विकास आक्रीतमध्यीलह ৩০. ০৮ এডিন্ড: **অতে সে** নিষ্টো **সলেহ** 

•০০ বেল সভাৰতাৰীছ সভাৰতাৰ স্বাধীকাৰ আন্দ প্ৰায়ের ব স্বার্যান্ত্রিক দল ম্বিনিয়া কার্যার িনিক চান্ত্র **সর্ভাত ক্রি**লে স**ংস্থাত** ১০.১০ট *-* ১৯০০**জন্তি**ক সম্প্ৰতিষ্ঠাত 为自299 - 1000名 4986 - 2010年 - 2010年 - 2010年 - 2010年 germage ବ୍ୟବହାର ଅଧିକ୍ୟାକ୍ତ । সকল সকলেন কলার হৈছে। ও জা**লাচন** । シング meat A シェの経過 かどが高されることが同じませい時 ाँ का हाल राज्याक स्टान्स्कान हु**है जि**ल्लाक লালৈ প্ৰাৰ্থ কৈ কেছিল এক লাক্ত *ব*ৰ্মীৰ গুলুত লাজ্যা লিখন মন্ত্ৰ **লাখত আন দিয়ত** লৈ সন্তাস্থল জনস্তবিষ্ঠা ছাত্ৰ স্কলিকাল বিভিন্ন There is where the second St. Barrell Jedustrial Relations Commission, ers was specience (Labour Courts) গ্ৰুন কৰাৰ মাণ্ডবিশ কলেছেন। **প্ৰ**ণত্তিক শিংল সম্প্রত ক্রিমন্ত লিক মার্থ কাজ ২০০ ভিন্তা ৮ ৮৯) **দিল্প বিভেন্নের বিচার** স্বান্ধ বহুৰ জ্যাপত মহিম্বালয় মাধ্যমে দিল্লপ-িকারের সারে জালার স্বার্থিত <mark>গাইর করাতে এবং</mark> গৈতিল ইউনিয়নকে প্রতিনিধির-মালক ৈবিদ্যান বিস্নান প্ৰবিশ্বতি প্ৰবাদ করা। SKITSH SWALTSH ক্রমিশ্র গঠন বৰ্ণবন কেন্দ্ৰীয় স্বত্ৰ এক **যথন** তেনা বিশেষ ক্ষেত্রে এ জনতবি কমিশন গঠন <sup>জন্ত</sup> দ্বিকার অন্তেম করবেম ভগনই লেই ক িশন পঠিত হবে। রক্তাপ্রলির কেট িশ্য সম্পূর্ক কমিশন । গঠন ক্যুবন ব্যঞ্ শূরভার। কমিশনের সদস্যদের হধ্যে বিচার-বিভাগীয় এবং বিচার বিভাগ বহিভাত সদসা থানবেন এবং এ-জাতীয় কমিশন সরকারের শাসন বিভাগের আওত। থেকে মতে থাকাব। এই ধরনের ক্ষিদ্দনের বিচার বিভাগার



সদস্যাগণের হাইকোটে'র বিচ রপতি হবার নোগাড়া পাকবে। প্রায় আদালতগণুলের কাজ হবে বিভিন্ন আওরাডেন্ধি ব্যাখ্যা প্রদান করা, প্রমিকদের অধিকার ও কর্তব। সম্পর্কে আওরাডের বিভিন্ন ধরা কার্যকর করা এবং বিভিন্ন আইনে প্রমিক্ষ দ্বাথা সম্পর্কিত বা বা বিধান আছে সেগালি খতে ঠিকভাবে অনুস্তি হয় তার বাবস্থা করা। নারসংগত কারনে এবং বিশিস্ত্রতভাবে ধর্মারট করার
আধর্কার প্রতিক দর লাঙে এটা জনতীর শ্রম
ক্ষিত্রন মেনে নিয়েছেন। কিন্তু ধর্মারটের
মেরাদ নির্দান্ত করে দেওরা হরেছে এবং
বিদ আপস-মীর ংসার মাধ্যম প্রমিকবিরোধের নিন্দান্ত না হর তবে শিল্প
সম্পর্ক ক্ষিত্রনা তার বিচার করার জন্য
এগিরো আসবেন। বে-আইনী ধর্মারটের জন্য
ক্রিটার শাহিতর বিধান ক্ষিত্রনা সমর্থন
করেছেন।

শ্রমিক সংঘগ্যাল যাতে যৌথ দর কবা-কষির মাধ্যমে (Collective bargaining) মালিকদের কাছ থেকে নিজেদের গাবি দাওরা আধার করতে পারে তার ক্ষেত্র প্রসত্ত করার জন্য কমিশন শ্রমিক সংঘের বাধ্যভাম্লক



#### तिय्वधिए व्यवस्त कन्दल क्वरान्त्र पृथक्ष्ट सांक्रित भालच्यात्र ७ फॉएव क्ष्य त्वाध क्त

করহাল টুবপেট মাডির এবং গাঁতের গোলবোগ রোধ করার ভতেই বিশেষ প্রক্রিয়ার তৈরী করা হয়েছে। প্রতিদিন রাত্তে ও প্রদিন স্কালে করহাল টুব-পেট বিদ্ধে গাঁত মাজুলে মাড়ি স্কম্ব হবে এবং গাঁত শক্ত ওউজ্জল ধবংবে সালা হবে।

विमामूद	ता हैरज	ाकी उ	বাংলা	ভাষায়	कडीन	পুত্তিকা	—"माँड ও बाउन सार्व)
"ম্যানাস	ভেটাল	<b>७</b> इ.स	मनी गुप्त	রা,'লোস	वाश न	5 30 + 42 C	याउग (गत्र) वाषाह-५ <b>अह</b>
টিকানার নাম	পাঠালে	আগান	এই যা	পাৰেন।	1	_ agn	
ঠিকানা ভাষা	<del></del>		·····			741	



SAF-102 BEN

করার প্ররোজনীয়তা জাতীর প্রম ক্ষিশনের বিতিবেদনে তিলেখ করা হরেছে। সেজনা প্রজিক সংঘ গঠনের উদ্দেশ্যে সবনিন্দাগংখ্যক সদস্য লংগ্রহ করা, প্রমিক সংঘের উপর বাইরের রাজনৈতিক নৈতাদের প্রভাব কমানো এবং স্বস্থানের দের চানার সবনিন্দা পরিমাণ আরও বাড়ানোর উপর গ্রেছ আরোস করা হরেছে। প্রমিক সংঘণ্টাক্তক বেমন বাধ্যতা-

মূলকভাবে রেজিলটার্ড হতে হবে, মালিক সংবগুলিকেও তেমান বাধাতামূলকভাবে রেজিলটার্ড করার অনুক্ল কমিশন অভিমত প্রকাশ করেকেন।

জাতীর প্রম ক্মিশনের প্রতিবেদনে বল। হরেছে একটি জাতীর স্বানিন্দ মজ্বরি (national minimum wage) দিধর কর। সম্ভবঙ নর, বাস্থ্যীরও নর। তবে বর্তমান অক্সাম আওলিক ভিত্তিতে সংনিদা মছনি নিৰ্বান্তিত করা বেতে পা র। সব নিন্দ মজুবি धवर द्वाक्स-किविक अस्तित गामा वर्षेत পার্থকা প্রায় ক্ষিণনের প্রতিবেদনে ওবা **बटबटक अवर वना बटबटक प्रव**ित्रका एक वि নির্ধারণ করার কেত মালিকের কল্টা মজার দেওর র ক্মতা আছে ভারিচার করার দরকার হয় না ৷ কিন্তু প্রয়োজনfora wells (need-based wages) टम बतात काल कालिकटमत करते। शक्त ক্ষমতা আছে এবং তা শিংপ-BURNEY কমিশনের কাছে অথবা বিচায়-বিভাগীর কর্তপাক্ষর কাছে গ্রহণায়াগা কিনা তাও দেখতে হবে। বত মানে যে সকল গজ-বি-বোড (wage Boards) আছে সমালি বজায় কৃথার অন্কালে ক্রিম্ন অভিনে করেছেন। খনি মুজাবি-রেডির সলসা**গণ সকলেই এক** মত হল্ম ভেত্ৰ নিধীরণ করেন জবে তা ছালিকানে পাড **কার্যকর করা বাধাভামাল**ক ছবে। খার মজারি বোডেরি সদস্যানর মধ্যে হজার নির্ধারণের ক্ষেত্রে মতভেদ দেখা যায় লাব বোডেরি সভাপতির অভিমত্ত গাড়ীত হবে। কমিশন মনে করেন চাকরিব ক্ষেত্রে শ্রেধ্য পথানীয় লোকদের নিয়োগ করা ভারতে **এক** নাগরিকভার আদেশের বিরোধী। তবে কভিপর স্থানীয় শিলেপ অপটা স্থানীয় **শ্রমিকদের কাজে নিয়োগ** করা যেতে পারে। কেশ্রীয় সরকারের কর্মাচার দের জন্য যে পরামশ্দ তা সংস্থা (Joint Consultative Machinery) আছে তার কিছা সংস্কার করার পক্ষেত্র কমিশন অভিনত প্রকাশ করেছেন। ক্ষিশন বলোছন, শিংপ-বিরোধের নিম্পতি করেপ বিরুপে বার্থি না করা প্রাণ্ড ধুমাঘট নিষ্টিণ্ড করা উচিত হবে না। যদি বিরোধ নিংপত্তির বিকলপ বাকথা কার্যকর হয় তবেই ধ্যাঘট নিষিদ্ধ করা

কর্মচারীদের প্রভিডেণ্ট ফাণ্ড সম্পার্ক স্বীরুতির স্পোরিশ প্রদান করেছেন। যদি কোন শিল্প প্রতিষ্ঠানে ১০০ছন অথবা ভদ্ধ সংখ্যক শ্রমিক কঞ্জ করে, প্রামিক সংখ্যক বাধার মূলক স্বীকৃতি দেওয়া হবে। যদি শিকেপ নিয়োজিত ম্লেখনের পরিমাণ একটি নিদিশ্ট সীমা ছাড়িয়ে খায় তবেও প্রামক সংখের বাধাতাম্ভক স্বীকৃতি দেওয়া হবে। যে খিলেপ একাধিক শ্ৰামক সংঘ থাকবে সেক্ষেত্রে বিভিন্ন শ্রমিক সংঘের সদস্য সংখ্যা বিচ্বে অথবা বিকল্পভাবে গোপন ব্যালটের মাধ্যমে অধিকাংশ শ্রমিকের সমর্থনে একটি নিদিশ্ট শ্রমিক সংঘকে প্রতিনিধিমলেক শ্রমিক সংঘ হিসাবে বাধাতা-ম্লেকভাবে স্বীকৃতি দেওয়া হবে এবং শিল্প-সম্পর্ক কমিশন সেই সার্টিফিকেট দেবেন। श्रीमक मृश्य आरम्मामनरक आतु उर्जातमात

উচিত হাব।



পরিক্ষার কামাতে ও পালক-দ্পদা পেতে ব্যবহার কর্ন

#### रक्षारता कार्वन धात रम्उशा



এবার প্রা সংখ্যার প্রতি-যোগিতার বিউটি কম্পিটিশনে নিঃসলেবেই প্রথম



॥ आ॰ जवस्कदमङ काना ॥

া ২০গে সেপ্টেব্ৰ প্জা সংখ্যা প্ৰকাশিত হবে ॥

#### : বিশেষ আকর্ষণ :

ওকস্টালি ছবি ইয়েবোপাও আমাত্রিকার এবল তুমাল আলোড়ন সাভিট করেছিল, সেই চাবে বিবসনা নালিক: সাক্ষেত্রী-ডেটো গ্রেটি কামেবের চাওলাবের জাতিনী (মা ফালবেটো জোলাভিয়াকেও হার মান্ত্র) লিগ্রেম চির্ল্পারি সেন

#### वाभाव बाभ (श्रि वाभाव

এ ছাড়া লেখকস্চীতে আছেন:
সমরেশ ৰস্, বিমল মিত্র,
আশ্তোষ ম্থোপাধায়ে, শাক্পদ
ৰাজগ্র, হরিনারায়ণ চট্টোপাধায়, স্নীল গণেগাপাধায়
জৈলিভিরিন্দ্র নন্দী, ক্ষীরোদ
চট্টোপাধায়ে, বিশু মুখোপাধায়।

যৌন বিষয়ক প্রবংধ লিখছেন : ভাতার ও যৌন ঘিশেসজ্ঞাণ

#### সুন্ধরীদের দুঃসাহসিক গ্রান্ডন ছবির টৌলার

॥ প্ৰথম সংখ্যা নিঃশেষিত ॥ শক্তা সংখ্যার দাম ৩-০০

প্রেণ্টন্প বোগাবোগ কর্মঃ

শংক্রী
৬৭নং বৈঠকখানা রোড, কলিকাড়া-১

জাতীৰ ভ্ৰম কমিশন একটি মাল্যবান ग्रांशिय करतरस्य। स्रीमणायत প্রতিভেণ্ট ফাল্ডে দের টাকার পরিমাণ আরের প্রকরা ৬-১৬ জাল থেকে সম্ভব্য ৮ তাগ পর্মত বাড়ানো উচিত। আর বেশানে चारवर ৮ नकारन श्रीकासने कारण श्रमान করা হয়, দেখালে - প্রদের অর্থের পরিমাণ আরের ১০ শতাংশ পর্যান্ত বাজ্যনো উচিত। म्मानका शिक्तकन्त्रे कात्का किया धारम অবসর গ্রহণ ও পরিবার প্রশাসন প্রকলেগ স্থানাস্তরিত করা বেতে পারে। প্রমিক প্রেণীর एकान-नामशीय माना नाकी खनायायी नामाना ভাতাকে বেতনের সপ্সে একচিত করে দেওয়ার সংগারিশক কমিশনের প্রতিবেদনে উল্লেখিত হরেছে। সরকারী ক্যাচারীদের জন্য অবিস্তুদ্ধে একটি পে-ক্ষিপ্ন (Pay Commission) গঠন করা উচ্ছিত বলে কমিশন অভিমত প্রকাশ করেছেন।

ভাষাীর প্রম কমিশনের স্পারিশগ্রিক সদপকে এট্কু বলা চলে যে, মজুরি নির্দর্গ, প্রভিডেণ্ট ফাশ্ড, সরকারী কমাচারীদের জনা পে-কমিশন গঠন এবং প্রমিক সংঘণ্টিক জারও শক্তিশালী করা প্রভৃতি নিশ্চমই জনসাধারপের কাছে গ্রহণযোগ্য মনে হবে। তবে, ধর্মাঘটের মেরাদ নির্দিষ্ট করা এবং শিক্স-সদপ্রে কমিশন গঠন ও তার উপর গ্রেড্রেশ্বা জনতা জারেরপ করার সাপ্তিক প্রমিকলোপী হান্টমনে গ্রহণ করতে পারবে কিনা সন্দেহ। তবে মোটের উপর, কমিশনের স্পারিশগ্রিক যে সন্তেবজনক, এ কড়া নিশ্বাধার বলা চলে।

খেনাও সম্পাকে কমিশন মাশ্চন। করেছেন হৈ তার ফালে শ্রমিক আন্দোলনের ভিত্তিকে তাঘাত করা হয়। তাছাড়া, খেরাও-এর ফালে শিল্প উংশাদনের ধারা শাহতে হর কলে কমিশন মান করেন। এক্লেন্তে কমিশনের উল্লিখনিক বিশেষভাবে অথবিহ এবং উল্লেখযোগ্যাঃ

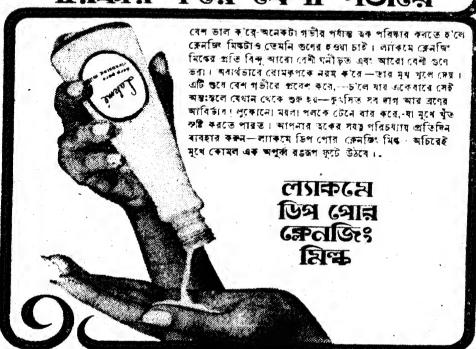
"We deprecate resort to 'gherao' which invariably tends to inflict physical duress on the person (s) affected and endanger not only industrial harmony but also creates problems of law and order."

"If such means are to be adopted for realization of its claims trade unions may come into disrepute. It is the duty of all union leaders therefore to condemn this form of labour protest as harmful to the interests of the working class itself."

বকামতথ্য 🛦 লা ठेणनाएउँ नाक रहे श প্রবাধ পোর-স कि उनामालान्य रोषे द्रम्य **MCVCPA** गर्कत्. भाषा जागाला गाहेक लिर्थरहरू ्षानका लग ७ कि वेष अन्य निरंशस्य मलाक बरा जमचनाथ वि व्याखाणार्थे प्राचानाचार STATE THERE वत्यान परिखन्यात शनाः णेत्रेष्ठ नेता श्वाचा माताल एक । यश द्वान भन अस्मानाया निमार **७ (श**म्ख प्रियः क्रणराम्ना निष्ध অৱদাশকর বায় খাপাই नाताराण गलामाकाः रिस्पार रामा विस्तरहरू मणाउर तात नवान जिति परा का भारत हा जनमान छोतार्थः (मंब्राक विश्वाम <del>\* गाम **मध्या** (मत्)</del> रतकृत गाम भारतिक शुर्वाणा द्राप्त हत्वानावाह नगर असा মুখোপান্বাম । উত্তর বৃহত্তর পালকর কুমার এখানাসাম পাল বিভারিত হয় নানারী পথতে বিভার হত বারিত জ েহাক স্থায়ন বস্তু। निक्तीय क्रांस्त्री गात किया अलम् जानाक्षे प्राप्त (न्त्रान्त्र मान्य प्रशिक्ष विकास के असूत्र साम्य प्रशिक्ष विकास के असूत्र



## लगकति क्लिलेड शिक् वियो यिक्याली वियो गाए। शतिक्षात करत वियो गडीदा



শি লাখান নাল অনুকারী বিশ্বনিক বিশ্বনি



कारनात मात्रा

--রাখাল দাশ

সহকারে ছবি **এ'কে সেছেন, প্রদর্শনী**র ছবিংলি সেখে ভা বোঝা বার।

भिष्यो भारकेल वावशास करवन धना তার কাঞ্জ দেখে মনে হয় এই মাধ্যমে বঙৰাটাক তিনি সাংদরভাবে প্রকাশ করতে শিলপীর বিষয়সক্তগালি আমাদের সকলের পরিচিত-বংলা দেশের পদ্ৰতিক গাছপালা ব্যোপ্যাড় আঁকাবাঁকা পারেচুলা পথ ও উদার উদ্মার আকাশ--এবং প্যান্টেলের মধ্য দিয়ে এইগছিলই তিনি রুপারিত করেছেন। বৃহৎ পরি-গ্রেক্তে রচিত ছবিগালি দেখলে নিম্পী গোপান প্ৰভাব বোঝা ৰান্ত, তাহলেও অনেক ক্ষেত্র সেই প্রভাব আত্তম করে তিনি নিক বৈশিষ্টা বজায় রাখার চেন্টা করেছেন। বস্ততঃ, নানা উদ্ভাৱন বঙ বাবছার ও অংকনরতির গ্রেণ ক্রেক্সংসে তিনি প্রাফ্রিকর স্ক্রে কার,কার্য ফাটিয়ে ভুলেছেন—বেমন হল্প, काटना ଓ भवास श्रुष्ट श्रमान २५नः होत। দ্'এক ক্ষেত্ৰে একচিমায় উচ্চনৰ রঙের **टाजिट्यात प्रथा किया किल्ली स्वीय त**्राना-दिनेनम अकान करतास्ता। এই अगरणा



कामका श्रमाम त्योगियन-१६६ मात्र क्या हान। अन्भनीत मापि हांच क्रिक्सकाकीत। प्रत्य मान इस भिन्नी कर्ना शींक वाजस করার চেন্টা কয়ছেন। এগর্মাছ হঙান (बाह्य) कांगास्त्र क्या खोका। शारांकरीय श्वामधेक बारित दबरब जिल्ली ब्रान्सदकरात कर्मामधी भाज दक्की दक्की शादसदन विक्रम करत किस बाक कात कालाकन करन वीष्टिक रिक स्थारक शाहील मिखवासाहित জাতান হলেও এগালের বোলাজসম রুপাই, সকলের দুখি আকর্ষণ করে। क्रेमाञ्चल विज्ञादि ३३ ७ ३०मा श्रीवत माध উল্লেখ করা ব্যর। তবে পরিকল্পনার দিক থেকে সমক্ষানি ও সময়োচিত হলেও ছবি দুটি, বিদেশ করে শ্বিত বৈটি লাসাকীল' চহানি-কারণ দীর্ঘতির আকারে আৰুলে শিক্ষীর মনোভাব স্পণ্টতর হরে ফুটে উঠন্ত। তবে পরীকা ও প্রচেন্টা হিসাবে দুটি নিদশনৈই দিলপীর সভিত্র ও সচেতন মনের পরিচর পাওয়া বার।

1

আক্রেডেমি পরিচালিত শ্রীডওতে বে जल त्यादे त्यादे त्यादे त्यात्मात्मात्मा निर्माण जात्व খিলেখিকা করে গত সাত বছর যাবং কত'পক তাদের কাজের বাহিক প্রদর্শনীর বান্ধ্বা করে আসছেন। সম্প্রতি কর্তাপক অন্ট্র বাহিক প্রদর্শনীর আরোজন করেন। প্রদর্শনীতে সাডে চার यश्मत वस्म थ्याक मात्र करत घेष्ठ वश्मत वश्यान दश्याना अवश्वे निम्मान দেখা হার। শিক্ষার্থীরা অধিকাংশ স্থলেই হুন্দার্ম্ভ ও প্যাপ্টেল বাবহার করেছে বিভিন্ন বিষয়বস্তু নিবিচনেও 20120 1 পরিচয় পাওরা জনপ্রাধারার সমকালীন পরিপ্রেক্তিত যেমন করেক-জনের ছবিতে মিছিল, বন্যা. রথহাতা ও প্রাধানা চোধে পড়ে তেমনি অনেক কোঁতে আবার শিশ্মেলভ বিচিয় মুতি বা নিসগদিশোর সকং পাওরা যার। ছবি দেখে মনে হর সকলেই আপন আপন খাশীমত কাগজের ওপর রঙ ও ত্লির মধ্য দিয়ে মনোভাব প্রকাশ করার চেণ্টা করেছে। বে সব ছেলেমেরের ছবি ভাল লেগেছে তাদের মধ্যে নশেরে ভট্টাচার্য (वराम ৯), अक्रिकिश ५ इन्वर्डी (वः ১১).

म्,िक्ता त्मस (वः ১२), मुझस दस्य पख

বেঃ ১০), স্থালনী গ্লেকাল বেঃ ১১),
লিনা হরিরাম (বঃ ৮), চিচলেখা মুখালি
(বঃ ১২), মনোলা মলুম্পার (বঃ ১১),
পাঁতা মালহোতা (বঃ ১১), তাপ্স নোল
(বঃ ১২), স্নীতা ভালুক্দার (বঃ ১০),
কেরা রার (বঃ ৬) ও ম্থান্তনী মুখালি
(বঃ ১২)-র লাম উল্লেখনে লা
বঃ ১২)-র লাম উল্লেখনে লা
বঃ ১২)-র লাম উল্লেখনে লা
বা
কুখানি ছবি সকলের দুখি আকর্ষণ করে

১২ বছর বর্ষক অলু স্বার-র ১০১নং
নিস্পা দুশা। ছবিটিতে ভুলির টানের
বলিটিতা ও রঙের ভারতমা দেশে
স্বভারতাই সম্পেহ লাগে লাভ কিন্তন
হলে ছবিখানির জালা জলা বুরির সকলের
স্পোলা লাভ করকেন।

পাপুর ছবি

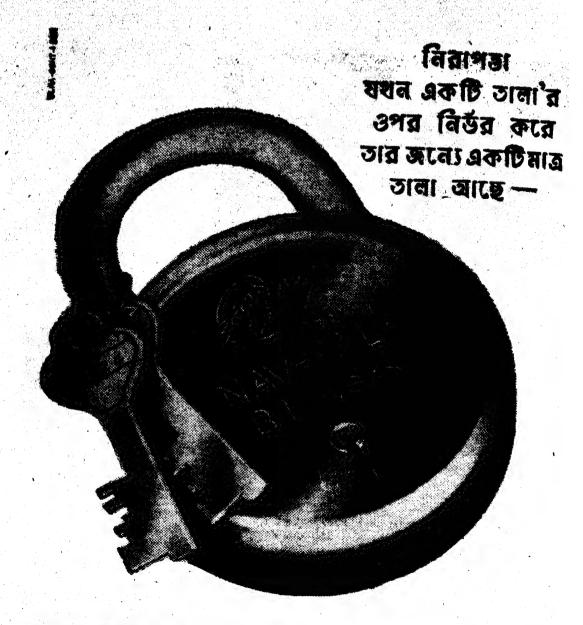
"পাপুর বই"রের নির্মু-দেরক এবং
বিবেশী পাপু আরু মন্তব্যা চেনা। ভাল নাম



ছিল তার স্কৃতি সরকার। মত সাড়ে আঁ বছর বেচেছিল সে এই প্রিবীতে। তার আঁকা প্রার পাঁচ শ' ছবি থেকে ৮০ খানা নিয়ে এক প্রদর্শনীর আরোজন করেছেন একাডেমি অব ফাইন আর্টস তাঁদের গালেরিতে। প্রদর্শনী শ্রে হবে ১৩ সেপ্টেম্বর। চলবে ১৯ সেপ্টেম্বর প্রবিত।







वाक्टांत हरू-(क्य या अधि विकारकाता । স্থা এম কারিগরী, প্রতিটি ভালা'র कट्या जामाना जामामा त्रक्टबन চাৰী ভৈদ্ধি হয়, ভাহাড়া নব-ডাল নিরাপভার সরকান ভৈদ্ধি করতে ध्यम छाट्न छिक्राहेन कहा-बारक. शूटन के रक्टन हुन्नि कहा ...

मा योह. अडि मन-अंश (क्ष नवत्वात বেশী নিরাপতা। শেতল আর ইন্সাভের ভবল খাল বাকে ব'লে এটি দাক্তৰ মকবৃত। এটি ভৈরি করছেন গোলরেজ-यात्मत्रं कार्ट १० वहात्वन्त रक्नी अधिकका

৫০ মিলিমিটার (৬ লিভার) ७१ मि: मि: (१ मिणाम) भ्य वि: वि: (भ विकास)



#### গৰুপাতের আলোকে

পার সংগ্য কণড়া হরেছে। হার রে
কণাল! মেরেটি এসেছিল এই ব্ডেলর
কাছে জনালিজনের ক্লাসে ভতি হওয়ার
খন্ত সংবাদ জানাতে; আর আমি কি জানি
কোন গুরাসার অভিশাপে অভিশণ্ড হার
ডাকে অভিমন্দন না জানিরে ঠাটা করে
বলেছিলাম, "জনালিজন্ম ?...মেরেরা কি ভা
পারে? ওতে বে নিরাসক দ্বাটিভাগিল চাই!"
গোপা সংগ্য সংগ্র উত্তর নিরোছিল ঃ
"জাইলে আপনি বলাতে চান সতাদ্বিটত
একলা প্রের্নেরই মনোপলি?" কিংবা ঐ
ধরনের খেচিন-দেওয়া কোনো কিছা।

তথানে আমার উচিত ছিল [ এখন অবশা তা অন্তত্ত চিত্তেই স্থীকার করি ] গোপার নতুন কেনা ব্যাগের প্রশাসে করা, কিংবা নিজেরই বেতো পারের থবর দেওয় কিংবা ব্রুক্তেন্টের পলিসির কথা পাড়া [গোপা আবার রাইট ক্ষানুনিস্ট], আর আমি কি না "নারীদের সংখ্য তর্কা পরিহতবি" চাণ্ডোর প্রসিধ্ধ স্লোক্টিকে ব্যালমুম ভূসে গিলের আমার ব্রুবের ব্যাখ্যা করতে গোলাম…

গোলা করে চলে গেল গোলা।

আযার মণ্ডবা না শুনে সে কিন্তু মুপ্রধান কিছ্ শেখার সুযোগ মিস্ করেছে। মন্ডবাটা এই মে, নিরাসন্ত দুন্টিভান্স এবং সভা দুন্টিভান্স এক জিনিস নর। সাংবাদিকভার বৈশিন্টা অবশ্য হিম ও নির্ফিত ভবানিন্টা। সব কেনে কিন্তু সভো শেশিছোবার পশ্যা এটা নর। আমি বরং বলিঃ জনেক কেন্তে আবেগের উন্তাশেই সভ্যের আগ্রম করেল ওঠে।

হোটবেলা থেকে আমরা শিখি বটে, বাচাই করতে হবে, বাজিরে দেখতে হবে, ওজন করে দেখতে হবে, ওজন করে দেখতে হবে দুদিক, পক্ষ নেবর আগে সতর্কভার প্ররোজন গদে পদে। আমি কিংতু বাপ, বা-ই বজনুন, পক্ষপাতেরই পক্ষপাতী। আক্ষীবন পক্ষ নিয়ে এসেছি—শৈগবে বাবা-

মান', বাজাে সনবরসী ৰণধুনের, কৈশােনে নিজের কজেজের, আর ভারপর, বসব কি, বংগাভারা ও বাংলাভারীনের। সক্ষ নিরে লােকে ঠকে বজে শুনোছি। আমি ঠকে ঠকে শিথাছি, মান্ত্রকে আর মান্বের সমাজকে চিনতে হলে পক্ষ নিতে হবে।

#### बार्डरभोटा काफ

গৰুপাতে অনুর্বান্ধত বলেই এই যে এক ফরাসী তর্ণী সাংবাদিকার লেখা ভারত-দর্শনের অনবদ্য ব্রুক্তিটি আমি পাড়ে তর্ণী হলে, বিসমর বার অক্রেড, জানাবার ও ত্থবার উংসাহ কর অসীম গ

খুবা দেউৰু কিন্তা ও সতক'তা প্ৰয়েশকৰ, দেউৰু উভানিত হয়েছে ঃ "নিশ্চিত ভজ্ত কলতে গেলে একটিই—অভিনিত অসকলা; বাকি সকই দুনিকৈলেকে উপন নিভ'লপি। অসকে হয়াৰ আমি কৰি না। ভাৰতকে হেডাবে দেখেছি, অনুভ্ৰ কৰেছি। বুলেছি পৰ্যতে, মৰ্ভুমিতে, সৰ্বন্ধাৰ প্ৰাণীকৈ সক্তে: গিয়েছি আধুনিক নগৰীতে, হতন্ত্ৰী পদ্মীতানে; অনিভ ধনকা আৰ বিভ হতভাগোৱা দল—উভৱেন সপোই সক্ষাহ হয়েছে; কিন্তু এনেকেন্ত্ৰ গৈচি কক্ষ কৰা হয়েৰ আনেৰ একটিতেও তো সভ্যি সভ্যি ব্যানৰ একটিতেও তো সভ্যি সাভ্য ক্ষাৰ বানেৰ একটিতেও তো সভ্যি সাভ্য ক্ষাৰ ক্ষাৰ বান কৰা আনিক ক্ষাৰ আনেৰ একটিতেও তো সভ্যা সাভ্য ক্ষাৰ ক্ষাৰ ক্ষাৰ আনেৰ একটিতেও তো সভ্যা সাভ্য ক্ষাৰ ক্ষা

এনন স্চেনা আশা জাগার নীরল থকরের সমহার নর, "জেন-ইনস্পেটরের রিপোর্ট"-ও [মাস মেরে-র ভারতানসাক্তীকত কুথাত গ্রন্থ সম্পর্কে গালাজীর ক্রিলীর ফতকা] নর, সাজিই জিল স্বাবের ওকটা কিছু পার নামর সংকোনে তরা, ভালো লাগার গলেও ভরশ্বের, তলো না লাগার প্রকাশে ক্রিকের, সহান্তৃতির অঞ্চনে আঁকা এক প্রশেকত কাহিনী। কর্তথান লেখিকা সে আশা পর্বেকরে



जार्गान कारक हान मकार्गाचेटक अक्ना भूजूलक बटनार्गाण ?

উঠলাৰ, তাতে বেখেছে সভার স্রা।
সাংবাদিকের লেখা হলেও সাংবাদিকস্কাভ
যাথাখীপনার বড়াই নেই কোষাও, ভূল করার
তরে গা বাঁতিরে চলার দেউা নেই, বাজিগত
তালো-লাগা-লা-লাগার কণ্ঠরোধ করে
নৈবাছিক সাজার চেণ্টা নেই, বরং গোড়তেই
সোলাস্থি ব'লে লেওরা আছে, 'জনাটিকজম
মুক্ত করে দের বটে বহু দ্রার, রুখ করে
হাড়ে তেরনি অনেক হসর। তাই বে
পনেরে মাস আমি ভারতে ছিলাম,
আগাগোড়া ছিলাম নিতেজাল এক ফরাসী

ক্রের নাম "আমাপেরি ভারত", লেখিকার নাম মিস ক্রোদিন কানোড ভারতীর কানে খটোমটো ব'লে কেনেডি নামেই ভাকে ভাকত অনেকে); এপেশে সে এসোহল টো-এন-লাইরের ভারত ক্রমণের কালে, মখন নাম পরসা প্রথম চালা, হয়।

#### "ACT CHICACK SIGHT MICH"

প্রথমেই অবশ্য একটা হোঁচট এসেছিল দিল্লীর কান্টমস-এর কাছ খেকে; "ঐ বিভাগটাকে আলীকা আমি শাপানত কাছেই" একেছি। ফরাসী কাণ্টনসকে নীতিগত তাব; ইংরেজ কাণ্টনসকে প্রতিতিব ইই এরা আনাকে অণ্ডত একটা সাটুকেস থালতে বাবা করেছে বাবা; আর্কান কাণ্টনসকে বাড়া তিনটি ফট বসিরে রেছে শেষ প্রথাত ওয়া কিছেই থেলেসি; আর দিনেমার কাল্টমস্ অনার ছোট গাড়িটার বীমার ট কা আনার কাছ থেকে ভবস কারে আলার করতে চেয়েছিল। কিণ্ডু দিল্লীর শাক্তর বিভাগের এটন তান আনার প্রতিগানার করতে চেয়েছিল। কিণ্ডু দিল্লীর শাক্তর বিভাগের এটন তান আনা পরিচালনার ক্রান্তর এটন উচ্চত্ত আর এইনি কেথাতা। ।

্রিকন্তু ভারপর বিমান-কলরের চোইন্দি ছু,ডিয়ের সত্যকার ভারতের মাটিতে পা দিয়েই कारका कारक राज वरे प्रणा कारका कारक গোল দাই দিল্লী—নতন আর পারের্টনা-বে শ্বাই ( TIEN कारका त्वरा ब आहमात. प्रदेश या जाना व विकास ভাল: অর কি সন্দের নৈতিলে বাবাদ্ সেই পথ "সারা ভার তর সব-সেরা সর্বাণ". আৰ কাণাকৈত | তার মতে বা ভারতের अवश्यक्त रेगम नगरा । তातभन अनक्ता-জাবে আজানাক্টো-সজাটনা মথারার সেই য়্যাভিত্তম—প্রযায় ক'রে ধেখানে স্থাপিত ররেছে পা মুখা-হড়, "অভগ্নার ব্যক্তের মুক্তক তরুবাজের হতো সাতি কারে রা**গা**"। कार्व भ्रामाज्य नीनारकव কেনেরক ?

পার্থেনন হাড়া আর কে তকে হাড়াত পারে? আন ধ্যার্থেন-লেট চক্তে আর কি আছে তার চেরে অপর্প: আরে নিশ্তাপ নিশ্ত স্থানা মনকে পানা করে বাজ্বাতো শানা করে হাদর ও ইন্দিরদ্বাদ্বাদ

#### मात्रि दिए

কিংছু বংলাদেশ । আছে কান্তানিং
যাধার "সভাবের আশ্চম থেছানা ট্রাম্বা
কথা, আছে নাজিলিপ্তর স্টাবন্দ –
ভারতীর মানের ভ্রানার কি প্রক্তরপত্তিছার "একদিন স্থার স্বাম্বা
কর্মতে রাস্তাব উপর ফোল লিত্ত বেশেছে!" ঘ্যের স্বাম্বাসিকে উলেব
আন্তা কর্মতি সিংলার স্বাম্বা
ক্রাছে, একটা সাগারেট লিলে ভ্রেই স্বা
ক্রাছের সম্বাম্বা

আই অংকে নেপ্লীদের বহু এখন পাথিবীতে নাকি অমন হাস্কেছ জড় জড় **७४ हिंछ उन्हें : "हा:ची काशार्य जातगरत** সর্বাচ মারে বেডানোর পর এই একটি চালত সাংগ্রাহ্মার- বানের ছবে হয় সংগ্রাহা স্থী! কি সপ্তিত জীপড়িল বেমসস এদেরত কিন্তু চেহারের হাভ্যার চিত কাই।" একথা আয়ত প্রয়োজন থেন দেশ*ল* আৰ সিক্ষের আহতে: ভুস্কি সংখ্যাস ভিক্ষাৰ ক্ষামত কেই বলকেই চাৰ তাৰ ভাষাত পদৰ্শন একা বিবাহন কলাভ তাপনাক **এক ৮৬ দিম্ব থাকাতে।** বল্য •াচ। ভাচর দৈৰে দেখে আপনি কর্ণায় শালু চানে, বিভয়েক কবেল বিজ্ঞিক ভাব ভিতৰ, ভাব ব বিষয়ে জনসংখ্য সময়েলন ও অনুভাষ্টের গ

#### क्रमकाका

্ষিক্ত খণ্ডি বাংলাক্ত্ৰৰ আন্ত বাঙালীদেৱ প্রসংগ্র আর্ডন স্তর্গলং ব্যু আর্ডেন রবিশংক্রে জন্র দ্ভেগ্ট ক্রেলী শেধার কথা বলা হবেছে, দিল্লীতে গুখনর সংগ্র জ ক্ষাৰ ১২ : তেওোলিক ব' এক উল্লেখ্য গা न देवना हो से समाराज्य के प्राप्त वार्षिक ্র্টিল্নের i'া **২লডিব্ড** গুড়ীর ভাপ কার্ল য়ার হাওড়া ক্রিম্ম সামে তার হাম <sup>হাম</sup> বিষ্যাটা এক বিসমায় মাট মাওয়ার পর্ব ভাষ্ট ভি কারে থালেনফেলা এক সেবাং কেন্দেন্ত মতে : "আন্মানের, পশ্চিমীদের, কাছে স্টেশন শ্যা এক যাওয়ার পথ, বড-জের ঘণ্টশংনকের কর্মহানি অপকাশ-যাপনের পথল: এখানে এপের কাছে দেখাছ অন্য সর স্থানের আন্তেই স্টেম্নর একটা থাকার জায়গা: যেখানে আহ গ্র-নিদ্রা রাধন স্বই চলে "

আর নজরে পছে—না পছে পারে না—
ফাটপাতে শারে থাকা মন্ত্রগারি, যাংদর
ডিলিয়ের ডিলিয়ের পথ চলতে হয়: সর্বাচন
ব্যাপী দুখে দাদ শার এরাও বেন প্রতীক।
এই দাদ শা যে কডদুরে প্রতিক ধাশত জ্ঞান



### অবাক ছবেন নিজের বং দেখে !

লায়ের বং ফরসা নর বা কিছুটা চাপ। ব'লে মান মান ইলের আকাশাস, এবার কাঁচের ভাবনা দ্র করার ভার্মাকেয়ার ফোরাইটনিং ক্রীয় । দীর্ঘ পারষণায় এবং নিজ্ঞানসমত নানা তুল ভ উপকরণের সমজার তৈরী এই ক্রীন,—ত্বপু ওপর-ওপর প্রালেশ দেবার কাজ করে না, রোমকুপের শভীরে যেয়ে এমন সব মৌল পরিবর্তন ঘটায় বে আপনার বং হ'য়ে ওঠে উজ্জ্ব আর দিনে দিনে আপ্রি ফরসা ও আবো শুক্তর হ'যে ওঠেন।

# ডার্মাকেয়ার হোয়াইটনিং ক্রীয়

মাখনে চাপা রং হবে কনক টাপার মত সুনরে গুরুতবারক: সাহের সিং'স

্ৰিউটি ইন্ধ ইওছ বাৰ্থনাইট' পুঁজিকার জন্ত এবং আপনার রূপহটাত বানা সমস্রাত উত্তরেছ জন্ত আমানেৰ 'বিউটি জনসাসটেউস্',পোউ বক্স : ১৪০, নিমী নিমী,এই ট্রকানাত নিপুন

Progressive/55-1/69A

হ্মতে পারা হার কথন আবিশ্বার করতে इत, "को शाम कृप्रमान्दे अस्को सर्गानकार्य ज्याः य कात्नाथात्नदे अरोहा नर्गन विकाद —এ বেন প্রত্যাশিতই হরে পাঁজন, প্রায় হ্বাভাবিক লাগে নিজের কাছে. অবশ্যাশভাবী। ভারাপার হঠাং থেকে থেকে हमक लागरङ **ग्रां, करक**; विश्राह आमध्यात সংগ্ৰাপনি কৰা করেন, ওতে অপনি ভাতুসত হ'য় গেছেন, এন্ড অন্তাসত বে দ ভিত **লুব'শার উপস্থিতি** আ প্লার ত শিক্ষা ধরাই প্রাঞ न्ता...। হত্ট উংস্কাজনক হোক, অধিকক ল বাস কার,রই क्याटन বেধ হয় ক্রা উচিত নয়-পাছে হারিয়ে ফেলতে হয় 21.00 ক্ষ্য ও বিরুদ্ধ হওয়ার মন্বের চরম অসহারতা ভাষাবহ দুর্গগাকেও মেনে কেবার নিশিক্ষ মনোভাব আপনাকে পেয়ে বঙ্গে।"

त्रूक्षित श्रायाणत स्रिवाय **अकामा** 



সকল জীবনবাপুনের জক্ত বা প্রক্রোজন ওকাসার তা পাওরা বাব। গুকাসা কঠাল বাধকা হোর করে বালোর উরতি তব্য এক স্বচারে বেটা জকনী, বৌজনের বল 40 বীর ভিত্তিতে আরে। সার। পৃথিবীর লক্ষ লক্ষ লোক আরু বলবর্ধক তবা স্কত্তবাব্যোগ্রারকারী আধুনিক ট্যাবলেক গুকাসার বহার কমেন। পুনৰ ও ব্রীলোকক্ষে জক্ত পুথক পুথক ওকাসা পাওয়া বাব।

ওকালা – ক্র্মো – ফার্মা লিঃ লণ্ডন–বালিন–এক্স তৈরী বড় বড় ওযুগের লোকানে লাবেন অশ্বা সবাসরি ইব্যের ফার্চ থেকে লাবেন

P.O. BOX 398, BOMBAY-1.

CU-38

এই ধারণার পরিপ্রেকিটেই ক্লাকাজ সম্প্রেক ক্লোদনের অভিনত : "কলকাজ, আকড়ে করা, দালবিক মোহিনী কলকাজ— কেখানে কেন্দ্র ক্লাকাজ এক মহাশ্রন, সেখানে তার এই দুমার প্রাণশান্ত আমার চেন্তে এক জ্বীতিমিপ্রিক্ত সম্প্রম জাগার।"

দুঃখ হর, এমন একজন সংবেদনশীল তর্ণী সমর, স্থোগ ও পরামশের অভাবে কলকাতার আর একটা র্ণ চিনে উঠাত পারেনি, বে কলকতা আনেক বিদেশনী প্রকাশীর চোখে ভারতের সংগ্রের কোত্রলোন্দশিক হার্ন্না আর প্রাণস্পশ্বিত নগরী।

CHER.

वारिटरव 2700 भार्मारम्दर्भे वन वन स्वरंख इंड स्क्रीनगरक। প্রকালনা-পশ্চতি ও কারিতকর ও 4120 टिक्ट - अक्वार ব্যতিক্রম নেহর: ভারতীর রাজনীতিক ও বন্ধ দের মধ্যে সভাকার প্রাণকত আশাতীতের আঘাত হতেন, অপ্রত্যবিতের J. (000) আৰু স্মিকতা না হোক ভার আপনার মনেমতো হোক বিষয়বৃদ্ভু আপনাকে আকৃষ্ট করাক না করুক, তার করে আপনাকে শানতেই হবে —একাগ্র অভিনিবেশে। নেহর, মার্কন ম্মুকে গেলে ক্লেদিন লেখে, "নেহর, যথন অন্তপশ্বিত, সারা ভারতবর্ষে হেন স্থানিতর

নেত্র্র রেখ অজ প্রার কিংবদানীর মতো। ক্রেলিনের ভাষার "অহিংদার এই প্রতিভূ ব্যক্তিমা, ক্রুড ভূজ একটি ঘটনা তার অসম্ভূতির উপ্রেক করতে পারে! আর তা তিনি প্রকাশও করেন তার ভিগেতে। কিংকুনা, তার গলা চড়ে না কখনও, জোপেও তিনি আছামর্যানিবোধ হারানা, শাংশ, তার গলাই করে ও মাুগের ভাষা বদলে যারা, আর সংখ্যা সঙ্গো প্রতোকে তিটা।"

#### भववरवांत्र हृष्यन

নেহর কে খাব কর্ছ থেকে দেখার স্থোগ আলে একবলে। ভারা-নাঙাল পরিবদর্শনালেই টেনে চেপে ফিরে আসকে। চৌ আর নেহর, দিনটা নববর্বের প্রেটিন। সাংব দিকেরও সে ঘাতার, স্পানী রয়েকেন। আগে থেকেই তারা রেন্দিনকৈ চালেজ করে বলেছিলেন। "প্রথানকলী চৌকে নববর্বের চুন্দন দিন না দেখি—ফালে ভো ওটাই প্রথা।" রাভির বারোটা হখন বাজল, ফোটোগ্রাকরের। উচ্চ বারোটা হখন বাজল, ফোটোগ্রাকরের। উচ্চ বারেটা হখন বাজল, ফোটোগ্রাকরের। উচ্চ বারেটা হখন বাজল, ফোটোগ্রাকরের। উচ্চ বিকে কামেরা কোকাস করে, এমন সমন্ত্র আক্রিমকভাবে, সব প্রিকশ্যনা ভেন্ডে বিরুল ক্রোদিনকে টেনে নিরে ভার বাঁ গালে

## অমৱ সাহিত্যের নুতন বই

উপদ্যাপ

গজেন্দ্রকার বিচের

त्रभणीत्र सन ए,

अवस्ट उन

একাঘ্মী ৪॥

প্রশাস্ত চৌধ্রেরীর

(शाधृति तंत्रीव c.

আশ্ৰেতাৰ মুখোপাৰ্যালের

বাজীকর ৮১

নীহাররঞ্জন গ্রেক্স

রান্তি নিশীথে ৭. সূর্যত্থস্যা ৮,

अवन्य

মহায়া গান্ধীর সত্যাগ্রহ সম্পর্কিত সমগ্র রচনা সংকলন

मजाश्वर १

**599** 

महाबाधकुमात हरूवजीत

कृषिन

कूभायदन ६५

क्षमा नारिका अकानन व, टोमार रेनन, कीना-५ महत्त्वस्य धकाँ है हुन्यस्य धार्क मिरहान स्मावस्यः । रकारणिवास्त्रस्यस्यः निकाणः मृणाप्रोत्तर्वः वरस्य ब्यास्त्रस्यः निरुद्धः एका ना रकार्योतः। चतरस्य सम्बद्धः ध्यक्षस्य रक्षा ना रकार्योतः। चतरस्य सम्बद्धः ध्यक्ष समानौ छत्। नार्यानिकारक सम्बद्धः हुन्यरुद्धः महत्यस्य भरस्य वार्यान्याः विति विश्वरकान द्वार्यमनस्य, "ध्यास्त्राणि कि

কার ভারেনিতে নেহরতে উপেশ করে কোনিন নিথবেন, "ভিয়ার রিঃ নেহর, আমার ভান বালাটি কিন্দু বালিত বরে সমান।"

#### दिया-त्यामा-सामा

ভার সেই ভারেরিতে কেখিলা ভার দৈনন্দিনকার অভিজ্ঞান কথা খাটিরে wifeld before was carried

ভাৰতনাট্যম ভাৰ কাছে টেকেছে
কিন্দ্ৰিক প্ৰিক কৰে মুন্নমন্তলের এতট্ট্
কিন্দ্ৰিক মা কটিকে কথৈব সমান্তনালে
ক্ষম কৰ্মমন্তলেৰ ওৱা বায় দ্লিলের বায় ।
ভাৰতীয় স্পাইতের সংগ্রা দে কিন্দ্ৰ বোৰাসক্ষম আসতে পাবে নি; বন্তস্পাইতের তো বীতিকতো ক্ষম্ম প্রান্সান্তনি। কর্মই

कारका क्योक्टिय दकारम अनमनीए छैनान्यक इवात जारवान कात बरहोंगे; कनर ক্লান্ডকরভাবে দীয়া আর অহেতৃক চাচা-रबाहित्क खना' हिन्मी किन्त व्यक्तित मन्द्रक তারক বিত্তক ক'ৰে पुरुवारक । अवस्य क्रांत राजातरक, "असिर्वान मृद्ध्यम् बा-किस्ट्रे बाँग्रेक मा रक्त নারিকারা অমন বখন তখন নাচে কিংবা গানে क्रिका मार्केटकर क्रांक बर्क क्रमां...एक ছিলো, হতাশা—সবেরই প্রকংশর বাহন গান...। প্রেষ কণ্ঠ তব্ সহনীর কিণ্ডু व्यक्तरमञ्ज क केन्द्र व्यस **আ**গালেগ্ৰাড়াই সম্ভয়ে বাধা—যত চড়ে, তত বাড়ে প্রেকাগ্র করতালির বহর P' আর হার্ন, যারোগাঁয় দশকি হিদেৱে ভারতীয় ছবিকে তার মনে হলেছে "ক্তিমানার chaste : চুক্তের म्ना अदक्कातके वतनाम्छ कता क्य मा।"

বেশবাইরের রজিন ছবি ক্রেনিনের বন্দ্রকান করতে পারেনি, ভারতের রারে উংসব হোলি কিন্তু তার মন রাভাতে পোরে-ছিলা। ভালো সেগোছিল তার এই উৎসংক্র সামাজিক সামাবাদী চরিত্র, প্রভু-ভাতের পারশপরিক বাবধান ছাচিয়ে রঙ-বিনিম্ন : 'ফিরে ধখন একাম, আমার মাথাটা একেবারে লালা, চোখ হসাদে, জার নাকের উপরে গাঁট ইরে বাসেছে সব্ভ রাওর ছোল।"

এলেশের বাসে চড়ার অভিজ্ঞতা সে ভূলতে
গারেনি; লখ গুণ বেশি লোক নিরে বাসগুনির নির্বিদ্য চলাচল উপরণ্ড এবই
সংখ্য গালগানি কাড়ি-চুপড়ি-মাগি অর
বজার মারের পিঠে; মেরেরা দাঁড়িরে
আর তব্ পুর্বদের নির্বিদ্যার ব'লে থাকা
—কোরিনের বিশ্নর: এক ব্ভির জনা
জারগা ছেড়ে দিরে ক্রোদিনের গাতোখান—
রহব ত্রীদের বিশ্নর! আর টেনের
গার্থেরা প্রেনিশভুর বিহ্নানা পেতে
শর্ন, বউ-মেরের জন্য ছেফ একটা চাদরের
বিশ্যান্ত্র।

বিনশগুনীর পাজার পাজার বিনিশ্চ
ট্রেরা ট্রেরো ছবি, চলাছবির সমারোহঃ
উত্তাপ, জাবসার ক'রে দেওরা দঃসহ
উত্তাপ, কার বুলিটর জনা সাগ্রহ প্রতীকা:
শনোরাই জানের মধ্যে জনারান একে না
পৌছোলে সম্ভারাপী উল্লেরা বেলো
জারিথে বিদেশীরা বিকে নিয়ে প্রস্তুতঃ
সমার্থনা ভারিবে চিজানানের বেলো

# कलाशिं गावशत कत् सूथित पूर्गक पूत् 3 जातप्ति पख्या (वाधकत्ता!



24 WE 3040.

कारीकान नगरकाः क्षेत्रक कांत्रस्य एका मान कांत्रक नगरामा मान्यः। वर्षः गरक वर्षः कांत्र कांत्रकः मान् नगर्वा कांत्रक कांत्र कांत्रकः मान्यः नगर्वा कांत्रकः कांत्रकः कांत्रकः वर्षाः कांत्रकार्यः कांत्र कांत्रकः कांत्रकः नांत्रकः कांत्रकार्यः कांत्र कांत्रकांत्रकः कांत्रकः वर्षाः, वर्षाः स्टब्कं कांत्रकांत्रकः कांत्रकः

नार है"
अर हमार कार कार पाया पाया करा
प्रदेशका कर, पाया-पाया कार करा
व जन्म करा कार करा
व जन्म करा करा
व जन्म करा करा
व जन्म करा
वार्षिक करा

द्वारम एकरण विस्तिक्याणाणी मानि एवंडावर प्राट्या स्टब्स मा क्यारा । क्रिकाको ३ व्यार एकस अक.एमपीत क्रिकारम क्रिकाको ३ व्यार एकस अक.एमपीत क्रिकारम क्रिकाका प्राट्यास एमपा व्यार एको क्या एकाका प्राट्यास ।...च्यास अस्तिरमञ्ज्ञ क्यांकुन एक्य एक्या एवाड व्याच्या-रम्बद, अक्येन्ट्रम, निए पर व्यवस्था रखार रहारों। च्यास शामा।"

-

ভাৰত বিদেশ্ব সংগ্ৰহণ কাল-সংগ্ৰহণ প্ৰতিষ্ঠ সম্বাচন আন্তথ্য ভাৰত বিদ্যা সংগ্ৰহণ মুক্তি সন্থিয় খনিস্ক আন্তঃগের সংগ্ৰহণ মুক্তিৰ টোল-টোল খুৱাৰ বেক্টেম্বল সমাৰ,

কর বিজ্ঞা প্রথেক করক যে তাকে বিজ্ঞান প্রথান করে, কোনার প্রথান প্রথান করে, কোনার প্রথান প্রথান করে, কোনার করে, কার্যান কর

वान, स्थार-रक्ष विन वानिक प्राक्तिकोश्रेत वाकिनाव ५४६ नावकर त वीते वीत-३२ व्यक्त वीते व्यक्त वाति त्राप्त वरण स्थार ३४-६६९६ (हस्त - ३४-४०४५)

हार्कान्द्रे विवास कांक्स कांकिकीरात मान्य कि एकावस सम्बद्धाः। वालीकाम प्रकार . प्राचीय-वालापुरका क्रिम्बेटन अर्थ शक्त शब्दां होरे श्रद्ध "बारबीवना एकका बातारह ?' अहा चान्हर्य हत यीव जानमात्र कारह रेगारंग त्य बंबारम आक्रमान-क्टा मूर्वी हतार स्थात त्याक कारण সক্ষণ আপদার চেই। করা অবাক হয়ে कारत, कीरमवद्यात थाउँ छैंचू वाम जात जार्भाम शहरून दक्तमा मामा भूमियोटि ? मान कारकीरमा निकासिकामी करान गरमा किथिर क्रमारिक , जार- जानरन क्षात मानद्वाताल बदा भएक वचन दकारना ভাষাদাশ বিচাশনৈ ভাচে পোনে, ভাষের বেশ জগতের সব-সেরা বেশার্নালর অনাক্ষন। मार्किनीया नवात्र क्षणस्य । जन्द्रशा পাৰৰ জাৱান্দী, জাৰ নেটা তলো ভানের शान्त र अहे रूप क्षा चार चारची संतर रावि राज किट्टे छाई; छन् मीत काला ভিন্নেশী মানুৰ গভীর ও আন্ডায়ককভাবে फारनंत रमणरक कटनारोक्टन बारक, रमहोरक ভাষা অপ্রভাগিত উপহারের মত্যেই বিদ্যাভ ও কৃতভাতিৰে প্ৰহণ করে। ভাই চলিপ ক্যেট ভারতবাসীর উল্লেশে এই রইল मामक विवासी छेनारीत जावि छात्रास्थान-ভিকাশ ।"

"जारि पूजिन मां, जारि क्यू पूजिन मा"

কোনো কোনো বিবেশীর বুবে কোনির লানের, ভারতবর্গ ভারের ভারেনা লানেরনির বারি, ভারের বার্ট এখানে আনের বার্টারির নার্টারির প্রাথিবালীরাও, প্রতিবার্টার সামরী, ভারিবালীরাও, প্রতিবার্টার সামরী, ভারতবারা জন্মান্তারর, উরাপ উজ্জ্বার্টারির ব্যালিকভাল; ভার লোকে বি-ভবিষণ দ্বার্টারির কার্টারির ভারের উলালীন; ভার লারের ব্রালা, ভারে অন্তারা, ভারে অনুটিরক অবদেশাভিমান গ্রারা অস্তারা, ভারে অব্যালিক অবদেশাভিমান গ্রারা অস্তারা, ভারে অব্যালিক অবদেশাভিমান গ্রারা অস্তারা কড কি',;

কোনন, প্ৰপাতী কোনন, সভালীপানী ফোণিন একৰাৰোঁৰ জনাও এ চোৰে কেবেনি व राष्ट्रक : जाबाद जावक-रणवाह दन, जाकिरमा, जाक्योंने क्या द्वमा, दक्कारे দুৰ্গণায় পৰিকীৰ'; সনুবাহিত কৰে, বিজ্ঞাৰ क्टबर कारमा मात्राव, विकृत्य कानाव, रिश्वविद्या करत दश्य सम, किन्दु नव्याहे छोटन बाट्य। जानाव जानज्यानीया-जाना वद्य इन्ह कर देवम रका मिकिननकार, रकान कारणांचारन रक्षमारे कालात केनीराक, क्या इत्रका शारण मा, किन्दू कंनलनवात वात्रीतान। धवरि क्या मन्तरं वर्षि क्या मिनक । जामल कारक-रनाम जामल रिन्तरीकटक भीतर्गातंत्र कटाइट । अन्मर ६ राविहा, रमुक्ति । विक्रम, जिल्ल । जानवनवाक-जारण स्वकारन रहनकोत्र करे जैन, जान का रम्बर्ड शाहर मा रकारमाणिम।"

### क्ष थानि

জাপান আট পাড়ী, টোরিলন স্টেটিং, রেডিয়েড পোবাক, পাল, নাইলফের মোকার অর্ডার সংহাহের জনা রাসিক ৬৫০, টাকার অক্ষা উচ্চ করিলনে নেলন্যান ভাই। নাম্নার জন্য বিশ্বনা।

Foreign Agencies (66) Dessen Street, Box 1456, Delhi-4.





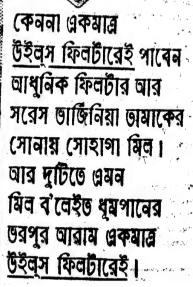




वत्त्व क रक्त्य ऐंवेत्त्र किर्तात्व व्याप्त प्रक्रित अभिग्नाञ्च सम्बद्धाः अभिकाति

ক্ষিণটার সিধারেট ?

३०वि ३ होका ४० नवना





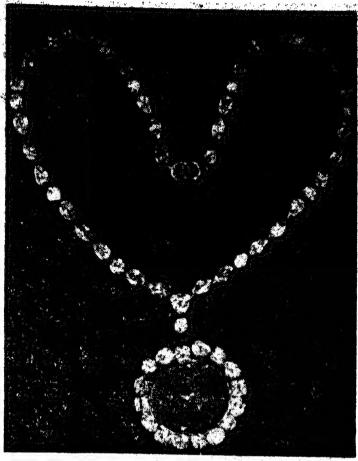
#### र्मागतरक्त दाला

পুলিবলৈ প্রেক্ত হারে ক্ষম বিধ্যাত আয়ার জানা ছিল না। ওরানিটেরে বাদ্করে হেপের বাদ্ করে শুলিভাত হরে বেলাম। কি আত্মর গড়ীর নীলারাং কি অপর্প রের্মিত। যাল্র মতই হোপ হারের বিচিত্র ইতিহাস। ১৭২৮ সাল পর্যাত হারের ছান্দ্র্মাতি সাহে ভারতবর্ষ দ্বিনায় প্রধান ছিল। সেই বে শ্রেনির গোলকুন্ডার হারের থান,

কমা ভরা চ্লিমণি, সাগর দেচে, মাণিক বৈছে, পরে কেন লয়?

জভত ব্যাপার ভারতবার্বর কোহিন্তর গোট মোগল হোপ ভারমণ্ড কোনটাই আফ আর দেশে নেই। কোহিনারের কত কাহিনী ইতিহাসের করাণ ক্লমনের সংক্রিয়াল ব্রহছে। আবার তোপের আক্রর সম্বর্গন দিঘর নিম্নর হয়েও কোন পথে কি ছাবে সে এমন পর-বলীহয়েছে জানা যায় না। ১৬৬৮ সালে মুহ স্বী সমূহতৈর মাকুটে হয় French blue লমক দর্ঘাত্রমান হারিখানা হোগ করা হয়. সেই French blue চতাৰৰ লাই এর কাছ এসেছিল ভারত থেকে। জারতের দারিলের কটকে অসা THE P 200 বেশের উপত বিচ 12:3 नदिष्ट ছারতবাসের্ব একদিন দরিয় জিলা না। তাদৈর সব সম্পদ ক্রটোড় বলেই আজ সে পরিছ। ১৭৯২ সালে হোপ হারে আবার ছবি হয়ে যায়। কতদিন হে তার হদিস ইয়নি তার ঠিকানা নেই। আওঁলে বছর পরে ১৯৩০ সালে বাছারে একটি গভীর নীল হীরে সেখা দিল। হারেটি ওজনে ফ্রেন্ড কুর স্থান 137 কিম্ত: **ভার মতই স্মেন্**র। নানাভাবে भर्तीका करत निष्याण्ड श्रह्मिल स्य French blue চুরি হবার পর তাকে টাকরো করা हरवाहन वृद्धि अवृद्धि वक ग्रेक्टवा । हर्नान्छत হেনর মৈস হোপ নয়ে এক ভদ্রলাক এটি क्ट्रमन। जाहे नाम हाला ह्यान ए सम्बद्धा হোপ সংহেবের হাতেও হীরে বইল ন। হীরে ছরতে ছরতে চলে এল ধনী মাকি'ন दारकात निष्ठ देवस्क । Mrs Evaly Walsh Melean स्टा क्र श्रहत मन्भीत् त्याक क्रक वावनामी श्रीटकीन म्रीति मध्यष्ट करतेलन उ 97.7 रिचे बिशासक अभरातः निजन।

Acres Section 1



क्यानिक्टेन्स माम्यद ब्रिकेट द्यान कार्यक्र

মিউজিয়ামের ক**ক্ষে প্**থান পেয়েছে ভারতের অভীত ঐশগা।

কেবল সে হোপই দেখলাম তা নয়।
ভাবতের ব্যমণি সারা দুনিয়ায় ছড়িয়ে
আছে। হারে মাপকাঠি মতা। ফরাসা
প্রাটক ট্যাভানিয়ে যেবিন হোপ হারের
জনক করাসা সম্ভাটক নিয়ে নাম নিয়ে
ভিনেন French blue সেদিন

ক'জনইবা জানতো তার জন্ম কোথার। বৈচিত্রো আর সৌন্দর্শে আজও হোপ হারের তুলনা নেই। আকারে বড় অবণ্য কিম্বালির কলিনান। কালিনানের নাম হয়েছিল সারে টমাস কালিনানের নাম থেতে। এ হারের খনিটি তিনি আফিকার করেছিলেন। পরে অবণ্য টানসভাল সরকার সশ্তম এডওয়ার্ডকৈ হারেটি উপহার



रनेता दीरबंद क्यान क्यान भवता भाकेका काल आरक आरक आरक पाना क त्याक रचेटा के विशिष् प्राथमा का Star of Africa belot plans along कारक स बीरक गाँ। नगरवंता रागी बर्द्धाक्य काल किया कारकीय वीरहर 2242 माराम जारमिकाम अस मीलाहा अस्ति क स्थीत शीरवत साम केंद्रीवन ०५०,००० BUTTE WICK Sirele .

o kalba facerel and "Idols Eye" to with Marie Same WINCES COM PROPER runs are farred afers

TREE WINE DONE THE DONESIES WINE WAY NEED WEEL BUILDING चौत्रन केंग्रकात भरतात होता वर्तात नारिकार नाकि मक्तारक रहेका राष्ट्र क्या बीरका स्व

कामान कारीत अवस्थात 1000 out का त्व राज्य क्यां त्यांत्रं वीतात बना महात्वा the rose cut-sit that the sit ভারতবর্গে ভেনির শহরের চতুর বালার कात्रक त्यारेक निया कामाका शील । हेकेसरमा within when there ear on were कार बारण बाला अवन निन्द्र करते द्वाराव recein : cot rose cut any west. क्रीवस्टाब काविकारक माटक स्थापे !

### मनीचे देशका, अवाहणी हात अवर महबाराह देश নিধিৰ ভাৰত কটোৱাক প্ৰতিযোগিতা ১৯৬৯

नर्माचेकेमान, नवासकीताव । नर्मगढ़ाव केला किर्मा कार्या करणात्रक व्यक्तिमानमा ( जाना क करना ) क्या शीचे कार्यमा क्या वरेरकर । करने-शासना निव महार महाचित्रमान, नवासकीताल । महनाह कर्य महीद श्रूल बारना क्टर्नामान श्रीक्कीनक रक्ता ठारे अवर केराटक अरे मानक विकास अक्टर्ना চিচারিত হওয়া আবশাক ঃ গ্রু) সমতিউলয়ন ও সমবারেত কর'ন্ডী, মাহাতে कात अनीता छेनकुछ दन: (व) नर्माचेक्रेसक कान्यकी सरीदन बरिया क নিশ্ৰদের বর লওক: (গ) মহিলালের বাবতীর পঞ্চারেড কালকর্ম; (ব) এপ্লারেড निकेष्टिनम् क्यांत्रको क्योद्धम् थानाश्चनम् (६) अश्वाद्यक् अवर द्वारोधारे दन्छः (६) बादगीके । शर्रांकर नवंबत चरीदन काकका; (६) द्वाकृष्टांच कारात-कांडिक: (क) अश्माकीयीट्यंड मध्यात ।

मरमानीक अधिकानित क्या मिन्यीनीयक्यक नहीं , गुल्कात दर्वजी वहैरन : अवा न्याना ३०० केन निकीर न्याना ००० केर करी न्याना ६०० क्रेका अबर काँके मान्यमा नाजन्यम शास्त्रकाँ ४० क्रेका ।

श्राकाक अधिक गार्रेति काँन निराशिक नद्द नार्कारेस्क रहेरव। परहोशाय-गानि विश्वकाकनत्त्व केन्द्रमागी ३७ मि अम × ०० नि अम कानाराव कानि क्रिके प्रकृतक प्रकृति। अध्याक करणेशासका विश्वतीय नित्क अधिवालीय मात्र के विकास जयर विमान विवसन संबा न्याम (श्रांत्र, इन्य/नवारतक, रक्तना व संबा) दिवत, কটো তোলার জারিব ইড়্যায়ি উচ্চেবে কিবল ক্যাপখন ( হাড়ে লেখা অথক প্রায়ক কাগতে টাইপ করিয়া কটোপ্রাকের পিছন নিকে সাটিয়া দেওরা ) থকো চাই। প্ৰতিৰোগিতাৰ বোগদানকাৰী বে-কোন কটোৱাক এবং ইহাৰ নিগেটিত, প্ৰকল্পন शान कथवा माद्रे शान, जारगार्कीका अपनामीरक सावात बना वानवात नता डाटेरन। প্রেক্ষারপ্রাপত কটোল্লাকার্টির এবং ইহাসের নিগেটিভসমুহে ভারত সরকারের अल्लीख इष्टेट्न क्षेत्रर एवं ट्यामकाटन क्षेत्रर एवं ट्याम केट्याटना जेन्ह्रीय जिल्ह्याकनहज्ज অধিকার ভারত সরকারের উপর বর্তাইবে।

क्कोशाकार्याक क्रावेकारव शाक कडिएक हरेरव। क्षेत्रयोगत हालावेल वाका का कांच्य क्रकाब बना काक्ष्य महकाब गावी इहेरदन मा।

क्यान कांब्रिट अक्शिक शूक्षण्याद्वत कविकाती स्टेरका मा। अस्मा ता स्कान वाणि बाक्षीयक बीचे नाक्षेद्रेस्ट नातान। स्थान कीचे की मारे।

্মান্তভাৰ সমাপৰ কোনো ভাষাত সমাজানের সিম্পানত চ্ছাপ্ত কলিয়া ধাৰ্ श्रदेश ।

क्रिकेटीन को विकासन गाउंगा :

francis (enfine franciscoste)

विक्रिक्ति कर करण, व्यक्तिकास्त्रम्, क्रिकेनियी स्वरक्तिकार क्रिक स्थापनारम्

( fund चर कीवर्गनीर स्टरक्यन्यन स्टाप्स स्टाप्सनारामा )

क्रीय क्ष्मम, महाविश्वि-১

विभी श्राप्तिकार त्याव कावित । ३ व्यक्तीला, ১৯৬৯

- 14 14 14 03/200 -

थीनक भगार्थ दिमाल शील कार्या। शील रामान करिन नवार्ष । शीलाको शील with was now Graphite and the কাৰ'ন কিন্তু নৱৰ। পেনসিলের সাম থৈছে ex Graphite cere : elicas cere Carbon बालक क्या हानि व बीना बाकीय भाषत हरक अस्टे शासीय नाम कार Corumdum। नार्वादरीय रहार्फ हानि हरका बर्मा स्तरन। शत शहेक पारतक क्षाप्तक प्रति, राज क्षाप्तक छाउँ চনি। পাতর গিলেখিল বর্ণা জলতে। ১৯৫৫ সলে থেকৈ মাকি চলিয় প্রিয়াল जर्रत क्ट्रम जाजदर्भ। भावनीक वर्षा क লিংহলে প্ৰণ্ড আগের হত আর চার शासका बाब जा। रजकता बाद क्षता बाज कीत मात्र अथन दौरतद रहरत दिन्ती। मीहा दो Blue suphirece and war vices as कारक। कन्यीलक मीना किर्यक्तक। saphire শৃষ্টির অর্থ হতে "নীর্ল।" ভরে saphire कार्यात नावत क्या वर-करेक देते। बाहि Corumdum वर्ग विद्यात। इति य भाग्यकामानि हरू Corumdum-es मूल्य त्राज्ञाना Chromium-क्षेत्र । विद्वार । रक्त পাৰতে জোৱাৰ মিল্লৰ ভোৱাৰ য Titanium-es cam abuce afine et इव। जीनाव इन्द्रांत्व मध्या जीन या गान-कार जरका जीवक रमया बाबा क्वानी भीवार নানা কাহিনী, আমরা খালে থাকি। পাদা ধারণ করা সম্বাধ্য সাক্ষালভার গাস্প্র অসে। मीला कारक क्षीवास बाटम स्मीकाचा बादाई ' कारक का कारम अवसाम, व वराजन विश्वादम्ब महास महाक > हर्ट्स सीमा बाहरपर क्या करनंदक करनना कामान व्यक्तिक व्यक्ति अकीं ब्रोमा क्लीब । अवि विन्याला व जारबाधिक त्याकेत स्वयंगात बाह्या यह जा बाल्गानी बाहरे बाटनन । बाहरे मू-कार्डीमन चारंग अक चालरत राज्य कराक करा होने विन्यान रामकाम की इसका करी। चारिंदेज सम्बद्धी मीमाप्ति चल्दा अवस मीककाक्ट प्रान क्षीक्टन- एतीकीम र वंगालीन. बाइन् करहात्रम जन करता रक्ताविकी अन शह मंबद स्वारो विवास निरम्भावत । क्रीका-नाएक मीनकान्छ मनि भारत दशान करे। बार भारतम बर्डमान सम्बद्धान्याम बीताः हम बाराज befreit feren neit are are rece नामा करणा करण कि एको सम्बद्धी जीवा

জাতিব গণনার ভূল প্রমাণ করে দিল ? কি জানি। হয়তো বা এমন সব বটনা থেকেই নীলার নামে আপনার আবার বভ স্থার্থ মান্তেও স্বেধান হয়। বিশ্বক্রের মধ্যে প্রিবীর সব দেশের মানুব ভিরকাল এক রোমাঞ্জকর ইপিছত পার। আতে আর কিছ, ইউক বা নাই হউক, মণিব্রয় ধারণ আরু নোহ্যর হয়।

গোল পাথর বা Opal শব্দটিও প্রাচীন চারতীয় শব্দের অপজ্ঞংশ। সক্ষেত উপল या भाषत कथा एथरक Opal-अब फेरमाँख। হার কেথার প্রথম ম্বারেন উপর প্রত্তে ্ট নাম দেওয়া হরেছে জানি না তবে রোমান অমলে প্র ইউরোপে ছিল Opal-এর আদি অবস্থান। সে সমর ভারতে এই টুপল এসে এই নাম হরতো পেরেছিল। চেলির থেকে জ্যোতিষ মতে ওপাল আশার হাত্ক। হ্রভাদ্নত আশা করে এই উপল ৪বণ কর হত, তাই তার নামই হয়ে গেল ইপর হা এপাল। উনবিংশ শতাবদীতে চ্চুগুলিয়াতে কালো ওপাল আবিদ্বার হয়। সাধারণত ওপাল বলতে আমরা সাসা ওপ্রাই ব্রি। অণি উপল-এ একটা কালা লেব্র আভা আদে এবং প্থিবীর দল্ল কোন দেশে পাওয়া **বার**।

গাচনি ভারতীয় চিঠ বা ভাশকলে লক্ষ্য থাকবেন অলংকারের অনেকাংশই ন্তারে: শাহিতাভাঁজ ত এ রক্ষও অকদিন বাগেপদাধার এবং ভারত মহালাগেরে প্রচুর পত্য বেতঃ পাশচান্তা জগতে পারসার নার। ভিল লবাভানতি — Oriental penul ভিল্ পারসার পারারে ভারতীয় ভুবারি ভুলাতা একদিন সাগর সেবে। গালা পেত সামানা। সেকালের ভারতবর্ষে পার্করে মাজার জালা মোতি ফালা সম্পদ। মিসিসিপি নদীতে যে গিলা জলের মাজা মোতি বালা জলের মাজা বালা তার তেরেও

#### किंग्डरक डोर्नाक्रण्डेन



२४६ होका नातमा भा च नौ वि ना छ मा न ना न छिन्छ क द काफ सर्ग हताक रमाहिका होनकिन्छ

মাসিক ১০, টাকা কিলিডার কিন্ন। প্রতি থামে ও শহরে পাঠান রাজ। বিষয়েনঃ

Impex India (WD) Kailash Nagar, PB 1045 Delbi-6



আম্বা ঢাকার প্রক্রের গোলাপ। ম্রো। কালোর তো কথাই নেই।

এতকণ মণিরক্রের আলোচনা করলাম কেবলমার ভারতের অতাতি ঐপবর পারণ করে। সাধারণ মানুকের অলকেরলের অনা ৩,০০০ বছর আলোও প্রস্পমাক্রার বিক্রপ ছিল। সৌন্দর্যরিসকের বিক্রপের ভাগভার বেড়েছে বই কমেনি। ভূরণপ্রিয়া ভারতার মেরেও আল আর মহামালা রাহের আলার অলকোর ধারণ বাদ দের না। তবে সব ঐতিহার মত অলকোরও ইতিহাস, ঐপবর্ষ ও ঐতিহার অংশ। দুঃখ এই বে, সে ঐপবর্ষ এখন সভীত গোরব অলতত বহুলাংশে। ধ্রের সম্পদ পরের দেখার মত কট কি আর আছে?

#### **डॅर्नक्डेर्नक**

দুধ সংগ্রহ করাই একমার শন্ত কাঞ্চ নর।
বাভিতে দুধ বক্ত করে রাখা খুব দরকার।
সংগ্রহম্পলে হরতে। দুধ বীজাগুমুক রইজ
কিন্তু হরে সাবধান না হলে বীজাগুমুক
থাকবে না।

এজনা প্রথমত দরকার দাধ পরিকার, ঠাতে। ও ঢাকা অবস্থার রাখা। বদি রেফ্রিকারেটর না থাকে তবে ঠাতে। জবে দাধের পাত বা বোতন রেথে মাথে পাতলা বাপড় ঢেকে দেবে।

রোদে বা গরমে দুখ ফেলে রাথবেন না।
দুখ নণ্ট ইবার ভর তো থাকবেই, তা ভিন্ন
স্বার্থিমতে দুধের কিছা ভিটামিন নতা ইর
এবং দুধের স্বাদ্ধ ও ছাণের পরিবর্তনি হর।

প্র সহজেই অন্য জিনিসের স্থাপ গ্রহণ করে। কাকেই উগ্র গলেধর সামনে না চাকা দ্ব রাখা বোতকো আসে, কথনও সে বোতকা দ্ব ভিল্ল অন্য কোন কাকে ব্যবহার করবেন না। দ্ব গ্রেপে প্রেক্ত বোতকা পরিক্তার করে ধ্রে রেপে প্রেণ।

বোতল থেকে দুখি ঢোলে আর দে বোতলে ফেরং রাখবেন না। দুখের পার্রাট ইথাসম্ভব পরিক্ষার রাখবেন। একদিনের দুখে জনা দিনের সংগ্রামেলাবেন না।

রেফিজারেটর না থ,কলে যেখানে দ্বে রাধ্বেন তাতে যেন হাওয়া চলাচল করে ও অধ্ধ্যার কোন হলে ভাল হয়।

চারের জনা বা কম্মির জনা বে দুবলানি বাবহার হবে তার মুখ প্রশেশত হওরা দরকার ও নীচ অববি ভাল করে হাত প্রেছানো দরকার।

প্রথমত প্রতিকর থানের তালিকার দ্ব প্রথম। দ্বের প্রতিকু কেলা বার না। গই থেকে নিরে পান করা দ্বট্কু প্রতি জনতত সহজ পাতা। টালাটানির সংসারে কেটাই না বানিরে দ্বট্কু দ্ব হিলাবে করচ হলেই বার হয় উপকার বেলী হর। অচিনপরে ৮০০ অপরিচিত ৮০০ অগিবিন্দর ৪০০ অভিনদ ৮০০

रमम नारहब

निमारे छहे। हार्य ॥ ४.००

শীতে উপোক্ষতা

ब्रह्मम् ॥ ७.००

পরাশর 'এবার জহারী

ख्याम मित ॥ ७·००

गारता भाशारेज़्त्र भौगानि

भक्क महाताक ॥ ६.००

গোমতী গঙ্গা ৯০ দেওয়ান বাড়ি

श्रीबाजब ॥ ৯.00

ध्रमदब बीडन

मिनीभक्षात बाब 🛚 ५-००

অভিসার রঙ্গনটি

विश्वनाथ एम जम्मामिक ১२.००

कृरश्मी ब्राज

॥ विश्ववाणी श्रकाननी ॥

কলিকাতা-১২



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিদ!

Castury's

বুৰী জীবনের প্রাতীক এই ক্লেন্সেট ৰাড়ীর স্বাই থেতে ভালবাসে। কারণ, বানিষ্ট ও পুটিকারক এই ক্যাডবেরিস্ ক্লোনেট গাঢ় হুধ দিরে তৈরী। প্রভাবেরই প্রিয় বাদের অভ এই হকোনেট ছরটি বিভিন্ন রক্ষে প্রভয়া যায়।

अिं एका ति ह



न्धत अप्य जतभूत!

LIE AIYARS CZ BN

০১শে শূরণ, ১৩৭৬এর দেশ পত্রিকায় ত্যান্ত ব্ৰাচী শীষ্টাক প্ৰনামতি প্ৰত ুলাতে বাধিত হয়ে হ। হেমচনত ভবানীপার প্রদূর্যত ইনাস্ট সেনে, ১৯৪১ সংকর প্রভ ছিলেন্ কোন বা আমি ১৯৪৩ সংক্র তার ত্রহাণাত তা গ হাই এবং প্রথম দিনাই ওয়নতে আন্নাবেশর জাইস জাইস প্রভাবত লেজ লম্ভ কল আছে। তাঁও পাঁধা, র্নারকী চেম্মার সামার মধ্য বেশ ছালের স্তুত্ত ভার্ডিল। কেন না, অফডিপ্রের্ড আনক্ষে কুল্লের ভিক্তাক্রের প্রক্রণাতার কর্মনা ভিন্ন তথ্য গতে গেল**ন। কেন্তা**ৰত ক্লাসে ভাত্ত নিভালে গ্ৰহণাক্তৰ ও গোলমাল করত। প্রদেশ্য প্রধান শিক্ষক হছ শর জন্য কিছবের রূপে গোলম্বা হয়ে হসে দ্ভিত্ন এবং নীর্ষ ভংসানার নিক্ষকক রাজ্য ক্রেলার্ডেল, কিন্তু রেমাবারার ফ্রানে ভিনি কখনও খাসতেন ।

ভাষ্টে অভাষ্ট **দেনহাণীল ভিন্নেন** प्रिको ७ गाम स्वर्द्ध तथा बन्तरहम कार्य होत ল্যাথ্য গাভীর দ**িউর মধ্যে প্রসাতা**, उक्स माराज একটা মিল্ল . 'डल। • **डि**मि কবি চালার পাং বত্রর থাতো ও পেনসিল হাণে তাকে কবিতা জিল্পে দিতে জনারের কলেছিল তিনি মৃত্যু হাস্তত্ন, বকাতন, নিটের পটো কর**ে একবার আ**ফার নামের সতে হিল ফিলিয়ে দ্যু লাইন লিখে নিয়ে-ভিতের অহার অভেয়া। **পরীকার স**র্বাহ হেম-লাগ গাড়া থাকলে আ**ন্না**লর ভারি সালিধে रहे. १९४४ केटस द्वाचा द्वांडे। कंचन दश्य ধ্রে জেল্ডেন আমারদর হাবৈধ ফচেরণ, কারেন উক্তিম কেন, য'প্রবিদ্ধ নিয়ে লেগ, সরে কোস। <mark>কেমকান্</mark> ফিন করে ण प्रतिहास स्थान तथा के हरने रूपन क्या क्या गान পতে না। তাকে কোন বিদেয়ে সমস্ত মৰ লগালে হয়ন। হয়ত কৈন টামেরি শেষে ছাটির পর তামরা বাধের হেমান্যক্রকে রুদার্থনি ও মান্ত তুলি। বিশ্বনিধ্

শু হয়ে কাজ্যেল বহুগা পাড় দেখি
নান ল যে হিতলালে প্রেনেন্দ্র কিন্তা, বৈশ্বনাল নামন সংগ একট স্থাবিতে জিলা ক্রেমাণ্ডার কমে ক্রেমালের ক্রেমাল তাঁকে সমান প্রথমান সংগ উল্লেখ কালেজন। প্রাণ নাম বাবে বাব আন সিগানেই প্রেমার বিজ্ঞাপনে হেমা-কালে কিপানেই প্রেমার বিজ্ঞাপনে হেমা-কালে কিপানেই প্রান্থিত সংগ্রহ করি। হথ্য এই সমপ্রেশ ক্রাম্যিক ল ভংগারি ক্রিমানে বাম্যানিক ক্রিম্যাণ্ডার

তার রচনার কল্পে ল যাগের কটি প্রথম বাচন : অধ্যাধিকতা ও উর্বাতা একেবচাই তার তিবাত । প্রমা, বিরহ, জীবন মৃত্যু এই চিবোলীন বিষয়গ্যাধিক তার রচনার



উপায় নি । তাঁর কবিম নাম কিল্লেগ সংক্ষান্ত্র ও একথন কিব্যু তার বংকামায় আগচ্বা তে একথন কিব্যু তার বক্তমায় আগচ্বা কোগের ব্লিটির মত একটা লি কোমল নিশ্যের মীড়ের মধে। মিলিকে বেতে চার। পেল্লিমিয়ে বেত্তানি চ্যান্ট্রি কাবেন।" অথকা .... a glow warm kolden

in a dell of dew. Scattering unbeholden

its aereal hue---এর উপ্ল<sup>া</sup>ষ্টর সরিকান র্বী**ল্**নার **ও** শেলীর মাণে হেম**চ্**লের্ব ভ ছিলা।

স্থানি দুনাথ সিংগ বংলার প্রবাধন আক্রিকতা ও আপনার পতিকার দান্দিশা এ ম্বের পঠ্ডের লিজাসাকে উদ্দেশিকত কর্ক, ক্ষেত্তিশ্বের রচনার নতুন মুসালেন হোক এই কাম্প্র করি।

> ্ৰীকান্তি চট্টোপাৰায়ে ন্ত্ৰ-৭১

0 5 8

আন্দাল ভন্দানের "শভলার চলচিত্র"
দবিক রম্মনেচনাগালি করেই গড়ছি। ততই
অবাক হজি। আমার: গ্রামে থাকি গ্রামন্বাভলার বাকে এমন চিত্র সর্বামই আমানের
ভাষের পড়ে। বিশ্বতু আন্চর্যা হছি এই ভেবে
যে, এমন সাধারণ পার্মীকথাকে, এমন সাধারণ
চরিচকে কেমন করে সাহিত্রের উপজীব্র করে ছোলা সম্ভব। বাঙলা দেশের হামস্পানন নিভতে প্রণাদিক হচ্ছে গ্রাম-বাঙলার বিশ্বত অপ্যানে—বার্ম এই গ্রামীণ সভাভার নিয় মক, তাদের নিয়ে সাহিত্য রচনার চোটা কারেছেন সার্থাক হাজেছেন এমন ক্ষেণ্ডের সংখ্যা অক্সাই, নিংসালেহে আল্লাচা রচনা-বলীর লেখক তাদের সমস্যাহীর।

প্রতিটি চবিত চিত্রণ বেছন বংতবন প তেন্নান নিশাতে ও ফল্লাফা। ফান্নার কোটা সব থেকে ভালা লোগেছে তা হ'ল ক্ষেত্র কোন ফতিরজন নেই, একটি চলিন্তার বিশেষ নিক নিরে ইটাই আন্ধানন ক্রাম কোন তেন্দার নেই। ভালাক্ষ্যার সকলে-নারক

#### ৰ-প্ৰতি সাহিত্য **শাঠকের কাছে শৈলেশ জনীটাৰ**

এলটি প্রিডিড ন্ম । তিনি মূপত কবি, কিছু উপ্নাস-গ্রপ বৈখনে হাত্ত স্থান হক। তবি সংগতি প্রমান্ত ইপ্নাস ঃ

# সাংখের ৰড় কাছে 🚥

লোপ্তর বহু বিত্তিতি উপনাস ঃ গ্লপ সংকলন ঃ कंड कथा गत्न भट्ड किंड, बाटक अंटमथा

8.00 2.00

পরিবেশক : বিগলেন ব্রেশপ য় ১২ বংকিম চাইছো স্থাট, কলকাতা-১২

(সি ৮০০৯)

# द्भदं व त्वप्रना द्वाद्धः हिन्दि

ভানত গড়ং নেজিঃ নং ১৬৮৩৪৪ অস্থ্যসূত্র, পিড শুলে, লিডার ব্য থা, মুখেটক ভান, তেকুর ওঠা, নমিডান, বুকু জ্বালা, মন্দায়ি, আহারে অরুটি ইড্যাদি রোজে বিশেষ ফলঞ্জদ বিফলে খুলা ফেরুৎ। প্রতি কৌটাওটাকা,ও কৌটাটাঃ ৮৫০: ডাঃ খ্যঃও দাইকারী দর গুখক দিরাকিলা ওস্থান্য ১৮ স্কুল্যাক্ট্রাট্রাক্রড

The second of th

The same and some and





and view with toll on, was after mile on a small force of the design belong to the one

# বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

জন্ম বিনিধের নালন পুত ভাঙাবাড়ি কলে থাতে। জার কথাতে কথাত নালন কিনিছ দ্রিক জাননেয় নতেটে বেখার।

কিলোক্তর প্রত্যান প্রত্যান প্রতিষ্ঠান কিলেন্ত্র ক্রিয়ের কর্মান্তর কর্মান্তর ক্রিয়ের ক্রিয

বন্ধকালে বাজায় একমান্ত নিনিত্ব ও নিনিত্ত ছিলেগ এজিন কিলোকন এজি ১ বন্ধানি কৃষিকাৰ্থ ক আমানিকে অংকালেয় উপৰোধী। দাজি, নিৰ্কালেগানো, কল্পনান, বীৰ্বপান্তিত ও সংজ্ঞাবনসকলালে স্থানান্ত্ৰক অমানন্দানকৈ ভক্তে এ চক্তে এক বিনিত্ত ক্ষেত্ৰীৰ এজিন। বাহাজ্য একানালে বন্ধান জন্ত কিলোককের উচ্চ জ্যেত্ৰীর নিনাস নার্কিন।



আসল কিলোভর এতি ১ - ৫ হর্স পাওরার কিনুন।-নক্স কর্থনও আসলের মতো উৎক্লুই হতে পারেনা।

किर्ली के कारवल अजिन्त्र लिप्निएक, म्यांक्सकान (ताक, विवर्ग), पूरा । (वावक)

কিলোস্কার (R) হল কিলোস্কার প্রোপ্রটিটার লিমিটেডের রেভিস্টার্ড ক্রেড্রাক, কিলোস্কার অরেশ এলিমস্ বিনিটেডকে লাইসেন্স প্রদত্ত। Factor State

(Statement)



श्रुका गरेगाः ध्रुकांग्य स्टब्स्स्य महत्व

লিগতেন
তঃ গ্ৰেপিডকুমার কর্ট্টোশানার
তঃ রলেগড়ক ব্রেপাশানার
বাজনারক ব্রেপাশানার
বাজনারকান বন্দ্র
শান্তপর রাজনার
কালা মক্ষেণার
সোহিনী চৌব্রী
পার্থ চট্টোপানার

बनक,क **७: कालीकिश्वत स्वया**र्ण डाः नीरात्रकान ग**्र**ण काः रगातार्हाण नम्मी कविदास वशनाकुमान क्रमानाव काः विभवनाथ वाष সভৰ্মা खानक्वित्वात अल्ली ডাঃ অরুপকুমার সম্ভ बर्गाण कविकास ডাঃ নিয়'ল সরকার काः जनीय मृत्यानावात ডাঃ আমিরকুলার হাটি ডাঃ পার্থসার্থি গ্রুত णाः अनुन निष्तागी Di: Detall bin ष्ठाः निविद्याम नवीद

আপোকভিত্র ডাঃ শচীমোছন মুখোপাধারে ডাঃ বিমল বোধাল ডাঃ প্রেশিক বোধা

ভা ছাতা নিছলিত বিভাগ ই কুইনাইন বিভাগে, স্থান জব্ ভিক্ জন্পানদ্ ও হালকা লনে।

### माञाः २ होका

নাতে পতি তাজনে জলিপ জাপন ১৮তব হাব। মাধ্যে টাজা পাট্টেমে নিচিড্ৰ হান শাংকদের জড়িতিক অস্থা লাগাবে না। বাংক হয়ার টাফা গোলিকৈ সঞ্চার ত তাঁকা

হেও আফস:
১৫১ ভাষম-তহামবার লোড, কলিকার্যা--০১
সিটি অফিস:
১১৬ গরং বস্তু রোড, কলিকার্ডা--২৯

শুনাগুন্তকৈ আননভাবে আবাসং কাৰে আবাহাত কারেছেন এবং বিশিল্য বাচন-ভ্ৰমীনৰ ভালের জীকনালেন্দ্র জনার নাজে, লাগিলেকেন বে, গানুকে গানুকে ভানার ব্যস্ত

শ্রাপ্তে কিবন চার্টনা বচনক তিনি নে
বান মারার কথা বালেকেন, এর কোন
বৈজ্ঞানিক ভিত্তি খাজে পাওরা বার না সংস্কৃ,
কিব্দু প্রামে এই মান নারার ফলে বহু,
মানুবের সর্থানাল হালেছে একন নারার কর,
আছে। সাপ্তেড়র চলানি স্কের' যে ভ্যাগ্রাল ভিনি সংগ্রহ করেছেন, সেগ্রিল স্কের
ও সাবলীল। বিব-খাইরে গর্ মেরে ভার
চামড়া নেওরার লোভের কথা জানারা প্রামে
প্রারই প্রেন থাকি।

আর একটি বিষয় লক্ষণীয় এই বে, বে
সর পরিবারের করা বা ব্যক্তির করা লেখক
লিখকেন, তারা প্রায় সবাই মুসলমান—এতে
আমানের একটা বাড়তি লাভ হারেছে। বে
করণেই হোক মুসলমান পরিবারের অনেক
আচার-বাবহারে আমানের জানতে ও ব্রুতে
আমানের মুসলমানারের জানতে ও ব্রুতে
আমার মুসলমানারের পরিবারের অনেক তথা
জানতে পেরেছি—"চাবীকাড়ির স্মান্দ্র্যা" ভাই
বেমন চাবী-চাবীবউ আর তার পরিবারের
রোজনামচা, তেমনি পরিবারিট মুসলমান
হওয়ার ব্যুটী র্শজন বিবির চরিতটি যেন
উপনি পাওনা।

যাই হ'ক বিশ্বত পউভূমিতে প্রাক-প্রাধানতা ও উত্তর প্রাধানতা মালের প্রায়ী বঙ্লার যে চালচিত্র সংগ্রহ লেখক করেছেন, তার জন্য তাঁর অকুষ্ঠ প্রশংসা প্রাপ্তঃ।

> স্বপনকুমার মুখোপাধ্যার রত্যারী গ্রাম, ২৪ প্রগণা

#### 11 \$ 11

অনুকলিন থেকে স্থিতাকার গ্রাম বাংলার মানির গলেই ভরা বাতাকে নিংশবাস নেওয়া বাংলা স্থাতিকার ছোট গলে উপনারকৈ নানা ধরকের পরীক্ষা চলেছে। ভাষার নানা চমকে মুন্দিরানার পরিচয়ও প্রভান বাছে। কিংছু দেই চিরকালের গ্রামীন মান্যগলোকে তেমন আর আপন করে যেন পাওয়া বাছেছে না। বাসত্রভিত্তিক নানা কাহিনীর মবে। গ্রামের মান্য আস্থাছ নিকত ভারা বেন তেমন সংগ্রি আরু প্রাপ্তরভ্ নির।

াংগ র চাজতিরার হাং। করেকটি সংখ্যা ১১৫ সংখ্যাদর হাধার হো মত্তম দক্ষেও লিখা গ্রাকি দেশা পাইকাদের কাজে পোটাছে বিজ্ঞেন ভাষে সভাই তিনি সকলের সাংগ্রাদ পাকে।

চলচিতের লেখক আব্দাল ভাৰনার সাহেত্তকে ধনাকাদ। তিনি যে খাব কাছ থেকে গ্রামের মান্ত্রের ছবিগঢ়লি এপক্তেমন্

The state of the s
athants have seen and it
<u>- L pro mi - 1 = 2 = 2 = 2 = 2 = 2 = 2 = 2 = 2 = 2 =</u>
Andrew .
Allen of an
acini pris nico
THE P 8-00
बाच-गारिका
for-
AME CENTRAL - 2-00
बाबानशरी—
আনি সিন্ইরাভ্নি - ৩-০০
क्षीरतन परिज्ञान—
ুহেনুৱী ভেম্ব — ৫-০০
পৰি ডিক—
হারমান মেকভিল — \$.00
মহানদের পাচালী—
मादक छोस्ट्रन 4-00
arti mire cat
লেম এক মন্ত— স্কা
হেনতী কেম্স — 8-40
धारण नूर्य-
পাড়েছার . — 8-৫০
প্রেসিডেন্ট নিক্সন—
ME & CEN - 0.60
गारिकालम
जामात्नात्र वन्डो
জন হারসি — 8-00
অভূণিতর অমানিশা—
ग्रीहेन्द्रक — ६.००
नामा रित्रन
জেম্স পারবার — ৩-০০
প্লাতকা
পারল বাক - ও-৫০ শ্রীভূমি পার্বালীবং কোং
क्षाम् पानकान्द (कार्
आभारपत महत-
থ্যন্তন ওয়াইলভার — ২-০০
কেরেডি-মানস
পেডারসেন — ৩.০০
नाना विवदः। जादा जातक वरेः
শ্বতক বিক্রেতাদের <b>উচ্চ কমিশন</b> ভাবিকা চেয়ে শাঠনে : আ <b>ত্তই অর্ডার দিন</b>
्टार्गिका (b.स. नार्छन : आक्रम् अक्रांत्र । पर्या आकृतिक अकाम बन्धिक
স্বাই ৰেখা স্বাধীন—
্যিকেন্দ্রকার — ১-৫০
अग्राप्टर्छशातत्र जन
शुक्लार्काङ विन-
ग्रास्तर थे। इत - 4-00
লান্যের কাহিনী—
€TR #1R - 9.60
अम. नि. नवकात जाएक मन्त्र शाहरकडे जि:
53 विकास हार्गे हा न्योर : क् <b>निकार। 52</b>

water and the second second second PERSONAL CONTRACTOR OF THE THE PARTY NAMED IN

विकार के केन हर्व करता शक् राजेत महिनी गएड कागरक करतक करताह।

करात करणांत मा कामक मारायन कामारका अपने क्रिकेट प्रतिका कर विभागानामा । कांचा (व कांचा ग्या कर कांग्रेस कराई गाउ का दमसक दमिश्यासमा। नमीत सिंह स्टूर्ण भाषत करका स्वटकता ब्रामानी हेकिन ধরবে। ক্রিমের সোমস্ত মেরে অভ প্রায়া-शांत्रिक शांक्शक यूज कींद्रों देश स्थाय । इस्ता

क कार माना किया बनाव : कि:-कास \*\*\* Ta water a 74 water (Vin) 231 क्रांबाक्त के महत्त्वस्त्रक कीवन महशास्त्र विका, विकार बाका शक्तक पूजित गेल शास्त्रक बारक्य क्षितातील क्लाको

मान्यद्राष्ट्र केन्द्रस क्रांक्ट्रस्य क्रीवरन्त र.व



हि कानकारे। त्रिक्र मानुकाक्षाक्षादिश कार निहः कनिकाछा-५

श्रीन्डमनक अमाकात जीमातगर :

মেদার্ল নহাদয়াল প্রেমচাদ প্রায় লিঃ; বন্দালর লিমিটেড; নীতিন টেরটাইল; ভাভিত্ম টেটডং কোং: বিম্বানুমার সানীসকুমার, কলিকাতা। अरक केन : त्मनान रक, वि. तम्यानि ज्ञान्छ त्यार, ३७, न्यूत्रमन द्वनाहिता त्यान, कांनकाछा-व



जीवाक्रम कारक देखारास्त्र क्रीतके क्रीत्र বিভতিভৰণ ও দীনকথ कडिता एक।

करवकीं कारणांच रमधक रबन धकरें. অস্পাতি এনে ফেলেছেন। পরোক প্রতাক উবির কেন্তে দ্র' এক জারগ্রের, গর্মফল দেখা কাৰ। ছোট ছোট **0.क्टब्र** ∎िव मध्यास्त्रास्त्र एकता तम्य मरहरून शल शुनौ शखा।

> মোহাম্মদ ম্রসালিন, জগরাথ নগর, ২৪ পর্যাণা। n o n

(प्रकार) এ প্রকাশিত ৬ট ভাদের আক্রাল জম্কত্রর 'বাংলার চালচিত'র জন্য আন্তরিক অভিনন্দন জানাই। গ্রাম বাংলার একটি দরিদ্র চষীর জীবনালেকা লেখক ষে ভাবে এ'কেছেন তা' সতাই তুলন রহিত।" এর পারে' আমহা নানাভাবে চাষীর সংগ্র পরিচিত হয়েছি, এলনভাবে একটি সাধারণ চাষ্ট্রীর সহাজ একাৰা হতে পেরেছি বলৈ মনে

একটি রগচটা প্রকৃতির মানাবের মধ্যে যে একটি শাশ্বত পিত হনয় ইনসাম চরিত্রটি সেই কথাই প্রকাশ করতে পেরেছে। আরু পরীকানরে দাংখা। সে:তো গু:ম বাংলার প্রতিটি মারের শিক্ষিত মান্য সম্বদেধ আমানের ধারনা কিন্তু একেব রেই। আম্লেক নর। গ্রামের ত্রকটি সূর্থ ছেলের মাথে লেখক বাস্ত্র সত্ত্রে প্রকাশ করেছেন। काराई क्ष्यात भारश्तरकः।

#### তপনকুমার মিত্র জলপাইগর্যজ

11 8 11

'দেশ'-এর পাতার সম্প্রতি প্রকাশিত ভরাণ সাহিত্যিক আবদলে জৰবার লিখিত নিয়মিত ফিচার কালের চালচিত্রর প্রতিটি লেখাই মনে যোগ সহকারে পড়ছি। বেশ লাগছে। একটি রচনা পড়ে সাধারণত কোনো লেখক সম্পর্কেই মন্তব্য করা যায় না। ভাই করেকটি লেখা পর্যাত অপেক্ষ করতে হয়েছে। ৪১ সংখ্যার 'চাষী ব্যক্তির সাদিয়া'য় লেখক নিজের ব্যক্তিগত জীবনের বাস্তব অভিজ্ঞতাকে পরি-প্রাভাবে উজাড় করে দিরেছেন। রচনাটির মধ্যে ছোট গলেপর স্বাদ প্রতি ছাত্র বভামান। ৪০ সংখ্যার 'জনক' রচনা সম্পর্কেও ওই একই কথা ঊচ্চারণ করা যেতে পদরে। বস্তত লেখকের প্রতিতি ফিচারের মধ্যেই গলপ-রসের উপাদান রয়েছে। উপরুত্ত কংলা দেশের নিৰ্নাবন্ত মুসলিম প্ৰমজীবী-কৃষক পরি-বারের এমন খাটিনাটি বাস্তব চিত্র ইতিপ্রে কোনো লেখকের লেখতেই দেখা যায়নি। সেদিক থেকে এ ধরনের রচনা প্রকাশের জন্ম 'দেশ' সম্পাদক নিঃস্ফেটে बनावास्त्र भाग



নানা প্রকার পোষাকের কা<del>প</del>ড়।

উত্তর ও মধ্য কলিকাতায় নিন্দালিখিত অনুমোদিত শো-র মঃ--

> २, ब्रास्वार्न स्त्राष्ठ बन्धी जिल्हा विक्छित

# **श्रकाभि**ण रम ॥

'পলাশীর বৃশ্ধ' প্রকাশের সংগ্য সংগ্যই বাংলা সাহিত্যে স্থারী আনন পেরেছিলেন তপনমোহন চট্টোপাধ্যার। তিনি আনকোন হল্মবর্ম শ্কনো ইতিহাসের মধ্যে সাহিত্যের সব্ত রস, সজীব জাল। প্রচুর তাঁকে লিখতে হয়নি কিন্তু খ্যাতির মালা পরতে হয়েছে প্রচুর। পলাশীর বৃশ্ধ শেষ হলে লিখেছিলেন তার প্রবড়ী আখ্যান 'পলাশীর পর বকসার'। আবার একবার সাড়া

# **यानम** फ ছেড়ে রাজদ ড

### **তপনমো**হন চট্টোপাধ্যায় ।। 8:00

পড়েছিল পাঠক মহলে। তারপর হাত দিরেছিলেন বকসারের পরবর্তী অংশে। ভারতবর্ষের মাটিতে বেনিয়া ইংরেজের রাজা বনে বাওয়ার রোমাঞ্চকর অধ্যায়। কিন্তু আমাদের দুর্ভাগ্য নিজের চোখে তিনি এ-কাহিনীর ম্বিতর্প পারলেন না দেখে বেতে। এই বই বাংলা সাহিত্যের চিরসম্পদ॥

8.00

जा मन्य वा वा अ का म म ॥ ४ माश्राहतन, दम अप्रीते. कनिकाला-५२

(14 ROZA)

শ্রীবিশ্বনাথ কবিরাজকৃত

# "সাহিত্য-দপণঃ"

(মুখা, সম্পূৰ্ণ বংগানাহাদ ও জীবাচচৰণ তকবিগোগীশ-কৃত টীকা সহ সমগ্ৰ প্ৰদৰ্

সম্পাদনা ও বংগানিবাদ : অধ্যাপক ড: শ্রীবিমলাকান্ড মুখোপাধ্যার,
এম-এ (ইংরাজী ও বাংলা), ডি-ফিল (সংস্কৃত) কাব্যতীর্থ
কথাম্থ—জাতীয় অধ্যাপক ড: শ্রীস্নৌতিকুমার চট্টোপাধ্যার,
ভূমিকা—অধ্যাপক ড: শ্রীসাতকড়ি মুখোপাধ্যার, এম-এ, পি-এইচ-ডি
স্কৌর্থ উপ্লেশ্বিকার সম্পাদক কর্তৃক বিষয়বন্দ্র মনোজ আলেক্সন্ ।

করেকটি অভিনত:--

ভঃ জানকীবল্লভ ভটুচার্ব, এম. এ., পি-এইচ-ডি, রাভার, সংস্কৃত বিভাগ,

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়।

এই গ্রন্থের সম্পাদক ডঃ মুখে:পাধ্যয় সহজ্ সরল ও নিভারিয়েগ্য **রক্ষ ভাষার** প্রথাতির অনুবাদ করিয়া একটি অভাব দরে করিলেন।

শ্রীলনীলাল সেন. এম এ., ডি লিট্, অধ্যক্ষ সংস্কৃত বিভাগ রবীল্ডারতী বিশ্ববিদ্যালয়। ডঃ ম্থোপাধাারের শব্দুল প্রাল্ল ও তাংপ্যপ্রিয়ার্নিলা প্রশ্বিতিক নিঃসন্দেহে উপভোগ। করিয়া তুলিয়াছে।

ক্ষীবিশ্বনাথ ৰন্দ্যোপাধ্যার, এম. এ., পি-এইচ-ডি, কাবাতীর্থ, অধ্যক্ষ, সংস্কৃত বিভাগ, বিশ্বভারতী বিশ্ববিদ্যালয়।

বাংলা ভাষায় অনুবাদ-সাহিত্যে এই নৃত্ন সংযোজন তহিত্তে বিশেষ যশ e থাতি আনিয়া দিবে।

প্রকাশক— "শ্রুতক্ত্রী" ১০/১ কলেজ রো, কলিকাতা-১

দাম--প'চিল টাকা।

(সি-৮০০৬)

আন্তের ক্ষান্তের লেখার গুণ এই বে, তার স্কান্তর ক্ষান্তিলীবনের সপো বাদের ক্ষিকে পারিকাশে পারিচিটিত আছে, তারাই ক্ষানেন তের, লেখাকের ক্ষান্তন বিভিন্ন তার ক্ষান্তর ক্ষানেন ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষান্তর ক্ষান্ত ক্ষান্তর ক্যান্তর ক্ষান্তর ক্ষান

ন্ত্ৰ ইসলাম মোলা মণিগালা

कानगादाद ७व.४ ७३ काम मर्ग्याम "रमरम" श्रीशालम **इंडरणीं "कृष्ड स्थर क्**रानमारत्त क्र.स" নামৰ প্ৰবশ্বের উপর কিছু মণ্ডবা করতে চাই। তিনি বলেছেন ৰে "তারা (চান্বা জেলার नाश्चातीया) कारन मा काटक नाट्यां ।" सामाय निरमय ব্যবিগত অভিক্রতা रशरक वर्णाक रव শেষের দিকে আমি লাই,লিন্সভিতে সভক निर्माालक कारक गाँड धवर प्रिथानकात एएए-কোরাটার "কেলং"-এ বেশ কিছুদিন থাকি। তথনই আমার কত-এর (ভামি অনেককে "কুট" উচ্চারণ করভেও শানেছি) সহিত পরিচর ঘটে। এই উপতাকার লোকেরা কৃতা নানা রোগের প্রতিবেধক হিসাবে वावशात्र करत बारक। धमनीक काण्मीती, পাঞ্জাবী এবং কুলুমানালীর লোকরো গেটে বাত, পিতৃশ্ব এবং নানারকল্ল বাথা বেদনার কুত্রমেশা ব্রহার করে থাকে। ওদের দেখাদেখি আমিও আমার মারের গে'টে বাতের জনা কিছা কুতের মূল পার্শেল করে পাঠাই। ভার ব্যবহার প্রশালী গেল,রাম বলে ওই অপ্রদের একজন চাষী আমাকে বলে দের। ভাতেই ব্রুৱা বায় বে ক্যাম্সার প্রতি-বেধক হিসাবে বাবহার না জানলেও বিভিন্ন রোগের প্রতিবেধক বে কৃত্-তা ওদের ভাৰভাবেই স্থানা আছে। লাহ,লিল্পিড অন্তলে এখন ব্যাপকভাবে কুত্-এর চাব হয়, হয়ত অর্থানৈতিক কারণে, কিন্তু অনেক দিন থেকেই কৃত্-এর কিছু কিছু বাবহার ওদের জানা আছে। আৰু অনা একটি আগ্ৰহের উত্তরে আমি বলব-কৃত্-এর বাবহার কাশ্মীর, পাঞ্জাব, হরিয়ানা ও হিমাচালের কবিরাজদের বিশেষ জানা আছে এবং ডাদের নিক্ট কুত্-এর বিশেব সমানর। তবে কুত্-এর উপর নানা বাধানিবেধ থাকার হরতো **ध्या भवीका मृत्यांग भाग मा।** 

প্রিলনবিহারী চক্রবতী

বিদেশের চোথে পথের পাঁচালী
গন্ত ৬ই ভারের দেশ'-এ প্রকাশিত
গবিদেশের চেথে পথের গাঁচালী' নামক
রচনাটি পড়ে কেল আনন্দ পেলাম। প্রীচিতরঞ্জন বোৰ ঐ প্রবংশ বিদেশে বাঙলা
উপন্যসের জনপ্রিক্তা সম্বংশ মনোগ্রাহী
আলোকনা করেছেন। উন্ধিংশ শতকে বাংগার

বিশ্ব সাহিত্যে বাসসভা অবস্তা। বিশ্ব গ্ৰেট জালী সদীৰী প্ৰদাসত লৈখৰ এন, বাংৰোপাধ্যায়ের বতামান বই

### অপরিণীতা

र्ट्र डेशनाम i ৯৫० श्रही।

বালালা ও বালালীর সমস্যাপুশ জীবনের, নরনারীর প্রেম-আন্দোলিত হাগরের, ন্তম ভিল্ডাগরার ভারতীর ভাব ও বিশ্ববোধের এক অপুরে জনবদ্য সমধ্যেদ।

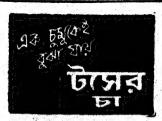
**অঞ্জলি** গীতিকাৰা। ৩৫৩টি গ্লা ২১০ শক্তা। শল গাঁচ টাকা।

ন্বীন্দ্র-স্বাধীতের সাধকদের অবন্য পাঠনীর। ববীন্দ্র রসমারার জোতনাতী প্রকাশ।

ভবৰ ভিমাই ১৬ পেকি এণ্টিক কাগকে যাপাই ও স্কোশ্য বাধাই।

দি বুক হাউপ, ১৫, কলেজ ক্ষোৱার, কলিকাতা-১২

(বি ৭৫১১)





Song of the Road (\*Copy (hyp?))

THE REPORT OF LAND PROPERTY AND ADDRESS.

WHICH HER WES

en and rate and constitute to property and a constitute to the con

# চল যাই চাঁদের দেশে

ভূতপূৰ্ব এমিরিটাস প্রয়েলয় শ্রামাণ্য চরুবত নি একবান ক্ষাড্ড ও লোক্ষ্বত্তর উপর অসাবারণ রুক

কাব্যের রূপ ও রস

बद्दांतम भन्न महत्वस्थिका वाणी सहस्रत |||

বায়ু বয় এঠ*িত* 

গৃবদিকে

পরিতার মজ্মলারের উপন্যাস

**সংসার সমুদ্রে** 

0.96

8.96

विकारियक्षात बादबन

**यशुग्रुद्ध**ती

\$0.00

4.00

হোমাম্কুর আভথ**ীর** সাড়াখাগানো উপন্যাস

# মহাস্থবির জাতক

\$4.00

[ চার খণ্ডে সমাণ্ড : একরে বাধাই ] পুষক হাতি খণ্ডের সম ৬-০০ টাকা

#### जात्र करत्रकथाना म्लायान शल्य : উপহারে जनवन् :

Conference many process	1 4 4 4 1 3 4 6 4
দিলগুণকুমার রামের উপন্যাস <b>অবটন আড়েলা বটে</b>	\$.00
क्रमहेरमञ्जू वहे।	9.00
विकृषिकृत्व बद्धानामास्त्र छन	भगाम
काश्वमम् वा	9.60
ব্যক্তাশন্তর উপন্তাস	
विवर्भ	20.00
ভাৰের কাক	4.00
ज्ञानीलक्षात गान-अत खेलमान	
श्रात्म सारमास रेन्था	4.00

	कोठ भरी होता ३.00
	মহান্তেবভা দেবীয়
į.	অম্ভ সপদ ১০:০০
ï	[ইতিহাসের পটভূমিকার রচিত উপন্যাস ]
l	অভিতত্ত্ব বদ্ধ
	निक्ती स्नाम 8.00
l	भर्तामञ्ज् वरम्माभाषारसम्
۱	रवामरकरनत इ'डि 8.60
Ì	विश्वन भिटान
-	न्त्व विकि 8.60

ইণিভরান অ্যাসোসিরেটেড পাবলিশিং কোং প্রাইভেট লিঃ

আরু ঃ ক্ষাকার ] ১০ ফাজা গালী গোড, কলিবাডা—৭ (ভোল ঃ ৩৪-২৬৪১



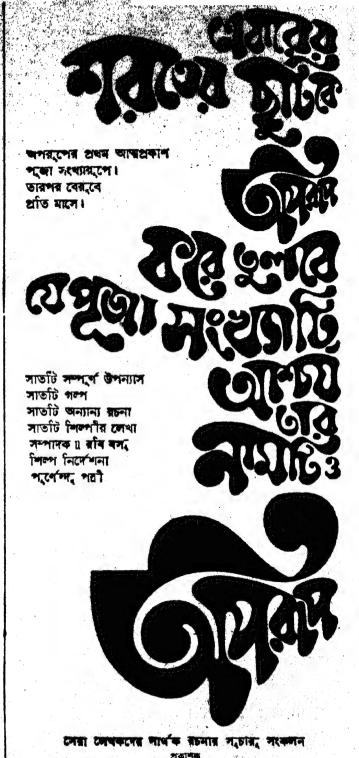
# कव् शबब **विका<sub>व</sub> का**

যে-বইরের নাম সকলের মুখে মুখে।
এরই মধ্যে মালায়াম ভাষার অন্দিত
হরে কেরালা খেকে প্রকাশিত হ'তে
চলেছে। প্রস্থাত সাহিত্যিক মনোজ
বস্তু, চিচ্চ-পরিচালক তপ্সন সিংহ,
সাংবাদিক - সাহিত্যিক আমি তা ভ
চৌধ্রী, সাহিত্যিক প্রফ্রের রাম,
ডক্টর বৃশ্ধদেব ভট্টাচার্য এবং আরও
তানেকে বইটির উজ্জুনিসত প্রশংসা
করেছেন।

वीतः हत्योगाशासन वाश्वीयाम् (मर्म्स्स कः कः) वश्वीयाम् (मर्स्स क्रिक्स क्रि

সাহিত্যপ্রকাশ ১, রমানাথ মজ্মদার স্থীট, ভলিকাতা-৯

(TH 9889)



সাগৰিকা পাৰলিশাৰ্স ম ২৪ বিপম স্মীট । কলকাড়া-১৬

ফেল - ৪৪-৫১২৬

(TH QUEU)

201 S 188

THE THE STATE OF THE PARTY OF T

ত্য-তি আৰু প্ৰকৃত আৰু কৰি কিলোন।
লাভনে প্ৰচাৰিকে কৰা ভিনি হেনেটা কা
বিংবা অনালক হোট কৰা করে জাবিকা
আলন করতেন (অনোকলিন ক্ষান্ত কোটোন),
তথন থেকেই লিকানে কবিকা, তাতে ছিল
লোকাণিক স্কু-প্ৰাকতীকিলে রণাপানে
কৃত থেকেও তিনি কবিকাৰে বিশ্বত হানি। তিনি উল্লোপনার কবিকাও
লিকেনে, কিন্তু সেন্টোল নিছক ক্ষেত্রভাগন
না, তা আন্তানিক্তার স্পান্ত সামানিক।
হো-তি-মিন শেব কবিকা ক্রনা করেছেন গত
ক্রব।

বস্তত, হো-চি-মিনের চেরে বাস্ত মান্ব

n সাহিতাবিষয়ক মানিক পরিকা **৪** 



জানৰ সংখ্যক বারা লিবেছেন ঃ
তঃ বিজাপৈ মাজাকার ॥ চুন লাল রার
॥ স্থাংশতুলাইন বন্দেরপাধ্যার ॥
প্রিলনবিহারী সেন ॥ বিমল মিত্র
দেবনারার্থ গ্রেপ্ত ॥ জ্যোৎসা গ্রে
অখিল নিরোগী ॥ অনিলবরণ গজোপাধ্যার ॥ অচুতে চট্টোপাধ্যার ॥ চিত্রতত পালিত ॥ স্কুমার ভট্টার্য
পোর লাভিক্যার ছবি মুখোপাধ্যার

সাধারণ সংখ্যা -৭৫ শঃ -বাংখাসিক ৪-৫০ বার্ষিক ৯-০০

প্রকাশ ভবন ঃ ১৫, বাজন চাটুলো পাঁটি কলিকাতা-১২

এ.সরকার এও সঞ্চ সদস্যাওকাও সদক্ষেট এম.বি.সরকার ইয়াডিন্যানাল পুরোলাস

১৭১/১এ ব্যস্তবিহারী এতিক্স ব্যালিয়াক্ত বালিববজ্ঞা ব্যালা: ৪৬-১২০৮



আৰু প্ৰিকীতে কাল ছিল, কিন্তু কথনো তিনি বসিক্ত বেল কিংক কিন্তু প্ৰতি হাৰ্মননি। নিজের কেন্তের জন্ম জীবন উৎস্প করেও তিনি ক্ষেদ্র ব্যুস ছিলেন, শ্রুক্তের স্থান্ত্রী হলনি।

#### अकाँडे नाडेक निरम खन्डा कान्छ

লশভনের মে ফেরার খিরেটারে চনথানের হচ্ছে নাউকটি, নাম "দা লগারেলান অব শরেলটা"। এই নাউকের মূল নাটাকরে একদিনাও নাটকটি দেখতে বানামি, তাঁর দুই ভাই আমেরিকা থেকে সম্প্রীক লাভনে এসে-ছিলেন বিশেষত এই নাউকের উদ্বোধন রজনীতে উপন্থিত থাকার জন্য ত'লেকও বেতে নেনান, একং কথ্বাংধ্য স্বাইকে দেখতে বারণ করেছেন।

নাটকতির প্রত্যেক অভিনরের অর্থে
ম্যানেজারকে এসে বাধ্যতাম্লকভাবে
নাট্যকারর একটি বিবৃত্তি শেনটেত হয়
দর্শকপের। নাটাকারের নাম অধ্যাপক
রবার্ট ম্যানজন মাধ্যাস। তিনি এই বিবৃত্তি
দিয়েছেন: "অ মার নাটক" দ্যা স্পারেজস
অফ প্রেফান" এর বিধ্যাসাল গত ৩১শে

এই বিবৃত্তি হোৱাল-বাতেও মাণালে হয়েছে দেওলা হয়েছে প্রাচীন পরে। আইনেড ও অর্থিক চুবিত্র ক্ষালৈকমা মন্ত্রেকা শক্তে মাটালিয়া ক্ষালেয়া ক্ষা কড়ে নেওলা শক্তের হয়েছ না।

কাশ কটা হরেছে কি, নাটকটাকে আন্ধানা জন্ম পরিচলেক মশাই নাটকবরের অন্ধানিত কিয় হেনরি জেমসের নাজেল কেনে কথেক সংলাপ ও পূজা চারিকরে নিজেকে। এবং এ সম্পর্কে তার করে, বাস্ততার জন্ম ভিনি নাটকারের সপো ও বিকরে আনোকর করের স্থানা পাননি। এবং মধ্যা হছে এই সব সন্তেও নাটকটি দাব্য জন্ম ব্যেহে, দশ করা হন বন করতালি দিরে অভিনন্দন জানিরেন্দ্রন অভিনেত্রদের।

#### ক্লক্ৰাক্তা

ত্তেমতির্মার দন্ত সম্পাদিত "কলকার্জন পালকার নতুন সংখ্যা কেরিরেছে। এই পালকাট বিশেষ অংক্যেচনার দাবি রংখে, কালে ইদানীংকজের গ্রেষ প্রিরতা, হালিহাীন মাত্রমাতি উদ্মাদনার মধ্যে

৩০শ বর্ষ প্জা সংখ্যা ম্লা ৩-৫০, সভাক ৪-৩০

• ग्रीहे न्यूक्र केशनात •

वात्रव मामामा श्र

মোহন মিলের

# **बागी द्योगां ए हैं वनवाज**

क्या बन्न, ॥ धातल जातक ● अस्य किथाइन ●

আমলাশকর রায় ॥ বিবেকানন্দ স্থোপাধ্যার ॥ সংক্রেছকুমার বোধ ॥ ধনিকাররান বস্ ॥ দুর্গালাস সরকার ॥ নালস রামচৌধ্রী ॥ ভাঃ অর্শ রামচৌধ্রী ॥ ভাঃ মদন রাখা ॥ ভাঃ বিশ্বনাথ রায় ॥ ভাঃ র্দ্রেশুকুমার পাল ॥ আরও অনেকে ॥ এবার থাকছে অনেক বৌন অ-স্থের নির্দেশ ॥ শিক্ষী ঃ চিক্স সরকার

সম্পাদক স্বোধ সিয়

टक्सार्कितम् नमी ॥

কার্যালয় •
 ৭ নবীন কুডু লেয়, কলি—১ ॥ কেয়—৩৪-৮৮৩৬

(PA GROV)

and request with two

LOT THE MARKET AND THE WASHING कार्य विद्वालयंका कालात, व्यक्ता श्रवकार WHI CO WE HAVE THE SECOND SECOND - THE DATE OF THE PARTY OF THE PROPERTY OF

Te with succes MANUAL COLUMN SPECIAL PROPERTY modeled and the facilities and भारेन सारमक स्थापन दिन सरकारन। बाग महत्त्वाराह ज़िल्हें करें, स्कारण बाग CHANGE OF CHANGE STATES THE PERSONAL PROPERTY AND PERSONAL PROPERTY TO THE REST OF THE PARTY STATES A CAME OF COMMENT OF CAME

THE SPRING SAME AND ADDRESS OF The second secon native came told from himse किम कर्पा क्यायाम्ब क्याचा क्याचा 'দেদনি। (ইঙ্গডো সভাই অনুমতি নেওয়া

बारकार काकाशीक कारहन दक्तन দেবকর বই কেখার জাপা হবে না হবে— এ সন্পর্কো সরকারী ছসতক্ষেপ নিজন্ত অর্হীন। কৃষ্ণিজীবীদের गटक क्या क्यां क्यां क्यां हिल প্রকাশ্যে এর বিরোধিতা করকো। তিনি ৰলেকেন, তাৰ বই 'ইনভলা-টাৰি ভানি' টা সাইবেকিনা" ভিনি বার্শিকার কাইরে ছাপ্তে शाकेरकन, शार्क्य इरव कोन्न निरम्भन नारम **उ**रा একথা তিনি জাগে থেকেই क्यान्टिस रस्टसन। श्रकामक्टक দেকেন, তবি প্রাপা রয়ালটির টাক যেন क्या रम्बना इत्र स्माविद्यारे एक्टेरे बाध्य जा (যাঁকা লোপনে বহু ছাপতে পাঠান, ভালের फेल्म क्रमा इस सामितात बाहेरवर वाराव. **रमध्यम्बर कथर**ना निर्माण मामरत धारण रमहे **ोक्स रक्षश करतम** ।)

আমলবিক একজন রেগা পাতলা মান্ত, আৰু স্থানীনতা এবং আধ্নিক निरम्भा नामक्ता काला हिटा है जिस्सार দান্তি আকর্ষণ করেছেন। ইতিক্রধা তিনি এক বছর সাইকেরিয়ার নির্বাসন স্বত ভোগ क्टब्रह्म धक्र जाइड क्टब्र्म्ब भ्रीगामन नकारत शरकराम्।

#### কৰিতা পৱিকা

প্ৰো উপলক্ষে বিপ্লোকার পরপতিকান গ্ৰাক্তিক উল্লেখ্য পূৰ্ব শেষ বিশ্ছ टनगर्शनात एकानिमान मटकक दरन् करमकीर **केट्साब्दसम्बद्ध माविकाल त्यम इत व** गामा । अस्य सहस्रकृषि सिन्धुम्म स्रोत्छ।त शिका। आका ट्यान, बर्जाका श्वा ग्रामीन क्रक्र अन्यतीमक "ध्रानमनी", दक्काका क्रोधाती সম্পাদিত "কৃত্তিবাস" এবং তারাপন রাজ मन्त्राविक "क्टबक्कक्य" भितानिक्रके जाना टक्स् (व । धनः विकासक, सर्वोग्छ नारकाल नाम ''रेमीनाक केमिस्टा''स सिक्ट्र रह नाम्बर ।

म्साएन गाउँक

# **खब**ध् ७

बारका माहिजा-आमरत उण्डान नकत

# **है** शा ठे इश्री

ভারই ভাস্বর প্রতিভার অন্যতম স্বাক্ষর। জীবন্যবন্ত্রণার বিচিত্র স্বাদ বিচিত্রতর গণ্পকথন ভাঙ্গতে পরিবেশিত। সাত টাকা ॥

विक्रमामिटकान

# म्<del>था</del>ई 50.00

षांखर्भाण्कि (१।।(भ्रम्माष्ट्रकत स्त्रामाक्षकत कारिनी

চাপক্য সেনের

# त्म नीर तम नीर ১५'००

म, थामना

১০.০০ একান্ডে ৬.০০

न्बक्षन मित्र

# वात्वाशांभी थुत्वत्र सामवा ७-००

*ब्रााक* (भेवात १ ००

थरती ठक्रभी १.००, तनकरम्लात्र थरत ५.००

ডানকাকের পতন ৯'০০

ক্লানিক প্রেন । ০/১এ, শ্যামাচরণ দে প্রীট, কলিকাতা ।। ক্লানিক প্রেন



### সাংস্কৃতিক পরিচয় ঃ উত্তরবঙ্গ

পশ্চিমবংশার শ্বেশ-পার্থণ ও কেবা (প্রথম খণ্ড)। অপোক মিশ্র (সম্পাদনা)। কেন্যুক অফ ইণ্ডিয়া, ১৯৬১। বি মানেক্সের রব পার্যালকেশানস, সিভিল লাইনস, দিলি। হাম ১-৫০ টাকা। প্রে ৩২০।

ভারতের জনগণনা দণ্ডর উত্তরবংগর পার্চাট জেলার মোট ৪১৮টি গ্রামের প্রে।-দ্রেণি ও মেলা সম্পত্ত তথা সম্ভিবত এই গ্রন্থটি প্রকাশ করেছেন। প্রিচমবংশার লাধা উত্তরবজাই একমার স্থান, যেখানে ভিয়া রভার ভিন্ন ভাষী অধিবাসীরা এসে নিজে দ্রু ধর্ম সংস্কৃতি নিরে প্রাপর্য সক্ষ করছেন। জলপাইগর্নিড. প্রতিম দিল জেপার भाकि वार ভেজায় কাচবিচার G ক্লট ৫৮ থানার বিভিন্ন মেকা, প্রজা-পার্ণ ও ধর্মস্থানের বিবরণ মেলার সময়, কোন করে এই সব জায়গায় বেতে প্রভৃতি তথা বতামান <del>গ্রে</del>ম্থ স্থান পেরছে। কোন স্থানের বর্ণনা দিতে গিয়ে সেখানকার প্লোচন ইতিহাসও दक्ता সাক েল ভাক 272 2099 বাবস:র" गुक्त स्टब्स ΩØ দাহাজ রেখামী বস্তু নিয়ে রাখিয়া যাতা করেছিলেন, ভিস্তায় কতবার বন্যা হয়েছে, কেমদভাবে ভিস্তা খারে খাত পরিতাপ করে নাতন খাতে প্রবাহিত হচ্ছে, বাংলার মুসলমান যাবেশ্ব স্থাপতঃ শিবেশ্ব সর্বাক্তেন্ট বিদশনি মালদহের আদিনাতে মিলবে—এমন বহ, তথা বইটির সর্বন্ত ছড়িসের আছে।

শশ্চিমবংগার বভামান প্রভামকটী প্রাচীন मन्तित अभाकित भश्तकत्व छेट्रमाशी इट्सएइन। উত্তরসংখ্যার কোনা মসজিন, মণিদর ও বৌশ্ব বিহার সংক্রমণের ক্যবস্থা করতে হবে, এই বই থেকে তা অনায়াসে জানা যেতে পারে। পশ্চিমবজ্গ পর্যটক-দৃশ্তর্ত্ত এই বইটি **4.0** লাগতত माजिकि किः शहरतम । কেলার বিভিন বৌশ্বিহারগ্লির PQ || 37 MESICO. ব্যবহৃৎয় প্রচারের ইলৈ পর্য টকেরা मर्गाक हिनः শহরের বাইরে ঐসব স্থানে বেতে পারবেন এবং তখন ম্ধানীয় অধিবাদৌদের হাতে কিছু অর্থাগমের সংবোগ হবে। ফরাব্ধায় গণ্গার উপর বাঁধের কাজ শেৰ হলে উদ্ভৱবংগে ৰাতায়াত অনেক সহজ হবে এবং ভখন নিস্মবশ্যের অধি-वानौक्र ध्व कम धक्र घारण मामनरश्य লশনীর মসজিলগানি দেখতে পারেন, দেজনা প্রতিক দশ্ভরকে এখন থেকেই উদ্যোগী ইওরা প্রয়োজন। এই ধরনের একটি ম্লাবান বই প্রতিটি লাইরেরিকেই রাখ্য উচিত। মালদহের পাঁচটি মসজিদ, পার্জিলিংরের সাতটি বৌশ্ব বিহার, দুইটি হিল্প্ মন্পির ছাড়া বিভার সমরে বিভিন্ন ধর্ম সম্প্রদারের আলোকচিয়ন্ত এই প্রশেষ সন্মিবেশিত হরেছে। মালদহের 'গান্ডীরা' সম্পর্কে' দুটি অধ্যার

বর্তমান গ্রন্থে সংযোজতি হরেছে। কলকাজার থে-২৩টি দোকানে বইটি পাওরা বাবে, শেবের দিকে আরও একটা তালিকা দেওরা হয়েছে। এই বইটির জন্য প্ররোজনীয় ভবা অন্সংখান ও সংকলনেয় জন্য প্রীঅর্ণকুমার রায় এবং তত্ত্ববধ রক প্রাস্কুমার সিংহে কৃতির দাবি ক্রিতে পারেন। প্রীক্রিমে সিংহের আলোকচিত্রগালিও স্ক্রের।

(225/63)

नि.ध. जशाशक नमरत्रम्माथ गानाकर्रे अम, अ

## বানভট্টের কাদশ্বরী কোটিল্যের অর্থশাস্ত

**ተ** ፡ ፡ ፡ ፡

ৰি-এ সংশ্কৃত অনাৰ্স পাৰ্ট ওয়ান, পাৰ্ট ট্ৰ ছন্দা চন্দ্ৰবৰ্তী এগ-এ ডঃ এস সি বানাজী: এম-এ, ডি-ভিল কৰ্তক সংশোধিত

हर्नाग्डका ।

৭, নবান কুত লেন কেলেজ রোর ভিতর), কলিকাতা-১

প্রকাশিত হল

देशभाग्रन

# 

চিৰ্জীৰ সেন

ANIZ PRESIDENT

## অদৃশ্য হাত॥মুসোলিনীর শেষ বিচার

্ প্রিবেশক : **আধ্**নিক ॥ ১১বি, বজ্কিম চ্যাটাল্লি স্ট্রীট, কলকাতা—১২

(ति १३२४)

ৰহ'ছান ৰাজনৈতিক ও অথ'নৈতিক পট্ডলিকাল ৰচিত নতন উপদাল श्वा उ \$.00 াসংহ সেনাপতি রাহাল সাংক্রায়ণের R-00 পোডামাটি ভালাবর নীহাররঞ্জন গুল্পের ₽.00 গোবিষ্দ বর্মণের রক্ত গোলাপ রাড 6.40 গজেন্দ্রকুমার মিত্রের **व्यक्त जन्मा** 0.00 বিৰণ পলাশ অমরেন্দ্র দাসের ₹.60 विष्मः विष्मः নরেন্দ্রনাথ মিতের 2.60 ভ্যারাইটি পার্যসন্দর্শ ১০, কলেন্ড মো, কলিকাতা-১

(গি ৭৮১১)

Particle and the second of the second of

#### প্রাধি শ্বীকার

ত্থাতীর) গোতার র নারারণ কলের-ক্রারা। শামনালী কলেবাগাগার ৯এ, ক্রোডার গোর জেন, কলিকাডা-২০। মুলা ও-৪০।

ক্ষাটিক প্রাধীক। বন্দুগতি বোর। প্রাক্ষার সৈতে নাকর ২৯, হাউস নাকর ৪, স্বাধীকাল, পাটকা—৪। মুলা ৩-০০।

প্রকাশকর। মনোরশ্বন খোব। অভ্যানর প্রকাশ মণিকঃ ৬, বণিকর চরটারি স্টাট, কবিকতে—১২। মুকা ০-৫০।

হালিও-পিকিক। শ্রীমনেরমন কল্যো-পান্তঃ। আনভারে, এস পি। মুদা ৪-০০। ভারি ভ্যান্ডিন। অন্যেক সেন। শ্রীভূতি পান্তিনিক্ষ কোম্পানী: ৭১, মহাস্থা গ্রাম্থী রেড, কলিকাত—১। ম্লা ৭-৫০।

কালের নিসর্থ দুস্য। কৃষ্ণ ধর। দেব-কুমার করে: ১৯ পশ্ভিতিম টেরেন, কলিকাতা-২৯। মূল্য ২০০০।

সমরেশ বস্ব আখির আলোয়

6.00

অতীন বল্যোপাধ্যারের
শেষ দৃশ্য ৬-৫০
ইবনে ইমামের
স্বীনা ৰাজ্যর ৭-০০
নারায়ণ গঙ্গোপাধ্যায়ের
দালা মাটি ৫-৫০
জিমকরবেটের

জিমকরবেটের
টেশপা টাইগার ৫-০০
গোলাম কুন্দ্রসের
বাদী ৬-৫০
সন্বোধন ৪-০০
রাহুল সাংকুডাারনের

বিশ্বত বারী ৪০০০ তারাশক্ষর বলেন্যপাধ্যায়ের

গ্ৰহুপ পাণ্ডাশ্ৰহ ২০-০০ বিশ্বত ক্যাটালগের জন্য লিখন

ৰকুল পাৰ্বাসন্থান, ৮৮, বিধান সরণী কলিকাতা-৪॥ ৫৫-০২৩৪

(স ৭৮৫৩)



ভাষার আলো। সমর নস্ত। মনি প্রকাশনীঃ ০১কি ডেও ফিলা লেড, কলি-কডে-২০। হলা ২০০।

ঠেবৰ। প্ৰীক্ষাক্ষ কৰ্চাধ্যা। প্ৰাক্ত দেবা : ৪৭ াং ক্ষান্তাক্ষ মন্ত্ৰ-ক্ষা ক্ষেত্ৰ, হাওড়া। ম্যা ০০০০। ক্ষেত্ৰৰে আইন কাল্য। ম্বীল সহজ্যা। প্রীকৃষ্ণি পার্বালাগিং কোল্যানা ঃ ৭৯ মহাজ প্রমুখ্য রেজে, কালকাত্য-৯। ম্বায় ৩০০০।

বালীবালী। কিলা সেন। বিভিন্ন প্ৰকাশনীঃ ও নালীল কুণ্ডু জেন, কলি-ক্ষান্ত ১০০০।

ইত্র ব্রেরে। ব্যোমকেশ চরবতী। কেবা-জরতী ঃ কের কাপকাড়ী, কেরা ফোলশীপরুর। মুকুর ২:০০।

मञ्जून यहे।	সমরেশ ফস্র	নভূম
পাতক ৪০০০ স	दवर्ग ००० व	क्मा ७.
সমাট সেন	চিরঞ্জীব সে	
अभीकात ५०० न	ায়ক-নায়িকা র	रमा ः
म्कना भरिथवी	याशात्र नाम	\$0.0
রীরভন্ন	নারারণ স	ाना <b>न</b>
रगब्रुया कन्या व	· ত সত্যকাম	q.
মহাশ্বেতা ভট্টাচার্য	অমরেন্দ্র	भाज
_		
<b>তিমির ল</b> গন s		26.
প্রমথনাথ বিশী	मार्जीमम् वरम	<b>াপাধাা</b> য়
विधित সংলाপ		
कामक्षे त्रवन्तिम	<b>थत श्राक्र</b> ( ५४	সং) s·
	কনিশ্ব	
	০০ বিদ্যবিহ্ণাী	q.
গৌরাঙ্গপ্রমান বস্ <b>বিশ্ন থেকে সত্যি</b> ৪০	পণ্ডানন যো • ০০ <b>জাগ্রত ভারত</b>	गण <b>्</b>
শক্তিপদ রাজগ্রে	टेष लाग्न ल	
	০০ জিলংউলিসা	٩.
অমিরকুমার বন্দ্যোপাধ্যার র <b>্পমতী নগরী</b> ৫٠	রাহ্ল সাংকৃত ০০ <b>অণিনন্দাকর</b>	शासन <b>q</b> •
প্ৰব	र ७ क्वीवनी अन्धः	
ড: তাসিতকুমার বল্ল্যোপাধ্যায়— ড: অর্ণকুমার মুখোপাধ্যায়—	সাহিত্য জিজ্ঞাসায় রবী কথা সাহিত্য জিজ্ঞাসা	
অধ্যাপক অবস্তী সান্যাল—	প্রাচীন নাট্যসাহিত্য প্রস	
অধ্যাপক প্রপবরন্ধন ছোব	विद्वकानम् ७ वाश्मा	1
	र्मा	<b>™</b> 50.0
न्यामी निर्दर्णभानम्	দ্ৰামীকী দুম্তি স্পর্	<b>4</b> €.0
₫→	ब्रामकृष विद्वकानण	A. O.
गण्कतनाथ ताक-		गाटक ७.०। य) ৯.०।
· · · · · · · · · · · · · · · · · · ·	ভারতের সাধক (৮	w.) . w.o.
<b>a</b> -	(a) (b)	

পিরভাে আলি শক্ষ ছকিতে পরাজরের
পরিপ্রেকিতে, গঠিত তথাান্দেশ্যাল
কমিটির মণ্ডবা ও সমালোচনাকে ভারতীর
আলিশিক আসেনিসিরেলনের সভাপতি রাজা
বলীলার সিং অনাার এবং অবৌতিক বলে
মন্ডবা করেছেন। শুখু ভাই নর, মেলিকোর
বার্থতার আই ও এ-র সভাপতি পারী
করেছেন সরকার এবং সরকার শাণিত
নিখিল ভারত ক্রীড়া পরিবাদকে।

#### ইপেকার অভিযোগ

বাজা বলীকার সিং স্বার্থহীন ভাষার রলেকেন সাধারণভাবে খেলাধলোকে এবং বিশেষভাবে হাকিকে সরকার ও ক্রীড়া পরিবদ **টেপেকা করার কলেই মেক্সিকোতে ভারতীর** র্লার দলের পরাজয় ঘটেছে। অভিযোগের সমর্থনে বলান্দার সিং বলেছেন, হকি খেলোয়াড়দের কোচিং এবং দল গড়ার আন্ত্রিগ্রুক ব্যাপারে পাকিস্তান যেখানে ৮ লক টাকা বায় করেছে সেখানে নিখিল ভারত কীলা সংস্থা ভারতীয় হ'ক দলের জনা বার করেছেন মাত মেক্সিকো যাওয়া-আসার ভাডা। অভিযোগ খাবই গারে ধরনের। বিরুদেধ অভিযোগ ? না, সরকার ও সরকার স্থাপিত ক্রীড়া পরিষদের বিরাশ্বে, দেশে খেলাধলোর উল্লভির জনা যে পরিষদ গঠিত। কার অভিযোগ? না, স্বয়ং ভারতীয় অলিম্পিক আনুসাসিয়েশনের সভাপতির। ব্যক্ত ফ্রন্ট এবং কংগ্রেসের দলীয় কোন্দলের **४७३ क्रीफा गीवहालक 🕫 भरणहेकरानद्र अ**दे দলীয় কোন্দল। কিংবা বলা যেতে পাৰে কেন্দ্রীয় সরকার ও রাজ। সরকারের রেষারোধর আর এক চিত্র। কেননা বিভিন্ন জাতীয় ক্রীড়া সংস্থার প্রতিনিধিদের নিয়েই নিখিল ভারত স্পোটস কাউন্সিল। অবশা জাতীয় জীড়া সংস্থার কটকের কিছা সদস্যও আছেন দেপার্টাস কাউন্সিলে। তারা হয় অতীত দিনের খ্যাতন মা ক্রীড়াবিদ, না-হয় খেলাধ্যার বিশেষভঃ বলে স্বীকৃত। ম্ভরাং সমুহত জাতীয় ক্রীড়া সংম্থা নিয়ে গঠিত অলিম্পিক আনুসোসিয়েশন, আর লীড়া সং**স্থার প্রতিনিধিদের নি**য়ে গড়া েপার্টস কাউনিসকের সম্পর্ক পারস্পরিক সহযোগিতার। উভয় সংস্থার উদ্দেশাও খেলাধ্লার উল্লভি ও প্রসার। (कान পরাজয়ের পরিপ্রেক্ষিতে পরস্পরের প্রতি অভিযোগ বা দোষারোপ খেলাধ্লার বদলে খেলাধ্লার অবনতিকেই ডেকে স্মানবে।

আমি আগের সপতাংই বলেছি, যতাদন ভারতের হাক খেলোরাড়র। নৈপ্রে। ও দক্তার জােরে জগং সভার শ্রেণ্ঠ আসন দথল করে এসেছেন ততাদন কেনে কথা ওঠােন। ওঠবার কথাও নর। আজ অনাান্য দেশ হাকি খেলার অনেক এগিরে গেছে। ভারতীর ইক্রিয় মধ্যে এসেছে সাম্যায়ক দুর্গলভা।



পরাজরে প্রতিজিয়া স্বাভাবিক হলেও সেই পরাজরকে কেন্দ্র করে কাদা ছেড়িছ'্ডি বেশের খেলাখ্লার পক্ষে মোটেই শৃভ কাকণ নর।

আই ও এ-র সঞ্চাপতি রাজা বলীদার সিং ঠিক কথাই বলেছেন। চিরদিন কারো আধিপতা বজার থাকে না। বিরাট সাদ্রাজার বেখানে পতন ঘটে সেখানে চিশা-চল্লিশ বছর ধরে বিশ্ব হকির আজের যোজা হিসাবে বিরাজ করবার পর বিজর গোরব হাত, ছাড়া হবে এটা এমন কিছু অপ্রত্যাশিত নর। তবে শ্রেণ্ডর জন্য অবশাই চেণ্টা করতে হবে। তার জন্য অনুশোচনা করে লাভ নেই।

#### উত্তর কলকাভার স্টেডিয়ামের দাবি

কলকাতার বভ আকারের স্টেভিয়াম আজ পর্যান্ত পাড়ে ওঠোন। কলকাত। ইয়প্রভয়েণ্ট দাসট বচিত দক্ষিণ কলক তার ববীশ্র সরোবর সংশাস ছোট আকারের স্টেডিয়ামই শহরের একমার ক্রীডানিকেতন। ইতিমধ্যে উরব কলকাতার স্টেডিয়ামের দাবি উঠেছে। তাৰ জনা উত্তৰ কলকাতাৰ ক্ৰীডামোদী ও ক্রীড়া পরিচালকদের নিয়ে এক্রটি কমিটিও গঠিত হয়েছে। কমিটি তাদের প্রথম প্রকাশ্য সভার টালা পাকে দেটভিয়াম তৈরির দাবি তলেছেন। সন্দেহ নেই সংগত দাবি এবং এ দাবি বড আকারের স্টেডিয়াম গড়ার প্রতিকংশক ও নর : প্রাণ্য বড স্টেডিয়ামের প্রয়োজন অবশাই প্রথম। কিল্ডু এত বড় শহরে একটি কড় স্টেডিয়াম খেলাধ্যার প্রয়োজন মেটাতে পারে না। তাই উত্তর কলকাভাষ কেন পূর্বে কলকাভায়ও ছোট আকারের স্টেডিয়ামের প্রয়োজন আছে। স্কল কলেজের ছাত্রদর আঞ্চলক যাবক-যাবভী-দের খেলাধ্যার উর্যাত ও প্রসার এই সব স্টেডিয়ামের মাধামেই হতে পারে। ইউরোপে কলকাতার চেয়ে অনেক ছোট শহরেও তিন নাবটি করে স্টেভিয়াম আছে। কলকাতায় সবে ধন নীলমণি ওই দক্ষিণ কলকাতার স্টেডিয়াম! খেলাখ্লার উন্নতির ্যা আমরা সব সমর হাহতে।শ করি। কিন্তু খেলাধ্যা করার যথেন্ট সুযোগ ছাড়া যে খেলাখ্লার উন্নতি হতে পরে না এ কথাটা দেশের কর্ণধারদের মগজে ঢোকে না।

#### हाता भ्वंगामी

প্র-পশ্চিম-উন্তর-দক্ষিণ ভারতের চার দিকের ফুটবল আসরের মধ্যে পুর দিকের আসর অধাৎ কলকাভার ফুটবলই ছিল গোহাটি স্টেডিয়ামে অভ্যানিক সুন্দির সমাগ্রহ খেলা শেল না হবার প্রধান কারণ। গাডবারের বিজ্ঞানী ইন্ট বেশালা ও লাজবারের মানাস্মহমেডান শেলাটিং-এর মধ্যে এবারের ফাইনাল খেলা দেখার জনা এত দর্শক সমাগম হয়েছিল—প্রতিবােগিতার ১৮ বছরের ইতিহাসে বা হরনি। গালারির সমস্ত আসন ছাপিরে। দর্শক মাঠের মধ্যে নেমে এসেছিল এবং টাচন্তাইন ও গোলালাইন অতিক্রম করে ক্রীড়াপ্সনের চৌহন্দির

ছোটনের ভালো বই পড়ান স্থালিল পরকারের ইতিহাসের

शाजशास्त्र**ब** गल्भनल्भ

२∙९०

রণ্টুর ডাইরী

2.8

শরং বুক হাউস

১৮বি, শ্যামাচরণ দে স্থাটি, কলিকাতা-১২

(সি ৭৭৬২)

#### মাসিক ৫, টাকা কিস্ডিডে



শ্ট্যা ক্ষা ক্ষ্য ক্ষর ক শিক্ষার ৩ ব্যাক্ট ল ওয়াক্ট পোটে-ল ট্রানজিকটর। বে কোনো জার গার

শাস্তান বিজ্ঞান TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post Bag No. 11. New Delhi-1.



(TH 9000)

THE THE PROPERTY SECTION कार क्रीकर कार। শিক্ষারেশ ভারা বখন আর একটি গোল বরে ভারা ইন্টা বেন্সল খোলা হেছে निवि कर्कार्य भारतेत भारता वास किन । कारण कर्म बार्ट छाकास जाएग रथमा वन्ध इरह লিরেছিল এবং ইন্ট বেপালের অধিনায়ক बन्धवाच रर्गक माठे टबटक मदरा मा याख्या शर्व का देखा ज অস্বীকার करविकरसन्।

चलाडे मध्यक कराम घटनावक्षन वाराव **১। जा**णिक नमारकद रेजिराम 4.00 ३। देखिहारनद मर्गन 8.00 9! **देखिहान की ७ किन** २.৫0 81 THE 8 4 COA 3.40 ৫। दर्शातमा यास की क टकन 2.40 ७। क्रिफेनिक शाहि কীও কেন 2.40 ৭। ক্ষিউনিন্ট বিপ্ৰবীৱা ი. ტი কোন পথে প্রাণিতস্থান : व्यवसूर्ण अकामनी ১/২, জ্যাকসন লেন, কলিকাতা-১ हैके जन यह जन्म हकार भार बिरा 58. विक्य गांगेली गोंगे, क्लिकाटा-52 (সি ৭৫০১)



পোটেবল ভানজিম্বর মাসিক ৫ টাকা কিহিতে। প্ৰত্যেক প্ৰায় ও শহরে भागेन यादेख भारत। VENUS SALES (12) ROOPHAGAR, DELHI-

राक्षीर चरना रन्तराक्षक चानकि कारा कार्यनीत । क्षण विका त्यका कार्यन्त करवाकर wat freit stein wegennige was course शाशा करतरस्त । सामाना कांच देवनाम राज्य वर्ष मा। क्यानहे स्था रिका

माद्रे गर्न के द्रशकार समा अविधा जर्मावया जनमा मृत भएकतरे ममान विकाः **एव. अन्त ७८**३. गेठ-मारेन **धवर लाम-मारे**म অতিক্রম করেও বলি দশ'ক জীডাপালে চাতে পড়ে ভবে খেলা চাল লো উচিত কিনা। আইনত উচিত নর। কিন্তু অকথা বেখানে शास्त्रक वाहारक 350 कार कार साम र প্রতিযোগিতার পরিচালকর স্ব থেলার পরিচালক সম্ভবত অসহার হয়ে भएकरक्त ।

এখন कथा शास, रक्तनाई विकास रव नीकत मान्ये दन छात भानतान्ति वर्षेत्व ना তো! ছারা যে প্র্গামী, ভাই সভেত। নাসিরানের মাজা

কৃতী টোনস খেলোরাড রাফেল ওস্নার বিমান দুৰ্ঘটনার মৃত্যুর পর গত ৩১ আগ্রুট বিশ্বজয়ী ম\_শিটবোদ্ধা রকি মাসিরানোর বিমান দুখটিনার মৃত্যু নিঃসংশতে বিমান যাত্রীর অনিশ্চিত জীবনের কলা মান করিছে দেয়। কিল্ড মহাকালের ভাক কে খণ্ডন করতে পারে! মহাম,ন্টিবোদ্ধা মাসিরানোর विशेष्ट किन व्यम् एप्टेंब नियम।

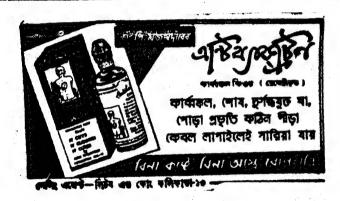
মাসি'যানো ভিলেন ক্ৰেভিভাৰটে অপরাজিত বিশ্ব চাহিশরন। বিরাট দেছ এবং শালপ্রাংশ, বাহার প্রচাড মান্ট্যাছাতের জনা লোকে তাঁকে 'রক' বলে ভাকত। সাল থেকে ১৯৫৬ সাল পর্যাত জীবনের ৪৯টি লডাইয়ের মধ্যে রকি কোন লড়াইতে পরাজ্ঞর স্বীকার করেননি এবং বিশ্ব চ্যাদিপ-রনের গৌরৰ অক্ষান্ত রেখে মাণ্টিবাদ্ধ থেকে অবসর নিরেছেন। মাত্র ৪৬ বছর বয়সে বিশ্ব থেকেই অবসর নিজেন আদভের বিধানে।

#### हेल्लाक क्रक्रका

ছুটির দিন রবিবার (৭-৯-৬৯) মরদানে তিন্টি মাঠে আই এফ এ শীকেডৰ ঠাসা Commence of the company of the compa SEE SING ON PHORAL SEE THE PROPERTY OF THE PROPERTY O बसीन्द्र महाबाबक एन्डेफिशाटन हिन्दुन्यन স্টালের অস্তত্ত্ব পূর্ব ইস্পাত কার্থানার कार्डनमा माखादे रमक्ता । अवनित्व ज्ञातन न्धीन न्यान्धे, कमा निटक म्र्यान्द्र न्धीत। काककावनारवात वाण्टित मुर्तिहे भारत भारत मारमाद्या हैन्नाफ मरन्या। धकीरे स्था मार्गाणात, जनवंधित कात्रधाना गतस्य रचेमन ख्या जिल्लाच ।

टब्बा ट्रायटक बर्बीन्द्र जटबावब ट्रिकेंक्सासब প্যাতিবিরনের সামনে ট্রফি খিরে বেশ কিচ্ দশকের ভিড ছিল। তা ছাড়া অন্যানার। ছডিলে ছিটিলে শ্টেডিরামের উচ সিডি ধরে দাঁভিয়ে ছিল, তেইপটি চাকুরিয়া বঙালী ट्य:नाताटख्य क्रिंग्न ट्यनाव विहास्त्र ভামকার ছিলেন বৰীয়ান রেফারি প্রভল চক্রবর্তী। নব্দেই মিনিটের এই ফুটকা আসরের মান কলকাতার ফার্স্ট ডিডিসল नीशित क्रिय कान जरम का विन ना जिल वर्षाय त्वटफ छो। गन्दा चात्र, मार्ट्स महे-काम প্ৰভাত প্ৰাকৃতিক উপসৰ্গ গঢ়লিও খেলার গতিকে র থবার চেন্টা কম করেনি। প্রতি-শ্বিতার মোটামটি ছবি হিসাবে বলা বার মিল্ল ইম্পাতের করোরাডেরা মহামাহা বিপক্ষ লোকে হানা দিয়ে তিনটি গোল करतरह । अबरे स्मीटक मार्गामात अविधे गान করে ব্যবধান क्षित्तरहः। म् प्राप्त শেলোরাড়দের মধ্যে কলকাভার মরদানে বই, পরিচিত মুখ মুড়াক্সর ব্যানাজি ও সুখেন খেলতে দেখা কুম্মকে দুখাস্থার হরে গেল। তবে দ্বাজনের খেলার সেই আগের বৈক্ষাে আর নেই। এ ছাডা খেলোরাজদের ঝাঁকে মিল্ল ইস্পাত্তের অনাতম শতম্ভ সোরেন রার ও ধর্বকার লেফট উইং यतातार्थ करन मुश्रांक न्मकरन्त्र मन কেডেকেন। কলকাতা মরদানের বাইরে থেকেও এ'লের ফুটবল ভংগরভার এড শালিশ সভিয়ে প্রশংসনীর। আলর স্টীলের অধিনায়ক বিবেচিত বেল্ট জ্যোরার কর্ণা মুখাৰি তো ভাল খেলেছেনই।

ও'দের উন্নত ক্রীড়ারীতির খেলি নিরে জানা গেল, দ্বটি দলই প্রাক্তিসভ সাইডস। তবে জ্যালর স্টীলের তংগরতা আরো একট্ टबंगी। कातन, छाटनत क्रिक्न छेरनाटरत वतम याद्य पर्' कहत। अबहे यादा स्थानाताए বোগাড়, কোচিং চালিয়ে এক পক্ষকাল আগে তারা আসামের লোকাপ্রের বর্ণলাই ইফিডে কলকাভার পরিপালী ইন্ট বেপালের সপো প্রায় সমানে ব্রেছেন ৷ বড় কথা, উভর দলের रथनात स्मारक वार्यान वाक्षेत्र शानवण्ड हान ছিল, যা কলকাতার দুই অঞ্চিদ লীগ নক-আউট প্রতিম্ববিষ্ঠার স্ব সময় দেশ বার না।



धक्राना .

#### । शकानिक इंस क

MELIAN PERMIT

# হে অতীত কথা কও

ন্ত্ৰীপাহ্যালাল দাশগ্ৰেকের ছুমিকা বহ সাম্ভাল্যাদীর সংগা বৈঠক করে, হাড পেতে ব্যাধীনতা মেলে না। আপোসে পাওরা ব্যাধীনতার জনালার আভ আমরা দিশেহারা। ক্ষেক নানা প্রামাণা বটনার অবতারণা করেছেন এই হালে। বেশ-বিভাগে প্রথম পর্ব শেষ। যা শ্যম ১৬০০।

রাজনৈতিক পটভূমিকায় লেখা নিম্লিচন্দ্র মৈত্র-এর

অন্তর বি
নোর ঘটকের নতুন উপন্যাস
রক্ত রাঙা নগরী ১০০০

সোরীন সেন-এর **ডিরেডনাম** ১৩·০০ **কলো থেকে ফেরা** ৮·০০

पृयंशाजा ((नाएक) ०.००

চাণক্য সেন্-এর রাজপথ জনপথ ৭ ৫০ সম্ভ্র শিহর ৭ ০০ ধীরে বহৈ নীল ১০ ০০

অভিত সেন-এর নাটক

दमुबता जारमा

2.60

া আরও উপন্যাস ।।
বারি বনফুল ৪০০০
শ্রীপারাবত
শতর্কে শতবার ৪০০০
অচিত্যকুমার সেন্দ্রশ্রে

অচিব্যকুমার সেনাম্প্র আসমনুদ্র ৫০০০

বিনর চৌধ্রী পদবল ৩.০০

विकास कार्यकी विकासिकाल मानिनी १-००

দ্বভারতী ৮, শ্যামাচরণ দে শ্রীট, কলিকাতা-১২ कात्र विन्त्र जनना जर्मा

# শ্রেষ্ঠ কবিতা গ্রন্থমালা

ভারবি-র অনন্তরণীয় শৈলীতে চি শ চি খ শ্ডে রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক কালের চি শ জ ন প্রেণ্ট ক বি র

मध्य कारामाधनाव माछनम्मद मश्कनन

সভাতার শ্রেণ্ঠ উত্তরাধিকার কবিতা, এবং আবহমান বণাসংস্কৃতির সেটিই নিজস্ব সম্পদ। হাজার বছরের চিরায়ত ব্রতচর্যার বহুশাখারিত বৈচিত্রো আধ্নিক বাংলা কাব্য আচ্চ বিশ্বসাহিত্যে উচ্চ্যুলতম কলপ্রনিণ। কবিতা-প্রেমিক বিদম্প পাঠকের জন্য একটি নিদিশ্ট মানের গ্রন্থনার, স্ব্যোগ্য নির্ভূল সম্পাদনার, বাংলা সাহিত্যের সম্দার উল্লেখ্য কবির শ্লিনবাচিত কবিতার এই সংরক্ষণীর গ্রন্থমালার পরিকল্পনা। প্রকাশ-বন্টনের স্ক্বিবার্থে এই গ্রিশ্টি খন্ড তিন পর্যায়ে প্রকাশিত হবে। প্রতি পর্যায়ের সমভাকে নবীন প্রবীণ কবির সমাহার। প্রথম প্রধায়ের রয়েছে

জাবনানন্দ দাশের শ্রেণ্ঠ কবিতা
ব্দেধদেব বস্ত্র শ্রেণ্ঠ কবিতা
মোহিতলাল মজ্মদারের শ্রেণ্ঠ কবিতা
প্রেমে দ্র মিত্রের শ্রেণ্ঠ কবিতা
তাজিত দত্তের শ্রেণ্ঠ কবিতা
নারেন্দ্রনাথ চক্রবর্তার শ্রেণ্ঠ কবিতা
বারেন্দ্রনাথ চক্রবর্তার শ্রেণ্ঠ কবিতা
শুল্
মানের শ্রেণ্ঠ কবিতা
স্ক্রনীল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ঠ কবিতা

৬০০
সর্বশ্রেণীর পাঠকের স্বিধার্থে এই দশটি খন্ডের ম্লা, এককালীন অথবা
এইরপ তিনটি কিস্তিতে অন্তিম পরিলাধের শত সাপেক, ৬৫০০
টকার স্থলে মাত ৪৫০০০ টকা নির্দিষ্ট হরেছে: ১০ অক্টোবরের করে।
১৫০০, ১০ নডেম্বরের মধ্যে ১৫০০, ১০ ডিলেম্বরের মধ্যে ১৫০০।
ভাকে বই নিলে মোট ম্লা ৫৪০০০ টকা। উল্লিখিত সমরের মধ্যে ১৮০০
টকার তিনটি কিস্তি অথবা এককালীন টাকা পাঠালে সম্পূর্ণ ভাকবার
বহন করা হবে। প্রথম কিস্তি জমা দিলেই প্রথম দ্বিট খণ্ড, এবং সম্পূর্ণ
ম্লা পরিশোধের অনতিবিলন্দে অন্যান্য খণ্ড দেওয়া হবে।

ইডিমনে প্রকাশিত জীবনালক গালের প্রেণ্ট কবিতা' কারে। সংগ্রহে থাকলে তংগরিকতে সক্ষালোর প্রকাশ প্রভাগিকত প্রথম সঞ্জয় ভট্টাচার্য -এর 'কবি জীবনালক স্থাপ তাঁকে দেওয়া হবে। পত্র দিশে বিস্কৃত নিম্মানকী জানালো হবে।

ভারবি।। ১০।১ বিধ্কম চাট্জো স্টিট, কলকাতা ১২

ইং বাদ ভূলবশত বে খেলোরাড়ের
নাভিন করার কথা সে সাভিন্য না করে
ক্রমার কথা সে সাভিন্য না করে
ক্রমার কোট থেকে সাভিন্য হয় এবং সেই
নাভিন্যের পর রাগিতে ইন সাইভ' পরেন্ট
পার ভবে পরেন্ট গণ্য হবে না। আবার
নাভিন্য করার আগেই ভূল খেলোরাড়ের
নাভিন্য করার আগেই ভূল খেলোরাড়ের
নাভিন্য করার লাগি থেকে সাভিন্য করা
ক্রমা ক্রেট'-এর দাবী করা হয় কিংবা
আন্পারার ক্রেট' অনুমোদন করেন।

ৰে কোটে দাডিয়ে সাভিস বিসিম্ভ করার



শাভিদ করার সময় সাটল কোমবের লাইনের উপরে থাকাতে যদি র্যাকেটে ও লাউন-এর সংখাত হয় তবে 'ফন্টস' হবে

কথা সে কোটে না দাড়িরে ভুল কোটে দাড়িরে যদি কোন খেলোয়াড় সাভিস রিসিভ করে এবং ভারপর রাালিতে পাউট সাইড' পরেওঁ পায় তবে একইভাবে সে পরেওঁ বাতিল হয়ে আবার সাভিসি দ্বারা খেলা আরম্ভ হবে যদি পরের সাভিসের আগেই 'লেট'এর দাবা করা হয় বা আম্পারার গেলট' অনুযোদন করেন।

ভূল বৈলোয়াড়ের সাভিসি, ভূল সাভিসি কোট থেকে সাভিসি করা এবং ভূল কোটে দিজির সাভিসি রিসিড করার এই সব ক্ষেত্র মাদের ভূল হবে তারা বিদ র্য্যালিতে পড়েট না পার তার ভূল ভূল হিসাবেই থেকে যাবে এবং গেম শেষ না হতেয়া প্যতি জ্লোছাড়েদের ভূল অবস্থান সংশোধিত হবে না।

বিদ অন্নাঞ্চকতারশত কোন খেলিয়াড় সাভিস কোট বদল করে এবং পরের সাভিস হবার আগে সি ভূল ধরা না পঞ্

## ব্যার্ডাম**ণ্টনের** আইন-কান্ত্রন

তবে এ ক্ষেত্রেও খেলোয়াড়ের ভূল অবংশন ভূল হিসাবেই থেকে যাবে। এ ক্ষেত্র লেট'-এর দাবী করা বাবে না, আম্পায়ারও লেট অন্যোদন ক্রবেন না। গোম শোম না হওয়া পর্যাত্ত খেলোয়াড়ের অবস্থানও সংশোধন করা হবে না।

১৩। সিপালস-এর খেলার ১ নশ্বর আইন এবং ১২ নশ্বর আইন-এর সকল ধারাই প্রযোজ। হবে। ব্যক্তিক শাধ্যঃ

(এ) ইখন পরেণ্ট থাকরে শ্নের বা কোন জোড় সংখ্যায় তখন খেলোরাড় তার তান গাচিস কোটা থেকে সাভিস করবেন এবং যিনি সাভিসি রিসিভ করবেন তিনিও তার ডান সাভিসি কোটো দাঁড়িয়ে সাভিসি রিসিভ করবেন। আর ইখন পরেণ্ট থাকরে বিজেড়ে সংখ্যায় তখন খেলোরাড় সাভিসি করবেন তার বাম সাভিসি কোটা থেকে, প্রতিপক্ষ খেলোয়াড় সাভিসি রিসিভও করবেন তার বাম সাভিসি রোসভও করবেন তার

(বি) দ্বাজন প্রতিশক্ষীই প্রতি প্রেপ্ট সংগ্রীত হবার পর সাভিসি কোটা বনল করবেন। অধাৎ প্রেপ্টের সংখ্যা জন সারে হয় তান দিক থেকে হাঁ দিকে যাবেন, না হয় বাঁ দিক থোক ভান দিকে যাবেন।

#### कक्षेत्र वा आहेनगढ कन

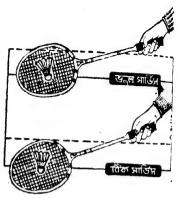
১৪: 'ইন' সংইচ্ছের (সার্চিসে বা থেলায়) যদি আইনগাত ত্রাটি কা ভূকা হক তবে সাতিসি ককার অধিকার চক্রে বাবে। যদি 'আউট' সাইডের খেলার আইনগাত ভূকা-ত্রটি হয় তবে 'ইন' সাইছে পরেণ্ট পরে।

#### यादेनगढ कन-ग्राहि:--

(এ) সভিসি করার সময় যখন রাকেট ও
সট্ল-এর সংযোগ হবে, অথাৎ যখন সাটলে
আঘাত করা হবে তথন সাটল থান
খোলায়াডের কেআরের উপর থাকে. কিংবা
সোভিসের সেলায় সাউল আখাত করার সময়
খিন সাংলাটের মাথা হাতের (যে ছাতে
সাংকট স্যা হাকলে) কোন ভাগেশ্ব উপর
টিট সায় তবে আউনলাত ভল অথাৎ ফেটসা
হরে।

(কি) সাহিত্য করার পর সাটল যদি ভূল কেটে পড়ে (অর্থাৎ ফিনি সাহিত্য করছেন তার কোনাকুনি বিপারীত কোটো না পড়ে), কিংবা সাত্রীল বলি শার্ট সাভিস লাইনের আনে পাড়ে অথবা লং সাভিস লাইন পেরিকার পিরে পড়ে বা যে সাভিস কোটে সাত্রী পড়বার কথা সেই সাভিস কোটের সাইড বাউন্ডারি লাইনের বাইরে সাত্রী পড়ে ভবে ফল্টস হবে।

(সি) পরেণেটর সংখ্যা অন্যামীর সাভিস কোর কথা কাভিসের সময় সেই সাভিস কোরে মধ্যে বিদ সাভারের দাই পানা থাকে কিংবা এই কোটের কোনকুমি বিপ্রতিত কোরে দাভিয়ে বার সাভিসে বিস্তিত কালে কথা সাভিসে বিস্তিত কালে বিশ্বতিত কোলে বিশ্বতিত কালে বিশ্যতিত কালে বিশ্বতিত কালে ব



দ্বটি চিত্রের উপরের চিত্রে সাভিস করর সমর রাকেটের মাধা হাতের লাইন থেকে উপরে উঠে গেছে, এটা ভূল সাভিসি, অর্থাং ক্ষেক্টস'। নীচের চিত্রে রাকেটের মাধা হাতের কোন অংশের উপরে ওঠোন। এটা ঠিক সাভিসি

ন্য হওয়া প্যদিত। তোঁর। দুই পা যদি এই কোটোর মধ্যে না থাকে তবে ফলটন থব।

(ভি) যদি সাভিসি করার আগে বা সাভিসি করার সময় কেনে খোলোয়াড় ভড়িক দেবার চেণ্টা করে বা প্রতিপক্ষেব বাধা স্থি করে তবে 'ফাউস' হবে।

(ই) যদি সাভিদের সময় বা থেলার সময়
সাটল কেটের বাউ-ডারির ২ইরে পড়ে
কিংবা জালের নীচ দিয়ে অথবা জালের মধ্য
দিয়ে যায় বা জাল অভিক্রম করতে অসমর্থ
হয় অথবা হলের ছাদ বা দেওয়াল পশ্র করে কিংবা প্রশাকরে কোন থেলায়াড় বা থেলায়াড়ের পোশাক তবে ফল্টস হবে।
(সাটল যদি লাইনের উপর পড়ে তবে কেটের মধ্যে পড়েছে বলে ধরতে হবে।
সাভিদের সময় সাভিস কোটের বাউ-ডারি
লাইনও ওই কোটের অত্তর্ভুক্ত)।

व्यून

विश्ववाधिनकरण दिनियनम नित्त बारनामाहिरका मर्बाजध्य

# পি সঙ্গমে

প্ৰকাশিত হচ্ছে

- নতুন উপ্রয়েস

ज्ञान्तरकाव ब्राद्यानाथताव ॥ ७.४०

অপরিচিতা

অভিধরপশক

রাতের ক্য়াশা श्रीबनाबावन क्रदेक स ६-००

स्मोदीन स्मन ॥ १.०० नवर्तन ॥ 5.00

आमिशका बान्द्रकाव मतकाव ॥ ४.०० वान्द्रहाव म्द्रवाः ॥ ४.५०

म जनाव पर्व मार्ठ तथरक बर्लाष्ट **अक्टू बन: 1 8-60** 

আজোলা-আফ্রিকার ভিয়েতনাম

ডোরাকাটার অভিসারে

44.4 414 N 5.00

रना क्रक यार: माजान करना: n 2.00

# অসীম সোম সম্পাদিত চিত্রী চিত্রক

৭৩, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলিকাতা – ১ ब भरतथा

(पि १४८०)

'আমি সিরাজের বেগম' পডেছেন তো ! সে ছিল আমারই সতীন নাম-না-জানা মেয়ে জারিয়া--নবাব সিরাজদৌলার আদরের বৈগম লাংফার কাহিনী। কিন্তু তার অধ্যেলিত প্রধানা বেগম জেবালিসা আমি। নবাবী হারেমে একা একা কিভাবে নিঃসংগ জীবন কেটেছে, নবাবজাদা কিভাবে দিন দিন আমায় উপেক্ষা করেছেন, তিনি আর তার প্রিয় বেগম লংফার মুচকি হাসি দিন দিন কিভাবে আমায় ধ্ৰুয়হীন করেছিল, এ কাহিনী সেই জেব্রেসার অনবদ্য কাহিনী। আমার মন আছে প্রণে আছে, যৌবন আছে। আর আছে সুন্দর স্বাস্থ্যবান সুপ্রায় স্বামী। আমার মুর্থানস্ত মর্ম-বাথা রূপদান করলেন 'रकोषिला स्मन'।

হরোস্থ সংশাদিত

नाभ त्नर

8.00

শ্ৰুভ সংবাদ

निकछे मृत

জনমে জনমে

ग्राचल यत्रनम् ॥ आछा कि स्त्रन ५०:००

**निर्धी** ॥ विश्ववास ६, **ब्राह्म शादिक्य** ॥ देशायन ४,

ज्ञा फिस्सरनाम রাজপথ তীর্থপথ

নিগ্রানন্দ

\$2.00

8.00

নভুন প্ৰকাশক ৪ ১৩/১ বহিক্ষ চাটোজি স্টীট, কলকাতা-১২

(TR 9882)

# কবিতা কবিত

প্রশাস্ত হৈতে

**级和标** 2.00

র পশ্রী দত্ত र्नान्मनी, २.००

মনোরঞ্জন ঘোষ क्रकिया ७.00

দেব কুমার বাগচী रकारोक्त बन्ना भाषा

অসীম কুমার বিশ্বাস মৌসনীম ২.০০

কমল কৃষ্ণ মুখান্ত পূৰ্বপ ৰাসর ৩.০০

কেদার ভাদ,ভী

भूकरना क्रम ७.००

বিধান পরেকায়স্থ ছটি তারার ভবন ২.০০

চির রঞ্জন বায় বৈতানিক ৩.০০

# ডি লাইট বুক কোঃ

১৭০/০, বিধান সর্রান, কলিকাতা-৬ ২৪. অর্রবন্দ সর্রান, কলিকাতা-৫ ভি: পিঃ-তে অভার দিন।

কৰিতার বই প্রকাশ কোরতে চাল? বিশ্তারিক বিবরণের জন্য লিখনে।

(সি ৭৪৬১)

<u> বিনা সঙ্গোপচারে</u> আবাম পাবাব <u> ज</u>ता

शालका

वावशव कक्त !

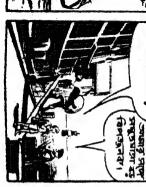
1001-137 BEN







A State of the second



व्याह्यादक दनदनन कानन्त्रं जाननं अर्थाः त्नावे निक्रा रहवः

जा निद्य

















# 3 gns

'आप कारण?' (श्रीवक्षणमा : म्यूनील ब्र्याणि') हरित अकडि ग्रम् म्यूकिहा सम् अ कारा सम्बद्ध

### ॥ हिन-न्यादलाह्या ।

পাৰে কা সপনা

প্রা শ, শব্দ বিশিশ্ট মামের হিশ্দী চিত্র
মতিই বে ব্রটিন-মাফিক প্রেম্ ও
তিলেনির বাপার হবে এমন নয়।
মতেত হবকিশা ম্থাজিরি পারে
কা লপনা তাই প্রমাণ করে। তবে
পারে বস্টুটির এমন দশা হরেছে হিশ্দী
ছবিতে বে হবকীবাব্র ছবির নামেও
পারাশ দেখে আর কেউ না ছোক ব্রটিবান
দশকিরা প্রথাম আবড়ে বেতে পারেন। অবশা
মডার্ন পিকচারল-এর এই ছবির কাহিনীবস্তু বে খ্ব অ ধ্নিক বা জীবনজনত তা
নতা। তবে হিশ্দী সিকেমার "পারো-জগতে
কিছ্টা তো নতুন বটেই। আ ছাড়া, হবলীকেশ
ম্থাজির পরিচালনার গণে তো অস্বীকার
করা বার না। অবাশ্তবভার মধ্যেও রসস্টির ক্ষাভাতীর জাতে।

ছবির জারুত্র এখন राहिकारक নিরে যে সিনেমারই মেরে, মাটির জগতের নর। এবংগের তর্গী, রোজ গাঁতা পঠে করে, সংস্কৃত কাবাও সে অধারণ করেছে, এক কথায়, সংস্কৃত সাহিত্যই তার পাঠাবস্তু, रेंदरज़की वंकरक "हेरक्रम" ब "रेना" बाका कर কিছু জানে না। অংশত সে এ মাণেরই মেনে, জ্ঞানের দপ্তা কিংৰা সাহিতাপ্ৰীতি শাকলেও সে সংক্রেডের বাইরে কোন কিছা অধারন করতে ব্রুঝি নার্জে। অর্থাৎ নারিকা স্থাকে তৈরি করা হরেছে ভারতীয় নারীর वितंत्रका जान्दर्भन करिक। कान विश्व क्रांतरक तरमानात्र नरभा—स्य विस्तरकत स्त्रास्ट अन्धः वालको प्रकान स्थातहे बाब शबना। स्टामान वावा टकाब करन कारक विरन्न निरन्तरकन माधान সংখ্য। সে কোনালিন স্থানি মুখের দিকে टाकार्याम, भाषा शनाव स्वतहे स्टूरनरह। म अविन्तित मरवारे रत वर्षेत्व त्वाक बेन्डान পালি য় বার (আসলে বিলৈড বাৰার টাকার লোভেই লে বাবাস প্ৰশহৰে স্কৃতি



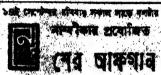
িরেছিল)। চিরকুটে লিখে বায়, বিবাহ-

এর পর স্থার জীবনে একের পর এক
নাটকীর পরিদিখতি। স্থা হরেছে স্বেমা—
তথাং পিতৃপ্রতিম অপ্রস্কাতার (অংশাককুমার) শিক্ষানীকার স্থা একেবারে
প্রোপ্রি আ্থানিকা স্বুমা হরে উঠেছে।
রমেশের থেছে স্থুমা গেছে লাভুনে।
স্বুমার র্পণগ্ণ দেখে তার প্রতি রমেশ প্রমার রাজনার অপেক্ষাতেই সেছিল।
তানের মিলন হরেছে অবশা দেশে কিরে।
স্থা তথা স্বুমার আ্রস্কাতা অভিভাবক সেরেছিলেন, রামশকে বাড়িতে এসে
স্থারকই গ্রহণ করতে হবে, স্থুমাকে নয়।
তার পরিকল্পনা অনুযারী হরেছেও তাই,
এর মধ্যে কিছাটো পাসপ্রেমান এর অন্যেজ্

স্থা ও স্বমা তথা নামিকার দ্ই র্প ও পরিচরের মধ্যে কোন বন্দ দেখা দিরেছে কি? সামান্য আভাস অবণা আছে কিব্দু সূর্পা চিতাপাদার মত স্বমাকে তো আর বিভাশিত হতে হর্নি তাই ধার-করা র্প ও গ্লে তার কাছে বোঝাও হরে ওঠেনি। বর্ণ্ড চি র কাছি নীর এই অংশে পিগ্রমালিয়ন-এর প্রভাব বেশী। আর ম্ল বন্দু বেটা—ঘাইরের আকর্ষণে তাড়িত নায়ক আর অবতরের সৌলদ্যে শিখ্ত নারকা এবং পরিধানে ক্রম্পের পথে বিভাশ্ত নায়কের প্রভাবতনি—গ্রশ-সাহিত্যের উপক্রপ ছিসাবে তাও বহু

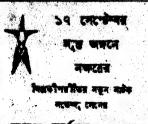
প্রনো। তব সাহিত্যে উপাদান কৈছ পরিমাণে ইত্তত ছবিতে ছডিবে ব্রেছে। হিন্দী ছবির কতবগালি সামালি নিত্র সেগালি নিয়লিত না হলে কিবা মেটো मारगत नामातरम्ब बन्छ ना दरत फेट्टन ছবির ঘটনাপ্ত **क्ट**कें। তনে হত না। তা ছাড়া বহুসংখ্যক দশকের মনোরঞ্জনের জন্য নাচ-গাল (প্রান লণ্ডন ও ফেনিভাতেও বাদ বামনি৷ এবং कार्णितक प्रतित क परेना मासाटक श्रासका তাই বহা জালে ছবিটি গতানগতিকভার অধীন, সাহিতোর উপাদান সভেও কাহিনী হরে উঠেছে অবিশ্বাসা। ভবে হ্রেটকেল হ খাজি ব পরিচালনা বে ভাতে কোন কোন भारतार्थं चित्र माता ना जारे मात्रमन औरम मित्सरक टा आशाह बरकाकि। केटमबरकार. টোনে নায়িকার দিতীয় বিরের সেট म्हान्त्रका एके सम्होत काकोति गर् नासिकात बटनाविष्णायम्। जानक द्या इति ए जाएक कामारह, अन्तर साहे, हाँदाविक উপভোগা। হিন্দী ছবির নির্মি**ত দশক্তক** "পাার कা সপনা" নতুন স্বাদ তো দেবেই। ইস্টমান কালারে বিদেশের বৃত্তিস'লাও कारकार एक का श्रहाह ।

অভিনরও সকলেরই ভারা। নরকন্টিরা বিশ্বজিং ও মালা সিংই: অলোককুমার, হেলেন নেতুন ধরনের চরিরে। বিভিন্ন প্রেক্ত প্রমুখ সকলেই স্থানর অভিনর করেকে। অনেক দিন পর ভানি ওলকার কর ভার লাগাবে। সংগতিপরিচলনা সংগ্রহম চিচ্চাপুতি—দুংগ্রহটি বার শ্রেক্তে ভারা।



ক্তিক্তির ১ খনিবলেশ ক্রমণান্যর নিউ ক্রম্যান্যর ৪ টিকিট প্রভার বাতে

(fr 4v85)



वय्रव कार्याय श्री

श्रीकाश्रीकांन नामका स्थान

(TH SHOW)

### बक्की व

১৯বে ও ২১বে মেণ্টো

বেন ক্যু

गन्धा वर्धन

**आ**सित

२००७ व्यक्त १६म अ(लस्त्र तजूत

२५८न टनरण्डे ०वेल

(দ্যমা

নাটক ও নিৰ্দেশনাঃ স্থানৰ কাহিড়ী কাইৰ আউল বিটোটার, নয়ানিল্লী চেনামহলের সৌজনো

(TR 9800)



ূ শীতাতন নির্মান্যত নাট্যলালা 1

मचन नाडेक।



অভিনৰ নাটকের জগুৰ' বুগালৰ ! প্ৰতি বৃহস্গতিবার ও গানিবার ও গাটার প্ৰতি ব্ৰিবার ও হাটির বিনার ০টা ও গাটার

> ह बठना ७ श्रीबठानमा ह रुप्तनाबादम प्रस्

॥ श्रामास्य ॥ स्रोत्रक कल्यामानामा, जलवा द्रवरी, ग्राह्मण्य इत्होलासास, ग्रह्मण इत्होलासास, ग्रीह्मणा नाम, त्रक्षित्र कहेल्यां, द्रवस्ता निवाम, गाम नासा, द्रवस्त्य, वस्तु, वानकी इत्होलासास, देनदान ग्रह्मण्यासास, गीका दर कान्, बल्यानासास



शानमण क्याची : बाटकण्डनाथ ७ कड्ना देवानि

#### জানমল মোডী

অসমভার কারা মোতী"-র পত্রপাতীরা সম্পর্ম করেছে তা পরিচালক এস ডি নরেং ভাল করেই জানেন, এক্ষরে অঘটন্যটন্পটীরসীর কুণ্ড হাডা সম্ভব নর। তা-ই ছবির শ্রেতেই মন্দিরে দুর্গ মাতার মাতি লেখনে হয়েছে, এবং মহামারার অনাগ্রহপ্রাথী গোকুল নামে বে वाक्टिक (नारिकात ठाकतमा) एमचाना इसार्क रम युष्य वदारम धेक धकवात सम्हात यांभ দিচ্ছে এবং জলের তলা থেকে সকল বিপদ তুক্ত করে আনমাল ফোডী নিরে ফিরে আসহে। ভূব্রি সম্প্রদারের নেতা গোকুল (জয়ণ্ড) সম্ভের নীক্তে গেলে আর ফিরবে ना এই আশम्बास क्यारे फारूस दर्शाहरून। তার অসুস্থতাও আগে দেখনো হারছে। বিশ্তু গোকুল দেবীর কুপার অবলীলার সময়েত্তল থেকে ফোডি কুড়িয়ে এনে बाजातान्ति कप्रकाक शराह । विभएनत धरे য'়কি তাকে নিতে হয়েছে তার নাতনি ब्र्भार (विक्छा) म्हभा क्रीमनात्रभक्त विकासक (জীতেশ্য) বিষেত্র অসম্ভব শত" পালনের क्षा । क्षामित्रकान् कामर्टन, क्राबर शक को **गर्ज १८३१ करक्या**रको चनन्दर। কিব্ৰু বৰ্ধন তা সম্প্ৰ হল তথ্য তিনি আৰ এক কৰি পাতলোন। বিব্ৰের দিন গোকুলের মোটি চুরি চল, প্রতিক্ষা আন্বামী কিবে মন বেশুলাতে লে ক্ষেত্র। মানের নাম তরসা করে সক্ষেত্র জালার বালি দিল গোকুল, এসং আবার মোজি বিব্লে বিকলা। লীতিকথা বাবভার মিলন চলা। পরে অবলা নীতিকথা বাবভার মিলন চলা। পরে অবলা নীতিকথা বাবভার মিলন চলা। পরে অবলা নীতিকথা বাবভার বিব্লুকার আছে। কুলের ও লোভী ক্ষান্যক্তর এই সভা মেনে নিমেকেন।

ভ নতেন প্রথম "আশ্চার ওয়াটার ছবি" चर्थार करनार **करनार परे**नारे रक्षी। **क**रवर পাঁতোলৰ এস ডি নামাং যদি একটি ৰাভাক্তি क्टब थाएका छाएक छात्र की। द्व-मूद श्वेता न्याल वर्गेरक काराक-स्थान, नाशक-गाशिकार প্রের্মাকরাল অথবা মেরের সংখ্যা মেরের ও পরেবের কপো পরেবের মারামারি কিংবা শেষ সময়ে অট্টোপাস বধের ভিতর দিরে ন যুকের বীরছ-সে-সব কিছুট জল কারণে-অকারণে ন হক-নাহিকা জলে ঝাঁপ দিয়েছে: অক্সিঞ্চেন্ত ব্যবস্থা ছাডাই ভারা ক'ল বছ কণ বারে বেডিয়েছে। কী দ্বাভাবিক আর কী অস্বাভাবিক, কী সম্ভব আর কী অসম্ভব ইজানি বিচারের কোন বালাই ব্যাপেননি পরিচালক। জলের ভলের ব্যাপার ভাই নিভ'লা 'সের' দেখাব র সাবোগ**ও পেরেছে**ন তিনি থাব।

তবে অস্বীকর করার উপার নেট আনমল মোতীর ভব,রিরা হত অসংধ্য বাপেরই সাধন করে থাকক আস্থান মুদ্রাধা সংধন পরিচালকেরই। "আন্ডার ওয়াটার" सारमान रहेकनिका**ल कक्ष** करतरगत रणकि।स्य ভাষ্যক করকে। ছা**ষ্ট্র** টেকনিবালে কঞ वाशास्त्र छाडे के उत्तरका कारभ्य कान व छित-সম্পাসকের কাজত বিস্মারকর। প্রথম এই, এত সৰ কৃতিৰ কিলেয় জন্ম? ক<sup>্</sup>হনী কি বিশ্বসামেপা হতে পদ্মত না? অনালিকে. ববিভাবে ভুব<sub>া</sub>রির কন্ম পেরে ওরা হরেছে (काल) यहन त्यस्य स्मक्ता कत्र कि? **क**हे রুপ, সফিস্টিকেশন, বৈশবাস (ভার গায়ে অংখ্নিকার ফুটেজ), কথা বজার ভাগা ও প্রেম নিবেদনের ধরন কি কখনও ছব্রি-कनात शरक बानानमहे ? जानक किहारे যুক্তিসংগত নর। তবে ভিন্নী চিত্রে এনটার-টেনমেনট' বলতে যা বোঝায় তা "অ'নমল মোতাঁ"-তে প্রচুর আছে। আর রুয়েছে স্মান্তর मृत्वत भान-दर**्षता कृष्टि ए**ष्टिकार्यन नश्गीक-भविष्ठात्मक स्रीय।

#### इनकिट्य "तक्षमा"

র্পদশীর বহুপঠিত রস্ক্রনা প্রত্যার গ্রেপ-সমগ্র"-র নারক রজনা হবিতে অ.অ-প্রকাশ করছেন। প্রকশ-সমগ্র"-র চিত্তবর্থ কিনেছেন সংগতিশিক্সী হালা বে। এটাই হবে তরি প্রথম চিত্রপ্রশাক্ষন।।

# ৳लि-15िश्रती

নেক দিন বংক আবার ছবিতে গান
গাইলায়", বললেন পাহ ড়ী সান্যাল,
গমানিকের (সভাজিৎ র.র) ছবি, জরণার
দিন রাতি।" উত্তমকুমারের বার্থ-ভে পার্টিতে
ভাচমনা কথাটা উঠল। গাত ও সেপ্টেমর উত্তমবার্র জলাদিন উপলক্ষে স্থিরা দেবী
ভার মহরা প্রীটের বাড়িতে এক রাজকীর
পাটার অহ্যোজন করেন। পার্টিতে একজন
পাহাড়বিবেকে গান করতে জন্রোধ করেন।
প্রস্থালয় পাহ ড়ীবাব্ ঐ কথা বললেন।
পাষ গান কোন ছবিতে গেরেছিলেন?"
জিল্পান্য করণাম। স্বভাবস্থাভ ভণ্গীতে
শ্রীসান্যাল জবাব দিলেন, "দ্র ছাই। সেকি
ভার মানে আছে?" প্রোধ হয় "বাপ্সাচন।"
মহতবা করলেন উত্তমক্ষার।

ছবিতে পাহাড়ী সান্যালের গাওয়া গান একন লোকের মাধ্যে মুখ্যে ফিরত। জনেক কাল উনি গান গাওয়া ছেড়ে নিয়ছেন। সম্প্রতি সভাজিংবাব্রে অনুরোধে আবার গান করলেন "অরপোর দিন রাতি"ভে। "কা গান?" জিল্লাসা করলাম। "অভুল গাস্তির "সে ভাকে আমারে...।" পাহাড়ী সান্যাল জানালেম, "কোন মন্ত্রসংগীতের সহার্থিতা ছাড়া স্রেফ খালি গলার গাইতে হাহছে।"

বাত দশটার পর প টি আনটেন্ড করাত এলেন তর্গুবনুমার ও স্বেতা চনট জানি, সরেতার কেদিন জন্মান্টমী উপলকে নটারে শো ছিল। শোরের পর পাটিতে শ্লানেন। তর্গ একে ভার দাদকে বললেন, 'ওঃ বীদি নই ভূট জনমছিলি'? শ্লীকুকের জন্মদিন। প্রায় জন্ম কিলা একেন জারেনা পরে। তখন চারমানিকাম খোলা হল। জসামা দেবী গান বরলেন। 'টোরগ্লীশের গাম। পর পর ভিন খনা গানের পর সকলে উন্তমন্মারকে গাইতে জন্মেরাশ করাকা। রাহির তৃত্তীর



শংগ্ৰেম বিষ্কাটণ ছবিদ্ধ একটি স্থান প্ৰছবৈদ্ধ আগ্ৰেম কৰে নাম ও জানা, ব্যাবাজিকৈ নিৰ্দেশ বিক্তেম পৰি চালক নিক্সান্ত্ৰদান

যামে উত্তম গাইলেন, "জামি জেনে শানে বিৰ করেছি পান।"

ডিলিইবিউটারদের অফিলে কত গ্লেই না হয়। ইস্ফাস্ট্রি বাবতীর মাধ্রেডক গ্ৰুপ হ্যামশাই এখানে শোনা ব্রা তিলকে তাল করে কর কথাই না অংকচিত হৰ। আলোচনাৰ ৰাখি নাডিও বছ অভিনব। সেদিন-**জনৈক ভিশিবিট**টবের र्वाक्टन राज मानीबनाम, क्रोनका नाविकाल হাতে কেন কম ছবি ভার করেপের কথা। क्षकल वन्द्रकान नादिकारि मास्डिक। দান্তিকতার প্রনেই নাকি এ নারিকাকে নিরে তেউ কাজ করতে চার না। "कित्य काल পেতে চলে বিচপীকে করে-বাইরে সর্বত অভিনয় করতে হবে। কাউকে ভালো না লগালৰ ভাৰ সংখ্যা হোল কৰা বলাভ হবে।" একজন দাৰি কর্তেন। অবাক ইরে বললাম, "অর্থাৎ একটা মুখোশ পরে চলাভ হবে বলছেন?" পরিবেশক মহোরর হেলে ভাবাব দিলেন, "হারী মাখোল। ভদুতার मार्श्य ।" "कह राजरे समाक माहिक ह राउ এখন অনেক क का" आतंककान मण्डवा কর্মজন ।

-- 455

কিশোরকুমারের তেম বিজ্ঞান্ত ।
কিশোরকুমার একটি বাংলা ছবি
প্রবেজনার লারিছ নিরেছেন। সংগীত
পরিচালনা এক চিতনাটা মানার কৃতিক্রও
ত'র। গত ৪ লেণ্টেন্ডর কালক ডার বিজ্ঞান্ত নির্মার
ক্রমার প্রথম কংলা ছবি প্রেম বিজ্ঞান্ত নির্মার
ক্রমার অপানা কেনা, ছব্লো বাংলা নার।
ক্রমার অপানা কেনা, ছব্লো বাংলা নার।
ক্রমার প্রথম বিশেষ, ছব্লো বাংলা নার।
ক্রমার প্রথম বিশেষ, ছব্লো বিশ্ব ক্রম্মার
ভবির প্রথম বিশেষ। ছবির বিশ্ব ক্রম্মার
ভবির প্রথম বিশেষ। ছবির বিশ্ব ক্রম্মার
ভবির প্রথম বিশেষ।

#### त्याच कारणा

পি এক ফিল্ডানের "মেন ক্রাক্তম" ছবিটিনী
প্রথম প্রবের শ্রিটিং শেব হরেছে। এথন
চলছে বহিন্দা গ্রহণের তোড়াজাড়।
নীহরেজন গ্রেভের কর্মিনী অক্সান্তর
ছবিটি পরিচালনা করছেম স্পাল ম্বাজাটী।
বিভিন্ন চরিত্রে লিগেপী : স্চিত্রা লেন,
বসত চৌধ্রী, ছারা দেবী, বিকাশ রার,
মলিনা দেবী, বনানী চৌধ্রী, স্বেতা
চাটাজাটী, শিশির মিন্ত, বেচু সিংহ, রবীন
ব্যানাজাটী, দীপিকা ব্যানাজাটী, অসীম
চলবভাটী প্রতিভাক প্রবিন্ত চট্টাপাজ্যর।

### रवाप्वाই विकिता

খোলকা কমিটির বিশেষ্ট প্রকাশিত হবর সংখ্যা সংখ্যা চলচ্চিত্র ক্যান্তর বিভিন্ন মহল থেকে বিভিন্ন সংক্রের গলেন উঠেছে। रक्रका महकता सम्बद्धी प्रक्रिये एन महत्व ক্টির শিক্ষর হয়, সহরাং প্রশার বেড धक्त केमत वर्ष थ स्थानमा भटन जनकात **उत्स्ता कल्पन कि निर्माण तरे क्रांस्टन।** একলে তো ফোলা কাছেন বে. "এবারে দেসরের কাঁচি ভে'তা হয়েছে আর काबादम्ब शास दक। काराम्भा रामाद्वस 'ফেল্সারের কার্টিড মোটেই তে'ড কর্মনি est असार कीं विस्तित बरतर स्टब्स करत **খেল্ডা** রিলেটে সভ দেখা ওপর ওপর উদ্দেশ্য দেখিয়ে ভেলের কেন্দ্র জারা नव रसाइव एक्क्स दर छ । क्षे न रह है क्षा अहाराम स्थाप हान्य ह राजाहा या **कारत** किए उनशास उन्हरू शहरा हो 'হাজানন বেধ, কথাউন্ত পেছতেও ক্রেস্ট্রের এ আয়া বাজে কানন ক্যান্তিক নাম-কল অভিনেত্ৰ কান্তালে বিচলেত। এই व्यक्तिका व्यक्तिका किर्देशका व्यक्तिका रत्मक प्रमेस क्षीरमञ्जू हेटसकर सम्म्बास एर्डोसम्ब सम्बे कन्नट प्रम गा। दन्न कर्मका भागका जीक्या जीक्या म् भाकी भावा प्रभावता विवास्थ सम्माधान किर्देशका कर मान कामका तर्म मान स्टब्स त्व त्थानमा क्रीयंतित बित्नार्गे शकानिक र साथ नेता जान अर्थ गणुन नोता निगर्यक्रम क्षा करें। यह महन गीत निगरोस्त्र माम नामांक रवीन प्रदेशकाः। वरित्रम कर्णमारन नाम क्या माम काक-क्या वह नन्तका वदर रयोन केरककाना स्थातक महस्त्र का करक प्राहेटकन, बाज कारमञ्जू गत्म कम अवर नाम दन्हें काबा कर मन्त्रक कर त्योग क्रेसकनात সিশ্ভি বেমে অধ-কছমীর চিকো কোঠার कोला म्यान्त रमध्यक्त। रहानेरमत धरे म्यान बक्तन करक महत्रवरानाह गाउ।

ক্রকজন নায়ক/নারিকা যারা ক্রিছিত. ভালের কামেলা অন্যক্ষম। ভালের কৈৰিক জীবনকপৰে বতই প্ৰশাস্তা मलाकाम शक्त थाक, कथात कथात वर्गापट ৰতই ককটেল শ্মতি'র আরোভাল হোক— ক্ষুন পাৰ্যালক ইমেজের প্রদান আনে তখন शाह मकरणह घटच्छे थे क्रक क्था, "श्रम छैन দেশকে বাসী হৈ জিস দেশ যে গণ্যা বহতী हाति।" मृख्यार यूबरकरे भारतका।

मुन्दे क्यारकरमञ्जू हादथ मृज्याचा रथामाना ক্রমিটির উদার বিহুপার্ট পাঠ করে সকচেরে दिना कामाञ्च रहात्सा, कवितन्त्रा-मानक-द्वाराजक श्रीक्राणक लाहा ही जारे अन জোহর। সিনের কাইদের খবর যাঁর। क्यातेकां के बादन कीता स्वाहे कारन स हिल्लाहर का किया का क्रूप्तन नाट्य अविधि



विनाको जिल्लाम "बहुन क्री" व्यवस्थ क्लाइ-क्रीनाड क्रांक निया मान्द्रक्ता

শত ফিল্ম ভুলতত শরে করেছেন কিছুদিন মবত। এই ছোট ছবিটির তৈরির কথা ব্রীক্ষোহর মঞ্জেত তেবেছিকেন ভারতীর সেল্যর পার্বাচির সংল্যা এক হতে লড়কর बना। अथन द्वीरकारखत अपन रहक व ভারতীয় সেকর যথে প্রপ্রদর্শ করল, সূত্রাং ভিকাই করার সেই চার্ম জার बर्धे (मा ना। स्मर्ट करान शिक्त रत नाकि रका रहान रहा राज राज्यन

সবল শ্মা

#### शामदब्ब सन्दर्भात कित्रश्रम्भानी व न जानाणा

बदाका भाग्धी धरः लाज्यक-धन প্রতিষ্ঠাতা করেদেশির বি গোসরেমের জন্মণতবৰ প্ৰতি উপলকে গঠ ৩ ट्या जेन्स क्लास्कान क्रक सन्त्रीन एक। তাতে দুটি অস্পট্রেম্বার চিত-'এম রজেনস অব গ্ৰেখী' (গাণ্ধীর আবিভাব) এবং 'দি लारनदास एन्डेरीक'-एनभारना दत्त।

দক্ষিণ আফ্রিকা থেকে ভ রতে আসমনের পর থেকে ১৯২১ সদ প্রতিত গাল্ধীভার

का की राजन विकास होता महिला कि कार THE PORTS FAILE IN THE AT THE बरायाचीत जनकर कातरहर न्यारीन्त्रा-कर्णकारका शाबकाति शाबना यात्र। अरेग्रेस करतेल मध्य निरंत क्योन्स्माम् । अस्थीकीत मन्त्रक स्थान क्षित्रं स्थान राज्य टटकानि कारटवर्त बर्डि-बार्फ्सक्नक्रभूटन करमकारि न्याननीत यहेगा अटल दासाह। उन ক্ষাকে, স্পরিচর্গলত এই ছবিটি দুশ্যকর समारक राज्य बारकार्थ जानकार करता मदासाचीय करिया । वामी मान्यक ভাতবার অবকংশও দের।

भीन लामरहा एकेडि"-एक लासरका-गरावाद विवाध छरभारनगर्यक श्रीराज्य **ররেছে। সেথানকার কমারি**র এবং ভাষের **अविकास की-धडाइन्स महायाग-महिर्धा**स क्रीरन নিৰ্বাহ করেন তাও দেখ*ন*া হয়েছে।

हिन्द्रकान हाइए "हन्डलिया" राज-मादी किया को जिसकात अस्पेत्र दिस्य आकर्षण। "ठण्डामिका" मन्भूण प्रसुन्ध হয়নি: হলেও কৃতি ছিল না। কলণ নতা-**ন্টোটি সকলেরই মন জ**য় করে। চিভাঁথর মুখেশধকে (আনন্দ), স্পীঙ্গ মন্তিক দেই-ওরাল্ম ও ছড়িওয়ালা), কুমকুম বাংলাপাধায় (প্রকৃতি), সেবা ভট্চম' (মলা) প্রমণ শিক্ষীরা দরদের সংখ্যা চন্ডালিকার গন হারন। আনক্ষর মাথে গান 'জল দাও' ছোতাদের অধিকট করে। নাচও খনে প্রশংসনীয় হয়। বিশেষ কৃতিঃ দেখিনভেন ফশিসতা চট্টোপাধ্যার (প্রকৃতি)। অন্যানাগে মধ্যে প্ৰক্মণি কৃতি (মারা), শুমিতকার (ন্<del>ট্ৰয়াজ্য়) ও পশ্সন,ডন থা</del>ছিপ চুড়ি-क्शामा) केट्यभ्यामा

"হ্যুক্ত ফ্লাড্রেড্র" সংগতি অনুষ্ঠানের স্টনা হয়: স্বাগতে ভাষণ দেন গ্রী এস পি গোলুরের। প্রধান অভিথিয় ভাষণে পরিচমবলের মধ্যেক্টা দ্রীবালয়-क्याद स्टबानभगम नान्दीकी ६ ज्याकीत कामरमात्र कथा तरमन।

### ब्रबीम् अपरन यावा

द्वीन्य जनन शक्तिनक নিছক ভাড়া দেওয়ার উদ্দেশ্যে রবীন্দ সদনকে বাবহার না করে লিকেপর বিভিন্ন অংপার মান উলয়নক্তেশ নতুন পরিকণপ্না शहस करतरहरू। आहे छे: नरणा हे जिल्ला क्रीता नारकाश्मय, मिन्द्रनाका छेश्मय, नजर्ज জন্মেংসৰ ও রবীন্দ্র জয়নতীর আরোজন क्रतिक्रांक्त । अवास्त क्रिमानी इरहाइन यावा छेश्मद्य ।

जानामी ३७ टमटच्छेन्यस त्यांक ३ जाहि।यस शबाक ১६ विमन्।। नी बाहा छेरमहन स्थान



रगानदारमञ्ज कर्कारम् 'कचारिका' ग्रामारोत अवेरि र स

मिक्कन बारमा मिरमंत्र ३७ वि विभिन्छे मन। হতে তর্ণ অপেরার छेश्मव भार "চিটলার" দিরে। তারপর ব্যারমে জনত। আপবার "ফাঁসীর মঞে". শ্রীরাধা নাটা रकाम्भागीत "भरधन रक्षाण". नवनक्षम चर्भनार "মাইকেল মধ্যুদন", নিউ প্রভাস অপেরার "বাব\_দ" সভাদ্বর অপেরার "দিণ্বিজয়" অন্বিকা নাটা কোম্পানীর "চম্চীতলার হলিব", নিউ আর্য অপেরার "নেতাজী সভাষ্ট্রন্দ্র", ভারতী অপেরার "মাতাঞ্লয়ী সূৰ সেন", মাধবী নাট্য কোম্পানীর "আগুন নিয়ে খেলা", সুশীল নাট্য কোম্পানীর "রকে রাভা হাস,লিভাভা", নিউ গণের অপেরার "মরেও বারা মরে না" বৈকণ্ঠ বাতা সমাজের "পতিঘাতিনী সতী". নিউ রয়েল বীণাপানি অপেরার "এক ট্রকরো রুটি", নাটা ভারতীর "আছেদালন". এবং শেষ দিনে নট কোম্পানীর "শ্রীরামকৃষ লাবদাম্বাণা ।

এক সাংবাদিক সংক্ষেলনে উপবোর তথ। জানালেন রবীন্দ্র সদন পরিচালক সমিতিব পক্ষ থেকে শ্রীচিকার চট্টোপাধারে. শ্রীস্থানী প্রধান, শ্রীনেপাল নাগ, শ্রীঘতী অমল শংকর, প্রমাধ।

### রবান্দ্রসংগীত, নত্য ও আলোচনা

#### স্ত্ৰপামাত্ৰ ৰাখিত উৎসৰ

বেং লা হল ভবিতের কেন্ত্র কথা নত্ত্বর তা হল ভবিতের কথা গানের একটি স্বিশাল উৎসা—ব্রাহ্ত সারোবর মধ্যে অনুষ্ঠিত স্রেগমার বাহিক অনুষ্ঠানে প্রাথ্ত স্রেগমার বাহিক অনুষ্ঠানে প্রাথ্ত কর্মান্তরের সময়োপরোগী ভাষণের অংভগতি উদ্ধৃত মহত্বালি বিশেষ তাংপ্যবিহা। অবশ্য তার এই সংক্ষিণ্ড ভাষণিটির পারে শ্রীশৈলভারঞ্জন মহাম্মানের স্বাথ্যি কেনো ইণিত ছিল না। রবীশানাথের গান তারা যৌবনে ধ্যমন শিথেছিলেন, ব্যানভাবে গানিবেশন কর্তেন, তার উল্লেখ করে ব্যাণ্ডিকে বিশাল ও অবিকৃত রাখনের সমস্যার প্রতিই তিনি গারা্ছ আরেংশ করেন।

ভাষণের পরে প্রকণায়ার খিলিপাব্দ রবীন্দ্রমণগতি-সহযোগে একটি বেষামন্ধলের অন্তান উপাহার দেন। গানে নীলিমা সেন এবং নতে প্রিয়া করিছে তাদের স্নাম জন্মারী দক্ষভারে পরিচর দেন। কিন্তু বেশ করেকটি ন্তাগতি, সম্ভবত কিছ্টা বেঝাপড়ার অভাবেই, সংগতি ছিল না বলে সমগ্রভাবে অনুষ্ঠানটি কেন রসোভীণ হতে গারে নি। স্রকণামার কাছে কিন্তু আরও উমত প্রাক্ষের অনুষ্ঠান প্রভাগিত ছিল।



পৰিব্য বস্ত্র পরিচালনার "দুটি মন"-এর দুটিং আরম্ভ হয়েছে—একটি দুশেও উত্তরকুলার ও স্পূপণ নেন

#### বৈত্যানিকের উৎসব

বৈতানিক এবারে ৩১ আগদট থেকে
পঞ্জ দিবসবাপে যে অনাড়বর উংস্বের
আয়োজন করেন তার দিত্রীয় দিনে স্বরলিপি
সংক্রত সমস্যা সমপ্রিতি একটি ম্লাবান
আলে চনাস্তা অন্তিত হয়। প্রীরাজোধ্বর
মিতের অন্প্রিপতিতে এই সভায
সভাপতিত্ব করেন প্রীসোমান্দ্রনাথ ঠাকুর এবং
বক্তা বিসেশ্ব উপস্থিত ছিলেন প্রীশাভ গাহু
ঠাকুরতা।

হতিন্দুনাথ ঠাকর, কাঙালীচরণ সেন পুমাধ স্বর্লিপিকারগুণ কর্ত্ত কৃত স্বর-লিপিসমাহোর হলচ্ছ পরিবর্তনের কঠোর সম কোচনা করে শ্রীসৌমোন্দ্রনাথ ঠাকর এর প্রতিবিধানের । সংকলপ शहरतत करा সংগতিভাবের ধ্বীদ্যানা হাগ্ৰী আইট্রান জানার শ্রীশ্ভ গ্রেঠাক্রতা বর্তমান অব্লৈপি-প্ৰতিব ক্ষেক্টি অপ্ৰতিব পুতি দুণিট আক্রমণ করে সভাপতির বস্তুবোর সমর্থন করেন। স্বর্জিপিতে উপ্যায় লয়-নিদেশের অভাব, আবার তাল-গানেও চার-মাতার वावधारत. ভালজাপক চিহ্ন বাবহার প্রভৃতি অসংগতির উল্লেখ করেও তিনি বলেন, সংগতি আসলে গুরুমুখী বিদ্যা-শ্বরলিপির সাহাংয প্রকৃত শিক্ষা সম্পূর্ণ হতে পারে না। প্রসংগত, সভার মধ্য থেকে 'ছিলপত ছন্দ প্রভৃতি সাহিতা-গ্রেম্থরও প্রনস্পাদনার অভিযোগ আসে এবং বিশ্বভারতীর কর্তপক্ষের এ জাতীয় ঔদাসীনা সম্পর্কে সভায় একটা ভীত্র অস্তেট্য শ্লীভূত इत्स क्रिक

আনন্দ্ৰধন

#### রাজধানীতে রপানী

বেনজা, আমেন ও এলেম নাতুন দেশে
নাটক তিনটি প্রয়োজনা করে রণগঞ্জী সংশ্থা
ইতিমধোই খাতি অজনি করেছেন। নরানির্দ্ধীর চেনামলাল নাটা সংশ্থার আমন্ত্রপে ও
উলোলো ১৯. ২০ ও ২১ সোপ্টেম্বর তিন
দিনব্যাপী নাটোগেদ্যর রংগগ্রী সংশ্থা ঐ
নাটকগালি মঞ্চপ্য করবেন প্রথানীয় ফাইন
আটাস হলো। নাটক, নির্দেশনা ও অভিনরে
আটাস হলো। নাটক, নির্দেশনা ও অভিনরে
আটাস হলো। নাটক, নির্দেশনা ও অভিনরে



#### ब्बीम्न महाबद्ध मन

५८१ ७ ५४**१ उन्हर्भ पर** अन्यत वर्षा

শতাব্দী-র নতুন নাউক

व्रवाश

রচনা ও নির্দেশ্না : **বাদল সরকার** টিকিট : ২., ৩, ৪, ৫, মধ্যমনা ও অভিনয়ের দিন হলে

(17-96 40)

#### তর্ণ অপেরা কর্তৃক

১৩ই সেপ্টেম্বর **মহাজাতি সমনে** সৌবীন চট্টোপাধ্যার-এর

### 'রাজা রামমোহন'

পরিচালনা—**ভদর বোদ** শ্রে:—**শান্তিগোপাল** তর্ব অপেরার ও মহাজ্যতি সকলে চিকিটা ৫৫-৭১২৬

(TE SAGE)

উহাস্থ প্নর্বাসন মন্দ্রী প্রীনিরঞ্জন সেনগ্রেণ্ডর পরলোকগমন আলোচা স্প্তাহের বিশেষ-ভাবে উল্লেখযোগ্য ঘটনা। প্রীসেনগ্র্ণত বেশ কিছ্বিন বাবত নানা রোগে ভূগছিলেন। গত সোমবার—১ সেপটেমবর তিনি রমক্ক মিশন সেবা প্রতিষ্ঠানে ভর্তি হন। ৪ সেপটেমবর বৃহস্পতিবার প্রতাবে তিনি উভ হাসপাতালেই শেষনিশ্বাস তাল করেন। মৃত্যুকালে তার

বরস হরেছিল ৬৫ বংসর। নিঃসন্তান শ্রীসেন কর্টী, ৮৪ বংসর বর্ষকা
ব্দা মাতা এবং জ্নানা বহু আত্মীরুদক্তন রেখে গিরেছেন। এই
দিনই সম্পার রাজ্মীর মর্যাদা সহকারে কেওজাতলা ম্মনানে তার
দেবকৃত্য সম্পার হর। বরিশাল জেলার ভার্কাটি গ্রমে ১৯০২ সালে
তার জন্ম হর। তারা ছিলেন ছ ভাই। ছারাক্ষাতেই তিনি বিখ্যাত
বিশাবী দব অনুশীলন সমিতির সংস্পর্শো আসেন। কলেজে
অধ্যয়নকালেই তার ও তার সহক্মীদের অক্লাত চেন্ট র বাংলা দেশে
প্রথম ছাত আন্দোলনের গোড়া পত্তন হয়। মেছুরাবাজার বোমার
মামলার ৭ বছর কারাদক্তে দন্ডিত হরে তিনি আন্দামানে প্রেরিত



ছন। তার প্রে তিনি করেক বছর বিনা বিচারে আটক ছিলেন। আদ্দামান ৭.১০।৫।
ডিনি কমিউনিসট মতবাদে বিশ্বাসী হন। ১৯০৮ সালে তিনি কমিউনিসট পার্টির সভ.পদ
লাভ করেন। ১৯৫৭ সাল থেকে তিনি আইনসভার সদস্য। কিছ্কাল তিনি কমিউনিসট
পার্টির মুখপত জনসংখ্র সুম্পাদক ছিলেন।

#### द्रमणी मध्याम

ি ৯ দেশক্ষেত্রত কলের পেকে প্রচিমবালর

০০টি কাপন্তের কলের ৫০ হাজার কমাঁ দশ
দ্যা দাবি আল্লেরর উল্দেশ্যে আনিদিপ্টকালের
কনা ধর্মপ্টি শারা করেন। বল্টালিভ
স্তাকলগ্রিক ধর্মপ্টের আপ্তা পেকে বাদ
দেপ্তর হর। এগালির সংখ্যা দশ-বার হাজার।
কলকাভার পোরসভার দেটার, গারেজ, লার
এবং জ্ঞাল বিভাগে চরম অবারপ্থার সেই
ইনিজ্পন সমানেই চলছে বলে ক্ষিশনার সহ
হনট নেতারা উদ্বিধন। বিভিন্ন স্ট্যানভিং
ক্ষিটির চেরারমানে, ক্রনটের প্রতি-গোম্পীর
নেজা একং ক্ষিশনারকে নিরে অবান্ধারির বে
বিশেষ বৈঠক কলে ভাতে এই অবন্ধার্যর পড়ে।
একনা বথাশীল্ল সম্বান্ধার সিভাগত হয়।

একনা বথাশীল্ল সম্বান্ধার সিভাগত হয়।

২ দেশটেশবর—যুব্ধনটের আজকের বৈঠকে
সি পি আই-এর কোন প্রতিনিধি যোগ দেননি।
ব্রাহনগরে স্থানীর নেতা শ্রীশিবপদ ভট্টাচাযের
উপদ আক্রমণের প্রতিবাদে সি পি আই-এর
ক্রান্তা-পরিবাদের সম্পাদকরণ্ডলী ওই সিদ্ধাত

দেশালের উত্তর সমিশত বরবের তারতের যে সাতেরটি বেতারখাটি আছে সেগ্রেলাকে আগামী বছরের শেষ নাগাদ সরিরে আনতে ভারত রাজি হরের, তার ওইনর খাটির ক্ষেকটি এ হছরের শেষ নাগাদই সরাতে হবে। তা ছাড়া নেপালে ভারতীর সামরিক সংযোগরকাকারী মিশাও ভারত বাটাত বাজি সামরিক সংযোগরকাকারী

তেপতে ক্রম্বর ক্রমনে প্রবের হাটনাকে কেন্দ্র
 করে ব্যক্তমনেট বে সংকট দেখা দিরেছে, সে
সম্পর্কে আরু একদিকে বেমন একটা মিটমাটের
চেন্টা হরেছে, জনাদিকে তেমনি সি পি আই

ভায় আরও করেকটি দল সি পি (এম)-এর
বির্ক্তম ''হামলাবাজি এবং দলীর স্বাধ্যে প্রিসা
ব্যবহারের অভিবোগ ভূলেছেন।''

ি স্পাপনে ইসপাত কারখানার কানেটিনে ভ্রা কুপনের মাধামে প্রার ৭ লক টাকা আআসনতের এক অভিযোগ সম্পক্তে কেন্দ্রীর গোরেল্য বিভাগ সি বি আই তদ্যত করছেন বলে জানা বার। কানেটিনে আরও নানাবিধ দুনীতির অভিযোগে দ'্জন গ্রেক্ডার হরেছে।

अ दलनरकेववत—स्थाअत्मान 'त्वकाती दलना'



নামে এক নতুন সেনা গঠন করা হচ্ছে। এই নতুন সেনা হবে বৈকার যাবকাদের বাহিনী। সংযুক্ত সমাজভাতী দলের ক্যাঁরি। এর সংগঠক। ২ অকটোরে থেকে বেকারী সংভাহ পালন করা হবে।

রাজ্য সরকাবের কর্যচারীদের ন্নাত্ম বেতন কত হবে এ নিয়ে বৈতন ক্ষিণানের স্বস্পানের মধ্য ছিমত দেখা দিয়েছে বলে বিশ্বস্তস্ত্র জানা গোল। ক্ষিণানের একদল স্বস্থা মানে করেন ন্নাত্ম বেতন ১৭৫ টাকা হওয়া উচিত। আর একদল মনে করেন ১৬০ টাকা হংলই হলে।

৫ দেশটেমবর—আজ বিকালে নারকেলতাংগার মোঘলবাগান রেল কোরারটারদ ও মাহেল বারিক লৈন এলাকার ডাকাতির বাংশারে দাদেবে চাতার পরারমান দাই বাজি এবং গোরেদদা প্রিদ্রানির মধ্যে মাহামহি গালি বিনিমর চলা পরারীর বিজ্ঞার রাই নামে একটি বোল বছারে বছলে মারা মারা বাহ্য প্রশাস সংগালী (ওরফে বাছ্যে টাইরক্ষার গাংশালী (ওরফে বার্যার বিজ্ঞার রাই নামে এক কার্যার বার্যার পরাক্ষার বার্যার ব

কেন্দ্ৰীয় সরকার ১৯৪৭-৪৮ সাল থেকে ১৯৬৭-৬৮ সাল পৰিচ্ছ দেশে প্যকানো সংপত্তি বা কলো টাকার গৈছি করতে গিরে ৪১১ কোটি ১৭ লক্ষ টাকা উদ্ধার করেছেন। একটি সরকারী রিপোরেট থেকে এই খবর জানা গিরেছে।

ও বেশক্টেবর্ক্ত—সোভিরেট প্রধানমন্ত্রী
শ্রীকোসিগন আন্ধ নরাদিল্ল বিমানবন্দরের
শেশাল লাউনরে বনে শ্রীগাখার সপ্ণে একঘণ্টা
আলোচনা করেন। এই বৈঠকে পাক-ভারত
শ্রুনর করে। বৈঠক শেবে শ্রীকোসিগন
সাংবাদিকদের কাছে বলেন : উভন্ন দেশের
সমস্যাবলী ও আশ্রুলাভিক বেসব বিষয় সারা
বিশ্বকে অবলাভিড করে ভুলেন্তে নেগর্ম্বার

নিবেও ভারা আলোচনা করে। তিনি বলন —ভারত সোভিয়েট মৈত্রী সম্পর্ককে আরও সংস্কৃত ও সংসংহত করে ভোলার জনা সোভিয়েট ইউনিয়ান বধাসাধা চেট্টা করে বাবেন।

আজ ধড়দহে সি পি আই ও সি পি আই (এম) সমর্থক দুশ্লল প্রমিকের মধ্যে প্রচন্ত সংঘর্ষ হয়। দু পক্ষের ৮ জন আহত হন। প্রতিস্থান পাঁচ রাউন্ড কলিনে গাসে বাবহার করে। বিরোধ বাধে ম্লত ওই কারখানার— ইন্ডিয়ান অকসিজেন মালিকপক্ষের সংগ্ আলোচনার প্রতিনিধিত করার দাবি নিছে।

 ব লেপটেম্বর—পশ্চিমবঙ্গ ও কলবাত পর্লেসে বছ বক্ষার রদবদল আসল। প্রশাসনিক বাংস্থা সাজানের জনাই এই বদ বদল হল হচ্ছে কলে নিভারবোগ্য মহল থেকে জনা বিষ্ফার।

আজ বিশেষ পারের গ্রাউন্তে এক বিশ্ব সমাবেশে সি পি আই এম মেতৃবৃদ্ধ বলে: কেবল ও পশ্চিমবন্ধে মথন মান্বের ভ্রমণ শ্বে হয়েছে সি পি আই সেই সময় যুক্তন ভাগার চেন্টা করছে। তারা আগ্রে দিয় হণলার বিহাকে সি পি আইকে হাশিয়ার করে বন।

#### विक्रमा प्रश्ताम

- ১ লেপতেনৰৰ—কবি ৪ কোনবার দুখিনে প্রিবীন দুখি বাজে সামরিক অভ্যান করি বিষয়েভ—ক্ষিণ আমেরিকার রাজিলে ৫ উন্ন আফ্রিকাব লিবিষয়ে ভল্ট শাসন কালেন কালেছে।
- ২ সেগটেমবর—ি বি সি-র সংবাদে রামা যাম, চানের নেতারা সোভিয়েট বানিয়া বিরাক্ষে এই রভিয়োগ এ নছেন যে রালির মার্কিন শাস্তব ভেরি সক্ষে যোগসঞ্জনে উর্ভ্রে ভিরেতনামের দেখীকে বাদচাল করে দিছে।
- ৩ দেশটেমবর— আল হামরের এক ইস্তরার বলা হয়, করেক সংতাহ ধরেই প্রেসিটেনট বো চি মিনের স্বাস্থ্য। ভালা হাছের না। বিশিষ্ট বিকিৎসাকের। সার্যাদন-বারি ধরে তাকে দেখা শোনা করতেন। প্রেসিটেনট হো চি মিন এই বছর ১৯ মে ৭৯ বংসারে পদার্পণ করেন।
- বেপতেইমার ভিরেতনামী করিউনিজনের

  প্রাণী ইন্দেটানের মাজি আগ্রেমালনের গ্রেমে
  নেতা প্রেমিডেনট হো চি মিন গারকাল ভাগেবি

  সময় রাত ৭টা ১৭ মিনিটে হুদ্রোগে আঞাত হয়ে প্রভাতবামন করেন।
- ৫ লেপটেল্মন্ত্র-উত্তর ভিরেত্রার সংগ্রেক্তির থেকে যে ছোষণা করা হারেছে ভাতে জানা বায়:—২৬ জনের একটি ক্রিটি দেশ চলাবেন এই ২৬ জনের প্রথম ১০ জনের ৬ জন মান হয় মসকো প্রথম ও ৪ জন পিকং ঘোষা।
- তেন্ত ক্রম্বর হানরে ৩০ তে তি নিমার দেবকতোর অনুষ্ঠান শারু হয়েছে। অগচ চ এন লাইয়ের নেতৃত্বে এই অনুষ্ঠানে যোগ দেওয়ার জন্য হে চীনা প্রতিনিধিদল হানরে গিয়েছেন ক্রমিদিনের নেতৃত্বে এক লোভিয়েট প্রতিনিধিদল হানরে গিয়েছেন। চীনা প্রধানমন্ত্রী সোজিবরৈ প্রধানমন্ত্রীর সঙ্গে সাক্ষবনার এড়াতে চান বলেই হয়ত সদলব্দ্ধ স্বব্দেশে পাড়ি দেব।
- ব লেপটেমবর—রাশিরা ব্যুগোশ্লাভিয়াকৈ তার সাবভাগত ও স্বাধীনতা রক্ষার প্রতিগ্রিভি দিরছে। গত বছর চেকোশেলাভানিরা অভ্যান করার প্রত্থেকে ব্যুগোশ্লাভিরা রাশিরার কছ থেকে এই আশ্বাস চেরে আসছিল।



বিষয়	লেখক		প্তা
শ্রীমতী গান্ধীর কলকা		•••	909
त्रमणींत्र जःवामकाव	<del>]</del> —	***	904
দ্শাপট—শ্রীনবার্ণ গ	<b>ে</b> প্ত	•••	905
रेवरमिकी-एमवताक		•••	985
न्नम्बद्ध कार्नान—		•••	980
ল্যাম্প্ন (কবিতা)—	গ্রীহরপ্রসাদ মিত্র	•••	986
ৰধাভূমির ছড়া (কবি আমি ভাতার গড়া মা	তা)—শ্ৰীপ্ৰণবেন্দ্দ্দাগন্প্ত দিৰুৰ (কবিতা)	•••	980
কোন দিন কেউ শর্ভা	—শ্রীশন্তি চট্টোপাধ্যার হীন (কবিতা)	•••	986
	—শ্রীমতী বিজয়া ম্থোপাধ্যার	***	98¢

### ছোটদের সেরা বই

भाभाव वह

সাড়ে-আট বছা: শিশ্ °পাপ্ত অবিসমরণীয় সাহিত্যকীতি। অতি মনোতম সংস্করণ। (৫-০০)

এক বে চিল শেষাল শিশ্পী প্রীপ্রভূল বন্দোপাধারের ছবি ও লেখার অরণের পশ্-পাথীদের জীবনবারার ছবি। (১-৫০)

रेषणाम् जावारी লাব দেৱ আবনবালার ভাষা । তেওঁ ক্রিকার ক্রেন্ড বর্ণালী ছবি। ভারত সরকার জ্বতি প্রপাসিত। (২০০০ ৩ ২০০০)

শ্যামলা-শীবিদ্ধ ঈশান-কোশে তঃ 'পশিকৃষণ দাশগ্ৰণেতর ছব্দে ও শ্রীস্থ' রারের ছবিতে জগর্প। (২-৫০)

हिन्द्र (प्रमा শ্ৰীবাদল সরকার রচিত ও চিচিত হোটবের বাঁধার বই। বাঙলার এমন বই প্রথম। [২-০০]

হোটদের বৌদ্ধসম্প 'স্পতা কর রচিত জীস্থ'রার চিহিড সেরা বৌশ-গদের সংকলন। : ১১-৫০ ট

विटक भूबिनी ১ (जाणिक ब्र्य) २ (अण्डल ब्र्य) শ্ৰীমনোমোহন চৰবতী' ৰচিত গ্ৰীপ্ৰভূল ৰন্দ্যোপাধাৰে চিৱিড দুই বুগের বঙীন ঠিয়ে সরল বিবরণ। প্রিভি ভাগ ১-২৫]

ग्रंग ग्रंग जावज जिल्ला ্ত্ৰীপূৰ্বি চক্তবৰ্তী বচিত ও চিচিত ভাৰতের বিলগনিদৰ্শনের ইতিহাল। বহু ছবি। বাঙগার অন্বিভীর বই। [৭-০০] পাসতভ ভালিভার জনা লিখনে

मिन्

সাহিত্য সংসদ প্রাঃ লিঃ

৩২এ আচাৰ' প্ৰকৃষ্ণচন্দ্ৰ হোড ৪৪ কলিকাডা ৯

ন্তন রূপে ন্তনত্ব পটভূমিতে আর একটি পর্য প্রকাশিত হইল। শ্রীসাবোধকুমার চলবভারি

# त्रभा विवीका

কৰ্ণাট পৰ ১০০০

উপনাদ-রসসিত এলপকাহিনী
এ হাড়া আমরা আরে: ১২টি
প্র প্রকাশ করিয়াছি।
শ্রুতন প্রকাশন

वाश्वाय विश्वववाम

সংশোধিত চতুথ সংস্করণ — ১০-০০ শ্রীনালনীকিশোর ফ্র প্রণীত

वाश्वा मश्नी एव क्रम

A-00

मक्सात तात প्रगोठ क्षां कि सामित

জ্ঞ গ*্।* জ্ঞা <sub>৭-৫০</sub> নিৰ্মালেশ, ৰাৰ্মোধ্ৰী গুণীত ভাৱতেৰ সি*শে*প ও

जाशांत कथा ३४:००

a. সি. গাঙ্গুলী প্রণীত

मारकात रुपा मान्यवन श्रवर्शनक व्हेस ।

**गत्रह**छ

€.00

শরংসাহিত্যবিষয়ক সমাধ্যোচনা গ্রন্থ তঃ সুবোধচনা সেনগড়ে

স্ব'স্তরের পাঠকপাঠিকাদের জন্য

শাশ্বত ভারত

দেবতার কথা : ঋষির কথা অস্বের কথা : উপদেবতার কথা শ্রীস্বোধকুমার চরবতী প্রণীত

ঐ একই লেখকের লেখা ছোটদের জনা ভারতের বিভিন্ন বাজা নিবে এক একখানি স্বরংসংস্থা ভ্রমণকাহিনী

वासारम्य रम्य

উড়িখা: অন্ধ: মহিন্ত্র দৰেল বাহৰ হইল ভামিলনাড়ু

প্ৰতি ৰ'ভ ম্লা ২.৫০

প্রকাশক: এ. সম্পাক্ষী ক্যাণ্ড কোং প্রাঃ বিং ২ বঞ্জিয় চ্যাটাক্ষী স্মীট, কলিকাডা-১২



वार्टे फिरवद फिब वाबाद ब्यथावि वाक्य काबव ७ वादणाबद्ध रात्र छैठेव !

# পণ্ডস-এর '৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা

আহাৰ কাৰ্যালৈ বিবৰ্ণ সুধ নিতে কি কাৰ কেবে পাজিনাৰ না, অৰচ চনীমেত্ব সংজ বিশেষ কিবাৰে বংগু চাৰ বাজি। তেবে কুল পাইনা, এবৰ সময় হুনীভাৱ কথা বংগু কেন্দ্ৰ কৰে। বিশেষ কৰিবলাৰ কথা বংগু কৰে। বং

धर वष्ठवं घठिए पित

#### পরিকল্পনা ৪ তার কাজ

এক সন্ধান থাবে রোজ রাজিরে একবার বাং, হ্ববার জাবে প্রকাশ ক্রেক্ত ক্রীর বাংগতে নাগলাম। অধ্যর কুলবজাব মহলা ও মেক-জাল উঠে গেল।

#### ভিত্যিকার ক্রাম লাগেনের সময়ই ফুটে উঠল রূপে :

্রেজীরবার মুধে ক্রীয় মাঞ্চায়—অগপন্যবেশার বেন গুর জাঙ্গা ( এই ক্রীয় ভারড়ার খুব জেতার লিভে এমন দর পুক্তমো নম্বলা বের ক'রে লিল, জনা ও দাবান বাছ নাগাল পঞ্চরা। সুমন্তি হ'বে উঠনা ক্ষমীয় উচ্ছল। ।

বিংশৰ স্থাটি আহায় স্বয়নীৰ হ'বে বইল--ক্তনীক কলন, আহার বুংবহ দিকে জ্বান বাকি পলক পঢ়ে বা !

প্ত হ কোজনীৰ জাৰি হোজ বাজে চুবাৰ নাবি।
আজ বাজ থেকেই পকু মু-এব ৭-লিনে কপনাবলোৰ
অভিকলন। কাজে লাগাৰ—আগবাৰ সুক্থানিক বংগ জিবে আকৰ্ব ছোৱন আৰু মধ্যমণ ভৱা হ



পত্রি কাল ক্রায় — পৃথিবীর এই মুখন্নী নির্মাবকারী ক্রায়ই কাটিভিডে সবার ওপরে

O



विवा जापन		र्की
শাল্ভিনিকেজনের হাওয়া এবং বিশ্বভারতীর ভবিষাৎ		
—श्रीयत्गाक त्रुष्ठ	***	989
चाम्राज्य मिक्रि-मन्नरवन्	***	RO?
कविषायनकृत	210	960
জীবন বে-রকর—শ্রীস্নীল গণ্গোপাধ্যায়	***	966
विन्यविद्यान-शीनमत्रिक् कत्र	***	445
भाषाभार्त स्थाभारतं न्यः म्राट्याभारतात्र	boq	999
गात्नद्र जानद्र-भाज (मय		944
বাংলার চালচিত্ত-শ্রীআবদ্দে কব্বার	4	947
ভাষেত্ৰিৰ ছে'ড়া পাড়া—ফাদার দ্যতিরেন	***	939
আৰ্থিক ভারত—শ্রীস্ত্রত গণ্ড	/	A02

facessus	त्यात्र सरे
श्रकाणिक रण	তৈলাকানাৰ হৰোপাধানের উপনাল
त्रम्बोक्द क्रावत	~
বিজ্ঞানাপ্তৰী রোমাঞ্চকর উপন্যাস	क्कावण • • •
তয়কর সেই মানুষটি	141101
0.56	আশ্বতের বন্দেরপাশারের উপনাস
প্রীকশক্তাকুরের প্রাচীন ভারতের গলপ	विकारनं ग्राज्यभ २.६०
	लाल्या कर्ज बस्ता क्ष्मान व्यक्तिकृष्टे २.६०
वर छात्रछ क्रक्छ। ०-००	শিবরাম চরুক্তীর গ্রন্থ-ক্রেন
र्वाञ्च्यक्ष्य क्रियोगायात्त्रत्र केलनाज	
जाननमञ्ज [व्हाउँदमत] २∙००	আমার ভাবুক শিকার
गीरमण्डलः इरहोभागारातः <b>काष्ट्रातः कीयम-कथा</b> २-२७	0.00
टारमा निवास केमसान क गाम	ट्टादबब शाहराब
	इक्ट्रबर्डि ७.००
बब्द्रभक्षी ७.००	সময় ভট্টাচাৰ্যের স্ফুটি বড় কল
बक्द्रबुशे • ००	नाविक राजभाइ ।
बक्रवंदी . • ००	সাগর রাজকল্যা ২-০০
शक्त जात शक्त २.२७	न्यन्तद्रकार जन्न-जनस्थान न्यन्तद्रकार
नदिक बाता जिल्लाहरू ७.००	कोकुक काहिनी २.४०
श्चामध्यत्र निष्याम २.२७	म्मीन सामात शरम-मरक्तम
गूनमधा बाब-वर्ड शन्म-अरक्सम	AKIN GRIDON
वाविषुविद्य (मर् • • • •	সম্পন্ধ ভারত
	[Sex 4.8 0.00 # [sept 4.8 0.00]
विरम्भवत नावेद्धानी आः निः	৭২ মহাখা গাছী রোভ ॥ কলিকাভা ১

कासानका सम्मानामा	FILE
<b>हाम्रागय</b>	₹0.00
অসবাশক্ষর রার	
क्षात कन	.00
जार्हे	
समानन क्रोध्दरी	8.00
णात्रज्यमं •	
वसाम गरन	ø.00
a.	
<b>এ</b> थनरे	R-00
স্কোৰ ম্বোপাধ্যার	_
नाबरमब छाटक	ां ब
	0.40
শিপ্ৰা দত্ত	
काराज्य गःगाव	
कारमञ्जूष्य भागवानि	4.00
আশহুচোৰ হুংখালাবা C \	
व्यादनात्र ठिका	ना
শ্বনীন্দ্রনাথ বলেয়াপাথ	8.40
बानम टेडबर	0.40
অপরিচিতের নাম	8-40
দীপক চৌধ্রী <b>ভেরাও</b>	
গোরীশক্ষর ভট্টাচার	€-00
মহাকাৰেয়ে প	
120000000000000000000000000000000000000	V-00
क्रवागम	••00
रमस्थिमभी	<b>♦</b> •00
প্ৰাশতোৰ ঘটক	
जिनभा त्राम्य	<b>&gt;</b> 2.00
সদ্য প্ৰকাশিত ২ৱ কনকুল	<b>*-00</b>
टमानामदमदबह म्यन्य	6.00
নারায়ণ প্রকাশকার	
होनाइ अन्य	6.40
ক্যোতরিক্স নক্ষী বস্তুত রঙীন	0.40
व्यागर्ग स्वी	Q.U
जनक्दि-छेडा	6.40
कि अन नारेदार	1
<b>८२ विवान जाली, कीलव</b>	161-0

# ENTE CHIPACITY I



প্রক্ষাত্র নতুন বিনাকা টিপ এমন একটি গোপন সম্প্রারণলীল উপাদান দিরে ভৈত্রী বা ইপপেটকে আপনার মুখের গুপু আনাচে কানাচে ছড়িরে দিরে সুকারিত জীবাধুর সাথে সংগ্রাম করে। কলে আপনার মুখের আদ্যু বজার প্রাকে—মুখ সারাদিন পরিস্কার ও ডাজা থাকে।

এমার আর্শনি নিজেই রেখতে গাড়েন। গ্যাখনেটারীয় গরীকা আল বার্টাকেই করে রেখুন।



time ente en pres este ente est este e este ente éste ente bon falles fre :



বিভাগে ট্রন সামার করে। বিভিন্নে তার এক কেটো কালে পারের করে। বাকুরার বেশুরা।



with the free, fam. by fo can abid relation by for the can alone on an fuga and the



चिताका डिथी... इत्त मूर्ग गतिकांत त्यान्य क्या।



	. *	_
		1.00
	0 0	
पत-गरेल-क्षेपणी	***	ROG
हित अन्य नी-हित्त दित	•••	477
প্রভাল ডঃ সৈয়দ মূলত্বা আলী	***	A20
MICHIGATE TO A STATE OF THE STA	***	429
সাহিত্য সংবাদ-স্নাতন পাঠক	***	A52
প্ৰেক পরিচয়—	•••	440
<b>टबनाव बाट्ड—ध</b> कनवा		450
वार्णानन्द्रेत्व बादैनकाम्न-भूकृत	***	RSA
बुक्क गर—	. 444	459
जनगरम्ब—	***	404
নাপ্তাহিক সংবাদ		404

প্রজন : শ্রীন্পেন সেন

শিষঠাকুরের পোষাপ্রের বেদ সব, নেশা-ভাজে টইটাম্র এল এল ভি, বারিজ্যানা, গাঁলা, ভাল, চরল আর চন্দু বেরাক টেনে-টনে সব প্রজাট !

আরেশ্বাস, কাতারে কাতারে বিলিভি ছিপি ব্বক-ব্ৰতী, এদেশে এসেছিক মহবি মহেল ইওগাঁর মন্দিকা হতে, দেৱের ম্লা তো কানাকড়ি, ফেলেদের গা-খালি পা-খালি, মেরেদের আদ্ভ গা নামাবলি বৃদ্ধি গলার কণ্ঠি, বাোম ভোলেনাখ, দেখে রঞ্জন মজ্মদার হেন ভিক্তমবাজ ছেলেরও চক্ষ্ভির, কালী-বেনারসে নাকি তার বিক্ম অভিজ্ঞতা হরেছে, আর লিখেছেও বটে, গোড়া শেড়ে টান মেরেছে বেন, কলে মার কৈলাস এফেই হরেছে, পড়ে রোমালিত হবেন কখনো, কখনো বেদনার ভক্ত।

বিশ্ববাউ-ভূলে হিপিবের নিরে বাংলা সাহিত্যে সর্বাপ্তথয

त्रक्षन यक्ष्यमात-अत्र

रिशि अञ्चा १००

। প্ৰকাশিত হল ॥

র্পরেখা ম ৭৩, মুহান্মা গান্ধী রোড, কলিকাতা—৯

The second of the second

(17 VCOb)

এই প্ৰিথটা একটা পাগলের কারখনাঃ ভাঃ সদারখনীর কর্ণানরী সাকেচ্রাবিতে বারা 'বোডার' তারা তাদের কঞ্জন? বাইরে বারা ব্রে বেড়ার, ডাঃ সদারখনীর ক্লিটতে, তাদের অধিকাশেই 'আয়ব্নরবারণ')

# তাজের

অনেকে জীবনের ব্ণিপাকে
ব্রতে ব্রতে তার উদ্মাদআপ্রমের উপক্লে এসে
ভিড্তেছে। তিনি পরম
দেনহে এবং প্রপ্রের
ভালের সব কথা
দ্নোছেন। শ্নেছেন
এবং ব্রেছেন তাদের
অস্বাভাবিক তারণ।

# স্ব পন

नातात्रण मानग्रम १ कडे हेवा वर १

'ভারের স্থান क्वन भूषल-म्यार् भाकाशास्त्र न्वन्तरे नह धकारमय वर् माकाशानिव छ স্বান। সেই স্ব স্বান ম্মতার व्यक्षंत्र क्वीवनक छेत्न निस्त গেছে এক দিগতত থেকে অন্য দিগতে — প্রস্কার-বিজয়ী লেখক নারায়ণ সান্যাল সব সময়ই নতুন-নতুন বিবয়ের সন্ধানী। 'दिक्ष' इन्यनास्यत অন্তরাল থেকে বেরিয়ে এসে নারারণ সান্যাল এবার নতুন কাহিনী শানিয়ে ছেন তার পাঠকদের তার তাজের **স্ব**ংগ

> ৰবীন্দ্ৰ লাইৱেরী কলিকাতা ১২

# व्यक्तात ? 'अठाद्मिने'त व्याला स्कल (मः 🗔 ।





ই।ছাজ 'এম' — সের। বেখেড শার্টিং

do in the month of any ton war in the



এমধ্রেম —চমংকার বুশ-শার্চী:

ভিত্তাভ্বা নালকান। মুখ্য ব্লেণ্ডেড শার্ডিং ও বুশা-শার্ডিং বিনীয় রক্ষারী বৃশ-লাজি সক্ষতে কড কথাই ভো আমার কাতে পারভার। কিন্তু ভার চেবে ভাস আপনার নিজের পারৰ করে দেবা।

বিশ্ব কাল্যু কিলে কেনুন। বুণ-লাই তৈনী করিবে
পালে বেপুন। কেনতে পালেন পালিকেন্টার কাইবারে আর হুডোর কেনন নিযুক্তি বিশা কেকেছে। ব্যৱপার গুলাবার ঐ কাল্যুই নিজ্যো কথা বিজে কাবে। ঐবাবেই ব্যোধিনীর কাল্যুক্ত বাহানুষ্টা।



वानवात ज्ञानक्ष्य विदेश वानक कर् रहारिक क्षिक्रिक्ट नावेनपुरुक कारन्य

बिद्धाः— वहनिय अवि भोगतास्य सा त्याजाय होत्। অগদ্রণ আকর্ষণ অগৱণ নেচুত্তি कृष्टि कान्यक । त्मकर्त्व PER IN SUPPRISON FOR

আপনার জন্য বাড়ির সকলের জন্য

> ब्रिजीतिशा शित अज्ञास्कर्ष



## প্ৰকাশিত হল



माञ ४.00

বিভানি ক্ষা ও স্বাধানতার পরবতী বছরগালিতে নাগরিক বার্রালী জীবনে ব ভিশ্তাধারার বেমন পরিবর্তান ঘটেছে, ব্রুদেব বস্ত এই উপনাচেস ভারই আক্রেম্ব अ'रक्ट्म । विकार्तन केन्क्र्सन, वितर्वगृति शानवन्त, बर्ग्सागृति शब्द क ट्रवस्तात । छेन्नारमञ्ज अथम । विकीत बटकत मत्या मन वक्तत वातथान कारक के मन बक्तत প্রতিটি চরিত্র তাদের নিজ নিজ শ্বভাবের সপো সংগতি স্কেখে বেভাবে বগলে পেছে. লেখক আঁত নিশাণভাবে তা ক্রিয়ে ভূলেছেন।

বিশ্তু শ্বে আলেখা নর বইণিতে একটি গভীর ও প্রকল বরবাও আছে। শ্বে পরিবতনি নয় - সব পরিবতনের অন্তরালে একটি স্থির কেন্দ্রিকর কেবছের मन्धान । टमरे टक्फ्रिनिम्य -- लाभक टराध इस तमट्ट हान -- मान्द्वत इतित, कात

## बान्धरम्ब वनात्र

আধ্রনিকতম উপন্যাস

প্রেম বা প্রেমের আকাংকা, অনা কোনও মানুষের সংগ্য তার একাছবোধ। अकाक्ट्रांस प्रद प्रमार कार्य मा. व्यथिकारण क्लिट्टरे स्थानी दस मा. उद् स्मानका कारकारि भाराप्टांत बनारे मासक-माहिका छाएनत क्षीयम माधीक यान मानाह । ज्याद তাই তাদের ও পাশ্ব'চরিত্রগ্নির সব বার্থাতা, বেদনা ও আর্থাধকার যেন এক জয়ল करानात न्नारम भिन्ध हरत थर्छ: चारस्त प्रथा मिरा व ब्राम्स देनतामायिकछ श्राप्टेरकता নিজেদের আর একটা নিবিড্ভাবে উপলব্ধি করতে পারবেন, তাদের মনে ববে স্ব याद्याक विम् • क्ला ७ व्यक्ति• इत्हा भटकु छोड यान् द्वार कीवन मानायान।

अहे रमध्यक समामा यह

কলকাতার ইলেক ট্রা ও সতাসন্ধ ৫-০০ গোলাপ কেন কালো ৫-০০ তমি কেমন আছো ৬.০০ পাতাল থেকে আলাপ ৫.০০ তপদ্বী ও তর্রঙ্গণী ৩.০০ কালসধন ৩.০০

জ্যোতিরিন্দ্র নন্দীর

বিমল করের

প্রেমের চেয়ে বড

केननाम ॥ सम ५६.००

अकमा क्याभाय

मरकन-धन

डेभनाम <u>॥ माम ४-००</u> রহসা-উপন্যাস 🏿 দাম ৬:০০

मरनाक वम् व

প্রোমক त्रवर्ग अन्छा टवाट्याम्य সেত্ৰণ্ধ

উপন্যাস ৷ দাম ৬-০০ উপন্যাস ৷ ধাম ১২-০০ উপন্যাস ৷৷ দাম ৪-০০ উপন্যাস ৷৷ ধাম ৩-০০ গৌরকিশোর ঘোষের ञ्जाण गर्भाभाशास्त्रत

সাগিনা মাহাতো লোকটা অরণ্যের দিনরাত্রি আত্মপ্রকাশ

क्षण-अश्क्षान ॥ मात्र ८:००

**উপন্যাস ॥ मात्र ०.००** 

• भाग श्राम 8·00

क्रमनाात्र ॥ शाम ७.००

कालक है-धन

मभरतम दम्ब

**म्बोकाद्या** ख কোথায় পাৰো তাৰে প্ৰজাপাত

**ह्यन-डे**शनाम ॥ मात्र ३०.००

উপন্যাস ॥ সাম ৩.০০

**উপন্যাস ॥ गाम ०**-००

প্রেমেন্দ্র মিত্রের

मार्याथ ब्लाटवर

প্রতিধনান ফেরে আগ্ৰা যখন চলমল

वक्ताल्य ॥ मात्र 8.00

**উপन्छात्र ॥ माम ६**.००

উপন্যাস ৷৷ দাম ৩-০০ উপন্যাস ৷৷ দাম ৮-০০



প্রার্থিক পার্বলিশাস প্রার্থ লিমিটেড ক্রিম-কেন্তঃ ১৭এ মহাজা লালী রেড। ছলিকাতা ১ कांकिन इ व क्रियामीन नाम दसम। कांनाः 🔊 ॥ दकाम ०८-४५८५

#### ৰাংকা ভাষার স্ব'বিক প্রচারিত এক্ষাত প্রথম শ্রেপীর সাগ্রাহিক

## (फिट्या

06 44 | Stall 54

#### লম্পানক শ্রীজনোককুমার সরকার সংবাদ সম্পাদক

সংব্যুদ্ধ সম্পাদক শ্রীসাগরমন্ত্র ভোব

ক্ষ্যাধিকাটী ও প্রিচালক অন্নাম্বালার পরিকা প্রথা নিচ ৮ প্রথান সরকার ক্ষ্যিটা, করিকাটো ৯ থেকে শ্রীলীকাংলাকুমার মালগণেও কর্মি মান্তিত ও প্রকাশিত

> টোলকোন ২০-২২৮০ ২০-৮৫৪১

#### হাদাৰ বায় কলিকাডার

বাহিক \_\_ ২৫-০০ বাহিক \_\_ ২২-০০ তৈমানিক \_\_ ৬-২১

#### **BISCS**

বাহিন সভাক \_ 00 00 বাহাসিক \_ \_ 36.00 বৈহাসিক \_ \_ 8.00

#### পাকিস্তানে

(ভারতীয় মুদ্রার)
বাহ্মির সভাক ..... ৩০-০০
বাহ্মানক ...... ১৫-৭০
বৈদ্যানক ..... ৮-০০

#### कारकर गाहित्व (काराक शहर )

#### कानाम कथरन (रिमान करक)

বাৰিক \_\_\_ 0৯-00 বাৰানিক \_\_\_ ১৯-৫০ হাৰানিক \_\_\_ ১০-০০

দাৰ ৫০ পালনা উভাগৰ ও আনহাত্ত্ব অভিনিত্ত বিদান মাদলে ও পালনা

#### DESH

Saturday 20 Sept. 1969.

#### শ্ৰীমতী গাড়ীর কলকাতা সকর

বানমন্ত্রী শ্রীমতী ইন্সিরা গান্ধী তাঁর কলকাতা সকর শেষ করে কৈরে সেইম।

এই সম্বর্গক কেন্দ্র গুকসমস্য রাজ। কংগ্রেসের রাজনীতিতে যে রক্ম কট

গানিরে উঠেছিল তাতে আশব্দা হরেছিল শেষ পর্যন্ত না প্রধানমন্ত্রীর সকর

সামানকভাবে ব্যতিল হরে মার। তা অবশা হর নি, কোনো রক্মে একটা মিটমাট

করে নিরে প্রধানমন্ত্রীর সম্বর্গক নির্বিদ্যে করা গিরেছে। কিন্তু পশ্চিমবন্ধ কংগ্রেসের

অভর্ষান্দ্র গ্রুট গিরেছে গ্রমন মনে করাও ভূল। অপোতদ্যাতিতে বে বোরা

পড়া দেখা মান্তে—সে-রক্ম বোরাপড়া আছু কংগ্রেসের ওপর মহলেও। একে বছার্থভাবে মিলন বলা যার বলে মনে হর না।

রাশ্বীপতি নির্বাচনের পর শ্রীমতী গাণ্ধী এবং তাঁর অন্পামীর কিছ্টা উৎকুর। কিন্তু এই খ্লির ভাব বজার রেখে নিশ্চিতে বসে থাকতেও তাঁপের সাহস হর না। কেননা অন্য পক্ষ সক্তির নর এমন কোনো কথা নেই। আক্রেই, শ্রীমতী গান্ধী ও তাঁর সমর্থনকারীরা চান—বে স্বোগ তাঁগের হাতে এসেছে তার পূর্ণ সন্ধাবহার। সে চেন্টা প্রেই শ্রে হেন্তে এবং ইন্দিরাজীর কলকাতা সক্তরতে সেদিক থেকে বিচার করাই ভাল।

একথা ঠিক, কংগ্রেসকে রাজনৈতিক দল হিসেবে আনার প্রোনো গৌরবে প্রতিষ্ঠা করতে হলে তার প্রের্জীবন দরকার। এটা আদপেই সম্ভব কিনা সে প্রদা আলাদা, তবে কংগ্রেস নিশ্চর সেংচেষ্টা করতে পারে—এবং বদি তা করে তার মধ্যে নিশ্দনীর কিছু নেই। শ্রীমতী গাখার সাম্প্রতিক কথাবাতী থেকে বেশ বোঝা বার, এ-বিষয়ে তীর আগ্রহ দেখা দিয়েছে।

কলকাতার শ্রীমতী গাণ্ধী অনেকগালি সভা সমাবেলে বোগদান করেছেন।
প্রতিতি সভাতেই তিনি যা বোঝাতে বা বলতে চেনেছেন তার মন হল—কংগ্রেমের
কিছা হাটিবিচুতি নিংসন্দেহে ঘটেছে, আর এর ফলে জনগণ থেকে কংগ্রেম
কিছাটা বিচ্ছিল্ল হরে পানেছে। এখন কংগ্রেম চেন্টা করে সেই হাটি দাধেরে নিছে।
বাংক জাতীরকরণ তারই অনাতম একটি ছোট পদক্রেপ মাত। কংগ্রেমের আসক
লক্ষ্য গণতান্তিক সমাজতক্ত প্রতিষ্ঠা। প্রধানমন্ত্রী বলেছেন, সামাজিক স্থাবিচারের
সপ্রে সামজসা রোধ এদেশের অর্থনৈতিক উল্লাভি হণ্ডরা প্রব্রোজন। এর জনো শ্রেমীসংগ্রামে কংগ্রেম বিশ্বাসী নয়: অহিংসার পথে, গণতান্তিক পছতিতে, বহুসংখ্যক
লোকের সমর্থনে এই আধর্ম সমাজ করা যেতে পারে। দাবিদ্রা রাভারাতি দ্বে করা
বাং না, এক একটি স্কুট্র অর্থনৈতিক প্রক্রেপ ন্বারা ক্রমণ তা দ্বে করা বরকার।

শ্রীনাতী গাণধীর বক্তনা এমন কিছা জড়িল নর বা নতুন নর বে, ইতিপ্রের তা শোলা বায় নি। বলি ধরে নেওয়া বায় তিনি এই পথেই কংগ্রেসকে আবার জন্মনামে প্রতিষ্ঠা করার চেন্টা করছেন তবে জামারা তরি সহিক্ষার প্রশাসা করতে পারি, তাঁর উন্যামর সাফলা কামনাও করতে পারি।

বিক এই মৃহতে আরও একটি বাল্ল প্রশন ররেছে এবং সেটি পশ্চিমবাল করেছে সম্পর্কে। আনারও না আছে এমন নার, তবে পশ্চিমবাল খ্বই প্রকটা পশিচ্যবালে কংগ্রেমের পারের মাটি কমলই এমন আলগা হরে এমেছে বে, একে আবার শ্বন্ধ মাটিতে দাঁল করানো কন্টসাধা। এই মৃহতে বিদি সে চেন্টা দার্য্ধ করা না বার্ম্ব তবে পরিগাম কী হবে কম্পনা করা দাঃসাধা নার। মনে হর, শ্রীমতাী ইন্দিরা গাছাকৈ কলবাতার এনে অততে কংগ্রেমের কিছু নেতা সেরকম একটি চেন্টা করেছে চেরেছেন। কর্মকাতার শ্রীমতাী গান্ধী যেরকম বিপ্রা সংবর্ধনা শেরেছেন—কিবো বিগেড পারেছে গ্রাউন্ভের সভার বে বিশাল জনতা দেখা গিরেছে ভাতে পশিচ্যবন্ধ করেলে কিছুটা লাভ্যবান হরেছেন। নিতাশত কৌত্রল ছাড়া বান্ধি মানুৰের মনে আবার কংগ্রেম সম্পর্কে সামানা মার উৎসাহ দেখা দিয়ে থাকে তবে ভাও শ্ব্রুছ লক্ষণ। এখন প্রন্দ হল, নলীয় রাজনীতির লাভ-কতির হিসেব ক্লে পশিচ্যবন্ধ করেছেন। এবং উপনেতারা কি সতিই একর হতে পারবেন? ভান্ধের ক্লাক্ষান্দেশ গোলে তারেই নিশ্চিত হতে পারা বার। শ্রীমতী ইন্দিরা সাম্বার ক্লাক্ষান্ত করে নেশিক হতে পারা বার। শ্রীমতী ইন্দিরা সাম্বার ক্লাক্ষান্ত করে নেশিক হতে পারা বার। শ্রীমতী ইন্দিরা সাম্বার ক্লাক্ষান্ত করে নেশিক হতে পারা বার।

ব্যানার কৃপার ব্যাৎক জাতীয়করণবশ্পী ব্যানাত লাভ করে পশ্চিমবংগরে ছন্তভাগ ও ভানহাদর কংগ্রেসীগণ দেবীর আবাহনের নিমিত মহোংসাহে আবার মিলিত इरमम । किन्छु शहरेवग्रामा एनदी आकासमात মহাম-ডপে পৌরোহিতা করার অধিকারী হ্ৰ—প্ৰদেশ কংগ্ৰেস সভাপতি : অথবা ক্রমের করেনের নতুনদার মনোনীত কেউ-এই প্রশেষ প্রেরার গাহয়াখ্য অনিবার্ষ হরে উঠল। ব্যুধান দুই পক্ষের তাপ উত্তাপ নিনাৰ নিৰ্বোধে জল স্থল অত্তরীক শ্রিত क्टब क्रिन।

এই অবস্থায় একদিন সাভিসয় বিভাগত ক্ষেক্জন কংগ্রেসী নতুনদার ভবনে গ্রুন করলেন। গিয়ে দেখেন একজন গৃহভূতা নতজান, হয়ে নতুনদার পাদ্কাহ্গলে পালিশ লাগিয়ে অয়নার ন্যায় ককঝাক করে ভল্ছে। আর নতুনদা একদল দশ্নিপ্রাথীকে কংগ্ৰেকের সমাজতাশ্যিক নহীতি বিশেলবণ कत्रक्त।

নতুনদা বললেন, সমাজবাদের মুমার্থ আমানের সমাক হাদয়ংগম করতে হবে। ভারতবর্ষ আৰু মুণ্টিমের সূর্বিধাভোগী এবং অগণিত বণিত—এই দুই শিবিরে বিভর। এক দল প্ৰভু আর অনা দল ভূতা। গেত্তভাটি এবার নিবিষ্টাচত্তে নতুনদার স্চিত্রণ शहेनामा शिला कडाङ नाशन I) करणान প্রধানমন্ত্রীর বলিন্ট নেত্রে আরু যে সমারু-ভাল্ডিক কর্মসূচী গ্রহণ করেছেন তাকে রূপ भिर**ं भवाल मानार मानार ध**रे विख्न ষ্ট্রে। অভএব কায়মনোবাকো আমাদের এখন প্রধানমন্ত্রীকে অনুসরণ করতে হবে। এর জনা চাই নতুন তাণ, নতুন রক, নতুন ইমেজ।

सन्तर्भक्ष करतानी : दर ग्राह्म, दर प्राप्तक-বাহ্-উদর-নেত-শ'লা অনণ্ডর্প, ভোষাকে সবল দেখাছ। কখনও দেখাছ তুমি ক্ষবহারকীবীর্পে স্বিধাড়োগী কারেমী-স্বাধের স্বাধ্যক্ষার জন্য হিললি দ্বাল ছাটে বেড়াছ, কখনও দেখাছ সমাজবাদের ক্মাস্টো নিরে নতুন ধনারে আ্মাদের ভাসিরে দিতে চাইছ। ভূমি কংগ্রেসের উক্সীবন চাইছ, আবার কংগ্রেস সভাপতির निर्मण क्रकारत छेड़िता मिक्। एर प्रदे ভোমাকে সবঁত দেখছি, কিন্তু ভোমার অন্ত মধা বা আদি দেখতে পাছি না। তোমার অজন ম্খসকল দেখে দিক জানতে পারছি না। তোমার আদিশ্বরূপ প্রকাশ কর।

নভুনদা: আমাতে চিত অপণি কর, আমার ভঙ ও উপাসক হও, আমি ডোমার মোহ পরিভালা **अदिश्वा**ग् বিনাশ করব। बाह्यकः नतनः हक। धरतमात, जिल्लिके-क्वालात्मव मन्त्रद न एका मा। कलड हैटाक ভাল নর। ভাই তো দেবী অবাধনার্থ বিশেষ (Marie शांक्निटक स्त्र महाबदका चन्कान



কর্মি তার চিসীমানার সিম্ভিকেটপন্থীদের বে'ৰতে দিকি না। ওদের দেডা অভ্না रवावटक कामनावर्षे कामाव मा। श्रातम करणान সভাপতিকেও প্রথমে আমার বণাভা স্থীকার করতে হবে, ভবে ভাকে এই বঞ্জে পৌরোহিতোর অধিকার দেওরা ছবে।

অনুগত করেল: বাজুপতি, ক্ট-ব্ৰাণ্ডতে এ মহীমণ্ডলে ভূমিই ভোমার তলনা। আমরা অতি মুদেছি। মহতের রীতি নীতি স্বিশেষ জানি না। হ্তরাজা ফিরে পেলেই আমরা ভুক্ট। দাদা, আমাদের শচ্ব কে, মিচই বা কে? সিনাডকেট অথবা यु मुक्ते ?

নভমৰা : ৩হে, শন্ত, নিত্ৰ ভেলাভেদ তত্ত্ব নিতাত্তই অংশক্তিক। উল্লেখ্য সিম্মিট প্রব। হত্রাজা ফিরে পাওরাই আন্নাদের উদ্দেশ।। অতএব এইটেই ছবে। যে পথে যে বিষ্যু সেই আমানের শতা, বে সহায়ক সেই আমানের মিত। অতএব কৃতনিক্ষর হরে গাতে**শস** 

অন্যত কলেনী: মহাভাগ, বিলিত এই বে, পিতামহ এবং অতুলা বোৰই আপনার এই নব উবানের সহারক। ভাই আপনার পক্ষে তাদের পথে বসানো কি এক অনুচিত নজিৰ স্থি কৰৰে না? প্ৰদেশ কংগ্ৰেল সভাপতি মলেজেন, কোনও करशामीह करगारमञ्जू मधानवामी कर्म-**अ**्ठीत विरतायौ नन। **अवह जा**शदा जाता-দের ইমেজ উপ্সরুল করার জন্ম আরেক দল কংগ্ৰেদীর ভাৰম্তি এই বলে মদীলিণ্ড করছি বে, ভারা সমাজভত্তের অভরোর। माना, अत्भ जिल्लाहतम कि जन्दिहरू नद ?

मकूननाः श्रद्ध, बाबनीष्टिक कर्न मान्त प्रवे करत श्रापदाशास कड़ा बाह रहा। ध यह गांव ঠাই। সভ্য বলাই ধর্মসপাত, সভা অংশকা त्मण्डे कि**ष्ट्र स्मष्टे, ४.७ डिक: किण्डु का**मारव বে, সভ্যান্সারে করের অনুষ্ঠান উচিত किमा का न्यत क्या त्यूहा स्थात विधार সভাতুলা হিতৰত সেৰাচন জিব্যাই বলা फेंडिट। मनाहरू व्यक्ता स्वात्वत कावम्हीर्च আৰু কৃষকালাঁতে প্ৰ'ৰসিত। অভএব वर्मा थटम त ভোমরা এবন यश्त्र. দিকে বৃণিষ্ট না দিয়ে জাজের উপায় পিবন कर। ट्राइटाई जाबारना नाम बना देविए काल करन ।

THE RES PER SELECTION OF THE PERSON OF THE P

E COMMENT OF THE STATE OF

क्रिकार काम क्य क्यामा. वाक्स भावा। একসল ক্ষ্মী' গৃহবু-খ নিবারণের জন্য शासाभरवगरम शामकारंग केनाक। रापनीस অকালবোধনের জারোজন প্রস্তৃত, কিন্তু এড हुए जरम्था द्वातल इस्त छेटेस्ड स्ट, जन्देशनरे दृषि भण्ड इत।

শিতামহের ককে প্রবেশ করে মতুদ্ধা ट्रम्थरमन, अक्सम करद्वानकारी महारकानाहरम ব্যাপ্ত। পিতাহত জারাহকেদারার সহাসীন।

भिकास रकारमन, रकामाहरम कर्ममणे হর, ভোমরা শাশ্ত হরে ঐকা স্থাপনের উপার বার কর। নতুবা আমাদের বিনাশ का अवार्य ।

প্রবীণ কংগ্রেলীঃ পিডারহ, কিলে আয়াদের খ্যুত হবে সেই চিস্তা কর্ম। এখন वस्ता आभारमंत्र कर्णवा की?

शिकासकः त्या आवाधनात महावास পৌরোহিতা করার বৈ প্রথা আছে, এ ক্ষেত্রেও ভাই বক্ষিত হবে। প্রবেশ কংগ্রেস সভাপতিই द्रभोदताञ्चितः कत्रद्रकः।

ন্ত্ৰদাঃ বিষ্টু তিনি তে প্ৰধানমূলী সম্প্রে তার কট্রি প্রভাষারে সন্মত

পিডালছ: বংস, ভোমার ভারাণ্যতি স্থা এবং স্থালব্ডিং লাপাধর ফিছের কুপরামাল মতিক্ষা হয়েছা তুমি ধৰাকে সরা আধান कत्रकः। अकार्याकः क्रियोग्ने क्रेका अन्यास्तर পর এসব অবাদতের প্রথম উত্থাপন করে ব্যথাই ভব্য ছোবা করছ: তেমের অভিযাস প্রচুর, তোহার অভিনাব উক্ত, কিন্তু দলের প্রতি চেমার আন্কাষ্ট সংশ্বরহিত নয়। প্রদেশ কংক্রেস সভাপতির উপর টেকা মারা তোমার কর্মানর। তাঁকে দৈবরতে আহন্নত জানিকে তুমি মাখতাই প্ৰকাশ করেছ। তুমি রাছার न्साव याथाहे छन्तरक शाम कबरक छावेक। রাহাল্যানে চন্দ্রকে প্রতাপছীন হতে কে করে

मकूमना रकार्य एकः विश्वातिकः करत বল্লেন, ব্ৰেশ্ব বচন লোনা উচ্চিত, ভিচ্ছ অভিহ,দেশর নর, ভারা বালকের সভাম। क्षीन क्षीविष्ठ शाक्टर जामि जन्छ शाम क्षर

পিডাৰতঃ অৰ্থাচীন, ও সমলে আমানের মধ্যে তেল হওয়া অন্ত্তিত, ভাই ভূমি টিভে রইলে। ভূমি বনি আমানের পরামশ প্রহণ না কর, তবে আহি আর কোমও বাংশালেই মেই। এই আমার প্রতিকান।

অতঃপর শিতামহের এই ভীষণ প্রতিকার কথা কংগ্ৰেসমন্তৰ ৰটে বাওয়ার পর একন हान मूर्णि हम् त्व, सङ्गमा **भूगंडरन्त** बीह्याटक मानदत वसन करत मिल्लाम । अवर कार्यक कमरमंत्र और केन्द्रमा निरमा ह প্ৰতিখ-অসিপ্তিত সমান হয়ে কল কল'---कारामिक की बाज बार्मिशन क्यारे व मुस्ट

ক্ষা বলে, দেবী বীদ বোজার আনেল ভারতো ফল হর হচভাগ। দে বংগে এরোপোন হিল না, স্পোকরমে দেবীর আগমন ঘটলে ফল কী হতে গারে লালে ভাও লোখা নেই। কিন্তু এবার পণিচমবংগা দেখা গিরেছে, দেবীর অর্থাণ প্রধানমণ্ডীর বিহানে আগমনের নটি ফল "হচভগা"।

আমি বলছি না, পশ্চিমবাপা ছর্ভাপা ইলেছে। এ কেন্তে শুখু বংগ্রেস দল সন্পর্কে কথাটা প্রবাজা—ইন্দিরা দেবীর আগমনের কলে হর্তভাগ হরেছে কংগ্রেস দল। রাজীপতি নির্বাচন নিকে সর্বভারতীর বংগ্রেসের সপো পশ্চিমবাপা কংগ্রেসেও বিক্রের দেখা বিরেছিল। কিন্তু এবারের মত্র ক্যাড়া সেবারও হর্তন। পশ্চিমবাপা প্রবাজ কংগ্রেসে এত কলাহ, এত বিব্রুতির লাড়াই, এত পারদ্পরিক দোলারোপ হ্লাফিল তার কানও হরেছে বলে তামার অন্তত মনে হর্ত্ত

দেবীর প্রদান সংলা সলো ব সে বিরোধ সিটে সিরেছে তেমনও নর। বরং নতুন পর্বার কলছে। প্রের্ হছে। প্রদেশ করেছে প্রায়র বিরোধ দেশ পর্যাত কোথার গিরে লাভাবে এখনও কেউই তা জানেন না। লাপক কি সম্মান্ত সমরে নাম্বেন? প্রতাপ্রবাব্দা কি সিম্মান্তির তেমনও বির্দেশ প্রদেশ করেছে। কি সিম্মান্তির কোনও বার্ম্মান নিতে এগোরেন? না, প্রশামর্থির বার্মান বার্মান স্বাম্বিরাট কানও বার্মান স্বাম্বিরাট কানও বার্মান স্বাম্বিরাট কানত বার্মান স্বাম্বিরাট কানত করেছের স্বাম্বিরাট কারের বার্মান স্বাম্বিরাট কার্মান করেছের স্বাম্বিরাট প্রবাহন বার্মান করেছের না

শী আমি আমেও হা বলেছি, এখনও তাই
বলাছ—কংগ্রেমের ভেতরে বে লড়াই চলাছে, সেটা আললোর সংখাত নত, নৈতৃত্বের লড়াই। পশ্চিমবলো কংগ্রেম নেতৃত্বের এবারের কগড়া আবার সেই বছবারেই সমর্থান জানাল।

কী নিমে এবারের বগড়টো হল ? কোনও আদর্শ নিমে? না। বগড়া হল্যে জনসভার সভালভিছ নিমে, অভুলাবার সভার উসম্বিভি প্রসংলা। এর সংলা নীতি

শ্বন আন্ধান ক বিলয়েন তে স্থানিল সরবারের ইভিহাসের গ্রুপস্কপ ২-৭০ রণ্টুর ডাইরী ১-৮০

শরং বুক হাউদ ১৮বি, নামানন দে পাঁটি, বাদনক-১২

(M-8064)

NAMAR

বা আন্দেরে বোগাবোগ কোষার ?
প্রথম বিরেশটা কদি বা মিটল, দিবতীর
কগড়াটা কিন্তু থেকেই গোল। প্রাক্তার সেন সিখ্যাথাবাব্যকে সে চিঠি নিয়েছেন তার
বেল এখনও চর্চছে। স্বর্গন অতিক্রম করে,
প্রথম কংগ্রেম তব্য ভিন্সিরে এখন সে
বিরেশ গিয়ে পোছিছে কেলার জ্বেলার
কংগ্রেমীদের মধ্যা।

সভাপতিকে কলভাটা কেন্দ্ৰ ছেলে-शनायी विश क्रमाहाड चल्नावाद्ड উপস্থিতিত বিজেষ্টাও তেম্বি ছেলে-श्रुडाभवाद, श्रुएम क्राम्य সভাপতি ধাকতে পারকো, কিন্ত পশ্চিম-হাজ কলোসী জনসভার তিনি সভাপতিছ कतात भावारम मा! जल्लावार क्वार्जाकर কমিটির সন্মা থাকতে পরেবেন, কিন্তু कार्यात्रत काका कममञ्जूष शास कार्य द्वार পাংকেন না! কোনও সংস্থ রাজনৈতিক দলে এমন বণাড়া কেট কৰন কৰণনাও করতে भारत ता। विरुद्ध कराइट्स अपन क्लाना হয়: হলে এবং আরও হবেঃ করেণ कार्यात्मक त्याचा । अथन चार त्राच्य त्यादे : eকীয় ক্ষমতা সকলের কগড়ার তাঁরা মানসিক ভারসামার হারিরে কেলেছেন।

कर्फ, क्याकाकाडि क्षेत्र मा कराएम, दौर সাজাভাবে প্ৰবানমন্ত্ৰীৰ কৰ্মসাচী হচিত হ'ড, ভাহতে কিন্ত জীয়তী গাল্ধীর এই পশ্চিম-বংগা প্ৰমণ্যক তাঁৱা ভালভাবেই কাকে লাগানত পারতেন। তারা কারও বহা জনসভা করতে भावत्कात, महाक त्व महाम महाम उपरामका जामहा श्यानप्रकृति महण्य कृत्यत्व अक्को दर्गमकट्य বৈঠকের ব্যবস্থা করতে পারতেন, দলীয় रिमिक मरवानमहीं भूनाक्षकरणव वाभारत প্রধানমন্ত্রীর সালে স্বাই মিলে ক্যা বলাও পারতেন: বিশ্বু সে পথে বেউ গোলেন माः क्षिट् यानगातीत्वः किष्ट् जारेन-জীবীকে, বাশ্চবাসী সাজিয়ে কিছু বাশ্চর शामिकतक, खद्दान हिन्दानीमद्दान व्यनाम क्रमान्द्र धन्तर विभिन्धे मार्चातक विभी किन्द्र कीना *ज्यान-क्षानाहरू* असामजन्तीय अस्पादर रक्टक करन कराजनरक रव कार्डाः भूमद्राष्ट्रीयक कहा एका वा भगकाण्यक

नवास्तांतरकं केंग्रेडी जीगरेड रेनजेस शासन दन रक्तक प्रान्तक।

বাপালা দেশে আর বাই হোক শার্ম্ম করিছ ভিত্তিক দল যে পরি অর্জান করতে।
পারে না, এটা রাজ্যের কংগ্রেস নেতাবের পরিকার বোকা উচিত! প্রীলতী সম্পী বে বারিগতভাবে বর্তামান ভারতের অন্য সকল কংগ্রেস নেতার চেবে অনেক বেশী কর্মানিক ভাতে আমার কেনও সংক্রেই নেই। কিন্তু লা্য্যু প্রীলতী গাম্পীকে দেখিবে পশ্চিকবলের রাজ্যানিতিক দল হবে না। বিব নেতারে বা নেতাবের বাজ্যিত পশ্বনারিটির উপর পশ্চিমবলের বাজ্যিত পশ্বনারিটির উপর পশ্চিমবলের বাজ্যেত পশ্বনারিটির উপর পশ্চিমবলের বাজ্যেত পশ্বনারিটির উপর ভাততার এ রাজ্যে দি আই (এর) এক পরিশালী হতে পারতে না।

এখনে বলের পরিবৃশ্বি করতে ইলে প্রথমেই চাই একটি পরিকালী আবদ্ধিক স্বাধারটোগী কমাবিহিনী বাঁরা প্রবাদ বিরোধী রাজনৈতিক বলের বিশ্বা ক্ষানি বাহিনীর বাংগা সমানতালে রাজনৈতিক লড়াইরে ক্ষমতে পারবেন।



१व वर्ष : भ्रा मरबा '46 800 भारा, 60 वस कारक

৪টি উপন্যাস নজেলন কিছ, জলা-প্ৰা দেবী, ছালনজেৰ চটো-পাৰ্যৰ, স্নীল কলোপকাৰ

প্রকণ, ফিচ্বে, রুম্বেটনা বনক্ন, প্রেক্তে বিভ, বিভূতিভূবন ম্বোগালার, প্রকিল্ কলোপানার, জালতাকুমার বেনন্ত, নামারণ কপোন প্রমান, স্বোগ বোগ, বিজন কিন, প্রবোগ সামান, বৈবজালক ম্বোগালার, জোডিবিল্ড লক্ষ্য, বিষয়ের ক্রম্ভার্টি, জাভা প্রকর্মানী প্রমাণ

নালো, বাদের ৪০ কন বিরুদ্ধিপরিছ ছবিসহ ফ্রেন্সিক জীবনের গোপন কাছিলী, ক্রিক্রনা : ফোন — স্টুডিও রিপেটো নাম—০-৭৫ এ সভাক ৪-৭৫ র সচিত শ্রীক্রমী/২১, ওলটোলা, স্টাট, কলি-১ ফোন : ২০-৪৬২০ য় পোর বন্ধ—২৯০৬

(\$4 M290)

শিশুনিত চাই পরিক্ষার আদশ—বে আন্দেশ সাধারণ মান্বের কল্যাণ হবে। মান্বেকে বোঝান চাই, হ্যা, কংগ্রেসীরা এই আদশেশ নিক্টাবনে, তারা সতিটে এই পথে এগোডে চাম। শ্বে কথার ক্লেক্রিতে এ রাজের লোক ভোলানো বাবে না।

ভূতীরভ চাই, সভিশালী প্রচারকর। মিজুল পর্যুগতিকা প্রতিকা ছাড়া এ বংগে কোনও সভিজারের রাজনৈতিক বল চলতে পারে না। বাবসারী সংবাদপতে নেভার বা নেভারের বছুভা বা ছবি ছাপলেই বে বলের ভালো ইড্রে পারে না পশ্চিমবশ্যের কংগ্রেস নেভারা কি এখনও ভা বোকেন নি?

চাই নিশ্চরই আরও অমেক কিছ; কিণ্টু এই তিমটি জিনিস সবার আগে প্রয়োজন। কংগ্রেসের দেতারা বলি এখনও বল গড়ার কাছে হাত না দেন, যদি গুনু আছকনত হ মন্ত থাকেন, তবে হয়ত কিছুদিনের মধ্যেই দেখতে গাবেন— স্বোগ আর দেই, কথ্যা করতে করতেই সকলে গায়াপ্রাণ্ড হরেকেন।

তথ্য দিলি থেকে ত্ৰীয়তী গাশ্বী বা ত্ৰীনিকলিগাংশাৰে তেকে এনেও আৰ বঁটা

নবার প গতে

# এই ঢা-ই আমি ঢাই

## निপট्रस्तत तिष्ठक रयसन तथ रजसनि चाम





বিচকু আপনার বলের সন্ত চা। বেষণ রং টেমনৈ খান। একা একা কিংবা বস্থবার্ত্ত নিক্তে—অধনই খাবেন তথনই যকা। এক পাকেট বিচকুতে গাবেন কাশের পর জাপ, কাশের পর কাল আচের চা।

LIPTON

Arodin Sultab State St.

LAC-MARK!

সে পরের কথা পরে ছবে। গ্রীভার ম'দ্যসভার বনবদল নিয়ে আপ্যান্তত কেউ विकास प्राप्ता चापात्तक साथ तुमात्त्वत प्राप्ता-বংশ: এখন দুই সামাব্যসী প্রধানমান্ত্রীর इक्षेप देवकेक निरुक्त बालान-बाह्नाहमा ক্ষতে সময়ত ভারা নেহাত কম নেনান। কৈসিলিন এসেছিলেন পিকিংর সকলে এগাবোটা নাগাদ আর দেশে পাড়ি দিয়েছেন বিকেল সাড়ে ভিনাটোর। ভারতেল সাড়ে চার শালির মতে সময় তালের হাতে ভিল। তে সময়ট ভারি চ্ছা আর মারা লেনিনের নাম প্রকরে কটান নি কিংবা ছোলগালে করেও নগট করেননি। ভরে জনে। হানের श्रीक शास्त्रा सम्बाद साम सामा भागाने পিকিং ছাট্ৰেন কেন কেট্সলিন আৰু সৰ काञ रक्तन ६ अन सार्दे हे ना चार्छ जामानन কেন শহর থেকে মাউল দলেক ন্তুর বিভান सम्भाति है की देशांकाल प्राप्ता क्षीक छाउनक प्रज মার্মাণি পাকারা জা হাজেন ন হয় কল ছিল। বিশ্ব বছর দলক ছে: জ্বান্তর अभागको आह्मानुबद्धाक्षकः sta series ম্ভেপটে না করে। **কল**ল্ডন কৰে না। গোডার গোডার তব ভো ছিল সংভা मास्ति। त्यांन बार्ड स्थाप नाजा काराय রীতিমতে তাত বৃষ্ধ দ্লেশের সীমান্ত क्याकात। का द्वान ?

এই তা হলের জবাব শালিছেন দুমিরার সংবাদ লিকারীরা দেশে দেশে। এ ব্যালারে



मिववास

क्या निक्षे खक्या निकास अपसा प्रधान তফাত নেই। বলে-চীন খেউড বতই জন্ম উঠাছল তথ্য থালাতে ভলমল চাজল ชร์หยมใ (SHSTER) farms are আয়েরিকা। ভানের রাম হাজুল বাডের শতা বাজি বাজে মারু রাজ ভল্লাক লাল চীনের *ভাগনকে* পাতি কেলে: ভারপর বখন পারে হালা জোটু একটা ব্যাপ নিহর উদ্ধি নদীর মোহনার লড়ই ৩খন कांप्रधा कावाकारहरू बातवा कावा बाज-চীন দৈবকৰ জামই প্ৰেডেৰ হাত প্ৰভাৱে। দেখা গোলো সে জন্মান ফিছেনেছ। অভ্নে करात दिशाला साम-जिल्लाहर मौजारण सा ও এলাকাৰ একটি বিলেম ব্যৱ্ত আছে লংল চীনের কাছে, কেন না ভাদের পারমার্গাবক প্রবীক্ষা নির্বীক্ষা চল্লাভ এই অপ্ৰান্তই ওখানেই ভাবের পার্যাগনিক অপ্রশাসের ছাটি। অভএব অনেকের সংস্থ হলে: বুলিয়া চাইছে সে ছাটি নদ্ট করে িতে। তীনেবৰ বোৰ চৰ সেই ভ্ৰা ভাষা সংবিদ্যাং কৰলে আছও সৈনাসায়ত নিছে তো গোছই, শোনা বান্ধে, পারমার্গবর্ক প্ৰতিকা কেন্দু আৰু বাটি ভারা সহিত্য নিক্লে বুল সমিনত খেতে বুরে হিমালারের ওপর তিবলতে।

ব্ৰণিয়া আৰু চীনের লাখা বল্ল বকাচৰ क्षको मजदे स बधाउ हत्ता क्ष्मका भाषाका तथात्वार देशमार श्व साहाह। ভাদের ধারণা চীনের ওপর বর্লালয়া এমন চটেকে যে ভাবে শিক্ষা না দিয়ে ছাভাব না। স্ দেশের মধ্যে হেলকক ব্রে*চ*ন লড়াই চালছে ভাতে আতি বড় কম্বাচনট বিবেধী দেশও লক্ষ্য পঢ়েছ। বেন্ত সংক্ষর কলাই ভাতে ভো নেই ই ান ট্র कार्य के के किली । अस्ताहा कार्मिक ব্লাগিনৰ লোধনবাদীশেষ 報告者 מות מיתפים היצום ותודה ביצטעות किया सामान्त्र सामा सामा सरपार्थे सामान करात शासकास्य विद्यासक साम्यामकार গোপন থকা নাকি এই, ধ্লাকৈ চীনের বিবাসেধ অভিযান চালাবাত জানং টেবা হাক্ষ পিকিংটোর বেয়াদরি ভারা আর সহা করতে নারাজ। গ্রীনাদ পারহাপরিক প্রতি ভেত্তে এমনভাবে জারা উড়িব সিতৃত চাই বাতে কোনৰ দিন চীনারা আৰু মাখা क्रमात क अस्ति।

T ground refrance forferres fast জানতে বাকী নেই। কাজেই ভাৰা**ও** ভৈৰী হতে নিজেদের হর সামলাকার আর হান বচিবের জানা। ভাবে রাল মাণার বে চীনে গদার চেবে অনেক বেশী ভারী আৰ পের ভাতে ভল নেই। সভিটে বালীয়া যদি চীনের ওপর চামলা করে আরু লোক-লক্তর ভর হাঁস তাদের না প্রতে ভারতো भरामा फाएँदे कार्य इत्त शील। भारतानीवक অস্ত চালৈত্ত লু চাবটে আছে ৰাট্ৰেল্ড বুলা অন্তের কড়ে সেলালা তো কেহাত हराजा। काकडे हाम-जीव सहाडे बारान দেওঁ হ'বে সমানে সমান বাশ্ধ নর প্রবাজর সংক্রি মুবালের। আরু **প্রবল এবানে** রুলিয়া, প্রাঞ্জিনেস্কেরে চীনঃ ভার চীন কাব্রালন বল হনাব জী ? হণ্ট লড় ইতে বুলিফা জিত্ত চলিত্ত দক্ষা অভাত रक्षा काक्ष भारतक मा⊤ कीहमक भारक मांटक ছাটি হ'লে কংগত বালীকা হহাত। প্ৰাৰ্ বিষয় কাছবিবাহ কান্ত? ও বিশেষ এবকার ৰে আন্তৰ কালাছ ভাৰ আছু ভেকে ভা ভেট व्याव (क(६ १०५०) दश मा। आएएटे राण-চীন ভাতিক বিবেল্ডের **ফরলালা ভো** ভার राभाक्तक हार भारतात् का हा शामान আগনে একবার ভারালে কোনও দিনট নিক্ৰে না।

হত্তো এট কলা মান কাবট ব্রুসিংগ্র ertreimenn frieren mie ein nem আলাপ আলেচনা শ্বাত চু এন লাই कार्यास कारम निर्देश में अर्थान अवस्थार বে করেছে ব্যালিকান উত্তর ভিয়েতনাম, एक द्वारम काराज्यका देव**्य अव**नी शासक (मार्वे हैं यह क्या : किंग्रहें हम हैरहें क হয়নৈ এমন কথাও লোক কৰে বলা কৰ না। কিছা যে হালাভ ধাইকৈ তাৰ কোন**ও** भुकाक सरका हाई। किल्डाबरेख (काम हर्षाक्रम रहमादे प्रमाक मार्ग्स्ट । किन्द् ित प्रश्ने करने कार गाउँ क्रथान हर कथा বাল্ডেন তাই বা বাঁক্ষ কথা? বিভাটা द्यमाहरू प्रमुख जिल्हा वा इन्तर हेन्द्रेफ हाहा करेड किंकां है एक एरहा हरका ब्रहाब मोलारेक के पाउँ काल सका इक्ट्रां কোষণাম ভাৰ ভাৰ গাড় বাড় মা কাৰ স্পাট্যস্থাটা বালাছম গাঁম**র চাল** বা काया क्षांच्या होत है जान का जन्म दर्भनका । इत्राप्ता हु इस नाईस ग्रहास संक्षा क्योंस एत स दशकारेकारि शासा देशान की विकास दर्शन राज्य हेमानीह मारामार पास इस दरादांक 6लाक कराई বাজালালিক আছিলহান আৰু ভাতৰত ভিজ তে ভাষের মধ্যে ক্রেছে। ক্রম্যনিক্রাম স্থা দেশই হয়ে সমান বিশ্বকো: কালেই ভানেক মধ্যে এই কালেটৰ প্ৰভ একট আপদ চওৱা काक्यात क्यूक्टर नह बागरे हान स्टब्स

# उपानितित्र अवपान कर "अग्राम वग्र"

# উদ্যম আর উৎসাহের সর্কোন্তম প্রতীক



কে এই বিষয়েশ্য বছাঁ। বাল্যকী জানা ।

আৰু উৎসাহের অনিস্থাতি—কান্তান ।

আন এলাকটিন বা আন্দর্শনাত কান্তান ।

প্রান্ধর উৎসাহের আন্দর্শনাত কান্তান ।

প্রান্ধর উৎসাহের আন্দর্শনাত কান্তান ।

উল্লেখনাত নার্ধানাত উপজ্ঞান কর্মান ।

ক্যানটিন আন্দর্শনাত আন্দর্শনাত কান্তান ।

ক্যানটিন আন্দর্শনাত আন্দর্শনাত কান্তান ।

ক্যানটিন আন্দর্শনাত প্রান্ধান ।

ক্যানটিন কান্তান আন্দর্শনাত কান্তানি ।

ক্যানটিন কান্তান আন্দর্শনাত কান্তানি ।

ক্যানটিন কান্তান আন আন্তান কান্তানি ।

ক্যানটিন কান্তান আন আন্দর্শনাত কান্তানি ।

ক্যানটিন কান্তান (আন্দ্রানাত কান্তানি)

ক্যানটিন কান্তান (আন্দ্রানাতনি)

ক্যানটিন কান্তান ক্যানটিন আন্তান ।

ক্যানটিন কান্তান ক্যানটিন আন্দ্রানাতনিক ।

ক্যানটিন ক্যান ক্যানটিন আন্দ্রানাতনিক ।

ক্যানটিন ক্যান্তান ক্যানটিন আন্দ্রানাতনিক ।

ক্যানটিন ক্যানটিন ক্যানটিন আন্দ্রানাতনিক ।

ক্যানটিনিক ক্যানটিন ক্যানটিন আন্দর্শনাতনিক ।

ক্যানটিনিক ক্যানটিনিক আন্তানটিনিক আন্দর্শনাতনিক ।

ক্যানটিনিক ক্যানটিনিক আন্দর্শনাতনিক ভ্যানটিনিক আন্দর্শনাতনিক ভ্যানটিনিক আন্দর্শনাতনিক ভ্যানটিনিক আন্দর্শনাতনিক ভ্যানটিনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্তানিক আন্দর্শনাতনিক আন্তানিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্তানিক আন্দর্শনাতনিক আন্যানিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্দর্শনাতনিক আন্যানিক আন্দর্শনাতনিক আন্য

প্রভাবনিক করাপতিন থেকে রাজ্যে, পজিতে, ইক্সম কার ইবসাতে, নিজেকে করিকে কুলুন ১ করাক্ষীর বাক্ষণানীত বিজে সবাহতে বেলী বিজ্ঞী হচ্ছে ৷ পরিকারের সবার পতে পরব উপকর্তি ৷



ভারতে হৈতী করেকেন জনপ্রজিক ইংকানি জ লিখিটেড আহিনটা সহাত্তাত অংগন এ এখাণার লিখিটেড, লক্তন এফাড়ে পাঁচবেনক ১ ভোলচান নিখিটেড

লাকন মজাৰ পুৰে। বাঙৰ এক বাঁধাৰ ভবিৰ কছা আজা চি ঠি দিছুৰ। বিবাৰী হ'লো— ''এইচ, এল. এ.ই-ওছঙাৰবছা' আপনাকৈ গুধু নীচেৰ কুপনে নাম জ ঠিকাৰা দিছে এবং ওছামন্তিনেয় কোটাই চাকনাৰ নীচে পাছলা বে নীনেয় পাছলী কাইছে মেটি কোট এই ঠিকানাৰ পাঠিছে দিন।

লগংক্তিত ইণ্ডাইড়িক লিমিটেক es, বিং ব্যাভ, নহাপিটাএই

माव "

विवास्ता

िं गामा

#### 'errail vare'

श्र व्याप्त त्यांक वक्षार त्याप्त श्रामा। वात्रमा क्षेत्रम-मानात्म द्वाचिमात स्थान-त्याप्त स.वि श्रामातः।

শুকো এনে বোল নাখি? এড ভাড়া-জাড়িঃ

আহি বাঁর বাংলাদেশের সাহিত্যিক হতুর, জা হলে ভরা আবাদেই পারণীরার জন্যে লিখনে কলে বেভুল; বাঁর সম্পাদক হতুর, জা হলে বৈশাধ থেকেই আটধানা



रबरबरक बक्टम विदानमध्य भाग क्या वास

উপন্যাদের জন্টরখীকে পাকড়াও করত্য; বিদ বাবসারী বজুব, ডা হলে এব মানাই বাভানে প্রেলার ক্টক জালতে পরে করত; বিদ বারোরারীর কর্মানীর হতুম, তা হলে চীনার বাংপানের পরিভাড়া আরাল্ড হরে বেত; বিদ পাইরে-টাইরে বজুব, ডা হলে এখন থেকেই বারুনাপন্ত নিরে—

কিন্দু আমি এ-সৰ কিন্টু নই, নিতান্তই কমনমান স্মান্ত। প্ৰতিমার কঠালেকত মাটি ধয়াতে সেবে আমার প্ৰেলা ধরচার কথা মনে এল, বোনাসের ভাষমা এল।

ভারের আকাশ হিছে কজনা কথনো উটিক বিছে শরতের নীলা, কিন্দু গোন বর্ষালের উদসব পের হয়নি এখনো। মাজে মাজেই বৃত্তি। জলা ভরেছে এই গগনের মীল নায়নার কোপে। তোখের জলের পালা এখনো মিটল না।

পৰে পাচিপেতে কাৰা—কৰে। যথো জিরোমে বিয়ে বৃশ্চিম পদদা। ইয়তে ভারী ব্যাস আর ছাতা নিয়ে চলেছি। প্তেভার কথা হলে পড়তে, কতান্য কলভাতার বাইরে কাইনি ভা হলে পড়তে,



বাবে শরতের সেনোলি বাঠে বোদে-হাওরার সেতার বাক্তর—সে কথা বনে পড়াছ। কিন্তু ভাবনার তাল কাটল। কলেছ শ্রীট আর কেলব সেন শ্রীটের মোড়ে—ফ্টেশাবের ওপর মান্ত ব্যবহার একটা।

कारका क्रम्या क्राक्के - नवीत क्रि হাড় ছাড়া আৰু কিছাই নেই। ব্ৰেস বৃত্তিপ रशरक राहास-वा किए. हरक भारत। किर হতে পতে আছে কটেপাৰের ওপর। পরনে क्षकरी क्षारित प्राप्ता इतहरू. स्मय मध्या-বলু। হাধার ভাছে বরায়াছা নাকভার इट्टा की अक्टो करन काराइ कान नाकिएड प्याप्त रदाव हह शास्त्र सामा किन की. কোনো অসহ। লাব্ৰীয়ক কলবার টোনে আল ফোলছে। আপাছত একেবারে নিরাস্ট-ৰোলা চোৰ দটো ওপরের বিমর্থ আকাশে ছড়ানো—হথ স্বাহতারির মতে বিহ বল্লে মনে হর—ভাস্তা চোহাল প্রটো নডাই <u>क्षको – कमाकाद क्षेत्र स्वारका स्वारको व</u> গতিবালো অস্বাভাবিত সালা, কেন থেলে ররেছে হাসির ভাপনত। বেখে ছল মন্তবার चार्ग रहन की अकते इतिकटा बान शक्राह रकाकोर ।

মরতে। পাঁচ মিনিট—কল মিনিট— পনেরে: মিনিট—কড়ো জোর আধ্বনটা। লোকট: মবড়ে।

একটা ছোট ভাঙি ভাঙে বিবে—বেমন



জনহার নাড়ার যদি ভুলতে কিনেশীরা জানে, আনাংগর নাড বৈগোঁক্য নাড্রা

হয়ে বালে। বিশ্ব একনার স্থানিকারী আমানে সমে সেতে হস।

ভর ভই হানিটা আনি সইতে পালন্দ্র সা—মনে হল, আনানেই কিন্তুণ করতে। বাংগার ভাবে চলত হরে, হাতম টাপ নিয়ে চলতে চলতে ভাবল্য—মরবার আনে নিক্তর আন্তর্তুলতা আন্তর বা, আর এচনই বা কী হবে? প্রিবীন ভাতে শেষ

र्वाजकराहे। बर एवं हर दशक-चारत



এই দশক এই দশক এই দশক 'এই দশক' অস্থানীতাত্র করা যানেই এক দশক সিভিত্তে ভাততা

কৰিডা লিখে জানৰ জমান

শাল্ডবিরেরখী ছোটগলেনর প্রিকা

क्रिकास

স্বা-প্রকাশিক কর্ম সংকলকে জিবেছেন:
ক্রমানাথ রাহ অমল চন্দ বলরাম বসাক
সমর মিশ্র আলিস ঘোর কল্যাল সেন লেখর বস্তু মোহিত ১৯বতী<sup>†</sup>
অর্তেশ ঘোর

এই ব্যক্ত-এর বাসকারবের ৩টি ইই দলটি গবল ৪ লেখর বস্তু ৪ ৩-০০ সমর ৪ আদিস ঘোষ ৪ ২-০০ শিপতে হাতি ৪ বসর ম বসকে ৪ ২-৫০

আনুলী ক শাস্ত্রবিরোধী গ্লপ-সংকলন

२४४-८ बाह्मर्ग क्षमहाराष्ट्र साथ, सम-५

(TR 9935)

wit fa-u mun mut

#### প্ৰেষ্ঠ কৰিজা গ্ৰন্থমালা

ভারবি-র অনন্দরণীর বৈজীতে
রি শ চি খ দেও
রবীন্দ্র-সমকাল থেকে লাম্মাভিক
রি শ জ ন জেওঁ ক বি র
কাব্যসাধনার শোভনস্পর সংকলন
প্রকাশ-কটনের স্বিধারে উল্লিখিত
রিপটি কড় তিন পর্যারে প্রকাশিক হবে।
প্রতি পর্যারে সমভাবে নবীন-প্রবীপ্
কবির সমাহার। প্রবম পর্যারে রয়েত্তেঃ
জবিনানকল লালের

टक्षकं कविका १-००

ब्राह्मक बन्दन

ছেও কৰিতা ৮·০০ মোহিতবাল নজ,নবারের

द्धार्थ कविषा १.००

প্রেমেন্দ্র নিজের শ্রেম্ম কবিষ্টা ৭·০০

जिक्क गरसर

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬·০০ সভোৰ মুখোপাধ্যমের

ল্লেড ক্ৰিডা ৬-০০

নীরেন্দ্রনাথ চরবতীর শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬·০০

ল্লেড কাৰতা ৬·০৫ ৰীৰেন্দ্ৰ চটোপাষ্যৱেৰ

ল্লেষ্ঠ কৰিতা ৬-০০

न्ध्य त्यात्वत

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০ স্নৌল গলোপাধ্যমের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬.০০

এই দগটি খল্ডের ম্লা, এককালীন অথবা নিন্দার্প তিনটি কিল্ডিডে অগ্নিম পরিলোধের শত-সাপেক, ৬৫-০০ টাকার স্থলে মাত্র ৪৫-০০ টাকার স্থলের মাত্র ৪৫-০০ টাকা নির্দান্ত হরেছে: ১০ অটোবরের মধ্যে ১৫-০০, ১০ নডেন্বরের মধ্যে ১৫-০০, ১০ ভিলেন্বরের মধ্যে ১৫-০০ টাকার নিলে মোট ম্লার ৫৪-০০ টাকার তিনটি কিল্ডি অথবা এককালীন টাকা পাঠালে সম্পূর্ণ ডাকবার বনে করা হবে। ক্রীকানন্দ পানের মেটে করিভা করের বিভাগ করের করেছে বাক্রেম ওটি করিভা করের আইবার করিভা করের ভাকের করিভা করিবার ক

अवंदि

১০/১ विक्ति छात्रेला विके, क्वकाका ১२



व्यवस्था माता त्याम कावानी वातत्यह विकासाट नावास वह

বানিককণ কল-কারার পড়ে থাকবার পরে ওকে কুলে নিয়ে বাবে সর্গো। ভারপর—

হঠাং আহি অন্তৰ কাল্য, এই
চোকটার এইভাবে মানবার লাকার ছিল,
ভীৰণ ব্যক্তার ছিল। বে'চে থেকে ও কী
করভ? রাল্ডার পাগলামি? কিবো ভিক্তে?
বুটোই ত্যে পাবলিক নাইসাল্য। স্থীন
সিটির অন্তরার—লোকের চ্ডাল্ড বির্হিত্ত
ভারণ। সল্পের মেই, নাইসাল্য কমে সেল
একটা।

বিশ্ব তর মাত্যর গান্ত্রের আহরে বেলি।

কিছানিন আগে সেই বীভানে মামলাটা

পড়িছিল্ম কাগকে। হাসপাতালে কোনা মাত
ল্ভাগার আজ্ঞানের এনে পেছিতে একটি

কিন দেরী হরে গিরেছিল, সেই স্তেবণে
মগেরি ভোমেরা ভাবে বেওমারিস ভোরে

আ্লাটি কেটে নিরেছিল কোনো ভারারী
ছারকে বেচবে বলে। গা্ব সম্ভব প্রার
রেনটা দরকার ছিল ভাবী ভারতবন।

কিন্ত এই লোকটা মরে খিরে আর **अको विक्री मामनात सम्हादना दश्य करत बिरहा । व्यक्ति क**िन, छा**हादौ** काटरनंद ाहरू। रिता मान्यस्य राज् किनाउ १४-१ म-<sup>1</sup> পাতালে আনেটাম-ফিজিরেলফী দেখবার **জনো বেও**য়ারিস বডি লালোং এই সর नामद्वाहरीन मानास्वाहमा। भवा भवा भवा भवा মরে কলেই বড়ির অভাব হর না—স্থানের চচা চলে অৰ্ণহত। যদি এভাবে বভি না পাওয়া যার, ভাহলে হাসপাতালে ভিসেকশন रमधारना द्दा की करत-बाह्यद्वा हुकथार পাৰে হাড় কেমন কৰে পাশ করবে আনোঠাঁমর ভাইভাব? স্বাই তো দাশনিক रक्रीतीय राज्याम या राष्ट्रका देवलामिक रख-वि-अत्र शामाएका मन एवं आएनत व्यक्तवित्र बरमा मध्यत एमश्रीके हाम क्रान्त रहातम !

মনে পঞ্চল আমানের নবীন যৌবনে সেই পঞ্চালের মন্দ্রতর। সেদিন র্যাক-আউটের অব্যক্তারে কলকাতার ফটেপাথে মঞ্চা উপকে নিশ্চিকেত চলে যেতে অভ্যানত হয়ে পিরে-ছিলুক্র আমরা; কিবো সেই বীভংগতম সান্দ্রারিক বালা। ঃ সা মেট কালকটা কিলিং। কোথার বাল-ব্লিবতে ব্ল করা এনে কেলে নিয়ে বাজে বাল্ডার ওপা-রৌলে শ্লিকে কাঠ বাল্ডেন্স ক্রেক্ট দেখছি মধ্যে মধ্যে কাড় এসে বন্দ্রে ভার ওপার।

সেনিন উছলে পড়েছে হানপাভালের
সম্পি। গ্রু ভাতেই কুপার দি। বর্মা
দেশের প্রানে প্রানে গোরে নেকের কর্মা
জন্ম হারেছে মান্তের হার্ডের পর্যুক্ত, করের
সার এসেছে বোন বিলা থেকে, ব্রাক্ত বের্জের
হার্ডের বাবসারে কোপে উঠেলে করে। কেন।
তেবেছি, মার্ক টোরাইনের গলেল কেই
দ্রুভাগা ভাতারের কথা—ক্ষরবানা ক্রেক্ত
মাত্রেছে হার কর্মাত গিরে বার ক্ষরবান
ব্রাকা। সেই ভাতার—এই বাংলাকেবলে, এই
ক্রাকাতার ক্ষরতা, একনভাবে বের্জের প্রান্ত

करनक न्योदिनेक कालेनाएक को एक रमाक्षे। मन्द्रव जामाच्य, अब की बरबीका আমি আমি মা। কিন্দু এটা নিক্স বে পেট ভৱে **অবলাই থেডে পেড না**। **বডক্** বে'ড়েছিল, ভডকণ লোকটা পাৰ্যালড় ন্টসাপে, কানাকভিও বাৰ বিল না ওয়। किन्द्र विवस्तिम श्रुत क्षेत्रात्व वस्ताव भरत इतेश कानकवानि बानाकान इत्र त्यान । रंग कात ७३ रहम किएम रमरब, कारक रवन किन्द्र नाम निरंठ दार्व: वामान अक बाकीन ভাষাত হরেছে—বেল মনে পদ্রভ লোটা বাটেক টাকার হাড় কিনেছিল লে। ভা ছলে---অমি ঠিক বলতে পাৰ্বাছ না-কোৰ্কা-বৈতি খেকে বা লাম লান্য করে বিভান वर्डड कार्नी हे काड महत्ना म्लानाम इत्स উঠল।

আৰু বেতি জৈন এই আনটো টাকা বনি ও গোডা?

কতে সংল-নেই টাকার অস্থাই লেবে বেছে এব: হতে পারে আরো কৈছুলিল বেছে পাকতে পারত। কিন্তু কী লাভ বেছে? ও বেছা পরবের সেন্টিলেপাই কালিয়ে বেছো কেবল। মান্য কলালা সান্দোলনে কথা সারা ভারত আলোভিত, তথন ওর মাতা তো স্মোগভঃ। সাাংটিটি অব বাইফ? এই ভারতবর্ষে? মাধা মারাপাঃ আর সেদিক বেছে দেখলেও তথা ও মতুন দ্বাভিঃ।

শরতের আকাশে এখনো জোখের করা। কিন্তু প্রেল: আসকে। হাওরার শেকালীর শ্বশাপথ, টামের চাকার প্রেলার চাক। এই লোকটাও কিন্তু দিয়ে গেল সেই উপস্থেব। ভোষপের পেওরালীর নামুদ্র জালা-কাপ্রেক, লাংকে, দুকার কোডকে।

## मााम्भ्रम

হরপ্রসাদ মিত

কালের রাখাল?
নাকি কল্পিউটন?
বে হও, সে হও,—
আমিও খাটেছি রানে।
ভূমি তবা নিরুদ্ধর রও।

অদ্র অধিক অধ্য তুলনার কপিল কথাদ। এতো দেখেছিল কেউ — নড়াচড়া গলদ প্রমাদ? সমস্ত পিশিড়ে পোকা কানামাছি কাণামাছি সব ভুমাতে-খণ্ডেতে এক,—আমিও কি জানি না দে-সব?

জলেৰ আলোকৰৰে যতে কিছু প্ৰতীপ প্ৰতীতি, ৰাত্বতে ৰাত্বতে ধরা অঞ্চলন নিৰ্ভ দাসনে। পরিণামে রূপ রস! কেন? সে কি কলিত ইশারা? ৰটনার অভিকৰে আমিও কি মানিনি নির্যাত?

বোধ হয় হাদর এক মারিক বাংপার, সে কেবলি বাধা শেষ। হে ঈশ্বর, ভূমি কম্পিউটর।

কেউ কি আহাত হাজা? কেউ হাজা খান? তোমার ইপয়ত হাত খটুখটু কিখছ কাম্পন্ন।

## वधार्श्वामन इज़ा

मन्द्रम् मानारा अ

যাতক হ'তে চাইছো, হ'ও যাতক, আমি কিল্ছু হইনি মহাপাওক।

মিছো? যদি বটিরে কাঞ হর— মিছো ভূমি ভূটার নিশ্চর

ভাষিভয়া, খেতথামার, বাড়ি, বিকেশবেলা হটি,-আভাস শাড়ি

मबरे विन केनारणे हारण जारम--को हरव जान मुख्य जीवन्यसम्

चान कतार हाहेरका १६ चानी, बाक्तिस भिट्टे कीवन ७क्ट्रीन॥

## আমি ভাডায় গড়া মান্ৰ

र्णाक हटलानाबाद

আয়ানী এই আলোর ওড়ার নারা ভাগভার কান্স যে কন ছিল গোড়ার, ভাকে পাড়িরে মারে নান্য আর হারা সব পথিক, পাছে ভার পিছনে চলে মান্য গিরে ছোঁ মারে সেই এক মারি সম্পাল— শেষজাচারী স্বাধীনভার, ভার লানে ঐকিকে কভিতে করা বহা; বেমন করেছেন বাল্মীক!

মান্য কাকে বাঁচার ?

বলি এমনি কারে বাঁচার

পোরে পাঁখির চেরেও খালি

নিবিড়, নরম গেরস্থালি ?

ভাষার ভর করে, ভর করে

কেবল ভর করে, ভর করে

বলি নিভেই ভাকে মারি...
এবং এটাক তো পাঁগেই, আমি ভাশ্যার গড়া মান্তর

## द्यानीयन दक्छे मर्जदीन

विक्या अट्याभाषात

হাজার বছর ধরে বোচেছিল ৩ই মান্বটি মাটিতে চিবাক পালে। মাটি খাতে পাবে কেরোসিল ভারণর জন্মাত্র বতিলি। প্রথিবীর ভাস্থর প্রদীপ।

হাজার বছর পরে কোন একনিন
প্রথিবীর শত তেতে
ঠেলে নিরে দ্ব হাতে পর্যাত
সরে এল স্ব্রের হঠাং কাছাকাছি,
কলে উঠল,
হাজার বছর ধরে প্রথিবীকে বলাতা নিরেছি
এইবার অন্নিম দাঁড়ালাম
অন্য গ্রাহ, এই একবার।
তোমাদের অক্তর আরাম
কলাকে ভারতে এ শরীর হাজার বছর ধরে
প্রথিব সেসব পাশ
ধ্রংস হোক এই প্রথম নিজুলি নিরমে

এই ব্যান লে মান্ত্রির প্রহাল্ডরে খ্যাল ফেলান রক্ষার পোলাক। ম্লেরে কথা সং তেবে নিভাশ্তই স্ববীপ্র-সাধ্যের জীবসাদশোর প্রতি আকর্ষণকশত বেসব পরিজর শাশ্তিনিকেতনে হেলেমেরে পঠাডেল ভাঁদের সংখা ছিল নিভাশ্তই সীম্পুলুখ। ভাঁদের মাদ দিরে অভিভাবক-দের হে বৃহত্তর অংশ পড়ে খাকে ভাঁচা শাশ্তিনিকেতনে মেরে পাঠাডেন ঠিক সেই ম্লোবেকের প্রেরণার এক বারনের পরিবার বাজিলিং কা দেরাল্লের পার্কাক ক্রুলে ছেলে পাঠন। পালিত-নিক্তেনে থেকে তাঁকের কেরেরা আরক্তও করত ঠিক সেই গুণোকলী বাল বিশেষ চাহিলা ররেছে ন্যাধীনতা পরকতী ভারত-বর্ষের নকেশিকা উক্তমধ্যকির শ্রেণীর পরিবারের নিধ্পিকা গ্রেক্তীরি ভূমিকার। অভিভাবকদের এই সামাজিক চেহারা, এই ब्लारवाटमंड ट्रियमा बाकार नग्न म्मारक বিশ্বকারতী নিছক বিদান্তটার মানদংশ্র त्रवीन्युनात्थर क्रेकामा भूतम करत्व मार्काम। র্থীপুনার্থর পরকতীকাঁলে জান লোধ হয় करबहेल, दबान विकास्त्राहे वरफिन। बाह-PUTTE टाइ वाले। SETTONE PROPERTY BUREAU CROSSERVER रभौतिका भवितारस्य त्यास्त्रका करे लीवसक्षेत्र MILES LES দেৱতাৰু কোৰা বিচাৰে প্ৰাণন কোনে কাৰেই এ विश्वस्थ हार्ड के अहे सामा কোন সাধানতে আছে কিট বিশবভারতী बांक केरहरे बाब एक करेल (कार ब

शुक्रावेशक मार्टेक्शान क्रीत क्षेत्रस्य रक्षरमञ्ज अवैद्याः अ ট্রিকিয়ে রাহার কি ব্রীষ্টারের সমাতিক প্রতি প্রথম প্রদর্শন করা হয় প্রমানই করা হয় ? তুর্নিপুনাথ চুয় সাত্রী জাইন জিক্ষার সমস্যা গৈয়ে এট প্রতিষ্ঠানন্তির পাড়ে তুলবার জন্ম ভিনি ৰে ভিতৰ ভিতৰ নিচুক্তৰ <del>ক</del>টাৰে। **জি**শ্রেম কামর ব্যাস ভিজ্ঞার ক্লিক করি নিয়েম বিশ্বক্যানি ककरणीत्र शतः । चात्रव রবার্টিক্সার্টার্মা হিল্পের্ড । রাজি । রাবাতে হয় হয় ভার ভারে **ब**्द्राहरू পক্ষী এসবই চুচ্চ স্বচ্যে हांचा राह, एकाम मानामात भीततन्त्रम सन्दर्धन ভারত সরকারের **প্রস্থ**িভারত। करितक्कार्वत क्रमा एडर एमधानावा व स्तरमः শ্বংশের ভিত্তর ক্লাস ব্যান্ত প্রয়োজন হর্মান। শাশিতনিকেজনেই বা ভার প্রয়োজন কি ? टर्नोब्द्रगणका का इत्रहरूका हो विक्लाकिस मारकन धरा हैस्मर बसाफेलना मह माने পরিচালনার ভার একটা সমিভির হাত্র पुरान निर्देश नारकारभएनके समारक कि एकाम करूपितरहार इत्रा इन्द्रत है इत अल्लीबाह बद्धाहरू ব্যস্তালটি প্রতি বছর ভিড়ে করে। প্রেইট্রেলার উৎসবে মাতটে আদেন, তানের উৎসাহে कि किए मात कोंगे अपूर्व?

প্রশ্নটাকে অন্যভাবে নিজে কোন শিক্ষাবিদ



সৃদ্ধি আর ফ্লুডে অসুদ্ধ হরে পড়েলে আমার চলে না। বলেন কনৈকা প্রাইভেট নাস গ্রিকটা বঞ্জেনা কারেতিক

# ্ত্রী অ্যানাসিন <u>কড়া গ্রমুধ</u> ব'লেই আমাকে দ্রুত আরাম এনে দেয়।



# অ্যাবাঙ্গিন <u>প্রকান্ত নির্ডরযোগ্য</u> এমনকি বাচ্চাদের পক্ষেণ্ড।

জ্ঞানাসিদ কড়া গুৰুণ, কাৰণ নাৰণ বিশেষ ভাকাৰণ।
কাকা বেগনাৰ উপলংগ বা বা সুপাৰিতা কৰেন—কাটি
কাকে বেনী ক'বে দেওৱা আছে। এই একান্ত নিউছ-যোগা। কংবন ডাজাংগৰ দেওৱা অনুগৰৰ সকট বিভিন্ন
সেখজ, এতে দেওৱা আছে ঠিক পৰিচাৰ সক। আৰ
ঠিক এই কাৰখেই নাগাংগৰাক উপল্যাকাৰী প্ৰবৃৎকাশ্য
আনা কাৰজে আনোগানকো বিজ্ঞানী সৰচেহে দেবী।
আনাসিন—নাগাগনা, সভি আছু, গানসাৰে গাবা,
কন্তুপুৰ আৰু পেনীত বহুগান্ত ক্ৰম্ব আৰান্ত এনে হেব।





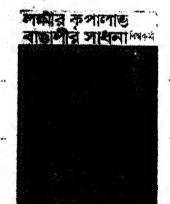
त-वक्श

वका र भारतम प्रक्रमकालय स्थितीय दल्लीय 100000273 বিশ্ববিদ্যালয় ভিত্রতেই आर्थकटा शाक्य हा एकस ? अर्थ विस्थ-विज्ञानगर है। किन् श्रमा स्मानीय किन्य-रियालक शहर भारत मा. त्य काम स्मानी एका अथर एकनीय विश्वविद्यासाहरू প্রেক্তন বেছন আছে তেনান প্রতীয় ততীয় रभागीत रिश्वरिमासात्रक आह हा संबद्धा प्रक्रम्यामाव पहानावा भिक्रामान कराइ वारवहे বা কে পায়? দেশবাপী মখন শিক্ষা रिक्टारराव अक्री विकास सारकार्य अरमाप एका का विश्वविद्यालय सम्भव्य है है देत प्रकार श्रम्यास काना श्रम्या शास्त्र कि करते ? ব্ৰং ছাৰ আছত্তন থালিকে কথাই ভাৰা বেছে OFFICE .

किंग्स इकते, इस्ट्रेंट स्मर्थालंडे स्मर्था यहत TOTAL DAY MITS ALPANELLA SHAN বিস্তাহত হয় মিঃসংখ্যত প্রটোক্তম আছে উল্ভু বিশেষ কোন ক্রেছেপ্রা ভারিকা নিংবভারতীর থাকাত কারে *লাঃ রাজ*নাক তাংত্যে শিক্ষা বিষয়াবের জন্ম যা পাতাজন TE STREET, PERTE 77.5 নিসালামত হয়ে বিশ্ববিদ্যালয় সাদ্র धारमार १८६ क्रमार **१८ भारत** स्थापी চাদ্রকারিদর *ব্*রুদ্রেল্ডের ক্ষেণ্ড সহস্থ র নহালির সার্বাশক্রাক সম্মানে, হার্যায়ে তার্বাস প্রবেড কার *শাণিছা*রেরছের বেবেট্র নতানিক সমাজি কোকে মারেই ক্রেমাকে পত্ত 20 8 7 79 tone - mount ing. ্ৰেড্টেট্ৰ কৰেকে ছাত্ৰ বাহিকসংঘদৰ কথা THE STATE OF THE RESERVE STATES িশাভারণ<sup>ি</sup>টে পটে **গুলাবাট্যর সং**গট প্ৰিয় ও জাব বিশ্বটো হলুছো বভান তাৰে পাৰে কিন্তু এই কাজ্যন পৰিচিত্ৰই সামানন্য কার্য জাহ্যাউট স্ব্যিকে থাব 70 ট্র তার **ভারতের্যার সং**খার রাজনেত হাতিক্য বাহ্যসংখ্য কাষ্ট্ৰ ক্তিমানই নিক্যবই লেন ভিক্লালবস্থাবাই **ম্ভ**িব্যারের একনায় মানান্য হাকে পারে নার কিন্তু দিক্ষাinverse unergane eleupera del ভেলাত লোভ উপায় নেই। বর্তমান বিশাল র্ডীপুর এল রাজ্যাকে করেকটি লার বিভাগে প্রনর বিশ্চিত অধিক ভারভাতী हर। यहा यहाक विद्यालये कार्याद्वीत मध्या লাশ্যত কম, লাএকজন মানু ছালু হয় এমন িভেগেও আছে। কলে বিশ্বভারতীয় জন্য ভাতদের মাথ্য পি**ছ: খরচের হার ভারতবরে ব** ार १७ म ीरम्पनिसा**लास्यत कारहे ज**रून**क** 538 S. s.

প্রিয়াণ্ড দিকে বখন বিশান্তারতীর পাকে গোলাও শিক্ষার কোনে কারদান রখা সংভ্য না তখন গালের দ্বিক সিতেই তার মাধানিসার কলাত বাবে । কার গালের হিচারে বিশ্বভাষতীয় স্থান বাঙালীয়

## अकामि उ इ न



বির্বাচ্ত

# লক্ষ্মীর কৃপালাভ বাঙালীর সাধনা

বাঙালীর ইতিহাস নেই এই কথাটি বাঙালীকৈ প্রথম মনে করিয়ে দিয়ে-ছিলেন বঞ্জিমন্তন। ব্যবসা-বালিজ্যের অক্লান্ত সাধনার বাঙালীর স্থিতিশীল অবসানের ইতিহাস লিখতে গোলে উপান্তনের যে অভাব নেই এই কথাটি হাতে-কল্পমে আমানের প্রথম মনে করিয়ে নিজেন বিশ্বক্ষা।

এই বইয়ের খণ্ড বচনাগালি দেশা পতিকার হোদন প্রকাশিত হতে
শাব্ হয়, সারা দোশের পারবিমানেল সে এক উদ্পানি উংকার উচ্ছেজনার
সালা। মাপে মাথে প্রশন: তে এই বিশ্বমান, ধার কলমে রস, বন্ধবেন
তথা, বিশ্বেমনে বৈজ্ঞানিক দৃশ্লি । মান মান আব্রু গভীরতর জিজ্ঞাসাঃ
এই বচনার কি সভিত্ত প্রমাণিত হাব যে, ক্ষত্মানীর কুপালানের সাধনায়
বাতালীয় উদোগা ইন্ডিয়াসের বিচারে প্রাচীন, অর্থানীতির বিচারে সম্মল এবং অংগাতির বিচারে বহা প্রন-অভানরের মধ্যেও আভ লক্ষ্যে শ্বির

প্রমাণত হয়েছে। তার প্রমাণ এ বইরের ভূমিকার **নৃথানাত্রী প্রীক্ষানা**র মাথেপাধনারের পরীকারেনিদ । .... বাঙালীর ব্যবসা-বাণিছার সম্বন্ধে এ বইটি যে সমরেপারাগাঁ প্রকর্শন সে বিষরে সন্দেহ নেই। .....বাণিছোল কার্মার বাস করেন-এটি আমানের দেশেরই সাপ্রাচীন উক্তি হলেও ব্যবসা-বাণিছোল বাঙালী ব্যবসমাজের দীর্ঘাদিনের অনাহা আনেক নৃথেবর কারণ ব্যক্তি। .... এ বইরে বাঙালী পরিচালিত বিভিন্ন প্রগাঁর যেসক ব্যবসা-প্রতিষ্ঠানের বিবরণ আছে তাদের অনুক্র্যালিরই উপত্র হরেছিল আচার্য প্রস্কার্যনের বিবরণ আছে তাদের অনুক্রালিরই উপত্র হরেছিল আচার্য প্রস্কারের বাঙালী প্রিকৃত্ব-এর মধানাত দাবি করতে পারেন। ....বাবসাকরতে গেলো কেবর গা্লের প্রয়োচন, ক্রেন সভতা, উপভাবনী ক্ষাতা, সংগঠন-নৈপ্র্যা কঠোর পরিপ্রম প্রভৃতি, বাঙালী চরিতে তারও যে অভাব নেই সে পরিচর এ বইরের পাতার পাতার ছড়িরে আছে। ....দেশের কল্যণকার্মী মানুষ এ বইরের নতুন চিন্তার গোরাক পাবেন। নিন্দেশি-এবথ ছিসাবেও এ বইথানির মান্যা হবে বলে আমি আনা করি।...."

বহা অস্ত্রান্ত অথচ জ্ঞাতকা তথেদর সমাবেশে, সাবলালি প্রকাশভালিমার এ বইটি বাঙালীর লক্ষ্যার কুপালাভের রোমাঞ্চর ইতিহাসট শাহা হয়ে ওঠেনি, হরে উঠেছে বাঙালীর এক বিশেষ সাধনার প্রেরিক গাখা।

চার শতাধিক প্র্যার বই ৷৷ তবল কাউন আইতো সাইজ ৷ বতিশ প্রতা আর্ট প্লেট ৷৷ দাম মাত প্রতিদ্ টাকা ৷৷

প্রাপ্তিছান : **আনন্দ পার্বালশার্স প্রা: লিমিটেড**। কলিকাতা ৯

সমাজবিকন যে ব্রহ্মানে কোপায় ভাতে। অংগ্রই আলোচন। করেছি। সার্থং প্রদানী। ন্য জাইট পাতে ন্য এক ঘ্রুড় করে এট বিশ্ব-বিদ্যালয়কে ডিপিকাম বাভাব কেন স্থাকতা আছে কি

প্রশন ওঠা উচিত এই বাল শরে, করেছি, কিল্ড উঠেছে কি ্ বিশ্বভারতীর সংশ্র হার হানজভাবে যাৰ তাবা অবলাই এই

নিয়ে চিম্তা ভাবনা করে। খাকেন। কিন্ত আহি বলছি বাজালী সমাকেব 3500 স্তিত্যিক বাডালী রাঘ্য বা চাছনৈতিক रभारा- अर्थार वाश्ता स्माम्य कविवार शामाह मा<sup>र</sup>शक वीदनत काटक क्षांत्रक प्रदेश বিশ্বভাবতী সম্বশ্যে কোন इट्सट्ड? इस्ति। ब वर्षे অংলাচিত

आण्डरबाँड कथा करे हा विश्वकातको जन्माक ৰাজালীয় নত্যাভাব সম্পূৰ্ণভাবে ভাষিত চেলেহীন। একলিকে কান্ত ছাড়া কোন গাঁত মেই তেমনি রবীন্দ্রনাথ ছাতা হাঙ্গোটি সংস্কৃতি বলতে আমানের কাষ্য চচার পরিবি সক্ষিতা बाधारम् शाम कारक मारत । वहाक रकारत ह्यांक त्रवील जन्मीक, व्यक्तिहरूमा कर्तक.

## या जित ज्ञान्नर्या श्रम काप-क्राप जाण ताती सत त्र जित छित्वाव लिती कियादा व जित छेश्राम्पत

याक राजनाको (भारत्याक्षा कवन कारका जानगढ वृद्धक प्रक निम्नारको सम्मन् निवान वार सा विद्या भागा साव स्थान अस्त नामकरने सम्बद्धाः स्वितः स्थान शास्त्र । बाव with ale take the train that the action and are an क्षेत्रे मुर्द्रकारमा प्रकृत (बर्द्रक दृष्ट्रकाई रणाल करम दृशक कारक कान तथात क्रियांका शरकार वर्ष कर कार्यका विकास समावित they withing stee 4. AND miests wie

(unweis cere) teret, was eren a ficue until शान्त्राच बाग्नुके - भागनाव क्षत्मक बाबारिक (क्रम) साह विश्व । शान्त्राचे अपूर्व (स्व ) जन्मे अपूर्व क्षतिगृह वास्त्राच मार मार मानवाद कर कार वटी सावस्त्रीय । कारे, নাত প্ৰক্ৰিয়াৰ কৰিব কৰি নাৰ্থন প্ৰক্ৰিয়াৰ কৰিব বেশক ৰামে ক্ৰিয়াৰ কৰিব কৰিব আনহ আনাহিত কেনেক আনায়াৰ ক্ৰেছ কৰে কিব আনহে আনাহিত আনাম্যা আৰু দেশিকা।

famel mitte : Bertet attfafer alle : etmine un erret, gemen um eine eine eine und erte Mit ----



विलासस्त नामन वसवा



सर्वोग्यनक बर्वाक सर्वोग्य महत्वासह सर्वोग्य স্থাপতে চ্ছাদ্ৰ ব্যাপনাথে একেবর একাকার। কিন্তু যে শিকা প্রতিষ্ঠ নটির জনা জীবনের শেষ দিন পর্যতে সেই ডান-न्यानका बन्धीं केटन्यरण क्षत्रांत बहेरनम टाइ জনা এতট্ড চিতা এতট্ড প্রয়াসও ক शक्षाकरीय प्रतक्षा रहका मिरसरक ? कार्याक कारण कारण अवादाकी साक्षरवर्ष रिक्ट-काककी जन्मको यहको महित दसारम्य भविषय निरम्बद्ध करकारनम हात क्नांडे.कं एक्स बीन। खबाक्षानी त्मक्त्र योज मा क्रीगरत क्राप्त रिण्य-ভারতীকে কেন্দ্রীয় কিবকিননকরে পরিণত क्रदाद्वन अन्य ट्रक्न्सीड नदकार थीन गा এত্রিন বিশ্বভারতীকে অনা যে কোন বিশ্ব-বিজ্ঞানতের সভার অধিকারত হাতার দ্বিক্র প্রকান করে আস্তেন তে। বিশ্বভাবভাব আছে কি দশ্য হাত কলা বাহ না। কিণ্ড याका रमान्य अरुकात अकी है दिन्हें गान গৈতি কৰে সম্প্ৰামী পোডিনে তাৰালীত থানিক স্থিকা করে দিয়েছেন মার, আর दिस है कदात कथा एउटर अपनीन का दर्शन्त-साम्बर **८१ विका सहारमर स**न्दि राष्ट्रकार প্ৰথাৰ একটি আৰক হলে থাকার। পানার। ৰুখ্য সরকারের কথা বলি কো। আনক অবাঙ্গেরী ধনী ব্যক্তি সমধ্যম বছর শানিত-নিকেত্র অতিখিলালা করে দিয়েছেন, रक्षाचामक का नामान्यक कान निरायकाः अस्त হরার হাছালী মালা কি ছিলের না⊸াশ ক कान गर्भिटे इसेन वा कान जन्म है *क*ेन -হিচিন কেইব্ৰহ্ম বিশ্বা একটা আৰু আহুকাঁ হিচ্ছার নিজেকে মন্ত্রাথ কর্ত্ন ?

ছারে ফিলে কেট এক কথাতেই ফিলায় হয় ~গাণিতনিকোত্নকে লাভালী । কটোনৰ জনহাত ছিলেন্ত উৎসপ্তৰ প্ৰতিক্ষান ভিসেত্ৰ গুৱাৰ কাল্ডেছ বিশাভাবতীকে য়েবেদের বিবাহারবারতে বাডান্ত উপকল शिह्मत्व **भा**त्रहरू विषयः निष्कात्वन्त्र शिह्मत्त সম্মানের সংখ্যা প্রয়ণ ক্রেনিং ডা স্থি করেত, হলি কে কাছির ভবিষয়েত্র সংকা মিলিয়া বিশক্তাহারীয় ভবিষাধাক করাত हरा कारिएकाक बदाइ हम रिक्टमाटकोट क ভবিষয়ের সম্ভাবনা তা নিবালীয় ব্লগীয় বিদ্যবিদ্যালয় ভিচ্নেরে ক্ষেত্র টিশক शाका गया दा हेम्बाल गाती कवित्र हेटती করার শিক্ষারতন হিসেবে উচ্চাচ্চত গ্রে ওঠার নয়, সে সমস্তারনা এলন এক ইক্তম ছায়ের শিক্ষাকেশের পরিপার ছাওয়ার হার ভরাতারের শিক্ষাকেন্দ্র বংলাবেশে কেন সাভা ভারতবার হয়ছো একটিও নেই।

ধরা যাত্র বাংলা দেশের প্রেটি নিক্ষাবিদদের নিম্নে একটা সমিতিত করা হরেছে, তাঁদের উপর ভার দেওবা হরেছে বংলাদেশের বিক্ষার মান উপারন করার জনা পরিকল্পনা করার। তাঁদের কন্যানা আনেক কিছার মাধ্য একটা বা ক্তাব্যে হবে তা ইলা বংলাদেশের জনা একাবিক উক্ততম মানের শিক্ষাকেল্ডের কথা তাবা, বেসব শিক্ষাকেল্ডের মূল শক্ষা হবে ততটা জনকিতরণ নর বতটা জান আহরণ—বিলায় চটা, বিজ্ঞানে স্বেবনা, শিক্ষার বিশাশ স্থানা।

প্রথমের প্রথম ওঠা উচিত, ন্তন কোন কোন্তর প্রয়োজন কি? ক্ষাক্ষতা বিশ্ব-কিলালত কি নেই? ক্ষাক্তাট কি বাংলা- দেশের সারুব্যক সাধনার প্রাথকেন্দ্র নার ?
কলকান্তা কিবলিক্যালারের কাছে করী
নার এনেন বঙালী নেই। কিব্লু কলক ভা
কিবলিক্যালারের বে জার সেনিন নেই সে করাও নিক্ষালায়েন্তের সলো ব্যক্ত সকলেই
কালেন। এক্লিন্ন ভিন্ন কবন ভারতকারের
ব্যক্তর প্রকাত বাবে ক্ষেমারী রারোরা পায়তে
আসত কলকান্তার, কথা জনানা। প্রসাধনে



#### পাঠতেদ-সংবলিত প্ৰশ্মালা

রবীন্দুনাথ যে তাঁর অধিকাংশ রচনায় বার বার পাঠ-সংক্ষার করেছেন, রবীন্দু-সাহিত্যের অনুসন্ধিংসা পাঠকের কাছে সে কথা সাবিদিত, এবং এই সকল পাঠ-পরিবর্তনের পার্শ বিবর্গ পেতে পাঠক আগ্রহান্বিত।

বিশ্বভারতী রবীন্দুনাথের বিভিন্ন গ্রন্থের নাতন সংস্করণে এই সকল পাঠ-সংস্কারের আনুপ্রিক ইতিহাস রক্ষা করতে উদ্যোগী হয়েছেন।

#### স हराजः श्रीत

এই তুপ্যালার প্রথম গ্রন্থ সন্ধাসংগতি, যে সন্ধাসংগতিই আমার কারের প্রথম পরিচর।'

এই সংস্করণে বিভিন্ন সংস্করণের পাঠপরিবর্তন সহ, বিভিন্ন কালে। এই গুল্প খেবেক বিভিত্ত কবিতা, সামায়িক পতে প্রকাশস্ত্রী, বিভিন্ন প্রসঙ্গে সধ্যসংগতি সম্বাস্থ্য কবির মধ্যবাধ সংকলিত হলেছে।

স্থাসংগাঁরতর কবিতরে দৃশ্রাপা পান্তুলিপিডিরালিতে সম্জ। হল্যে সাত টাকা।

#### **हाव সং**হ ठाकरवंद भगववी

এই প্রশ্বমালার বিতাঁর প্রশ্ব ভান্নিংহ ঠাকুরের পদাবলী শীপ্তই প্রকাশিত হবে। সন্ধাসংগীতের নায় এই প্রশেশ পাঠ-পরিবর্তান নির্দিষ্ট ওয়েছে এবং এই প্রশ্ব সন্বান্ধ কবির মন্তব্য বিভিন্ন সমরে প্রশ্ব থেকে বিচাত কবিতাও সংকলিত হয়েছে: এছাড়া প্রথম সংকরণ থেকে পদাবলীর রাগ-ভাল, এবং সে শান্দের অর্থ সংকলিত হরেছে। ১২৯১ প্রান্ধ সংখ্যা নথজীবনো রবীকুনাথ বিনাশ্বাক্ষরে ভান্নিসংহ ঠাকুরের লীবনী নামে যে বাহুরচনা প্রকাশ করেছিলেন সেটিও এই সংক্ষরণে প্রনাম্নিত হয়েছে।

### বিষভারতী

৫ খারকানাথ ঠাকুর লেন । কলিকাতা ৭



ৰাড়ী সুস্থ ও সবল রাখতে. মুখের তুর্গন্ধ দূর করতে

# ক্রিক্স এর উপকারিতা

হাজার হাজার বহরের পরীক্ষিত

গৈত ও মড়েব পাকে ভিতৰৰ ৰচযুগ পৰীক্ষিত আছাপকাৰী কিলো-এৰ গৃহ লগত সক্ৰিব উপাদাৰ-গৃ
ভাগ কিলো টুখ (পাক্ট-এ আছে। ভাছাড়।
কিলো টুখ (পাক্ট-এ বাহাছ 'দুৰ্টিড' এবং আধুনিক দভ-বিজ্ঞান-সভাত অভাত উপাদান।
কিলো টুখ (পাক্ট-এব ভিতৰৰ কেনা আড়ী সৰক্ষ কৰে, মুখৰৰ ভূমিন পুৰ কৰে, গাভেৰ কৰ ও পাৰোৱিলা নিৰাবাৰে সাহায্য কৰে ও গভে

নিম্ন টুও পেন্ট-এর সর্বপ্তর-সম্ভব মার্গ্যোজিন টুর পাউড়ারও প্রবিদ্যা বার। তথ্য জানী গাণী বাজিন কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয় প্রমান স্বত্রের ক্ষাপ্রক পদে নিমার হাতে প্রেক্ত নিজেদের ধন্য মান করতেন। জাল ওকটা বিষয়ের কথাও তেবে পান্ধি না বাজে কর্মাতা বিশ্ববিদ্যালয় ভারতবাল তেন্দিও দানী করতে পারে। প্রদত্ত এমন জ্যাক বিষয়ের কথা লাখি মাতে উধ্যাতির মানের লিক্ষার প্রত্যালয় বার্চালী ছাত ভারতবাহার জন্য বিশ্ববিদ্যালয়ে গাল মান্ধে।

ক্ষাক্ষাতা বিদ্যবিদ্যাপ্তার এই অধ্য-পতনের করেব থি, তার অন্ট্রকারে আগতভূপত হব না। তবে একট জিনিস্থ ক্ষাপ্তির, কলকাতা বিশ্ববিদ্যাপ্তারে এই ক্ষাপ্তির, কলকাতা বিশ্ববিদ্যাপ্তারে এই ক্ষাপ্তির, পাঞ্জনি, বহু, বাঙালী ভ্যাপ্ত প্রেরেরের বাউরে ভারতবার্ধার বাইবি ছড়ির রাজ্যেন। বিশ্বু কলাই বাহাপা, এই অবশ্যা বেশীনিন চলাতে পাবে না। বাংলালেনের যদিনা বোলাল্ডন আন চার্ধার বাংলালেনের যদিনা বোলাল্ডন আন চার্ধার বাংলালেনের যদিনা বোলাল্ডন আন চার্ধার বাংলালেনের যদিনা বোলাল্ডন আন চার্ধার

ব্যক্ত শ্রহ্ম স্থাক কা বালে এয়া বিভাগ আ এল্ডাই অনিজ্যিক সিল্ডেম্ড ব্যক্ত প্ৰায়েত্ क्रकड़े के अर्थ विकास स्थापन होंगे भारती भी द्राया য়ে মনে বিয়য় পালে না স্থানকথীর কবিবন রাভ সমীয় নি, ভাটে শারীবিক প্রভালয়ে স্থাত্তিক উত্তেজনা এক লাভসিত বিজ্ঞান্ত স্থাক্ত উপাসন এও বেখাী যে সেই ভাইচন য়াপাল *কৰে বি*ৰুত্ব সংক্ষা হৈ স্থানী সংক্ষা ক শাস্ত্র ব্যবহাট পরিমানে বার্যা আরু সম্ভব নত। কিন্তু মহানগরীর জীবন বেল্ফ ব্যুক্ত ិមាធរញ្ញុងសូមូឌ कारकाक्ष्यः शास्त्रः वार्यसः स्थापका জীবন প্ৰহ খোক সম্পূৰ্ণ বিভিন্ন হাৰে रहारा साम प्रशी मिक्ट ग्रह हाइ शहा জ্ঞান চত্যির কেব্দুর জান্ত্রা স্কর্মখান হাজ মহানগৰী খোক খাব হারেও না আক্ষাৰে তাৰ ভিতাৰত নাৰ। অথািং কলৰাতা খোক গাণিডলিকেতন যতী৷ দাৰে त्यार्थे मार्थि जात्रक अक्सन हार्निमाक काकाल राज्यक्ये रहवा

बारक, विरामयक रहाको स्वास ५०% रकन्मशा न बरानगदीत महत्त्व किंक कर बातना राजध्य সংযোগে হাজ: অভান্তাপ্ত ও কেন্দ্ৰই শাভানের থোক, হাভাভ, এন ভাই টি, কৰ্মান্ত্ৰয়, প্ৰিচ্চটন প্ৰভৃতি ভাটোৰিকাৰ প্ৰেদ্ধ विगरीयशालक्षश्राणि शिक्षेत्रको धरः (दान्धेन বেকে ঠিক এমন মারছে কর্বাস্থত হৈ জ্ঞান-मायरकतः बरम देशक बाद्य रा अक दर्शात राध কতিকম করে মহানগুলীর ক্রীবনজ্ঞাত ক্ৰয়ালন ক্ৰছে আহতে হাজেন, মাৰার क्या है हाल शास्त्रहरे कामशास्त्रहर निष्णेष्ट करण श्राहाप्तर्वतः कहरतः गाउद्याः

ভবিষয়ের বাংলার জন্য প্রিকলিগ্র केन्द्रय प्राप्तत विकासकारक करण्याच्या প্ৰক্লা লাগিত নিৰ্কেট্যন্ত উপৰ্যাধিতাৰ প্ৰথম रक्षात्राम कलकाराव आका पार ४हे **काराज्यों प्रश्न एकोरवाज्यिक व्याप्तः अतः ७ १८३** क्लरहात क्ला। (व क्लाक्टिक काररा ५३) এবং নিস্থিতি স্প্রিয়ার ইয়ারাডর কমিক লখ্যার বাঞ্চা শাণ্ড নিকোত্তনার স্বস্থানৈকার বিসেবে দেখাত শারা করেছে, ডিক্ট বিরোদন ছাড়া তার মন্য करराम् ६ शाकः । जनस्य । क्रमाराष्ट्रः । १८११ মান্ত্ৰের কমাক্ষমভার ফালে। ছনিণ্ট - ১৩ বর্মান, মটিবম গ্রেমার, মামে বা গাঁচর 4াব্ একে শহরে হয় গ্রেমৰ সকল কারে এবার ভা কোন প্রয়োস ভারতের ভা **बर,बाल श्रं । इत्या औं ट्रमान अवस्** হাজুলিয়ার রুভ্যাবে প্রারোজন করেছ তান্ত अबर्ग क्षित्र सह कि श्रुबंदि शहरी प्रकार ह शास जैतीय पाठवें पा एतनी काल कालामगीनाक হাম টিটালং। পাৰীজে বাসকালে আছে ৫ক একলিন সেকেছি, সাক্ষা একল এক চাক্ত সালেম কৰকৰ কাত্ৰ উঠোছ গাছেই পাতা কার ফারেদের দুখা উভিন্য রেফা এক অ্বভারে ই.৪.স. বিষয়ের বন হাতের বন করে ভারতে বেলে সিয়ে এটেডার বেরিকে পাড়াঁড কেবা প্রস্তুত্ব মত খানীর পর খানী মাত্র ব্ৰতিব্ৰুছি । শাণিত ব্ৰুছজাও ভাই ছটাত रहार्शकाः इक अवस्ति वस्त एस सम्ब কার বাড় কালে, কথবা পথ চকাছ এক নাল স্বাসের ভাটন চ্ছালেডৰ খেনে ছাড়া প্রেড ता तिक्ष करा ६४ सह सा सार कार कार পাছার মিলিছ গলেধর ম্বারা জাজানভূ হট क्रम्या कश्मक शक्ताहा । एकाकी रागिता ম্ভিড আকাশের নাড়ি চাড়িক এক এবর জনহার জ্বোজ বিনাদে কর নই ক্রী পর্যাক্তী পুরুমিকে বিশাস্থ জ্ঞান গুলার भागात राज प्राप्त अब का राष्ट्रित "यहर ४४० লুপরিলার জালার সামির জালার সমার মানিক্তিব্ৰহ্ণতে প্ৰকৃতি নিৰ্ভাৱ কা প্ৰচেত্ৰ ट्रम्बर कार्यक प्रमापन दशक कारिक किला ५३ व দুঞাল্ডু পর্ক হার প্রভাব ক্ষাঞ্চা:

বিলয় ভাটার কোন ছাওছার কারেও একটি বৈদ্যাল প্ৰায়পূপা প্ৰায় বাবিভান্তিক প্ৰায়

করে। জানী প্রাণী ক্রান্তানত প্রান্ত ক্রান্ত হিছে পৰ পৰ কেন্দ্ৰতে সাহস্যাত কলে আকাৰ এক ছে। নিউকৈনিভিক পালিব প্রায়ালনাল <del>জনাতীৰে যত হয় বলৈ</del> ভ সময় বলু করছে সর হতেই ছাজ্য অখাতি নালাতন किया गार्यातक। जानगराक्ष्यजनक राजन्या मा পাকলৈ কোন শিক্ষাকোলার পাক্ষে পার্পালার য ফলতামা হ'ওয়া সদত্ত্ব নত্ত্ব : প্রতিক : গোও শাণিত নিক্তানের মাফলা একেয়ায়ে তারিশ্বাসন রকানের। এতটাক কোরে ভারতার নারে। ক্ষরতার জন বিন্তুর স্কুল্যুর প্রাস্থ্ জাতিস বাংক, সেকোল বাজার ভারতেখনা এমন বিজ্ঞালৈ দেৱ যাত আছাৰে শহৰে ৰাজ ৰাব হাভাগ্য বাছৰেট বেনে অস্ত্ৰিধা শ্ৰাক্

एक एके को जब एकार, श<sup>9</sup>क्षांग्राककारक প্ৰথম আটে বৈয়েটিতক কাভ ৰাছেৰ ছেছে ेशारे अभी काकार अंध गता किन्छ ্রসের মন্ট্রের মাধ্যুর নর । ভারতবার राज्य काकार ६ श्रदास्त्र रशास श्रीस्करण्यात প্রক্রেটা করও বে হর্নি হা নর: বিশ্রু দে কলাপাঁও সিকেই তাকিলে দেখা **ৰা**ক ব্যার চাডীগ্রাডর বিরক্তি ভাকার বাক একই क्रीयीम यांचर्यास्थीन क्रयास क्रांस शहर। १६<sup>6</sup>राव नगरशासरह केरार्थकः स STATE OF ক প্রদিক্ত 20 4 5 E 8 58 m বাবসারী বের প্রেম্ম এই প্রিক্তির সেখের ব্যৱহারী াবাংগালত ও মালিনাবেললালৈত ব্যক্তিরের ৰ্থাতি পাণ্ডা: প্ৰাৰ্থাক এনেই, আগু, ভাগুৰ, এইসাৰে চাপে **কচিতে প্ৰিক্**ৰিপ্**ত** 

कः बाक्यान्य क्रहेक्यानांत्र এইচ, জি, ওয়েলসের শ্রেষ্ঠ গল্প লা'ল ৰাজন নাক্ত উপনেচস ष्ट्रं ता जात्वत त्रद्ध वेद साहर ३७.०० বছক ছিলাব संदानह - द এর নাম সংসার समित्र श 58 2.80 J-30 \$ 5754 9-00 दम मा<u>ज</u>्य ३-३० भारकत्र ४८ (छातऋो **লপতাপস** পাত্রপাত্র 547 \$134 S-00 204 EEC 3-20 कार्यानक विकास महर्गावळान ১১-०० दौरुसम्बद्धारम् कार्रास कथारकारिक इंदीक्शनाथ 6.00 नाडाहर शाकाकाकाश्राह তঃ বিশিষকুমার চট্টোপাধ্যক ইপ্নালের স্বর্প 2 - 00 - € **ভरागी गार्थशास्त्र** सन्कात अहारेगड 0.00 विश्वमाधिएकस माजीलक 2 54.3 8.00 अन्तरहरम् इरहे भागारसङ् वश्रकामिल तप्तवावनो (म्बाभाउत्रा আশহতোৰ বহুবোপাৰ্যায়ের **इ.सका दलदलक** बनभूषाद অধিক লাল নতুন তুলির টান শুধু কথা FA : 1:30 28 : 5.50 PT : 9.00 গ্ৰেণ্ডকুমার মিতের बनक्षत्र देवताचीत काला इरिन (हार পাষ ফাগুনের পানা 00.06 PEF PO बाक् नाहिका शाहरकड़े निविद्योक ७०, कानक हरा, कीनकाठा-४

## পাঠাখারের জন্য নিবাচিত বই

रमध्य रमनगर्छ

# विश्वव ८ पटम ८ पटम ....

क्वीन्त्रमाथ यटकारभाषाहरस

### অশাশ্ত মধ্কর

9.00

कर्रासरिका बरम्बस्भावास

रथनात्र ताका

क्रुवेवन

क्रिक्टे रथनात्र

**आहे**न कान्त्र 8.00

ৰীললোহি**ত** 

टमथा नाटमथा ७.००

न्द्रतीन इटहें।भागात

ভাৰত কন্যা

टक्बाला

4.00

**बिग्**र्वानम

बाबर जात विवि

-50-60

मक्क प्रश्राकात

नगरी

\$5.00

ভাশ্বিকাচার্য কৈরবানশ্য

**बिववरीर्व शिलः कुछ** २०००

करम् वड

## ভারতের সাধিকা

....

চিৰঞ্জীৰ

विण्य कृष्टेवल ७.००

ভারতীয় ফুটবল

बारवान तथरक

रेएएन

\$-00

কুলাপতি বস্

উर्वभीत्र नत्रक ५००

**७.व शमात ता वित्र ७** 

5 · 0 (

রণজিংকুমার সেন

यश्कारलंब न्वाक्रव

F-00

हिन्तक्षन बट्नगानाकाक

**স**्त्रा-नात्री-नगत्री

9.00

স্কুমার রার

नील त्रवारकात नहीं

4.00

অগ্নিমির

बोद (क्रीस्त्र एवि। ७.००

Ola.

कुमान, बदमाभाषात्र

ৰরণীয় মান্ধের সমরণীয় প্রেম ১০-০০

জালভাষি ম ১, বিধান সর্গী, কলিবাভা-১২

हाकिका धार ग्राम्या एक का कर्त कर्क रव रकाम शक्त करणाव कृति ब्रिमा गरिकीत्रक्षम कार्या कार्य रहा है कि कृत रकाम शास काम कार्य, केए ग्राम केर्य रहा है कर्त्य परिकाद हु। क्या किश्च संगतिक ग्राम विश्व कार्यामित गर्या मर्ग्य कर्म ग्राम रम्य ककाल व हेट्यकात कार्यका शास ग्राम है वर्त्य वार्य कार्यक रक्तम हिक्क ग्रामिटीयरककर्म रक्षम वार्यक स्थान

शकीय दश के के कार्टन शहके जाना शानाच सर्वात नदाविक क्शियम् । अजित्तानी विकास केंद्रमा करण काल कार হতে তাতির শিক্ষা ও সংস্কৃতির মান, ভারের ম্বাংবাং, দিকাকেলের দিকা নিয়ে मोका काकारक जीवन नाम काहिनक गाराच-পূৰ্ণ এতিক তিয়েও প্ৰতিষ্ঠিয়কভালৰ लाती अध्याना। अवस्थित सर्गान्तराध निरक्ष हराइ त्राव किया क्षी किया वंधि गाविहरूक माह अध्यक्त स्था कार अस्त कार कार कार । জেলিয়া ভার কেই, ভাছাকের কাণিডানিকেভানে হাস কারন হাঁবা ভালের মাধ্য বাংশ বা क्षान्तराष्ट्र स्थान्य रहा हा स्टार स्थानी स्मार्थे । ত্রেপ্রে ভূপে শিখ্য এখানে এখন অধিক সংখ্যার সুখ্যান নতঃ বিশস্ত নিস্মুক্ত क्षद्रभा प्राराष्ट्रके द्वार । नातकाम्भाक्ष भागिक-লৈকাল্যার সমাজেই ERTE FIRE E সম্পূৰ্ণভাৱ এলন মান্যাৰ্থ সম্বাচ্যে ঘটিভ क को जिल्लामुल्ड । यह है र शक्त वर्ष एक कात्म भिक्र र गाह डाफरनायांचा अवदी अदि জিকাপুল্ডানের হাষে প্রতিষ্ঠিতার তথা ौककार शर्मप्रेय हे•या 🛍 अश्राह्मस **छन्द**ी ভান্তে সভাজাতে ফাবেলুক ট্রাস্ট এই সমাজ স্থান কুলা নিয়ক লতা ও জিনিসটা **এখা**লো কুম্বাটি সংস্কৃতিক **জ্ঞা যে জে**ল <u>৩ জেলা শতারে জেজেনা লান্যাকর স্কণিটার,</u> য়ের কোনে উৎসাধে অন্যাধীনকৈ পরাদ পরান কো স্পান্ধ বা বিকৃতি বাহিষ স্থিতিয় সংগ্ৰহ আছে. শ্বিতনিকে ভানব জীবন তা ধ্য **ক সং**শ্ৰী-রুকে। পরিবার্গনৈত ।

অপ্রতিকে বাভালটি ভলকাতের শিক্ষার ধ্রণ নাম হুটা সভাত্যে একটি প্রাণক্তিয়ার হওরার বৈ ফড়িছিল শাণিতনিকোতন ভাও পাল কাতিয়ে ধ্যাত ধ্যারক্ষেত্র কাণিক-নিকেতন এখন আর প্রাী বাংলার ব্যেক্স छैलत क्षात्रमाम राष्ट्र काला एतत हा हैन एवंडे নত। চতুনিকৈর পালী সমায়েশর সংকর ফ ছানের শ পিছনিকেছানর সমাজ বিভা সাক্ষয় কিছা কাল মানান বোগসারে বাজ, বোলপার ভি শাণিতনিকেতানের মধোভ আসম্ভান গাড়ে উঠোছ এমন একটা প্রস্তুর-নিভারতা যা উভারের। প্রকার প্রদেশপ্রেদ। कारमध्य रमात्र कालंबन रक्षात्क । यहा, अत्यागारी প্ডাত জাসে, বহা কথা 🕝 কাজ অন্তেমন। বিশবভারতীর চোটা প্রাণ্যম এখন কলেক পরিমাণে হলে প্রিচরেছে হ'ল

कामारमध्ये महत्त्व वात्मा जान अकान्यरमञ् ताची रात्मात करण रजाकारिकात जानका ।

नारिकामरकक्टरमञ् खरम्बानशक MENUTE IN WITHOUT OFFICE PROPERTY कारमय क्षरकाकिये बना क्षित्रा मावसार प्रक किंग्नित विक्र गाण्डिमिक्टाम्ब स्थाप সৰ্বশেষ ও সৰ্বপ্ৰধান যে হাছি তা ভাষ হাতহার একটা গণে বা বহা কেবিয়ার काकटात वाहेरहा अक अक्टो कावनाव दावराष कवाना कवाना अक शतात विकास गान भारक। देशरतक आध्यतिकाम कवि সাহিতিকেরা যে পারী প্রার পিরে ভিড করতেন তার কারণ হিলেবে ধরা ছেভিয়া बा धरात मह या किया रमधान त्यत्व भारत हात न्त्र नाम भारक अवस करते किया हा নাকি পারীর হাওয়ার চিংশ হাকে। আবাহ পারী ভাষে যে ফরাসী চিত্রকরের সন্ধিত ক্যানেশর হাতে কাছে ছড়িয়ে পান্ততের এবং भिन्न (midi) अनुसन्द 🖎 दिहनत अस्मात কথা বল্ডেন, ভাজি শাধাই নৈজলিক আলোধ কথা লাকৈ ভাষত সংখ্য একন আৰ এक बाहरीय करा हा बाहरा विख्यारिक हाउ এই ভিজাপন মান্তের ছবিনের কা পোছ যে অলো ছবি অকিল মদ কাজাত মাত-राज्य, प्रसारक्षीतार कार्याः एकन्द्रिक भवारस्य প্ৰেম্টাও সেই বৰম কিছা একটা কি ভড়ান দেই ৷ এইখানবার বাতাকে নিউটন নিরুষক নিক্তিছিলেন এখনকার জুলনক বিকাল্ডার ছাটোছায় দলিও <mark>হায়েতিল এটোল নাও</mark> জান্তেন ডিনিও কি ব্ৰন্থিকে সং দিছেই ्रांच करूक का 💰 काक्का ने सरका **क**र्यन য়া ডাক্তি ক্রাভ যা প্রভালত ক্রাভ भागात तथा २२ ६ कारताते स्वाद तिस्ता গাঁবাটের পর্যান্তর স্বাস্থার স্বাধানের চেন্টার िकट्ट करोटा एक**स**ान कुन्*े* किन्सु र

লাগিতীয়কেত্রমার আত্তাসেও ট্রেরকম একটা হৈ গড়ে একটা এককম কেলে প্রে राविकारमाना धना एकाम भवारत काकारम বাহাসে কেই : জৈ এই কাৰ কৰ ভৱা रक्षांका ग्राहे कि ครับปฏิภาษาสุดสุด <sup>\*</sup>কণ্ড তাহা ঐভিহাই না। ভাতিমারভানের दा क्यांत अर्थ हेर्ना मन्द्री मास्य द्वर्ग महत्त्वा प्रव इतीतमानस् रा निकामानासाङ् अतैयासस्य सम् বাস্তালীর সংস্কৃতিকে হা কিছা প্রেট বাঙ্কারি ধানে ধারকার মধো যা বিছা ৰ লজহাত হাই ফেন স্থ গাড়েছা গাড়েছা হয়ে এখানকার বাজানে উত্তে হৈছাকে: এই বাডাসে নিলবাস নিছে বাছালী আছে-প্রভাষ অন্তব করে। যে শ্রুরের সংস্কৃতি रकाष्ट्र कविष्टा (संशो या माप्रैक फाँकमध करा বা গান বাজনা গোনা বোঝার সেই সভরের সংক্ষৃতির কথা বক্ষি না, শাণিতনিকেতনের হাত্যার এই বৈশিশনীয়ক জামি কোন বিশ্ব-ভারতীর পণ্ডিত অধ্যাপকের জানগভা প্রকাশ প্রকাশিক ছতে হেনিনি বা বিশ্ব-ভারতীর প্রয়োজত কোন ন্তানাটোর কন্টোনে ক্রিত হতে হেনিন। আরও গভীরতর অর্থে সংক্রতি, বা জীবনের সংগ্র মিলে এক হরে জীবনকেই এক অন্য রং জন। জহারা কের ভার কথা কর্মাত, করে প্রকাশ লেখেছি কারও বাড়ির লিড্রির পালে ক্রেটন ভান ভ্রেন বা ভোন সাইকেল রিকশাওলার লাম নিয়ে নরাগরি করা বা না করার ধরনে বা সম্বাব অন্দর্ভারে লাম করার ধরনে বা কোন ছাত্রীর পোলা গলার গাওয়া গানের স্থান।

সব মিলে শাণিতানিকেন্দ্র বিদ্যা চটার আনুক্র পরিবেশ যা এগনট রয়েছে তার তুলা পরিবেশ বাংলাদেশের আন্ কোনপানে নেই বা হৈছি করে নেওকা সম্ভবপর আন হর না। স্তেরং কলকাতার বাইরে একাধিক উক্তম মানের শিক্ষাকেন্দ্রে প্রয়োজনীরভাব কথা ভাগে বা বলা হারছে তাসের একটিকে শানিকানেক প্রাণিত হারতই হবে। এখন

থদুশৈ বৰ্ধনৃ ভয়ংকর শালকি হোলদের	<b>16.001</b> <b>5.00</b>	बषुब होत्बत कविना	
গোলক ধৰিয়ে ফাদার খনশ্যাব		নয় চাঁনের বিভিণ্ট ববিদ্যুত বিশেষী  কবিতার সংবলন ৷ ৩০০০	
সমরেশ বস্ব মিছিমিছি শেষ দ্ববার বাহিনী	11 20.00 II 11 8.00 II 11 8.00 II	আশ্রেষ ম্বেপ্থেপথের <b>চলো জনেলে ধাই</b> ৪ ৬ ০০ ৪ <b>ব্রীপায়ন</b> ৪ ৬ ০০ ৪  রাগশর ৪ ৬ ৫০ ৪	
মলোঞ বস্ পথ কৈ রুখবে কানী ভবি আর ছবি	# 8-00 # # 6-40 # # \$5-00 # # \$5-00 #	নাৰাখণ সান্যক (বিকৰ্ণ) দশ্ভক শবৰী ৷ ১০৫০ ৷৷ নালিয়ায় নাল ৷৷ ৪০০০ ৷৷ পাথের মহাপ্রস্থান ৷৷ ৪০০০ ৷৷	
मल्टाबङ्गात एकाव श्वाहरमाहाक बढ्द नगी बाहेटत म्(त	H 8.00 H	ন্তুমন গ্ৰহ ক্ষেত্ৰ বন্তুমাংসনা (( 5.00 )) কৃষ্ণচ্ছা (( 5.00 )) হিন প্ৰৱে (( 5.00 ))	
1		ন্দ্ৰদেৰ ভ্ৰাচাৰ' :: 5.00 চাঁদে যাবেন যাঁরা	
শ্বাধীন জীতদাস নক্ষো খেকে মাহি পঞ্চতত ২৯ ১-০০	27 28 28 8-60 8	ক্ষেত্র বিশিষ্ট হলং । বল্প বাহ । ৫-০০ ॥ <b>দিলীপ মালাকার</b> ॥ ৫-৫০ ॥  কৈছদ মাজতবা মাজতি বিভিন্ন ওকা ॥ ৫-০০ ॥	
সহচরী ভি. জাই. পে, জার্ম্বর)  -বালন্দ ৮ ৫-০০ লিনাই ছাঙ্গের ৮ ৫-০০ গ্রেলকুমার দির ৫ ৪-৫০  আধ্যুনিক শিক্ষাতন্ত্র বংরেন্দ্রমেহন জাহার ১০-৫০			
শিক্ষার পটভূমি, পরিবেশ ও পদর্শত মলোককুমার সরকার, এবং এমার, তিবি বালাবা শিক্ষক নিয়ন আল্লাল প্রবাদ আল বেলাল পার্বনিশার্শ প্রাট লিমিটেড, ১৭ বালিক চাট্টের হাটি, বালিকায়েন্ড্র			

আলেকনা করব, সেই নিকাকেন্দের আকৃতি ... এবং প্রকৃতি কি রকম হতে পারে।

গিকার তিনটি অকা। এক হল বাকে বলা হরে থাকে সাধারণ শিকা—শিশ্ ও বালক-বালিকাদের মন ও চরিত গঠনের কাজ। আমাদের দেশে প্রাথমিক ও মাধামিক শ্রেণীর বিদ্যালয়ের শিক্ষকে ব্যাধারণ শিকা বলা হলেও অন্যান্য অধিকতর অপ্রসর দেশের ছাইস্কুলের ছেলেনেরের বা থেখে তা আমানের দেশের বি এ পাস কোর্সের লিক্সবীর বিবরের সপো ছুলনার। সাধারণ শিক্ষা কলতে এই ধারণাই মনে রাথছি।

এর পরের ধাপে আসে সেই শিক্ষা বার মূল লক্ষা হল অধানীতি এবং রাজীবজ্ঞের প্রয়োজন মেটাবার জনা বিভিন্ন সক্ষতাসম্প্রম ক্ষাৰ প্ৰদৃতিকলৰ, ইংলাজিকে বাকে কৰা হল protessional training । আল্লাকল অধানৈতিক পলিকলনার আলোচনার human resources planning বলে একটা বিষয়ের অবভালনা দেখা করে। এই স্ভিতিকলাতৈ কৃষির জন্য সারের প্রচালনক কেলাবে দেখা হল: কৃষিবিজ্ঞানকেও ঠিক স্ক্রিয়ের প্রহণ করা। হল, সারের কন্য

আরো ডালো, কারণ চুল চটচটে হয় না

# ক্যালকেমিকোর ক্যান্থারাইডিন হেয়ার অয়েল ক্যান্থারলৈ

(cafm#15 (36 414)

এই আধুনিক ছেয়ার টনিক এখন খেকে আকর্ষণীয় নতুন কার্টনে পাবের।





कामकारे। (कविकास-अर्थ देवरी

কারখানা আর কৃতিবিজ্ঞানের জন্ম কৃতি-বিদ্যালারের উক্তরের প্ররণের একই ধরণের কর্মনিতিক হিলেবের: অনুক করা হয়। সর্বপ্রকার কারিকারি অনুসকে তো এই হিলেবের গাভীতে আন্তা, বরুই, কন্তৃত আহালের লেকের কিন্দালারকান্তিতে এম এ ক্লালে যে শিক্ষা দেওরা হরে যা ক ভার প্রকা সন্তাই শিক্ষার এই বারণার পরিবিতে পড়ে। আরি এই শিক্ষার হালের শিক্ষাকে পড়ে। আরি এই শিক্ষার হালের

ভূতীর বালে শিক্ষা হল কিলা বিভরণ নর, তার আহ্রণ কানিবিজ্ঞানের ক্ষেত্র গবেষণা ও অনুসম্পান, গিলেশর ক্ষেত্র সংসাধ

এই তিম আগের মুদ্রা বিশ্বভারতীর বে উপরোগিতা তা প্রথম ও ভূতার কাগে। দ্বিতীর অপের ক্রিয়া বিশেষ কেন উপরোগিতাই তার ক্রিয়া সাধারর শিক্ষার সম্পরের একথা বর্লা বোতে পারে, ক্রিয়া কারতী এই বিভাগে ক্রেয়া অভাগ করেছে বালান্যালর ক্রায়া বিনালারেই তা করেন। ভূতার অপের স্মান্তর আয়ার বন্ধরা, এখনও প্রতিষ্ঠা প্রশাস বিভাগ ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা প্রশাস বিভাগ ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা প্রশাস বিভাগ ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা বিভাগ ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা প্রতিষ্ঠা ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা ক্রিয়া, এখনও প্রতিষ্ঠা ক্রিয়া, বিশ্বভাগ বিশ্বভাগ ক্রিয়া ক্রিয়া, ক্রেয়ার ভ্রিয়া করে ক্রেয়ার ক্রিয়ার করে ক্রেয়ার ক্রেয়ার করে ক্রেয়ার ক্রেয়ার করে ক্রেয়ার করে ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার করে ক্রেয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার করে ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার করে ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্রেয়ার ক্রিয়ার ক্

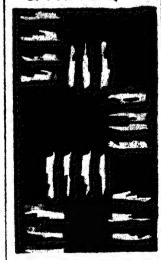
कारियां इ. रकानसक्त्राम् विभागः वेश्वादेशी অনস্থা বিশবভারতীয়েই হার্ডা সাভ্য নার এ প্রস্তুত ব হর্মেটা সহাজাই মাদা, হাবে : কারিয়ার रिसात क्यान जिकाइनास्त क्या कराड शांत निकासों किन्छ छात हेन्सरानी करन्यान প্রের, যাবে জাস্থাস্থার ন্রাণাপ্রে-জ তাঁর क्षकाला । कारिकारि रिमा श्राप्त के प्रथमकाल ুপ্লাদারট বিক্লা সম্পর্কটি **জ**ালি মত প্ৰকাশ করেছি যে ভাগের উপায়েকট কাইপৰা क्षिप्रभावकील कहार क्षणी कहा केंडिए नह তা এই ভারদে যে পেলাদারী লিভার ভেতে কত খলতে কছটা। লাভ উদ্ধা এই ভাই terra cost freez with benefit cost analysis राष्ट्रा सा कमालाई सह । शहराहन शिका उदा **अक**लब गाउँबना এरः शिका-সাধনার ক্ষেত্রের খরচের ছিলেবট করতে হতে পারে, কিন্দ্র দেই ছিলেবটা ভালের व्योग्छम म्बास्टनर भएक स्त्राहरून सह। কিন্তু পোনাহারী লিকার কেতে লাভকভির হিসেনটা অনিবার্ষ। একটা হিসেব করাসই দেখন বাবে বে, পেলাদারী শিক্ষার কেন বাক্তার বিশ্বভারতীর চৌহন্দির এরচে ल्यात मा। कार्य लाई अकरे, र काला উলিখিত হরেছে। পরিমাণের পিক খেকে **এट क्य मरभाव बाटबाटीत शिका वाक्या** अवादम होक भारत हर, कारतारा वर्ष । शांत रिक्शितमाणक रन मध्यक निक्क द रव श्रीवद्यान बाजवाय स दशाशीय अक्नकन ছাত্রের ক্লানের প্রধান লালে সেই পরিমাণ উপানবাশ বাবছাক হাজে সপ্রথম ছাতের, গতিকা ছাত্রের এজন কি একজন ছাতের জানের উপার। এ নিছক স্বাভীয়ে সম্পরের অপানর।

সাধারণ শিক্ষার ক্ষেত্র কিন্দ্রভারতীয় জনা বে প্রেডিছ দাবি করেছি ছা জনেকে নাও মনতে পারেন। সাধারণ শিক্ষা বলতে বলি লাখু "three Rie" বোকান হর তো কলবাতার এবং লাজিলিং-এ অনেক ইংরিজী মিডিরাম বছকোকী ইন্দুল আছে যাংদর মান উক্তর হওরা অসম্ভব নর। কিন্তু সাধারণ শিক্ষা বলতে বলি দিশা 'ও তর্গালের মন্বাছের বিকালে সহারাছা হাবি তো বিশ্বভারতীয় লগনে তালের উধের হবে। এই দাবির সাধ্যক অনিকতর স্ক্রো বা বাছি খাবতে পারে ভাবের বাদ দিরে অপেক ক্রত মেটা করেকটি তাগার নিকে ভাবিরে দেখালাই হবে।

প্রথমত, সম্বাধ্যাপতা। বিশ্বতারতীয় ছেলেয়েকেনৰ পাঠাপাশ্ভবের বাইনে সংঘটিত, নাটক, চরাকলা প্রভৃতি লিগবার বা তংকারা প্রচাষ্ট ইওরার যে স্থেলে পর ভা अवस्ति कालास्ति कन्यक्रे व स्वस्ति देश किया भारतीयक मक्टमता आत्र श्रीतिक व নাগালের অনেক বাইরে। যে উৎসব অনুষ্ঠানের অন্তিশহা উচ্চতত বংশত ছাত্র-ছাত্ৰীলের অধ্যয়ন অধ্যাপনাত্ত বিপ্যাণ্ডই করে সাক্ষারামতি বালক-বালিকারের মনের পক্ষেত্র তার হয় পুরুষ্ট উপকারী— ক্রীক্রাকে উৎসব্যক্ত ঐপবর্ষায়া ভাবে দেখাত ংধ হর তা সহাতা করে: অথচ শতরি ১৯% বে অব্যোগত হয় তাও নয়। পাণিত-নিকেন্ডনে কেলার জন্ম কর বড় মট कर्षाक्षः हा ६ द्वासा करण "द्वास विकासहर পালা সম্ভব নয়, বিশ্বভাৱতীয় শিক্ষা KIRPATE PORT CHORDER ARE CATECOKS জাহাম ও ক্রড়ির উপর হে সার্ভ করে থ क्षा हर हा सामा माना केरा अपन কেন মেরেলের শকুল বা কলেজ কি আছে বাংলাদেশে বেপানে সহিত্য বাধান্তম্ভাক এবং সাঁচৰ কাটার সময়ে উপয়াত কাটায়ে পর ও বাধ্যতাম লক ?

শিশুনিত, ছারছারীদের নিজেশের মধার, অধ্যাপকদের সংক্ষা এবং লানিতনিকেতনের সমাজের সংক্ষা এবং লানিতনিকেতনের সমাজের সংক্ষা থেকে লার্ব্র 
করে পি-এইচ-ডি প্যালত ছার্ত্রনের এবই 
ভারগার শিক্ষার বাবক্ষা আকার এবং 
অধ্যাপকদের গ্রেহ ছারছারীলের অবাধ গাঁও 
বাব লার ছার্ত্র তথাপকে মিলে একটা বেন 
একারবর্তী পরিবারের স্থানি হারছে। 
অন্যান্য যে কোন সমাজের ভুলনার পানিতনিকেতনের সমাজে যাকে ইংরিকীতি 
জেনারেশ্য গ্রাগ (soneration sap) ব্লে,

## প্রকাশিত হল



#### रिवकावक वार्था गयारवव

## লোকরহস্য

বিছা বিছা বেংশক আছেন বাঁচন গালন উপানাৰ পাছতে পাছতে পাইব কথান কো-একসমত সমৰ এবং আছে কান্ত এক মতমাছ প্রোচার পাবিলাও বাঙ্ক বানা। জান গেখক হারে ওড়ো এক মাজালী কথাক বিলি তবি আলাছ এবং কান্তালী কথাক মাজালাকে পাইবালক কথা মাজা-মান্তই কান চোলাকা না, তালের নিজ্ঞাল কোনা কালোকি নান্তালির বাব কালোক। কোনা একনা কোনাক এক

কৈংজানাগের নতুন বই প্রাক্তরকালা এর লক ডিচীল স্বের-নির্মাণিত চিত্র-রাজির এক সমালা জ্যালবাম কেন। ব্যাহর পরিপ্রেকাত্তর ভূমিকার্যান প্রকল্প ডিছা রেবার উপা স্থাপার্যান জ্যালবাম। স্বামানা বিশ্ব স্ববল কান্তি রেশাল আড়ুব্বর্যান এবং বর্গানাভারীন—জ্যান ভারই মধ্যালির বিশ্বানা কর্ম কার্যান বিশ্ব স্বান্তান্ত্রীন—জ্যান ভারই মধ্যালির বিশ্বানা ক্রিকার্যান ক্রিকার্যান ক্রিকার ক্রিকার ক্রিকার উপান্তান এবং চালিকার ক্রিকারন উপান্তান ৪ সাম ৫.০০ ৪

এই লেখকেং অন্যান বই

সনের মান্ব
 ৩০০০
প্রেমের গলপ
 ৪০০০

<u> নারারাত</u>

¢.00



জ্ঞানক পাৰ্যজ্ঞান প্ৰাঃ জিঃ জ্ঞান ও চিন্তামীৰ ৰাজ জেন। ৰাজ্য ৯ বৈৱন্ধ-কেন্দ্ৰ ৮ চৰ ৯ মহাজ্ঞা ব্যক্তী মেড জেন ৩৪-৮২৪৭ অর্থ ওর্প ও বরস্কলের মধ্যে ভাব বিনিময়ের প্রণালী শ্কিয়ে বাওয়া, সেই ঘটনাটা কম ঘটেছে। শাস্তিনিকেতনের শিশা ও বালক-বালিকারা অধিকতর বরসের ছারছারী এবং ভততিধিকতর বরসের অব্যাপকদের স্নেত্রের বেশ্টনে বেশ্টিত হয়ে থেকে এমন একটা মনস্তাত্ত্বিক নিরাপত্তা উপভোগ করে বা ভাদের মনের পক্ষে প্রতিকর। এই সম্পর্কটা অধাসকদের পক্ষেও উপকারী। কারণ এম-এ ক্লসে পড়ানর সময়েরও বেবেত্ অধ্যাপকদের চারি-দিকে শিশানের কলকাকলি নিনাদিত হয়

সক্তৰ নর বে, শিকা ব্যাশারটার মূল লক। মন্বাজের উলোধ, শুধু মাত ককতা অকমি নত ।

বিশ্বভারতীর ছাগ্রসমাজের আর একটা
সম্পদ তার অনতভূম্ব ছেলে ও ম্যেরদের
মধ্যে সম্পদের প্রকৃতি। বিশ্বভারতীই
বাধ হর ভারতবর্ধে প্রথম বাগেক সহশিক্ষা
প্রবর্তন করে। এবং সহশিক্ষার বে সাক্ষা
শান্তিনিকেতনে পরিকক্ষিত হয় ভারতবর্দের অনা কোন ছাগ্রসমাজে তো মেই ই,
আমার বেশ সন্দেহ আছে নুনিরার অনা
খ্য বেশী জারগার আছে কিনা বেশানে
বিদ্যালারের ছেলেমেরেরা এত সুন্দর সহত্ব-

कारन कारेरवारमंत्र अक मिर्ट्साकरण नक रहा। क्षे क्षेत्री सामाद्य अत्मा विन्यकामधीय ভাচসমাজ বাংলাদেশে প্রচুর নিশ্বিত, কারণ वारमात्मरण अध्यक्ष अर्मण वाणि जारकम TICH THE CHARGE AND ADDRESS OF वााभावती अवती विक्वीविकान्यवाभ टकाम क्षकीर एकरण च क्षकीरे स्थरतस्य ব্ৰেডাটে দেখাল বাংশন হালনোপা, হ'লয়াৰ উপ্তম হয় কিন্তু হৈ স্ব বাঞ্চলী রবীপ্রনাথ সাধ্য পড়েনইনি, পড়ে কিছা ক্ষেত্রকা ভারা উপলাম করাত পার্বের ৰে, সহলিক্ষাৰ জেওঁ বা ফল ডা লাভিড CHOMONORRI লৈকেড নের CHICAGO: CACACOA RESIDE ACE CACA-দেৱ থানিকটা সাধকালৈ হলে ওঠা, নেৰেদের जाजित्याच क्राकार्य तकामान्य कांगवरी क्रम स ছাতিকাত হয়ে ওঠা এবং নাবালিরেয়েবর স্থাপ্তার নামান জার্টির পিকের মধ্যে খেটাকু নিছকই স্থাস ও মধ্য ভাব আস্বাস্থ্য कटल्ड ६७१:-धरे प्रोप्त**े व**रेका

ভাৰতি হচ্চাত নিকান প্ৰসাপা প্রথমে শিলেশ্য কথাটা লেরে নিই। কথাটা সংক্ষেপে সাধ্য যাত্ত, কাৰণ বিষয়টা বিভ্ৰাম্ভৰ নহ - বিশ্বভাবতীর বিভিন্ন বৈত্ত কর মাধ্য করা বিভাগ ও সংগতির বিভাগ कालांगल एकान (साम्रोक्तान E 12 1 এলেছে, ভবিষয়ত্ত সংক্ৰমণ ও ভালের সেই অনুপ্রতই স্মহান 4.39 লিকেতানর তে বিশেষ হাওয়ান কল তালটি ভার রটের বারে সংঘটিত, তার ফারের আংশ কলা। এমন কিছু কিছু স্থিকিত কৰি িবশ্ব ভারত ীলে আছেন বাঁৱা মান কৰেন করতে ও স্পতীয়ের যে স্থান ভাষে বহুকা অন্তেছ্য প্ৰথক সংক্ষিত কাৰে জনা উচিৎ। এট মান্তর বিপ্রতিত একটা মান্তও আগছ যা ্জাণিভপ্পে নত: ও রণা এই ছে সংগতিকলা, বড়াফার দশনৈ সাহিত। প্রভান इसरैन्युआद्रश्चेत्र निकायः जानामात्र आसर भागः খেল্ড ভালের কিন্তু বিজ্ঞানকে ভাগিছন মিকেডনের ঐতিহাত সংগ্রাকেল নাম না। হুবীপ্রভাগ ভিজে কবি সংগতিকরে এবং कमाचित्र किलाग जल्मक राग्दे, विषक दिना বিজ্ঞানের ম্লা নিধারণ করতে অপ্রেগ क्रिकाम क्रोडे शांत्रमाठे। कुल राष्ट्रा कार्येडे अनीनक-ন্ত্রের কর্তির প্রতি অপমানকরও বটে। জ্ঞানবিজ্ঞানের ভোন বিভাগের প্রতিট রকীন্দুনাত্তর আধ্যনিক মতুনর পক্ষপতিত किल गा, दकान विषद्धहै और केरलाई सम ছিল ন। স্তরণ জন্মন বিদ্যার থাতিরে কলা ও স্পানিভার গারাভ খবা করার বেমনা প্রদান ওঠে না, তেমেনি বস্তীন্দ্রনাথের লোছাই নিয়ের জন্য কোনা বিষয়কে বহিম্মুক্ত বা স্বীমারত্ব করার প্রস্তারও গ্রাহা মর।

আরও একটা কথা বলার প্ররোজন আছে। কলা ও সপাতিকে যে ভারতবরে বিশ্ব-



मारमा को क्यांति साहित क्यों से बात क्योंस

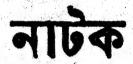
मा द्य निर्मायकारका संदर्भक्ट प्रवाद

विकासिक विकास कार्याक करा स्थाप का करणाई स्थापन शहरत। किन्छ कार्राक विन्यानमा मारको क चाउँछ का अहे त्व बाँख चन्छ। बांग्रिम बांबा निवस सन्तानाहर देखिए न या भूरभाग शक्र रागत त्व त्व क्षांच चार् ভাৰেই জ্বোৰ কৰে সংগতি এবং কল পিকার केशब हाशाम हटाइ। अवह ब्या रक्ष कर्मा বা সম্বীত বিশান্ত না হতেও ওক্তা ভি जहरूरे लाखा यह मा (व. अकार्य अवार्य काह काह बराम विकासरमध शहरासम অন্যান্য বিষয়ের বেলায় প্রাক্তনার লিলেণার ক্ষেত্ৰে বা প্ৰয়োজন তা সময়তে ভালা বেতে পার র মত গভার ধানে। তানপারার তার বাঁধতে বাঁধতেই তো ক্লানের পারতর্গিল बिनिये द्वारित बादव, द्वार करह बिनिया रह হৈতি করতে পরের অংগই তে অন। ক্লাস बाक्स ब्राफी भएक बार्ट । दला के मभारिक ভবিষয়ত্র বিশ্বভারতীয়েও প্রথম ভেলাতে জ্ঞানন প্রহণ করবে এট মত পোৰণ করাও

क्या को गई रिकाटक न्यवसंह स श्रेट हरने। ততীয় সংগ'র শিক্ষার শিক্ষণ সামনার भागाभागि कारम्बार कार श रवण । शहरवन्त्र

प्रत्या गाउँ निकान-शास्त्रांशिक नारवनः साना विभाग्य गारवस्था। शारवाशिक गारवस्था र स्कार বাংপাৰে বিশ্বস্থাতীয় বিশেষ छेनात्वानिका व इतक का इत बारकात्मात्व शक्तीमहारक्षम् आसारा <sup>द</sup>नाक्षम् क्षेत्रम् शास्त्रम् । পদী ব্যালার কর্মানীতি, সমাজ সংগঠন প্রভাবের উপরে অনুসদধনে তথা সংগ্রহ এবং দেখের ভাতিক বিভেত্তৰ করার করে বিশ্ব-ভারতীর বিশেষ উপ্রোগিতঃ প্রে এই काराम नह रर, छात्र खतन्यान शङ्की तरहो। कारकरास राज्य किया, अक हातक राग्ने हैं। পল্লীসমাজের স্থান ছনিষ্ঠ বোগ বছার বাৰা ব্ৰণিপুনাধের পিকার আগলের জন্যতম প্রধান ধারা, তার জাসপালের তিনি কার্যাত হাল বিহেছিলেন জীনিকেতনের প্রতিভাগ इ.स्फ्रहः यहे द्याप्रण इक्त्हा सामक गाउ ছলিনতা প্রণত হাছেছে বিশ্বভারতীর সংগ্র প্রতীসমায়ের সাক্ষার হোগা হার্ডো কার্যক্রে को॰ इएएक किन्छ को नगरराज्य भागत वस्तरिक मण्डत द्वर करे।।

राजी भएउ शासक निमान्ध राज्यका। ঠাল এই প্ৰসাধ্য আমার হা প্রস্তার তিং খানিকট অভিনবত মটে এবং এই প্রস্তাবিত সংগ্রেম আমার চেত্র বিধ্বভারতীর স্কুল ভবিষয়ত। মাধ্য স্বাচার গারী। भारती विकास पार्**रवेशाय का**ल विकास ভারতীর আলা ছিলেবে যে জাতীয় উচ্চত্র बाप्त कार्याहर करा वाबाद बहुन हाहाहि ভার মাজর ভারতবর্ষ খেকে। সিতে পারৰ নাং। জনা দেখা থেকে কিছা দিয়ে পাড়ক। 2000 3.0.0 P. Sei s. 473 Institute of Advanced Studies ex (Von –ছাটনস্টান হল ন্যুম্ব Neumann) 6: भार देशाङ 2204 একেয়ার সবাচ্ছার মনীবাঁরা বে প্রতিষ্ঠানের আপ্রায় বাংকে ভারিবর জ্ঞানচর্চা করে ব্যাহান। এই সংক্ষাক কেন বিষয়গত বিভাগ কেই. তোন অধাপনার বাবদ্যা নেই ছব্চি ছব্টা ব্রিনের বজাইও নেই, শ্রেষ্ঠ গবেষকের। হাত ভাবের উত্তাগ প্রতিভার বিকাশে ह्याम व सा मा नाम, बाधक शहरवण। या অনুসংখনের স্বাপ্তকার স্কোণ-স্বিধা পান তার বাবস্থা করাই এই সাম্বোনর একনত लका। अवनव प्रेजन क्यांस न वि क्यांन्सद acras of prop (College de France). कता शाकीय महायम् (Sorbonne) स्थित-বিসালারের সংগ্রা সংখ্যিকট এই কলেজে অধ্যাপক পদে নিব্ৰেছ হতে পার্ডকে ছার্কেন চাড়াত সম্মানের চোটে তেখা হয়ে থাকে। এট কলেভেও কোন বিষয়গত বিভাগ নেই, टकान अधारणात्म बावन्धा दन्धे। वश्रद्ध दगावी-



অমর গলেগাধারের নাটক .

वहकारत वसना

প্ৰেশাল্য সামাজিক মুটি নামী। ৩-৫০

रवता • इयीन्त छ्लाहाव কোধার আলো • সৌরীলা ভটাচার বুটি নারীবাঁজাত প্রেম্বারপ্রাপ্ত একাশ্ব नाजेक अक्टरा भूजा ७.००

> जबालमा मार्ड-अन नाहेक न्बध बढ़ीहरू।

বলিষ্ঠ প্ৰাম্প। একটি নারী। ৩-০০

দিলীপ ভটাচারের নাটক কালোদেয়াল • নেপথে

र्याः शहरकाहराज्य मार्थसिकार कराव नाउंकः अकट श्राम् ८-००

*स्नोत्यन ६*एडेग्नाथाएतस्य नाडेक নাগপাশ

বপরাবহালক প্রাণেয়া ১ নারীয় ৩-০০ ৰচিতে চাই 🕈 মণ্টু গলোপাধারে নৱীবীকতি সিরিয়স প্রোজা। ৫-০০

इनना • समन मार्थाभाशाह महिनाइस क्या भूनीमा श्रीमत। ०-००

বিবেহীর শপৰ • জচিত্তা নাধীৰাজ্ঞান্ত ভেটাড়ক একাদক। ২০০০

बक • अटन् नवादिकाती প্ৰোপৰ জাইন। একটি নারী। ৩-০০

জন্মহারা • কিরণ মৈত্র নারীবাঁকাত সিংবরাস প্রাাক। ০-০০ क्या • रेगालम ग्रह निरहाशी সামাজিক শ্রাকা। কৃতি নারী। ৩-০০ শবরী 🍨 স্নীত মুখোপাধার নারীবাঁলার সিমিরেস একাদ্ধা ২০০০ লোনার হারণ 🔸 শচীন ভট্টাচার প্ৰাণ্য সামপেক। একটি নারী। ৫-০০

পরিবেশক ঃ নৰ প্রতথ কৃতিত্ব ৫৪/৫এ ৰলেজ স্থীট, কলকাডা ১২

# এবারের

(अता



# আবিভাবেই

শহর কাঁপাৰে

३८८म ल्यार केन्द्र निर्मार द्वत्रहम् । माम ॥ हात्र होका

কলিকাতা পরিবেশক: পাতিরাম পারিজা कटलक भ्योठि (सर)

नात्रिका भार्याणस्मान 20 5 Breen from cont. win-s

(SPONORS)

### নতুন আবিষ্কার বিনা অক্টোপচারে অর্শ অপসারণ ও আরোগ্যের জন্যে ঔষধ

क्ष क्षेत्र प्रमुकानि वक् करतः करतः 'विनिटिंड खाना - बत्रपा छैनमन करत

ক্ষিট্রাইন্রাইন্ন বিজ্ঞান তথ্য এক নতুন নিব্যাহাকারী পদ গের সজন পেরেছে ছাতে ক্ষমী অপলারেশের ক্ষতন ক্ষরতা লারেছে। কানা গ্রেছে যে এটা প্রবাধ কর একের পর এক বছা ক্ষান্তর্গী আরেশা লাভ করেছেন লেকা সংগ্রেছ এই নন্দারী প্রায়োপের কলে ক্ষান্তর্গা ও চুলক্ষনিব ক্রিপ্রায় কলে ক্ষান্তর্গা ও চুলক্ষনিব ক্রিপ্রায় করে একটি সম্বোধ্য ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্র্যা কলেকের বে ব্যোগিরা ক্রান্তর্গা সংগ্রেছাক্ষান্ত্রারিরা আন্ত্র ভাষ্টের কেন্দ্র সমস্থানি এই বি এটে নিচাউন্তেককারী, অনুক্তিনালক বা কেন্দ্রির থক আনীয় কোনেপালি বিজ্ঞান আগ্রেমার কোনেট্রক বা হোলেপালি বিজ্ঞান এই মোক্ষম উন্তাবন কান্ত্রকার্যকারি ভারি বিজ্ঞান প্রায় করে ক্রিয়ার । আন্তোলাক্রির সভ পান্তর। যায় । আন্তোলাক্রির সভ পান্তর। যায় । আন্তোলাক্রির সভ পান্তর। যায় । আন্তোলাক্রির সভি বিন্দ্রালাক্রিকার কন্ত্রে নিচার বিল ন ই বিন্দ্রালাক্রিকার কন্ত্রে নিচার নালি স্ব বিল্লাক্রিকার কন্ত্রির নালি বিল্লাক্রির সভি বিল্লাক্রিকার কন্ত্রির নালি বিল্লাক্রিকার বিল্লাক্রিকার

81-PH-82 MF

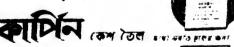
. . . 4 THING S (\$55. A. )

### টক যেমনটা আমি চাইছিলাম!

ক্ষম একটা মাধ্যর জেন আমি চাইছিলান আ চুটুচটো কনেন, জামাকাপ্রেন গাল লাগবেন্য আবার আর গজচীও কবে সংলারত কেব্রো-কাশিন ঠিক একমি একটী সংখ্যর জেন

(कार्या-

চুল কে মল, মসুণ ও প্ৰিণাই ৰাম্যান্ত এৰায়ানকালিকেৰ জুল নেউঃ সুন্দৱ খন চুল চান (ড) কেয়োনকালিকেই জ্বাপন)কে নিচুৰ হবে।





করের করে ব্যক্তা দিকে হর স্থিতার ক্ষরণাপক ক-নির্কেটের গবেষণা প্রসামি করের ইপর মার্ড কন্য ক্ষেত্র নির্কাষ্ট করের বঙ্গতা প্রসাম ক্ষান্ত পারে কেউ) বজাই বাহ্যকা এই সব ক্ষা প্রতান কিলেখানার ক্যান্য গবেষকের গবেষণা করে ব্যক্তি। ক্ষিপ্ত কালের এই সহক্ষান্তিক স্মৃত্যান্ত কেওবা হবে ক্যা সম্পূর্ণকাবেই ক্ষান্যপ্রকর চিক্তাক কিলেন-বিশ্বক্রার উপন্য নির্কাষ করে।

and so a se exclusive cares a ser " see white precing force with a n construction of the second o ename orienae idazione siè è impre ক'লৰ ক'ছভাৰ **সংখ্**লিত কুভাৱৰৰ স্কঃ SOUND THE THE PROPERTY OF A CO. A. C. ল ভেক্ট মন্ত্ৰীয় বিনৱ মধ্যন লিছেয়া ক ST CAPTER STATE TOTAL ATTEMPTS AND ADMINISTRATION OF A কিলেও জনস্কাল নিৰাচ্ন शांताकत इस क्यांक्स tern day than will braning level জড়ে কিন্তু বি সে 2 67 3 ভারতবামার ইংরেজ ভারসরস ি জর হাওম স ব্যবহাৰে হাত্ৰা গেকা করতে ৰেছেন টাট্ৰা যোজন চাত যে যাগেল সাহার নিধি জ दशकादमहा दब काक्का 1870 W. 184 केश के इस्ताद देखा। महाराज का धार স্ভেল বৈশ্বাস জানের চর্চা স

তিমলার বা যেই গাণিতনিক্তেনে তা আছে। বসভূত যে জাতীর উচ্চতম থানের গবেষধাকেনের কথা বলা থান উপনতে পরিবেশ পাণিতনিক্তেয়ে কন্তা। আছে জারাতবর্ষের জান কোথান্ত তা দেই। এই কথা যেনা নেওবার পান বিশ্বভানতীর প্রস্তু বিভ এই নাচন আগন্ত ভেষ্ঠা টি बका श्रुप हैं, यातक अवते, या वेटन दाना भाकः साहम दक्षान क्ष्मीवे दिवसित करा ETWA COM MANCHA SAMPLES BURCOS क्षात्र मधात्रम विन्दित्तिगत्राक्षात्रहे न कि MIN'TE WALKET AND DR AND MYSITES ৰেপেট বা কি মাতি অমাসক কৰা চাৰ SIGN STORE THE WORLD GRADE BALL SPETTER FIRE 77723 5775 মন্ত্ৰা সাক্ষ কোল বিশ্ববিদ্যালয়ে মনসভাৰত from sid were not been COURTE AND EN STEEL PRINCIPLE TO मुद्दारात गरीन रमतवा करते बाउक र जारोपा है। এইবেন্দ্র হয়, যে কেন্দ্র ভাল বিশ্ববিদ্যালয়েই মান্ত্ৰের বিভাগ গোক পালে হাত্রের এই বিশ্ববিদ্যালয়ের আবা উত্তা বিভাগ CRIBE BURES GARE PER AR SE e the second series are a second PERSONAL SERVICES • हेटल विकास १५ स**ः** #RES 21 8 211 ভার**প্র** ডুঞ্জারি পশেষ **ভা**ল ভিত্তা ভাতত MAR PARAGRAPINA SIN MARINE े**टलास क्षांस एक अ**ंदिक का कार्यक्र कार केरन विश्वति **बाह्य के विश्वति ।** वाल के लिहर 7: The State of the S ିଶ୍ରିଷ ପ୍ରସେ କ୍ର ଅଫ୍ରାମ ୧୭

পান লালায় লালিক প্রান্থীত এই লাল চাই সমল কোন্ত এইবক্স কিছাই করা হ'ল নাল হ'লে শিক্ষ চাল্পাল কেন বিভাগই মান্ত লা স্থান সম্প্রিক লাভ মান্ত লালাজ কোনা ক্রমা ইফাল লাভ মান্ত পুর কোনা গালেজজ্ঞাক হ'ল হৈছে ল কালা হ'ল জোভ কালা কালা কালা কিনি স্বাহ্মা এক স্থান্ত কালা কালা হিনি স্বাহ্মা ক্রমা এক স্থান্ত কালা কালা হিনি স্বাহ্মা ক্রমা ব্যাক্ষণ কালা কালা হলা বিভাগ কোনাজ্যালয় স্ক্রিক ক্রম্ভান ভ্রমা



मा बीक करवन व जब गुरुकार गरिया लिह क्षा भा कर कामान अब शाहित THE R. P. LEWIS CO. LANSING MANUAL PRINCIPLE S. C. S. C. Des ent Tre , man when en while MINIST THE STE SIZE STREET बार्स क्र स राज्यका तकाल क्रक है तक रहती. ছ'ল প্ৰেম্পার আমাস্থিপার সব বাব<sup>ম্</sup>থা wie cross one ele sicanie site in WELL DE NO BESTE MILE THE TOTAL AND ST er i fofe wie ber bie der Streit कराम के बादकार शास्त्र में स्वराह भीड़-कर्मकार क्षत्र किन्तु क सुरक्षा । अवस्यका tale शिक्षाक्षाक साहा अवस्था है शिक्षा है CHIEF GERMOES GREE HE E RICHARD F COP কা। অস্ত্ৰালের একবিব কবিবুল্ল ও ৪৮। চুলুকুল ক্র নিক্তিক প্রচ্ছেক্তর জনিক প্রাথক 47 460 2012 BOLD BARRY BOOK BY BY BY भार देखें काफ विश्वकार हार नामक राजित है। कार के विश्ववर्ष के इस उन्हें कर से के बहु त्रक्षम् प्रका प्राप्त स्टार

LANGE BEST FRANKERS 1 A 1 B 18 A रकोर विश्वास सम्बोगात कर**कर** उन्हें বার ১৯ট কর <sup>কি</sup>**ল**ে প্রেম gy Parkinson in 1964, aprile জাতি কে ভণিকাছন हत्तु<sup>8</sup>त ४० द्व**ं क्रांस**रक Y12 8 একলিক সমাৰৰ শিক্ষা অপস্থাৰ উদ্ভাই अन्यक्ष अन्यक्ष STAR SCHROLING GRAFF & গুড়া**ছ জাড়ে শ করা ইছ**ে 38 FR 1814 ্রে আহিছা হব তিগ্রেছার ছবি পরিকাশন ক କ୍ୟ<sup>†</sup>•ନ୍ଦ୍ର ପ୍ରୀନ ବିଷୟର ଓଡ଼ିୟ ଅଟନ ବଂଶ হ'। নিয়াহা∳ হাল হাল । প্ৰছে ৷ প্ৰায় ৰিশ্ব কোন নিয়েশৰ আনলি হয়েশৰ । কৰিছ ভালাগড় এ আহার প্রিরক্ষেত্র যায় গান্ত্রণ চল্মান কর্মের সর কিন্তুপ্রতী मनकारक क्षेत्र । समस्य निर्मातनात उद्गी हर्ग सत्त, करान रक्टनेटक रच खत होहै है। इ হয় নাং অভ্তৰ অভ<sup>8</sup>তের বিশ্বভারতীর তে রুপে **ছিল ভাতে** বাধ্যাস্থা তাৰ ফিবিত জনাৰ প্ৰাচাট কৰা এত রক্র রাহার প্রিকশ্বনার ছিল্ডিড শ<sup>্</sup>ণ্ড के क्रिक्टक व बहा, उन्हें का बहार कि शबका সমন্ত্র কৈ চাত্র, সমস্তর নতা, এই ছিল আমার 8. 7.12 5 8 BEST

## विक्तू दव जःवाद प्रतुवाद कावा

প্রান্ত ২০০ কবিছার সংক্ষান এক, সের সর্বাধ্যনিক প্রকর্মি বেরেক্স নমাত ১০০০ টাকা

প্রতিক্রত কিলেন্ড ক্রেন্স শ্রন্থ ১০তি ওপর্যভারত কর্মিত।

প্ৰেড কৰি**জেন্তা**গৰ বিষয়েটোট বাহাক ১৯ বিভাগৰ বি

#### आहित ए। शहर सम्बद्ध

১ কৰ্ট জেল জেল, কলক,তা ভ

× 4808)

## श्वात्री वाहावीव श्रह

জিনজনই প্রজাতনপ্রায় জাপনি কৈছা কিছা নতুন বই কিয়ন থাকেন) এমার আপনার জনে জমানান বইছ—

সংগ্ৰাভিত **স্থানির সক্ষোপান্যর** সংগ**িভে** তথ্য সেম্প্রসর ২৭টি কেপ্তেরা গ্রেপ্ত সংক্রম **জাজকের সম্প** ৮০০০

লাক্ষা কথাস্থায়ায়ের রহস্মান শ্রের সম্পাশন চাট্টাপানার-এর বিভাগে একেন স্ট প্রথম সংখ্যা শাক্টার্ক সমার্থক প্রতিশাস্থা ও মন্যান ৩০০০

অনুস্কার খনত জনা জ্বাতার মুট্ট করে বাংরেন্দ্রনাথ সক্ষোপান্তর-এর স্মৃতি তাগকবল্পী প্রতিটিভ নাট্য একচেট্টে স্বাট/জ্বাত্রশন ক্রেণ্ট্রস্ক ৪-০০

এছ ভা অধ্যা প্রিবেশিত উপনাস অসম রাজের যোগাল দেব ৪০০০ ও বারেক্তনার গজোপানার-এর নাটক ক্তমিরিচ (তিন্টি একচে) ৬০০০

এগনই আপনার অঞ্চলর বই-দোকানে ব: আন্তরেস কর্তার বিনা। ক্রিনন ভাল

#### **जर**्ना

५०/६/४ राज राज्य स्वेति सम्बद्धानाः ३३

JR 6509)

মায়ের থেকে মেয়ের কাছে ধারাবাহিকভাবে চলে আসছে উভওয়ার্ডস'এর বাণী

वाभवाद वाकारक मृत्र वाद मृशी द्वारथ

# উডওয়ার্ডস

প্রাইপ ওয়াটার

বংশাস্ক্রমিকভাবে বৃদ্ধিমতী মারের। উডওরার্ডস গ্রাইপ ওরাটার দিরেছেন নিজের ভেলেরেরেছে। গেটবাধা, অন্ততা, পেট কাঁপা আর বাত ওঠার কটে উডওরার্ডস্ মুকুর্ডেই আরাম দেয়।





কাল থেকেই ভাবছিলাম কি নিয়ে কবিতা লিখি।

সামাধ্য কিছ্ই আসছিল না। দ্ কাপ কফি খেলাম, অনেকবার নিসা নিলাম, চোথ ব্রুলাম, চোথ থ্কলাম, জানলা দিরে চেয়ে দেখলাম সামনের মাঠে একটা কাদামাখা মহিষ চ'রে বেড়াছে। তাকে নিয়ে দ্ লাইন লিখলামও—হে যমবাহন মহিষ, আছে কি ভোমার সহিস। ভাল লাগল না। ছিড়ে দেশলাম কাগজটা। ভারপর ইজিচেয়ারে গিরে শ্রে পড়লাম চোথ ব্রুভ। খানিকক্ষণ পরে তন্দা এপ একটা। কিংতু উঠতে হল, দ্য়ারে কড়া নড়ছে। ইলেকট্রিক বেলটাও বেজে উঠল।

কপাট খালে দেখি একটি মেরে দাঁড়িয়ে আছে। বব-করা চুল, গালে রং, ঠোঁটে রং, চোথে কাজল। পেট কাটা রাউস, পিঠের অনেকথানি দেখা যাজে, নাভির নাচে কাপড়। গলায় পাউডার। পায়ে ঘাঁচলো লাল স্যাণডাল। হাতে বিশ্বউগ্রাচ।

কিন্তু ভারি রোগা মেরেটি। চোথের কোলে কালি, গালের হাড় উচু, চোথে ক্ষার্ত দৃষ্টি।

"কে আপনি?"

"আমি কবিতা। আমাকে তো ডাকছিলেন আপনি—"

নিব'ঝি হরে চেরে রইলাম। মেরেটি কর্ণ কটে বলজে—"বড় কিখে পেয়েছে। বাড়িতে থাবার আছে কিছু;?"

"বিস্কৃট আছে—"

"डाई फिल।"

মের্রোট আমার সঙ্গে ঘার চ্যুকল ৷ খাবার টোবিলে বসালাম ভাকে :

বিষ্কুটের টিনটা এগরে দিলাম। সতে সচে সে ঢাকনিটা খলে আংলার মতো খেতে লাগল। টিনে খান দশেক বিষ্কুট ছিল। সং খোরে ফেললে। তার-পর আমার দিকে চেগ্রে বললে—'বানিনা খাইনি। খাব ক্ষিধে পেয়েছিল।

"থান নি কেন?"

"প্রসা কেই 🗥

'কিন্দু আপনার পোদার গরিছন চেতৃথ তো মনে হয় না আপনি গরীব ।''

"পোশক পরিক্তন একটাও আলার নয়, সব ধার করা।"

"ধার দিলে কে "

"'উল্লিফনটি'। তার এনেক গর্জা। থাছি কিন্তু উল্লিফনী হতে পারি নি, তাই খেতে পাছি না। আর কিছু খাবার আছে অপেনার?"

"হয়তো পভিয়তি আছে ও ছারে! দেখি জ্যামও আছে হয়তো—"

"নিয়ে আস্ক-"

পাশের ঘর থেকে পাঁটবাটি আর জন্ম নিয়ে এসে দেখি মেয়েটি টেবিলের উপর মাথা রেখে কদিছে। অধ্যার ধরে কদিছে—।

# थकरे छिंडेव-किन्ठु शॉं६ क्रिति≈ा

tor use with

beside Same 19

 বছসুখা একই টিউব বিভিন্ন আগপকোলাইট বেস পেন্টসূত্র উপবোদী। মনেরমত ক্রিনিশ—নিমেবে তৈরি। আরম্ভার মত চক্চকে মধ্যনের মত মসুণ-মাঞ্চাসারে, মেটালিক এইরকম ৫ ক্রিনিশ।

এই সব আপেকোলাইট বেস পেউস্ থেকে বেছে
 নিন :-সিনথেটিক এনামেল, আগতি নিক ইমালসন,
 ডেকোপ্রাস্ট ওয়াল ফিনিশ, সিনথেটিক ম্যাট, ভ্যামান

क (महालिक क्रवर क्याकिलिक क्रवरणक्त् (उत्राटिन्मात

🗆 अ(क अ(क वड़ (मलावाद कल प्राालकार)

आक्रिकिता

मरक मरक ३६ स्मावात कना

সব রঙ কবার কাজে এশিয়ান পেন্টস

এশিয়ান প্রেনটস



LPA-AITARS A. 192A BM



वा कारणा, इन प्रास्त्री, का वरण कृष्टे वात कामिट गरे जिल्लाम । दश्लका जरून ना शक्रक के क्षाक्रम स्वरूप प्रति सा माकि?

মান্ত্রী একটা চিল্ডা করতে লাগলো। কোনো কিছা চিল্ডা করত সময় করে চোপ পুটো একটা লক্ষ্মীটারা হয়ে বার ট

साब्दारिक मध्याद्या म्हण्य एथास वक्त सांक्रिय प्रशासन करण, विद्यानक मुद्दा मध्यावितास करण मान्य मान्यायास्त्र मान्य विद्यान्य थावास मान्या विद्यास मान्याया मान्य एक्टा शर्म करण करण स्वाप्त्र हुन-भूत्वा एक्टा थाव्य, एनचे नवस करण स्वाप्त्री। व्याप्त्र प्रशास विद्यास एक्टा मान्न गीनासम् कर्म कर्मा कर्म साम्य कर्मा क्रमायाः मान्याया व्याप्त मान्य कर्मा कर्मा थाव्य स्वाप्त्र स्वाप्त्र मान्याया स्वाप्त्र स्वाप्त्र मान्याया स्वाप्त्र स्व

सन्दर्भ स्टब्स् कार्याः वर्षः का कार्यकः इतः किन्तुः स्वितकः का व्यवकः । । । वर्षः व्यवकः वर्णाः वर्णाः

-रका, गीन्द्र सकुक का

शीन्य समरका, हार्न जानाव जानीव उन्हें। वावाव मरन्त्र जरमक विम राज्या व्हर्णि, ज्यांव रत्या करव वार्या जावा। राज्याता नियन्त्वत वाव, जावि वावान्यता करम करम वह राज्या। किन्छु वकीन, वायात जारव जामारक अञ्चल केका करव स्थव किन्द्र।

—বলে কৰা হাখো। বাৰা কলেচনা বলান। ভোনাহ কাছে টাকা চনট নেই কথাটা কাছে কাজা পাজে। কোটা বলাটার কাছ খেকে কাছ করে সভা!

একট্ সংগ্ৰেছ হবে সেল সাধ্রী, কিন্তু এবারও মুখের ভাব স্কোচার পারামে বা। ভাবিলে এই সবর এক ভলক হাজার এসে বার চুল ও অভিন একসামেনার করে সব্ বাধ্যী আ অক্ষাক্ষর করে মুখ্যান জন বিশ্বে চেতাবার স্টেরণ পার। নেই আক্ষার কালো, আহা বে জনান, জারা কার কিল কেই।

-व्यापि क्रिक व्यापि ।: ग्रह्माविक क्षाप्त सार गया क्रिका वाटक, बात करता मा, कावा।

्ट्रा पाटम, पामह सहस्र मा नास है।वी बहरू ? चारि कि साम्प ?

প্রান বাঁড়িয়ে জারে রাশ্যার বিদ্যু পোরাণ করে, পোন বিবেচনার পানালে নালে জারান্ত কো ভার পারীর কো করে আনাত্ত। ভার কর্মা রাখবানা চারোলেন্ট বাল্ডের বাজন বেবাছে। প্রাা রামপানে লেন্টা ভারতে ব্যাপ্ত কোনে ব্যাপ কোনের, বাঁল্যু প্রতিক্ত জ্ঞান্ত ভারতা করে।

मान्द्रती कारणा, क्षणा कारणा वाह व्यक्ति श्रह कारणा एका ?

ं—कारण, राजगारक चारित अच्छी गर्चच्या सरदा। निकारीकारी प्रतित कार विभाग विकार कारणार्थ

অবেশ বিশ্বন আর্থ পরিস্কার বাহরীর হুখার বং ববলালা। বুরাও উন্তাব হয়ে উইলো। বীশ্র বন্ধনা, করা কাইন্যান ব্যক্তি বিভিন্নতে বিভাশ।

সাধ্রীর মুখবনা সদেব সালব স্থান হরে সেল ৷ ঠাকাজাবে কালো, ভোনার কাল বাড়ি বিভি কাবেন, ভাবে আমানের কি?

ं—गः, गागा सहरकात, साम्रा कार्य केरणाह कार्यो रनवात नाहन स्था

--

-ना बारण? क्या योग विरक्ष म हाह, व्यक्ति क्रिक स्थाप क्या व्यक्ति व्यक्ति

# স্বাধীনতার হাতবদল

म्जीनवृत्रात रक्षय-वह अक्ष्यक्त श्रावर्टनीयन करियाँ । आहे होना

मारे जनम मीरी	1	जबद्दान्द्र काम	1	25.00
मर्का मिकी		जबदरम् सम्ब	1	¥ . 00
चारमधा मीधाव	1	अवद्युष्ट्र नाम	1	4.00
निजकार जब -		স্পীসকুমার যোৰ		A-00
मारपंत्र पात्रसम्		ज्ञीमकुषाव दवाव		4.00
hillers and:		न्नीजकुमात त्याय	H	8.40
private when		भक्तिमम ब्राबग्द्र	ı	8.00
पाना प्राप्ति है		निक्तिम बाक्याद्	1	8.00
www. feet ' '	1	नरकत्र जिक्नात	ı	8.00

# नीन मम्म मन्ज रमभ

শক্তিশন বাজনুত্ব জন্ম উপন্যাস u আওঁ টাকা

**पार्टीक क्रान्त्रनी, C/a. पूर्व-प्रथम, ५ मामक दश, क्रीनका**छा-- **३** 

—ভোনার বাবা বিজে চাইলেও জোনার বাবা বেবে না।

—নেবে না কেন্দ্ৰই হাৰার রাইট আছে— —ভোনার রাল্য বাহিও বা নিতে চার, আঁটা বারণ করে দেবো। আমি কিছাডেই নিজে দেবো না।

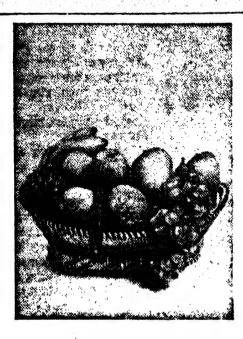
মাৰ্কীয় গলায় আওয়াতে কঠিন গ্ডডার সীশ্রে এত ভালো সামলো। বউদি একেবারে र्षोत्तव ग्रेक्टलां त्यस्य । महाम क्रम श्रममचाहन नगरण भावरणा ।

—का बर्ग भारत मा गाँउ होका? हिन मार्क नामा चाम्च, समझ काब व्यंट्न छाउँ रज्यका?

्यान्ती असद म्हिन एट्टर क्लाला, ट्रन्से एका कारमा। कशीर सान्द्री बारन्से, शील्य स्मारनामिन मृत्य सुद्धी गामात कार्य सामना हादेएक लाटक सी। यक श्रीव्यकीन्त जन कार्य कडिनिय कार्यः।

লাক্সা নাললো, মাধ্যা সিনেনার বনি বাস তো, বনা, তৈরা হলে নে। সময় নোলে আর কি বিভিন্ন পান্যা বাবে?

मान्द्री केरनारिक राम स्वात्ना, दिक कारक क्रेन का राजा। नीन्द्र, क्रीम साकरन का?





with a signature tool and recording access and a second and and access and access access access and access access access access access and access a

#### বলতে পারেন কি কোনটি আঙ্গল?

काम मिनिट्यन अवन जून काकाकांक ब्रह्म ब्रह्म । कार नवानु कवानु अवन क्रियेय द्वित कारानाम क्रावाने (स्वार )

ভিৰ্যোগজন ৫ হৰ্ম পাঞ্জোহাঞ্জি 5 ভিৰ্যোগ এডিয়ের অধুকারণ মর্কাট হয়ে আমধ্যে। এট অধুকরণ চণ্ডে আমধ্য অধুকং, গঠম, আফুডি ৫ ডিচাইয়েছ দিল থেকে। ডিছ উজনায়েক ডণে, মিউচ্চোয়াভাগ, ৫ কর্মসম্পাচন করেও। ভিৰ্যোজন এডি ১ এর অধুক্তৰ কামন্ত অধুক্তৰকাশীয়ের পাক্ত মন্ত্রণ মন্ত্র।

অধ্যক্ষকে মাজ্যক একমান্ত নিনিস্তাস নিনিষ্ট কিকেম এডিন কিনোখন এডিড ) রখনানি ক্রমিনার নু আমনিক্সে অক্টোপের উপনোধী। লক্টি, নির্কচনোমান্তা, অন্যানার, নির্বদানির ও সংস্থান্তর্ভাগনে স্থানাক্তম অসমান্ত্রানার করে এক নিনিষ্ট ক্রেমীর এডিন। উল্লেখ্য এর মানে মনেন্ত্রান্ত্রান্তর ক্রমিনার ক্রমেন্ত্র



স্বাসন কির্দোষ্টর এতি ১ - ৫ হর্স পাওরার কিন্দুন :-নকল কথনও স্বাসলের মতো উৎক্রপ্ট হতে পারেনা।

किली कर आयुम अञ्चल मिरिए अर्थक्ट ताप, विश्वी, गुना । (कास्थ

R) REPRESENTS THE REGISTERED TRADE MARK OF KIRLOSKAR PROPRIETARY LIMITED OF WHICH KIRLOSKAR OIL ENGINES LIMITED ARE THE REGISTERED UNITED.

THE BEAT OF THE

--

—ৰাষ্ট্ৰাৰ, ভোষাকে চা দিছি। ব্লান আহে, পৰিবাটি দিয়ে বাবে? ভোষার দানা এনে বাঁব বাবাবের কথা বলে, বলো গোডান থেকে বিবাহ আনিয়ে নিজে।

-किए चाटर, ठिए चाटर, रवानद्वा गा**०** सा

-महाता, पूर्व च्यारण नामसहस्य नामि ? त्यास नाम च्यामि त्या सहस्य हमहाना

-ना करें, चावि अक्ट्रे का ना स्टब्स् स्वद्रक नाव्या मा! अक्ट्रीन स्टब्स् वास्त्र। चावि नीन्द्रक वावावते निरंत वाव्य-पूर्वे क्वाते नवस स्टब्स् क्वा करते हिन?

—টিক আছে, ভূই লিয়ে বাৰত্যে চোক ভোঃ এক কটা লাগাস নি আবাৰ।

सार्वी वृत्क राज वाचवरतः, न्टा राज्य निरस्क वरत कागक वाचारतः। वीन् इत्यक्ष निरस्क वृत्यानिक राज्य शामार्थः भवन्तः व्याप्ते राज्यः। राज्यारात्रो अरक्वारतः वाणि कराः इत्यक् विक वरणः। अवात अक्षरः रिजारत्ये राज्या वर्णः वर्षः वाः। वीग्यः गरकार्यः। राज्यात्ये राज्यात्री वर्षः वाः। वर्षेति वरतः इत्य

पं जाता: गामान काटना विमादताकेन नागरको भटक चाटक किया। दसदे। इक्कमा छोनाहरू। rifect we. There was then excer টোবালে আৰু কাৰক পাওৱা কেতে পাৰে। रीन्द्र राज गा। न्द्रका निरुष्ट अन गमर जिलारको एक पट अवकी, गीन्द्र काष त्यत्ववे त्यत्वतः। महास्त्रत्व वावित वार्त केतरकार नाटन राज्यस्था ना संचित्र राज टन चार नामा अवनी निवासमध्ये छोटनस्थ राज्यतः। नामा शीनाम अवनी शास स्कारनम क्या निर्म दक्ता कारका। द्वीतम शबन वाकेक पटान पटावा करण कटकी स्वरणीयन मील् कि रामाल्ड अच्छे छम् समाहमा पारमा माना...मन्द्र काई मह कुककरणस्व কৈ কম ছিল! শতোৰ কাৰে কুডজভাৰ একেবাৰে অভিভাত হয়ে সিরেছিল, ভার মনে बर्खाइक, बाह्य मामाना अबदे, बहा कहराई र ग्रास्त्रमात् शहन्य शहर्यक इन्स्टाह मधन (RIENE ECE 418 !

গীপ্ৰোবাৰ ব্যৱস্থাৰ এসে বেডার रमाला। एप्याट नामाला बान्डाव बान्यस्व क्षात्र। म्हा अवनक का बानिया विका ना। না বিক, বাস্ততা কিছু নেই। এখনো খনেক সমন্ত আছে। ওদের তো আর সিনেবার বাওয়া হজে না আছ! একা একা বাছি পাহারা एनात द्वारमारे मह गीना। का बास कक बार्लरे क्यो गढ्रहा। किन्द्र स बात्म, बता আৰু সিনেবার বেতে পারবে সা, বভই ভাড়া-बाक्षा कराक। वर्ग, बीना बारम। नहरून কৈ কৰছে এখন হাইবাসায়? অফিস কেকে ৰাৰ আলেড আলেড সাইকেল ভালিছে ৰাডি ক্ষিত্ৰ: কেন্দা, বাড়ি কিয়েও ভো কিছ कराव द्रवरे । मानद्रम अक्टी विशास महस्य । রাভ পড়ে আছে। পরজেল কি একা একা स्तारक मगीव नगरक स्वकारक वात ? **क**रणा ট্রের নার করে পরামশ ইরজ্যে টাটানগরেও চলে বেতে পারে। আহা, এই রকম নিঃসপান্তা कांग्रेसम्ब कमाहे इस्टा शहरमन्दक हेश कटा क्रिक कार रक्ताएक बार्व । अध्या भवीनक रव-মেরেটি পরমেশের জন্তেনা, ভারত ভাষা বি कारमाई मा कामर्व।

দ্বার বাবর বরকা খ্লো সেকাঃ এবই

হাংগা সভা নগতে নিরেছে প্রা; অবপা

হাংগা পাউডার এখনো ভালা করে মোর্ছেনি,

ব্যাইডার সব বোডার লাগারনি। আলা

হঙের রা-টা দেখা বাহছে। নীপা চোখা কিরিছে

নিলা: প্রার বাত দেখে এক সময় ভার বাত

কাপাছে; এখন আর ভা দেখের রাক্ত বাছন

না। প্রা আক্রকান মারে রাকে বক বাছা
বাজি করে।

গীপা ঘাঁষালো ভাবে ফালো, এই ডা বানিছে নিলি না?

—শিংক্তি, বাব্রে রাগ কি: বেশিস, রাজের চোটে জেট বাস লা বেল!

ভাড়াভাড়ি হা নিবে আর। তোদের অর বেশী সময় সেই।



### व्यक्षत प्राविष्ठा अ तुठत दे है श्रामकात विद्यार त्रभगोत्र भन ए, WHE COL একাঘ্যী ৪॥ प्रयाण कोर्यान গোধুলি রঙ্গীন ৫. व्यानदरकाच मदस्या भागारसक ৰাজীকর ৮১ नीयात्रसम् ग्रहण्यः त्रावि विभीय १ मूर्येष्ठभम्। ५. মহান্ধা গান্ধীর সভাগ্রহ সম্পর্কিত मध्य ब्रह्मा भारतवान मणाश्वर १ দ্বোধকুমার চক্রবতীর

অমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার লেন, কলিঃ-১

कुभायद्ग ७,

# यस्त्रिज्यहर्ष

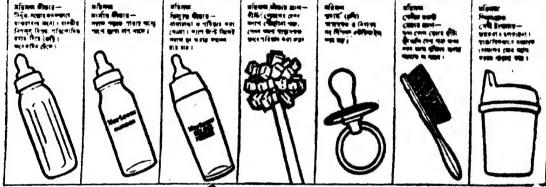
है। इस वाष्ट्रारम् त मर्द्र सारश्रम् त सव अय कत्र कर्



### কারণ আপনার বাচ্চাকে স্বস্থ ও হাসিখুশি রাখার জন্যে মরিসঙ্গ-এর অনেক স্থন্দর স্থন্য নতুন পরিকল্পনা আছে।

কৃত আনন্দ হর জেৰে বে আপনার বাচ্চার জন্তে বারো কেউ ভাবছে। ভাবছে আপনার বাচার কি কি জিনিয় চাই। ঠিক এই ব্যাপারটাই মবিসন্দ করে। স্বস্ময়। কলাফল। স্বপ্তে তৈরি লিপ্তর ধরকারি রক্মারি জিনিয় যা এক্সাত্র মারের প্রক্ষেই বোরা স্ক্ষর। শীগণীরি মরিস্কা আপনার বাচ্চার হান্তে আরও হরেক-রুক্য জিনিয় এনে হাজির করতে। আপনার, এবং আনাদের বঙ্গে বাচ্চা জানবে যে মা এবং মরিস্না হচ্ছে স্বস্রো বন্ধ। (আর হাঁ)। বাবাঞ।)

· de suf



सा अवः सर्वित्रन वाकात नवरनता वकू।

अरं अक अवना। महावा जाव वक्तनाव महारा गीवहन कालावाना। वकेंग बहलहरू अक्य, गीवह निरमक हम्हण बहलहरू हात हक्त क्या गहना। विराद व्यक्त काल क्या हिल महारा किन्छु विराद गीक क्षणियं काल हमा निरमक कालाहरू करण महारा वक्त वक्षा हमाने करविका, क्या गीवह के काल क्या हमाने हमाने कालाहरू काला हमाने महारा करण हमाना वालावान वालाव काला काला हमाने महारा करण हमाना वालावान वालाक काला वाला महाना हमाने हमाने

ভারের কাপ গীপুর হাতে নিরে শুদ্রা একেবারে ভার গা খোলে গীড়ালো। নিতাস্ত কথার কথা হিসেকেই কেন কালো, এই, তুই একা কথা সপো তেম ভারিস রে।

-का भिरत एकात शक्का कि?

প্রত্যেক অন্তবেরই কারের গাণ আকানা।
শ্রোর গালের গাণ আহল ব্র ভালে করে
চিনাচো দীপা, সেই আঠোরো বছর বরসে
ধ্যেক। বিশস্থ এখন কেই গাণাটা পালের না,
এখন এবটা উগা সেকের গাণা।

—তেনে ব্ৰি **এখন** দাপতাৰ সংগ্ৰহৰ ভাৰ ?

শ্রহার টনার কাষটা ছাতে আছে দীপরে কবি: সিনেসর কাপড় পরেছে শান্তা। সিন্দর্ভর কাপড়ের ছোক্কির এমনিগতেই একট্র পরাম লগের ডাছাড়া আকাদা একটা ট্রাপা।

বাদ্যান মান্তি কাক কাৰবাৰ শ্ৰেছৰ লিক ভালান্ত কাৰনেত বাল্ডঃ শ্ৰেছৰ একটাও আন্তৰ্গন নেউঃ

নক্ষক গ্ৰীপ্ কাৰ্ডা, প্ৰত্যত কি
আয়াৰ চোহ জানৰ কেবী স্বাহ দেহাত?
ব্যুড়াৰ সম্পূৰ্ণ কৰাৰ কৰে পিছে দিয়া ইন্তৰ মিজ ধা নালাখ? সাক্তৰে চোহ তুই
আন্তৰ্ভ বৰ্ণী স্কেবী।

শুলো জানোচ্যাকা চোৰে ড'জিব কৰো দীপৰে দিকে: সে কেন কানাই কাৰ্বচিক, দীপা চাৰ হ'প সম্পৰ্কে পৰ একটা জন্মনাজ্যাক কিছা কেনক কৰাৰে বাক্তবাদ তো এইকাৰাড়োক্ত কৰা কান্ত বাস্ত্ৰত জ্বাসক স্কাৰণ তুই একাও আমাৰ স্থাৰ জ্বাসক স্কাৰণ তুই একাও আমাৰ স্থাৰ জ্বাসক স্কাৰণ

--बार् कस्त्रा स एकर

টক কাৰ শক্ষ হাজা ব্যৱস্থাত ভিটিননি গুল্ভাৰ ভাৰত নাজে প্ৰায় এবটে সাৰ গোল ব্যৱস্থা গোক ব্যৱস্থা কথা কথা হাজ লাভাৰ বিগলু কেন্তুকা না লবকাটে সন্ধান আৰু কৰে ছোটোছ ব্যৱস্থা এই শ্ৰেষ্ঠা অবস্থাৰ প্ৰশান কৰি আমি ক্লীকা পাৰ কাঠা বিভালেন কথাৰ মেন্ত্ৰী ক্ৰেম্পি প্ৰতী বিভালেন কথাৰ মেন্ত্ৰী

--

हर्गर वीगाइ जन्मा क्या जागामा । स्टम, स्टम कि करन द्यानामा, रम जान रक्टमानिक और काम अ मानिक जागाद सः। अवन अ मानिक जागा (रक्टमाना काम । अवन अवारम रम संस्कृत (रक्टमाना । रम्दारामा स्टम जागा किशा का—अहेमच व्यानामा मानिक काम कामा कामा करतः। रक्ती स्वारमा रमेह रम अवीरम स्टम बाकाम करमा वासा स्टमा स्टमाना व्यानाम स्टमा

गीन् वेदं बीक्स्प्रम् सन्ताह निरु दूच वदः। गीको केस्प्रम् इस्त्राह न्द्रकरा स्ट्रान स स्टब्स्ट

শক্তে আবাহ কিছে একে কালো, দীপা, আমি তোকে বস্তু অনুনাঞ্জন কহি, না জে? —বাা। বটাৰ বাধ আনতে পালে—

—সভি৷ ধ্ৰ জন্মাই? কুই বুৰি আৰ আমাৰে একট্ৰ জালোবানিস মা?

—তেত্ৰে কি আনেও আৰি ভালেন্দ্ৰসভূত কৰি ?

-दार्मीक मा?

—শ্তা, ভালোবালা কি রে? কার্র জনা মন-কেমন করা, না কার্ত্ত ব্রেক্ত ব্যক্তি ব্যক্ত দেখার ইচ্ছে? কোনাটা?

--धिः शीनः--

गौर्यः कारण करू करून केंद्रामाः। गौर्यः कारणा निरूप करिया गुद्धाः क्रिके হালৈ কৰা ব্ৰচ্ছে পালনো। একট্ন লাক্ত্যৰে কালো, সাঁতা একা বাং এপৰ কৰা কাল ,কোনো, কালে হয় মা। কিছু লাপ, ভুই আনাৰ চেনে এক কাম কামেন হৈট, তেনা কাপে কি আনাৰ কিয়ে হকে পালকো?

—শাব্যর প্রসামারি? জামি তেতে কোনোগিনও বিজে করপুল না। রজনদা ক্স জালো লোক

-वर्गन किन्द्र त्वारक क्षत्रम-

্ৰমন্ত্ৰী কৰছৰ তেকে কেছেকেই প্ৰো একট্ পৰা চড়িয়ে কিজেন কছলো, বলৈছু, ভূমি কৰা একট্ডা নেৰে?

-- 301

ব্যক্তনেরই সাজগোজ শেব, একটুনি বেজিরে পক্ষে, তন্ বীপারে কিবান বজে না। ওকের তো আজ সিনেমার কওবা সাজ্য নার। সে এক ব্লিটেড জালিরে আছে বাধারীর ব্যানে দিকে। বউলিরেও কি কোন আলোকার প্রেমিক আছে? আহা, বাকলেও সে বেচারা এখানে আলোর সমুবোগ পার না।

কাৰ্ত্তী আৰু শ্বো কোন্তে কৰে, এই সদৰ নীৰ্মালন বাড়িতে চ্কুকো।

(844)

#### न्नीन गट्याभाषाय-अत

নতুন উপন্যাস প্রকাশিত হ'ল

### त्रभानी मानवी ७.००

#### সমরেশ বস্র

বহু, চাঞ্চাকর উপন্যাসের ২র মুদ্রণ প্রকাশিত হল

#### অপরিচিত ৬:00

ক্লাক্তে **মুপারিত হছে।** 

বিশ্ববাণী প্ৰকাৰনী C/o. সে বৃক্ত প্ৰেটাৰ ৪ ১০ বাঁকৰ চাটাৰ্ফি প্ৰাট ৪ কলি—১২





মুস্থ চকচকে চুলের জব্য....



वीपात मा वीपारक धतिहा निरम्हित्वव

### **देश हैं** देश का जाती हैं जाती का उपराज्य क

বিচক্ষণ নারের। জানেন বে টাটার কোকোনাট হেরার অনেল বিভঃ নারকেজ ভেল। অতে চুলের গোড়। প্রট্র করে, চুল ক্লখ, চকচকে, লীর্থ ও ক্লম্মর করে ভোজে। টাটার ক্লভিত কোকোনাট হেরার অনেল তিন বক্ষমের জনোর্যর ক্লগ্রে পাওলা বায়— লোকাপ্র, জ্যাকেপ্রার, চাবেলী।



तकृत सूक्त्र (वाठाल ७ माई।क भाउसा यास ।

#### B जरवाम त

পারমাণবিক ZIT TH- MATE বিভয়গর বিজ্ঞানীয়া একটি কালাই করার क्ष देखीय करतारकन । कामाहे-क्ष्य बाटना करे काम देशकादेश क्षेत्रक साम मानाव शृद्ध । सद्यानाम शृद्धमना शास्त्रमार्गक क्रीस. বিমানশিক্ষা এবং বিভিন্ন ক্ষুপ্ৰতিৰ এব সমূলত আল্বাড়ে প্ৰতিবে बामारे क्यांत बरना शहन्द्र छेखारभद्र शरवाबन व्यवना एवं जनगढ जनाव वालाई-क्षा जमय क्रिक्ट जागराज्याव महत्वा महाकार्ड बानावीनक विक्रिया करते छात्रद एकता करे क्क करकरे माहाबा कहरत। हैताया भवतान শিক্তশন অপ্তশতি এবং সম্প্রসার্থের সংশ্র मर्का बामाई-६३ कारक देशकरहेत राज्यह প্রছোপ দিন দিন বাড়তে দ্রু কারছে। প্ৰমাশ চলিতে প্ৰচর ভাপ্তত বা অভাতত विकिशामीम भागार्थं द प्रशासन देश । बानाई ক্ষাৰ সমৰ বৃষ্টি এই সমূহত প্ৰাচাৰি মধ্যে সামান্তম ৰাত্যসর ব্নব্দ থেকে বার তা হলে শ্বা চুলিটিবই বে কতি বাত পাৰে ছা নৱ, প্ৰচণ্ড বিশেষাৱৰ বা জনাৱাপ কোন ब्रायकिना व वहें। कारणस्य सदः माधादनस्य द्व मकल्ड भवादर्द एकात दिल्ल गणिय প্রাক্তন ভাবা হল কারকালত কলামবিহাম, টাইটেনিয়াম, বিশেষ ধরনের আলচ্মিনিয়াম-সংকর বার, প্রভ<sup>®</sup>ত।

बन्धित कार्य स्वयानी एटमान कविन सम ।
बहु करना ग्रेस्टम्पेसन्य अर्का ग्रेस्टम्पेसन्य अर्का ग्रेस्टम्प्रेसन्य अर्का ग्रेस्टम्प्रेसन्य अर्का ग्रेस्टम्प्रेसन्य स्वयाद । याद सम्बर्धा स्वयाद । याद सम्बर्धा स्वयाद । याद सम्बर्धा स्वयाद । याद सम्बर्धा स्वयाद ग्रेस्टम्प्रेसन्य स्वयाद ग्रेस्टम्प्रेसन्य स्वयाद ग्रेस्टम्प्रेसन्य स्वयाद स्वयाद ग्रेस्टम्प्रेसन्य स्वयाद स्वयाद सम्बर्धा स्वयाद स्वयाद सम्बर्धा स्वयाद स्वयाद सम्बर्धा स्वयाद सम्बर्धा सम्बर्ध स्वयाद सम्बर्ध सम्बर्ध स्वयाद सम्बर्ध सम्

काशासीय विकामीराय देसीय और वरण इराजक्षीम विकासीराक्षणक अवशि इराजक-रहीम प्राम अवश् बालाई अव वास्तुरि अविधि वास्त्रप्रीम करण द्वार (मध्या द्वा) वस्तुरित इराज करण ५२० जिलिजियोत बारास्य रम्पेरेमरामा किराजब अविधि १७०१ वाहिरा रम्पाय वास्त्रप्री काण राज्य वाहिरा व्यास वास्त्रप्री काण राज्य वाहिरा व्यास वास्त्रप्री काण राज्य वाहिरा व्यास वास्त्रप्री काण कारण वाहिराजकी



মণাট তৈয়ি করতে নেট বরত পর্কের এক লক প্রতিক হাজার টাকা। বাইরে থেকে আনতে গেলে এই করে ব্যুক্ত টাকার উপরে গিলে হাঁকাক।

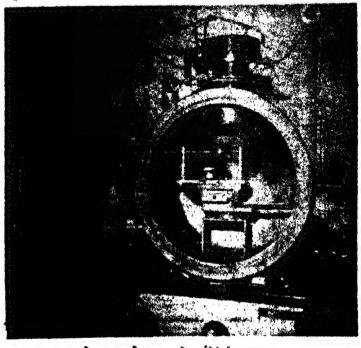
ইতিমধ্যে নানা মক্ষ ছাপন্য এবং বিভিন্নপানি প্ৰবেশ কৰিব পানীকা কৰে এই কাৰ্যনিকাল কৰে এই কাৰ্যনিকাল কৰে পানীকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰা কাৰ্যনিকাল কৰা কোটি কাৰ্যনিকাল কৰা কাৰ্যনিকাল কৰা কোটা কাৰ্যনিকাল কৰা কৰাটি কাৰ্যনিকাল কৰা কৰাৰ কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰাৰ কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰাৰ কাৰ্যনিকাল কৰাৰ কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল কাৰ্যনিকাল কৰে কাৰ্যনিকাল

এই সাক্ষা ভারতীর বিজ্ঞানের সম্রগতি ছাড়াও বৈদেশিক ব্যন্তা সোনার হাত থেকে বেশকে বচিতে সাহান্য করবে।

ভিটেনের করেকজন জীববিজ্ঞানী একটি জন্মত ধরনের রোগ বীজানুর জাসন স্বর্গ कारक जिल्हा वीकिक्ट विश्वीत्र विश्व মাজেন। বোপটি 'ভেডার চলকমি।' এ महात्म द्वारम चाइन्ड श्रम रच्छान रवन्द्रवाहास्त्रस्य ना इनाम्ट्स बाट्य । जान-পালে বা বিষয়ে পার ভারাই সংখ্যে গা ক্ষমের भट्ड करत राज्ञ। अत करण चारतक कार्य कारमक भारतक दलाह केंद्रे निरंद का सबट भारक । केटबर भारता किया स्वामीकि जान কারণ এক ধরনের ভাইরাস। কিন্দু আগবিক कौर्यायमान मार बात शास्त्रका माणिक अवस केंद्र यात्र भागाने एक महार करवादिन । कैराना यक्षता, क्षीर-एकारस्य मृत्यि धानः सार्व कार्यायलीय निवस्तरमय वार्गारव कि अम अन्य ভাষ্ট্ৰত আৰু অনুস্বীকাৰ্য বলে বিৰোচৰ ग्रहार । यथा रकता वो इनकॉन-कार्यकरन कारते कि अन क बार्ड किना रन क्या নিশ্চিত করে করা এখনও সম্ভব **হর্মন**। গুৰুত অভিমত বৰ্ডসাম চলকে জীৰবিকাশ क्या अस रह स्थलका **मनगाद गांवर** ट्रांडे क्लाकडे ज्वा

বাগণারটা শ্রহম ধরা পছেছিল ১৯৬৭তে।

ব্র সময় ব্রিটেনের কৃষি গবেষণা সংশার
ক্ষেক্তন বিশেষক পশ্ রেসের ক্ষারণ
মন্দেখান করতে গিলে নতুন ধরনের বই
ভাইবানের ব্যাপারে আগ্রহী হন।
বাগাই নর, ঐ একই ভাইরাস মান্বের কিছ্
কিছ্ ক্ষাটল স্নার্বিক ব্যোগারও ক্ষারণ।
আভাগত ভাড়ার দেহ থেকে তরি। ঐ ভাইরাস



् बैजरबह कुनमीवा व्य कामाई-मन्त्रीहे देखींब करबद्धम

स्थान क्या वीर्यंकान क्या कारात क्र्यंक क्यान व्याप्त क्यीयनी नांक मण्डे नज्यंक नांद्र्यान। कारात क्यीयनी नांक मण्डे नज्यंक नांद्र्यान। कारात क्ये कार्रेताज्ञात क्यान क्यान क्यानीतालकं स्वयंत्र सांच्यान, क्यान क्यान कार्यक्ष केनल मिरकान क्या रून की क्यान कार्यक्षी वीर्या। किन्सु क्षक नंद्रात न्याक क्याकी कार्यक्षाज्ञात त्यान क्यान क्यान्य त्याक রইল। অবচ এত উরাপ, করবাটিকনের ভার আসারনিক প্রতিভিন্ন বা অতিবেদনের রাজ্যর প্রতাবে ভি এন এ-র পক্তে সভিন্ন বাকা কোন মতেই সক্তব নর।

এরা সিন্দান্ত করলেন, এই ভাইরদের জীবন-অন্তিবের মূল চাবিকাটি ভি এন এ নর, ভিমাতর কোন স্থানারিক সামগ্রী। উল্লেখ্য, এই ভি এন এ-র মধ্যেই থাকে ভাবতোৰে প্ৰকাশ সংক্ৰম বা ক্ষেত্ৰীক কোড। প্ৰকৃতিৰ এক বংশানয় নিবাৰে ক্ষ্মিক বাসাবাদক পদাৰ্থ-বাপী এই প্ৰকাশ সংক্ৰম ভোৱ বিভাকনে সাহাৰ্য করে।

শুনু হল বিয়াট চাকলা। কারণ এ পর্যাক্ত কত বকম ভাইরাস দেখা পেছে ভার প্রত্যেকেরই মূল উপাদান ভি এন এ অথবা ভার সপের কিছু পরিষাণ আর এন এ ।



'বাড়ীতে অন্যেক্ট বৰা-মাজাৰ সন্তা কৰ্কণ শাউভাৰ বিক্ৰী কৰাত আলেন,' বলেন জীৱতী গোৰে,
'তবে আমি একমান দেয়াৰ-কেনায়াৰ ভিনেষ অপৰেষ্ট নিৰ্ভৰ কৰি। এটি পলকেই আমাৰ বছৰোৰ বকৰাতে
তকতকে ক'বে ভোলে।' আপনিও দেয়াৰ-কেনায়াৰ বিনাই কিছুন। ডিমেছ বংৰাছ সৰক্ষিত্ব কামনে
ক'বে ভোলাৰ অভিত্ৰিক ক্ষয়তা। ডিম হাত ঘোৱাৰ বেনিন, বাসৰ মাজাৰ বেনিন, চীনামানিৰ বাসন, বাড়ুছ বাসনপ্তা, কাঁচের সামগ্রী, ববের মেবে সবই পলকে পথিভাৱ, উজ্জল ক'বে বছা। হী, বেয়াৰ-কেনায়াৰ ডিম নিমেৰে বক্ষয়কে ভকতকে ক'বে ভোলে। বিশেষজাবে পথিভাৱ কৰুছে আপনিও ডিমই বাবহার ক্ষয়ত

षिरुषार घात बलसल घत ठारे डिस्

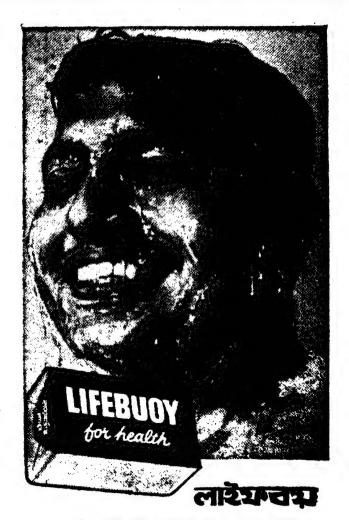
STATES OF THE PROPERTY OF THE PROPERTY OF THE

প্রথম হ তা হলে কি ডি এন এ বা প্রোটিনের অন্তর্গ কনা কোন বাসক্রিক গৌগ থাকা সভ্যন হা ওলের মাত নিজ্ঞান ক্ষাতার প্রজন্মন কাল চালিরে নহত পারে, অথচ ওলের থেকে অনেক বেলি বাধা বিশেরে মধ্যের বেলিচ পাক্ষাত পারে?

মানা রক্ম পরীক্ষা চালিত বিভিন্ন মানমানের সাম্প্রীন হারেছেন গ্রেষকর। কেউ
কেউ মনে করছেন ম্পান্ত কার্যাহাইটেট্রেই
এই ভাইরাসের মূল উলাদান। আর এই
মারোছাইট্রেটের ধর্মা করেরটা পালিটকের
মাপাটি কিল্মু কারও হ্রিসম্প্রত। এতা
মলানেন, একের লেহেও ডি এন এ বা আর
কর এ আর্ছ। চবে থা ডি এন এ বা আর
কর এ আর্ছ। চবে থা ডি এন এ বা আর
কর এ কার্যাহ। চবে থা ডি এন এ বা আর
কর এ কার্যাহ। চবে থা চি এন ও বা আর
কর এ কার্যাহ। চবে থা চি এন ও বা আর
কর এ বা আর্ছ। চবে থা চি এন ও বা আর
কর এ বা আর্ছ। চবে থা চি এন ও বা আর
কর এ বা আর্ছা চবে থা চি এন ও বা আর
কর্মার বা অভিবেল্যানী র্যামা ভোডরে লিরে
ভারের ফ্রেটেই ক্ষান্ত করডে পারে না।

এতিল, ১৯৬৮-তে পদ্ রেগের করেজআন প্রেবক কিন্দু একেবারে নতুন কথা
শোলনেন: এগের বছবা, ভেড়ার চুলকনি
রোধার পেছনে আসেলে কোন বীজান্ট
নেই। প্রের বাগারটাই পড়ে আছে ভেড়ার
কোন কেলেব হঠাং কভিজন কোনে
ব্লাক্তিরত হলে বার। তথ্ন ডানের গা
বুলকতে বাবে। এ ধরনের বটনা কনা
হাগিনের ক্তেবে সক্তব। তবে অব্যাপক

ই লে কিল্ড এবং ডা ডি এইচ আ্যাডানস বে তথ্য প্রকাশ করেছেল অভিনবছের বিক নিরে সেচাও বড় ডব নয়। এ'সেরু বড়ে এই বরনের ভাইবান মুখাও বুই আলে বিভন্ত। প্রধান লংশকে কলা হয় সাব-ভাইবাস। বে কোন প্রাণীর পেহে অনিবিশ্ব সময় প্রবাদন এই অলে অবচেতন বা নিক্ষায় অবদ্যার অবদ্যান করতে পারে। অপর অংশটিকে বলা হরেছে গিলকেন বা সংকাশকারী। এর ব্যক্ত গাঁরতর এখনও অধানা। তেলকারে এই সংযোগকারী বখন অধিনেহে প্রনেশ করে তথ্য সাব-ভাইরাসের সপ্রেশ করে করে। তথ্য সংবাদকারীই বাইরে বেকে ক্ষেত্রত করেই প্রেশে করে চুলকনি ভাইরাস তৈরি করে। গরীকা করে দেখা সেহে অধিন সংযোগ



#### यियात श्रामाउ प्रभात

निर्मित्त (मार बाद क्यालरे छाका क्याबर शक्त । और अवस्थात पूर निर्माल छान (ब्यंकरे बुक्तात क्या जीवातिक मनकिंद्र छन (छ) कारकरे तारेकररह, छात्र(हार (बनीध के) (स्व चारक)

माध्यन्यसं भूतमायामान (तागरीसम्बर्ध भूता एक

क्षिण बागवाने कार्य

SHELL MADE

## <u>भाषा</u> छात्राख गात्रिक (त्राखाक् **भानाभा**

সভিটে কী চযৎকার সিগারেট।
কী অপূর্ব বাদ আর সোরাজীরবার
ভাকিরিয়া ভাষাকের কী অপূর্ব গর।
ভাই ড' পানারা সারা ভারতের
বচ বিষঃ আপরিও বাক আপরায়
বাকার বিষ করে ভুকুর।



পোচজা টোব্যাকো কোং, এটেনেট দিঃ যোগাই--৭৩ ভারতের এই ব্যবেদ্য কুম্বল প্রাচীয় উল্লেখ wishing <mark>www.enasz</mark>echtoby ander d

কার্যাটিকে বংশে করা খুবাই বাঁচিল। বাঁধ এই কার্যাটি প্রমাণিত হয়, বরত সন্মেরের নানা রক্ষা কাঁটিল ন্যায়নিক ছোগ উপল্যের ব্যাপার্টাকে সহজ্ঞতা করা সম্ভব হবে।

কিন্দু ভারও চাইছে বড় প্রদান ও ছা হলে । ভা বন এই নি জীবন আনিওকা মূল কথা নর? জীবন সংক্রেড সন্পর্কে আন্ধারিডার্শে গ্রহণ করা হরেছে কে ভারে, হরড সেটা একটি পর্ণে শ্রমার জন্ম মন্ত্র একটি নতুন আন্তর্কাণ।

×

श्रीक नवड बदानाम त्याक श्राक सक ब्यामन्त केन्द्रा भाषानीत त्राक कर माछ। रक्षार्फिरिकानीत्रद रखना करे वर्ष श्रीष ट्रिक्ट वष्टर करूर अकरात करत अरल काकाब बावन काउ। एसन अन वस रहत ৰাতেৰ আকালে আলোৰ কালবাহি লৈছে কে क्रिकाली क्ष्माक्ष । गांड ১৯৬৫एंड जे बहरनह नवीन हवाड कथा हिना। किन्तु शामाहेहाक बाउड़ी करावर कार शहार कर गार्टकर बान्स्ट्रेंब रुप्ताम किया शहीता। स्ट्रांब अ ৰাপাৰে ১৮০০ ৰাষ্ট্ৰাব্যৰ প্ৰজ্ঞান্ত্ৰীৰ क्रिक्क किएक 'करह कालचे इक्टन दिएका পরিচর পাওমা হার। ঐ বছরে তুরারের ট্ৰেরের মান আভাল ভোক জালেন্ত ট্রেকা क्षतिराष्ट्र करव कार्याक्षक क्षत्राच किल्ली क्रिकेट बाना करियद है। इस किरान्याकी काद क्यांकर । सद्भव केवका वांच्छेत आह्ना आमाह्नद ১৯৯৮ পর্যাপ্ত জারার আপক্ষা করতে হতে। 

ভাগ ক নিদ্যে পরি উন্পাদন ছাড়াও সম্প্রতি কোন বোনে চেকান্তির পদার্থকে এবন বনিজ প্রাক্থিত ব নিন্দ্র নিয়েন লাগান হজে। ক বাক্থিতে ব নিক দিবে একের মধ্যে অন্যতম কালিকোনিয়ান-২৫২। প্রক্রীক্ষা করে দেখা গোভ এই প্রশ্বতির সাহাযো গা্বা ভূগান্ডান্ত থানিজ পদার্থ সমান্তের নীচেও বে সমস্ত থানিজ পদার্থ ক্ষান্তে ভাগের স্বর্থপ এবং প্রিমাণ রুই-ই ক্ষানা ক্ষান্ত পর্য । উল্লেখ্য ক্রিমা উপারে উভার এই প্রস্থাবার প্রিমাণ কিন্তু ব্যুবই

বিশেষজ্ঞানে বছকা, ক্যালিকোনিয়ানহও থকে বখন সোনা বা হুপোর কাছাকাছি
আনা হার ডখন ভার বিজ্ঞারিত নিউটোন
কাপঝার আখাতে ভারা তেজান্দির হরে পাড়
এবং বিজিয়ান কমতা লাভ করে। বিশেষ
এক বরনের গ্রাহাক বল্যে ঐ বিলিগন বরে
নিয়ে গরীকা করে বলা সাক্ষর ঠিক কোবার
সোনা বা রুপো অবান্ধান করেছ, এবং ভারের
পরিয়ান কড। দেখা গোড়ে এক টন আক্রিকে
বান ভিয়ের ধল আটনস প্রিয়ান সোনাও
মিলে ভাকে এই প্রীকার সহক্রেই ভা ধরা



निक्तीय क्रांबटक ১৮००-वर केव्या बीन्ड

পড়ে বার । আর ব্রুপোর ক্ষেত্র এই পরিকাশ টন প্রতি কাথ আউল্লা বিলেকজ্ঞার বলেন সোনা এবং ব্রুপো হাড়াও আরও তিরিলটি পদার্থতে এর আরা সম্পান চালিরে বের করা বেতে পারে। এই পদার্থ গ্রেকর মধ্যে আছে ইউরোনিরাম, ভালাভিরাম, ভাষা, আজ্ব-মিনিরাম, ছাওরিন, চিন, সিলিকন, লোহা এবং সোভিরাম। আনকের মতে ভূগভাল্য জল বা তেলের সন্ধানক বোগতে পারবে ক্যালিকানিরাম ২৫২। বতামানে এর প্রতি পাউদেরর দাম ৪৫০০০০ মিলিরন ভলার জর্মার ৩,০৭৫,০০০,০০০ টাফা। ছবিষ্যতে এক প্রায়ের এক কেটি ছালের এক ছালের দাম পড়বে সাড়ে সাড় ল ট কার মত। ওতেই অনুসন্ধানের কাল চালান সন্থব হবে।

সমব্যক্তিং কর

### ভারত-ভাগনী নির্বেদিতা

(জিভালসভাৰ ভাষ ) ছেভিন ব্যিষ্ট ১৫-০০

মেশ কৰে >—ভাগনা-নিৰেছিভায় শভ্যৰ প্তিত শৰাপত ছিসাৰে প্ৰশাস বিষয় সমাজে নিকট প্ৰভাগনাই উপস্থিত করিবাছেন ১. প্ৰত্যকৰানি পঢ়িবা কেন শিপাসা মিটে লা, আৰও পড়িবাৰ ইছা বয় ১..প্ৰত্যকৰানি বাংলা সাহিত্যেয় ক্ষেত্ৰে বিশেষ স্থান অধিকার করিবে সংগ্ৰহ নাই।

কলিকাভা প্রেকাশীয় । ৩, শ্যামাচরণ দে স্মীট । কলিকাভা – ১২



ধর্ণ বৈচিষ্টোর এক নতুর ক্ষণং, ডিকাইরের
এক নতুর পরিবি। ডি সি এক-এর ওরাশ 'এন' ওরার পপনিবের কপর
প্রিষ্ট এবং অপরুপ ট্রিয়া ক্রবাইরার আরোক্তর-সভার তোলপাড়
ক্ষান্ত ক্রবাছে। এ আলোক্যানে আপবিও স্বন্ধ্যুদ্ধিতে বোগদান কর্মন।

कि (इ.क्ष्राताह । ज जाएन प्रिप्ति क्षिताह स्थाने बादसम महम किंद्र मा किंद्र बरक शास्म

Berrens | 2437-Ben



(5) MM)

পুরে থাওয়ার পর কিছা কলের মান্টের তার কলক বর্পার কলার মান্টের ব্রুক হিবে আনীকল। একট্র পরেই ব্রুক হার বছরে। লালিক করে হারে প্রেল, পরিট্রাই ব্রুক হারে কলের ব্রুক্ত বালিলে মুখ্ ঠেনে ব্রুক্ত ব্রুক্ত বালিলে মুখ্ ঠেনি ক্রুক্ত বালিলে ব্রুক্ত করেনের স্বাহরে স্বাহরে স্বাহরে মান্তির ব্রুক্ত বালিলের মান্তির ব্রুক্ত বিরুক্ত বালিলের মান্তির ব্রুক্ত বিরুক্ত বালিলের মান্তির ব্রুক্ত বিরুক্ত বিরুক

য়া ছাব ছিল নাং ভালর সুই বংশাক ছরখানা হোড় গৈরে মা ক জ প্রতিবেশীসের কারো বাড়িতে গোছে, বাড়ীদের অক্ত হ হয় হিচ্চিত্র নার তেলা কাড়ো কেলতে ফেলাও লালভের বিবের কথা কাড়ো হোডাং কেন্দ্র অক্ত লাক্ষ্যীনসভ একটা মোর এচিছিল আক্ত ভাবের বাবীবের খবে। ঐ নেরেই লাভাভ ভাবের বাবীবের খবে। ঐ নেরেই

ললিত বালিলে মূৰ গালে একটা অসম্ট অভাকা লক্ষ্ কৰল, ভাবপার ক্ষাণি প্রজন ভাবলা-ব্যান্ধ

ভোকট তার খেলাল হল একট্ আগেই
বামন বৈরিবেছা। গৃগুর খেকেই একটা
পারোনো পোন্ট কাডোব চিটি নিবে ওাতে
লেখা একটা ঠিকানা দেখছিল, একবার ভাকে
ভিজ্ঞেম ককল—হা বে, নবীন পাল লেনটা
কোভার ফলতে পারিস? লালভ বলতে
পার্রেনা। একা লালভ আড় কাড কার খোলা
পরজাটা আরু খানা খা লেখা। ব্রেক ভিজ্ঞান কল্পানে একা কেমন খা খা
করে। ব্যুপ্রে কোনো লিন বাসার খাকেন
লালভ। গ্পারেটাই তার কোনোদিন কটেতে
চল্ল না। কোনা বিমাজিম করে মন একা
লাগে। গ্পারেট তার মিতুর কথা খনে পড়ে,
ভিগ্রা মরবার কথা।

গলা বৃদ্ধ অন্যতন ভালে বাছে। বনি ছবে। একা এই আন্দলের ভানো নিরে ভাতকাশ বৃপার কাটানো বার! কোখাও বেরিয়ে পাছতে পারলে ভাল হত। কিংবা ৰ্ষণি বামেনটা থাকত। এজন কি, বিমন্ত আজ ভার ছারে নেই। পাশকু খাবার নিজে ভিত্ত ভিতৰ এলেক।

পাল ফি ব শ্রে জাজিত। জানালার বিধের ভিতর নিজে ছবে এসে মুগ বালাগেছের স্থানি কি তিনটি পালা। পাশার হাওরার জালাছে। আন্তর্মা, সকলেও পালে মুন্টিকে এরকম ছবের মাধ্য দেখানি তোও স্কিন্তাক এরকম ছবের মাধ্য দেখানি তোও সে কিন্তাকণ পালাগালি দেখার স্বান্তর কিলাপ সেকেনি গালার। জিলার বালার কিলাপ সেকেনি গালার কিলার বালার করে উঠে গিরে ওদের একটা পালা করে আনে। মাধ্যের ম্যান্তর মাধ্যের মাধ্যের

এ একটা আগচৰ বাংগার। মানাবের মাধের আলল প্রার সম কিবার মধেই কক করা ধার। ঐ যে প্রেরানো পাথাটা বাংড়ার মধ্যে মাতা নড়ছে এর মধ্যেও একটা হেছিল। কেশো সাগতী ক্রেন্স হ্ব।
টৌনলের ওপর সাখা নৃইত্রে আছে টৌনলল্যাদপটা। কে কলতে ওটা গোডো মেরের
মূখ নয়! ককলার রাজভার মেটেরকট্টিরও
সামনের দিকটার ম্থের আনল লাভ করেছে
লালিত!

ঘরের চারনিকে চোরে সে নানা বিনিসের মধে। মধের জানল খাছাছল। আগতে নিজেকে সংগীহীন ভাবতে ভাল লাগছে না। সে বিনেকর জলের জালা, টৌবলে জলের জালা, মত ভল খাওলার চোট পিতলের ঘটি, পারোকে জালাকছেতে ফালাগনি—এই সর কাম করতে কলেতে জালাত তারা এসে বাজিলা। আগতে জালেত তারা এসে বাজিলা। বাজিলা চারতে জালেত তারা এসে বাজিলা।

এমন সমরে টের পেল কে কেন নিঃসংক্ত ঘরে এল : কিল্ড নিরাল হাওয়ার ভরে কলিত एका श्वन मा। यालका करन अकरे। তার মনে হাজিল, মাবের ওপর কারে পার रक रहन छएक रहनाछ : भरात्र सन्ध करद दहेन কলিত : যে **এনেল্ড** সে বেখে হয় কোনো স্তিকোরত ক্লাবে নয় গ্লে আললৈ এলেছে ঐ পর জ্যে<del>ক হে</del> পরে ভাকে বেতে হরে। চোধ খালাকেই সে নেখাত পাৰে **একজন** একটা টিকিট এলিয়ে ধার বেখেছে ভার भाक एक बनाद-एकाबाद किकि इरह दनाइ. জাহাজ হাড়াতেও আর দেরি নেই। **এবার** উঠে পড়ঃ কিংবা এও হতে পারে, বে একেছে লে হয়তে। একজন মান্ত। ইয়তো আদিতা। সে চোখ চাইলেই বলংব—ট্টোর! শাশ্বতী**ৰে** জিবিবে দৰে।

—ললিত। একটা চমকে চোথ খালন ললিত।

#### ঃ প্লম, প্ল, 'বিংশব পাত্র'র জন্য বিংশব প্রয়োজনীয় ঃ জঃ আশ্তোৰ ভট্টাচার্য লিখিত দীর্ঘ ভূমিকা সম্প্র

এবং জন্মপুৰু উদ্ভোষ্টণ্ড বন্দ্যোপাধ্যায়—প্ৰণীত

#### পাশ্চম-সীমান্ত বঙ্গের লোক-সাহিত্য

উংসাধ অভিসায় ১০, সংশ্ব বৈশ্বানিক শ্বিতৈ এবং তুলনাম্লকভাবে লোক-সাহিত্যের আলোচনা প্রশ্ব।

> কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের রবীন্দু-অধ্যাপক ডঃ আশুতোষ ভটাচার্য-প্রণীত

### नागुकात श्रीयथ्यभद्रमन ४,

नामान अन्य स्कार । ५/५७ विष्ट्य जातेको म्बेडि । क्लिकाला ५२

—चाटा विकास की करा है बात है दें बन्ना शाद बड़ा निवासकों जावद्या बद्धा स्वराज्य कार्या टावी स्वराण निवास नकुन निवासको कार्या, विवासस्थ विकास वर्णा-बट्या, वार्या वाका वाकस कार्या क्रांच क करतारी, स्वासारक नावान विरुद्ध हो। जास स्वास्था, खीनरक स्वराण करनाय, जानारम्ब स्वास्था, खीनरक स्वराण करनाय, जानारम्ब from worth convenient con-

—पाद्य शां। यत्यः त्योषतात्वः वयदे, वदा शत्यः

ीरवाम जात बहुत्य असी, छारम जान-यम जानका अञ्चल छन।

---

—जारि जानत शाम रहा गोज। जान

विन्तं पान्ते प्रमु श्रूष काणाको। स्थाप प्राथमात्राकात्र योजन प्रमु स्थि स्थाप महा। यात्र हार्गालेख पहन गरमा हर् अपने बहार विन यात्रास कहत् एक गा।

्रा को । जीवक इन्दर्व पाय-दक्षेत्र को इस एकासका

-की जाति। बारक बारक क्योनिहें की इस रकारमा काका बारक मा। मानाव करराम

# श्राि व्याम्भू (सर्व जप्र)!



প্ৰতিষ্ঠ সংক্ৰমে কলে, কলে—কাল বিহুম্বান কৰি একজনতে ব্যক্তিয়েও।

আবা নীয়ু করে একট্র কনে থাকে বিমান।
আবস্থা বলে—একে বাঁচাননাটা তার চেত্রে
লক্ষ বিলাং কারণ, এ বাঁচাতে চারনি। ঐ বে
কাঁবাত্তলার বাঁনানো বেলা আছে, ওখানে
অনেক্ষম হোলের মূলন লৈ বলেভিল— আনেক রাজে—অন্যক্তির আমি তার মূখও
লৌর্যান—

্ **লালভ বড় বড়** কোৰে চাৰ, সংল—আই **বাপ**ে বিষান, এটা বে লচীনাদের আন্তা, ওৱা **ওবালে** ডোকাই বড়েঃ

বিজ্ঞান সাধ্য মাজে, কলে—কানি।
কেরেটাকেও ওছা ছাড়া করে এনেছিল, আম জানভার। তা খেলে বৈবিছে আম ওপের পজ্ঞায় পড়ে গিবেটভানা। কিন্তু ভারপর কর্ম একটা ছেলে সেই নেতেটাকে টেনে নিজে হাজিক ভাষা—ব্যাল—ভাষাই জ্যানার কর কেলমোল হাত বেলে জানি জানার কর কেলমোল হাত বেলে কটাই ভার জানা, ভাষা হাজি-ব্যাট ওবা মান বল সে জানা ভাষা হাজি-ব্যাট ওবা মান বল সে জানা ভাষা হাজি-ব্যাট ওবা মান বল সে

লালছ জিম দিলে চৃত্যুকা কৰে একটা জালনৈক্ষেত্ৰ লক্ষ্যকা বলে বাহাবাতি জাম পাহিনী পালেই বিশ্বত হাবত

र्वेश्वयास्य व्यवक्षेत्रे स्टाप्ट राष्ट्राचा राज्यास्य ....च्याप्ट **এয়নৰ হয়: আনুধ আ**ইছ কাত নিবহৈ ছিলাম, বা কিছা চোমে পড়া ডা খেকেই **ভোগ কিবিয়ে** নিয়েল সিব্যালয় ভাবনা ডিস্টার **লব্যে ভূবে বেত্**যে লোগি চাল কৰি কেমন **ब्युक्त बार्ग्य** किन्दु केल डाउट कार्य বছ ছবাই --ক্রেছিরে জ্যেক ভ্রাফাড্রাম **बीशांक, इक इकाधार जात्या—ः उत्तर्क अन्य मा** ক্ষেত্ৰ সাম্ভাৱ দিল নাও বিষয় নিম্পেট অনেতে সেই ভাত প্ৰতিপ্ৰ : ৩০, তেওঁ **অনুস্তি। কেন জ**ন্ম গোৱা স্বাচী অমাৰেই মত নিৰ্বাহ -ডেন্ডেব সামনে জনাত দেখাল ্ৰট ক'ড'ভা ব্ৰেপ क्टाम विकास स्थार **औरकार क्यांन क**हान शान शाना तरहा आहि এককাল স্বাইকেট আমার গ্রেম সংম্পী আছে পরিমান ভেবেছি: বিশ্ব বৃথা, কেউ का महा

লালিত একটা হোল বাল-বিস্কু আমি ভোষাে ভাক শ্যাতে শাহীন।

-रन्तम की कतात ? व्हाद ?

-fee5#\$ 1

—আৰু ব্যব লিলে দেখাত বে আমি ব্যৱস্থানো বাকে ভোলের হাত খোকে একটা নব জেলেকে উদ্ধান করার ফেন্টা করাছ ভাষা কী করাজে ই কার্ডাত ওপের সংশ্ব ই

বিষাস উদ্ভৌজতভাবে লাগিতের একটা হাত ধরে বাবুলি সেভ-নার না ফেন? —সেটা পদ্মান হাত বিজেনিয়েলা ঐ-

বৰৰ, নেৰ্টোভ ঐয়ভা সেখানে আমানের কী কয়ার আনুহ ?

—নেই। বিষয়ে ছতাও ছত<sup>®</sup>নেই জেন। তবি কি কলেও সমধ্যি কর।

ললিত হা কুছিকে উন্তেজিত বিমানকে এবটা দেখল, ভালপর বলল—না, সমর্থন করি না। কিন্তু বলা বে খাব একটা আনায় করছিল তাও তো নয়। কেউ বনি নিজেব সংগাল মন বার, ভাড়াটো কেকেমানুম নিরে ফাতি করে ভাতে আমার কী? মন বাওরা বারণ নয়, প্রতিটিউটাদেরও লাইসেন্স আরে—

— তিক। কিন্তু তেলের মন কী বলে।
কল বিকেলে দেবছিলার ভূমি আদিতা আর
লানতার বিরে দেওরার রেন্টা করছে।
নেরেটা বিরে করতে রাজাঁ নর, বে কেনো
কাবদেই হোক সে তার ভূল ব্রুতে
লেরেছ। তব্ ভূমি ভাকে লারের জারে
নেরেছ। তব্ ভূমি ভাকে লারে, তব্ ভূমি
লেমার করেকার আর নির্দেশকত। বজার
রার্ছিল। আমি এখনো জানি না ঐ
মোহটার সপে তোরার সন্পর্ক কী। তব্
আমার বিন্বাস ভূমি ভকে ভালবালো।
লার ব্যুত্তি আরার বেলী করে জার
কার্ছিলে ওর ওপর। তোমার মুখ সালা হরে
যাজিল, তোমার হতে কলিছিল। কাল

শাশতীয় জনা আমার ভঙ্গী ক্ষা ব্যক্তি একটা বতটা হোনার জনা হছিল।

গাঁপত ক্ৰাম্ব নাম্ব্ৰে ক্ৰাম্ব—ভাই সচনহ এ মটনার সপাক' কা ?

বিদান হাত হাতাল, বাল করা আহি আনিও তোলার কর নিয়াণেক বালভার আহত কালভারত, চুল বিশ্বতার, লাল দিতে নিয়ালেক। ভূমি আন নিয়ালেক বাল করা তাল একদিল ভোলার আরু তাল ভাকাৰ আরু বালে প্রায় বালালেক মুখ করে প্রায় আকাৰে।

লালত যাথা নাড়ল—ছিল্ডু বৰ্তন, নালকের মেরেটাকে তুমি বাঁচাকে চেয়েছিলে

বিষান নিজের মাখার হাত নোলাকে ৰেলাতে অনেককণ চপ করে মইল। ভারসর वशन-य्यम यो देख्य हारामही मन्त्रे हमराहोत्रक টেলে নিয়ে যাঞ্জিল, তব্দ মেরেটার কোনো উপার ছিল না। সে সতী নয়, করের মট নহু, চল্লিশ কি পঞ্চাদ টাকার সে কেনা ইছে গেছে, ভার পছন্দ অপহন্দ নেই, যে বিনাৰে লে ভার। কিন্ত আমার মনে **ব্যক্তি নে,** त्म क्षारको। अक्षम्य कार्रोचन ना। **एक कार**क কিনে কিনিসপতের মত কেন্দ্র খাদি স্ববহার कदाक-धी रक धार ! जामान महम शरकांक्स বিকেলে শাশ্বতীকেও তোমরা টেনে ক্রিয়ে ব্যক্তিন, সেও ব্যক্তিন, সে হয়তো সইও করত, কারণ সে ব্ৰুতে পার্মাছল বে, স্কার অব্যু উপসা কেই: না, না, তুমি রাগ করেয়া না, দাণবভীর সপো আমি সে মেরেটার তুলনা কর্মাছ না। কিন্তু আমার ভাছে

### জেনারেলের শারদীয় অর্ঘ্য

#### কলিতীর্থ কামারপ্রকুর

विरवकत्रक्षनं चढ्रोठावं वित्रविष्ठ

ও ব্ৰুপের প্রেণ্ড তাঁহাঁ কাষ্যারপাকুর। মধ্যুরা, নদাঁরা, জারাখ্যা, কাল্যাবন্দু, বেশেলহের বাব মারা-মার্বনায়ক এক করেরে বাংলার এই নিজ্ঞ পারাী। কাষ্যারপাকুরের বাঁপালিখা আদাকের হিম্মান উদয়ত, অহামিকার আধ্বাবদ আফ্রানিত পাহিবার একমার আল্যাকরতিছি। কাবিই লিবা বার নতুন জীবনালানানাকত মাত তত পথা তাইই প্রানাকরিক। তা বিবেকরঞ্জন ভট্টাচারা তার অস্বাবেশ মনীবা ও স্থাবারীর পানিভারেক ভারিবার করে কাম্যারপাকুরের অভিনয় কাবিনার ও প্রীরমান্ত্রকার পান্ত প্রসম্পাকর পান্তার পার্বার সাম্বারণ ও প্রায়রপারী ভারায় পরিবেশন করেরেন এই বিরাধী প্রশিষ্ট

र्णाडक्स बहुत । ज्ञान धन्यम । कानावम वहिवादक्य ॥ बहुता वस केवा ह

[জেনারেল প্রিন্টার্স রাজে পারিশার্স প্রাঃ লিঃ প্রকাশিত ]

জেনারেল ব্কস্

এ-৬৬ কলেজ শ্বীট মাকেট কলিকাতা-১২



Account 2574 Ave

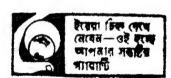
#### शज्युठ ३ हकहरक

ইবেরা গেলাসগুলি আপবার দৈরশিব শীবরে সৌশবা এর দেবে। বিশ্বী সেলাসগুলি বিচিয়াকনে বারা পালা রঙ ও ডিলাইনে পাওরা যাব। গেলাসের বারগুলি অতি সমূদ এবং প্রতিদিবেশ ব্যবহারের চোট্টাপটেও জাটন এর বা । পেরী না ক'রে ইবেরা গেলাস বেছে বির—বিক্রেকেন্ডে সবার সেরা।

#### गरतकरतत उनवरकत सरा सामामगरे देखाल कारान विश्वित:



প্রবাহন :
আনেধিক প্লাস ইকান্ট্রিক নিমিটেক;
বারোদা-৩।
ভারতের সর্ববহুৎ সম্পূর্ণ স্বস্কার্যনিত ক্রাক্রার্যনিত



व्यक्ति कार्यको तथ पानाम। विकास साम्प्रकारक रुपाल रहरपीय, वार्गारकार के रामकारक क्रिक केंद्रकारे रहरपीयनाम— कनावर्षात बस्स कारक स्टेटर निर्देश साम्प्रकारकार

লাগত একটা গতাঁর স্থান ছেলে কলে— ভাল পালত।

বিষয়ৰ একট্টুকৰ হোৰ বালে বান চাইল।
হাৰে হাৰ্যু একট্টু হালি। তাত লাখাত আগত চনবোৰ নীলাক আনান্যবান আগতে আগত ভাবে বাহক। লাখাত আগত বাংলা বেলিছে বাহক সৰ ভিত্তা, প্ৰতি সৰ ক্ষেত্ৰ।

লীলাত আল্টেল্ড বোহ কান। গাঁড়ে দুধ কালয়ার। ভারপার একসাকার বিমানের গাড়ে রাজ লিয়ে কলে--ক্রী ভারতো ?

विकास करिकालम् यह सम्बद्धाः स्था एक हाथ सीम् वर्षाः करिक-कार्यम् की कराउ १९८० वर्षाः

কৰনা সেই সেনক ছাত্ৰী আন্দ্ৰত প্ৰচ্ছত কৰা কৰ-সংসাৰ সেই, পৰিয়াক প্ৰচ্ছিত্ৰ সেই।
সল্প ভাৰতো সে নিৰ্দেশ্য কৰিবলৈ নায়ে
না। তেবল এককল বান্তেক বড় বাৰ্ডাল—সনাই ভোলা এককল বান্তেক বড় বাৰ্ডাল—সনাই ভোলা এককল বান্তেক কালে ব্যাভা কাছিল কলা বাল—বালিভ—কাৰি আন্দ্ৰতা—আহি পাত্ৰতা—কাৰি কালিভ—কাৰি বিদাল—আহতে বালিভ

नांत्रक शास्त्र-स्कारात गार्थ ?

বিষাদের চোৰ চিকারক করে, হঠিছ দলে—বাঁদ ল বাহক, ভবে একজন কাউকে তৈবি করে নিজে হবে।

--

নিমান আন্তে আন্তে আনার আনানাক বার বার। ভারপার কর্ম মুখ করে বারা— আনার একটা উপাতার কর্মে?

----

পতেই থেকে অপদায়ত লেকা ভিটিন্দান পো করে বিষয়ন। বলে—এই ভিচালয় লেকটাকে ভিটিন পোন্তা কেকে? ভাকে নিতে নাম্বর্জন, কিন্দু ব্যৱহা বালিছে অভিভাগতের কেন্দ্রনার নামে চিঠি বালি প্রেম পরে, ভারপর করা বুলি নিরে শাসক ব্যৱহার ?

লালত অবাত হয়, বলে—কী কমে। আৰি একটা অলেন লোক, কমেত বাভিকে—

विमान वाचा किया काम-ना, वांक्रिक नव १ किटिक अपनी रकाम मन्या रवकाम जारहा ।
वारम करक काम करता, किन्दु निर्म्म करता मा, ग्रहारका काम ग्रहार का व्यापीरक रक्ति ना। वृद्धि वाद रकाना रकारक किरा रकाम किता का कामपी रकाम करता विद्धा कामपी रकाम करता विद्धा कामपी रकाम करता वांक्रिय वादेख रकाम की वांक्रिय का कामपी रकाम करता का विद्धा का कामपी रकाम करता का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय का वांक्रिय वादेख रकाम का वांक्रिय र

- -वीर निवा प्राप्त मा एका ?
- -न्दा का जामाक मृज्याकर त्याव का
  - ---
  - -TE WE THAT THE



- \* बारेटलेश (काक्का)
- वारेटीय विकास
- \* वाहेत्मेत्र कृत्युवा स्थानी



Distributors for West Bengal & Orisen;
Mis. PRAGATI DISTRIBUTORS,
M.C. Dr. Sureeh Sarkar Road, Calcutta-14.

स्त्रीया अन्ते, रेजन्त्र क्षत्रमः जानमा कृष्ट स्त्रीहरू क्षित्री निवा विस्तान नगर्न-कार्टी रहा हरन। जन्म व सर्वाय

জাতীর একট্ কাণেই লালিভ বরে কাল্টিকর কেরোলো। শশ্বুর ছোটো কাল্টিকর একা সিশ্বিক্ত বরে Indicache ground vires specel

—से रहा, वालगातरण गाडि। —बरस्य शायशे रिस्ट जासीय? योगम, विश्वरक अकटे, रहीस वर्स्य।

वाक दर्गानाता क्रीवका निद्या दर्गाटक ट्रान्ट राज्याता কালত বানিক ক'ব হাটিল। তথ্ঠন কলা ব্ৰুত চৰতত ক'বে অন্তৰ্গ। ইতিতে সেনে পা কপিছে। লাগ বেন্ট ব্ৰুত্ত বাতে কাকে। আমি জি পানবো দেশ নাৰ্কত। ভাৰতা লাগিত। ভাৰপৰ বাতে ব্ৰুত্ত হৈছে। সে আন্তেভাৰ পা কোল পৰ্যক হেণ্টে

वाथा-(वस्ताम् वाकायम् रात



স্যালজন মাথাধরার ষত্রণা **থেকে আহাম এনে দের।** দাঁত-ব্যথা, গা-গতরে ব্যথা, সু ও শেশীর ব্যথাকেও সারিষ্য দেয়।

🐷 বহুরাঙর

**जाति**जत

নিরাপদে, নিশ্চিড্ডাবে দ্রুভ ব্যথা-বেদনা থেকে আরাম এনে দেয়।



প্রস্তার ক্রেন্স, ক্রেন্সকর ভোগালা ট্রাবেলট নছা উন্তরঃ সেইক্সডেট ডো ক্রেন্সি সহজে চিন্দে নিজে পারবেশ গ্রহেড্ডে নজিলালী ব্যাধানিবার্ক

fen, mille bib test

क्षाच्या स्थापना नामाव छात्र। किन्यू भागीय विशेष सा।

একট্র বৃত্তে কিন্দ্র-স্ট্রান্তওটার সামনে একটা উনরি থালি বৃদ্ধে: প্রেচটে হাত লিয়ে সে টাকা করটা প্রেন দেবলা। পাঁচ টাকা জার কিন্তু বৃত্তরা আছে। হরে বাবে: ভারপার বৃত্ত থেকে আসহারভাবে বৃত্তি বাভ ভূলাল লালিত। মনে মনে বলল —হে ভারপার, ট্যান্তিওরালাটা বেন আমাকে সেবজে পারা, আর জনা কেট বেন ওটাকে ব্যান কালে।

केरिकक्षामाने स्माटक स्मादबंक्त कारक बीस बीकटक मायदम क्राटम मीकाम। हेर्राक्टर केंद्रे निन्द्रान्य बाक् ह्यांनहत्र किहत कांच बार्क बढ़ेल कार बार शहन अक्टे कार्य केरीयकेस क्या हम कगवान-वर्धार ভাষাৰ মামে একটা আগতি বস্তুত্ত टक्टक्ट्र । दम अक्टे: शुन् शामा नेतिको हम स्परकरक, करन अनाव कि क्ष्मबामदक क्षिपाल कदार ? कदार प्राप्त बारक वक देशक हता, किन्छ एकम नहान्छ কলা বার সা। কিবাস কর্ক আর না कद्दक, कद् बीव क्लावाटनव देशका ट्रा ট্যান্তিটা শেৰে থাকে তাৰে ভাৰে ভাৰ अपने मनामान द्वतका केकितः काहे त्य কিনকিস করে বলল-ক্রাবার। ভারপ্র निरमंत्र कार्यहे नक्ता रचन :

প্ৰক্ৰিকাহাটাত কাছে টাৰ্নিকটা ছোড় নিল প্ৰতিক্ৰঃ

চার্যাদ্রকে অনেক টোল্কোন করার ब्लाहका बाह्यद्व । किन्दु अध्य पदकाव अक्टान हमराहरू । किन्दु रमरह পাৰে লালিভ? ভাছেই লাগ্যতীয় কলেভ, কিন্দু পালবড়ী আৰু লালচ্ডের বাসা খেতে करमार्थ किरबार वाल मान वह ना। हा হাড়া এখনো এড় প্রভাগে লালবভার সলো रमध्य कार्याय जावा सर्वात । अध्यानः स्कारतः मानिक मान्किरिक ब्रोड एक्टराहा **प्रदेशका मा अपने मानवर्गत करान्छ।** कारक किए मा। सरका कार्यः जानिस्तर क्या करण अवस्था क्रमें क्रमें क्रमान हरह (तका) क्षा व्यक्तिकारक एठेल त्ववत्र त्यार क्ष्या केट्र महिल्ला स्था नाइन स्था workers occurred the asteries **তেলা পালবতীয় জন্ম হোট কটোলনের একজন** क्ष्या हावाम हम। काम (काम अस मर पर्वना पर्छ त्यान श्रम श्रम एव व्यानिकार क्या करन लक्षात्र मध्यादे भारतीय हुन । अस्म अस्म ब्रुवीम महाद्वित सम्बद्धाः व्यक्तितः वान्यतः **কথা বন্ধ মনে পক্ততে। সেই** বিভিন্ন ' লাব লোলিটা ভাৰটা আৰু কোন দিন লগিত म्हला किया एक बाहत। नामा रक्तकः BROWNING MORE COURS COME!

কিন্দু এখন মেনে কোবার পর পলিও! একটি কেনু জন্ম, সভা, নাল্ড এবং চাসকে সেরে! লালিত জাগদ মান একট, হাসেন, ভারণার মান মান কালা—কাইনি ভাগদান, একটা কোন ক্রিটেরে সভ প্রেমিং, যে মারে ককা কামত ভারতাই হা, কৈচিনারে মা, তেক্তে আসারে মা, তেল সন্ধানত গোলোর এককান...

আন্চর্যের বিজ্ঞা, পেরীল প্রচলার জানালা বিরে টেলিটেলন টেনে এলে বাইরে দাঁড়িরে কোন করছে একটা দেরে। চেত্রর চপারা, হতত কট্না, হল্ম পরিড় পারা, বেশ বারলো ব্শিষা চেহারা দেরেটির। কথা কলতে কাটেত হালছে। নিশ্বি হালিটি। দলিত নিঃশংশ তলা অব্যুরে পিরো ক্পক্ষে-ভাবে গতিলা। অপেকা কাটেত লাগনা।

নেকেই বেশ কিছুকৰ কথা কলত, ভাষপৰ এক সমতে বাড় আছিলে ভাকে এক পলক দেখে টেলিকোনে কলল—এই, কোড় দিছি, পিছতে পোক আপেকা কাছে... আৰা!

ত্ৰেরটি পক্তক দিরে মুরে শক্তিতেই পলিত পথ আইকলা।

—শ্লীজ, বলি একটা, উপকার করেন। একটা,ও কাবড়াল না মেকেটা, নাম মুখে কোল—কানে।

—একটি মেয়েকে একটা ফ্রালিকেরনে বাঁব জেকে চল। ওর গাজিখানক্স—

মেরেটি বিলিক নিরে হাসলা, কাল—
ব্যেছি। নাম্বরটো নিন। আর কামটা—
ললিত বললা, ভারপর দ্বাস হম্ম কার
আগেকা করতে লাসলা। মেরেনি রূত অজালত হয়ত ভারণে বিরে মিন্টি পালার
কাল—চাহাল—অপশা করেছ ?...আমি মীরা
বর সংপা... সেরেটি বাউথপিনে হঠাং হতে জন্ম গিয়ে লালভংক ভাক্য পলায় বিজ্ঞান কয়ল-কলেলে পড়ে ভোঃ

-011

ত্য ভদনন' লালত মলে আন প্রত্থ বলল, কোন্ কলেজ?' হঠাৎ বিশহ্য-চনকে মতে অন পত্ত লেল, ব্যক্ত বলেছিল লোভী প্রাধেনা'।

एन-एनकी क्वादवार्न।

জেরটি নিবি গলার টেলিকেনে কাল— হাঁ, অস্কর এক ক্লমের মানীকা।...ফে, অগণা? এই যে চাই, কথা কানে—আমি কিন্তু মীক্র—

মিন্টি একট্ হাজন মেরেটি। পরীক্ষম হাত কলিয়ের টেলিফোনটা নিরে আন্দ্রী ন্বরে কলল—কভানন। মেরেটি হাড় হেলিরে চলা নেল।

क्षणा (क्षण क्ष जठन जह असी एमस-नगर काम-नो (स-रोख?

লালভের পলা কশিছিল, সে বাবছে বাছিল। কলে আমি কিমন র্যাক্তের কব্ছে। ক্ষমন নাম লালভঃ

-रर्ग. शी. का ना।

—কিমান একটা চিঠি দিয়েছে আপনকে। সেটা কোষাও এসে আপনাকে নিচে হবে।

—ইস, লাখ চতা, কী বিজ্ঞিতি সমজে ক্ষালি, চানটো বেকে গোছে বিকেনে আবার আমার মিউজিক ক্লাস—কোবা থেকে কোন ক্ষাকা

প্ৰবীৰ কমিউনিস্ট নেডা আৰদ্দোছ ৰস্তোৰ ন্তন প্ৰাদের উপন্যাস

### आवाम ५२.००

विखारी कवि काकी नकत्व वेजनारमद छेट्टाश्ररमागा अन्य

#### বিষের বাঁশী ধ্মকেডু মর্ভাত্কর

2.40

2.60

₹.40

কৰি দুৰ্গাদাস সরকারের ন্তন কারায়ন্ত একটি গাছ একশ ফুল ৩০০

কৰি গোলাম মোলতাফার অনবদ্য সৃষ্টি

विश्वनवी ১৫.००

-मरबायक श्रकालन s C/o. स दक ट्रकेस, 50 र्यान्क्य आकेर्सि मोठे, कांनकाछा 5२

(मि १६६९)

অস্থানত বোধ করে লাজত বল্ল, প্রতিক্ষম হা

—আছা, শোন মীরা, আমি ক্ষাছ্ক তোর বাসার, আর আধ খণ্টা পর, মিউজিক ক্লাসে কওরার পথে।..ইস, তুই আলই কান্দেরী বাছিল আলে বালসনি তো! হঠাৎ ঠিক হরে গেল?...কোন করে ভাল করেছিস, পি এস-এর লোটটা না হলে একলম প্রিপারেশন হত নয়...

লালিত হঠাং ব্রুক্তে পারল মোরেটা ভাবে সমার দিয়েছ। একার ভাবে একটা জালগার নাম কলতে হবে। সে দুভ ভিস্তা করে কলল—হিন্দুস্থান মাটের ভিতরে বে চারের দোক নটা আছে—এখানে। সাজ্যে চারটো

—ইস, তেয়কে কি আৰু চিনতে পারকে, ৰা মুটিয়ে ফিরবি লক্ষ্যো থেকে!

ললিত ইণ্ডিত ব্যক্ত, কল্প-জাপনার পোশ্যকটা কল্ন। আমিই অপ্নয়ক চিনে লোক।

— পরশহুদিন বা একথানা শারীড় কিনেছি না রে, দেড়ংশা টকাও বকাবি সমতা। জামদানির ওপর পিশ্ব বাট্যকর কাজ। আৰু পরে যাবো দেখিস।...আছে। ছাড়ছি... কেন্দ্র!

টেলিফেন রখর পর কলিত টের পেল। ভার কপাল বাহতে।

আরের আধ্যবন্টা সমস্র আছে: কিন্তু একটা যে এদিক এদিক মুরের বেড়াবে লালিতের সে সংগ্য নেই: তাই সে আল্ডে আন্তেত হোটে হিন্দুস্থান মাটের

जिल्हा के कार्य त्माकाताता . 407.75 বসল। এক काभ HILE অপেকা করতে জাগল। कतार WIN घटन भएका व्यक्तकाता व्यक्ती भावना दन अथन्त्रा हक्तित रसवनि । किंग नमता दन ठिक रमराधित्क रशरत शिरहाक्ति रहेक्टिएमा कताव জনা, আৰু অপশাৰ কলেজেৰ নামটাৰ মনে भएडिक ठिक अभरत। सन् अक्टे बाजन লুলিড আপুন মনে, ডায়েপ্স একদ্ম ফাঁকা রেন্ট্রেণ্টটার একট্ চোপ ব্লিয়ে জনক ফিস্ফিস স্বরে বলল-খনাবাদ ' তাম খুব 531

উন্তেজনাটা বড় চন্দকার লাগছিল বালিংতের। এখন তার ইক্সে করছে করে। বহুবার ঐরকম রহসামরভাবে সাম্পেতিক ভাষার অচেনর মেরেশের কোন করে দুশ্রু-কোরে এরকম কেন্স এনে করে প্রকে এরকম রেশ্ডরার কারে। কমা অপেন্দা করে। এরকম কত কিন্তু হতে পদ্ধত ক্ষীবনে—ঠিক মের অলোকিন্স করে। সব।

একট্ অনামনত ছিল লালিছ। হঠাৎ
সিসাবেট ধরিকে মুখ তুতো লেখন চনংকর
দাতি পরা একটি বোলা কর্সা মেরে
দাতির আছে সামদে। মুখখানা লাবাটে
একট্ কিশোরীর মতো মুখ্খানা করিদে
তুতা বড়, বিশ্ব একট্ ভুলা—খুন করিদে
তুজনা চোধের চেহারা হর। তবে এ তুলাটি কর্মিন—চাথ দুটেই ব্যবসা। মুখ্যে
চাসিট্র দেশে মনে হয় এ খুব কেশী
হাসে না কথারা। অভিস্ক ভুলালা দিয়ে ব্রিরে এনে সমস্ত সম্বীরটা চেকেছে।
একট্ হেনে কাল-আসনিই কলিছ।
দলিত মাধা নেছে কাল-কানে।

কমিও মিলে কথা, ছব, পজিব কাজ-কানুক দিনের সেঠ জালাল বাইও গাছে। মাজাখানে দেখালোক জিলা না, এক- কাছা-ক্ষান্ত কালা:

- दान अकावा

কলা উভিত হতা কা কৰা প্ৰকাশক ঘটনা বিহুত জলাল না কলিছে, শাহ্ম কলক— ও আহেলট উত্তভিত হল:

্যেগ্ৰেটা কৰাই, চুলজ ক প্ৰথম কৰিছ **ৰজক** তেৰিজচুটিন জালো কে চুলত চেটাকণ্ডেক কৰে বাৰণ্ডেক এব নাজে হ'ব প্ৰথম প্ৰৱেজ্ঞান ক্ষ্তেণ্ডেক কৰি কৰি চন্দ্ৰাক কৰি কৰে পিলুক্ত চ কে বাৰণ্ডা চেটা

্ধালিত স্থান শিশিকে নাতি সান স্থান। স্থালৰ বালো ৬০৬কে ২,নন্ত সন্ত প্ৰাদ্ যে মান্ত কোড়ে শাল ক'কিনি।

ছাঠাৰ অপ্ৰান্ধ ভেক্ত হল হাজিকাৰ কৰিছে বাজাল নাত্ৰ ভিতৰ কিবল কিবল বাজাল বাজাল কৰিছে কৰিছে

- soft of my but!

ভানা । আগপা মাধ্য নাগ্ৰেছ । চ্যাৰপ্ত আলসের নাগ্ৰেছ বংগাল আমি বন্ধার একমান্ত সমস্থান বাবার সর সম্পত্তি আমার। ক্রিক্ট্র ভারত করেবা বেগালা প্রান্ত বেই আগ্রিম একেই ভানারভানিয়া। আরু ক্রান্তিক ক্রম্নান্ত

ক্ষান্ত হঠাত কলকা তথা কথা কথা কথা কথা । বেলাক্টনা স

ক্ষেপ্ত চোৰ নগানের কৰা শ**ানিকার** মন্ত্রের কোটোটা একটা নাডাডাজ করে, **কলে** —কী জানিশ আমার কেবকটা **মনে ছয়** আমারের ফো একটা বিক্রান্ত আসম্ভোক

(Moint)



ভারতের আদি তম রুসারুষ

#### চ্যররপ্রাশ

बाब्द्द्राक विस्त हैशानाटन द्वाच



চাৰনপ্ৰাল ফুডন ও পুৱাতন সন্ধি কালি,
ফুরচন ও পাসযন্তের পীড়ায় বিলেব উপকারী।
চনিক হিসাবে নিয়মিত বাবদাবে দেকের
পৌরকা। ও ফাডো পুর করে ও পরীবের পুরি
সাধন করিয়া বাবা-নীর পুনক্ষরার করে।

বেক্তল কেমিক্যাল ক্ষিকাতা ব্যোধী ক্ষালপুৰ , পাত ০১ আগত শ্রীআপোকসুমার সরকার আন্তর্নাক কলকনে অনিপ্রিক্তারর প্রবাধ কার্কারিক্ শ্রীনাপ্রিক্তার পরা ও চার লাপ্রদার "রসোপার" পরাজর পরাবলী কার্কারে অনুষ্ঠান করেন। সাধারণত অন্যা বে সব বিকরে পরাবলী কাঁচান প্রেন আকি পথা মধ্যে "রসোলারে" পার্কাট পাওরা

বার নাঃ এর নানা
কানেশ আছে, তাবে
প্রধান কারণ এই বে
একালত রস্পিত বৈদন পুন বা কি স্পতি
লাখানবো পানার চলে
না, কেকালার বিদেশ প্রিচিত বিদ্যাধ প্রেচ্ছ সুমার্কি ই কান্ডর স্পত্রিভিত বিদ্যাধ প্রেচ্ছ সুমার্কি ই কান্ডর স্পত্রিভিত বিদ্যাধ প্রেচ্ছ



ক্ষান্দ হাকে এই কে, কা, কাভানগ্ৰহকের
কাই পালার উপাব্ধি গানান্দি জানা নেই—
কান কা জানা বাকে হাজা উপাব্ধ কাজা
লাহকার প্রেক্তানের নামা পোঁছে দেবার
লাহকা জানেকের নেউ। কাভান তো পা্র্ গানাই নাল, এ বে একাগারে কথকাই। এবং
অভিনারকর সমাবেলা। বাক্লাল্রা, গারনক্ষানা এবং নামাজ্য না হাজে কাভিন্ন কুলল
ক্রে বার না। শ্রীষ্ক নামানান্দ্রের ক্রেরা
ক্রি হিনাটি পা্পর কর্তামন।

সেক্ষিক্ত প্ৰায় কে কাৰ্য সংগ্ৰহ हर कान्यमंत्रकाहि एकान्यस्का उत्तर क्षेत्रकी ক্ষমিকা ভার চারলেন সংগীর কারে স্থাসক-ছুড়ার্মান শ্রীক্তের গভীর প্রন্যুখ্য কাহিনী क्षणीय भार क्षणीये जिलाह करणाहरू । 2.3 काष्ट्र क्या कर्माच्या RETAIN S नामा करिक BERMA Part of दाकामध्य शर्माक - P. T. ASICOTA THE (जनस्म PORT ! मनारेटान्ट्यंतन महर्रकाशिका अदर रचानका केवद नर्गारस्त्र। এইক্ৰম একটি অপ্ৰচলিত ক্ৰম চিত্তাকৰ ক न्यामा चार्काटम किराच एकारुमान गर्छीय व्यानम् अक् कृष्टका व्यानम् कातनः

আইট্রু হল থকা কিন্দু ও সংক্রে বিকর্ কার্যার করে।
বিবাহনেকা পদকেনী করিন বে আরু
কর্মানিকা পদকেনী করিন বে আরু
কর্মানিকা পদকেনী করিন বে আরু
ক্রেমানিকা করিছে আরুবের সমালার্ডিক
ক্রেমানিকার করেনে, বা প্রান্তিক বর্মানিকার করেনে সমালে করিন করেন। এ
কর্মানিকার ক্রেমানিকার করেন দিন্তে প্রকর্মানিকার ব্রান্তির করা করেন করেন বিবাহত বা
ক্রামানাকার করে একটা করা আরেন। প্রবিনাকী
কর্মানিকারণ করেন একটা করা আরেন। প্রবিনাকী
কর্মানিকারণ করেন একটা করা আরেন। প্রবিনাকী



#### नाम दिव

কৰে একং স্কৃতিভাকে বণি আমবা এই নিক্তানের ফার্লাল কিন্তে পর্যার ভাইলো পদা**ৰুণী কীড়'নকে কেন দে**ব না? **তথ্য**ক্ষিত भवन्यतिस्य द्वार त्याक कीर्टान वीव करतक नग्रमी था चापरका क्छ ७८७ তাচলে ভাৰ প্ৰদৰ্শনিক কি এন্তই অভাব पर्रोटक स्म अकान्ड विस्तानकीन व्यवन्दारस्थ তার বিজ্ঞাপ ক্ষরৈ? আসলে এক বড় একটি আট্রক্ষীত সাৰশে আমদের অনুস্থিংস্ত काल करान कार्रेक । हर्या का कार्य प्रभावा-भारता चभारता क्रान्स THE REPORT OF ... अन्यत्म चक्रारलय केश्याक क्या प्रतिहे. कामरापन चान्नरकरे अहे जब विवासन शरण्य डीवां एक दाविन्हिं कर काशाद निराहे माधा আনিয়ে অবেন। বিশ্ব পদাবলী কীতানের বিকাশ কিভাবে কটেছিল তার এতগালি ধার কোনার কোবার কিততে হয়েছিল-ভাষের বিশ্ভতি বাশ্বট বা চল কেন.--কীতানের খারকদের গোণ্ঠীগালি অভ বেলেরে কোডার কর্তমান, এ সব প্রথন নিবে আৰু আৰু কেট মধা ঘামনে না। সাহিত্য- का शिश्राक्षण प्रत्यानायांका कर ग्रांधक्यम খনিত প্ৰবীণ কৰি কোণ হয়, এখনও কাল্যান बीहा स्ट्रीतक साठ स्थानकी विशेषक करा বাৰৰ কাৰ বাবে। কাৰে সগতি-THE STY OF US SHOPE WE ARE ফাতি থাকতেল বিনি সভা জীবন কবিৰ এবং কটিলোপ্য গলে সংগ্ৰহ কৰে পিকাৰ ব্যক্তের করতের স্বর্গালপি করতের একং ইতিবার নির্ধারণ করতের অহতে বেল করি প্ৰাৰক্ষী কীড়ান সন্দৰ্শে অন্নালের উৎসক্তে समादित राठ अवर वर्गनको की रूछ। প্রথের বিবর তেমন কোন**ং করি কলো**-নেশে উদিত হননি ! অঞ্চলত অঞ্চলনাৰ মিল মহাপর পদকোনী কীতান সম্প্রেশ উৎসহী ছিলেন। বিশ্ব উপদত্তে প্রেক্ত তিনিট বা দিতে পেরেছিলেন কট ? আৰঙ প্রথের বিষয় হৈ বাংশ আমরা ব্যবিবেচি ভার সংগতিকে রক্ষণাকেকণের ক্ষান্য আমরা त्व महत्त्वे: क्लिंग्ड त्व वारमा चामात्वव নিজ্বৰ ভাৱ একটি বিশিষ্ট সংগতিবিকাকে रश्मात शहरण चामारमङ याक करोड কভে নঃ। পদ্মাপারের লোকসাধার কবি একনে ভইক্টে পান, কিল্ড এখানকর প্রাচীন স্পাতিকলার ধরক একং বাহকেয়া কেনেও সম্মান প্রত্যাশ্য করুতে প্রাক্তন লা। বিজ্ঞা থেকে নানা জাতীয় গানের জন্য স্কলার্যালগ কিণ্ড কভিনের জন কলকাভার কেতার প্রা**বল**ী ক্রীভানের প্রচারের জন্ম কি তেমন চিল্ডা করেছেন।



কটে প্ৰকলী কৰিবলৈ বিভূতিৰ প্ৰচাৰ সন্মান কৰিবলৈ আনে সাথে আন্তমেৰ বুৰলে আনে। নন্দৰিন্দের বান অনুনানক বিজ্ঞানা ক্ষেতিলাল, তার নান অনুনানকতিত প্রচাৰত হয় না কেন? ভিনি বলেভিলেন, তার নলা প্রচানের উপরোধী না এই কারণে তিনি আন্যান-ব্যাতিত ঠাই পাননি। কিন্তু একটা কৰা

हर्ण्या सहयम क्यां नाते का रान्ते र का सारामा ता। बादका वा रान्तक वास्त्रपतिस्थ कार्यु रान्तिसास क्रीकृत विराम, कावास रान्त्रपति अरावपास त्यां नात्त्र कार्ये राज्या राज्यात विष्णु कीरात महाराय राज्ये अवस् क्यां साराह मार्था कालक काराह राष्ट्री काल, कीराह कालरासरस स्थाप नाह यास रणराहि विष्णु कामता स्थाप राज्याता



davp 69/104

নিভিতে জাজনে বানা পর্নি ভারা সেভাবে নামেন না বাংলা বাংলা বাংলা কাডান-নামেল চাংলা কাডান কাডান নামেন কাডান ক

ब्रोर विरिष्णक एवं भागायां कीर्यात जनकार बारबंदना करना बारनाच जन्मीरका जेरिकारजय निवन्त्र हे हरवा भगवानी AND MAIN ভাতান কৰন প্রিক্তিণত হয় ভালার बारमात इत्यामन एवंचे चारमांन तरमहे चामान विकास राज्या गणिका पारत्य अन्तर कार्यात बारकार राज्यात अराजान कार्तिय । कोर्फाटमक कामगानि अवर माहागननाभाकांट कांक्षमा हिसाबन्दा अह मीर्च विकास्त्रिक काल करना मर्गकान्छ अन्य निर्माल अर्काष्ट्रक জাল আৰু কোনও সংগীতে মেই। এর মালা ধৰনাৰ পশাভিও প্ৰাচীন শৰ্মাত্তই নিৰ্দান। कारल माला कमा कही दशकाताना धरर दाएक প্ৰসাৱশ্বতালৈ প্ৰশেষ বা কোনোলাৰ ভালে প্রচলিত নেই ৷ প্রাচীন মার্থাসলায়িত এই ধানের নান্য পাখতি খিলঃ প্রচলিত ভালের সপে ৰীতানের ভাগের শার্ভান্ত, ৰীতানের বিভিন্ন ভালের নাম কিল্লাব প্রতিতি হল-अमानि अवडे निम्मात गर्यस्थात विवयः अ ছাড়া কভিট্নৰ এলেছটিৰস একটি ছাত रफ <sup>(</sup>रहर ।

আনা দেশ বলে এই বৰুম একটি সপ্পীত-পিল্প নিয়ে ব্যৱস্থী চটা এবং আব্যোচনা হক কেন্দু আমহদের কেন্দ্ চিশ্চাবারটো অন্য বৰুম: বত দেখনি ততেই বান হাজে সে চিশ্চাব আম্বাদের নিজের দেশটাই বেন গৌন হয়ে সন্ধিয়েছ।

भडाकाकाड म्बाडी, हीर्विभवक्त राम অভীৰ মুখ্যমন সভেগ জানাজি যে আমার बाह्य मरनाहित जिल्ला से नाम आराह हेन-वराप्तराच्या कार्याक्षय राज्याक्षीयम बन्दान বিশিনভাৰ হাস হীয়'কাল কালেনত রোগ क्षित्राच राज राज्य ५०३ कारान्ये '७५ व वकड कावाद मिल दावी रक्तेवरिक्पन अनुसन्तिरह প্ৰে পাঞ্চিশ্তামে ৬৩ বংসত বছসে হাৰ: खरका महिन कारकन । केलि श्चासक्याद ब बमारक टाफे मिए। ही उन्हार बगारक पी সংযোগৰ প্ৰিচ ছাত ও শিকা ছিলেম। ওপতাৰ बनारहर थीं जारहर रचम श्लोबीनहरू Standigiels म्बर्ग देश টোবরীর বাভিত্তে অবস্থান কর্মারকান তব্দ cacag andie since 141.00 তিনি সংগতিবিদায়ৰ BI4.0 वीदस्या-1 बाबराजेर, बीह সহিত্য स र्गामा CHAM! 40 OCH PROPERTY. ACT W Gagin Camplalialia. ACCOUNTY. 9-514 म्बद्ध (क्य 本元氏 (अम्बान

গত ২৫শে আগন্ত '৬৯ ভারিখে নিজ বাটাতে লাশ্বলের ভারার আ্তির প্রতিত প্রতিত প্রতিত প্রতিত প্রতিত প্রতিত প্রতিত প্রতিত বালিখে বালের বিশিষ্ট করিব ও জীবনের নানা বিশিষ্ট বালের প্রত্তার সংগতি বিশারর ও প্রতার করেবার করেবার প্রতার সংগতি বিশারর ও প্রতার সংগতি বিশারর ও প্রতার সংগতি বিশারর ও প্রতার সংগতি বিশারর ও প্রতার করেবার প্রতার করেবার করেবার প্রতার করেবার ক

শীহাররজন দাস • ক্লিক্ল-০১ শিক্ষী প্রভাতী মুখোপাধারের সালকের रबबान विद्नवसारय हिल्हिस हवाब स्वास्त्र । পরিচিত শিক্ষাদের মধ্যে ভাল কেছেল সন্ধা৷ মুখোপায়ার ('গাওডি' রাগে বেরুল दक्ष डे.र्राड), क्षण्डल व्यक्तिद्वाचिम कामस (বৰবাৰী কানাডার আলাপ ও ধামাৰ), মীরা ৰন্দোশাবার (আভানা), প্রস্তন কন্দ্যোশাবার (रबद्यान) अवर क्याब महायानाबाब (मन्य)। क्लामश्रीटिक कि कि स्वारमक क्रमस्वासक कार লোকসচেতনতঃ কিছু বেলী ছিল বলে মলে হল। তিনি হাততালিও পেরেছেন **ভালই**। ৰাহাদ্যৰ/ খাঁৱ দ্ববারী কলোভার **আলাপটি** বেল জবে উঠেছিল কিল্ড ভার পরিপর্শে বিভাগ না ঘটিতে অনা একটি বাপ (किंदवानी) बाकारनम एकम रदावा रनम मा। ওশ্তাৰ ইময়াং খাঁৱ মোডাৱে মালকোৰ খাবই बर्धन्तर्भी कारणाक एरव एवं बाकसाब बिक्टेंच बेठकी दिना, देरीवटा एएकी करके क्टर्जन ।

বিভিন্ন অনুষ্ঠানে কেরাম্পুরা বাঁ, আফাড় হোসেন, চন্দ্র চাট্টাপাধ্যরে, ল্যানল মন্ প্রমূব শিংপারা সংগত করেন।

আনস্বধ্ন

#### বভে গোলাম আলি সমর্পে

কৃষ্টি ক্ষম অভিযানত। বাচ লোলায় प्रे व्यक्ति केराब काद्यत कर्ड म्हल्स श्राहरू । क्राहरू क्षत्र चार्य चनामीनाय সংগতি সন্মিলনীর অনুষ্ঠানে উপন্থিত বেকে উপলব্ধি করেছিলাম, রুসম্বন্দ শিলপীর <del>একৰা কণ্ঠ বাবাক্যে জীপভাবে তক্</del> করে ক্রীজাবে সানা রাধ্যের কর ব্যক্তিরে भरतास मारा बर्फ। शक ००टम कारामा व्योगमञ्जल अंडे कविकारमीय निक्तीर মাতিবাৰিকী অনুষ্ঠানে অংশগ্ৰহণকারী विका निकारित शानवाक्षमात्र करिक करिक ाहे क्यांडे एक समास्त्रा समाहानिक रहा উঠাতৰ বাৰ বাৰ। বিশেষত, তাৰ আত্তৰ **अन्छात ब्रामान्य जानि पारमक दरमदर्गमह** रभारत क्या त्महे मूर्णांबीहरू देशीय, व्यास না বালৰ স্মৃতিৰ প্ৰবীপচিকে বেন স্বিগ্ৰে श्रमातीमध करत निर्मादन ।

বৃত্তি সন্ধার অনুষ্ঠানে বানোকর বাস বারা এবং শিকারকার ভাবন বাড়াও বোজারন বিদ্যান করি ও বাত সংগীত পরিবেশন করেন। সংক্ষিপত অনুষ্ঠানের রবো এবা প্রভাবেই সক্ষরের পরিচর বিরেশ্বেন, ক্ষিত্র অংশকাকৃত সক্ষপথাত



बार्किनीरेव वाक विश

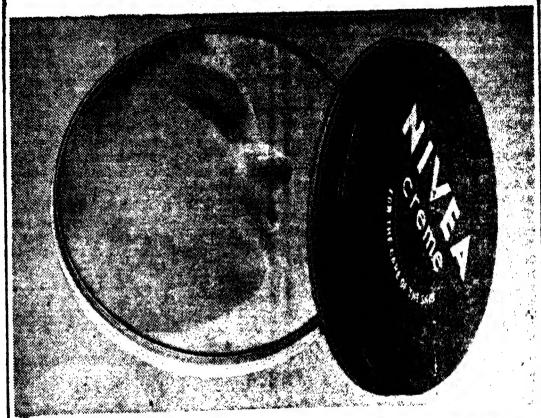
(ইংস্বে গৰিতিবছ)
ক্লংকং লাভ লোটাৰ অভ্যতন মৰক নভাবিক বহুতেঃ অভিনত্ত বলিভাভাত এবংগ আভিনত : বিলাভাত ক্লটা ৮, বেডাকী দুভাব লোভ, ক্লিভাডা-১

ভ, বেডাআ মুডাৰ বোৰ, বাসকাজা হানীয় নাৰ্যসমূহ : • ৫৬এ, নিমকলা বাট ক্লীট

- কলিবাছা-৬ ৯ ২, মহান্যা গাড়ী রোচ, কলিবাছা-৯ ৯ ৩এ: শেক্সবীরহ সরণি, কলিবাছা-১৬
- ু ৯৮, বড়িবারাট ব্যাত, তনিকাছা-১৯ ত পি-৬৬৮, ত্রত 'ভি', বিট আমিপুর কনিকাছা-৮৬

No. 2

## अये क्षेटिस्य की बारह?



### (ज्ञीन्दर्यज्ञुष्यशासम् वृत्कत्त्वरञ्जः !

ক্ষক সাধারণত তুরকবের হয়। এক হ'ল স্বভাব-জাত সৌন্দর্যময় কক, একটানা জ্ঞান বাকে বার কুষনা। অস্তাটি ঠিক-তত-সুন্দর-নয় জেপীর একং এই ক্ষকের সৌন্দর্যস্থায়া ক্রমণ জারো বিকশিত হয়ে উঠতে চার। নিভিন্না ক্রীম বিশেষ করে উভয় জেপীর উপবোগী করে তৈরী করা হয়েছে। নিভিয়াতে রয়েছে আন্চর্ম ইউসেরাইট, একটি বিশিষ্ট উপাদান, বা আপনার দেহস্বকের স্বাভাবিক তৈলভাগ জোগার এবং ভাকে কোমন ও লাকাময় করে ভোলে। আপুনি বদি রূপবতী হন, ভাহলে নিভিন্না আপুনার ছককে কালে ও ভারলার-ভিত্ত রাধবে। বহি আপুনার ছক হয় ওক ও রুক্ত, নিভিন্না সেই ওকভাকে ধূর করে আপুনার কেছককে আরো মুখ, কোমন ও লাকাময় করে ভূলবে। আপুনার কেছক যেননই হোক না কেন, নিভিন্না জীব ব্যবহার করেন।

বিভিন্না –ভাক্তশামভিত নাবণামক দেহতকের গোপনকথা।

#### वाटनव नाम सकती

नवा हारका महत्त्व अक्षा स्था कार्य 19 and work office a window का प्राथित हर्गम । कार नहक देशीय बहर WORLD WITH THE THE DIESE RESIDENT CHE ALMANIA CACA CHA MA ट्या क्याक्षित्व । क्या बामस्य ट्या MINNEY WENT CRIMITER REPORT WICH CHE WHEN THE THE PARTY STREET श्रीशिक्षके कार्य मान्या। य-क्यांपन क्षके प्रकारत राजक श्रीकरीय क्षति क्ष्मार्थं सर्वाद मरावा रम समावे क भारत নিলে। প্ৰাৰণ মাগেও খানা ছোৱা ভৱন মা with water to state ? winden bred REM THE PROPERTY AND CHARGE CACE वह क्षीयांट द्वापम एलाव न्याना करहा एक জ্ঞানে তোত পাজিলা, দি, সমাস্থ সাত দিনে অন্যান্ত ল অন্যান্তর দিন পর্যাত প্রায় আছে যে লিখিমির মাটি সাতে সতে হতে निष्ठ कॉन्स् 'स्ट्रांस शहर । गर्याच्या क्रांसरी, কভাৰতী হতে। বিশ্ব সে আনুমিকা माप्रिकारिम्ड प्रदेश मुस्राहता बाकार्य क्षांकरण सहेकाः एउक हुएल ५७० व्हा CHECKE WITCHE BOTH ATTER WITCHES MICH WIN MAN : ZIN WEN HOM ale fore the whitely been the court भाका बारका विकासका बाकावद লেই সপ্তার আহতল জলে এই পেলেও ভার राम्य कराम एतराव-रामदे समा रक्षाम कराव বোডালী দিয়ে জালা করে। মাটিক পাশ লিকৈও চন্দ্ৰী স্থাৱেল হোটাড় বে নিবাল করে the six made! On stall, famile and भाष राज्य कांकाकांक हार गटकोत्रक दरन। शासकारामार कालाम अन्यास धर्मारामा विकास **678 केन्द्राम कि इटब्र बाल किन इटब**्नी, THE THE ATTE FOR TWO THE ! THE दभारतं दक्षरकरकः। ऋकान्दरिक्ततं स्वतहः তিভাৱে ফ্রাক্ত মাল বে ঠান SPLANNER MEN PROM MA MA MAR OF A रकाक रास्ट्राट भागा। सब कर्यन गुरु रायका कार्यक्र कांच्य का काञ्चल हो।कान्य कान्य কিনে থালি এখন সেই ধান খালামী সনে বৈচনে আনুষ্ঠ বেলি জান্ত পাৰ। না হাজাই भारतः करतान के ग्रेजा प्राप्त तथाक ग्रेतेरव मा ।" माना चीनाका रजाकः महिती বিষ্টাবে কালে । কৰাছ ছোভ হ**িবের** ধার বেশ मान ६ मा क्षाप्त काल, धन काल, माना । किय एका एक्ट्रिक्ट रच्या प्रकार करिक जिल्ली met and I distill the sum care i my (छ। वान् होल लाखना कार नात हजा. पर्केटर, फोर्ट्सन कमानुः, तकोत्रका रणायन् मामा काम प्राप्त कांध्र रकरक केंद्रे करम in other cases where and also



त्रार्थ निक्क क्षात्र कार्याच्या प्राप्तकीय त्यरक बाल तम्बन्ध त्यांच्या-दामा (कन ? मा. 574 फमाएटरे बरव क्रम अन्द्रसम् **स**रधाः करनक चारान करत प्राचीत कार तथान करनाम हेन्या गार्कित्व भारत निरम् ना काम रफास रक्नारखे महेन नरफ-छडे! कार बच চাৰা কখনো আশা হাজতে পাৰে? অনা বছৰ বৰন টক প্লো' বেক্তেও ভাস্মৰ MITTA পেবে রেরা শেব করে তথ্ন কয়েতা ফদল एम्ब कि करवे? कांद्र कांचा एम कदार THE PARTY केंग अव्यक्त

সাহাদিনের হাত ভাঙা পরিস্রেম্ব THE BEST CHICUS IN CHARACLUTICS

कारत एक सर्वाचलीया। सामान स्व was the talk sales and the where failing war a worse woman of the THERE THERE ! MA WELL (MAN) THE WHEN I TRIBLE COMMITTEE सार्थानक प्राथम '5' बान !') मातमा व्यापने देखा जिल्ला कार्या कार्य कार्य कार्य कार्य (श्राद्ध । श्रद्धे देशक द्वाता । यात्र द्वाता-माद्यान CH WAS WIN WAY THE THE THE WORLD श्रीकीमा श्रासक वर्गा किएक स्वरत वर्ष इति कामा एकटका कि इटन शामा, कामातक দেভখানা হাল দিভেই হবে। টাকা বিয়ে wine r

दिएमा इत्राप्त कारण, 'पत्रम कान कारणक कृद्ध मा, भाद कामा त्यात मात्रक, मान त्यारे टमटबरमव रमरवा विरक्तमव शाम भारत मा। भागा निरम्बर्ध क्षि भाग बाबार, एसे करत राज ना पर्याचन पर शंका-रावे STATE SECTION !

मकारण अस ग्राह्य होग हमारण 'अक्साना' शाम । विकास SHA क्रमान गाम यहाँ होता मायर विकास চার টাকা। কিন্ত চালীর লাভ বিকেশের व्यक्ति श्रमः। स्र निष्ट हार ना दशमा। নিকেরটাই চাৰ করে। বার পাতি প্র कारक करनोराजद वा क्रीप्रधानात का ष्यांना वाण वाषि पिनन**ामा श**ण-गानम करत फिट्ट बार्डा प्रेका राज्यका करत



मा हिर्देश क-विराह या केनाव ? काक काम काम : 'सीट्रा'ड देवना' माना,

स्य क्लिंस कार्य कार्य त्याठ त्याठ त्याठ व स्वाच्या प्राटवा त्यांचा यादन विद्यान श्वाच्या कार्याव त्यांचा यादन विद्यान स्वाच्या कार्याच व्याच्या विद्यान व्याच्या स्वाच्या प्रावच्या व्याच्या विद्यान व्याच्या व्याच्या स्वाच्या प्रावच्या (ठांठाव्या) भागिक, च्याच्या व्याच्या व्याच्याच्या व्याच्या व्याच्या व्याच्याय व्याच्याच्या व्या

श्रम क्र्मवाद ग्राट्य वित्र माहिए जन ना व्यादक-नाशातम्ह बारकरे-धवर जाकारमञ् वन न भार छरव निर्मारतः धरमकर्थान काल रसक्ष। छरव रममव श्राटम व्यादकर्थ विक्रोड हरक। धर्मादमक्ष हरव श्रम।

ক্ষতিকের কড়কে সহ চাইতে ভর বেলি। কাঁচা কসলের ভারে আমন ধানের হাত-দ্ই-আড়াই গাছ বান সঠান লাকা হরে কলের এপার শ্রের পড়ে ভাহলে ভার বিনামকে



नांड नांड परण करण सम

পোলাত মেলো জন্ম কাশ কেবাৰ ক্ষম অক্তম হবে ৷ পত্ৰ জন্ম-ক্ষান্ত হয়ে বাবে সম্ভাৱ বান কাম কাম ৷ ্ ক্ষতিক কাঠনে আন আন চনই। আন একটা কৰা আহে, 'পালা বানে নাই'। এই অব', হওৱা জিনিল মান কৰে বানায় ' কয়, এ ছাকা জাঁৱতে জল ম থাকলে পাল বান বানোর কয় দেই। 'নাবানা' বা 'ক্ষম' কাঁৱয় কয় কাঁবতে চাই পোঁৰ বানা। ভ্ৰম কাঁৱয় কয় কাঁৱতে হয় বড় বড় পালা বাবে। আন উপত্তে বানুনা বিকৃত্যি নাকতে হয় বাবের হিচ্ছের মান্তন এদিক ক্ষম করে।

मार् यात्र अञ्चरकारम्य राज्यस्य क्यो यात्र । स्वयम् शायवामि, हामत्रभाग, राजः कूलगी, स्रामान, कामस्याधि हेलामि ।

अकारित पाम काणे इस अध्यासरमात रामाय । भागेमादे, विरामणे, कराम:, मृथ कराम, आख्रास-भागा, कमकारका, रामानागारिकः

পোৰে কটো হয় ম.ডিয় গল। মেটা। পাল কলল, স্তাম্থী, হোললা, হামাই, কয় মোডা ইডোল।

আজন ধান পথক শীতকাকো: কর্মক ভোর কেলা কথেত নিয়ে শিক্তির কিছেল পরেক হাড় কনকন করে। প্-মার্টের এক হাজা। প্-হাজায় এক কাটি। কাটি-পরেকা পর পর প্রেটার গ্রেখনে ক্ষেত্র রাজতে হয়। প্রাচিপ্রিচ প্রেশ্ব ক্ষেত্র হয়।



(सावाछ चूरतासवता) कप्राय सा,जल (साव भग्रहभग्राह इत्य सा—



### কিয়ারের পা-পোজ

পেতে নিন —এতে ঘরের শোভাও বাভবে

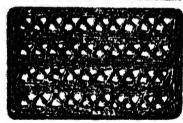
ছাতে-বোনা কয়ারের পা-পোশ একেবারে স্লামুলি জিলিস নহ। কয়ার কোন জলহাওয়াতেই সহজে নট হয় না। মজবুত ও টেকসই। নিখুঁত পাকা রঙ। এই পা-পোশের প্রানামস্থলা সহজে থোড়ে কেলা ভাঙ্গ, আর পুলামস্থলা ফাঁকে দিয়ে কলায় নিয়ে জাম ব'লে ওপরতা বেশ পরিকার দেবার।

কয়ারের পা-পোশ কিবুর— ভারের জনুস বাছিয়ে তুলুর



কি করার খোর্ড, এরাকুলয়, কোরীয়-১৬ কবিশ ভারত





বেদাৰি ক্লাইবাহ কেট খানে হঠো ভবে। বাদ ক্লাইকে বা জনতন 'আহমেনা' কাটলে খান্তে ক্লাইকে বাছালো কাশেনা বাদ চলে বাদে।

নিয় কালেক পরে না শ্রেক্তে হল 'এ'টোরে' কর্মান কর্মি কালে কর্মা গালটান্তে ক্রে। এক গোলা শ্রেক্তা হান বাহ কুলে নিয়ে বিশেষ প্রশাসন্তি দ্রেভে করে পাল মেরে ব'লে নিয়ে তেনালী বরে গালুপক করে টাল মেরে ব'লা বার প্রশাস প্রথম মনের কেনে বিশ্বি করে বর্তা কর লোক ক্রেন্ড। কর্ম করে ব্যান

বিবেৰনে অ-আনিকৈ পৰা নিবে ভানা কৰিবকৈ কৰেন কৰেন কৰিবকৈ কৰেন ভূমে নিবে এনে আৰক্ষে কেনেত । ধান কৰাল কৰে কিন্তি আ আনা নিবে নিবে ক্যান সাক্ষাৰ পৰা এন ক্ষেত্ৰে অভূতি কোলা কৰি।

লখনিবাছিল হোটেনজ আৰু দেখাপক।
বিবেশ্যে। জানেন পদায়ে বিবেশ্য়। গানে
বাধন জানেন সৈত্ৰত ইংকালেনা গানে
কাপাছেন বাই সভার ইংকালে আন্যা
টোবেলটোর প্রাক্তি। কালেন ব্যামানিক
ক্রিকালে নাড্যা।

লক্ষণ কৰা ভালের ভালেনিভাল কাল, আন উপাত্তা সিলেন্ত্র ব্যৱস্থ বিশ্ব হয়।



Me-shaffe the sales and

কলে, 'বাৰারা, বড় বড় বটু থেছ পড়ৰ সৰ— আন পাক বিবাহ হছে? এগৰ বটুৱে কি লেগে? কারা লেগে? দেশের কথা, মানুবের জীবনবারার কথা সাঁজা করে এসকে লেগে থেয়?'

ছেলের বলে, চেন্ডে আইনি । লক্ষণ অল অল, ক্ষু চেন্ডে। আআছা এই লক্ষা বেলটা আনের কেন, চেন্ডে। কই বলা কেন আলা কেন্ড্ লামকা ভানাবেলা অন ক্ষমণ ক্ষিত ক্ষিত্র লিক্ষার । সভাব থোলার বেচস ক্ষেত্র এক-এ পাশ, সে মান্য চুলকের: হরসে। বুলে, ব্যা কেট সেবেমনি।

मक्त क्ष का भागा तक कार्य। के 'सम्मकतो इस महत' 'समसदन शहरन क्या भागक। यात्र अवस्त्र विश्वया क्षान्य बान्नाच इम्बर्गनाय प्रक्रिय प्रमान সর সহ স্থাত্য হতন শিকভাতের ছবিত্র বিচ্ছের এ জন্ম ক্ষিত্র। অক্তন্ত্রারী কোনো করকোপত্তি সভা ব্যাস বাধালী महिर्देशक, रूपम विकासी, रूपम अस्माद, र पान प्रमानि - कामा क्षेत्र प्रदेश पान निरंश रणीयात महाशाब, बतेर कि यान यहना THE REPORT OF THE PART WHE DESCRIPTION OF CHECKE STOPE TOPE জাপানের একজন স্মহিত্যিক, একজন মন্ত্রী মানি কর সং কালে। ভাতে ভবানী, कीमान यह यह सहाराज्य किया गार अव ৰাশ্বালীরা। সারে বাবা, তোমানের একজন তে লিখেতে, হিজালের করার কলভার প এক মূল পূৰে এক ফোটা চেন্যে কেলে লিলে ক্ষেত্ৰ সৰ মুখ্য হয় এও তেমান। ভোষাৰ बे कार माठेन लिए एका एका फीर कारनी कारना ना द्वास बारनारक। कथाना एवं नक्षा एन घटन प्रजा হিজন পাৰ মোটা হয় তেতিল আৰ শিরীবের বতন। জলাভূমিতে হর। WEST TOTAL THE COURSE WITH THE

স্থ প্রকাশিত

ৰত <mark>ৰংগত বৰ্ষালভ ভ</mark>ূৰ্ব চৰ্ষালন্তী উপন্তান **- ভীকৃক্লোপ্তাল বস্যাকের** 

ब्रिट्डब्र द्वमन

¥.00

শ্মরেশ্ব গাসর শাধ্যনিকতম উপন্তার শীলপন্থের আলপুনা

8-40

ছোট বড় সকলের উপরেবালী

 ৩০৫০ আকলিছ গোলী—অনুবাদক আন্তদ্ভুলৰ বোষ কল্যাপাল ন্যাকর দ্নিশ্ব হতে অভিকৃত সম্ভাচতের মম্পাদী উপন্যাদ

रमब विठाव

\$\$.00

ধীপালী বৃদ্ধ বাউল — ১২/১, বাঁক্তম চাটেলিল প্ৰাণ্ডী কলিকান্ত ১২



विकितः राज्यस्य राज्य स्वयोतं करिएतं रहरतः राज्यस्य राज्यः भीनस्थरस्य क्यातः म्हरतः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य स्वयः राज्यस्य राज्यस्य स्वयः राज्यस्य राज्यस्य स्वयः

न्द्र-स्वाहि प्रस्ता नाम्य नाहा नाहान्ति। नाम्य नाम्य नीहार शास्त्रस्य शास्त्रस्य मान्द्रास्त्रत्य गति स्थाप्य सामानः। नाहान् प्रमाने श्रमः। प्रमान् प्रमादन, माहि अक्टमा रूपारेस गांग कार्नि नेहरू माठ. सदन्त गांद कडाकमा चार्य सामारामा तरण ? (व क्य सार्ग्य छाछ, निर्दे, नाहबर,

পোলাও, চিংড, আই হয় ঃ
আনকানিকা, বাসকাচী, গোলাপানত,
বাসক্ষেত্রার, আর্থিক কুলানী, প্রতিক্রিক,
কাশ্রেকিক, কপ্রেক্তর, প্রেক্তরাই
সেক্তরে, কপ্রেক্তরা, প্রেক্তরাই
সেক্তরে, কপ্রেক্তরা, প্রেক্তরাই

জাত, চি'জে, বই, ইয়াঃ
কটোরী জোক, কমল তে গ, গ্রাণজান,
গোলাল জোন, কিন্দোরী তে:গ, নাম তলানী,
চামরমান, সাজালাল, ব্লালাল, কিন্দোল,
ক্রড়োনাল, কল্যিলাল, মান্চলাল, আন্তরলাল ক্রজানি, অন্তর্নালনা, কল্যালাল,
ক্রড়োনাল, কল্যালাল, আন্তরলাল ক্রজানি, অন্তর্নালাল, কল্যালাল,
ক্রডিশ্লে, পালক্ষ্যাল (একটি কল্যে মডে



বুলি ইন্সা ইয়া এই থানে), এডানাল, বিবেশনাল, বিবেশনা, বিব

M. 20 400 400 400 400 1

হামাই, হোপাক, পানবিং, পানভাগ ভাষাকৰ, ভাষামনিক, বাংনাকাম, কে (মার) ক কোরাছি, কাবল, মেনিকামা (পালাকার, প্রেটিমাটি, রামকান্তই, পাত্রবাংর সালকার, কাহিমাটি, মালামেটা, কালা বোল্যে সেমের, মালাপাকার

> ভাৰতী, আৰু ভাতীয়া হান চল আত্তৰ বিৰুদ্ধেটি আহাতিক চান চলঃ

সংক্ৰেছে একালা, মেনিগত তাই অস এইট গোলাহালা, ডেডা, জান্ত ন্থানি জাইনাম বিজ্ঞানিকীয়া এ সং কালা নাম মানি নিজাৰো

विता अत्यंश्रमहात उप्रेथी त्यत्व जावास भावाद कता राविष्टात कत्यते "अव गण्या राष्ट्रा क्रिकेशिया सार्व कि ? महाकारित करम व मन हाई-है। कृति का भारत का वा भारत का वा करना विकास वाहे कामना, विश्व कामारमञ्ज काण-केक्द्रनामाञ्चा कि क वाइनाड काब करते प्राप्त काल कार्टरव थामारमञ्ज सन्दर्भ कार्य (श्रीष्ट कार्य जा) कृषिविषयक ८४-७ किशी एका बालाइनव अरमहे इटड भारत। सांचि ह्य ह्याह्मा क्षको महारा स्थलान वर्गायकानक क गराब करते किराको करक? केश क्षेत्र हें बादा हो बादन है देख बन धान अक क्ष्म हान, याकि साथ क्ष्म क्ष्मीबक्षमा । रणांडा, ज्ञानको स्वाते अहर, बराव बराव-P. P. PROF. THE PERSON NA MICE! শাস ভানতে শিক্তৰ পাঁডা গাইলো তৰা करक जा है

লক্ষণ বাহা বিভ্যুক্তণ চুপ করে থাকে।
তাথ স্টো তার ধক্ষক করে, কেন ব্যাপিছ
সাণিপ্রতি করেন। তেবাট্টি করের কর্তুবাদধে হাড় পক্ষানে মানুর। তারক সবাই
তাপা করে। চা খাওচার। বিভি নের।
তারবাস, মানুরা মোকদ্যার, রোগাপোক, প্রক্রোশানি সব ব্যাপারে প্রক্রের মানুররা তার
বাহে বাহি নের—সলাপরামার্শ করে। বিভারে
বাস কক্ষণবার হারকে নর করে দিতে পারেন
তার তারবি ক্ষেত্রে—ক্ষেত্রার হারক। তার
বাহিরী মার্কি ক্ষিপ্রের।

नकर राज काराट चारक: स्वां खाइन. স্থিত, বাল্দীতি, ইতিহাস বাই জ্লা-এদেশে অবাস্তবের এসহ অস্ত্রক্ত । জ্ঞাকর ভালে বাছাই কলেও হাবে। মাকে মাকে भ्द भाद्रस्थ **कारणन सकारे करा निरम कान**  অধ্যক্ত ভালেকক ক গোলে সৰ প্ৰিলার रण: ज्यादे जात्म राष्ट्र कहा। राजाहर साव া সর বাক্রলসা চাল দ্-টাকা মেটা ভাল কলম সৰা এক টকা কারো আনো (क) छ । (कम स्कार हक्त ? ্হিপ্তার' কলাত হয় তথা কৰে নিকেব সংশ্য মাটির ফলের **মনের মনের মানের সালে**র **বানের** মালে, মালৈ বৈখা হাবে গানের পদরা। ও লাল, আছে ছুমি কি বানের চাবের ভাতে म राष्ट् प्रशासक्त । **व्याक्तीयक**् ইপ্ৰাস পড়াৰ আৰু দিন্যান্ত পাপক্ষম কন্তবে ্বংশানেকার আগদ তো তেমবাই হে! ভাৰ চাইছে ৰাছ জনেক হল, পথ হাততে इ. १८०३ अरका क्टल प्रष्टम प्रदेश काहे —ाकाक माकिन शहार भरात हामकार मरन ताहि ছি<sup>ন</sup>ড় লৈ সাধারণ ভক্তবার সামে সংভার र लाहि हा**॰ जेव** ७ वस्त गर लाख जिस লক্ষ্য কলা : ক্ষেত্ৰিক ধনা, ক্ষেত্ৰভক্ত শত্ প্রভা**নর মার তের কেথা**র কাল পার বার্ডারী শিক্ষার ধর্মা রোল কর্মা রোজ no proper ল' / বেছন চিত্ৰ লিক'ৰ চক্ৰে হ'ব কহলী !

्यावभून क्ष-वाब

বাংলা সাহিত্যে বেমন বিচিত্র 'নীলকণ্ঠ' চরিত্র, তেমনি বিচিত্র ভার বচনা-সাফল। তার সেই সাফাল্যর একদিকে ছিল দুন্টি-শব্বির অনুনাতা, অন্য দিকে ছিল স্থিনতির অনুমাতা। শাণিত এবং ভিষ্ক দুদ্িপাতে তিনি অনায়াসে অতিসামানা ঘটনা-বলীবন্ত মুম্ স্পশ পারেন: এবং সেইজনো তিনি 'नौलकर्र'। আবার তির্যক <u>শ্বকীর প্রকাশভাশ্য দিয়ে তিনি</u> অবলীলায় পাঠকের অন্তর প্পর্শ করতে পারেন: এবং সেইজনো তিনি নীলক-ঠ।

नीनकार्यंत्र

### নীলকণ্ঠ বিচিত্ৰা

मन ग्रेका मण ॥

বাংলাদেশে নীলকণ্ঠ এক-জনই। কিন্তু বিচিত্র তাঁর বিষয়-নির্বাচন। 'রবীন্দ্র তিরুম্কার' 'বিবেকানন্দের অসুখ', 'প্রতি-বাদের অভাব'. 'ক্তৰ্ম भण বিবাহ', 'মুখ', 'পাগল ভালো কর মা' ইত্যাদি বচনা নীল-কণ্ঠের দারাই সম্ভব। তাঁর র**চনার শ্**বারা তিনি সমাজের খারাপ দতিগালোকে ফেল**বার চেণ্টা** করেছেন। তাতে অবশা সমাজকে কিছুটা বাথা পেতে হয়েছে। সেজনো নীল-কণ্ঠ দাহী নন। তিনি পাক। ভেণ্টিস্টের মতে। খালাপ দাঁত-ণলো**কে** উপড়ে ফেলতে পেরেই নিখিচ•ভ ।

#### त्वी - जा व दि बती

ফলিকাতা-১২

"দুধ আর চিনি দিই?"

"তা কেন ? মিল্কমেড দিলেই তো হয় !"



(बज्रालंड विकासक कमाकेलक विकास प्राप्त-मान्द्रकालः (काल-प्राप्तः के।हे अक बाद तरिश्व किर्दि विनिद्ध देवती । हा क कव्यक विरुद्ध बान-एकाका नाबद्ध । bibat a unitere a'en acu yfer, wie er eefe miele feit niere बान) वह रे डेर्डिका क्य मिक्टि इर्रबंड कंडमूब बावशब आफ मार्यसfeffe etele une cete uter : नाशाबन प्रत्य कार विकास करा कराना-"अ" क 'कि' किनेटिया नम्ब । बाक्क निक्क नरीरक विक-श्रादशकरीय नकि इंग्रेशिय । काश्राक्ष में ही जिल्लान ब वृत्रिवाष्ट्रमा । कृषु अम्बान विकास एक नाम क्षाला कर विनाद सिन, -(श्वद्वय अक्टिर्य साथ > लिकेर पुक्तियम विकि प्रश् देखनी क्टब पाट्य » पर विकास नामान हुन मान क्रियन मह कानात करने मा .

'विष्ठामक'--(मन्द्रक देवती पार्क BACTOR REGE CETEBIS CERTS



आश्वात श्रिवादात भवाहैक श्रष्ट अ श्र्थो ताथवात अवा 'প্রদের খেতে দিন

ফোরাডল কুবাত ভিটামিনপূর্ণ পৃষ্টিকর টনিক

ক্ষত্ত্বে পরিকারত আহারেও একান্ত প্রয়োজনীর ভিটামিন ও খনিজ প্রার্থ**্যালর** ৰাটতি থাকতে পারে। কেরাডল আদর্শ থাজ-সম্পূরক যাতে যাবতীর একান্ত প্রাফেনীর ভিটামিনগুলি ও খারর্ন ররেছে সুস্বাস্থ শক্তিস্থারক মণ্ট বেস্ এ। কেরাডল কুখা বৃদ্ধি করে, শরীরে উল্লম এনে দের, খাপনার পরিবারের স্বাইকে বাড়তি শক্তি এনে বের এক সারাবছর কৃষ্ট রাখে। চুধের সঙ্গে অথবা টোস্ট বা ক্লটির ওপর মাখিরে কেরাজন দেকের — এর মণ্টের চমৎ কার স্বাদ শিশুদের অভি প্রির। আপনার পরিবারের স্বাইকে নিয়মিতভাবে কেরাড্গ থেতে দিন-কুম্বাচ ভিটামিন-পৃষ্টিকর টনিক।

পার্ক ভেভিস केंद्र शापन

ফেরাডল নারা পরিবারের স্বান্থ্যের ক্রম

WISONS-7969-BED



4-गासार सम्मानीहरू

শিল্প ও পাড়ার কাব্য-এর। আমাকে নিত্র সিরেছিল ওদের বাংসারিক প্রদর্শনী পরিপ্রান্তর কানে। শেক্ষাত্র সব—পোলার প্রক্রা কাব্যাকর কার্প, এটেন মাটিন মাটিন ক্ষেপনা, মুকো ইন্দার বর্গত কর। নামানি ডিজেইনের কা্স্ট্রনানি, প্রদাসিকো আকা কার্পর ভূলিতে বহু পেওর কাত্ত কার্বা স্প্রান্ত্রী কাত্তি সিলে ইন্ডারি এক হাত্ত্যা বিজ্ঞান

কাল্-দের ডেনাএ গাঁও বিদেশী, দিন্তালা কাল্-দের ডেনা এক অভিনিধ প্রাপ্তাল কাল্-এরা ভাই স্কের্ড জাত্তাল কাল্-এরা ভাই স্কের্ড জাত্তাল কাল্-এরা ভাই স্কের্ড জাত্তাল কাল্-এরা ভাই স্কের্ড জাত্তাল কাল্-এরা জাত্তাল কাল্-এনা কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-প্রাপ্তাল কাল্-এলের জাল্-এলের জাল্-এল

#### চাপ্তসাকর আবিক্ষার লৈন্দিন একবেবেলি থেকে বঢ়িন

জন্মনিকাদ একটি জালাকাল – ব গাটে প্ৰচাৰ ক্ষেত্ৰৰ সাৰ্ম কাৰ ক্ষম কটি কটি ছাট্টে কোকে পেট্ডি—স্বাল্যক এই সংক্ৰম প্ৰতিভাৱ বাজান

স্বভাইতে অঞ্চল হাজে, এই আগ্ৰান্ত ক্ৰেপ্তমান কেন্দ্ৰৰ প্ৰেল্ডের ক্ষেত্ৰই আন্তল ৰাজ্য-মাগ্ৰান্ত ক্ৰান্ত নাছ ক্ষান্ত মাণ্ডিন এব টিছনিসান্তিৰ এই নামান কাশ্যাৰ এইটিই বাংলা স্বভাইতে অভিযানৰ অনি, অন্তল এই নিয়েছ আন্তলি আহু প্ৰান্ত ক মেন্দ্ৰান কোন

জাসনাধ ছেছের প্রাক্ত এক ফোটা কুইও-এন-ক্রান হেলে নিন্দু, ভারতার মাই কল দিয়ে ডিজাছে দেশু করাই শাকুনা কাসনার দেশুর বামন কর্মিছের কাল দিয়ে কাসনার কেন্দ্রন করান কর্মিছের করাইটাত বহ বাব্ আসনি ভানা জীবনের সম্ভাগত বহ বিসার বেন্দ্র করারন। বাছের দিন দিয়ের এতিতে সন্তার হয়। এক বোহাকে তিন মান ভালা পথ এক । করবা কোখোক আলে, বাংলা পোল কোখার কোখার খান পালে ভালোন বাংলাক বাংলাক আছে কলে কেন্টা

चकार केलोइन क्षेत्रोइन कार्काटन---



्क ता? नारमा स्वास्त कृतिक?

নিক খাল প্রাণ্টর মিন্টিং-এ উৎসংথিত ভগতার মতো। মাকে মাকে সিছন খোল আসাছিল মারেনের কাউপরে হ পাঁক রে... বাংলা সোকে সিন্টেন্ডর কাউপরে হ পাঁক রে... বির্বাহন কাজিনের কাজিনের আসালের আসালের আসালের আসালের আসালের কাজিনের কাজিনে স্থানার কাজিনের কাজিনের স্থানার কাজিনের কাজিনের কাজিনের কাজিনের কাজিনের কাজিনের কাজিনের সালের আজিনের সালির কাজিনের সালির কাজিনের সালির কাজিনের সালির কাজিনের সালির কাজিনের সালির কাজিনের কাজিনের কাজিনের সালির কাজিনের কাজিনের

সন্তানের অন্তোপ্তাফ পাডার নিজের নাম লিখলায় শংমল ও স্থাতিতা মিতের নামের পালেই। বাজি কৈরে এর। পাড়ার রাশনের বদানারে: "জানিস, এক সাহেকের সংক্র দেখা হসেকে...ইর। সম্ভ দাভিওরালা এক কালার।"

#### design-nurfu

নিম্মাণ সারে লেখা ছিল : ছটার সমার আনুষ্ঠান : সাড়ে সাডটা বেজে নেছেও মধন দেখা গেল সভাপতি কিংলা প্রধান অতিথি কেটাই এজেন না, রীতিমতো প্রশতিবিত ও সর্বাস্থাতিক্রমে স্মাণিতাক্রমেশ সমার্থিত হল বে আমারই উভার গণিতে (একটা অবস্থা ছিল গোড়া) অলংকৃত করা

শীশ বাজনা, বালি বাজনা, পটকা ফাটনা,
মাইক জী—কা কচনা, পদা খালনা না।
বেচারা কান্—এ-সড়ি টাননা, ৬-সড়ি টাননা,
পার্যা থালনা না। আকেলা কাছেই ছিলেনা,
ক ব্রিটিকে ঠোলা সনিকে সিরে নিজেই সভিতে
টানা সিলেনা। তলুলাকেল গারের জোর মাছে বলতে হার গ্রাম্বা, পদা কেনা,
লোহারে গ্রন্তী, প্রশিষ্ট স্থানাম লাকে নামে
এলা, আর সেকট সংগ্রা খালে নামে
এলা, আর সেকট স্থানা হাজ্যা, কারে
সেকালেক বেলা কিছাটা ফুল থাসে সভাব।
বল্যা আক্রেলা, নিলিপ্ত কাঠে ঘোষণা
করলেনা ও উপ্লেখন-সংগতি।

বাজ রা গাইল শাসং গাজ ধ্যং সং বল ধ্যং...সমানে মন্ত্রঃ, সমিসিঃ সমানী, সমানং মনঃ...শজামার এক সামানানী বংধা হারে বলা ব্যক্তবালীর মোটো: মাইক অসহ-যোগিতা করতে থাকল।

ষ্টি মিনি-কাট-পরা কচি মেটা একে জামাকে ব্যাপং সভাপতি ও প্রধান কতিছির মালা প্রালঃ জিখেকে ওসলাম ওসের মামা কি (কলি জার মান্) কেন্ কালে পড়ে (বিভারতো), কোন্ বিকরে

#### वाहित इहेन

শংগন দেনগ্রপ্তর ৯৭-সফল সংগ্রমী নাওক

#### करव वमन्न वामरव

(১০টি শ্লেক্সপ্রাপ্ত)

.00

रेशनकानक स्ट्यान्सस्य न**नी वस्य वास** २-७०

বিধায়ক ভট্টাচাৰ'

বিধায়ক ভট্টাচাৰ' **সম্পাদ্ধানতা** 

সন্ধান্তা ২.০০
বিষয় কলে ডিনটি একাবিকন একলে
ত্ত্তীক প্রভূমন্দোলন/অন্তর্গুলে

চলি টেমল লেন, ভলিকাডা⊸৯ চলবভী এ•ড কোং নীচা ['আন্তে']। গলপ কমছিল বেশ।
হঠাই দেশি, নীচা আগ্নার হাতে হাত ব্লিক্রে
নাম্কে কি বেন বলঙে। বললাম, "কি
কাছ?" নিখা করল না, লক্ষা পেল না,
দুখ্যু কাল, "কি ফরসা!" বাকালেতর
নিক্রেস্ট্র চিহটো স্পাইই শোন্য গোল।

শীহতদে করছে খুব :"

अस्तक किण्यु स्ट्रहाँचे निवशं कत्रम अकडे.

লক্ষাও পেল সামান্য: চোৰ না ছুলো বেন কেনা ক্ষাওল ছেকে উঠে-আসা গলাক বলক,

তবে গোন : কালো চন্মড়া হল ঠিক শ্বের কাঁতের মতে। দুধের কাঁত থেমন ভাঙলো নতুন কাঁত গাজিরে ওঠে, তেমনি কালো চামড়াকে সংশা সংলাম জেশে লোগে কোনো ব্যক্তে যে নতুন চামড়া। ওঠে দেটা किन्छू माना काव्यका; विदन्दर्गत बादस्ता काक्रमा काटन दव ."

"देकि?" कार्यधारण विकास ७ व्यक्तिमान भारते वेदेल शुक्तस्य : "करक्त्यरत गर्ला?"

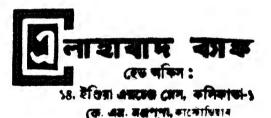
ানা, গো, গাল না, বিজ্ঞানুকা স্থাত। গালথ কালোই দেখ না।"

পঠিক আছে ছাত্ৰ বলব চেম্টা কৰে



#### এলাহাবাদ ব্যাক্তে আপ্রমাকে স্বাগত জানাই

, এলাছাখাদ বাছের একজন অফিস্যে হিসেবেই আহি আপনাকে একথা বপছি, আপনি আয়াণেছ ব্যাছে একটি আনকাউটি গুপুন। দেখনেন, বাছে সংক্রান্ত স্বর্গকর কাজের সুখোল সুবিধা আয়াণের আছে গাবেন, বেষন পেচিস বাছে, বেকাছিং জিলোজিট, ফিল্লচ্ ডিপেডিট, বৈদেশিক সুছা বিনিষ্ক এবং কেন্ড চিপেজিট প্রকাষ। আর কি পাবেন গু—আব পাবেন স্বস্ক কাজেই বিনীজ ব্যাহার, ক্ষান্ত। ৪ ব্যক্তিগত স্বর্গ প্রিচ্ছ।



हमभ्याचम् । कृष्टि वहमा श्रेषः देशनह हहाँचा अभिनान कृष्टिका

শক্তার জুলি মেনসালেবের মাধ্যে কলেন হলে শেলে আমাধে কি খাওগতে, মল প্রেথি?"

নেকেটি কি উন্তৰ দিতে ব্যক্তিক, ০টাছ আমল, উপোন্ধন-সংগতি গৈলেছে বালে। না, গানটা শেক হছনি, কেলেছেই পুন্, চেন টানলো টেন কৈনন সহস্যা ক্ষামে। নাপ্তত শেকাক কিনা, কেউ কানে সাত, কেউ ভানে ক্ষা, প্ৰেক্ত গানটা কেউ কানে না।

#### গভাপতির ভাবব

হামানিয় ম বংশ কাছে আকেলা উঠালন, বোষণা করেলন, এবার সহাপতি-('um-প্রথম অতিথিক ভাষণ। হার বে ভগবেন। আমি বে কোকে, বছা নই.. এব ওপর ভাষণের ভিন্য আমি আল মেটেই প্রপৃত্ত হয়ে আমিনি। কি বলব ওবভিন্য হঠাং সন্মিলিত কর্পে (অস্থান প্রথম এব পে বচি কঠা, কিপত্ন হল-এব প্রতিব্যানিত্ব ক্লম আন হাজিল আবও আনেক বেশা। স্বাই বালে উঠল, গনিবের করা বেশা। নিকের করা বলা

যাবড়ে গোলাম । নিজের কলা—কে কি কে কা কথা। পাবি পাবেরদের কথা বাদ দিয়েও কথা। পাবি পাবেরদের কথা। প্রতার কথা। প্রতার কথা। প্রতার কথা। প্রতার করকাম । গেইটারভিট নেওবা হোক! তামাদের আর্কলা প্রদা করকো, প্রদা আঙলত ব্যক্তিয়ে না হলে আমি উত্তর দেব। গ

আকো মাম্ধি ভাষেকী প্ৰমা বকাৰন সংবাদ-প্ৰিক্সাৱা ছবিচা ভাষাবলত

জিলাস করতেন না, পছতেন আনি করি। জিলান কোনা বিকরে (এটা আবদ্য অতাদত ব্যক্তিগত প্রদেশন প্রথারেঃ)। ইঠাং তিনি প্রথিকে বসকোন, পর্বেব থেকে ভারতীর ভারা শিক্ষান করতে প্রক্রোপ

#### मरक्टड राज-थांड

সংশা সংশা মতে এল ৰাত দিনের কথা।
আমি তথ্য দেশে—মান্তদেশে—বি এ পড়ি।
উক্তিবালারে ছ বছর লাতিন ও গ্রীক
শিখেছিলন: জানতাম ভারতকরে হব,
শিংর করল মাঃ এবার সংক্ষৃত শেক্ষা হক।

ত্রমন্ত নিজতীর মহামুক্ত; বিচেদল থাতে বই অসছে না। কলেজের লাইস্তাহিতে একটা মার কাকরল ছিল, ছাতেয়া তা পানা করে ট্রেক নিত। উৎসাহ ছিল। খ্ব: শিখতে বিদেষ নামানের মৃতভাষাতেও কাছে!

তবে অনেক কিছা নতুন ঠেকল বঠা।
বামন ধর্ম, তিতি পালে একই ই-বংগার
বাই হাপ-কাকরে তার চিচুছা। তার দেই
পর্বাঠিকের বিন্যাসই বা কি বিভিন্ন :
কোনাটাকে লেখা হয় বাজনের পালে
[জাকার], কোনাটাকে উপরে [এ কার]
কোনোটাকে নিচে [উকার] তার
কালাগেকর জাহানিটির পান্তা পান্তরা বার
প্রাধ্ কানে, দুলাত বেখালাম নিশ্চিক।

স্বচেরে মলা লগন সন্ধি: এক পুরো পাতা দেশতে যেন একচিনারে শক্ষা কেন্দ্রের পাতা দেশতে যেন একচিনারে শক্ষা। কেন্দ্রের জজ্মনো বাছে, কে জানো! হলতে আর নাল বিশ্বনে কেন্দ্র সব্ধে, তেমিন আ আর ই যের হলে দেখা দের এ—ঠিক কেন রসজনের ফমালো। আর মুখানা প নিরে কি উৎস্কো: গ্রামারণা পদের প্রথম আক্রারের প্রভাগই লের অক্রারের পরিবর্তন। আর অস্থামিত-ক্রান্সেক্ত বনাপ্রস্থা ব্যুক্তীছি সমাস : এখনও মনে আছে ব্যুক্তরিত বিহুগন্তেশিকাধিকব্রা!

বিদেশী ছাত্রের চেম্ব দেবত বর তার এক অক্রমণীর বৈশিন্টা হল কান-ছক দাল [ক্ষেম পাদপ, ভূজপা, কন্দ্রের...] এক কানাছক প্রতিলন্দের প্রাচ্ব : লাতিনে কিবে প্রীকে পাল্টির অনুকল পিথলেই হল: সংশ্রুত অভিযানে কিন্তু স্ক্রের প্রার সাড়ে চন্দ্র পো প্রতিলন্দ্র পালের আবদর প্রাছে অবলা দেহবিষরক প্রশের আবদর প্ররোগ, তথা কারীরিক সৌন্দরের বর্ণনা ঃ রাভারে, নিন্দনাভি, গ্রেহ্নিতন্দ্র...

#### enteres pricates

তাত্ত্বিক ব্যাকরণ বেগারী কিন পাঁড়ানি, ব্ সংগ্রহ বেতে না কেতেই ভগবাসালীতা হাতে বর্মাকেটে কৃষ্টেকটে সমকেতা' আমবা নামলাম, ব্যবহারিক ব্যাকরণের সংস্থা ব্যবহারক:—অর্থাৎ কিনা ব্যব্ধন্ লড়তে।

অভানের প্রতি সহনেত্ত্তি ছিল ঃ
বেচারী যে আতুল, দশ্দরে, পোঁচ ও
দ্যালকংগরা মারতে ফাজিলেন! তবে তরি
সপ্রে প্রথম থেকেই আমার কগড়া রাষল ঃ
তিনি কেন বিনা কারণ, বিনা ব্যভিতে,
বিনা কোনো কৈফিরতে কৃষকে নির্বিশোর
ভাবেন গোবিদ, মাধ্ব, কেশব, জনার্যনি,
মধ্যুদন বলে! বেসব বিশেলী হার
মিছিমিছি অভিধান ধ্তিবে, তিনি ক
ভাপর কথা একট্ড ভাবতে পারেননি!

বংকা দেশের নিজম তব ভংলা ঃ মা তো তাঁর আদরের খাকুকে তার পরকা ভাকন ম ধার ভাককেন, পিচিমা ভাককেন তার দেশেরা ভাকনাম ধারে; পাড়ার মেরেরা ভাককে তাকে পরকা ভালো নামে, আর স্কুকের বিবিম্পরিরা প্রকার খাতার লেখা তার দেশের ভালোই, নামে। তা সমাতিনি ও নারসপ্রাচ, বিশ্বু বিক্রান্য করেন করেন দেশি, একই ক্রাক ভাকেকজনকে বিভিন্ন নাম ধারে ভাকবে?



क्षमाना - वर्षा - कार्या लिए

माञ्च-वाणिव-अप रेजरे

হড় বড় ওবৃথের বোকানে পারেন অবধ

mainfit tires wie cetm miten :

OKASA CO. PVT. LTD

P. O. BOX 396, BOMBAY-1.



mil piece i Garre Burn i barb wernit gle mit care so क्ष्यरकात कारबाकन । क्षत्रक किरवद मार्गरवा अहे नाहित कानाकृत agedben mirfn gen ale tein fin miraig mitte minaita e श्वीक विश्वा सुगार (प्रकितिम्ब विवास : भागमार सामनाहेर रमञ्जनकान जनमार्क कप्राप्त कावेरम प्रका सनित्य। मानवाह महते कीनाहरे die Gu neie minnite mine est ente mitte : काक->वन मि त्यरम द्वाकिहाकृत क सूर्वकित। GRE fem - willin (binimitte fenifaces wift-jufaufen friet und ingi beriet :



প্রশ্ব ফিবাস্ ইটান ইউনিট, মালাছ ও কলিবাছা। প্রশ্ব প্রটেটভট বিলিটেড, গ্রেছ ই ও দিল্লী

्डन क्यादिक क्रिक्ट দি লাম'লে ভেলোক্যাটিক বিপান্ধিক

JAISONS 12069



#### খান্দীতির পরিবর্তন সংগ্রে জনপুরা

A ST AMERICA STATE CHOS I COMPET STREET OF CH. WITH STAIN WINDSHITE CRIPSTER अकेशक मात्र मीन मान नीचे वर कार ষ্ঠিক শক্তের উৎপাদন ধ্র ভাল হরে। **১৯৬४-७১ माल्य शास्त्राम्हणार डेरमास्ट हाल** FORTH | 3565 FIFE (RET): 50.08 विभिन्न के पानस्त्रा ४४% करा **শ্রেটিশ্র্য ১৯৬৯ সালে ক্রেটা জন্মনাম** NUMBER 6-5 NEWS SELENDERS SE THE RINGS TO SHITE WITH YOU REPORTED FOR THE PORT OF THE P WITH THE WA TO SEE SHO TO THE শ্ৰামানের প্রমান কি নক্ষা করা সমন্তব হ'ব **সম্পূ**তি সেম্পুরি জনত উপ্তেশ্য ভারতির कांश्रातकार राजवासी बाह्यान ४०५० কারেছিল। বৈশ্বে খাল। হকুল জাত সভা সিং **सक**्ष र मा क्षेत्र करत करताकः विकासस्य till fact to young broken ক্ষামান্তৰ ক্ষাৰ্থপথ্য ইন্যাপিত হ'ল ছিল। শাসামান্ত্ৰী শ্ৰেক্ষণ অনুন্যায়ন ভাত ভে বছাবৰ क्षे<mark>रिकालक भारता वि</mark>राहक दश १ ४ ८५८% **ब्रह्माहं सामग्री ५५ हर्ष शक र १८५० करा** कारति प्रकार का का का देव हैं है **হান্ধান হৈ ভালচাবে** চলকে সাল**ফট প্রস্**ধান্ত স্থাপুত্র ত্রীকোন করেন । ১০০১৮/১৬ সংক্ৰাক্তি কাপতিকান চন্টালে ২১০ বৰ্ণাট ট্রান্ধার পরিমাণ ধ্রাশস্য (৪৮ নক) MAN PROPERTY MICH. TO CALLESTIN পরিমাণ পরিয়ালার প্রায় ১২০০ কেটি টিকা। ১৯৬০ সামে ক্রে ক্রেণ্ডেন্স এন Brown 5-80 Einen in eren bert WINDERS, SABY WIND WINDS PROME শারিকাশ দ্বীক্ষিকার ও ১০ <sup>কিটার</sup> দিটা **চাল মিলিখন টুনেরও লেখি মান্তা** সাট कार्यात्रासम् जन है जिल्ला यह रहत विकास THE !

ক্ষেত্ৰৰ আন্তাহকৰাৰ উন্নতিব স্থান কৰি ।

হাবেছে ১৯৬৭-৬৬ সাল ক্ষেত্ৰ । পৰা পৰা
দুই কছল একলিকে ক্ষেত্ৰ । এক উবি
উন্নতিক ব্যৱহাৰ আন্তাহ । এক বি
হাবেছকা আন্তাহিক ক্ষিত্ৰ বা বাহা । এক বি
হাবেছকা আন্তাহিক ক্ষিত্ৰ বা বাহাক । এক বি
হাবেছকা বাহাক । ১৯৯৪ বা বাহাক । ১৯৯৪ বা বা
ক্ষান্ত আন্তাহ ।

ক্ষান্ত বা ক্ষান্ত বা বাহাক বা বা বা বা
ক্ষান্ত বা ক্ষান্ত বা বা বা বা বা
ক্ষান্ত বা ক্ষান্ত বা বা
ক্ষান্ত বা ক্ষান্ত বা বা
ক্ষান্ত বা
ক্ষান্ত

আনা পোৰণ করি তবে ডা অনার করে না।
কিন্তু বন্যার স্ববিহাসী রুপ আমরা আবার
দৈশতে পাছি। বনি অবিলাদে বন্যা নির্মণ্ডণ
নাতি ফলপ্রস্ না করা দশতব নাও হতে
পারে। আনান্সের উপান্যা বৃদ্ধির ইরা
অব্যাহত রাজতে হতে একদিকে ব্যাহর
কা সেচ প্রকাশপার্থির উপা আরও বিশি
বির্যাহিত বারেও হতে একদিকে ব্যাহর
কা সেচ প্রকাশপার্থির উপা আরও বিশি
বির্যাহিত বারেও হতি উপা আরও বিশি
বির্যাহিত বারেও হতি বারি বাপক প্রচেতি

চালানো সরকার, আশরনিকে তেমনি কার্য-নির্মাণ করার জন্য একটি বাদ্ত্যসম্পত্ত সূক্ষ্ম নাঁতি আনুসরণ করা দরকার। চতুর্য পরিকাশনা কালে পতি মিলিকান জন বাব্য-দলা নিরে একটি মাল্ড ভাশ্যার পঠন করার নাঁতি ভারত সরকার গ্রহণ করেছেন। বিভিন্ন চালো বাব্য সংক্রমের পরিমাণ সম্পত্তে বে রিপেটি পাওবা বাক্তে তাত্তে এই পরিমাণ বান্দ্র সঞ্জ্ঞ একটি অক্তে ভাশ্যার খোলা অসম্ভব বাব্য বাব্য হয় না। চতুর্য পরি-

### অবধ্বত

बाःला **माहि**जा-आमत्त्र উण्ख्यल नकत

# **ढे**॰ भा ठेदर्शित

ভার্ম ভাসরে প্রতিভার আনতম স্বর্গের। জারসম্প্রপার বিভিন্ন স্বাস্থ বিভিন্নতার সম্প্রকৃত্য ভাসতে পরিবেশিত। সাভ টাকার্য

विक्रमामिद्धाव

### দ্পাই 20:00

আওল তিক লোকেলচক্রের রোক্তাঞ্চর কাহিনী।

**हानका** शितन

### रम नीइ रम नीइ ১১'००

ম্খ্যমন্ত্ৰী

50.00 এकार 5 ७.00

স্রেখন সোনর

# वा(व। या बो थू(बर्व बाबवा ७-००

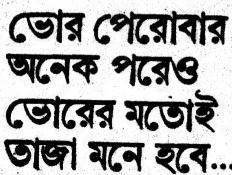
ब्राक्राक्राक्र १ 00

थर्ती उक्षा ५.००.

(नक्रांत्र थान ५.००

ডানকাকের পতন-৯'০০

ক্রানক জেন ॥ ৩,১৯, শান্ডরণ দে স্ট্রতি, ক্রালফাতা **॥ ক্রানিক প্রেন** 



ভাল স্থানৰ ক'বে স্থা ভোজে সংক্ৰ সাহস্থি অনেকৰণ গ'বে রাখতে প্রক্রে আননিও—পঞ্স শ্রীমলাভরার টালকার পাউভার মাখ্ন। পঞ্স শ্রীমলাভরার টাল্কের হাল্কা বিটি গর বছক্ষণ দারীরে অভিনে থাকে— পঞ্স শ্রীমলাভরার ট্যাল্ক সারে যাখতে বা-নাখন্তেই যার টোনে নের। ভনাট গরনেও জিল-সংক্রেও ও স্থাতে ভরপুর রাখে—আপনি ভাতে থাকলে স্থার ভালো। লাগে। বছরের বে-কোন স্থারই এই ট্যালকার পাউভার ব্রহার করতে পারেব।

शछ्त्र

श्रीबङ्गाश्चात है। स्कृ —जा (उटल जामारक जीवीय है। सम्बद्धा का स्त्र मां।

চীক্ষো-পাত্স ইনুক থেনির গলে কার্চিন প্রকার নবিভিন্ত



কাশনার প্রথম বছরেও কাল প্রে হরেছে
গও এতিল মানে; এই করাট গ্রাসে বান
লেগর অধারিতিক প্রেয়্মানীবনের পরিচর
ভানরা দেশতে পোরে থানি, তবে তার প্রধান
কারণ হচ্ছে খালাপানা উৎপাদনে শিশ্তিভারতা অকনি।

#### कृति-वासाह साम्यानकीकान जन्महर्न हमः कृति-वासाह साम्यानकी

পরিকশনা কমিলনের আছিবিত স্থিত जबर बहाएमामा क्रीब-अर्थावसामी स्कृत उन আৰু সেম্পের সভাপতিকে একটি কমিটি সম্প্রতি কৃষি শাস্ত্র আধ্যানক্ষিত্র সংপার্থ काइकीर गांदाक्रमानां प्रामादिक समान करहे. ভেন। কমিটির মতে কৃষি-মামারণভিত্ত আধুনিক মুকুপাতির সাহায়ে। ইয়ার করে ভোলার প্রারাজন খ্যাই বেলি: কৃষ্টি উর্লাভ অন্তৰ্ভাল উপাল্টের উপর নিতরশীল। এট উল্লেখনতা লভ মধ্যে যদি অবস্থ একটি উলাখ্যাত প্ৰস্তাপ্ৰ অথবা আকল্পে এই তাৰ ক্ষরির উল্লেখ্য ব্যাহার হয়। তাই ক্ষেত্র কমিশন ছানে জাবন কবিত আধানিকীবৰণ অব্যাহত हाथाह इसा अक्षी गाँउकान्याः प्रवत्य बदा मधनाह, करा को नमानाओं समाचारी गरम ধৰতাৰ ৰাছিলত উলালাম প্ৰয়োগত বাৰম্ম त्रभगाति द्वारा 1877 क्षणीर्ग हर পরি:প্রাক্তর कड़े नहन शहरकात লিকোদর থাপ থাইছে নিচ্ছ পাবে। কমিটির

"What is needed is to organise a system or a process for continued agricultural modernisation which uses new components of development as they become available, and adapts itself to the changing needs of the developmental process at the local

ক্ষিত্রি ক্ষিত্র উর্গাহত ক্ষেত্র বৈশক্ত ও সংক্ষেত্র ক্ষমিকা সক্ষেত্র ক্ষিত্রক সংক্ষরত সংক্রিকা প্রতান ক্ষাত্রক্ষাত ক্ষিত্রির মতে ক্ষমিক স্টেরিক সংক্রেত্র সংক্ষাত্রকারিকা ক্রিক্ ক্ষাত্রিক ব্যক্তর প্রক্ষাত্রকারিকা ক্রিক্ ক্ষাত্রিক ব্যক্তর প্রক্ষাত্রকারিকা ক্রিক্

 সরকারণালৈ বভেন্ট পরিয়াণ পরিশালী दर्शान । ग्रेकाव ककाव रक्षा कारक-है । का बाखा আছে উপৰ্য় কারিগরিকম্ভাসম্প্র ক্ষাঁরি অভাব। কৃষিত উল্লেখ্য কনা বিভিন্তভাবে কতিপর প্রকাপ ভার্কর করার আনেক অসুবিধা আছে। কেন্দ্রীর সরকারের সংক্র রাজা সরকারগালির স্বশ্ভিমে সহযোগিতা না থাকলে কৃষিব্যবস্থার মেটিভক পরিষ্ঠান कता जन्मन हरद जा। वर्डामस्य दव अकारकडी हाक नागका बाद्ध छात्र माद्याचा मिक्सा क्यांड আৰু মিক কিবলের क विवादम्भाव कारणः काविनाति कर्मान्द्रकीय निराण्यम अवर राकारकारी बाटकर कार्यकड कहात एकटा ভামতঃ সামিত হাব্য উচিত হবে না। কলিটির সুপারিশ জনুবারী জেলা পর্বারে প্ৰকেই অভিসাজের পদটি খবেই গ্রেছেম্প্ এন তা বছার রাখা উচিত।

ক্রিবালপার আন্ত্রনিক্রীকরণ করলে সমুদ্র বলপতি প্রবৃতিতি হবে। অনেকে আপক্ষা করেন হয়তো একনা বেকার স্বাস্থার স্থিতী

काल भारत। किन्छ योग भवीतकाम कृषि-ব্যবস্থাত আয়ুনিকীকরণ করা হয় পতিত জাত উদ্যাহ কৰে ও বছৰে একাধিক-বার ফসল উৎপাদন করে উন্বান্ত প্রবাদিকে कारक कालाह्या वस छाट दिकार नवनाति চিত্তা কুৰি-খনেয়ের আধ্নিকীকরণের পথে बाबाब जान्छि क्यरन मा। कृतिय क्रिकील अवर গ্ৰামীৰ বিচেশৰ উল্নতিত মৰো যোগনতে থাকা সুৱকায়: কেচাকলেৰে একটি অপ্ৰেয় পরিপরের উপরাধিকা হতে পারে। জাপানে ্ৰভাবে কৃষিবাৰশ্বাকে আধুনিক বল্মণাতি উলাত বন্ধনের উৎপাদন পার্শাতর শ্রেরা नमान्य कता इरतारक, बत्तर रक्कारत अकटे সলো ক্ষান্ত ও কৃতিৰ নিদেশর উল্লেখ্য वाक्त्या क्या हरताह, खामगां कराताल ক্মাস্চী প্ৰহণ ভৱতে পাৰি। ভাৰতে কৃষি-ব্যবস্থাকে আনুমিক করার কেতে সেন কাৰ্যাটার প্ৰতিবেদন ক্ৰই ক্ৰে বে' বলে न्दीकृष्ट श्रदा

म्बड ग्रन्ड



প্রসাম প্রেস এণ্ড পাবলিকেশন। ৪২.ইণ্ডিয়ান মীরর স্ট্রীট. কলিকাতা-১৩



#### আহুনিক গুণ্গায়াতা

विश्व आरंकि कार्याल प्र-रेतित प्राप्तमा केर्याल केर्याल साम्यक ग्राप्त अर्थाल । अर्थ प्राप्तमा केर्य सम्बद्धिक साम्यक ग्राप्तमा अर्थ प्राप्तमा केर्य सम्बद्धिक साम्यक ग्राप्तमा प्राप्तमा कर्म सम्यक्षित कराय साम्यक सम्यक्ष सम्यक्ष

क्यांक राजारीक देशादेशिय अव शादकीक मारहरवर शहका भ्रामाना वाज इ एका अभावति काइन हरन ४ एई। किन्छ आकारभद्र इसद्ध कामारित कामारूप स्टाइरीस ভিৰেষ্ট্ৰ মাত্ৰ পৰাপৰা কৰে হোলে উঠালান। ভারতীয় বেজিমেণ্টর বাছাকাছি কলে क डिट्साइक्स अवय प्रकार तथा। एवं रस्तास्त्र সংকর বিশ্বের্যায়কাম ভাট্যের একজন ধ্রের উঠালন, শতুমি না ভিলিমার ব্যাছত ভিলোগ এককল ঠাটো মাধ্যেকি সাহেত্বর সহা হয় না। ेंक ब्रह्म स्वस्थ क्रिक्टिक का ब्रह्मिक स्वस्थ करते हैं ম্বান্ত্রে ব্রক্ত অধ্যক্তার অধ্যক্তার : ব্রতিব্রক ভাৰত্তন নামা পোৰত্ব ও নানা লগতিত देशकर-प्रकटनदेश और । स्टब्स्टराज्य उत्पत्त ভূজা প্ৰথম নিশ্ৰ ব্যৱসাৰ সাচে পৰ্যাত व को अधिकारका दिव से कराइन। राश्रीय পৰ হতে বেশী কেবা ধৰা ভিনি উনিপনৈ इन्डिका प्राप्तकोत कारहारक को सहायह লাক্ষ্যিকার স্বাধীনতা সংগ্রাফে বাজার হয় ছিলেনাঃ সংখ্যীন আমেতিকার কম কুলো বিশাস্থ কালোজার এক কোণার পরিশাস এবেল। CONTROL WAS WAS PARK IN A PARK TO এনেছিলের অসীম ব্যক্তির মন্ত্র হ <del>প্ৰপৌরতে বাহিছে হোখাছ। অপনয়ন</del> १४७ व्यक्ते कारका अभागित অক্সক্রেন হয়। চারী। চারীর ছবি সঞ্চিত্র ক্ষেত্র আনুক্তির সাত্রকের কথাকোর কেলা 4.3.2

সাক্ত্রের সংসাধা কি লবাণ বিশাংকালয়।
ভাল নাকি আচাত টেডানী কলেন। তার
নৈত্রর আর কেত্রক অভিনেত্র আছে চার্লিকে
রালার জারগারে কডকালের লাকে চার্লিকে
নার্লিজ্যার কডকালের লাকে কান হার্লিজ্
বালার কলের কারের প্রকাশ কান হার্লিজ্
বালার ক্রিল্ডা কলক বালিজ্য শান্তর
ক্রেকার ক্রিল্ডা কর্মকার বালিজ্য শান্তর
ক্রেকার। ব্রক্তার ক্রেকার এক ক্রেকার
ক্রেকার। ব্রক্তার ক্রেকার বাকেট নাই।
সালোল ক্রিল্ডার মানার পাওলা বালা ক্রেকার
নিরে হল্প নাঃ বাভিন্ত চরা নিরে জলালা
সারে অর্লাক্ষা। ব্রাভিন্ত চরা নিরে জলালা
সারে অর্লাক্ষা। ব্রাভিন্ত চরাক্রেকে বেডাল নারি



মাংও করে উদ্ভিত্তির আশার বেরাকের।
কর্ম তব্ আপ্যারতের অক্তার নেই।
ক্ষি বাওরাকেনই। অক্তাত ক্ষিত্র
পেরালার আক্রান্তি আলম্ভুক বার ব্যক্ত

গণপ করতে গুলিরে যার কথা তথে
ক্ষর্তনাতের কেন্দ্র বিবান্ত রপে তাদেন—
এই জিলা কাহিলার হলে উপার্থার।
দেও্নাকের গারে সেন্টে রেখেরেল কাটিল সর
বংশের পোলাকের নার্ন্দ্রা, তার পালে বংশের
বংশের পোলাকের নার্ন্দ্রা, তার পালে বংশের
বংশারির সাবার পালে বই কিছু আরে তার
এ একই বংশ গারা। মনে হারনা নার্ন্দরকা
বংগারারের মারা মারা। হরিনারার্ন্দরকা
বংগারারের মারা মারা। হরিনারার্ন্দরকা
বংগারারের মারা মারা। হরিনারার্ন্দরকা
বংগারারের বার্ন্দ্রকা
বংগারারের মারা। মারার্ন্দরকা
বংগারারের বার্ন্দ্রকা
বংগারারের বার্ন্দরকা
বার্ন্দরকার

অনুতরালে। ভাই তেন মানুৰ সেখালেই ক্লড়িয়ে ধরেন। উঠে আগতে মনটা কোল করে। নিস্প্রভ দুই চোগে **হল হল সকল** দুখি, দুই হাতে স্বাইকে ক্রমদনি করে চেরে ক্রলৈন ক্রদুর সেখা গেল আন্তারে। ম্যাকেলি সাহেব তত্ত্ব এই ভালবাসেন।

ম্যাকেনি সংহেব তত্ব এই ভালকালো।
গ্য়মার জভাব নেই। বৃদ্ধ বৃদ্ধানের
ভালাকে ভতি হওলার চেরে একা ম্যাও
ভালা জনতত ও'র তাই কিন্দ্রমা। বৃদ্ধবৃদ্ধানের একর রাখার বেলব রাজনিক
লারেনান আছে তাকে একা জাতান্দের
অক্যা মনে করতে বৃদ্ধান্ধ শেব কালে
আপ্যাক্ষনেতীন একাকী জীবন করণ করেও
মানেরাজ সাহেব কলা করিতে রাজী, কিন্দু
ছাত্র কেলা খাঁচার বাত কলা বৃদ্ধ-বৃদ্ধান
প্রতিষ্ঠিনাক্ষক জনস্থান্ন ভার জালা। নেই।

প্রতিন্টান্ত্রক বাকাবা ব্বে ব্রে বেবা আমার বহুলিনের আছে। বঙ্গাই স্বেশ কেরেকি গাদচারা নেশে আনুনিক ব্যার কেনেকের জার সমাজ বর্গকোর জার কি উল্লেশ করেনে দেখবার লেটা করেছি। আয়োজনে সজাল দেশের প্রাচুর্বের প্রকাশ বর্তমান লক করেছি। কিন্দু আমার র্যাবিত্ত মালাকী বৃত্তিত ভার ক্রেরে কেশী চোধে ক্রেক্তে আয়োজনের ক্রম্বালিক আর ব্যান্ত্রকভা। ব্যায়াকনের ক্রম্বালিক আর ব্যান্ত্রকভা। ব্যায়াকন্ত্রা ক্রম্বালিক। আর

# गात्रमीत्र सिंहि

२६८म स्मरण्येन्दर

বেরোবে

জীকন, বৌৰন, চেম, ডাজবাসা, বহুসা, ইতিহাস, রক্ষনীতি, গাুণ্ডতরব্যক্তি, লিকার, ত্রমণ প্রকৃতি বিভিন্ন পটভূমিকার বিভিন্ন সংগ্রহন

# पर्भाषे উপन्যाস ও একটি नाটक

লিখেছেন : বিষল মিচ, আশ্তোৰ ম্বেলাথায়ার, নিমাই ভট্টচার্য, হাারলভ রবিনসন, বিবোদন পাজিত, বৈদ্যনাথ ম্বৈলাথায়ার, অচীশ বর্থন, ধ্বজ্যোতি রায় চৌধ্রী, বিশ্বনাথ বস্তু, গ্রেল্খান নদা প্রভৃতি।

কনানে বচনাং শচীন ভৌনিক, বজত দেন, বংকর চটোপানার, বছল বজুনার, আপন বৈদ্ধ এবং আহা অনেক। এচাটে উল্লেখানাটা করেকজন ভিতারক্ষার বোগন জ্যেকে। এটাটি উল্লেখানাটা করেকজন ভিতারক্ষার বোগন জ্যেকে। কাহিনীং ভালখানা এলো কাহিনি/আলাকটের নথি থেকে রোমহার্থক বাঁডা বুনের কাহিনী হাঁখনা নিন্দেনার গালা গালা হাঁহি গানের কাহিনিটার কাহিনিটারে অনুমার বিদ্ধানী কিল্লোক্ষার বচনা / বোশ্নাই, কলকাতা, মান্তাক্ত ও হলিটাকের আসংখ্য ভবি

#### वर शारेष्ठ ७७० भागाव वर : हाव हाका वात

প্রচাৰপারের জন। এজেনটাগ সম্বর বেংগারেগ কর্ন বরেমা। ৭৯/৫বি, আচার্য জগদীলচন্দ্র বস্যু রোড, কলিঃ-১৪

# ठाडाणांक वड्या-विषता जूब कवाव जतड अक्यान जाडाञ्च्या है यारेटाकारेत कवा





निद्धांक धांनादात्र सार्थात्र मकुन गरिद्धांका देख 'कारान्द्धां' वाद्धाः श्वा-त्यत्र । शास्त्राः श- श्वाः प्रश्नाः । वादः नीद्धाः तस्त्राः श्वास्त्राः । वादः नीद्धाः तस्त्राः श्वास्त्राः ।

माला: शास्त्रमण: प्रेडे हेरारानहें। बरशासन राम मानाद

শিশুদের জনাঃএকট সাধানট বা আপনার ভাজারের বির্দেশক। শক্ষ আইক্রোকাইশু জ্যাস্ব্রো' বাখা-বেলসা বুর করার সর্বাধৃনিক উপার।

বত্ব মাইক্লোকাইও ভৈয়েস্কেরা তাতাতাতি ব্যধা-বেহৰা হুৱ করে

निर्वागामनक्ष 😥 रेक्सी

कालाम्य करवाथ निन्द् । कारमय कालाम काराव, कानम द्रमारे । त्यांक धानमा क्रमा काराव काराव, अस कतावात काम मान्य हातरे । यहाम ता अहे मारावांक काम मान्य कानकामा त्याव हाताया राज्याम अस स्ट्राप्ट क्रमाया मान्य कालाम । मान्यता मीना मांकात्म मान्यता वीचारमा काम्याव काराव व स्ट्राप्ट काम करता असम कारावां काम काला किस्मा मान्यता वीचारमा कामा काला किस्मा कामा करित, त्याचाच माम काला काला । यहां वाद्या वाद्या कालाम काला किस्मा काला कालाम कालाम काला कामा कालाम अस्ता कारावां कालाम काला कामा कालाम अस्ता कारावां कारावां कारावां कालाम काला कामा कालाम अस्ता कारावां कारावां कारावां कारावां कालामा काला कामा कालामा कारावां कारा

বেলা হৰার জন এক মহিলালের
বা মানের আখনাতে একটা মহিলা প্রে
আটা জন্ম কাশন্ত আসাতন। আখনাতে
নিলেলি ছিল স্বাই বেন চিলেচালা জামা
পরে আন্দোন এই মহিলাকে আখনাল্যরা
আপত্তি জন্মাল মহিলা বেলা গোলনা—
খনি জামা আমার চিলেই থাকার, তার জার
পরসা ধরতা করে বাবানের কামেলাতে বাবো
কেন? সর জামাই তো সাই হারে গোলেই গা

লালি: বললে, হাখ একটা हामा त्यार ठारेक्स । त्यरे मानास्य हासात्र कामान प्राचात हुए हिल्ल গোলা। ভাতেই কি ছাটি প্ৰেল্ডান टमराज उमराज भाराभर बद्ध व काएंड चावरस कडाला : R WIT PURK NITE नारक्त बाम्य मादा इ.स. सम्ब किनाटक ब्ल्या राजीहरण Barne 'लि<sup>क</sup>, बडे ता भूनद्रहर चा<del>व</del>क रेपरणम् । 'कार्यक 'बार्यन वस्तरहरू भाकरणम् रनहें। जन विश्वाः। सार्यक्रम क्रम्ब क्रीक काषातः स्थाप्नातः स्ट्राप्टाः सील ৰতে। মঢ়োর খেলে ব্যেয়া। কেন কে সের্গিন



WINDS PROPERTY OF THE PERSON O MERCE! MINE THEM WITH THE CA'S from the same

Jana Market

त्या नामानिया परित्र क्रिया तथा पाला तथा। करहे का बाजात्सामान इ.स. बाजा PERSONAL MINING WATER DEPT WITH Depart | College Tors and these क्षिका भागाम स्थापना काम जीवा WATER CHA ES SECURE AN OR EAST प्रसारम कारण बाटन पारमंगः।

#### देखाः पन

লৌগন বেটিভখনে বেনাকে খেলাড काल क्षण कालकरमंत्र निर्मा । रहाकन शत श्रद्धम द्वारमध्यक्रमा कारण कारण कारण कार्रिय। الم المعاولات WILLIAMS. WIND INGIA wafnest worse the waves said कारकामा दशका । अस्त वाकियावी एका व अर्जाल। कार्यक कि बड़ी क्षत्र विकट दिव क्षा अपन करता किया करता करता है माम'न दिन्दाम कदलाव रा । पहर बम दी क्षातास्य एक बासवा क्षतिय। तस्ते क्यादी टबरब ब टिएनड कान्छ कारका अवहे श्व-ৰার মন্ত পঞ্জিও জামার চুটো। সামালিকভাবে या नदाहै म कारक शकानास्थ व हातार हा कामारक क्षारम करकार (कारक कारे किया महत्त्वह । कवत वहें हरहारर गीए ग्या राज राज्यात. काराक्ष्य कींग्र कींग्र रहातात र माहिन्द्रकाराक ब्रह्मभाग रहा करहरे रहेडरेनक का वह भाग बालहार रामा। कि जाकारिक क्या! अक्रवात देशाह भिन्छ गारह था छ। निरम्भारत करना कि शहर शहर SE'T'

এখন ছে: বলাত গোল মাৰ্কান সামালিক करिक शासनात्रहोत स्ट्रेगीः स्टाइट कार्यक्रमाना स्थाप किराम स्थितिकिया १८१३ बारत क्षेत्र क्षांत्र व्हेंदेश्यकः बाहत्त्व প্রসার আভাব প্রাই জন্য লেখের চার্নাদক हबाइडे बदब शरि बच्चा काँद गा। बराइट मान शरदीक दरवात शक कनानीम काउन्नम कामात्रक दस्है। दमाहात्रक रूपनाव्य कपार्ट बारन मा। कार्ड निहारी कि का त्मा उनार पर। मल्डीड कामन महत्व छहामस्यलास्य ৰাপাৰ সামানা। ছেবের অন্তর্গাসের বন্তন म्बीकात कहान कि गा। क्लाजि या गटन रहक বাদের নিজি ছটাক এজনটাডুর ভারও ভার काब त्माल मा। त्मालदे नः कि कात? विशिध चात्र विकितित ब्राह्मा अशेकान्सराह राज क्षम कर्माहाह रुगीहात्व वहीतः।

रवाचे लक्षात्रस रवाचे कलाक। करेटर कं प्रीमकालक स्टेक्ट्र। मा श्ला कलक ब ेन त्युका है। क्यांना मन्त्रातिक रत्याहर bri के हैं का देश है कि है का कि रहते। का निय गावी हेक मार्थि कान्यारहरू नाह है रकारहरू नावन क्यारकम्। समान्यरचा नाचकति । १९८३ hrs at corset-us was in the test age CONS THE NAME NOW RUCK Gerureich का गुलाब तक त्याचा त्यानात्रक संख Toples we Toples राजा। प्रांकिन क्रांक्स क्रांक रहाजन. 'He wanted to tree the American women. जाटमानकाम द्यादारक स्टूब क्यांके THE BOWN !

कार्य रहीरसाम्ब प्राप्त शास वार्यामास्य ক ভাকাতি। ভাজেট হচবিভাও জান বিজেন, "My philosophy is unique. Not wearing a bra is a statement of freedom बाहार वर्णन बन्नामान देन। bra मा भवा न्याबीमकाव न्योकाववानी ।न

हा बावमानीयः खायदात्र प्राथात्र प्राप्त केरल বলেছেন। নিউ ইয়কের জালন লেও মান-হাটান স্থালৈ মেরের। নামন কালনের कामात मन निरामानन। जात जना व जन्दरीत

व्यवस्था । कारण प्रतिमः कारण । कारणारीere nem nem man mile e maure T क्षात्र प्रमाणक को काल कर्तक। कालक सर्थ-हरे कराय शक कारतन कारता किया का कार्या प्रवास कामकार्याम शास्त्र व्यक्त टकाबाद करहे के जिल्हा गायन विकास कता गाउँ। माध्यक व समाहे कारकरात्र प करणा स्थापन त्यकात स्थाप स्थापनी गाउन । होर कहा असूत्र क्षाम कारहरू क्षाम जाबादराज्य प्रदेश स्वयंत्र क्षेत्र द्वाराज्यस्य रकारकारि निका किंक रुपी निका कि चारमाञ्चा । त्यान जामागरक व्यवसा अवस्थि हुन्द क नट्ड रच क-बाद न्याटम बटनीवासम स्व व्यामान्यका क्यांका हो कार अक्टे रकाराज्य कार जाएक शहरक देशक हार्गिक विराहत । क्षक चनवा क्यां करत सामाना दहा।

বেদ্যইন-এর চীনের সাংস্কৃতিক বিপ্লবের পটভূমিকার

म शारण वक्कन स्थारवर क्यक विद्याद्वाद वक्का काकिनी

रेनालन एन-इ विश्ववी नशीमराम्य स्वकृष्टिक काश्मि

## 6.00

পি, সরকারের সমাজের দ্যুক্তকারীদের ভাতিনী

ক্রেক হিন্তু ভারাশক্ষর বন্দ্যোপাধ্যার ক্লাবের নাম কুমতি 8.00 महानश्वी 4.00 ন্যমাল প্রেণ্ড वांगांग्रणी स्वी ভিক্তীৰ কাষ্যাৰ स्रोधात सारका 8.00 0.00 বাজীরাও সেন ভৱ সন্ধ दब, विरुक्त ७∙०० নমিকা ৩:00 भानम कना। २.६० অব্ধ,ড <u> छेड्य गास्त्र</u> न्यर्ग (प्रशास 4.00 ভোৱের সোহাল \$0.00 সুধাংশার্জন ঘোষ বেদ, ইন बाधवर्की ४.०० बन्ही शब्न ४.०० बाका जान दनहे ४.००

ৰানী বেগম ৬٠০০ बाकनीजिक शवा (बना ७-००

नौद्यात्त्रहरून चाण्ड

मूर्वबह्न ७·०० कामन गान्यात ४·०० केमनी ७·०० निभिन्द ७.०० गण्नि, तक छन ७.०० वहनाती ७.৫० इन्द्रनमाता 8.00 निवेनी ७.०० पत्म काकाब बाक ७.००

ভূলি-কলম : ১, কলেফ রো, কলকাতা-৯ CALM : 08-R2RO প্রথম প্লাল্ডিক বাল্ডির প্রথমকারক সম্বাদ্ধ সম্বাদ

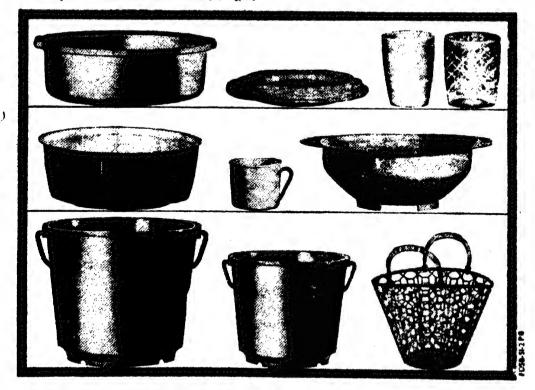
# দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাড়িক দ্রব্যের পূর্ব সন্দার

ৰাশকৰে বং এর টোরা দেবার কয়—মগ, বালতি এবং টানেটে নীট। রারাগরের বছ—গামলা, বাটি, বাঁকরি, খাবার টেবিলে উংস্কভার কয়—মাটি, গোলাস এবং মেট,গৃহত্বালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাজার করার বাগে এবং বাতির শেভ্—বেমন রংচকা, তেমনি সহকে পরিভার রাখা বার। হাছা এবং অভস্ব। নানাবিধ মনোহর বংবে। সবই "দিনের" তৈরী—হারা প্রথম গাউনের বালতি তৈরী করেছেন।

"সিলের" ভৈরী বাবতীর জিনিব নির্ভরবোগা ও টেকসই। কেননা, ও ওলি বহকালখনে বাবেনার। করার উপবোগী করেই তৈরী। আৰুবিকভার আল মান্টিকস্—'সিল' এর ভৈরী মান্টিক জব্য কিমুন।



স্প্রীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড জ্বল্লাম্বিদ্যু কলাইর প্রায়াম্ব্রুক্ত ।



ডি প্ৰতিষ্টেড প্ৰশিক্ষয়ক, আসমে, বিধান, প্ৰভিশা, মধ্য প্ৰচেশ, প্ৰমন্ত প্ৰচেশ, কেপ্সন্ত, জিল্লিয় এবং ভূটানেৰ *ক্ষয়ত আনাৰ্যা* টেক প্ৰেমেটাটা ক্ষেপ্টিৰেশন, পি-১৫ নিউ দি আই টি গোড, ৩৫ তথা, গ্ৰহ্ম এই প্ৰতি, উল্লিয়া ওক্ষয়েক ক্ষেম্ এক্টোইসম ক্ৰাপক্ষাৰ ১২ গ্ৰহণ্ডৰ ক্ষিকান্তাৰ ক্ষম **নেদাৰ্শ কি পদ্ম এক কোং**, ৪১, সাৰ ত্ৰিবাম গোৱেগক, <mark>প্ৰতিষ্</mark>টি, **ক্ৰিকান্ত**া প্ৰ

# चम्द्रव्र मिल्ली

কাণকাৰে উঠে কুলি চাছ হতি ইয়াক নম, কোকা আকলে: —আমিৰ চক্তৰতী

T POLICE PRATTY Wive Sweet's NAME Erfreite, reine bille . TIME BUTT WERE AND AND LONG WILL হাত্তে করে হসংক্রাতী হঠন তার হান 新文字 ( 利 本の STE MIRES YOUR STARTS তুলি কলিতা দেশকাল তুলিক তাওভাল 東京本等年 利 別 和 (100 ) かく かんか इक्सडी के राज्यकार बाँस (१०४१) हर। छाउन्ह ভিতরিকা **ক**বিভা কামণত স্থান ভাগেতির 478 実界等 等2098 247年 でき হ∎বছ<sup>†</sup>েহারে হটু হ জাবে ব্যৱস্থাত ক'ছনাত্ একটোইক সম্প্রের সাক্ষাণ এটা সংগ্রা তেওঁ sing party in the Y 28 50 7 হালাপের সৈজ্ঞ বিশ্বেষ্ঠ তথা ভূমাপ্ত লাভেন্ত THE POWER OF STREET THE BOY TO SEE 野花野 "你然就说,我们都就要一定的,我的小女们的。 হ"ল আড়ি বলজামানুত্রভেদ ভরান

ভাৰ উপপি টুটে সন্বাস্থা সভাৰীয় সমাৰ ভাষাপ্ৰীয় কোটো এক চেলা এন সম্বাহাট কোটো জ্ঞাপথ বাংপ্ৰীক ভ ইত্তাব পুৰুষ্ণ কৰ্মীয় কিলা ধান্ত ক জ্ঞান্তৰ চুমুখা কুম্মী সভাৰত চন্ত্ৰ মণ মাত র জধানীর প্রপতিকার্যালক প্রথম প্রেটেক স্পেক্ষিত করেলও কবির স্থি প্রথম মোহমার ভাগণ, প্রথমটি করেলয় এবং বিভাইটি ইংরেছিছে, কোনো প্রান্ধানেই পরিকেশার্যায় বিহুচিত হয়- এর কার্যান প্রপতিই দ্বাভাবিক।

# Lolas

না না বা বাহাীর সংজ্ঞা ভারে ওসর পাছে

না সা সহল সুই সেপ্টেম্বর হাবলাবার

লগমন্থী ইনিবল গামেরীর সমলাবার

বালারীর ন্যান্ত্র গামেরীর সমলাবার

বালারীর নার্যান্ত্র সংবালা

পালারীর বা বালারীর সেবেলা

লগমন্ত্র বা বালারীর বা বালারীর

লগমন্ত্র বা বালারীর বা বালারীর

লগমন্ত্র বা বালারীর বা বালারীর

লগমন্তর বা বালারীর বা বালারীর

লগমন্তর বা বার্যানা ভারমান্তর বালারীর বা বার্যার বা বার্যারীর

লগমন্তর বা বার্যানা ভারমান্তর বার্যানার বা বার্যারীর

লগমন্তর বা বার্যানার বা বার্যারীর বা বার্যারীর

লগমন্তর বা বার্যানার বা বার্যারীর বা বার্যারীর

লগমন্তর বা বার্যানার বা বার্যারীর বা বার্যারীর

লগমন্তর বা বার্যারীর বার্যারীর বার্যারীর

লগমন্তর বার্যারীর বার্যারীর বার্যারীর বার্যারীর

লগমন্তর বার্যারীর বার

তা নিম্নীর সদপাদকীর প্রবাদের এবং পালানোটে আলে চনারও বিষয়বদভূ কোনা ভাতে আছে আপাতে আবেদন এবং আজেনিক। সাধারণ পাঠকের কাছে বা নেই স্থেনর কোনো কবিতার, ছবিতে, চিচ্ডপ্রী বছানে। আর দেইজনেই আনির ভেগতীর অনুষ্ঠিন বিশ্ববিদ্যালয়ের টানোর হলে অনুষ্ঠিত হলেও আছে আধাকেরও আদন বিদ্যালয়ের থালি গোক

তা পাকৃক এবং এই অসমসংখ্যিত সার্হী বং তাতে স্নেরতার নিব্ভরণ প্রতীক। তানি ভূল বলপান?

থাকে ছোওঁ কাম ছাপালে পরিকার তত্তি পাঠায় চোখে না প্রভার নতন অক্সার পরিমান্তির উন্তেম ক্রোরেলার 🖟 আন স্তাস্থ্য আতি কেবলে সোধীয়ল্য দিলা বিশ্বতিদ্যালয়ের বলগাঁয় সাহিত্য গ্ৰেম্পতি উলেগ্ৰে কৰি অভিয় চক্ৰটোঁ ভাব স্বর্গরিভ কবিতা পালবেন এবং কবিতা বিষয়ে বিছা বছাবন। পানে গানে সবস্থে ভিন্নতীয়ের হেখল **ক**্রেডম ররকে। অন্তের আহণ ডি পড়ে না ছানি কেন নিছের জ্বান্ত্যাক বিশ্বাস করাত পাতিনিং ভাষানি স্বার্থনা অধ্যপ্ত ডঃ ব্রীলক্ষার २ मण्डाकार के निष्याच्या करते कारहा कालक-বিশিষ্ট হাজেছিল যা, ছোলেছিলাম দেই একই सम्भाष विभवविका**ला**हरू तमान विकास**स्** ভার্মশ্রণ পর্যালার সাংগ্রিক্সনা এবং ধরা সম্প্রতি এই বিভাগ নিয়ের হার্থা প্র ত হৈছ ভুকুৰত :

: अथन सक्काल श्रकामनीत वह मारन स्त्रपत वह :

: বহু, প্রতীক্ষার পর প্রকাশিত হল :

মনবেণ্ড দাসের: সর্বাধ্নিক শ্রেণ্ঠ ঐতিহাসিক উপন্যাস

# दबलायाती विलाम ১०

আরু, <sup>66</sup>ে তা এক ভ্যাল্য ও উপন্তম তাম ক্রাম্য এ উপন্তম **নয়, জ**ীবন দ্লিম।

সদা ভুঝানিয় হাজেছে : সাপ্ৰক্ষেক্সের : গণ্ডির উপনাস

palen eine : tenneng : Meriba Berge

## भीनाकी भन १.00

## রক্তাক্ত গোড ১০১

গৈপাননের : ঐতিহাসিক উপনাস রয়ুপনাতা মধ্যেতী ১ং

**मात्रवाहरू :** सहभा क्षेत्रवाहरू **मात्रावी स्माहरू** ( শীনৰকুমধনৰ : ঐতিহানিক উপনত্ত মণিছাৰা চিকোৰ ২০

ইনাপকের : ঐতিহাসিক উপনাস নচীর নাম শবনম ৪্ अमरतम् गारमः । धार्मिक छेशनाः डिडिका ১०

ন্টৰাজনে । ঐতিহাতিক বংস্ক ইপনাত ব্যক্তনাথিনী শীষ্ট প্ৰকাশিক বংবাং

•ˈʊʊʁ७ : **सब छन्य कृतित ३**७५/७७, कालक म्हेंं, शतकाड -३३

বাসর পারে দ্ব-প্রাসী কবি অমির
চলকতী একাধিক মহ কবির নিকটসালিখো
একেকেন। তানের কন করেকের কবিতা
নিরে আলোচনা করলেন তিনি তার ইলিরমন মাড্ডার র:। প্রোতার মানক গছনে উনি
প্রাতিভাত করলেন সেই লোলবা বা চিরাতন
আনালের বল্ট। যে বল্টু অর্পকে রূপ
দের তার মমালপশিতির। পারে ভোতারের
তরকে ও'কে বখন শ্বরচিত কবিতা। পড়বার
আন্রের্ধ করা হলো, ও'র স্পেকাচ এবং
বিনভাতা ভূলবার নর, 'এ'দের কবিতার পালে
আমার তক্ত কবিতা। প

বিন্ত্ৰী না হলে বুকি কবি হওৱা ৰন্ধ না, বাৰ না কোনেই অধাপক হওৱা। তও বিষ্কাল

দশনি বিভাগের ভাষণ্টিতে হল্যর প্রার্থ পরিপ্রণ ছিল। ভাষণ ইংরেজিতে।

েবেগবান ও ব্যতিমর সে ভাষণের মন্ত্রিণ করের বিশন্মার সাধ্য জণতত আমার দেই।
ক্রির বহুমেনি প্রতিভা, বহিলিগালের বিভিন্ন আভিক্রতা, ইমপ্রেশনিষ্ট স্টিভগাই, স্ব ভূলিরে দেওরা অল্ডান্টি, আস্মানা কৌতুকপ্রিয়তা করে স্বানকাল্যেধ; এইসর এবং কনামা ক্রেরা আনেক কিছা, বেন ভূরারব্যির এক স্থানের কনকনে সন্ধার প্রত্যেক স্বান্দাত কর্রছিল। বিজ্ঞানের স্প্রান্ধার এবং কনিভার কি স্প্রান্ধার ব্যব্ধ ক্রিভার কি স্প্রান্ধার ব্যব্ধ ক্রিভার কি স্প্রান্ধার স্থান ক্রী স্থাক্য এই গ্রেরাপ্রার

মাসিক ৫, টাকা কিভিততে



ক্টা কা জ ভবন দিপকার ৩ বান্ডে মল ওবান্ডা পোটো বল ট্রামভিন্টা বে বেলালা কা ব গা ব

পাঠান ব্যৱ। TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Pahargani Post Bag No. 11. New Delhi-1.

#### ভারতে এই প্রথম

৩৫ মি মি খেনে সিনে প্রোক্তের। নিজের শাক্তীতে শাস সিনেমা শেবরে মানেক



উপজেল কর্ম। টাচের নাউরি বা ইলেকটিনিটির নাইকেকটিনিটির নাইলেকটিনিটির নাইলেকটিনিটির নাইলেকটিনিটির কর্মান নাইলেকট কর্মান নাইলেকট

কে বালটির কম ৪০, টকা। এক কল ফিলা বিশেষ্ট্রে: অতিরিক্ত ফিলা প্রতি ব ১, টকা। Rolex (India (DC-44). P. Box 1574, Delhi-6. ভগাটিকে উদ্যাটন করার গাঁকে কৰি কো বিশ্বপরিকাম করিরে অন্যানন প্রোভানেরকে। ও'র সংগা কথানা হলান আমারা নাকরে, কথানা বা লোজা চলে থাকে ল শ্যোভারত প্রেনে কেবানে আছে আলোর উল্লেন্ডন নিবা।

আধা-কবি দেকরান্তন সাজ্যের একজন বংশা কর্মেছালেন জামার পালে, তঃ বাশাদেব বানাজিন দেবলাম উনি এমনই তন্ত্রর বে দেব প্রতিত কথন বে হলভাটা থালি হয়ে গোল তা উনি বাজি টেরও প্রেক্তন না।

ক্ষিত্র বছরা নামে মিকা-মোহ-ভান-ছলনা সংইংবৃত্তি থাকে থাকে ভূলে বেতে হত্ত, হামের কোনো মান্যক হত্তে বস্তু নিকটবলাং।

সকলের ফলাক আমিও বেরিরে পাড়-ছিলার লাতেরে সম্পার। জীকা জীকা রাস্থার। যেথিক জাকাও সাম্পর সেকার স্ব বির ট বির ট কলেজ, ছান্টেল, থেকার মাট। চার্বার্কি সবাজ জার সজীবয়া।

এপানে ভারতের স্ব ভারভারী ছাত্র-ছাত্রী: এটের মনের জাকালও বিচিয়ে প্রকাশত।

প্রপোর পেরিয়ে কানের নিকে কেবিরে বেলাম কানের পালন। কজানের একজান কারিখনত ক্যাপক। এবারে একটার পর্ একটা হাম, এবারে শেবারে একটা, কবিতার মাতা।

#### \*

লরংকালে লরং জালুত্ব ল রসীর উংসব।
দিয়াীতেও আনহার দ্বাপাশ্রেকা হার
ভাকিরে। তাই-ই বাঙ লীবের সংশ্কৃতিক প্রতিষ্ঠানগুলি এখন জমজমাট। পাড়ার পাড়ার আনক্ষের ভাকরে বান, হবে সাঞ্চন্দরে মানের প্রজো: সকস্মাধ তা প্রার চলিকাটি প্রতামা। চলিকাটি প্রজো। এক লক্ষ বঙ্গাট।

কলকাতার বাবোরারি প্রান্ত আর প্রবাদে বাবোরারি প্রান্তর সবচেরে বড় বা প্রক্রেন তা হলো লিকে প্রকাসীদের সাঞ্প্রভার বংশ্যাচারীদের উপলাত আর উচ্ছাপ্রভার থাকে না। সালতত তা আমার নামরে পার্কেনি কথানা।

নিক্ষার প্রায় নানাবিধ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানও কন্যাতিত হয়। যেমন কবিতা-পাঠ, নাট্যাতিনার, বালা, এমন কি সারারাভ ধরে চলভিত উৎসব পর্যাতঃ। এমনিতে তো আমরা বংলা বাসে হ'ব তার বাংলা সিনেমা গৈবা থেকে একেবারে বাঁকাও। স্তেরাং চলভিত্র উৎসবটা নাট্যাভিনার উৎসবের মতনই জামা গয় বাবে অভি আকাশিকাতঃ অকশিকাত হবে না কেনঃ।

সতি। কেমন বিশ্বর লালে, বারপসী অর্থার এসে কলো ছার ছবিদর্শনে বাই করে। ফিরে বার কলকাভার। কেন লিয়ারি বাঙালীবের অলিভারে এরা সাক্ষয়ন। বেন আমায় কংলা জ্বাটা জেনন বুজি না: বেন বাগুলোঁ জাখন আমানের কাছে আন্তাবে: জর কৈন আমায়। বংলা ছবির থবরাথবরও নাজিনে: কিংলা ওবের বুজি বার্লা, ছিনি-বুলিজালা বাল্যাকে প বেথে লেখে আমানের স্থান পালে। গেছে, অভ্যাথ্যিক বাংলা ছবি ভাই আমানের

অত্য হথ্যই বংলা চেন্দ্রিয়ের এখানে অক্সমণ উনর হর তথ্যক আনিবার্যভাবে বন্ধ্য-অপিস চিট। বনিও তা রবিব রের সকালে দেশবার একমাত সংযোগ ঘাটা বিকেরে, সংকালে সিনেমা হাউনগালিতে বোলাই হবি, বোলাই হবি, আর শ্যে বেশ্ব ই ছবির না কামী কাডামী গাণ্ডামী নোগোমী। গাণ্ডিকারেক প্রেক্ষাগারে ইংরেজি।

হত্যই শিল্পাতি বাংলা ফ্লিম আন্ত আব দে ফ্লিম তৃত্তীয় গুলাগৈ হলেও অবাভালাই লিজিজজনাম কাচেও যা আদ্বলীত। সভাজিং হাম তেশন সিংহ অভিক অটক এই ভিন হচাবভাগিত প্রদান নাম গাণ্ডেই হিল্পায়ে। অভি সাধানাল-বাভালাই পরি-চলকের সাধাবলত্ত্য চলচ্চিত্রটেও গোডোঁয় আয়ত্ত কালিব বিশেষ করে বিশেশী দশাবের, আলমা উবস্থা।

কিবলু বাংলা ছবি দেখানোর দ্বর্লা বোধ বার বৈশ্বান লি হাওঁ করে বাংলা নেই বিজ্ঞান ব্যবহালি লানি নাকি বেশবাইজলানের ইকিছে বাবা স্থানে হাতার বংশবাকে এই লরক লানি উপস্ব প্রাণ্ড স্থারে আপ্রান্ধ করে করি করেকটি বাংলা চলচ্চিত্র দেখার সূত্র আলোক্তরেই জানি দেখন আম্বান প্রেক্টানি প্রেলাক্তরেই জানি দেখন আম্বান প্রেক্টানি প্রেলাক্তরেই জানি দেখন আম্বান প্রেক্টানি প্রান্ধ করেলাক বাঙালীকের দেশে প্রেশ্ব ব্যক্তরালি করেলাক বাঙালীকের দেশে প্রেশ্ব ব্যক্তরালি ব্যক্তরাক বাঙালীকের দেশের প্রেশ্ব ব্যক্তরাক ব্যক

दर्शावसाध भारताद करा।

শিক্ষীর সন্তাইতে জনাট পালেশানীংসন বছ মরা শিক্ষীর কালীবাড়িত। তারপারই বোধ হার করেলবাণা অব কংশ্রেণী বর্ধসায়ে পাজেশ।

কালীবাড়ের অভিজ্ঞিশালা আর করে লযার বলগীর সংস্কের অভিজ্ঞিশাল র তর্নন
হরতম নবাগত বাঙালীকের আনদ্যান্থ স্থাপার । নাম্মান্ত দক্ষিশার এই দাই অভিজ্ঞিশালার বাঙ লী বাঙীলের আহার বিহারের স্মুলর বাবদ্যাঃ আরে এই কার্যনেই শারকারের করেলবাগা আর কলাবিংড়ি অকলাটা ই্বেচু বাঙলাদেশের মতন দেখায়। এইজনা আমার কাছে কার্যের এই সমার্টা বারপারনাই প্রির। নাতুন নাতুন আন্তর্নর সংশ্লে পরিভ্র হয়ে আর, কার্য-কার্য সালে তো জানে উঠি খন হয়ে, কেন আশ্বান্যা উঠে কেথি হাত-বাঁড় হাতে নার, ব্যালা আকালে।



**सकारा** शास्त्रशास्त्रत स्वत्तव देवता १० কিছলা আকালেনিতে সংপ্ৰতি একটি স্থান্ত্রটার প্রদর্শনীর অপ্রাচন করা হয় \_ and Indian Painters 69, 22 200 নিবস্থন আস্থালির ভবনের স্প্রিচিত Linker Br ्रक्षणास्य हेर्ड्सस्याकारस ইপ্তির্ভ রাজ্যুত্র পার্থন নি हार बहारीहरण क्षत्रभागित करिएका 15 W. T. C. W. A ্রতাহিত হাল্ড কিন্তু কর ভারতা ল MERCHAND ASSET ्रीतकाचा कृतिहासिकालस् BATTER RICHARD ভূপের সংক্রাক্তরশ্বীন বিশ্বস্থান্তিকর একর। ক্রান্ত MANUFACTURE THE SE MARKET REST COME IN SE y they with Consider their Sy College ?

হাদেন নৃতি ছবিশের এপ বছ বলতাত লালাছন এল নৃতিপ্রেই ছবি বিশিষ্ট আন্তর্ভান প্রতিশেষ কাব লাগিই কলক্ষ্যালা কবিত্র প্রত্তাল আবলান আবলার বিশ্ববাদির কাভবিক লাগে লা কল্পকালা ক্লেটালার ন্যালা বলাছন কাজনা বেলার জিলার ভিন্তি ছবির লাগে কার বেলারে জাকা হিন্তি ছবির লাগে কার বেলারে জাকা হিন্তি ছবির লাগে কার বেলারে জাকা হিন্তি ছবির লাগে কার বেলারে কার্কি জাকা বলাজন কার বিশ্ববাদ্ধি কার্কি কান্ত্র কার্কি কার্কিকার কার্কি



वाबाद्य

-44 44 ECHA

হ'ল সংস্তিকতম হয় ত হালে প্ৰয়েছিকে চলাল্ল্ড বলা জ্বল না-টেডিডাবে<sup>ল</sup> ভার ইংকণ্টায়র নিদ্যানি বৃদ্যুম্ভিত ভাপা বঙ্গের উল্লেখ্য হয় দিয়ে ভিলি মহীত **হয়তা প্ৰ**াধ কাৰ চেটা কৰেছেন কেটি কিন্তু সৰ ক্ষেত্ৰ ১৮১) গ্রাম ভ্রামানি ম্বানিভ ক্রামান্ত্রাম্বশ্ব-২-এই জান কেব ভাল # "TO" ! বেল্লাক্ষা নাইডুৰ ব্যৱস্থা <del>ইবলিণ্টা হেকা যায়</del> : নত পুতাৰ ৮ চেট ছেট ছবিব সংক ক্যানিত ব্যালাগস্থাত বস্তুন হিলাটিয়ে কৰ গ্ৰহণ কৰিছে আৰ্চ উটোছে কে সৈ এস + ১৯৮৫১ সংগ্রাহের কার্জ বিভিন্ন চিক य कुण्डीक संदेशक हिन्द्र काम का হালভিন্ত হয় বিশ্ব ভিন্ত ক্ষেত্ৰ PERMITS AND ASSESSMENTS PROFFE ভাক্ত ফিল্বইলিস ভূৱাবছার ভারভার হ'ল পাড়াল সামী मुक्त (स्ट्रांस स्ट्री) किन्नस्थिते आश्रीहरः ব্যান্ত্রের ব্যান্ত্রি হাইদ্রের বিশেষ थात इक्ष **६ ६६**न्छ। स्वितिहर दिक्स ६ ক্ষেত্রিকে এব বন্ধাপথতির স্থান্য ক্ষাছ গ্রন্থ হয়ে হয় যাত্রহালে কতিন ও নিষ্ঠার গুদ্ধ চাপে পড়ে মন্ধ এই ফালুব হালে িছাৰ নিজেপ্তিত হাজে ফেসিন ছবিতে ি<sub>কারণ</sub> ক্রি রাখ্য হতার গ্রেটা করেছেন। ভূতিকেন্দ্রি দেখে অন্তের AIFACS হাতে দিও শিবতীয় সাগ্যক্তিক প্ৰদৰ্শনী- ভূত খাতনামা ভাগানী লিক্ষাী লোক্সা আবে ব বচনার কথা মনে গভূবে। প্রেক্ষ পাইনের তিনটি রচনাই ইতিপ্রেব সেখেছি। বচনাক্ষেত্রে ওপর এনপ্রেভিডে-এর মত স্ক্রের ৪ স্থের কার্কাবের সাধ্য ভারতের সম্পর্য ঘটিয়ে তিনি কেন কার্ডাক্ষের কান্দি বার্ছিন। জি রে স্ত্রভাব্যার রচনা ভিন্ন বার্ছিন। জি রে স্ত্রভাব্যার রচনা ভিন্ন বার্ছিন। জ্বতপ্রেক সরলা ভারত্রের্ব আনকারই ম্পের করে। প্রতিভূমিট্র বিস্কৃত্য লাভলপানির মত একে কমলা ও সাধা রঙে লাভলপানি রচনা প্রিতিত কোলাকের ব্রিক্টিকরে বিল্লাই রচনা প্রিতিত কোলাকের ব্রিক্টিকর

#### कारक अहे अबब

তে জি লি যোম সিলে প্রোক্তের । নিজের গাঁহতে সাম সিনেমা দেশার আন্দেশ কি উপজ্ঞান করনে। উট্টা



উপ্তেপ কর্ম। উটার মাটার যা ইকেকারিনিকৈ সাহায়ে আসনার প্রকা-মাতা চকতি ছবি প্রতার দেখাত পাকেন। সিকেরা হলে বেমন দেখেন টিক দেখাতারই প্রতার সাইকের ছবি কারে, অভিনয় করে, নাচবে।

ক্রপ্রনাচ বেরারাল্ডির প্রম ৪০, টাকা। এক বিজ ক্রিম ক্রিনাম্প্রনা। **অভিনিত্ন ক্রি** প্রত্যামিটার ১, টাকা।

Super Sales, Dasan Street (DC-40) P. B. 1165, Delhi.

क्षणा कालामा। इवि काउँव निष्क महमाना লক্ষণীর। জে লামীনাখনের দি আইক্মস च्यान्य कि रमाहोत्र हमान तरबब क्षाहरको स न्यान जमादिन १८७५ अक खनक्र न रजीत्यर व करत केंद्रेटक। अन कि बान्यस्थित ब्राज्यात्रक रकामक विरंशवंक सकाव शरकीम जाव कालोजिय लाक्तिकाण । शामका जनाक वृक्ष रारदात्र कोणन घण नारण मा। सर्थम शाककात-अत शाव-मार्वादवामिनिक काना कारि मर्क विकासक काम माधारक मारव। বাঁরেন দে-র রচনার ডিজাইন অপেকা বিভিন্ন বন্ধ সংমিদ্রালের অপত্র' কৌগলের পরিচর পাওরা হার। পরিত্যার সেনের কিলার ইন বা ইতিপাবেটি ভার একক প্রদর্শনীতে দেখেছি। এটিতে তার বৈশিক্ষার ছাল ব্যক্তের জটিই তার প্রেপ্ট রচনা মান **এব না। জেবার পাটেল কানচালের** 

शरिवदार्क कारेकेस क क्यारसंग सम्बद्धार WITCH ARE MINISTER IN BET MINISTER श्वामित्तक भावित सम्बद्धाः दव विवास कारणांक्रम्य अभिने स्टब्ट्रम्य । सहस्रो हेटेनस बहार बारमत्वव कार्य भटका मार्गीक मार्गह সাম্প্রতিক কাজে প্রেম্বান সমাবেশ रक्षांचरात्रे विकासक रव मधीता। आध शरकाक कविरको किमि विकास भागकोत्र माना त्वरम তারই মধ্যে প্ররোজনীয় স্থানট্রেড প্রাচীন ৰোক্তিত ও প্ৰোপাবলৈ বাবহাত নানা চিক a প্রাক্তীক এ'ব্যেক্তন। বিলেব করে কারক স্থালে সিশ্ত হছ ব্ৰহ্ম কৰে ডিনি প্রচালত ভারতীয় জাচাবের এপর পাধানা লিয়েরেন। এই প্রসাধ্য মার্ট-ছল জাই-১ केक्स्यासानाः। करव अक्षि क्या । काम्माकि. শনের দিক খেকে এ কাথানি অনেকের চোণে প্ৰদানৰ ভিত্ত প্ৰদানীকৈ কিবেপ থাকাৰ

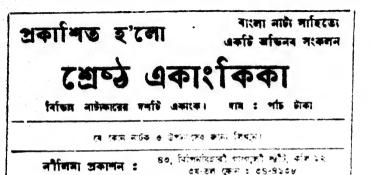
12858 E.

টিলাটি নিমানিত নিদ্রণন্মের এপথ কেন প্রাথনা দেওক: হল তা বোকা দেক না। এগানিত নাকলে জনা তিনজন সাম্ভালীন নিদ্রণীয় বান্ধা ক্ষতান্ত্রীয় কালে প্রকাশীটি ক্ষমিক প্রতিনিধিম্বাক হত সংক্ষাই ।

1

লৈচলপুত্র অবনীগ্রনাথ ঠাকবের ১৮৫৯ क्रम्यादिकी छेललाक सदगीना भविष्य व बद्दीका कादछी हमामाहे दिय केरमारना बनीनम क दली विश्वविद्यालय शासावीत स्वनीन्त्र-মাধের ভবির এক প্রকশনীর বাক্তমা করা ৫ছ। ভ্ৰতীয় খিলপ্ৰকাত প্ৰেৰ্জীবন্দ্ৰেপ रहोद्दान- नहरूकत । स्थाप कारण किसी / १ বিশেষ অংকনহাতির প্রবর্তন করেন কেট ব্যক্তিট এককলন সাহা দেশে ৮ বিলেশ PER PER 1 3500 PM (414 3500 भाग राष्ट्रिक दिल्ला क्रमकाता সর্ব্যবট হাটে স্বাস্থ্য ট্রাম্ম্য ভিন্তা, ভ ভারতীয় দিক্তরতার বর্জ প্রারের জন্ম Soos For Birthan to be to the শ্ববিদ্যালয় জাট্ট স্থাপন আবন প্রাণ্ডল इति इतिस्था स्थापित्रण क्षीत् स्थाप्ति स्थाप्ति स्थाप्ति । স্পৌথান্ত ক্ষাব্র ছিলি ভারতীয় *লিচ*লন বলাৰ উল্লাভ সাধান লাকনিক্ষেত্ৰ কাৰ্য্য এখের ক'বটি করেলিকার লগেল প্রালেকালিক হ'ল ভাব বছা কৰু কৈছকট আনহয় লৈছিল কলা-भिकासदान रामगणिय वाक सारकोण विशेष 호환경 **보**양경: #1841 : শ্রিভাশেষ বিধেন ত STO CHERRY MY **ত**াক ভলাত - বাস চন The second second 表表をすごうな ত্ত্তি ক্লাক্ত্তিক তা টুলজালাক traine recite her entire and entirity 3595 FTB Burn Street St. M. ক কিন্তু ক্ৰেট্ড ক্ৰেড ক্ৰেড আন্তাল লাব দিল্লীর কলিছে Se Stank িনি শিক্ষ হাতিই হোৱা ভূতি ক LATEACS আৰোডীয় কৰা কাইড কাইড Star take sa कक्षर कार्य (उम्मोदन्स) সমাজাইত কমাস্তা তৈয়া করে ভিত্তার্থ कत्रभारतः कत्र कृष्टक्रांत्राक्ष काव्या सामान्य स একখনি ভথাবতাল সাম্বর্গন প্রান্তর ETTEL BOTTO .

প্রকানীতে জননীব্দাত্ত থাক। বাদ কাল্য, চৈতনাত্ত্ত, কুজনবাল নত্ত্ত ল দিললা চিহলালা থেকে নিবাড়িত করেওটি ভার দেশা বার। জননারার, জনকর বানহাত ও বাল পাশতি ক বিলেম করে হাত্ত্ত শহরতেন স্থানিক দিক ছোক ভবিন্তি নিম্ক ক্লানিক দনী। বিলেম কাল প্রতি লাম, পাশা, করাত্তালা নামী ও বিহালী যাজন হবিহালি সকলাক প্নেরাহ দেখার স্থান বা লাম করে উলোভ গণ সকলের কৃত্তভাত ভানন ব্যাহ্যের





চিত প্রয়



সিংহ মাৰিক কাহিনী

চিন্দ কৰ্মন স্বাচনৰ ছাট্ড বেল্ছ চিন্দানভাৱী কিনাৰ চন্দ্ৰতাৰ প্ৰত ক্ষাড়া আন্তা ক্ষাড়ে প্ৰতিনি, স্বাচন্দ্ৰ চেন্দ্ৰ আকাল-কৃষ্ট্ৰ চুন্দা ক্ষাত্ৰ প্ৰতিভাৱত চিন্দ্ৰ ক্ৰেন্দ্ৰক্ষাক্ষ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ ভাতৰ চ্ছাত্ৰ ক্ৰেন্দ্ৰক্ষাক্ষ ক্ষাত্ৰ ক্ষাত্ৰ ভাতৰ চুন্দ্ৰ চিচ্ছাৰ্কী স্থান্দ্ৰ প্ৰত্ৰত

পি**ৰণত প্ৰস্তু সংখ্**যে পেন ডিটন ডখন ডাল-¥ाक्ष 😘 पुत्र कर्त्र ओच्दराईत्स्ट्रद ः 🕞 हरू প্ৰতিষ্ঠা কেন্দ্ৰ কৰে ১ ব্যৱস্থা এক চিন্দ্ৰ হৈ ১৮ মট্ডাকে স্বধান্ত একে উপন্তিভাগ ব **रक्ष**(क्षाक्षक्र अञ्चा **क्षाक्ष** काञ्चल प्रताहे छ। with with antique that there are क्षाहर कार्य में का हम उस एक *उद्दर* गर्थ হণমত্ত শাক্ষাক আছি ইন্ডে বলত এই Special man আন্তিৰ্ভাগ প্ৰাচুলি, সাল্মান্ত करका, या का तक व्यक्तिकातक (१५/८३) । ५००० <sup>6</sup>এম উল্ভেখ উপর শ্রে শরে সভ্য করু এনেশহালে কুম্বান ও কুমনকৈ এমনই চাম চাম জিলে বেছে—স্বাহ্ন এবং কন বে এটি সাজ্য ১৮ জানতৰ উপত্ত স্থাভায়তে । বৃহত 🦠 দে জীবকম মেক্সম জুল কর্তি পাওলানের **धर्म प्रकार क्षर्माशास एकमर करा राज्या** কৌকো ভেলা লেকো লোকেন ভালা বান राक्षराम-का क्षरा । इतकार विकास सामा १७२८कार १९९२. প্ৰেক্তপ্তিক কা হাকা মাৰ চাভা বিশানী **ই**ম ছেবে - বেওম বিশ্ব জ্বার করে কারে। আজালি লিয়ে হয়ে হয়ে অসম অসম গুলাটো ব্যাকারী। কর্মেন্সন এব নি মার্থ क्रमको जिल्ला क्षणाहरू—कारकारी क्रमीकार तरा ह काल, बहुति कालक जगन्ति हेका हैने अहे **"क्वांटक]माक्वांत्रहात" काल** राज्य हेरा है ষ্ঠাৰ এমন সহ বাৰ্ম্ম কৈও ২০ ব रम्भारकः रम्धे बाउनर काल है। भारत ক্রাক্ষণত ব্রে জেলে তেলে চাগাইন CANN ALLE PART - MINE IS. SOLKE করতে প্রেছিল। তার মাট্ডা গ্রহ मरक्षण-कृषरीत गर्भके स्थल कालत काउन গোল নিবিচার ভবলা কুমারী থেকে

গোল-গ্যান উংগ্রামান্ত ধরে বহাস ভব্দর

লগতে গালে ওদন এইসর বেওরালিক

লগতি ভগ্য কামান্ত ধরে সেগালোকে

লগতি অপনিদ্যালিক গালের নিয়ে বাওরা

লগতি বালের কাছে ক্লুনির জ্পরতেকর

লগতিবে মত নিখোর সরক সরকা কিবা

বলাগে গালেন অভ্যানকাকীর বিজ্ঞানিরে

অন্যালোভ গালেন কালো ক্লুনির বাজকাবেরি

অন্যালোভ গালোভ কালো ক্লুনির বাজকাবেরি

অন্যালোভ গালোভ কালো ক্লুনির

সংগ্র গিছেল শাঠক ব্যৱহাত ভাবছো,
ত ম দক্তে সেই হালাহার কোনো হিস্ফো
গর্থন বাল বংধারমনীর নাার শতপ্রেরবর্ধনের হাতস্পাত সিচ্ছি। মেটেই মা।
তামার বাগালেও ছিটটোকটা ক্রাটছো
বৈনার প্রশাস করি মৌলনা বেশ সামী
ব্যাহন, গঠত সংসারে মহাজন বাজি মাটই
সানী ব্যাহিকাশী হালো ব্যাহাজন, এক্থাল
বিশ্ব ত প্রাটক হয় সংস্রদারের ব্যাহাজক
ক ভাবতে হারে হয়ন আত্রের ব্যাহাজক
ক ভাবতে হারে হয়ন আত্রের ব্যাহাজক
ক ভাবতে হারে হয়ন আত্রের ব্যাহাজক
ক

বিলেক ভাৰণ আভারের বান্ধ ভবল ভালা মেরে বাধ রাখলেক বাজিলা যে আভারের নাসকল বাজিলা যে আভারের নাসকল লগের বাধ রাজনার নাসকল লগের প্রকারে করছে, সেটা টেকারেন কি প্রকার ?"...অব্যালক ভাই। এ মহাজনার বালালৈ বাইল বংসর ধনলোকতে ভার গোড়া আভাক লোহার সিন্দর্কের উপর ভবল ভারালিপিলোতে বিনিপ্রকারিনী বাপন ভারেন তথালি এগালো বাধ্য হরে মাঝে এ'লের খালতে হর, তথন পালা বেলা ফোট গিরে যে কাককুল প্রবাদনা,বারী এ বস থেকে বিভিত্ত ভারাও ভার হিলো পেরে বার।

**८**दे श्राम मा किश्चारम व्यारणकात कथा। এক টাকার কুমারির উচ্চতা হরেছে ছিনি সমাক্ষেত্র যেন গুপামান্য ব্যক্তির(পে উচ্চাসন লাভ করেন। হঠাং একদিন আমার কৃতিবের সম্মাধ এসে দভালো এক বিরাট মোটর গাড়ি। ভার দৈখা এমনই বে সেটার নাজমাড়া করতে হলে। অর্থাং পিছনের কাগেজ কেবিয়ার খেকে সম্যুখ্য বলেটের ন্ত অবধি—হেখান প্ৰাধিকারকৰ প্ৰাক্ পং পং করে, এর গাড়িতে অবশ্য প্রাক্তা ছিল না-হেতে হলে আরেকটা মোটর গাড়ি क का बहार हहा। हा एक गई हा क, यह থাক, সেই যক্ষ (অবশ্য ইনি কালিদানের একদার্থনের বিরহী বন্ধ ন্ন-এর নাকি ভুমাতে আনক: থাক, "কংকারের" চৌরপাী পদা) এলে এই অধ্যক্ত অভিনেত্ৰ করে একখনা চেয়ারে আসন পিডি হরে दम्यान ।

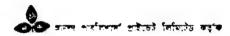
रिक्पा कि स्ट तमाना भ इन इ

হন্ধ: অপনার সংগা সাক্ষাং পরিচর হওরতে বড়াই আমনিশত হল্পাঃ আ্থি বহাকাল ধরে অপনার একনিন্দ্র পাঠক।

## সত্যজিৎ রায়ের

ছোটদের উপন্যা**স** 

## वामभारी आर्रि



শীঘুই প্রকাশিত হচ্ছে

প্ৰকাশিত হ'ল

#### मक्षय रमन-এव

## निभान थिएक

4.00

গ্রাম্থের মাধ্যমে আমরা দেখেছি—ভিরেতনাম, কলো, আমৰ ও ইজরারেল, রোডেসিরা।...কিন্তু শত শৃতাশ্লীর সম্পর্ক জড়িও আমাদের নিকটতম প্রতিবেশী রাখ্য "মেপাল থেকে..." পারিনি আহরণ করে আনতে বিসময়-হর্ষের প্রক সম্ভার।

সাহিত্যের আসরে বণ্ডিম-শরং লেখন-শৈলী মথিত "সময় সেম" আসছেন "নেপাল থেকে" উল্ঘাটন করতে বাংলা সাহিত্যের অন্য এক দিক-দর্শন।

न्तीतक्षात गाकाभाषात्तव तर्गाजनक भ्यत्व कार्या

# পাপী

A-00

ইন্দ্ৰজিং সেন	u	विकास खाटाणिया	78.00
ঐ	n	वात्र-कांग्रे देखनाताम	>5.00
à	n	क्ष देन क्ष्य आवेडे	\$0.00
नहारे दनम	n	भिगकीत ज्यन	\$0.00
à	11	অধিবাস	9-00
শক্তিপদ রাজগ্র	u	टक्के टक्टब नाहे	\$0.00
कुनान् वरन्माभाषात्	11	वानभाष्टी जनसम	\$0.00
ग्लांचाना क्रोध्ती ,	11	कृषि राष्ट्रभ	V-00
শক্তি চট্টোপাধ্যার	K	हाहे लागाहेडी	4.00
দাফ ন দা; মরিরর	n	<b>रहर्</b> का	9.00
দিলীপকুমার রায়	11	अवडेटनं भूव द्वार	7.00
মহাশ্বেতা দেবী		जनवहरू व जनिज्यामा	4.00

নিবিশ্ব সমাজের ওপর লেখা চলুসকে লৌর্য-এর

## वादताशात्री विवि : •-

ভটর আঁসভকুমার বন্দ্যোপাদ্যারের •

## উনিশ-বিশ

\$0.00

এয়: এ, বাংলা সিলেবালের অন্তডুরি প্রন্থ

সম্পাদনা দেবকরার বস্ত ভূমিকা ও বিস্তারিত আলোচনা ভটর অসিউকুমার বন্দ্যোপাধ্যার

## विमात्राशाश्र ब्रह्मावनी

প্রথম, ভিত্তীয় প্রতি বাত ২০০০ চতুর্থ বাত ১৬০০০

बन्धन गुरू हारोत ● ५৮/১, महाचा जाल्यी दहाउ, ● क्रीनकाका-५

कानमस्य "कानमयीवा" राजमान "विद्याकी" ইপ্রবাস আহি প্রেছি, কত্যার প্রেছ बरण टबाब कवटक भावत्वा मा। का। की warn, all saca! wis ce, wind weil कार्रित १ (कास कार्स) सर्वभाष्ट्र हिंस আয়াতে কবিবত নকালে উসলাকের সংগ্ৰ त्तावरमधे करत रकरमरक्या। रव क्या भारे-শালাৰ ছোকৰাৰ কমি কৰে কৰে যে বাবে केन्युटनाथ बामवानि भाग्रहारतय कार् रवस्त्रक भागिमानी। खन्दर्भात स्कादत स्वादकः "विद्यादी" कविकाधि माकि प्रेममात्र अवर रमधि माजि वक्के कर्तान कार प्रवास : क्रम्बरन काकि कवि की। एक साकि गामाएक (अञ्चलका करीका राज्यक करना असी स्वरणक समाजा (এ ম্যানে কাজী কবি--কবি-প্রিকার তেন ক্ষপত্তাৰ না নেন্দ্ৰ আছি নিয়ক ৰাপকালো Incare main en mie meren can त्कारते ता. रेपाकारक काम ना । है किया था न्या न

ৰক ঃ (দিয়তহাস্য করে) আগমার বন্ধু ভাই সৈক্ষৰ মাুদ্ধায়া শিকাক—ঐ তিনি ভাৰতহাৰে মাতনামা গলেতক প্রকাশক— তিনিও আগার ছোট ভাইরের কমছ প্রারহী আসেন। বড় অমারিক বৃশ্ধ। প্রেমিছ, আগসের বাজির পালেই তবি বিবাট ভেতনা ব্যক্তি।

ছবি ছে, ছামই সভা: ভামই সভা:

wife : (NOW NOW) at army where সংক্রিম আলার পিরালৈত সাচ চারভারতে ভিড বছলো। তাৰ বলি সভাই ভাৰত ভাৰ फॉटक मार्की त्याच कहे त्याकते। विकास **লাহাল বৈক্তি করে মাতে** আৰু হৈনি ইট **क**्ष कराइक मा. जाते कि सकारत इस ? ভালকে পিতাক বিজ্ঞা কটিট বিদশ্ব বাচাৰ पाँठे, काड व्याचि जिल्हाहें। याका राजाना । ७'ड সংশ্ৰে জামার কোলো আছেছিছে: দেই--बाब्दल निग्डतडे न्याचा सम्बद्ध कर्युक्त। জৰদা আমৰা সৰাই আগমের সংখ্যা: সে হিলেৰে ডিনি কামার আখীচঃ ভুলুপার বেচারী প্রেক্তক প্রকালক নাম চাউল, বাচিত্র ভাৰ নেই, ৰজ্বে জালি আহারই মন্ত দিন-व्यक्ति निम्म-शादे प्राकृतिहरू भारता-भाषा THE WAY नाइबर्गन्ते । अवर 47.55 बाबाद गाउटद सहगी-एम नार्वक WEN 487 स अव ! A. M. ঠালো ্জালা কৰি এ লেখন বাৰাজীয় গোচৰ হলে ডিনিও কেন স্বাস্ক্তীৰ নাৰে काकारक काक करब एकरवार है टिक्स्ट्रेस भागार्थ भ

ৰক্ষ ও (জ্বীক্ষ দেওবা প্ৰিচিব-ভালতীলা ক্ষত বিবিধ সংবাদ প্ৰত আহোকে একল্ম ক্ষতাক কৰে দিহেছে সেইটে উপক্ৰিৰ কৰে, প্ৰম প্ৰিচ্ছাৰ সম্বাহে আন্তা, আপান কি কালিছনিকেকান দেখাপঞ্জা কৰেছিলেন ?

আমি মেনে মনে, যাক মিংখার জাত্তার



মন্ত্রান্তবুদ্দার (ধান্ত মদক্রের বৃদ্ধ আশাফুলা দেরী সোরাম্বর্মাদ বসু মুক্তান্ত মেন মর্ক্তর নামোপাধ্যাট্য মুন্নীন নামোপাধ্যাট্য মুন্নীন নামোপাধ্যাট্য



র্যাদ্র মাতাট ইপর্যাস পূজা মহুখ্যা প্রথান আফর্ষণ। এ চূড়ো আয় কি থাকাচ্ দেখতে পার্তেন পারের ক্রিভাগনে।



डेमनाप्त शस्य कविश्वे श्ववः अमान् वहनाय यक् अमान् वहनाय वप्तन यकार महत्या या प्राप्त प्रशिरे आपनाव प्राप्त राव



प्रमुक्तान्त्र->> १८ विषय स्थित स्वाधिका सर्वित्वाम् स्वाधिका सर्वित्वाम् १ तो अस्ति हात् होताः स्वाधिका শালাৰ চভাতে এনে বিৰুটা ঠেকেছে। আছে হা। তবে বিশেষ কলোদর হুরমি সে তো শেখতেই পালেম।

—আহা কি যে কলেন! আজা আপনার হাতের দেখা নাকি হবিঠাকুরের মত?

—অন্কংশ করেছিল্ছ। সে স্কর দেখার কাছে আয়ার দেখা কি ক্ষিত্রকালেও পোছতে পারে?

— আ আ ; কিন্তু আপান নাকি হাবহা ছবি
নাম সই করতে পারেন ? একবার নাকি ভার
নাম সই করে ভূরো নোটিশ মারকার আভায়কে
একদিনের ছাটি দেন। পরে নাকি আপনি
নি জই সেটা ফ'স করে দেন ?

আমি "কীড়িটি" অস্থীকার করল্ম না ।
কিল্টু বজরাক কোন্ দিকে নল চালাজেন
সোটে বনে, জনলা নরজার দিকে যোর
কারে চেরার ছেড়ে তরপোশে আমার গা সোটে বলে, জনলা নরজার দিতে থার
সন্দিশ্ব নরনে তাকিরে কিসমিস করে
আমার কমে কানে বলকোন, বাবা, তোরার
বাল তো দেশতে পাজি। তোমার বা পারসা
থবে; আমারক কারলা হবে। কিল্টু
কাক্তরাকা পোকা-পরিকারক বেন জানতে

আনার প্ররেজন রবীপ্রনাবের একখানা সাটিচিকটে। আমি যে তরি জীবিতাবন্ধর খোপনে পোপনে দেশনেকা, পলিটিকাল কজ এবং বিশ্বভারতীকে সাহাবা কর্মাছল্ম সেই মর্মে একখানা চিঠি। দেব বরুলে তরি প্রায় সব চিঠিই ইংবিভিতে টাইপ হত, তিনি সুস্থোন্ত সই করে বিতেন।

আপদাকে কিন্ধুটি করছে হবে না।
আমি সেই করাজীপ উইপরাইটার দেবা
জাপের সপে নিলামে কিনেছি, অবশাই
করার মারকং। আমার কপাল ভালো। এ
সর হাকিজাবির ভিতর তার প্রাচনিদিনের
একগ্রেষা লেটরহেজ সমেত হলকে কাকিলে
নোটপেপারক পেরে গিরেছি। তাইপ
রাইটারুটা সম্বন্ধ সেরামত করেছি। এখন
এটা ঠিক ১৯০৮/০৯/৪১-এর মতই ছাপা
কোটার। আমি পাকা লোককে দিরে
সার্টিভিক্টের হ্লাবিলা করাবো, টাইপ
কর্বো। তারপর কবির লস্তব্ধটি হরে
গেলে নলালিটি কেখে দেব আব্যাড়া চালোর
বল্ডার ভিতর। কম। আর দেবলত হবে
না। উইপের কালি, দশত্বতের কালি স্ব
মাণ্টামটে মেরে গিরে ১৯৪১ সামর চেহারা
নিরে বের্যার সেই খানলানী চেহারা নিরে।...

এই ছড়োলেড় পেশীয়ে যক্ষ হঠাত থেয়ে গাঁড়ে আইটে নিকে জ্যাকলে করে তাকিরে বটালন।

সংসায়িক বৃশ্বি আমার বটে আছে, এচেন অপবাদ কে-সৰ পাওনাদাবাদের আমি নিভানিতিঃ ক্ষাঁক দিয়ে অসংবাধি বে'চেবতোঁ অন্তি হাঁৱাও বক্ষবেন না। তৎসত্তে এ- ্বাছাৰণী

किर्क त्रवाता विक्रक अवस्थि न वेशका अभागम रेपाम क्षमणम

বিধের বাদলে

होत्रामध्यप्राम् रप्रव श्रुगाम वरम्यः अनुस्तान योव हृत्य हृत्यः यम्बन्धाप्रः अवस्ताः।



সম্ভাগ ব্যেম। ব্যামিদা ভূমাঞ্চ ব্যামিদা ভূমাঞ্চ নার ব্যেম ক্রিয়া সার্থিক ক্রিয়া সার্থিক ক্রেয়া সার্থিক ক্রেয়া সার্থিক ক্রেয়া



प्रचाराना अस्ति वास्त्र आर्था प्रचाराना अस्ति वास्त्र वास्त्र

নাউক্তের শেষাধেক আমি কো অকদরত অক্সের বিধান্তি প্রসাদাং কুকাবভারের বিশ্বরাপ দেখতে পেলুম।

''সংক্রেন্স বলতে গেলে হিং টিং ছট।''
অথাৎ প্রেন্ডি ধলীলে অফাতে জাল করতে
হবে কবির সিগানেচর, প্রাক্তর, সম্ভথং।
দুস্তা কথা পালটির অথা হাত বার থেকে

দশ্ভালা এলেছে); আছাছে বৃশ্ভিক করতে হবে না, করছে হবে বৃশ্ভিকত—মর্থাৎ কাল করে হাতে কত আনতে হবে।

चामात्र स्ट्रांच स्काटना क्या हक्तावाटना

ৰক্ষ কলনে, কাপনাৰ দক্ষিণাকি পৰিমাণ হৰে?

অবহেশিত বালক। অস্টিরার জন্ম। দারিরের নিশ্পেষণে শৈশবের নিশ্চিত হার বালি । মারের প্রতি শিতার চরম দ্ববিহারে লিশ্-চিত বিভূম্বিত। পিতার নারিক্সানহান নার্নাসক শ্বৈ বিপর্বত। এমনিভাবে অতিক্রান্ত হল শৈশব—এগ বরঃস্কিক্ষণ। শ্ব্ বিরাট এক রিক্রতা, চাড়ান্ত অভাবেরাধ।

শৈশব তার চিত্তের কোমল ও সংক্ষা ব্রিগ্রেলিকে বধাবধ বিকলিত হতে দেরনি। ফলে প্রথম প্রেমের ক্ষেত্রেও সংকোচ আর বিধা ভার বাধা হত্যে দড়িলে। এরই প্রতিক্রিরার্গে দেখা দিল বিশ্বসংসারের প্রতি তার বিঞ্জাতীয় ক্রেধ। প্রতিহিৎসা: স্বোগ্য পেলে সে দেখিরে দেবে।

अका भिउ इन ॥

# নাৎসী-নায়ক হিটলার

## তীর্থংকর গুপ্ত

সেনিন সে নিছেই জনাত না তার মধ্যে লাকিরে ছিল এক বিরাট বিশ্বাকর প্রতিভাগ সম্পত পৃথিবী একদিন হাত্রাক হরে দেশল, জলিট্রার এক অভি সাধারণ দৈনিক কীভাবে তার অত্যান্তর্যা বংশ্মীতা, জসমানা বাজিঃ ও অভ্তপার্যা সংগঠনলালিতার মাধ্যমে অতি প্রত জার্মানীর একনায়ক হছে বসলা। আল্পদিন পরেই জগতের ওপর নেমে এশো বিপ্রের কালো হারা। তারই অংগ্যুলি-হেলনে স্বাহু হল ছিতীয় বিশ্ববৃদ্ধ। লগ্য লক্ষ মানন্সভান প্রাণ হারালা। কোটি কোটি মান্যের নামন হল অপ্রসিক্ত।

সেই নাংসী-নায়ক হোর বিউলারের জানিনের বহা কথিত এবং জ্বাধিত জাবিনী, তার প্রেম্ন এবং প্রার্ম, তার নিজ্যবতা এবং জাবিক-জ্বাসে-এঠা কোমলতার কল্পনাতীত প্রস্থার ব্যুট্ডে এই প্র্যুক্তরে !! ১০০

জান প ধারা প্র কা শ ন ॥ ৮ শ্যামাচরণ দে প্রীট, কলিকাতা-১২

(SX 8202)



জান্তার বাধার তথা সল্ভাজনেরনিপত্তি কলি চুকেছে, অর্থাং লুফৌব্যাথ চেপেছে। দেখিই না, জান্দ কত লুৱে গড়ার।

রীড়ামরী পুমারীর মত--কিংবা বোওরা ভূলসী পাতানির মাত্রও বলতে পারেল--ক্ষিতিত্বলে দৃশ্চি নিক্ষেপ করে নিবেশন করলাম, আপনিত্র বলনে।

সংলা সংলা মা ছাক্রিট জন্তুছৰ করল্ম ব্যক্তর স্বাপের লিছরন রোমান্তন জনত বা নিবাহি এক সহকে বে নিবাহি একটা লেখক এটেন ফেবেলাকীছে বাজা হতে, এন্যালা তিনি জনতেই করেন নি চেত্রেছলেন জায়াকে বহুৰ জনাইনলাই করতে হতে। সোহালের করেনে, পচিশ।

ক্ষমি পুৰসাধিত্যৰ ক্ষেত্ৰ, হৃণ্টি সংগ্ৰাসংগ্ৰাহ কৰে, স্বাহীক্ষ্য হালপাহাৰ আৰাৰ ধাৰণ কৰে, ব্যৱস্থা কাপনি কি ৰংগাঁৱ দৰে হাতি কিনতে চান । তাৰ চাইছে বান না বে-কোনো আগলংকৰ সামকৈ সভিপাৰ। পাৰা কালিবাছ পাঁচটি ট বাৰ ক্ষাৰ্থা কৰে দেৱে।

আমার ডাই +াঁচ হাজার।

আমি বেল ব্রে পিরে**ছিল্ড কর্জ** প্রভেশনার কবিল্যান্ত্র কর্মে বেছে রাখ মান নুম্য মেলেই ব্রুলাক্তালন

ইতিহালে এই প্ৰথম তেকি কাহিক কা সন্ধান্ত ভাল কোটো চাত্ত তিনি হ'ব বিধান সংগ্ৰিকত হ'বভাল কৈছিলেগ গতে বাম-ইতিহাটোৰ মত বিভালিত কলে বিভালন

\*\* 5 to # 2 2

আমি সংক সংগ্ৰাবন্ত্য কয়ৰ জাবের নাকিডকে নিয়ে ডাকনার জান সাল ভারতে হবে নাও বিকট কানেছেনাং

আতংগার প্রমাধ্যে স্টোট্ডল ইনসভ্জন।
নান্তজন পর আমিট সভন্ম আপান আড়ি সিংক চিল্ডা কর্ম, স্মাণির রুমার ইটা। আমির অটে কর্মো:

কামি জানান্তম এ স্ব বাড়বানের সবচেতে
বড় গানে আদের গৈবাঁ। তেরি এই গৈবাঁ কাজে
লাগানার কারুসং মোনা পোলাই এরা সোলাগ্রম রাজী বাক। গৈবাঁ লানা ব্যস্ত ক্বাত এরা অন্যাপক্ষের প্রচারর জাব ক্বাতে পারে।

কাৰ আকাৰও চোচ কোনে কেইছ নেইছ এনেত ইংঘা কদি অন্তৰ্গ চাত ভাৰে ভালাব ইংঘা অন্তৰ্গ কেন্দ্ৰ বাদ্ধ না প্ৰাথম কন্দ্ৰ ক্ষাত

#### \*

ভাই গে,ভাতেই বলভিন্নত জন্মান্ত হছ নগেগগেশন এ সৰ ছিট্টেকেটার স্থান্ত লহ কিব্যু নার : শার জন্মানী অধা নেই কার কবালে স্বান আন্তম্পুটি উল্লেখিত ক্রেটা ক্রিয়ে একে সে মুখা জন্ম বাহ নগাঁচিতির কাল হ'লে। ভিন্ত এসে সেখা, ক্রম্পুটি মধুইবান ক্রেট্ডা, এই ছবি নাম ছপ্রাট্টি



#### রবীন্দ্র সপাতি প্রস্পো

স্বোধ প্রকারকের "রবীশুসংগীত প্রসংশা" দেশ (২০ ভাষ্ট) মনোজ রচনাতি রবীশুসংগীতের একটি সামগ্রিক সমালোচনা সংশেষ নেই। রবীশুসংগীতে কথা ও স্বের অপ্রে সমশ্বের যে স্কা বিধেস্বণ লোক দিরেকেন ভার মূল্য অনুস্বীকর্ম।

ভবে লেখকের বিষয়কত্তি হ্রিভতর্ক আরা প্রমাণ করা সভব নার। কথা বেংগনে নারা, স্বেদ্দ বেখানে শ্রু—এ কথা রব্দিদ্দ সংগতি সম্পর্কে বিদেশভাবেই প্রয়োজ। রবীন্দ্রমাণীত একজতভাবেই স্পূর্ণ করে আনালের হ্লেরকে। স্যুত্রাং তার বে বাখ্যা ও বিদেশকা তাও অন্যুত্তিসাংগক। আলোডা লেখকের বচনাতিকে অন্যুত্তি নিয়েই ব্রুত্ত হার, It is more suggestive than expressive!

হাপ্সাক সলাভিতির ক্লাড-ভার काकरण और केरहेल अवड आंध्याम सार **উটোন এমন কথ্**লে হয়নি <sup>ক</sup>েলাল **ऋरशरीष्ट्रभावनाहा**ः **क्ष**ि काम्य मरसाक्ष्य । राज्य प्रान्त সম্ভ ভারে প্রথমের মেধ্য আছে। আমার कदम देश, इंटर्डेस्ट्रस्टर देह दे कर देश है र हो है दक्षी कार्यन क अध्यान राज्यन्त्र राज्यन्त्र मरमच्छे महाध्या भित्रकात । एडापान । सानता জারা না**ও পার্লার** পারে। আমার প্রথ আছোনভে হাম্যত প্ৰব্ভিন্ত চলত এন बान्यामीतम गाउँएउई इ.स. ব্ৰক্ষিত্ৰটোৰ প্ৰতিভাৱ সপলো সম্পাস্ত হ'ল रबाक केट्टेड - "मह कथा द्यान देवन को गहा mitte BER etter !"

পৰিলেৰে এ কংই বলব বৰ্ণান্ত সংগীতের যে সমাসৰ ছওলা উচ্চত এগনো আ হলে ভটোন । এ পাছে এ লাভাই বেকা দীপৰ্যভাকঃ ছোক।

**न्हिता** दरम्माभाषात्र दरसम्ब

#### 1 5 1

হৈল পরিকার (৪৪ সংখ্যা ১৫ই ৯৪ ৯০৭৬) প্রকালিত প্রীস্কারের প্রার্থকার রচিত শ্ববীলুসংগতি প্রসংগা প্রবাধে লেখক রবীলুসংগতিতা বিভিন্ন হৈশিখের নিকে বেভাবে আলোকগাত করেছেন ও স্ক্রিন্ডিড। কিন্তু এই আলোচনা প্রসংগ ভিত্ত প্রবাদ্ধের প্রথমায়েশ লেখক ভারতীর শাশ্রীর সংগতি সম্প্রে বে-সমস্ত মহতব্য করেছেন তা অভান্ত অপ্রাসন্দিক কুসংবম-হীনতার পরিচায়ক বলে মনে হর্মেছ।

প্রত্যেক শিলেশরই একটি শ্বকীর বৈশিন্টা আছে—সংগীতের ক্ষেত্রেও অই। রবীন্দ্র-সংগীত তার নিজ্ঞান মহিমার উল্পেন। রগসংগীত ও বার শ্বকীর সাধ্বের্ব ব্র্প্রতিষ্ঠিত। এর একটির উৎকর্ম ও বৈশিন্টাকে প্রতিষ্ঠিত করার জন্য অনাটির প্রতি কটাক করা অপ্রোজনীর। এবং এই প্রসাধা সর্বজন্মবীকৃত কোন শিলেশর প্রতি ব্রুমধা প্রকাশ অমার্জনীর।

ভারতীর রাগসংগীতের বে-কোন প্রোত্তাই

ভাবেল বে, এর রলবৈচিতা অতুলনীর, শ্বে
ভারতকর্বে নর, বিদেশেও এর প্রভাব
ক্রমবর্ধানা। অবচ লেখক ববন বলেন—
শ্যাধারণত ওলতাবী গান মাধ্বলেলহীন,
এমন কি বির্ত্তিকর", তখন একটি প্রতিতিক
ভিলেশের প্রতি লেখকের এই অপ্রখা
প্রকাশকে বেলনাদারক যনে হর।

বন্দের মাধ্যমে যে সংগীত প্রকাশিত হর তাই 'ফক্সনংগীত', তেননি কণ্ঠের স্নাধ্যমে যে সংগীত প্রকাশিত হয় ভাই 'ফণ্ঠমংগীত', তার মধ্যে কথার প্রবেষণ আছে

### भूका मः था

# সিনেমা জগৎ

## প্রকাশিত হবে ১লা অক্টোবর

উপন্যাস 🔓 हि शिर्पट्टन

বনকুল
স্নাল গ্ৰেণাধায় 

কালকুট
লীয়ারকলন গ্রে 

কালকৈ কাল্য

বহুৰেপৌ লিখেছেন একটি দুৰ্দানত উপন্যাস 'জ্যোতি বসু জবাব দাও'

### गत्म व हि नित्यद्वन

## बन-बहना 🔰 हि निर्धादन

#### बनबाक भिवदाम इक्कार्डी

সিনেমা ও সঙ্গতি লিংশীলের সংবাদ নানা কিচার, সমল্ফ নিয়মিত বিভাগ । বাল নাড়ে চার টাকা 

সভাক পাঁচ টাকা পঠিল পর্যনা ॥

জলপ্র হবি ও হবির কিচার

দি ন্যাগালিনন্ প্রাঃ নিঃ / ১২৪বি, বিবেকানন্দ রোড, কলিকাতা–৬

कि तमरे, काइ केमा कर्कतरमीरावा चारमार्ग निकास करते ना । व कमा नका देखा कर्कतरमीराका चारमार्ग नाम्याच तमाराका सक्या तमारोवे वाद्याचार ना, नार् प्रधास श्रीक त्रसम्बा श्रवाम त्या क्रमानी सर्पारका क्रीतामका —तम्यास्य व क्रीत सार्पातका क्रियामका मर्पारका नार्य चार्याका रात्रस्य मार्ग्या सम्बाद तम्यक त्य वर्षाक श्रवाम करत्याम क्रमानक श्रावमका त्याका

धार धरे क्षणान देखाँ, केना क रचाल बारतव रव मरका निरम्भाव, रचना गढान क बानरक नमार्थरतावक बर्ट्स एकांगास रवन्द्रमामा रमानाचे, रवाव कांग्र, रमाना नरबीएका रेवन्निकी"—रेकानि मन्द्रसम्बद्ध किंक्स निरम रमारका क्षणाबीनका क नीमायमका शक्के करम केंद्रसा

ভারতে বাজিনত হুটি ও হতানত সভলে। ভিত্র বলার নেই। ভিত্ত ভার বছবোর ভিতর নিয়ে বজা একটি প্রতিবিত বিচ্ছল ও নিগল-নোকীর প্রতি অত্যথ প্রকাশ ব্যৱ— তথ্য সেই বাসকোই প্রকাশকারীর সংক্রতির লোপ্ত প্রক্রোধিকার স্থানতথ স্থান্ত্রে অব্যাশ ব্যব্ধ।

> म्नाम स्वाय मन्द्रम

অপু ও বিভাতভ্যপ

क्षीम् भीलक्षां इंद्रीलाचात स्थानत्त्व 'অসম ও বিভাতিক্তবণ' প্রভাষ। ফোলাট दकोष्ट्रहरमाम्बीभकः S. PRINT क्रमाहित्य शहर जमान स्टाब महात्यान লেখকের পরিয়ানের স্বাক্তর প্রকশিত। 'गरंबत गींवामी' क्यर 'चनवाचिक' अन्य गृति বিভূতিভ্ৰণের অসাক্ষরণ म्बनीन विक निगर्भन। अहे अन्य प्रतित जरून राजनी পাঠকের এক সংগভার সহায়রভার সংগক বহুকাল বাবং স্প্ৰতিভিত। বাংলার विशव बान्टव क्षीवमीठ्य और शन्य क्षीक्रिक পরিষ্ত। তিরিদের লেখক সম্প্রদার বখন বাংলা সহিত্যে বাস্তবভাৰ প্ৰাৰানা স্থাপনেৰ करना वयीनप्रविद्यारम्य म्हाना करहाँकरकान ভঞ্ন বিভাতভূৰণ অনারানে দুই শিবিৱের প্রশংসাভালন হয়েছিলেন। বাস্তবভার **সং**পদ जन्द कीर-क्रम्पास मर्गासून विदेशीयान বলেই ভার রচনা সাধার হরেছিল। অলেলাচা গ্ৰীচটো পাৰাৰ विक क्रिकारना বিখ্যাত এই প্ৰদাসন্তের স্মতিক্তিত চরিত্রস্মলিক বাস্তৰ ভিত্তি উল্ভাটন ক্ষেত্ৰেন। বাস্ত্ৰক্ষে সাহিত্যে কী উপারে একজন শল্পিয়ন লেখক মৰহুপ ক্ষম কৰেছিলেন ভাৱ প্ৰিচৰ প্ৰেছ আফালের কৌত্যুল জান্তত হয়।

তবে শ্রীচটোপাখানের এই দেখার জনাতর উরোধখাখা চরিত জীলা প্রস্পাতি অনুপশ্বিত থাজার জিন্তাটা জড়ান্ড থেকে বার। যে পাঁডামান লেখক একেপ্রাঁল চরিত্রতিরাধে বাসতের উপালান কাবছার করেছেল—
তিনিই লীলার ক্ষম একটি বিশিশ্ট চরিত্র স্থিতে বাসতকে সহারতা দেম মি, তা বিশ্বান করা গভ; বিশেষত, যেখানে লীলান্টাতিকর প্রতি লোখকের স্থাক্তির সহান্ত্রিত কর্পালা আগ্রিকান্ত থাকে মি। স্তেভাগ্ এ ব্রশালা আগ্রিকান্ত থাকে আবলা ভা আলোচনার অসত্যাধি হতে পারে।

ভালিয়া কর শতুন গিল-

कााननारत्रत्र स्वास

ভার করের দেশা-এ প্রদেশ চরবর্ত্তা লিখিত "কুজু থেকে কানসারের কথ্য" দারিক প্রথম পড়লার। কুজু সাক্ষেদ্র ক্রেক্তা-বিজ্ঞানীরা ক্রম্বাহিত মন। কুজু বা Saussures lapps. C. B. Clarice নিরে গবেষণা শুরু হয়েছে গভ পড়াব্দরি

## 'थनधादनार'

## পরিকশবা কমিশবের পক্ষ থেকে প্রকাশিত বাংলা পাক্ষিক পত্র

৩১শে আগস্ট ১১৩১ ব্যাহ্ম রাশীয়করণ সম্পর্কে বিদের সংখ্যা প্রকাশিত হটরাকে।

এই প্রতিতে বেরন জাতীর উল্লয়ন প্রচেণ্টার খবর দেওরা হয় তের্মান বাংলা দেশের কবি, দিশপ সংস্কৃতি এবং আধিক ও সামাজিক উল্লয়ন সম্পর্কে তথ্যাদিও পরিবেশন করা হয় ?

শীদার হার—প্রতি সংখ্যা ২৫ পরসা বার্ষিক— ৫ টাকা বিবাহিক— ৯ টাকা ভিবাহিক—১২ টাকা

গ্ৰাছত ও বিজ্ঞাপ্তলাভাগৰ নিন্দ ঠিকানার যোগাবোগ করে:--

বিজনেস্ মানেচার
পাব্লিকেশনস্ ডিভিশন
পাতিয়ালা হাউন,
ন্তন দিলী—১

davp 69:267





## উচ্চ উৎসন বরুল মহাদেবিয়া এণ্ড মেহ্তা

প্ৰায় আৰুলোক্স দিনে মনংগ্ৰ অপু-কা সৌধীন বস্তু সঙ্গাও।

২ ম ২ অন্তেল ও লেনোল্বিশ্বন্ট পপলিল, ২ ম ২ কটন,
'টেরিল'কটন, পুট, নাট ও
লালা প্রকার পোনাকের কাল্ড।
মধ্য ও উত্তর কলিকাভার কল
অনুযোগিত লোকম:

১ প্রাথোপ রোড
 মুল্লী সিমেমা বিল্ডিং

থেকে। কৃত্-এর পিকক ব্যর্কানক বি
কাকারক। হাঁপানি, কলোর ও লটিন কাঁব্যানে কৃত্-এর পিকত বাবহার হয়। উত্তর
ভারতের প্রিপারা ম্লাবান পোলাকাণি
কাঁটের হাত থেকে রক্ষা করার কাল দাসাঝালনের বদলে কৃত-এর পিকত বাকে কাল পর্যাত
করেন। কৃত-এর পিকত থেকে কাল পর্যাত
কর্ রালার্নিক পলার্থা পাওরা গোমাউপাক্ষর, তরল ও কাঁটির তার্নিন প্রেপার
পানরা ইলালি। আলাব্যর গেনে কৃত্ নিরো
প্রেকণা প্রে করেন বিখ্যাত থেকক-বিক্যানী
রামনার জোপরা; প্রথম গ্রেকণা-প্রথমের
প্রাপার্ক ১৯২৯ খ্রীকালে।

কুত্ থেকেই জানসারের এবাধ পাঞ্জা বাবে এরকর বঢ় বিশ্বাসের পাচাতে কোনধ বারি নেই। কোন একটি ওবার জটিল চর্ম-রোগে কক দিলে সেটা জানসার সারতে পারারে এরকর বারলা করা সলাত মর। কারণ, চমারোগ সাধারণত বরুকটোরিরা-নালক ওহার আক্ষাল সার্বকর বাকেটোরিরা-নালক ওহার আমাপের জানা আছে। কিন্তু কামসারের উৎপত্তির সঠিক স্তু লামানের জানা নেই। স্তুত্তাং লালাসারের ওব্যুগও কোন নিলিট্ট স্টে ধরে অনিক্রত হবে না। বব্যুতা থবে পরিচিত্ত সাসারটো একটা গাছ থেকেই কানসারের ওব্যুগরে।

কুর-এর মত চেরজনার বিমারকের জানক গাজেবই আছে সেইসন বাছ ধেকে নিজনালিত বিভিন্ন কান্তা রাজেবারি কালর ক্রানেও মাকে মাকে হার গাকে। জিল্ফু তা নিকে বানেকারের ওবংগার হারে বালেকার রাজিবার সাকর।

> প্রতাপ চট্টো**পাধ্যার** বাহিলিং

#### অন্তের সিঙ্গী

শ্বিস্তাহক নিজি ক ওপাং আবাজানা বিজ্ঞান জনৈক। সদাপিতাক পতা পাড় সংখ্যা ৪৫-৬ই সেট্টোবক ডি৯০ থাক কেট্রেক বেধে বতান। প্রবাসী বাড়াজী ব্যাধানিকা স্থানাত্ত কর্ম বিজ্ঞা ব্যাধানিকা হয়। পাইলালা কথাক বিজ্ঞা কথাটা বাম তিয়ে শ্রাধানালা কথাক হাক আলোচনা শ্রাধান করিছেন।

নধ্যেশ সংবাদিক হিসাবে বা লিখেছন ভার হালে সভাতা না থাকালে এভাবে লাখা ধার বলে আমার মনে হল নাম ভারতে আ খুলি লিখে কার গাবের জায়গা নাম-কারক, যে কেউ পর্যাবদকে Court of Lawing চালি নিয়ে যোভ পারেল—এটাকু জ্ঞান জালা কবি নব্যোগ্র আছে এবং সেজনা ভিনি গার লিখ্যে ভা নিশ্চন ভাগনিভার ব্যাস্টি মান হয়। ছাও ঘাতীনের চরস খাওরা নিয়ের আলোচনার অধ্যানিকার এও রাগ—সে বিশ্বর





॥ २०१न जारकेच्या भूका मस्त्रा अकांबार राज्य ॥

প্রাপ্ত। বয়ঙ্কদের বিশেষ শাস্ত্রণ তেন্দ্র

আৰি কুমারী; 
- ১৯
এক মুন্দরী কুমারীর বিদ্যালয় কাহিনী
য়ে কাহিনীরি প্রকাশত হলে পাঠননহলে
চান্তালয় স্থানি হবে। নিবেছন
কিন্তুলয় বাব

এছাড়া একটি হোনধমী ভাত উপনাস তেন প্ৰোক্ষাসংখ্য সংক্ৰীতে প্ৰকাশিত হলে আলোড়ন স্থাতি হবেঃ লিখেছেন

#### विवय विव

বিধকনা নাচিকা স্থেতী প্রেণ্ড হৈছি লামারের চাপুলাক্ত ক্রীক্টী (বা আলবাতো মোরাভিয়াকেও হার মানাচ) বিশেক্তন ভিরক্তীব কেন

#### वाबाद बाब (शंख वााबाद

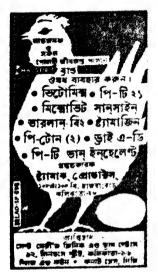
এ ছাড়া চারটি উপন্যাস, আটটি বড় গল্প, দৃশটি যৌনবিষরক প্রকথ লিথেছেন : সমরেল বস্, আল্টেডার ম্বোগ্যেমর, স্নীল পজেশ্যার, ফ্যোড়রিল্ড নক্ষী, বিল্লু ম্বোগ্যার ইরিনারায়ণ চরৌপাযার, শক্তিপদ রাজগ্রু, ডাঃ নির্মাল সরকার, ডাঃ ভাকর আলম, ডাঃ অমল বোদ হাজরা, রগেন গ্রে, রামকৃক রাছ, এ ছাড়া আরও জনেকে।

স্কোরীদের স্কোস্থিক ছবি, এছাড়া ছবির দ্বিয়া

প্তা সংখ্যা দাল ডিন টাকা সম্পাদক বেশী মুক্মদার বেগায়েও কর্ম

न्या । न्या । १९२९ टिकेमधाना द्वाकः कानकाटा-১ seeils Evening News Hindusthen Times Delhing gir wrept 5505-48 कार्काकीय क जो कागरक दरे जागार्थ. 2242-4 "Druig Taking Swings in affinent students" farmy a lit "wines चनार्विका" स्टापकार शत तथा सम्बद्ध चनारवाथ करि। का काक कर गांव न्यारण जाता. क्षाक्षणकारक को जिल्ल गोर्को प्रशास । मासकार प्राप्त काम मासम मरवाद शीव-रक्षन क्यार केल्प बारि करता भारतन मा । बाद बंशांशिका दर करणरकत कथा तिरमय करत केटाप करतावन-वर्षार त्यपात्नव केनि व्याणिक नवस्त्व वाथ भए छत हर জীন কলেজের পাশ দিরে বেতে বেতে zerowy association of thought (Street, वस्तरमञ्ज भारतक कथा वस्तर्क भारति मां)। হৰ সংবাদ প্ৰজিশ জানে-সে সংবাদ যদি সাংবাদিকরা বোগাভ করে পরিবেশন করতে ৰা পাৰেন-তৰে তিনি সংবাদিক পুৰবাস मन । मन्द्रवन रवार एवं अक्षेत्र छल करवर्डन **"একটি মেলে হলেটলের মেন্ন চোটে নাকি প্রত্যেক সোমবার** সোমবার ভারবেলার কারাভিওরাক্তের ভিড ক্রম হরে"—হত দরে

किन्द्रिक होर्नाक्ष्मव मानिक ३० हेल किन्दिए भारतानी-दश किया विश्वास नाननाम - ५० ० शान्त क्रम दशकान পোটোঁবল বানাজনার নিন ও লছতে পঠান বাহ। লিখান : MUSIC & SOUND (D.C. 10) Dassan Street P.B. 1576, Delhi



विक्रम व शहामण (कन्ध्र--६०, इनक छोन्नाम रहाछ. 事「野事」出 一年 知

क्षा भाष कार्याक भाषांकाता -रमावयात स्थ इवियास जनस्टम । रहदरूप हेटाह कराता मरायायम करक मिरक शारतम । रेगांनक मरकामनामधी कार कार्य-क्या विकास समाप ह्यानीय कामक्रवसामाना कि जामहाकारो परित्य बारका ?

रहरत्यक रकता भाग्य वक्टबर कालक शकानिक दन बरम कामा छाडे। महाराम अरबाम स्थानाक करवन रेगीनक जरबामभार ও সাংবাধিকতা কেডাবে সংবাদ বেখাত करन बारकम रम्हेकारको स्वाव प्रच। क्रांशानिका माहायता यांच देशीलक मरवालका (विशिव्यः) भराजन एरव कानराजन क्वारक "अकाँग्रे मानाकड र्गातवादवत करमा बढ़ाएड" खाँव कमार बादम নি। যে সংবাদ দিলিত সভত দৈদিত সংবাদপত্রে সংবাদ ভিসাবে স্থান পোরেছে: वदर्यन त्राते সংবাদকেই পরিবেশন করেছেন। শ্ৰীমতী ৰুপনা নাইছ ও ছস্যা পূৱ লেখরের সংবাদ कि कटेनका खबारिका स्थरध्य वि का द्वारास कि है

AL MINICAL CACHE & CA. BRIDGIS MEIN PROBLES "STIMETH COS!" WHE WAS THE -कांत्रका स्थार्गिका' संशाभिक कटाम सार्व क्षेत्रक ट्यारका मा । देवीमक कालाटक ट्य मध्यात त्याचात्र खात्य करेनक स्ववार्गिनकाच केशकाब इस किया जाना इन्हें-स्टान बाबा काशक शरक, केशकाद कारमंत्र कत बरमके शरक। कार विकास "दशक वर: बाक्य'गीर क्रेमा कोरक"-जिलाम कोरक कवर दल विवस वर्त-रवामक "करारका विकित्यक वाक्रक। दव সংখ্যার ক্ষান্তা অন্ত্যাপিকার প্রাট ट्यक्टिकटक टमडे मरबाव "कम्ट्राव मिकि" ভাতে পতে দেবতে অন্যান্তাৰ কবি। ভাই शक्तको गरमीय-'गाठेमामा' क्याके गरावा-ভাবে শানে আলোচনা ভাল-শাৰ সাবিধা काल दक्षांद्री लिएक सक् ।

> खाणाठ दमः संदर्भ भी 🔁 🕥

'আমি সিরাজের বেগম' পড়েছেন ভো! স ছিল माम-मा-कामा स्मात कारिता--मनाव जिल्लाकाशीकात काल्यतत प्रशास शासकात कर्णदामी। কিন্তু তার অব্যক্তরিত প্রধানা ব্রগম ক্রেব্রিক। আমি। নগ্রী রারেম একা এক কিভাবে নিয়স্পৰ জীবন কেটেছে নবাৰভাগা কিভাবে সিন্নিন আছাৰ করেছেন, তিনি আন তবি ভিত্র বেলম লংকার মাচলি হাসি সিন্সিন লিভাবে আমার क्षेत्रदानि कार्राक्ष्म अ कार्यकारै एक्ट्रे एक्ष्यांतामान कार्यका कार्यकार आधान यस आएक প্রাপ অবছ হোবন আছে: আর আছে স্কার কলেনারান স্পার্থ কারী। জায়ার म्बिनिम्छ मम्बाका ह्लानन कवालन, 'हकोप्रिका हमान'।

# হারেম থেকে বলছি ৭'০০

## দ্দল রাজপথ ত<u>ী</u>থ

#### DO.O. HERE SE

नहीं ७.००	माघल मननम ১०.००				
401600	**				
নাম নেই	n	জরাসক সম্পাদিত	11	A-40	
मृक्जरवान	$\mathbf{r}$	Ž.	Ti.	8.00	
निक्रेम् व	11	স্নীলকুমার গঙ্গোপাধার	U	4.00	
क्रनाम क्रमाम	u	গ্রীপারাবত	B	8.00	
আমি সিরাকের বেগম	n	<b>&amp;</b>	11	C.00	
মোগল হারেম	11	বৈশায়ন	n	A-00	
बाइकी श्राटक दिशम	11	<b>3</b>	11 1	00.00	
জগংশেঠের কাহিনী	11	क शब्द	11.	20.00	
नवाब नामनी बर्जाहे	H	D	$\mathbf{r}$	8-00	
তাতল সৈকতে	Ħ	সাতাকি সেন	10	6.00	
क्षश्रमी व्यवस्था	13	বিষাণ মিত্র	11	8.00	
এই ब्रह्मा कृत्य	a	দিলদার সম্পাদিত	n	A.00	
অনৰগ্ৰহিতা	11	নীহারবঞ্জন গাুণ্ড	11	4.00	

জঙ্গী ভিয়েৎনাম।। বরেন বস,

नबादनाक्यात्र नबादनाक्या साब जन्दार जाता नांगहेल केंग्रन कि नाश्वाधितक वरेतक नवात्नाहमा क সমালোচকদের বিষয়ে একটি চাংকার লেখা त्वीबद्याद्ध । दनवाति भाष्ठ क्रका क्रका क्रम क्षाः रण्यातः । स्कृतं सः, व्याद्यास्य स्मान्य बावन्यः जन्नद्रक' च्यासकवानि जिल्ल हाहः। बोबा कार्यम वह द्याहाद द्विताह गुन काबारमंत्र रमद्रामहे इतक जाता हिलाए-আমেরিকার সব নিশ্ব লাগেলার নির্মাননাত केमारब हमारब, कहे हमाधारि एरेएमा सम बाबाटक करवाचे आहार। बहार। (अवाक-क्षांत्रक स्टब्स अन्य क्षतानगर सामास्त्री সৰ্ভ সভকাৰ নিয়ণিতত-সেখানকার প্রেরা পর্যাত আমানের জানা নেই। দেখানকর DINACES SECURES AND THE THE काशासिक कारत करत किंग्ड भारेकामद

শ্যেমীক প্রশংকাররা মতই প্রচীপ ও বাহিমান হয়ে ওঠিন। ততই ভাগা লেখা স্পান্ত তিই ভাগা লেখা স্পান্ত তিই ভাগা লেখা স্থানির সামাল্যেনাত বাহ প্রপূর প্রদানত বাহে, তারে তা প্রায়েই করেন নাম্প্রত করেল বিশ্বাস করেন করেনে হা প্রায়েক প্রায়েক বাহার প্রদানত করেনে ই স্থানিক বিশ্বাস করিনে হা প্রায়েক প্রদানত করিনে ই স্থানিক নিসম ১

প্রতিভিত্ত আমানের সংপ্রতি অক্সতে ।)

**िकार**क संदर्भिया जिल्ला काद्या ५ तमा का राजा আহলেন্দ্র পরিস্তাহ ভ বিভাগরনার কর এপা। সই **製事 中 海別的に 安良かけ (から) ナーカラー イラス** প্রত্যাপ্রকার সমস্কারণ বিভাগে জন মান व्यक्त दही, स्वयामाध्य ६४२ र १३ ५ १५ किस्तर प्राप्तके कर्ताक्षक अपन प्राप्तक कार त **পৰ পাছা এটে বৃত্ত**িব্ৰত জড়িত লাখে চৌৰ চ সারা কেবছে ডিনি উল্লেখ্য ভারত দানার रहातम एकडे काल्यक इप्रामान<sup>क</sup> र राजनार हास **মানের পর মান স্বা**, স্বা, বাক প্রচাক চ नक्षत्र गरिक्टल बाहा जिन्ह ग्राहा हर हा है। **শাস্ত্রেই কোরার ন**ে হথন ছিনি, রলকারার मार्डेट्डम हमाम होल साराटर ठाउउर रेन्द्रबन्द्रस्य अर्थर जाताच अकारीत নিজ্যেক প্রতেশ্ব কোক ছাড়া অত আতাক **শাস্তা হলত ন**্তিংকা সমাত্রাসক। 1780 विरम्ब-मङ्गा (कार्म (कार्यका सम दार ৰকা, আচ হলে না, ইতানিও অনত তিনি **क्याकाराम् रक्षाक १७६१ १५**६६ कराउन १५८ <sup>ম</sup>ন্ত্ৰা কোটো মাৰ্টিক কোনাড় বৰ বৰ कि का बीट्क निर्देश के जल शाहकार प्राचानम ना **मधारुम प्रकारकत् स्रोत राम स्ता शहरा है**. **टिं: रेसना व्या**क्षास्त्रत तुन्नानास प्रिष्ट ।

মান্দ্ৰকল পরিকার প্রথম বিভাগের সংগাদ ব বাইন্স জোকেন রাসকতা করে বাস্ত্রেন ভোগের একটা জিনিস্তে অন্যাক স্নোতার মধ্যে আট্টে নেবার একটি চমংকার উপার বিষয়ে সেটিকে বাই হিসেবে ছালিয়ে তেলা। ত্ব সম্বাহত স্পত্তার প্রাচ্চের মধ্যে নেটার

# Marie M.

ক্যা সনটে জুল বাবে। পা ভিনি এই ক্যাটা
বাব নিখে বাননা নি, আমেরিকার গাড়ে
কাঁট বছর মেউনেটি পদেরে হাজার বই
বিবেত্ত, তার সাধা অধিকাংশ বই-ই সমা-লোচকার আতি ও সেখন না ! বেংলা দেশে
বাড় তাঁত বছর বই বেরোর ভিন হাজারের
বাজারাভি।

সন লোচনার প্রতি লোখকদের আগ্রহের বারণ দ্বা রকা। প্রথমত, অনেকের রারণা, দ্বালাচকের প্রথমত বের্লে পাঠকের লুন্টি বটটর দিকে আর্কাই হবে। নিকটীরত, ছ বাতিমানী লোখক ভানতে পারেন, পাঠকরা আমার বট কিন্তে বা না কিন্তে আনার কিছা আদে বহু না—কিন্তু রাস্ক বিজ্ঞানের সেটা ভালো লাগে বদি, তা হুলেই বংখনী। একাত সমালোচককে তিনি এক সং আধার ভূষত কর্মানা স্তিকং নেটাই সমালোচনা প্রবিশোল ভার প্রেক্ত নেটাই সমালোচনা প্রবিশোল ভার প্রেক্ত নির্দ্ধিত।

অনুধ্রনে বার্তি প্রেরা হাজার িউ ইংক' डेरेंग्राहर 2.58.2 71 7 Sec. 1778 新春度 PAT 1500 25 27.0 ইংকা টাইমস পাতৃতা। কুডি ভূতিকান দ্বিদ্রু বর্ত্ত শতার একটি শাধা করে জনজনের प्रतिकारक साह करता । इ**क प्राप्तिक तुम्बल्** টানক সংবাদশ্যোক্ষর এ বছর বিভাগ ६ ल क्षेत्रिष्ट १ फिल्किक छेडेका धरर केलिया शास्त्रीहरू विकास का प्राप्त है। इस अपना वहें हुन ब সমাজানে বোধার মার: গ্রেকা করিবাটেও क्षणेक्षणे के कथना व्यक्तित स्वारमाञ्चल रित्र कर्द्र शहरा।

প্রিকা তামিস থেকে বই সমানোচনাসকল নাম মাপ কি ভাবে : প্রত্যেক সম্প্রতাহ পিত শক্ষি সম্পালকর টেনিকো একে কমা হক শাস খালের বই । তিনি কিছা বই বেছে শাসিক ক্ষেম সমালোচনাসক বছে, কিছা বই চাল হক্ষ জন্মনিক কোপে বা মাধ্যার । সম্পত্ত নিজের প্রতিত্য স্থাবিচার করের ক্ষমা কে-ক্ষমা লোক লাগার কথা, কোনো পরিকা ক্ষিত্যেই ২৬ লোক রাখা হর না ক্ষমেনের কেশে।

ও গেখা নিউ ইয়াল বিভিন্ত জব ব্যক্স।
এর সম্পান্তর কাছে প্রতি সংভাবহ প্রার
অভাই গো বই আসে। বে-কোনো সমাস্তরাল
কারণার—ডেয়ার, টেবিল, জানলার বেলী,
থাইল কারিনেটোর মাধার সেগালো ভবি করা
হল। প্রান্তল বিভিন্তরার আমে থাকে
প্রিভিন্তরার। তারা বইগালোটেত চেথা ব্লিকরে

ठिन कराम, रकान, गरे रकाम, जनाइमाइरक কাছে পাঠানো উচিত। (বাল্ডাইৰ বসার अक्टो शहरून जाहर, "बारमात्र गाव" बहे নামের একটি বইকের সমালোচন র সমালোচক निवदनमः, 'बारमा त्राचन स्वाम द्वलान টাইগায়ারের আচার আচরণ ও লিক্ত প্রতিত সংগ্ৰুল এজন মানাক্ষ প্ৰথম পাৰোঁ ক্ষাৰ রতিত হর নাই। আসলে বটটি সার অংশতে বেদু জীবনা !) বাই ছোক মিট ইরক টাইমানর ৩ রকম সাত্তম ছাইনো করা প্রভটরার । আছেন, বারা বই বাছাই ক্ষেত্ৰ। ভারতে কি সৰ বই প্রভাৱেশ্যন্ত भारतका? १४-८३ अत प्रमाप्ति घष्ट बक्क बक्क कथा तथा शाहर, हम तहेहे हरणी काथ गान। धरेकनाई वार्त्यातक स दरेखन बनार्क অতিশ্যোক্তি ছড়াছড়ি! কেউ হলি নাম করা লেখকের স্তিতিকিকেট জোগাড় ভরতে পারেন তা হলে . তাঁত ভাগা খালে হাত। পোলন

with

#### किंग्डर्ड होर्नाक्ष्येत



२४६, होका शहस्त्र भूषि यो विश्वास मामान हिन्दु क टबाल्ड का ब्राह्म रुप्टोरन बेर्माक्टें

ছালৰ ১০ টাকা কিলিচাত কিন্দা। ত্ৰীৰ হামে ও প্ৰাৰ পাঠনা লাভ। কিম্মাঃ Impex India (WD) দ Kailash Nagar, P.B. 1045 Delbi-6



रेकोर्न त्रवात उत्ताक'न कानकाठा-১৫ আহে, বৰীপ্ৰনাথ কোনো বিখ্যান্ত লোকামের দুই চাপতেন, হাতে নতুন লেখকের একটি বুই! রবীপ্রনাথ দু" বার কালেন ভালো, ভালো! সেকেটারি দুইরের লোকানে ও প্রশান কারের কাছে দু" খানা সাটি কিকেট পারিরে দিকোন, রবীপ্রনাথ কলেছেন, ভালো!)

कक्षा श्रकान्ब

সনালেককে হাতে গৈছিলেই বে সব বইরের সনালোচনা হবে, তার কোনো দানে নেই। সনালোচকের ব্যক্তিগত কোনো বালিক ওপরেই অনেক কিছু নিজ'র করে। নিউ ইরজ' ইাইননের এককন, সনালোচক জন লোভা নিজের অনুক্র নালোচক জন चीत श्रमण रहरण जन्मारमान यू ग्रह मेन चारम चिमि भागा गिन्म भागमा जाडीत इरम्बन नवारमाहमान वेश्नाणी हरता चेरके-विरागमा व वावा, वरमन रमरण जारव, श्रमानकरस्य गाम रवरम रमरणका चावनारमा; किश्ता क्यांत रोजिरवान, चामान व्यांत्य रामा रमावित यह नम्मरण व्यांत्र करमा करता जिस्स मिक रहां व नरमा करमा, नारमाहाक यह रमान यहेंति नरक रमणस्यन, जात वारमहे रम श्रमरमा वनारयम, का मन वरमा।

अदेखादन कि नवाहनाहरू। निकास हामादना केंडिक। निम्हित मा। अरहाक बहेरबनवे कारणा का बाबाना जन्मारणाडमा ना बबाव काविकान कारक। करन, महिनस नवे रनाम नामान्छ जमारनाविक इंड मा, क्रांता कार्यम, क्यारम दानि द्वारमा रहरान्त हन्त्रव । अ जन्मार्क व क्रम दललाके राजदक्षम "ममग्रेनाक्रमाव कालादक बज्रमन-नेन्द्र किए, स्थ्ये। स्त्रक कालमा काव ख्यानका ।" निवरमक समात्राहमात्र करा रम्भाराम्सर्वे डेनाहर उहारत छन्। আর একজন স্মালেডক ক্ষম সাইমন স্থাতিৰ ক্রেছেন, সম্তর্ভক নিজে খেতুক हर रहेपि कारेरवस, एसके विकासको , स्टीप्स দেওয়া উচিত করা। বাংগ্রেক কোমার পিঠ ছাপড়ানি এবা যাবে প্ৰদে কৰি না তাকে खिंदाह एम्याब अहे। महाहाल क्षणायाच कवा

এর প্রের্থিকলেট্রের্ড, আমানের লেলের সংক্রা ক্রেন্ডের কোনেট্রিকা নেই ওলেলে আন্তর্কী পুথা প্রেতক সমালোচনা লিকে ক্রিকা নির্বাত করেন চেকা নিউক টেইকা অভিনেত্য করেছেন, এর কনা পরিক্রিক বছেন্টে কেরেছেন, এর কনা পরিক্রিক বছেন্টে কেরেছেন, এর কনা পরিক্রিক অট্টের্ডা কল্পের একটি সমালোচনার কন বের আন্তর্জী হাজার টাকার মহলা। সামকে টিইমস্বির প্রেই কর, করা সাম্ভ কাত লো টাকা পুরি বার্কিন নামকা সমালোচক ক্রেন্ডা বের্ডা করের মাত ভাগানা করিকে সমালোচনা কোনা করে মাত ভাগানা করিকে ক্রেন্ডার টাকা। নিন্তক টাইকা প্রিক্র নিত্তক করে করে, ভা অর্কা কেন্ডেনি।

আন্তেভ বৈদে প্ৰেছৰ সহাক্ষ্যেৰ জন্য টাকা দেওবাই একটা আদ্ভৱ বটনা। অন্তেভৰ বাবণা, ক্লি হঠ পাওবাই বাবপটা। টাবাং কেনো পতিকা কুছি পাছিল ক্লীকা দিলে দেটাকেই সোভাগা। বিদ্যোধ পৰা ক্লাই প্ৰয়া! বাকি স্বীক্ষয়ে ৪

স্' সংভাই আলে নিজু দে সংশবিতি আলোচনার তার মতুন বইটির নাম ভুল দেখা হরেছিল। বইটির নাম সংবাদ ম্লেভ কাবা ভুল হাপাখানার নর, আনার।

স্মাত্ম পাঠক

विश्वभीय त्यम नायुक	ना	য়িকা রহস্য 🐪	.00
महाहे रमन अक्षी	का		6.00
हाक स्परेनाड	H	স্নীলকুষার ঘোষ	9.00
बाजा	n		4.00
म्बर्गीशयत आगार्य	11	कानक ्षे	8.00
<b>সভাকার</b>	n		9.00
अहाकारणंत्र अभ्यत	n	<b>&amp;</b>	9.40
নগরীর অভিশাপ	u	পঞ্চানন খোবাল	9.00
লাপ্তত ভারত	u	Ď	9.00
জিল্লং উল্লিস্য	u	देवनायन	9.40
ভূরজম ভূরণগী	· 11	कृशानः, वटमगाशाधात्र	4.00
भाषिकी बाहात नाम	u	भ्कना	\$0.00
ক্রিওশেটা	u	· 🐼	৬٠০
পৰের তীর্ষে	11	वीदान्त्रनाथ সরকার	9.00
•ৰ•ন থেকে সতি <u>৷</u>	H	গোরাঙ্গপ্রসাদ বস্	8.0
এলো মৌস্মী	11		<b>७</b> ⋅0
<b>इस्पद्धश</b>	n		8.6
ছারা লোকো	11	শ্ৰীবাসব	8.40
नौनभाक्षा नान बानमा	11	নিগ্ডানক	4.0
ৰ্পসতী নগৰী	n	অমিরকুমার বলেদাশাধারে	4.00
গণ্যাক্রি	u	শান্তিপদ রাজগরে;	8.00
অণিনস্বাক্ষর	n	तार्व সংস্থারন	9.00
विन्धाविद्या	n	•	9.0
ৰাড়খণ্ড সীমান্তে	n	<b>&amp;</b>	24.0
नद्रमाना	11	अभारतन्त्र भाग	29.00
विष्ठित नःजाभ	n	প্ৰমথনাথ বিশী	A.00
ৰমণীয় ভিকেট	11		<b>७</b> ∙0
সাহিত্য জিল্লাসায় বৰীন্দ্ৰন	14 11	ডঃ অসিত বন্দোঃ	2.0
ক্থাসাহিত্য জিলাসা	11	<b>७:                                    </b>	6.0
ववीग्युनात्थव गान	11	সৌমোন্দ্রনাথ ঠাকুব	8.4
নামীজী পন্তি সভয়ন	11	স্বামী নিলোপানন্দ	4.0
ভারতের সাধক (৮ম)	n	শব্দরনাথ রার	2.0
ভারতেৰ সাধক (১ম)	11	<b>&amp;</b>	2.0
त्रयद्वभ द	3	্ব পাতক	8′
( नर्ग्छप	effe	तकात्र करा कियान )	

**৯**३ मामकसन रम म्हीपे, क्रीनकाठा-३३

#### न्याबीमका मरबादमह देखिहात

পরাবলি - ভারতের মৃত্তি - সংগ্রাম। শ্রীস্থীরচার টার, রো এন থেবে এতে সন্তন্ ৬, বন্দির ভারতির্বা স্থীতি, কলকাতা-১২। ভারত রীকা ক্ষামা।

लकाबीम-कातरस्य मांच मरशाय छन्छ-क बार दानक दीवान देख महान्यान नहार्यन कातकसर्वत क्रम स्भारतथा सरकार भगारी कारकरामा । क्यानेत्रातिकारम अन्यानीत कारमात পার থেকে নেতালার নেতার আলপুরিক বাহিনীর অভিযান প্রাণ্ড স্কার সংগ্ ARCRE MININEL BUTTONICO ANIS সংক্রেপিত ইতিহাস লিপিবন্ধ হলেছে कारणास्त्र काल्या कर वेरिकाल करायोग ভারতবর্মের মারি সংখ্যের সংগ্রেণটো ইতিভালে নৱ: মালত বৈংলবিত সংগ্রামলীক আন্তেল্যনাস্থানর ওপার জেখক कारकाक भारत **本"水"等**。 PLESTERS THE PROPERTY. STATE STATES क्षात्रमञ्जास करान्ते अस्ताः THE STY CO. অনুৰ্ভাপ্তৰণ ই ওয়ায় ব'লছি মটুনাৰগাঁ ভাচন হত্তহালর হলাদে পার্না: ১৩৫ क्षाब्दका माजाद्वर फिरानको बामकाना १७५५ तुन्न अ**क्षारित शहर जेटल्डा** । प्राप्त प्राप्त अहर ल क्योंक क्यार्यस्थाया क्षेत्र्याच्या एक्ट्रेस साक्ष्या १४ क्रांन्स कामहारामा कटा शास्त्र है। जिल्लाकर ⇔ମ୍ବୟପ୍ୟପ୍ୟ କମିଶ୍ୟ ପ୍ରଥମ ନମ୍ୟୁ ଅନ୍ତର୍ଶ ହେଉଛି ହ **करन्यक्रम अस्य अस**्त्रे अस्य अस्त्रे प्रस्त জালেছ সংগ্ৰহ সংক্ৰমণ স্থানিক স্থানিক প্ৰথম কৰিছে ent winters are one ্ত ব<sup>হা</sup> এম এ तुमतेष्ट्राष्ट्रपुरसामगीनाम । स्ट दर्शन ४,८४-४२८ ५८ हे खिलाक कामा कराह निर्मेश कारत माम्याद संरक्षांब रिशक्तवर्षे क्षत्राक जनगर्वा द्यारणाञ्चा ৰাছেছেন্ত বাঁহাৰাংকছে হ'ব সংখ্যা সংস্থা অনুধ্বভাবে টাসাগ্ৰী 🧺 🐇 弹筒 宝旗 ধরতের সংক্রীবাঁডা দেখে প্রশংখানিকে প্রতিষ্ঠ काक दहरकरक । काकाका करका (कर द সাম্প্রিক ভারতক্ষের বাজনৈতিক ক'ব দিশ্বতি বিষয়ে এমন কিছা মণ্ডল কার্ডেন का सामान्याक असर सार्वाकृत अस्तर हार BREATTHER CHARGES CHARGES AND \$125 F





সচ্চত্যতা সর্বা উচ্চানিত, বা প্রশানোবাদঃ। আজান হিন্দু বাহিনীর অনাত্ম নারক দেবনাথ লাসের ভূমিকা প্রশাধানির মবাদা বান্ধ করেছে। ১৯৭।৬৯

#### পাঁচকা

ভৰ্ভ। সম্পাসক: অন্তেক্ত বেৰে? ৬৪/৯ বেলেবটা ক্ৰম ক্লেড, কলিকাতা-৯০-মাণ-০-৩০ প্ৰসাঃ

্ৰত্ত ও কিলোকানর জনা এই নব-প্ৰত মত প্ৰভাগনিস্থ একটি বৈশিক্ষী আছে। তা হছে এর লেশক চেনিকানের
মধ্যে অধিকাংশই ৩র থেকে ১০ফ শ্রেণীর
ছারছারী। গলপ, কবিতা ও রপারস এ ধর্বিয়
ছাতাও অভানত সহজ ভাষার ক্রেইনের
লানবার মতে মজার মজার তলাও এতে
পরিবেশিত। ছোটদের দেখা হলেও বেশ একটা মনে রকার চেন্টা দেখা বারা: পরিকান্
বানি বানের উল্লেশ্যে প্রকাশিত ভালের
ভাল লাগবে।

টালাজন। সম্পাদনা ঃ সঞ্জীব বস্থ। পশিক্ষবপদ সমবার কৃতাক সজিভি ঃ ৩০ টালিগাল সাকুলিক বেন্ড, বলিকাড়া-৫০ ৷

নামটি ইংরাজীতে এবং তিনটি জ্ঞানাও এই ভারাতে হলেও এই নবপ্রকাশিত বান্দানিক পালিকাথানির অধিকাপে রচমাই বাঙলা ভারার। প্রকাশিত প্রক্ষের কবিতা এবং গলেশর মান বেশ উচ্চু লতরের। প্রয়োমরঞ্জন গাল-গালেতর মহাবিল্লাহ কি জাতীর বিদ্ধোহ

#### ववात्त्रज्ञ भ्यात्राम व्हानेश्वत नकून वहे

#### জ্যান্ত বাঘের কবর - হারপদ হোর

**अक्षेत्र अस्ति अक्षेत्र शहर शहरा** 

ছায়া-কায়া

- হরিপদ হোব

₹-00

₹.00

সতা হটনার নার চন্দ্র<del>তার</del> একগ্**ছে অভাবরণ তৌভক গলেবর সংকল**ন

🗕 এ ছাড়া আরও বুটি ভাল বই 🕆

करमक शांत —

– শিবরাম চয়বতী

₹.00

ब्र्निकथात्र कॉिन

সূতিকুমার নাগ

**2** ⋅ 00

ন্**চীপট ঃ** ০৫সি, ন্য' সেম শ্রীট, কলিকাতা~৯

# এম. এ

M. A. ENGLISH SERIES: সিলেবাস অনুবারী দি ভোনারেল এভিটার : প্রকেবর এন চ্যাটার্জি, এম.এ. (ভবল)

ভদ্বাম ১ বৈশ্ব পরার ১২-৫০ (প্রিহাধত হর সংক্রেম)

- २ ग्रम अनिकारमधानः हे सम्बद्धीरसम्म
- ্ ৰোমাণ্টিক রিভাইকাল ৮ ও
- S ক্লম ভিটোৰিকান টু সভাৰ্য ১২-৫০ ৫ ওলভ ইংলিল এণ্ড
- ক্ষিত্ৰভাৱ ৮:৫০ ১ চনার ১২:৫০

\$ \$ 18 S \$ 160

#### প্রশ্ন-উত্তর

ভারতীর বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালয়ে। সিলেবাস অনুবারী সিধিত। চ্যাটার্জি, এম, এ, (ভবল)

- ভল্যে ৭ ক্লিটিসকল ৯.০০
  - , ३ अञ्चलाध्यमम् —
  - , ১০ হিল্মি আৰু ইংলিশ লিচারেচার ( **৩০৯ এ**ন্ড মিডিল ইংলিশ ) —
  - ১১ এরন ইংশ্রাজ্যকলন ই স্টেইস্ এরসংলা স্যাক্ষ্যক প্রাইজার উইখ নয়ার্থ রেন্ডারিং এন্ড ক্ষ্য-ন্তিট ওরার্ড সোটন —

এর এ ইতিহাস ও জন্মানা প্রতক তালিকার জন্ম লিখ্ন

চলবিভকা ৭, নবীন কুন্তু সেল (কলেজ রোল ভিতরে), কলিকাডা—১

न्त्र शकानिक অভবাৰের ভর্নাপ্রম নাটক धनका देवताशीत

रकंटा चं खटड मान 0.00

शंक्षां भाग वस्त विन्दारमञ्जू माजा

2.00

रेमरणम गढ़ निरहाशीत करण्ड मार्ट्स बाम नाम ₹.00

শতিপদ বাজগুরুর भारताताम निवादम्बन 7. KO

बाह्य कामके महम माहेक लकानिक दराह । मन्त्राच करून एतिकात क्रमा नियान।

निहिं बुक अटमन्त्री 00, मीटाइस (पार चौडे, कॉनकाटा-)

धन राम, रक नि মার্বিক রেজিপ্টেশন অফিসার Sufa मात्राहरून एक म्ब्रीहे, कविन-३३ काराक न्यों हैं, बहाचा शाबी दहाक करनम zws : 34-6896 Resi 34-4045

द्विकिषि विवाश ह्यां क



# कारैला

হাৰিয়া বসবাত একালয়া বাতালয়া কৰ্ জার ও আনুযালিক বাবতীয় লক্ষ্যানি স্থায়ী श्रीठकाइदर क्रमा व्याव्यानिक विकासान्य स्थानिक हिक्तिमार क्षा शहाक करान । शह बचवा माकटण वारका महेगा महाम हानीव একমাত নিভার্বাস্য চিকিৎসাকেশ

হিল্প বিসার্চ ছোম 36 मिक्टमा क्रम् भिवन्द्र, **राज्या** 00PF : 69-2966

किल ?' अवर विका त्यात्वक 'कामिता चौठाक" रक्षें क्य रक्षमधे जन्मरक' श्रवन्य गाउँ विस्तय-कारत केटक करवाना । कवि कर्री मेकेन्द्रीरमव MENN CONSTRUCTE STREET MENTS विवयन अवर कविक ब्रेडिड अक्ति कविका माकावातिस्य महत्त्व बरहेता। औ महत्त्र मुख्य बुट्चनायातः महि इस्तेनायातः অমিতাত দাৰণাতে প্ৰতীতৰ কবিতা, সৈচন মানহাকা সিরাজের গলে সাহিত্যরাসক পাঠক क्ष्यंत र्णातकाश्चीमदक जन्नात्त्व कदव कन्दर ।

क्षान्तक करलंक जीतका। जन्मानिका ह বনানী বসু। সাহিতা সমিতিঃ বলপুর करमञ्ज अकान्य ।

যে কোন শিকারতম খেকে প্রকাশিত श्रीतकावकीय प्राप्ता कारकाता श्रीतकावानि একটি বিশিক্ত স্থান কৰিকাৰ ক্ষাতে পাৱে। ব্যন্তভাবি মানের দিক ছেতে এবং আলিক प्रशिक्षेत्र शतिकाशांस **०३ करनासर गा**रिका স্মিতির কৃতিদের পরিচারক।

#### शान्ति न्योकार

क्षाकारक वार्ता। मुझील हरूरहीं। क्लानी सकाननः ०, विधिन देन्छितन শ্বীর কলিকাতা ১। মূলা : V-001

Occupational Mobility and Caste Structure in Bengal by P. K. Bhowmick, Indian Publications: 3 British Indian Street, Calcutta. I. Ba 15.00.

মলা মাত্ৰে এক চকৰ। ইবলালিম খাঁ। আহমণ পাবলিলিং হাউস : ৭ জিলাবাহার প্রথম EMN. STAT-> | EMT 6.00 |

রঙে রাভা ব্যক্তপথ। ভারকনাথ ভটাচার্য : ब्राह्मण्य माहेरहरी : ১०२ कार्निश म्बेडि. কলিকাতা-১। মূলা ৩-৫০।

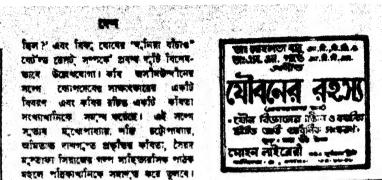
बारबार बंदीन । ইयवादिश थी। ১৬২ शाम-হ-ভী আবাসিক একাকা, ঢাকা। হলো

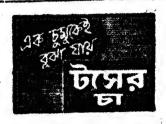
बहामश्चाम । विकासम्बद्ध छक्तरही । कहात्रन । ২২ ।২৫ বাগনাজার শ্রীট, কলিকাতা-০। E. 61 4-00 1

बाळाव बटन त्व क्य त्वहै। छाः क्लाानी एकती । शिक्षा भारतिमिर एकस्थामी । प्र মহাজা আগধী রোভ, ক**লিকাত-৯। ম্ল**য় 100.5

ह्याडेक्शास्त्री हालाहरू हाहे। समीहरूलाल इक्कारी । शिक्षीय भवीत्रीमः एकल्लानी इ 95 प्रशास्त्र नान्धी स्टब्स् क्वी**नकाटा-5**1 100.0 mg

विद्यकामान्य-भिका न्यावक-शन्य । अवन्य-দ্বা : অমিষ্কুমার মঞ্মদার, তপ্রাঞ্জন ছোৰ। বিবৈক্ষণেদ-শিকা স্মায়ক সমিতি, পণ্ডিমবন্দ ঃ ৬০/২ বর্ষজন্ম পরীট, 4 pites - 70 }









( × 4004)

श्रीप्रेक्ष प्रभाता वावत्राशी लक्रीमाताध्रमे जाधादार



বিশ্বন্ধতায় সবাব সেবা लक्ष्मीतावाद्यतः जायान HOLYTTHE COUNTY CONTEST THE

এখনত প্রকাশ প্রধান নিশা হ নামত নিশা করিব প্রধান নিশা নিশা কিছু নাজা করিব হা পালের কাল, বা কিছু নাজা করিব হব পালের কাল, বা কিছু নাজা করিব হব, নাই মুখা কলে বার নিরেক কন্য করেব পালায় কলেবটনের ক্ষাক্তবলা সত্ত্ব পালায় জান্তানাট্য কার নির্দাশ টেকবিকে কন্যা সাথাক বাপ পোলাহে ক্ষাব্ স্বাভিত্ত পার্কাশনাকার ব্যাক ক্রিভিতি স্থিতির নাত্রিকাশনাকার ব্যাক কর্তে পারেন।

शास्त्रक क्रिनिम, का मक्रावर, म्यापनर, करि. प्रत्यक शक्कीक्षात या कवि करणताह दशीनकाराय-त्य ग्रावादे दशक ना दक्त, **कारक कारक**े के कम्बन्दरास्थ्य अञ्चल अस्त ভাবতত ও বাজ্যৰ করে তেলেট অভিনয় (कांकनवांक वर कशकनब्रम्)। एनवे विरूप्तरव ভাল অন্তিত লামা বাথ । রাজ্যের হতে क्षीत्रत रहाड बदरह मार-व्याप्रकम मन्त्रतक्षीत জলে বাল দিয়ে কল তেলালাড় কয়া কলাৰ ৰখন্তেমি ও কাৰ্যপাৰ, শ্যামাৰ মবের নৃত্য-লাভি ও ল্যাফা **বস্তুদেনের প্রেম ও** সংখ্যাত कार्य किया इंबराइट सराप्टरण न्योकप কাৰ নিচে হয়। মাজৰ ও পদাৰ ভাষা যেমন পালৰ তেমনি হও নাতনাটা পামা ও कत्त शास्त्रमाहिः महम्राह काराव ह्य दक् उट्ट मा १ इं विकार । "नामा" अन मानामाहोद বিভার করতে হবেঃ মে বিভারে *কানে*: মার্ক শোলেকে নিম্নেশ্যের ভারত হৈলাডাকশ নেক পৰিয়েল্ডাক্ষান্ত হয় সৰ সংভাৱ সৈতিকাৰ জোক দেও হামতে ভা সহা**ল** মিলে কাহিনীর স্পোল্ডার করে চালানের বিষয়ের এমন একবারও মধুন হয় নাং মায়েরে লালাক পরে লাফিয়ে জল ছেকে উচ্চত ঠে ঘটি মেরে পড়া নৌকেল পাম ভ চালনের নদী পার হওয়ার পালাটি এক

সাহার্য সাহারের ন্তাকে নিখিবছন, দিতস্থাপন, স্কংস্থাসন, ম্থতাপা ও শুপ্পি মুহা নিভার রবীয়ে নৃত্য পিথিকে-দিন স্নাল্য সেনগ্রেত ও পাতি বস্থা গুলিকের স্মান্তর হারছে জনবদা। স্পাতি ব্যাসং ব্যাস ও আলোকস্পাত ম্বান্থ, আলং ব্যাস ও ভার বৈশিক্ষ বিহাু নেই।

 কোটালও চমংকার ছোট অন্যান্য চাঁছেও সাম্বাক চীমওলাকে সাচারা জারার।

ৰপাৰদের মধ্যে সেনিন ছিলেন জ্যোতি বন্। তিনি বলেন, কি বে বেখবো জাসবার আগো মনে প্রদা ছিল, তবে এরন জিনিস কখনো দেখিনি, কলনোও করিনি। প্রথম বলনি জাই এল এস এস র ছোট জল माराजारी। श्रमार्थ्या भवाहेरक हहे अक क्याहे कारक हरन।

স্থানের বিষয় বছারে চারদিন ক্লাবের নিজন্ম জলানে বা বেখানের স্বেমান, ভার জনপ্রিয়ত। সীমাম্ম হতে বাধা।

একলব্য

পশ্চিমবন্ধ সরকারের সচিত্র সাপ্তাহিক পতিকা

# পাশ্চমবঙ্গ

## विखालन अठारबब डेलय, उ गाधाम

(यहँमान क्रांत-मर्था ५२,०००)

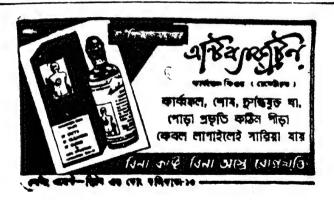
#### विकालप्तत शब

তৃত্যীর প্রজন ... ২০০ টাকা সাধারণ পূর্ণে পূঞা ... ১২৫ .

সাধারণ অর্ধ পৃষ্ঠা ... ৭৫ .

বিজ্ঞাপন প্রকাশের লাভাবেলী সংপারণী নিচের ভিকানায় বোলাবোল কর্ত

বিজনেল স্মানেজার, তথা ও জনসংখ্যোগ বিভাগ, পশ্চিমবল সরকার, রাইটাল' বিশিশুসে, কলিকাডা—১



জ সংভাবে ১৪ আইনের সি' অন্তেদে সাভার ও সাভিস রিসভার এর পা কোটের মধ্যে অবস্থানের কথা বলা হরেছে। বিচ্ছ ১৬ নদ্দর আইনে বিষরটি আরও পরিক্ষার করে বলা হবে তবা ও স্পার্থে ব্যোগার ভ্রে বলা হবে তবা ও স্পার্থে ব্যোগারও প্রয়োজন।

াবৰ ব্যবহুই মনে রাখ্যত হাবে যে বাউণ্ডারী কাইন করে। সাহিচ্যে কেটা সামাবদ্ধ সে কাইন বাছিচ্য করার সমস্ত ফোটোর সাবহুছার করা। কাটক কাইনের উপর পড়ার ব্যাপারে



লাভিলি করার সময় গুই পা বাঁগ কোটোঁর মধ্যে থাকে ভবে দেহ বা হাতের কোন অংশ কোটোঁর বাইরে বেরিরে গেলে ফাটন হয় না। হবিতে ভাবলস-এর খেলার মার্ভিল দেখানো বজে

আবদা লাইন কোটোর লগতভুতি। সাতার ং লাভিলি করার সময় সাভাবি বা বিলিছার বলি লাইনের উপর পা রাখেন ভবে ফাটাসা ভবে। সাভিলি ভবে বাবার পর বিলিভ ব এবং সাভার অবলাই বেখানে ইচ্ছা বেতে পারেন। কিন্তু সাভিলি না হওৱা পর্যাথ ভালের নিজ্ঞ নিজ্ঞ সাভিলি কোটোর মধে ই লাই পা নিজ্ঞান ভবপথার অভিন সংগো মিলিয়ে রাখানে তবে:

প্ৰাণ উঠাত পাৰে, সাজিলের সময় সাজার 🥜

## ৰ্যাড্মিণ্টনের আইন-কান্ন

ও বিসিহারের হাত বং দেক্তর কেন কংশ সাহিন্দ কোটোর বইনে বেলি ম যেতে পারে কিনাং হাট, নিশ্চরই পারে। পার্যদি সাহিন্দ কোটোর মধ্যে খারে তবে হাত বা দেহের কোন কংশ কোটোর কইরে বেলিয়ে গোলে দেখা কেটা

সাভার এবং বিসিভ্যা—দাভানের স্নাইন গাড় ভুলে জাতভাগিতিক ব্যাভাগিনী ক্ষেত্র-বেশনের ভাষা হাজাং—

বলি স্থিতিস হবর আগেই বিজিতার
ন্তৃত্বা জারস্ত করেন বিংবা নিজেই নিজিত স্থিতিস কোটোর অধা জাইনের নিজেতি সত্ত না খাকেন এবং সাভাগত তবি স্থাতিসে জাইনগত বুলা করেন তাব খালাসা ববতে বাবে সাভাগের:

কাৰ বলি বিলিভাৱ সভাত আন্ত কৰা প্ৰকাশ কৰি বিলিভাৱ সভাত আন ইচ্ছা কাৰে বছিল দেন বা প্ৰতিপাল্যৰ বছ সাহিত কাৰে। প্ৰকাশ হ'ব সংক্ৰিলাই ভাগতেই প্ৰকাশ ভালেও ভালি বা বাধা স্থাতিই ব্যাধাত ভালেও ছাই।

३८ कार्यम कार्यमा-अत्र क्रममनः यहेना

(এক) গুলুগার সমীর সাট্টল মতি গাট্ট ছত্তিকা করে নিজেগের কোটে মানের আগ্রেট প্রতীক ব প্রতীক করেন হার কটাসা হবে: করপা সাটল সেট ছত্তিকা করে

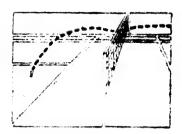


নাতিন করার সমস্ত তোল পা রাটি বা পাটাতন বেকে উপরে উঠে ইনলে তুপ্ত হবে। ইবিতে দেখা বাজে তাল পা নাটি চনকে উঠে দেয়া

নিজেদের সাইডে আসার পর স্থাইকার বলি সাটল-এ স্থাইক করে প্র ইকের সেই লভিছে রাংকট নেটের অপর্যবিক্তে চালনা করেন অর্থাৎ রাংকট লিরে নেট রাস করেন তবে কর্মান হবে নাঃ

্জিঃ থেলা চলার সময় বলি কেন্দ্র থেলারাড় নেট বা বার সংলা নেট আটানে; আছে তার কোন মংলা সপলা করেন তারে ফার্টস হবে। সপলা আধ্যে রাজেট লিকে, লারীরের কোনে অংল লিকে এবং পোলাক প্রিক্তার লিকে সপলা বোঝারে।

(এইট) খেলার সময় যদি একই





শ্লি চিতেৰ উপৰেৰ চিত্ৰ ক্ষেত্ৰৰ লাজিছ।
নাজিলৈৰ সময় দাউল নেউ-এৰ উপত্ৰে
দোলে কোটোৰ অবে। পড়লে গোৰ ৰেই
নাজেৰ চিত্ৰ ফলাস নাজিল। নাজন কেটো
লোগে সাভিল কেটোৰ বাইবে পড়ছে

there's we we have non with कारम दिल्या असमसाद श्री हैक कारम तथा के तेल हिंदे हिम इन सम्बद्ध <u>शहराम</u> **कार्यम प्राप्त** ह भाग्रेस भाँगैक रहेव शारकार्धन प्राप्ता आहेरक संस्थान क्षणीय शहर विशेष **१८३ व्याप**र THE CALL THE A BIG FACT CARPINE to to the this are a decreased EFING DER CON COURSE (E) EVEN a file the letter and membrings क्रिक्टर शहेर्य अरू करू र स्टब्स नहें बस किस्ट्राई ক্ষাই ৮ উপৰ: - এক সোকাণ্ডৰ স্ক্রেয়স क्षान गान भागत व विशेष करके नगाव । एक्सस ক্ষাত্র বালেকার্ডর ক্রিন বা জেন্স সার্ভাল-এব wind now, were at their street ८४८त जाता मध्या धर्मनाट द्याः हेटाईव wien w are eriene uffeben minn fab (4 %) (4 MB HR):

# 38PS

## র্মানীয় চলচ্চিত্র উৎসৰ

গাছ মালে ফরাসী চলভিত পুদর্শনী প্রস্থ ভারশর রামানীর ভল্ডির : ১ টু **धैरमादददे बाबन्धानक छ** तह मदक दिव हथा क देवत इ. अस्टकः "सामग्रदास् । ८४७५ ॥ क्यान्डी क्यानाकी कादब नद क्रक रिल्मी চিত্রর উৎসব। ভারতের অন্য প্রধান ভরতে অস্থিতি হার্য প্রার্মনীত ছবিলালি ce 25/5+4 8/8 \$74/3. \$13/48# ক্ষেপ্টেম্বর সম্বাহে মার্লেস্ট্র চিত্রাছ এই STATES STATE WAS TO BE A FIRST ATTER A উপমাৰ্থকে তীলিলাভি বস্বালন ভাষ मेमामकालिक रारामद । भ्रांतरा ५१ रहारू केंद्राहम् अस्य कर्ने इन्हा कु करार राज का १९६ र থাকাৰে এই আমহা আখা কলাভূপতি এক র্মনেটিয়া ভবিব্নরে এ নেতের ১০বিল হম দৈয়ার মান্ত্র ও সমাত্র সংস্কৃতি চান্ত্র শাল্পের অন্ব্শস্তাস র সোণার ভারক **মুম্মানিবলে ৮** গ্রাফার বর্গত স্বাস্থ্য র মুলস্থ্য সাংক্রেক ভ্রতিক্রি লাভ ট্রার কার।

সংক্ষিপত জীপের কম অন্যাঠান র স্থানা হয় ব্যানিকার ও ভারতের জাতী বিলোজনাটিটের ক্যানিকার তেপাটি পালি বিলোজনাটিটিক জী এম কেবলা হামনাই ক্যানিকার ক্যানার ক্যানার

অনুষ্ঠানে স্থাপত ভাষণ দেন কঁ বি ওপ সংকাৰ: প্ৰাৱদেহ ফেলিটাৰল সম্পাৰ: ব কন ফিল্ল ক্ষেত্ৰৰ কোডেৰি বিলৈওনাৰ কমিচ ই জিঞ্জ ক্ষেত্ৰৰ ব

উচ্ছাধন জন্দ্ধীনত পৰ আপ্ৰতিটোৱা ছবি প্ৰেচ্ছেজ অব উইপ্টাৰা এবং ক'েট চিত্ৰ প্ৰেছাৰ চেটপ্ৰত ট্ৰু দি ইন্ছিনিটা দেশবাৰ চহা।

জনসংখ্যাত জনা হুমানীয় চিত্তপশানীত ব্যাসকা হয়: জিলা জাতের সভানের ছবি দেশার ব্যাসকার জিলা:



গত শ্রুবার হিল্পী হাই প্রুচোর অভিটোরিয়ামে "এ-টলী কবিয়ালা" নাটকের অভিনয়ে উপপিত্র হিলেন প্রধানমন্ত্রী শ্রীমতী ইপিরা গাগেনী, ভার সপ্রে বাইকের বিদ্ধা ও কলিব্যুক্ত

#### वाहा-त्रप्रात्नाह्या

ৰাংলা নাটমণ্ড সংস্থানের সাহায্যাথে কাৰার বহুরুপার "রাজা" ও "প্তেল খেলা"

ব'লা নাইমণ্ড প্রতিষ্ঠার উদ্দোগ শ্যের ইয়েছে করেছ মাস হলঃ অথা সংগ্রাহের উদ্দোগ একটি নাটো হসাবের কলাম্বাহর বাব করেছেন। তা ছাড়া বহারাপ্রী সংক্ষা প্রাছ প্রতি মাসেই একাধিক নাটক এই উদ্দোল্য মণ্ডপথ কংছেন। তাত মাসেও গরাজ্যা ও বেরি কলিগ অভিনীত হরেছিল। এমাসে ২২ ও ২০ সেপ্টেমরে কলাম্বিসরে বাহার্গী পরিবেশন কর্মেন গরাজ্য ও প্রতিষ্ঠা বিশ্বাহন কর্মেন গরাজ্য ও প্রতিষ্ঠা বেশ্বা।

গত ও আগত কলামনিদ্রে বহার্শীর বিজ্ঞা বৈশে আবার অন্তর করলাম্
নাটাপ্রবাগে—প্রয়েগকলা বলে বলি কিছু
থাক সেক্ষেত্ত—বহার্শীর জাড়ি নেই।
বিজ্ঞান কথাই ধরা ধাক। নাটকে কী
আছ দশকিমাইই জানেন। কিন্তু বহা্শীতি
কর্মিনী বেমন চলজিত্তে প্রয়োগ ও
ব্যাপাকের গ্লেন্ডুল ডাইমেনশনা পার্
নাটকেও তেমনি একটি উপরিপাওনা
আছে। পাঠাবস্তু শ্রু প্রতিগোচর বলেই
নাটক সাথকি ইয়া নাট ভার একটা

লিসায়োল বা চা**ক্ষাৰ আবেদনও থাকে** নতন মতা সংযোজনের একটা অবস্থাপ্ত থেকে ধর। যিনি এই সাধির কা**লে সকর** र्भ अक दुर् নাটাপরিচালক। "ব্ৰহ্না" নাটকে শৃষ্ট্ৰ <mark>মত প্ৰমাণ করেছেন</mark>, ক<sup>্</sup>চাৰে নাটক **অভিনয়ের সলো সংগ্** অভিতিত্ত একটা স্থান্তির কাজ চলে, কোখার নাউকেব জিকেভিভ সম্ভাবনা। "রা**ভা"র** অস্থকারের ব্রুক চিরে সেই আর্ছনাল— "काना, जाना कडे?" —**सारभावते** অংলাকিত দশদিক কম্চণাল লোক এর महरा मानाहरूत करेटाइत कर्यका**र अन्य का लाह** অভীপার চিত্রি ফেন মহারে চোৰের मामान साम्यत राज अर्छ। माममाना करे আত্নিদ কেন বিশ্বমান্বেরই আত্নিত্ত ৰারা অনুলার সম্পন্ন ছারে বেডাকে।

এরপর রাজা-র কাহিনী তার জনিবার্শতার এগিরে চাল শেষ উপলালির
বিষদ্ধতে। রবীন্দ্রনাথের নাটকের রস ও
বন্ধবা যে আমরা প্রতি দ্শো ও অন্দের
অন্তব করি, অন্তব করে নিছরিত হই
তার কারণ নাটাপরিচালক নানারকর
ফিজিকাল ইমেজ-এর মধ্য দিরে এবং এক
একটি নাটাক্ষণের "ম্ভে" অন্বারী পারপার্থিরে বিভিন্ন "আন্ধেলা"-র উপরনীচুতে দাঁড় করিরে নাটকের অন্তলানি
ভাবর্শ দেশাকৈর চেতনার সহজ্ঞাহা করে
তোলেন। ধরা বাক এই দ্শাটি, বেখানে
মণ্ডের মার্থমে দিরে এক প্রাণ্ড বেকে
অগর প্রাণ্ড বাজবেদী ক্লাউন বাছে।



बान्त छड्डेाठारवंत विनन्तिक "कान्यक्त" अंधन त्यव भवारत-श्रवत अकीं नृत्या व

ইন্দ্রজিং' ও বল্লভপ্রকী রূপকথা এ দুটি नाउंकरे न्थानीत मगकरमत मदन गाए माग কেটেছে। দুটি নাটকই সুপরিচালিত এবং अख्नितेषः। मार्डि नार्डेक्ट नार्डोकात वाम्स সরকার লিখিত। ব্লছপারের রূপকথা শ্নলাম এখনো বাংলা ভাষাতেও অভিনীত হর্মন। এবং ইন্দ্রজিং' কোলকাতা ছাড়াও বিভিন্ন স্থানে এবং বিভিন্ন ভাষায় মঞ্চন্দ इरतरष्ट, यौता বিভিন अर**म्यात "**जवर ইন্দ্রজিং" দেখেছেন তাদের মতে শ্যামানন্দ कामान পরিচালিত এবম ইন্দুলিংই নাকি শ্রেষ্ঠ। অত্যানত আনন্দের কথা। हिम्मी নাটকও বদি কোলকাতা থেকেই ৰসো-ত্তীৰ্ণভাৱ দিকে এগোম ভাহলে কোলকাভাৱ গৰ্ব বাডবে বই কমবে না।

বিখ্যাত নাটক 'কল মাই সান্স্'-এর হিল্পী নাটার্শ 'মেরে বাচেচ'। বদিও রাজ-শ্বানী মহিলা স্ফলের দেওয়া স্থানের

योख

েশীতাক্তপ নির্মাণ্ডিক নাউপালা 1

नजून नाइक!



অভিনৰ নাটকের অপূর্ব রূপারণ ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও পানিবার ঃ ৬৫টার প্রতি রুবিবার ও ছাটির দিন ঃ ৩টা ৩ ৬৫টার

> ॥ রচনা ও পরিচালনা ॥ দেবনারাঙ্গণ গড়ে

া ব্পারণে ৷
অঞ্জিত বংশ্যাপাথারে, অপর্ণা দেবী, শ্রেক্ত্র্ চট্টোপাধ্যার, স্বত্ততা চট্টোপাধ্যার, নীলিলা লাল, স্থান্দ্র অট্টাচর্মা, জোগেলা বিশ্বাস, শ্যাস লাহা, প্রেলাংশ্যু বস্তু, বালভী চট্টোপাধ্যার, শৈক্ষের প্রবেশাধ্যার, গতিত দে ও ভান্য বংশ্যাপাধ্যার বিজ্ঞাপন সেবে আমাদের ধারণা হরেছিপ যে, এটা "মেরেদের এবং বাচ্চাদের জনা" লিখিত বিশেষ জোন হাক্জা নাটক। "মেরে বাচ্চে" নাটকটি আসলে কি সেটা না জেনেই এর অক্টাক্ষে বিজ্ঞাপন দিজ্ঞিন্তন এই বলে যে "মেরে বাচ্চে" কেবলমার মহিলা এবং বাচ্চাদের জনা। এবং বিশ্বাস কর্ম নাটকের দিন দেখলাম সাভ-আটশ দশকৈর ধরা তিরিশ-চল্লিশজনও প্রাশ্তবরুক প্রেষ্ম নেই। সভিটে এদেশে সবই সশ্ভর।

শ্বনামিকার সদস্যদের অভিনশ্দন জানাতে স্থানীর মারাঠী সাহিত্য সংস্থ নিজেদের সম্মেলন হলে অনেককে আহ্মন জানিরেছিলেন। এই জমারেতে বন্দের নাট্য আন্দোলনের প্রথম সারির একজন সভ্যদেব দ্বে অনেক কথার মধ্যে একটি কথা বললেন বেটা বক্রে আমিও শেব করব।

"জনামিকা এবার ববে এসেছেন রাজশ্বানী মহিলা মন্ডলের সূহ নিমাণকদেশ
চাঁদা ভোলায় সাহাব্য করতে। তাই মোটা
চাঁদা দিতে অপারগ নাট্যমোদীরা এদের
নাটক দেখতে পেলেন না। আশা করি, আবার
জনামিকা কনেব আসাকেন এবং চাঁদা ভোলার
সাহাব্য করতে নর, নাটক করতে আসাকেন।"
স্বাই হাতত লি দিল।

। अवन भार्या

यथा यदर्णत शांठि वावन वागरत वाश्वात विमञ्ज

व्रवीन्द्र अपन

জায়েটিভ ত

১७ मिनवाभी

থ।গ্ৰ। <sub>তৈ</sub>সৰ

১৬ সেপ্টেম্বর থেকে ১ অক্টোবর প্রত্যহ সন্ধ্যা ৬॥টার

শীয়তাপ নিয়লিত

১ আৰু বে আগ্ৰেম আগ্ৰাম নিৰ্ভাগ ১৬।৯ তর্ণ অপেরা হিট্**লার**, ১৭।৯ জনতা অপেরা / **ফাসীর মঞে**, ১৮।৯ শ্রীরাধা নাটা কোম্পানী **পথের ছেলে** 

১৯ IS নবরজন অপেরা / **মাইকেল মধ**ে-সংখন, ২০ IS নিউ প্রভাস অপেরা **বার্**ষ, ২১ IS সতাম্বর অপেরা/**দিশ্যিকা**, ২২ IS কোম্পানী চণ্ডীতলার অন্বিকা नाण মান্দর, ২৩।৯ নিউ আর্য অপেরা/ निकाकी निकासक्त 2812 অপেরা/মৃত্যারী সূর্ব সেন, ২৫ ১৯ মাধবী নাটা কোম্পানী/আগনে নিৰে খেলা, ২৬।৯ সাশীল নাট্য কোম্পানী/রঙে রাঙা হাস, লীভাজা, ২৭।৯ নিউ গণেল অপেরা/ মরেও ৰারা মরে না, ২৮।৯ বৈকৃণ্ঠ যাতা সমাজ/পতি-খাতিনী সভী, ২৯ ৷৯ নিউ রয়েল বীণাপাণি অপেরা/এক টকেরো ৰুটি, ৩০ Ib নাটাভারতী/**আন্দোলন** এবং ১।১০ নট কোম্পানী শ্রীরামক সার্থা-

त्रबीग्न अमरन,

মাধা।
বাঙলা ও বাঙালীর নিজন্ম অভিনয়কলা "যাতা" শত শত বছর
ধরে আমাদের দরে ঘরে পেশছে দিরেছে নায়নীতি ধর্মবোধ,
শিকা। যাতাশিলেপর কথা মাটি মানুষের কথা, বাতার আবেদন
সকল বাঙালীর হুদরো অন্যান। এই আনন্দ-উৎসব ডাই সকল উৎসব
পরিবারের আনন্দ মিলনীতে পরিণত করন।

বৈনিক গিৰিট : ১, ২, ০, ৫ ও ৭ টাকা। নিজৰ বিকিট মান্ত কৰেকটি ২৫ ও ৬০ টাকা প্ৰত্যন্ত সকাৰ্য ৮টা থেকে রাত্রি ৭টা পর্যান্ত রবীন্দ্র সদলে অভিনয় টিকিট পাৰেন

## পথম প্রতিশ্রতি

"বন্দ্রাংশনা"র পর পরিচ লক দীনেন গাপত তৈরি করছেন "প্রথম প্রতিপ্রাতি"। আশ্প্রিলি দেবীর কাহিনী অবস্থান ছবিটি তৈরি হচ্ছে। আগামী মানেই ছবির নির্মিত শা্টিং আরুদ্ভ হচ্ছে। নায়িকা চরিতে একজন নতুন শিশ্পাকে দেখা যাবে। ছা ছাড়া, বস্পত তৌধ্রী, শামিত ভঞ্জ, ভারা দেবী, কাজল গাণ্ড, উমানাথ ভট্টার্য, গীতা দে প্রম্থ বিভিন্ন চরিতে অভিনয় করবেন। সংগতি প্রিচালনার লাহিছ নিজেছেন নীতার রাম।

#### ন্তানাটোর আসরে কথাকলি উংসব

নাম এবং স্থির হলে ম্রান্থি তীর অগাত, কঠে কণাটি বাংগর আবতবিচনা, একটি বগাতা ধর্মনকার আবতবিচনা, একটি বগাতা ধর্মনকার আবতবিচনা, একটি সালে সন্ধিত শিলপীনের আগায়ন, এবং গ্রেক্টালা আব ভারপারে নাভার ভালে ভালে এমান ধর্মনকা অপলাবল কথ কলিব এই ভির্মনিত প্রথা, মার্ হল ববীল্সস্লুল আয়োলিত কোলার বিশিল্পর্লেশ্ব বামার্থের তাহিনী অবলাব্দ ক্রান্থি স্থানি স্নিল্লি ভারতীয় ল্ভাক্লার স্থান্য এই মে ক্লেকলিব প্রধান আব্দন মান্ত্রিক। পোর্ডার ক্লিব এক একটি ভালে স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর ভালি স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর ভালি স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর ভালির স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর ভালি স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর ভালি স্থান্ত্র বিভিন্ন স্কল্প প্রভাক্ষর



ারজেঞ্জনল ইন এ গোলেডন জাই' নিউ এন্পারারে ম্বি নেরেছে—নারলেল রাজেড়া ও এলিজাবেশ টেবর



মেগাফোল রেকভে হেলতকুলানের স্থে প্লের গাল গেলেহেন উৎপলা সেব

বাঞ্জনার ফাটে উঠে ছে ছলেনাম্য নাটকেব স্থানট করে, তা অনায়াসেই দুশাকৈর বিশ্বাহাবিষ্ট মনোবেণা আক্ষাণে সম্পা। নুন্দিনার অনুষ্ঠানে বাবা উপস্থিত ভিলেন, তারা তেমনই একটা বিশ্বাহার রেণ নিয়ে ক্ষোলার থেকে নিষ্কুমণ ক্রেছিলেন।

কঞ্জবাসীবলৈ স্পাণ্যার আবানন থেকে ভাব্যান বালীবর প্রাসন থেকে প্রাস্ত্রা বালীবর প্রাসন ছটানবলী প্রিস্ত্রা অবলাদনে আহাত্রের মহণ। কথা-কলি উহস্বের প্রথমিবি প্রতিটি ভূমিকা স্থা-আভানীত। কিত্রীকলিনে বংশিন্দালের ক্ষোত্রতী সংবাদান্যর ছতাভাব্তের ক্যাত্রাই আহাত্যালয় প্রিকেশন সম্পাদনি প্রথমিক স্থান্যালয় প্রক্রিকান সম্পাদনিক সাক্ষরতার সংবাদাত হবান্ত্রিসান মধ্যে ক্রেন ক্রিটি নিখাতে প্রধান্ত্রি আন্ত্রান কর আবো ব্রার্থ বেলা হ্রান।

এই উল্লেড মানেৰ অনুষ্ঠানতি পৰিচালনা ক্ৰেছেন **উন্নিচ**রন এবং জীমেননা

#### গাঁডিবাথিকার শাপমোচন

রবীন্দুনাথ ভার প্রনাচ কাবান্নুদেব অংক্যাত সাপ্ৰাচনা কবিতাটিৰ ফাকে ফুটুৰ গতি-ৰোজন কাৰে বে-সমূহে তাক स हामाहणेख Cकाउँ कामामा প্রিছেলেন্ মেই সম্ভে (১৯০২) ভবি গানের ভাগভার কান্যে কান্য পাগা। সেখান খোক নিজের ইচ্ছেমত প্রেট্ড বচনা-গ্লি চখন কাৰে নেবাৰ কাৰ্থ ফৰকাশ ব্ৰকীন্দুনা, খব কাৰ क्षम खोर छहे. কোনো গাঁকি-নাটা যা নাহা লাটো ্ডিংল গ্ৰীভি-আগেৰ্য়ত ব্যক্তি এমন মন-মাতানো গানের সমাবেশ মর্কেনি ৷ এ কথা মার্ধ অন্তব করলাম গত ৬ই সেটেশ্বর বংগিত--0 V4 4 4 1 4 FFER

অন্তিটন : কেন্না, ব্রীয়া এট গানগালি নাতনি গাঁচতর মাধ্যমে পরিবেশন করলেন, তাঁরা লাগমেকনের বিভিন্ন চাঁবাত্র বাধা-বেলনার হৈ বঙ্গাভিবাছি নিকোহন, তা মনকে নাজা নিকোহ। কমিকার বলেনাপাধ্যাকের কার্যে ক্রিকার বলেনাপাধ্যাকের কার্যে সেলিন আন্বর্গাত হারেছে, অব্যক্ষেবর নিজেই বেন মাধ্র হারেছে তার স্ক্রেবর বিজেই বিনার বেমণত মাধ্যেশেশ্যাকের গানের ভিত্তর দিকোঃ

নাত্যাধ্যণ ক্ষুচালিকা ক্ষেত্ৰগ্ৰহ ক্ষোলকা। গৰি নাগ অব্যোগৰত এবং নাগেশকুমান টোনি সেন। প্ৰশাসনীর। অপ্তির অধ্যা ক্ষমির চটোপান্ধানের কর্মি

সংগতি ও ন্তা-পরিচলনার চিনের হণ্ডামে বরুল সেনগুল্ড এবং পরি নাম্ব ৮

#### वानवशृत मरशीक विवशनक

গত ০০খে আন্তই, বান্যপ্ত সংগীত বিদালকের বছাত জয়বতী ঐংসবের শিক্তীর দিলে, একটি জনবল লোকন্যতার জন্তাব্দের আহাজন করা হার্যাহল নাইছে সরোবাবের প্রেক্ষ গাছে বিদালকের মারা বিদালকার নাইছিল করা করা বিদালকার নাইছিল করা করা বিদালকার বিদালকার করা ভারতার করা বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বার্যা সংগতি পরিভাগের বার্যা সংগতি পরিভাগের বার্যা সংগতি পরিভাগের বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদালকার বিদ্যালকার বিদালকার বিদ্যালকার বিদ

এই উংস্থাৰ কলানা সন্তানস্ভীর মাধা ছিল প্রায়ন ছাত্যভাগীনর পর্যামসালা, চোডালিকা ও সোমা ন্তানটো। এর মধ্যে প্রথমের সন্তানে মলি রায়ের এবং श्रमश्रमनीय ।

শামা আরতি গ্রেডার ম্ভাগারকশ্যা

উৎসবে সভাপতি এবং প্রধান অতিথি-

আনন্দবধ ন

হুপে উপশ্বিত ছিলেন ব্যাহ্রমে সৌন্যেন্দ্র-

माथ डेरकून क ट्यारमण मिहा।



(TA-WOGE)

## द्वकर्ज त्रभादनाम्ना

वाहे ज जावन न्यतरम क्रार्यारकान কোম্পানি বে-করটি রবীন্দ্রসংগীতের রেকর্ড रवत्र करतरहम, ए त भर्षा समामी रहावं । रशादा ज्याधिकातीत शाम ब्रह्मद्रकः बनामी ছোবের গানের সম্বন্ধে নতুন করে বিশেষ রবীন্দ্রসংগতিত ভার নেই। পারদ্শিতা ইতিপ্রে প্রমাশিত। এবার তার গাওয়া দুটি গান (আজি ভোমার কৰার চাই শ্নাবরে/স্থে আছি, স্থে আছি) চিত্তাক্যাক হয়েছে আর বেশী এই কারণে যে

मिननी मृति गाटिक कर्कास्य म्नान कार निएक दशरतास्म। अक्या नवाशक रहक গিল্পী সোৱা সৰ্বাধিকারীয় গাম পেত্র চলে এসো বরে/হাসি কেন মাই ও নত जन्मारक' क करमक्यों वना इतन। एरव जिल् বিনি কর্মজীবন এবং সংগীতসখনত স বিশ্বতরতীর সপোষ্ট, গনের গ্রহি बाक्सर्वत श्रीक करिक स्तारकारी । ছল। এটা কেবের নর, বলি তার স প্রাদের বোগ বাকে। ভার গলা ভ ভবিষাতত প্রতিপ্রতিসম্পার করা চলে।

#### जाब्द्रीनक गान

ज्यातवस्था आध्रातिक शास्त्र रहत (बीयको नाटा मध्यत्म/ **४**हे मृति नौम कार সব বেরিরেছে। নিরমমাফিক একটি গ হাক্কা স্বরের, অপরতি রাগভিত্তিক। ব বাহ্লা, লেবের গানটি-শ্রীমতী নাচে মধ্য <del>্রসভা ভোতার বেলী ভাল লাগ্রে।</del> দর शनाह छेमहवर्त शर्माचे श्राहरूकाः आर कान भिरतरक्त रेनरभन मन्द्रवाशायात ।



প্ৰবিষ্ঠার অভিনীত ক কিন্তুর

## **१८ मार्शियावत ११**

ब्रवीन्त अद्यावत मध

**्रता चाटहोत्रत, '७५ मन्ना १**णे विकिटे—२,, ०, ६ ६,। ड्या-रह-वि (जालार्न कारण्यः)

(P4 64 KJ)

#### कक्ष जाभग्रात

আগামী নাটক

**टल**ाव

প্ৰিক্তালনা—কৰম বেৰ

## भाष्यु बाग ब्रीहर्फ

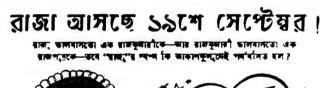
(TH 8009)

### नाम्पीकात्र

তিন পয়সার পালায় এক পয়সার গান মোহনী মোহন দেব र्घाहिनीवामा प्रदी পুরুত বসে মন্ত্র পড়ান, 'कार वर हर कर' আমরা বলি, 'হোলো কিসে? ৰদ্ধ মামা মধ্র পিসে?' শ্বনে ভারা বল্লে হেসে,

**'विवाद्यः !** किवादः !!' নিৰ্দেশনাঃ জজিতেশ বন্দ্যোপাধ্যায়

(সি-৮৩৭৪)





● প্রভারঃ ০ — ৬ — ৯টার ●

# भाषिष्ठिक - (**एम - वमु**सी - वीपा

্ৰেৰ ভাল নিৰ্মাণ্ডত বিলাসবহুল প্ৰেকাণ্ড 🕽

अवग्रो एम,वीवयश्व পদ্মসা ग्रुणा त्वा मातात्रभी 🏞 कवन (टर्माग्रेताय्त्र,क) जनका (दवहाना) क्रियामधः ( स्ट्रगीशद्त्र ) REPRESENTATION OF THE SERVICE OF THE





















কোসিগন চু এন-লাই সাক্ষাৎকার এই সংগ্রহের উল্লেখযোগ্য আলোচ্য ঘটনা। স্যাভিয়েট প্রধানমন্দ্রী কোসিগন ১১ সেপটেমবর হ্যানয় থেকে মসকো যাওয়ার পথে আকাস্মিকভাবে পিকিংকে গিরে চানের প্রধানমন্দ্রী চু এন-লাইয়ের সংগ্য সাক্ষং করেছেন। নাই প্রধানমন্দ্রী মুখ্য কিছুক্ষণ খোলামনে আলোচনাও হরেছে। স্যোভিয়েট ও চানের বতমান রাজনৈতিক সম্পর্কের পরিপ্রেক্তিত এই ঘটনাটি বেমন আকাস্মিক, তেমনি নাটকীয়। মসকো থেকে সরকারীভাবে এই সাক্ষংকারের সংবাদ ঘোষণা করা হয়েছে। জানা গিয়েছে, স্যোভিয়েট প্রভাব অনুযারীই হঠাং এই সাক্ষাংকারের ব্যবস্থা। উভয় প্রধানমন্দ্রীর মধ্যে কি কি বিষয় নিয়ে আলোচনা হয়েছে ভা জানা যায় নি। তবে অনুমান করা যেতে পারে যে, র শিরা-চীন সামান্ত বিরোধ এবং ভিয়েতনামই ছিল আলোচনার মুখ্য বিষয়। পর্যালোচকদের মাত লাই দেশের সম্পর্ক প্রাভাবিক করার উদ্দেশেশাই পিকিং বৈঠকে রাশিয়া উদ্যোগী হয়েছিল। এই আলোচনা দুই দেশের সক্ষেক করার উদ্দেশেশাই পিকিং বৈঠকে রাশিয়া উদ্যোগী হয়েছিল। এই আলোচনা দুই দেশের সক্ষেক করার উদ্দেশ্য গ্রহাছে বলে মনে করা হছে। সোভিয়েট-চীন বিরোধ শ্রের হওয়ার সাড়েচ চার বছর বাদে আবার দুই দেশের প্রধানমন্ত্রী পরস্পারের মুখ্যান্দ্রি হলাল আলোচনার টেবিকো।

1717

#### द्रमणी जावान

৮ সেপটেমবর—প্রায় পাঁচযাটা আলোচনার পর আত্ম ব্যুক্তনটের বৈঠকে প্রর্থীনতী।
প্রীক্ষোতি বস্মু পাঁরক স্বলগ্রিলকে আশ্বাস দিরেছেন, বরাছনগরের ঘটনার ভাতিত দোষী বাজিদের যত তাড়াভাড়ি সম্ভব প্রেফতার করা ছবে। করাহেনগরে ঘটনার প্রতিবাদে সি পি আই গত মধ্যাকার ফ্রনটের বিঠক বছনি করেন।
শেষ পর্যাপত বরাহনগরে নিরে আ্তেম্চনার জন্য জর্মী বৈঠক ভাকা হয়।

প্রধানকদান জনসভা নিরে বে ভটিসতাব স্টিট হরেছে তার পরিপ্রেক্ষিতে ডঃ প্রতাপচন্দ্র চল্দ্র যে বিবৃতি টেডার করেছেন তার বছবঃ ঃ প্রধানকদীর জনসভার আমার সভাপতিথ করা উচিত কিনা তা নিরে এক তিত্ত বিত্যকরি স্থিট ইরেছে। আমি চাই তার সভা নির্বিদ্যা সম্পন্ন হোক। তাই স্থির করেছি, এই সভার আমি সন্ধাপতিত্ব করবোনা, উপস্থিতত থাকবোনা।

৯ লেপটেববর—গাংভামী, মেরেদের উপর হাজনা, লাউপাট ইতাদি অপ্রীতিকর ঘটনার মধ্য দিরে গাতকাল রাতে দিরিতে রবীন্দ্র রংগণালার প্রথম কমনওরেলথ বাব উৎসাবের শোচনীর সম্মাণিত ঘটে। একদল দ্বান্ত করেকজন ছাত্রীর উপর হামলার চেট্টা করে। এই থেকেই গোল-মালের স্তেপাত। প্রিলস লাঠি চার্কা করে বিপার মেরেদের উম্থার করে।

প্রতিমবংশ সরকার এক প্রেমনেটে জানান, নিজেরা অধিকার অভনি করেননি এমন জামিতে বাড়িছর নিমাণে করে যে বিবেটে সংখ্যক গরিছ ভূমিছানি পরিকার বসবাস কর্মেন, সংকার তালৈর উচ্ছেদের হাত থেকে কো করার জন্ম আইন প্রগরন করার ব্যবস্থা করেছেন।

১০ সেপটেমবর— আৰু পণিচনবংগ কংগেস পরিবলীর পারতি সর্বাস্থ্যত প্রস্থান গুল কর্তন্ম এবং আর এক রাউন্ড আলোচনার পর ক্লের বহা এম এল এ ও নেতার উপাস্থাতিতে প্রক্রের অন্যরোধ এবং দলের ঐক্যে স্বাধ্ধ আমি প্রধানমন্ত্রীর জনসভার সভাপতিত করতে সম্ব্যুত্ত

দিল্লির রংগশাকার নেয়েদের উপর বানকাথ প্রকণ্য নিয়ে আরু পশ্চিমবেশ্য বিধানসভার দুশ্লের কদ-প্রতিবাদ, ডিংকার, শেকে ধনতাগতি-ধ্যাথাকি চলো। কেন্দ্রীয় সরকারের বিভাগে ধিলার জানিকে শ্বরাশীনভাী প্রী ওরাই বি চবনের



পদতংগ্রন্থ দাবি করা রয়। শেষ প্রাণ্ড স্থানিক প্রেয় অনিটের জন্য অবিবেশন ম্বাডুবট করে দেন।

১১ কেপ্টেম্বে--চলতি বছারে প্রথম ৬ মাসে প্রিচম বালায় ২ বাজায় ৮ শত ৭০ জন আব্যাতা করেছে। এই বাজেন ১৯৬৭ এবং ১৯৬৮ সালে আহ্যাতার সংখ্যা ছিল যথান্তম ৪ বাজায় ৬ শত ৮২ এবং ও বাজায় ৮ শত।

কলক তা হাইকোরটের আদিম বিভাগে ১৯৩৬ সালের মামলা এখনও আমীমাটাসত অবস্থার কাছে। এখনে জাম থাকা মাদলার সংখ্যা বহামানে ১৬ রাজ ব। আজ পশ্চিমারণা বিধানসভাল সিটি সিভিল কোরট (সংশোধন) বিশ্লের উপর ব্লুভাকালে বিচারদালী শীভাজভূবণ মাদল এইছবা প্রবাদ কালে।

১২ সেপটেমবর—আজ বিকালে বিগেও
পারেড মহদান করেক কক কোনের সমাবেশে
প্রধানমধ্যী ইমিন্তা ইনিনরা গাদ্ধী ভানত থেকে
পারিবীশ সম্প্রকা উদ্ধেন করে কজ করার জনা সকল প্রধানি লোককে এক থাকে কজ করার জানা প্রধানি লোককে এক থাকে কজ করার জানা দ্বার জানান। তিনি বালান, জনগোই কর্মোন্তাই প্রধান ক্যানার ইবস। বিহারিত কর্মান্তাই প্রধান ক্যানার করেকে জনগোক থেকে কিছারী বাজন প্রধান করেকে জনগোক জনবাকার করা প্রধান করা করেকে, বালক জাতীয়কবংকর বে বাপেনা নাওয়া ইবছাছ ভারা মানা, প্রবিদ্ধা করার প্রথম প্রধান করার বালাকার বার বাবিদ্ধান

১০ বেশটেশবর প্রধানস্থানী শ্রীমতী ইনিবর গানধী আন্ত কলিকাভাষ পরিপ্রায় ঘোষণা করেন, এখন বা ১৯৭২ সংকা গেলেও কেলোলিশন সরকার গঠনের কোন প্রধানী ওঠে না। কংগ্রেসই ভারতের জাতীয় দল। সাত্রাং কংগ্রেস পরি-চালিত সরকারই ভারতের লাতীয় সরকার। বাঁরা ভারের সম্চিশ্তাভাগা, প্রধানমন্ত্রী রবং ভারেরই কংগ্রেস যোগ দিতে আল্যান জানিকার্যন।

্রেন্দ্রীর থান্য ও কৃষিমন্ত্রী ইণ্ডিগাজীবন রাম বলেন হেন, কলকাতঃ এবং সংশিল্পট শিংলাঞ্জ, ব্যেমবাই ও মান্তাজ রেশন এলাবায় খাদা নিয়বল আদেশ কিছু লিখিল কলার জনা তিনি ভারছেন।

১৪ সেপটেমবর—ভারতীয় সংবিধান সংশোধন না করেই সমাজতাল্যিক নীতি কাষ্ট্রকারী করা সম্ভব বলে প্রধানমন্ত্রী শ্রীমতী আজ সক্তের কলকাতার এক সাংবাদিক সমোলানে ভারতীয় ও আণ্ডেজাতিক নানা প্রদেশর করার গোন।

প্রধানমার্কী শ্রীমাতী ইনিগরা গান্ধী কলকাতা উল্লেখনে অথিক সাহাম্য এবং পেরিসভায় নতুন আহার সন্ধানের জন্য শাহবে প্রান্তিক বার বসবোর প্রদেশ্যর বিবিচনা কর্মন বলে মেন্তর শ্রীপ্রধানত শাহরক আশ্বাস নিরোজন।

#### বিদেশী সংবাদ

৮ সেপটেরবর—হানারের প্রণত বিক্ত তিন্দ্র দিনের জনঃ জন্ম সংবাহ আজু আবিদিন ও প্রক্রিক ভিত্রতান্য বাহিনী পার্য সাপেক্ষে নেনে নিরেছে। তেবে বলা বাহাত্ত্রতিভিন্নটারের পান্ধ সমানেশ চলাজ বেথাল প্রয়োজনাবাধে বালি চালানে।

৯ লেপটেমবন - ভিয়েত্নমে নিউল এলোকিব এন ২০০০ থাত জানা গেল উল্লেখ ভিয়েত্নামের অসংক্ষী প্রেলিজেনী রামেজন ভাইসংক্ষেতিনী তথা সাব থাবে। প্রাংগ হামস ৮৯ বর্গনে। তিনি ব্যালন করে কলিটিনস্ট প্রাক্টিয়ার আক্রেন।

১০ বেশটেমনর-- পিকং - গ্রেছালের প্রতি-দিনের আন্তোচন শ্রাত্ত তে মান্ত চিক্সাল ধানি করা হাছে বিজ্ঞানিন গ্রেছ হ'ল প্রতি স্থানিক গ্রেছ নামারিক মান্ত বাল প্রতি ধানের বিভিন্নত আন ব্রেম নেই বাল বিভাগী শ্রাকিক লক্ষ্য কর্মেন । এর প্রত্তক সংখ্যার মান্ত হ'নি সংক্ষমত ও গ্রেছ মান্ত ব্যক্ত আন্তর্গরিক বিভিন্ন সন্তর্গরাহ

১৯ সেপটেমবর সিনাই এব উত্তরপার্থ একার যাইছার যেনে যানিন উপর যাক্ষ মিশামি বিমান মেটা ভিন্তার বোলা বর্ষান করে। মোট ৩৬ মন্টার এই বিমান অকুমনে ইক্তারমালার প্রশাসনিক সদর দক্ষতন একটি বাবালের বা্নাম এবং একটি বেভার যাল বিধানত বা্যামে

১২ লেকটেমবন-ইলাভসাবিলা পরিকার এক সংগ্রাভাল কার্যনিক্রেন্ডন ক্রেটানকর প্রতিনি সেন্ডন্ননা মাও কেন্ট্রং একটি নফা প্রতি গড়ার চেড্ড কর্ডেন। ইলেক্য্য-প্রতিক্রেন্ডন মন্ট্রিল্ডা বিল্লাভিত্র ও ব্যাক্ষাকর প্রভাব হ্লাক

১০ সেপটেমনর—বাসন্যোধ ভানতত্ত্ব বেলটো তথা নজহনুকর বাধ্যানতা দ্বী আই কে চ্চজার জ এবং সংস্কৃত্ব আনর প্রঞ্জাত্তন্ত্ব জ্বাতান্ত্বি নির্দেশনামন্ত্রী শ্রীমহামাদ ফারেকের সংগ্রা জ্বালোচনার পর স্থিয়া হয়ছে যে সংবাদ সংস্কৃত্ব ও চনার পর স্থিয় হয়েছে যে সংবাদ সংস্কৃত্ব ও বেহাত্বের কান্ত্র সম্পর্কে শৃষ্টি সেশের মধ্যে সহ-মোলিতা ব্যধ্য কর্মত হয়ে। ভারতে জ্বাতান্ত্রীয় চলচ্চিত্র উৎসরে মিশ্র মেশ্য স্পেন্ত্র।

১৪ বেপটেমবর - শ্যামটের পর ধ্যামট চলতে থাকায় সিংহল সত্তরে স্যাপ্ত দেশে আগ্রুত্তলালীয় অবস্থা গোধলা করেছেয় এবং তৈল ও বিল্যাং উৎপাদন সংস্থাগ্রিলার বাবাছ-প্রো বেন্দ্রসমূহে দখল করতে সৈনাবাহিমীকে আন্দেশ (দরেছেন। \_\_\_\_

MMM

नियं लक्षाती बहलानियम्ब

# কবির সঙ্গে য়ুরোগে

**৭** ए याच बाहै (क्षर प्र, त्र्यूव क्षर

।। দাম মাত দশ টাকা ॥ ৰাস্তদেৰ ৰস্ব

(तक।, मुन्दती (तक। ए,

डे-**भनाम** 

विभाग करत्रत

দভোষকুমার ঘোষের

मिस्ती छ, ब्रिनश्न

इतिनाबायण हरहाभाशास्यक

बुङामखवा ए,

নাহাররঞ্জন গাড়ের

कन्याकुभाती ७

प्रीदसक्षाः

लीला अक्त्यमादात्र

সুকুষার রায় ।

\*415

रेभारलभक्त्राव वरम्माभाषास्त्रव

गान्धीजीत गठनकर्म 8॥

ভ্ৰানীপ্ৰসাদ বল্দেনপাধনয়ের

गाक्कोषात मृष्टिए वाश्वा ७ व. धावी ए,

जन्धावस रै

গান্ধী রচনাসম্ভার

(S) (C) (H)

(तरभात वह ७॥

স্মধনাথ ঘোষেৰ

কিংশার গ্রন্থাবলী ৪,

न्डन वह

नीना मक्समहाराज

वात कात्वाशात है.

॥ ন্তন চতুর্থ মন্দ্রণ প্রকাশিত হল ॥

নীরদচন্দ্র চৌধুরীর

बाढामी जीवरन ब्रमणी ১०.

व्यवगौन्त्रगाथ ठाकुरतत

यावागारन ब्रामायन ३,

(সচিচ

श्वामी मिताबागरमव

नुवालीयं ला १० क्यारा मण ४०

প্রবোধকুমার সানাল্লর

উত্তর হিমালয় চারত ১১,

অবধ্তের

नीलक्छे रिमालय ४॥

জেনাতিকমার চৌধারীর

ধ্যানগম্ভার এই যে ভূধর ৪॥

#16क शकारकारकार

गरन गिति कम्मस्त है, नीन मार्गम ७॥

পণ্ণপ্রমাগ ৫. উত্তরসাং দিশি ১০.

গ্ৰেন্দ্ৰক্ষার মিত্তের

स्ति ছित्र जामा वस्तर 811

বিভতিভ্ষণ ব্ৰুদ্যাপাধ্যায়ৰ

**पृष्टिञ्जमीय** सक्त मार १,

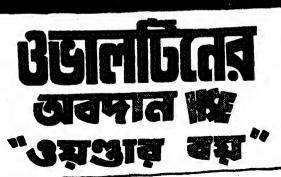
সৈয়দ মাজত্বা আলীর

রাজা উজার ৮, বড় বাবু ৭.

আশার্তার মরেখাপাধারেয়র

यश्रव्ण ७. माज भारक वाँधा ए,

क्षिक्ताक्रमात (गाम भाविका २०



# উদ্বয় আর উৎসাহের সর্বোত্তম প্রতীক



কে এই ''ভবঙার বহ''। বালকট বাদ্য,
দক্তি থাবে উদ্যেহের প্রতিমূখি—সাক্রেক
কাল ওডালটিন বা আলমানে জেলাহের।
প্রাণের উদ্যানন্দ কর্মল রাখারে বার্কির হৈ
কালে পরে জীবানকে উপ্যানন্দ কর্মল ওজালটিন আলানকে জোগারে কর্মল ওজালটিন আলনাকে জোগারে ক্রেক অন্ত বারক উদ্যান্ত ওজালটিনের ক্রেক কর্মল বারক উদ্যান্ত ওজালটিনের ক্রেক কর্মল সমন্তি এই 'ওছালটিনের সমন্ত কর্মল সমন্তি এই 'ওছালটিন ক্রেক্ট বারক্টিরিক আল্লের স্থানিক টাইলা ভারকির বারক বার্কিন। এক আলে টাইলা ভারকির ক্রেক্টিন, ক্রেক্টিন, ক্রেক্টিন চাইক্টেই, ভিটারিক আলে ব্রেক্টান, ক্রেক্টান চাইক্টেই, ভিটারিক আলে ব্রেক্টান, ক্রেক্টান ভারক ক্রিছু বিশ্বিক আলে ব্রেক্টান, ক্রেক্টান ভারক ক্রিছু বিশ্বিক আলে ব্রেক্টান ক্রিকটান ভারকির বিশ্বিক আলে ব্রেক্টান আল ভারকান উক্লাক উদ্যান্তের প্রম্ন ক্রিকা।

প্রভারতিন প্রতাসটিন (থার হ'ছো, শক্তিকে, ইনার আর ইংসাতে, নিজেকে ভরিছে ছুমুন। অভ্যাসটিন থাত-শানীয় নিজে সবচেতে বেশী বিক্লী হজে। পরিবারের স্বার পক্ষে পরর উপকারী।



श्रीशत हिल

ভাৰতে ভৈত্তী কৰেছেন জগণজ্জিত ক্ৰীপ্ৰামিট্ট জা লিখিটেড কারিপ্রতী সহায়হায় করেন এ বহাঝার লিখিটেড, লক্ত্র একহাতে পরিবেশক : ভোলচাস লিখিটেড

লকেন মজাৰ পুৰে। ব্যৱহা এক কৰাৰ ধৰিব জন্ম আকট টিটিই লিছুল। বিষয়ই হালো— গাএইচ, এস, এ, ই-এছকাৰবয়গাঁ আপনাংক জন্ম নীয়েও জুপনে নামে। এ টিইফানা লিছে এবং একালটিনেত তোটাৰ চাঞ্চনাম নীতে পাছেলা হে লীলেম পাছেটি বংকাছ লিটি বেটে এই টিকানায় আই ইয়ে দিন।

জগতজিত উপ্তাকিজ জিমিটেড ৩৪, বিং বেতি, সভাপিনীনেও



विषय	লেখক		भ छ।
<b>इंटर्क द्वल</b> —		•••	482
ৰাক্চিত্ৰ—		•••	AGO
म्भाभा - श्रीनवात्	ৰ গ্পু	•••	842
ब्राभभी व जःवामा	<b>ारा</b> —		440
<b>বৈদেশিকী</b> —দেবরা	<del>ङ</del>	***	448
স্নেশৰ জানাল-			400
এই नन्त विविधानि	দ (কবিতা)—শ্ৰীজগলাথ চক্ৰবৰ্তী		449
	শরংকুমার মুখোপাধায়ে		469
	বিতা)—শ্রীতৃষার রায়		469

## সংস্কৃতি-বিষয়ক গ্ৰন্থমালা

काजिकडे ध्यदक नगामी

শ্রীসতাঁন্দ্রমোহন চট্টোপাধারে রচিত। পাশ্চমীদের প্রাচা অভিযানের কাহিনী। দশটি মান্তির। (৬.৫০)

विकव भगावजी

সাহিত্যরের শীহরেরক মধ্যোপাধ্যার সম্পালিত ও সংকলিত প্রার हाद हाकाद भागत व्यक्त प्रमा । ३०.०० ।

SINCE र्वाच-जावना छ শাক্ত সাহিত্য

छ: "गीणकरण पाणगार्थद धडे गारववनाम्यक अन्यति माहिक व्याकालमी भूतम्कार्य संशह। (\$4-00)

ৰামায়ণ <u>ক্</u>রিবাস বিৰ্ভিত বাক্ডার

সাহিত্যের শ্রীহরের্ক মুখোপাধান সম্পর্টিত বর্ত্যাপ্রাগা প্রকাশনার সৌন্টবর্মান্ডত। ডঃ স্নীতিক্মার চটেপাধ্যা হর ভূমিকা। স্য বাহ অণিকত বহু রঙীন ছবি। ১৯-০০।

धरियस

শ্রীআমিষ্ট্রমার ব্লেলাপাধারে রচিত ববিড়ার তথা বাঙ্কর মান্তর গ্রালির সচিত্র পরিচর ও ইভিছাস। ৬৭টি আর্ট প্রেট। ।১৫-০০।

**क्रेशियदम्** सम्बं

श्रीदितन्यत्र स्टम्माशायात्र र्राष्ठ्र केर्गानवन-नम्ट्रा शक्त साचाः। 19-001

इवीन्तु-मर्गन

ক্রীচিত্রভাষ ব্যালালায়ার রচিত রবীন্দ্রনাথের ভীবন-বেংশর সহজ कास्ता (३ ५०)

ठाकृतवाजी व

शिविताम्य व्यवसाभाशाय र्राष्ट्र वरीन्त्रसम् ६ व्हाँद भ्वांभाद्व ६ इंसर्भ,द्राहर मार्च बार्शहरू। (३२-००)

ৰৰীশ্ৰনাথ ও 😕 সংখ্যাশাবিষক বড়াহার গ্ৰেষণাম্লক সরল আলোচনা। बोक मानकाक अधानक अधानक अधानक इंग्रक। (३०-००)

ডেচিনিউ । অমালেদ্য নাশগ্রের রচিত। শ্রীস্থাপেনুকুমার লক্তের ভূমিকা। তে-০০1

## श्चि जा

কলিক।তা ১ ०२.व बाहार अक्षाहर दाउ ::

ৰাতন ৰাপে নাতনতৰ পটছালতে साब अकां अर्थ अकामिक बहेता। श्रीमृत्यायकृषात । इत्रवर्णित

## त्रशा भिवां का

কণাট পৰ্ব

উপন্যাস-রস্মিত চম্বকাহিনী এ ছাছা হামরা অসর ১১টি পর্ব প্রকাশ করিয়াছি।

न्द्रन ज्ञामन

## गश्ताय विश्वववाम

শ্ৰীনলিনীকিলার গছে প্ৰণীত

## वाश्वा भश्नी एवत क्रथ

স্কুমার রাম প্রণীত थाछि यादि व

ख्र शहर खाउँ। व.40

নিৰ্মালেন, রাষ্টোধ্রী প্রণীত छ। ब्राह्मक भिल्ला अ

कामात्र कथा ३४.००

s. नि. पान्नी भ्रगी**छ** 

जारकात क्या जान्यका अकानिक वर्षेता ।

**ग**ढ ९ ५ छ

6.00

ব্রুসোহিতাবিষ্ঠ সমালেচনা গুল্থ कः मृत्वाबक्तमः स्मनग्रं

স্বাহ্তরের পাঠকপাঠিকাদের জন্য

#### শাস্বত ভারত

म्बिडाइ कथा : अधित कथा অস,রের কথা: উপদেবতার কথা শ্রীস্বোধকুমার চক্রতী প্রণীত

के करहे लायाकर साथा ছোটদের জনা ভারতের বিভিন্ন বাজা নিবে এক একথানি সংখ্যসম্পূৰ্ণ ক্ৰম্বকাহিনী

#### जासारम्य रम्य

উডিব্য: অন্ধ: মহিস্তু नायमात बाहित हरेन তামিলনাড

প্ৰতি খণ্ড মূলা ২-৫০

এ, মুখাজী জ্ঞান্ড কোং প্রাঃ বি: ২ বাংকম চাটাজনি প্রতী, কলিকাতা-১২



জারাখান্তর বস্পোপাধারে



বিষয় লেখক		ग्रका
খোলামকুচিশ্রীমিহির ম্খোপাধ্যার		465
क्षम् द्वा मिल्ली- मत्रदन	×	447
न्द्रामित्र विकि-शिधीदतम्बनाथ मख	***	440
জীবন বে-রক্স-শ্রীস্নীল গঙ্গোপাধায়ে		899
বিশ্ববিজ্ঞান শ্রীসমর্বজিং কর	***	ANO
भावाभाव-शिनीत्र्यं नम् मृत्थाभाषाम्	***	442
ঘরে-বাইরে—শ্রীমতা	. ***	478
আর্থিক ভারত—শ্রীস্ত্রত গ্পু	***	202
ৰাংলার চালচিত্ত—শ্রী আব্দুল জব্বার		200
ভায়েরীর ছে'ড়া পাতা—ফাদার দ্যতিয়েন	•••	220
<b>চিত্র প্রদর্শনী</b> —চিত্রপ্রিয়	, , , , , , , , , , , , , , , , , , , ,	226

## विद्याय द्यायना

আগামী ১২ই আদিবন পণ্ডিত ঈশবচ্নদ্র বিদ্যাসাগরের ১৫০জম জনমার্যাকী উপলক্ষে আমাদের প্রকাশিত 'বিদ্যাসাগর রচনাবলী'তে পাঠক সাধারণকে এক পক্ষকাল ১৫% হিসাবে কমিশন বাদ দেওয়া হবে। মফান্বল থেকে বারা অগ্নিসম্ম অভারে পাঠাবেন তাদের ডাক মাশলে জি।

# विम्यात्रागत त्रुग्नावली

**म**म्भापना

ভূমিকা ও বিস্তারিত আলোচনা

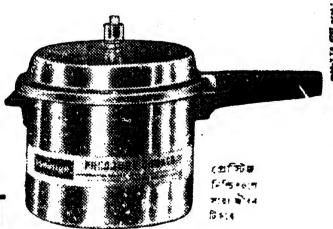
प्यक्षात वनः

ড: অসিডকুলার কল্যোপান্যার

প্রথম দিবতীয় ও তৃতীয় প্রতি খণ্ড—১২·০০ চতুথ' ও শেষ খণ্ড—১৬·০০ টাকা

भण्डल बाक हाजेन ॥ १४ / ১, महाचा शाखी द्वाछ, कलिकाछा ১

\$0.00 6.00 8.00 त्रमानम कोथाती ভারতবর্ষ समाजा शरभ 0.00 अथनर H-00 স্ভাব মুখোপাধ্যার नाबरमब जार्य निशा नस काराज मः मात्र व.०० कारणव भगवर्गन আশাতোৰ মাৰোপাধায় यारनात्र ठिकाना माठीन्स्नाथ वर्ष्णाभाषात्र আনন্দ ভৈৱৰী ৯.৫০ অপ্রিচিতের নাম 8-60 দীপক চৌধ্রী **.घबा** ७ 4.00 গোরীশকর ভটাচার্য यशकारवात्र भ R.00 দেহ শিক্সী 4.00 প্রাণ্ডার ঘটক সদ্য প্রকামিত ১৪ शाणाणामस्यव भ्यान 6.00 চাপার গণ্য 0.40 क्यां जिन्नम् नन्ती ৰসম্ভ ৰঙীন... 0.40 जानाभागी हमदी জনৰগ্ৰহিতা 4.40 फि अप नाहेरवती ৪২ বিধান সরণী, কলিকাতা-৬



त्र्धत्नोत् घतकनाश अथरमञ्

Prestige

স্বচেয়ে নিরাপদ ও নিবলেওর স্বচের বেশী ব্যবস্থা

অনেকটা জায়গা ঃ অপনার বিকের নানান গার বা কীর

সার্ভিস ঃ বিজীব শব সার।ভাবতে সাছিলের বাবজা।

भः य बीहाय इन्ध्रन बाँठाम

প্রত্যেক পরিবারের উপযোগী সঠিক সাইজ



वितास्टा वाश्मात स्विनात मणः अविवे वाक्षित्राणः । अविवे वाक्षित्राणः । अविवेशकार्यः । अविवेशकार्यः । अविवेशकार्यः । कार्षेत्वत (छड्टत छ'टत (मन्त्रा ष्ट्राट्टा

टिटरी करवरहर : ि हि (आइटक्ड) निविद्ध वाकारमाय-- ५७



विवन्न	লেখক		भ छो
भशकन्त-७३ टेमग्रम भन	জতবা আলী		222
जारनाठना—		****	222
সাহিত্য সংবাদ-স্থাত	ন পাঠক	•••	202
প্রেক পরিচয়—		•••	200
খেলার মাঠে-একলব্য		***	209
बाार्छाभ्रन्हेदनद आहेनका	ন্ন—ম্কুল	•••	280
রক্ষণং—	•	•••	782
अवगारमब—		***	284
সাপ্তাহিক সংবাদ—		•••	988

প্রাক্তন ঃ শ্রীদিল পিকুমার দাশ

#### इल्धानित वहे

#### লেখনৰ ব ৰোনক গুলেত্ৰৰ হো-চি-মিন প্ৰকাশিত হয

বিজ্ঞাৰ ত এয়ায় তাজবা পাটৰ সাধাৰণেৰ কণ্ডে লভিজত। যে বিপ্লে সাড়া এই প্ৰদেশৰ কৰান আনহা পাটজ, আন্য কৰি প্ৰথিটি প্ৰকাশিত হ্বার পর তার কোনো প্ৰথিয়ায় সংখিত হ'ব। 'ছোর মৃত্যুর পর ব্যাঙ্কের ছাতার মতই ভিতিয়ানালক গুলাৰ কৰিবলৈতে বাজার ছোই যাবে হয়তো: কিন্তু বহা-দিনোৰ কঠিন পরিপ্রথানে জাল শোনক গুণেতর হো-চি-নিন বাংলার রাজনৈতিক কারণা সাহিত্য এই প্রথা হলায় হলান অধিকার করে থাকবে। হো-চি-নিনের হুগিনাই বলাতে এই প্রথাই হব্য অপ্রিয়ার্য।

## এ অব্যাহ্য অদ্বিতীয়া

## रहत्कार¥लार्जाकशा >२·००

সমাজারদের প্রতিভয়ের ইতিহাসে এমন বেদন্তকর **ঘটনা আর দ্রিট নেই।** 

সামীল গগোপাধায়ের

## क्रमर्य প्रवाम ७.७०

নাজনাৰৰ আক্ষেত্ৰ হিবাহন ছয়ে থাকৰে।

## নরেন্দ্রনাথ মিতের দীয়তা (যদক্থ)

গিছটার ৬ গভীর নায় এ উপন্যাস পাঠকের মনে চির্নাননই দয়িতার স্থান অধিকার করে থাকবে।

পরিবেশক-কথা ও কাহিনী, ১৩, বহিক্ম চাট্রেল স্টাট, কলি ১২

(त्रि ४९५२)

#### विद्यागदम्ब वर्दे

द्यास जिस्ट्र क्यांटिकिटन

## व ब्रिज् हें हैं बाब : 5 ब

\$5.00

সংবাচকুষার রাজচৌধ্বীর উপন্যাস
নর্রাকী
৪-০০
প্রেকপোকী
৩-০০
লোষকতা
৬-০০
মান্নিকা
৬-০০
কাবিনে প্রথম প্রেম
পরির গজোপাধানের লেখনীকে
মার আন্মানের কাবর কাহিনী
চাহার করবেশ
৩-৫০

न बातन वरम्याभावाद्यत माहितितन

#### विश्ववित्र मिश्ववि ১৩.००

প্রেমেন্দ্র মিতের রহসা-উপন্যাস

ত্যারেন্দ্র হর্তেন

প্রান্দর বর্মা S-৫০

থগান ঘটকের উপন্যাস

সমাধ্য 9-00

কনখ্য ৭০০০ প্রিত গ্রেল্পেখ্যারের স্মৃতিচিত্র চল্লান ক্রিন ও প্রয়া ৫০০০

চলমান জাবিন: প্রথম ৫০০০ সংখ্যার করণের দেশপ্রেমিক করিনাগৈছে

विविष्युक्ष •8.00

কালাপদ চট্টোপাংগারের উপন্যাস
পরে বিকা

স্বাধিক

ত ২৫
স্বাধিক
ভানার উপন্যাস

বেলাভূমির গান

৩ ৭৫
ক্রেএম্ গানিকারের উপন্যাস

কে, এম, সম্পদ্ধরে উপন্যাস
কৈরল সিংইম্ ৬-০০
(ম্পার স্ব্যাবর উপন্যাস
গিবিকন্যা ২-৫০

গ্ৰহম মাহার উপনক্ষ

## वशेष्द्र मिगाद ७.००

বেদ্টেলের উপন্যস ৬ ক্ষতিচিত্র পথে প্রাশতরে (প্রথম পরা ৩.৫০ ছিত্তীয় পরা ৪.৫০) ধেরম নাজসা ফ্রাংকাইন ৩.৫০

## यमार्वनात घाउँ 🕬

বিদ্যো**দম লাইরেরী প্রাঃ লিঃ** ৭২ মহাঝা গাফী রেড ॥ কলিকাতা ৯ ফোন: ৩৪-৩১৫৭



मक्ष्य कक्रन श्रि.धेत.वि.ल আপনার টাকা মজুতে রাখবার উপযুক্ত স্থান



त्राश्वाव त्यानाताल व्याक्ष

১৮৯৫ থেকে জাতির সেবায় নিয়োজিত

ভব্যবদায়ক: এস. সি**্ত্রি**গা সূত্রে ভারতে *৫৮০* টির বেশী শাবা





## क्षितिक ध्योन्पर्य हित्र ऋशी ह्यंना कत ?

খন খন যাথা খবে আর গ্রম ছাওয়ার চুল ভকিছে
বার বার লাগের লাগিয়ে নিকেকে সুস্থর করে
সাজিয়ে ভুলতে অনেকেই বাজ। এতে কিছুদিন
আগনি অনেকের মুখ প্রশংসা অর্জন করবেন সম্পেহ
নেই, কিন্তু ক্রমেই আগনার চুল ভার সক্ষাভ
সাবলীলভা ছারিয়ে ফ্লান হয়ে উঠবে। এ সর্বনালা
পথ একেবারেই ক্রপস্থায়। চুলের সৌন্ধ্রিক ধরে
রাখতে হলে নিষ্ঠার সলে নিয়লিখিত করেক্ট সহজ্ব
নির্ম্ব আগনাকে মানতেই হবে।

- ि अधिनिम अखाः प्र'नात कान करत कूम बाह्यसम्बद्धाः
- शि फिरक इन वा बांधा
- ভি স্থানের আনে অন্ততঃ পাঁচ মিনিট কৰারস্কর তেল মালিশ করা
- 🗿 ৰঞ্জাহে দাত একদিন সাধা বহা



সি. কে. সেন এণ্ড কোং প্রাইকেট নিঃ ভয়াকুমুম হাউস, কলিকান্তা-১২



## গান্ধী শতাব্দী প্রকাশন

## গান্ধী-রচনা-সম্ভার

( & MESSE )

## প্রকাশিত হইতেছে ২রা অক্টোবর প্রথম প্রকাশ

प्रजा: श्रांड थण्ड ८ होका.

७ बन्छ ७० होका।

্ সাইজ—ডবল ডিমাই কু প্রতি খণ্ড ৫০০—৫৫০ প্রতা।

১৫ই আক্টোবরের মধ্যে তাগ্রিম ১০ টাকা জন্মা দিরা নাম রোডাঙ্গির কবিজে ২৪ টাকার ও খণ্ড পাওয়া **বাইবে।** বাকি টাকা দটে বিশিষ্টতে দিতে ধইবে।

টাকা জন্মা দিনার ঠিকানাঃ—(১) গাধ্বী শতাব্দী পুশ্তক ভাগ্যার, মহাজ্ঞাতি সদন, (২) সর্বোদর প্রকাশন সমিতি, সি-৫২, কলেও স্টাট মারেটি, কলি-১২ (৩) দাসগৃশত প্রকাশন, ৩, রমানাথ মজ্মদার স্থাটি, কলি-১৯ (৪) খাদি গ্রামেদাগ এবন, ২৪, চিন্তবঞ্জন আন্তেলিউ, কলি-১২, (৫) সর্বোদর বৃদ্ধে স্টল, হাওড়া স্টেশন, (৬) মিত ও গোস, ২০, শানাচরণ দে স্টাট, কলি-১২ (৭) মনীয়া প্রশাস্তর, ৪/তবি, বিংকম চ্যাটাভি স্টাট, কলি-১২, (৮) ওবিংকট বিহু বেন, হিছি ২১, ব্যক্ত স্টাট মারেটি, কলি-১২, (১) ওবানীপুর বৃদ্ধে বৃদ্ধের, ২বি শ্যামাপ্রসাদ রোভ, কলি-১৭, (১০) ভেলা গ্রামাণ শতবাহিকী সমিতির কার্যালয়গ্রিসাতে।

প্রেটকবিরেটাগণের জন্য উপযক্তি কমিশনের ব্যবস্থা আছে।

#### ॥ বাহির হইয়াছে ॥

্ৰ সৰ্বসাধারণের উপযোগতি সরল ভাষার গান্ধী-ভাবধারার পরিবেশন 🗓

গা•ধী-কথা	আর্থিক সমতা ০-৫০
(জনবনী কাব।) ১ ০০	পল্লীস্বাস্থ্য ০ ৫০
अभ्भाजा वर्जन o ६०	জাতির জনক গাণ্ধীজি
नात्री উन्नग्नन ०.७०	(জনবনী) ১ ০০
भजाशरह्त कथा ०.४०	कुष्ठेरत्रवा ०.६०
नाम्अमायिक नमना। उ	भाग्धीवाणी o:60
गाग्धी <b>जि</b> . ० ६०	गान्धी-गल्भगाम्
भाषकमुवा वर्जन ०.४०	0 60

॥ এই পর্যারের আরও বই প্রকাশের আপেকার ॥

## গান্ধী-শতৰাষিকী সমিতি, পশ্চিমবঙ্গ

- সহাজাতি সদন, ১৬৬ চি**ত্তরঞ্জ**ন আচেতনিউ, কলিকাতা-**ম** ্জনঃ ৩৪ ০২০২

## প্রকাশিত হল



माग 8.00

বিশ্বখ্যাত চলচ্চিত্র-পরিচালক সভাজিং রারের মাম কে না জানে! বিশেষ করে বাংলা দেশে! পরিচালনা হাড়াও চলচ্চিত্রের বিভিন্ন বিষয়ে — বেমন, চলচ্চিত্রের কাছিনী ও সংলাপ রচনা, চিত্তনাট্য নির্মাণ, সংগতি-পরিচালনা প্রভৃতি তার অধিকার ও নৈপ্ৰাও সৰ্বজনস্বীকৃতিধনা। ক্মাসিরাল আর্টিস্ট হিসাবে তিনি তো নিঃসংগেহে অন্বিতীয়। এ ছাড়াও কিশোলসাহিতা স্থিতৈ এবং প্রিকা-সম্পাদনায়ও তিনি মুখেন্ট কুজিছ **লেখিলেছেন। কিল্ছু** তাঁর বহুমাখা প্রতিভা যে শ্বাস্থোধকারী গোমেন্দা-छेशनाम तहनात्र**७ अर्थाण्डम्यी, जा एक जान**रेखा! विश्वास करत रुपाई स्वारत्रकतः উপন্যাস যখন আবার শুখুই শাসরোধকারী নয়, দস্তরামতে; সর্গহাতাগংগাণৈবতও বটে ! একমাত শর্মিন্দ, বন্দের্যপাধ্যায় ছাড়া আর কোনও বাঙালী সাহিত্যিকের কলম থেকে আজ পর্যন্ত বা বেরোর্যন!

## সভ্যাজং রায়ের

অননাসাধারণ গোয়েন্দা-উপন্যাস

## वामभारी आर्रि

স্তাঞ্জিং বাহের গোরেক্ষা-কর্মিনী প্রস্থাক্ষী আর্থান সন্প্রান্থ প্রস্থান কর্মিনী প্রস্থান বিশ্বস্থান কর্মিনী প্রস্থান বিশ্বস্থান কর্মিনী প্রস্থান বিশ্বস্থান কর্মিনী প্রস্থান বিশ্বস্থান বিশ জিনিস। যদিও এটি কিলোরদের জনো লেখা তবাও আলাপার্য নিবিলেখে ত কোনও বরসের মান্যবের কাছেই এটি একটি পরম কেটেল্ড উদ্

**একে তো রোমাপুকর ও ব্যক্তি-ধাধ্যনে। ঘ**টনাস্থ্রিটেক ছেও ও কটিম্যার **जाकर्य । शहरफ, जबर जान्हर्य भावनीम ७ म्टब्हु**म्म ज्ञन्न तहस्मार्कक उत्तर ५९८५ ४८८ ४ म**राब्धिर वारवर्त निरम्बत जोका यरावधा जभताभ अव्य**प्त अवर नाम के भएका भारत **ইলাস্টেশন; স্কুতরাং বোঝাই ধার নিজে প**ড়ার এবং অপ্রবে পড়ালের মত্ত এমন বই, এবং **উপহার দেবার মতও, শুধ্ এ প**ুজোয় কেন, ভাগমী কারক পুঞানত ्वत्रद्भव किंगा भरमञ् ।

থিতীর যান্ধ ও স্বাধীনভার পরবর্তী বছরগালিতে নাগরিক বাঙালী কবিনে ও চিদ্তাধারায় যেমন পরিবতনি ঘটেছে, ব্যক্তের বস**ু এই উপন্যাসে ভারই আলে**খ্য এ'কেছেন। কিন্তু শুখ্ আলেখা নয় বইটিতে একটি গভীর ও প্রক্রম বন্তবাও আছে। শ্ব্য পরিবর্তন নয় – সব পরিবর্তনের অন্তরালে একটি স্থিয় কেন্দ্রবিন্দ্রও লেখকের সংখান। সেই কেন্দ্রবিশন্ন লেখক বোধ হয় বলতে চান – মান্তের হাদয়, ভার প্রেম বা প্রেমের আকাঞ্চা, অনা কোনও মানাবের সংগে তার একামবোধ। সেই একাছাবোধ সৰ সময় আসে হা, অধিকাংশ ক্ষেত্ৰেই স্থায়ী হয় না, তবা সেৱকম करतकीं मृह्यूर ए ते अनाहे नाशक-नाशका छाएम्द्र क्षीयन मार्थक यस मानरह । आत

## व्यन्धरमव वन्नात

আধ্নিকত্য উপন্যাস

তাই তাদের ও পার্শ্বর্চারচগর্মির সব বার্থতা, বেদনা ও আত্মধিকার বেন এক অমশ কর্ণার স্পর্ণে স্নিশ্ব হয়ে ওঠে; তাদের মধ্য দিয়ে এ ব্রের নৈরাশ্যবিক্ষত পাঠকের: নিজেদের আনু একটা নিবিড্ভাবে উপলম্বি করতে পারকেন, তাঁদের মনে হবে স্ব বাহা বিশ্ৰেলা ও অনিশ্চয়তা সত্ত্বে প্রতি মানুষের জীবন মূল্যবান।

লেখকের অন্যানী

কলকাতার ইলেক ট্রা ও সতাসন্ধ ৫.০০ গোলাপ কেন কালো ৫.০০ ত্মি কেমন আছো ৬.০০ পাতাল থেকে আলাপ ৫.০০ তপুষ্বী ও তর্রাঙ্গণী ৩.০০ কা**লসন্ধ্যা ৩.০০** 

## প্রকাশিত হল



দাম ৮.০০



আন্তদ্ পাবলিশাস প্রাও লিমিটেড ক্লিক: ৫ চিভার্মণ দাস লেন। কলি: ১ া কোন ০১-৮২৪৭

#### বাংলা ভাষায় স্বাধিক প্রচারিত একমাত্র প্রথম প্রেণীর সাপ্তাহিক

## (দিলৈ

তও ব্যায় সংখ্যা ১৮ নামবার ২০ জাল্বন, ২৩৭১

#### সংগাদক শ্রী সাণোক কুমার সরকাব সংঘ্**ত সংগাদক** শ্রীসাগরময় খেন্য

স্বায়নিকারী ভাগনিচালক আসম্পর্কার কতিক প্রান্তিচ প্রাক্তি সনকাল স্থাটি, কলিকাটে ১ প্রেক শ্রীলাভিক্ষাক্ষাল প্রাক্তি কতুকে মালিট ও প্রক্রিটিট

্ট্ৰিলেন ২০-২২৮০ ২০-৮৪৪১

#### চীদার ছার কবিকাহার

2 Tr / 12	 \$1.00
হ্রে সক	 \$2.36
रिक्ट जिल्ल	 6.13

#### ডাৰ: ই

417.4				
বাহিক সভাৰ		50	00	
বামালিক 💂	,	24	30	
Paracriment.		v	r. 0	

#### भाकिन्द्रात

েছাবাট্যে মূল্য বাহ্যিক জন্তাক ... ১০ ০৭ গ্ৰাম্তিক ... ১৫ ৫০ শেষ্টাকক ... ৮০০০

#### ভারতের বাহিতে

(কাহাৰ ভাকে ) বাহিৰ সভাক ... ১২-০০ চাহাহিক ..... ২৬-০০ বৈহাহিক ..... ২০-০০

#### कात्रल जशत

(বিমান ভাকে )
বাহিক ... ৩৯.০৫
যাগেনিক ... ১৯.৫৫
বৈদ্যালক ... ১০.০০

দাম ৫০ প্রসা উর্বেশন ও আনামে অভিনিত্র বিমান মাস্ত্র ৭ প্রসঃ

#### DESH

Saturday 27 Sept. 1969

#### **इक्टब्स् दब्र**

বিবেশ্ব কাজকর্মের জাপ্রমণী শ্রীপরিমল ঘোষ জালিরেছেন, কলকাতরে চক্তবেড় বিবেশ্ব কাজকর্মের জনে। তিরিশ কোটি টাকা বরান্দ করা হরেছে। এটি স্পাবাদ সন্দেহে নেই। কিন্তু ইতিমধ্যে দফায় দফায়, মাস করেক অন্তর চক্তবেড় রেল সম্পর্কে সরকারী ঘোষণা, কিংবা সিম্পানত আমরা এতবার শ্লোছি যে, এই ধরনের সংবাদে আর উংক্লে হয়ে উঠি না। গত ন' মাসেই—খনতত বার তিনেক কলকাতার চক্তবেড় রেল সম্পর্কে কোনো না কোনো সরকারী ঘোষণা আমরা শ্লোছি —কিন্তু এযাবং তার সামানাতম কাজভ শারা হয়েছে বলে জানি না।

কলিকাত। মহানগরীতে চক্তবেড় রেক্স স্থাপনের কম্পান বা পরিকর্পনা নাইন নাই। শ্নেলে অবাক হতে হবে, কেই ক্রে-১৯১৪ সালে, দাই সাহেব—মার্চ আর মনকালেলান শিরালদ্র-কচিরাপাড়া সেকসানের সার্চ্ছে শেষ করে যে বিপোর্ট দিরেছিলোন হিচেত ডালহাউলি স্কোলার প্রতিত বালবার এই দাই সাহেব স্পোর্ট পরিক্রিকার হাতে ডালহাউলি স্কোলার প্রতিত রাক্তব বাছানো এবং রেলপথ বিদ্যাতিকরণের স্থাপিক কলকাতা মহানগরী পর্যতি বিস্তৃত করতে হবে। ১৯২৭ সালে এই বনপারে কেল-পণ্ডর ও বিষয়তির পর্যতি বিস্তৃত করতে হবে। ১৯২৭ সালে এই বনপারে বেল-পণ্ডর ও বিষয়তির পরিকৃত্ত করতে হবে। ১৯২৭ সালে এই বনপারে নে পরিকর্পনার লোড়া তথন থেকেই। এব, ১৯৯৭ সালে ও বিশ্বনাল ফেলিলিটি কমিটির জন্মন্তান ও প্রস্কার মতনাই চক্তবের বেলের কথাটা সাধারণভাবে চলে, হবে মহা। এর পর ১৯৫৩ সালে ভারত স্ববন এ বিষয়ে ভেরেছিলেও দেখার ভূমেন একটি কমিটি গঠন করেন, এবং সেই কমিটি প্রতি কমিটির জন্মনার অন্যাপ্র মতামত দেন। সামানা সংশোধন এবন্ধ ছিল। ব্রাপ্র বিয়ার স্কারার বিয়ার হিলারেই ব্রেকে গ্রাছে।

নংগ্রেপী চামকে। পশ্চিমবংগ সরকার আমানের যত্তী-সমস্থার একটি ভয়াবহঁ । । বিচ্ছিটিয়ে বলা হার্মেছিল—বছারে অন্তত ১০ কোটি যাত্রী এটা শং রে যাত্রাল করেন। অর্থাধ অফিল-অন্সভিত দিনে প্রায় সাড়ে পাঁচ লক্ষ মত্র যাত্রী আসা-মাত্রা হয়। কলকাতার উপকর্পেই জনসংখ্যা বৃশিষ এবং সেই জন্প্রে যাত্রীৰ সাস্থান যে হারে বৃশিষ পাছে ও ভবিষ্ঠাতে পারে তাতে এন মানা করা যায় লাখানী বছল এই সংখ্যা ১৫ কোটি ছাভিয়ে যাবে। তার বেশিও ইতে পারে। এটা অবস্থা যেখানে সেখানে আগামী দশ বছর পরে কি হবে তা সংগ্রেই জন্যানে।

ত্রপের সামন্ত্র এই সর তথা থাকা সম্ভেত্ত কলকাতার চক্তরেত রেল নিয়ে ১৯.৮ ১৬বেডানা চ্যান্ডের এই টালবাতানা দিয়ার। কালেই রেল রাজ্যমন্ত্রীর সংগ্রহিত গোস্থায় আমুবা বিশেষ পালাকিত হতে পার্বাচ্চ নাঃ

্ন প্রত্যা হাছে, রেল স্পত্র এবার নাকি বাস্তাবিকই কাজে হাত লাগাছেন।
বাব প্রথাণ নিকার কথা ছোলগা করা ছাড়াও বেল স্থাপনের জানে বেল-স্পত্র নাকি
আই সংগোর কাজে গ্রন্থিই আতা দেবেন। প্রথম বছর জান সংগ্রন্থ ও রেলএটার স্থান নিবাচন করাত কেটে বাবে। তারপার কাজ সাবে হাল আলা করা
আজ, বছর তিনেকের নামে। তা শেষ হবে। জান সংগ্রন্থর দালিছ বাজা সরকারের
৬পান জান সংগ্রন্থর বংপার্ডি নিতাগত তুক্ত কাজ নাহ, এবং এ কাজে নানান
বাবন। তা সন্তেও আনবা আশা করব, রাজ্য সরকার জান্ন সংগ্রে তংপর হারন।

একটি কথা বলা দরকার। ইতিপ্রের আমরা শ্রানছিলামা—আপাতত চরবেড় বেলার বদলে অধ-১৬বেড় বেল স্থাপ্রেরই স্পিদতে তেওয়া হারছে। ঐ্রিচারের সংগ্রতিক উদ্ভি থেকে এ বিষয়টি পরিস্কার করে বোঝা গেল না। আমরা ধরে নিচিচ্ন প্রি সিম্পান্ত মত্নই কাজ হবে। নেই মামার ছেমে কান্য মামা যে কিছ্টো চল এবে আর স্কেন্ত্র কি!

কলকা হায় চক্রবৈড় রেল স্থাপানের স্থিকার জানে। যতদ্র মনে ইয় পশিস্থান কাল সরকার এমন একটি প্রস্তাব করেছিলেন ফাতে তাঁরা ব্যাহিলেন হো পোর্টা কমিশনাসেরি বিজ্যু লিছে লাইন-এবং চাল্যু ফিছু লাইনকে এই কারস্থার সাপো কারতে পারলে কাজটি স্থাবিধাজনক হবে। অর্থাং ডক ইয়াতোঁর এবং এখনকার চাল্যু রেলপ্থ যদি বাবহার করা যায় তবে কম সময়ে এবং কম খরাচ্চান্যতি একটি সারকুলার রেল চাল্যু করা সাভব। জানি মা-মজুন প্রিয়াপানায় বেল নগুর কা বাবস্থা নিয়োজন। যে বাবস্থা নিয়ে পাক্র চলবেড় রেলের বাব্দি ধারি শাক্র মানুহা বুলাই আমরা কিছুটা স্বস্থিত পাবে।



#### महामाना बाकाभाग

মাদের নতুন রাজ পালের জনা তারি বি

দুর্গিত—ভদুদোক কলকাতার পা

দিতে না দিতেই এমন কতকাপুলি কথা
ব লাজন বার জনা হরত কিছুদিনের মধেট তিক কিছুটা অস্বিধার পড়তে হবে।
ধওরান সাহেব বলি আর একট্ অপেক্ষ করে
নিতেন, আরও কিছুটা দেখে শ্বেন বাঝে
ত রপর পশ্চিমবণ্দের রাজনৈতিক পরিস্থিতি
সংপাক কথা বলতেন তাহলে বেথ হর
ভবিষতে পদতাবার আশ্পনা কম থাকত।

বংধা বাধ্যবের কাছে শানেছি প্রীশ দিনসার্প ধ্রমান বেশ ভাল লোক। পান্ডিল
মান্ধ, থাট ঝামেলা পছন্দ করেন না এবং
পড়াশানা নিরেই নাকি বেশি থাকেন। এমন
মান্ধ ভাল করে না ভানে শানে কতকগালি
কথা বলে বিপাদে পড়তে বাছেন ভানালাই
কণ্ট হয়। বিশোষ করে নাড়ন র জাপালকে
নিয়ে হথ্য ইতিমধ্যেই দিলিতে বেশ কিছটো
হুইচই হয়ে বিগেছে।

অবশ্য দিল্লিতে ন্ত্ন বাজ প্রাক্রিক নার বে বাক্রিভান্ত। শারা হারজে আমি মান করি না তার নার্যা শার বেশি হৌত্তিকতা আছে। দিল্লিতে বেউ কেউ বালাখন ধওয়ান সাথেব কলিউনিশ্য ভালাপর তাই ভাকে পশিস্কাবারের মত এক নালালা র লগেলা কর উল্ভিত তাম নি এই বকরা যার বিশিক্ষালালা করি না ধর্মানা না ধর ভিনি কলিউনিশ্য ভার প্রাঃ কিন্তু ধঙ্গান মান তার কলভান বার্ত্তিশ্য করা নাম বেবি তিনি কলিভান্ন বার্ত্তিশ্য করা নাম তার তিনি কলিভান্ন বার্ত্তিশ্য করা নাম তার তিনি কলিভান্ন বার্ত্তিশ্য করা নাম তার

রাজ্ঞাপাল পদে বাসে তিনি কমিউনিদিটনের এবটা বেশি লাই নেবেন । তাব তাপত প্রত্যাব টার করলে দি ক্ষেত্র তাবি ছাল শীন বেকটিয় সরকার কথা থবি বেলেন তাবি ছাল শীন কেন্দ্রীয় সরকার সম্পান ন পোলে র জান্দ্রালয় (ক্ষেত্র ক্ষিত্র করার মান্দ্র করার র জাল লাই। ছাল কেন্দ্রে সাক্ষার মান্দ্র করার র জাল লাই করার চলাছল না তাবে তাবি তাঁকে সাক্ষার নিতে পারেন। রাজ পালা ক্রেন্ত্রে তাতিনিহিঃ জাইনে প্রার্থী করার ক্ষারটা ন বলা থাকা লাভ রাজপালা মোটাম্টিভাবে ক্যেন্তর লিবেন্টেই চলেন। ধ্যাবির এ রাজ্ঞা যা করে বিয়েভেন তার কেন্দ্রেই প্রধানস্থানীর সাক্ষাত্রি ভাজাতিনি করেন ন।

বাজ্ঞাপাল খবরাখবর ঠিক ঠিক মত দিলি ক জানাবেন না । এটাও আহেত্ব ভই। দিলি শাধা রাজ্ঞাপ লোর মাধ্যমেই খবর সংগ্রহ করেন না । এ বাংপারে তাঁদের সবচেরে বড় সতে কেন্দ্রীয় গোনেংগা প্রফতর আব, র জাপাল বদি তেমন সা্পারিশ নাও করেন, তেমন রিপোটা নাও দেন তাহলেও রাণ্ট্রপতি (কেন্দ্রীয় মণ্ডিসভারই পরাম্যোপ্তি কতকগালি



অ শংকার যে কোনও রাজ্য সরকারকে বাহিজ ক ব দিতে পারেন।

আমি বলছি না, রাজাপালা পদের কেনিও
গারেছ নেই। কিন্তু রাজাপালা রাষ্ট্রপাত নন।
রাজাপাল আসলে কেন্দ্রীয় সরকারের মনোনাইত প্রতিনিধ। তার বিশেষ কর্তকথালি
ক্ষমতা আছে বইকি; কিন্তু চ্ট্রেন্ড বিচারে
কেন্দ্রীয় প্রতিনিধির্ত্প তিনি কেন্দ্রীয়
সরকারের নিলেগে চলতে বধা। তার হাঁ,
ইত্যা কর্প্রে বেশেও রাজাপাল কর্তকথালি
পরিস্থিতিত সামজিকভাবে কেন্দ্রীয়
সলবারক কিছাট বেকায়ন্ত্র ফেলতে
প্রেন।

ভাৰ একটা কথা । ধাঁহা বাজাপাল পালৰ উপর থার বেজি । গ্রেছ আবেলেপ করতে চান তারা ভালে যাম গণতাল্ড নির্মাতিত সরক রই প্রধান : আমাণের সর্গথধন্তার সারও ভটাধ্যন এর জেন্দ্রীজেন ভিরস্কাপ্র এলাম্ভ ত কমে দিলেন পদাধ্যকলিউনিস্টু-দেরই সরকারী চাক্রী পাও'' ই মনে ভরান <u>ইংহারেরক কে ১ ব ১ ব চারি স্থান্তর এলন একটা</u> গোপন বাবস্থা কর্তেন যে সি পি এম বল ককা ছাড়া আৰু । কেটু সৰকাৰী জান্ন পোলন না, ১০৪১ হ'দ শ্রীবিশবনার মাথেন শাধা সি পি ভাট-র প্রায়েকর স, পারিষ ১৪ট টিউবভারেল বস্তারত ব্রেক্থ 573 CEE 16 नेप्रप्रकारण हो। ব লাপত্তী বা শ্রীমিন্ মাস্তানিকে কিংগা বাসের এজাপল কর্মেন ক্রেন্ড স্কেন্ড স্কেন্ ছবে না। এর স্রোহা করতে পারেন একার জনগণ। গণতপ্রের বিধানে এর প্রতিকার হতে পারে একম চা ভোটে।

রাজাপাল মণিচসভার প্রামাণ চলতে ব্রাধান

কিন্তু নতুনু রাজ পালা কলক তা এদেই ধে কথাগালি বলেছেন সেগালি তিনি মাল্যসভার প্রামাশে বলেন নি। তিনি নি জ কোন ভাল বাবেছেন তেমান বলেছেন এবং আয়ার মনে হর কতকগালি কথা তিনি একটা বেশিই বাল ছন। ধণ্ডয়ান সাহেব সব জোনে শ্রান বলালে বোধ হয় ভাল করাতন।

শক্ষ রাজ্যপদ্ধ কমিউনিস্টনের দেশ-প্রেমিক বলার বা ভা তিবাব্যক বির ট সাটিছিকেট দেওয়ার আমি মোটেই ক্ষাম্থ সই। নিশ্চরই তিনি এমন বিধা বলাঙে প্রেম-নার যোটা সহ বিদ্যাস সেই কথা বলার পূর্ব স্বাধনিতা তার নিশ্চরই থাকা উচিত।

এ ব্যাক্তার বহা মন্যত কমিউনিস্টালয় দেশের শতু বাল মনে করেন না। যদি ভা ক্ষরতের ভারতে নিশ্চরই কমিউনিস্টরা এত ছেওঁ পেতেন নাং কেই যদি মান করেন যে জি জি এই সি পি হাই স্পাক হৈ সক অভিযাল অনুভা কেন্দ্ৰ পদি আই প্রধানত রাণ নিদেশি চলে") অথবা সি পি আটে সি পি এই এই বিবাস্থ যে কথা ব্যক্তন শৱর চলি প্রিক নির্দেশ্য ভারতীর কলিউনিস্ট - প্রতি (ভাপেভিলা) /সংগুলি সংই ভল ৬ অসত। তথলে কামি खीत कर तिमताभाष जातिक कर ए जारे नेता জান্তান্ত্র বিশ্বি জিলামার মাল করেছে পার্ডেন, ∌ † ভবাহ আবেল নিজেকে হ∵ু°হ বৈ বছন । এতই—বিবেশেরী কথায় 8 355 **अ**व्यक्त स्था

ক্রেভিরর প্রাস্থাট সেন্সেরল **লোক",** প্রারের সর এত এফিসিংগে আডে-ফিন্সেট্টের ভ্রেণ্ট বেংগলে অর আসেন

পাঠভৰনেৰ নতুন দঃখানি বই

## ভারতবয়ীয় উপাসক-সম্প্রদায়

অক্ষয়কুমার দত্ত

অক্ষাসকুমানের ঐতিহাসিক গুল্ম বহুলিন নিজ্ঞালা হাকলে পর গুলানিত্র হল। ইবক্সর কোর শক্ত প্রস্তৃতি কলেকশত উপাসক-সংগ্রনায়র বিবরণ। পার্থাশনে নতুন আত্তরিক তথ্যসংযোজন (১৪ ৪৮%) বিনয় যেয়ে সংসাদিত। মুলা ২০ টাকাণ

## বাংলা সাহিত্যের রেখালেখ্য

অলোকরঞ্জন দাশগুণিত । দেবীপ্রসাদ বলেদ্যাপ্যধ্যয় নঙ্গ প্রতিষ্ঠাত নঙ্গ ভাগতে লেখা ব্যক্ত স্থাহিত্যর হারবেছিক ইতিহাস—৩০১৮ মুগ্র থেকে অম্মানক মুগ্র প্রতিত্য **মুল্য** ১৫, **টাকা**।

পাঠভৰন । ১২/১ বিঞ্জন চ্যট্যতি প্রীট্র কলকাতা ১২

নি"— এসৰ কথা কালকাটা ক্লাবে, আলিপরে বা চৌর্রুপা-পাক' দ্বাটিটে ছের সাছেব
পাড়ারও হামেশা শোনা বার। ধওরান সাহেব
লাডনেও তাই শুনেছেন। তিনি মুখেও সেই
কথা বলেছেন। এতে জন্যার কিছু করেন নি,
আশ্চর্যেরও কিছু নেই।

ধওয়ান সাহেব কলকাছার ইপা বলা नेमारकत मान्द्रस्त मुर्का कथा वन्तर रव জ্যোতিবাব: সম্পর্কে আরও বেলি ইয়প্রেস্ড হবেন আমার তাতেও সম্পেছ নেই। कालकारो मार्टेमिश कारबंद सीकास भारत শ্ৰীরাম চ্যাটাজি কিছ, সাঁওডালকে সাঁডার কাটতে নিয়ে যাওয়ার পর জ্যোতিবার, বধন **७**३ क्रोरव मीजिसके शकारमा वामवावाक ভংসনা করেছিলেন তখন ক্রাবে সমৰেত ইংগ-বংগ সমাজের ভদুমহোদ্র মহিলাদের মধ্যে যে জ্যোতি বসু প্রশাস্তর বন্যা বয়ে গিয়েছিল ধওৱান হদি তা শ্নেতেন ভাহলে নিশ্চরই আরও চমংকৃত হতেন। তাহলে তাঁকে আর লাভনে শোনা কিছা ইংরেজ বাবসারী বা ব্যাকারের কথার উপর ভরসা করতে হত না

রাজ্যপাল নিশ্চরই কিছুদিনের মধ্যে ক্যালকটো সোসাইটিতে শানতে পাবেন বে এই দুদিনেও জ্যোতিবাব্র মত মানুরকে পাওয়া কত সোভাগোর বাাপার; শেখতে পাবেন, ওরা প্রহার সেন বা অঞ্য

## বাহিক কিলিমিল

3098

দাম ৩.৫০ ট্রি পি শিংকাগে ৪.৫০)
বিভাগে কেন্দ্র ও শিংকাগে ৪.৫০।
বিভাগে ক্ষেত্র ও শিংকাগৈর লেখার
ও বেখায় স্মৃত্র কিন্তু হার শান্তিই কেরাকে।
বিভাগেপে। ৩৫০ প্রভাগ এই কার্যাকটিট প্রেতে হলে অজ্বই ৬.৫০ পর পার্টিরে বার্যাক হার্যাক হার। একেন্ট্রা যোগেযোগ কর্মা

প্ৰী প্ৰকাশ ভবন

১৯ শ্বামাচরণ কে প্রতি, কলকাতা-১২

्रिटक्ष स्तुर

এ.সরকার এও সঙ্গ সন মাণ্ডে ফাণ্ড সঙ্গ কলেট ওম.বি.সরকার ট্রোডিশ্যনাল পুরেলার

১৭১|১**ও রাসবিহারী ওতিস্থ** বালিগঞ্জ কলিকা**জ** ফেল: ৪৬-৬২৪৮ মুখোপাধ্যার, অভুনা খেলে বা প্রয়োদ দাগগুত্তকে কম্ম অপায়ন্দ করেন এবং বিধানবাৰ,-জ্যোভিবাৰ্টের কম্ম প্রদাংসা

ভাই, খণ্ডরাম সাহের ক্ষান্তিনিকালের দেশপ্রেমিক বলার বা ক্যোভিবাবকে বিরাট সারটিকিকেট দেওরার আমি মেটেই বিচলিভ নই। এথামেও অন্যেক এইসব কথা বলোম। রাজ্যপালাও ভাই কলেছেন।

রাজ্যপাল ব্রক্তনেট সরকার এবং শশ্চিমবংগার রাজনৈতিক শিশ্বরতা বা শেটবিলিটি
সম্প্রেই ত্রুমা আশংকিছে। জামার মনে হস,
সমগ্র পরিশিশ্চিত ব্রেমানের কথা বলকে
তিনি হরতো এ ফল্ডবা করতেন না যে,
শশ্চিম্মবংগ রাজনৈতিক শিশ্বত। নিরাজমানা ব্রক্তনেট সরকার স্ফিন্ট। জামার
দ্যু বিশ্বাস জনকল্যাণের কালে একব্যাব্য
চোল্টি রাজনৈতিক স্কের অভিনির্গ
জনসাধারণকেও এই দৃশ্টান্ড জন্সকণে
জন্তথিণিত করকে।

ধঙ্কান সাহেব ৰদি শুখা তবি জাণা বাৰু
করতেন ভারতো জবণা আমি তবি জনা
মোটেই চিন্তিত হভাম না। তিনি বে জানও
জনেকটা এগিরে বলে জারেন। তিনি বে
বল্লেনেঃ "দেটবিলিটি বিরাজমানা" "সকর ব
সাক্ষিত", "১৪টি নল জনকলানে একামা
ইভাদি, ইভাদি। এইগ্রালি কি বাস্তব
প্রিস্থিতির জানেকটা অভিরক্তন না এসব
বক্তবা যে ভুল, ঘটনাপ্রবাহ ধঙ্কান সাহেবকে
কি জচিরাণ ভা ব্রিবনে দেবে না ভিন্ন
রক্তাপাল কি কণাগ্যালি ফিবিয়ে নিভে

চেন্টাৰ লিটি নিশ্চনত বিভাক্তমান। কিংচু
এমন সেটাৰলৈটি তেনা কৈনলেও বংলছে।
সভ্ৰকাৰী পৰা বা গোলনীৰ বিধানসভা বা লোকসভাৰ নিৰ্মুখ্য সংখ্যাগৰিপ্তভাই য'ত সেটাৰলিটি বিচাৰেৰ মানস্ট হয় ভাইজ নিশ্চনত কেনলে এবং নিৰিভে বাব ভালা সেটাৰলিটি আছে। আমাৰ সূচ্য বিধ্বাস, এমন দেটাৰিলিটি আক্তভ ৭২ সন্ প্ৰশিত পশ্চিমৰপ্ৰেও থাকৰে।

কিন্দু স্টেবিলিটি মানে বদি দিথবড়া হয় ভাছলে কি সেটা দিলিতে বা কেবলে আছে? না, সেই লিনিস পশ্চিমবংগ আড়েও থাকবে বলে কেউ ভালা কালত পালছেন? বাল একটা খোলখবল লাখেন ভালা সকলেই ভালেন পশ্চিমবংগাল ব্যক্তমন্ত ধানে বাল ফালেন পালা বাড়াকে—এ লাকোর ব্যক্ত ফালেন পালা বাড়াকে—এ লাকোর ব্যক্ত ফালেন ক্ষাই প্রশক্ত হাজেন। ভারা সকলেই দ্যু পা এগিলে এক পা পিছিলে ক্ষাকু দ্যু পা এগিলে এক পা পিছিলে ক্ষাকু দ্যু পা এগিলে বাজিৰ প্রতিপক্ষকেই যানেক ক্ষার কড়েইয়ে ব্যক্ত। খিনি সন্ত

বিজাইতি জেনোজেলি লেখে জনেজেন তিনি কি বলবেন এইটা লেটা বিলাটি-এই সরসার শস্পিত"?

ধওরান সাহেব বলৈছেন, "চেন্দ্র দল চকান জনকলাবে এক'ছে" এবং তি'ন পলিচমবলোর জনগলকৈও এই আলেনে উদ্দেশ হওরার জনা উদাত্ত আহি নি জানিকেছেন। আমি নলাব, দোহাই ইওর একস্কোনি এই ১৪ পরের "একাছাতা ও জনকলাবের আলেনি" উদ্দেশ হতে বলবেন না! রবেজার সব মান্ত্র বলি এই ৮ই বলগাবের ও'দের পদাধ্যক অনুসর্গ করতে গ্রেক্তান তাহেলে অবে আপনার রাজ্যে অন্ত্রা করেন তাহেলে অবে আপনার রাজ্যে আন্ত্রা করেন তাহেলে অবে আপনার রাজ্যে অন্ত্রা করেন তাহেলে অবে আপনার রাজ্যে

ওদের গত্রকাক্ষতা। মসন কি কান্দল ষ্ট্রাল সাহেব প আপনাবাই মন্দ্রিস্টার জনাত্র সদস্য শ্রীহেরকুক কোড়ারের ভাসত গত্রহার মারকাটির করি কটেকটি করি আবাদ সর মিটিলে কেলিগা। ভার্য হলিং রাক্ষের স্বাই মদি এমিন ব্রাক্ত মার্মির কটকটি করে এবং আদার ব্রাক্ত হা মিটিলে ব্রাক্ত ভ্রবল প্রাস্থ্যবার্বর করা

Sind R. Marketting Grant Marketting 2622 অভ্ৰেপেকা হস্পতি কাছে আছাত ্ হাপনি এই সংগ্ৰহ প্রপারিক হিবে সভাই ক্ষরতে সল্লেখ্য স ରାଜର ଖାଣ୍ଟ ନଥିଲ୍ଲ ନଣ୍ଟ **ରାଜ୍ୟା**ଟ୍ଟ ନେଣ कर्रहा किया । अस्तिहास अन्ति । स्वर्षा 2 4 550 क्रिकेट हैं। इंट्रेक्ट ্লাকিমতা অহলে এস ইট ाक्ष्मान, देश शहरा ४ ल ५ कर् প্রান্ত হয়, তেজালী জাবলহারে স্বরণ ঘুর সংস্কৃতির ব 直圆台安部作 电流 ୍ଚର୍ ଅଟ୍ରେକ୍ଟ aem <u>ଞ୍ଚି</u>ଞ୍ଚ ଅନ୍ତର ଜଣ ନହର ଜଣ ଅନ୍ତର [黄彩台 李4.古术] 引 古创物 医鼻顶的 अंदर्भ क्षेत्र, १५१२ (स्ट. १५४ के कि লহাকৰা কিলা ভাল লাহেৰাইছাইছাই<sup>ছ</sup>া 8/2 5, 9 (818 & Jak) \$ \$10 (P **और्तमभ्यमाद प्रांचा छ**ंता ३: काराई ५३५% বা শ্রীসাবেধ বানাজি জনগণের কোনভ ভিত তথ্যত প্রতিভ কার্ডেন ভাইলে কাম আমার গ্রাট স্বীকার করে দেব:

অগ্নি অবশ্য এই সাত মাস ধরে দেখছি, ভারা একে অপরের বিশ্বজ্ঞে অভিযোগ আনজেন যে, সে যার পারতিকলাশই করে যাজেন জনকলাণে কিছাই হজে না।

রাজাপালের কাছে তাই আমার বিনীত আন্রোধ, আপনি রয়া করে ব্যাপারস্থাপার একটা বিশ্বে মিন—তারপর সাটিখিন্দকট দিতে নাম্ন। না হলে হয়তো ঠকবেন— আপনার মত একজন ভাল মান্য মনে দ্থেখ পাবেন!

নবার্ণ গ্'ত

প তিরবলের উত্তরপূর্ব কররেড পোর্তি বস্তুকে ইওরোপ এবং আমেরিকার পালিপতি, শিলপণতি এবং বাাংকপতিয়া বেশ লাইক করেন, আমাদের নতন রাজাপাল শ্রীশান্তিব্দর্প বাওয়ানের क्षवामित्रक क कथा कामरक रंभरत कहे बारकात क्रमभार्थिय मिन्त्रवर्षे श्रेष आह्यान दरव । रक्स-না সাহেবেরা বে লোক চেনে, সে কথা ज्ञानानीत्त्व कात कान जाउ दे जाति है जाका बाबाबारमारक किलीरक विमा-সাগৰতে খাতিব করেছিল, বণিকমচন্দ্রতে চাকরি দিরেছিল, রবীন্দ্রনাথকে প্রাইজ দিয়েছিল, ভারপর আমরাও রামমোহনকে বিদ্যাসাগরকে খাতির কর্লাম, BATTA. र्वाञ्चारक क्षांच कर वर्वाण्यनाश्यक गातः বানালাম। আমর। বে আর্ব, স্তাজিং বাষ ভাল ফিলিম তলতে পারেন এবং পুবিশক্ষ্য ভাল সেতার বাজান, সেটাঙ জামরা সাহেবদের মূরে শোনবার পর খেকে বিশ্বাস করতে **শারে করেছি।** 

কুটনীভিজ রাজ্যপাল আমাদের श्रीधा क्षानरक धनावार त्य. जिन स्मानम সমূৰে মোক্ষম বাৰ্ডাটি জানিয়ে দিয়ে দেশ-রাসীর সবিশেষ উপকরে করে দিলেন। ক্ষে বলি। বতমিনে কমরেড জ্যোতি বস্ব সময়টা বিশেষ ভাল যাছে না। যার ফনটের শতিকদের মধ্যে পর্যাজপতি (মানে দিশা পাজিপতি), প্রতিকিল্লাল, কারেমী প্রার্থ, কংগ্রেম এবং সি আই এর চর ব্যাপকভাবে তাকে পাড়েছে। শাধ্য তাই ন্য এটায়র চ্ফাণ্ডকারী শারভানেরা যার ভালমান্য শীর্ষ-क्षानारहेत अधिकार লোভাবদর বিপ্রাদত করে একাক আনার বিষ্ণাপে কড়িয়া দিছে ৷ এবং যোগে উ নেতার। ভালমান্য তাই তার। অতিশর সরল হলে একে আনের বিরুদ্ধে লড়ে যাক্ষেন। পারে সকলের যদন কবিং ফৈরে আসছে, এবং ফলাকল খতিয়ে দেখা হজে, তথ্য দেখা যাজে বেশির ভাগ ক্ষেত্রেই मधारे रहि कि कि जब काम जनामा শারকে। এবং পর্নিস যেহেতু কমরেড ক্ষেণ্ডি বসরে হাতে (এবং তিনি নিরপেক-ভাবেই পর্যালসকে পরিচালনা করছেন) সেই হৈছে অন্য শরিকদের ভালমান্যে নেভারা অতিশয় সরল মনেই প্রিলস্পতি কমরেত বির**্**ধে टक्का चित्र -প্রিলস্বাহিনীর গক্ষপাত্ম,লক অভিযোগ আচরণের ভুলছেন। যার ফলটের শারকের। বিশেষ করে সি পি আই, ফরভন্নারড রক, এস ইউ সি. এম এম পি প্রভৃতি ব্রুত্তই



পারছেন না বে, এই বিরোধের আসল কারণ
কাঁ! ব্রু ফ্রনটের অনেক শারকই নিজ
নিজ কমিদারি ঠিকভাবে চালাতে পারছেন
না। সি পি এম স্বিধাজনক শতে
অন্যান্য শরিকদের এইসব আন-ইকন্মিক
হিসাগ্লো বরাবরের মত লিজ নিরে
নিতে চাইছেন। দেশের স্বার্থে, সাজ্যা
সোস্যালিজমের স্বার্থে এবং জনগণের
স্বার্থে ব্রু ফ্রনটের অন্যান্য শরিকদের
উচিত অবিলন্দের নিজ নিজ হিস্যা সি পি
এমকে মৌরসী পাট্টার কব্লিরতে পত্তনি
দিরে দেওয়া। তা হলেই লাটো চুকে যার
অ্থাং ব্রু ফ্রনটে শারিকী শ্বশ্ব ঘ্রেচ
বার।

কিশ্ত সংখ্যের বিষয়, প্রাচিপতি ্মগাং দিশা পঢ়াছপতি), প্রতির্যাশলি, কারেমী স্বার্থা, কংগ্রেস, ব্রেজোয়া সংবাদ-পত্র এবং সি আই এ-র চরেরা এই সহজ সমাধ্যনের বির্দেধ ক্রমগত চক্তানত করে যার ফনটের পরিকী বগভাকে জিইরে रमध्याच्या न्यस्य निष्टेरम्ये बार्यान, क्रमण्ड নানা কৌশলে এর ভীরতাও ব্যক্তিক চালাছে: এবং প্রীলসপতি <u>-</u> জ্যোতি বস্তুকৈ জনটের বৈঠকে অভিমনত্ত্র মত সাতরখারি আক্রমণ সহা করতে হচ্ছে। এইরকম নানা ধারায় পশ্চিমব্রগার এই উত্তমপ্র্যটির ভাবম্তিখানির জ্যোতি যে সময় কিলিং দিত্মিত হবলু আশংক( দেখা দিয়োছল, ঠিক সেই সময় সাগরপার থেকে ধাৰমান বাতা পশ্চিমবংল পেশীকে আপামর স্বাইকে জানিয়ে দিল, ইওরোপ ও আমেরিকার পারিজপতি, শিংপপতি ও ব্যাংকপতিগণ পশ্চিমবংগর কামউনিসট প্রালসপতিকে দেখে আশ্বহার। বিদার স্ফারকে দেখে বর্ধমানের প্রেবাসিনীনের য়ে দশা হয়েছিল-"রাপ দেখি বামাগণ বলে হার হার। আহা মার বাপের বালাই লয়ে মারিয়া কিবা বাক কিবা মা্থ किया माक काम। किया नशरमंद्र है।व কাড়ি লয় প্রাণাঃ"—সাহেবদেরও নাকি

অবিকল সেই দিশা প্রিচমবংশার কমিউনিসটর (সি-পি-আই এবং সি-পি-আই-শে-এল সহ) কমিউনিসট হলে কিছু মুলে তো বাজ্যালী, ভাই তারা নাহেবদের কথা ভূড়ি দিরে উড়িরে দিতে পারকেন না। ভাই আলা হর, কমরেজ জ্যোতি বে পণ্ডিমবংশারই জ্যোতি, সাহেবদের এই মড মেনে নিতে তারা আরু দিখা করবেন না এবং "কে রর ভূলে তোমার মোহন র্পে" বলে বন্দানগীতি গাইতেও আরু ভাদের বাধা থাকবে না।

#### ৰিনাম্ল্যে দাঁত ও চশমা

ব যে বিষয়েই মতাচদ থাক না কেন, কেন, বৈছে জনটের মন্ত্রাদের সরকারী থরচে দতি ও চলমা যে অবিকাশের দেওরা প্রকাশনত দিশলালত নিরেছেন। বহিল দকা কর্মস্থানীর কার হোক। যাত্র জনটে যে পরিমাণ কামজাকার্মাড় চলেছে, তাতে মন্ত্রীদের দতি ভোঁতা হার বেতেই পারে এবং ভ্রিষাতে আত্মরকা ও পালটা আক্রমণ—এই উভরবিধ প্রয়োজনাই বহিল পাটি ধারাল রতি অতিশয় আবদাক। সে বিকরে অবশা বলার কিছুই নেই। কিন্তু তাঁরা যে এত শাঁল চোকের মাধাও খেরে বসে আছেন, এটা ঠিক ব্রুত্ত পারা যায় নি।

কেবলের যুক্ত জনত সরকার মেখানে
মান্তই বেকার ভাতা চালা করেছেন, সেখানে
পশ্চিমবংগার জনত সরকার জনগণের মন্তিবগাকে সরকারী ২রাচ দতি ও চশমা
যোগান দেবার ব্যবস্থা করে বৈশ্লীবিক কর্মাস্টিকৈ যে কত ধাপ এগিয়ে দিলেন,
নিজেদের যে কতটা জনজিয় করে তুলালান তা ভাবা যায় না।

প্রেণ্ড : 'ষ্তে জ্ঞানটের বিভিন্ন পরিকদলের কংগাঁ কমীদের জন্য সরকারী থরচে কৃতিছ অংগ-প্রভাংগ সরবরাহ করা হোক''—ষ্ড জুনটের জাগামী কোনও বৈঠকের জন্য জাগাম প্রশাসন

#### ৰিউটি

াখ্যমতা **যান্ত ভ্ৰনটো অগড়াও করছি,** আবার ভারও করছি, ওইটেই আমাদের বৈউটো ভিত্তিম ও ভূমি রাজনব**মন্ত্রী** কমরেও হারকক কোডার।

#### তালপাতার সেপাই

েট্ৰের মাসের চর তারিখে রেজিলের সের জধানী রিও ডি জানেরিরেরতে মাঝপাৰ গাড়ি থাহিয়ে চারক্রন লোক মধন সেখানকার মার্কিন রাখ্যদত চালস বার্ক একরিককে দিনের বেলা দিবিঃ চুরি করে নিয়ে গেল আর গ্যে করে রাখলো ভাঁকে এই শহরেই তাদের গণত ঘার্টিতে কেউ তথন অৰ ক হয়নি। আবার ৭৭ খণ্টা পরে বখন সেই শহরেরই এক টা জি জ ইভার রাস্তা থেকে তাল নিয়ে তাকে পোলে দি ৰ এলো তার বাডিতে, তখনও অবাক হয়নি কেউ। এমন ধরনের ব্যাপার দক্ষিণ আমেরিকার रमाण स्मरण कल कारमणांके करका तम की স্বলৈশে কী বিনেশে ভাতে কারার চে খ কপালে ওঠে না। এলব্রিক তো বে'ড়ে ফিরে क्रांत्रक्त-कशालहे थानिकहे। द्वाहे य खब ছাড়া ভার আরু কোনএ চেটএ লাগেনি। কাক্তেই বলতে হবে তাঁর বরাত ভালো। তেমন বরাত কিন্ত দক্ষিণ আমেরিকার স্ব কটেনীতিকেরই হয়ন। ঠিক এক বছর আগে গ্রেটেমালার মার্কিন রাণ্ট্রাত জন গড়ান মাইনকেও অমনিভাবে গমে কর র চেম্টা হয়েছিল। সাবেখে বালকের মত তিনি আতভাষীদের হাতে ধরা দেননি বৈমন দিয়েছিলেন এলৱিক। পলিয়ে হেতে চেয়েছিলেন তিনি তাদের কাছ থেকে ! সংখ্যা সংখ্যা গালির আঘাতে ভার প্রাণহীন দেহ লাগিয়ে পড়েছিল মাটিতে।

সে কাহিন্দী এলব্রিকের মান ছিল বলেই তিনি ন করেছেন গণতাধণিত না চেরেছেন কাউকে অবরাছন গণতাধণিত না চেরেছেন কাউকে অবরার পর নক্ষিণ অ মেরিক র দেশগালিতে মে সন মার্কিন ক্টনীতিক আছেন তাঁদের নিরাজভার আনেক ব্যবহণ করা হয়েছে। তাঁদের বিরাট ক্যাভিলাক গাড়িতে টোল ফান বেতারে থবর দেওরার ফর টেপ রেকডার—আনেক কিছাই হরে পরে সাজানো আছে অফ্রাস্ট্রী তা আছেই কারার কর্রের আবার স্লাস্ট্র দেহরক্ষীত আছে। এলব্রিকের ঠিক আগেই রেজিলাল গাড়িতে বিভিন্ন বিভিন্ন ভান টাটিছিল। বভিনাভার তিনিও ব্রেছিলেন। ভান টাটিছিল। বভিনাভার তিনিও ব্রেছিলেন। তুলাট তালিও ব্রেছিলেন। তুলাট তুলিও ব্রেছেছিলেন। তুলাট তুলিও ব্রেছেছিলেন। তুলাট তুলিও ব্রেছেছিলেন।

এলভিক্কে যার। বংশী করে রেখেছিল ভারা অবলা। তাঁকে বিনা লাভে ছেড়ে পেরনি। দিলে সমস্থ বাপানটা পাগলামি এর দাঁড়াভা। কিন্তু চাঁকে যারা গারেব করেছিল ভারা পাগলাম এই করেছিল ভারা পাগলাম এই করেছিল ভারা পাগলাম এই করেছিল বারা করে গারিছিল ভার থালি মোটরে নিজেদের পরিচর আর তাঁক মাছি দেবার ভাদের নাড়ান করেছিল রেছিলার ভাদের একটির নাম ন্যুল্যাল লিবারেছদন আরক্ষান প্রতী



#### দেববার

অর্থাৎ জ্বাতীয় মাজি সাধক গোণিঠ অব একটি মাজিমে-টা বৈজ্ঞাচিয়েন বি ৮ আগস্ট ১৯৬৭, সংক্ষেপে এম আর ৮, क्यार ४ क.भग्डे विश्ववी मरगठेन। ५३ ४ আগল্ট ১৯৬৭ সনে বলিভিয়তে প্ৰাণ হারিয়েছিলেন কিউবার বিখ্যাত বিশ্লবী स्तारा ८६ शासारकता। नाटाई अक्स भारक তাঁর আদংশা ধারা বিশ্ব সাী তাদেরই দল তুই এম আর ৮। একবিককৈ মাজি দেওয়ার भार्ष किस लागि। এक, ५५४मा व छवन्मीरक ছেভে দিতে হ'বে আর ভাদের পারিয়ে দিতে হবে মেন্দ্রিকে চিলি আর আলভিরিয়া এই তিন দেশেষ যে কোনওটিতে। গ্রেই সরকার বিরোধী ৯৫০ কথার একটা ইম্ভারার বেজিলাকার সার খালাবের কার্যাক্র বের কর্মাত হাবে আছে প্রচার করতে । হাবে সমস্ভ বেতার আর টেলিভিসন কেন্দ্র থেকে।

কিল খেলে কিল এজন করলেন বেজিল সরক র। মেনে নি লন ওই সব শর্তা। আর নাকরেই হা উপায় কী স্তহালটোন্ত প্রচণ্ড চাপ উপেক্ষা করার সংগ্রহণের নেই। আমেরিকার কাছে তাদের ভিক্তি বাধা, ভারাই ভারের বল ভরসা। ভারা প্রেছিলেন উভয় সংকটে। যদি ভয়া খাইদের লিদেশ ভারা জ্ঞাহাকরেন ভাঙ্ল দিখাত এলব্রিক্তে মোর ফেল হাতে তুখন আমেরিকা হলে উঠার খণপা। টাকার ও অস্ত্রশস্ত্র থাবারদাবার বিভাট ভাব কয় থেকে আর পাওয়া যাবে লা, আর নেশের **হবে যোর ল্রেকা**। আর ভালের কড়ে সেটা আরও বড় কথা—দেশে ইয়তো ঘটার ৫৩ট বিশ্লব যে বিশ্লবে তাঁরা হারারেম গাঁদ ক্যাক্তই আন্মেরিকারে না স্থাটিয়ে তাঁবা তাব হাক্ষ ভাষিণ কর্পান—মেনে নিলেন বিশ্ববহিদর শতা। তাতে লোক হাসলে কাঁ इस खौरनव भीन हड़ा हड़ेरला। हम घणी সময় নিয়েশিক ভালিন ভারা যাদেন হাতে মাকিনি রাজীন্ত ছিলেন দদ্ধ। বেজিলের ক গ**্রে কাগ্যন্ত বের**লো ভানের ইম্ভ হার, তা শোলা গোল শেসুর আর টে'লাভিশন মার্কত। ভারপর একটা সপোর মাকেটির மகுந் বাজ্বে প্রভিন্ন গেলে প্রনেরোজন রান্ধবন্দীর নাম। তাদের পারিয়ে দেওয়া হলো সমরিক বিমানে মেক্সিকোতে। চর ঘন্টা পরেই ছাড়া পেলেন এলবিক।

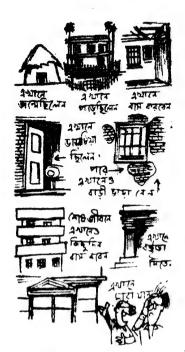
কেন এমন একটা অপভূত কাণ্ড ঘটলো তেজিকো? কারা ধরে নিয়ে গিয়েছিল মার্কিন রাষ্ট্রন্তকে? এত দেখ থাকতে তাদের স্ব

রাগ গিরে কেন পড়ালা আমেরিকার ওপর > ফালের ছেডে দিতে **রে সল সরকার বা**লা क्षाकान्य स्टेरिक प्रत्या के गर्कक कथा कि আছেন আবার কামেনাভর আছেন। কিল্ড তাদের অংখকাংশই প্রভালে বিখবাসী স্বদেশ শ্রেমিক। এবা অন্তেরভার कार र जसानक। डॉलड खनकार ভারা চান প্রেঞ্জলে গণতাতিক আলন। সেখানে এখন চ*ল*ে আছে ফোলালেন বাংট্রপতি মালাল আবোর আ ক্রমান এ সিলভা কদিবেল জেনারেল। তিনিভ আবার এখন অস্কে। সমস্ত ক্ষমতা হাতে নিক্ষেত্ৰত তবি অসম্পত্তৰ সোহাই দিল रिन সামারক প্রধান। **সংবিধান জব**লা ्र कामर अवता कारह. काराज्ञ काराज কিংত ভাত অধিকেশনই হয় না নিবাচন ছো দাবের কথা। ক্রেখানে না **আছে বেল্ডে**বর नागदिक जीवकात ना आहर कात्रत নিতাপতা : আইনের কিংবা বিচারের কোনও বলাই নেই: **যাকে থালি ধরে জেলে পো**রা १७% श्रीविन्छो कार्यात क्रमा । **अर्थादका**ख যারা পরে নিার গিয়েছিল ভারা যা করেছিল দেই ব্যাহাট করছেন সরকারত পাব ভাচিদ্র একটা ক্ষমতার ভ্রমা আছে, বি**লাবী**দের

মটিকান রাগীস্তাকে যারা **চাঁ**র **কার** ল, কলে বেৰেছিল এবং বেশীৰ ভাগট বৈজিলের বিক্ষাণ্ড ছাত্রের নকার আকা এ আংশ্র কার্বাছল ভানের নেশের সার্বক্ষণ সংক্র ন, মিয়ারে ডেবর আর্লেনিয়ে সেবি<del>য়ারে সেবার</del> জনেন যে জোজাভিত্তিক সভান ক্রছে স্বস্কর ার ভেটিরটা । যে একেবার ফেলিবল ভার এরে ক্রাড় প্রভাগ নিসেছে নেইছে এক স্ব tered to a large tament was made বংগুলাভাবে নিয়ন লাগানে <del>প্রবিশ্বসার ভা</del>য়ের লেপটোদের নাকের ওপার ও**পার দিয়ে চ**রি কার নিয়ে । সং ১ পারে ১ জারণী সেমেরে আসলে ওলগভাবে সেকাই ছড়োবে আই निष्ठाही राग ए। घटना एकशिएक सिह्महरूषा I DIE FINE SING. EINIGE BETTE A करनक द्रास्थकीर्वाष्ट्र । १४० मा क्रांस्विध কোনভ প্ৰধানিতা নেই, নেই অপ্ৰিয় সভা दमाव र्याधकात्। एट्रेन्ट स्थानहरूडे हम्बद्धार (मन १**६**°७ ५१म <sup>१</sup>ग(हा**इ**न यातकाक खावाह ত্রাভিষেত্র দেওয়া হা**ক্ষ**। আমেরিকার ওপর তাদের রগ এই জন্ম যে সেই হচ্ছে ফোজীত শরে খ্রিটা ১৯৬৪ সলে যখন সামরিক অভাখান খটে তার পেখনে ছিলেন র্থনকার ফারিনি রাষ্ট্রত **লিংকন গ্র**েন বলেই অনেকের সন্ত্রহা। কে **স্তেদহ আরেও** পাকা হায়াছ ব্রেজিলের জগ্গী। হাকুমাতের সঙ্গে মার্কিন সরকারের দহরম মহরম দেখে। নতুন রণ্ট্রনত একব্রিকের ছোগাণিতর মালি আছে ফোজীতশ্চের কর্ণধারনের সঞ্জে তাঁর দেশের মাথামাথি।

শারণ সেতৃ

কালী-কবে হাইওরের ওপার র্শ
নারারণের সেতৃটির নতুন নামকরণ
হল শারং সেতৃ। এই উপালকে বাংলাদেশের
কিছ্ কিছ্ সাহিতিকে আমণিতত হরেছিলেন
মনে হক্ষে, জবলা সবাই-ই বোধ হয় নন,
ভা হলে সমবেত লেথকদের নামের তালিকা
আর একটা বড়ো হতে পারতঃ



জার ক্তিরজার জন্য এই সহ বাড়ী থেনে জেল্ল সারে

मात्रकारमात मार्गिकाक केंग्लामा कात हाथा —এ তেন মহৎ কাজ, কেবল কভালী নন, যে কোলো ভারভীয়ই এটে খ্রাণ হতেন। কারণ সার: ভারভবরের (এবং পরে পাকিস্ভারে ভো বটেই--সেখানে সম্প্রতি নতনভাবে 'দেবদাস' উপন্যাস্তির ফিকা ভেকা হচ্ছে) শরংচশ্রের জনাপ্রয়তা বোধ হয় আর কেউই পান নি, এমন কি বাঁ কমচন্দ্র-প্রেমচান্ত নর। আধানিক সাহিত্যের প্রতাক দাবিতে পর্বে-भाषी रमध्य किन्द्र भाग शरदगरे, छा निहा क्षि काड कड़रवन ना। किन्छ महरहन्छ সেই ভাগাবান লেখকদের একজন-যারা প্রোনো হয়েও দুনিবার ধার বিমুখ পাঠকেরা বয়ে আসছেন বংশানক্রিক ধারার। তিনি প্রথম গ্রেণীর লেখক কিনা, এ নিয়ে কংলা দেখেই আমর: অভাব খননশীল আলোচনা কৰে থাকি কিন্তু আমি অন্নহীন ক্রমন্যান স্তাক্ত-ভাষ্ভীয় পাঠক সম্পরেক সামান্য যেটাকু খবর রাহি,



ভাতে জানি ভারতবর্ষের সমস্ত প্রধান ভ যাতেই শরংকর মোলিক প্রভার মছো আপন—হিন্দীতে ভার কোনো-কোনো বই বোলো-সভেরো জনে পর্যক্ত অন্বাদ করেছেন, ভা-ও শতেছি।

স্তরাং শরংচন্দ্র সর্বভারতীর চেপ্ক। জাতীর সভ্কে জাতীর সেতৃ তাঁর নামে চিহ্নিত হবে, এ তো স্বাভারিক। আর এই-ভারেই তো শরংচন্দ্র ভারতবর্ষের হৃদরে সেতৃ বেশিক্ষের।

কিন্তু আমি ভাবজি, দুভেগামী ফোটার গারা দীঘার সমৃত সৈকতে বেরিছে পড়বেন তথবা আরো, দুর-দুরাণেতর ভাকে উলা্কার গাতিত ছুটে চলে যাবেন, শারং সেতু' নামটা তাদের ভালো করে চোখে পড়বে তো?

বিবেকানশদ সৈত্বে গারে পড়ে চিনতে হর—কারণ টোল-টালে দেবার জন্যে বৃষ্ণতান্লকভাবে নাড়তে হর সেখনে। তব্ব
বালা বিজ চিরকালই ব লা বিজ। হাওড়া
বিজের নাম নাকি রবাণির সেতু—এইরকম
একটা জনপ্রতিও মেন কানে এসেছিল।
কিণ্ডু এই রুশ্বশাস সাকোটিকে ধারিসামেত পর্যবিক্ষণ করে এই জনপ্রতির
সভাসতঃ সাড়াই করার উৎসাছ জামি
তণ্ডতঃ থাতে পাই না। মেটিরে শান্তনিক্তন ক্ষেত্র আমি ক্ষেকবারই অজনের
ভপর মনোরম সেড়াটি পার হয়েছি, ভারও
ভক্টা নাম্ আছে বের হয় কিছ্ড মেটেরের



না না, তার বইনের সূলত সংকরণ করবেন না। বই কেউ পড়বে না, পোকার কাটবে। বারা পড়বে তারা সবংগাতে বাবে।

গতির সংগ্র সংগ্র সে নামটিও পাক থেতে থেতে শালবনের মধ্যে হারিয়ে গেছে।

র্পনারারণ রীজ যা ছিল তাই থাকবে, পোলাকী নামটা লেখা থাকবে ফলকে এবং কাগজপরে। যারা দ্' বেলা পারে ছেণ্টে সাঁকো পেরবেন তারা নামটা অবস্গীলার ভূলবেন—যারা কখনো গাড়ী থানিরে র্প-নারারগের ছবি ভূলবেন, তাদের হয়তো



এপ্ৰও কিনে নিন স্থার, তার প্রতি সম্পান জানানো হবে।

কার্বে কার্বে হটাং মনে হলেও এবং নাম শ্বং দেছু—ভাই ৮০টা

শরংচণ্ড ভাগাবন এই সেতু তাঁকে অনর করবে কিনা, তা নিমে তার দ্ভাবন নেই। তার সেতুবংখন সারা ভারতবাধার হাদরে হাদরে। তব্ তার সংপাধে একটা কতবি করা গেল, এই আত্মপ্রসাদটাকু আমরা অশ্ততঃ ছাডতে যাই কেন?

আমার আর একটা ৫২। এই প্রসংগ্র মনে পড়ে গেল। শবং সেন্থার মাঝামাঝি জারগার দাঁডিরে ডানদিকে দারে ডাকালে চরের ওপারে যে সা একটি প্রায়ের জাঙাস মিলবে, ভারই একটিন নাম সামাতারেড। এইখারে শবংস্টার শের জাবিদার জাবক-গ্রালা স্মাধ্য বিনা কেটেছে—বেব নাবপারে নায়, অখিবনী দস্ত রোজন্ত নয়, এখানকার বাড়ীটিতেই ছিল তার মানস-মুক্তি। তথন বাড়ীর কোল ছু'রে রুপানারায়ণের বিশাল জলা বয়ে যেত. জায়ে রের দোলা এসে লাগত তার সম্রাসী ভাইটির সমাধির কাছাকাছি, প্রামের "ছোটালাক"দের দালাঠাকুর হয়ে, ত'দের সকে মিশে গিয়ে শারংচন্দ্র তার আনন্দিত দিনগ্রেলা কাটিয়ে যেতেন এখ নে। গ্রামের সম্পন্ন তদ্রগ্রেলী— বামুন কায়েত-মাহিষেরা 'ছোটলোকে'র সঙ্গে তার এই মাখামাখিতে তাকে শাসিয়েছিলেন—'আমরা অপনাকে একঘরে করে।' উন্তার শারংচন্দ্র বলছিলেন, 'আপনাদের আর সে কর্ট কর্মান্ত্র করেছি।'

व्यन्दत सावेर्तावदातीरम्ब करना भारत

সৈতু' ঝকবাক ভকতক করছে—ভা কর্ক। কিন্তু কিছকল আগে আমাকে একবর বেতে হরেছিল ছে টলোকদের সেই দানা-ঠাকুরের প্রমে। দেউক্টি স্টেশন থেক থানিক দ্রে প্রণত রিক্শায় নিবিখা ম্যাকাডাম রোড। তারপরেই রূপনারারণের বাধ—ভার ওপর দিয়েই যাতা, অন্য পথ নেই। সময়টা বোধ হয় এইরকম শেষ ভাচ অথবং আদিবদের প্রথম-সাত্রাং বাংগর. কাঁচা রাস্তায় জল-কানা এবং প্রত-শাস কৰেৰ নয়, পাথিববৈ মাবতীয় রঘ5কই গ্ৰাস করতে পারে। রিকাশ সেইথানেই বিরস অভএৰ দীৰ্ঘ পথ আছাড় বটিসায় হন্টন যাতা, প্রতি মহাতে ভাবতে হাজ্ঞ পা পিছাল কথম পালেশর চালা বেয়ে নাবের খানা আর ঝোপ-জন্সলে গড়িয়ে পড়িং

कहा तहरका, क्रीशानत माध्य-शाम्मात আল্লানের মতে কল্লান্মানের চে খটাই ব্রিনা হারে গেছে। তৈরী এক । ভি পরেক ভি কর शक्त श्राक्तरण (तम जन्म) छेरप्रत ६/५ রাজনীতিক-শা-৬৩ সাহিত্যিক পারে এতে পারে কিছা ভারে 海阳南港 বকুতাত কোন্য যায়। বিজ্ঞাত তাতি হ'ব তাপ্তার অধ্যক্ষার এখনে জ্বে থাকি ৮. হলৈ জন্মাক জন্মাকিত করে স্থান -জ্যারর স্মার্থে জ. ৯-উবস্পর্থের ক্মারেরেই বাইদের প্রভাৱি: প্রাঞ্জা হরের রেগ্রেছ, রাজ্ঞ ক্ষেত্রার বিদ্যাৎ লীপনা, যে কেটা সম্বেদ্ধ যে কোটো সম্বে फाण रहाक-ितक्**मात्रा मादे**रकरम, *प्रमार्कर*न এবং বিনা প্রস্থালন ভাষা প্রত্যাল গভাগ-লোকানর নাণালাক্রের সেই জনম পোঁছাতে

আমরা বাঙালারা-একদা সাক্ষেত্রিক-कार्य हैरातकांक आमर्ग कार्राक्रमां म अध्या कात वृश्यिक्षीर्गीता आंभएकहे असामीएम्स जारण काश्विक क्षेत्रा अन्यक्ष **कर्म ध**्यका। श्व स्टामा करा। किन्द्र क्वारण इस সাহিত্যের জনো বছরে শ-প্রেক প্রেক্জার কাছে জানি। বালোটোলা শরংচাশনুর নাম কোনো সাহিত্যিক। প্রস্কার আছে কি 🖯 সাধ বহুমিশিবত কলকাতা বিশ্ববিদাপেরই দেশকি প্রবংদ্ধ চট্টেক্সার্থর । সমার্থর বস্তুত্ত । বারে क्रकडि कार्यक्षर महत्रक्षाः कहराक्षरः, ईकरपु সংক্রারর কিছাই করণীয় ১৯ই৮ বলগীয সংযোজন প্রিষ্টের অথাতির তা কাদি। কিন্তু ট্রাটকেন ভিলেবে প্রতি বছর ধরণ্ডণা-স্মানতে একটি ছোট বৈতিও কিংবা ভাষ্ক্ৰক্ষকত তি তক্ষণে কৃতে কথা <del>লিক্স</del>তিক স্থারিত নিজে প্ৰয়েক্ত না ি কৈছে, কৰছে শাৰেন না ৰক্ষণিত ভারতী, ফালবপ্র ত্রাফান (রণবারিদ) কয় ও रेक्ट अंदिक अस्थितिहास सुक्रमा सम्बद्धा इत সাহিত্যস**ক্ষ**র হৈব ব জস্মি বহু এবচ হয় শ্ৰা থেকে একটা সভান্ত 5年在17、村里 40 大枣门间 安安(电快速气管 1**时**形像作用 সংযাদ্র পর্যায় সংযোগিক। खेत्रमा हिन्दाकर करणहार । अल्ब्सहरूमा ७ हाई। कर्द्र अस्ति कार्ड हा आपम्था कार्य, होत कि अध्यानहीं किस्तार

শ্রংচলের এতি বেধ হল্ক রিন্ধতির ম জন্মব্যাকী ভাব শুন সহা পুরা হাত অব স্তুবচ্ব বাক্তি বহামান জন্মির সরকার কি প্রেল রগাংগু শুত্রাহাকির মতো শ্রংচণের ও সম্প গুল্পাব্যার একটি মূল্লভ সংশ্রুর প্রকাশ করতে স্কর্লর যথের চাকা শ্রুভাবেত্ত মন্পর্তম—এখাই কি ভার উদ্যোগ্যের প্রভাবে এত শ্রংচলের বই নিয়ে মাংসাল্যর বজারে এত শ্রংচলের বই

অথব:—দ্বিষা কিংব: আবের গ্রেষটো ফোটরবিহারীদের জনো শ্রং সেতুই **হয়তে**। বংগ্রুট

#### বরেণ্য রাম্মনায়কের স্মৃতির উল্পেশ্যে আমাদের প্রকার্জাগ

## एग छिसिल

ভিষেত্ৰনামের প্রিয়ত্ম নেতা—সমগ্র বিশেষ কোত্ত্র ও জিঞ্জানা যে ব্যক্তিবৈ ভিবে এতাদিন আজোচিত হরেছে...তার রোমান্তকর জাবিনী এই প্রথম প্রকাশিত হলে বানাবাল থেকে রাজ্য নামাকের পাদে উত্তরণের প্রতিটি অধ্যায় আদ্যবা সিনিক্সালতার রচনা করেছেন্দ্রীৰাদল চট্টোপাধ্যায়। যা প্রতিটি পাঠকের অহতর স্পাধ্য করেছেন্দ্র কার্যান্ত প্রতিটি পাঠকের অহতর স্পাধ্য করেছেন্দ্র কার্যান্ত বিশ্বান স্থানি হাল্যান্ত কার্যান্ত বিশ্বান বাধ্য। আক্র্যান্ত্রীয় প্রভ্রন। দুজ্রান্ত্রী স্বর্গী, করিক্রান্ত্রীয় প্রভ্রন। ৭৩ স্বামাক্রী স্বর্গী, করিক্রান্ত্রীয় বাধ্বান বিশ্বান বিশ্বান

পরিবেশক : সান্যাল **৫০৬ কোং**। কলিকাত:-১২

## · প্রকাশিত হোলো

**শামের প্জায় শ্রেণ্ঠ তালি** জ্যোতিষ্ণাণ্ডে বিশ্বর প্**লাশ**্রোহি ছ

अारनन निउ'त

## পাশ্চাত্ত্য মতে জন্মপত্রিকা বিচার ১২:৭৫

অনাবাদ—প্রীক্ষিৎ ও নবিদতা মহিখাপাধায় আলু পর্যাত বাংলা ভাষার জ্যোতিবখালু কংপকে এত ভালো বই প্রকাশিত হয়ন। ভোনো আক নেই। ৫, টাকা একানি Money Order করলে ভাকরাশলে গাগবে না। একানি সংগ্রহ করনে।

্য কিরোর জম্প্য গ্রন্থরাজি ।।
হাতের গোপন কথা—২·৭৫ জাপনি কবে জন্মেছেন ২·৫০
হস্তরেখা অভিধান—১০·০০ হাজের ভাষা—৫·০০

আর্পান ও আপনার হাত-১২:00

আট রণত ভেট, ব পার্মার্পশার্ম, জবাকুস্ম হাউস, **কলিকাত-১২** 

## এই मन्त्र हिर्निग्रीन

#### জগন্নাথ চক্রবর্তী

এই দস্। চিঠিগুলির হাত থেকে আমার উত্থার নেই।
সন্তাহের পর সপতাহ রুত্থনাস, আমার বুকের মধ্যে হৃহপিও চুপ.
সম্দ্র-ধোরা নীল খাম লেটারবন্ধে এসে দাঁড়ার,
আমার কাছে কী যেন চার, প্রার্থনা করে না ভর দেখার জানি না।
আমি জেদী মেরে, ভাবি, খ্লবো না, শুনবো না, কথা বলবো না;
ভাবি, মরদানের ম্কুমেলার কুটি কুটি ক'রে উভিরে দিরে আসবো;
ইচ্ছে করে, লিখি—এইসব উচ্ছবুসিত বিশেষণ আমি বিশ্বাস করি না।

সশতাহের পর সপতাহ কে বেন নাঁল আকাশ ছ'ুরে নোটিস জারি করে.
সাঁলঝাহর-করা সমন লটকে দের আমার দরজার;
বসন্তথ্যতুর ভলাপ্টিরাররা জিদ ধরে, আমার মনকে দুর্বল করতে চার,
চেরীর জালে মঞ্জরী, বেড়ার বোগেনভিলিরা, কার্নিসে মৌমাছি
যেন অগণিত পতাকা ও নির্বাধ ক্লোগান
আমার মনের ওপর দখল নিতে ওরা ক্লমাশত এগোর।
আমি জেদী মেরে, ভাবি দেখবো না, শুনুবো না, 'হার্নি না' কিছুতেই কামি নেই।

সব দস্যতাই এক এক ছাঁচে গড়া।
চীংকার ক'রে বসতে ইচ্ছে করে—এসব মুখোনপরা শব্দকে আমি ভর কাঁর,
বসতে, ভালবাসা, হদর, যদিদং হ্দরং মম, এইসবে আমার আদে।
বিশ্বাস নেই।

ভাষতে ভাষতে সম্ভাহ কাটে, আবার লেটারবস্থ খালি, আবার সেই অবিশ্বাসা ভয়ানক বাপোরগালি ঘটতে থাকে, সমাদের চেউ-লগো তোলপাড় কথাগালি আমার ব্রেকর মধ্যে মাথা রাখে, আমার কাছে কী যেন চায়, প্রার্থনা করে না ভর দেখার জানি না।

সংতাহের পর সংভাহ, মাসের পর মাস, প্রস্তাবের পর প্রস্তাব। রাতের করোক অধ্যকারে গলা ডুবিরে মনে মনে থসড়া করি। ছাদের কার্নিসে মোমাছি, বেড়ায় বোগেনভিলিয়া— দস্য চিঠিগ্রালির হাত থেকে আমার বৃত্তি উত্থার নেই।

#### ড়ল

#### শার্ৎক্সার মুখোপাধায়ে

এক জোতিষী ছোটবেলায় জানিয়েছিল : যৌবনে তুই এমন একটা ভূল কর্বাব, মারাস্থক, যে-ভূলের মাস্ক সাবা জীবন শাধতে হবে।

যোবনে সে জ্যোতিষীকে ধালোব মাতা কেড়ে ফেললাম।
(সেইটা কি ভূল? অবশ্য না।)
তারপর হো প্রতি পদক্ষেপ ফেলেছি ভেবেচিন্তে,
হাসার সমস্য ঠিক হেসেছি,
যখন কাশ্রা তিলের মাতন গলার মধ্যে উঠে এসেছে
তখন চোখের ভল ফেলেছি—দ্বুএক ফোটা,
(সেইটা কি ভূল?)
যখন ইচ্ছে হয়েছে—এবার চরম একটা আঘাত হানবাে
তক্ষ্মিন বন্দ্রে ছানুডেছি,
যখন ক্ষমা চাওয়া উচিত বিনা নিব্যায় পায়ের ওপর
শক্ষ দ্টো হাত রেখেছি—ক্ষতির কথা ভেবে দেখি নি,
(সেইটা কি ভল! সেইটা কি ভূল!)

হে জ্যোতিষী, কতো মাসলে শংখতে লাগে সারা জীবন !

#### अन्धकादन-नारग

#### ख्वात नाम

আনি, সীনাশত-চেরা অন্ধকার দেখে ফ্রেস উঠি রাজে, ক্রমশ এগিরে আসে অন্ধকার, ছাঁব মারি, টলে না ফাটে না ভালাকের মতো অন্ধকার ক্রুম্থ নাচে লাফার হাসে ব্রিট হয়ে ধরে পড়ে চারিপাশে,

শ্বলপ সোডা-মেশানো মদের মতো অন্ধকার বাঁকার কুঁচো কুঁচো হয়ে ওড়ে এবং ছ'নুচার মতো গতে সেঁথোক্ধ লাফার নাচে ঠোকাঠ্নিক ধর্ষণ বলাংকার বমি অন্ধকার বমি করে অন্ধকারে কন্ধকাটা ঘোড়ার চড়ে কলার পাকড়ে গলা চেপে ধরে অন্ধকার অন্ধকার আমি কিভাবে যুন্ধ দেবো ভাবতে জোনাকিকে দেখি আহা ওরা প্রভূব বাঁধের জনা বালি বইছে কাঠবেরাল আমি তো জোনাকি নই হে অন্ধকারে ন্বয়স্প্রভ কিংবা কোনো জন্মলামুখও নই যে আগন ওগরাবো আমি তো প্রদীপও নই যে প্রগামের মতো জন্মবে ছামি কেবল দেশলাই জেনুলে ক্ষম্ব পাতা কাঠ ও শেষকালে নিজের শ্রীরকেই জেনুলে দিতে পারির

আমি তো দীপ্ল সংখ্যক ভাবতে ভাবতে ঘ্রিমরে পড়ি

ই জা জা গ্রামে মাহিক মাখ্যমা তাপন থে বলেছিলো করবার পর একছরে কা

> | 1वाद्ययः भाराजयः | 1वगिः जायसम् एजा मश्या

O Plans

पाम माएं ठाव छोका मागविका शाविक्षणम २४ विषव मीछ क्वकाण->५ ४८-৫)२५

प्रमापिक उवि चम्र मिल्ल निर्फ्रमक ष्यूर्तपूष्टी Soldjik High Bay Hia (QIB

744

मिडाबवुमार ममातुर्ग वर्ष जागांषूनी (पेटी जागांषूनी (पेटी जामन जावापायाय जावापायापाय वर्ष जावापायापाय वर्षा जावापाय मुखापायायाय

मूनील शिषाणाधाार

মুবেধি ঘোষ
শিববাদ চান্তি
বিদ্নুন কর তার্থত দিবেন্দু দানিত দুর্লেন্দু দানী ইন্দুনাথ কবিতা দিংথ

उधिग

প্রেমেন্দ্র মিত্র মূভাষ্ট্র মুখোদাধ্যায় কামাক্ষার্থনাদ ন্ট্রণাধ্যায় শক্তি চড়োদাধ্যায় মান্ডা রায়চৌধুরী क्रिप्रंत्र भारायम्य त्याव स्राण्या भारायम्य त्याव भारायम्य त्याव

> Belley gragine ga

ह्य **डिउमयूमा**र्व मार्गाउँ उन्हें मार्थको मुर्थाणार्थाह्य मार्थका जैस्ट्री जिस्से एक जिस्से एक

वाग्रज्यस्य जामणं त्यन उद्भुत्र मजुमपार जामिय मानाान द्यान मजूमपार

धिन्धिन

মতি নন্দী কুমন ভট্টাচার্য কুরুণা ভট্টাচার্য অজয় দাশস্তম্ভ

এ দৃদ্যে আরও কণুর্বির বচুনা চৃবি, কার্ট্নে ইত্যাদি। বেক্বে অবটোবরের প্রথম মন্তাবে।



मृ' भारण नार न क्रीय। रमरे क्रीयर कन জমেছে। কোমাও এক হাট, কোমাও এক

পড়েছিল গোপীনাথ। কাছেপিঠে জনমান্য रमहे। बर्ग रङ्का कारना कृठकु:5 अवग्री

সাপের মত বনগাঁ রোড।

(क्यित्र।

রোগা হোক আরে যাই ছোক, লছমিয়া

ঘারর কাজকাম করত। জ্বার ধাকার ধাকার

মেয়ে আগলাতো। ঘর পাহারা দিত। আর

प्रमारे जनात मार्टि भारते प्रदेश प्रदेश नहें,बाय,ब कना प्राण प्रदेश स्वकात स्थानिनाच।

নাইক ক্ষা হৈছ চালান নের। করা লানোয়ারের হাড় নোকো হোজাই হরে কেলবাটার বাল বরে হাড়ের কারখানার বান। বোলনীনাবের বড় জারো করেকজন আহে জানাবার এলিপট।

বারা জানোবারের লাশ খ'্ডে বেড়ার।
শারজা-কুমুরে হে'ড়াহে'ড়ি কারর আনোই
হাড় ভূড়িকে রুটপট বোলা ভাতি করে কট্কারে গ্রাহ্ম নিয়ে কানে। মালা ওকন নিজে
হাতত হাতত লাভা নিরে বার।

ৰাক্তি-বচ্ছান্ত কারবার নেই বট্বাব্র।
নর কিছ্ কম দেবেন, কিচ্ছু সর নগদানসদি।
—ইডনা হাড়্ডি কৌন কাজ লাগে
মাব্রাী—একবার জিজ্ঞোন-করেছিল গোপী-

-- তথার আত তথাঁজে দরকারটা কি, আর ব্যাসনে বাপু, এখন ওজনটা দ্যাখ--

হাড়ের ওজন মত দাম হর। শ্বা হাড়ের দাম বেশী, ওজন কম। ডেজা হাড় ওজনে ভারী বটে, কিল্ছু বট্বাব্ গালাগালি ক্ষাবেশ। তেজা হাড় নেবেন না তিনি।

ৰিভিন্ন হটি বাঁচাবার জন্য রাস্চার পালে জ্বাটা কোনুন গাছের নিচে দাঁড়াল গোণী-

আটো হথে উচু একটা ডাপা কমি।

জামর উপর বাঁপ কাড়, কাছেই একটা জাব্দ গাছ।

সেই বাঁশঝাড়ের পাশে জার্ল গাছটার কাছাকাছি জলের কিনারার কিছু একটা পড়ে জাছে।

গর কিংবা মোবের লাশ মালনে হচ্ছে। কাছে নত গোলে সমঝনা মুশকিল।

বাশবাড়ের উপর দুটো শক্ন পাক খাছে।
জারো দ্য়-তিনটো নিচে নেমেছে। করেকটা
কাকও এসে জুটেছে। কিন্তু ওখানটার
পোছতে হলে অনেকটা জল ভাঙতে হবে।
মাঠ ভক্তি জলের মধ্যে কোথার ডোবা,
কোথার খানাখন, কিছুরই হদিস মিলছে
না। একা হলে ভাব তো না গোপনীলাধ।

কোলের মেরেটার ক্ষন্ট ভাষনা। চার বছরের মেরে আন্র নেড়া মাখা, হাড় কির্মিরে চেহারা। দলাপাকানো ডেজা একটা পাট্টুলির মত বাপের ব্রুকের সপো মিশে আছে। মাখার একটা গামছা চাপা দেওরা। গামছার সপো একটা কাগড়েব ঠোঙার মধ্যে খানিকটা ছাড়ু বাধা। সেটা ব্রুছে আন্র পিঠের উপর। গোপনিধের পরনে খাকি রঙের ভালিমারা হাফপাপ্ট, গারে ছেড়া ফডুরা।

মাধার উপর ভাজ করা একটা চটের থাল।
কাঁধের সংগ্র বোলানো জারেকটা থালির
মধ্যে গোপনিবের বন্তরপাতি। ছোট বড়
ছারি দ্যা তিনখানা। একটা কাটারি, করেকটা
গজাল লোহা, পাটপাকানো দভি, আধ্পোভা

যোগবাতি। হে'ড়া বৰ্ষাতি ব ট্ৰেরের জড়ানা ব্ ব্যান্ডল বিড়ি আর একটা লেপবাইবের বারা। তান হাতে ব্রু নমান উচ্চ একটা বাংগর লাটি।

গোল পরাশ্রিদন এনে বিজেন বটুবাব্।
গোপনিথের অবস্থা দেখে পাঁচটা টাকা
আগাল দিয়েছেন। আক্রোন্স করে বলেছেন
—হাাঁ রে, গাুপাঁ, বট কি আরু কাজো লছে
না, বট অবেছে বলে হাজ-পা গাুটিরে কেট
কি বুকে থাকে তোর হুড, আরু ভোরা বাঁদ
ভাজে বা নামিল, মাল সাম্পাই না হিস,
তা হলে আমার তো বাবনা ভুলে নিতে হয়—

ভারপর বট্বাছ্র দেরা সেই টাজা দিরে
চাল ভাল কিনে এনেছে গোলীমাথ। বাপবেটিতে পিচুড়ি থেরেছে। ভারপর বরে
শেকল ছলে দিরে কাল পর্যান দুটো দিন
এই বিলিট মাথার করে ব্রের বেড়াছে। এই
বড়জলে শেরাল-কুকুর-ও পথে নামতে চায
না। আরু গোলীনাথ মেরেটাকে কোরো কাছে
রেখে পথে ব্রেছে। রেইরটাকে কারো কাছে
রেখে আলা বার না। মেরেটা ভাকে চেড়ে
অনা কারো কাছে থাকতে চার না।

সেই থেকে দ্'লনে ভিজছে। বিব্ৰির জলের মধ্যে ভিজে ভিজে ছারে বেডাছে।

কথনো জ্যের চেপে এলে কোন গাড়েব নিচে কিংবা কোন দোকান ধবের ছেচডুকার দাঁডিয়েছে।

আবার সবি বরাবর বরে ফিরেছে। আজ তিন দিন। এই তিন দিনের দৈন দুপার



रक्ता वृत्ति बासकावि विकारत कता आव अव्यक्ति केवल राज्याचित्रक बार्ट्सन बार्ट्स विटक कार्ता कारणा किए. ना कारिक घरणीकन इक्ष किन्तु अपन क्षण टक्स्ट वर्दे योगकारका कारक बाक्सा नाम कि करता।

ARREST TO MENTAL REPORT OF THE SECOND

লেগনে গাছটার বড় বড় পাতার সিচে शीक्षत जीवन-वीवन काकारका शाणी-21 M 1

क्रथम विभिन्ने स्वाद अक्ने, क्रमोहल। অখন ইল্লেগ্রেডির মৃত অলপ অলপ পান खर्वाच्या ।

हर्तार नहारत शहन अफ्डी कवंद करनाइ भाषा माठा बाराह । क्षेट्र बारणव गरन्य गरन्य **बहे पिएक उटनटक।** 

গোপীনাথও কুকুরটার পেছন পেছন জলে मामन। मायगदन नाहि है, इक है, इक ना TIGIT I

কুকুরটা আগে আগে সমস্ত শ্রীর ভূবে रगा। गृह्य नामा जात वासमी दास्त्र बाथाणे काला तरराक । सरमञ्जू भर्मा भा निरुत টের পেল গোপীনাথ, একটা আলপথের মন্ত **छट्ट रास्ट्र**ः

পায়ের নিচে পথের হসিস পাবার পর আর তেমন অসুবিধে হল না। তার হল ब डल

এক পা এক পা করে এগেছিল গোপী-माथ चाद अक्षेत्र अक्षेत्र करत क्रम र एक्स्म । অন্তব্য অনুবর্তী প্রায় সভিয়ে কেটে চলে কেল। উদ্ধ ভাগেরে উঠে গা কাজা দিল। ভারপর ভকাভকা করে শক্ন কটাকে তাড়া

লোপীনাথ ডখন মাঝ প্থে। হাতী **ভাতিকে কল উঠিছে কোমারে কছাক**িছ। শাশ্ট ভিন্নে গোছে। আন্যকে তলতে হয়েছে কাঁধের উপর। কাছাকাছি আসতে মাল্ম ছল বাঁশ ঝাড়ের পাগে জলের কিনারার আশ্ত একটা ভাইস। ছাল ছাড়ালো। ছালখানা বেশহর মাচিরা নিয়ে গেছে ' আৰু সকালের দিকেই হয়তে। ফেলে গেছে। কারণ টাডকা লাল। এখনো পঢ় ধরেনি। ছাসে পচা গদ্ধ रकारतीय कारन राम्भ राजन शरह बरतीय ! তবে জোলো হাওয়ায় একটা ভাষ্সা ভার-জ্ঞার গম্প। একরাশ মাছি জ্যাটেছে। পেটমোটা मौल भौल प्राष्ट्रि । हार्द्रापटक छल एई-धरी। धार भारताहै एकप्रमा एकप्रमा काल छोड़ एनएयाएँ ওরা। ভাজ্জাব কি বারে।

তিনটে শকুনি ঠিক নাচৰ ক্ষণায় লাফিছে প্রাফিতে থ নিবটা মতে গেল। তাব একর ব্যাভল মাষ্টার থক্সথাক পেটেব উপত্ত পেটের অনেকথানি ফাটো করে নাঞ্-ভুড়ি টেনে টেনে বার করছিল। সেটা কিন্টু মছল না। পড়ির মত মোটা মশত একটা নাড় ঠোঁটে চেপে ধরে মাখ তুলে কুকুরটার দিকে ভাকাল। নাড়িটা ঝালে রয়েছে ঠোট থেকে, কলে পড়েছে যাসের উপর। কুকুরটা ছটে।

#### · N 24 4 31 4 4 4 त्रवीन्त्रतारथत्र अथम हिन्ती बङ्गका

১১২০ সালে जान्यीकीय कारावास वर्गान्यनाथ गासवाठी मादिका नरकारान প্ৰথম হিস্ফাতে ভাৰণ দিয়েছিলেন। সেই ৰ-প্ৰাণা ভাৰণ ও প্ৰসংখ্য মহীন্দ্ৰ-নাথকে লেখা গাণ্যীক্ষীর অপ্রকালিক প্রাবসীর সংকলন।

#### भार्मार्थकन : बाबायब बना

বাংলা নাইকের পাঠক দেই শীৰ্ষকলের এই অন্তৰ্গন মূল কারণ হরতো धारे त्य, बारमाञ्च नामेक त्यथा शरहार, किन्छ मामेलाहिका ऋक वर्धनि । रास्त्राप्त राष्ट्रिया बार्टिश मर्बाह्यश्रम, अवर बना हरन एकि अक्क राज्येस, मार्गेन সাহিত্যের পঠিক গতে ভাগেছেন-নাটককে উল্লাভ করেছেন নাট্যসাহিত্যে। ভার এই দীর্ঘ নাটকটি সে করা আর একবার সম্প্রমাণ করবে।

#### शक्क : मर्जाकर बाब

ব্যাসকট বেমন, ছডার ধাঁথাৰ ভেমনি নিচিত এক একটি দক্ষ। ছড়ার জট काफ़िरत करे भन्म त्वत करह शूत्रण कराठ रख **'नवक्**क'। 'मन्स्क সত্যাঞ্ছিং तादतत এक खोस्तव मानि—या भाक्रेक्सटल द्यान्छ डेटस्कनात नणाव করতে। কারণ, ছড়ার সূত্রে শেক্ষাক্রণ এই প্রথম।



୬ আরেও লিখছেন ●

অভিত দত্ত অলদাশকর রায় আমিয় চক্রবর্তী জসী-भ्राप्तीन ह्यारिनिन्द्र सम्बी फिरस्य पात्र नहस्त्रमाथ মিত নারায়ণ গঙ্গোপাধায়ে নীরেন্দ্রনাথ চক্রবতী প্রতিভাবস, প্রমথনাথ বিশী वनकृत विभन कत विकः एन ग्राम रमन तमाशन कोध्ती गाँक क्रियोशासाय শরংকুমার ম্থোপাধাায় শিবরাম চক্রবর্তী সবিভারত দত্ত স্নীল গঙ্গোপাধ্যায় স্ভাষ ম্থোপাধ্যায় স্থাল রায় সৈয়দ মূজতবা আলী হরপ্রসাদ মিত প্রভৃতি

বড় উপন্স :

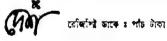
हाका बम्ब : विम्न मिठ जातक मृत : भारकत निर्मीध टर्फात : बटबन गटकाभाषात

कार्ड खेल सान :

भागाय : नमात्रम बना



माम : इाक्र ठोका माठ



গিরে নেশিকটা কামছে ধরক। শকুনিটাও সহজে হাড়বে না। গড়ি টানাটানির মন্ত এই আজব ব্যাপারটা করেক পলক অবাক চোকে দেশল আন্। ভঙ্কণে জলের কিনারার উঠে এসেছে গোপানাথ। মাথার উপর লাঠিটা ক্রিরে হাঁক দিল—ভাগ্ ভাগ্ শালা, হ্ন

এবার পালালো শক্নিটা লাফিরে

মাটিতে নেমে নৈটে নেচে সরে গেল।
কুকুরটাও নাড়ি টানাটানির লড়ই ছেড়ে
করেক পা পেছোল। লাঠি হাতে মান্যটার
দিকে ভাকিরে ভিক্ককের মত অলপ অলপ
লোক নাড়তে লাগল। কাকগলো জার্ল
গাছের ভালে বসে চোডাক্রল। করেকটা
ভাদিক-ওদিক উড়ে যাছিল। সকলের শেবে
গোপীনাধ এসে দাড়িরেছে।

স্মজদেৰ আনক আগেই ক্ষেত্ৰ সংখ্য ভূব দিয়েছেন। শকুনির দল, কাকের পাল আর কুকুরটাও পিছা হউলো। শা্হা পোলার মাছিলালি, পেট-মোটা নীল নীল মাছির কাক চাবপালে ভনভন করছিল।

আন্তে জারলে গাছের নিচে বসিয়ে দিল গোপীন থ। এখনে পানির ছাট কম লাগবে। গামছার প্ট্রিলটা খ্লে ছাতুর ঠোছা



भागता दावेल। এक ध्रेकरवा आस्पद चाहार. थानिकणे मान्छ ब्रह्मरहः किहा अक्रो धाराद भाषान ना द्रायटल चान चान कत्रत्व त्मरवर्ते। কোন কান্ত করণত দেবে না।

চারদিকে একবার তাকাল গোপীনাথ। ওপাশে বশিঝাডটার ডেডবে কি আছে দেখা शाएक ना। जात जिन मिट्क है जारन एए। वा ক্ষেত। ভেন্না ঘাসের উপর বসতে পারছে না আনা। উঠে প্রতিরেছে। ভরে ভয়ে শক্তি। ক'টার দিকে ভাকাল্ডে।

গোপীনাথ একবার বললো—ডরো মতা रवर्षि रेक्ट्रे मा-

ভারপর কি ভেবে জালের কিনারা থেকে বডগোছের একখানা কচপাতা ছিত্তে আনল। ছাত্র পটে,লিটা রাখল কচুপাতার উপর অব গামছাখনা পেতে দিল ছার্ল গাছটার প্রতির কাছে সামানা একফালি ঘাস জমিতে। শাদত হতে বসলা আন।

এবার অস্তরপাতি বার করন গোপনিম। ফোষটার ভারপাশ একবার দেখে নিজ।

হারপর বরাবর ধেমন করে বড় ছারি দিয়ে থলগুলে ৫০৫টা কাষ্টা কাষ্টা দিল। নাডিভ'ডি সৰ টেনে টেনে ৰাইবে অন্তর্ভানত একটা থালির মত পাকম্থাল, ফোটা মেটো দড়ির মত হোট বভ অপথব রাণি দুই হাতে তুলে জলের কিনারায় রেখে এল। একবারে স্বটা প্রেল ন । স্বারে ফেলে আলতে হল: হাত উপাচ নাডিগলি ম জিতে কালতে আলতে বগল। বেছন কেছন ভাগিতে ভদ্ম ককল্লটা। শক্তান কটার্ড নক্ষেত্রান্ড

প্রকার গেন্সে বিলিয়ে শস্কুনিটার সহস প্রশারি রাজ্যা কোক হাতে ভারেক দাবে বাদ

বংশগৈচেক্ষর বাভাল বাপটা ক্ষেত্র ভূষে ক্ষমতা গায়ে জড়িছ বাস থাকে। বাস বাস লাহা কপিছে। ডিক অম্নি বসে সংক্রি भागं रहेत इकते इकते प्राप्ता र फुर्छ ।

নট্ৰ মুখ্য আজন - জলনি জলনি কাজ হাসিল কথার নগদ নগদ পথসা পর্বি আমাৰ ঘটত বাৰ: বাজিয় বাজৰায় কেই—

ঠিক বাছ বট্ৰাব্র ৷ প্রসাম্মটোকম দেবেন, কিন্তু সৰ হাতে হাতে ৷ বাকি ফে ল बर्गन मा। दक्षः रहकात क्वय मा-जाव है का আগ্রাম দেবেন। এমন পাইকাল্লেম কাজ করেও BF-275-18

িকতে একরোখা মাছির কবিটা বস্ত ভন-ছন কর্মছল।

জলদি হাতে তুরণত কজ হাসিল করতে করতে আপনমনেই গ্রহণভালো গোপনিয়ে— ইছনা মাকৃষি কাহাসে আগটল রে-

কাটারি দিয়ে কুপিয়ে গুপিছে প্রছানর 🖭 भरूको एकरके आलामा करन निम्न ।

হাড় থেকে মাংস চেচি সাফসভেরো কবে গ্রাছিয়ে রাখছিল। সব একসংখ্যা ঝোলায়

## প্ৰকাশিত হল

বিশ্বক্যা

\*\*\*\*\*\*\*\*



বাঙালীর মালিকানায় ও পরিচালনায় যেসব শিঃপ-বাণিচন প্রতিষ্ঠান স্ব স্ব বাবসা-ক্ষেত্রে দেশব্যাপী সনোম ও প্রতিন্দা অজনি করেছে সেরকম প্রায় অর্ধাত সংস্থার উভ্তব অগ্রগতি এবং প্রতিষ্ঠালাত্তর রোমাঞ্চকর ইতিবাহ "লক্ষ্যীর কুপালাভ বাঙালীর সাধনা"। এই কাহিনীগুলি র্যাদ্ভ তথাগর্ভ, এবং মালত বাবসা-বাণিজ্যের প্রতি সাধারণভাবে অনীহ বাঙালী যাবসমাজের মনে আত্মবিশ্বাস ও উৎসাহ-উদ্দীপ্রমা ফিরিয়ে আনার প্রচেণ্টায় রচিত, তথাপি এই রচনাগৃহলির সরসতা ও সাহিত্যসূত্র পাঠককে একই সংশ্যে আকৃষ্ট ও মৃশ্ধে করবে।

ষেসব শিল্প-বাণিজা প্রতিষ্ঠানের কথা এক্সিয়ে আছে সেগালি হল:

রেভিয়াণ্ট প্রক্ষে, ঈগল লিখোগ্রাফিং, সর্ফবতী প্রেস্, বেঞ্জ বুক বাই নিচং, কালিকা টাইপ ফাউন জি, রঘ্নাথ দত্ত, মডান ব্ৰু একেশা ও ব্রক্সাণ্ড, হিমালয় পেশার আগত বার্ড মিলস, স্টুডিও গ্রাফিক, স্লোখা ওরাকাস, অল্পান্ন কটন মিলস, গ্রোপাল রোসিল্লার, रिकेन देशीय वास्त्र अन केल्स्सा, देखेनादेशीय केन एक्सीक्राम दान्क সেন ব্যাল, ন্যাশনাল নাম্ব্রি বুস্থুন, ভারত ব্যাট্রিব সিগাবল কল দিলিকেট আনত গ্রাস, প্রিলেন ইন্ডাস্ট্রির প্রিক্ত শ্রীস্তাস্কর দেশের প্রত্যতাসমূহে, নাশনাল বাধার ও ইন্ডেক টারাসা, বেপাল ব্যটোরপ্রায় ওয়াবাদ, ফল টুলস মান্মান্তচারিং, কুলজিয়ান ইলিয়া, কলেকাটা ফাল, স্তে-নিয়েল্টি-কুমার, খালিমার ফৌমকাল, সি আই সি এম ও লাস, রার জ্ঞান্ড চ্যাটান্ডি, মিত এম-কে, কুন্ড কেন্দ্রার, ও সংকার, আহা ধ্বকারি, নাস রিপ্রোক্রাফিকস ও দাস জিলার্মান कालकाठी त्वधिकाल, एमक ह्यांककाल, देखे देन्सिया कार्यीन

সিউটিকলেস, বেশাল ইমিউনিটি, এবং বেশাল কেমিকাল। এইসব প্রতিষ্ঠানের সমধ্মী ও সহযোগী বিশেষ প্রতিষ্ঠানের, এবং এই-সকল সংস্থার অগ্রগতি ও বিস্তারের ম্য हा अनमञ ७ উদ্যোগী ক্মীর অরাত্ত পরিশ্রম ও সরিয় য়ছে তাদের কথাও বিশেষভাবে উল্লিখিত হয়েছে এ গ্রাম্থ

॥ ৰাঙালীর বাৰসা-বাণিজ্য সংপ্রিক अ वहीं अम्ला ।

চার শতর্মধক পাণ্ঠায় বই। ভবল ছাউ নটোডো সাইজ। বহিশ শ্ৰী আট প্লে

দাম ঃ বাত প'ডিটু

প্রাপ্তিস্থান : আনন্দ পার্বালশার্স প্রাঃ शिक्षिप्रটেউ । কলকাতা ৯

ভরবে। মাংসের ট্রকরোগ্লি ছ'্ডেছ'্ডে দিতেই এশাশ-গুপাশ থেকে করেকটা কাক ঝাপিয়ে পড়বা।

ভাৰলৈ গাছের মাথা থেকে দুটো লকুনি হুসহুস করে নেমে এল। মাটিতে যে ক'টা কুসেছিল, নড়েচড়ে উঠল। আবার ভয় পেল আন্। ৩রে ৩রে ডাকল—ববজী—
—আরে ডরো মত্, বেটি—মোলায়েম
স্রে কথা বল লও চোখ ছুলে তাকাবার
ফ্রসং নেই গোপীনাথের। দিনের আলো
ফ্রিরে বাবার আগেই কাক হাঁসিল করতে
হবে।

विक्रभीय जिल्ला नाम्	কনায়িকা রহস্য	<b>⊌</b> ∙00
नहारे त्नन अक	ीकात्र	<b>&amp;</b> · 00
ह्याक स्मरेनात	॥ স্নীলকুমার ঘোষ	9.00
बाग्ना	॥ সমরেশ বস্	9.00
व्यवनिषद्भ आश्रात	n কালক্ট	8.00
<b>শত্যকাম</b>	॥ নারায়ণ সান্যাল	9.00
अश्कारणम् अन्मिन	ા હો	9.40
নগরীর অভিশাপ	॥ পঞ্চানন ঘোষাল	9.00
আগ্ৰত ভাৰত	મ હે	9.00
জিলং উলিসা	॥ <b>দ্বৈপা</b> য়ন	9.00
ভূরকম ভূর•গী	॥ कृशान् बटननाशायाय	6.00
প্ৰিৰী যাহার নাম	॥ भ्रकना।	\$0.00
ক্লিওপেট্রা	ા હે	<b>७.0</b> €
পথের তীর্থে	॥ বীরেন্দ্রনাথ সরকার	9.00
শ্বণন থেকে সতিয়	॥ গৌরা <del>ঙ্</del> বপ্রসাদ বসূত্	8.00
এলো মৌল্মী	॥ প্রফল্ল রায়	৬০০০
<b>ठब्रश्र</b> क्षा	।। শৃত্ <b>কু মহা</b> রাজ	6.60
ছाग्रा माल	॥ শ্রীবাসব	8.40
নীলপালা লাল বাদশা	।। নিগ্ঢ়ানন্দ	6.00
ৰ্পমতী নগৰী	। অমিরকুমার বন্দোপাধ্যায়	¢.00
গণ্যাহ্বদি	॥ শক্তিপদ রাজগর্র	8.00
অণিনত্বাক্ষর	।। রাহ্ব সংস্কৃত্যয়ন	9.00
বিশ্বাবিহঙ্গী	া কণিম্ক	9.00
ঝাড়খণ্ড সীমান্তে	n 3	\$6.00
<b>স্রদানা</b>	॥ অমরেন্দ্র দাস	\$6.00
বিচিত্ৰ সংলাপ	॥ প্রমথনাথ বিশী	P. O O
রুমণীয় ক্রিকেট	৷ শংকরীপ্রসাদ বস্	8·00
সাহিত্য জিজ্ঞাসায় রবীণ্ড্র-	নাথা। ডঃ অসিত বন্দ্যোঃ	2.00
कथार्সार्ड जिल्लामा	॥ ডঃ অর্ণকুমার মূখোঃ	F.00
विश्वनाथंद गान	॥ সোমেন্দ্রনাথ ঠাকুব	8.60
বামীজী সমৃতি সপস্ম	॥ म्वाभी निर्द्धाशानम	6.00
চারতের সাধক (৮ম)	।। শঙ্করনাথ রায়	2.00
ারতেব সাধক (১৯)	ા હે	2.00

## সমরেশ বসর পাতক 🤻

। প্ৰতক ভালিকার জন। লিখন।

कक्षा श्रकामवो

১৮এ, টেমার লেন, কলিকাতা-৯ ১১ শ্যামাচরণ দে শ্বীট, কলিকতো-১২ এত বড় লালের কাজ শেষ ইতে সংস্থা লেগে যাবে।

কাটারি দিয়ে কেটে কেট পাঁকরার হাড়-গঢ়িল আলাদা করল। সমণ্ড লাগটা নড়ছে, কাঁপাছ।

মাখাটা কাভ হয়েছিল খাসের উপর। क्रकेंगे काथ स्थामा। उर्दे आर्थिय मिरक তাকিয়ে একটাকাল কেমন আনমনা হ'হ চোল গোপীনাথ। শেষ সময়ে লছমিয়ার আৰি দটেটা অমনি কোলা ছিল। হাতে পাৰে তখন সেক দিছিল লোপ নাথ। তখন বাত দাপার। একটা কেরোসিনের ডিবরি **ভা**ল किन। वरमीत भा कामधिन, इहार भारत সেক, দিতে: একটা মাটির ভাতে করে গ্রেক্ আগনে এনেছিল ব্ভি। সারারাভ ঠার ব্সে-ছিল। ঘরের বাইরে নিমগার্ডটার ভলার বলে বংশী, মতিয়া, ব্ৰুম গালগাল ক্রছিল। भाषा-भाषाभी अनीय आवतर कारता मा-চাৰ্ভন এসে উপ্ৰিকাটিক নিষ্কেপ্ৰছে চন্ত্ৰীৰ বউ-এর গতিক স<sub>-</sub>বিধের নয**় আজ** রাডটা কটোৰে কিনা সংখ্যা : গোপানাথ কিন্ত चारको व्यक्तरक भारतीय । अक्को बहा र का হবার পার থেকে বছর দেয়েক ধার আমান প্রায়ই ভুগতে। দ্রা-চার দিন শ্রেয়ে থাকত। তারশর আবার উঠে ছারর কাঞ্চক্তম করত। গোবর কুড়িয়ে খাটে বিত্ত। ঋ্টকুটো কুড়িয়ে छैनान स्वास्त । सारु त्रीमक किस्या त्यापि পকত। গেশীনাথ ৬৬০ কাঁহা কাঁহা নাল্যক থাবে বৈভাত। খ্যার খ্যার विकेदादार शासास्यह करा मान हर तरक कहत অনতঃ ভুটাপোড়া খেতে ভজাবসভ मध्यिया । रागमीनाथ कराना कृषे। निषय काम বহাত প্ৰা হাত। কেই মানাখটা এমন ত জা-ভাঙি চাল মাৰে ব্যাহত পাৰেনি গোপনিছে। নৈক্ডির পাটেলি করে হাতে পারে দেকে निक्रिकाः **भारत रामौत ग**ाः

নিজানের ছাম যা যে নিকটা জ্ঞাধকার ছিল দৈনিক শেছতা কছিল উপর ছামে মান্তিল হান, তিখন জ্ঞাব জ্ঞাব এক প্রকার শ্বাস টান্ডিল লাভ্নিয়া। ছিল্ফ জ্যাটার বাক খোলা। শাজ্ঞবার হাড়গোলি কলো আলে উন্ভিল ভাগে ভূগে শ্ব শ্বিষ আমাস মাের গোছে। শাুধা ব্যক্তর মাবাখানা ভ্রমার মান্তিটা ওঠানামা কর্মিল।

হঠাং আন.ব চেচ।নি শ্নে চমাক উঠল গোপনিছা। বেইমান কুকুরটা এক-থানা হাড় মুখে নিয়ে পালাছো। এত মাংস প্রেরেও আশ মিটছে না, শালা হারামিক হাড়ডির লালচ। তাড়াভাড়ি লাঠিটা তুলে পেছনে ছুটল। চারপাশে জল, জলে ডোবা জেত। কোথায় আর পালাবে বদমাণটা। নির্পায় কুকুরটা জলে ঝাঁপিয়ে পড়ার আলে পিঠের উপর এক ঘা বসিয়ে দিতে পরল গোপনাথ। জলের কিনাবার হাড়টা ফেলে কেউ কেউ করে লেক গ্রিটিয়ে গালিরে বঁচিল কুন্তার বাকচা। একেবারে চলে গেল না। জার্ল গাছটার ওপালে, দাড়িরে লেক নাড়তে লাগল। হাড়খানা কুড়িরে ফিরে এল গোপীনাথ। এই ফাঁকে গিলি শকুনিটা এলিরে এলে মোবের চোখটা খ্রলে নিরেছে। তাা নিক। চোখ খা, কান খা, নাক খা, চবি মাংস সব খা। লুখ্ হাড় ক'খানা পেলেই খুশী গোপীনাথ।

কিন্দু এই হার্ড শকুতে সময় নেবে। সাজটা রোদ থাবে, তবে মাল ওজনে উঠবে।

শুখা হাড়ডি ছাড়া মন ওঠে না ৰট্বাৰ্য । হরেকরকম ফইজং তাঁর।

—হারি, গ্পী, মন্দ্রী প্রকার নি, তেলাভাব কাটেনি, কেমন মাল আনলি তুই, আমি চাই বড়খড়ে, এতকাল কাজ করেও আমার পছলটা ব্যাল না, কোম্পানী কি আমাকে এমনি এমনি প্রসা প্রেম-

ভালো এক কম্পানি শিখে লিয়েছেন বট,বাব্। কথার কথার কম্পানি কিরিয়া। একটা বিভি ধরালো গোপীনাথ। মূৰে বিভি কিল্ড হাতের কামাই আবার লাণের পেটের মধ্যে হাত ঢোকাল। পঞ্জিরার হাড়গুলি সাফ করতে মনে হল এই মোৰটার প্রেটের মত ঠান্ডা হয়ে ফাচ্ছিল লছমিয়ার হাত পা পেট ব্রক। বংশীর মা হাউমাউ করে কে'দে পরও কেমন বেন বিশোষাস হয়নি গোপী-নাথের। লছমিরা নেই। আর কোনদিন सिथा इ.व. सा। कान कथा वलाव ना। দরজার সামনে বসে ভূটাপোড়া খেতে খেতে नाक् क भूरथ धकरें। हामरव नाः মতিয়া বুধন তাড়াতাড়ি ঘরের এসেছিল। তথনো তাকিয়েছিল লছমিয়া। ठा-छा व्यक्तिहरू स्थाना। रक स्थन स्थर দ্বটো ভুলসীপাতা এনে ঢেকে দিয়েছিল। ত্রেপর নতন কাপড়, খাটিয়া, দাঁও যোগাড় इराहिन। किहा स्नुन्ध अर्जाहन। दःगी মতিয়া, বুধন, হীরালাল-ভরাই বাবন্ধা করলো। কেমন আছ্যার মত চুপ-চাপ ওদের পেছন পেছন হালিশহরের শমশানে গিরেছিল গোপনিথে। দেই শেষ-রাহির অন্ধকারে আগে আগে যেতে যেতে ওরা একসংখ্যা একনাগাড়ে বলে ফাচ্ছিল-রাম নাম সত্হ্যায়, রাম নাম সত্হ্যায়-আন, আৰার ডাকল-বাবজী, পিয়াস-ছাতু খাবার পর পিয়াস লেগেছে बान्द्रत। किन्छू अधारन आंद्र शिरनका शानि

ওট মাঠের জলই আঁজলা করে দ্বালেক থেমে আবার এসে গাছতলায় গ্রিটিশ্রিট মেরে বসল আন্।

কোখায়।

সমানে হাত চালাছে গোপনিথ।

সমানে মাখার মধ্যে নানান কথা কিলবিক্ত করছে।

আছা, লছমিয়ার হাডাডির এজন কত ছিল? হালিশহরের খ্যানে সব হাই হয়ে গেছে। মান্বের হাড় ওজন দরে কেনা-বেচার রেওয়াল নেই। কেউ পোডার কেউ মাটি চাপা দের। মান্ধের হাডডি কেনা-বেচার রেওয়াল থাকলে শালা বট্বাব্ অনেক নাফা কামাত। আর গোপীনাধের মত এজিপ্রাও কিছ্ পরসা পেত। রাম্ রাম এসব কি ভবছে সে। থকে করে একদলা থুথু ফেলে জ্বরেকটা বিভি ধরাল

	. ~			•	
॥ তারাশঞ্কর বন্দো	পাধ্যার ॥	৷ নরেন্দ্রনাথ গি	মত ॥		
शाही-रमबका ॥		উপনগর		9.00	n
হাস্দ্রীবাকের উপৰ		পরুম্পরা	11	8.40	u
সশ্তপদী ॥		भ्रामश्रहत ,	11	0.40	n
ৰসম্ভৱাগ ॥		n প্রবোধকুমার	भागान	H	
অসলগড় ॥	8.00 H	ৰনহংসী	n	8.40	11
তারাশকর শ্রেষ্টগাল		ৰস <b>শ্</b> তৰাহার	11	8.40	n
					-
॥ मानिक वरमाभाध		॥ वनक्र ॥			
भन्यानगीत मानि ॥		জন্ম ১ম ৩র			
मानिक ट्रान्डेशन्त		বনফ-লের বা			00
॥ বিভূতিভূষণ মুংখ		শু সংকাধক্ষ	ा ठक्त	of a	
উर्घि-आश्रान ॥	् 9∙00 ॥	ভূ•গভদ্ৰা	u	8.00	ll
উত্তরায়ন ॥		একজন লামা	७ मान	<b>निद्धान</b>	
বিভূতি প্রেক্তগণপ	6.00		u	6.60	)
॥ মনোজ বস, ॥		৷ স্ধারঞ্ন	ম্থোপ	াখ্যায় 🛭	
ছবি আর ছবি ॥		প্রদক্ষিণ	n	8.00	11
জলজ্ঞগল ॥	9.00 H	প্রাশ্তর রখ্য	11	0.00	11
নিশিক্ট্ৰ	24 A·00	॥ আশাপ্ণা	দেবী !	1	
	২য় ৮∙৫০	জীবন স্বাদ	R	8.00	u
মনোজ গ্ৰুপ সংগ্ৰহ	8.00	দ্ই মের্	11	8.00	11
					-
1	-				

#### कवि ऋभो सर्वे फी व

## সোজনবাদিয়ার ঘাট

কৰির জন্যতম শ্রেণ্ড কাৰায়াল্য। জামানি, চেক, ফ্রাসী ভাষায় অন্বাদ হয়ে বিশেষ সমাদর লাভ করেছে। এই কাৰায়াদেখন

है : बाक्षी अन्बाम २०,००० कि नत दन्भी विकी दस्रहा ।

बक्नाकांशात बार्क ठाक्त वाष्ट्रित वाढिबाश

11 0.00

8.00

## নজরুল কাব্যসঞ্য়

4.00

तकृत **छ**ातत करिछ।

E 0.00 B

ৰেছৰ পাৰ্যালশাৰ্স প্ৰাঃ লিমিটেড, ১৪, বঙ্কিম চাট্যেয়া প্ৰীট, কলিকাতা-১২

গোপীনাথ। এক পাশের পাঁজরার হাড়গা্লি সাক্ষস্তরো করে কোলার প্রেল। আরেক পাশের কাকে এবার হাত লাগাবে। বিভিটা ক্ষম আবার চেপে এব।

কাক-শকুনির দল ঠার বসে আছে।
কুকুরটা নেই। কথন কোনদিকে চলে গেছে
শেরার করেনি গোপীনাথ। তেতে মেযে
তেমনি অঞ্জার। দিনের আলো ফ্রিরে
ব্যক্তে।

আবৃশ গাছের নিচে তেজা গামছার উপর
ব্নিরে পরেছে জান্। বিরবিনর বৃথি
মূখার করে ভুরত হাত চালাছে গোপানাথ।
প্যাপী কতুলা ভিজে জবজার। সকালবেলা
বানিকটা হাছু পেটে পড়েছিল আর এক
কংপ চা। এখন কিছু খাবার কথা ভারতে
পারছে লা সে। অধ্যন্তর হবার আগেই কাজ
হাসিল করতে হবে। কাছেপিটে জনমান্বের

সাড়া নেই। অনেকক্ষণ পর পর এক একটা মোটর লরা কিংবা বাইশ নম্বর বাস বনগা বৈছে। ধরে এধার-এধার ছাটে বাক্ষে। অধকার এগিরে অসার সপো সপো একটা একটা করে শকুনি জলার উপর দিরে উড়ে বেতে শ্রু করল। করেক ধাপ ছাটে গিয়ে জানা মেলে শ্রেনা লাফিরে উচছে। প্রে মোহনপুর বাজারের শিক থেকে একটা-দুটো আলো টিপটিপ করছিল।

বাশঝাড়ের মধ্যে জোনাকির থেল শরে হরেছে। মেথের আড়ালে আড়ালে ডুবে গেলেন সরেজদেব।

এ সময় এক ক'ল চা পেলে বহুত আছে। হত। চা-এর কথা ভাবতেই গোলীর গলার ভেতরটা যেন আরো শাক্ষিয়ে উঠল। আরেকটা বিভি ধরাল। আধু মাইলটাক দুরে মোহনপরে বাজার। সেখানে মদন সাহাত চা-এর দোক্ষা। আর খেটুকু কাজ কাড়ে মাধ ইণ্টার হরে ধাবে। ভারপর মদন সংগ্রি চারের দোকানে গিয়ে আয়ক দিয়ে এক কাপ চা বেভে হবে।

এক কাশ চায়ের দান শশ পরসা। সর क्षित्र आका शतका दिन्ह विध्याद आशह रबंध वाष्ट्रायम मा। किलाव माम भागता मा আমা ছিল, এখন পদের প্রসা। অভচ কো-পানীর কাছে মাল বেচেন আঠাল প্রসা কৈলো। সার। দিন বিভিটতে ভিজে এক কাপ চ্যায়ের কথা ভেবে মেজাল পাটা ইয়ে গেল লোপানাথের। দাপার বেলা লাশের চাদিস পেয়ে মনটা ৰাশ ছিল। তখন ভেৰেছিল वहावात्व यस यानाव दश मा। त्राका व्यापयी। একটা পরাস। বংকির কারবার নেই। দরকার হতেল অব্যন্ধ দেক। আৰু এখন এই সৰি বরাবর ছমখনে অধ্যকারে সারা দিন বিশিটতে ভিজে ভিজে মনে হতে ৰটাব্ৰেটা হক থিচুষ। একটা পয়সা ৰাডডি ছেকেন না। বেটে ব ভালে চাইকো মোলগ্ৰহণ কৰে কলেন--লাবে গপে। খবে তে। পরসং চিনেভিস আমার পালাটাই ভোজা বেশারী দেখাল অসাড়ে বাদাড়ে খ্যার হত্যদের আর কি প্রের্থনের হুমটো মাল ভালে বৈরে ভাতে ই তি প্রসা<sup>®</sup>নায় যাস, তারপর আমার কড় ক্রিপেয়াল্ড তথ ধল নিকি ব্নীকো হাছা পা**ও ক**লি ভাড়া নাও পাড়িট ক্**লেফে খাড়ী** ত কেব মহাত্তিন নাম, ত্ৰান্ধ্যতা ৮ ক্লাক্ষাবাধ্য পান কৈছে বাভ সম্বোহন তেওঁ প্ৰাঞ্চন ক্ষ্যেত্ লব চে - ধই জঠাল প্ৰসাত্ত মধ্যে --

নিঠা নিঠা বালি নট্রাক্র। কাডডিক কার প্রার বলা মেই। কাজা রার্মী।

ত ল'ব বগলাম ছাবি মুইাম রাম রাম।

নিনির কোর বেনেনাই অধ্যক্তির ওপারে নিলিতে মাজে: বনি আছের নিকটা ভানী কানকার: ব্রুলাকি উচ্চুত্র, কোনাকি লালাড় কিন্তু মাতির নক্তেটা তরে রোভা কারের নলাও নেটা শ্রু, লুটো শ্রুনি বাস আছে ভারবো রাভতীয় মালভাকে সেখানে আরভা নিত্যর ভারেন।

সাবা নিমা পোটো সনাপানি নেটা। স্টে বাটের কন্টা লগতি লাগের ছবিভিত্ত ছাবা-মাবি, তেলাড্লো: আছ্টোর্ড্ডেলা এমন বভ্রতে বার্ডে যে শক্ত ম্টোর ছারিটার বেনার্ড্ডানা।

এখন শালা কটি গেলু এক একলক দেকে কক্ষা গালেগতেলে খাটে এলে খালাস ককা কিন্তন। সেৱা যোগনোপ্ৰকা ক্ষা সংসদত হান্ত কোলাক পাৱলা গোপনীলাপ। এখন শা্ধা শিবদান্তিটা বাজি।

বড় কটে নিটা তালত নিগে শিবদীজা কুপিনে ট্রকরে। ট্রকরে: ক্ষরতে লাগল গোপনিথে।

প্রথমে মাপাটা আলগা করে নিল। হঠাং নজরে পড়ল বাঁশঝাড়ের ভেড্র থেকে কি





ডিাম্ব্রবিউটর ১ দি প্রিমিয়ার মেডিক্যাল সাপ্লেইজ জ্যান্ড স্টোর্ল

88/৪৫ এজরা স্ট্রীট, কলিকাতা-১, ফোন : ৩৪১৫২৬. • পান বাজার, গোহাটি

একটা ারিয়ে অসছে। খাড়ে-গদানে খ্মসো েহারর লেজমোটা একটা শেয়াল। অথি দুটো জ্লুক্জুল করছে। পেছনে আর একটা তর পেছনে আরো গোটা তিনেক।

বিড়বিড় করে বকলো গোপ্নিথ—শালা, গৈল্যভ বা গিয়া—

দুটো ধাড়ি তিনটো ছানাগোনা। ভারলে গাছটার ওপালে বশিফাড়ের কিনারার ঘ্র-ঘ্র কলছে। একটা একটা করে এগোর আর মান্যটা এক একবার মাধ তুলে তাঞালেই পিছিয়ে যার।

थाँ ए म्ट्रियेत आर्ज दिन्ती। आर्ज्ञको काकाकोक हरन ५८७८६। धर्मान्टउट राख्नक बाग्ने रदाहिन। धर्मा धरे शिथएनाट्रनाटक एम्ट्रिय आर्जा थिहरण एम्ला।

লাঠিটা হাতে **ভূলে** হাঁক দিল গোপা— ভাগা ভাগা শালা—

একটা গৈছিলে গেল ওরা। তরেশর আবার গাতি গাতি ফিরে দাঁড়কা। বাশনাড়টার ভেডর থেকে আরো করেকটা বেরিয়ে এল। মোট সাভ-আটটা শেয়াল জরাল গাড়টার এশাশ-ওপালে, বাশনাড়ের আনতে-কান চেছারার মত গার থারে করতে লাগল। কোনদিন বা হয় না। এই সাঁক বরাবীর আবছা অংশকারের মধ্যে পেরলাগালোকে সেখে গোপার গা কেমা। জন্মজ্য করে উঠল। কুকুরটা এখ্য থাকলে ভালাহাত দেশে করেবা আকার করে গাকলে ভালাহাত দেশের আকার করেবা পাকলে ভালাহাত দেশের করেবা সাহস পোর লাগের দালল করেহ

জ্বার্শ গড়ের ভিড়ে খ্যিক্স আড়েছ আছু। বেল্যা স্বক্ত বেল্ডেট বেল্ডেন্ড মানুর

এখন একে উকোর গ্রেন শেষ কলার প্রাছিয়ে নিয়ে একোর গিলারনাড়ার গ্রিকার।
প্রাছিয়ে নিয়ে একোর গিলারনাড়ার গ্রিকার।
ব্যালার মুখ কথা করল গ্রেন্থার নথাটা
নিয়ে কি করা যাত্র কিন্তু এই বিখ্যালালা
ভাষ্যলা পার্ড লিয়ে সাবে। এই শালানের
কিছ্যু সোরে না সে।

য়ের হেব মুখটে হাঁহার আছে। কালো **ভিডেটা ম**ালে বয়েছে : মাথটোর ভেডর 'ঘলা আছে মঞ্চা আছে। ক্ষেত্ৰ সাধ্যাত্তি ্রথন সময় নেই। কৰেছে সময় ভাগাবে : এরপর অভ্যক্তির আর নজর চলবে না हाज्ञभार्म ज्यस्यकात हुए स्ट्रांट आमार्ड । মসাবৈ ভাল যে এখানে জেতিকা উংগতে নেই সাপত নভাবে প্রভান : ভাব অন্ধকারের সংখ্যা সংখ্যা শৈহন্তগার্কা আর্রা বেপরেরারা হরে উঠবে। অগত্যা কৈক করালা গোপী-নাম, মোহের মগাটা জালের নিচে পাঁকের কাল সকাল চেডর প্রেড রেখে মারে। সকলে এসে তুলে মেবে। জারগটা নেহাৎ অচেনা নর। আধু মাইলের মাথায় মোহন-প্রের বাজার। আরে: মাইল তিনেক গোল য়েল লাইনের ধারে ভানের বৃদ্ধ। মাটির দেরাল, বাঁশের খ্টি আর খাপরার ছাউনি দেয়া তাদের বাঁশতর ধরঃ

মাখাটা দটে চাতে নিৱে উঠে দাঁড ল গোপীনাৰ! জলের কিনারার এসে সবে গাডিয়েতে, আচমকা জানার অন্তর্নায় শানে ঘৰে ভাকাল। ধাড়ি শেষালটা আনুৰ একখানা পা কামডে ধরে হিড হিড করে তেনে নিছে বাজে। গিখভের সংগ্রাটা ওকে शास क्षित्र धारत्य । अवकी शिक्ष श्रीक व्यक्ति कारहे अन रामिताय। माठे कारकर नमन्द ভোর দিরে মোবের মাধাটা ছাত্রে মারল। ধপাস করে, মাঝাটা পদ্মকো দলটার মধো গ ত্যা একটা শিক্তির সেল বটে। কিন্ত যাতিটা তথনে। আন্ত্রে গা ছার্ছেনি। বভ কাটারিটা হাতে নিরে স্বাণিয়ে পড়ল लागीनाव। बाद महमदमा बाद महमदमा। যাড়ের উপর পরকা কোপটা দিতেই আন্তর গা ছেভে দতি খিটোল শের দটা। একসার থকবকে দতি। মধ্যের ভেতরটা যেন লাল মালাম হল, বোধ হয় আনার রভা।

মার পালেকে। আর একটা কোল মারল সোলা মুখের উপর। এবার পিছা হটলো বদমাল লিখড।

বশিকাড়ের দিকে সরে গেল প্রের দণ্গলট : আন্রে ভান পা দিরে গলগল করে রঙ্গ করছিল। মেরেকে ব্কে ভূলে নিল গোপনিবে। রঙ্গে হাও ভিজে গেল, ব্কের কাছ ফটুয়া ভিজে গেল।

মোহানপরে বাজারের কাছে বনমালী ভাগদরবাবরে দাবাখানা। যত ভাজাতাড়ি চোক বেতে হবে সেখানে।

তার জাঁলে একমারেটা খাস চিবিকে খেতো করে তেওা গমেখার ফালি নিরে মেরের পারে কওাল গোপৌ।

ভাঙা গলার বারকয়ে**ক ডাকল—আন**্ধ অংশ্ আনু বেটি—

আলা বেহাল হারে গেছে। গোপরিও ক্রম কোন হাল নেই। ঝোলা ভাঁত হাড়, অস্তরপাতি, লাঠি, গামহা, ছাতুর পোটলা— সব পড়ে বইল। মেরেকে ব্রেক নিরে এক কোমর জল ভেঙে কেমন কেমন করে বৈ পাতা রাস্থার উঠে এল গোপনীনাৰ, নিজেও কোন খেয়াল করতে পারল না।

মান্তীকে পালিরে বেতে দেখে শেরাল-গ্লো কেন একসপো ঠাটুরে স্বের চেচিরে উঠল—কাহারা, কা.হারা—

আর গোপনীনাথ তথন পাগলের মত ছার্টছে। তার পারের নিচে কালো কুচকুচে ভেজা সাপের মত বনগাঁরোড। মাথার উপর অথকার আকাশ আর কির্বাধির বিন্টি।

সেই আকাশজোড়া মেঘ আর অথকার আর বিশিট মাধার নিরে গোপীনাথ ছটেছে, ছটেছে।



## শুভ हेश्यव बक्रल মহাদেবিয়া এণ্ড মেহতা

ভপ্তার আনন্দোজ্ল দিনে 'ষক্ৎদাল গ্রুপ'-এর দৌখীন বন্ধ সন্তার। ২ ম ২ ভরেল ও 'লেলোন্, প্রিক্ট পণলিল, ২ ম ২ কটল, 'টেরিল'/কটন, স্ফট, সাঁট ও লালা প্রকার পোষাকের কাপড়। মধ্য ও উত্তর কলিকাভার জন্ম অনুমোদিত শো-কম:

- ২ ব্রাবোণ (রাড
- রক্সী সিনেমা বিল্ডিং

## मासी जासाकाश्रज्



३)(अडीम पिटा वाड़ी/छ मुं'(म निवामक चात वक्डत का THE MINES WHE आज ५६ मामा

श्रेमश्रीरक बाहारन मिठापन, प्रदेव बन्छ दन्ते

ক্ষেত্ৰীল কিছে খ'লে খৰচৰ-কঃ ৷ এক বোডাল ৩০টি কাশক বোডা বার, অর্থাৎ কাশড পিছ থকা মাত্র ১৫ পরসা। (क्वीन, विदाशन, चर्च चर्क व क्य, चाक्ट्रे गरब क'ता त्रवृत ह



কেতীল, বিলেম প্রক্রিয়ার কৈটা এক নতুন ভরল ভিটারভেত। এ দিরে আপনি जिंड, डेलन, नाहेंतन, खब्रन, छितीन वा अन्न বে কোন রক্ষের ধারী স্বামাকাশড় বাড়ীতে चनावात्र भूंख भारतन । क्कीन मिरव ধু'লে- ধোয়ার পরও কাপড় নতুনের মন্ত बीद्ध, जात हाका छादा खात्रा बत्र बत्म, কাপড টে কেও বেলা। সিদ্ধের শাড়ীতে জরী আছে ? বেল তো, জেনীল দিয়ে ধুয়ে जिम, सदीक्षणा याममा कत्व।



দামী কাপড় নিরাপদে বাড়ীতে ধোয়ার **অস্ত** 

# व्यमद्दब्रव मिल्ली

ক তেখাল থেকে কাৰ্জন ব্লেড হরে বে প্রশাসত রাজ্পার্থটি লোকা ইণ্ডিরা গেট আন্তলের দিকে নাক্ষরাবর গিরেছে, লেই রাজপথের এদিকে জনবিরলা, কিন্তু জনর্থ-কর্ল হেলি রোড। এই হেলি রোডে পান্চম-বংগ সরকারের যে বংগান্তবন নামের অতিথিশালা তাতে কান্ত একটি কৃঠারতে প্রেংগাল এলোসিরোপনা নামে প্রতিষ্ঠান।

কেশাল এসোসিরেশন পশিচমবর্থন সরকারের কোনো উদ্যোগ নর না কি বেওগাল এসোসিরেশন অবসর বাগনের জনা "উচ্চ-শ্রেণী" বাঙ্গালৈর কোনো ক্লাব। এমনকি সাংক্ষৃতিক প্রতিষ্ঠান বলতে সচরাচর বা বোঝার তাও নর, এই বেগাল এসোসিয়ে- বোৰাতে চাইছি। মারাঠী, গ্রুরাতী, ধরা তো সংখ্যার আরো অর্নাধক।

कथाणे किश्विर गृहिटम क्लीह।

লর্ড কার্ছানের কালে কলকাজা আরু চাকা
শহর থেকে তুফার মেলে সোজাসমুলি পার্মানেন্ট চার্কার নিরে গ্রাাজ্যুন্তি বা মার্যাইকুল্যে বাঙালাবার দিল্লী ইণ্টিশনে একে
পোল্যিতেন সরকারের তিনি পদানক ভূতা
হলেও দিল্লী স্বাপান্যার ললটে ভার তোলা
থাকতো কলতে গেলে জার্মাই আদর। পিল্লী
ছংগনে এসে তিনি পোল্যিলেন "পান্ডববিজিত" ইণ্ডপ্রদেশ্ব। একটিই মান্ত তথন
শ্লাটকর্মা ছিল রেলনেটশনে। ইন্টিশন থেকে
তাল্যাসমাত বের্লেন বঙালীকর্।
ভাকে দেখে অর্মান বাজল শ্লাক্সের

বুইনল। সেই হুইনল শানে ব্যক্তনাল সাজ্যেরান ব্যাঞ্চর টালা ভার টালগাগাড়ি নিমে ভালপং হাজির। হাজির হরে মাল-গভারলকের বাঙলাবিবক্তের বিদ সপে বউ-বাছা-বেঞ্জাহানা-টিরেপথি থাকে, ভাদের সকলকেই ভুলে নিমে সটান পেণিছে পিল ভালেরা ব্যক্তরাজার ভেতর-ভেতর ব্যন্না-ভারে ভিলারপ্তের নির্দিট সরকারি কোরাটারে। কোরাটারের নির্দিট সরকারি কোরাটারে। কোরাটারের নির্দট সেকে-টারিকেট, কোলেমেরেদের জন্য বাঙলাভারার মাধ্যের ইপ্কুল, বন্ধদের জন্য বাঙলাভারি ভল্ল বন্ধদের কাল বাঙলাভারি ভল্ল বন্ধদের কাল বাঙলাভারি ভল্ল বন্ধদের কাল্যানিতি। জন্দন প্রদানবারি জন্তবেল তথনো বাঙালাদের ব্যক্তাভার।

মোগলাই দিল্লীর শেব চিহা, ক্ষেপ্তর নাগলমান গাড়োলান এ-কথা জামি বর্গান্ধনে দ কিন্তু তথাপি ঐতিহাসিক কারণে বাস্তবিক্ট মোগলাই দেহলী বেমন গারেব হরে গেছে বিশেব কোনো এক স্বংসরাজ্যে, কার্জোন-কালের দিল্লীও বিলক্ষ্য হারিয়ে সেহে

## 2 slas

শন: প্রতি সম্পারে ত.ই বেশ্যল এসোস্থিয়েশন
নামধারী কুঠ্রিতে বসে না কেনো গালগদেশর আসর। পারতপক্ষে কোনো বাঙালাই
এখানে তার পায়ের ধ্লো তেমন দেন না;
এমন কি এই এসোক্ষিয়েশনের ফিনি সাধারণ
সম্পাদক নামে অভিনিত তিনি নিকেও এখানে
সম্ভাবের একটি দিন মান্ত আসেন, তাই
আমার তিনি বলালেনা ভাবিকার ধাশনা
আরের দশ্টা কাকে তিনি বাসত।

এমন কৈ দিল্লীবাসী বাঙালাহিদৰ মাণিট্ৰেয় জনাক্ষেক ভাগাবাল হ'বা এসোসিয়েশনের াণিকার বাভালী প্রকাশিত মুখপ্র ষাশ্মাসিক প্রতিকাটি বিন্মালে। পান ভার। ছাড়া অনেকেই এই এসেলিয়েশনের অভি১४ मध्यक्ष मञ्जूष अख्यातः किन्द्र एरमाइ. খ্ৰ খোলাখ্লিভাবেল আমি বলছি দিল্লীর ৰাঙালী এবং বৃহত্তর বাঙলার অনেকৈ না জানজেও এই বেজাল এসোসিয়েশনেব স্থারিম আর এর স্তা, কমস্চী, ব্যবস্থাপনার নৈপুণে, এবং পরিচালনার উপর নিভার করছে দিল্লাবাসী বাঙালীর সমাজ-জীবন: অবদা দেহটা বাঁদের শুখু বাঙালীর, চিত্তের যোগ ইউরোপের সংখ্য ভালের কথা আলাদা। আর বাঙালীর জনসংখ্যা দিল্লীতে रनहाउ कि**ष्ट** क्य नत्। मिक्किश, रव क्वाना প্রদেশীয় মানাষের চাইতে আমরা লক্ষ্যণীয়-कारव मरशाधिक। पिकणी वनटङ मानद्रानम ভাষিদ আর তেলেগ্ডোমীদের আনি



চনচিত্র : কুনাল ব্ৰেপোনার ছ একেণ্টরা বোগাবোগ কর্ন। ৭/১সি, কালীচরণ বোষ রোড / কনিকাতা-৫০ / ফোন : ৫৬-২১০২ শিশুটার বিশ্ববহুশের সংশা সংশা সংশা সংশা গেছে রাঞ্জালী-মহলে রার্থ রার্থ

দিরের একদম পান্টে গেল। স্মার্থনিনীতর দিরের এই তৃতীর দশকে দিরুবিবারী বাঙালীকে রীতিমত টিকৈ থাকন্তে হচ্ছে জন্যান্য বিশটা প্রদেশী দিরীবার্গীর সংশ্য প্রতিবোগিতার করে। সেই প্রতিবোগিতার ক্রমশ আমান্য যাঁরা বাঙালী, তাঁরা হত্যশক্ষাক্তাবে পিছিরে যাক্সি। আন্তচ্চেনা চার্বিদক্রেই ভাঁর। অন্যান্য প্রদেশবার্গীদের পাঞ্চশরিক অভিযাতে বাঙালীয়ানা আর কেকালের বাঙালীয়ানা আর কেকালের বাঙালীয়ানা থাকছে না। অথক ভা

বাংলা সাহিত্যের চাণ্ডল্যকর রহস্য উ

র্জনার স্নৌলকুমার যোবের আর একটি

## ব্রাক আমবাসাড্র

কাহিনী প্রশ্বনার আর রহস্য পরিবেশনে লেখকের ভেষ্ঠ কৃতিখের সাক্ষর। লয় সতে টাকা যার ॥

खन्यामा बहुना खेशनगत

স্নৌলকুমার ঘোষের

গোরাসপ্রসাদ বস্র

## উত্তরাধিকারিণী

**4** ⋅ 00

ক্ষর

**हित्रश**ीव स्मात्मद्र

मार्थ इस ठीका मार

थानीत एम तन्हे ६०००

करम्रकीं हे रे ए पर्ने ब्रह्मा ४०००

आहेमा भावनिदक्षणात्र । ४५ भटाचा शाक्षी खाउँ क्लि

শ্বজেন্দ্রনাথ ঠাকুর শ্বাতকথা

ग्नाः ध्य शिका

প্রতিভারে বহুমাখী প্রকাশ বিজেপ্তনারখন মণো বেমনটি দেখা বার, তেমন দৃষ্টাপত সচরাচর দৃখাভ। 'তিনি স্ফাই বিলেন এক নতুন ধরনের, এক নতুন ভাতের মান্য।' সুধা কা শত রায়চৌধুরী তাঁর প্রশেষ সাধাক চিচ্ন অভিকত করেছেন

বিকেন্দ্রনাথের।

#### স্ব পন প্রয়াণ

খিজেপ্রনাথ ঠাকুরের এ কাধ্য থাংলা কাবসোহিতের অনন্য নিতা ন্তন...ক্ষমও পর্লাতন হর না।' ম্লোঃ সাত টাকা পঞ্চাশ পরসা

কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয়ের প্রথম রাম্বতন, লাহিড়ী অধ্যাপক আচার দীনেশচন্দ্র সেন বংগা ভারতীর একনিশ্ঠ সেবক। তার আন্তরিক প্রবড়ে বিশ্ববিদ্যালয়ের উচ্চতম শ্রেণীতে বংগভাষা ও সা

**যরের কথা ও ব্গসাহিত্য** 

ভারতীর একনিশ্ঠ সেবক। তাঁর আশ্তরিক প্রবড়ে ।
বিশ্ববিদ্যালয়ের উচ্চতম শ্রেণীতে বংগভাষা ও সাহিত্যের পঠন-পঠন প্রচলিত হয়।
আলোচা প্রশেষ দীনেশচদের সাহিত্য-সাধনার পারিচর গভা।

## म की एक म, म ब

প্রথাতে স্পাটিত-তত্ত্তিক হান্সলিকের পি বিউটিমূল ইন মিউজিক' প্রশ্বাম ডঃ সাধন-কুমার জট্টাচার্য অন্যান করেছেন। 'এই-জাতীয় অন্যান স্পাটিকলা শিক্ষার অভাগরের জন্ম একাশ্তভাবে আবশ্যক।' মূল্য ঃ পাঁচ টাকা

কান্তগীতলিপি মূল্য: পাঁচ টাকা এই গতিলিপির সংকলক শ্রীদিসীপকুমার রাম্ব এবং সম্পাদক প্রীপ্রফ্রেকুমার দাস। কালডকবি রজনীকাল্ডের গান একদিন বাঙালির প্রাণ ভরেছিল, আজও তা ভরবে।

কলিকাতা : ১

किखाना

ক্লিকাতা ঃ ২১

चावता ताम निरंप करिया होता समाह. পিছতা এতই আফাদের মোহাল্য বেশ্বর পর্বশ্রীকাতনতা এখনে অভাতন ভাবে আমাদের চারিতিক প্রসাধন। OWNER WINDS বেংকে যায় জন্ম মান বের অন্য প্রদেশের অন্য দেখের সোভাগে। কেঅপারেটিভ ক্ষাবার করে वरम, छात वावशात अथना आभारमत प्रकाना। আৰু এই বিৰুয়ে মুম্ভবড একটি ছেখা চলো বাঞ্চাভাষীদের চন্ট্রতে দক্ষিণীদের সমাজগতে কীবন টের বেশি উয়ত মানের কোঅপারে-টিভ। বাঙ্গাদেশের অপ্রবাসী বাঙ্গালীবা वका बका धाकरत ठाउँरामध दश्र वका वका थाकरण भारतन। मिस्रोत প্রবাসী বাঙ্গালীন প্ৰক্ৰে সেটা আত্মকেন্দিকভাৱ সংস্থা এক ঘুণা পরিচয়। মানবে যে একা একা কোনো নিরাশা স্বীপ্রাসী ইতে পারে না. তা দক্ষিণাঁতা নিভা আয়াদের क्रार्ट्य आहार सिटा रर्पायदा सिट्छन । समाक জাবিনে দক্ষিণী-বিশ্লীবাসীর উদ্দর্ক চিন কুমাশ এশিয়ের যাড়েছন, পরক্ষ পরিক্ষাপর্যা অন্সারে সংক্রা ধরা ঘার ওলের ভেলেন रम्परास्त्व देश्कल श्रीवद्याकानाव वार्श्ववरे । কাদর ইসকলগালে সাপালগালাত ভাবে সেগ্ৰেল পটন 878 183 · \$73 যাতের না। বেলাভ হওয়ের আনানাম দিলাী প্রশাসনের প্রয়োয় পড়ে এইন্দী - মিডিররেম শিক্ষা"/) নিজ নিজ মাজেভাষায় ন্যালেই ওচনে त्रीक्रियोगित रहत्त्वाच्यायता विश्वित करमत रामाभाग प्राथाना जाकांगर मन्दादन निकारित अस्य यना-यन करत उत्तर দিশাহারা হবচ घाउँ इश न्ता ভাষের সাহিত্র নিল্লী ভারের সমাজের দেবজ্ঞারাভ । দায়ি**র**। প্ৰত্যক ভাষাভাষীদেৱ করে গেষ্ট হাউস অংছ। সেগ্রান প্রতিতি পাড়ার পাড়ার। নামমার অথ'বাবে ভাতে নকাগ্রন্থকের মাস খরচ চলে যায়। এই স্ব দেশখনটো বিশ্বকাল্ডা मा एक का जिल्हा प्राप्तक কোকিলক ঠারা সংগতিনত ঠানের इ.सारक লক্ষ্য টাকা সংগ্রহ করে ওদের হাতে সান্তেদ ওলে দিয়ে যান। এই ধরনের নানাপ্রকার স, খস্থিবধের স্পের ধারস্থা আপন-আপন সমাজের স্বিধের জন্য করতে পারেন। যা দির্মীবাসী বাঙালী আছর। এযাবং করতে প্যারিনি, করবার কথা নিয়ে খ্যব বেশি যে ভাবতে বসি তাও নর। তক্তি তার্ক বিস্তর হয়, শেষ-পর্যণত সব বান-চাল হয়ে যায় 'সভাম'ডাপে বহু জনালামহাী বকুতা শোনা যার কিন্তু কম'ম্থালে লোক পাওরা আতান্ত দুক্তর' এই ব্যাপারে বেজান এসোর্য সংক্রণনের সাধারণ কথাটাই আমি উন্ধৃত করে দিলাম। অরুণ-বলেছেন. লোকের অভাব হয় না, কর্মস্থলেই শুধু

ভাসের অনুক্রিকাতি দেখি। বস্তুত, ক্যারি ভাগেকা দেশা জন্মরা সংখ্যার চের বেখি, বেমন শিক্ষিতের' চাইতে শিক্ষকের' সংখ্যা ভরাবহ, এও তেলান। সমাক্ষরীরন? তা নিরে নির্মাবালী আফরা পারতপকে মাধা খামাইনে। বস্তুতি নিজ নিজ সংতানস্তাতির গান্ডির বাইরে বে বাঙালীসমাজ তার জন্ম আমানের কোনো টান আছে, আসল সমরে, তা ব্রধার জো নেই। মুশ্বিল, এ জিনিস শেখানো বার না, আপনি শিখতে হয়।

বাঙালী কাব দিলাহৈত আছে তা **চালেকেও অধিক।** ভালের মধ্যে বেগিব ভাগই শুখু নাট্যাভিনর নিয়ে থাকেন। কারের वा गाय अकिंग कार्यस्वार्ध वा शरीताव একমাত্র আকর্ষণ। দুর্গাপ্তকা, বালীঅর্চনা, वर्वीक्ट सक्योंकिश. यह धरत्व भागाकर्या मकरमारे धारारम्हारम अवत रुन। एरव हाव-পাঁচটি কাৰ এখনে অন্তৰ বেগটোল বে-কোনো সমাজসচেত্র বাঙ লারি পক্ষে গর্বা कतात भारता श्रीताकोताः भारतिर्धानम् ताद भौ मारम्कृष्टिक क्षीवरमंत्र म्लप्डेट्डे अवस्ति बन्ता। তা ছাড়াও সমজসেবার প্রের কাজে আসার কান্টটাও এই কবি প্রতিষ্ঠানের অবশ্য প্রদানীয় কর্মা যাতে মান্তবের জ্ঞাতিছ ধরা প্রড। বাঙাকীদের স্বর্কম অশা ভর্মা, সাখদাংখ ও আন্দেবদনার ভাগতী হন মতে এই চারটি কি পাঁচটি বাঙালী ক্রান। এনের মধ্যে সক্ষেত্রে যেটি প্রচান তার নাম বেংগলী ক্লাব, কাদেমধ্যী গোট। আর সবচাইতে যেটি মতুন অধ্য সবার সেরা ভার নাম করোজবার্য বন্ধারীয় সংসদ। সামাগ্রিকভাবে সমাজেগঠনমালক সমসত কাজেকমোঁ এরা সদা-স্বলি এক পা এগিয়েই রয়েছেন। এই কাবের পরিধি সম্বদ্ধে পরিভয় কিভিং এটেই মিলাবে প্রতি মালে তিন হাজের টাকা এরা ব্যক্তিভান্তা দেন ক্রাবের, এবং রাবে সংক্রাবত ক্যাপারে, রেম্ম ইম্কলবর্গড়, অভিপিশাসা। খালছেন এবার এরা ছি ভিসপেনসারী।

ভাৰে ছাজত মানান বাধাবাধকভাৰ প্রস্তাকটি ক্লাব-ই পাড়া-বের্কান্সক প্রতিষ্ঠান। এদের না আছে উপ্যক্ত অথবল, না তেমন জনবল। এদের বর্তমান কমাস্টো জেকে একটা এগতেত গোলেই অর্থাবল জন-বলের অনিকার প্রদান। ছড়িয়ে ছিটির বেভাবে দিল্লীবাসী কভাকাটদের বসবাস ভাতে সকলের পক্তে সর্বত্র এগিয়ে আসাও প্রার অসম্ভব। এইসব ভেরেচিতের বেলাল এস্মেলিয়েশন-এর প্রতিকা, যে কেল্ফা এসোসিয়েশনের প্রস্থা আমি এই নিক্ষের গোডাতেই তলেছি। ছোট-বড সন্নত বাঙালী क्राक्त्रांकि करे कर्त्नामसम्बद्ध करम उपन নিৰ্বাচিত প্ৰতিনিধিদের মার্ফত সকলে এক হরেছে, ছোট-বড সমস্ত বাণকগালি বেমন क्र इरत्राक् विकार्ण वार्ष्क क्रम। (वन्धन करमाजित्यगन-धर छेटम्मगा, श्रामत वर्भ- পাশ্চীত লেবে তাই মনে হয়, আনাভারকেও সাভ্য করে ভূলকেন। কেন এই কেব আ অনের কর্মান্টীয় একটি বিষয় দিয়ে উপা-হরণ বিভিন্ন।

দিল্লাকৈ আটটি ইস্কলের শিক্ষার মাধাম ৰাঙলাভাৰা। এই ইম্ফুলগট্নল দিয়া প্রশাসনের কাছ থেকে অর্থসাহাক পার रयक्त जनगना कारकार्योदमय हेन्क्लगः न নিয়মিত পেরে থাকে কেন্দ্রীর শিক্ষাবিভাগের यादेनान्द्रमारतः। किन्छ त्रदे सर्थामादावारे,कृ এতই হালাকরভাবে অলপ যে, বর্তমানে বাঙলাভাষা মিডিয়াম ই স্কু ল গা লো ব নাভিত্রাস ওঠার চক্স অকত্যা। বাঙালী জন-माधावागव काह तथाक होना हैकिए किएन-প্রকারে কর্তৃপক্ষর ওদের আরবারের হিসেব মিলোন। কিল্ড এইরক্স নাভিশ্বাস দূর্বস্থার আর কর্তাদন যে বাঙালীদের এই ইন্কলগালি ডি'কে থাকাত সম্প হাব তা धारम क्या मान्कत । श्रा मन्छर वर्षाछारर শেষ পর্যাত্ত এই আটারি বাঙালী ইস্কলই একে একে দিল্লী প্রশাসনের হাতে চলে বেতে বাধা হবে। তখন নিরুরি বা**ঙালী ছেলে-**নোরদের মাতভবার শিক্ষার একদম বারেটা বেজে বাবে। হিন্দী ভাষার পড়তে হবে অ-আ ক-খ। রবীন্দ্রনাথ অচল হয়ে হাবে! পাগলা দাশাকে আৰু চিনতে পাৰে না অমাদের শিশ্বা। **मिद्रा** <u>जनामन</u> वीक्ष्यक्ष क्रांतम मा। क्ष्मीत क्रांतक প্রাক্তন মন্ত্রী মহাশর সৌদন কণ্ণিকমচন্দ্রকে নিয়ে আলোচনা সভায় কললেন কাঁকমের भारत राक्षमाख्या हिम धर्मां बोरेयान नाःगातक।' मानाम शास की?

বেশ্যল এসেসিরেশন এই ইম্কলের বাপারে একটা ট্রান্ট গড়ে তব্দতে চান। আর এর ট্রাস্টের হাতে সেইসপের ইম্বুলগ,লির সমস্যাল্যলে কেও ধরিরে লিভে চান। অঘচ प्रेम्पे वान्यस्नात कना ठारे व्यर्थ, क्यों । ग्रोकात প্রয়োজন তা প্রায় এক্ষ্মি কুড়ি-পাচিশ লক টাকা। এতে ইম্কুলগ্রিলকে বাচিরে রাখা সম্ভব। বেশাল এসে: সিরেশন-এর সভাপতি কেন্দ্রীয় মধ্বী ডঃ হিগুলে সেন। তিনি म्बरः ध रिकात छेठे भए लाएग मर्वापक দিয়ে তদ্বির করছেন বলে শ্রেলাম। আর আপাতত পশ্চিমবালা সরকারের কাছ থেকে কিছা আথিক সাহায়া যা গাল্ডেন এলো-সিয়েশন সেই অর্থ দিয়ে ইম্কুলাম্নিকে টারটোর টি'কে থাকার সাধ্যমত রুসদ বোগাকেন, বে রসদ নামমার।

বেপাল এসোসিয়েশন নানাভাবে ক্যা-সর্বাদা দিল্লীর রঞ্জালী সাম্প্রেতিক সংগঠন-গ্লিকে প্রেরশা দিছেন। বাষ্ট্রনাদেশের রবীশ্র-ভারতীর ধরনে বপ্গা-ভারতী নামে এরা উচ্চাপা স্পানীতের একটি বিদ্যালয় খ্লেছেন। এই বিদ্যালয়টি অদ্র-ভবিষ্যতে স্মুভ্রত রবীশুভারতীর স্পে ব্লুছ হলেও

## প্রকৃন্ধকুষার সর**কারের** প্রবন্ধ-সংগ্রহ

जन्माक्ता के जरकमन इ नकून सदस्यानाधात्र ॥ ६०००

### বারাগাড়ার বাঁপি সাধানা জাব ॥ ৪০০০

शास्त्रम

শ্ৰীপান্ধ 🏿 ৫.০০

## शाक्त जो त पृष

স্ধীর খোষ ॥ ১৫.০০

### তরুণের স্বপ্ন

म् जायहर् वर्म ॥ ७.००

ठंशी

শীপান্ধ ॥ ৫ - ০০

## বাংবারবৌ কিক দেবতা

(রবীন্দ্র প্রক্রেরারার) গোপেন্দ্রকৃষ্ণ বস**ু ॥ ৬**·০০

## कास त '७८

मःकलन ॥ ১०.००

## ध्यय वृष्टि রোদ

রঞ্জিত বন্দ্যোপাধ্যার ॥ ৩٠০০



আনেদ পাৰ্বিশাস প্ৰাঃ বিঃ অফিস: ৫ চিন্তামণি দাস দেন। কলিঃ ৯ কিন্তুন-কেন্দ্ৰ : ৬৭.৫ মহাখা গাছী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭ হতে পররো। বর্তমানে এর প্রটি শিক্ষাকেন্দ্র।
গহরের দক্ষিণে বিনরনগর ইপ্রুল, আর
প্রিটমে করোলবাগ বংগার সংসদের শিশ্ভারতী। প্রাধীন 'একটি সমিতির উপর
সংগতি বিদ্যালয়ের পরিচালনার দ্বারিত্ব
ক্রাণতি দীপালি নাগচৌধ্রী। বাঁকে কলকালরে সংগতিপ্রিয় মান্বমত্তেই চেনেন।

বেদাল এসোসিরেশন একদিকে গরীব

মেশাৰী ছান্তছাত্ৰীদের অর্থ সাহাবেক জাকথা বেজন করছেন, অন্যাগিকে এরা তেমনি করতে চাইছেন অসক্ষ্প ব্যবস্থানির হাতের কাজ শেখানোর ব্যবস্থা।

শুবু কি এই? আজে অনেক। এবং বে কথাটা এবার আমি কর্লাছ তাতে প্রবাসী-অপ্রকাশী কছালামিতেরই উৎসাহবোধ হবে। বেশাবা এসোসিয়েশন শিগ্রিগাই ইংরেছী ভাষার একটি হৈছাসিক গাঁচকা ছাগালোর ইক্ষা প্রকাশ করেছেন। বার উদ্দেশ্য গাঁগুল-বংগার সংস্কৃতিকে 'বিশ্ববাসীর নিকটে' তুলো ধরা। এই গাঁচকাটির সম্পাদনর করকেন দিল্লী বিশ্ববিদ্যাকরের স্থাকিলাভ অবাগা এই তাহেন্টারও স্বাধিক্ট্ই নির্ভান্ন করেছে কার্ কতাথানি ভেতকের তাগিদ ভার উপর।

## **जिन्त त्यारचे अगति मृत्यत्र, कुलापत**



CMAG-117-208

क्रिकेट कि III अन्य दुग्य राज्य वर्ष (तल, जागति अस अवुक्त अरेल्स का

ত গুৰু ঠিকৰত আৰু ক'ৰে কলটি টিলে বিন। কোনো হিলেবের বাবেলা নেই—্র কুল ববার গুরু নেই।

• প্রজেক '১২-' রোলে ১২টি বড় ছবি (১× ৬ সেন্টিমিটার)

এভার-রেডি বেস্, পোট্টেট লেনব্ ও ফ্ল্যান্ সান আলাগা লাবে পাওয়া বায় ।
আনকার ভরাব্যারে ব্যক্তভাবক : ভি নিউ ইভিয়া ইওাট্টিক লিনিটেজ, ব্যেল্য ।

जून्य सम्मातः क्षेत्रे क सम्मात्रिकारोत् स्टब्स् मान्याः सम्मात्रे सम्मात्र सरम्यः ক্ষান পরিপেক: আগকা-সেভার্ট ইতিয়া লিমিটেড বেলাই • নিউসিনী,•ঃক্টালাড,•ঃখবাদ-



थन दएका स्टाहि-अपना काकनार्छ স্থীকার ভার যে, মেরেনের নেহেন কাচার াট হোতে শেকতালিক ওপৰ পৰ্যাত ভাগে-টক বিশোস কাস খেকেই খ্ৰে রহস্মের नागछ। दाय इत मय भारत्यक छाई नारगः। टकराक मात्राच्या, मार्गकेमा स्मरत नवा, स्व-स्काम टेकटनाइनास्त्रीर्णस्य भारतस्य ट्यास्ट (calf) দেখাত শেক্ষাৰ পৰীৰ শিউৱে উঠত। আমাদের ভারতীর মেরেরা লাভি পরে কলে अथनक फाएनत कोंग्रेस कारबात माणियगाठक महत्रहरू हम मा। अस्मात दर्गका शर्वास्ट দেশের মেরেনের মথে, হাত ও পারের পাতা প্রাণ্ড দেখাতে আমারা অভাতত ভিলাম। যোবন কথন যায় হায়, তথন বাংলা দেশে বাক প্রযানত ঢাকা চোলি ও নাভি থেকে গোডালি প্রয়ামত ঢাকা শ্রামি প্রায় চলা হলা। এই প্রাঞ্জ থেকে কোমর (midriff) দেখান मोहेल त्यम भारतिविद्यालकाकारी भारत হত: ছবিতে কিলেশী মেমেদের বিকিনি (bikini) পরা মাডির চেরেও মিডরিক নেখানে শাভি-চোল পরা ভারতীয় মেয়ে-দের চেহারাই বেশা ইল্টিগং লাগত এবং এখনও লাগে। আঞ্কাল অবশা ভারতীয় আধানকার বাকের ভার ও নিজনের খাঁজ সাধারণের দাণ্টিগোচর করতে শরে করেছেন, কেউ কেউ। জানি না, এতত ভারতীয় তর্ণ-দের 'ক্ষু মাঝে রম্ভ আত্মহারা' হয় কিনা, আপে আমাদের ষেমন তরগোদের পায়ের গোছ দেখনত পেলেই হ'ত। আমার ধারণা ন্যর্গীদেহ যত প্রশামান হয়, ততই ভার পুরে, ব-চিত্ত-চণ্ডল করার শান্ত কমে আমে। ১৯৫৩-তে তো বটেই, ১৯৫৭তেও স্যোমি দেশে মেয়েদের ফ্লক বা স্কার্ট হাট্টক नीरहरे हिन। ১৯৬० छ रम्थनाम, श्रीहेत देशि शासक डेभरत हा डेर्ट्स्टा जवरत দেখছি শ্কার্ট বা ফ্রক উর্বে মাঝামাঝি উঠেছে। কোন কোন সাহসিকার স্কার্ট কেবল-মাত্র নিতাব ঢেকেই ফ্রিকে কাছে। আফালের পাঞ্জাবির বা ঝলে ভার চেরে এনের স্ফার্ট या अप्रकार यहण दनगी नहा। महतून महिएउ छ স্থালেস্ ট্রান্সপ্রারেন্ট নাইলনের মোজা हाडा नौक्त मिक्छा जन्भून जनक्छ। काउँदक क्राउँदक किरकान करही है.

দিকে ত ফরের মেটা ওজরকোট গরেছ,
নীজের গিকে শীত করে না?" তার বলে—
"সরে গেছে। ধ্র ঠাপ্তা লগালে তার একটা
গাটি ও হটিরে নীতে পর্যাপত আর একটা
মোটা মোজা পরে নিই। আমার তো পথেঘাটে ক্যামপাসে মেরেদের রম্ভোর, দেখে দেখে
চোধ এমনি অভাশত হয়ে গেছে যে, নারীদেহের বৈভিত্য সম্বন্ধে আর কোন কোত্র্যা
জাগে না। তর্গদের জাগে কিনা জানি না।
কিশ্তু মনে হয়, যার আভাস মনে চাঞ্লা
আনে, তা অনাব্ত হলে মনতে আর নাড়া
দের না। এদেশী মেরেরা ফাশেনের অনুসরশ

করতে গিরে লানীনেত্ন ক্রেনিকার্ক হারিরেছে। ক্যাশন নানীনেত্ব লোকদীর করে দেখাতে গিরে প্রেক্তের তেখে করা (callous) গড়িরে দিকে। এর তেরে গাঁজর-দেখান প্রাইল কেশী লোকদান। তবে দেশে যে স্ব স্থ্লাগিলা ঐরক্ত সাক্ষেন, ভালের মিড্রিকের জারগার মোটকের টারার বাঁবা কলে মনে হর।

এদেশে বোগ দেখাতে এসে আমার জনমান্তরে বিশ্বাস ক্রমে দ্যু হছে। বে ছবি কটা পাঠাজি এই সপো ভার মধ্যে দ্টোতে আমার একটি ছারী (নাম—রাইরা) কর্ণ-পাঁড়াসন ও পাঝাসন করছে। এ সেরেটি বাধ্য পাঝাসনও করতে পারে, বা আমি আজও পারি না। ক্যান্তিনেভিনার জিমনাান্টিকের বেশ চলা আছে। সর্বাশাসন, শাঁবাসন, হলাসন এরা চট করে লিখে নের অনেকেই। পাঝাসন শেখানই কঠিন, করেণ এরা হটি, ভাল করতে মোটেই অভানত নর। বরং বক্তাসনে বসতে পারে, কিন্তু অর্ধ-পাখাসনও করতে পারে না। এ মেরেটি মার্চ



बाहेसा-भव्यामन

क निष्ठा कामन त्याप गात की होंने रक्षणा राज्यका काम सम्मान, "कृति कारणत काम किम्बा एकाँकती किर्मा का ना राज्य काम कामन क्षेत्र काम्मान काम काम करत कि काम काम "कामन क्षेत्र कामिणत प्रमान "कामण" कथांकी मारक कार क्षेत्र कामान कारका। मारम किरकान कन्नक क्ष्म क्ष्म किम कामका कारका। मारम किरकान कन्नक क्षा क्षम किम कामका कारका। मारम किरकान कन्नक क्षा क्षम বা পট্ছ।" এ মেরেটিও প্রারন্থের জনাই হরত এত জনারাসে এত কম সমরে এই আসনগরেলা করেছে। তিন্দো নামে একটি ১৮1১১ বছরের তর্মে হতেও এসব আসন করতে পারে। অবচ হামে-ক্রেমেশের থড়নার (আমার জনাতম ছাত্র) একটা পা লালা করে বলে আর একটা পা উর্ম ওপরে চুলতেও পারে না। कातरक रनरमीत ३० के स्वाम-निकासी द्वार सर्था यह रकत अमेरि रन्धा भोनती यह साम ३ कमर्थ मुद्देश अरम्प का विभागित और ३ कार्य द्वार हाल्य कार्य काल्य निर्माध्याचि काल नर्था कार्य कार्य साम कार्य कार्यमा कार्यम् असाक ठिक सम्बद्ध भारत ना। अरमरम बहुदस्य कार्यारक सामक बहुतस्य कार्यमा नामान्त्र राम

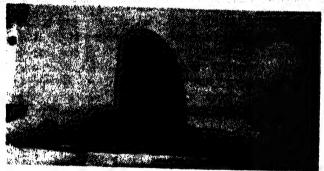


কান্তা স্থান্ধি যেথে আপনি নিশ্চিত থাকতে পারেন। সন্তলোটা ক্লের যত আপনি লৌরভ ছড়াবেন। আপনি পাশ দিরে গেলে হুৎস্পানন ক্রততর হবে; আপনাকে সকলেই মুগ্রনেত্রে দেখবে। হরত তেমন কারো দর্শনও মিলে যেতে পারে—যার কাছে সেই মুগুরের দ্রুলয়ে অসর আসন পারেন মধ্র শ্রীমরী আপনি !

ভ্যানভাটা কেমিক্যাল-এর ভৈরী

**ECKA 2998** 

नकल थ्यंक भावधान। निर्वादाशा माकान थ्यंक किन्द्रन।



बादेबा-क्व'भीकानन

প্রচলিত। তাতে কিন্তু প্রেবদের খ্ব ভিড দেখলাম। ফিনল্যা**ে**ডর জনে। এসো-जित्तगत्नव द्वात्रभान भाज तानत्रन धक-দিন একটা কারাতে ট্রেনিং কেন্দ্র দেখাতে আমার নিয়ে গিয়েছিলেন। দেখলত এক काभागी अञ्चलाठे भन्न भन्न मृट्ठा म्हाटक প্রাথমিক ও এডভান্সড কারাভের লেখন मिटनन । आहा ६० ।५० छन भू मूटन निवास —সবাই পরে। আমি ছাড়া ৫।৭ জন দশকি ছিল, তার মধো ২ ৩ ট মেরে। য়েনসেনও এড ভাল্সড হাপে কারাতে শিখলেন। ইনি 2.dan জ্বাদা একুপার্ট अध्य अस्टिमंद श्रयान क्रुमा निक्का জ্ঞানের থোরেড এবে মেরাদণ্ড ও ডাম চাটা লখম হওয়ার হাদিপাতালে থাকতে হয়েছিল বেশ কিছুদিন: তারপরেও পিঠের ও হটিরে তাড্টেড। না সারায় আমার কাছে আসেন যোগিক প্রথায় যদি আড্নটতা সারে। মাস দ্রত জাসন করার পর সেবে গেলে ভার লেখা একটা বই আছায় উপসার দিয়েছন বইটার নম-Judo: উপহার ক্রিভ লিখেছন "To my Yoga teacher Mr. Dhiren Dutta thanking for the cure of my back " होन I C. I. g Synthetic fibre-এর সেল্স্ অগনিন্টজার ও এবং স্কুট এলিকাবেথ ইংরেজ মহিলা। এলিকা-কিড দিন \$500.00 त्थार(जिस् भारपा करन ভারপার এর ভাতীয় সম্ভান্তি সম্ভান্ত। তার প্রসাব এড সহজে ও বিনাক্টেট হরেছিল যে এবারেও সে আমার ক্রাসে নির্যামত আসে. যদিও যে সৰ আসেন ক্রাসে শেখই, ছয় বছর আগে ভার অধিকাংশই এ শিখেছিল। এরই প্রভাবে ম্যান্ত পিঠ সারাবার জনা আমার কাছে প্রথম আসে। পিঠ সারার পরে राम, "धान कड़ा भिचा हाई" वननाम, "ধানের সময় প্রাণায়াম করে মন্ত্র জন্ম করতে হয়। আমি ত গায়তী মন্ত জপি, সংস্কৃত ত তুমি ব্ৰুবে না। "Our father which art in heaven" श्रात श्रात छन (कारता"। মাাক্স বললা 'পারতী উচ্চারণ করতে শিথিয়ে দাও আর মানে বলে দাও"। ওর আগ্রহ 

আমার চিঠি লেখে ও নাম সই করার আগে লেখে ও ভূভূবং স্বং। আমি হেলসিংকিতে রাত্রে থাকলে ম্যার ভের ছটার আমার হরে এসে আসন করে ও আমি আগতি করা সত্ত্বে বেদিনই আসে ২০ মার্ক (=80) দিয়ে বায়।

এদেশে স্ট্যান্ডার্ড অফ লিভিং এই বোল বছরের মধ্যে বথেন্ট বেড়েছে। প্রতি ছরজন লোকের একটা মোটর কার আছে। সাধারণ নিভামধাবিত্ত ছরেও একটি টেলিভিন্ন সেট আছে। এদেশে ফার্মান্যান্দের ছরেও একটি টেলিভিন্ন সেট আছে। এদেশে ফার্মান্যান্দের স্বার্থান্ত বেশী বড় নয়, কিস্টু ট্রাক্টর দেখছি প্রায় সব ফার্মেই আছে। ১৯৬০-তেও দেখেছিলাম ৪টের মধ্যে ১টা ফার্মে ট্রাক্টর। প্রান্ধ সব শহরেই বড় বড় অফিস, বাাকে প্রভৃতিতে এন্ফেলেটার এবারে এসে দেখছি। ১৯৬০-তে হেলসিংকিতে গোটা দুই দেখেছিলাম। অন্য শহরে দেখিন। প্রাণ্বীর ধন্ব ন দেশগ্রেনার মধ্যে ফিন্ন্লাণ্ড এখন ক্রোদ্শ।

এদেশের বড় শাহরগালোকে বলে কাউ-প্রহাক ছোট শহরগ্যলোকে বলে কাউম্পালা शायक वरण कुला। क्रायको अपर्यं এদেশ ভাগ করা। প্রদেশের গ্রামান্তল আবার কভা (Parish)-তে বিভৱ। পারিশে অন্তত একটি কাস্মাকৌল, বা প্রাথমিক বিদ্যালয় আছে। যে সব বাড়িতে এসর স্কুল সেরকম বড়ি আমানের বালো দেশের কোন বিশ্ববিদ্যালয়ে নেই। অস্তত ৮ বছর প্রভাকে ছেলেমেয়েকে এই সকলে পড়তেই হয়। ইংল্যান্ডের ইটন, হ্যারের মত কোন প্রিভিলেজ্ড ক্রাসের স্কুল এদেশে নেই। কাম্সাকৌলুতে পড়া শেষ হলে--অধিকাংশট্র ৰায় আম্মান্তিকোল, (Technical স্কুল)-তে, আর বারা হাইরার এড়কেশন নেবে তারা গুণ্পকৌশ, বা লাগিৰতে বায়। এ দটো আমাদের হাই শ্রুল ও হাইয়ার সেকে-ডারী স্কলের সম-পর্যারের। ডিন বছর এই ম্কুলে আরো পড়ার পরে স্টুডেণ্টাশপ বা ম্যাণ্ডিকুলেশন পরীকা দিতে হয়। সে পরীক্ষা পাল করলে বিশ্ব-বিদ্যালয় বা হাইয়ার টেকনগজিকাল স্কুলে

## शिक्टेलब लावा शाबा वर

## रैठूव (शक रैछामि

শিবরাম চক্রবতী ॥ ৩٠০০

### দেবভার পাহাড

নকুল মুখোপাধ্যার॥ ৩.০০

## यठूव वास्य शुठ्वि

গৈলেন ঘোষ ॥ ৩.০০

## वाबारमञ विद्यमिषा

শশ্করীপ্রসাদ বস্থা ৬ ০০

### রাজার রাজা

মৌমাছি ৷৷ ৪০০০ (অথন্ড) তিন্থকেড পাল্লাব্য ৷৷ প্ৰতি খণ্ড ১০৫০

## অরুণ বরুণ কির্ণয়ানা

रेगरमन रचाय ॥ २.००

## रसंवर्धव चात (गावर्धव

শিবরাম চক্রবতী ॥ ২০৫০

## পন্কুর ডাইরি

भवनावाना भवकाव ॥ २.००

### (ছলেদের বিবেকানন

সত্যেন্দ্রনাথ মজ্মদার ॥ ২০০০



बानक भार्यालगार्न श्राः निः

অভিসঃ ৫ চিন্তামণি দাস লেন। কলিঃ ৯ বিশুর-কেন্দু ঃ ৬৭এ মহাখা গান্ধী রোড ফোন ৩৪-৮২৪৭ ফোকার আধিকার হয়। এই কাইজেন্টানের মণাল-মিছিলের কথা আলের বারে নিথেছি। পরবা মে-তে নিনের বেলাতেও কাইজেন্টার ভালের ট্রিপ পরে মিছিল বের করে। এতে প্রোনো কাইজেন্ট্রাও অনেকে বোল দের।

অন্ধ, কালা, বোবা, খোঁড়া ছেলেমেরে-দেরও সাধামক শিক্ষা আবশ্যিক। ক্রিত कारमंत्र जना स्थित विमानात आहर শারীরিক অক্ষমতা ছাড়া বাবা mentally retarded আছাৰ বয়স অনুপাতে বাদের হান্ধি বিকলিত হয়নি, তাদের জনাও চলাও ৰাক্ষা। প্ৰতি প্ৰদেশেই এইসৰ ভেটিন যোরোনদের জন্য একটা করে প্রতিষ্ঠান शादमञ टाएम कृत्यमन्त्रीनित প্রতিষ্ঠানের মেট্রন মিসেস অর্ভেট্রিছ নেডা-লাইনেন ১৯৫৭-তে ভীন্তাকিভি ইন্টার-न्याम्मान स्माक हारे न्कृत्न आयात हती ছিল। বোগ শেখেনি কিন্তু। আমি আবার এনেশে এসেছি শনে আমার ভার বাড়ি গিরে ক'দিন থাকার জন্য বারবার চিঠি লিখছিল। মার্চের মাঝামাঝি কুসানকোদ্বি काजे न्यानारक গেলাম তাৰের বাডি। ১৯৬০-তে দেখে গিয়েছিলাম অর্ডোক্তি এক ভাহাজের এঞ্জিনিয়রের সংখ্যে এনগেঞ্জ छ। নিজে তথন হ্যামেনলিকা শহরের মানসিক

হালপাতালের অনাতম নার্ল। এবার দেখলাম जाब वित्व ब्राह्माक थ नावि द्वालक ब्राह्माक (বরদ-৪ বছর ও ১ই বছর)। সে ও তার न्यामी ১० किलामिए।व गाउ दान ल्पेगान নিজেদের গাড়ি নিয়ে এসেছিল আমার রিসিভ করতে। দেখলাম তার স্বামীটি চয়ংকার বাবক অভোজির চেরে বরুসে কিছা ছোট। নিজেদের সন্দের তিনতলা বাডি-त्म-बोक क्रीडिट खाड़ । भवनित खार्फाकित श्रीक्षेत्रेत एचाएक निरुष्ट शाम । १० दश्कीरव क्रपारमा ५७वे। यक यक वाक्रिक ६०० মেন্ট্রালী বিটাভেডি ছেলে-মেরের আবাসিক প্রতিষ্ঠান। তথন ৪০০র কিছা ওপরে পেশেন্ট ছিল—২০০-র ওপরে ডাস্কার. নার্স, শিক্ষক ও জন্য কমী' ৷ পেশেণ্টদের আনেকেই আবার physically handi. capped | 50 156 decad term-care দেখলাম ১৫ দিন বয়সের শিশরে মত অসহার। এদের মধ্যে বারা একট ভাল, তাদের ছবি আঁকা, পতেল করা, হাতের তাঁত চালান প্রভতি শেখান হচেছ। এই প্রতিষ্ঠানের বার্ষিক বজেট সওয়া কোটি মাকের ওপরে অথাৎ আডাই কোটি টাকাঃ বিশ্বভারতীতে প্রায় চার হাজার ছার্ছাচী আছে। ভার বাজেটের চেন্ডের বেশী। এই

প্রতিষ্ঠানের ছেলেনেনের শতকরা এও লাই কোন্দিন প্র-লিকার হতে পারতে না, জাতে জিলেন করজান, প্রতিষ্ঠিন বলল । ভাকে জিলেন করজান, প্রার্থিন করলাভে কি এই একটাই এরকন প্রতিষ্ঠান ?" নে কলল, "না, এপারোটা ল্যানি বা প্রদেশের প্রত্যেকটাতে এরকন একটা করে আছে।" অভিনিক্তা প্রামী নাচে এই প্রতিষ্ঠানে চাফ এজিনিকারের কাজ করছিল। নাইনে ও perquisites অনেক কোনী বলে সে মানে আবার আহুক্তের চাফ এজিনিকারের কাজ নিকারের কাজ নিকারের কাজ নিকারের কাজ নিকারের

া আলাই বাসে দিন পদেরের আটি ছিল।
আভিচিত্র আবার তার বাজিতে বেতে নিম্নত্রণ
করার ২০ দিনের জনো গিরেছিলায়: তার
ল্যামী তখন তার জাহাজ নিরে ওপ্রেন্ট
ইণ্ডিকে। সকালে বেকজান্ট খেরে ৭ইটার
মধ্যে অভিচিক্ত বাজে চলে বেড, বিকেল
৪টা নাগান ফিরতে। আমি সারাদিন তার
ছেলে দ্টিকে নিরে থাকতায়। একটি মেইড
ঘরের কাজকর্মা, রামা, ছেলে সামলানো সব
করত। বাজির গিমী ফিরলে চলে ধেড।
ভারপরে ভিনার খেরে কোন কোনাদিন
বেডাতে বেরোডাম—ভারতীর দাদ্, ফিনিল
মেরে ও দ্ই নাতি। সলেধা ৭টা খেকে

তার আগেই ছেটে ছেলেটি খ্যেমাতে বেড।
ভার আগেই ছেটা ছেলেটি খ্যেমাতে বেড।

এনেশের সভাতা একদিকে নীতিক্ষান হাীন আৰু এক স্থিত permissive । সাষ্ট্ৰনদ্ধন বেশী পরিমাণে এবং এ কেবেশ্র কিছাও অবাধ বৌন-মিলন এখন প্রায় খোলাখালিই হত ৷ কাগজে পড়লাম স্টেড্রেন বছর ২ :৩ আগে এক ছলিডে-বিসচে গ্ৰীক্ষকালে সকলের দাণ্টির প্রোচনের মোটারের স্কারতের ওপরে দায়ন যৌন-ক্রিলা সম্প্রদান করে ছিল। যুগল একিবিশনিক্ষয়ের ১,৬৫৩ নিদ্যান্ত সাইডেনে ভাত দ্যাটি ন্ৰজ্ঞাত শিশ্র মধ্যে একটিব মা অবিবাহিতা। সং ব থ'কণ্টেল স্থাপের স্ব কিছা জানা স্তেও গতের্ভান ধারণ করেছে ক্ষেত্রার করেণ্ড সৈ দেশে অন্য দেশর মত অবিধাছিত। মা বা কারজ সম্ভানতে সমাতে হ'ল হয়ে থাকতে इत माः कोगोर्गिकोषा निरम् सम्बा स्मार সংইডেলে দৃশ্টি বিকাহিত। মহিলার মধ্যে আটটিরই প্রাক্-বিবাহ যৌন অভিজ্ঞতা হয়। স্যোমিতে এরকম অভিক্রতা কিছু কম হলেও খাৰ কম নর। আমি বেখানে আছি সেখানেই রয়েছে এরকম একটি মা ও ছেলে। ছেলেটির বাবা এখানকাব এক প্রাক্তন दर्कानग्राम काठ। अथन द्रम म्हेकश्रस्य व्यथात्रम করছে। ফাঁক পেলেই সে এখনে আমে। এবারে আমি আসার পরে সে দ্বোর এসেছে --- কিত্রীয়বার এক ইন্টারনালেনাল সেমিনারে। পরের চিঠিতে সেই সেমিনার সম্বধ্ধে लाथवाद हैएक दहेन।

ধীরেন্দ্রনাথ দত্ত

প্রকাশিত হল অমল দাশগ**্**পুর

## यानद्रवत ठिकाना

পরিবর্ধিত নতন সংস্করণ

মান্য কোথা থেকে এল, বিবর্তানের কোন্ কোন্ ধাপ পার হয়ে—মান্য কি করে মান্য হল, যোথ জীবনযাতার কাঁ কাঁ পর্ব উত্তাগি হয়ে—কিসের গ্লে মান্য জীবজগতে শ্রেষ্ঠ, কাঁ তার কৃতিছ, ইত্যাগি বিষরগালি এই বইরে বহু চিতের সাহায্যে গলেপর মতো সহজভাবে উপস্থিত করা হয়েছে। দাম দশ টাকা।

এই লেখকের আরো তিনটি বিজ্ঞানের বই মহাকাশের ঠিকানা (৩য় সং) ছ টাকা ॥ প্রতিবীর ঠিকানা (৩য় সং যন্ত্রপথ) ॥ প্রাশের ইতিব্রু পাঁচ টাকা ॥

**लचाभका । ১৮বি मार्ग्या**हत्रण एम न्य्रीं हें, कलकाटा--১২

(সি ৮৪৯৯)





ৰা ৰামী কলশ্বৰে কলে উঠলো, ওমা, ভূমি আৰু এত ভাড়াতাড়ি ফিবলে

নীলাঞ্জন মাচুকি হেসে বললো, কেন, এসে তোমাদের কোনো অস্থাবিধে ঘটাল্ম নাকি?

মাধ্রী মাধে মাধে উভৌ পূলী কথা বলে কেলে। মনে মনে ভাবতে এক বক্ষ, কিল্টু বলার ধবনে অনারক্ষ হয়ে যায়। রীভিমতন অনারোগের সারে সে বললো, যেদিন ভোমাকে ভাড়াভড়ি ফিবতে বলারে, সোদিন কিছুতেই ফিরবে না। আর যেদিন নিজেই বলবে দেরী করে ফিরবো, সোদনই...।

নীলাঞ্জন প্রচন্ত্র কোতুকে কাতিমতন অতিমানের ভাগ্য করে বললো, ঠিক আছে, ভাড়তাড়ি ফিরে যথন অন্যার করে ফেলেছি, ভখন আবার চাল যাছি: এত সাঞ্গোজ, বের্নো হচ্ছে বাঝি কোপাণ?

শ্লো বললো, নীলাজনদা, আপনি বখন এদে পড়েছন আপনিই অমেদের নিজে জলান সিনেমায়।

—সিনেমার :

—হাতি অনুকলিন সিনেয়া দেখিন। চল্ন চল্ন।

—তোমরা খবর লোনোনি ব্রকি? হাতি-বালানের মোড়ে বার্ণ গণডগোল ইচ্ছে। টিরার গাস চলেছে, এতক্ষণে গ্রিণও ছোড়া হরেছে কিনা ঠিক নেই।

—বাঃ ! সভি⊨ >

—হা

- বাস ট্রাম সব হারিবে দিচ্ছে,
আহি তো বাসে বসে বাসই টিয়ার গালেগর ধৌরা ধেলাম। এখনও চোধ করালা করছে। ভাগিলে তোমৰা বেরিছে পড়ো নি। আমি ভাবলাম, ভোমরা রানী রেডে প্রথব-প্রবণীদের ওখানে বাজো।

—না, ভাৰণী তো বাপের ৰাড়ি গেছে। আৰু আবার কি নিয়ে হলো?

—প্রথমে ছকারদের সংখ্য ছাত্রদের লেগেছিল কি থেন থেন গাড়গেল। তারপর বা হর, জনতা ভাসাস প্রিলস।

শ্ৰো নীৱস ভাবে বললো, ব্ব! রোজ নোক এই এক কামেশা!

নাল প্লন বললো, ভোমরা সাজগোড করে ফেলেছো যখন, তখন চলো কাছাকাছি কোনো কারণা থেকে ছবে আলি। —মাঃ, অমার আরু বেতে ইছে করটে মা। আপনি মাধ্বীকে নিয়ে ঘ্রে আসমূলঃ মাধ্বী কালো, তা হলে আমিও করি বেরুবো মা। দীপ্র এসেতে।

ষারান্দার বসে বসেই দীপ্ শ্নেছে
পাজিল সব কথা। বউদিদের শেব পর্বন্দ সিনেমার বাওরা হবে না প্রেন সে নিশ্চিক্ত হলো। ওরা সিনেমার গেলে গীপুর বে কোনো আপত্তি হিল, তা তো নর, শ্বেত্ত কেন জানি না তার সনে হরেছিল, ওরা আজ সিনেমা দেখবে না। সেই মনে-হওরাটি মিলে বেতেই দীপ্র খনি।

নীলাঞ্জন বারাল্যার বলে জাতোর **ফিডে** খলেতে খলতে বললো, বেজাদ কেমন আছে?

বছৰ সাত-আট আগেও ওয়া দু' ভাই ভিল লাট বন্ধার মতন। দীপ্র ছিল দাদার আন্ধ ভৱ । বড় হয়ে কি হবি দীপ**ে ভবন এ** कथा र्रात (कड़े किस्स्त्र क्र्यूटा चारक, ভাহতো সে নিশ্চরই মনে মনে বলভো. बीमत शीरता श्वान म माथ मण्न श्राता। प्रकृत रुक्तम रकारना गर्भ तिहै मौ**नाश्चरनद्** পড়ালুনোর মোটামাটি ভালোই ছিল, কিন্তু কখনে ফল্ট হর্মন, খেলাখনের দিকে टकाटनामिनहे एटमन मटनाट्याल विम मा । একটি মানু গালু ছিল তার, সেটাও এমন কিছা নয়, লোগেকর চেয়াখ পড়বাছ মতন নছ, কিল্ড সেটাই কম ব্যহাস দীপাকে সবচেয়ে चाकर्यं व कर्त्राटः । नीमाञ्चनरक रक्छे कथाना মিথে। কথা বলতে শোনে নি। তার অনমনীয় ज्ञरूका दिल जामाकवरे कार्य **अक्टा** অদ্বসিত্ত ব্যাপার। খবরের ফাগজাওরালী মানের প্রথমে বাম চাইতে এবেছে। মা তৎৰ



हत्या गरम कर्न कर्मान त्यामारमाहे व महस्त क्षिके जित्से व्यक्तमानि पट्नटङ इट्ट कहे इट्ट सीमान्टर एक्सीन रकारण वासाल ৰালসো মা দীপুৰে বললেন, যা-তে গীপু, পাও আমি ভাপিয়ে আনছি। কেখা থেকে ভকে বলৈ আহু সামনের রবিবাধ আসতে: ধে মানাঞ্জন এই দ্বভাবটা পেয়েছিল আ ভা আচরে। নেই! কিন্তু কাভাকাছি কৈ ভানে। দারর মতন মাধাকান। গাবাহন मीनाश्रमाक रमरथरे आवात क्नाउम, जाका ঠিক আছে, বলতে হবে না, দেখি আছে থেকে যে ভালিখন

আন লা । যা জানতেন अगाउँ आका, मा বা চেনাশানে ক্লাককে এমন করের সঞা-বাদী হ'তে দেখেনি দীপা। নীলাজন যে निएक है भारत मिर्देश कथा वनरका ना कार्ड

गत छात नामर्ग जना करेड कर राज्य ছেটখাটো মিখো ৰক রও উপায় ছিল লো श्राहित नीना मान महत्र विक कार्य किल সে এ বাসার মন্তন াবে, ভাতদিন সে ছিল नाशक अस्य अव। जिन्द अवही नगर १६/० रत नव शाला**तरकटे** तहा शिक्षण है। के ल 17 44 (M)



अट्रका कात अक्षेत्र ग्रह्म देखती कट्टा स्थापन मागरमा। का बाका मौनासमेख गासित বাইরের ব্যাপারে এত বেশী জাতুরে পড়তে সাগলো যে শীপুর সলো ভার দেবালুলোও इट्डा कम। अन्त मृ डाई-ई मृज्यानव काटक अकडे, काक्ष्में। दव नौमाक्षन वाहेरत রাজনীতি করে, বে-নীলাঞ্জন মাধ্যরীয় স্বামী সে-ই পণিয়ে দানা ছিলেবে কথা বলতে গিমে গুলার আওয়াজন্তী একটা বদলে

मीभ: फेंडर निम, कारमा कारक।

-दश्या जान दकारना विकि मिरकटक ? - - त्वाथ इस त्वन्न मि, नितन कानत्व পার্ডম।

-रान्द्रमा एवं असम असान्द्र इरद छाविनि क्यता।

- इत्राटा युन्याव न्द्रता स्माप नव। মেজদিকে যদি তখন পাঠানো হতো-

—িক করে পাঠাবো? ট্রলট্রলের তখন ছ মাস বয়েস। তা ছাড়া টাকা পাঠান নি।

মেজদির স্বামী तर्पन इते।९ वक्यो ম্কলার্যালপ পোরে চলে গিয়েছিল পণিচম জামানি। মেজদি তথন সংতান-সম্ভবা। কথা ছিল, বছর খানেকের মধোই রণেন নিজের স্ত্রীকেও নিরে বাবে। কিস্টু ট্কা পাঠাতে পারে নি, ওখানে ভয়ণ্কর থরচ, দকলারশিয়পের টাকার নিয়েজরই চলে না— এই সব লিখেছিল। অবদা প্রথম প্রথম রণ্ডে থ্র লম্র লম্বা কাতর চিঠি লিখতো, একা থাকটে একদম ভালো লাগে না भाराक भाव सम्भाज देखक करत. हेरक হয় এক্ষরনি দেশে ফিরে হাই—এইস্ব। বছর দেড়েক বাদে ডিঠি কমতে শ্রু করে এবং কানা**ঘ্যো শো**না যায়, নিংস্পাতা কাটাবার জন্য রুণেন একটি ঘেম সাহেবকে বিয়ে করেছে। মেসোমশাই ষেবার বিলেত যান, সেবার জার্মানি ছারে আসার সময় নিজের চোখে দেখে এসেছেন। তার পরও বণেন চিঠি দিয়েছে অবশ্য, এবং নিয়ের কথা অস্বীকার করেছে, কিন্ডু মেজদিকে নিয়ে বাবার কথাও কিছা বলে নি। সতে বছর হয়ে গেল, আর তাকে ফিরে পাবার আশা ब्रावरे कम

नीमाक्षम यम्हाना, याक छा! हे,नहे,न ইন্কুলে যাছে তো? দেখিল ওর পড়াশ্নো বেন ঠিক মতন হয়।

—**ग्रेन**ग्रेन क्यांत्र क्रारम काम्धे शरास्था ---ভাই নাকি? **অনে**কদিন দেখিনি। একদিন ওকে নিয়ে আসিস এখানে। মেজদি আপত্তি করবে? মেছদি এখনে এখনও व्यामटण ठाव ना ?

নীলাজন একটা উদাস হরে গেল ্বানমনা হয়ে ভাকিয়ে রইলো কি**হ্**কণ। তারপর আবার কথার কথা হিসেবে বন্দলো, ट्यां मानीवा चाटन-छोटन?

गीन, कारम, बाबा निरक स्थरक किट्राउरे रावात क्या जिल्लाम समस्य मा। প্রতীক্ষা করছে, কবন গীপ্র নিজে থেকে वनत्व। गीन्ट छार्नाङ्ग, अन्तव बनाद जम्म হর্মন, আরও কিছুক্ত ভণিতা চলার কবা। কিন্তু পরকলেই সময় হয়ে গেল।

नीगासन बिएसन क्यारगा, एवे छावरण ध्यन कि कड़ीर ठिक करबाबन? केरबारे

बकाबार क्या गीना मान्य मान्य बनाया. वासक कार्य क्रांकिन, फ्रांब चवत गार्थीन?

सीमाक्षत्र गडीक्फ घटा काटमा, मा COI | Pa Eculon?

-- भक्रमा बारसा प्रिम व्यक्तिस्तरका रकेर जन्मम रहा निर्ह्मास्टरना !

-- (-)14 ?

—किं त्योष महा अकी न्यन शास शहरूक करत डिडेट्ड निया

--मान तर्व ? कि म्बन्ध ?

## অবধতে

বাংলা সাহিত্য-আসরে উচ্জ্যল নক্ষর

# **७**०भा ठे इश्ति

তাঁরই ভাস্বর প্রতিভার অন্যতম স্বাক্ষর। জাবন্যসূগার বিচিত্র স্বাদ বিচিত্রতর গলপকথন ভাঙ্গতে পরিবেশিত। माठ होका ॥

विक्रमानिटकाव

# इ 20.00

আন্তর্জাতিক গোয়েন্দাচক্রের রোমাণ্ডকর কাহিনী।

**519का मित्र** 

# त्म नीर तम नीर ५५'००

य, थायग्वी

১०.०० अकारण्ड ७.००

न्द्रज्ञन त्नदनद

# वालाशांबी थुत्बत बाबवा ए-००

ब्राक्रिंगात 9'00

थानी ठक्षी १.००. त्नकरश्लाप्त थान ५.००

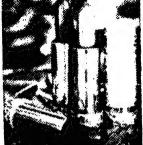
ডানকাকেরি পতন ৯'০০

ক্লাসিক প্রেস ॥ ০/১এ, শ্যামাচরণ দে স্থীট, কলিকাতা ॥ ক্লাসিক প্রেস



तवीतरस क्रीसव सर कासल प्रसीतव सर वाका सिमिक्टिक





### १८ कि समस्त्रात्म (गाउ

লাক্ষের আটা লো একেবারে বজুন এক লিগান্টক। ফ্রীনের মন্ত মোলারেন, বেল-মের মন্ত নরম । ১৯ট বলিট উত্থল জমকালো লেডে। হাকা বোলাপী বেকে মধুর অর্থ আর বস্তু বাকা বাহাবে । আট্রা সৌ ফুটবালকে আরও মধুর করে पूजारन, मुक्तिक पूजारन बास्तारक निर्मार के २० जनकरुत, नकुन कनित महीचका, है।एनद बारजात नक त्रिक प्रवेश। कोई एक्ट्री कर दनक सा, बार्डि। स्त्रीक नदरण बागवात कर्कपुरक स्वरुक्त केस्स सूच्यूत । स्वतिदित्त-न

CONTROL OF THE STATE OF THE STA

रामाएक अक बाराक नामा मानातमा मा नीन्द्रमः अन्तान ब्र्ट्स बल्दला, बावा व्याप्त रहरशीहरमन, सत्रमारम बार गालि চালাকে প্ৰিল্ তমি সেখানে একটা মাউণ্টেড প্রতিবের সামনাসামনি

BUSINESS NO COLUMN STATES SERVICES AND A SERVICES

भारता अक मिनिए इन करत दहेरता नौजासन। शक्छे स्थरक जिनादके वाव করে ধরালো। ভারপর মুখ ফিরিরে বললো कि भाषाती, हा मिल्य मा? चरतत एएउन रथरक बायाजी कानारमा, पिकिश नीमाक्षन আবার বললে, কিছু খাবার-টাবার দিও, थिए रश्दराष्ट्र ।

এইটাকু সময় নেবার ফলে, নালাঞ্চন বাবার স্বংন একটা খাড় ধরে ফেললো। বললো, পলিটিক্যাল মিটিং ভাত্তবার জন্য মাউপ্টেড প্রবিশ পাঠাত না-

—বাবা তো ভিড বলতে খেলাব মাঠেব कथाठे खादवन धाथाना। छाडे भ्यापन

—এখন ভালো আছেন?

—অনেকটা। অমিও তথন কলকাত্য क्रिकाश ना।

—মেজনি আমাকে **এক**টা খবর পাঠতে कारहराका साउ

—তমি আমাকে বকছো কেন? সে কথা মেজনি জানে। আমি তো ছিলম না কলকাভাষ)

—বাবা ব্যাঝ এখনও ইছে মতন ম∵তা খাবার খেয়ে বেডাচ্ছেন!

–মনে তোহয়। আমার কথা কি **ब्रा**ल अंतुसरहरू ३

— भिष्ठे भावहा कमान नि?

- যক্ষ জান বেড়েছ।

—ত: হলে কি করে কি হাবে? নিজে খনি নিজেবটা না বোকেন এখনও...হজামব গণ্ডগোল হলেই লোকে আছেবাজে প্ৰণ

স্যাদের কথাটা খানে নীলান্তন বেশ খানিকটা বিচলিত হয়ে উঠেছে, কিন্তু मीशाक रमधे। त्याक भिट्ट प्रदेख गा। দীপ্ত অবশা ভয়তম করে দেখাছ বাবার श्चा मुक्ता अकते स्था हलाह।

ভারপর দালন বহুদক পার্য একজন ভবিষাং নিয়ে CEAR STA আলোচনা করে, সেইভাবে ওরা হাবা সম্পর্কে कका रमाला किछान्यन। मा ए॰ल हे माहि নিবে এনে মাধ্রী দীপুকে বললো, দ্যাথো, শেষ প্রশিত তোমাকে লাচি থাওয়ালাম निक ।

দীপা বললো, ইস, আমার জন্য তো আর করো নি!

বাথরুমে খ্যাসথাস শক্ষে বাসন মাজছে ঝ। শৃদ্রার ঘরটা নিঃশব্দ, আলে জনলাও হয় নি। মাধুরী আঁচল দিয়ে মুখের ঘাম মুছে বললো, ব্ণিটটা নামৰে নামৰে করেও मायद्य ना!

এখানে খেকে বা দীপা। ক্রান্ডার সম্ভাগাল হচ্ছে-নাকি, মেছবি চিন্ডা করবে। পাশের বাড়িতে একটা কোন করে দিতে পারিস?

मीना छेट्रे मीकिट्र बनामा मा आधि हरलाई साई।

माध्यी यनामा बाद्य कि कात ? बीर धन्ता शन्यताल छटन ?

দীপত্রতে দ্খানা উচ্চ করে কৌছুকের मर्टिंग वनाता. **এक नाक पिटा गमन्छ** গণ্ডগোল পেরিরে চলে বাবো! চলি আছা!

নীলাখন বললো, বাবা কেমন থাকে, একটা খবর দিস! অঞ্চিসে টেলিকোন করতে পারিস।

একদিন দাদার এখানে রাভিনে খেকে গিয়েছিল দীপা। একখানা মার বর বেশ অস্ত্রবিধে হয়। **অস্ত্রিধে বে কিছ্র হছে** না—সেইটা বোঝাবার জন্য বেদি এমন বাসত সমসত হয়ে পড়েন বে সেটাই হয় একটা অস্বস্থিতর ব্যাপার।

রাশ্তার বেরিরে দীপা কান খাজা করে একবার শোনার চেন্টা করলো, বারান্দা থেকে বেটিৰ ভাকে ডাকছে कि না। ভাকে নি, দীপা হনহন করে এগিরে গেল। বৌদির এখনও মনে পড়ে নি, বখন মনে গড়বে তথন কি ব্ৰুম আফুলোস বে করবে. সেই ভেবেই দীপা মুজা **পেল। ঠাটা করে** रा-इ वलाक ना टकन, मीभू भौड़िंग होकां ठाइेटल ट्रटर ना—अमन स्मातारे नत माध्यी। নির্দাং ভলে গেছে, যখন মনে পড়বে, তথ্য লক্ষায় একেবারে জলে-পড়া মন্তবের মতন চটফট করবে। বৌদিকে সেই লাম্বার ফেলার জনাই দাঁপা তাড়াতাতি সাম্তাটা পেরিয়ে চলে গেল। তার পকেটে এখন মার দুখা প্রসা।

মেডের স্টেশনারি দেকোনটার শক্রা 🗣 तर किनाइ। मौभारक **रमस्य जिल्हान कतरना,** 57 FT ?

— <u>राौ</u> ।

-रमाना, अकडे, मीका

-আবার কি?

—গ্লীপাূ, ভূই শাদতার সংখ্যা আমার একদিন দেখা করিছে দিবি?

যথনই কোনো কথার মানে ব্রুডে পারে না, দীপরে শরীরের সমস্ত স্নার্ একার হয়ে ওঠে, যেন সে শরীর দিরে কথাটার মর্ম ব্ৰুত্ৰে চায়। সেই **রক্ষ সজাগ ভাগাতে** সর্চেথে ভাকিয়ে বললো, কেন, শাকার সংখ্য তোর কি দরকার?

-किए मा, अर्थानरे?

- अर्थान भारत?

—যে মেরে ভাকে এখন ভালোবাসে, एात मान्या धकरी, कथा वनार**े रेटक करत।** 

—শাশ্তার কথা তোকে কে বলেতে কল লে?

धकरे वाल मीनासन वनतमां छहे जान कि कार्य कार्य के कार्य के वाका अकीमन साथा कीन्द्रका अमीन अकी-গাল কারে। তই তো অর আমাকে कारमायांत्रिम मा। करे अध्य बारक कारमा-দ্বনিস্কু জামিও ভাকে ভালোবাসবো—

- বাৰে বাৰুল না! বাডি বা জো!

- अह दारे बारमकार क्या मान्टारक किट क्लर्या मा।

দীপা এবার হাসলো, বললো, তুই আর कि बनादि! चान्नि निस्कृष्टे एका गय वरण দিরেছি! কিন্তু আমি বৃদি রতনদাকে বলে

—বলু না. ছেলে সাহস হবে ₹

—**ভই বেশী বাডাবাডি** করলে ঠিক क्षणीन करन रमरका। या काछि या, ब्राउनमा क्षकारि जागरव

-ইস, এর তো ফিরুকে ফিরতে সেই कार मनारी

भावारक शास्त्रित मीना हरन शाम प्राप ব্লাস্ডার। দ্বীম-বাস সক্ষ তে চলছে। কলকাভার গোলমাল কখন ফাস করে থেমে গেছে। দীপুর কাছে দশ প্রসা, এতে পত্ৰা ক্ৰম্ম ৰাওৱা বাবে না। শ্যামবাজার পর্বাস্ত হোটে গেলে...ধং এসব হিসেব করতে এত বাবে লাগে!

क्रिक गाउ करताक मीना विक्रिय **পদ্ম একটি অন্য ভিপিত্তিক** দেখলো। বাজা **दिला. हाडि काथडे दाका.** माम्यत क्रकी ন্যাকজ বিছিরে নিঃশব্দে বসে আছে। আগেকার ভিথিতিরা গান শিখতে বাধা হতো। এখন এই ভিজের ওপর টামের **কৰ্মণ আওয়ালে কেই** বা গাল শ্বেবে। দীপত্ मन भक्रमाठी भटके एक्टक दात करत म्"-একবার ট্রাক মেরে ফেলে দিল ভিথিরিটার সামনে। বাক নিশ্চিক্ত। এখন পঢ়ারা ज्ञान्करोष्टे जनाजारम द्व'रहे वाक्ता वारव। কালকের দিনটা কিভাবে চলবে, তারও ঠিক त्नदे। कर् मीभाव मतीवरो शतका माशहर। भरकरेरो धरकवारत स्रोका हरत शास्त्र रवन লাগে কিন্ত। শেষ প্রস্তুটার ব্যসের টিকিট **কেনার বদলে কার্**কে দিরে দেওয়া অনেক फरना। कि अक्टो फ्रमान ब्राह्म इस्टर्सन নিজের জাম্য-কাপড় পর্যপত দান করে দিতেন না! অপরকে দান-টান আসলে গালভারী कथा. जन्मत्रताक निम्हत्रहे निःश्व हराद्र নেশার পড়ে গিরেছিলেন।

(\$X\*3)







ন্মতি থেকে সমৃতি

क्रिक अध्यादे सद्र। एत प्रतिसहर বি ব্যাপারটা ছটে বেতেও পারে। তখন है क कबाकर जाभगात प्रकारण कर हिम्में इर বিভাট। আনে ভাপ্রাক দান কঠাত পাব্যেন। প্রক্রের অপরের কাছ ধ্যেত ও অংশনর জালা কিছাট কাতিশাৰ যোগনে অসংভব ছার নাঃ এ কথা ভাবৈ রস্ফানবিদানর। कृष्टि। बार्स करतम, स्टीतसम्बर अक्सामात क्या है-শক্তি অপর যে কেনে মানাবের মধ্যে সঞ্জিত করে। হয়ত সম্ভব হতে পারে। হার ডা কর হরে নিভারত বাসায়নিক পদ্ধতিতে। ইনক্ষেক্ষন করে ওয়ার চা<sup>কি</sup>ক্ষে গেমন এব-क्यान्त्र । हतान्याः कदा इत्तः विक में अवदे ভাবে প্রয়োগনাম স্বর্গত্তিক উল্ভেক্তনার স্তাহের কারের সেরে ড্রিজ ভারে ইঞ্জ-হাৰু জুলিংজজিলি **ভাৰাক**, বিভাৱৰ দিলেপসং के कुरूकों करने एक सामा गार रा<sup>त्री</sup> तक गाउ ~ 1

प्रदेश सारक के **१७५३** में जिल्हें का रहे পর এতি সম্মন্ত মন্তিমন্তি আজা হাপনেই ১০০০০ বুলাক এন বুক্তা করে রাখ্য সাহ, র রাজ এম দেব হারে **আফাসেসে কর**ের এর এছল কুছ প্ৰিট কিন্তুম্বৰ সংঘ**্ৰ ক**ছ'-ংশণেওঁহে হাচ সফলানার স্ভার বেসে সাকা ে, সেব ওলার তালণ হাছে উন্তেখন, তাব 35 25 E **জ্বাভিত্তি** প্রেট *হতি* ভাক্তার (2)(1)(4) 49.7 推到原 काभगात हरे क 42. 3 ছাল্যা ভালিয়া আপলি একজন কৃত্য<mark>ি ছত</mark> এবং ব্ৰিচ্চতিত হতুও **সং**শ্ৰহতেই त्रीक्षत् शहरोतुः बाल धेष्ट्र १४५ । शहर পুনুত সিল্ল চনুত পারলেন না সে যা শকু ভাষান্থাভাষিত থা কাৰ্ড ছুলি <u>তিক অথস্</u>তুৰ হৈছে জানিত তিওঁ প্রাণ্ডিকটির ভারদের কলে। তাকর প্রাণ্ড য়নি প্রসংবধ লেন সন্ত্রির করা সম্ভব হয় এ ধণসার সংস্থার হাতে সেইক তার করি আম্বল বলাই বিশ্বলৈ যেখা।

ানহা গৈছে স্বস্থান ছালাখনা কানাহানি কালন গেটাক স্থাতি স্থিত থকে এব প্রেট হলি জানবা সংগ্রে করার প্রেটা তা লিছে ইয়াত ইলিই ইলার প্রেটা কালক কক বই লিছে জেলা সম্ভৱ হাত। এই সম্ভিত্ত কিহ্বা তাই



ভাগতন কোলগান মান্তের মগজের এই মডেলটি তৈরি করেছেন। শব্দ এবং কালেরে দৈনপিন অন্ভূতি কি ভাবে আমানের মনে গোখে বার, প্রয়োজনে কেই স্মৃতি কি ভাবে আমরা জাগিয়ে ভূসি বিষয়ে চালিত এই বন্দে সেটাই দেখনে বন্দে

প্রত্তি প্রিয়া হা বিক্লবস আবশ্যার গুলিজ্ঞা কিছা ভার চটার করে কর ৮৯৮ - ব্যান **স্টেক্টে চড**় টাইপ **যতে** কাত কৰা অহায় সংগ্রন্ত ব্যবেরণের সমাস-রারাক্তর প্রেক্তর্যা সংপ্রতা হতে রাখা প্রভৃতিঃ আরু এক ধরনের সম্তিও অমানের মনে গোলে পালে। ক্রমন বহা প্রানা কোন খটনার হাবহা বিবরণ। করে কোন একটি লোকের সংগ্র তাপনার সাক্ষাং গ্রেছিল, ডখন ভার পরনে কৈ ছিল, কথা বলাব সময় কৈজাবে সে হাত নাড়ছিল, গদত শব্দ টেটিটের কামনা, তার বস্তবা, এর সংস্থা কিছা যে ধরনের স্মৃতি আমানের ম্নত গ্রান সংবাক্ষিত রাখতে সাহাযা করে ১৩: দরকার **হলে ভ**াদের আমার; ন**কল করতে** প্ৰিট্টেই চাই ফ্ডি আর মাছে হাজনুৱা পাছি <mark>যা</mark>ৱা কোন গালিছিক সমস্যা, ধাৰিণত অস্ত্ৰিধেৰ সমাধ্যে মোগ্ৰে স্থান্ ত্তমন কোন মেলিক চিক্তার কোরে মনকে স্থায়ত পথ্য চালন করে। সান্ধ ছাড়াও য়ে সংগ্রু প্রাথীর হার্যক্র বালে কোনে বস্তু দেই ভাদের মধোও এমন কিছা কৈছা সন্ত্ৰান্ত ভূমা হাত হাত হাত হাইবেৰ গাঁচজতাক সম্ভিব্তে ধৰে রাখৰ ক্ষাতা ছ প্ৰিংভ আছি।

কিন্দু স্বচাইতে বড় প্রদান, আনাদেব যাবতীয় অনাভূতি, শিক্ষা, দীক্ষা এবং ক্ষান, যাদিকক নামক সম্ভূতিৰ যাগে ভাবা থাকেই বা ক্ষিভাবে? অগত ঠিক যে নাহাতে বে অভিজ্ঞান বা কন্তুলিক কৰণ কৰাৰ গৈটো কৰি একাৰত কন্যাত্ৰ মত তাৰ আমানুবৰ মানসগতে কৈলে প্ৰতি একটি অভিজ্ঞতাকে আৰু একটি অভিজ্ঞতাৰ সপো সমক্ষ্য ঘটিকৈ কি কৰে সাক্ষ্য একটি নতুন চিকাকে বাপ নেপ্ৰাটি গাত মুহাজাৰ ক্ষয় ধৰি এমন হাজাৰো প্ৰদেশৰ সমাধ্যনৰ বাপাৰে দাপনিক এবং বিজ্ঞানীয় মাধা খনিয়ে



আনহেল। স্মাতির আনিচর এবং ভার কাৰ্যক মাণ সম্পৰ্কে তত্তত্ত তৈৱা হয়েছে का। कारकी हारके करूर यह शास on his made screen wit-PROPERTY OF क्रम साब मार का के पार्क माजान किस्तुत कार क बाक्किक ब्रामाव नहा বিশেষ বিলেষ कामक्रीसक रकोरशय अस्य প্রাণীর বে-কোন আভিত্রতা ক্ষতিরূপে সংর্কিত করা লভব। ব্যাপারটা শব্দ বা ছবি রেকড করার মত। প্রয়োজনে সেই স্মৃতি একের विदे बाताव मानाकशास स्थानाम्यव कराक বেতে পারে, করার কোনরকম ক্ষতি না করে। এও ঠিক একটি রেকর্ড থেকে আর একটি রেকর্জ তৈরির মন্ড। আর এই স্থানাস্তর শৃত্যু একই প্রেণীর প্রাণী নর, এক প্রেণী থেকে ভিন্ন প্রেণীর প্রাণীর মধ্যেও করা থেকে পারে। বড় জাতের এক বরনের ইন্দ্রের স্মৃতি ছোট এক জাতের ইন্দ্রের মধ্যে প্রবেশ করিয়ে এই মতবাদের সভ্যতার কিন্টা আভাস তারা পেরছেন।

বর্তমান শতাব্দীর গোড়ার দিকে ফরাসী বিজ্ঞানী রিচার্ড সেমন একটি তত্ত্বে বলেন, আমাদের বাবতীয় ক্যুতি পৃথক পৃথক কতকগলি স্ক্যু পদ্ধ দিয়ে তৈরী।

का स्थाप क्षा प्रशास हथ के भी आका खन्म. नामिय क्षिप्तः क्षिप्तः ह्य देशे वाम निरास নিশ্ৰ কোন কোন আ ত আমৱা হাবিতে रक्षात ? जाकीएक अपाक अप्ताविकाली कार्य कत्र. मात्रस्य वा शाको निरंत कार्य পরীক্ষা-নিরীকা চলান। ডিলি জ্বা कराजन अभारतमान हानिस PH TOWN ब्दाल कवा बाहा। किन्छ मामालव राजा স্মাতি সংবক্ষণকারী সেই পদার্থের কোন ছদিস কোথাও খ'্জে পাওৱা গেলে না এটার তিনি লক্ষ্য কর্লেন ম্যাক্সের কিছা खाला रकार वाप पिताल भागावात कार मना কঠিন, কেটে ফেলা সেই কোৰ ঠিক কোন ধরনের স্মতি ধরে রাখার কাজে নিয়াভ ছিল। চোথে দেখা কণ্ডর স্মাভি কারে শেনা শালের স্থাতি যা অন্য ক্রিয়ার স্থাত মান হল হলি নিলিখা অভিজ্ঞান কাতি ধনে রাখার মাত কোন কলিকা খাকেও ভাষা কংলট হলভের কেলা বিশেষ **অধিকার কারে বাস কারে। নাচা মুগাটোর** সমস্ত স্বয়েকেল্ডে ভানের অবসং গতি।

অক্তৰ দিনাৰ যাত্তা কৰি ব্যৱস্থাৰ কঠা, এবং ভাদের কার্যালের সম্পর্ক নায়ন স্থা with a property of the control of th ছাল স্থান্থীর স্থান্ত সর স্থার । ট্রান্ড জন্মারস**ন্ত** চালিনা জন্ম জেল, মাহলেন নানাৰ্ডহ Sacreta tracta tractas estatan कार्यको सन्दर्भ । चार चर्च रहा हारीरक्षक सम्बद्ध কাব্যক্ত কাপেলেয়ের প্রেট্ট কর্নিস্কিছের । কিন্তুলত কোষের মধ্যেকার কলেয়নিক প্রাথেক মান ත්වයුත්ර කාරාධ කටය අපය **ස**්වනයාගය আৰ্ড মাজাৰকা ক্ৰিটো প্ৰাত জ্বলে কৰ প্রত্যাক্ষর বা করেক্ষরতার জীবনর বর্ষরতার হ্বাল প্রতিরেখ ক্ষমত (প্রাটেন ক্ষা । ইয়ার প্রভিত্ত সাম্পারে স্থাহা করে। আহিংকার হল ডিঅকসিলিকে নিউক্তেমিক আচুসিড ক 'ਤ ਰਹਾਰ। ਭਾਸ਼ਾ ਦਲ ਹਨ ਸਿੰਘ ਰੁਸ ਕਾ ਤੋਂ প্রাণের মৌলিক উংস। এবই ভেতর দিয়ে জাবৈক্ষণ ভার চাহিতিক ইরান্দাটা কলে-পরম্পরাধ সঞ্চিত্ত করে। চলোভা । শাস্তা এই নয়। এ'রা আবিদকার কবলেন **জ**ীব-কোষের আরও এক ধরনের অমালা সম্পদ হৈতিবৰ চাৰিকাঠি পড়ে আছে ছি. এন. এ ব হাতে ত্ৰুটা বিবেচ নিউক্তেয়িক আচিত বা আব. এন. এ.। এই হার এন, এ-ই দেহের জ্ঞারক রস অন্তংগ্রিণ নিংসাত বস বা ছর্ম্মান এবং ন নাব্ৰুম প্রোটন-জাতীয় পদার্থা তৈরি করতে সাহায়। করে। তকান কোন জীব-রস্থান্তিদ এখন মানে করছেন, बाह, जन ज, वा बाह, जन, ज-व देखवी প্রোটিনই স্মৃতিশক্তিক সংবক্ষিত করে রূপে। এ'দের বন্ধবা, আমরা যা করি, যা দেখি, যা শ্নি বা অনুভব করি তার সমুদ্র

অভিজ্ঞতা প্রথমে বিদ্যাংশক্তিতে রাপান্তবিত

इस। दलके किम्यार भ्नास्य भरमा भिरत

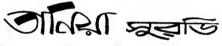


## প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধুর!



ছুকানে যেদিন প্রবাম দেখা, ও বালছিল, 'ভারী মিটি গঙ তো'। আমি বালছিলাম, 'তানিহা'। এখন ও আমাকে ভাকে 'তানিহা' ব'লে। আছে।, তানিহার মিটি গছে কি আমাকে ওর ভালে। লেগেছিল, না আমাকে ভালোবেসেই ভানিহা ওর এত শছল—কে ভাবে।





व्यवज्वात्रकः मार्ट्स मिर'म्

'বিউটি ইজ ইওর বার্ধবাটট' পুতিকার জন্ত এবং আগনার জল-চর্চার নানা সমস্তার উদ্ধারের জন্ত আমারের 'বিউটি কনসালটেউস্', পোট বল্প: ৪৪০, নিউ দিল্লী,—এই ট্রকানার লিবুন।

Programma/SS. 2/60

2.00

প্রবাহিত হরে উপশ্বিত হয় মদিতাক্ষর
সালাকেতার। অবশেরে সেখানে কতকপ্রতি
ক্ষালারনিক পন্যতির মাধ্যমে মরা পড়ে থাকে
আর এন. এ. অথবা আর. এন. এ.-র তৈরী
প্রোটিন কপার মধ্যে। অভিক্ষাতা তথন
রাসান্ধনিক বস্তুর্পে আমাদের মধ্যে থেকে
আমাদের বাজি কবিনের অভিন্ত সাহি।
বাইরের কোন উন্দীপনা এই রসারনিক
সাহিত্র বথনই বিদ্যুৎগভিতে র্পান্তরিত
করে তথন আগের অভিক্ষাতাগ্রিল আহ্বার
সাচেত্র মধ্যে ফিরে পাই।

এই প্রসংশ্য ভি. এন. এ.বা ভামকার উপরও এ'রা যথেষ্ট গরেষ আরোপ করে-ছেন। এ'রামনে করেন, প্রাণী তার বংশ-গাতির মধা দিয়ে যে সহতাত প্রণতা বা প্রবাধি পেরে থাকে সম্ভবত ভানের ধরে काश्वरे छि. कम. क-त जमाउम कक्षे मारिक। ম্মেত্, আত্মরক্ষা করার চেন্টা প্রভিতির মালে রয়েছে বাইতের জনতেত স্পের ব্যক্তিশীবনের স্থপ্রা। অভীতের প্রাণিজগণ নিজেনের অভিকাতার মধ্য দিয়ে ব্রেঞ্জিল পাথিবীতে নিজেনেত অশিতার বজার রাখাতে গোলে এদের প্রয়োজন আছে৷ এই অভিন্তাতাই যেন এক কাচিল ছাপার হরফের মধ্য দিয়ে গেকে গেল ভাগের দেহকেশ্য। বংশগড়ি সেই ছাপ্তে মান্তৰ, প্রামান্ত্র এবং সংস্কল্তর মধ্য লিয়ে কিছুটা মেলিক, কিছুটা সংগোধিত সংস্করণের মত বয়ে নিরে ১লেছে সেহ থেকে দেহাগতকে। এই ছাপই হল পারনো আন্তিজনতার সমৃতি। যার আবে এক নাম 2016 37.00 **अ**दशक्षा বিশেষজ্ঞরা মনে করেন দেই স্মতিকে की कि अने का है जानी तुन्द्रत प्रशा निक्त সভাবিত করছে প্রেছান্তমে অভীত থেকে ভাৰষাভিত্র দিকে।

বিজ্ঞানীদের ধরণে, যদি সাঁতে সভিটে জী ধরনের কাটিল রাসায়নিক প্রাথা আমানের সম্ভিত্তি ধরে রাখার ক্ষমতা রাখে, ভা হলে একজনের দেহ খেকে জন্য কার্য দেহে ঐ রাসায়নিক পদার্থা চ্যুক্তির দিলে সেই সন্ধোভার সম্ভিতিত সে প্রেষ যাব?

এ ব্যাপারে উল্লেখযোগ্য পরীক্ষার থবর পাওয়া বাল্প ১৯৫০তে। গবেষক টেকসাস বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞানী ক্রেমদ ভি মাাক-জোনাল এবং রবার্ট টমসন। এবা পরীক্ষা চালিয়েছিলেন প্লানারিয়াম নামে এক ধরনের ক্রান্ত করে। এর ক্রন্যে অভ্যত্ত উক্তঃল একটি আলো রাখ ইম ভাদের সামনে। মাঝে মাঝে সেই আলো ক্রান্তাম বাবে এবং সেই সংগ্য ভাদের গাথে লাগান হয় বৈদ্যাভিক শক। শক খাওয়ার সংগ্যে সংগ্যে ভারা কৃ'কড়ে যেতে লাগান। সমুস্ত কিছু এমনভাবে নির্গিত্ত করা ইয়

বাতে করে বখনই আলো জনে শ্ব তথনই তারা তড়িতাহত হতে পারে।
কিছুক্ল এইভাবে চলার পর দেখা গেল
ক্লানারিরানগ্লি অভ্ত একটি অভ্যেস
রুপ্ত করে ফেলেছে। শেবের দিকে
তড়িতাহত করার করে প্ররোজন হত না।
আলো জনলানর সংগ্রাসংগ্রাপনা থেকেই
তাদের দেহ কুক্তে কেত। কতকটা
গ্যাহলতের কুকুর নিরে পরীক্ষার মত। এরই
নাম কনভিশনত রিক্লেকস বা প্রতিবতী
প্রিক্লা।

মানকোনাল এবং টমসন অবশেষে ঐ
ক্যানারিয়াননের দ্ব খণ্ড করে কেটে
ফেললেন। এতে তাদের মাত্যু ঘটে না।
বরং অধাংশগালি এক একটি প্রাণ্ডপ
প্রণাতে পরিকত হরে বারু। ওার লক্ষ
করলেন, ল্যাজ বা ভগা, বে অংশ ছেকেই
তাদের করুম হোক না কেন, মতুন প্রানানিরামগালির মধ্যেও আগের প্রানানিরামগালির মধ্যেও আগের প্রানানিরামের প্রতিবতী প্রক্রিয়া ধরা পড়েছে।
করু না দিয়ে শা্ধা আলো জ্বাললে এর।ও
ক্রিড়েও ওঠে।

এ থেকে সিংধানত করা হর, আলো জনুলার সংগা, সংগা, শক থাওরার হে অভিজ্ঞাতা, সেটা শ্লানোরিরামদের সেহের কোন বিশেষ অঞ্চল জনুড়ে নিশ্চর হাস করে নি। সব জারগাতেই ছড়িরে ছিল। তাই ্করোগ্লির মধোও তার অসিত্ত্ব ধরা পড়ে।

মাককোনাল এবং ইমসন এবার মতুন করেকটি কানোরিয়াম সংগ্রহ করকেন। আলো এবং বিদ্যুতের শক খাওয়ার কোন অভিজ্ঞতাই এদের ছিল না। ওরা ঐ প্রেরা কানো কানোরিয়মদের দেবের ট্রকরে। ট্রেরা কাকরে। করের কালে ফেলে দিলেন এদের সামনে। এবার রীতিমত চমক! দেখা গেলা নাচুনের দল ভাদের শাধ্ খাবার হিসেবেই খেলা না। সেই সংশ্য খাবার খাওয়ার পরই দেখা গোলা অগ্রেরা, খাবার খাওয়ার পরই দেখা গোলা অগ্রেরার শলানারিয়মদের মত একেবারে সম্প্রা এই প্লানারিয়মদের মত একেবারে সম্প্রা এই প্লানারিয়মদের অ্বালা জলোর সংশ্যা এই প্লানারিয়মেরাও অ্বালা জলোর সংশ্যা এই প্লানারিয়মেরাও অবলার সংশ্যা এই প্লানারিয়মেরাও অবলার সংশ্যা এই প্লানারিয়মেরাও অবলার সংশ্যা এই প্লানারিয়মেরাও বিজেন্দের দেই ক্রিকড়েতে শারু করেছে।

এই ঘটনা থেকে গু'রা সিম্পাত করলেন, মগজ ছাড়াও সম্ভবত কোন রাসারনিক পদার্থের মধ্যেও স্মৃতিশল্পিক সংরক্ষিত করে রাখা সম্ভব। এবং প্রয়োজনে সেই স্মৃতি অন্যের মধ্যে প্রবেশ করান বেতে পারে।

মনোবিজ্ঞানী আালোন এল. জেকবসন মাত বছর ভিনেক আলো চালিরেছিলেন আর একটি ব্যাদতকারী পরীক্ষা। একটা বড় জাতের ই'দ্র র'ঝলেন ভিনি একটি বাজ্ঞের মধ্যে। বাজ্ঞটির কোণে রইল একটি পাত্র। ঠিক হল, ক্লিক করে একটি শব্দ বাহির হুইল স্থান সেনগুণ্ডের মণ্ড-সফল সংগ্রামী নাটক

### करव वमन्न वामरव

0.

(১০টি প্রেম্মারপ্রাপ্ত (

रेणज्ञासम् ग्राच्यानाशास्त्र नमी वस्त्र साग्रः २०

বিধায়ক ভট্টাচাৰ'

मन्माङान्छ।

বিষল করের তিনটি একাঞ্চিমা একচে ব্রীজ/গ্রহ্ সম্মেলন/অক্তরালে

চন্ত্ৰতী প্ৰস্তু কোং ধান চৌমান লৈন, কলিকাতা—≽



न्त्रभाव नकून वहे সরোজ আচার্য সাহিত্যে শালীনতা অন্যান্য

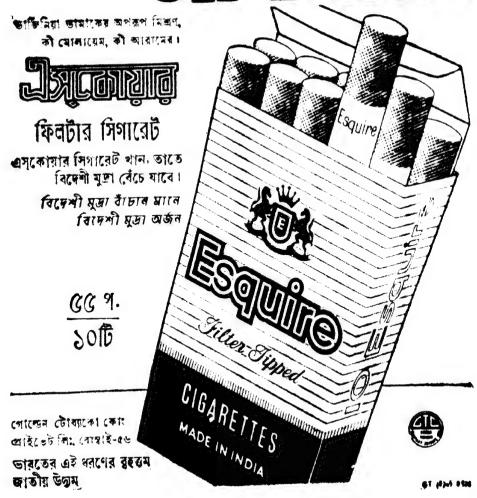
বুশ্ধিদীপত ও রসসিত্ত রচনার একটি সাথাক নিদর্শন। [৬-০০]

প্ৰবন্ধ



র্পা জ্যান্ড কোম্পানী ১৫ কাক্স চাটালি পাঁট, ক্সকাতা-১২

# आश्वात्यः... आरसङ्ख्या जातदन्त्रः आश्वाञाताः



क्या दृद्ध। मार्ग्स मार्ग्स अव है करता बातान গিলে পাছতে পাছের মধ্যে। আর তথ্নট हेप्टर्जाने ब्हार्ज जात्म का स्थरत स्नरव। यायम्थानक काम व हमान किस् कन । त्यास दमथा रमण, मन्य मानदा मानदा हे मानीहे क्षान कालान्ड हरत नरफरह रत शावप्रवर है.करता मा एकरण नद्ध नन्य कतरान्हे स्व भारत कारक कारक करता करता करता है। একই ভাবে আরও করেকটি ই'দ্রকে শিক্তি করে তললেন জেকবসন। তারপর ইত্যা করে তাদের মগজগালি বের করে নিলেন। ঐ মগজগালি স্নায়কেব বেটে এক ধরনের রাসায়নিক নির্বাস তৈতি করা हरा। ध्वेत प्रदेश खाइक आतक अमार्थ ছমভাও আরু, এন, এ,-র ভাগ রুইল বেশী। অবলেবে সেই নিৰ্যাস সম্পূৰ্ণ অনভিন্ত क्टक्गानि है पारत्र १४८० हैनस्करमान करत চ.কিরে দেওরা হয়।

এবারও প্রচণ্ড চমক! নতন ই'দারের মধ্যে পরেনো ই'দারের অভিজ্ঞতা পরিকার कराहे डिकेटक কোনবক্ম অন্যালন ছাডাই ক্লিক শব্দ শেনার সলো সলো এরাও থাবারের পারের দিকে ছাটে গেল। জেকবসন পরে শব্দ ব্যবহার না করে আলোর সংকেতের সাহায়ে এই পরীক্ষাণির **भानवादांख क**रहरू। तथा शन, यात्रा व्यात्नाह मराकेल एएएए थानादहर कारफ घटाउँ বার ভাদের মগজের নির্মাস নতন কোন ইক্রের মধ্যে তাকিয়ে কিলে ভাল কথা व्यात्मात मराक्ष धात्रहे काक कतरह लाख। ভাদের কাছে ক্রিক শব্দ নির্থাক। অথাৎ বোঝা গোলা ইপারের মত যথেষ্ট উচ্চ ধরনের প্রাণীর মধ্যেও ইচ্ছেমত কোন স্মৃতি ঢাকিয়ে দেওয়া সম্ভব। আনেকে পায়রার ক্ষেত্রে এ ধরনের পরীক্ষা চালিয়ে সাফলা অবস্থা করেছেন। এমন কি, এক ধরনের প্রাণীর প্যাতি অন্য ধরনের প্রাণীর মগজে **শ্বানা**•তারত করার मण्डद इस्साइ। বিশেষভারা এটা করে দেখেছেন বড় এক জাতের ই'দারের স্মৃতি ছোট এক জাতের ইপ্রের মধ্যে চ্রাকিরে। মগভের নির্যাসের সপো কিছ্টা হকুং-এর নিয়াস মিলিরে কোন কোন ক্ষেত্রে আরও ভাল ফল পাওয়া CHICK I

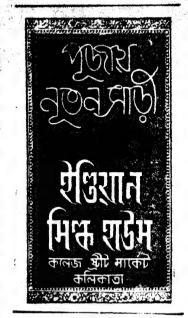
আর. এন. এ. বা প্রোটন-কাতীর কণা বৈ ক্যুতিকে ধরে রাখার বাাপারে কাজ করে সেটা জানার জনো নানা পরীকা চালাক্ষেন জীব-রসায়নবিদার:। এ'দের মধ্যে উল্লেখযোগ্য কাজ করেছেন বানারও আারানফ। ইনি এক দল সোনাকী মাছ নিলেন একটি জলের আ্যারের ঘধ্যে। আধারটির মধ্যে রইল দুটি অংল। মাক্ষানে সর্বু পথ। তারা সেই পথ দিরে একটি অংল থেকে যথন আর এক অংশে সাঁতার কেটে ঢুকতে গেল সংগ্য সংগ্য জনুলে

উঠল আলো। ভারপরট বৈদ্যভিত শক। করেকবার চেন্টা করবার পরই ভারা পিথে নিল আলো জুলার সলে সলে গড় বেডে পাবে। পিৰে নিজ কিভাবে সেই বাবা कावित्व कमा कारण बावबा बाव। जाबावकड প্রের ব্যাপারটা শিশতে ভাগের সময় লাগত প্ৰায় এক বিন। এবং কিবাৰে শক এডান বার সেঠা স্থারণে আনতে সময় লাগত তিন দিন। দেখা সেল, ক্ষমুশীলনের ठिक अन्य र एकं अस्त क्रामात्मन मत्या ইনজেকশন করে বলি থানিকটা পিউরো-মাইসিন চুক্তিরে দেওৱা বার তা হলে সেই অনুশীলনের কোন কিছুই ভারা মনে ताथएट भारत ना। **अथक अन**्मीनातन अक খণ্টা পর ঢোকালে ঠিক আগের মতই তিন দিন পর সমস্ত স্মৃতি ভারা মনে করভে পিউরোমাইসিন নামে রাসার্যানক যৌগাঁট জান্ত, এন, এ, ঝ স্রোটিন देखीं काल वाचा रमका का रचाक प्राप्त হর স্মতির বাকতীর রেকর্ড ঐ আর এন. धा-त भक्किरे कदा अच्छव। रकान रकान গবেষক মনে করেন শিক্ষিত কোন প্রাণীর মগজ থেকে আর. এন. ৫: সংগ্রহ করে অনভিজ কোন প্ৰাণীৰ মগতে তা চাকিৰে দিলে ঐ প্রাণীর মধ্যে সন্তারিত হবে শিক্ষিত প্রাণীটির কর্তি। আর কি কি ধরনের প্রোটিন কোন কোন অভিজ্ঞতার স্মৃতি ধরে রাখে সেটা যদি জানা সম্ভব হয় তা হলে তো কথাই নেই। যদি কেউ কবি হতে চান বে অভিভাতার স্মৃতি থেকে কাব্য স্থাতি হয়, কোন কবির মগজ খেকে তার কিছুটা সংগ্রহ করে নিলেই কাজ শেষ। যদি আর কিছু হতে চান হয়ত সেটাও সম্ভব হবে। **ই**তিমধ্যে বেশ কিছ্ সংখ্যক জীবের উপর মোটামুটিভাবে এমন পরীকার কাজ শেব হরেছে।

তব্ প্রশ্ন : তা হলে আরু এন. এ.-ই কি জীবনের বাবতীর স্মাতি মান বের সংক্রমণের চাবিকাঠি? না অন্য কোন इर्फ निक्षे खरिराहर र शक्क-सर्वाधार এর উত্তর আমরা পেরে বাব। হরত ইচ্ছে করলে গবেবণাগারেই তাদের আমরা তৈরি করে নিতে পারব। আর ভা বদি হয় বহু জটিল মানসিক রোগ নিরাময় করা एयन स्थाएंडे मह रूप ना। सरे मुल्ल बरना-বিজ্ঞানের অনেক সমস্যার সমাধান হরে কে জানে, তখন নানারকমের यत्य । স্মৃতির রঙ-বেরঙের বোডল **उद**्दिश দোকানেও আপনি পেরে বেডে नातम । কারের গারে লেখা সাইকেল **हाभाग**त সমৃতি কার্ম বা ক্যালকুলাসের। ভা থেকে করেকটা বড়ি খেরে নিন। অর্মান দেখবেন, কোনরকম অনুশীলন না করেই হয়ত ভথ্নি দক চালকের মত আপনি সাইকেল চালাতে भारतक्त ।

ক্যালকুলাসের সমস্ত কট বই না পড়তেই আপুনার রাধার জলের মত সহজ হরে বাজে।

সমর্বাঞ্জৎ কর









प्रमद्ध जोवातद्व शाव....

আপনার ঘর সাজানো দেখেই আপনাকে বিচার করা হবে

মুতরাং ডানলপিলো ব্যবহার করুন Benevas/DPO-3C/35E-3EN

যারদোর সাজালোর ভিতর কিরেই আগনার
সূক্রচির পরিচর পাওবা বার । জীবনকে
আরও সুলর ও জারামের করে ভুগবার
জনো আগনি কভখানি জারাই। ভা একাশ
হরে পড়ে । আগনার করের মধ্যে
গৃহসজার ভানলিনারে ভুড়ি নেই ।
গানর সেরা ভানলিনার ভুড়ি নেই ।
গানর সা । খুব হাল্লা এবং শরীর এলিরে
লিলে সিরং-এর মধ্যে লাকিরে ওঠে ।
বছরের পর বছর ব্যবহার করা চক্রে,
সূত্রাং ভানলিগলো কিনলে পর্যায়
সাল্রয় । আগনার গ্রামী, সভান এবং
লিরজনপের ভানলিলার গ্রাম্ম্যুলিন ।





দাম ঃ কুদন ১১:০৬ টাকা থেকে এবং বানিব ১৮:৪০ টাকা থেকে গুরু। (চাকনার দাম এবং স্থানীয় কর অতিনিক্ত।)





(পণ্টন)

লিভ একট্ন অবকে হরে জিভ্রেস করক —কিসের বিপদ?

অপর্ণা প্রথমে উত্তর দিল না। নত্রমধ্যে টেবিলের কাচে তার সদা প্রার রক্তান্তে একটি আঙ্লা দিরে করেকটা গোলে চিহু আকল। তারপর তার বরসের তুলনার ভারিক্সি বিবল্প মাুথখানা তুলে বরস্কান করেকদিন ধরে দেখছি আমাদের বাড়ির সামনে দিরে একটা কলোমতো ছেলে ঘরে কেড়ার। কেতে বেণ্ডে আমাদের বাড়ির ব্যাক্সিন কিংবা খোলা জানালার দিকে হাঁকরে চেরে থাকে। আমি বধ্দা কলেজের সামনেও খাকে। অর্থামি বধ্দা তারেক কলেজের গোটনএর সামনেও দেখোঁছ।

চা খাওরার পর ললিচের অধ্যক্তর ভাব বৈড়ে যাছিল। বংধা করছিল ব্রুক আর পিঠ। কেমন একটা খ্যু-খ্যুম ভাব, খ্যে প্রভতে ইক্ষেকরে।

অপশার কথা শানে সে একটা হাসল,
বলল—ভাতে কী? ওরকম কভ ছেলে
পিছা নের মেরেলের, ভারপর বোধহামি
ইলে আবার সরেও কর ৷ ওকে বেলী পান্ধা
দেবেন লাঃ

একথা বন্ধন বলছিল ললিত তথন তার কমোকতাবে মিতুর কথা মনে পড়ছিল। মিতুও হরতো নিজের বাবা হার কাছে বলত বে একটা ফর্সামতো রোগা ছেলে বতারাতের পথে দীভিরে থাকে, কাড্জানহানের মতের চেরে থাকে তাদের বাভির দিকে।

মেরেটি কলিতের উপদেশ শনেল কিন্দা কলা বার না, বলল—পিছ্—নেওরা ছেলে আমি অনেক দেখেছি। কিন্তু এ ছেলেটা ভীবপভাবে আমার কাছে আসার চেশ্ করছে। একদিন দেখি আমাদের পারোরানের ক্ষাং থেকে দেশলাই চেরে সিগারেট ধরালা, শার দাঁড়িরে দাঁড়িরে কী একট্ কথাও বলে গোলা। পরে দারোরানকে জিভেন করে-

ছিলাম। ছেলেটা নাকি ভার কাছ খেকে করেকটা ফ্লের চারা চেরেছিল। আমি দারেরনানকে বারণ করে দিরেছি ওর সংগ্রে কথা বলতে।

পলিত সান্দ্রনা দেওরার ভগাতি বলল— তাতে কী? ওতে ভর পারেন না।

टमर्सिएत मृत्य कार्य अक्टे, उन्नामा দেখা ৰাম ; নিংশকল চেপে খ্ৰ আছেত আম্ভে বলল-ছেলেটি আমাকে লক্ষা করে আমদের মোটরগাড়ির মধ্যে একটা কাগভের দৰা ছাছে দেয়। খালে দেখি চিনি। ভল বানন্দে লেখা অজন্ত আজে বাজে কথা। আমি কাউকে বাঁলনি। তা ছাড়া আমার विन्यान धरे एक्लोरे छीनएमन कर्ताइन আমার কবাকে। আমার কেমন বেন ভর করে। এমন অবস্থা বে ব্যক্তি থেকে একা বেরেতে পারি না, ছেলেটা ভীষণ ডেসপারেট-কী জানি কী করে বসে! টেলিফোনে বাবাকে বলেছিল যে ওর বাসার कारकर नाकि धारक अकरे भाषार । स्मिरी জানার পর থেকে আহি আর ওর কাছেও बारे ना ।

পেটের মধ্যে কল্কল্ গব্দ হচছে। ছ'ডের মুখের সভো গলার ফাছে খোঁচা

নিচ্ছে অব্দন। হঠাৎ পেটের মধ্যে শব্দটা এত জোরে হল যে লালতের ভর হচ্ছিল মেরেটা শব্দেতে পাছে।

লালত উঠে পাঁড়াতে পাঁড়াতে অল-আমিও ঐ পাড়ার থাকি। বাঁপ একা থেতে তর করে তবে আমার সপো চলনে, কোনেঃ তর নেই। আপনি গোলে বিমান খুন্দি হবে।

মেরেটা আনে হেনে বলগ-কিন্তু ও বে বারণ করেছে।

লালত বলল—কিন্তু একট, আগেই ও আমার কাছে এসেছিল। তথন দেখেছি ও নমাল। কথাবাতী ভালই বলছিল। এখনো ভারের কিছা নেই।

মেরেটি একটা চিন্তা করে হঠাং উঠে দাঁভিরে বলল—চলনে।

অপূর্ণাই তার অভিজ্ঞাত ভগণীতে কেবল-মার একটি ভর্জনীর সংক্তে খালি ট্যাক্সিটা দাঁভ করাল।

দ্ভেন দু কেংগ বসল। মাঝখানে অনেকটা ফাঁকা জানগা। অপর্ণা বাইরের দিকে ভাকিরে। আর ললিত ভার বুক আর পেটের অব্দিতটা থেকে রেহাই পাওয়ার জন্য একটা গা এলিরে সাটের পিছনে মাধ্য রেখে। বামটা হয়তো হবে। এক ব্লাশ জলের পর এক কাপ চা খেরেছে ললিত। খাওয়টা ঠিক হয়নি।

অপর্ণাঃ মূখ ফিরিরে লালতকে দেখে বলল—আপনার কি শরীর থারাপ?

একট্ অনামনে চুপ করে থেকে অপর্ণী বলল—এখন আমাদের সমর ভাল যাছে না। কিছ্দিন আগেই বাবার কারখানার কর্মচারীরা বাড়ির সামনে এসে জমারেং হরেছিক একদিন বোনাস আর কাজের

হরেছিল একদিন, বোনাস আর কাজের সিকিউরিটির জন্ম। ইউনিয়নের লীজার এক ছোকরা এল বাবার সংগ্য কথা বলতে।

প্রভাত মুখোপাধ্যারের ভীষণ-সুন্দর বিস্ময়কর বই

# ক্রন্দসী কাশ্মীর

এ বৃংগার এক অধিভানির সাহিত্য - কীর্তি! দাম—দশ টাকা
দেশ বলেন ঃ লেখক স্বাচকে দেখেছেন পানিকচনের কদর্য পালবিকতা ১......বই-এর
নারিকা সুকোরা শুখ্ ইর্যানীরা সুন্দেরীই নর, শাকিডানের রাখে পিশুল, দেশের স্বাধীনতা
সেবার কাজে বার জীবন নিয়োজিত!.....মনে মনে লেখকের সঙ্গে করমর্থনি করেছি
দেই স্বা অংশে বেখানে আমানের অ-ক্রেধার রাখ্টনারকদের বার্থতার গ্রেপ্তাড়ির চাকনা
ডিনি অকপটে প্রেছেন। শেখসাহেব, ও বল্পী গোলাম মহম্মদকে তিনি স্বচ্ছ আরনার
সামনেই দাঁড় করিরাছেন।.....লেখক তাঁদের ক্যা এমন স্পণ্ট করে তাঁর বই-এ স্থান
দিয়েছেন। শুখ্ব এর্থ জনা ইন্দ্রসাই কান্মীর সাহর্থিন।

क्रिकाका भाष्टकानव, ०, मााभाष्ट्रतम तम महोते, क्रिकाक, ->>

লে আমাদের বৈঠকখানার বলে বাবার সংশা কথা বলতে বলতে তার সামনেই সিগারেট খাছিল। ফলে বাবা সেনিন ভীবণ রেখে বার, আর নাভাসে হরে পছে। সেই কটনলর পরেই বিকেলের নিকে বাবার ব্লাড-প্রসার অসম্ভব বেড়ে বার। ক্লাহে একটা ক্লোকের মতেঃ হর—

ननिष्ठ वरन-टन की। उहरनको निभारतके स्थानिक वरन ?

অপর্ণা মৃদ্ একট্ হাসল—উনি প্রোনো ভাষকের লোক। কর্মচারীয়া সামনে সিগারেট পাবে এটা উনি বরণাস্ড করতে পারেননি।

नीनराज्य कथा कारज करो शीक्न, उन्

দে ফাল—কিন্তু এরকম হওরই ছো স্বাভাবিক। দীর্ঘকাল পেটমোটা, অসং, অতিরিক্ত মুনাফাখের মালিকদের সম্মান করতে করতে ওরা এই ম্যান্টরিক্তমকে আরু বিশ্বাস করছে ন্য

এই অপ্রির কথাগালো একজন মালিকের মেরেকে তার বলার ইছে ছিল না। কিন্তু কথাগালো এমনিতেই বেরিরে এল। তাই একটা লক্ষা করছিল লালিতের।

অপপা বাইরের দিকেই চেয়ে ছিল।
টান্ত্রিটা একটা ডবকডেকারের পিছা পিছা
আলেড আলেড বাছে। অপপা মুখ না
ছারিরেই বক্তা—ইউনিরনের ঐ ছেলেটা
আমাদের এক জ্ঞাতির ছেলে। বখন সে
চাকরি চাইতে এসেছিল তখন বাবার পা
ছারে প্রণম করেছিল। তা ছাড়া আমার
বিশ্বাস সে সিগারেট খাওরার দরকার বলেই
সিগারেট খার্যনি, সে খেরেছিল ইচ্ছে করে,
বাবাকে চটিয়ে দেওরার জনাই—

ললিত একটা উত্তেজনা বোধ করে বলে—
কিন্তু জামি কাগজে ছবি দেখেছি কুছি একুশ
বছরের বাফা নিয়াে ছেলে জামেরিকার প্রেসিডেন্টের সপো তাপের দাবীদাওরার কথা বলছে—তার হাতে সিগারেট, সমানে মধ্যের প্লাশ—খব ইজি ভপাী—

অপর্গা হাসলা বলল—আমি ওসব জানি
না। আমি ছেলেবেলার আমাদের কারখনার
কর্মাচারীদের কাকা কিংবা দাদা বলে
ডেকেছি, তারাও কাবাকে কখনো জাচীমশাই
কখনো অনা কোনো আজ্বীহতার সম্পর্কে
ডেকেছে। আমাদের মধ্যে খ্র একটা দ্রেছ
ছিল না। কিন্তু ঐ ছেলেটা বাবার সামানে
সিপারেট খেরে সেই দ্রেছ তৈরী করে দিল—

লালত ভিতরে উত্তেজিত হরেছিল, সেই উত্তেজনা তার গলার স্বরতে অজ্ঞানেত তাঁর করে দিল। বলল—প্রথ ছিলই। হরতো কাইরে থেকে বোঝা ব্যক্তিল না। দ্টো ভেলী, তাদের প্রস্পর বিরোধী স্বার্থ—কী করে তারা প্রস্পরের কাছের লোক হর?

অপর্ণা এ কথার উত্তর দিল না। অনেক-কল বাইরের দিকে চেরে রইল। তারপর বিষয় মুখখানা ফিরিরে বলল—হলে ভাল হত।

লালভ হাসতে কাজিল। ঠিক সেই সমরে ভার পেটের ভিতর থেকে একটা 'ওরাক' উঠে আসহিল। সে তাড়াভাড়ি সিগারেট ধরিরে ধোঁররে মধ্যে নিজেকে ভূবিরে দেওরার চেন্টা করল।

অপশা ব্ৰ: কৃচকে ভার দিকে ভাকার। ক্যু সংশার দেখার ভাকে। বলে—আপদার কি কোনো কণ্ট হচছে?

কলিত বলল—মা, মা। আপনি কৰা বল্ন।

অপূর্ণা কাল-বাবাকে নিয়েই আমার ভর। এখন বেশী উত্তেজনা তার পক্ষে ভাল

# **८**श्रद्भन्न काश्नि ...

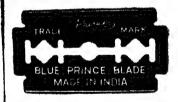


আর প্রিন্স ব্ল ব্লেড কাহিনীণ্ডে রোমাঞ্চ সঞ্চার করেছে



পরিম্কার কামাতে ও পালক-স্পর্শ পেতে ব্যবহার কর্মন ক্লোরো কার্বন বার দেওয়া





ন্। গতকাল রাত থেকে তারি ক্যানারীর। হাওড়ার কারখানায় তাঁকে জাটকে রেখেছে। এখন প্যান্ত তারি কোনো থবর সামর। প্রান্তান।

লালত ভিজেস করল—কেন অন্তক বেখেছে

অপর্বা মান, ইংসিমারে কলে—িংলি প্রব্ মক্তজনকৈ ছটিটে কংগ্রেম।

কালত একট, চমকে । ওঠি---শ্বইজনকে। এই অভ্যেক্টের দিনে।

অপ্রা) মাথা নেড়ে বলল—বিন্তু ভারের किंक, रहेरे । याक समार्क्षकारक इति है करा न bie मा । जो स्य केडिंग्ससम्ब १५१४७ । य.स ভবক্ষ আরো জন্যচারেক-এই চ্নাট প্রতি-জন্যকই বাবা ভাড়াতে চাইছেন। কিন্তু সর সার ঐ পাচজনাক সরচেনা থাব মাধাকল -**७ इ. २ व्यव्हें छन्। एक. १६ के दिरा**हर 74 দিয়েয়েখন ডিটান চ এখন আন্তেম্ভান হ'লে, एकाफ़िक हर्त न्यंदिक स्नारतः छाद राजा আন্তে আন্তে ভানের সামীর কাছ হার भ्रतीकात कर्तरह शाकरकाः सन्दर्शभागाः ভারপায় আন্দ্রীজন তারপর সভ্রজন--এডাবে সংখ্যা কমান্তে থাকবেল। (শ্ব প্রাণ্ড প্রাচালিক্তনার্কই আবার কর্মনার ব্রহনার চান্ত্রন, ভারপার বলকেন চেন্ত্রসালের দাববিশাওয়া क्षांश्च अंतरहे एक। प्रश्ना निकास, रक्तम के उन्ह প্রস্থান্ত বাদ লাভ ভাগেছ নিটে পরবৌ মার ভূমন ইউনিখন দেখাবে যে ভার মাজিকের কছে থেকে। প্রস্তু সর্বাই সালয় কৰে নিচে পোৱাছ—ভালেক্ট ছয় হাজাছ --জার প্রাইক **চালিয়ে - হাও**য়ার লালে হয় सः...र्ड्यमभूति भूतका<sub>र्व</sub> करण सः १९७६ আছে নতুন জন্মকাপড় কিনতে পরেছে ন কাজেই ভার: মিউমাউ করে নেতে : কিনতু কাবা ক্রিক হে প্রভিন্নকে ছাউট করাত ১৯০৫-ছিলেন, ভাদেরই ছটিই করবেন, কমচাবকৈ দেই ব্যাপারটা ব্যুঝাটেই প্রায়না ভাষা ষ্টান্ত্র স্বাহের ১৯১ইজনের স্কর্মটো পাঁচজনের ছটিট্র মেনে নেবে।

শালিতে একটা, ছটফট কর্মাধল ভিতরে ভিত্তরে। বলল-এটা তেন্সেট্ডন

অপ্রা: হাস্থা-হাট, ভবিদ লয়েছা।
আখ্যাসের মধ্যে আর একট্র আখ্যাসের
ভার নেই। কিন্তু আস্থানত্তর এই কথা বলা
বোধ হয় ঠিক ইচ্ছে না।

ললিত মুখ ফিরিছে নিকঃ

অপণা মানু গলায় বলল, তবা বলছি, কারণ আমার মন একদম ভালা নেই। বাবার হাই রাজপ্রেসার, তার ওপার এইসব উত্তেজনা। এখন যদি তার একটা কিছ্ বার বার-আমি সেই কথাই ভাবছি-

ল্পিড চাপ্য গ্ৰায় বলল—ডখন অপেনি মালিক হৰেন।

অপ্রাণ লাগত গলার বলগা.—ঠিক। কিন্তু তথ্য অমি আরু মা কী ভবিষ এক। হার কাৰো! তথ্য **ঐ সৰ ক্যাচারীরা** থানি আনাদের থেয়াও করে রাখে! হাদি বাসার এনে হামলা করে! মা লো, সে কথা ভাবতেই ব্ৰেক্স ভিতরতা শাক্ষিক্সে বায়।

জপপি আবার অন্যামনক হার বার একটা কপের জনা। ভারপর খার সংক্রেচ লাজার গলান ভাই বারা প্রাপ্পরে আমার বিয়ের জনা চেন্টা করছেন। ব্রন্তেই ভো করছেন। ব্রন্তেই ভো করছেন। ব্রন্তেই ভো করছেন। ব্রন্তেই ভো করছেন। করমন পার খালাকের জনার অভিজ্ঞান্ত আছে—এমন পার আভজ্ঞান্ত আছে—এমন পার আলক হওয়ার অভিজ্ঞান্ত আছে—এমন পার আলক হওয়ার অভিজ্ঞান্ত আছে—এমন পার ব্রাক্তিন না। আনর ভালা হলেও কিছা বার আলে না। আনর ভূতিন মানের মধোই আমার বিরের ভেট্ বিক্র হায় যাবে। আনর বিরের ভেট্ বিক্র বার মানের বারের ভেট্ বিক্র হায় যাবে। আনর বিরের হার ভাগ্লাক ক্রেন্টানীর সাধ্যে আমার বিরের হার আরু ক্রম্টানীর সাধ্যে আমার বিরের শতারা মিউরেনা।

ললিত বললা আপনি কী চান :

কপণা; একট্ড না তেতে বললা সামি চই আমানের মালিক আর প্রমিকদের মাধে। একই ব্যাধী কভ কর্জ। প্রেম্পরের মধ্যে বোকাপড়া কর ভালবাদ্যা থাক।

ললিত প্রাণ্ডাল ভার বনির ভারটা জ্ঞান রাম্ম চেন্টা ক্ষতিলং সেই চেন্টা কার্যা চাটা কলা একে গোলা সে একটা হাজানে লগল

্জপণা জি**জেস করল,** আপনার কী হাহাছাং

সলিতের ইচ্ছে হল জপ্যার আগ্রের কংগার উত্তর দিয়ে বাল-এই দেখান, এতকল একসালা বাল করেও আমার মার্লিটার সংখ্যা বোঝাপাড়া বা ভলবাস। হর্মা, এ কেবল আয়োকে কণ্টা দেওয়ার জন্য জল্মকে এর সাল্যাও আয়ার স্বায়াবার মিল কর্মী।

ক্ষিত্ত কে কথা না কলে প্ৰিত্ত বল্ল-প্ৰীবটা ভাল নেই। কিল্কু আপনি কিছে ভাবরেন না, ও ঠিক হরে বাবে। কি**ম্তু** আপনি এমিক মালিকের এক শ্বাথেরি কথা কী ফেন বল্ডিলেন! কী বেন, বোঝাপড়া আর ভালবাসার কথা!

অপ্রণা লাজ্যক ম্যাস মাধ্যা নামিছে रमण- ७): अभाद ४८) अधे ४१ (११)मा व्याकरम् इताथ इष अभाइतत् गाए० कर्माक्षती-देवत मध्याचा दकारमधीम्य भिष्टेरत सात्र विक्**ट** ভাষের শতা ভাষতে কামার ভাল লাগে না। ইচ্ছে করে ভ্রের সব নাবাদাভয়া মিটিয়ে নিই। কিংত ভেবে দেখেছি, শতুভেটা **এমন** এক জারগাস পেশীয়ে গেছে যে, দাবাঁ মিটিকে দিলেও দরা মালি হবে না েভিডরে ভিডা**র** গ্ৰেম্বে উঠাব-ব্ৰুক্ত একজন প্ৰেক্ত কামিটাৰ মালিক হয়ে আছে! কেন ভাকে আনেয়া সম্মান করব ? কেন ভার স্মানে **অম্বর্** দিগারেট খাবে নাও একজন মান্ত এখন অত কিছাতেই অন একজন ম**ন্তের** অধীন হাতে চার না: কোনা মান্য ভারই অধীন হাত পারে যাকে সে ভালবাসে :

কলিত একটা অবনে হয়েছিল অপপ্রিক্ত কথা শানে। একটি অংশবাদনী মেহের কর্মে যে এককম বথা আখাই করেনি। কে জানে, এসক কথা বয়াত। ওকে বিমান লিখিয়েছে,

#### **टका**याता

#### (कारणस्मासम्ब शक्तम्ब बहे)

ি শ্রীসাহাল্যনাথ মরেখাপাধারের লেখা বই ক্ষেত্রাবা প্রভুদ্ধা কী । হাদি মা প্রভু শ্বরেকা ওটা নাজেদ তিকানারত তেলাও । ক্রিকের পবে এক আনেওগাঁল হেন্দ্রী গল্প, পারে এটে । দব্দ ২ ওও মার্চ

#### ল সিণিডকেট

কল ভাসনৈত্ৰ স্থাতি ক লকাতা - ছ

Sp. 45 481

# দর্বারী ঃ শারদ

০ শারদ সংকলন ১ মহাল্যার ০ পেপার-ব্যাক বাধাই 0 আগেই বেরেছে

গালার শীষোলার মহেশা, অত্তীন বালেন, বাবন গালেন, অভান নাপ্রায়াও, বনজিব সিক্সাপ্ত, আলোক সেনার্যেই, জালন ভাইচারা, কুমার মিত, বাণাত্তিত দ্বাবতী, আলোক সিংহা, অভান চক্রবার্তী, ইসালা ম্লেডাক্য সিবালা, জবা্বী সানাগ্র

প্রশাস কর্পকুমার রাম রগজিত বাগ্য চাধ্রী, কানত চাস ভার মৃথ্যা মধানির রাস, কৃষ্ণ ধর, তর্প সালালে, শান্তি চট্টো, আমিডাত চট্টো, শিতবন চট্টো, বাস্ত্রেদর দেব, তমিডাভ দাশল্যন্ত, পরিত ম্যানা, তর্প স্থেম, তর্প চদর, সভা ব্রু, ম্রুল গ্রু, সন্ধ্রাক ত্রিয়ারী, রগজিত দেব, চন্দর মঞ্জ্যান্ত

সম্পাদক : কল্মা**ণ চক্তব**তী । প্ৰাছ্টদ : বিশ্বরঞ্জন দে

ম্বা: ২.০০ । সম্পাদকীয় দণ্ডর : ৩০ ধমাতবা স্থাটি, কবিল-১৩



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিস্!

Castury's

মুখী জীবনের প্রতীক এই চকোলেট বাড়ীর সবাই খেতে ভালবাসে! কারণ, স্বাধিষ্ট ও পৃষ্টিকারক এই লাভবেরিশ্ চকোলেট সাচ হব দিরে তৈরী। প্রত্যেকেই প্রিয় স্বাধের কল্প এই মকালেট ছয়ট বিভিন্ন বকমে পাওৱা বার।
প্রতিটি চিক্রোলেট ক্রিয়ের মধ্যের, গুণে ভ্রমপুর!

ME-AIYARS CZ MI

এ কথা হরতে। ওর নর। সে মৃদ্ গলার বলল—ব্যক্তিগত মালিকানার ওটই তো দোব। মালিকানা বদি রাজ্যের হাতে বার— বে রাজ্য সকলের প্রাথে কাক্ত করে—তবে সেই রাজ্যে এ বাপার হবে না।

অপশা হাসল—আপান কি কমিউনিস্ট । লালত উত্তর দিল না।

অপশা মৃদ্ গলার বললা—কমিউনিকট্ কিনা এই প্রণন করলে অ ভবাল অনেকেই চুপ করে থাকে। কিব্যু আমি জ'নি আপনি কমিউনিস্ট।

**र्मामण** द्वारमण - कौ कात खासातम १

অপ্শা বলল -- আবশ্য আমার জুল হাছে পারে : অব্যানন হার অনেক্সিন আগ্র আপানার কাঁশ্য বিমানের কাডে আপানাদের কারকজ্ঞানির কথা শানাভ্যাঃ

লবিত লবিবব্যস্ত সূত্র ব্যব—ভাই মাকি ?

অবলগী যাদ্হাসল-এক সময়ে ও আয়েত্ৰ প্ৰভাগে তথ্য ও কলোভের ছত। খ্যা ভাৰা হ'ত ছিলা, কৈন্তু কালো সংখ্য কথাকাতী বগৰত প্ৰত্নাঃ বাৰা ওকে অনুমূল বুলে কাষ্ট্রমান্ত পড়াটে রাজি **করি**রেকিকেন প্রথম প্রথম ও পাড়াটের না **চুপড়াপ ব**লে কাক বর্গের নাড়াডাড্রা **করে** উঠো ব্যৱস্থা বিশ্ব আনি ওপন বাস্থা ক্রয়ের ক্লক পরি, কর্ডেট প্রাধ হয় অম্মার ওবেশ্রী निम सम्बा करल गाः। जाएन्ड जाएन्ड कथा **ৰদ্যতে প**্রয় কবল, কিন্তু পঞ্জ **কথা নত**। মাধন ও মাত্র মত্র কলিত ন্তুম একজনের কথা বলভে গুলই জালত ভিল কমিউনিকী **इंडे**बिक्टनर १८४ - १ ४ अलावप्रकृत (Stan হোপো: জাট ২০০ চালিকানে সংস্থান নাম बन्धरम्भः, ७ ४०३ विश्वयात राज्ये स्वीतराहद्र स्वा মনে পড়েছিল, রাছাড় আগনিও জের ওর **কলেকের বংধ**ু - কড়কেট মনে হক্তে আপেনি সেই ল'লিড। 🖙 ?

ভাগিত একটা আপুন নিহাবিত আন্দদ বাধ করল: আপ্দমা কতুনার বোগার চলে গৈছে ছাত্র পরিচার: এই মোরাইও মান রেখেছে আরে: ফালিলের বত আনাত ইটেছ করে আরে: কতুনার: আরে কোথায় কোখার ভাবেক ভাবক মান বেলেইটা

অপশা বাড় হে লিয়ে তাকে একট্ দেখল।
তারপর রহসামর একট্ তেসে বলল—
আপনার বধ্য এক সময়ে অপনার খ্র প্রভাবে পড়েছিল। প্রায়ই বাজিগত মালিকান তুলে দিহে বাট্যতি মালিকানার কথা বলত। আমাকে বলত—তোমাদের কারখানার সম কংপিটালা খেরটে ভাগ কার
প্রায়কদের মধ্যে বিলিয়ে দাও। নইকা একদিন প্রামকদেব বাজে তোমাদের বিচার
হব্যে এইসব কথ। আমি তথ্য ছোট মেরে, ওর কথা শ্রান কথনো হা করে চেটেঃ
থাক্তাম, কখনো হাস্তাম। কিব্রু মনে মনে ওর সব কথাই আমার সতা বলে মনে হত—

-কেন? ললিত হঠাং জিজেন করে।

অপর্ণা সমানা একট্ রাঙা হরে বলে—
খ্র ছেলেবেলার ওর সংশ্য একবার আমারে
বিরের কথা হয়েছিল। ওরা আমাদের
জাতি, দেশে আমাদের বাড়ি ছিল ওদের
বাড়ির পাশে। এসব ক্ষেত্রে অনেক সমরে
রেমন হয়—বাবা-মারেরা ছেটো ছোটো
ছেলেমেরেনের বিরে ঠিক করে রাখেন—
আবার বড় হলে ভূলে য ন—অনেকটা
ডেমান। কাজেই ও যখন পড়াতে এল তথন
আমি জানভাম বে এই লোকটাই একদিন
আমার খথাস্থাত্ব

वरणहे हुल करत राज्य जनमा ।

লালত হাসি চেপে বলল-বলন।

অপণা একটু যোর লাগা চোখে চেরে থোক বলল—তাই ওর সব কথা আমি মনের মধ্যে গোখে নিতাম। কিছা ভূলতাম মা। দেখন না, আপনার নাম আমি আঞ্জও মনে রেখেডি।

- ठिक। स्निट चक् नाइन।

অপণী মুদ্ হাসি হেসে বলল—
আপনাকে দেখে ও একেব রে কমিউনিস্ট্
হার গিরেছিল। অমার কাছে আমার বাবার
নিদেশ করত। বলত, অমাদের রাজর মধ্যে
বিধ থেকে হাবে এই মালিক স্বাধেরি। তাই
একদিন নাঞ্চি আমাদের মেরে ফেলা হবে।
—শানে আপনি রূপ করতেন নাই

অপ্শা মাথা নাড্লা—না। বরং ভর ইত খ্রা ভারতাম ও বা বলছে ঠিকই বলছে। আমার ইচ্ছে হত বভি ছেড়ে, মা-বারা ছেড়ে ৬র কাছে চলে হাই। ও বেন আমাকে বাঁচিত্র। কিব্লু ওর এই মনোভার বেশীদিন রক্তিনা।

টালিগছ রেলব্রীভ পার হয়ে টাব্লিওরালা মুখ ফেরাল—কোন দিকে বাবেন?

ললিত বলল—আর একটা ভাই, তারপর আনোরার শা রোড—

অপণার দিকে মুখ ফিরিয়ে বলল— ভারপর?

অপর্ণা বলল-ও তথন আর একজন বংধ্র প্রভাবে পড়েছে। সেই বংখ্টি ছিল জমিদার-প্রবিশ্বভার কোথাকর যেন-পার্টিশানের পর সব ছেড়ে বিস্নে চলে এসেছে-ভার নামটা কী যেন-

ললিত আগ্রহে বলল—রমেন? রমেন্দ্র-নারায়ণ চৌধারী?

—ঠিক। অপণা উক্জ্যেক মুখে বলল—
ব্যান। সেই বন্ধার সংক্ষা পরিচয় হওয়ার
পব একদিন আমাকে এসে বলল—দেখ,
আমার এই বন্ধাটি বড় অন্তুত। কলকাতার
তর যে সব প্রজ্ঞা-ট্রজা আছে তারা এখনো
ওকে খ্ব সম্মান করে ওর বাসার যার, ওর
খোজ খবর নের ঠিক যেন আন্থানৈর
মতো। রাস্তার খাটে ঘাটা প্রদাম বা

कार्या-र जनम चर्च

### শ্রেষ্ঠ কবিতা গ্রুগথমালা

ভারবি-র অনন্করণীয় শৈলীতে

চিলটি খণেড

রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক
চিলজন দ্রোতি কবির

কাব্যসাধনার শোভনস্থেত্র সংকলন

প্রকাশ-বন্টনের স্ববিধাবে উল্লেখন লিগটি খন্ড তিন পর্যায়ে প্রকাশিত হবে। প্রতি পর্যায়ে সমন্তাবে নবীন-প্রবীশ কবির সমাহার। প্রথম প্রযায়ে রয়েছেঃ জীবনানন্দ দাশের

শ্ৰেণ্ঠ কৰিতা ৭.০০

व्करमव वस्त

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৮·০০ মোহিতলাল মজাসদারের

खाउँ कविद्या **१**.00

প্রেমেন্দ্র মিতের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৭.০০

আঞ্চত দত্তের

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬·০০ সূভাৰ মুংখাপাধ্যয়ের

শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬·০০ নীরেন্দনাথ চক্রবতীরি

নারেণ্দ্রনাথ চক্রবত। র শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬০০০

ৰীরেন্দ্র চটে পাধ্যমের শ্রেষ্ঠ কবিতা ৬০০০

শঙ্খ ঘোষের

শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০ স্নীল গজোপাধায়ের শ্ৰেষ্ঠ কৰিতা ৬·০০

এই দলটে খণ্ডের ম্লা, এককালীন অথবা নিমার্প তিনটি কিচিত্তে অগ্নিম পরিদেশ্বের লতা-সংপক্ষ, ৬৫-০০ টাকার স্থালে মাত ৪৫-০০ টাকার স্থালে মাত ৪৫-০০ টাকার নির্মাণ্ট ইয়েছে: ১০ অক্টোবরের মধ্যে ১৫-০০, ১০ নভেম্বরের মধ্যে ১৫-০০, ১০ ভিলেম্বরের মধ্যে ১৫-০০। ভাকে বই নিলে মোট ম্লা, ৫৪-০০ টাকার ভিনাটি কিচিত্ত অথবা এককালীন টাকা পাসিলে সম্পাণ ভাকবাস বহন করা হলে। স্থালিনাসন্দ লাশের প্রেটি ক্রিছা করিছা করিছা করেছা করিছা করিছালেক লাশ বছটি দেওছা হবেছা

### जार वि

১০/১ विष्यत हाहे;:का श्रिके **कशका**का ५२

মমন্দ্র করে ব্রীয়ে বারে সাঁট ছে ড় দের।

করে জাসছে। জাম জিজেল বরতাম—
ভাতে করি ছল ? ও উত্তরে বলত—হর ওর

ইঞ্জাগর্কো শীর্ষকাল ওপের সম্মান করতে
করতে নিজেদের একেবারে দাস বানিরে
কেলেছে, নরতে। ওর সাভাই ওকে
ভালবারে । ভারতার রমেন এসে বললা না
ওর প্রজারা ওর সংগা আন্তরিক বাবহার
করে। ওটা ঠিক ম্যানার্সা নয়। মোটর
ভালবিসভেও করে ও ব্যকের একটা হাড়
ভেঙেছে, সেই শ্লেন ওর এক প্রজা মা
ভালীর কাছে কালো পাটা মানত করেছে।

কোন স্বাধে সেটা সৈ করবে? এখন তো আর ওর জাল্লানানী নেই বে সেই প্রজার একট্ স্বাবধে করে দেবে! ওরা সাত্রই ভালবাসে ওকে। আলি কিছুতেই ব্যুক্তে পাছছি না কী করে দ্টো প্রেণী তাদের স্বাধা জুলে—এবং সমাজ বিশ্বাব ছাড়াই এক অন্যাকে ভালবাস্তে।

লালত সামানা গাড়টারম্বেথ বলল- ওটা হয় ড' একটা এক্সেপখন। হয়তো রমেনরা বেলী চালাক ছিল, প্রজাদের প্রির হবে তালের আরো বেশী একালাকেট করার চেন্টা করোছল।

অপুৰা মাধ্য নেডে বলক—সে ধাই জোক।

এ কিল্ড আপনার প্রভাব কার্টিরে উঠল। raiding - siles -थाव न सवा वीन व्यवस्थाति स्ट्रिको स्थानी अस्क व्यस्ट्रिक व्यक्तिक सरक খাতে ধাঁদ ভার: পদ্মপার প্রস্পারর স্বায়া क्ट मीकार-कार याँन कालर अ अजदाआ भारा-स्टाइटल ক্রমিদার আর ভার প্রকা ক্ষেক্ষার কমিউন গড়ে তলতে পারে। আমি क्षात तत कांक्र रक्तकड़े कथा नगरण मिल्लाफ. वक्रमाध-धात शार्ष्येत शांशकामात की इत्या क होति केट्टी काम, मात, हान्ये हरा अवते. ধলা কর কৈ কথনো ভালবাসতে পারে। খানাৰ ভাতকাপড়ের চেমেও মনাবের ভাক-ব সং বেশা হায় বিমেন আৰু ভাৰ প্ৰভাৱেদৰ মধ্যা সংগ্ৰহা দেশে আমি অব্যক্ত হয়ে বেটছ। क्रथानः सह अक्षारम्ब स्किन्ने स्किन्ने स्थानि কভান্ত না বলে মেছের বিষের সংবদের সিক कात मा। क्रीप्र িকন্তার সমার চাত্রাসের ৰাপাৰে বোগ-বালাইতে তারপর উবিজ লেভার যা কাষ্যায় একদিন অসাৰ ক্ষিট্ৰ বা বাকৰ ভিৰেইৰ—ছবত কৈ ছমিক সা প্ৰভাৱ <u>বুল্ডাক সংখ্যে বিশ্</u>যন কলাইয়ে কিংবা কেবল ছয় কাৰ্যাপ হব্দাই সাধ কাছে হাটো সান্দ্ৰয **হ**ুড়েয়ে হাছ এখন কেউ একখন দালবাস ক (**ଅ**ଲେ) ଅନ୍ନୌରଣ ଓ ବିଶ୍ୱ ଅନ୍ତମ୍ୟ ଅନ୍ତମ୍ଭ ଓ ଓଡ଼ି B. (

অপশা একটা গাণ্ডীর হয়ে বলগা—পেই
কানী আমি এমন একটা প্রাণা থাকিছিলম
কান্ত আমি আর আমার কমাছাবীর প্রেট রামনের মরেলা একে অনোর প্রয়োজন করে উঠি। আমি জোর করে মালিক প্রবান্ধা কিন্তু ওরা আমারে ওবের প্রয়োজনা কলাবেদে মালিক করে রাল্যা—আমি ওবের সে রকম স্বার্থ প্রান্তি ইয়ের আমার মারেক মারেক হয়!

ললিও হাসতে থাকে। বৃদ্ধ থেকে বামর ভাষটা সরে থাকে এখন। সে বলে—আসন র খান মালিক থাকার ইচ্ছে।

অপর্যা জ্বান হাসে—না। আগার কেবল এটা পরীক্ষা করার ইচ্ছে যে দ্রেটা দ্রোগীকে



ভূলে না বৈশ্বে একে অন্যের স্বার্থ হওয়া ব্যর কিমাঃ আসলে আমার এখন ঐ ভ্রমনের মতো একজন হতে ইছে করে। অস্থ্যনে কলিভের বৃক্ জনলে যার। সিগারেট ভূবে থাকে সে। ট্যান্সিটা থারে ধারে আনোরার খা রোভে খ্রে ভূকে বাজে।

जीनक बीट्स बीटस क्लन—क्की त्वाध इस जाननास मूर्यज्ञका। जानीन हाईएइन सामकाना हरन रमस्तिक रस्त जात क्रक बारमक्स सामिकाना क्रम बाद शरक। क्रकी रमस मन्यम रस्ति मिरक हान—कार्ड ना ?

অপশা একট্ উদ্ভাদেতর মতো চেরে থেকে কলে নমেনও কি তাই চেয়েছিল?

ললৈত খাড় নাড়ে—বোধ হয় রফেনের বাগারটাও তাই। ওর মধ্যে বংশান্ত্যিক একটা ভামদারীর ভাব থেকে গেছে। ওটা হেরিডিটারি, এড়ানো বার না। ভামদারী ভিবো মালিকানা চলে গেলে মানুৰ তখন নেতা হবার চেন্টা করে। ভারতবর্গের অনেক নেতাই এসেছেন অভিজাত সমাজ খেকে। মানুৰ তাদের ত্যাগের মহিমা কীতান করেছে, কিন্তু কথনো ভোব দেখেনি তারা সেই বংশান্ত্যিক আভিজাতার কাছেই নতুন রক্ষমে মাখা বিকিরে দিল।

অপশা অবাক হরে বলে—তা কেন? বৈ ভাল ভাকে ভালবাসতে দোষ কী?

ললিত অধৈবের ভগাতে মাথা নাড়ে—
তা হবে না। এমন সমাজ হয়তো তৈরী
হবে ৰখন মান্ত্ৰ মালিক বা অমিদারের এই
ভালবাসাকে ঠিক বিশ্বাস করবে না। তাদের
কছে থেকে একট্ও সম্মান গাবেন না
আপনি। তখন বে কেউ সিগারেট খাবে
আপনার সামনে, ইচ্ছে হলে সেই ছোকরা
আপনার কাছে—

বলেই থেমে গেল ললিত। সে বলতে বাজিল আপনার কাছে প্রেম নিবেদন করবে নিভারে।' কিন্তু সে কথাটা বড় নিচ্ছার। বলার নয়।

অপপার মুখ এখন নানা রতে রঙান।
মাধ্যের রেখা কেমন পালেট যাকে:। হঠাং সে
মাধ্যেরাসে বলল—আমি সব ছোড়ে দিতেই
ছো চাই। আমার এসব একট্ ভাল লাগে
না। এই কারখানা, শ্রীইক, কমচিরীদের
সংশো শ্রান্ত—এসব মনে হলেই আমার ব্রক্
কাপে। ইচ্ছে করে চলে যাই কোথাও।

কলিত শাস্ত গলার জিজেস করে— কোধার বাবেন ?

অপশা আলেও করে বলে—সেই ছেলে-বেলার বেমন ওর কথার ভর পেরে ইচ্ছে হত ওর সপো বাড়ি ছেড়ে চলে বাই, ঠিক তেমনিই একটা ইচ্ছে হর আমার। ও আমাকে এই সব পোলামাল থেকে টেনে নিরে বাক। কিন্তু ও কেন পাগল হরে বাছ্ছে—ও কেন— বলতে বক্ষতে ঠোট কেপে গোল অপশার।

অন্যের স্বার্থ হওরা <sup>1 ত</sup> বাথিত মনে ললিত চুপ করে থাকে। সে গ আমার এখন ঐ নিজে ৰে কথাগুলো বলেছে সেলুলো হতে ইচ্ছে করে। অতাগত নিকলৈ। না খললেও হতঃ

কিন্তু এ কথাটা সে কিছুতেই মনে মনে সহা করতে পার্যাছল না ৰে এই মেরেটার লমেনের মতো হতে ইছে করে। কেন, রমেনের মতো কেন? এ মেরেটা তো রমেনকে চেনেও না।

হঠাং খ্ৰ হাঁনের মতো একটা ভাজ করল ললিত—যার জন্য পরে সে অন্তাপ করেছিল। সে হঠাং অপদাকে বলল—রমেন তার প্রজাদের কাছে হরতো দেবতা ছিল। কিন্তু নিজের স্থার কাছে? আপান কি জানেন বে ধর বউ পালিরেছিল বলে ও হঠাং সম্মানী হরে গেছে।

ভীষণ অবাৰ হল অপৰা, বলল— নিশ্চরই বজে মেরে! নইলে ও রক্তম লোকের কাছ থেকে পালার!

ট্যান্থিটা এসে বাড়াল সেই বটনাছটায় তলার বার চারনিকে বাঁধানো বেলী—বেখানে বিমান কাল ছেলেনের শালার পড়েছিল। ট্যান্তি এই পর্যক্ত আসে, এরপর হেটে বেতে হর। লালিত ভাড়া দেওরার জন্য পতেটে হাতে দিরেছিল, অপর্ণা ভারণ রাস্তা হরে বলল,—না, না, ট্যান্তিটা আমিই ভেকেছিলমা, খ্র লম্জ্যা আর সংকোচের সংশ্যাধা দিরে অপ্রাধার রাত্যে নিক্তেই ভাড়াটা বিস্তে চিল্ল

कर्मा! निनट मध्न मध्न शामनः

বিমান শারে ছিল। শালিতকে দেখে উঠে বসবার চেন্টা করে বলল চিঠিটা দিরেছো

কলিত দরজার দাঁড়িরে, পিছনে অপর্ণা। হেসে বলল—দিরোছ। আর উত্তরটাও নিম্নে এসেছি।

—কই? বলে হাড বাড়াল বিমান। ললিত সরে গোল, ভারপর জ্বোরে হেলে উঠল।

কিন্তু ললিত ব্যক্তে পারল হানিটা ওদের শশপথ করেনি। ধীর পারে অপলী অর এসে দড়িতেই বিমানের সলো অপলীর চোধ পরশ্বর গোঁখে গোল। নিশ্পক হরে রইল দ্ভানে। কিন্তু সেই নিথরতার মাধেও তাদের মুখে বেন করেকটা রুচ্ কর্মশ রেখা কোমলভার বোকে গোল। ইপ্লিভমর ভাববাহী হরে গোল ধরের বাডাস। ললিত ব্রজা ওরা কথা না কলে, চেন্টাহীনভাবে পরশ্বরকে গভীর ভালবাসা জানাতে পারে।

ব'ট হল ললিতের! বিমানটা পাগল।
আর এ একজন কারখানা-মালিকের মেরে।
কিন্তু মনে হর, করা দ্বালনেই ভিথির--অকিন্তন। ওদের দ্বালনের করা দ্বান হাড়া
আর কিছু নেই। গুটোই পাগল।

ভার ইচ্ছে হল অপগাঁলে তেকে বলে-যাঁগ কোনোদন ভাবিব্যতের সমাজ মালিক পক্ষকে অবলুম্ভ করতে চায়, সেদিন আপনাকৈ কথা কথা হৈছে, কেন্দ্ৰা জ্বাপুৰি এই পাগৰকে ভালকেন্দ্ৰিকেন।

লালত দ্ভানকে ঐ অক্ষায় তাৰে বেজিয়ে এল। বাইছে খেকে দক্ষাটা সাক্ষাল টেনে ভেজিয়ে দিল।

-

্ৰণ প্ৰকাশক বলিও ও জনপ্ৰিয় নাটক

পার্থপ্রতিম চৌধরের

मनमत्भ धाषुत्भ

শক্তিপদ রাজগুরুর

প্রজাপতি

কিন্তুৰ মৈল্লের

কে'চে গণ্ডুৰ

(স্থাবিজিভি) ২-৫০ বীরা মাখোপাধ্যারের

अपल वापल

e.no

e.00

क्रमात्त्व नकृत क्रांनका त्रस्य

সিটি ব্ৰু এজেন্সী ৫৫, সাঁডারায় বেৰে শাঁট, কলিকাতা—১

এস সেন, জে পি
ম্যারিজ রেজিলেউখন জড়িসার
১৮বি লামাচরত দে স্টাট, বলি-১২
বলেভ স্টাট, মহাজা গালী রেভে জনেন কোল: 34-6896 Resi 34-4045

রেজিণ্ট্রি বিবাহ অফিস





আরু, কার্যানা আর ওদাবে ব্যবহার হয়—কেন না এটি নির্ভরযোগা। ভূদ্ম এর কারিগরী, প্রতিটি ভালা'র এটি মারুণ মন্তবৃত। **काली कालामा कालामा उक्श्व**र চাবী তৈরি হয়, ভাছাড়া নব-তাল নিরাপদ্ধার সরস্বাম তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা-খাতে, খুলে বা ভেঙ্গে চুৱি করা

**লা বায়, ভব্নি নব-জেল নেয় পদক্তেরে** বেশী নিরাপতা। শেতল আর ইস্পাতের ভবল খাল বাকে ব'লে এটি তৈরি করছেন লোদরেজ-यात्मत्र व्यास् १० वहद्वत्रक বেশী অভিজ্ঞাতা ৷

# নৰ-তাল

क्रिय जाहेरक भारत्य : ৫০ মিলিমিটার (৬ লিভার) ৬৭ মি: মি: (৭ লিভার) **५० वि: वि: (५ मिछात)** 

पुरोप (गामदाका ध्री गवनमा ब्याबिय खान करिएक)

শিশ্র নিরাপত্তা

वनण्डारिक्टकवा वरनन, रकार्रेटनत वि स्रोतमहाता नित्रशत्र र छता वास्नीत। জাছাড়া শিশুদের মনে নিরাপন্তার অভাব বোধ জাগতে দেওৱা কোনোকুমেই ছচিত मह। मिनाश्रसाम व्यक्तारस्त मृत्यो मिक আছে আৰ্থিক ভো বটেই, মানসিক নিৱা-शरांत ग्रहार क्य महा छढ़ांत ग्रहर সন্বশ্যে সন্দেহের কোনো অবকাশ মেই। কারণ সভিষ্ট তো, শিশ্ম বদি আথিক অভাব অন্টনের মধ্যে মান্ত হয় তাহলে ভার স্বাভাবিক মানসিক বিকাশে ব্যাঘাত হটবে। শিশু বদি অনবরত তার চোখের সামনে অবাস্থনীয় বা অগ্নিয় বটনা ঘটতে দেখে তাতে মানসিক প্রতিক্রিয়া ভাল না চ ওরাই স্বাভাবিক। আজকাল আধ্,নিক শিক্ষার কল্যাপে আমরা এই সাইকোলজী নিবে কথার কথার বড় বেলী মাথা খামাই। অনেক সময় এইসৰ ভেড' নিয়ে যে খ্ৰ বাভাবাভি বা বেশী মাখা খামানোও না হয় তা নর। অভাবের দিক দিরে নিরাপ্তার कथारे यसा याक। व्यक्तायातरासद शासामन মত খেতে পরতে দেবার সামধ্য মোটামটি আমাদের সকলের আছে। এই প্ররোজন-মত' কথাটার মধ্যে কিন্ত অনেক মারপাতি আছে। একটা ভিখিরীর ছেলের প্রযোজন দাকেলা দামাঠো ভাত। তার পকে ওটাই गर्थको। भारत अवने किन्न शाकालहे हन! কিন্ত আমাদের ছেলেমেরেরা ডে: আর ভিখিনীর খবে জন্মার্মি! কাঞ্চেই ভালের "প্রয়েজন"-এর মাত্র কোথার শারা ভার কোপার শেষ তা আমরা নিজেরাই গ্লিরে रफोन। ७७७ छान स्थाय मृद्ध करद शहा আইসর ম তালিকায় **ठाकारमधे भाषम डीक** खारभग, কোনোটাই অপ্রয়েজনীয় FIE : তালিকাভর যে কোনো একটি বস্তুর অভাবই শিশ্বে মনে নিরাপ্তার অভাব ঘটিয়ে ভার ভবিষাৎ জীবন ছারখার করে मिएक शास्त्र आहे खाना का कल्पात दावि-সংগত ভা বিচার করে দেখা উচিত। পরিধানের বস্তর তালিকা নিঃসালেতে খালা তালিকাকে দৈৰ্ঘে অনেক পিছনে ফেলে ষাবে। সাধারণ স্তৌবলা থেকে শ্রে करत रहेतिनिम, रहेतिकहेन, नक्न रथौंगः, नकन हुन, भत्रहुना हैछापि वह विध উপকরণ পড়ে। এর কোনটির অভাব বিশ্বর ঘটাতে अक्र বলা শভঃ বেসব পিভামাতার প.ক **ट्रामामाहाएव क कार्डीव नर्व "अहाद"** মিটিরে পরিপূর্ণ মানসিক নিরাপ্তা বজার <del>রাখা সম্ভব, ডাঁ</del>র নিশ্চয়ই ভাগাবান। ভারা মনে করেন তাঁপের পারিবারিক আর বা



গৈতৰ আৰু বা ভাতে ভানেৰ ছেলেমেরে-দের ভবিবাং জীবনে চিল্ডার কিছ নেই। সভেরাং আকালের চালের বারনা মিটিরে श्रीया क्रांस्ट्रायस्य क्यांनर' भावान करत्न मा বলেই তাদের বিশ্বাস। তাছাভা তাদের বুলি চল সারা প্রথিবীতে ব্যন জীবন-বালার মান উচ করার চেন্টা চলছে, সেই ক্ষের থারোকা ছেলেমেরের বেলার এত ক্যাকতি করার কি দরকার? কিল্ড প্রান্দটা ল্য অর্থের সক্ষরতার মধ্যে সীয়াবন্ধ থাকলে সভিটে চিন্তার কিছ থাকতো সা। ছেলেবেলা খেকে না চাইতেই সব কিছ भागात व कलाजां। हा वावा रेजही करह रमन कार करन ट्यारनाया क्यांमा ना পাওরার দাংশ বাঝাত লেখে না। জীবনটা भाधारे ता 'शावता' नत् जा शावता'व अत्र একটা অক্সেন্ত জলা, তা ভাদের ব্ৰতে দেওরা হর না। আসলে ভারা কোনোদিন স্থানিরে নিডে' শেখে না। 03 TO ভবিষাং জীবনে তারা অনেক অপ্রত্যাশিত আহাত বার। চোবের সামনে বাঞ্চিত চাকবীটা বখন যোগাতের বারি অর্জন করে তখন আশাভপাকনিত আঘাতে সে মাটিতে লাচিরে পছে। এইভাবে জীবনটার ওপর ভার বিভকা ধরে ধীরে ধীরে। কিন্তু এই অৰম্বার জনা সম্পূর্ণ দায়ী মা বাবা। চেলেবেলার **যাবে মাবে আইস**কীমের জ্ঞতাবজনিত শোক পেয়ে যদি তার মনটা তৈরী খাকত, বড় হরে, বা চাওরা বার সব পাওয়া বাহ না-এটাকে সে জীবনের স্বাভাবিক ধর্ম বলেই মনে করত। আমাদের দেশে আর্থিক সচ্চলতাবিশিশ্ট পরিবারের সংখ্যা অভানত কম। কিন্ত অনেকের মনেই এই তত্ত্বাত আশ্বকা বন্ধমূল। ছেলে-মেরের মনে বেন কোনোমতে নিরাপতার অভাব না জাগে! এই কারণে তারা ছেলে-মেরের কাছে লব কিছা লাকিরে চলতে চান। আইসজীয় আর পাশ্রীর জোগান দিতে, গ্রীম্মের হুটিতে পাহাতে বেডাতে ৰাবার শর্ড জোগাতে, আর ছেলেমেরের নিত্য নত্ন 'ড্রেস' আর 'পার্ডি'র বারনারা মেটাতে ব্যাত্ক ব্যালালস তো শান্য হয়ই,





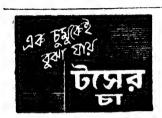




- বেটুাকে। বাছাই কর। উচ্চমানের পো-ছয় থেকে শ্বের জাতীয় পদার্থ বাদ দিয়ে বিশেষ প্রক্রিয়ায় এমন ভাবে ভৈরী বাহা শিশু সহজেই হজম কয়ভে পারে।
- ইহা পুটিহীনতা, আদ্রিক গোল্যোগ ও এলার্জি প্রাভৃতি বিশেষ বিশেষ ক্ষেত্রে ব্যবহার।
- বেটাকো অস্তি এবং সন্তানসভব। মেরেদের একটা বিশেষ অরোজনীয় বাছ।
- উচ্চমানের প্রোচীন ও ভিটামিয়ে ভরপৃর বেটাকো
  আবালনুভবনিভার একটা মতি পুরিকর বাছ :

(तक्रम (हें फिर कर्ट्याद्रम्म • a, बविन महकात (मन, क्लिकाका-•

क्षेत्रक राजात्व शहर बाब लगा रता भएक। किएक दशरमास्त्राहरू क्षेत्रा कथाला अन्त कान्य एन मा। जाएन काट्स का वावान शक्त व्यक्तिक कार्यन्याचे। व्यक्तास्टडे स्थान शहर कर्म, का नामान महान दक्षरणाहरू कार्याच्या है जिस्से स्ता । जीवा कास्त्रकार्य क काम क्रांब नम हत्य छठे. क्र कि कि अत्य अतिरक्षणे**दे ब्राबर्ड रमर**का कौवलाड काठाव कांकरवाना वाक्षा रवनमा अवर अदान ভাতর দিকটা ভাদের করেছ **全人基本工作** TRITA T. 1 CHECKINE বাৰা মাৰ আহি ক সংগতি ব্ৰুৱে পারলে जानमात्र करत मा नरकाई আমার বিশ্বাস। অশ্ভত ভাষের সেইভাবে निका मिटन ভাল পাওৱা বাব। ভেলেমেরেকে সুখে সংখ্যের সমান ভাগাী ছতে শিক্ষা দিতে হবে। তবে ভার ভবিবাং ভাষিন সংখ্যে হবে। অথথা লংকেচারর ভাষ সৰ ব্যাপাৰে একটা ফিস্ফাস আৰু লোপনীয়ভা রক্ষা করার মনোভাব মোটেই ৰাজনীয় নয়। ছেলেমেরের সামনে অনেক भा बार: कथ: कांग्रेकांग्रे करतम मा। १६८०-মেরের মনে ভাতত বির্প প্রতিক্ষা হতে পারে বলে ভাঁদের আশ্বক।। এর বেধহার জ বলে 3.5 মনোমালিনা ডেচ হডেট পারে। স্বতিক্তর শুদ্ধি এটা সম্ভব তাবে শুধ্য যা বারার হবলায়েড্ট নক কেন ⊱ ্কথ্য কাটাক্রণ্টির প**র** भा यायात्क यभाग ক্ষায়াড়া বলতে, সব কিছু করতে দেখাব তথ্য ছেলেমেয়ে ব্ৰয়েই, এটাভ ক'বদেৱ ্ছেলেমেয়েকে সব কিছা স্বাচাবিক-ভাবে গুহণ করতে মনিয়ে নিচে শেঘানো উচিত। জাবিয়ের শাহ্য আলের দিবটা च्याम्ब (४६८) देशक खेरेक सम्भाव उक्ते আল্ড ধারণার স্থিত করা হতে তাদের মান। লয়স্যা আসাক, বাধাবিষ্য আসাক, পুসগালেরে মোকাবিলা করতে হর কিন্ডাবে তা শেখাবার





লারিষ্ট আ বাবার। সমস্যাকে অঞ্জাল করেল ছেলেনেরের জীনে পার্শতা লাভ করেনে না, কোনোলিমই তানের মনে আন্দ্রিকাস জালারে না। অপ্নার্থ পর্যায় মন নিরে জীবন ব্যুম্প তারা সহতেই পর্যায়কত তার। মা বাবার দারিষ্ক ছেলেমেরেকে শেখালো, জীবনতা লোলাপেরে বিছানা নার, এতা কাতার খোঁচাও আছে, ভার জনো প্রস্তুত থাকতে হবে। আলানে পাড়লো

#### **है,किशेकि**

- ১: সালা কাপজে ক্যাকাশে বা লালচে ছরে গেলে সাবান জলে ১২ খণ্টার মড চিজিরে রাখবেন। সাবান জলে টাপেণ্টাইন মিলিরে নিডে ছবে, অন্-পান ১ পালেন জলে ১ কাপ টাপেণ্টাইন।
- ২। জেসা কিংবা দেউা-এর পরদা কেচে ধ্রে ফেলার সমর জলে এক চানচ মেথিলেটেড সিপরিট মিলিরে নিন। কাচার পর দেখবেন পরদার নেতিরে পঢ়া ভাব থাকবে না, বেশ কড়া মনে হবে।
- ৩। ইলিচ করা কাপড়টোপড়ে অনেক সময় জারগার জারগার ইলিচর চকটকে দাগ টোখে লাগে। এই সব জারগার ওপর খানিকটা খবরের কাগজ রেখে ভার ওপর গরম গরম ইলিচ ঘ্রিয়ে ফিরিয়ে নিন। চকচকে দাগ ওক্ষানি মিলিয়ে বাবে।
- এই পিতলের জিনিস মেউল পালিপা দিকে পরিক্ষার করার পর কাপ্ড ছবে পালিপা তোলার সময় সেই কাপড়ে করেক ফেটিা কেরেসিক ফিশিকে নিন। পিতলের ওপর আও্লের দার পড়ার মা আছাড়া জিনিস্টার বেশালিন ক্ষক্ষাক ছাক্রে।
- ৫ ) টালি কসামো বা আন্তেইকা করা ফেলে ধোবার সমর জলে এক ৪০০১ কেরেটিমন মিলিকে নিজে বেশবেন মেজে বেশ ক্ষেত্রকৈ দেখাকে:
- ৬। রাল্লাঘর এবং ভাড়ার ঘরের দর্ভার ফারে ফারে, ভারের খারে আর আনাচে কানাচে টাপেডিটন ছিটিয়ে দিলে বা ক্ষেপ্রতিক গোকামাকড় এবং আরলোলার উপপ্রব ক্ষরে।
- মাবেলি বসানো মেজেতে লোহার মরচের দাল ধরলো পারিতলেব কেটে ঘষলে সাধারণত সেই দাগ উঠে হার।
- ৮) পিটলের কলম, কালির অ্যাসিডে করে হায়। কালির দোরাতে বা শিশিতে করেক টকেরো লোহার পেরেক ফেলে রথেলে, কলম রক্ষা পাবে।

গ্রীমতী

## অমৱ সাহিত্যের নুতন বই

के भगाम

गटकण्डक्यात विद्यात

त्रभणीत सन ए॥

जनव दुरुक

একাঘ্মী ৪॥

প্ৰশাস্ত চৌধ্ৰাৰ

(शाधृति त्रश्रीव ७.

আশ্ভেত্তাৰ স্বেশাপান্যয়ের

বাজীকর ৮১

নীহাররঞ্জন গ্রেভর

त्रावि विभीए १

। वडका-केश्वरका

मूर्ये जभग। ५०

প্রবংশ

মহাত্মা গাল্ধীর সত্যগ্র**হ সম্পর্কিত** সমগ্র রচনা সং**কলন** 

সত্যাগ্ৰহ ৭॥

534

স্বোধকুমার চলবতীর

कृषिन

क्यायुन ७,

অমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার লেন, কলিঃ-১ CTT

# এकरे ििंडेत-किन्तु शाँठ क्रितिं≃ा

ত বছৰুৰা একই টিউৰ বিভিন্ন আ্যাপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপবোদী । মরেরমত ফিরিশ—বিমেবে তৈরি । আর্বার মত চক্চকে মধমলের মত মস্ব-ব্যাজা,হ্যামার, মেটালিক এইরকম ৫ ফিরিশ।

এই সব জ্ঞাপকোলাইট বেস পেন্টস্ খেকে বেছে
 রির:-সিরথেটিক এরামেল, আাক্রিলিক ইমালসর,
 ডেকোপ্লাস্ট ওয়াল ফিবিশ, সিরথেটিক মাট, হাামার

ও মেটালিক এবং আঞ্জিলিক ওয়াশেবল্ ডিসটেম্পার ত সবে সবে বঙ্ক মেলাবার কর মাজিকটাচ

आक्रिक्टींए

मदन मदन तड (मनावात करा

najiktou

সব রঙ কর্বার কাজে এশিয়ান পেন্টস্

अगिशान **ए**शन्टेञ्

LPE-AIYARE A. 192A BA

#### শহর-জ**ওলে সম্পত্তির পরিমাণ** সীমিত রাখার তোডজোড

BERR WE'ERTER SIZER WITERS! প্রবেশ্ব পরিবর্তন আসল বলে মান হাছে। জানা পে.ছ পরিকংশনা কমিলন লচ্য অধ্যানৰ সম্পত্তিৰ সৰ্বোচ্চ প্ৰিয়াৰ লাচ লক্ষ্য টাকাৰ সীমিত বাধৰ সংগাবিদ করেছেন। ১৯৬৪ সালে নিখিল ভারত কংগ্ৰেম কমিটি গণ্ডের অধিবেশনে আৰু ও সামত বৈষয়। ভ্ৰমাৰাৰ উপাত তি সাবে প্ৰত অন্তাত সম্পত্তিক পৰিমাণের উপর সীমা আন্তাপ কৰাৰ প্ৰেক্তনীবভাৱ কথা উল্লেখ ল্লাৰ একটি প্ৰশ্ৰ ব গ্ৰহণ কৰেছিলেন। বিগতে পতি বছর ধরে এট প্রস্তাবটি বাস্ত্ৰে প্ৰশাষিত হয়ন। কংগ্ৰেসের অধি-বেশনে গ্ৰীভ প্ৰস্তাৰ চিবকাল প্ৰস্থাৰ হিল্মেষ্টে আক্ৰে ৰাষ্ট্ৰ ৰূপ পাৰে না এই ভবসায় বারা নিশিচ্ছত হবে দিনভিপাত ক্রতিক্রন, ভারা আরু সচ্চিত্র সংগ্রহন। শ্রীমতী ইন্দিরা গাস্থী যে নতন অর্থনৈতিক নীতি অন্সরণ করার নীতি গুচণ করেছেন তাৰ অন্যতম কমসিচেটি হাছে শহর অঞ্চলে সম্প্রিত স্বেভিন স্বীয়া নিধারণ করা। পঠি লক্ষ টাকার উপত্র সম্পরিষ অধিকারী যদি কেউ হুন, তবে তাঁর উদ্বান্ত সংপতি সরকাব বাজেয়াপত কর্বিন এবং এ জনা শতকর ৫-১৫ জাল স্থেদ তিল বছর মেয়াদী বশ্চ ক্ষতিপ্রেপ বারদ দেওবা হবে। নগদ টাক র ক্ষতিপাৰণ দেওকা লাল মাদাক্ষীতির চাপ বাড্যন্ত পাৰে এই আশংকার বশেষর মাধ্যাম ক্ষতিপারণ দেওয়ার সাুপারিল করেছেন পরি-करणाः क्रिम्मः। वानिक्राम्बकं दश्यम् विद জাতীয়করণ যে জনসমধনে পেয়েছে ত'-ই श्रधानप्रकृतिक महात काक्षरक मन्त्रीतृत मार्च क সীমা নিধারণ কররে প্রেরণা দিরেছে বলে মান হয়। ভারতে প্রার ৪০০০ কোটি কগল: টাকা আছে বলে অন্মান করা হয়। এট কালো টাকার একটি বিহাট অংশ শহর অন্তরের সম্পরির মধেই নিহিত আছে।

ৰদি এট কালো টাকার ভ্রমবধ্যান পরিমাণ সরকার নিজেত হাতে আনাত না প্রেন্ত্রে সম্ভেতাতিক অথানীতির वानिवाम शक्षेत्र करा जम्छव शर्व गा. जात 👁 धरमंत्र रेतकमा कबारमा बाद मा अवा रमण्ड অথানৈতিক পরিকল্পনার অথাসংস্থানের একটি স্নিশ্চিত উৎস থেকে বাল্ডত হবে। কৃষিক্ষেত্রও ক্লোভদারদের স্বোচ্চ পরিমাণ জমির স্থীমা নিধারিত হরেছে এবং উদ্বান্ত ভাষি গরীর জামিছানি চ্বীদের মধ্যে বংটন করা হচ্ছে। গ্রাম ক্লেল এ রখন বিশেষ একটি ক্ষেত্রে আরের সাব্যাক্ত পরিমাণের উপর भारत काखान आकृषि जीशः खारशाभित शरह<sup>्य</sup>. শত্ৰ অন্তলেও অন্যৱপ্ৰভাৱে কিশেষ একটি ক্ষোৱা আরেম্ব স্বোক্ত সীমা পরে কভাব নিধারণ করা সমটিন হজেছে: কারণ একটি



অঞ্চলকে বাদ দিতে অগত অঞ্চলত প্রতিত পক্ষাতির এ কেন্দ্রে প্রদাশত হয়ন। অবদা সম্পত্তির সংবাচ্চ পরিমাণ স্থামিত করে रमध्याद कथा कारबंद अरवाक भावपान সীমিত করে দেওরা নয়: কারণ সম্পত্তি शामा वाराय का केरम शाकरण भारत कवर অন্যান্য উৎসের পরেছ বর্ডমানে বেডেই বা:ছ। সমাজতক্ষেত্র আদর্শ অনুবায়ী চলতে शास्त्र कडे बायम्बा शहशास्त्रशाः छत्व दशक কোন কোন বাখি মনে করবেন যে, এই वायम्था ह मा करमा वर्शकगरु शहरहों • क्षेत्रास्य स्टान कठाताचाछ कता शरद। किन्छ পাঁচ লক্ষ টাকার পরিমাণ সম্পত্তির তে কম কথা নর। অস্ততঃ পাঁচ লক্ষ ট কার পরিমাণ সম্পন্নি অভান করার ক্ষেত্রে হে **छेनाम, व्यथादमाब अवर क्रण्डे इ टाउंड इटन मा.** এটাই স্বাভাবিক। বরং এ কথা বলা চলে, সংপত্তির স্বোচ্চ সীয়া নির্ধাবিত হবার পর र्य काला ग्रेका श्रकामा श्रव अवर रव अस्त्रम সংক্রের হাতে আসার ভার স্বধোপ্যার ব্যবস্থা করলে দেশের অর্থনৈতিক উল্লয়নের প্রাচন্ট্র আরও জোরদার হবে। কিন্তু সমস্যা इराज्य, बीम करे बायम्था हामा, इस, एटर दब পরিমাণ সম্পত্তি ভারত সরকারের হস্তগত হবে তার স্কেট্র বণ্টন বাতে হয় সে ব্যবস্থা क कतारन ?

মনোপলি কমিশনের প্রতিবেদদ প্রকাশত হবার পর জানা গেছে ভারতের মুখ্টিমের কভিপর বাবসা প্রতিষ্ঠান এবং বাবসারী বিপাল পরিমাণ সংপদ নিজেদের হ'তে রেখে দিরোছন, এবং তার পরিমাণ দিন-দিনই বাড়ছে। এই বাবস্থার পরিবর্ডন করতে হলে শহর-অঞ্চলন্ত সর্বোচ্চ পরিমাণ সংপত্তি বান্ধি-বিশেষের ক্ষেত্র সীমিত থাকতে চাব।

#### ব্যাংক জাড়ীরকরণের ফলে খণদান নীতির পরিবর্ডনিঃ

বাংক জাতীয়করণ নিমে অনেক হইটই
হাম গৈছে। কিন্তু বে জাতীয় কংগ্রস
বাংক জাতীয়করণ প্রস্ণা নিমে দিবদা বিভঞ্জ
হামে মাই জাতীয় কংগ্রসই ১৯৩৩ স লে
করাচি অধিবেশনে বাংক জাতীয়করণ কর
সম্পার্ক প্রস্তার গ্রহণ করেছিল। ১৯৬৯
সালে ভারত সরকার ১৪টি বড় বড় বাংককে
কাতীয়করণের বে ধারশি। গ্রহণ করেছিন
ভার স্টুনা হওরা উচিত ছিল ভারও
আগো। বাংক জাতীয়করণার ফাল দেশের
ক্তিটা স্থিবা হবে অথবা অথ্টাতিক

केलबास्य भारत कर शर्फ कीशास व्यक्त পারবে তা বহুলাংশে নিভার করবে রাজীয়ত वारक्शांकाक कारक कार्याका व्यव ভার উপর। আমাদের ক্রবি, ক্রান্তবিদ্ধ এবং বৃশ্চানি সিলেশ্র উল্লান্তর জনা হাচর মলেধন शहाकत। ১৯৬৬-७व मान अवेन्ड स्था रगरक वर्गणका-मानक बारक्यांनव स्मार्ड দাদনের মধ্যে প্তকরা ১৪ ভালেরও বেলি পোষ্টে বহদায়তন দিলগছাল: অৰচ কৃৰি-ক্ষেত্ৰ পেরেছে মার শতকরা ২ ভাগ। চতুর্ব পাঁচসালা পরিকল্পনার বাবেগটোর ক্রান মাজিব পরিবর্তন হবে কলে সম্প্রতি বোৰণা করা হয়েছে। ভারত সরকারের অর্থ দণ্ডর মনে করেন চতর পাঁচসালা পরিকশ্নাকালে द वो हरू वारकशानि तथाक स्मार्ट >400 কোটি টাকা অভিত্তিত অধিক সংগ্ৰ চিসেবে পাথবা হাবে। বান্টারর ব্যক্তিয়ালি তেত্ৰ যে অতিবিদ্ধ আৰিক সম্পদ পাওৱা হাবে ব্যক্তা সরকারগুলিও ভার অংশীদার इर्द । वारकग्रांनव साहे कामानरूव रव भारकरा ०० साम जनम होकार विकास হিসেবে থাকার কথা, তার মধ্যে শতকরা ৫ ভগ থাকাৰ অনুমোদিত সৰকাৰী সিকিট-রিটির মাধ্যম এবং এই সিক্টিরিটির কিছে অংশ হবে রাজা সরকারের সিকিউলিটি ৷ ব্যাংকগালির নতুন ঋণদান নীতি অনুযায়ী প্রতি বছর প্রায় ৫৫০ কোটি টাকার বে আমানত ব'ডবে বলে আশা করা বার তার তেকেই কৃষি, ক্ষাদ্ৰ শিলপ এবং ক্ষাদ্ৰ ব্যবসায়ী-দের ঝণ দেওরা হবে। বৃদি এই নীতি কার্যকরী হর তবে ব্যাকেন্সলি কর্তাক প্রদন্ত মোট খণের শতকরা ২০ জন বাবে কুবিংকরে, শতকরা ১৫ ভাগ করে বাবে यथाक्टम काम भिक्त धवः काम वावनावीत्मव কাছে। চত্তপ পাঁচসালা পরিকশ্পনার বিভিন্ন সরকারী প্রকলেশর অর্থনৈতিক সংস্থানে রাম্মারত বাংকগালির ভূমিকা খ্রই গ্রেছ-পার্গ হরে। বিগত করেক বছর বরে লেটি ব্যাংক কৃষি এবং ক্ষ্রেলিল্প উল্লেখনে অর্থ-সংস্থানে প্রশংসনীর উদায় দেখিরেছে: আশা করা বার ১৪টি রাখ্যারস্ত ব্যাংকর স্টেট वास्त्रक भथ अनुभद्ग कद्भवा

महा ग्रांच

#### किंग्डिट होर्नाक्रकें



২৮৫, টাকা বামের পুশ্ব বী বিশ্বাদ নাশ নাল ভিলাের ৩ ব্যাশ্ভ অল ওরাক্ট প্রেটেবল ট্রানজিস্ট্র

য়াসিক ১০ টাকা কৈছিলত কিন্দে। প্রতি জন্ম ও লহারে পাঠান বার চিম্মার হ

Imnex India (WD) Knifosh Noger PB 1045 Dethi # णानमाव शिव्यस्नक रित्र छेलाव

**णा**तास्रत शत्रां णाशल ताथुन-पारि <u>अव श्रथस</u> উलभार्क (शस्त्राष्ट्र क्ष



তিই সেই সবার সের। স্বাচার নাম

উল — প্রব ১০০% পিওব উল। কি
মোলায়েম আর কি আবামদায়ক, কি
মিষ্টিমধুর গরম। এ জিনির বহুকাল পর।

ধার, সহজে খোয়া যায় — সভিাই
পরিবাবের ছোট বড় সকলের জনাই
একেনারে নিছক উপস্কা। মান রাখবেন
একমান যভ রকমের এক উল আছে ভার
সারেভেই, সবরকম রঙে উলমার্ক ছাপ আছে।
ভিন রকম—৩ স্টার, ৪ স্টার ও ডবল নিট—
এবার জেনে গোলেনভো আপনার
পরিবাবেরর সকলেক জন্মা কি

শেরীবাবেরর সকলেক জন্মা কি

কাম জিনিষ্টি চাই।

ক্লৰ উলেন মিলস্ প্ৰাইভেট লিমিটেড, বোৰাই – ১০ সোল সেনি একেটস্: ক্লেন্ডাণ্ড পি.কোটস্(ইন্ডিয়)প্ৰাইভেট লিমিটেড

#### जानवर्षीरभर सराक्रम

পরির ব পাঁচপীর বদর বদর ?

(কলে হ্লালী নদীতে ভাটা পড়তেই

বাভখানা বছর নোকোর পাল ভূগে
দিলে মানিমারাকা পানাসকলের গরানভাঠের
মহাজনের আড়াত থেকে। তিরিশালন লোকের
মা-বোন-বউ-মেরেরা কেবেশ্ব জল মাহতে
মাহতে ভাবিরের রইল কভজপ না নোকোপালো নলপাঁডির বাকের আড়ালে চলে বার।

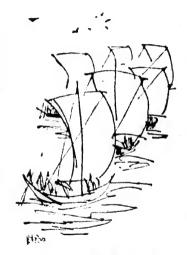
गामा वर्षा न क्यांन प्राप्तात्व प्राप्तात्व नमाक । भाषाय दर्कामा निहरूके ट्राइ दा छात्। বালি-ভাটা করজ চোৰ। তিন্দিন আংগ त्र कामरक दहेव निरंत स्वरह । मानावन्तील অত্ৰ জন্মকের সে হল 'গাইড'। তার বাপ के कमी के कमी के बाम अर्थार 'भरानामा' मदाई বাছের সংক্রে লড়াই দিয়ে, ক্রুগাল ভারত করে পরাশ কাঠের মহাজনতের 'সেলোগিরী ক্ষার অথকা বার দরিয়ার শ্রকটি-মরা মবিদ-দের সরদারী করে 'ইলেডকাল' করেছে। 'প্রদাদা' ভিল মুখ্য ভাকাত খানী অসমী। স্বাৰক্ষীকন তাম ভোজ হাছেছিল ইংলেজ काकासर भवा किरका शसाप्तर रसाह দেখিতে সংকোষ ভাকে সাশ্বরকন আবাদের জন্ম পাঠিকে দেয়। এমনি আত্র অনেককে দিত। কেউ কি এমনি প্রবের মারা ছেডে বাদের হার্ড 'জার' দিব্ত অনুদ। তুলল-থালাক্ষরি, ভারেন্য রয়েন্ত্র গ্রহম কাঠাতে; কর্মের সংখ্যা মন্ত্রণী করে! স্থেদরগম কি এমনি আবেদ হাছেছে? সাম্পরকান্ত অদিবাসী-দেব রক্তে কি দন। দাধায়াত। এলেছে এমান-এমনি বজান কলেল কাল ভাকাত খানী হার্বা, সংগ্রা আসাম হৈদর বংলা Œ আমানের মা। ভারের বদদনা করে বদা করি। আমার বাপু মেদে। আহির কয়াল জুলাল वेशन्या काव कार्यन केल्यान नावाहा टाप এসে প্রার পারের করে হার্মান্ড থেকে বস্থাটা পোষা বেডালের পানা!'...

অন্ত্র্যা করালের কথা শোনে সকলে।
গরাল করের মহাতন তেরের রকারনে
মিট্ডিট করে হাসে নেটকোর পটাডের ভিতরে তাকিয়ে ঠেস দিয়ে গদিতে বাস।
গালে তার কাল বাক্তা হাতে সিপারেট।
অল ওয়েত রেভিও সেটা ল্নেলা বন্দ্রা এক বাক্তা বাড়িছা। পাঁচ সেলের স্লাল লাইটা কতকগুলি ভুইে বাটেরী। ওপালো রবিন্নী লাল্য খানসামার আঁচ, দেগ্রেডি, চাল ভাল আটা মল্লা, করালা, তেতুলের ভাড় নোকার খোলো বসালো মিঠে জলের দুটো ভালা। ব্লেভি, করাত, কাটারী কত কি!...

এক ভটিয়ে রয়পরে, গদাখালি, নলদাড়ি কটিখালি, বড়েল, ফলতা, নরেপরে হয়ে ভাষমশন্তহারকার। তারপর জোয়ার উঠলে মশ্পর করে থেকে রালা-খাওয়া সেরে নিতে ইর। জোয়ার উঠতে তিন্যদটা, আবার



নামতে তিনমণ্টা। নামার মুখেই আবার পাল তলে দও। প্রতিক্ল বাতাস থাকলে বড়ি উনতে হবে। ভরা ভটিরে টান নামলে



मविग्राव शीठ शीव वस्त वस्त

তারের বেগে ছাটিয়ে নিম্নে থাবে নোকো।
সাগর ফেন টেনে নিম্নে চলেছে তাদের।
দিবতীয় ভটায় ভেরের দিকে এফে বহরকে
আবার নশ্যর করাতে হল কাক্স্বীপে।
তারপরের ভটায় বড় তলা নদ্দী দিয়ে নামখানা হয়ে একেবারে ফেজারগঞ্জ।

সেনো মহাজন স্বাই নেমে যায় কজারে। যার যা দক্তার নিয়ে নেয়। মিঠেজল ফ্রোলে টিউবওরেলের জল নিতে হবে জালা ভরে। নান তেল মরিচমশলা পান সমুপারি চুল যা যা দরকার স্ব নিয়েও নাও। পরে আর পাবে না।

সেদে। রার দক্ষিণা জারের প্রেজা দের। বদরগাজি আর ঘোড়ামারা দ্বীপের বাবা মসলন্দরি পীরের মানত সোধে জল-প্রিসের দক্ষরের যেতে হর মহাজন তোরাব রুফাদানকে। ফরেন্ট অফিসারের ছাড়পর

रमशाटक द्या। सन्मादकत नावेदमन्त्र प्राचारक इस् । मुदार किल सामा । क्लानक मवार मन्यान करतः। ब्रहास्त्रन्थः करत्रकः नगरकर्षे त्रिशास्त्रहें चक्क करवे छात्मव शिष्ट्रम । सामा बरण, जरवांकाछ धनाकात गाव कांग्रेरवन ना. भग भारत साम्यास मा। कारान मध्य प्रथा र्रास्ट्रण्ड भारत, बाब कक्ट्रांग्ड फिन्न निरम वार्यम । कार्यम क्रिक वार्यम् वार्यम् व कि कि नाम-छिक ना ? फिरिश कम ? इ-बाना अवधाना भार्नाण जोरका ? रहाका त्यान দেও হাজার হব ভার হাল ধার এক কেবালা शाम त्यारी ? प्रचारक হোর ব शहवादिक प्रदेश क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट लाक **भारति वाजातम मा**ं क तकहर वारवड़ দৌরাজা বন্ধ বেলি। কেন ব্রীপে আপনাক গুলাৰ ক্ষাট্ৰেক ? গোস বা নদী আৰু চবিশ-ভাগ্যা নদীয় মাজের দ্বীপটাতে তো? আছা আছবা লক নিষ্টে একদিন বাজে ধাব। চবিদ ৰাওয়াবেন তেন ?"

ভোৱাৰ ব্যাদান হ'লে দাভিতে হাত বলোতে বলোতে। অনেক টাকার লোক সে। দোতকা পাকাবাড়ি, নিজের স্থীর, ছেলে, মেরেদের ন্যমে করে দ্রশ্যে বিঘে জমি, म-याना वन्मक इन शार्कक अकथाना পারফিউমারি দোকান, সেখনে থাকে বি-এ ফেল-করা বড় ছেলে, মেজো ছেলে মুনিভার-मिविट्ड भरूक मृत्यो स्मार भरूक करना छ। ধানচাল কাঠের আড্ড, হাস্তিং মেশিন চলে मु-थना। क्याक नाथ ठोकात प्रानिक हुन। ভাবে চেনে সরকারের বড় বড় অফিসাররা, থানার দররোগা প্রিলসরা এমন কি মন্ত্রীরা পর্যাত! আৰু কর্ম প্রতিপত্তি হলেও বে গরাণ কাবসায় তার উল্লাড—বাপকেলে একটা টিনের ঘর আর একখানা নোকে পেহেছিল भाव मि-स्नर कठिल महामाथा वादमह स्म

বৈতানিক প্রকাশিত

### त्रवोक्त अभन

৮ম বর্ষ । ১ম সংখ্যা ।।

ববীন্দ্র প্রসংশা পরিকা বাংলাদেশে গড় আট বছর ধরে রবীন্দ্র চর্চার একটি ধরোতে অব্যাহত রেখেছে। কেবলমার রবীন্দ্রনাথ সম্পর্কে এই একটিমার পরিকা বাংলা ভাষার প্রকাশিত হারেছে

৮য় বর্ষের ১য় সংখ্যার কলেন্দ্রনাথের দ্রটি কাব্যগ্রন্থ আধ্বিকা ও প্রাক্ষী সম্পূর্ণ মান্তিত হরেছে।

সম্পাদক সোমোন্দ্রনাথ ঠাকুর ম্লা ১-০০। চনং এলগিন রোড।

কলকাতা-২০ প্রাণ্ডস্থান:

সান্যাল এন্ড কোং, ১, বিশ্বিম চাটাজী প্রাটি ব্কল্যান্ড, ১, শব্দর ঘোষ লেন, জিজ্ঞাসা, ১০০এ, রাস্বিহারী আন্তেনিট

(সি ৮৬১০)

ভারেন। অংশতে প্রতি বছর সে গ্রেরার করে বাছের আফ বিশ বছর হল। এর মবো বাবের হাতে, নোনা অবের ভেদব্যিতে, সালো কেটে আর ক্রেরার করিরার মনের প্রতি প্রতার বহরের জন পাঁচিপেক মান্র। জব্ মন নরম, উদয় দর্বন, শরীর কাছিল আর কশাল বিদালে বেন ভার এক রক্তার ভালিক করে। করেকর চরিতের সেনো আর কেটিলা করে। তারাকর ভারিকর সেনো আর করে। ভালিকর চরিতের সেনো আর করে। ভালা করে। তারাক মিরা করা বলে কম। টাকর প্রসাকরালা ভারী লোকের ব্যাকর ব্যা

মেন্দারণার থেকে এবার জ্যোক্তার ভাটি না মেনেই বহর ছাড়তে হয়। ভীরের জোল বেরে বহর চলে। সমুদ্রের ভীম গার্কনে নোকোগালো মোচার খোলার মতন প্রতে মাকে। আকালে টেয়-শেবের কালো মেধ্বর চুড়ো ভাসতে ভাসতে এগিরে আস্তেহ। তিরিশক্ষা মান্ত সাগরের বৃহৎ পটকুমিকার নিবেদের অন্থিয়কে করে থানকথার মতোই মনে করে। বিশাল প্রকৃতির কাছে তারা কড অন্তরে।

ক্ষত পেরেলেই সল কলে। বৈশাদের প্রথম বিনে বছর প্রেবিকে সম্ভন্ন।, রাকুরান, মাতলা, ভারাজুনি, গোসারা নদী শার হরে এনে গোলা নদীর মুখে চুকে নিবিভ কালাকরা স্থীপের প্রের হলে এক। এই স্থীপের প্রেনা জেলা, পূর্ব গাক্সিভানের সীমালা। ঠাকুরাল নদী আর মাতলা নদী সবচেরে চওড়া। দুইরের মাতলার ভীরে বাসপ্টা, ক্যানিং পোটা। বালিগাল থেকে সোনারপ্রে হরে ক্যানিং পর্যন্ত রেল লাইন আছে। মাতলার আর এক শাখা বিদ্যাধরী নদী। হরিকভাপ্যার শাখা নদী রাইকার আর কালিকা।

२८ शतरानात वर्ष मार्थ चूटन महाजन

সহাইকে দেখার জনের অবস্থানস্থলটা। কন্দানের কটিনর নিজে কান্দ্র রাখে।

नम्भान प्रदेश कामारमा गरा नगीत योरक करत रनोरकाग्रामा नम्भान करत। नतः नगी। क्षामारक रणा कर् श्रीका । स्कर्करे धानकोत्म क्षामा क्षाम नमा। रज्ये सावाप्र भारक रनोरकान गरत।

পান-পায়য়া, আনুক্ শাম্ক থোল,
মানিকজ্ঞান, জল আনুক্ উড়ে চলে
জলালের মাজার ওপর দিরে সন্ধ্যা সমাগত
দেখে। পায়পর ভাকে মাত হরে আছে
জলালা কালবৈশাখার ঝড় ওঠার পর
বৃষ্টি এলা কমকামিরে। সব্ধ অরণা রুমে
ছারাক্ষম হতে হতে অন্ধকারে ভূবে যাছে।
ভাবে শা্রে পড়ে আছে আসংক্ষ ছোট বড়
কুমার। দায়া করাতে সালে বেরে চলেছে
জলের ওপর দিরে।

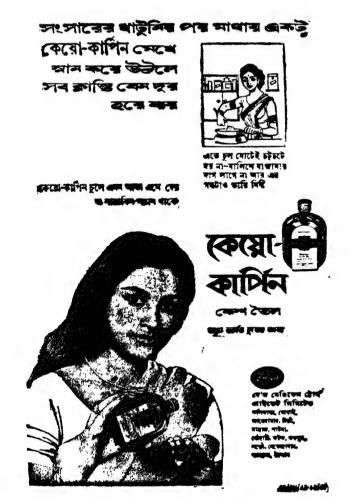
কড় কল থেনে যান একট্ পরেই। গাড় অন্ধকরে। নতুন লোকেরা ভর প্রেয় পরস্পরকে ছড়িয়ে ধরে ব্-ব্ করে কাপতে থাকে। যদি কুমার কিন্তা সাপ নোকোর গলাই বেয়ে উঠে আসে?

धिमें केर करत कारणा बानलाइ उनोटकाशः टा डेटब्रब शक्रमा देवसार्थद মাকরতেও কাঁথা-কম্বল মাড়ি বিতে হয়। গরনকাঠের মহজেন তেলের রফ্তন দ্যু-মলা বন্দাকে টেটা ভবে নিয়ে প্রশ **রে**য়ে খাতা কিগেছে। রোভভূতে র্প্লান **সে**ণ্টারের স্থালিত ক্রেন্টর পরিত কেরচান শাঠ হচ্ছে এক ক্ষরীয়াপ্রণা অক্তরণ **ধারাকো তলোয়ার, বয়াম, স**ংকি, তোকি, টারি, কাটারীপায়ুল্য মান্ত মান্যালনদের পালে পালে রয়েছে। **६-धामः इशाहित** তিরিশকন মান্য মহাজনের বলন্ত আর ব্যরমের ওপর ভরদা রেখে প্রাণ হাতে করে মতেনকে। চার পাঁচদিনের পরিশ্রমের ক্লাণ্ডিতে সবাই অবস্ধা। এই গভার রচতের স্মৃত্তিত্ত বহু বছরের মৃদক্ষ অভিজ মহাক্ষণ তেরের রফালনের ডোগ দ্রটোরত স্থান ম্বেরে মের লাগে তাহলে সকলে এতায় হাজিরির সময় দেখা যাবে একজন জোক 44 P. 5.8!

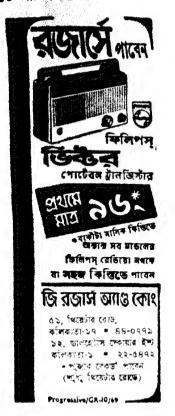
সেপে অঞ্জনি কথাপ কলে, জানিক হতারাব, শালারা সন্তঃ জেগো আছে। শৃথ্য শের আলিটা নিল খাছে গালা হাঁ করে। বেচারাং! ওর মা কাঁ কোন্তেছাপোলা বল্! বোলা বছবেরর চিগ্লো ছেজি। ওর বাপজীকে গতে সন্তো বাঘে লিয়ে গেলা! তথ্ ছেলেটা কেলানাতিতে চিতিরে পড়েছে! জ্যার নাম প্যাটের' দায় প

ि क्यांनि कशलः भवारेटकः 'हुरे' वरता। भूनक्यतन्त्रं भाग्यतः छारे वरता। कांक्टिङ क्यांनि भूमकाभानः।

পাঁচ সেলের ক্লমণ লাইট মারে রফাদান।
ক্লপালে কড়াকড়ি নিকিড় গাছপালা। মোটা
মোটা কড়া এ মুণী মনসা, হে'কলে, হরকেন্দ্র,



1887 (18**14) - Aray**an Barata S.





ইন্টাৰ' রবার ওয়াক'স কলিকাতা-১৫ তেকটিলে বন ঝামা, লংকালিরে, মনসা,
বাজবরণ, পান লিউলা, জল ভূমার, মাড়া
মারা, সেরাকুল, বাইটির জাঁটাভরা জোপঝাড়। আলো দেখে ভর পেরে গর্ম কানের
মতো নরম নধর সালা খরগোলগালো ভূড়াক
ভূড়াক করে ভূটো পালার। বিরাশত হরে
কেউ-না কলের মুখে এসে পড়ে। মুখে
আড়-টাগরের কফালা নিরে কুমান্ম ভার কেজ
সাপটার বেলাভামির ভিজে ব্যালমাটিতে।

স্পেরবনের মধ্যেতির শব্দ বন্ধ ভর্তকর! টেউ আছডানির শব্দ, জপাল-জোডা গভাঁর তানের ঝি'ঝির ডাক, মাঝে মাঝে বন-মোরণের চিংকার, শিয়াল-খন্তাশের ভাক भाषितम् कन-काकीनः इन्द्रधान-वीमद्रव তিংকার ব্যবের গর্জন, গোসালের ফটফট শব্দ এবং কোনো আৰু লত পলৱে ভয়াৰকা चार्ड-िक्स्कान-जन मिनिटन छन्नान्छ, दन्ना-হৰ্ক! জপালের বাস-প্রতা-গাছ-জীবজনত-পোকা - মাকড-সাপ - কমীর-মাটি - কাদা-শিকভ-কাটা - জল-মাছ-আকাশ-মেঘ-ভারা-জোরারভাটা - খাডি-অস্থাবস্থ - ঠান্ডা-গ্রম-সমসত কিছুর নিখুত বর্ণনা দেওরা দ:সাধা। এর জনা করেক বছরের পরিভ্রম প্রসাজন। আর পরিসর চাই মহাভাষতের চাইতেও বেশি। সে আলিখিত মহাকাব্যের জনক একমায় বিধাতা, বিনি স্থিত করে রেখেছেন স্করবনকে স্কর আর ভরত্বর करतः। स्मिर्ट क्सान्क्स म्हम्मद्भक् छेश्राकाश করবার সাধ্য কী করে মানুবের অনুভাতি হিনে! বিশ বছরের অভিজ্ঞতায় ভোরাব মহাজনই-বা তার কতট্টকু জানে! ভার কাছেও তো সেই অনাঞ্চি অরণ্য আব্দো তেমনি চিরন্তন। চির দ্রুত দ্রুমা!...

হঠাং কর্মাই বাষের গজনি শোনা গেলে স্বাই উঠে বসে। অস্থ্যপাতি হাতে নিরে তৈরি থাকে। মহাজন বন্দাক ধরে ক্ল্যাশ লাইট ফেলে। সেলো ক্যানাস্তারা পিটতে বলে। অজনি ক্যাল গালের মধ্যে পেটল ভবে নিরে হপ্কা আত্স-বাজির মত্যে রভান্ত অগনে ছেড়ে দের বার ক্তক।

আলো বা আগনে দেখে বাঘ তর পার।
আর গর্জন পোনা যার না। ফাঁকা দুটো
বংলকের আওয়াজ করে মহাজন। তার চোখ
চারলিকে ঘ্রে বেড়ার তাঁরভূমি ধরে।
স্করবনের বাঘ অতালক্ত ঘড়েজ। ধাঁরভিথর তার গতি। চোখের পলক ফেলতে
না ফেলতেই কোথার কোন্ গোলপাতা
শর্থাড় আর হোগ্লা হোতালের জলালের
মধ্যে ন্টি মেরে ল্কিরে পড়ে, কারো সাথা
নেই খাজে বার করে। নোকোর সবাই
ঘ্রিয়েছে ব্রুলে আলেড আলেড নিঃশাজে
জলে নামে। চোখ কানট্রু জাগিরে
সাতরে এসে নেয়ে বাড়িরে ধরে লোকের
গলাই। তারপর কিছ্মুক্ল অপেকা করে
চাব দেখে নেয়। মহাজন তল্যার চ্লুল্ছে

## भारकाम नाहेक

ব্যাতনামা সাংবাদিক - সাহিত্যিক সভোককমার ঘোষের

## অজাতক

[পূর্ণাক] ৪.০০
চন্দ্র হাদ, পরন প্রেক
প্রায় হুপো রাত্তি ধরে অবিরত হাস্তহুক্লোড় তোলার পর পরিমাজিতি ও
পরিবর্ধিত আকারে প্রকালিত হ'ল
প্রবেধ্বক্ষ্ম আকারী ও
শৈকেল প্রত্ নিব্রালীর

# **म्यिमा**रे ७

र्गात्र — ०.६। **উरभग मत**्र

**ছायानि** [भीतमार्किए] ७.६०

**बार्टिक (**यस्ट ०.८०

#### অগ্নিম সহ অভার পাঠান

শৈলেশ গ্রহ নিয়োগীর **অনশন ডক** [হাসির] ২·০০ মনোক মিত-র ০টি একাম্ক

মৃত্যুর চোখে জল:কাল বিহল: কামধেন, য় ৩০০০

মধেন্ য় ৩٠০০ উমানাথ ভট্টাহারের (কৃষক)

**অন্ন চাই প্রাপ চাই** ৩٠০০ মনোরঞ্জন বিশ্বসের (সংগ্রামী)

কড়ের কাছাকাছি ৩-৫০ পার্থপ্রতিম চৌধুরীর

হারেনার দাঁত [রহস্য] ৩-৫০ কালক্ষমী নাট্য সংগ্রহ (২য়)

নীলদপ্ৰ: দীনবন্ধ মিত্ত গেশনাটা সংঘ অভিনতি ]

দ্ধেণীর ইমান : ভুলসী লাহিড়ী
আমার মাটী : মনোরঞ্জন বিস্থাস
কৃষক বিচ্নেহের ভিন যুগোর তিনটি প্রাক্ত সম্পাদনার : স্নালি দত্ত। মুল্যা : ৬.৫০ ১ম বংশু আছে ৷ গোর্কির ভিনটি নাটক, সোভিরেট প্রেক্কারপ্রাশু লিক্তির বাট্টের সাধ্যারের বা; উমানাথ ভট্টাস্থোর সাধ্যার বছল : স্নালি দত্তর বানব। [৬.৫০]

বিশ্বদ্ধ একাংক
৭টি একাংক উপেল দক্ত অভিতেশ বল্পাপাৰ্যাল স্কোল দক্ত আজতে সংগোপায়াল
আহিত চটোপায়াল লাভাল বিশ্বাস
বিভূতি ল্লোপায়াল।
একালের একাকে (৩য়) ৭০০০

জাতীয় সাহিত্য পরিষদ ১৪. রমানাথ মজ্মদার দ্ব<sup>8</sup>ট কলি: ১ লেখালে সট করে একটা উঠেই কাছের মান্বটার গলার নালাতৈ কামড়ে দিয়ে টা দাব্দ কর্মনার আগেই টেনে কলে নামিরে এক ভূব দিরে ওঠে গিরে অনেক দ্বে—ভারণরে পিঠে করে ভূকে নিয়ে চলে বার জ্ঞালের ভিতরে।

कार्रे ताटा अस्तकन वा स्मापन स्ट्यास्ना नित्तक। काक कामात करना काकेमीरनव বোরা মধ্ সংগ্রহ করে) মধ্যে একজন মাথার বাবরি চুল, বাহুতে রুপোর পদক, গলার বাধা রুপোর তক্তি, লখিন্দর গাজি—অপুর্ব স্কুরেলা গলার পর্নথ পড়ে। সবাই মন দিরে শেনে। তার কাছে এক স্টকেস পর্নথ আছে। 'কাসাসল আদ্বিয়া,' 'হাতেম তাই,' 'জপো শাহানামা,' 'জপো বদর', 'জপো অহেদ', 'ধররল হাসার', 'গোলসানে র্ম কেজার দীল খোল' কতরব্যের পর্বি। পর্বির গলের মন্তে গলে জার হয় না। বাঙলার ম্লেকামান সমাজের মধ্যে পর্বি-সাহিতা নামে একটি উদার কল্পা এবং অপ্র মঞ্চাদার কাহিনীর জাগং আছে যার খোজখবর অনেকেই (বাঙলা-সাহিত্যের পন্তিতেও) রাখেন কা। গরেশ কাঠের মহাজন, গণ্ডা-গণ্ডা বাধ-মধ্যে নিশ্ব নিশ্বর

# (छत्री त्रमस श्रिष्ठाशिष्ठाश्च विक्रश्चीरम् ज नास श्रिष्ठा

এবম ভিনট পুরকার বিজয়ীদের নাম : শ্রেশম পুরকার : জ্যামবাসাডর গাড়ি

विरक्षका: कुम किटमांच थोझा, ১१७ निमा नाम, बाक्यीह, बाक्यान।

বিভীয় পুরুষার: ল্যামরেটা স্থটার

বিভেডা: সৌরী শংকর উপান্যার, বোধপুর পলিটেবনিক, বোধপুর, রাজস্থান।

ভূতীর পুরভার: ফিলিপ্স্ রেভিওগ্রাম

বিৰেতা: মোহস পাতে, অবধায়ক-পি. এব. পাতে, ইয়ার্ড মান্টার, ধানালামপুরা

(উত্তর রেলপথ), সাহারাণপুর।

শক্তান্ত ৯৭টি পুরস্কার বিজেতাদের ডাকযোগে জানিয়ে দেওয়। হবে।

বিচারকমগুলীতে ছিলেন:

শ্ৰীনি এন. ভাটিয়া, কেন্দ্ৰ অধিকৰ্তা, আকাশবানী, কলিকাভা।

জ্রীনি- এন- মাধুর, জ্রচার উপদেউা এবং তথা ও খনসংযোগ অধিকর্তা,

> পশ্চিম বন্ধ সরকার। শ্রীস্ক্ষল কান্তি ঘোৰ,

শশাদক, যুগান্তর, কলিকাতা।

विश्वासम्बक्षी स्थापनीत सम्बब्धारम् निर्वातिक करत्रहरून ३ ८, ১०, ७, १, ১, ५, ১১, ১७, ७, ३६

বিচারক্সগুলীর মতে লিচে কেওয়া বাকাটি আর্ড বলে বিবেচিত হয়েছে ঃ চেরী রুস্ম কুজোর পালিল ভারতে সবচেয়ে বেলি বিক্রি হয়, কারণ এই পালিল লাকার্জ কুজোর আর যত্ন করার দ্বকার হয়না। (বিষয়ী ইংরেজী প্রবেশণত্র থেকে)

ভারতে সর্বাধিক প্রচলিত ভূতোর পালিপু চেরী ব্লসম প্রস্তুতকারকগণ এই প্রতিযোগিতাকে সাফলামণ্ডিত করার ভঙ্গে অংশগ্রহণকারীদের সক্সকেই আন্তরিক ধ্যুবাদ জানাছেন।

(छवी व्रमय

**पूरकात्र जारम जात्रमात गरका उनकार्य** 

প্রকৃতির মান্যাক্ত তার কৈতিও কল কেন্দ্র চুন্দ করে কলে পাটিগর কাতিনা পোনে আর ভিনালেট ফেটিক একটার পর একটা।

ভোৱ হয়ে এলৈ মোনগের চিংকার খোনা হায়। প্রাক্তমা কুয়াশার চারনিক ঢাকা।

থানিকক্ষণ দ্রানে তেওঁ চাল। ছারপ্র সকলে বালে সেবেন নাছর পড়ে জল ভিডিয়ে প্রপান নারিতে নামে এবলা খালি হারেই। সে ডিংকার করে কাপাল-বংকা। গাইতে গাইতে ভূমিন যাম জলগ্রেম নামে সভ্যানি লাম্বারে মধ্যে আছকটো হারে। সেই গাঁবত ব্যক্তি কাইরে কাছে ব্যক্তি স্থান। ভারনা নাইতেক নিক্রের হারনা নাইতেক নিক্রের কাছে বালি হারি কির্বের বাছ। সেবেন ক্রান্ত বালি হারি

বনগদেশী মা —

হোমান ভ্রমার এলাম মারেল;
কোন ব্যাহা ছেনি না ছ
কাবাল দেবলৈ না—

হোমান কৈলো এলাম মারেল;
ব্যাহার কলো এলা—

হোমান কিলো এলা—

হোমান বিশ্ব বি

ইখ্যা আন ইচ্ছৰ ৰ--আত স্বাহ সুক্তিৰ শক্তা নৱ শ্বাহা সংক্ৰ-স্কৃতি স্থানিৰ ব্যাহ চুহাল সামা সংক্ৰী প্ৰাণত কলে নি সামা ইপাল কিলে কৰে সামী হয়পাল প্ৰিয়েশ্য শুপাল কৰে সংক্ৰা হয়পাল হ'বিয়াই কৰে কলিছে লাক্ষ্যা আৰু ভালাৰ স্থাপতি কৰে না নাইক্ষা প্ৰিয়াছে সংসাধ স্থাপতি কৰে মান্ত কৰে

শাংখ্য হয় জন স্কারণে ধ্রু দ্যা । • বিবা হ'ব্যুদ্ধ বহন্যক্ষ হিচামে ক্ষমব্যার ক্রমে ক্রম্যুক্ত বিকে ভাবিছে ঘল্ড অপনত চেইছা ক্লি আন্তর্গ করে স্থান একটা কছকছি इक्षाद्रार मानुष्ठम् कालाक ब्रह्मादुकः । अस् विश्वासी রমনা বর্গা কুদ্রোক হল র বিলেছে। বদৰী বা মনের বিদ্যাসম বাবে হয়। ব্যাসাদার কুল গুলি মুস্তমান। প্রিভাগের নামিক পাড়ি পাড়ে হার কথালো বি াল এবলৈ। এক \$1818 ~ (BEFR) - 1884 A 7.8 क्षांत्रकारी स्थान होक्स्स्स्य क्षांत्रक বুদ্ধ (প্রতির। পরিবেশ অব প্রকা চাবের মধ্য। অহাত্রীরায়াত। সঞ্চান পোলাও নিজেন সংখ্যিতি হারাণ সময়না থাকলৈ ছুও করে প্রক্রে। স্থাধানত নিবছ কেতিন জাগালে কেণ্ডাৰে সেদিন সেলে জড়া ইন্ কৈউ দৌকে। থেকে নামতে না<sup>্তি</sup>ৰস্ মহাজন বল-ক চাতে নিয়ে নেছে যায় সেলোর পিছার পিছার—হথম নৌকোর স্নোকালুকা भनदाप्र (दाथ करत्र। नदाई बन्ध निरम

থান গাকে । সেনে পারস্ক শান্তির ধানির বারের হয়, তার মন্দ্রে বিশ্বাস নেই বারে মহাক্রা করে। করার করে। করার বারের ব

কুরাশ। থাকজে লগজে গরাণ কাউতে
নামতে দেরি হয় । বেলা পশটা বেছে যার ।
তার আনে থেরেলেরে নের সবাই । তারপর
কানাস্তার পেটে । করাত-কাটারী,
কাঠি-বেরম-সভৃকি, বহন্ত নিরে সকলে
নাম আসে আলত আলত দল বেধি ।
নামে নামে বালিরাড়ী চোরাবালির দহ ।
সাদ্বীর ভ্রম্কর গালালা চারদিরে । সেনো
ভার মহালন চলে সবার আবো আবো ।
নামী পরে ন মবার লানো সপো সাকর আগলাতা
কটি গাছ তেউড় সমসত কাটারী চালিরে

কেটে ফেলা হয়। পাঁচল চিল হাত টাই
ভাষণাকার ভাষনকো চাক। তিলটো ভাষিক্রল
কামড়ালে একটা কেউটো সাপের বিষেক্র সমান
ব্যক্তলা হয়ে। বড় বড় চক্রারা বোলাহার
চাক। গাছের ডালে ডালে মধুর চাক।
বোউলারা আগনে জনলো। ভাষিক্রল
বোলাহা সোমাজি তে ডো লাকে আকাল ভেরে উড়ে পালাতে থাকে ভালের বাসা
ভেড়ে ভানা পাড়ে বাবার ভরে। পাঁবজালি
ভারে লাখিনর গাজি বাটিলী প্রজন মধ্
সংগ্রহ করা বালাভি ভারে নােকার পাটার।
স্বাট মধ্য থার যে ব্যটা পরে। বেশি
ব্যক্ত ভারের গানহাত ভারো করবে।

গরণ গাছ কটা শ্রেইজে বার । দমদেম কুডুল চলে। সাংগ সংশা ভালপালা ভিটারে ফেলে কাঁধে কাঁধে মৌনকায় উঠে বার সেই গাছ। সেদে৷ বিরাট ফলার চকচাক

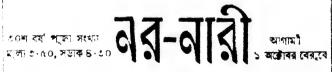
## त्रक्ल प्रचेषे गङः लहाती हिकिष्

পাইকারী ও ব্যুচরা পাওছা বার ।
নিন্দাক্তিব্যুক্তর খেলা সেপটেন্দ্ররে ও অটোবনে অন্যতিত চইবে—
নালান, পঃ কথা, রাজপথান, হরিরানা, পাঞ্চাব, জন্ম-কন্মীর,
ভাষদান্ত,, মহারাষ্ট্র, উত্তরপ্রস্থান, মধ্যপ্রক্ষেপ ও কেরালা।
একমাত নিভারবোধা অন্যুম্মিনত পরিব্যুদ্ধ ঃ

### এম, क्ल, नान,

C 0 নান এবড় কোং (প্রাঃ) বিঃ

১৩ ডাল্ডেটিল কেলার ইন্ট্ কলিঃ ১।
গ্রায়: NANKALKATA (ফালঃ ২২-৫৭১৭



• गाँवे मागुक्त वेलमाल •

वरत्व शशाभाभागायत

মোহৰ মিরের

# রাণী মৌমাছি 🕸 বনবাস

৩ প্রবহা নিবছেন 
 রাজ । বিবেকানক মুখোপাধায় । সংক্ষেক্ষার ছোৰ । সক্ষিণারশ্বন
 বস্ । স্কালিস সরকার । মানস রায়চৌধ্রী । ভাঃ অর্থ রায়চৌধ্রী । ভাঃ
 জন রাণা । ভাঃ বিশ্বনাথ রাগ ।। ভাঃ রুট্রেন্ট্রমার পাল ।। ভারও অন্নকে ।।

এবার থাকাছ আনক যোম 'অ-সমুখের নিচেশি' ৷ শিক্ষণী : **চিত্ত সরকার** 

সম্পাদক স্বোধ মিল্ল

ক্ষেত্ৰালয় 
 ক্ষেত্ৰালয় 
 ক্ষেত্ৰালয় কৰি 
 ক্ষেত্ৰালয় 
 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 
 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্ষেত্ৰালয় 

 ক্

(সি ৭৮৬৮)

বাদম হাতে নিরে চারীদকে বারোক্ষেরা করে।
মহাক্ষন বংশ্ক নিরে গাড়িরে থাকে। কড়া
মোটা গাছে করাত টানতে হর। তবে গরাগ
রাছ বেশি মোটা হয় না। অনেক জারগা
তথনো জলে ভোবা। সেখানে মোটা মোটা
হিজল আর স্পেরী গাছ। তলার চুপি গাছ
আর তেউড়ভরা। হিজলের সর্মার ঝালর
ফ্লো তার তলার মাটি লাল হরে আছে।
ভংগল জলে জলময় হরে গোলও হোতাল,
জলডুম্র, হরকোচ, স্প্র্রি, গরাণ, পানশিউলী তোকাটাল, গোরো, বাজবরন,
লাভক শিরে, ফণীমনসা বনকামা, মাড়ামারা,
বাইচি, ঢোল সম্রে, শ্যাওড়া—এসব গাছ
মরে না।

গরাণ খবে শক্ত কড়া গাছ। এর খ্রিট হয় ডালপালা জবালানি হয়, ডাই গরাণের হদর বেশি। স্প্রি আর গরাণই স্প্র-বুন বেশি। শতকরা ৮০ ভাগ।

रवना ठातरणेत भत कभारत दावा नामरन जाकार राज कार साकारत राज कार कारक করে জল তাল গা-হাত ধারে থেরে নিরে শ্রের পড়ে। লাল, খনসামা আগেই রামা करत वार्ष। इ.स्ट्रंड वधन अक्षणीत सना সকলে কিছু জলখাবার খেতে এসে বিল্লাম করে, তখন হরিণ শিকারের স্বাধােপ আসে। कांडे स्ट्रांस कार प्रशासन नवास क्या नवास লুণ্যি পরে কাটা গাছের পতা খেতে আসা হ্রিণের দলের অপেক্ষার হে'তাল অথবা শরখাঁডর কনের মধ্যে আত্মগোপন করে খাকে। সিগারেট বিভি খাওরা বা গণ্ধ তেল সাবান থেখে হরিশ শিকারে আসা নিষেধ। হরিশের রাণশন্তি ভর•কর তীর। কিছু গন্ধ **टभरम इतिन ग्रह्यार्ट्ड भागारव। जन**रकावा অংশ বা বালিয়াডি খাঁডির মধ্যে সম্পর্বনে প্রচুর মাছ থাকে। সাপ, গোহাড়গেল ঘুরে বৈভার। বেখানে মাছ সেখানেই সাপ। মাছ খাবার লোভে আসে কেন্দো বার্য। বছু বার সেই ভোবার ধারে জল-খেতে আসা হরিশের জনো ওং পেতে থাকে শরখাঁড় বা হেন্ডালের জংগলে। বার এক সভক স্থে দখিনে হাওরা বইলে সে থাকেরে উন্তরে। কেন না সে জানে তার গারের উপ্র গণ্ধ বাতাসে ভেনে গেলেই পালাবে।

কথা বলাও নিষিশ্ব। করতে মাটি গোখবো, গোডভঙা কেউটে বেম্বে हरकरण-हाम याक-रकारना भाषा करता मा। সালে নেউলে যুখ্ধ লাগলে বসে দেখো। নেউলেভ তক্ষ্য নথের ধারে যদি লাফ দিয়ে যাবার HIT भ:भगे। 34 है के वा হ'ৱে যার তবে 617 150 रिसर करत व्यानाधी निरंद तम इ.वे शास्त्र । नास्ति পরে কাটলে সাপটা शामाहरा । কামডে দিলে নেউল ছাটে গিছে 'ঈশর্মাল' 'হরকোচ', 'ম'ণরাজা অথবা গগলেন্দ্র' জাতীয় একরকমের লভাগাছের মূল প্রত্যে বার করে চি'বোরত থাকবে।' এ সেলোর কথা। এ কধার মহাভন হাসে।

কাঁচা কাঁচ পাতে থাবার জানে। হাঁরিদ্ধ আমে বকের মতন ট্রাট্ট নগাটা, মারে পাতা নিছে চনবনে চেত্রে তালিই নগাটা, মারে পাতা নিছে চনবনে চেত্রে তালিকের বাজনান বান্ত্র কাজা করে বাজে চারিবের বাক লাজা করে। তালের পাতা পাকরে বলে কালে বালির পাতানের পিছনে অনিবার্থ বাদ্ধি পাকরে বলে কান্ত্রা কালে বালির কান্ত্রানার পালিকে বালির কান্ত্রানার দলা একে লাজালাতির কারে বাদ্ধিকালাতের ভালে তালে।

কঠাৰ গ্ৰহ্ম করে দলন হয়। অব্যক্ত লক্ষ্য ব্যাল্যনের বনিবাটা প্রাচ্চ নিয়ে ছিট্টক পড়ে। শ্রেদর সংগ্রা স্থাপা অনা করিদ গ্রেদ্যা চকিছে ক্ষম উত্তে হর। কঠাৰ দেখা বাম ভালের পিছনে বাদ ছাটো যোভে। কাছেই কোথাও ওব প্রেট্ড ছিলা। গ্রামন বনের শানিকটা ফালি ক্ষাপ্রাত উপত্র প্রেট্ড-বল্লাকা-করা বিন্যবাহি গ্রেম্থ ব্যাহর শিকার স্থান্য ক ভিলাব্য স্থাপর ভালে না শেখেছে ভাকে ভ্যাপ গ্রেম্যানা কঠিন।

কিছ,ক্ষণ পরের ৬নিছের করে হরিণ্টার কাছে আমে প্রচান গলে 15 প ধরে সেলো। পকেট পোকে ছারি বার করে জনাই করে ফোল রফাসান। মায়ামার বড় বড় চোপ দুটো বার করে গরগর করে কপিতে কাপতে ঠান্ডা হরে বায় হরিণ্টা। তাকে কাঁধে ভুলো নিরে চলে আলে সেলো।

হরিপের মাংস, মাছ, ভাত, মধ্য,
মার্রাগর ডিম বে বতথানি পাবে থেরে নিরে
সবাই সম্পার সময় পারে পড়ে। একটা,
বামিরে নের। মহাজনও ব্নোর। সেশো
তখন প্রবা। বাতে নট ব পর মহাজন জেবে।
উঠে রেডিও চালার। সকলে গুল্প করে।





निमाद्रमस डेन्ट्यानी विष्याक		
बारका जन्दान		
নাছ ভাৰেন		
<u>পোশো</u>		
ধারজনে		6.00
भाग <b>राइ</b> ण		J.00
<sub>ধরেবার</sub> শান্তিবোদ্ধা মার্টিন ল <sub>ং</sub>		0.00
	पात्र	
कणः स्मण्य		₹.₹₫
जानिक जनग ग्राथन कर	•	
চালকাস স'		₹.00
अञ्चारम प्रकाम मान्तम		
ज्याष्ट्रकात्रम अव हाव	3	र्गन
ফিন		
भारक दो।ताम		4.00
शक्भ द्याम	-	<b>u</b> . 00
व्यामाञ्च		5.40
হেনার ফোড		₹-₫0
•		
<u> गाँदेशहर्ष</u>	The sale	₹.৫0
<b>*धे,गार्डे मिधे म</b>		
ই ধি হৈ।য়াটট এশিয়া পাৰ্যসিশিং কোং		₹.20
भागः भारतहे मका		
বেকার	Proces	2:50
বাপীর গ্লপ		-,
79		2.00
निक्र न आग्छरत		_ 00
वाईफ्क		6.50
আমেরিকার কাহিনী		0.00
•		- 4
ক্ষাস্থ	T 971	ুন্∂্ ক
লোহার যোড়া চালালে	1 4	बा
ম্যাক কল	-	2.30
আৰিকারের অভিযানে	•	
রাগেফ ই লাপে		\$.00
শরীরটাকে গড়ে তোল		
এন্ডেনিন্দে ও বার		2.00
গেলাপথা প্রকাশনী		
महे वालक छानवान		
ভিন গুলভ		2.00
		- 00
তপ্ৰেপ সংস্থাম		
		2.00
উপকথার নায়ক এ্যাণ	<b>5</b> 4	
প্রারারভ হোরাইট		2.00
শ্ৰীভূমি পাৰ্বালনিং কোং		
টিপি লকলিন		
জোলেক মিয়াগার		8 00
মহাকাশ অভিযান		
		2.00
নেওসেল নলা বিষয়ে আরে।	ব	
প <b>্রক্ষিক্তেতাদের উচ্চ</b>	412	
তালিকা চেয়ে পাঠান : আকট	ভার	ভার দিন
এম, লি, সরকার জ্ঞান্ড সং		

প্রিথ পড়ে জাখিলর গাজি। স্বাই মন

থিরে শোনে পারের হাতের কটি বার করতে
করতে। কার আমাশা ধরেছে কার-বা সাদিমহাজন টা বলেট দের। নোনা জলের আবহাওরার হঠাং কলেরা ধরবার ভারে স্বাই
তেতিল গোলা জল খার। বাতে শীত করলে
কথা কম্বল মাড়ি দের।

দিন দশেক পরে এক রাত্রে আরে করেন্ট অফিনের জলপর্যালসের লগু। মহান্তন দ্য-হাত গালের ভাছে এনে জোরে চিংকার করে ডালের ভাক দেয়—'ও-ও-ও-ও-ও-ও-হোই-ই-ই-ই-ই সচে লাইট ফেলে ভারা অতি-পাতি করে নেথে নিয়ে কাছে আসে। দিগারেট থার: মধ্, হরিণের মাংস, কছন্তপর ভিম, বনমোরগ ইত্যাদি নিয়ে চলে বায়।

জংগলে কড়ি দিন থ'কবার কথা। পদেরো দিনের দিন স্বাই ব্ভিক্তে কাজ বাধ করার। সেলো অভানি কথাল মহালানের তরফের লোক। তার রোজ সাতে তিন টাকা ধোরাকি সমেত এবং কাঠগোলায় পোটছে প্রতিশ ট কা উপরি। ঠে কাজ কার মা গ্রে-গ্লেমারে তার পাহারা দেয়—জঞাল বাসনা গায়। ই জার দ হাজার লাইন ভার মণ্ডরের ছড়া ' বিশ্ত যারা প্রাণের ভর তক্ষ করে কটিা - ছোক - ডাস - ভীমরুল সাপের কামড় থেয়ে হ ডভাঙা পরিশ্রম করছে তাদের ব্যেক আডাই টাকা থেকে তিন টাকাৰ বাডাতে হবে সেলো প্রথমে অরাজি জিল। পার সেও যারে গেল। সেই যেন আলে পারে পা-তুলে দিয়ে' ৰূপড়া বাধ্যতে চাইলে। পাঁব তাল ক্ষিদ্য গালি, লখ্ট ক্রাতি বলাই সেখ, ইসমাইল ঘরামি, লাল; খনসামা, পরাণ ঢে'কি বনমালী খোড়া, বিশু হাজরা, ন্দ্রাঝি, এবাদত সরদার স্বাই এক ঐকা।

সেদো বললে, 'কাঠের দাম বিজেছে, সকলের রোজ বাড়াতে হবে, মইলে আজ খোক সবাই কাজ বন্ধ করবে।'

সংক্রম বললে, 'অসম্পর। হিসেব কর, তিরিশক্ষনের রোজ জিন টাকা করে হলে দিনে নন্দাই টাকা। আর খোরাকি। নৌকো জড়া, লাইসেন্স ফি, খ্য, ভোমার উপরি পাওনা, এসব খডিরে দেখে ভবে কথা বলো। আমার লোকসান করতে চাও কৈ ভোমার।ই হঠাং ডোমানের হাল সাপে কাটে কিন্দা বাবে ধরে নামধানা না হয় কানিং হল্পে কলকাভার হাসপাতালে পাঠাতে খরচ দেবে কে?'

স্বাই নীরব। মহাজনের টাকার বাক্সীর দিকে লক্ষা। তাদের গতর-মাটি-করা টাকা। মহাজন লাখোপতি টাকার মান্ত্র।

মহাজন মনে মনে সব হিংসব করে।
দেড় হাজারী বোটে ছ-খানার ন-হাজার মণ
মাল ধরবে। এক হাজার মণ শ্কিনো হলে
কমবে। দ্-নৌকো খুটির দম আলাদা।
চার নৌকা গ্রাণের সাড়ে ডিন ঢাকা মণ্

# भूवं भाकिसाब

অমিতাভ গাঁপ

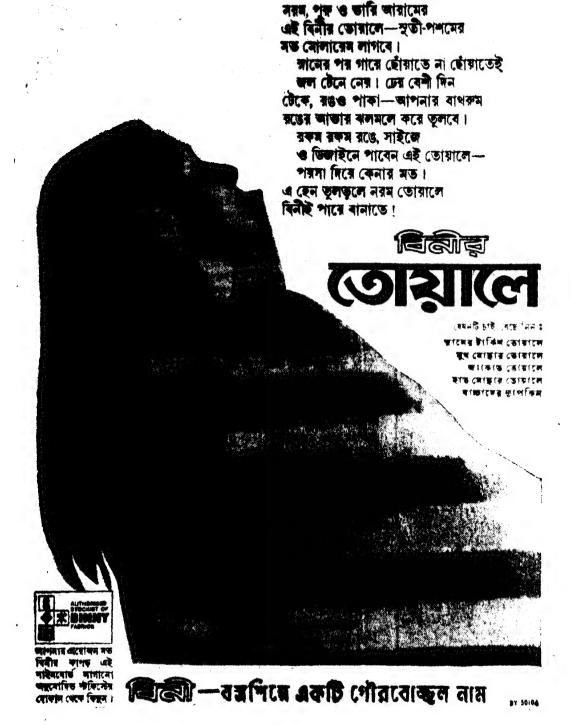
পূর্ব পাকিস্তানের সমস্ত গণআন্দোলন ও সাংস্কৃতিক প্রবাহের
এক অসামান্য ইতিহাস। বহু দুর্লুভ
ফটোগ্রাফ ও প্রশেষ বিবেকানন্দ
মুখোপাধ্যারের ভূমিকা সম্বলিত ॥
১৬০০

এই বই সম্পৰ্কে শ্ৰীৰ্ড পালালাল দালগ্ৰুতৰ অভিনতঃ

প্র পাকিস্তান সদসকে আনসারিংস; পাঠকদের কাছে এই বইখানা আমি সানান্দে অনুযোগন করতে চাই। প্রায় পাঁচশত পাতার বইখানিতে প্র'বাংলার সাম্প্রতিক চিত্র পরিকার ফুটে বেলিরেডে।

জনজীবনের প্রায় প্রতিটি বিষয়ের ট্ৰত কিতত আলোচনা আছে -তথা সহ। সূত্র পারিস্তানের ঔপনিরোগক मूम्भा जात्र वाक्षानी कार्टी बरारवारध বিকাশ – সাম্প্রদায়িক অন্ধার খেকে মাতভাষার সাধনার মধ্য দিরে প্র वाक्ताव वाक्षानीरमव (दिनम्-अन्तनमानः) ভাগন ঐতিহাসিক পরিচর ও পারসোন:-লিটির বা ব্যক্তিকের অনুসন্ধান প্রতি-ভিয়াৰ বিভাছে প্ৰগতিৰ অপৰ্যে সংখ্ৰাম ছাত আন্দোলনের নতুন দিগত, কবক ও মন্ত্র ও নতুন মধাবিত ব্যক্তিকীলের রাজনৈতিক নবচেতনা, নতুন সাহিতা, वारकाराबाद विकास ७ गरवस्था, सर-নৈতিক শোষণের বিব্রুকে সংখ্যান ইত্যাদির যে ক্লাসক সংগ্রাম ও-দেশে চলছে ভার ভূরি ভূরি পরিচর এই বইতে পাবেন। কেবল প্রগতিবাদীদের কাৰ্যকলাপই এতে লিগিবছ আছে তা নয়, ওখানকার প্রতিক্রিয়াশীল হোর সাম্প্রদায়িক মৈবরাচারী অনাচারী শাসক-বগের কার্যকলাপও অলপ করে দেখানো হয়নি এবং প্রগতিবাদীদের জর অদ্ব ভবিষাতে সহজ লভা বলেও দেখানো হর্মান ভবে ওদেশের প্রগতিবাদীদের যে অপ্র' সংগ্রাম — ভরানক প্রতিক্ল সামরিক শাসনের মধ্যে থেকেও ভার সাধাকতা এদেশের প্রগতিশীলনের ও জনসাধারণের বোঝার উপর অনেকটা নিভার করে। দাই দেশের প্রগতি-শীলদের সরম্পরকে বোঝা দরকার। এ जनां करे वर्षाना जामा कर्मा **হবে বলে আ**শা করি। দ্রেখের **বিবর** এ বই পূর্ব পাকিস্তানে যেতে পারবে না ওদেশে গেলেও এই বইখানা সমান সমাদর পেকো এ বিষয়ে সন্দেহ নেই।

**ज्यान न्म शा ता श्राका मान** ४. महमाहत्वन तम न्योंकि कम्मिकारत-५२



CHITHERE REAL PROCESS

ফাড়াই চেরাই আছে। তব্ ইচ্ছে করাল ওদের ডিন টাকা করে দেওরা হয়—তব্ও লাভ অক্রে। মললে, আচ্ছা, তেবে দোখ, কাজ করে সহ।

সেনে বললে, আমানের এক কথা।

,মহাজনের করে চোখে কেউটে খেলা
করল। সেনে তা ব্রেল না। মহাজন
নিম-রাজি হরে কথা দিলে যেন। কাজ
চললা। দুশিরে মহাজন বললে। আজে
একটা হরিল শিকার করব খনে করছ। চলা

লেলের হাতে ধারালো বল্লম। মহাভানের হাতে বন্দ্রকঃ দুরুলন গোল তার ভংগালের **ভিতরে। একটা ফল শা**রের পালে সাজান বসল। সাপ বেয়ে চ লছে জলের ওপর দিবে। কথাবাতী নেই। আধ্যক্ত পরে এল ভিনটে হারণ। পিছনে গোটা পাঁচেক। জল থেতে নামল ভারা। দুং থেক হাটে আসার পর ক্রাণ্ডতে সব ধ্রাক্ছে। একটা कर्ड समा थार जात जामहान कर्ड हार्डामाक ভাকার: কী অপুর' স্কর চেখে অর চাহনি ভাদের! মায়। হয় মাবঢ়ে। একটা গালৈ ছাড়াল ডোকক বফালনে । মোক্ষ लाशक: चाहराक हमाह गामा लाख निरंब উঠে ছিটকে পড়ল। অন্যান্ত্ৰা পালিছে গোল পলতের মধ্যে। রাজাননে ইদরে। করাল সেলেকে ছাতে গিলে হারিপালক कामराज, महाह कारणाई त्यम छाताई कत राहा।

इसदामा कारणे उथना कामरानाह शहर। मिरहा। হারণটাকে কাধে ভাল হাতে ভারা কলম নিয়ে <del>যথ</del>ন সেলে অসছে মহাভন ইঠাং গ**্ল ब**ुंक्रमः। तमाम ७३ ग्रहान–तम राजद প্রেছনে 🖰 প্রসালা ছিংকার তার উঠে থ নিকটা ছাটে এমে পড়ে গিয়ে বং ভাগৰ মাডভুগত কামড়াতে কাগল। তদ মত গোলে তাকে টোনে তলে ফণ্ডিনসদর জন্পত্তের মধ্যে ফেলে দিলে তেরের রজাদান। রসদের রকের চিক ষা ভার গালে লেগেছিল জবাই করা হতিবের ताच जा अकाकात इत्ता शाना। व्यक्तिभोदक নিয়ে নৌচকার বিশ্ব এল মহাজন। বললোঃ পিছেটিনা **খটেছে। সে**দে অজনি কয়লেকে बार्च सिर्ध रशर्छ ! " लिक इतर त्रत रत्र यथन হরিণ আনহতে একা ছারে গৈয়েছিল, ইঠাৎ ভার ওপরে বাদ্য ঝাপিয়ে পড়ে। আমি •ग**्रीम कतमात्र र**हि, किन्दु द्वाम इस **मा**ण নি। বাষ্টা ভাকে যাতে তুলে নিরে সাঁ **করে জন্মালে চ**ুকে গোল। ভারে ভরসরি **এগিরে গোলাম। সমস্ত শর্**তি ভার **থর্থ**র করে কপিছে! হাবে নাকি তোমর ?

লবাই নারব। শুধু লখাই গাঞি বললে, ভালো হাই—দেখি শালাটুটেলে... কিল্টু কৈউ নড়ল ন:। মহাজন একবেলার ছাটি ঘোষণা করে দিলে।

মহাজন সৈগারেট ধরিরে বললে, গকানো-মতে হরিণটাকে নিয়েই পালিয়ে এসোহ।



সেলোর হাতে বারালো বলম। মহাজনের হাতে বন্দকে

কী ভয়!..আমার ভর করল, তোরা হলে তো কাপড়ে চোপড়ে করে ফেলাইস কিশা ভপালেই বেহা'শ হরে পড়ে থাকভিস।'

অতএব দামকড়ি বাড়াবার আর প্রশন নেই। দংসাংসা সেদো ছাড়া কে আর কথা তুলবে? নিমরাজি হলেও মহাজন আর কি দেবে? সেদো নেই, কিন্তু তার জন্মল-বন্দনার ছড়াগালো সব ইরের মনে প্রভাব বিশ্বার করে রইল।

প্রতিদ্য পরই—বিশ দিনের দিশ—
নৌকো ছাড়া হল। ছ-খানা গাদা খেটি
বোরাই মাল। একখানা পানশি নৌকোর
মালপন্তর মহান্তন আরু লোকজন। স্বারের
বাড়ি ফেরার অনুদা। গাঁডু পড়াছে বাপার্যুপ্রপার্যুপ শাক্ষা। সম্বের ফেনান্ডান্তা
গলামান টেউ ঠেলে হলদে পাল ভোলা
নৌকোর বহর চলেছে ভার ধরে পাক্তমে।
আকালে মেবের বিচিন্ন পাহাড়ে।

মহাজন সজনো কঠের মাধার একে বলে আছে ছবির মতন। মতে তার সন্দের দাতি। মাধার ট্রিণ। কোলের এপরে কেরেআন শ্রীক। সূব্য অলত বাচছে...

कानदेवनाथी काटना त्येष छेठेट

কড় হতে পারে দেশে মহাজন তাড়া লাগায়। গোসাবা থেকে দুদিনের পথ নামধান। ডারমণ্ডহারবার, ফলতা, ব্ডুল, বাগাণ্ডা, নলদণ্ডি হরে শামগঞ্জের কাঠ-গোলার পেণছতে তাদের আরো দুদিন লাগে জোয়ারের জনো অপেকা করে করে আসতে। গোলার মাল তুলে দিয়ে সবাই দামকড়ি নেবার কনো বাস থাকে। দরিরার ধারে এসেছে সবাইয়ের মা-বউ-মেরে-বোনরা। শুখু, সেশো অজুনি করাল ফিরতে পারে নি। সবাইরের পারে বিবার জলের পানটিগা (ক্স্কুড়ি) হারছে। পারের রঙ পোড়া কাঠের মতো হরে সেরে নোনাজলের আবহাওর র। মেরেরা স্বাই কড়িড়াব আরু মানসিকর বাড়াগা এনেছে।

সেদোর অন্পশ্বিত সন্বংশ স্বাই গ্রেমাল করাছ দেখে মহাজন ব্যাত পারে সেদেকে বাঘে নিরে বাবার ঘটনাটি ওরা বিশ্বাস করে নি বোধ হর। তাই চার আনা করে প্রতাককে বেশি দের। সেদোর উপরি পাওনা যেটা। নইলে আগামী বছরে আবার লোকজন পাওরা বাবে না।...

দামকড়ি টাকৈ খাদে নির স্বাই চাল বাবার সময় শাধ্য অনেক প্রির পঠেক কাখিলর গালি বলে, শালা, গরাণ সংগ্রহ-কারী স্লেরকনের মহ জনের চরিত স্বদ্র-বনের বাজেছ চাইচেও ভর্তকর।

আবদ্ধ জব্বার

পু জোর উৎসবের দিনে ছোটদের হাতে তুলে দেবার মতো প্রাটি আনকোরা ঝকঝকে নতুন বই অলোক্যমন দাশগুণত

দেবীপ্রসাধ কল্যোপাধ্যার কল্যাভিত

### সাতরাজ্যির হে'য়ালি

দ শ-বিদেশের প্রচিনি ও আধ্রনিক কালের প্রচলিত-অপ্রচলিত ধার্যা ও হে'রালির বিস্মর্কর স্থাতা । পাতার পাতার অসংখা মজাদার ছবি। আদ্যোপানত ছলে লেখা।

नाम र होका प्रशास अक्रमा बाह

কু জোল বুগের অন্যতম কবি অঞ্চিত দত্ত রচিত ,

## দ্রাপ্জার গলপ

স হল ভাষার ছোটদের জনা চণ্ডীর গণপ বলেছেন লেখক অসামান্য কথকতার, ভণ্গীতে। যা বড়োদেরও ভালো লাগবে। অজন্র স্কার ছবির সমারোহে বইটি বণ্ণোজ্জ্বল হয়ে উঠেছে।

काम गू डोका माठ

🗲 য়লা অক্টোবর প্রকাশিত হচ্ছে

প্রতিকা নিন্দিকেই প্রাইকেই নিনিটেই পি ১১ নি আই চি ব্যেত কলকাতা ১৪ টোলফোন ২৪৩২২১



# जानतात सूचवानि कृत्वत नानिष्ठत प्राठा (नवर ७ मुक्तत कात जूनाव निष्ठिम जानिनिश कीप्र



প্ৰত্ন ভাৰিশিং ফ্রীমে আছে বিশেষ একটি উপাদাল

'হিউমেকটাাক'—এতে স্বকের আর্জু ভাষ আটুট গাকে। পথ্স
ভালিশিং ফ্রীম ভাই আপনার মুখ্প্রী কমনীয়, মসৃণ ও ডাজা গাবে;
আর ধুলোবালি ও কক্ষ আবহাওয়ার হাত গেকেও বাঁচার।
ভূষার-ত্যা ও হালকা পথ্স ভালিশিং ফ্রীম এমনিতেই মুখে একটি
বাজিভ্রী এনে দেয়; আবার পাউভার বেস্ হিসেবে এব ওপ্র
বেশ-আপ ধ্রালেও ঘটার পর ঘটা নিধু ত ধাকে।

চীজ্<mark>ৰো-পঞ্</mark>স ইনকর্পোরেটেড (শীষিত ধারে বার্কিন মুক্তরাক্টে সংগঠিত)

প্ৰপূস জানিশিং ক্ৰীম—বিশ্ব ত পাইভার বেসু

#-4932A#



44-001

স্থা আৰু সাংখ্যবেশকাই ইভি টানলাম,
ধরলাম কালিনামের পদুস্তলা।
প্রভীচা মনীবানের অকুপল স্থাভি নিবেদন
গড়েছিলাম; উৎস্কা ছিল খুব।
লামাতিন্-ই মা লিবেছিলেন, ঐ মাটকে
ঘটেছে বাইবেলের রাখালিরা (Pastoral),
আম্ফিলাস-এর কার্মনা আর রাসিন্-এর
মমভার তিবেলী সল্লাম?

अशास अक्षे चामहर्य जानाज वरहे: আমরা তো পাশ্চান্তা নাটাকলার সংগ্র পরি-চিড, পঞ্চাত্ত নাটকের হি-ঐক্যে অভাতত। আর এখানে দেখাছ সব ওলট পালট। শ্বান কাল সুটোই চলেছে লাফিয়ে मारिक्टर । এक अकृष्टि क्यान्त्र क्रीट्स प्राप्त. বছর, বলে কেটে বেডে পারে ঃ ভতীর অংক সংব্যার শক্ষরতার বিয়ে প্রেকাম পঞ্চমেই সে গভিশী, আৰার সপ্তম অঞ্জ তার ছেলে বেশ ভাগরটি হয়ে দিবি निश्दात नरका रक्षा कराइ! खाद क्यांन? বোধ করি চিত্তুক্ষরাপী ভার জলায়তাঃ তশোবন থেকে স্বাক্ষপ্রাসাদ, রাজপ্রাসাদ भारक स्थार्ग । **काब अभाव देश**य चंग्रेसा-ते या কড! রাক্ষসদের বিশ্বাস্তি উদ্দেশে অশ্বনীয়ী বাণী, প্রুণ্ডলাকে তপোৰন-দেৰভাদের বস্থাদান, শকুণ্ডলার **স্বলোক্তরন...। এদিকে গতিকে তে**। পরে शरम विचि करत वर्गनाचक वड एन्सिक, ঠিক হিশ্বি ফিলেম বেমন গান।

কিন্তু সবচেরে অবাক হলাম কথা-বাতার চঙে। মার্কিত, শৌধিন, একট্ বা কৃতিমই ঠেকে কথুল পাশ্চান্তা কানে, অনস্রা বখন রাজাকে কোথেকে আসা হল?' কিংবা 'দেশ কোথার?' বা অথনি কোনো কিছু প্রখন না করে প্রতিস্ভেগ অলফ্ড ভাষার জিজেস করেন, 'কতমঃ আবেন রাজবিবংশ অলংক্তিরতে?' আর রাজাও ছোটো সহজ ভালো আবেন তো?'-র বনলে শ্রেমান, অণি তপো
বর্গতে?' [উত্তরকলে রব্দিলনাথের স্থান্স
কবিতা পড়ে নারিকার সালামাটা প্রদেশ
বিশিত হরেছিলার ঃ শিপ্তাভীরবাসিনী
মালবিকা কবির হুলে হুল্ড রাখি/মীরবে
শ্রাকো দ্বা সকর্ব আদি/হেং কথা,
আর কো ভালো?'] খ্ব কেড্রি লাগত
এই কথা ভেবে বে ইহ্নীরা বেখানে শালিত
প্রতিকরা আনন্দ জার লাভিনেরা শ্রাক্রা
সমান করে অভিবাসন জানার, ভারতীরেরা
সেখনে তপোবর্শনের কথা গোলে।

আর ওপের বৌ-এরা কতাকে আর্থপরে বলে ভাকে এখনও মনে আছে কলদেশ-কেরং আমাদের অধ্যাপকের মণ্ডবাঃ
আঞ্চলকার সিমে এরা আর্থাপরে আর

कार वा, ग्रंद् कान 'कानि'; कान त्रास्त्रान कान वेक्सर्का

শ্রেনকাশ্বর সিমশো জনো ন্যান্তবাদ্দ শালপারবার এই উচিক ব্যাশাদ্দ করে জিলি বলোহলেন, প্রান্তবাদী নার্কলীবাধ আগণ্ডুককে সর্গতীর' আবাং শ্রেক্তবাদ পর্যাত এগিলে দের। নির্বাধী ভালো, আর আমিও আজবাল ভা-ই ক্ষিত্র: আবাদের বাভির সামলে বে গণসাম্বনের স্থানা ক্ষাটা আছে, সেখান পর্যাত্ত আমি আন্নানের বিশিশ্য অভিবিশের প্রস্থাপনিক ক্ষাম আনি।

#### बार्मीयक चारपक

आहेकारिय माहीकान वर्षे द्रवाम-रक्षान शान्तक मा दक्त, जाब मध्या बावबा अवन बंध प्रामगीय कार गर्मा स्टब्सियान स প্রকার বিশ্ববাদ। কর লেখাক আমানের श्रुष करबोदन, गरन्तुक ना कामा कन्यटनक সাৰসে আৰ্থীয় ক্ষতে আলোবাসভাৰ िवहा अवना आबादरव डाग्री क्याड, नगर, 'লোমানের ঐ নেবভাষার অ-আ হাতা আর क्षारमा न्यस्थमं दमदे।"३; जाह जावि वास ন্যাভিশতি মন্তেবদের কুলোর সভো [ 'दबावे दबनाम कामान क्रीकारम दकन. वण्या मात्र श्रांत्य वास वास ভলে ৰেভাৰ ) লেট জাৰৈ কাশ্যাসৰ দুটি ट्रिकाक स्टब्स् स्वयं करबेबिकाव । जना-मक्रिकामि अस् भारत्या गासामा । गाहि त्यापने जामान वर्ण शकीतकादर पात्र क्यांत्रीका। मरन्कुर माही-



जीन ज्ञाना वर्षक ?"

কলার বিশেষক করাসি পশ্চিক সিপাকা চলকি বৰন চলকো, শক্তুকলা-নাটকচিতে ভারত করা রালব সমাজই প্রতিবিশ্বিক ভার বিশোধ নির্মাণ হৈলেনা জন্মিরেছিল বি বৃটি শেলাক।

সংক্রত ভাষা অধ্যয়নের সংগ্র সংগ্র আমলা ভারতীয় সংক্রতি চর্চার সংবোধ কিন্তুটা শেল্পেক্সার। পঞ্জেবিলার, সংক্রত সাহিত্য বহু সৰুপ হোক না কেন, তব্প্রাক্তা ইনিপাস' প্রতৃতি ট্রাক্তেজন
কোনো বিজ্ঞানত নাটক ভারতবর্তে নেই;
প্রীক কিবো লাভিন ঐতিহাসিকের
কোনো ভারতীর লেখককে তুলনা
বার না। আর একটা অভাব কিন্তৃ
নিজে বিশেষভাবে অন্তব ক্রেছিলামঃ
পিরোন্ধিনিস কিবো সিসেরোর ভারবের

মতো কোনো ভাষণ কি কোনো হংগা সংস্কৃত সাহিত্যকৈ অসম্ভূত করেছে?

আন্নানের পাকনোলা এগিরে চলন্ পঞ্চলার উত্তর রামচন্দ্রিত ও রামকা, মেব-দ্ভ ও কছুসংহার আনাবের সংক্ত প্রশুক্তকাল্যতের সাহিত্য নিল্লান বলতে এ-বাটিই ডিল সম্পুল। অন্যান্য ক্লালে একট



স্থানের সমর এক অপরিসীম আনতে মন ভরিছে কেবে। লাভেণ্ডার ডিউ—
অফুরস্থ কোমল ফেনা আর নেই সক্ষেমনাতানো মিন্টি গছে ভরা নাবাব।
স্থানের সমর আপনার মন কেড়ে মেবে,
আপনাকে যাভিয়ে রাখবে। আমদানী
করা ফ্রেক ল্যাভেণ্ডারের ভূরভূরে গছ
স্থানের গরেও বহুক্স আপনাকে খিরে
থাকবে। লাম মাত্র ২.৫০ টাকা!

উঁ চুন্দরের প্রসাধন সাবান তৈরীর জন্ধ স্বপরিচিত ক্যালকাটা কেমিক্যাল-এর একটি বতুন অবদান ফাঁক দিতাম, আর সেই চুরি-করা স্মরের
ফাক-ফোকরকে কাজে লাগাতাম মনে মনে
প্রাচ্য ও প্রতীষ্ঠা সম্ভাতার প্রতিত্বনার,
প্রাচ্য ও প্রতীষ্ঠা ভাষা ও সাহিত্যের
সাদৃশ্য-বৈসাদৃশা নিম্কাশনের নানারক্ম
মন্তার খেলার।

এমনি এক খেলার কথাই বলি।

সংস্কৃতের বিভিন্ন 'ন্যারের' একটি প্রালকা হাতে এসেছিল, কিছু 48 প্রবাদও ইতিমধ্যে ধীরে ধীরে লিখে উঠছি। shie একদিন মাথার এক, ফরাসি প্রবাদ প্রচানর পাশাপাশি এগালোকে Spiner. দেখলে কেমন হয় ডিখন অবশা বাংলা জানতাম না; বাংলা ভাষা যে S. 501 প্রাদ-প্রবচনে কত ক্ষমিনান য়ার সিত্ত তুলনায় কত সরস ও স্কার—তা ছিল काशनात वाद्यात । वना वार्यना अपन खरूक ফ্রাসি প্রবাদ আছে বার কোনো সংস্কৃত প্রতির প আমি পাইনি, বেমন ধর্নে-

থেতে থেতে থিকে আনে; পিটতে গিটতে কামার হয়; সাপ মরে তেটা বিষ্ঠ মরে; থিকের কান নেই; বিভাল গেলে গিটতে বাড় থামে; ভাবের ব্যক্তিতে যাত্র। আটকার না:

বাতের বাজি, কড় ফরল: এক বার, ন্য অনুষ্ঠা, কথা কাল তথা বিধি: ধরতে বাবে ধরা পড়বে: যৌরন যদি জানত, বার্যাকা বাদি পারত: টাকার আবার গ্রহাকের:

প্রক্ষা হৈ চার, চার হে উপার, স্থার জ্যোত চার বােচারের বাঁচার। অম্বেলট সভাতে হরে ডিস ভারতে হর। মসত অস্থারর মসত প্র্যা নেই খবর তাে ভালো খবর, প্রথম সম্ক্রেণট কােটর। অধ্যানর বালে।

॥ শারদীয়ার শ্রেষ্ঠ প্রকাশনা ॥ 'সভাবান' রচিত

### তশ্ত পরিচয় : ৬-০০

তক্ত সম্প্রেক' প্রিক্রিটিত লান্তের জন্য এদেশে জান্তবের সমিম নেই। এই দিকে লক্ষ্য রেখে লেখক নিপা্শভাবে গণেপর ইংল তক্তের রহস্যা উপ্লোচন করেছেন।

পাঠক-মহলে সাড়া-জাগানো এই লেখাকর আর একটি অমবদা গ্রন্থ

**दिम श्रीत्रहशः** ७.००

লিপিকা

৩০/১ কলেজ রো, কলি-১

(त्रि ४६६७)

कानातारे त्राजा: য়ৱা সিংহের Sellies. 444 20.82 ভালো: MARK বিজ্ঞাপন না বিংলার नारग আছে বটে 'চেনা ৰাম্নের গৈতে লাগে না : নেকডে নেকডেকে থাব না বিংলার নাকি আছে 'জেকৈর গয়ে জেকি বসে

এননি সব বেলো-আনা ফরাসিরানার মধ্যে বিচরণ করতে করতে প্রথম আলোক-বিশ্ব দেখা দিল সাধ্যাের : টেকোর চির্নি! সিন্ধাতীরবতী প্রণিতামহেরা একই কগা আরে। মার্কিত চঙে বলেছিলেন :

সাহিত্যগাণে দেখা যাবে আনেক ক্ষেদ্রে সংক্রতেরই ভিৎ। ফরাসিতে বলে 'একই ছড়ির আখারেট'; সংক্রতে আছুসেরিপি, চপ্রি: অন্ধ ও পংগ্র উভার উত্তরে সাহালো দিবি। চলতে পারে, ফরাসিতে সাদানাটাভারে 'অন্ধ ও পংগ্রারাপেই প্রবাদটা চলে আহছে; সংক্রতে বাংপারট কে আরোর চিত্তমানী করে তোলা হল 'দেউস্বদন্ধর্থের' সহাবন্ধানে বিশ্বাদ্যতি প্রবাদটা বাংলাই বাংপারট কে আরোর চিত্তমানী করে তোলা হল 'দেউস্বদন্ধর্থের' সহাবন্ধানে বিশ্বাদ্যতি প্রবাদ্যতি প্রবাদ্যতার আছেই ।

#### अवान्यासामा अन् अकौ

ক্রতিটি ভাষার প্রবাদে পদ্ম পাথির একটা বিশেষ স্থান আছে। সংস্কৃত গাড়োরিকা-জনতা ফরাসী চোগে থেকড়ের সার: উহয় চনগাড়ারাররো ফরাসী প্রতিষ্ঠাঃ ফোকলা সৈংহ, আর অসনভ্রী গ**র্ভানিনিত্ত** অসমভারার কে ফরাসবিল ব'লে থাকে মালির দতি।

কোনো কোনো প্রবাদে আবার শহুষ্ ফ্রাস্বীশ্রুই জনত্ত উল্লেখ। 'ভাল্কে মারার ত্যাগেই ভালাকের চামড়া বেচা' মানবিক রূপ নিয়েছে সংস্কৃতে 'অভাতপ্রনামেং-ক্রিন বিংলার গাড়ে কারাল, তেল | তিম দিয়েছে, বলদ পারে প্রশেদানের বহুগর্ণিত প্রতিদানের এই আশাবারক প্রতি-ছাতিটি সংস্কৃতত তত্**ধা**ৰী 'দক্ত কথা সংস্থা প্রভাতে । নিক্ষল ঘ্রাস্ট্রির কাছে গাঁচুসর পিঠে জলা, সংস্কৃতে একেই বলে 'উবর বৃদ্টি।' আর কালঃ কালঃ প্রতি উক্লাম্বনের রৈমর্থার প্রিপ্রনার ধরা বহাচলিত সংস্কৃত ধরতাই ব্যাল্ডি ফ্রাসারা উপস্থাপিত *করে* বিহুঞা দৰ্ভানেত 'পাথি অবেপ অবেপ নীড় গড়ে।'

এদিকে আবার 'বরমদাকপোত: শেবা
মহারাং' । অর্থাং কিনা, কালকের মহারের
চেয়েও আজকের কপোত-ই প্রার্থনীয় ।
ফরাসীতে প্রোদস্কুর অম্তে : "দাই পেরে
পাবের চেয়ে এক 'এই নাও' প্রোর্থ ইংরেক্টা রুপ্টি অবদা পাথির উল্লেখে
সংস্কৃতান্সারী: ঝোপে দুটি পাথির চেরে
হাতে একটি পাথিও ডালো। এবার প্রাসংখ্য প্রতিবোদিভার বিলেচকতে পর্বভারত প্রাসংখ্য রুকে পরিক্রা বিবেচত

an an isang ito 🕡 🖈 bata situ me



## প্রকাশিত হয়েছে

একটি রোমাঞ্জন কাহিনী বা পাতক ও বিবরের চেরেও চাঞ্জাকর লিখেছেন—

#### अग्रावन वन

একটি স্বীৰ্ণ উপন্যাস, উপন্যাপটি প্তা সংখ্যাস্থাৰীতে প্ৰকাশিত হৰার সঙ্গে সঙ্গেই ভূম্ব আলোড়ন প্ৰিট করেছে, লিখেছেন—

বিষ্ণু বিষ্ণু একটি ভর্গী সেরের চাওলাকর জীবনী নিরে এক স্পৌর্য কাহিনী লিবেকেন

### म्बीन भाजाभाषाय

প্জা সংখ্যার দাম—৩·০০

—কাশাসন
বেণী সন্ধ্যানর

ত্বনং বৈঠকখানা রেডে, কলিকাডা-১
হৈডিল্যানারের চাক্লাকর জীবনী (বা
জালবার্ডো লোরাভিয়াকেও হার নানার)
বিধেহেন—

### চিরঞ্জীব 'সর আমার নাম হেডি ল্যামার

এছাড়া চারটি স্দীর্থ উপন্যাস, পাঁচটি বড় গংশ, ছ'টি ছোটো থংশ, দশটি বেনি বিষয়ক প্রকশ্ব সিংগছেন : আন্তেতাৰ মুখোপান্যার, শতিপদ রাজগ্রে, ছরিনারারণ চট্টো-পান্যার, কিরপকুষার রায়, বিশ্ব মুখোপান্যার, জ্যোতিরিক্স নক্ষী, শ্রীদর্শন, বেশী মজ্মদার, ডাঃ জ্যুক্র জ্ঞান, ডাঃ নির্মাণ সরকার ৷

স্করীদের দ্যেসাহসিক ছ্বি, এছাড়া ছবির দ্যিরা

(गि ४२२७)

## नक्षम तन दिन भाज दिश्दक ७०००

নেপালের শটভূমিকার লেখা বিংশ শতাব্দীর সাহিত্যে উদ্রেখ-বোগ্য গ্রন্থ। **ভটর অসিড ব**ল্দ্যোপাধ্যারের ভূমিকা সন্বলিত

न्तीनकृत्सः भटनानस्ताः

भाभी

**⊌**.00

विद्वार जापा

6.00

ইন্দ্ৰজিং সেন

## ফেড ইন ফেড আউট ৯০০০ আরব-কাঁটা ইজরায়েল ২০০০ বিক্ষার রোডেসিয়া ১৪০০০

চন্দ্ৰগত্প মৌৰ্য

## वादबायात्री विवि

8.00

भक्तिभन ताखग्रत्

## কেউ ফেরে নাই

\$0.00

স্লতানা চৌধ্রী

সম্ভাট সেন

## जूकि शास्त्र ४-०० भिनाकोत न्यान ६०-००

দিলীপকুমার রার

## অঘটনের পর্বরাগ

<u>ৰিপায়ণ</u>

शाक्ष म्। भौतस्त

মেহেরউলিসা ৮০০ রেবেকা

9.00

সমাট সেন

শীবাসব

অধিবাস

9.00

श्रीवान अक्रन ह-००

দেবকুমার বস, সম্পাদিত

## विष्णात्रागत त्रानावनी

১ম. ২র, ৩র প্রতি খন্ড ১২·০০ 🛮 ৪র্থ খন্ড ১৬·০০

মণ্ডল ৰকৈ হাউস ম ৭৮/১, মহাত্মা গাল্ধী রোড, কলি-১

मान्या-देकान्या

হ্বহ্ম অনুবাদ মেলা ভার, কিন্তু
মানতে হবে কিছু সাদৃশ ভাৰণ খাছে
পাওরা বার, মোনং সন্দতিলক্ষ্ম আর হে
কিছু বলে না, সে রাজি; ভেণ্ডং তণ্ডের
সংব্যতে আর মিল বাদের ভারা-ই মেলে
ভালন পরিচারতে আর শিলপেই শিলপার
বিচার: চিল্ডামণিং পরিতাজা কাচমণি
গ্রহণমা আর ভারার জন্য কারা ছাড়া-বলার ভাপাতে এরা বেশ খানিকটা হনিত্
নহ কি?

ভার মানার এই মনোভারকে ভারিত করে করাসীরা সথান কলে ভালো মোকদনার চেরে থারাপ মীমাংসাও ভালো, কিংবা দত্তবাধ্যমণ ইব স্বপ্তির গালিচনত স্থাতি বখন জরাসীতে দত্তবা পেতে ব্যাহার ভালিতে ধরা পড়ে কথব পর করাসায় কুবীভি এর উপকারী উপতেশ রখন ফরাসী ভালার ক্ষিক্তর সারা ভালকের কৃত্য করে কেলে রেখে না ক্ষিণ্ডারের অভিযার চক্ত, তখন অত্রক্তা চ্যাতাত ব্যাহার সাধ্যমান নিশ্চিত ব্যাহার সাম্বাহ্যার বিশ্বাহ্যার নিশ্বাহ্যার নিশ্বাহ্যার বিশ্বাহ্যার বিশ্বাহ্যার বিশ্বাহ্যার নিশ্বাহ্যার নিশ্বাহ্যার বিশ্বাহ্যার বিশ্বাহ্য

সংস্কৃত 'উপজাবিং নিবেধায় ছক্চ' এব সালাপালি পড়্ন 'হংসপাতালই সাহবাদে বাধ্য করে' এই ফরাসী প্রবাদটি মেলা ডফাং ডডটাকুই যডটা ডফাং ডয়েই হাব ডফাণ্টান্ডের:

আব ভাই, মঞ্চাট দেখনে, সংক্ষাভ বাবে বাধা সেলাশার সনাপে শুলানা, ফলাসী ভাবেই বাধা সেলাশার সনাপে শুলাসী ভাবেই বাধা সেলাশার কালা হাজান বাধা কিছা মালালা স্বাধানা সংধানা স্বাধানা স

বাইবেৰে চ',ডেও সংক্ষণ্ড নায়েরে সাথ কিছা কিছা সাদ্ধা পাওলা লাহা কাষ্ট উল্লেখ্য নিব্যাহন কিছাবায়েবদিক দি লোকের চিকিৎসকের প্রীয়েজন নেই পশ সাটো জনলদিনা ন পানঃ পালারেবদ ভাইরের চোথে কুটো দেখছ, নিজের চোট কড়িকাঠ দেখছ না: ভারেদেকং কুলসাথে জাতির বিনালের চেরে একজনের মূড়া প্রের: বালসা প্রদীপকলিকা ক্রীডিরৈর নগধ দাহা/কডট্রু অন্যি কড বড় এক জরণাটে জালিরে দেয়।

একদিন লাইরেরিতে প্রবাদ সংকল-খ্কাছলাম, হঠাং দেখলাম—বাংলা ভাষা এক ব্যাকরণ...

(ক্লম্প



পু: বাশমা'র অভি আদ*্*রের প্রতিজ্ঞান সংস্থা বাহ সারত সকলার। পার্টি চোখে তার রামধনার মায়া, काक मार्भभगीत थाना, शास्त्र रागांजन स ভলমের বাদ কাঠি। প্রভাগতির মত বে **চণ্ডল—ংখলে** বেডার, ছবি আহে, কবিতা **रम**्थ, रमहे मरणा रमधानकः करतः। अथह মার ৮ বছর নর মাসেই সেই পাপা ভার বাগমার কোল শ্লো করে প্রথবী থেকে বিলাল নিজা মার কাইকদিন আবেট সে যোটর গাড়ির মুখাটনার একপানি ছবি আঁকে, নীত লৈখেছিল-পাপ্ত! অদাণ্টের পরিহাস, নিজের বাভির সম্মাণেট সেই মেটর ল্মটিনাতেই দে চিধ্নিদের মত চোপ বেল্ছা খোকগ্ৰাম্ পিতা নিখিল সরকার বলালন-প্রবল আন্তান হতে গিয়েছিল, বিশ্বর প্রায়েক কোনও চোট কার্লেন। হাসপাতালে ক্রেক ঘণ্টা পরে জান হলে দাভি খাবার গুলা বার বার কাকভি জানার। পরে সর শেষ হয়ে এলে-রেন হেমারেজ! এবং সেই সংগ্রেই অকালে প্রিসমাণিত ঘটল স্নিদিচত সম্ভাবনাময় একটি শিশ্-প্ৰতিভাৱে ৷

আকাশের ব্যুক্ত স্বল্ভ স্মুন্তব্ল চাহি,

#### চাণ্ডল্যকর আবিস্কার দৈন্দিন একখেলোম থেকে বাঁচুন

আমেরিকার একটি আন্তব্যার — বা হাটেছ পেলে পোজিং প্রাশ্ সাবান কার ক্রমি আপনি অবৈড় ফেলে দেবেন—ভারতে এই স্বাপ্তথম প্রবৃত্তিত হলো।

সবচাইতে এজার গছে, এই আনিক্ষার কেবলমার রেজর রেডের ক্ষেত্রই প্রবোজ। ইচ্ছে—মূবের ওপর নয়। কুইক-এন-জনি এর (জিনিস্টির এই নাম) বাংপারে এইটিই ইলো সবচাইতে অবিদ্বাস। ঘটনা, অবচ এই বিরে আপনি অতি প্রয়েও ও চমংকার শেড করতে পার্বেন।

আপনার রেডের প্রান্তে এক কোটা
কুইক-এম-ক্রীন চেলে নিন্, ভারপর মুখ
কল দিয়ে ভিজিয়ে গোড করতে থাকুন।
আপনার কেজর হখন গাড়ির ওপর লিকে
কাপেটের রত ধোরুল- লগাড়ির ওপর জীবনে
বাবে, আপনি তখন জীবনের সবচাইতে বড়
বিসময়-বোধ করবেন। ব্যরের দিক দিবেক
ভটিতে সাপ্রয় হয়। এক বোতকো তিন
মাস চলে।



नीम शंव

बिक्सी : भाग

শ্ম আলোকছটার চারিদিক ভরে গেছে, তিনটি ছোট নৌকা হেলেদ্লে নদরির ওপর দিরা ভেলে চলেছে, মাঠে একদল ছেলে ফ্টবল খেলছে, প্রেভারে পভাকা উড়িরে বিরাট শোভারতা চলেছে...বিষয়বদতুর দিক থেকে এগালি নতুন নর, যে কোনও শিশ্রেচিপ্রসাদানীতে এ কাতীর ছবি দেখা ষাবে। তবে আকাডেমি আরোজিত প্রদর্শনীতে গাপ্র আকা যে সম ছবি ও স্তিবলিং দেখা গোল সেগালি ভিরা গ্রেগীর। পরস্পর বিচ্ছিল হলেও এগালির মধ্য দিরে সম্প্রতামে হলেও এগালির মধ্য দিরে সম্প্রতামে হলেও এগালির মধ্য দিরে সম্প্রতামে কালাকলতের সংখান পাওরা বার।

পাপ, ছয় বছর বরস থেকে ছবি আঁকতে শুরু করে এবং এখানে-ওখানে ছড়ানো ওর ছবির সংখ্যা হবে \$00-36 অধিক। তাদের मधा (शतक RO খানি নিৰ্বাচিত ছবি, তার আঁকা ছবি ও কবিড়া সম্বলিত প্রকাশিত 'পাপরে বটা ও তার একটি শিংরচিত প্রদর্শনীতে রখা হর। প্রদর্শনীর উদ্বোধন করেন শ্রীদেবীপ্রসাদ রারচোধরোঁ। পাপরে ছবি, कन्म ७ व्यान्त्रित आंका-अधिकारणरे ডভাৰজাতীয়। তার রেখা স্ক্রেও অনেক ক্ষেত্ৰ ভীক্ষা, স্তাবা সংক্ষিণ্ড কিন্ডু म् म्थारे। मात करत्रकृषि हे. करता त्रथा वा বিক্ষার সাহাবো পাণ্ড জটিল ও সমসাময়িক বিষয়বস্থপালি সান্দরভাবে ফ্টিয়ে তুলেছে ! শ্ধু ভাই নর, রীভির দিক থেকেও এই শিশ্লিক্শীর কাজে সমকালীন চেতনা-टवाट्यत श्रीबहन्न शाखना नात-ित्नाम कटत নভারত দুটি মুড়ি ও সিংদ্ধ রভের লাল বিশ্ল-এর কোলাজে। 'স্বণন' ছবিটির भीतकम्भना ७ वीमध्ये त्रथाहेन प्रतथ বিচ্মিত হতে হয়। বিভিন্ন ছবি দেখে মনে

ভয় সমকালীন প্রিস্থিতি পাপতে মনে গভীরভাবে রেখাপাত করেছিল এবং এটিকে সে মেনে নিটেছিল। মিছিলের পর মিছিল চলেছে थ्रोम वाम भू छटह, रथलात मार्क গোলমাল শরে হয়েছে, যাত্রীর আশার রাস্তার পালে সারি সারি রিকাশ দাঁড়িয়ে আছে বা ছোৱা হাতে কোনও ডাকাত তেড়ে আসছে—এগ:লির স্বই যেন তার পরিচিত। তার সংখ্য ছিল প্রক্রমভাবে ল্লেক্সিড শিশু-কবিমন ও ভগবানের ওপর অগাধ বিশ্বসে। নীল আকাশে চাঁদ দেখে সে মার্ণ্য হত (দি মান আগভ ফাওয়ারস), সংগাতের মার্ছনা তার প্রাণে সভা জাগাত ফেকেম্বি —বর্ণান) আবার মহাকালারি বিচিত্র **র**প ভাকে অভিভূত করত। পাপ্রে আঁকা কয়েকটি কালীমূতি অপূর্ব'। 'পাপরে বই' প্রকাশ করে প্রকাশক সকলের কৃতজ্ঞতা অজান করেছেন এবং পাপ্তর আজা ছবি সকলকে দেখার সূত্যেগ দান করে আকে তিম কত পক্ষ সকলের ধনবেদভাজন হয়েছেন।

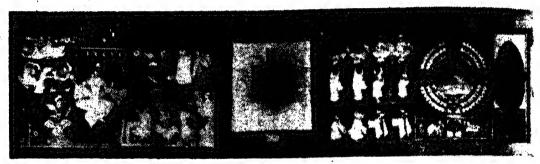
প্রিক্তিবিজ্ঞানের সর্বাস্ত্রেন্ট আধ্যানিক বই শ্রীমতী স্ক্রিমণী দেবী প্রণীত

সীবন ও কাটিং শৈক্ষক ৪.০০ মেরেলে স্বভ্রেষ্ঠ বার-রাত্তর বই শ্রীক্রনোগাল সাহিত্য-শাল্ডী প্রণীত

রুত দ্র্পণ (বিজয়া পর্যন্ত) ২-০০ যৌনবিজ্ঞানে সর্বাধ্নিক প্রতক শ্রীপ্রকুদ শাশ্যন্ত গ্রণীত

পরিবার গরিকত্বলা ২০০০

**এস সি শীল এ'ড সাস** ১৯নং স:কিল্লাসা লেন, কলিকাতা⊢১



किन रहाई अथम क्रीथान्क भूकाभाव विवक्रतारवह क्रीवरमह बहेमानमी करमान्दम हेन्द्र मूलात व्यक्तिक आहीत हिहा

ভারতের অন্যান্য শহরে পাপ্র চিত্র-প্রদর্শনীর ব্যবস্থা করলে তার স্মৃতির প্রতি যোগ্য সম্মান দেখানে। হবে বলে আ্মার বিশ্বাস।

\*

আক্রেডেমি গ্রালারীতে সম্প্রতি শিল্পী
বি অর প্রদেশর তাঁর প্রদর্শনীর আয়েজন
করেন। গত করেক কর্ব বিভিন্ন প্রদর্শনীতে
বোগদান করে এই শিল্পী অনেকের দৃণ্ডি
আকর্ষণ করেছেন। আন্টোনিকভাবে শিল্পশিক্ষা না করলেও শিল্পের প্রতি তাঁর বােক
আছে এবং নিটো ও অধাবসায় ফলে তিনি
ম্থানীর শিল্পীসফাজে প্রিচিতি লাভ
করেছেন। ইন্ডিয়ান স্ট্যাটিস্টিকালে ইন্সিট্
টিউটে কাজ করার পরে অবসর সময়ও কু
তিনি নিয়্মিডভাবে শিল্পচর্চায় নিয়্রেজিত
করেন। প্রদর্শনীতে জলরতে আঁকা তাঁর
২০টি ছবি দেখা বায়।

প্রমেশরের সাম্প্রতিকতম রচনা দেখে বোঝা যার যে, ডিনি বিভিন্ন জলরেও এংকন-পশ্যতিতে নানা প্রক্রিকা করে গেছেন এবং অনেক ক্ষেপ্রে সাফল্যলাভ করেছেন। মিস্পার রচনার তিন শ্রেণার নিদর্শন দেখা যায়— ইমপ্রেশানিস্টিক স্কেচ, স্টাভি ও বিমূর্তে

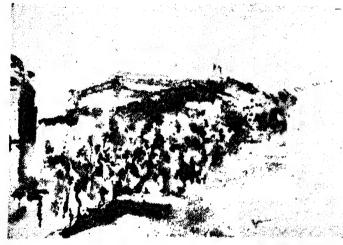
এবং সম্বিম্ত জাতীর কাজ। প্রোজনীয় ব্যক্ত ক্ৰেন্স ভাৰে নিছে জাগালের ওপর সেই তজিকাস্পুৰের মধা দিয়ে তিনি বিভিন্ন हरमकातीत माणि करताहन-रवमन । । খন ও পিকলিয়স প্রেম্প্রেস। এই প্রসংপা विश्वास करत मन्द्रे स्वार्धन केंद्रास कना हरना নাল সক্ত ও কোনো রঙ সংমিশ্রণ স্বারা শিল্পী স্থান্তর একটি নিস্থালোকের অকতারণা করেছেন। কয়েকটি ছবিতে দিল্পী ধ্যাংসাবলেষ বা বিশেষ কোনও স্থানের আসম্থান আঁকার চেন্টা করেছেন। মাখ্যত দ্যাতি জাতীয় হলেও কয়েক স্থলে স্বত:প্রশোদিত রাশায়শের আভাস পাওয়া ধায় ৷ উদাহরণ হিসাবে ৫, ১৪ ও ২৩নং এর লাম করা যার যদিও প্রথমোষ্ঠি কৃতিমত:-দেৱে আড্ডী। বিভিন্ন কঃ স্ক্ৰান্ত তলি বেশা সাহায়ে ফাটিরে তলে শিল্পী পিমার্ড রচনা করেছেন র্টিডর দিক থেকে দ্ क्षकारि मन्त्र नारा ना। एटव करतक एकरट পৌনঃপ্রনিকতা দোষ ধরা শতে: এ বিষয়ে সতক্তা অবলম্বন করলো শিল্পী লাভবান **१८वन। कारकांधे कारख** श्रेष्ठीन कार्यस বৈশিষ্টা ফটে উঠেছে। পাতলা রঙ দাবহার করে বা অনেক সমধ্যে তেলে দিয়ে শিশুণী

द्वश्यवहान करत्रकि विश्वाहाँ हैरमक्षातीत मृष्टि करतर्षम् । अहे द्वामर्टम्न मृद्द्रम्, मौक छ कारमः तक द्वश्यम ५६भर छ कारमः रक्षामा है ६ हाम्रकः सुद्ध श्रद्धरह्म साक्ष्मात काल विरम्मकार्य केरहाभ्यमणः।



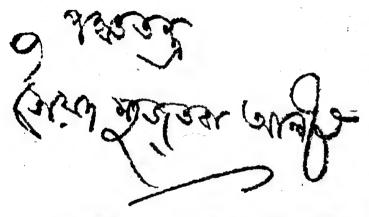
বড়বাজারের জৈন সংখ্যাসকর বিস্তৃত্তি দেশভাস্কর পঞ্চামতী মাংগ্রে একটি সংখ্রতি রচিত প্রচারিচিতের উচ্চারাল করা হয়। প্রচারিচিত্রতি এটকছেন স্থাতিরিচিত দিশগরী ইন্দ্র মূলার:

ভারতীয় শিকশকলা ধারার অধিকৰ নিজ্যের কলা ইন্দ্র মূল্যের ভিত্তম জনগুত্র এক প্রেণ<sup>®</sup>র কাছে বিরেশ্য আনে ও। ক্লটেম্পকাট ডিপ্লেডন কলে টিটন সান্যাদৰ অভান করেছেন: প্রমু ভাষাধ্বর বিষ্ঠ रमदर्भ मा ७ कवार्यक्ष राष्ट्राव मा ता करत छोड স্থীক্ষান্তর গুলা প্রমান্তরার নতাল নির্বাদলন্ত প্রস্থাত বিভিন্ন মান্য বলগৈ (মালসং গ্রেম) প্রাভীরতিরে মধ্য দিয়ে সংগরভারে । বলান করেছেন। কৈন কলপ্রাত্ত অব্লেশ্বনে রাচত म्पृतीर्थ क्राधीर्विक्यांन विस्ति भूतरनात বিভয় প্রথমীটার বিষ্টান্স্যর জাভারতা তবি মান্তার স্বাদ্যান্ধান ভূ নামা পুত্তিক, মারেক্সপ দ্বতীয়টিতে নিৰাপ্ৰয়ভ ও <u>ততীয়টিটে</u>ত বাজ্যা শিষ্ট্রের শিক্ষা ও ভাষ্ট্রাম এক মাপ্রচার বিকাড কলেছে। স্বেট্যা প্রচার তে টি ক্লাইড ডায়া ডোম্পারা মাধ্যমে আঁকা ও **ेइ वा अध्यानाता, तक्ष प्रदेशनामाम्य स अकामा** প্রতিষ্ঠানে কিল্পী ডিন্টি পার্নালের মধ্য নয়েই উগবান নিষ্ঠাদেশের প্রেম্ব প্রিয় ীয়নের প্রধান ঘটনাবলী বাস্মায়ত করে না স্বভাকতই নিল্পী ভারতীয় চিত্রকলা ীতিতে প্রাচীশীনত পরিকর্মনা করেছেন ও াকৈছেন এবং বিশেষ করে নিবান্ধানেত গর রিষ্ভনেবের ছবিতে তিনি প্রম প্রিচ-विदेश कर्नित्य उरम्द्रकाः क्रीव्यप्रक योजा अन योक्तरत यारवन, छोता निल्मीत यौका श्राभीर्त्रारुक्ति एतस्य आनम्पनाङ क्यारकनः।



পিলপ্রিমস্ তোগ্রেস।

- वि आह भागनह



#### नाकात्मा

তি বংসর আন্তেইনিকভাবে সঞ্চাবর

প্রাথমিক শিক্ষা, পাঠশালার মান্টারআগ্রনের প্রাবস্থা, দেশ থেকে কেন
নিরক্ষরতা দ্বি হাচ্ছে না এই নিয়ে বিরাট
বিবাট মান্টিং হয় হিস্তুর চেল্লাচেলি হয়।
য়ি ঘটি চোবের জলা ফেলা হয়। তারপর
সার বংসর নিশ্চপা।

এ যেন কজ্যুস ধ্বধারের জ্ঞামেইযান্তী করার মন্তা নিত্যেশ্র না করলেই নয় বলো। ভারপর পরিপূর্ণ একটি বংসর কিশ্যুট মহধার নিশিচন্দি।

পাচ্ছেন, বাটো সম্পর্কে আমার বডকট্ম-भागिक) आमारक जामादेवकीत नित्न नमत्रव করে না। করেণ তার পিতা—অমার ঈশ্বয় ধ্বশার মহাশয় তাঁর সাধনোচিত ধামে চলে যাওয়ার পথ এই শ্যালকটি ভার পিভার তাবং সব গ্রহণ করেছেন নাডা করতে করতে সত্তার থাতিরে অনিচ্ছায় বলছি দাতাকণ ধ্বশ্রমশাই বিশেষ কিছা রেখে বান নি. এবং সামানা বেট্রক ভদাসন রঙপারে গিয়েছিলেন সেটকর প্রাটি-287.09 **ল্যান্ত্যক**ন হম্ভচাত **श्**व हरस**रह**!!) হয়া বেশ इ स्टिल्स. কিল্ড পিত্রদরের দারদারিম বেবাক এটডরে গেছে। তাই সে (সম্পাদক মহাশর, অপরাধ নোবন না, প্রতিবারেই আমার গালগালাজ বরতে ইচ্ছে যাছে, কিন্তু অপনার পত্তিকার

মা ভিয়েন্মশ্ন ছিল-লেখক।" ভার পর বাবা বললেন, আসমৌ পক্ষের মোঝারের नक्का शहक हम 'माला' **बरलाइ एम मम्भारक** স্তিটে তার শালা; অভএব কোনো অপরাধ হার মি: বিপক্ষ কিন্তু বলছে, রাস্তার উপর দ্যালয় আসামী কথন শালা কলেছে তখন থংকের সোহাগ-শোরা সে শালা বলেনি: বলেছে অপ্যান করার জনা।" ইতিমধ্যে दातात मर्शाहरदद (जन्धात) नामारकत छना ভলুবে জল এসে গিগেছে। স্থামি তাই ভাডাতটিড শ্রধলমে, 'লাপনি কি রাম "मृहे शक्करक भिरलम्।" बादा वलालनः অনুদালত থেকে দূৰ দূর করে তাড়িরে দিল্ম। বলল্ম, ম<sup>ক</sup>করা করার জায়গা প্রভূমি!" আমার মনে এখন সন্দেহ জাগে. হবর এই হ্রুম ঠিক আইনসমত হরেছিল कि मा। एत्य क्ष कथा क्षानि, मारे शकरे कान প্রতিবাদ না জানিয়ে সামেসমুড় করে বেরিয়ে গ্রিয়েছিল। কারণ বাবা ছিলেন রাণ্ডারী. আচারনিষ্ঠ বৃষ্ধ। আসামী ফরিরাদী মে ভার স্বাটকে দেখেছেন উল্পাবিশার আমাদেরই বাডির আশিনার খেলাখ্লো ক্রাই ৷

সন্মান আছে, প্রতিন্টা আছে আগনি এ-সং
ছাপাবেন কি করে?—অন্মো আপনাকে

এ-কদ্পদেশ দেব না) জামাইবন্টীর একমার

আগের থেকে এড়িরে চলে। হিন্দু লামি বে

অঞ্জের মুসলমান সেধানে রীতি, দ্বশুর 
গত হওরার পরই তার পরে জামাইরের

দ্বশুর হয়ে বান। হয়তো হিন্দুদের ভিতর

এ-রেওরাজ নেই। আমি জানবো কি করে?

কিন্দু আমাদের এই হিন্দুমুসলমার,
ভারতীয় ঐক্যবিধান নিরে বধন সন্ধাই মাখা

ঘামাছেন তখন উভর সন্প্রদারের মধ্যে কি

কিঞ্চিং লেনদেন গিড্-আন্ড-টেক্ করা

উচিত নব?

এই দেখুন লা, প্রাত্তিবতীয়ার সময়
আমার দ্ তিনটি হিন্দু খোন আমাকে
নেমণ্ডর জানায়—'নেতণ্ডর' কথাটা বোধ হর
ঠিক নয়। আমাকে তথন তারা ভাক দের—
হক হিসেবে, আজ এ মাটোর অব্ রাইট।
আমি তখন বিশ, পচিল টাকার সাভি নিরে
বাই।

কিন্তু আমার জোণ্ঠ পরে, প্রিনস্ অব্ ওয়েলস্, ফিরোজ মিঞা বড়ই বোর আছ্মাতিমানী। সে নিমল্রণ পার তার তিন চার হিন্দু বোনদের কাছ থেকে। আমি বিলক্ষণ ব্রিঝ, সেই সরল। হিন্দু কুমারীরা মনে মনে ভাবে, সব হিন্দু ভাত্তিতি একা একা দিন গোঁরাবে? তদুপরি একথাও তো সভা, এই কুমারীদের কোনো কোনো হিন্দু ভাই মুসলমান ফিরোজের চেমে কোনো গুলো প্রেট্ডির নয়। আমার মনে পড়লো, ঐ ফিরোজই ভার কোন এক দিদির কন্দ্র-

#### জীউটিকুর সীতারামধাস ওক্ষারনাথ মহারাজ প্রবিতিত

### जार्घी भा अ

মাসিকপতে বঙ্গনাবাদ সহ মহাৰ বেদব্যাস রচিত মূল

### গ্রীমহাভারত

আৰক্ষ ১০৭৫ সংখ্যা হইছে। প্ৰকাশিত হইতেছে।

বাৰ্ষিক অভিন সভাক গ্ৰাহকম্বা ১৫-০০ আৰ্ষাশাস্থ্যে প্ৰেপ্তকালিত নিন্দালীৰত প্ৰথান্তি অখনত পাওয়া বাহ।

- ১। মন্সংহিতা ... ৩-৪০টাকা
- ২। বিংশ সংহিতা ও শন্তি ২২-৫০ "
- ৩। খ্রীৰদম্মীক বামায়ণ ... ৩০-০০ "
- ৪। জীবিকুপ্রোণ ... ১০০০ ,,
- ৫। **শ্রীমণ্ডাগনত** ... ১২-০০ ্ল (ডাক মাধ্যক স্বত্তন্ত্র)

#### আর্যাশাস্ত্র

৩৮সি, বিধান সর্গা (বিবেকানন্দ রেছের মোড়), কলিকাতা-৬ ফোন : ৩৪-৪৪০৮ দিনে তার প্রিয় ফ্লে কেয়া আনতে গিরে শান্তিনিকেতনের দক্ষিণ দিকে গোরালপাড়ার কেরাবনের মধািশনে গোখরো সাপের ছোবল কেতে খেতে বে'চে যায়।

অতএব বাব্ ফিরোজ আমাকে বললেন, "আব্দু! আমি প্রাত্নিবতীয়ার বাজি। কিন্তু ভার প্রে দিদিদের জনা কিছু শাড়ি কিনতে হবে। আমি দালাল কোম্পানিতে বাজি।"

সর্বানাশ! দালাল কোম্পানি অকাতরে সব দেবে। অবশা, বাক্টা ফিরোজ কেন, ওরা কাউকেই ঠকার না। তবে কি না, আমি ওদেরকে একবার ঠকিয়েছি।

কত টাকার বিল এসেছিল, জানেন? ১৮০ টাকা!

#### \*

্পাঠক হরতে। ভাবছেন, আমি কি নিয়ে আরুভ করেছিল্ম, আর কেথায় এসে रभोष्ट्या राजिस्य र्वाल। ७-ल्यापि यथन আরম্ভ করি তথন ভাষণ রোদ্র, দারুণ গ্রম। তারই সংখ্য তাল রেখে আমি র.দ তথ্য বাংগরসের অবভারণা করি। কিল্ট দ্র' লহমা লেখার প্রেই হঠাং অধ্ধকার করে নামলে: ঝুমাঝাঝুম বুজি। ভারপর মোলারেম রিম্বিম। তারপর ইল্পেগ'র্ড। সংখ্যা সংখ্যা র দরসের অন্তর্ধান । বাসনা হলো আপনাদের সংখ্যে দু' দণ্ড রসালাপ করি, একটা থানি জমজমাট আন্ডা জমাই। অবশা সম্পাদকমশাই যদি এ-রকম হাল্কামী পছন্দ না করেন, তবে সেটি তিনি ছাপ্রেন না। ফাসার দড়ি তো তার হাতেই। তবে कि मा मिठो अकड़े ख़कर्ड खक कहा शरा।

কারণ গত কুড়িটি বচ্ছন্ন ধরে তিনি আমার কোনো লেখা "পত্রপার্ট" ফেরত পারাননি। ইতিমধ্যে আবার চক্তড়ে রোদ উঠেছে। ফিরে ঘাই সেই রন্তর্নে।

#### \*

আমাকে যদি কেউ শংধোর আমি কোন্ জিনিসে সবচেরে গ্রেড় আরোপ করি তবে নির্ভাৱে বলবো,

শিক্ষা।
কোন্ শিক্ষা?
প্রাইমারি স্কুল, অ্থাং পাঠশালা।
ভাবপর?

হাইস্কুল। তারপর? কলেজ, বি এ, এম এ। তারপর? পি এচ ডি। আমার মনে সবচেরে বিরক্তির সপ্তার হর, বখন ডক্টরেউ করার জন্ম কেউ আমার কাছে এসে সাহাযা চার।

পাঠক অপরাধ নেকেন না, যদি এ-স্পলে আমি কিন্তিং আছকীবন প্রকাশ করি।

বংগামাহিত্যে আমার যেটাকু সামানা লান্ট বেশ্বের আসন অটেছে (অর্থাং আমার প্রথম প্রথম আমার একটি নাতিদার্থি প্রকথ লিছি, মরহাম ত্যায়ান কবীর সাহেবের "চতুরকে" ১৯৪৮ সালে। প্রকথটির নাম "প্রথ পাকিস্তানের রাষ্ট্রভাষ।" আমি প্রমাণ করতে চেরেছিল্ম, যে যাই বলকে না কেন, আপ্রের প্রথ পাকিস্তানের রাষ্ট্রভাষ বাঙলাই হবে। কিন্তু এছ বাছা। আমি তথন প্রাইমারি এডুকেশনের উপর সম্বেরে বেশী ভার দিয়ে বলিঃ

"আমাদের পাঠশালার পণিডতমশাইদের

कि कि कमिकमा गारक महा। भारक কিল্ড সে অভি সামান্ত, নগণ্ড। কেউ কেট हामक बद्ध बादकेन । जबर क्रमाखक प्रांत त्य की निमातान मातिएसा किन्द्र जिल्ह জীবন যাপন করেন সে নিজমি জাচিত্রী কৰ্ণনা কৰার মত ভাষা ও শৈলী আমার নেই। रमधानका निरम्पद्यम वरम धावर करनक न्धरकारे केवा किमार्कन करवरकन, रहते আফার শহরে বসে সঠিক ব্রিকন-গামের আর পাঁচজনের তুলনায় এ'দের স্ক্রান্ডিছ স্পূৰ্ণভাৱতা এবং অস্থ্যানজ্ঞান হয় ष्यक्रकं रक्षी। भदाखकात त्रा वाका, क्षांत्रसक टकारुपारवद वक्कम, धारमद श्रमसद्भ আৰাত দেয় ঢের ঢের বেশা। এবং উচ্চ-শিক্ষা কি বস্ত তার সংধান তারা কিছারা রবেন বলে মেধারী প্রেকে অর্থান্তবে ৯৯:-শিকা না নিতে পাৰাটা এ'দেব জাবৈনেত সকচেরে মারাশ্বক গ্রাক্তেডি। "ইতিহাদ" "আঞ্জাদ" পেশি**চমকপো**র বেকায় বধারো "আনন্দ্ৰাকার", "দেশ" - টেটা এখনে ভাত্র দিছি -লেখক। মাঝে মাঝে এ'দেব চুছ্চাত হয় বলে এরি জনেন মে, যক্ষ্যারোগাঁ भ्याभ्यानियासम् वदा एकत्वः निरुद्धाः वय হয়তে৷ ভার সবিশতর আশাবাদী কর্ণনাও रकारना वरिवासवीयात छाँवः भएसक्षम sar ভারপর অলাভাবে ডিকিংসাভাবে পরে অথবা कता। यथन यक्षणाद्वारण राजरश्य आधारण विशव ভিৰেম্বৰ ভখন ভাৱা কি ক্ৰেন্ট্ৰ ভাবেন আমার জানা নেই। বাইচেরিন **ভाষার বলতে ইচ্ছা যায় "धना সাহারা অঞ্চ** কারণ তাহাদের দুঃখ াম'। পাঠশালাব গ্রেমশাইয়ের তলনায় গণৈত্ব আর প্রিঞ্জন वयन कारन भा. श्वाश्वानियात्र (एम्प्रावेदिशयः) সাপ না ব্যাও না কি তখন তারে যক্ষ্যা-রোগকে কিম্মন্তর গ্লিখ বালে যোৱা নিয়ে নি**ছতে স্থান্য**না সিতে প্রে। হাত্তালা পণ্ডিত পারে না।"

#### æ

কিন্তু প্ৰদান, প্ৰবংশৰ গোড়াতেই ভাষাই-ষঠীয় কথা ভুলেভিল্ম কেন

শ্রেনিছি, সঠিক বলাতে পারবো না, গাঁহের পান্ডতদের নিমধ্যণ করে বছরে একদিন শহরে এনে ঐ যে বিরাট বিরাট সভা করা হর, ঘটি ঘটি টোখের জল ফেলা হয় তথন জামাইবর্ণ্ডীর দিনের মত্ত ভানেরকে এক পেট থেতেও দেওয়া হয় না।

এবং তংপর ৩৬৪ দিনের গোরস্তানের নীরবতা।

#### \*

এই শেষ নয়। দাড়ান না। সংযোগ পেকে আরেকদিন আরেক হাত জামি নেবই নেব।

्रतामी विदेवकानस्मरक शहर, कार्या, माक्सी कारन॥

## त्र वोस्त्र छ। त्र छो विश्वविद्यालय श्रका भना

শ্রীরতন্মাণ চট্টোপাধ্যায়, গপ্রয়রঞ্জন সেন, শ্রীনিমাণকুমার বস্ক্ গান্ধীমানস (গান্ধীচর্চায় নতন সংযোজন) ৩০০০

প্রীহিরশ্বের বন্দোপাধায়ে ২০০০ দি হাউদ অক্ দি টেগারল। ডাইর শিবপ্রসাদ ভট্টারার ৫০০০ পদাবলার তত্ত্বসাদ্দর্য ও করি বর্ষাদ্দরাধ। ডাইর প্রবাসভাবিন চৌধারনি ১০০০০ প্রতিক্ষ ইন একেটিকস। ৮০৫০ টেগোর অন গিটারেচার আক্রেড একেটিকস। গোণেশবর বন্দোপাধায় ১৫০০০ সঙ্গাডিলা। ডাইর ননালালা সেন ১৫০০০ এ ক্লিটিক অফ দি থিওরিজ অফ বিপর্যার। ডাইর ঘারেশ্য দেবনাথ ৬০০০ রব্যান্দরাক্ষের দ্পিটেও মৃত্যে। ডাইর মানস রায়চৌধারী ১৫০০ প্রতিক্ষাক্ষ ইন আর্চিপিটক ক্লিটোডিটি। শ্রীবলক্ষ মেনন ২৫০০০ ইন্ডিয়ান স্লামিকাল ভাবেসন। ডাইর অমিডাভ ম্বোপাধায় ১৬০৫০ বিক্ষা আক্রেড রিক্ষাক্ষাক্ষ ভাবেসন। ডাইর অমিডাভ ম্বোপাধায় ১৬০৫০ বিক্ষা আক্রেড রিক্ষাক্ষাক্ষ হিন ক্রেডাডিটি। রব্যান্দর্যার উক্তিসাভার ১২০০০ রব্যান্দর্যার স্ক্রিডিসাভার ১২০০০ রব্যান্দর্যার ১৬০৫০ বিক্ষাক্ষাক্ষ স্কর্টারিং।

্ষিক্সভত্ত ১৫.০০ বেনিভোটা জোচের 'শিক্সভত্তা' ও 'শিক্সভত্ত্বের ইভিহাস' গ্রন্থছরের একরে প্রকাশ। ডক্টব সাধনবুমার ভট্টাহার্য অনুদিত। একে**ংডির-চর্চার মোল-আলোচনা।** 

রবী-প্রভারতী বিশ্ববিদ্যালয় । ৬/৪ দারকানাথ ঠাকুর লেন, কলিকাতা ও পরিবেশক : জিজাসা। ১এ কলেজ রো ও ১৩৩এ রাস্থিহারী এছিনি**উ, কলিকাতা** 

#### অল আক সা

श्रम माथा। एमण'-व 'मलकात' माँदाक 'জল-মসজিদ-উল-আক্সা' প্রথেধ সৈংদ আলী সাহেবের প্রির 2 5 50 ক্ষার্থানের ১৭ নশ্বর স্রোর ১ নশ্বর অ্যাত্টির কোটেশন দিরে তেলা বাংলা অনুবাদটি পড়ে বিশ্যিত হলাম। এই জনাবাদ ঠিক নর। ভার উম্পতি:

'লেই (বাঞ্ছিই) ধনা বিনি এক রাতেই ত্রি অন্চর সহ মস্ভিগ-উলাহরমা , अर्थार शकात कारी (भारक) क्रकडे सारक प्रभाक्तमा - जेला - व्याकामा भवागाः । एकत् कारलयः ভ্ৰমণ করেন, যার চত্দিকি আমরা প্রভ করেছিঃ এবং যাতে করে আমা তাঁকে জামানের চিন্ধ দেখাতে পারি:" [১৭:১] এই উদ্ধণিত কাৰ? 'এক ব্যৱতী---্রেরট কার্মে দ্রেল্ড কেন্দ্র : জ্ঞার ভারেডির সং কোষা থেকে এল 🗀 স্থামধ্য পাত কৰেছি আম্বা ভাকে ভালানৱ'-এসব বহারড়ন আলোক ব্যক্তির প্রিত ব্রার্জ্যান্ন কোহাত আছে কি? আছোর বহাসভা আদে হাবে না : এসক পার্ভর কলেখার ভটাৰ আলোৰি মতে। প্ৰতিক্ত ব্যক্তিৰ আলোধ এটিবে গেল কেমন করে ল আর এমন কলি অন্যাদ ডিনি গ্রহণ করলেনট হা কিন্তাবে? অন্বদ্ধি হাবে এটারক্ষঃ

্মতিমা ভার যিনি ভার নাসকে এক বাও নিয়ে গিয়েছিজনে পরিও মুস্জিদ নেজার) থেকে দারবতী धक्र अपन ্রের্জালেয়ে। হার পরিয়াওল আমি ্পাদ্য করেছি, যেন অংমি তাকে দেখাটে পাবি আহার কিছা নিদ্দান। নিংসকেছ তিনি প্রোতা #র হো।" 1:৭:১ | অন্বদে: কাজী অবেদ্র 2772

জাৰ অভিনোঠে তিনি বালভেনঃ ্বান শ্রাটাফ ফিন্বর্ণ্ট্রকের উল্লেখ নেই গ ঠিক নহ। ভিত্তিলা শব্দন্তির উল্লেখ নৈই বিষক্ত ভিত্তিব্ৰত্ত উল্লেখ্ নিষ্ট্যই আছে , ৫৩ নদংর পারে আজা-নজাম' (तक्षा) भने कवान:

খা প্রভারেদখা ভাকি (মার্কমদার) <sup>হি</sup>িগারেছে এক প্রবল শারিব অধিকাচ**ি**, (Fish)-1 00: 0 1

'একজন বীষ্ঠিনত, ভারেশ্ব সে স্পান্ট দ্ৰামান হার্ছিল' । ৫০ : ৬ |

'ভারপর সে ছিল চক্রবালের উচ্চতম POTE 1' [ 60: 9 ]

জারপর সে কাছে এসেছিল আন अयास्त्रम् करतिष्टमः (৫**० :** ४ )

বে প্রাণ্ড না সে ছিল দুই ধন্ক ন্ত্ৰে অথবা তার চাইতে কাছে, | ৫০ : ১ | 'আর তিনি প্রত্যাদিত করেছিলেন তাঁর



দাসকে বা প্রত্যাদিক করেছিলেন। 1 45: 50 1

স্থায় নিখ্যা বলে নি যা তা দেখেছিল (१४ अस्दृत्धः) । ५६ : ३५ ।

তবে তোমর কি তার স্থেগ বিতক केवरित या देश प्रमुखी छता एक अस्टरक्थ र 1 40:321

... ... অন্বেদ: কাজী আবদাল ওদাৰ

ডঃ আলী সংক্রানের 'হ'ল্পব' বলৈছেন। অস্থাজন বলতে বাধা কি ছিলাই পুরন বেদ-এর মতো তাতি এবং *হানিস* শন্তি-জাতীয়' এই তলনানা দিয়ে **বলা** হৈত 'কেরেজান' আলার বাণী **হা হভরত** দেকেন্দ্রের কাছে প্রচায়ি মৃত জিরিল এদেছিল এবং ত্রিসা তাই যা হল্পরত নিকে ব্যক্তম্বন। এতে অম সলমান পঠকদের ব্রুতে আদৌ কণ্ট হত না। তব্ অলী সাহেবকে ধনবাদ ৰে, ভিনি অল্-আক্সা সম্বান্ধ ঐতিহাসিক অনেক কিছ, আমাদের জানিয়েছেন।

আৰু,ল জুবার

### হিজলের তপভাম

৪৭ সংখ্যা দেশের বাংলার চালচিত্র ফিচারে জনাব অর্দলে জন্বার হিজলের অবাধ ভণভাম বাৰুটি প্ৰসংগা কিছু মন্তবা করেছেন। প্রথমে স্বীকার করা ভালো, বাৰুটি এই বেচাৱাৰ কলমে ইডস্ডত লেখা হরেছে এবং ব্রে চিয় বাকাও বটে। হিজল মানে তথ নর' সেটা অনেকেই জানেন। হয়ত তুণ মানে ঘাস' তা কার্র জানা ছিল না। এ গরেমশাইগিরের জনা ভাবে ধনাবাদ। ভবে জন্বার সাহেব একটা ভল করেছেন। 'হিজ্ঞলা শব্দের আরেকটি বাবহার আছে। নদীর অববাহিকার নীচ বা নাৰাল মাঠকেও হিল্পল মবেশিদাবাদ জেলার কান্দী মহকুমার হারকা নদীর অববাহিকার বিশ্ভীপ নাবাল এলাকার নাম হিছল মৌজা। কিছুকাল আগে হিছল এলাকা একটি পঞ্চারেতী 'অন্তল' হিসেবে সরকারী নথিভক হরেছে এবং তার যথ রীতি একজন অকলপ্রধানও নিৰ্বাচিত হয়েছেন। সেদিনও আনন্দ-বাজারে 'কাল্যী মহকুমার হিজ্ঞলের প্রামে भःघर्ष' भौबंक चवत्र द्वित्रहाष्ट्रिक धवः ब অধম ওই পতিকাতেই সে বিষয়ে সামান্য ফিচার লিখেছিল। শুধু কান্দী মহকুমা क्न दारमा एत्एाड वर, अन्नत्म समीद অববাহিকর নাবাল মাঠ-বা সহজেই জলে জুবে যায়, তাকে ছিজল বলে। কবি **क**ीवनानम माग्र কবিভার 'দ্রের

শতিপদ রাজগ্রে রচিত স্বৃহৎ উপন্যাস

#### অৰ্তবিহীন পথ 74.00

গুৰুমৰ মালা ৰচিত সদা প্ৰকাশিত উপন্যাস

#### অসামাজিক &·&0

প্রতিভা গণেতা রচিত আলামানের কাহিনী

## সব্জ দ্বীপ আন্দামান

'আমি মন্ত্রী হবো' নাটকের নাট্যকার

न्नील हक्का ब्रीहरू

অশাংক্সেয় यमृत्स

... ७.६० | बीर नाकी

७.०० ब्राद्धी ब्राया ... २.७०

फः ब्राह्मस्य क्रिकाशं ब्रीहरू नाहेक

গকী 7.60

ইণ্ডিয়ান প্রোর্গ্রেস্ড পার্বালীবং কোং প্রাঃ লিঃ ৫৭-সি, কলেজ শ্বীট্ কলিকাতা-১২

হিজলে কথাটি ব্যবহার করেছেন একই
জানে হৈ হিজলের কথা মনে রেখে আমি
হিজলের জ্বাধ ভগভূমি হাকটি ব্যবহার
করেছিলাম, তা একান্ড বান্ডব। তবে
এখন সেইসর হিজলগালো বাঁব বা ঘর দিয়ে
বন্যাম্ভ করা হরেছে—সে তৃণভূমিও এখন
আনকটা মুছে গোছে, সেখানে জ্লোছে
কলের মাঠ। এবং এ স্বই বাস্তব ঘটনা;
কাল্টনিক নর। তবে হিজলে প্রচুর হিজলগাছ জ্বার। হিজল ফুলের মালা গাঁথা
সম্ভব না হলেও প্রেনো গানে তার মালার
দেখা মেলে। মোট কথা হিজলা শ্রুটার
একটা রোমাণিক বাাপার আছে। পাডাগাঁরে

বেপরোয়া দ্রেশত মেরেকে মা-মাসীরা গালী দেন 'হিজলকনো' বলে।

শাধ্ একটা বাশেরে ধবা লাগে।
জন্মার সাহেব ফিচারটি ভালোই লিক্সন।
কিন্তু লিখতে লিখতে দুম্ করে সাহিত্যসাহিত্যিক নিয়ে জনাবশাক বাচালতা
করেন কেন? প্রশেষ ভারাশ্যকর প্রসংশা কিছ্কল আগে তার বিদ্যোজক মণ্ডবা কানে বেজেছিল। শাধ্য বাদ্যের চন্দ্রবেড়া সাপ নয়, সব জন্ধলের চন্দ্রবেড়াই তাঁট শিস্থিত পারে। তা ছাড়া চন্দ্রবাড়ার বাঁশে চন্দ্র ব্যাক্সর বাধ্য অবাস্তব কাঁ আছে?
এটা লেখাকর ব্যাক্সর বাধ্যত প্রতিজ্ঞতার মন্দ্র

कार भारत। समझा रहा गाउँद-कारत है वादमत नाम नित्त कात्रवात, ए ता दक कारता क्नारवाका मार्टमत **गौर**ण करक रमः विक शायक्या करत रमस्थर है भौगलगां अवटे ज्ञम्हर । **छा हाका** बारना सम्मणेख अस्तर বড়। কেবল বজবজ অন্তল নিবে বংকা त्म नव। अवर क्षेत्रांनी वीटकत क्षेत्रकार একটি বাস্তব চন্দ্রবোড়ার ওপর দীলিত নেই-সে সাপটি কাহারকুলের প্রালৈত হাসিক কালের বহমান অধ্যক্তার সংস্কারের জনিকত ও জাক্তব স্লোভধারা- সেতি এইণ প্রতাক। নতুন কাল তার উৎস্কে হাত कथरड ठाडेम-स्मर्थ मफारे विश्व रहत श्याद डेभनामिति। कार्डिंड गाम्ह्य प्रस रवाड़ा की करत या करत, भारेक रिएम 'ei नित्र समाप्त<sub>य</sub> भाषायामा हिन त व्यामदा अवधेः स्वरूप्त श्रद्धीवरक स्थल ध्राप्त উঠেছিলাম। তাম তবি শিস্ধানি **২**০০

ভয় পেয়েছিলাম।

'বাংলাৰ চালচিত্ৰ' পাড়াগাঁৱের 'অভেব **ইন্যাব্যেশন জন্মার সাচের বাশছেন।** আবার ম্বীকার কর্মছা, তার বচনাটি ভাল কিশ্ত অত্কিতি কারে। প্রতি ভদ্তারেং বজিতি প্রামা মার্ডিবর চতে গোচামার ওল আধ লাইন লেখায় লেখা গেল ড্ৰ-व्यापनी कारमा सा श्रीभवारकारका देशानि বাকা**প্রয়োগ**—বিশেষ করে। সন্দোধন পদটি কবিয়াল ও কবির লড়াইয়ের কথাই মান করিয়ে দেয়: উপদেশ দেয়ার সাধা দেই তবে আশা করছি৷ জনবার সাতেব ভালে বেয়েঞ্জন যে, সালিভা আর ইনফরমেশনাস এক নয়। কত রকম বাশ আছে, কঃ রকম ধান ইত্যাদি না জেনেও যার 'बानकाठी **इन भारा'** या 'बनबाहना भट्टाप्त 'छा. লিখেছেন, ভীরা বাংলা সর্বিহতোরই পিঞ্ প্রেষ: লক্ষণ বাগ বা আবদ্ধে জন্ধ বিংবা এ অভান্ধন পদ্ৰেখক কেথ**া** আছেন? একজন ডিয়োর বা ডোম যেমন অনেক বাঁশের থবর রাখে, তেমনি জানে कार्रेशित कुरम रक्मम करत रकाश निरंद दय ষাত্রত হাতানা কাটে। কিন্তু জন্মার সাজের কি তাঁর কলমের গতি সম্পর্কে সচেতন द्यारकर ?

এ প্রসংগ্য আর একটি কথা নিরেদন করিছি। বাংলা সাহিত্যের এ-ষ বংকাশ মরণীয় বরণীয় সান্টিগালি প্রধানত প্রমেব পটকুমিকায় লেখা। এবং সেই স্রুটানের আমর। সংহের আসনে রেখেছি। ওরিঃ হয়ত বশি-ধান-মাছের খাটিনাটি ওগালাতেন না—কিন্তু যা না জানলে বাংলা সাহিত্য হয় না অর্থাং বাঙালী মানুষেব বাঙ্কিসন্তা, সেটাকে বিগক্ষণ জানতেন। পাতৃকানাচের ইতিক্থার শাশী যে একজন ডাঙার, ওব্ধ বা রোগের খাটিনাটি তথা মানিক বন্দোগাধায় না জানাকেও আমর তাকে স্বীকার করেছি। শহরের একজন

म्यारम् तक्षन प्याप्यत माफा कागात्ना अन्ध

## नकभानवािष्

4.00

কৃষক-বিচ্চাচের প্রত্তিমিকার উপন্যাসোপ্য স্বাহাৎ বঢ়বা। এতে আছে কৃষিদার কোন্তেনরকের বাংলাব্যাপী পোষ্টার ইতিক্যা। কোত্রার ও প্রিনাদের সঙ্গে বিপ্রবী কৃষ্ণবিশ্বের বীর্ষপূর্ণ সংগ্রাম ও গেরিল। ব্যক্ত। বিপ্রবী থামিউনিস্টানের সম্পর্য স্থামিত কুলিক ক্ষাইনিস্টানের সম্প্রামিত ও পরে ভৃত্তীর ক্মিউনিস্টা প্রতিবাধি গঠন প্রভৃতিত প্রশাস ইতিহাস।

रेनर्जन रम-त विश्ववी महीमरमत तडाड अर्काधक काहिनी

## काँत्रि मध रथरक ७.००

পি, সরকারের সমাজের দ্যুক্তকারীদের কাহিনী

## त्रमार्कावदत्राधी १.००

প্রেমেনের মিত্রের তারাশ্যকর বলেনাপাধ্যাদের ক্লাবের নাম কুমাতি ৪০০০ জেগে থাকে প্রেম ৩০০০ মহানগরী ৫০০০

গ্ৰেৰ নাম কুলাড ৪০০০ জেনে বাবে প্ৰেম ৩০০০ মৰ্নিগম তি আলাপ্ৰি দেবী বাজীৱাও দেন শামেল গ্ৰেপ্ত

নিভীন্ন অধ্যান ৩০০০ তৰ, বিহন্ন ৩০০০ আধার আলো ৪০০০ জ্যাসক উত্যাপন্ত্র

ৰ্ষিকা ৩.০০ সান

মানসকন্যা ২০৫০ নীহাররঞ্জন গাল্পের म्बर्ग ध्यमना ७.००

স্ব্যহল ৬·০০ কোমল গান্ধার ৮·০০ উৰসী ৬·০০ নিশি-বৰ্ ৬·০০ দরবারী ৩·৫০ ঘ্নে ভাঙার রাত ৩·০০ প্রথাত রাজনীতিবিদ বেদ্টন-এর

## পিকিং থেকে বলছি ১০.০০

চীনের মহাল নেতা মাও সে-তুং-এব নেত্তে গণজাগ্রণ — চিয়াং কাইলেকের প্রাচন এবং সাক্ষেত্রিক বিশ্ববের প্রোজ কাহিনী।

### ৰাজা আৰু নেই

উপেক্ষিত বসন্ত

আট টাকা

পাঁচ টাকা

यग्वा भजन

রাজনীতির দাবাখেলা

আট টাকা

ছয় টাকা

ভূলি-কলম : ১, কলেজ রো, কলকাতা-১

ফোন: ৩৪-৮১৮০

PK 14 (28) (16) (16) (16) (17) (18) (17)

কেবানী কি সেলসম্যানও বিস্তৱ তথে " কৰাৰ সাহেৰকে ভাক লাগিতে দিতে পাৰে। আছেই প্ৰেম বাভালী সাহিত্যিকক क्षा के। करने बान निरंत मिला नाता । এটা ভি ধান বলো তো হৈ বাপ—বাপ তো raice मर्दात करने मिथरवम'- a अन्छता वक सर्वाठीन कामाना! किया ना कानरन তো চলেই লা, নিশ্চর জানা দরকার সাহিত্যিকের। কিন্তু সেটাই সৰ নর। তা ছাতা বভামান সময়ে সাহিত্যের দুল্টি শুক্রো থবা ধানে নয়, জীবন্ত ধানগাছের গভীরে--ভার দুর্গম কদরে। মানাবের পেশাগত খাটিনাটি বিশ্তর জান। হরে গেছে, দেখা হয়ে গেছে ভিলতিল বহিরণা, অজ সাহিত্য আবাদ ব্যক্তিমানসের কৃতির গভীরতার— তালে শহরের মান্ত হোক বা গ্রামের। গ্ৰাম বলতেই কেন ধান-বাশ-মাছ হাত্যাভ ক্রান্ত আস্তের প্রকৃতি জীবজনং মানার ইভিভাস সমর: এই চটা স্ট্রিচনের বিষয়: গ্রামকে পটভূমি করে যে মহারথীয়া লিখেছেন তারা এই মাল বিষয় নিয়ে লিশ্বেট আমাদের নমসা গাবে। হায়ছেন। জ্ববার সাহের লক্ষণ ব্যাগ্রমাথ নিয়ে ভীনের সবাস্ত 'কচ লেখে' বলিয়ে ছেডেছেন: এটা আশাভন বাড বাডি মনে করি। পাংখের সভো স্বীকার করতে বাধা হাঞ্চি, ও'রা যখন কচর কারবারী, জন্মার সংক্রে ডাখন উদের দেখাদেখি দশ্র তাংক এটাবংকাল পরিতার ও অলক্ষালালত বন জগালের ব্যান্য কচার কারবারে মেতে উঠেছেন যেন। এই শেষেক্ত প্রকার কচ অভক্ষা কারণ গলা চলাকে যা

> সৈয়দ মুস্তাফা সিরাজ কলকাত'-১৪

### हिन्दीय प्रस्किट दक्शारम्भ

বাংলাদেশ ও ব প্যালীর প্রতি বিদ্দী প্রকাশকদের এক বিশেষ দ্যুণ্টিভগারি পরিচর পাওরা গেল, দিল্লীর বাজপালা কোপোনীর প্রকাশিত কৌ সুন্দর আমাদের এই দেশা নামক প্রশতকে।

ঐ কোশপানীর ম্ল বই, ভগংশরণ উপাধ্যায় লিখিত 'কিতনা স্ফের দেশ হুমারা' থেকে বাংলায় অন্বাদ কারচেন হংসকুমার তেওয়ারী, এবং ঐ কোশ্পানীই বইটি বাংলায় প্রকাশ করেছেন। বইটি বাংলাদেশেরই এক সরকারী গ্রন্থ গাবে পেরেছি। ছাপা, ছবি এবং প্রচার সবই ভালো। শানৈঃ শানৈঃ ভারা কত দ্বে ভগ্রসর হচ্ছেন, ভারও প্রমাণ এতে মিলবে।

বইটি ত ভারতের নানা প্রদেশের গৌরকের কথা উল্লিখিত হরেছে। বিশেষ করে রাজ্প্যান উদ্ভরস্তাদেশ ও গা্লের টের। আসাম ও বাংলা নিভানত অবহেলিত। সমূদত বইটিতে বাংলাদেশের কোনও যুগের কোনও

## यानमन्छ ছেড়ে ब्राक्षमन्छ

পলাশীর বৃষ্ধ প্রকাশের সংগ্য সংগ্রহ বাংলা সাহিত্যে স্বারী আসন প্রেছিলেন তপনমোহন চট্টোপাধ্যার।। তিনি আনলেন হল্পকর্শ শ্কুলো ইতিহাসের মধ্যে সাহিত্যের সব্জ রস, সজীব প্রাণ। প্রচুর তাঁকে লিখতে হরনি কিন্তু খ্যাতির মালা পরতে হরেছে প্রচুর। পলাশীর বৃষ্ধ শেষ হলে লিখেছিলেন তার পরবর্তী আখ্যান 'পলাশীর পর বকসার'। আবার একবার সাড়া পড়েছিল পাঠক মহলে। তারপর হাত দিরেছিলেন বকসারের পরবর্তী অংশে ভারতবর্ত্বর মাটিতে বেনিরা ইংরেজের রাজা বনে যাওরার রোমাঞ্চর মধ্যার। কিন্তু আমাদের দুর্ভাগ্য নিজের চোখে তিনি এ-কাহিনীর মুটিতের পারলেন না দেখে যেতে। এই বই বাংলা সাহিত্যের চিরসম্পদ য় ৪০০০

## नारत्री-नाग्नक शिक्षात्र ॥ जीवरम्ब ग्रन्ड

বিশ্যাকর প্রতিভা। সমস্ত প্থিবী একদিন হতবাক হয়ে দেখল, অশিষ্টার এক অতি সাধারণ দৈনিক কীভাবে তার অত্যাশ্চর্ষ বাশ্মীতা, অসামানা ব্যক্তিয় ও অভ্তপ্র সংগঠনশীলতার মাধ্যমে অতি দুত জার্মানীর এক-নারক হরে বসল। অল্পদিন পরেই জগতের ওপর নেমে এলো বিপদের কালো ছারা। তারই অংগ্লি-ছেলনে স্বর্ হল ছিতীয় বিশ্বহৃশ্য। লক লক মান্বস্ভান প্রাণ হারাল। কোটি কোটি মান্বের নয়ন হল অভ্নিত্ত।

সেই নাংসী-নারক হের হিটলারের জীবনের বহু ক্থিত **এবং অক্থিত** কাহিনী, তার শ্রেম এবং পরাজম তার নিষ্ঠ্রতা এবং ক্ষ্ণিক-**ম্বলনে-এঠা** কোমলতার কম্পনাতীত পদস্ঞার ঘটেছে এই প্রতক্তে ॥ **১০০** 

### বলিভিয়া ৷ সোনীন সেন

প্রথবীর সংগ্রামী জনগণের মধ্যে চে বে'চে থাকবেন। আজোংসর্গে প্রস্তুত ভিরেতনামের ম্বিল্যোম্বাদের মধ্যে, কপোর ম্বিজ্বামী মান্বের মাঝে, পাণামার ক্যানাল জোনে ও হাইতী র তুলোর খামারে চে বে'চে থাকবেন। নিগ্রো অধ্যবিত হার্লোম-এ, র্নিভার্রসিটির ছাচছাত্রীদের মধ্যে আছেন চে। থান অঞ্জের অন্ধবার ভূমিগতে মেহনতী মান্বের তিনি প্রেরণা। চে বে'চে থাকবেন তাঁর অভুলনীর রচনার মধ্যে। অভিশয় প্রিয়দশান, ততােষিক নিক্তল্য জাবিন, আদশো অবিচল অকলপনীর সাহস ও দ্বামনীর সহালারির এক অতুলন ব্যক্তিসত্তা। হাজার হাজার মাইলবাাপী লাতিন আমেরিকার ব্বেক্ত আদিজ পর্বত্যালার শিখরে শিখরে ও ক্যারাবিরানের শানত জলরালিতে এই তথাকি বিব্রাহীর পদধর্নিন কানে বাজে। সিয়েবর জঞ্জালাকীর্ণ নির্জান প্রে চে-র নির্দ্ধর হাঁপানাের তপতশ্বাস ধ্বনিত ও প্রতিধ্বনিত হয়ে ফেরে ॥ ১২০০

### জ্যৈতে ঠর अড় ॥ আচন্ত্রকুমার সেনগ্নেত

বাঙলা দেশে নদর্শই প্রথম কবি, যে বদন্ত কাঁধে নিয়ে যুম্থে গিয়েছিল এবং ফিরে এসে হাতের কলমক বদন্ত করে ইংরেজের বির্থেধ মেতেছিল নতুনতরো যুম্থে। নজর্লই প্রথম কবি যে দেশমুভির জনো কবিতা লিখে করেবিরণ করেছিল। তারই কবিতায় ও গানে প্রথম গণজাগরণের উত্তেজনা সামাবাদের সাথক উচ্চারণ। নজর্ল সব্দ্রেণ্ঠ স্বস্ত্রভা—একদিকে ইসলামী গান, অনাদিকে শ্যামাসগ্রীত ও কৃষ্ণকীতান।

এর বাইরে আছে মান্য নজর্ল — যে গ্হী যে বাঁধনহারা, যে প্রেমিক, যে আছভোলা — যে পরার্থপর বন্ধবংসল, অস্যাশ্ন্য। সর্বোপরি এ-বইরে আছে নজর্লের যোগসাধনার ইতিহাস। সংসার্যোগী বরদাচরণ মজ্মদারের বাণী ও পর্থানর্দেশি॥ ১২-০০

**का न मा बा का का मा न ॥** ४, मा। भारता द मधी है, कलिका छ। – ३२

ৰান্তৰের পরিচর নেই। বাংলার কোনঙ निक्ल जरम्बन्धि बरमंत्र कथा। सह।

এভায়েন্ট বিজেতা তেলজিং-এর নাম मना बरबाद एकन जिल्हा नना स्टाइ-**'ভোডা আচ্চান আর পারজামা—এই** श्रीक्यानांके बारकतो महत्यारकहरे हान। आक

সেই হল আমানের জাড়ীর পোলাক !" (প্রে २७)। त्रवीन्त्रनात्वव एक्याव व्यव दक्या क्रमाय' देखानि करतकी नाहम अक्रमारम উল্লেখ করা হরেছে। কিন্তু রবীপুলাখের नाम रकाषा ७ स्नष्टे। वादनारम् अन्यस्थ न्य अहेरे क बना बाबार-"विवास बारन

बारमाहतमा क्षित्रकाचा कार बाजवाती। क बरकर अवराज्य एक आहेत क्षितिकार। र्गाण्डरम्ब टबटबवा बारकाटननटक असाहे करात । यहात, महत्त्व राज बाक्सांका । काराव विभवान दव दन दमरामद्व दमरावद्या गामः सार्तः। অ জৰ অনেক লোকগাঁতিকে কোনা বার বে रमरमना निरमन न्यामीटक नावसास करड निरम -- प्रथा त्वन बारमारमध्य हरम स्थव ना। रमधानकात कारतचा वाग्द्र <del>बा</del>रतः। बीच कारत टकका करत साबद्धा"--(ग्रह ७०)।

धरे विवदत जात कामक सम्बद्धा मा करत. वश्राच गर्राननमारकत कार्य विवसीते छेटाच করবাম মার। এর প্রতিকার করার চেন্টা केंक्टि कि ना, अवर कीकादन क्षत्रपीत, छा जीबाहे बन्दन।

মণান্দ্রক ভটাচার কলিকাডা-১৯

अम् द्वत मिनी ७३ रमा भेरवद "एममा" भारकार "प्रवासना" লিখিত "অদ্রের দিল্লী" শীর্ষক কলমে श्रकाभित मृहेष्ठि नियरम्बत छभन्न ''ऋरिनका অধ্যাপিকা"র মশ্তবা পড়লাম। মাননীরা অধ্যাপিকা অনেক মন্তব্য করেছেন, যার সংখ্য নীতিগতভাবে আমার কোন বিরোধ নেই। তবে তিনি "পর্বেশ"কে বাঁৰিগ্রুভাৱে অভ্যুদ করলেন কেন বোঝা গোল না। সমতের ভাল জিনিস রিপোট করা উচিত না সমাজের থারাপ জিনিস রিপোট করা উচিত **এ** নিয়ে তক**িলে**গেই অংছে। তাৰে দেখা বার যে সকল লেখক সমাক্ষেত্র ভাল জিনিস নিমে লেখেন তাদের লেখা কেউ পড়েন মা এবং যে সকল পত্তিকা serious বিষয় निरंग जारमाइना क्रव स्मग्रहा छेभयू छन-সমর্থনের অভাবে কথ হয়ে বার। আমেরিকা देश्यमर् गर क्राय বংসবের काबक्रीहै পর পরিকা व द्राद्र তাদের নাম পড়লেই এ বছবোর यथार्थः। जन्मकृष्टिक जारमञ् धाकरत साः। বাংলাদেশেও এ নির্মের বাতিরম নেই। অস্বাড়াবিকতার প্রতি জনমানসের र्खांत्कर कारण कि छ। ज्ञान विस्तानीता नकारक পারবেন। ভবে আগি এই সভাটির প্রতি মাননীয়া অধ্যাপিকার দ্বিট আক্ষণ কর ছ **ठा**ष्टे । अ.कतार "मत्रहरून" याम निकास অস্বান্তাবিক ক্লীবনবারার দিকে কালোকপাড় ৰূরে থাকেন। **ত**ৰে তাঁর "পতিনিধি" जम्भारको कठिक कन्नाद रकान कातन थारक सा **।** তা ছাড়া যদি ধাছিগত জীবনে যে কৈ কাৰ্য रमहे भागकात्रि मिता नास्य मिक स्वयानकः ভারার, সরকারী কর্মচারী এবং রাজনীতি-নিদ্দের <sup>শ্</sup>ৰচার করা হয় তবে তাদের ক'কস ভালের নিজ নিজ পদে বহাল থাকাত भावरंग? अहे भावेगारखरे अक्कान प्रशासक

#### मामारका यहै नार्क्षका पृथि रक्षा । होताबारका भोतव वृष्यि करत

जामारमब नजन वरे!

जानहा जनहे बनाद भट्टकान डॉटनड टनटम ट्यक्टिस जानि !! রবীন্দ্র-প্রেক্সারপ্রাশ্ড প্রদর্শ "আকাল ও প্রথিবী"-র লেখক শ্রীমুজ্ঞাল্লপ্রসাদ গুরুর কিলোরদের উপযোগী আকাশের চাদের কথা

## **इन यारे हॉरमब रमरम ७.७०**

প্রক্রোর চাঁলে বেডিয়ে আসার আনন্দ দেবে।

ভতপূর্ব এলিরিটাস প্রফেসর খ্যামাপদ চরুবভারি একথানি কাৰাডড় ও নোন্দৰ'ডড়ের উপর অসাধারণ রুপ্

कादबाब ब्राभ 4.00

मारमधिका वाभी बारबर अक्यांनि जनवरा क्रेगनान

मिदक

8.94

পরিতোৰ মজ্মদারের উপন্যাস

नग्रह मःमान

দিলীপকুমার রারের

প্রেমান্কুর আতথীর সাড়া-কাগানো উপন্যাস

## खा एक

\$2.00 [চার খণ্ডে সমাপ্ত : একতে বাঁধাই] প্ৰক প্ৰতি খণ্ডের দাম ৬-০০ টাকা;

\$0.00

এবার প্রেলার ছোটদের হাতে তুলে দেবার মত करहरू हि वहे : छेनदारत अनवश

भागांकी दशरमान्त्र मिटवर बनावा हजून व 20.00 वयानाम गरुभ 0.40 बनागरक ट्यांडे निम 0.00 চাৰ ভাষা জোনাকীয়া 0.40 [ TGI ]

শিক্ষাম চরুবভানি इनक्ता त्नावत्नाव ₹.00 ভোডাপাশীর পাক্রায় 3.54 লিখরচার জলবোগ 2.40 टनवाबात न्यम 2.96

ट्ट<del>म्स्टक्</del>मात्र वारस्त्र द्ध देखिहान भरन बदना २.०० ইভিহালের রক্তার প্রাণ্ডরে

नीना यक मनारतक क्रजारम भाषीत भाजक 2.00 हेर जिर 2.94

#### **নীবেলোরা**ড়ের विश्वक्रीफालरन न्यवनीय यांबा

(১ম) ৩ ৫০ (২য়) ৩ ৫০ [२पि भारत जाएक अप्रस्त क्षीयत-कथा इ थानगंप, तर्गावर जिरबा, रफ़ गामा गाःगातान, कारणेन बाबारूवर, जिम धर्म, रका मारे रशम, भारका न्यामी, सार्यभीर, सार्राटीर, भक কনি ওরেসম্বার, রাডম্যান। ম্যাথকে সোরেন, জনসন, উইলস, ব্যানিস্টার, স্যামিসী ট্যাস, রিচার্ডাস, বাজ, ওভারেন, ছোপ वेजापि ] बसक्ता-धाव

कत्रवा २.०० सम्माना २.६० 'স্বাদ্ধির ডো'র २.00 नर्क कथा ₹.00

है-छ्यान क्यात्मानित्वरहेक भार्वानिशः कार शाहरकहे निः ৯.৩ মৰাখা গান্ধী ৰোড, কলিকাড়া-এ

(পি ৮১৭৯)



## সদির শুরুতেই ডিক্স ডেপোরাব লাগান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বকে সদি বসার ডয় থাকবে না।

ধকন, নাঞ্চাৰ সৰে সদি জোগছে, —নাক দিবে জল পড়া শুৰু হৰেছে—গলা যুস্ খুস্ কয়ছে। তজুনি যদি এয় একটা বাৰহা না কৰেন ভাহলে এই সদি বুকে বাস গিবে শুৰু হতে পাৱে নানান্ধানা – নাক বন্ধ হবে নিম্নাসের কট, দা নাধা, কাশি-কিছু আৰু নাকি থাকৰে না - সযথা কট ভোগ করবে বেচারা।

সদির শ্রহ্ম (দ্বা দিলেই বনি ভিন্ন ভেপোরাব লাগানো **বার, কোনো কই পেতে হর না— ক্রু সদি বসার ভর থাকে রা।** আর একটা করা। ভিন্ন ভেপোরাব লাগাতে হবে সেই সব **ভারগার -হেখানে ঠান্তা বেশী লাগে, -হেমন রাকে, গলার, কুকু** পিঠে।

থুবই সহজ্ঞ কাজ। তেতো ব'ড বা, বিচ্ছিরি মি**ল্লচার ধাণ্ডবাতে হবে না।** ডিজ্ঞ জেপোরার কাজ করে সঙ্গে সঙ্গে,— সদির ক**ই থেকে আ**লাম **দের দু'ভাবে** —





বাইরে থেকে গানে ভেতর থেকে নিহাসের সাৰু

- कृतक शिर्छ लाभास्त भारतत (वमता मृत करत-
- ২) পুরু লেজে গোরালে নারের বেশনা পুর করে।
  ২) গারে লাগাতেই ভিছ্ম গলে যে ভাপ বেরোষ
  তাতে ভিক্রের যানতীয় ওমুধের গুণ বজার বাকে।
  এই ভাপ নিশ্বাসের সঙ্গে ভেতরে গিয়ে, গলা আর
  ব্রেক্ম সদি প্রবিদ্ধে দিরে আপনাক সুহ ক'রে



त्रपि तत्राल (मरतव वा ! त्रपि एक शलरे छित्र छालावार !

ক ল বা করে তাকা নিজেবেদ বার পাক্ষ তার ক্রেনি বাইনে বার নি না কর ক্রাণক চারকে বাদ্দি বার বিদ্যালয় তারের বাদ্দি বাদিত হরাল; এককা ভাইনির্নালকার তার নিজেবই নিশা বিশালকে পরীক্ষ নিশ্ব হরেবেন আর এককা ক্রাণেক পথে তার লাভত ইপেবই কাজ ভিরেবেদ; আরও এককা ক্রাণেক মহিলা হাচাবের অন্যালভাবে নিশাভিত করেবেন; আরও এককা ক্রাণেকা ভাল্নের বিল্লে একটি মহিলা হাটী hostel-এর হাচারা অনপন ধর্মার্ট করেন-এরের ক্রেবে তাটি সভ্বে এ'রা সকলে বহাল স্ব ব্যাহিণত চ্টি সভ্বে এ'রা সকলে বহাল ভারতেই রমেবেন।

বিচার বিষয় "সরবেশ" বা লিক্ছেন তা সভা কিনা। আমি নিলাতে থাকি নাং ভাই দিলাই কোল বিবর নিত্র আলোচনা
করা আমার পালে আল্চিড। জার অনেক
বেবে আলু আলু বাব বার বলতে পারি বে,
কলেজের ইাচনারীরা কি করে তা অবাপিত
বের পালে পারিপ্রেলাতারে আনা লক্তর নর।
একটা ক্টালত বিই। এখানকার কোন একটি
বাইলা কলেজের কর্মনী ইন্তা নির্মিত
কোন একটি হোটেলে বেত—কলেজেলন
বাঁহরগাতের সাহচর্য কর্মর জনা। হর্মণ
খনরটি ফাল হরে শহরমর চাঞ্চলা স্থিত
করার প্রেণ্ না কলেজের অধানা,
না অভিভাবকগণ এ সম্পর্কে কিছু
আনেতে পেরেছিলেন! স্তুত্রণ মাননীরা
অধ্যাপিকার আনবাইছিত্ত বলেই বে কোন
আটনা সম্পূর্ণ কাল্পনিক তা নাও হতে

जामात्मत जानात्मत मत्था धामन धकरी

सद्भावाव सहस्य देव. निर्माण मा देवनराज्ये वाण सामरण मा । से सामर्थ मा वाण सामरण सामरण मा वाण सामरण सामरण मा वाण सामरण सामरण मा वाण मा वाण सामरण सामर

ছালনীয়া অধ্যাপিকার সংশা আমি এক ছত হৈ, ছান্ধের বাজিগত জীবন নিরে भारताम शहरा निराट या कार्या कारना हता वार ভতই ভাল। বিশ্ব এখানেও বিবছনের অন্যোদ বিধান অন্যায়ী আমর: 2 35 ক্ষমান্দ্ৰ বহিমাপী privacy ও পুতুই কমাছ : আমৰ দেশতে পাই যে, ব্টিল বাপার কোরে সংহান-স্কৃত বা হাওয়ার মাত নিতাশত বাজিগত **ঘট**না<del>ত</del> বিদেবর স্বার প্রচ্বিত হায়: পার্ট যথন সংসার ছেন্ডে চাল যান শেবছোয় বা অনিকার कथ्म दा शहरे हरमग्रामध्य घरेमा। हार्डेस তা নিতাৰত বেদনাৰ চক স্ফেট্ জনচিত্ত হ'বেচ হয়। এছে বকান malice er sa perso, e bresen are প্রাক্তর পারে। সমত্রেলা জিলিয়ার স্ক্রাটে amen fuction order আনুহ দি না কমি ৰজ্ঞ প্ৰয় না। সুংগৰ ল নিশ্চয়ই তার **সংশোধন হও**ল উভিত্ত ভবে বেবলনার ঐ चौनात क्षत्र शिक्ष करत करत खनाव क्षणाहै **ভাকি স্**কিন্তু অনি প্ৰব্নাং কাৰণ শহরেরশা ও ৪৯০: বর্ষার বানের জাবাই ভাষেত্র মার্চ সংগ্রাট পড়টিলে তারে জিলাং मतारामक कर्मा प्रतिसाधितक सित्त गाँच क्यान्ति-স্মেত ভাষার একটি হাস্পতারী। কারিদী

> স্তাম্ভন্ত সরকার পর্তনাত

11 2 11

অনুবের দিল্লীর লেখক দরবেশকে আমার আশতরিক অভিনাদন জানই তাঁব নিভাঁকি সমালোচন র জনা। আলোচনা বিভাগে ভানৈক অধাপিকার পরের প্রসংক্ষ আমার কিছা বন্ধবা আছে। আমার বিশ্বাস, দর বল বেসব তেথ কবিত ভালা ও কুংসা রটনা করেছেন তার জবাব দরবেশাই দেবেন। কিন্তু আমার রন্ধে হয়, প্রলেখিকা তাঁর এই প্রতেশের মতো পত্রিকার কিছাট্রী মর্যাদান ক্ষুদ্ধ ক্রেছেন। ক্রেণ, দেশেন্ত্র মতো একটি

প্ৰকাশিত হল

जत्नां श्रकामनीत वरे

## ञ्याञ जियाः स्मार

নাগাভূমিরই একটি ছোটু ট্করো জেলিয়াং কিন্তু বৈরী নাগাদের বিদ্রোহের পটভূমিকার রচিত এই উপন্যানে এই ছোটু ভূশভটিও কোনো ব্রত্তর সভারে প্রতিভাস হরে উঠেছে। দিগণত আগন্নরাঞা, দিনগালি অণ্ডর্যানে ছিল্লা রাতের অশ্বকার ভরে রুশ্ধন্যান—অথচ তারই মধ্যে রচিত হতে থাকে মানুবের জন্মমৃত্যুর চিরন্তন নাটক, বেখানে প্রাণ পার নাগা উপজাতির প্রোব্ত ও কিংবদন্ত, ইতিহাস ও অতীতগাখা, যেখানে এখনও মানুব ভালোবাসে, ছ্লা করে, সুখ পার, দুঃখ দেয়। বৈ-না-ভার এটাই প্রথম উপন্যাসেই উপনাস, কিন্তু সহজ ভঙ্গিমা ও সহানুভূতির দর্ন তার প্রথম উপন্যাসেই একজন শক্তিমান কথাশিকপীর আবিশ্বি ঘোষিত।

আশ্তোৰ মুখোপাধ্যামের সাথক উপন্যাস

## যার যেথা ঘর ৫॥ প্রতিবিদ্বিতা ৫১

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়ের মিন্টি উপন্যাস

## त्र्य अत्र ७, त्त्रानानि मृश्य ७,

स्त्व रहन ॥ मानरवन्त्र वरन्ताशामाः अन्तिर

গড়ফে মরগান ৫, স্টীম হাউস ৫,
সমাট সেন

অগ্নিওট সংগ্ৰাম ১০১ অভিশপ্ত সুশ্রবন ৪॥

শান্ত চটোপাধ্যায় সম্পাদিত

# পূর্ব বাংলার মেষ্ঠ কবিত। ৫,

পরিবেশক ঃ সিগনেট ৰ্কশপ : ১২ বঞ্জিম চাটুজ্যে দ্বীট : কলকাতা ১২

(PP PGGA)

প্রথম প্রেণীর পৃত্তিকার ভিত্তিবান কোন ভথা প্রকাশ নিশ্চরই ইয় সা এবং এই পত্তিকা কোন সমতা বাহবা কুড়ানোর মাধ্যম নর। অপ্রিয় সভাকে সহা করা বার না, কিন্দু ভাকে অপ্রীকার করা বার কি?

প্রেশের আমি নির্রমিত পাঠক। অধীর আগ্রহে অপেকা করি পরবঁতী সংখ্যার জন্য। রাজধানীর বৈস্ব বাঙালী অব্যাপক-

### ५৯-এর সেরা

भ्का मध्या



এই প্রথা বিরশ্ধে সাক্ষরনের অভিনৰ আক্রমণ — (৫ টি ভিন্ন স্বাদের সপ্রণ উপন্যাস। ব টি অন্যাশম বড় গল্প। 5২ টি আকর্ষণীর দেয়েই গল্প। 8 টি বস-বছনা

कारामा अवस्था स्थाप

তি চেন কালাপ্ৰা চেনী •
তেন্তিবিন্দু নগৰ্য • সমবেশ বস্
• পশ্চিপদ বাজগ্রে • ছবিনারারণ
চট্টেপাধায় • নবেন্দুনাথ ছিল্ল •
স্নাল গজোপাধার • জানবেন্দু পাল
• মাথা বস্ • পাল চট্টোপাধার
• কিবল রাম • শীবেন্দ্র ছ্থোপাধার • সৈরদ ম্ভাফা সিরাজ •
লিবরাম চঙ্গবহাঁ • শ্রীবির্পাক্ষ •
নমিতা চঙ্গবহাঁ • নারালণ চোধ্রী
অদ্রীশ বর্ধান • কুলান্ন বন্দোপাধার
১ চাডাক লিগভল —

যাদ্সয়াট পি সি. সরকার •
স্ট্রাজিং রায় • তর্ণ মজ্মনার •
কর্মটো দেবা • সোমিত চটোপাধায় • শ্তেক্য চটোপাধার •
রবি ঘোষ • অপণা সেন ও
যাই বলেবাপাধার

ছাগো পাতাৰ বই। পাতাৰ পাতাৰ ছবি। কাটুন। দাস কিল্ডু মন্ত ভাৰ টাকা ॥

**মৌস্মী প্রকাশন** ১০/১, রমানাথ মজ্মদার স্টীট, কলিকাতা-১ ৩৪-৩৬০৮ আবা,পিকারা দরকেশের লেখা পঞ্চার সমর পান না তারা নিক্তর আদংস্টে দেশ পঞ্চারই শমর পান লা।

পচলেখিকর আডারে জানাই বে,
জীমতী কলপা নাইছুর অলভর্বাদের থবর
আমরা কলকাডার ভানেক প্রথম জেপীর
পাঁত্রকার দেবোঁছ। রিংস পাঁত্রকার (মধারব্ব
সংখ্যাতির উজ্লেখ করতে পারলাম না, সেজনা
দুর্যাখক) প্রীমন্ত্রী নাইছুর ছবি ও ভার
সংত্রের তিতিখানি দেখার দুর্ভাগা জামার
হরেছিল।

ইলা চৌধুরী বিজ্ঞান কলেক (উল্ভিদ বিভাগ) কলিকাতা বিভাবিদ্যালয়

#### বাংলার চালচিত্র

দেশ পরিকার নির্রাহত বিকালে বাংলার চালচিচার অন্তকুতির জন্য সম্পাদক-মশ্চলীকে ধনাবাদ জানাই প্রথমে। আর দেশককে জানাজি আন্তরিক অভিবাদন।

আমানের জনজীবনের প্রায় উপেক্ষিত वहः जन्धमाः इत रव जन्छत्रका अविनी कि লেখক বেরকম প্রথমন্পুরুপ ভাবে লিখেছেন এবং লিখ্ছেন তা নি:সলেহে প্রশংসনীর। क्षेत्र ज्ञाक ब.बा "फितकान केरन मीक बरव बादक हाना जात "माठि माठि वीक रवात्न, পকা ধান কাটে"—এমের সম্বশ্বে আমরা কানিই বা কতট্তু। এদের সংগ্রা আমাদের নিতা সাকাং, কিম্ভু আন্ডরিক পরিচরের লেশট্রুও নেই। লেখক সাহিত্যের মাধ্যমে অম'দের জ্ঞানের বিশ্রুতি লাতে, ছালরের প্রসারতার সাহার। করছেন। জীবনকে খির ৰে সাহিত্য তিনি লিখে চলেছেন, ভাতে ব্প. রস, গন্ধ কোন কিছুরই অভাব নেই। নির্মাল হাসারসের পালেই করাণ অল্রান্সলের লেখা। এর মধ্যে কোন অসতা নেই-দিবা-কে::ৰের মতোই ভা উম্ভাসিত—ভাই গ্ৰমবাংলার এই ৰূপে আমানের সাংলাভ করে नदन् अत्म सङ्गं धानत्म। आभारमञ्जान স্চিত্য বখন শহর প্ররী হরে পড়েছে, িক্তি মানবের চিন্তার সমস্যার বন্দ্রণার বিবরাণ আকীণ হরে পজেছে, সেই সময় সকল শামল বাংলার মাটির মান্বলের বে স্মিপ্ৰে ছবি পেলাম লেখকের ভাবার ভা ভাবিত করে মনকে। আর হা সবচেরে কর্ণ বোধ হলো তা বিগতে বিলে ভাল जरशांत **हार्नाहरू**छि। जमारकत त्वाथ कति সবচেরে অবছেলিভ এবং বুণিভ এই ব্হল্লাদের প্রতি আবাদের দ্থিতপারী কি बक्देन भाग्दीत्व ना बहे बहनारि भएव व পরও? নিমম জখচ মুমান্ডিক এ কাহিনী जाकरकत नत्र, वर्डबारनत्र अवः इद्रल ভবিষয়ভেরও। আলা করব নিছক অদ্ভের পরিহালে বারা আজ এরকমভাবে অপাংক্র नवारक कारनब समा जाबारनब समा बबरनब

निमारेक्मा स्वापन जिन्न-शिक्त राज्य निमान जिन्न-शिक्त राज्य निमान मार्थ प्रकृत निमान मिर्टिन प्रकृत नार महिल्ला स्वाप्त नारे राज्य निमानिक स्वाप्त नारे राज्य निमानिक स्वाप्त राज्य नार्थ निमानिक

## स्वय मध्यत्र वि त्यवित साम

শেখর সেনগ্রেতর

# विश्वव एम्टम एम्टम

( দাম বারো টাকা )

প্রথিবীর বিভিন্ন বিশ্ববের জন্ম কটো দেওরা জাছে

যে বই আজ ভারতের বিভিন্ন
প্রদেশের বিভিন্ন ভারার অনুদিত
হওয়ার আয়োজন চলছে এবং
দেশের প্রত্যেক বিদ\*ধ চেতনাসম্পান
মানুষের মনে সঠিক বৈপ্লবিক
চিন্তাধারা শেশীছে দিরেছে। বিভিন্ন
সাহিত্যিক, নাটাকার, সাংবাদিক
রাজনীতিবিদ্গণ কর্তৃক উচ্চ
প্রশাসিত।

ফণীন্দ্রনাথ বিন্দোপাধ্যার

## অশান্ত মধ্যকর

(মাম সাত টাকা)

कामकीर्व/ >, दिवान नवगी, क्लिकाका->२

(जि. ४९२१)

चन्छा जाता, किन्द्रामाता जारता म्यक्र नायक रेक्ट देश कामारकत जन्मारन इ.स्ट डरनाइम, रून कम् छ जिम निकास करत हन्न

> প্রণব চক্রবতী शैक्कामि, भूत्विता

H & H

দেশ' পাচকার আবদ্ধ ক্লারের বালোর हार्गाहरू नटक चुन्दे सारमा मारम । सन्यास সাহেৰ তাঁর প্রতিটি মচনার প্রামীণ বাংলার স্তা, শিব আর স্ফরের কৈচিল্লাখা বে ছবি আকেন তা সজিই প্রশংসনীর।

'বৃহল্লকা সংবাদ' আমার মনে গভীরভাবে

গত সংখ্যার 'দেশ' পত্তিকার (২০শে ভার)

**जः**था।



## >ला अस्टोबर

বিশেষ আকর্ষণ

তিত তপৰ্যাস। লিখেছেন বনফুল, কালক্ট, জ্যোতি রন্ধ वकी, भूबीत भएमाभाषाय, मीभक (तीर्ती, बीरावत्रभून গুপ্ত ও আশুচোষ নুখোপাধ্যায়

बहर्त, भी-द

#455 A.P. Y 584 7 'स्क्यां वित्र, खवाव माउ'

विष्ठि भन्त । विष्यद्व विषव विषव, ख्वामक, विष्ठ भन রাভগুরু, প্রফুল্প রায়, মায়া বসু, অতীন বন্দ্যোপাধ্যয় **८ बाबायन ग्राभागाया** 

🔊 টি রসঃচনা। লিখেছেন রসরাজ শিবরাম চল্লবর্তী

এ ছাড়া সমস্ত নিয়মিত বিভাগ • সিনেমা ও সংগীত-শিলপীদের সম্বধে নানান রচনা 🔞 অজন্ত ছবি দাল সাড়ে চার টাকা 🌣 সভাক পাঁচ টাকা পাঁচৰ পরসঃ

দি ম্যাগাজিন্স্ প্রাইভেট লিমিটেড। ১২৪বি, বিবেকানন্দ রোড। কলিকাতা-৬

कारा ट्यारेट्ड । इट्टमा, सहना, बॉमित राज्य MEN NORTH CHEST SCHOOL CO. CICES हाति र पटक अकरे, व चल्द्रीत्स हत् ता

"आशासन शकी उनहें, क्या उनहें नहाक ताहे, जाजाब ताहे, बान जाहे, बा जाहे, न्यापी ट्राहे. वर्डे ट्राहे. रहटन ट्राहे. ट्राहे. व्हार्थ हिन्दरक ... किन्द्र- मामारक्त रंगरे बारक, चिर्र আছে, বোগ আছে, তাপ আছে, বাসনা-काश्रमा चाटक ।" दूटगा, वाणि, भवमा कामर জীবনের টাজেভি বেন অল্থ নিয়ভির নিতার ৰেয়াল। ব্যক্তিশীবনের এই নিদ্যোগ অসহায়তা দেখে সহ,ন,ভৃতিতে সমাদত श्रम कात वर्ष-कारमय काकरक विकाद कराए हैरक हैंद्र मा। रनेट बाकरात करना शान्त নিকেন্দ্র এত বড় নিন্দ্র বিভ্রমণ বাদে क इंड मुद्दा कशवादन है जानीवार रहत दर्भ

লক ব্যাগর হাসিকালা দ্যান্ত স্পাহিত পাঁলা এই প্ৰিবীয় মান্তের জীকনে কত বৈচিত্র কও বছাল কত ছেলীবিনাস। মানুষ চর অপ্রতঃ মুধা সম্প্রতার আভাস স্পীনের নাং অসীমের সার ৷ জীবনে যা পাওয়া গেল ন ভাই কে খাৰ্মে ছেবি।

হ্যুপা, বাণি, মহদাৰ ছাতিনে অপ্ৰতিও हुतम्हाः, तिकृतिहर्वः विश्वास्थितः इति व्यक्ति । মহানের সমান ক্ষতি মান্দরত লাগ धरात कता रक्षकाक स्ताकार क्षणाहै । एरि ষ্ট্ৰাস্ক সাহিত্যিক মূল্য প্ৰীকৃতি ৪ উপ্ত কত্তপ্ৰি কাছে ড বিয়ে শশ্চিত ধুসম্প্ৰ इक्टरे २ वर्ष वस्ता विकार राजापी কালের লোগকাদর আহা ভাষাত সংগ্রা ও হাড়াতই ভনাপ্রহত্ত ক্রীড়া টোলে। दाना करा कार्याक्य गर

भाष्ट्रमार्वाध अविभावा

সংবাদভাষা ও দ্যাপ্ত

177.4 147 27 3 तः विद्यान्ति। ভূক্তপাট সব্বেশবার, বিকাশৰ বঞ্জ कक्षण छ। अरवामकात्वाः वा्रामम्बर्णः কেব্লমতে কেল্ড १कारमः बङ्गवा वस्त्रकः नि সহক্ষেত্ৰত ভিন্নতি উচ্চতি পাঠকলেৰ উপত ব ভাই সংবাদ্ভাষা স্মূলার ক্ষামত ভবাবাৰ অভিযোগ অক্সতা বা বিদেবখ প্রসাত কলেই মনে হয়:

जारवामकारवात मटहे मामामहेरकस डि<sup>म</sup> সভোর সাথে বিশ্লমাত সংযোগ নেই এবং আক্রেবাভে কথর ভড়ি বলে অভিযোগ कुरकारकन । रकारना याचिकभी वर्गात <sup>र</sup>नम्हलारे এর্প মন্তবা করার আন্যে নিজের বস্তুর প্রতিষ্ঠিত করার প্রয়োজনীয়ত৷ স্বীকার অমিতাভবাব, रहन्द

করেন নি হয়ত সম্প্র নর বলেই। উপরুক্ তিনি নবার্থার বা এবং রপদশীরে উপর বাছিলত আঞ্চেম্ব চালিরে অনার ও অসহিত্য বিশেষ্ট অনের পরিচয় বিশেষ্ট্রন

নব র্ণবাব্ দ্নিয়ার সংবাদপত সম্পর্কে কোনো বায়িশ্ব নেন নি বা বছবা রাখেন নি। কাজেই অভিতাভবাব্রে রাসেল, রবীশুনাথ এবং রামা রাখানা নাম প্রসংগ-বাহাভতভাবে



বিশুদ্ধ ও সুপরিষ্কৃত তিল তৈল হুইতেপ্রস্তুত

চুল উঠা বন্ধ করে মাথা ঠাণ্ডা রাখে

ত্যের্ক্ন শতান্দীর স্থানামের উপর প্রতিষ্ঠিত

# व्रग

# षृत् कत्वात् छता



- ১০৮ টি দেশে ডাক্তাররা থ্যেসজিপশন করেছেন।
- বে কোন নামকরা ওবুণের লোফানেই পাও্যা বাব।

DZ-1676 R-BEN /

উত্থাপন কৰে পাইকলের প্রভাবিত করার क्रिके व्यक्तिक । अस्य द्वाराख शत सवाद्राय-ব্যব্যুর আলে চন্য একটা বি:শৰ ঘটনার পরি-প্রেক্ষিতে তার শ্রেণী বিভন্ন পতিকা নিরেই। অনিতাভবাৰ হাতিসভাত কল্প করতেন, বাদ ভিনি নবার গ্রাব্র শ্রেণী বিভর বিশেষত আন্দ্রবাজার পতিকার প্রকাশিত গোটা করেক ইচ্ছাকৃত মহল বা বিকৃত সংবাদের নম-না লৈতে পাৰাত্ম। **প্রাণ্ড**ীল অভিযোগের ভিত্তিস্থানতাই প্রয়েশ করে। Free Press रहे कारमा कारण किन मा এন Free Press কথাটাই খাংশা এত বভ নামা সিম্ধাণ্ডের পিছেছেন ? নাকি Press সম্বদ্ধ তিনি কৌ দিয়েছেন তাতেই ভা প্রমাণিত মেট কথা Free Press সম্পরেক থমিতাভবাব্র ধারণাটাই কথাটার অহা জননা নেটা বলেটা। ভবাও কোনো সংবাদশতের মিথ্য বা বিবাতি সংগ্ৰে **প্রিবেশ্নের সংখে** Free Press-এর মাত্রার কোনো কোলা নেই।

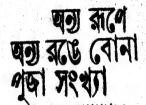
বিকৃত ও মিথা সংবাদ প্রচার নিয়ে দেকীয়া এবং দিবরেপেকা পতি হার মধ্যে তুলনা না চলার কি কারণ থাকতে পারে বে কা গেলানা। বরং দেকীয় পতিকা হালটা রে তার মধ্যে বা বিকৃত সংবাদ পরিবেশন ও তুলার দেশীর লোকেদের অসাধ্য উপারে প্রভাগিত কর উচিত তার এই বন্ধানা তালা যে, দলীর দিউকো গেলেক ঘটনার বিদেকবল হাতে পারে ঘটনা হৈরি হাতে পারে না। তাই দলের দেবার দিউকো স্বাধানী করিবলা ইতারি দলার মানাই অপ্রধানী হাতে হাবে দলীর দ্বিকাকেও।

অবিচান্তবার্ত্ত কথা অনুবারণী যদি ভূলনা করাও হয়, ভার তো কেনে। পতিকার সংগ্রহ অন্য অনুরক্তার ভূলনা চলে না। লাগন ভার অন্য অনুষ্ঠিক পোরানিক, ইন্ডালা স্বংশমালা প্রেস্ মালেগনের পাথারা এবং কমচিরে সংখ্যা তা আবার সারো, আবা পা অবৈত্যিক কিলা ইভাদি বেশে দেখাত পো সংখ্যা দিয়ে সংখ্যাপ্রের বিচার না করে ভার অন্য গ্রাপ দিয়ে তা করাত হার এব চোর মন্যাম্প আর কি হাত পারে। এই কার্যান ক্রাপ্তার করে না। লাগা গ্রাপ্তার ভ্রার ব্যাহানিক প্রতিক্রিক ভোট দিয়েভিগ্রন ভার ও গ্রাম্ভিট্র ক্রেন্ন না। ব্যাব্যা গ্রাপ্তারিভ্রার করে না।

> মানিক সেনগাুণ্ড ব্যাপ্র-৪

#### হেমচন্দ্ৰ বাগচী

ালেশা ৩৬ বর্ষ ৪২ সংখ্যার প্রকাশিও শ্রীক্তে সমীরেন্দ্রাথ সিংগ রাষের **লেখা** গ্রেম্যান্ত রাম্যালিকের একজন





ক্রিবী বাদ্মিন ঘোষ্ট্রর প্রায়-জাবন নিয়ে বেংখা উপন্যাসের চেয়েত্ত বোদাশুক্ষর বহুনা

प्रमुख्य स्वरक्ष स्ट्रमा स्वरक्ष स्वर



त्मम । ८६.५० १२ इन्याना-न ५१.४ में प्रचार विष १६६४ में १५६४ प्राप्त हुन १५६४ विष्ठ है ब्राब्ध्याय होता हो বিলপ্ধ কবির প্রার্থিকম্ভ কথা নতুন করে

আমাদের মনকে আলোড়িত করলো। ধীৰ

হেমকন্দ্র বাগচী বে কল্লোলয়ুগের প্রথের ও
প্রথিতবলা কবি / ও সাহিত্যিকদের সপ্পে
ঘনিষ্ঠভাবে সংঘ্রুভ থেকে আপন স্কুননী
প্রতিভার ও ভিন্নতর রচনাগৈলোর দীপ্তিতে
উক্তরেল ছিলেন সে কথা সেই ব্যেগর অনেকের জানা থাকলেও এখনকার অনেকেরই
সে সম্বংধ জানবার তেমন কোনে সা্যোল ও প্রথিত হ্যান। অস্প্রাণ্ডিক এবং
রোগজীর্ল কবি আঞ্জ যে বভানা থেকে

প্রথিবীর আলো-বাতাল গ্রহণ কর্মেন—এটা ভগবানের কর্মা আর আমানের পরম ভাগা। বিকল্প ভিনি আরু বিজ্ঞাহী কবি নজর্লের মতই শত্বের জোভিতে ভাশ্বর হরে উঠছে না। এর কারণ শ্রীব্র লিংহরার মণাহ তীর লেখার অভাশ্ত স্প্রেরভাবে আমানের সকলোর মন্দের তুলে ধরেছেন এবং প্রতিকারের সময় এখনও বে উত্তীপ হয়ে যার নি—এ কথাও আমানের ও সবোগরি লোকভির ব্র ফ্রণ্ট সরকারকে শ্রহণ করিরে, সভিরভাবে উদ্যাগাঁহরে প্রথমবার একজন একশ্বেরিখান্ত করিকে আমার প্রকাহমার প্রকাহনত বিখ্যাত করিকে আযার প্রকাহমার প্রকিটিত

করতে আহনীন জানিকেছেন। মান্ত ৭৫ টাকার সরকারী মাসোহারা যে কতেখানি সাহারের আসতে পারে—এ কথা বোধ করি কাউকেই ব্যিকের বলার অপেকা রাথে না। আজি জালা রাখি, পান্চিম বাংলার সাহিত্যানারাগী জনগণ এবং সরকার এ বিকরে উপযুক্ত আগ্রহ নিরে এগিরে বাবেন, কবির প্রতি তরি প্রাণী প্রকাশ ও সক্ষান প্রবদ্ধিকরে গ্রেপাটিতের পরিচর রাখবেন ও তরি শহীপাণিবতাকৈ সহল খিখাল প্রতানিতিক করে তরিক পান্ত প্রদীশে উর্যাতি করার প্রয়াস প্রবদ্ধিক।

রবীব্দুনাথ ভট্টাচার্য রাউফকেল:১

Committee Service

বিষয়বৈচিতে৷ অভিনবছের দাবাঁ নিয়ে অক্টোবারই বৈষয়কে—দাণাগি সংখ্য

अराजी **टिउ** भा

স্থাহিতা শিক্ষা উল্লেখ্য

<u>নৈমাসিক</u>

সংখ্যাদক: **জন্মভূমার ভাগ ক্ষার** কার্যা**দক: ৫**০ ১/৫১, সিন্দু: (৪ নবাস)

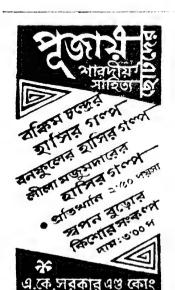
ালি ৮২৩৬)

#### मानिक ১০, होका किञ्डिट किन्त



জ্ঞান্ধ ক্রাণ্ড স্টান্ডার্ড বন জ্ঞান জি স্টান্ত ডেলেন মন্ডেল। ডবল স্পিকার

ক্রমীক্রতার মাইও লগতে চিচ্চা করত। দ্যা ও ৬১০, টাকা। অভার দিবলে সময় কেবল ইংরেক্তিতে লিখানা Globe Agencies (D. C.) R. P. Bagh, 11-8, 11-6, 10-6,



কলেজ ক্ষোয়ার কলি ১২

(2563)

প্রতিটি তীথবারীর অপারহার বই— ৫ ৫০

প্রাণ্ড কলেন:
প্রকাশক : উৎপদ প্রকাশক লৈ দেবল কলিক হা হব
কলেনকর ১৬-৫১বন কলা ও কহিলী : ২০, লাক্ত চলালৈ প্রান্ত কলিক হা হব
প্রকাশিত হল দৈবল কশান্ত ১০০০

ক্রিকাশিব কল কশান্ত বন্দের্গাধ্যায়
অদ্যাহ্যতা।। মাুসোলিনীর শেষ বিচার

কাসংখ্য চিত্র পোটিও ও বহু; তথ্য সম্প্র

'দেৰভূমি হিমালয়ের দুৰ্গম তীৰ্থপথে'

### नाथक अर्कां छेभनाम बनटक कि वाकाय?

প্রিনেশক **ঃ আধ্**নিক য় ১৯কি, প্রিকম চল্লেট্রেল কর্মিন্ বলক্টেডে১৯

শ্ধ্ মাত্র স্থের একটি গণপ বা স্থের খননা বিনাসে কিংবা গভাঁর রাজনৈতিক প্রাজ্যাচনা বা যেনি আবেদনই নয়। আরও কিছা—

टेनटनन बारबन

তরাই

ৰাক্ সাহিত্য প্ৰাইভেট লিমিটেড

্তত, কলেজ হো, কলিকাভা-১

#### পূর্ব বাংলার কবিতা

"আমার প্র বাংলা অনেক রাতে গাছের
পাঠার ব্যিতর শব্দের হতো
কথনও ম্দেশ্য, ১ঠাং কথনও বেহাল —
তক সময় বাশির সার
মথন রতে এক কী ঘ্য ৬ ওে
অনবরত কোমল কেলাহলে

শ্বশের মতে পাত্য পাত্য শ্বশের মতে পাত্য

এই ধবিতা লিংখতেন সৈহদ জলী আহসান, প্রেবিংল হাবাদে। বিনহু এমন কবিতা বংল ভ্ৰয় ক্ষাক্র প্রেবাহাল কবিতা বংলে। কবিতা লিখতে পাবেতেন, নদী মাতক প্রেবাহাল। সবারই প্রিয়া ব্যক্ত, আমার হাবের কাছে তার পদ রাবের প্রেটা জনা উদ্ধৃতি নিতে প্রতি জনা উদ্ধৃতি দিতে







পরেছি না, তাঁর সেই অন্থেও প্র' বাংলা বিষয়ক এমন বিমাণ্ধ আবেগ্যয় কাবতা বেশ কয়েকটি আছে।

চটে পাধা য়ের সম্পাদনায় সদা বৈ বৈয়েছে "প্ৰের বংলার শেলী কবিভাগ তিনি নিশ্চত তামানের ক্তঞ্জতা ভালন হারেন, আমাদের ডিনি এক সাংগ্র এত্রা স পূরে বাংলার কবিতা পভার সংযোগ করে MATERIAL I দিল্লী-রাভয়ালপিশ্ডির কলা-কৌশলে আমরা ঘরের পালের ভাই বন্ধানের ম্থ থেখাও। পাই না, কণ্ঠদবর শানি না। জামানিতে এক সময় निकारमञ्ज राक्ष इरहा रशका, আজ ভোগের সম্পর্ক সর্ভেদ্দ আরু স্বাধীন ভার বাই শাব্দর 9170 তা মানের মধ্যকার দেয়াল কঠিন হাজে :

পূর্ব বাংলা ও পশ্চিম বাংলার কাবতার
ন্যাধা ভাষা ও সাহিত্যত ব্যুপের বলাত
গোলা কেনো তকাং-ই নেই আমেরিকা ও
রিচেনে ফোন ন রকম ইংরেজি দাহিত্য গাড়
দিঠিছে কিবো দেশন ও লা নিম অনুম্রিক র
চোমন আলানো ধরানর স্পানশিশ সাহিত্য—
তেমন কোনা বার্ধানও নেই এখাম প্রে
বাংলার কবিতাগালি আমান্যর খ্রই আপন
এবং প্রির বাল মনে হয়।

এ কথা দ্বীকাম কবা উচিদ্ যোগাযোগের আভাবে, কিংবা পত্র পত্রিক। ঠিক পাওয়া হার না বলে পার্ব বাংলার আনক কবিবট বালি প্রিচয়। আমালের কম জানা। জানি না আনেকেটে বয়েস বা লেখার নিজস্ব ধার টি কি। আমি শাধা কবিতা নয়, কবিদের সম্পরের এই সব খাটিনাটি জানার বংগ্যারও আগ্রহী। অবশ্য এই সংকলনে এমন বেশ করেকজন কবি আছেন, ধরি শাংখু পারা বাংলার কবি <sup>হি</sup>হাসেরেই আমানের কাছে পরিচিত ননা। সমগ্র বংলাস হিতে। তেতিক অনেক আগোই স্নিদিন্টি **कृ** (द গেছে : কেমন জসীমাউদ্দীন বাদন আলী শামসূর রহমান প্রমার । পরিচিতদের 2541 <u>ট্রান্থ্যোগাভাবে</u> किसर्वेदरी অনুপ্ৰিত্ত আশ্বয়ে ್ಯಂತ್ প্রভেশকুমার রায়। অবশা, এখান থোক প্রে বাংলার সমস্ত উল্লেখ্যে গা কবিতা সংগ্রহ করা যে কন্ত দরেহে কাজ ভা সহজেই অনুমান করতে পারি এবং সম্পাদক সে क्या वादवाह स्वीक व काहाइस ।

পুরে বাংলার আধ্নিক কবিদের মধ্যে

আল মাইম্দ একটি বিশিষ্ট নাম। এই কৰি দ্বান্ত তেজাঁ এবং স্কো সংবেদনশাল কবিতা লেখেন, লাঁৱ অনেকগালি কবিতা পোৱে গ্ৰে জালো। এর করেকাট কবিতা থেকে কিছা কিছা লাইন উন্ধার কবাট।

"—বাতাসে ভেসেছে খেপা, মুখ তোলো, হে দেখন হাসি

তহ দেখন হয় তোমার টিকলি হয়ে হাংপিশ্ড নড়ে দরে-দরেহ

# **园**

৮ম বর্ষ : প্জা সংখ্যা '৭৬ ৪০০ পাটা ৫০ চন দেখক

৪টি উপন্যাস নবেন্দ্ৰনাথ মিচ, আলা-প্ৰা দেবী, হারিনারায়ণ নটো-পাধ্যায় স্বানীল গ্রোপাধ্যয়

১৫টি গলিপ, বন্দাল প্রেমেড ছিব্ বিভৃতিভূষণ লাখোগালের, লাগনিক বংলাপাধার, আলাতোর লাখোপাধান নারারণ গংগাপাধায়, সমরেশ বস্ বিষ্ণা মিত্র, প্রবোধা সান্যাল, লৈজভানন্দ ম্বোপাধারে মহাধেবতা দেবী, শিবরাম ভূরতী আতা পাকভালী প্রমুখ

(Fx. 4933)

## একজিমা রোগ

সোরাইসিস কলিও ক্রান একানার বার্বক কুলা ক্রেড্নার বিষ্ণু আবনু আনার ্রাইন করিন সমারোগ ১৩টা আবিকলাকের জনা এই বংলারের স্থিতিকাল কেন্দ্রে স্থেতন বার্ডুটা কুলীব ১না মাধ্য ছোল জান ব্রেটু হার্ডুটা ছোলা, ৬৭ ২০০১ বালাঃ ৩৬ মহান্তা গান্ধী বেড়ে গোবিসন বাড়ে। কলিকাতো ৯০ প্রেমী সুন্নমার লাকে মপাল কুলোর ধানা ধরে আছে সারা গ্রামবাসী উঠোনে বিলিয় থৈ, বিছানার আতর কার্র। (সোনালি কাবিল)

নীল বইচা মাছের মতে: চোগ
প্রশ্নে আমার কুশল প্রেছ রোজ—
ভালো কি আছো?' হাররে ভালো থাকা
নগরবাসী কে রাখে কার খেজি!

ফিরতে চাই, পাবো কি সেই পধ তরমুজের খেতের পালে বর; লক্ষাহীনা ফাজিল হু'ড়ি এক ভীবৰ কালো, হাসতো থরথর।

মহাকালের কালোর চেরে কালো রাভ বরণ রুপেসী সেই পরী... আমার তো পুরের কবিতাটাই উম্ধান্ত করতে লোভ হচ্ছে, এত চমংকার। এই সংক্রানের

माठीन्स्रवाध बरनगानाशास्त्रव

## তীরভূমি

সংসার-সম্দ্রে দিকহারা নাবিকের
মম্পাশী কাহিনী — ছায়াচিত্রে
রুপায়িত। একখানা চিরারত
উপনাস ॥ ৫,

## यां गक शन्धावनी

(১ম ও ২য় খণ্ড)
মানিক বন্দোপাধ্যমের শিংসীজীবন
বিচিত্র পরীক্ষা-নিরীক্ষার দঃসাহসিক
অভিযান। মানিক সাহিত্যের মূল্যমন
ও প্রথে আলোচনা সহ এক দুম্প্রাপ্য
প্রথোবলী। বিদন্ধ - জন সমাদ্ত।
সুদৃশ্য বাধাই। ৬০০ পৃষ্ঠার উপরে।
প্রতি খণ্ড ১২,। ভিঃ পিঃতে ১৫,।

-- अमामा वह--

**আজ কাল পরশ্ন।** নিরঞ্জন চক্রবতী ।। ৪.

ভিদৰন্য ।
ভারাশক্ষর বল্পো, বিমল মিত্র
ও শচনিদ্র বল্পোঃ ॥ ৪.

किरनात विक्रिया ॥

मानिक वरम्मा ॥ ८,

সাহিত বিচিত্ৰা 11 বিষ্ণু মিত

11 25'

গোৱা কালার হাট গ

অশোক গহে ॥ ৮-৫০

া। **গ্রন্থালর প্রা: লি: ॥** ১১এ বব্দিন চাইছেল স্টাট, কলিকাতা-১২

बाकि प्रत्यक्थ किर्यहरून दलवाइक क्रोयाती. কিছুকাল আগেও পূৰ' বাংলার जिल्ला। जिलि कालिएकन को गाँव समारक न्त वारमात कविकात हाक्षी भवादतत क्या। প্ৰথম পৰ্বায়, স্বাধীনতার আনন্দ উন্দীপনা ও সৰাপানি লোকারত কলাবের সম্ভাবা স্বল্পদর্শনের আশাবাদ। ল্বিভীর পর্বারে ইসলামী আদশ, মুসলিম মানদের বপাীর ঐতিহা অন্যেষণ, ততীর পর্যারে সমগ্র বাংলা সাহিত্যের ঐতিহা স্বীকার করে ভারই অনুসরণে ধর্মনিরপেক সাহিত্য স্থির প্ররাস, চতর্থ পর্বারে বিশ্ব সাহিত্যের নানং আন্দোলনের সপো সপাতি রেখে ভতি আধানিক সাহিত্য প্রৱাস। সংখ্যে বিষয় এই সংকলনে ভতার ও চতথা পর্যারের কবিতাই স্থান গোৱেছে।

শামস্র রহমান এক সমর 'ক্ষিতা' গাঁৱকার অনেক কবিতা লিখেছেন, আলা মাহম্দ, আব্ল ফজল সাহাব্দিন লিখেছেন 'কৃতিবাসে', এখানকার কবিতা অন্রাগীদের কাছে এ'রা অনেকখানি গরিচিত। শামস্থ রহমানের কবিতাগালি বড় অভিমানের, বড় গাঢ় বেদনার। তার কয়েকটি লাইন থেকেই এ কথা স্পদ্ট হয়ে ওঠে:

্মাচার অপিডি; লাভা জানে বার প্রতিক পরিচর, ভুলাবো কি ভার নাম ৭ সুরে কাছে একই চারভা বন ৫

প্রসারিত ধ্রেনার নিঃসংগ প্র রেখা কাকে দেখে মারে মারে উঠোনে কুরুর কালে একা ও

খাঁচার পাহাড়ি পাণিখ সেও বেতে চার অক্সানা কোপাণ-গাছে গাছে মা্ড ভাষা, প্রথিবীর সমস্ত আকাশে

ৰেলা পড়ে আসে। (ছিল সে-৫)

থবদার খোকা ভূই কোনোদিন নিশেপর ম্ণাকে দিবিনে যোষতে চিসীমার ৷ বরং ডিভিয়ে যেড়া ভাষা, টীকা, দশনের মহানদেধ নিশ্চিনিতহ ডেয়া

বাধিস মনের মডো।

(আমার ছেলেকে)

খ্ব বেশী উন্ধৃতি দিতে গেলে আরতন অনেক দীর্ঘ হরে যাবে এই রচনার। আনেক কবিতাই সমগ্রভাবে সম্পের, মাঝখান থেকে দ্ব' চার লাইন উন্ধৃতি দিতে গোলে সে-গ্রাঁলর প্রতি অবিচার করা হয়। তবে, শহীব কাদরী, যার মাতৃভাষ। উন্ধৃ এবং প্রেব' বাংলায় একজন বহু আলোচিত কবি, ভার করেকটি লাইন না দিয়ে উপায় নেই। শীভাত' নিঃশভার কিন্ট বাঁচে না বেন বেচে থাকা হাজা:

(अहे महिला

ভালোৰাসার আরম্ভ মাঞ্চ ভাল রাবে খুব আন্তে এই সর্বেসবা মাংস, মনোজনাসে:

नात्र विरम्कातन अस्त निक कर्याः

সম্ভাবনার হিরক্ষয় ফেকেয়

এই কলে ছিল যামড়ার দুর্তি, উর্র জুর্ণিয়া, খ্রুন্ত পা

চক্ষে মাধ্যী জোগার, ভরে দের অশাদ্ত নিউরে জাগরণে।

(মোহন ক্ষ্যা)

সনাতন পাঠক

ক্যাকটাস-এর জন্য স্ট্যাম্পসহ কবিতা পাঠান—এ/১২৪, কংকর-বাপ কলোনী, পাটনা—১

ीत्र क्य २५४२।

### र्थानिक ६, होका किन्डिटड



ভা ভা ভা ভবল সিপকার ৩ বছাভ মন ওরাজ্য পে টো-বল উন্ট্রাজ্যান মে কোলো লগ্য যা য

পাঠান বাস :

TOKYO AGENCIES (WD)
Kaseruwalan, Pahargan; Post
Bag No. 11, New Delhi-1.



### कर्म थालि

জাপান আট শাড়ী, টেরিলিন স্টিং, রেডিমেড পোবাক, শাল, দাইলনের মোজার অডার সংগ্রহের জন। মাসিক ৮৫০, টাকায় অথবা উচ্চ কমিশনে সেলসমানে চাই। নম্নার জন্য লিখ্ন।

Foreign Agencies (66) Dassan Street, Box 1458, Delhi-6.

### স্বাধীনতা আন্দোলনের পট্ডিমি

बारकाम विकासकार । क्रीमांगर्मीकरनार नाम। धा मायामि धेन्छ कार शाह निह कन-काला-५३। तम प्राका।

'বাংলার বিশ্ববাদ' প্রশ্বখানির স্তেগ্ बाढानी नाजेटकत नीत्रकट मानीयांकारतात । প্রতথ্যানির প্রথম সংক্ষরণ প্রকাশিত তর ১৯২০ সালো। তারপর, প্রতিটি সংস্করণে नकुन नकुन उथा पर्रेना अवर गाथा महत्याल পরিমাজিত এবং পরিব্যাহত হতে সম্প্রতি প্রদর্গার চতুর্থ সংক্ষরণ আত্মপ্রকাশ করেছে। বাঙালী লাভীৰ চরিতের সাহস্কিতঃ এবং দুমার **প্রাণডেভনার কথা স্থাক্**ন বিদ্না লেখৰ প্ৰভাত প্ৰম নিষ্ঠাৰ সংপ্ৰাবাভালী বিশ্ববী ডেডনার শ্বর্ণ াবং প্রয়াসকে ক্লমৰম্ভ করে বিবাত করেছেন আলোচা গ্রাহ । সিপাছী বিষ্ণোহ ধ্যকে সাভাষ্ঠদের ভাত্ত আঞ্চাদ বিশদ ফোডের অভিযান প্যণিত---সদেশিখাকালের ব্যক্তার বিশ্লবা প্রচেম্টার একটি প্রেথানাপ্রেথ চালচিত্র রচনার লেথক क्षकानी क्रातरक्रम । अवर अ दिकास रक्षणाकर নিষ্ঠা এবং মনস্কৃতা প্রস্থাতাঃ প্রায় দ্বির্য একশতে সঞ্জারের হাকতীয় বৈশ্লবিক আক্রেন-জনগণ্যালির ভবং সমান্য র্পেরেখা চিন্তাং লেখক। তংশর হরেছেন। সিশ্বহ<sup>া</sup> বিদ্রেহ নাল বিষ্ণেত্র, গ্রুণ্ড ইবাকাবিক প্রয়াস, প্রথম মহান ষ্টাৰ এবং বাংলার - বিচ্ছাৰ্য প্ৰয়াস, গণৱ मानतः तिश्वाद ५ काशः देशक्षिकः डेएमारः। আজিশার বড়মন্ড আমল । বাংলার বৈংলারক (BPE) ভূ ব্রেটেলার সামারেক্টনার র মের ৬ মাকা, আপিনগড়া সমুগ্রাম – প্রাড়ীত ্রার পরিচিত ৰাভাৰতী বিশ্বৰ প্ৰয়াকের পালপাল ডিনি হছ ট ছেটে বৈশ্লণিক কোড্ডিকেলেনিক ক ንጭ የጠፊና -শুনাগিব্র **बारमाक भारत करतरह**न। एकन स्ट्रान्सी সংগীত, বেভমারা হাুমকি, ডাকচির কথা, প**্রিসী ভংগরভা, স্থা** সেনের ফলির পর তদদেতর নমনো, একরার করাইযার গণ্য ও ষাহারা প্রাণ দিল কিন্তু কেই মনে ব<sup>িহল</sup>ে. -- ইত্যাদি অধ্যারসমূহ। শ্রীমূর গাই সংগ্র বাং**লার বিশ্বাহী প্ররাসের সংগ**। ঘটি। শুনাইভাবে ब्रुड (क्टलन) करल, अपन किस् दर्विश्र स অভিনতা গ্ৰন্থে স্থান প্ৰেছে যা এ জাতীয় অন্যান্য ঐতিহাসিক গ্রন্থে একান্ডই নালভ। প্রজ্ঞদশীর বিবরণের মত ঘটনাগাল গালে সভাব क्षाचा वर्ग র্পাশ্চরিত হয়েছে এবং এ বিষয়ে তিনি এক জননা কমভার পরিচর বিষেছেন। তা ইল কোথাও বঙালী বিশ্লব প্রয়ংসের ঘটন -গ**ুলিকে অভিবিশ্ব অ**ংবাগে কুয়ালাক্ষা করে তোপেন নি : অথবা ভখাক্থিত ঐতিহণীসকের নৈৰ্যান্তিক বৰ্ণনা এবং তথা ধারায় প্রাণহীন করে কেলেমনি। খ্র অনায়ালে, সাবলীল-।



क्षार बहेनात प्रदेश विद्यवन मान करवरहरू। करता सम्बद्धांन मर्वत जेलनारमद मङ ऋष পাঠাতা পেরেছে।

গ্রন্থের ভূমিকার লেখক স্বিন্ত্রে স্বীকার করেছেন, তিনি মূলত তথা নিত্র ন্ম। বিশ্ববী আদেদালনের বিশ্বসত এবং মথা-তার অভিপ্রেড নর। যোগা ইতিহাস বচনা বদত্ত, বাংলা দেশের বিশ্লবী প্রয়াসগালি রজনৈতিক কারণেই অনেকক্ষেত্রে প্রক্রম ছিল। সাতরাং, সঠিক তথা খাকে বের করা দাকর। তথাপি এ ক্ষে<u>ত্রে লেখকের কৃতি</u>স্থের কথা উল্লেখ করা উচিত। তথা সমাবেশের বালেরে তিনি থাব পরিশ্রমী হবার স্থেক পেলেও প্রভাকতি অধ্যায় কেথকের ব্যবিগত অভিভাতা এবং বর্ণনাগ্রিল ইতিহাসের মর্যাদা পেয়েছে। বসতুত, বিশ্লবের রতিহাস রচনানয়, বাংলার বি**শ্লবী** आफ्टानामान प्रांकिश तहना करारे काशकत উদেৰণা। এবং এ বিষয়ে তিনি এক বিরল

CHARGE STREET THERETO WHEN SE এই বিস্পাৰের এই অস্ভাভনিত বিভাগে ভিনি शामीकाकवादर नामा पर्वमा । परवास व्यवस्था करहरूम । अ सामार क्रांक्ट विवय क्षेत्रम्थानम देनगुना वटबच्छे विक्रम्पका क्रमीन्यकाय পরিচারত ঃ ध किय TOTAL PROPERTY. DEVI. বিশ্ববাদের जारजासमा शामरका কখনও প্রাদেশিক মদোভাবের দেন নি। প্রাধীন **ভারতবর্ধে বৈশ্ববিক** আন্দোলমের দরে ক্তিত প্রক্তেতার্থনিকে সর্বদা পরিপ্রেক্তি হিলেবে कावद्वा करण करणात्र विन्त्रवी श्रामान श्रद्ध । यदीमा त्मरहरू। जान গ্রন্থের সবচেরে কর্ম কৈশিশ্টা হল এই বে, কোথাও তিনি আবেগভাভিত হয়ে রচনাকে অবহা বাস্তবতার উধের নিশিকত করেন নি। রাজনৈতিক বিকেনা এবং বিচার সংক্রভার সাহাব্যে প্রভোক্টি বিশ্ববী প্রয়ালের ভালকর বিচার করেছেন। কলে, প্রত্থানি একাবারে ইতিহাস এবং ৰাংলা দেশের বৈন্দৰিক অন্দোলনের কবিশত আলেখা হরে উঠেছ। 278/62

## त्थ्य-शिशासा का के के का मात

শ্রত সাহিত্য রাস্করত এই কিলোর-**প্রেম**-নির্<mark>থকন উপন্যাস্টি পাডিয়া পরিপার্গ</mark> দেই এনগছ প্রধান। অক্ষাণীয় ন্তন চরিয়া ও পাট।

#### প্ৰতো—মোহিনীমোহন কাঞ্চিলাল

১০, বাজা বসংগ্রন্তা রোড, কলিবাতা-২৯। ফুট্স- এবং আঁলে পেলে ভকে ধার — ভি: পি: ধর না। াঙত নাসগ্ৰহে এন্ড কোং, কলেঞ্চ স্মতি, কলিকাজা।

FA HEAD)

সংশ্ৰুত জনাৰ্চের বজানুবাদ স্থালিত ्यशाभक मधातन्य्रताथ ब्रानाकी अन् अ

> বানভটের কাদশ্বরী 8.00 को जिल्लात अर्थ मान्त 4.00

व-এ সংস্কৃত অনাস্ পার্ট ওয়ান পার্ট है। बन्मा ठक्कवाडी अध-अ अत्र ति वानाजी, अब-अ, छि-रिक्न कर्ज्क त्रश्लाविक

চলণ্ডকা নবীন কু-ডু লেন (কলেজ রোর ভিতর), কলিকাতা—৯ মধ্য করে। সমূত গ্রুত। আনক্ষারা হাজান, ৮ শ্যামাচন দে ক্টাট, কলকাতা-১২। ১২-৫০ টাকা।

통령 시 교통 사용 사용 경험 등 경험 등 경험 보고 보다.

বৃদ্ধ তথা আন্দেলনই ভারতবর্ষের আবানভা সংস্থাম পরের প্রথম সার্থক আন্দোলন। ঐকাবন্ধ উদ্ভাল বিক্ষোভ ও ছাল সেদিন বাধা করে দিয়েছিল লাভা কার্যনের ক্টেনৈভিক চকান্ডকে, ইংরেজ

## ৰাভ চটোপাখ্যান সম্পাদিত সাংজাহিক বাংলা কবিতা

প্ৰতি শনিবার বেবংকে শদাম ২৫ প্রসা প্রবলে: শ্ৰেণীরেখা ৭৫ মহাত্ত, গাড়ি বে উ. কলি:১

(58 6352)



সরকারের ষড়মণ্টী থাবাকে প্রেরিছল ফেরাতে। এই আংশ্যেলন স্বাধীনতা আন্দেশানের ইতিহাসের এক গ্রেম্পূর্ণ অধ্যয়। স্বাদশীয়ানার বীক প্রতিতি ভারতবাসীর হান্যে ও মনে সাথকি ভাবে উপ্ত করেছিল এই আংশ্যেশ।

আরক্ষেত্র যেমন অব্রুত থাকে প্রদীপ-জ্যকার পিছনে সলতে-পাকনোর ইতিহাস, তেমনই বুলাভালা এ দেশকালের সংফালের নেপথা চিত্রটির অন্তর্মা পরিচয় ছডিয়ে আছে বিভিন্ন গ্ৰহণ ৪ আক্ৰমণীৰ বাংশি-অঞ্চতা ভারতের স্বাধনিতা সংক্রম নিয়ে কোনো প্রাণে টাওহাস এখনৰ বাঁচত হয় লি। সমূদ গুণ্ড ভবি ক্রমণ বিশেষক ঃ কোনা ছিল সভাগাল অনুস্থান ভাষা ভৱ সক্ষীনতে অনুসন্ধানিক কুহার আনি ব্যক্তি বিশ্ব স্থিসভূতের জানা ষ্টিলো না কৰে গোক <u>কিমান কৰে সেই ক</u>ল ক্ষেত্র ক্ষা ক্ষা বিষ্ণু ক্ষা ত্ৰত্ৰেছিল বংলেৰ অভিনত্ত জাত কেই কার্যে ব্যক্তি হ'ল ভিত্ত ছিল এ**প**রতে প্ৰত্ৰাক মাৰে কুলে প্ৰছিল মৃত্যুৰ ಕಾಸ: ಕಾರ್ ಆಕೆ - ಕಾರ್ಯ ಹಣ್ಯ ಇಸ್ಥರ್ असरी अध्यक्ष अञ्चल समुद्रभग्द्रशस्त्र हिस्सक শ্বাসা, শ্বাসার কার্যার প্রেমণ ঐতিহ্য দিব নট। ইতিহাসের গতি প্রস্তিত হুমাৰ কলে হেফিছিৰ মেই।এ গ্লেও গ্লে হেকে যেখনে কটেক সধা পেয়েছি এক काङ्ग कातीष्ट्र व्यवकी कारकार

मधान गाण्ड, लक्टक नक्टक श्राह रक्षातरक्षम् व्यासकः क्षानिदश्राक्षम् व्यास काहिनी। जारबना न्य बद, एका घटन Nove at where benefin ? Plat > नित्व किंत स्था काना कित्या दशकाल केलगाम क्षांत्रम रेग, के बन स्टीर अन क दिसीहे सम्बन्धियाँ हो। असा उन्हारून (Sing विश्वासकत अन्यक्तित, अक्षेत्र ए दशः व्यातक्ष्यात म्हल स्टब्स ३००० (साथ ३००) AMERICAN MINES & CHR : THE LA SING अर्डिक्षिका**ल अक्षात ग्र**ेड अव्यक्त प्रदेशक कारताक्षम् । अगुरुक्तप्रमः व् वटनका नावा कः विनेतः brg शास, सक्काशस्य केशासात्र, डिवरणन ित्रविभाष्टर् <mark>क्रतविश्व । व तीस्त्रव</mark>साद, तर्रोकः हाक करवारिकृताब सम्बद्धाम रम. रक्षणीय छ REGERGE RE-REST MICHALE FOR ভ্ৰেৰ জীবদত ছবিতের মতে মত চে सारकारमण मान कल्लाक्षकः। क्राक्रीधे रिकामम करत ৰংগাৰ ৰক্ষণৈতিক, সাম্বাচন সাহিত্য Parketing with the too ্ৰুক্ত প্ৰতিপ প্ৰিয়াৰ কলেকে সাম্ভল ব সমূদ প্ৰাৰ কলে জামাণেৰ জাবাৰ when you govern some some some KING BASE & CATAL

অন্বাদ সাহিতী

काश्रामातः स्टब्स्टर कार्नुस्टर सन्दर्भ स्टब्स्टर स्टब्स्टर्स स्टब्स्टर्स इ.स.च्या केटल

ব্ৰেছ নুধ্যস্থীতে অনুসাসৰ প্ৰচেট্ট

বিশ্বৰাউণ্ডুলে হিপিদের নিয়ে ৰাংলাসাহিতে৷ সৰ্বপ্ৰথম

## व्यव मञ्जूमनारव रिभि नक्रिय १००

## नगम्झात वाघवन्मी

আন্থরপণ্ডক অপরিচিতা

कामाराज्यक प्रत्याच्याक में कामाराज्य में स्थापन

Balam f. 2-0

matalia mar a 9+00

## আদিগঙ্গা রাতের কুয়াশা

ডোরাকাটার অভিসারে

আৰু তাৰ পরকার ॥ ৮.০০

হ'রমারাহণ ৮৫টা া ৫০০০

(四年 新新 ) 544.3 F. E. F. E. F. E. F. E. B. - 0.0

## মাঠ থেকে বলছি

## অ্যাঙ্গোলা-আফ্রিকার ভিয়েতনাম

ककर रम, ॥ ८-४० मृक्तमात्र चत्र

ননের মত মেয়ে

বর্ত রয় । ৯-০০ **সৈকত স্কুদরী ও বহু প্রেই** অভিত্রুক বসু (জ্জুর) । ৪-০০

আশাতোৰ মুখো ॥ ৪-৫০

ভিবৰত ভিতৰ । ভ-০০ চলচ্চিত্ৰকথা

অসমি দোম সম্পাদিত ॥ ১৫-০০

চলচ্চিত্র বিষয়ক একমাত প্রামাণা গ্রন্থ

র্পরেখা ॥ ৭৩, মহায়া গাণ্ধী রোড, কলিকাতা—৯

(77-8860)

সমস এক শ' বচরেরও বেশী। কিল্ড বিগত এক ল' বছরের বাংলা কবিতার ভাষাত ও लाविकारक टब-मानिकाम बर्गिक रमसमीकारक আন্তাদ ভার শক্ষে পা কেলে সমান ভালে ्याम नि । श्रथम मिट्ड नाइंड सम्बादन्त fore दर्शको निरंत शास्त्रिका म अरबर ুংকালীন জনমিয়তা এবং ভাষায় স্বীয়া-तम्बद्धा निम्ह्याडे श्रेष श्रीकृष्ठी कार्यन । जारीका sid পাধায় আলোচা প্রশেষ ভামকত এ-প্রাংগ আলোচনা করতে গিয়ে লিখেছন ঃ -উনিশ শতকে, ব**র্থন শেলপী**ররের নাওঁক িভিত ব গোলী-সমা**রতে মাতিতে তলেভিত** জনন শে**লপীয়ালের নাটক অনাৰ স**্ভৱাৰ অংশ্চরিক ও আপ্রাণ চেণ্টা সভেত ्शक्षशीसतात महाराष्ट्रे करा,वाहस्य एकके हान्योह লারভিবেন বলে জানা নেই। শেরপটিররীয় अपाष्ट्रित क्षीयगाँग गमुक्तीमा राज्यक्ष সংগ্রা অমাধিকত। এবং আছার আলালায় তে ভারবে সনেটের অনুবাদ চছনি তেই কারণে ইয়ামলেট ভাষেলো, লাভির, মাংকারাখন মাতা থ্রীজিক চরিত্র ভারসাক্ষের মাহাত্র-গুলি—বা কাবিংক বিচাহে সনেটের সহ-েটোর—অন্বেদে ধরা বার নি।" বিশ্ব এব প্রেপ্ত শেক্সপীয়তের নাউক্তের জন কদ 55° যে তেমনভাৱে হয় নি ভার করেশ খনে ১৮ আন্বাদ কলের দারাইভাং সংগ্রহ মন্ত্ৰ মিঃসাল্পত্ত আহাত সংধান

স্থালীক জাট্রাপ্রয়েজন্তর । রস্তামক পুনর্টি তে ডিডাইছি জানসাত ভাত্তেই চেচালকে হিচাবে শনকাস শুসাধার ভা•ি একনা ও হুকা ভাগিকে কবিভাই ডিনিন বিজ্ঞানত ব তাত হৈন্ত অন্তৰণ স্থিমি আমি পাছে ১, ছত সংকলেল বিশেশস্থান্ধ সংস্কৃত্যসূত্র <del>প্রাণ</del> ভূটি: 2 m নার প্রেলিক সংগ্রাভারত হ ব্ৰুড়ি কাহিছে: with the first the second ই যে ছিল্লা ভারবেল্টাকোল্লা ভিডিন্ত ভুরু স্বাভিন্তি সংস্কৃতির প্রস্তৃত্বভূম । একেন্ডার ভার সাক্ষরিক ए रिकास करिस्ट ५ डक्टरेंगर हरू বাবড়েল জা নিজেকেন্ড ভূমি অন্যত ভ্যান্ত লাহত কুলিয়ে হব ⊁ু লাত য় সংগ্রারে হয়। ৪০ ক্ষানে বছর। বেমর ত্রম সনুষ্ঠার প্রথম সন্ধার

> एत्त जात्त्रा जनां हुए, বাজে জিব্**রটিছ এত** এতাকে এ ব<sup>©</sup>তর सरत जामति हो।

সৈকা কথা ভোৱে ব্যাহি ভো কটবার. পাবি নালক। আমাৰ মেরেকে।

বিকা, দে-র মাখেবংধটি সুখপটো সংক্রেজন : 022138

#### প্ৰাণিত দ্বীকার

Magic Healers in Homosopathy by Dr. Natabar Naik, Sm. Sarat Kumari Naik: Village Sanketpatna, P.O. Sanra, P.S. Tirtol, Cuttack, Price Es. 3.00. Science in India. A. K. Biswas.

Firma K. L. Mukhopadhava: 61A. Bancharam Akrur Lane, Calcutta-12. Rs. 18.00.

अयदा नवर बादर। क्रीवर्गन्छनाच बात। जिक्सम बाह्य : ১०६७ विक्रम स्ताप काम 185-6 IFTE 186-15-4

#### ME WICHIGH

গত সংখ্যা দেশে প্ৰকাশিত শবি চটো-পাধ্যা হার কবিতা আমি ভাঙার बाजाय'-क अवंतरे लान्या स्थात लाहा दृद्ध।

'প্ৰকাশিক চল'

১৯১৮ সাল থেকে ১৯৪৭-এর ১৫ই আগস্ট পর্যক্ত ভাৰতীয় ৰাজনৈতিক ইতিহাস। পালালাল দাশ-গ্রেণ্ডর ম্লাবান ভূমিকা সহ সচিত্র দলিল গ্রন্থ। য় প্ৰথম প্ৰ' ম "প্ৰায় ৫৫০ পাড়ার বই, দান বোল টাকা নাত্ৰ":

নির্মালনে নৈত-এর ব্রিভীর উপন্যাস

4.40

ভারত পাকিস্থানের রাজনৈতিক পটভামকায় লেখা বিসময়কর উপন্যাস। প্রপতিশীল বলিও লেখক সৌরি ঘটকের নতন উপন্যাস

লোৱীন লেন-এর ভিন্থানা অবিকারণীয় প্রথ

ভিয়েতনাম

**भृग**िश्वा (कांक्र)

0.00

5.00

9.00

करता स्थाक रक्षता

हानका त्मान-अह

बनकान-अब উপन्।त्र

রাজপথ জনপথ

সমাদ শিহর

৭-০০ পারাবছ-এর উপন্যাস

वीद्य वर्ष्ट नील ६००० भड़तर्भ भड़तात

বিজয় চক্রবতীর উপন্যাস তাচিত্তা সেনগালেতর উপন্যাস

সাবোধ ছোৰ-এর

বিনর চৌধরীর স্লিল সেন-এর

विकाल, करतन आंजनी

4.00 আসম,দ্র नवीन भाषी ₹.60 **७**⋅00

2000 **इन्हर अकि । अपन नाम ५०.००** 

॥ অন্দিত উপন্যাস ॥

জাজত সেন-এর নতুন नाप्रेक

- शक्किए

পাৰ্গ ৰাক b 00

क्रबंशा कारबाना न्निकान जाहेश ७.०० वर्मुस्ता जाडिंगा २.७० धारक हेडे कोकन नि. कि. बडहाडेन ४.०० वर्मुस्ता जाडिंगा २.७० क्रब्रां कार्यामा क्रिकान कारेश

নৰভারতী, ৮. শ্যামাচরণ দে দ্বীট্ কলিকাতা-১২

(P-8662)



## নত্ন যুগের নতুন মেক্-আপ পশুস এত্তেল ক্রেস ব্যবহার ক'রে দেখেছেন কি ?

তাছাতা তের বেশী মেলোয়েম পাউভার— সেধানে পুশী চলাচেরা করুন

বিশেষ প্রক্রিয়া**য়** জীম মিশিয়ে **তৈরী**। পঞ্স এঞ্জেল ফেস লাগাতে কোনো আমেল। বেটা : সৰে যে পাফ খাকে তাই দিয়ে জধু বুলিয়ে নিন। পলকে আপনার মুখলী হয়ে উঠাৰ অপুৰ সুক্ষর আর সেই বলম্বালে লাবণোর আভা ঘটার পর ঘটা হেমনটি ডেমনি ধাকার: প্ডুস এঞ্জেল ফেস কথানা কৌটোর ভেতর

সারা তুনিয়ার রূপদী তরুণীরা 'পণ্স এঞ্জেল ফেস

वावशत करतन !

চীজভো-পণ্ডৰ ইন্ক (নীনিত কৰে মাৰ্কিন মুক্তৰাট্ৰে সংগঠিত)

'পুড়স এঞ্জেল ফেস'মেক্-আপের পক্ষে নিধু'ড়, সোকে ছড়িছে শক্তন।। ছোট্ট ইচেবাদৰ রেপে ्कोर्रहाच **भावका काछ । कर्मताल जूभ**दीरभव মুখের রাভর সঙ্গে মানানস্ট হারেক রক্ষ



भीक्य काडेगालन प्राप লাক্ষাৰ পাৰ : লামাৰপাৰ্গ খেলায় একটি লোলট যেখানে क्षकीं मार्थ में मामन भारतायम रहत्ना मिराह দ্যালট সেখানে ফিনটি গোলে পিচিয়ে পদ্ধলৈ দলের অর কিছাই খাকে না। তথ্ भथवार्थ ७-० शास्त्र भगताश्ताको हेम्हे-বেলাল দিবতীয়াৰে প্ৰাণপথ প্ৰতিশ্বনিভাগ করেছে। শেষদিকে একটি গোলও শোধ দিয়েছে। ভবে এ গোলও মোহনবাগান (गामस्कार समाहे एम-इ धाकरे) क्रतमह क्या। क के काक समावद्यां के कथा दश्रास मित्र शास कर-ठेडे येना यात्र स्मार्भवाशास्त्रव ७-५ গোলে কর যোগোর যোগা সম্মান বার্থ ভামকার ইপ্টাবেশ্যালের মরস্থের প্রথম প্রাক্তর। প্রসংগতে উল্লেখ্যোগ্য এবার নিবে ह्यादमबागान है वात भौग्य छत्र करना है বাবের নাম্যে পটিবার পেল ভাবেল এব ज्ञान ।

**数** (2.10.10) **对的数据图**图图 (1.10.10)

#### স্থা সমাপ্ত

গত বছর —লাগৈর খেলা এবং প্রপর দুই বছর শাগৈছের খেলা অসমাণত থাকার পর এ বছর নানা সংশ্যুত এবং অবিশ্বাসের মধ্যে ফলকাভার কাটবল মরস্ম শেষ হল। এর জনা ফাই এফ এ-র নতুন সভাপতি বিচারপুতি শ্রীনিধিলা তালাকদার, বংশা-সংশাক শ্রীনিধিলা তালাকদার, বংশা-সংশাক শ্রীনিধিলা বং প্রিচালক সমিতির প্রিচালক ব্যাস্থিত প্রিচালক কার্যা কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য কার্যাক্রিক ব্যাস্থ্য ক্রিকান স্থাস্থ্য ক্রিকান ক্রেকান স্থাস্থ্য ক্রিকান ক্রিকান



পার্টার আইতে পাতর।
VENUS SALES (12) ROOP NAGAR DELHI-7

একাদেশী করলে প্লা নেই, না করলৈ পাপ। কেন্দারিদেরত সেই অবন্ধা ভাগভাবে ধেলা পরিচালনা করলে কেউ ধনাবাদ দেবার জন্য তথিকে অন্সে না। পরিচালনার পান থেকে চন থসলে ভাষেক পাল নিয়ে টানাটানি।

শ্বানাভাব বশত শীল্ড খেলার সামগ্রিক প্রালোচনা সম্ভব হল না। সমুস্ত খেলার ফলাফল দেওয়া হলাঃ

#### अथम बाकेन्छ

কুমারট্রলি—৫ : হ্গলী জেলা—২ ২৪ প্রগণা—১ : চন্দননগর—০

#### ক্ৰিছ ৰাইন্ড

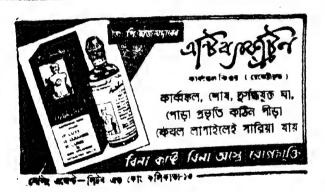
শেলটিং ইউনিয়ন-৩ : কমারট্রি-**২** দিলি একাদশ-৩ : वि धम वात- ১ বালী প্রতিভা--০ 7.3530H27..... बर: त्रभाविर-० : **कामरमनभा**त-३ ক লখিটি-২ : ইণ্ডিয়ান এয়ার ফোর্স-১ লোখা সেন্ট্যর-ত • **২৪ পরগণা**-- o डेम्ब्रेस खन-५ বার্ণপরে ইউনাইটেড-৩ : খিদিরপরে-১ क्रियान-0 यथाभामग्रम - 8 . . পোটকমিশনার-১ : এ এস সি সেন্টার-০ करेक कम्बाईन्फ-१ डेगाफ-> . হরিয়ানা-0 कर्क ग्रेनियाय--> ুত্ৰীয় ৰাউণ্ড

নোহনবাগান—৬ : স্পোটিং ইউ:—১
নাজস্থান—২ : দিলি এফ এ—০
নাজ স্পোটিং—১ : কালীঘাট—০
গোখা সেণ্টার— ৩ : বোদ্বাই স্ভেট বাফ্ক—১
ইস্টান বেল—২ : পাঞ্চাব এফ এ—১
নাগপ্রদশ—২ : বাগপ্র—১
কটক কাবাইন্ডে (৫: ৩ঃ)

শোল কমি: (স্কাচত) ইস্টা ব্যালন ও জন্ম কৌলগ্ৰাফ—০ সভূপ ৰাইণ্ড

্মতে নব হাল—৪ : ব্যক্তপনে—০
১০: কেপ্রতিত হ : হাগেনি সেংটার—০
১৮চান মেল—৫ : মধাপ্রদেশ—০
১৮চান মেলেল ৫ : কটক ক্সাইন্ড—০
স্থাম মাইনাল

য়ে রামস্থান্ন । ৯০। কেপার্টিংল-২ রুচ্যু ব্রুগ্রালন্য: ৪ : ইস্টার্ম রেলাল্ড: ০



### काडेना**ल**

মোহনবাগান—(০) ইন্ট বেধাল—> (কানন) বিশ বাধ্যকোঁ—২ ও এস ঘোষ দশিতদার)

্যা সদ্য প্রকাশিত হল ॥ দিলীপ দৌলিক ও শান্তিরস্কান চলবডী সন্পাদিত

### আজকের একাৎক

ম্লা : **৬**-০০

এতে আছে হ আনে গগেগাপাধানের এই প্রিবা, উমানাথ ভট্টাটোর্যার দিবারাত, কিরল নৈতের কলোদ, কোন্তে বংল্যাপাধানের সাগ্যর-সভালে, ভোগা দতের খেলা, মনোক মিতের ভজক, মোহিত চট্টাপাধানের বাজপাদি, রাব্দির ভট্টাটাব্যের বাল্যাদি,

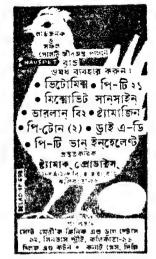
া নতুন নতুন নাটস ।
ভোলা দত্ত : স্বশ্ন নয় : ৩.০০
(চলাচলের বহু রজনী অভিনীত।
১টি সেট, ২টি নারী চরিত্র)
মিহির সেন : ঈশারা : ২.০০
(ছোটবড় স্বাই অভিনয় ক্রতে

পারে। স্টান্থামকা বন্ধিত) উমানাথ ভট্টাচার্য : জন্মসূত্র : ৩-০০ (১টি সেট. ১টি নারী চরিত্র)

প্ৰ' তালিকাৰ জনা লিখনে

**লিপিকা:** ৩০ /১ কলেজ রো, কলি-১

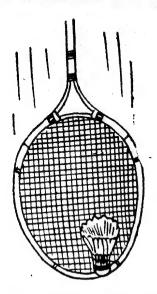
("X-8389)



থিবন ও পরামশা কোন্তঃ— ৫০, তেক নেশ্লন বেছে, কলিকাতা—২৯ ভালিউনের ১৪ নন্বর আইনের

এইচ উপধারাটি খ্বই গ্রেছপ্রে।
প্রায় প্রতি বছরই আন্তর্জাতিক ব্যাড্সিশটন
কেডারেপনের সভায় এই আইনের রদবদলের কথা ওঠে।

এই আইনের ধারার আগে ছিল—বিদি পরিকারভাবে রাকেট দিয়ে সটেল হিট করা



উচ্চশট এখন আইনগ্রাহ্য। ছবিতে কেমন দেওয়া আ'ছ এটভাবে রাকেটের জেমের পরিস্কার হিটে সাটল চালিত হলে ফুস্টস হয় না

मा वरा किरता माउँल-धर । दन सारकछेर क्ष्या भाको रा शाएकन नित्र आचार करा इश उर्व करोत्र इर्व। अधीर बाला डेड-मार्रे एक्टोम हिमान शना रहा। डेप्रमार्टक खाडेमश्राद्या कत् र कमा भागम ১৯৫৯ (९८क ১৯৬২ পর্যাত্ত পর পর চার বছর প্রাহতাব পেশ করেও সে প্রস্তাব পাস করেতে পারেনি। কারণ, আগেই বার্লছি, আনত-জ্বাতিক ব্যাভ্যিণ্ডন ফেডারেশনের বাধিক সভার উপাদ্ধত সনসংকর দুই-ত্তালাংশের সমর্থন ছাড়া কেন আইন পাস হয় না। শেষ প্র্যান্ত ১৯৬২ সালে উড্সাটকে আইন-গ্রাহ্য করার জন্য মালয়ের পঞ্চমবারের প্রসহার ৬০-৩০ ভোটে পাস হয়ে যায়। ख्यान स्थारक दशहक **धेत एय रकान व्यश्न नि**रस পরিক্তারভাবে স্টল হিটও আইনপ্রাহ।। এমন কি, পরিকেবভাবে সাটল-এর কেস এবং ব্রুলবের আঘাত করলেও ক্রুটস হয় 77.1

#### ১৪ **अ** हेरन ग*ें*ग-श्रद्ध अन**ाना विका**

(আট) হৃচি খেলার স্ময় কোন খেলে য়াড় ঠিকভাবে স্টল মেরে ঠিক মত

## ৰ্যাড়ামণ্টনের আইন-কান্ত্রন

কিবিছে দিতে না পারেন, কিংবা সাটল বহি থেলোরাড়ের গারে লাগে তবে ফলটস হবে। থেলোরাড়ের গারে লাগের মধ্যেই থাকুন অথবা কোটোর বাইবেই থাকুন, সাটল তার গারে বা শরীরের যে কোন অংশে লাগলেই ফলটস

(জে) যদি কোন থেলোয়াড় প্রতিপক্ষের বাধা স্থিট করেন তবে ফটস হবে।

(কে) ১৬ নম্বর আইন ৰথাৰথ পালিত না হলেও ফল্টস হবে।

#### Se जन्मत कार्टन

প্রতিপক প্রদত্ত না হওয়া প্রথাত সাভারের সাতিস করা উচিত নব। তার সাভিসের পর প্রতিপক যদি সাউল যাবার চেন্টা করে তারে ধ্যোলায়াড়কে প্রসত্ত বালে ধ্যাত হবে।

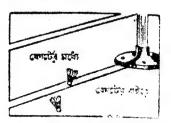
১৬ লেডিস কলের সহয় যে খেলেলড স্মান্ত্রস কর্ম্য এবং যে শ্রুপ্রেয় ড স্মান্ত্রস বিসিত্ত কর্ম্ভে দাইজনকেই স্মৃতিসি না হত্যা প্রাণ্ড নিজ নিজ নিগিন্ট স্ট্রিস কোটার মধ্যে মুট প্রের কোন না কোন আংশ मानिव मान्य निष्ठमञ्जूष मानिय राज्यस शहर । जार करर भागे आहि में नाईन, स्मारीह माहेंस अदर माहेफ माहेस्सड स्व डा सीत-বেন্টিত কোটাই সাভিস কোটা। সাভিসি হবার আলে বদি সাভার অথবা বিলিভারের প্রের কোন, অংশ সাভিস কোটোর লাইন স্পর্গ করে তবে পাশ্যর অবস্থান স্থানিস ফোটের বাইরে বলে ধরতে হবে। সাভার ও রিসিভারের সংগাঁ থেকোয়াড় নিজে:দর निट्यन्त एष-टकान स्नात्रशाह भौजारङ भ दहर। करव कौरमंत्र अभगकार्य मौकारक करव घरड প্রতিপক্ষের নাখির বাঘাট না হর কিবো खना कामकार्य श्रीडशाक्य राधा मुच्छिना 281

আত্রৰা—সাভিসি কর ব সময় পা নিশ্চল 
ক্রেকথার থাকবে বলে যে নিদেশি ক্রছে তা 
কিজ্টা বিভাগিতর স্থিত করাও পাথে। 
ইংরাজী আইনের বয়নে আছে—'সাম পাটী 
ক্রব বেথ ফিট হব লিজ পেলয়াসাঁ মাস্টা 
রিমেন ইন কটো ই উইখ দি গাউলছ নৈ এ 
ফেটশনারী প্রভিশন অন্তিল হি সাভিসি 
ইছ ডেলিভাডা।

পা এর এই কেট্শমারী পজিশানের বাংগ কি দুটে পা কি নিশ্চল অকশার, থাকার দ না, বাংখায় বলা হরে ছ, সাভিসি করার সময় পারের গোড়ালি মাটি থেকে উঠে গোলেও পারের আগত্বে বদি মাটির সংগা লেগে থাকে তবে ফল্টস কৰে না। সমাজাবে পাছেব আপানে মাটি থেকে উঠে গিলো লেখাল মাটির সংগা লেগে থাকতে পারে। মোটির উপর দুই পারের কোন না কোন অংশ অবদাই মাটির সংগা লাগিলে রাখানে। কেন পা মাটি থেকে একদম উঠে বাবে না।

Charles Companyage

ফটেবল খেলার প্রো-ইনের আইনের সাংগ এই আইনের অনেকখনি সংগতি আছে। প্রে-ইনের আইনেও দুইে পারের কোন না কোন অংশ মাধির সাংগ কালিয়া বেল বর্গ



সাউল কোটোর বাইনভারে সাইনের উপ্র পক্তল কোটোর মধ্যে প্রভাত বলে ২৫/২ তবে জলটন হয়ে না

#### ५५ जम्बर साहित

সাহিত্য বা বাংলির সময় হ'ল । //
বনটো কোনে হুপন লিকের বা নেওঁ নার । //
তবে কেনা হুটি হয় নাও নেটোর নু লিবার সাই কে কেটার বাইকে নিয়ে সাজি প্রত্যান মলি জন্মর নিকের কোটোর মধ্যে বা প্রত্যান উপর পরায় তা হালেও কোনা বুটি হয় না তার কেনা বৈদান্যতিন হু হান্দ্যারে ল্লাট ভাক্তে প্রবাদন

সাছিদ্দ পা কাজির স্থায় হবি সার্জন রাই পার কাজিব পার নোটোর লাগ্রন রা নোটোর উপার মার্টাক কাজে ভাবে ভাবি তাকাডে লাব।

হ্যান প্রকটা ভারত এবে এবন যার সালিছি ছিল সেই বৈলে মাড়ই জাবাব সালিছে করে খেলা সাবদ্ধ করবেন আপ্রেব স্মাভিতি বা খেলার বোন মাজা থাকাব নাত

#### ५५ सम्बद्ध आहेन

স্তিক কলার সময় স্তেপি সন্স্তিপ রাজেট সিয়ে আগত করার না প্রেট অধার নিস করেন তার ফ্রটেস হাস নান কিয়ে রাজেট হসি কেনেভাগ স্টাস পদা করে তার সাভিস্কির ব্যাব্যাত্ত বাল স্টাস্কির তার হা



স্মাণ্ডৰাল/মাৰ্থী মাংখাপাধাত



এখানে পিজৰ: উত্যক্ষাৰ এপণা সেন



মাল/স্মিতা সানাল



### ॥ िठत-अभारलाहना ॥

#### ৱাজা সাৰ

সভাগত ঘূর্য সাহারত এক হছস্থাক O He to sive on the win of the He रे वास छन्त्रको सङ्ग्रह सोम्बुर्ड २००० छ। इ.स. १९६ भारता कराव है है ते । एक ला है है RRIE GREE LAND LANDATE D'EMINE State Manager of the Committee of the Co চাইডুম টোকে চাইডু ভাৰমাণিক এক ୟାଣ୍ୟସମ୍ପ୍ର (ଜାନ୍ୟମିକ ସେବନ ୧୯୮) 中國、住村 知論的 "德洛"中門 建 মালে ধুলি এক তিলাপীড়াতেই সংভব এই **৯**১৮৯ অধ্যয়ের সাল্লের কিন্তু । বাংল সাধারে উল্লেখ্য কর, যায় কাট ত বিশ্বসেয়া অনুমার রলপার্থ ছবিরে আন্ সংসহ হৈছে, হিচামেল্ডিড স্থাল লৈবিক্ষেত্র ছড়াছড়ি। এব এলন কমেক্টি চমংকার মুহা্ডাভ ছবিতে পাই, বিশেষ করে প্রেমেন 🔞 সংগীতের ক্ষেক্তে, या उपाक्षिण "उन्हें।हरहीनः" (१४४<sup>४</sup>)हरू अरुगाई सङ्का। पश्च यद कृष्ट चित्रि ती

ay significant for the second

বিল্পীজন্ত ভথা বেজানিক যুগল শশী কপ্ত ও নগাতে যদি নশাকেব ভাল দেশে থাকে ভাবে নকাল সালা-এর শশী-নদাকেও নশশী একল বালা সাব সেকে একন্ত্রতী প্রায়ের সালা কালাকাল ভাবে লগাবে ভান্ডাভা প্রোয়ের জনা যদি কেউ স্বাস্থ্য করে ভবে তার নিশাকের উল্লেখ্য যাব্যার ক্যা

শ্রমণার মিলনের মার্ত্তাগুলি পরিচলক স্বত প্রধান স্থানত বে গছে

টুলোচন: ডিটেল এর দিকেও তাঁর নজর

এর দিক দালে। দেখা গছে—ছাট
বেস্টাব্য ব্যক্তান খলেবের কথা ছালিরের
লাম লেনে কর্তান আছে তেনান স্ক্রের হার্তান
কর্তান বিজ্ঞান কর্তান বিজ্ঞান স্ক্রের
কর্তান বিজ্ঞান কর্তান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান রাজ্যান
কর্তান বিজ্ঞান
কর্তান

দ্ভেত্তি নাটাম্হাতের সংগতি ১০ জনত সংগতিপরিচালকশর কলাণজী-১০ জনত সেখানে ভারতীয় ফকুসংগীতের সংগতি নিজ্জেন বলেই তা অরেও ভিত্তালাক। গোটা ভিন্ন পান মেন জনপ্রিয়

্ৰন্থী কংপাৰ ও নদাৰ অভিনয়ও বৈশ প্ৰাণ্যণত, ওংবা গাঢ় মিলনের মুহাতুতী শ্বান্ধন্দভাবে প্রকাশরের নির্মানির বিশেষ্ট প্রান্ধনিক করি নির্মানি নির্মানি নির্মানিক বিশ্বান্ধনিক করি নির্মানিক করি করিছে করিছে করিছে নির্মানিক করি করিছে করিছে করিছে নির্মানিক করি করিছে করি

### वाहा-प्रभारताहवा

#### महाक्रीत "अलाभ"

নাঠকার-পরিচালক বাদল সরকার বাল দিয়ে ভালই কারছেন যে প্রলাপণ নাটকের প্রশনস্থালির ম্লা হাদি কেউ নাভ দেন, অহতত হাসিট্কু আনন্দ দেবতা প্রলাপণ-এর প্রশনরাজি ম্লত ম্লাহানি এবাথা জবশা আমরা বলছি না, ভাবে এব কা ডি-ম্লা যে অপরিসাম তা অস্থাকার বরবাব উপায় দেই। বাবেল সরকারের হাসির জান্ধদেপুরে রঙ্গলী ১৯০ এক্টেম নতুন দেশে

আয়েন

also (व्रक्षु अत्वाविक्वव नार्षेक निर्मागता : बरमन नारिक्षी विकामीटक अन्धा वर्षेत्र

(TA-4660)



্ৰীতাতপ নিহলিচ ন্টাগলা ]

नकुन नाडेक!



ভাজনৰ নাটকের অপ্র' রুপানব ! প্রতি ব্যুস্পতিবার ও শনিবার : ৬॥টার প্রতি রবিবার ও ছাটির দিন : ৩টা ও ৬॥টার

॥ तहना ७ भतिहासना ॥

रमबनाबाद्य ग्रह

া র্পার্থ ।

আজিত ব্দেষ্যপাধারে, অপশী দেবী, শ্রেজ্য চটোপাধার, স্রভা চটোপাধার, নীলিলা গলে, সভীকু ভটাচার্ জোংলা বিশাস, শাস লাই। জেলাংল্ বস্, বাস্তী চটোপাধার, গৈবেন শ্রেশাধার, গীতা বে ও ভান্ বব্দ্যপাধার।

মল্লার 🚾 বিচিত্রাবুষ্ঠান

সেতার ॥ ইগ্রহ খাঁ নতা ধারা ॥ ভাগান্ত্রৰ দেশ

ন্তঃ পরিচালনা ৮ **র্বী দত**্ব **ম্কুন্ন চলবতী** আবেং সঙ্গীত ৮ শীৰেশ দক্ষ বংঠ সঙ্গীত ৪ **দিলীপ চলবতী** 

वादात श्रान ॥ क्यांक्क्ष्म मकी

সঙ্গতি প্রিচ্জেন। । **সংক্রিয়া সেন** সাহধ্যে । কেবস্**লাল বল্লোপাধার** 

वार्क्ट्री॥

পরিচালনা সংক্রিক নাম

द्ववीस् भन्न ॥ विशे बल्डेलन '७३

বিভিন্ন । ১০ ৭, ৫ ৩, ॥ **নবীন্দ্র সদন** মধ্যম । ৪ শ্যাহন্য প্রিক্ত স্থান্তি, কলি-২০ নাটক আগেও দেখেছি, এবং লক্ষ করেছ, হাসির মালা তার কাছে তহতাকু দশকেব মনে তা বতটাকু প্রশন ভাগায়। অধানি আট ফর আটেল সেক-এ বিশ্বালী কলা-কৈবলাবাদীর মতন তিনিও হাসি-শ্রে-ছাসিরই-জনা-নীতিতে বিশ্বালী সদ। তব্ও হাসি স্থির এক জক্ত পক্তা এই নাট্যকারের আছে। এবং এইখানেই দশকের উপরিপাওনা। অতএব "প্রলাপ" নাটকের মৌলক প্রশন বদি দশককে নাডা নাড দেয়, অন্তত হাসিট্কু নাট্যকারের আগান্বামী, দশককে নিন্দ্রই আন্দশ

আৰু মৌলিক প্ৰশেষত যে দিকটি নাটকে প্রলাপ সংলাপ, জালাপ ও বিলাপের মধো বিধাত তার ভিত্তি মানবের জীবন। মানব (4)WM 79414 रायक कवारे 6.48.4 অভিনীত) ছিবে নাটাৰার ভর্ণ ও তারই तकारिक शास्त्रका कानाक অন্তেক্ত নাটকে ৷ মান্ত ক্রীবনের খাজে বের করার জনা প্রায় অন্সন্ধিংসা নিছে ভারা প্রাক্ষর পর প্রকান করে ৬লেছে। উত্তর খালেছে। বাংগ্রা कालको सा बारगेतिर का सर प्रस्ता कर्या ক্ষবিকে নিয়ে যেমন নিসমি একংগ্রিমেণ্ট ভ্ৰেষ্ট্ৰমনি ভূচিৰৰ নিদাধ বাৰেষণ মান্বের জীবন নিয়ে। সংঘাসিধে ঘন্ত মানব --জবিদা স্বান দেখেছে, আদেশ তার ভিন্ন इन्हरूबाब् अरहस्येकारः এক<sup>ন</sup>দল প্রথম ছিক। 4.4.F.E अस्तार्थ स्वत् रहर्व শা ক ছেডেছিল, জেলেও যেতে পারত, ভালবেসেছে, কোনদিন অন্যায়ের সংখ্য



"অ.,০০০.র আংলা" (পরিচালনাঃ মঞ্চাল চক্তবত্তী') ছবিতে লোলির চট্টোপাধার ৪ অমির দাস

N. WINGE SASE WITH WITH SCAL जारम बद्धारकः निकानीत घण्ड अक्टाटक काविकात . 955 Eld 2550 शानरका अर्डामता किए। विकासकात्व WITH B নিৰ্দাহৰ সভা গ্ৰহণ করতে সে আনছঃ বিশ্বাস যদি চলে যায় হ মানৰ দক্তিাৰে কিলের উপৰ, ভার পল प्रकार मार्डि स्का नता वालकः । १४ ७ THE STATE OF THE PARTY STE তার জীবন নিয়প্ত। এই ভবিগ জীব किस्तामा द्वारत छटन छचन प्रतित प्र किर्दाविद्याल गांक्स भटरे भटे (ब्रह्मक साधायक सा with a six! क्रांत्रिक त्याकाक त्याकामा । स्था १ अवास्त्रीत्य व समस्तित किन्द्रा ६३१ ६ भ्यकाद **७ अ**साम अस्याही राज्य **ক্রে** হাসের -ক্রিবেশ্ব নানা প্রশ T#171 # 1

20 2 5 W andmid adres Same Charges B27 6911 電空界 を 857845 হিলিয়ে একাকার করে শ্যেছে ক্রেন্সেল না**টক**টি,তা নাচারের ভারতীয়া মুক্তার্কের **ট্রাভ্রাজ্য হ**য় । বালিডি STE WITH বিবাদ ও নিরাল ভাষ্টকার ভারা প্রকাশ কণাড় অ বিশ্বক মোনেটিই নাতন নয় ৷ 💢 🖽 শারু ছবার মাউক অগাং কাঁ নিটে হবে তা নিয়ে ভাবনা অথবা নাট্রেব বিশেষ্যর বিষ্ঠেশবা নিয়ে ১০৪ মাধা কিছাটা নতুনৰ অবশাই আছে करेंद्रे बारत शास भरता भरता পদাৰ উপত্ৰ "প্ৰলাপ", "সাল্যাপ" 11.50 P. C. C. farer HOREGE \$4.15 "আন্তব্ধ জবিদ্য" "আনেধেৰ দ'হি ট कर्पादीका रमाञ्चल : के इस इस के क्षात के के के के कोल्ड सम्बन्ध किरना आहेरका काल ম্নত্ত দ্ৰতিষ্ঠ কৰে আন ১০০০ চ মান্ত্ৰৰ দলপ্ৰৱ 21 3 (2**32**(2) का ब्राह्म के करब सम्बन्ध कर শোৰে দশকিকে কি স্বাহাণিকভাগে ধ্বাদন করা কেন্দ্র না নাকে এক রাশা হরেছে, তার ভিতার সাহী त्य-माग्रेटकत भागतकीटम विट হুখালার সূরে ও নেতিবাচক দ্রিণ্ট टमधाना कहे रहात्वत कम्भाउत्-दास বাড়ালেই সৰ কিছু খাৰ ভিডৰে " यात्र-धकर्षः स्वयानाम गरा कि ?

এবার গোড়ার কথার জাসি। अ

(fm-8686)



ইন্দর সেন পরিচালিত "প্রথম কলম ফ্র" ছবিতে সৌমির চ্যাটাজি, তন্জা, স্তেতা চাটাজি ও জন্তা বোৰ। ফটো--বেশ

সম্প্রিটি সমস্য ও প্রায় বিশ্ব হালে ছামানে। কিংবা ভীবনের লগ্নালের তা্ধিকার সকলেবই আছে: তুরুণ ভ ক্রেছিরও আছে। বিশ্ব এতেন ভিজ্ঞাসার যদি কোন বিশেষ দক্তিভাগে বা যাও বা প্রতিভিয়া এবং নৈরাশা থেকে উদ্ভার হয অর্থাৎ জিল্লাসে বা সভাসন্ধানী যদি অংগ হেলেকট সহালকাম ভাবনা বা ফলত ভাবা প্রভাবিত থ্যাক্ষম তারে সদ্ভিব মেলে কি য়ালবা শেলকে ভিডাসার হাত হয় বানি। সেক্ষেক্তৰ সঠিক উবৰ ভোলে ১০ এব চন্ট চাই বিজ্ঞানী ও যাগিবাদীৰ টকাক ও িরপেক মন। আত্তরে জবিন-সংবাদত অসমাৰ দিক থেপেৰ নাউকে কট পেলাম সেটা तक कथा नया। क्या की एकार पर दाव ঘাছাও মাখারে হয় করণ একবার বলা হয়েছে প্রসাদের মত প্রপ্রীবা যথন কথা <del>বল্লাভ</del> ভূখন নাকি তথা - ঘটিতে— ্ৰিক্য ক্লেক্স राहरत कथानहीस स्वीट আর্কশন"-এর মতঃ তবে দশাকের মগ্যক্তের উপর চাপ গড়প্রেও রংগরেসের সৈক থেকে যে মাউক্তি জনস্থ নিয়েছে ও আবার জন্মিকা কাখি।

শুক্রাপাত্রর হানা প্র শিংশী নির্দিতিন প্রাকা। অভিনয় প্রভাবেরই উট্টারর তিন্দ্র করে লালস সরকারের ভারা এবং পাকেল মুক্সীর ফটিক দুটি গ্রাভাবিক চলিও। দুই শিক্ষাীরই চরিচচিত্র বিশেষ প্রশংসনীয়। বিশেষদ্য দাশ তেরাবা এবং দেবেন গাংগালি ক্রিন্দ্র জীবনের অথা খাড়াতে চোরাছেন। ক্রমণ্ড বা তেনের মান্ধের জীবনের অথা খাড়াতে চোরাছেন। ক্রমণ্ড বা তেনের মান্ধের জীবনের অথা খাড়াতে চোরাছেন। ক্রমণ্ড বা তানের মান্ধ্রি বিশেষ্ট্রীর বিশেষ্ট্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চিন্দ্রীর চার্দ্রীর চিন্দ্রীর চারাবা ভারাবা ভারাবার চারাবা ভারাবার চারাবা ভারাবার চারাবার চা

#### বৃত্তিক অভিনীত "নদ্দীত"

আজকাল শোখিন মণ্ডে অনেক ধরনের
নাটক অভিনাতি হয়। অধিকাংশেরই না
পাকে কোন অর্থা, না থাকে কোন বন্ধরা।
সেদিক থেকে বৃতিকি-লোফী যে রবীন্দ্রনাথের একটি ক্লাসিক রচনা মন্দ্রালিকার
কান বৈছে নিয়েছেন সেজনা সাধ্বাদ ভানের অবশাই প্রাপা। এবং এই সাহস
সকলেবই আন্সরণের যেগা।

त्रदोक्तारश्च "ज्योगीख" **छेल्लि**एक অবেডেন বাঁডকি সম্প্রদায় ।৯ সেপ্টেম্বর ধর্মহালে। নাউরাপ দিয়েছেন সমত বস্। ্নাড়নাড়া"-এর সবটাকু রস এই নাটকে ফিলেছে কি: না. পারোপারি **মে**লেনি: ভাতত শেষের দিকে তো নয়ই। কিংত ্নগট্নীড"-এব স্বাদ **যতটকে পাওয়া গেছে** াতেই দশক অভিভত। **প্রথম** ভা**ল পা**য় সংপাৰ মালামাল: ৩ই <mark>অংশে রবীন</mark>দু-লাপের সংলাপেও অটাট। **মাল সংলাপ** হথাসমূহর পারে নাটকেই রক্ষা করা হাজ্যা ভাবে শেষের অংশে নাটকে কেমন ষেত্ৰ মোটা আঁচড ক্ৰান্ত গোছে। যা প্ৰায় খনক কিংলা অস্পতি থাকতে পারত তা তাতিমাতায় বাস্তু ও স্পণ্ট—যেমন চারা্র ভারতি পাট ভালবাসা রীভিমত রোমাণিটক প্রেমে পরাবসিত। অবশা চারা ও অসালের মুহ্ত পুলি ল- ভরংগতার नाप्रेट्ट চমংকারভাবে দেখানো হারছে, এবং সেই স্প্রে ভূপতির মনের শ্নেতাবেখে।

অভিনয় নাটকেব আকর্ষণ অনেক পরিমাণে বাড়িয়েছে। প্রধান তিনটি চরিত্রের (ভূপতি, চারা ও অমলা) রূপ প্রিয়াহন যথাক্যে শৈলেন মাথোপাধায়, ব্যেক্তী চট্টেপ্রধা**র ও সো**নেন চক্রতী। পৌছতে পেরেছেন, তবে একেটে বেলী
প্রাচ্ছণে পেরেছেন, তবে একেটে বেলী
প্রাচ্ছণা দেখিলেছেন শৈলেন মুখোনারার
ও সোমেন চক্তবতা। তালের ক্যান্ডার,
আচরণে, চেছারার এবং আভিজাভোর
লক্ষণে রবীদ্যকাছিনীর চরিত্র অনেক্যানি
বিশ্বাসবোগ্য হয়ে উঠেছে। বাল্পতী চটোপাধ্যার চার্কে শেবের অংশে বিশ্বাস্থা
করে তুলেছেন, বেখানে শেক ও আবেথের
চিহ্ন বেলা। উমাপদ ও ম্পাকিনীর
ভূমিকায় ব্যান্তমে শর্দিন্দ্র মুখোপান্থায় ও
ইরা বস্থারচালিত এই নাটকে পাত্রপাত্রীদের বেশভ্ষার প্রতি বিশেষ দ্লিট
রাখা হয়েছে।

#### त्रविश्रद्वात-धन "मा**भर**णाइन"

কলিকা সাব श्रामा वर्गमा-শিক্ষায়তন পক্ষিৰীয় প্ৰাঞ্জন সংগীত শিক্ষার্থাদের প্রতিষ্ঠিত ও পরিচালিত "ব্ৰিম্লাব"-এৰ শ্ৰিকীৰ সংগতি সংস্থা বংসর পর্তি উপলক্ষে আগামী ওরা ১৯৬৯ সুন্ধ্যা সাভটার অস্থ্যারর "রবিমলার"-এর শিল্পীরা রবীন্দ্রসভােবর মণ্ডে কবিগরের "শাপমোচন" নভানাটা রণ্ডম্থ করবেন। **প্রবীণ চটোপার্যারের** নিদেশিনায় সংগীতে বোগ দেবেন 🗟 সংস্থাব শিল্পীরা। **অসিত চটোপারাকের** নাভাপরিচালনায় অর্পেশ্বর ও ক্ষান্তিকার ভূমিকার রপেদান করবেন জীচটোপাধ্যার স্বয়ং ও অলকানন্দা চাক্লাদার। প্রশানা 🖜 অবহসপাতি পরিচালনার ভার নিরেছেন হথাক্রমে আমার চটোপাধারে (আকাশবাণী) ও দীনেশ চন্দ্র।



"ম্তিশনান" (পরিচালনাঃ আছিত গালমুলী) ছবিতে স্বিতী চটোপাধ্যায় ও অভিতা চটোপাধ্যায়

সামার কারা-খাবির করেছি কব স্থাতি ইণিজা কিলা স্থাবর্টারত প্রর্থা করেছি হাঁবর করেছিটি বাস রেক্ড কর্মান্তর। বেরেরেন হেল্ড মুখার্জ ও ক্যান্তর প্রকাশ পরিচালনা ক্যান্তর সুখাল খোব। বিকাশ কটক সংবীক্তাবিচালক।

> 40 410 1 5914 10 (14044 414) 25120 (156)

> > हनस व्यक्तिक जिल्लाका / कहन वानगर्थ विरक्षके भावता वारक

> > > (TH-WEEK)

রবীন্ধ সদৰে ১২ অঞ্চানন তক্কণ আপেক্সার (৫৫-৭১২১

"रिंगेलात"

(PA 8422)

२४८म स्मरणेष्यत्र त्रीवदात्र मकाक ১०॥गित्र



নালীকার প্রবেচ্চত

बाह्य कार्य

সন্ধাৰে ছ'টি চাবৰ

নিৰ্দেশনা : অভিডেশ বন্দোপানার বিষ্ট ৰশ্যারারে ৷ চিকিট পাওরা বাছে

(TH-WOOK)



একটি ব্ৰের স্থি—' —হ্গাভর ব্যুর্ডিতে উপভোগ করার

ব্রেছিরে উপতোগ কর। তল' —আনলবালর আন্ত্রিক নাট্য-প্রযোজনার একটি উল্লেখনোনা

MATERIAL - MYLES

गक्तर्व

अरमीकर

अक वग्न

५३। छाहि वद वस भाव

नकान मारफ मनाजेता। शक्त विकिते।

(FR 8022)



কার তি বনসালের "টেডালি" (পরিচারনা ঃ স্থার ম্থাবি) ছাবতে বিশ্ববিদ ও ফটো—বেদ

টল- িপুনী

খন মনে হচেছ, সেটা ছিল শাপে বর। এ ফিল্ম ফিন্যালনর টাকা নিয়ে শেষ অর্থাধ ম্ণাল সেন নিজেই ভুবন সোম-এর প্রয়োজক ছালেন। অংশং - শেষ প্রবিত সম্প্রিভাবি নিছের মনের মড়, ধ্বাধীনভাবে একটি ছবি कदरमा । भविषि याःमाद भविष्याकरहे गाःगः ময়, ভারতের চল চচ তরও মান বাডাল বিশ্ব-চলচ্চিত্রে অসেরে। অথচ এই "ভবন সোম"-এর প্রিণ্ট ও এডিলিং-এর কাড কলকাতার করা সম্ভব হয়নিং করতে *হ*াহঞিল বোৰবাটায়ে। শেব দিন শেষ মাহাতি भवनिष्ट प्रापानवात् प्राप्तका कर्राक्ष नगः। কলকাতাত বসে কৈ আমার ছবিব ক'ল শেষ করকে পাবর না ? কে পোনে কার কথা। খাতার নাম লিখিয়েছ কি? তখন যে চলজ্জি সংবৃদ্ধবের জনা ভাষণ ভোডজোড। কলক ভা থেকে নিজনি শিল্পী চলে গোলন द <u>हैरत । रमारकभारत इवित क'क</u> कहाउँ হত। তব্তরি তলিপ-তলপা গটোয় বইরে চলে যাওয়ার মধ্যে ব্যক্তি ছিল নিবাসনের সার। "ভূবন সোদ" কে কোম্বাই <sup>6</sup>চত রূপে bिक्रिक कतरक । हार्नाम भागानाबाद, "कृतन দেয়া বোদ্বাইরের নয় ও। তবে মাণলে-বাব্যর ভাগা একটা সদয় হল-বিভা "छारिए"- अत काङ कत्रवाद महायान स्थानन ्कन ? ना। 'रवाञ्चादेखत কলক ভার। প্রেডিটসর" মূণাল সেন ধ্রুন আবেনন

করেছেন তথ্য তাঁকে ভাবিং-এর আনুসতি দেওয়া হোক।

আক "কুবন সোম"-এবই কর : বেমন কর হল "গালী গাইন....."এব : দাি ছবিরই প্রিণ্ট বেশনাইরে টছবি : শভুবন সেমা" দেখার আগ্রহ সকলের : অসমি দত্ত কিন্তু ভেদিস জরের আগ্রহ সকলের : অসমি দত্ত কিন্তু ভেদিস জরের আগেই "কুবন দেমা" এর বিদ্যাল করের ছবি 'কুবন দেমা", তার মধ্যে একলন আবার বোবা : শানলাম, সভাবিং বাব্ ছবির খাব প্রদাসা করেরেন : মারাই লেখানে ছবিতি তারাই প্রদাসম পর্কাশ । মারাই লেখানে মারাই স্থালামিনী মানের প্রশাস্থা কেটা কেটা আবার বলেও দিক্ষেন ভাবিনি, ছবির আবার বলেও দিক্ষেন ভাবিনি, ছবির রাক্ষিনাম্ব, রবিশাস্থ্য ও সারাই বাব্রের ছবি আছে ।

\*

क्रीरका भरिष्ठानिक तम्ब क्रीय (याःक्री ্তাক্ষ কুসুম"। বলাব্যুলা, **5** 7 3 বাবসারিক আনাক্লা ३ हिमाशा श्वा**लवादा राज धारक**रीन। अके हे ានស្រឹង្គ នាមែង ។ क्षी कर करकट कर . **¥**1213 शक्ष श्रामां र HEME STEAK ভেলিস থেকে বোশাই ফিলৰ এসেছেন। रम<sup>्</sup>मन स्मर्था গৈয়েছিলাম 6.4 **ज्ञ**्च्याः । ব্লুকেন "ভেনিস ফেডিট্ডালের অভিকাতার মাল। আমার কাছে অনেকখনি।" তিনি জানালেন, "ফেলিউভাবে ভালো-মন্দ স্ব রকমের ভবিট লেখেছি। ছবির সমভান টেন্ড্" সম্বদেধ নতুন ধারণা নিমে ফি.ম এলাম। ফিলেমর হে হল্ড, তার ল্লাধীন বাৰহার আন্তে পৰ থেকে চনংকর
করেছে। আক্রুরালিটিকে ধর্বার জন্যে
তদেশে এখন স্টুরিভকে বছান করা হছে।
ভাধকাংশ চরি দেখে মনে হল, ওদের
ক্যামেরার অবাধ পতি যেন বছতেছ। সেট
তৈরী করে স্টুটিং করার কথা ওরা এখন
ভাবতেই পারে না, করমেরা নিমে বেরিরে
পক্তেন। ঘরের দৃশ্য খরেতেই তোলা হয়।
এটা সেখে নিজের ভবিবাং সম্বাদ্ধ আমি
জনেকটা আলান্বিত হরেছি।

প্রমণ্যত জীলেন ভারে একটি নতুন
থবর শোলালেন। চিলজেন ফিল্ম
লোলাইটির হরে তিনি একটি ভাবল ভার্সন
(বাংলা ও হিন্দী) ছবি করেছেন মাত
দ্মালে। সম্পূর্ণ ছবিটির শ্টিং শেষ
হতে সমর লোগেছে মাত আটারো দিন।
ভার মধাে পানেরো দিনই আটানভার।
লোকেশন ছিল বার্ইপ্রের ছ' মাইল
দ্রবহী এক অক্ পাড়ালা। বাকী
দ্দিনের ইনভারে করেছেন নিউ থিরেটার্স
দ্নন্বর স্ট্ডিওতে। রবীন্দ্রনাথের 'ইছা
প্রপ্"।

1-1400

#### **अ**निष्ठम

বিষল করের "প্রিচ্য" কাহিনী আবলম্বনে ছবি হচ্ছে। ছবিটি প্রিচালনা কব্বেন নিমলি মিচ। অসীমকুমার দৃত্ত ছবিটিব প্রবেশক।

পাঠকের চোখে

## िकटन्य हुम्बन ७ नग्रदम्ह

্ষিল্ম সেক্সব্লিপ তদ্ত ক্ষিটির স্পার্থক এবং সে-সম্পারে চিত্রতার্কাদের প্রতিক্রিয়া প্রকাশিত হবাব পর পাঠকদের অসংখ্য পত্র আয়োদের দেওবে এসেছে। সর পত্র প্রকাশ করা সম্ভব নয়। তার ক্ষেক্টি সংক্ষিণ্ড আকাবে নিচে দেওবা হলা ।

মহাশ্য

ফিলেম চুম্বন ও নংনদেহ" বিষয় বা লেখা হবেছে তা নিয়ে দুহেকটি কথা কলতে চাই। প্রীউত্তমক্ষার ও প্রীয়তী দুপ্তিয়ার উল্লিতে বঙ্গুই বাথা পেলাম আয়রা। বোন্বাই লিক্টোর তা আয়রা দুপাকদের যে কি দিতে চাইছে তা আয়রা সকলেই ব্যুক্তে পাবছি। সহত বাজিয়াং করে প্রসা বোলগার ছাড়া সোজা কথায় একে জার কিছুই বলা যায় না হিল্পী ছবি মামরা প্রবাসী বাঙালীবা প্রায়

कार्ताजिश्व "कांन्ज" (श्रीकाणमा : श्वरम्थ मतकात) : मानिती ह्योशायात ६ विकीश सम

দেখিইনা, সকলের সপৌ বসে দেখা বার না বলে, শৃথ্ বাঞ্চালীদের ভোলা ছবি ছাড়া। বাংলা দেশের কি এমনই দৈন্য হরেছে বে, পরসার জার দেখিরে বিদেশের ক্লেন বেটে পার তুলে এনে শিলেপর কােচিং দিরে সকলের পাতে পরিবেশন করার জনা বারা উদ্যন্ত হরে উঠেছে তাদের অন্করণ করবে বাংলাদেশ?

আর্ট এগভিবিশন, খাজুরাহো, আর भित्तमा एक नत्। भित्तमान शक्य कामारण्य ঘরের পরিবারের সমাজের প্রতিক্ষাব। সিনেমা মানুবের আচার ব্যবহার বুচি সুক্র শোভন করতে পারে। নংনতার চাব্ৰ মেরে শোধরাতে কাউকে পারবেনা, বাঙালী क्रम अस्ति वाक्रव। সিনেমায় এতট্ক অবাস্তৰতা সহা করতে পারেনা, নদীবকে অরণো নায়িকার গানের प्रमुखा स्थम अक्षामा बाक्ना त्वाक एठं, कि অসহ। লাগে। বোষবাই যা করে কর্ক, वारता रामाणव अध्याक्तक भविष्ठालकामव कार्य কংকোঞ্জন্রোধ এ মোহে যেন তীরা না পড়েন। ঘরের মা বোনের স্বাস্মাকে ন্থাদেৱে উপস্থিত না করলে হদি খিলেপর শত পালন করা না হয়, তবে তানা ছোক্। ইতি-প্ৰিপতা ছোব, প্রতিমা সান্যাল, গোরী মুখার্কি, কলসনা ছোষ। দৰব্পনগৰ, কানপার।

মুকাশ্য

মারা চলাকিতে চুম্বন ও নংনতার স্পারিশের বিরোধতা করে মতামত প্রতাশ করেছেন তাদের সকলকে আমার আফতারিক শ্রাবাদ জানাছি। খোসলা

কমিটির স্পারিশকে কথনই সমর্থন করা
বাল না। কারণ ভারতীয় ফিল্মে বাণ
চুম্বন ও নম্নদৃশ্য উপস্থাপনার জ্বাথ
স্বাধীনতা থাকে তাহলে তা সমাজের
সভাতার অপ্রগতির পথে প্রধান জন্তরার
স্থিত করবে। চুম্বন ও ন্যুনদৃশা বাতীভ
কি উন্নত্মানের ছবি তৈরি করা বার না?
তিমির দাশগুম্বত, বেলেবাটাঃ

SUC PLANTS OF THE PARTY OF THE

মহাশ্র স্পুতি ফিল্ম সেন্সর্বাশপ ভদন্ত কমিটি ফিলেম "চুন্বন ও নানদেহ" প্রদর্শনের যে স্পারিশ করেছেন সে সম্পর্কে বিচরের "উলি-টিশ্সনী" (দেশ/ ১৬ই আগস্ট, '৬৯) মার্ফত জানা গোল উত্তমকুমার, সহতিয়া দেবী, মাধ্বী মুখার্কি, র্সন্ধ্যা রায় ও আরো করেকঞ্চন চিত্রভারকা-দের হব-হব অভিনত। সুলিয়া দেবীর মতে এটি একটি "বোল্ড ন্টেপ", "**প্রস্তির** গতিপথের সংখ্য স্বাইকেই সমান ভাবে পালা দিয়ে চলতে হবে বৈকি!" -- অর্থাৎ তার মতান্যায়ী ফিলেম নগনতাই ছলো প্রগতির মাপকাঠি: এবং ষ্ডাদ্ন প্রবৈত অ্যাসের <u>সিবেমার</u> "নপ্নতা"-কে স্বাভাবিক বলে মেনে নিতে লা পারছি ততদিন আমরা নিজেদেরকে প্রগতিশীল বলে দাবী করতে পারবো না। --বিচক্রের লেখা থেকে মনে হ'লো স**ুঠি**য়া हनवी क कथाई वलहरू हान. अदः म्हाञ्चहा দেবীর মত তিনিও একই অভিমত পোৰৰ করেন।

ক্ষেত্র ।
সাহিত্য-শিক্ষে নগনতা তথা অধ্নীলতা
নিয়ে দেশে দেখে বিষ্তুর তক্ষিত্র

water water হরেছে। সে বিভক্তের লোলকথানার श्रदिलाय आकारका साधाय दाहे। শ্বে এই যে-সাহিতাখিলে নন্দ্ৰভাষ বাদ্যবাদ্ধি প্রক্তপক্ত आधासिक অবক্রতারই অনিবার্য পরিণতি।

প্রমণাতঃ অনেকেই কোনারক খালা-রাহোর মিথনে মাতিগালোর সৌলবের কথা উল্লেখ করতে উৎসাহ বোধ করকেন। সেগ্রলোর হয়তো সভাই একটি খিল্প-গরিমা আছে। কিম্ত পশ্চাতে त्य कि পরিমাণ অন্ধকারময় ইতিব্তু ল্কায়িত তা একমাত অনুসন্ধানী ইতিহাসের ছাত্রাই আত আছেন। क्रांच ঐতিহাসিকের মতে-

"The images help us in forming an idea on the prevalence of corruption in the contemporary society."

হাজার রকমের অন্লীলতা ও যথেক যৌনাচারই আন্ধু সাংস্কৃতিক ক্ষেত্রে প্রগতি-শীলতার মাপকাঠি হয়ে দীডিয়েছে। অথচ এই "প্রগতিশীল" পাথেই একদিন "দেবদাসী" "ক্যারী প জা" আর "ভোগের মাধামে যোগের সাধনা" করতে গিয়ে সমগ্র জাতির মেরুদক্তে যে ক্ষয় রোগের সঞ্চর হরেছিল ভার অনিবার্য পরিণতির কথা আম্বা জ্বান। সমাজে নৈতিক শক্তি অবনতি ঘটলে তাব ফল যে কত সূদ্র-প্রসারী হয় তার প্রমাণ পাওয়া যাবে আরো অনেক দেশের প্রাচীন ইতিহাসে।

শমেল দাস কোচবিহার।

য়তাশ্ব

খোসলা ক্মিটিব বিপোট সম্বর্ণেধ ক্রন্ত্রক ক্রায়কজন শিল্পীর মূহত্যা থেকে সাধারণভাবে এটাই মনে করা যেতে পারে যে মহিলা শিলপীরা এই স্পারিশকে স্বাগত জানাতে পারছেন না কিল্ড পারাষ শিক্ষীরা এটাকে অভিনন্দন জানাচ্ছেন। আমাদের সাধারণ অভিজ্ঞতা থেকে এটা বললে বোধহয় ভুল হবে না যে, সিনেমায় नग्नापट वलाउ भाषातग्राप्त महिलाएन्दरे প্রায়-নাশন দেহ দেখা যায়। বিদেশী ছবিতে অনেক সময়ই দেখা বায় যে, একদিকে প্রেষের পোশাকের অভিশ্যা আর তার গদেই মহিলার পোশাকের অস্বাভাবিক দ্বলপ্তা-একটা দৃণ্টিকট্ বৈষমা। প্রেষ প্রভাবিত সমাজে এটাই বোধহয় স্বাভাবিক নিয়ম। এমনিতেই হয়ত মানাফালোভী প্রয়েজক পরিচালকরা মহিলা শিল্পীদেব ছবলপ পোশ কোর ওপর জোর দেন। সেন্সর বোডেরি ভয়ে তানের ইচ্ছা পরেপর্নির সফল করা সম্ভব হয়ে ওঠে না। কিন্ত একবার যদি সিনেমার নংনাদেই দেখানে ব অনুমতি পাওয়া যয় তাহলে অথলৈভী প্রয়োজক পরিচালকর। মহিলাদের ওপর চাপ স্থিট করবেন। এই পরিপ্লেক্ষিতে



শ্বংচনের "অরক্ষণীয়া" অবল্বনৈ তৈরি 'নাও মেৰো' (পরিচালনাঃ স্নৌল बर्ग्मगुभाशास) इविरक स्मीत्रमी कर्छ। सम हता है जि

বিশেষ विश्वास्त्रीरमञ মতি লা প্রণিধানযোগ্য। তাঁদের পক্ষে আশন্কিত হওয়া ব্যেধহয় স্বাভাবিক। এই সকল চিত্রে অভিনয়ের জনা কোন কোন মহিলা হয়ত এগিয়ে আসবেন, কিল্ড বহা গণী শিল্পী আর্সম্মান রকার জন্য সিনেমা ভাগং থেকে সরে দক্ষিতে কথা হবেন। এর ফলে আমাদের বেশ বড়রকমের একটি ক্ষতি হবে। মনে হয় না এই স**ু**পারিশ ক্যাক্রী হলে মহৎ শিল্পস্থির পক্ষে কিছা অবদান যোগাবে। শ্রমার কিছা নীচ স্মাজদ্রেহী ব্যবসারী লোকের স্বাধনিতা ৰাজ্যে, প্ৰকৃত শিলেপৰ কোন উংকর্ষ কাভ হবে না।

ভাবেক সময় শোনা ৰায় ৰে. বাহিরের সেকপ্রধান নান্দেহ সিনেমার দশকিরা खाशास्त्र रमरमञ् भिरत्यात भरता ७०% পথত সার খালে পায় এবং সেগালের भुगरमा करता अहे निर्मायको आसाहत्त জিলেয়ার স্থান বিশেবর আসতে জলে ধরেছে। ভারতীয় সমাজ জীবনের স্বাহন্দা रकार या स्थाप करा निरम्भव स्मीकार्थ. বোধকে আঘাত করে শাধা বিদেশী জীবনের পক্ষাঘাতদুটে দিক্ষি তলে ধরতে का शास्त्रज्ञ 513 বিশ্বয়ান্টিল ছারাবে। সর্বোপরি দেশের **হারসমা**জার পণ্যা করার পক্ষে এটা এক দার্মন ক্ষম रत्र विश्ववृद्धिः विरवहरः कत् श्रासादनः।

—সভারত চৌধানী কলিকাত -- ৩৩

হতাশায়

तुम्बान्त क्रकांगड श्रीकारक शिल्हकर শ্যুক্ত চুদ্রমা, নামন্দেহণ গৈষেরক আলকাঃ চনাটি ভালেকালক ধ্রিসংগ্রা ধর্ম- আপনার 2 A S াসবাধীনাভার অপ্রারহার না ঘটে", করণ "এদেশে क्रवासीमाना ता राजानगरनत करण्या करणकाः-हार्यक अस्थाल यह निविधा। अधारा अधार ভারতবাসীর স্বাভাবিক প্রক্রের ও লগ্ডা <u>क्रवर भरतीश्</u>ति रशकात Aferi"1 আমাসদার সেবাল সমাস্কার বা সাবালার कलाएवर कथा क्याला घएटा কেউ ভাবের তা। দাদিবের জালা। মাদির राष्ट्र साकिन्ध्वादार्व है अति ডিলেমীয় বিষয় এবং লডিয়া

আল্লাফের ফেলের সংস্কার ঐতিহা একদেরট আমাদের নিচালন। ভাগে মেনে চ<del>লাটট গ্ৰেব ন</del>, মানচেত বহেচে,তী িক্রমা সেই। সম্মান্তার স্বান্থ *দ্বারে*র জানির স্বাহা প্রতার কারকার লী वर्तित-मिष्टि क्षया उपरापत छ।डेम-कामारमय মাত্রই মেন্সে চলায়েত হয় ৷ নিজের পালেব মাজেলয়ৰ যেখন সেখে নিধাৰণত তেখনি কারো নিজের প্রফ সম্ভব নয়: কারণেই ভিয়া ব্যক্তিকে বিভাবকের আসান লক্ষণ হয় কৰা কৰি-স্বাধনিকাল ভাই স্বীমাৰণা।

ইতি-কালোবরণ যোষ

কালবাতার মারি মাসা

36,0 75 **डेश**ना म भारतक्षणगण्ड 'শ্রীকংত'র চতুর্গ প্রা অবলম্বনে তৈরি "ক্মললত।"র খাটিং গোষ। ছবিটি এখন মন্ত্রি প্রত্যক্ষায়। ছবিটি পরিচালনা করেছেন হরিসাধন দাশগুণ্ড: নামছণিকায় অভিনয় করেছেন স্মৃতিরা সেন। উত্তমকুমার হয়েছেন শ্রীকাশ্চ। নির্মাক্ষার গহর। পাহাড়ী সান্যাল, ছায়া দেবী য'ুই বানাজি. জহর রার প্রমূথ ছবির অনান। বিশিশ্ট চরি চর শিক্ষী। ছবির সংগতি পরিচালনা करतरस्म द्वरीम हरदे भारताय।

## আম্বাণ্য দেব



### ती क्व

















ज्रुक्त अर्घा बग्र हरेगछे जातीय



পশ্চিমবংশা নতুন রাজাপালের কাষ্ট্রার গ্রহণ বর্তমান সংতাহের বিশেষতাবে উল্লেখাখাগা ঘটনা। ১১ সেপটেম্বর শতুরবার নতুন রাজাপাল শ্রীশান্তিস্বরূপ ধাওরান কল্ক তায় আসেন এবং এই দিনই রাজজবান শপ্ত গ্রহণ করেন। শপ্ত গ্রহণের অবাবহিত প্রেই তিনি এই

আশা বস্তু করেন বে, পশ্চিমবশ্যে যুদ্ধানেও সরকার সুন্থিত হবে।
ছার আরও বিশ্বাস জনকল্যাণের কল্পে একবোণে ১৪টি রাজনৈতিব
দলের আছানিয়োগ জনস্থান্ত্রণকেও এই দৃষ্টান্ত জন্মুসরণে জন্
প্রাণিত করবে। এদিন নতুন রাজ্যপাল এক বেতার-ভাক্রে সাংবিধানিক
দারিত্ব পালনের ও রাজ্যের জনগণের সেবার জ্ব ছানিয়োগের সংক্ষণ
প্রকাশ করেন। তিনি বলেনঃ—আমি শৃপত্ব নিরোছ যে, সংবিধ ন ও
আইন অক্ষ্রের রাধ্ব, তা সমর্থনি ও রক্ষা করব এবং রাজ্যের জনসাধারণের কল্যাণ ও সেবার নিজ্যেক নিরোগ করব। আলোচন।
প্রস্থিপ জনৈক সংবানক প্রী ধাওয়ানকে বলেনঃ—আয়ার্য বিপালনী



প্রজ্ঞিত বালছেন বে, "কমিউনিস্টরা দেখের সংহত্তি বিন্দুকারী" তাঁদের সংগ্র আপনার দহরম মাছ এবং এই কারণেই রাজ্যপাল পরে আপনার নিয়োগ বাতিল করে দেওয়া উচিত। আপনি এ-সম্বাদ্ধ কি বলেন। উত্তরে প্রী ধাওয়ান বালেন—ওইসর বাজিদের গ্রেষ্ট কমিউনিস্টাদের দেশপ্রেম সম্পর্কে আমার আগ্র্যা আনেক বেশী। প্রীক্রোতি বসার প্রশংসা সাপকে ডানেক জনসংঘ নেতার কটকের প্রতি ভার দুন্তি আকর্ষণ করা হলে তিনি বলেনং—বহা পালিজপতি—ইয়োরে পিয়ান এবং আমেরিকান লগতান আলোচনাক কে আমের কাছে প্রীবসার প্রশংসা করেছেন। প্রী ধাওয়ান ইতিপ্রিব জনতান ভারতের হাই-ক্রিকান বিজ্ঞান

#### टमयी जःबाह

১৫ সেপ্টেমবর—গোন্ধ রাজীরকরণের পর কি কি বাবস্থা নেওয়া যেতে পারে প্রধানসংগ্রী জীয়তী ইনিদরা গাগেই তাই নৈরে আক্ত তাঁর মান্ত্রসভার কারকজন সহবামীরি সপো জ্ঞানোতানা কানো। জ্ঞানোতানা কানো। জ্ঞানিতানা কানো। জ্ঞানিতানা কানো। জ্ঞানিতানা কানো। জ্ঞানিতানা কানো। জ্ঞানিতানা কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্তর্গিন আন্ত্রমান কান্ত্রমান কান্ত্রমান কান্তর্গিকান কান্তর্গানিকান কান্তর্গানিকান কান্ত্রমান কান

ত্যক্ত পদিচ্যবাধ্য বিধানসভাৱ বর্তমান অধিবোধানর দেব দিনের দেব প্রবাহ পদিচ্যবাধ্য
কোনে কি নিজ নিজে বিতর্কা বেশ কাম প্রতি।
নিজার উধাপন কাবেও ধের প্রথম উপাধ্যক্তর
কালের পাকের এক বৈধানর প্রথম উপাধ্যক্তর
কালিগারর পন নিয়ন্ত্র-বিভার্যার মন্ত্রী প্রীভিক্তি
ভূষণ দেকে। এর প্রথম কারে কোন করা এক প্রত্যাপ্রতি কিশাব প্রভিক্তারকাল দ্বামান্ত্র
বিধানসভাৱ ব্যামান আধ্যন্ত্রের প্রথমনাত্র

১৭ সেপনেম্বর—দাক সম্মানির বিধান কালার (সদস্য বারোজ্য মানিকী কালারা রাল্য বালায়ের রাল্য কাল আবো ন্যাব্যাকী বিদ্যা মানিক বিদ্যা কালায়ের কাল কাম বিদ্যা মানিকাল্যকালী মিলাবাক্ত বিধান বিদ্যালয়ের কাছে সাক্ষ্য মানিকালক বিধান করি জাবাব ভাত্যভাত্তি মানানাক করি।

ন্দ্রী প্রায়ের ক্রমান্ত্রেক ক্রমান্ত্রেক ক্রমান্ত্রিক ক্রমান্ত্রিক



জাই (এম) পির কবেছেন বে, টালিগঞে দাজাবেন শিকামধ্যী প্রামাজনিক কম এবং বামনা-বেন্দ্রে প্রামাজনিক কয়।

১) সোপরে ব্যক্ত নার্থাসন্ত্রা কর্মিনি নিজে এটা চলাজ্যার নাজ ভাল জ কলালৈ প্রত্যাত করে এ এক কলালৈ প্রত্যাত করে এ এক জাত করি করে জাত করে এই বিলেশতে বিভাগার করে এই বিলেশতে বিভাগার করে এই বিলেশতে বিভাগার করে এই বিলেশতে বিভাগার করে বিলাল করে বিলাল করে বিলাল করে বিলাল করে বিলাল করে বিলাল করে করে বিলাল করে

২০ সেপ্টেম্মর কংগ্রাভাষ প্রস্কৃতি ক্রান্ত বিভাগের প্রান্ত প্রতি ক্রান্ত বিভাগের ক্রান্ত ক্রা

শিশ্প উন্নয়ন ও কোনপানি বিষয়ক দাস্থ্যের মধ্যী শ্রীফকর শিন্দ কাজি রামেন আজ সংলন, নতন যে বৈষ্ট্যিক নীতি রচনা করা হাজ তার মোল সামাজিক কক হজেও মানের বৈষ্যা হাল, মানিনৈমায়ৰ হাততে অপনিতিক ক্ষমতা কেন্দ্ৰভিত্ত হাওয়া এবং নিক্ষাস্থ্যপাক কৰি কড়াক উৰ্পাচনত বাব্যবাদি নিক্ষমৰ ব্যাস্থ্য

ই সেপটেইবর কর্ম পিতালে প্রায় ।
হাজার বিক্ষাধ কন্টা তালিপার পিতৃতা বিধেন করে।
তার বিক্ষাধ কন্টা তালিপার পিতৃতা বিধেন করে।
তার বিক্ষাধকারীয়া নানা ধর্মী সেনা। এবা
পথসাচা করে কারীয়া অধনিমীতিকে স্থিতাই
করার কনা বিচুলা গোষ্ঠীয় নিমলা করা হা
বিভূলা বাড়িতে কড়া প্রায় নানারে ক্রায়াত বিধ্
নার্থান করি বিক্রার ক্রানিত্র ক্রেয়াত বিধ্
নার্থান করি বিক্রার ক্রানিত্র ক্রেয়াত ব্য
সংখ্যা তাকে বিক্রার ক্রানিত্র ক্রায়াত ব্

#### तिरमञ्जी सःताम

১৫ সেপটেনবর—পান্তম্য লক্ষাত ৬০০০ পান্তমা গৈলেকু। তিনি ছাল্যা বিভাগত জন্মাত লক্ষ্য থানি প্রকাশিনিয়ে ১০০০ পালেম বিভাগত কিয়ে প্রকাশিনিয়ে কর্মানিয়ে বিভাগত ক্ষান্তমান কর্মানিয়ে বিভাগত ক্ষয়ের ক্ষান্তমান কর্মানিয়ে ক্ষান্তম্য বিভাগত দ্বাহি ক্ষান্তম বাহনত ক্ষয়ে বিভাগত দ্বাহন ক্ষয়ের বাহনত ক্ষয়ে বিভাগত দ্বাহন ক্ষয়ের বাহনত ক্ষয়ে বিভাগত দ্বাহন

৯৬ সেপ্টেম্বৰ— চীদে প্রথম ক্রায়ন প্রতিত্ কানে বা ব্যাসিলে জানিকালী আনবিদ্ধা আন্ধানত প্রথমিক স্বক্রাণীভাবে প্রথমিক আনুষ্ঠিত ভাতি মানক্ষীর আন্ধানী ৯৯৮৮ সাল্পের করে আন্ধান বাতে কিবিক জানানী আন্ধান আন্ধান ক্রায়ের ক্রায়ের বা নিবেত ক্রায়ানী লাইস ক্ষান্ত স্বায়ের বা বাহারে, স্পতিস্থানী বিশ্বস্থা ভূতা বিভ্রম্ন

১৭ সেপটেইমমা সংগ্ৰিকটো লগত থিকে।
কান নালাৰ বাসমাল বাগেল প্ৰদান এবং
বালিকাপক নিৰ্মান্ত বাগেল প্ৰদান এবং
কানা বামন্ত্ৰী লগত সংস্কৃতি এক কান্ত নিৰ্মান্ত এক নান্ত্ৰী ক্ষমা কান্ত্ৰী কোনো বামন্ত্ৰী লগত সংস্কৃতি এক কান্ত্ৰী নিৰ্মান্ত্ৰী এক নান্ত্ৰী ক্ষমা কান্ত্ৰী কোনো মান্ত্ৰী কান্ত্ৰী কান্ত্ৰী কোনো বাগেলিকাক্ষ্য কান্ত্ৰী ক্ষমান কান্ত্ৰী কানাৰ বাগেলিকাক্ষ্য কান্ত্ৰী ক্ষমান কান্ত্ৰী কানাৰ বাগেলিকাক্ষ্য কান্ত্ৰীকান ক্ষমান কান্ত্ৰী কানাৰ বাগেলিকাক্ষ্য কান্ত্ৰীকান কান্ত্ৰী কানাৰ কান্ত্ৰী কান্ত্ৰী কান্ত্ৰী কান্ত্ৰী নিৰ্মান্ত্ৰী কান্ত্ৰী কান্ত্ৰীকান কান্ত্

হৈ ক্ষেত্ৰীয় বাদ্ধান কৰিছে। তিন্তু ক্ষেত্ৰীয় কৰিছে। বিশ্ব কৰিছে কৰিছে বাদ্ধান কৰিছে। বিশ্ব বিশ্র বিশ্ব ব

২০ সেপটেমনর - প্রিজ্ঞানের পুরুর প্রেসিন্ডেট আছার জন্ম প্রকাল বানে কর্বাচন বে, তিনি প্রার সভা বাজারীনিক দ মুসলিম লাজিব জুলন তিসানে জ্ঞান নত কর্বান নতা প্রিয়াম্য ভানিক্রেনে মে প্র লাকে নতন নেকুর প্রয়োজন। এজনা আনতা নবেশ্বর প্রয়ামিনিক্রিক সভান।

১৯ শেশটোবার—দ্বিশ্ব ছিলেরনার প্রা মার্বিলন সেরা অপসলোপের নিনির্বাটিত ছিল্লভ্রমারী সেনা অপসলোপের লানে মার্বিন বাসরাজী যে প্রভাগে বলে, ইন্দ্র ছিল্লভ্রমার ইটা অপাত্র করেলে। বলের প্রতিশ্ব করে সরবাটি বিক্রিভাগে লগা লাল মার্বিন সেন অপসারাপ নিঃশ্বতি হতে হবে।

#### THE R ॥ भाषात्र नाजन वहे ॥ क्ष्मप । अवगाचक व्यापका ৭৫ আট প্লেট সহ जिल्ला कार्या कवित्र मद्भ युद्रारिश নোফার ভয়ৎকর त्नका, त्रुम्बरी त्नका स्मोन्धर बन, इ <u>डे भगाव</u> ਰਿਸ਼ਗ र्भाष्ट्रनी 8 न्दण्डाचकुणात 8743 CHICAG ग्रस्म कन्याक्यात र विनासाम्य भाकामम्बदा ६. **क्टदी भाषाारम** क्रीयन - सम्हरूबा ভবারী দিব্যার্থান্দের ভারত ভারণ করিনী लीका न्यक्रमात ताय ८॥ भागाडीयं कावड ১०. भक्त, अमादब्र বহু, চিত্ত শোভিত গান্ধীজীর शान्धी करिक रहरामा मर्याशको ताराहरूग, শৈলেশকমার করপ্রকাশ, কুপলেনী প্রমূপ ভারত-গঠনকর্ম ৪॥ পরিক্রমা ১৫১ वरमाभागासास ননীবিল্প কহ'ক লিখিত क्रमाबली গান্ধী রচনাসম্ভার भदाया গাজীৰ ছে:টাদর গলপ मामधनाथ पार्यक माधनारा बाध-व লালা মহামদারের কিশোর গ্রন্থ।বলা (बाशात वर्षे (रामः) श्रद्धानय काहिमाँ ६ डेल्साकः) ্লেখিকাৰ স্বাহ্ৰ অবদ্দে একাট বভাল ও একটি ছেচেব মহাব গ্রহণ। विकृष्टिकृषन वटन्याभाषात्मत्र নাঁচাররজন গ্রেডর ৰহিশিখা ৩ पृष्टि अमीप शावनी ७ जान दिवास मृत्याभाषाद्वत क्रवनीन्त्रनाथ ठाकरवव গ্রেণ্ডুকুমার মিতের

यत हिल वामा ए,

অচিন্ত্রকুমার সেনগ্রেক গোরাখ্য পরিজন ১০, সৈয়দ গ্ৰহতবা আলীৰ রাজা উজীর ৮, আশাপ্ৰা দেবীর

क्यानिकाठा स्त्राम ७,

স্বয়ংবৃতা

नीत्रमध्या टांधातीत :बाभ्गाली कौबदन समगी ५०.

> श्रदावकुमात जानगरमत এক চামচ গণ্যা ৪.

याना वायायन

1 4 577 %

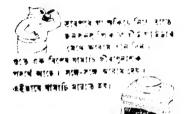
न्यामा छत्रन दम न्योरि, किकारा - ३२ মিত ट्याय 50.



## প্রতি বছরের ফালা

এবং কেমন ক'রে তা ভুড়োতে হয়

বামাতি। এই বিজ গোটো গোটা এতন চুপানে তে চুপানে তে এতন চুপানে তে চুপানে তে এই সংলাম । কনসন্দা বিভিন্ন তি উলি সংলাম । বা বিভিন্ন তি টি পাইডার ভাষাতাতি হামাতি সাবিধে দেও আম্বান, উপনিয়ক্ত কনসন্দা বিভিন্ন তি টিট সংলাম পিত্র আমে কলন। প্রতে বেংমকুগোৰ আলোহ আন্তাম (প্রক্র সংলামণ বেংম করে।



জনসনস্ প্রিকলি হীট প্রোডাক্ট্রস্



	4
महाका भारती-	349
বাংগচিত-	ZOR
म् गानावे-	207
র্পদশীর সংবাদভাবা—	295
বৈদেশিকী—	268
ज्ञानम्बद्ध <del>कार्माक</del> —	200
এখন তোমাকে (কবিতা)—শ্রীপিনাকেশ সরকার	264
ছেলেবেলার ঘাতক (কবিতা)—শ্রীঅর্ণেশ ঘোষ	264
অসাড় (কবিতা)—শ্রীমতী স্কেতা ভট্টাচার্য	264
এই নির্মাল খাঁচায় (কবিতা)—শ্রীমতী দীপা সেন	264
পণ্ডতন্ম—ডঃ সৈয়দ ম্জতবা আলী	606

প্ৰথম খব্দ প্ৰকাশিত হল

## शिविश बह्नावली

নাট্যাচার্যা গিরিশচন্দ্র ঘোষের সমগ্র রচনা—নাউক, উপন্যাস, গান্স, কবিতা, গান, ন্বর্রালিপি, প্রবন্ধ, বিভিন্ন পার্লিকা থেকে বা-কিছ্ পাওরা সম্পর্ক সমস্প্রই আমরা সংগ্রহ করে চার খণ্ডে প্রকাশ করছি। প্রথম খণ্ড প্রকাশিত হরেছে গান কুড়ি টাকা ]; ন্বিতীয় খণ্ড প্রকাশিত হবে বিভাগন বংসারের শেবের পিকে এবং বাকি দুটি খণ্ড প্রকাশিত হবে ১৯৭০ সনের মধ্যে। উল্লেখ্য, গিরিশচন্দ্রের কিছ্ রচনা একদা বাজেরাণত ছিল এবং অভাগত দুন্প্রাপ্য ছিল, আমরা তা বহু জারাসে সংগ্রহ করে বিভিন্ন খণ্ডে সমিবিষ্ট করছি। প্রথম খণ্ডের সম্পাদনা করেছেন ডঃ রখীশানাথ রায় ও ডঃ দেবীপদ ভট্টাচার্য এবং এই খণ্ডে সমিবিষ্ট গিরিশচন্দ্রের ভাবিনী ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেছেন ডঃ ভট্টাচার্য। অন্য খণ্ডগুলিরও সম্পাদনা ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেনে ডঃ ভট্টাচার্য। যারা পরবর্তী খণ্ড-গুলি পাওরা সম্পর্কে স্থানিষ্টিত হতে চান, তাঁদের নাম-ঠিকানা আমাদের আগিসে প্রস্থারা জানান্তে অনুরেন্ধ করি, প্রকাশন-বিজ্ঞাণিত ভাদের পাঠনে হবে।

अथम भट्छ - २५वि नावेक व ववि अवन्य।

विजीत बटण्ड — १२वि नावेक, २वि छेणनाम, विवे बण्ण,

३७वि श्रवाय ६ ३वि कविकासम्बन्ध

एकीय मान्छ - २५वि नावेक, ५वि केनवान, ४वि श्रवन्य

७ ३वि कविष्ठाश्रम्थ।

इक्रम चर्न्फ - ५५वि नावेक, ४वि सम्म, २५वि श्रमम

५ ५ कि कविकाश्चन्य ।

গিরিশ রচনাবলীর সম্পূর্ণ তালিকা ও আমাদের জন্যান্য প্রদেশ্য তালিকার জন্য লিখনে।

## माहि छा मः मम

৩২এ আচার্য প্রফারন্য রোড ॥ কলিকাতা ১ [৩৫-৭৬৬১]

men com manage uppince me and ne genine upm :

## त्रमध्यिती का

कर्राहे चर्च

११वह विश्वस्थाम

नीवर्गरं । वसनानिक प्रमुख सम्बद्ध क्रिनोक्तिमिल्लाह यूह दलीक

वाश्वा गृश्या (छत्र क्रम

न्त्रात साम शर्गाक

था। छि चै। प्रम

खंश*्र छ। छ।* निर्माणन्य सम्राज्येदरी अभीष छ। ब्रास्ट के स्थितन अ

जामात कथा ४०:००

e. ति. शाबानी श्रमीक

স্বেম্ম বৰ্ম সংক্ষাৰ প্ৰকাশিক হইল।

न। ९५क

শরংসাহিত্যবিষয়ক সমালোচনা গ্রন্থ ভঃ সুবোধচনা সেনসূত্র

সর্বস্তরের পাঠকপাঠিকাদের জন্য

শাসত ভারত

দেৰভার কথা : ক্ষরির কথা অনুবের কথা : উপদেৰভার কথা শ্রীসংবাধকুমার চক্তবতী প্রদীত

ঐ একই লেখকের লেখা ছোটদের জন্য ভারতের বিভিন্ন রাজ্য নিশ্র এক একখানি: স্বস্তুম্পূর্ণ প্রথমগাহিনী

जाशास्त्र (एन

উড़िया: अन्य: श्रीरुत्तः गरमक गरित रहेन जीवनाकु

श्रीक बन्ड ग्रा २.४०

প্রকাশক: এ. মুখারুটি কান্ড কোর প্রাঃ বিঃ ২ বাঁক্য চাটজ্ব' শু<sup>ন</sup>্ত, কলিক:ডা-১২ BURGE BURE

CHA

(बाराहित कि-बार কয়েকটা দিন ভারি অস্বস্তি ७ यञ्जभाया काठीएउ इस्। সারিড়ন গু অবস্থায় वसारं काहिए। শ্ধু যে আরাম এনে দেয ठा-ई वश-শরীরটিও বারবারে চাঙ্গা ক'রে তোলে। ञातिएत

(

WT 8433 A



lan core	<b>~</b>
ৰাওলা, বাঙালা ও গাফীজী-প্রীভবানীয়সাদ হব গায়াপার-শ্রীশীর্ষেন্দ্ ম্থোপাধারে	ইল্যাফাল ১৭১ ৩৯৯
विश्वविकान श्रीनमजीकर कत	3003
বাঙলার চালচিত্র—শ্রীআবদ্ধ জব্বার	\$006
ভারোরর ছে'ড়াপাতা—ফাদার দাতিরেন	2022
গানের আসর—শাণ্গদৈব	5054
क्रीवन (व-व्रक्य-शिन्नीन ग्रामाशावाव	>0>>
অর্থিক ভারত-শ্রীস্ত্রত গ্রুত	>0>&
চিত্রপূর্ণনী—চিত্রপ্রির	5029
অদ্রের দিয়নী—দরবেশ	>0>>
षाटनाइना-	2000

श्रकाणिक हम

विक्रम हक्रवणी

# গোড়েরশেষরজন

ইতিহাসের মধ্যমারে পাতৃরিটিজ এবং মর জলদসমূদের নৃশংস্কম অভিযানকে বাংলার আকাশ-বাতাস ভরে উঠেছিল হাতাকারে। এ কাহিনী ভারই মর্মান্ত্র ঐতিহাসিক কাহিনী। দাম ছয় টাকা।

# भर्द वाश्लाव लाक नश्गीण: b.00

(न्वर्जानीं नर)

अन्त्राप्तता करतरहत : मीरनन्त्र कोवर्त्ती

बरत्रन बन्द

ब्रुडब्रिं ५०.००

रबाः रकः वि अस करनात The Untold Story-त वक्रान, वाम

# অক্থিত কাহিনী

करातानक : विकास इक्सकी

গানালে এণ্ড কোং ॥ ১/১এ কলেজ স্কোয়ার ঃ কলিকাতা-১২

±0-00 B-00 8.00 0.00 अधनर F.00 मानाव शासामाधार িশসা দত্ত काट्टब नः माब व.00 कारमञ्जू भगवनीन আশাতোৰ মাংখাপাধাৰে आलात विकाना 8.40 महीमानाथ वर्गनाशास्त्र आनम् रे**ड्य**बी ० ०० অপরিচিতের নাম 8.40 দীপক চৌধুৰী ঘেরাও 6.00 লোৱীশকর ভটাচার্য মহাকাৰ্যের প্তল W.00 (महामन्भी E.00 প্রবেশ্বর হার 25.00 9.00 शाभागासम्बद्ध म्बन्न 5.GO নারায়ণ গ্রেসাপাধায়ে চাপার গণ্য 9.40 दक्ति हित्रम् नम्मी बजन्छ ब्रहीन... 9.40 आभाभागा सवी জনৰগ্ৰিতা 6-40 कि अभ नारेखनी ৪২ বিধান সরণী, কলিকাভা-৬

क्रीयाव्यालव তৈরী ইলেক্ট্রিক সামগ্রী সম্পূর্ণ बारफीय देशमधिक मानकी किसी कहात कमा क्रीकानाफीरमव नाम विचार अन जुलविक्ति। क्लमा, आकावक विमिन्हे नवान मक्तूफ, निक्तरवाचा धवा क्रिकार । मात्र। विरम शंकात कालात शृक्तिता, का बावकात कत्रद्वता आत्मकविद्यात काति-গরী অভিনতা ও বক্তা প্রায়েগে প্রতিটি জিনিব তৈবী। সংসারের কাজের জন্য ক্লীরারটোনের ইলেকট্রক সামগ্রী क्षिन, नाम क्रेक्स इत्त जानता

ভারতের সর্বত্ত, ক্লীরারটোনের ১৫০০ ভীলার হড়ানে৷ আছে-বার জন্য বিজ্ঞান পরবর্তী সাভিসের ক্ষোণ অবিলয়ে পাওয়া বাৰ ৷



मानमान द्विष चाथ वेरनकोनिकन् रकाः निः (रक्षांद्वन द्विष्ठ चाथ चांत्रांद्वन अत्र विष्ठान)



বিষয়	লেখক		শ্ৰী
সাহিত্য সংবাদ	গ্রীসনাত্র পাঠক	474	2002
প্ৰতক পরিচয়-	<u>.</u>	•••	\$085
খেলার মাঠে - এব	লেব্য	<b>#1</b> *	5084
ব্যাড়িম-টনের আ	रेन-कान्न-माकुल	4	308V
বংগজগণ		•••	5085
অরণাদেব—		•••	2000
সাংতাহিক সংবাদ	?	- B11	5000
	श्रष्ट्रम घरहो : श्रीवीरतन त्रि	<b>ংহ</b>	

नक्त भविकल्यनाम् मध्यार्गं वालामा बस्टनम् भाषा मध्या শ্বে মহিলাদের জনা ?-না। প্রেৰেরাও পভবেন!



মহালয়ার আগেট প্রকাশিত হবে ॥ দাম ৩·০০ ॥ সভাক ৪·০০ গায় বাংগাঁহত প্ৰাণ্ড উপন্যাস আন্তৰ্গতানীয় সংকলম **নয়—এবাংব প্ৰকৃষি সংখ্যা**র প্তিব্যাপনা প্রাথার এন্সভাবে ধরের এই সংখ্যারি হারিসাল্যর প্রভাবের করেই প্রিয় ও লোচনীয় হায় ভটো।

অভিনৰ নানা বিষয়ের একটি

# ফ।। भन भारबंड

সাজসংজায় ও রাপচচায় আধানিকতম ক্যাপনের সচির বিবরণ া এর বিজ্ঞাপন প্রার্থিত পর আনেক পরিকাই এর জনকেরণ করার क्या आवश्यक श्रम्भार किन्द्र यामास्त्र कालम भारतक व्यानस्करणीहा। আর ঘারার রাপচর্টা কেশবিনাস গৃহসক্ষা সেলাই রালা ও বংট্রেষ সচিত্র আক্ষণীয় ফিচার

Sto अम्भार्भ डेअनाम । २६ वङ्गरूभ । २०**६ गरूभ । ८६ वसायह**ना বিখ্যালয় বাংলা ভাষার **প্রসিদ্ধ লেখকরা** 

লালা মজ্মেদার আন্মপুণা দেব**ী শিবরাম চক্রবতী** জেলতিরিকু নক্ষী ন্রেকুনাথ মিলু হরিনারারণ एर्हाभानतम् त्राभम् रहोस्यती प्रशर्मनना रमनी দিবেলে পালিত বারীন্দ্রনাথ দা**শ** বাণী রায় সুজাতা অমিতাভ ঢৌধরেী বুদ্ধদেব গ্রেহ সৈয়দ মস্তাফা সিরাজ রক্ত সেন প্রভতি

তংস্য চলচ্চিত্র রক্ষমণ্ড সঞ্জতি ও সংস্কৃতির বিভিন্ন বিষয়ে রচনা

খরণী ॥ ২৪৬ মানিকতলা মেন রোড ॥ কলিকাতা ৫৪

#### विद्रमाम्याव वहे

শীমশতক্ষার জালার

वराष्ट्र ववव

का शिक्षात वरणाभागातक जीवन : 'বতামার প্রকার্নি স্কিটিটেট, স্কিথিট a সর্প্রকার ভাব-বিকাসমূর।... বিশেষত রবীন্দ্রনাথ ও বেশ্বসংস্কৃতি', 'রবীন্দ্র-क किट्ट म हायहन्त किर्तानक्षी दवीन्त्रवान -প্রস্থানি নিপুণ তথাসংগ্রহে ও প্রকাশ-शक्ताता धार भारताख हाताक। सामा कति, ত্মি রবীক্রনাথ সদবয়নির আরও অনেক প্ৰথম এইভাবে আলোচনা করে সমগ্র কবি-ব্যক্তিকের উপর আলোকপাত করবে !" ভঃ সাধনকমার ভটাচামে'র

# वार्टे। ७ इयो या १ म ५०००

ভঃ বিমানত দ ভটাচ হে ব সংশ্ৰুত সাহিত্যের

3.00

ৰ পৰেখা ডঃ ব্যুদ্ধদেব ভট্টামের

8.00

0.90

পথিকং বামেন্দ্ৰ, নদৰ রাজক্মার মাথোপাধ্যাসের

দ্ৰুল ও কলেছের গ্রন্থাগার

र्भावहालना ডঃ সভাপ্রসাদ সেনগ্রাণ্ডর

ইংরেজী সাহিত্যের 9.00

সংক্ষিণত ইতিহাস মেহিতল্ল মজ্মদারের

ক ব শ্লামধসদন 50.60

সাহিত্য-বিচার 4.00 बारलाइ नवय्श B-00 সাহিত্য-বিতান 5.40

र्वाभ्कश-वर्ग 8.40 ভুজাপাহৰণ ভটাচ হৈবি

व्वीम् भिका-मर्भन 50.00 শালিতবঞ্জন সেনগাংশতব অলিম্পিকের ইতিকথা ২৫.০০

मीरनगडनम् हाडे शास्तारप्र । मध्यकाः ।

विकानी कवि

क्रशमी भारतम 6.00 कानाई अधारता

कित्रमर्भा न

₹6.00

সাপ্রকাশ রামের

# ভারতের কৃষক বিদ্রোহ ও গণ্ডান্ত্রিক সংগ্রাম

প্ৰথম খণ্ড

29.00

विष्मामय नारेखनी थाः निः ৭২ মহাকা গান্ধী রোড ॥ কলিকাতা ১

द्रमान : ७९-७५४१



সংক্রা ক্রেন্ত এমরয়ভারি কাপতে ভারতের বৃহত্তর প্রপত্তকারক ও রপ্তানিকারী ক্যান্সী কর্পারেশন বিঃ, তৈরি এমরয়ভারি করা কাপড়ের রেজিস্টার্ড ট্রেডমার্ক। ১৬, আলোলো স্থীট, বন্ধে-১।

প্রধান প্রধান ভীলার :
বিষলকুমার শিবকুমার, ১৮০, মহাস্থা গাশ্বী রোড, কলিকাতা—৭। রাধাকৃষ্ণ কাপ্রেল, ২৬, যম্নালাল বাজাক দুখীট, কলিকাতা—৭।
রাধাকৃষ্ণ বাদ্ধে বেংধ, ১৭, ন্রমল লোহিরা লেন, কলিকাতা—৭। কুইনি, ১০৯, নেতাজী স্ভাব রোড, কলিকাতা—৭।

# टिनाड्या ठामाक है। छिक वरन

ক্লান্ত কাটিভিন্ন দিকে এবাদেশে জো নটেই, জান্ততের বাইবেও নগানি স্বার সেরা দিগারেট নিশেবে (লক্স. বাজি নাং করেছে। (লক্স. দবার দের।—না খুব মিঠে, না খুব কড়া। (লক্স. এর জানের জান্ত দেইখানেই।

সবার সেরা তামাকে গড়া • • • না খুব মিতে, না খুব কড়া • • •





वार्डे मित्वद्र मिव वाबाद सूर्यावि वाक्यं काबव ७ वावणाबर रात्र छैठेव !

# ৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা এই অঘটন ঘটিয়ে দিব

আমার কাকালে বিষর্গ দুখ নিমে কি কাব জেবে नाकिसाय मा, अथह क्रमीरलंड मरण विरम्ब डिमारब बंगाक काव भाव भारते । किय वाकि । काव कुल পাইনা, এমন সময় সুনীতার কৰা মনে পড়ে গেল। ও बर्टलक्षित, भवन-अव । भिरम क्रमलावरगाव भविकत्तमार अ ষাক্ষর কাজ পেরেছে; ঠিক করলাম, আমিও ভাই अत्रव।

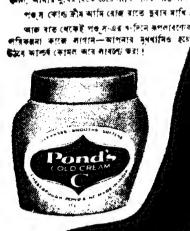
#### পরিকল্পনা ৪ তার কাজ

এক সন্তাত থ'বে বোজ রাভিন্নে একবার নয়, ছবার রে পঞ্চ কোন্ড ক্রীম মাধ্যতে লাগলাম। প্রথমে ভপরসাথ মালা ও মেফ-আপ উঠে বেল

#### দিভীয়ৰার ক্রীম লাগাচনার সময়ই ফুটে উঠল রূপ।

विक्रीसमात्र भूटम क्याम भाषणाय-स्थलावटमात् राम युव ভাতল : এই ক্রীম চামডার পুর ভেতরে গিরে এমন প্র পুৰনো মহলা বের ক'রে দিল, কল ও দাবান বাব নাবাল शाहना। मुख्डी इ'ता केंद्रन कमनीत स्कृत ।

বিদেশ সন্ধাটি আমার অরশীর হ'লে বইল - জনীপ **লেল, আমার মুখের দিকে চেয়ে নাকি পরক পড়ে ন। ং** প্ৰায় কোন্ড ক্ৰীম আমি বোজ বাতে ছবাৰ মাৰি। আঞ্জাত খেকেই প্ৰুস-এর ৭-দিনে স্প্লাবগোৰ अधिकश्वमा कारक मानाम-जानमात्र मुख्यांनिक श्रः





পত্রিস কোন্ত ক্রীম — গৃথিবীর এই মুখন্ত্রী নির্মবকারী ক্রীমই কার্টভিতে সবার ওপরে ठीक्रजा-१७ म हेमकर्भारत्रिक शीधिक शहर नाकिन मूलवाई मरगढक।

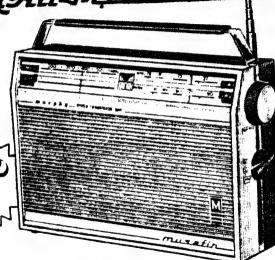
# लखाहिसा

# साविधि

# सुलाशित







खनावा सर्वाधन बार्डिक मास्त



मारकेल हिन्दि । १०३३



২ ব্যান্ত ১৭০ টাকা মূলা একাইক ভিউচী সংগ্ৰহ । অক্সান্ত কর আলালা।



क्रांति : अराज्यातः । २ नहात्र २२ - हेक्ना

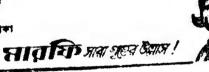


INGRIA CHE XI BIPI

- ভিমদান, কুজর, সংবেদনশীল ৩-ব্যাপ্ত ট্রানেজিন্টর—
  পৃথিবীর বে কোন দেইলন স্পষ্ট থরা বার ।
- ভুটিনিছোলিক অ্যান্টেলা ও বিক্টাইন এরিল্যাল ।
   বড়-সাইক সহল -ছুলভ টুট সেল ব্যবহার করে।
  প্রচেষ্ঠ নাথকি ট্যানাজনীন ভাবতের সমন্তং আভি
  আধুনিক ট্যানজিনীর কাটেবীকৈ প্রকৃতি এন কর শেহনে
  আতে ২০ বছারের স্বেববণা, বিশেষ জ্ঞান ও কাবিপ্রী
  নৈপ্রাঃ

  ।

वृत्रमूत स्त्रति, (मश्राठ) जतुनत्र, तप्रका कात





# প্রকাশিত হল



माम 8·00

বিশ্বখ্যাত চলচ্চিত্ত-পরিচালক সভাজিৎ রারের নাম কে না জানে! বিশেষ করে যাকাঃ रिया । श्रीतिकालमा शाका कर्माकरहात विकिश विवास - त्वमन, क्लीकरहात काश्मि ও সংলাপ রচনা, চিত্তনাট্য নিমাণ, সংগীত পরিচালনা প্রভৃতি – তার অধিকার ও নৈপ্ণাও সবস্ত্রন্থবীকৃতিধনা। ক্মাসিরাল আটিস্ট হিসাবে তিনি তো নিঃসংস্ক্রে অন্বিতীয়। এ ছাড়াও কিশোরসাহিত্য স্পিটতে এবং পত্রিকা-সম্পাদনায়ও তিনি বছেক্ট কৃতিস্ব দেখিয়েছেন। কিন্তু তাঁর বহুমুখী প্রতিভা যে স্বাসরোধকারী গোরেন্দা-উপন্যাস রচনারও অপ্রতিহন্দী, তা কে জানতো! বিশেষ করে সেই গোরেন্দা-উপন্যাস ৰখন আবার শুধ্ই খাসরোধকারী নর প্রুরমতো সাহিতাগ্ণান্বিডও বটে। একমান্ত শর্দিন্দ, বন্দ্যোপাধ্যার ছাড়া জার কোনও বাঙালী সাহিত্যিকের কলম থেকে **बाक भग छ या त्यताग्राम**!

# मठा जिए ब्राट्यब

**অনন্যসাধারণ** গো**রে**ন্দ। উপন্যাস

সভাবিং রারের গোয়েশ্য-কাহিনী "বাদশাহী আংটি" সতি। সভা এমনই এক জিনিস। যদিও এটি কিলোরদের জনো লেখা, তব্ভ যেয়ে-পরেছে নিবিশৈষে যে-কোনও বরসের মানুবের কাছেই এটি একটি পরম লোভের বস্তু।

একে তো রোমাঞ্চকর ও ব্যক্তি-ধাঁধানো ঘটনাসমিবেশ হেও এ কাহিনীর আকর্ষণ প্রচণ্ড, এবং আশ্চর্য সাবলীল ও স্বচ্ছল এর রচনাত্রীল, ভার ওপর ররেছে সত্যক্তিং রারের নিজের আঁকা বহুরঙা অপর্প প্রক্রণ এবং বারোটি প্রো-পাতা ইলাস্টেশন: স্তরাং বোঝাই বার নিজে পড়ার এবং অপরকে পড়ানোর হন্ত এমন वरे, धवर छेनहात रनवात मण्ड, भाषा ध भारतात रकन, आगामी कराक भारतात थ रवदारव किना मरणह।

# শহর-ইয়ার

সৈয়দ মুজতবা আলী ॥ দাম ৮٠০০

শৈক্ষিত ও সংক্ষৃতিবাদ মাসলয়ান সমাজের পটভামিকার রচিত লেখকের এই বিভান উপন্যাস্টিরও কেন্দ্রবিন্দ্র, তাঁর প্রথম উপন্যাসের মতই এক অসামান্যা রমণী—নাম তার শহর-ইয়ার। সদ্য প্রকাশিত।

# কুৰেরের বিষয় আশয়

শ্যামল গঙ্গোপাধ্যার || দাম ১০-০০

বাউ-সুলে ও পারা ভবছরে কুবের সাধ্যা বৈত্তবর মধ্যে আদ্রর প্রভোষণ। কিন্দু বিষয়ে মগ্ন হতে হতেও সেই প্রকৃতিপ্রেমিক ব্রে-ছিল আগের মতই মাধায় কোনও শেড নেই তার। সদা প্রকাশিত।

# न्रानंत्र भर्ष्ट्रेण मागदत

ধনপ্রয় বৈরাগী ॥ দাম ১০ 00

ত্যতিৰ্থেৰ কত্ৰিকত এবং জীবনজিজ্ঞাসায় পৰ্যাড়ত এক সং সাহি-ভিক্তের আত্মানুসন্ধানের এক মহান আলেখা कर्नाश्चर नागेकात ও উপন্যাসিক বনজন বৈরাণীয় সম্প্রতি প্রকাশিত এই বৃহৎ উপন্যাসটি।

#### दम्बुवन्ध

बद्भाक वन् ॥ माम ১२.००

ৰে সাংগ্ৰতিক অৰ্থনৈতিক ভাঙন মধাবিত সমাজকে গ্ৰাস করে ফেলতে হাইছে, এক রক্ষণশীল পরিবারের একটি ভীর, মেয়ে কেমন করে দ্ভিতিত বাংলা দেশের যে-তোনও সাধারণ গ্রামের মতই একটি গ্রামকে ভার সধ্যে পালা করে আত্মপ্রতিষ্ঠা করেছিল তারই অপূর্ব উপাধান। সমঞ্জীবিত করে তুলেছে লেখকের এই সংবিধ্যাত উপন্যাসটি।

# নায়কের প্রবেশ ও প্রস্থান

মতি নন্দী॥ দাম ৪.০০

এই সন্ত প্রকাশিত অননাসাধারণ উপন্যাস্থি বতামান কাগের নিক্রা-মধাবিত্ত নাগরিক-জীবনের চরম ধরানের খির্ভেন প্রবল্প সংখ্যান হারতে হারতেও হার না-মানার এক অনবদ্য আলেখা।

#### **ज**रः लग्ना

वनकृष्ण ॥ नाम ७.००

'অসংলয়া' নতুন রীভিতে লোধা এর অক্সচপ্রণ উপলোস। বিহাত' কতকাটো ভাৰ ও কাশনাতে ধাডিও আরোপ ধার সেগালি অবলবানে मुन्धे करे केननाम ककीं। विकास मृत्यित भवात। बार कतत्व।

বিমল কর ॥ দাম ১০ ০০

উপন্যাসে নতুনতম চিন্তা ও পরিদাীলিত লৈলীর উস্ভাবনমূলে বিচল করের ব্যাতি আৰু বহুবিদিত। মতুন পটভূমিকার এ-বাবং অপ্রিচিত করেকটি চরিত্ত নিরে রচিত পার্ণ অপার্ণ তাব লেও উপ্র্যাস।

# वनभनाभित्र भगवना

রমাপদ চৌধুরী ৷৷ দাম ৮-৫০

সরল অখচ বলিও কাব্যমরতার, গণ্ডীর মমতা ও অপ্রে বিজেবণী



সানলদ পাবলিশাস প্রাও লিমিটেড অভিসঃ ৫ চিতামণি নাস লেন। কালঃ ১ । কোন ০৪-৮২৪৭

#### ৰাংলা ভাষার সৰ্বাধিক প্রচারিত একমার প্রথম প্রেলীর সাম্ভাহিক

# (ফিন্টো

৩৬ বৰ' ॥ সংখ্যা ৪৯ শ্ৰিয়াৰ ১৮ জাৰিন ১০৭৬

#### দ্বাদ্যক শ্রীজনোককুমার সরকার সংগ্রু সংগ্রুক সিসাধক্ষয় যোৱ

ক্ষরাধিকারী ও গাঁবিচালক আনক্ষরাক্ষার পাঁৱক। প্রাঃ কিঃ ৮ চায়ার সরকার স্থাীট, কাঁসকাতা ১ থেকে শ্রীনীভাগোকুমার দালগাণ্ড কর্তুক মান্তিত ও প্রকাশিত

টোলকোন ২৩-২২৮০ ২০-৮৫৪১

#### চীদার হার কলিকাভার

বালিক ... ২৫-০০ বালালক ... ৯২-৫০ বৈচ্চালক ... ৬২-৫

#### STEE S

বাহিন সভাৰ ... ৩০-০০ বাহাসিক ... ৯৫-৫০ বৈহাসিক ... ৮-০০

#### नाकिन्द्रारम

(ভারতীয় মারার) বর্তমান সভাক ... ১৫.০০ যামানিক ..... ১৭.৫০ বৈমানিক ..... ৮.৫০

#### कारदेश गाहित

(জাহান তাকে। বার্ষিক সভাক ... ৫২-৫০ হান্যাসিক ,... ২৬-৫০

\_ \$5.00

#### काम्बा कश्म

देशांत्रक "

(विभाग एएक)

হার্নিক ... ৩৯.৫০ হান্দানিক ... ১৯.৫০ হৈমানিক ... ১০.৩০

দাম ৫০ পয়সা উত্তৰক ও আনমে অভিনিত্ত বিদান মাদ্যল ও প্ৰসা

#### DESH

Saturday, Oct. 4, 1969

#### ब्रहाचा शान्त्री

শীলীর জন্মণতবর্ষ পূর্ণ হল। মানবসভাতার স্দৃদীর্ঘ ইতিহাসে কীতিমির

বিরাট প্রেব্ মহাশবিধর রাজনৈতিক নেতা অথবা মানবহিত্বী কমানি
প্রেব্ অবশ্যই আছেন: সংখ্যার এরা একেবারে নগণাও নার। তব্ গান্ধীলী
আধ্নিক মানবসভাতার এমন এক অম্বা নিধি বার জন্যে সমগ্র বিশ্ব নিভ্তে এক
শুদ্ধার আসন গোঁথে রেখেছে। ইনি সেই মানুৰ বিনি বিবেদ, খ্যা, নিখ্যা ও

ছলনা পিরে সংগ্রামে বিজয়ী হন নি, কোথাও মালিনা ও কলকে রেখে বিজয়মাল্য
পরেন নি। এই কারণেই তিনি মহাখা।

ভারতের রাজনৈতিক ইতিহাসের বিগত একশোটি বছর নিতাল্ডই ক্লাল্ডিকর নার। বিশেষ করে গড় শতাব্দীর শেষ থেকে বর্তমান পর্যাত। গান্দীজীর আবিভারি, রাজনৈতিক অথে, এই শতকের একেবারে গোড়ার। তব্ হরত বলা বার, তার প্রথামক করাক্ষের ক্লাদেশ নার, বিদেশ এবং তাও তত প্রত্যক্ষ নার। ক্লিপ্ট এই সমার থেকেই গান্দীজী তার নৈতিক, চারিরিক এবং নিজন্ম মনোভান্দিকে এমন করে গড়ে তুলছিলেন বাতে মনে হর ভিনি কোনো একটি বিরাট আরক্ষ ক্রেছ জনো প্রস্তৃত হাজ্জনে। সেই কর্মভার তিনি ক্লাদেশ ক্ষিরে এসে তুলে নিলেম প্রথম মহাব্দের পর পর। ভারতের রাজনৈতিক ইতিহাসে এ এক স্ক্রেদির। তারগর পরাধীন ভারতের ন্বাধীনতার জনো তার ক্ষবিন্যাসা সংলাম শেষ হর ভারতের ন্বাধীনতা লাভের পর। কিন্তু সর্বজনেই জ্লাত আছেন, নিছক ব্যাধীনতা লাভের পর। কিন্তু সর্বজনেই জ্লাত আছেন, নিছক ব্যাধীনতা লাভের পর। কিন্তু সর্বজনেই জ্লাত আছেন, নিছক ব্যাধীনতা লাভের পর। কিন্তু সর্বজনেই ক্লাত আছেন, নিছক ব্যাধীনতা লাভ গান্ধীজীর উল্লেশ্য বা লক্ষ্য ছিলা না, তিনি আরও সন্ধাত, ব্যাধানিক মানবাধিকার চেরেছিলেন সকলের জনো, বেখানে মান্য নৈতিক দিক থেকে জনজ, রাজনৈতিক দিক থেকে নিভার, জীবনবাপনের দিক থেকে স্বাভাবিক ও স্ক্রের। গান্ধীজীর এ আশা নিন্টয় সফল হয় নি। কিন্তু সে বার্থতা তাঁর নর, আমানের।

মহাখাজীকে কেউ কেউ ভারতীয় আশ্বার মূর্ত প্রতীক বলেছেন। কেউ কেউ বলেছেন, এই বিভীবিকা ও উরেজনার জগতে, বেখানে বিস্তু ও কমভার প্রচাত লোভ মানুষকে গুদ্রহান ও অন্ধ করে দিকে দেখানে গাম্বাকী এক বিরাট বিদ্যাহ, আগ্রাক বিদ্যাহ। এই আগ্রাক বিদ্যোহে তিনি বিশ্বাস কর্মে নবনৈরাশ্যান্য অন্তর্ভার।

গাধ্যিকীর রাজনৈতিক চিত্তা অন্যান্য রাজনৈতার অন্ত্র্প নর । রাজের শাঁৱ আপেকা তিনি নান্যের অত্তানিহিত শাঁৱ—ভার শা্ভাবেধ, চরিত্রগ্র, সভাতাতির এগরই বেশী নিভরিশীল ছিলেন। এবং এই আছিক শাঁৱ বে কত বলবাম ভা তার অহিংস প্রতিবোধ নীতি বাবে বাবে প্রমাণ করেছে। আল এই অহিংসার গাঁভ সগতে স্বাক্তি সভা।

মহাখ্যান্ত দিকা আমরা গ্রহণ করেছি তথবা করি নি সে প্রথন আকালা; তার শিক্ষার বিষরগালি কিন্তু আজও আমাদের চোশের সামনে পড়ে আছে। এর মধ্যে প্রধান হল : মানবপ্রেম, সর্বমান্বের জনো ভাতৃছবোধ : ধর্মবোধ বা সেই ধর্মভার ধা মান্বকে আছিকভাবে উল্লন্ত ও মাজিত করে। গাল্ধীজী কথনও সেই গোলিক আচরণীয় সংকীণ ধর্মবোধের কথা বলেন নি, বা প্রারণই মান্বকে গোড়া ও উগ্র করে তোলে। তিনি তার শিক্ষার বলেছেন : আহিংসা, সভা, শারীরিক শ্রম, নয়তা, সর্বধ্যে সহিক্তা, অসপ্শাতা বর্জান—ইত্যাদি আমাদের ও হওরা উচিত। উদ্দেশ্য সাধ্হলে উপারকেও সং হতে হবে, অসং প্রথ দিয়ে উত্তম প্রধালাভ করা বাহা না।

বর্তমান ভারতের যে অবস্থা তাতে মহান্ধান্তীকে অনুধাবন করার মতন লোক ধ্বেই কম। এমন কি মহান্ধান্ধীর সেই জাতীর কংগ্রেস আরু কোন অভলে ওলিরে বাচ্ছে তাও আমাদের অজানা নর। গাল্ধীকা নিজের শেব ক্ষাবিনে কংগ্রেসের এই অধ্যপতন, তার মধ্যে ক্ষমতার বর্তমান কংগ্রেসের সংগ্যে মহান্ধান্তীকৈ ভাড়িয়ে রাখা বিশ্বমানের কাজ নর। কংগ্রেস বাই বল্ক, গান্ধীকা কংগ্রেসের সম্পত্তি নন-সকল মান্বের। তার জীবনসাধনার কথাগালি বিদ আরু আমরা ধৈর্ম বোনার চেণ্টা করি তাতে উপকৃতই হব। গান্ধী সম্জেরকার শত্রবি শত্রবি আমরা এই মহামানবকে আমাদের অন্তরের ক্রম্মা ও প্রগাম্ নিবের্ল করি।



#### PERIOD PRINT

आ व्यानासक त्व क्षिमिन वर्ष क्षांच कराड व्यामास्य नकरमञ्जूष्ट म्हायक व मन्त्रिक इ.सम्बद्ध

ঠিক কৰু আন্তের প্রশ্ন গৈছেছে অনুবহু
নাশংস কাপ্তগালি কিউবে কটেছে বা কার
কত সপ্পতি পাছে ছারপার হরেছে সে
বিবরণ এখনও অজানা। কিডাবে এই
চানাচানি শার হল কেনই বা এড প্রাক্ত তা
ছড়িবে গড়ে পারল এবং কেন গালের ট সরকার সমন্ত্রমন্ত আরও কটোর বাবস্থা গিডে
পারকেন না—কোনও বিস্তারিত ভুনতেও
এসর প্রদেশর সঠিব কার পাওয়া যাবে
কিনা সংকর্ছ। তবে, এটা আমর সকলেই
জানি বে আলেনাবাদে একটা ভরাবহ
সামপ্রশারিক লাগ্যা হরে গোল এবং এই
দান্যার অন্তত্ত শান্তবিক মাসলম্বান হিম্পুর
প্রশালিক লাগ্যা হরে গোল এবং এই
দান্যার অন্তত্ত শান্তবিক মাসলম্বান হিম্পুর

হানাহানি কিনিস্টাই খারাপ। সভা মানুষ মাত্রই হানাহানির মধ্যে আবার সবচেরে নালারক্ষের হানাহানির মধ্যে আবার সবচেরে বেশী বর্গরেচিত হল সাম্প্রদায়িক ও বর্গতিত্বিক হানাহানি। এই সব দাপা মান্যকে থাব প্রত একেবারে পদ্ম করে তেপুল। শিক্ষিত ভদ্র মান্যকেও বার হারের সকল ম্লোবেধ ভূলিয়ে বের। সমগ্র সমাকের পরিবাদশক শীঘা নিয়ের ক্রমা বিষক্ত করে বাবে এবং হানাহানিটা থাম্লেও তার কের সহজে সমটে না।

অধ্যানবাদে হানাথানি বংধ হালেও তার জেব অনেক দিন পোক থাবে। সংগাঁতি দ্যুৱের কথা—গালেবাটে হিংদা মাসকাদন শার্শপ্রিক বিশ্বাস ফিরে আসনেই অনেক অব্যাক্ষিক বিশ্বাস ফিরে আসনেই অনেক অব্যাক্ষিক বংগাব

প্রথিবী আনেক এলিবছে মান্ত 6 দৈ
নিব্রেভ পোটছেছে কিন্তু সাপ্তদ হিক বা
বিলাভিন্তিক লাংগ্রেখনামা কিহাতেই আমাছ
না। যে দেশে এত মহাপ্রেয়ে এত বাণী
হুচার করে লিবেছেন সেই ভারাতও বিশ্ব মাসলমানে মারামার হয় যে আমেরিকা স্থিবীর হার চাঁদ ভর করে এসেছে মেথানেও সালায়-কালোর হানাহানি চলাছ এবং যে ইউরোপ নিভেকে সকলের চোরে সভা বলে লাবি করে সেই মহাদেশেও খ্যেত্ব দ্যুই অন্পামীপক্ষেক্ক মারামারি হামাবার জনা এখনও সৈনা নামাতে হচ্ছে।

তানা কোথার কোন সামপ্রদায়িক বা বগাঁ-ভিত্তিক লাগ্যাহাগ্যামা হিন্ত সে বিতকে অপাতত মাওয়ার কোনও প্রয়োজন নেই। প্রদান হল, আমানের লেখে কোন গ্রেক

\*

থেকেট হিম্প মুসলমানে এই মারামারি হচ্ছে স্বাক্তর এত সলিচ্ছা ও এত বালী এবং সরকারের এত ব্যবস্থা সত্ত্বেও কেন



গোটা বেশে হিবন, মুসলস্কানে কে নও পাৰা-পাৰি সংগ্ৰীতি গুলানৰ করা বাজে না? এবেশে হিবনু ও গুড়ানে এবং মুসলমান ক গুড়ানে মালামারি না হতে কেন প্রধানত হিবন মালামারি না হতে কেন প্রধানত

जाला कम इब क्रमा जाकावर स्वट হতটা দারী ভার চেরে জানেক বেশি দারী বিল পাছিল বিল বছর আগের ভারত। হৈরেছ ভংকালীন রাজনৈতিক নেতাদের, विश्वक आहे अरागाम व गाँग त्याचा मह সম্বতি সহ ভারতীর উপমহাদেশে ফিন্দু य असद रक -15.01 পারস্পরিক অবিশ্বাসের যে পার্ম নেন্ট্র সেট্ডামেন্ট্রী ভিন্তভাৰণ বাস্থাবছত কৰে সৈৱে গিয়েছে আছবা এখন ও প্রধানত তারই ফল ভোগ কর্তি। আমি অবশা দেশুনা একবরেও বলভিনা আজেকের এই মরামণি হাণা-চালির জনা আছকের ভারতবাদীর কোনও দারিত নেই। এজনা নিশ্চরই আফালের লাক্ষ্ট হত্যা উচিত এবং এই হানাহ নি বংধ করার জনা সকলেব প্রশাল চেম্টা করা উচিত। কৈন্ড এই সালে এই বাস্থ্য সভাটা ভূৰে গোল চলতে না কে, এমন একটা প্রিস্থতি মুদ্রি করে রাখা হরেছে বেখানে িৱংলা-খামট লোৱ 27.76 গ্রিকা মাসক্ষান্ত পরেস্পরিক হৈছেনাপড়া বা বিশ্ব হৈর আবহাওয়া সূখ্যি করা অভাব্য কঠিন।

ভানি, আমার এই বছর। শানে আনাকই
কামর হবেন। কিব্দু আমি মনে করি এটা
বাসত্ত্ব সভা। এক বিশ্ব স করি যে বাসত্ত্ব
সভাকে অস্ত্রীকার করে হুখনও কোনও
সমসারে স্যাধান করা বার না।

তেওঁ কেউ হয়তো বলালান যে হিন্দুবাণ্ডানে বা মুদ্যামানে-খাণ্ডানে এত ফারফারি হর না তার কারণ খাণ্ডানদের সাপন
এই দাই সম্প্রদারের কোনও ঐতিহাসিক
বালীর বিরোধ নেই এবং ভারতে থাব বেলি
খাণ্ডান বসবাস করেন না। এই দাটে বন্ধাই
ভুল। হিন্দু ও খাণ্ডানে ভেমন বড় কোনও
ধর্মীর লড়াই না হলেও খাণ্ডানে ও
মুদ্যামানে হে প্রিবীতে বছু লড়াই হার
গারেছে তার আনক নজির আছে ইতিহাসে।
কিন্তু ভারদে করার রাসক্ষমান খানান্ন
মার মারি হরেছে? কেরলে বহু হিন্দু-

ব্যালয় মান্ত হৈ বহুলাল বুল ব্যালয় নি কলাস কৰে কাৰ্যকোন ওৰ কে কাৰ্যকী মান্তবান ৰাষ্ট্ৰে মান্তবান বুলাই বিহাৰে বিশ্বত অকলে অনক ম্নালমান ব্যালাহিক বুলাইন ক বালে কাৰ্যকী হিচাপ-ৰাষ্ট্ৰের বুলাইন কাৰ্যকী হৈ হানা-হানি হলৈছে?

উপ্নত্যবাদেশ হিন্দু বাসকলাকে তে মারাম বি কাটাকাটি তার মুক্তে ইংকেল। ইংকেল তার "ভিভাইত জ্ঞাপ্য ব্যক্ত থণ্ডরা অনুষ্ঠা বছরেও পর বছর আল এখানে হিন্দু মুসকলা ন কণ্ড কালিকেছে, লীল তাদের সাহাবা করেছে এবং কংগ্রেম তা প্রতিবোধ করতে পরে নি। পরে ইংকেল মধ্য কাছার ভিত্তিতে 'শিকলাভিতত্ত্ব' লাড় কলি ল তাকে ভিকেশারী রূপ 'লিতে এলিকে এল তথ্যত বিকেশারী লাভ কিলিকে নিগ্লিন। সংখ্যা সংগ্রেম নেতার। একটা শহাস ভিলা সভাব," গোছের বছবা রাখ্যালন ও ভাতে বিভাই হ'ব পাকিস্তান মেনে নিজি, কিন্তু শিক্তাভিত্তত্ব মনি না।

এর ফল হল কি । কল মারাক্তর (১)
ট্রুক্তামিক রাজ পাকিচ্ছানের এক হল।
(২) সেই বাজে বহা হিন্দু পোক ফোলেন
এবং (৩) ভাবারেও কানেক ম্যুস্কন্ন বইলেন।

মাল বছবা কি ছিল? লীলের কেনা দ'ব ক ভিত্তি করে সারতবর্ষ বিভয় হার্ডেল > এফটিই নম্বা ছিল লীগেরঃ ভারতক্ষার ম্সলমানক অবাদা ভাতি: एएंप्रह क्रमा छाड़े याल मा हार्ग्य हार्ग्य । धार्ड Sec. 23. अस्ति অন সংকট পাকিস্ভাগনয় 500 T 283 ভারতক্ষেত্র দুই প্রারেও ঐপলাচিক ব্যাপ্টের ক্রমার বিষয়ের বিষয়ের মহামান। বেভারা ধরে নিজেন এদেশে যে মাসলমানরা কছরের পর বছর ধরে প্রিস্তানের জনা আদ্সকার করিছেন তার। ভারত থেকে কেতে বাধা ছলেন বলেট পাকিস্টানের প্রতি জীলের কোনও দ্বালতা থ কাৰে না ভারা রাভাবাতি ৰিজ তিত্ৰ ভাল গিয়ে হিল্ল, **ন্সলম**ান এক ল'ভ বলে মে'ন নেবেন এরং নেভালের সেকুলাহিজামের বালীতে আদ্বদত হারে মান কর্বন-ভারত হেম্পু রাজী নর। মহামালা

#### किंग्सरक दोर्जाक्रण्डेव



२ शं व नाराम्य न् श्र वी ाव बार ३ या म मा मा फि बार १ २ तरान्द्र आम स्वतान्य रमाराह्यांत्रका होम्सिक्टीय

হাসিক ১০ টাকা কদিবাত কিন্ম। প্রীত গ্রাহ হ পদার নাস্ম গ্রাহ কিন্মে।

Impex India (WD)
Kailash Nagar PR 1045 Delhid

নেতারা আন্তর হরে নিলেন, বে সব ছিম্পর পাকিস্তানে ভেকে বেক্তে আবা হলেন তবিংক পাকিস্ত নকে নিজের সেপ বজে লেনে নিজে সাবারনা

বিজ্ঞাত ভঙ্গ এবং পাকিশ্চানের স্থিত বে এই উপমহাদেশে কী বিষ ছান্তুরে রেখে বেছে তা এখনত আমরা সকলে প্রোপ্তির উপলব্দি করতে পেরেছি বলে বলে হল না। এবং সেই বিষের ভিন্ন আমানের আরক বহু কতি অংবানিত বলেই আমি আশণকা করি।

•

নেতারা খ্ব জোর গলার বলেন, ভারত
ধ্যা-নিরপেক রাণ্টা। কিন্তু বান্তব
ঐতিহাসিক কারণে একজন খ্লীনের পক্ষে
এই জিনিস্টা মেনে নেওর: বত সহজ্ঞ
একজন মাসলমানের পক্ষে বছর্টা গৃহণ
করা কি ৩৩ সহজ? অর, সংবিধানে বা
জাইনে সেকুলারিজন থাকালাই কি দেশে
ধ্যানিরপেক্তা বহালা হয়ে যার ধ

ধর্মে, অভিত সেম নামক একজন ভরতীয় খাড়ান বজালেন ইংলাড় বা ভাগোনিকা বড় ভাল রাড়া। অধিকাংশ ফিলাড় কি বজাকোন কেই রাজ্যী দুর্ভি থাড়ান প্রধান বালাই সোম উপাধির এই ভারতীয় খাড়ানের মাধ্যে ভাসের এই প্রশাসন করেন। তিনি বজালোন পরিস্থানে বড় ভাল রাজ্যী। কেই বসাবেন, জারুটা পারিসভাসের চর বিন্তু এই কথাটা হান মাজিবর আহমন নামক মৌলাজির জোনার ই ভেবে দেখানা বড় বলা নামক মালাজির ভালার ই ভেবে দেখানা বজালানার মালাজার ভালার ই ভেবে দেখানা বি কি বলাবেন। আমিনভাবে অগ্নি নামার ব্যাক্ষালার মানার বি

বলি জানমীর সাঁতাই পাকিস্তানে বংগর বিজ্ঞান তাহনে কেউ আলার এবে।
সাল্টাপারিকতা খুলে আনিক্লার করবেন
বা কেউ আলার ভারতীয়ক সম্পর্কে স্কেশ্ব
প্রবাদ করবেন ? বিশ্বত কথাটা বলি হাওড়ার
কোনও রভিক তরকদারের হাথে খানি ?
ভেবে দেখনে আলারা অধিকাংশ কি বলাব।

জ্ঞাবা ধর্ম, কোনও এক পাঁচ সাহেব ঠনঠনে কাজীবাড়ির সামনে গিলে , হিল্ম মাকৈ গালিগালাজ কালেন। আমরা অধিকাংশই ধরে নেব পাঁচ পাগল। নুচার জন প্চারটে চড়চাপড়ও বসিরে পিতে পারেন। খ্য বেশি উগ্র কেউ সামনে থাকলে একটা খ্যাও হরে বেতে পারে। কিন্তু ও নিরে কলকাভার হিল্মখুটানে নাংগা লাগতে পারে কি? কিন্তু হনি ক্থিপেরা লাগতে পারে কি? কিন্তু হনি ক্থিপেরা লাগতে বলতে ঠনঠনেতে ওইব্ল আচরণ করেন? ফলাকল কি হতে পারে জেবে

ভারত সেবুলার রাজী—জিনত ভারত।
সর্বার ইনস্পের সংগ্রা রেমন ব্যক্তর
জ্বার ইনস্পেরর সংগ্রা রেমন ব্যক্তর
জ্বার মাসলমানারের স্বাংগ্রা রেমন করিছে
করতে পরেম কি? সর্বার হিন্দু রেমাত
বিজ্ঞাল করেছেন জ্বোনত নিকিছা কিন্তু
মাসলমানারের ক্লোত এক ধিক বিবাহ রেমাইনাই করতে সর্বার এলিকে ক্লাসেনা
নি ক্লো? এর পেছনে একটি মান্তিসভাই কাছ করছে না কি, নিজের ছেনাক্রমার মারা
ভারত ব্যরা ইনাই প্রেরর ছেনাক্রম প্রাস্থান মারা
ভারত ব্যরা ই

ভারতা, ভাইনতা আলগালানানের সূণার কালট রান্ধ করিবার দিকে প্রথান করিবার দিকে প্রথান করিবার দিকে প্রথান আনালার করিবার করেবার করেবা

কিন্তু এত চেন্টা করেও সমন্দার ভারতের কত লক সাসলমানের সন্দা এই ভারটা ভাগাতে পেরেভেন বে, তালাও এই ভারতের একজন খন্টান বা হিন্দ্রে মতই সম্ম ভাষকারের নাগাঁবিক ট

\*

প্রাকিশতানের প্রবাপন ক্ষামি ইছে। করেই জ্যালাডনা করেগাম না। করেন ৫টা জ্যান্টানিক রাখান বিশ্বামিক রাখান বিশ্বামিক বি

কিংজু ভারতে ভা নক। ভারতের জ্পটান, ভিত্ত পালি), বেজি, বৈজনার। কেই আবেন না আ নেশের একজন ভিক্তির সমান ক্ষাধনারের নাগরিক ভিনি নান। ভিন্তুর। জাভিপ্তভারে সাভ্রানারিক তালা জনাদেও ধামার মন্তারের সাভ্রানারিক তালা জনাদেও ধামার মন্তারের সাভ্রানারিক ভানাজানি হও। কিংজু তা ভার না।

এই উপন্যথাবেশ্য হিণ্যু আস্থ্যানের দুছিবি। বিদেশী শত্য এবং স্বদেশী দেছাবা এবং স্বদেশী দেছাবা এবং স্বদেশী দেছাবা এমন একটা প্রিব্রুশ স্থিতি করে রেখেছেন এমন বিষ ছাজিরে রাখ্য কাছে যে দুই ধর্মেরি মান্যাকর প্রাক্ষ এই উপন্যোগ্যানি স্থানি স্থানি স্থানি বিদেশ করে ধ্যারি ভিত্তিতে গড়া রাখ্যিটি যত্তিন সেই ধ্যারি ভিত্তিত গড়া রাখ্যিটি যত্তিন সেই ধ্যারি ভিত্তিত ভাটাট রাখ্যেছে।

হাল ছেড়ে দিলে অবণা চলবে না। এই উপনহাদেশে খাতে সকলে সকলকে মুলত মান্ত হিসাবে দেশতে এবং বুখতে শেথে দেজনা সকলকে সচেন্ট হতে হবে। ছদি আমরা তা না কলতে পানি ছদিন ও মান্তব্য দেশতে থাকি তাহলে আমাদের হানাছানি কেউ দেশতে থাকি তাহলে আমাদের হানাছানি কেউ দেশতে গিলা বংধ করতে পান্তে না। উত্তর সংগ্রনারের স্পৃতি এবং দার্শনা কারত বাভাবে।

নবার্শ গ্ৰুত

প্রকাশিত হল •

# ब्रन्थरम्ब बज्राब स्थाप्ठे कविछा

#### পরিবধিতি পরিমালিতি সংক্রেণ

ব্দিশাদর বসরে জাবিনবাগণী কাবাসাধনার স্নির্বাচিত অংশ। প্রবিত্তী প্রচার কবিতাসমূহ এবং তংপারে প্রকাশত সমূদর উৎকৃত কবিতার স্বেহং সংকলন। প্রকাশন-সোক্ষে অনন্য। ম্লোবান আটা কাবাজ প্রেশিন্ প্রটী নিচ্চিত স্বর্গাধ্বত-প্রতি প্রভাব। উপহারে আনবান, আতুলমারি।

H.00

# ্স,ভাষ ম,ুখোপাধ্যায়ের

बिभिके का बाध न्थ

## काल मध्यान

(প্রকাশন-পারিপাটো রাষ্ট্রপতির প্রথম পরেস্কারে সম্মানিত) বিভানি মুদ্রদ । ৩-৫০

**डा इ वि ॥** ५०।५ वीक्क्य हाउँ, दक्का रिप्रेट, कमकाला ५२

4 H PM 155 4 (3) # .

ক্ষমদাশকর বার ক্যোতিরিক্স নক্ষী নরেক্ষ্মার বিহু নারার্থ সঙ্গোলাধান প্রতিভা বল্ব প্রমণনাথ বিশী বন্ধুল বিমল কর রমাপদ চৌধ্রী। শিবরাম চক্রবর্তী শীর্ষেক্স মুখোপাধার প্রভৃতি।

提示代码。中国研究的影響質

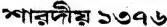
● अच्छा स्वामा सहस्य जिल्ला ।

কাবেরী বস্মূণাস সেন শ্লিত ভল স্বিতারত দত্ত সৈরদ মুক্তব। অলমী।

• क विका जिले कि ने •

আজিত দ্ভ আমির চক্রবর্তী অর্ণকুমার সরকার কামান্ত্রিসাদ চটোপাধার জসীম্দান দিয়েশ দাস নীরেন্দ্রাথ চরবর্তী বিষ্ণু দে শক্তি চটোপাধার শ্বংকুমার মুখোপাধার স্নাল গ্লোপাধার স্ভাব মুখোপাধার স্মালি বার হরপ্রসাদ মিত প্রভাব।







ខិក្សា**ក** 

● বিশেষ হড়কা

#### वाका वमत : विश्वत शिव

ত্যার জ্বটান্তার্য স্থানি গরেনা বিজি করে, নির্ভাগ রক্ষ দিয়ে গর্মন্ত জুলালেন বলবায়পর্য বাই স্কুলা। তিনিই মালক তি নই বাই বলি তিনিই মালক তি নই বলি নির্ভাগ কিন্তু স্কুলা মত বতা হরে কানেনা, বাই ত্রেকার সম্প্রকারীক মালে তাইটাই নাবাল এক কুইনি স্কুলা ক্রেই কুটার স্কুলার ক্রেই কুটার স্কুলার ক্রিটার স্কুলার ক্রিটার স্কুলার ক্রিটার স্কুলার ক্রিটার ক্রিটার

# অনেক দর ঃ শংকর

কাছের জিনিসাকে জানেক সময় কছে ছেকে বৈজি ধাই নিয় জার করে। যেতে ধম প্রায় কনেক প্রবান প্রায় বিজেক বিজি কৈনিয়ে সংগ্রাহে স্থান স্থানি বিজ্ঞান সংগ্রাক সভাগ। সেই জানেক প্রায়ারে ক্রেছে এমন্ত্র কেলা এক মতুন মালোলে উল্লেখ্য কেলা বিজ্ঞান ক্রমন্ত্রী জনমন্ত্রীয় ধর দিলেছে লেখাবের কাছে সন্যায়ক ব্রুল, জান করে বহুল ধার ইতিব্যুক্ত করি অসক্ষান্ত্রিকারী।

#### নিশার ফেরি ঃ বরেন গসোপাধনয়

গুকাৰ বেকার। বেকারত থোক মারে মারে বাজনাতির ক্রতি জান রাগ জনসায় এব। এব বেনাস-নগাতির ক্রতানির স্থানির জিলিকে জানবে এনের। এব নিন পাতি থোক গোলন নিনান স্থানির জিলিকে জানবে এনের। এব নিনা পাতি জিলিকে জানবে এনের। জিলিকার গোলন করি বাছে। স্পাট্টার উপেনাটো জানা না থাকান্ত গোলান এব বাজানিতার হালাক্রের অফ্রানা বাজানির বাছে হাজান্ত বাজানির ক্রানা বাজানির জিলিকে এজিকে লার। হাজান প্রথমে নিনার বাজানির বাজানির বাজানির এক বালা বাজানির বাজানির

# त्वीम्बार्यत् क्ष्यम रिका २ ए०।

৯৯২০ সালে গ্রেকটিনী অন্যান্তর ব্রক্তিয়ন্ত্র গ্রেকটোঁ সর্বিত স্কেল্ডন ক্রমে বিশ্বসাতি ভ্রম্ব দির্ঘেছালন সেই ন্ত্রাক্ষ ভ্রমণ e এ প্রস্তুত্ব রাণ্ড্রন্মত্বে ক্রম্ম গ্রেকটিনীর এক্রটিন্ত ক্রান্ত্রীর সাত্রবাম

#### नक्रक ? भताकर वाश

নালক ট ক্ষেম্য ছড়ার ধাষাস্থ চুত্রনি নির্দ্ধিত এক একটি শক্ষণ ছড়ার কট চাড়িতা এই শক্ষাবের করে অন্তর্গ করতে থাবে শাল-ছবা। শক্ষাছকা সভাজিক কান্ত্রন একে অভিনৱ স্থান্তি—হা প্রক্রমধানা উভাজ উন্তর্জনার সংগ্রা করাবে।

#### প্ৰমিলৰ ३ বৃদ্ধানৰ বস্

বংলা মাটকের পাইক কেন্দ্রী নিম্মির বিজ্ঞ এই আন্তর্গার মাজ করণ ন্যাকে এই যে ব্যাক্ষা নাটকা লোক হালছে বিশ্ব নাটকারি হা গড়ে ভার্যানা কন্ধানে কার্ট এ ব্যাব সর্বাহ্যম, একা বলা চলা ভবি একক চোনিয় নাটকার্যানিতের পাটক লাভ ভ্রেক্তন—নাটককে প্রশ্নীত ক্রেক্তন মাটকারিতে ভারত কর ভারা নাটকটি ক্রেক্তা নিম্মান্ত্র করে অভ্যাক্ষ ব্যাক্ষ ভারি বিজ্ঞান করিছে ।

#### बाव्य ३ भवात्य वम

ক নিৰ্বাচিত যে বিষয়সমূহে নিজে বিস্তাবাত শেষ নেই, আহুনীতে ছিল না, ছাব্যন্তিও বৈ নালন ভাল নেবসম হ'বে বিনা, অহান সে কথাও বহু যাই না, এমনি এক বেইনিলাই বিষয় নিয়ে এই বঙলা। ইনিলা লো বাহায়েও এক মিনবালার রাহে, ওকলি উপতে বিষয়ের ছালা বাহায়েও এক মিনবালার রাহে, ওকলি উপতে বিষয়ের ছালাও ইই কাইমনিও শাসু, মন্ত্রাহার ছালালার কথানার বিশ্বত কোলার কালাভিত মানার হৈ শেষ্য কথানার কালাভিত মানার হিন্দুত কোলা কথানার বিষয়ে শেষ্য কথানার বিশ্বত কোলা

# O त्रवीश्ववारयत जञ्जका(मठ श्रृत्वतः O

রঙিন আর্ট প্লেট : মহিবন্দিনীর প্লাচীন চিব । রবীন্দ্রনাথ ঠাকুর । প্রকাশ ক্লাকার

मशामहात जारगई श्रकानित इरव



পাম ৪-০০ ॥ বেজিপিট্ট ভাকে ৫-০০

বাজে অন্তিত শীর এনল মার

সংশ্বাসনে ধর্মনিকাশেক ভারতের
বোগদান নিরে নানা মহলে বে নমালোচনার
কড় উঠেছে তা বে অবাশতর এবং এ নিরে
বেশী কচলালে আন্যাদের ভাগাবিবাচী
প্রধানি বে মালন হরে উঠতে পারে. এ
শেড়া দেশে এ কড়া বিবেচন করার মত
লো কর এত অভ্যব কটেছে সেইটাই আশ্চর ।
বিল হরেছেটা বি? ভারতকে নেমশ্তর না
করা সত্ত্রেও সোরাতে গিরেছে? তাকে
সন্দেশ্যানন থেকে পাক চক্রে ব দ দেওয়ার ভারত
অপ্যানন হরেছে? এ কি একটা হইচই
বাধাবার বিরব তলা।

ভারতকে নেমুক্তর জানান হর্মি এ কথা ঠিক নয়। পদ্ধ ব্যারা নিমক্তণ জানান হয়নি। নিম্পূৰ্ म्द दा আপ্নক্তনাত चात्र (क कर्त करतरह? এ तिस्त्राण आधारमत रमर्म तारे। स्मर्ट कात्र गरे নেমুক্তরের ছাপা চিঠির নীচে প্রেটা পর্টো কার কিলে দিতে হত "পত ব্যারা নিম্পূর্ণ করিলাম, বুটি মার্জনীর।" কাজেই রাবাত रथाक हिठित बातकरङ वताल आदर्माम । ঐসলাঘিত সংখ্যানার ক্যাত্রভাগণ ভারতীয় আনবক মদা সম্পর্কে কভট থবর রাখেন এবং তাঁদের শ্রুষা যে কত গভীর CE! জ্বে কোথার অমরা আই বাদ করব Œ. गर '5"5तर भी प्राथार जुलीका क्रिकेट कि এমন ফ কিডাও তলে ছন যে, ভারত যেচে নেমদতর নিরেছে। আরে এ কি একটা কথা ध्या सत्र वार्म किए नियास्त महीन। एक भाषा कहे कथाको क्वानिएक निरंश'क हत. কেখাও নৈম্বত্যা পে লৈ তার কেতে আপত্তি নেই। ভারতের বাশ্বরতের মথে এই ज्ञारवाम्को भवात जान्य प्राप्त **अपन**्धिक স্থেলনের কম'কতারা তাকে "আন্তাকে হোক. আণ্টাজ্ঞে হোক" বলে ডেকে নিয়েছেন।

কেউ কেউ এমনও বলেছেন, সম্মেলন থৈকে পাকিপতানের প্রেসিডেন্ট ইরাহিরা থাঁ চক্রণত করে ভারতকে বাদ দেওরার ভারতের অপমান হরেছে। এর উত্তরে বলতে হর, ভারতকে কেউ বাদ দেরনি, ভারত আমলগকারীদের মান বাঁচাতে নিক্রেট ধেরিয়ে এসেছে। এবং হাতিথিয় এই প্রকার বিবেচনাপ্র্যা আচরণে আমলগকারীরা অভিশর আনক্র লাভ করেছেন। এতে তার ভারম্ন্তির অর্থ স্পেলর মরীচিকার মত সকলের চোখ ধ্যিয়ে দিরেছে। অর পাকিপতানের কথার ও কান্তে করে ভারত অপমানিত বোধ করেছে।

ঐসলামিক সন্দেশনে ধর্মনিরপেক ভারতের যাওয়ারই বা দরকার কী ছিল?



এইরকম আকেবাকে প্রশান আনেক ভূলেছেন। যেখানে ধর্ম নেই দেখানে বেমন ধর্ম সংক্থাপনের জনা ভগবান বংগে বংগে অবভারর্গে আবিভূতি হন, ভারতও তেমনি ষেখানে ধর্মনিরপেকতা নেই. সেখানেই ধর্মনিরপেকতার বাণী বহম করে নিরে গিরেছিল। এই মিশন্তির সিপরিট ভারত আশোকের আমল থেকে দেখিরে আসতে। ভারতের ধর্মনিরপেকতার মর্মাটা লেক.ক বোঝাতে হবে তো না কি!

দ্বাপ্রভার ভাসানের জন্য বলি চার
দিনা ট্রাফিক জাম করতে হর তো মহরমের
জন্যও চার দিন। প্রেশনাথের মিছিলের জন্য
চার দিন। এছ ড়া তেতিল কোটি দেবদেবীর
অ বাহন বিস্কান এবং বলিল কোটি অবভার
ও মহাজাগণের আবিভাব তিরে ভার,
প্রতানিধ বিস্কান এবং আরও আশার প্রবার
ধর্মীর অনুষ্ঠিন উপলক্ষে রাসভাগাওর
বানবাহন বিপ্রস্কিত কর র জন্য দিন বরক্ষে
কর ই বর্তমানে ভারতের ধর্মনিরপেক্ষতা।
এই মহিমা প্রচার আমানের অবশ্যকরণীয়।

#### विद्युक्त मान

প্রিটিকলে বিবেক বস্তুটি বে অভিশর গ্রেপাক এবং দলের **8** 4(4 যথেক বাবহারের সংযোগ দিলে হক্তম করা শক্ত হবে, এমন একটা আশংকা গোড়াতেই করা গিয়েছিল। কিল্ড সেই বিষয়কের ফল যে এমনভাবে ফলবে এবং এত শীল্প তা বোধ হয় পলিটিক্যাল বিবেকের অধিষ্ঠান্তী আমাদের প্রধানমন্ত্রী ঠিকমত পরিমাপ করতে পারেননি। বিবেক পথিকের ইমফল সফরের সংখ্যা সংখ্যা মণিপারে, ভার সালিধে। অসার জনোই कि मा एक कारम, नवक्रम करशाणी अब अन क व विदयक रेठार ठागाए स्माद कर्छ, कवर রাজ্বপতি নিবাচনে প্রধানমন্ত্রীর সুক্ত নজির অন্সরণ করে তারা দলীর শৃংখলাকে वृष्यान्त्राप्ते शतना करतन। 1019 P মাণপুরে রাজনীতির আসরে বিবেকের প্রবেশ ও কংগ্রেসী মন্দ্রিসভার পভন ও মূছা। এই সংবাদটি পাবার পর প্রধান-মন্ত্রীর মনের ভাব কেমন হরেছিল, ভিনি "ফল ফলাবার অ.শা আমি মনেই রাখিনি বে", এই সামষ্টি শেষা ক্ষিত্ৰীয়নেক কিনা,
কথবা এই নয়কম বিবেক-শীয়নে "ভারতের
বিবেক" জাতীয় কোনও প্রকান রাম্প্রীয়শ্রুক্তারে ভূবিত করার ক্ষমা কোনও প্রকান
বিবেচনা করছেন কিনা, সংবাদে ভা কানা
বাকে না। পি টি কাই সংখ্যাত থেকে যে
সংক্ষিণ্ডতম সংবাদ প্রচান করেছেন, ভাতে
ক্ষানা বাকে, প্রধানমান্ত্রী বলেছেন, মনিপানের
কংগোলনেবীনের মবো দীব্যিনের বিবাদের
কংগোলনেবীনের মবো দীব্যিনের বিবাদের
কানটিছে। (কি গভার প্রকাশিতা!) পান্ন
তাই নর, প্রধানমান্ত্রী এও বলেছেন,
তা বিরোধের মীমাংলা আগেই হওরা উচিত
ভিলা। (এবং কি আণ্ডবা স্থাধান!)।

क्षीमरक देमकरलात चनात्र रमचा गाल्क. शास्त्र करतान वित्यकवानी अहे कराजनी अब अन अ-रक नवनाठे नम स्थाप র্বাহন্তার করেছেন। প্রবেশ করেছেনর অ-কংগ্ৰেসজনোচিত ব্যবহাতে বিবেকবাদী কংগ্রেস মহলের কোমল এবং क्रामां का जब के नाम ৰে সৰিশেৰ আঘাত আর স্কেত লাগবে, সে বিবরে এলাক': ক্মিটির ঐতিহাসিক শাণিত প্রভারতে কি এর শ্রারা অবমাননা করা হল মা ৷ কংগ্ৰেসে সম্প্ৰতি বে-সৰ আসর-গৱম যাতাৰ পালা বডিত হয়েছে, তার ধর্মটা करेतका : अकल्प अभूता मनीय माण्यनात প্রতি কদল্মিনা প্রদর্শন করবেন। ভারপর পুট দলে হালুস্থালা বাধাবেন। ভারপর উচ্চ মহল্ল থেকে শান্তি প্রস্তাব পেশ করা ছবে। উভন্ন পক্ষই ডা মেনে নেবেন। কেউ কংগ্রেস ছাড্রেন না। তারপর ব্যক্তিগত স্তরে কটাকটেবং শারে হারে। তারপর প্রধানমন্ত্রী জনসংযোগ সফারে বের হবেন। ভাকে স্বাগন্ত জানাবার জনা একটা আড়-হক অভার্থনা সমিতি তৈরি হবে। ভাতে প্রথমে প্রদেশ কংগ্ৰেদের কোনও সরকারী প্রতিনিধি ভাকরে না। এই নিয়ে খেটি হবে। ভারপর আবার প্রস্তাব, তারপর....রেকারিং ভেসিমেল পশ্বতিতে কংগ্রেসের বিরহ-মিলন পালা চলতে থাকবে। এই তো প্রখা।

কিন্তু মণিপ্রে এ কী! এইর্প প্রথা-বিরুখ কাজ কি করা উচিত! ছিঃ!



# শারদীয়া আনন্দবাজার পাত্রকা ১৩৭৬

#### মহালয়ার পাবেই প্রকাশিত হবে

বিশেষ আকৰণ

#### বনফুল

উপন্যাসের নাম 'রোরব'। 'ভাস্তার বললেন, ওটা কুষ্ঠ। বাস্, আলারই ব্যাড়িতে সকলেই আমাকে অপ্পা্শ্য করে দিল।' একটি প্রতীকী কাহিনীর মধ্যে আধুনিক কলেকে প্রকাশ করেছেন লেখক।

#### সংবোধ ঘোষ

উপন্যাসের নাম 'বাসরদন্তা'। 'আজ বেটা বৃত্তি কাল সেটা বৃত্তি নর। আধার আপদার নাতির কাছে বেটা ধ্রতি সেটা আপনার কাছে বৃত্তি নয়।'

#### বিমল কর

উপন্যাসের নাম 'মৃত ও জীবিত'। 'তা হ'লে আমি কারও জুপিকেট হতে রাজি নই। আই হেট ইট।'

#### भूगील शत्काशाशाश

উপন্যাদের নাম বিশাখা'। ইউনিভাসিটিতে পড়ার সময় বিশাখাকে দেখে দীবশ্বাস ফেলোন এমন ছেলে একটিও ছিল্পানা। বিশাখাকে সংগ্যানিয়ে রাস্ভার বের্মুনই ছিল মুক্তিল।'

#### মতি নণ্দী

উপন্যালের নাম 'স্কেবের বা স্থের জন্ম'। 'বংশের বাইরের কাউকে, বিশেষতঃ একজন স্থীলোককে একটা বাড়ি দেওয়ার মধ্যে কোনই ধ্রিও মেই, ভাই ব্যাপারটা খটকা লাগে।'

#### বাদল সরকার

'এবং ইন্দ্রজিং'-খ্যাত নাট্যকার বাদল সরকারের লেখা বছবা ধর্মী' সন্দের প্রণান্ধ নাটক 'সারারাত্তির'।

#### الحمان

আশাপ্রণা দেবী, যাযাবর, মনোজ বস্তু, প্রমথনাথ বিশী, নারারণ প্রেণাপাধ্যার, নরেন্দুনাথ মিচ, রমাপদ চৌধ্রনী, ইন্দুনিচ, বৃষ্ধদেব গছে, শীর্ষেক্স, মুখেপোধ্যার, বরেন গ্রেগ্যপাধ্যার, দিবোন্দর পালিভ, সমীর রক্ষিত, হিমানীশ গোন্বামী প্রভৃতি ৷

প্রৰশ্ব : অমদাশংকর রার, শিবরাম চক্রবর্তী, শ্রীপাশ্ব প্রভৃতি।

क वि छ। देश देह ना | हम कि व | जान म त्य मा

#### সাড়ে চার টাকা

হামেশা বিপ্রৱ

শিশ আমেরিকায় বিশ্বর হারেশা লেগেই আছে। আর বলিভিয়া বেধ হয় এ ব্যাপারে সকলকে টেকা দিতে পারে। দেশটা স্থাধীন হায়ত ১৪৪ বছর। কিল্ড এরই মধ্যে সেখানে বিস্পর হয়েছে ১৮১টা। कारकर विश्वाय घरते हा मानता त्रभासकात रमारकताल जांडरक बर्ज ना किन रमाभव লোকেরাত তেমন চমকায় না। তার কারণ হচ্ছে দক্ষিণ আমেরিকার দেশগালিতে বিংলব্যালির সংখ্য ফরাসী বিংলবেরও তখনা চলে না রাশ বিক্লাবেরও न्दित्र । চীনের বিশ্ববের সপো এদের কোনও মিল নেই, এমন কী মিল নেই ও-অঞ্লের যে বিশ্বাব নতন ইতিহাস তৈরি করেছে সেই কাপ্টোর কিউবা বিস্লবেরও! অনাংসংশ যা হয়ে থাকে, নির্বাচন করে লগতিন আমে-বিকার দেশে দেশে তাই হয় বিশ্বব ছটিয়ে। নির্বাচনে হয় সরকার বদক। 16.05 রাজুপতি যান, আর একজন অংসেন। প্রধানমধ্রী হেরে পদি ছেডে দেন, আর একজন ছিতে মে গদি দখল করেন। ভবে ওফাতের মধো এই, নিব'চন হয় শাদিততে, সংকার বদল হয় নিবিহৈছ। জেব জবর-দ্দিত্র কথা সেখানে ভাঠ না। আর্দ্রিকণ আমেনিকার বৈশ্লনিক সরকার বনল স্বটাই গালের জেনেরর ব্যাপার।

माधित जाद्यातिकाद्य "विश्वव विश्वव" ध्यमात स्थमारक राज्यन रामीको अधारमता। न्थनप्रमा, सोवाधिमी किरवा विभाग वहरतत যাঁরা অধাক্ষ তাঁরাই হচ্ছেন বিশ্বর নাটক-কের নায়ক জিভ হয় প্রায় ত'দেরই। আর থকানায়ক হাছেন গণতশ্রী নেতারা। এংসের শারেস্তা করে ক্ষাতা কেডে নেওয়ার জনাই दिन्हादवत है। है। इस दिन्हादव श्रम छन्द्र किरमा সমাজতথেত্র জয় হয় না, হয় ফৌজীতখেতুর। কংনত একা, কংনত বা আর দ্ভিনজনের সংখ্যে হ'ত ফিলিয়ে গুলি দখল করেন েট্রালী প্রধান। তারপর তার দৈবরাচারী শাসন চাল যতাদিন না ভার কোন্ত ভাগাী প্রতিশ্বশ্বী সেনাবাহিনী কিংবা প্রতিশ্বে হাত করে তাকে গুলা ধ্যক্ষাদিয়ে প্রিংখকে নামিয়ে সেটা দখল। করে বলে। দক্ষিণ আমেরিকার দেশে বেশে ভাই ক্ষয়তার চাবিকাঠি মিলিটারি আর প্রিল্মের হাতে। ক্ষমভার লড়াইয়ের ফয়শালা সেখানে হয় वालाउँ नर बालाउँ। एउव बालाउँ शताउ তেমন বেশা সাধারণত হয় না। দুঢ়ারটে ছালেটাই প্রায় কেরা ফতে হর। রঙ্গাতও कर्नाहर दवनी इतः। सवदेष्टि द्वान यादा-দলের সাঞ্চানো লডাই। অধিকারীর বাঁশী বাজ্ঞাই একজন আসর ছাড়ে আর একজন (अर्क काम।

লংগী হাক্ষত এখন বক্ষিণ জনেগরিকার অংওত চর্চি রয়ের। তার সংগ্রেয়া



#### THEATE

হরেছে ২৬ সেপ্টেম্বর বলিভিয়া। ভার ভাইনে পেয়া, বাঁয়ে রেজিল আর প্ররাগ্যনে, মাথার ওপতে প্রেঞ্জ আর एम। श व्यास्त्रिकिता। ७३ हास्त्वे दल्दलहे हलाह ফোচ্চী শাসন। বালডিয়া এবার ফাঁকের কই ঝাকে মিললো। সেখানকার সংবিধনসম্ভত ব্ৰথপতি লাইস আডোলকো সাইল্ডা সিলাসকে হটিরে দিয়ে একনারক হরে দ্যতিরেছেন জেনারেল আলফেডো কর্মিডয়। । একদিন পার ভার অভিযেক্ত হরে গিনেটো বলিভিয়াতে কারেম হরেছে মিলিটারি শাসন। তার ফৌজী সরকার বলিভয়াতে কিছা মতুন নয়, কেনাবেল আলতেতে ভভাইণ্ডা ক'ণ্ডিয়ারত কেলের কল্ডোরী হুওয়াতে কিছা নতুনত নেই। শেষ সামবিক অভাষান সেবলৈ ঘটোছল পাঁচ বছর মধ্যে। রাজুপতি ভিত্তর পাজ এসটেনস্সোরা ওখন পালিয়ে বাঁডেন। ফোজী নেভানের ভবক ব্যাকে যাগ্ৰন র জুপতি হলেন কোন বেল द्ददर दर्गद्वारान्त्रेष्ठ व्यवक्रारमा कात दक्षमाद्वव आमाताम्याचा ७ छ। तथा कार्याच्या । श्रीह तक्ष्त পরে ওই ওডাল্ডে' কাশ্চিয়াই ফিরে এসেচেন বলিভিয়ন রাগ্রপতি ভবনে একা। কদিনন ডিনি গ্রিডে থাকাবন তা বলং শ্রস্তু। তারে তারি দেশের যা ইতিহাস তারের হার বেশী বিন ভিনি যে টিকিটে পারাবন লে ভরসং কম। আটটিশ বছরে ব<sup>া</sup>লভিয়া প্রেমিডেণ্ট পাল টছে এই নিয়ে বিল বার। গড়ে দ্ৰা বছাৱৰ কিছা কম গানতে ছিলোন এক একজন। এর মধ্যে দিন কতক ছিলেন দালন ক্ষাড়া ভাগাভাগি করে এক সংগ্র যাংম রংট্যতি হিসেবে। একজন e গোলাবৰ অধিকারী হলেছেন শাবার ভাৰ শেষ বাদ ভার কাছ থোক গাদি কেন্ডে নিরেন ছিলেন ফৌজী প্রধানেরা। অস্থানভাবে গ্রি ছিনিয়ে চেওয়া হয়েছে। আরভ পাঁচ জন প্রেলিওড়ান্টের কাছ থেকে। ভারের একজনকে উপাত্ত স্থাত। মোরে মোলো। এ হাডা একলন করেছেন আত্মহত্যা একজন দিয়েছেল কাজে ইস্ভকা। বিমান স্থাটনাতেও প্রাণ হারিরেছন একজন। দু'জন আবার ছিলেন অস্থায়ী প্রেসি:ডাট। কাজেই দেখা যাকে কটিবে মুক্ট যদি কোনও ভাষীপতির খাকে তো তিনি হচ্ছেন বলিভিয়ার প্রেসিডেও। এমন অভিশপত গদি বোধ হয় স্নিয়াতে দুটি নেই। তথ্ত আশ্চর, এই গণির ক্লোডে মারামারি হালভালির আর শেষ নেই।

তিন বছর তাগে মনে হয়েছিল বলিডিয়ার

हेलांक कावि कियाला, शंगक्रमा द्वि दम स्मरम रक्षत क्षांक कितारे कट्या। ३३५८ मदम যে বিশাবের ফলে রাষ্ট্রপতি এসটেন সমারে প্রিচাত হল তার লাটের গরে: ছিলেন रक्षप्रदेश वार्षिद्वारोग कार्षेद्रमा छ। द क्रियातम् विष्याः कर्मान्यम् ३५५५ मान সামারিক শাসনের অবসান ঘটিয়ে নিরাচন ক্ষম হাম্বাছল বালাভয়াতে। ভাতে কেতে হারিয়েণ্ট্রাসর বলৈভিতান বৈশ্ববিক ফুণ্ট। ১৯৪৭ সামর পারে মো গণ্ডাল্ডিক সংবিধান আবার চালা হলো জেন রেল বালিয়েটেস হলেন নৈবলিডত ৰাশ্বপতি। গোটা বেশে তাঁর প্রতিপত্তি ছিল খাব। সেনাখাহিনীও ভার বলে ছিল, বেংশত লোকের।র ভারে ভালবাস্টো। জেনারেল একদেশন জালিন্তা ছিলি ভার সংগা ছিলেন হাল্য রাষ্ট্রপতি তিনি ফিনে গেলেন ফোলা ভিবিয়ের জুটাক বেওর। হাল্যা প্রধান দেশা-প্তির প্দা কমতার কোড তার সৈকত স্বায়নি : ভাষে ভাইক চলচাপ আকাত ইটো ছয়া ক্রেন্সিডেণ্ট বং বিয়েশ্ট্রের নেটেশ্র ওপর <del>প্ৰভাৰ চেন্দ। বিৰুৱে ভালা ভাৱ ভালা</del> বিষয়েন দ্বেটিনাত মারা গেকেন রাণীপতি कार्त्रसम्बंग क्रीकृत शास्त्रस्य स्थाप जिल्ह

अर्थनभार खराकाही साधेशीत्र शीव স্থান করতেন উপ্রেণ্ট্রিড স্টেল্সা সংক্রিকাস র ভিত্র পথাকি হৈছে। রুগ একেছন িদ্যা**ল্ড জা**ইম্ভ<sup>1</sup>ব", বস্নাবেশ ওচাইডোর ভিক্তি ক্তিন্ত্রত ক্ষেক্ত এই ক্ষেত্র সাক লিম্মান্তৰ বিভিন্ন নিনিবিভাৰ সময় একল ল্লাক কারকো: কিবল বিধারতে ইকে কার্য वक्का । महल्हिंग रोल एक रिकाट हालागे মারিকনি দেশ। সি আই এর চরুপেরই নালি এবারে বলিভিয়াতে সামারিকা বিশ্বার ঘলীকো ত প্রেম সভিচ ভি মিছে। ২০ স্তিভ *ছ*েপ উপায় দেই। তাৰে বলিভিয়াকে আংমারিক ব বস্তু ভাষা কা**লেটার সহার্য<sup>াল</sup>া**ড আল ভাষার वर्षाचे किया रक्षिकिसाम क्षार्व्यक्ति । वर्षात्राह বাহিনী তৈরি কারে কিউবার ধ্রনে কুল্লান বিকাৰ ঘটবাৰ সাধানৰ ডাত ভিজ্ঞ ভিজ্ঞ য়েস সংখ ভালি অপাৰ্থ স্ট্ৰেল্ড ৮ অভানঃ ১৯৬৭ সৰে ছিলি পাণ চলেলেল বলিপতিভাতে। ভার দল ভরভাগ লাগাও दवीक ब्रद्धांकान गाउँदछ। डेस्ट १९१७हरूका । य সোপ্টেম্বর এক খোষণ হ স্বাইকে চয়ালে লিছ তিনি যেবাল করেছেন নতন করে প্রেরিলা বড়াই বারে করার অভিপ্রায়। ভার সারপাত এখনত হয়নি বটে কিন্ত ভানেকের ধারণা ভাতেই বেচাল হারে আনুম্বিকা কোপনে निह्नाम् र **क**ाग्रहाता 0.5 (\*%) কাশ্ভিয়াকে। শুলাভিয়াতে গোরলা লাড়াই মুখতে গোলে ভাঁৱ মত লোকট চাট— আমেরিকার এই বিশ্বাস। त्रको भागका राज জনেটে নাকি সে পণ্ডদেরর প্রন্থ ঘটিয়েছে যালি। ভয়ন্ত ।

#### 'শরংচন্দের কথায়'

বাংলার ভাবনাই মনে আসছিল।
তার চাইতে শক্তিমান ওপন্যাসিক
বাংলা সাহিত্যে আসেন নি এবং আসবেন
না, কেউই একথা কোনেদিন বলনেন না।
কিম্কু সমস্ত ভারতের হৃদরের মধ্যে এমন
করে আর কোন্ বাঙালী লেখক ছড়িয়ে
গেছেন বিষ্কমন্দ্র ছাড়া! একালেব আনক
বাঙালী লেখকই ভারতব্যের নানা ভারত



কি ন্য়েও চৰিত্ৰীন ৷ না, সরকাৰী প্রসায় ভুসৰ নোৰোমী ছাপত্তে পারৰ না

অন্নিত হারেছেন জনপ্রিয়তা পেরেছেন, অব্যাহারেও তানের স্বস্তার বিম্প বার্নি কিন্তু শ্বংচ্ছে শ্বংচন্ত্র তিনি ক্র এবং অধিবর্ণীয়।

্যাপের জায়ালেডি ক্রেখ্যান পার দিক্ষীর সেই যিখনত ডিকট প্রিডা সাংভালিক इनस्थापुराय ३५४म हराष्ट्रीस्टात्य अध्यातीते হাতে এল নাস্ট প্রিকাংহলত ব্যাহণীক এক বিক্ষেত্রী সময়েল্ডেন্ড জ্বাপ্ত হয় বাঁশক্ষাচল্যাক স্থায় ফ্রান্সিক কাইলভাই উঠাত দিল্লী আভাহিতিকাস্থ্যানের इयाज्यम् शराज्यस्य कन्नारम् । श्रीवर् ছাপায় অভি মনোবম এই পত্তিকাটি যোধ হয় হিন্দ্রি সবচেনে জনপ্রিয় সাংহাহিক। এই কালাভাই হনবীষ্টা শীঘাৰ বিষয় প্ৰভাকৰ লিখাছন : শরতকে রহসাময় জীবনকা সন্মাংগ পরিচয়। কী নিষ্ঠা এবং পণিশ্রম নিয়েই শ্রী প্রভাকর শবংচন্দ্রের বাছিজীবনের ব্রুস: সুন্ধান টেটেছেন, প্রয়াণ কলতে চেয়েছেন অনাপ চবিত্রমীনা শ্বংচন্দ্র স্ম্পাকিতি জাপ্রাদ-পালো কত অসত। কত অভিবলিত। गतरणाम्बर माम्य योगात अगडतमा भारत्व



ছিল, দেশের দেইসর জারিত এবং মতে মানুবগুলির ঝাছ থেকে সংক্রী-প্রমান সংগ্রহ করেছেন তিনি। তাঁর মধ্যে রক্তেছেন উপেন্দ্রনাথ গগেলাপাধারে, অসমঞ্জ মান্যেপাধারে, শচনিন্দন চট্টেপোধারে, অরিনাশ ঘোষাল, উমাপ্রসাদ মন্থোপাধারে, মহাবারপ্রসাদ পোদারে, বি রক্ষিত রাম এবং আরো অনেকে।

কিন্তু প্রবংগটির কথা থাক। প্রদান হল, এটদিন পরেও হিন্দী সাহিত্যে। শরংচন্দ্র সম্পর্কে কেন এত জিল্পাসা, এত কোতা্হল? উত্তর একটিটা। শরংচন্দ্র বাওালীর একলার নন—তিনি সারা ভারতবর্ষোর প্রাণের মানুষ। ভাই একানত প্রিয়ভানের অপ্যথা-কালনের কনা আছেও কীরিকা প্রভাববাক কল্য ধ্যাত হার্যাহ।

তথ্য -- এই বংলা দেশেই শ্বংচন্দ্র বই নিয়ে একটা বিভিন্ন ত্যাস্থ্য চলাছে। এক সময় গ্রেন্স চটোপাধায়ই ছিলেন ভবি প্রধান প্রবাশক, তার আঘানের মাত্রা ১৮গবিন্তব ঘর ভবে রাখাত বস্নাত্রীর প্রধাবলী। এখন সে গ্রেন্সাক্ষর পল্লাপ্রট থেকে ব্যবিষ্ঠে শ্বংচন্ত্র বিশ্বমন্ত্র পরিবাশক -- আজ এই প্রকাশ্যের ঘরে -- কলে ও'র



ভার ছিল পথের দাবী, জন্মরা সৈতুর দ্বা মিটিয়েছি, সেতুও ভো একরকম পথ

আসতানার। বইগ্লেরে দাম বেড়েছে, ভাপার অব্যক্ত-একখণ্ড ন্বিতীর পরা শ্রীকানতা কিনে মাঝখানে তিন ফর্মা ছতীর পরা উপহার পাওরা গোল-অবসাই নিবতীর পরেরি তিন ফর্মার বিনিনরে। আর শরংচন্দের রচনা সংগ্রহ বলে বে বদভূটি প্রকাশিত হরেছিল। বো ইর-ঠিক জান না), তাতে বৈধ্যিক বৃশ্বি ছাড়া আর কোনো বোধ বাছে বলেট, সামার মনে হয় নি।

শবং-সাহিত্যের যে স্যুষ্ট্য, শোহন এবং সতক মানুল প্রচায়িত হওয়া কট লরকার,



দেবদাস ? সেই লাতালের গণেপা ? না, ব.প্রে সেপ্টেনারীতে লাতালের কান্ড ছাপ্ডে পারব না

এ ব্যাপারে একটা দ্টোলত দিই। একলা
গরংগ্রন্থ থিকার ছেলো বইটি বোধহর
সকুল-ফাইন্যালের পাঠা নিবাচিত ছরেছিল।
বারা নিবাচন করেছিলেন তাঁরা বোধহর
জ্যান্তন না বে বইটির ছেতরে 'পথনিদালা'
রচনাটিও ছিল, সাত্রাং ওটিও পাঠা হরে
গেলা তা ছোক, বাংলা নোশ্র বালকবালিকারো বনি পথনিদালা' পড়ে হনরপার
কার, তাতে আপত্তি নেই, কিন্তু প্রকাশক
ভারালন, সা্ক্যার্মভিবেনর জানা বইটি
গ্রেডিট' করা দরকার। সে কটোর বাজটি
কে করলেন জানি না, কিন্তু খালে পেলেন
দার্গ একটি আপত্তিকর শব্দ ঃ শোলা।'

শৃক্ষণি অবসা আমাদেব ওণ্টাপ্রে সদা-প্রস্কৃত, বিশ্বমান্তনের সেই মহাপ্রের মাটিরাম গড়ে প্রথম বাক্ষ্যাতির সাম্পা সংগা তাঁর পিতাকে কই শাস্ত্রই সম্ভাবন করেছিলেন। বাই হোক, যিদি তিভিটবা —তিনি শাস্টিকৈ উৎপাটন করাকা সামের সাম্যাতার একটি ক্লাসিক বাকা থেকে—বেটি উচ্চারণ করেছিলেন নীলমণি ডান্ডার রামের গাসানির পর, সমবেত রোগীদের কাছ থেকে সাক্ষী দেবার ব্যাপারে সহযোগিতা না পেরে, প্রথিবীর যেটি 'সর্বোপ্তর স্কানের বাক্য'—"দ্বিয়ায় কোন শালার স্থাকো করতে নেই!"

রসবোধ না থাকলেও চলে, কিন্তু এক বিন্দ্ কাণ্ডজ্ঞান থাকলেই বোঝা বার— ওথানে "শালা" শব্দটির কোনো বিকল্প নেই থাকতেই পারে না—এটি ওথান থেকে সরালে সমুস্ত উপভোগটাই পণ্ড। অথচ "শালা" এডিটেড্ হল, তার বদলে এল, "দ্নিয়ার কোন বাাটার ভালো করতে নেই।" এবং কিমাণ্চর্—'পথ নির্দেশ' সম্পূর্ণ মোলায়েম বলে বিবেচিত হল।

"বাটো" ওই পর্যত থামলেই তালো
ছিল। কিন্তু তারপর এল রামের স্মতির
নাটার ্প, সেখানেও "বাটা"। বোধ হয়
নাটাকার ভাবলেন, "লালা" লালটি
স্কোমলহণ্য মঞ্বসিকদের র্চিতে আখাত
দেবে!

একটা সাধারণ লব্দ-কিন্তু এরও গ্রেড আছে বলে আমার ধারণা। একদা গ্রেড়াস চটোপাধারে আটে আনা সিবিদের কিছ্ বই ছেপে বাঙালী পাঠকের প্রছুত কলাণ করেছিলেন, প্রচুর সংসাহিত্য অতি স্কুচ্ছে ঘরে ঘরে পোঁছে দিয়েছিলেন তারা। সেই সিরিজে শরংচন্দের অভ্যতঃ দুটি বই (আরো ছিল বোধ হয়) আমার মনে পড়ছে—এফটি "অরক্ষণীরা", অপরটি "পল্লী সমাজ।"

আটে আনাব কণ্টিংয়ে আনবার ক্রানা গিয়ে প্রধানতঃ পাতা কমাতে সমাজে" পারোগ্রাফের কোনো বালাই নেট वनालहे हता। मानाएभा चाएक मानाएभा ঠাসাঠাসি। বিশ্ববি লাগে পড়তে, विश्वीदक्य मृश्चिक्ये। किंग्ड "771E ট্রাভিশন সমাজে চলে আসছে।" शम्भावनीरङ, रङ्मान बहैरङ। अहैरे,क সাধারণ কাশ্ডজান কি আমাদের নেই যে একটা প্রারাগ্রাফ ভাগ করে দিই? গরে-দাসকে দোষ দিই না, কিন্তু এখন তো আব আট আনা মূলো "পলী সমাজ" বিকী इय ना?

বাজ্যর-চল্তি শরংচন্দের বইগালোর পাতা ওলটালে অজ্ঞ ভূলের নিদর্শন পাওয়া থাবে; ভাষা আর বানানের এমন দৃষ্টাস্তও মিলবে থার কৃতিত্ব শরংচন্দের নয় বলেই সন্দেহ জাগে।

আর শরংচন্দ্র কেন? সর্কুমার রায়ের বইগ্রেলা যে স্থুখ্যাত প্রকাশক ছেপেছিলেন, তারাই কি বইগ্রেলার ওপর সে লক্ষ্যারাখ্যে আর? ছাপার ভূল চোখে পড়ছে, ঝালাপালার সংশোষ মূদ্রণ খ্যালাংকী, চোখের সামনে ভালভালে করে উঠল একটি ব্লকঃ 'লক্ষ্যার শক্তিশেলা)' কীয়ে কদম' লাগল বলবার নয়। এই রকটা সদলে লক্ষ্যাকে 'লক্ষ্যা' করতে কি খ্যু বেশি প্রসা খ্রচ হয়?

কিব্তু স্কুমার রারের কথা থাক।
শরংচদের তিরানবর্ট জন্ম-বাবিকী তেন
উদ্যোগন করা গেল, সেড়ত নামানিকত
হল, কিব্তু শরংচদের প্রাণের রচনাবলীর
সলেভ-সংস্করণ প্রকাশের দায়িত কি সর্কাব
নোবন ? স্চিনা দেখে তো আশা হয়।

যদি বচনাবলী প্রকাশের দায়িত্ব তারা নেন—শতব্বের আগেই নেন, তা হলে একটি বিনীত নিবেদন জানাতে পারি কি : তারা কি এর জনো একটি উপযুদ্ধ কমিটি, একটি যোগ্য সংপাদক্ষণভলী গড়বেন : নিজক সরকারী পদাধিকারী নর, নিতাশত ভিরিধারী প্রোফেশনাল পণ্ডিত এ নর, সাহিত্যিক আর কিঞ্চিৎ রসব্ধিসম্পন্ন মানুষকে এ কাজের ভার দেবেন তারা ?

শরৎচন্দ্র বাংলা দেশে ব্যাকডেটেড্ কিনা, সে আমি লানি না। কিন্তু সারা ভারতবর্ষে তাঁর সম্পর্কে আজো অফ্রেন্ড কৌত্তল। বাঙালী হিসেবে সে কথাটা আমাদের মনে রাথলেই ভালো হয়॥

#### ৰবেণ্য রাজ্যনায়কের স্মৃতির উল্পেশ্যে আমাদের প্রজার্জাল

# खां विसिन

ভিয়েতনামের প্রিয়ত্ম নেতা—সমগ্র বিশেবর কৌত্রল ও শিক্ষানা যে ব্যক্তিকৈ ছিয়ে এতদিন জালোচিত হয়েছে...তার রোমাণ্ডকর ক্লীবনী এই প্রথম প্রকাশিত হল। বালাকাল ছেকের রাষ্ট্র নায়কের পদে উভরণের প্রতিটি অধ্যায় আণ্ডর' লিপিকুল্লভাষ্ট্র রচনা করেছেন জীবাদল হটোপাধ্যায়। যা প্রতিটি পাঠকের অল্ভর পশর্ল কর্বে। সুস্থের মন্ত্রণ দ্বোজন বাধ্য। আকর্ষণীয় প্রজ্ব। দ্বোপা, আট্ডেলট। দাম ৫-০০ টাকা। প্রকাশক ঃ কিশোর সাহিত্য সংগ্র। ৭৩ স্বামীক্লী সর্বী, কলিকাতা-৪৮

পরিবেশক : সান্যাল এড কোং। কলিকাতা-১২

স্দ্য প্ৰকাশিত যাত সংযাত সমন্বিত মুম্পিশী উপন্যাস

विरक्त दिष्न

গ্রীকৃষ্ণগোপাল বসার ... ৮.০০

অমরেশ্র দালের আধ্রনিকতম উপন্যাস

नीलभरम्यत याल्भना ... s

ছেট বড় সকলের উপযোগী মাক সিম গোর্কির सा

অনুবাদক:

অমরেন্দুকুমার ঘোষ ... ৩ ৫০

স্মানপুণ হাতে অধ্কিত সমাজ চিত্রে মম্পিশী উপন্যাস

टमय विठात

कृकरशाभाग वत्राक ... ১२.००

দীপালী ৰুক হাউস, ১২/১. বঞ্জিম চ্যাটাক্রি স্ট্রীট, কলিকাতা-১২



## **এथन** एडाभारक

পিনাকেশ সরকার

ঘন কুরাপার ভিতর হাত ভূবিরেই এখন তোমাকে সব খ্লতে হবে এর তম করে, পৌরাণিক স্বর্ণমন্তা, হেয়ারপিন সি'ড়ির নীচে পারের নীচে হাড়জিরজিরে লেটারবক্ক।

এখন ভোমাকে।

খ্ব স্বচ্ছদেশ বাসী উন্নের নীচে আঙ্কে ফেরাতে হবে,

বোধিদুমের ডাল ভেঙে
নিজের জমিটুকু দিনে দিনে ঘিরে নিতে হবে.

সময়মাফিক দক্তীর কাছে গিয়ে কলার বদলে আসতে হবে।

এখন তোমাকে

ধ্বত দালানের ঠিক মাঝখানে দাঁড়িরে হাত বাড়িয়ে সবাংগীণ আবিক্কারে টেনে তুলতে হবে রক্তার অন্য হাত চ্যতমঞ্চরী হ

# **अ**भाष्

স্কেতা ভট্টাচার্য

ব্যকের ভেতরতা দেখতে পাও না কেন যে কেন যে রক্তর দানা আল্গা করে দিলেও দপর্শ করে। না আমার বিনিদ্র রাচির যক্তগাগন্তি কোন ভবিষাতে?

ব্যকের ভেতরটা দেখতে পাও না কেন যে কেন যে চক্ষ্মান ত্যি তো অব্ধ নও বধির নও কেন যে আল্গা রক্তের স্পর্শ নিচে পারো নি হাতে।

## ছেলেবেলার ঘাতক

অরুণেশ ঘোষ

কে ওখানে ব্যামিরেছো বালির চড়ার শিরবে শাণিত থক্ত পরচুলা উড়ে যার রাতের হাওরার এলিন সমেত ট্রেন হুটে আসে নদীতীরে

পান করে জন হাট্রেরা ফিরে যায় দল বে'ধে দু-একজন প্রশন করে, কে ওখানে ধুনিরেছে

ঘ্যমিয়েছে আমার ঘাতক কব বেয়ে লালা করে

न्हे राउ करका क्या

কোমরের কাছে
সমস্ত শীতের রাত পালাগানে জেগে
এখন চৈত্রের রাতে নদীতীরে বালিব উপর
শিষানে থকা রেখে ক্লাস্ড দীর্ঘানার ডেসে বার

মধ্যরতে হাওরার হাওরার

# এই নিম'ল খাঁচায়

দীপা সেন

মৃত্যু মানেই হিমশীতল সত্বতা শীতের রিভ গাছের মতে। অথবা শ্না ঘর। ভাড়াটেরা গতকাল অন্যত চলে গেছে।

এখন ধ্সর ক্ষাতির কুয়াশা মাঝে মাঝে মনে পড়ে অবরব ক্ষাতি অতীতের শব দক্ষিণের বারাকা পোরিয়ে কার পদশব্দ থামে।

নিজল সাক্ষেত্ৰ অভিতাদ শাক্ষিক সাক্ষ ধার।
কেউ ছিল এইখনে,—এই নিম্পা শানা।

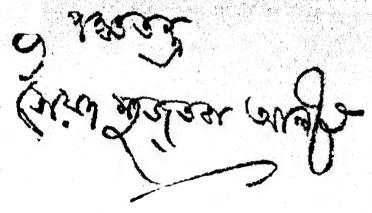
# THEIST BUT ON CHOUSE RAP

সকলেত মতুন ধন্নের উপচার দিতে চান কিছ
পের ভূরুছে তাড়াতাড়ি করে মানুলি উপচারই
কিনে কান ৷ উৎসম ও আনক্ষের মুচ্ছাকে
আঞ্জানালাক ও নীর্কালী কোরে তুলতে ডানলাগিলাে উপহার
ক্ষিন ৷ চুপিচুলি আন রাখি যা ভারতেন ভানলাগিলাের দাম
ভার তেতে কম ৷ আর উপকারের জনা দেবাকে কত রক্ষের
ভানভাগিতের আক্র মালাক্ষের বালিল থেকে বড়োদের তনা
ভারােরের কুশন, বিভানার সমি ও বালিল ৷ আপনার আপন

प्रतात प्रत्य केशहमा जातलाशिला क्रमान वाशिमा शिक्ष

450A/98EA

নাম 2 বানিল — ১৮.৪০ থেকে। কুলন — ১১.০৩ টাকা থেকে। কুলন — ১১০৩ টাকা থেকে।



#### त्राभा नहती

প্রত**্তম্বরে**র าร์ฐเตอร์เลย 🔾 শ্রীনভাডা" - কান্ডের - কালবারী হুনটের,কা এ সাহিদান্দ্রকারের রাল সংবচের <u>ঐ "ব্যার্টের্ডেকর" - বিদর্শন্ন বৈদ্যালয় কেন্দ্রের কার্ট্রন্</u> মধ্যর রাভয়ন্তাপ পা অন্যান্তেন্টি পরে আমি সভাই - <del>ইবং ক্ষায় হা</del>জ হিছু কবল্য। বল্লাম এই কার্যন কে খার্মিত হিত্তৰ ৰাজ্ঞান্তৰ হয় প্ৰাৰ্থক /কেল্ডেন্ডৰ Primitespica ses to mines 2000 c ঞকাশন্তব্যিকীয়ে ্ হাম্পু ছবি 🗫 ভিন্ন ট্রেমন্থ। ছায়নের নগদে রামন্তরিল ିନ୍ଦ୍ରେନ୍ ଅଞ୍ଚଳ ହାଣ ବାଣ ଅଧ୍ୟ ଅଧ বিক্রার টোলিক্সর ক্রানি সংগ্র ক্ষে হুকু সম, দুখন । উন্ত ভাতত্ত গাইক ভূষ ক্ষাৰিত স্মান্তিৰ ক্ষিত্ৰ কৰিছে তাৰি দুলত নিম্নিলন্ত **ক্রলে**ল ୟର୍ଗିକଙ୍କ ଅନ୍ନାନ୍ତ ।

±ল্ভ সাওক মান । হুছ কুলেউম্পন্ত ঐ হিল্পুস্থায় **স**্তিহান্ত্রীত হোৱাত ભાવતન મુખ્ય મિના જુના જન્દે પ્રાથમિક શેરો 50 60 eli Y i বিল'দিলাকে। তুৰ দিলে বি 25, Q 1 10 18b ভাকির প্রায় হালেহাল কান এইবে ক্ষণতার ভৌৰা আমাৰাৰ কিলেবী SERVICE LAND জেটি কেছের জলত জলতে কারণ প্রদাস স্পত্তি Sec. 1960 3 15-বৈশকের হোদন আন্যা কেনিবাত যা এয় তেওঁ হায়ন্তে লাবভট সংক্রম হায়েছে। এবং সংগ্র সংখ্যা আন্তান্ত্রনিভ ক্ষেক্ষে অনুষ্ঠি আন্তান্ত ્ર<sub>ે</sub>લ્ફ ફ્રમ્મ્સન્સ્ •পুঞ্জ হিচ্ছের জনের Programmer দিক্ষাভ্রন তার্লাফ জানালিছে। সমূত্র কাকল পাঠ্যকর্ট ছাছে: , ছার বেগক হিচ্চার বলকেই বা কাঁটু ক'লে কালের মাংস থায় না, এ-প্রবাদ জ বিল বিশ্ব কালে তাথেব মাংস প্রশংসা করে একথা কথ্যে শ্রিননি।

াই গ্ৰেছেলদের মাধে যা শ্রানছি গ্রাণ্যত মমগ্রেজের বাচনিক—কারণ তিনি কুটেয়ার।

ডিল্টিক মাটিল্টেট ছিলেন। সে-সৰ্তত্ত্ব ক্ষণি স্মৃতিশক্তির উপর নিভার করে বংগতি। ভল হয়ে যেতে পারে।

দিনিপ্রকৃষ্যার রাজের জন্ম কৃথিন্ট্যার কাতেই। সেই জায়র তেই বা তার অতিশ্রু রাজে ইন্স সুন্দা বা বিরক্তে করেন, প্রথমত জীতিহালির আজ্বন্দার হৈত্ব, সাতিত্যিক কল্পর দেন পোরে শর্ভেন্ড বড়দা করে সন্দেশে, করে সম্মান দেখাত্তন। এবং এ-যুগের প্রথম মুসল্লান ব্লক্ষ মার মান্তর্বন ক্রেম্যা: তাঁর বিধ্যাত প্রাস্তর্জ বিশ্বনিস্থা, এবলে মা্সল্লম্যানের-এবং কার্য হিন্ত্রের করেছ সাপ্রিভিত্র

ন্দ্ৰতি হৈছেন কাছাল হতিনাছ। এবে শান্তাহাত আমি শুনি বালা বহুকে, পদক্ষিন শোনার সময়ে-প্রথম বহুকি, সংগ্রিক শান্তাবহু প্রেশ হাছ, জন-হানে কম হাজে। হামার চিক হিক মান হামা। তার বহুনা হিল, শবান্তাল কাম্যাহ হামানা শ্রিক জালার মান জেবে হাছ জবে ভিন্ন কাম্যাহানিক হাল জবের হাছ জবে ভিন্ন কাম্যাহানিক হাল ক্ষেত্র হাছ জবের কেন্ডে নিভ/ভূমি পারতে না, বা ছায়টো? প্রামোকান কোম্পানির সে-রেক্ড বাব হয় এবন আর মেই।

্ঞবং এই অভলেবই মহাত্মা—লালন ফ্কীর। তার পরিচর দেবার বভ প্রগালভতা আমার নেই।

J.

এ সমতে গোপনে গোপনে কেমন ফল একটা শ্বন্ধ ছিল নদীয়া জেলাই এবং কলকাতাতে। নদীয়ার কেন্ড তথন তেটা বলতেট, এখনো বলে, তাদের বাঙলা ভাষা সব চেয়ে শুন্ধ ও মধুর। ওদিকে রাফের উপব্যাসন্থ বিক্রম প্রভৃতি তথন কলকাতাকে কেন্দ্র করে, তারা বে-ভাষা জানেন, বলেন সেই ভাষাকেই বাঙলা সাহিত্যের বাহন রূপে প্রতিতি করছেন। তাই এখনো নদীয়া তথা প্রবিশের বহা গুণৌ কোন করেন কে, মীর ম্পের্কে তোসেনের বিষ্ঠান্ধ্য তথ্য প্রকাশিত হল, তথন বিশ্বস্থান্ধ তার ব্যাসন্ত লাভ্যান্ধ তার বিশ্বস্থান্ধ বার ব্যাসন্ত লাভ্যান্ধ প্রকাশিত হল, তথন

ঐ সময়ে অথাং গত শতাক্ষীর শেষের अ हा का दि দ্বান্দ্রক্<u>যার</u> 213 ारतावेदाक्रव he wrote sketches of village life in a reminiscent mood . . . Generally he starts with a festival and goes on to describe its impact on the different sections of the village population. His pleasant vignettes\_>gattygg elemen. \* 47 G C 2 72 most juste-born ont personal observation. present microscopie picture "ভারতী" পরিকাকে প্রেন। ভ্ৰন

# मण अर्कांगर राज!! **जवार्विमिश्** - म्हार स्वरहीं - इ.

যামি কি জাবকা। আকলা। জাবলো এই ডিন্ডা পাগল কার জুলন হাসিবালি <mark>কিবসকে</mark> নালকমনেত্র নাম বাসপাতালের শাতাম কেন্সা বাছে। জন কমিলভা: <del>আসিবালিয় পরিবাতি</del> নিপান তুলিগত আবাহন সমস্যী সাবিত্যিক সংক্রে ডুক্তবর্তীয়ে

নীপ্ত চৌধ্রীন
পশ্ ও প্রেমিক— ৫, ফরিয়াবাদ— ৩: ০
থড়িমটির দ্বপা— ৫,
ধন্তথ বৈরাগীন মঞ্চলনা— ৫,
এক পেয়ালা কফি— ২: ০
আর হবে না দেবী— ২: ০
উংপ্ল দভেগ কলোল— ৩,
ফেরারী ফোজ— ৩,
ডেল কানেবিরি
দ্রিদ্ভাবিন ন্তন ফরিন— ৫৮০

প্রভাতজুমার মাখেপাধার ভারতে জাতীয় আন্দোলন—১১, প্রিৰীয় ইতিহাস—১৬,

ाराभाकत रतनग्रशासाय अवगर्वाक-०::०

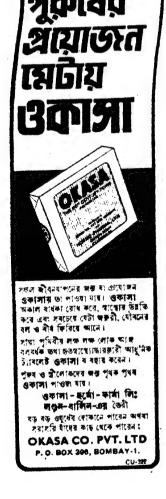
গ্রন্তির চাকুমার ক্রেনগ্রেপ্টর অগভে **অমিয় শ্রীগ্রেরজ** 

১৯—৮<sub>০</sub>, ২৯–৮, ৩4–১০ ডেল কদ্ৰ'গ<sup>©</sup>র **এতিপতি ও ক্ষুল্ডি—**Sil•

গ্রন্থবিকাশ -২২/১ বিধান সর্গী, কলিবাতা--৬

माणामका विकास प्रांत मन्द्र मन्द्रमा एवती । अर्थे किरमा क्षेत्र बाका म्यानेक्साडी एनवी । अर्थे किरमश्चारणा मन्द्रामका मानस्म नाद्रक स्मान अर्थे वस्तु वस्तु भूगी अन्द्रसाह मार्थाक्य क्ष्माला करता। अ स्मान स्वीर अस्य क्षमाल भौरता सिर्के स्मानी राज्या





मनादः प्रत्यं भहरतः सिद्भा निन्तानं वाकामस्य द्वामातस्य करते निनः। अदे निन-बर्द्धा से मसदः भ्रम्थमानादः दृदे परम् स्थानिक हतः।

এর পরের ইতিহাস আমি সঠিক বালান্ত্মিক বলতে পারবো না। বতদরে মনে আছে সেই নিবেদন করি।

ঐ সমরে শ্রীঅরবিশন বরোপার চাকরি
নিরে বাঙলা দেশে লিখে পাঠান, তাঁকে
বাঙলা দেখাবার জনা কেন একজন উপব্যুক্ত
গিক্ষক পাঠানো হর। শেষ পর্যাপত বে
দালৈক পাঠানো হর। শেষ পর্যাপত বে
দালৈকের দিনের পাঠক ব্যুক্ত বাবেন,
সে-নিন বাঙলা সাহিত্যে তাঁর আসন
ক্ষতখানি উক্ত ছিল। এবং হয় তো বাবা
তাঁকে মনোনীত করেন তাঁরা চেকেভিলেন
শ্রীঅরবিদেশর উচ্চারণটিও বেন খাঁটি নাদেব
মিজিট উচ্চারণ হয়।\*

কিল্ফু দীনেন্দুকুমার ব্রোদার খ্ব বেশী কাল খাকেন নি।

কারণ ইতিমধ্যে বরোদার মহারাজা,
প্রীঅরবিক্ষা, অন্যতম বরোদা-প্রধান খালে
রাও বালব, এবং (বোধ হয়) দেশপাণেড্র
মধ্যে কি-সব গণেত মন্দুলা হয়, দেন-সংবাধে
আমি সঠিক কানিনে। কলে শ্রীঅরবিক্ষ
বরোক্য ত্যাগ করে কলকাভায় এসে বিক্লবী

ব্যঙ্কালী" 21121 िस व • "বরোদাতে **ঔ**পন্যাসিক स्य । किए प्रम् CHINI ংবদক্ষ সংগণিতত রমেশ দত্ত. শ্রী অর্বাধ্যদ সভারত মাুখ্যেয়া, ক'ব রবীন্দ্রনাথের নাতি সাপ্রাণ গাংগালী হরপ্রসাদ শাস্ত্রীর পরে বিনয়তোষ ভট্ট চার্য এবং আরো উত্তম উত্তম বাদ্ধ স্থানিক বরোদার মহারাজা সরাজী রাও কর্মা দেন। ...এস্থলে একটি ব্যশ্তিগত নিবেদন আমার আছে। আমার প্রতি দরদী পঠক ভিন্ন অনোরা যেন বাকিট্রকু না পড়েন। ১৯৩৪-এ আমি যখন কাইরোতে মুসলিম শাস্ত অধারন কর্মি তখন ঐ সরাফ্রী রাও **ব্রোদার** नि/य 'MAT (4' এসে একটি অতাতম কর্ম দেন। মহারাজা একদিন আমাকে রমেশ দত্ত, শ্রীজরবিদের कारिनी প্র ক্যায়ি বলার ब्राह्म अस्य प्रमाणिक विकास 873 मृ:च Highness! I am your latest and worst choice i" মহারাজ তখন গ্ৰ গ্ৰ 77-(1) 平函 क रसर song-hit भानं. "you are not my first love, but you could be my last love!" .... ...এর কিছুদিন পরেই মহারাজ গত হন। এ-বাবদে শেষ কথা, ঐ সর্বগালে গণেী মহারাজ ভারতের নানা জাতের ভিতর সব চেয়ে বেশী ভালোবাসতেন বাঙালীকে।

स्तारकाम्य सरका सरका विक्त क्रीड

Service and the property of the service of the serv

দীনেন্দুকুলার বাঙ্গাক থিরে একেন। এর পর ভার জীবন-কাহিনী আন্তার কাজে আরো অস্পর্য।

WITH WITH HER PETER BET SHEWITH 10101 419 किरकार । বোধ হয় তথন এ-কালেও বখন বাঙালী লাছিডা লগ্য সম্প্ৰয়ায় সাহিতা স্থিত কৰে পৰ-উপৰ-क्रामा भाग्छ कराछ भरत मा." **101 5781** क्षत ১৯১६. ध-तका मात्र, मीरनमुख्याद গাতালতর না দেখে ডি:টকটিভ শ্টরি ইংরিজী रशक समायन कराउँ सार्वेच्छ कर मान। ভারই নাম "রহসা লহরী"। সঠিক জনবোদ वनाता त्व ध इत्र अकडे. छत्त इत्। विश्वाताहे সেখা নই किंगर সাহোগ পেডেন, 'वर्श्या भरवागी' बाढाकी वजनवातन प्रक्रिक Carrent 1

এই "রহসা লহরী" বে এ-বেশে তথ্য কি উদ্যালনার স্থিত কারছিল, তার ব্যান আজ বেবে কে? সাধারণে সহ বলি, "নেউ-বুকে" তার হথাসাধা তেন্টা লিকেছেন।

বিষ্তু এই উদ্দাদনার প্রধান করিণ কি ই
আমি দ্ভোত্তা, স্তানিস্চা হে-ভাষাতে
দীনেস্কুমার তার "রহমা লহরণী" লিখালন,
কুরক্ম করকার, ভিমছায় সরক্ সক্ষ্
শীতের নদীলোতের মত শাতে প্রবাহমান
বাঙলা ভাষা এই দেড়শ বছরের ভিতর
অতি অবশালোকই লিখেকেন।

তা না হলে বলান তে, বাবো বছারের বাঙাল বালক তাব সম্পাণ অজ না-অচেনা বিলাডের গম্প পড়ে অধ্যামিনী অবধি বিনিতু অবস্থাত শিহুরিত, ভাম্পিত, রোমাজিত হয়ে বইল কেন?

ভাষা, ভাষা, ভাষা। তাষ বহা, তিলি-সমাং, বহা, মিরাকল, বহা, আলোকিক কমা করতে পাবে।

শনবীনরা হলতো জানেন না এ-বিষয়ে ইতিপারে কি কি মনবেদনা বাঙ্গা এবং সংস্কৃতে প্রকাশিত হয়েছিল। অথাকাণ্ট বথন মাইকেল মারা বাদ তথন হেমচন্দ্র লেখেন,

"হায় মা ভারতী

চির্নিন তোর কেন এ-কংগাতি ভবে, বে-জন সেবিবে ও-রাঙা চরণ সেই সে দরিপ্র হবে।" এবং বিন্যাসাগর মশাই সংক্ষতে বৈলভেন, "অস্য দশেধার-" স্যার্থে কিং কিং না ক্রিয়তে মর:। বানরীমিব ব গ্লেবীং নভারামি গ্লেভ-

অধ্যের ভার অক্ষম অন্বাদ "ওরৈ পোড়া পেট, কত ন: কিছুই করি আমি ভোর ভরে। বাঁররীর মত সরক্ষভীরে নাচাক্ষি:

TES TES 11"



ভিয় এবাই সালব কার োচ্ছম, শেষ দিন্টিতে স্বাংলার মণ্ডিতে প্রথম পদাপাণ করলেন কান্ধীজী। তাঁর ভূমন বয়স সাত্রেশ। ভারতীয় কুলি কাকিডার সেইবার দক্ষিণ অন্ত্রিকার মটন্তলী সংশার্ক দেশের ছনগুণ ও জন্মতাদের সাচেত্য করার উ, দশ্রণ ভারতবার্য আসহিলেন। কাহাজ-যোগে কলিকাতা বন্দরে অসের সময় হাগলী নদীর শোভা তাকৈ মোহিত করেছিল: কিন্তু সেইদিন রাতেই তিনি কলিকাতা এবং বাংলা দেশ ছেড়ে চলে গিয়েছিলেন। বাংলা দেশের মাটি ও মানুষের সংল্য তথন তাঁর প্রিচয় হয়নি। কয়েক মাস পরে এই উদ্দেশ্যে আবার তিনি আংসন কলিকাতায়। জঠন গ্রেট ইম্টার্ন ह्यार्टिक व्यवस्थायार्थे आकार करतन রাদ্মগারে স্বেক্দ্রনাথ বলেনাপাধ্যারের সংগা। কিন্তু স্বেক্দ্রনাথ কোন আশার কথা তাকৈ শোনাদান। বলেছিলেন, আমরা কি কিছা করতে পারব? দেখছেন

#### ভবানীপ্রসাদ ১০ট পাথাায

না আমবা নিজেরাই কত সমস্যার ছাড়িয়ে
রইছি। তবে চেণ্টা আপনাকে করতে
হবে। রাজা পিরারীমোহন মুখোপাধ্যার ও
মহারাজা ঠাকুরের সপো দেখা কর্ন। তারা
উদার-চেতা মান্ব, জনসেরাভেও ভারা
অংশ নিরে থাকেন।

তাদের সংখ্য দেখা করেছিলেন গাংধীক্ষী। কিম্তু সেখানেও ডিনি বার্থ হয়েছিলেন, দক্ষিণ আফ্রিকার িবর নিয়ে জনসভা ভাকা সম্ভব হর্ন। তারপরই তীকে হঠাং ফিরে যেতে হল দক্ষিণ আফ্রিকার। বংলা দেশের সংশ্যে তার পরিচয় খনিষ্ঠতা লাভের সুযোগ পেলনা। ক্ষেক বছর পরে উনিশ শ' এক সালে গাংখীলী আবার এপেন কলিকাভার। কংগ্ৰেসে দক্ষিণ আফ্ৰিকা সম্পৰ্কিত প্ৰস্তাব উত্থাপন করাই এবার তাঁর এখানে আসার মূল উদ্দেশ। এবার জনা প্রতিনিধিদের সংসাতিনি উঠলেন তদানীণ্ডন রিপন কলেজে। নিছক প্রদতাব নয়, বকুতা নয়, কাগ্যক লেখালেখি নর ভারতবংশ দীঘ'-হেনসেবাম লক এখানে এবং এবারেই তার হয়। প্রতিনিধি-আবা**দের** অস্বান্ধাকর ও নোরো পরিবেশ দেখে এবং দেবজালেবকদের সেদিকে দুখিট আকণ্ট करत रकान कल नां इन्द्रसात भाष्यीकी নিজেই ৰুডি আর স্বাটা হাতে সেকাজে र्जार्ग यान । जीकक्कण मकराय केरणरंगा কংগ্রেস অফিসেও কাল্ল করার ইচ্ছা প্রকাশ করেন তিনি। অভার্থনা সমিতির অন্যতম সম্পাদক প্ৰীয়ন্ত জানকীনাথ ঘোষাল ভাঁকে অফিসের চিডিগত দেখার কাজ দেন। পরে গাল্ধীক্রীর সরিময় পোষ এট সামান্য কাল प्रयात कमा लिक्कि इस जिलि। शास्त्रीकी ভাকে এই কথা বলে তার লম্জা দরে করে দেন "আপনি চিন্তা করবেন না। আপনার সামনে আমি কী? কংগ্রেসের কাজে আপনি বংশ হবে গিয়েছেন, বয়সেও আমার চেয়ে আপনি বড। আমি এক क्रनिक र वक। धरे काक मिला कार्शन আয়াকে বাধিত করেছেন। আমি কংগ্রেসের কাক করতে চেয়েছি আর এই সব কিছ. জানার দূর্লাভ সুযোগ আপনি জামাকে कदब मिरसरक्त।"

শ্রীষ্ক্ত খোষাল এই কথার খ্লী হন এবং বলেন যে, সেবা করার এইটিই প্রকৃত মনোভার হওয়া উচিত। তবে দর্শের বিষয়, আভাকের হ্বকদের মধ্যে এই মনোভাব দেখা যার না।

কংগ্রেসের অধিবেশন শেষ ছল।
গান্ধীজ্ঞী থেকে গোলেন এক মাসের জনা
কালকাভার। এই বারই ভিনি বাংলা
দেশকে ভাল করে জানার স্যোগ পেলেন।
প্রথমে ইণ্ডিয়া ক্লাবের একটি যরে
উঠেছিলেন গান্ধীজ্ঞী। গোণেল সেখানে
বিলিয়ার্ড থেলতে আসতেন। একদিন
গান্ধীজ্ঞীকে সেখানে দেখতে পেরে তিনি

তাকৈ নিজের কাছে নিরে গোলেন। বিজ্ঞান তাশকী আচাব প্রক্রেচন্দ্র নারের সংশ্যা গোবেলের কথাতা ছিলা। তিনি প্রারহ গোবেলের কাছে আসতেন। একদিন আচাব রারকে তিনি গালখীলীর কাছে এই ভাবে পরিচর করিরে দিলেন, "ইনি হলেন অধ্যাপক রার। এর মাসিক বেতন আটল টাকা, নিজের জন্য চল্লিশ টাকা রেখে ইনি বাকি স্বটাই জনসেবার কাজে দান করেন। ইনি বিবাহ করেনি, আর করতেও চান না।"

প্রার কুড়ি বছর পরে প্রফ্লেসন্তের উল্লেখ করতে গিরে গাংধীজী লিখেছিলেন, "আছকের ডঃ রারের সংগ্র সেদিনকার ডঃ রারের কোন পার্থকাই আমি দেখতে পাই মাঃ ভার পোলাক পরিক্রদ প্রায় একই রক্ষম সাদাসিধা, তফাং শুধ্ এই বে. এখন এগালি খাদি আর তখন ছিল ভারতীর মিল্লভাত।"

বৃহত্ত আচার্য রামের সংখ্য এই প্রথম সাক্ষাংকারেই দাজনে প্রদেশবের প্রতি काकम् इर्राइक्लिन अवः मुख्यतन अर्घालन স্থাতা চিব্লিন বছায় ছিল। প্রফাল-हत्स्य भवन्छ। शासीकौरक माध्य करर्राक्रन এবং গ্রান্থীজীর কর্মাধারার মধ্যে দেশের ম, ক্রির 918 20 257 *स्मिश्ह* পরবতী কালে পোষ্ট ছবেল। 图形图: সম্প্রের গ্রান্ধীক্রী একবাৰ চল্চের লিখেছিলেন, "একজন বৈজ্ঞানিক রূপে ডঃ রারের বিশ্ববাাপী খ্যাতি আছে। কিন্তু তার লক লক দেশবাসী তিনি ভাল সাবান তৈবী কৰতে পাৰেন বাল তাকৈ মান করবে না এমন কি তিনি যে বহু বাংগালী

ব্বকের ব্ভিন্ন বাবশ্বা করেছেন তার জনাও তাঁকে মনে করবে না। তারা তাঁকে এই বলে জানবে বে, তিনি ভারের দান কুটিরে থকরের মাধ্যমে সোভাগ্য ও স্বাক্রমার বহন করে এনেছেন।" প্রফ্রেচন্টের রুণ্যা-ভিরেছেকে গান্ধীলী মনে করেছিলেন তাঁর দ্বলি করার নিরেও অনেকাদন বোচে থাকা ও কাজ করার প্রধান কারণ। পজান্তরে, গান্ধীলীর কমাধারার প্রতি, চরথা আন্দোলনের প্রতি প্রফ্রেচন্টের এই বিশ্বাস ছিল বে, রবীন্টনাথ তা প্রাণ্ডারি সমর্থনি করচেন না বলে তাঁকে ভংসনা করতেও তিনি কণ্ঠিত হন্দি।

এবাবে আর একজনের সংখ্যা সাক্ষাৎকার গান্ধীক্রীর মনে দাগ কেটেভিল। ছিনি रतसारतन्छ कानिहत्रभ दरम्माभाषात्रः मिकन অফ্রিকার খানিটান কথ্যদের গাল্ধীক্ষী কথা দিবেভিবেন যে ভারতীয় শ্রীকানেমের ছবন্ধা সংগ্রে তিনি অনুস্থান কর্বন। কালিচরগবার্র নাম তিনি । শুনেছিলেন। স্তেরং তাঁর সংশ্রেট দেখা করা করলেন। বলকেন ফে কথা গোখেলকে। গোখেল বললেন 'কী হাব ভবি সংখ্যা দেশ কৰে? তিনি খবেট ভাল লোক ত্রে জাপনাকে খাণী করতে कारायम বলে মনে হয় না। আমি তাঁকে ভাবেই জানি। বাট ছোক ইক্ষে করাজ নিশ্চয় ভবি সংকা কেন্দ্র ল

গানধীতা দেখা কবলেন। বাভিত্তে ভাকে ধ্বতি ও সাই পৰিবিত্ত দেশে ভাব ভাকালাগল। কিন্তু আলোচনা শেব পাংশত যে দিকে গাড়িয়ে গোলা গানধীতা ভাতে সাই দিতে পাবালন না। কালিচনগাম্

ঃ এখন অঞ্জলি প্রকাশনী ব্র বই মানে শ্রেষ্ঠ বই : বহু প্রতীক্ষার পর প্রকাশিত হল :
আমরেন্দ্র দাসের : সর্বাধানিক প্রেষ্ঠ ঐতিহাসিক উপনাস

# दिवायाती विवास ५०

রাজনীতি যে কত ভরংকর এ উপন্যাস তার প্রমাণ। এ উপন্যাস নয়, জীবন দলিল।

সদ্য প্রকাশত হয়েছে : রুপশংকরের : আংনিক উপন্যাস

श्रकारिक शहराक : देवनावर्गक : में प्रातिक क्रेन्स्यक

भीनाका मन १.००

রক্তাক্ত গোড় ১০১

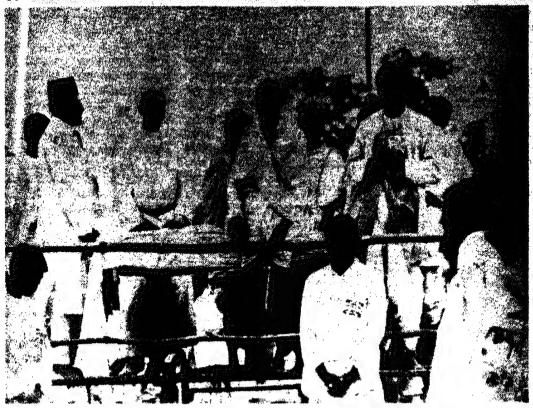
দ্বৈপায়নের : ঐতিহাসিক উপন্যাস রস্তুসনাতা সধ্যেতী ১০.

कनस्मास्त्रतः : द्रश्मा উপनाम भाषानी स्माहिनी ८. শ্রীনবকুষারের : ঐতিহাসিক উপন্যাস শবিহারা চিকোর ১০্

শ্রীরপকের : ঐতিহাসিক উপন্যাস নটার নাম শ্বনম ৪ জমরেক্স দাসের : আধুনিক উপনাস তিতিকা ১০

নট্নাজনের ঃ ঐতিহাসিক বংসা উপন্যাস ব্যক্তনাগিনী শীরই প্রকাশিক হবে।

পরিবেশক : नव श्रम्थ कृष्टित : 68/60, करनक श्रीरे, कनकाटा - ১২



প্রামানন্দ পার্কে দেশবাধা চিত্তরপ্রনের শোকসভার আব্রু কালার আজানের সংখ্য গাম্বীকা

ফটো: কাণ্ডন মুখাৰি

ভাকে নগলেন যে, মান্য যে পাপের বোকা নিয়ে প্রশার ভার মূল্য মৃত্যু। বাইবেল বলছেন যে, যদিরে কাছে আক্রমমপ্রই এ প্রেক ম্কির একমার পথ। গাল্ধীজী ভা মানাত পারলেন না। ভিনি গীতায় নিপিন্ট ভাক্সাবেরি কথা বললেন। মৃত্রাং আলোচনা শেষ হয়ে গেল। বার্থ ইয়ে, বিচ্ছু উপকৃতা হাটেই ফিরে একেন প্রেক্টি

কথা প্রস্থান কালিচালনার গ্রামীলীকে বালী মন্তির কথা বাস্থিলেন। বইণ্ডেও এসম্প্রে তিনি কিছু পাড়ছিলেন। স্তেরাং একদিন তিনি কালার কালারে কালারে কালারে কালারে কালারে কালারে কালার কালারের কালার

ধমের নামে দেবতার কাছে এই পশ্বিল বাংগালীব জীবন জানার জন্য পাংধীজীব মনে আগ্রহ স্থি করে। রাজ সমাজের কথা তিনি শ্নেছিলেন। কেশবচন্দ্র সেনের জীবনী সংগ্রহ করে গ্রহীর আগ্রহের সংপ্র সেটি পড়েন। প্রতাপচন্দ্র মন্ধ্যমদারের ক্ষেক্টি সভায় তিনি যোগদান ক্রেন। শিবনাথ শাস্ত্রীর সংগ্য সাক্ষাং করেন এবং মহার দেবেন্দ্রথ ঠাকরের সংখ্যা দেখা করার জন্য একদিন জোডাসাকোর ব্যভিতে উপস্থিত হন। কিল্ড মহবি ভখন অস্কের তার স্থো দেখা করা করা তাই তবি সংখ্যা দেখা হলনা। তবে তবি ব্যাদ্রিত ব্যক্ষ সমাজের যে উৎসব হাজল ভাতে আমিশতত হয়ে তিনি যোগ দেন : এই প্রথম তিনি বাংলা গান শনেলেন এবং প্রথম শ্রব্যেই তিনি বিমোহিত হলেন। এইখানে त्वीमाना १ थव রক্ষ**স**শাতি গীত হওয়া সম্ভব এবং কেউ কেউ মনে করেন যে, সেদিন হয়ত উৎসবে রবীশ্রনাথই স্থাতি পরিচালনা করেছিলেন।

প্রবহণি জীবনে রবীন্দ্রনাথ ও
গান্ধীজীর মধ্যে প্রম আজীরতা গড়ে
উঠেছিল। রবীন্দ্রসপাীতেরও ভক্ত হয়ে
উঠেছিলেন গান্ধীজী। পরস্পরকে না জেনে,
না চিনে অদৃশা ইপ্পিতে সেইদিনই হয়ত
তার স্ত্রপাত হরে গিরেছিল। তাই দেখা
বায় বে, রবীন্দ্রনাথের সংগ্য সাক্ষাং পরিচয়
হবার আগেই উনিশ লা চৌন্দ সাক্ষের
ডিসেন্বর মাসে মগনলাল গান্ধীকে ইংলন্ড
থেকে রোগ্লবায়ে শুরে একটি চিঠিতে

তিনি লিখছেন, 'গা্রন্দেবের প্রতি প্রশা বশত এবং তোমাদের উংসাহিত করার জনা আমি শা্রে শা্রে বাংলা শিশতে আরুত করেছি।...আমি দেখছি একজন গা্জরাগীর পক্ষে বাংলা শেখা সহজ্ঞ। তোমাদের সকলের এটি শিখে নেওয়া উচিত।"

বাংলা গানও অন্বাপভাবে ভাঁকে হাৰ করেছিল। ভারতবর্ষে ফিরে আসার পর ব্বনিদ্নাথের সংখ্য সাক্ষাং ও লাভিছ-নিকেত্নের অভার্থনা লাডের পর উনিশ শ সতের সালের ডিসেম্বর মাসে অথিক ভারত সমাজ সেবা সমেলনে বছতা দিতে গিয়ে তিনি বলেছিলেন, "আমি ৰদি গান শিখতে চাই তাবে আমাকে বাংলার বৈতে হবে। আমি যদি কবিতা **শ্নতে চাই** তাহলেও আমাকে বাংলার ষেতে হবে। বাংলা দেশের মধ্যে ভারতবর্ষ পরে রয়েছে, কিন্তু ভারতবর্ষের অনার বাংলা দেশ পড়ে নেই। আমি করেকটি মার**ওরাড**ী ছেলেকে গান গাইতে শনেছিলাম। অর্থ-হীন বাকা বলে বাওয়ার মত তা শোনাজিল। আমি তাদের বা**লালীদের** সভেগ ৰোগাৰোগ করতে বলেছিলাম।"

আরও পরে উনিশ শ' আঠার **সালে** গার্শ্বাকী কংগ্রেসের সন্মেলনে যোগদান বাবে কলিকভার এসেছিলেন। এবং সেই
কার কবিকৃত 'ডাকঘর' অভিনয়
কোর্থাছলেন। ডার অভিনয়
কোর্থাছলেন। ডার অভিনয়
কার্থাছলেন। ডার অভিনয়
কার্থাছলেন। ব্যুক্তি একটি
চিডিছে বিশেছিলেন বে, কলিকাতার
কার ভার বেশ ভালভাবে কেটেছে। কিন্তু
চা কার্যালক্ষেত 'ডাকঘর' তার বাইরে।
কাইকান্যাক্ত 'ডাকঘর' তার ব্যুক্তি
কারেছে। ডার স্থিত কণ্ঠ এবং রুশ্
বালক্ষের অভিনয় ডখনও বেন ডার কানে
চাক্তে

ভাষা সমাজের সংশা পরিচর হল। কিন্তু পর্বারী বিবেকানন্দকে দশন না করে কি থাকা বার। আগ্রহে পরিপ্রা হরে এবং ক্লান্দার বিগলিত হরে সমন্ত পথ পারে হোটে সাদ্ধীকী বেল্ডে পোছলেন। মঠের পরিবেশ তার ভাল লাগল। কিন্তু বে-উদ্দেশ্যে আসা তা সফল হলনা। শ্লালেন শ্লামীকী অস্ভু হয়ে কলিকাতার আছেন, দেখা হবে না। ফিরে এলেন

নাগৰীকী। কলিকাতা খেকেও চলে বাবার
লগন সমাগত। ভারতবর্ষের বৃহস্তর ক্ষেত্র
এবার তিনি পাড়ি দিছেল। এবং বাচা
করছেন অতাতত সাধারণভাবে। গোখেল
এবং প্রফল্লেচন্দ্র তার বারণ শ্লেলেন না।
এই ভূতীয় প্রেলার বারাকৈ টেনে তুলে
দিতে তারা এলেন হাওড়া স্টেলনে।
গোখেলকে স্থাটফরমে চুক্তে কেউ বাধা
দিলেন না। কিন্তু বান্সালী প্রেলাক
লাইতিত প্রক্লাচন্দ্রকে চিকিট কালেটর
আটকালেন। গোখেলের বলায় অবনা
তাকৈ যেতে দেওয়া হল। পাড়ির সমর
হল তানের শ্লেভছা নিয়ে গান্ধীকীর
বাহা হল শ্রেন্

#### 4.8

কিন্তু বেশিদিন ভারতবর্ষে থাকা হ'ল না, গাংধীজীকে আবার চলে যেতে হ'ল দক্ষিণ অভিফলার। এবারে ভারতীয়দের অধিকার নিমে আরও প্রতাক সংগ্রাহে তিনি লিপ্ড হয়ে পড়লেন। তব্ তীয় সঙ্গাল দ্বিট নিবন্ধ ছিলা ভারতবর্ধের দিকে। বাংলা দেশের জন ভেতনা এবং গালনারকেরা তীকে আকৃষ্ট কর্বাছল। তিনি অন্তব করছিলেন বে, গন্ধিণ আফ্রিকার সংগ্রামরত মান্ধের। বাংলা দেশ থেকে তাদের সংগ্রামের পান্ধের সংগ্রহ করে নিতে পারবেন। এবং বাংলা দেশের নেতৃত্বে ভারতবর্ষাক তারি আন্দোলনে সহাব্য

देशिया मा दिश मारम आवश्येष काश्येष কল্লাসৰ সভাপতি নিৰ্বাচিত ছাছছিলেন संस्थापन रहाव। स्टीव मरभा गाम्बीकाव Bifwere mitte grafum im en en en জানা নেই। কিংত তার নিবাচনে গাংখীজী খালী হায়ছিলেন। আৰু সেই মনোভাৰ ভিলি ইন্ডিয়ান ভাপনমানের পাঠকাদের কাছে ত ল ধ্রেছিলেন : "তার দীঘ" 😞 যোগা দেশসের। এবং ভার অন্যাপ্ত বাণিছভা যে বিবাট জনভাবে আক্তট করবে ভাতে ভাষাকের কোন সংক্রম নেই। স্থা ক্রাছেনিকার ৰাজ্যাটিভিত্ত প্ৰথাৰ ভি কৰে দেশবাস্টাৰ ভ গ্রনামান্ট্র সহানাভাতির ট্রেক করান ধ্য ক। বিশ্বন জনান্তন : ইংলাডের পতা কেন্দ্রেরক হিলৈ হার **বল**ত∉র ধর*বা ব*ল্লাণি⊌ত ক্রেছের এবং অসেটের কোন সংকর কার্ যে এর কার বেল্ড সক্ষণ আজিওলে কৈটিল মানকে<sup>শ</sup>াম্বা সাক্ষাত্রিক ব্যস্তার **এচাক** 4.4734 J

ভারতবাহার কাল সমগ্রীরভার বিষ্ট ল কাটভাবি হলে ভূমনে উন্ভ ব্যলিন কাকে হরবাদার হা আনুষ্ঠার ব্যাহ্র প্রাণিক সাহিত্য **ভ**লের ভ হাজ্জিল হাত দিকে অস্থানিত আছি উৎসংখ্যাৰ সাদা সাকিবেভিকেন এবং আনো ক্ষতিবেশন যে। এই স্কাট্যনিক্ষাতা ধ্যাব্যর **ধ্যা**য়া **র স**াদার সাক্ষর আন্দ্রিকার্ড বিহার রুখাট্টার তার্বব কৈ গালিকাৰ সংগ্ৰাহালত হানাুষ্ট্ৰ আনুষ্ঠা **ই**ট পালীয়ে আন্তর্ভারতীক। কানে উদলাগর ক্ষায়ান। প্রালার হার্কার এই স্বালিক্রিকার রাধ্যার এবং এই প্ৰৱেট্ডিট উপন ভাৰানুকাম্মীয় ছাপ্য সাংগ্ৰী रसरमङ क्षरक ए त ए है अशक्ति रस्करामीय সংমানে আন্ধালি বাংলার দাঘীকা বাংল বারী ভিনে স্বতিলেন, সংগ্ৰহণ অগ্ৰন্**ল**্ন राज्यों इंट इर्ग कर राह है। हे इर्ग कार है। इस सा भारत भारताल का की रहा की य राज्या हिल्लामा हिला हिला हवति श्रास লিমালন। কলিব ৮ম সোলই আকৌনের যে ইবছলে হাৰ্ডিক জান টালল কৰে জিল বিপ্রেম 'প্রেই ক্র'ল ক্যাকর সাংল সরকার र्योजन नहन एकार धनगोप्यव अधिकारी করকেন বাধ্য শারি৷ সেদিন কলিক ভায় व्यक्ति १८८१ सम्ब सम्ब সমাবেশ করে একটি সভা করজেন ফেডারেশন হলেব ভিক্তি স্থাপন। করাজান।" वाश्याली क्षेत्रा धवः दक्षवल भ्याममी मुदा



Distributors for West Bengal & Orissa:

M.S. PRAGATI DISTRIBUTORS,

24-C. Dr. Suresh Sarkar Boad, Calcutta-14.

PROPERTY MEDICAL SECTION OF THE PROPERTY OF

কেনার জনা ভাগের বে-সংকাশ তার কথাও উলোধ করতে গাংধীকী ভাগেনে না।

करताब त्यांक राज्ये करण अन्य वार्णिमाणिक দিৰে গাণ্ধীক্ষান যে দুখি ছিল তা the mines bee was alless them of त्य स्थापमी जात्यत्वास साथकता काछ कराइ काम किस्ता सिक्ता एकार काम कारक। পাদ্ধীক্ষী সে কথা বিশ্বাস করতেন। তিনি शहा क्याएम ना त्य वन्त्रक्षक खार्काकम हाते हैं हमाना क्या रक्षांस खारकात्मन अन्। টেভিড্রান এপিনম্বন কাপ্তে শ্রেক পার্ব-দের জীবনী প্রকাশের রীতির তিনি প্রচলন कारतीकाकाल। 'यौव नारका' श्रवन्थ रक्षधात किक किम कारण केम्बरक्षम विमान भरतन সাদীর্ঘ জীবন্যী প্রচাস করেছিলেন তিনি। হংগভংগ আন্দোলনের সফলতার উল্লেখ প্রসংকা ভাতে তিনি লিখেছিলেন "বাংলা দেশৰ বিটিৰ পৰা বভানেব যে আক্ষেত্ৰন চলতে ভাৰ ভাৰণৰ কম নব। এই জাতীয় जाल्याका रह रमशास अम्छर इरहरह छाउ कारतम इक्त दुमभारम भिक्का दर्शम विस्छाउ अवर সম্পানকার জনসাল <u>কার্ডেরার্</u>ট অন্যান্য অংশ ভাপেক। বেশি সচোভন। সাবে জেনবা কটন ব্যাল্ডের ব্যাল্ডার কলিক্তের প্রকে কোলোয়ারকে দেখা দেখা এর কালে কী ভা Principles of the

রাণধ্রীকাট নিজে এব কাবল বিশেলসংগ কার্ডিকার্ডের পিলি বিশ্বাস কার্ডিকরের সে ত্ৰালি জাহৰ - উপান পাছন সেই ভাগিছৱ উপর নিভার করে। যে शहर *विवासका* (स्त জনগণ ভাগ কোৰে সহিও কাহ থাকে ভাৰাই আবাৰ মানেৰ শ্বৰে প্ৰভাবিত না হ'ল প্ৰেৰ নাঃ তাই ঐ প্রান্ধ তিনি লিখেছিকেন াল্যাকা নদক্ষেত্র ক্রেনিক্রাক্ত পর ওপরে আন্মার্টের 1574 **পা**ন্ড করে জারল হল এই সে, সেখানে গ্রন্থ করান্দরীয়ের অনেক মহাপ্রিয়ের জনমার্রার করেছিকের ব্যাহারীয় বাস প্রেক জারম্ভ কারে এক একজন । বহুবেছিছে কবিছ বাংশা কেশাক অন্যান্য প্রাচন আপক্ষা উপত্তর স্থানে উন্নীত করে লিছেছেনা ঈশ্বরচণ্ড বিসাস্থারকে ভবিষয় মধ্যে প্রেট বলা যেতে প্রার 🗥

বিদ্যাস্থাবের করিছের স্থেমী অংশচ্যা কারে—থার সর কিছু আজাও হয়ত
অ্যাকের কালা নেই - উপসংখ্যার গাংধাজী
সিখালেন গতেই প্রাথেমীত ভার মত খ্র ক্ষণ কোরই আজেন। বলা হার গানে তে,
স্বির্নিল্য বানেন নেলস্থের জনা এক
চিন্তাক্ষাক স্মাতিস্ভুছ্ড নিমাণ করেছেন
ভার জনাও তেমনি এক স্মারক নিমিতি হত।
মাই হোক, বাংগা দেশের জোন বড় ধ্নী
নিধান স্কলেন অগতারই স্ক্রিন্তানের জনা
গ্রমান স্কলেন অগতারই স্ক্রেন্তানির জনা
গ্রমান স্কলেন অগতারই স্ক্রেন্তানির জনা



**১৯5७ मारण रमामग्रहत मान्यीकी** 

करते। काकन बाच कि

পারত হে, বাংলা দেশ বিভাবে ভারতকরের আনাম্য ভাংলের কাছে এক সৃষ্টাল্ড হবে থিচেছে ।"

वादका रामरामाव के देवीभारकीरत প্ৰদেশিক বি মনে ভিত্তিমন উক্তন্তল হাছে ছিল। ৪,৪ উনিদ লা একল সাবেল বতন কমাস্যাচী নিয়ে ডিনি ধখন ভারতবংহার শ্রাধীনতা সংগ্রহের রণ্ডের্মে অবস্থীর্গ হর্ছেছিলেন তথ্য ওরাণ ব ক্যালী বন্ধানের আহম্ম করে ডিনি श्रामीकरमञ्ज्ञाता वारमात विकास द्वारिक आहे. তার হাস্যু মাহত্ব, আমোরসের ফেল বে カンキタさらて कार्याः व्यक्तः अम्मारम्यः বিশেষভাবে পরিচিত তার অংশও এখনে বেলি: ভারতব্যের অন্যন্য সংখ্যে চেয়ে অ প্রাচের ভারপ্রগতা বিশবাস আনেক বৈশিঃ অপেনরো একটিংকবর কাপ্রাস্থার অপবাদ মিথা প্রমাণিত কার্ডেন। স্তরাং - বাংলা দেশ আগ্রের মাউ এখনত কেন দেশুৰ করবে না ভার কোন कातन हमहै :"

এই স্বেই ধ্বিত হংক্তিল পাংশীলীব কণ্ডে তার একবার : র জনৈতিক অ্বি হংক সংগ্রহার অভিশালের মধে। আর্বভিতি হাজে: রেশ বিভাগের কলাল অংকার তথ্য ধীরে নেমে আন্তে নেশের ব্রেক: গাংশীলী নেরাখালিতে নিজের বিশ্বাসকে আর একবার পর্য করে নিতে বদত। সেই সময় একজন সংবাহিক ভাকৈ প্রদান করেছিলোন মে, বাংলা দেশকে কি রাজনৈতিক নাবা খেলার ব্যাতে রূপে বাবহার করা হজেলা। গাংশীলী এ কথা অস্ববীকার করে বললোন, শ্বাংলা বাংলা বালই আছু প্রেড্ডালেন, শ্বাংলা বাংলা দেশ রবীপ্রনাথকে নিরেছে, দিরেছে বাংকাস্টেক। চট্টালের অস্কাগার প্রাক্তিনার বাংরা—আমার স্টোপ্ত ভারা যতই প্রাণ্ড ছন না কেন-এখানে প্রকাশ্যক করে-ছিলেন।" স্তরাং বাংলা বহি ঠিক প্রে চলে তার সারা ভারতের সমস্যার স্বাধান সে করে পেরে।

বাংলা ব্র গণ্যে হন্যার পিছনে বেমন ব্রেছে ইন্যরচন্দ্রের মাত কে কের অবসান তেমান বাংগালাকৈ ন্বদেশ রাতে উদ্বৃদ্ধ করতে বাংলা কেশের বারোচিত স্পাটিতা বংশনাতর্কের প্রেক শক্তির করাও উল্লেখ করতে হয়। গাংধীজন তরি ইন্ডিয়ান ভূপিনিয়নের পাতার সেই কাকে করেছিকেন। অ জাংগাকে চৌষট্টি বছর আগৈ তিনি কন্তুভ্ব





न्यायहरम्बन नर्वा निन्द्र शा रण्डेमदन नाम्बीकी

করতে পেরেছিলেন বে, বিংক্ষচনদ্র রচিত এই বাংলা গানের জনপ্রিয়তা তাকে সমগ্র ভারতের জাতীর সংগীতে পরিণত করে দেবে। তিনি লিখেছিলেন, "অনানা জাতির গান-গ্রাল অপেক্ষা এটি ভাবের দিক থেকে মহতর ও বেশি মিন্টি। অনা সব গানে অপদের প্রতি অপমানস্চক ভাব দেখা যায়, কিন্তু বন্দেমাতরম এই জাতীয় ব্টিম্ভা। এর একমার লক্ষ্য হল আমাদের মধ্যে দেশপ্রেমের বোধ জাগ্রত করা। এই গানে ভারতবর্ষকে জননী-র্পে দেখা হয়েছে এবং তার প্রশংসা ক্রীতিত হরেছে।"

সাম্প্রদায়িকতার অভিনশত রাজনীতি একদিন বন্দেমাতরমকেও কোশঠাসা করতে চেণ্টা করেছিল। সাম্প্রদায়িক একতার একশত বিশ্বাসী গাম্ধীঙ্গনী, যিনি পরবডারী কালে। এই সাম্প্রদায়িকতার য্পেকার্থেই আন্ধর্বালদান করেছিলেন, তিনি কিম্পুরদেশমাতরমের বিরুদ্ধে এই অপচেণ্টাকে সমর্থনি করেননি। চারদিকের সেই কোলাহলের মধ্যে গাম্ধীঙ্গী দুশ্ত কর্ণ্ডে ঘোষণা

করেছিলেন বে, বংশেমাতরমের মধো কোন রকম সংকীণতা নেই। তিনি বংলছিলেন যে, তিনি যথন বংলক, আন্দেমঠ অথবা তার প্রদী বিংকমচন্দ্র সম্পর্কে থখন তিনি কিছাই জানতেন না, তথন থেকেই বংশ্যাতরম তাঁকে গড়ীরভাবে আকর্ষণ করে আসছে। একবারও তাঁর মনে হয়নি যে, বংশ্যাতরম হিন্দু সংগীত অথবা তা কেবল হিন্দুদের জন্য রচিত হরেছে। এই জনাই তিনি বিশ্বাস করেছিলেন যে, যত দিন জাতি বেণ্চে থাকবে ভতদিন বংশ্যাতরমের মৃত্যু হবে না।

#### তিন

বংলার স্বলেশী আন্দোলনের প্রথাসা করলেন গাংধীজী। তার মধ্য দিরে যে গণ-চেতনার উদ্যেষ হরেছিল তাকেও স্বাগত জানিরেছিলেন তিনি। কিন্তু এই স্বদেশী আন্দোলন কী এনে দিরেছিল দেশবাসীর কাছে? বংগতংগ রদ হরেছিল নিকই। সেটিও কয় বড় কলা নর। কিন্তু তার

আতাহত বাপালীর পণ, বালালীর আদ जका बाब कि फेर्टिक श्रीविका? हराया कारकाश्वम निरंह शास्त्रीकी वचन वास्त्रा हु। शर्मात कराइन एवम अंतर छाउँ आर्था छा करत कड़े अपने केशिक बरविका। बारमा एमरा विषया श्रे श्रे विषय विषय विष्य ब्राव्यक्ति का अवयकी कारण स्वर्मणी सः বলতে বে-আদশ' গান্ধীন্ধী তলে ধরেছিলে আৰ সমাধাবোধক দিল না। ভাই তিনি কলেভিলেন, "ভঃ রামের এই অভিমতে সংখ্যা আমি সংশ্ৰণ O THE शारकणीत खश्रता काशास्त्रत বোদবাই অথবা আমেদাবাদ থেকে কাপত এট भक्षा व्यक्तिमा व्यक्तिमान्यस्य समार वास्ता रहत विकार मास कार्राम । स्वापनाीय सम्भाग तव প্রভাক্ষ লাভ পেতে হলে চারিদিকে ছডানে नक नक चतुना निरंह व्यक्तारम्य मानः र কাপত প্রস্তুত করে নিছে হবে ৷" গাংধীজীং ধারণায় এই স্বদেশী আন্দোলনেও বাংকা দেশ পিছিছে থাক্ৰে না সে সম্প্ৰেতি ভার মনে কোন সংশয় ছিল না আন্তর উনিশ শা পাঁচল স্যাল হথ্য বাংলার লাভ আমাৰ্ভৱে তিনি যাবে বেভিরেছেন ওখন 🔻

ি সেই সময়, বংলা এমণ শাবা করার <sup>ব</sup>লছা দিন আলো তিনি লোখাছালনে বহু থাক চরহা ৬ অস্থান্ডা জিলালালর ভালচার বলাভট তবিক ফবিনপ্রের বল্লীন প্রেটিশক ব্যক্তবৈত্তিক সাম্মানতে তথাগড়তান উৎসৰ্ভত ত करताक कान उन्हें हनामने स्तीक दलका हराना १९५५ किएक स्टार १ **८१** उत्तर ह थकरमञ्चल काउने। उत्तमा कारणा उत्तम व्यामन আবেশ তারি ছিল না। বংলায় কিছাতিন ভ্রমণ করার পর তেকথা তিনি নিজেই দ্বীক্ষ করেছিলেন। বলোছলেন "বাংলা দেশে আনির বিশ্ততি আমি যা দেখার পোষা তার জন্য আমি প্রস্তৃত ভিলাল না। ফরিদ-প্রায়ে কৈ কৈ বি ও শিক্ষা প্রদর্শ নী ভারতিল তা যত না অনা কিছার প্রনর্থনী ছিল তার চেয়ে বেশি ছিল খদনরের প্রদানী। প্রবর্গনীর প্রাঞ্চাণে যে সূত্র কাটার প্রতি-যোগিতা অন্যাণ্ঠিত হায়াছল ২০ত ঐচিত্র কাট্নীরা যে শিক্ষটনপ্রা সর্ভাত্তভিক্র তা বোধ হয় আরু কোথাও দেখা বাবে না :... ফরিদপারের প্রদর্শনীতে অন্তির্ভ প্রতি-বোগিতার মত মিজাপিনে পাবের খাদি প্রতিষ্ঠান একটি প্রতিযোগিতার আয়োজন করেছিলেন। নকীপারের রায় যতীকনাথ চৌধারী এবং বিখ্যাত কবি শ্রীমতী কমিনী রায় এতে অংশ গ্রহণ করেন। বাবা শ্যামস্কর চক্রবভা এবং প্রাদেশিক কংগ্রেস ক্মিটির সম্পাদক সতীশবাব, এবং সর্বোপরি ভঃ রার নিকে এতে অংশ গ্রহণ করেছিলেন। ডঃ বার ইতিমধো ভাল সূতা কাটছেন তার সূতা বার নম্বরের নিচে নয়। তিনি আমাকে বলেছেন যে চরখা রুমেই তার প্রিয় হরে



হাওড়া স্টেশানে ট্রেনর কাষর,র পাশ্বীক্ষী বান্ধে মহাদেব সেশাই, কামরার বাইরে স্টেশ্যসমূত সূত্রেশচনর মহামেরর

উঠছে এবং সা্তা কাঠার তিনি আন্তর পান।
তার ১৮০ জন কটানী প্রদর্শনীতে বোগদান
করেন। আআদু তো মনে হয় না যে, জরতব্যোর আর কোথাও উচ্চ নধ্যবিত প্রেণীর
এওগালি পার্য ও নারাকে এই নক্ষ
প্রশানীতে যে গাহিতে এবং নোপাণে ব
স্থাত সাতা কাইছে দেখা যাবে।

সেই দেও সাতা কাটার বৈর্ণধরণ करतीक्षाकः संस्काः एत्यास करतकी करान ছাত্র: ভারের জভিরেল ছৈল জন্ম কেল কাৰণে লয় ১ চিকাস ড কটোৰ মাধ্য ব্রোজাব্যস্থ আন্তর আছে ব্রুল এই প্রস্থাপর উল্লেখ কৰে গুল্মীজী ভাল বাংলা প্ৰমাণের ক্ষতিজ্ঞতার কথা আরও স্পর্য করে দিয়েছিলেন্য ব্লেছিলেন্ছে এই প্ৰমাণক সময় ভার আভার বৈদ্যালকৰ ও আন্ধানে রক আহিতিয়াতো হলেছে । এবং তার মধ্যে অব্যতিম হল কোন নলের পক্ষ থোকই সাভা কালর वित्ताधिका भा कहा। क्षेत्र आध्यास म ह किन জ্বন চরহার প্রতি তাঁদের অনাস্থার কথা বলেভিলেন। কিল্ড ভারাও ছিলেন খানি পরিহিত। বলেছিলেন, "বাপ্যালী ছেলেরা যদি ভালের প্রীক্ষার রেমান্সের অভাব আছে এই অভিযোগ উত্থাপন না করেন তবে সভোকাটার কনা সেই অভিবেশ করার কোন ভারণ ভারের কেই।"

ভারতবর্ধের রাজনীতি তথন বিশেষ করে দ্বিট দলে বিভক্ত হরে গিয়েছিল। এক দশ বারী অহ্যোগের পাণ্ডায় বিশ্বাস করতেন আনা দল চাইতেন কাউন্সিদে প্রবেশ করে পদে পদে বিদেশী সরকারকে পর্যাক্ত করতে। প্রথম দলের অবিসংবাদী নেত। চিকেন গাণ্যীকী এবং ন্বিতীয় দলের অধাৎ দ্বরাজ পাটির অন্যতম প্রধান নারক ছিলেন লেশকম্ম টিভরেজন। বাংলা দেশে শ্বরাজ্য গলের প্রাবল্য ছিল বেশি। সেজনা শ্বভাবতই গাল্মীজীর জনে হরেছিল বে, বাংলা দেশে চন্নথার বিরোধিতা তিনি বেশি করে পাবেন। তা না পেরে তার মন আনন্দে তরে গিরেছিল। বন্দুত চরধার বিরোধিতা তো নরই, বরং বহু শ্বরজাবাদীকৈ তিনি স্তা-ভাটার নির্মিত অংশ গ্রহণ করতে দেখে-জিলেন।

কর্মসারী অন্সরশের প্রদম নিছে গাংগী অনুসামীদের সংগে অর্থাং তদানীণতন 'নো-চেঞ্জার'-দের সংখ্য স্বরজা দলের বে-বিরোধ দেখা দিয়েছিল গাণ্ধীজী নিজেই ভার মীমাংসা করে দিয়েছিলেন। গান্ধী-क्षीवत्मत्र देवीमकोडे हिल श्रीटमीलटा। একবার একটি কিছু নিগ'র করে নিলে ভাতে চিয়ক্ষ অন্ত অচল হয়ে থাকতে হবে এমন क्षातामी क्षत खीव किम ना। स्त्रीम मरहा অটল ভোক পরিবেশ ও পরিদ্যিতির সাংগ্র ভিনি নিজেক্ত প্রিবতিতি করে নিতে পারতেন। আর এই মনোভাবার তার অভিনৰ রণ-কৌশল বলেও অভিহিত করা ষ্ঠা ভাই বিরোধ বখন অন্গামীদের মধ্যে প্রদেশ্র তথ্য নেতা নিজেই স্থি করে নিছেছিলেন এবং ভার ফলে বিরোধিতাকে সহযোগতার রাপাণ্ডারত করে দিয়েছিলেন।

শ্বরাজ্য দলের পক্ষে দেশবংখ্য এবং মতিলাল নেহর্য আর অন্যাদিকে গান্ধীজী ব্যক্তিগতভাবে এই মীমাংসার চ্ভিপতে



লোৰপুৰ বাবি প্ৰতিষ্ঠান গান্ধীক

প্রকার করে বিলেশ। আর তার কিছ্ দিন পরেই তিনি কিথেছিলেন, "ঈশ্বরকে ধনাবাদ বে, তিনি আমাকে সেই পাঁভ দিরেছেন বাতে আমি আমার পক্ষে বতটা সম্ভব ততটা আম্বা সমর্পণ প্রাক্তা দলের কাছে করতে প্রেক্তি। স্বরাজীয়া বে আমাকে গ্রহণ করেছেদ ভার জনা তাঁদের কারে আমি আমার থপ অব্পাই প্রবিদ্যান করব। আমি জানি বে, কমাস্টের গঠনাব্যক কাকেছ লিকে আমি বডটা জোর সেই তাঁদের অনেকে তা দেন না। অনেকের কাছেই জোটাবিকানের ব্যাপারটি গুলাব্যকরণ করা শক্ত ছিল। তুই একতার খাতিরে এবং দেশের জন্য তীরা তা করেছেন। তা করার জন্য তীরা প্রশার পান।"

দেশবন্ধর নেত্তে অরাজ্য গলৈর কর্মস্চীকেও গাংখীজী প্রশংসা করতে কুণিওত
হলনি। বলেছেন, "বন্ধানী বিষয়ে পরিবনের
কাজের মাধ্যমে দেশবন্ধ, দেশকে দেখিকে
দিরেছেন বে, বাজালা গজনামেন্টের পিছনে
জনগণের সমর্থনি নেই।" অনাত আবার
বলেছেন, "বন্ধানীর বিধানসভার দেশবন্ধ্
দাশ বে-নির্মান্বতিতা দেখিরেছেন ভা
ফলপ্রদ হবে।"

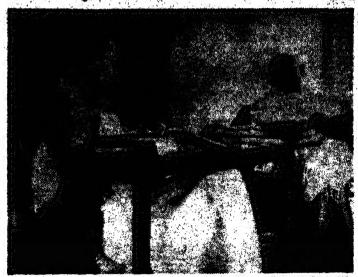
#### 514

একতপকে গান্ধীজীয় স্বতাবের মধ্যে সে অপারের গুণ গুহুণের আকুলতা ছিল দেশকথাৰ ক্ষেত্ৰে প্ৰথম পৰিচৰ ছেকেট ছা হাত হাত ওঠে। ভাদের মধ্যে যে মত-विरवास किल मा वा गान्धीकी का न्यीकात कतरहम मा ए। नहा हिम निरक्षके বলেছিলেন পতিনি খনে করেম হয়, প্রত রাজনৈতিক কাজের ব্যারা মতক্ষণ না আহবা স্বাদ্যিকা অঞ্জলিকর্মি উত্তক্ষণ আহ্বল কোন কাজ করতে পার্য না। তেবল এইখানেই ভার সংক্রোলালার লভ বিরোধ আনভাগ ক্ষিত্র এই জাতাহি । মত বিবেচা প্রস্পরাক আৰ্বেধনে আবন্ধ হাতে পথা পিলান বেমন বাধ্য সাজি ভার্বাল সম্মান ক্ষেত্র লৈল্প জা তেন প্রয় মিল্ডের প্রার উল্লেখ কার নিতেভিকা: উনিশ দা উনিশ সালে জালিওয়ান ভয়ালয় বাগের হাত্যাব্যাক্ষেম্ব পর অন্যাসন্ধানের কল্পে গ্রেষ্ট্রস্ট সর্বাপ্তর हरभवन्धात करिन्नवृत्त अहम्भार्क आक्रमा आक्रमा आहे ব্যাক বিভিন্ন ভিন্নবজনন্দ হ'ছ ভাগনভিন্নতা। ভার প্রচণ্ড বারসা 🔐 ব্যাগ্যালার জন্য ভার क्षीं है बदर बदस स्टीरीटन सार नाम्मीकरी रूप क्ष कराउन । डिडरका रहणांचाका कार्डेशाक्षर চতরতার করারা লাভালে লাতের নক্টালটি প্রকাশ করে নিডে। লাদ্ধীজনির লক্ষ্য ছিল জনা। সভেবন প্রথম বৈঠকে ভাবেৰ লাক্ট-ভাগাঁৰ পাথকি। ধরা প্রে। কিন্ত প্রবত্তী বৈঠকে এই পাথকৈতে বিশ্বাস ও প্রেয়ের রূসে সিপ্তিত হাচে যাত। এই প্রসাধার উল্লেখ করে গাংগীকী লিখেডিলেন "আমালের দিবতীয় বৈঠক আমাৰে বিভিন্ন কৰে এবং আমার ভয়কে অপ্রচারত করে। তিনি স্বাস্থ্য বুলি চহণে পুসত্ত ছিলেন এবং আমি যা বলেছিলাম তঃ শ্রেমছিলেন। এই প্রথম আমি ভারতক্ষের এতগালি লোক-নরাকের সম্পর্কে আসি : আয়র: পরস্পরকে দরে পেকে জানভাম। প্রকাতপাক্ষ কংগ্রেদের কেন কাডেটে তখনও আমি আংশ্ প্রহণ ক্রিনি। ভারা আমাকে কংগ্রেসের একজন যোগ্য বলেই জানতেন। কিল্ড আমার সকল সংকগতি আমাকে ভংকণাং আপন করে

नहारे तन अकी			4.00
ह्याक मिरेनात	n	স্নীলকুমার ঘোষ	9-00
बाम्स	11	সমরেশ বস্	0.00
দৰণশিশৰ প্ৰাণ্যণে	11		8.00
সভ্যকাম	u	নারায়ণ সান্যাল	9.00
মহাকালের মণ্দির	11	A)	A. G.
নগৰীৰ অভিশাপ	11	পঞ্চানন ঘোষাল	9.00
<i>জান্তত</i> ভারত	n	<b>D</b>	9.00
জিল্লং উলিসা	n	দ্বৈপায়ন	9.60
ভূরসম ভূর•গী	n	কুশান্ বন্দ্যোপাধ্যায়	6.00
भृषिकी यादात्र नाम	n	भ्कन्या	\$0.00
ক্লিওপেট্রা	u	ঐ	৬০০
পথের তীর্থে	11	বীরেন্দ্রনাথ সরকার	9.00
ৰণন থেকে সাঁত্য	u	গোরাঙ্গপ্রসাদ বস্	8.00
এলো মৌস্মী	II	প্রফর্ল রায়	৬০০০
<b>इत्रश्रक्ष</b>	11		6.60
ছामा माला	11	শ্রীবাসব	8.40
নীলপালা লাল ৰাদশা	11	निग्रानम	6.00
ৰ্পমতী নগরী	u	-	<b>&amp;</b> ⋅00
गण्गाक्षि	u	শক্তিপদ রাজগর্র	8.00
অণ্নিশ্বাক্তর	11	রাহ্বে সংস্কৃত্যায়ন	9.00
বিন্ধ্যবিহলী	11	কণিষ্ক	9.00
ৰাড়খণ্ড সীমাণ্ডে	u	<b>D</b>	\$6.00
<b>अंत्र</b> माना	u		30.00
ৰিচিত্ৰ সংলাপ	n	প্রমথনাথ বিশী	A.00
बमनीय क्रिक्ट	11		\$ · 0
সাহিত্য জিঞাসায় রবীন্দ্র-	गथ ॥	ডঃ অসিত বন্দ্যোঃ	2.0
কথাসাহিত্য জিল্পাসা	n	ডঃ অর্ণকুমার ম্থোঃ	৬٠০
ब्बीन्स्नाध्वत्र गान	n	(	8.4
-বামীজী শম্তি সপদ্দন	u	স্বামী নিলোপানন্দ	\$.0
ভারতের সাধক (৮ম)	u	শৃ•করনাথ রায়	2.0
ভারতের সাধক (১ম)	u	ঐ	2.0
नमद्भग द		র পাতক কাল জনা শিখনে :	8,

THE THE THE

रक्षात्र त्यांकि साक्ष्म रक्षात्र सामारक करवर्गात । আমাৰ এই সমিতির সভাপতি হবার কথা BYRTHER & TRANSPORT SHEET, STREET ছবে সেখালে আমি আনার কথা বলব কিন্ত আহি আপ্ৰাত সিম্বাস্ত জেনে মেৰ'—ছব্ দিক কেনে দেবছাৰ এই প্ৰতিপ্ৰতি দেবাৰ লাল আমর। প্রকশবের এক কালে এনে-ভিলাম যে তবি সম্পূর্কে আমার পরে জন সং-খার প্রকাশ করার সাহস্ত আখার হয়েছিল। ভাই বৰন ভিনি এই প্ৰতিপ্ৰতি দিয়েছিলেন क्रथत और रक्य अवसन विन्यामी महक्यीं व क्रमा जावि नर्गायाथ करविक्रमात्र। किन्छ स्मर्टे সংশ্ৰ জামি কিছু অপ্ৰস্তুত্তত বোধ করেছিলাম। কেননা আমি স্থানতাম বে ভরতীয় রাজনীতিতে আমি একজন जिलाकी' बात करा कर काठीत महम्मद ग्रह विक्तात्मक खर्मिकावी महे। विक्क मिन्समिकी कारमध विद्युक्ता करत ना। एवं ताला कडे লীতি ইবীভাত করেন তিনি তবি সেই অনুচাৰত কাছে অসমপুৰ কানে বাকে তিনি কোন বিষয়ের একমত বিচারক নিলোকিত কৰেছেন। আমাৰ অৰম্পা ছিল के अमाधातर बार । अवर व्यापि अकृतक शावाव সংখ্যা সহর্প করি যে কেস্ব বিশ্বাসী সহক্ষীর সংস্পাদা আসার সৌভাগা আমার ছারেছিল তালের মধ্যে চিত্তর্ঞ্জন দংশর চেয়ে অধিকানত বিশ্বাসী কেউ ছিলেন না।" ভালের এই পরিচয় ও ছনিক্টান্ত মার ধ্বছর টি'কেছিল। ভারপারেই মাভার নিক্সার হাত প্ৰেল্ড ব্ৰহ্মাকে ভিন্নিত নেয়ং মাকা লাবাৰ কারক शाक्त अर्थ व कि मार-क for more a ্দেশ্বদ্ধার অভিতি হায়েভিকেন*ে* এবং এখানে দেশবাধার আন্তবিকতার বে-সপল' তিনি পেয়েছিলেন তার সমতিক ভার জাবানের আনভাত প্রেট সম্পত্ন राज गार्थमीको सर्वासः सार्वाक ज्ञानः 'ठळद्रकार ভেখন সম্পূর্ণ স্তেশ ছিলেন না। তব গ্রাণ্ট্রীর ব্যার্থ সিকে তিনি ব্যক্তিত নজর রোখাছালন। বাজানৈতিক ক্মাস্টো ও গঠন-হালক কহ'লখণা সৰ বিহারেই তাখেব जात्म हमा श्राप्त हमा अहे अबह अवि স্বাদ্ধীয় ব্জানৈতিক স্থেম্বন আচ্যানের কথা হত্তিল। এই স্মালনে গ্লেণীলাই হতেন প্রধান হোতা। ত সংপ্রে<sup>ত</sup> তিনি रम्भराष्ट्राक् कास्त्रिक किस्ताला करहा । राज्यासम्बद् कामन रव मार्च वाएकीनाइ एवं काइ स्थाप দেশ শাসন সম্পরেশ তিনি বড় কিছু আশা करहरूम ए हैं हमहे शहराएँ के बार्टीय সংস্থাসন তিনি চাম না। গাণ্ধীজীর মনে এই ভরসা ভিজ না। তবু ভিনি বলেন বে, দেশবংখ্ এবং মড়িলাক 'নহারু না চাইকো তিনি এই সাক্ষলন আহ্বান কর্বেল না। भाक रहात् । प्रभवन्ध् वालाभातानः বাকেনহেড বদি হভাশ ভবে



मान्डान्टक्डरन इसीन्छ-माहिद्या गाम्बीको

करते : काकन श्रामा

কাউন্সিলে আমর কী করব তা জানি না।

তবে এ কথা জাম জানি বে, আপনার
চরখার পরিকলপন্য আমাদের চালিরে কেতে

হবে এবং শুমগালিকে আমাদের সংগঠিত,
কবাতে হবে। সম্ভব হলে গভনামোন্টর
সাহাবে। নিরে আর প্ররেজন হলে তা জাড় ই
আমাকে দেখাছে হ'ব বে ছিংসা না কবেও
স্বরাজ লাভ করা সম্ভব। দেশের মাজির
জনা আপনার করেভ অহিংসা যেমন
ভাগ্তম নীতি আমাব করেভ তেমান।"

সতার প্রতি গভীর আগ্রহ হা তাঁকে একট সংগ্য আপন বিশ্বাস জ্ঞান এবং অপরের বিশ্বাসের প্রতি প্রশ্বশীল করে বিয়েছিল—তার ফলে গাধ্বীজী এমনিভাবে সকল বিরোধিতাকে দিছাঁমত করে দিরেছিলেন। রাষ্ট্রার, স্বেক্টনাথের ক্ষেত্রক করা করা সত্ত হরে উঠিছিল। স্কেক্টনার ছিলেন সংঘাঁজীর কাছে আইডল কর বেপালা, তথা ব বাংলার প্রতিম্ভিত। প্রথম দশনে কিবতু ছিনি গান্ধাঁলীকৈ কোন আলার কথা শোনাত পারেননি। পরকর্তীকালে গান্ধাঁ পান্ধান সংগান্ধ তিনি সহামন্ত হাত পারেননি। তার জনা তলানীক্ষর গান্ধা-অনুগানীনের কাছ ধোর তাঁকে কম লান্ধানা পোতে হার্ন। নির্বাচ্চার তিনি পরাজিত তো গার্ছিলেনই উপরক্ত সভাস্থিতিতার তাঁকে প্রস্কার বিশ্বানির বাহ প্রার্থিকার বিশ্বানির বাহ প্রার্থিকার বিশ্বানির বাহ স্কার বিশ্বানির বাহ প্রার্থিকার বাহ স্কিলা।

afe q

বাংলা সাহিত্তার দ্টালাল গার্ডনার স্নালাক্ষার কেকের আর একটি
চাণ্ডলকের রহসা উপন্যাস—

র্যাকি আমামানাসিত্র
কর্মিনী গ্রন্থনাক আর রহসা পারবেশনে কেখকের প্রেন্ড ক্রান্ডেকা সাকর।
গম সাও টাকা মার ।
কল্যান্য রহস্য উপন্যাস
স্নালাক্ষার খাবেল
উত্তরাধিকারিপী ৬০০ ক্রের্কির সেকের
খ্নীর দেশ নেই ৫০০
ক্রেক্টি হত্যা ও দ্টী রহস্য ৫০০

পাৰণিকেশন্ত । ৮৯ মহাত গাছা রোড



ट्यांक्रमीशास्त्र शास्त्रीको

বিজ্ঞার দেওরা হক। কথাটি খুনে গ্রাথজিনী মনজিও হারেছিলেন। বলেছিলেন হেন আসহযোগালীরা কাউকে ধিজার নিতে পারে না, জখনাতম শহেকেও পারে না। আজ স্বেল্ডনাথের মত প্রবীণ নেতা থিনি একদিন সেশের মনোভাবকে বাছ করেছিলেন তাকে ধিজার দেওয়ার তো কোন প্রশাই ওরে না। এই প্রসংগ্রেই উল্লেখ করেছিলেন গ্রেশ্বিটী আর একবার। উনিশ শা এক্শ

জাতি বলি তে লিকেনের মধো ভিত্তা এবং ্ৰঞ্জিত অসহিকাত। মতটা আছি বাংলা रवाम अमर्थाष्ट्र एकती साववार्यत रकाशास्त्र ट्रमॉक्षीस । ... व्यरेश्टर्या क्ष कारण व्यासका বিধ্বাস করে থাকি যে, আমন্তাই টংকবের আদশ আর বাদের সংগ্র অন্যাদের মাতের মিল নেই তারা যে কেবল দেশের জ্বলাগ্রামী লব, ডা বহু, ভাঁরা দেশের अता आत छाडे **डीजात्त्रकाश राज्या**. পাধাস্থ্য মত শ্রেষ্ঠ মেতাকেও মেশের শার্ वाल भटा कता इटका... आधि दमार्टिड खाँटक त रुक्य प्रान कवि सा धारा प्याप्ति व्यापारश्त বল্লি যে তিনি শতা নন।" গ্লেশীকা তার এট অভি ট্রসাহী অন্থামীদের স্বেধান লাৰ ভিয়েভিলেন যে, এই লাভীয় নিষ্ঠাৰতা ত্ৰত সংগ্ৰহাসীৰ সম্পৰ্কে এট বৰুম চিন্তাৰ স্কুজ্ অসহধ্যের ও অহিংসার কেন সামস্ত্রসা e are mis mit

2 15 Page 17 2136 5127 সাংখ্যমান ভার কোনা কোনা কাজ ল্যাণ্ড লা জ্বা আহানিক ধালোৰ লাট্ডা,পো এক ভারতীয় বাজনীতিক াবজাতম কারে-প্রত্য তালি কুলি জ্বন্ধ তালৈ বিশ্লেষ্টে 📆 🕏 স্থা জিলা আনহা কোটা বাংলা **ভালাগের** । স্তার-সন্তার্ক অসে স্থান্ত সংখ্য িন্তুলি কৰে।কপ্তৰে ছেবি সংক্ৰা চনতা কলকে সান প্ৰাঞ্চিত্ৰ কাছে এটি ছিল ভ**িথ**ি চালার প্রান্ত সাংক্রমন্ত্র লি**ছ**ে হেকে টুট হ'ডকে জান্তন্ত ক্ষেক্তে সংক্ৰ হাদের চাতিক হার হা করে ছিকেনা। কান্ত প্ৰথম কথা। অধানত কৰে নিৰ্দেশ**ন**ক সহ সংক্রাভেদ ভুলাড় হোবার আন্তর্গাদিং **লি**টি নুকৈ সংক্ৰে প্ৰাৰ্থক সময় भारतकाराण अर्ज्जुक्रिका १८८७की তে অর্মিট ত প্রার কাছে ধালাং" গ্রেষ্টি#টি উত্তৰ দৈখেছিলেল, লা ভাব ভাঙে জাসের ্রিটি করে জনসংখ্রী সাক্ষাংক বা ভাব ভাৱে ওারীনা, সারেক্রনাথের সমুস ভূমন স্টা**ল্**ড গ্রা**ল্ড** গ্রাম্ট্র িনাল এক নেখনত সম্ভাৱ পদানিক ধ্যাপ্ত থাকার আদা প্রকাশ করেছিলেন। সেই আদা ভবি পাৰ্থ হয়নিও চাৰ্থজৈতীৰ স্বাহ্য ঐ সাক্ষাৰ-কালের সা মাস পরে হঠাৎ ভারি মাভা হতে र्कत्य कि**न** १

নিবে বিভাবে মিলনের সারে মিলিয়ে দেবার এই অভাগন্য বোধ হয় প্রেতা লাভ করেনি সাভাষ্যবেদ্ধর ক্ষেত্র। ইতিহাস ভাই গ্রেনি, দানের বিভেবকেই চিন্তিত করেছে। কিব্রু এই ভিনাতা ভাবের জীবনের বহিরকর মায়। সাভাষ্যকর দিন আরও কিছাদিন ভারত্বরে পাকাত্রন ভাবে ভারের উভরের মায় ল্লান্ম ও দেবায়ুলার বে-আনভাকে ভারত্বরে পাকাত্রন ভারত ভারের মায়া ল্লান্ম ও দেবায়ুলার বে-আনভাকে ভারত ভারত ভারতাকে ভাত্রন করে অন্তর্গর উভরের সার্বিভার বাজিলা ও হয়ও ভিরতাকে ভাত্রন করে অন্তর্গর উভরের বাজিলা বাজিলার বাজিলার



এ কথা মনে ক্যার সংগত কারণ আছে। তার সেই কারণ হল মত-পার্থার থাকা সত্তেও পারশ্বরের আন্মান ও বিশ্বনে । গাশ্বীক্ষীকে স্কোরচন্দ্রই 'জ্যাতর পিতা' বলে অভিহিত করেছিলেন—আর করেছিলেন তথ্য ধথন কর্মাপ্যথ জানিত মত-পার্থাকোর করা তারা দ্বাকনে দ্বাই ক্যোগিক্ষের করা তারা দ্বাকনে দ্বাই ক্যোগিক্ষের করা তারা দ্বাকনে মতা তিরা ক্ষাকনে পার্থাকার বার বার বার বার ক্যোগা করেছিলেন বে, স্ভারচন্দ্রের সংগ্রাত তার ক্যোগার্কার বার বার ক্যোগার্কার ব্যবনা রাজ্যাত তিক্তা নেই, তিনি ভারি কাছে ছেলের মতাই।

এট বিশ্বংসর জোরেট গ্রাথজিটী ব্যো-ছিলেন, "আমাদের দ্রান্টভদ্গার মধ্যে পাথকা থকা সভেও তিনি ন্থন আঁচংস সংগ্ৰাম পরিচালনা করাবন জ্ঞা ভারা (প্রাক্তিমকেরা) স্থামারে ভার এনাস্তর ক্ষতে দেখাৰেন ক্ষেত্ৰৰ আছিল যদি তাৰি নাগাল ধনতে পানি তাৰ দেখৰ সং তিনি আলেস অনাসরণ করাছন দেখাতা ত ই ন্দ। সাভাষ-চণ্দ বলি অহিংস সংখ্যা প্রচালনা না করেন ভবে কি ভালের ছিল্ল হ'ব ল ২০ছব ক্ষেত্রত লা, আন্ত নদা লাগাজীক সভাব্যবাস, ভার জাবিবের গণিকারত এবং সাজার্ডানের প্রতি ক্ষার ও একথা কেট সংশ্ৰু বাৰ কৰে দিয়েছিল। ডিনি জনাত্ৰ হয় সাভাষ্ট্রনের ভারতভার মহান্ িতান **জন্ম থেকেট নেতে: এবং তবি সংগ্**রমণীক ভ সাহস্য কোন্ন বাধানক স্বাহ্মাৰ কাৰে ৯ ০ ডাই দাখিটভগণীর ভিলতোর কুমন্দ উল্লখ করেও একহা বল্পত ভিনি ক্তিভ ১১১ তভিনি (স)ভার5ক) খালেট রক্ষার্থপার ৮এই ডায়েরের কলেছিলেন কে. এলাকাং কাছাটি লাভ্যাত ৰাশ্বা হারেছেন ডিনি ভা তরাকান দিল্লের জনা তিনি অধৈতা রাজ পার্ভালনে তাহি ভাকে ব্যক্তিকাল কে তুনি পার্কল্পনের কোষে যদি আমাৰ ভাবিদ্যালয় সময়তে অভিনত রাস তোৰে ডিনি সন্প্রথম তা তাভিনন্দ-**সংক্রিল্**লেম পারেন সেটি হবে আমারণ ভারি অভিযান চলার সমল যদি তামার মত পরিবার্ডনি হায় ভূবে সদাক্তঃঅব্যুক্ত তার্মি ভৌনি আমার মেটা বাল মেড, ফার এবং ভার পতাকাতকে ভাহার লগে কেংগাল

বিটিশ্যক চরমণত দেব র এবং তারণব অভিযান আরণভ করার প্রশানিতে সংগ্রহ চালের সংগ্রা গাংধীলীর লও বিরেশ ঘণ্ট-ছিল। সেই চরমণত গাংধীলী দিয়েছিলেন তিন বছর পরে। স্ভাষ্চন্দ্র তথ্য তন। বগাংগাদে। স্যুত্ররং গাংধীলী তরিই কথা মত স্তেষ্চন্দের নাম ল আর ২৫/৩ পরেনান। পক্ষাণভার নােতালীর পরিকংপন।ও আক্লান ছিলেন ফোলোর নাবান ভারতের শ্রাধীনতা অক্লান সাথাবাতা লাভ করিনি। তাই বলে আক্লান সাথাবাতা লাভ করিনি।



চাদপরে নৌকাবোগে প্রার্থনা সভার চলেছেন গান্ধীজী

ত। মান করতেন না। তিনি বলেছিলেন থে, নেতেজাঁ এবং তার দৈনা বাহনী হে শিক্ষা বহন কার এনেছেন তন হল আছত।প্র, জাতি ও সম্প্রদার নিবিদ্যার একতা ও শ্বংলা। তিনি বলেছিলেন, শ্যাক্ত সমস্ত দেন বাহিনীর মাধা নতুন উল্ভেলনা এবং নতুন জাপতি দেখা দিক্তে। এই সাংমার থারিলতানের জনা নেতাজী বস্তুর কৃতিজ বিছা, বাম না। আমি তার প্রতি সম্পান কারিন। তিন্তু ভারতীয় দৈন্যদের একী। ভুমা দ্যাতিভগ্নী এবং একী। নতুন আম্পানিত্র তিনি ও বত্রস্থার বিশিক্ষ্য সেধা করি।

#### 45

अध्यानो विद्यासिक आधान दुशास्टक अस्प्राद्य বিশ্ব তেখনি একেবালে গ্ৰেমীন মান্ত্ৰভ সংস্থাৰে পাৰে নাং একজন জানাবৈদ্ৰ ক্ষেত্র এবজা কোনে সভা, মানাষের গেপ্টের এবং সম্প্রসায়র ক্ষেত্রের একং। সমান ্রাট সংখ্যাহর করাবাট **এ**ল অপারত বেজ নয় পাণ্ডুল্করা। গানবক্তিটার ভাবিন এটা কডোবাবেলকে উদয়ান্ত ভিল্ল: অস্থানার**র হা**ছে অপারের ভেড় াণ্ডিকে সৈওকা নিশ্চয়ই কথাক্তা কলে বিক্রেচিত হলে। কেননা তার উদ্দেশ্য লোক দেখান্য, তার উদেদশা হল দোষ সংখ্যোধনের জন। অপরের । দ্রভিট আকর্তাণ কর। প্রশেষীক্ষী ক্ষে কভেও নিশ্চর বারেছেন। বিশত তবি লক্ষ্য ছিল্ প্র ব্ৰণা ভাৰে আৰেও বিক্ৰিণ্ড হাওয়াৰ প্ৰায় উন্মান্ত করে দেওয়া। ব্যাগালী জবিধনের গ্ৰ প্ৰধেৰ হিকেও গাংশভিত্তি দ্ভিট তেখাল ছিল স্কলেট বাজ্যকটি সংকীর্থামনা, বাংগালী প্রাসেশিকতা দোরে
দার্থা—এই অভিযোগ তিনি তাই স্কোতার
সংগ্র খণ্ডন করে নিরেছিলেন। আশ ডেম্ম
ব্রোধাধারে বে কাশী বিশ্ববিদ্যালয়ে তার
বিশাল প্রশ্ব সংগ্রহ দান করেছিলেন ভার
উল্লেখ করে তিনি বলেছিলেন বে, এই
ঘটনাই বাংলা দোশে প্রাবেশিকতা আছে
এই দোরারোখকে মিথ্যা প্রমাণিত করে
দেয়।

#### काल्डे मध्यह कहान

भारतार अध्य सारक है।

- ১। আদিম সমাজের ইতিহাস
  - \$·00
- २। देखिशास्त्रद्ध मर्भन 8.00 ७। देखिशास की ७ त्कन २.60
- हा मर्गन की ७ किन 2.60
- ৪। দশন কা ও কেন ১-৫০ ে। গোৰলা যদৈ কী
- ও কেন
- 2.60
- ७। क्रीयक्रीनक शाहि
  - की ও किन?
- 2.00
- ৭। কমিউনিল্ট বিপ্লবীরা কোন পথে
  - 0.60

#### প্রাণ্ডকান : জয়পার্ণা প্রকাশনী

১/২, জানুক্তন লেন, থানকভা-১ ইউ এন ধর এক কোম প্রাচ লিং ১৭, বানকম চাউ ক' স্মাটি, ক'লকাডা-১২

(পি ৮৯৬০)

## ० व्यवस्थ ननश्च ०

# (ব। পরহম্য

देशकासाम म (बाशायात । माम द ००

# (श्रम भारति । इंगाम

বিমল মিত্র ॥ পাল ৭.০০

# (गाय(का नव 'स्वयव

नर्तामन्त् वत्न्ताभाषात् ॥ नाम ८.००

# সন্ধ্যারাগ

নরেন্দ্রনাথ মিত ।। দাম ৫-০০

# আমহা 'ডৰ প্ৰেমিক ও তুবৰ

বিমাল কর ॥ দাম ৪.৫০

# ब्रष्टमार भन्म भ्राज्ञ

র্পদশী ॥ দাম ৬.00

# पुषि (कशन वाहा

वृक्तदम्य वस् ॥ मात्र ७.००

## পঞ্সর

প্রেমেশ্র মির ।। দাম ৩.০০



আৰ্কি পাৰ্যনিশাৰ্স প্ৰাঃ লিঃ কাফস : ৫ চিন্তামণি দাস লেন। কলিঃ ৯ বিক্তম-বেন্দ্ৰ : ৬৭৩ সহাত্মা গাত্মী রোড জোন ৩৪-৮২৪৭

को कांचरवाम साम्योको साह अववाद क्षाम करवाहरकार सम्बद्ध छात्र वाणिति WALKER OF STEERS WATER পর সেখানে গিয়েছিলেন। ভবি মাডার একটি মেরেদের হাসপাড়াল খোলার বাবস্থা हरा। क्षम काम काम महत्र स्थाप करे কথা ভঠে বে, বাজালীরা প্রাদেশিক মনো-ভাষাপায়, সভেরাং দেশকথার স্মারক হিসাবে যে হাসপাতাল প্রতিষ্ঠিত হবে इत्य। बाम्धीकी शाम-পাডালটির ডিভি স্থাপন করার সময় এই তিনি দোষাবোগ অস্বীকার করেছিলেন। वरल किरलन "বাজ্যালীবা ভারতবয়'কে বালালার মধ্যে গ্রহণ করে দের ज्ञांच खाचि विषय भारत कर्वत सा। क्लाना তাহলে ব্রপ্রদেশের বৃষ্ধ পণিডতক্ষী এবং গাজবাটের এই বাষ্ধ বেনিয়াকে বিস্তাম हारा (व-নেবার জনা ছেডে দেওয়া বাংলা ব্ৰীম্পনাথ রাম্মোহন রায় কেশ্ব-এবং স্বামী চন্দ্র সেন বাছকুর পরমহাস जिल्हाक-त्य-वारमा বিবেকানভেদর 01/2 সৈত্যনার পাত পদ্ধালিতে পবিত্র এবং বে-বাংলা গণগা ও ব্রহ্মপারের স্বারা বিধেতি সেই বাংলা যদি সমগ ভারতবর্ষকে গ্রাস করে নেয় ভবে আমি কিছাই মনে করব নাঃ কিন্তু এই আশংকা মিথা। কেননা উস্টালৈর পক্তে ডাঃ যিধানচন্দ্র রায় ছোষণা করেছেন যে দেশবংশ যে মহান আদশা নিষে মাতভ্যির সেবা করেছেন পাতালটি সেই আদশে পরিচালিত হবে। প্রতিষ্ঠানটি বার অন্তরে যেসব নিপ্রতিত नावी आधारम्ब कामना ७ रहोन जारनरशस শিকার তাদের বন্ধন মোচনের ছিল তার **মাতির উ**লেদশা নিবেদিত। এটি কোন এক ট্রান্টিনের সম্পত্তি নয়, এটি সমগ্র জাতিক।"

অহিংসার নীতি ও পদাতিতে বিধ্বাসী গাংধীজী বাংগলা দেনের স্বাস্বাদীদের কার্যকলাপ সমর্থন করতে কৈণ্ড তাই বলে তাদের বীর' ও সাহসের প্রতি তার যে সপ্রশংস দুভিট ছিল না তা নর। একাধিকবার তিনি সে কথা ঘোষণা করেছেন। বলেছিলেন তাঁকের সাহসিকতা, তাদের আত্মতাাগ তাদের দঃখবরণ ভারত-লৈয়েছে। এমনকি নোরাখালি হিম্পুরা যে কাপ্রবেতা প্রদর্শন করেছিল তার ধদলে আত্মরক্ষার জনা সাহসের সংখ্যা অস্ত্র গ্রহণকেও তিনি অধিকত্তর কামা মনে করেছিলেন। চটুগ্রাম অস্থাগার ল**ু**ঠানের স্পে ব্ৰু একজন সাক্ষাংকারীকে ভিনি "আপনারা লক্ষা করবেন যে, বত্যান আলোনায আমি আপনাদেব অস্ত্র পরিতাগে করার কথা বলাছ না। আগ্রি निक्क वाभनारमंत्र वाका मिट्ड भावि ना।

Diene wentere er dent Geneure wen **बट-बेटलक ट्याक्टक मार्ट्स** अवस्तात स्वीम कारणक कथा क्या रव रवेश তানের নিজেদের সংখ্যাত বান্ধি করতে ভাষের সাহসিকতা ভিল এক-रगरमा का क्षेत्रा कारारमंत्र ब्रह्मा महक्राधिक करा भारतनीन।" आस्व ভাষেত এডগালি লোক এখানে चारेना चरानेटक ভার জীবন্ড माकी हार वासाकन अपि कामान काटन SCACE I SPEISING BAR 878 BER লা-সনেৰ সময় ভারা বে ভরশনোভা ও সাহস দেখিয়েছিলেন এই সংকটের সমরেও হার ধার মতার মুখোমুখি দক্ষিবার জনা Bliggs 19 পারতেন তথে ইতিহাসের পাতায় তারা বীর বলে গণিত হতেন। ভারা যা করেছিলেন ভার ফলে ভারা এখন ইতিভাসের পাদ্টিকাই হরে রয়েছেন।" গ্রুগাঁজী সেই সাক্ষাংকারীর প্লাটিকে বলে-ভিজ্ঞান যে তিনি তীদের অন্তের বাবহার ভালে যেতে বলকেন না অথবা তিনি বে-ধরণের সাহসের কথা বলেন ভাও অন্সরণ ক্রাত বলছেন না। তিনি তাঁদের ভয়দানা হবার কথাই বলভেন—তা যদি আহিংসভাবে না হয় তবে অপ্রের সাহাযেটে

এমনি ব্যক্তিবদেশী মনই ছিল পাশ্বীঞ্চীর। ন্তির দিক থেকে বা হরত সম্প্রিন্যাত। ন্ত। প্ৰিকেশ ও প্ৰিন্থিতিৰ কথা চিম্<u>তা</u> না করে ভাকে কেবল নিম্পা করার মধ্যে তিনি কিছু সাথকিতা গাঁৱে পেতেন না। 50 mili 5 mg 6 mg दमासाचा बिग्दार । তথন শ্রীরামপার লুকুমা ভার স্থেগ ভার সেরেটারী অধাপক নিমলিকুমার বস্থ এবং रम्पेरमाधासम्ब भवनाताम बरहरक्रम । शान्धीकी নিম্লবাব্যকে জিজেস করলেন তিনি মাছ খাছেন কি না। নিমালবাব, উত্তর সিলেন যে, তিনি নিরামিশাষী নন, ভবে সেখানে প্রশ্রেমের অস্ত্রিধা হবে বলে তিনি ভা थारका ना। अकथा भारत अरेनक कथा গান্ধীজীকৈ প্রখন করলেন, মাছ খাওয়া কি हिरमा नत् ? शास्थीकी बनातान "बारना দেশে আছ হ'ল সাধারণ খাদা। এটা क्षाता (भ्रमा । স্তরাং মাছ থেতে আপত্তি কী?"

বন্ধাটি আবার প্রদান করলোন, ভার ন্বারা কি কবিনহানি হয় না ?

গাখ্ধীঞা উত্তর দিলেন, "হাঁ, তা হর: কিন্তু তেজাল খাদ্য বিক্তি করে মান্ত্র লোকেদের যে ক্ষতি করে এ তার চেরে কম ক্ষতিক্তব।"

এই ব্ভিবাদী মন ও গ্ৰণ গ্ৰহণেৰ মনোভাৰ নিয়ে গাশ্বীজী উনিখ খ' সহিতিশ বালে এসেছিলেন কলিকাভার। বাংলা দেশের বল্দীদের মূতি প্রচেন্টা ছিল ভার এবারে কলিকাতা আসার অন্যতম উল্লেখ্য। বাংলার তদানীশ্তন গভনর আন্ভারসনের সপো তিনি ব্যারাকপরে পেখা করলেন। বল্দীরা মার হয়ে সল্যাসবাদের পথ নেবেন এই অক্সহাত দেখিরে গভনমেন্ট ভাদের মূভ করতে ইতশ্তত কর্নাছলেন। গাংধীজী হলেন তাদের গ্যার্থিট। ফলে সেবার তিন হাজার বিচারাধীন বন্দী মাজি পেলেন। किन्छ आतंत्र किছ वन्नी तरह शास्त्रता। তাদের মারি প্রচেম্টা চলতে লাগল। এই উল্দেশ্যে একটি সমিতি গঠিত হয়েছিল। কিণ্ড গভন্মেণ্টের অসহযোগী মনোভাব দেখে শ্রীব্রক শরংচন্দ্র বস্থ সেই সমিতি থেকে প্রত্যাপ করেন এবং একটি চিঠিতে গাণ্ধীক্ষীকে লোখন "এখন সমস্যা হল বাকি বন্দীদের মাজি আদারের জনা আয়াদের কী করা উচিত। আমরা কিভাবে অগুসর হব তার জন্য আপনার উপদেশ আমার বিশেষ প্রয়োজন।"

এই মাজি আদায়ের ব্যাপার নিরে বন্দীরা তথ্ন অনুশ্র করবার কথা চিন্তা কর্মান্ত্রালার। শরংবার গ্রাণ্থ্যীক্রাতিক জ্ঞানান যে, বন্দরি। অনুশ্র করলে সমগ্র পরিস্থিতি খ্যবই জড়িল হয়ে উঠানে, অথচ ভারের যে কী আশাদেৱেন ভাও ভিনি ভেকে এই ভিটেড উম্পত্ত 9 99 করে পাংধীক্রী ব্যুক্তিদর মর্যন্ত কর্মব করবেন। ঐরক্য পরিস্থাতিতে MISE-ব্যব্যর প্রভাগ করঃ 20 (4.4 গভাৰতের ছিল না সে কথা স্বাকার করে নিয়া গাউসামেণ্ডিকে অন্তর্গন্ধ জানীকেন্ যে, ভারা যেন আবার শরংবাব্রের বদদী-মান্তি উপদেশ্য সমিতিতে আহলন করেন। পরিশেষে লিখলেন "আমি আশা করি বন্দীর। অধার হবে না এবং অন্দন বা ঐ জাতীয় কোন কাজের স্বারা বাধা স্থান্ট না कर्त बन्धारस्य ऋडिम्बेरक अवन शरू সংযোগ দেবেন। আহি ভাসের অন্রোধ করব যে, এতদিন ভারা যে মহাদাপ্শ সংযয় ব্যদিধমানের যাত পৌখলে এসেছেন তা যেন বজায় রাংখন।"

67

ক্ষীবনের দুটি সিন্ধান্ত, একটি বাজিগত আচরণের এবং অনাটি আদর্শ রূপায়ণের ক্ষেত্র, গাণ্ধীঙ্গী এই বাংলা দেশে গ্রহণ করেছিলেন। প্রথম দিকের কথা। গাণ্ধীঙ্গী একবার শ্রীভূপেন্দ্রনাথ বসুরে অতিথি হয়েছিলেন। তথন তিনি মূলত ফলাহার করতেন। সেজনা ভূপেন্বাব্ বাজারে যত রকম তাজা ও শ্কনো ফল পাওয়া বায় তা সংগ্রহ করেছিলেন এবং সেগ্রিল বিভিন্ন ভাবে সাজিয়ে গাণ্ধীঙ্গীকে

বৈতে বিরেছিলেন। এ বৈধে ব্যাপালী ভীবণ বিরুত বোধ করেছিলেন এবং প্রতিবাদ করে বলেছিলেন, "করেছেন কী? আমি সাধাসিধা ভাব প্রকল করি, আর আপ্নারা আমার জন্য এত পরিপ্রম করেছেন।"

ৰটনাটি পাশ্বীকাকৈ এমন নাড়া পিরেছিল বে, তিনি সেই দিনই দিনে মোলিক পাঁচটিয় বেশি খাদ্য গ্রহণ না করার প্রতিক্ষা দেন।

আৰু একটি ঘটনা ছটো উনিল ল' চলিল সালে। 'গাম্বী সেবা সংঘ'-র অধিবেশনে বোগদানের জনা গাল্বীজী পূর্ব বাংলার মালিকান্দার একেছিলেন। বাংলা দেশ তথন গাংশীজীর বিয়াশ্রে বিক্রা সেজন্য গাণ্ধীকী ৰখন মালিকান্দার পেণিছান তখন শত শত দর্শনপ্রাথীদের ইচ্চাকে অতিক্রম করে একটি জনভার পাশ্বী ফিরে বাও' 'গাধীবাদ নিপাত বাক' ধননি মু**র্থার**ত হতে থাকে। দু তিন বছর আগে থেকে বে চিন্তা তার মনকে আলোড়িত করতে থাকে তা এখানে বলবতী হয় এবং গাণ্ধীজা 'গাণ্ধী সেবা সংঘ' প্রতিষ্ঠানটি তলে দেন। তিনি বলেন, "আমি জানি বে, আমরা যদি প্রতিষ্ঠানটি তলে দেই ত্রে আমরা কিছুই হারাব না..... धर्मन निसंधिक 'গাৰ্ধীবাদ নিপাত বাক' ন্য। কেননা গাম্ধীবাদের অর্থ যদি হর ফলনত চনখা চালিয়ে যাওয়া তবে তা ধ্বংস হওয়া উচিত।...আমাদের আহিংসা বদি বারের আহংসা না হরে দর্বলের অহিংসা হয় এবং ডা যদি হিংসার সামনে নভজান, হয় তবে গা•ধীবাদের ধ্বংস উন্ভিত্ত।"

গান্ধীজাঁর সিন্ধান্ত কার্ফরী হয়। পাণ্ধী সেবা সংঘ' র পাণ্ডরিত হরে বার। কিন্তু এই মালিকান্দার সম্মেলনেও বাংলা দেশ তার বৈশিষ্ট্য হারয়েনি। পদ্মার ভারবভাগি এই প্রামের পরিবেশ গংখাজাসহ সকলকেই যেমন মুখ্য করেছিল তেমনি সংমালনের বায়ের কেটেও ন্তন্ত ছিল। সাধারণত সম্মেলনে বারের অংক আরের অংককে ছাড়িরে যার। কিন্তু মালিকান্দার বার বেমন তুলনার কম হয়েছিল তেমনি উদ্বান্তও হয়েছিল ব্যয়ের অধিক। গাম্ধাকে সেই টাকা দেওয়া হয় এবং তিনি ডঃ প্রফ্রেচন্দ্র বোব, আমদাশকের রার এবং ট্রাস্টী করে সেই টাকা পণ্ডানন বসুকে বাংলা দেশে খরচ করার জন্য দিয়ে যান।

বাংল্যা দেশের এই বিক্ষা পরিবেশের মধ্যেই গাল্ধী কীবনের আর একটি সমরণীয় ঘটনা ঘটে বার। সেটি ঘটে লাল্ডি নিকেতনে। তথন বিশ্বকৃতি রবীল্ড-নাথ বোধহয় অল্ডরে মৃত্যুর হাডছানি অন্ডব করতে পেরেছিলেন। তাই ডার

## ० चन्त्रम उननाम ०

# প্রজাপতি

সমরেশ বস্থা দাম ৬.০০

# घ , १८ शाका

শীবেশির মুখোপাধাার ॥ দাম ৪.00

# रन्म वमग्ड

बुक्तानव शहर ॥ भाम 8.00

#### क्रम माउ

সভোবকমার খোষ 1 দাম ৩-৫০

# অদিৰতীয়া

সংশীল রায় ॥ দাম S-00

#### অমাবসারে গান

নারায়ণ গ্রেসাপাধ্যায় ॥ দাম ৩-০০

# রূপসী রাতি

অচিন্ত্যকুমার সেনগাপ্ত ৷৷ দাম ৬.০০

#### শতকিয়া

স্বোধ ঘোষ ॥ দাম ৮.০০

#### **ज्ञुल** श

প্রথল্পরার সরকার 🕆 দাম ২ ৫০



আনদদ পার্বজিশার্স প্রাঃ বি: অকিস : ৫ ডিব্রামণি দাস কোন। কলিঃ ৯ বিকয়-কেন্দ্র : ৬৭এ মহাক্ষা গাছী রোড কোন ৩৪-৮২৪৭



অনুক্রিয়ে সাহিতীনকৈত্বের অবস্থা שומי בא אייונים שלם וביינו পাৰ্থীকীয় হাতে পাণ্ডিনিকেডনের किन किम निकित्व करत रहार्विकास किंत्रज क' प्रक्रिण जारणत छैन्दिण रकतावाशी গাদ্ধীক্ষী যুখন পাশ্ভিনিক্তন থেঙে WHAT COSE TO विभाव विशिक्तामा . जिम्मान कोटन स्थापन कार्या का অবস্থায় আপনি একে সম্পূৰ্ণ পভার চাত থেকে বাচিরেছিলেন এবং একে मित्यत भारत मोखारक मादावा करवीवाना। আৰ এখন শাহিতনিক্টেন নেবার আগে আমি আপনাকে আনেদ্য জানাজি: বিশ্বভারতীকে আপাঁত थाभगाव वक्रवाधीत्व शहन करान । আপান যাদ একে জাতীর সম্পদ বাস বিশ্বকাল কাৰ্য তাৰ একে স্থাবিখন आध्वात जिला ।"

এই চিনিতে পাশ্বীকা অভিভূত হরে
সভ্যেত্তিকা। উত্তরে তিনি লিখেছিলেন,
শ্বথন আমরা বিদার নিজিলাম তথন বেমমান্দার্গা চিনিটি অপনি আমার হাতে
দিয়েছিলেন তা সোকালাকি বামার লগতে
গোছেছে। বিশ্বতারতী কাভীর সংস্থা
বারই। নিঃসাপেরে এ আগতেকাতিকও।
এর স্থার্ডের আগবাসের কনা
আমরা সম্বেত্তার যা করতে প্রান্তিন।

এই প্রসংস্থার উল্লেখ করে তিনি আবেল โดยารท์พาสระ 28. with the factor of the common রক্ষণাধীনে গ্রহণ করার ডিনি ১৭০ কিবে-ভারতী ভগবদ রক্ষা বহন কলচের চকনের ক্রমন্ত্র সর্গতঃ কেড ভা আলুহলাল 35 12 281 614 87 701 d 122 (c) বিশ্বেডিলেন <u>"कालास्मर</u> 10.75 15.42. জাতিক মান্ত্ৰ, কোননা তিনি প্ৰকৃতপক্ষে জাতীয় মনোৰও। ভাট তার সৰ সামিট নিশ্বজনীন আরে বিশ্বভারতী সেগালির भारता दशका ।

এই বিশ্বভারভীব্রই গ্রেষ্টাজী একবার কথা সংগ্ৰহ কৰে দৈয়ে সাহাক। কৰে।ছবেল।। ভাৰত উল্লেখ্য কৰেছিলেন ৰবীল্ডনাথ টো চিত্রিটে। চার বছর আগের কথা। বিশ্ব-ঞ্জন্য অর্থ সংগ্রহের রববিদুনাথ শাতিনিকেতনের ছাত্র-ছাত্রীদের িয়ে অভিনয় ক্যার উচ্ছেছে। চিল্লি যান। ভার বয়স ভখন সম্ভর পেরিয়ে পিয়েছে। গা•ধ জীর তাসভা মনে হয়। তিনি শ্রীঘনশামে দাস বিভলাকে ভারতীর জন্য প্রয়োজনীয় অথ সংগ্ৰহ কাৰে দিতে 8197011 कामकारग গান্ধীক্রীর একান্ড স্মির শ্রীমহারের দেশাই ষাট হাজার টাকার একটি স্থামট अक्षप्ति स्वाकत्त्रीम পাণ্যাব্ধ দাভাদের' পত রবীন্দ্রনাথকে দিয়ে আসেন।



আক্সশূলে, পিড শূলে, লে ভার ব্যংথা, মুমেটক ভাব, ঢেকুর ওঠা, বামিভাব, বুকজুলো, মন্দাগি, আহারে জরুটি ইত্যাদি রোগে বিশেষ ক্ষমঞ্জদ। বিফলে মূল্য ফেরং। এটি কৌটা ওটাকা,ও কৌটা টাঃ ৮৫০। ডাঃ মাঃও শাইকারী দর পৃথক

দি বাকলা ঔষধালয় : ১৪১ মহা গা গাঞ্চী বোচ



PRINT WHITE EXT PRINT SPRINTE SPRINTE SPRINT

সপে পাশ্বীক্ষী একটি কিটি পাঠিরেছিলেন,
স্মান্ত্রার সামানা প্রচেন্টার জগবাদ
আদীর্থাদ করেছেন। এর সপে টাকা
আছে। এবন আপান আপানার অবাদিন্ট
কর্মাস্ট্রী কব্দ করে যিয়ে জনসংগর মনকে
মিশ্চিক্ত করকো। ইন্দর আপানাকে
অনেক্ষিক্ত বাহিছে রাখনে।

টাকা এবং চিঠি পেরে রবীন্দ্রনাথের মন আনন্দে তরে সিরেছিক। তিনি উত্তরে সামার হারে আসার করা এবং আমার বে-প্রথম থেকে আমি পতিত হরেছিলার তা আমাকে সময়ন করিরে সেবার জন্য আপনাকে আমার কৃতক্রতা প্রকাশের ভাষা তর্মা হরে বার।"

अर्थानरे किन वर्गमानाव । शास्त्रीकीर সম্প্ৰা বহু বিষয়ে তাদের ছিল, কিম্ভ কথনই ভাবের মনাম্ভর ৰহান। গাংখীজী নিজেই সেক্ষার উল্লেখ করেছিলেন। আচার রারের সমালোচনার 4 TB <del>च</del>ित्र <u>इंग्ल</u>नाथ প্রবল্পে চরখা সম্পর্কে তার মতামত বাছ করেছিলেন। ভার কিছুদিন পরে অধিক ভারত দেখকত ক্রতি তহবিলে অর্থ-সাহায়ের আবেলনে স্থাকর করেছিলেন। সেই ভাবেদনে লেখা ছিল. चन्त्रदेश ज्यांक्रमीत श्राप्ता करा का नका অধিকতৰ উত্তৰ কোনে স্বাতির কথা আমবা क्क्नमा क्वरण भावि मा. जाव रमकना औ केरण्यानारे चामक चर्च आर्थेव ।" वर्गाणनाप

এই আবেদনে স্থাকন করে পাঠাবার সময় গাল্পীক্রীকে চরপার ঐ সমালোচসারি উদ্যোগ করে জানিরেছিলেন বে, লেখারি পাক্ষ থাল্পীক্রী রয়ক করে ব্যবেদ।

কিন্তু গাশ্বীলী এই সমালোচনার জ্বা হসলি। উনিশ শ' পাঁচল সালের গাঁচই সজ্জের কবি এবং চরখা সারে তিনিও একটি দীর্ঘ প্রক্ষ প্রকাশ করে-ছিলেন। আর ভাতে প্রভাগ আমাকে জ্বা করেবে কেন। প্রভাগ সভানেকাই বণি অসপ্রেম স্বাল্য স্বাল্য করেব কিবল ভিক একমাত বভে প্রেম বা সেই হয়ে জীবন অপ্রীতিকর

ভাষাবেশের সমণি হয়ে উঠাব ? আর সেজনা জীবন হবে এফ সন্পূর্ণ বিফুলনা ? পাকাল্ডরে স্পান্ট সমালোচনা আমাকে আমাকে বিবেছে !"

বল্পুছ নিজের বিশ্বাসে জটল থাকলেও রবীপ্রনাথের সমালোচনাথে গাণীজী বরাবর এই হলে লিরেই বেথে এসেরেন। পাঁচ বছর জংগ রবীপ্রনাথ আর একবার বালধীজীর কর্মধারার সমালোচনা করে-ছিলেন। ভার উন্তরে গাণ্ধীজী ত'কে মহাব প্রহর্ষী বলে অভিহিত করেছিলেন এবং বলোছিলেন বে, তিনি কবিক সেই প্রহরী বলে জনে করেন, বিনি আমানের গোঁড়ামি, উদাসীন্তা, অসহিক্ত্বতা, অঞ্চত,

# **८**थ्यम-शिभामा

শরং সাহিত্য রাসকরা এই কিশোর-প্রেম-নিবেদন উপনাস্থি পাড্যা পরিপ্র্ণ সেই আনন্দই শবেন। আক্রমণীর ন্তন চরিত্ত ও প্রট। মূল্য-পাঁচ টাকা মাত্ত।

> হলেজ-মোহনীমোহন কাপ্তিলাল ৪০, ৰকা কল্ড রম রেড ক্সক্তা ২১।

ছুৰ্বন-টাৰা ৰণ্ডিয় পেৰে ছাৰে বাম – জি পিঃ চম না। বিজেজন দাসগাস্ত্ৰ এণ্ড কোং, কৰেছ পাঁট, কলিকাজা।

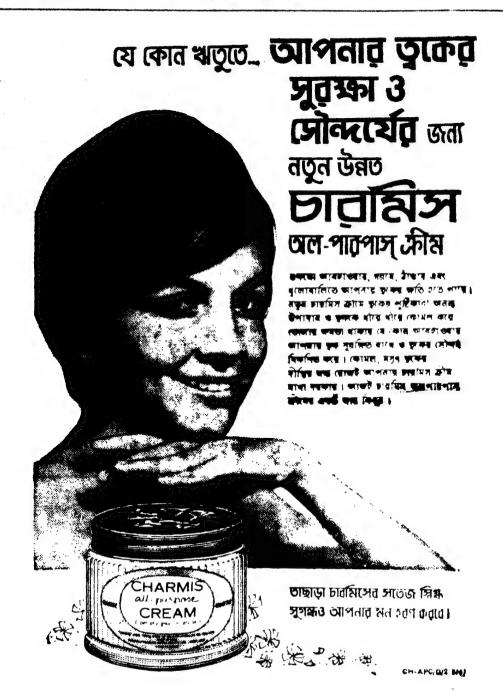
(BPHA KJ)

নিশ্চেণ্টভা এবং সমজ্ঞাতীয় জন্মানা শত্রাদের আগফন সংশক্তি সাবধান করে দেন।

গান্ধীকী বৈষন মডান্তরকে মনান্তরে প্রবিস্তি হতে দেননি, রবীন্দ্রনাথও অনুরূপ মনোভাব পোবণ করতেন। তাই ভিনি লিখেছিলেন, "মহান্ধাক্ষীর সংগ্র কোন বিবরে আমার মডের বা কার্যপ্রণালীর ভিন্নতা আমার পক্ষে আ্টাণ্ড অর্চিকর।
বড়ো করে দেখলে ভাতে কোন দোষ নেই।
কিন্তু তব্ সব সমরে মন মানে না। কেননা,
বাকৈ প্রতি করি, ভাত করি, তার সংশ্যে
কমান্দেরে সহবোগিতার মতো আনন্দ আর
কী হতে পরে? ভার মহৎ চরিত আমার
কাছে পরম বিক্ষরের বিষয়। ভারতের
ভাগাবিধাতা ভার হাত দিরে একটি

দ্বিপামান দৃশ্বের শতি আমাদের কাছে প্রিটার দিরেছেন। এই শতি ভারতবাসীকে অভিভূত না কর্ক, বলশালী করকে, তাকে নিজের মনে চিল্টা করতে, সংকল্প করতে, তাগি করতে শিক্ষা দিক—এই আমার লাম্বনা।

গান্ধীজ্ঞীর কাছে রবীন্দ্রনাথের এই যে বিরাট ভাগনা এটিকেও তিনি কথাৰথ সন্দান



দিয়ে এসেছেন বরাবর। উনিশ শ' বরিশ সালের বিশে সেপ্টেম্বর। ভারত শাসনের মতন বিধানে ভথাক্ষিত উচ্চ বৰ্ণ ও অনুসত দ্রেণীর প্রক নির্বাচনের প্রস্তাব করা श्रात्य । यात्रायमा एकाम भाग्यीकी छाड প্রতিবাদে অনশন আরম্ভ করার আগে রবীন্দ্রনাথের আশীর্বাদ প্রার্থনা করলেন, "এখন মঞ্চলবারের ভোর তিনটে। স্কুরে আমি প্রজন্মিত ন্বারপথে প্রবেশ করছি। আমার এই প্রচেণ্টার আপনার পক্ষে অলীবাদ করা বদি সম্ভব হয়, তবে আমি ত। প্রার্থনা করি।" আরও লিখলেন, "আপনি আমার একজন প্রকৃত কথ, কেননা আপনি স্পদ্টবন্ধা কথা রূপে রয়েছেন আৰু প্ৰায়ই আপনায় চিম্চা প্ৰকাশ্যে ঘোষণা করেছেন। জামি জাপনার সকঠের মতামতের দিকে তাকিরে থেকেছি। কিন্ত আপনি সমালোচনা করতে অন্বীকার করেছেন। এখন তা কেবল আমার অনশনের মধ্যে হলেও বদি আপনার হাদর আমার কাজকে নিন্দা করে তবু আমি আপনার সমালোচনাকে মালা দেব। আমি বদি নিজেকে ভ্ৰান্ত দেখি তবে সে কথা ঘোষণা कत्रात एन वार्टे एक ना रकन, छः धारमा ना কবার মত আমি অভি-গবিতি নই। আমার কাজকে আপনার হারর যদি সমর্থন করে ভবে আপনার আশিস আমি চাই। আপনার स्त्रामा देश আমকে পতন থেকে বকা

রবীণ্ডনত্থর হাদর সম্থান করেছিল শাংধীজীর এই অনশন। তিনি লিখেছিলেন য়ে ভারতব্যের ঐকা এবং সামাজিক প্রতি বক্ষ বহাম্লা জীবনের বিস্তুনি দেওয়ার প্রয়েজন আছে। আমাদের কণিত হারর ল্রাম্য ও প্রীতির স্থাের তার মহান প্রায়শ্চিত্তের অনুগমন করতে। রবীন্দুনাথের কথা সংঘাক হয়েছিল। সমগ্র দেশ জেগে উঠছিল গ্রাম্থীজ্ঞীর অনশনে এবং অবংশ্যে গাস্ধীজীর প্রতিবাদ সফলতা লাভ করেছিল। কিদেশী সরকার হিন্দ্রদের মধ্যে প্রক নির্বাচনের প্রশ্তাব প্রত্যাহার করেছিলেন। রবীন্দ্রনাথের চ্রেষ্ঠ স্থাটি বিশ্বভারতী ও শাদিত নিকেতনকৈও গাদ্ধীজী আধান্ত্ৰিক কেন্দ্র করেই পুলা করতেন। তার সভাগ্রহ আশ্রমের তুলনার শাহিতনিকেতনে নিয়মের কঠোরতা কম ছিল এ কথা তিনি জানতেন। রবীন্দুনাথকে সে কথা বলেও ছিলেন তিন। সে কথা শহনে রবীন্দ্রনাথ হেসে উঠেছিলেন। গ্যাম্পীজীর সমালোচনা তিনি মেনেও নিয়ে-**ছिलाम এवः वर्ला**ছिलाम रयः जिम इरलाम কবি আর শাণিতনিকেতন হল তাঁর চিত্ত বিনোদনের কম্ছু। কিম্তু গান্ধীজীর এই মত্বস্ক নিয়েই নানান জলপনা-কলপনা শ্রে হয়ে গিয়েছিল একদিন। এমন কি বোদেবৰু একটি পঢ়িকায় এ কথাও প্ৰকাশিত

হরেছিল যে, গাখাজী নাকি বলেছিলেন যে,

ডঃ ব্ৰুদেব ভটাচাৰ্যের

এইচ, জি, ওয়েল সের শ্রেষ্ঠ গল

শৈলেন রায়ের নতন উপন্যাস

মণীন্দ্র রারের নতুন উপন্যাস

**ञ्जा≷ ≥**∞ष्ट्रज्ञाता ऋाल्वत त्रद्ध

অলকা চটোপাধাায়ের নতন উপন্যাস

এর নাম সংসার গলসম্ভার

শংকর-এর

যোগ तियाग २१ जाग

>>= A.H. 6.60

394 THE 6.00

দেবল দেববর্মার ব্রাত তখন দশটা

WIN 1 6.40

ইন্দ মিত্ৰের

বারীন্দ্রনাথ দালের

সমৱেশ বস্তে

আপনজন

শ্রাকুষ্ণ বাস্থদেব

জগদ্ধল

साम : 8-60

বাম : ১.০০

रेत्र मास्य ३६.००

নিমাই ভট্টাচার্যের মধ্য বস্তুর স,বোধ ঘোষের পালামেণ্ট খ্ৰীট আমাব্ৰজীবন চিডচকেট্ৰ

তয় মন্দ্রপ ৫.৫০

সচিত্র সং ১৫-০০

OH ALTH 6.00 জরাসন্ধ-ব

মহাম্বেতার ভায়েরী মর্সিরেখা পাডি

৫ম মৃদ্রণ ৯.০০

354 FER 0.40

**हा** का स्मानन

বনফ লের

তিনতরঙ্গ

छ्थ कथा

অধিক नान

৩য় ম্দূেণ ৭⋅০০

8.40

नतरहन्द्र हट्योभाधारतत

হরিলক্ষ্মী অপ্রকাশিত রচনাবলী দেনাপানে

माम : ३-००

TH : 4-60

ধনপ্রয় বৈরাগীর

গজেন্দ্রকুমার মিতের

কালো হারণ চোখ

পেষি ফাগুরের পালা

०त म्मन ১०-००

8র্থ মুদুর ১৫.০০

বিমল মিতের

দেবনারায়ণ গ্লেভর

সাহেৰ বিৰি গোলাম ৩.০০

শমিলা ৩.০০ দাবী ৩.০০

ৰাক্-সাহিত্য প্রাইভেট্ লিমিটেড্, ৩৩, কলেজ রো, কলিকাতা-১

গাশ্তিনকেতন হল কেবল ভৌতিক প্রগতির কেন্দ্র আরু সভাগ্রহ আশ্রম আধ্যাত্মিক প্রগতির। এই লেখাটি পড়ে গান্ধী**জ**ী भावहे कान्ध हार्याष्ट्रांन व्यवः व्यक्ति रमभाव শান্তিনিকেতন সম্পর্কে তার মনোভাব আর একবার স্পন্ট করে বর্লোছলেন, "প্রকৃত আধ্যাত্মিক কবিডার বিনি রুণ্টা তিনিই বখন শাণিতনিকেডনের আধিপতা বিশ্তারী চেতনা তখন তা আধ্যাত্মিক ছাডা আর কী बट्ट शादर ? दमदनम्बनाथ देखक व्यथन्त

বাস করেছেন সেই জারগায় আধ্যাত্মিকতার অভাব থাকতে পারে বলে মনে করার মত मार्थ आमि नहे। हेम्रः है फिसाइ शार्टक्या জানেন বে, আমি মাৰে মাৰে শাশ্তিনিকেতন থেকে বড দাদার প্রেরিড আধাাত্মিক আলোক লাভ করি। তিনি নিরুতর আমাকে লক্ষ্য করে যাজেন এবং আমাত রতের সাফলার প্রার্থনা করছেন। আমি পাঠকদের চাই বে, আমাদের সমস্ত আৰু জানাল यरगारको साहि नगरहरू

বেশি আধাৰ্ষিক বলে মনে কহি। সম্প্রতির কিল্ড অভিস্থান্য প্রতিষ্ঠানগর্নানর মধ্যে তুলনা করা যায় না। কিন্তু তা যদি করতেই হয় তবে সভাগ্রহ আলমের দতে উল্লাভ ও নিয়মানাবভিভা সত্তেও আমি বথার্থ ভাবে এবং আশ্ভবিকভার সংখ্যা শাণিতনিকেতনের পক্ষে ভোট দেব। বয়সে ভ বড় আর আনি জানি জানেও ভ বড।"

ব্যক্তিগড় পরিচয়ের



THE CONTINUE WITH GET ATM SISTALLE SEG SERVICE MANY

Ara eife

ष्यरभक्ता द्वारंथ ना व्य कथा द्ववीनानाथ अ গাণ্ধীক্ষীর মিলিত ক্ষীবনে সভা হয়ে উঠেছিল। পরিচর বখন চচনি ভখনই গান্ধীক্ষী গ্রেদেবের প্রতি দ্রন্থাবস্ত বাংলা ভাষা শিখতে আরম্ভ করেছিলেন। আবার ব্যক্তিগত পরিচর বখন ব্যরংবার সাক্ষাতের শ্বারা গভীর হয়নি তথনই সেই উনিশ শ কডি সালের মার্চ মাসে কেখা একটি চিঠিতে গাম্ধীলী ববীদ্যনাগতে গভেবট সাহিতা সম্মেলনে ভাষণ দেবার জনা আহলেন করেছিলেন, ভাতে রবীন্দ্রনাথ সেই সময় কোথায় থাকতে চল তা জানতে সময় गान्धीकी ध कथान सिर्धाहरसन रव ব্ৰীন্দনাৰ ৰাছ ভাৰ সভাগ্ৰহ আল্য থাকেন ভবে ভা ভাঁতে খাবই আনন্দ দেৱে। কেননা ভার আশ্রমকে রবান্দ্রনাথ জান্তন ব্ৰান এর জনাও যেমন ভবি আগতের শেষ দেটে তেমনি ভাবে অবস্থানের স্বারা আলাহর আনকে লাভবান হক ভাও তিনি চান।

<sup>া</sup> হবীপন্যাপ্তের আগমনে গ্রেগ্রাটীনের काराता की द्वाद एम कथान रान्धीकी स्थारण कोररा निर्माष्ट्रकार बर्काष्ट्रकार "उट्टैक যদি আমরং **শাশিত দিতত প**ারি এবং তার কাড় থেকে যা আমানের সেখা উচিত ভা যান শিবেধ নিচত পারি ভবে ভার অবস্থান হথাকা আযোৱা লাভিবান হাতে পাৰ্য: ক্ষিক আছবা কাঁ ভাৱে কেন্দ্ৰ সম্ভান সভাতে প্রারি ভার করেজ । **অর্থা সাহা**য়া করে ৷ তিনি ভার শাণিতানিকেতন আলম এবং তার শবারা পরিচালিত বিদ্যালয়ের প্রতি গভীব-ভাবে অন্যৱৰ। ভাৰ বাবা এই আৰ্মটির প্রতিখ্যা করেছিলেন আর বিদ্যালয়ের স্থাপনা কারেছেন ডিনি নিকে। এগালির বার, ডিনি राय भाग अरमाङ करावत का राधरक उद्योगना आहे. কংকের জনে তিনি তবৈ নিজের টকাও স্থালিলেছেন। গত বছর তিনি স্থান মানুজে লিয়েছিলেন ডখন ধেখানেই তিনি সান সেখানেট দান গ্**চণ ক**ংহন। আমৰা মান করি বে গ্রেভরাটেও মণি সেই রক্ম কিছা করা যায় ভবে ভার ম্বারা একটি কাজ দেখান হবে।"

শাণিতনিকেতন্ত্র এমনিভাবে আপন কাব নিয়েছিল গাস্থীজনৈত। প্রথম দিনের ভারতীয় পশ্চিতে তাঁকে যে অভার্থনা লাখিত নিকেতনবাসী দেখিয়েছিলেন তা গা**শ্বীক্ষী কোনদিন ভূল**তে পারেননি। রবীন্দ্রনাথের মাতার পর গান্ধীজী শেষ যথন শাল্ডিনিকেতনে আসেন তখনও তারা তার कारक अक्शाउँ भारतत कथा धारन राज्यकिराजन । বার্ত্তিগতভাবে উপস্থিত থেকে গেষ বারে তিনি রবীন্দ্রনাথের কাছ থেকে যে সম্ভাষণ পেরেছিলেন তাকে তিনি তার ভিক্ষর **অটোৰ শ্ৰেষ্ঠ সম্পদ বলে বৰ্ণনা** করে-**ছিলেন। শালিতনিকেতন তাঁর কাছে** গালিতর নিকেতন বলেই পরিগণিত হয়েছিল, এটি

(রহস্য-উপন্যাস)

विण्णित त्रम ६ अनम् <sub>अवस्थ</sub>ानाम कर्मणी

অমূতকম্ভের সন্ধারে

विश्ववो (अम्बिः भूत

कानकृष्टे ॥ ५०.०० ॥

विनव्यानिन खाव 8.00

### नील मित्याय जीवन म्योगधात ॥ ७०० ॥

বিখনাস জলদস্যদের রোমাঞ্চর সচিত কাহিনী।

# এখানে পিঞ্জর

•বহুব্য ও ব্যঞ্জনায় এক আশ্চর্ম বিশ্বন্ধ উপন্যাস। সিনেমায় আসছে।

करित क्रमोग्रहेमीय

কবির জন্যতম শ্রেষ্ট কাৰ্যাশে। কর্মেনি, চেক, ক্রালী ভাষার অনুবাদ হয়েছে। ইংরাজী অন্যবাদ ২০,০০০ কপির বেশী বিক্রী হয়েছে। 11 0.00 11 1 4.40 H

वक्त्री कें।थात्र मार्च चाकूत्रवाड़ीत्र खाडिनाम्

। নিমাই ভটাচার্য ॥ u ट्यटमन्त्र भित्र u योजन-निकूछ 8.00 ॥ **त्रुचे कॅ। म्हल स्नाग** ভि. जारें, शि ॥ ०.४० ॥ **डक श**रत র।জধানীর নেপথ্যে  $_{\mathbf{S}\cdot\mathbf{4}}$ ে এলে। অচেন।  $_{\mathbf{1}}$   $_{\mathbf{S}\cdot\mathbf{0}}$ 

॥ भरनाक बन् ॥

॥ সম্ভোষকুমার ঘোষ ॥

পথ कि क्रथरि ?<sub>১२:00</sub> अग्नर्शनाम् क

1 8.00 H

तिशिक्षेष

ऽम ४·०० २३ ४·६० वाह तमी

1 5-00 H

**होत एएथि . १ लाग** 

১म 8.00, २য় ७.৫০ ব। ইরে দুরে

নতুন চীনের কবিতা ॥ ৩-০০ ॥ প্রকাশিত হলো

॥ গ্ৰন্থপ্ৰকাশ, C/০ বেলল পাৰ্বালশাৰ্দ

১৪, বঞ্জিম চাটুজ্যে দ্ব্লীট, কলি-১২ ॥

প্রবিশোর সাহিত্য **কৃষ্টি ও জীবনভিত্তিক**দুই বাংলার প্রখ্যাত **লেখকদের গদণ, কবিতা**প্রবিধ সম্মুখ অভিজ্ঞাত **বিফাসিক** 

### कृशान्य

শারদীয়া সংখ্যা প্রবিশ্ব সংখ্যার্পে প্রকাশিত ছচ্ছে। দাম: এক টাকা

লিপিকা: ৩০/১ কলেজ রো, কলি-৯

(সি ৮৬১৪)

| ॥ त्रमः अकस्थिङ इस ॥ मिमीभ स्मोतिक ७ मान्छितक्कम इक्रवङी सम्भाविष्ट

### আজকের একাৎক

म्ला: ७.००

এতে আছে : অমৰ গ্ৰেপাপাধাবেৰ এই
প্ৰিথন, উমানাৰ ভট্টাপ্ৰ'ৰ দিৰাৰাত,
কিবল মৈতেৰ অমোৰ, জ্যোতু ব্ৰেপাপাধাবেৰ সাগৰ-সকলে, ভোলা লতেৰ ৰেলা, মনোক মিতেৰ ভক্ক, মোহিত চট্টোপাধাবেৰ ৰাজপাৰি, ববীন্দ্ৰ ভট্টাচাৰেতি আন্তাৰ

পূৰ্ণ ডালিকার জন্য লিখ্ন

লিপিকা : ৩০/১ কলেজ রো, কলি-৯



ছিল তাঁর ন্বিতীয় গ্ছ। আর এখান খেকেই তিনি আধাাছিক আলোক পেতেন। তা পেতেন রবীল্যনাথের বড় দাদা ক্ষিপ্রতিম ন্বিজ্ঞেদ্যনাথ ঠাকরের কাছ থেকে।

সাত ৰাংলা দেশ গাণ্ধীকীকে চার না এ কথা

গাঙ্ধীক্ষী মনে করতেন না। অসহযোগের পথ্য বিষয়ে বাংলা দেশ ভারে বেভাবে গ্রহণ ক্রেডিক ফেলে'র অনুসরণ ক্রেডিক ভাতে তবি এই বিশ্বাস জলেছিল। সেই সময় তিনি স্পণ্টভট কলেভিলেন "এ কথা আমি কৃতজ্ঞতার সপো দ্বীকার করব হে অনা कान भाग अपन कि शास्त्र विश्वास 7572 रविष १४८४ ਰਾਵਾਂ ਡ टमटभाज দেখারনি। আমার সোভাগা প্রদেশেই আমি নিজেকে বিদেশী ব'ল यम छव कविम वरमा हरूम अहे वदम यम ए डि. एका आक्वारडे इक्ति।" ए विस्तृत স্থাকে আয়াখালির বিধাস্থ গায়গালিতে আদ্ধ শার<sup>ং</sup>রক ও মানসিক क्षेत्र अहा क्टार राजर তিনি ছাবে বেডাডেজন 3475 বহুস জাবার নতন করে বাংলা ভাষার পাঠ নি ক্ষত্র এবং ছেম্বল করছেন যে তিনি নিভেকে বাশ্বলী কৰে দিয়েছেন তথনও বাংলা দেশের মানায় ভারে একাদ্য আপন কার নিয়েছিল। আর বড়েদানার মত प्रामास्वत रहा रकाम कथ है रमहै। छीत रहनह এবং ভার বিশ্বাস গাণ্ধীজাকৈ অভিভত কৰে দিয়েছিল। ব্যাস দিনি ছিলেন গ্রান্থীজ্ঞার ক্রেয়ে আনক বড় কিন্ত বয়সের এই পার্থাকাকে অভিকল্প করে গাল্ধীঞ্জীর প্রতি তার প্রদানভাকর অর্থাও তিনি তলে ধরেছিলেন। গান্ধীজীকে তিনি বলেছিলেন যে উদ্ধরের প্রতি তার পর্ম বিশ্বাস রয়েছে. বিশবস ব্যৱহে তাঁর গাংধীজ্ঞীর প্রতিও। গান্ধীজ্ঞীর প্রতি তাঁর বিশ্বাস ঈশ্বরের প্রতি বিশ্বাসের পরেই।

দ্বিজেন্দ্র থের এ কথার সাম কম নয়। গান্ধীজার প্রতিটি কাজের পিছনে তিনি যেন তাঁর য**়ন্তিটি খ**ে**ল বেডাডেন। অসহ-**যোগ 6 চরখার প্রতি ছিল তার দত প্রতায়। একটি চিসিতে তিনি গাশ্বীজ্ঞীকে লিখে-ছিলেন 'যারা জটিল নীতি-শাসের ছাল তাদের কসংস্ক্রাচ্চল কালে অসহযোগ কথাটি আঘাত করতে পার। কিন্ত ভাল-ভাবে খেয়ে পরে আছে এম্ন ক'ছে আমরা যখন ভিক্ষার ঝ'ল নিষে দাঁডিয়ে থাকি আরে সেউপহস আমাদের উপর পাথর ছোঁডে এবং সেই পাথরকেই রুটি মনে করে গ্রহণ করার জন। আমাদের যে মানসিকতা থাকে ভার শ্রেণ্ঠ প্রতিবিধান হল এই অসহযোগ।"

শ্বিজেন্দ্রনাথের প্রতিও গান্ধীক্ষার ছিল গভীর প্রথা ও ভাষ্টি। উনিশ শ পাঁচশ সালে তিন বধন শান্তিনিকেতনে করেকদিন অর্থান করেছিলেন তথ্ন প্রতি দিন তিতি क्रिंद् क्रिकामामा द **877.8** THE BIBIB 7:025 এবং rজয় নি**ভাৰেট** ভাৱ ZB off শানতেন। শিকেশুনাথ আগ্রহ করেছিলেন energia হৈছে তাৰ সামনে চেরারে বসতে। ক্রিত গাল্ধীক্ষী চেয়ারে না বলে তার পাদের প্রভেক্তিলের : K376 W37.26 वरणी हरता : "कारणाव करक आधि शहे वहे ता तकत অণ্ডত এখানে আমি আমার গাধ্ব চালক নেম আসব এবং আমাত মহাস্থ ভাবতে সাত MANE SIES I

.025 জ্ঞ নতপ্ৰবীয় ग स्थीकीत अधि बादे सम्बन्धीरि याचा दाव केर्तिकिन। दिनि चाधार्य बद्धाननार में ला উনিশ ল' সাতাল সালের কথা। পাধানি अमृत्य कार भवीगात खरम्यान कर्नाक्षणनः। क्रवित व क्ष्मिताच लिख सम्बद्ध क्रवता भागतीकाँदे भारतिहासन महीगात यातात ज्ञारण स्रीत मध्ना रमधा करत यारतन। गाउँ दशक रम्था इन: मास्टानवरै আন্দের সাম। নেই। বহুসে বড ক্রুন্সনাম। গান্ধীকী কিজেস কবলেন, "আমাতে আপনি কলে বছর দেবেন। মাতার আবো সাব সংবেশ্যনাথের সংশ্যে যথন আমি দেখা করি তখন তাঁর বয়স পাচাত্তর। তিনি একানন্দই বছর বেশেচে পাকার আশা করেছিলেন "

ব্রজন্মনাধ উত্তর দিলেন, "মিনি অমর অমরতার আদ্বাদ মিনি পেরেছেন, তেকৈ অমি কাী দিকে পারি?"

অংকাচনা ক্ষেত্ৰ হল। এবাছ বিলাছ নেবার পালা। গাংধীকী বিছানায় শাষ্টে। রজেন্দ্রনাথ উঠে দাঁড়ালেন। তিনি বে গাংধীকাঁর কাছে আসতে পেরেডেন তার জন্ম ধনবাদ দিলেন। আর তারপরেই অবনত গাংধ গাংধীকাঁর পদস্পাশা করলেন তিনি। অভিভূত হয়ে পাড়ালান গাংধীকাঁ। বাল উঠলেন "লোহাই আমাকে অপদস্থ করবেন না।" এবং তারপরে প্রশাবনত চিত্তে তিনি প্রণাম করলেন রজেন্দ্রনাপকে।

গাণ্ধীজ্ঞীর এই গ্রেণ্ডাজ্ঞিভা কেবল ব্রংকে কেন্দ্র করেই প্রকাশিত কর্থনি, সংসারে শারা সাধারণ মান্য, সমাজের উচ্চ শিখরে যারা তাদের আসন প্রতিতিঠত করতে পারেননি তাদের নিন্দ্রা ও তথ্যের

#### কিহিততে দ্বানজিহট্র

মাসিক ১০ টাকা কিল্ডিডে গ্যারাণি ব্যু বিশ্ব বিখ্যাত ন্যাশনাল - ৭০ ত বান্ড, অল ওয়ালাভ



পোটোঁবল ট্রানজিকটর নিন প্রত্যেক হাম ও শহরে পাঠাম বার। লিখনে ঃ

MUSIC & SOUND (D.C.-10)
Dassan Street P.B. 1576, Delhi.

প্ৰতিত ভাষ সপ্ৰদাসে দাগ্ৰি নিবাদ ছিল। বিশ্বকোষের রচ্জিতা নগোলনাথ বসার TPT ৰখন তিনি #(~\*\*?-क धन থেকেই ভিনি रहीय গিতে ट्रम शा করার ভেবেছেন। ভারপর একদিন সোদপার হারার পথে আগে থেকে কোন খবর না দিয়েই তিনি উপপিথত ংরেছিলেন নগেন্দুনাথের কাজিতে। এটিকে তিনি তাঁর তাঁথবাতা ব্যব আঁচহিত করেছিলেন। বলেছিলেন, সেখানে যোভ প্রায় তিনি ধনা হয়েছেন, নাংক্রে-নাথের সাধো দেখা করে তিনি প্রচর প্রেল্ড প্রেক্ত ইয়েছেন। প্র আসব্যব শ্লে ঘরে বিভানায় শায়িত मर्गिन्स्नारथत भार्म हेर्टन ग्राम कथा बनाउ বলতে গাণ্ধীকী অনুভব করেছিকেন ধে, এই সাক্ষাংকার বাদ দেওয়া তাঁর প্রেক কিছাত্তই উচিত হ'ত না।

হাগলী জেলার সাম্পরিষা অধ্যবিত অঞ্জে কজে করতে গিলে মাত্রক বরণ কার নিবেছিলেন সাগ্রকাল হাজ্য লামে याधार এक कभी । खींबद्दे कथा तकार विश्व গাদগীকী লিখেভিলেন হয়, কোন দেশই ভার ৯বং স্তান্দের নামের <sup>চ</sup>রসার রাখ্যত পারে না; সাগরকাক সেই ভাতীয় মান,ব হাঁবা হাগের দি**ক ্রথকে অ**পার্বচিত থেকে ৰানা বাট বিষয়ত হাঁদেৱ কোৰা। e হাঁদেৱ মাজ্য দেশার এলিয়ে নিয়ে বেয়ে সক্ষম হয় :

্রগতি নীব্র ক্মী ভিলেন ভূপিক প্রতাল্য ভারতে তেতুলা**বর** চুট্টেপ্রাধ্যত মি<sup>ন</sup>ন অসহায়াদের আহ্যানে চাকরী ভাগে করে দ্বাদ্ধরতের গুলে দীক্ষিত ছরেছিলেন ৷ ত্ত্তির প্রস্তেগ্টা ভিজা পরেভেন মসলিনকে প্রজানিক করা: ভার জনা ভাসীম খুম ेंद्रित कराउन धनर **धने सम**्रह क অখ্যাত সন্দেশতিট্তত্তী কম্বীতি তেনুমার স্বাত্ত উদ্যাপ হার্ডেল ভা অনুভব করতে दुभरविष्ठास्त्रः नाम्पीक्षीः

ফ্রিলপ্রে এক জন্মত क्वेकित्वाद अतुमत् मान्वातिकाद शान्धीकोरः। सामनाशाष्ट्रा अवर स्थला गुरुतकर्मा স্মূপ্যকা অনুক্রেনার জনা এবং গাংগীজীর টুপ্দেশ বুল্ফার ভনা ভিনি diasi, sty একেডিকেন জ্ঞান্তর এক: ব্রুতি ক্রমাক সমার্থ আমে গুরণ করাত্ব ভিংশর্কার দেশে इत्सं प्रत्मार । इत्तः । क्षक्षास्यः तपन्तरः कर्दः-ভিন্তেন যে এই সক্ষাংকার ভূবি ভূবিনের দিনকাত্ম কৌত্তালাত

ं राष्ट्रापुः कार्त्सः **्ष्राप्राप्तः** क्रहे <sup>वि</sup>रागस्या এই প্রাণ এবং এই প্রাণ-প্রান্ত গণ্য জিলিক মুগ্ধ করেছিল অকপটে ডিনি ডাই यानिकास्त्रमा । "बारला एमम् कार्मक विक् করেছে। সে বিদ্যয়কর কাল করেছে। সে राथणी रान्त्रणास्त्रात करताह अधमक कराह रतास्थरकः। वर्ष्णीकरकान स्थः बारका रहरूग मान्सव কলপুনা শক্তি রুরেছে, বাংলা দেশের ব্ৰক্রা খ্ৰই বৃণিধমান, তাঁরা আন্থ-বৈসকানে প্রসভার।

এই মাণ্ধভার ভাব নিরে, এই প্রস্থা-এবং প্রচ্নত সংক্ষেত্র মধ্যে নিজেকে বে'ধে প্রীতির মন নিমে এবং বড কিছা পাবার আৰা নিয়ে গাল্ধীকী ফ্লছিলেন, "ক্ষমি চাই ভারতবর্বের মত বাংলা দেশের অত্তরে পেণছতে।" বাংলা দেশ তাঁকে হয়ত স্বীকার করেনি, কিন্দু ভাকে জনভরে গ্রহণ করেছিল।

### মানদণ্ড থেকে রাজদণ্ড

তপনমোহন চটোপাধ্যার ॥ 8.00

# ना९भी-नायक रिष्नां

कीर्थाकत गर्छ ॥ ৯.00

# পূৰ্ব পাকিস্তান

আমিতাভ গ্ৰেখ ১৬.০০

# देकारण्ठेत अफ्

অচিন্তাকুমার সেনগ্রেখ ৯২০০০

# বলিভিয়া

সৌরীন সেন # ১২.00

and the same that the same that the same and the same that	<del></del>
<b>ম্সলিনী ও ম্ডিকৌজ</b> ॥ সৌরীন সেন	7.00
উদাত খাদা ॥ অচিনতাকুমার সেনগর্প্ত ১ম ঃ ১ ৫০,	₹# : 9·00
শভ পদ্প 🏗 অচিশ্ত্যকুমার সেনগর্প্ত	\$0. <b>00</b>
অচিন্ত্য প্ৰন্থাৰলী ॥ ১ম খণ্ড	2A.00
ৰত্নাকৰ গিৰিশচন্দ্ৰ ॥ অচিন্তাকুমার সেনগত্ন্ত	<b>♦</b> •₫0
জালিয়ান ওয়ালাৰাগ ॥ নিমলিচন্দ্ৰ গলোপাধ্যায়	<b>७</b> ⋅००
বঙ্গজ ॥ সম্ভ গ্র	25.00
উখিত আফ্রিকা ৷৷ অংশ্যু ৮ত্ত	\$2.00
<b>ছদ্দ সরদ্বতী</b> ॥ সতোন্দ্রনাথ দত্ত	₹.40
<b>আরাবল্লী থেকে আগ্রা</b> ৷৷ শ্রীপারাবত	28.00
<b>মহাভারতের চরিতাবলী</b> ॥ সুখ্যয় ভট্টাহার্য	?R.00
<b>লোপামটো</b> ॥ নিম'লচন্দ্র মৈত	20.00
ৰাদশা সিক্তিগড় ॥ শীতাংশ,বিক্ষে সেন্ত <b>্</b> পু	\$0·00
প্রতিনায়ক 🛭 পার্থ চাটোপাধ্যায়	9.00
শিপ্তানদীপারে ৷৷ দীপ্তি হিপাঠী	<b>৬</b> .೧०
গ <b>ররাজ</b> া বনক্ল	R.00

আনেশধারা প্রকাশন !! ৮ শামাচরণ দে স্টিট, কলিকাতা-১২



# ল্যাক্ষমে ক্লেনজিং মিক্ষ **বেশী শক্তিশালী বেশী গাঢ়ো** পরিষ্কার করে বেশী গভীরে





(वान्निन)

क कामक बाब नवन्त्र स्वरूप दिन সঞ্জঃ সামনে একটা প্রীল দেওৱা ছে। বার লা আছে। সেখানে ইঞ্চিচেয়ারটা টোন নিয়ে পাশে ক্ষাদে টোবিলে হাইছিক নিয়ে বলে ছিল। গরম লাগছিল খুব, লাভে কর<sup>ি</sup>ছল নাং তাছাড়া ভলপ্রেটর ৰাখাটা কেমন একটা টানা দপ্ৰদানীতে শ্রীন্তরে গেল। নক্তরে চন্ততে লালে। এরকম माथा निरक्ष प्राप्तारना बाब ना। का बाका प्राप्त नामाना अकरें क्रमं रशह नवरवहा দ্ৰাভাবিকভাবে বড় একটা ব্যুল আসভে চার লা, কেবল হাই eঠে, লৱীর ব্যাভা বাজা करतः जिल्लात कात हरत बात शाकाः वृत এলেও অন্ব্যভাবিক। সৰ ন্যান দেৱ। ছার *চেন্ত্র হ*ুইন্ফিই **ভাল**া প্রীরের হাজা বেদনা আন্তত আন্ত আৰু বিমাবিলিয় मत्था पूर्व त्वत्त्व थात्कः शक् हुम्बत्तद मत्त्वा चार्टः बर्द्ध रक्तरः चारम रहार्थ्य शास्त्रः। चार्द्धः भागित । किंक कड़ों इब इनकें। बान्नदन बहुब सब, चालागः हात्र बाकः। कात्रम् जकारकः छैटठे কৰানো ঠিক ক্মিলে ওঠার ভালত টের পার লা ্স: মনে হত, অজ্ঞান অবছা ছোকে জান ফিরল সরাদিন আবা<sub>র</sub> হাইলিকর জলা শরীর সাপের হড়ো কেটিস, ছোবলার।

কাল রাতে বারালার হাওরা ছিল। দশদ এবং সামান একট্ব বুটি মাধ্যের পর হাইলিকর স্বালই কালালা। ধীরে ধীরে সময় নিয়ে থাজিলা সঞ্জঃ রিমি আপে ধমকাজ্যো, কারতো আজকাল গা করে না। দ্ধ্যু কলে নাখর্মে সার্থানে ধেও, আমার কাঁচর আলমারির গারে প্রেড্যে না। ভালা রাজে রিমি শিকলা, খ্যোমারার পর করেক মৃত্তেরি লনা এনে বারালারে নিভিন্তিরিছল। বললা— কাঁ, আজ কাত্রকণ চলবে?

শোওরার সময়েও রিমির ঠোঁটে লিপাশিশ। সঞ্জারের ইডেছ হল বলে— ঠোঁট বোওনা কেন? সর সময়ে লিপাস্টিক মেশে থাকলে রঙের পুলায় ঠিটির চামড়া সাদা হয়ে বাবে স্থা ব্যাত কত কি হতে পারে, আজকাল-ভার কেমিকালে বিশ্বাস কি /

কিন্তু সঞ্জ কিছু বগল না। উত্তরে রিনি
তাহলে অনেক কথা বলবে—মনটদ খাওরা
নিরে—তার অতীত জাবন নি র—অগড়ই
লেগে ববে হরতো। দরকার কি ? ও ওর মনে
থাক। একট্ লিপল্টিক বই তো নর। মা
ল রাদিন পান খার, তাই সকালে ম্থট্য
খোরার পর ঠোটের ন্পাণের কবে সাদা দ গ
লেখা বার। জেলা করে সঞ্জরে। বিনির্
লিপল্টিক জেকেও ওরকার কিছু দাগ ধার
ধ্বা বিচিত্র দ্বা।

হি সহিপে পরীরে জাঁট করে খ্ন-বারাপী কথের পাঁড় পরে হিজ বিনি—পরীরটা ওর এক সভেচ্চ যে কেন চারপাণটাতে অক্তমণ করছে। চলার কেরার একটা ধন্তের মাতা হিটকে ওঠার ভাব আছে—আটা না মাস আলে ও বখন পোরাতী হিল তখনো ওর সভেজ ভাবখানা হিলা লক্ষ্য করার মডো। এখনো বোকা বার না যে বাকা হরেছে।

क्रमान किर्मान्द्रेकारे अवते त्याच स्वति। শেষ বিনি চলের মধে কোন অন্তল অরশ্যে काम अकरी जिमात्त्व विन्तु देशीतात्र, बादेदत रचरक दबना यत्र मा। मारक मारक क কসমেটিক আনভে বলে সঞ্চয়কে, কথনো ৰলে না-সিদ্ধে এনো। একদিন সময় ঠাটা করে বলেছিল-আমার একটা খরচ বে'্ড গেছে বাবা। সিদ্ধের। শুনে রিনি শ্লান লুখে বলেছিল—ভূমি মেরেদের বাংপারে <del>কেন</del> হ আ প্রাত ? স্বামীকে সিশ্রের কথা बनारक रुन्दे कारूग ? विरास भन्न वस्रता व्हार्थ হয় সেরখানেক সি'দুর লাগত রিনির—ফ'থা এ ফোড ও ফোড করে কুড়লের কোপেই ল'তা জন্ম ধাকত সি'দরে, সংকর টিকোলো নাকের ওপর গ'ড়েড়া কার প্রভাৱ আহি আর কমারী নই, তোমরা কেউ অরু আনোক বাছন করেনেন—এই ক**পা** ছেন্দ্ৰণ কর্ড স্পারী। এখন আবর জনেকটা ক্যাব্ৰী হ'বে গেছে বিশি সি'ন্ত লাকোর।

জিজেন করতে ইচ্ছে করে—করে প্রেপ্ত পড়োনি তেও তোনেকে গাঁটার প্রেথাওে এক মান্টার অনুসানা ছে করা মতে ? ভাকে আমি দেখিইনি। বেভিওতে হিন্দী কিবো রবীন্দ্রস্পাতি বাজার বলে শ্রেছিঃ দেখঙে কেমন ? উম্যান ইটার ! দুপ্রেবেলার আন্দে

টিজ্ করতে ই জ কার: টিজ্ তব্ কিছাই
করেনি সজর। তলপেটে অ নিতার কাথিটা
তথ্যা জমে আছে। কেন্যে শালা থেড়েছিল
ল থিটা কে বল্যে বালা আহমজ্য
ললিতটাকে টেসে ধ্রেজিল জুং মাতেই।
কেন্যে তাকে লানে! কী কেন্নমা সুই
কলো কেলো। যেড়েট্র—শাশ্বতী না কী

ভাষস সংখ্যা, বৰ শেষ বৰ্ষ শ্ৰেচু, বাংলা বাংলার বাইরে, আবড়ে গণপার

শৰ ৰাৱেকটি গলপকবিতা

ावर्णक सरसप्र

# শ্বধ্ব কবিতার জন্য

প্রকাশিক হজে নিয়মিক বাসিক লিট্ড ব্যালাজিলে ৩র বর্য পরেছে অসরক কীর্তি প্রায় এক টাকার আপনি পাচছন (লেখকস্চী বাহুলা ঃ কে নেই!)—

**90 डि डोडेम कविया, वितास कविया, अवासी कविया** 

কলে লামে লা পড়ে খাললে পছতে পালেন প্রভার ছাতিতে বা পরে

 কর্মনান্দর

 কর্মনান্দর

 ক্রিলান্দর

 ক্রিলান্

স্নীল গলোধানের সম্পোদত আক্ষরের গদ্প ৮০০০ সন্দীপন চট্টোপাধারের সমবেড প্রতিছম্মী ও অন্যান্য ৩০০ ধীরেন্দ্রনাথ গলোপাধারের সম্মার্ট/অপারেশন ফাউন্টাস ৪০০০

অধ্না : ১৭/১-ভি স্ব সেন স্টাট, কলকাত। ১২

टबन-अमन किट्ट मान्यत नज एम-चित्तत বাজাতে চাজাডে গোলে নগদ দু ভিন হাজারের ধারা—তব্ ভার জনাই জেপে গেল भाशका आमिछे। मृत भाका। त्रिनिटक वहर टनः व वा--टर्नरथ वा छेड़ सीड़ कारक वरन--কী বৰুম মোলাবেম ফুর্সা চামডার বাধানো जाशास वर्षे, दमरथ वा। धी कारना त्यारावाद करा कि श्रव दवनी शुक्कर कहा यहा एवा মাইনি ভূই কডকালের সৰ প্রোনো দোশতদের না হক মাশতানী দেখিয়ে গোল! क्लारना बारम इत ? नीनाल बानाला निराक ? टका निरम रूप ना जे कार्यमका दक्रामहोटक जे কালো মেরেটা! দ্র-চারদিন জোগ করে मिक । जातभाव एका मरबारे बारक का क मरब গোলে মানুষের তো তথন আর কোনো স্বয় বাকৈ না—তখন ওর স্থাবর অস্থাবর जामताहै एका शादवा दत! अक्छे, केमात करन দ্যাৰ, কত ৰগভা কাজিয়া এডানো যায়। रखानीतः ।

রিনি এগিরে গিরে গ্রীক ধরে কিছুক্প রাস্ত্রার দিকে তাকিরে ছিল। ফাকা রাস্তা। হিন্দুস্থান পাকো এ সমরটার ভূত নামে। কেবল ওধারে একটা গ্রারাকের সামনে খাটিরা পোতেছে এক বুড়ে দারোয়নে. নিশ্বত রাত চিরে পাতকুড়ানীদের অপাধিবি চীংকার ভেসে অসে—ম; গো—। বিনি মাখ ফিরিয়ে বলে—শান্ডো ?

-017

-- के त्य हीश्काद ! वन्ह कह कहा है।

রিনি অপ্রক্রুত হাসি ছেসে। ভারপর বোধ হর একট্ চালাক হওরার চেন্টা করে বলে—কী রক্ষ যেন শাপ শাপালেতর মতো শ্নতে লাগে। এমন বিভিন্নি গলা করে ভাকে যেন স্বাহ্ব চলে গেছে—

খামোখাই দামী লিপলিটক মাথে রিনি। বাংজ ধরচ। সঞ্জর জানে গটিটার শেখানে র মাস্টারের সংগার রিনি প্রেম করে না। অঙ্গুলে আঙ্গুলে ছুগাছ গোলে সভীকের ভয়ে কুলাড়ে যার। থালু।

NOT THE STATE OF THE STATE OF

সঙ্গর সামান্য হেসে ধ্রুলা—আমি এক সমরে ওদের ক ছাকাছি থাকডাম। কড় রাত চিংপ্রে ফ্টপাথে শুরে কোটছে বইরের দোকানের তভার ভলার। লুই একখার অনেকটা ভিক্তের মতো করে গোকের কাছে। যাত পেতেছি। ওর একটা মকা আছে।

--জীমজা?

—আছে। এখন আৰু সেটা বোনাতে পারি মা। তবে সর্বন্দ চলে বাওয়ার একটা আনন্দ আছে।

রিনি চুঞ্রি কন্ন্ শব্দ করে রাল্ডার ম্থ কেরাল। ভারপর হঠাং বলল—আ্রার ওরকল হতে পারো?

मक्त प्राचा नावन-ना।

রিনি মৃদ্ হাসি-মৃশ কিরিরে বলে— পারে না? তবে বে বললে মজা আছে! আমাকে থাপানো অভ সোজা—না?

সঞ্জর বলল—এখন পারি না তার কারণ আনাঃ এখন বলি একটা লাগিল পরে থালি গালি কার কাটপারে মালার পেতে পারে থালি, তব্য মনে হতে, রাতে চোরে এলে আমার কী একটা চুরি করে নেবে। কী একটা বেন খোরা বাবে আমার। কিছু খোরা না গোলেও এবৈকম মনে বাবে। স্বাভিত্ত স্বাভ্রত ভাবে ভাবেল ভাবেল স্বাভ্রত ভাবেল স্বাভ্রত ভাবেল স্বাভ্রত ভাবেল স্বাভ্রত

বিনি হাই ভুলাল । তারণথ প্রিপ্রেশ দ্বীবিধানা একটা আলাসেমি জড়ানো অংশতি মুকাড় সঞ্চাবের সামনে একে দড়িল । বার একখানা প্রতীম লাগেশ ক্ষালাড়েছ । তার আলো গড়লা এর বারি চালে পাড়লা এর কালিবটা একটা বাজাও না, শ্বি । নামুন কালিবটালা ।

-- 間以 中回職 ;

--- कः ' काररक तकः विशव पारमातः

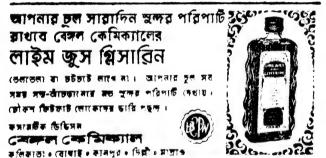
সংগ্যা সংগ্যা থোকো ওঠে বিনি--- চাছা,
আমি ছংমোতে ১ ইলাম আন উনি ছংখোতে
সিলেন ৷ কেন, হাকুল কবতে পালো মা--না,
আমি এজনুনি গাঁটার গ্নেতে চাই নিলে
এসো গাঁটার, আমার পালের কাছে বলে
ব কার--

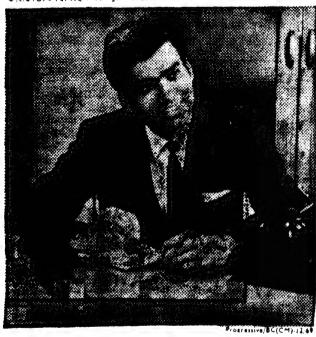
সঞ্চর হাত তুলে বলল---জালেত। এ সময়ে জোরালো শব্দ শনুনলে নেশা কেটে যায়।

অভিমানী মূৰ করে লিনি বলে—বাও, বাজানো নাং

শাসত গলায় সম্ভৱ ম্লল—গটিনটো আনোঃ

সামানা একটা আদের কাড়া কলড়া করক বিনি। কিবল এতবাল পরে এই প্রথম সঞ্জ তার বাজনা শানতে চেরেছে বলে সে চাপা আন্তেপ একটা কলমলে মুখে সভিটে গাটার নিয়ে স্বান্তর পারের কাড়ে বস্লা। পিকল্যক





বেয়ন কোনে দেৱ বিনি তেমনিই কোন বিন বলুখানাকে।

- -की बाब्बाटवा ?
- -- त्नहाकी नाम करना ?

বিনি হালে-গৃহিদা কোমাকার!

-जाराम वा पानी वाकातः

একট্, ট্রটাং করে বিনি সভিটে বাজাতে লাগল। বিভাব করে।

स वहरत्व (मता भूका मश्या। सकाम्मत २व ।

न

THE PIECE BINE BYEN

এতে লিখেছেন বালা

বিভূতিভূষণ

মুখোপাধ্যায়

ववकृव

অচিষ্ট্যকুমার সেনগুপ্ত

नयदाम वन्

সন্তোষ ঘোষ

100

বৃদ্ধিষ্ঠান্তের অপ্রকাশেত উপন্যাস

র ছাতৃ। তরুণ বেখকের দুটি পূর্ণাঙ্গ উপন্যাস।

### জ্ঞানতীর্থ

১, বিধান সন্ত্ৰণী, কলিকাভা--১২

একট্ আশ্চর্য হরে সজর প্রেরিকাঃ সেই কঠাপড়াহীন বিবল্ধ মেরে কানার সরের গাল —টিক বেমন দেহাতী গান হয়। রিনি ভাই বাজাছে। সঞ্জর গানটা একট্ও ধরতে পারল না। কিন্দু পড়পত বেলার এক পাহাড়ী নদী পার হরে রঙচঙে কাপড় পরে মান্য মেলার বাজে। সাজপরা গর্টেনে নিরে বাজে বঙীন পাড়ি। এরকম দুশা ভার চোধে ভেনে উঠাছল।

বিনি পাৰলে জিজেন কয়ল-এটা কি হিলা হয়িত্ব পাল ?

- -431
- -8(4 )
- —ছেলেকোন্ধ গানটা শুনেছিল'ন। সেবার সেওবরে বেড়াডে গিরে। স্বেটা মনে ছিল, সেই থেকে বাজালান।
  - -क्थाग्रत्मा की बत्ना रहा।

বিনি হাসল।

—গার্ডবাব, গার্ডবাব, গৈটি সা বাজা না, জান্ডি না দিখানা পিলাটফারম মে বহু সৈল গাঁটারিরা...গুন গুনে করে গাইল রিনি।

হাসতে হাসতে সঞ্জর টের পাছিল পেটের দীতে একটা ভারী বন্দু ক্লছে। তলপেটটা। জ্যাটক্ষো গাঁটরি পড়ে রইল—হার ঈশ্বর, গাড়ি ছেড়ে দিছে। হে গার্ডবাব, তোমর পারে পড়ি—সর্বাদ্ব পড়ে আছে আমার জ্যাটক্ষো—

- বিনি!
- -6"

—আজ আর কিছু বাজিও না। শ্নতে জল লাগবে না। তুমি থ্ব স্নের গিখেছো, থ্ব স্কের—

রিনি হঠাং পলা বাঞ্চিরে বলল—তবে প্রাইজ লাও।

প্রাইজ দিতেই বাজিল সঞ্জয়, হঠাং রিনি

হ্ব আচমকা সন্ধিরে নিজে বলল—ইস, ছাই
প্রিদের গন্ধ। কী স্বাচন বে বাও—

ীর্মান উঠে চলে গোলে একা একা একটা ভিভি নোকোম নজো চেতনা হেছে অচেডনভার নিকে ভেলে গিরেছিল সম্ভর।

পাছ ব্য হরেছিল রহত কিন্তু ভূণিত বছলি। ব্য ভাতন সাতটার। ব্য আণ্চর্য বল সভার। এরকম কথলো হর না। ছ'টার বহো ভার ব্য ভাতবেই। সে নিরমের অনুশাসন মেনে চলা মান্ব।

বিরম্ভ হরে সঞ্চর রিনিকে জিজ্ঞেস করল— সঞ্চালে ডেকে দাওনি কেন?

—কত ভেকেছি। ভূমি কেবল 💇 🖫 করে এ-পাশ ও-পাশ ফিরলে।

শরীরটা ব্রড়িরে গেছে অনেক। পারে পারে কড়তা আর আলসেমির ভাব। বিছানা ছাড়ার পর কোনোদিনই ব্যের কড়তা থাকে না ভার, কিন্তু আক্রকাল শরীর পান্টাচ্ছে। অফিসে বেরিরে যোড়ের মাধার পানের

### **অ**এ**ৱ সাহিত্যে** এ নুতন এই

- Anthre

गटकण्डानुमात्र मिटाव

त्रभात यन ए॥

ध्यवस्टक्त

একাঘ্মী ৪॥

প্ৰশাস্ত চৌধ্ৰীৰ

গোধূলি রঙ্গীন ৫.

जान्द्रकाच मृत्यानाथारसङ

বাজীকর ৮১

নীহাররস্কান গ্রেণ্ডর

ताति विभीए १

বেচসা-উপন্যস

मूर्येजभगा ५०,

श्चन

মহান্তা গালধীর সভ্যাগ্রহ সম্পর্কিত সমগ্র রচনা সংকলন

मजाश्य १॥

584

স্বোষকুমার চরবতীর

कृषिन

कूभायद्ग ६,

আমর সাহিত। প্রকাশন ৭, টেমার লেন, কলিঃ-১ জাকানের সামতে গাড়ি গাঁড় ক্রাল সজর, আনালা দিয়ে হাজ বাড়িয়ে একটা গাঁচ টাকারু নোট বরে রইল। সোকানদার এক পাকেট সিগারেট হাজে দৌতে আলে।

গাড়িটা হৈছে বড় রাশ্চার এলে বেখন বাল স্টপে একটা নেরে গাড়িতে আছে। ব্ৰ-চেলা নেরে, এক প্রতা একই এলতান বালে অকিলে পেছে। গাড়িটা গিলে ভাকে চেকে কেলল সঞ্জ। চোখে চোখ পড়তেই হাসল চলুন, পেটছে বিভি:।

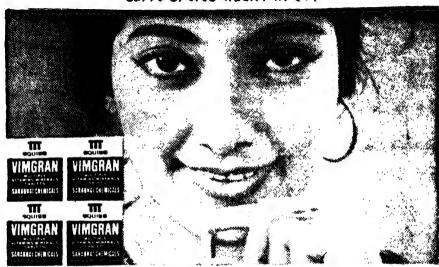
তেরেটা একট্ অবাক হয়। এই প্রথম আলাপ। কিন্তু এক সমরে বাসে অফিসবাওয়ার একঘেরে ব্রেছট্কু সঞ্জর পার হত এই দেরেটার দিকে তাকিরে তাকিরে। দেরেটা প্রথম শ্রেষ সারিরে নিত। তারসার মাখা নাঁচ করে কন্দার তান করল কিছ্

ভিন। ভারণার একনিশ করে থেকে হেন— চোনে চোন রাখকে শ্রের করল। চন্দকার সমার কেটে কেভ। বেলা থেকা একটা বাংগার, প্রেমের মভোই—ক্ষত হেলে বর—একটা

বহু দিন হয় সজাতে আর খাতে পারনি মেরেটা। আজ গাড়িসাখা দেখে খাব জবারু হল। ভালোক কোনোদিন কথা ক্ষতে সাহস

### ভিটামির ও খনিজ পদার্থ আপনার পরিবারের সকরের স্বাস্থ্যের জন্য একান্ত প্রয়োজনীয়

हैंडा कि का बाधरे भदियात भारक्व १



# লূপ্তৰ ! ডিমপ্ল্যাৰ বিবিধ ভিটামিল ও

ভিটায়িত ও বামিত পালার্যের অভাব আপনাং পালাকে বহুলো বাছের ভঙ্কি করতে পারে। অবসাধ, মান, বুবামান, আনুলানি, চর্মানে ও বাজে আন্ত—এবং নার্যালক ভিটাতির ও ব্যৱস্থাপ্তি কর্মান ক্ষেত্রেই বাট।

ভবু ও বিক্টাবিল ও বাবিজ পথার্থ সম্পর্কে প্রায়ষ্ট্র লৈখিলা দেখা কেন্দ্র, কনটি জ বঙ্গে নজ পরিপরিত্র আহার্থেও। মধ পুটকর বাকট সম্পর্কত রাক লা কর বা প্রকারের আহার্থের আন্তর্নি ভিট্নবিদ্ধ ও বনির প্রার্থের বাটিভ বাকরে পরে। ভারতে আপ্তনি ক্ষেত্রক করে নিশ্চিত বতে পরেন যে আপনার পরিবারের স্থাই কর্যান্ত প্রয়োকনীয় বাবভীত ভিটাবিন ও বনিজ পরার্থ ক্রিক্তরত করে ক্রিক-টক অসুপারের পারেন ।

श्वानवाद अद्विवादक आकारकरे बार्फ जीरक

আবোজনের স্পাতে এইনৰ একাৰ প্রয়োগনীয় পুট্টারক পৰার্থ নিভিডভাবে পেতে পারেন, নেটারকাই ক্ষমে খেল্পে কিন ভিজন্মানান—কুটকে বিধিন চিটারিন ও পরিক পরার্ক্তি টারকো—ন্যতিধিন একটি ভ'রে। এই সায়াকর অভ্যাত্তী আন্ত খেলেই চচ্চ ক'রে বিন বা কেনাও

আমাই ভিত্ৰপ্ৰায়ার কিবুৰ — প্রতিধিন ভিত্রপ্রয়ায় থেতে গাকুন।

**डियग्रात** 

একটিয়াত্র ভিত্তপ্রাানে আপ্সাকে সারাদিন কর্মট রাখনে

III 'squas

BARABHAI SHEWICALD

of the state of the state of

SMALECASS Dec

করালি ভার নরপর, বিশ্তু এখন গাড়ি হওরতেই বোধ হয় নাহন বেড়েছে। দেনেটি ইভান্তভ করে কাল—নানেই থেতে পারবো। —ব্যা আন্দে না।

भी शास्त्र नामरना नक्त्राणे प्रान्त शस्त्र अक्ष्य । स्मात्रणेव निर्म्म जानित्र शास्त्र ।

द्रमराज्ञीष्ठे केंद्रों काम : मक्स्स भारिक द्रमराक विकास

নির্দেশ করে বাবে চনরেটি, জন্দিত হবার করে বোধ বর। নজর নেদিকে ভালানাই না, জালাভো হাতে লিউরারিং বরে অলন জন্দাহৈ জালেও আনেও গাঁভ বাড়িরে নিজল লে। জেরেটি একপলর ভাকে দেবল দিঃলজে—এডকাল কোবার জিলে ভূমি ? ভোলাভর কর বাজের

ইাজিক কপেনে লাল আলো লেখে সভার লাভি ৰাজ্যত্ত। সিগাকেটের প্যাকেট খ্লেডে খ্লাডে মেরেটির পিকে ডাকার। না, মেরেটির লাজীর কিংবা মাখাদেশে না। কেবল সিথিটা লাজা করে। সিশারের চিচ্চা নেই। লাকোরনি ডো! ঠোঁটে জাবছা লিপ্সিটক, কপতল নিপ লোট। কিছাই ব্যবতে পারে না সভার। আছকাল বাঙালী মেরেরা জনসাধারণকে কাঁকি নিতে পিথেছে। সভার জিবেলস করে —কোধার আপ্নার অফিস?

—ौनके दलदनके जित्रकरके काटक, बार्क-कारिकन ।

ভাবেলা: এখন আবার সেই নিউ সেক্টেটাজিলেট প্রান্ত গিরে চারশম পার্ক প্রীটে
বুরে আনতে হবে: এমনিন্ডই দেরি হবে
কেছে! সজর যাড়ি দেখলা: এখনো মিনিট
প্রেল্ড সালর আছে, কিন্তু ভাতে হবে ম
এখন প্রান্ত এই অফিনে ভার এখা দিনও
লেরি হরনি: যািদ চর, আজেই প্রথম হবে।
এই মেরেটির জনাই। ভাছাড়া আজ সকালে
সাতটার উঠেছে সে। সমর ছিল না বলে
দাঁড ঠিক মতো রাশ করা হরনি, গালে করে
প্রেড়ানি ঠিকমতো, হাত দিলে ধর থব করতে।
অপোছালো হলে আছে সে। খামোথা
জিজেন করল—চাকরি করেন।

- -
- -रकाम खिनावें रमचे !
- -- नाय् निजिष्ठि ।

ভাকে কথা শেষ করতে শের সা সঞ্জব, বলৈ—আমাকে আপনার মনে আছে? नात्व कथा त्वरण इंडे क्टब कारणा कथाने करन भारत।

মেরেটা লম্পা পার যোগ হর। উদ্ভব লোর

হাজার মোড় পৌরতা সভার পাকি হোটার। গাঁত বাড়াতে থাকে: বাঁদ সমরটাকে বাঁচালো বার!

टबरवारों बनान-भाकि किन्दरनन !

- -- जे जनवन रक्तारे।
- ---प्र न्यान्त्य अपन, मा? बारल या किक याक्टब निम निम---

সঞ্জর মৃদ্র হাসলা, বলল—সংখন গাড়ি ছিল না তখন একদিনত লেট হয়নি: আজই প্রথম লেট হবে বোধ হয়।

- —গাড়ি কি অনেক দিন কিনেছেন। কর্ কাল আপনাকে কেখি না তো! বোধ হর কাল মাসনাক
- —না। গাড়ি তথা সল্য হল। সাক্ষালে কিন্তু দিন ট্যান্সিতে বেভাৰ।

নেরেটা বলে—বেল গাড়িটা। ছোটোখাটো, লেভি—

ব্রেকিরে গাড়ির প্রকলা। সঞ্জরের বির্দ্ধি লালে। আমাকে দেখছে। না কেন সেই আগের কভো? তবন একগো জনের চোখের সামানে বিহাল হরে দেখতে, এখন একা গাড়িতে আমারা শুভিন, তুমি তব্ কেবল গাড়িতে মনোবোগ রেখেছো! গাড়িটা কি আমার চেরেও মেলী!

नक्षत्र किरकान कारा-एकाशाह शाहकम ?

- -- পশিডভিয়া। আপনি?
- दिन्म, स्थाम भावाः

क्षातको अक्षे हैण्डल करह छिए**छन्** कार---क्षा

সঞ্জর মিটমিটে ভানের মতে। হাসে, মাধা দেকে বলে—না, আমার দোকজন আছে।

মেরেটা ঠিক ব্রুতে পারে না লোকজন কথাটার সানে কী। মেরেটাকে ভারতে দের সক্ষর, নিজের থেকে সে বক্রে না ছে তার রিনি আর পিকলা আছে। মেরেটা সারা দিন ভেবে বাজা। কেন আমি বলব ? তোমরা কেন আক্রাল সিশ্র লাকোও? কেন জন-সাধারণকে কাঁকি লাও? এই বে আমি তোমার সালা সিশিব দেখেও কিছ্তেই সিওর হতে পার্যন্তি না, বেমন আজকাল রিনিকে দেখেও বাইরের লোকজন ব্রুতে পারে না—এই ফল্রা কেন লাও?

ৰজি দেৰে সঞ্জঃ। মেরেটাকে গাড়িতে তোলা ভূল হয়েছে। একদম ভূল। চৌরপাী দিরে বাছে গাড়ি, দৈ এই মাত সার্কুলার রোডের জনিং পেরোলো। বড়িতে আছে আর মাত দ দশ মিনিট সমর। দে কেন গাড়িতে ভূলে নিল মেরেটাকে! হাঁা, কেন ভূলেছিল? কী উপ্দেশ্য ভার? ব্রুলে অচেনা মহিলা, মেরেদের আমরা মাত একটিই ব্রুবহার জানি। মাত একটিই।

### भारकात्र नाहेक

শ্যাতনামা সাংবাদিক - সাহিত্যিক সম্ভোষসুমার খোষের

### অজাতক

[প্রাকি] ৪-০০
ভাল হালি, পাল প্রেক
প্রার হ'লো বাবি বাবে অবিষত হাল্যহালোক ভালার পর পরিমাজিত ও
পরিম্বিতি আকারে প্রচাশিত হ'ল
প্রক্রেবন্দ্য ত্রিকার ও
শৈলেশ প্রে নিয়োগীব

# সেমসাইড

भूगांत्र -- ०.६० केरभन मस-द्र

ছায়ানট প্রেমাজত ৩০৫০

बारेटिक [क्क् 00-00

#### অগ্রিন সহ অভার পাঠান

লৈলেল গতে নিজোগাঁর অনশন ভক [হাসির] মনোজ মিত্ত-র ৩টি একাংক মুজুর চোখে জল: কাল বিহল: कामद्यन, ॥ উমানাথ ভট্টাচার্যের (কুক্ক) व्यव हाडे आप हाडे मर्नातकन <sup>द</sup>रमराहमत (मःशामी) মডের কাছাকাছি 0.40 পার্মাপ্রতিম চৌধারীর হালেনার দীত (রহসা) काणकारी नाछे नःश्रह (२३) নীলদপ্ণ: দীনবন্ধ, মিচ (গ্ৰনাটা সৰু অভিনতি ) দুঃখীর ইমান ঃ ভুলদী লাহিডী

ব্রুছ ।র হ্যাল র জুলা । লা।হণ্ট।
আমার মাটী : মনোরজন বিস্থাস
কৃষক বিস্তোহের ভিন বংলার ভিনটি প্রিচ সম্পালনার : স্নীল লব্ধ। মূলা : ৬-৫০ ১ম জ্বেড আছে ॥ গোলির ভিনটি নাটর, সোভিরেট প্রেক্লারপ্রাম্ড দিনিস্তা বংল্যা-পাধারের লা; উমানাথ ভট্টাচার্যের নীরের সহল; স্নীল দত্তব লানব। (৬-৫০)

বিদ্ধ একাংক

৭টি একাংক উৎপল দত্ত অভিতেশ বন্দ্যোশাবাল সন্দেশিল দত্ত অভিত গণেগাপাবাল লোহিত হটোপাবাল লনোকজন বিশ্বাস বিভূতি অবেশোবাল।

একালের একাংক (৩য়) ৭০০০

জাতীর সাহিত্য পরিষদ ১৪, রমানাথ মজ্মদরে পুটি, বলিঃ ৯ তোমাকে আমার গাড়িতে কেন ভূলেছি ভা काय राज अकडे छायलहे लया बाब गाव ভবিৰাৎ পৰ্যত দেখা বার : আমি রোজ बे बाम्-म्हेर्ण गाहि थामार्या, कुर्ल स्नरवा ভোষাকে। ভারপর আল্ডে আল্ডে....। আমি অতদরে চরিতহীন। ব্রুলে! কিল্ড একটা সময়ে আমার গোটাকর জিনিস ছিল -সতভা, নিষ্ঠা, কর্মক্মতা। আমি শ্না বেকে বোস আশ্ত কোম্পানী তৈরি করেছিলাম। আমি বাড়ি খেকে বেরিরে ভিখিরির মতো খ্রেছি, ক্লিতে ছিল ঐ किनक किनिम। के किनक किनिमर्दे আমাকে সব দিয়েছে, তারপর ভারা করে चाटिक আন্তে। শেষটা ছিল ক্মানকভা। কাল স্বান্তও ছিল সেটা। আৰু সকলে সাতটার एडएडएड च.म. দেরিতে বাজি অফিসে, শরীর ছেডে শিক্ষে আলসেমিতে। শেষ গণেটাও ছেডে ৰাজে আমাৰে। আৰু কি চাই। হাৰুৱে। এনে গেছি। ম্যাককারিয়নের অফিস এতো দেখা যাছে। কাল আবার দেখা ছবে কী বলো? জানি তো, একদিন অসমরে গাড়' নিশান উড়িয়ে গাড়ি ছেড়ে দেবে, স্প্যাটফর্মে পড়ে থাকবে গাঁটরি— খামোখা ভেবে কী হবে বলো। তার চেরে सामारमद चन चन रमथा कदा छान।

ৰুপুরে ফোন করছিল সঞ্জয় ম্যাককারি-

ছনের মুখাজিকৈ। অনেক কালের চেনা কোকে।

—আরে মণাই, আপনাদের পাবীল-সিটিতে একটা মেরে আছে না! নাকে নাক্ষাবি?

-es भिन् नानान।

—মিস্। আৰু ইউ সিওৱ বে মেরেটা মিস্?

মুখাজি হাসে-কী ব্যাপার?

—কিছু না। শুধু জানতে চাইছিলাজ ৰে মেরেটা সভিটে মিস্ কিনা, আজকাল ভো বোঝা বার না.....

—জেনেই বা লাভ কী? মিস্ হলে সংবিধেটা কোথার? ওর অনেক ভক্ত।

— আমার এক শালা সদ্য বিলেত থেকে ফিরেছে—ইন্সিনীয়ার, ভাবছিলাম তার সপো সম্বর্থ করলে কেমন হর! ভল্কের কথা কী যেন বলছিলেন?

মুখার্জি গলার ঠাট্রার ভারটা পালেট বলে—না, ও কিছু না। মেয়েটা সভিত্ত ভাল। কাউকে পাল্তা দেয়না। দেখতে পারেন। আমি পরশ্ব টরশ্ব আরো খৌজ নিরে জানাবো।

—পরশ**্ কেন** ? কাল—কালকেই জানাবেন।

—कान বাঙলা বন্য -মনে নেই।

—es एरा । किए जाए, करा श्रामारे—

कान दार्थ एवं मध्या

আর কিছু না, মেরেটাকে এর পর্যার তার নাম ধরে ভাকবে সঞ্জর, মুখাজি আর বা বা জানাবে সব বলে দেবে মেরেটাকে। ভীবন অবাক হরে বাবে মেরেটা । খুলী হবে। ভাববে সে কড ইম্পট্যাপট্য সম্ভাৱের কাছে। একটা মেরেকে নন্ট করা কড সোজা।

আৰু যেন ক্ষেমন কাজ করতে ইছে করছে না। দুটো লোক পরশ্ব থেকে পেমেণ্টের জনা ঘুর ঘুর করছে। দুই একটা সইরের ব্যাপার। কিন্দু ভাও করল না সঞ্চর। বলল, পরশ্ব নেবেন।

কলমটা চেখের সামনে আড়াআড়ি ভূলে
ধরে অনামনে চেরে রইল অনেককণ। একটা
প্রোডাকপন্ দেখতে বাওরার কথা ছিল
হাওড়ার। ওপরওরালাকে ইন্টারকম
টোলফোনে বলল, পরপুন বাবে। সব
পরপুর জনা ফেলে রাখছিল সঞ্জর।
বহুকাল পর আছ ভার বুপুরে একট,
ব্যানাতে ইচ্ছে করছে।

নাকে সাকছাবি পরা একখানা হুখ হঠাং লক্ষ মান্বের ভিড় খেকে ভাকে সেখে ভূল্ছে। মেরেদের মধো একটা কিছু আছে—একটা রহসামর কিছু। অক্টবাস



त्थाकाव शब मा स्था वाव मा न्नर्राण होन शाबका बाब रमडे करें मर नव । हरण कारता क्रमावे कारता अक क्रमाहा बाक्क मा। दिनि कि किए क्या निर्ण भारत? छन् रकत লে মনে হয় বিনিয় বা পেরেছে ভার অনেক বেশী বিনির আছে-বা তাকে দেয়নি। মাথে মাতে দেখা বার রিনি বাব: হয়ে বলে পিকনাকৈ কোলে নিয়ে বাংক ওর হ'ব দেখাছে, পিকলা হাত পা হ'তে প্রবল छ-छ শব্দ করছে। তখন সমস্ত भवीत करक रन मध अक या करते उठे विभिन्न-वर्णे, वर्णे,कृष्टे कि स्मरतापद द्रष्ट्रमा ? বোৰ হয় ভিত্তকাল প্ৰকৃতিৰ সংস্থা মেছেৱা গোপন বড়বলা করে আসছে নকাডেছ भारत्वसम्ब। कारमब व्यक्तेक सम्बदाद--লেইটাকু লেই কৃষ্ণ পরীরটাকু সামনে ছাড়েড দিয়ে লোপন করছে মুলাবান কিছু। भा**दाबका । अस स्थानी स्मात्स्यस्य स्था**तः ना। কিন্দু লৈ কেবল অভ্যান্ত থেকে বার। বেমন রিনির কাছে না পেরে সঞ্জর এখন অফিসের কাজ কলে নাকৰাৰি পৰা একটা মেহেৰ ब्राय चारतः। किन्छु नारत कि भार**्य मा । जारता** भागन-भागन माग्रद **जारता पट्टिंग रमपरेख देख्य कतर्**त । तात्रदात অভ্ৰান ছিতে ফেলে সেই একই **ভাতৃপিত। লাহে, এখানে দেই**। এইরকম অভণিত খেকে বার মান্য বলে ভাম ঠিক এ জিনিস চাইনি, জনুৱা কিছা-আহো কিছা বেন ছিল পাওবার : কী इन्हों? श्रीब-श्रीब कटत**७** शरा याहमा। रचमन जामन। की नवकात সহায়সী ৰঙ্কাৰ? ইবা এমন বৈ যেহে ভিন্ন ? কিছা নাং ছবা বেচার হয় রচমনের बारम इरवाहिन, फाएक है किएक की राज्य निराम दगन हैबा, হরতে তাকে 'দলন' অন্য পাৰ্থক দিল। এই আক্রেণ এই ক্লেড প্রের্থকে পাপল করে দিতে পারে রয়েন তো পাগ**লই** হরে <sup>চ</sup>গরেছিল। সভার <del>ক্তব্যর বিনিধে</del> ঠাটা কবে জিক্সেস কবেছে -- তোহার শবর্প ক<sup>3 ২ বিনি</sup> ব্য কাচুতে প্ৰায় সাজিয়ের বানিয়ের বাস্ছে তুমিঃ লঞ্জের হালি পেতেকে তুমি আর জাম कि अम !

কে জালে এখন বিনির গাঁটার দেখার মাল্টার এলেছে কিনা! কী করার এখন বিনি? সঞ্জারর মাকে মাকে ইছে করে সেই লটিারের মাল্টার হার বিনির কাছে বার, পিক্লা। হার দেশে কেন বিনির শ্বর্প। কী ভাবে রে দেখা বাবে কে জানে!

নাকচাবি পরা ঐ মেরেটা ওর কর্ট আছে ? একে নিয়েই বা কী কব্বে সঞ্চর? তবু ওকে ফানে চেলার আনক উপায় আছে সঞ্চয়ের হার্থ নাককার-রমের অবদ্যা ভাল না, যে বেকেনে সন্ত উঠে বেতে পারে জোল্পানী, থখানকার কর্মচারীরা কেউ শ্বশিক্তভে নেই। সঞ্চর জানে। ওই রন্ধপথে ঢোকা বার। না, কিছ্ট করনে না সজর, কেবল এই অলমেমিট্কু কাটানোর জন্য, এই একবেরেমী টাকা-রোজগার থেকে পরিচাণ পাওরার জন্য একট্রটীজ্ব করবে—

কিংবা তাই কি? সে কি একটি সেয়েকে নিরে আৰু খুব বেলী ভাবছে না? খরে একা ছিল সঞ্জর। হঠাৎ লুটো আঙ্ল গোল করে জিবের তলার দিরে তীর সিটি দিরে উঠল। একবার লুবার ভিনবার। লরীরে ঝাঁকি লাগে। মনে ঝাঁকি লাগে। সে পাছের মতো ঝড়ের বাওরার লোলে।

বেরারাটা হঠাৎ ক্লাস ডোর ঠেলে যরে চোকে: স্থিপ রেখে দাঁড়ার। সক্ষর দেখে স্পিন্সের ওপর স্কুলর বাংলা হরকে লেখা স্কারমন।

**८क ब्रह्मन ! टकान ब्रह्मन !** 

লোকটা বরে এলে লে অবাক হরে দেশে। সেই স্থাপিত চেহারা, পাঞ্চার কংবের জোরওরালা ছেলেটা এখন একজন এমন লোক—বর গারে ফভুরা, পরনে খ্ডি।

আর কিছ্ মনে পড়ার আগে ভার কেবল

মনে পড়ে বে রমেন ভার কাছে টাকা পার। বু হাজায় টাকা।

314



। अ १६८काव जय उनका एकान्डेटमत करे ।

লীলা মজ,মদারের লেখা

### त्नि भात वरे ०॥

নেশেক কই বাব। পড়ানি—ভার। বু লো সজার একটাও জানতে পাবলে না।
বাজে বেজুলা নেপোর কই-সহ জনতথানের পরবতী লোকহবাপ রহসেরে ব্যাপার
আর চন্দ্রবাটী হোট লালা, বেজার কভিজ বড় মান্টার, সন্পেষ্ডানক হোট লাল্টার, দ্বিদ
ডিকটিজি নিজাই সন্দেক্তর চজা, বেন চড়কগাছ হ'ল এবং লোহ প্যাপত পংগ্ ছেলে
পান্ত আৰু জাহ বস্থান্তির সাহাবো রহসা উদ্যাটনের জভাবনীর ফলাকল বলি জানতে
চাব হো নেপোর বই পড়।

স্খলতা রাওর শেষ বই

### ন্তেন তর গলপ ২১

মুখলাতা রাধ-এবে লেখা বারা ভালবারের তাবা নিশ্চয়ই

এই বইখানি পড়াব, মিন্টি লালগর এই ভালি।

সমেথনাথ ছোষের

# কিশোর গ্রন্থাবলী ৪॥

আৰু মধো শেশকেই সেই আশ্চৰ্য বই কাংলাৰ উল্লোচন আৰু শুগুম হিমালয় অভিযান-ভাব এক বাল গ্ৰহণ।

মিত্র ও যোষ, ১০, শানেওরণ দে স্টুটি, কলিকাতা ১২



# वृक्षित रेख्वा जानाज श्रष्ट आधूर्तिकगढ़ ज़िंग्रा अत पर्

### सस्रवूउ ३ हक्हरक

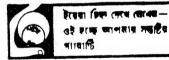
ইছেয়া দেবাসন্তলি আপনায় দৈনদিন জীবনে সৌলব্ধ এনে দেবে। নিগৃত ক্লাসন্তলি বিচিত্রকলম্ম হারী পালা লাভ ও ক্রিকটোই পাওয়া যায়। পেলাসের ধায়ন্তলি অতি মসৃণ এবং প্রতিদিনের ব্যবহারের চোটচাপটেও কাটল ধরে হা। দেবী বা ক'ছে ইছেবা নেজাস বেছে ক্রিন্স-নিঃসন্দেহে সবার সেরা।

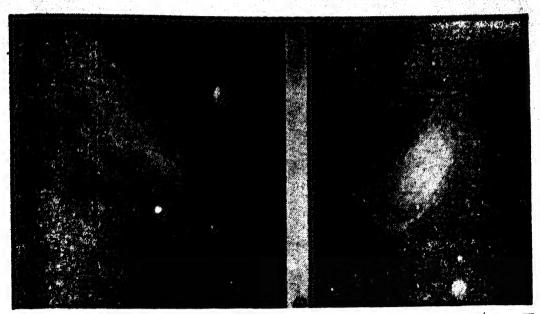
স্বরক্ষের উপলক্ষের জন্য জানানসই ইরেরা কাচের জিনিস



প্ৰবতকাৰক । আনেছিক মাস ইস্বাস্থিত নিনিটেড, বৰোলাক।

ভারতের সর্ববৃহৎ সম্পূর্ব ভরত্যানিত কারকারবারা





জ্ঞানহোনেতার হারাপথ। লালনের দিকে যে লানা হড়ান বিশ্ব থেবা বাজে ভারা জালনের হারাপনির নকর

আরলা লেজর-এর এম-৮১ ছার,পথ চাকতির মত আবভিতি হয়ে চলেছে। ছবিঃ মাউত উইলালন এবং পালেলামার মানমণিবের সৌজন্য

जाननाथ गाँकरम्य क्या ? water two state weeks some देश वाधाव हमें। करन स्क्रेस ब क्षात्रक क्षात्र (क्षेत्र करह करात्र क्षेत्र करह करह ত্ত্বত বোদান আপ্নার প্রেক করিন হলেও ब्रुट्ड नारवः योग जे नमत्रोत जानीय क्लाबाक हुन करह करन कारका, कारका, বিটান প্ৰদান অভানেন, সাধাটা ভবি নিশ্চম निमादक टलटकः योग टकाम आक्रिय मटक क्रम बारकर, काहरम रहक जान्यकवड कमारतम, कथ जाल? चन्डेल बाडे बाहेज क्ष्यम हरणांच्यः कावन जालीन कावनम् शाक्ति स शीकरणन, SIPPINE S कारे। शांक क्या क्या वार्ड बार्रेज paret unffer:

हम्म, हाई गींग रह, करिय क्या क्या रायक्षक, शाहित गींकरकारण कार्याम क्रियाम गींकरका गरण कार्यास काम, जारणा क्या, न्यांक्योरक रायके मामना क्या क्या, क्यांक्य करमा क्यांक्य न्यांक्य करमा क्यांक्य करमा क्यांक्य न्यांक्य क्यांक्य गरमा गर्याम क्यांक्य क्यांक्य कार्यासम् मामिक्य क्यांक्य कार्यासम् मामिक्य क्यांक्य कार्यासम् क्यांक्य क्यांक्य कार्यासम् क्यांक्य



न्द्रमांच प्रचन्त्राम चार्गामक निर्मा के efected face acre screens we क्रिका स्थाप जान अन राजेनस्था मध्य লেভে নিৰে নিকল্যাল বা অন্য কোন কারণে व्यक्ति स्थानेहरू स्वयम अवने, व्यक्ते, क्य स्थीन क्षारक रहा, जीन वा व्यन्तानक क्षारस बान्सकर्यालय करण महत्वांच प्राप्तभारम स्वासास मान भूषिनीय प्रीक्ष कर्ज्यभगारम ক্ষিত্র একি লেকি হতে পারে। সেই লবে আপ্লাভও বাঁড। তিন, এবার দুৰ্ফে'ৰ কৰা ভাবন। দুৰ্ব সাকাৰি বয়দের একটি সকর। রাজের পরিকার ज्युकारन जामन्न त्य मानानय त्यपास नाहे रक्षांन अक्षेत्रे वासामस्यत्र सरवा मृत्यं क ব্যুরে চলেহে অধিয়ান। জ্যোতিবিজ্ঞানী-क्रम कामार, अन् अनीवे वात्रागय स ব্যালাকীবনে ক্লবন্ত ক্তবকী চাক্তীবন হয়। অসংব্য সক্ষর এবং বিপল্লে পরিমাণ হাক্স গ্যানের বোরার তৈরি এই চাকতি ভার কেল্ডের রারপালে ব্রহে। আমানের হারা-প্ৰের ব্যাস প্রার বার্ট হাজার আলোক বংসর। স্ব' এই হারাপবের চাকতির প্ৰান্ন প্ৰালেক্তৰ কাছাকাছি থাকার ছারাপথের <del>কেলু থেকে</del> ভার দরেয় অনেকটা বেলি। আৰু প্ৰিবী এবং আৰু সমুস্ত গ্ৰহ-উপদ্মহকে সপো করে একবার তার চার-পাশটা বারে নিতে তার সমর লাগে প্রার কৃতি কোটি বছর। পতিবেগ? প্রখ্যাত জ্যোতিবিজ্ঞানী ফ্রেড হয়েল-এর মতে, ছারাপথের কেন্দ্রে চারপাশে স্ব ব্রে চলেছে ৰণ্টার পাঁচ লক্ষ মাইল পতিবেগ নিরে। অর্থাৎ সেকেল্ড দাঁড়লে প্রার কল সাজে পারতিল মাইল। তাহলে ভেবে দেখুন, ঐ ছারাপথ রূপী রক্ষাণেডর মধ্যে আপ্ৰিও স্বের সংগ্ৰুটে চলেছেন লেকেকে সাড়ে পার্যাল্য মাইল পতিবেলে। ৰহ্ম শেৰ পৰ্যাস্ত ব্যাপারটা দীড়াল এইঃ আপদি পৃথিবীর মের্-অক্ষের চারপালে লাটুর মত খ্রছেন: সেই সংশা স্থেরি ভারপালেও। মাঝে মাঝে গ্রহ-উপগ্রহের **টানে আপনার গ**ভিবেশের কিছ্টা भीवतक्षाः चात के कक्ष्रे मृश्र्ष्ट हाया-প্ৰেয় কক্ষপত্ৰ বিচরণ !

স্থাপারটা আমাদের কাছে অলস কলপনার কভ কলে হলেও, সহাকাশ বিজ্ঞানীরা সব কিছু দেশে বেপ হিমাপিন খেরে বাছেন। ভবিষাতের মান্য বখন এক নক্ষ্য ভগং খেকে অন্য নক্ষ্য ভগতের দিকে পাড়ি দেশে, ভখন এর সমসত কিছুর সপোই ভাল রেখে ভাকে চলতে হবে। প্রিবী খেকে চালৈ বাওরার সমর মোটাম্টিভাবে ভাল রাখা হরেছিল প্রিবী এবং চালের পারস্পরিক গতির সংগ্। কিন্তু সে ক্লেনে ভাকে ভাবতে হবে প্রিবী, স্বা, অন্য কোন নক্ষর এবং তার গ্রহের গতির সংশা পারস্পরিক সম্পর্কের কথা। নিশ্চর সেটা সহজ ব্যাপার হবে না।

#### भवा-बदर्गावम्रा

মাতার সংগ্রাসংগাই কি জীবনের সমস্ত অভিতদ্ব বিলাপত হয়ে বার? একই জীবনের সংকেত কি দেহ থেকে দেহাততে গমন করতে পারে না? অথবা স্থান ভৌতদরি. বেষন আলো, শব্দ বিদ্যাৎ প্রভৃতিকে जहां अब बातगा त्थरक बात 40 ভারগার পাঠন সম্ভব, िक তেমনি হানাবের পক্ষে কি সম্ভব ভার ইচ্ছেকে শ্বান থেকে শ্বানাস্তরে পাঠান? অর্থাং লেব প্ৰ'শত প্ৰশ্নটা দাড়াকে কতকটা এই মুক্ম : উদ্ৰাপ, আলো, পদ্ম বা চুম্বকের হ্লান্ত ইচ্ছেটাও কি এক ধরনের পরি? ঐ সমস্ত পাৰের মত ইক্ষেশান্তরও কি আস্তর, কার্য-কারণ সম্পর্ক প্রভৃতি পরীকা করে দেখান সম্ভব? মনোজগতের এই ফটিল ब्रह्मारक निरंतरे गरफ উঠেक भवा-मरनाविष्या কা পাৰো-সাইকোলজি। ভারতে একমার বিশ্ববিদ্যালয় এই বিষয়টির **রাজ**স্থান উপর নির্মিত প্রেষণা চালনার জনো একটি প্রথক বিভাগ খালেছেন। এর অধ্যক্ষ ডঃ এইচ এন ব্যান্ডির্ল । এ ছাড়া সোটভরেত দেশে এ নিরে দার্শ গবেষণার

কাজ শ্রু হরে গেছে। পৃথিবীর অন্যান্য
দেশের বিজ্ঞানীরাও বিজ্ঞানের অন্যান্য
শাখার গবেষণার মতই পরা-বিজ্ঞানের
উপর নানা রকম পরীক্ষা-নিরীকা
চালাক্ষেন। ডঃ ব্যানার্জি ভারত এবং
পৃথিবীর অনেকগ্রিল দেশে এমন কিছু
কিছু লোকের সাক্ষাং পেরেছেন বাদের
মধ্যে প্রে জন্মের বহু ক্ষ্তি কোন রকম
বিকৃত না হরে একই ভাবে অবস্থান
করছে। ইনি জন্মান্তরে বিশ্বাসী। এার
মুখ্য গবেষণার বিষয়ও জন্মান্তরবাদ।

তবে ইচ্ছে শব্তির সাহাব্যে বে সাধারণ কাজকর্ম করে নেওয়া সম্ভব সে সম্পর্কে চাণ্ডলকের সংবাদ পদ্ধিবেশন করেছে লোভিরেড দেশের অন্যতম সংবাদ প্রতিষ্ঠান ভাস'। বলা হয়েছে, নে**লিয়া মিখাইলো**ভা নামে চলিল বছৰ বয়স্কা এক মহিলা পাধা ইতে পরির ক্ষমতার সাধারণ বস্তক্ণাকে স্থিতে নিতে **সম্থ হরেছেন।** একটি পরীক্ষার দেখান হয়, মিখাইলোভা বসে রয়েছেন একটি টোবলের লামনে। টোবলের উপর রাখা হয়েছে এক ট্রকরো ব্রটি। মনে হল তিনি যেন এট ব্রটির উপর তীক্ষা माण्डिक अवेदलन किन्नाक्रमा अक कि माहै মিনিট অভিকাশত হল। হঠাৎ দশকিরা অবাক হয়ে দেখলেন একটা কাঁকনি নিয়ে तां हेत हो का ताहि एक विद्वार छे भत हुए। सहस **\***\*...\* 3771 মিখাইলোভা একট, পড়লেন। আর অমনি পরীর দেশের গ্রালপর মন্ত রুটির টাক্সরোটি টপ করে

গিরে চ্কুল তাঁর মুখের ভেডর। আর একটি প্রশিক্ষাতে এই ভ্রমেহিলা পাঁচটি সগারেট লড়ি করিবে রাখেন একটি টৌবলের উপর। সূতো দিরে ভানের গোড়াগালি আটকে রাখা হয়। পরে দ্রে থেকে শুখু ইছে শভি প্ররোগ করেই তিনি ভাদের নাচাতে শুরু করেন। হাতের লগা বা কোন কিছু নেই। সাধারণ ক্ষেত্রে একট্ট্টান পড়লেই সিগারেটগালির পড়ে বাওরার কথা। কিল্টু তেমন কিছুই ঘটনি।

লুখ্ এই নর। দেলিরা মিখাইলোভা ঐ
একই পাথতিতে কথনও বাড়ির থেমে থাজা
পোডুলায়কে দোলান বা ভার চলাকে
থামিরে দেওরা, ছোট ছোট পালিটকের
বার, ম্যাচ বার, কল প্রভৃতিতে এক জারণা
থেকে আর এক জারপার সরনে এমন জনেক
কিছুই করা সম্ভব হয়েছে।

আর স্বচাইতে স্কারে ব্যাপার এ ধরনের কাক করতে গিলে নেলিয়াকে কখনও



### এই তব শুভ আশীর্বাদ।

প্রার পরিত্রিশ বছর আগে গাছিলী কথাপ্রসাল প্রির শিশ্ব প্রসাহীশ গাশগুরকৈ বলেছিলেন, ডাঁর বড় ইচ্ছে বে একটি সভ্যিকারের ভালে। খদেশী কালি তৈরী হর। দেশের বৃদ্ধি আলোলনে আন্থানিবেদিত গুই তরুণ "নৈত্র" প্রাতা তথন সবে জেল থেকে বেরিয়েছেন। সভীশ বাবু তাঁদের চ্ছুলকে তেকে এই মহৎ কাক্তের ভার দেন। সহার সম্পদ বলুতে ভেষন কিছুই নেই, তবু শুধু নিঠা এবং দেশপ্রেম সম্পদ করেই ডাঁরা গ্রছন এই ছুলেখা ত্রতের ভার মাধার তুলে নেন। আন্তকের বিশ্ববিধ্যাত সুলেখা কাউন্টেন পেন কালির এই হল গোডার কথা।

মুলেখার আজ বে এই সুনাম ও সমাদত্ত, এটা গ'ছে উঠাতে যথেষ্ট সময় লেগেছে। বহু বাধা-বিপত্তি অভিক্রম ক'রে, নিরলস গ্রেষণা, কমীদের অকৃষ্ঠ সহযোগিতা এবং জনসাধারণের শুড়েচছা ও সমর্থনে এই বিপূল সাফল্য অর্জন সম্ভব হয়েছে।

বাঁর প্রেরণা ও আলীর্নদে মাধ্যায় নিয়ে আমানের যাত্রা শুরু, সেই জাতির জনকের পুণা জন্মশতবর্ষে, জীয় উদ্দেশ্যে বিনত নমকারে নির্বধন কবি আমানের অস্তুরের গভীয় প্রাক্ষাঞ্চলি।

স্থালেখা ওয়ার্কস লিমিটেড, স্থালেখা পার্ক, কলিকাতা৩২

Progressive, SW-46

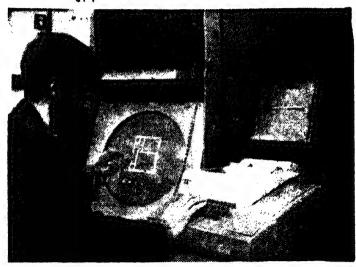
ক্ষমত আৰু খণ্টাৰত বেশি সময় মহিত্য हासमा क्याप हाराहा अवन प्रीय मानत ওজন কমে গেছে প্রায় করেক কিলোগায়। ভংগিতভর *ভগলান* মন্থর হবে এসেছে। নেলিয়ার বছৰা শুখু মানসিক পতি দিয়ে এই ভাবে কাল করার ক্মতা তিনি পান ভার মার কাছ থেকে। এই ক্মতা তিনি ভার নিজের CECOTE NICES करण र्शायका। ब MANICA, য়স্ত্রা THE मर्ग जगारकार च्या भट ইকেড্ৰেনি স্নিতকোভস্কি বলেভেন এটা ঠিক অভিপ্রাকৃতিক নর। বরং ভৌত-পারীর বিষয়ক কোন ব্যাপার। কেন এমন হয় তার উপর আরও অনুসংধান চালান वयकार ।

ভঃ এইচ এন ব্যানাজির গবেষণাও ইতিমধ্যে প্রথিবীর বহু দেশে গার্থ চাণ্ডলা স্থি করেছে। এর বছবা, পরা-নন্দোবিজ্ঞানের খ্লা রহসাগালির সমাধান ভরতে পারলে অতি সহজে আমরা বহু জটিল মানসিক ব্যাধি সারিরে তুলতে পারব।

#### স্থাপত্যে বন্দ্রগণক

সুষ্ঠভাবে স্বরুবাড়ির পরিকল্পনা করতে গৈছে বে কোন স্বৰ্গতিকে হাজারো কথা ভেবে নিজে হর। তাঁকে ভারতে ৰাডি বেখানে তৈরি করা হবে সেখানকার PARTA वाधित উপाদানের कथा। जाना কি ভাবে কাঠামোটি তৈরি করলে ঐ মাটিতে ৰাড়ি বসে বাবে না, স্বাস্থ্য এবং মানসিক সুস্থতা অক্স হাকবে। অথবা কি কি ধরনের মালমসলা কতটা দরকার. মোট পর্বেই বা কড পড়ভে পারে এমন অনেক প্রেম্প্রণ ভথাও। এতস্ত্রি ব্যাপার একসজে মনে হেখে বরবাড়ির নকশা তৈরি করতে সমন্ত লালে প্রচুর। বিলেব করে काम क्ला नरराष পরিকশপদা করার সময় বালবাহন চলাচল, नववारे कन-मन्द्रवाह नाक्त्या, क्रमन्द्रात्था श्रकृषि भर्द्रहरू পূৰে' বিৰয়েৰ ব্যাপায়ে যে কোন স্বৰ্গতিক আরও অচনক সভকভার সপের ভেবে সিভে হয় বলে সেখালে কাজ খেব করতে আরও त्वीन नमन् नारमः।

সম্প্রতি ক্টলাকের এতিনবারা বিশ্ববিদ্যালয়ের তিনজন গবেক ব্দ্যাগকের
নাহাব্যে একটি বন্দ্র তৈরি করেছেন বার
নাহাব্য একটি বন্দ্র তৈরি করেছেন বার
নাহাব্য কর সমরে ম্থাপত্য বিবরক বে
কার সমস্যার সামাধান করা সম্ভব হচ্ছে।
করা ইচ্ছে মড কোন হক আঁকার কাগজ এবং কলম না নিরে সরাসরি একটি কাঁচের
ক্লেটের উপর মনোমড বাড়ির নকণা এ'কে
নিছে পারেল। সেই সপেস মাগমসলার
হিসেব বা খরচ এবং অনেক তথা। উপব্যৱ



জনৈক কুশলী বন্দ্যাণকের সাহায্যে একটি বাড়ির নকশা তৈরি করছেন

রেখে দেওরা হয়। প্ররোজনে ইচ্ছে মত সেই তথা মগজের কাছ থেকে চেরে নিরে কাজ চালান বৈতে পারে। আপাতত ঘর-বাড়ির পরিকলপনা রুপায়ণে এই বলুটি কাজে লাগান হচ্ছে। কিছুটা সংশোধন করতে পারলে এর সাহাবো ভবিষাতে আরও অনেক জটিল পরিকলপনাকে সহজে এবং অনেক কম সমরে রুপ দেওয়া সম্ভব চবে।

#### অভিনৰ আবিজ্ঞার

স্ইডেনের প্রখ্যাত উপ্তিদ-বিজ্ঞানী জঃ পরিচালনার ওললে স্ফোরকম্যান-এর একদল প্ৰেৰক পৰে কম সময়ের মধ্যে বাড়িয়ে ভোলার ব্যাপারে গাছ পালাকে অভান্ত সাধারণ অথচ চমকপ্রদ একটি উপাল্প আবিস্কার করে ফেলেছেন। জনো তীরা কোন ওব্ধ বা অতিরিক্ত সার ব্যবহার করেন নি। বা করেছেন হল গাছের চার পালের বাডাস থেকে অক্সিকেনের পরিবাদ क्टिका I TROPES

প্রথম দিকে 🗪 ক্লোরকম্যান পরীকাটি চালিরেছিলেন সিষ **SEQ** মিমিউলাস शाविष्टनानिज ATCH AT **अ**ट्रिक কংশ সাধারণ বাভাসের মধ্যে রেখে দিরে বাকি অংশ তিনি রেখে দেন কুলিন আবহাওয়ার আবহাওরার **অবিভালে** uE भटना । পরিমাপ ছিল মাত্র শতকরা পাঁচ থেকে আডাই ভাগ। GET বেতে লাটির বার শতরে **छे**भारतक भारत শতকরা একুশভাগ অক্সিজেন সাধারণত সাধারণ ৰাভাবের থাকে। দেখা দেল एएक नजून धरे भौत्रावरण

ব্যাধ্ব পরিমাণ দাভিরেছে ন্বিগ**্রের**€ হরেছিল বেশী। ফুল গছেকে রখা শতকরা পাঁচ ভাগ আঁশ্রভেন বাতাসের মধ্যে। ছয়দিন পর দেখা **গেল**. ঐ সময়ে মূব্র বাতাসে সেই গাছের ওজন যত্টা হওয়া উচিৎ, নির্মান্ত আঁরজেনের তা আরও নব্দই ভাগ বৈজে পরিবেশে গেছে। আর শ্ধু এই গাছপর্টেকই নর গম ধৰ ভূটা প্ৰভৃতিৰ 559 অনুরূপ পরীক্ষা চলিয়ে গবেষকদলটি প্রমাণ করেছেন, বাতাস থেকে আঁ**রজেনের** পরিমাণ কমিয়ে নিলে ভাদেরও পরে কম বাভিয়ে তেলা ক্ষোরকম্যানের বস্তুবা, বাতাসে অস্ত্রি**জেনের** পরিমাণ কমে গেলে উল্ভিদ আরও সহক্ষে সূর্যের আলোর স্পর্যে তার আলোক সংশে**লহণের কাজ**ি সেরে নিতে পারে। ফলেখাৰ কম সময়ে বাতাসের কাৰ্বন ভাই-অক্সাইড থেকে ধেলি পরিমাণ পদার্ঘ তৈরি করা সহজতর হর:

সমর্বজিং কর

### वाववारत अन्यवान का ननारिक ट्राःलाग्न উপनिष्

রেক্সিনে বাঁধাই, প্র ৮০৪, মূল্য ১২ 
রূপ, কেন, কঠ, তৈতিররীর, ঐতরের, কোবীতকি, প্রদন, মূণ্ডক, মাণ্ডকা, দেবতাদবতর,
ব্রকারণাক ও ছালোগা উপনিবদের বিভিন্ন
মতান্বারী বাাধা। সহ বাংলা ভন্বার।
উদ্বোধন বলেন, "বাঁহার। মূল সংক্রভ ভাবার।
উপনিবল্ পাঠে অসমর্থা বা শব্দাবিত তাঁগের
পক্ষে বাংলার উপনিবদ ভাততে উপবোধাী।"

সম্পে বাংলার উপনিবদ ভাততে উপবোধাী।"

१/১ मामाञ्जल तम मोति, कनि-১२

(সি-৪২৫০)

# प्रावा हावाज हावाज हावाज श्राह्म श्राह्म

সজিই কী চমংকার সিগায়েই। কী অপূর্ব হাদ আর সোলানীকর্ণর ভাঙিবিরা তামাকের কী অপূর্ব গছ। তাই ত' পানামা সারা ভারতের এত প্রির। আপানিও একে আপানার কলাভ প্রির করে ভূম্বন।



লোক্ষে টোব্যাকে কোং, প্রাইকেট শিঃ বোবাই-৫৯

ভারতের এই ধ্যুপের কৃষ্টের ভারতীয় উদ্যান

#### थानात मालाल

লাকে পেডে পেলে যেমন প্তিরে

থানি বালার তেমনি দারোগাকে ধরতে
গোলে চাই থানার দালালা। বদি বলেন,
কৈ দরকার এই মাধাকের? তাহতে বতে
খোল কতা সম্ভূষ্ট হর সে ভাষা, ইভিগত
যা ব্যাপার আগনার জানা ছাকা চাই।
ভাষ্যায়া আপনি জগরিচিত, লারোগার।
প্যাধিকার বলে কিছু পেরে থাকে, সেটি
আপনার কাজে চাইবে কেন?

**छाटे जरनाटा माधारमंत्र महकातः। शामार** লেই এক মাধ্যমমণি হল এ **1391781** सर्वकृत्र मान। चार्थकात चानाव चानाव हा বড দারোগা। ভার ভিরাকলাপ লেপনে। তার মতো আরো অনেকে আছে কিণ্ড দীৰ্ঘ চলিল বছর প্রত্যেক নতন মতেন দারোগায়ের বদাীভাত করে আধাজাধি विष्यात बरसरक ব্ধরা মেশুরার मयाकार्यस्थ । भारत्यस्य क्षामाधा । भागि । नौधसस्य একমতে কঞ্চকতা ন**ৰকেন**। जामाच चाम ক্ষম ছাটে বাৰ ভাৰ ভাছে যে বাচিত্ৰ

লৈ ভাগন ফল্লেই প্ৰথম ব্ৰহ্মান ভাগননেই माप्र एक डीका। डॉफिस क्यूट्टा সংস্থা নিসংগ্ৰহ (CRUGHT) हार हार : **ह**ालगुर हास्कात (कारकाक एनश्का) श এখন হাক্ষাত্ত আনুমক টাকা ক্সচে আমাত প্রতি পোন বাড়বাব্যক **र**ाष्ट्रिय सुम्हा । ্যাল্ড ক্ষান্ত বুলিব্যার ক্রেক : ত্রুস লাক্ষ্য काह्य एकाव । अनागुकान्ते भागात या अध्या कारता নেই! এই ডে! ডিন বছর জাড়ো 海鱼鱼 नारका स्म कराज -কালে টাপা কাম দেয়াকা - **মা**ড়াী<sub>ই</sub>গড়ি বার करके सिंगम एकहादा WAY AT PITLES **ब**्राहे अहम । खाबाब महरहे mint Billie স<sup>8</sup>চাপ্ত । क्राधारक खाल क्यान निग्तेहरू ब्राम स्टब क्टर्नाब । दलका में कटला তোকে সে থাইয়ে খুইরে सामगुरा समा ভুট ভার मान्य करवरक यनरण रणरनः কণ্টোলের হাল মাপতিস : তের চবিত্র বাঁলে: বউরের স্থেপ মন্ট্ ভার স্কেরী আস্নাই' করিস জেনে তেকে कर-प्रोक उधारक बाब करब मिर्क गरकडे छाउक भाग कर्वाका ? भागि वाना विभीत जानक ভার শ্রুতা করাতে পার্ব गैका त्यरतीय. ক কালা। মা। ভখন সে পাছে ধরে হার দিলে। তব এক ছড়া সোনার केका राज न्दीकात्र महै। ভখন একশো দিলে! ভখন বলনঃ এক বিচয म्बर्गान, यहे का ध ब्याजना निर्देश हरूर ' ভাজারবাব, ঐ এক বিচে ডিন কাঠা গৈড়ক জারগা মাতেরে। মাগছেলে আছে—ভেসে



বাবে! তথল ভাবে লাখি মেরে সরিরে দিন্। হার টাকা ছাতে ফেলে দিরে উঠে পড়ন্। তথন ছাটে গিরে পারে ভাতর ধরে শিশার মতন উভরার, কী



कामक भीत त्या-मक्तायात भीत क्या

ভাষা ভাষা শানুবের অন্পোচনা, দুরুর্
পাপ, কামা, বাঁচার কী ভাঁর আকাপকা
এসব আমি বড দেখেছি কেউ দেখেনি।
ভরত তখন বলতে, অবাগা দোব ভাজার,
আমাকে প্রাণে বাঁচাও। তখন ভামি কাগজ
এমে ভার একটা টিপ সই করে নিল্ম।
ভবে বেইমানী করিনি, ভিন্ন কটা বাদ
দিরে ভার এক বিবে জমি লিবে নিলাম।
বললাম, পালিরে বা। প্রশ্লিন কেলা
চারটের পর খানার হাজির দিবি। ভাই
বলছি রহমান, কাশেমকে খ্ল করেছ,
বাঁচতে চাও, এখদ টাকা, গরনা না হর জমি
ভাড়ো—কেস হালকা করে দোব দারোগাকে
যলে।

দ্বিহমান বাধ্য হয় তার বাল্ট্রা**ভটেটরে** লিখে দিতে।

এমনি বহু লোকের জমি আল থানার দালাল নবকুক দাসের কবলে। त्म समिन দিকে ভার লোভ পড়বে লে জীব সে নেবেই। আটনের পালের ফুলেলে দিয়ে মারামারি খুন জ্বাথ্য বাধিরে नागाद्य । য়ামলা NINGI স্বক্রেণ্ট। ভার খরচ ৰোগাৰে কোখা খেকে? ভূমি বেচে ফেল। খন্দের **७ थन नवरकन्छे। नग**न छेकात्र? **बाटमा** 1 ভারই তো পাওনা তখন হাজার খানেক। উকিলের দি, মৃহ্রী, পেশকার, হাকিন, কোর্ট-ফি, টোলফোন, ট্যাক্তি, রসগোজা, ह्याद्रोन, जिल्ला, मा-कानीव **भृत्वा-अ** भरवत्र चत्रह मिर्टन रक?

छाडे नवत्कमोरक जवारे छत करता। जवारे ভোরাভ করে। আভ সে আডাই লাব তিন লাখ টাকার মালিক। একলো বিষে সন্পরি। লোভালা পাকাবাড়ি। মাটির দেওরাল খোলার চাল ফেলে দিরে এখন करबर्क भाका देवठेकथाना। ভिতরে ভাগ दिशामा। একদিকে ক্ষরত টোবল আলাপাখিক ভিসপেনসারি। বৈঠকখানা<u>ৰ</u> সামনে জোড়া জোড়া চারটে শিব মন্দির। দশবারো হাত করে উ'চু! বাড়ির সামনে **খালের উপরে পলে।** রতিন বাদা**ম গাছ.** পাতাবাহার আর ঝাউয়ের ঝাড়। ম**ল্ড** চেহারা নিরে সে কাপেটের ইভিচেরকে **শ্বরে খাকে আর চুর্তু টানে। লোকজন** क्रमधमा कथा रहत। माहरकता यौत, डेना, भागे, भागांगि, धान, अ,भारत ইভাগি

#### । শারদীয়ার শ্রেষ্ঠ প্রকাশনা ।। প্রভাষান' রচিত

#### তন্ত্র পরিচয় : ৭০০

ভন্ম সলকের পরিচিত লাভের জন্য এলেশে আগ্রহের সীমা নেই। এই দিকে লক্ষা রেখে লেখক নিপ্লেভাবে গলেপর হলে তন্দের রহসা উন্দোচন করেছেন।

পাঠক-মহলে সাড়া-জাগনেনা, এই লেখকের আর একটি অনবদা প্রশা

### বেদ পরিচয়: ৫০০০

**লি**পিকা

৩০/১ কলেজ রো, কলি-১

(পি-৮৬৪৬)

রোজের বাগ্লি জনেরা দিনের বেলা ভার শাট কাচে, ধান রোর, কোপার, হাল-লাঙ্কল করে আর রাত্তে পাদর্শতর হরে বিলে তব্ शादित्का गाउँ चात्र वाद्य क्रिक टाकाटना ছাত বরে নৈরে সপে বার। কলকাতা খেকে একটা জ্যাটাচি ব্যাপ আর ভারেরি वहे किल अत्मद्द मयदक्षी। कांड करन

Printed Services Comments of the Comments of t

বিভিন্ন দায় দেৱ। দাখাতে দেও টকো মানদার বিদ—কত বারার সাললা চলতে স্ব লিখে রাখে। পালিভ পতে वि-ध भाग करवरका मनदक्कें महत्यो कावा निर्देश क्रकेशिक वास्ता পারে নি। মা শেতলা নালী মাজাভারা द्धि भारिमारी जानाम बानि नित्व बार्ट त्वत्र इत्। क्षकीय बार्य मा या क्टनाक्र । सवा<del>दन</del>्ये

ছেলেনের লিনেজনর, ন্যাবা, আয়ালা 'यमठाएकणा' ज्यामीयण स्मादः वादकवा बिटिए देखानिक कब्द्र त्यक म-शीठ काता नक्षमा निरह । बर्द्धो, कांठ-कांच, ह्याराखा এসৰ বেচেও ব্যার অনেক পরসা ভাষে।



ভার পরসাজেই সাকি কীন্দর ভাষটে হরেছে। বাবা নিক্টাস্থানক বাধার কল প্রয়োগ

कि विभागी सराक्ष्येत? बा 330m इ-मार्ग्स स्नामां छ W-10 -THE PER ৰয়াত্ৰী বেলাৰ নৰকেন্টকে পোটে নিয়ে এলে शतात शक्त मृचीतात नारनत। मृचीतात লাতে ধোপা ভিল, কিন্তু জাত বাবসাহেতে লে মান্ত্ৰর গর ছাইত, তেকি চাচত, গরুর बाछित जाना, काना, फेक्टना, फक्टि, পাকি' এসৰ তৈনি করছ। বাঁতা শিক कारोग्छ । हाटब क्यम चारोष्ठ, टक्स्ट्रनटम्ह होस नफरन দ,খীৱামাত रेनारकार्व निरंत स्वकः आस वर्षे किनानाः ৰোৰভা একটা কুছের থাকর। দেওলা থাকল ভাষা কাছে ৷ বিষয়ে ব্যোহল কিলা क्रके काटम माः छत्य स्थानकाद मधाक-কর্তাদের বে ধর্ম পরারপতা বোধ ভিল ভাতে লেকলা ভাবের লেকল করেছিল সক্তে লেটে নিয়েই-ভাৰপৰ म, किरकारबाञ्चाक ভুপা বামনে ভেকে ভারাই ৰন্দাকল ভুলসী ছিটিয়ে দুখীয়াৰের দরেশ লেওলার হাতে ভুলে দিরেছিল। সে লতভাক একটা হবে। কিল্ড চার লাস भरवटे एम्खनाड रहाना घन হাসভ : ভেলমান দিবেছে! পানে দাখী-স্বাহমর পিডি জানের যেত। সেই পেডলার per প্ৰেক্তে মাজা ভেডেছে ভবা এখনে ক্ষেত্ৰ) প্ৰীর্ত্তর নাগর বলি তার কাছে

र्त्राफ् ७ ः

বুল, ছি**ভমান্টার' ডরেন,** দটাণডার্ডা, ইড্যাদি ৪ স্প**ীড রেড্ড**ালোরার টেপ রেক্ডার মেগা, পাই-এনীরার **এমান্নিদারার** 

'প্জা রেকড



**জার, এল, সাহা** ১৮০/১, ধমজেলা **না**টি, কলি ১৯০ ২০৮১২০ কোলো বেরেকে বার করে নিয়ে পালাবা<del>র</del> करना किरहेमाता अबाध ठात-छट्य रमास्त्रमा তিল সম্পো একটা ভুলসী মূলে মাটির পিৰিৰ অনালিয়ে 'সন্দেশ্য' লেবে। ভার দিনের भिन मण्या मारिको हात हामीक त्थान পড়ে শীত দিরে ভুলসী গাছের শিক্ত তুলতে হৰে। শেতলা বলে, ভারি শার THE THE DISSILE গাছের গোড়ার লাখাহাটি সাপ ভাতিতে ধাৰতে পাৰে।' সেই পিৰত এনে ভোমরার মাৰা, গুল্গাভল, ব্ৰচীভালের পান্তা বেটে একটা লিলিতে কৰে নিৰে গিয়ে মনো-মোহিনীর আঁচলে পিছল খেতে ছিটিরে লাও। ব্যাল! প্রতিনাই ভোমার সংপা পালাৰে! এর জন্ম দক্ষিণা দিয়েত হবে পাঁচ টাকা !

কিন্দু বীদ আৰু না ছন্ন ? পেতলা গ্ৰেনাআ কালো গতৈ থকাৰল করে বাসৰে! ভার আরু কি করতে ভূমি! এমন বা্-নাভ্য বিভাবিভ করে নিরে একম্টো থ্যােলা ভিটিরে সেবে সে যে ভূমি অংশ বাম বাবে! ভাছাড়া বাড়াবাড়ি করলে বাসার টাউট সককেন্ট আছে ভার!

মৰকেন্ট এই মারের পিতপরিচন্তীন সম্ভাষ। অবশা স্কুলে সে বল্ড আমার ৰালার নাম দুখীরাম দাস। কিন্তু ছেলের। জ্ঞালালা, তোর বাপ হল সেই े भी मीलमान । जा कारणहा - भरहत **লিক্ষের আন্ধকারে** ভার বাস। লগভ মাসটার বললে ভার নাকি ইয়াবড় বেরদেন বেরদেন লোক। সেই লোক দিয়ে সে ভামদারের **ৰোভার আস্তাবল ছটি** দেয় !...ভারপর ছেলেরা **হাহা করে হাস**ত। খুব অপমান বোধ **করতে স্ব**র্কণ্ট। তার শ্রীর ভিল ভালা এসৰ বল্ল ক্ষে ভাষের ওপার প্রভাভ মারামারি করে মার **েখনে ৰাখ্যি ফি**রড। ক্রাস এইটে উঠে ভার প্রভা **ছেভে গোল**। দুখারিমে মার। গেলা। একজন ভাভারের ক্ষান্ত কম্পাউন্ডারী **পিকলে লে বছর পাঁচেক**। ভারপ্র ভারারী कतरक भारता करायाः भ्यारीत रायमाः छार ভার হাভে হোগী সবাই মরতে থাকলো লোকজন ভাতারী বিষেতা তার ভাল করে ফলাতে দিলে না। এক বিধবা মেয়ের গভ-পাতে কাতে গিয়ে ধরা পড়ে বেলম মার খাবার পর সে ফাঁড়ির 'তাড়ি-ধরা পর্নালসে' মাম লেখালে। দারোয়ানের মতে। তারা থাকি <mark>ছণ্ডের স্বাচী পোশাক দিলে।। হাত্তে এক</mark>টা র্লবাড়িঃ সে হরদম কেস দিঙে লাগলাঃ ভান্তি মূল ধরে মারধর করতে কী আরাম ! উপরি শু-এক টাকা। নবর জনে ঝের হ খেজার গাছ কটো বন্ধ হয়ে গেল। রস একটা খোলা হলেই ধরবে সে ফড়ির প্রিজন বিষ্কি প্রানুষ'। ভাড **খ্**লে আন্তরে তারা। কুয়াশা পড়ালে রস ঘোলা হয়



### *শুভ উৎসৰ বরুধা* মহাদেবিয়া এণ্ড মেহতা

চপুজার আনন্দোজল দিনে 'মফংলান গ্রুপ'-এর দৌধীন বন্ধ সম্ভার।

২ × ২ ভয়েল ও লেনোস্, প্রিন্ট পপলিন ২ × ২ কটন, 'টেরিন' কটন, স্থট, সার্ট ও নানা প্রকার পোষাকের কাপড়। মধ্য ও উত্তর কলিকাভার জন্ম অনুমোদিত শো-রুম:

- ২ ব্রাবোর্ণ রোড
- রক্ষী সিনেমা বিল্ডিং

(SARAZ)

—জা বলে এক? তাপ এর নামে কেন?
ভোষার কি ভাড়ি কাটার 'পাস্' আছে?
ভাড়ি খেতে চাও? আমরা 'পাস্' করে দোব,
খেতার গাতে মেতে গোব—লাও টাকা লাও!

নৰ উপরি-পাওরার পেরে গেল। সে
নামা মাটিরে ব্যামা বার করলে। বারা বড়
বড় সমাজকর্তা, তাকে নিদেদ করে, তাদের
জব্দ করতে হবে। রারে সে দ্বেএক বোতল
লদ নিয়ে গিরে কোকের বরের পালের খড়ের
চালের মধ্যে কিম্মা গোরালে লাকিয়ে বেরে
এলে সকালে প্রিনসের ভাান নিরে গিরে
হাজির হত। মদের বোতল তার গোরাল
মেকে বের হতে দেখে তো গ্রেকটোর গাল
হাঁ! ব্রুত এ নবকেন্ট্র কারসাজি! হর ট কা
দিয়ে মাল বাঁচাও নরতো চলো থানায়!

আই রক্ষ করতে থাকলে একদিন কাচক-ক্ষম ব্যক্তাকে অংশকারে ধরে বেদম মার দিরে অজ্ঞান করে মোড়ের মাঞ্চানে ফোল রাপলে। তার মা হেলের অবদ্ধা দেখে ফড়ির প্রিন্তের কাজ ছাড়ালে।

কিন্দু শ্বভাৰ ৰাজ না মালে, ছিলত বি ব না ধ্ৰো গ থানার ৰাভারাত করতে লাগাল সবকেনী তথ্য ইংরেজ আমল। লাল পাগাভি দেখলেই ভরে ল্কোভ সব। প্লিসেব সপ্রে বেরাজের। করে দেখে থানার কাজ ভাকে নিজে করতে লাগল স্বাই। নবকেণ্টর ক্যা বারোগা পোনে। ভাকে কিছু দিতে ছর। বড় পোনা রাছ, ভাব নারকোল, ভিন্ন, মোরগা এসৰ বারোগা বেশি কর প্রেতি লাগল নবকেনী কৈ আনে ভা থেকে। আছেই থানার বালালাদের। মধ্যে এক নম্বর ছরে কোল সে। বেই বড় বারোগা আস্ক্র,



তোমাৰ কি ভাজি কাটাৰ পাপ আছে

ভার সংশা পরিচয় করিছে লেকে জমাদ ররা।
প্রথম অধ্যাপেই বড় দ রোগা মৃথ্য হবে
নবকেণ্টর অইন আদাপতের জ্ঞান দেখে।
কোন কেস কড ধারার পারেই সে বলবে,
বড়পাবা ৩২৬ ধার র একটো কেস একছি।
এই সিগারেট আর একশো টাকা নিন।
আসামীকৈ বাঁচালো পাঁচালো টাকা পাব—
হাজ অপনার হাজ আমার। অনাদিন হয়তো
একটি কান হোড়া কাপড়-চোপড়ে রন্ধ মাখা
মেরেকে সংশা করে এনে বলালো এ বেটি
বললো নিমাইদের কুকুর আমার বাড়ি নোংবা

করেছিল, সেই নিজে সালাগালি। আন্নাকে মারলে। আমি বলি এ-কেস হাজক। হবে। ভাই পট্ করে কানের মাক্ডি ছিল্লে দিন্। দিন ছিনভাই কেস করে। ভার সংক্র

কাল পাড়িছে চৰ্কাণ নৰকেন্টৰ ব্যৱস্থান্তল। চৰ্কা থেকে ইংরেজ চলে গেল: ন্যকেন্ট থালার কিনে গালে চড়ালো। মণ্ডল কংগ্রোসের মোনবর হলা। তার হাতে বাগলি পাড়া, ক্লমালার পাড়া, অধিকারীপাড়া বলা: ভোটের সময় কত কাচ টাকা পোলো সে!

জিনতু ইউনিয়ন বেচেডার জোটে নাড়ির প্রচোজ বার গোলে গেলা দে। মনে ভার জোজ রায় গোলাং আজা ভার এক-লো বিহে জার —লোভলাং বাড়ি—বন্দাক, কিন্তু লোভ গ্রান্ত ভাট দের না।

লেকে এল পঞ্চাবেত। প্রাম্ম পঞ্চাবেতে বে
প্রতিদ্যা বিশ্বন্ধন জিতেবে তার্য তোটে বিরে
করেকজন অঞ্চল পঞ্চারেত মেশ্বর কর্ডে।
কাজেই তারের পঠি সাত জনকে বদ কর্ডে
অঞ্চল পঞ্চাবেতের মেশ্বর হল
নবকোট। পেতে এক তপালীলী
তর্গ গ্রাজ্যেরট কোকরাকে প্রথনি
কর্ডে রাজ্যেরট কোকরাকে প্রথনি
কর্ডে রাজ্যেরট কোকরাকে
কর্ডের সেইবির কর্ডের বিরুদ্ধি
অংগ্রেম তারের ক্রিলে। কর্ডের
অংগ্রেম তারের জেকা। কর্ডেরস নিলে। পরিব্যাস্থ্য স্বাস্থ্যবিদ্ধান বিজ্ঞান বিরুদ্ধি কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান ব্যক্তির বিরুদ্ধি কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের।
বিরুদ্ধান কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের।
বিরুদ্ধান কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের ব্যাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের স্বাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের ব্যাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের ব্যাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের ব্যাস্থ্যবিদ্ধান কর্ডের ব্যাস্থ্যবিদ্ধান বিদ্ধান বি

কিন্তু কণাল স্বন্ধ। উপপ্ৰথম হবে চিংকার সভ অহংকার আন্ধ্র মারা হাড়াল। কাণ্টোলের মাল এম-আর ভিলাকদের সপো যুদ্ধি করে ব্যক্ত করতে লাগল। যাত



বাতে কলেও লৈ মাল দেওকা নিবিশ্ব। মাল দেওবাগ বাসদ দেখালে ক্তে আগও সাংলাইবের ইন্সন্দেক্তরবাব্যক। সে খাতাপা বেংড নিকে গেল। ব্যবানিকোনা। লোকে মনে করলে কালৈ পড়োছ এম-আর ডিলার।

কিল্টু এম-আৰু ভিলাব লুটিন পরে কলকাতা থেকে ফিরে এনে হাসতে লগল। বলবে, লালা আবার ছার নেবে না।

নবক্ষেই থালি খামাথা আবার আসামীদের ধবপাকড় করাতে খাকলে তাকে মোড়ের মাথার একজন খাতিমান তর্গ তার বির্দ্ধে গুচাত করালা ভাষার আক্রমণ করলে। সেবগলে বন দেশে কটাশা রাজা হরেছ, নাই থানো তোমাকে আমি সিক্নির মতো আর ড়ামারতে পারি! আনার করবে আবার চোখার বারতে সারি! মাতেহারকে আবেলট করালোকেন, ভার বাই ছেলেমেরে কোলে কোলে খাকে। শাবতান, জা্তো মেরে ডেমার মুখ ডেডেবেন।

সেদিন নবকেন্ট বেলি বড় ফটাই করে নি ওবাণ্টির সামনে বাদিও করেকবার গাঁক গাঁক করে উঠেছিল। এম-আর ডিলার ভাকে চেপে দেই। কারণ তর্গ্টির পিছনে নাকি সেপ্টোলের মিনিস্টার পর্যান্ত ছিলোন। তব্ ভাব নামে থানার ধান চুরি করাবার অভিযোগ দিরে ভারেরি দের নবকেন্টা। কিন্তু ভর্গাটি থানার গিরে ভার পরিচয়প্ত ইভালি দেখালে নাইন ভারোগা—বিনি ম্লিপাবাদের নবাব পরিবারের লোক—সং এবং অমারিক—অভর দেন, ঐ নবটা কিছু করতে পারবে না—বর বিবারেধ অনেক কেস আছে আমার প্রকটে আপ্নার সংক্ষা লাগালে জামি ক্রে জেলা—

খ্যাতিমান তর্ণটির শ্বারা এই অপমানের পর নবকেন্ট তার অঞ্চলের গদি হারাল। তার বির্দেশ সকলে অনাস্থা দিলে। উপ-প্রধান হল একজন তর্ণ স্কুল মান্টার।

এরপর আর বেশি দশ্ভ নেই বেন নবকেণ্টর। তব্ ভারি ভারি খনে লখমের কেস দে এখনো দেখালোনা করে। ব্-ভরফ থেকে টাকা খারা। সে হল লাখের করাত।

<sup>হঠাৎ</sup> কেউ বলি প্রখন করেন, 'কোন্থানায় এ সব লোক নেই। অনি তেমন থানার একটিও নাম বলতে গারলাম ন ব ল দুঃখিত। ক্রমা করবেন। কেন না অধ্যকারে খানার অভ্যাক্তরালে আর একটি খানা আছে—বেখানে বাল্লা লালের নারক (নবকেন্ট খাব ভাল বালা অভিনার করতে পরে) দুরোধনার বীরদর্শে ভাদের স্নাগরা মেদিনী কাশিরে গ্রেনিনামে এখনো বলাছ ঃ বিনা হুদ্ধে নাছি নিব স্টেণ্ডা মেদিনী দু

এক-শ বিষা মেদিনীর রজার তাতে জিক্তরা ছড়ি খাকে, খাকে পাংবচর, আইনের হ'ভীবে তারা মাহুতের মজো লোহার খোচা মেরে রাজপথে খোরার ফেরার, মা লেতলা দাসী খলখল করে হাসে, ছেলে আমার এখন লাখ লাখ টাকার মালিক, অতএব এসব লোকের আসল পরিচর দেওরা মানেই কেউটে সাপের হুখে পা দেওরা!

ভগবান এইসৰ খানাম্ম দালাল নৰকেণ্ট দর শত হা করান, মইলে এদেশে খান জবাম বন্ধ হয়ে যাবে! বন্ধ হয়ে বাবে অনেক হোমরা চোমরানের বাঁ হাতের উপায়।

আবদ,ল জববার

ভরা হিশি! ইউরোপ-আমেরিকার গ্রত্যগাঁ ছলছাড়া ছেলেমেরে ভরা।
বাধা-বন্ধনহাঁন উলপ্য জাঁবনযাতা ওদের, জুপালী র্চি আর যৌনজাঁবনের
মাঝে মারিজ্যানা এল, এস, ডি গাঁলা ভাপা চরস চম্ভুর কড়া নেশার
দে ত্ব দে ত্ব। অথচ সবাই হিশি নয়। এদেরই মধ্যে মিশে আছে
মাগলার, মতলববাজ আর কিছু কুখ্যাত সি, আই, এর চর বারা অশানিতর
আগ্র জনলাতে শমশানে-মশানে ঘ্র গ্র ঘ্র গ্র। লেখক দেখেছেন
শানেছেন এবং লিখেছেন সম্পূর্ণ নতুন স্টাইলে। বাংলা সাহিত্যে নতুনছের
ম্বাদ বরে এনেছে

# রঞ্জন মজ্মদার-এর হিপি সঙ্গমে ৭.০০

রুপরেখা ॥ ৭৩, মহাত্মা গান্ধী রোড, কলিকাতা-১

(M MANA)

### জ্যোতিবশালে বিষেত্ৰ কুলপ্ৰেছিড এয়ালেন লিও'র

# পাশ্চাত্য মতে জন্মপত্রিকা বিচার

(विरम्मस्मा एक डीकाट य कारना क्षीत विख्वानिक बारभा)

অনুবাদ-পরীকিং ও নদিতা মুখোপাধ্যায়

ৰাংলাভাৰায় জ্যোতিৰশাশ্ৰ সংপ্ৰে' এত ভাল বই আৰু প্ৰকাশিত হয় নি। কোনো অব্দ নেই। মূল ইংৰেজা বইডিৰ দাম প্ৰায় ৩০০০০ টাকা। আজই ভাকবোদ্য ১২-৭৫ প্ৰসা অগ্নিয় পাঠালে ভাকমাশ্ৰ হাড়াই বইডি পেতে পাৰেন। দাম—১২-৭৫ প্ৰসা

া। **পরীক্ষিৎ অন্দিত কিরোর অম্লা** গু<del>ন্থরাজি ॥</del>

হাতের গোপন কথা — ২ ৭৫ আপনি কবে জন্মেছেন ২.৫০ হাতের ভাষা — ৫.০০ হস্তরেখা অভিধান ১০.০০

আর্পনি ও আপনার হাত ... ১২٠০০

আট য়্যা**ণ্ড লেটাস** পাবলিশাস, জনানুসমুম হাউস, কলিকাতা-১২



INTERPUB OF ITEM



আ মাৰ বাংলা ভাৰা

9 । রাপাশুক্রকটি বোমান অকরে মান্তিত;
প্রকাশকাল ১১২০। লেখকের নাম
োড আডেলবসন, ডি লিট, আই সি এস,
বগরীর তথা ঢাকা সহিতা পরিবাদর সদস্য,
কেন্দ্রিক বিশ্ববিদ্যালয়ে বাংলা ভাষার
ভগ্যাপক।

ববীন্দ্রাপের প্রক্রার-প্রাণিতর কথা
উন্থে কারে ভূমিকায় তিনি লিখেছেনঃ
সম্প্রিক বাংলা সাহিত্যের সম্প্রিধ ও
মাণ্টোর বিভাবে এ এক বিলম্বিত ও
মাণ্টার বিভাবে এ এক বিলম্বিত ও
মাণ্টার বিভাবে হলেও, মানবিকতা,
বাংলা ও স্বস্থাগ্রে এ-সাহিত্যের
মান্তির কথা মানতেই হয়, মানতে হয় এর
লক্ষণীয় বেডিয়া, নানা বীতিকলা এবং গলা-প্রানিবিশিবে প্রকাশনৈলীর বহুমুখী
উন্ধ্যা, । পান্ডারা সাহিত্যের অন্বাদবাংলা হিসেবেও সম্প্রভাবতীয় ভাষার
মধ্য বাংলা ভাষার শ্রেণ্ডারা অবশ্যান্ধির বাংলা ভাষার শ্রেণ্ডারা আবশ্যান্ধির বাংলা ভাষার শ্রেণ্ডারার আবশ্যান্ধির বাংলা ভাষার শ্রেণ্ডারার আবশ্যান্ধির বাংলা ভাষার শ্রেণ্ডারার বাংলা

#### করাসি ও বাংলা

সাগ্রহের সংখ্যা প'ড়ে চললাম। লেখকে**ব** মতে বাংলা ও ফ্রাসি ভাষার মধো মিল অংহ। ফরাসি ভাষার আদি শব্দকো**ষ** োল প্রবাসী ব্যাম যিদের অবাচীন লাভিন থেকে গাহীত: পরে রেনেশাসের স্থায় ক্লাসিকাল ল'তন ও গ্ৰীক থেক বহ**ু শ<del>ৰ্ম</del> আমদানি করা হয় (ওই শ**ৰু-গলে৷ ফরাসি ভাষায় প্রায় অপরিবতিতি অনন্থায় কিণ্ডু ভিন্ন উচ্চরণে বাবহাত ] —যার ফলে বাংলা যেমন ফরাসিও তেমনি তৎসম ও ভদ্ভাবর মিলনাক্ষর। দৃষ্টানত-ৰূপ: Moutier (মুডিয়ে) Monastere (মোনাস্ভাবে); ভার্থ দুয়ের এক ঃ মঠ l লাভিনে Monasterium ।।

উচ্চারণের ক্ষেত্রেও লেখকের বরুবা

উল্লেখযোগ্য ঃ শব্দাকেত বাংলা অ-কার তথা ফরাসি E অনুচ্চারিত থাকে [বেমন Chaise]। এ ছাড়া বাংলা স্বরবর্গরি উচ্চারণ ফরাসির মতো বিশ্যুখ—ইংরেজি স্ক্রিবর-ঘোষা স্বরবর্গের মতো উচ্চারিত ছব্বন।

#### क्ला क, सूर्यना है

বাঞ্চনের কথা লিখতে সর্বাদ্রে T আর D-র কথা লিখতে হয়। ইংরেজরা বলে ট, অনেকটা বাংলা ট-এরই মতো; ফরাসিরা বলে ত। ইংরেজেরে কোনো দ' নেই, ফরাসিতে ড' নেই। তাই ইংরেজরা বখন ফরাসি বলে, ফরাসিরা তাদের ভূল উচ্চারণ ধরতে পারে না, ফরাসিরা যখন ইংরেজি বলে ইংরেজরাও তাদের ভূল উচ্চারণ ধরতে পারে না, বাপালীরা কিম্তু পারে!

वाश्मा नाप्रेटक देश्यतक प्रतिद्वत मार्ट्स

শ্রীন, "টে মার ভাড় টাকে কোষার?"
করাসী নায়ক কিন্তু বসত, ভিক উল্তোঙি
"দিমের দাখানা আর দাঁতা-চকড়ি দিরে
ভূপাতপ্ ভাড খেরে নাও!" ইংরেজরা বজেঃ
টটিনী, ভাকাট, টোটা পাখি; করাসীরা
করেঃ ততিনী, দাকাং, তিরা পাখি!

বেচারী সাহেব! ভারা অনেকে বেমন
ধর্ন এই আমিই ট আর ত বাঞ্চলের
পৃথক উক্তরেপ করতে পরি বটে, কিস্তু
বাঙ্গালীদের মুখে এই দুটি বংপর পার্থক্য
ধরতে পারি না। আর হেহেতু ফরাসীতে
মহাপ্রাপ বাঞ্চন বলে কিছু নেই, চলিত
ভর্মিবত কথ বাতার ফরাসীদের কানে
ট ঠ ত থ এ কবারে এক শোনার। শুধ্ ব্যাকরণ জানি বলে বালকটি কথাটা শুনে বালকতি' কথাটা লিখব না; শুধ্ প্রাশ পড়েছি বলে 'কাতিকি' শুনে 'কাটিক' লিখব না।

একদিন আমার ভারেরিতে ভূব্র কথা
লিখেছিল ম; মেরেটির কি দ্বেশ! ওর নাম
নাকি ধ্বা। আর আমাদের বাড়ির একভালার কাজলের সেই সদা-বিবাহিত দিদির
নাম ট্ট্ল কি ভূতুল, তা আজ পর্বত ব্যতে পারি নি। হাাঁ, ঠিকই ধরেছেনঃ
জিগোস করতে লক্জা করে। করবে না কেন?
আপনারা কি চান লোকে জানবে আপনাদের
দাঁত বাধানো, আপনাদের চুল পরতুলা,
আপনাদের ভান চোখ কাঁচের? আর আমরাই
বা আমাদের কানের দৌর্বলা ধরা দিতে
বাব কোন্ দ্বংশে? একদিন অবশ্য সাহস
জোগাড় করে জিগোস করেছিলাম, "লোন,
কাজলা, তোমার বড়দিন নামটা অসলে
কি—ট্ট্রল না ভূতুল?" তংক্ষণাং উত্তর



এল, "কেন ফাদার, ট্ট্ল" [কিংবা 'তুতুল'
আমার তো বোঝার কোনো উপার নেই]।
"লা, এবার ভালো করে শোন, লক্ষ্মীটিঃ
ইংরেজী ট্টুল না করাসী ভুতুল?"
"ধোং…...আপনি কি সব বলছেন? বাংলা
ট্টুল [কিংবা ভূতুল!) স্বাী পাঠক বদি
কোনো দিল আনন্দবাজারের লক্তন্তে দেখেন
কাদার দাতিরেন নামে এক সাহেব ব্যক্তিনী
পার্কে ঘর ভাড়া নিরেছেন, ব্রক্তেন—কো।

ভারতীর কান ইউরোপীর কানের চেরে
অনেক স্ক্র—আর সেইজনাই হামনি
ভারতীর সপাতৈর থাতে সর নাঃ সা, পা,
পা' কিংবা রে, কড়ি আ, বা' বল্লসের
বের্নিক স্র বাজালে, রুরোপীরেরা আক্ষম
পার [ভানের কর্পেশিয়র অপেকার্ড স্ক্রেব

কণেশ্বিরের সক্ষোতার জনা বাঙালীরা मन्छा **छ अ**वर ग्रासना है-अब भार्थका स्वादक. क्लिक बड़े मार्डि क्यांस मार्या एका ज्यासक থাকতে পারে-কেমন देश्टबर्की है। दकारना কোনো রাগ-রাগিণীতে বেমন অভি কডি ছা কিংবা অভি কোমল জা থাকে, কোনো কোনো ভাষার তেমনি অভি দশ্তা ও এবং অভি महर्यना हे बाकर**छ भारत। ७**वे बहरनद চারটে-<sup>†</sup>-সম্বলিত ভাষা শিখতে হলে আমার কোনো বাঙালী কথার বোধ হয় আর বেচারী ,সাহেবের উচ্চারণ নিরে উপহাস क्बाब शर्वास बाक्ड मा। य-ता म्या म, ज-ता म्या क

আর একটা সর্বনেশে বাঞ্চন হল স্বঃ বাংলালা ভাষার নাকি র আর ডু-এর উচ্চারণ

([N-AA47])

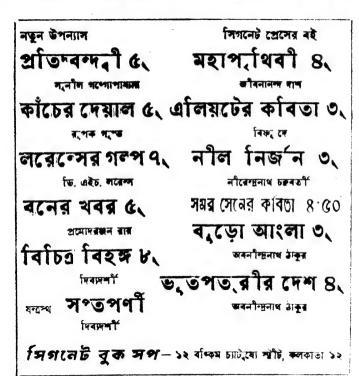
এক। সেদিন পরানবাব, চিচিতে জানালোন জিনি তরি "বরো বালি ভারা" দেবেন। ফরাসীদের কাছে জ-রৈ শ্লা জ-এর উজারণ সহজ্ঞ নর, তবে বংগসরুগবতীর কাছে আহথা নালিক করব কেন, জ্-শন্দী আমাদের দ্বুথ থেকে বেরোর—কিছ্টো নিক্ত অবস্থার গুরু বেরোর; শুধু মনে রাখতে হবে তার উচ্চারণটা অনেকটা খুখু ফেলার ভাগ্গতে। কিক্টু ব-রে শ্নারা...ফরাসী ম হল কাটা। আমরা বলি র, ছোতারা বোঝে হ—নিশেষ-ভাবে সেই র বখন শন্দের প্রথম অক্ষর; ফরাসীর মুখে Rome, বাংগালী কানে Home।

জ্যাশভারশন সাহেবের মতে ভূ-এর
উচ্চারশ শকট্দের ম-এর মতো; স্নীতিবাব্রে মতে শকট্দের ম হল বাংলা র । খ্র
ভারো কথা, অতি ম্লালান উৎকৃতি কথা :
ধরা মাক স্নীতিবাব্র মতেই ঠিক : শাদ্ ম্শাকিল এই সে শকট্রা (কিংব আই বিশ্বা কিংবা হরভা ইন্ডিয়ানেরা) কেমন করে ম উচ্চারণ করে চা অমারা কৈ উপাত্র ভানব ? আর জানলেও ভালের উচ্চারণ নকল করতে পারতাম কি না, চা আর এব কথা ।

হাক এক দিন ভাষার বাপালে টাঁচার বেক্ষাক্র ভিত্তর জল উপর-মাণিতে কোনা দেশযা ই পালে ৮-৫ব **উচ্চ** রাপ্ত অসকে Strait I Said **फार्याहर इस्योद्ध करामहे करामहे हार्यक्र** কর অবল্য বৈন্যা র ফির্কনর মান্ডে গ্রাহ উপজ : A GENERAL STREET COMPONIDE BOT আন্নার উপ্পোদ শংপাইজ যাকে বার্ল flash-back grage flash forward) **মাই**নে প্রেটে প্রে যাগেটার আনেশের আতিপ্রেয় মেপ্রত্য কর্মের ভারের হাসেও **িঠাক ব্যাঞ্চলকা**হিদ্য মণ্ডর উচ্চ ওপণ্য হেল্লিন **সংলায়ে চ**ৌধ্রী জোনে আমার নিল্<u>রে</u>ণ ভিল <del>প্ৰকাৰের সাহিত্য প্ৰকাশক গাঁভাৱনাৰ</del> ক্রমানন ভৌপালক হাড়াও আনদং কাদং কাড়িয়ের খাই, দাংগ্রা কৈয়ে কলি, কাক্যালীদের ক্ষায়পায়, প্যাসিমা, শ্রোন নীলাঞ্না পাও फाफ डेम्कूक स्या, इकास्य विकास कारान स्ट. এমনি দিলাম ea ধ্রুণ্ডার নাম, 'নইলে, জনেন **ফা**লার, শ্রুনের মেন্ত্রের ভালবে অন এক নীলাফানার কথা লিখেছেন " মীরা দেবীর বিরিয়ানি চাথতে চাখতে প্রণাতে ভিন্তাল করকাম "তেল্লানের রবৈকাক চলে হগ্ৰেছন ল' পদপ্য সভলে, তেলিকাকা সে च्यावाद एक ?"

হেসদিন থেকে ক্রিয়ে করলাম রব<sup>8</sup>প্রনা**র্য** আরু বকার না, বজর গ্রেয়েদের।

সংশী পঠেকের কাছে কিণ্ডু একট কৈফিরং চাওরার প্রলোভন সমস্রাচ্চ পারি না: আপনারা যখন ভাল আর দাল, ট্রান্টল আর তুলতুল, বিভাল আর বেরাল দি<sup>তি</sup>ং বলতে পারেন, আমরা কেন ভার আর দাব,





ভিকৃতিকি **আর ভিক্তিকি,** ভেড়া আর ভেরা বলার অধি**কার থেকে বভিত্ত থাক**ব :

ब्राक्सरन्त राजहाम—नस्वामीत रंग्वाजाम

অনেকের ধারণা, বিদেশীর পক্ষে বাংলা গোধার অন্যতন প্রধানতথ অপতরার হল have-গাড়ুর অভাব ঃ সে আছে he is ভার আছে, he has! সদ্য-বংগানবীশী রাখার হাজ দিরে ভাববেই—he মানে সে না ভার? আছে মানে has না is?...আমার ভারে বিশ্বু সব চেরে অস্তুত লাগল কেলে সেওরা, অসে পড়া, উঠে পড়া, খেরে কেলা ধরনের ব্ণল-ভিমাপদার্লি। কেলেছি তো কেলেছি; বা কেলেছি কেমন করে আবার দিতে পারব? আর মেকেডে বসেছিই বখন, তথন কি আরো নীতে পড়ে বেতে গারি? উঠে পড়া ব্যারমের কসরৎ ছাড়া আর কি ছতে পারে? আর থেরে ফেলা নিশ্চরই বমি করার এক অনতিভ্রোচিত প্রতিশালঃ

বাংলা ভাষার আরও আন্চর বৈশিন্টা निश्रमाध्य आन्धारमध्यत्र कार्यः वद्याराज्यस বিভব্তি ব্যবহারে তার একাশ্ড কুপণতা। বে-জোনো হারোপীর ভাষার লোকে "অনে<del>ক</del> recor चाप्र रक्षणाह" ना वरत रहत चानक ছেলেরা আমণ্ডলো থেরেছে"...। আর সেই ট আর ও শ্বর্বণেরিই বা কি রকম বাদা! কি সহজে বাকাটেশ্ব দ্যোদাম পরিবতনি ঘটার –বেমন ধরনে : "আমার চ্যের তমি দোৰী: আমারই চেত্র ডমিও দোৰী; আমারও চোখে তুমিই লোবী।" অনুগামী অব্যয়র বাহালারে আমাদের চোধে নতন ঃ শবে শবে postposition (তোমার জন্য, আক্রের নীচে) এবং post-conjunction (তিমি আস নি বলৈ)-এর দেখা মেলে। আর অস্ব্যন্তাবিক সালে relative clause-কে ব্যক্তর প্রভাগে বসনোর বিধি-ঠিক যেমন লালে ভাচা আর জামনি ভাষার infintive-কে ব্যক্তের প্রচাল্ভাবের বসংলাভ कान माजन।

আন্দ্রারসনের পাঠা প্রভাকর শোবাংল ছিল বাংলা পদ্য-গদের এক সংকলন। তাতেই হল বাংলা সাহিত্যের সংশ্য আমার প্রথম পরিচর। এখনও খ্র মনে আছে।... কিন্তু না, ইডিমধ্যে আমার ঘবের দরকার সপ্তবর্ষীয়া দম্পার মান উদিক দিল। এক মান্ধ চালাচুর চিবোতে চিবোতে সে আমাকে কালিরে গোল, ভার বোন ভিতিরের বরস মান্ত এক বছর হল এই আদিবনে—কিন্তু এর মধ্যেই সে অনেক কথা বলতে পিথেছে। মান্তকে বলে ভিজি, বাবাকে বলে আবা, শ্যুকে বলে ভুকু আরু নিজের নামটাকে বলে চিটি...।

ভুড় ?...টিট্রি...খাস বিলিভি উকারণ? আপের জংল্ম গ্রুপনুর বোন ভিল মেসাহেবঃ (ভুমণ) कार्वा-र जनना सर्वा

# শ্রেষ্ঠ কবিতা গ্রন্থমালা

ভারবি-র অনন্করণীর শৈলীতে

তি শ তি খ শেড

রবীন্দ্র-সমকাল থেকে সাম্প্রতিক কালের

তি শ জ ন প্রেন্ট ক বি র

সমগ্র ভারসোধনার শোভনস্কের সংকলন

সভ্যতার শ্রেষ্ঠ উত্তরাধিকার কবিতা, এবং আবহুমান বংসসংক্রতির সেটিই নিজন্ম সন্পদ। হাজার বছরের চিরারত রতচর্মার বহুশাখারিত বৈচিত্রের আব্রনিক বাংলা কাব্য আজ বিশ্বসাহিত্যের উজ্জ্বলতম কল্পমণি। কবিতাপ্রেমিক বিদম্প পাঠকের জন্য একটি নির্দিন্ট মানের প্রথনার, স্বোগ্য নির্ভূল সম্পাদনার, বাংলা সাহিত্যের সম্দর উল্লেখ্য কবির স্ক্রনির্বাচিট কবিতার এই সংরক্ষণীর প্রথমালার পরিকল্পনা। প্রকাশ-বন্টনের স্ক্রবিধার্থে এই চিশ্টি ক্রতি ক্রমান্ত্র স্বান্তর প্রকাশিত হবে। প্রতি প্রবারে সমভাবে নবীন প্রবীণ কবির সমাহার। প্রথম প্রবারে ররেছে।

জীবনানন্দ দাশের শ্রেণ্ট কবিতা
ব্শেধদেব বস্বে শ্রেণ্ট কবিতা
মোহিতলাল মজ্মদারের শ্রেণ্ট কবিতা
প্রেমেন্দ্র মিতের শ্রেণ্ট কবিতা
তাজত দত্তের শ্রেণ্ট কবিতা
নীরেন্দ্রনাথ চক্রবর্তীর শ্রেণ্ট কবিতা
বারেন্দ্র চট্টোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ট কবিতা
শংখ ঘোষের শ্রেণ্ট কবিতা
স্নাল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ট কবিতা
স্নাল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ট কবিতা
স্নাল গঙ্গোপাধ্যায়ের শ্রেণ্ট কবিতা

সর্বশ্রেণীর পাঠকের স্বিধার্থে এই দশটি খণ্ডের ম্লা, এককালীন অথবা এইর্প তিনটি কিস্তিতে অগ্নিম পরিশোধের শর্ত-সাপেক্ষ, ৬৫.০০ টাকার স্থলে মান্র ৪৫.০০ টাকা নির্দিটি হরেছে : ১০ অটোবরের ক্ষে ১৫.০০, ১০ ডিসেল্বরের লব্যে ১৫.০০। ডাকে বই নিলে মোট ম্লা ৫৪.০০ টাকা। উল্লিখিত সমরের মধ্যে ১৮.০০ টাকার তিনটি কিস্তি অথবা এককালীন টাকা পাঠালে সম্পূর্ণ ভাকবার বহন করা হবে। গ্রথম কিস্তি জমা দিলেই প্রথম দ্বিট খণ্ড, এবং সম্পূর্ণ ম্লা পরিশোধের অনতিবিলাশ্বে অন্যানা খণ্ড দেওরা হবে।

ইডিমন্যে প্রকাশিত জীবনানন্দ বাংশর প্রেণ্ট কবিতা কারে। নথেকে থাকলে ভংগরিবর্ডে সমস্কারে প্রকাশ-প্রতীজিভ রাশ সম্ভার ভট্টার্মা-এর কবি জীবনানন্দ বাধা তাকে বেওয়া হবে। পর নিলে বিস্কৃত নিরমানলী জানানো হবে।

**ভারবি।।** ১০।১ বন্দিন চাটুজ্যে শিট, ক্লকাতা ১২



বন্ধে ডাইৎ

# SALVON SA

#### ওদতাদ ওমর থাঁ

आरेख्य देखिशम मन्नवीय कायवि त्र विषय निद्य कारमाठनाव मृद्य अपन भी স্তেবের স্থাে আহার পরিচয়। সংহদপ্ অন্যাদণ পত্ৰে ভাৰতব্ৰে কিছা কিছা # স্বী' বই লেখা ছরেছিল সাতে প্রচৌন कारवीय वेदानीय अवर शीक मश्रीएवर कथा खाएक। এडे कथाना कि खाना मनकात अथा वरे পত্তে পাঠোন্ধার করা কণ্টসাধ্য। সাধারণ ह्योगकीका अञ्च श्रास्थ्य वर्षात्वम कराउ भारतम मा। कारण अवस वदा भाषा व्याप्त या সাহিত্য বাবহাত হয় না। সংক্রু স্পাতি স্মাহিত্তাও এই অস্ত্রিধা ঘটে। সাধ্রেপ কান্তভানত কাছ কোতে এসৰ প্ৰথেৱ বহা बाचाई भावता याद्य माः अत कादश्व धरे একট বহা লব্দ আছে বা পলিডভাদের ভানা গ্ৰমন্তি বিৰাট বৈৰ্ট অভিধানেও পু ওয়া হার না। আছেএই এমন কভির সংহত এই সং **প্রদে** প্রাঠে দরকার বিনি স্ব বিষয়ে অভিজ্ঞ আবার পান বাজনাবার্থ দক্ষা বলা বাহালা এমন বালির সন্ধান পাওয়া সহজ্ঞ নয়: ৪মর খাঁ এইরকম িবল জ্বানী এবং পালী বাজিদের অন্যতম। এট আলোচনাহ ভারি সহারতাই যে প্রচার कास कार्याच का सब्द केम्प्राट र्याटक करमक कुन्ध अन् लिकान्यत मान्या मिरम किन काषाह कार्यक अस्तिक गाँद कार्यक्रिया আমাদের সল্পাতিত ইতিহাস নিশার করতে र्त्ताल प्रशासारहात मान्ती एक है एट्टान काना অভাবদাক: ফ্লাস্টা এবং উলা, বইছে ভার भारत्व किया किया आह्य। त्यार्ज अतिहर बारकाङ्क केम्पाच कडा महाकावः अ बाक्त कारहरू বিৱট আৰুবীয় সংগতি সাহিত্য ভার অভি शासा गाँउछर (कर्ममाह देशहरूने काहकी घारमाञ्चा एक्टक जामका रशरह श<sup>र्</sup>क । कर्द মে এই ভিমিত্র দ্বার ধ্বাবে কে জান। ধমর বাঁ সাহেবের পরিকারক একটি পূৰ্ণৰ জায়ার দুখিটোচর হাজাছ যে<sup>6</sup>ট ভালের কাছ ছাড়া করবার উপায় নেই। তাঁদের অপর একটি প্রশ্ব ন ম্মান্ত নিম্মত ७४। **देखार्ड एकदाधर धारदे प्रा**कारा ने। अकि উদ্ভাৱত বৃদ্ধা ৷ এই আলোচনায় আমাদের মপর সহযোগী তথা হে<sup>ন্ত</sup> অবস্স্সালমে সাহেত্র**র কথ**ে সকৃত**জা** চিত্তে উল্লেখ কবি। এই বিদশ্ব স্তল্ম ব্যক্তিটির অভিজ্ঞতা এবং অন্সবিধংসার কম নর। ব্যারিস্টার হওয়াতে **শ্বভাবতই তিনি ই**তিহাসের নামে গণ্প বা



OFFIT ONE W

প্রচলিত কাহিনীকৈ গ্রহণ করতে নারাক।
প্রতিটি বিষয় নানা দিক থেকে প্রবিক্ষণ
করে তবেই তিনি গ্রহণযোগ্য বিবেচনা
করেন। বলা বাহ্না এই প্রবিক্ষণটির
গ্রেছ সমধিক। কেননা, বারে বারেই তিনি
এমন কোন্ধ কোন্ধ বিষরের প্রতি দুন্দি
আকরণ করেছেন বা এজিরে গেলে বথাপা
ভাগো প্রেটানো বেত না।

ওস্তাদ্ ওমর খাঁ কনফারেক বিজয়ী বিষয় জনপ্রির সিক্সী নন্সংব্দেশতেও তাঁর প্রচার, প্রতিপত্তি নেই অথচ উচ্চতর সপানীর মহলে তিনি বংশার প্রথার জাসনে প্রতিষ্ঠিত। স্বনামধনা গারক-বাদকদের করো জনেকেই নানা প্রারক্তনে ভার সপেশ জালোচনা করেন এবং উপকৃত হন। এই একাসত বিনতি বাভিটিকে প্রচার সম্বশ্ধ প্রাপ্রয়ান্ত্রিত রাজ সম্বশ্ধ প্রভার বেশা মান্ত্রার সাজ্যুক বলেই মনে ব্যাহাতি

ওপতাৰ ওমর বাঁ প্রথমেড সরোদী বরেট

প্ৰকাশিত হল

### স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়-এর

নতন স্বাদের নতুন উপস্থাস

# त्रभानि यानवी

...

"... সমুদ্রের পালে কাণ্টালা দাঁড়িয়ে, পায়ের কাছে আছড়ে পড়ছে ফোনামাখা চেউ, পাগলা হাওয়ায় ওর মুখে উড়ে এসে পড়েছে ওর অজস্র সোনালি চুল, হাত দুটো প্রাথানার ভঙ্গিতে মাথার ওপর তোলা, বোদ লেগে বলসাছে ওর মসুদ উর্ব্ আর শাঁথের মতন দুই স্তন। সমুদ্রের পাড়ে উর্বাদী না আফ্রাণিত।"

শৃধ্য কাণ্টালাই নহ, ডরেছি, স্থান, কারেরিলন, লিণ্ডা, এঞ্জেলো, মণিকার মত রাপালি মানবীরা সতিত কেটে খেলা করছে স্থা র্পালি জগতে রবি, তুষারা দীপঞ্চরদেব সঙ্গে।

আমাদের ধারণা, এই উপনাসও ধারণোর দিন-রাতির মত আ**লোড়ন** স্থিত করবে।

॥ विश्ववाणी श्रकासनी ॥

 $\mathbf{C}/\mathbf{o}$  লে ৰ্কে লেটার ॥ ১০ বাষ্ক্রম চ্যাটাজি স্থাটি ॥ কলিকাতা – ১২

কত্ত্ব। তার পিতৃকুল এবং মাতৃকুল উভর
পিক থেকেই এই সংবোগ সাবিত হরেছে।
বাদক হিসাবে তারা লাভাহানপ্রের
হারানাদার কিন্তু মারের দিক থেকে লখনউ
হারানার সপো তাদের হনিক সম্পশ্দ
শ্বাপিত হরেছে। লখনউ হরেল প্রশাভ
ওগতাদ নিরামং খাঁ হিলেন তার প্রশাভামহ।
ইনি নাকি ভানসেন বংশীর স্কান্ধ খাঁব

লিবাৰ প্ৰহণ করেছিলেন এবং এ'দের সংগতি বারায় সেনী বারায় কিছ্টা সংবেদ সাধন করেছিলেন। এমর বা সাহেবের কারে বোধ করি বাসাং বার সেকা একথানি পার্টিক সমেনে।

ধ্যর থা সহেবের পিডা ধ্যুজন সাধাররাং থা ডিরিল কলের ধরে স্থানট-বর ব্যারিক কলেরে শিক্তভা করেছিলেন। ভার উপয্য পরে কঠনপদীত দিরে তার লক্ষাীত শিক্ষা আরক্ষ করেন। তিনি বাদের করে কঠনপদীতে শিক্ষা গ্রহণ করেন তারা হলেন কক্ষান রক্ষম আলী থা, মৃশ্চাক হোনেন থা, লক্ষ্ম গাঁ, আহম্মদ থা, থালিয়া, বাক্ষম জালী থা এবং নালীর থা। সপ্যাতক হিসাবে এক্ষ্ম সকলেই কৃতী। গ্র্পন, থেরাল, উপস্থ এক্ষ্ম ইর্ক্ষা—এই লব বিভাবেই থা



সাহেশ দক্ষতা এবং অভিজ্ঞতা অকনি করেছেন।

গানের সংগ্য তিন সরোদ শিখ্যত তারণত করেন তারি পিতার করে থেকে।
পরে তিনি ভার মাতামধের জেন্দ্র প্রতা প্রস্তাদ কেরামতুরা বা সংক্রের করে প্রতা প্রতাজভারে উমত বরাদর শিক্ষ ও নিশেশ পান। এ ছাড়া তিনি কেরমতুরা বার বাঙ্জালী শিক্ষা কালী সালা, আবন্ধা গান্ ইন্দের্যের ধ্যিকার বানু বা সেতারী উউস্ক্র ভালী বা সেতারী হামিন হোসেন বার করে ব্যক্ত বিজ্ঞান বার্ম বার্মিন বিস্ক্র

ভ্ৰত্ত ভ্ৰমৰ হার মধ্যে ক্ষর প্রান্থ সম্প্রত ল্ভেট ব্রামান। প্রায় প্রেলেরের প্রস্তবাধী ভিনি ভারহাতে সংগতিত বিশারের ক্রমাপ্রার ক্রেনে। এই দার্মাসমূর ভিনি ক্রমাপ্রার স্থানে বান। ১৯৫৪ সালে ক্রমাপ্রার স্থানে বান। ১৯৫৪ সালে ক্রমাপ্রার ভ্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ভ্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্র ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্র ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্র ক্রমাপ্রার ক্রমাপ্র ক্রম

ভ্ৰমণ দুখন ব তার শিক্ষার কে বালিয়ক কল্পত প্রাপ্ত বেশ্লিয় তার কলিয়ক ভাঙা ইলিয়কে বাল ব্যাল্ড আলের কিল্লেক ক্রাণ জির্মাছ ইলিও এইলিরক লেশেছ লিয়েলাল। এটার খাল্ডর একটি বিশ্রে ক্ষাতি অবকাশবাল বাজিয়ে খালেন। আজ-কাল ক্ষান আলেক ছাত্ত দেশ আ ইনেরী বাজিয়ে কান্ত্রস্থাতিত্ব অনুক্রব করেন ভালের আলেশ তেমান ন্যা। এবের একটি

मात्रिक ३०, होका किन्छिट्ड किन्स्न



জ্ঞা ওলাও স্থাতি জাতি প্র জান জি স্টার (জাতার লাভ্স) ভ্রমণ সিকার ত বলত, বলি

ট্রনাঞ্চলত নাইও জন্মপ কিট করে। সাম ত ৩৯০, ট্রনা। জাড়ার দিবাস সময় তার্ড ইংক্রিছাড়ে জিলার। Globe Agencies (D.C.) R. P. Bagh, P.B. 1150 Delhi

বিশিষ্ট তথ্যেকা আছে সেটি শোনবার বণ্ডু। অথচ এগদের অন্যন্তান মেনন গবিজ্ঞা গুম্পার, তেমনই মিন্ট ও মনো গ্রাহী। এই ধর্গের প্রাচীন নিয়মবন্ধ ধাররে গবিচয় দেবার মত বাজি বর্তমানে অস্প্রী অছেন। ওনর খী সাহেবের প্রাচী তর্গ সংহ্র যতি স্পাহিত ব্যক্ত। অঞ্চন করছেন।

ভ্যত্ন ভ্ৰম্ম খী সাহেব বারোসের নিন্দা ভাগে চামজার ববলে বেহাগারে মত পাতকা কাঠের ছাউনি বিয়ে এক প্রকার সরে দ প্রবৃত্তি করেভেন। এটি আলাপের প্রক্ষে বিশেষ উপ্যোগটি খনিচ এর বাওয়াক্ষ ডেন্স ভাষ্যালয় ক্রিন প্রকৃতি ভাতখাগের মন্ত্রা এই যাল্ডর নাম বিয়েছেন ভিন্তুর-শীলা।

#### #ীত'ন

ক্রীর্থান সংবাদেশ স্থাপান্তির পরিবাদীশাত তার্মিকর সংখ্যা, নদ্তব্য সমরেরপাধারী। দিস্তানের প্রভাবে কাতিনি এবং গানের ভাত্তৰ প্ৰভেদ সূত্ৰ হইয়াছে। কবিটানের ল্পে যে ধনীয় জন্তিত সংত ছিল, এখন ভালা লাণ্ড। কভিনীয়া এখন ধলীয়ি অন্যক্তিরবায় হাঁর গ্রাণ পাল করেন কণিভাল ভলাতম কে**ল**া 8118. BIST কণিটানীয়াবের নাটিভ **ামে**ন ব্ৰহ্ম প্ৰদাশ খালিতে কত পাড়া প্ৰিট দেই িকে। নিমাই সল্পাস পালায়, নিনাইর ০০% ও দতে কতিনীয়াই ধরণ করিলেন, প্রশা করিয়াছিল ম. তালা হইলে হ্রাস্ট্র হ্রাস্ট্রের করেন সাই কেন। জনান পাই ্ট: ভাষার জবাব ওই নব্ৰক্তথনা উপরি প এলাঃ ভাঁষারা হাত্যাভি দেখিয়া আদ কথা কার্য মাইক অভ্যাবশ্ব । ক্লিকাভার কোন কভিনের আসরে প্রোভারা কভিনে চেনা চেনা নাঃ ক্রম করিছাই কুডার্থা। কিন্তু কাতিনি সমবেত ভাবে না পাছিলে ্রতারক হয় না। হণ্টানর। চারে**চ** সম্ভাৱত ভাষে। ধ্যাস্থগীত করেন। প্রভ্ চাই ড ও বড়িসন উপলাক্ষ এখন**ও ও**লে-তুলা, এন্টাৰট এধাকদ ভারতীয় খুপ্টানৱা তে মগুর হংকীতান করেন, তাহা কংগালী-্দের দিজদর। ঐতিহালহাল। বিধ্যালির কেই ধার: ব্রহিক।ক্ষা, আমরা এখন স্থাক মাত্র। গুলুকেশে উবিল, মোর র পেয়াল অথবা রূপাণ, কায়স্থ, নমঃশান্ত এক আসরে কীওস कीत्रशाहन, अध्य कीडीन्द्र स्मारे भावा गारे। মেকালাইজভা জীবনধারা আমানের (mechanised) হটতে চলিয়াছে। ভাই হান্তিক পশ্চতি, মহা টোলভিশন, ধ্যাহি প্রেরণা ফোগ্রাইবে। প্রথেগর আবেশে, মনের আন্তেহ কভিনি করা পেষায় না। কভিনি ভ্ৰমন ভাগতির। বিষয়। ইহার মান আহিকি, migrilly a rist !

ভাষা নাম দেব কলি-১৪।



(SA-4928)

তিনতি ভিল স্বাদের উপন্যাস •

হাৰহা, ছবি ॥ সমরেন্দ্র দাস প**ৈতৃত মাস**ী

ও আমার শৈশব।।

অভিত চট্টোপাদ্যক ন্কের অরণ্যে॥ ন্বান্দ্র গ্র

৽ড়ল মত ● ভালার মত গণণ অতীন বকেনাপাধার, ধনদিস ন্থো-পাধার, মারা বস, কুমারেশ ঘোষ মান্বেন্দু পাল, দুয়াদাস ভটু, বিজন ঘোর, আ্যাককুমার সেনগ্ণত নিম্লোন্দ্য গোড়ম

# वालाक मत्रि

नाबमीय मःथा

 নলা চিন্ত-বিভিন্ন বছন্দ, অন্যাসের চুল্লক স্পান্তন্ত, আকর্মাণ্টিয় ● নাটক কা সাক্ষেত্র ক্রান্তন্ত্র বিভারে

#### সৰচেয়ে ৰড়ো খৰর

আঁচনতাকুমার সেনগ্রেতর অন্যাসাধারণ রচন

# व । तशुक्य यो अ

স্বা গালে এই সংখ্যাল জালালা গালেছে জাধ্যানক বাংলা উপন্যানেক ধারার উপর খ্যাতনামা লেখকলের জ্যালোচনা

বহুৰেণত জিড প্ৰজান 🌘 নগড়য় আস্সাল্জা

### শাৱদীয় **আলোক-সরণি**

দাম মাত দেড় টাকা হারিক গ্রহক চলি।—সভাক ১৯,

স্পাদক ৷৷ সঞ্জীৰ সৰকাৰ

**ভালোজ-সর্গণ** ৪ ৬৫, মহাজা গাঙ্ধী জোড়, কজি-৯ এ জেল**ঃ ৩**৪-৬৮৭৯



খেতে ভালো আর পুষ্টিকর —এমন থাবার রাধতে হলে চাই কুসুম

ৰনস্পত্তি



কুমুম প্রোডাক্ট্রস লিমিটেড, কলিকাভা-১

👅 এके धन अहका हरू, म् भ्रात्वावना 🛭 নরাণ মেঘ ধ্রের হাড়মাড়িয়ে ব্লিট নেমেছে রাষ্ট্র জল জমতে নির্ঘাৎ, সারাদিন এবং সংখ্যাটা মাটি হবার কথা, কিল্ডু ঠিক বিকেল পাঁচটা আন্নাক্ত অরুপের জনা বৃণিট থেয়ে আক্র'শ পরিকার হার হয়। অর্পের জন্য এক একটা বিকেলে প্রেমট গরমণ্ড কেটে গিয়ে ফার ফারে হাওয়া দেয়। যে-সব रित्करम अत स्वन्यात साध्या स्वया ह्यात क्या 47.3

व्यत्भ । त्य मारा ५ देशमरे प्राप्त । करक টাকা পার, ভাই নয়: শুধ্যু হৈ ভার বিশেষ मृतकार्यंत संश्वत रहाते क कारक दर्श दाश्राम বাড়ির গাড়িট'ও পার তাই নয়—সে শীত-্রাদন্র পায় বহাকালে कारम ५ इंटरकार পরিদ্ধার আকাশ পায় ঠিক সময়ে ঠিক एक कारणे दशका भाषा এসবই **अ**वना স্বশ্নার জনা। তা বল কি অর্প কখনো व्यक्तित । कथाना ताम्हात कमा ছিউকে তার গায় লাগে না, ককেরা কি তার জামার ওপর টিপ করে প্রেটির ফেলে না? কিন্তু তথন স্বংনা স্থােগ থাকে না।

र्लांड 'ब्रांव म' कालांखन राग्डे स्थान अकरे. দ্বে গাড়িতে বলে আছে অর্প। বৃশ্চি খেলে গেছে মিনিট পনেরে। অংগ। পাক সাক্তিসর মরদানের বাষগ্লো এখন বেশী সব, জ. রোন্দরে ঝলসাকে তলোরারের মতন। অর্প এখনও ভ্রাইভিং লাইুদেশ পার্যান ভাই একা একা তার গাড়ি নিরে বৈর**ু**নে বারণ। কিম্তু বাড়ি থেকে বেরিয়েই অরুপ ড্রাইভারকে ছুটি দিয়ে দিয়েছে, বাল দিরেছে, আবার ঠিক সাতট্য সামনে বাভির কাছক ছি গলির মোডে অংশকা করতে। প কিং-এর সময় শংখ অস্বিধে হয় এ ছাড়া অর্প চালাতে পারে ৷

मरम स्मरग्रदा स्वित्रह DIFE. অর প ভ কিরে আছে সেদিকে। জোনো মেরের মুখেই তার দৃশ্টি বেশীক্ষণ নিবন্ধ १ एक मा, काबा कहे जि एका भ भिरत व्यमा जना जना कतरह ना, तम भाषा, चाँकरह स्वभ्नारक। स्वभ्ना এমন ভাবে তার মন জাড়ে আছে বে অনা কোনো মেরের দিকে মনে যোগ দেবার সমত হয় নাতর।

স্বন্দার জনাও বাড়ি থেকে গ ড়ি আসে। স্বন্দা আৰু একট আকাশী-নীল রভের শাড়ি পরে এসেছে, তার রাউজের রং নীল, হাত বাাগের রং নীল। কপালে নীল টিপ। স্বংনা নিজেদের গাড়ির ক ছে গিয়ে দাড়াতেই मृत थारक राज्य कर्म मिने। रहमा दर्म. श्रुका छेरकर्ग इरह धीमक-श्रीमक छाका मा। অর্পকে দেখতে পেরেই ঠেণ্ট চেখে সারা মুখ ছড়িরেই হাসলো ভারপর ব'ড়র **ब्रा**टेकात्रस्य वन्तरमा स्थित त्वरक। मूर ৰাড়িতেই জানাজনি হয়ে আছে, গোপনতার কিছা নেই। স্বংনা ড্রাইছ রের সংগ্রেও আগনি वाल कथा वाल, वलाला, भा-रक वलायन, वात्भवव वामारक रगीरक रमर्यम।

অর্পে গাড়ি বোরালো বালিগঞ্জ ফাড়ির দিকে। ধ্বশ্না বললো, তুমি কতক্ষণ দাঁতি ह অছো? ভাগিসে আমি ভাড়াতাড়ি বৌরয়ে এन म। आभारनत जात अक्छा छिडेटो तितान ক্লাস হবার কথা ছিল।

खद्भ वनाता, हम्, माए ठावरण्य भव

—বাঃ গছ সম্ভাৱে দ্ৰ' দিন স্টাইক গোল

—এরপর তো আর কামি ভোমার কাছে এরকম আসতে পরবো না।



কেবলমাত্র প্রাপ্তবয়স্কদের জন্য

क्षणीरमुनाच बरम्पाशास्त्रव

(দাম সাত টাকা) (সম্পূর্ণ হালা আগ্রম পাঠালে ডাকংরচ रम-७शा श्र मा)

জ্ঞানতীর্থ

विश्वास मत्रगौ, कीमकाठा-५२

- TOTAL P

कर्तानम ग्रंथणमा काती छैश्यः हा। কারের ঠোঁটে থানিকটা গাংহ'র ভাবত ফাটে Ga ह। বললো, সামনের সংতাহ খেকে বাব। আহাত্ক বিশ্য রো-র অভিনে বসতে ৰলেছেন। জনা স্বর হতন আমাকেও দশটা থেকে পঢ়িটা অফিস করতে হবে। বাবা बर्गाह्म, इ.एड क्लारम काल का निवरण आति किस्टे र्कट शास्ता मा

-मामारक भारत काशाकर

পাঠাবেন। আমি রাজী হইনি, আমি বলেছে, वाद्यात मान शाया ।

—বাঃ, বেশ ভালোই তো হলো। জামি। কলেজ পালিয়ে তেমায় সংগ্ৰ লাক খেতে । ফিরে একে তাড়াতাছি ?

-সাতা আসবে ?

अध्य नद्रांबर अंगी नवाशान भे दश —या वर्तमाध्राक्तम वाणि रशरक चावान रशक वरण गर करमदे व्यापी। आहे व হাতটা রাপলো স্বংনার হাছে। গ্রংমা কোলের ওপর থেকে বই খাতা পালে কার্যর रबाध वंशारमा, अहे अनारे कृषि ठारेवामा एथा<del>०</del>

-मा मा भा अना काराय।



কাল্পা স্থপন্ধি মেথে আপনি নিশ্চিন্ত থাকতে পারেন। সন্তফোটা মুলের মত আপনি সৌরভ ছড়াবেন। আপনি পাশ দিয়ে গোলে জ্বলান্স ক্রন্তর হবে; আপনাকে সকলেই বুর্যনেত্রে रणवरण । इञ्चल राज्यम कारना मर्गमान भिर्म १४८७ भारत्र— यात्र काराइ रणहे मधुनरक स्तरह व्यक्त व्यापन भारतम यक्त क्षित्रयो व्यापनि ।

ক্যালকাটা কেলিক্যাল -এর ভৈরী

**CCKA 2998** 





বিশুদ্ধাতার স্বান্থ সেরা ( লক্ষ্মীরাবায়র ভাগ্রার



बार्किनेहित बाह विः

(ইংলাড সমিভিন্ড) ব্যৱহ বাড়ে লোটার অভ্যন্ত সময় পভাবিক বহুকের অভ্যন্ত ভলিভাভার এখনে অভ্যন: বিলাভাত হাউল ৮, বেভাতী মুভার রোড, কলিভাভা-১

হানীয় বাধানমূহ : ৫ ৪০এ, বিষতলা বাই ট্রই কমিভাডা-৩

২, বৰাজা নাতী রোভ, তমিকাজা-১
 ৩৫, বেল্পপ্রির নরবি, তমিকাজা-১০
 ১৮, বড়িরালাট রোভ, তমিকাজা-১১
 শি-৩৭৮, ত্রত 'ঝি', বিউ আনিশ্বর তমিকাজা-১০

का को को प्रदान, वाक्षा
 अध्यक्ष, व्यक्तिवान व्यक्ति

कारकां, शंदरा

के त्यस दिएमांकि अकात नार्यक

—ওখানে গিরে খ্র জাগালে জাগালে ব্রনে? একটাও গাহাতে উঠেছিলে? আমাকৈ একবার নিরে বাবে ওখামে ?

— তপালে জপালে মোটেই খোরা হয়নি শের প্রশিত। তোমার চাইবাসা ভালো শাগবে না!

—তা হলে হেসাভি বা কি আর একটা সারগাঃ

-विराय शत जामता काश्मीतः वादवा।

—শ্যাং, গভ প্রেজার আগের প্রভার আমরা বাড়ির সবাই মিলে কাশ্মীর গেল ম না? ওসব ভারগার বেডে আমার ভালে। লালে মা! আমার ইচ্ছে হরে নইন ভারগার বৈডে—কেউ বার না। বেল পারে হে'টে ব্রবো। এই, এবিকে কোথার বাজে।

—কোনো ঠানডা জারগার বলে একটা কৃষ্ণি থাৰো।

— বানো, আৰু নুপুরে ভাড়ের চা খেলাম।
সাড়ে বারোটার একটা অফ প্রীররাও ছিল,
আমরা তিনকন কথা মিলে খেরিছে ছিল্ম,
পার্ক সার্কাদ মরাদ্ধ আর
ভাড়ের চা।

ভাবেশ হাসতে হাসতে বললো, ভূমি ব্যবি ভাজে করে চা এই প্রথম খেলে?

লবাদ্যা একটা লাজকৈ ভাবে বলগো। হা।, আগে আয়ার কি রক্তা বেলা কেরা করতে। । আজ থেরে দেখলুম, খুব খারাপ লাগে না কিন্তু। চা-রে একটা আনারক্তা গন্ধ হয়।

—এবার চাইবাসাতে গিয়ে আমিও অনেক বার ছাঁড়ে চা কেরেছি। ঐ সব মফদেবলের ছোট ছোট দেক নে গেলাস কিংবা ভাঁড়ে চা দের, কাপ রতথ না। গেলাসে হা শাওলা গাওলা নাগ, তার চেরে ছড়িই ভালে। কাপ কেন রতথ না কে জানে!

—আমি ধনতে পরি। কাপের হাতল-গুলো ডাড়াডড়ি তোঙ বর কি না।

—আহা, গোলাস ব্যি ভাঙাত পারে না ?
অর্প আর স্থানার কাছে এখনও প্রথিবীর
অনেক কিছা ভাজনা। আনক ছেটিখাটো
বন্ধারেই ওরা বিদ্যার বেংধ করে। মিনিট
খানেক যে ওরা ছুপ করে রটালো, ভাতে মান
হতে পারে—মফ্রেনাজার বেংধবনের কাপ গোলাস ৩৫ ভাত্তির সমস্য নিয়ে দ্যু জানাই
বির্ভা।

ৰখানীতি বেকেটারটার সামনে গাড়ি পাকা করতে অর্পের একটা অস্থিতে ছাক্ক। ক্রম স্টাপে পড়িনে একটি মেনের দিকে চোখ পড়াকো স্বন্ধার। সংগে সংগ্র সে অর্পের বাহা ছারে বধাকো, এই এই, দ্যাখো, ঐ মেনেটিকে চেন?

জর্প **যাড় ফিরিরে** দেখে বলজো, নাজো!

স্থপনা চোথে চেউ খেলিক্স হৈলে, চোথ দুটো নাচিরে বললো, ভোনার বধ্য দীপাঞ্চলের সংগে ওর খ্যুব ভাষঃ ॥ অমর সাহিতোর নৃতন বই ॥

গ্রেশ্যকুষার যিত্তের

त्रभगीत मन ७॥

अकाच्यी ८॥

- প্রদালত চৌধ্রীর

(शाधृति त्रधोव ए,

আশুভোৰ মুখোপানাকাৰ

বাজ কর ৮,

ন্হাররজন গণেতর

স্বোধকুমার চরবতার নৰ্ভম ভ্রমণ কাহিনী

कूछिल कूसायून ए,

গজেশাকুমার মিতের ব্রভাক্ষর বিরক্ত

गाक्रीक्रीवती अ

একেবারে যারা নতুন **লেখাপড়া** শিখেছে—তারা ব্রুতে **গার**বে

> গ্রেক্ট্রুমার মিত্রের এক প্রহরের খেলা ৬,

नवजन्म ८, भागधनाथ व्यवस्त

कर्नाव उत्रम ६,

বিজ্ঞান নিচের ভিন হয় নয় ৬॥•

আশাপ্রণ দেবলৈ দ্রালকাটা রোদ ৬,

জ্যাসংখ্য জারগা আছে ৫, পরশ্বনি ৫, গ্রেমন্ত নিজে

**অমলতাস ৫,** মহাক্ষেত্ৰ দেবার

অজানা ৪॥• সভেগা বসন্ত ৪,

হবিনারায়ণ চট্টোপ্যাধারের

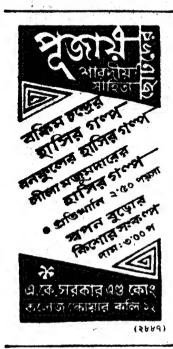
**खना रमण जना मार ১৫,** विकृष्टिकृष्टन वरणमानाशासम

অর্শনি সংকেত ৫, নীহাররজন গলেন্দর

ন্থ তপস্য ১০, উমাগুসাদ ম্খোপাধ্যারের

क्याती गितिशक्ष ७॥•

অমর সাহিত্য প্রকাশন ৭, টেমার দেন, কলিকাডা-১ জর্প আগে মনোবোগ দেরনি, এবার আবার সচকিত হরে তাকিয়ে বলগো, কে, শ্রো? ভালো করে মুখটা দেখতে পাছি মা। মা, শ্রো নরতো, এর রং তো ভালো!





0355-36 646-56-4860

## **একজিমা রোগ**

সারাছীসাস গাঁসত কত রক্তানার বাতবক কুলা কেত-নাসস্থ আন্তর আনেন কঠিন কঠিন চর্যারোগ চইকে ব্যক্তিলান্ডের জনা ৭২ বংলারের চিতিৎসা আন্তর চিত্রিগতিত চউন হাবজা কৃষ্ণ কৃষ্টীর ১না বাহন যোন সান ব্যুট গাওড়া: ফোন: ৬৭ ২০৫১ - নামা। ৩৬ বছাম্বা গারী রেড় চোনিসান বাড়। ভালিকান্ডা-১। প্রেমী সান্তর্যার পালে। ত্বপনা বললো, কালো কোখার? কি স্কুলর গারের রং। বেগী কসা রং আমার মোটেই ভালো লাগে না। এর নাম শাস্ত রার চৌধারী।

ন্ত্ৰাম শ্টপের মেরেটি হাতের ব্যাগটা থোলার জনা একট্ব খুরে দক্ষিতেই অর্প ভাবে ভালো করে দেখতে পেল। মাজা মাজা গারের বং, বিশাল দুটি টানা চোখ— টিকোলো নাকটি মেখলেই মনে হর—এ মেরে খুব ব্যাথমতী। হালকা গোলাপী রঙের ফ্ল ভরেলের হাপা শাড়ি পরে আছে, জনা মেরেদের ভুলনার একট্ লালা —কিন্তু শরীরের স্থানর গড়নের জন্য ভার দৈখা চোখে পড়ে না, সব মিলিরে একটা ঝক্ষকে তকভকে ভার। হাভ ব্যাগ খুলে একটা কালো ফ্রেনের চশমা বার করে এই মাত পরলো, বোঝা বার, মেরেটি সব সমর চশমা পরে না।

অর্ণ বললো, বেশ স্ফার দেখতে তো মেরেটিকে।

স্থানা বললো, কি দার্থ স্থাট । ন্প্রকে তো ভূমি চেনো, ন্প্রের বংধ্। আমার সংগো আলাপ হলো গত সংতাহে। একা একা কি রক্ম ডিলি ট্রামে বাসে বাতারাত করে।

অর্প ছেলে বললো, টামে বালে অনেক মেরেই বার। সেটা এমন কিছু সমটনৈস নর। তবে মেরেটিকৈ দেখেই মনে হচ্ছে সমাট। তা না হলে দীপরে সংগ্রেষ্টেমিন বংশাদিন বংশা থাকতেই পারে নাঃ।

—ওকে ভাকবো?

—ডাকো না।

শ্বনা চেডিরে ডাকলো না। গাড়ির দরজা খুলে নেমে গেল। ফিরে এলো মেরেটিকে সংগানিরে। অরুসও ততক্ষণ গাড়ির দরজা লক্ করে নেমে দাড়িরেছে। শ্বনা বললো, আলাপ করিরে নিই, শাতা রার চৌধারী, আর এ হচ্ছে অরুপ ভোষাল।

ব্কের সামনে বৃদ্ধ কর রেখে শান্তা বললো, আপনিই তো দীপুদার সংগ্য চাইবাসা গিয়েছিলেন?

—হণ্য। আসনে, একট্ ককি খাওরা বাকা।

মনিবংশর ছোট্ট বড়িটার দিকে তাকিরে শাশতা বললো, আজ না, আর একদিন ভালো করে আলাপ হবে আপনার সংগা। আজ আমাকে একটা কলেজ স্টাটি বেতে হবে।

প্রথম আলাপে কোনো মেরেকে একবারের বেশী দু'বার উন্তরোধ করতে নেই, অর্প এইরকম লানে। তাই সে চুপ করে রইলো। শ্বপনা বললো, একট, বস্ন না। আমরা আপনাকে কলেক শ্রীট প্রেণিছে দেখো।

—না, না, আগমারা পেণীছে দেকে ক্লেন? আপনাদের কি কলেক প্রাটি বাবার দরকার আছে কোনো?

—জামাদের কোথাও বাবার নরকার নেই। এমনিই বেড়াবো। কলেজ স্থীটের দিকেও অনায়াসে বেতে পারি।

—তা হলে চল্ন না, ৰলেজ স্থাট কফি হাউলে গিয়েই কফি খাওয়া বাক ?

জর্প লিজেস করলো, দ্বপনা বাবে ? দ্বপনা বললো, না, কফিটা এখানেই খাওরা বাক্। ওখানে বন্ধ চেচামেচি হয়।

শাশতা সামান্য হেসে বললো, অনেকে আবার ঐ চেচামেচির লোভেই ওথানে বার। আমার আবার থবে বেশী শাশত জারগা তেমন ভালো লাগে না। চলনে, একদিন দেখা বাক্।

রেলেভারীর ভেতরটা ঠান্ডা, অন্ধকান্ত, বড় বেলা লাগত। লবাই কথা বলছে ফিসফিস করে। বেল করেকজন ছেলে মেরে বসে আছে, তানের অধিকাংশ কথাই চোখে-চোখে। এখানকার বেয়ারারাও অর্পকে চোন, একজন সেলাম জানিরে চেয়ার টেনে দিল।

স্বপনা বলালো, আসনাকে এখানে দেখাত পাবো, আশাই কবিনি। আসনি তো নাহণ থাকেন।

শাস্তা ছাড় ছারিছে সমস্ত জারগাটা দেখছে, উত্তর দিল, এদিকে আমার এক মাসামার বাড়ি। আমি এ শোকামটার একবার মাত এসেছিলাম আগে, অমার বাবার সংগ্যা

অর্প হেসে বললো, আছকাল আর কোনো মেরে এখনে বাবার সংগ্র আসে না ! —বাঃ তখন আমি সেল ছোট ছিলাম ! ফ্রুক প্রতাম । অণ্ডত্ত সতে আট বছর আগে।

—আপনার বাবা সেই নর্থ থেকে এতদ্যুরে থেতে আসতেন?

—আমার বাবার শথ ছিল নতুন নতুন রেশেভারীর আমাদের থাওয়াতে আনা।

—এখন নিশ্চরই আর বাবার স্থোগ বান না?

—আমার বাবা বে'চে নেই।

এক মিনিট স্তম্ম থেকে ওরা শাস্তার বাবার জনা শোক পালন করলো। অর্প কবি আর স্যাণ্ডউইচের অর্জার দিল। অর্প জানতো, শুক্রা বলে একটি মেরের সংগে দীপুর খ্ব ভাব ছিল ভার বিরে হয়ে যাওরার দীপুরার্থ প্রেমিক হয়ে আছে। এই মেরেটির সংগে আবার করে ভাব হলো? স্বণনা ভাবলো পাস্তার ব্রেস তো প্রার্থ আমারই সমান এর মাধাই ওর বাবা মার। গেছে? ইস, ভাবাই বার না।



### সদির শরুতেই ডিক্স ভেপোরাব লাগান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

ধকন, বাঞ্চার সবে সদি লেপেছে, —নাক দিয়ে জল পড়া তক হরেছে—গলা ধুস, ধুস, করছে। তক্ষানি বদি এর একটা वावका ता करवत जाहरल अहे जानि बुद्ध वाज जिला कुरू हाज भारत तातातथाता - ताक वद हात तिचारतत कहे. का वाका. कानि - किछू जाव वाकि शाकरव ता - अवशा कष्टे (जान कहरव (नजाता ।

সদিয় লক্ষ্য দেখা দিলেই যদি ডিক্স ভেপোৱাৰ লাগানো যায়, কোনো কষ্ট পেতে হয় না— বুকে সদি বসার ভয় খাকে না। আরু একটা কথা! ভিন্স ডেপোরার লাগাতে হবে সেই সব স্বাহগার-যেখানে ঠাণ্ডা বেশী লাগে.-যেমন নাকে, গলাব, স্বকে, विष्ठे।

থুবই সহজ কাজ। তেতে। বড়ি বা, বিজিবি মিশ্রচার ধাওবাতে হবে না। ভিন্ন ভেপোরার কান্ধ করে সঙ্গে সঙ্গে,— সদির কষ্ট খেকে আরাম দের দু'ভাবে —





বাইরে থেকে গান্তে - ভেতর থেকে নিশ্বাসের সঙ্গে

- वृंदक लिर्छ लाशाल शास्त्रत (वमता पृत कर्ड-
- ২) গাবে লাগাতেই ভিন্ন গলে যে ভাপ বেরোর তাতে ডিছের যাবতীয় ওচুধের গুণ বজার বাকে। এই ভাপ নিশ্বাসের সঙ্গে ভেতরে গিষে, গলা আর বুকের সদি গলিবে দিবে আপনাকে সুহ ক'রে তোলে।

সব সময়ে মবে ব্রাখবেন।



সদির শুরুতেই ভিন্ম ডেপোরাব— নাকে. গলার, বুকে, পিঠে ভাল ক'রে মালিশ করুন। হতত্ব না আরাম পাচ্ছেন, এই हिकिश्मा हाविष्य वात।



मिं रमा एति वा ! मिं एक शतर छिन्न एए। तार !

manager state and assessed 1997

#### स्वादिव व्यवस ६ व्यवस्य नातम महणा

### নবান্ন ভারতী

#### अकामिक रहेन

৪টি সম্পূর্ণ উপন্যাস শিখেছেন : প্রেমেন্দ্র মিন্ত, অবধ্ত, দক্ষিণারঞ্জন বস্ ও অভিড বন্দ্যোপাধ্যার। গলেগ, কবিতা, রসরচনা ও প্রকথ লিখেছেন : ডঃ স্নীতিকুমার, তারাশধ্যর বন্দ্যোপাধ্যার, ডঃ মুক্তবা আন্দি, নরেন্দ্র দেব, বনফ্ল, মহাদেবতা দেবী, গজেন্দ্র মিন্ত, প্রমধনাথ বিশা, অসিত গ্রুত, সুধীর সরকার (রেডিও) এবং আরও অনেকে।

বিশেষ আকর্ষ : আপন অপানে ও ফ্রে আর ফ্রে আর প্রচুর ছবি। মুল্য ৩-৫০ মার

অরুণিমা প্রকাশনী ৪৩, নিমু গোস্বানী লেন, কলিঃ-৫

(স-৮৬১৩)

মাড়ী সুস্থ ও সবল রাখতে.
মুখের তুর্গন্ধ দূর করতে
এব উপকাবিত

### বিশ্বতি এর উপকারিতা হাজার হাজার বছরের পরীক্ষিত

দাঁত ও মাড়ীর পক্ষে হিতকর বহুযুগ পরীক্ষিত
আহোপকারী নিজন -এর মৃত্ব অবচ দক্রির উপাদানএলি নিজন টুথ পেস্ট-এ আছে। তাছাড়া
নিজন টুথ পেস্ট-এ রয়েছে 'ফুরাইড' এবং
আধুনিক দন্ত-বিজ্ঞান-সন্মত অক্সাস উপাদান।
নিজন টুথ পেস্ট-এর হিতকর কেনা মাড়ী সবল
করে, মুখের হুর্গর দূব করে, দাঁতের ক্ষর ও
পারোরিরা নিবারণে সাহাব্য করে ও দাঁত
মকরকে করে।

বিজ্ঞা টুথ পেন্ট-এর সর্বপ্তণ-সমন্ত্রিত মার্গোক্তিস টুথ পাউভারও পাওয়ঃ যার।

ত্যালকাটা ভেন্মিত্যাল অর্প বললো, দীপটোর সভো দেখা হয়ে গেলে বেশ ভালো হডে। এখন!

শ্বশ্না বললো, ভাৰো না! দীপালন-বাব্য বাভিতে টেলিফোন নেই?

শাণতা বললো, নাঃ আপনারা খ্ব বেভিরে একেন, না?

অন্পের ইছে হলো, সে-ও দীপরে
মতন বানিরে বানিরে গদশ বলে। দীপ্র
বেনন সেই বাসের নেরেগলোর কাছে
দাবা একটা গ্লে থেড়েছিল। বিশ্র
দাবার কাছে তা বলা বাবে না, দীপ্র
কাছেই তো সভিও কথাটা খলে ডেলবে।
কিবো দীপ্ কি একেও সভিও কথা বলবে?
এই সংশাই মনে হলো অনুপের, এনন
স্পের একটা মেরের সংগা প্রেন করছে
দীপ্, অথচ চাকরি টাকরি করে না! এড়া
ভারী অন্যায়! বাড়ির অবশ্বাও বো
তেমন ভাল নর। মেরেটা কিছু বাল না

শাশতার ব্যবহারে একটার আড়গাল নেই, শ্বশনর সংগ্রাই বেশী কয় ১৪০ছ যদিও, ক্ষিত্রদ অর্গুগ্র কলিন্ট পু-চিনি মিশিরে দিকা জিজেদ কল্লা, চিনি ঠিক হরেছে ১৬০ই

অর্প বললো, পার্ডেই!

শাশতা বদ্ধানা, জানতাম। সাধারণত সব ছেলেরাই চিনি একটা কম খার।
হাসতে হাসতে স্বশ্না প্রায় বিষম খার ফেলে আর কিং রামাল নিরে মান মানে মার বললো, আর ছেলেরা কি রকম মানেনের খালী করার জনা হিলে কিউব মার, গার আপনি প্রটো নিরেন, ভারেই বলনো প্রটো নিরেন,

শাপতা একুখা শানে আবাক জেনে ছেলেনের এককম খুলী করা কথা কথা শোনে নি: একট্র না ছেলে বগণে ওমা, আজান ভারটে চিনি খান, বংলন ট

—এখন থেকে স্বান স্থান হবে সি ক্রেছি। আজ প্রেক প্রুটার কেব<sup>ি</sup> বিজ আর নেবো নং!

একটা বাংদ শাল্ডা বল্লো, আমি বিশ্ আর বেরি করতে প্রেছিনা। আমি কলেজ স্থিতে সতেও প্রিটার মি প্রেছিতেই হবে।

অবংশ ঠাট্টা করে কিজেন করলে: এ ভাড়া? কার্র সংশ্ব আপরেণ্ডমে আছে ব্রিঃ?

শাণতা কিণ্ডু **লক্জা** পোল নাঃ <sup>স্বা</sup> গলায় বল্লো, হ°ন?

-- भौभूत आरःग ?

—হাা, দীপ্রদার আসবার কথা জাল —চণ্ডা

#### কলকাতা মহানগরীর উল্লয়ন সমসা

सकाखात आधिक तरकते गाना ताला अन्नकाद्वन আখিক অপ্রভারতার প্রিচারক নয়, সমগ্র জাতীয় অর্থনীতিবট একটি বিশেষ সমস্যা। কলকাতা বাচলে সমগ্র পরে ভারত বাঁচবে: দেশের অর্থ-ন্যতির একটি বিরাট অংশ বিপ্রস্থিত হাজ রক্ষা পাবে। কিছানিন যাবং কলকাভার সমস্যা নিয়ে নাগ্রিকদের অভিযোগ স্বারই দুখি আক্রণ করেছে। অভিযোগের বহাম্থী প্রকাশ নাগাঁবত জীবনের অভিযরতা যে চ্ডেন্ড রূপ লিয়েছে তা-ই সচিত করতে বিভিন্ন বাসরটে যানবাহন চলাচল অবংবাধ করা এবং রাণ্ডীয় পরিবহনের কোতকপ্রন ন্দ্রধারী বাসগ্রালর ঘেরাও এই অস্থিরতার একচি দিক মাত। কলকাতার পরিবছণ সমস্যা নিয়ে আহল আন্তৰ আনৰ জালোচনা করেছি, কিন্ত <u>এটাই</u> তো কলকাতার একমাত সমস্যা ন্যাঃ প্রিব্রুখ সমসন ছাড়াও আছে আবন্ধনা পরিস্কার জল নিজ্ঞালন এবং গ্রেন্নমণি ও কছটী উড়েজনের সমসন। क्तिभूषि मतकात कर्मकार्थन अध्यानात । स्थानिकार कर्मा मान्य গণেরে উপর দিবতীয় সেত নিমাণ এবং অধ্নতভাক্তি হোল চাগ্র করা ছাড়া জন্য কেন কাতে কথা বরাস্য করেন্ট্রন। শুধ্ াধ-চক্রারতি রেল কলকাতার পরিবহণ স্থাস্থার স্থাধান করতে পার্বেনা। হয়তো এ ব্যক্ষায় উদ্ভৱ কলকান্তার আধ্বাসীদের প্র ওলার সমসারে কিছাটো সারাহা হতে শালৈ তাৰে কলকাতাৰ অধিকাংশ লোক এ-বলেম্থার খ্যে উপক্ত হরেন না। শোনা যাক্তে সরকার আমাদের পাতার প্রবেশ অহবা শ্লেলাগে রেল্প্রে এমণ করার ব্যবস্থা করু। হায় কিনা সে সম্প্রে শীঘুট আন্সেশ্ধান চালাবেন। কিন্তু এই কান্-স্পানের ফলছাতি কী হারে এবং ম্কোত্র কলকাতার নাগরিকগণ প্রতিনিয়ত যে কৃচ্ছাসাধন করে যাতেলা ভার বিনিময়ে কিছা আলোকিক সিণ্ধি লাভ হবে কিনা আমরা তা এখনও জানিন। তবে এটাক সমগ্র কলকাতা মহানগরীতে ভূগত<sup>্ত</sup>থ রেলপথ চালা না হলে পরিবহণ সমস্যার সমাধান কিছাতেই হবে না। ইউরোপের বড় বড় শহরে খেভাবে পারবংশ সমস্যার সমাধান করা হয়েছে, কলকাতা শহরের সমস্যার সমাধানও সেভাবে: করতে হবে: পরিবহণ সমস্যার মোকাবিলা তে। করতেই হবে: কিন্ত্র তার চেয়েও -বড় সমস্যা হচ্ছে মহানগরীর আবজানা দ্র



করার সমস্যা। ভারতের সবচেরে বার মহানগরীর আবজনার দরেমহ নাম রুপ বিদেশের টোলার্ডাশনে দেখার দুর্ভাগা जानारकतरे शासार अवर अजना बाँता विस्तरण আছেন তানের এককালের ভারতের গোরব এই মহানগরীর জন্য উপহাস সহা করতে হকে। কিল্ড বোম্বাই বা নহাদিলীর ভো এই অবস্থা হর্না। মরলা দরে করার **বে** বাবস্থাই করপোরেশন বা রাজ্য সরকার করতে চান ভার জন্য শ্রহা বে টাকার অভাব আছে তা-ই নয়: পৌরপিতাদের आवस्ता म्**तीकत्**र দ্যুতার অভাবর প্ৰীডানারক। কলকাতা শহারের বন্ধ কথ রাসতার উপরে প্রকাশান্তাবে যে ভারে োংরা আবর্জনা পত্তে থাকে এবং শৌচাগারগর্নালকে বে কদর্য CHAPPITAL থাকতে দেখা যায় তা দরে করার জনা পৌর্বিপ্তাগণ কি করছেন? নাগরিকদের ভোটে নিৰ্বাচিত হরেই ভারা মহানগরীর পৌর জীবনের সব দারিসভার গ্রহণ করোছন। কিন্ত জনস্বাস্থা বাতে দ্বিত না হয়, এবং নাগারকগণকে বড় বড় রাসভার নাকে রমোল চাপা না দিরে বাতে চলতে হয় তার ব্যবস্থা তারা কতটা কর**ে** পেরেছেন? এখনও বদি পৌর কর্তৃপক্ষ এ ব্যাপারে সচেতন না হন তবে এমন একদিন আসবে বখন নাগরিকগণও ভাঁদের আসামীর কাঠগভার দাঁড করাবেন।

হতানপ্রীর সমস্থাগ, লির সমাধানে ৫ জনা প্রায়াজন আরও অর্থের। জল-নিদ্কাশনের ব্যবস্থাকে ফলপ্রস্য করতে হলে এবং রাস্ভাঘাট মেরামত করতে হলে যে টাকার প্রয়োজন তা যে কলকাতা কপো-বেশনের নেই এ বিষয়ে আমরা স্থানিশ্চিত। তাই আজ অনতিবিল্পে কলকাভার যারা কাজ করতে আসেন তাদের Terminal Tax চাপানো প্রয়োজন। কলকাতায় **ষাঁরা থাকেন না, অথচ এই** মহানগরীই যাদের কর্মানের এবং আর্থো-পার্জানের উৎস্ত তাদেরও এই মহানগরীর জীবনবাতা উল্লৱন করার ক্লেন্তে সায়িত্ব আছে: শুধু মহানগরীর সব স্বিধাট্কুই তারা ভোগ করবেন, অখচ তার উলয়নের দার-দায়িত নেবেন না, এটা বোধ হয় তার। নিজেরাও চান না। প্রধানমন্ত্রীর সাম্প্রতিক কলকাতা সফরের সমরে কপৌ- রেশনের দেবর তরি অনুমতি কেরেছিলেন

এই মহানগরীতে Terminal Tax
নসারার জন্য। কিন্তু এই অনুমতি
এখনও মেলেনি। প্রধানমন্তী ব্যারীতি
রাজ্য সরকারের ন্যারশ্ব হ্যার জন্য কর্ণোরেশনকে উপদেশ দিরে গেছেন। এক্নেয়ে
রাজ্য সরকার এবং কলকাতা কর্ণোরেশনকে
এগিরে আসতে হবে, কলকাতার ন্যার্শ দেখাটাই এখন তাদের বড় কর্তব্য হওরা
উচিত, শুহু কেন্দ্রীর সরকারের মুখানেশী
হরে থাকলে সাধারণ মানুবের স্বস্যাগুলির কোন স্রাহা হবে না।

বিদেশী পর্বটকদের কাছে কলকাভার



৮ম বর্ষ : প্রা সংখ্যা '৭৬ ৪০০ পাতা, ৫০ জন লেবক

৪টি উপন্যাস নরেন্দ্রনার নির, আলা-পূর্ণা দেবী, হরিনারারণ চটো-পাধ্যার, সুনীল গলোপায়ার

১৫টি গ্ৰিপ, বনক্ল, প্ৰেলেন্দ্ৰ লিড,
বিভূতিভূষণ ব্ৰেণাখালে, লভনিন্দ্ৰ বিল্লোডাৰ্যার, আল্ডোৰ ব্ৰেণাখাল, নালারণ প্রেণাখালার, সকলেল বন্, বিল্লাডার, প্রবাধ নানাল, লৈকভানন্দ ব্ৰেণাখালার, লচালেন্ডা নেবী, লিবলাল ভেলতা আছা পাকভালী প্রবাধ

(fx-8955)



আকর্ষণ করে গেছে। শুখু বে আবর্জনার করা ঘছানগরী প্রীহনি হরে পড়েছে তা-ই মর্ক। কলকাভার নাকি বিদেশী প্রতিক্রের থাকার প্রাণ্ড বাবকথা নেই। বোন্বাই এবং নরাদির্রাতে দ্টি করে এবং আগ্রা ও করেপুরে একটি করে Five-Star Hotel আছে। কলকাভার সংপ্রতি বে "হিল্পুন্থান ইন্টারনাদানাল হোটেল" তৈরী হরেছে ভাছাড়া দ্বিতীয় কোন Five-Star Hotel নেই। এখন প্রশান্ত বিদেশী প্রতিক্রের থাকার স্বালেশত করার প্রাণ্ড ব্যবন্ধা কলকাভার নেই। ক্রেপুরি সরকারের প্রতিক্র বিভাগ্ত একনা কলকাভার নিই।

প্রতিকদের পাঠাবার জনা বিশেষ আহ্নত দেখান না। ভারতীয় কলা, কৃথিত ও সংস্কৃতির আধ্নিক পাঁঠিস্থান কলকাভার আকর্ষণ কিস্তু বিদেশী পের কাছে মোটেই কম নয়। বিশেশী পর্যাটকদের কাছে কারাভা মহানগরীকে আর্মপ্র রমণীয় এবং আকর্ষণীয় করার জন্য অক্টোবর নাসের ১৫ তারিখ খেকে ২৩ তারিখ প্রশন্ত ভারত সরকারের প্রাটন দশ্তরের সহ্বাগিভার রাজ্য সরকার কলকাভা উৎসবের আরোজন করেছেন। পশ্চিম স্পের্ব করেছেন নাগরিকদের কাছে অন্যুরাধ করেছেন কলকাভার উৎসবের সর্বাধানন্তী নাগরিকদের কাছে অন্যুরাধ

করে তোলার কন্য। একেন্টে নাগনিকাদের
সংখণা পারিছ আছে। প্রাসাদ-নার্কা
কলকাতা বে সর্বাধিক পরিমাণে সচিত্
অধারিত সে কথা কলকাতার নামারিকগণ
কানে। এখন দরকার কিন্তাবে কলকাতা
মহানগরীর ল্ভে গৌরব ফিরিরে আলা
যায় এবং নাগনিককাবনে যে সর্বালা
অভিষ্ঠতা দেখা সাচ্ছে তা দ্রে করা যার

#### কৃষি-প্ৰসিংকৰ জৰুৰা উন্নয়ন স্প্ৰিতি গ্ৰেম্ব

खातात कृति-द्याभाकत कारान्या असर कांस कार्य निया क्षांभकानत अवस्था केलमान्त्र সরকারী প্রায়-বৃতিদ্ব ক্ষেত্র তেমন বিশেষ কিছা হয়নি। কাচ ভাষিক ক্ষিণ্টেন্ত প্রতিবেদন এবং জানীস ভ্রম-কমিশনের ভাতিবেদন আয়র। দেখেছি। भाषां शक्षात्व কৈছে কিভাবে শুমিকের কর্মাসংস্থাতেরে বারস্থা করা মন এবং কৃষি-শুমিকদের অবস্থার উল্লাভ কর এ সম্পার তথাবহাল সমীকার முக்டு ஐதுக் தோத்துள "Agricultural Labourers in India-नाट्य अक्ति शरम्म । अहे शरम्म (क्रमका राज "STAGETAL প্রকর্ণাপার্ড : 2000 思想的密度 ভৌগ্ৰেম্যাভুল ভাওতে ভিজ্ঞাৰ কৃষ্ণিৰভলতেও মাধ্যমে শ্রা ক্ষতি । উল্পাদন ক্ষতি 🖯 नशः कृषेष-क्षांभारकदक्षः भारतकशःव विदर्शेष ६८५ **9**9574

ভারতে কামনিক্ষর শুলানিবিও উৎপাদন PARTY SPIRITY ্ৰুপ্তিত কট্নয়নে সহা মেল্ডের ব্যালম্বা এক ফলনালালৈ লাভি নানন বেলিক কারে প্রিয়াল জন্ম উপাত উপ**যান** পরিমানে সার প্রসাগের নাথান্য ବ୍ୟାବ୍ୟରେ ବ୍ୟର୍ଥର । ବ୍ୟର୍ଥର ଓ । ্রপ্রয়োগ করে। ক্রিয়োগ্রান্ত নার উৎপাদন ক্ষিপ কথা সম্ভন করে \*\*\*\*\*\*\*\*\*\* কে কেন্দ্রে আমরে। কেন্দ্রে পর্যান্ত ক্ৰিল-প্ৰতিপ্ৰেৰ সাফ্রেণ্ড গোলাল 一维也 遊物法 東門 門 কুষিয় মণ্ডাত্রণ কুষিক্ষেত্রে কথারও কুমিক্সের অনুস্থা চাস্থ উল্লেখ করতে হলে ভিন্তি জিনিয়ে প্ৰবেশক শ্ৰেই বৈশিষ্ বেলাবিল হকেও (১ উন্নতি ধরটোর কল্য কোলালের সালে ক शामकदश्य श्रीवीऽन्छ कथा, (३) क्रीय-श्रीमन एसत बाक्यांति निरम्भाग क्रांतर अविनिश्न भागः। लिमाञ्चल, काबर (७) कृष्यकरमञ्जू भारता भाषाता লিক্ষার বিশ্রুতি। এ **ভাটো ক**টি প্রায়াকদের অবস্থার উল্লাহকদেশ সামাতি ভাবে কৃষিৰ উল্ভিন্ন জনা <del>গ্ৰহণ</del>্যাণ मध्यस्य वाराभ्यात भ्रामाञ्चन चानवनीकार्यः।



### অবাক হবেন নিজেব বং দেখে !

নায়ের রং করসা নর বা কিছুটা চাপা ব'লে রান রান রানে রানে জাফাশোস্, এবার উদ্দের ভাবন। পূর করার ডারাকেরার রোরাইটনিং ক্রীয় । দীর্ঘ পাবেলায় এবং বিজ্ঞানসক্ষত নান। ভূপ দ উপকরণের সময়ার তৈরী এই জীম, — অধু ওপর-ওপর রালেপ দেবার কাজ করে না, রোমকুপের শুড়ীরে হোরে এমন সব রৌপ প্রিরেউন ঘটার যে আপনার রাং হ'য়ে ওঠে উল্ফল আর দিনে দিনে আপ্রি করসা ও আলো স্থাকর হ'য়ে ওঠেন।

### **ডार्याटकसात** शियारैंगैविश क्वीय

মাখনে চাপা রং হবে কনক চাপার মত সূলরে শুক্তকারক: সাহের সিং'স

'বিউটি ইয়া ইওর বার্গরাইট' পুল্তিফার মন্ত এবং আপিনার প্রপদ্ধার নামা সমাসার উন্তাৰত মন্ত আমানের 'বিউটি কনসানটেন্টস্',পোইং বল্পঃ ২৪০, মিট্ট বিল্লী,এই প্রকালাত সিভুল



শি লগী মহিম মাদ্র সম্প্রতি আকোডেমি বালোরাতে তার প্রদানীর আকোজন করেন। শিহপার অফননরীতি বিমৃত্যু প্রদানীতে তার সাম্প্রতিকতম করেক্টি ব্যবহা দেখা যায়।

ছচিয় বাদ তথাৰ বিৰপ্তী সমাজ প্ৰিচিত। তিনি নিয়মিতভাবে ছবি একে আক্রা ও বিভিন্ন প্রদর্শনীতে অংশ প্রতশ কবেন। ধারা ভারি অধ্যানরগাঁতর সংক্র লান্ডিত তাৰা শিল্পীৰ আধানিকত য়াসভা প্রিবার্ডনি লক্ষ্য করবেন। শানা স্থাসন্ত মধ্যে বিভিন্ন আকাতকৈ সভেদক্ষভাৱে भ्यात्रस कवाडे दिल एडेंड डेस्प्समा । अध्ये-ভানি সাধারণত শানা বৈত্র ভারই লাখা প্রায় জনীয় কথানবিকেকে তিনি নান আৰু ৰ প্ৰাপনা কৰাত্য ভা বিভিন্ন ব্যৱ भागा भराम ७ अन्दात इत्य त्यामहत्ता । एडि বহু ব্যবস্থানৱৰ্গীত সাধ্যমণ, অঞ্চাই পৰিচিত শান চাক্ত ভিনি ব্যৱসাহা বাধাকের ইবন ছলে ফেল্ডার্ডন। তার রক মলেনেরকে তাঁর চিন্তা-ধ্বার পরিচয় পাওয়া খেতা বিভিন্ন রভের স্ক্ৰিল্ড সংখিদ্ধাৰ্গ লে ভাঁত ক্ষেত্ৰতি বচন ्रियामधास्त्राच्या तक्षत्रका <del>अ</del>तकाः ।

प्राथम मेल्लको एएएएउ प्राप्तकहरे काण প্রান্ত্রক বিষয়ের কারেছেল, অর্থাত বচলারকার উপেক্ষাক্ত ভাগে আলে স্বল্প তেখে। धर्याभक्षे स्थानकीक रहात्रे कहा सारा आकारत হাল কলেছিল। দ্বাধ্য হাই নহা এই বিভিন্ন के बाहितार्शिक्ष कामा क्षेत्रप्रकार<sup>में</sup> र एक **छ**ार । स्ट উপ্লেল বড়ে ভাবে ক্ষান্ত বিভিন্ন প্রতিভিন্ন স<sup>িন্</sup>ট ক্রেছেন। এই হারত কলে করর ফলে ক্ষেক্টি ছবিছে দুৱলৈ কাটের বৈশিক্ষা সংখ্য উঠোছ - সেছন ১৫নং শুসনা। অক্টের পরিপূর্ব ব্রের পার ব্রেয়ার কললৈও সিল্পী প্রয়োগ গলাম ও সংক্র াবিছৰ সম্ভাগভানেৰ উপৰ - প্ৰাহান্য সাম কাৰ ष्ट्रीताच्या वेत्रीवद्या काराध्यम् । अपि अनामारहे টিট্য সাড়ের বালৈ হলাস 😿 সংক্রেল-এই হিন্তিট মিলপার প্রিয় রছ মান হয় এবং দৈখা যায়, মালভ এট কেন্টো স্বট বৈভিন্ন \*ইবে বাবহার কার হিনি সাজ্ঞা জাভ करवरहरू। फेन्हिन्स जिल्लास्य के छ ६५गार-এর উল্লেখ কর। মামা বিশেষ করে শেষোক্তিতে এধ্যক্ষার সাম ক্রপ্তার পরি-প্রেক্তি গাট মীল বড়ের বাব্যার-কৌশ্যালয় মধ্য দিয়ে একটি স্ফার ও <sup>কার</sup> রাপ কার্য্রে উঠোত। ভরাস করেব শহকৌশল ব্যবহারের দিক থেকে জাকাব-



·ক্ৰেপ্যাক শ্**ন** 

--वर्षा प्रदेश

প্রধান ধনর রচনাধ নাম করা চলে। তবে ক্ষেত্রটি সংক্রিপ্রধান রচনায় নিজ্পীর প্রকার বাঁতির পরিচয় পাই, কেমন ৭ ও ১৯৮০ সংঘরত এগালি প্রোনো রচনা। মান হয়, আধানিকতম রচনায় নিজ্পী আইক সাজনোর পরিচয় বিশ্লেছন। তবে এবখাও ঠিক যে, আকার ও রঙ্কৈচিটাই এই ভাতীর রচনার মাল কথা। এ বিষয়ে অবাত্রত হয়ে কাল কথানা নিজ্পীর সাফলা লাভ স্বানিভিত।

#### $\star$

পশ্চিম বাংলার হাতে-টেববী বেয়র্ভা ও কাল্য প্রসমূহবারক সংস্থা ও শিক্ষাহন-এর উলোগে জ্ঞাকডেমি গ্যালারীতে এক প্রদর্শনীর অনুষ্ঠান হয়। প্রদর্শনীতে প্রথম সংক্ষার তৈরী নানাপ্রকার কাগজ ভ ন্দিতীর সংক্ষা কতৃতি প্রকাশিত সন্দ্রা কালেশভার, অভিনদন-পত্র ইত্যাদি দৈবা বাব।

পোশাক-পরিক্রের ক্ষেত্র বৈমন বেলমের 
একটি বিশিষ্ট ক্র্যান আছে । লিখনাক্রেক্ত ভ 
লতে-তৈরী কাগজের বিশেষ মূলা আছে । 
এই দুটি জিনিস বাবহারের মধ্য দিরেই 
ব্যক্তিগত ব্যক্তিবাধের পরিচয় পাওয়া বায় । 
লতে-তৈরী কাগজে বাজারে প্রচলিত 
কাগজের মত সালা বা মস্প নর—কিন্তু

### टेमटलन टघाट्यब

ছোটদের রূপকথার গ্রুপ

## ছোট্ট সোনার গলপ শোনা



আনন্দ পাবলিশাসা প্রাইটেট লিমিটেড কড়াক

শীঘুই প্রকাশিত হচ্ছে

হাতে-তৈরী কাগজের একটি বিশিন্ট रमोर्चेय चाटह. रवीं व्यता कागरक रमथा बाब मा। कारणा रत-रत्नोकंत कारथ शक्रत कारणबर्धः बारमञ्ज निक्रम्य ब्राहिस्याय कारह। बारमरकव भावना आटक रव. बारक-रेखवी कामरक किठिशत रहाथा या श्रासण-काळ घटना म्ब। दन बात्रणा दव छन, का श्रमणीतीरक म्बलके स्वाका बात। शास्त्र-टेल्सी स्वास्त्र प्रवास काशक शामात छेगदा गी (टीकाक्ष) श्रमणं मीटल शाबा जाटक, का टक्टब कानाक कानाक करताकन। दक्षणांती म्यारणा केनाताची वित्विक्ति करता ७ जन्दर्भ व्यक्ताहामा रनारम सत्तक सारक-रेकती प्रश्हे क्ष**क नक्षत्र नाशकणा**दन (नरण नानर ७ हरन)। कींठा बाबा ट्यटक ब्युक्ट करत मन्छ टेटती कता কৰা কামৰ প্ৰদত্ত প্ৰদালী বিভিন্ন চাটেৰ

রাধানে প্রদর্শনাতে দেখানো ইরেছে। নেই
সংশা সালা ও নানা রঙের বিভিন্ন
কাগজের নিদলনও দেখা বার। বিশেব করে
ছারিং কংগজ, কলাপাতার খোসার তৈরী
বাদানা পেশার ও গাহসজ্জার উপবোগী
বিভিন্ন রঙীন কংগজ দেখে অনেকেই
উৎসাহিত হরে ওঠেন। তবে কর্তৃপক্ষ
বিল্প এলাতীর কাগজের সহজ্জভাতা
বিবরের অধিক সচেতন হন, তা হবো জনসমাজে হাতে-তৈরী কাগজের চাহিলা
অবশাই বৈডে বাবে।

শিশপারন একটি পরিচিত সংশ্বা। এই সংশ্বা প্রকাশিত চিচ্নকলা বিষয়ক ন না বই জনপ্রিরতা লাভ করেছে। গত পাঁচ বছর বাবং প্রদর্শনীর অনুষ্ঠান করে এই সংশ্বা সকলের দুদ্টি আক্ষর্য করেছে।



ৰ্জিনশন-প্র

—শিংশায়ন

नकालक न्यामीत

## र्थ अञीज कथा कउ 5500

ভারতবর্ষের স্বাধীনতা আন্দোলনের প্রামাণা গ্রন্থ। শামালাল দাশগ্রেতের ভূমিকা সহ সচিত।

নির্মলচন্দ্র মৈত্র-এর দ্বিতীয় উপন্যাস

ञञ्जाल कर्

ৰাশ্তবধৰ্মী লেখক সৌরি ঘটকের নতুন উপন্যাস

রক্ত রাঙা নগরী ১০০

সৌৰীন সেন-এর উল্লেখযোগ্য বই

ভিয়েতনাম ১৯٠०० সূর্যস্থারা (নটক) ৯٠০৩

क्रा थिरक रमन्ना ५.००

নৰভারতী:

**४, न्यायाहतन ए**न न्यूरीहे, कनिकाटा-५२

(সি-৯০৫৩)



অকালে চুলে পাক ধরেছে ? ভাজমন দিয়ে আপনার চুল তরুণোচিত কালো কোরে তুলুন

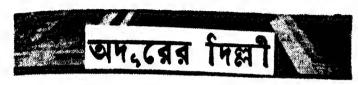
— আদল হেবার ভার্কনার। ভাস্মল আবার আপনার চুল চকচকে, বাহ্যোজন কালো কোরে ভোলে। মনে রাধ্বেন, ভাসমল আবার চুলের একটি নির্যুক্ত প্রদামনী।

ভাসৰা ছুই বছণে পাৰেন ঃ ভাসৰা ইথানসিকানেও হেয়ার অবেন (১১০ ও ৪০০ গ্রাহ বোডনে ) এবং ভাসত্তর পরেভ (ক্ট্যাভার্ড পার্যিক্ট)



প্রদেশনীতে হতেত্তিরী কালাছের পাল कडिनन्त्रभट कालान्छ । शर्कान्य गर्ना **उत्त**्यामा निरम्भन एटमा एक। কাশনা ও অধ্যাসম্ভাব দিক হেত্ক এলাভি খ্রেই সংকর। এগালি পালে।ও উল্লেখনি উপলক্ষে উপহার দেবার টপয়্ভ: বিশেষ করে প্রাত কভারের ওপর ভারতীয় স্রালি-হাঁফক ও অফোকারিক অফ্রেন্ট্রসলান সেখে সকলেট আলুল*্ড হল*। সমুদ্ ডিজাইনট শিক্ষী সভাগ্র কর'ক সিংহ ক্ষানৈ ছ.পা। শিংপায়ান্ত সভাগণ যে **প্র**গতিবাদী, ভার পরিচয় পাওয়া হায बारभएमा अधिनन्तरभार party of a Wienern Pr 6 **\***77.3 WELF ? স.পরিচিত করেকটি ভিতিতিতের প্রতিভাগ সিংক স্কর্টনে হয়পে সিংস্পানন প্রত্তি সরেটের পরিচয় নিষেক্ষন। এই প্রসংগ্র আগামী বছাবর দেওয়াল কাল্ডাল বিশেষভাবে উল্লেখযোগা। বংসর্টি বিদ্য নিলেও ক্যালেণ্ডারের সিবক স্কুরি: ছবি-**कानि वर्शानन यावर एक एकान्छ। १८४८**४ শোভাবধন করার। মিকেপায়ন সংস্থা কত্পক এজাতীয় নিদ্ধনিগ লিক টপ্লাক श्राहात ज्ञाहा विकास का कि नामुखा गुरुप করেছেন জানি না। তথে কেবল পদশ্লীত करमकानाक प्रभाव । कनाव माराण দেওরা ছাড়া কর্তৃপক্ষ যদি তাদের সংস্থার टैडवी नितमनिग्रामित तालक अठात थ विकरमञ कन। यथारयाना भग्ना अभिकास्त গ্রহণ করেন, তবেই তারা লাভবান হবেন এবং ভাঁদের সংস্থায় ভৈরী উপহার দেওয়ার উপযোগী বিভিন্ন পত তথা কার্ড শোখিন সমাজে জনপ্রায়িতা লাভ করবে।

চিত্র প্রয়



ক্ষী নাটাগোণ্ঠী প্রবেজিত "এলের
বিত্র দেশে" নাটাছিনর দেখতে
প্রেছিলার সেদিন ফাইন আর্টস হল-এ।
ক্রেইন আর্টস হল দিল্লীর একমতে
আধ্নিক বাবস্থার নাটারণ্ড বার হন্দা
সংগ্রু ভাষাভাষী দিল্লীবাসী নিথিক ভারত

لعافك

ালকলা সমিদিৰ কণ্ড \$ 723 F.W. হাকাৰ। সমাজ প্ৰায় জিল দৰক হাও এই সম্ভিত্ত কথ্যাৰ এবং প্রাণ ভিলেন গ্ৰুণ উলিল ৷ প্ৰচাত গো**লে প্ৰা**য় তিনি**ই** ਦੀ ਸ਼ਵੇਰ ਬਾਰੀਸ਼ ਵਲੀਏ ਸਿਗੀਕਾਸ਼ੀਕਰ টপরায় বিক্রেছের বলেই ব্যৱধানীয়ে পকে। নটামেলে নিয়া নিয়ে এখন ওক্ষর নাটক 16명, 300 보트만 1756 : 60 9073 B ক্ষাণা হাবে গ্রেফটি ছোটাখাটো নাট্যাপ্ত অন্তা পেটেছি তথা ভাগের কোনটিই এই ফালে আউল হালের মাহন সহাধানিক আলেও খণ্ডপতিয়াৰ নাউলেও নহ। কনট গ্ৰেস থেকে প্ৰভাৱনেট স্টুটি গ্ৰাহ <sup>†</sup>কেলটাৰটো কৰে হলে **নামপ্ৰ** থাক মার্মন কিন্ত্রার পর্যটিত সেই কিন্ত্রাই %ীৰে ভলিতে। প্ৰেছ্য ন**ী**ল আকা**প** ুমেল মেয়েৰ মাধাম আন ইলিয়েল, চুটাৰ ত্তি লেভ ক্ষেত্ৰৰ সেসেইটাৰ মালোকভাস ভয়। অটালিকা। সূত্র শীণ-ए श्रीनदीस्तार काहेस आहेल 120 বলকাতার বাইরে সাক্ত ভারতে এই কেটিই বোধনের প্রথম পার্যালক স্টেল— শ্বাত শিক্ষী ব্রেদা উক্লির বহাুকালের থাগা আজু বাস্ত্র। সংগ্রিম্ম্লক সংস্কৃতিক কাজে ভাবিশ্রাম খাটাখাটিব বেলায় ব্যৱাদা উকিল ছিলেন থাকে বলে সংলগীয়। রীভিমত একটি মহদলের। বংগ্রী-ব "একোম নতুন দেশে" শ্রে হবাব প্ৰাঞে আমি ফাইন আটস গিয়েছিলমে। ব্যব্যার ২১শে সেটেউলা**র**। হলের বাইরে সব্জ ঘাসের লনে অপেকা কবতে করতে শ্লেলাম পথানীয় "সাহিত্য বল। পরিষদ"-এর আগামী নাটক প্রতি-(साकारा সংশ্ৰেক हैक-भाग जारमाहना চলছে। আলোচনা মানে কথার পিঠে

কথা আর কি, বাতে ছিলেন জনাকরেক
নাউনপ্রেমী বাঙালী তর্ণ-তর্ণী।
প্রসংগটির কিন্তিং ইতিব্রু আরোম দিরে
দিই, তাতালে বাগোবটা ব্যক্তে স্থাবিধে
করে: —এই বছরের ফেরুয়ারি মাসে
কেন্দীর সরকারের দিল্লী প্রশাসন স্যালিভান
কলা পরিষদা গালভব নামের পারাপাকি
একটি সংগঠন চালা, করেন হঠাং করে।
৮লা, করার সময় সাজ্যবার জনজ্ঞালে
২পদ্টাক্ষার হয়াখিব ভারতের রাজধানীতে
াধিলপ এবং সাহিষ্যার উপ্রিম্পান রাজীণ
হার। ভালো করা: প্রিম্পান হারতি

অস্ত্ৰান্ত কৈছাৰে কেন নিৰ্বাচিত সদস্যদেশ স্বাত্য ব্রেছেন দিল্লী প্রশাসনের চীক क्रतज्ञश्यी ভর্মাকটাটিভ অফিসা4 পলিটিশিয়ান ডি কে মালহোতা. বার নিদেশে এই সেদিন কবি বাষ্ক্র-চন্দ্ৰকে গ্ৰেপ্তাবের প্রোয়ান হতে পারত এতই ইনি ভাষাপদ্র পরে, ব। পরিবদের "নিব্যচিত" সদস্যদের মধ্যে আছেন হিন্দী ইপ্রাসিক ছৈনেন্দ্রকুমান, পাঞ্জাবী কৰি অম্ভ প্রিতম, সমাজ সেবিকা সরন রাণী, আর হানৈক বি এন নাখালি। আবাৰ বলভি প্রাক্রান্ত দিল্লী প্রশাসনের উল্লেখ্য 'সেহিতা কলা আলবং প্রথমনীয়। প্রিষ্দ"-ও অভিনদন্তীয়। তবে পরিষ্টের আলামী নাটা প্রতিযোগিতার নির্মকান্ন বাঙালী এবং দক্ষিণ ভারতীয় দিলীবাসী (সকলেই দিল্লী প্রশাসনের সন্মেত প্রজা)

### গান্ধী শতাব্দী প্রকাশন

ৰাহির হইরাছে গ্লেন-প্রেন প্রাক্ত গ্রান্থী-জাইননী শ্রীবহুনোথ মাইতি প্রণীত

## জাতির জনক গান্ধীজি 🕫

R

সূক্রি শীপ্রভাতমোহন বন্দ্যোপাধ্যায় প্রণীত

### शान्धी-कथा

গান্ধী শতাক্ষীর বংসারে বাহাতে হাবে হারে মহারাজির পালে জীবন-কথা পেশিভাইয়া দেওম যায় তদ্দেদশা এই পাশাল জীবনীল্লথয়ে প্রচার করা হট্যাতে। প্রচাসংখ্যার সন্পাতে দাম স্থাতিশয় সম্ভা। ন্লা প্রতি থাও মাত এক টাকা।

আমানের প্রকাশিত অন্যান্য বই	
আথিক সমতা : গ্রীভবানত্রিসাদ চট্টোপাধ্যায়	0.60
ভ্ৰুপ্ৰতা ৰঙ্গন : গ্ৰীনিশিকাল্ড মজ্মদান	0.40
পল্লীন্থাপা ঃ শ্ৰীকানাইলাল দত্ত	0.60
নারী-উন্নয়ন : প্রীযোগেশচন্দ্র বাগল	0.60
ज्ञाश्रह्त कथा : श्रीरेगलभक्तात वरमराभाशात	0.00
কুণ্ঠসেৰা : ডাঃ পৰ্যতীচরণ সেন	0.00
সাম্প্রদায়িক সমস্যা ও গাংশীকি: অধ্যাপক রেজাউল করিম	0.40
श्रामकत्रका कर्णन : शिविकश्रनाम हरहोशाधाःश	0.40
গান্ধী-গদপগ্ৰেছ : শ্ৰীবীরেন্দ্রনাথ গুহু সংকলিত	0.40
•	

নাট্যামোদি মানুকেই চরম হতাশ করেছে
কলে সংক্রতিবান বহু নরনারীর মাথে
শানেছি। পরিষদটি সমস্তা দিল্লীবাসীর
উল্লেখ্যে গঠিত হয়েছে বলে লিথেপড়ে
ঘোষণা করা হরেছিল। অথচ এখন নাট্যপ্রতিযোগিতায় বাংলা আর দলিশনী
ভাষাভাষীদের তাতে চুষিকাঠি হাতে এক
ঠাাগে দড়িয়ের থাকারও নানাতম প্রান্ত
নেই। সদপ্র প্রান্তিরিজাভা করে রাথা
হরেছে শ্রেষ্ উদ্বিধিনিত আর পালাবী
নাট্যকর জনাং প্রতিযোগিতা হা তা

কেবল উর্দ্ হিন্দি আর পালাবী নাটক।
উদ্দি এবং পাজাবী নাটক পিছিরে বরেছে
হিন্দি নাট্যাভিনরের ভুগনার। স্তরাং
একমাট হিন্দিশুদীদের বিজয় ঘোষণার
উদ্দেশে দিল্লী প্রশাসনের প্ররোচনায় এই
সাড্যুবর প্রভিযোগিতা? সমুদ্রু পরিকংপনাটাই দিল্লীবাসী অংতত বাঙালী
নাট্যামোদিদের কাছে রহসাজনক ঠেকছে,
আর জনসংঘ প্রশাসনকে চিনি বলেই আমার
কাছে প্রচণ্ড হাসাকর লাগছে। এ কথা
কোনা প্রকারই অংকীকার করার উপার
নেই, গোড়া থেকেই বাংলা নাটক অগ্রগায়

হারে শীর্ষ শানীর হারে রুরেছে <sub>বাজ-</sub> ধানীতে। কয়েক বছর ধরে নাটা প্রা যোগিতায় ন্যাণিলী কালীবাড়ি বেংগলট द्वारवद अनवमा अवमान अक अन्य दानि ছাড়া ছোট-বড়-মাঝারি মান্য কার্য চোখ अज्ञादनात झाक्याकें नरा। नमात जात कि বর্তমান বছরেই এই বাঙালী প্রতিখানে বলিক উলোপে প্রথম সর্বভারতীয় নাটক প্রতিযোগিতা স্বজন্যাহা একটি निक्शान कीन साम भक्तकान गात प्रश्निक হয়েছে। আর এখন কিনা কিভার কর हकारण करत वारमा गाउँकाक <sub>आवितार</sub> সমূলে বাদ দিয়ে দিল্লীতে প্রশাসনের বদানাতায় "দিল্লীবাসীর জনং নাটক প্রতিযোগিতা কেন দিল্লীবাসী রাজ্যানীতে বিদেশী: e ব তামকে বাদ দিয়ের রামায়ণ! অন্তত্ত দত্ত আলার করে হাজে। -- এটস্ব ভূক' (১৩) ফাটন আউসি হাপের ঘাসে ভাত্যা জগ বিক্ষাম্প্রণীর আবেলভাগ আজিলা কেন্দ্র বললেন, আস্ম, অমের। সংগ্রাজিক STER 5.4.807 দর্ঘাদ্র করিও ক্রানোক্রলে কি ক দর্থান্ত করতে তার তা আমি নিবিং সাত্রাং রগান্তী নাটালোচ্ঠী গ**একেন** নতুন কেশ্যে নাগ্র

ভাছাতাভি হলে চাকে পালেও :

শ্রেরবার সম্পাধ কলক'রা হেবে ৩.০ রপারী নাটাপোম্টার প্রদারতা নাড द्रमदर्शीक्षमाम । द्रमाण । धामाप्ती रामाद्र र আমার উপর প্রভাব বিদয়র করে ১৮৮০ মমাক্ষাটি একেন্দ্রে মাম**্প**ের 🕠 গিমেটছল কলে আজ রবিবারে ফেল লাসং शतका क्षेत्रित । <mark>करनम सङ्ग एत्र</mark>भग एत्रा र **স্থাননীয় উদ্দোক্তাদের আক্ষানীয় ৬**৩৩ অভাবে সেদিন দশাৰসেংখ্য গঢ়িবলি জনাপঞ্জাব্যক, সংক্রেণ্ডলভ্র প্রিকার আর্বগ্রাম ন ভিন্নতাতে, লে চন্ত্ৰ ভাষের । ইন্ত্ৰা স্থিকভাষ আছে দ বাট্রেলনে নিয়ে**ছিলে**ন নাটকটার্চা ব্রি জমেনি, ভাদের নিলিপিড সমালেড পড়েও আফ্রকে এখন দেখাছ 301-नगरिक। का बा बाला, नामेनाधिनकात च লানিতে সভাপে ক্লান সাক্তের মানে ই লব্দেষ্য ব্ৰি আমাৰ নিজেবট মাণা ব যেত, কেন না রপালী দিলাতে খাতি মাদিও রগেটীর প্রশোজকদেব স্পিত এই শ্রেই यात्रात यद्धनाः विरुक्त भवन्छ। माजेकात ५ माजेहिन রমেন লাহিড়ীর শাধুনলে বড়োড 🤔 किए इसे विस्तृतिमधा জ্ঞানভাম ন কুঠার সংশা আমার বলতে হ'লেচ, শ রপাশ্রীর কোনো নাটকও এর প্রের 🤔 মঞ্চপ হতে দেখিনি কলকাভার হাজাব ৰাওয়া-আসা করেও, তথাগি ৬'সেই :

প্ৰকাশিত হল

अत्रा अकामनीत वह

## রুপে রুপান্তরে <sup>इक्षमाध्य</sup> ७६।

মাংস নয়, দেহ: নারী নয়, মন: পিপাসা নয়, হাীরেন। এ উপনাস শ্রের থাকা গলেপন নয়, জেগে থাকা সাহিত্যা। এক উরেল ভাসকরকে নিয়ে এই কাহিনী, বাপের মধ্যে যার অফ্রন্ড আত্মসন্ধান। সন প্রিকলিভা প্যতি যৌবনের ফাংগ্রেনী বেদনায় ১৯৫৬ উঠিছে এখানে — এর কাহিনী ভরা প্রেনের আর র্তেপর ছাঙ্গুনি প্রদাহে এসাধারে শিঙ্গুছলে। দেই যারা গভে মনও তার; পড়ে, পড়তে হয়। পড়েও ভারা, পোড়েও ভারা। শতসা্যের নাহে কার্লে এ ভাসবর জন্ম দেয় নতুন গ্রহ। নিকল যেখানে মালা। নিবাসন বৈকুতে।

আশুতোৰ মুখোপাধ্যায়

সম্ভাট সেন

### যার যেথা ঘর ৫॥অগ্নিতট স⁺তগ্রাম ১০.

স্নীল গঙ্গোপাধ্যায়

বিশ্বনাথ ৰস্

### সুখ অসুখ ৬, অভিশণ্ত সুন্দর্বন 🕾

জাল ভেন ॥ মানবেন্দ্র ব্রেন্থাধারে অন্দিত

গডফে মরগান ৫, স্টীম হাউস ৫, প্রেশ্বাংলার শ্রেষ্ঠ কবিতা

শক্তি চটোপাধাায় সম্পাদিত ৫,

## **अभाउ कि नियार** स्नार ३०.

নালাভ্রিবেই একটি ছোটু ট্কবে। ছেলিয়াং, কিন্তু বৈবী নাগাদের বিদোধের পট্ডামিযায় রচিত এই উপন্যাস এই ছোটু ভূখাভটিও কোনো বৃহস্তর সভোব প্রতিভাস হয়ে উঠেছে। দিগাল আগুন-রাছা, দিনগালি অস্তর্ঘাতে ছিল্ল, রাতের অসকান ভরে রাজ্ঞাস — অথচ তারই মধ্যে রচিত হতে থাকে মানামের জকা-মাতৃত্ব চিরস্তন নাটক। যেখানে প্রাণ পাল নাগা উপভাতির পরোধ্ত ও কিংবদ্ধী, ইতিহাস ও অতীত গাথা, যেখানে এখনো মান্য ভালোবাসে, সা্থ পাল, দুহুৎ দের।

পত্রিবেশক: সিগনেট ব্রুশপ: ১২ বহিক্স চাট্ছো স্ট্রীট: কলকাতা ১২

(0406-FT)

# প্রতিশ্রতি

৮৫ জন প্রতিজ্ঞাতিবান গ্রাহক-ক্ষী র দামী দেখা ও ১৫ জন আমন্তিত নামী দেখকের ক্ষানাসভার।

গ্রহনাৰ ভাৱ ।

গ্রহন ক্ষিত্র ক্ষার্ক্তনা ও বিশ্বস্থাহিত।
প্রিচ্ছা ক্ষার্ক্তনা ক্ষার্ক্তনা ক্ষার্ক্তনা ক্ষার্ক্তনা

ক্ষার্ক্তনা ক্ষার্ক্তনার ক্ষার্ক্তনার ক্রেরীর

ক্ষান্ত্রী রামরাম বস্ত্র "প্রতাপালিত। চরিত্র"।

প্রবাশিক হলে। ক্ষা মারু পেড় টক্তা

ক্ষার্ক্তনালক—শীর্কেক্স্ক্রমার ভট্টোবা

গ্রধান কার্মালর: ১২/১ শরগ্না মেন রোড, কলিঝাতা-৬১ লবা কলিকাডা কেল: শব্দর প্রেন, ১০/১এ বি বি গাস্কাটি, কলিকাতা-১২

(जि. ४९४६)



The second second

কোনেল (গ্যারাণি চনত) ৩ বা ভ অ ল ওরাডে গোটোবল ট্রান্ডিস্টর মালিক

ও, ডাক। কোস্পতে। প্রতি প্রায়ম ও শহরে প্রাঠনে বারে। প্রিখনে।

> VIRLA AGENCIES (18) Roop Nagar, Dethi-7



প্ৰত্যেক শিল্পীয় সংখ্যে একাৰা হয়ে গিয়েfeets. "Toelda" माहेकारि PRESIDENT "[4A 87." केणज्ञार উদ্দশিক করেছিল। orestante ভিতৰকাৰ আমাবও মানত धरः जाता-साता व्यासक्त । साहंकहि আমি সেই দুভিতেই দেখেছিলায়। বাত গোহাতে, বা আমার অস্বাভাবিক, রমেন লাহিড়ীর আস্চানায় গিরে হানা দিয়েভিজায়। হানা দিয়েভিজায় বাস্তর মতন দেখতে রেগডগ্রের সেই ছিলি গলিতে। হানা দিয়ে পরিচিত হরেছিলাম রুপান্তী নাট্যগোষ্ঠীর প্রত্যেকের সংখ্য। কি আরু করব আয়ার বা খ-উ-ব ভালো লাগে ভার শেষ প্রণত দেশতে চাওয়ার অভোস্টা আমার আগৈশব বাৰ্ষি বলা বায়: লাগম-ছাড়া এইভাবে শেকসপীয়বিষান অভিনেতা সার লারেলস অলেভিয়র-এর সেপো পরিচিত হয়ে নিম্বি ভাব শমিরে নিরেছিলাম লাভন শহরে। তার ক্ষী অভিনেতী জিলিকা সংগ্ৰ। নাটক দেখতে ভালোবাসি কিল্ড তার চেয়েও ভালোবাসি আহিৎকার করতে নাট্যকারকে, বাস্তব ভিত্তিক নাটককে খাঁরা রন্ত -মাংসের অবছব দেন সেইসর শিল্পী-দেরকে। রমেন লাহিড়ী, তার ভার र्थाञ्चलो अभनी नारिकी, मुक्लारे; अवर ও'দেব গোষ্ঠীর আর-আর হ'রা তাদের শিলপাঁস্বয়া দিয়ে আমাকে করলেন। ও'দের সবাইকে বেশ খানিক निकडे १४१क प्रथमाम। काटक काटकडे वाधा হয়ে আন্তব্ আবাৰ আয়াৰে चात्रहाल "এলাম নতন ( Print বাসনায়। নাটক দেখাত ভালো লাগলেও দিল্লীতে নাটক কিনত আমি অলপ্ট দেখি। কেননা অস্বাভাবিকভা দেখে দেখে স্থানে-অস্থানে বাহংবার ছভাল চওয়া 770.312 আৰু সর না।

T'038 পর্লা উঠবার अर्डम বাঁতির বাইরে আলো-আধার-ফ্যাণ্টাসির পরিবেশে আমি চলে গেলাম অনা এক জগতে, ভূলে গেলাম আমি এখন দিল্লীছে। "বেনজ,"-তে দেখেছিলাম সং-বিবেকী এক সৈনিকের হত্যা। হত্যা, কেন না মড়ার গন্ধ-ভরা ব্যক্ষেত্রক সে সহা করতে আর না পেরে নিজেরই অম্লাতে সে বুঝি পালাতে চেম্নেছিল। ধরা-পড়ে সামরিক সূবিচারে তার হর মৃতা-দ্ভ। এই সুবিচারে আমিও অসম্ভব কণ্ট পেরেছিলাম। বলতে मन्द्रा तारे. স\_বিচারের टिनाव कार्य कन গিয়েছিল বিদেশে-বিভায়ে বেন্জা নামের সরলচিত্ত তর শের নিম্ম হত্যার। ভাগিসে আক্রকের এই "এলাম নতুন দেশে" নাউকে সূবিচারের হত্যা নেই। আছে

### পূবোন্তর সীমান্ত রেলওয়ে

#### সময়-তালিকার পরিবর্তন

১-১০-৬৯ তারিশ হইতে এই জেল-এরের বে সময় তালিকা প্রবৃতিতি ইইয়াছে তালাতে সাধারণ পরিবর্তন সাধিত হইয়াছে।

- (১) নৃত্য সময়-তালিকার টোন সাভিদের ধরন বর্তমানের মন্ত একট রূপ আছে।
- (२) न्जन न्हेरनटकत वानन्या कहा वरेताटक :
  - (ক) ১৬ আপ/১৫ ডাঃ লখনত এম-প্রেম পাঠশালাতে;
  - ৩৪ আপ/০০ ছঃ জনতা কান্ট প্যাদেশ্যর গ্রেমাররা, ক্রীক ও প্রেটিরাতে।
- (৩) প্র/সেকশনাল কোচ সাভিব্যের ব্যক্তথা করা হইরতেঃ
  - (ক) ২৫ আপ/২৬ ভঃ প্যাদেশার-বোগে ফ্রিরালাম ও ব্রাভর য়ধ্যে দ্টেডি ভ্তরি প্রেণীর সেক্লনাল কোচ:
  - (খ) ২২ ডাং/১৭৭ আপ এবং ১৭৮ ডাঃ/২১ আপ-বেরণে গোহাটি ও মারকংসেলেকর মধ্যে একচি প্রথম, দ্বিতীর ও তৃতীর প্রেণীর কপ্পোজিট কোচ এবং একটি তৃতীর প্রেণীর কোচ।
- (৪) ন্তন বোগাবেমগর ব্যক্তরা করা ভ্রময়ে ঃ
  - (ক) ৬ ডাঃ একস্তেদ (বি. জি.) এবং ১৫৭ আপ আগিলব্রন্তার কং —বামনহাট প্যাদেজারের (এব. জি.) মধ্যে নিউ কোচবিহারে;
  - (খ) ৪৬ ডাঃ নিউ জ্বলাইস্মৃতি খেলুরিরাঘাট গাসেকার ও ৬৩ আপ কুমেদপুর-কাটিছার প্যানে-জারের মধ্যে কুমেদপুরে:
  - (গ) ৩ আশ আসাম মেল ও ৬২ ভাঃ কাটিহার-কুমেদপ্রে পায়লভারের মধ্যে কাটিহারে:
  - (ঘ) ১১৪ ডাঃ বোগবাশী-কাটিহার পানেকার ও ৬৪ ডাঃ কাটিহার-কুমেদপুর পানেকারের করে কটিহারে:
  - (৩) ১০১ ত্রপ মনিহারি**য়াট-কার্টিছার** মি**ন্তত ও ৩৫ ভঃ বোগবালী**-বারাউনি **প্যাকেন্সারের মধ্যে** ক্রান্টিভাবে।
- (৫) সমসত ট্রেন্ট ০০লে সেপ্টেম্বর/>লা অটোবর '৬৯ তারিথ মধারাতি ছইছে অথবা ইহার পর যথাসন্তব সম্বর নৃত্রন সময়-তালিকা অনুসারে চলাচল শ্রেহ করিয়াছে। ইচ্ছুক যাত্রিগণকে তাহাদের ভ্রমণ শ্রেহ করার প্রেই সংশিক্ত প্রেণন-মাক্টারদের সংগে যোগাবোর করিতে পর মার্শ দেওয়া হই তছে।

(ডি/৫/৮--৩) চীক অপারেটিং স্পার্

ग्रिकारतक मान्यत मक्न अक स्मरम् স্থাসতে পারার এক সসীম খ্লীর জীৱতা। লেই নতুন দেশটা কোখার ভা আমি জানিলে, সেই দেশটা বেখানে সেশানে নেই নাটকে চিত্রিত মরবিড দিয়া ব বৈদেশিক বাণিকা দশ্ভৱের দ্নীতিপূর্ণ আন্ডার সেক্টোরি, বিনি উপরঅলা সাহেৰের কোনো रायमाती यन्धः त দেখনেও গদগদ নতশিরে পদলেহন করতে সাজহাত এগিরে আসেন, অথচ বিবেকবান হ্বতী সেলস গালাকে চপেটাঘাত করতে হন সাকাং সিংহ,—সেই দেশে নেই সেই সিংহমশার বসণ্ডবাব; নেই ঢৌকস ক্ষাষ্ট্রাক্টর মিল্টার সিক্ষার, নেই বিবেক-ছারানো মিস্টার মাখাজি-এই পক্ককণ পরিণত বয়সে সহসা বার একবার ছেলে-বেলাকার কথা মনে পড়ে গেল: নিজেরই ভাষতে বিনি আমাদেরকে বলেছেন,-ভখন তিনি ইম্কুলে পড়তেন। বাবা মা ছিলেন ইউরোপে। একা একা ফেলনে চাড় ভাদের কাছে ব্যক্তিলেন। শ্লেন খেকে লীচের শহর নগর नभौमाना স্ব্ৰিছ: আশ্ভুত আর আন্চর্য সান্দর লাগছিল। শুৰ ছোট ছিলেন তো, খুৰ বোকা ছিলেন,

खादे अक्षी, एक मानी स्मादक **क**र्द्धिका। कविदन एथन त्नहे अकीर्यमाहरे, अकीर्यमाहरे, সতিকার সুখী ছরেছিলেন মিন্টার ग्राथाकि । - यात्र, काकाशत कालेश यायान-বাণিক। পশ্মনী ইত্যাদি এইস্বের ঝামেলার বেই উনি খন হ'ত হ'বে গেলেন, জারগায়-জারগায় দানধানের প্রেম্ভরার क्रिकी করতে লাগলেন, তখন থেকে বিবেক গেল अक्स गाकिता. असम कि अक्साह जन्छान বিজয় বাপকা-ব্যাটা পরিচর না রেখে সেও তাকে পরিত্যাণ করে এখন কি না চলে বেতে চাইছে, আর চলে সে সডিটেই গেলও, নতুন এই অবাক বিক্ষায়ের দেশে যেখানে মতাধামের এই আমাদের সমাজ-বাবস্থাটা নিভক প্রোক্তম্বীদদের মাত্র একটি গবেষণার বৃদ্ধু ছাড়া আর কিছু न्हा

অংচ অমন অবাক দেশেও বাব জভাব মতবিসী আমরা সকলেই প্রতিনিয়ত রুপ্তে-বন্ধে অন্তব করি, শেব প্রযাত ভাষাজ্যের কমী কুগল সেখানে বাবে না, একই স্তে গোধে বাওয়া সেলস্ গালা কালবীকেও (অভালি লাহিড়ী) সে বেতে দিলানা। কেনানা এই অভাৰ-জন্মোগের দেশে থেকেই ওরা ওলের অসমাণ্ড ক্রীবান সম্বাইকে ভেকে ভেকে মলতে চার সেই গান-গণ্ধ-ভালোবাসা ভরা আশ্চর লেখের कथा द्वशास क्या गुक्रम बाह्य धकछिताह अकि पिरनय समा शिक्ष अमनदे हमक-প্ৰেকিড হলে গিলেছিল হে, এখন সেখন र्थक जीनकामरकृष विशिष्ट धाम स्थार-বাসীকে ডেকে ভেকে বলভে চার সেট मिट्न मान्द क्या आह माकि आर्थंड मान নর, সেখানে ব্যক্তিগত লোভ নাকি নেই विल्यव लाहे. हिरमा लाहे. পরস্পরের সংশ্য মিলেমিশে সাহিচাতে স্নাসনে সেখানে সকলে বসবাস করে: মন্বাহের স্বাদানি বিক্লিভ হবার স্ব সাযোগ-সাবিধে আছে সেখানে। প্রতিস্কার তাপে ডণ্ড হরে কুশল (রামন লাভিড্রী) সদঃ চাকরি ছেড়ে দেওয়া সেকস্ গালাকে বৰল, 'এসো কালরী, আমাদের এপিটে 6ना गात्र हाक वाशन एशको। गाउँक শেষ হওয়ার সভাগ সংগ্ বিদ্যান্তৰ উদ্ভাসে যেন প্রেকাগ্র আলোকিত ভার উঠল। নাইকের **শ্বেখ্য ক**্তিন**ী**টাক ন্য চোথ দিয়ে লেখে মন দিয়ে ভেরে এখাব রসভত্তের বিচার করে জ্বমি প্রত্যক্তি চরিতের মর্মাস্পর্শী অভিনয় বাস্তবিক্ট মেন কলিকের জনা হলেও জামাকে নিয়ে গিয়েটিক নতুন সেই দেখে **्र समा द्याभाव** ভার দুখিমা জালি জানিসে, অথচ জানতে চাই ব্রুছার, ছার श्रीय सम्बद अविनित्त ना अविनित हा स्नारहरे कारत, रकना ना कुनान कात कानतीर प्राप्त নতুন ব্যালয় **হেলো**ন্যালয় মিলে কইডে পাৰে না।

কে বি প্রিস্টলের াদ কেম ও জ কি বিশ माजेकत **क**हार अहे सहेकति (arrena প্রচারস্ব স্বতার STREET, **गाउँ काल** न्यम **ភ**ាព្រះប្រក្តី : STREET. অ,বিশ্ব**্ৰেন** अदे कथाओं है नि ना दान দিলেও আমি টের পেতাম যেয়েড় এই नार्धेक्क काथा**ं ठ**ातकम् । डेल्य-६व রভীন ভূবড়ি আমার নজরে পড়েনি : কে তি ত্রিস্টলের নাট**কেও** ভাছিল নাং হিন্দু প্রি**শ্টরে থেকে গেছেন** নিস্মেত্র ভার ইংরেজী বইরে। 'এজেম নতুন সেখে' ন উক্তেব निष्ठम्ब ह्य মৌলিকতা জাহ ভাতে নাটাকার **হিচেবে** রমেন জাগিছবি दकारता **कम कृष्टिक** तिमग्रहें सह : : eq নাটকটিকে **দেখে** নামা ভূপ করে বংস भाकरण इरु। हून करत, हकर रा राजिएण्ड-লয়ের শি**ল্পীরা**, **ट**िस्ब वानग्रह्मात्थम् हेरिह्यादात्थत **জ**িভলবাৰ্থ मध्याम**िएक मर्मारकत**्यास्त्र सरका रायाः रायाः ভাতে যে একেবারে সোজাসনীয় সেখিতে দিতে সমধ্ন হয়েছেন তা আমি বলবই

---সদা প্রকাশত---

মহাত্মা গান্ধীর শতবর্ষপর্তি উপলক্ষে

क्षशालक श्रामानवन्ध्र एमनश्रात्रव

## शान्धीकी ७.००

গিক্ষীজীর জাবনের বিভিন্ন কথা ]



### वाानाजीं भावत्तिभाम'

৫/১৩, ক্লেজ রেন, কলিকাতা-১ ফেল: ৩৪-৭২৩৪

পশ্চিমবঙ্গ প্রানেশিক রুষক সভার সম্পাদক প্রবীণ কম্যুনিস্ট নেতা **আবদ্যােহ রুস্জের দুখানি প্রেণ্ঠ** গ্রন্থ

কৃষক সভার ইতিহাস ১০.০০

व्यावाम ५२.००

श्रीकरभाउत्, रमनग्राद्धत

চাঁদের দেশে মান্য ৩.৫০

নৰজাতক প্ৰকাশন, C/০ দে বৃক স্টোর, ১৩, বঞ্জিম চাটাজী গুটাট, কলি-১২

(গি-৯০৫২)

#### र का मश्था

বিভিন্ন পত-পরিকার বিজ্ঞাপনে ও দেয়াল-পোল্টারে জিল ভিন্ন সরিকার প্রা-সংখ্যার বিজ্ঞাপিততে ছোট বা বড় জক্ষরে লেখক-ভালিকার আমার নাম যুত্ত থাকতে সেখেছি। নিতাশত পশভ্রন না হলে একজনের পক্ষে এত লেখা সম্ভব নয়। বিশেষ করে আমার মান্তন আলোক-প্রকৃতির লোকের পক্ষে তে। তা একেবনেরই অসম্ভব!

যাহোক আসল ধনর সংগ্রের পর
ছানতে পানা গেল যে ৬ই সব প্রেজ্ সংকার আমার প্রেছকাকারে প্রকাশত প্রোম শেখাগ্রেটেই আমার কিন আনু-মহিরত প্রমানিত হরেছে বা হাছে। বাঙালী প্রক-পানিকাবগ্রে আমি এ-

#### धानिक ६, होका किंग्डरड



ক্ষা ছা ছ' ভবল দিপকাৰ ত বংগ্ছ এক ধবাৰত পেটে-বল ই টাতস্থা কে

MALE RIGHT

TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Pahargan, Post Bag No. 11, New Delhi-1.

#### মোটা চাদৰে তৈৰী

মাঘুলী পাঁচটির চেয়ে এব গুকটির আয়ু অনেক কেয়



#### • **লাধলে কাঁথে কিষাণ•** এই চিহ্ন দেখিয়া লইৰেন

গৌরমোহন দাস এও কোং ২৬৩,ওল্ডদীনা বাজার ট্রাট, কলিকান্তাও ফোল-১৯:-৬৫৮০



বিষয়ে স্থিনরে জানাতে চাই যে আমি মার্র নিক্ষালিখিত গত্ত-পতিকার ক্ষেক্টি ছোট গেপ—বড় গগে—উপনা স্বালিখেছি : দেশ, গগেশভারতী, রমাবাণী, প্রসাদ, উল্টোৱন্ধ, নিন্দ্যালগং ৪ জলসা। বাকি সম্পত্ত প্রোদ্ধার্যের প্রভাগেত অ্যান রচনাগালি হয় জ্যান লেখার প্রথম্যালণ, নহ তো কোন জ্জান্ধ লেখার প্রতিমান্তি, নহ তো কোন জ্জান্ধ ব্যক্তি।

ইতিমধ্যে বাজাবে ভাষার নালে প্রায় ষ্ট্রি হাল উপনাস। প্রকাশত হয়েছে। সে-সম্বদ্ধ বিভিন্ন দৈনিক e সাণ্ডাতিকে বিশাদ আলোচনা আগেই হয়ে গেছে। এবার ভাষের **অভিনণ শার। হারেছে পাজা-সংখ্যাত** ওপর - এ-ব্যাশারে বিশেষ উপরোধ ও উংপ্রীজনে আসহর হয়ে দাটি প্রতিকাকে আমার প্রারাদ লেখা প্ৰমান্ত্ৰ যন্ত্ৰতি লেভে হাষ্ট্ৰে সোৰদ্বী ও শ্ৰীমত ভিতৰণৰ একটি মাত কাহিক শা**ত** যে সে-সদ্পদেধ পরিকায় জিলিয়ত স্বীকতি লিভে লুকা £ 5 6 যৌন-বিষয়ক প্রিকাম জামি সভাবে লিখবে এমন 279/77 হেন আহার পঠেকবর্গ बाग्यस ।

স্থানা প্রান্থয় বেশকদের কথা জানি

না স্থানি ব্যক্তিগতভাবে বকাত পারি এও

এবলকারে সংস্থানা। গতে কারক বছর

ধবে এ-প্রস্থানা চলে আদ্যান। গতে বছরে
এই বাপারে একটি যৌন বিষয়ক প্রিকার
এই পাপারে একটি যৌন বিষয়ক প্রান্থীর
একটি তিটিও দেওয়া হার্ডিছল। ৪৮
সংখার দেশা প্রিকার গ্রেটিনা নামক
একটি যৌন বিষয়ক প্রিকার বিজ্ঞাপ্রয়ে
উপ্নাস ধ্যেক হিসেবে আমার নাম
ধ্যেতি প্রায়ম্ভ দেশলায়। এতে অমি
কাঁ উপ্নাস বিষয়েছ ভা জানি না।

সব দেখে মনে হচ্ছে এবারে এই 
ক্রম্পান কেন মহামারী আকারে দেখা
দিয়েছে। তাই অভিন্ট এবং অনান্যাপার
হাবে আমাকে এই প্রাথাত করতে হলো।
ইংলাড বা আমাকিকার মত এ-দেশে কোনও
লেখক-সমিতি থাকালে হরত এর কিছু
নাটনেতে প্রতিবিধান হতো। তা যখন
নাই তখন আমানের মত স্বংশবিত্ত ও
বংশ অবসরম্ভ লেখকদের আর কী
ক্র্যান্ত থাকাতে পারে তা জানি না।
এক্যান্ত ভ্রম্য বেধে হর পাঠকসম্প্রদার।

ভাদের ওপর আমার অনেষ প্রথা। ভাই ভাদের কাছেই আমার এই, বছরা পেশ করলাম। এ-বিষরে ভারা কি সড়েডন হবেন ?

বিমল মিত্র

11 2 11

বিজ্ঞানি ধার দেখতে পাজ্জি, পারনীর

এমন সব পরিকা সামার নাম বিজ্ঞাপিত

করছে, স্বেস্থ পরিকার জামি কে ন লেখা

দিইনি। বাপারটা একদিক শেকে

অসবদিত্রর, অনানিকে জ্লোভের। কেনে
বাপারেই কি আর এ দেশে, সামান সততার

অংশ্য করা হায় না। মিধানেক নিরম্ভর ঢাক্ত
পিতিয়ে প্রচার করা হবে।

যাই হোক অন্তত আমার পঠিকদের অবগতির জনা জানাই, এখনো পর্যক্ত নিম্মলিখিত শাবদীর পরিকাল্যকোতে জনি আমার রচনা দিরেছি। দেশ, উট্টোরশ, প্রসাদ, সিদেয়া জগত, উত্তম ও জপ্যরা।

অন্য কোন পতিকা যদি আমার কোন পাবনো লেখা খনেমছিল করে বা করে আকে, তাও আমার বিনা কন্মেছিতেটা।

সমরেশ বস্ত

84 6-95

#### 'রুপা'র নতুন ৰই

# त्राङ्ग आहार्य त्राहिर्द्धाः भानीन्छा अन्याना

ব্যুদ্ধদীণত ও রস্সিত রচনার একটি সাথকি নিদ্দান। [৬.০০]



রূপা জ্যান্ড কোন্পানী ১৫ বহিকম চাটাজি পাঁট, কলকাতা-১২

#### বিশ্বভারতীয় ভবিষয়

प्राण गाँवकात क्षता व्यक्तिक गरण व प्रकारिक क्षेत्रकाक प्रदेश व्यक्तिक निर्कारका राज्या क क्षित्रकारकात कांच्यार व्यक्तिक क्षर्तात्रकाति निर्माण व कांच्यार व्यक्तिक क्षर्तात्रकाति निर्माण বিশেষত, বাংলাবেশের বছারাল বিশ্বনা বাবন্ধ হ পরিপ্রেলিকতে বিশ্বনাবাতীর ভূতিকা ও বৈশিক্ষার কথা বধাবাই বিশ্বনা ভূতার নাবি বাংল। শ্রীবারেকে বানাবার, বিশ্বনা ভারতীয় গারেক্ষাতিনি কার প্রতিটা প্রথম প্রেলীয় বিশ্ববিদ্যালয়ের মরোই সামাৰণৰ বাহৰদ বিশ (ছণিও কাছনি 'লক ব কোনে এই বৃহদ্ধে প্ৰেণা বিবাহৰহ কি মান্যবাহ, ডা, মান বাহেদয়েনাই সংখ্য হয়ে কনোনা)

free roles fein auff mun mit MINIMIE MAINER CHIE TEMEN ACT NEW CENTRE SPENS 40 WA MAR THE আলাৰ মাপকাতি প্রিপ্রটন 1000 to 2000/200 10'03 BALLES WITH 400 WHIPON ! WITTERN MONTHS ভোগোলিক দানাবিক. milderfag a प्राथमिक प्रदेशिक व स्टीविक्ट कारणाव्या किम करत क्षम काम मित्रीहम काहि अन्त PRESENTES REA SIENT MANY IN TRACE. Total and श्रविकास अर्थ शार्य क्या निगरासय अस्तरम्थान, रह भिका-বেশ্বের আভাবে বাভাবে কবিজা-গান বাবো মাসে ভেরো পার্যপ্র সেখানে এককিঠ क्रकट्य गायक्षात्र क वह भग्ना माध्ये इत्रा সংলব কৈ না? আছাৰ গভীৱভাৱে বিচাৰ করতে গোলে বিশ্বভারতীর উক্তর আদর্শ कि किहा अश्यक विद्रमध्य शतिवाकत करा প্রান সংস্থান কর। > শিক্তীয়ত শিক্ষা ও গবেষণার মধাবতী পর্যায়, যাকে क्षीवार एभनागारी निका वाचा निखका বিন্যালনের উদাত স্বাপ্যালিতা ও ভেডার বালোর গশতীর থবেষণার মধ্যে তার স্থান LO INTE !

<u> হাখম</u> প্রশেষর সমাধান েহ হ जतन हार बाद करि विश्व-পটভামকাকে खामन किंगत আমতা প্রিক্সটন সর্বনেত্র গণিত থেক श्रानिक्रो खानामा कृता प्रतिश विनिक्त भन ও 'মান্তে' তৈরি করার যে রত নিয়ে बनाठवी छात्रक मुख्या इरबोक्का उत्तक मगम করে তুলতে লোলে শ্রীরন্ত্র উত্থালিত সবকটি शान्द्रास्थ्य मार्गाः सामक्ष्यस्य ह्रमारह रह क्षकां किन्दा. हरींग्यम श ব্যুল্ডেন স্থাপাট্ন শিক্ষা ও শ্রী রুদ্ধ যার **স্থান রেখেছেন লুক্মান্ত** সংধারণ শিক্ষার श्र बण्डिक कंप्रित । नाश्चास विभाग्ध शास्त्रमा স্থান বিশ্বভারতী নর। ষা শিক্তাস ধনার শাহিতীনকৈতনের TICELTS ায়েটা করার জীবিত করে তলতে গোলে মধেত পাণিতানকেতনের অপ্রগতি) नानायिथ इर्डि छ अश्यक देश दि मार्गभून व्यवसानहरू शाधाना पिटटर हरव. छारक स्मारका मीवरवर्षे भएक रह नार माधना (名)章! 初度 উক্তৰ academic studies of भूतः गण्डीत स्मोध नियं प्रणय क (रागा বভ শহরের কাছাকাতি करवाक जासक ৰেতে পারে। নিকেডনে তা নিয়াণ করতে গোলে এখান-কার প্রকৃতিমাশর কাবাময় মাধ্যে পৰা হতে বাধা। ভার মানে দিশ্চরই

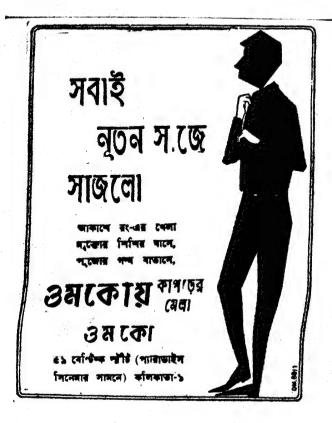
### নতুন আবিষ্কার বিনা অস্ত্রোপচারে অর্শ অপসারণ ও আবোগ্যের জন্যে ঔষধ

बारे केरव इलकामि वह करत परतक मिन्टिंड छाना - वत्रना छननम करत ।

নিউইয়ক নিজান এবন এক নতুন নিয়ানকারী পঞ্চাবের সকলে গেরেছে বাকে আনার্কারের আকালের ক্ষতা করেছে। আনার্কারের আকালের ক্ষতা করেছে। আনার্কার করেছে। বাকে বাকের আনার্কার করেছেন। বেবা গেরেছের এই নলমার্ক্ত করেছেন। বেবা গেরেছের এই নলমার্কার করেছেন। বেবা কর্মনার্কার করেছেন। বাকের সমরে আনার্কার করেছেন। বাকের সমরে আনার্কার একই ক্ষরেছেন বাকিরা।

আর ভাগলে ভোন স্থলাট নছ গ্রিন্ড বিলেজকোরা, অলুক্তিনালক বা কোইনাথক জাতীয় কোন পর্যাপ নেইও আপানার কেমিটকে বাংহাং—ভাটন বুক এই রোক্ষর উর্বাহ্য করে বাংহাং—আন করে কোকে করে এটা অবক করে কালা করে বাংহাং আরু করি বাংহাং আরু করে করে করে করে করে বাংলা প্রত্যাহ করে করি বাংহাংগ প্রত্যাহ করে করে করে বাংহাংগ প্রত্যাহ করে নিহে টিলনাম লিখুনা—ভিগাটনেউ ১০ই কেমি মানাল, এও কোলেকি প্রেট ব্যক্ত ১০১৭ বাংহার

61-F11-02 BH



এই নয় ৰৈ শান্তিনিকেতনে বিশান্ত গ্ৰেষণা বা শিলপদাধনা চলতে পারে না : গিল্টয়েই পারে, কিন্তু ভতট্কুই, বতট্কু এখানকার অবচেতন পরিবেশ অন্মেদন করে। যে কোনো বিশ্ববিদ্যালয়ের কাছে academic ক্তক্ষাকো দাবি থেকেই

#### লাবদীয়া



#### পকাশিত হয়েছে

বিজ্ঞাপনের চিরারত কৌশল নব: স্থতে নিষ্টাচিত কোথাপরিকটি প্রেণা করবে পারত সাহিত্য রুগতে 'ধানি' এ বছবও জননা।

#### माम : जाटड जिन हाका

উপন্যাল : সমরেশ বস্ত্রানার্যণ সান্তর্গাধ্যার, ব্যালাফণ প্রেম্প্রান্তর্গাধ্যার, ক্রোটভারিকের নালাফণ প্রেম্পাধ্যার, ক্রোটভারিকের নালাক। বিমাল কর নালেকের মুক্তাফা সিরাজ, লাগিত্রজন বালেনা প্রাম্থ্যার, অত্যান ব্রেন্দ্রাপাধ্যার, আমার্ভাক্ত ব্রেদ্যাপাধ্যার, প্রাম্থ্যাক্তর ব্রেদ্যাপাধ্যার, প্রাম্থ্যার, প্রম্ভ্রাম্থ্যার, প্রাম্থ্যার, প্রাম্থ্যার, প্রাম্থ্যার, প্রম্থার, প্রম্থার, প্রম্থার, স্থান্থ, প্রম্থার, প্রম্থার, প্রম্থার, প্রম্থার, স্থান্থ, স্থান, স্থান্থ, স্থান্থ, স্থান্থ, স্থান, স্থান্থ, স্থান, স্রম্থান, স্থান, স্থ

বালনৈতিক প্রথম : কাড়িবাস ওলা। নিভাগিয়ে ব্যাস

কৰিছে লিখেছেন হ ক্সমিটিলটা, স্ভাই মান্তপালাম, বৃষ্ট হল স্থানী গাস্ত্ৰা, ভাগ্ৰ সান্তাল এক মান্তাল গাহাত, কোকি কিলেও লোহ একল মান্তাপ্যথায়, এম কস্ত্ৰালিক চটোপানাম, সহন্তাল ভগ্নত ভ

হথবাৰ্লা পদেকে বিধেকেন ে অভ্য বস্ত্ৰ অভ্য বলাড়া, কলোকাই, চিন্দাৰিত

किंश अ अन्द्रताक विकास ।

ম্বারা সেন, চ্যোতিমাত বস তার নিশালিক এবং বিশেষ একেবাল চিশোব ব্যাহাত হাহাছ চলিটা মেখ্যের স্থাপ ভাষিমী।

#### শার্দায়ার আরেক ভাকরণ

বাংলা ছাল্ড এতিন্য কানে এনন কৰেন্দ্ৰ চিত্ৰ তাংকাৰ মাংসৰ প্ৰ-বিশেষ দেশে বজান তে কেন্দ্ৰটি। এই পাছিলোগিতাৰ মেটি প্ৰিপ্তাৰ তৈনটি। প্ৰেম নেশে ৪০০ টাডা বা সম্মান্তাৰ স্কেৰাৰ, দিবতীয় নগদ ২০০ টাজা বা সম্মান্তাৰ প্ৰিক্তাৰ, তাতীয় ২০০ টাৰা বা সম্মান্তাৰ প্ৰিক্তাৰ।

> ধন্নি : ৬০৷২ ধ্যতিলা গ্টিট্ কলিকাতা-১০

যায়, ক্ষিকু শাদিতনিকেতনের ক্ষেত্রে তানের প্রেণ হবে এখানকার প্রাথমিক আবহাওয়ায় সংখ্যা সামঞ্জসা রেখে!

শ্বিতীয় প্রদেবর সম্ভাবা উত্বসমূহ বহ-चारमाहिक इरम्ब, हा चारताब সমাধানের অংশকা রাখে। পেশাদারী শিক্ষার শিতীয় ধাপকে শাশ্চিনকৈতনে অপ্রধান করে রাখার প্রস্তাব অনেকটা ব্যক্তি সংগ্রহ दरक ७ तकारना तकरमदे स्मरन रन छता यात ना । क कथा निम्हस्ट स्वीकार तम 'रममानादी শিক্ষার কেন্তে তথাকপিত উপযোগিতা হয়তো কথাও বিশ্বভারতীর নেই, किंग्ड ज कुलाल इनार ना रह नार्यसमा ६ प्राप्तास क्या डेबात करत उनएड दरन কিত্তীর ধ্যপের দিকে স্বিশেষ দ্ভিট দেওয়া প্রয়োজন। শ্রীরন্তে এ প্রয়োজন সংবাংধ অংশকাকত উদাসীন। আমাদের মনে হয় এই দিবতীয় ধাপের সাবিকি ট্রাভির **চেন্টাই এখন <u>ভীরাদে</u>র 'ধরে নেও**য়া' শ্রেষ্ঠ-শিক্ষাবিদ সমিতির 'दारमा एमएमार्थ প্রধানত করা উচিত। না হলে এখানকার স্মাণ্ডিক শিক্ষা পরিবেশে অসামপ্রসা দেখা দেওয়ার সমভাবনা থেকে যায়, যা ইতিমধ্যেই অনেকাংশে প্রকট। পাঠারম ও প্রীকা কাৰ্যপায় কলকাতা-দিল্লীৰ অন্ধ অন্কৰণ গ্ৰিয়ে এখানকার স্বাধীন লৈতিক शक्र এখনই সাচতন হওয়া प्रस्तान्त्र वाशास्त्र शासाक्त्र । शासक्त्रा ६ विक्थ माध्यादे स्मार्ट হীব্র হে বক্ষ অভিনৰ অমণ্ড বর্থান ভাষতীয় শিক্ষার আলিগাকে প্রিরজপনার কথা ব্যাহতেন, প্রশাসারী শিক্ষারা ক্ষোত্রপ্র সে রক্ষাকোন অভিনৰ ৩ নিজসং শিক্ষা িক বিশ্বভারত<sup>8</sup>তে পশ্চান্ত্র প্রায়োগ য়সমূহৰ গ্ৰীবাদ প্ৰমুখ বিশ্বভাবতাৰি প্ৰয়ুখ ভিট্ডসীদের এই বিষয়ে ভেবে দেখবার জন্য प्रान्तरथ करोष्ट्र ।

> নিমলিংশ্ ম্তেশপাধার শ্বিহণিকেত্ন

#### 7 - 1

অসংশ্রু বাচু বল্ডেনে যে প্থিবীর বিভিন্ন দেশের উদ্ধিন্দরে শিক্ষা বেশ্র গ্রির মত প্রনাগত উংক্যান ভারতবারে ক্রেক্সাত শ্রুতিনিকেতানের আছে। শ্রুতিনিকেতানের প্রান্ত্রন ছাত্র ভিন্নার এই ন্লোয়ান গ্রুবীয়ের করীছ।

প্রকাষ্টি পড়ে প্রথম প্রয়ার আমার মান হয়েতে যে অধ্যাপক রায় 'বভাষার কিন্দু-ভারতী' সম্পাকা সংমাদত্বা এড়িয়ে যোত ডেয়েছেন। কিন্তু ক্তকগালি অন্যায়োগ ভিনি প্রকৃতিতে উল্লেখ ক্রেছেন অবশাই Meska

म्हारकुमात (चार ॥ महरूगं वर्मू ॥ जानाजुनं स्वतः वर्मू ॥ जानाजुनं स्वतः कारित वर्मे ॥ जामन जाराजिक स्वतः ॥ महरूपं । स्वतः वर्म्मा ॥ स्वतः स्वतः ॥ सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः अस्ति जाराज्ये ।। सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः जाराज्ये ।। सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः जाराज्यां ।। सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः जाराज्यां ।। सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः स्वतः स्वतः ।। सङ्ग्राणाजनं स्वतः स्वतः

अधि

মুবোর্থ ঘোষ ॥ পিবরাম **চের্ফা** বিদন কর ॥ **অর্বহুণ । দিব্যেদ** সানিত ॥ দুর্লেদ্ দিশী ইচন্যে ॥ কাবিস দিংহ

अधिंग

खितान मिन ॥ मूजाव मुश्याणां था मा कामाकी यमान हारी जायां ॥ मानि तर्राणां था मानमं वास्रोतें की

क्री <u>जि</u>

माग्रम्य धाय ॥ **ज्ञापिती** लायं कृष्णायाय ॥ मुज्ञान मम्बद्धार वर्ष ॥ **धियुष्ट** विम्न जाग्रकीर्वी

विधि

क्त्रविक्रमाव ॥ स्वास्थ्य एष्ट ॥ वनन ज्वा ॥ माध्य मुख्यात्वाय ॥ जन्म स्वापन्त ॥ जन्मिक्त्या ॥ जन्म संवापन्त ॥ जन्मिक्त्य ॥ जन्म मानाव ॥ इतीन संवापनाव



দ্বাম মাড়ে চাব্ৰ টাকা মাণ্ডবিকা পাৰ্বিকাশ ১৯ বিগন ফাট ক্ৰকাতা-১৬ 11 88-৫১১১ अक्षेत्र कार्ख वास्त्राव स्ट

पिताम तमत्वर्ग वम् वृद्धास्य वर्ष विभन्न वर्ष प्रशस्त्रिण (प्रवी थार्सापुर्ग (प्रवी

म्हल्लो/त्रुभना प्रात

সনোভা বসু এমাদদ ভৌষ্ট্রী ভূজাভিহ্নিক ননী নরেন্দ্র সংখ মিথ নিত্তাম চক্তবর্তী

प्रिका वस् प्राप्ते वार् प्रतिक वार्

R

मावृष्टीय



সৈয়দ মুক্ততে আপীর **চুমন** সাগরসয় ঘোষের **থার্ট মার্চা**র

त्वार्षे दृष्ट्रिके

विश्ली भिश्ली तहा.

शाहिस डारिस

शाहिस डारिस

आव किहार लिथिए

ओए किहार लिथिए

ओए किहार लिथिए

ओए किहार लिथिए

एमें एमें कु की विश्लिस

प्रमार अव्य प्राप्त के किहार

अदि माउ किहार

अदि माउ का मानगुरु

अदि माउ का मानगुरु

अदि माउ का मानगुरु

अपना का मार्थ के विश्लिस

अपना का मार्य के विश्लिस

अपना का मार्थ के विश्लिस

अपना का मार्य के विश्लिस

अपना का मार

निष्ठा कथा निर्णास्त डेक्न व्रिष्ठा श्रीयम् अपनी विश्वजिद डिस्मू स्ट्रिस् व्राप्ताक व्रिनेस्न व्रिष्ठामाण्य

मिर्गण्य विषयण

पान-८ ७० / प्रभाव- ८ जना

उद्ध्य देपाराञ्च ४, इप्याप्ति हरू ॥ ४, व्यावस्थ्य মত্ত্র বাত্তিবেকে থেমন ঃ

- (১) অবাধ্যালী ভারতবাসী এবং বিদেশীরা এখনও বিধ্বতারভীকে শ্রুথার চোখে দেখে কৈবতু হাস আমলের শিক্ষিত বাধ্যালীর চোখে বিশ্বতারতী একটি শ্বিতীর চেলাীর বিশ্ববিদ্যালয়।
- (২) খাব কম অভিভাবকই আছেন খিনি ৰাড়ির ছেকেকে অনায় পড়ানোর স্যোগ পেলও তা ছেড়ে দিয়ে বিশ্বভারতীতে পড়াভে পাঠাবেন।
- (৩) এমন ব্যক্তি বেশী নেই যিনি কল-কাত: বা দিলীৰ ছাত্ৰ বড় বিশ্ববৈদ্যালয়ে কাশাপ্নার স্থায়েল পোৰেও একই পতারৰ পদে বতাল তব্য বিশ্বভাবতীতি অধ্যাপন্যৰ স্থায়ালয়েক ভোল গণ্য: ক্যাবেনঃ

প্রথধটিতে মদ্তব্যিত্তীন এই অন্যোগে।
বাট্লিন পার্চপ্রিক সম্বন্ধ থেকে অন্নানের
কি ব্রেছে তাব যে অধ্যাপক বৃদ্ধ বৈটিক ক করেন যে অন্যাধালীব। এবং বিষেশীবা অজ্ঞাত্বশাত এখনও বিদ্যক্তার্তীকে শ্রাধা করেন

হাধ্যুপক প্ৰাংখনীয়ে वर्तन्त्रका, अन्तिकाराज्य तिर्क्षायस्य ভারভূতীর পরকা বেশের সিক্ষার ক্ষেত্রে কোন অবসার রুখা সম্ভয় নম ভ্রান প্রের নিক দিয়ের ভার হলে বিভাগ কর্ম করিব মিক্ট কেন্দ্ৰ আকৃতি এবং কুক্তি সম্বাদ্ধ আনুধানুনা কান্তে লিছে ডিনি ভিন কান্তৰ র হাছেন<sup>া</sup>র্ম 4.20 <del>পুৰুৰ দেবী বিষয়ে এবং প্ৰেছণ ও সান্</del> স্থান্ত ক্ষাপ্ত - ব্যাহর বারে প্রেলার্থী শিক্ষা, যা আমেয়েলর নেশে এম-এ রাজে দেওলা হয়, বিশবভাবতীরে ডাব ⊹ উপ্যাপ্তঃ নাই ৷ বিশ্বভারতীতে বতুমান হে বিভালে উপলেক শিক্ষান্তার বালগো **হা**রণ্ড সুষ্টার লয়ে বিদ্যান্তরন। ১০৭টুড় অংহাপেক বুটু ইচলিড় কালেছন আম বিশ্ব ছাৰণুটাত বিসাহৰানৰ প্ৰালভন নাই ব্যোগেষণা ছাড়া 🕫 ভাব কাইণ কাই এমানং কাল ছাত্র সংগ্রা হয়ে প্রাণ্ড ভাল ছাত্র এবং ভালে অধ্যাপ্যাক্ত সমস্কায়ের সম্ভাবনা করি

পুত্রি প্রতিষ্ क्षराभक त्राष्ट्रव प्रात् ेक्क इर कारत्य *एक*न्छ। **ः इ**त्रहत्त्रेष াধেটে বিশ্বভাব্তীর সংগ্রাম क्या भाग ছবিষাত নিভবি করছে। fele Eme করেছেন যে বর্তাম নে সিমলাতে এই ধরনেব कम्म वायाध 3 . 4 জ্বস্থান নিবভিন করাটা। মারাম্ব ভ 308 STR इएए इस । अधाशक উচ্চত্র মানের ্গবেষণা কেন্দ্রের পরিবেশ শ্বিত্রিকেতার যতটা সাকে অন্ধ কে**থা**ও ডানেই। ভ ভারেছের সংগ্ शिकाहकम् अम्भहक म्भूषे श्वमा जाहाव दनहै। जाना कांत्र अधानक द्राप्तत करें

ম্বাগায়প প্রাবেশিকতা ও আনা বোষ ম্বাঃ ।
তানি বিদ্যান্তবান শিক্ষাণান ব্যাদ্যা ভূলেই
ক্রেন্ডবান শিক্ষাণান ব্যাদ্যান ব্যাদ্যানিক
ক্রেন্ডবান কর বাল ভারতে শিক্ষানিক
ক্রেন্ডবান অব্যাদ্যান কর বাল ভারতে
ক্রেন্ডবানিক করা হবে র যদি অব্যাদ্যান করে।
বজার এই হয় যে, এম-এ পড়ালোর করে।
বজার বিভাগ করে খোলা হবে না, এবং
হাজান বিভাগ করে খোলা হবে না, এবং
হাজান বিভাগ প্রের্ণানান ইলিগ্রান্ডবান করে।
ক্রেন্ডবান প্রবাদ্যান করেনা ইলিগ্রান্ডবান

আয়ার স্থান্ধে জিল্লাসং অগণপত রুচ পরিকলিগত পরিবতানেও কি বিশ্বভারতী সংস্কার সম্পত্ত অনুযোগগানিই অগ্রি-থাতাত গেকে যাজে নাই

আধিক প্রদান এবং নিজাপন মারান্তের বনাকা আনি আধা পাক বাছের কাছে থেকে ভানতে চাইবা আছিল কাভিচাপ্তার মান সদপ্রের বিশ্ব প্রান্তির অধ্যাপকারের অভিনাত নিজ্ব কাভি ছাল্ডেররের মনি কিন্তুর বিভাগের হ'ত ত্রাভ বিভাগের বিভাগের মনি আনি কাভিন বিভাগের মনি আনি আনি বিভাগের মান ভাগেরের মান ভাগেরের মান ভাগেরের মান ভাগেরের মানের বিভাগিরা বিভাগিরাই

7 6 7

Principle of a 2 ্বের্বিভালত সংশা্র মাধ্যক কলতে তিকে ব্ৰেশ্ ক্রিকাম ক্রেক্ত ভাৰেক ৰাষ্ট্ৰাই ক্ৰয়েণ্ট বিশ্ববিদ্যা<mark>লয়</mark> S17 6 रीकाएक ्रक्षर हिन्द सुरस्त য়া∙াক <sup>কিন্</sup>ত≛ীপ প্রয়ায়ির বালে 3,12 ক্ষেত্ৰেল জানি না কৈ ভয়ুৱ : 4 रक्षा राष्ट्र अध्यक्ष 6 757 \*\* 3 1.67 কার্ডেন তার তুরি আনে নিধারণ ছে ি এবার কার্বজন্তার । চিত্তার্কার জনহ ক্ষমসূত্ৰ কে নেক্ষে আনুষ্পান্তৰ ভাষক(শ্ৰান্তী,



करे क्या लायक करें वत्त्व याग निर्मत করতে গিরে ছত্তবের চিণ্ডার মধ্যে সংকীর্ণ গণভার স্থান্টি করার চেন্টা করেছেন এবং এই विश्ववित्रामराग्रीमत शाहरतत कर्म-জীবনে প্রবেশের রাস্তর্জ আরের পঞ্চিকস্তা করেছেন। শেথকের তথ ক্ষতিত প্রথমাপ্রণীর বিশ্ববিদ্যালয়ের থেকে কল্যাণী বিশ্ব-বিব্যালারের কোন অংশই কর নয়-কল্যাণী বিশ্ববিদ্যালয়ের মান সবভির্ভীয় প্রতি-যোগিতার ফলাফল দেখলেই বোঝা বাবে। এ ছাড়াও গবেষণার ক্ষেত্র ক্রটো প্রস্থারিত তা প্রতি বছরের বিভান কংগ্রেস অন্যোবন ক্রলেই গেথকের মন্তব। কন্ত অযৌত্তিক ভা পারকার হরে। পরিখেবে rais are कामहानत : विश्वविद्या**नतः सम्या**ग सामारे, िटींग मिरक करण क्यानकात भर्तेमभातेम करः গ্ৰেব্যার মান নিশ্ব করেন এবং আলা কর্ছি লেখক প্রবতী কালে তবি বহুবদক তারও ভালভাবে বিশে**লহণ ক**রবেন।

> ন্থেন্দুকুমার চেন ইন্দুকুমার গারেন কলানী বিশ্ববিদ্যালয় ছাছাচালির পক্ষ থেক

#### অদ্রের দিল্লী

১০ সোণ্টাবর ১৯৬৯ এর দেশে শ্রীকান্ত দর্বেশ মধানর কিন্যোহন "দিরী বিধব-বিদ্যাধ্যর মাকারকাম সাহিত। বিভাগের অব্যাপক ওর (কিন্তুলার মধ্বনের) কবিতা নিরে এবার ক্রাসে আক্ষোভা। দিরী বিধব-বিদ্যাক্ষরের বাংকা বিভাগে এমন হয় ? ভালো কিনিসেরও ব্রিথ অন্কর্মক করতে নেই?" দর্বেশ মহোল্রের রচনার অণতঃ-সারশ্লাত। অপাঠা ভাষা ও ন্যাক্ষমির সংগ

সার্শ্যেতা অপাঠা ভাষা ও ন্যাকামির সংগ প্রিডিত ছিলাম কিম্তু তাথার বিকৃতি, ছিলা তথা-উম্ভাবন ও বাংলালেকের বাইরে মনি বংলা সাহিত্যের পঠন পাঠনে মার্ক ভালের প্রতি অক্ষম বিশেষকে প্রচর পেরে তাভিবার করতে বাধা হাজি।

বিদ্ধানী বিশ্ববিদ্ধালয়ে আধ্যমিক ভারভারি ভাষা বিভাগ নামে একটি বিভাগ আছে। কেই বিভাগে নাটি ভাষা চছার ব্যবস্থ আছে। ভার মধ্যে মালরালাম একটি, বাংলাও একটি। বিমি মালরালাম শাখার পরিচালক, ভিনিই বাংলা শাখার পরিচালক। আভএব শ্বাংলা বিভাগোর পক্ষে "মালরালাম সাহিতা বিভাগের" "অন্কর্বের" প্রশ্ন নিভাগত ভার পত্র।

দিবতীয় বিশ্ববিদ্যালয়ে শ্রীবার কিংশার মাধ্যম নিমন্তিত হাননি। এ থবর্টি মিখা। তাকে নিমন্ত্রণ করা উচিত কিনা সে প্রশা শহতক। শ্রীব্রে দরবেশ নিজ্পর কংশনাশার্ত্তর বাল কালো কলেছেন এবার কালে কাশোর মাধ্যমার কবিছা মাধারালানের অধ্যাপক আলোচনা করবেন । মালরালাম ভাষ র দিলাতৈ এফ-এ বা বি-এ পড়ানো হয় না। এখানে মালর লাম ভাষার এক বছরের সংটি-ক্রিকেট কোসা আছে। কাজেই কোন ক্লাসে এই আলোচনা হবে : মালায়ালাম ভাষায় হারা বর্গ পরিচয় শ্রো করবেন সেই কাসে : আমি মালায়ালাম ভাষায় অধ্যাপক সহকমণি শ্রীষ্টেও এম আনুষ্ট্রাকে এই ধ্বর নিলে তিনি শ্রীষ্ট্রাক্ত হারেশের সংবাদ-উল্ভাবনী কেশিলোচ্যাংকত হারেছেন।

ভতীয়ত, "দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়েত বংসা বিভাগে এমন হল ?" কী হল ? আমানিক সাহিত্যের অনুসাচনা ? লাহি ডিগ্রুপের বিশাস্থ্যসম্ভাৱ ক শ্রীহার দ্রাবদ মাহাসায়র অবগতির জনা জানাই—হয় কী হয় তার লাদক: তালিকা দেওৱা নিশ্প্রয়োজন। বাংলা এম এ সিলের স দেখালাই দেখাত পিতিন আধ্নিক সহিত্যিকরা পাঠতেলিকাত্ত কিনাং শ্রীহার শংকর কর্পা कीश क উয়াশংকর যোগী, শ্ৰীয়ায় সেহায় মাখা-পাধ্যায় আমানের বিভাগে আমাণিটে হয়ে একেছেন, কবিতঃ পড়েছেন, কবিতঃ আগো-চন: করেছেন। গ্রুড় ডাবিখে <u>জী</u>য়েছে ক্ষান চলুবভী এই বিভাগে আমণ্ডিত হারে এসেছিলেন। সেই সভায় জীয়তে দলবেশ মংগ্ৰন্থত উপাস্থিত ছিলেন। পঠতে লক্ষ **जन्दक्ष कता या निमन्द्रम सत्**हे ।य करिएक সম্মানিত করার একমার পথ নয় তা জানি। কিব্র সাংবাদিক প্রবর দ্রাবেশ মহাশারের **অপার্ক সভানিষ্ঠের পরিচয় দে**বার জন্য এই নীরু<mark>স পরের অবভারণা করতে ইল</mark>া সে জন্য মার্কনা ডিকা করি।

> শিশিরকুমার দাশ আধানিক ভারতীয় ভাষা বিভাগ বিজ্ঞী কিকবিধয়ালয় বিজ্ঞী-৭

विश्वनाहित्या बह्वशाव स्वयाम।

বিশ্ব গ্ৰাণী জ্ঞানী নাম্বিটি প্ৰতিয়াত বেখনক। এন হাত্যাক্ষরতালের বভাষান বই

### অপরিণীতা

বৃহৎ উপনাস : ১৫০ পৃছ্যা। শাম সঞ্জাল টালা

বক্তবা ও বাজায়েরি সমস্থাপার্থ জীগানের, মরনারীর ক্রেম আদেশলিত হবায়র, ন্তো ডিল্ডায়ারার ভারতীয়া ভাব ও বিশ্বসোধর এক অপুর্বিজনবাদ্যমধ্যেশ।

**জার্জা গ**র্ণান্তকাব্য। ৩৫০ ট পান। ২২০ পুর্ণ্ডা। দাম প<sup>া</sup>চ টাকা।

রবান্দ্র-সঙ্গীতের সংধ্যকদের অবশ্য পঠনীয়। ক্রমিন্দ্র রসধারার জ্যোত্রাহ প্রকাশ। ভবল ভিনাই ১৬ প্রতি এন্ট্রিক ক্রমেন্ডে শ্বাস্থাই ও স্ফ্রোন্ডা ববৈই।

দি বৃষ হাটস, ১৫, করেজ টেকটোর, কলিকান্ড-১১

(সি ৭৫১৯)



লোকেন টোবাাকে। কো: প্রাইভেট লিমিটেছ, বেংখাই-৫৬ **মতারতের এই ধরণের বছত্ম জাতীয় উত্তর** 

কৃষ্ণলৈক্ষাক্ষাক্ত নিশ্বজ্ঞানে ক্ষাৰণ

শ কৰিব আনি ভালি কৃষ্ণনেংগত তিছু

দিন্দ আৰে লাভনে বেড়াতে এনে
হঠাং লিটিল সন্কারের কাছে আপ্রর প্রাথনা
করে বার্থ শে বংলাল তুলোছলেন।
বর্তমানে তিনি নতুন নাম নিসেকেন এ
কানাভোল করা লাভনেন দি তেইলি
টোলপ্রাক সংব লগতে তার দেলভাগেনে প্রকৃত
কারণ সবিশ্বভাবে লিখেকেন। আনরা তার
থেকে অংশ বিশেষ লেখাকা নিজের
ক্রানীতে এখনে তুলে দিলায় :

শদল বছর আলে আমি ছিলাম মাকেবার লিটারারি ইনস্ট্রিউটের একজন অভানত অথাত ছাত্র। একজন ভরণে ব্রক্তর সইবেরিরাতে কাজ করতে বাওলার ঘটনা নিয়ে ক্রমি একটা উপনাস লিখে শইউনোস্টা পাঁচলার পাঠাল ম। (আমি নিজে সইবেরিরার গাছ নিমান উদ্যোগে কাজ করেছি।) সাইবেরিরার জবিন কি রক্তম ভা আমি হাবহু দেখবর চেন্টা করেছি. সেখানকার কন্ট ও দাহিলোর কথা সমেত— যদিও একজন তর্গের এই লা বিশ্বাসও ভার মধ্যে ফুটে উঠেছিল বে অবস্থার উর্য়তি একদিন হাবই—এবং একদিন এই সব

শইউনোদ্টা পতিক র সদপ দকর। আমার লোখ টি খাবেই পর্যুদ্ধ করেছিলেন। যদিও ভারা নিলেন, ওটা প্রকাশ করার কেনো প্রদান ও ঠানা! উপনাম্যিটি ছাপা হলে কতাপক পতিয়াটি বংধ করে দেবন আমাকে টোমাতার এবা হবে—এবং লোখক হিমেবে আমার ভাবিষাধ অংশকার হয়ে যাবে। মাইবৈরিয়ার ছাবিন অভানত উপন্যলভাবে দেখাতে হবে লেখার মধ্যে, যাতে তরাণ যাবকরা সেখানে গিরে কালে করার প্রেরণা প্রা।

"কিন্তু সব চয়ে বড় আপত্তি ছিল এই বে,



আমার উপন্যাসটি প্রকাশিত হলে পশ্চিমের প্রচারবিদরা এটার ওপর ঝাপিরে পঞ্চরে এবং ভারস্বতে চাঁচাবে, "দাংশা বাংখা, এই একজন সং লেখক কি রকম সভিয় কথা লিখেছে,—নাংখা, রাশিয়ার জীবন কি ভরংকর শ

"তার। বলালন বে, এটাকু শুধু সম্ভব আমার উপন্যাস থেকে বাদ করেকটি বিষয় এবং রুড়ে পরিজেন বাদ দেওয়া বার—এবং সেখনে কিছ, উৎসাহবাঞ্চক খটনা এবং কিছ, শেলাগান চ্বিরে এতে কম্মানিস্ট আশাবাদ ফ্রিরে তেলা বার, তা হ ল ছাপা বেতে পারে।

"অভিজ্ঞ লেখকরাও আম কে পর মর্শা দিলেন যে, এটা করাই আমার পক্ষে উচ্ছ। ছাহলে আমার লেখর কিছুটো অংশও অন্তত পাঠক দর কাছে পৌছুবে। এবং রাশিরার পাঠকর ও জানে ও ব্যুঝাত পারে, একজন লেখক কতখানি সং বিশ্বাস থেকে লিখেছেন আর কতখানি কর্তৃপক্ষকে খুশা কর র জনা যোগ করেছেন। স্বাই এরক্ম করে তারা বললেন।

"কিন্তু আমি তা করতে রাজী হইন। বেশ কিছা নিন উপনাসটা পড়ে রইলো। ত রপর আমি অনিজ্ঞাসড়েও আর করেকটা পরিজ্ঞান কিংসাম—এবং সেগ্রেলা এতই অবাদ্তর হলো এবং তার আশার বাণী এতই কৃতিম শোনালো বে কোনো পাঠকেরই সেটা মনে ধরতে পারে না। কিন্তু আমি তখন ছিলাম তর্গ ও অনভিজ্ঞ এবং সম্পাদকর। আছক লৈ উপনাস্টাও, ছাপতে চাইলেন

শ্বত দত বন্ধবার মধ্যে আমার নিদ্দালীইকা, আমি সবার সংশ্ব কণায় করতার, তার হিশিবারকালা হরে উ ঠাইকার-শের পর্যাত মশ্বের হৈছে চলে পেলাম। ত রপর একানন আমি হঠাৎ এক কণি ইউ,নাস্ট পাঁচক কিনে খালতেই আমার চোখকে বিশ্বাস করতে পারল্ম না! আমার উপনাসেটা ছাপা হারছে! পাঁচকার প্রতান দাঁড়িয়েই আমি সেটা সম্পূর্ণ পড়ে কেললার —এবং পড়তে পড়তে আমার চুলা বাড়া হরে প্রতা

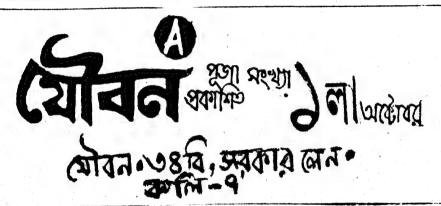
"আমার সম্পূর্ণ অক্সন্তসারে, কে বেন



#### এস সেন জে পি ম্যারিজ রেজিপ্টেশন অফিসার

১৮বি শামচ্চত্ৰ দে শ্বীট কলি-১২ কলেন্ড শ্বীট মহাস্থা গান্ধী তেও জনেন কেনেঃ 34-6496 Resi 34-4045

রেজিন্টি বিবাহ অফিস



अवेद्वार जागात केन्यात है के क्यों है क्यों के दर्श क्यों के दर्श कि दर्श क्यों के दर्श क्यों के क्यों क्यां के क्यों क्यां क्यों क्यां क्यों क्यां क्यों क्यों क्यों क

ৰকাতে লাগানেন, বাল সাহিতো তর্ণদের জাবনবাচ কেটাবার বাংপারে আলি মতুন প্র বেভিনেটি

-इंडिक्ट्सं अब त्यायम्बानी वंडेत्या। नाहे आवत् (क्यांनी क्यामिक्टे त्यायक अवर्ष) आकारित अकारे स्वाती वहे लाडेत्यन त्यां अवर्थान बाल निर्देशनी अक्षरताल हिटन्द्र श्रीविष्ठि । टन्या रमन, वहेति खायाय सन्मारमाहे सन्दर्भ।

লেখক ইউলিবনের করেল কমিলনের লামনে আমানে হাজিব বিজে বলা হলো। নিংশাক তরি বইশনি এবং তার একটি কুমিকা আমার হাতে তুলে দিলেন। ভূমিকার कार्यात्रक किरमध्य गर्म, किसे वस्त्रित्र रंगाविद्याते केमानार भाकर्त्यः कात रंगा सामान केमधानकि करिक नमेक्स रंगा विकास करिक्य भावत् के केमधान रंगा कर्मा । अवस नाविद्यात करिक क्रिक सन्द्राप बर्मा रंगाया हो सम्बद्धा क्रिक सन्द्राप बर्मा रंगाया हो सम्बद्धा क्रिक करिक क्रिक क्रिक क्रिक

न्यानहरू काला के विकास अकी व्यक्ति वाला वाल वालिक हांचा करणा के ले बरन महेका अनीरक अनीरको व्यक्ति न्यानक नावनात् वालात कि वर्तिक। व्यक्तिक नावना वाल स्मानिक कर्माण सरकादम् अवस मानुस करन बर्ग्य रमवता वालावानी नीवाक्यनगरामा गर निराहरूम अवस वीकास सरकादम रम के मार्टन रमवाक को देन वर्गक व्यक्तिक मार्टन मार्टन

শতান্বাদক কিন্তু আমাৰে বিকট ব্ৰহত পোরছিলেন। আমি বলে বলে ভাবতে লাগ্যাম, এবার কি হবে ? ওয়া কি আনাক কানী কর্বে ? ভাবতা লেখক হিলেবে ভাবতে ভাবিতাৰ আনকার করে দেবে ?

শক্ষমেকক্ষণ বাদে নরকা শ্কালো। ক্ষামাকে আন একটি বাবে নিবে বাওছা হলো। তারা ক্রিকেস করবোন, শভাহলোও ভূমি তার একটা রাশিকা-বিরোধী বই কিবেশছোও

্ৰতন্ত্ৰদে অনেক কাৰক। বাঁণ দেওৱা হংৰকে। অনি বৰ্ণামাঃ

—ভারাল ভূমি কসাত পারে। কাম এক।
প্রতিবাদপত বদ্ধো। আকালা কেই ইবি
স্তিকাল স্কুপার্ক। ভূমি কবালা সাদ্ধোত একটা বিব্যক্তিক সেকে-নাতে ধর প্রকাশাকর নামে মামলা করা কাছ।

পতুৰিং আন্তঃৰ একটা লগে কাগেক সিংকা এবং কি কিংগতে হাৰ বৰ্ণে সৈতে কাংকা? আন্তঃ হাত কলিছিল, আফি শানে শানে কৈংগ হাজিকান গোকালা দেখ হাওৱাৰ সংগ সংগ্ৰহী ডিডিট শানিকা সেওৱা হাওৱা?

শভী জন্মার প্রথম উপন্যাস। এটা গেশার লভাই জন্ম কোনক ইউনিয়ানের সদস্য হার পোর্ছিল মা এবং পোরেছিলান থাকার করা হারিটা এর কারে আমারে থাকার করা হারুতে পারিমি জাট বছর। আমারে ওপন কোনে পারিমি জাট বছর। আমারে ওপন কোনে প্রতিবাদ বিবৃতি লিখে আনতে । পারের নিম জানি সেটা নিরে ঘটণা রাগিষানেটে আমার কোনা কেটে নগট করা হারেছে, ওার প্রতিবাদ করিমি। ফরাসা আন্রাদে অ্যার নিজন্ম কোনা গেবে তে বাদ বেছমি—ভার প্রতিবাদ করিম। করাবি

রচনাটি অভাবত দীর্ঘ নিয়ন ভাবণাত সংগা্ণ অংশ এখানে দেওয়া সম্ভব নীয়।

সনাতন পাঠক

प्रकारिक रेज का मोडीनाथ मान्डी अमीक

## সংস্কৃত সাহিত্যের ইতিহাস

তঃ সোর্থীনাথ শাস্ত্রী রাচত ও Oxford University Press প্রকাশিত A. Concise History of classical Sanskrit Litrature এর বাংলা সংস্করণ। প্রাক্ত-কথনে রৈদিক স্থিতির গাংলাচুলা গ্রন্থটিকে প্রণিক্ত করে করেছে। সংক্রেপে লেখা অথচ সকল প্রস্তালনীয় তথা সমারেশে সমুখ্য সরল প্রস্তালভাগী অথচ উচ্চমানের এই গ্রন্থটি সংস্কৃত ও বাংলা সাহিত্যার হারেশের পঞ্চে হবে অপরিহার্থ স্থিতি গাংলা বিভাগনের করেছ অবশা পাঠা। ক্রেলা আট টাকা

**সারুশত লাইরেরী । ২০৬** বিধান সর্বা<sup>ট</sup> ক্রিক ৮০ ক্রেন - ৩৬-৫৬৯২

S.AAAC.

## পূর্বোত্তর সীঘান্ত রেলওয়ে-

#### **ट्रना**हित्र

হুল। অক্টোবৰ, ১৯৪৯ ভালিকে যে ২৬নং সমস্থানিক প্রতিত হু বহাছে হাইডোছ ইয়াছে উল্লেখিত নিউ জনপাইকাড়িশিলিকাড়ি জংগোলালৈ স্বত্নিক সমস্থানি দ্বালিত লাখিল জানান মাইডেজে লে, টেল্মালি স্থানিজাগ্রান দেওই সহস্থানিজা প্রতাশাত ব্যামন মিটিউল অন্যালাড়ি স্বাচল কলিবে।—

4-12 2-18 S-16 3-16 9-18 3-18 0-18 পাচন পারস भरात्म প্যানে লোকাল পাদেৰ ৫-৩০ ছঃ মাউ চলগ গৈছি পোৰ ২০-৪৫ ২৪-৪০ ২৭-৫০ 2.00 ত-৫৫ পোটা শিলিলাট্ড কা ছাঃ ১৯-৫০ ১৪-১০ ১৭-১৫ \$4-80 20-00 (mile 22-60 25-20 6-06 E: 22-30 €: 50-58

\$4-80 ৯-64 পেণ্ড জাসিজা ছা ৯৫-৪৬ ৯-৯৫
4-২০ ১০-০৭ ছা: পেণ্ড ১৫-৬৬ ৯-০৫
৫-১০ ১২-৫০ পেণ্ড লাজনিজ্ঞ ছা: ১৫-১০ ৯-৪০

১০-১০ ১২-৫০ পোর দ্যারান্য হয় ১৫-১০ জনত বনবার বনবার হাং নার্যার্থ হাং নার্যার্থ হাং নার্যার্থ হাং নার্যার্থ হাং নার্যার্থ হার্যার্থ হাং ভারার্থ হার্যার্থ হাং লার্যার্থ হার্যার্থ হার্যা

সময়-প্রাক্তিকার নির্মালেশিত সংশোধনগোগিত কবিস লাইছে এইবেড— ততু স্তৌ্ধঃ—(ক) কুডালি জেনতি নিস্নালিং কং ১৯ অল ৬ ২০ ভাং স্থানেকার-

ৰোগে শিলিগান্ত কা ভানত কেইলভি এক নাম্য নিউ বসাই-লাভ ও তিন্দানিকা কং-এক নামে ভগ্তম কৰিছে।

্ষ, ১৯ আপ ৫ ২০ জা পাকেজার টোন শিলিকাড়ি জা ও নিউ বঙ্গাইনএর বসলে চিউ বঙ্গাইনাই ও ডিনাস্কিলার মধ্যে বিয়ন্ত্রশালেও করে/ভাইনিং কারের ব্যবস্থা করা ইইবে।

डीक कपारतीयेः म्याबिट वेट-छ-डे।

#### হিমালমের লোল প্রকৃতি

Land said People of the Himalaya: S. C. Sone: Indian publications, S British Indian Street Calcutta: 2: Price In 50.00.

হিমানার না আকলে আকলের ভারতবর रेड ना। **आ**शासक महोडा THE HEALTH विश्वासक्तिक्ति । B BIRTH THE THE PARTY স্বাই , সাধ্যমতে ISHING-WINE करवंदाना । THE B टम्बनाव नहें एस्ट्रेंच्य मान्यत्वत ष्ण-श्रम-विश्वास ভাম-বাক্থা काश निक कारणेंद्र क्या विमार शक्या प्रतहे क्षे दिवालक्षक चित्र। दिवालाक्त कार रक्ष भाषाकामाद बाब टक्के दाहे र हैद्रव ह्याटकद क्षमाधिकात शार्यम्, महात व्यक्रमास्य वार्थ দিতে অনশ্তকাল অনিদ্র দাভিয়ে আছে তিমালার। স্বাদিক পেট্র হিমালটেরর গ্রেছ कार्यक विकासम्बद्धाना का प्राप्त का तथा আৰুল ক'ৱে বাধ্বৰে। তবা ত সম্বংশ আমাদের জাল ভাষা-ভাষা। ভাষা দ্ৰহণৰ হিন্দী আধা উপনাস জাতীয় এক ধরনের মানা-মানা লোগা খোকেই আমরা বেটাক হিমাক্ত সম্বান্ধ জনতে कारित । আহ্য এর এক প্রায়েশিক, ্ভাগোলিক, সংঘটিক এক অধ্যান্তিক দিব আছে।

23 STORY! र रिद स STORY. (42 3) ক্রান্সারে প্রস্তেষ্ \$12 - BA ,লাকেরা **কে**টা সভাবেক হয়: প্ৰান্তি 'কুত্র'-ই ক্রে, কথা বেলিডেছিল। এই বেছে এসেছে আন মন W1128158 98578 'कु डा' रिटानाम् शास्त्रह्न तण्डामार्वे ३ (३) ' **अरेतक**म কারে: অকল প্রভাগ্রেকা হ'ড্রে করেছে বিশাল হিমালয়ের দিকে দিকে। কাবিভাগ कर डोण्डमीयमात कार्या १५व शारामा **ভালাতে**র এবং ভাঁদের বিশ্বাস বহা রেটেগর প্রতিষ্ঠেক এক হিমালয়েই ব্যাহে। ইতি-মাধ্য বে-সব ওয়াধ হিমালয়ের পাছ-পাছড়া ৰাৰহার করা হতে ভার এক দীর্ঘ তালকা দেখেছিলাম চোবাটিয়ার। তারপর, প্রশানর আড়ুড হচ্ছে হিমালয়; এক এই বাবস থেকে ভারত সরকার প্রচর বিদেশী মারা পান। আমাদের দেনাবাহিনীর লোকের হিমানার অপ্ৰের কোথার কোথার কি দারাণ কার करत हरनारक्त रहारच ना रमध्यम विभया कता কার না। আছে। পারেগালী, গম্পী, গড়ের জার পাহাড়ীরা, যারা জীবনয়খার তাগিলে শাধা পাছাড়ে পাছাড়েই ছারে বেড়ায়। ঘর ভালের সভ্যে সংক্রা থাকে। পরে পাল ভেড়া নিয়ে ভারা চলে যায় পাঁর পাঞ্জা থেকে माश्रामा कथाना वा आयर्गे-ठाउँ-वा सामग्र সমত্রের লেভেরল ভালের স্পর্ধে থার কর্মই ক্ষানি। শ্নলে অবাক লাগে, কিন্তু খবর



নিয়ে জেনেছিল্য, হিমালয় জনতে এমনো মহাভানতে কোন কোন লোভিক বাভি-নাতি ভাল, আছে। কোন, থ্'ললে বহ-দোপদী ফেল্ড জনতে বংব।

ভঃ স্বোৰদ্দের কর্ এক হিমাদের নির্দেশ করেছ আছেন বহুকাল; সারা জীবন কাটিরে দেওরা বার এই নেশারা। এ-সম্পর্কে তারি জ্ঞান সব সারা আমাদের প্রত্যাশাকে ছাপিরে বার। কিন্তু আলোচা বইটি তেমন বড়সড় নর, আদত হিমালারকে এই পরিধিতে এটে ওঠা শস্ত। কিন্তু ভঃ বস্ বেহেন্ডু এবই সংপা ভূগোলাবিল্ এবং হিমালার-সাধক সেহেন্ডু সারা বইতে তার বরেন্ড অভাব নেই। এই অলপ

स्वाकृतिक त्यास्त्र विश्व क्षिण्य क्षिण्य क्ष्यास्त्र क्षयस्त्र क्ष्यास्त्र क्ष्यस्त्र क्षयस्त्र क्ष्यस्त्र क्ष्यस्त्र क्ष्यस्य क्ष्यस्त्र क्ष्यस्त्र क्ष्यस्यस्त्र क्ष्यस्त्र क्ष्यस

090 Ibk

#### উপন্যাস

কিংবৰভাৱি নামকঃ সৈরত মুক্তাকা সিরজে। কথাজিক। ১৯ গামান্তর্গ দে ব্রীট, কলকাতা-১২। তাম আট টাকা সঞ্চাশ প্রসা।

একটি কেলাৰ চরিতের চোৰ দিয়ে সৰ

## বর্তমান শতাব্দীর একটি অসামান্য বই হোচি মিন ও ভিয়েতনাম

ৰর্ণ সেন এর একটি অবিসমরণীয় গ্রন্থ

### প্ৰকাশিত হল ॥ সাত টাকা

প্রিৰেশ্ক : মৌস্মী প্রকাশনী, ১৫/২এ কলেজ রো, কলিঃ-১

## এম. এ.

### প্রশ্ন-উত্তর

ভারতীয় বিভিন্ন বিশ্ববিদ্যালয়ের সিলেবাস অন্যায়ী লিখিত।

HISTORY PREPARATORY SERIES (M.A Modern History)

ভর্ম ১ ছিল্টি কর বেগলে
(১৭০০-১৭১৩) ১৬.০০
, ২ হিল্টি কছ ইণ্ডিয়া
(১৮৫৮ ১৯১৭)
(উইখ স্পলাল কেনা-বেস্ফ ট, ইণ্ডিয়ান নাখনাল ব্যক্তিটি)
৫ ছি জভলা ইস্ট কি
কার ইস্ট দি সাউপ
ইস্ট এশ্বা (ইম দি

बाइ बहिनध

हेट्समहित्र (मनहित्र)

- ৬:্ব ৪ কন্চিটিউসানাল ছিল্টি ফক গুট বিটেন ১৪-০০ (১১৮৫ টু আৰু টুডেট)
  - ৫ ই জার ন্যাশ নাল রিজে-প্রস্ ৬ ছিজিট্ট জড় পলিটিক্যাল
- ু ও ছিম্মির আরু পরিটিক্যাল থট চন্দ্র ন্যাকিয়ারগুলী টু প্রেকেন্ট ডে —
- " ? महान् इक्रांबाल (२८४२) —

अप के देखाकों e जनाना भाग्यक कालिकात करा निध्न

চলভিকা, ৭ নহান কুণ্ডু লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলিকাতা-১

 Confidencia de conceptado esta a stava della consta partir della della statione della partir della della della statione della partir della consta della della della della consta della della consta della della consta della della consta de



## ्रात्र ... रेडेवि आरे आर्फ् ग्रहरे कल्ड

সমাজের সকল সতারেই বাতে আধিক উমতি সক্তম বর তার স্বোগ করে কেবল প্রোঞ্জন। ছোট ছোট কারবার, লিস্পোন্সাস, চাববাস, ব্রুরা বোকানসারী পরিকার পরিচালনা কিবো জীবিকার নিম্ন জন্যানা বৃত্তি —এ সবকেই উন্নত, সমাধ্য হ'তে স্বোগ বেওরা ব্যক্তার।

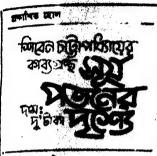
১৮০টিরও বেলী লাখা আফিসের জাবটো আর মেবারতী করিছের সমারতার এ কাচে বেবানে বতট্তু অর্থান্তুলা প্রয়েজন তা প্রথের কান ইউবিজাই সর্বাল সচ্চেওঁ আর্থিক প্রয়োজন বিবরে আলাপ আলোচনার কানা আমানের যে কোন লাখা অভিসে চলে আল্না



### हैलेवाहैरहेल काइ वर है छिया

হেড অফিস - ৪, নরেন্দ্রচন্দ্র নর সর্বাদ (প্রেডিন ৪, ক্লাইড ঘটে স্থাটি) কলিকডো-১





শেলের কৰিছা

₹.00

প্রতিয়া প্রকাশনী ।
 ব্লহীন কুন্দু সেল, কলিকাভা∹৯

(M 4995)

#### काबरक यह अवस

৩৫ বি বি হৈনে সিনে জোলেইর। নিজের ব্যক্তিত শল সিনেয়া দেখার আন্ত



উপজেগ কর্ম। উচ্চার বাটারি বা ইলেকট্রিসচিন বাটারে আসনার পঞ্চল-মতো চলতি ছবি পর্যার দেখতে পালেন। সিনেরা রঙল ক্রেমন বেগেন চিক ক্রেম্বর্ট পর্যার প্রেমা বাইজের্ট পর্যার প্রেমা বাইজের্ট কর্মার প্রেমা

শেশপাত , এরাজিনির লয় ৪০, নিকান এব নিকা কিলম বিনামার্কান অভিত্রিক কিলম প্রতি মিটার ১ টাকা।

Super Sales, Dasan Street (DC-40) P. B. 1165, Delhi.



বিশুদ্ধ ও সুপরিষ্ণৃত তিন তৈল হুট্তেপ্রস্তুত ভূল উঠা বন্ধ করে মোথা ঠাণ্ডা রাথে

ত্যর্ক্ত শত্যক্রীর স্থুনা(মর) উপর প্রতিষ্ঠিত कम्दलव TIN BENIEF পাত বাদার श्कुणानवा, धनक्छान व्यक्तवा, शहा-भाषव मानिक गतनाता, माहराज रक्ष,ननीता, कृति-विकासी नर्वामन्त्र-मयाहे कहे बाट्ठेव मटना নিক্ষেত্ৰ অবিক্রেন্ড বে জড়িয়াছে। তাদেব रव कि धाकात । ह लामवामात क्यों छ माथ निरक्षते अहे छेलनारम्य काहिमी स्थाना करहाक সংসহ নেই। ভথাপি বিভিন্ন কততে বিভিন্ন-বুলে উপস্থাপিত চন্দ্র লিকার মঠই মূল গালেন। ৰইটি শন্তবার সময় এবং পাঠ শেষ করার পর্ব সেই বিপাল ফ্সালের মাঠ পাঠাৰত মন অধিকার করে থাকে। মনে হর। সেই মাঠ বতটা জীবনত, ততটাই লেখাকর मार्क्टा।

বার্ত্তলা উপন্যাসের পটভামি প্রসারিত করার সচেত্র প্রয়াস বইণ্টিভে প্রথম থেকেই চোবে প্রে। শহর ছোৱা গিকিত মধাবিত্তদের চেনামহল থেকে অনেক দুরের প্রামাণ্ডল ও সেখানকার মান্ত বলা বাহ,লা, বাঙলা উপন্যাসে নতুন নয়, কিম্তু সারা র ভ জেগে এবং দিনের বেকার বিশ্বল মাঠের ফসল যারা পাহারা দের সেই জাগাল সংগ্রদারের প্রাতাহিকভার খুপটনাটি বাঙ্কা উপন্যাসে নতন। তবে এই নতানের সংখ্য উপন্য স্টিতি সামগ্রিকভাবে মৌলিকতার প্রশ্ন জভিত। এই প্রমাণা টালের করা সপাত যে বইটিতে কাহকগালি তারাশাধ্বর বাদেয়াপান্যায়ের উপ্নান কর প্রভাব বড় গণ্ড। ্ৰেছ হয়ত উদ্ধর ধিকার বলা ভাল।

্লথকের গ্রাকীতি লক্ষাকরলৈ, বাক সংস্থান অভাব, উচ্চাসিত আবেংগর লোভ বিশ্লাত করে। বিকার অবশ্য কিছ্টো কেটে লাল, হখন ভূমিকা থেকে লামা হার হৈ এটি লোলকের প্রথম উপন্যাস এবং দশ্য বছর আগোর বহন।

বইটিটে মালেখানের সংগ্রা করেকবার মার্কাসের নাম উচ্চারিত হরেছে। অথচ শেষ গ্রাণ্ড জামানর কন্যা মান্যমনী ও শ্রাবিশ্বরে সংগ্রাকার মধ্যে জোগাঁ সম্প্রারে ইপিয়ত রুরে লেছে।

প্রথম লাটি পরিক্রেন- তাদিবনের এক বিক্রেল ও আন্মেন, আন্মেন'—উপন্যাসটি থেকে বিক্রিয়ে করে বেখলে ব্রটি স্ক্রের ডেট গ্রুপ মনে ইয়া।

298192

#### शांशि व्यक्तिव

রবীশ্রনাধের আছার্প ও র্যাশ্রনাট্য বিষয়নি। মনীগ্রেপাল ব্যাসাধ্যায়। শ্রুলাণ্ড প্রাইছেট লিমিটেড : ১, শংকর খ্যের রোক কলিকভান্ড। ম্লো ১৬-০০।

গিরিশ রচনাবলী (১ম গণ্ড)। স্বহিতা সংক্ষাঃ ৩২০, আচার প্রফালস্থানেড, ক্লিক্তা-৯। মূল্য ২০-০০।

### ৰাখিক কিলিমিল

2040

নাম ০.৫০ (ভি পি পি-বোলে ৪.৫০)
বিখ্যাত দেখক ও নিম্নগানৈর দেখার
৫ নেথার স্মান্তিত হরে গাঁরই কেরাছে।
বিনাম্লো ০৫০ প্রান্তার এই বার্ষিকীটি
প্রেড হলে জাতাই ৬.৫০ পঃ পারিরে
বার্ষিক প্রাহক হও। এজেন্টরা বোগানের

ही शकाम क्यम

১১ महामान्त्रम एक मोर्डि, कमकाठा-১२

(जि. ४६०२)





এ.সরকার এণ্ড সঙ্গ সদস্যাওফাণ্ড সম জবলট এম.বি.সরকার ট্রাটিশ্যদাল জুক্তেলার্স

১৭১)১৩ রাসবিহারী এন্ডিক্স বালিগঞ্জ কলিববজ্ঞ জ্ঞান: ৪৬-৬২৪৮



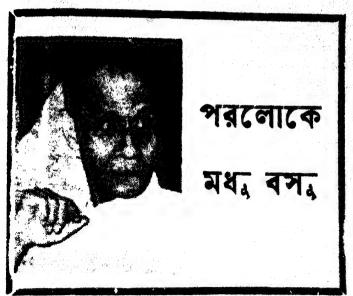
## क्षितिक ओलर्ग्ड हित्र ऋगी थ्यंता क्ये ?

কৰ বৰ কাথা কৰে আৰু পতৰ ভাৰতাই চুল উকিছে বাৰ বাৰ ল্যাকাৰ লাগিছে নিজেকে সুক্ষৰ কৰে নাজিৰে ভূগতে অনেকেই বাজ। একে কিছুদিৰ আপনি অনেকেছ মুক্ত প্ৰাণ্ডনা অৰ্থন কলকে নেই, কিছু ক্ৰেকেই আপনাৰ চুল আ'ত সৰক্ষাত লাবলীপতা ভাতিছে ব্লান কৰে উঠকে। এ সৰ্বনাশা পথ একেবাতেই কলছাত্ৰী। চূলেৰ সৌন্দৰ্বতৈ ববে ভাগতে ছলে নিভাৱ স্থান নিছলিখিত ক্ষেত্ৰট বহজ নিছৰ আপনাতে বানতেই হবে।

- अधिकिय संस्था इ'वाड काम करड हुन काक्वारमः
- शि किरक इस का दीवा
- ভি ভালের আংগ অভুডঃ পাঁচ বিবিট ক্রমানুত্র তেল তালিশ কলা
- 📵 म्बार्ट् मात बक्षित माना प्रका



FI. CA. CAR AND CARK SHIPTON SALES FOR



. হারস্চনই। পত ব্রুস্তিরর ম ব্যাস মূল্যবের মধের সারা শহরে ছড়িয়ে প্রাপ্ত এই বিলাবাল থবর : সে<sup>ন</sup>নন কলক ভার প্রান্ত অভ্যাদল। কিন্তু শহরের সংস্কৃতি-কাশ্যে ও চলচিচ্চালেকে কারও বাদ এক ল্ডেম্ব্রার মত এল এই মুম্ব্রান্ডক সংবাদ : ম্মা কমা নেই। কড়বাণি টাপকা করে আনকেই এলেন শ্রীবস্থার কারনানি এপ্টেটির বসভবলে। **৫ই** দিন সকলল তিনি ৬১ বংসর বয়নে কাষক মাস রোগাই গেও পথ প্রাপ্তির্মন করেন। নিঃসম্ভান মধ্য বস্ত্র মাত দতের সংশে ছিলেন তবি কৰি শ্রীমতী সাধনা বসঃ: নাত্রীশলপী-অভিনেত্রী শ্রীমতী বদা তথন খোকে স্তব্ধ, কাঠের মত ঘরের এক কেন্ত্ৰ দাঁডিয়ে।

শানিতানিকেতানের ছাত্র ছিলেন মধ্য বস্থ (হাসেল নাম স্কুমার)। পানে ভাতনায় একদিন স্কলাক ফাছিছে কাখ্যতন, থেলাল ধালার এগিয়ে ছোডন সকলের মাগে, তার বিভাকাল পারেই কলকাভাব সাংকৃতির ক্ষেতি তাঁর আলমন ধ্মকেত্র হত : নিজে অভিনয করতেন, পান পাইতেন, নাউক প্রায়জনা কারছেন, সিনেমার পরিচালক হিসাবে তেন भरनाभधा शिक्षमहै-वहा गालब जायाह শ্রীবস্য বাংলা ক্ষিত্রমা ও নাটকের জগতে থে নতুন প্রাণের বন্যা এনে দিয়েছিলেন প্রেন্থ মামলের রসজ্ঞ বাজিরা আলও তার সাক্ষা रत्यवस ।

ইংরেজীতে যাকে বলে "কালারফ্ল লাইফ", মধু বস্রও ছিল তাই। 'বজানর **ए**। छ अ**.सम्म भिएल्श्य एकरतः।** सिर्क्स्ट नाउँ कर मन शर्फ रकन्यलन-'कानकडे: प्रार्डे' / শেকরাস" (সি-এ-পি)। মাণ্ড অভিনয়

कर्रांतन "मानिया" e "आमिराया"। प्रि छ-পি'র পরের নাচক "বিন্যুৎপর্যাল, শহরেন বাইরে"। তার ফিলেমর কারু শ্রা হ্রোচিল छारत । ১৯২৬ मध्य करन करन यात विमाधः সেখনে আল্ফেড হিচক্ত্র সংগ্রেক্ত করেন কিছাকাল। তার আলে (১৯২৪ সনে) তিনি সিনেমায় কটোগোক রের কাজ করেছেন বিহারাল। বিলাভ ধেকে জিরে ছবি করলেন রবীন্দ্রনাথের 'গিগরিবাল্যা' (নিব') क)। বিবত তার জনপ্রিয়তা ও প্রতিটো এ**ল** "আলিবাবা"-র পর। ৩ই ছবিতেই ভিনি ও তাঁর দ্ব্যী সাধনা বস্মু প্রধান দ্বৃটি ভূমিকায় ঘটিনয় করলেন। বাংলা সিনেমার আরও কয়েকজন কতী চলচ্চিত্রকারের পালে তিনি



"बीरबण्यव विस्तकानमा" श्रीवत स्माउँ श्रदः ৰস্-এটাই তার শেষ কাহিনীচিত্র

প্রান করে নিজেন। কিল্ক তবা তিনি কেন ভিলেন আর সকলের চেয়ে প্রতান্ত—নিজ্ঞর মেজাজ, বুচি ও প্রাণপ্রচরে। বিভিন্ন ভাষার প্রায় তিশ্টি ছবি তিনি তৈরি করেছিলেন। তার মধ্যে "অভিনয়" "কুমকুম" ও "রাজ-নত কী" 'বিচাম এপ্টারটেনমেণ্ট"-এর ধারাই প্রায় পালেট দিরেছিল। তাঁত উল্লেখৰে গা উল**্ছাব "সেলিমা"। পরবতীকালে** "মাইকেল মধ্যুদ্ন", "শেষের কবিতা" 📽 "মহাকবি গিরিশচবদু"-র প্রভী মধু বস্ত বাংলার দর্শকদের অন্তরে প্রশ্বার আসন পেয়েছিলেন।

वाःमा मिरामा ७ थिएको एत मध् वम् ब



भारता बन्न ७ मस् बन्न (১৯৬৬)

লাকে গিটিকত্ব ক অভিকাত পরিবারের कारक करमाकडे ट्याम जिट्डीक्टमन । स्थ स्तरक सरिवस्ट अक्टान सिर्वन । क्रीत नावा विश्वाम क्रिमान क्रम्बीयम श्रीक्ष्ममान बस्टा शास्त्रक किरमा देशनातिक न्यमंत्र स्टाम-STE ESS | UNI | NE जिल्लीका नामक-जिल्लाकारक की वर्ताना विदर्शिकान छात जेफिशांतिक विद्यानन ECG! WIN WANT इंडड अक्रीमन कींत वर्गमत क्षीयत्मत जत्मक वर्गमाहे कामा। তিনি নিজেই ভা লিখে গেছেন ভার আছ-कीवनीटक-"काषात कीवन"-ध। द्वीवन विश्वास वर्शका जारम्भाग एव अरम्बिलास क्षे आच्छीवनी rura en THE ৰাব। আরুও জানা বার বাংলা সিনেমা ও बिरम्बेरनम् अक्षि बारगत है हिराह. अरा ভাতে শ্রীবসার ভূমিকা। শ্রীবসা পরিচালিত "वौरतभवद्र विश्वकानन्त्र"। **দশ্ভ ভ**িব (2548)1

শেষ জীবনে শ্রীবন্ ফিল্ম আছি সিফেশন আদেশলানের সংগ্য যুক্ত ছিলোন। সিন্দেশ কমী ও কলাকুশলীদের আদেশলানের নেতৃত্বও তিনি করেছন। এক কথ ই, মাতুরি কিছুক্তল আগে থেকে চলাক্টিরলাকের নালী সমসার নিংপালের কাজে তাঁকে বাপাতি থাকতে হত। উত্তরসারীরা তাঁর উপদেশ ও স্প্রামণেরি মালা দিতেন। শ্রীবন্ধর মাতুরতে আজ আনেকেই অভিতাবকহীন, বাংলা থিয়েটার ও সিন্মো বিশ্লে পরিমাণে ক্তিপ্রসত, বাংলা নাইক-সিন্মোর পরিনাণ ক্তিপ্রসত, বাংলা নাইক-সিন্মোর পরিনাণ ক্তিপ্রসত, বাংলা নাইক-সিন্মান্য পরিনাণ ক্তিপ্রসত, বাংলা নাইক-সিন্মান্য আছে ছিল।

#### "গ্ৰুপী গাইন.."-এর আন্তর্জাতিক সম্মান

সতাজিং রার পরিচালিত 'গ্রেগী গাইন ৰ'বা বাইনা ছবিটি অন্তিলেড ও অকলাতে অন্তেকটিক চলচ্চিত উৎসাব (জনটি পরিক্রার পোরাছা প্রেটি পরিচালনা ও মোলিকতার জনা সতাজিং রার পোরাছন দ্বাটি প্রক্রার। তা ছাড়া ছবিটি পেরেছে সিলভার কোন। প্রয়োজক নেপাল দত্ত ভাষতের চলচ্চিত্র প্রতিনিধি হিসাবে উৎসাব বেগা নিরেছিলেন।

#### প্ৰায় "অণিন্য গৈর কাহিনী"

বাংলার বিংলবব্যার ভিন্তিতে তৈরি 'জিন্দিব্রের কাহিনী'' জাগামী সংহাহে মাজি পাবে। ভূপেন রাম পরিচলিত এ-ছবির প্রধান চরিত্রগালিতে অভিনয় করেছেন মাধবী ম্থেপাধ্যায়, বিকাশ রায়, দিলীপ রায়, অজয় গাশালো, বিজন ভট্টাহার্য, স্লতা চৌধ্রী, অজিতেশ বক্লোপাধ্যায়, গীভা দে, স্থেন দাস প্রমাধ শিক্ষী। গোপেন মালক সরেরচনার দারিছ সম্পন্ন করেছেন।



"क्यांग्रन्था" नाग्रंक प्रश् वन्य स नाथना वन्य

#### भन नित्य ७ ननहा क्षतिण्डा

উত্তর্জনার ও স্পিনা দেনী দেবত জ্যাক্র। কতিনতি এস এন বিক্রাস্থা প্রক্রাস্থা পর্যাক্রাস্থা পর্যাক্রাস্থা পর্যাক্রাস্থা করিছে কাহিনী অবলম্বনে ধ্রবিটি পরিচালনা করছেন স্থাক্রার। ধ্রবির অন্যান্যা স্বেক্রার। ধ্রবির অন্যান্যা বিশিষ্ট শিশ্পীদের মধ্যে রহেছেন পাহাড়ী সান্যাল, বিকাশ রায়, ছারা দেবী তর্গক্ষার জহর রায়, নিম্মু কেনিক্র, ব্রামি চৌধ্রী শ্রিম্বাস প্রমুখ শিশ্পী।

বি নালি বেভির ননহা করিকটা আসচে আগামী সপভাহ। ছবির সহজ মানবিক রসের কাহিনী জনসমান্ত হবে বলে থববে প্রকাশ। সংগীত পরিচালনা করেছেন কলাণজী আনদক্ষী। লতা মংগেশকার, অংশা কেলিলে, মালা দে ও কিংশারকুমার ছবির গানগালি বেজেকা।

#### প্ৰপ্ৰদীপ অভিনীত 'এয়াও মান্য''

নবগঠিত সাংস্কৃতিক সংস্থা পঞ্চলনীপ গুত ২৬ সেপ্টেম্বর ত্যাগরাক হলে "এরাও कार क" (का ना नाक करना नागक। क्र कार क्रमांका नव कारान्य विदेशहरू । अस ---क्रीकार द्वारिक्ट व्यवनार किस सा। ह जीकार के काम्बीक्रकात किम्मीस अ CHE 4014 WHOS CHORESTA | MINE -माठी-शीडकामना क WHITE SE ক্রি ক্যুলর ভবিকার (Wales) BORGER | WEI WE DWIN! (অমিতা), (धार्यको), ट्योक्याम नटम्यानावास (प्र রুপ্রকৃষ্ণার খোষ (মিণ্টা), স্মাণ্ডল शहा व विक्रिक्तिक (विम्काका) WE SHE STREET

প্রারক্তে রক্ষমা বারের জিপাস উপ্রেলাঃ হয়। নাটক অভিনারের অন্যুক্তানের প্রধান অভিনি ডাঃ স্যু কুমার পাল পঞ্চলীপ সংস্থার উরা উর্ভিত কামনা করেন।

হুলাল জাতদাত 'দেববাস'

ধারণ্ড প্রের গ্রেক্সাক্ষা এব না মান্তক্ষ করেন বংশাম সম্প্রমার (রাজ্জ ৯৭ সেণ্ডেনিবর: এই প্রায়াল ডাভিন্তবে ব্যুব স্থানভিত্র হয়, ১লিলেক্সি ভিজ স্থান্ত নাই-এই কিল্লেস কারিটো গ্রেক্সাক্ষা, সম্ব্রমা ভূমিকালা, বাজ্সাকী চাট্টালালায় কেন্দ্র বাহিন্দ্রী সেন্দ্রী ভিজ্জানী সমান্ত কিল স্থান, ভারিকাশ্যে লাইকটি ক্রিকাশ ব ভ্রি ভালিন্যত (জুকন ডোধ্রেই) ই

শারদ রাখ্য সংগীতান্থী পালর নাগে দি গ্রা কোন্ধ্যানর উদ্যোগে কার্ট্রাফানির যে জলস্য হয় ভারত এবার বং

वर्तन आर्थान्य हमा।

51.8 2 W *ामर श*ोस्त्र स कार्यक्रम राय्यक्रम क्रमायांग्यास चारमणस्य सम्बद्धाः स्व निमन्त्रीया साथ<sup>ा</sup> ক্ৰিলা আনুষ্টি ক্রেছেন তারা সকলেত উপল্ভত ভিলেন সেনিন का भट्टब । छार्रा शिष्ट भिष्टभी हमस बार्ट्स । बार्ट्स মিত ছিলেন জন্পদিশত অসংশ্বভার তিনি আসতে পাবেননি। ধনপ্রয় ভটাট চছমণত মাবেশাপ ধ্যায়, শিববজ্ঞান মাবেশাপান চিশ্মন চাটোপাধন্য, প্রতিমা ব্যালাধা মলা গাণত, ভাষ বংল্যাপাধ্যম, লালগাড়েও, নিমালেশ্যে চৌধারী মানং ম্যোপাধ্য র, আর্ডি মুখোপাধ্য মু বস্তা, মাধ্যৰী চটোপাধনত বন্ধী সেন্থ প্রমূপ শিবপরি। প্রার গান শোনান। ক नवाभागी कर्यन कविका कार्याहा । अ श्रका अहेठ-अम-फि श्रका त्रकरक्ष जिल নতন শিক্ষী হলেন ঃ বিশ্বজিং, রুমা গ ঠাকুরতা ও রাণ, মুখোপাধ্যায় (ছেম' कुभादवव कना।)।

ক্ষিত্ৰ সংক্ষা বেছা বাজ্যৰ

কা বাজ্যৰ বিশ্ব বি

ন্তাগতি-অন্তান শ্র হ্বার আপে প্রবীদ এলোকসংগতিশিকণী শ্রীস্থেন্দ্র চক্রতীকে সংবর্ধনা জ্ঞাপন করা হয়। মানগর এবং বল্য উপহারের পর সংবর্ধনার উক্তরে শ্রীচক্রবাতী বলেন

ভারতীর বর্ণাভি-জন্তান।

"একদা সংগতিষয় ছিল পলাবাসার कौरमः। क्षत्रमं, कृष्टमं माना कर्न्छारम সংগীতই ছিল নিতা সাধী। সংগীত-প্রির ৰাঞ্জাকৈ উজ্ভাগতত থেকে মতে করতে ছাল আবার ছাকে সংগীতের कारकडे টোন আনতে হবে। প্রসংগত উল্লেখ করা হৈতে পারে যে অপরাপর সংগতি অপেকা লোকসংগতিই জনমানসংক সহজে স্পশ্ কাৰ এবং প্রভাবিত কাব"। অনাস্থান শোরেছিত। অ:শ্রেডার **奉**送品 **5**: ভটাচার'। প্রথম অভিতি ভিলেন পাঁশ্চম-वास्त्राव रमध्याती श्रीविश्वनाथ ग्राचाशासम्ब শ্রীভট্টাচার বাংলার লোকসংগীতের সমস্যা e ঐতিহার কথা বলেন। শ্রীমাখোপাধার আবেদন আনান লোকসংগতি বিলেন্ত্র সারে केम्मीण्ड इस e:31 অনুষ্ঠানে ভারত সরকারের বাত্তপ্রণত লোকভারতীর শিল্পী গাঁতা চৌধরোঁ ও গোরী ভট্টামাকে এবং ন্তর্নিক্ষী কল্ডু ভট্টাচার্যকে সম্মান জানানো হর। পরিশেষে



ভূপেন রার পরিচালিত 'আপিনব্দের কাহি নী'-তে দিলীপ রার—হবিচিত্র ব্যক্তি আগমেনী লপ্তাহে

লোক্তারতীর তরফ থেকে সকলকে ধনা-বাদ জ্ঞাপন করেন শ্রীগোর্বিক্শোর ঘোষ।

সব কয়টি जान है निष्ठ'रलन्मः ट्रोथ,वी हिन अस्थानक। উদান্ত কর্ণেঠ গালা শারা করেলা সহশিক্ষ্মীরা ভাতে বোগ দেন। প্রথমে একটি উদ্দীপক গ্যানর সংখ্যা সম্মেলক ন্যুড্যের দিরেই অনুষ্ঠানের সূচনা। ভারপর একে একে গান ও নাচ সহহোগে পরিবেষিত হয় বৌনাচ, ছাদ-পেটা, গাজি, মাঝি, বেলে-বেদেনীর গান প্রভাত। নাভানাটোর অভিগ্রেই লোকসংগতি e লোকনতের বিভিন্ন অপা পরিকল্পিত। নাচ ও মান क्रमिक्टन्द्र श<sub>ि</sub>ष्य कर्त्रदेख् यनात्म অত্যবি হর না। এবারের বৈশিন্টা আর**ভ** বেশী প্রকাশ পেরেছে ন্তানাটা পরিবেষণের আভিগতে। মাঝিদের গ্রমের সমর অধ্যক্তার প্রেক্ষাগাহে লিক্পীরা ছড়িছে পড়েন নানা নিকে। মধ্যে বিনি গান ধরকোন গানের সরে ও রেশ ধরে হলঘরের বিভিন্ন কোৰ পোক একাধিক বিক্পীৰ কণ্টে গাল धर्मनक रहत छठे। ननीव दृदक अकलन मानि गान यदा व्यत्नक मादा छह गारनबहै दिन यदि शान यदि जना सामि नमीत. ব্ৰকে ধর্নি-প্রতিধর্নের ভিতর দিয়ে সুরের যে মারাজাল সৃষ্টি হয় ভারই চিত্রটি শহরের প্রেক্ষাণ হে অনেকখানি তলে বরুত সমর্থ হয়েছিলেন জোকভারতীর শিল্পীরা। নদীবকে যাঝিদের গান গেরে তরী বেরে চলার সেই চিত্রটি দশকের মনে বেশ मारार्डित बना स्टान केळेरह । बदाक करंत्रस ्यरम-दक्षमनीरमञ्ज नाह-भारतन्त्र मामाहि-



লোকভারভীর ভান্তালে (বালে) ভারভ গরকারের ব্রিপ্তাশ্ত গোরী ভট্টার্য', (মারুখানে) বেনে-বেনেনানের নাচ (ভাইনে পরিচালক নির্মালনে, ক্রোখ্রী

৫ অক্টোবর, রবিবার, সকাল ১০॥

### নিউ এম্পায়ার-এ

**সভোষকৃষ্ণ বেতার** 

### অজাতক

श्रातांकमा : अने वि अन्तेषश्रातेक

जिल्लांचना : चारणाक विश्व नामक : विश्वा : स्वीतिक

नाजिका । सम्राज्य करोणानामा भारता । स्थाप बर्द्याणानामा धरीम । भारताम अनाम

मक : म्हान क्य महर्गेण : कान्यर विश्व

हरण विकित्रे भावता वारक।

(TA 3202)

ন্তোর ভণিন্যা জন্তুত শ্বাভাবিক, তেমনি তাদের মেণ্ডুমা। বৈদের ঝাঁপর ভিতর থেকে হঠাং করে সাপ বেমন স্থণা উণিচরে এঠি তেমনি হঠাং এই ভণ্ডিতে (বেন সভিন্যারের সাপ) জালা-বালা স্থিতির গতিতে হঠাং জণা উণ্চিরে উঠলেন এম নিল্পী। সুশাক এই মহুতেত রোমাণ্ডিত।

ন্তাপরিচালনার ছাতিছ শাক্ষ্ যোরের,
সমরা জনক্তানের পরিকশপনা ও সংগীত
পরিচালনা নিমালেক্ষ্ চেটার্মীর। দরদ ভরা
কল্টে গান গেরেছেন (নিমালেক্ষ্ চেটার্মীর
ছাড়া) গাঁতা গোর্মেরী, বলাই চক্তরতা,
সাঁকতা চট্টোপাধার গোরী ভট্টারা প্রমুখ
নিলপী। ন্তাপরিবেশক শাক্ত্ ভট্টারাও
এ বা ধি ক ন্তানেশ পারস্থিতি।
কেবিকেল। তাপস সেনের জালোকসংগতিও চমংকর। সর মিলিরে লোকভারতীর লোকগাঁতি ও ন্তেরে অন্তান
দর্শিককে দুই ঘণ্টার জনা মংখ করে
রেপ্তেছ।

সাধন গতে ও পজি গতে মস্থানি 
একটি প্ৰেচ নাচলেন। আরও নাচ তাঁদের 
ছিলা। নিলপী বংগলের ন্তাকুশলতার 
পরিচয় আবার নতুন করে পোলন 
দুর্গকরে। সেই সংশা সমগ্র অনুস্ঠানের 
একটি সমর্গীর ফতিজ্ঞতা নিবে তাঁরা বাড়ি 
ফিবলেন।



#### **শৌভনিক**এব জড়িনর

8/35 बाको ॥ **वा हि(श्राव** । 4 राज क्षेत्र बर्डक्टन्य।

ভই জটো ও এবং ইন্দ্রজিং

(এ মদে মার ১টি সভিন্য।
১২/২১—২৬ জটোবন
ছটি, উপসংহার ও পাতা কারে বায়

ন্ত সকন। ১২০ এম পি. মুখালী রেছে-২৬

(TA-5095)



্ শীতা**তপ্র** নির্মিত নাটাশালা 🕽

नकन नाहेक!



অভিনৰ নাইকের অপূর্ব মুগারেব ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও গানিবার ঃ ৬॥টার প্রতি রবিবার ও মুটির বিন ঃ ৩টা ও ৬॥টার

। রচনা ও পরিচালনা । দেবনারায়ণ গাস্ত

া ব্লারণে ।
জাজত বলেনাপাধ্যার, অপর্বা দেবী, শা্ডেন্স,
চট্টোপাধ্যার, স্বতা চট্টোপাধ্যার, মীলিয়া বাল,
সভীক্ত ভট্টালা, জ্যোগল্লা বিশ্বাল, শ্যান লাবা
প্রেলাংশ্য বস্তা, বাসভী চট্টোপাধ্যার, শৈলেন
অবোপাধ্যার, গীভা বে ও ভান, বলেনাপাধ্যার



শংকর মুখাজি পরিচালিত 'ছহল' চিতের নারিকা আশা পারেশ—ছবির মৃতি জালয়

#### "क्यमनका" a.म\*टाट

শবংসদের কাহিনী নিবে টেডির চার্ডিটর বিন্দলভাগের মাজি এ-সংভাগেই হঠার পিনর হায় সেলা। শ্রীকাশতার ডভুগা-প্রেরি ব্যাক্ষরভার চরিত্রের পিলেপী স্থান্তিতা সেনা, শ্রীকাশত হায়েছেন। উত্তমপুনার। গরার সেনাজাছন নির্মালকুমার। হরিসাধন সাম্পর্শের প্রিচালিত এ ভবির সংগাঁত প্রিচালনা করেছেন রবান চাট্টোপ্রারাও।

#### बबीम्म नम्दन "हिहेशाव"

ছাগামী ও **অক্টোবর** সংখ্যা সাড়ে ছটায ববীকু সদান **তর্গ** ছাপেরার নিজ্পানা গতিরবারা অভিনয় কর্বেন। প্রসংগতে উল্লেখ্য শাস্ত্র বাগ বড়িত এবং বাহিতগোপাল অভিনীত নাম ভূমিবার। গতিনার ইতিযামে শ্রেই জন্পির হাসেত।

#### দক্ষিণী ৰাৰ্ষিক সমাৰ্ডন-উৎসৰ

আগামী ১২ অক্টোবর সংধ্যা সাত্তীত।
ভাগের জ হতো দক্ষিণীর বাবিকি সমাবতনি
উংসব অনুষ্ঠিত হতে। উংসাব শ্রীগৈলভারঞ্জন একুমদার ভাষণ গৈবেন এবং
স্নাতকদের বোগাড়া-পর্চ দিতরণ করবেন।
এই উপলক্ষে রবীন্দ্র-সংগতিতর একটি
বিশেষ অনুষ্ঠান পরিবেশন করা হবে।



## नाम्भीकात्र

তিন প্রসার পালায়

म्-अञ्चलात गाम

এবটা কথা বলি ৰাব্যু শ্নুন্ন দিয়ে মন।
আপনাদেরই কাকে কিছু আছে নিবেশন ॥
পাপতিলিপী তের লোকই রে নেই ভাতে সদেব।
কিন্তু ভাবের ভাত জোটেনা জানেন কি তা কেছু॥
ভাবেপটিলক আইয়েঞ্জিয়ে তার দেবেন জান।
জ্ঞানে দেখ্ন কাজ হয় না লাগেই প্রিসভানে॥
নাবীনটা তেঃ বাচলে আলো তবে মানর কাজ।
নাবীনটা আনে থাকেরে ছাওরা তবে তো আওমাজ ॥

নিৰ্দেশনায় : অভিতেশ ৰশ্বেদাপাধ্যায়

(FR \$209)

## वान्बाई बिहिता

्रिम क्षेत्र जान्या प्रश्नीयाजा कामदक्षत ি <sub>চর্লাক্সর</sub> সাংবাদিকের সংখ্য প্রায় আচ্ছত্ৰ কিছ দিবিয়াস কথাবাতী হয়ে লোল। বংশতে প্রায় এক বলে থেকে আহি ক্রাল এই সাংবাদিকদের অবিকাংশকেই दिता अपन कालकादवर जिलि। अ'रमन मर्था আনিজালেট ছনেত্ৰ জোন এক নিভত কোণে অব্ভিত্তৰ ক্লা কাহিনী বা চিত্ৰাটা লেখাব W PRINTE 78/9 म सन কিল্ট সংযোগ সামধা এবং সৌভাগোর £\*41 প্তিক কাত্যৰ हर्का कर PGF MISTENS PES 7975 Bel 1 গ্রেসায়ের প্রভার বিভাগের সংশ্য থানেরই গোলাগ্যালা ভাষা সকলেট উস্ভাবনী খাছ-সম্পদ্ধ ব্যক্তি। এতিনর সকলেরই ভিলকে জাল এবং ভালকে তিল করার ক্ষমতা ETPE / SETE 双天国际! 通本 華甸語。 राभारमात्र त्यानगरा व्याटकः इन्हेन्द्रदेव सरव स দ্রাক রহালে অবিভাষণালয় সহাযোগে ধবর अधिरक्षका करकार क्षत्रा अधिरूप राष्ट्री संस्थी ভারজা ভুসপাতি মিদেশ্যকর স্থান্মন্মন্ স্থালাকার ক্রমান কর। সাবে বর रमानाकारस्य कलारमः क्रिंडर तमारित से মহানে ব্যক্তিকের সকলা ছানিন্দার ও বটে যায करिन्दार्थं कारतामः अन्तर अहे प्रनिष्टेखान মাধ্যম এটামত কাউকে ছব্ কৰে 1 572 6 প্রয়েজন বনার সাধ হানর হাধে চভচ্ছ করে ৯ জা সেয়। বিশেষকাগর প্রভাবে ভর নিবে। कार्या अग्रज कथाई देना यहः। गुड्यर ₹ <sup>1</sup>333 10 July 25 कल्लाह इल्डरे ছেন্ডে দিকায়।

এখন এপাবের ভূলিকা থেকে এটা অসহাও ভালা মাবে বে, চিপ্র-সাবাদিকদের মধ্যে কোপাও না কোপাও স্বাভ কাহিনীকার, চিপ্র-নাটাকার বা প্রবাজক সাংবাদিকতার মাডালো আত্মপ্রকাশের সাংবাদের প্রতীকা করছে। এই প্রতীক্ষার সংক্যা ক্যানিং চলছে সম্মান্তা। তারকেই বোঝা যাজে যে, চিক্র-সাংবাদিকতা উপলক্ষা মাত, লক্ষা মানা কিছু। মব্দা সকলের স্কর্থেই এসব খাটে না।

নাপথ মছফিলের আলোচনার কেরা
থাক এবার। এক নবীন আন্দাবাদী
পাংবাদিক সেদিনের সেই সাধ্যা বৈঠকে এক
প্রান কুলে জায়াদের সক্লাকেই বংপরোাশিত বিভিন্নত করে তুলেছিলেন। নবীনের
থাকা ছিল থা বন্দের চলচ্চিত-সাংবাদিকতা
নতাশ্তই বন্দেরত এবং তার অভিক্রতা
মন্বাদী বন্দের সাংবাদিকরা সংবাদ সংগ্রহ
দরেন না, সংশিল্পত বাছি বা গোড়ী



পভালিং রাজ-কৃত ''জরগোর দিনরাত্রি' ছবিতে প্রেডপন্ চটোপানার ও কাবেরী , বস্

নিয়াছিক সংবাদ সব্যব্যত ক্ষেত্ৰ এবং ছবে বদে পাওয়া সংবাদকেই কখনো একটা आर्थे। स्टब्स्फेट करद या कश्यम डावडा स्टि অবস্থাট্ডই সাংবাদিকরা পরিবেষণ করেন পাঠকদেও কয়ছে ৷ নবীনের সাপ্টভগগীতে की जहाँन कसाह काछ। को धतरनद काछ যাঁরা করে থাকেন, তাঁরা আর - যাই হোন, भारतानक भगवाडा सम । संबोधनेय कडे केंग्र দেরবো উপশ্বিদ্ধ অনেকেই ছা-হা করে উঠালন কাৰণ, এই সভা কথ্যনৰ ভেলেৰ ভিটেই জনেকের গায়েই ফোসকা পভার কথা। নবীনকৈ জিল্লাসা করে জানা গোল যে, তিনি চলচ্চিত্র সাংবাদিকতা বিষয়ের ধপার গ্রেষণা করছেন এবং প্রাই সংখ্য ফুলিদেস সাংবাদিকতাও। আসভে বছর উ<del>ত্ত</del> গ্ৰেষ্ণাৰ ফল এক খাঁসিস হয়ে বিশ্ব-

বিদ্যালয়ে লয়া পাদের। স্থাতারা ভাশবস্ত হলেন। কারণ, 'ছোকরা এখনো ছারা'। 'অধায়ানার সময় এমন আদশ অবশাই আগ্রণীয়'৷ 'দেখার সময় সব শিখতে হবে, ঠিক যেমন'ৰ শেখা উচিত', 'কিল্ড কম'-ক্ষেন্তে প্রবেশ করার পর ঠিক তেমনটি করতে হবে, ধেমনটি করকে চাচার আপন প্রাণ বাচে ৷' এলোমেলো এই ধরনের উল্লিক পর আবার আলোচনা একটা সিরিয়াস 'हार्न' निरामा यथन यातक द्वापन करामन रव. বভাষান চিত্ৰ-সংবাদিকভার এমন অবস্থা ক্রেন হল, সেটা জানার চেম্টা করলে কেমন হয়। তার উত্তরে একজন বললেন যে, চিন্ত-সাংবাদিকতা এ পর্যায়ে পোঁটেটে একটা সক্ষেত্র বিবর্তনের মধ্যে দিয়ে। অন্য**ক্ষ** বলংলন, সুবই সময়। আর-একজন বির



ৰাল্কের প্রদীপ সরকার—জ্নিরন্ধ সরকার—(বালে) গড় ২৫ সেপ্টেম্বর প্রে ঘোষণা জন্সালী বাল্লবন্দী হলে বংগাপসাগরে বা প দিফেলিফেন—ডাইনের বাল্লিটিড ছিল থলি, জলে ভারই ভিডর বন্দী হলে ছিলেন কাল্কের পাঁচ থেকে দল বিনিট—ডালপর বৃহ্ন জার্মান্ত্রভ বাজির হর্মাহন্দির লবে; সকল বন্ধন মোচন করে তিনি ডেসে উউলেন ফলে জার্মান্ত্রভ বাজির হর্মাহন্দির লবে; সকল বন্ধন মোচন করে তিনি ডেসে উউলেন ফলে

कारत कारणन को धवत्तर सारणाइना ककी विकासीयमान, कर्मानाविष्यत्तव देशाच द्वारा द्वारा चन्यकात रमयोष चात्र छीन अरमध्यन रमकात ৰাখতে। প্ৰায় প্ৰায়ে (কিন্ত প্ৰাক্তিও) এক-कम नकारमम्, रस्थाक् सावाः, रणायना व्यक्तिराज रवाकी भाग्छातक े बर्जा दशवसान, সাংক্রীরকভারও আর একটা নাম জীবিকা मधन्त्रः जीविकात रुपधान्तरे धक्या करत रुपणा বাবে, সভেরাং নিবেদের প্রতি বোদরক ভশ্বকভা না করে এনো সমবাদিকভাকে আমহা বাবসা বলি। পেশা बाक्टमरे याकात बाक्टर जात राजात बाबदगढ़े दक्का बाबदर, विद्वाचा बाबदर, ডিন্যান্ড থাকবে, সাম্লাই থাকবে। আহল ৰাৱা আছকাল কিছা পণ্ডাৰ প্ৰ-পতিকাৰ मान्य क्षेट्रे आहि. नामकहा जारवानिक अपर कामारमञ्ज नश्या कम। कामारमञ्ज মাষ্ট্রে পাঠকদের কাছে যাদের সংবাদ পরিবেশিত হয় তাদের সংখ্যা আমাদের চেরে বেশী। সূতরাং 'উই আর ইন ডিম্যান্ড' সেইজনো আমরা পরিশ্রম কম করি अवस्त्रक रचीरक बाडे मा. चवत जामारमन देवींट चारन अवर कार्टन माणिता शरीका করে। এই রকমই চলবে, হতদিন আমাদের विकालक बाकरव।' नवीन श्रम्म कर्माः আপনাৰের ডিম্যান্ড, তব্ আপনারা যা করা উচিত তা করছেন না কেন? চিত্র-সাংবাদিকভাকে প্রশেষ করে তলতে চেণ্টা कराकत ना रकत? शास्त्रत छेसतः ণ্ডিত্র-সাংবাদিকভাকে শ্রন্থের করতে গোলে নিজেদের প্রশের করে তলত হবে। সাংবদিকতা কী জানতে হবো৷ সময় নেইা৷ তব বদি এ অসাধা সাধন করা বার তাহলে बीरमंत्र मरवाम भाठेकरमंत्र कार्ट्स गाँतरवणन কৰে থাকি, ভারা এক টোলফোনে চাকরি থেকে দেবে। আমরা বর্তমানে ইমপর্ট্যাপ্ট কিন্তু অপরিহার নই। নামী কাগজের সাংবাদিক কলে আমি দামী। কাগজের সাবকলেশনের জন্য আমার দাম। কাগল চলে, তাই চলি। আমার জনা কাগল চলে मा। त्रक्तार.....!

সরল শর্মা

#### "नानत्माहन" न्छानाहेर्राक्तम

লিক্সী সোষ্ঠীর দ্বিভীর বাবিক উৎসবে এবার রবীন্দ্রনাথের "শাপমোচন" মঞ্জন্ম হর। স্পীল বল্যোপাধারের সংগীত নির্দেশনার এবং স্বাংশ্ পালের ন্তা-ভর্মধানে "শাপমোচন" গানে ও মাচে বেশ উপভোগা হয়। নতে মহিলা দিল্পীরা মোগ নেম। অর্ণন্বর ও কর্মলকার ভূমিকার মধাক্রমে শ্রুলার ও জর্মী ভর্টার্য এবং নামে স্বাংশ্ পাল ও স্থালি বল্যো-



ন্বাল দেন পরিচালিও চিলড্রেনন বিলয় লোলারেটির "ইছাপ্রেব" (রবীপ্রনাধের কাহিনী অবলম্বনে) ছবিতে ল্রেজিং নলী পাধার এবং ইরা রার কৃতিছের পরিচয়

দেশ। শাপমোচনের আগে স্ভাব বস্ রচিত একাণক নাটক "মিছিল" অভিনীত হর।

#### 'তিনয়না মা' ছবির সংগীত গ্রহণ

অনিক বাগচীর স্বের গত সংতাহে "তিনরনা মা" ছবির করেকটি গন রেকডা করা হর। শ্যামল গাণ্ড রচিত গানগালিতে কণ্ঠদান করেছেন ধনঞ্জর ভট্টারা ও

सक्तरम् सूर्थ कि । अ माराज्य त्मार जन्दारः माता तम क्षेत्रर जेम्सा स्थालिक स्राप्ताः। गम तक्का क्षा स्टनः स्विधित निकासक न्यान्य सम्बद्धाः।

#### भडीमाकात भरमात स्वित् भाषिर भारत

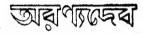
পরিচালক ভূগেন রারের নতুন ছবি
"লচীয়াডার সংসার"-এর শ্রিটং লা্ব্
হরেছে। ইভিপ্রে মানবেশ্য মুখোপাধারের
স্বে ছবির করেছাট গাম টেক করা
হরেছিল। "লচীমাতার সংসার"-এর ক হিনী
ও চিচনাটা রচনা করেছেন অন্তর
চাটোলা। বিভিন্ন ভূমিকার অভিনর কর্ত্থন
অসীমক্ষার সংখাতানী, মিহির দ্টাটায়া,
জহর রার, দিলীপ রার, শ্যিতা বিশ্বাস ও
তর্গুকুষার। ছবিটির পরিবেশক এস বৈ
ভিক্রম।

#### নিউ এম্পায়ারে 'অফাতক'

এন বি এণ্টারপ্রাইজের জনপ্রিয় নাটা-প্রার্থনা "অজাডক" (রচনা: স্মৃত্ত্র-ক্ষার খোষ) ভারার অভিনাতি চল্চে ভিট **এম্পার**ারে, ও অর্টেবর সকাল সাভে দশটায়। দটে চরিতের এই নাটকের দিলপী নিয়া ভৌমিক ও মুমতা চটোপাটো নাটা-নি'দ'লনা অ'লাক ফিকেবর সংক্রিপ্র ভূমিকা করেছে মধ্যে। সংগীত প্রিচলনা ক রছেন। ভাশ্বর মির। আলো ও মুখ পরিকশপন্য রয়েছেন যথাক্তম স্বরাপ মার্থাপ খ্যায় ও সার্বেশ দ্র। প্রসংগ্র সম্প্রতি क माजनपादा करे নাটকাভিনর প্রভুত জনপ্রিয়তা অজন करतर ।



শ্যাতেঃ মুখ্যীআ-এর "স্থাস্ক্রাজ" (পরি চালনা ঃ পুরু বালচী) ছবিছে আনির চটোপান্যার ও জবিকা চটোপান্যার



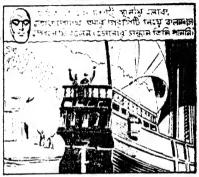






















महरकात तावार भट्टत क्रेजनाधिक नीर्व जात्मकात वर्षधान मन्दारक विश्ववद्यात क्रिक्टिका ঘটনা। মাখাত ভেরজালেখের আল-আকসা মসজিদের জান্দকান্ত সম্প্রে আলে নোর कता बहुरकार बाका अवर मर्छीन जाहरदेव हाका हायाछ-अ अहे मरम्बनस्मत दावन्या करवत। श्रीक्षवीरक मानवामात्तव मरबा। ७६ कावि धवर जन्मत्या ८६ व्यक्ति मानवामत्तव नाक स्वरंक २५ हि एम्टम्ब अणिनिधि धरे मत्त्र्यम्यन स्वाग मिरतरकन। ३८०० वरमञ्जूक मूर्नामम हेजिहाटन को धतरमद माल्यानम को शब्दा छात्रण दान निर्म भावित्रकाम को माल्यानम বৃদ্ধান করবে-এই হুম্কির কাছে নতি শ্বীকার করে ভারতকে বাদ দিয়েই প্রথম প্রকাশ্য অধিবেশন বলে। অবশেবে সউদি আরবের রাজা ফরকলের প্রশতবে ভারত আমশিত হরেছিল। অবশা ভারতকে বাদ দিলে অলাজনিয়া ও সংবৃত্ত আরবও সম্মেলন বলানের ছাম্মকি দিয়েছিল। সন্মেলনে আরব চরমপন্ধীরা ইন্সরারেলের বিরুদ্ধে কঠোর বাক্ষা গ্রহণের জন্য জোরালো দরি জানায়। প্রকিতনের হ্মক্তিত সংমালন ব্নচাল হরে যাওয়ার উপক্রম হলে আপস রফার প্রশতাব হিসাবে ভারতীয় প্রতিনিনিবদের প্রবিক্ষক হিসাবে সংখ্যকনে যোগ দিতে বলা হলে প্রতিনিধিগদ প্রস্তাবটি জল্লাহা করেন : हेकद्वारहरमत आववक्षीय क्रयत मध्रमत विवारक ध्येत्रमाधिक ताम्बेगानिएक मश्यक क्यारे धरे मरम्बातातत समाउप माथा छेरमाना। २२ मिरणेन्दत धरे मरम्बन सातम्ब राज २० সেপটেমবর শেষ হয়। 🗸

#### दननी जरबान

২২ সেপটেমবর – আজ রান্নিগ্রেষ্ট্র আমাতনগর সিলেকটেড কোলিকবিত্র দুই দল
অমিকের প্রচাত সংস্থার ১ জন নিহতে ও ৮২
জন আহাত হন। সম্রে এলাকার ১৪১ ধরা
জারি করা হারেছে এবং ৩০ জনকে গ্রেছতার
করা হারেছে। আহাতদের মধ্যে ১৫ জনের অবস্থা
গ্রেত্ব। ওখানকার অবস্থা উত্তেজনাপ্রি।
পালিস-উহল চল্ডে। এই কহলাখনিতে ১৬০০
লোক কলে কলে। তার মধ্যে ১০০ জন সি পি
এম সমর্থিত।

মধ্যপ্রদেশে রাষ্ট্রীয় পরিবহরেও একটি বাসে করে যাওছার সময় ৩.9 জন যাত্রী আজ ভালে ভূবে মানা গিবেছেন বলে জানা গিবেছে। বাসটি গোমালিকার পোকে ভূপাল যাওয়ার পথে বনার স্ফটি পারতিটী নদীর মাধ্য গিছের পাছে। বেস্করারী থবরে জানা বাম বাসের ৭০ জন যাত্রীই মান্ডা গিরেছে।

২৩ সেপটেমবর—চাতীগড় ও চারণা-নাংগালকে যাতে পামজাত্রর ভিতর আনা যায় সেজনা আতালী দম শঙ্কিশালী ও সক্রপ্তদ বাক্ষরা নেরায় সিংধাণত বাবাহন। এই উটেশনা আকালী দল সদত সৈতে সিংগ্র একটা সংগ্রাম প্রবিষ্ণ গঠনের ক্ষমতা দিয়েছেন। আকালী দলের ওয়াগরিং কমিটি আজ এক বৈঠকে মিলিত তাম এই সিম্পান্ত নেন।

আত সন্দাম ইমত্তের পোরো খ্যানার প্রধানমন্ত্রী ইমত্রী ইনিল্ফা গান্ধ্রীর ভারণের সম্মা একদল লোক মণিপ্রের ভন্য প্রেরী রাজ্যের মর্যান্য দাবি কাপে বিক্ষোভ দেখাতে খারেন। প্রতিক্র ভালেন উপর কারেন বাউন্ত গান্তি বর্ষান করে। করে ভিন্তমন নিতাত এবং ৩০ জন আহাত তা। প্রপানমন্ত্রী হবি এপানকার কর্মসূত্রী বাহিল করে দিরেছেন। শ্যারে ১৪৪ ধ্রা ও কারেছ, তারি করা হামছে।

২৪ সেপটেম্বর—কেন্দ্রণাসিত মণিপানের আট মাসের বৈরাং মনিসাভার পাতন ভাটেছে।
ক্ষমতাসনি কংগোস দলের ৯ জন সদস্য বিবেধী
পক্ষের সংগ্ হাত মেলাবার ফলে মন্তিসভার
পরাজ্য গটে। ৩০ জন সদস্য-বিধিন্দ্র জিলেন্দ্রাম এক অনাস্থা প্রসন্তার ইথাপিত জলে তা
১৯—১১ ভাটে শাস্ত্রীর তার।

मीर्च मारक नमघन्छ। मारलाक्नाय शत आह



বাত ১টা নাগাদ মহাক্রণে প্রমান্তীর কল্পে এক তিশান্ধিক বৈঠকে ইনজিনিয়াবিং প্রমিক্রণ বিবোধের অবসান হয়। এ-সংস্কানত চুল্লিগত আন্ধ্র ব্যক্তিরত হতে।

২৫ লেপটেটাৰর—ডঃ শিশু মুন্থাপথায় প্রাধেষ রেল্য থেকে কৃতিন উপায়ে আছত একটি থানের চার) সন্তি করেছেন। বিজ্ঞান জগতে এব নজিব নেই। প্রাধের একটি বেল্য থেকে চারা সন্তি এডালন জনভব জিল।

আৰু ৰাজ্য যদিংসভা স্টেট্ৰাস ৫বং দ্বাম
ক্ষমীদেৰ গণাম্ভাত ৰাশ্বিৰ সিম্পান্ত
নিবোধন। স্টেট্ৰাস ক্ষমীয়া অৱশেষ ৰাজ্য
সৰ্বভাগ কৰ্মান্তাবিদৰ সম্পান জানে মহামান্তাতা
সাবেন। প্ৰক্ৰমান্ত্ৰীয়া সাবেন ত্ৰামান ৰাশ্বিম
মহামি ভাতা ধ্যাক ১০ টাকা কৰে বেল্পী। দ্ভি
ক্ষেত্ৰেই এই বাৰ্থাত হাৰ ১ সম্পান্তম্বাৰ ধ্যাক
চাল, হাৰ।

মঙ লেপটেজনর—কাত্রীয় উন্নয়ন প্রিস্থানের প্রান্তির বৈঠাকে প্রিচ্যানার মুখ্যনিপ্রতী জীলজাকুলার মানুষ্যাপাধ্যায় বালেন যে, রাজগোলির জন্ম মোট বরাক্ষ (৩৫০০ কোটি টাকা) বেশ বিকল্প না বালেকে ভালের বিশেষ করে সমস্যা জজাবিত পাঁচ্যাবাগের পাক্ষে চামুর্যা যোজনা প্রেম করা সম্পন্ন করে না।

শীশুনোদ দালগুণত সি পি আই সন্পাকে সংঘাদিকদের বলেন ঃ গুরা বুলোরাদের গুক্তেও বিসাবে কাজ করছে। শোধনবাদীরা চিরকালই গুইভাবে বুলোরাদের প্রার্থা রজা করে। শীলিকবনাথ মুখোপাযারগু সি পি আই (এম) প্রসংগা বলেকেন ঃ আসলে গুরা মারবাবের নীতি নিমে গুরোতে চান; সেটাকে চাকার জনাই সামানের বির্কেশ রাজনৈতিক কুবলা রটাজেন।

২৭ দেশটোবর—গ্রী সি স্ট্রিজনাম আরু তামিসনাচ্ প্রদেশ কংগ্রেসের সভাপতির পদ তানা কবেছেন। তাঁর পদতাবোর করেল ব্যাখ্যা করতে থিকে তিনি সংস্থাসন্সা ও স্থিতিকট

মান্ত শহরে এসলামিক শবি সংখ্যান বভামান সংখাতের বিংশ্বভাবে উলেগ্রেগা নেতা শ্রীকে বাম্বাক্ত সন্প্রেশ চাওলত ঘটনা। মুখাত কের্জালেমের আল-আক্সা মসজিনের আশ্নেলাত সন্প্রেশ আলে চনার প্রাক্তারা প্রিচ্ছাল এই স্পাতিবাহি এই সন্তান নির্মান্ত কনা মরজার রাজা এবং সউদি আরবের রাজা রাবাড-এ এই সন্মেলনের বাক্তা করেন। করেন। করি প্রিচনাক এই সন্তান নির্মান্ত স্থিববিতে মুসলমানের সংখ্যা ৬৫ কোটি এবং তক্তাবো ৪৫ কোটি মুসলম নের শব্দ ইনিলা গান্ধবিক অশ্যানক করার জন্য সিন্তিবাহি এই সন্মেলনে বোগ দিরেছেন। ১৪০০ বংলারের মুসলিম করা করান তা হলে ভাকে প্রান্ত স্থান স্থানী করা চাবে।

নর্মাদিরিকতে মুখ্যমন্তীদের এক বৈঠকে আর্ দিখর হয় বে, যতামানে কলকাতা বোদবার। বে রেলন বারদ্ধা রক্ষেত্র তা চালা, গালার তবে কোনে গমের জন্ম বেলি দাম দির হবে, কারণ বেলি নামেই গম বাজারে ৩০ হক্ষে।

হাত কেপতেইনক -- বানোধ বেলাক আজে পানি হাতিক বিশ্বীপ অন্তল প্ৰথমক বিশ্বীন ব্য বিশ্বীক ব্যক্তি বাজি ইতিমাধ্য নালীপান কাকী একাজাম বাহ বড় কাউজ কোমা নিলাছ একিম ন্যাম বান মালেশ। বানোম কাক ইলাগা কৃতি মালেই ইপা। সাধান্যক ও সম্বাভিনান প্ৰতি কা

ভাগত । মান্ত জান নান এ। ।
ভাগতেশকান্ত শিক্ষাক ও ওলানের নান
ভাগতালি পাল্পের লাগি বাবে এই নান
ভিত্তি ব্যাস্থ্য লগ এব যোগে বাবন সংলাল।
ভাগত ব্যাস্থ্য দিয়েছে।

#### विद्यानभी अध्यान

- ইং সেপটেম্বৰ ন্যস্ত্রার আচা বিত্রিটা মাধ্যপত বজেন, ত্রারেমান নার বাত্তি জ্ঞান আছেন এবং একটি মার্ডিন স্থানের বিত্রিক স্থানিক স্থানের বিত্রিক স্থানিক স্থা
- ব্ৰণ্টেমবৰ এইগলোঁটা ১ এটা তাত এ

  কামৰ এইকান ব্ৰণ্ডিল বাতে এইগলাল বিধ্
  বিদ্যালয় নামে মানে বিধ
  বিদ্যালয় নামে মানে বিধ
  বিদ্যালয় নামে মানে বিধ
  বাহন ইন্দ্যালয় বাত্তিকাম নামে বিধ
  কামৰ সন্ধানে বাত্তিকাম বাত্তিকাম বিদ্যালয় বিভাগ
  বিদ্যালয় বিধ
  বাহন সন্ধানে বাত্তিকাম বাত্তিকাম বিভাগ
  বাহন সন্ধানে বাত্তিকাম বাত্তিকাম বিভাগ
  বিদ্যালয় বিধ
  বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিধ
  বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিধ
  বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিধ
  বিদ্যালয় বিদ্যালয় বিশ
- ১১ বেশকেন্দ্রন্ধ প্রত্যাল ব্রালার করি।
  বিলিভিয়ার প্রধান বেশলপতি প্রথমটো করে।
  প্রেলিভিয়ার পরিক্রান্তর শ্বন্ধারিক স্বব্রাহ প্রত্যান করে।
  করেন। বলিভিয়া বেলাবে জেনাবেল গ্রানার্থার করিনার প্রত্যানার্থার করিনার প্রত্যানার্থার করিনার প্রত্যানার্থার করিনার প্রত্যানার্থার করিনার প্রত্যানার প্রত্যানার্থার করিনার প্রত্যানার করিনার প্রত্যানার করিনার প্রত্যানার করিনার প্রত্যানার করিনার করিনানার করিনানার করিনার করিনানার করিনা
- হও সেপ টো বা বা নি নেরে ক্রেন্সান্ত্রিমা প্রেলিডেনট লাডেভিক সরবাদে আল প্রদানমান ওলভারিত সার্বানিক ও তোল সরবাদের পদানাল পর আহণ করেছেন। পদার্বানিকরে বার্ন বাবাল প্রেলিডেনট স্বেলেন শীসার্বানিকরের বার্ন বাবাল প্রেলেন স্বানিক দেন।
- ২৮ লেপটেমবর—সংখ্যক হাসের প্রচারত সংক্ষরত, তিন্দী এবং এবং সংখ্যিকটো বিশ্বমান নিয় শিক্ষা সম্প্রসারবাব উপ্লেশন একটি নামান তেলালা প্রশাসনের স্থিতিত নির্বেছন কার্যার বিশ্ববিদ্যালয়।

। বাংলা লাহিতকার ভাষী সম্পদ 🛊

==বিশার ও কিশোর পাঠা== नीना अक्रमनादात

#### (ৰপোৱ বই 011

সংখলতা রাও-র

### स्उस्डा १००

গ্ৰহণ আৰু গ্ৰহণ ৪% मारे जारे था। त्मानात भन्न सा बान चारे कड भकारे २. किर्माद शम्यावनी शा স্মথনাথ ঘোষের

#### किरमात्र अकावसी शा

দক্ষিণারপ্রন মিত মজ্মেদারের ठाकतमात कर्मण है।। ठाक्त्रभाव वर्गन शा किर्गात शम्भावनी शा मामामगाहरम्ब थरन ८॥ গভেন্দ্রকমার মিয়ের কিশোৰ গ্ৰন্থাৰলী ৪॥ বিদেশী গলপ সঞ্মন 281-0 ১য়-৩ দৈশবিদেশের লেখাপড়া ১

### কঙকাৰতী

গ্ৰেক্ৰুনাৰ মিত ও ল্যেখ্যাথ খোষ সম্পাদিত

611

हेराजाकामाथ ग्राट्याभाषाह्यत

## ঐতিহাসিক গলপ

अक्षिम (माध्य महिंग) आ থাৰাপাৰ্ণা দেবীৰ

### সেই সৰ গলপ ।॥

ंः भग्नीकरभाव तायकोश्रातीत

#### **উপে**ण्डिकरभाव গ্ৰন্থাবল 50,

গজেন্দুকুমার মিতের ব্রেক্টাক্টর বিরুক্ত

### গান্ধাজাবনা

काम क्रम वहें कर সভোষকমার ঘোষের উপন্যাস

#### 8 ा न युन

বিমল করের উপন্যাস

### अञ्चिनी

8,



কবির সঙ্গে য়ুরোপে১০.

বাস,দেব বস,র

(वका जनदा (वका 8॥

लौना बक्त्यमारवर

#### স্কুমার রায় 811

रेगट्नगकुमात्र वटनगशाधारत्रत्र गाम्बीक्रीत गर्जन कर्म 811 ডঃ শশিভ্ষণ দাশগ্রের

### **उन्हेंय शक्ते व्रवीस्त्राय ए॥**

महाचा गान्धीत

### গান্ধীরচনাসম্ভার

মহাতা গান্ধীর आभाज धर्म ७, আমার শ্যানের ভারত ৪॥ ছাত্তদের প্রতি ৫॥ সভ্যাগ্ৰহ ৭,

भा तमी था क्था-সাহিত্য वादबंब यरणा এবারও সবস্মেত্র ट्लथकरम्ब ब्रुग्नाय সম্দ্ধ হইয়া মহা-लशांत भारति है প্রকাশিত ररेटिए।

> ॥ মূলা তিন টাকা॥ সৈয়দ মৃজ্তবা আলীর

### রাজাউজীর

নলিনীকান্ত সরকারের

### शांत्रव बल्दवात

অচিন্তাকুমার সেনগড়ের

## গৌরাঙ্গ পরিজন

প্রমথনাথ বিশী সম্পাদিত

### ৰ্বিক্মচন্দ্রের সাহিত্যচিন্তা ৮.

শতীব্দুকাল রায় অনুবিত

### জাহাঙ্গার নামা

यवनीरहताथ ठाकुरब्र

### যাগ্রাগানে द्रायायुग

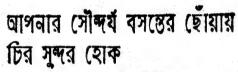
21

5.

ভারতের শ্রেন্ড চিল্ডাবিদদের শতবার্ষিকীর প্রখ্যাজনি

**ডঃ রাধাকুখন, রাজাগোলাঢারী, বিনোবা ভাবে, কালেলকং, কুপালনী, সাতীশ দাশণাপ্র अरुनमानि करहो, विकास कहोतार्य, कारामानकार तार्य, ट्राक्टिल क**ेरम, छ: अपूर्ण (घार) **ভূপেন কর, প্রভাত মুখোপাধার, প্রমণ বিশী, ভ**রানী ভারীপাধাম, বিভাষলার চাটু দিবাকর, ডেবর, হমোরনৈ কবির, অত্ত্যু গুছে, জরপ্রবাদ নায় রগ, আন্দানে নতা নিজাক কার্, সাহবাধ বাব প্রমুখ ৫০ জন চিভাবীবের ম্লাগান প্রাচ সংকালন

न्धे हि. কলিকাতা-১২ মির त्याय. 50 শ্যমাচরণ ফেল : ৩৪-৫১১২







বসন্ত শাসুর কমনীয়ত। মাজুদের সৌন্দর্যে প্রতিভাত হয়। এই কমনীয়ত।
ধারে রাখাতে কে না চার গুলানেলেন, চন্দন তেল ভ আবভ নান।
উপাদানে সমূদ্ধ বসন্ত মালতী ওবু জককে প্রকৃতির নিছুৰ আক্রেমণ
থোকেই বক্ষা করেনা সেই সাঙ্গ তাকর ছিল প্রকৃতির সিহারত ব্যবভাবে আপনার
ভাবি উপায়াল ঘালা যোগায়ে। বসন্ত মালতীর নিয়মিত ব্যবহারে আপনার
সোলায়ে চিবারারের অগমন সভ্যত্তি এব সুগছ আপনার মানে
এক অপুর্ব মহানা চালাতে।



সি, কে, সেন এও কোং আঃ লিঃ, জ্বাকুল্লন হাউস, ক্ষিকাতা-১১



749		*र्षा
चीनान्छ गाचीत कात्रज गर्यन	3**	2002
यामाहित्-		2090
ग्रामके दीनवाद्यं ग्रन्ड	400	>09>
ब्रानमनीत मरबार कारा-	-	5090
देवदर्गनकी—सम्बद्धान	•••	5098
गरमणव कार्याम-	904	5094
निदर्शय-द्यीनिनीय दर	***	5099
चरत वादेख-द्यीमणी	***	PAOC
চিত্র প্রদর্শনী—চিত্রপ্রিয়	•••	2022
জীবন যে-রক্স-শ্রীসনোল গপোপাধ্যায়	•••	2020
the state of the s		

প্ৰথম খন্ড প্ৰকাশিত হল

## शिविश बहुनावली

নাটাচার সিরিশচন্দ্র ঘোষের সমগ্র রচনা—মাউক, উপন্যাস, গলপ, কবিতা, গান, ন্বরনিপি, প্রবেশ, বিভিন্ন পরপ্রতিত্য থেকে বা-কিছ্ পাওরা সম্ভব সমস্তই আমরা সংগ্রহ করে চার বংশ্ড প্রকাশ করিছ। প্রথম খন্ড প্রকাশিত হরেছে (বাম কুড়ি চাকা); শ্বিতীর খন্ড প্রকাশিত হবে বর্তমান ক্ষরেরে শেরের দিকে এবং বাকি দ্টি খন্ড প্রকাশিত হবে ১৯৭০ সনের মধ্যে। উল্লেখ্য, গিরেশচন্দ্রের কিছ্র রচনা একদা বাজেরাশ্ত ছিল এবং আচালত দুস্প্রাপা ছিল, আমরা ডা বহু আরাসে সংগ্রহ করে বিভিন্ন খন্ডে সমিবিশ্চ করিছ। প্রথম অন্টের সম্পাদনা করেকেন ডঃ রথীশ্রনাথ রার ও ডঃ দেবীপদ ভট্টাচার এবং এই খন্ডে সমিবিশ্ট শিরিলচন্দ্রের জীবনী ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেকেন ডঃ ভট্টাচার। অন্য অন্ডব্যুলিরও সম্পাদনা ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেকেন ডঃ ভট্টাচার। বার্য প্রবর্তী পর্যক্রিক পার্চনা সম্পাদনা ও সাহিত্য-সাধনা আলোচনা করেকেন ডঃ ভট্টাচার। বার্য প্রবর্তী পর্যক্র আপিসের পর্যবার্য জানাতে অনুরোধ করি, প্রকাশন-বিক্তান্ড ভবিত্র পার্টান হবে।

প্ৰথম খণ্ডে — ২১টি নাটক ও এটি প্ৰথম। বিভান খণ্ডে — ২২টি নাটক, ২টি উপন্যান, এটি কম্প, ১৮টি প্ৰথম ও ১টি কবিভালেশ।

एकीत परण्ड — २५विं मानेन, ५विं छेनमहान, ४विं झवन्य ७ ५विं कविकासन्य।

हजूर्य थएक — ५५वि नाहेक, ४वि गरम, २४वि शतम्ब ७ ५वि कविकासम्बर्ध

গিহিশ রচনাবলীর সম্পর্শ ভালিকা ও স্থামানের স্থান্ত গ্রহেন্দ্র ভালিকার জনা লিখন।

### ना হि छ। न : न म

৩২এ আচার প্রফলেচনর রেডে ॥ কলিকাতা ১ (৩৫-৭৬১১)

श्चम शूरण श्चमका गरेकृतिक सार अकृति भने श्रमांगक वरेगः श्रीत्रासम्बद्धाः सम्बद्धीः

## तश्रा विवीका

কণটি পৰ

केपनाव-स्थापक स्थापनांस्थी वे साम पामा पामा ५२वि वर्ष समय जीवसीहः

THE STATE

वाश्वास विश्वववाम 50.00 Medica - Acordina per क्रिक्टा Balantiacom पर क्षांक

वारवा भरनी एवं क्रम

गत्नात का श्रेणीय थाउं कि चैं।एम ज

জগণ্ডে।ড়া ৭-৫০ নিৰ্মাণন্ধ নামনাধ্যী গুণীড ভাষতের শিপপ ও

**छ। साज्ञ कथा** ५४-०० •. नि. नाम्हमी श्रमीरू

श्रामा राज मान्यस क्ष्यांत्रस हरेत।

भारत छ

প্রবাহভাবিষয়ক সমালোচনা ক্লব ভঃ সাবোধচন্দ্র সেলফান্ত

সর্বস্তরের পাঠকগাঠিকাদের জন্য

শাশ্বত ভারত

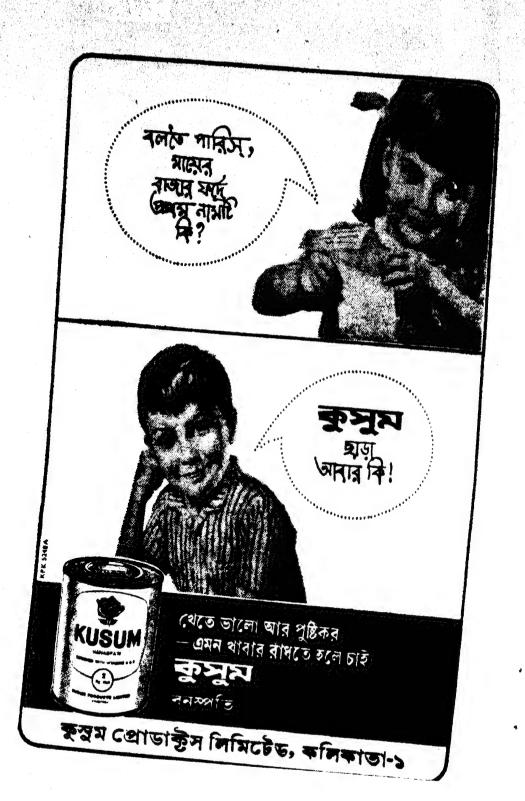
দেৰভার কথা : ক্ষরির কথা জন্তের কথা : উপদেৰভার কথা প্রস্তোধকুমার চরবভা প্রদীত

ঐ একই লেখকের চেকা হোটকের জন্য ভারতের বিভিন্ন রাজ্য নিবের এক একখনি স্বরংসন্সূত্র প্রথমকাহিনী

### ज।सारम्त एम

উড়িখ্যা: অন্ধ্ৰ: মহিন্ত্ৰ অন্ধেল বাহিত হইখ ভামিশনাভূ প্ৰতি থক হলা ২-৫০

ক্লালক: এ. মুখান্ত্ৰী আন্তে কোং প্ৰাঃ লিঃ ২ বন্দিৰ চাটান্ত্ৰী প্ৰীট, বলিকাডা–১২





विवन	<b>লে</b> খক		भ,का
বিশ্ববিজ্ঞান—শ্রীসমর্বাজ্ঞ		***	2022
ৰাঙলাৰ চালচিত—শ্ৰীআবদ			2200
আধিক ভারত—শ্রীস,রত		***	2220
भावाभाव-शिभीत्रं क्, ग्र	<u>খোপাধ্যায়</u>	***	2224
পণ্ডতন্ত—ডঃ সৈয়দ ম্ক্ত		•••	5520
ভাষেৰিৰ হে'ড়া পাতা—ফ	াদার দাতিয়েন	***	<b>১</b> ১२७
अम्राज्ञ मिल्ली-मत्रायम		***	2222
काानाणात विवि-श्रीकीनारी	দ্ৰ চাকী	***	2200
जारनाहना—			2282
ৰাহিত্য সংৰাদ—শ্ৰীসনাতন	পাঠক	•••	228¢

ৰিদ্যোগ্য শ্ৰীকগণ্ডসংখ্যুত্ত প্ৰাচীন ভাৰতেও গণ্প	য়ের বছ সমর্জিং করের					
:	বিজ্ঞানাগ্রহী রোমাঞ্চর উপন্যাস					
वाश खातल कशकला ७०००	ত্যুক্র					
্রৈলোক নাথ ম্যাখালাধ্যারের উপন্য স	-					
কন্ধাবতী ১০৫০	সেই মানুষটি ৩-২৫ শিবরম জ্লাডীর গ্লো-সংকলন					
হাল্যেতাথ বনেনপাধানের উপনাস বিজ্ঞানের দ <b>্বেশন</b> ২০৫০	আমার ভালুক শেকার					
গোলেণ্ড বস্ব বহস্য উপনাস	0.00					
म्बर्णसङ्कृषे २.४०	চোরের পাল্লাম					
বিভিন্নস্থান্ত চাটোপাধ্যানের উপনতে : আন্তাদ্যান্ত ড্রোট্রানের : ২০০০	<b>एकब्र्बर्डि</b> ७-००					
জানক্ষাঠ ছোটাদের ২০০০ প্রোমন্দ মিত্রে উপন্যাস ও গ্রুপ	श्रीतम्हान्त्र स्ट्रोशास्त्रस्य । <b>स्ट्रान्स्टरम् स्टिन-कथा २</b> ०२७					
নয়্রপংখী ৬.০০	प्रकार अहे। प्रकार के					
मकतम्भी ७.००	नाविक बाक्यात क					
গ্ৰহণ আৰু গ্ৰহণ ২০২৫	नागत त्राक्षकना। २.००					
শ্রে যারা গিয়েছিল ৩.০০	প্রপ্রত্যুদ্ধ গ্রাপ-সংক্রম					
षुग्रागत्वत विश्वमाम <sub>र २६</sub>	न्वभनव दिश्रं व					
अ)।गएनम्म । वह वागर २६	कोपूक कारिनी २.४०					
স্থলতা বাভায়ের গলপ-সংকলন	স্ণীল জানার গলেশ-সংকলন					
वातिषु तत्र (म(म 🕹 -००	शक्तिय हायह । १९४४ में १००० १ मिडीस में १०००)					
বিদ্যোদম লাইবেরী প্লাঃ লিঃ ৭২ মহাতা গান্ধী রোড ৷৷ কলিকাতা ১						

करतकथानि विश्वप्रक गाएका कन्द्रवार ज्यानि सकात जान्य सम्बद्धाः	-
केमारभन्दी विस्तक	
क्षण्डेत स्थानक — 6.00 ब्रामानकरसम्बन्धिक मेरक	
ৰ্বারক হকার — ১.০০ সাংবাহিকভার সোভার কথা	
ক্ত — 8.60 ক্ষিউনিক্স ও বিস্তব	
शास ७ वर्गाम — १००० वृत्यमञ्जूषा ७ कविकेतिकव	
ক্ষিতি কলেৰ - ২.০০	
र्भा काल इकर रक्षत्र क्षण वन्द्र	
हरमही स्थापन 8.60	
যানশ স্থা সল্ডে পাজোজন — 8.৫০	
ত্যেসিজেন্ট নিয়াৰ কেলা এন্ড হেস — ৩-৫০	
সাহিত্যকৰ ইতিহাচনর প্ৰশ্পনাক্ষর	
10 fm 1+60 - 2.00	-
णाजिस्साचा गार्डिन मृथाव किर अर्थ क्रमें — २-१६	
यप्रविश्व छैरन मध्याद्य यहाँच द्वारा — 8.00	
वाक्-माविक	
অর্থনীতি ও নানবক্স্যাণ জে এই ক্লাড 8:00	
श्राप्ताचरत चार्मातका विश्वप — ७.००	
এশিয়ার ধ্যারিত অগ্নিকোণ রান্ত কেখিয়ার ৩-০০	,
विनद्या भार्वाजीनर त्कार	
বিশ্ববিধানের সম্বাদে  আনু এন গাড়ানার ৩.০০	,
সাম্যবাদ, বিষয়বস্থু ও কার্যপদ্ধতি শেলসিক্ত ও রাস্টেন — ১-৫০	
दश्रामिषा अकामगी	
অভীতের সম্বানে বিজ্ঞান লোকে — ২-০০	
নক্ষরলোকের পথে কার্টানন ও সাসল্য — ১.০০	,
লাটি থেকে লহাকাশ ক্লাইড কর ক্তিবার — ১০০০	,
<b>अ</b> कृति भार्यानीमः टक्स	
কেনেডি মানস প্রসার প্রভারতেন — ৩-০০	
ভারতের কৃষি বাবভার পরিচর টিতন যাত। ডঃ ভোনকা ও জন্মন্ন—প্রতি যাতে ৩০০০	١,
এ হাড়া নানা বিষয়ে করে। কনেক কই ভালিকা চোর পাঠান	
প্ৰক্তকবিজেতপ্ৰত উচ্চ কলিখন আক্তই অভান দিন	-
এম সি সরকার জ্ঞান্ড সম্প প্রা: সি:	
58 व्यक्तिम अहेका मुंके, कविकास-52	



আপনি পাবেন নিখুঁড ও রমন্ত্রীর ছকের বাহুমন্ত্রী অলীকার আপনি পাৰেন ছিবিধ ক্ৰিয়াখ্ৰীল সাধান---সিম্বল দিছে মারাগিনের সভেষ আকুরতা সিবল সাবানে আছে बि-১১ (स्त्रारक्रारविन) ছনিয়ার সববেকে কলতার বীজাবুনালক এক্ষাত্ৰ জি-১১ বুক সিখুল আপনাকে সুন্দর ও সডেজ রাবে

সিম্বল হজে একটি প্রকৃত চুর্গদ্ধনাশক সাবান





विवर	গেখক		भ,छी
প্তেক পারচয়			<b>5589</b>
रभगात मार्छ धकला	<b>4</b> 3	•••	2282
ৰ্যাডমিণ্টনের আইন	কান্ন-ম্কুল	***	2202
खन्नगर्भव		***	5542
ৰুণ্যজগ্ৰ-		•••	5560
সা•তাহিক সংবাদ—		•••	2290

भ्राकृत : औरक्षा टका ट क्रवर**ी** 

### **ट्या**के भारतीय **मः**शा

বাংলা ভাষায় প্রকাশিত প্রথম প্রেণীর পরিকা

# সাহিত্য ও সংস্কৃতি

সম্পাদক: সঞ্জীৰকুমার ৰস্

সাম্প্রতিক বাংলাসাহিত। নিরীক্ষার ম্লাবান **গলিল। সাহিতার বিভিন্ন** দিক নিয়ে আলোচিত প্রকাবলী, এই শারদীয় সংব্যা**টিকে পাঠকসমাজে** বিশেষ করে সাহিত্য-রাসক ও সমালোচকদের কাছে বংশট আকর্ষণীয় করে তুলবে।

#### ণ ওচাত লিখেছেন সু

রৰণিদ কাৰা-সমাক্ষা ড: প্রীকুমার বদেদাপাধ্যায় ॥ কৰি যতীদদ্র-নাথ সেনগৃপ্তি ড: তারকনাথ ঘোষ ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা উপনাসে প্রিথানীপ্রচন্দ্র ভট্টাচার্য ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা কৰিতা ড: উংজ্বলকুমার মজ্মদার ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা নাটক জাবন বংলাপাধ্যায় ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা ছোট গলে আন্দ্র বাংলা ছোট ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা প্রবেশ নারায়ণ চৌধরী ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা সমালোচনা নিদ্দ্রগোপাল সেন-গৃহত ॥ ব্যাধানতা-উত্তর বাংলা লোক-সাহিত্য সনংকুমার মিত ॥ এছাড়া দ্টি শতবর্ষের অর্থা : মহান্যা গাম্ধী অমলকৃষ্ণ গৃহত ॥ মনোমোহন ঘোষ স্নালি বন্দ্যোপাধ্যায় ॥ প্রতিটি প্রক্রম স্দ্রিঘা স্থালিখিত এবং তথা স্ব্রালত।

श्लाः डिन होका

ব্রভেম্বী ভাকে চার টাকা

প্রিদেশক ৮ প্রিয়াম, কলেজ স্থাটি, কলিকাতা

গুদানক : চন্দ্ৰিশ প্ৰথম জেলা সংক্ৰাত প্ৰিয়দ, ১০ হেস্টিংস স্থাটি, কলিকান্তা--১

#### ।। ভাষৰ সাহিত্যের নাতন বই ॥

शरकम्बुकुमात्र भिरहत

### त्रभात्र भन ७॥

\*\*\*\*\*\*\*\*

### वकाचारी 811

প্রশাস্ত চৌধ্রীর

### (शाधृति ब्रह्मोब ए,

আশ্তেষ মাণোপাব্যাকের

### বাজ কর ৮,

নীহারবলন গ্রেবর

### वाति विमीय १,

শ্বেষ্ট্ৰেন্ড চৰুৰত বি নৰ্ভম ভ্ৰমণ কাহিনী

### কুটিল কুমায়ুন ৫,

গজেন্তুমার মিটের যাকাকর বিরল

### गाक्की जी वती आ

একেবারে যাবা নতুন লেখাপড়া শিখেছে—ভারা বাঝাত পারবে

গ্রাক্তক্রমার মিলুর

कक अश्द्रद्रद्र थला ६,

नवज्ञमा ८,

স্মেধনাথ যেত্থর

জলখি তরক ৫,

रियम भिद्धत

তৈন ছয় নয় ৬॥•

জ্ঞান্ত প্ৰাৰ্থ কেন্দ্ৰীয়

জালিকাটা রোদ ৬.

**इ.स.स.स.** 

জায়গা আছে ৫ প্রশম্পি ৫,

es ver iva a

অমলতাস ৫,

মর সংকরণ সংক্রিয়

### बाकामा Sile में जिल्ला वसर्व S.

बना दम्भ बना मार ১७,

বিহ'ড়েক্স ব্যাহ্য প্রায়ের অশ্যান সংকেত ৫,

**লশান সংকেও** ৫ নিংহাস∌ন গ্ৰহ

न्यं उभना ५०,

উমাপ্রসাদ হা থোপাধনারে কুয়ারী সিরিপথে ও॥•

ভ্ৰমৰ সাহিত্য প্ৰকাশন ৭, টেম্যে সেন, কলিকাতা-১

# श्वाभावत भूति युवि उत्ति श्वासित्स्य आस्तिः



ভি নি এম-এর ভিনপ্রো তোরালে করেক সেকেন্ডের বধ্যে আপনার লা থেকে প্রভিটি বিশু কল তবে নের—কারণ, জাত চমংকার ওবে নেবার ক্ষমতাসম্পন্ন পুলা তুলোর মিশ্রণে এই তোরালেগুলো হরে ওঠে প্রচণ্ড পিপালার্ড। আর, টেকেও জনেক বেশীদিন। ত্বিনমের তোরালে স্থলর ক্ষমত রঙে এবং অপরুপ রকমারি ভবি ও আলার্ড ডিআইনে পাবেম। পৃথিবীয় ১০ট বেশে ভাইড' ছড়িরে গড়েছে ওবের অনুষ্ঠ প্রশন্তি।

টি চিটি চিটা ক্রিটের বধুনাই বাবেন নজুন কিছু না কিছু অবন্য পাবের

Bensonsi 1454-Ben



## অপরূপা এলে অভিনৱ সাতে



টাটা টেক্সটাইন্সন্-এর জিল্ট নিরে ছৈরি জান্বা প'রতে.
মূজ বিক্সর আঁথি সবসসর যিরে থাক্তবে আপলাতে।
কানা রঙে, অভিনয় ডিচাইনে পাতের টেরিন/কটন
এর মননাভানো প্রিন্ট। তাঁক পড়েনা, খাটো ক্ষা না।
জিল্ট এর কান্তা পাতের কি মধুর লিহরন জাগত্বপেকে মনে। ভার সজে পাত্রন মানানসই চুড়িনার—
পপলিনের বা ২ × ২ কাপড়ের। ৬০টির ও বেলী
রক্মারি রং, চেক, স্ট্রাইপ, ডট, প্রিন্ট বা প্লেন রংত্তে
পাত্রন। যা আপনার পছকা, বেছে নিন্ন।

TATA Textiles है। छै। छैं का छै। है तम् अ इ अति अ

#### गान्धीकीय जन्मनक्ताविकीट्ट वीटायान्वेड सन्धार्च

# वश्या गान्ध

#### शर्मारक्षात शामानिक

।। "ভাষার জীবনট আমার বাণী"। সেই জীবনের বাংলা ভারাল স্রতিথয় স্ববিত্ৎ ভ্যাবহুল প্রাঞা বিবরণ চ ॥ ডিমাই সাইজ। প্রায় ৭০০ প্রাপ্তা। সাম ১৬, ॥

### B.

গাণধাজার বালিজাবন ও গাণধালবালের ভ**ীক্ষ্য বিদেল্যৰ ও অ**পাৰ্ক ভাষন। প্রাক্তাক গাল্ঘবিদেরি ও মাকসিবাদরি अतना शाहा।

### সমাজ শিক্ষা ১০,

#### निविध्यक्षक बाध

प्रदासको बालका । चाक्रमाराखाः । बाक्रसी प्राणी बाक्रमारा বিচৰকান্যালয় আৰুপ্ৰ স্টাচ্ছত

#### কিংশারীলাল মশব্ভয়ালা

প্রাঞ্জ ভাষার অন্তার করেছেন বৈগেদ্য SPAT FOR CO.

#### আমাদের লাল্বাহাদ,র > ₹11 ÷ आमारिमत अध्वत्नाल 20

ভারতরক্ত কওহরলাল

প্ৰায়ৰকুমাত প্ৰায়ানিক

### মহাত্মা গান্ধী ৩

#### टबार्मा टबार्मा

গাদ্ধীস্তিত্ত মহামান্ট্রী ব্রাস্থি স্বা-उद्यानि कारमाना ।

### সামানত গান্ধী ৩.

( मी काम्म(त शक्त भाग)

মাৰুমাৰ বাব বিভাচত ৭০টি অধ্যায় काँत शरहत चाहन्त क्षांताही।

#### **भा**ग्धीं जी 511

#### क्रमाणमाश बन्

কিলেল কিলোক চিন্ত উপ্তেমণাৰী সহজ্ঞ ও

#### শিক্ষা 261

#### महाया गान्धी

িশক্ষ্য সম্পত্তে পাদ্ধীক্তীর সমূহ কোৰাৰ भारतकार ७ जना्वाम कालाहर रेगालम वापनाथ सम्बाध

#### সংক্রিপ্ত

### আত্মকথা

महा के के द्वारात असीत कर्मा कार्यान कार्याम वयुगाथ महीता।

# **नाग्रा**थानिटङ

নেকাখালির সহয়তী সাকুমার রারের নিভার যোগ্য ঐতিহাসিক দলিকা। গাণ্যজিতি আশীবাদ সম্পলিত।

#### স্কুমার রায়

### দ্বাধনিতা যুদ্ধের ইতিহাস

ৰ্নিয়ালী লিক্ষা ২, ৰ্নিয়ালী লিক্ষাপ্ৰতি ৪, বিক্ষুকুল্ল ভটুচাৰ্য ৰ্নিয়ালী শিক্ষাৰ কৰা, ১ম ও ১৪ পাড় ৪৪০ ডিঃ ব্নিয়ালী শিক্ষাৰ সংগ্রম ৭৫৮ জনিল্মেরন গুড় লট **ডালিছ** ৩, গ<sup>ট</sup>্রেন্ড মারা্মেলক

৯৬ট আটোনত প্রদেশ পাষ্ঠী-সাহিত্যে তেওলেশেকে শাস্ত্রতা ৯৫, টারা হাতে কমিশন তাওলা ইইটেট

রাজিল সমালেলনার বহাপ্রতীক্ষিত ও সর্পের সংবেজন ভ

ভঃ শ্ৰীকুমাৰ ৰাম্পাপালায়, এছ, ৫ পি এইচ, ডি.

### वर्वान्य-मर्गाष्ठ-मभीका.

'ক্ৰমান কালেৰ ভেক্তি সমাজ্যতে ডঃ শ্ৰীৰুমতে বংল্যাল্যধান কড়াক যিংশ অধায়ে ব্ৰান্ত্ৰতেন্ত ভূতীত <del>প</del>ৰ্ব হ্ৰীলকাৰ। ততীয় প্ৰায়, ব্ৰণিদ্ৰটাকেও দ্বতীয় প্ৰায়, ব্ৰণিদ্ৰ উপ ন্যাস, ব্ৰণিদ্ৰনায়্যৰ ছোটালপে প্ৰভৃতি আলোচিত বি**প্তা ও** বিশ্ময়কর প্রেরণা গ্রাম্থ : পাম ২০,

क्षशालक कर्मकृषात नन्, तम, त, लि. काह. तन

### রবান্দ্র-বিচিন্তা

মানসী, সোনায় খণ্ডী, চিন্তু, কংগুনা, আকাশপ্রদীপ, আরেন্যা প্রভৃতি রবীন্দ্রকারের হাষাম ও শেষ প্রতিয়ের বিশ্বতির আল্ডান্ড রবীন্দ্রকারে। প্রেম, রাজ্য নাটক, রবীন্দ্রনাহের চিত্রকলা বিবরে মন্দ্রশীল ন্তন অনুলাকসম্পাত। माध ५० होता । रगोत्रम् ग्राप्त्यानावाञ्च

বর<sup>িদ</sup>দুনাকের ট্রনবিদ্র জাবিদ্রার **জ্যোর**। পরিবাধানর তথাপার্ব উপজোগা রচনা, तर्रिष्टनार्थत अञ्चलिक इतिराहा ६

### अत्रिद्यम् व्यक काम्भान।

करणञ्ज्योरे गारकि साराणा । क्लिकारा - ১३॥

### প্ৰকাশিত হল



माग 8.00

হোটু সোনাদের অগর্প সব রূপকথার গল্প শ্নিরে ভাষের প্রেয়ার বার্কিনির দিনের তিবার করিব করেব ভাররে তুলতে আবার ভার রূপকথার বিশ্বর পূলিটি বিজ্ঞান হাজির হরেছেন এ-কালের একমেবাবিভারিয় রূপকথার বাস্কুলটি পর্বার করি বোল-বার 'অর্গ-বর্ণ-কিরণমালা' ও 'মিতুল নামে প্রুলটি পর্বার ভার একান্ত প্রিয়া হোটু সোনাদেরই ভোলায়নি, ব্রেড়া ধেকেনেরও বল কেড্রেকিল; উপরস্থ রাজীর প্রকারের শিরোপাও পেরেছিল।

ছে।টু সোনার গল্প শোনার চমংকার চমংকার ছটি রুণ্ট্রার পান্দ আছে ঃ টুং-এর বন্ধু মুম্বুমি, সদার, বেড়াল-বাদর-লাধা আরু লোকটা, চাদ আর পাপ্টে, সোনা-ঝুরঝুর হাসি, চ্যাং ঝোলা। এর প্রত্যেকটির বার্থ

### देगदनन दघादबब्र

ছোটদের র পক্তার গ্রুপ

# ছোট্ট সোনার গল্প শোনা

এবং উপভোগ্যতা এমনই অবর্ণনীর যে, ভাষার তা প্রকাশ করা বার বা পর্রো বইটি দামী কাগনে আগাগোড়া দ্' রঙে ছাপা। ভার পশর রয়েছে প্রায় প্রতিটি পাতায় বিমল দাসের আঁকা বড়ো বড়ো অক্সপদীর সম্পর সম্পর রঙিন ছবি এবং অপ্র্ব সম্পর বহুরঙা প্রক্রেদ—ফোম্লি গলেন পরিবেশ এবং পাত্রপাতীকে আশ্চর্য জীবস্ত করে চোখের সামনে ভূলে ধরে কচি কচি পাঠকদের কম্পনাপ্রবণ মনের সঙ্গে সঙ্গে সৌদর্য পিরাসী চোখকেও তপ্ত করবে।

এই লেখ কের জনানা ব ই
 অর্ণ বর্ণ কিরণমালা ২০০০ মিতুল নামে প্তুলটি ৩০০০

# रेष्ट्रत थ्या

रेज्यामि

শিবরাম চক্রবতী !! দাম ৩.০০

দেৰতার

পাহাড়

নকুল মুখোপাধ্যার ।। দাম ৩.০০

পিন্কুর ডাইরি

সরকাবালা সরকার 🏗 দাম ২.০০

হৰ বিধনি আর গোৰধনি

শিবরাম চক্রবর্তী ।। দাম ২.৫০

সত্যজিৎ রায়ের

সদ্য প্রকাশিত গোরেন্দা-উপন্যাস

বাদশাহ**ী** আংটি

একে ভো রোমাঞ্চর ও বৃদ্ধি-ধীধানো ঘটনাসলিবেশ হেতু এ কাহিনীর আক্ষণ

ছোটদের আরও বই

প্রচন্দ্র, এবং আশ্চরণ সাবলালি ও স্বজ্ঞের এর রচনাভালি, তার ওপর ব্যরেছে সত্যাজিং রারের নিজের অবিদা বহরঙা আশর্পে প্রজ্ঞের এবং বারোটি প্রো-পাতা ইলাস্টোলন; স্তরাং বোঝাই বার, নিজে পড়ার এবং অপরকে পড়ানোর মত এমন বই, এবং উপহার দেবার মতএ, শুধু এ প্রজ্যের কেন, আগামী করেক প্রজ্ঞারও বেরুবে কিনা সন্দেহ।

দাম ৪.00

**बागारम्ब** निर्वाहका

শংকরীপ্রসাদ বস: ॥ দাম ৬.০০

त्राकात

त्राचा

त्योगांक ॥ मान 8.00

**र्ष्ट्रन्ट**म्ब्र वटबकावन

সভোলনাথ মজ্মদার ॥ শাল १.00

त्यच न्तिके

6914

রঞ্জিত বল্লোপাধ্যার ॥ দান ৩-৫০

আনন্দ পাবলিশাস' প্রাঃ লিমিটেড

অভিন ঃ ৫ চিতামণি দান লেম। কলিঃ ৯ ॥ কোল ৩৪-৮২৪৭ বিজয়-কেন্দ্র ঃ ৬৭এ মহাখা গাদ্ধী বেল্ড । কলিকাটা ৯

### বাংলা ভাবার লব'াবৈক প্রচারিত এক্মার প্রথম শ্রেলীর সাপ্তাহিক

্দিনী ৩৬ বর্ষ ৷ সংখ্যা ৫০

শনিবার ২৫ আম্বিন ১০৭৬

#### সংগাদত শ্রীতাশোককুমার সরকার

সংঘ্র সংগাদক শ্রীসাগরময় ঘোষ

দ্বাহাধিকারী ও পরিচালকে আন্দেশনালার পরিকা প্রাঃ লিছ প্রক্রা সর্ববাধ পরীট, কজিবানা ২ গেকে শ্রীমানিয়ার ব্যাবসামের কর্মক মুদ্রিত ও প্রকাশিত

টোলফোন ২৩-২২৮০ ২০-৮৫৪১

#### চাদার হার কলিকাতার

বালিক ... ২৫-০০ হালাসিক ... ১২-৫০ হৈলাসক ... ৬-২৫

#### @19C B

বাহিবি সভাব ... ৩৫.৫০ বাংমানিক ....... ১৫.৫০ কৈমানিক ...... ৮.০০

#### भा किल्हारन

(ছাল্ড মানুষ ) হাহিত সভাক ... ৩০-০৫ হাহাতিক ... ১৭-৫০ সভাতিক ... ৮-৫৫

#### mierce vifere

(জ্ঞাহাৰ ভাবে) হায়িৰ সভাৰ ... ৫২-৪৪

হাক্তাসক ...... ২৪.০০ বৈথাসক ....... ১৩.০০

#### -

(विधान सहक )

নহিল \_\_\_ 0৯.০৫ হাতাদিক \_\_\_ ১৯.৫০ হৈমাদিক \_\_\_ ১৫.০০

দাম ৫০ প্রসা উত্তরক ও জানতে অতিরিক্ত বিমান মাসকে ও প্রসা

#### DESH

Saturday 11 Oct 1969

#### সামাস্ত গাল্যার ভারত স্থার

সা শীলীর ক্লন্সণতবাবিকীর শৃত মৃহতে আমরা এমন এক মহাপ্রাণ ব্যাককে গান্ধী জীর আন-এক প্রতিম্তি ; আমাদের কাছে বিনি সীমাসত গান্ধী বিনি গান্ধীজীর আন-এক প্রতিম্তি ; আমাদের কাছে বিনি সীমাসত গান্ধী করে পরিচিত। গান্ধীজীর এমন যোগা শিষা—কী জীবন সাধনার কী বা আদর্শে আর বড় দেখি না। ব্যাধীনতা আন্দোলনের অন্যতম অপ্রনারক বাদশা বা বা বা আবদ্ল গক্তর খা আজকের দিনের ভারতবাসীর কাছে প্রার-বিক্মৃত প্রেব হরে এসেছেন; অবচ ইনি যে স্বাধীনতা যুদ্ধের কত বড় সৈনিক ছিলেন তা আমাদের দীর্ঘ স্বাধীনতা সংগ্রামের ইতিহাসে লেখা থাকবে। দীর্ঘ বাইশ বংসর পূর্বে তিনি ভারত ভূমি ত্যাগ করেন, তথন পাকিস্তানের জন্ম হর নি। তিনি ভারত ছেড়ে চলে বান পাখতুনদের স্বাধীনতা সংগ্রাম চালিরে বাওরার জনো। সে-সংগ্রাম এখনও চলছে।

বাদশা খাঁর ভারতে আগমন আমাদের পক্ষে প্রিরজনকে পাওয়ার মতন। অবশা তিনি মাত দ্বাস ভারতে থাকরেন। প্রধানত গাণ্ধী শতবার্ষিকী অনুষ্ঠানের উপোধন করার জনেন তিনি ভারতে একেও সেই উন্দেশেই তিনি এদেশে আসেন নি। তিনি এদেভেন খালিত, মৈতী ও প্রেমের আদর্শ নিয়ের, আমাদের মধ্যে সেই আদর্শের কথা আরও একবার সমরণ করিছে দিতে।

এদেশে দীর্ঘকাল পরে ফিরে এসে তিনি কী দেখছেন? বাদশা খাঁর নিজের কথার: 'এদেশের মান্য গান্ধীজীর শিক্ষা ভূলে গেছেন।' কাজেই তিনি ব্যথিত হয়ে বলেছেন, গান্ধীজীর শিক্ষা বারা ভূলে গেছে তারা তাঁর কথা শ্নেবে এ বিশ্বাস তাঁর কী করে হতে পারে! গান্ধীজীর পথ থেকে সরে আসার এমন দ্রান্তি দেখে সতিই তিনি উদ্বিশন, ব্যথিত।

একথা বলে দেওয়ার প্রয়োজন হর না, প্রায় আশি বছর বয়সের এই বংশ মান্যটি আজ ভারতে এসে কী কী দেখতে পারেন। মনে রাখতে হবে, এই মান্য নবাগত নন-বা ইনি আমাদের স্বাধীনতা সংগ্রাম, আদর্শ, আশা-ভরসার কথা कारान ना। जिन भवदे आर्नन, रक्तना जिन वादेखत लाक हिल्लन না । অথচ আজ-নাইশ বছর পরে ভারতের মাড়িতে পা দিয়ে তিনি স্পাণীই অন্-ভব করতে পারছেন ভাবের সহপের ভারতের। মাতি এটা নর। **এখানে আজ** বাজনীতির সর্বপ্রকার কল্পেতা প্রকেশ করেছে, দেখা দিয়েছে অবিশ্বাস্য হিংসার টেলেরা, সমপ্রদায়িক সংকীর্ণালাং এই কী সেই ভারত যাব জনো গান্ধীজী প্রাণ বিষ্ঠানি দিয়েছেন 🤄 দ্বভাবতই সামাণ্ড গণ্ধী যে বেদনা ও আলাত - অনুভব ক্রান্ত পরেন তা আমরা হয়ত অন্মান করতে প্রেন। কিন্ত ওই মান্তিট্র প্রকৃতিই এমন যেখানে রাজ্যা, অবিনয়, মালিনের কোনো স্থান নেই। মুখে তিনি িশেষ কিছাই বলেন নি, শাধা ভারতের মাটিতে পা দেওয়ার কিছা, পরে আনশন বত পলেনের সিদ্ধানত নিয়েছেন তিন দিনের জনো। এ অন্সন কেন? ভারতে যে ছাগা ও হিংসাত্মক পরিবেশ দেখা দিয়েছে ভার প্রতিবাদে। এবং গান্ধীজীর পথ জনসাধালণ বজান করেছেন-এই ক্লোভে। বাদশা খাঁ স্পান্ট বলেছেন বে িনি অর্থ সংগ্রহের জনে এখনে আসেন নি, আসেন নি, পাথডুনিস্ভা<mark>নের</mark> আফোলানে ভারতের সাহায়া চাইতে: তিনি এসেছেন গাল্ধীজীর শিক্ষা ভারত-কাসীকে স্মারণ করিছে দিছে। মহাজ্বাজীর স্মৃতি এবং ভারতের জনসাধারণের প্রতি ভালবাসাই তাঁকে এদেলে টেনে এনেছে।

দ্বেথের হলেও একথা হয়ত বলা বায়, সীমানত গান্ধীর ভারত দর্শনের পর তাঁর স্বংনভঞা ঘটেছে। তব্ তিনি গান্ধীবাদী—তাঁর আশা এত দ্বংধেও ভাঙার নর। হয়ত তিনি তাঁর স্বংনপ্রনের আশা নিয়েই আবার ফিরে বাবেন। কিন্তু আমাদের পক্ষে তাঁকে আশ্বাস দেবার কিছ্ কী থাকবে? মৌখিকভাবে হরত থাকবে, কার্যত হয়ত কিছুই নর।

ভারতের বহু মান্ব আজ সীমানত গান্ধীকে সম্প্রার, সাদরে অভার্থনা করেছে, করবে। এই অভার্থনার মধ্যে ফাঁকি বোধ হর নেই, ভাবপ্রবণতা কিছ্ থাকলেও থাকতে পারে। কিন্তু এই অভার্থনা থেকে একটি জিনিস বেশ বোকা বারঃ বাদ ভারতে বাদশা খাঁর অনুরূপ আদর্শবান মহান কোনো নেতা দেখা দেন ভারতের জনসাধারণ তাঁকে গ্রহণ করতে শ্বিধা করবে না।



#### শরতের জনি-চয়তা

বিশ্ব মন পশ্চিম বাপালার ব্রুক্তনট সরকারের শরং কালটা তেমন ঠিক সহা হর না! শরতের হাওয়া গারে লাগলেই কেন যেন এ সরকারের বিপদ ঘনিরে আসে! কেন যেন এ রাজোর নারকরা চন্দ্রল হয়ে ওঠেন।

১৯৬৭-র কথা ভাগন্ন। ২ অকটোবর কাউল, কিন্তু নতেমধর মাসটা জার পার হওরাই গেল না। অজরবাব্ হদি বা একেবারে শেব মাহতেে ফিরলেন, ডঃ ধোষ এবং অধ্যাপক কবিরকে কেউই আর ফেরতে পারকোন না।

ধ্বারও বেন সেই শরতের চাওরা গারে লাগতে না লাগতেই যুবজনট সরকারের ভিত কেপে উঠেছে। আবার ঠিক দেবারের মন্ত গোপন চলাফেরা শারু হরেছে। ঠিক তেমনি শান-প্রোগ্রাম তৈরী হছে। রাজনৈতিক মহলে আবার সেবারের মন্ত চাপা গালেন উঠেছে—ঠিকরে তে৷ সরকার। আবার হিঞ্জিক্যকাতা ছোটাছাটি শার্য হয়েছে।

এবার আর সেবারে অনশা নালিক কাতকগালি তফাং আছে। মেবার বিধানসভার কংগ্রেসের সদস্য সংখ্যা জিল ১২৭: এবার মার ৫৫। মেবার বিকাশ মন্তিসভা হাজ শারত এবং হাজ প্রেডিল অতি সহজেই; এবার বিকাশ সরকার গঠন অভানত কঠিন। সেবার কার্র চোখের সামানই অবভানত শিন্তিনের কার্রির জিল মা: এবার র্য্তেছ।

কিবলু এত সব অস্থিক। সংগ্রহ, পরিস্থিতি এত ভিন্ন হলেও শবং অসতে না আসতেই পোগন চাঞ্চলা কর বাঁতি বেংড় গিরেছে। ঠিক সেই সেবারের মত গোপনে গোপনে নানা পরিকলপনা রচনা শ্রে ইরে গিরেছে। নেতারা প্রকাশেন যা বলঙেন পদার আড়ালে ঠিক তার উন্টো সামে এলিরে আছেন। যাভ্যনেও সরকারের বিপ্রু বিনাকে দিন বেডেই চালাভে।

আমাণ দ্রের কথা, জনটের নেতারা সকলেও তাঁদের এই বিপদের কথা আনেন মা। দ্'একজন স্বটা জানেন কেউ কেউ কিছ্টা শ্নেছেন, অনেকেই আবার কিছ্ই আনেন না। কিছ্ আবার এমনও আছেন বাঁরা অনেক শ্নেও সামানাও বিশ্বাস করতে পারছেন না।

আমার কাছে কিব্লু একটা জিনিদ পরিক্ষার,—জনট সরকারের বিপদ থ্ব দ্রত জনিরে আসম্ভে

এইভাবে বিশন ঘনিরে আসার কন কিন্তু জনটের করেকটি দরিক দল এবং করেকজন নেতাই বিশেষভাবে দারি। এবার শোড়া থেকেই পরিস্থিতি তাঁহের অনেক



and the control of the second of the control of the The control of the control of

অন্কুলে ছিল, কিংলু তা সক্তে এবারের এই সাত মানেই তারঃ বে কথাতার পরিচর দিরেছন, সেবারের মেট নর মানেও মান্ত্রক ভতটা হতাল করে তোকেন নি। এবার খালে পরিস্থিতি ভাল, খের ও-র আতংক তেমন নেই বললেই চকে এবং বিধানসভার সংখ্যাগরিস্টতার কলা ভাষতেই হচ্ছে না। এবার সেবারের তুলনার কাজও হরেছে অনেক বেশি। করেক লক্ষ প্রমিক-কর্মাচারীর বংগার্ট তার্থিক লাভ হরেছে, ব্যু সহক্র একর বেনামী তামি উপারে পেরেছে।

নিশত এবরে যেটা সাধারণ মান্যকে
সংগ্রে নেশি হাতাশ করেছে সেটা হল
ভাবে নিজেবের হানাহানি। প্রতিদিনই বেন
শারিক মারামারি লোগে আছে, প্রতি
সংগ্রেই একাধিক রাজনৈতিক এবং অধা
রাজনৈতিক খানের খবর আসছে। এত
বৈঠক হাছে, এত কথা হাছে, এত রকা হাছে,
এত প্রশাব হাছে—কিণ্ডু সংগ্রা, খানোখ্নি
যেন কিছাতেই করছে না, থামাছ না।

থামছে তো নাই এবং একে নিজের ও ফেন থামাতেই চাইছেন না। গ্রাম গ্রামালতর থেকে ফেনব খবর আসতে তার মাল সরে একট— বে বতটা পারছেন তৈরী রাজ্জন বে বেমন পারছেন সমাজ বি রোধীনের পাঞ্চনটোই আগ্রাম বিবাহ করিছেন এবং প্রেলী পর্যাম বির্মেশ জনাগৃণকে সন্পদ্ধ করার নামে প্রাত্যক দলাই একে অপরের বির্মেশ নিজের লোকদের অপ্রা-সন্দিত করের ত্রাতে চাইছেন।

श्राहाक गराडे श्राहाक मानव विवासभा পলগত দ্বার্থে সরকারী ক্ষমতা অপ-অভিযোগ আনছেন। वादशाद्धस বলাছন **एक उत्तर्गा जिल** মতীদের দলগত বাসতালাকে পরিগত र सिट्ड । T Mesta. MACELE NO. 3 न्वीकारवाणि भ वहा โทเสเช এস শির কাছ থেকে। অতি সম্প্রতি গলের কেন্দ্রীয় কমিটি সমগু পরিস্থিতি বিশেবারণ করে এই হ'ল সিন্ধালেত পৌছেছেন বে, "আমরা প্রত্যেকট সলগত ত্বাথে দয়ত্বগঢ়ীল ক্রেছার করছি।" দলগত স্বাধে পফতরগর্বাল চলছে এই কথা শানতে শানতে এবং কৈছাটা বেশতে কেশত সাধানৰ মান্ত্ৰৰ মনেও ধানবাটা প্ৰায় বৰ্মন্ত্ৰ সিংহাই কলে অকলটো এখন এনন দ'ড়িবেছে বে, পালিদের কোনও সাহারা চাইতে হগেই অনেকে সি পি আই কেনা ধানতে বান সি পি আইব লোক, হাস্পাতালের কালের জনা আর এস পিশে পার্বাকক প্রামারিউটন আ পরেনটামেন্ট কনওয়ারও রুককে, শিক্তপ ল ইসেন্স পেতে হালা কালেসীকে!

এত গেল প্রকাশ্য আলাপ-আলোচনার কথা। রাইটারস বিপাত্যসের আন ছে কানছে বা রাজনৈতিক মহলের পোপন আলাপ-আলোচনার কান পাতলে শোনা যার আর একটা ভরাবহ জিনিস-নামটা হল টাকার থেলার কাহিনী: বিভিন্ন একটা পরিস্থিতি স্থিতি হয়েছে : প্রভাক পার্রটিই মনে করছেন অন্যাল প্রস্থুর টাকা কামিরে নিজেন। এ সক্পর্কে ভারা প্রার খোলাখালিই অলোপ-আলোচনা করেন। শুহা একটা জিনিস দ্বাক্তর করেন না সেটা হল ভার বা ভাগের দল কি করছে। ভিন্ম দলের অথা উপাজনির হৈ কোনও কাহিনীতেই কিন্তু প্রস্তাকে বিশ্বাস করেন।

#### ॥ শারদীয়ার শ্রেষ্ঠ প্রকাশনা ॥ সভাবান' রচিত

### তন্ত্র পরিচয় : ৭.০০

তত্ত সম্পর্কে পরিচিতি লাভের জন্ম এদেশে আগুছের সীমা নেই। এই দিকে লক্ষা রেখে লেখক নিপালভাবে গলেপর মলে তব্যের রহসা উপ্যোচন করেছেন।

### লিখিকা

৩০/১ কলেজ রো, কলি-১

(TR 2000)



জ্ঞাপনি কাপান এটা গাড়া, তৈওনন স্টিই, রেডিয়েড পোশাক, নাইলন মেজা, টাই, ক্টেন্সলেস স্টালেব বাসনপত ইত্যালির অভার ব্যক করে মাসিক ৫৭৫, টাফা অথবা আর্ফানীর কমিশন কলান করতে শারেন। সভর হেনে। প্রো সাইজের নার জনা ভাজেই লিখনে।

BOMBAY AGENCIES Kalyanpura Delhi-6.

वर्ड नागात्रको कथमक शकाटक चाटनीम । कार जाक ता क्रिकितको अको जासाल MINGICAL PAICE काम टम्हो श्रकारमा कामदबरे । अवर शकारमा स्व मंहारड একটি অভিবোগ कामद म्ह्रभा म्हभा भौजीन्धरिको अञ्चलात्व एकश्रुक्तक प्राप्त देशक দীভাবে। দেখা যাবে প্রভোকে প্রভোকের বিরুদেশ সুনীভির অভিযোগ আনছেন। ৰেমন এখন এখানে শোনা বাজে দলীয় স্বাংথ' দফতৰ পরিচালনার অভিযোগ বা मक्सकविद्धार्थी । शाक्स करशामीसम्ब निद्ध দ্বাগত শাভ ব্ৰিধর নানা কাহিনী।

একরিকে বংশ এই পাক্তপরিক হানাহালি কাটাকাটি, জনাদিকে তথম কিন্তু প্রিচম বাপালার মৌলিক সমস্যাগটোল কেখানে ছিল ঠিক সেইখানেই থেকে গিরেছে। নিতা-প্ররোজনীয় সামগ্রীর মূল্য বেড়েই চলেছে, গকারী বধামান, জনজাবিমে দুনৌতির প্রচণ্ড হাতাৰ অব্যাহত এবং আমলাত শিক্ত আবা করে না, এক দিনে বা এক মালে বা এক বছরে আবা স্বর্গাহা হবে। কেউ মনে করে না, এক দর্বাহা হবে। কেউ মনে করে না, একট দরকার তেকী করকোই সকল সমস্যার ক্যাধান হয়ে যাবে। কিপত্ন সকলেই তেবে-ছিলের ক্রাব্রা আকটা কিছু করার তেকী করবেন। অবতত বাজে হাত দেবেন। ক্রিত্র হতাশ হরে সাধারণ মান্র বেশ্ছেন, তেমন কোনও তেকী প্রাক্তর মান্র বেশ্ছেন, কোনও বড় শারকের, অথাৎ হারা তা করতে পারেন, বেন তেমন ইফাও নেই।

\*

এই অবস্থা দেখে সাধারণ মান্য বড়টা ছড়াগ ও আড়ণ্ডিকড ডার চেরে অনেক বেশি আড়ণ্ডিকড ও হড়াগ ম্ভুড্ডনটেরই নারক। এই কথাটা গানে হরাও অনেকে আগ্রহ হবেন। বিশ্ব এ ম্লোন্ন বাব্রব সঙা। ন্ত্ৰীজক্ষকুমার মুখোপাকাল আৰু সভটা আভানিকত, আগালিক ও তিক আলি অংকত আমান সাংবাদিকতা জীবলৈ কোনও সং ভাকে ভোলনী লেখিন।

কতকথালি সতা ব্রক্তনটো বহু দেতাই
ভূলে বান । প্রথম সভা ও অজনবান্ এখন ও
ব্রক্তনটোর অন্যতম প্রথম একন সৃত্য । আজ
বলি অজনবান্ সরে গীজান হোরলে জ্যোতিবাব্ বতই বড় দেশের বড় দেলা হোন সিকল কোনও ব্রক্তনটি সরকার গঠন জাঁর গাঙ্কেও
প্রায় অসম্ভব কাজা। সাভ মাস আগেও
ভলটের অসম্ভব কাজ। সাভ মাস আগেও
ভলটের জন্যান্য শবিক গল কোটিত স্মানেও
বে চোলে স্পেতন আজ তা সেবেন না।
ভাগের অনেবের চোলেই আজ স্কোতিবাল
শ্রাহা সি পি আই (এজ)-এর নেতা। অকতবাব্রেক কিল্ক এখনও কেউ শ্রেহ্ সাভে
কালের বলো বলো অনে ক্রেট শ্রেহ্ সাভে

বিষ্টার সভা : **সভা**রবারা RIP CHIP ভাষ্ট্রার্ প্রেটারাস<sup>†</sup> মন : তেলী সংখ্যম, জেলী বৈশ্বৰ, সৰ্বাচাল **अक्टाहर इ. ११६ कि. क्यान**्जिएत फलस्टान्स কোনভ আক্ষা নেই । আম্বা ভইসৰ প্রপ্রম কাল্ডৰ স্বল্প হৈ ক্লেন্ড সন্ধ্যাক্ত ভিনি हम्मार प्रदेश करावश । मा । या प्रश्नात अनुकार ভবিষয়ে সংগ্রের **প্র**স্থাতি পান্তর *চক*ট ধাকমার ভাই যে কেন্দ্র মালে একে ব<sup>86</sup>চত 変形的で あくく 不断の (数)され)を持つ者 (金田田) दकरारच ४ मान्य संी≢ मार शाक्त्रप्रभावे प्रार्थिका है । क्रेक्ट्रेस अरू अरू ह পরিক্রা সরকার চালাভ, ধনী দবিদ সহ সম্ভব স্তুৰ সাধিজ্যত লাক্তম এবং লক্ষ মান বেষর ভালে তেওক। প্রভারতকালর আগব इक्को अर्थाश्वर ४ क्याक्षकक क्षांक्रिकेट करहरूहै ड रू- खकतर र এই নাডিল ছোৱাংত ্নাৰে,ডিপাল হাসি পি জাই দ্ভিটেত কোনলেন স্কুল্লা সরকারকে চেত্রন, জ্জুসবার, ভু ভূরি দল राज्याः कश्राक्षम् राम मान्तिराज्ञः रुप्तमञ्ज्ञा राज्यानाज्ञ স**ুস্**যুক্তির इन्द्रश्रम २८ श्रामध्याकीत <u>क्रोपिता जिल्ह</u> প্রা**র্জন**ীয়তঃ দুপ্রক্রে বিভার সমান নহ। আভেত্রাবা वदर अध्यस्य द्वाधानभाषाति भाष्ट्ये भएन कात्रमा अकुकारात्त्वा ऋड शास कश्क्रमहे रहात्रे বৰা ভাৰণাপ্ত ভাষা কংগ্ৰাসকেই চাইতে।

ভাতীয় সভা ঃ অক্ষয়বাষ্য একবার একটা কিনিস ভাল ব্যেকলে লৈ পথে এগেছে সামানাও ভার পানুনা: স্বাটকে ক্ষেক্ত একা এগিকে যোড পারেন। বেম্ম পিল্ন-ছিলেন কংগ্রেম ছাড়ার স্মতঃ

অভ্যন্ত বলি আবার তেহানি **লক্ত করেল**, এক: স্বাইকে ছেড়ে কংগ্রেস ফিরে যেতে ভাবেন।

তাজনবাৰ চলে গোলে যাজনেও সরকার ডিক্রে কি

रमित्र ७ रहत्त्रध

॥ मार्थिक रिस्त्रक शहिका ॥ मुस्थानक : विश्वक श्रिक

ভাল সংখ্যার লেখকস্চী: প্রীনস্কুনার জানা ।। প্রফুলকুনার সংখ্ঞা জাশ্তোৰ ভট্টার্য ।। বিমল নিত্র ।। দেবনারারণ গ্রেপ্ত ।। প্রজেশ বন্দোপাধাার সন্দেরবাল তিপানী ।। দিলীপকুনার ম্থোপাধাার ।। মনোরঞ্জন ছোৰ স্বিভ চলবতী ।। গোর শাণ্ডিলা ।। ছবি মুখোপাধাার । দাম ঃ এও পং

### भावनीता "कालि 3 कलस<sup>32</sup> अर्काभिक र'न

এই লংখ্যর লেখকস্চী ঃ রবজিলাথের জপ্রকাশিত পর ॥ শ্রীস্নীতিকুমরে চট্টোপাধার ॥ গোপাল হালদার ॥ স্থীপুলাল রার ॥ বারীপুলাধ
লাশ ॥ ওঞ্জার গ্রে ॥ প্রিলনবিহারী সেন ॥ কুমারেশ ঘোষ ॥ বিভূতি
পট্টারক ॥ নামতা চক্রতী ॥ বজেখন রার ॥ নকুল চট্টোপাধার ॥ আজতকুম্বন্ ॥ স্পেরলাল বিপারী ॥ বিমল মির ॥ গোপাল ভৌমিক ॥ প্রভাকর
নারে ॥ অলোক সেনগর্প্ত ॥ ক্রেরিলং দ্র ॥ মৃত্যুক্তর মাইতি ॥ তপ্লকিরণ
রার ॥ শিউলি সেনগ্রি ॥ ছবি মৃথোপাধার ॥ গোর শাণ্ডিলং ॥ শশাংক
শেখর সিংহ ॥

এই সংখ্যার করেকটি বিশিষ্ট লেখা
রবীন্দ্রনাথের করেকটি অপ্রকাশিত পত্ত
প্রাচীন বাণ্টিক সংস্কৃতির সঙ্গে প্রাচীন ভারতের সাংস্কৃতিক মিল
নিরে লিখেছেন জাতীর অধ্যাপক শ্রীস্নীতিকুমার চট্টোপাধ্যার
ওটেন ও স্ভাবচন্দ্র সম্পর্কে লিখেছেন প্রত্যক্ষদশী শ্রীস্থান্দ্রলাল রায়। 'দিল্লি দ্রে নম্ড্' একটি মনোরম রচনা—লিখেছেন
শ্রীগোপাল হালদার।

এই বিশেষ সংখ্যার দাম : জানামানিক ২-৫০, সাধারণ সংখ্যা -৭৫, যালচীস্ক ৪-৫০ ব্যক্তি ৯-০০

ভারতের প্রায় সমস্ত শহর ও শহরতেলীতে আমালের সাউকাপাঠিকা জ্ঞানজন, এজেনীরা এই সংখ্যার জন্ম আল্লম অভারে দিবেন।

প্রকাশ ভবন, ১৫, বভিকম চনটাজী প্রটিট, কলিকাতা-১৯

নবারাণ গাুশ্ত

SHEEDING SIGNIFICATION THE THIRTY PARCE CRITE ANT & WACHES शानीनारक दिनक मका अदर थीम-शक्ताराश्त বিখাল জনসভার দে নির্থাসা দুখানি ভাষণ निराहरूमा दन गर्डाचे अक निर्देश राजाना क्राजिक जन्मताब व अना नित्क विश्ववी खेरिक जन्धतान, धारे छेलाहात् बालागर त्यान करण ছত্র' এ প্রেক্ত সংহার করবে। ভার এই ঐতিহালিক ভাৰণ হিশেবৰণ করে নিঃসালেহে এট সিম্বাদেত পোছাম যার বে. চিন্তার নোলিকছ বিষয়ে কমরেড জ্যোতি বসঃ "BUZINOTTOIS"-42 PHUE क्राक्रमान साम्बद्धे मानकन्यानी जरम्बद्धाः আভিনার ভিচতার উল্ভাবক হিলাবে "সাক্ষার ৰাষ এবং কমরেড ক্যোভি বস্য একে অনোর বে কভটা নিকট প্ৰতিবেশী, ভার প্ৰমাণ নিচের এই ভলনামালক উন্দাতি থেকে পাওয়া कारक ।

ক্ষারেভ ক্ষােভি বস্ব গাণীগঞ্জের (বণিক স্ভার প্রশন্ত) ভাবণ : "হার ফ্রান্টের ৩২ ব্রু ক্যাস্টোতে এমন বিশ্ব নেই বাতে ফ্রান্সেব্য ভার প্রেতে পারেন।"

সিন্ধুলার রাম (আবোকভারবাল, প্র ৪২:ঃ

ভর পোরো না, ভর পেরো না

্ত মার জামি মারং ম;—

মাতা বলছি কুসিড করে

তোমার সংগ্রাপা পারব না।

কারেছ কোমিছ বস্তার গণিক সভার
ভাষণ রে পারিছে ৯ জকটোবন : গাসেই ০২
সঙ্গা কর্মাসচৌ ব্যাস্থ্য মালিছার। সংক্ষোগিতা কর্মান্য মালিছার। কর্মান্য মালিছার। সংক্রাপ্তা কর্মান্য মালিছার।
ভাজান্য স্বাক্ষার গা

'সমুকুলার রাজ (আনুবালভার্যাল প্র জি::

बर्जापं काजाब रक्त गहबा

হাড়ে ভাষার রাগটি গেই. চভাষাৰ আমি চিবিয়ে খাব

এলন আমার সর্বিধ নেই ৷

আনরেভ জ্যোতি বস্ ।বংগক সম্ভব্ধে। ২ অকটোবর। ঃ

"ব্যক্তিগতভাবে আমি কমিউনিস্ট। কৈছু বৃদ্ধ ক্রমট নান, স্বল নিয়ে গঠিত। সেখানে ক্রিউনিস্ট্রাপে জ্যাম বা চাইব, ভা গোডে পারি না।"

শাৰুদাৰ বাৰ (ভাবেলাগ্ৰহণ প্ৰেটি):

ষাধার আমার নিং দেখে ভাই ভর পেরেছ কতই ন।—

জানো না মোর মাথার ব্যারাম,

কাউকে জামি গাঁওতাই না ৷

क्लाटस्ट रक्तांकि वन्। (वर्शिक रुघाटन्द्र)। हिला को) :

"নভুন সরকারের আমলে মালিকদের বা



ন্যারসপাতভাবে দেওরা কতাবা ভা যেন তাঁরা প্রান্তকের দিরে নতুন সরকারের সংগ্যে সহ-যোগিতা করেন।"

**जानुकात सात (जारवांशकारवांश**, शुरू के ।:

এস এস গতের এস

বাস করে যাও চারটি বিন, আহর করে শিকের ভূগো

ৱাধৰ ভোমায় র তিনিন।

ক্ষারেড ক্ষােডি ক্স্ (প্রমিক স্মাবেশে, ভাষণ রাণগাঁজ ২ অকটোবে) : শক্ষেম্মিন-ভামকেরা তাঁলের পান্যা আস্তারর ক্ষা ধর্মনি নান্বের নাবি পাওনা বেল বিনা সংকরে তার। চিটিরে দেন। নইলে মেহনতি বান্বে সংগ্রাম করবেন এবং তাদের কনট সরকার মধ্যু দেকেন দ

जित्सूबाच समा (काटबाजटाटगण, रहि थै) १

আত্তর দিক্তি, পান্ত লা বে ?

ধারব নাকি ঠাবে পানেই ?

বসলে তোনার মান্ত ডেপো

ধারবে তথন কাশ্টা।

ক্ষারেক ক্ষোটি বস্ (প্রনিক স্থাবেশে, সিম ঐ)ঃ 'বছে ক্রমটো ক্ষেক স্থা, মত-বিরোধ কাছে। কিবছু কাঠির ক্ষারে তার মালংকা করা চক্ষার মাণ

भाक्तात ताल (जारतानशासन, भूदे के:

> আন্নি আছি, গিল্লী আছেন, আছেন আমার নাম ছেলেন-স্বাই নিলে কামাড় কেব মিছে। অমন ভর কেবে।



ষটের নিক্তের বাজেন। এই অবস্থার মানিকর।
ক্রম আলোচনার বস্থানন নাও ভানের
মোনকালের। সমস্যা থাকলে ব্যক্ত থানট নিক্তমভা সাহায়। করতে প্রস্তুত গা

সংক্রার রাম (আংথ্য তাংগাল, পা: ঐ):

হাতে আমার মুগার আছে
তাই কি হেখার থাকারে ন: ?
মুগার আমার হালকা আমন
মারকে তোমার কাগাবে না।

ক্ষরেত জ্যোতি বন্ধু (প্রমিক সমাবেশে)ই
শ্মালিকদের কাছে জন্তরাধ, তারা ফেন পরিধতিতি রাজনৈতিক জনস্থাকে স্বীকার করে
দেন। তাদের জানা প্রারাজন ব্যক্ত জনতি
সরকার কন্তার সরকার। তাই মেংনতি

#### তদলো মা ক্যোতিগমির

'বোজ থাকে ধর্মানট ও হরতাল চাই না। চাই পণিচমবংগ নভুন নভুন কলকার-থানা গড়ে উইকে, উৎপাদন বাড়ুকে, লক্ষ লক্ষ বেকার ব্যক্তের কর্ম-সংস্থান হোক।"—কলনেড ক্যোভি বস্তু, রাণী-গঞ্জ, ২ অফ্টোবর।

#### **ट्रा**भी-जःशास्त्रत् अर्थ

ভালের (অর্থাং সি পি এম-এর) কাছে

"তীর প্রেণী-সংগ্রাম" অর্থ তীর

দরিকী বিলোধ —কালকেছু সেন,
সাংতাহিক কালাকের, ২৭ সেংকেন্দর,
১৯৬৯, প্রে ২৪

क् महानिक्ते गरमत श्रामांशीय अथन एर्ट्स स्मान सारामारे स्टब्स । छा निस्त्र गरमस बारेटा लाटक विटलव आधा बामान ना विटलटब ट्या नवरे. ट्राटम्ब नवा ठीत बाद द्वामहात क्या अवना काम ता. (कर सा काता करक कम्यानिको न्यानिकात गाउँ प्रश्नाक्षक । देशानीर वाध्यम स्टाट क्रिकाल्नाकाविका। स्टाटकर ৰে ছোঁৱাট লেখানে লেগেছিল গেল বছৰেৰ म.च.ए. चारक फारक क्यानीहरू जीएवर बस কুলাশা আট মাস না শেরতেই : তব্ৰ তার আনেত ব্ৰতি প্ৰোপ্ততি মিলিয়ে বাবলি जासक। द्वीनता जाद शत हेर्प्रताल कार चन गामी हार्जाहे (मर्लाह (मना माहारकता চেকোলোভাকিয়াতে ক্যুনিক্সকে বঢ়িবোর ছাতো করে বেদিন লে দেশের ভেতর চাকে পড়েছিল লে দিনই সেখানভাৰ নৰ বালের স.চনা শেৰ হরে গিরেছিল। ভারপর গড়ার भकात कर्याांनच्छे महात रेवठेक बरमहा आव একে একে সেই कनवमण्ड नागेक वांत्रव ছিল প্রধান ভামকা তাদের বিদের করে দেওরা হরেছে। তার নারক ভবচেককে সরিরে তার জারগার বসানো হরেছে মাস পাঁচেক আগে হ্লোককে বিনি মন্কোর ঠিক শেরারের লোক না হলেও তার বিরোধীও संस ।

তথন থেকেই রটেছিল ভূবচেকের খোরারের ওই শেষ নর, কপালে তাঁর আরও অনেক দঃখ আছে—মান তো তার যেতে বসেছে, বেট্ৰু আছে ভাও থাকবে না, শেষ প্রতি হরতো জান নিয়েই টানাটানি হবে। সেপ্টেম্বরের শেষ দিকে চেকোন্সোভাকিরার क्यानिक नर्जद रकन्त्रीत नर्वापत रव रेवठेक বসেছিল তার ওপর তামাম দুনিরার নজর ছিল এই জনো হয়তো বা ডবচেক আর তার সহম্মীদের ভাগা ওখানেই ঠিক হরে ষাবে। হাজাকের হাতে ক্ষমতা আসার পরই তিনি নিশে করেছেন ভ্রচেকের নীতির, অভিযোগ করেছেন তার ভূলের দর্নই চেকোম্লোভাকিয়ার ব্রকের ওপর বসে আছে बवारण होता क्यार्टिय प्रमाहानिय रिमा সায়ত। তিনি তো তব্ খানিকটা রেখেচেকে यामर्डम । याता मा वकी करेत क्यानिकी উত্ত মন্কোভজা তারা বলতে কিছু বাকী রাখেনি। ভবচেককে তারা বলেছে দক্ষিণ-পদ্ধী সুবিধাবাদী, বিপথগামী নেডা এবং শেষ প্রাণ্ড দেশদ্রোহীও। পার্টির ্র কেন্দ্রীর পর্বদে তার গদান নেওরার হ্রুম मा श्लास व्यर्धान अक्षेत्र किन्द्र श्रद अहे हिन লোকের বিশ্বাস। তা অবশা হয়নি। ক্ষমতার সির্নাড়তে ভাকে ঠেলে আরও করেকটি ধাপ নিচে নামিয়ে দেওয়া হয়েছে বটে কিন্তু



#### সেবরাজ

ভাবে ভেলে পোৱা কিবো জনানীর কঠ-গড়ার লাভ করানোর কোনত বাৰম্বা করা হরনি। গোডার ভাকে গলের পরবা। মন্দর সচিবের পদ থেকে বরখাস্ত করা রবেছিল। এবাবে তাৰে ইস্তকা দিতে হরেছে ব্রে-द्याचीक मरमासक जवारक शर बाब गामक হেসিভিরাম থেকে। সে সংসদের সদস্য কিল্ড ছিনি বইলেন আৰু পাটিৰ সদস্য তো বাটেই। কেলীর পর্যদের তর্ক থেকে বলা হরেছে ক্মরেড ভবচেক বিস্তর ভল করলেও তাঁকে म्माथबादाव चात्र अक्छा जायाश मन्द्रश करला। কেননা নেতারা তাঁর ওপর আস্থা এখনও হারাননি। তাদের আলা ভবচেকের মতিভ্রম দুর হরে যাবে তিনি তল পথ ছেছে ঠিক পথে আবার ফিরে আসবেন। আপাতত জাতীর পরিবদের অধ্যক্ষেত্র পদ ধ্যেক স্থানিত ভাবে কোনৰ একটা দাহিদ্যাল কাছ দেওয়ার ইচ্ছে তাঁদের আছে। সে কাম বে কী ধরনের হবে তার কোনও আদ্বাস দেওয়া দরকার বলে ভারা মনে করেননিঃ

চাব্ৰু একা ভবচেকের পিঠের ওপরই পড়েনি, পড়েছে ভারই অন্তর্পা আরু অন্-গামীদের ওপরও। অনেকে অবশা ভোষা তোবা বলে নিজের ভুল কবুল করে রেহাই শেরে সিয়েছেন। ভাদের মধ্যে শড়েন প্রধান-মল্লী চানিক। এত টালমাটালের মধ্যে তিনি তার গদি বজার রাখতে পেরেছেন। বলতে राता र जाक उरे मता भएका। किन्छ সেপ্টেম্বরের বৈঠকে অন্তত জনচিংসক যানবিক কম্জানিক্সে বিশ্বাসী নেভাকে শাসিত দেওরা হরেছে। তাদের কার্র মাম কাটা গিরেছে প্রেসিডিয়াম থেকে, কারুর পার্টির কেন্দ্রীর পর্যদ থেকে, কার্ত্তে বা চেক অপারাজ্যের মন্দ্রিসভা কিংবা আইনসভা থেকে, আবার কার্র স্কোভাক অপারাজ্যের मत्रकात किश्ता भत्रियम एमएक। औरमद नातभात याँएक त्मक्ता शतहरू छौता मकताई গেড়া র্শপদ্ধী, উদারতা কিংবা মান-বিক্তার ধার তাঁরা ধারেন না। কী ব্র-রাম্মীর মন্তিসভা কিংবা আইনসভা, কী অপারাজ্য দ্বটির মদিচসভা কিংবা আইনসভা সর্বহাই প্রেরোনো দিনের উল্লপস্থীরা ফিরে এসেছেন। গোটা চেকোম্সোভাকিয়া আবার দিব্যি মন্কোর তাবে এলে গেছে।

क्षाणिका द्वमन कनकाठि मास्ट्रक द्वसमी BERG HE TOTAL TOTAL CONTROL कार्किशाएक। क्षत्रक नावे बाहे कारक हत रज्ञात्त्वत द्वारण अस्तरक सामान स्वयंक्त रामीलय चारे निग्यान। बरेका चावा बक्र न विटन विटन स्मरण मा अप जाएन सारम अग्राटा मा। करकारचार्काकाका के प्रत्याक्षणात्व क्ये क्ये क्याचीवराव ভব্চৰ বাৰ খাঁৰ প্ৰবৃদ্ধত ভাতিৰ কৰা হোক আনালয়ে, হোক ভালের বিচার। জালের र्यान करिय नामा इत का दरम बार्गायकवार ভত চেকোলোভাবিরার কর্মান্সকলের कांव त्थांक क्रियोगत्थव करमा त्यात बात्व শ্বিতীয় ভবচেক সেখানে কথনত আৰু দেখা रमरव मा। क्रक भावित स्मका न्येत्राकात क्षे ছিল মত। কিল্ড ভার সংগ্রে একবড় হতে वारकानान्वीराष्ट्रव वारायः। ভাসিল বিলাকের মত কটব কম্মেনিন্ত ভাতে সাম দেননি। মাস্কাও বিস্তৱ বিবেচনা

তে গ্রেভেয়ার স্ভার ভারিব বৈদেশিকীতে ভূল বেরিরেছে। এটা হবে অক্টোবর ৮ ১৯৬৭, আগস্ট ৮ নর।

করে মধাপশ্যাই বেছে নিরেছে। **কী ভুনচেন,**কী সমরতোসনিক কাউকেই চরম পাসিত
দেওরা হরনি, বিচারের আরোজনও কার্র
হরনি। চুনোপ্র্টি ছাড়া রুই কাতলা কাউকে
আগাতত জনরদস্তির বাতিত ছাট্ডে
লেম্লিন দেখা বাজে নারাছ।

ভাই বলে চেকোলোভাকিয়াভে প্ৰতিশ্ব-পাবের এই শেষ পালা নর। ১৯৬৮ সদের আগদেউই রুশীরা ব্রুতে পোরেছে জোর বার ম্বানে ভার বটে কিন্ত "ম্লকীরা" ভার নর। চেকোন্সোভাকিরার মনের মান্ত্র এখনও ভূবচেক আর ভার অনুসামীরা, ব্ৰীদের বারা হাতের পত্তেল ভারা মর। विद्याह जनमा जन बद्ध दस्या स्टब मा. দিলে গত বছরের আগদেটই দেখা দিত। किन्छु कीम भागाता जाना **लाक्डे मानठाए**न मतकात विद्धार्थी दश—छ। दरम मामदमस केछे थारक, मूनामन हरन ना। बाह्यवाहि रवनी रता का प्रतान कर्जनकरमत्रे किस हैता বাবে। এমনিই তো ওয়ারশ জোটের অভিযানের পর থেকে চেকোন্সোভাকিয়ার আর্থিক দুরবস্থার আর শেব নেই। রস্তানি कमार, आभगीम वास्ट्र विरम्भी मालाव তহবিলে টান পড়েছে। শিলেপ মন্দা দেখা দিরেছে। সলো সপো কৃষিভেও। গোটা দেশই বদি গ্ৰম হয়ে থাকে ভাহলে ব্যবসা वाणिका हरन क्यन करते?

'অয়াচিত উপদেশ'

কল কলম ধরে লিখতে প্রে, করেছিঃ
শিলাই নদীর ওপর বিদ্যাসাগর সেতৃ
তো হল, কিন্তু কলকাতা-ফেদিনীপ্রের
বড়ো রাস্তাটা থেকে বীর্নসংহা বাওরার
পথটার কী হবে? সেটা আমি বা দেখেছিল্ম--

এই পর্যান্ত লিখতেই কে বেন কামের কাছে চাছা গলায় বললে, 'খ্য হরেছে,



শতা মাছ কিনে নাঞ। ভোৱী স্থল ন্যায় কি জন্মল সে ব্যাপারে নাক গলানে। কেন বাপ্?

টিচাম্যক আর পণিডটী করতে হতে নঃ। ভূমি কে হে বাপ্?!

বেষ ড়া ধমকট যে হিলে, গলাব স্বরেই আমি চিনতে পারগমে তাকে। সে লোকটা আমার ভেতরেই থাকে, প্রারুই অকারণে মুরে, বিবানা করতে চার—যদিও তাকে বিশেষ পান্তা বিই না আমি। সে আমার শ্রীমান বিবেক।

উত্তরে বললুম, 'আমি একজন কমনমান। সব বাপতেই আমার মতামত দেবার দৌলিক অধিকার রয়েছে। আর দে অধিকার ভারতীয় গণতদেও স্বীকৃত।

চুপ করো—কেশি বোকো না। ভোমার মহামতের কী মালা হে? একটা চ্ছাট দিছে পারো, নিছিলের সংশ্য একটা গলা নিলিয়ে দিছে পারো। আলাদা করে ভোমার ক্যানে অভিজ্ নেই—কেউ ভোমার ক্যা দানতে বাজে না। আলালে বাঙালী চরিত্রই ভেতর প্থকে রাড দিন কুট্র-কুট্রে ক্রে ক্যাড্রেছে ভোমারেছ। অধ্যাচিত উপদেশ না



দিলে তোমার পেটের ভাত—আই মীন পেটের কুটি—সেটাই ভূমি বেলি খাও— হলম হচ্ছে না। এই তো সোদন কোন্ একটা ইংরিলি কাগজে চিঠি লেখবার জনো ম্যাবিদা করছিলে—এখনো পাঠাও নি, কাজের চাপে ভূলে গিয়েছিলে, কিন্তু ভার পেছনে কী হতকার ছিল তোমার? উপদেশ দিতে বাজিলে কিনা?'

উপবেশ মানে? একটা নিউছে কী ছাপা হারেছে জানো? —আমি চটে বধানা, গিলেখেছে, লখনউরের কেন্ এক লোড়বাজ ছিচারাশ মিনিট ক'সেকেশ্ডে এক হাজার ছাপা কিলোমিটার লৌড়ে স্থানীর রেক্ড ভেডেছেন। এক হাজার ছাপো কিলোমিটার ছিচারাশ মিনিট লৌড়ে! স্পারসোনিক স্পীত কোখার জাগো এর কাছে। কটা পোন বেতে পারে ছিচারাশ মিনিট কাকাতা থেকে পিরিছে? ইরাকি পোরেছ? এ সব্ধাতা ছেপে—'

'দ্যা**খ্যে সুনন্দ, সব** ব্যাপারে নেংটি



भावीय मस्तुत्रसम्ब अक्नश्वाद्यक्षे करत आश्वास व्यक्ति द्वासक यांनरसांक्रशन स्वाहे अथन अरे सम्ब व्यक्ति

ইদারের মতো ভূমিই বা নাক গলাতে বাও কেন? করেক লাখ লোক ওই কাগলটা পড়ে। ভারা ভাবে, মিটারের বদলে কিল্যে মিটার হাপা হরেছে, কেউ কিছু মাইণ্ড করোন, কোনো প্রতিবাদ করেনি। ভূমি কে হে বাপ্ নিউল এডিটারকে উপদেশ দেবার? ব্যাকেক চাকরি করছ ভাই করো—ক্রেক জীবনটাকৈ দেখে বাও এবং মেনে বাঙা



চাঁদা দিয়েছ বেশ করেছ। কিন্তাবে চাঁদার টাকা খরচ করব সে উপদেশ না দিলেও চলবে

একাল কৈ কার উপদেশ শানতে চার হৈ ?
এই তো ঘটা করে গাংধীতার শতরায়িকী
চাক্ত ঘটা করে গাংধীতার শতরায়িকী
চাক্ত ঘটা কোন্ উপদেশটাকে কাজে
লাগালে ? রব্দিনাগের শবর এখনো
চ্ছায়ানের ঘটনা খিরে সম্ভের মতো
ইক্তে, জান গোড কোনোদিন ভা শোনো
ভূমি কোন্ এক কটি কাডের বিশিক্ত শোকা
লাগে আন গাঁত কাট কাডের বিশিক্ত শোকা
লাগে আন গাঁত তা চুপ করে যাত—
নবলে একদিন ঠাওনি হেরে—
নবলৈ একদিন ঠাওনি হেরে—

শমকে বললমে, 'থামো—' সে লোকটা মাচকি হেলে থানে গোল । কিন্তু বা লিখতে থাছিলমে, বেমালমে গালিমে দিলে ভাকে। হণু, অহাচিত উপাদেশ। কে চাম, কেনই বা চাইকে? একালে প্রভাকেই আছা-সাচাতন, শক্ষা উপাদিটো। কে কার ক্রিপ্ত

এই চতা দিন প্রেলো জ্বেণ। আনার কড়ি কোক কিন্তিং দাবেই থাকেন এক বিজ্ঞানের অধ্যাপক। কোকচিকে চিনি নিজাস্ত নিবিরাধ, পড়া আর পড়ানোর বাইরে কিছুই জানেন না। তাঁর সামনের বাড়িতে একটি রেরাক জাছে—সেখালে বনীয়ত আভা চলে।

নামে তবে, রাঁসকতার এবং চিৎকারে ভদ্রলোকের পড়াশানোর বে কেবল অস্থিবে হর তা মর, অরো কিছু কিছু আপত্তিকর ব্যাপারও ঘটে বেস্লো এই প্রাচীনপদ্ধী অধ্যাপকের সহেরে সীমা প্রার ছাড়িরে বেতে থাকে। অতএব একদিন তিনি কিছু উপদেশ দিতে গোলেন।

পালটা প্রখন এল : আপদা কে মশাই

এ সৰ বলবার? এটি কি আপনার বিপত্তকা (দক্ষটি অনাভাবে ব্যবহৃত হরেছিল) বৃদ্ধ?'

অধ্যাপক তাঁর প্রেরানো মরাজা দিবে একট্ চটেই গোলেন। আরো কিন্তিং সন্প্রেক্তর প্ররাস করতেই তাঁর কান ধরে ঠাস ঠাস চড়। বরাবর ভালো ছেলে অধ্যাপক কবিনে বোর হয় চড়-চাপড় খার্দান, ভাই আঠার বছর বরেসে অভিক্রতাটা তাঁকে লাভ ফরতে হল। চড়ের চোটে চোথে অপ্যকার ক্রের্ডে হল। চড়ের চোটে চোথে অপ্যকার

कवातन छेलारमरनव मीठे दबकालारे। की

मनकार विका स्ट्रांगालय धनाव ग्रांगानित करवार ?

তে একজন বিজ্ঞাপন নিমেকেন, তান লোককে ব্যুক্তন কেন্সনি চাই। সংকাহ কর্ম। ব্যুক্তন আন বেকাবীর বাজার— ল্যাভাবিকভাবেই ব্যুক্তার ব্যুক্তর কাইন। অবশ্যা দেখে বিজ্ঞাপনদাতা উধাও।

তিনি তো উধাও, তথন ক্ষিণ্ড জনতার মজর পড়ল পাপের কথ লোকানটির নিকে। বেশ বড়ো নোকান। ভারা পরমোৎসাহে সে লোকানের দরকা ভাঙতে লোগে পেক।

ছাটে এলেন আপালৰ জনপ্ৰিয় এবং জননেতা কাউনসিলার। বকালেন, একি জনার! বিনি বিজ্ঞাপন দিলেছেদ, ডিনি পালিতে গেছেন। আপনারা জনোর দোক।ন ভাষ্ণকেন কী বলে?

'প্ৰতিবাদে ৷'

্র কি রক্তম প্রতিবাদ? মা—এসর আপুনারঃ করতে পারেম মাণ

ক্ষা হলে পার হেও আমানের দু একা করে দিয়ে দিন। অনেক প্র দ্রে গোড আমরা এসেছি, আমানের দীম বাস-টেনের হর্মা: অংপনিই বিন ছা হলে।

আছি দেব কেন?'

ক্ষাপনিই দেৱেন। ওকালতি করতে ওলেকেন কথন—"

এর পরের অংশ না বলাই ভালো। একট লোকান বেশ শেশটিভি আগগেদ এর যক্তির, জাঙা হত। এমন অনেক ৮.৫। তিক্ত উপলেশ লিভে গিয়েই—

वात रमहे चलताक। श्राच राजा

জিতে, স্নাদ্বাধ্য নাই হঠাৰ ও পাড়াৰ ৰী মনে কৰে ই কাজে এড়েছিকেন । তেও কোন ডা এই গ্ৰাহ জানান পাড় ভাল্য না অঞ্জনই ছাংলাৰ স্বৰ্ধা

ৰ্মসন্ম ভবি কাইকেঃ আৰু চুবলা আছে এখনক শৈ কংলাঃ

্ৰজন্ম, আপ্ৰান্ত মুক্তি আৰু আমাণ্ড মাহে সুক্তি নিজেল্পন

्या मा क्रांति एसट एकमा १ काल उत्याम समित्रमा भीरत सहास्था।

্বাল্ড এপ:রেটো রেজে পেল, লাডেন কথন স

তেস হতে মালাকী পালে। এখন আর আফিসারে ব্যটিটেশ্য কে গ্রাহা করে ৮ সে যুখা জন্মের চলে গোজে।

বললাম, গেস তো স্টেশর কথা। ওপর বলে চলে গেলছ বলেই চো আপনাদের দারিক বেড়েছে। এখন চাই আপনাদেরই প্রমাণ করতে হবে ছে—'

মুখ কালো হল, চোথ ফাটল চীলা। অবিশ্বসে । শাকনো গলার বঞালেন, নমশ্লার স্মুনন্দবান্য আঞ্চ আস্মান।

অব্যচিত উপদেশ নিতে গিলে ধেল চাতী। নাঃ, শ্রীমান বিধেকের কথাই এবটা অবধান করতে হচছে এর শার।

পশ্চিমবঙ্গ প্রাদেশিক কৃষক সভার সম্পাদক প্রবীণ কম্যুনিস্ট নেতা আৰদ্যাহ রস্ক্রের দুখান শ্রেষ্ঠ গ্রন্থ

কৃষক সভার ইতিহাস ১০.০০ আবাদ ১২.০০

श्रीकाशकत् स्मनग्रस्त

**हाँदम्ब दम्दम माना्य ७**.७०

নৰজাতক প্রকাশন, C/o. দে ব্ক স্টোর, ১৩. বঞ্জিম চ্যাটাজী স্থীট, কলি-১২

(FR-2062)

# প্রেটের রোদ্রারে ইটিক

ভারত গড়ঃ রেজিঃ মং ১৬৮৬৪৪ অক্সশূলে, পিড শূলে, লিডার ব্যংখ্রা, মুখেটকভার, ঢেকুরওঠা, বিফিজোব, মুক্ত জ্বালা, মন্দারি, আহারে জরুটি ইত্যাদি রোজে বিশেষ কলঞ্জদ। বিফলে মূল্য ফেরং। প্রতি কৌটা ওটাকা,ও কৌটাটাঃ ৮৮০। ডাঃ মাঃও পাইকারী দর পৃথক

मि वाकला अञ्चर्धालय : >৪১ হাহা शा शाकी लाउ



DETAILS FROM LIT QUIZ, Bombay 7.

ক মাঝপথে বৃত্তি নামলো। আৰ
একট্ জোনে হটিলে বাসে কিংবা টামে
উঠে পড়তে পারজো। কিম্পু অফিস থেকে
বৈনিয়ে অন্যমন্ত্র হয়ে হটিছিল নিম্পুল।
শেব পর্যান্ত গাড়ি-বারান্তার নিচে আরব
অনেকের সংক্র হুটে এসে গাড়িকে পড়ল।

কালন ধরে ব্লিউ নেই। সারা শহর বেন লাবদাহে হাসকাল কর্মিক। স্থানিত, নগর-হাসী কণিকের ব্লিড পেলা। ম্বল ধারে ব্লিড নেমেছে: পালের নেজেটাকে লাকা করে ছেলেটা বলছিল, ভূমি বাং বাকলে আনি বাসে উঠে বেভূম। বা পরবা। প্রে ভিজতে ইচ্চে করছে।

নিমালেরও ব্যক্তিতে ভিজতে ভাল লাগে।
চেলেবেলার স্কুল খেকে বাড়ি কেরার সমর
বইখাতা জামার তলার নিরে কতদিন ইছে
করে ব্যক্তিতে ভিজেছে। কিন্তু এখন আর
পারে না। বংশনার জনো পারে না। না, শুং
বন্দনার জনো নার। জনেকের জনো, জনেক
কিছার জনো পারে না। নির্মাল নিজেই
সংশোধন করে নিজ।

বপনার কথা ভেবে জল-জালা, খামের লাগা, বাসের খালো বাঁচিার চলতে হর। আফিসের জামা কাপড় একটা মরলা হলেই কাচতে বসে বার বন্দনা। একটা রুমাল এক দিনের বেশি বাবহার ভরতে দের না। সাবান কাচার সমর বন্দনা কেমন বেশ হাপিতে থাকে। জামা কাপড় ইন্দ্রি করার সময় খামে ওর সারা শরীরটা ভিজে ওটে। ভ্যান বন্দনার জনো খাম কণ্ট হর নিমালের।

মেরটো বলভিল, এ বৃশ্চি সহজে খামছে
মা। বাভি পেশিখনত অনেক রাভ হরে যথে।
মালি নিশ্চব জানলার খারে বলে ভিভতে।
খানুলা আজকাল কাজে একেব রে মন নেই।
আমন হয়েছে সম। একটা বিশ্বাসী লোকও
পাওয়া যায় না। ম্লিকে খামুনার কাছে
রেখে এসে নিশ্চিশত হওয়া বাছ না।

থবা স্বামী-শ্রী। আসন্তে করে নিজ নিমাল। বসনা এখন হয়ত রিন্টকে বক্ষে। কিংবা ছোড়া বই, ছাগ্যা পাড়ল পিরে ছুলিছে রুটি গড়াত বাসছে। তই হবে। মান হল, ও যেন বসনারে বোজ এই সমর টোলিভিগনে দেখাত পার। স্থা বছর না হতেই রিন্টাটা কি স্বিস্ত হয়ে উঠেছে।

ছেলটা বলল, চল না এইটাকু ভিজাল তোমার কিছা হবে না। জ্যানের হাওয়ার চুল শাকিবে নেবে।

খ্য বললে! জার হলে কে দেখাব? তোমার তো মাসের মধ্যে পনের দিন ছুটি। জাবনা কিঃ

নিমাল এডকণ বদ্দনা, রিণ্ট্ আর বাণ্টির কথায় ভূলছিল। হঠাৎ চকরির কথা শানে আফসের স্থারিটেনডেনট এস কে মিটের



রাশভারী চেহারাটা ভেসে উঠলো। **ওই** চেহারাট্ মনে হলে একটা ছবিই ভেসে প্রটঃ

ইউনিয়নের পাণ্ডারা বিপদের সময় থাকবে না। সেটা মনে রেখে চলবেন। বান নিজের সিটে বান।

বিপদ! অস্ফাট স্বর বেরিছেল নিমালের গলা থেক। সংগো সপে র,শভারী লোকটা বেন গজে উঠলো।

হান, বিপদ। সিকিওরিট অব সাভিস। ভেবেছন, টেমপোরারি থেকে সেমি-পার্মানেন্ট হরেছেন বলে....ইউনিরন কি প্রোকেটসান দেবে জাপনাকে?

ইউনিয়ন ! সডিটে নিমান তথনত জানত না ইউনিয়ন কেন এস কে মিচয় চিম্চার কাবেণ!

লেকটা হাসছে। ডেসপ্যাচন সেই পবিত্ত

সেন। ধ্বধ্বে ফর্সা, রেগা, বাইরে থেকে
ছাড় গোনা ধার। আন্দির পাঞ্জাবি পরলে
গলার হাড় দুটো ঠেলে ওঠে। করিডরের
সামনে দাড়িরে একটান। চিংকার করে বাচ্ছে
লোকটা। পবিত্র সেনের সেই ছবিটা ভেলে
উঠলে তর পার ও। সপো সপো একটা
লোভের লাগে।

বংশাগণ, আমাদের যদি বাঁচতে হর, ঐকাবদ্ধ হতে হবে। ইউনিয়নকৈ জোরনার কবতে হবে। শেষ কথা, বাঁচতে গেলে লড়তে হবে।

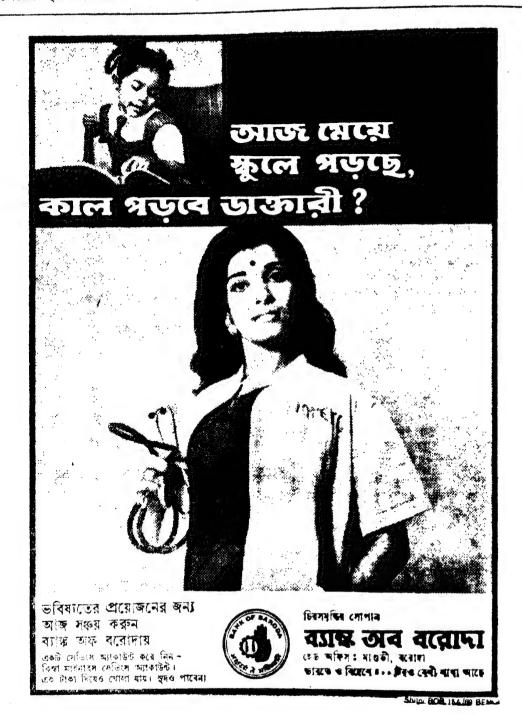
সংশা সংশা শ্রুলিংগর মত ধ্রনিত হল, এ লড়াই....অপনারা শেলাগান দিন। এ লড়াই, বাঁঘর লড়াই। লড়াই ক্রেই বাঁচতে হবে। ইনকিলাব ভিন্দ বাদ।

ও মশাই। ও নিমালবাব, শেলাগ ন দিক্ষেন না কেন? একসংগ্যা গু-তিনজন

একট্ ইতশ্তত করছিল নিমল। হঠাৎ তিন-চারজন বলে উঠলো, এই বে শালা এস কে মিত্তির জানলার দাঁড়িত্রে দেখছে। ভিরেকটরের দালাল।

গুপর থেকে দেখছিস কি রে শালা। ডিরেকটরকে প্রলিস ডাক্তে কল। ইউনিয়নের নেডা পবির সেন আবার চেরারের উপর উঠে দড়িলো। বন্ধগুগণ, আপনারা শালত হন। মালিকপক্ষের প্রেচনার উত্তেজিত হবেন না। আপনারা শ্নন্ন, বন্ধগণ এ লড়াই সবে শ্রে। শ্নন্ন, বাচার লড়াই—এ আমাদের জিততেই হবে। নালালনের ভিনে রাখনে। ক্লোগাল একটানা ব্ৰিক্তিত বাস্ডাটা আঁচেন্ড জানেত ভূবে বাজিল। খেলেটা অস্থানিত প্ৰকাশ কৰলো, কথন ব্ৰিট থানৰে ভাষা কি ঠিক আছে।

্ব্ভি থাকলেও বাসে বা ভিড় হবে। উঠতে পারলে হয়। দেরেটা কাল, টাচ ডো আলু আর চলতে লা। এব চেরে একটা



( . N. 1947 Y

रक्ता तर के स्वरंक भावता ..... व्यक्त ग्र আপ চা তো থাওৱা বেড।

निर्मालक को नमा हा त्याल का देखा कर्ताष्ट्रण। दान्छाद धीनटक अक्छे। ठाटबर ह्माकान आहर । किन्छ क्षित्क त्वर्छ हरन ৰাণ্টিতে স্থান করে বেতে হবে।

অভিস খেকে বাভিতে চাকে জামা কাপড बायत्व दर्शको वन्त्रना केन्द्रन सम हानात्र। আগে এক কাপ চা। ভারণর বলি নিরে পম ভাপাতে বেতে হয়। নরতো অন্য ব क्रको क्रामादान बाटक। क्रेनास स्मर्छ। बाहेरबर नव कास अरक्ट कहर हत। राममा चरात जाक मिरा बारक। व अवस्व स्मरकरम टबरत । रमाकारम निर्देश विभिन्न किरन कामात च्या चार्यको शास मा।

এক এক সময় কলমায় মধ্যে কোন चाकर्यम भूदिक शाह मा निमान । त्नरे नमत्रों । পূর্ব পরিচিত করেকটা, মুখ ভেসে ওঠে। मत्न मत्न क्ष्मको जात्क्रभ क्ष न्यन्त दस উঠতে চার।

কলেজে পড়ার সময় বেল কিছুদিন কবি হবার বাসনা হরেছিল নিমলের। অতি আধ্নিক কবিতার বইরের পাতার ভবে থাকার নেশার পেরে বসেছিল ওকে। তখন ও কবিতা গিলতো। এখনও অনেক কবিতার দ্ৰটো শতবৰ মূখনৰ বলতে পাৱে ও। चारमकीमन एक्टवरक, वन्द्रमात्र स्माकटन ভাব লক্ষা করে সেই কবিতাটা স্থানিয়ে দেবে। অথনই ভোমাকে ডেকেছি প্রেরসী কিংবা প্রিয়ে, অমনি বসেছে: ধ্যেপার হিসেব নিয়ে। কুড়ি না পেরতে হরে গেছ পাকা গিলি, মাঝে মাঝে দাও সভানার নে সিলি।

শেষ পর্যাতত কোননিনই হয়ে ech নি। নিকেও দ্যান্ডার ছত্র কবিতা লিখেছে ও। সেগ্রেলা মনে করলে নিজেরই হাসি পার निर्भारतात् । अकरो शहरे जन्मनत्रक राह ভাষতে থাকে ও। कानल क्रीरतको दरन किल। यमिल मा रवला विकेशनित लगत ক লব্দে পড়া নিভার করতো। নিভার্টই নিঃসম্বল। তব্ত ওই সমরটা সম্ভাবনামর ভবিষ্যতের অনেক শ্বংন দেখার অবকাশ ছিল। ওই রকম তাজা স্বপন দেখতে বেশ লাগতো নিমালের। কলেকে পড়ার সময় ধরেই নিয়েছিল ও নিজেও একদিন অধ্যাপক হবে। কিংবা আরও বড কিছা।

বর বরই নির্মাল একটা লাজ্ক। আসাল পেটে থিদে মাথে লাজ' স্বভাবের। অথচ **ए भरत** भरत इत् निकान्छ निदीह शानी। তার ওপর প্রচণ্ড ভাত। মনটা মাঝে মাঝে সাহসী হয়ে উঠতে চেয়েছে, কিন্তু भारत नि।

कल्लाक रमरकण देशरत छेटी श्रिमाञ्चम হওরার তীর বাসনা বেন কিছুতেই দমন করতে পার্যাছল না। দীপিত সোম ওর कन्यनात क्रमार काए वरमरकः अक्षतः भारता अक बद्दा क्रांत्र करव अकृष्टि मिन । शक्ति रमवाव जाएज हर्वात । हे किसत्या सामात्वानी ছার বলে এর সনোম ছড়িরেছে। ভার এপর দীণ্ডি সোমের কাছ থেকে কর্মান্সমেন্ট পেরে প্রায় অস্থির হয়ে উঠেছিল ও। জাত সন্তপ্তে একদিন দীপ্তি সোমের ব্রস্ত करवीय छोटल अब छे.कट्या हिनकहे ट्याप এসেছিল। নিম'ল তখন সংশ্রহীন। ও নিশ্চিত ছিল বিনিম্বে একট্ৰেরে চির্কট পবে ও। কিল্ড দীন্তি সোম ওয় চেয়ে অনেত বেলি সাহসের সপো ওকে অবজ্ঞা করলো। আসলে দীশ্তি লোম যে ওকে কড নিবোধ ভাৰতো নিম্ভ জোনগিনই ভা बानका ना।

এর পর বা হয়। নির্মাল কলেজের পাঠ प्राचनराच प्रक्रिय निरंत प्राचीरत करना बनी मिए**ड मिएड बार्स केंक्टना बाँडे जा**या সরকারী অফিসে। সপে সপে অভিভাবক-দের দায়িত্ব *কোলে বেন্ডে*। রোজকোরে ভেলের विदय ना पिरक नाकि वरत बात। विवाशी হতেই বা কতক্ষণ। ভাই চাকরির তিন মাল কেতে না ৰেতেই কড়ো জাঠামশাই বাডের বল্যুণা নিবেই পারীর খেডিক বেরিরে भट्डिक्टलन। अन्द्रीयनी वन्त्रमा दवन अब करनारे जिन श्रानकिन।

নিম'ল মাৰে মাৰে ভাবে সাছে ভিন বছরেও কি ওব বাস্তব জ্ঞান পরে। হর্মন। বন্দনা ওর জনো বেদনাহত হর। কিন্ত নিজের কণ্টটুক নির্মালকে জানতে দের না। এক একদিন ভাবে, আৰু বন্দনত্ত বলবে, তুমি কি সংসার ছাড়া অনা কোন আরনার নিজের মাধ দেখতে পাও না? কিল্ড সেই পর্যাবতই। ভরে পিছিরে আসে।

বিয়ের পর্যানন শাশাভী ঠাকরান আভালে ওর হাত দুটো ধরে প্রার ধরা গলার रार्जाश्रतन, अकडे, मान्यित नितंत हमार বাবা। মেরের আমার সংসারের কাজের জাড়ি নেই। কিন্তু বন্ধ একগুরে। এই এক দেবে। আর মাঝে মাঝে ফিট হরে বার। চোলেম্ব একটা জল দিও, তাহলেই সেরে বাবে।

वन्त्रना किंग्रे इरह वात नृतन सूत्र छत्र পেরে গিয়েছিল ও। কিন্তু কি আন্চর্ব! বিষ্ণের পর বন্দন কে কোনদিন ফিট হতে एमर्थ नि । यन्पना ना ना यन्पना प्रीक्ष সোম-এ সব প্রনো কথা ভাবছে কেন! হঠাৎ যেন সন্বিত ফিরে পেল নিমাল। কটা বাফলো কে জানে! ঘডিটা দোকানে সারতে দেওয়া আছে। এক তারিখে মাইনে না পেলে আনা বাবে না।

কিছাক্ষণ ইতশ্তত করে সেই ছেলেটার হাত ঘড়িও ব দিকে ঝাকে প্রভাল। ছটা বৈক্তে গিয়েছে। বাড়ি পৌছতে আৰু অনুনক দেরি হয়ে যাবে। এ ভাবে দাঁড়িয়ে থাকা ছাড়া উপায়ও নেই।

একট্ অনামনক্ষ হডেই জাবার কলনার কথা মনে হচ্ছিল। সেই সমন্ত মেনেটার ফিস **किम भव्य काज धन, ब**्दानादाद द्वाम

### निदर्गपण लाक्याण

भक्कतीश्रमाम यम् ॥ माम ७०.००

### তরুপের স্বণন

म्**डावडम् बन् ॥ माम ७**.००

### वाःनात लोकिक टपवजा

दवीन्द्र भट्डम्बाडशास ट्यार्थण्यक्क वस् ॥ मात्र ७.००

### সম্পাদকের देवहरक

সাগরমর ছোব 1 বাম ৬.০০

### ইন্দ্রজিতের আসর

शीरतम्प्रनाथ वस ॥ वाम ७.००

### ভারতে **या** छेन्छे बग्र द छेन

আলান ক্যান্বেল জনসন ॥ বাম ৮.০০

### **आ**जाम शिम्म ফৌজের সঙ্গে

মেজর সভোদ্দনাথ বস্থা দম ৪-০০

### বিবেকানন্দ চৰিত

भट्डान्सनाथ श्रक्तामात ॥ मात्र **१.००** 



আনন্দ পাবলিশাস প্রা: লি: অফিস : ৫ চিন্তমণি লমে লেন: কলি: ৯ বিকয়-কেন্দ্র : ৬৭৩ মহাছা গাছী বেড त्कान ०८-४३६९

# তামাকটা ঠিক বলে !

ক্ষত কাৰ্মজ্য বিক বিবা আবংশ ভো বটেই, ভারভের বাইরেও কথাবি স্বাব্ধি স্থিতির সেরা শিলাকেট বিবাহে (ব্যক্তি, বাকি লাং করেছে। (ব্যক্তি, নদাৰ সেরা—ক শ্রু ক্ষিষ্ঠি, বা প্রাক্তি, আব্দ্ধিক ক্ষান্ত নেইবানেই।

সবার সেরা
তামাকে গড়া • • •
না খুব মিঠে,
না খুব কড়া • • •



ত মি ভালই পারি। আমাদের অফিসে এবার েভিভূতের লেখা পারতানের মৃত্যু অভিনয় চাব। আমাকে বলছিল.....

তেমাদের তো লেফ্ট সি পি আই-এর ই উনিরন? সিগারেট ধরাতে ধরাতে প্রশ করল ছেলেটা।

সেই জনোই তো। পরের দিনই সেক্তেটারির কর্নামডেনসিয়াল ফাইলে নাম উঠে যাবে।

নাম উঠে বাবে মানে। ক্ষতিটা কি হবে। বাং কাজ না করে ইউনিরনের দৌলতে তোমার বস তোমাকে সমীহ করে চলবে।

আহা! তোমাদের অফিসেই বা কি! তুমি
নিক্তে কোনদিন সাড়ে দশটার মধ্যে অফিসে
গিয়েছো? বাড়ি থেকেই বৈর হও সাড়ে
দশটার। আমাদের অফিসে ওসব চলবে না।
অবণ্য ইউনিরনের করেকজনের কথা আলাদা,
কোম্পানির সপো কি সব এপ্রিমেন্ট হরেছে।
গত বছরই তো সাতজন ছটিটে হল।
এখন ব কেস চলছে।

ওদের কথা শুনে নির্মালেরও ইচ্ছে করছিল, ওর অফিসের কথা তুলতে। কিন্তু তীর ইচ্ছেটা দমন করলো। বৃষ্টিটা কমছে মনে হল। খোলা মানহোলের মুখে জলের দ্রেও দেখে আন্দাল করে নিল নির্মাল। আরও কিছুক্ষণ অপেক্ষা করতে হবে। বাসে উসতে পাবলে হয়।

নিমলি যে ইউনিয়নের মেশ্বার হারেছে। তা বোধ হয় এস কে মিট জেনে নিয়েছে। নইলে বিপদের কথা তুলবে কেন! ইউনিয়নের আনসিস্টান্ট সেক্টেনির স্কেমল বার সেদিন অফিস ছাটির পর ওর কাধে আহ দিয়ে নামতে নামতে কথা বলছিল। তদিক থোক এস কে মিট ইয়ত লক্ষা করে থাকার। ক্রমে ক্রমে সংক্টেট্য প্রবল হল নিমালের।

শরের দিন এস কৈ মিত ওকে নিশের ঘরে ডেকে ওদের সেকশানে ইউনিয়নের কথা জিজেস করেছিল। আসলে নিমাল ইউনিয়নের সমর্থাক কি না সেউটি জানতে চেকেছিল। কী করা যায়! নিমাল সংশ লোটানায় পড়েছে। সাকোমলও মাঝে মাঝে সালেই করে, নিমাল হয়ত এস কে মিরে চর। কী আশ্চর্যা। ওবা বিশ্বাস করে, নিমালের মাত একটা সাদা-মাটা লোক চর ছরতে পারে!

ভাহলে আপনি সেনিন কানটিন হলের মিটিং-এ যান নি কেন? ইউনিয়নের আর একজন নেতা কিরণ সেন যেন জেরা করছিল ওকে। স্কোমল রায় ওব প্রতি সহান্ত্তি জানিয়ে বলল, এস কে মিচকে আপনি এত ভয় করেন কেন!

নিজেকে কাপ্রেষ বলে স্বীকার করতে লক্ষা হল নিমালের।

নিমলি কাপ্র্য নর কাপ্র্য হতেই পাছে না। আসলে ও বেপরোয়া হতে পারে না। বার বার নিজেই নিজের কাছে প্রতিবাদ জানালো ও। নির্মাণ কাউকে ভর করে না। অথচ...তাহলে বেশবোরা হরে তা প্রমাণ করতে হবে। গতকাল দৃশ্পরে পবিত্র সেনের আহানে ওর অনেক সহক্ষী বেমন বেশরোরা হরে উঠেছিল। পবিত্র সেন শ্রেম বংলছিল, বড়যথের বির্দেধ রূখে পড়িতে হবে। কিসের বড়যথা। কারা এই বড়বংশ লিপত তা-ও পবাই জানে না। সবাই ধরে নির্মেছল এ ভিরেকটারেরই বড়বংশ্ব।

সেদিন দৃপুরে আডমিনিপেটিউ বিলাডিংরের সংমনে হঠাং বিক্লোভ ছড়িরে পড়লো। নির্মালও সিট ছেড়ে উঠে পড়েছিল। বিল্যু লাধর, মনোজ, বিক্লন, বিভৃতিবাব, বরদাবাব্দের সপো আবার ফাইল টেনে নিরে বসলোও। বরদাবাব্ অবল্য সব ব্যাপারেই ইউনিরনের বির্দেধ। ওকে খ্ব একটা পছলদ করে না নির্মাল।

শরে জেনেছিল নিম'ল এ লড়াই সতিই চলবে। পবিত্র সেনরা হতদিন ইউনিরনের দেতা ততদিন এ লড়াইরের বিরতি নেই। আর ইউনিয়ন শ্লেলেই এস কে মিল তংশ্ব হয়ে ৩৫ট। অবাক হয়ে বার নিম'ল।

আছা, এস কে মিচ আগে তো এমনভাবে প্রোক্ষে ভয় দেখাতো না ওকে। আক্রাল ক্ষায় কথার বলে, পরশ্দিনও বললো, হারী, হার্টা বিপদ। সিকিওরিটি অব সার্ভিস। টেমপোরারি থেকে সেমি পার্মানেন্ট...।

না আর দাঁড়িয়ে থেকে লাভ নেই। এ রক্ষ বিত্তবিধ্যে বণ্টি আছু আর থামবে না।

কিন্দু বাবে কি করে? ট্রাম তো বন্ধ।
বাসে উঠতে পারবে? বে করে হোক বেতে
তো হবেই। ম্রিটা কি করতে কে জানে।
ব্রটিতে ভিজে জরে বাঁধালে কাল আবার
অফিস কামাই। মেরেটা বিরত্তি প্রকাশ
করতা।

রাসতার কল ঠেলে লোক চলতে শ্রে 
করেছে। চাঁট জোড়া হাতে নিরে নিম'লও 
ক্টপাত থেকে পা খসে খসে জলের নিটে 
বাস্তা খ'লেতে লাগলো।

সেদিন আর জামা কাপড় বাঁচাতে পারেনি

বা হাঁট্রে ওপর জল। মরা কুকুর, মৃত্
রোগাঁর বিছানা, ডাবের খোলা, ডাপ্টাবনের
আবর্জনা—সব একাকার। হাঁটতে গিয়ে মাঝে
মাঝে গতে পা পড়ে বাজিল। বাস চলে
গেলে জলটা হাঁট্র ছাড়িরে কোমরে উঠে
আসাছিল। নির্মাল এবন দ্ব পারে আপ্যাধ্বব্যুলোর ওপর তর করে টান হয়ে নিজেক্টে
দ্বাধাকার করার চেন্টা কর্মিক।

নিম'লের অবাক লাগলো রিকণাওরালা-

क्याश्चा ग<sub>र</sub>्द

গোরীশক্ষর ভট্টাচার্বের

नावास्त्र नानग्राकास

### বজুবিষাণ

লেশের মাক্তিস্থানেদালানের প্টভূমিকায় বলিষ্ঠ উপন্যাস। ৮.০০

### রুদ্ধ যাযাবর নাগচম্পা

উইলিরাম কেরীর প্রে শিক্ষিত বেকার ইঞ্জিনীরারদের ফোলার কেরীর জীবনের জীবনকে কেন্দ্র কারে নতুন পটভূমিতে মতুন ধরণের ধরনের উপন্যাস ১০০০ উপন্যাস। ৮১৫০

বিমল মিতের

जान्द्रकाच बद्दाशायात्त्रव

### কথাচরিত মানস মনমধুচন্দ্রিকা

6.00

4.41

দেৰেন্দ্ৰনাথ বিশ্বাসের

সতীনাথ ভাদ্যভীর

### মানব কল্যাণে রসায়ন দিগ্ডান্ত

FT 1 9.60

N : 2.00

बानी हम्म-त

ভারাশক্ষর বন্দ্যোপাধ্যায়ের

### জেনানা ফাটক আবোগ্য নিকেণ্ডন মহাস্বেতা

**3**-60

\$0.00

**७**⋅00

ধনপ্ৰয় বৈৰাগীৰ

গজেন্দ্ৰকুমার মিতের

वनक्षय विद्यागात

জহাজহান্তী সমুদ্রের চুড়া

4.00

...

4.00

ভাবনম্বপ্র • ∙ ৫ ০

প্রকাশ ভবন, ১৫, বঞ্চিম চাটুজো শ্রীট, কলিকাতা-১২

দৈর দেখে। সওয়ারি নিমে বেন দৌড়ছে।
সামনে ভাপা কাঠের পেটি, ফ্লে তাক মরা বিড়ল, জলের নিচে ছোরাবালির বড খানা খাল কেমন বীচিরে চলেছে। ওদের পাকের মিচে কি চোখ আছে।

ৰাঃ! একেবারে মনেই পড়েনি। বের্বার লমর বলন্য বার বার বলে দিরেছিল, বাড়ি কেবার সমন্ত্র কেন বিশ্কুট নিরে কেরে। রাড বাকতে উঠে হেলেটা বারলা ক্রেড় দেবে।

এক মাইল রাজ্যা হটি, জল ঠেলে

বাসতে হাঁপিয়ে উঠলো ও। ওরেলিটেনের

কাহার্কাহি আসতে চোথ গিরে পড়লো একটা
বিজ্ঞাপনের বালারের দিকে। হিল্পী
সিনেমার বিজ্ঞাপন। একটা বড়ল্ড মেরে
কলা প্রেবের সংগ্যা মিলে বাজ্যে। ব্যিতিও
ভিজে বাগাবের ওপর হাপা সেই হবিটা

বালে উঠে কেমন জনত্ত দেখাকো। তুকা অনুভব করলো নিমান। জনতত এক কাপ খেতেই হবে। পকেট হাততে, হিসেবের সপো রকা করে পদেরটা পরনা নিজে ছোট্ট একটা শোকানে ভবেক শভলো।

মিনিট পাঁচেক পৰে আৰার ক্ষম ঠেকে বেলেখাটার গৈকে চলল নিমাল। হঠাং প্রান্তনা কথা মনে হজিলা ওয়া বিভেন্ন আগে

# विप्रेक्षिक सन

### व्याभनातं भतिवास्ततं बाद्यः अ भृष्टितं सन्तः।

ৰিছে প্ৰচুদ্ধ জীবনী শক্তি আছে এবং এটি সহতে হজৰ হয়।
বেট্ৰাকো নিক কৃত্ব বাঁটি হুখের উৎকৃষ্ট-উপাদানগুলিকে হাছাকর প্রিনীয়
পদার্থে পরিপত্ত করে—বাতে প্রচুহ বালু বুলা, ভিটানিন ও প্রেটিন
আছে। সহক পরিপাতের কন্ত এতে হেংকাতীর পদার্থ বাদ দিয়ে
শোন্তারেত করা হরেছে। পরিবারের প্রয়োজনীর পুনির কন্ত ধুব কন
বরচায় বেট্রাকো নিক কৃত্ব আদর্শ পানীয়। আজ থেকেই
বিষ্ট্রাকো নিক কৃত্ব বাওরাতে সুক্ত কলন।

**ক্ষাল ট্রেডিং ক্যাপেন্দেশন ৬এ**, ধরীর স্থকার সেব, কলিকাডা-**৬** 







বংশনার বার। নির্মানের সন্বদেশ কত খোল খবর নিরেছিল। প্রায় গোরেশ্নাগিরি। শেষ ভারত সিল্ফান্ড হল, পাচ হিসাবে নির্মালই উপবৃত্ত। রোজগোরে ছেলে। যেয়ের সাধ আহ্যান মিটবে।

বিরের পর বন্দনাও মনের সাধ মিটিরে সব বাসনার কথা জানিরে দিয়েছিল। অথচ, কি আশ্চর্য! তারপর থেকে বন্দনা শ্রে আশা করেছে আর নির্মাল ওকে আশান্বিত করেছে। সাচা বলতে কি, নির্মাল তথ্যও জানতো না, হিসেবের সংগ্র সামর্থার এত অসমঞ্জ্যা। ও নিজেও তো কত আশা করেছিল, কিন্তু কেউ আশান্বিত করতে প্রতে নিঃ।

ঠিক বা আন্দান্ধ করেছিল নিমাল। উন্নান কললা দিয়ে পাখা টেনা চলেছে বদনা। আব বিশ্বী জানলার শারে দাঁড়িয়ে ভিজাছে। নিমালকে ভিজে বাড়ি চাকতে দেখে বদনা কোন কেট্ট পড়েছিল, সারা শাহরে তোমার জানা একটা দাঁড়াবার জালা। ছিলানা শারীর টো কত চাখা। কাল টোন চিং ভারে পাড়ে থাকো, বা বেলছি টোই। একটা চোখারে আড়ালা হরেছে, জানলার ধারে দাঁড়িয়ে কি বর্জম ভিজে এল। কোন দিকে বাই বলালো, । বলতে বলালে হঠাং থোম গোলো বালা। হারত ভারতিলা, সার্বাদিন গোলোই টা নানাটো বালালে ক্রমালিক ক

মার স্থাক শাংকানো গ্রামন্থা এনে তিক্ষা স্থামনিক্তি প্রান্ধান্ত প্রান্ধান্ত তিত্তির ওপর ক্ষা স্থামন গুলাক বিস্কৃতি নিউ।

ভিত্ত জ্ঞাকালন্ত হেচ্ছ সিংলালী ধানালা নিয়াল পালকটো অবশিক্ষা বহঁক এলাল আলা জ্ঞাকালা হুচহঙ্ক নোকান ধেয়াহ হাব



ভা আনতে দেরি হাজিল বন্দনার। রিণ্ট্র বাবার কাছে এসে আবার বারনা ধরে এলাবরের দিকে চলে গেল। ও আন্দাল করে নিরেছিল, অফিল থেকে বাড়ি ফেরার সমর বাবা ওর জনো কিছা আনে নি।

নিন্দ্র জন্যে মার। ইতে এস কে নিত্র ছবিটা ভেসে উঠলো। হার্ট, বিশদ। নিকিউরিটি অব সারভিস। সন্দো সপেগ গর্জনের মত ধর্মিত হল, এ লড়াই বাঁচার লড়াই। বাঁচতে গোলে লড়তে হবে। আগনি কি এস কে মিচকে ভর করেন? স্ক্রেমল বাবেব জেবাটার প্রতিধান্তত হল।

ভবং ! সভিছে কি ভর করে নিমাল ! কিবছু বাবে ভবং! এস কে মিত্র, না পবিত্র সেন? পবিত্র সেনের মিতিং-এ বার নি বলে রটে গিছেছিল। নিমাল এস কে মিত্র গালাল। বউরকাবাব্ খ্ন হরেছেন। কেউ প্রকাশে গৃংখ প্রকাশ করতে সভস পার নিঃ বউরুক্ষবাব্ দালাল ছিল। অথচ, এস কে মিত্র ধরেই নিরেছে নিমাল পবিত্র সেনের লোক। এস কে মিত্র এই স্বন্ধবাট্ ক্রমানই কোক। এস কে মিত্র এই স্বন্ধবাট্ ক্রমানই

भारता राष केरह ।

বেশ কারকবার স্থানের খালেন্ড নিমার, ভুলটা চেডাগা দিতে হাব। পাঁবত সেন একচিন সন্দিশ্ধ দ্বভিত্ত ত কিরেছিল ওর দিকে: কাঁ ভাবে ওরা দিকোর কথার না সার দিলেই দালাল। পালেন্র চেতিকোর ম্বালাকাণা পাঁতর সেনের সব কথার না সার দিলেই দালাল। পালেন্র চেতিকোর ম্বালাকাণা করেছিল, কেখানের একটা চাপা কোত প্রকাশ করেছিল, কেখানে হছা, এখানে সবই অক্ট্র বাপার। ভিসিপিলন মানবান না, ইছে মত পোন ভাউন কাইক কালেত হাব। পারীলাকের কাঁতি করতে না পারেলে নাকি ছেঁত ইউনিহন র ইটিস খোরা

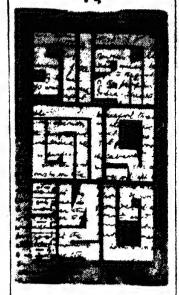
সেদিন সাধারণ সভার পাল্ড সোনর প্রভিবাদ জানিরে ও বলাত চেয়েছিল প্রভাক কমার স্বাধানজাবে চিল্ডা করার আছে। ইউনিফনের একজন নেভার কথা শানে সিট ছোড়ে উঠে আসাট। ইন-জিসিগলন...। ঠিক সেই সমর চার্রাদক থেকে বিজ্পোবাণ বেন ওকে কত-বিক্ষত করতে লাগালো। দালাল, শালা দালালী করতে একেছে!

বেরিখে আক্সর পর কৈ একজন ফিস ফিস করে বলল, ওসর ঝামেলার মধ্যে যাবেন না মণাই। মালালবার, বলল, আপানি ছে: আছ্যা নিবেধি। ইউনিয়নের বিবাধে গাঁড়কে, । কিন্তু আমি তো: ইউনিয়নের বিবাধে বলছি না: বলছি আয়াদের প্রতুপ্ত

আরে মশাই ওরা অত ব্রি শ্রেরে নং। রাস্তার প্রেটমার বলে কাউরে ধরিক দিকে জনতার রোববহিঃ কি রক্ষ হয় বেশেছেন তো। আসনারও একই অবস্থা হয়ে। জানেন, ব্রক্তিবাব্যুকেন খ্যে হয়েছিল।

অংফিলের চিত্তার বাতি হ'লে লিয়েছিল

### গাণ্ধী জন্মশতবর্ষে পড়ান



### भुधोत (घा(धत

# গান্ধীজীর দূত

কাবিনেট নিশন ষথন ভারতবর্ষে আদেন, তথন গাক্ষাজার সঙ্গে তাদের ধোগস্ত রক্ষার জন্য একজন দক্ষ মান্ধের দরকার হয়েছিল। সেই মান্ধাট ছলেন সম্প্রতি প্রলোকগত প্রাক্তন সংসদ-সদস্য স্থার ধোষ। তাঁরই আন্ধ্বথা "গাক্ষাজার দ্তে"।

"গান্ধীকীর দ্ত"-এর প্রকাশ ভারতবর্ধের রাজনৈতিক ক্ষেত্রে একটি উল্লেখযোগ্য ঘটনা। তার কারণ, এই আন্ধর্কথা বদতুত ভারতবর্ধের ফারতি-অতীত কালের ইতিহাসের এক হাবিক্রেদা কংশ।

11 위에 26.00 11



হানন্দ পাবলিশাস প্রাং লিং ছব্দি ৪ জিল্পান ক্ষা ক্ষেত্র কালঃ ৯ বিরয়-কেন্দু ২ ৬৭৩ ফলজা লাছী রোড ফেন ৩৭-৮২৪৭



জীবনকে মধুরতর করে ক্যাডবেরিস !

Castury's

সুখী জীবনের প্রতীক এই চকোনেট বাড়ীর সরাই খেতে ভালবাসে! কারণ, স্বাদিই
ও পৃষ্টিকারক এই কাডবেরিস্ চকোনেট সাচ কুধ দিবে তৈরী।
প্রত্যেকেই প্রিন্ন স্বাদের জন্ম এই চকোনেট ছরট থিতির রক্মে পাওয়া হায়।
প্রতিটি চকোনেট
ক্রমের প্রবের প্রণে ভরপুর

MENTAL CL

নিমাল। বন্দনা চারের কাপ নিরে করে চ্কেনো। বিশ্বত তথ্যত বাহনা ধরেছিল। তাজ আরু বৃশ্বি থামার না। আর এই এক হয়েছে। কিছুতেই আঁচল ছাড়তে না। চা খেরে একটা ভালিরে দও।

িম'ল ওর হাত থেকে চ'রের কাপচা নিক। ওর চোথেমুখে একটা অস্বস্থির ভাষ লক। করল বন্দনা। রিণ্টুকে কোলে নিরে আরও গা বে'বে দড়িলে ও।

বিস্ফুট ক্রিছে গিরেছে। কাল সকালে আমার মাধ্য চিবিরে প্রবে।

একদম ভূলে গিরেছি। দেখি বৃভিটা পাসকে।...

না, আৰু আৰু বেরুছে হবে না তে মাকে। বাধা দিলা বন্দনা।

নির্মাল আবার নীরবভার মধ্যে অফিসের
চিন্তার ডুবে বাজিলা। বন্দনা অন্বাদত
প্রকাশ করলো, দিনরাতই ভোমার অফিসের
চিন্তা, তুমি কি অফিসের বাঢ় বাব, নাকি!
না, মধ্যে অফিসের কাদিন ধরে খনে
গোলনালা চলছে, নিজেকে বেন হালকা
করতে চাইল নিমাল। কিন্তু একটা 6 শা
অন্বাত প্রকাশ করল। সভি ভোমার মত
ভীতু মানের আর দেখিন। আরও ভো
কত লোক চকরি করে। ভারা স্বাই ভেমার
মত, ভা ছাড়া ডুমিই তে বল গোলমালের
মধ্যেই থাকে না। ভাহাল অফিসের গোলমধ্যেই থাকে না। ভাহাল অফিসের গোল-

সেই জনেও তো। গোলম লের মধ্যে থাকি না বলেই থেল আনেকে আমাকে সংগ্রেহ চাইল নিয়াক। ইউনিসন কার্ডে এত ডাস হাত না। পাঁতি সেন ধ্রেই নিয়েছে যে আমি এস কে মিতের চর। অথ্য এস কে মিতের চর। আহ্বা বিক্রা বিদ্যালয় বাজে।

তানেকজন মুক কৰে বইল নিমাল। একট্ন পৰ বিবাছতে যেন যেনটে পড়ল ও মানুষৰ জালাভাৱে চিন্তা ভাৱে কান অধিকার যেই। অথচ এবাই আবাৰ বাজি স্বাধীনতা, গণাণ্ড স্বাবড় বড় কগার প্রথিবী ক্রীপ্রে ফেলছে।

ৰণনন। বেশ কিছুক্ষণ বিহুকে লুক্টিটোট শ্ৰামীর দিকে ত কিয়ে রইল। জামার পকেট খোল একটা আধ ভেজা সিগারেট ধ্রাবার চেটা করল নিমাল। শেষ প্যালত ধ্রাতে না পেরে ছাইড় জেলে শিল।



পোটেবল ডানজিস্টর মাসিক ৫ টাকা কিহ্নিটে। মতোক গ্রায় ও গছরে পার্টান যাহতে পারে।

VENUS SALES (12) ROOP HAGAR DELHI-7

ৰুদ্দনা বলল, অন্ত ভাৰছে। কেন। বা ভবাৰ চাৰ।

ভার মানে? বিশ্মর প্রকাশ কর্ষা নিয়াক:

ভাই ব'ল সব ছেড়ে দিন রাভ চার্ছারর ভাবনা ভাববে নাজি। মানুৰ কি চার্ছারর জনোই জীবন উৎসূর্গ করে দিরেছে ম কি! কিল্ফু চার্কার গেলে তুমি, আমি, রিণ্ট... ভোষার মন্ত অভ তলিরে ভারতে পারি না আমি। ছেলেটাকে একট্ ভূলিরে পার। ভারতে উননেটা খালি বাজে।

রিণ্ট্রেক কোলে নিরে জানলার ধারে গিরে গড়িল নিমলি। রিণ্ট্ ওর চিবাক ধরে ধরে বলচিল, ধারা বিতাতি বিভাতি...।

বাইরে তখন একটা বিকশপ্তর লা সপ্তর বি
নিজে হাটা জল ঠেলে রাস্ত্রা আজ্ঞানত
আজ্ঞানত চলেতে। নিমালের মনে হল, অভিসা ক্ষেত্রত সেই দুম্পতি।

ছেলেমেরেদের সর্বপর্য়তন মাসিক পঢ়িকা মোচাক'-এর গৌরবোক্তরণ পঞ্চাল বংসর প্তি উপলক্ষে এক অনবদ্য ও অবিস্মরণীয় প্রকাশ প্রকাশিত হ'ল

নানাবিধ শতাধিক বৈচিতাপূৰ্ণ রচনা সংবলিত ভবল ক্লাউন আট পেকনী সাইকের সূব্রং সচিত গ্লেখ!



উংকৃষ্ট কাগজে পরিজ্ঞান মানুগ। প্রচুর ছবি সংবলিত ও সোনার ভাগে মানুগ্রত সমুশোভন প্রজ্ঞানপট।

भाग : आहे होका

শাচিশ বংসর প্রে মোঁচাকের পাঁচিশ বংসর প্তি উপলক্ষে আয়য়া বেভাবে মোঁচাকে প্রকাশিত সর্বাপেক্ষা শ্রেষ্ঠ রচনাগা্লির সংকলন একটি 'রক্ত ভরতী' গ্রন্থ প্রকাশ করেছিলাম, বর্তমান পঞাশ বংসর প্তি উপলক্ষেও সেইভাবে আর একথানি 'স্বর্গ ভরতী' গ্রন্থ প্রকাশিত হবে প্রেলর প্রেই। এই স্পারীর পঞাশ বংসরের জয়য়য়য়য় প্রে বে সকল বিষ্যাত লেখক-লেখিকা ছেলেমেয়েদের জনা মোঁচাকে লিখেছেন, তাঁদের প্রায় সকলেরই গলপ, কবিতা, গ্রন্থ ও ভ্রমণ-কাহিনী কেবলমাত ছেলেয়েমেরের কাছেই নার, আবালব্যখন্নিতা সকলের কাছেই আকর্ষণীর ও লোভনীয় কার ভলাবে।

এম সি সরকার আনেও সন্স প্রাইডেট লি: ১৪ বঞ্জিম চাট্লো স্টি: কলিকাতা ১১

চক্তে সাহিত্য সাক্ষেত্রিক র চি ও মর্বালার আক্ষেক্ত্রেন স্যাহিত্রবারী রিমাসিক



নবপৰাত ভিতীয় কৰ ভিতীয় সংখ্যা বিশ্বে আকাৰে প্ৰকাশিত হক্ষে

এ-সংখ্যার বিশেষ আকর্মণ কাশ বোল-অন্ত্রিক ভিটোরিরা ও কাম্পোর রবীভানাথ সরোজভূলার রারটোধ্রীর পদ্যিকখা, ভেনে বাই ... ভানে পদ্যিত বাংকুল রারের উপন্যান, জন্ম-জন্মান্তর

সদশ। জীবনালৰ বাব লোকনাথ ভট্টাচাৰ প্ৰতীপ্ৰনাৱাৰণ দেব প্ৰভৃতি প্ৰবাদ। ব্যৱসাদ সিত্ত অমিয়ভূবণ সভ্যোগত ভাতেগৰা মিত্ত ভাোভমাত্ত গাংস্যাপাৰ্যত সমিভা দেব স্নৌলকুমায় নলা প্ৰভৃতি

কৰিজা। প্ৰেমেন্দ্ৰ জিন্ত বিজ্ঞান কৰিছে। অভ্যানীৰ ভট্টাচাৰা ৰীৱেন্দ্ৰ চট্টোপাৰাৰ লীৱেন্দ্ৰনাৰ চক্ৰমভা জন্ম ভট্টাচাৰা লগৰ বোৰ নিৰিলকুমার নালী লমবেন্দ্ৰ কোনালাক ক্ষাৰ নালী কৰিছে। নালীকৰুমান নালী প্ৰভৃতি

সম্পাদক ঃ স্নীলকুমার নদ্দী ২২ বর্ণজন্ম জন কলভাতা ১। ২২-৫০কু বিবেৰ সংবাহে দল ঃ ২-৫০ টাকা। হোজিল্টি ডাকে ঃ ৩ ২৫ টাকা



### সদির শুরুতেই ভিক্স ভেপোরাব লাপান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বুকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

বরুন, বাজনার সবে সাদি লেগেছে; —নাক দিয়ে জল পড়া শুরু হরেছে—গলা খুস্ খুস্ করছে। তজুনি যদি এব একটা বাবছা না করেন তাহলে এই সাদি বুকে বংস দিয়ে শুরু হতে পারে নানান্ধানা – নাক বছ হয়ে নিশ্বাসের কই, গা বার্বা, কাশি – কিছু আরু বাকি থাকাবে না - অয়ধা কই ভোগ করুৰে বেচারা।

সদির লক্ষ্য দেখা দিলেই যদি ভিন্ন ভেপোরার লাগানো বার, কোনো কষ্ট পেতে হয় না— ক্ষুক সদি বসায় ভয় খাকে না। আর একটা কথা! ভিন্ন ভেপোরার লাগাতে হবে সেই সব স্বায়গায় –বেখানে ঠান্তা বেলী লাগে, – যেমন নাকে, গলায়, কুক, পিঠে।

ধুবই সহজ্ঞ কাজ! তেতো ৰচ্চি বা, বিজ্ঞিরি মিক্সচার ধাওৱাতে হবে না।

ভিন্ন ভেপোরার কান্ধ করে সঙ্গে সঙ্গে,— সদিয় ক্ট খেকে আরাম দের দুভাবে —





বাইরে থেকে গারে ভেতর থেকে নিশ্বাসের সঙ্গে

- a) बुक्क भिर्छ लात्राल नारबंद्र (वनता नृद्ध करत-
- গাংব লাগাতেই ভিন্ন গলে বে ভাপ বেরের
  তাতে ভিন্নের যাবতার গুরুধের গুন বজার গালে।
  এই ভাপ নিরাসের সলে ভিতরে গিরে, গলা আর
  ব্কের সদি গলিরে দিরে আপনাকে সুহ ক'রে
  তোলে।



मिं तम्राठ परत्व व। ! मिं एक रामरे छित्र एए था तात !



भागरक रेक्डी कार्यकी श्रद्धक स्थानारमञ्जूष स्वर्गी

তার দেশে জাপান! তার চেরেও

আশ্চর্য জাপানের মেরে। কে বলবে
ক'বছর আসো হিরোসিমা আর নাগাসাকির
বীভবসতা এলেশের বৃকে কি তা^ডব
জাগরেছিল! সমশ্ত জাপান রলমল
করছে। রুপে, রুসে, সম্প্রিত অপুর্ব
সমশ্বর। প্রাচ্য আর প্রতীচ্যের অপ্তৃত
মিলম। শুনেছিলাম জাপান নাকি বল্যকেণ্ডিক পশ্চিমকে বেমালুম অনুকরণ



করেছে। একেবারে ভুল। উল্লভ বিকাল কোনও দেশের একার নর। আজকের বিজ্ঞানের উর্লেডির কোন আকর ভারতে ছিল, ভাস্করাচারের লীলাবভী গণিতকে कि जिल्लीका कथवा गुना कथीर '0'-8 পরিকল্পনা ভারতবর্ব না দিলে জগতের ইতিহাস জনা হতো এমন কথা তো কই পশ্চিমী মানুৰগুলি স্বীকার করেন না। কাজেই উন্নত বিজ্ঞানের বিকাশে তাত সাধ্ৰতা, নানা হুগে তার প্ৰকাশই হল সভা। ভাই বৃদি হয়, ভবে বলুবো জাপান পণিচয়ের বাল্ডিক সভাভাকে আপন করেছে আর ভাতে আরোগ করেছে আপন বৈশিষ্টা। প্ৰিৰীয় বৃহত্তম শহর টোকিওর পথেষাটে ব্যৱে বেডান, সহজ স্বজ্নসভি সাবলীলভাবে স্বাই পথ চলছে। যদি যান মার্কিন দেশের কোন মশ্ত শহরে, মনে হবে বেন আসম মুড়াকে কোনজমে ঠেকিরে রেখেছেন। হাঁপ ধরে বাবে জীবনযভার গতি সামলাতে। সেই গতিই জাপানী পাৰেও আছে, কিন্তু গতিতে নেই আকণ্ঠ জর্জারতা। বাজারে গোলে পাবেন হাজার হাজার টোলভিশন, কাপড়-ধোবার কল, রেডিও, ট্রানজিন্টার ক্যামেরা কত কি।



न्द्रीय

পথের থারে মেলা বিলিরে বনে আছে শভ লভ লোকানী। পাসরা ভালের আছেনিক সমাজের উরভত্তম পণা রালি। গামে কর, গুলে প্লিরার সেরা। তব্ জাপানী বরে ভালের প্রান মিলেছে আপন ঐতিহোর এক কোগার। ফল ভালের জর করে নি। মান্ব কল হরে বার্রান। কল মান্বের দৈনন্দিন ওঠাবসার সহার হরেছে মান্।

এই অসম্ভবকে সম্ভব করার কাছে জাপানী মেরের দান অনেক। বে সামান্য



সময় এদেশে কাটাতে পেরেছি, ভাতে বহ মেরের সাক্ষাৎ মেলেনি সভা, কিল্ড বাদের দেখেছি ভারা স্বাই একই ছাতে ঢালা। গোলা বেখেতে পাশ্চান্তা প্রভাবের আওডার जाना वृद नवारकत এक जरभरक निरत। ভারা মিনি স্কাটের মারার মজেছে। এট.ক ভাগানের পরাভর। বল্ডগাতকে সামলে निरहरू. भारतिक आहेरकन छ। अहारत्रत তাদের ভাবিরে তলেছে। ছাচ বিক্ষোড

टात के टिवेकिक विकास नास्करण, किन्कू এবার বাধনবিহীন বেপরোয়া ছেলেমেরে বিশ্ববিদ্যালয়কে কাব, করেছে। তাতে কেবলমাত্র ছেলে নয়, মেয়েরাও বেশ ভালরকম वित्सार्थी।





विरमाद्री राज्यसम्बद्धाः वाम भिरस्ट धारुवा काशानी ट्यास्ट्रिया क्या बक्तीका **धत्वीत्मव कथा। देव आगामी मः**मारव অতিথি হবার লোভাগ্য হয়েছিল, সে সংসারের কর্তা শ্রীব্র স্কোম্ হিরাই क्रमकाछात्र क्रिकाम क्रम क्रम क्रम चारम । वारमा লিখকে বলে রাম্ভ্র মিল্ম ইন্সিটটিটট खर कालहारत कर्षि र स्वीद्दलन। निर्ध-क्रिकानक रमन काम बारमा। शिटन फित्रात আলে কোন বাপালী পরিবারে দিন কতক কাটালে ভাষাটি বেশ মেলে ঘৰে নিতে পারকো ভাবছিলেন। रमहे म्यार्महे আয়াদের অভিনি হরেছিলেন। জাপান আৰ্লাছ শতেনই ভান জাতিখি হবার নিমন্ত্রণ बानारका । दिसाई मारस्यत्व बानेशाम् विक्ट क्षीव चतमरमान स्मर्थ करक्नस्य घटण रहत CHAIR A

টোকিও শহরের উপকতে এক পাড়ার ও'দের বাভি। পার্জাটির সম্পের **শাস**ক পরিবেশ, মোটামন্তি জাপানীই সব অধিবাসী। ফালফলের গাছে ঢাকা ব্যক্ত-পরিসর পথের বাঁকে জাগানী ধরনের কাঠের গ্ছ। ফটক পার হতেই শ্রীমতী হিরাই অভিবাদন করে অভ্যথনা জানালেন। এছন অভিবাদন জাপানী মেরে ভিরু কেউ করতে পারে না। বারে বারে নীচ হরে আঁডবাদনের এক ভিন্ন আপ্যারিত করার ধারা সে বংগা इंदौन्हनाथतक सूर्य कर्ताक्ष्म। रिजिन **क्रम**-ছিলেন, একদল জাপানী মেরে যথন এক সপো অভিবাদন জানার মনে হয় বালি রাণি জ্ঞা। হিরাই সাধেরের গুরিণীর ন্ম স্থামি। স্থামি আমারে ছবে ব্যবহার করবার পাদ্যকা এগিয়ের দিকে, পাপের চটি জোড়া থালে নিজেন। অভিভিন্ন পায়ের ভারতাকে অত সহজে হাত লাগাতেও সম্ভনত জাপানী प्रसिद्धे भारतः। कारका कार्यान्य सन् । स्थान কথাটি জন্ম কোলাও কেট ব্ৰথবে না আহ প্রতিটা বাবহার্য জিনিবের মতই পাদ্তাও কাজের জিনিস মাত্র। পারে পরা তর বলে কি তার প্রমুখানা নেই? 'অখাচ সাম্মার সহ্য ততক সারা ভূমি**য়া সমলরম**া

এক প্রাণে জাতেরে রাপি: সবাই বাইটে থেকে এনে জাতে। খালে রাখে। ভারই अनामितक अक रजोनसर्व तहसात स्टिस सम्दर्गा ররেছে। নত্নীক্ত পাশারের সাজানে: ছ<sup>বি</sup>। কালো ভার সাদা পাশ্বয়। দ্বাধারে কাল্যে পাথর ছোট কড় নানা আকারের, জার তার মাঝে সালা সালা পাথর দিয়ে মজে বাওয়া नमी त्रक्ता कता इरसरकः नमीद्र अएकरदर्श्यक চলার পথ রয়েছে, নেই ভাতে জল! মঞা सभीत शासा।

বসবার ঘরটি রেশ: চারসিকে প্রভেলা कार्रात (एउसाम् । काथान वा तथानैस काशास দিনে ঢাকা, আবার কোথাও বা নকশা কাটা কাপড়ে মোড়া। কাগকেও কোণাও চমৎকার **य**्नकाणी नव्या । चटतन कनाभ मान**्टतन**। ছোট ছোট মালুনা, একেবালে পাণাপাশি রাখা বাতে বন্ধকার হলে ভূলে পরিক্রার করতে অস্ট্রেকা লা হল। মাবে রাখা নীচু টোবল। চারপালে কাকার জন্য রেলনের হতে ভিনিসে রাখাও বার। ক্রেনের সপো পিঠের আরামের জন্য একট্র অংলও থাকে। তবে ফরাসে বসাই আসল কারদা। বরের কোণার একটি প্রুপসকরা। তিনটি চল্যমার্ক্রাকাকে বিবের রাচত হরেছে জাপানী রহনা। জাপানী কুলা সাজানের তাবোই কৈঠকখানার বিশাল গালিচ্ছ আর মানার। বোলবাই কৈঠকখানার বিশাল গালিচ্ছ আর মানত চেরারাল-টোবলের মাবের একন কথনও মানে হরনি।

সক্ষেত্র জন সেগেছিল স্থামর রামা-মরথানা। ভাতে অধ্নান সর্থাম সর আছে। মলত বড় রামার গ্যাস-রেজ, বাসন ধোবার কল, ফল-সবজির রল করার মেশিন ফত কিছু।

তবে ভার ক্ষকে সংখি আদর্শ রাপানী পাহিণী। ক্ষিপ্ৰহাতে কাজ করেন। কিল্ড ক্ষিপ্ৰতার গতি বোৰা বার না। চলেন मिक्ष्मर्त्म, भीन्नरयमन क्राह्म, यस्मन, क्षा বলেন বেন সবেডেই হল আছে, সোলবৰ্ আছে। জন্মত কি দার্থে ভান্ধ নক্ষর বলি। রালা খরের পাশেই স্নানাগার। জাপানী ধরনের ছোট চৌবাকা আছে আবার ঠান্দা-পরম জলের কল আছে, ফোরারা আছে। পথপ্রমে ক্লাম্ভ আমি, কোন রক্তম তেলসংবান গাছিরে কলম্বরে ডাকেছি, অমনি রাহাযর থোক স্থামর অভিথকতা শ্রালাম। বিদেশী আহিছি। যদি ঠান্ডা-গ্রম ভল ঠিক না रभावाहे, योष अपि बार्षः च्यालाः इतार দরজা। আপন হাতে ছারিরে ছারিরে কলের কল সামলে দিয়ে তবে দানিত ফলো সুমিয়। মা, প্রেমপুরি শাশ্ভি ভাতেও নর। স**ুমির** क्षारम् इक्टका । इक्टका क्षान्यक भएका क्षण्डोम्भी छन्द्रभी। मूजि जारक धरत निरह এলো আছল পিঠে সামান ঘবে লেবে! সর্বনাশ! এমন তে। কখনও শ্নিনি। অভি कट्टे जानात कमचटतत्र भिन्न यन्थ कतवाम। <del>উল্</del>ধত <del>দেবতকার সমাজ বাদ দিন। আমাদের</del> কলেকে পঞ্জা মেকেকে কি কলা চলে অতিপিয় পিঠে সাবাদ ববে দাও! সুমি আমাকে **ज्यानक द्वाबादमा। ब दव काशानी** আভিবেরতা মাল!

স্মিকে নিরে বিপল হরেছিল ভাষা বিলাট। আমানের দ্রুলনের মারে ছিরাই সাহেবকে দোভাবীর কাল করতে হতো সারাক্ষণ। কিন্তু হিরাই সাহেব তো বাইরে কালে বেতেন। তখন বাঁধতো বিষম গোলা। কোকো বিলোগী ভাষা হিসেবে শিকেছে স্পানিশ্য একমার ছেলে নাম তার হিস্তিকি, সে পড়ে কিলান। তারা ইংরেজি বলে না। মা ও দুই ছেলেমেরে সদা বাসত কেমন করে

অতিথিকে আদর করবে। আগায়নের অন্ত নেই। কিন্তু মাঝে মাঝে কথাবার্ডা গ্রিলরে গিরে একেবারে একাকার কাণ্ড। তব্ কি চমংকার একটা খনিন্ঠতা গড়ে উঠলো। কল বললে দ্ধে, মাথার তেল চাইলে কেকে। আনে আপানী চারের পেরালা। কুছ পরোরা নেই। মনের ভাষা তো এক!

একটা কথা নেহাং চুলি চুলি বলি।
ক্ষমানেবার জাপানী মেরের তুলনা নেই।
চিক্তনা তাই চলেছে। বিদ বা কথনও
গুলাত পুরুষ বেশরোরা হরেছে, নারী
ভারসমার রেখেছে সেবা আর কোমলতা
বিলিরে। বাইরে থেকে মরে এলে জাপানী
ক্যা ক্ষমার পারের জ্বতো খুলে ধুরে
দেবে পা, আবার বাইরে বাবার সমার হলে
সেই জ্বতেই চক্তকে পালিল করে তুলে
দেবে পদব্দলে, পরিরে দেবে কোটখানা
সবস্থে। হিরাই সাহেবের সোভালোর কবা
তুলতে তিনি হেলে কলকেন, ও তো জব্
আজকের ব্লা আগতা তো জাপানী ক্যা
ক্রামার সপো পথ চলতে তিন পা গিছিরে
থাকতেন গ

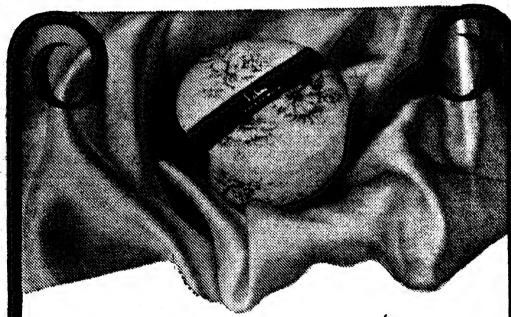
স্থাম স্থাহিশী বলে যে বাইরের কাজ করেন না ভাও নর। বিবাহের আগে অফিসে সেক্টোরীর কাজ করতেন। ঘর সামলিরে, শিশ্ব মান্য করে দশটা-পাঁচটা করতে চান না বলে পিথেছেন প্রতুল তৈরীর কাজ। কি অপর্ব যে হাতের তৈরী প্রতুল বর্ণনা করা বার না। সরঞ্জামের আভিশ্যা নেই। ঘরের কোণে একটি দেরাজে সব কিছা গ্রিছায়ারাখা বৈমন গৃহীছরে রাখা আর এক দেরতে কোবি
আরু কিয়েনো। কোবি বেশিন কিনেজিলেন
তার কাগজের মেডুকটি পর্লাভ্য সবছে রাখা।
তাতেই সাজানো কোবিখানা। কেনাও তো
আরু নর। স্থারর বিরের সমর এসেছিল
সাজ। কড বছর আগো। ঠিক ঐভাবে
রাখা প্রভুল টেরবীর জিনিসপত। অবাশ্তরের
আবর্জনা নেই অবচ বা সেজাজন সব
প্রিপাটি সাজানো।

প্রভল তৈরীও তো ক্লেলাজালের সত ঐতিহ্যাল কাপার। তার অনুক্র ধারা, चरमक मिक्स। विश्वास दश मक्स, यह অধ্যক্ষায়ে। সুমি টোকিও স্থল অফ্ ডল क्षीकर-व निकाशान्त हार्रो । क्षम स्म নিজেই শেখাতে যায় এক স্মৃত্য**়** কেউ क्कार बन्द्रद्वाय क्वान व्यक्ता व्यक्ति व्यक्तिक প্ৰকল বানিয়ে দেয়, তবে বিক্লী করার গরক তার কম। বলেন, পড়েল তৈরী করলে কেলন ৰেন সারা হয় বেচে দিতে। বন্ধে বনে ভাই অজন্র নানারক্ষের পতুল সাজানা। স্থির হাতচলার কামাই নেই, তাই বন্ধবান্ধব স্বাই এর ভাগের ভার শিল্প-স্বাক্ষর একট্র-আবট্ট মিলে বার। সূমি অবল্য বলেন, मतकात्र यीम रकार्नामन दश, एरव बरत्नेहें क्रान আরভ করবেন পাতুল তৈরী শিকার। বরও দেখকেন, ক্লাল করে কিছা উপার্জন হবে আর তাঁর শিক্সসাধনার পথে ন্তন থেকে ন্তনভর রচনা হবে নিজ।

**টা**মতী







# ল্যাক্ষয়ে ফ্রেস্ পাউডার

রেশমের মধ্যে দিয়ে মিহি করা। বুলিয়ে নিয়ে দেখুন-আপনার মুখে কী নিখুত রেশমী কোমল সৌন্দর্য্য ফুটে ওঠে।



ল্যাক্মে ফেল্ পাউডার রেশমী কাপড়ে চেলেনেওরা। ডাই এর চেয়ে মিহি পাউডার আর হর না।
এর হালকা মধুর পরশে আপনার মুখ হ'ছে ওঠে অপরপ। রুপলাবণ্য ফুটিয়ে ডোলবার আশ্রুর্য এর
ক্মডা—ব্রুডেই দেয়লা পাউডার মেখেছেন। এডে আছে শ্লিম্ন কোমলডা,— নেই নির্দাধনণে
ভাব। রেশমের মৃত্য অভিমিহি ল্যাক্মে ফেল্ পাউডার—মেখে দেখুন।

ক্ষাভা তথা কেন্দ্রে সম্প্রতি
সোসাইটি অব কণ্টেপেনারারী আটি ন্টসএর ১২ জন সভোর একটি প্রাফিক ও ছবিং
প্রদর্শনীর জন্ম্টান হর। শহরের বিভিন্ন
শিক্ষী গোষ্ঠীর মধ্যে এই সংস্থাটি
ম্পারিচিত। কারণ, এটির সভাবাস্প
নির্মাতভাবে শিক্ষ্যটাই করে ও জনসাধারণ্ডে প্রতি বছরে তাদের শিক্ষ্যনির্মাতভাবে স্ক্রেগণান করে শিক্ষ্যনির্মাতভাবে স্ক্রেগণান করে শিক্ষ্যনির্মাতভাবে স্ক্রেগণান করে শিক্ষ্যসমাজে প্রতিষ্ঠা লাভ করেছেন। প্রদর্শনীতে



मा क'इक --विकास क्रमागर्स

৯২ জন সভেত্র ৩৯টি রচনা-নিদ্ধান দেখা করে, ভাদের - মধ্য ১২টি জুবিং এ ২২টি প্রতিষ্ঠ প্রিটেট

রাজিক প্রিণ্ট টেরাী করার বংগারে বে শিল্পী সভাগণ নানাভাবে পরীক্ষা করে চলেছেন, তা বিভিন্ন প্রিণ্ট দেবে বোঝা বারা। করেকজনের কাজে নৈপ্রায় দেখা গৈলেও মনে হল আকার আপক্ষা প্রিণ্ট টেরাীর নানা প্রক্রিয়ার ওপরাই তাঁরা প্রাথানা দান করেছেন, ফলে অধিকাংশ স্থানাই নানা স্থান্ধ্য ও রঙীন কার্যক্রমার ইমাজানী ফা্টেট উঠেছে এগালি অন্তেভি-সাপেক, প্রয়োগ্রামিতির নিক থেকে করেক



ক্ষেত্র এগানি বহামাখী এবং প্রান্থিক কলার আধুনিক ধারাসন্ধান সংকর নেই । বিভিন্ন প্রিচট পদ্ধতি সেখে ক্ষােকজন দিগগীর স্ক্ষা ও নিপাণ চখাদাইকাফোর পরিচাল পাওরা বার । প্রশাদায়িত উল্লেখনোগ্য কাচেক্টি প্রচিধ্ধ দেখা বার।

হাক্তিকর মধ্যে সর্বপ্রথমেই খাতনানা **শিক্ষী সোমনাথ হোডের** ডিনটি লিখে: পিন্ট চোল্ড প্রভা। এই গিল্পীর বৈশিন্টা এর হে প্রিক) তৈরী করার নানা নতুন পশ্চতি নিয়ে পরীক্ষা করলেও প্রাফিক কলাম আকারের গার্ড ও প্রয়োজনীয়তা অস্বীকার কাৰম না। আকাৰ্যভিত্তিক কাল হয় ও জললা বাজার সমণ্যের রচিত প্রিন্ট তিন্টির সরসভা দেখে আনেকে মাণ্য হন। জনিল্বরণ সহে ও কাকাপ্রসাদ কা.—উভারের প্রিটেই অলংকরত্বর পরিচয় প্রেয়া যায়, যেমন প্রিমারিত ১-এটিয়ের কবলা প্রাচীন লোক-চিত্রেরও ছাপ আছে—এবং দি বার্ডা। দৈলেন হিল্ম ডিনাট নিদশনের মধ্যে একটি প্রিক্ট (५८) (धानाईकाइराज ब्रमा छेप्राधाराका । ऋर কাষর কাজে কমপোজিশনের প্রাধানা বেখা হার-এই প্রসংখ্য তার ৫নং ছাবর নাম করা চলে। রঙ ও রচনার ওপর সমপ্রধানা দানের। **ছন্য স্থাস রাজের ১২** নং প্রিন্ট অনেরের দ্রের পরে **স্কা**ও রেখালালপ্রতান @F#11 ALC CAL হেলেইকাহের  $-3e^{2}d$ রায় পরিচিত্র-বিশেষ করে নীল বছ প্রধান ৯ নং প্রিণেটর ইড়েছ-বেটী সকলের ভাল গাগে সাহিত কানজার প্রিপ্তি মুটিছে বিশ্বা আকরে ও

প্রজ্ঞার প্রিক্তরে প্রিয় প্রান্ত হয়। কর্মের ভানীল বঙ্গুরান এই মন্প্রিট দুর্গুরা।

ডুলিংগুলির ক্রান্ত প্রগতিবাদী সিকারী বিকাশ ভটাসকোর কার্যনোভার প্রতিকৃতি-ক্রেছি সাটি ছাবিটা সংগ্রের সাজি **হার্যার** কাৰে: প্ৰাটিছল ও ডেমন সহাযোগ্য হ'কা মূডি ছবিত্তই মিলপতি দ্বীয় ট্রেপ্টো ব্রাকা য়াজ : সামাজি ন্যাসর চিন্নার নির্দাধিক মরেধা ৯৬ নং দেখে বর্লাদ্র গ্রের আঁকা ছবির কথা মনে পড়েঃ ডিগেনীল ও সব্ভে বছ প্রধান ১৭ নং কর্মকজ্ঞার ভাল লাগে। স্কোরেখা ও ললা সম্লেণীর রঙেই হংজিভুগ *হুড়াল্ড*ে এগল কর্কম Fift) REIR MINER WELL THERE'S LET ক্রেট্রসমূত্র ভূতর দ্রুগিতে জে তাত্তে সংগ্রান ক্র হিসাসে ২৯ ৩ বচনত উল্লেখনীয় সংগ্ৰ প্রসূত্র সাক্ষরে আন্ত তেওঁ প্রব ও ১০০ট ক্ষেত্ৰিক জনভূতি আন্তৰ্ভ বিভাগ বছলাক্ষেত্ৰ ভারে জ্যোলাছন। এই প্রথাতি সম সভাবেল জিলিটার জার্যের তথ্য নহ ছবির নাম করা

#### 210

প্ৰতিক্ৰমানেৰ বা তিওঁ স্বাহৰ কৰা নী-চুদ্ৰ ক্ৰমানকলে কৈন্দেৰী বছৰ কিছেলাই চুবিপাৰি ক্লোড়ে এক সংস্থানকীৰ ক্ৰম্ভেক ক্ৰেন তাদ নাজি চুবি চুব্ৰ ৰাজ

ধন্ধ সিজ্ঞানী চলনগুড়াছ কৰে জ্ঞান আজীল কবিচালিক সংগ্ৰেছতে নিলোকজ্ঞা কয়েন ও হবিচাল্যা সংগ্ৰেছ সভয়েন্ত প্রবর্শনীতে তার একটি কাল আনার চোধে
পড়ে। তবে এই প্রদর্শনীতে তার বিভিন্ন
ক্রন্য দেখে মনে হল বে, তিনি একাও
শিক্ষার্থী এবং সেই হিসাবে তাকে দীর্থ পথ
অতিক্রম করতে হবে। ইতিপ্রেও বলেছি,
বারা নতুন শিক্ষার্থী তারা বেন শিক্ষাসম্পূর্ণ হবার প্রেব্ কথনও কোনও একক
প্রস্পানীর আয়োজন না করেন—কারণ প্রেশ

বা অভি সাধারল শিকাবী স্কৃত হবি
আক্রমান বর্ণক সাধারণের সমানর লাভ
করে না। শিক্ষীর ছারিং ন্র্বাল, রঙ বাবহার
প্রধালীও আশান্র্প নর। প্রপশানীস্কৃত
হবির মধ্যে দ্টি—প্রচেন্টা হিসাবে মন্দ লাগে
না—উত্তমান ও গাজন উংগব। শিক্ষীর
প্রতি অন্রোধ তিনি বেন নির্মিতভাবে
শিক্ষেচটা করেন ও সম্প্রাপ্রস্তুত হরে

ভাৰতত একৰ প্ৰদৰ্শনীয় কৰণৰা করেন।
দিলেশন প্ৰতি ভান নিন্দা আছে, কিন্তু
প্ৰয়োজন আছে বৈৰোন। থৈৰ সিম্বান্তন ব নিন্দানতন্ত্ৰণ শিক্ষালাভ করবেন বে নিহার
ক্ষেপ্ত নেই।

চিত্রপির





11 00 II

বিভোগি কলেখের গেটের সামনে পাছটার নিচে পাঁড় বার কথা, কিন্তু অর্পরা পোঁছে দেখলো, দাঁপ্ তখনও আসেনি। খ্য মনোবোগ দিরে, সাবধানে অর্প মোটাম্টি ক্টেপাখ খোবাই পাকা করলো গাড়ি, তারপর ইজিন ববধ করে বাড় খ্রিরে বললো, দেখলেন তো আপনি শা্ধ্ দ্ধ্ বাল্ড ছাজ্জন, আমি জানি, বাঁপরে একদম সময় জান নেই!

স্থানা আর শাশতা দুখেনেই বাস্তে পেছনের সিটে। শাশতা বললো, ঠিক আছে, আরি একট, প্রাফ্রান্তি। আপনাদের বলি কোনো কাক খাকে—

च्याचा वनाता, ना, ना, आञ्चारमञ्ज काला काक त्नारे—

অর্প বললো, আমি দীপরে সংশ্য একট্ দেখা করে যাবো। বেলীকণ থেকে আপনাদের ডিসটার্ব করবো না অবলা—

শ্বশনা বললো, আমার সংগ্রেও শ্বশিক্ষেনবাব্র অনেক্দিন দেখা হয়নি !

শাশতা বাদতভাবে রাদতার এদিক-এদিক ভাক ছৈ না। ও রকম কোনো অদ্পিরতা তার নেই। একট, হেদে বললো, আপনি হ'ঝ বীপাঞ্চনবাব্ বলেন ওকে! দীপ্দাকে কেউ কব্ বললে আয়ার ভি রকম হাসি পার।

—বাঃ, আপনি হে একে অর্পবাব্ বজবোন?

—হাাঁ, আপনি আমাকে লুখ্ অরুপ বললেই আমি খুলী হযো।

— আজ্ঞা এবার খেকে ডাই বলবো।
সর্প গাড়ির দরজা খ্লে বাইরে একে
দীড়া লা। নেয়ে এলো এরা দাজনও।
তবাপ শাত্তকে গানিকটা ঠাটার সাবে
জিজেস করলো, দীপু বৃদ্ধি আপনার সপ্পে

च्या शरा चेरा करत शाहरे थ-तक्य रमती करत ?

—দীপ্দার সপ্তে ভো আমার বেশী দেখা হয় না।

শ্বন্দা একট্ কৰাক হয়ে দেখছে

দাসতাকে। ব্যাপারটা সে কিছাই

ব্ঞাতে পারছে না। তার সপো সাড়ে পাঁচটার

দেখা হবার কথা দিয়ে অর্প এ-রকম দেরী

করলে সে কি শাস্তার মতন এমন নির্ভিয়াল

থাকতে পারতো? খ্য বেলী দেখা হয় না—

এর মানে দি? বিকেলবেলা ভাইলে এরা

গুজনে আলাগাতাবে থেকে কি করে? আরুপ প্রত্যেক দিন কখন কেথার থাকে—তাজো তার সবই জালা। উত্তর কলকাতার ফেলেনের ভালোগালার ধরন বুলি অনারক্ষ। কিন্দু উত্তর কলকাতার অনেক ফেলেই কি রক্ষ বেন একট্ ভিজে ভিজে হর—শাশতা কিন্দু মোটেই সে ধরনের নর।

चत्र वनाता. अता न्यना, शतहाता वरेतात सामानग्राना अको समा वाकः

অদিকে দীপ্র রাশতার আটকে পড়েছে।
আমহাপ্ট পাঁটি থেকে বেরিরে সিটি
কালকের পাশ দিরে দীপ্রনিঠনের সামনে
কাশে পড়তেই পাড়ার ক'জন ছেলের মুখ্যোআখি হরে গোল। ওদের করেকজনের সঞ্জে
ইন্ফুলে পড়েছে দীপ্র নাজর আর স্কুমার
ছিল কলেজেও এক সংগো। কাছাকাছি একটা
হল্ থেকে একটা সিনেমা দেখে ফিরছিল
ওরা। দীপাকে একেবারে খিরে ধরলো।

দীপুর হাতে দু-খানা মোটা বই ছিল, সেই জনা একজন বললো, কি রে দীপুর, আবার কি ল' কলেলে ভতি হলি নাকি?

আর একজন ক্লাল্যে, আবার বাংশের প্রসা ধ্বংস কর্বি?

দীপা বললো নানা, মাধা খারাপ 🖁 আবার কে পড়াগনেন করবে ?

- —দীপা চা খাওরা মাইরি! **চা খাওরা!**
- —পরসা নেই ভাই।
- —शाष्ट एटए का, भरक**े मार्ट कंदरवा**।
- —ঠিক আছে হাত তুলছি, কিবতু পরস্ক না পেলে কি হবে?

প্ৰকাশিত হল

### न्नीन गरकाभाषाय-এর

नजून न्वाएव नजून छेलनात्र

## त्राणि मानवी

**L** · O (

"... সম্দের পাশে কাণ্টালা দাঁড়িরে, পায়ের কাছে আছড়ে পড়ছে ফেনামাখা চেউ. পাগলা হাওয়ায় ওর মুখে উড়ে এসে পড়েছে ওর অজস্ত সোনালি
চুল. হাত দুটো প্রার্থনার ভাঙ্গতে মাধার ওপর তোলা, রোদ লেগে ঝলসাছে
ওর মস্ণ উর্ আর শাঁখের মতন দুই তন। সম্দের পাড়ে উর্বশী না
আফুদিতি।"

শ্ধ্ কাণ্টালাই নর, ডরোখি স্সান, কারোলিন, লিণ্ডা, এঞ্জেলো মণিকার মত র্পালি মানবীরা সাঁতার কেটে খেলা করছে স্থী র্পালি ফগতে, তাদের স্বর্ণসূথের আড়ালে বে হাহাকার, সে কথাও ফুটিরে তুলেছেন লেখক।

আমাদের ধারণা, এই উপন্যাসও অরণ্যের দিন-রাত্রির মত আলোড়ন স্থিত করবে।

#### ॥ विश्ववाणी श्रकाणनी ॥

C/o দে ৰকে স্টোৰ ॥ ১০ বিখ্কম চ্যাটাজি স্মুটি ॥ কলিকাতা - ১২

—কি অবার হাব। নাচবো। এর প্রভ ল'চ দেখিকে দেবে।।

দীপা প্রীটেডনোর ভাপাতে হাত কলে দাঁডালো। ওরা দাজন হাত দিরে থাবড়ে द्रमध्यमः छात्र भाउँ छ भारत्येत भरकते। কিছাই পেলো না দীপা আৰু একেবাৰে খাটি সম্নাসীর মতন কাঞ্চন শ্নো।

দ্বীপত্র প্রকটে প্রসানা প্রের ওরা

ক্ষ্য হলোনা বরং ওকেও নিজেদের সমান ভেবে খুখাঁ হকো। ওদের প্রভাবেরই ৰাজিতে এখন গোলে এৱা প্ৰতেতক চা খেতে পারে কিন্তু এক সংখ্য ছ'জনের চা খাবার ব্যভিত্তে বৃথ্য-ব্যুখ্য ডেকে নিয়ে গিয়ে আন্তা বসানোর অবস্থা নেই। এর মধ্যে जारका माक्यागवंद जावन्था मनाहरू धारान.

স্ক্রারের দাদা মার: মাবার পর ভাষেত হাডিতে হয়তো এখন আর দু-বেলা চাত टकार्ड मा।

দীপা মনে মনে একটা অসম্ভিত বেছে रकारमा छेभार रमदे अदे वा! कात्वदे कतरा मागरमा। अस्त हाड रमाक हाछ। পাওয়া মুশকিল। এদের मार्थाप्त कथा वस्तुह हज् বংশা নর ওলের সংগ্রা তেমনভাবে মেলে

# मुत्रात मार्थ फिय़ এकवात धूलरे खत्र यि-काता काश्रङ-कान शांडेडाव मिय़ २ वात धूल यठठा कत्रा रय -তার চেয়েও বেশী ফর্সা থবে।





भिःमृत्यदर् सारका (वने ४व४८व समा क्टके । जनवाद भनीका क'टव निटकहें चार चाधनार काक हालारार क्रियक इंडिंक इर्विमा । काई बाबई ভারত্তের সবচেমে দেরা বালগুটি क्षित्र । व्यात का द्वान - यूपाद मार्च ।

अभाव मार्क मक्तिका विन्त्री मान्त करत (धाव (নীল বা অন্ত কোন পাউডার বেশাবার দরকার করে না) না-ভিম্পু ওদের একটা দাবি আছে।
পাড়ার ছেলে হরে পাড়ার ছেলের সপ্রে
মিশবে না—এ কখনো ইডে পারে? এগারো
নামকর কাড়ির ইন্দুজিং খুব ডাটিরাল—সে
কার্কে পান্তা দের না—তাই ইন্দুজিংকে
দেখলেই ওরা আওরাজ দের। বেশী বাড়াবাড়ি করলে একদিন ওরা ইন্দুজিংকে ল্যাং
মারবে, দীপ্র জানে।

গলির মোড়ে দাঁড়িরে ওরা বখন কটনা করে, দীপ্ ওদের সপে মিশতে চার না, কিন্তু একেবারে এড়িরে বেতেও পারে না, দাঁড়িরে দ্-চারটে কথা ফলতেই হর। ওরা সিগারেট অফার করলে দীপ্ প্রত্যাখান করতে পারে না, পকেটে প্রস্য থাকলে ওদের চা থাওরাতে হর। এইট্কুর জনাই দীপ্র মেজদি স্বাধীনভাবে রাশ্তা দিরে চলাফেরার ছাড়প্র পেরেছে ওদের কাছ থেকে।

দীপ্ মনে মনে এ ছ-জনের দলটার নাম্ব দিয়েছে ছব্ব রিপা। এদের সপো বাবহাৰ করতে হব্ব খবে সাবধানে। পথে এই ছব্ব রিপার সপো দেখা হলে দীপার পরীরের প্রতিটি রোমকাপ আশ্বরকার জন্য সজাপ করে ওঠে, কিল্ফু মুখের হাসিটা ভিক রাখতে হতা।

স্কুমার বললো, দীপন, কাল বাজিদ ছো? এগারোটা আপাক তেতক আমরা ভাকবো।

—ছাকতে হবে না। আমি নিকেই বাবো। ইউনিভাগিতির সামনে থেকে বেরুবে তো?

- লহা।, আমি বাবার সময় তেকে ডেকে নেবে: এখন।
  - —ঠিক আছে, ডাকিস্। **এখন চলি।** —কোথ য় ব্যক্তিস?

ক্ষাগামীক ল রাইটার্সা বিভিন্ন অভিযান হবে, ওরা সবাই যাবে চাকরি অথবা বেকার-ভাতার দাবিতে। দীপকেও ওরা নিজেবের একজন মান করে। দীপরে অবলা নিজের ও-বর্কম কোনো দাবি নেই, তৌলু সে ওদের ভানা মিছিলে বোগা দেবে ঠিক করেছে। ওদের সতি।ই চাকরি পাওয়া দরকার।

—এখন একটা কলেজ দ্বীট যাচ্ছি ভাই! —চলা আমরাও ওদিকে বাবো।

সংশা সংশা দীপুর আফাশাস হলো।
কেন কলেজ দুটাটের কথা বলতে গেলা।
শিরালদা বলগেই হতো! এরা কি সহজে
ছাড়বে? শাশতাকে দেখলেই যদি রে-রে
করে চেটিয়ে ওঠে! কিছু বিশ্বাস নেই।
ওদের সংশা তো কোনো মেরের পরিচন্ন
নেই। কিংবা ওরা হরতো কোনো মেরের
সংশা পরিচন্ন করতে চারুও না—দুর থেকে
কোনো মেরেকে দেখলেই যদি চেভিরে
কোনো মদতবা করে, তাহলো তার কাছে
আসবে কি করে? স্কুমারের মুখটা এক
কমর বাধেন্ট স্কের ছিলা, এখন কি রকম
কোন নিউন্রের মড়ন দেখার। ধনজা কেন্দ্র

হাতে একটা লোহার বালা পরেছে, ও কি
জানে না, ওতে খ্র খারাপ দেখাছে ওকৈ?
ইচ্ছে করে কেউ ও-রকম খারাপ সাজে।

স্কুমার জিজেস করলো, কলেজ শ্রীটে কোথার যাবি? কফি হাউদে? চল্ আমরাও গিরে পেখি কোনো কফি খাওরাবার পাটি-ফার্টি পাওরা যার কি-না।

—আমি কফি হাউসে বাবে না।

'-তাহলে কোথায় বাবি?

এতটা ব্যক্তিগত প্রধন দীপ<sup>নু</sup> নিচ্ছে আর কার্কে জিপ্তেস করতো না। কিন্তু ওরা করবেই। আর গোপন করে কোনো লাভও নেই।

—একজনের সপো দেখা করার কথা আছে।

- -- धककन भारत? ७. त्मरे त्मरहणे ?
- -रकान स्मरत्राठा ?
- —বে-মেরেটা সেপ্টাল জ্যাভিনিউরে শ্যাম পর্কের কাছে থাকে? একদিন দেখেছিল্ম তোর সংপা, বেশ ভালো মালা!

मील् धक भाग दश्त वन्तरना, **जूदे** वनश्चित्र भागणे छात्ना?

স্কুমার দীপরে হাসিটা লক্ষা করলো না। বললো, আমি বখন ভালো বলছি, ব্যবি কেরোলিটি মল ছাড়া আমি..... তবে তুই সহক্ষে মানেজ করতে পারবি না। আমার সংশ্যে একবার আলাপ করিছে দে না! দিবি ১

—কেন দেব না? আজই দিছিত্ত ফলনা!

- ল না: —সতিড় দিবি ? মাইরি বলছিস্টু
- —নিশ্চয়ই! আমি শাশতাকে কাবে, ভূই বলেছিস্ত ধ্ব ভালো মাল!

অনারা হাসলো, স্কুমার সর্ চোখে ভাকালো দীপরে দিকে। আমতা আমতা করে কনজো, তাতে আমার আর কি। তেরেই কেস কেচে বাবে।

—আমার জ্বন্য তোকে ভাবতে হবে নাঃ

তুই শাশতার সামনে গাঁড়িয়ে ও কথাটা আর একবার বলবি, গার্রবি তো বলতে?

—কেন পারবো না! আমার শালা বরে বাবে। বা হবে তেরেই—আমি কোনো বংগবে ইয়েকে কখনো ইনসান্ট করি না!

—তুই মেয়েদের মাল বলিস কেন রে? —বেশ করি। কাকে কি বলতে হয়, তুই

আমার শেখাবি?
দীপ্র তে ঠিক করেই রেপেছে
বে, সে রাণা করবে না! ওরা তে।
তাই চার, দীপ্র বিদ একবার রেগে কথা
বলে, একট্ অবজ্ঞার ভাব দেখার—তাহলেই
ওরা দীপ্র ওপর ঝাঁপিরে পড়বে। দীপ্রে

আলগা-আলগা ব্যবহার কি আর ওরা ব্রুতে পারে না? ফুটপাথের ওপর ছড়িরে ছিটিয়ে হটিছে, কিন্তু আসলে ওরা দীপনুকে ঘিরে আছে।

ধনজর আর একট্ রুক্কভাবে বললো, তোর মালের আর বন্ধ্-টন্ধ্ নেই? তাদের দ্-চারটের সংশো আমাদের আলাপ করিবে দে না?

জ্বতোর দোকানগ্রেরার পাশ দিরে বাচ্ছে ওরা, দীপ্র থনকে দাঁড়ালো। রীতি-মতন কাতর অন্নরের স্বের কললো, শোল ধনজর, ঐ কথাটা আমার শ্নতে ভালের লাগছে না

- -रकान कथाणे ?
- —বৈটা তোরা বার বার বলছি**স**়ী

ধনঞ্জর সপো সপো দুছোত তুলে কললো, এই শোনো, তোমরা, এখন থেকে তোমরা আর কেউ মালকে মাল ফলবে না! কলাকে কানা ফাবে না, খোঁড়াকে খোঁড়া



যাঁরা স্প্রো মাখেন তাঁদের কাছে খুশির থবর !





हीज्ञा-१७ म रेन्क-अन चात्र अक्षेत्र चनवण छेरशहरू প্রতিদিন রু সীল স্নো ক্ষবহার করুন · · · মাধার
সঙ্গে সঙ্গে নিজেই অন্তত্ত্ব করবেন, কী আশ্চর্য কোমলতা
এসেছে, মুখনী হয়ে উঠেছে ফুটফুটে স্থানর ও
আভামর । ননীর মত নরম রু সীল স্নোতে আপনি
ক্রপলাবণ্যে পরম হমণীর হয়ে উঠবেন । মুখনীতে
লাবণ্য কৃটিয়ে তুলতে চান তো নিয়মিত ব্যবহার করুন
রু সীল স্মো।

চীজুয়ো-পাঙ্গ ইন্ক গ্লীয়িক হাতে আফডিনা ফুরাট্রে সংগটক) বলবে না! কারণ, গীপুর সেটা গ্নতে ভালো লাগতে না!

সৰাই মুখ মচকে হাসহে। সে হাসির মধ্যে কোনো উপজোগ নেই। সবাই হেন প্রভীকা করছে, দীপা এতেও রাগাহে না? একবার মুখ কন্দে বলে কেলুক না, ইডিরেট, কিংবা হোটকোক। ভারপর বং হাতের সমুখ হকে।

ধনজর দীপরে দিকে কিরে কালে; কি হলো তোর? আর কেউ বলবে না। এবার জলোপ করিরে দিবি কা?

—ক্ষমার চেনা মেরেটার সপো তোদের আজাপ করিরে দিভে পারি। তার কথ-টপরে কথা অহিছ কানি না।

—কেন আবার কথার থেলাপ করছে। গ্রান্থ

সংক্ষার দীপরে হাতের বই দুখানা ধরে টান দিরে বললো, দেখি দেখি, তোর ইয়ে, মানে বো—ন—খ্যু কি বই পড়ে!

'रहारक-हू-२ং-कि'

দ্বালিয়ায় দাবা বেলার কলেজ চলছে

51 जावर्गनक कन्द्रोडे डीज ०.৫० २1 डेन्डोडनग्रमनाम गरा 8.00

ৰাংলা ভাষার একমত বই লেখক ও প্রকাশক: জীলবুল্বল লজ্মণার, বি এল ই (মিলিগাল), এম এল (ইলিনর) ১৬, বি জি বোড, হাওড়া–৩, পশিচ্মবল প্রডি লাইবে চিকার খোলাক

(pa R200)



গ্রামার অব্দ পরিচিক্স, বাই হ্যারক্ত লাসেকি! পরিচিক্স করা মেরে নাকি রে? আর এ বইটা? জিওগ্রাকিকাল ডিক্সনারি— ধনকর দীপরে কাহ্ হারেছে, দীপ্র ব্রের লড়িলো। হজনের সপ্পে মারামারি করে সে পারবে না। ভাছাড়া পাজার ছেলে-দের সপ্পে মারামারি করে কোনো লাভও নেই। আন না হোক, কাল ওরা লোখ নেবেই। দীপ্ হাসলো। ধনকারই বেশী গুড়ো ধরনের, তার উদ্দেশ্যে বললো, চা না পেরে ভোগের মেজাক খারাপ হরে সেছে, নারে?

—মেকাক কেল ভালো আছে ভাই! কে কলে মেকাক খাৱাপ!

—ভাহতে আমার সপো সাগছিস কেন? তোরাও বেকার, আমিও বেকার, নিজেদের মধ্যে বগড়া করে কিছু লাভ আছে?

—বেকার হলেও আমাদের তো আর তোমার মতন ইরে নেই! ভূমি তো সারা সম্থ্যে এখন মজা মারবে!

—তঃ নর। আর শাশ্তার সংশ্য তোদের আলাপ করিকে দিচ্ছি—তারপর আমরা সবাই কোথাও এক সংশা বসে গ্রুপা করবো!

—ग्राकरमा प्रांच शर्मा विकास का बता । भावता व्या मा?

—দেখি, বদি শাণতার কাছে পরস্য থাকে! চা খাওয়া যাবে নিশ্চরই—

ওরা মনঃশিধর করতে পারছে না।
দাীপ্রেক ওরা কিছুত্তেই কারদা করে
ফেলতে পারছে না জালে। দাীপ্র বিবি ওলের
এড়িরে দোড়ে পালাবার চেন্টা করতো,
তাহলেই সবচেরে বেশী স্ববিধে হতো
ওদের। ওরা হই-হই করে দাীপ্র পেছনে
তাড়া করে যেতে পারতো, ইদ্রেরর মতন
থেলা করতো দাীপ্রেক নিরে।

মহাকা গাণ্ধী রোড পেরিকে আসার পর সংকুমার বললো, ঐ তো দাঁজিরে আছে মেরেটা: রাস্টা পের্তে গিরে দাঁপা ওসের সহাসে আমন্ত্রণ জানালো, আর!

কাধের ওপর একটা ভারী বোকার মতন দীপ্র ওবের ছলনকে নিরে একো রাস্তার এপারে। অর্প আর স্বংলা প্রেরনো বই দেখতে দেখতে একটা দ্বের সরে গেছে, ভাই দীপ্র ওবের নজর করেনি। দীপ্র বললো, গালতা, আলাপ করিরে দিই আমার বংধ্বের সকো। এই হচ্ছে স্কুমার দাস, ধনজর সেন, রবীন দাশগংশত—

শাশতা হাত তুলে নমন্তার করলো। দীপ্ বললো, এভাবে তো আলাপ হবে না, চলো কোথাও গিয়ে একট্ বসি। শাশতা, তোমার কাছে টাকা পরস। কিছু আছে?
—আছে।

সাকুমারই বললো, না, না, আজ থাক। আমরা এমনি এদিক দিয়ে বাচ্ছিলাম, দীপ্র বললো— গাস্তা বললো, কেন, চলনে না!

থনজন এক-পা হাড়িনে বললো, না,
আজ নান। আন একদিন, আজ আমনা
একট কাজে বাজি-চল, বৰীন—

বাস্তাসক্ষতভাবে হুড়ুমুড়িরে ওরা আবার রাশ্চা গৈরিরে চলে সেলা পেহন থেকে অর্শ এনে বললা, কি রে দীশ্ম?

PRT 1

এই টনিক তাড়াতাড়ি শক্তিসামর্থ্য বাড়িয়ে তুলতে অন্থিতীয়— পরিবারের সকলের পক্ষেই উপযোগী



# यदिअन्प्र

छाश वाष्ट्राप्ट्र मध्य सारशप्ट्र सव अश कत्र !



### কারণ আপনার বাচ্চাকে মুস্থ ও হার্সিখুশি রাখার জন্যে মরিসন্স-এর অনেক মুন্দর মুন্দর নতুন পরিকল্পনা আছে।

কত আনন্দ হয় জেনে যে আপনার বাচচার জন্মে আরো কেউ ভাবছে। ভাবছে আপনার বাচচার কি কি জিনিষ চাই। ঠিক এই ব্যাপারটাই মরিসন্স করে। স্বস্ময়। ফলাফল। স্যত্নে তৈরি শিশুর দবকারি রক্মারি জিনিষ যা এক্মাত্র মায়ের পক্ষেই বোঝা সম্ভব।

শীগণীর মরিস্ত আপনার বাচার জন্যে আরও হরেক-রক্ম জিনিব এনে হাজির করবে। আপনার, এবং আমাদের যত্নে বাচা জানবে যে মা এবং মরিস্ত হচ্ছে স্বস্রোবদু। (আর হাঁ। বাবাও।)

· (\$6 216



মা এবং মরিসন্স বাচ্চার সবসেরা বন্ধ।



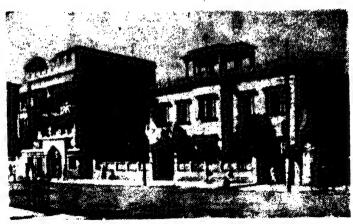
#### बन्द विकास भिन्त : त्नहे बनावम शत्ववभागाव

"I dedicate today this Institute not merely a Laboratory but a Temple......

Thirty-two years ago I chose teaching of science as my voca tion. It was held that by its peculiar constitution, the VPTV Indian mind would always turn away from the study of Nature metaphysical speculations. Even had the capacity for inquiry and accurate observation assumed present, there were no opportunities for employment; there were no well equipped laboratories nor skill mechanicians. This was all too true. It is for a man not to quarrel with circumstances but bravely accept them; and we belong to that race and dynasty who had accomplished great things with simple means."

তেম্বর ৩০, ১৯১৭ বস্য বিভান র্মান্দরের উল্বাহনী ছাব্রে এই কথাগালি বলৈছিলেন বিজ্ঞানাচাৰ কগদীশ চন্দ্র সংবরং। ভারতে বি**জ্ঞান চ**চার মালে সঠিক অস্তরার কি এ কথা তিনি মামা মামে উপলব্ধি করেছিলেন। ভাৰত সেই ৰাখা বিৰোৱ মধ্যে দিয়েই ডিনি কাভ করে গোছেন এখানে বসেই ভখনকার দিনের অভি বিষয়গ্রিকার উপর **काश**्रिक 4 2 করেছেন বিদ্যাৎ-ভরত্পার জটিল সমস্য নিৰে। ভার সমাধানৰ বহু কোতে খ'ুজে শেরেছেন এই গ্রেম্প্রারেই। সে সম্ভের रशके-शराधारिक कर्फ दककिम, कर्फ रहिल প্রভতি সেই সমাত কাজের নাব্য প্রশংসা ক্রে গ্রেছেন।

দ্বি উদ্দেশ্য নিছে কয় বিভান মণিব প্রতিষ্ঠিত করেছিল। এক এটিব গ্রেষণা চালান দুই স্থান নাম্য গ্রাহ হার প্রক্রান্ত বিভান উপন্য নিছে লগেছ্যান উপর বছাতা নিবান ব্যুক্তা। ঠিক সেই স্মার এ ধর্মন প্রচেথা। ঠিক সেই স্মার এ ধর্মন প্রচেথা। করা প্রথম। আচার নিবান এই বন্ধুতার অংশ গ্রহণ করতেন। সংক্রেশ



वन, विकास बन्तिह

সাধনার প্রেপ্ত প্রহাপ করে ছিলেন। বে সাধনা মানাবকে নিভা নতুন উদ্ভাবনী শক্তি প্রেপ্ত সাহার্য করবে। ক্ষমতা হোগারে নিজেকে নতুনভাবে উপলম্খি করার। তাই এটি নিছক একটি গ্রেষণা কেন্দ্র নয়। উত্তরকালের বিজ্ঞানীদের কাছে এর পরিচার, এটি একটি মান্দির। শিক্ষ এবং সাধন ক্ষেত্র। মান্দরের অনাড্নরর পরিবেশের মধ্যে থেকেই এখানে উল্লেখযোগ্য কাছ করে গ্রেছন ক্ষামানের বহা, শ্বনামধনা বিজ্ঞানী। সেই সাধ্যে হাগের সংগা তাল রাখার ক্ষন্যে সামিত গ্রাভাবি মধ্যে থেকেও এব সম্প্রসারবের ব্যাগের তাদের প্রহাস নিঃসাক্ষেত্র ব্যোগ্য উল্লেখবনের বর্ট।

১৯২৭ থেকে ১৯৩৭ প্যান্ত বিজ্ঞান মন্দিরের অধাক্ষ থাকা কালে জগদীশচনদ্র উল্ভিদ-শারীর বিদ্যা এবং উল্ভিদ-রসায়ন ছাড়াও এখানে আরও তিনটি বিহাহর উপর মৌলিক এবং প্রীক্ষামলেক গ্রেষণার বাবদথা করে বানঃ এরা হল পদার্থ, প্রাণী এবং না-বিদ্যা। 2-9366 আচাৰ পর্বোক গমন করেন। ভারপর থেকেই বস্তিভান মণিনরের পরিচালনার ব্যাপারে নিয়মিত সরকারী সাহার। আসতে থাকে। দেই সংগ্ৰ **পদাৰ্থ, রস্থেন** ভ**ী**বলিদা বজিল্পিলা **এবং প্রাণী বিদার** বিভিন্ন শাধার উপর কাক শারে হ'হ হার। তাত त्रे शहरूमा हकास्त्र शिक्तर कारशाहाः প্রেষকদের প্রয়োজনের জন্য কিছা কিছা যক্তপাতি এয়ারে তৈরি করা হাছ । থাকে এদের মধ্যে **উল্লেখ্যে**গা, একটি বড আয়েত্নের মেখ-কক্ষা প্রমণ্ডবিভ্রন গবেষণায় প্রায়াজন হয়; আট হাজারওয়াট ক্ষমতার একটি ভড়িং-চুম্বক : বেমন দ্রবাক্ষণ যকা নিউট্রন তৈরির ফল প্রভৃতি। ম্ল গবেষণা চালান হয় কলকাভার ১০/১, অচার্য প্রফালচন্দ্র রার রোডের উপর অবস্থিত মূল কেন্দ্রে: এ ছাড়া বাইরে থেকে পর্যবেক্ষণ চালান হয় ফলতা এবং দাজিলিং-এর মারাশ্রীর গবেষণা কেল্বে। এ জারগাণ্ডির উচ্চতা ৭২০০ **ফুট। উচ্চেশ** করা ক্ষেত্র পারে, ভ-পদার্থ বংসর কার্য-স্চীর আংশিক সহবেগিতার এখানে মহভাগতিক ৰণিমৰ 世州書 পরীক্ষ:-নিরীক্ষ্ 5 7 (000) WOTE আজ্বের বসু বিজ্ঞানমন্দির বিবাট কিছা না হলেও এখনকার কভের পরিবিধ মধেনট বড। বন্দ্রপাতি এবং সাজ-সম্ভাৱ সাধারণ হারও এখানে যে ধরনের গরেষণা চালান হচ্ছে তুলনামু কিছু কিছু ভার অসাধারণেও।

আর এই জানাই গছ ২০ লেপ্টেম্বর
আজ্ঞাত এক দুর্ঘটনার এখানকার রসারনগবেবগাগারটির পট্ডে বাওরার সংবাদে
বিজ্ঞানী মারেই লোকে অভিভূত না হরে
পারেন নি। দ্র্ঘটনার বাস্তব ক্ষতি কন্তটা
হল, অর্থাৎ কন্ত টাকার জিনিসপর নাট হল
অথব কন্য কিছা সংগতির দিক দিরে,
এটা বেমন একটি প্রশন, তার চাইতেও বড়
যে কথাটা এই মাহাতে আজু অনেক্তে
নাবণ না করিছে নিয়ে পারেনি সেটা হল,
দিখা করেক বছর এখানে বাস্টা নীরব
সাধারর মত কাজু করে গোছন বেশা
নাধার দা বিজ্ঞানী, হালের সংগা এই
গোধারণাগারেক হানেক বড় করে ভুলাভিল।

বস্থাবিজ্ঞান মণিলরের এই রসারন বিভাগতির অনাত্র পথিকং ছিলেন অধ্যাপক এন সি নার ১৯৪৭ পর্যক্ত। এগানে বাসেই অধ্যাপন নার মটন এবং ছে লার খানা-বস্তুর উপর উল্লেখযোগ্য গাবেবণ র কাজ কারন। মটরের মধ্যে আবিশ্লার করেছিলেন প্রজন্ম-নিরোধক সামগ্রী। গোড়র দিকে ই'দ্র প্রভৃতি প্রাণীর উপর এই বন্তুটির সন্ধিয়তা লক্ষা কর। গিরেছিল। পরে ডঃ এস সাল্যাল এর উপর দীঘ'কাল পরীক্ষা চালান। এখানে কৃতিম উপারে পাট পচানর উপর স্পার কাক্ষ করে গেছেন প্রখাড বিজ্ঞানী ডঃ এইচ কে বর্রা। চাষীরা পাটের আদ বের করার আগে পাট বাছ পচিরে নেন। এর কলে কচার সমর আঁল সহজে বের হরে আসে। কিণ্ডু
পশ্চিমবংগে পাট পচানর মত জল পাওরা
একটা মল্ড বড় সমসা। ডঃ বর্রা
আাসপারীজলাস নাইগার নারে এক বরুনের
হরকে আবিষ্ফার করেন বা নাঠ খেকে
কেটে নেওরা পাট গাছে ছড়িছে দিলেই
ভার পতিরে নেওরার ক্যান্টি দেরে কেলা

बाब। ध्वत बला बनागरात श्रराज्ञन दव

এই গ্ৰেষণাগ বের আর একটি উল্লেখ-যোগ্য নাম জঃ বাস্চেব বল্দোগ ধার। এই প্রে বাঙ্করা বারেরই এক কোলে বলে তিনি সর্বাপ্রথম ছাট গাছের পাজা থেকে কৃত্রিম উপালে সংগ্রহ করেছিলেন ক্লোরোডিন সালে এক ব্যুক্তের করেছিলেন ক্লোরোডিন

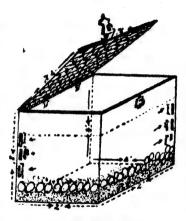
আরো ভালো, কারণ চুল চটচটে হয় না

### ক্যালকেমিকোর ক্যান্ডারাইডিন হেয়ার অয়েল ক্যান্ডার্বল

अहे आश्रुतिक (इश्वाद्ध हे बिक अथल (श्वाक आकर्षभोशु अछूल कार्षेत्व भारवब ! LANTHARDINE HAIR OIL LAICOTTA CHANCAL ভাঃ পি তে বসু এই ভেৰভটির উপর
গবেষণা চালাম। অবশেবে ১৯৬১-তে
বিদৰ্শাত বিজ্ঞানী অধ্যাপক ভি বাটান
এবং তঃ রবাটাসন একস-রে ক্লিট্যালোর্যাক্ষির সাহাব্যে ঐ বস্তুটির রাসারনিক
গঠন বের করেম। ক্লিমনাপক ওব্ব
হিসেনে ক্লোরোভিনের ভূমিকা খ্বই
গ্রেম্পুর্শুর্ণ সম্ভব্য এই ভারণেই আম দের
ক্রিরাভি চিকিৎসার ক্লিম রোগের উপলমের
ভ্নো ভটিপাভার শত প্রচলন।

এ ছাড়াও ডঃ বন্দ্যোপাধ্যার সম্ভাবতী লতার সংবেদনশীলতার উপর বে পরীকা চালান তাও কথেন্ট উল্লেখবোগা। আচার क्रशनी महत्त्व मन्कावजीत अरहवमम-न्वकाद्वत्र মধ্যেই এক্ষিন প্রাণীক অনুভূতির ইপ্যিত উপলব্দি করেছিলেন। প্রাণী দেহের বে কোন অংশ স্পূৰ্ণ করলে বেমন সেই অন্ততি সংখ্যা সংখ্যা সারের মধ্যে দিরে ভার মন্তিকে গিরে হাজির হর এবং প্রবোজনে সাজা দের তেমন কোন সাকা বাৰস্থা কি উল্ভিনের মধ্যেও নেই? বাইরের আৰাতে উন্তিদ দেৱ ৰে সাভা দেৱ লক্ষাৰতীর মধ্যে পরিকার ভা দেখা বার। এই গবেষণাগ্যরে লক্ষাবতীর দেহ খেকে এক ধরনের প্রোটিন সংগ্রহ করেছেন এখানকার বিজ্ঞানীরা। প্রাণী দেহের পেণীর সংকাচন বা সম্প্রসারণে যে ধরনের প্রোটিন ভাজ করে এই প্রোটিন কডকটা ভারই অন্রুপ। বর্তমানে ডঃ দেবেন্দ্রমোহন বসরে অধীনে করেকজন গবেষক লক্ষাবভার উপর পরীকা নিরীক্ষা চালিরে বাজেন। উল্লেখ্য, বছর চারেক আগে জনৈক তর্ণ সোভিরেত বৈজ্ঞানী জগদীশচন্দ্রের পার্যাত অনুসরণ করে উল্ভিদের সংবেদনদ্বীলভার উপত্র পরীকা চালিরেছিলেন। এ'র অভিমত, প্রাণী দেহের সমস্ত অনুভূতি বেমন স্নার্ভ মধ্যে দিয়ে গমনাগমন করে, তেমনি উল্ভিদের মধোও বাইরের অনুভূতি তাদের দেহের এক অংশ থেকে আর এক অংশে এগিরে ৰাৰ এক ধরনের প্রোটিন কোৰের মধ্যে দিয়ে। তবে এতে সময় ক'লে অনেক বেশী। মিনিটে করেক ইণ্ডি মার অগ্রসর

১৯৪৫-তে এই গবেষণাগারের ভার
নিরে আসেন ভঃ পি ভে বস্। তেবল
উন্ভিল নিরে এখানে তিনি বে বরনের কাল
করে গোড়েন ভারতীর তেবল বিজ্ঞানে তা
নিঃসন্দেহে অম্লা সম্পদ হরে থাকবে।
উল্লেখা, আন্তলাতিক খাতী সম্পান
বিজ্ঞানী তঃ অসীমা চ্যাটাজি তার ছারী।
ভঃ বর্রা এবং এই গবেষণাগারের বর্তমান
ভারত্রাপত বিজ্ঞানী ডঃ দেবীপ্রসাদ চলবতীও
তার ছার ছিলেন। সোবোলিন গোদির
এক ধরনের তেবজের উপর এখানে বেশ
কিছুদিন গ্রেষণা চালান হর। েতী
সোগের উপশ্যের বাপারে এই তেবজাটির



पाठव विम नावान बटबटब

কার্যকারিতা লক্ষা করার রত। কার্যাজল নারে এক জাতীর উপকারের সংখান প্রথম পাওরা গিরেছিল এখানেই। সংশোলবণ এবং বিশোলবণ বৃট্ট পার্যাজিততেই এখানে তাদের বোগিক গঠন বের করা হরেছিল। এবের করা হরেছিল। এবের করা হরেছেল। এবের করা হরেছেল। এবের করা হবে বলে অনেকে রনে করেন। কলেরা প্রভৃতি রোগের বীজাপ্র কার্যাবলীর উপর এখানে ভাল কাজ হরেছে।

১৯৫০-তে বন্ বিজ্ঞান মালারের বসায়ন বিভাগের বহুমান প্রধান হরে আনের তঃ অমিতাত সেন। দুশ্বজাত প্রোটনের উপর তার মোলিক গবেববা বিশেষ উল্লেখনায়। এর বছরাঃ কিছু কিছু ভাল কাজ এখানে হরেছে। জনৈক অধ্যাপক বললেন, ছোট গবেববাগার। অনুবিধে আছে অনেক। তবে একটা ব্যাপারে এখানে আমরা নিশ্চিকত। এখানে কাজ করার ব্যাধীনতা আছে।

#### किन गरक्रम् वावन्या

গরমের দিনে পচার হাত খেকে ভিদকে বক্ষা করা এদেশের একটি বিরাট সমস্যা। কারণ অভিবিক্ত গরমে পাঁচ থেকে হর দিনের পরই বে কোন ডিম পচতে পরে, करता अवह अहे नमरहरे जिसम हारिमान কমে ৰায় অভাতত বেলী! আরও কিছুদিন টিকিরে রাখার একমাত পথ হিমকরের সাহাযা, যার ভাপমাতা কথনই পঞ্জ ডিভি कर्महाईरिवेत र्तान हरन मा। अथवा অপর কোন রাসারনিক পদার্থ বা ডিমকে পচে ৰাওয়ার হাত থেকে বাঁচাতে সাহাব্য করে। কিন্তু বাঁরা গ্রামে পদাপালন করেন, তাদের পক্ষে এই দুটি পথই যে খ্য সহজ তা বলা চলে না। হিমবরের জনো চাই বিদ্যাং। অথচ স্ব জ্রগাতে বিদ্যাং সরবরাহ করার বাবস্থা এখনও করে ওঠা সম্ভব হর্নি। দুই, রাস.রনিক পদা**র্থ** 

লংগ্রহ করা এবং তা নিরে কাক করার অস্থাবিধে অনেক। সম্প্রতি মধাপ্রদেশের মাহও-এর পদ্ চিকিৎসা কলেকের পদ্ধেশালন বিভাগ পচনের হাত খেকে ভিম রক্ষা করার ব্যাপারে অভানত সহজ অবচ প্রার নিরধরচার করা বেতে পারে, এমন একটি পাশতি বের করেছেন বা গ্রামাণ্ডলের মানাবদের খাবই উপকারে আসবে।

धर करना धर्कांठे कोटका गर्ड करह নেওরা হয় : লম্বা, চওড়ার এবং উচ্চতার পু ফুট। বারর কাছে ঠান্ডা ভাষগাত গতাটি কৰতে হবে বাতে সহজে ভার উপর লক্ষা বাখা বার। এর ভেতরের দেওয়াল সিমেণ্ট দিয়ে প্লালটার করে নেওরা হয় ই'দারের উৎপাত থেকে বাঁচৰ ভানো। উপার বাকের মত ধাতব ঢাকনা দেওয়া থাকে। বাবের মত এই গতটির মেঝে পাতলা করে বালি দিয়ে চেকে সার দিবে ডিম্পালি ভাব উপর সাজিতে রাখা হর। প্রতিটি সারির ঐভাবে সাজন হ**রে** গেলে ভার উপরটা আবার পাতলা বালি गिर्ड एएक एम्बरा इंड अवर के वानिह উপর সাজান হয় আরু এক স্তর ডিম। काकनात निर्फ न्यो फिरमत मण কুৰা দৰকার। সাধারণত এইভাবে একটি বালে ১৮০০টির মত ডিম রাখা কেতে পারে। নাডাচাডার সূবিধের **क**रमा ১৬০০টির বেশী না রাখাই ভাল। বাস্তৃতি न हे क छित्र यक ना कतात छिल्लन। इन. এতে করে সহজে এটিকে পরিক্ষার করা বা প্রবোজনে এটির বালি পালটন সহস্ক হবে। मत्त्व इ एक व्यव जावल्यात व अ क कहा বেতে পরে। পরীকা করে দেখা গৈছে: এই পশ্বতিতে যে কোন ডিম পনের খেকে কুডিদিনের মত ভালভাবেই সংরক্ষিত করা हरन।

সমর্বাঞ্জৎ কর





# णाश्वारा. जादिसदायां जातदन जाशतादा!

ভাঙিনিয়া ভাষাকেঃ অপরূপ মিল্লণু की (बालारबद, की बावारबत)

किवछात निशाति है

এসকোয়ার সিগারেট খান, তাতে विरमनी मूला दवंदर वादन।

विदम्भी सूखा वाँ छात बात विषमी मुखा व्यक्तत

> CC 9. 2016

গোল্ডেন টোলাকো কোং व्यादेखने लि: तायाहे-१७

ভারতের এই ধরণের রুহত্তম জাতীয় উন্তম





#### क्छा/क्वर/क्रिक्ट

প্রাণি অনুস্বার সমরে হঠাং কালাবাজিতে আলালোল পড়ে গেল। সংবাদ
অভিনে পড়ল ক্ষেত্র বুলে চারলিছে। কালা
লোলভ হোকেন ইল্ডেললা ক্ষেত্রেন।
মেরেরা চিংকার করে আস্মান কাটিরে
কাবত্র। পাড়ার বে বেখানে ছিল হুটে গেল।
বে লন্নল সেই বললে ঃ ইন্ না লিলাহে...
ভাকেউন'—ভার আভার আলিভাভ হোক।

ি কাজী সাহেৰ ছিলেন বি-এ পাল, সোমা-দশন, সনালাপী, মিন্টভাৰী। সমগ্ৰ পাঁবর কোরন্দান তাঁর ছিল ম্বেশ্ব। তারবাঁ ফার্মনী উপন্ন বাংলা ইংরেজী জানতেন তিনি। নামাজ পড়তেন—রেঞা ক্রতেন



কালী সাহেৰ ভার সংখর গোলাপবাদানে অসে সাদ্য পালকের কলমে কি সম্ব লিখডেস

মিৰোকৰা বলতে ভার ভাষণ অস্বাস্তবোধ **ब्रह्म मृत्रद्यात, मामनायाज, प्रतिश्रहीनामत** তিনি দেখতে পারতেন না। বেসব ভাষা তিনি জানতেন সেসৰ ভাষার কবিয়া ছিলেন তার প্রিরজন। বেমন সেখ লাদী, হাফিজ, टैपबाम, हेकवान, ब्रु.मी, ब्रवीन्सनाथ, नक्कबुन, সত্যেন্দ্রনাথ, সেকসপীরর, শেলী কিটস, বাররন। কাজী সাহেব তাঁর লবের গোলাপ-বাগানে বলে সাদা পালকের কলমে জাফরানের লাল কালি দিয়ে স্পের করে কিসব লিখতেন। অনেক সময় দেখা বেড তিনি ব'ল হয়ে ক্লীজ চেরারে পড়ে আছেন **छक्, मृत्र कात कातकान मन्नीत्कत वारमा** তর্জমা পড়ে শোনাক্ষে তার কলেভে পড়া নাতনী। বড় মেরের মেরে আদিব্যা থাতুন। ছবিটি বড় স্নিশ্ধ মধ্য।



बाबी लीवर द्यारमन खाँवरम नावि बाजाव बारवाला किरमान । स्थापात हरूप शाय-ছামান্তের পথ পাড়ি দিয়ে বেন্ডেন থানার बरादी कारक। कथाना घार निरंदन मा। সেসব অভিজ্ঞতা তাঁর বিচিত্র। খনের কেস. আসালী খানার এসে পারে ধরত ঘর নিরে ভেস হালকা করে দেবার জন্যে জোঁকের মন্তন পারে-হাতে জডিতে ধরত। তিনি ভর দেখাবার জনো বাতাসে চাব্র আন্দোলিত করতেন। কিন্ত অন্য সব দারোগা প্রালসরা বিরুক্ত হত। তারা ঘ্র নিত। আর হতে कहनार्ड कहनार्ड जन, द्वार कवड. भाने সারে বেচারীর কেস্টা একটা মিস্টিক করে। মানে 'ধোঁরাটে' করে।' একটি নারী-ঘটিত বাংপারে তিনি দারোগাগিরী তাাগ ক্রেন। নারীটি ব্রতী বধ্য। স্বামী আবেদন করে ভার স্থাকৈ বেন ভার বাপের বাড়ি থেকে প্রালস উত্থাত করে এনে দের। স্তার বাপ কন্যাতে আটক করে রেখেছে। পর্নালস গিতে উন্ধার করে এনে মেরেটিকে খানার अकर्तात एक्ट एक । जात न्यामीत वम्रान দেবর মেরেটিকে চিনিরে দেবার জনো গেশেও ভার হাতে ছাড়া হর্ন এই জন্য বে আবেদনে স্বামীর হাতে সে:পদ' করার কথা ছিল। স্বামীকে সংবাদ দেওরা হরেছিল লিখিত-ভাবে বে সে বেন আগামীকাল ভার স্টাকে नित्र वाद्यः

কাজী সাহেব সেদিন থানার ছিলেন না । কোটো গিরেছিলেন একটি সেসন মামলার বাাপারে। রাভ এগারোটার ফিরে ভিনি প্রহরী প্রিলের কাছে শোনেন একটি অম্ভূত ব্যাপারের কথা। ব্বভী নারীটির উপরে নাকি যৌন অভ্যাচার করা হচ্ছে মুখে কাপড় বেখে করেনখানার মধ্যে।

কাজী সাহেব তরি চেম্বারে চুকেই
শাংকরমাছের ছড়িটি নিরে প্রহরীকে
ইপ্পিতে ডেকে নিরে গিরে তনজন জত্যাচারীকে এমন চাব্কালেন বে ভালের গা-হাত কেটে রক্ত গাঁড়রে পড়ল। মেরেটিকে
মূক করে দিতে সে কাজী সাহেবের পারে
মরে কেবলই কাঁদতে বাকল। 'পুমি আমার
বরম বাপা। আমার মলার পা তুলে গিবে মেরে কেবল।...এ জীবস আমি বার করে
লোব। আমারে হেড়ে লাও, নদীতে কাঁপ দোব। আমার আমী ব্যন জানতে ত্থল আমার কি হবে?...অন্য প্রের্ব্যা আমাকে
নন্ট করেছে...জারার তালাক হরে গেছে...
এবল সেই স্বামীর ঘর আমি কেমন করে
করেশ...



এমন চাৰকালেন ৰৈ ভালের গা-হাত কেটে রস্ত গড়িয়ে পড়ল

কালী দৌলত হেনেন কাপছেন তথন, উবেলনার আর ক্ষান্তে দুঃখে। তাড়া দিলেন তিনি ঃ ছুপ করো। তথাক তোনার হাব না, এটা তেমার ইচ্ছাকৃত পাপ নহ। তুমি ব্যামীকৈ কিছা জানাবে না। তুমি আমাকে ধরম বাপা সন্বোধন করেছ, কান্তেই ব্যাপর বুকুম মানতে হবে। নচেং তুমি ধন্ধস হরে বাবে দ

মেরেটি সারারাত কাদার পর স্কালে শ্বামী আসতেই চোধমাধ মাছে ফেলে বদলে, আমি বাব।

কাজী সহেব খুশী হলেন। থেরেটি 'কদমব্সী' (মাখা হোট না করে বসে পারে হাত দিরে সালাম) করে উঠলে তিনি মাধার হাত ব্লিরে বলেছিলেনঃ 'এস মা!' তারপঞ্জ কাজী সাহেব খানার কাজ ছেড়ে দিলেন

4000

নিকের স্বাস্থ্যর সুবাসভা বেখিরো। কেন্দী ভাকে খনে করার কেন্টা চলচিক।

এরপর তিনি করেকটি উন্ পরিকার অনুসীকার কাক করতেন। কিখার হাপার আলে তিনি তার সংকর হত্যাকরে সবটা লিকে দিতেন। আর বাকি সময় আরবী কারসী পড়াল্লের করে কলকাডার বিদ্য কাটাতেন। ভার গৈতৃক নাধারাত সম্পতি হিল এই
শো বাট নিবে। সানি করেকিলেন বৃটি।
সম্ভানা-সম্ভতি ভার বোট বারোটি। অনেক
আত্মারাক্ষম—শাড়া-প্রতিবেশী। স্বাই
আহা ভারী করতে বাগল ভার মৃত্যুতে।
করেকীলন নাকি ভার শরীর ভাল বাছিল
লা। ভার—পদ্শসলাশ চোধ বৃটি লাল
ভুটের মতুন হরেছিল। তিনি বুখন মারা বান

ভার ব্ৰেক ওপতে শবিত কোরজান খোলা ভিল। ভার ব্যক্তর সমর কেউ কাছে ভিল না। এক বাভে কাঁচের রঙিন বাভি ভার এক প্লাস পরস ব্য নিজে আশিবরা খাভুন ভার এলে ভারতে, পাব"...

কোনো সাড়া সাল নেই। হঠাং আলোপড়া মুখটা দেখে ভাঙ্ক হাত খেকে গুৱের জাসটা পতে গেল।



कारणा प्रकारभागः। जन्मावर्गित करण केट्रेट्ट मध्य क्या पदा ग्रहाः

काकी स्त्रीमक इदास्त्रसम्बद्धि वहस्त्रम बदस्य वा अवस्था स्वास्त्रम होत्रहम इ

े जागाव राष्ट्रांश गमन अग

সাভ সাগরের পারে থেকে বে... আকাশ তেওে বাজ নামক

'जानवादेखा'

সোলার ভানার ভর করে বে... আমার বাছার 'হুহু' বাবে

-

ন্ধানন্দের পাহাড় পার হরে রে... এ আল্লা, ডোনার বিভান্ন কেলন হল— না রইল চাঁদের ব্যস্তা

অপৰ তলায় কৰে

ছেলে গেল অভিন দেশের

লাগরীতে ছে...

ও আলা, তোৰার আজরাইলা

चुन क्रिक्ट ख---

ছাম আমাকে আমান দৌলত সাজীর সপোর সামী করো লো...

কাৰী দৌলত হেংসেনের বড় দ্রী ধীদহেঃ

আমার হাতের চুড়ি কৈ ভাঙলে গের কে উলোম করলে গো

আমার দ্নিরার 'লেবাস!' (পোণাক) কৈ আমাকে করলে রাভের বিবাগী, ভার নামাজ রোজার সোনার সাঁকো কেরে সৈ চলে গেল!

আর 'অভাগী' ক্ষর্যন্তি' পদ্ধে বুটল দুনিরাদারীত্ব 'বালা-মসিকত'

ইবল প্রনিরাপারীর 'বালা-মসিবত' ভোগের জনো গো---

জাল্লা আমাকে ভূমি নিলে না কেন গো—' কাজী লাহেবের স্বিভীয় গক্ষের ব্রভী

न्हीं कॉन्ट्स इ

'ওগো আমার লেছের <mark>মালিক</mark>

मरमत्र मामृब उत्ता-

ওলো আমার এই বৈৰদের বাগাদের মালি

व्यासाद साम्बद्ध--

কোশার গেলে আর তোরাকে পাবো—
আমার মনের আবারে রুট ঠেকিরে
আকালে উঠব আরু শরতান বেতেশ্তের
লো-মই কেভে কোকে গো—

আলার বিচার কি এই হল?

**करे जब बाव्हारमत श्रृथ ठारेरव रक**ी

ভোমার পালকের কলম, ভোমার কোরজান, ভোমার পরিহান আর কে ব্যাবার করবে?

ভূমি ছিলে হছং জন্ম প্ৰিটা জন্ম সম্প্ৰি

ক্ষনো পাঁচটা আঙ্ক বসাওনি গারে... ডোমার সাথী হতে পারি যেন বেবেপ্তে

ৰদা বাহ্ন্য কাজী বা সৈরদ-বাড়ির ভাষা অনেক মাজিভি গ্রামের চাষীবাসী গোসস্থদের টাইতে।

কলেজে-পড়া-মেরে আন্বিরা খাড়ন সাপ

टिक्नाटमा न्यूटल एडमन करत काला ट्यार्टीम । छात नाका भात । ट्यार्ट्स काला साम्य करत न्यूट्स काल्य हाल्य स्टूट्स काल्य हा छात न्यूपी जाल करत रयाह । महत्व मास्य हा न्यूटी न्यूट्स । न्यूट्स रूट्स काल्य हा न्यूटी दिख्य मास्य । महत्व क्रांस्य काल्य हाल्य न्यूट्स र्माहरूप । महत्व क्रांस्य क्रांस्य न्यूट्स रमहत्व । हा महत्व क्रांस्य हाल्य काल्य नाम्य मास्य मास्य मास्य काल्यान काल्य जिस হাজান টাকা, একটা হীরের আটে আর একটা নেকলেন দিনে গেছেন। অলেছেন, একন জেলার বিনের উপছার। আমি হরতো আর বেশি সময় বাঁচন না। বীপ নিবে আর্মানে

আন্দিরা বাধরে বৃক্তে বাধা রেখেছিল। তথ্য তিনি অন্তুত একটি বাবহার করে-ছিলোন। সাধার হাত ব্লোতে ব্লোতে



व्यक्ती काल तारम धरम कृतमा त्यरक्रीकरणमा । अरक्यारक रहेरिके रहेरिके मिरल, सब्द मारमस

আদিবরা বাবা দেরন। দাদ্র বাবহার
কথনো আশালীন ছিল না। ইরতো মধ্রে
এক দেনহের দান এ তার জীবনে! এ চুম্বন
ছিল পবিত্র—নিশ্বাম।

সেই কথাই তো ভূলতে পারছিল না আন্বিয়া। চোথের পানিতে তার ব্ৰুহু ভেসে বাহিছল।

किन्छ ग्रां वर्ष निर्धात !

দুক্তন লোক এনে বৃক্ থেকে কোরআন
সরীফ্রানা তুলে তাতে চুমো খেরে তুলে
রাখলে লাল কাপড়ে জড়িয়ে আলমারির
মধ্যো। মেরেদের সরিরে দিলে। বারাদদার
চার-পাঁচ আটি খড় এনে তার বাধন খ্লে
বিছিরে কাজী সংহেবের মৃতদেহ তুলে এনে
পান্চম দিকে মাথা করে সেই ব্যাঘাসের

चगरत ग्रेंस वर्षीं हास्त्र हाका सित्त सिटन

ধানার অত্যাচারিতা ধ্রম মেরেটি এল তার প্রকন্য আর ব্যামীকে নিরে। বে খ্র ক্লিতে লাগল। এল জামাই মেরেরা। সকল ভেলে ভেলেদের শ্বশ্বে শাশ্বি।

আন্বিরা তার বাংশর হাতে দিলে একটি
কাগজ। দৌলত কাজাঁর দলিল। কাকে
কতথানি সম্পত্তি বা জিনিসপত্ত বর-দ্রের
দিতে হবে তার নিদেশ। আম্বিরাকে বা
দেওরা হরেছে দেখলে তারও উদ্দেশ করা
আছে। এটি গতকাল পর্যাত ছিল না।
আম্বিরাকে দেওরার পর কখন লেখা হরেছে।
তার নিজের হাতে লেখা। ছড়ানো অক্ষর।
বাকি সবটা আম্বিরার হাতের লেখা। এক
সম্ভা আগে এটি লেখা হয়। তার বালিশের
নিচে কাগজটি থাকত।

ভাগচাবে অনেক জমি বেরিয়ে গিয়েছিল

ভব্ পাট্য পাট্য সভাৰ বিষয় আন তিনি।
নুই আঁ, আৰ হেলেবেরেদের মধ্যে বধরা
করে নিরে গেছেন। কাউকে হভাদ করেননি।
স্বিচার করে গেছেন। একপোটি গিনি সোনা
ছিল—সেগ্লো স্বাইকে বধরা করে দেবার
কথা বলে গেছেন। এসৰ করবে বড় জানাই।

পাড়ার কারো মৃত্যু হলে সংবাদ শোনামার আহাদ আলী আর রহমত দেখ আসে কবর খুড়বার জনো। তারা কোদাল কাঁধে নিরে একে দাড়ালে গোরন্থানে গেল বড় জাম ই আনোরার আলী। সেখানে এক হাাজাক লাইট। আনোরার আলী পারের জুতো খুলে দাড়িরে দোওরা-দর্দ পড়তে লাগল। সে বা কললে তার জর্খ ঃ 'হে কবরবাসিগণ, আপনাদের উপর আল্লার আলীবাদ ববিত হোক। স্কংবাদ নিন বে 'কির মত নজাদিশো অর্থাৎ শেষ বিচারের দিন কাছেই এসে পড়েছে।'

### गाशताद श्रिय गार्ख काश्रु व्यक्तित!

### ਦਾਵਿੱ ਹਿੱਤ ਰਿਭਾਰ 🕦

ভূমংকার সেরা সেরা কাণড়—পণ্টিন, ডুল, লংকুৰ ইত্যাদি — ক্যায়া গাছে। বজাবুড, অনেক টেকসই ও অপক্রপ কিনিশের, বাডে অনেক খোলাইরের পরও নতুনের যতনই যাজে এবং জনিকও ক্যে বাকে।



## **अ**तिएए।

'টেরিন' কটন শাটিং নিব্তভাবে বোন। কেভাছরত চিনিন। বাবারক্ষের মনোর্য রঙে পাবেন।



### शाख आदावदम

'টেরিন' মেশানে। স্থাটিং সংসমর পুল্যকে সানানবাতিক। উক্ক সামা থেকে রাজা ও রুলর রুলর পুনর থাবা বেকবারিকে।



क्षणकावन: बाहुता विन्तृ (काः निः,बाहुताई



ভারপর সে কবর খাছবার ভারগাটী দেখিরে দিতে আহাদ আলা তার পারের সাতে 'শাউড়া' ভারগা মেপে নিরে উত্তর-দাকদে লিকা করে পাড়েরে শার্র করে। 'সিধেনের (দিরের) মাটি সিথেনের একপাশে রাখলে আলাদা করে। পারের দিকের মাটি রাখলে পারের দিকে। কররের মাটি কররেই দিতে হবে। অনাখনের মাটি দেওয়া চলবে না। রহমত শারেগালে করে ছাট করেই দিতে হবে। অনাখনের মাটি দেওয়া চলবে না। রহমত শারেগালে 'কবর ছোট হবে না তো, কালা সাহেব যে রকম লক্ষ্মা লোকা

আংহাদ বললে, গৈদ বার জগতের চোক্র পোদ জানে সায়েড় ডিন হাত। কাকী সাক্তাবর হাত ছিলা আঠারো ইন্ডি—আমার সমনে। ঠিক সাত পা মালেই হবে।

चारमाहाद जानी हरन दन।

একটা নতুন মাতির সরার কুল কাঠের তাগানে কোবালা ধনো পঞ্জেছ। মোলা সাধের মাল্রেরী পেতে কলে তের পাল কাকনের নাতুন কালাক কেড়ে 'কেলাকা' 'পরিষানা' চাসর তৈরি করছেল মাঝার ট্রীপ নিরে। যে সাতে ভাজনের কালাক থেকে সাতে। তুলে সেলাই করা কছে লে সাড়ি জার ব্যবহার করা চলাবে না। কালাবেগাল চলেকে মোরেলের

টিট কোলে হিম্মু গ্রামান লেকর জাসভান সালের তাম থেকে টিবা নেকে সহামান্ত্রি জানিকে চলে ব্যক্তিন করিব মধ্যে এই রাতক্যবাধ্য লোক ধারে না

ভূপে হা বিরাট ভাষার দেশ । চাড়িতে পানি শব্য করা হচ্চে: ভাতে স. চারটে কুলপাতা ভেড়ে দেওরা হারেছে। তেসেকোর সেন্দেশন বাবস্থা হচ্চে: কাটারি মেরে বাঁপ কাটার শব্দ হচ্ছে সামনের কাড থেকে।

দ্র্যালানের একলিকে কাণ্ডু দিকে ছিত্রে দৈওত চলা লাভ গোসলা দেকে হাত ক্ষেত্র থাকে। আক্র ক্ষুত্র পার্থিক হারে হাত ক্ষ্মুখ ব্যব্ধে। আক্র ক্ষান্তর সাহের হাত ক্ষ্মুখ ব্যব্ধে। আক্র ক্ষান্তর সাহের কাল্যা আভ করে হারে ভূলো ভ্যান্তর সময় লোভবিহালে করে চোপের পার্যান্তরভা নিজিপা লোভবানের সাহ্যাত শ্বান্তে সকলো। পরেবের প্রেক্ত্রেলর গোসকা লোভ সকলো। প্রেক্তেলর এক বিশি। একটি ভক্তার ওপরে লাল শোলানো হবে।

কাকী সাহেবের দেহের গোলাক ব্যক্তি কেলা চল: লোটার করে 'কলপ একট্ গ্রম-করা-পানি আলেড অলেড একজন ঢালতে লাগল লাবা; বেকে পা প্রকির লা ইল হা ইল্লাক্লা; মোহাম্মদর রস্লাল্লা; বলতে বলতে। স্বাই ভাই পড়তে লাগল অলক্টি-করে গ্রেপান করে: স্বাহিধ সাবান নাখানো হল সারা দেহে বিদের প্রক্রির প্রেটার মধোর মরলা; বার করে দিরে। গানি ঢালা হছে লাগল। মোহান্তা, বার্থি ভোট ট্রেরেরা কাপাড়ে মাটার চেলা; বোধে ফ্লান্তার ন্তি। প্রের্থানা প্রস্তাবের ক্রাক্ত্র

মোছার জনা ব্যবহৃত প্রবা) পাঠালেন !
এখনভাবে প্রাীর পরিক্রার করতে হবে কেন
এগুটুকু একট্ন মরলা কোছাও না থাকে।
সোসলা দিতে ঘণ্টা দুই সময়ও লাগতে
পারে। গোসলের নোংরা পানি গাঁড়তে এনে
পাড়বার জানা ছাঁচের নিচে কোনলা দিরে
গত খেড়ি। হয়েছে। সেই গড়ানে। পানির
দিকে তারণলো এক বিষ্যাবহার মনকে আজ্বর
করে।

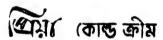
গোসৰা দেশ হলে মেলাজী কাফনের থিবলকা পারিকান, চালর ভেহবনা পারিকা বৈদা লোকোনোর ধেলালা কোকে আহর, গোলাপানি ছড়িরে-মাবিলে দিয়ে। বাব সাবধানে নোকে পানির স্পরা বাহিনে লাস ভুলে ধার প্রকার চদত্র গোকে দেশে পারের বিকে একজন এবং মাধ্য নিকে আব একজন ধরে ভুলে এনে অদ্যানের ইপর বাং। খারের মধ্যে বাহিনে কিলাই কেরে প্রকার কিলাই কেরে প্রকার কিলাই কেরে কালার কিলাই কেরে কালার কিলাই কেরে কালার কিলাই কেরে কালার কিলাই ক্রেন্তের বাংকার

আনার' (সমজের) বাঁধানো কাঠের খাই খাকে না তরা আনে কাঁচা বাঁদের খড় দিরে বাঁধা খাট্লিন। ছেলে কামাই ভাই ভাগনে ভাইপো যারা খাকে, গোসল করে, অক্স্রুকরে, ভাল কাগড়চেপড় পরে এসে খাটে কাঁধ দের। দর্শে শারীফ পড়তে পড়তে লাস নিরে চলে যার প্রেবরা সকলে কবরখন র উপ্দেশ্যা একজন লোক ম্যুত্র ব্রেকর উপর হাত বিরে চলতে খাতে।

কর্দশানের সহিকটে কোনো পরিষ্ণ ই ভারগার খাট খেকে লাস মাটিতে নামিকৈ রাণা হর উত্তর দিকে নাথ করে মোরাজী ভানাজা পড়ান মাতের কোনো নিকট আখ্যালর অনুমতি পেরে। প্রবাদ এই বে কোনো জালত মান্ব্যক খাইতে এই ভানাজ্যানর মামাজ পড়া হলে ভার প্রশাল্যাক উল্লেখ্য

এরপর কবরের কাছে আনা হার কানেকে। কবর খেড়ির কাল গেষ হলেও দ্যান ববর ডেছাড় বাওরা নিষিশ্য। বারা কবর খাড়েরে

ভালত নতীতে জল বা সাধান যায়না ব'লে সেখানে মছলা অ'লে জ'লে আসনার ভক ক্লক্ত, বিবর্ণ প্রধান : বিশ্বরা কোন্ধে জীলা সেই পভীরে চুকে ছুলান্দ্রলা: পরিভার ক'রে আপনার ভাকত তাক্লব্য, লাবণ্য, কঞ্জীয়ত। অকুন রাখে। তাই বাক রাতে স্ততে যাবার আগে বিশ্বরা কোন্ধ জীলা নাপুন : সকালে উঠে দেখবেন আপনার অক ভোরের ভাজা কুলের মতই উন্ধান লাবগায়ত্ব।





## জরুরী দরকারে একটি 'এভারেভী' টর্চ হাতের কাছে রাধুন।



श्राता काम करत मां जाना शर्मक स्थापन नका इस मा। नान बंदन र सम काम दलक बाज क्यरबंद मूं माधाम। क्यरबंद क्रिक्टरी इमरकात मन्त्र। अस गुरू निष्क। जान बदद নিয়ে নামিরে আন্তে আন্তে প্রাইরে বেওয়া হলে হাতের এপর তর ছেবে পাছের জিঞ লোভটি উঠে আসে। মাধার দিকে লোভটিকে হোলাকী 'মন্ত্ৰা'র মাধের কাকন খালে কেলতে বলেন। ভারপর পাঁবর ভারভার ৰেকে একটি আয়াত পাঠ কৰেন ভিনবাৰ। লোকটিকে তা আব্তি করতে হয় আৰু প্ৰতিবাৰ মাতের মাথের কাপড় খালে আবার ছাপা দেওয়া হয়। একে বলে পেৰ ছ্ৰ-দেখানো।' আরাতের ভাবার্থ সম্ভবত 1 এই পাৰিবীর আলো বাতাস, বেখামে ছাঁছ ছিলে আৰু তা হেডে তমি বিদার নিজে বাজা

এরপর স্বাই এক মুঠো মাটি ইাছে করে বরলে মোলাজী পবিত্র কোরজানের ২০ মান্তর সূত্র অনুজ্ঞেরের ৫৫ মান্তর অনুজ্ঞেরের ৫৫ মান্তর আলোর হা মিন্তা খালাক্যাকুম (এট মোটি) বেকে তোমানের আমি স্তিক্তিয়া সকলে মাটি দেবে এই কথাটি বলে প্রথম ।

আবার মাটি নিরে শিকটারবার বলবে,
আনিকা নোরিপেকুমা (আর এতেই (এই
নাটিতেই) চঙামানের ফিরে পাঠাবো) বলে
নাটি দেবে কবরে।

ভতীরবার বলতে হবে ঃ 'জ-নিন্হা চনাধরেজাকুম ভারাভান ওপারা' আর এর (এই মাটি) থেকেই আমি ভোমবের বিষ্টারবার ভূলব ] :

ভারণর শিরবের মটি শিরবে, कार्ति भारत्व मिरक गीमरत् मिरत क्यरत्व छैनाइ मापि हरेहा हमश्रहा इटव । क्लामान श्रह মাটি টোনে নিডেও দেবে নেই। কবর উচ্চ হলে হাত দিয়ে চেপে চেপে সমান করে এক ঘড়া হা এক ব্যক্তি পানি মাথার দিক থেকে পান্তের দিক প্রবিত্ত আন্তেত আতেত তেলে ছিতে ছবে। নারীর কবর ছলে বাকের সো<del>লা</del> धाकरो। त्यारे जिलि करत रत्न दत्ता रत्न। स्मरत-দের কাউকে কবর দিতে আসতে নেই! এরপর চারটে খেজার পাতা ধরবে চারজন। भूता कलक, भूता कारकत्म, भूता मान, স্থারা ইখলাস (খেকোনো চারটি স্রো) থেকে একটি করে আয়াত ৫ বার বা ৭ বার পড়ে কবরের চার মাথার সেই খেজার পাতা প্রভে দিয়ে ভাদের জটা বে'ধে দিরে বে বা আনে দেওরা-নাম্য পড়ে তোনালাভা বা আৰ্থনা করে সারা ক্রমেশানে পোলাপদানি ছাড়ারে নিরে চলে আসবে। অন্পশ্তিত বাজি সংবাদ পেরে কিরে এলে তিন দিন পর্যাত করে বেওরা বাবে।

ম্তের যাড়ির লোকজনকে পোসল করিরে থাওরা-বাওরা করানোর জনো আছবিক্ষকন বা প্রভিবেশীরা ধরে নিরে

সাত বিম একুশ বিদ্ন বা একচীয়াণ নিদ্দ পরে 'হোলা পাড়ানো'। 'ক্যিকে নালে' বাওরনো। কবরের ব্যবস্থা বাসনা থেকে কবিবরে পর্যাত উসলামে একট বিহি—সারা বিক্রের স্থানসামের জনা। হোলা পঞ্লোল হল কিছু হোলা জাগের দিন ভিন্নিরে রাখা হর। সাওরাত (নিমন্ত্রণ) দেওরা দোলা বা লোলভীরা এনে করেকজন সেই ছোলা একটা একটা নিরে লা ইলাহা বলে পঞ্জত বাকেন। জাগে ক'হাজার ছোলা আছে পূরে নিরে কভবার পঞ্জাল তবে এক লক্ষ্ ভিন্ন্ত হলা। বলনা এক লক্ষ চন্দ্রিক বরে নিতে হল। কেননা এক লক্ষ চন্দ্রিক বরে নিতে হল। কেননা এক লক্ষ চন্দ্রিক বরে নিতে হল। কেননা এক লক্ষ চন্দ্রিক বরে করেলত মেহন্দ্রম হলরত আদমাধ্যক পরপ্রকর্ম হেন্দ্রম পরণিত। এরপর অর পরপ্রক্রম হবেন না। ছোলা পঞ্বার সমর দুধ্ লা ইলাহা বলা না-জারেল। কেননা



क्षेत्र अर्थ भारे ब्राह्मां। वनत्त्व इरव का हैनामा हेन्सान्ना'—वाकिया ब्राह्म मारक बनतन्त्र इन्हान्य।

্মোলভীরা আগেই কোরআন শরীফ পড়ে শতমা করে রাখেন। পড়তে বাফি থাকলে এলে পড়ে নেন। ৩০ সেপারা পাঁচ কড়েকনে ভাগ করে নিরে পড়েন। এ সব কাক শেব হলে করর 'জিয়ারত' করতে

বৈতে হর। তারণর খানা খাওরানে হর। বার বেমন ক্ষমতা সেই অনুসারে বার

দোলত কাজীর ছেলেরা তাঁর খানার জন্যে রেখে বাওরা তিন হাজার টাকা ব্যর করে। পাড়ার লোককে খানা খাওরার। শতম পড়ার। 'মিলাদ মহফিল' দের। অতিথি মিস্ফিক্সন্দের কাপ্ত টাকা-প্রসা দের। মৌলভী মোলাদের টাকা নিতে হয়। বলিও ভারা ভারানা।

মাতের আছা ইলিন' লগুবা তিনিজন বাই স্থানের বেখানে হোক লটকানো থাকে। প্রথমটি প্রাভাবের, নিকভীরটি পাগীদের জনা।

আল্লা বলেছেন, আধার আয়ানের করর থেকে তোলা ইবে —আয়ানের আছা এসে

# এই ঢাই আমি ঢাই

### निপটतের রিচক্র যেমন রং তেমনি স্বাদ





রিচবু-আগনার মনের মত চা। বেক্সা রং তেমনি রাদ। একা একা কিংবা বছুবাছার নিরে—ষখনই খাবেন তখনই মজা। এক গাাকেট রিচকুতে পাবেন কাপের পদ্ধ কাপ, কাপের পর কাপ অচের চা।



লিপটন বলতেই ভালো চা

PUD 4 DW DECK! THRINGS MENTA খাঁড় বে। পরিবা তার আগেট ইসাফিল रक्राराम्बर विकास वाकारम एक्टक हरासक হয়ে বাকে। পাহাত পর্যন্ত হলোর মতন केटल बाक्टबा नवांत नकटन इस वास्त्र। ছাথার ওপত্তে সূর্ব নেয়ে আসবে। ভার হাজার মূপ খুলে দেওর। হবে। যামের ছবিয়া করে বছৰ। যে বছ পাপ করেছে ভার হাত পা ইন্দির সব সাক্ষী সেবে। आचा महिक केवन स्वत्य वयम श्रम्म कहा श्रद। भाभीकेरमद गाँख शरद दिक्छ। शाबा बाकरव फेरन्छ। भिरक। भूगाःचारमञ ম খ্যাপ্তল হবে জ্যোতিমার। এ সব বর্ণানা আছে 'খররল হাসার' নামক বাংলা পর্ভিতে। রোমহর্ষক বর্ণনা। কোরআন শ্রীক্ষর সরোর বহু, স্থানে পাপীদের প্রতি কিরকম कठिन मान्छित्र कारान्या करा शहर खाद প্রেপ্তার্থনের শতিকা নদী, ্বিক্রারী ব্য সরাকা তথ্যা বা 7,37 হাকতী রেশমের পোদাক, পিথর যৌবন, প্রবাস মণিমারার প্রাসাদ আরু আগুরে থেজার দান করা হবে ভার বর্ণনা আছে। কিয়ামতের বিচারের পর পাপীদের উম্বার করবেন সে সময় একমার ব্যক্তি তাঁর সান্দার রোলন আর স্পারিদের বারা—তিনি চিরদঃধী দাইদু অসহার পাপাদা মান্তের বংগ্রেরজার পিরার দোস্ত হজকত মেহেম্ফর তেরি উপরে আলার কর্ণা বর্ষিত হোক)।

পাপী আর পাধান্ধানের সম্বর্গের পরিত্র কোরআনে আল্লা কলেছেন:

অপরাধীদের সেবিদ টেনা বাবে তাদের সক্ষণের ম্বারা, আর ধরা হবে তাদের চুলের কাটিতে আর পারে।' [৫৫ : ৪১]

'এই সেই জাহায়াম অপরাধীর বল বাকে মিখ্যা বলড।' [৫৫ : ৪৩]

ছাটোছাটি করতে তারা এক (জাগানেক) আর টগবণ করে কোটা পানির চার্বাদকে।'
[৫৫: ৪৪]

'সে সবের হয়ে থাকবে নজনয়নাগণ—

শূপা করেনি ভালের এর প্রে বান্ব
ভাষরা জিনা' (৫৫ / ৫৬)

'खाबा अन भव्यवाग & अवाम ।' [dd:db]

কিন্তু একটি প্রথম কেকে বার কালী দৌলত হোসেনের নিবতীর পক্ষের স্থাীর পক্ষ থেকে—ৰে তার কালার মনের আবারে মই ঠেকিলে বেহেশ্তে উঠতৈ চার'—বিদ দেব বিচারের পর বেহেশ্তে কেতে পারে তবে সে কি পারে? বহু নারীই বেংহশতে

ৰাবেল-ভারা কি পাবেল ভার পারকার কোনো নিদেশি আমন্ত্র পাইনি। ছবে-'গেল্মান' কথাটি পাওরা বার। ভুরু মদি নারী হয় বেসের মান্ত্র অথবা জিন ছোর नि कथाना। वसा बाइ ना कारमा नार्वीष्ठ 'द्वार' हरह शाहरका मा) তাহলে লেক্মান' কি প্রেৰ-জাতীর? যারা লীলা করতে আপনাত দুর্গী আমার বোন च्यानाव माराव मरणा व्यवस्था कि का-फ्रोहे ना इट्ट छाइट्डा द्वार्थना कवि, দেদিন যেন আমরা জ্যোতিমর চেহারা পেরে কেউ কাউকে চিনক্তে না পারি! কিল্ড কিরামতে যখন সারাজীবনের পাপপ্রণের হিসেব দিতে হবে তথন আমাদের স্মতি विकाल श्रव तकन?

क करका ?

তাহলে আপনার কালো স্থাী আলোমর হবেন বৈহেশতে গিলে আর র্শবান গেল-মান' (কিশোর?) পাবেন আপনি তা সইতে ব্যাসক্ষে । কেন্দ্র আমানের মনের পরা তিনি তেল জানেন।

व्यावमृत्र सत्वात

এ.সরকার এও সর্জ সন মাণ্ড ফাণ্ড সন করেন এম. বি.সরকার ট্রাচিন্যনান\জুরুলার্চ

১৭১|১এ রাসবিহারী **এতিস্কু** মালিগঞ্জ মলিকা**জ** ম্যোল: ৪৬-৬২৪৮



সহজে রোগে কাবু হ'তে দেয়না

ফসফোমিন-এর কল্যাণে— বাড়ীর সবাই সুস্থ আর সবল ধাকার আনন্দে সমুজ্জ্ল।

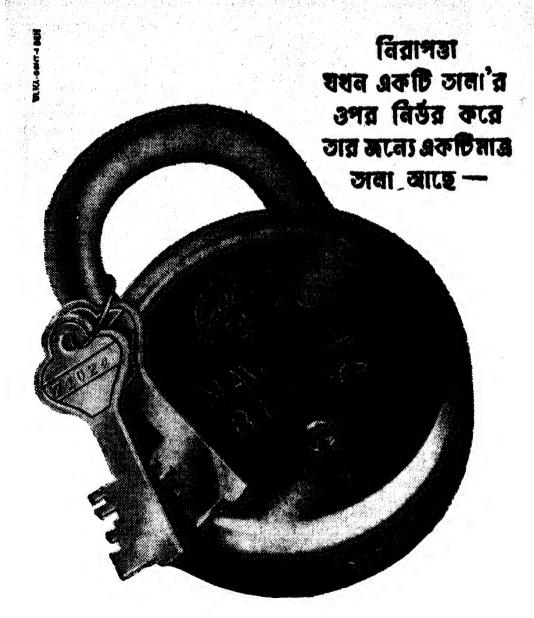


ক্সজ্যোমিন—কলের পদ্ধে ভর। সবুক রংবের ভিটামিন ট্রনিক বি ক্মপ্লেক্স আর প্রচুর ব্লিসারোকসংকট্স দিয়ে তৈরি। ৪ই আর. মুইব এও সল ইনকপোরেটেন্ডা এক্টিটি ট্রিকট

अद्यासक मार्ग कार्य कार

BARABHAI CHEMICALS

ships ac 50/97 840



यागरात रत-्वम मा धारि নির্ভরযোগ্য। ক্ষু এর কারিগরী, প্রতিটি ভালার कत्ना जालामा जालामा त्रकरम्ब চাবী তৈরি হয়, ভাছাড়া নব-ডাল নিরাপভার সরকান তৈরি করতে এমন ভাবে ডিজাইন করা-যাতে, খুলে বা ভেগে চুৱি কর

व्यनी निर्माणका। त्यका का रेन्सारख्य ख्यम थान बारक र'रम विष् वास्त्र मस्त्र्य । क्षि कित्र क्त्राइम स्मानस्त्रक वारमत चारह १० वहरहरू বেশী অভিয়েশ্য।

किय गाँडेट्य भारत्य : ৫০ মিলিমিটার (৬ লিভার) ৬৭ মি: মি: (৭ লিভার) we बि: वि: ( b विकास)

#### জাতীর উন্নয়ন পরিষদের অধি বেশন এবং দ্বেস শিলেপান্তরত নীজি

প্রতি বয়া বিচাতি ভাতীয় ইলারস भी <del>शांबकाम एक कॉमरकाम क्राप्त शांव</del> कारगर्व बद्धे शहराकर्ता "क्लब् পারসালা পরিকশ্যমর প্রতি প্রক্রেপ্ भागादक, शक अवस अवसाजक शास्त्राम्भ दि र्मानका श्रम्बं परबोदराम चार्च क्या হরেছিল, আঞ্চলিক ভিত্তিতে দেশের সূত্রম भिएम्पास्त्रमा स्टब क्लब<sup>4</sup> प्रक्रियमा श्रीक काशमास कामान्य क्रांच्या । व अल्लाह যোজনা কমিলন দুটি গুরুত্বপূর্ণ সূপারিদ क्टाट्स । अकी रहक कनकारा, तान्यारे, बाहाक गररका ५०० मारेका मधा मकत क्लक्लाबाना न्यांगरन छेरनाइ ना स्वका अयर जनतीं राज्य नर्जाते অংশকাকত অলপ্রদার স্বাক্তাকে লিকেশামারনের ক্ষেত্রে ঞানিকে বাবার জন্ম বিশেষ উৎসাহ দেওয়া। ক্লাকাভা শ্বরের ১০০ ছাইলের ছাগ্র मरम क्षाकातथाना न्यालान नितर्श्याह करत ৰোজনা কমিশন প্রশিক্ষরপা সরকারের কাছে ৰে সংগলিক পাঠিকেছেন ভা খ্ৰই প্রতীসাক্ষনক। এই সুপারিশের প্রতিবাদ এনেছে সব দিক খেকে: পণ্চিমবংশার উপ-म बामनही, फेराइनमन्दी अदः विकासन्ती বেমন ভার প্রতিবাদ করেছেন, অনুরুপভাবে প্রতিবাদ করেছেন বিভিন্ন বণিক সভা। এই প্রস্পো বেপাল ন্যাশনাল চেম্বারস অব কলতের সভাপতি শ্রীঅন্থাককুমার সরকার ৰলেছেন, এই সুশারিল কার্যকর হলে ক্ষিক্তমব্যুপার অধ্যানীতির ক-ঠারোধ করা **करव**ः करकरे करे दलकात कर्रानीडि कर्का অচল, অনত অবস্থার এনে দাঁডিরেছে: এই অকুবার হোজনা কমিশনের উরু সংগ্রিক কার্যকর হলে প্রদিচ্যক্রপরে অধ্নৈতিক <del>অবন্ধর আরও</del> লুভেডর হরে। এই সাপারিশের ফলে অনারত এলাকাগালির निरम्भक्राक्र्रम् ५ ५ व म्हिया हर्ष का नहा শিক্ষপালারনের শত হতে উপবার পরিমাণে खाधिक अभारित কচিমাল সরকরাই श्रीवादक्य द्यानाम अवर ज्ञूके, वावन्याननः। बीन स्काम जन्मलात न्यान्तां वक्तारादे धरे স্থাবিষাগালি পর্বাশ্ত পরিমাণে থাকে, তবে সিদ্পাপতিস্প ঐ অঞ্চলের প্রতি এমনিতেই चाक्र हरवन। धक्रमा वर्ष वर्ष महरदव পাদব্ৰতী অঞ্চলকে যণ্ডিত করে অনুমত অন্তলে জ্যার করে শিক্ষা প্রতিষ্ঠা করার **দীভি অর্থশান্দের** দিক থেকে গ্রহণবোগা ময়। শিক্ষেপালয়ন দুভতর করার জনা বে আর্থিক সম্পদ থাকা দরকার তার সরবরাহ **বাতে অকাহত থাকে সেই** বাবস্থা করার শরকার এবং কোন বিশেব এল কার শিচ্প



व्याभारमत्र याभारतः दक्तमः श्रमामनिक या আৰিক নিয়স্ত্ৰণ জাত্তি না কৰেই এটি কয় পরকার। কলকাতা শহরের সিলেপালারন राजार श्रथामण रामणी मनीत अन्त राजा-न्द्रभव शास्त्र शास्त्र: किन्छ अवस्था नामश **टब्स्सिशिवार्गन ब्बनार** करे THE PLAN शिरम्यानसन् **रदारह का नहा। और**नव ক্ষাণার এখনও শিচেণামরনের স্থেবাস স্কর গেছে। চতুৰ পরিকল্পনার কলকাতা म्मानिकिक चन्नत्वय कता त्व ८० त्वाकी **धेका क्यान अभा श्राम्य छ। विकास भारत** করা হলে শিক্প-সম্প্রসায়দের সম্ভাবনা ৰাজ্বে বই কমৰে না। তা ছাভা কলকাতা गरदात गण्डामक्रीय (hinterland) स्टब्स्ट ব্যাপক। এজনা কলকাতা শহরের আশেপাশে লিলপ-সম্প্রসারণের এখনও যথেন্ট সুযোগ আছে। বৃহত্তম কলকাতা বে "স্যাচলেশন পরেশ্রেশ পোঁছে গেছে এ কথা বলা বার না। ভাতীর উল্লেখন পরিবদের **স্ট্রাণ্ডিং ক্র্যাটির** रेवटेरक तारकाङ्ग रवाकना ७ छेन्नजनमन्त्री শ্রীসোমনাথ লাহিড়ী বলেন বে, কলকাতা-কেন্দ্রীর শিল্প-সম্প্রসারণের প্রভৃত অবকাশ আছে। সেই সম্ভাবনাকে বিনশ্ট করা অনুচিত। মহানগরগ লৈর আলেপ্যাল শৈশপ্রসার *বন্*ধ করলেই বে অনগ্রসর এলাকাগ, লিতে শিক্স-সম্প্রসার্শ হবে ৩ शांत्रणा फुन । त्याकना क्रिमाजनंत्र श्रहाकिंट মুপ প্রদত্ত এই সংপারিশের কিরুদের প্রতিবাদ শাধ্য পশ্চিমবংশার দিক ছেকেট আর্সেনি, মহারাষ্ট্র এই স্পারিশের ভীর প্রতিবাদ করেছে। বলা বাহ্নের জাতীয় जिस्तान भारतपरमञ्ज न्यानिक क्रिकि क्रि न्भातिक किरक्टना करवर्नान ।

বোজনা কমিশনের ওয়ার্কিং প্রশ্ ভারতের নরতি রাজনেক অংশকাকৃত অনরাসর বলে ঘোষণা করেছেন। অনয়সর এই রাজাগার্লি হল—অক্ষপ্রদেশ, কিছার, মধা-প্রদেশ, উড়িব্যা, রাজন্থান, আসাম, উত্তর-প্রদেশ, জম্মা ও কাম্মীর এবং নাগাভূমি। এই রাজাগার্লিতে নতুন কোনও । লিল্প পথাপন করতে হলে যে ম্লেখন বিনিরোগ করা হবে, কেন্দ্রীর সরকার ভরতুকি (Subsidy) হিসাবে তার এক-দশমাংশ দেবেন। জাতীর উন্নরন পরিকদের ল্ট্যান্ডিং কমিটি-ই এটি শিখর করেছেন। অনগ্রসর রাজাগার্লির প্রভাকটিতে দুইটি জেলার বিদ্যানারনে বিশেষ উৎসাহ দিতে হবে। বেসৰ রাজ্য অনগ্রসর বলে উল্লেখিত চত্রনি रम्बेन्ट्रीनव शरफाकिएक कर्कांचे स्वनाय শিলেশারমানে বিশেষ উৎসাহ দিতে হবে। অনুদ্রমন ক্লাক্লান্তিলতে শিক্স স্থাপনে আর কিয়কৰ আৰি'ক সাহায়া ও অন্যান্য সংবোগ-সূৰিষা দেওয়া যায়, অথিক সাহাৰ্য श्रमामकाती अरम्बार्गामाना मान्य गतावर्गहरू ৰোজন্ম কমিশুন ভাও ঠিক করকো। রাজ্য-সরকারণ, লির সভাষত জানার পরই এই शक्तम प्रकानस्वास निवस करा शरा ক্ষুদ্ৰ হাৰ্যাংগ্ৰিকে ভৱতীক দেওৱাৰ প্ৰশাস উন্ধাপিত হলে পশ্চিমবাল ও মহা-हारचेन प्रभामकीच्या अधित श्रंटनप्रमान ককথা বলে আখা দেন এক ভার বিয়োখিতা করেন। অনহাসর রাজ্যসর্কার বিচ্প-সম্প্রসারণে বে শতক্রা দশ ভাগ ভরতাত সরকারের দিক থেকে দেওরা হবে ভার সর্বোচ্চ পরিমাপ ৫০ লক টাকার বেলী इत्य ना करण न्यित रस्तरक।

#### वारिका केन्द्रको स्वाटकंड देखेक

ভারত সরকারের বাণিজ্য উপদেশ্টা বোর্ড 
চতুর্থ পাঁচসালা পরিকর্ণপনাকালে রুণ্ডানির 
পরিমাণ শভকরা সাত ভাগ হারে বাড়াবার 
পরে অভিমন্ত প্রকাশ করেছেন। পরিকরণনা 
কমিশন অবশা অনেক আগেই শতকরা সাত 
ভাগ হারে রুণ্ডানি-আর বাড়াবার কর্মসূচী 
রহণ করেছেন। বাদ এই কর্মসূচী 
কার্যকর হয়, তবে ১৯৬৮-৬১ সালে 
বেখানে রুণ্ডানি-আর হরেছে প্রার ১৩৪০ 
কোটি টাকা, ১৯৭০-৭৪ সালে কেখানে ভা 
হবে ১৯০০ কোটি টাকা। রুণ্ডানি বাড়াবার 
সম্ভাবা সব ব্যকশাই যাতে অবক্যন্তিত হয়, 
তার ক্রকণা করার জন্য বাণিজ্য উপদেশ্যা

প্রকৃতি ২৮খ বর্ণ, ২র লংকা বের হলো। লিখেছেন—
প্রেমেন্দ্র মির, ব্রুক্তের বস্ত্র, মনীন্দ্র রার, স্কৃতির মুখোলাধারে, জনাদীল জ্য়াচার্বা, নারারেশ গলোপাধারে, নারারেশ গলোপাধারে, নারারেশ গলোকার বস্ত্র, বিমলচন্দ্র ছোল, হরপ্রসাল মির, লোলাল ভোমিক, মনোজিৎ বস্ত্র, পর্যানাল মার্লিক, নারার্বাক্তিরা, কানীনকুমার গলোপাধার, সভোক্তমার চৌধ্রী, জাসীমকুক কলোপাধারে, পলাল মির, স্টেড। মির, শ্রুক্ত বস্তু, স্নৌলকুমার নাগ প্রভৃতি। এককের আগামী সংখ্যা লভ্ডম বিশেষ সংখ্যা র্পে বের হচ্ছে।
ফুলী বস্ত্র কাবান্তান্থ 'ক্যাকটাস'
সিণানেট ব্রুক্তাপে পাবেন।

একক : ২১. কালীটেম্পল রোড কলকাতা—২৬, ফোন—৪৭-৮৯০৮ **जागलात तिएकत्त** सामसाध्तीत षरतारे ठातसिम!



সাৱাদিत त्मद्रवाद थाकूते.. श्विश्च थाकूत...

শোভন থাকুন!

নতুন চার্মিদ্ আপনাকে সারাধিন লিউ শীক্তন রাধ্যে। নতুন স্বৃত্ত টনে চার্মিদ্ পাবেন। এর মধ্য সৌরত আপনাকে এক আক্র্যা হারার থিরে থাকরে। এর স্বর্তি বার্মধ্যের মত আপনাকে সঞ্জীবিত করে তুলতে, চাই চার্মিদ্।

চারমিস্

মনোমুগ্ধকর সৌরভে ভরা ট্যালকাম পাউডার

CH.TP.G.I3BN

With a With the Manager of the द्वारक व वान्स्रीकेक देवकेक म्द्रानीक्षण कारका । कारक अरब काराव माधावनकम् बर्गा-न्याधिकात बद्धा अवधि वि-नानिक होत कार्यवानी ५३७३ मारमत अन्य करहोत्वर ट्यांक द्वीते मकुम किमिटमद देशत यांगका-भ्रातकृत क्याकीक हान क्या शरारह। ক্লেম্বার ব্যবিদ্ধা সংক্ষাও বিভিন্ন দেশের সংখ্য মতুন মতুন জিনিস সম্পক্তে বাণিজ্যিক সম্পর্ক স্থাপন করার জনত চেন্টা চালিরে ষাক্ষেন। রশ্চানির পরিমাশ বাতে আরও বাড়ে সেজন্য রুক্তানিবোগ্য সামগ্রীর উৎপাদন বাড়ানো, উৎপাদিত সামগ্রীর মান আরও **উद्युष्ठ क्या, फ्रेश्गामन-अवह क्यादना, क**्टारक জিনিস বোঝাই করার আগে ঠিকভাবে পরীক্ষা করা এবং নতুন নতুন জিনিসের চাহিদা বাতে আরও বিস্তৃত হর ভার চেণ্টা করা প্রভৃতি বাবন্ধা অনতি-বিলাদের কার্যকর হওয়া দরকার। তাবশ্য উপ্যত্তি সব বাক্থাই সরকার গ্রহণ করেছেন: কিন্তু গ্রীত ব্যবস্থাগনিল যাতে আরও স্কুভাবে কার্কর হয় সেইজনাই বাণিজা উপদেশ্টা বোর্ড নতুন করে এ किनिजग्रीनत উद्धार क्रक्टरन।

बान्होग्रस बारदक्त कृत्रिका नन्नदर्क अधानमन्त्री গত ৩০শে সেপ্টেম্বর রাশ্মায়ন্ত কাংক-গ্লির তত্ত্বধারকদের সংক্রেস প্রধান-মক্ষী শ্রীমতী গাম্ধী দেশের পরিকল্পিত ভ্রপনৈতিক বাবস্থার রাণ্ট্রায়ন্ত ব্যাংকগ, লিব গার্দ্বপূর্ণ ভূমিকার কথা উল্লেখ করেন। কুবক, ক্ষুদ্র খিলপপতি, সাধারণ মান্তব, স্বাই যাতে বাংকের কাছ-খেকে উনার শতর্ত ন্ধন পেতে পারেন এবং ব্যাংকবর্ত্তিও যাতে রাণ্ট্রায়ন্তকরণের উদ্দেশ্য সূর্যাক করতে পারে তার উপর প্রধানমন্তী বিশেষ গরেছ चाद्राभ क्दब्न। ब्राप्टेम्बर न्ताःकनः निदक জোর করে একীভূত করার কোনও পরি-कल्मनः मतकारतम् स्नरे, अ कथा अधानमन्त्री ভোর নিয়ে ঘোষণা করেন: তবে বিভিন্ন ব্যাংকের ভত্তাবধায়কগণ প্রস্ভাব করেন বে, রাণ্টায়ন্ত ব্যাংকগঞ্জির স্বগঞ্জি লাখার রিয়াক**লাপের মধ্যে সংহতি আ**নার **জন্ত এक** ने नड़न खोध সং<mark>न्धा गर्</mark>टन कता नवकात। প্রধানমান্তী বলেন, বে সকল ক্ষেত্র এডদিন ব্যাংক সাহায়ের আগুতা থেকে বাইরে ছিল, যেমন খ্রুরা ব্যবসার, ক্ষ্মু ব্যবসার, ছোট-খাটো মেরামতকারী শিক্স, কর্ম চাষ-বাস প্রকলপ এবং খেটে কাজ করার ক্ষেত্র প্ৰভৃতিকে ব্যাংক কতটা আৰ্থিক সাহাৰ্য দিতে পারে সেজনা একটি কর্মাস্চী তৈরি कदा रुटक्। जामा कदा बाब, धरे वायन्था-গর্নাল অবলম্বিত হলে রাম্মারত ব্যাংকগালির খণদান নীতির একটি নতুন দিক উল্যাটিড হবে।



( आकाम )

প্রতিক বাংলা কর্ম। কেলা করে উঠে
বিজু ভার সভুন কেনা টেরিলিকের
লাই, টেরিকটনের গাড় রঙের প্রেণ্ট,
লার ভারী সোলের ভাতে। জোড়া
পার লিল। এখা ভার নার
হরে গেড়ে। কলকাভার গণেডা মহলে নাম
করে নিজে বিজু। মর্গাপ্তর থেকে ফিরে
লাসার পর আদিলের চাঙের সোকান থেকে
বজ্ঞা ছড়িরে গেছে। বিভূত একটা কেন
জ্জা। শারীরটা শার হয়ে হাত্ত ব ঠোলা
করে। সামকেরর কেনান এক ম্রান্তর আনক

জোল-চশমা পরে একটা টারল দিতেই পাছার আমাচকানাচ থেকে একজন দুজন লপা নিতে থাকে। তোষামোদকারী বিজ্ ভাতে হালে। রাজার মাতো হাটাতে থাকে। কথা ছাত্তের দের এদিক ওদিক বিজ্ বাল্ডান।

জানিল এখন খাতির করে খাত পর পর দ্বোক ডা খাওড়াল স্বাইকেঃ স্বস্থা করে কাপঃ

---

কী একটা হিচেত্ৰ বলল আদিল, তিত্তু শহুমলই লা। পতি টাকার একখানা নোট শহুদো কাইছে নিজে বিশহুকে জিজেত্ৰত করল — আৰু হুজভাল কিনেক ?

— আদা সমস্যা । কমিউনিশ্টরা তেকেছে ।
কথাটা ভাল করে কাসে গোল না বিভূর ।
সিগারেট ধরানোর সমরে হঠাৎ ভার মনে হল
অনেকলিন হর ভার সংগো হরভাল-টরভালের
আর বোগাযোগ নেই । তবা বখন নেথা
বার হরভালের দিন সব অফিস-দোক্তা বংধ,
কলকারখানার চাকি চলছে না, রাশভার গাড়ি
যোড়া নেই ভখন কেমন কেন বাক ভবে ওঠে ।
মিছিল দেখলে চন্মন্ করে শরীর ।

পাড়ার হরিশ তার পাড়ের দোকানের একখানা তক্ষা খালে চেগ্রের মাখা ফিগ্রেট ফোচছে দেখানে ভিড়া বিভূদলবল নিয়ে গৈৰে ভাৰ লোকান বিৰুদ্ধ । --কথ কৰে লো

হরিল ভর পেরে হলে—কথট তো। ক্ষেত্র চেনা লোক দেখে দিক্তি—

—না একদম বন্ধ। দালা দেলের লোক না শেরে আছে আর তুমি পরসা লাটেবে!

বিভুর সংগারী আঅপ্রভারের ছাসি হাসে।
বিভু টহল মারে পাড়ার। বড়া রাসতার
ফাটকা খেলা হচ্ছে, গলির মধ্যে জিকেট।
থরা খেলাক ক্ষতি নেই। কিন্তু তেলেভাকার লোকান কেনা খেলা। মিডির
লোকানের ভিতর খেকে কেন আসংছ
জিলিপির গাবং বংধ সর বংধ করে দে।

বিভূর গাংগরম হরে যায়: বংধ, সব বংধ

দেশের মান্ত না থেকে আছে--

শুগণিপুরের লোকটা কোন দলেব ছিল কে জানে! অত থবর বিভূকে দেয়নি ওবাং কিল্তু ব্যাপারটায় রাজনীতি আছে, বিভূ wer harries was the winds থাৰ দিৰোছল বলোছল তট-ই বা-মতন আছিল ছাত পাৰবে। এখন সে লোকটার वालवाका वर्षे किरवा बा वान कॉनटर श्वरका। अबा एका जाएन ना विक দিয়ে বোমা বাঁৰে, আঠা শংকোলে ছোটু আর কড়কড়ে হরে আনে মারাত্মক জিনিসটা, বত শক্ষের ভতই বে-কোনো সমরে কেটে বাওরার সম্ভাবনা বেড়ে বার! এমনও হতে গারত যে বিভুর হাডেই ফেটে গেল বোমাটা —ভখন কোখার খাকত বিভ? বোমা ভো আর কারো পোষা নর বে বিভূকে চিনে ছাখবে! পরশাদিন গাড়ির সেই লম্ব লোকটা বলেছিল যে তাকে সেকলে নাকি মনে হয় তার কোনো প্রিরকন মারা গেছে। कथाणे बादिएक वना: जामान त्नाकणे वाकाट পেরেছিল বে বিভ খানে। না, দার্গাপরের ट्योर द्याक्ये। विस्तृत शिवस्त हिन मा, भग्ना क নর। জোনু দলের বে তাও বিভূ জানে না। ভব্ন সে লোকটার জন্য তেমন দাংখণ্ড নেই ৰিভুৱ। ভারতকৰে বিদ এতদিনে তেমন কোনো ৰূপ হত, তবে বিভূবেত সৈনোর খাতার নাম লেখাতে। কত অচেনা মান্ত মারা পড়ত ভার হাতে! এও অনেকটা সেরকমই, টাকা থেয়ে মান্ত মারা। তবে আর দঃখ কিসের। নিজের মতো করে বিভৱ একজন সৈনা! কেবল একটা ব্যাপারেট থটকা লাগে ভার। মুটো খুনের বেলাতেই সে সেই ক্রেকার ছেলেবেলার কেউটে-ভাডা-করা বিক্রের मनांग দেখেছে। পিছনে আলের ওপর দাঁজিরে একটা মুসৰমান লোক লম্বা লাঠি তলে ভাকে সভক করে দিক্তে—ভাইরে-এ-এ। কে

### धवारतत चनना ७ वनकम मात्रम मश्या

### নবান্ন ভারতী

প্ৰকাশিত হইল

৪টি সম্পূর্ণ উপন্যাস লিখেছেন ঃ প্রেমেন্দ্র মিত্র, অবধ্যত, দক্ষিণারঞ্জন বস্থ আজিত বন্দ্যাপাধ্যায়। গলপ, কবিতা, রসর্চনা ও প্রবংশ লিখেছেন ঃ ডঃ স্নীতিকুমার, তারাশ্যুকর বন্দ্যাপাধ্যায়, ডঃ ম্কেতবা আলি, নরেন্দ্র দেব, বন্দ্যুল, মহাশ্বেতা দেবী, গজেন্দ্র মিত্র, প্রমথনাথ বিশী, অসিত গ্রুত, স্থারি সর্কার (বৈডিও) এবং আরও অনেকে।

ৰিলেৰ আকৰণ : আপন অংগনে ও ফুল আর ফুল আৰু প্রচর ছবি। মূল্য ৩-৫০ মান্ত

यत्रींगमा अकामनी

৪৩, নিম**্ গোস্বামী লেন, কলিঃ-৫** ফেল ৫৫-৭০৭৬

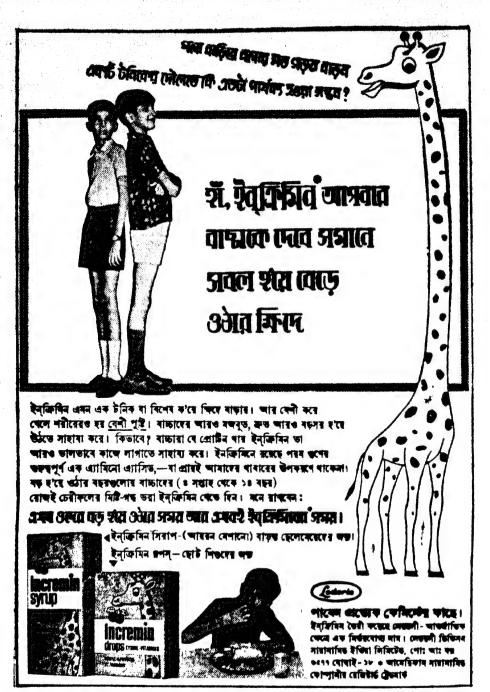
(স-৮৬১০)

के ज्ञाक्की? रकम रज पर गरवात विकृत महत्त्वम करतात ?

ভাৰতে ভাৰতে মাধা কেমল ব্লিরে ওঠে।
ব্যুলানের কাড়ির সামনে দিরে বেতে
কৈতে বিভূ দেশে বাইরের করে মানুলার
কাকা ইজিচেরারে কসে আছে। আজকাল
কোশে চোপ পড়লেই কেমন অসহারভাবে
ভাকার লোকটা, বিভূ বিভূ করে ঠেটি নড়ে।

रयन करण-जामारक रमरता ना। कनिरमरे रमाको क्षित राग्छ जरमक। ग्रिकाणा। ग्रम्तात करता थरत रमरत न्यात य्रक्षित करतीका विम्ता। ब्रक्ष अरमत भारत वरतः। बाग्ना हात मेन्यत। कमिन माता ताळ किम भरक्रक अस्मत वाक्रिक, मनस्त रूटम निरमस्य भ्रम्त मर्गास्त रहातात अभा के

তেলে বাইছে থেকে ছোৱা চলতে ছব্ন দেখিবছে। এত কিছুর পর বুড়োটা নিশ্চেক হরে গেছে। মুদ্লোর ভাই আজকাল ব্য ভরে ভরে রাশ্চার হাটে ভাবের মুখোমুখি হলে ভরে মুখ সাদা হরে বার। দিনকাত এখন জানালা কথ থাকে এদের বাসার। বিশের পর মুখুলা ভার জানেনি। ভর। কিল্ফু ভাতে লাভ নেই,



কিন্তু একদিন পেরে বাবে মৃদ্লোক।
খোলা দক্ষাটার মৃথোমাখি করেক মৃহ্তা
দাঁড়ার বিভূ। ব্যেডাটা ফালফালে করে
ভাতিরে আছে—চোধ সারিরে লিভে পারছে
মা—বেন সন্মোহিত।

বিভূ একটা হাসল। ভারপর দলবল নিবে চুটিভে লাগল।

বড় রাশকা নিত্রে জালে ডাকা কালো একটা প্রিলস-ভানে চলে বাজে। আধখানা ইণ্ট জুলে নিত্রে বিজু ছ'হড়ে বারল—শালা। বং করে পিজনের জালে লাকল ইণ্টা। ভানেটা থামল না।

পালা, পালা, পালিকে বা। হারামী! এই রাস্তা কিরে কোনো গাড়ি চলংব না আছা। সব বন্ধ-সব—।

বিলা কানের কাছে মাধ এনে কলে— থামোকা হাক্ষত করিস না, তোর গণ্য ছাটে বাবে চার্কথারে।

হারী। বিজ্ জানে। গণ্য ছাট্রার জাগেই
ভাবে পালাতে হবে। এইখানে বেহালার
ভানে কালে বিজ্ জাল কটে উঠেছ তা টের
পাড়ার ভানেরের দেরি হবে না। ইতিমধ্যেই
পাড়ার ভানেরের দেরি হবে না। ইতিমধ্যেই
পাড়ার ভানেরের নার করেছিল বিজ্ব নাম।
ভার আগো ও সির সংশো পরামাণ করেছিল
ওরা। বিশারা হাজ্জত করে সেটা ব্রেছে।
কিন্তু ঠান্ডা থাকাই ভাল বিভ্রন গারে
লথ্য বহু শ্বে বয়ে। সারাজ্বিন গারে
লেগে থাকে।

किन्दु शास्त्र शास्त्र सक् शस्त्र हात हाई। ভাঙ শালা সব ভেঙে ফাল। যাবে মাবে ভবল ভেকারে দশ নম্বর শা আটের দি কিংশা শ্নশ্বর বালে যেতে কেটে বডালাকদের অস্বর্যাহকা চ্কিট্র 15774 MIE ক্ষুক্তর পর্বো গুড়ে হাও্যাত এই সং কিছালা, কিংবা কেম্ন স্বদ্ধের মতে আলে জালে, কেমন ধাধান! নিউ মধকাটে মানে বেডাই ছোটো রাউজ আর জড়িল থসা শাভি প্রা আপোলার মতে: মেষের—ভানের সমস্ম টোখ-বেন এ-দেশের এ জগতের কেট নয়। মন্দীদের আনলমোশ্যদেটা প্রদেভ গামলায পাম আব মাংকের কোল হাতে চকচক করে। **ভূর-ভূর শানের চলাছ এয়ারকলার** এটা ছার অকাত্রে মৃথিয়ে আগরধ্যালা। ভার শালা, সব তেতে ফালে। মার বোমা, উতে যাক কলকাতা। লুট করে আন ঐ মেরেনের, ভিথিরিদের মুম পেকে তুলে নিয়ে যা ঐ ভিত্তর সামান এয়ারকা-ডশন মরের সাজিতে দে র:টি-মাখন আপেলের টাকরে। ভাঙ শালা, ভেঙে ফালে। মাৰে মাৰে বৰ পরম হয়ে যায় বিভূব। ফুলের মালাব সাজানে। প্রকাশ্ড গাড়িতে যাছে বর-বউ বিভূর ইচ্ছে করে সাফিয়ে গিয়ে দীড়ায় গণ্ড ছাটকে বলৈ—নামো নেমে दर दि थाउ। এই तक्य क्छ की हैत्स करन

বিভর। ইচ্ছে করে সভোষ বোস 2/4 भावित्रक त्वरक है के करवे चामानाव করতে, ইক্ষে করে ফাঁসির মধ্যে উঠে গলার দক্তি পরে 'বিদার দে মা' কিংবা 'বলেদ মাতরম' গাইতে গাইতে মরে বেতে। কিন্তু ৰুতত শত্ৰে দেখাই পায় না বিভ। ইংৱেছ আমলে হিসেকটা সোজা ছিল, হীরো হওয়া कठिन दिल ना। मद्यका विका क्रमा। কিন্তু এখন কেবল মাখাটা খনিয়ে বার বিভুর। কে বে শহু ভা বকেতেই পাতে না। शारक भारक हैराक करत यरहे अकाम गांकन জেলা ম্যাজিলেটি কি একজন ব্ৰুলন নেতা-ফেডাকে শেষ করে আসি। কিন্ত **डाटड की नाख** ? मू-डिनटडे बादबागा कि माजिएको मात्रल क्ये छात श्रमरमा कराव না। নেতাকে হারলে নির্বাত জনতা তাকে লাখি মেরে শেষ করবে। এখন আর ক্রিরিয়া হওয়া অত সহক নর। স্ভাব বোসও হওরা যার না আর। ছেলেবেলার 'ৰলেমাভরম' বলে চে'চালে ৰখনো সখনো প্রেলিস ভাড়া করত, চনমন করে উঠত আলে-পালের লোকজন। কিন্তু এখন চেটালে লোকে ভেডার মতো ভার দিকে একটা চেরে निरक्षत्र कारक हरन बारव। क्रेन्करहत विधारन স্ব সমরেই তে। আর শহরে গারের রঙ সাদা নর! সহ সমরে চেনাও বাবে না ভাকে বে মুখোম্থি লড়ে বাবে।

তব্ বিভূর ভিতরটা কেশে করে।
গিচের ওপর আহড়ে ইট ভাতে লে।
যিত্তিরনের প্রকাশ বাড়ির একজনার বাধব্যে ববা কাচের সন্দর আক্রা বিভূম ইট
লেগে মড়াড করে ভেতে ছড়িয়ে পড়ে।
বারাপার। বিভূ গোড়ে চলে বার আক্রিগলির মধ্যে, ব্ হাড ভূলে ফোরা করে।
আরা সম বাধ-সব কাম করে হো। বাড়ী
ভাগিত তান না খোলো।

স্থাপতার চলন্ড লোকজন **হুক্তর বেশন** হোটে সরে যায়। কব হলে বার কবিকজন জানালার পালা।

বিলা হাজাতে হাজাতে তেতি জন বালার বাজে মূপ এনে বলে-তুই কি কনিউলিক, না তুই কী? হততাল তো ভাতে তেনে কী? —আমি! আমি! বিকলক জনাৰ কিছে পানে না বিজ্ । কিছে হঠাৰ ভিজ্ঞানী উপৰণা কৰে ফোটে।

—হ্নুজ্জ করিল না। তোর এ সাবে মাধা গলানের কী? তোর পরেটে চাঁজা আছে তোর বাবার পরনার জভাব দেই...

আই। বিজু বাজিয়ে বার। বাবার বাবার কবা মনেই ছিল না। ভিন্নভারটে গর্ব বৃধ আর তার সপো মিক্স পাউভার, সরাবিন আর কী সব বেন মিলিয়ে ভৈরী হয় বৃধ, ছানা। কী এক অক্ষুত ভগরের

প্ৰকাশিত হল

विकन हत्वकी

## গোড়ের শেষ রজনী

ইতিহাসের মধ্যযুগে পতুলিভি এবং এগ ওলিদস্তের নৃশংসতম **অত্যাচারে** বাংলার আকাশ-বাতাস ভরে উঠেছিল হাহাকারে। এ কাহিনী **ভারই মর্যস্তুর** ঐতিহাসিক কাহিনী। দাম ভয় টাকা।

### প্র বাংলার লোক সংগীত: ৮.00

(প্ৰৱালাপ সহ)

जम्भामना कार्याप्य : मीरनम् **कोश्रती** 

वरत्रन बन्

तक्षत्रु**ট** ১०.००

লে: জে: বি এম কলের The Untold Story ব বঙ্গান বাদ

## অক্থিত কাহিনী

बन्दापक : विश्वन हरूवडी

সান্যাল এন্ড কোং II ১/১এ কলেজ কেবায়ার : কলিকাতা-১২

এখন প্লাক্টিক বাদভির প্রভাতভারক 'সিলের' সভুস অবদান

## দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাদিক দ্রব্যের পূর্ণ সন্দার

ৰাখকৰে বং এর ছোঁৱা দেবার কয়—সগ, বালজি এবং টরলেট সাট। রারাগ্রের জন্ত—গামলা, বাটি, বাবরি, ধাবরি টেবিলে উৎকুলভার কন্ত—যাট, গেলাল এবং প্রেট,গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাজার করার ব্যাগ এবং বাজির পেড্—বেমন রংচকা, জেমনি সহজে পরিকার রাখা বার। ছাত্রা এবং অন্তন্ত্র। নানাবিধ মনোহর রংরে। সবই "নিলের" ভৈরী—বারা প্রথম প্লাইকের বালভি ভৈরী করেছেন।

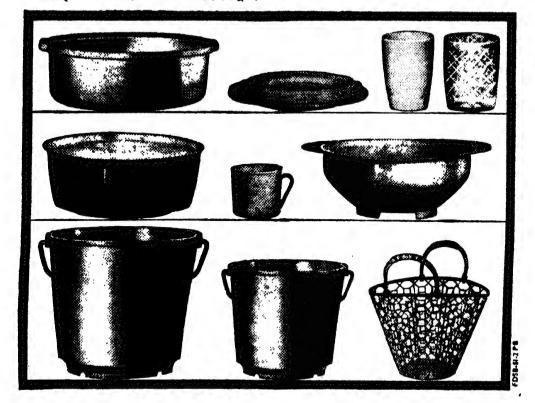
"দিলের" তৈরী বাবতীর জিনিব নির্তরবোগ্য ও টেকসই। কেননা, এ ওলি বহুকালখনে বাবহার। করার উপবোগী করেই তৈরী। আয়ুনিকভার ভাল মান্টিকস—'নিল' এর তৈরী মান্টিক তব্য কিলুল।



সুপ্রীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড জুলুমী ফিলুক

SIL

ওক লক্ষমী মিলন্ কম্পাউও ওয়াডালা, বংশ-৩১ ৫



ডিজিটারিউটর : পন্তিমবঙ্গ, আসাম, বিহার, ওড়িলা, মধা প্রদেশ, অনম্ব প্রদেশ, নেপাল, সিক্ষিম এবং ভূটানের জন্য : **লেমার্ল** টেড প্রেলানিক কপোরেশন, পি-১৫ নিউ সি আই টি রোড, ৩র তল, র্ম নং ৪বি, ইন্ডিয়া এ**ছচেল প্রেস একটে**নসন, কলিকাতা-১২। ব্যস্তর কলিকাতার জন্য **লেসার্ল জি পদন এক্ড কো**ে ৪১, সার ছরিরাম গোরেগ্যা **পটিট, ভূলিকাজ-**৭ টালিগাগ থালপাতে চলে বাবার মিণ্টির দোকান। মনে পড়ডেই বিভিন্নে বার বিছু। এককালে বাবা দেশে নিজের হাতে চাব করত। এখন অক্ষমা কিরে বাজে আল্ডে আল্ডে

যদি বাপকেই মানি তা বলেই কি শহীদ হওৱা বাবে? ব্ৰে! ভাই কথনো হয়। লোকে অমা দেবে পারে।

না, শাহ্র ফেল এখন আর সকল নর।
সকলেই সকলের শাহ্র। মানুরে মারুলে
এখন আর বাহবা দেই। সেই ভাররাক্র
উঠে ঠান্ডা জলে ম্যান করে গাঁডা পড়তে
পড়তে হঠাং ফাঁসিতে চলে বাওরা—জেলখানার বাইরে গাঁড়িরে হাজার হাজার বোক কাঁদছে—ফিসফিস করে কলছে 'অমর মহাীদ বিভূ খোষ জিলাবাল'—এরকম একটা ছবি
স্থান্তর মতোই খেকে বাবে। অলাক।

তার চেরে বদি কথনো বৃশ্ব হর ! বিভূ চলে বাবে। তারপর ভরণ্কর লড়াইরের গোল একদিন তার দেহ নিজ্ঞান নদার ধারে পড়ে থাকরে, ব্টসমুশ্ব পা দ্বানা অন্ত-ভালিতে ভল ছারে আছে, মুখে হাসি— আমি দেশের জনা প্রাণ দিরেছি।

मह्मारल दा-दा **करत** हराम **डेठेरर** रलाककमः।

না, ওসৰ কিছ্ আর হবে না। বিভূ আদেও আদেও ভাড়াটে হরে বাবে। শ্বেহ্ গোপনে তার ভাতরে এক না-হওরা শহীদের, বিপাবীর, দেশপ্রেমিকের বন্ধ ফ্টে-ফ্টে করে ফ্টেট ফ্টে ক্ষে শীতল হরে আসবে।

মান্লাদের ব্যক্তিটকে ভরদাপুরেও পোড়ো বাড়ির মাতা দেখার। লক্ষ্মী ছেড়ে গোড়ে যেন।

ধ্যোষ গড়াগড়ি দিয়ে কদিতে ইচ্ছে করে। বিশ্বুব। খ্ব কদিতে ইচ্ছে করে। কোনো দিন বিভু একটা খ্ব মহৎ কান্ত করে মরে বাবে। ভার সেই কীভিরি কথা মান্লা বেন জানতে গাবে, হে ভগবান! বেন ভার জনা মান্লাতে একদিন কদিতে হয়।

কলে মাঝ রাতে রিনি হঠাৎ ঠেকে তলেছিল সঞ্জরকে—শ্নেছো, আমার বন্ড ভর করছে।

হাইপিকর গভীর আছ্মাতা থেকে
আঠার লাগানো দ্ চোথের পাতা থ্লে
সঞ্চয় বলে—কিসের ভর! স্বণন দেখেছো?
কী ফেন উৎকর্গ হরে শানুনল বিনি, বলল
এই শোনো। এত রাতেও রাস্তার কারা
চিংকার করে ছারে বেড়াছে। খাবার
চাইছে।

সঞ্জয় কন্ট্রে ভর দিরে উঠে বসে
শ্নালা। এ ভার চেনা চিংকার। আ গোঃ য়া গোঃ' বলে গালিতে গালিতে, রাস্ভার, বড় রাস্ভার কারা কেন ঘুরে বেড়াকে, ভাদের গালার ঐ অপ্যাথিব চিংকার। কলকাভার আক্রকাল প্রারই শোনা বাজে। এরা পাত-কুড়্নী। মান্বের রাতের খাওরার সমর পার হরে গেলে রাস্তার বেরোর।

রিনর ভীতু স্পর ম্থখনার দিকে তাকিরে ব্য-চোথেও সঞ্জরের হাসি গেল। বলল—এ তো রোজকার ব্যাপার। আন্ত নতুন করে শোনার কী?

রিনির মাখা কড়ে উঠল। ইরারিং কললে
ওঠে জান আলোর। বলল—রেজ শ্রিন।
তুমি তো খুমোও, আমার কেন কেমন গারে
কটা দের, খুম আলে না। কড মেরে মাদ রাত জেগে পথে পথে চিংকার করে বেড়াচছ।
ব্যক্ষে মধ্যে কেমন করে।

সঞ্চয় হাসে।

রিনি বলে—হেসোনা। এরা আলে এত বেশী ছিল না। দিনকৈ দিন বাড়ছে।

—ভিথিরিকে ভর কিসের রিমি? ব**লে** পাশ ফেরার চেন্টা করে সঞ্জর।

রিনি আস্তে করে বলে—ওরা সবাই কি ভিখিতি ?

—না তো কী? গাঁরে বধন ধরা কি
বন্যা হর তথন দলে দলে চলে আসে
শহরে। এবারও হয়তো কিছু একটা
হরেছে কোনো জেলার। প্রতি বছরই হছে
তো!

—কীহরেছে?

—কী জানি! কাগজে লিখছে এবারকার ফলন ভাল নর।

রিনি শ্বাস কেলে বলে—কাল দেকলার আমাদের পারের দিকের জানালার আসিতে একটা ছারা। ছোমটা থাথার একটা বউ, তার কোলে বাছা ছেলে। এমন চমকে উঠেছিলাম। মনে হল জানালার কাছে পিরে দেবব বে, গুলানে কেউ নেই, কেবল হারাটাই দাঁড়িরে আছে। র স্ভাতেও বোধ ইয় কেবল ভিকলাগন্তাই ব্রে বেড়াছে। ভিক

—তা হলে ভূতই হৰে বোধ হয়।

—আছা গো এই বে দিনরাত ক্রেছ দেশমর ভিথিরিরা হতিছে তার মানে কি ভিথিরিরা অনেত বৈছে গেতেছ?

--অনেক।

রিনি একটা চুপ করে থাকে। অন্ধকারে ভার খন গ্রাসের শব্দ শোনা বার।

-वक् कद करत शा।

—ভর কিসের?

মনে হয় এরা শীগগীরই দলে ভারী হয়ে বাবে খবে। আর এরা দল বাধলে—

সঞ্জর নিংসাড়ে হাসল। রিনি একটা আঙ্কো দিরে ওর ফ্রের ওপর আভিক্রিক কাটল।

ভারপর কলল—দেশমর ঘ্রে বেড়াছে



না-খাওরা খিনে-পাওরা লোক, খিনরাত জন্তে
ছারে ছারে ডাকছে। আমার ব্রুক কাপে।
আমি বেন টের পাই, আমানের এই ছোট্র
একট্ ঘর-সংসারের দিকে, আমানের এক
ফোটা পিকলটোর দিকে চারনিকের খিলেপাওরা মান্বের শাপ-শাপানত ছাটে আসছে।
আমার বিধবা ঠাকুমা মার সংশা কাড়া হলে
য়াটিতে লাখি মারতে মারতে কাড তাডন

ভিক্ত বৈন আমার মতো ইর—আমার মতো হর। ঠিক সেইরকম ব্রুগে, ঠিক সেই-রক্ম আমি চারদিকে মাটিতে লাখি মারার শব্দ শ্লি। আমার ব্রের মধাে ধ্লাব্দ শব্দ হর। কারা বেন আমাদের শ্লিরে শ্লানরে বলছে—তোদের অবশ্যা বেন আমাদের মতো হর—আমাদের মতো হর— আমাদের মতো হর—আমাদের মতো হর— শাপাশ্ত ভাষদ কলে বার, জানো?

শ্বনতে শ্বনতে সজর ওকে ব্বে জড়িরে ধরেছে, ও বাজা মেরের মতো সঞ্জরের ব্বের মধো মিশে রুইল। আধকোটা গলার বলল —ভূমি এসবে বিশ্বাস করে। না, না?

সঞ্জর আশেত করে বলল—মিছিল দেখেছো রিনি, শর্নে দেখো মিছিলের ক্লোগানেও কত অভিশাপ থাকে। সব কি ফলছে? তেবে দেখলে আমাদের সকলেরই মন-ভরা অভিশাপ। কাকে দিতে হবে তা জানি না।

ভারপর ম্মিরে পড়েছিল সঞ্জ।

আছ সকাল থেকেই আবার গড়িমসি করছিল সভার। কেলার ঘুম ভেডেছে আল: ভারপর রিনির নরম সাদা ব্রেকর মাঝখানে মুখ ভূবিরে রেখেছে অনেককণ। চন্দনের গাখ পেরেছে গা থেকে। ভিডেজ করেছে—কাল ভোমার গাঁটারের মান্টার খবেছিল?

-5-1

-की शिक्षाम ?

—নাৰ্বাঃ, আজকাল যে খ্য খেলিগবর নেওয়া হচেছ! স্কাশার কাঁ?

সঞ্জ অনেককণ চুপ করে গেকে আছেত করে বলেছে শোঘা, খ্যা ভাল করে শোঘা। আমি জাবিনে সিটি দেওয়া ঘাড়া আর কিছা শিখিন। পিকলাকে ভূমি গানবাজনা কিবা সাহিত্য ফাতিতা কিছা একটা শিখিও। ওরকম একটা কিছা জানা থাকলে মানাবের একটা কিছা থাকে।

পিকল্ তথন উপাড় হার প্রাণপণে হামা টানার চেন্টা করে গজনি করছিল চারদিকে উচু বালিশের কেড়া পার হাতে পারছিল না। রিনি তার গালা টিপে দিয়ে বলল— শোনো পিকু বাবা কী বলছে! তোমাকে অনেক কিছা শিখতে হবে।

मान बारम्ड क्लम-र्याप वाँछ।

–কের ৷

সঞ্জর হাসে। ভিখিরির অভিদাপ ফরে হায়, রিনির এ বিশ্বাসও আছে। না, সিশ্যুর লু,কিয়ে, সেকেগ্রুজে, গটার শিখেও রিনি কোথায় বেন থেমে আছে।

## कलाशों कका कत सूथव पूर्वक पूव कर्ण त अवास्ति प्रक्षिय व्याप कर्ण श्रीथव



কারণঃ একবার যাত্র কলগেট ভেন্টাল জীয় কিয়ে কাঁড যাল করলেই ছুর্নজ ৪৯ জনের জন্ত কারী বীজাবুর শতকর। ৮৫ ভাগ পর্বজ্ঞ হুর হয়ে বাবে।

বৈজ্ঞানিক পরীক্ষার প্রায়ণিত হয়েছে যে কলপেট প্রতি ১০ জনের সংগ্য ৭ জনের স্থিপের ভূর্যন্ত সক্ষে ক্ষেত্র ভূর করে যেয় এবং কলগেট প্রক্রিয়ায় পাওয়ার ঠিক পরেট্

গুণের চুগার সাকে নকের বুর করে কো আন ক দাঁত আল করকে বেশীর ভাগ লোকের দলকর রোধ করা বার—আল পর্বত বত-চিকিৎসার ইতিহাসে বেবনটি আর কববো দেখা বারনি! আর একবান্ত কলবেট'এর সেট প্রযাণ আছে!

কী কুমার এর পিপারবেক্টের কুমার— ভাই ছেলেমেরেরা ফলদেট

তেতাল কীম বিবে নিয়মিত গাঁড আশ করতে ভালবালে !



পরিচ্ছন্ন নির্বল খাসপ্রখাস নিতে এবং দাঁডকে উত্থল সালা করতে-পৃথিবীর অক্স বে কোর টুখপেটের চেয়ে করপ্রেট অয়েক বেন্ট্র লোক কেনেন্দ্র

प्रयत ! प्रभाव भारेज कित ... भयभा वाहात ! ছিল মদেশ ৰাম কিছুই নেই। আবার কি
কথনো এই অবন্ধা পালেও বাবে? উল্টো
হয়ে বাবে ছবিটা? ঐশ্বর্শনা এক রমেনের
পাশাপাশি একই সমাজে বাস করেব ভিথির
সঞ্জয়! বেখা বাজে কোনো কিছুরই শেব
পর্যান্ত শেষারিত নেই। রিনির ঐ বে তর,
ওটাও একদিন সভা হতে পারে—জোট
বাধতে পারে ভিথির আর অকিশন
মান্তবের।

क्षक क्षक मध्यत स्टा इस वका छाउँ किए है ভিজ না তথনই সঠিক ঐতবর্ষন ভিজ সঞ্জর। ভিনটে গুল ছিল ভার। সভতা ক্য'ক্ষতা আর নিন্তা। তথ্ন সে কড রাত চটের বিদ্যালয়ৰ শহরে কাভিনেছে। ভার रकारनाव मार्था भारत बाक्छ अक्छो खाला. মাথার ওপর দিয়ে কাফিরে কেত ই'লুর। कथाना वा कार्रभारच भारत त्थाक तम भारतहरू গায়ের পাল খে'বে চলে বাতে মাতালের পা বাম ভেতে কথনো দেখেতে বাতের আকাশ থেকে সহস্র চোখে কে একজন ভাকে লক করছে। সন্দের ছিল সেইসব রহসাময় অন্ত্ৰিড। খোলাফেলা মানুৰ ছিল সে। সে প্ৰাটে জানত, ব্ৰতে পারত একদিন তার অকথা ফিরবে। বে চাছের দোকানে সে বর্মারি করত সেটা উঠে গেছে এখন ভার মালিক মারা গেছে লিভার সি-ব্যোসসে, ছেলেমেরেগ্রলো এতাদনে রাস্তার লেমে গেছে বোধহর। হাজরার মোডের কাছে সেই মোটর সারাইরের কারখানা যেখানে সে ছিল মেকানিক ভা সেরকমই बण्डे इरव शहर । भड़मामिन स्मरे কারখানার পাশ দিয়ে গাড়ি চালিয়ে এল সঞ্জ-বড়ো হয়ে গোছে বাদ, মিঞা-কালো क्षको स्माप्ते गाक्ति कामधे-स्थाना देशितन মধ্যে কাঁকে গাড়ির মালিকের সংখ্য দরাদার করছে ব্যেষ হয়। ইচ্ছে হয়েছিল গাড়িটা একবার থামায়। কিন্তু লক্ষ্য করেছিল। সে তো সেই ছেলেবেলাডট জানত যে একদিন সে মোটর দাকড়ে ছবে বেড়াবে, বাড়ি করবে বালিগঞে। কেননা ভার তিলটে গ্রুণ ছিল-অসম্ভব ভিনটে গ্রুণ। যা ওদের নেই। সে গায়িত থামার্যান।

সত্য বটে, গ্ৰণগ্ৰো এখন আর সঞ্চারের নেই। তব্ সে নিজের চেন্টাতেই উঠেছে এডদ্রে। তাই এখন বিদ দ্ম করে একটা কৈছে হর, বিদ কোটে বাঁধে তিখিরিরা; বিদ বিশ্বর হর, বিদ কোনো দ্বটনার হঠাং পশ্লা হরে বার সেন বারে। কেন বারে। কেন বারে। কেন কিছুরুই স্থারিষ নেই সংসারে। বিদ এখন কেট এসে ভার কাছ খেকে সব কেড়েক্ডে নিরে বালে—আবার গোড়া খেকে খ্রে করে। বিশ্বর বাড়ি, বর, ক্লিডডেলার, মেটর গাড়ি। তাহলে কিছুতেই পারেব না সঞ্জা।

কিছ্তেই না। কেবল ভর করে এখন। জন্মণে মাধ্যে মাধ্যে ভর করে।

বেমন ভর করেছিল কাল, রয়েনের ম্বোম্থি বসে থেকে।

ভূলেই গিরেছিল সঞ্জার, রমেনের চিস্চার মনে পড়ল রমেনাকে সে নিমাস্থাপ করেছে। একদিন রমেন আসবে বাসার।

মূখ ভূলে রিনির ছেলেমান্য মূখখানার লিকে চেরে বলল—রিনি, ভূমি নিরামিষ রালা কেমন ক্রমো? ভালো?

- ~(क्न ?
- अकीमन कामात अक वन्धः थारव।
- -C# CHT?
- बद्धन वाणे हाक-जन्नाजी।
- रकान् बरमन ? बाब वर्षे शानिएत-विकार
  - -tan-

কলিং বেলটা ট্রটোং করে বেকে উঠলে বিছানা ছেড়ে উঠল সঞ্চর। দরকা খ্রেল দেশল পাশোর স্থ্যাটের মাদ্রাকী ভদ্রলোক দক্ষির।

লোকটা বাংলার বলল—আপনার টেলিকোন।

সঞ্জর এখনো নিজের টেলিফোন পার্যান, আপ্লাই করেছে অনেকদিন। এই লোকটার টেলিফোনে তার কাজ চালাতে হয়।

টোলফোন ধরতেই চমকে গেল সঞ্জঃ। অঞ্চলের গলা।

—কে! সভ্; শীগগাঁর আর—মার শৌক।

হঠাং হাত পা হিম হয়ে আসে, গলা ঠিক রাধার চেন্টা করে বলে—কিসের স্মৌক?

- জানি না। অকশা ভাল না। আনে নেই। চকে আর।
- —কী করে বাবো? আজ তো সব বন্ধ!

—প্রিসের গ্রাড়িধরর চেন্টাকর, ওরা অনেক সমরে নের। দেবী করিস না। সঞ্জর বরে ফিরে আসে। তার পা সামান্য কপিছে। কিছুক্সপ অর্থহীনভাবে

विनि किटकन करन-की श्रतरह?

সে বিনির দি<del>কে</del> চেরে র**ইল**।

সঞ্জর উত্তরে বলল—বালিগঞ্জ থেকে বেলেঘাটা হোটে বাওয়া বান্ধ? তেচমার কোনো আইডিয়া আছে কতক্ষণ লাগবে?

রিনি উঠে বসে—কী হরেছে বলো তো!
সঞ্চর অনামনস্কভাবে বলল—বিদ
প্রিক্সের গাড়িতে না নের তবে রাস্তাটা
আমাকে হে'টেই পেরোতে হবে।

द्यान नावनाशीन श्रह शास्त्र प्राम्नात प्राम् । द्वेषि नाकरना, कार्यन द्यान कारना, शन्द्र शास्त्र प्रदेश करना

স্থাত থাও নার পরই বমি হরে গেছে।
বাগের মধ্যে প্রকিরে বিকেলে দ্টো চল
এনেছিল তুলসী। মশারির মধ্যে বসে সেই
চল দটো খাছিল যথন তথনই ম্দ্লাকে
খারাপ দেখাছিল। আন সকালে অনেক
কেলা পর্বান্ত খ্নেমছিল ম্দ্লা, ম্থখানা
হাঁ করা, গাল বলা, শরীরটা যেন ম্চড়ে
আছে ব্যথা-বেদনায়। ওর খোলামেলা
বিশ্ব্থল গরীর দেখে একট্র কমে জার্গান
তুলসীর। বরং বড় উদোম মাঠের মধ্যে
খখন হার্যা বরে যার তেমান হা-হা করে
উঠোছল তার ব্যক্তম্নলা কি বাচরে?

ভূলসী ঠিক করল এবার থেকে সে ভিথিরিকে ভিক্তে দেবে, বধাসন্চর ভাল কাজ নরবে রোজ দ্ব একটা, পরিত্র থাকরে। থাকা দরকার। মাঝে মাঝে কালখিটে, দক্ষিকেলকরে নির্মে বাবে মাদ্রনাকে।

হরতালের দিন সকালে উঠেই সে চাটা থেরে বেরিরে পড়ল। ঠিক করল হোটে ছোটে আনোরার শা রোড ধরে চলে বাবে লালতের কছে। একটা ভাল কাল করবে আন্তা। লালভটাকে একটা, চাপ্যা করে নিরে আসৰে।

ম্ম্লার কথা ভাবতে ভাবতে তুলসী হাটিছিল।

সকালে প্রথম বার মূখ দেখল বিমান, সে রমেন। সংশ্যাললিত।

আজ সকালে বিমানের চোথ অনেকটা বোলাটো লাল হয়ে এসেছে। মাঝে মাঝে কথার ডাকা থাকাছ না।

সে জার করে মাথা ঠিক রাথার তেন্টা করছিল। ওদের বসাল বিছানার ওপর, তারপর নিজের হাতে চা করতে বসল। অনেকবার চারের বাসন-কোসন, কেটলি, চামচ, দুধের কোটো গোলমাল করে ফেলছিল সে। কিম্নু মেয় পর্যান্ত প্রায় আধ ঘন্টার চেন্টায় সে তিন কাপ চা বানিরে ফেলছা। চা বানাবার সময়ে অনগলি কথা বলছিল সে, কাকে বলছে তা সব সমরে ধেরাল ছিল না। মাথে মাঝে হাসছিল।

রমেন তাকে জ্বোর করে পাশে বসাল, কাঁধে হাত রেখে জিজ্ঞেস করল—কী হয়েছে বিমান?

বিমান কথার তাল রাখতে পারছিল না।
কেবল অতি কপ্টে বলল—সর ব্যাপারই কেমন
ধারাপের দিকে চলে হাচ্ছে—না?

-কী ব্যাপার?

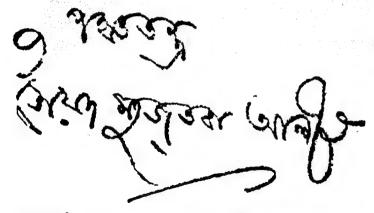
বিমান সম্পূর্ণ অন্য কথা বলল—অথচ কত স্পের হতে পারত সব কিছা!

একটা চুপ করে থেকে বিফান বলল— এবার আমার একদম ইচ্ছে করছে না।

কী! ললিত আকুল প্রদান করে।অই প্রগল হয়ে ফেতে।

(क्रियंत्र)





বহুসা লহরী

**প্রতথান প**র্বাশভারভার যে কোণক **ट** नोहरूमुक्साहात तर मध्यकोहक मध्यक নম্পন্য জানিয়েছেন তিনি যে অভান্তম ইণ্ডিফি জানেন সে বিষয়ে যে সন্দেহ করে ভাষ পিতা নিৰ্বাংশ হোক এটা বিদ্যাসাধাৰ য়ালাটা থেয়েক চুলিব। এবং ভান্যায়ায়েল ব্লয়েড শাবি ভিটেকটিভ সাহিত্তা তবিবিষ্ত্র লগ আন্ত কারণ ভদুরোর্কর আর কেন্টের থাকা পাকা কিন্তু ডিনি *উলাসিক* নন*্* चारता दक्षरक भारत देशीर्राक्षरक क्रिया तक्षणा ্লাধকাংক আল ভো ভিনি সাহিত্যক শংডাছেনই ডাল্পার ইচরিভিন্ত অন্দিত ভ্রমতন ভাষ্ট্র ঐস্থালিভ্রড ভিনি বিশহর কাল্ডেক্স ডুডেললি ডিডিন হয় ইংবিজি হোক অন্তর্গেত বাঙলায় লেখা বহুসা-सहराभा तक । एति । 27.50 PINT? ভানিক্ষ্যভেন্ এর প্রকেই ব্রেল্ড পারি . E ... ਾਤਾ ਟ<sup>\*</sup>ਪਾ**ਂ ਰਟਾਪ**ਾ দী দেশৰ কুমাবেৰৰ 'দে:বৰ্ণান্তৰখনী''--ভাঁৱ কল্লছ হে'বদভূতেই ম্পূর্ল জন্মতে পুলারীই পুরুন ক্রেন্ডেল বস্তু হরে প্রবাহর সামারে ভারম্বরাক করে উঠাত।।

এ ক্লীবনে আনি ইবাবজ্ ফ্রাস্ট্র ক্রমনি কাশনে, আবেন্ ইবানী এবং অন্যান দেশুশ্র বিশ্বর বিশ্ববাস্ত ক্রিড্রনের সংক্রমার্থ আসার সৌভাবন লাভ করেছি। এবং সর্বর পাঠক বিশ্বাস কর্কেন না বাইশ্যানা অভিধান ব্যাক্তর্ব হ্রমান্য ব্যামিনী ঘটিটি ক্রে লাণ্ড প্রাচনি পের্বোভী প্রমারীন

ভাসার রচিত শালের মার দ্যুটি
ছবে পাঠোশ্যর করার পর
রাণত অবসর সামার এক প্রের্ "প্রথম
আলোর চরগধন্নি উঠলো বেডে যেই" সেই
রাজা মৃত্যুতা শালিভনিকেতকে গ্রের্নেবর
বাসভবন "দেহকটা" বাড়ির লাগোরা
আগাদের ভবমিটার "নতুন বাড়িবেত" (সেই
১৯২১ সালেই সে বাড়ি থরে গিয়েছিল
প্রচান লভকড়, আর এখন তো কথাই নেই)
এসে অতি আলেত জালেত আমার মুম
ভাতিয়ে মাণু কর্নেই করাকোন,

ামাই বধ, ইং ইজা ভারমা ভূ গেং আপ্ গোর, জাতে রাশান: তাই নটা নড়া স্থলে নড়া নগা উচ্চারণ করতেন: া

আমি ধড়মড়িয়ে উঠে বলল্ম, "এথংন্নি উঠছিলমে সায়।"

গুরু কললেন, "মাই বয়, ইয়াভাুয়া, গং সামা এদাগার ওয়ালিস?"

কনান ভরেকের পর সে-কালে এড্গার ওবাকেস ছিলেন ফিববিখাতে ভিটেকটিভ উপন্যাসিক।..গ্রুব্ সেই শীতের ভোর চাকটের এফেকেন তাঁকই সংখ্যান!

অর্থ কাঁচুমাঁচু হয়ে বলাক্স, 'পেস তো নেই: তবে অম্যুকের (সে-মুগে তিনি ছিলেন প্রথাত সাইকলজ্জিকাল নডেলিস্ট্) একটি স্থান উপনাস আছে। নারক-নারিকার ভারী অভিনাব মন্ধবিশেশবর্ণ আছে।

ধ্বে মান্ হাসা করে বললেন, 'মাই বব, হনি সাইক-এনালিসিস (মনঃ সমীক্ষণ), সাইকলভিট (মনোনিদন) শিংতত হয় তবে সেই সেই প্রায়ণিক বৈজ্ঞানিক গ্রন্থ পজলেই হয়। উপনাসের শ্বার-কেনিক গ্রন্থ হয়। উপনাসের শ্বার-কেনিক গ্রন্থ হালি কানাল মানেনী শ্রন্তার বাস কার্নিভ নাল নোলান্তার সকলা পরিভিত্ত নই। বেল্ড ভাঙার বারিবাব্র আন্তাশ নিভা ভাবে জান্তারাসকলা ভিরতা বাই। তেওে লামি ব্যাপারটা ঠিক ঠিক ব্রুক্তে মা পেরে বলকুম, "তা হলে, তা হলে,— অমুক্রের (সে-হুর্লে ভিনি ছিলেন শুর্কার সমির্নিজকাল উপন্যাসিক) একটি স্কুমর উপন্যাস আছে। সমাজের স্বপ্রকারের পাপাচারের বা নগন বাঁডংস চিত্র এ'কেছেম ভার ভুকনা হর না।"

গ্রুর আবার মানু হাস্য করে বললেন,

"মাই বর, আমার সন্দেহ হচ্ছে, ভূমি আমার
ম্লু মোলা আদৌ ব্রুতে প্রেরি।
আমাকে বিদি সমাকের পাগাটার সন্বল্প সভাজান আহরণ করতে হয় ভবে আমি পড়ব সমাল শাস্ত্র সন্বল্প প্রামাণিক বৈজ্ঞানিক গ্রুপ। আমি পড়তে চাই উপন্যাস।
ভার ভিতর এসব উৎপাত কেন?"

\*

আমার মনে পড়ল নওাৰ নওাৰ আলী এক বাঢ়ী হিন্দু বাড়িতে নিমন্তিত হরে বিরাট কাঁসার থালার সর্বপ্রথম পেলেন রাঁম্নি-পাগল ভাত:২। তার সপো উচ্ছেভালা। একে তো মুসলমানদের ভিতর কেতো কল্

২ জনপ্রবাসীরা নাকি এদানীং একটা ফরমান কেড়েছেন, বিশ্রকমের চাল এবং দশ রক্ষের বাঁশের জাতগোল্র না কেনে ব্যরা সাহিত্য রচনা করে তারেরকে সবংশে মারা চরে (সবংশে≔বাঁশ দিরে)। তাই সভরে নিরেনন, দে-চাল রাঁথতে গিরে তার উল্ল স্গাণের রাধ্যনি পাগল হরে বার তার নাম রাধ্যনি-পাগল চাল। এ-তভাটি আমি বিধি ভঙ্কর সমর সেনের কাছে। তথন তিনি খালা দফতরে মরছুম কিলওরাই সাহেবের সেরেটারি ছিলেন। তবে কি না উনি বাঙাল; ঘটিয়া চট করে এ-চালটাকে হাঁকো-করেল নাও লিভে পারেন।

### প্রেম পিপাসা

শরং সাহিত্য প্রেমিকরা **এই উপন্যাস** পড়িয়া সেই আনকই প্রেরন। আ**কর্ষণীর** ন্তন চরিত্র ৬ প্রট*া* নাম ৫

প্রশেতা—মোহনীমোহন কালিলাবা ১০, রাজা বসনত রায় রোড, কলিঃ ২৯ তঃ টাকা অভিম পোলে ভাকে যায়— ভিঃ পিঃ হয় ন: বিজ্ঞা দাশগাণত এক্ত কোং, কলেভ স্থাট্ট, কলিবাত; हिम्द्रान्त क्षत्र श्रुक्तिक सहः छन्। नीत्र फीत ा नारकको एकप्रीकरत शनवन्त रहत अस्-क्रीय किम केसर स्टब्स त्रथात्म जाराखांत्रह काशादा सरका जननाव टकटका कर्याव অপেকাকত কম।

নপ্তাৰ আলী ভাতে উচ্ছতে প্ৰথম গ্ৰাস बार्थ निराहे खोकरक फेर्ड माथ विकास करत कारतान, "का की रकरका। अने कि करत -00T ?"

कर्ष जिस्ताम कराता "जारक की की

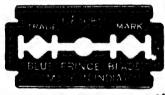
सकाव जाकी ब बहुत दशदा जागाव समाम ग्रहारी मण माग्र हाना करत कारणम. "অবাদেশার পকে ভালো? তা হলে ভেডো क्यार रक्तके इस् । जाहाद्वापित रक्ता के Berten Cast ?"

टकटकारी न्याटन्यात न्यूच यक कारमा ।"



পরিকার কামাতে ও পালক-স্পর্ণ পেতে नानकात कत्रन

क्कार्या कार्वन धाव एम ७ या





करीर कामाव कामान शहर का राज-क्रिका होता होता कार्य ।

त्थाप करणीय काथा सिवासन करूत खामत्त्रम् समा । खन्न वे एकत्वाव स्थान क्त? जामात्र १८१६ छाडे चर्लाहरणन। **'উপলাল পড়তে বলেছি, আনশের জনা।** আবাৰ সাইকৰ্মাক CHARGE माहे क. এলালিসিস সসিয়লভির ডিভ উৎপাত **CWR ?"** 

নিক্লাসিক সরল পাঠক ত্যা আলো रक्टवा मा त्व, कामात्र जे ज्ञामान गाउँ है একমার পশ্চিত কিনি প্রশীদ্বস হিহামা-बाधिमी क्रिन क्रिन भाग्यासहम भारतमा করার পর টিকটিকি উপন্যাস পড়তেন। আরো বিশ্তরে বিশ্তরে আছেন। বিশ্ত এ-সলে স্থানাভাব।

चामि मान वकरतः यिन्त गाउँ।

हैररक्क काठ देशांगिक चन्द्र एत एक আমি বিজ্ঞান অবলত আছি।

ক্ষিত্ৰ এপৰলৈ আডিগত অভিচাৰ **आधारक जारबकांद्रे** एका भारवाचा कनाड **इरक : रमटे रव** धिकिशिक सरस्रामार जनशक এজনার এর্যাল্স এটার অভিনত ভালার **যান্য, ছিলেন বার্গান্তে ল** ঐতিন্তর্গাসক এতেকস क्रमर के इस्तित जाहता एकन्याना সাচি<sup>ম</sup>ড়াক "जिल्लाम्बर्ग ডিচুকর, স্মাহিতে সম্মান্ত জল টাত্যাতি ইব্যালি। **ের ওর্**রেল্যার ডিনাতে নিমারণ করে দটক **্রপরালা ক্ষান্তরামর্শ ল**লালার পার্যালার **করে জন্ম** উঠিতো গ্রেকা গাঁব পার্বা কথান ভাষেত্র ভার বিশ্ববাদ্ধ শালাক ব্যায়াস লিয়ার हे:कार-**फ**=तरद्व इ.५८१ নাটেট উপচাৰ **८**%स्टब्स्स ।

\*

আর আহলে ব্যক্তালটি দীনেপ্রক্তার্যক দ্বীকাৰ ক্ৰাড় ভাটানা

এ-স্থালে কেম্ম গ্রেন ক্রান্টা স্বার্টির, উল্লাসকতা এমন কৈ সামান্য ভবড়ামৰ CHIEF I

रष्टरमाराभाष दा भटशा भा ५ छि । करे. আৰু তো দে-গালেকে অস্থীকার করিনে। বাজা ও কৈলোৱে পড়েছি ভিকটিকি উপন্যাস, যোবনারকে পড়েছি সেকাস তথন কি পর্ণপ্রাফি প্যশ্ত হেলে আরবী "আরবা কুজনী'তে যে কী বিকট বিকট যৌন লীলার বর্ণনা আছে তার সামনে শ্রীব্ত **সমরেশ বস্থ শিশ**্ব, শিশ**্ব**!!)। ত্ৰ উলাসিকরা টিকটিকি ও বৌনলীলার কই অস্বীকার করেন কেন?

উল্লাসিকতার বেলায়ও বনসিংসটেনসি থাকা উচিত, সামঞ্জনা থাকা উতিওঃ এই প্রেম্পর-বিরোধী আচরণ কেন?



লাহিত্য হামণেট্ডি

"ভাৰস্তেই পাঠাপ্সেত্তেই বাংলা

আয়া সাহিত্যার অংশতে আমার প্রথম

মনে আছে বিদ্যালগায়ের প্রথিকগণ ও বটনাকোরা সংস্কৃত-ঘোরা সরল গলাঃ
পঞ্জনা গ্রীল-কালে কতিপার পরিক মধ্যক্র
সমরে বেজি অতিদার তাপিত ও নিতানত
ক্লাচ্য,...।) মনে আতে ক্রিব্যাসর স্মীতাচারণে রামের বিলাগের স্থার ঃ পশ্নেপশ্ পক্ষী ম্যা শ্নে, ব্লে লাতা/কে হরিল
ভারার সে চন্দ্য,থী স্যীতাা, মনে আছে

কবিকংকণের চন্ডীর সহিত ফ্রারার সাক্ষাং'-এর চিপদীঃ "এর্প বৌরনে/ ছাড়িরা ভবনে/কেন আইলা পরবাস?"

শরংচন্দের 'মেজদিদি'র এবং রবীশু-মাথের 'সৌকাছবির এক উপন্তি ছিল। শরংচন্দের "কলেজ মিনিট, টেবিল, চেরার" এবং রবীশুনাথের "মেডেল,বাারিল্টার ফেল, ট্রেন" শব্দগ্রেলা আমাকে আহত করেছিল। সে আবার কি ভাষা, ট্রেন বলতে বে টেন-ই বলে? সংশক্ত দেবভাষা যার মাতামহী, ভার এ কি রবম পিরিল শ্বনসম্ভার?

একসিন কথাবার্তার আমি বিমানে আসা কথাটা কাব্যের করেছিলাম সবাই ছোস ফোলছিল, বলতে হয় নাকি 'গেলান্ এ আসা'। পরের দিন 'গেলান্ এ আসা' লিখলাম খাতার, মান্টার ছোটা দিলেন, লিখলেন, বিমানে আসা'। বাঞ্চালীরা, ব্যুগলাম, বলে এক, লোখে আরু এক।

ভালো লেগেছিল ভারকনাথ গলোনা পাধারের অধনা-জনাদ্ত স্বর্গলভা: বে-কপিটা গত সম্ভাবে সাধারণ প স্তর্গণারে দেখলাম, সেটার প্রায় প্রতিটি পাতার বিভিন্ন হাতের লেখার লেখা আছে ঃ বালে বই। বি লামার সেই কখাটা কিন্তু আমার বানে এখনও বালে ঃ "আমি কি মাইনে চেয়েছি, না মাইনে নেখ বলে এসেছি?..আমি গোগালকে ছেড়ে থাক্যন্ত পার্য না।"

আর একটা উল্লেখনেগা উত্থতি ছিল—
আনল্যটের 'বলে মাতরম্'। রিপ্লেল
কারিশী যারের সন্তানদের দিবসংত্তেটি
ভূলৈথ্তি ধরকরবাল আমাকে ন্যরণ করিরেছিল জা মাসেইরেল্'-এর রক্তিপাস্
করাসি "মাতৃভূমির সন্তানদের" কথা।
'ক্লপ্রহর্ণধারিশী" বে কাকে বলে তা অবশা
বাংলাদেশের দ্যাপ্তার প্রতিমা দর্শন
করার আগে ব্রিনি।

সবচেরে চিন্তাকর্ষক কেন্দ্রেছিল মেখনার-ববের উন্ধ্তিঃ "নাহি কাল, প্রিরতম,

সীভার উন্ধাহি নাহি কাল বিনালি বাক্সে ाकि करण राकाव खेमिला वसाव लामि?" পরে মধ্সদেশের প্রতি আমার প্রশা আরও বাড়ল ফখন দেখলাম তার হেকটর-ব্যের গদে। নামধাত চালানোর শ্বিধান্তিত প্রয়াস। আমার পোঁস্সলের মাথাটা কামডাতে কামড়াতে কত-না ভেবেছি, নাম**ধাত অবাৰে** বললে বাংলা ভাষার ঐশ্বর্ষ আরও ক্ষত শাড়ত। বালা শব্দকোৰে পটান্তর হাজার শন্তের মধ্যে নাকি মাত্র ছপো-টি সভাকার ভিয়াপদ আছে: বাকি সব ভিয়াপদ করা. দেওরা হওরা প্রভৃতি শব্দের সহবোগে তৈরিঃ প্রেরণ করা, প্রতিশ্রতি দেওরা, পতিত হওয়া...। আশ্চর লাগে এই কথা তেবে বে মরদান থেকে আমরা কাজনৈর ম্তি তুলে দিয়েছি, কর্ম ওয়ালিস স্টীটের নাম মুছে দিয়েছি ফল্চুমাণ্টর আথা পাল্টিরেছি, আর তব্দেখন আমাদের काकिट्र १४८० रनई 'र्द्वांत्रक बार्ला' अस्ति নিৰ্বাসিত হয়নি, এখনও বলতে পাৰি মা "ছেন্টেট মেয়েটিকে [কিংবা, আধ,নিক



ইন্টার্ল রবার ওয়াক'র কলিকাতা-১৫

### • নিতাপঠো তিনৰান প্ৰশ্ৰ •

### সার্দা-রামকৃষ্ণ

—সম্বাসনী শ্রীদ্বাসাতা রচিত—
প্রিক্রক সম্বাসী
প্রিক্রক সম্বাসী
প্রিক্রকে ঃ—পড়িতে পড়িতে ভুস্ফর হইবা
প্রীপ্রক্রের ও গ্রীশ্রীস্কর্তর বেন কবিশ্বত
প্রাপ্ত করিবাছ।
সম্প্রাপ্ত করিবাছ।

ৰ্বাশ্তর :—সবাধ্যম্পর জীবনচরিত।.... প্রশ্যমান সবাপ্রকারে উৎকৃষ্ট হইরাছে । বহু চিত্রশামিত সংত্র ব্রেশ্ম ৮,

### दगोवीया

শ্রীর মকুক শিষারে এপ ব জীবনচরিত শিক্ষা ও সাছিতঃ—এই তেজস্বিনী মহামাহমম্যী মহিলা বগুলালী নারীর চিরুতন
ব্রেক্তার অপবাদ বিদ্যারিত করিরচ্ছন।
অসামানা ইছান চবিত্র, অপ্যে ইছার
সাধানা বিচিত্র ইবিল জীবনকথা, রোমাপ্তরর
ইবির বিজ্ঞাতিহান ॥

बर्कितामाधिक भावत माइन-७.

### **माधना**

জ্ঞানন্দৰক্ষাৰ পঢ়িকা:— চাবতীয় সভাভার জাদিকাল ইটাত আখুনিক হাগ পৰ জ যে সকল উচ্চাবপূৰ্ণ পেতত সক্ষতি ইতাদি বচিত ইইরাছে, ভাষার উল্লেখবেগা প্রার সংগ্রিই ইহাতে স্থান পাইরাছে। ধর্মা, সংস্কৃতি ও সাহিত্য.....তিন দিক দিরাই ইয়া মর্যাদা পাইরার বোগা।। পরিবর্ষিত প্রমানক্ষর — ৪,

### গ্রাগ্রাসারদেশ্বরী আগ্রম

২৬ লোরীয়াতা সরণী, কলিকাতা-৪

(PACA kj)

कामार्डन, स्वाहार्थ (कामार्थिक) महिनान, बानार्डन, विराहिन। जाम्यूरिया जाद्ध व्यवना कर्या । कर्या, व्यवका । कर्या, दरम्...], तरा व्यवकारान्छ रश्. न्यतः । एरोजा, द्याता...]। मार्डेट्यमारा व्यवकारम् नामधाक् विकास्य वाक्रानान्छ रश्यकारम् नामधाक् विकास्य वाक्रानान्छ रश्यकारम् । जित्रहा, विकास्य । सार्वेद स्वाहार वास्त्रहा । विकास

জিজানিলাম ], চলিড় বুলে তত নয়; উত্তরে, জিজানলাম ধরণের ধ্যনিতে কান-কে কি অভাস্ত করে তোলা বায়?

এ-ভূমি কোন্ ভূমি?

পাঠাপ্ৰতক্তিতে রবীন্দ্রনাথের করেকটি গান ছিল। মধ্র লেগেছিল জাঞ্জি কড়ের রাতে র ছাল ঃ পন্নেরে কোন্ নদীর পারে পাছন কোন্ বনের থারে পাকীর কোন্
অংথকারে /হতেছ ভূছি পার ?" এবং আছও
বেভারের আশীর্বাদে যখন কানে আসে
সংচিত্রা মিতের কপ্তে গাওরা সেই 'মেবের পরে মেখা গানটা, তখন মনে পড়ে বার সংস্কৃত্র বেশজির মে বিগত 'দুলের কথা— বংগো ভাষার আমারে হাতে গভির কথা।

রবীন্দ্রন্যথের করেকটি গান আমি এক

#### Billianis as severe monthly

## বিরাট পরিবর্তন

হোট হোট শিশপদোগী, চাবী, খুচজা দোকানদার, পরিবহন পরিচালক বা অনান্য কণ দেওয়ার বাংগারে তাদের যে গুণ্টি প্রধান বলৈ গণা হব তা হ'ল ৬৭ পরিলেঞ ক্ষমতা ধার অথটি হ'ল

কারিমার বিদয়
 পরিচালন পারগনিতি

০০০ ইংপার প্রবার বা মেরার বিপণন ক্রিমার

০০০ বাহিণত সভায়া



''পশ্চিমৰঙ্গে ১১৫টির অধিক শাখা আছে''

পরিকায় অনুবাদ করেছিলাম, জিদের বহু
প্রাথসৈত অনুবাদ শীশাশালা ছাপিরে :
প্রত্রেরা লক্ষ্য না করে পারল না জিদের
অনুবিত ইংরেজী গাঁতাজলি মূল বংলার
চেরে বেল কিছুটা সরলাকিত। সেই ধরানর
সরলাকরণের কথা স্মরল করেই ট্যাস্ফ্র্য সাহেৰ একলা লিবেছিলেন হ ভাঁর স্বর্গানত
ইংরেজী অনুবাদে রবীন্দ্রনাথ কোনো কোনো
স্থালে অনুবাদে রবীন্দ্রনাথ কোনো কোনো
স্থালে অনুবাদে রবীন্দ্রনাথ কোনো কোনো
স্থালে অনুবাদে রবীন্দ্রনাথ কোনো ক্রান্তর
প্রতি অবজ্ঞা দেখিরেছেন।

উপ্ৰ ছিবিত দুটি পান প্জা-সংকলন মর প্রকৃতি-সংকলনেই স্থান প্রেছে। ভাহতে এমনও কি হতে পারে বে করিকে যিনি বসিয়ে রাখেন একা ন্বাচের পালে, তিনি ঈশ্বর নন? কডের রাতে অভিসারে বিনি আসেন, তিনিও বেখ হয় উদ্বর নন? व्यक्तिम्मनात्मव कलत्म ज्ञि कर्नानाम् महरा আর্থকভা থেকে বার। "এস এস অন্তর করে" পানটা অনি গাঁজার গাইতে শানেছি: शामके किन्छ शृक्तात महा (अप्रस्त । कर छ কারও মাতে এই শ্রাথকিতাই রবীণ্ড প্রতিভার অন্তম বৈশিক্ষা হাইস্কলের ৮৫ ভিলম एक्त चामक दर्वभागापद काराज খ্যেই পড়তাম এমন কৈ প্ৰণেত সময়ও ভার বাবহাত শব্দক্ষে তালে উদ্লেক **ভাকতাম। এমন স্বাধকি**ভাব ইণিণাৰ পেলে তো আমাদের মাধার বকুলাত হড় এ ধ্রনের স্পেত আমাদের ক্রণনার স্তেত্য কোণেও কথনো স্থান পায়নি। শ্বং ওকলিন মনে আনহে, আনমার এক সাচি<sup>তি</sup>তাক বৰুহা "রবীন্দ্রনাশ কি বলাড वर्जि इरजन, टाउदरहर, व्यक्ति कार्नि मा. किन्ट क्रिन या ব্ৰেছেন সেটা আমি বুকি, আরু সেটা **ব**্রীন্টীর **ঈশ্বরতত্ত্বের অন্সা**রী নহ।" কথাট তথন আমার কাছে হোয়ালির মতো দ্বনিরেছিল।

#### इनीन्द्रमात्त्रस् भड

আনভারসন তার প্তেকে রবীন্দুনথের হত্তালপিরও এক নম্না খিরেছেন— প্রকারপ্রতিকর তিন মাস পরে শিলাটিত থেকে তার কাছে লেখ কবির এক পরের প্রথম করেকটি লাইন ঃ

#### ीशवयस्य.

আপনি বৰন আনাকে ইংরেজীত পর
লেকেন তথন আমার কতবা আপনাকে
বালো ভাষর ভাষার উত্তর দেওরা, নহিলে
ঠিক পাল্টা জবাব হর না। অপনার দেশে
আমার বত বন্ধু আছেন সকলাকই আমার
ইংরেজীতে চিঠিপত লিখিতে হর। ভাগাগানে
একটি লোক পাইরাছি বহিরে কাছে আমার
আপন ভাষার মনের কথা খুলিরা বলিবার
কোনো বাধা নাই—এমন স্বোগ ব্থা নত্ত
ভবিব কেন? ইংরেজী ভাষ ও কাছে পাদ
পদে আমি বে কত অপরাধ করিরা থাকি

ভাহার আর সংখ্যা নাই: কলমের মূৰে অ:প্নাদের বা করণের হাদর বিদীপ করিরা িই, কত অব্যৱের অন্যায় অপবার করি, কত article: ক বিনা দোৰে বজনি এবং বিনা করের গুরুর করিয়া থাকি। এ সত্ত্রেও আপ্নাদের ইংরেজী ভাষা-সরন্বতী তাঁহার এই অধ্য সেবকটিকে যে এত দয়া করিলেন ত্ত। স্মরণ করিয়া আমি বিশ্মিত হইতেছি। শেবত শ্বনিপর শেবতভূজা ভারতীকে যখন অন্যার কাবাপ্রপু দিয়া প্রভা করিয়াছি, তথন তাতা আমি আমার সাধামত যদপ্রিক চয়ন করিয়াছি এবং ভাঁহার প্রসাদও পাট্য ছি, কিম্ব আয়ার এই মান্ত্র প্রগালো হুবন ভাগের গায়ে গিয়া পড়ে তথন স্পণ্টই দুর্মাখনেত পাই তাঁহার মূখে অপ্রসর হইয়া উঠে। অত্তর হেখনে সম্ভব সেখনে এ অপবাধ আৰু ৰাড় ইব না, প্ৰচ আপনাকে বাংলাচ্ডেই লিখিব।"

স্থা ভাষার লিখিত এই চিঠির প্রথম বাক্যে রব্যান্দ্রনাথ—বের্ধ হয় অন্যানশ্কভারে – মিশ্র ভাষা ব্যবহার করেছেন : "লেখেন... মাইকেলীয় र्नाष्ट्रक । " "एवर एक्टा'—धरै বিশেষণ্টা সম্ভবত ইলিয়াল কাব্য থেকে গ্রিলেভা-দেবীকে প্রতি : হোমার Leukolelos Athene নামে অভিহিত করেন। চিঠিটর উপলক্ষা ছিল বাংলা ভ ষার ছুম্ম নিয়ে আগ্রভারসনের গ্রেষণা। এ ক্ষেত্রেও তিনি বংলা ও ফরাসি ভাষার মধো সাদৃশ্য অবিদ্ধার করেছেন : এই দ্টি ভাষার শব্দের তত শ্বসাঘাত নেই ষত আছে ব কোর ; বাংলার অবশ্য ব্যক্তার প্রথম অক্ষর দার্ঘারিত, ফরাসিতে বাকোর শেষ অক্ষর। 💠

#### গ্ৰাসাঘাতের অভিযাত

শহল সম্বশ্বে আপনি যে আসোচনা করিতেছেন, আমি বড় আনেক পাইয়াছি। বংলা ছম্প সন্বশ্বে আজ পর্যন্ত কেন বাঙালী কোন কথা করে নাই। আমার ইচ্ছা ছিল কিছু লিখিব, কিম্পু আমার কলম অলস হইয়া আসিয়ছে, এখন সে আর নিজের বেগে চলে না, ভাহাকে ঠেলিয়া চালাইতে হয়। মোটয়গড়ির কল বখন বিকল হয়, তখন ভাহাকে ঠেলা গাড়ি কয়া সহজ্প নহে, তখন ভাহাকে বিপ্রাম করিতে দেওয়াই ভল।

শ্বাপনি বলিয়াছেন আমাদের উচারণের বোঁকটা আরশ্বে পড়ে: ইহা আমি অন্তর্গক দিন প্রে লক্ষ্য করিরাছি। ইংরেজাতে প্রত্যেক শব্দেরই একটি নিজন্ব বোঁক আছে: সেই বিচিত্র বোঁকগালিকে নিপ্ণভাবে বাবহার করা আরাই আপনাদের ছদ্দ সঞ্গাতে মুখরিত হইরা উঠে। সংক্ষৃত ভাষার বোঁক নই কিন্তু দীঘা হুন্ব ন্বর ও ব্যুত্ত বাজন বর্ণের মালা বৈচিত্রা আছে। তাহাতে সংক্ষৃত ছন্দ্য তেওঁ বেলাইরা উঠে, বথা—অন্ত্যুত্তরস্যাং

দিলি দেবতাবা। উত্ত বাকোর বেব দে যেখানে বৃক্ত বাঞ্চনবর্গ বা দীর্ঘালয়র আছে, সেখানেই ধর্নি গিয়া ব'ধা পায়, দেই বাধার আঘাতে হিল্লোলিত হইয়া উঠে।

"যে ভাষার এইরূপ প্রভোক শক্তের একটি বিশেষত আছে, সে ভাষার মন্ত একটি স্বিধা এই যে, প্ৰভোক শব্দটিই নিজেকে জুনান দিয়া যয়, কেহই পাশ কাটাইরা আমাদের মনোবে গ এড়াইয়া বাইতে পারে ন। এই জনা হখন একটা বাকা আম.দের স্মাধে উপদ্থিত হয়, তখন ভাহার উচ্চ-নীচতার বৈচিত্তাবশত একটা স্কেণ্ট চেই রা দেখিতে পাওয়া যয়। বাংলা বাকের অসুবিধা এই যে, একটা ঝৌকের টানে এক স্তেগ অনেকগালো খুৰু অন্যাদে আন্তিৰ কানের উপর দিয়া পিছলিরা চলিরা বার। Mich Missie ভাহাদের প্রত্যেকটার পরিচরের সময় পাওরা বার না। ঠিক বেন একালবভী পরিবারের মন্ত। আমাদের বাড়ির কর্তাটিকেই স্পান্ট করিয়া অন্তব করা বায়, কিন্তু তাঁহার পশ্চাতে তাঁহার কড পোষা আছে, ভাহারা আছে কি নাই, ভাহার হিসাব রাখিবার নরকার হর না "

#### আপাতত ম্লড্ৰী

কিন্তু থাক এসৰ ভাত্তিক অলোচন।
আসল কথাটা হল আমার বাংলা শেখার
গালপ। সবে তো ফারোল বের্লাভর্ম-পর্ম...
ভারপর আছে বাংলাদেশে পদার্পণ, শানিতনিকেতন, দক্ষিণ বাংলার বাসনতী প্রান,
দক্ষিণ কলকাতার তিন বছর, থিরো কছ
কি! কিন্তু সে আরেক কাহিনী।

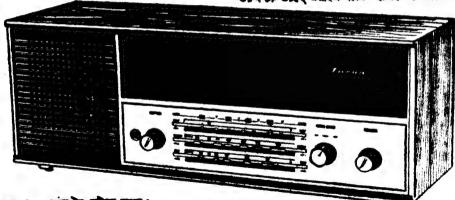
BEN (



### দেখুন, নেলকো তক্লণ বেছে নিন খেটি দেখতে ভাল লাগে ! আপনি পেয়েছেন বাস্তারের সেরা অনুভূতি সম্পন্ন ৩ ব্যাণ্ডের রেডিও

নেলকো ভালা একবাছ বেশুন ! কেবন ছিনছান ভিনাইন । ভাষানাটিও কড ছক্ষা । চকাকে ভিনিয়ার দেয়া কেবিনেট । ভালার নৌকর্ব আগবাকে এলুড কথাক ওকে আগবার ক'বে নিজে। কিন্তু বর্ণনিই সায় নয়—এর কাও অনেক । ব্যক্তিয়ে বেশুন । কি শু কোনে বিটো আওয়াক আর কি লট্ট ব্যোলাকে ! অসূর্ব—বা !

कार्य है। कार्र बताईय मत्य । समीद वह सर्वाद ।



ভাল ২০০ ভোনেইর বেইলে চলরে । আলাধা সংকট আছে প্রবিদ্যাল, বাইরে প্রাইজনীকার লাসাবার আর রেক্ট প্রেরারের করে । স্টেন্স বরার টিউনিং কেন বেশ বঞ্চার, ত্ব ক্টেন্স শরিকার করে

কেল্ম বহার জভানে কেল বেশ বক্তার, হয় কেল্ম পারভার বেধানো আছে। আরো বে কড ছবোন ছবিবে ভেডরে তথা আছে তা আয়াবের জীলার আলমাকে নামকে বৃত্তিরে বেকে ।

আহুন, একবার তল্প বাজিতে তবে বাব আহাবের ডিলাবের কাছে,আকট ।

तनका, अत्र जूनमा त्रहेरका



ন্যালানাল বেডিও অ্যাও ইলেক্ট্রোনিকণ্ কেং কিং অকও

TREAMES SEN

# जमद्दत्रत्र मिल्ली

বাজা গান্ধীর চরিতের সকচেরে বড় গ্রাকা আকার-আর-গ তাাগ। সেই ত্যাগ-এর আর এক মহাপ্রের খান আবদ্র গফডার খান। রাজখানী বিল্লীর নিজ্য নতুন গড়ে ওঠা বিরাট বিরাট প্রাসাধ্যর মতুন নতুন অভর জল ধারার কোরাগালোর বিকে তাকালে, তার ঠাটবাটপূর্ণ হঠাং বড়লোক চালচলনের

لحافك

िटक डाकारम वह "छात्र" मात्राव कशातिक রাজধানীর চরিত্র খেকে সাছে দিয়ে তবে অনা কথা বলতে হয়। কিন্তু তা সত্তেও খান আবদ্ধ গ্ৰুফার খানকে দিলীবাসী অবলংশবণিতা ৰে সাদর উল্লেখ্য প্রহণ করেছে ভাতে শাধ্ নতুন করে প্রমাণ হয়, মন্ধ্যতেরই মধ্যে দ্রটো চেতন; আছে। একটা ভারেণর জীতনি করবার থায়েকা ইচ্ছা: আর একটা হেচালের পেছনে ছোটা:-**४**. जित निक**ं जाना**नः। कर्छडे प्रामापुरुद টংকট বার্যভা। আমানের না গাংশীক্ষীর মন্তঃ ভাগে করার ক্ষাতা, ত বি আছেনিপ্তহের ক্ষমতা। ভাই গণধীকীবই প্রতিমূতি বাংশাহে আবদ্দে গ্রুফ র খানকে সামনে পেয়ে মনে মনে চণ্ডল হায়ে উঠি আব ारी प्रकाराहक राज्य राज्यातात छएनाता দিল্লীয়েত আনন্দ উচ্চ্যাসের বিরাট আল্লোজন ক্ষাবি : কেণ্টাকেটানের কেউই ভারতে আপ্র হার উঠাত ছাজ্ঞান না : কাক-শক্নির দালের ভারবারিটা এখন চন্ধবার মাচন : পাভীর গশ্ভীর ভাবে দেখলে ব্যক্ত শাুকিরে মাবে। তাই গভীরে কিছাই না দেখে "গাংধী বলনি প্রদর্শনী"-তে চাকে পড়লাম। করেংবার এই প্রদর্শনীতে আমি আসবই আসব; ভার ব্যাহ্র বিবর্গর অতি অবশাই বার্গতরে এক সময় দেব। চলবে তো এই প্রধর্ণনী সমানে এখন পাঁচ মাস ধরে।

আমি সভা; সমশ্ত জ্ঞানের ভাগতের অনি,
অতি মুখোরও এই বিশ্বাস। এট সব বা
বল্লাম তা আমার মধে। আনার ছাটো দেখবার বে প্রবৃত্তি হয়ত তারই তাড়নাতে বল্লাম। ছাডো বের করার মতন এমন সংজ কাজ বিশেষ বৃথি শিকতীয়টি আর নেই। কাজেই অমন যে গাখবীশিকা জওহরলাল নেহর, তাঁরও অদৃশা স্কশ্ধে নানান রঙের বৃটিবিচাতিগ্রিলকেও যংগঠ ভাবে চাপিরে



দিল্লীর পালে মিরাট শহরের ব্যাবাড়ি

দিয়ে নিশিচ্নত হই, ভাতেই আমরা যে আনবান ভা বেন প্রমাণ হরে গেল, আর বাস, ভাতেই আমাদের দারিছের शास्त्राच्या । "FX BOT कलकार्यक क ७३ तमान (तरेत) মগদী" বাল বছপান্তি করে একদা বাঙালীর হাদ্যে বাথা দিহেছিলেন ও দিল্লী ডিবিল-অলাদের পরিভণ্ড করেছিলেন : হে ভবিষাৎ সমগ্র ভারত ভমিব অসমে চিত্র তা নেহর,জীর দুলিউত্ত ভাষ্ট্রিক কি না ঈশ্বর জানেন। ভাবে এক দিকে কেমন ইতিহাসের চুলচেরা বিচাকে লীবিতাস্থ তেই ল গুটাবল বেলার হিছিল নগ্রীতে রূপাশ্তরিত হরেছিল তা এছন জি জানা অব্ধ বিবেকবাল বিবেকবীন দিলাবাসী মাতই হাড়ে হাড়ে জানে, উপরবত্ত জানা গোছে অনা দিকে ব্ৰণাত্ৰ নিমাম মন্তানগিরি-রবীন্দ্র ख भ का व श स्त সরোবরের ও রাজধানীর রবীন্দ্র রঙ্গাশালায় হাবহা, কপি-ট্-কপি, অন্তিত হয়েছে। ময় নারীধর্ষণ। পটাপট বাতি নিবে বাওয়া। শাভি রাউজ পটাং পটাং করে খ্যেল নেওয়া। হ'চুলিতে কচলানি। হাত ধরে অধ্ধকারে হিড়হিড় করে টানাটানি ৷ বাঁরোচিত এই সব ক্রীতির এই সব চক্ষান আমরা সকলে প্রতাক্ষণণীর বিবরণ থেকে জানি; আর

হবলৈ বলালালা আমার বাসা ছেকে বেশি সারেও নর। আমরা এও জানি জনদর্শী জনসংঘী প্রশাসন এতে নিরপেক বেকেকে ওদের নেভাদের গরম গরম বস্তভা শানে টের পেতে অসুবিধা হয় না রাজধানীতে একান্ড-ভাবে এখন কা কী চন। অভ্যপর ছার্ল্ডা 新 村下 ক্ষিত্ৰ হেত্য, লিও আগে থেকে মুক্তার মুক্তার আমাদের জানা লাভ বার একটি হলো উদেশাহীন ষ্ঠবর্গান্ত এনাজির অপচর। সংখ্যার অন্ধিক এক দ্রেণীর ছার্টদের একপ্রকার মনোক্তির জনা রাশীনারকগণ আরু সমাজ কতথানি দাহী তাও চক্ষ-মানদের অজানা থাকার কলিপত কাহিনী নর। আর এই সমাজটা বে রাভারাতি ফুসমন্তরে বদলে বাবে তারও লেশমার আভাস দিল্লী-দিগতের কোথাও কটে উঠতে আপাতত দেখছি না। দিলীর সচ্চল "বর্দক" স্মাজের হাদ্যেনিতার দুর্ভীক্ত ভরি ভরি। তার ভার সর্বাধনিক मीहेलो सा राज कार हुई र राज खेरेरकर প্রথম কটকাতেই বিকটভাবে প্রকট হয়ে পড়কা ৷

#### প্রকাশিত হ'ল

কবিতা যাদের প্রিয় তাদের জন্য অপরিহার্য

### **अनाग्र**न

ক্রিমানস ও কার্যাচলতা প্রসক্তে আলোচনা কিবিতা পত্রিকার ইতিহাস/ ক্রিতা পত্রিকাগ্নির পরিচয়/ক্রিতা প্রকাশকের বস্তুবা ক্রিবতা

্লংকস্টি
প্রেমেন্দ্র মিত্র অল্লদাংকর বিকারে দে/
অর্ণ মিত্র নিরিক্রনাথ চক্রবর্তী/
বীরেন্দ্র চট্টোপাধ্যার অর্ণ সরকার/
মণীন্দ্র রায় জগলাথ চক্রবর্তী অর্ণ
ভট্টাং অলোকরঞ্জন দাশগ্রুত কিবিতা
সিংহ পাভি চট্টোং সন্নাল গলোঃ ও
ব্রুদ্ধের বস্থার সর প্রতিতিত ও
প্রতিশ্রিত্যান্য করি ॥

পবিবেশনা—মনীষা, শ্রীগোপাল গ্রন্থ-মন্দির ও পতিরাম (কলেজ স্থীট) মূলা—দু' টাকা

(সৈ ১০৬৫)

অভবিতে বাস ধর্মনটের সমর বহু সহছ আশিসবারী, নারী ও প্রুব, অসহারভাবে পথে দ্টানেডড হরে গিরেছিলেন। তানের চোবের উপর দিরে লেটেন্ট মডেলের বদ্দরকে গাড়িভলা শত শত সক্লা দিরাবাসী দিবা একা একা গাড়ি চালিরে চলে গেল হাসিন্থে। শত অন্বেরধেও, বহু কাল্ডি-মিন্ডিডেও ওবের হুদর গলেন। খুনি,

এরাই নাকি আবার পাশ্চান্তা সভ্যাতার অনুকারক। ভগবান ব্যরাক্ষ নিশ্চরই এই অনুকারকদের ক্ষা করবেন, তবে ওদের নিদারতাটা এতই মর্মান্তিক দুন্টিকট্ব (মনেপড়ে)—ম্যানাস ক্রুরেলিটি ট্রু ম্যান ?) লাগাছিল বে ক্ষবরেসী ছান্তদের চিন্তাহীন লাশ্পটা এর চেরেও চের চের সহনীর বলে কেউ কেউ মনে করতে পারেন। পড় মাসের

ভৃতীর সণ্ডাহে যথন বিশ্ববিদ্যালরের একজন ছাত্রের দেখাদেখি জন পরে দোমন্ত ছাত্রী, ভাদের কোনো বেচারী অধ্যাপকার আগাম জন্মতি না নিরেই, ভিঃ ছিঃ, দিলীর 'সেটসমাদা' পঠিকার মতন বের্রাসক দৈনিক সংবাদপত্রেও চরস খাওরার অভিজ্ঞতা বিবরে জানিরে সোজাস্থালি তাস করে দিল কি না চরস নামক বন্দুটি খোল 'এই ইন্ট্রাপড়



উচুসরের প্রসাধন সাবান তৈরীর ডব হুপরিচিত ক্যালকাটা ক্রেমিক্যাল-প্রর প্রকৃষ্টি বতুন অবদান

क्रांसक्षक अत्मक विक्र् हे हमश्कातसाय অনাব্ত হৰে বার, অনেক কিছুই চোণের शामान न्याक हरता कर्ता; क्षामानि न्याक इत्ह क्षेत्र कर बरेनक स्वन्तीय प्रकृतिकार क्यान्त्रक्ष भग वक्त भारत देशकाम अ क टन्टन কংগাল জ্বাল আইকল, ভগাল এই भक्का भगारकत ४ ३५।८१:८४ আমেনিয়ার টে भोक्तर रस्य भूदश्येषु क डिमामीन्स . दर्श ४ আদশহীন সমাজে য় নহাৰ্য উদ্দেশ্যই নতা। অথচ এর অপর দিবওও "बन्दविस्तानहरूतः दक्ततः" ক্ষ্যের গাঁভর অপ্রয়ে না মেতে স্থেব and চাৰ্ট্নীলভার নম্না: বাচ্ড স্পান্ট कार काराम एसके जान बाह्यताहै केन्द्र ध्यन गरः टकरवी भन करनारकत याखानी ७ टकाटीरन्द দর্গ্যীর সর্হিত্য সমিতি"-র ব্যবিক উৎসব।

বাজ্য নাতি বা আলো-বাত্রদের নাত্র ভান্তিলয় স্বাভাবিক সেই চমংকার বস্তুটি बर्डीम राबिक और छेश्मरत । रमक्ड रहत गर्र हकको तको, १कड एकामेनि । १९१४ व हिस्क करकारूत शिल्पिकाल यस्ट्रे पृष्टे यितिएउँ অনুষ্ঠানের ক্যাস্ডীর সংগুল সমবেত 🕶 'ভাদের পরিচয় করিয়ে দিলেন' ... **চনোপ**্ডি বাভাৰতী অবাভাৰতী ভাৱাৰ ছাত্ৰ-ছার্লীদের বাংলা ভাষার গারিকরের গান चार्डि। अवरमस्य रक्ष्मार्डिक्ट शेक्टक्र <del>''অল</del>্বীকব্যযাু'' র - রাস্যন্ত্রীর্ণা নাউচ্চতিনর। भौबधनगढ हिर्मिन े छैरभन म्रायाभाषाह 🖶 कतरह । माम । माञ्चमदे छ। हा हितहरमत সকলে ছাল্ডাটো নাম ভাষকায় ভাষকর বস: : পদাধৰ ভাপস চক্ষ্য সভা সিংহের চরিছে সিন্দার্থ রায়: ভার নিন্দ্রিতা মোজর ভূমিকার क्षेत्रः तरुष्पाः भाक्षरहाः । अन्नतः व्यक्तः र्षादः । িৰিলৈকে যে যাব ভূমিকাটাুকু ক্ষােত্রশিভাবে ফ্রিকৈ তুলেছিলে বৈচিত্র-**मन विन्धारतः। भाषा अदे कथा**पि ऋद,विस्तारत বলবার ভাগিতে বিশ্ববিদ্যালয়ের ছারছাতী-লের এবংবিধ জনক্রিমারির উল্লেখ এখনে আমি নিশ্চরই কর্মিন। উল্লেখ কর্মি বিশেষভাবে এই জনা হে, মণ্ডান ছাত্ৰ বিশ্**ংখল**তা <mark>জার স্বনিগো</mark> বস স্টাটকের **অব্যান্তাবিকভার বিশ্ববিদ্যালয়ের কড়** পক্ষ **बचन कर्मकर्ग्यानरक क्षेत्रके रा**ध करत निहेर বাধা হলেন ভখনো যারা সভাতার খনাতম বীৰসময় শিক্ষা ও সংস্কৃতি কিনিস্টাতে নিজের

#### यात्रिक ६, होका किन्डिट



ক্টা আ ত এবল দিপকার ৩ বাডে অল ওয়াক্ট গোড়াঁ-বল টুমাজিস্টব। যে কোনো জা য় গা ই

শাঠান বাষ। TOKYO AGENCI

TOKYO AGENCIES (WD)
Kaseruwalan, Paharganj Post
Bag No. 11, New Delhi-1.

মধ্যে পেতে শিথেছেন, ব্যশান্তির অপ্রক্রেক্ত যাদের কাছে খালা বলে মনে হরেছে, ভারা টুপ করে হাত পার্টিরে ঘরে না বলে থেকে কলেজ প্রশোলতেই এমন সর্বাপানি সিমাধ এবটি সাংস্কৃতিক আন্টোন আমাদেরকে উপহার করন্তেন। আর এই অবিরক্ত আন্ট্রিক সর্ব বাংলা সাহিত্যের সধ্যাপকা শিপ্র বল-এর কৃতিছ কিছে, কম নত। তেন না একাতভাবে নিজের চেন্টার শরংকালীন এই অন্টোনটির প্রাণকেন্দ্র শানেছি ছিলেন ভিনিত্র চি

#### \*

বাঙালীর প্রংকালীন ভাতীর উৎসব দিয়া মোকামকেই শুধু থাস রাজধানী শিক্ষরি সোজা-সংক্রামিত করে রাখেনি, त्व करत्रकृषि कराश्म নগর ভাদের প্রভারতিকেই আনক্ষা,ধর গমগ্য করে রেখেছে এ-বছরের দ্রপোৎসব। সে-সবধানেও বাংলা ভাষার ছেলেমেরেপের আবৃত্তি প্রতিযোগিতা, বড়দের সংগী-ভান জান, বাচা থিয়েটার আন্তদ্যেল ৷ পরিচিত পরদপরকে কাছে পাওয়ার বাসনা, *নবংশতে দের* সালিধালতের উৎসংহ: দিল্লী থেকে মাত্র একটি ঘণ্টার পথ মিরাট শহর: সকালে পাবলিক বাসে कांद्र शिक्त एर.भगान एमरे मकारलये एमथान থেকে জনায়াসে ফিরে আসা সম্ভব। বাঙালী সমাজকৈ সেখানেও প্রভার মরস্ম এখন চনমনে হিল্লোলিত করছে, যেমন করতে গাজিরাবাদের - আলিগড়ের মধ্রা-ব্দ্যাবনের - আগ্রার - জরপরে - আজমীড়ের বাঙালী সমাজকে। এদের কোনোখানে সার্ব-জনীন হয়ত একটিই মাত আতিশ্যাহীন মাতৃপ্রা, আবার কোথাও বা লাভক্ষতির কোনো হিসেব না রেখে বোড়শোপচারে দ্বটি কি তিনটি কি চারটি বা তরেনিধক स-अत् প্রতিমাপ্টা। আর শ্রুপারের (अना(अना)) बाहानीट पत অবিশ্বাস্প্রায় আঘটিতে মেশানে 2117 E िरहामा । 20. 31.24 দেখি। অ'মরা সংস্থারিক অথে িক কী মানুমালা মাস্টাত পাছেন ভাৰত মেইকো কৃষি কাৰো কোনো প্রেয়া। উৎসব সময়ে তবে জনেপি,গরি ুয় অভিশ্যা, স্তিয় তা্দরের সমারেটাই হলছি, ভাতে দম অভিকে ধাবরে জেপাড়। আমার এক সাংবিদক বংধ কাকিছে-কবিবর অভি কণ্ডে তিনটিনাচারটি বংলা উপন্যাস লিখেছেন। ভাকে নিয়ে গত বছরে। প্রেজরে সময়। আ্রা শহরের বাঙালীমহল যে মাতামাতিটাই না করল তা দেখে আফাদের এক সাক্ষেস্ফাল কারবারি ব•ধু তে: হিংসেয় রীতিমত জজারিত হরে ইঠেভিল। উঠে বলেভিল আসহে জন্মে দে বাতালী সাহিত্যিক হবে, আৰু হারে প্রতি বছর প্রজার সময় পশ্চিমে বেড়াতে

বিশ্বলাহিতে বালনার অবস্থা।
বিশ্ব গ্রেবী জানী মনীবী প্রদাসিত দেবব এন মুখোগাধ্যমের বর্তমন বই

### অপারণীতা

বৃহৎ উপন্যাস । ৯৫০ প্তি ।

লম জান্তারে টাকা
বাসলা ও বাসলাবি সমস্যাপ্শ জীকলে
নরনারীর প্রেম আলেন্টান জনকে, ন্তন চিল্ডার্যার ভালতীর ভাব ও বিক্রেম্বর

এক অগ্রে জনকার সম্বেশ।

আৰু বি গাঁডিকাছ। ৩৫০টি পাল। ২১০ প্ৰা। লাল পাঁচ টাকা। ব্ৰান্ত-সজাতের সাথকলের অবলা পাঁকালৈ। ব্ৰান্ত ব্ৰহণারাত প্রোত্যাহ প্রকাশ। ভবল ডিমাই ১৬ গোঁজ ঞাঁকিক কাগজে ছাগাই ও স্বান্ত বাঁকী।

रि ब्रूब हाकेन, ১৫, करनब स्कारत, कनिकाला–১३

(Tr. 9655)



দ্রমন জীবনাপ্রের জন্ত বা প্রেরোজন প্রকাসায় ভা পালের লায় : প্রকাসা অকলে বাধনা গোলের করে আছোর উন্নতি বার এবা দবলের তেটা জন্তবী, হৌবনের বন্ধ এবীর কিবিয়ে আনে।

সাবা পৃথিবীৰ লক্ষ্য লোক আৰু ব্যৱহাৰ তথা চতত হোৱাৰকাৰী আধুনিক উত্তৰে উ জ্বলাক্ষ্যৰ বছাৰ কৰেন। পুৰুষ ও জ্বীলোকদৰ কন্ধা পুথক পুথৰ জ্বলাক্ষ্যৰ বাব

ু প্ৰকাস্য – হৰ্মো – কাৰ্মা বিশ্ব শাস্ত্ৰ- বাৰ্লিন-এর তৈবী বছ বছ প্ৰয়ুখিত সেকানে পারেন অৰবা সংসেধি বাছেৰ বছ খোক পাৰেন :

OKASA CO. PVT. LTD P O BOX 386, BOMBAY-1.

\_CU-1



লালার। পশ্চিমের এইসব শহার দিলী rer क कार्यन वारक छीन. वारक भावालक বাস: নিজপৰ গাড়ি বাদের चाटि सामव তো সোনার লোহাগা। Bergaraa আছলে দিল্লী আগ্রা আর মিরাটের বাঞালী-(4 ज्यात्मव यास যোগসার 150 লা অবশা আক্রকাল গ্রুপ কথায় ഗാ ঠেকেছে। তুমি কে? -বাঙালী? --কলে। অমনি সমুহত বাঙালী ব্যাদ্রব সদৰ দৰ্জা ভোমাৰ খাতিৰে गाउँ #77 সব সমর খোলা। স্বাধীনতার প্রাক-মৃত্ত প্যাণ্ড রেলবোগে मिली त्थात মিবাট গ্রহরের অবাধ রীটার্ন রেলওয়ে विकित्वे মিলত মাত একটি, খালি একটি টাকার। ভাজমহল দেখতে চাও? --আগ্রার হীটার্ন টিকিট ছিল ছিল টাকার। বর্তমানে ডি-मिलामीयया यन्त्रभाव नाम दारमब ANE त्थाला भवका-पेवका SIRALE ইতিহাস। অথচ ঐতিহাসিক ১৮৫৭-র আগেকার এ-প্রবাসী বাঙালীদের অপ্রাক্তর আভি আবশিক সমেকিক ক্ষে ক্যাদক হার পরিচয় হেটা এখনের খাষে মাছে একেবারে तिनिष्ठक कर्य कार्यातः। भाष्टीरश्टक करा হেমন ধৰা বাক, মিৰাট সহেত্ৰে বাৰ্ডালী-সমাক্ষের প্রসংগটা।

অধ্যাত মোগৰে माधारकार 127.3 সায়াকে দিল্লীতে বাঙালী वाक्ष रकारना সমাজের বখন অফিডার প্রাণ্ড অচিণ্ডনীর ছিল, প্রস্পরে মেলামেশার তাগিদে তথ্ন প্রতিটি বছর দেট ১৮০৭ সাল থেকে মিরাট শহরে দ্রোবিস্ব হুরে অসেটে। তা বল্লাত পার: যার একরকম **₩**1474 237 সেই সাভ্যবকে। মেকামেশার দ্দেমিনীর তাগিদেই সিপাহী কভ প্রোকেই বিল্লোহের তে: ওখানে "বাঙালী দুগাবিড়ি সোসাইটি" নামক সামাভিক ও সাংস্কৃতিক প্রতিজানটি কড না আশার স্থাপিত হরেছিল সেদিন। বখন স্থাসন স্বাহচার সংস্কৃতি এধরনের বিষ্ঠে শব্দগুলি নিয়ে আমরা তেমন মাথা শামাতাম না, সেই তথনকার দিনে প্রেঞ।-পার্বাধের গাম্ধ না পেলে বিভিন্ন শাসক-য়া সোসাইটিকেই মণাই কোনো সমিতি খাভাপরে রেজিমির করতে চাইত না। আর স্মিতি বিনা বেজিপ্টি করে **्व**ाना যে কি ঠালা তা টমিতির কাজ করার সেদিনকার ভ্রতোগী रक मा कारनम। ्रव-षाद्देगी, 100 সংবাতভাবে ইল্লিগ্যাল ব্যাপার। কাজেই, হতুম মাফিক মিরাটবাসী বাঙালীরা 'দ্গাবাড়ি" শব্দটা অনুড়ে দিতে বাধা ছয়েছিলেন ওদের "সোসাইটি" শব্দের আগেভাগে। আসলে बितार म्यावाफित ब्या फेट्यम न्याचेटर ছিল, এবং সেই উল্পেশ্য বড'ানেও चंद्रेडेटर कार्व काट्य,-श्वानीव राक्षानी

ক্ডিকাটা ছেলেমেরেনের জনা মাডভাবার মাধামে ইস্কুলে পড়াশোনো, বড়দের জনা বাংল। বইরের পাঠাগার। ভাবতে অবাক লাগে এমন কি ঘটনাবহাল দিল্লীর কোনে। পাঠাগারেও সংখ্যার এত বাংলা প্রম্থ নেই যত আছে মিবাট দলোবাড়ি সোসাইটির গভ শতাব্দীতে প্রতিষ্ঠিত ওদের মূলাবান সংগ্রহে তা আছে কম करत्व काम ना प्रम हास्राद वारमा बहै। বাংলা ভাষার প্রতি আকুন্ট হয়ে স্থানীর অবাঙালীরা পর্যাত এই পঠোগারের সাহায্য নিতে নিৰ্মিত আজেন। তাৰেৰ বাংলা লেখার **উ**ৎসাহ দেখে বাংলা শেৰালোৰ ইস্কুল খোলা হরেছে স্বাদ্ধালীদের পাঠাগারে। বাংলা দেশের বাইরে স্ক্রের এই প্রাস্তীয় ক্ষু নগরে মাতভাবাকে জিইরে রাখবার যে অতলনীয় প্রাণপণ প্রতেখ্টা তা উত্তর প্রদেশের রাজধানী শক্ষেণ্ডে তো নেই-ই নেই বলেই জানি উত্তর প্রদেশের বৃহত্তম শহর কানপারে সাংস্কৃতিক তথাকখিত वारागमीहरू, वा फेक्नि दाविकोरतव मरब এলাহাবাদে। সুদরে সেই অতীতের মিরাট-বাসী নমস্য বাঙালীরা স্থিরনিশ্চর বুবে নির্রেছলেন বাংলাভাষার মাধ্যমে পড়াশোনা না করলে করেক দশকের মধ্যেই প্রবাসী বাঙালীদের বাঙালীঘটাকও আর বজার थाकरव ना। कारकरे व्हास्त्र वाक्षामा प्रत्मन অলক্ষিত নিশক ও'রা বাংলার মাধামে পড়াশোনার একটি ইম্কুল খলেছিলেন এই মিরাট-এ। অনুমান করা শত নর, ক্র ভখনকার নামহীন এই ছাটনি-শহরের रिमान्यम বাখালী প্রবাসী গ\_টিকরেক CHC# 0 কীপ্ৰকাৰ কম'ক বৈনে বাস্ত ৰাপকভাবে খেটোছলেন এই विमानात्त्रव গ্ৰহাক কৈলে পরে আৰু সেটা ইণ্টারমিডিয়েট কলেজ, বে কলেজ সমস্ত

फेराव आमाल "मार्गावाफि" जास्त्मा स्वन्मनी গাল'স ইন্টার কলেজ" नाटमक केल्डबाटमस वकि निकारकम् वर्त थाछ। वद क्रांका এই কলেজের বর্তমান हाती मरबा ১२৪0: गिक्कारियों 80 **471 4018** ভবনটা এদের নিজম্ব সম্পত্তি, বে সেরিব লাক্ষ্য হতে হয়—য়াক্ষানী STATE यक्षामी DECEMBE. বহর্তম वहे हेन्क्निपिक तिहै। खब्र **भिन्नीया**नी बाधानीटमब -গরিমা ৷ দুর্গাবাভি আংলো গাল'স কলেজের পিকা-দীকার মান এমন উচ্চস্তরের বে গড় ডিন বছর ধরে সমানে এই কলেজটিকে উত্তর প্রদেশ সরকার পঞ থেকে ওদের অন্যতম সর্বপ্রেণ্ঠ কলেজ বলে বোৰণা করে চলেছেন। আর সেই কারৰে **এই कलाक्षत्र हारापत्र कराक राजान गैका** সানশে বৃত্তি দিছেন। সরকার দেকেনী ৰা না কেন প্ৰতি বছর এত টাকার বৃত্তি। হাই স্কুলের পরীক্ষার -পারসেন্ট সাক্ষ্যেসফুল: ইন্টার শতকরা নিরা<del>নব্রজন</del>।

শ্ব্ব কি পড়াশোনার উৎসাহ বিবাট দ্ৰণাবাড়ি সোসাইটির? धारत "बार्चन নাটা সমিতি" কম কিছু নর। প্রতি বছর দুগাপ্জার ভিনদিন, বাণী PLEETIE. রবীন্দ্রজরন্তীতে, नवदर्व केशवास र উপস্থাপনার নাট্যাভিনর নৃত্য সংগতিত স্বাপানি আয়োজন **ও'রা করেন। এ ছাড়া** ও'নের খেলাখুলার বিভাসটিও স্ভাগ এ ছাড়া ব্রুক্তের ৰাপনের উপাদান ভাস ভো আছেই বেকা नाट "SIMPLE INTE অনিবাৰ ভাবে "रमन", जाटर নার বিভিত নাটকের রিহাসেলি, আর প্রাশকত আন্তা বেখানে আমরা বে বাঙালী ভার স্থানিকৰ च्चक विषय शक्किस ।

#### প্ৰকাশিত হল

## সারস্বত

#### पातरीय ১०५७

তবক ॥ দেবতাসাদ ঘোষ (বাংলার পটোচত) । বিনারকৃষ্ণ দত্ত (তামাদের শিক্ষা-চিল্ডা-হানিতা) । কলেণকদেব চোবারী (কবি কন ডান । । তারাপদ ম্যোপাধ্যার (আমাদের শিক্ষাব্যবস্থা) । স্নানীল সেন (অথানৈতিক ইতিহাসচচ)।র রমেশচন্দ্র কর) । রমেশ নাল (পাঞ্জিবালী স্থায় ও বেকার সমস্যা)।

কবিতা । বিকা দে । অব্ন মিত্র । স্পাল রার। কিরণপ্তর সেনগাশত । রগীজু রার । চিত্ত ঘোষ । কৃষ্ণ ধর । দুর্পাদাস সরকার । জ্যোতিমার গলোপাধার । বিত্তার আচার । তর্গ সামাল । অমিতাত চট্টোপাধারে । অমিতাত দাসগাশত । অন্সভ দাস । গণেশ কম্ । ভূলসী মুখোপাধার । রাজ্যবর হাজর।।

প্রাণ স্থান কর্ত জুলার মুখ্য স্থান স্থান স্থান স্থান স্থান স্থান কর ছোরাল । গলপ !! ডিট্র ফোলপাকক । সোরি ঘটক । মিহির সেন । ন্পান্নেন কর ছোরাল । কাবানাটা !! রাম বস্থা

ित ॥ १९९८मण्यसम्बद्धाः कार्यना कि । यसमात क्षेत्रितः । इस-क्रिकः । इस-क्रिकः । इस-क्रिकः । सर्वाणान्यस्य

সারুবত লাইরেরী । ২০৬ বিধান সর্গী । কলকাতা ৬





আপেনার পরিবারের সবাইকে মুস্থ ও মুখী রাখবার জন্য ওদের খেতে দিন

# ফোরাডল প্রশান ভিটামিনপূর্ণ পুষ্টিকর টনিক

স্যত্ত্বে পরিকলিত আহারেও একান্ত প্রয়োজনীয় ভিটামিন ও খনিজ পদার্থগুলির ষাটতি থাকতে পারে। ফেরাডন আদর্শ থাজ-সম্পুরক যাতে যাবভীয় একান্ত প্রয়োজনীয় ভিটামিনগুলি ও আয়রন রয়েছে সুস্বান্ত শক্তিসঞ্চারক মণ্ট বেস্ এ। কেরাডল ক্ষুধা রৃদ্ধি করে, শ্রীরে উল্লম এনে দের, আপনার পরিবারের স্বাইকে বাড়তি শক্তি এনে দেয় এবং সারাবছর স্তম্ভ রাখে। দুধের সঙ্গে অথবা টোস্ট বা রুটির ওপর মাথিয়ে ফেরাডল দেবেন — ওর মণ্টের চমংকার স্বাদ শিশুদের অতি প্রিয়। আপনার প্রিবারের স্বাইকে নিয়মিতভাবে ফেরাডল থেতে দিন স্ক্রান্ত ভিটামিন-পুষ্টিকর টনিক।

**स्ट्रिशा**पन

ফ্রোডল গারা পরিবারের স্বাচ্ছ্যের জন্য

BAISONS-7369-BEN



ক্ষিম একটা চিঠি গেলাম। লিখেছে ি বাজরাশ্রের বোশ্টন থেকে আন আর ज्ञान। ठिठिये। इ. अ. अ. अ. अशाह इतहरू কলকাতাতে প্রথম দিন খেকে শেষ দিন প্রণত সময়টাক একটা আবেলের মধ্যে লৈত কেটে গোলা। ভার মাথে কখন যে #তারটাকে ভালোবেলে ফোলেভি বারতে পারিন। কোন শিক্ষী যেন উল রঙের সংখ স্নিংখতা মিশিয়ে কলকাতাকে ব্যভিয়েছে। মান্বের ভিড বেলফ লের प्राक्तः अन्धकात गाँक प्रयोक आकारकाच्छाक র্ভপথ সব কিছু নিয়ে কলকাতা আমানের লাভ স্কির্-আন্তরিক। **ব**দি এই ক্রাব্রাল জাবন থেকে ছাটি পাই তাব कार्यकवाय गाउँ। कनकाडाक Part করতে।"...জিঠিটা পড়ে সভিটে খাশী হলম। কারণ, এগাবো হাজার মাইল দ্যুরের প্রবাস-কবিবনে কলকাভার প্রশংসা বে কোন বাঙালীর মনে প্রশাশিত এনে मिरा

আনে কর সাজানের সাথে আনার প্রথম পরিচর **वेदा**भ्वेत्रष्ट क्रिक्शकाइद **बिलाइक व्याप्तितः** अवर अथम मनातिहै ব্রেছিলাম ওরা আমার সমলোতীর অর্থাৎ "তাসের দেশ"-এর সেই নাসকলাতির মতো "কিছাতেই স্থির থাকতে পারিনে।" চার দেওয়ালের মাঝখান থেকে বারবার পালিয়ে যেতে ইচ্ছে করে পি'ঠ বোঝা বে'ধে দেশ থেকে দেশাস্তরে নানা জাতি নানা ভাষার মাকে ম্বির আনন্দট্রক পেতে—মহাবিশ্ব মহাকাশতলে বিসময়ট, কু একাকী মানবের ভ্রমণের উপ্তেলা করতে। কার না ভালো। লংগ সামানীর কোলন-এ বসে কবিগরের সেখানে লেখা "চাহিত্রা দেখো রসের স্রোতে রঙের শেলাখানি" গানটি বারবার আর প্রেৰীর অনেক কবিতা তো তিনি পক্ষিণ আমেরিকার ব্রেনাস এয়ারিসে লিখেছিলেন-ভার সেই কবিতাগলো হাতে নিয়ে সেখানে কোন অলস উইলো গাছের निटि "खारमारक्त्र निःम्ब निर्दार मन्धर মুহ্তাল্লো লীলাভরে তাসিরে িতে" कात ना हैका करत ?



কানাডা থেকে বিদার নেবার অবব্যাহত পূর্বে অটোরা বিষান বন্দরে জেনারেল শ্রীলরতভাগ চৌব্রী

তাই সেবার ৰখন মনে ছলো, নাঃ, আনেক দিন এক ভারগার বাদী হতে ব্রেছি— এবার দ্রুণ্যা দ্রুণ্যা বলে বেরিয়ে পড়া যাক। আর তাহিতি হাওয়াই না দেখলে তো প্থিবী দেখাই সম্পূর্ণ হলো না। ভাছাডা সর্বতীর্থসার কলকাতাকেও তো অনেকা দিন বৃশান করিনি। তথন অব্যথ মনটা বিরক্ত হয়ে বলে উঠলো, "শধ্যের প্রাণ গড়ের মাঠ-পকেটে নেই ফটো পছসা-উনি বাবেন প্ৰিব**ী দেখতে!**"—কি আৰু কৰি। নিতাতত দার্শনিকের মতো মনটাকে বোঝালাম, "বাপ্ত, চিরটাকাল কি বক-পকেটে ডলারে হাত রেখেই কাটাবে! তার একটা নিচেই যে হাদর কলে অকিণ্ডিংকর বস্তটি রয়েছে, তার খেজি রাখ কি?" মনটা বাঁতপ্রব্দ হরে আর কথা বাড়ালো না। আর আমিও বেরিরে পড়ে সানম্রান্সসকো, লস এঞ্জেলস, হাওয়াই হরে জাপানে গিয়ে পেশিছরে অনেক দিন পর এশিরার মাটিতে পা দেওরার রোমাণ্ডট্রক অনুভেব করলাম। সেখানেই আবার দেখা অ্যান এবং সক্রোনের সপো। আমি তখন হোটেলের ট্যারন্ট ব্যুরোডে ক্মিনো পরা জাপানী মেরেটিকে বোঝাতে চাইছি বে. Night Club দেখতে আমি জাগানে আসিনি— তার জন্যে তো প্যারিসই রয়েছে। সভেরাং Night Club-अब ठिकाला ना पिट्ड किकार কাব.কী খিরেটারে বেতে হর তাই বলো— কোখার গেলে শনেতে পাবো হাইক কবিজা —দেখতে পাবো ইকেবানা। হঠাং পিছন ष्याक नार्वीकर है कि वाल डेर्डरला. এখানে কি করছো?" তাকিয়ে দেখি আন

#### —সদ্য প্রকাশিত**—**

মহাত্ম গান্ধীর শতবর্ষপ্তি উপলক্ষে অধ্যাপক প্রমোদবন্ধ্য সেনগ্রেশ্তর

# गान्धीकी ७००

[ গান্ধীজীর জীবনের বিচিত্র কথা ]

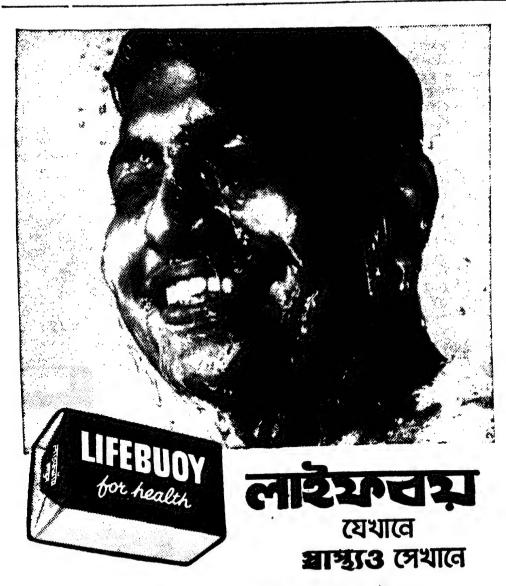


# ब्यानार्की भावतिभात्र

৫/১৩, কলেজ রে: কলিকাতা-১ কোন: ৩৪-৭২৩৪ আর স্ভান। বহু দিন পর ওদেরকে
টোকিওতে দেখে সতিটে খুলি হলাম এবং
প্রকিত হলাম ওরা কলকাতাতেও বাবে
খুনে। ষে-কোন কারণেই হোক, কলকাতা
ভারতের বাইরে একটি বিশেষ পরিচিত
নাম। করেক বছর আলো Ladies of
Calcutta গানটি এবং একই পরিচিত স্বে
গাওয়া জার্মান ভাষায় Kalkutta liegt

am Ganges গানটি তার বংশত পরিচর
দেয়। (এ প্রসংশ্য বলে রাখা ভালো বে,
বর্তমানে New York—এ বহু-আলোচিত
Oh.Calcutta নামে বে লান-নাটকটি
অভিনীত হচ্ছে, তার বেশ করেকটি সমালোচনা পড়ে দেখেছি। নামের তাংপর্য
কোথাও খাঁজে পাইনি।) কিন্তু ভারতের
বাইরে ভারত সরকারের টা্রিকট দশ্ভর-

গ্রালির কলকাতার প্রতি বৈমাতৃক ব্যবহার
সর্বজনবিদিত। তাছাড়া, বিভিন্ন বিমান
কোশগানীর বইগালিতে কলকাতার বিবরে
পরেশনাথ আর কালীখাটের বিবরণ ছাড়
আর বিশেষ কিছু চোখে পড়ে না। কিছু
দিন আগে একটি প্রথম শ্রেণীর পতিকাণে
দেখলাম বে, কোন নোংরা শহরের বর্ণন
প্রসংগে বলা হরেছে, "Clean by Calcutte



জাইফবর মেধে রান করলেই তাজা ঝরঝরে হবেন । এই চমৎকার সূহ পরিছের ভাব ধেকেই বুঝবেন ভাল সামাবের সন্ত্রিছু গুণ তো আছেই লাইফবরে, তারচেরে বেশাও কা বেন আছে !

लाय्याय भूलायग्रनाव द्यागवीकार् भूरा एत्स

हिल्हात लिखादार देखी

Stander । এইসৰ কারণে অস্বীকার করা যার না বে, কলকাড় কিলেগী টার্নিস্টদের কাছে নিতাস্তই আকগ্ণহীন।

जब बुक्स ट्रिनिस्टिय वाम मिरव वाकशा প্রাকার করতে আমরা বাধ্য যে, কলকাতা র্ভারদ এবং নোংরা। কিন্তু আমি পরোনো প্রাারস, লক্ষ্ম, নিউ ইয়ক প্রছতি পর্বির বড় শহরগলোতে যা দেখেছি ভার সংশ্রে কলকাভার তলনা করলে সাধা এ কথাই মনে হয়, দারিদ্রা যদি কলকাতার পাক্ষ অভিশাপ হয়, তবে ওইসব বড় খতবের দারিদ্র এক মহা-অপরাধ। ধনীর দেশ ব্ৰুৱান্দের নিউ ইয়ক', চিকাগো প্রভতি শহরগ্রোতে খ'লেলে কলকারার মড়ে আনেক জারগা খ'লে গাওৱা বাবে। ভাষ "Could you spare a dime for me\_ আমার কলো ১০টি লেণ্ট কি ভূমি খরচ কবাতে পারবে? ভদ্র ভাষার এই কথাটাকে Below the Poverty line এইস্ব গাল-ख्यः गाम ना पिता ताथ इस **छिका वना**है कारता । कार्रण, कामामाटक कामामा मा बरम र्चानर तलरलं दार्भावको अक्ट माँकाइ।

তই প্রসংশা মার্টিন স্থার কিং-এর
সংলভিষিত্ব রেভারেশ্য তেভিড আবের্যাপর কথাটা মানে পাড়ছে। কিছালিন আরো
ভিনি যা বলেছেন তার সংরুদ্ধা হলো, চাঁদে
মান্টোর প্রথম সংলক্ষ্যপর জননা যে কোটি
কে তি টালা ছর্ড হয়েছে, তা না করে
স্কংগ্রের গেরীর জনসাধারণের জ্বনা মেটিছে
বাব্র কর্মা ভালো হতো। চাঁদের মাটিছে
মন্টোর প্রথম অবভরণের পরিপ্রেজিক্ত
যথন সালা কিংববাসী যুক্তরাপ্রের প্রশংসার
ম্থর, ভব্ন সে দেশের একজন নেতৃস্থানীর
লোকের মাথে এ ধরনের কথা সারিল্রের
বৈদ্যাপ্রস্কৃত বর্গেই মনে হয়।

এই কানোভাতেও দাবিদা এবং বৈকার সমস্থা চোধে পড়বাব মতে।। প্রধানমন্ত্রী শ্রিণনাবিদ্যার নির্বাচনকালানি ইস্তাহারে বাধবাব হো Just Socity বাক্ষয় বলা হয়েছিল, ভাব সামান্য আংশও বোধ হার সম্পাত্র আছে করোনা। স্পোদন কর্মেকের স্থেপান এককান নেড্স্থানীয় লোক মণ্ডব্য

"Treudeu has made the Just Society only for the Rich—not for the Poor".

কথাটা ব্যক্তিসপাত কিনা, সে আলোচনা ভূলতে চাই না। কিল্ফু এ ধরনের উত্তি এই ক্যানাডার জনসাধারণের একটা বড় অংশের।

তাই বলছিলাম, দারিয়ে কমবেলি
প্রিথীর সব দেশেই আছে। কোন Issuএর দেশ হয়তো তার থেকে মূভ নর। আর
প্রিথীর সব ক'চি বছ শহরের সমলা।
কলভাজার চাইতে কম নর কোন অংশেই।
নেই হায়ণেই বলভাজার বিকরে তারত
ক্ষেত্রাক্তর দ্বিতর ব্যারক্তা

এবং অধিকাংশ কিলেশী ভোন কোশপানী- বিলয় সক্তাত সভিছে প্ৰিচাদালক।

"গন্দা শহর" কলকাতা নোরো। সে কথা সতিয়। কিন্তু কলকাতার বে আরও একটি রুপ আছে, সেটার খোঁজ তারা কোনদিনও রাখে না। কলকাতার মান্বের জাবনের হাজারটা সংখ-বল্গা-বেগনা সর্বাক্ত্র ছাপিরে কিন্তু গোরালার গলির ছোট আকাশের ফালিট্রুতে অনাদিকালের বিরহ-বেদনার রঙ লাগিরে সিপ্ত্র বারোরীর স্র বেজে ওঠে বার বার—সে স্বর কান পেতে শোনার রজো হানসিক প্রস্কৃতি কাজনের বাকে?

দে কথাই বলছিলার জ্যান এবং সন্জ্যানকে জ্যানের দ্বে-প্রাচ্চের দেশ-প্রেল পরিবর্গনের শেষ পর্যান্তে ব্যাক্তক থেকে শেলনে উঠে। জ্যার বলেছিলার, বলি পারো ভবে কলকাভাকে ভবা ভারভবর্থকে হদের দিরে দেশটের জ্যাজনৈতি হদের দিরে জ্যাক্তিক ক্ষান্তিক দেশটির জ্যাজনৈতি হদের দিরে জনতের করে।

তারপর ওদের জব চার্নাকের কলকাভার গোবিক পর गुडान हि. काली बार देव ইতিহাস থেকে জারন্ড করে স্বাধীনভা আন্দোলনের কথা, দেশবিভাগের পর হাভারটা সমস্যা, ভারতকরের সাংস্কৃতিক চেত্রনার পটভূমিকার কলকাভার সাহিত্য, চলচ্চিত্র প্রভাতির বিবরণ **ও**লের সিরেছিলাম। কারণ, ভারতবর্ষের সাংস্কৃতিক পঠিস্থান কলকাভার বিষয়ে আমাদের জনেক কিছু বলার আছে। এ বিশ্বরে আমার সংখ্যা অনেকেই একমত হকেন ৰে, কলকাভার মডো এমন শহর ধবে কমই তাছে, বেখানে বে-কোন ভালো নাটক হাজার রজনী অভিনয় করে, বে-কোন উচ্চাপ্যের সংগতি সম্মেলন সারা রাভ ধরে হয়, আর এভ সাংক্রতিক অনুষ্ঠান হয় প্রতি মানে।

প্রথম দিনটা ওরা কলকাতা দেখেছিল পশ্চিমবণ্যা সরকারের উত্নিলট দশতবের ভ্রমণস্টী অন্বোরী। তার পরের কটি দিন ওদেরকে কলকাতা দেখানোর ভার নিরেছিলাম আমি এবং আমার করেকজন বশ্ব। শির্লাণা দেউশনের অফিস-ক্রেডা জনতার ভিড থেকে আর্ম্ভ করে নতন এবং ক্লকাতা সৰ্বাক্তা ওলেবকে দেখিরেছিলাম। ভার সংশ্য ছিল শিশঃ রঙমহলের অনুষ্ঠান, মুম্বাপানের থিয়েটার, কবিশরের গাঁতিনাটা वदीना-जगत আৰাদেমি অব ফাইন আট'লের প্রদর্শনী, প্রভৃতি। বনি ওনেরকে সতিটে কোন নতুন ধরনের সক্রের জিনিস দেখিরে থাকি তা হল মার্মেলা। বিদেশে এ ধরনের কিছা সমাবেশ দেখেছি লন্ডনের হাইভ পার্কে, প্যারিসের মমার্ডতে, নিউ ইয়কের প্রীনউইচ ভিলেজে। কিল্ড একই অংশ এড রূপ আর কোথাও চোখে প্রছেনি। কলকাতার জীবনের অগণিত সমস্যাত্র সপে মার্ডমেলার মাজির স্বাদটাক সজিট আমাৰে বিশ্মিত করেছে। সারাটা দিল আমাদের কিছাবে কেটে গেছে বকতে পারিন। শুধু ফেরার সমর আন ভার সজ্যোতনর অশিক্ষে ভরা চোখের দিকে ভাক্তির কলকাতার মানুকদের ধনাবাদ व्यक्तित्रविनाम।

অবশেবে একদিন কথন ওদের কলকাতা ছেছে চলে বাওরার সময় হলো তথন দমদম বিমানবন্দরে প্রদান করেছিলাম, "কেমন লাগলো আমাদের কলকাতাকে?" ভার উত্তরে আনে বলেছিল, "মনের ইজেলে কলকাতার ছবিটা বেভাবে আঁকা ছিল, কোন নিপুণ শিশপী কো করেকটি ভূলির টানে তাকে এক আসামান্য রূপ দিল।"

ভরা চলে আসার পর কলকাভার আমার 
ভারও দুটো মাস কেটে গেলো বন্দুদের সপ্পে 
কৃষির কাপ সামনে নিরে সাহিত্য ভার 
রাজনীতির দুরুহ তত্ত্ব নিরে মহাবিজ্ঞের 
কতো মাধা নেড়ে, বান্দ্রবীর বিরেতে 
বাসরছরে কৃষ্ণনে মন্ত মাতপোর মতো 
সবার সপো "বাজ্ঞেরে বান্দরী বাজ্ঞো" গান 
গোরে, কলকাভার পথে পথে ছুরে বেড়িরে, 
ভিগেড পারেড গাউন্ডে শুরে আকাশের 
বিরাটছকে অনুভব করে। কিন্তু চলে 
ভাসার দিনটাতে দেখলাম আরও কত ইছ্যা 
ছিলা, ভার কিছুই হল না। সবস্প্রলা 
ইছ্যাকে ভারও তীর্তর করে দিয়ে ভেট 
ক্রেলাক ভারাকে নিজ্ঞে ক্যন মাটি ছেড়ে

# বৰ্তমান শতাশীর একটি অসামান্য বই হোচি মিন ও ভিয়েতনাম

ৰয়ৰে দেন-এর একটি অবিসমরণীয় গ্রন্থ

প্রকাশিত হল 🛭 সাত টাকা

পদিকেবৰ : মৌস্মী প্ৰকাশনী, ১৫/২এ কলেজ রো, কলিঃ-৯

# खोचत्वत्र कप्ततीराणा...काप्तल लावपा



উপরে উঠালো, জানজা দিয়ে শেষবারের মতো দেখলাম কলকাডাকে। সবট্কু বিষয়তা ছাতে কেলে দিয়ে ছাজার আলোর মালা পরে হেলে উঠালো কলকাডা। .....জাণচর্য জালান রূপ ভার।

ভঞ্জন মনে শিৰ্মা ছিল, হরতে। সঞ্জ ছইনি: কিল্ফু এডিলিন পর চিঠিট পেরে মনে হাচ্ছ আমালের কলকাতাকে ওলের ভোলো লেগেছে। এবা ভালোকেলেছ আমানের লহরটাকে। সতি, বড় ভালো লগেছে চিঠিট পেরে।

#### \*

ক্ষান্ত পাছে ক্ষেত্ৰ জামানের সংগ্রে প্রথম কথা এই ও কালা, গাওমাব কর তাই লাগ্ল কাইসা আমহা আবক বাতি ক্ষাবৰ লাভ লাভ্যুত্ৰী লাভ্যুত্ৰ মাহাল প্রাণের গাল মাহাব কালা

ভাষাল সৈই দেশের মান্ত হেলান পালন, বেদানা আছিলাভ কবি কালো ওলো আজি এই এটিবার প্রাক্তির আজি এটি প্রটিবর নিশারের বেজান বিশ্বর বিশারের বিজ্ঞান বিশ্বর বি

াভাই রে প্রাব্ধা হল হে শম্মান যত ধনী মান্য অভিযানে

সংলা প্রজা হিন্দ্রমান " আনাদের স্থান কথাতে পরেনি: আনহা সিলা এসেক্টি

কিন্তু সেদি। ভামানের বার্টা শ্মি
মান হলো সব বর্ম বাজ্টা হিত মাবিল্ডার
উচ্চের্টা কেছাম ব্যান এবাটা হেগেন্ত্র বার
বিধেছে। সেই সংখ্যান ব্যাক্ষর মাধ্যা সেই
আনা বাঙ্গা ৬পার বাঙ্গার মাধ্যা সেই
হার দাভাবে একদিন। ধরার রবিব আনাবিশিদ রাহির ভ্রমান ব্যাক্ষর মাধ্যা আসবে। এর প্রেটী ভর বিভাসকে মার
করে কাছে টেনে সেবে। বাঙ্গার মাটি বাঙলার জল একাকার হরে মিশে নিরে অপর্শ প্রসম র্লে হেনে উঠবে ভূবন মনোমোহিনী বাংলা লা।

AND Swelle Tagore Society. वयीना-न्यवन कार्यादनव किन दन कथाई ভাৰতিলাম। ৰে নামের আকর্ষণ সীমাদেতর STILL DEVIS SHALE STRIKE SPILES করে ভোলে, ভাকে সভ্রম্ম চিত্তে স্মরণ করার त्व शक्ता नाविष्ठेति चामारस्य छैनदर बरबरक का भारतम करन कड़े स्त्राजाहेतिन कर्मकर्णादा जनस्य धनावात कर्माम करवादन। शाह जाएके क्वीब जनाकीरन जरम शहर করেন ন্যানীয় লিক্পীরা এবং স্বার লেবে দেখানো জন্ধ কৰিপত্ৰের জীবনী নিবে স্কালিং বাছ ছচিত চলচিত্ৰটি: একক সমবেত সংগতি পরিবেশন করেন শ্রীমতী চিত্ৰ মাৰ্থাল, স্পেকিশ ব্যান্ডি, প্ৰতিমা য়াখাতি, সাহিত্য ব্যানাতি এবং শ্রীসাভাব মুখালি, রবীন মুখালি ও জরুর দীপক মাধারি"। "কেজ জালেতে প্রাণের প্রদীপ" গ্ৰেটিৰ সূপে একৰ নতে। ছিলেন শ্ৰীমতী দীপিত সরকার। এ-দেশীর দশকিদের কাছে গান্টির ভাষার্থ ষর্গনা করেন জ্ঞার শ্রীঅম महकार : चनाकार्माहित्य चातुक्षि छेत्राध-বেলা সংবাজন ছিল ভটুর শ্রীঅমির হোবালের রবীন্দ্র-প্রতি**ভা নিয়ে মনো**ল আলুলাভুনাটি।

এখান সাম্প্রতিক কালের অত্তকটি श्रद्भारेत्र स्टब्स्स इत्सा State University of New York-এর ভারতীর নাতা 🤞 विषयक सिकातिः जार करणा जिल्ला जार करणा जिल्ला ज्रशाजिका Sec. 1 গ্লন্তা চাকী সংকাৰের একক माराप्तान्द्रामः। अम्प्लामिति अहराज्य कार्यन exaga India-Canada Association: অভারতীয় দশকদের জনো ভারতীয় ভাগকর ও চিত্রমিলেশর বৃত্তিন স্বাইডের প্রতিটি নাতের ভাবার্থ वर्ग ना निके हैवाक द है। तिर्काल म कादण्याक। ছ ব ज्ञान ह क-रेज्यव অনুষ্ঠানটিকে আরও স্কের করে তেনে। অনুষ্ঠানটির প্রথম অংশে ছিল মণিপরে । ভারতনাটাম। चिटौर करम किन स्वीन्ध-নাথের পানের মাধামে বর্ণা ও বিভিন্ন ব্যাপ। প্রায় কোটা দ্যাখন্টার प्राप्तः सम्ब चन-कार्नावेद एको बनवा शहा हो। 🛦 দলগাঁ দল্ভিয়ের মাণ্য করে।

গত জ্লাই মাসের এক তারিখে জেনারেল প্রীক্ষরতনাথ চৌধারী কানভাহ ভারতীর রাজীল্তের গল থেকে বিলায় নিয়ে গোলন। তাই রাজধানী আনিয়াত গিয়েছিলাম তাঁকে বিলাম জানাতে। প্রাপোছলা, দীঘাকাম, সৌমাদলান মানা্রটি গত তিন বছর ধরে কানাভার প্রসা ভারতীয়ানের একালত আপনজন ভিলেন। মানা পড়াছে, কিছু দিন আগে একটি

কানোভিয়াল দলপতির সপে আলাপ হয়েছিল। ভারতবর্ষের বিষয়ে কথাপ্রসম্প ভারা বর্জোছলেন, 'শুভাষানের হাই-কমিপনারকে আমরা Expo'67-এর কেলার লেখেছি—

One of the most impressive personality we have ever meet", কথাটা আমালের কাতেও ঠিক তেমনই সভা। শুনোহ, বিদায় নেবার কিছা দিল আলে অটোরাতে একটি অনুষ্ঠানে উনি করার সংকা গান গেরেছিলেন "খন বাজে গুলেপ ভরা অভ্যাদের এই বন্দ্রাঃ। গানিট লোনার সৌভাগ্য আমার হরন। কিল্ফু শানতে পেলে নিশ্চরই ভালো লাগতো। জেনারেল প্রীভরণতনাথ মৌধুরীর কঠে গান্টির কোন নতুন ভারার্থ হরজো খাতে পেভাম।

এ দেশের প্রির সামার-এর বিদার-কাশ উপস্থিত। এখন নিশির-ডেকা বানে বানে বানে অর্ণরাঙা চরণ কেলে পরবর্গারীর আসার সময় হলো। মনে মানে পথিক মেনের দল আকাশটা ছেরে ফেলে শব বর্বার বারা অকুপশকাবে চেলে দের পপলার, পাইন আর মেপালের পাতার। আর ভার বর্বার-বাংলা বানের হারা ফেলে রনে করিরে দের সম্ভিত্তিবাক্ষাটির পথটাকু পেরিরে জননাভর সোহাদ্যানির কথা।

এখানে এখনও লোকের মুখে মুখে ফেরে চাঁলে মান্তের প্রথম পদক্ষেপর কাহিনী। আর আমি ভাবি একটি স্বদের শেষ হলো: চাঁলামামা আর আসেবে ল কপালে টিপট্রু লিভে—সাভ সম্দ্র তেরো নদাঁর পারে চাঁলের বাড়ী আর চরকা কাটবে না। গৈলেবের সেই মধ্য কল্পানা গালো Sea of Tranquilityতে ধারা খেরে চুরমার হরে ভেতে গোলো:.....সভিচ, বিজ্ঞান বর্ড নিউরে:

नीनामि ठाकी

#### किन्द्रिक होन्दिक्टें



২৮৫, টাকা গালের প; 'থ বী বি জ্ঞান্ত ন্যা ল না ল ভি লা; জ্ঞ ৬ ব্যাল্ড জন ওয়াল্ড প্রোটোকা ইন্ডিকটন

ফ'লৰ ১০ টকা বিলিততে কিন্দে। প্ৰতি গামে ও পচাচ পাঠকে বাছে। লিখনেঃ Impex India (WD) Kailash Nagar PB 1045 Delbi-e

রুপরিচিত নির্করমোগ্য ক্রতিষ্ঠান বিসলৈ ডেকবেটর ১২৩.চিত্তরঞ্জন এডিনিউ, নালি ৬ 

# উপহারের পক্ষে চমৎকার

# ব্রিটানিয়া কোহিনুৱ অ্যাসর্টমেন্ট



ब्रिजिद्या गातरे (प्रवा विश्वरे

#### ৰাংলার চালচিত্ত গুড়া

'रमण' 86 गरका देगदम **ब**्ल्टाका সিয়ালের বিভালের ক্যন্ত্যি প্রস্থাের প্রত বাৰণাত্ৰটি পাঞ্চাম। কিন্তু করেকটি বিহরে कार व्यक्त स्थान नावमाध का । আনুষ্য 'দেখা' পঢ়িকার ধারার চিক্তরত প্রকাশিত বালোর চলচিতের লেখক আন্দার ঞ্জবার ভার 'ধানের নাম লক্ষ্যী' বচনাটিতে গালের মোডল লক্ষাণ বাগের মাধ্য হিছে গ্ৰহন্ত সন্বৰেধ বে তথাগত বিকৃতি ঘটিনে-्या छ। **छन मायागावितन (भारत भार**ने क्रान मीटाई माध्यक्राका जगारन जन्म राज তথা লেখক জাবার সাহেব বিভাগ প্রভাগ নাগেক দেওখনার কথা না কেনেট স্থীয়া-বন্ধ আন্তাপক অভিজ্ঞভার উপর ভিত্তি কলে একটি মাধারণ সিম্বানেত উপনীত হ্রেরছেন। <u>চন্দ্রেরেড। সন্পর পি</u>সা ৰাপ্ৰেটিটেও হাঁচ আন্তব্যিক স্থানিক্ষান্তন্ত্রের লোচন্ত্রীয় অভার লাউছে। ेंदर्दका **बहे श**ास्त्रास्त्रात जिलेहन जन्नकर বিভিন্ন প্রস্থাকা 🔞 জনীবানন্ত্র সার কথা কালে কোন মান্ত্রাকর **পরেকটি** সংগ্রহ মধ্য বিশ্ব এই সব ভথাগত কিছা বিশ্ব বিকৃতে সংগ্রন্থ জালবার সংখ্যোবের জোমার মাধ্যাকাল লেগকের প্রতি ব্যক্তিগত অনুমাণের কেন উত্তাপ বা ভিক্কতা দাটো উঠেছে ব্যাহ আমার भाग शक्त भा । **८क्षभाक्त अ महत्त्र है**। दर्ग क्षक छाई এব প্রধান কারণ: কালোর *চালচিতে*র অংডগাঁড রচন্ট্রালির পাঁডপ্রতাড *ব*দা**র** ক্ষেত্ৰৰ প্ৰমেতালের বিভিন্ন EF FE. আন্তলের বিভিত্ত ধরকের মান্তের মাধ্য থিয়ে ব্যস্তামান্ত্র প্রকারিক সম্পারের পারের আন্তৰ্ভাৱন ক মানাক্ষর প্রতির্ভাব বিভার কৈলে **কি**শ্ৰুত্ব স্থা<del>য়িত কলে তুলাতে</del> নাৰ্ভিন্ন 432 STEELS STEEL - **御歌作 さい** かた さらいき an arth sing singustant assessing প্রে চারেল্লি জাবিকে গেল ইটেকে। হতকা পরিতে ক্লেকে ছবেকেট নিসাবে এই লব ডালিপুণ্ডালৈ কথালো কথানা ব্যাহান্ডবিস্থাৰ ম্ফর, জালুর রচ্ছেলিক্তর ভাক্ষা এবং গ্ৰামাণ্ডাল্ডক বিশ্ববাদিকার সংকীপমিনা **হয়ে** উঠেছে। তথ্য সেই সপো এদের মধ্যে। পাই পল্লীগণ্ধী সর্লতার মাধ্যা, মৌল অকৃতিম আবেগান্ভতির স্বজ্বস্থ প্রকাশ। আর

#### কিম্তিতে ব্রানজ্ঞিট্র



(ব্যালানিট প্রমন্ত) ০ বা বড় আল ৬মবর্ড লোটেবিক ব্যানিকক্ষীর মাসিড

গ্রীনাজনার মানিক ্লাক কি স্বতের প্রতি প্রায়ে ও শহরে সার্বাম যাস। বিশ্বতা

> VIRLA AGENCIES (18) Roop Nagar, Delhi-7



এইজনাই এদের এত ভাল লাগে। এয়ন কি

এবা যথা, বলে, বাংলাবে;শর রেথক্যা

কিছু লেখে, কারণ ভারা ভিজন আর

ভাগর ভাগং জানে না, কোন সাপে শিস্

নির না দের ভা জানে না, শগরের শিক্ষিত
সমাজ ধন চেনে না—ভখনত এদের ভাল

লাগো। এদের ভাষা আয়াভিভি, বিচারের

মাপকানি। পন্ধ, মানের আনিটা ভোট

ভার আনক্ষ ভর্ এরা অকপট।

মতে একটা কথা হলে রা**থাত**া Tid. লক্ষণ বাহ্য জেলারে সন্তব্যবের কর্মসালর স্মৃতিট নত, তাৰ হাথ লৈতে তিনি নিজেৰ 5 সাম নি। আহি নতনুৱ জানি, তিনি বঞ্চলত ভানাৰ আগ্ডগাড় কোনা এক গাঁৱের ব্যান্ত্র মুল্কী। তিনি প্রস্থীকাঁকত হয়েছে পল্লভিভিত্তক যে কোন প্রচনা আগ্রাথের সংখ্য পাড়েন। ভারি কথা या मन অধান্তিক হলেও সহান্তৃতির সংখ্য লোল উচিত্ত কোন একথা নলকেন বেনের চেটা করা উচিত। আমার মনে হর বাংলানুদ্ধের শিক্ষিত ও সাহিত্<mark>যিক</mark> সমাজের তাতি আসংখ্য আমীণ মান্ত্রের ল্লান্ডবংশী ক্লেভ তার মুখে নিয়ে ফাটে অনেলে অসংখ্ প্রমণি বে বিয়েক্তি भगाराज्य भएटा सक्ता नागर गम, वर्तमा ত্ত সত সাহিত্যাল ক্ষ্যিক কথা বিচায়েখন, ক্লি ভাৰত ভাই বিগেন্ন ঘটা क्यानीत शक्त स निक्र প্রাগ্যাক্ষাকে আগত লৈতিচভাৱৰ জালাৰ পাট্ডৰ মান্ত্ৰি-কৈর আন্তর্ভ কর্মে একে তারের সাহ সাহায়ের বাইনে কংল ভাগা্না ছাল্ক ছল্<mark>ক বংলা</mark>ার গিলে পাহাত সমা<u>ৰ</u> বেথবাৰ জন্য **ছ**েট িলুৱ বাংলার শিক্ষিত সমাজ যে প্রমাণ অহুত্ত উদ্ভাষয় করেন, বাংলরে তিভিন জেলায় গিয়ে শিশিরবিশ্ববিশ্বত শীব দেখার জনা ভার এক কণাও বদি বছরে একবার তারা বায় করতেন! বাগের ক্ষোভ হয়ত সেইখানে। তবে শংখ্ वक्षवक निरंद्रहे वारमा एम ट्यक प বাগের ঔশতাপূর্ণ কথার মধ্যেই ইংগ্রিস্ত আছে। আর জম্বার বজবজ ছাড়া আরও ক্যোক্টি কলা লিখেছেন এবং আদা করি লিখবেন। ভুৱি বাংলার চালচিতে বিচিত্তর ও ব্যাপকতর পটভূমির জন্য প্রত্যক্ষা

্ৰাফ্ডাৰা ভথ্যভিত্তিক ৰচনা আল স্টাহ্যভাৰ প্ৰায়ে গাড়ে নাং কিন্তু কেট মহি ভার নগৰী মানৱ মিন্টি ছেডিঃ ও

ক্রীকনবাধের গভীরতা পিরে মাহিতারক সমুখ করে তুলতে পারেন বৈ ক্রচনাকে, তাংকে ক্রতি কি? (এই ধরনের সাহিত্য-রসসমুখ প্রমেবাংলার উপর কেখা ফিচরে সিরাজ সাহেবের কাছ থেকেও আমরা পেরেছি!)

জাবনের বহিরপা ও অন্তর্গণ দুটো নিরেই সাহিত্যের কারবার। কিন্তু এই বহিরপা তিল তিল দেখা হয়ে গৈছে, মানুবের পেশাগত খাটিনটি বিশ্তর জানা হরে গেছে—সিরাজ সাহেবের এ কথা মানতে পারলাম না। এই দুটো আগা

अधाना भरकषेबाक 8

শক্তि-সুনীল

मिक हिंदी शासाय ह

मुनोत ग(माथायाः । ।

স্নিৰ্ণাচ্ড কৰিতা

তে ভাগে ত চলাছ

অধ্যা প্রেটবৃত ১ থেকে **০** সংদীপন চটোপাধ্যায়ের

সমৰেত প্ৰতিষ্ণয়ী ও অন্যান্য ৩-০০ কবিতাৰ প্ৰেছ (ছাপা হচ্ছে)

তুহার রামের

त्वव त्नोका । हाभाउ वातक।

ভাধ্না

্ডি৭/১)ও দুহ দেন দুটি কলকতা





ট্রকা কিছিতে। সভোক প্রায় ও শছরে भारीम याहरू भारत।

IND AGENCIE SCALNOLHAPUR ROAD DELHE

#### हालकाकड खाविष्काव

লৈলান্ত্ৰৰ একছে'ছেছি ছেছে বাঁচন অনুষ্ঠাৰভাৱ একটি আবিদ্ধাৰ -- বা হাতে পেলে শেডিং রাগ, সাবান আর জীয় আপনি ছাছে ফেলে দেবেন—ভারতে এই স্বাপ্রথম nafe's ecent

अवहाडेटक प्रकास हराज कड़े व्यक्तिकार क्ष्मकाह दिस्त (ब्रह्म क्ष्महर्दे श्रद्धाः) হতে মুখের ওপর নর। কুইক-এন-কুলি এর (জিনিস্টির এই নাম) ব্যাপারে এইটিই इरका मबहाइरिक कविकामा वर्णमा, कथा वार् দিয়ে আগনি কভি মতে ও চমংকার শেভ कर्ता भारतका।

আপনার রেভের প্রাত্তে এক কোঁটা কুইক-এন-ক্রীন ঢেলে নিন্, তারপর মুখ কল দিয়ে ভিজিয়ে শেভ করতে থাকুন। আপনার রেজর রখন শাভির ওপর দিয়ে কার্পেটের মন্ত কোমল প্পর্শ ছড়িরে এগিরে ৰাৰে, আপনি তখন জীবনের সবচাইতে বড বিক্ষার বোধ করবেন। বারের দিক দিয়েও এটিছে সাম্রহ হয়। এক বোভলে ভিন वान हरना

নিটেট জীবনের সভা। কোম এক বিশেষ दारशत मौबाद बार्था स्नीक्टमत मुख्य द्वाम আৰম্ম হয়ে থাকে না. তেমনি কোন বিশেব यारशत भागात कीवराज बहित्रका वा कारट-रक्षारक काजार काक राज्य करन BILDEPE পাৰে না। আৰু সমাকের বাস্তর श्रीतराज्यास्य मार्था मार्था गाँख 👁 মানাষের জীবন ভংগিমার বে ব্যাপক পরি-तर्पात कराहे हारक स्टारक क्षीवरतन नहिन्द्रशास्त्र জানার কারু বেডে গেছে। সাহিত্য বারি যানসের জালৈ গভীরভার প্রবেশ কর্ক ক্ষাত হোট কিল্ড সংধ্যা বিষয় বাজি-ক্ষীবনের বহিরপাকে জান্য ছাড়া সেখানে পারের করার জনা জোন পর নেই। নিজের na fere was nare was Introspective द्रीष्ठि जाजरकत मरमाविकारन অচল। আৰু কাৰো মনেৰ গতি প্ৰকৃতিক জানতে হলে ভাৰ বাইবেৰ আচৰণ বার্তা ও ভার সংখ্যা সম্ভবন্ধ মেলামেশার মধ্য দিকেই তা জানতে হৰে। ৰসি সাহিত্যিক মনে করে থাকেন 100 700 कौरासर राजेखी कासक कासा रूप रशाब বলে এবার তার মনের ভিতরটাকে ঘটাঘটি করে সাহিত্যিক উপাদান বোগাড করতে হবে, ভাহলে বলভে ৰাধা হব, আক্রের দিনে আয়াদের সমাজ এ জাতির জীকনের বহিরপাটা ধ্রে বেশী क्षांन বলেই ভিনি সেটাকে এজিলে কাঁকি লিবে মনের গভীরে ভব দেবার চেন্টা করছেন;

ছিলি DOTE: WISTER SER Sophisticated আত্মাভিনানে ভগভেন।

স্ধাংশ রঞ্জন ঘোষ TIGE!

#### . . .

AV त्रश्याः 'एमा'-अत् चारमाक्तः निकारत সৈমণ মাশতাকা খিরাক, 'বাংলার চাঞ্ডিনে'র লেখক আন্দলে সন্বারের যে স্পের স্থা CONTRACT THE WAR WITH HATEIN. কৰাৰ সাহেৰ খ্ৰাম ৰাকোকে অফক কেন্দ্ৰ ভবে ভাত লেখনি ধরেছেন, এবং জন্যজ্যাক না জেনে কোথার জন্য তাদের প্রতি কটাক্ষ পাত্র করেছেন। কিন্ত ভার ৪৭ সংখ্যার লেখার একটা সাইনের জন্ম তিনিও স সমান লোবে দেবি হয়ে প্রভক্তেন কা তিনে **रवाधवत्र रथकान करत**र्मान । कार्थार का रक्त ছিনি একটা লাইন লিখে ফেলেছেন। ভিনি লিখেছেন, কৃষি বিষয়ক এম-এ ডিল্লী তা व्यासारनंत्र रमरमञ्जे हराठ भारतः, क माहेसी। ভেল তিনি লিকলেন বাকলাম না। কার<del>ে</del> এম এস-সি (এগ্রিঃ) ভিত্রী এমন জি ক্রতি বিষয়ে পি-এইচ-ডি ডিগ্রী তো এলেকট रेल**ेवा रहे** केवा दार्था रामाभाव Season of B বিশ্ববিদ্যালয় ও কলিকাতা বিশ্ববিদ্যালয় থেকেও দেওয়া হয়। এখন চ্ছা ভারতম লক্ষাণ বাণের ভাষাত্তই বলগ্র হল লাভাগত **ो कार्य माडेश टक्तमार इत्रामार्ड हराज पू**र्ण चारशे आरमा सा' कालागत जिल्लान श्रहर 4 .



किर्िक कारण जिल्लाम-'अवदी अग्राट লেলেতে এতিকালটার অধিসার করে দিলেট अरह ? रुख शाला कह जान हह शाहा सा हारम ?' अ शमराना चाचि याँन रव स्थान क्टबारे का गय देव दिएक वा शावा क्रिक मा ran afgerente winne pru recen हाटक अवनावे अधिकामहाव जिस्स फिली कार्य गाम बढार राज। मास्कार रकार गरात द्वरण'व अधिकामहात किशी त्वार्ज দাস করার পর এবিকালচার অফিসার হতে शया दिनकार बद्रकट्ट शासमाच मा । एक बादम कड ठाम देश मा जानाता जानाद शास देश्यानम कि करत वालि करता हुए का प्राप्ता कारतः थान नन्यस्य मा एकस्परे थान निहत কবিতা লেখার জন্ম করেকজন করিব পরি र्णिम क्येत्रक क्राइक्ता अवाव स्थापन क्षण्यान भाषासङ्घ द्वरान-गरिकादः सम्बान বাংগৰ কাৰে আনতে চাকি ৰে বান চাৰ কাৰে নিশ্চমট সাচেত্ৰ সক্ষাত্ৰ হয়, সেই সৰ সায়— वया आएमानिकाम जानएक्छे, आएमानिकाम मार्के हेर्फे बना क्रिकेश्वरत खर लगाल বোম আদা প্ৰভাৱ সৰে ৰভ পাসেন্ট নাইট্রোজেন, পটাশ, বা কসকেট আছে তা नकान वान कार्य ? खवा ना कार्य वावशाव क्सला एमठी कमानात प्राप्ति सामा न्यान्धाकत रत मा अगेल एक बाना फेडिए। किन्ड এতলত লক্ষ্যল বালেনের জানবার সর্বার হয় मा। काइन जाएडड नाम महम दाबरकडे छारस्य কাজ চলে হার। তেমনি ঐসব কবি বা সাহিত্যিক প্রায়-বাংলার দেট্রে জানার দরকার ভা জেনেভিজন ভার বেলি ভাদের দ্বকার হর্ম। সৈরদ মুস্তুফা সিরভের সমা-লোচনার পর আলা করব আব্দার কবার ভার গ্রুমণাইগির একটা ক্মাবেন।

স্ত্ৰত ভৌমিক হাওডা—৪

#### 1 0 1

শাংলার চালচিয়'-এ গ্রাম বাংলার কতক-গর্মীল উপভোগা হবি পাওরা বাজে। ১০ আদিবন তারিখের লেখার দ্টো ভূল চোখে পড়ল। সংশোধন আবল্যক।

- (৯) জোরার উঠতে তিন ঘণ্টা আবার নামতে তিনঘণ্টা।' জোরার ও ভটার স্থিতিকাল প্রার হর ঘণ্টা, তিন ঘণ্টা নর। জেলে-মালো মাজি-মালা সওরারি স্বাই জানে, পাজিতেও আছে।
- (২) 'বাউলীদের (বারা মধ্ সংগ্রহ
  করে)...।' বারা মধ্ সংগ্রহ করে তাদের
  মউল' বা মউলে' বলে। বাউলী
  (বাওরালী), বলতে গোলে, বান বনের
  গাইড। ভূকতাক, মন্তেরেড্ডেরের, চলাচলের বিধিনিয়ম তাদেরই জানা। কাঠ্রের,
  মউলে, শিকারি সবাই বাউলে সংগ্য নিরে

ক্তন লোকে। আংগবার গিনে - আন্তত এই বেওরাজ জিল।

> অনিলকুমার দাস কলকাতা—২১

#### ভারেবির ছে'ডা পাড়া

উপন্পরি করেক সংখ্যা হয়ে দেশ'-এ
শ্রক্ষিত কানার দাতিরেন-এর ভাররীর
ক্ষেত্র পাতা আমার জাকব'ন করেছে। তরি
লেখার বৈঠকী মেজাজ সহজেই মন টানে।
দেশ'-এর পাতার কাদারের প্রথম পর্যারের
লেখাগ্লো পড়নার সোভাগ্য আমার হর্না।
তথ্য আরি নেহাতই ছেট ছিলাম। ক্ষিত্র
কাতিরেন তরি এবারকার মনোরম রচনাসম্ভাবে আমার কে মিটিয়েকেন। একজন বিলেশী লেখকের এমন সরল বালো রচনা
জালাবের আশাভতি। সবাতে কানার এবং
রচনাপ্রকাশের বারক্ষা করবার ক্রমা দেশ
সম্পাককের সক্ষতক্স অভিনন্ধন জানার।

> মশ্দিরা রার যেদিনীপরে

#### পাৰের একলা বানিক মাহিক্সণত পাৰক

সম্পাদক য় প্রিসভী লেনসংক্র বহুনাগাড়ি র ক্রমাইগাড়

বিশেষ পূজা সংখ্যা বাইনেরান্তে প্রকাশ অংশকার। ৯টি গ্রুপ, ২টি প্রকাশ, ১৫টি কবিতা হাড়াও চাটানি, কাকলি ইতানিতে আকর্ষ বীর। শুলা মন্ত্র এক টাকা

সংখ্যা সীমিত-যোগাবোদ কর্ম

(0045)





# ক্যো-কার্সিন

Sec

আপনার নিতা দিনের সাধী



বেজ নেডিকেল টোস আইডেট লিমিটেড কলিকাডা, বোছাই, আবেলাবাদ, দিল্লী, বারাদ, পাটনা, গোহাটা, কটক, ভয়পুর, পক্লৌ, সেকেস্তাবাদ, আহাসা, ইন্ফোর

THE PRINCE



रक्षक का कावना

क माध्यस्य "रम्मा" भीतकाव विकास **ी** विश्व के नामरक्षण, करदेव रव गर्रीचे किठि প্ৰকাশিক হলেছে, লেই প্ৰটি চিভিতেই किक किक ग्रह्मा मरमास मन्त्रावकरण्य कामानः मदनावादि । क्षीर्णक्लारभव कमा (कः) शरक्रद्ध । कहे अच्छा नाभारत सामस श्राहित क्रिक्ट क्रिक्ट व्यक्ति क्रिक्ट करा क्षेत्रिक । कार्यम्य बन्ध कि सहस्र कटन करा আইনের ক্ষতা এসৰ কেন্তে ক্তথান তা चारता बानि ना । बास्ता गुरू शहेकरपढ़रे क अन्यान सर्वाष्ट्र स्थाप भाव करा भारकता महाद्यस हालहे जाधकता शास्त्रिकते জন্মত বিশ্বাস জন্মতি থেকে মারি शादका ।

প্রত্যেক মছরেই প্রকার সময় অনুনৰ-পতেলা নতন পতিকা বেরেছ—এর মধ্যে জনেক পতিকাই শ্ৰে প্ৰেলৰ সময় এসে উল্ল হয়, ক্ষি সারা বছলে ভালের মাধ দেখা काह मा। व्यक्तक वंश्वत शहर भारत সাহিত্যার মহেলা সংখ্যা এরক্স অনুনক্ষ काराजा व कारतहा क्रियाच व साउ ेक्सड ভাষার বছর বরে এর মধ্যে নাল রকম শার্কত-মাণ্য ও কপ্রবাধি দেশা যাকে। অভকাল এটাদৰ পৰিকাৰ উপস্থাবৈ - বিশ্বা সিকালাৰ कृति, गावक-गाहिकस्पत व्यक्तश्रही कीवगी এবং বিশ্বা বীভবস্থাবলৈ উভেল্লাকক **इ**टाराच सम्बद्धाः सार्थः কলজ ভুগ্ৰী স্বেস্টো সৰ ব্যৱস্থা স্বেন্ড বিষয় অভিনাহ 28 ( 84) 歌を名 (教)第一点を मार्गको कुरकारम्य साम्रा क्षाप्टरस्य १

कर बदराव किया कर कारण व दिश्व करन াতে উল্লেখ্য क्षाचा पराकारक (काका) 3.13 78 27 205 700 PO 215 **उत्कराहर के का**ंग्रा वह आहे हैं। মলার ও দরকার নেটে। হিনি সভিতে বের **रमाध्यम**ेकित कथन्छ के शतक्ष कराइन कर्ण अहल कतरक भारतम महा अर्थ । ম্লাকাতা-কাম্লাকতার স্থাছিত। কত্থানি স্বাধীনতা নেবে-বং এও জন্য প্ৰদান, কিল্ফু হে কোনো সচেতন গাওঁকই गाविक करा करा कारनमा टकानां है প্রদোস্তাক। এই ধরনের অনের পরিক ই প্রাসরি প্রেতিয়াহির বাবস্তর ও 🕬 🕆 এর সাজা সাহিত্যিকদের কোনে এবন अन्तरको शासात कथा नग्र!

खन् नामानाः **वर्षेत्र** डिम् कार्तः शहराह. ভানেক পত্তিকাই লেখকদের কোনে। প্রকার \*\*\*\* मन्द्रशिष्ट का किएक निकारण किरना को **न्स्त** गांध**ै र**गायकानन •ালেনে: কেল 'কণ অনুমতিতে 13.19 লিকে। অথবা ছেপে বেবার শর, Si , &



जन्मा-विगड करव जन्मीक जागाद करव निरम् । काहे बादना, अत टकाटनारोता कतारे जाशक शाही मनः काशकरम्ब महत्वराज्य সম্বাণ নিয়ে এইলৰ প্রিকা স্রাস্থি शाउंक्टम्ड डेकाट्ड ।

निक्रीयक W.A. নতন প্রিকা र्शियक्रमण कार्क काना शार्थना कराज अस र्णाक्षणा क मिराक । रणध्यरस्य कारक क्रानिस ৰাজে ৰে ভাৱা সীতিয়াস সাহিতা পাঁচকা বার করতে চার। কিন্ত বিজ্ঞাপতে কিংকা পতিকা প্রকাশের পর কেখা মার সেখাকে বিকট বিকৃত ৰুচির বেসাছি। পাঠকাদের थातमा शत्य, रमध्यतात याचि ले तकम কুংসিত রুসের **ক্ষ**নাই লিখেছেন। আলুসে তা সভা নয়। এরক্ষা দ্র' একটি পতিকার কোনো কোনো পরিচিত লেখকদের বচনা আমরা পাছে দেখেছি ভাতে অপলীয়াভার ন্তেপ্ত কেই ৷ স্তিতিবেদ্র প্তে এই ধ্বনের পতিকাকে স্বাসম্ম পতিবার কার চলাত মাণ্ডিক ভাষকে কোনা নতন পতিকাতেই লেখা দেওয়া চলে না। সহ সময় লেখকরা যে অর্থা লোচে কিংবা নিজের হচনা প্রকাশের ভাগিয়েটে ক্ষান্ত্র ভা নয়-প্রচাক অন্তর্ধ : মিনতি-কাকতির জনাও লিখতে ইয়-সেখানেও পতিভার সম্পাদক হবি কাংটের চাঁটে সম্পরে ভাঁকে ভল ধারণা িয়ে হান—ভা হতে তিনি আসহায় !

ভাতীর হাগেকটা আরও সংঘাতিক চ একস্পর ব্যার্থনার বেল্ডারের এক্স বিজ্ঞান্তর Gert क्षा भारता हर हारा सार्च दावा नामा খ্যানুলাক্ষ্য প্রশারেকরই *নাক্ষ*ে **শ**ুধ**ু প**র্ र्भाष्ट्राहरू क्या १५० सहस्यात्र छ छहे। इस ব্লাষ্ট্রে শ্রু কাল্ডে তেখাত সাহিত্যিক বিহল ফিরের নাম এমন স্টাহানি বই চুহার্চ্ছের হার একটাও হারে ক্রেথা নয়। কি क्लाम्स्टीशक कर्ने स्टा नेमध्यानित काल অপ্রায় সংক্রম করের জন। আনকার rugging টুট কল কলেন সহজ্ঞালাল লয়, তল এই স্যায়াল নিয়েই BOTTON A DE কিছা কিছা শাস্ত্ৰী লোক এটা বকলের অপ্ন হারসা ১৯৬৪ছে : কেমবাসর স্থামারজার ক্ষন্ত এক্ৰেল কোনো সমিতি দেই। **লে**খকর। মান্ত্রিত চেপ্টার এব কডখানি সারাহা ক্ষান্ত প্রায়েখন জানি না । পাঠকেনেরই বই হা প্রক্তিকা কেনার সমত্র সচেতনভাবে দেখা हे प्रश्न होता तेकाक्षत किला। शतिक ठेकाराई ব্যাসায়ে হয় সেমেটা, কটো ছেকাল িনার্ডার বাণস্টেইবের মান্তরই ছাটেই \*াজ্ভ পাওৱা ভা<del>চত।</del>

क्षीका मान्सिकी

जीव प्रक्रोणकार अल्लानिक आल्लाक्क पारका कीवका' करून करन चात्रान शकानिक হতে। এক সমর এট সাম্চাহিকটি বংশট আলোভন ডলেছিল, ন্যপ্রায়ে এর প্রথান ৰৈশিকী পৰে যাংগাৰ কবি এবং এখানকাৰ वहः महत्र क्षिणक क्रमा शकानः।

जनाकन शांत्रेस











# थकरे िंडेत-किन्नु श्रॉफ क्रिति<sup>श</sup>ा

ত্র বহুদুৰী একই টিউব বিভিন্ন অ্যাপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপৰোসী। সংময়সভ জিনিক—নিমেৰে তৈরি। আছবাছ হত চক্চকে মধ্যমান্য মত হস্প-যাক্ষ্যভাষ্যে, মেটানিক এইয়কম ৫ জিনিক।

 अर्थे मत क्यांभाकातारे वित्र (भक्तेन व्यक्त व्यक्त विक् तितः :- निताविक अत्यापना, व्याक्तिक देशालन्तः, व्यक्तिक क्षांभाकि वित्र । निताविक माति सामा श्राह्मिक अवर ब्याकिशिक क्रम्पनवय् डिमाहिन्सा

D अतं व्याप्त कर त्यावाम् कथ साविक्रहेक

आविकवीस

गरक गरक तथ दिलावात कना

সব রঙ করার কাজে এশিয়ান পেন্টস Apeolite pajiktous



এশিয়ান পেন্টস লাবনা

লিবনাথ লাগানী। বজীপদশা জানবানী। সামানৰ হাজসভাজ, ২১১ বিভাল সভাপ হালকাডা-৬। পাছাৰাছ পঞ্চলাছ

STRICES MINTH REMAKEN IMPARIM कार विकार नाराणीय साम । बारका दशन der eistlest wenten wie weren de:-कार्यका विश्वास, अविश्वास, सम्बं, दश्याभाषात्रात्र, भा अ भागमा - बार्टीत वार्थावकाः भव শ্বৰ প্ৰতিটি ক্ষেত্ৰে তাৰ সংবোধা প্ৰভাৱনা वदा माकामात कथा माँग्यरम् दाक्षांमधाकत কাছত সংপ্রিচিত। এই মহাপারবের श्रीकादमधा तहनात्र बंडी श्रतिश्रामन छविष्टे एकांबहा अवर अक्सा वास्तात्मक व्यानम-লিক্ত শ্রীসভীপ চত্তবতী। শিকাভ শাস্থার পর্লোকগ্রনের অবার্বাহতকার পরে তংকালের 'তক্তকোমাদ্রী' পতিবার সাচতবত্ৰী ধাৰাবাহিকভাবে কিছা প্ৰবৰ্ণ লেখেন। অতি সম্প্রতি সেই প্রবংগদালা গ্রন্থবাধ হয়ে ব্যস্তর বাঙলী পাঠকের কাছে প্রচাবিত হবার স্বোগ পেরেছে, এটা আয়ানের কাতে শভে সংবাদ সংগ্রহ নেই। যে কোন কাৰণেই হোক, শীচৰবত্তী নিজ প্রিকরপনা অনুযায়ী দিবনাথ শাস্ত্রী বিষয়ক প্রথম্বালাকে সম্পূর্ণ করতে পারেন্নি। নিবস্ত সংগ্রে শ্রীলাস্তারি চরিয়ের বিশালতা অনুধারকে আমেবিধা হয় কাং কেনক, ভীচক্রতাই লাম্ভী মহালয়ের জীবনের আন্ত্র-ু প্রিক ঘটনা এবং ভিয়াকমা বর্গা এবং লাহাল সংগ্ৰেট মহান্ত প্ৰথকতা সংসাধ িল পশালিতে আনেকটা ছ.শালড়া≰র অভ শাস্থ্য মহাস্ট্রের চারেরের বিভিন্ন গ্রাবলী তবং ভার গৈছিলটো সংশালে তক ধবদেব স্থাপাপার করেছেন সির্নাম প্রতীয় মরাজুর প্রতি অবল্রাল মান্বভারেকা, কটক চৰিব্ৰ <sup>হ</sup>ৰন্ম, শ্ৰান্স্তৰ, সংধনত সংখ্যাতা ও সহান্ত্তি, সন্মালিতা এবং আক্ষমণালাবেধে ইতানি গুণাবলীর বিশহত আলেচনার প্রয়ামী হতেছেন প্রশংকতা। সাধারণ রাজসভার অনাত্ম নেতা শাকী भशानसम्बद्धाः हैर्नाष्ट्रक कविद्युत्र महत्त्व আলোকে ভার চরিক্সের বিচিত্ত প্রকাশকে কাথ্যা করতে চেরেছেন কেংক। এই ব্যাখ্যা এবং আলোচনা দ্বীক্তায়ালে যেমন সরস এবং আকৰাণীয় হাছ উঠোছ, তেমনই ंगथाकत सम्धावान जन्द्रताच कार्यण्यन शाह উঠেছে। প্রভাকটি বচনার ভিতর সিষে শাস্ত্রী মহাশয়ের চরিত্তর নার নার্নিগণ্ড উপেম্ভিড হয়েছে, যা আমানের হু ধুৰ

গ্রন্থ লেবে শিক্তার পাক্তী বিবরক আরো চার্থানি প্রক্ষ সংগ্রুছ হতেছে। এই সর প্রক্ষের রচছিত্য হথাক্তমে রকীন্ত-



মাধ ঠাকুর, রক্ষনীকাণ্ড গছে, রামানাল ছট্টোপানার এবং অস্তর্জন গণেত। এই প্রবংশ চকুণ্টর পাল্ডী মহালারের প্রতঃ চরিত্রের অবধারণে ন্তন আলোকপাড করেছে। সৰ মিলিরে আকারে প্রথমানি অনুস্থাতন হলেও, বিষয় গোরবে, বিশেষকরে শিবনাথ শাল্ডীর সমগ্র ব্যক্তির ম্লাারণে প্রভ সাহার। করবে।

208/62

#### शावका

কৰা কৰিছে। (রাধারাণী বেখী-মরেন্দ্র দেব সংবর্ধনা সংখ্যা)। সংস্থানক ঃ গ্রেক্টে-কুমার মিত ও প্রথমনাথ ঘোষ। ১০ কেলব-চণ্ড সেন স্থাটি, কলিকভো-১।

কবি দশ্পতী নরেপ্রদের ও রাধারাণী দেববীর পরিচর বাঙ্কলা সাহিত্যের অন্রোগী-দের ৯ ছে নতুন করে দেবার কিছা নেই।

দীর্ঘ অধানত ক্রী নিরলম সাহিত্য দেবার এ'রা সর্বজ্ঞানের প্রজার আসন করে নিসেছেন । সাহিত্য প্রতিজ্ঞা ছাড়াও এ'দের ব্যক্তিরের এমন একটি মাধ্যর আছে যা সাহিত্যসেবী মাহতেই তাদের অনুত্রক করে তেতো। আলোচ্য সংখ্যাখানিতে বাঙ্গার বহু সাহিত্য সেবীর এ'দের সংবর্ধনার অংশগ্রহণ সেই অনুসালার দিকটিই বান্ত করে। এই ক্রি-সম্পতি সম্পর্কে বিস্তাবিত্তাবে জ্ঞানার পক্ষে সংখ্যাখান ব্রই কাজে লংগ্রেই সংখ্যাখানি সাহিত্যান্রাগী মারেইই সংগ্রিহতা।

#### প্ৰায়ি গ্ৰীকাৰ

জনসংযোগ প্রকাশনী : ৫৫-এ বেনিরাটোলা স্ত্রীট, কলিকাভা-৫। মূল্য ২-০০।

নাটিন ন্থার কিং। রখীপুনাথ রট্টো-পাধার। ইপুন-থ প্রকাশনী ঃ ১৪ ক্রেন্স রোড, কলিফাতা-০১। মূলা ১-৭৫।

বাংলা উপন্যাসে নারী চরিয়ের বিষয়ের। গিবানী পাল (গ্রেছ)। ভি লাইট ব্রুক কোনপানী: ১৭০/০ বিষান সর্বাশ, কলিবাতা-৬। মলো ৫-০০।

মণালের দিন। নিমাইকুমার মোর। মোহন

# **এম.** এ, जनार्ग ७ क्वांग्रेंत्र बाश्नात कना

ডঃ হংগনার্ড্রণ ভট্টাচার্যের ববীন্দ্র সাহিত্যে আর্য প্রভাব—১২০০০

अश्चिक करायात करने करने करने अ**य असे बानाकों** अप के कर्णक

बानकरहेत कात्रव्यती कोशिकात अर्थभाग्न বসান্বাদ স্ফলিত একময় বই 🗕 \$.00

বাৰা ৰতীন স্মারণে দাননাথ ভট্টাচারের

**नक्षी**ल

শ্রেণীভূমিকা ব্যক্তি নাটক ১

- 2.60

- 6.00

লেভিকা । ৭, নধীন কুজু লেন (কলেজ রোর ভিতরে), কলিকাতা-১

চিত্রভান, র

# সময় কঠিন সত্রধার

গভীর জীবনবোধে সম্ভল্ল অসামান্য কাৰাগ্ৰন্থ

প্রকাশক : **ব্রিচা প্রকাশন**, কলিকাতা—এ২ প্রিবেশক : **জিল্লানা**, রাস্থিতাতী ওতিনিউ, কলিকাতা—২১

(সি ৮৯৫৪)

कारेखनी : ७७७ मूर्च तम माँगे, क्लि-काजा-३। मला २.००।

জন্ম নদের বাঁকে। অলোক সেনগ্রণত। ডি লাইট ব্লুক কোম্পানী : ১৭০/৩ বিধান সর্বাণ, কলিকাতা-৬। মূল্য ৩-০০।

প্ৰেপৰাসর। শ্রীকমল চটোপাধার। ডি লাইট ব্ৰু কোম্পানী ঃ ১৭০/৩ বিধান मत्रींग, कीनकाजा-७। श्रुना ১.৫०।

नकारीय समानाक : बाक्षानीय नासमा। আনদদ পাবলিশাস' ঃ ৫. চিন্তামণি দাস रनमः कनिकाणा-**३। म.ना २**६.००।

भूव वाद्यमान द्वाप्ते कविष्ठा । সম্পাদনা : भवि मार्गेशायाः। ज्यानः श्रकामनी : 9. ষণের্কাকশোর দাস লেন কলিকাতা-৬। 100.9 TEUR

कांगणीर्थ कामानभाकतः। श्रीविद्यक-

वश्रम कर्रेकार्त । रक्तमादक शिकीर्त च्यान्ड भावनिमार्ज आंद्राखंद्रे निर्माण्येष : ১১৯. अधारमा न्येकि क्रिकाराज-১०। प्रामा 100.04

व्यक्तिकवास्य । भवग्रहात्र ह्याभागम् । बागपा जरमना जामाद्रींग्रे जब देन्छिता : रवाशमा मर्छ, काँनकाछा-६९। म्हा ३६-००।

আৰু প্ৰেম-কথা। শ্ৰীকিতীগচন্দ্ৰ কণাৱী। श्रम्थ भारतम : ১৫. यश्किम गाउँ। अ मेरीहे. কলিকভো-১২। মলা ৭-০০।

जिल अप्रत्यक बारका कविष्ठा । जस्शामना १ शानान कटोभाशास क दमामनाच कट्योभाशास । য়াণ প্রকাশনী: ০৯বি ডেণ্টমিশন রোড. क्रिकारा-२०। माना ७.००।

লাগত ক্ষাতি। গোবিদদ প্রেগাসাধার। নাজানা : ৪৭ গ্রেশ্চণ্ড আছিনিউ কলি- MINI-201 E.M. 2-601

and with the second contraction of the contraction

नरवार बालक कावा। विकास । जाहिएस প্রপ্রাথ : ১ কাশী বোষ লেন, কলিকাতা-,৬ । N.W. 8-001

ভিনৰন। সভেত্ত্ৰকুমার ছোব। মিল ও रचाव। ১০ गामाहत्रम रू मीहे, क्रांनकाला-251 MIN 8-001

जिल्लामी। विकास करा किए क द्यार । ५० ল্যামাচরণ দে লাগ্রীট কলিকাতা-১২। মাল্য

क्षावेद्यम दमका शक्य । ज्ञानमा १ दिवत-बार एक। दर्शामराज्यमा काहेरवर्गी । ५६ कालक ट्रिक हात. कांगकाचा-५३। माना ७.००।

बारकात विकासी। श्रीकांतकात्रस रणाहा रभागाधन्त्री नाहेग्ड्डी : ১৫ खासल क्लालात, क्लिकाडा-५२। माला २.do ।



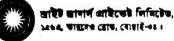


ধাতুর মত শৌক্ত এবং লাচের মত হলার, अथठ अने कुरबुबने वा अलुविद्य का वाम बिरवर्डे हरक चाननार प्राप्ति । हाचा. टिक्नहे. बदीन, প्रविधाद स क्रविधाकनक-ध नवहें চয়ংকারভাবে যিলিয়ে আপনি পাবেন ভাইট श्राप्टिटकर किलिए।

बाउटिए तक्याति चनुर्व- यह प्रकारक क्रिकिन भारतन वा अकाम लारबाचनीय । किन्ती, त्यारे. কাপ, গেলাস, লাবানের বান্ধ, মপ, বন্ধেম, (कमाकारीक बरन, बानजि, द्विनिव चंदी, अमन्द्रे भावत कर कि ।

माउँडे शक्तिका जिवित्र क्वाई वैक।







লাংবাদিক ও সংবাদপন্তলেবাদৈর ক্টেবল প্রতিযোগিতার শ্লীকতী প্রতিমা ভাল্কেলরের কাছ থেকে রাণার্সের প্রেশনার সভীশন্ত স্মাতি কাপ প্রথম করতেন পেন জ্যান্ত ইস্ফা ক্লাকের অধিনায়ক ন্যানস্থার বোব। প্রীন্নতী ভাল্কেলারের বাদিকে আই এক এ-র সভাপতি বিভারপতি শ্লীবিধিক ভাল্কেলার, ভার ভানে বিকে অনুষ্ঠানের সভাপতি প্রীত্যারকাশিত বোব

বি লাকের অনুষ্ঠিত ভারত ও নিউজি-লাকের এই সিরিজের প্রথম টেন্টে ভারতের ৬০ রামে কর ১৯৬৯-৭০ ভিকেট বরস্কুতের গুড়ে সক্রেন বলা বেতে পারে।

বাহিও নিউজিল্যানেজ্য চিকেট পাঁছ
নাজানিকার মধ্যে বাঁধা, নজের বেলির ভাগ
ব্যক্তোরাড় বরলে ভর্শ ভব্ ভিমল্লম নতুম
ব্যক্তারাড় নিরে গড়া ভারতীর নলের জর
একদিকে বেলম আত্মিক্তাল উজ্লীবিভ
ব্যর সহারক, অপরাদকে তেলম লাভিলালী
অপ্রেটিরাল সপো আসল টেন্ট-ব্তে
বাভািত প্রেকার খোলাক।

#### कार्ड-कान्य नकारे

বেশ্বাইরের প্রথম টেল্টকে স্থালা-নিরোপার লোলার লোলালো খ্যাট-বলের লান্ত্রই কালে লোটেই জন্যার হবে না। এ টেল্টে কেউ বেশ্বারি করতে পারোন, ছাফ



নেভারি করেছেন লা দলের লাজন, নিউজিল্যানেভার বিজ্ঞান কলেন এবং ভারতের
নবাব পারেদি। বোলাং-এ কেউ
অলাবাছণ দক্ষতা দেখাতে পারেনান এক্যাত
বিজেন সিং বেশী ছাড়া। তাও শেষ দিনের
টার্নিং উইছেটো। কিন্তু দারুই থেকে শেব
পর্যাত থেলার আকর্ষণ কথানো করে
বার্নান। দাই দলই আলা-নিরালার দোলার
মধ্যে বার্টি-বলের লড়াই চালিরেছে। প্রথমে
মার ১৫৬ রানে ভারতের প্রথম ইনিংস
দেখ। ব্যান্টের উপার বলের প্রাধানা।
নিউলিল্যানেভার বেশের বিস্কমে

ভারতের ব্যাটসমাানদের বার্থ ভূমিকা। শ্ব অজিত ওয়াদেকারের কিছুটা আছবিন্বাসী খেলা। পরে নিউজিলাতের প্রথম ইনিংসে ২২৯ রান। এখানেও প্রধানত বোলারের প্রাধান্য। তবে নিউজিল্যান্ডের 20° (Jan) অধিনায়ক ভাউলিং-এর প্রশংসনীয় খেলা। কংডনের **৭৮ রানের** মধ্যে শক্তি ও সৌন্দরের পর্বাপ্ত পরিচয়। প্রথম ইনিংসের থেলার পিছিয়ে পড়বার পর শ্বিতীয় ভারতের ২৬০ রাম প্রধানত পাতেটিবর নবাবের অধিনায়কোচিত ব্যাটিং এর কল। তব্ জয়ের জন্য নিউজিল্যানেডর বেখানে প্রয়োজন মাত ১৮৮ রানের দরকার লেখানে মাত ১২৭ রান করে ৬০ রানে তালের পরাজর স্বীকার কিছুটা অপ্রত্যাশিত। ভারতের দৃই শিশন বোলার বিবেন সিং কেশী এবং এরাপালী প্রসারর প্রশংসনীয় বেজিটে বিশ্বীপ্রবাহিত্য পরাজনের প্রথম কারণ বিশ্বীপ্রতাহিত কর্মান কর্মান বিশ্বীপরিকাশ কর্মান কর্মান বিশ্বীপরিকাশ কর্মান ক্রামান কর্মান কর্মান কর্মান

আ ক্রেটেও ভারতের পক্ষে বে তিনজন
নতুম খেলোরাড় খেলেছেন তারা হচ্ছেন
ধ্রেটার্ম বাটসমান চেতন চৌহান, ওপেনিং
বালার অজিত পাই এবং অশোক মানকড়।
খেলাতির সংক্ষিণত ক্ষোর রোড'ঃ

ভারত— প্রথম ইনিংস ১৫৬ । ওরাদেকার ৪১, ইজিনীরার ২০; ডেল হেডলী ১৭ লটো ওটি, বিভান কংডন ৩৩ রানে ওটি এবং রবার্ট কানিস ২১ রনে ২টি টিকেট)

নিউজিল্যুপ্ত প্রথম ইনিংস—২২৯ বিজ্ঞান বংজন ৭৮, গ্রাহাস জাউলিং ৩২ প্রথম টাপার ২৪; প্রস্তা ৯৭ রানে ৪টি, মাজিত পাই ২৯ রানে ২টি ও বিষেপ বেশী ১৯ রানে ২টি উইকেট।

ভারত — শিবভার ইনিংস — ২৬০ গাভোদির নবাব ৬৭, চেতম চৌহান ০৪, ১রাদেশার ৪০, অংশাক মানকড় ২৯, অংকিং মালা ২৭: বাস টোলার ৩০ রামে ৩টি, ডেলা হাওরাহা ৬৯ রামে ২টি উইকেট)

ক্রিউকিন্যান্ত—নিকতীর ইনিংস—১২৭ প্রাহমে ভাউলিং ৩৬, ডেল হেডলী ২১; বৰেল কেনী ৪৬ রানে ৬ উইকেট, প্রথম 18 রানে ৪ উইকেট)

া ভারত ৬০ রানে বিজয়ী!

#### आ्रांकिक & म्रांवामभगुरमबीतम्ब सःहेवन

সংবাদপর শিক্তেপ অখ্যাত অবস্থার জন। ক বছর বন্ধ থাকার পর সাংবাদিক ও मरवामभग्रदमबीदम्स के.क्षेत्रक श्रीखरवाणिका क्षत्रक जाकरकात महत्र्य हमत हमा। कर्एन्ट्राक বছন্তুর ক্ষেত্র এবং প্রতিনিধিম্ভাক ফটেবলো वारम्ब करमञ्जूष्टमम् महत्याम त्यावे, श्रथामण माता जारवाणिक এकः जस्तामणा णिक्न. পরিবেশন ও প্রচারের সপো সংশিল্প ভালের কনাই এ প্ৰতিৰোগিতার আরোকন। উদ্যোজ আমালের এই আনন্দ্রাকার পত্তিকা গোট্ঠী, বাক্তবাপনা সব সংবাদপরের ছীজা সংবোদিক-দের নিয়ে গড়া স্পোর্টস জার্ণালিক্ট ক্লাবের। সাংবাদিকদেব পজিবোপিডার বিজ্ঞানী ব প্রস্কার আনন্দরাভার পরিকার প্রতিষ্ঠাতা স্মাতি বিজ্ঞতিত প্রকৃত্ত সরকার ভাপ রাণাসের প্রস্কার সভীন্দ্র মেমেরিকাল কাপের সপো জীড়া সাংবাদিক সতীস্থ ভটাচাৰেত ক্ষতি:

বলা বাহ্লা, জতীতে এটি ছিল আনন্দবাজার সংস্থার আশতঃ বিভাগীর ফ্টেকা
প্রতিবোলিতা। কিন্তু খেলাধ্লার মধা দিয়ে
বিভিন্ন সংবাদপত সংস্থার কমীদের মেলামেলার স্বেগা এবং পারন্দরিক সৌহার্পা
গড়ে তোলার উল্লেখ্যে প্রতিবেলিকারার গাঁজি
বিশ্তা করা হয়। সেই সংশাই বার্ক্থা হর
একটি প্রথক প্রতিবেলিকার, হে প্রতিযোগিত্যে সংবাদপত্রশিকেশর স্কেশা বারা কোন
না কোনভাবে ফাড়িত এবং বিভিন্ন সংস্থার
প্রচারের সংশা সংশিক্ষা তারার অংশগ্রহণের
প্রধিকারী। সাহিত্যকেরে স্থাননীরা সর্বান
বালা সরকারের নামান্দিকত সেরলাবালা টুফি'
এই প্রতিযোগিতার বিজ্বীর প্রত্কার।

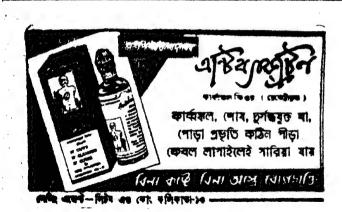
সময়েশীর শিলপসংক্ষা এবং সম্ভ্রমী ক্ষীপ্রের জন্য এমন আরপ্ত বহু প্রতিযোগি-এরে বাবকরা আর্ছ ৷ এসর প্রতিয়োগিরোগ অংশগ্রহণকারী থেলোগারুকের করিনেকার বিচার বিষয় নাম,—থেলাধ্লার মধ্য গিয়ে প্রত-মনের আন্তর্গরাক এবং নাল আক্ষাধের নাঁচ খোলা মানের মধ্যে বাক্তের ক্ষোধা করি করা মান্ত্রর মেলানেকার ম্বোধা লাভই মুখ্য উল্পেক্য। আর এক উদ্ধেশন প্রতিবোগিতার সপো বে দব বোলাশ্রারত হরাজীবনের ব্যুতি জড়িত আঁরের প্রতি সমবেতভাবে প্রথম অংশি এবং জীবনে তাদের আন্দর্শ প্রচশ।

ज्ञारवाणिकरम्ब कार्पेवल श्रीकरवाणिकास ফাইনাল খেলার প্রধান অভিতি হিসাবে আই এফ এ-র সভাপতি বিচারপতি জীনিবিজন कान कमाद राष्ट्रे कथाणिह नासन करिएस क्रिकाकता। फिलि यदक्रद्रक्त प्रदास्य मिनिय-ক্ষার খোব, প্রফ ক্ষাক্ষার সরকার, সংক্রেলচন্দ্র মুক্ত মদাৰ প্ৰকৃতি ৰে সৰু নিষ্ঠাৰান সাংবাদিক সংবাদপর জগতের পথিকং এবং শালের কম'-প্রতেখ্যা মহার প্রেরণার উবস, খেলাইলোর মধ্য দিয়ে ভাদের প্রতি প্রাণ্যা আপাণের মাজ্য क्षतन्त्रीकार्यः। भारः जन्मा कर्मन करासह इट्ट मा, किस्ट शह्म । क्वाएं इट्ट । क्वीलाम গ্রহণ করতে হতে তাদের মহাক্রীজনের আদৰ্শ। কিচাৰপতি শ্ৰীয়েল,কন্তেৰ মতে এই জনাই এই সূপ প্রতিযোগিতার সাথাকিছা। দেহমানের আনক্ষ কাভ পারস্পরিক মিকন काका समीचारमध्य रियोमकरत्य बार्क रस्टार कारियम बारम्यत घटमाउ अको। वास्तीक सामस्य आदम ।

#### क्रुवेबरकात्र भाग्नभीका

হশল।ধ্যাই ০ক, সংস্কৃতিই হক কিলো
ভাতীয় চেতনার উল্লেখই ০ক স্বাস্পত্ত দেশের অগ্রগতিতে সংবাদসকের ভূমিকার কথা স্বীকার করে শ্রীভাল্কদার কলেন কালি-ক্ষম-ফল লেগে ভিন্তল। চিনা-এর সোগারোকে সাহিত্য এবং সংবাদ প্রভাবেক সংগা প্রভাবেক স্বাস্থ্য গাসের বং ফুটবল ব্যালার ইয়াত্র সংবাদ ব্যালাক বি

স্ট্রেল্ড উল্লিড এবং স্ট্রেল ম্বস্মের স্পন্ন স্মটিশ্রর মাজে জীলেকা,কমারের মাজে পুৰক্ষা স্থায়িক ব্যাল্ডারাড্রানর, হারণ ব্যক্ত ই कश्चक्रक करतन अदा गौरस्य एश्रामादा एम् माछ আচরুণ এবং স্থাপিনভাবেষে জীড়াপ্রথকে শিক্ষার অপাপ করে ডেবল। দিবতীয় সাধিত कुरायक, गाँवा एथएकाशास्त्रामर कोत्रधानमा करतम । ভাতীর দায়িত্ব দশকিবেদর: নশকৈ ক্রীড়া আসংব্য অবিজ্ঞেন্ত কাশ্য। দশ্বি খেলার গালগ্রাহণী, থেলোয়াড়নের প্রেরণা, আবার হৃদাব্যুদ্র উৎসাহে থেকার প্রসার ও সম্পিধ। ত্ররং সংখ্যে সাংবাদিকদেরত দায়িত বারতে। ফটুরবর ক্ষেত্র চর্থা ভূমিকা প্রশাসনিক क्रोफाप्टरण्यात अन्दर श्लाश माहित्य तास्त সরকারের : প্রাচ্যের সর্বাশ্বং ফ,টাবল সংল্যা আই এফ এ-র সভাপতি শ্রীতাল্কদারের মতে **बहै असमीलात है** एतं काहेनलात काहेनला খেলার প্রসার প্রচার উন্নতি এবং সম্মূলিধ নিভারশীল।



ক্ষিক্তির শিক্তীর এবং কৃতীর বাংমর আর্থন বিজ্ঞাম সক্ষর দেওবা। না-দেওবা কাতীয় বাংকাদের সংক্ষার সিক্ষানত সংক্ষার কিন্দুক্ত সংক্ষার কিন্দুক্ত সংক্ষার কিন্দুক্ত কাতির এবং কৃতীর সেমের মারে বিজ্ঞানের বার্থনা আন্তর্কাতিক বাংকাদিন কেন্দুক্তির আর্থনাকান কেন্দুক্তির আর্থনাকান ক্ষান্ত্রীয় এবং কৃতীয় গ্রেকার বাংকাদিকার কাতির আ্লান্ত্রীয় এবং কৃতীয় গ্রেমর মারে ও মিনিট বিজ্ঞান দিয়তই হবে।

3960,030,000,000

আইনে বলা হাবেছ বিশ্রাম সময় ৫
মিনিটের বেশনী হবে না। প্রথাবতই প্রন্দ আন্তেস—তা হলে ৫ মিনিটের কম ৫ (৪) হাত প্রের: ক্ষিপত্র এ স্প্পত্রের অইন বিশাবন-দের ভাষা ঃ ৫ মিনিটের বেশনী মর অবর্ধ ৫ মিনিটেই ধরতে হবে। ফ্রটবল খেসাতেও দাই অব্যার মান্তপ্রনের বির্ভিত সম্যার বিধানে একই ভাবে বলা আছে—বিহাতি সম্যান ৫ মিনিটের বেশনী হবে না।

respective anti-monterna 7:2020 ME HOLD ETS MERRITAR rear as STREETE GAR GARA Butt Page 4 186 76 encua sona feative At States 94.78 400, 400 3:34:8 THE RESTALL STATES rant 70sig=17ig|4f1siligt where fare when · \*\*\*\*\* 700 40 % 50 footby. HET SPECIE ট্টাব্যাল্ড ক্লেড্ডাট্টি কেলে বিভালিক কলেন্দ্র TOTAL PROMISE SHOP SHOW 62 30 00 garman. 1909-1909-1908 26 10 12. SALLA ON 5 to ..... J. 1012-10 1603.0 আহিছিল এক পর্যবাহন প্রে A 12701 BUREAU SOLICERON C 81729 PECTS COSTE 78414 Marial e risa aporte ele Burde E 1876 - 1881 3 তের পর্যাপ্তর STE 528 × 34 কালেনা আন্তাৰ প্ৰজাৱিলাই ौराजाक्त्य **च** e attendance ভ্ৰমন্ত্ৰ কৰে কেন্দ্ৰ ও মিনিট চিবটি মাস देवान्द्र ध्यान्द्रीकार र छात्र अध्यत है कि मारी পির্বাহ্যাস বিভাগির তার্তনা নিউ জলাগাড় कालास्त्र, कार देकार । ४२० चार्कीरकारण শালে সিংলোগের এশিয়ার প্রায় সার দেশ হ্যমন ভাষত ব্ৰহ্মদেশ সিংহাস হংকাং है। समाप्तिकारा, खालान शाकार लाजिन्हान पारेगान्य शर्कार म्हण फिलान्य व्यव छ बलाम भादे बकरमद (धनारायहे स्वियामि ४२) ভাগেম কেল্মন মাকে ৫ মিনট বিলভিক नियम स्थाप

ত্রসমানত খেলায় ব্যাড্ডিমান্টন । ফাটবলের আইন সমগ্রণ আলাদা। ফাটবল খেলা গেল হতে যদি এক মিনিটও

# ব্যাড়ামণ্টনের আইন-কান্ত্রন

रार्कि चारक श्वर रमडे क्षक विकास कार्य धाकरेख काम रैमनम् चरिमात स्थाना वस्थ इस्त হাব, এক মিনিট গোষ করা সদভ্য না হয় ত। হলে পরের দিন আবার পরের সময় रचनात्र हत। किन्ड गार्छाम्योत् सन्मान्ड ए.लाह भारतन्त्रे साक्त **इ.स. स**ा देवय मार्चिनाम याँग रचनाः शम दास बाह्य किरवा খেবার নিধারিত দিনে খেলা খেল করা সাহত্য না হয় তাবে পারে খেলা আবাদ্ভর সময় অসমাপত পোন্মৰ পাষ্ট্ৰী ব্যাস্ত্ৰ পাহ্নী STREET THE THREE STREET STREET यहि द्य भाषको । भारक दम्रहे भारतको स्थारक গোটা কার্যন্ত কর: इस्ले खर् যার সাভিক্ষিত্র সময় থেলা বৃদ্ধ ভাষেতিক পার সাহিত্যিক জারাই থেকা আরম্ভ হতে।

একটি মাণ্ডের ধরাবাহিকভা বজার বামার জন বলা হারছে প্রথম সাভিট্য শারে থেকে মাও বােষ না হাওমা প্রথমিত খেলার জেল পাড়ার না (অবলাই স্পিতীয় এবং ডাঙীয় বােমের মাকের বিব্যতি বাভিরেকে।) এখান মাণ্ড কথাড়িব হলা ভিন্নতি লাম বা একপক্ষ পার্লিয় দুটি গোমে কার্যা হালে দুটি গ্রাম

তা ইয়ে আবাধ বকা হামাছ : কোন থেকোমাতে প্রথমকাতবাধ কান্ধবের কন্য না ৮ম গুলাবে কন্য কোন মতেই থেকা বংশ হাব না:

200 77 4070 DETA থোকার ভাষাি আমেকাত বছা MINIS WITH धारण हराद वा खोग्रहमा इव व खान काइन **ত**ের আদ্দাধ্যর <mark>কি ক্ষরবেন - আ</mark>নুবাই আর্ডন্য ক্ষান্যাহী নিজ বিচারবর্ত্তীন প্রয়েল করবেন। ঘান সাহে। সাভাই । খেলোয়াড আছে । বা সংখ্যারক অতৈভনা इस खदर Sich mile থেলেয়েভেসলেভ মনোবাভির পরিচয় নিয়ে সময় চিন্ত হাজি খাকেন তথ্য আল্পায়ার সংঘটিকভাগত ভালা কল বাধ্যে পারেন। ক্ষিত প্রতিপক্ষ খেলোয় ও বলি সমর দিতে ম্ববিষ্ঠ না চল ভবে আমশ্যেরগ্রর প্রাক্ত an The খেলার যুক্তিকা 12122 F 3: পাতালত ব নেট। ৰেছ ত থেলোয়াডের আহতে বা অটেডনা হবার তান সম্পাত আন্পায়ারের সভাতা যাচাইয়ের উপায় নেই সেহেত প্রতিপক্ষ খেলোয় ডেব - মনো*ভাবে*য উপরে সব কিছা মিডার করে। মেটেটর উপর এসর কোরে আম্পারারের নিজ বিচার-বাশিষ্মত সিশাস্ত নিতে হয়।

খেলা শেষ না হওয়া প্ৰ'ণ্ড কোন

বৈজ্ঞারাজের মাণপারারের অনুমতি ইছে কোর্ট ত্যালের বিধান নেই। থেলার মধ্যে প্রকৃতির নিয়মে যদি কোন থেলোরাড়কে প্রচাৎ কোর্ট তালে কর্মেত হর সে ক্ষেত্র আন্পারারের অনুমতি দেওয়া উচিত। তাভাড়া খেলার প্ররোজনে কোর্টের সামারে বাইরে তো খেলোরাড়নের বেজে হয়ই। সম্ভরাং কোর্ট ভালে অধ্যে এই কথাই ব্রুতে হবে—বিন্ন প্রয়োজনে থেলোরাড়রা মোর্ট তাপ করবেন না বা দুটি গেনের রাজে কোন্যক্র বিশ্বাম নেবেন না।

পোষী খেলোরাড়দের খেলা থেকে মারক করে দেবার যে অধিকার আন্পারারের আছে সে কথা ক্ষরণ বেখে খেলার সমর খেলোরাড়দের শালীনতা বজার রাখা উচিছ এবং উচিত বিনা প্রতিবাদে আম্পারারের সিখানত প্রত্য করা।

ब,कुन

#### এগ সেন, ক্ষে পি ম্যারিক রেজিস্টেশন অফিসার

১৮বি শাষ্ট্রবন দে শ্রীট, বলি-১২ কলেজ শ্রীট, বহুখো গাঙ্গী বোভ জনেন জেনঃ 34-6×96 Resi 34-4045

# রোজান্ট্র বিবাহ আফস



# একজিমা রোগ



















अनु क्रु क्लेडियास --- द्रमध्यादम स्थासा

क्साक्त --->











ज्याचि जानि ना-



"-্নলপতা"/উত্তৰকুমার, নিম'লকুমার (শাছিড) ও স্,চিন্না লেন

## ॥ िठत-त्रभारलाठना ॥

#### ক্রলভাতা

লার কতিনৈ ও বাউল গালনর वार अस्ति कार मर्शक्या e क्यूब-मृहेरसङ मश्याग হাসের ভারনা—এই 'কমললতা'-য় (চাব্ৰচিত্ৰ)। সেদিক খেকে 'কমললাড়া' বাংলার সার e জল-মাটির ছবি যাব একটি विं मध ম নিকাশ্রী আধ্বাদ আছে। তাছাতা, 'আটমস্থিয়ার"-477 E 375 EF 2134 1 "याक्राधारिक" इसस धनतक खाक्रम करहे। a देश अहें भागति भावत गाँच a देश कुलका दाचित काइ ध्रधार कार्यम्म ।

শ্লীকাশ্য উপনোসের চত্তা প্র' নিয়ে ্যেছার ভার নাম মধন কমসলত চিত্র-किए। इच्छा धरत निएडरै इति भाग । उठेनत 1750 বিষ্ণা অংশ ও পরিন্থিতি এই रखरक रहारहे याच रमखशा शरशक। 143 বিশেষ চরিত্ত ছবিত্ত 5 PRE 1 রাজলক্ষ্যী-বঞ্জিত শ্রীকাল্ড-কাহিনী এই 'কমললতা', আবার প্রকৃতপক্ষে 'গ্রীকানত'ও मा मार्थ हे कमनानाजात शहरा। अक कथाय, মারারিপার আখড়ায় আদানত কমল্লতাকে निराहे हरित ठिठनाछै। व्यवमा ५ए७ गहत छ শ্ৰীকাশেতৰ ভূমিকা আছেই, নইলে কমলাণতা খাকে না। তবে শ্রীকাল্ডর বতক্ষণ ও যত-ট্রকু জায়গা ভাড়ে থাকবার কথা, অর্থাৎ এই কাহিনীতে তার যতট্র অংশ



তা কটাট কিনা সে প্রথম উঠাতই পারে। গ্রীকাব্ত প্রকী, কিব্তু একেবারেই প্যাসিত' চরিত্র কি? শ্রীকাব্তর পর্বে পরে' বত কিছা নাট্যক্রিরা, সে তো তারই প্রভাবে ও সামিধ্যে।

ছ'ব্ত কমল্লভার জীবনের মান্সিক दिश्वाद श्रीकारतद क्रिशीमधीतरतते चार्डाक. যথা তীকালত আগচায় জাতথি। তবে এর প্রস্থাত দেখানো হারছে কমললতার প্রা-রাজে, বৈশ্ব মধ্যবরসভাত্ত অন্সেরে একেটত ন্মপ্রাব্ধ কানের ভিত্ত বিশ্বে নাম মর্মে গৈয়ে কমল্লভার মনপ্রাণ মধন প্রাম আকুল করে তালেছে তথ্যই গহারের সংখ্য শ্রীকারতম্ব আলমন: পরের অধায়ে শ্রীকানেতর প্রতি কমল্লভার প্রেম বণিত। এই প্রেম নিক্ষিত বেম কিনা অথবা কী পরিমাণে মধ্যররসাল্লয়ী তা অবশাই বিবেচনার বদত। ঘটনার বিকৃতি যে ছবিতে বিশেষ ঘটোছ তা নয়, ত্বে স্বাদ পালটেছে, রঙ আনক বেশী গাড় इत्त क्रिकेष । क्रमनम्बाद आहत्र । क्रमा-दार्टी तक्रमक्तीत मण्डे-वर्षार अपन বাবহার যা বাজলক্ষ্মীর পক্ষেই শোভা পার। আর্ভ শোচনীয় বিষয় এই, ভালের সম্পর্ক ছবির শেষে প্রায় রোমাণ্টিক কাহিনীর **阿本川新水** 

গোড়াতেই বলেছি, অমসলতা কাসলতারই গ্রান্থ। অমসলতার অসিত্তরের
বাইরে শ্রীকানত উপানাসের পরিচয় ছবিত্তে
সামান। শ্রীকানত সিরেক্যা কিছ্টো পাওয়া
গোছ পট্টেরানীর বিষের প্রস্পান। বালাবন্ধা গাল্যের সপোও শরবোরের শ্রীকানতক,
অমলনতর পরিমান্ডলের বাইরে, কিছ্কান্থর
জন্য সেংগত পোলাম। বর্মার রওনা হবার
আবো আখড়ার ফিরে এসে কমলনতাকে
বা্তে না পেরে (ছবি তথন প্রায় লেষ)
শ্রীকানতর অস্থিরতা ও উরেজনা, এবং
সাজ্যাতের পর দেশননে তার প্রেমকাতবভার
মাষা শ্রংগলেরে শ্রীকানতকে খালে নিতে
কন্ট তর।

বৈশ্বী কমললতা ও তার প্রতিসময় कारियों अन्द्रीलाट ६३ फिटमार्के माम्छीनकार চাৰত্ৰেৰ যেন ছাপিয়ে উঠেছে আখভাৰ প্রিবেশ ৪ জবিন্যারা-- হা আছি চামংকার-ভাবে দেখিয়েছেন প্রিচালক হ বসাধন দ্যাগ্যাপত : আখডাবাসী বৈক্ষেত্র ভাবিন-ষাপন এবং আর্ভ গ্ভীরে তাদের নিশ্টিক রসসাধনার পরিচয়টি পদাবলী क्षार 6 मृद्ध कथनत वा बार्डामक का कार्यात मान्या करे कथा छ मारत्व आवर বাবহারে, পরিচালক অভ্ডত কম্পনাশভিত্র সপো ফ্রাটরে ডুলেছেন। অন্টপ্রহর থেন दिक्य-खन्छरत दरमद रथला हलएक. कथना বা ভার-প্রেমের সাধনা-এই অতলনীর। সভি। বলতে কী. এমন পরি-হৰণীয় মাধ্যে ৰংলা ছবিতে কমই দেখা रगाह, धद महाभाष श्रथम मृगा स्थरकरे द्यबारन प्राटेन्द्र छेलद्र मिरह विध्नित विक

থেকে কতিনের দল আখডায় অস্থে-একটি অসাধারণ বৈষ্ণর চিত্রকলপ : তাছাটো, পরিচালনার কাজ আগাগোডাই পরিকর।

তবে পরিচালক সম্ভবত ইচ্চা করেই ক্মল্লতার কাহিনীকে 'মিউজিকাল' ছবি করে জলেছেন বৈক্ব জীবন ও সমাজ এবং সহজিয়া সাধনার সমগ্র রুপটি সেবার জন্য।

সংখ্যা এর সার-সংগতি রক্ষা পেরেছে কি? হাট তোক এট পরিবেশে কমললতার कालकाराक गरास रेक्की मता शताह । 'ক্মল্লতা' ছবির সাফলা বে নাম-ভূমিকার গিলপীর অভিনয় বা চরিত ইনটারপ্রিটেশ্ন-

ছবিটি হাষেত্ৰে তাই কিন্ত 'প্ৰীকান্ড'ৰ रस्थरात्र ७ स्वक्वाश मान्त्रिकीः स्नाराहर ।

करामान्त्रत / मनियात / भवना मरकन्यर / भवा। मारक करें।

## ওস্তাদ আমজাদ

नदर्बाण वाकन

তবলা–পণ্ডিত খাণ্ডাপ্রসাদ

জিকট — ১০, ৫, ৩, ১

প্রাপ্তিস্থান :-- হারম্মান হাউস, ১২-ই পার্ক স্থানি, ২০-৮৮৭০: क्षरलाष्ट्रि-४३ श राजांदरावी क्राप्टांबचे ८४-३८५८-**টোলা ব্যারা**—১২ ভাগার বস: এচেনিউ, ৫৫-৩২০৬।

७७म् ए : ১०२ वालावत ७ ज्ञानात ! श्वादान्ता मध्यास्यतं तकतासा व्यसायः प्रांत्सी तिसाध प्रतिकृति अस्ति जिले छ । इस्त गान्ध-प्रश्नात वीखित वार्य असमि इन किल्ली । एट-প্রিয়াল ভূপেল বাহা हितांत विश्रप्त भालक वज् • प्रव (भाषित सिक्क নিউ এরা পিকচাপ নির্বাদত - ন্যথাগ চিত্রপ্রতিটান পরিবেশিত **ক্রেয়া তি-(** তি প্রথম বাংলা ছবি! - शतता उन्नता

পাৰতি । শ্ৰীষ্ণা ।। সংক্ৰেৰ ।। অনুৱাৰা ।। রামকুক্ষ ।। রুষ্ কেঃ অঃ জি আর পিকচার ৫ ৪৩, ধম তথা দুর্গীট, কলিকাতা-১৩

এর উপর আনেকথানি নিভার T 518 বজাই বাছালা। সংচিত্রা সেন ক্ষললতা। তার অভিনরের ক্ষতা সর্বজন क्रतीकातः अवर যে-ভাবে ছিনি বিভিন্ন চবিত্রে অভিনয় করে এসেছেন 🥫 কম্মানাতা চরিত্রচিত্রণ তা থেকে যে খা किस्त्रधा राजा हा नया कथार कालना চার্লা•কনও বেল সাফ্রসটিকেটেড वकार ध्वान क सावधनारत। कार्यकार সেই সহজিয়া মানসিক্তা র্মিকা নারীর সেই উচ্চলতা স্চিত্ সেনের কমললভার পেলাম 88 1 Sec. ক্যাললভার অভ্যারের ফটিলভা ও গভারিতার আছোস শ্রীমতী সেন অতি প্রকাশ করেছেন: কমললভার প্রেলিবিনের **অভিনয় আরও বেশী অবাক করে।** সং মিলিয়ে বলতে গোলে স্চাচ্চা সেন্তে অমেলকাশ হলি সম্পার্ণির শ্রেইট্টেন্ড নাল **ছায় দ্যাক্রদের কারত নীয়েত্**ী সমান্ত পতিবাদ জিল্পী-জীবনার একটি উল্লেখযাল স্থিতি **बा**ल हाल ।

**জীকাৰত বৈশে উজ্**লেজনাবেৰ তিনিয়াস હતી સુવાર તરાં, આળાતું કાં જ ટ્રેલેનલન ରିଥିଲେ ଭାଷାଣ୍ଡ ଅଧିତ ଶ୍ର ଅନ୍ୟର ହେଉ। আবেট ক্রিছি, ক্রেল্ড ব প্রি **হয়ে** ৩ হন্তর্গ কুমারিক কিবার **লাক্ষণ একে ব্যাহ্ম : এই ডা এম এক ব্যাক্তির :**। து ஆர்க்குமான நிக்கூரிய விருமானவு மாட்டு நா প্রিয়াক্ষণের নিলেশ কে ছানে

গ্রহারকেটি নিয়াজ্ঞান্ত MATTERS **কোন নালিশ থাক্**বার কথা নহ<sup>ু চ</sup>ন্দলিন কুমারের গহর কবি, ভাব্যক, মিসিকৈ রুসেব স্থানী নীব্ধ প্রেক-এই ছবিস্বিদ্লেষ্ণ **त्रकारमञ्ज करमक**िम ब्राट्स भाकरतः कारणासः ভূমিকার অবল উপস্থিতিতেও র্মি চোধ্রী, **জাই ব্রেদ্যাপা**ধ্যায়, ত্রাপ্রমার জনার রয়ে हाशा रत्नदौ, यौरतम इन्हेर्स्स ह প্রমাথ বেশ ভাল হাতিলয় <del>ধ্ববিক্রসে</del> বারাজী হসেবেছন ভারাড়ী সামান্ত্র - বাবাজনী বেশে প্রেশ স্বাচ্ছেন।

সংগীত প্রিচালক হিসাবে এই ছবি ত রবীর জ্ঞাপাধ্যকের জাত্র আত্রক্রন যোগাৰ ছবিটি জিলিকান কৰে উপ্ৰয়ুছ য়েখন কামেরার গাগে চর্চারর পাণ্ড ও *কে*ন্তি কালে, তেখান সংগ্ৰীতের হত্যজন পদাব্যাদ সাধ কল্যাব দিয়ে সভিটে হলমে লিয়ে প্রেছি। মন কমন শারা কখন যে শেষা পানটির সার চলংকার চ লম শোমার জন্য ছবিটি ক্ষেত্রর বা দেখা

অন্ত্রিক অন্ত্রান প্রভাগ গণেও ছবি টিকে বিশিষ্ট করে তুলোছে। কোন কোন অংশেত ফটোলফি মণ্ড হ'ল দেখবার মত: দলেল ব্রের ডিচসম্পদনাও উ'চুদরের।



"मन निरम" वनिरक ग्रीक्षका रायी, गांमका विश्वाम क निम्मू रक्षीमक-क्षित क्रीत व-नग्कारक

## **डेलि-डि॰** शनी

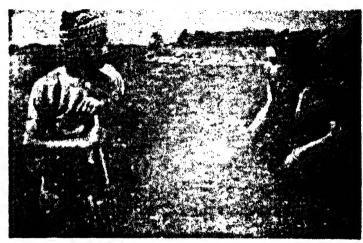
ল কিছুকাল ধরে লক্ষ্য করা কল্পে ে ভিতেম বাংকম উপেক্তি রবীপা-লাখের কাহিনী নিয়ে আগেও যেমন অনেক ছবি ছয়েছে, এখনও ছছে। অরুখেতী দেবীর প্রেম্ব ও রেছিল: মালাল সেনের "टेक्का भावन" क स्वरम्म अवकारदव "मान्डि" এখনও মাভির প্রতীক্ষার। কিল্টু ব্যক্তিম প্ৰদেশৰ কোন কাহিনী নিয়ে এক ব্ৰাণের মধ্যে टकान वाँव करहरक वटन मटन गण्डक ना। আলে কিল্ড এমনটি ছিল না: জিলেম একটা সময় গোড়ে যখন বভিক্স কাহিনীর ক্দর ছিল -भाव। विवयंक, मार्ट्याननिमनी, हम्प्रान्थवं, রজনী, জনসমঠ, কুপাল কুডলা প্রভতি एमहे ज्ञातित कृषि । अक्ता श्रहता विवे <u>"सि-रामक" इराष्ट्र, किन्छ वीन्करमय कार्यिनीय</u> প্রতি অনীয়াকেন? সম্ভবত বাঁশ্কম কাহিনীর অধিকাশেট ইতিহাসমূলক, ছবির ছেনত এখন মডান'। অবলা ইতিহাসম্ল্ কাহিনী নিয়ে মডান টেপ্ডেট ছাব করা বার কিনা ভা বিভক্মালক। ঐতিহাসিত কাহিনী নিবেও নিশ্চরই মডান' টেল্ডের ছবি করা বার। "মহাভারত" নিয়ে, ছবি করব ই क्रमहा शक्ता নিশ্চরই ক্রাসিকালে পর্যারের ছবি হতে পারে। কথা সেটা নয়। মানিকল বোধ হয় অন্ত। ইতিহাস ম্লক কাতিনীর চলচিচ্যায়ন স্বভাবতই খনচ मारिशकः। धारः वाःमा ছবির বাবসার क्षांत्रको माकि कमकाला (शतक वर्धमान। অতীতে ৰাংলা ছবির ব্যবসা ক্ষেত্র এতটা ह्य है किन मा। अविख्य वारमात्र भार-পশ্চিমের মটে মেণেই তথন বাংলা ছবি

চলত। তাছাড়া তাসামেও ছিল বাংলা ছবি
একটেরিয়া। উপরস্থ ছারাছবির "টেকনিক্যাল"
মান তথন এখনভার মত উমতও ছিল
মা। মাউককৈ প্রাথান্য দিরে ছবি করলেই
চলে বেড়া। "মাউনিং" এর ওপর জাের
দেওরা হড় না বলা বাহ্লা, ছবি এখন
অনেক সাবালক হরেছে। দর্শকরাও অনেক
পরিগত। শবভাবতই ছবির মাউনিংকে
এখন আর উপক্ষে করা মাছে না। বাংযা
ছরে অধিকাংশ পরিচালকই এখন এমন
গলেপর কথা ভারতেন, বে গলেপ আড়েনর
মা। বাংকসচলের কাহিনী নিরে সেই
ভারবেই ইনানীং কােল ছবি হছে না খলে
মনে হয়।

পরিচালক সভ্যক্তিং রার অবশ্য হীত-প্রে "দেবী চৌধ্রালী"র চিত্ররূপ

प्तवाद प्रतम्भ कार्वाष्ट्रका । লারিকাএ ठिक करत रक्षानिकान महिला रमस्का কিন্তু অনিবাৰ কারৰে শেষ প্ৰাণয় সমূহত পরিকশ্না বানচাল ছবে বার। প্রবতী সময়েও প্রীরার বাঁৎক্ষের "বাজ-সিংহ"কে সেলালেরেডের বাডে জীবন্দ করতে চেরেছিলেন, কিল্ড ক্লপালি পদার "রাজ সিংহ" জীবসত হতে পারত না। প্ৰসংগত মনে পছে, ছবি তথন কথা বলতে পারত না, ফিল্মের সেই নিৰ্বাচ্ছ হলে মাডাদ কোশানী একবার পরাজীসংহার फिरुताल भिरविद्यालन । किन्छ हेशस्त्र अवकास শব্যাল্ড করে দৈরেছিলেন সেই ছবি। বণ্কমের কাহিনী নিয়ে লেই বোৰ হয় প্রথম জবি।

ইদানীং একাধিক পরিচালক আবার যদিকম-কাহিনী নিরে ছবি করার ভবা



व्यक्तिन्दरम्ब काहिनी"/विमीन बाग्न ७ मावनी स्ट्यानानां - स्विति अ-ने काह माहि नहस्

ভারতের মম্কথার
চিত্তদ্রাবী চিত্তর্প!



চারুডির নিবেদির শর্ওচন্ত্রের সীকাত্ত (৪র্থ পর্ব) অরুস্থান



প্রা: স্থাচিরা সেন-উত্তমকূনার পরিগালনা • হরিসাধন দাশগুর জংগীত • রবীন চ্যাটার্জী গবিধর্বনও জংলাগ • নারায়ণ গাস্থুলী জংগুরিবার •নির্মান শাহাড়ী • ছায়া দেগী • কুই ব্যানার্জী ক্লি

> ভিত্তনটো ও পরিচালনা : ছবিসাধন দালগুল্ড সংগতি : রবীন চটোপাধার পরিবর্ধন ও সংসাপ : নারাছপ গাছ্যুসী

সহভূমিকায় : নির্মাণ - পাহাড়ী - ছায়া - জহর

উত্তৰ কলকাতা দপণা • ছায়া লিৰাটি ্ষ্য কলকাতা প্লোব • জেম মধ্য কলকাতা প্রিয়া • রুপালী

নৰাটি<sup>\*</sup> গ্ৰেস

এবং শহরতলীর সর্বত!

ভালভন। স্তাভিংবাব্র এখনো ইছে कालक गाँउका-क जिल्ला किराबाभ रमवात । क्षाजनभागी राजवी काबरकार भंजारशांका सर्विस्तारीय নিয়ে। প্রিচালক কাতি ক চটে পাধ্যার জনেক रक्षार्थात्राहर "कक्कारण्डा क्रेरेन"-अव दिन-मारीक देखवी करव दक्तानरक्ता। भाषेक्ट माहित শারা ইওয়ার কথা। শোনা যাকে, নারক १९१ जिल्लाका- धर कविरत किनत कराइन উভ্যক্ষার। রোহিনী হবেন কে? প্রমর? মাধ্বী মাখাপাধ্যারের কথা ভাবা বেতে পারত। রোহিন**ীর বেশে। কিন্ত** এখন कटातर कि करत? भाषवी एवं मा गरड চলেছেন। "বেছি**নী" তবে অপ্ৰ**া সেন कि > जातभा काफिकराता अ-रिकास किनाहे इस्टिंग्ट कार्यास । इति इत्य धक्याई काता शास्त्र विकास विकास श्रीत ।

বিচক



ভর্ণ অপেরার ছিটলার—নামভূমিকার নিংশী : শাহিত গোণনামী

#### আন্তৰ্জাতিক চলচ্চিত্ৰ উংসৰে ''চলাচল''

Element. আন্তেলবিক **লোক**ত উল্পল আননিত্ত হাত্ত হ**িষ্ট** ক্ষম বাদ 'ভ্ৰাল্ডল কেল কাৰে । **প্ৰসা**ধান উল্লেখ্ ক্ষেত্ৰৰ এই ভবি মাছিলটেৱ প্ৰট স্থাক মহাল সূভা জাগিবেরীছল। ছবিটিন দার সম্পূৰ্ণত তিন্ত নিয়েছেল আন্তঃ পিত্ৰয়াস'। পূর্ব সিন্মায় ভাগিট S. ... क्षतीबाँच प्रदा প্রিকেশ্বরে শহরে 'চলাচ্ছা' তাবাৰ **নিয়মিত পু**লীৰ'ত হতে। জনুষ্টী দেবী, জাস্ত্রলগ্রিমাল-ক্ষার, প্রাড়ী সান্যাল প্রাথ জাবর প্রথম লিল্পী। গত দৃ**তাহে কল**কাতায় এই ছবিক মুক্তি নেতৃন প্রিন্ট) আলের মত্রই দশাক মহালে আগ্রাহার সম্ভার করে। ছবিটি কাহিনী ও পরিচালনার বৈশিক্টো এখনও জনপ্রির।



শ্ৰহলা' হিল্মী চিত্ৰে দেব জানল, জড়ী ভট্টাচাৰ' ও জাৰা পাৰেখ—বৰ্ডমান লণভাবে ছবিটি ল,ডি পাৰে

## ৰোম্ৰাই বিচিত্ৰা

शक्तिक बाक्स नी वर्गाद अर्था চি বজনতির রাজধনত দিল্লীর সংশাক এমন গভাঁৰ ভাষে উঠাছে ৷ সংকার বভামানে দেশ ঘ্রাভিয়ের ক্রাডান্য ঘ্রাভিয়ের বিশ্বরূপক সংগ্ৰহ স্থামিন্স সর্কারের কোপ্তের্গ ্রুলেরংমিন বিভারি সংস্থার মাধ্যে । এই তিন সংস্থার হয়ে। সবাচায়ে প্রচীন ফিল্ম ेश्वरूपः <sup>क्</sup>रहारा राज् THE PERSON NAMED IN COLUMN TWO IS NOT THE PERSON NAMED IN COLUMN TO THE PERSON NAMED IN COLUMN T कारभी रहमार उत् । बारश्य अवकाद । इन्हें किन বিশেষণার জার্য বিশ্ব স্তাহা করে ওল**্ডি**টে-ধাৰসাগত সংস্থা গুণভাত প্ৰভান কৰাত কুল্ডার্কী এই প্রয়াস প্রস্তাধ্য ব্যৱস্থা ৰূপে তেখন ভাদ্ৰ ভাষ্ট্ৰ হৈছাতে কাৰ্য-সন্ত<sup>ক</sup> পবিস্থালয় *ধা*বেছে ভা সমালেচাকৰ আছে প্ৰতাহ বিষয় বিষয় কৈন ধাৰণ বিকাশ বিধ্যালয় কণ্পবিশ্যালয় বুলন জ্ঞান কর্মার পরিমাক ধাল মান হাজে। এই নবপাথর স্চেন্ হাভাছ আজাবুহার বহুর দেক্তেক আগে ক্রীটিমার সিং রখন জিবছা জিনাস কর্মান ব্র∙প্রত ব্যাহ্মার হার বিভাত হল ভার শর থেকে - শ্ৰীভিন্তৰ সিং এর অথকেই দাজন ভিত্ৰিকাটো এফা এফা সিংব বেলানে ডির নিমাধি খাবা কবেন। এই একজন ম ধালা প্রমন, অন্যক্ষন বাস্যু ভটাও যাঁ। দুটি ছবিট প্রাপাছিদানের দুদ্দিবোগ থেকে ভিন ধ্যানর ছিল। মাণাল সেনের ভবন সোম (ছিল্নী চিত্র) সমাণ্ড এবং ছেনিসে প্রেম্বড়। ৰাস্য ভট্টাডাহেরি 'জনাভব' কথাসমাণ্ড, श्रीदिम्बर निर धन शर धक धक नि-द एउटात-ষ্ঠান নিয়ার হারেছেন নী হি কে কর্নজিরা। (TA 1355748 মীকরনভিমাত মিশ্বর সিং প্রদর্শিত প্রথই

্রভা ফিন্ত পরিচালিত কর্তন। **इ**म्मारे करक रूप क्राक्कम स्वाप छिटfeutreren Genes feine au au fie গুটালত যোজাবে লোনে দিয়ে সামাৰ। করাত এগিৰে এইটাছ তা পরিবর্তনাকাংক্ষী সম্প্রদারের প্রভেক্ষা পারার যোগা। বইট দিন বাদে বিশ্লী চলচ্চিতের ক্ষেত্রে সিরিয়াস তিশ্নী সাহিত্যের প্রবেশ ঘটছে। এফ এফ Aug ga मार्ट है क 27379 **第四部**178 बारायक আকাশা অবলম্বনে চিত নিমাৰে এতী হাফাছেন ভ্রার চিক নিমাতা বাসা চলীটিভ"। পানা হিলম ইনস্টিটিউটের প্রাক্তন ছাত্র, আর এক ভর্মে, শ্রীমণি কাউল ও নাটাকার ছোট গালপ লেখন মোহন বাকেলের একটি ছোট গ্রুপ অবস্থান একটি চিন্ন নিমাণের भारतान काताहरू। अ कविष्ठित हैन्सी दाव এফ এফ সিব টাকার: সরকারী অর্থা এবং भारतेत्ववकद्याय जात्र अक्ति आस्था भौत-इ. जि.स. थर: काक गर हुए। काल, काल गर हुए।

প্রেণা ক্রম সংস্থা ভারতীয় ওল্পিসারর ঋণার প্রভাব বিস্তার করতে বাধা। এ সংক্ষার নাম किन्द्र हेन्फ्रीहें छिड़े अब है न्छिरा (भूमा)। किन्छ डेन्फ्निविविद्धेले कार्याद्य विविद्य अन्ड প্রথক জ্ঞান্তাকর হার্ক-মার্ভার আহমন চলাচ্চর ইবধয়ক শিক্ষা লাভ করতে গ क्यान भौत्रालना, डिट्नाडें। जम्भानना, আলোকচিত্র অভিনয় প্রভতি বিষয়ে শিক্ষাদান করা হয়। পানা ইনস্টিটিউটের বেল বিভা সংখ্যক ভাতভাতী বভনিচৰ হতের এবং বিভিন্ন আঞ্চলক চলচ্চিত্র-ক্রীরামর সাধ্য হার হারে প্রতেহেন। ইনস্টিটিউটের অধিকাংশ ভারভারীই বেশ যোগাতার সংগ্রেক কার্ডন আন্প্রের। इभ्रोक्ट कशरह ७३ सदीनरनद सःसत ক্রতথ্যান এবং আমার ধ্রণা বে সমেন रहरण अरारत जाना - यान्य भारत उनिकास জগতে, তেমন তেমন চলচ্চিত্র বাপও জন্মতা কালটাবে: তাবে হাতাশবাদীরা ব**লে** খাকেন হয় "ব্যাহর এমন এক লাংকা সেখানে ह्यहे चारु र एमहे हाद दादगा। कथाते একেবারে জেকনা নর, তাবে সতা ইবে থাব সংগ্ৰহ হাৰ এই আৰু কি।

**चार्यां अर्थकार्याक रि**श्नामा याजार**म** পরিবেশন করে ক্লেখন থেকে বিদেশী মাস্ত বোজ্ঞাবকালৰ সৰ্বাৰ প্ৰয়েছিভ কৰে একটি সংখ্যা হল বিমপেকা। ইমপেক-এর কাৰু নাতি প্ৰেফ রপতানি কথাৎ একাশেটা প্রয়োগন। এই সংক্ষা হাঁব হাতের নীয়ে ভার নাম শ্রীতাবিধ। এখন বাজনীতির জগতে সাপরিচিত নাম। বাদের চিত্ত জগাত**ও** ্ট্রীয়ারিখ বেশ সাপ্রিচিত। বদেরে প্রায় স্থ ভাৰসাইটে চিত্ৰিম'তে : অভিনেত্রীরাই শ্রীতারিধের খনিষ্ঠ। লানে ছ ভারিশ সাহের কথাবংসল লোক। ভারতীয় চলচ্চিত্ৰে একপেটে প্ৰেম্পানৰ জন্ম চক্তিয়ের নিমাণ কোতাৰে পরিবতাৰ বঞ্দীয় ভাকবতে গোল চমত তারিশ मारहबर्क अस्मिरकत वन्धा हातारह हात्।



সম্পাদক) 🗻 "খুনহা কৰিবলা"/ৰাজ মেহাৰা খলবাজ সাহলী ও প্ৰজ্বিলী—ছবিটি জাগাৰ্থী সম্ভাহে ও প্ৰেই

> মহাজাতি সদ্বে ১২ই অটানৰ সন্ধা ৫৪টান (৫৫-৭১২১) তর্ণ অপেরার

'लि लि न'

(সি ১৪০৫)

# क्रामकाही जाहें चिद्रहोत-वर

নাটক

১৫ অক্টোবর কলামন্দির এরিশা ২১ অক্টোবর মৃত্তমন্দান এরিশা ১০ থেকে ১৮ নভেম্বর জালামে এরিশা সূর্ব চেতনা বিন্দার ছেলে ২৮ নভেম্বর মৃত্তমন্দান এরিশা

৫ फिरमञ्ज्य इ. इ. छा अहिना

১৬ ডিসেম্বর হুগলী ল্খ চেডনা
১৯৭০এ দুটি নতুন নাটক
লাটি আর নেই ৪ পর্পাদে নিছিল
নাটক-নির্বেশনা ঃ পার্থ বন্দোপাধার
ভি ৪৯-১৬ই কলকার বেলার অন্তান

(fr 2065)

योत

( শীক্তান্তপ্র নির্মান্তন্ত নার্কাশনো )

नक्त नाइक!

वाश्वाला

অভিনৰ নাটকের অপূর্ণ রূপারণ! প্রতি বৃহস্পতিবার ৫ শনিবার ৫ ৪৫টার প্রতি রবিবার ৫ ছাটির দিন ৫ ০টা ৫ ৬৫টার

इंडिंग के शिक्रांशना ॥
 इंडिंग के शिक्रांशना ॥

ধু ব্লারণে ৪
আজত বল্যোপান্তার, অপর্বা দেবী, শ্তেল্
চটোপান্তার, গ্রেডা চটোপান্তার, নালিনা বান,
সভীল ভটাচার্বা, জ্যোগরা বিধান, শাল বাহা
প্রেলাশ্যে, বান্তা চটোপান্তার, দৈলেন
ব্রোপান্তার, গাঁডা বে ও ভান্, বল্যোপান্তার

আলোকসংশাত করেনি। ভবিবাৎ মেহাতই ভবিবাতের গড়ে, নৃত্যাং এখন কিছু বলা মুশবিকা।

সরজ শুমা

#### विदयस्य "ग्रामी गाहेन..."

আর্যিতাত ও অকলাণ্ড অণ্ডক্র'তিক চলচ্চিত্র উৎসব থেকে ফিরে এসে "গা্পী নাইন বামা ব ইনশ ছবির প্রবাজক প্রীনেশাল গভ সাংবাদিক সাক্ষাংকারে বলেন, সভ্যাদিং রারের ছবি সেখনে বিচ রক-মণ্ডলী ও সমালোচকদের মনে গভীরভাবে রেখাপাভ করেছে। প্রীএরিক উইলিরমস্ এক পত্র প্রীলভকে জানান,

"A number of the scenes such as the ghost sequence" could well pass into history to be compared and considered alongside the famed Elesenstein 'Odessa st spa' sequence from "Battleship Potemkin".

কেন্দ্রিভাবে মেট পারতিগটি ছাঁব বেশনো হর। শ্রেণ্ঠ চিত্র পাঁরচালনা, মৌলক্ষ এবং অসাধারণ গণের কনা অলানা শাঁসলভার জনা প্রশ্ননার পেরেছে শগ্নী গাইন..."। জাপানের "ইনফারনো অর্ ফাল্ট লাভ্য এশিরার শ্রেণ্ড চিত্রের মর্বানা পেরেছে। শেশলাল ক্ষি প্রশ্ননার পোরছে হাপ্যেরির শিন রেভ আব্ভে বি হোরাইটা।

কেন্টিভালের কর্মকভারা প্রবেজক প্রীনেপাল দতকে এক অনুষ্ঠানে সংবর্ধনা জানান। ভা ছাড়া, নিউজিলায়ণ্ড টেলি-ভিশনে এক সাক্ষাংকারে শ্রীদন্ত ভারতের চলাচ্চিপ্রনিশেশ এবং বিশেষ করে শ্রীসভাজিৎ রারের চলচ্চিত্রকর্ম সংশক্ষে বলেন।



भागा । अर्था । अर्था



দেশেউদ্বয় খাছ্যাখিকী উপলক্ষে হাছাহা তার সকল জানেবিকত আনে অনু ক্ষেইগ্র শ্ৰীৰ্থাৰ অন্তৰ্ভাৱন কৰিবলগন দি ক্ৰিছে কলেনা । শ্রীমতী মিত ও শ্রীমত লিখাবলৈ। বেমন স্কর তেমনই তা সাগ্র চাচেছে স্থানিশ্বৰ প্ৰায়েগের গ্ৰাণ লাগ্যনিকার কথাত মর কবিকের বিভিন্ন করেণীয় মাধ্যত সংব্যাত ভারতব্যের ইনিহাসের এক ধ্যেরিবময় অধ্যয় সেদিনকার স্থানিব চিত্ত गालिह क्याह जाह मारत गाउठ छाटा जाव আবহ-সংগাতৈ প্রাণবদর হতে উঠেছিল। সাথকি পরিচালনার কৃতিছাকু মঞ্জালকা বাসের প্রাপ্য নিশ্চরই। কিন্তু মঞ্চে প্রার চাঁহাণজন ছাত্রী বে-রকম সামপ্রসাপ্রে ভীপতে কথনো (গান: মারের দেওয়া মোটা কাশত। অসহযোগ আলেন লানের সালভ शावश्यकः कथाना विराहत-टेटवहारक गाउ क्षरं व घटर बहरक. चाराइ दशरा रा

ভাঙারা নাচের উদ্দীপনাম দাধীনতা-भागक्त भ्याक्षणार्थः आसम्बद्ध March. T'E'E - T'E'S মাজ ক্রাণ্টা: যা জ্বাদ্যার বিষয় ভাবের এমন স্থাবিভাগের বসহণিয়ার স্কার ভারতে জার খারা সহব্যাগিতা করেছেন **ভা**লের **মধ্যে** বিশেষভাবে উল্লেখযোগ্য তাপস নাম : আমাক দিন পরে পশ্চাংপটে একন ন্দ্রাভিরাম আলোর শিক্ষকমা দেখবার সংখ্যাল হল। আৰু উল্লেখযোগ্য আৰই-সংগাঁত বছবিতা দীনেশ চনেত কৰে কৰে ইংরাজী ধারা-ভাষা, উল্লীপ্রাময় এবং দেশবোরোধক গান, ইংরাজী ধর্মসংগীত ভাৰ গুমভার রবীন্দ্রসংগীত, সংব্লিত এই অনুষ্ঠানের প্রিবেশটি© সাথাকভাগে পরিক্রটে হারছে **সাপ্রবা** कारक मारदद क्रीन्यक्रमाहः

আনন্দ্ৰধ ন

বংশক্ষিন আগে কলকভেন্ত পাৰ্ক ভেডিজ কোপ্পানীৰ প্ৰান্ধীয় কাইপক্ষ "কেৰছেল ভিসংগোগ প্ৰতিযোগিতাৰ ব্যৱস্থা কৰে-ভিজেন। জনসাধাৰণকে প্ৰাপ্থা সম্পক্ষে সংচাইন বৰাই ছিল এৰ উপ্পেশ্য। ভিজপেশ ভালাগোগাতাৰ বিচাৰক্ষণভলীতে ভিজেন ভালিকত আনিল চড়েপাধান্য—ভাকে ছবিতে দেখা ধাক্ষ

#### ন্তগেডিত গাণ্ধীজীৰ জীৰনালেখা

শাংগতিতি নেকো প্রিকৃতির প্রায়েশন কর্মিন ক্রিপ্রতি কর্মিন ক্রিপ্রতি ক্রিপ্রতি করেই লেকে প্রক্রিক্তির ক্রিপ্রতি ক্রি



## वाकीकात

চার্টোবর ১৯৬৯ ১২০০০ - স্বলে ১০টার নির্চালনার শের আফগান

ে কেবে সংগ্সত্য মূজ মঞ্জ মুজরী **আমের মুজরী** 

ଟ ଓ ୧୭୧୦ ବିଲେ ଅନ୍ତର୍ଶ କୁଷ୍ଟ ଅଟେ ଅଟେ । ଆଧାର ଅନୁକ୍ରୀ ନହନ୍ତି ଆଧାର ଅନ୍ତର୍ଶ କଞ୍ଚିତ୍ର

ন্দেশীর তির্ব নাটেট্যাৎস্ক নিল্নল চাত্র এর তেশ বন্দোপাল্যক ৪ টিনিট পার্রেয়া যাক্ষেয়া

(जि. ५६०६)



সীমানত গাংধীর ভারতে আগমন এই সংভারের উলেখবোগা ঘটনা। ভাষ্টের স্বাধনিটা আনেদালনের অন্যতম অগ্রনায়ক সমিশত গাংধী খাঁ আবদলে গ্রহণর খাঁ দেশ বিভাগের পর ২ অকটোবর স্বাধনি ভারতের রাজধানী দিল্লিতে পদার্পণ করলে তাকে বীরোচিত

সুদ্বধুনা জানানো হয়। ভারতীয় বিমানবাহিনীর বিমান 'রাজদুতে' তিনি বোমবাই হয়ে এখানে প্রেমায় বিমান বন্দরে একে প্রায় দাই লক্ষ নাগরিক ব্রু: ফুরুডাভাবে তাঁকে ব্যাগত জানান। সীমানত গান্ধী দ্' মাস ভারতে থাকবেন। বোমবাইয়ের সাণ্ডা ক্রজ বিমান বাণী জনৈক সাংবাদিক ভারতের জনা সীমাণ্ড গাংধীকে দিতে অনুরোধ করলে তিনি আবেগকন্পিত কর্প্টে গভীর ক্ষেত্রে সংখ্যা বলেন যে, ভারতের জনগণ আজু মহাস্থা পান্ধীকে হিন্দ্-মুসলমান নিবিশৈৰে সকলের প্রতি তিনি বে 725 মৈত্রীর বাণী প্রচার করেছিলেন তা বিস্মৃত হয়েছেন। ছিংসার প্রাবল্য দেখে তিনি মর্মাছত হরেছেন।নরাসিলিতে পাঠানদের



এক সমাবেলে তিনি বলেন বে, পাকিস্তানের আদ্ভান্তরীণ রাজনৈতিক। পরিস্থিতির জনা আর্ব খান পাক প্রেসিডেনটের পদ ত্যাগ করেন নি। শৃংথক মোচনের জন্য পাঠানদের সূত্ লক্ষ্যপ 🛦 আত্মজ্যাগ্রই আর্বেকে গদিচাত করেছে। ভারতে সাধ্রণভাবে ঘণা 😝 হিসাধক পরিবেশের বিরুদ্ধে প্রতিবাদ হিসাবে এবং গাংখীলী প্রদর্শিত পথ জনসাধারণ বর্জন করাই শান আবদ্ধে গাফফর খান ও অকটোবর সকাল সাতেটার তিলদিনের জন্য অদশন শরে क्टबन। ६ व्यक्रोजेवव वामना भारतद्व व्यनगरमञ्जूरम्य मिन। ७ व्यक्रोजेवद स्मामवाद सकारम रिटीन अनगन ७०१ इरवन ।

#### लगी गरवार

 ১৯ লেপটেলবর—ব্যবাত ঐসল্যায়ক সম্মে-লনের পরিপ্রেক্তি ভারতের পররাম্ম নীতি ग्रानीव राष्ट्रमात समा निरम्भात्रका बन्दी श्रीक्कर-উল্লিন আলি আয়ের আহতান ভানিয়েছন। শ্রীজামেদের মতে : এই ব্যাপারে দুটি বিবর विरमवन्तरं विरवहमा करत रम्थरं हर्व। (১) পাকিস্তানের নির্বান্ধর ভারত-বিরোধতা এবং (२) याचि e लोकरमात भरताता ना करत भी कम এশিরা ও আরবের বে-সব রাখা পাকিস্ডানের दर्भी बदब्राष्ट्र कारमञ्ज बर्जाकाव ।

৩০ লেপটেমবর-প্রিচম বাংলার ভূমি রাজস্বমন্দ্রী শ্রীহরেকৃক কোঠার আজ প্রধান-ৰুত্তী শ্ৰীমতী ইন্দিরা গাল্ধীর সংগ্য ভূমি লংক্তরের প্রয়োজনে সংবিধান সংক্রেথনের श्चनीवे निरंत चारमाञ्चा करवन। कृति त्रश्चनात-नीर्वे क्लक्षम् कतात कता मधीरधारत्त धराज मुर्डि कान्यक्रामा मध्याधन कहा नवकात राजा অভিমত প্রকাশ করেন। প্রধানমন্ত্রী শ্রীকোঙারকে कि छार् महिवधान मध्यासन कहा रवर्छ भार एम मन्त्रदर्भ मुनिनिन्छ क्षत्रदार मिएक खन्द्दाध कार्यन ।

এ বছর হাওড়া ও শিহালনহ থেকে মেট ২০ থানি দ্রেপারার প্রাে দেপদালে টেনের बारमधा द्वाराष्ट्र। अत्र भाषा ५७ पानि भार्य रहरतात अवर ८ वर्गिय मोन्यन-भूदी स्टरणय। भार्य दिरमद अध्य रम्भनाम ३२ व्यक्तानम क्षवर मन्द्रिय-भाव राज्यव राज्यवा राज्य ३% অকটোবে হ'ওড়া থেকে ছাড়াব।

 सकटहोषत्र—सम्बद्धाः अन्तृष्टे दसत् अथा हैन्द्रव আভ কলকাতায় মহায়া গাৰ্ধীৰ জননগত-কাষিক্রীর দ্যাদিনবালে তী ইংসাবের সভ্যত হয়। **ওলিন স্বালে বিপিনবিহাবী গাণ্যালী স্থীট** এবং আনহারণ্ট প্রীটের মেট্ডে রাজাপাল শ্ৰীধাওয়ানেৰ নেতৃত্বে বসিত সাফ ই ছিল পশিচ্ছ-খণ্য গান্ধী লভবাবিকী সমিতির কামস্চীর खनाउम याना।

हरूमा गाभगाली फाकण्ड मा बाक्टेर्नाडक स्मर्था - aहै दिस्त उनाइ तम किछ्लिन स्थावदै। প্রলিসর, বলে-বেনা ভাবাত ছিলেন, তাই তাঁকে



ধররে চেন্টা করা হারেছিল। তারৈ প্রাক্তন রাজ-নৈতিক সহক্ষাবিদ ব্লেভন ৷ হাকাত বলতে ৰা বোৰাৰ হেনা গাণ্যালী কথনও তা ভিলেন না। হেনা পাধালেকৈ তিন্টি বাতট্নতিক শিসিস অবলদ্ধনে যে তিন্টি এবংধ বঢ়িচ ছারেছে তা ধারাবাহিকভাবে ৫ অবটোবর থেং≠ আনদ্যালার পত্রিকার প্রকাশিত হবে।

হ অৰটোৰৰ-১৯৬৭ সালের ১৬ জিসেম্বর উত্তরপাড়া রাজা প্রাবীয়েরেন ক্রেড এলাত হ হরবছিল ডা অসেপতে বা মধ্যে প্ৰিক্স বা बाहरूक मह । किन्यु अधाक धर बदा शकामक ককে ও অফিস ঘরে পর্নিসের কর্মাকলাপ পরিচিথতি অন্যায়ী সমি ছাভিয়ে লিখাছল: फैस्ट्रभाष्ठ) करकरक्षव वहे घोगा अस्मरका उपन्छ কমিটির চের্ডমান বিচারপতি ইতিব পদ माथांको छोत हिर्शावर्धे को मन्द्रवा कान्यकाः শ্রীমাধান্ত্র একঘণ্ড বলোচন যে, এটারন करताक्षत प्राप्त विमाध्यम प्रहेम ति क्रमा शार्यायक मार्थिक ब्राह्मस्य । द्वाराजे रतकारेनी कार्यादसराज्य ব্যারা প্রতিক্ষের সংখ্যা সংঘাধ সংক্ষা অংকন, सा करहाका करा गय गः।

 व्यक्टहोबर—एकमृतित उथा । (४१:७) म्लाक्ट दा**र्चन्य**ी ही। बादे **क** गाबराक बाब প্ৰান্ত সংবাদিকদের কলেন যে, ভারতে একটি টোলভিশন সেট তৈরি হরেছে। এটি সংপ্রেণ-ভাবে ভারতীয় করিগ্রী শিল্পীদের স্থারা হৈতি। উপগ্ৰহ থেকে পঠিজনা **নংক্ষা এই** बरम्ध भवार्मात धवा यात्य।

৪ জনটোৰর—চন্বিশ প্রগানার মধারাপার থানা একারণয় সম্পূর্ণ অব্যক্তক অনুস্থার স্থিতী दरप्राहः। जाक राजा न्यराधी स्फारदार अक श्चभार करे चवत जानान। कन्नना गणकान त्यत्क এই থানাব বিভিন্ন **অঞ্জে প্রথম দ্রোণীর** माजिएकोर्गेमर भौति गृजिन कान्य रमात्म द्राजाह ।

 ■ व्यक्तिवर्ग आस्त्र देवालवृद्धिम अल् घरण रशरक वर्णा इर्रहाकः जानाकायभावान । ramifu & other new a section to be. জনপ্রচারিলালা দেশশার বিভিন্ন স্থাতন গাওীর কার্যাল সংখ্যার গ্রেমান ওলাসং स्थातक कार अन्त कार्यक करवाका : ees मकाल रक्षत है कामानी नहेंचे, इस अदर त

পাথিয়ীতে কানেয়ে সংখ্যা এক স शारमंत हात्रकातन्त्र भाषा **अवक**ान सामार्थाः कारतास्य और-मामन करण्यत् आसा कारत बराम ১२ वह अस नीता। शासनशायान एक भाजात्मत मानावित्रद्येनद्यमधे हैं। भि वित ह

अहे एका कामान ।

#### विटमणी अश्वाम

३३ रमभाग्रेमस्य - भरतानीयस्ति रिर्मात स ज्ञानात एक्टम बार्विक शावति अवर कि कार्धिक भावति भौग्यस बावस्थित रिक ১২টির বেশী অসম পেরে ব্রচ্চলটেলে 🖰 প্রিকল নিত্রকাশ গরিকার। আলনি কর क्षांन कहे मार्ड क्ल प्रियंत अवकाद शांक ह পাতে। ত্ৰুক্তে প্ৰিচা কাৰ্মানিৰ ২০ স ইতিহালে এই প্ৰথম ছণিডাল ভোষারাও बमार हार विकाशी बालत आमार्गः

**८० रमभरकेवनः—(श्रीमत्त्रको भारमत्त्र** । ত্ৰভিগত বাৰা নিত্ৰ ফিল্বী পয় हीरामारकांग्रम विकास राजवाल रकांत्र देशदिका भारतरं सर्भर रहभा करहनः। 🕼 मन्दी जारगीनकामय करकार हुद, काबाहर है कारमागरारमञ्जूष प्रोमा जनभरक क्रजाना य E 977 1

Section 2 > सक्तेत्वर-- सक रिश्कीक करियांकी अस्पर्धतम । कीमा करियो <del>পার্বটির ডেয়ারেমানে মার সে-কে: টুর্</del>ন ছিলেনঃ যাওয়ের উপলিথাতির ফলে गातास्य क्रमान्य शासः नग्रहास्य अहे नाः चरमान हाता।

 अक्टोबर-प्रायंका कृत्याओं আলালিয়ন কণিপ্রায়ত তুলাতা এক<sup>©</sup> প্রক্রিকারটে প্রমান, আক্ষের বিশেষারের ঘটি প্রদানিকে প্রায়ণ্ডী ভূমিকাল থাই ঘাড়ে দেটি মেটভাষ্ট সীনস্থ খেকে মন্ত হাজাওখ शतित महार

 अस्टडोबर – कवाणीय व्यावहार रा प्रशः শাইটার এক বিবাট জনচর্পার সামস্য প্রচান केंग्रार्के राज्यका १ अर्थक कुरूनावास्त्र শেতকৈ হয়: এই স্পে ছাম্য ৫ ম হাছবাংশীর চাড়েই পাড়াছাও। সংস্থাপ कारातीय तातेत्रीयमान 😝 बाद्योकन करना, कांग्रेक नाराता श्रम्

S अक्टरोमक--हरील शक्त ३५ व रमभाग्नीमयन मामानाम मान्य एव भाग्याना १२ नवीका मान्यस करवाह साक करत निर्देश हैं। **रबारक का रबाबना करा। इसा इसका**रत द বজা হয় ৰে, ২৩ জেপটেমবর চীন প্রথম জ नक्षमान् दरमात्र विरम्यान्तन घरेत्सा।

६ जकरहेला-भावित्रहाल खावशामी अ ट्यानिएक है रनाथ महिक्यत ब्रह्मान हे बाहिया थ श्रमानाम न्याम हना कारताहर । भी बाराहर रव, गामनकर्षा यमानाह किन्द्र गा **চরিত সদলায়নি। ইহাতিয়া জ্**যানার মা कातव हरे हरलएड—यात्र भाग कथा श्रामा अ गाकिन्छान कर्डक शर्द गाकिन्द्रानरक मा बादे करण्यात करता हाहै।

न दम बहे स्या हरे

ENT

निभं लक्षाजी धरलानीवरमब

# কবির সঙ্গে য়ুরোপে

**৭৫ খানি जाएँ (अंहै पर, त्युत ध**इ A দাম মাত দশ টাকা u

बामारमब बमाब

तिका, युक्ती तिका है।।

विश्रल करवर

সভোষকমার ঘোষের

मित्रती ८. । जित्रत ८,

द्दिनाताम्य एट्टोशाक्ताद्वव

सङ्गिमस्ता ८. नौराबद्रधन गाउँद्रब

क्ताक्रभावी

**क**रिन अथा

লীলা মজামদাৰেৰ

यकसात वाश 811

. भुवस्य

टेनट्टा नक्याव बट्टमत्रभाधतरम्ब

शान्धीकीव शर्रेनकभ 8॥

grasant

গান্ধী রচনাসম্ভার

প্রথম কত -- পাঁচ টাকা

(B) M(F)

लीला प्रकाशनास्त्र

সংখলন বাভৰ

त्वा विष्य विषय र (নপোর বই ৩॥

সমেধনাও খেবের

किएणात अञ्चावनी 811

ভারতের সন্তেপ্ত চিম্তানিদ্রের বচনাঞ্জাল

जाको पविक्रमा ५८.

लीजा शक्क अनादबंब ববলিদ পায়সকারপাশর

আর কোনোখানে

॥ ন্তন চত্র্থ মাদ্রণ প্রকাশিত হয়েছে ॥

नीयम्हरू ट्रोध्या व

वाडाली जीवरन त्रमणी ১०.

यक्तीम्ब्रताथ ठाकरवय

याञाशास्त्र द्वायायुष 🔊 (স্টিচর)

দ্বামী দিবাাস্থানদেব

श्वाति श्वाति क्षेत्रक अन्य १०,

প্ৰবোধকমাৰ সান্যালের

उँछत शिवालश हित्रिल

नीलक'ठे शिमालय ४॥

লেচতিকুমাৰ চৌধ্রেীর

धावगस्रोत अरै (य एधत ८॥

শুক্ত মহাবাজের

गरम गिनि कम्मद्र ७. নীল দ্ৰাম ৬॥

अस्त्रभाग क উত্তরস্যাং দিশি ১০,

গতে পুরু মার মিরের

यति ছिल जामा वच्च का 811 बहिन्नम है। महन व मीश्र के

বিভাতভ্ষণ ব**ন্দোপাধাাষে**র

मृष्टिअमीभ वस्य प्रमा पु দৈয়দ এক্ষেত্ৰা আলীৰ

वाषा उन्नेव ৮, वष्वाव १.

আশাভোষ মাখোপাধাষের

यश्रवण ७. भाष् भारक वांधा ए.

<sup>অচিক্টাকুমান</sup> গৌরাস পরিজন ১০,

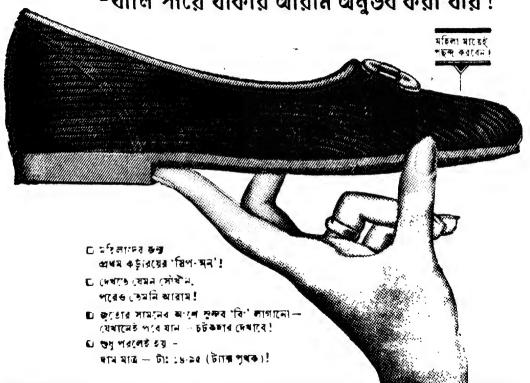
মিত ৬ মেৰ: ১০ শামাচন্দ্ৰ দে স্থাটি কলিকাতা ১২ কেন: ৩৪-৩৪৯২

68-8495

क्याश्वितत प्रशिवा मश्कत्व एम्स्याष्ट्रव कि ?

# म्यान किस्भातिस्त

কর্তুরেয়ের এই অভিনব 'মিপ-অন'পরলেও -খালি পায়ে থাকার আরাম অনুভব করা যায়!



नानाविध मदनावम बः तः शास्त्रा गाव

করোনার ভূত্যে – চলার ক্লান্তি আসেনা...ছিড়বার তর থাকে না!

कत्वाता त्राञ् त्काः लिः

২২১, দাদাভাই নওরোজি রোড, বম্বে-১



বিষয়	লৈখক		প্রতা
<b>म</b> ्दर्गाः सब	***	•••	2290
ব্যব্যচিত্র	***	***	2298
<b>म्माभवे</b> —शीनवाट्य १		•••	2296
ब्रू अम्मीत्र अश्वामञाः	···	***	2299
বৈদেশিকী		•••	2298
भ्रानम्ब खानील	***	•••	2292
<b>জলে নামলে</b> (কবিত	1)—हो देन्यामहन्द्र स्ट्रेडार्य		2242
আমার জন্য ভেবো ন	र (कीवडा)		
ু শ্রীদিরাজ ফৌ		•••	2282
	ক্রিতা)—শ্রীমঞ্জন কর	•••	2282
পায়রা– শ্রীআমিস সে	বাষ	•••	2280
<b>পণ্ডতন্ত</b> —ডঃ সৈয়দ	ন্জতবা আলী	•••	2288

# ছোটদের সেরা বই

পাপৰে বই সাজে এটা বছারের শিশ**় 'পাপ্রে অবিসমর্থীর সাহিত্যকীতি'।** व्यक्ति भटनातम् अस्प्रमा শিংপী উত্তাহ বংশনাগালালের ছবি ও লেখার **পরণোর পশ**্ব-এক স্ম भाभीरतंत्र कविनयात्त्व क्षति। [ 2.40 ] ছিল শেয়াল শ্বপন্তেও কলে, উলমর দেনা বর্ণালী ছবি। ভারত সরকার रभासाय কর্ম প্রধাসের। 1 2.00 & 2.401 সাধী ৬: 'শ'লভূমন দাশগ্রেম্ডর ছদের ও শ্রী**স্থা রারের ছবিতে** শ্লেমলা-দৰীয়ের क्षेत्राच-दकारन প্রতিয়াদল সভাগত রাচ্ড **ও চিতিও ছোটদের ধাঁধার বই। বাঙ্লায়** ছবিৰ जयन वह भूष्य। বেশা ্সভোত। কর র্মিত শ্রীসার্য রার চিহিড সেরা বৌশ্ধ-গলেপর ছে টাদেৰ বৌদ্ধগ্ৰহণ শ্রীমনেক্ষার ন্ববর্তী রাল্ড শ্রীপ্রতা বন্দেনসাধারে চিবিত দুই ছবিত্ত প্রথিবী ৰ্পেরে রঙীন চিতে সরল বিবরণ। [ প্রতি ভাগ ১ ২৫ ] 🖫 (आभिन्न य(१)) ২ (প্ৰসভাৰ ঘ্যা)

যুগে যুগে ভারত শিক্স

শীপুণা চকুবত্তী বচিত ও চিতিত ভারতের শিক্সনিদ্দানের ইতিহাস। বহা, ছবি। বাছলার অন্বিভীয় বই। [9.00]

প্রসত্তক ভালিভার জনা লিখ্যন

thin! 2110 **अः** अप

**०२७ आ**रुष्य अस्थानम् (बारू :: कोलकाका **३** 

প্ৰেল অৰকাৰে আনন্দ রবীন্দ্র পরেকারে সম্মানিত শ্রীসুবোধকুমার চক্রবর্তী প্রশীত

উপন্যাস-বসসিত চমণ-কাহিনী মোট ১৩টি পর্বের ম্ল্যে ১১১.০০ ग्राञ्च : क्यां भर्व ... म्या ५.००

हमाप्त बनान के

## **शक्षां कात**

গ্রীউমাপ্রসাদ মুখোপাধ্যার

অ গ্ৰহ ব্যৱকণ্টক

# একই গঙ্গার ঘাটে ঘাটে

প্ৰথম পৰ্ব ৮-৫০ ছিতীয় পৰ্ব ১২-০০ **द्यीरमवश्रमाम मामगर**ण्ड

# श्यावायत वाहिनाय

ৱামপদ মুখোপাধ্যার

ন্তেন ধরনের তিনক্ষনি **প্রকাশন** 

## বিশ্বসাহিতোর রূপরেখা

প্রথম পর্ব ১০.০০ দিতীয় পর্ব ১২-০০

# थाांठ बाद्यत क्वर्ष्टाठा

निमंदलन्य वास्टोध्यी

## वाश्चाय विश्वववाम २०००

পরিববিতি ও সংগোধিত চতুর্থ সংকরণ শ্রীনলিনাকিশোর গৃহ প্রণীত

দশ্ম সংস্করণ সংযোগ্র প্রকাশিত হইল

#### 

6.00

শরংসাহিতাবিধক সমালেচনা গ্রন্থ ডঃ স্বোধচনদ্র সেনগতেত

ছোটদের জন্ম ভ্রমণকাহিনী

#### जासारम्य (म्य

উডিষা: অন্ধ: মহিস্ক সবেমত আহির হইল তামিলনাড প্ৰতি শত মূল ২ ০০ <u>শীস্বোধকুমার চক্রতী প্রণীত</u>

 अ. मानाजी जात्न्छ काः नाः निः ২. বাংকা ডাটাল<sup>া</sup> প্রাট, কান্তাল ৯২

#### 1

# দৈনিক ব্যবহার্য্য প্লাঞ্চিক দ্রব্যের পূর্ন সম্ভার



শাধকমে বং এর ছোঁয়া দেবার জন্ত—মগ্ন, বালতি এবং টালেট সিটি। বালাগারের জন্ত—গামলা, বাটি, ঝাঝরি, খাবার টেবিলে উংজুলভাব জন্ত —মানাই, পোলাস এবং পেট, গৃহস্থালির প্রয়োজনীয় আরও অনেক কিছু—বাজায় কলার বাগে এবং বাজির শেভ—বেমন রংচশা, তেমনি সহাজ পরিকার বাথে যায়। হারা এবং আজুর। নানাবিধ মনোহ্র রংবে। সবই "সিলের" তৈরী—মারা প্রথম গ্রাইটেনর বালাজি তৈরী করেছেন।

"সিলের" তৈরী ঘাবতীয় জিনিং নির্ভরযোগ্য ও টেকসই। কেননা, এওনি ছহকালধ্যের বাবহার। করার উপযোগী করেই তৈরী। আধুনিকভার অল স্লান্টিকস—'নিল' এর তৈরী প্লান্টিক তব্য কিন্দুন। সূপ্রীম ইণ্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড

खद्राष्ट्राज्य, संदश्च ७५ ।

লিমিটেড ৪৪ - ৪৪ মিলস্ক্ত ও

ভিজিলিটানা ও পৰিচাৰেশ, জাসৰ বিশা বুলিশা, মধ্য প্ৰদেশ, আনম্প্ৰদেশ, চোপাল, সিকিম এবং ভুইটোৰ জনাও **লেসালা** টোজ প্ৰেলমান্তিং কৰ্মোটোৰশন, পিলাও বিভাগত বিভাগত বিভাগত এই কলা বাম নং মধ্যি, ইণিজয়া এক্ষেক্ত শ্ৰেষ্ঠ একটোৰশন, কলিকটোৰ মুখ্য বৃহত্ত্য কলিবটোৱা জনা মেসাস জি পদম একে কোং, ৪২, সাধ হবিবাম গোৱেশক শ্ৰেটি, কলিকতো-৭



ৰিবয়	লৈ খৰ		भाष्ठा
প্রারিসের চিত্রি ত্রীপ		বৈছে	2225
ৰিশ্ৰবিজ্ঞান— <u>উ</u> লসম্ব			2234
পারাপারশ্রীক ক			1206
बारलाव हालहिब-डी			2225
সাথিক ভারত—ইংস			\$\$\$0
ভায়েৰিৰ ছে'ড়াপাতা			2225
গানের জালর—শাংগ			2223
জাৰন <b>ৰে-ৰুক্ম</b> — <sup>ট্ৰ</sup> ্		***	2200
অন্তের <b>দিল</b> ি নত্ত		***	\$\$59
চিত্ৰ- <b>প্ৰদৰ্শনী—</b> চিত্ৰ ও	图		55:2
बारनाहना	••		25,52

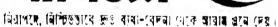


## ব্যথা বেদনায় আঞান্ত হলে

স্যালজন মাধাধ্যার ষ্প্রত থাকে প্রতিষ্ঠ এনে দেই। দাঁত বাঝা, দা গতার বাঝা, ফু ৪ পেশার বাঝাকেও স্যারিয়ে দেয়

(ES) 200 47 54

# आलिफात



fes, miffeft foll



# बार्क छोरेव वाक विश

। চাল্ডেক সমাত্ৰক। বংকা ব্যাহ্ম গোষ্ঠার অপ্যতম সমস্ত শতাবিক বছরের অভিনেতা কলিকা গ্রাহ প্রধান অভিনাত্র

ল, **ৰেডাজী সুভা**ষ রোভ, কলিকাডা-১ জনীয় লগেলেক

- a sos, নিম্ম্বলা ঘাট 🐯 ট কলিকাকা জ
- কলেকার ও ২, মহাধা গাঙী রোহ, কলিকারা-১
- ক.ব. পেল্ল প্রবাদ করিব, কালবাছ্য-১৯

   ১৫, বছিরছাট রোছ, কলিকছো-১৯
   শি-০৭৫, রক 'ছি', বিট আলিপুর
  - ভালভাগ-৫০

     ২১, এটা ৩ ইছে বেটি, ছাওছা

     ১৬৬/২, বেলিলিয়াস বেটি
    - ১৬৬/২, বেলিলিয়াল হোড

      কলমাললা, হাওছা
       ক কেন ছিলাজিই লক্ষ্য লগ্যম

No. 2



বহুদেন থেকে ডাক্তারেরা

# काश्वि अ त्रर्षि

প্রতিরোধ করতে

# णाशिशार्ज

## टेशालगत

অৰুমোদন কুৱাছুন

## একটি চমৎকার প্রতিষেধক ও টনিক

ছতু পরিবর্তনের সঙ্গে সঙ্গে কানি সদি, গলাব্যথা ও ছছমেব গোল্যোগ দেখা দেয়, খেতে সুস্বাছ অ্যাঞ্চিয়ার্স ইমালশনেব সাহায়ে আপনি এসবের হাত থেকে পুরোপুরি বেহাই পেতে পারেন। তাছাড়া আ্যাঞ্চিয়ার্স তাড়াতাড়ি শবীর সারিয়ে তোলে। আ্যাঞ্চিয়ার্স ছোট-বড় সকলের পক্ষেই একটি আ্যান্স টিনিক। এটি আপনাকে চাঙ্গা করে তুলবে এবং আপনার শক্তি ও জীবনীশক্তি বাড়াবে। নিয়মিত অ্যাঞ্চিয়ার্স খান।



আাঞ্চিয়ার্স ইমালশন শ্লেষা তবল করে ও বুকের ভার লাঘৰ করে। এসৰ ক্ষেত্রে যে তুর্বলভা দেখা দেয়, এই চমৎকার টনিকটি ভা সারাতে সাহায্য করে।

আাডিয়ার্স আপনাকে সুস্থ ব্যথার জন্য একটি প্রতিষেধক



থক		भाषा
<b>ቆ</b>	,	5284
•••	, •••	>>89
•••	•••	2582
্ৰুল	•••	2356
•••		<b>১</b> २৫२
•••	•••	2500
•••	***	১২৬২
***	•••	১২৬৩
	ক   .কুল  	क   

ज्ञान : श्रीतामानम वत्मााशासास



কর্ড জন হান্ট, আঁদ্রে রশ, রেণে ডিটার্ট, বিগেডিয়ার জ্ঞান সিং, কমান্ডার এম, এস. কোহলি ও নওয়াং গম্ব প্রমান্থ বিশ্ববন্দিত পর্ব তারোহীদের প্রশংসাধন্য সতপন্থ ও রাধানাথ পর্ব তাভিবার পটভূমিকায় শম্কু মহারাজ্ঞার অসাধারণ প্রমাণ কাহিনী

# চতুরঙ্গীর

## अञ्चल

নানা রঙে রাভা চভুরকী—সাদা, কালো, বাদামী ও লাল। প্রধানতঃ
এই চার রঙের পাথরে পরিপূর্ণ চভুরকী হিমবাহের গ্রাবরেখা। ভাই হার নাম চভুরকী। কিন্তু ভারপরেও অনেক রঙের ছড়াছড়ি — ধ্লর, বেগনেনী, গোলাপী আরও কতো রঙ। রঙের বাহার—বিচিত্র বর্ণমন্ত্র চভুরকীর অকন।

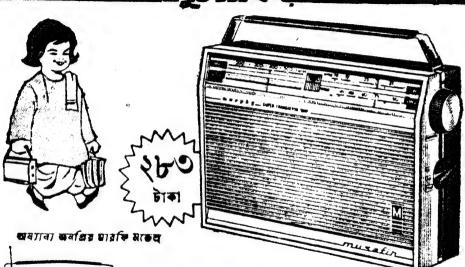
ভারতীর পর্বতারোহণে বাঙ্গালীর অবদান সাঁমান্য নর। ভারতের প্রথম ও উক্ততম বে-সরকারী পর্বতাভিষান আরোজিত হরেছে পশ্চিমবঙ্গে। পত নর বছরে বাইশটি পর্বতাভিষান পরিচালিত হরেছে বাংলাদেশ থেকে। এর অধিকাংল অভিযানই সম্পূর্ণ হরেছে। হিমালের আজও বাঙ্গালীর কাছে অপরিচিত।

আলোচা গ্রন্থ বাকাশীর সেই
অপরিচয়ের অপবাদ ছোচাতে সাহার।
করবে। পর্বভারোহণ নিরে এমন
প্রামাণা গ্রন্থ ইতিপ্রে রচিত হরন।
অথচ গালেপর মতো স্থাপাঠ্য এই
কাহিনী। অসংখা আলোকচিত্র,
মানচিত্র, পর্বভারেহণ প্রাই ও
নির্ঘণট্যত্র সূত্রং গ্রন্থ। হন টাকা।

রবীন্দ্র লাইরেরী
১৫/২, শামাচরণ দে স্টাট,
কলিকাতা-১২



मि दक त्मन अथ दकार खादेरक है जि:, बनाकूत्रम हा छेम, क्रिकाचा->३







NEWS B. Ta . L'S ◆ 4310 850 GT#1



. Com erro. २ नाक ३१० हाका মুলা একাইজ ডিউটি সমেও। चत्रात कर व्यामाना ।



Milit - warden u २ नहां ७ २२० हे। का



Aviation/Strange মিভিয়াৰ প্ৰয়েক্ত ১২৫ টাকা

- ছিলছাল, স্বৰার, সংবেদনশীল ৩-ব্যাপ্ত ট্রানজিক্টর—া পৃথিবীর যে কোন স্টেলন স্পষ্ট ধরা যায়।
- টেলিখোপিক অ্যান্টেনা ও বিক্টাইন এরিছ্যাল s' • वड़-मारेक महश्र-चूलक हेई (मण बावहान करन । প্রভোক মার্কি ট্রামজিস্টর ভারতের স্ববৃহৎ অভি व्यापृतिक द्वेरानिकार्टन का हुँदौरूक काकुक जदर का श्वाहत भाष्ट्र २० वहरवेव शरवनना, विरूप्त खान ७ काविनकी रेमभुषा ।

श्रमपुत ध्वति, १२थ(७३ वतुभव, तप्रथा नाम





ar use with

SECURITY STATES STATES

্র বছমুখী একই ইউৰ বিভিন্ন আ্যাপকোলাইট বেস পেউস্-এ উপযোগী । মরেরমত কিনিশ—নিমেরে তৈরি। আরমায় মত চক্চকে মধমনের মত মস্থ-মান্দাক্ত ম্যান্ত, কেটারিক এইরকম ৫ কিনিশ।

अरे मा काभरकतारेष्ठे (वन (अकेन (बर्क तरह विश्व:-नितासकैक कतारात, आंक्रिकिक रेमालनत, व्यासकिक प्राप्त, आंक्रिकिक रेमालनत, व्यासकिक प्राप्त, आंक्रिकिक रेमालनत, व्यासकिक प्राप्त, आंक्रिकिक प्राप्त, आं

थ (प्रदालिक क्षरा व्याक्रिलिक श्रम्भवस् क्रिक्टेन्स्

🗅 अस्य अस्य वह व्यवादाव क्या वाक्षिकवेक

# याधिकविए

मदम मदम इड त्मनावात्र कन

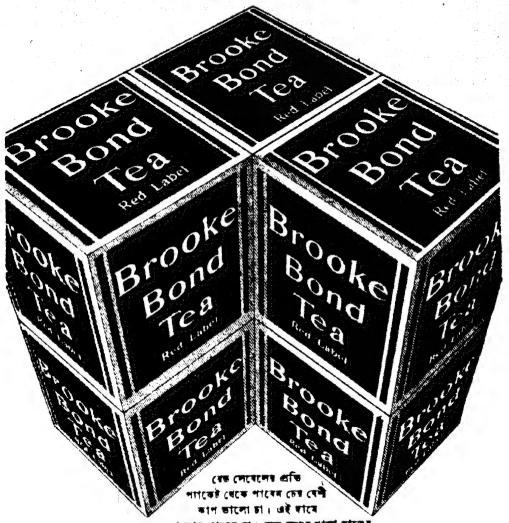
শৰ রঙ কবার কারে এশিক্তান পোটস

अगिज्ञान प्रमुक्त



LIGHTARIA INTA ME

# ভালো চা কম খরচা



এমৰ চা আৰু পাৰেন না। ক্ৰম্ব কণ্ডের পাকা হাছের ক্লেড-বেছে পরিভৃত্তি, আৰু প্রমাঞ্জ বাঁচে। ভারতে ফেমৰ পাতা,চা বিক্রী হয় ভার মধ্যে বেভ লেবেলেই বিক্রীই ভাই জন্ম সৰচেয়ে বেন্ট্র।

ক্লক বণ্ড রেড লেবেল – প্রতি প্যাকেট থেকে পাবেন আরও বেশী কাপ আরু সত্যিই ভালো চা

# প্রকাশিত হল



मा**य 8.00** 

ছোটু সোনাদের অপরুপ সব রূপকথার গল্প শুনিরে তাদের প্রভার আনন্দের দিনগুলি রঙে বলে ভরিবে ভলতে আনার তার রুপকথার বিস্মধ-বুলিটি নিয়ে হাজির হরেছেন এ-কালের একমেবাদিতীয়ম রূপকথার বাদকো সেই শৈলেন বোষ-বার 'অরুগ-বরুগ-কিরণমালা' ও মিতুল নামে পত্তেলটি' শুবুমার তরি একান্ত প্রিয় ছোটু সোনাদেরই ভোলারনি, ব্ডো থেড়েদেরও মন কেডেছিল; উপরস্ত রাম্মীর প্রস্কারের শিরোপাও পেরেছিল।

'ছোটু সোনার গলপ শোনার চমংকার চমংকার ছটি রুপক্ষার গলপ আছে : টুং-এর বন্ধ, কুমকুমি, সদ'ার, বেড়াল-বাদর-গাধা আর লোকটা, চাঁদ আর পাপটে, সোনা-ঝুরঝুর হাসি, চাাং ঝোলা। এর প্রত্যেকটির মাধ্যর্থ

# टेमटलन घाट्यत्र

ছোটদের র পকথার গলপ

# ছোট সোনার গলপ শোন

এবং উপভোগাতা এমনই অবর্ণনীয় যে, ভাষার তা প্রকাশ করা বার প্রেরা বইটি দামী কাগজে আগাগেড়া দ্ব' রঙে ছাপা। জার ওপর ায়েছে প্রায় প্রতিটি পাডার বিমল দাসের আঁকা বড়ো বড়ো অকল্পনীয় সালের সালের রভিন ছবি এবং অপ্রে সালের বহারতা প্রচ্ছদ হৈলালৈ গলেশর পরিবেশ এবং পারপারীকৈ আশ্চর্য জীবস্ত করে চোখের সামনে তুলে ধরে কচি কচি পাটকদের কল্পনা**প্রবশ মনের সঙ্গে সঙ্গে সোল্**যেশিপরাসী **চোখকে**ও তৃপ্ত করবে।

्राच स्कार व्यवसाला व है অরুণ বরুণ কিরণমালা ২০০০ মিতুল নামে প্রভুলটি ৩০০০

# वामभारी आर्रि

সভ্যাঞ্জং রায় ॥ দাম ৪-০০

# শহর-ইয়ার

সৈরদ মুজতবা আলী ।। দাম ৮ ০০

### একদা कुशामाश

বিমল কর ॥ দাম ৬-০০

# লোকরহস্য

শৈলজানশ মাঝোপাধার ॥ দাম ৫.০০

## প্রবন্ধ-সংগ্রহ

### **वा**द्याप्य

শংকর ॥ দান ৫-০০

# निर्मिश्रासन

বিমল মিত্ত য় দাম ৪-০০

### यड

প্রফুরব্নার সরকার ॥ দাম ৫-০০ - জ্যোধিরদু নল্পী ॥ দাম ৮-০০

# দশকের ভূমিকায়

আশাপ্ৰা দেখা । দম ৫ ০০

### সামান্য-অসামান্য

भूभोल तात ॥ प्राप्त ४.००

# मुक्रांदिन न्वदिनगयाना

সমরেশ বস্ ॥ দাম ৪-০০

# কোথায় পাবো তারে

कानकार्षे ॥ भाग २०-००

## নায়কের প্রবেশ ও প্রস্তান

र्याट नन्दी ॥, मात्र 8.00

# প্রেম পরিণয় ইত্যাদি

বিমল মিত্র ॥ দার ৭.০০

# न्दनंत भ्रूष मागद्र



🗫 গ্রানন্দ পাবলিশাস' প্রাঃ লিমিটেড

অভিনঃ ৫ চিভাৰণি দাস দেন। কলিঃ ৯ গ্ৰেমে ৩৪-৮২৪৭ বিক্তর-কেন্দ্র ঃ ৩৭এ মহাত্মা পাল্ধী রোভ য় কলিকাজা ৯

# ব্যবহার কর্মান্তর প্রচারিক প্রকলম প্রথম প্রকাশিক সাজাহিক

# (फिटन

०७ वर्षाः॥ সংখ্যा ৫১ प्रान्तकः ১ काल्यकः ১००७

### লন্দানক শ্রীঅনোককুমার সরকার

গংহত কণানক শ্রীসাগরময় যোব

ক্ষাবিকারী ,ও পরিচালক আন্নক্ষারার পরিকা প্রশ্ন ক্ষিত্র প্রক্রের সম্ভবন স্থাটি, কলিকাডা ১ থেকে প্রকারিকাত্ত্বির বালগণেক কৃষ্টাক মান্তিত ও প্রকাশিত

টোলকোন ২০-২২৮০ ২০-৮৫**৪১** 

#### চলির হার ভালভাতার

বাহিক ... ২৫.০০ বাহানিক ... ১২.৫০ বাহানিক ... ৬.২৫

#### WINE V

বাহিত সভাক ... ৩০-০০ বাহানিক ... ১৫-৫০ বৈহানিক ... ৮-০০

#### <u> भाकिन्द्राट</u>ब

(ভারতীর ম্রার)
বাবিক সভাব \_\_ ০০.০০
বাকাসিক \_ \_ ১৫.৫০
হৈমাসিক \_ \_ ৮.০০

#### ভারতের বাহিছে (জাহাজ ভাবে )

আৰিত সভাৰ ... ৫২.০০ জন্মাসিক .... ২৬.০০

\_ 35:00

#### क्षानाम करून (विमान करने)

travino.

ব্যবিক — ৩৯.০০ বংলাসিক — ৯৯.৫০ বিবাসিক — ৯০.০০

বাল ৫০ পরনা উদ্ভাবন ও আনানে অভিভিন্ন হিবান হাস্কো ও পানা

#### DESH

Saturday 18 Oct. 1969

### न्द्रदर्श रिनव

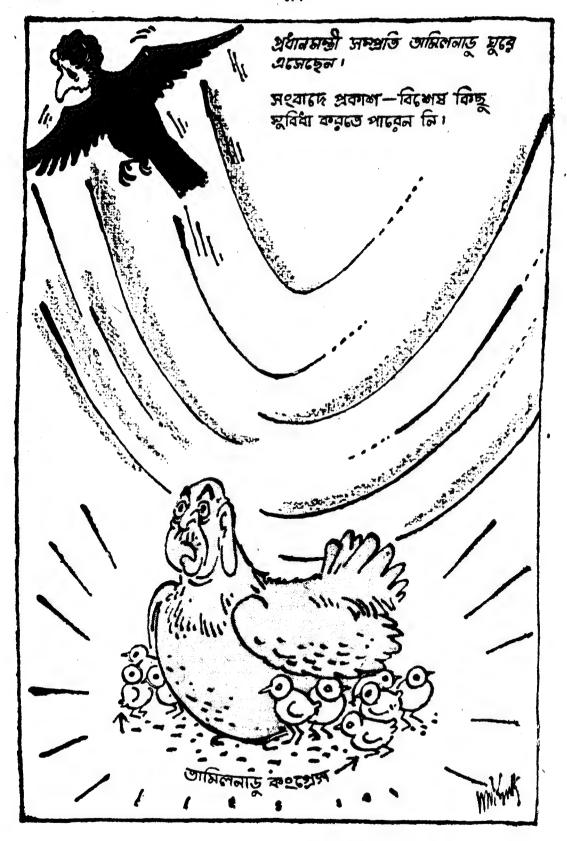
আমাদের বিশাদে দেবী দ্র্যা মঞ্চলার্থে আন্ত্রে এই প্রার্থনা বনিও আমাদের আদ্বিক তব্ ধর্মাচরণ বাদ দিলেও দেবীর একটি সামাজিক রূপও আমাদের মনে মনে গড়ে উঠেছে। সেই রূপে দেখি, ইনি আনন্দমরী, ইনি বর্বাদ শোমে বিশাদেশে সূত্রেও আনন্দের বার্ডা নিরে আবিস্কৃতি হন।

বলা বাহ্না, দেশাচার ও লোকাচার অনুবারী দেবী গুর্গাকে আনরা কানের এমন জারগার স্থান দিরেছি বেখালে তিনি আন্নাদের অতিবড় আশীর, ক্ষমও কন্য, ক্ষমও জননী, ক্ষমও বা সর্বপ্রকার গুর্গতির গুর্গতিনাশিনী। ক্ষমণকাতর কথার ইনি সুবর্গমরী বক্সপ্রতিমা, সম্ভবত এটিই সত্য কথা, দেবী গুর্গা বক্সপ্রতিমা, বাক্সালী সমাজেই এ'র বধার্থ স্থান।

रमकान धवर धकारनद्र मुर्गारमत्व **अको भार्यका अवनारे वर्छ स्मार**। কমলাকান্ত সেকেলে লোক, দুর্গোৎসবের প্রারক্তে তিনি প্রাের বে ধ্যে দেখতেন সে ধুম এখন আর কতটুকু আছে। এখনও ঢাকী আছে বটে ভবে তারা চাক খাডে করে 'বংগরে বাজনা বাজাইয়া আকাশ ফাটাইবে—' এমন সুবোগ বড় পার না। বা কত 'ঢোল, কাঁসি, কাডা, নাগরায় বংগার জর বাদিত হইবে। কত সানাই শৌ ধরিয়া গাইবে ''কভ নাচ গো—'' বড় প্লোর ধ্যু বাধিবে—' এমন তো আর দেখি না। একালের দুর্গোৎসব সেদিক থেকে অনেক নিকুণ্ট। একালের ভাকজনক বড় কম নর চোধ ধাঁধানো আলো আছে, বৃহৎ বৃহৎ মণ্ডপ আছে, নিনাদিত মাইক আছে, আধুনিক গান আছে, কিন্তু হার দে শান্ত নম্ন ভরিমণ্ডিত প্রো-পাঠ বা উৎসাহ কই! একালের প্রজা পথের মধ্যে প্রদর্শনীর অনুরূপ, উন্ন, ক্ষনত কখনও উৎপীড়নডুলা, স্বাভাবিক আনন্দের স্বাদ তাতে বড় পাওরা বার मा। এ কথা শুধু শহরের দুর্গা পূজার বেলার নর, গ্রামের দুর্গোৎসবের বেলারঙ কম বেলী বলা বার। দল পনেরো বছর আগেও প্রামের দুর্গোৎসবের বে চেহারা অবশিষ্ট ছিল আৰু আরও পরিবর্তন ষটে বাছে। হয়ত আমাদের দুর্গোৎসকের এট বাহা পরিবর্তান কালের নিরমে**ই হটে বাছে। কে বলতে পারে ভবিবাতে** এই পরিবর্তন কো**খার গিরে দাঁডাবে।** 

উৎসবের ক্ষেত্রে বাই হোক, হাদরের ক্ষেত্রে বোধ কবি পরিবর্তনটা তেমন করে দেবা দের নি। আজও আদিবনের আকালে রোদ হেসে উঠলে, শিউলী ফুলের গাম্ম তেনে এলে মন বলে: প্রেল আসছে। আগমনীর সূর কানে লাগালে চণ্ডল হরে উঠি। শশভূজার চরণে প্রণাম নিবেদনে এখনও হিন্দ্র সমাজের সর্বপ্রেণীর লোকের অভাব বড় দেখি না। বা অবজ্ঞা দেখি না পারিবারিক উৎসব আনক্ষের।

পরিশেবে কলা ভালা, দেশ কালের যা অকশ্বা তাতে নির্দিশন মনে কোনো উৎসব আনশেই আর মান্ব বোগ দিতে পারে না। দৃঃখ দৃগতি তো আছেই, ক্রমাণত বেন বাড়ছে—তার উপর শত রকম সমস্যা আমাদের মনের স্বাভাবিক ক্র্তিক পশ্চ করে ভূলেছে। এমন একটা অবস্থার মান্ব বাদ প্রাণ খুলে এই উৎসবের সন্ধো মিশে বেডে না পারে তবে দোষ দেবারও বিশেষ কিছু নই। তব্, আমরা প্রার্থনা করব, শত দৃঃখ দৃগতির মধ্যেও বেন ব্ধাবাসী এই দৃর্গোৎসবে ক্ষিক শান্ত ও ভূশ্চিত খুল্জে পেডে পারেন।



প্রান্তর্ভাগ রাজনীতির আন্তরে সংগ্রতি ১৯ গ লাগানের ডেস বিধারক্রেল শ্রেট্ হংস্টেছ তার নাম জনামালেই আ্যার দেখা দেওসা মার: এই শালার কুশীলব ব্যুক্ত জনটোর শ্রিকশ্প।

ন্দ্রপট উত্তেজিত হলে দেলা সাস মৃথ ফেনটের শরিকের মণ্ড জাজেনা করে সচিত্র উপতে করে সম্পেলক ঘাত সার্থেন স্থেপ ঘাত স্থেপ আছি সম্ জাপন মনে নিক্ষ, ভোষা মা স্থার ব্যক্ত না ম্পার্থেকে সেলো, শ্রু, জিরে ধারক কতা-ক্যান স্থান আছি, স্থান গাতি স

**লি পি আই:** মূক ফুকট সংকার গঠিত इसर केर का धराक तरिका एक एक प्र **ভাগ উদ্দ**ার কর । ছার করে চাতে গৌরাত পিলে এতার *ক*ি তাকক ১৮ জেত **মাঞ্**র ভূ গ্রীপ ভূপ থি কুলে এই চি প এটো ভাওয়াক চার্যার প্রাচ্চ ১ ১ ১ ১ ১ ১ ভুক্তরা : ভবে উংসক্ত 🕝 : 取締合 - **利達 29**年20代 (1965年4 - 1970 - 197 **পুষ্ঠ করিব**্যাস্ট্রের এই ইউটি যেস্ট্র **ভালা**ৰ ' হাৰ ভালাটেৰ ভালা : : सरकारके। क्राक्तारस श्रहा १ ० ० ० ० **ভাৰত ভাষ্টাৰেলট কল্প নহল ত**াল লা **क्ष**र स्थापन प्रदेशन शिक्ष रूप ५८ ক্ষ**াল্ড ব্যা**লিক লা বুৰুপৰি সংগ্ৰহ হ'ব বুল ক मालुनानु भित्रपुरमा १५% । तस्य १००५ । ५ भित्रस्य ିଲ୍ଲ୍ୟୁଞ୍ଜ ଅଞ୍ଚିୟର ଅନ୍ୟର୍ଥ ଅନ୍ତର୍ଶ gataga an majar nga nakan an ang mga n **অস্তি প্রতিষ্ঠানিক প্রতি ଅ**ଟର ଓ ୧୭୬୭ଟ ଅନ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ତର୍ଶ ପ୍ରତ୍ତିକ । ଏହା ◆「もないから」なり吸いらか<sup>9</sup>とよいりの ± 198 ま ファミ まつ めかまだ まらは 19分 সালকা : মানে গ্লেস লৈ এই সংগ ুহা হৈ ভারে ভা<sup>∺</sup>হ

ললকে । কৈছে চলকা না সংগ্ৰিয়া না, সমুধ্য চেত্ৰে ব্যৱস্থা মাধ্য গিলে তাকো কাছাৰ ছে:



সংক্ষান্তৰ ভিত্তিক সংস্থা কৰিছে।
সেইজন বী স্থাৰ ক্ৰাৰ্থক সংস্থা কৰি
ইন্দেশ্ৰী সংক্ষান্তৰ সংস্থা কৰি
ইন্দেশ্ৰী সংক্ষান্তৰ সিন্দ্ৰ স্থানী
কৈ কালে স্থানিক ক্ৰাৰ্থক বিশ্বানী
কৰ্মনা হালে স্থানিক কৰ্মনা কৰ্মনা ক্ৰাৰ্থক ক্ৰা

সি শিশু এই বা এক বিশ্বস্থান কৰা বি

িসি পি অই: ভূলিকে জলন্ত

সি শি এম : এই নিক্ষাং নক ব্যৱস্থা সংস্থান ওলাক সংকা হ'ল ভাগেও হ'ল সংস্থান হ'ল হাবে এবং স্থান জ্যানেক বন্ধা কবাব উদ্যোগ্য নেসাধালোকট এ জ উল্লেখ্য ক্ষাৰ ক্ষাৰ হ'ল এই নিক্ষাং ক সেল কাম কবাব ক্ষান নিৰ্দাহি (হ'বী, এ) । সকলো ৷ ওকে বৈ কা বৈলা নিলা নিলাবি

্ৰ বা কলাছে **জ**ৰে সহী

কি চেন্দ্র চন । তিন্দ্র চন্দ্র চন্দ

 ভাহার একটিও কার্করী করা সম্ভব ইর মাই ৮-(বাংলা কংগ্রেসের বিব্টিত, আনন্দ-বাজার ৮ অকটেবর)!

क्षत स्वातक तक : 'छ हि है।

শাংশা ক্ষেত্ৰ : স্থায় সংগঠনেই
প্ৰসাধ নীতি ও অনুনৰ প্ৰচাৰ ক্ষিত্ৰ ক্ষেত্ৰ নি
কাৰে নিজাই বহালে সিংগা এন এবং আহোতুক বাহুলত এবা সহিত্য অন্যালের বহু সমার প্রতিষ্ঠিত মান্ত্রিক স্থানিক নি নিজ্ঞা সহিত্য নিলাসী ব্যক্তিক নি নিজ্ঞা সহিত্য ব্যক্তিক স্থানিক নি নিজ্ঞা সহিত্য ব্যক্তিক স্থানিক স্কান্ত্রিক ব্যক্তিক ব্যক্তিক প্রক্রিক স্বান্ত্রিক নি সাম্ভ্রিক ব্যক্তিক স্থানিক স্বান্ত্রিক নি
কালে ভ্রিক্তিক স্বান্ত্রিক স্থানিক স্থানিক ব্যক্তিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নি নিজ্ঞা ব্যক্তিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নি নিজ্ঞা ব্যক্তিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নিজ্ঞা ব্যক্তিক স্থানিক স্থানিক স্থানিক নিজ্ঞা

সিপি আন্টোট এবী সংখ্যা একটি হয়।

একী অমনা একটি এম সেটা হয়।

উপম্ৰেক্তি সিপি এম সেটা হ এ চল কাটি ডিবিল গ্ৰাম সেটা কৰে।

স্থান

ক্রে**স কিলোম**নিধাৰ গোলে আনুষ্টের এলা প্রস্থার কি ত্রত ফ্রেড আন্তর আনুষ্ঠান

উ**পন্যজনত** চিন্তুলন করি নাতি ছক মতুস জনস্পূপ্ত মু**র** জুন্তুর তুড়ি গ্ৰহত **অভিন**্তুসভেত

ক্ষকেত **ভরণে** ্ফিপি ছাই নেতা)**ঃ** বুক্তিন ভাততে বলে ভানি (বিশ্বস ভাবান

ব্ৰেল বিশোষ্টাৰ : সংক্ৰম কংক্ৰেচ্ছ প্ৰস্থাবে কৈ প্ৰিচালনে ধৰা বাসেছ ভাছে অনুনাৰৰ মনে হাছে পাৰ্থ প্ৰভাৱতথ্য এবাং অবাজক ওপ্ৰধা সভাত

**ম্ধ্যক্তী** ১৩.৮৮ কংগ্ৰেদেশ যোৱাও **:** মা, অন্যান্তকভাৱ কথা ভূ বলা ভূমীয়া

হল বিজেশকটার চাপ্তদারে পলা আছে পুলাসন্মানের উন্সানি জন্মনিয়েদ এক চাউলিক নিমাপপ্রতীন্তা এক আন্দেশ্যার সংখ্যা ক্ষান্ত ব্যক্তি লাভ ক্ষা ভ্রমণ্ডে নামি মুমানা বিপক্ষ ইত্যিন এছে বা ক্ষমণ ব্যক্তি মুমা

**মাধ্যমতী** হ'বহ, হয় জংগ হৈছে শেব সেখাহ উৰ্থাত নিবলৈ মুখাদে সংগ্ৰ

হেল বিশোষ্টাৰ : প্ৰসংগ্ৰহ হয় গোচ-নীস ডিবেৰ কথা প্ৰান্ন ধৰা বাস্থ্য ভাতত ডি বাউপত্ৰিৰ সময়েৰ অবস্থা, হাতাই না

ম্প্**মত্তী** রাধ্পতির শাসমার্জন হলে সংখ্য ছিলেন কেমন : রা**ন্থ**পতির শাসমা হার কেন

সংক্ষাক : কিছা জেল না সার গোল না শ্ব. গলেখাৰ বিজ্ঞান কাৰ্য সমূহ হাছি…

वट रकः ५**३न** 

ৰ কিন বাছে ভতই কোবা বাছে সেপ্টেম্ক মনে গিকিছে মুখ প্ৰধান-ৰুৱী কোসিগিন আৰু চীনের প্রধানমন্ত্রী ছ এন লাইরের মোলাকাত বুখা বারনি। **टमचट**न छौटमत मटवा कौ कथावार्जा इटतटह ভার ব্রভান্ত কোনও সরকারী দলিলে প্রকাশ **করা হয়নি। সে** খবর র রেশের সরকারী মহলের ওপর তলার লোকেরা ছাড়া আর <del>কেউ জানে না</del>। কানাখ,বোর শোনা গেছে সে কৈঠকে দুই প্ৰধান ভিনটে ৰাগাৰে একমত হরেছেন। তার এক নম্বর হচ্ছে, দ্র দেশের মধ্যে সীমান্ত নিরে যে কগড়া-ৰটি, এমন কী ৰূখ বিশ্ৰহ পৰ্যন্ত চলছে ভা কর করে সরাসরি আলাপ-আকোচনার **মারফত ভাদের নিম্পত্তি করে ফেলতে হ**রে। দ্ধ নম্বর হচ্ছে, দ্ধ দেশের মধ্যে ব্যবসা বা देशानीर भूवदे करम शिरहरू हा आवात বাড়ানোর চেন্টা ব্যৱতে হবে। আব্দর্শ কিংবা নীতি নিয়ে মতভেদ থাকে তো ধাকুক, কিল্ড वार्गिकाक मन्भटक एम करना ब्रम क्रत्र (कन) जिल सम्बत ट्राइक, न, मिकभावा कम्यानिन्हे एमरणद मरक मन्दन्थले खादाव স্বাভাবিক করে তুকতে হবে। তার মধ্যোত হিসেবে রেডিও, টেলিভিসন, খবরের কাগজ व्यात क्रांत्र भूमिकमात्र य क्रुमात्र वान ডেকেছে তা খামাতে হবে।

সতি৷ বে এ সব সিন্ধান্ত নেওয়া হয়েছে তার কোনও অকাটা প্রমাশ নেই। তবে দেখা বাচ্ছে, কী মন্তেকা কী পিকিং, মেজাজ কার্র আর সশ্তমে চড়ে নেই। গালাগাল দেওয়াও কমে এসেছে, দিলে তার ঝাঁজও কম। লাল চীনের দ্র' দশক প্রতি উপলক্ষে পিকিঙে অবন্য হোমরা চোমরারা কেউ বার্নান মস্কো থেকে, বাদিও ভার প্রথম দশক **শেষ হলে যে** উৎসব হয়েছিল তাতে হাজির ছিলেন তথনকার রুখ প্রধানমন্তী কু-চ্ফ নিজে। তবে মস্কো বেকে সম্বা এক টেলিগ্রাম পাঠানেশ হয়েছেল হেয়ারমানে মাওকে। ভার বরান আদৌ মাম্লি কিংবা নিরমতান্ত্রিক নর। অনেকের মন্কো-পিকিং সম্পর্কে বে মোড় ছব্লেছ এ ভারই ইপ্সিত। এ হাড়া আরও দ, চারটে ছোট ছোট লক্ষণ অনেকের চোৰে পড়েছে। পিকিছে ওই হঠাৎ বৈঠকের দিন আন্টেক বাদে মদেকাতে নোভোগিত প্রেস একেণিসর অফিসের বাইরে সদর রাস্তার ওপর কচি **ঢাকা শাে কে**সে টাঙ্কে দেওয়া হরেছিল **চু-কো**সিগিন মোল কাতের খানতিনেক বড বড় ছবি বা সকলের নজরে পড়ে। চীনকে রাশিরা যে অ'র কমানিস্ট সমাজে একঘরে করে রাখতে চার না লোককে এ কথা বোকাবার জন্যেই বৃত্তি ওই ব্যবস্থা।

ক্লো-চীনি ভাই ভাই ঠাই ঠাই হবার পর খেকে কেবল খিদিত খেউড়ই শ্রু হরনি,



#### দেবরাক্ত

চিড় ধরেছে দ্র দেশের করসারিক সম্পার্ক ব চীনের বাশিকা এখন বারো আনাই এখন সব দেশের সম্পো বাঝা কম্যানজমের ধার ধারে না। ১৯৬৬ সনে চীন রুশিয়ার কৃত্রে ১৫ ৮ কোটি র বল দামের জিনিস বেচেচিল আর কিনেছিল ১২-৮ কোটি রবেল দামের किनिज्ञ। अथिक मन वश्च आदश द्वानहा **एथरक ठौरन आ**ममानि कहा किनिस्भव साम ছিল ২১৭-৬ কোটি র বল আর চীন প্রকে রুশিয়াতে রশ্হামি করা জিনিসের দ্যা ভিল ২৯৫-০ কোটি ব্রবল। লোকসান এতে **চানেরই বেশ**া হয়েছে । তথ্য চুক্ত চেটা চ জেদ যখন চাপে তখন হিসেব করেকে আর **छ्टन**? नाम्ड काक्সाम चील्ट्स याम क्रका-রাজভারা কিংবা প্রধানমন্ত্রী প্রেসিসেন্টরা मफ़ारेटर नामएटन छ। राम मानियाङ राम्य ष्यात करो १८७३? यात्र मटणा घटल चिन्छ ना छात्र माच नर्गान कराता ना, क्रास्थनीजिएक धरे वा क्यम धात्रा कथा. विरमस करत रत्र রাজনীতি ব্যন সাম্যবাদী রাজনীতি? এক দেশের সংশ্যে আর এক দেশের নীভি কিংবা ष्मानम नित्त भतामानिना राजरे रादमा ব্যা**ণজ্যও ব**ন্ধ করে দিতে হবে এর কো<del>নও</del> मारन स्नरे। छारे किन्छ करताह एम रहन्त्र ধরে চীন **আর র**নিয়া। চাঞা উলটো घ,त्रत्म लाख म् मित्रत्कद्रहै।

टन ठाका घरत्क जान नारे घराक अकत **ব্যাপারে কিন্তু দু পক্ষই** টাল্ডে। সেটা হ**তে সীমান্ত** বিরোধ। চীন নিভেট কব্ল করেছে কী করে বিনা ব্রুপে স্থান্ত্র সমস্যা মিডিরে ফেলা বার তা व्यारमाठना श्रद्धारः इ-रकाभिशिन रैवर्रिक रमरणेन्त्रत्र भारमः। मादा चारलाह्ना सत्र मा প্রধান সেদিনই ঠিক করেছিলেন আরও कथावाणी झनावात करना देवहेद वमारण इत्व **पत्रकात रुटल प्रयात प्र**कात। क्षत्रम प्रकात বৈঠক বসছে আর দর্মদন পরেই পিকিছেই। তবে পরলা সারির কোনও নেতা চুস্থানে **थाक्टरन ना-चाट्याह**ना हालाटन हरून छेन्यन्ती। प्रत्यका स्वरक स्म रैयर्ठरक मन्यवन নিরে বাতেন বৈদেশিক উপমন্ত্রী ভার্সিল <del>কুজনেংস</del>ভ। ভারই সম পর্যারের কেউ থাকবেন চীনের তরফ থেকে। কেবল যে বৈঠকের ব্যবস্থাই হয়েছে তাই নয়, এ কছরে यमन बारगार म्हारे घटनट म् भटक टम्भन জারগায় কামান বন্দ্রেকর গর্জন শেলনা তে। बाटकरे ना. १८५८मद रमनादा ७ आद्र म्ह्या-

মূখি বাড়িরে ভাল ঠিকছে নাঃ সীয়া। থেকে বেল খানিকটা দ্বের সঙ্গে তেও চীনারাও, মূশীরাও। আবহাওরাটা ঠান করার চেন্টা বে চলছে এ তারই প্রমাণ।

পিকিং থেকে বে ইস্ভাহার বেলিফা সীয়ানত আলোচনা সম্পর্কে ভাতে আপ্রস छारहे। क्या क्या विख् तका इरका ভাতে লাল চীন স্বীকার করেছে রুশিরা কাছ খেকে কোনও ভামি ফিরিয়ে নেওয়া দাবি সে তুলবে নাবদি এককালে সে ভা চীনের দখলে খেকেওখাকে তা হলেও নয় এটা কিশ্তু নতুন কথা। এতেনাল চীন ক্ষ এমেনে তার অসহায় অবস্থার স্তুর্গগ নিল প্রতিবেশী দেশগুলি ভার বিভার জমি দখ্য करदर्भ। कारहद आभरम द्वांभक्ष सांक आ ৫ লক্ষ্ণ ৮০ হাজার বলা মাইল আমি লাস করে বসে আছে। অমান অভিযোগ আন ভারতবর্ষের বির্দেশ্ভ। এসব <u>क्रको है,क्रबाल</u> शास्ट्रल এও দিন খনগালী। **অন্যদের কেলার কী** হবে एर रायक दक्षे कारन मा, एरव द्वीकागत कार्क থেকে "মাচাত মেদিনীও" সে ফিল্ড চাইল্ড मा रहन स्वायना करतरहा। क्षेत्र योत छीरमत মনোভাত হয় তা হলে তো সামাশ্র নিত্ত गानमान जमातातमहे भिन्ने गत्न। दानौ थाक्टव गाया मार्ड हात हात्वात बाहेन कारड যে বিবাট সামাণ্ড রয়েছে নিশানা নিয়ে ভার অবস্থান ঠিক করে দেওয়া। সে আর এমন কাঁশল ব্যক্ত

देशेर दक्स ठीम ख त्रक्य आशरम त्राखी হলো? ভার মাতেগতি ফিরলো কোন ভার না ভার স্মেভি হয়েছে ব্যল্প অনেকেরই ধারণা বিশত্ব চেন্ত্রচিপ্রত যে এ আঞ কলেছ-ব্ৰেশীদেৱ দাবি মোটোৱ উপৱে বিনা শতের মেনে নিজেকে। মার্ডা মানে উস্কি নদীর মোহনার সংখ্যোর পর ৫ প্রভার পিৰিবছের হয়েছে যে ব্ৰেশ্যা কেবল ফক্ষি আওরাজই করতে না, র্বীভয়ত স্থান করার करना दम देखती शहकः। स वर्धमात भन्न जीन চটেছিল খুব কোঁসাংখ্য মখন টেভিক্সেনে কথ; বলতে চান তখন সাড়; কেউ দেয়নি। কিশ্চু ক্রমে ক্রমে বঞ্চন সীমানত সংঘ্যা কাড়েতে **छ**िप्रदेश **अ**ग्रहार क्या পড়কো সিংকিয়াং এলাকাতেও তখন ভারা ব্কালা বাংপার স্থাবি**ধের নর। গো**রাভূমি করে তেমন লাভ केटन मा। त्राभिका एक महकात केटल bौर्मत বির্দেষ অভিযান চালাতে প্রস্তৃত এ খবর প্রিচমী দেশগুলো যেমন প্রেছে তেমান নিশ্চর চীনও। সে সব বে মিখে। গ্রেব নয় তা চু এন লাইকে বুবিয়ে দিয়ে থাকবেন কোসিগিন। পারমণ্যিক অংশ্রের ভার বা সামান্য পর্বজ্ব তা নিয়ে চীনের পক্ষে বুলিয়ার সভো যোকানিলা করা অসম্ভব। ভাই বোধ হয় তার গলায় বাওছে আপসের

'বাডি বদল'

বি কিটা বদলাতে হল। মধ্য কলকাতা হৈছে দক্ষিণে। আগে নিম্বর রাত্রে লেরালানা থেকে কেলের আওরান্ধ কানে আসত, এখন সকাল-দ<sub>্</sub>প্ন-সম্প্রান্ধাত দ্যোতলার জানলা দিরে দেখি বালিগঞ্জ আর ছাকুরিরার মধ্যে টেনের আলা-বাওরা।



ৰে পাড়ায় ৰেমো ফাটে না, সে পাড়ায় প্ৰাণ নেই

একটা ছডানে এপানে সালকী বড়ো কাড় থেকে ছেট্ট একট্মনি একেলে বড়িছে। পারেনেন কলকাভর বেহিসেবী বড়ো বড়ো ঘর-বারাপন তৈরি হড় এখানে প্রাড হীল জমিতে তীক্ষা সতক্তা। অক্তের (কিবে দু বছরে একবার কজে লগবর) ভিন্নিস ভবি করে রাখবার মতো ফলেছু লারগা এখানে কোলাও নেই। এখনে মনের এভবেও বাড়িত জারগা রাখা যার

এ.সরকার এণ্ড সঙ্গ সনমাণ্ড ফ্রাণ্ড সঙ্গ জ্বলেট এম. বি. সরকার ট্রাডিশ্যনান জুরেলার্স

১৭১|১এ রাসবিহারী এতিকু বালিগঞ্জ কলিকক



না। নেই প্রতিবেশী সংপ্রেক জকারণ কোঁত্তল, গারে-পড়া জালাপ, কার্ন-কর একেনে বাড়ির মতো মনের চেহারতে এখনে মুপা।

্ভাপো, না মাদি? এখনো হিচেম্ব করার। সময় অনুসানি।

ভাবে কমনম্বান সামক্ষর অপবাস্ত কেস कतवात किहा साहै। जात करा क राजा है । जाब-राष्ट्रेटक है 47,8 আমি। সামৰেই আনভাত বাডির সার---লাভ উম্বাচ আইতলা বিংবা লাভলা একটা ব্ভির অভিকার কাঠাটো—ভার ওপারে গাঁড়য়াইটে রেড দিয়ে বিজের ওপর ডবল-ডেকারের আসা-যাওয়ার শব্দ। কিণ্ডু আলার প্রেছাল স্থারে ব্রণ্ডর মান্র—ভাদের र्काउँ थ रहे। **मा ग-माशुभतः अ**तिस्या<u>ताः, र</u>हारशास्त কথালাপ: আঞ্চারে গিয়েই ইন্ 13.21 আইন্তে ভূলে গেন্।' উল্লা শিশ্ব কলধর্মীন-বস্তির 'টিপ কলে' স্নান আর ভল নেওয়ার শব্দ। এই তো ঠিক হয়েছে। নইলে এই ছোট সামানা বাডিটা কৈ কে থ.ও মানাতো গডিয়াহাট রোভের ওপরে ?

ন্য-এদিক থেকে বেশ আছি।

আগের ৰাড়িতে আমার ভানৰা নিয়ে দেখা যেত খানিক দারের একটা কলেজের কম্পাউন্ডে কয়েকটা পাম গাছের মধা। পেছনে বশ্ভিতে ছিল কর্ণ চেহারার একটা নিম গাছ-সেধানে করেক শো কাকের আশ্তানা-- চিলকেও দেখেছি বসা বাধতে। ভব**ে সে ভরা সব্জে হরে** উঠত বসার ছোঁয়ায়, শীতের হাওয়ায় ভার শ্কানা পাতা উড়ে উড়ে এসে পড়ত আমার ছরে, বসংগত তকে আলো করে দিত গ্রন্থ গ্রন্থ রভা মঞ্জরী। ওখান আমার প্রকৃ<sup>ত</sup>ত ওইটাকুই কুপৰ মাতির মধ্যে বীধা। এখানে টোরে দেখাছ সব্জ-সব্জ, উদ্ধত ভালের ধ্যক্তা, নারকেল গাছের সার দ্বাছে হাওয়ায়, একটা শিশ গাছ বশ্তির টালির চালে মেলেছে ছায়াছর, বন নিবিড় ভে'তুলের গাছ দেখভি মাৰে মাৰে; এ পালে একটা ভর্ণে অধ্বৰ ভার পালে—মনে হলে মাদার আর বড়ো একটা টোপা কুলের গাছ! এ ধারে २८६० ७:११ कता **शांक भारे भ**र्छ इरहरू— এ कारणत ज्यान्तिक विकेषि नित्र प्रति

বাড়ি হরতো **অচিবেই উঠৰে—বিশ্রু** আপাওও আমার চো**খ জাড়িরে পট** দুয়েটাতে অনুযাসের মখনল।

আর—আর কাল সাধাটা রাভ কেটেছে হাওরার আর ব্লিটডে। জানলার কাটে দুলেছে গাছের ছারা, রবীন্দ্র নংগীতের নুরে



ৰে পাড়াৰ চাদাৰ উপদৰ নেই সেপাড়াৰ প্ৰাপ নেই

বোজাছ ব্লিউর সেতারে**ঃ অন্বর্গারেরে** ব্লিউ করিকা, মুমার **সংস্ক** নিশা**রের অনিত্র** দেয় এব ভারয়োগ তার ক**া অবিশ্বাস্য মনে** 



### কিস্তিতে ট্রানজিস্টর



২৮৫ টাকা গমের পুল্পবী বিশ্বাত ন্যালনাল ডিলাের ০ ব্যান্ড অল ওরাম্ভ প্রেডিকল ট্রান্ভিন্টর

মাসিক ১০ টাকা কিসিডাতে কিন্দ। **প্রতি** গায়েছ ও শহার পাঠান নাক। কি**ন্দেঃ** Impex India (WD) Kallash Nagar P.B. 1045 Del**b**1-6 र्वतर, वश्य कारम अरमरह अक्लोमा बारखंड

এতদিন বেশানে কাটিরেছি সেশানে রাও मुत्योत जारम कनकाला चारमाह ना-आवाद **ट्यांत ठावरहेर्डिट रम कारण।** अधारन नाग्रे বাৰতে না বাছাতেই চার্যদক বিমিষ্টে আসে। আলের ভাত বাত পর্যত শ্নতে পেতৃয মান,বের বৈবলিক (कालाइक চারদিকে न भर रव जिल्हात <u> তথ্</u>ডা আওৱাল-্টোনের পল পভিবাহাট বেতে ষ্ট্রী ফিকের শব্দ, হাওগার পাতার শব্দ। চোখ বুৰে মনে আনে জাখাডিত নিজনি ব্যাড়তে মিলিবাপন, মনে আসে হিমালয়ের বাকে

# शाका हुत कांहा

ক্ষাপ্র সাহারে এর, আমানের আর্বেশিক ভেল পানা চুককে প্রানীভাবে আভাবিক কালো করে আর চুল পানা বন্ধ করে। বিশ্বাস না হলো দাম ফোরাড পেরবা রব। দাম ১০ বিশ্বা AYURVEDIC PHARMACY (DC) P. O. Katri Saral (Gaya) ভাগার সেই নিঃসঞ্জ বাংলো—বেখানে সারা বাত লন থেকে অবিক্রির পাইন পাতার মার আর একটা কনার কলরোল; মনে পড়েও ওরালটেরারের পোড়ো বাড়ির মড়ো সেই হোটেলটা—বেখানে আমরা ছাড়া আর একটিনার ইতালীর অতিধি—আর সমাত রাত—সমাত রাত ভবে শ্বাই সমান্তের শ্বর আর নারকেল বনের আক্তি।

জাপাতত এই সব্জ, এই বিপ্লান্ডি। এ ভো লাভের বাতা। ফিল্ড ডারপর?

সেই প্রেরনো চেনা ম্থগরেলাকে জিল আর দেখতে পাছি ন। ভূলতে পার্বছি না সেই করেকটি বিষয়া চোগকে: চাল কাছেন পাড়া ভেরত ? সতিটি চলে কাছেন?

কী কৰি কৰা ক্ৰয়ন কৰেন এল্যুম, তাই ভাৰছি। পাড়োৱ ভেলেদেৰ পাড়েল ব চাঁণা দেওৱা হলনি, বলা হাড়েছিল, 'ধ্ৰ ক্ষাটো জাছি, ধ্যুক্তকাদন পালে এসো।' চাঁণা দিতে ক্ষানো খ্যুম ভালো লাগে না, এখানেও দাবিদান পেশিছে লোছ কিন্তু শ্ৰে সাবে এমে পাড়োৱ খেলেদের ক্ষা ফ্রান লাড়ে কোপাত হাড়া ব্ৰদ্মা বিধিছে (১৯টা) মনে আনহছ হানহারী দেকানেৰ সেই হাসিন্তুৰ

हालांग्रेक क्वांस्त्रहे सामग्र बन्द स्त्रीन প্ৰথা ছিল ভাৰ leces state वीवन्यावरक मेजिस्स निर्मा नवारः । जोसास-লাডান, বাদাত জিনিসগলো আলে বিত দিই।' মনে শভতে বাভির বাজে ক্রালারক -- भारकाद नमन माहेकीस काह *का*ह একখানা লাল পাড় ব্ভিট করনা থাকত বার ছনে আসতে खाटक उ- क्टरब्रहमा বাবরের কাপল কিনতে এনে বে মধ্যে মধ্যে টাটকা ডিমের বোলান পিড; মনে আমতে ম:गी' तशाहक - छात्रछ-भा क्रिक्टाः নাপাকে বার প্রতিদিন নালিশঃ কৌ হটক যা পাকিশ্ডান হইয়া? মাঞ্জান খিকা প্রির रिण्य:-त्याक्त्यात्मवारे कावा भक्ताय आववा । ভাৰতি সেই **ছেলেৰের ৷ আ**টাৰেল ভালিলে जागाएमत कारम्य ल्लाम स्मामीवृहस्य अक আপনাতে গাকতেই হবে দ

बारमा चिम् (क्लाइक क्रिक मान्द्रस्य ट्रमोत श्लीहरहार्यस् गावारक कंगाना कंगरना वाडएकात क्रमाह कांच ভেত্তে কথানে ছাৰ সমত চমাৰ বৈভিত শেষকার মাসকামান পাছার কোভার সংবে সংবে জাকত স্থান বানা-পিছিক मकाव भि পরিবের পাড়ে দারী ফিন্টি পাঞ্জ विन्तु क्षान वराज निया जिल कुलान्त्रात प्राकार एक्ट्रक और राज्यक काल আন্তর জন্ম উঠাছ। প্রভাবেদ ভি বেত পোড়া জ্বী: খনজার পড়িয়ে ডিম হস্ত লাকা জাপ ভিবাহে শাক্ষাল পেলিকৈ কোনো मा, **व**्षिणत जाञ्च तुत्र**म**ै शीफ़ाइ जाजराकातः পদ পরিক্রমা করা কেন্ডো।

स्थातिक जाराव (१९४८), शास्त्र विन्छ । जाराव १५मा वर्षित रोग्यावत जारिकामा । किन्द्र की करव कृष्टि, जार्यावटे गरिकाचाठे वर्षात, २, भ तालाक लाक भाका, जात स्वकार् स्थानस्य वर्षावस्य वर्षावस्य ।

্ৰীজনত মাধ্য কোনে চোপ-কান-জনত বিভাগ চেৰেছিল্ডেন। কিব্ৰু বিভিন্নতা চেত্ৰে-জিল্ডা কি ?

সায়নে প্রেরার জনক। এই জানাল থিয়াই প্রেছিট্রে সেই উৎসাদর মারপারে। থ্যানকেই তে বাইরে ছাট্টালন, আমার প্রেন্ডার মুটিতে ধের্বার পর মেই: এবারে এই আমার কেন্জ, মধ্য কলকভা থেকে দক্ষিপের এই উপারেত।

কিশ্ছ চেন্তে গিরে—চোগ-মন জ্বাড়ির মান্ত কিরে আসে। আমি যে আর ফিরের না, সেই বেদনাট্কুই ভূকাতে পার্বাছ না কোনোমতে।





### जायात जाना एक दा ना

किरबाद कार्या

মণিবন্ধে ল্কিয়ে রেখেছো স্বগ খ্ব লোভের সেই প্রমার্থ আর আমি হা পিতোপ বসে আছি আমরণ তপস্যার আমার কথা দিতে তোমার খবে ভাল লাগে, না?

টানাপোড়েনে সারাক্ষণ বিধ**্নত ক্লান্ড**তুমিই বলো ব্রটিন-মাফিক কড্লিনই বা চলা বার
কড্লিন বা গৈরিক পতাকার নীচে নিকেকে অবনত রাখা ব্যব্ধ কড্লিনই বা অত্যাদনই বা অত্যাদনই বা

অস্থিত বা কিছা কবিতা কবিতা করে চীংকার সে তো আলো বভিংস তবু মানার হিসেবে মানাধের কাছে এখন অনেক দাবি

তব্ এখানে শেষত পাথবের হারা স্নিন্ধ কোমল খনে সহজ হওয়া এখানে মার্থ পরেবের কদর্যভাগীন বিক্রের কাটানো নিজে কে এলিংগ বিভিন্নে সব গোপনতা হারে দেখা । কী লাভ বলো বিমর্থ থেকে আমার জনো ভালবা না দেখে। আমি ঠিক পরে হয়ে হারে।

### खर्म नामर्ग

रेनलगठन खड़ाठार

জলের আন্নার শরীরের রহস্য অসম্ভব স্পন্ট এবং সন্থার দেখার। তুমি মিধ্যে মিধ্যি শুখু এতো কাছে গিরে ফিরে এলে।

ষনে পড়ে, সেই লাপতা পড়ের? যখন আমরা দৃজনে সোনালী-বৃপোলী মাছের মতো জনেক কাছে কখনো আবার দুরে ভেসে বেতুর।

জলে নামলে; এখনও; তুমি আমি এক— লোভ অথবা বন্ধ জলে; বিষম একটা কাল্ড বাষাতে পারি। দেখ

জনের আরনার প্রীরের রহসা কেমন স্পন্ট একং সন্দের দেখাছে দেখ। তৃত্যি মিখো-মিখিয় শুধ্য এতো কাছে গিন্তে ফিরে এলে।

জনে নামলে মেনিনের বয়েসটা আররে অনেক কাছে পেছে।

# প্রতিদিন একই ঘর

अक्षन क्र

প্রতিদিন একইভাবে মরের সন্ধাৰে মাওরা অপরাধ প্রতিদিন একই হন্দ, ভূল চেনাচেনি, নীতি ও লিকার ফিসফাস

মাৰে মাৰে ওলটপালট হওয়া তালো, বিভিশন লেখন পোলে দেহমন স্কে হরে ওঠে পাখির ঠোটের মতো কথা কমা মাম, কিবো কনার কামর ধরে খেলা ভালো লাগে—

মাৰে-মধ্যে ভাই প্ৰেনো কামৰ ভেঙে পেক্ষান ভাগোন্তল কেৰি

ক্ষক সময় ক্ষম সমরের বেড়া ধরে ক্ষছে— রুত্তর শরীর ক্ষেকে চুবে নিজে রুল, সম্পর্কীন প্রহাড়ী ভিসার কেন ক্ষম আহি, ক্ষম

জ্বে নেকছের মডোন কাঁপে চল জলোজনাস, জান্য কেলট্ন--বেন প্রতিধিক একটা বর এ-জা ও-জা হয়ে যায়!

# माशी जाशाका





अन्ती'त्व त्यावात्म विद्यामा, व्यव व्यव त्यी

3) (कडीम विदेश बाक्ट्रिक ब्रॉल निवालेक चार प्रवस्त कथ अकि कामदु भग्नड BURN DE BLIKE

क्कीम, विश्व कक्किश देवते क्र নতুন ভরণ ডিটারজেন্ট। এ বিবে আপনি निक, केरनन, माइनन, ताबन, छित्रीन वा जन्म ৰে কোন বৰুষের দামী স্নামাকাপড় বাড়ীডে चनावारत पूरक भारतन । स्वकीश मिरव শু'লে- বোরার পরও কাপড় নতুনের রভ बीरक, जात शका छार्व त्याचा हड बरम, কাশভ টে কেও বেশী। সিংখন শাড়ীতে बही बाह्य ! त्यन त्या, त्यकीन विष्ट पुर्ह बिन, करीकाना यमधन करा।



curfin fere gire eine 4 mm এक (बाहरम ७०% कामक (बाहर बाहर वर्षार कालकृतिह बर्क माळ ३६ लहनः। (क्डीन, निवासक, सब्द बर्ड 6 क्य. भावते प्रथम क'ता विश्वत ।

দামী কাপড় নিরাপদে বাড়ীতে ধোয়ার জন্ত ব্যক্ত জন্দ নেবাই।



বি ভূ ওপরে উঠছে। আব্ছা অধ্কারে

মেণিড়গন্লা প্রায় অদপন্ট। একবার

ফস্কে সেলে গড়িরে গড়িরে একেবারে

নিচে। হাত-লা ভাশুরে কিংবা অতটা না

হলেও মত্কে বাওরাটা অসম্ভর্ন নর। রেলিং

ধরে খ্র সাবধানে উঠছে নিতৃ। হাতের

আলোটা কপিছে। ছারটা কখনো বড়ো,

কখনো বা ছোট হরে বাতেছ। আর কয়েকটা

য়াপ উঠতে পারগেই একটা দরকা আর
ভারপরেই ছাদ। একবার ছাদে বেতে

হবে। পারবার খোপগ্লো কম্ম করা

হরনি, একদিন বদি ভূলে বার তো পর্যাদন

আর একটাকেও খাঞ্জে পাওয়া বাবে না।

**चन्धकारत प्राक्यास्त भा स्थलरह निज्**। অনেকদিনের পরেরন বাড়ি, সিমেন্ট-বালি भरत धरत भारक भारक रनतारका है है इंग.य-পড়েছ। অস্বকারে আক্রশালা টিকটিকি কেমন যেন স্কৃতি-भारत । शास्त्र वामाणे अवणे निष्ठ करव সামনের দিকে বাংকে পড়লো নিতু। গরম মোমের ফোটা পড়তে বাকার হাত জনালা করছে। শোড়ালির <del>ওপর ভর দিরে আ</del>লেড चारण्ड क्यार केंग्रंड बार्क निकृ। 'न्याम्यारे बारमत भन्नवा। एतवाधे रुख। एतवाद ওপালেই ছাদ, এক ছাতে লোমটা ধরে আল্ডে আপ্তে দরকা**ট খলে ফেললো** নি**ড়। আ**র मत्रका श्रीकराउँ দমকা হাওরার আলোটা निद्य (त्रम् । अथकात् अयदा रामद्रत গুপরে নিচে। চ্যাড়িতে অপ্থবার, ছাবে অপ্যবার, কেমন কেন হক্চকিরো পেল নিচা পেটড়ে নিচে যাবে কিংবা ছাবে। কি করবে ঠিক ব্যক্তে বা ব্যক্তেই এক লাকে ছাবে চলে গেল।

कारण जन्मकात, कारणात हेक्सरामा स्थरक शम्य वातरह। (समस्त्र, हात्रन्द्राना, सबनी গশ্বা আরুও কত কি। অপকারে সব একাকার। এরিয়েলের ভাবে সালা এক টকবো কাশৰ নডছে। ঠান্ডা হাওৱার হাত-পা সিরসির করছে। কিছুক্ত চপচাপ দাঁড়িরে থাকে নিডু। ভারপর পারবার বাকসোটার দিকে এগিরে বার। পারের नत्न छाना क्येक्ट क्रवरू बादक भारतान्द्रला। ঘ্ৰছাৰতে হাত দিতেই ভেতৰে কেন কৰু वरेएड धारक। अक्छे, क्विक रव निष्ठ। अक একটা শুপরিতে হাত দিয়ে দেশতে থাকে। नका, लाउँना, शकीत्रक, नवव नवीदन्याना शास्त्र महोतात माना श्रामन क्यासः। अकरे, त्यादा हिटल श्वरकारे स्थम रहत बारन। यन यन निरम्याम भक्षण बारकः। উरस्यानात्र काभ-माभ बदाना करहा। निकृ बकतार ভাৰলো পাররাল্জোবে সৰ বাইরে নিরে আসে। কোনন্দিন অপকারে পাররা উড়ভে দেৰ্ঘেন। ৰদি একবাৰ হাততালি দিয়ে পাররাণ্যবোধে উদ্ভিন্ন কেওয়া কেও। ওপর দিকে ভাকার নিতু। ধৌর আর কুয়াশার ष्यकानामे क्यम (वन (पानाळ)। यन्त्रेसव

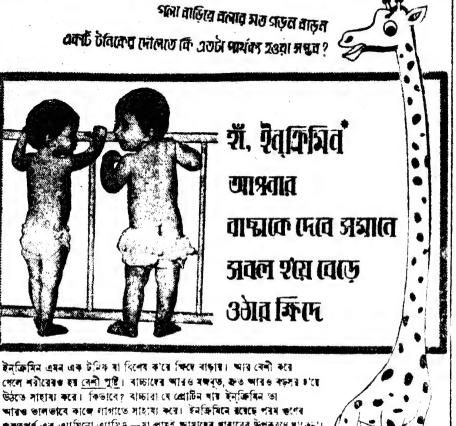
कारमद मन्द्रोत चारमा बान्द्रकः कारम কাৰ্নিৰে ৰাত্ৰুক নিচের বিকে ডাকচেই ৰ্থানর সেহের বিষ্ট্রেন সেখতে পেল। न्द्रद बारमा चार बारमा। मान-नीन-সব্জ-সাধা-হলদে, বৌরা আর কুরাশার वास्त्रियालामा न्यन्ते क्रशांत्रा कार्य शक्क मा। क्रम भारत भरत भिरत कारतत बर्क्टकरे পালের কাড়র ক্লাকে জানলার দেখতে পেল নিজু। জানলার বাঁড়িয়ে কি কেন क्सरहा क्य क्समा शक्त ब्रुटी, स्टब्स নিচে বেরিরে থাকা হাঁট, থেকে পারের পাতা পর্মানত অংশচ্ট্রকু, পিঠের কিছ্টো স্পান্ট रमक माकिन, नान क्ष्य भक्त मदौरतो मारक मार्थ परवर एएएर हरन बारकः। जानार জানলার দিকে এগিরে আসছে। মুখ্টা राधा सरक्ष ना। रूप प्रका श्रीकृत निकृ। रक्यन राम स्थात परत्रहा र्जाएस काइन हाम्यो कन्यकारः। काम करत अकनारः দেখলো নিড়। কেউ নেই। বড়িডে কি त्रव कामा-काशक व्यक्तरह। त्रामदनव विदक আৰ একটা ৰেকিনে চেন্টা করলো নিভু। जिटमा वे वा लाभ बुदकर काइडे बराजा করছে। কানিস ছেড়ে সোজা হয়ে গাড়াল निष्। जान ठिक एन्टे य्ट्राउदि भानना-ग्रामा जानार काना क्येनचे क्वरण न्यू করলো। কর্নিসের পাশ খেকে সরে এক্স নিতৃ। শীত করছে। খোপগুলো কৰ क्टा बनाव निक्त केव्या प्रकार। बक्करन

म्य आहा चट्टा, क्रक्यात यीन ब्यानटक श्रीटर बार्ट । यात क्टत निटा बट्टा। क्राना स्ट्रांगे के श्रीट ख्यंकारतं देश हातः उ आर्छ--

পাহরোর খোপপালের জ্ঞারলভারি রুছ করতে হাত্র নিয়ে। ওপারের সারিবত একটা-দ্ৰটোণিতনটো। নিচে একেবছে বল্লবক্টার

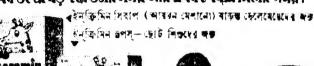
6:0 ট্রেস্পর্ট এক ব্যান্ড ব্যাক্ষ ধরতোর প্রতকে চকো নরম প্রতির A 4731 . S. 2000 পাল্লাকৈ আনুসৰ আক্রেন্ত আনুসৰ প্রাক্তি পার্ক নিতু: ব্ৰেষ্ব **ভে**তরটা সৈর্সর ক্রাথা ইয়ের করাছে খার জোরে একবার ফ্রেশে ধরে

বাবং নিচশ্বই অফিস থেকে ভিনেছেন। হাড দিলো নিতু। তেওৰ খেকে একটাকে কিন্ধে নাটাজের মাঠিত মধ্যে দামতে-्राष्ट्रक रम्भः क्रिक उपन एका भ्राप्त श्रीकाल ্ষান্ত্ৰৰ **স্থান্ত প্ৰতে** প্ৰেছিটা **অস্ত্ৰেন্ত ম**ৰণত চ াশ্র একবার হাত্তভ নিত। তপারের সালতা কাম করা হয়েছে। र करोड़े स्थाल । एक নির। মু প্রের ক্রেট



খেলে নরীরেরও হয় নেনী শৃষ্টি। বাচ্চাধের আরও মুখ্যুত, হুতে আরও বছুসুর হ'ছে উঠতে সাচায়া কৰে। কিভাবে? বাচ্চারা যে প্রোটন খার ইনজিমিন ভা আরম্ভ ভালভাবে কালে লাগাভে সাহায্য করে। ইনক্রিমিনে রবেছে পর্য ভণের গুৰুত্বপূৰ্ব এক আমিনো আগ্নিড,—মা প্ৰায়ই আমাধ্যে পাৰাৱের উপকরণে গাংকন। वक इ'रब एक्टोब वहबूल्याब बाब्हारहब ( ४ मधार (४८ ) वहब) रवास है C5वीकालय थिष्टि-शब छड़ा है सिकाभिन एक्ट किन। यान बाबादन :

<u> १२४व अन्तर वर</u>ू शेष्ठ ३रेश अञ्चय **गात १४वरे स्विन्**शितव अञ्चय।











**পাষ্টের অ**ভ্যেক কেমিস্টের কার্চে। वैमिक्तिविव रिडडी काश्रक स्वरूपी। कासकां कक ক্ষেত্ৰ এক নিউপ্ৰয়োগ্য নাব। লেডবুলী ডিভিনৰ माबाबाविक केलिया विविद्याल, त्याः बाः स्व ৬০৭৭ বোখাট-১৮ ৬ জ্ঞানেত্রিকান মারানারিচ কোল্যানীয় বেভিষ্টাই ট্রেডমান

আছালে ভর দিয়ে সামনের দিকে এইটা মুণ্ড পড়তেই তাল সামলাতে না পেৰে দেখালের দিকে হেলে পড়লো, আর ব্রক প্রের হাতটা সরে যেতেই পার্রাটা ভিউকে বে হয় গিল। আচমকা শক্তে বেছে প্রথমটা এ । বাবড়ে গিরেছিল নিছ। কিল্ড পারটো হঠাং উড়ে মেতেই হাল ফিরে পের। ভাছাতাভি উঠে দাঁডাল। পারবাটা क अरहरणात्र कारत सम्माक । जन्मकारत शिक्षात्व प्रजारक। की कडारन किक नाकारक পাৰলো না নিছ। চিৰ ছাজৰে, হাতভাৰে िक किरवा कीतरहरूमा चारिको बद **্রেঞ্জনার নাড়কেই পাররটা উড়ে ফেভে** পারে। অম্বকারে বে-কোন নিকে भारत। भिरमत जारता बाकरन छर क्या क्रिल, क्रिक्ट **क्रिक्ट क्रिक्ट क्रिक्ट** শোল আৰু খালে পাওয়া মুপ্ৰিল হবে। कि कर्या किक दावाक भावतमा ना मिछ। भौटि डाक-मा द्वार ग्रेमका रख अटमर्ड। আছেত আছেত দেয়ালের দিকে সরে গোল। FOICE পারবাটা একবার ব্যোচনর ওপর বস্পা, ভারপর নিচে নেমে এগো। নিত্ ग्राम्का मा। गम कहला मा। आवडा অধ্যক্তরে। পাররাটা ছামে বার্যাত থাকলো। বালাদের ব্যক্তির ছানে হঠাং

করেল উঠালা। অসপার্থ খানিকটা জালো ক্রান্ত হিটাকে একো। লাল চাপের গারে ক্রান্ত এবাজিন হালে মুক্তে। পারবাটা একবার ক্রান্তিক সিকে উড়ে মধ্যে আবার নিটে নেমে আবাছে। পারের ব্যাড়া আশ্বাল এর নিয়ে আব্দের আব্দের ক্রান্ত পারে নিয়ে। আন্তর্মন ধরে ফেল্ডেড হ্যে। আর একবার ধরাত পার্কেল

পাহবাউ: হ'উতে হ'উতে 15 30 E দ্যভার দিকে এগিলে প্রের। একবার নিটে নাম্যত আবার চৌক্যঠর ওপর 37KE এদিক থেকে তাড়া দিলে সিশ্ভিব 473 চলে মারে। আর ভারপর দরজাটা একবার यग्र- कतरह भागस्था,--रवरह खनानितर हरव না "-- দ"ুস্---" পাহরাটা সিশভিত্র কারে মিলিরে স্বেতেই मद्रक है। 44 বটকার বন্ধ করে দের নিজ। শব্দ W 7/5 ন্যকরে পাত্র পায়রাটা অধ্যকারে এদিক-ওদিক উড়াছ : ভানার কাপটা লাগালা মাপাই, কিন্তু ধরণত পাব্যক্ত নাঃ এপ্যকার **ঘ**্ৰাটির বস্তা, **ভান্ধা চেত্**ৰে কাচেব ট কারা 78 F.a. WET. 57.5 5 4+ 5 3.3 178747 167.148 8 474 WWW 898 কালি জোন এবাল্য **নিস্তৃ। অধ্যক**্ষর শক্তী ম, ভিডা ভগতে নিটে **সামনে পালে। কেছে।ভ** क्रिक रशाम शाकरण मा। द्रोक्ट शरक रह-**নিকে খ**লি কাপ দিয়ে সবৰি *ু* চেলেপাড় ्ष्या त्रहा सहराष्ट्रे श्रदा बाद अक्याद

ধৰতে পাৰ্যন্ত ভাষা ছামতে কোন কাৰেন্ত্ৰ : শন্ত মতো কি কেন একটা পাৰে লাগতেই একটা পেছনে সরে গেল নিতু। ই'ই ফিট তৰে ভয়তো। ডান দিকে হাত वाप्तारकडे খ'্টের বস্তাটা হয়ত ঠেকল। -আবার শান্ডে পেজ। অব্ধকারে বতটা रमथाब क्रमी बहाला. त्राष्ट्र NAME मत्ता किया कारब भएक किया। की 170 धक्षी नक्ष्ट श्रामन करता जना किए. मज्ञारका? की कल्चन ठिक नाकरका शावरका না। কিছাৰৰ চুপচাপ দটিভার পাকলো। তারপর আনুষ্ঠ আন্তে শব্দটার দিকে अंगारक शाकाशा ।

আৰ ঠিক জৰ্মন কাছে কোমাও কে रकत थान रकारत किरकान कार केंग्रेसा। তাত ব্যক্তির সাজনের বিকে একটা বাকতে গিয়ে টাল সামলাতে না পেরে বস্হাটা ধৰাৰ চেন্টা কৰলো নিত। কিন্তু পা ফলকে বস্তা সংখ্যত নিচের দিকে গাঁভারে গোল। ্যুভয়াভ কৰে করেক ধাপ পজিবে পড়াত भागाण नहरहा रहनिश्मा क्या कानवरक নিলেকে সামলে নিল নিছ: বা পারের হাটটো ট্ৰটন ক্সছে। ব্ৰ-পিঠ ইডে গিবে ভীষণ ভৱালা করছে। আনেত আনেত উঠে দাঁডাৰ নিজ। বাগে দেওবালে ৰাৰে টাক করছে। "-একবার যাদ ধরতে পারি-" ভাষতে ভাষতেই পার্রটো হঠাং একেবছর সময় এসে পদ্ধলা। নাহাতে জাপটে ধরলো নিত, আবার যাওয়ার চেম্টা কল্পতেই একেবারে দেওয়ালে চেপে ধরলো। নধের জাঁচছে হাত জনসা कत्रह। शहल ऋदेव फारात वाभग्ने नागरहः दा**ङ-मृद्धो**हक আর একবার মাসচে পারবাটাকে সি'ভিন্ন ওপর আহন্তে ফেললো। পারের বড়ো আছাল ছিলে বার করেক খোঁচা দিছেও এখন আর নভছে না। নিচু হরে এক হতে ভূবে ধরতেই পারের পাতার পরর করেকটা কেটা পরকো। ভাড়াভাড়ি হবে হটে মেল নিড়ঃ আৰহা আলোড় দেখতে পেল পাররার মাধাটা THE PROPERTY

কিছাক্ষণ চুপঢ়াপ ব্যক্তির থেকে, আদেও আদেও পারবার বাকসোটার বিকে জাগৰে গোল নিক। কোন শব্দ নেই। একে একে সৰ কটা খুপৰি কথ কল্লা। थ्याताः आयात् सम्य कदानाः अस्तिहरू ছ**িজ্যর পাববার বেমেটা উচ্**তায় ভারেছ। ব্ৰায়দর হাদে এখন আর কোন रनरे। प्रचीरान्त्र बाष्ट्रिके खरश्कादः ট,বৰ ছেট বড় গা**ছসংলো** হাওয়াহ SUPE I এরিকেলের সালা ছাড়িটা আলার P. 17.3 শার করেছে। হা**ডটা কেম**ন বেন 53 **57.**8 লাগছে। ভিবে লাগতেই নোনতা 875 হালা। **এই ঠান্ডাডেই সমস্ত শরীর** ছেমে গেছে। হাত-পা **কাপছে। ইনেচ হচ্ছে** একবার চাংকর করে ৩৫, কিল্টু প্রদা

শব্দ ব্যৱক্তে যা : একটা এবিচে পার্রটোর কাতে পিতে বসংলঃ নিত:

আর ঠিক থখনি সির্গড়িতে পারের শব্দ গোনা গেল। কে খেন আলেত আলেত ওপরে আলেছে। শব্দটা পান্ধটা, লাবার উপরে উঠে আলছে। নিতু নড়লো না। উঠে পাঁড়ালো না। আব্ছা অপথকারে পাররটাকে এক টকরো সাধা কাপজের কতো দেখান্তিন।

#### ভারতে সর্ব্ধপ্রথম ১৮৯১ খৃঃ ছালিভঃ সার্থক লাম



# HONEY

# বিশুদ্ধ প্রব্যের তেল

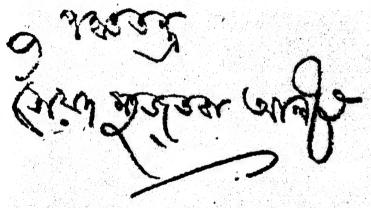
বাব্যের কল্যাণে নিন্দিস্ত হয়ে ব্যবহার করুল। বাবে ও গড়ে এর ১০০% বিশুক্তরা প্রবাশিত।



মহাদেবলাল
রামনিবাস অবেল মিল
কানীগঞ্জ বন্ধমান
কলিকাত) অফিল:
১. প্রসার কুয়ার টেগোর ইটট
কলিকাতা : ফোল ববং-২০১৯

ALL: NO-18





विमार्डि

প্রাতি বলে ঐতিহাসিক মিখাইল গুন্ একটি বল্প খাঁটি তক্ত কথা বলেছেন ঃ—
"নিকটীর বিশ্বব্যুক্তর ঘটনাবলীর কথা
আক্ষ আমরা সমরণ করি একনা ধ্যু যাতে
বন্তমিন ও ভবিষাতের কনা আমরা ভা
থেকে শিক্ষা নিতে পারি। এরকম একটা
শিক্ষা হল যে, আমানের যুগো বিশ্ব আধিপাতা
বিশ্বারের যে কোনো রকম দাবি এক
সামগ্রিক বার্থাভাম পর্যবিসিত হতে বাধা।
তিওল বেন প্রনান্সরণ ব্যুত এ হল এক গুরুত্র
হ্যোল্ডার প্রতি এ হল এক গুরুত্র
হ্যোল্ডার প্রতি

১ ভারতে অসন্পিত বিদেশী একাধিক প্রান্ত একাধিক প্রান্ত একাধিক ভারাত বিদ্যার প্রান্ত প্রকাশ করেন আমার মত স্বর্গজ্ঞাত লোক ও সামল্যক পার। এগালো পাঞ্চত হলে অনুকল্পন ইন্ধারে ভারেমাজন, করেগ একের ভারত একথানা উত্তম চলি সালিতকা আমার বাল্যক্রমাক বড়ই আলোড়িত করেছে। শাস্তিচ্ছত সম্প্রান্ত একাজার সংগ্রাহ করেছের শাস্ত্রান্ত বিদ্যালিত্ব সম্প্রান্ত একাজার করেছের শাস্ত্রান্ত করেছের শাস্ত্রান্ত বিদ্যালিত্বত সম্প্রান্ত একাজার করেছের শাস্ত্রান্ত বিদ্যালিত্বত সম্প্রান্ত একাজার বিদ্যালিত্বত স্থানিকাজার কলিকাভানিকাভ স্থানিকাজার কলিকাভানিকাভ স্থানিকাজার কলিকাভানিকাভ স্থানিকাজার কলিকাভানিকাভ স্থানিকাজার কলিকাভানিকাভ স্থানিকাজার স্থানিকাভানিকাভ স্থানিকাভ

এ সংখ্যায় আছে দ্বি স্কিনিখত বচনাঃ
(১) মিখাইল গ্মে কড়াক "ই তিহাসের
শিক্ষা এবং (২) সেনিভারত ইউনিহনের
দটনক মাধানে কড়াক সেনিভারত ইউনিহনের
উল্লেখ্য মেশাল জালুকতের প্রথা "মাতি-চানগ ও প্রতিচিত্তার" সমাগে চনা। করা
বাহালা আমি বে স্ব সময় তাদের সংগে এক
মত হতে পেবেছি, তা নয়। সাধানা মিই
এই তেবে, যে, দেশে-বিসেশের অকামিক
কম্যেত্ত হয়তো কোনো তোনো স্থলে ভিন্ন
মত পোষণ করতে পারেন। মাঙলা জন্মাদ
ক ম কারা করেছেন তাদের নাম নেই।
অন্যাদ স্থলে স্থলে ঈষং খাড়ন্ট হলেও
অতিক্রা কিল্প উচ্চাপের।

কমরেড পশ্চিত গুলের কথার পিঠ-পিঠ আমি কোনো মাধ্যম করার দশ্য ধরিনে। আমি অনা এক মনস্ভত্তীবনের একটি উপত্তি সিভিছু মাত্র। <u>শ্বিকটীয়া বিশ্বব</u>্যালয় লেবে ने तिमारका भवत्व क्या लागीका, दिना कारेएक द्रकृष्टि कर्मा विस्मृतका निर्देशका নোকল্যা চলছিল তথ্য প্ৰথাত মাৰিন মনশ্ভতবিদ ভারার কোলা সিলের পর দিন शकद्ध ब्रह्मस समध्यसीकन क्यास गर्स स्मर्थ किर्त शिरह वर्जन, "विधेनारतन सक जिन्द्रोधेन এবং নাংসি পার্টির মত পার্টি প্রথিবীর বে-কোনো দেশে যে কোনা সময়ে প্ৰানায় দেখা দিতে পাৰে।" ভাই আমার মনে ভর লাগে, কমরেড প্রসের "গ্রেডের ভ্রেশিয়ারি" अरबुढ ध-गरिण भानकात्र वि-कारमा भिन মাধা চাড়া দিয়ে উঠকে পারে। তব তভারশ্ গুসু এ-হা,শিয়ারি শ্নিরে উত্তম কমাই করেছেন। অভততঃ তার আপন নেশের রাজনৈতিকরা যদি এ-হাশিকারি (অস্তর্জানো!) মেনে নেন তবে ক্রমে ক্রমে চীন এমন কি মাকিনত হয়ছো বংশের प्रमाणीम् अन्यसम् कर्तात्रन- ध-रक्य धक्छे আশা করা যেতে পারে।

শ্বিত্রীয় বিশবস্থাপ ইয়োরোগের পঞ্চলন ছিলেন, ছিটলার, ছতালিল, ন্যুল্লোগাঁনি, রোজোজেলটা এবং চার্চিল। এগের প্রথম তিনজন ছিলেন কটর জিকটেটর; বাহি লাজন গণতকার প্রতিভূ। প্রথম তিনজন রশাসানে নামেননি বটে, কিন্তু তাবং যুন্থের নাতি প্রথমি ইন্দ্রানি প্রটিজ;

২ মাত্র কমেকদিন প্রের্ব (হিল্প্র্যান পর্টান্ডার্ডা, ৩ অক্টোবর '৬৯)-এ ভেনারেল জান্ডার তেথিরীয় পতিকোন্স প্রার্টার্জা লৈরেনামার লিখিত একটি অতুলানীর অনকার করা প্রেমারিত হরেছে। এটির ব্যক্তশা অন্বাদ হওম প্রেরাজন। অনেকে হরত কর্মারেন, সাধারণকন (সিভিলির্নারা) যতই সংখ্যারপান্তের সপ্রে পরিচিত হরে ভতই সে মার্হার্থার হরে পরে পরে লড়াই করতে

মাৰে মধ্যে টাক্টিক পৰ্কক) ই সক্ষেত্ৰ ভারা পাৰ্কাৰ, কঠিন নিদেশি নিজেন ক্ষাপ্ৰতি অকতীলা ক্ষালাটদের। লোকোকেন্ট চার্চাল সেরকম ক্ষেত্রনি। এখা জীদের ক্ষালিটদের যুগ্ধের মুলা উল্পেশ্য একং নীতি ক্ষালে নিদেশি দিরে বালবারী ক্ষালিছ্য ক্ষাহর, রশাপানে যুগ্ধে লিক্ত ক্ষালাটিদের মুলিন কমে নাক গলাভেন (ইনটার-ক্ষিয়ার ক্ষাতেন) ভিক্তেটিলের প্রেক্তিনার প্রস্তুত্র ও প্রক্তেনর প্রভিত্র চার্টাল ক্ষালেক্ষানি।

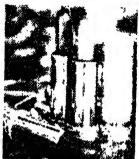
এই পথ্যাহানের যে ছিন জপালিট ব্যাচি জর্মা করলেন তারা জার্মিন আইজনহাওয়ার ইয়েক ক্ষণারোত্ত।

हारोरच बिएन्सारेम् हे बद्ध बारव। चामि ভিন্ন মত পোৰণ কৰি। আলাৰ ক্লিনাস प्राथमीक स्थापन मध्यमीकरण भौतका स्थ अ काम जामानन जनन करने नाकत करने द्राप ज्ञान्तरम् चात्रः सर्वतास्तामकः स्रोह्मातः। केविद्यानिक मार्ग्ड बादनम्, व ब्रेनियाचे 🕶 শত বার সিভিলিয়ান প্রিটিশিক্সন্ম লভাই क्यात कता कथन हत्या हता हैंद्रीटह. कथन সৈনাবাহিনীর क्ला कार्ड. विगटनगढा (श्राटकनाम সোमकातता) छारमद्भक केक्सि সংখ্যম ঘোষণা করতে দেয়নি একং পরে रंपया राजा, जे करत क्षणाजिले क्षणिरत्न उत्तन भगरक अर्थनाम त्यरक वर्रीहरस्टबन । अवह भाशातनका कार्य, अहा क्याद क्याद नकार শারা করে দিয়ে প্রোমতি, ক্রেডেলের জন্য केटब जारहन ॥





व्यक्तिस्य क्रीरसव सर क्ष्मका असीवव सर क्षमका स्थिनिक



### अवस्था कामकारक ही हैं

ল্যাকানৰ আপ্টা হো একেবাৰে নতুন এক দিপাদক । কামেৰ বন্ধ কোলাকের, বেশ বেব বন্ধ ব্যৱহা ১৯টি বাসের উন্মান কামকানো পেকে । ইফা প্রেমাণী বেকে মত্ব এপ্ট আন্ত বাস্ত বাধ্য কাম্বার । অস্ট্রা মো অক্ট্রকারক আর্ও কর্ম্ব করে

কুমার, কুটার কুলা ব প্রকার বর লোলারে মন্ত সঞ্চলকা, নারুন কারার সন্তীয়তা, টা ধর আলোর মত প্রস্কার প্রধান। কার্যানর কিন্তু করা কার্যানর কিন্তু স্থান না, আন্টাংসারে পর লেখালানার কন্তু করা মন্ত্র কারে কুলুন। প্রক্রিয়ান —

क्रिकी DI -- गाउस कारत गांध क्षा आसार ।

45 846:44

ডিকটেটরের সর্বদাই সর্বকৃতির সন্পূর্ণ প্রেড চান করে তাঁটের সৈন্যবাহিনীর কোনো সর্বমর কর্তা নিব্রে করতে চাইতেন না। ভ্রেড্রেড ডিকটেটরের অধীনে পেকেও মিনি কিবলোড়া মাতি অম্বনি ক্রেন তিনি রুশের মুপালাট মাশাল গ্রিমারি জ্বক।

এই তিন জক্ষীলাট্ট সম্মুখ সংগ্রামে নেমেছিলেন। এবং বৃষ্ণ পেব ইওরার কিরংকাল পরেই মার্কিন আইছেনহাওরার ও ইংকেছ মার্কিগামেরি বৃষ্ণক্ষেত্রে আপন আভজাতা স্বিল্ডর বর্ণনা করে গ্রুগ্র ক্রেডন। ভূতীর বীর জ্বুক্ষা এ-তাবং ক্রিড়েই লোগেনান।০ (হরতো স্ক্রেজন চানানারে জ্বুক্ষা ক্রেডনা-কিছু লোগনার করে তার ক্রিড়েছ ক্ষান্ত করে তার ক্রিড়েছ ক্ষান্ত হর সেখনেন তিনি করেছিলেন ভূল! কে কথা পরে হরে।)

रिकारकार्ड हिस्सेनाहरूव जिला-वाडिमीटक मन्यास मागाण भवातिक करत्य। करा कर्माधक प्रावित देशतक (क्वाफीत) শ্বীকার 400 গুড়ী হল না বিশ্বাস 1000 িল বকে পরাজিতে করার পুধান ক্রিছে তাপ জনগ্র कडारियम स भागांक **ाकरकात्र । अ**पान तार িক ব্যক্তির রশালার ইতিহাস---জাক্ষের বিবর্শীরীন ইতিহাস⊸্যন इराधात्माजेक वाच पित्त इराधातम्हे नाहेक।

শতালিনের মাজুর পর ভারক জরবাই করি শ্রন্থ লিখাতে পার্যানেন। লিকতু তথন জারন্ড হয়ে গিয়েরে প্রালিনের চরিত্রের উপর কল্পক লেপন। র্গের বড় কতারা জন্ম কেনেশ্যানেন জারন্ড কর্ত্তেন, ভার মূল কেনা, 'শতালিন হিলা সংগ্রামনীভিত্তে কর্মা জান্ড গ্রেখ্য। ভার তাল্ড নির্দেশের মাজই লক্ষ্ণ লক্ষ্ণ বি বা ক্রেণ্ড মারা ভার। নবলৈ ক্রেণ্ড জনেক প্রার্থি প্রত্য হার কেন্ড।

ন্তেক পর স্থানিম বন্ধি ভ্রেক্তে স্থান্ত্রারে নিপ্নিম কবেন হব হিনি এই জোপান্ডাতে সাম পিতে পারেননি। স্তালিন্টার তিনি তবি নার। স্থান ছেকে বিভিত্ত করতে চাননি। তেই সে স্থারেও তিনি কেন্দ্রানিক্ত্র বিশ্বকান না।

ওরশন শতালিন স্মৃতিনির্বাধীরাও দ্যাদচ্যত হলেন।

দীরে বাঁরে স্তালিন সম্প্রতা রালার জনসাধার্শকর পরেণা কলাড়ে লাগালো। ভাই ব্যুম্বর চবিদ্যা বংসর পর ভ্রেক

ত করেকজন কর্মন জেলারেক কিন্দেরেক অটে কিন্দু এগদের কেউই সর্ব রণাপালের প্রাফিকার কঞ্চনা পাননি। জার ইপালিরাল "লৌক্রক"দেও ক্রক্রেশ শিরিবত। হিপ্তান্ধা। তীর "অ্তিচারশ ও প্রতিচিত্তা" প্রকাশ করেছেন ১৯৬৯ খুন্টারেজ। (এক সন্বর্থ ক্টেনেট মুক্টার)

হ'ল শেবের এই স্কৌর্য চলিকা বংসর পর আইরেনহাওরার, মণ্টসামের ও জ্বুক্ত এই বিম্তিতি কলালে এখন ব্লেক্ডের হাতেকলকে এ'রা কোন্ কোন্ কোন্ কলাভি বণবেশিকা অবলাকা করে অবলেনে কলাভি করনে তার প্রতিরাস কোলা সম্ভবপর হবে—কোনো ব্লেক্ট প্রতিরাস র পর্যাতি লেখা হরনি, এ-বেলাও হবে না।

#### sk

ভারতের হলে প্রধান ভার পূর্ব তন্ত্ৰৰ জাহাৰ হাতে কথনা পেছিবে না। े जिस्ता न्दर्वात **化** क्षांत्ररवयोग्य हे शरूबर स পৰিচিতি অহাৎ সংক্ষিত্য সাবাংশ দিবাছন একচাৰ তাবই উপন নিভাব করে করার করে অভাবে প্রভাল দ্বরং শ্রভানন য়াছি ধরে গ্রহ थात-चन्नाः था वाडाम रिक সেপাইরের অভিজ্ঞতা গোনাকর চেন্টা দেব। **अरक्टाइर मिण्यम हत मा। कारण "समस्टरभा"** না হলেও ব্যস্তালী কে ইতিমধ্যে বেশ दरत छेरनेट क्लकाना कि अकारका अवंहरे स्तन्तकान। শ্নেকে পাই, এরপর ভারা নাভি "ব্দ্যুর্খা" रात माधारे काछ अस्तरम "कामकाविका ताली" প্ৰবৰ্তন করবে। কিন্তু সেটা আ লা হ্বাস্

(ব্লুপ পশ্চীততে বালা সালেত) না, আ জ্ব পীন্ (চীন পশ্চিততে বজা ফ্লাইড রাইস) হবে সেটি নিবে বততেৰ আছে।

রূপ রাজনীতি ভথা চীম রাজনীতি সন্দান আমার কোনেট্র জানগাঁফ নেই। কিন্তু নিশ্তর রসান্ততি আছে উভরেছ

सद्भ्य बालगांत्र जन्दान्थ।

ভাই ভালোবাসি রাশান স্যালাভ, রাশান কাভিয়ার, রাশান বর্ণাস্থা, রাশান পানীর (আর কড়া ভোকন স্ট্রেও পারিসে; প্রকৃষ করি—এবং স্ট্রালানও ঐ খেডেন— উত্তম ওরাইন, তা সে স্ট্রালানের ক্ষত্রির ক্ষতিবারের হোক বা ক্ষেণাসেরই হোক)

সংস্থা সংস্থা পদ্ধান করি চীলা ক্লাইছ রাটস (চীনা হোটেল-কা করে "ক্লাইড রাইস" অর্থাৎ জাকা ইকুলা), দিশুহ চিকিনা, ব্যান্তের ছাতার, জমকোঁ, ইত্যাদি।

#### ×

ক্ষাকাতার ব্যাপান্থী ক্ষানিকারা একটা কড় মারাজক ক্ষা করেছন। ও'লের উচিত এ-শহরে অন্ততি দ্বাণ্ডা রাশান রেকভারী ক্ষানো।

কারশ "Love does not go through heart, but through stomach—" "প্রের কলকে সন্তালিত হত্ত না; সন্তালিত হত্ত উল্লেখ্য —কাশ্তরকাটি বলেছেন একটি করাসিনী স্কেরিকা নালাবৈক।

(144)



# খেটে খাই – যোল-আনা তৃপ্তি চাই !



সব সময় তৃপ্তি দেয়—এর আলালা

०० भन्नाम ५०।

बाना करिन चारश्य क्रेमा। कावडी त्री बाद वाम्द्रस्य वामारमद्र निकाकिन मार्काटमीय विकेष टावेमाल नाविद्य बिटा শভেরাতি কলে খরে গোলেন। খই-চলচল बरे-हम्हम करत गर एक प्रवासित चान्त्राच চ্ছেসে আসছিল: টোলোকে কালাম, শ্যাপরে, নসর-কেন্তন বার হারেছে নির্দাৎ बन्धान्त्रभीत मदम्द्रम स्थन-" अवर जामात পরিহাস বে এমনভাবে ল'ভনের পথে সভিঃ হবে আলা না করলেও কিছা মাল্ডিড কেল এবং গৈরিক কেল ভর্ম সারেব, সপে কিছা क्रम-मदर्य छर्गीत (क्रयम- छोर ग्रन्थ-শোকা সম্ভানতিকে প্রমানে চড়িয়েই। হয়তে শক্ত, হ্যারে শক্ত গাইতে গাইতে ফার্টপাথের चिन्न देशेल अभिदंत हरलरहन, न्यहरक रमकाण। কিবাস করনে। যে মাকেটের প্রকেশ-পরে আৰাৰ পাঁড়া, এখনি আসচি কল চৌলো निवारमञ् । किरव अन भिनिष्ठे-मरनक वार्य। जारबंद रवाक्य-रक्का, भीव मक अरमरू লাশ্ভির মঠ গড়তে চান কলে প্রতি সম্বোর নগর-সংক্রীতান করে চাদা তলভেন। টোলোকে ভারতীয় দেখে ভার ভরিরসে গাঁজ তলে ওদের একজন ওকে পাকডাও করে বহু অন্ত-বাণী শ্নিরে চাঁদার প্রশতাব कर्र्वाष्ट्रण त्याना क्या।

কিল্ড আমার বরুক্ত অনা। চৌলো বর্ণন সংসলা করছিল, আমি তথন বেবাত সামনের ফটেপাথের খিলিমিলি কোকাকোলা বিজ্ঞাপন प्पटच इसतान इटरा भवकारी-न्दीटभ (प्राधिक আইক্ষাণেড) সমবেত আদ্ভর্জাতিক হিপি মহাসভার রাপ-গণ্য-বর্গে এক্মেবা**ল্যেত্য** প্রলক-মেলার দিকে ভাকিরে মন জাগাবার চেশ্যা করছি। এমন সমর মাজিতি হাসি**র** টচ'বাভি আমার উপ্ভাসিত করল: অন-नारीय हो, दिन्छे-इंश्वास युवक क्रक्सन। **चरा** दिङ प्राक्तान नका का व MER **क**ीन <u>বিদ্যোগ</u> বহ CHAI বার ৷ "লাডাল रक रहे। স্বার ?" कंद्रदर्ग, ভাই ক'লা সত্তে দাঁডালাফ। চাপা সলার প্রশন इस "रेन्सिका?"-कर्ज कदमसाम।-"वार्ट. देवान !" भूरत कुटार्थ दश्वा डेक्सि किना স্পির করবার আগেই কানের ভিডর সিরে প্রমা-পর্ম প্রকেশ করুল বে উল্লি ভার বন্দার্থ দড়ার, 'দদ্দা, হাদস দিতে পার কোখার আজ ভিলিমের বৈঠক হবে ?" আলা रकटलाई रव खाडाख मन्त्रस्थ जन्म शरह शरह, এমন কথা আগণ্ডকটির চৌন্দপরের কেউ कथन्त्र विन्यान करतिन द्वाराणाम क्रालाम। এক ছিলিমের সপে কেন, সবর্কম খোঁরার ব্যাপারেই আমার অনীহা বে অবিমিশ্র তা মেনে নেবার আগে আমার দ্ববীভূত করবার শেব অন্ত, "আপনারা কাপ, কেন্ডে ইঞ্জির বলেন। আপনাদের আরু কি ভাবনা। আমি এসেছিলাম এনেশে ইঞিরি শিক্তে। विकार रम ना। बरे जब हिनाम-विनिध्यत



আন্তাতেই বা সেনোরাজি বিশ্ব জন্তত-গাবিস্তানের ভারেনের সেবা সাকাং মেনো বলে তার খেলি কর্মাহলার।"

क्ष-छन शहेरन जानम सहस्र दिन ५०दे कार्याः करकारम् त्याः कांग्रहः सम बान देशायको प्राक्ति। छाट्य सामान राजकः कार भागातः चारव शिवर्शनसम्बद्ध দর্শন অন্তরন করতে পাঁভচেরীতে এসোঁচল। 'शन्यता कि कहा !' "चातक किए। सन मरन क्षान रहत, स्त्रान्तम मरन, निरम्बर বারা দেশ-ভাং দিরে আধ্যাধিক অভিক্রভার স্থান পেতে চাইছে, ভাচনা নতে ভারতীয় আধ্যান্তিক সাধনার কর্তা এক প্রীকর্মকশের দর্শনের সার প্রচার করছি।" "কল পাছে?" "ना त्थन क्ये कर किया चानके वा स्क এক লেখেই বা আছি কেন?"—ভিক ব্যাটল্টোন, ভরুৰ ইংক্লে কবি এক লক্ষরে শ্রীতর্মাবন্দ স্পেটারের প্রধান সচিব, আমার কলে, "ইরোব্নট সভি৷ নতুন আলার জালো बटन फिल्क बरे जब जन्यानीटपढ जामदन। बान एवा. ग्लेक्श्राष्ट्रतम अत्र करमारवर्ष श्रीकर्वावत्त्वत्र ब्रह्मावनी भग्नत्त्व ग्रह्म व्यवन। শীয় উনি পণ্ডিচেরী বাজেন।"-- তক-হাউনেন এখন পশ্চিমের সন্দর্শত-মনতে বিরাট এক আলোডন জাগিয়েছেন, এ কথা चटनकरे बादनन। कारता कारता बटन अ'रक **म्द्रत्यको जारनो क्या छटा किना मरन्य:** আৰুর নিভ'রবোনা বিশাভ সমতি-नवारमञ्ज्ञराम वमर्च मर्टनीच रह বীতোকেনের পরে এত বড় প্রতিতা আর क्यार्जन ।

আক্ষাের রেভিও শ্লে কভনের এই ব্যটি প্রসন্ধ মনে একাঃ রেভিওতে যোগনা শ্লেনাম : করাসী সমকার ভতাতত কড়া হতে এই সৰ গাঁজা, আনিৰ্ন, চৰুন, চকু জং প্ৰভৃতি সেবনের বিবাহত তাল সাক্ষাজেল। এবেশী নাগাঁৱৰ কেউ বল্ল গড়লে সক্ষম ক্ষান্ত্ৰক না কি-স্ব নেন হবে; বিচাশীনের ক্ষান্ত্ৰক তব্দনাং।

MEN PROPERTY OF THE PARTY CHECK WHITE THE CHAIR MICHELLE PARTY. कामाहेबास्ट्राक् छोला माछिएछ्टे क्यान 👁 আমি পাবী কেবাজিলার। জেবারের বারণা, नावीरक किनाम काल कारक राज्य शासामन बच्ची विलमीब कार्या जानिक छात्र और मानवा कर पान जाता और जर्मत शामा কিন। হরতে হরতে লভেব-এর বাভি-প্ৰয়ো বেভিয়ে ভারণতে ওলের নিরে জেলাক পারী-র বৃন্ধাবনে। পারীর প্রচীনতম প্র रकी माम भाव महन भागः कार्टन चार्हेन কলেল প্রভৃতি কলীর বাঁ বারে: উলটো নিকে ৰুভাৰ, শাবলে প্ৰভৃতি: আর ভার মৰো, গ'-নাক পলে খেকে খারা হরেছে খীপ, বাকে क्রाসীরা বলে সিতে (নগর)! এই ম্বীপেই रिकाण मरकाम गीर्जा। बरा प्यीरभव অন্য হড়োর, প'-ন্যকের লালোরা, নিরিবিল, ভর-বাঁখিতে লামল (ভালের কালে চেস্টনাট গাৰু ভমালের কালে আইভিলভা সেবানে প্রকৃতির কোলে দেখা বার পরম লাক্ষ क्षक जामरमञ्ज मन्द्रम न्यर्ग हेर दर्ख অধিষ্ঠান করছেন কবী-ভলার ভাই-বেরালর সোন্ঠী, আবর্তানক ভাষার "বিনিয়া" কিনা হিশি বা বীর্টানক নামে ফশস্বী। দেখে हर्राए पाणि-विकास बदन महन्तर हरमान. बढोबाको, रंगीन-मार्फ, इनमी-माना संब्रहा बाह्यक नामारली किरवा दा-कीन न नर्यालक ন্যাভা-নেভিয়া এখানে কেউ বা নিসঙ্গেৰ বাড়ে বিসপের মতো জেড়ার জোড়ার कुन्छनी भाक्तित, त्क्छे म्;' शख भारन इंड्रित ব্রি**লাক**তি, কেউ আবার ভাবাবিষ্ট শ-করের মত্যে শলের বারে পাছের প্রাডিতে হেলান দিয়ে তিনেত্র উন্মীলিত হল কিনা भरकना करहरून निःग्रंच। अतः को क्यान-কাননে সাভাগবাহিনীর সভো হাট করে ব্যেকে থেকে যে নীল উদিপিরা প্রলিস খল



# क्टायल दिख स्माऊं।ता



পোডেন টোবাাৰো কো: আইতেই দিবিটেছ, বোবাই-৫৬ মঞ্জারতের এই বছপের বছবার ভাতীর উত্তর

क्ट्रिय होना एवत, मिभि-काबाहेराव, जाउसत्वत তো জানা ছিল না, ভারা একটা অসহার বোধ করতে অভর নিজাম "ধে যার গল্প পোসাভ। চন্তাৰ হবে ৷" বলতে না বলতে হিড্ছৈড করে একটি তল্ডাভিলাসীকে ভার ধানের কৈলাস থেকে টেজা নিয়ে গিছে ভলল ভারা জ্ঞানাজ কাঁপির প্রোলস জ্ঞানের লোকিক নাম) মধ্যে। দিন-দলেক আংগ কাগ্রেক দেশছিলাম যে, মাতিনি নামে একটি তার্গী इस्ट्रायेस (१६४ क्छा समात ७४) व अक्सस নিত্র বিয়ে মারা বিয়েছে। ফ্রান্সের এবং ক্ষান্তের সর্বার এখন অস্কল্প আস্ভানার পরেন হারেছে, বেশানে যুগারকারের জ্ঞানার প্ৰীঞ্চ ভৱাৰ-ভৱাৰী নিৰ্বাধেৰ শাৰিত च्यान्वयन द्वारक्षा इत्र 'लल्' (लल्डाह) লক্ষাীয়ের ন্ধাে নরতে। ভারতীয় কোল-नाधनात नाट्य ३ ठेडाराट्सन किन्तु 195 **अस्तारम, मनरङ: असरकोट मांग्र**ाज्य प्रदेशन ্ৰকা বাহ্ৰা, সপ্সালীতেও ভাৰতীয় সংগীতের প্রভাপ চ্যাকিরেরেন রাশিংকর: ইবাদিক ভারতীয় সম্প্রাচক র বিল্ল ১,৫ শাংশী না হজাভে, ভাষর পদিসে সে এই **ম্টের-কামনেরে পরের ভারত**ীর স্প্রী কল্যাপ্ৰাৰ প্ৰান্তৰ একপিয়া দ্বালৈ ৮০ পালে স্বার কালেটা - উপরে ২ ডি'৯ ১ জ সে মোয়েটির মৃত্যার কম্য উল্লেখ কলেছিল মাজ্যুর এক ছেকেলা মার কার্ট সম্পূর্টর भरवा समाभुत्रस्य । कल्ड TR. 50 11.20 স্ব**িক**ারবালি করেছে।

गिकाप्रणाहरूत कृष्याचा (क्षण्याच्य करतन ज्यासारम्ब ग्रांताक्रम गौता भौतमा भ्रमन्त कर् ক্ষামতে ক্ষেত্ৰ ব্ৰাফাল তাঁৱ ও ব্ৰাহত প্ৰতেম **লা আ**মেব্য কি ছাই শা সমূহ কলেছে। জাই জ্ঞান প্রভাগর বিশ্বীর চেল্ডে জনসার প্রচিত রাজ্য মন্দ্র কিছে, সমুদ্র প্রতিপদ্ধ করে কারেকি, মান্দার মুল কটো বল্প কবলা । শাঁঘুই ভার वराष्ट्र ५७५ ५५५६% तमा द्वारा स्थापन अच्छा । থালে। এইটের মা কর্তিকে জাতির স্বত্যনের স্কলে সমস্ত স্বস্থা চুলিকুই किन्दिन्द शहस्ता भटन स्टिन पर शहस्ता শহসেব্যাগরি রাজপ্রে সভিজে লাই বাড়ের অভ্ৰে উচিয়ে, বাকে গাক্তৰ ফ্ৰান্সার একটি मश्चतत सम्म निरम्। कृषा करत एकल एमजेत-চালক ভাবে জুলে নিষেভিলেন প্রধের সংগ্রী রচেপ। এই হিচ্ছাইকিং বা "অভোদত্র" क्षमा अथन काफाल्ड कर्नाक्षस ६८स छेठे स ७ সহাকে একজন অপরিচিত পথিককে গাড়িতে **कुटन रमक्ता वाल्यारह अस्तरकट बरश्ट**े मल्टह লোকণ করেন। দক্ষিণ ফ্রানেসর সম্ভূদ্র ভীরে লটেয়ের দক্ষি হল ছোট ছিলিয়ের সাধনাত। বালাপ হল মাডিনি, কিলিবন, জিমি প্রভৃতিই **নলের সল্পে। শৈশবে পিভৃথরো সম্ভা**নের क्षीत असमीत करुतिहरू कविक्रम कहत । इ নারী নিকের স্থালেবাবণেই মেডে ছিলেন,

তাঁকে জনতে চেরেছে লাই নেপার অভাংগ্রে। যারাসী মনবিী পাসকলে বলৈভিবেন মান্য দেবদা্ডত নর, পশাত নর: অগাং धेर्गा हमाद व अधःशहरात मेरतादर करा শ্যাভানের মধ্যবাহী জনতের বিশক্ত হতে व गर्भ मानाव। छात्र भाषा रमक्राए धनः পশ্য দুটি বাহিট উপস্থিত আছে: মানুষের ইতিহাসে মহান শিক্ষার মাল লক্ষা কলে ভাকেই ক্ষেনে নেওয়া ইয়েছে আদুণ্ডির নামে. যা কিনা মান্ত্রের **মধ্যে** দেবস্তি প্রতিকে বল্টীয়ান করে উত্তরোক্তর স্মাতিরে তলতে সমায় হয় ৷ আজাকর শিক্ষা-সংকার্টর উৎস হাজে ক্রীবানের প্রথম পিকাল্ডী- গড়া-ধারিণারৈ মধে হাত্রকার হাত্রের প্রেন্ট্র অন্তেশিয়ত। নারীর হাতর্পর এবক চুদ্ধীয়ে দিয়ে কোড দক্ষেত্ৰ সভি বাড়িবেক মার্লাচ্চ ক্রিক্সনেরের স্কালে ক্রেড্র a. 54

একাধিক কাঠাল বাহালী পাঠাবম কাছ यसामी कोर प्राप्त्यात जाक में रोहर रका কেশ্বর ভিন্ন পি **হছা**র। হালে তবি লভ্ ধানিক শিক্তীয়দকে <mark>কিলো কারে মান্দ ভ</mark>াপেকা নাম প্রিভিত হালেছে। কবিভাবেরে সাক্ষয় সেহার ক্ষ<sup>া</sup> কেম্ম ক্লার জিলে এই দিমাম পট∙ত হালা **ভিতেশ**ততী বিভ'ষিত্র মতে অধিকত্ত শ্ৰুত প্ৰচল না কোনস্থান sicula হালককান **কাপ**ত হ'লে প্ৰয়েছন ১হা ১১ প<sup>্</sup>ডাত্র **এই ঘ**টনার জভারতার : সংস্কৃতি শহরে পে ভূজারা দার্শালক জাতিকল্পত্র ১৪ ব্যক্তিক নথা প্রশংশাবলীয়ে বিব্যক্তিশ প্রতি **চেটের চাল মে বোলনা**রকে, তার **মা**লে সায়েও মাধ্যত অভি **কথো**ট খাছে পেয়েছি ভাৰ সাধ্য জালাক **স**ম্লেড্নত অসকচাৰ। किमर्त १००३मा है। प्रीत क्षात्व कालातातुक तुक्तु াড়িছে কে বছ এই ছাইছেল হয়েছিলে কেওঁ। নামডি ই, বে,ধ হাল, সাম্ভুরি মারে ব্রালভারেক বিষ্কাৰ কারে এটা ভিন্ন ক্ষমতার জন্যাত্র স্ক্রমত উপী-পর্যান্তরে **স্থাপরে থেকে** চের্কের ব্রেছিছ মেন ভয় সাজ্যক ভেষ্ট বিজ্ঞা বেলস্মানকে ভবিষ্ণান বাবে নিজেকে ফালড় একটা ভার কাল গ্রুমা করছে লৈখেছে-ছিল। এবং এবন দিনেভিল ভাৰ লগে। তা**ত্ত**-বেলনের এক প্রকেশ্রা। 'অনুনার জন। অফি নিজেতে জনতি এবং অমার জনৰ তামি বিশ্বজনক যেমন যাত্রীছালন <u>বেদক্রের এ</u>ন কণাও বেমনি ভিনি বক্ষেডিক্লন্ প্রচাডনাগৈ হারে এটা আমার কাছে চিরকাল হাল বাস मान शासामा करन त्यामनगढ हराइ महार ছিলেন যে জ্বিবের **পল্**যা ফুট নিম্নল্ডী অবশা-**পথ থেকে অন্দিবের ফা্**ল ভুলে ২,৬ বস্তুতি **আবার ফিরে আ**সত্ত তেওা একাধন্ত অননা প্রতিভা এবং ৰে নিবিচিত্র প্রাণ্যবিভাগ প্রবাজন, তা কজনের থাকে।

বোদল্যারের কলিন্তার একস্থিক যোগন জান্তি অনিজন্ম **অস্থ্যন** ব্র্যাল্যকের যান

इ.सा.चा वाण्डय स्थाना तुरुशास जारह करे व 'তেখা নত অনুভ কোখা' অভিযানের কা म्बन्स दक्षः आमन्द्रण। म्बन्सर हतप्रकारत স্থা করী, বিভিন্ন নেশা প্রভতির WINE. क्रिक्क मान भ श অন্তেবকর করেছিলেন পরির্ভাগের 72×71 তাঁৰ বিভিন্ন বুচনাত দেখি ব্যার ব্যারে ব্যর্থা হয়েছেন ডিনি কেট উন্তঃ বিশ িয়ন নিজেতক ঠোলে নিয়ে বিচেপ্তন সকল আত্মহন্দের স্ফল প্রথায় এবং এই আধ্রমনের পথাই আজাকত দরীয়া মারি-কল্পী ভর্**পাহরেব**র সমাদে ভোলা প্রেছে प्रथा भारतः हे**न्यतान** सहित्तर न्नौताहर**ेहाउ** ्म राष्ट्राह, बाका-रङ्कादेव : এक*ेंद्र रका*हकद সংখ্য ভাৰ **আ**কাপ *ইকা* মাসেটিটেই ্টিনিক, নাম ব্রারেল বেপ্রেটি কাকারের মানারে এড় **খোলা। জামান্ত** সামান্তি ভাঁ**র** চন্দ্ৰিলয় এবং ধাইশ বছাৰে কটি সংস্থানী মাডিনি, প্ৰদেশী বিসিয়া প্ৰচাৰ ভট বৈকেন্দর জন বেন্দ্রলি ব্যাহর মাজি সানা-**ভর**ে Specific Spire সর্বধ্যে করান্তন , প্রথম প্রথম লাই এই মাল ভাগত নিজ্ঞ সভাৱেদ্যাৰ সপা ক্ৰোৱ জন্য এল শাস্ত্রী মে টোর পেল যে তাঁব এক আন্দের জন্মনীয়ের সাংগ্যা সংগ্রা এই ব্যাহার কল্পারে কে তার মার্যের কালিকাঞ্চাঞ্চই শ্ৰেষ্ঠ, মুক্তাভ সক্ষম নত, হেম হেম পাৰ্যাল, সমর্থ থারি, এই বেয়াধর স্থাপ্ত এক নিস্পাৃত্র বৈষ্যাপ্তার ভাষেও ওাক আজনা করাত পারে বিশেষ এই সিলাবেটের। এক-একটি টান। ভাই-বোনেদের কক্ষা যার "বেভারতে" যাবার সাম জাগতে, দ্রাজ হাতে দাদা তাদের হাতে ধারে দিয়তন লোকালি কিন্তর্ভ : "বেডায়ত" যাভৱা বা আৰভক্তিত লক TRIP কাৰো ইদানিক এই কমান্তি হোৰণ্ড ভঙ্গুক মহালা সাদার ভাল, ভিন্ন ভালর সংখ্যারাজা, ভাগের ভিন্তাপ্রের মুক্তি সংগ্রেশক।

িক্তর অকপ্রভাল রেছে হতম মাজ্যনুহামার টোরত হার কেশা ভেমন। সময়ে মা কেখা প্রের্জন করে জন্ম প্রায়েশ্য ব্রার্জন এব মহোকাট ভাৰে মালিভাগনিল মাতা সংক্র लक्षा भेज का स्थार देवा सामित करें र उ কেছেক কিন্তাৰ প্ৰিয়ম তা সংগ্ৰাক্তাতা, ন্ট তি**ক জন্মে** নাং ক্ৰেছিল ক্ৰিত ল<sup>ি</sup>গত সেকলের পরে, সাধা ভাষের দক্ষিয় দিলেন টোরোইন ইটেলকশানের অপ্যথিত 35(je.+72 **अ**ञ्जीतमह । @ B 13 ফা্ডাত না ফা্ডাড় বেকা। বৰ্ষ কারে ভারপর প্যান্ত আর ভিন হশ্টা সংক্ষাণ ভিন হণ্টার জানা ১৫৫১ বারে ধেড়াও সরৈবি সায়েখ্য মধ্যম্য প্রাঞ্জা মুই বলেছে, "আমগুনর জালের প্রতিটি ्करेन्ट्रस्टरहे रहाई जान, आधाद प्रतकः कहे हेन्यास्यात संस्थान रुप्तमः । स्टाट राएक **७**हे একটু ব্যৱস্থা কারে সেলা চিতে সাকল

वर्णे एगा निकासक वांतारका, गाव वर्णे गुण्ड वहा केंद्रक अरेग गीनका, कार, गाव करण ह्याता कामा कामा-गृहका करण (प्रदेशा क्यानी केंगान्द्रीन वर्णेंड () ग्यानक गेट्रा हमा कर्ण का वर्णेंड () ग्यानक गेट्रा हमा कर्ण का वर्णेंड () ग्यानक ग्राहित क्यातिक का वर्णेंड () ग्यानक ग्राहित क्यातिक का वर्णेंड गिर्ड ह्यातिक क्यातिक वर्णेंड वर्णेंड गिर्ड ह्यातिक क्यातिक वर्णेंड वर्णेंड गेट्रा ह्यातिक क्यातिक होंड (क्या

alks ales france course color करा क्या विकासक विकास करा करा वाकसर भागा बन, क्लपरन नाम बरन गणनश्चीवनी দিয়ে কেতালয়ের জালিয়ে ভুলকে ভার श्रमीकात भर्ग गाउँ रण, तम श्रामणार काना विरक्षक गाउँ। किन्दु गानकिन हम् देखकमानक गाँउ निर्देश चलग्रानि शाम. अवने बाद मूठ : कार्यानक देवर्ग बादक প্ৰতিবাৰ স'তে পৰ্যান্তৰে নেবাৰ? কলে ভাষলা রোলের (ছণ্ডিস) আশীর্বাহর সকট জ্যোতিম'র হরে উঠল। গতি হাজা, কাশভ काता देखारिक न्यान्या-विवयक दकारे काटकर প্ৰতি কারোরই ডেমন মল বেবার ব্রচি ছিল না: জৈবিক তালিদ বা চরিতার্থ না করলে নত্ৰ সত্ৰভ প্ৰাকৃতিক নিয়ন্তে ডা হৰে বেড। দালার তাঁবতে জল ছিল না। হেরোইনের

बहुता निवा किया विकेतिनामित कर्म प्रोटेशक द्वारण त्यारण क्या कृत्य विकित्य प्रमान्त्य द्वारण क्यारण महत्व क्यारण इत्य द्वारण द्वारण क्यारण क्यारण विकास बहुता द्वारण क्यारण, क्यारण क्यारण द्वारण क्यारण क्य

प्रभावता प्रथम हा बहेच्या है, क्या है, क्या वर्ष कर माणिता है, क्या वर्ष माणिता है, क्या प्रथम कर्षा है क्या है, क्या प्रथम क्या है क

উপারের বানরের কতে আনেকেই,
প্রিন্নের কতে, বিশের সর্বার এইতাবে
তর্গ-তর্গীবের চেতনা আক্ষম করে বীরে
বীরে বাও-বাস-তুর্গের আদর্শান বন্দর্গের
করে তুলাছেন। কিলারো বানেকর অভিনত
দিক্ষেন, "চীনেরা বধন কোনও বিশেশী
সোরোলা বা রাজনীতির বিচারে মালাবান

where service will write woman ---forcests will seven over the produ न्त्रीत शाम पारेशरे नवाप पार स्थान saultas a malas lugge mus res referred at what when one has THE WHEN THE BREEF WHEN I factions count when the control was cree over focuse boson sulpointing gon und moles a DIVER OUT SHIRT WE WENTER THE श्यानिक स्टाइट । जातात क्यीच महत्त्व अस कारत औं मत्त्रवात प्रतिकार प्राप्त चाटान चामरू. चामराम छाट्य निकारी वा विकास देशवा एक एक व्यक्त व्यक्तकारी अस्म द्यान श्रामदेशीक्षक च्यापन श्राप अस् चारका श्रीकान रहा नाम नह स्टाहन। DECAM AND IA A MAIN WAY GARAGE विरम भार छटन निरम् छात्र अन्यान स्थास कर्राण अन्य जामाराम् निकल इन्त्रम् एकाम WHEN THE PARTY

বন্ধিন কালের নিজিম অন্তচ্চ, নিশেবত লয়-আ-যোভাসালর বিকে, কেন কিন্দুনিন থেকেই প্রিলস হানা বিরে ব্যুক্তকারীবের কিন্দু কিন্দু আতা তাততে সেরেছে। কিন্দু এই ব্যবির একন ব্যাপক সংস্থানক মুাপ কেট আন্যা করোন। এর ক্যেক ক্যেকলা কিল্যে আহিং প্রভৃতি করা, প্রেক্তরে।

किस्तिम चारम स्रोतमा करा का BETRE পার্টিরভান্তার **च्यां एक** বারকরা একজন করাসী লেখিকা। চঠবোখের কৈছা প্ৰতিয়া এক নিজন্ম কিছা স্বাহায়-পাৰ্শতি উচ্চাৰন কৰে টোখো এক ভাজাকে ক্ৰিনিকে পৰীক্ষায় লক ব্যক্তি নিৰে চিকিৎসা করে সনোম অর্জান করেছে। সানাভিয়ান प्राप्तिके क्यिपेन (इन्ट न्यामी) क्यून-क्राक्क शर्फ जिमा-छोमा कहरण कहरण अपन हर्तर गणायाच्याच्या वरत गरकरता वर शावान-बिवान चारत चरत विकास हरतिहरू। अक्सन ন্দারহয়েগের চিকিংসক একং মনস্তত্বিক ভার কিছা রোগীকে নির্বাহত টোগোর ক্ৰিনিকে পাঠাতেন। ভাৰ ৰোগিপী হিসেবে উত্ত লেখিকার সভের চৌলোর পরিচয় श्रद्धांक्यः। चित्रं कार्नाक्षत्रान स्वर्धाहेत्क **अवाजन' निर्दाशिकान देश्य' गरंत क्रोटशा**व कारक ठिकिएमा क्यारक। मामाना किन्द्रिक्तम চেন্টাতে যে সকেল অলেছে, তা টোগোর ইভিপ্ৰে অভিভ স্নামের অন্ক্ল বলেই টোপোর ভাতার মনে করেন। টোগোর মতে পদ-সম্পাত, হঠবেগদের আৰুৰ'ণ, নেশা-ভাঙের প্রাচৰ' ইডাাদি বে रम्या मिरसट्स, छ। न्यत् इतात छास्या वास्य অনেকে মনে করলেও, ভার আভালে পভীর-ভর একটা ভাগিদ উহা থেকে বার বে-আগিব বিৰয়ে সচেতন হৰার সময় এসেছে।



for officiale straig ः हैत्यर बाक्षं क्रीत अपना क्रीय मानारक्य -College Male femiliant were a Clan spider im Conf. Mile. 148 medica plan wie entire merenan उन्निक्षक जाकर गास्त्रक किस् क्रमानाmartin alam i wien, vilante mult ट्यांक्य देन के द्वावात है, द्वारत नका नवी नामानाक्त जायमात स्मय दकाविता मिटन हरू केंद्रसम भिवामिन्छे, न्यान्सम करन. ছাল। আমি তথ্য মাহিদ গোৱা हेम क्राह्म वा बात वर्तार क्राफ र आवात कमनाग्रे-मरम्बाद भिम एकान्नरतका स्थरक। অবলেৰে কনসাটোর এককটা আলো হণ্ডদণ্ড চতে এক ভারার হাজির। ভারার বললেনঃ निन् और र्राष्ट्र क'ते। त्यंत धकते चामात्र চেন্টা কর্ম। রাভিরে আমি এসে ভাল क'रत भवीका क'रत अध्य-भरतत तायभ्या করব। এখন আমার মরবারও ফ্রেস্ট নেই-মেরেকে নিয়ে বর্তিনাট ইনের G'EYA कनमार्छे वर्गक !"

পরিচালক ক্ষীল হেসে বসংলন গিলানিস্টকে, "ওস্ভাস, আগনারও তো ম্থ-চোধ আল সাকনো দেখছি।"

"ও কিছা ময়। নাভাস লগেছে একটা।"
বা্ৰিনস্টাইন জবাৰ দিলেন, "ভাগিৰে কক্ষের
মধা তো বড় বড় সা্বস্থতীর দিংপকাভিকেই আমি মা্ত করে ভূলেছি স্বারের
ভগতে: আপনার এই ছবিতে বে আমি
বছার ভূমিকা নিয়ে দেলেছি এবং নিজের
কগা বাল দেলেছি। এ আমার বাত নর,
হলপ কারে বলছি।"

মালি পেতে না পেতে ছবিটা দেৰে এলাম। ভাল লাগবে ভানতাম। এবং নিরাশ হাইনি। রাবিনাস্টাইনের क मार्थ मार्थ অফর্জি-সন্তবান ফারা কোন্টানন সামনে বালে দেখেননি এবং দেখতে পাবেন না, ভালের জন্য এই ফিক্স ক্রমন বিরাট সাম্প্রনা, তেমান ভবিষ্যাত্তর স্কেশিলপীদের সামনে প্রেরণার মতো ভোলা দাকরে এই ছবি। এক মহান প্রতিভাব জাবনের উল্লেখ্য মহাত-পর্যাল, ভার চারতের বিভিন্ন বৈশিদ্যা বড় মান্দর করে চিত-পরিচালক তলে ধরেছেন इंडिन हिटा। किन्दु श्रीवनन्धेदिनत्र हेर्पी-সপ্তাকে রাজনৈতিক উল্লেশ্যে ব্যবহার করা চিত্র-পরিচালকের শাভবাশ্বর ফল কিনা সে-বিষয়ে আমার সংশব থেকে বাছে। এবং এই ইহুদী-সন্তার উপর ভীর আলোকপডে করবার পরে ব্রবিন্স্টাইনের মূখে যীগ্র-সম্বন্ধীয় উত্তি, "থাণ্টকে আমি দেবতা ব'লে ভাষতে পারি না: আমার কাছে তিনি প্রে মানবভার প্রভীক," শিক্ষী সম্বতেধ খবে সংক্রোরজনক ধারণা কাসতে পারে বণি, আশ্বস্ত হ্ব। বরং ভালা লাগল ছবির रमहेन करन प्रवादन द्वांमानग्रेमस्य नावि वावस स्ट्रण्डामात्रम् (रनानिन्न इक्षानी हैरलावि नाविन्न व अस्तः हैर्फानीयम् नव व्यवस्य स्ट्रम् होनाद्वास्य सामानाग्रीय क्षांमध्यः विस्त्र-विद्यास्य स्ट्रम्स अपि सम्बद्धाः स्टब्स्स्यस्य रमोद्दर्शस्य क्षां नावित्रं स्टब्स्स्य

অনিক্রে বাজ-প্রক্রিয়াত আটি হ'ব; বছাই ক্রু, ব্যাক্রিকা প্রাক্রিকে সহা করতে লিবেছালেল তার কৈলেছে। এই আলাবাদ বৈ একটালা সাজ্যালার কভাল নায়, তা জানা বাছ উচ্চ ক্রীবনের বার্কভার



आफ्र'त वर्शनमधीदेन

পুরিমাণ লক্ষ্য করেছেই। ক্ষানিনের প্রতিত্তি হাসিমানে ভাকাতে শিধোছলেন উনি কিভাবে, ভা নিক্ষেই উনি গ্রুপ করেছেন, এট ছবিতে দেখলায়।

"বাহিনি ভেকে সবে পারীতে এসেছি:
বড় কচি। বরস: সহকলজ এক সাকলোর
ড কা আমার সামনে বরা আছে দেখে
ইত্তত করব র প্রত্যুতিকুও তথন ছিলা না
আমার। নিজের উপরে কেনা সক্তুর্ফ ছিলাম
না, অন্য করে। উপরেও লা। বেনিকে
তাকাই, নিরাশা। বরক আমি ভালাবাসভান,
আমার প্রতি প্রক্রেপত সে করত না। দিন
এনে দিন খেনেও কাটভ না; কোনদিন
বা একধালো আছুর খেরে পিত্তিরকে করতে
হত। ধল বাড়ছিল। চারদিকে শ্রেহ
তাধকার। এ ভীবন রেখে কি লাড;
ভাবনের বরুক থেকে নিজেকে মুক্ত কেনালে
কমন হব নিজেকে নিজেকে ক্রার প্রবাদ

আন্ত্রার দেওঁ। জীবনত তকা কানা জ্বান হার্কিয়। একানন স্বাচন হার চলক উঠি হঠাই বান হবং, এবিং আনি হৈছে লামি? কো নতুন ক্রক্তার কান্ত্রী হয় বিহা কানার বিভালনাত প্রাক্তির সাক্ষা হয় বিহা কানার বিভালনাত প্রাক্তির সাক্ষা কান্ত্রীয় কানার হিছা ক্রক্তি কান্ত্রী কান্ত্রীয় কানার হারা ক্রক্তি কান্ত্রী কান্ত্রীয় কানার কান্ত্রীয় কান্ত্রীয় বিভাল কান্ত্রীয় হুলা, প্রতি মুনুকে নার ব্যালকা ক্রিটা প্রতান ক্রেক্তি আনি কিলের অন্তর্জা ভিলাম ক্রমী হব বলে? এই চ্টা স্ক্রান্ত্রীয়

থবং ব্যবিন্দানীন বলেছেন, শারণের দিন আনে বইকি: ভারা না এলে জীবন হৈ বিদ্যান ঠেকত। কিন্তু দাংবের বারোও সূপ উবে বার না সবচুকু: আর-এক রং সেই স্থোর। দ্যেখী হলেও তথন স্থা, ও-কথা বলা চলে ..."

জীবনে সুখী বুহিনস্টাইন ছাসতে হাসতেই প্ৰিয়ণ ছেডে যেতে প্রবেন আশা রাখেন। "আগার গিলীকে দিরে ছেলে-মান্তের মতে: এক অংশীকার করিবে মিহেছি " উনি বলেছেন। "বদি মরবার मध्य भाव आद्याता ना कति, गीर माथा ठा॰छा রানতে পারি, অর্থাং নক্ষ্মীছেদের মতো শেষ কল্পার ছার পার হার বাই, আমার লাভিত জনা বাজানো হয় যেন-প্রয়োজন হলে গ্রামোফেল রেকর্ডেও—শাহবর এর कुइएएउउ इस् ति स्थरक जास्तरण्ड जरगठि। মারা ব্যবার আবের বছর উনি এটি লিখে বিশেষভান। আমার কাছে এটি হল পরলেকে শাহিতর সংক্ষা প্রারোশর ছাড়পত। ওটি শানে মনে হয়, মৃত্যশ্বয় প্যতিত আমি সংখী ভেত্তে হৈতে পার্ব---" এবং ফিলেম রুবিন-খাতন বখন এই বাজনাটি আমাদের শোনান, জ্বান্দের সমায়ের বিরাট এক শিল্পীর অবতারের কল ভার মধো পরিভাই করে আন্তেশ্যর প্রশানিতার ভাগের শ্বরণিকার গ

পুগরী-এনাথ ন্যুখাপাধায়





Beesons (1123 Bee

# वृक्षित रेख्वा ष्टालाज शृष्ट आधूर्तिक्याव क्वाँया अत प्रय

# सङ्क्ठ ३ छक्छर्क

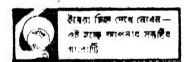
ইরেয়া গেলাসন্তলি আপনার দৈর্ঘাদন কীয়তে সৌকর্য্য এনে দেবে। নির্দৃত গেলাসন্তলি বিভিন্নকালক ছারী পাক্ষা হতে ও ডিজাইরে পাওরা ছার। খেলাসের বারন্তলি অতি মসুন এবং প্রতিদিবের ব্যবহারের চোটচাপটেও কাটল বার বা বেট্রা আ ক'রে ইরেয়া গেলাস বেছে নিম—বিঃসালেহে সরায় সেয়া ব

नवतक्रका जैनलाका जना समावनेहें देखता कारतत जितिन



প্রস্তুতনারক : আগবেধিক মাস ইঞ্চান্ত্রিক লিমিটেড, বরোদা-০।

लाकास्त अर्थकर अन्तर् बढरवर्गकर क्षणकार्याव





#### हि होसेबि

মহাক্ষে শুরু আমাদের নক্ষ र्शी बनारकर नता, भावन गरव नरम्ब নক্ষর মন্ডলের মধাও ওরা বিচরণ করছে। ৰড বড় আলোক পিন্ডের মধ্যে ভারা বেন जर्गक्र**क जात्म क विन्म** । नःकत कगरण्ड ৰাত্যস এবং মেখের ফাকে ফাকে অব রিড ঐ আলোক বিশ্ব আক্ষের জ্যোতি-বিজ্ঞানীর কাছে এক বিরাট জিজ্ঞাসা। রীতিমত এক ব্রহসা। আকারে ওরা অনেক रकार्छ। स्थक केन्स्यामा स्थम नक्कारकत হার মানার। দেওরালির আকাশে জনলে ওঠা উল্লেখ্য বাজির চার পালে ছেট ছেটে স্ফুলিপোর মত ছড়ান ঐ আলোভ বিন্দু-গুলি নক্ষ্য বিজ্ঞানীদের মনে ब्राक्रका GIPH & কেতিহল THE WESTER! অবিক্তারের ফ হিনী এই তো সেদিনের। প্রধান প্রকাশ ১৯৪৫-এ। ঐ বছর অনুস্থে ফিজিকাল জানেলা নামে বিজ্ঞান পরে বিশ্বধাতে জ্যোতিবিজ্ঞানী আলফ্রেড এইচ পদ্ম প্রথম উল্লেখ করলেন তাদের অভিওক্তের কথা। তার বঙ্কা আমাদের নক্ত জগতেই তিনি তর্ণ নক্তের সন্ধান পেরেছেন। মহাকাশের স্ভিক্লগারে ওরা मबीटनंद मन। विवर्धाटनंद भ्रदश मिल्ह श्राक ব্যাই একদিন ৰূপাল্ডয়িত হবে বিয়াট এক बकी दे द्यापिएक। क्यांगे ठिक के म्ह्रूड কারোর কারোর কাছে অধিশ্বাসা বা প্রচন্ড बांबीस मक मत्न हरून करे करेन ह म.ह



কণ বছরের মধ্যেই থাকিন্সার হরে থেকা চি
টাউরি নক্ষয়। জানা হরে গেকা, আমাদের
চার পালে এই নক্ষয় জগতেও নতুন
ভারারা জন্মলাভ করে চলেছে। টি টাউরিরা
ওনের সমগোহাীর। এক কথার ভারাই নতুল
ভারার কল। ঐ আলোক বিন্দাই এক একটি
চি টাউরি। ভাবে চিরান্সারী নার।

বস্তুত মাত্ত পাচিল বছর আগেও
বিজ্ঞানীদের কাছে স্থানু আকালের ব্বে
লাত প্রকাশকারেক মনে হও কতকগালি
ঝাপাছাড়া এবং বিক্ষাপতভাবে ছড়ান
ঝালাছাগিন্ডা ভালের পারশ্যারিক সম্পর্ক ঝধার প্রকৃত পর্মে সম্পর্কের ব্যব্ধ ঝধার প্রকৃত পর্মে সম্পর্কের ব্যব্ধ ঝধার তার জনতে পেরেছিলেন। আধ্নিক প্রবিক্ষণ প্রনা দিনের সেই অস্পর্টভাবে বেশ থানিকটা গ্র করতে পোরেছে। খোটা-মাটিভাবে জানা সম্ভব ছরেছে আকাশ চিত্রের মূল কাটায়ে। সেই সম্প্র নন্ধ্য

সে কাহিনীরও জন্মকাল সম্ভবত ভারেল বছরও নর। একটি নক্ষ্যের অভ বোন আলো অথবা উত্তাপের উৎস কে.থ.র? এই জিজাসারই উত্তর অবিধ্কার কৰতে সিয়ে ধরা পড়ল ভার স্বর্প এবং কৰ ইডিহাসের কথা। জানা বেল ঐ আলো এবং অবারিত উত্তাপ পরির উৎস হাইছেছেন। ভাপ-পারমাণবিক পশ্চিতে নিয়ত সেখনে হাইছোজন বাৰ পাঁৱবতি ত 5(4 STORE ! সমূহ এই বুপাল্ডরের আসহে প্রতি এক গ্রাম হাইড্রোকেন खास अक स्क जिंद इत शकात स्क है न्यून উত্তাপ শক্তি: হিসাবটা হৈরি করা হরেছে क्षवना मृद्यंत छेनद भरादकन जानाता জানা গোৰে স্বেধি প্ৰতি সেকেণ্ডে সম্ভৰ্গ কোটি টন হ ইড্রোজেন প্রড় চলেছে। আর এইভাবে হ'ম চলতে ধাকে তাহলে ভার সমস্ভ হাইড্রোজনের স্পায় শেষ হতে সমন্ত্র লাগ্যবৈ প্রায় একল কোটি বছর। আর সমস্ত নক্ষ্যু যারা সূর্যের খেকেও পঞ্চাশ কি একশ গুৰ বড় ভাদের সম্পক্তে একটি চমকপ্ৰদ তথা আবিকার করেছেন বিজ্ঞানীরা। এ'রা লক্ষা করেছেন দানবাকৃতি এই নক্ষ্থ-গুলির সাঁপত হাইছোজেন অভাত দুতে লারে পুড়ে চলোছে: স্বে' প্রতি সেকে <del>'</del>ড ৰতটা হাইছে জেন পোড়ে তার দদ লক গ্রেণরও বেশী। ফেন বত তাড়তডি সম্ভব ক্রিক্তেশের নিঃশেষিত করে মাতৃত্ব দিকে इ.टो हरण इ। उरव ७ ४३८२३ सकता मनहा হাইছোজেন ভাপ-পারমণবিক প্রক্রিয়া चरन ग्रहन करत भाष एक रहत हरत हम ना। रबारे कु बात खान भीन्यान चार्शकार कर। অধনেৰে তারা অন্যান্য নক্ষয়ের ভুলনায় ক্ষ সময়ের মধোই একদিন প্রেরাপ্রির বিল্লাণ্ড হতে হার। এদের তলনায় ক্ষাদত্ত নক্ষতের कौरमकान व्यत्नक (दणी। यनित हाइत একটি সঠিক সামা আছে। একদিন তাদেবত ৰকে মতার শীতল স্পূৰ্ণ অনিবাণ স্বীপ-লিখাটি নিভিয়ে দেব।

क्यार्जिन कानीदम्य रक्या. सम्राप्त सकत-क्लाटको अकियाहाटक टकार्छ वस सकत

করেছে। দেখা গোছে বড়বড় कुर्ग साम DE PART নকারের চারপার্শে खेल्डा स তারকাদের ভিড। আর সব চাইতে লক্ষণীয় বেখানেই এরা ভিড করে থাকে সেখানে মহাজাগতিক বাডাস বা ধ্লিকবারও मधारवन रम्था बाह्न। खाश्चानक प्रक्रवान : अर्थ वालाज वा श्रामिकमाई समाग्रे स्वास जानिये faral. मक्छ। 1

এক একটি গাস্ত ভালের প্রায় ভিনশ। আর একটি ছবেও হারেছে নক্ষ্য জগাত অত্তত কৃত্রিন জনসং। um शहरतह कणिका निकाण करता act कांगका লতাম্যতভাবে বিভাগত হলে সাখি লাভ अब अक्रीरे मक्त-क्या । क्राय असम ट्रक्ट्स কৰিবাৰ অণিতত সংশংক ব্যাহৰ প্ৰয়াৰ বা बर्ग एक्स्म किस् श क्या बल मि।

# (विश्वासिक्त विष्कृत-

### আপনার পরিবারের স্বাস্থ্য এ निष्ठित सत्ता।

क्षक अनुस कीयनी नक्ति कारह क्ष्य क्षत्र क्षत्र अस्त्र क्षत्र क्षत्र क्षत्र क्ष विद्वारका विक कुछ चीकि प्रत्यक छेरकहे-छेनामामक्तिक बाधायक नाबीक ननार्व नविनक करव-न्यारक अञ्च बाच मुना, विदेशिय क खाडिय चारक । महत्व नविनारक व बन्न अरक रावकातीय नवार्व काव विरूप रचा-क्रारवक कवा श्रवाक । अधिवादिक आविकारिक पुण्डिक क्रम्म क्ष्म बन्छात (रहारका जिक एक जानर्ज नाजीता जान (बर्जाके (बहुएका किन्द्र कुछ बाबबाएक कुछ कछत।

क्किम **(वेकिर क्कारभारतम**्य ७४, वरीन नवकात (मन, क्किकाका)-



2580-व सामायाम वरेट सम मार्डे-डे উইলাসৰ এবং প্যালোমার মানমন্দির থেকে বিশেষ ধরনের কডকগালি নকরের উপর भाव रिकारणाव काक महत्व करवान । आस्माव वना ত্ত্ব কোরভেক্ত প্টার বা পরিবর্তনশীল ন্ত্ৰা সাধাৰণ ভাৱাৰ ক্ষেত্ৰ কভক্ত লি নিচিক্ট বৈশিক্টা চোৰে পড়ে, বেমন সঠিক केम्ब्र आः ৰভিশৰ প্ৰভতি পরিবর্ত নশীল এই নকরগুলের মধ্যে তেমন रकाम निविष्के १८न कारच नारक ना। अत अरमद नाम बार्यन हि होर्डिव । स्वाव সবচাইতে মজাত্র ব্যাপার, এদের শৃং সেই क्षता कार्य भएड विश्वास मञ्ज नका बन्ध इ.स्टः जन्मदः। खक्ष्णेर दिचारमधे नक्स জগতের ঘনীভত মেঘ বা ৰাম্প বেধা বার छाबरे करिक करिक करते ब्रंड वि वेलिवर বিদ্য বিদ্য মুখ। তারা ভিড় করে থাকে धक धक्षि वस धवा केवान जकराक খিরে। হরত বা হরবতী পথে বারে বেডানর সময় ঐ বড় নক্ষ্যটির মাধ্যাক্ষণের টানের মধ্যে তারা ধরা পড়ে বার। সূর্বের কাছ বরাবর বে সমস্ত টি টাউরি রয়েছে ভাদের উপত্র পর্যাবেক্ষণ চালিত্রে মহাকাশে যোটাম টিভাৰে জি হাবে এরা ক্রমার সেটাও জানা সম্ভব হয়েছে। সাধারণ ভারার মত किए किए ভাষের চরিত্র হলেও অন্ব্যান্ডাবিকভাও ভাদের মধ্যে চোৰে পড়ে। অবে বেশির ভাগ সময় এরা ভিড করে भारक मुख करण याथशा अछान्छ फेन्करण क्वल्लभ्स् सौ टकाल सक्काटक चिट्ड । **अ**टान्ड खाशका अन्य केन्स्रामा मिट्य मना दन अना বয়লে অত্যাশত নবীন। কেন, সে কথা প্রিকার করার আগে নক্তের জন্মের টেপর সর্বাধানিক ভরটি একটা সংক্রেপ चारताहना करत निहै।

ধর্ন স্থের ষতটা ভর ঠিক ভতটা ভরের ধ্লো এবং বাতাস একটি 2757 হৈরির কা**জ শুরু করে** দিল: ভর এক হলেও হাল্কা এই ধ্ৰেলা-বাতাস নক্ষ্য জগতের মধ্যে সুর্যের থেকে অনেক বেশী ছায়গা 🖦 ড়ে অবস্থান করবে। সেই সংশা স্থান্টি করবে বিরাট একটি ঘ্রণির। নদী বা সমাদ্রের বাকে ঘ্লির কেন্দ্রে দিকে যেমন চার পালের জল ছাটে আলে, ঠিক তেমনি ভাবে সংই ধ্লো-বাভাসের ঘ্ণির কেন্দের দৈকে ছাটে আসে চারশাশের আরও ধালো, আরও বাতাস। ছ্রির প্রচন্ড চালে সেই বাতাস জমাট ৰাধ্যতে আকে৷ বহু দূৰে বিশ্চত সেই ধ্লো-বাতাসের মেঘ ক্রমে সংকৃচিত হয়। ছার্পার ব্যাসটা ভগন দড়িয় আমাদের সৌরম-ডলের বাংসের অন্ত্র্প। ভাপমালা বাডলে তথনও ভঙ গরম নয়! চেহারটা তার এক খণ্ড কালো মেঘের মত। ब्बाद राजदे साथ का का करत चारत ठरनाएँ। े किंक करें असरह साधाकवारणत हारण स्टेंगर



क्लाभूब्र्ड नकत्रभूत्याव गरमा वि केलिस्टाब जीव किल पिटा राधान बराहर

প্রী বেশ আরও সম্পুটিত হরে পড়ে। এই
সম্প্রেটনের ফলে বে প্রচন্দ পরি নিগতি
ইয় সেই পতি উরাপ স্থিতী না করে
হাইড্রোজেন অপ্দের তেন্সে পরমাণ্ তৈরি
করে এবং সেই সপো অরন। করে মেশ্বর
আভাস্তরীণ চাপ এত কমে বার বে
ভার বাইরের তলের বাভাস বা হুলো
সরেগে কেন্দ্রের দিকে ছুটে আসে এবং
সোরমণ্ডলের মত বিশ্চুত মেদকে জ্মাট
বেধে স্থিতী করে একটি বিরটি পোলক।
এই গোলকটির বাস স্বে থেকে প্রার ব্যব্ধ
প্রহের স্বাহর সমান। অর্থাৎ স্ক্রের তরে
প্রার একল গণে বড়।

এবার সমুত বৃত্ত কণিকা মাধ্যাকর্ষণের টানে আপনা খেকেই এগোতে খাকে কেন্দ্রের দিকে। এ ব্যাপারটা চলে প্রায় ছয় মান। चार्यभाव स्थावत भारता यथन अस्त्रकन मण উত্তাপ এবং চাপের সৃষ্টি হয় তথন এই ছুটে আসাটাও বাব হরে বার। বিরাজ করে একটি সাম্য অবস্থা। অর্থাৎ নক্ষর স্ভিটুর জনো বে ধরনের বশ্তুকণা বা বে ধ্রনের অবস্থার প্রয়োজন সেটা তৈরির কাজ প্রোপ্রি শেষ। আর তব্দই भौद्रकात अविवे निम् नक्टवत मूच क्रुके ভঠে আকাশের ব্যকে। জন্ম গ্রহণ করে क्रकीं ज्यान नक्ता करे ममरा कर छान-মাত্রা থাকে প্রায় চার হাজার ডিগ্রি কেলভিন। উল্লেখনো সর্বের খেকেও প্রায় একল গুল বেশী: নক্ষরের জন্ম সম্পর্কে .05 ৰ্যাপার্টি প্রথম লক্ষ্য করেন নিউইয়কের গড়াড' ইনস্টিটিউট ফর স্পেশ স্টাডিজ-এর অনাত্ম গবেষক এ জি ডব্ৰ নক্ষরে জন্মের ভার এই ব্যাখ্যাটিকে পরে खन्दरभाषम करतम किरहारको विश्वविमानिः इद দুক্তন বিশ্বখাতি বিজ্ঞানী চুসিরো হারাসি क्षवर वि नाकादना ।

ঠিক এই ধরনের একটি ঘটনা সাঁতা সাঁতাই প্রভাক্ষ করার সোঁভাগা হরেছিল এফদল বিজ্ঞানীর। ১১০৬-এ গুরিরন বা কালপুরুষ নক্ষপুরুষের মধ্যে ধ্রুলা এবং

বাতাস ধনীত্ত হয়ে হঠাং একটি নক্তৰে কুটে উঠতে দেখা যায়। নক্তটির নাম রাখ্য হরেছে এক ইটি ওরিরন। অবণ্য এ কথা ঠিক, এই একটি মার উদাধ্যেশ বৃদ্ধ হয়ে দেখা পার করা কেতে পারে যা। এর জনো কুতত আহত একটি সক্ষেত্র জনো জনো আমানের প্রতীক্তি করতে হতে। আর নেই নক্তাতে ব্যক্তি করতে হতে আরও বেশি আমানিক সক্তাতিক সাহাবে।

वाहे दशक, करण्यत नव विन्यू सक्तारि **42** 7883 আৰুও সম্কৃতিত হতে থাকে। ভার ঔক্ত্রেলাও লবে হান পার। হারানিক মতে, তথ্ন তার কেন্দ্রের যথো যে উল্লেখ স্থািই হতে বাকে পরিচালন পশাভিতে আ बाइटवर्स मिटक क्रीशास बास कर बाहरतन ভাগমালা মোটামটি একই অকশার সাক্ষর क्रकी करता। जनगरन मर्टकास्टान करन কেন্দ্রের ভাগমারা দাঁভার এক কোটি ভিত্তি ফেলভিনের মত। নক্ষরে শব্দির ভব্দ অন্যতম উৎস হট্রে দাঁড়ার হাইছো-তাপ-পারমাণবিক PLATE PARTY ব্যস্তঃস্কৃতভাবে ভখন চলতে খাৰে হাইছোজেন থেকে হিলিয়ানের ভ্রশান্তর। সেই মণ্ডে প্রচন্ড উত্তাপ বা আরও বিভিন্ন ধরনের বিকিবশ শক্তির আবিভাব। 🐠 সময়ে সম্বোচনও বার কর হরে। নক্ত তথ্ন পরিপূর্ণতা পার। এটা সম্পূর্ণ হতে সূর্যের মত একটি নক্ষতের সমর লাগে প্রায় পাঁচ কোটি বছর। ছার বড় নক্তের ক্ষেত্র **এট সমগ্ন অনেক কম। উদাহরণ কর্প** বলা চলে সংবের চেরে তিরিল গুল বড় একটি নক্ষ্য তিরিশ হাজার বছরের মধ্যেই সম্পেকাচনের কর্জটি সেরে নিয়ে পরি-প্রপাতা পেরে যায়।

অতি আধ্নিক ৰত্মগাঁতি এবং বন্ধগণকের সাহাবে৷ ছোট বড় নানান ধরনের
নক্ষর বি ভাবে তৈরি হতে ধাবে, সেই সন্ধে
তাদের ক্রমান্তর গাঠনিক পরিবর্তন,
অবশেবে একটি নির্দিণ্ট আরতনে
রুপান্ডরিত হরে বাওরা, নির্মান্ডভাবে আর



# खावाद्य भवाकाय तिमी त्याभवाद्य माववृतीव् काश्रेट् ग्रावश्य श्या ग्राविवी काव् सिभिग्नाः



আনেক বেশী লোক ওর ওপর আরাম করে, আনেক বেশী
ছেলেমেরের। ওর ওপর লাক্ষরুল্য করে, আনেক বেশী বেড়াল ওর ওপর
ভাটিস্টেটি মেরে ব'সে থাকে—বান্তবিক, আনেক বেশী লোক অন্ত
কিছুর চাইতে ডি সি এম এর তৈরী আসবাবের আবরণীর কাপড়ই পছন্দ
করেন। কারণগুলি সোজা নয়: বর সাজাবার জন্ত ডি সি এম-এর তৈরী
আতি চমৎকার চমৎকার ও উজ্জল রকমারি জ্ঞাকার্ড ও ভবি পাটোরে
আসবাবের আবরণীর কাপড় এবং ছাপানো ও রঙীন পর্যার
কাপড় অভি স্থবিধেমত লামে পাওরা বার। আজ দেখে আস্থন।
কারাই নিজের বরে ওর ওপর ব'সে আরাম করতে পারবেন !

অনেক কিছুই আৰু হিসেব করে বের করা সম্ভব হরেছে। এ থেকে বে কোন নক্ষরের বয়স কড সেটা জেনে নেওয়া আজকের দিনে খবে বড় একটা কঠিন ব্যাপার নব।

আর এই হিসেব হও পরীক্ষা করেই
দেখা গৈছে পরিবর্তনাশীল টি টাউরির
নক্ষরগর্মীল এখন ভালের শৈশব অবস্থাতে
পড়ে ররেছে। অর্থাৎ এখনও ভালের
সংক্ষাভনের পালা শেষ হয় নি। সেই সংগ্যা
হাইছ্যোকেন পড়ের নগল্য পরিমাণ শভিই
ভালের মধ্যে তৈরি হয়ে চলেছে। মনে হয়
বেন এই সবে ভালের ক্ষার্য হলা। নাক্ষ্য
ক্ষাতের বস্তু এই মার ক্ষমাট বেংব ক্ষার্থনা
শাখাটি ভ্রালিরে দিরে গেল। এই নব
ভাতকের ক্ষাবস্থা এখন ক্ষমাট মের এবং
হাইন্ডোভেন চুলির মন্ত আমানের স্ব্রের
অন্তর্গে।

ইতিমধ্যে জ্যোতিবিজ্ঞানীরা উচ্ছলে আর্ডন, ভাশমান্তা অবস্থান প্রভাতের কথা চিত্তা করে বিভিন্ন নক্ষচদের নিয়ে নানা तहराश्च एक कर्रक स्थानाहरून। केक कर् कारण्य नकारक भारत तावा शासरह धार्क একটি ছকের মধ্যে। ১৯৪৫-এ ভয় প্রথম लका करवर हि होडेविका ध्रम्म ध्रमी জায়গা ভাঙে অবস্থান করছে বে অঞ্জে সাধারণ নক্ষত নেই বললেই চলে। সে সমর অন্ন বিজ্ঞানীয়া এ ব্যাপারে খানিকটা ট্রে পক্ষাই প্রকাশ করেছিলেন। তাদের ধাবলা এটি একটি নিছক বাতিক্রম। কিন্তু ১৯৫०७ कतरन्त्र विश्वविमानसम् हे हे সল্টপিটার হিসে**ব কবে প্রমাণ করলেন** সতিটে এর পরিবর্তনশীল নকর। **ইাত-**মধ্যে আরও করেকজন প্রশাত জ্যোতি-विकासी, यौराय भाषा वरवरकस व्यक्तिकात গাইলারমো হারো, সোভিয়েত বেশের এম লোলদমে এবং ইন্দোর্নোশ্যার পিক-সিন বর্ণালী বিজ্ঞানের সাহাব্যে টি টাউরির অন্সংখানের কাজে লেখে বান। আপাতত এক হাজারের কিছু বেলি সংগ্রু এ ধরনের নক্ষত্রের সন্ধান পাওয়া গেছে। সেই সংগা অনুসন্ধান চালান হচ্ছে ডাদের বিচিত্র চরিতের রহসা উস্বাটনে।

জানা গেছে টি টাউরি নক্ষরের বাইরের
দতরটি সাধারণ তারার চেরে অনেক বেশি
সক্রিয়, উল্ভাল এবং জনাট। এই অঞ্চল
থেকে প্রতি মৃত্তে নিজের দেহ থেকে
বেশ কিছা পরিমাশ বন্দু কণা সবেশে এর।
মহাশ্নেরে দিকে ছুড্ছে দিছে। দ্রে,
তাদের মাধাক্ষর্শ টানেরও বাইরে। ক্যালিফোনিরার বার্কলে বিশ্ববিদ্যালয়ের বিজ্ঞানী
এল ভি কুছির মতে বিবর্তনের অভ্যত্ত
সক্রিয় অবস্থার প্রতি ভিন কোটি বছরে এক
একটি টি টাউরি ভার কেই থেকে বহুটা
পদার্থ বাইরের জনতে ছুড্ছে দের ভার
পরিমাণ অম্যানের সুত্রের মত। একং একটি



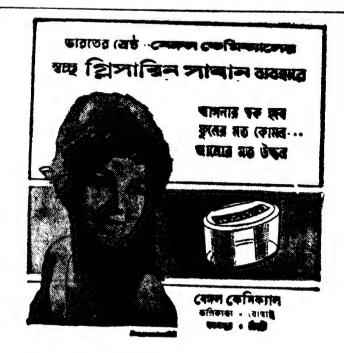
विका कि है।केंद्रिक स्टब्स स्टब्स

পার্ণ নক্ষতে পরিণত হওরার হাহাত প্ৰশ্ৰ ভাৰ মূল ভৱেৰ প্ৰায় তিন ভাগেৰ এক ভাগ ভব সে হারিছে ফেলে। এ ছাজ এই নক্ষ্যালির উল্লেখ্য সাধারণ নক্ষ্যের মত কোন নিরম মেনে পরিবভিতি হয় না। क्यम करहाक घन्छ। चन्छव हतार स्वरक বার। কখনও বা বছরের পর পর একট উল্জালতা নিয়ে অবন্ধান করে। ভবে জার্মান জ্যোতিবিজ্ঞানী কলো হছমিসটার-বিহু বিহু টি টাউরির উল্লেখ্য চাস-বান্ধর মধ্যে একটি নির্মাত সম্পর্ক দেখাত শেরেছেন। এ'র বছবা এট ভালাগালিক বোন অংশ অত্যন্ত কেনী সক্রিয়। ফলে সেখানকার হাইড্রোজেন অভি প্রভ भट्ड हरम धर कारणाहि वरभकाकृत कर সক্তির অঞ্জ থেকে অনেক বেশী উচ্ছত্রের দেখার। টি টাউরি ভাদের অক্ষের চারপারত আবর্তন করে চলেছে। বার আবর্তন-বেশ্ব

दिन्मी, क्रेंस स्ट्रंड से केन्स्ट्राजन स्थापि कार्य अस्त श्रेस श्रित स्थाप्तास्त कार्य स्ट्रंड श्रुद्ध क्ष्मा स्ट्रंड होता । क्षात्रपार क्रिट्ड श्रुद्ध क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मा क्ष्मि स्थापित से केन्स्ट्राच्या स्थापि स्थाप क्ष्मा क्ष्मा

ভবে কি স্টার ক্রণকের ম্বান্ডকর
আবিক্রাকী করেছেল আর্থানির কার্ট
হাপার। এই সমস্ত নক্তরের রখে। তিনি
ক্রন্থ পরিমান লিখিয়ার থাতুর উপস্থিতি
আবিক্রান্থ করেন। পরে মাউন্ট উইলসন
এবং পারলোকার বানমন্দিরের হ্রন্তন বিজ্ঞানী
ভর্ কে বোনসামক এবং হেসে এক
ভিনাকটাইন বর্শালারি সাহারো পরীক্ষা করে
দেবেছেন এই লিখিয়ামের পরিমাণ স্বের্থর
ক্রান্থানিকরের লিখিয়ার ক্রেকে আবি
ভবেত করে ক্রান্থানিকরের ক্রিক্রান্থানিকরের ক্রিক্রান্থানিকরের

আন্তরের স্ব' একটি রব্যবরুত্ব নজরা আত্ত কেন্দ্রের প্রকাশ কোটি করে আলে এক সমরে ভাবেও এই টি টার্টীর ক্ষার মধ্য বিরে পূর্ণ নক্ষরধানিকের দিকে এগিয়ে ক্ষান্তে হরেছিল। সমত্ত পারী নক্ষাকেই কোন না কোন সময়ে পরিবর্তন-লীলা ঐ টি টার্টারর অক্যারে মধ্য দিরেই বিবাহিত করে হয়। বিজ্ঞানীকের করে প্রকাশ



স্থা কি এখনও তার সেই বাল্য অবস্থার

মাতি মনে করতে পারে? হয়ত পারে।

স্থোর বাইরের স্তারের কার্যাবলী লক্ষ
করলে মনে হয় টি টাউরির অপপর্ট চিছ

আক্ষও বেন সে করে নিরে চলেছে। প্রবল
বড়ের দর্শ আক্ষও বে বস্তুকশা স্থোর
ব্রু থেকে মহাকাশে ছুটে বার, তুলনার
অত্যান্ত নগণা হলেও মনে হয় টি টাউরিরই

মুল চারত ক্ষিত্র হয়ে আৰুও ভার মধ্যে মিশে ব্যাহে :

কিপ্তু আরও একটি প্রদা। টি টাউরিই বার বিবর্তনের মধ্য বিরে আমানের স্ক্রের্ ব্রেপান্ডরিত হরে থাকে তা হলে সেই অতিবিক্ত বিভিন্নাম লেল কোখার? প্রচালক অতিবিতঃ স্ব্রেরি প্রতীরে প্রেটন কাঁবকার আবতে খেনির তার লিভিন্নামট ভার র্পাণতরিক হরে গেছে হিলিরারে।
মহাজাগতিক ভব্দ বা বাভাসের উপর
পারমার্থিক প্রতিরায় নক্ষ্য স্বিটর আদি
বাংগ এই লিখিয়ায় তৈরি হয়ে থাকে।

১৯৬৬তে মৌল্লকোর জ্যোতিপাদার্থা বিজ্ঞানী ইউজেনিও ই মেনদোজা আনিজোনা বিশ্ববিদ্যালয় থেকে গ্রেব্ধা চালিত্রে টি টাউরি থেকে আগত প্রচন্ত

# त्य छित जिन्नर्या श्रस ऋष-ऋष জाण ताती सत त्र छित छित्वाचि छिती कियाद्मात छित छे९ शामत

১৷ গুৰের ৪৫ গরিবার আর উন্মুল রাক্তার উপায় বী ্

বোল বতৰাক গৈবাবোচা কৰুৰ কাংকৰ আপনাত বুৰুত্ব বঙ কিছুকেই সুপুৰ্ব পৰিচাৰ বাবে বা কিছু কৰা। আহ কেন্দ্ৰ-পাশ বোহাৰপানে কেন্দ্ৰৰ পৰিচাৰ বোৰ বাবে। বাব কৰা কৰে কোনা কোনা কোনা কাৰ্য্য কাৰ্য্য কৰা কৰে। কাৰ্য্য কৰে কোনা কোনা কোনা কাৰ্য্য কৰা কৰা কাৰ্য্য কৰাকে কিছাৰা মাকভাবাকিক প্ৰাৰ্থিক বাবাবো কাৰ্য্য কৰাকে কিছাৰা মাকভাবাকিক প্ৰাৰ্থিক কিছুক্ত বাহ্য কৰা কৰাৰ পৰ্যাৰ আপনাত কুল্ক বঙ্গ ক্ষেত্ৰ পাছবাকি কৰা আৰু কিছাৰ বাবে কিছাৰ २। 'श्रांक्ष्म्य क्याराज्यात' सूच्य जोक्दा क्याड सम्बद्ध केनात की ?

রোরভার খেয়া থেছিং, গরব রাজা ও জ্বভের জন্মনা রাজার রাণ্টা— আনারে খবের লাভাবিত জৈলা বাহ ভিযাত ভাব বাই খবে বা একই ভবের আরহে ভারার কাকে লালারে এক হবে আর লাভারীত। এই লোভ বাবে ইয়ারা নারিশিং কোকে নীয় বাহুল—কেকে বোকে পানার রবের আরু কিবে পানবে আর্ডাভি পোনতা থাবে সেইবার অ সন্মিই কোনো হালকা পাউভার বেস আলে চ

বিপালী আছে। জীয়াছা জানিবিং ক্রীয়। পাদবের হাত বানকা, ক্ষেত্রক বাত নাল। যাখাত পাবে করের জুঠ াশ্যাকারে বার বাবে করার নর করা। খাব, আন্মান মঙ্গ বার কঠা আর্হা করার বাবের করার



वितास्ता माम् वस्ता

ৰে. কে. হেলেন কাৰ্ট্ট্ৰন-এর কৈন্ত্রী

दिलत विक्रीय

পরিমাণ অবলে। হৈছ রশিষর বিক্রিপ আবিশ্বার করে। বিলা হরেছে নক্ষেত্রর চারপালে বা নের্বপ্রা থেকে বার, সেই তপত মেঘ বার তাপনাতা সাত প ডিত্রে কেলছিনের মড, সেখান থেকেই এই অবলোহিড রশিষ বিকিরিত হছে। এই অন্মান বলি ঠিক হর তাহলে বলা চলে, খানিকটা মেঘ জনাই বেবে টি টাউরিডে পরিপত হওরার পর্ম অর্বাশন্ট যে অংশটি পড়ে থাকে সেখান থেকেই আসে এই বিকিরণ। এশের বন্ধনা, একদিন স্বোর চারপালেও উত্তরকালে সেই, ব্যেষ্ঠ প্রা ব্যাহ্র করে ছলা এমন ধরনের মেঘ। সল্ভবত উত্তরকালে সেই, ব্যেষ্ঠ প্রক্র প্রক্রিক প্রক্রিত হলে স্বাভ্রা ব্যাহ্র করে ছলা এমন ধরনের মেঘ। সল্ভবত উত্তরকালে সেই, ব্যেষ্ঠ প্রক্র প্রক্রিক প্রক্রিক

मन्त्रीड कालिएकानिया डेनम्सिविडेडे जब र्हेक्ट्रमान्तित म् जन विख्यामी है है दिक्तिन खन्त कि निकेत्वनंत्र कालभावात नकतभावनन একটি বিস্তত বেষয়ালা লক্ষ্ এটি ক্লেই প্রচল্ড আৰভানের মধ্য দিয়ে জমাট বেধি ভলেছে। সেই সংখ্যা বিজিনিত करकरें: वि হ্মবাভ অবলোহিত বৃদিয়। **धिकेशित्रहे मण।** আরতনে এই মেম্মালা হাজাসি এবং নাজন্না ভিসেত্র করে লেখেকন মেৰ আগামী কৃষ্ণি বছরের মধোই 🔉 ক্ষাবত ক্ষমট বেখে একটি সংশাল নক্ষা ৰ্পেণ্ডবিত করে বাবে। জেগডিবিজিন্দ এই সময়তি মিতাৰত সংক্ষিপত। দে**খতে দেখতে** aहे केंड रहत **रक्ट**डे **कट्ड**ा श्री होते प्राद्वारात शाकारका क्ष्मान्द्रश्राम क्षेत्रप्राम ব্রসাভারক আয়প্রভেত্ত দিকে। সেই সংগ্রে িল্যব একটাল: **কাজ করে বাবে বল্যগণক** মু मृहे प्रभारकत प्राथा अक हेके खरित्रम अब बर्च करण ५५८० व्य कि के के ब्रिक्ट आर कर्य एवं वानान्छकाड़ी बर्जना नानि करेंड्रे ভিত্তন ভাষত আছবা অংশনিকাড্য ভক্তি অংকও म्बीकृष्टि भारदः।

#### সমর্জিং কর

দঃ শনিবার ৪ আইবের বিশ্বী বিজন এ একটা ছাপার ভূল থেকে লৈছে বি যোগনার গভিষেপ কতা স্তব্যক্ত আপনিত্র ছাটে চালালন স্বেক্তে সাড়ে প্রিরিশ মাইল গভিষেগে। একানে হবে একশ সাড়ে পার্মিশ মাইল ১

# णणणणि वऽथा-विपता पृत कतात जत्तर अक्याम 'जाराञ्ज्दशा' रे भारेकाकारेत कता







निद्धांक ध्यादित व्यापित व कृत मार्डे क्यांको देख व्याजिको पादकः स्था-क्यां • स्थाशः भा-गार्गः ह • क्यांका कारः • गेर्के स्वर्धः भवक्यः •

माजा: क्षांक्षण : श्रीके क्षांबरक । क्षांबर रहन क्षांक नारकः।

নিভংগর জনাঃএকট টাবলট বা আগনার ভাতারের নির্দেশক। নতুন নাইক্রোকাইও 'জ্যাস্থ্যো' বাথা-কেনা চুর করার স্বীধূমিক উপায়।

বত্ব মাইক্রোকাইও ভাষ্যাসক্রের ' তাড়াতাড়ি ব্যধা-বেদবা হুর করে

নিকোলাস-এব 😵 তৈটা

# म्बा स्वर ग्रिक शश्र्ष्ट् भागामा

সতিই কী চমৎকার সিগারেট।

কী অপুর্ব বাদ আর সোরালীবর্ণের
ভান্ধিনিরা তামাকের কী অপুর্ব গত্ত।
তাই ত' পানামা সারা ভারতের
ক্রত প্রের। আপরিও একে জাপুরার
ক্রমার প্রির করে তুমুর।



গোছেল টোৰ্যাকো কোং, প্ৰাইভেট লিঃ ৰোগাই-৫৬

ভারতের এই ধরণের বৃহত্তন স্থাতীয় উদ্যান

67 pp-672 8mg



(আঠান)

ন সাতেক যাদ বিমানের ঘরধানা থানি হরে গেল। তার বাইগ্ ল নিত্রে গেল লিত, আর বাসনপচগুলো কতার প্রে মুখ বাধে রাখা হল বাড়িওরালার ঘরে। অপগার প্রকশ্ড মোটরগাড়িখানা বাটভগার অপেকা করছিল, লাগেল বাট-এর প্রকশ্ড ডালাটা খেলা। বিমানের বিছানাপচ আর বার পাড়ের লেকেরাই ধরাধার কর তুলে দিল গাড়িতে। স্বলকে ভীষণ বাশ্ত খেলার বার বার নেনে অসঙ্গে, হতবার অপগার দিকে ভাকাছে সে।

বইরের ব্যাক আর চোকিটা পড়ে বইল।
অপশা বাড়িওরালার হ'চেত বাকী ভাড়ার
ট কা দিরে বলগা—ও জিনিসগলো ইছে
করলে পরে যে ভাড়াটিরা অাদবে তারা
বাবহার করতে পারে। নইলে আপনি বা
খণ্ডী করবেন।

বিমানকে মাকশান কেৰে শ্বাৰে বসক শলিও অনু বানন। তিনাবিং হাইল ধাবেছে অপশা। গাড়ি ছাড়ানু মাহাতে সাবল শানক। শিলে কানেক বলল-ললিওবা, দবকার হালে অমি সাংখ্যাবেতে প্রি।

অপ্রাং দ্বিত ঠেওি কামজ্ব। শ্লিত মথা দেবড় জানাল—দরকর হংব মাঃ

একট্ হতালা দেলা গেল স্কলের মুখে।

পাড়ার লোক গুড়ি করে পাড়ি দেখছে।

দ্রুত্নের মারখানে নিগর হরে বলে আছে

বিমান। সে আঞ্চরাল আর কিছুই টের পার

না। আকালে টই-টন্ব্র ভার মাথা। দিন
রাজ আকাল-ভূব। ভাকে খ্র রেগা

দেশাছিল। মাথার চুল খ্র ছোটো করে
ছটা। ভাল্রে খানিকটা জংল চোছে কেলা
ইরেছে, দেখানে একটা প্লেটিস্লাগানো।

দ্রটো কোটরগাত চোখ খ্লা ভাল করে
ভালছে। আগে পালল হরে গোলে লালত

আছত বিমান। কিল্কু একর সে গণডগোল

করে। প্রাই লাট্ট হতে লোককন্তে

ক্রেড়া করত। বাতে নরজা বাতে বোররে

ক্রেড়া করত। বাতে নরজা করতে বারের

ক্রেড়া করত। বাড়া সাজার নিশান্ত বাতে

লির কড়া নেড়া চোটাত—টোলাগ্র মা

টোলাগ্রাম, শাকুনের জিমনাসির মে পিরে
পারালাল বার-এ উঠবার প্রাণশ চেনটা
করত মাবে মাবে। একাদন পেলাবিহ্না
একটা হেলে ভাকে বের কার দের, ভাকে

ইট দিরে ভাড়া করেছিল বিমান বিপ্রা

ী এখন বিমান শাশ্ড। কোনো জালিখরতা কেই, নিকাত কেটরগত গ্রেখনো জনেজনতে চোখ মাকে মাকে চারপালে কী কেন খাকে বৈড়াকে। নে চিনতে পারছে না এরা কারা এবং কোখার নিয়ে বাছে তাকে।

र्गान्टर स्य जात कींग्रे न्या। विमारनद

একখন হাত কোলে টেনে নিরে তার ওপর হাত রেখেছে সে। ঠাড়া সেই হাত। খনছে। সে কোনো একটা সাক্ষনার কথা বলতে চইছিল অপলাকে। পর্যাল্য না।

গাড়ি চলতেই রমেন বিষ্ণানের কানের কাছে মাথ এনে ভাকল—বিমান।

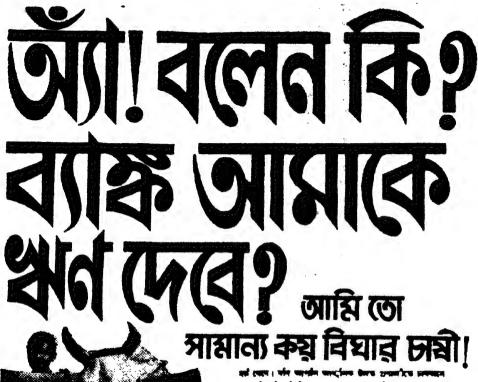
কলিত চোথ ফিরিরে নের। সে বাাপার্টটী কি চোথ দেখতে পার্রাছল না। অপর্ণা আর বিমানের কত স্কুম্ফ বোঝাপড় ছিল। এখন এই সব বিরোগালত গুলা সে সহা করতে পারে না। কেননা, খাম্বতীর সল্পে তার ইতিমধো চারবার দেখা হরেছে। মতক্ষশ শাম্বতীর সন্দো দেখালোন: হর ততক্ষশ লালতের কিছাই মনে থাকে না। কিম্পু ভারপরেই একটা পভীর শ্নেভার মধ্যে ভার মনে পড়ে একদিন—খ্য শীগগারিই—তাকে মরে তাকে রালে হাব। বিমানের দি ক ভাকিরে এ রোগা ম্রোগার গলার মতো সর্ আর তেলিটাট মরোন্বা গলার মতো সর্ আর



हत अवकार अक्षेत्र तत्क त्राच्या किरत त्र

डिस किस आदन आमिडाब अवसी हिर्दि अत्यक्ष। मर्गकण्ड विवि। जित्यक-अथात कारण देशीय कार्यम स्मार्थ। छाडे कारमान्य यह कार विद्यामा प्रथम करत आहि। काम मा খ্লালেই পাহাত দেখা বার। একটা অন্তত ্উপত্যকা সামনে, ছোট নদী করে বাছে। The section of the se

বেহাভারা হেতে মধা পেরিয়ে হাটে বার। বদি বেখিদ ভবে বলিদ জামি বনি বিজ क्रमकाकात जय करना त्याक हैतक करता करायात करक करन जातान किन जरना केरनाम बार्फ मीकिस स्थम हास्त्रामको भी माँ " क्षकाम । असम्ब मन्त्र मन्त्रक साम्यादक कतरफ दर्शन क्रमम इक्रेस सिरक्षरकः भून श्रह्माकी करहा चामि अभम करमक्रीयन महर गार्श-माहीन विश्वाम करा। अक्टो अअवास बाक्य। मस्टीरक र्शमन वार्थि छाउ निश्न शाहबत बातात स्नैति कतात छोता जातक होत्जा निर्दाध । जात सा । जनाहबर बाग बाकि माहा गुभार-अकवातक अण्डीत अल्लाहे मार्चि स्वार्तक्रमाम-अमे कि सरहरू कथा महत् भट्ट मा। क्यांनिया, मचीरक शास्त्रवार महत्व भट्टियाँच महर छैनक द



ी कृषिकारियों हान्, कादाक्रम काम गीक, मास, त्य



COMPANY TO THE PROPERTY OF

হারার। কিন্তু কিন জানি ও মানেনি, জনেক অনুনামে। আন আনিন এইখানে চলো আর্থা রামেনের করে জনেক বার্মার নই। পক্ষার। চনাই সালে জানে কালা থাকার আর কোনিনের নই হোমিকপানি, প্রাথমিক স্থান্থাবিদ্যা আর হাজার রক্তের পরিকা। সমস্থ কাল্যা ক্ষম কাল্যা

ভিটি পড়ে কলিতের ঠেট সারাজ তেখাগ্রে: পলার ঠেলা মেরেছে কারার ডেলা। লাল্যতীকে হেড়ে নিকে আদিডা। কিল্ড ভাতে কী লাভ?

অলোকিকভাবে বে'চে বেণ্ডে ইন্ছে করে।
বাইরের গিকে মুখ কিরিরে রেখেছিল
লালত। প্রেডে পারাছল বিমান প্রে গ্রেন্
করে কথা কলছে। কথনো সখনো হঠাৎ
বিমান লাকিরে উঠে দক্তলা খ্লে ছুটে
বেরোনোর চেন্টা করেছে। কথনো চীংকার
করেছে, কিন্তু আবার পরক্ষণেই নিথর
হরে গেছে। এখন বিমান কী ক্লাছে তা
প্রেডে পাছিল না লালিত।

সঞ্জের মা মারা গৈছে। প্রের্ছ দশা
নিরেই এনে দর্শিন আন্তা দিরে গেছে।
পলার বড়া, হাতে ভূশাসন, পালে দাড়ি আর
একটোকা চুল মাথার। কী বীভবস লোকের
চেহারা! হিস্পুদের ঐ আর এক দেখে।
লোকে চমকে ওঠে মন খারাপ হরে যার।
বরং শোক চিহ্নার্লি লা্কিরে রাখাই ভাশ—
মান্বের এমনিতেই দিনে কতবার মৃত্যুর
কথা মনে পড়ে।

অপর্ণ:—রোগা ফর্সা মেরেটা—স্ক্রর
পাড়ি চালার। এতবড় পাড়ি কী অনারাকে
চালিরে নিছে। ওর মনের অবন্ধা কী তা
লালিত বোকে। তব্ ওপরের দাতে ঠোট কামড়ে মাকে মাকে উড়ন্ত চুল চোধের ওপর থেকে সরিরে নিরে দুটো সহক্ষ হাতে উড়িরে নিরে বাকে।

সামনেই রাস্ভার মাক্বানে পরিভূরে আছে মহামহিম এক ল্যাংটা পাগল, হাতে লাঠি, লালত চোৰ ব্ৰচ্ছে কেলে। লক্ষ্যার। পাড়ির গতি ধীর হরে স্বার। পালত টের পার গাড়িটা বেকে পাল কাড়িরে নিলাং পাপলটা রাশ্তা ছাতল না। বেড়ে সেছে আক্রমাল। হঠাব হঠাব কেলে ৰাছে মানুৰ। বিভবিভ THE PERSON हर्जार । মাৰুৱাতে দরজা খালে বেরিয়ে PUBLE রাশ্ডার, পারের জামাকাপড় 2016 দিক্ষে। পাকিস্ভান হওরার পরই এটা 🛣 বেড়ে গেছে খ্ৰে ৷ পভবারের আগের বার প্ৰজোৱ কথলে সৰ বেড়াতে সেল বাইরে। ললিভ মাৰে একা রেখে বেডে পারে না কোৰাও। ভাই লে বাস্ভার বাবে টারে সময় কাটাভো। সেই সমরে একটান ভবানীপ্রের ফুটপাবে প্রচ-ড ভীডের ভিতরে একটা লোকের চোখে চোখ আটকে অভি-অভি व्यक्तिक

भागरमार स्थाप । स्थापकी प्रदेश साथ विस्क WHEN WENT CONTINUE WORK -- WHILE I BELLE COLUMN TEN SERVICE COL व्यक्ति। व्यक्ति की। कावि की। दक्त सन्दर्भ करिका मध्या ब्यान्स वसावता क्या व्यक्ति राज कथा कारक किविश कारक। वस्त्रम करह कीनाइ छात्र आंधान, काक ज्यादकत पाक्यात ता जांगकरको किए अक्षी कारत চাইছে—ভার। হঠাৎ ওব্ৰুত্ৰভাবে কেউ ভাষা বলে ফ্রেডিয়ে উঠলে যে কেউ টলে বার। নিজেকে আজন্ম পাতি পাতি করে প্রতির দেখতে ইছে করে। জিল্পেস করতে हैटक एक आबि की कर्राह । की कर्राह । र्मानएक क्रिक छाडे दर्खाइन । ट्राई भागनणे কেন ভাকে কৰা কৰে চে'চিয়ে বলেছিল -ভান ? হয়তো লে একটা কিছু দেৰেছিল বা অনা কেউ লক্ষ্য করেনি। সে হরতো লকা করেছিল ললিভের অসংগতি। হরতো কোনো ভবিবাং দুখটনা। কিংবা হয়তো সোজাগাসকে কিছা। আলটপাকা বন্ধ নাজ্য খেরেছিল ললিত। পরমহেতেই न्वाक्षाविक इरत स्ट्रेस्ट हरन निर्दाप्त कीरकृत श्रद्धाः चान्हर्यः त्महे चहेनात् श्रद्धः मृत्यहद्वश्र কার্টেনি, ভার ক্যান্সার হল।

কোনো বোগাবোদ নেই তব্ আৰহা-ভাবে মনে হয় বোগাবোদ আছে। পাগলটা হয়তো তকে সাৰধান করেছিল।

একদিন মাৰুৱাতে হুম ভেডে জালান্ত रवयमा ब्रह्मम बरम चारक। सामनाव प्रिटक মুখ। কোলের ওপর জড়ো করা স্টি হাড। নিস্তৃস্থ। জানালা দিয়ে বাইরের আকাশের ফিকে একটা আলো আসছে। সেই আলোভে ললিভ দেখল রমেনের বু চোৰ দিরে জলের দ্বটি ধারা নেমে এলেছে। দ্বের কোষাও একটা কুকুর কদিছে। মুলারির ওপালে জানালা—তারপর হাজিকণার ঝডের মতো নকতে আকীৰ্ণ আকাল। ধৌরাটে চাৰ আকাৰে। অপাৰ্থিৰ মৃতির মতো ब्रह्म नरम कारह। मीम्स राकट भावन রবেনের চেডনানেই। সে স্থান করছে। নিশ্ৰত রাভে সেই কুকুরের কালা, Marie II আকাশ, ব্যানস্থ রমেন-স্থ মিলেমিশে এবন এক স্বশ্নের মতো দেখছিল কলিভ –ৰেনতাসতানর অংশচ হঠাং বুকের ভিতরে হ,-হ, করে ৬ঠে। ক্সে বে, দলিভ का कारम मा। कामाना निरंत करत शकुरह ভারার গ'্রড়ো, জ্যোকনার মোম। কুকুর ক্ষিছে শ্ন্যভার দিকে চেরে। আদিগত হারাপথ পড়ে আছে হিম আকালে। মদুৰে रकेर बाम एक्ट कारत हमाया। माम कारत বার। বিশ্বজগতের কোন রহস্যের সংজ নিবিড় হরে আছে মন্দ রমেন, লালভ ভা ा-**रकार**नापिनहे बानस्य ना।

নাৰে নাৰে নিশ্বত বাতে উঠে ৰসে গভীৱ ব্যানের মধ্যে চলে থেতে ইচ্ছে করে। বিমান খনে-শুনু করে কথা বলচে। হবে বিশ্বিয়ে জীলত দেখা মানা বিশিষ্ট চামে বিদ্যালয় কৰা গোনায় ফেটা কৰাই। অপি প্ৰসাধিত।

स्त्रम चाट्नक वनन-किंग त्याचा बारम

ना।

লীকভ বিষয়ের দিকে ব'বে কাল।
কথান্তো ঠিক বোঝা বার না। অসালান ও
মনে হর বুকি বা কোনো কবিভার লাইন।
—কভোবর সিরোভ যে বার্ণিকানে,
কথোবর উল্যানে...কভোবার গিরোভ যে...

রমেন হঠাং সচকিত হরে উঠে সোজা হয়। ভারপর অপশার দিকে মুখ বাজিরে বলে—আপনি পারবেন না। গাড়ি টাল খাজে, আকসিভেন্ট হবে।

অপর্ণ মূখ কেরার। মূখবানা আক্ষ জাল উর্জেজিত। চোখ টল্ টল্ করছে। একট্ হাসার চেণ্টা করে বলল—ক্রিক ব্যালাস থাকছে না।

–গাড়ি থামান।





দকৰা জীবনবাপনেৰ জন্ধ বা প্ৰেয়েণজন গুকাৰাক আ পাণ্ডৱা বাৰ। গুকাৰা। জকাৰা বাৰ্থকা কোৰ কৰে, বাংগ্ৰাৰ উপ্ৰতি কৰে একং পৰাচেৱা ঘটা জক্ৰী, যৌহনেৰ বৰ্ণ প্ৰবীৰ জিবিছা আনে। সাৱা পৃথিবীৰ গক্ষ পক্ষ বোকে আৰু বদক্ষিক তথা কন্তবাধ্যোজ্যকাৰী আধুনিক

ট্যাবনেট ওকালা ব বহার করেন।
পুন্দর ও ত্রীলোকদের জন্ম পৃথক পৃথক
ওকালা পাওবা যাত।

প্রকাসা – হর্মো – কার্মা বিচ্চ শণ্ডন- বার্লিন-এক তৈরী বন্ধ বন্ধ ওচুথের ঘোকানে পারেন অগবা সরাসরি বাবের কছে থেকে পারেন :

P O. BOX 396, BOMBAY-I.

20-3

কর্ম (মাডাইস্ পাক প্রণালী-প্রতিযোগিতায় যোগ দিছে পুরস্কার লাভ করুন প্রতিযোগিতায় বিশ্ব পুরস্কার লাভ করুন

আপনার নিজস্ব বিশেষ পাকপ্রণালী স্থরু করবার সেরা জিনিস

# ब्राखेत २३ शलजत ३







बाब बार्गि स्थीनामः। स्ट्रिंग्समाय स्टब्स् अस्त पारकः। तृतं क्रस्त सारः न्यूपार्वे रेजते स्था नारः। स्योते स्क्—बारकाटका हे सारा वार्गादः।





কে কেন্দ্ৰ ক্ষমত হ কেন্দ্ৰ, বিষ্ণুট, পাৰ্কেলা, পুৱী, পোলাপকাৰ ইত্যাদিকে বাৰহার ক্ষম। ক্ষম একটু কেপালেই বেশ হাকা হবে উঠবে।



Rate Resident returns

আৰও নোলানেত, আনও থানেত্ৰ, আৰও ক্ৰীৰে ওয়া। বিসোধ জোনো অংশ নেই। এ দিবে চনংকায় বিসামী, আইসক্ৰীৰ, ক্ৰীয় প্ৰভৃতি তৈনী কৰা বায়। জেলি, কলেৰ স্যালায়েত্ৰৰ সঙ্গে বিশিক্ত থেতেও পুৰ ভাল সাকৰে।







वि क्य जि जारादेवी कालोह आहेतार

পাৰেন হৰ্ডকম মনোৱম পাছে ৷ এ গিছে ছৈৱী কর: যাহ নানান রকম পুজিং ও ডেসাট ৷





দি এছ দি প্রেক্ষর্য কর্মান্তান :-পাঁচটি পাছে । ছুংগর সংজ ক্ষমান্তারে বিশিরে লোভনীর বাবার ও হাসুর। ভৈরী করা বার :





for any for restricted autiproperty:

ল্পা, খোল ঘন ক'রে ডুল্বের । নহদার সজে মিলিছে ভৈন্তী কর। বাবে---বেল মচমচে, পান্তলা কারার, সিল্লারা, কার প্যাটিস । বাচচ্চ আর অল্যারণের পক্ষে ধুব ভাল।

ন্তি' উপরোক উৎপাদনভালির যে কোন একটি ব্যবহার ক'রে আপনার নির্মণ গাক্তপালী আবানের কাছে পাট্টরে বিল। উহা সৃষ্টাত হ'লে এই গাত্রিকার তা প্রকাশিত হবে এবং ১৫০ টাকার নগদ পুরকার ও অনেক কিছু উপহার আপনি পেতে পারেন।



আপ্ৰাৰ পাক্ষণাৰী ডাক্যোগে এই ঠিকানার পাঠিরে দিন:
"পাৰ্বিসিটি ডিপাট্যেন্ট"

কর্ম প্রোজান্তস্ কোম্পারী (ই জিল্লা) প্রোইজেট লিমিটেড, জী নিবাস হাউস, ওলাডবি রোড, বোবাই ১ বি-আর। - minra ?

-- वात्रि कामादवा ।

অপৰা একটা বহুতে অল-নাইসেপ আছে ?

রনেন হাসে—ছিল। কিন্তু ভরের কিছ্ নেই: আনি চালিনে নিতে পারবা।

অপশা বিশ্বকাষকাল সাভের উক্টো-বিকে পাড়ি বীড় করিলে সরে বসল। রমেন পিলে ধরল হাইল—সামালা হাঁফাছিল অপশা, বলল—সার্কুলার রোডের কাল বাতি আমার নজরেই পড়েল। বিশিয় পার হলে এলাম। প্রকিশ বোধহর কবর ট্রেক

হঠাং ললিত আৰু একটা ব্যাপার লক্ষ্য कार प्राप्त प्रदान करेंग। नामालक जीछि सदा मासन। इत्सन-द्यादन समिनात আর অপর্ণা—কারখানা মালিকের মেরে। পিছনে সে স্কুলয়ান্টার, আর বিমান— कर्भारतगरनद समामानवाद। मारते। रमनी जानामा जानामा स्मापे व्यावस्था মকিংপণবারের কালে মানসিক হাসপাতাল। থার পরিদ্রার-পরিক্রের ভারগা। সামনের দিকে একটা বাগান আছে। লালত ভিতৰে লেল না। গাড়ি থেকে নেমে বাগানের भाषा दयकारक माभनः विमानदक धरङ धरङ নিয়ে গেল র্মেন, পিছনে অপণী নত মুখে। म माठी क्षेत्र भावाभ मार्गाहम मानरउद्र! একটা পরে দাজন লোক এলে গাড়ির मारमक्त्र के बद्धा विवादनक वास बिट्य दशका । হাসপাভাবে বাৰ রাখতে বের কিনা কে জানে! হরতো মানসিক হাসপাভাবের ব্যবস্থা আলাদা, মহাতো বামন আৰু অপৰ্ণা কলোকতটা করিরে নৈরেছে। ওপ্রলো কোষাও রাখার काराणा किसा ना ।

ক্রের ফৈরে আসচে অনেক সময়
লাগল। বখন বারালার তিনটে সি'ড়ি তেঙে
করা দ্বাকন—অপর্ণা জার রমেন নেমে
আসছিল, তখনই হঠাৎ বিমানের জনা
সভিকেরের একটা কণ্ট টের পাছিল
লালত। সেরে উঠতে বিমানের কতদিন
লাগবে কে জানে। ততদিনে লালত
কোধার?

হেরার সমরেও গাড়ি চালান্দিল রমেন। মমেনের পালে ললিত। পিছনে অপশা। ্তিক সমরে অপশা হঠাং জিজেস করন —এবা ক্রম বের সেয়া?

রমেন মুখ না ফিরিরে বলল-নেবে। করা আমাল অনেক দিনের ফেনা লোক।

ি জপ্ৰা দাঁতে রুমাল কাটল, তারপর আচম্কা বলল—আমার বিয়ে ঠিক হরে লোক:

লালত ভরত্বর চমকে উঠে কিরে বলল
—সে কী?

অপর্ণা মাখা নাইরে চুপ করে রইল 
একট্রুপ, তেন কাদবে। কাদল না। জান 
ইবখানা ভুলে বলল—যানা নেদিন আনাকে 
ডেকে বললেন, অপর্ণা, ভূমি হুক্তে পারত 
না আনার শরীকের অকশ্যা। কিন্তু ভাভার 
ক্রেক্তমণ চলাকেরা একদম বারপ করে। 
আমি ইপিগতটা ধরতে পারলাম। উত্তর 
দিইনি। কিন্তু বাবা খ্য ক্র্নাসভারট, 
আমাকে ভিজেন করলেন—তোমার বাদ 
প্রকল্প মতো কেউ থাকে তো বলো আমি ভার 
সপ্লেই বিরে দেবে। কিন্তু ভাড়াভাড়ি 
বিরে, উইদিন এ মান্ধা ভামাইকে আমার 
ছেলে হরে সব দেবতে হবে।

- जानीमं की काराम ?

জগণা অনেক্ষণ চুপ করে মুট্গ। ভারপা আন্তে আন্তে কাল আনি কিছ

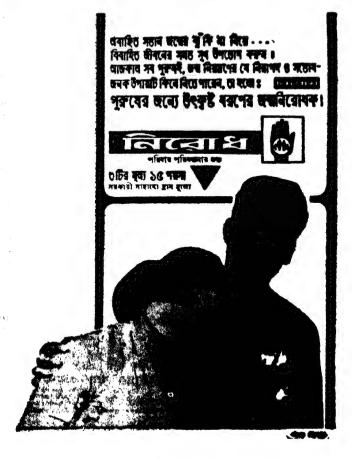
\_77822

তো বাৰার ছেচেল হতে পারত নাই

--जारक की कारत नाम !

অপূর্ণা একট্ হাসল। তারণর ব্যালকী লানি। আমি তো তব্ রাজী হিলাল।
কিন্তু ও সেদিন আমাকে ব্যাল-আমি
তোরাকে নিয়ে কী করব? তোরাকে
বাঙারাকার সাক্ষ্য আমার নেই। তাহাক্ষ
আমার কিন্তান বে রাখার দোব নিয়ে
কালারে না ভার পারানিট কি? আমার ঠাকুমা পারল হিলা। আমারের সমাক বিশ মান্র কলাকে বিভাগ আমারের সমাক বিশ মান্র কলাকে সভেদ হত ভারতে আইনক আমার মতো মান্রকে বিরেজ অবোলা বলে যোকা করে দিত। সমাক ব্যাল করে না ভারন গারিক আমারই।

লালত ভীৰণ চৰল হয়ে বলল—কিন্তু আপনি তো ইছে কয়সে একা থাকতে পাৰেন।



व्यापनी कामात सरकारण राज गात। वर्गामा जिल्ला कारणा क्या वर्गामा जिल्ला राज-टारो कहा गात मा जाता कारणा क्रिक्ट वर्गा कारणा । राज-राज्या क्रिक्ट्य क्या चेट्ट नाम मा क्रीक्ट, कर्य कारणा सरक क्रम-जनकारण

কৰে আপনি বাঁধা আছেন। —আপনকে তো বজাঁছ আৰি ভাঁবৰ বুলাল, আর তাজু। একা সামি কত কারখানা চালাতে পারবো না। কমচারানের স্থান কর পাই। তা হাড়া ঐ বে কেলেটা আপ্রাবের গালার-ভারব তেলপারেট, আজও বার বার আলার গাবেবে বাড়াজিল-ওরকা সম ছেলের হাত থেকে কে আলাকে বাচাবে?

क्ष दहरम जिल्लाहरू मीगड, केटब्रमनाव

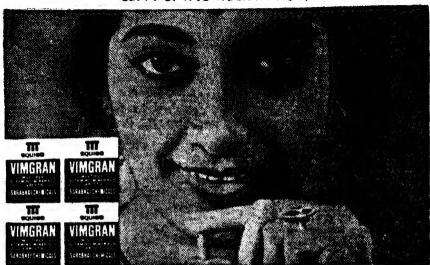
-

प्रमाण हमा जनगा। काक-कावाम। जानीन जनगाना चना मनोदान। -तेसम। जान दशरा दकाम जीनक

व्यान-चंड कर रन्ता कि राम ? कर्मा क्या गक्न-चाँन कारतात मुख्य क्या बर्म ब्यूकान कर वामा श्रास

## ভিটামিন ও খনিজ পদার্থ আপনার পরিবারের সকলের স্বাস্থ্যের জন্য একান্ত প্রয়োজনীয়

हैंग कि का बाबरे निवधार नारक्व ?



# পৃত্ৰ ! তিম্প্ৰ্যাৰ বিবিদ্ধ ভিটামিন ও

ভিটা নিম ও বনিজ পালা হৈছি অভাব আপনাং পৰিয়ালে নমনো আছে। কৰি সমত পাছে। অন্যাধ, মনি, প্ৰয়োগ, আছানি, চানোৰ ও বাঁতে আল—এল-সাবালাক ভিটাৰিন ও অন্তঃ পাহতে অভাব যেতেই আঁ

ভযুক ক্রিটারিয় ও বারজ পথার্থ কলাকে আছে বৈথিয়ে কেবা কেয়, কমতি জ জান মন পরিকারি আহার্থের নব পুরিকা বারী দ্বান্তর বার না কা জ প্রকালে আহারে আবার ভিটানিন ও অধিক আর্থের আঁতি বাকরে পারে। ভাররে আবারি ক্ষেম ভারে বিশিক্ত জান পারের যে আপনার পরিবারের নবার্ট করার জ্যোক্ষরিক বাকরীর ভিটানিন ও ব্যান্তর পর্যার্থ ক্রমত্বর বাং ক্রিকার অধ্যান্তর পারেন।

चालबाद लविवादक बार्डाटको बार्ड जीरक

बारणांच्यात पर्पारक वरेगा क्यांच व्यांचरीत पूर्वाणांच्या पार्थ विकास (पार्व पार्थ क्यांचरावरे च्यान (पार्व क्यांचरावरे च्यान (पार्व क्यांचरावरे च्यान (पार्व क्यांचरावर्थ क्यांचर क्यां

चावरे चित्रवारास किय - सांत्रीय चित्रवारास त्या पायक

**डियग्रात** 

একটিয়াত ভিমন্ত্ৰ্যানে আপনাকে সাম্বাদিন কর্মট ভাগতে

III 'square'

COCADUL CHEMICALS

days Just one ort other on

Samuel Acade Am

প্রি জন ইবলা ব্যক্তির। রাজিকাল কি এর নেই। বাসলো আনি ক্রেটা বরতান। তথ্য বিজেটা বাসলা বিক ক্রেটে সাহাই প্রয়োজন।

লীলত মুগ্ করে খাকে। বাসত্রিক তেবে সেখলে লৈ লিজেও কি পারে আন্দ্রতীকে বলতে—আমি মারে গোলে তুলি একা থেকো। (আক্রকাল লালিত নাম্ক্রীকে ভূমিন' বলছে। লাম্ক্তী এখনো 'আপ্রিম' কর্ম হার্কেন।)

स्टब्स ग्रंथ किविद्या विद्याल करतः— काशमारक दक्षभाव स्थातिक रमस्या र

অপশ। বলে—পরাশর রোড। ওখানে এফ কথ্যে কামর বাবো: মাধে বলে এসেরি বাবে অওবার নিজ্ঞান আছে।

পদাশন লেকে একটা বাছিল সামত্য গাঁড়ি দাছাতেই কলকলা একটি কেনে ছাইও এল। লগপাঁ ডক্স নামতে, তার হাত করে ভারণ উত্তেজিত ভাগা পলাম হাসতে হাসতে বলল —মাসন্মি একট্ন আলে লোভে তোর থোঁজা করিছিলেন, ছাইভার নিরে বেরোসনি বলো চিন্ডা। অর্মা কলেছি ভূই আর এক বংবার বাছিতে একট্নেছেস, একট্নি এলে শভাব। ইস, সেই থেকে কলাম ক্রিভার আছি—

জপর্শা মৃত্যু হেতে প্রমেনের দিকে ফিরে
কলল—গর্মজ্ঞী আমার এখন দরকার দেই,
আনি ডো সেই দ্যু খন্টা পরে বাভি জিরবো।
আপনি করং কলিভনাব্যকে পেণাছে দিয়ে
আসতে পারেম। এর ডো গগাঁর ধারাপ।
কলিভ কলে—না, আমি বাসে সেতে
পারের।

সমেন কলিক্তক একটা চেং টিপন, জারপর অপন্যাকে কলক—এসই ভাল চলারে কলিক

বলে গাড়িতে উঠে শীত নিল রমেশ।
গাড়ি ছাড়াডেই লালিও বললা এই জানার
গাড়িত থাফেলাটা খাড়ে নিলে বেলা জানার
ডেগ ডেগকে ফিলাডে ২০০ বেলা জা মুজন
নিলাগাড়া কেটে গড়তাম।

জনেন মৃদ্যুক্তরে কলক। গাঁড চালানেরে একটো নেকা ভাতে। বাইকাল চালাই নাই আনার কী ভালা গাঁড় দেগছিল। বাইকিন ইন্দ্যান্যভেল।

कांकर (बाइबा उंदेश-नातः

সক্ষেদ্য একটা ছুপ করে থেকে নগর -মেরেটা সোধহার আমানে নিছ, একটা বলতে ছার। হয়তো এক। বলতে। ভাই গাড়িটা শিশা বাতে আমি খিলুর আসি।

— আমার সামরে বলতে দেব কী ছিল চ রক্তেম উত্তর দিল না ভারেকক্ষণ মিঃশক্ষে গাড়ি চালাল রসেন। ময়দানের কাল্যকাছি এসে গড়ল।

কালিত বলগা—খামোখা প্রেট্ড গ্রেছ কিলে ! ভিক্টোরিয়া মেমোরিয়াল ছাড়িয়ে গিয়ে ীনকান রাল্ডার গাড়ি বন্ধি করাল রকোর্। আরু ছাইজিং সীটো কেলঃ

—व्यक्ति। सूत्र, व्यक्ति क्षत्रव शास्त्वा मा । रमधात स्वान स्टब्स स्थला।

- यात्र मा।

ল্যুর, অলোর গাড়ি, কোথার চোটফোট লোগে বাবে।

किंग्ड तराम शास्त्र मा।

লিভিত বসল জাইছিং সাঁটে। অনেকাদন আনে একটা আধটা দিৰ্থেছিল। শিথিকেছিল ইয়ামন। বামেন তাকে আবার সব : ব্যক্তির নিল্, তারপর কলল—চালা।

স্টার্ট দিতেই গাড়ি কাফিকে উঠল। কমেন আন্তে করে বলল—ভাড়াহ্যেক ক্রেই। আন্তে চালা।

ি বন্দুপাতিগতের ধাঁরে ধাঁরে অধিকার করে

নিজ্জিল লালিতকে। তাঁর উত্তেজনা বোধ

ক্লিবাছল সে। প্রথমটার গাড়ি একটা এতি

বৈক্ষে বাছিল, পিছন থেকে সাঁ সাঁ করে

গাড়িপালো তাদের পেরিকে বাছিল। ভর

করাছল কালিতের—বাদ ধারা লাগে। রবমন

একটা হাতে ধরে রেজেছিল ভিন্তারিং।

আদেহ আদেহ জোৰ আর সাহস দেকে আজিল গালিতের: কাটাখনেকের মধোই সে একটা লালচে মুখে প্রকল মনোবেগের সংগ্যে একটা গালিতা চালিকে নিজ্জা নরসানের নিজনি রাক্তার রাক্তার। পালে একটা বাড় হোলিরে চোৰ ব্যক্ত আছে ক্রেন—হেন ব্যক্তিক। একবারও সাবধান করেছ না গালিতকে।

ুসাহস বাড়ছিল। উত্তেশন বেড়ে ক্ষতিল।

া **৪.শা গলার সে বজন—রক্রেন** ! শিল্পী

্রি-এই কে সময়তন একটা ছেখ্টো পাড়ি ইয়েছে-নিগম ভটাকে ভভারটেক করছি। — কর ফেখি!

া লালিত করলা। গাড়িটা চালাভিল একটা ট্রাহে। এক কলক চেন প্রকণ্ড ব্রুইকটার বিশ্রক ইবারে চোনং তাকাল। ভাতিব একটা মুখুনন্দ দেল লালিত। এই দেখ আমি লালিত ভাকত বড় আর কত দামী একখানা গাড়ি চালিয়ে নিয়ে যাছি।

াভারপরেই একটা <mark>হতালা স্থাস</mark> । গ*িড়*টা ভার নয়।

ু হারে হারে অনেককণ চক্রত দির জুলিত সমতি মন প্রাণ্ড হৈপ দিরে সে গড়ি চীলাকিকা: অংশত ম্বেলিয়েগে:

शाका कारण सरमन अकड् शासनः

- ব্যেষ্

.....

ু—এবার ফিবি। **ভূই** চালা এবর। ভূমিড়ার রাশ্চায় আমি তেল পার্থ না। —ন্ত । ভৰামীপ্ত পৰ্যক ভূমী জন্ম : ভাষপৰ আমি সেখাং :

আগচর এই কলিত অনাজনে অনালীবার পর্যান্ত চলে এল। তানুবিধে হাঁজিল না তানত। বিশ্বত থাব মনোয়েক নিয়ে সে চালাজিল। কল কলভিল না।

একণিন রোডের করে গাড়ি বাজিজ জারণা বদল করার সমর রয়েন চালা গলাক বল্লা—সাবাস।

বাঞ্চ: ছেলের মতো লাক্র হাসল লালত।
ভার কপালে যাম। হাও পা কাপছে।
ভনেক অনেকদিন বানে আৰু সভিজ্ঞানের
একটা আনন্দকে সে টের পাজিল। একটা
ভোটু সফলোর অন্তিক আনন্দ। আনি
সব পারি।

প্রতি দিন লক লক লোক গাড়ি চালার বলের মতো নিভূলিভাবে। ভারা হরতে কোনোদিনই লালিতের এই আনশ্যকে টের পার না। একমার লালিত জানে কেম এই আনশ্য

রাত সাড়ে আটটার অপর্ণাকে পেশিছে ভিজ্ঞিন রমেন।

সারাক্ষণ তেমন কোনো কথা হল না

শাৰ্থ একবাৰ অপৰ্যা প্ৰকল ক্ষোভেৰ সংশ্বে বলল—এখন লোকে আমাকে ধারাপ ভাববৈ। আমি সারাজীবন একজনকে ভাল বাসলাম, কিন্তু বিয়ে করছি আর একজনক। কিন্তু আমি সভিই তা চাই না। ভানেক। কিন্তু কেউ একজন আমার ভার নিত—বার টাকা পরসা কিংবা মেরেমান্যাবর ভানা একটাও দার্বালভা নেই ভবে কত ভাল হত। কিন্তু সে বকম ধার্য হয় কেউ নেই—না?

রমেন উত্তর ছিল-আছে। বিহনে। অপুণা জিজেন করে-আপুনি-জাপুনি আমাকে কাঁকরতে বলেন?

আধো-সংধ্যারে রয়েন হঠাং **জপ্**যার নিক্তি একপ্রাক ভাকাল

ভাষিণ চয়কে উঠল অপণা। ভার মনে হল এ লোকটা ভানে হৈ অপণা আনতা দেই ছেনেবলার বরংস্থিতে করে হেন বৈস্থানে ভালকেসেছিল। ভারপর ভাল-বৈস্থিত সেই স্কৃতিকে। ভারপর করনে সে ভালবেসেছ অকিন্দুনক ভালবাসার মধ্যে তার বিজ্ঞান করে। বা বিমান করে। বা বিমান করেশাবেশনের জ্ঞানার্যানের বাব্ যে মারে আকে পার্গর হার ভাবে স্ঠিক করে ভালবেসেছে অপণা।

ত লোকটা বোধ হ'ছ জানে সব । ব্**থতে** পাবে। তাই হেম সার: রাগভা তার কথা বলগুনা।

(多名名)





बर्वा, बर्डना जात वा कात मुख्य मीराज जीकार ক্ষ্ট পার। তাইত আপনার কন্য আবদ্ধা আবোকন করেছি अभूव प्रकाशि डेलात मृहिर-चान होतिडेलात कानड. बाबा तरह ६ किकारेरत आकर्षश्वेत । बिस्करे (नर्प तित । মডেলা নিশ্চিত আপনাকে উত্তাপ্তে আল্লাম এরে দেবে ! बर्फ्तात वात्रक तक्षाति—हितिब गूर्कर हेरेछ, रक्तार्ज, लाजिन् अकात्रकारिक कानक, कवत अ वृतवात केता।



modella বতুব অপরূপ মডেলা

#### বিভিন্নের ভানা

[किंद्रियां का विस्तवहास्यां दश त्यभीत स्वा द्रियं स्वत्रियं स्वाप्ति स्वापति स्वाप्ति स्वाप

म गाँठ यसम् राजनात न्याप्ति, मूल गाँव D মনে পড়ে আমার বাবার মতিটা ছিল ज्ञानको श्रीवाधकक श्रवधारम म्हल्त क्रमा। তার বাবহার ছিল শাশ্ত মধ্যে: ব্রিল বছর হল তিনি মারা গেছেন, কিন্ত তার কথা আজো কেউ ভোলে নি। আমাকে কেউ কেউ ৰলে ঃ কতই চেন্টা করো লেখাপড়া লেখো. তোমার বাণের মতন মিন্টভাবী সদালাপী. জ্ঞানী-গ্ৰেণী, ধামিক প্ৰেছ তমি হতে পারৰে না। তিনি কখনো কাউকে ভই' रकाउन ना। जन्मीक कथा रकाउन ना। বিভি প্ৰশিদ্ধ থেতেন না। নেশার মধ্যে ছিল পান, কর্মা, চা আর কায়দা-কেতাব পড়া--रव-रमाकरक माम्रस्य भारतम श्रामाभारमण দেওরা-সমাব্যক্তি দেওরা। তিনি পাঁচওরাত নামাঞ্চ পাড়তেন। রোজা করতেন। মসজিদে ইমামতি করতেন কালো লম্বা পারহান গারে দিরে, মাধার সন্পর সাদা পাগাড়ি ভড়িরে। মিলাদ শরীফ হলে তিনি স্কেলা জেহেনো কোরআন পাঠ করে তার ব্যাক্তা করে দিতেন উদ্ভিয়ার আর বাংলাতে। হাফেক্সের গজল ছিল তার প্রির জিনিস। ভাল ফারসীও তিনি জানতেন। এসব লিখেছিলেন বজবজের চটকলে তাঁতে কাঞ্চ করবার সমারে-রেল-শোলের পালেট চটকলের সেটের কাছেই বেশানে ছিল একটা মুসলিম হোটেল, আর रक्षी वीबारना अवनो निम शास, स्मर्टे भारक ছিল রাজ্যের কাকের বাস্যা সেখানে বাসা-বাভিতে থাকতেন তিনি। তাঁর পালের বাসার ধাকতেন একজন সহক্ষী, তিনি **ছিলেন আরবী উদ**্ধারসীতে দক। তার কাছেই এসৰ ভাষা শেখেন ভিনি। শনিবারে কারখানার 'সম্ভা' পেলে বাডিভে **আসডে**ন। র্যাকরারে ভারে কাছে ভাঙি হত লোকজনের। পাড়ার বিচার, ধমের নিদেশি, সংখ্যার দিকে প্ৰি পড়া লোনা, মুর্রাগ খাসী গরু তার হাতে জবাই না হলে নাকি ঠিক 'হালাল' (পবির) হ'ত না। ভারপর ভার ছিল **অ**নেক বাড়ির 'দাওত' (নিমন্ত্রণ)। সাদি পড়াবেন তিনি। মাতের জানাজা' পড়াবেনও তিনি।



ভার মুখে ছিল সুন্দর চাপ-নাছি। ঠোট দুটো পানের রসে রাশ্বা আর হাসি মাঝা। মাথার ইবং একটু টার। ছেট ছেট ছুল। গারের বন্ধ ফরসা। বৃক্ত ভার লোম। চোথ দুটি বিকলিত, গোলাগী—বৃন্ধির কুটিল তীক্ষাভার চাইতে ভাতে ছিল একরকম সিন্ধ সরস্তা।

আমার এই বাবাকে হারাই আমি আমার ছ-বছর বেলাতে। মনে পড়ে তরি সংগ্য একদিন সিরোছলাম বজবজের চড়িয়াল বাজার আর রেলপেন দেখতে। পথে পাধর আর সোডার বোতলের মুখের ছিপি কুড়িরে-ছিলাম পরেও তরে। বাওরালীর বড়পোল



বংগৰালিক জটাবালীজনা পৰ্যাত পি'ড়েক বলে শাল্ডিডে কল্পে গোলাল

रचरक बालमाहिक क्रिकेन के प्रमा THE REAL PROPERTY AND COMMENCE गाका सन्दास त्यादेश यात्र विकासातः वि name and large force where force we one face me almo mourement CHINA CHIP. CA PEND THE ME र्शक-गाँउ गाए जागाँच केरण क ত্যেল্য সময় ব্যক্তিয় কল ক্রিট্রে প্রত্ माना द्वारम करमना दूरभाव मनावा क्रकार লোকটা ভারুপরে গান কর্মছল অন্তকালী बयकानी दरन छात्रानाव एतनी . क्टिंग ठान कर कर कहार नामन। दिनाका हैका শাল ভি চলেডে কথন শেব হবে বাব বাব শ্ৰীষ্টেছি বাবার হবে ধরে। ভিনি কলে-ছিলেন 'এই তো বাবা, এনে পচেছি, একছ रक्करभाग रम्बरम। करनात क्रिमांस रमस्य ! তারপর বোধ হর বাবার কোলে মাধা ক্রেখ ৰামিৰে পড়তে পড়তে আমাৰ মাৰেৰ সলাৰ দোলনার গাওয়া সেই গানটা শনেতে পেতে লাগলার :

ক্ষোধার দিয়ে বাব মালগা
শিকতলার বাট
শিকতলার বাটে কৈতে
গলা হল কটে।
বাটে কৈরে দেখি মাগো
কল ধই ধই করে,
চাতালে তার শিউলী বকুল
ভালিম করে পড়ে।...

অ গ্নে লাল রঙ দেওরা সেই রেলপোঞ্চ দেখা ছিল সেনিন আমার এক চরম বিক্ষর ! বাবার বাসার ঠিক দুটো বাসা পরেই দোরের ওপরে ছিল একটা জরচাক টাঙানো। হোটেলের মালিক আর বুক্তন করে গাল-গাল ভাষার কিসব বেন বলালেন! কী খুলী তারা। কারা বেন খাবাব দিরে সেল। সেই নাড়ো হাজী সাহেব এলেন, বিনি নাকি আমার নাম রেখেছিলেন! উদ্দ্র আরবী ফারসীর জাহাজ! তিনি আমাকে বুকে চেশে বানে কানে বলেছিলেন বখন আমার বাবা টিউকলের জলে মাখা খুডে গেছিলেনঃ তোমার বাবাজীর মাখা গারম হবে গোছেং তোমার বাবাজীর মাখা গারম হবে গোছেং

মাখা গরম !.....সে কি রকম জিনিল ?
কখন কেমন করে আমরা বাড়িতে কিরেছিলাম তা নঠিক আমার মনে নেই। পর্যাদন
সকালে দেখি খাডকুমারীর খাঁসওয়ালা পাডা
মাখার দিরে বাবা বলে আছেন, আর ভাঁরি
চেখে কল করছে, য়া ক্রুখ হরে ফাছে, ভি্
করে চলবে সংসার, আধমণ ধান নিরেছিলে
তোমার বড় ভাইরের কাছ খেকে, ভোমার
বড় ভাকের কি মুখসাপ্টা—ভাঁকাটা দেবার
কি আজে সমর হরনি'....

আমি পাড়ার হানিফ আর তার বোন

ক্রিনাত-উন-নিসার সপেন চলে ক্রেলাম বাম
গ্রহ্মশারের পাঠগালে। আদকে মা নাকি
আমাকে কী খোঁজাখ'্লি! নিজের ইচ্ছার
পাঠশালার যাচ্ছি দেখে একদিন লাঠি ঠুকে
ঠুকে বাবাও গোলেন গ্র্মশারের কাছে।
ভিনি বেতেই বাম গ্রহ্মশার বললেন: কে
লৈ তাজিম এসেছিস, আর বস্। তুই কি

এখন চোখে দেখতে পাস্নে? ভোর নাকি মাথা প্রম হয়েছে?'

বাবা ছিলেন বাল গ্রের কণাবেরও ছাচ।
তিনি নাকি পাঠশালার এলে মাথা গণ্ডে সেই ৰে লিখতে বসতেন একেবারে 'থ্ডুকে' শেষ না হওরা পর্যত মাথা তুলতেন না। বাল গ্রের মুখার তাঁকে বন্ধ প্রকাকরতেন। —এসৰ কৰা বলভ কৰিব পাড়েন্টাল। লে ছিল বাৰায় সহপাঠি।

আর বড় মানা পা-সালার না এলে ভাবে বাম গ্রেমণার ধরে আলভে ইংক্রেলর গাঠাতেন। বড় মানা ভাতের হাড়ি ভাভিরে ধরে বলে থাকত। ছিল্ম্ ছেলের বেট এগোড় না ?

आधारमञ् क्रीमटक्ट क्याचामा आहात जनक



किन्द्रोम-50. 26-140 8G

विश्वाम निकारबन केमडि संस्कृत संस्थातम.

बाबा किंद्र रमनानका बाद्य राहे शहर-मामा त्याक मार्कान भवांक नवाहे के बाब भार मणातम् सार । जनान भिर्दे भएएए বাম প্রায় মালামের তে তলে-বিজ্ঞেন-গারের-श्राप्त जान जान रहननाचारमा त्यांका स्वरत्व প্ৰাৰ কৰি। ভবিষ্ট উতি, ভাজিমতে আমি क्याता अक-वा कार्याह बाल मान शास मा। অমন ভাল ছেলে আমি দেখিন।'

লেই ভাজিম সাহেব আৰু চায়ল বছর बराज माना नवम बरम कारपद मान्ति दाविता ভাব পাঁচ বছরের ছেলেটার হাত বরে এনে शास्त्राच्यासम्बद्धाः नारम् नारम् वर्गाः वर्गाः প্ৰেৰণাৰ আপনি আমাৰ বে চোবে আলো লান করেছিলেন ভার দ্বভিদত্তি আৰু খোলা **তেভে নিরেছেন! আমার মাধার ভিতর**টা कन कन करता बारक बारक अस्य वस्तुना देव हब बहुन कृति क्रीयमधी नात कहत गिरे ! किन्छ আত্তভা মহা পাপ! তাহাড়া বাতা হটো सरबारक-वाकाम नद्योंकी सरबारक परमा...वारहाक, सामीन सामाद शब्द सानग्रहा, सामाद निर्फ-কুলা, আপদাৰ কৰ আৰি কি দিৰে পোৰ कार । कार जावान को मन्सनिर्देश जानमान भारत गाम करत रगमाता। **अ** जातात अक्छि स्थापना । अस् काम जात क्या ! कामात एनव शाबिमा, अरक बाम्हर क्यातम !

बाब भारतमाना बाएक देवकव क्रांतक দৌৰন বোধ হয় বৰন হারিনামের স্মাতি তাঁকে विष्कृत कट्राविक-कार्ट निरम्ब क्रिक्तित প্রাণ্ড পিরে আমার রোরবোমান বার্থার টোপ-बान बाहिता नित्त, नित्नक क्लिक ट्रांटन बट्टाव्टिन्स, बाबा बाबा, कांबन, रकानाव रकारमा कम्र हमहे. रकामाम रहरगदक जावि লেখাপকা লেখাৰ—মাইলে-পাডি কোনো क्षिक्ष माभरव मा ।

ভাৰপৰ বাৰা বিভিন্ন লাল-কক্ষিয়াৰা-म्हेम्हे - क्ता - शत्र - छाटका-रगरमा, श्रीहे-वाक्ना, क्रांत्रका, शामीलकेनी, बागेर मन रचना रमदे चान बारतन नाम बरन मार्डि देत्क देवक अकारे वाक्टिक करण अरमीकरणन रक्षम करत जानि का जानि ना!

আনাৰ কোলের বোলচি, বার নাম নামি নাজিকা থাডুন, সে কৰে মারা বার ভাও আৰি আদি বা। আৰু একটি ছোট ভাই ছিল কোলে। ভাকে আমি কোনো এক কৰ্মকার রায়ে লক্ষের আলোর আমাদের সেই মার্টির कृष्टक पटाव मध्य एक जरपीयगाम।

रक्षात्रका! कामा स्वत हिस्कान कन्नरह! भीक-काम । कीचा ५८०म माप्तरकी क्लीवस वटत वाहेरत कटन रम्पणाय, की कुत्राणा! शक्कित बारत -दक्रमा भा-क्दर्शका क्छकाट्या (रमध्यारमञ्ज) मार्थित राज्याः। राजा श्राहार করার পর 'কুল্বেশ' নিজেন এই চেন্য বিরে क्षण मा रगरण। अवनी सामात्र रमाने बैरणी नारक जारक जनके न्यांचनी-व्यक्ता राजा। काठारमञ्ज्ञ वाधिकारक स्टे-क्टे । यक काठी यनारम : 'বৰে তোৱ ৰাপ, 'গলাৰ দচি দিকে মারা গেছে রে! হার, কি হল রে....তোর মারের কাছে বা-না! ভোৰ বেলা ভোৰ বাপ ভেকে শিতে সে তোৰ মামাৰ ব্যক্তি ধান 'কট'তে' (ভানতে) সৈছে ৰে ৱে'.....

দেবলাম গোয়ালের 'আন্তকাটার' সেই



MIN FORE PLACE AND PLACE MAINTEN रक्य-भाषाता ज्यांके स्थला अवकानि

কার কেন ব্ভার পর জানাজা' পড়ানোর ব্যাপড়টা—বেটা শীতের সময় মা আমার भगात देवता भिक्त-रमहेको भाविता भगात विका पर्मा चार्यन चामान कान्तीयानी वावा। তিনি করন ব্যক্তিরে আমাকে যুমের যোরে चाक्क करत रहरू कीचा हाला पिट्स स्टब्स मायात हुन त्यरत कार्यत कम मान्यक मान्यक बार 'बन क्या' बनमें महे ब'राव निरंत छेठे গলার কলৈ পরিবে দিবে মইটা পা দিবে সরিরে কেলে দিরে বলে পছেছেন।

এরপর আমার জীবনে নেই এক চয়ব 👫 বধন ভিনি নাকি ছটফট কর্মছলেন ভবন দেশতে পার আমার আঠততো ভাই। टन नम्द्रक, बाक काका बद्रके निगरत कानिगरव ভূলে ধাতে ব্যক্তিলেন কিন্তু বড় ভাচী ভাবে আছিলে ধরে রেখেছিল, ফেডে দের নি। কারণ, আগের নিন নাকৈ যা আর বড় **ठाडीब मरवा विवध वालका इरहाधिल अक টাকার লেই বে আব ম**শ বল সিয়েছিল ওরা छाई निरतः। या नाकि बरलियन, जामारमद

কত টাকা গেল ভাসায়ের পিটে স্বাসি কৌঞা यान नवानाती विश-উঠে ৰখন তিন আমরা কি টাকা চেরেছিল্মে দ কলভা চরতে উঠতে চাচী ঝটা নিয়ে আমার মাতে মারতে ट्टाइ क्षेत्र! जात्राव वाया हुन करत रम्बरमन! वस प्राप्तां किहा बन्दानन ना। वावा नाकि বলেছিলেন, 'বড ভাইক্সের স্বোঞ্জ-পঞ্জের নিকের বউ! আদুরে। বলবে কী! ভার কথার ওঠে বসে। হামরে কশাল। সামান্য একটা টাকার জন্ম আমার সামনেট আমার স্থাকৈ ৰাটা মারতে এল-আর আমি বৈচে रचरक रमारे मृत्या रमर्थाक—धक राज्या ना-বাঁচাই ভাল !...কাল তো আমি খোকার হাও श्रद फिटक करवल क्रमाय! जायाह यहन ভাল ।'...ভারপর মাকে তিনি তার হাতের क्षि मिरत स्मरकिस्टनन ।

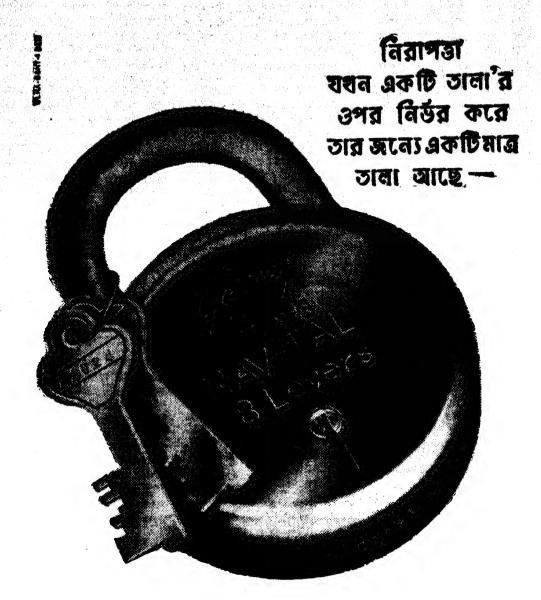
পালের গ্রামে মামাদের ব্যক্তিতে সেই তেরে रवना. भीरञ्ज अवद कुत्रामा छंटन छंटन, ছ-वहरत्नद्र रहरम्, मन्भूभ<sup>®</sup> छेमभ्ग, बुरक शक ৰেখে কাগতে কাগতে, কাগতে কানতে रकमन करत रव मारतन काटक निर्दाशिका न বাৰ ভূত শিৱাল শাক্তুলির ভার ভূলে, আৰু जात द्रमार किए मदन द्रति। मदन क्याए टमरम किछरतन कारण बरम अपने स्थान रका नवनाव रहा यात्र। कुताना जाता का बदा करते।...

मा जात वर्ष जामी दान सामीहरू। नामी (पिनिमा) क्रांकित त्रहा श्रम् ह स्पाह रचटा रचटा ঢোঁত পভার পর কবি লেকেই নেজে ৰাড়িয়ে স্টেস্ট করে ভালা ধান ভূলে इतार वासरक वासरक रहर **ए**ंक रूप इरहा शिन। या साथ इह অভিক্রিত ছিল कारना किए ग्रामिन करना। इ.स. टाल का स्वाकित एनस्कर रबरक। व्यामारक कॉफ्ट्स शत मुस्यादन, ণিকরে, কি হয়েছে বাবা, কমিছিস কেন**ই** এঃ! গা একেবারে হিম হঙ্গে গোছে বে ছে... अक्ना कि करत जॉन?...

व्यामि मारस्य क्रक माक्रिक भरू अक्टे. গরম খ্লিতে খ্লতে কালাম : বাধানী গলার বড়ি দিরে মারা গেছে 🕆

**সংবাদটা শোনা মাতেই যাবের ফোবের** ভিম দুটো বেন ব্রুতে লাগল কিছুক্স। ভারপর আমাকে ছিটকে সরিরে দিয়ে বুক চাপড়ে কাদতে লাগল। মাধা কুটতে লাগল মাটিতে। নানী চিংকার করে আকালে হাত ভূলে আমার বাবার উন্দেশে বলতে লালল ঃ খার বাবা, একি করলি ভূই! আমার কাঁচা মেরের 'বৈবন'টা ভূই অকলে জোধার ভাসালি রে ! হার বাবা, তুই ছিলৈ আনমান ৰাজি, ভূই অপৰাভ মরুৰে কেন মন্ত্ৰে গোল রে 🖽

खामात्र अवते वह त्याम चारह. আমি ছোটবেলার বেশি পেখিন।



ল্যাছ, কারবানা আর জনাকে
বাবহার হয়—কেন না এটি
নির্জরবোগা।
পুলা এর কারিপরী, প্রতিটি তালার
কনো আলাদা আলাদা রক্ষের
চাবী তৈরি হয়, তাছাড়া নব-ভাল
এমন ভাবে ডিজাইন করা—
বাতে, পুলো বা ডেবে চুরি করা

লা বাহ, তটি সকলান নের স্বতের বেলী নিরাপতা। লোকস আর ইম্পাতের ভবল খালু থাকে ব'লে এটি কারল সক্ষরত। এটি তৈরি করছেন গোদরেক— নিরাপতার সরজান তৈরি করতে বাদের আহে ৭০ বছরেরও বেলী অভিজ্ঞতা।

## तव-ठाल

ভিন্ন সাইজে পাবেন: ৫০ বিলিনিটার (৬ পিভার)
৬৭ বিঃ বিঃ (৭ পিভার)
৮০ বিঃ বিঃ (৮ পিভার)

তার বিরে করে নানিক পাঁচ বছর বেলার তার বিরে করে সিরোকন আনার এক মানত্তো কার্টরের সপো। 'হাড়গাড়ি' জিনিসটা কি? না বলে, 'চারনিকে জোর গাল্লব রটোকন 'সারকেটো' একটা জাইন করতেরে ১৪ বছরের কম বরেনের নেরেগের এ্যারগার কেকে আর কে বেওরা বাবে নেণ্ড তাই ভোর ব্রুর বেণ হরে বার কাঁচ বিচালে কেলাডেই '

মামাথাড়ির পালেই ছিল মেসোসের বাড়ি। সেখানেই থাড়িড আমার বড় বোন। সে বড় ভোগেড়ির বাবার জনো।

মামানাজির স্বাই এল বেণিটরে। হবং কালাগোল পড়ল। লাস ডেমান ক্ল্ছে। বাবার জিবটা এক পালে বেরিরে ররেছে। চোব স্টো ঠেলে বেরিরে পড়েছে।

মতু কী ভীৰণ বাবা একবার কবির মাল্লকের একটা কালো দাম্ভা অবাই করার সমর তার অমনি সাদা সাদা আমভা আমভা চোধ বেরিরে পড়েছিল! (আমি ভরে চিল-চিংকার করে পালাতে স্বারের কী খলখল করে হাসি!)

ব্যু মামা খানা খেকে প্রেলস আনলে । কড চাচা হাতে ধরে অনুনর করাতে কণাভা ফাসাদের কথাটা আর তুললে না বভ মামা। বললে, হৈ লেছে ভাকে তে: আর পাওরা বাবে না। তবে লোকটা বখন নডছিল, এমন অমান্ত তোমরা যে তাকে তুলে धताइ ७ १ शता मा !'... मृतिमतक स्मक्ष मामा বৰুলে, 'মাথা গ্রম ছিল, ফকুণায় বিষম কলী প্রস্তা আমরা একবার কলকাতার ह्या जानक करकरक निरंत शाकिका या यादकी হাটে বেলগাড়ি বাঁধলে কিছুক্লণ। অ্যি জল ইন্টিলনে গোলে উনি নেবে কেরে marin 1 কেখার পালিরে বায়--থাজ भारतम प्रिम चारत जाएम : शामभाष्ट्राम पिरम ভারা মাধা কেটে লেবে এই ভরে দুর্নেটা ভিশিশ্তি) আমর পালিয়ে

প্রতিক্র করর দেবার গ্রাকুম বিরে জেল।
কবর হারে হগলেও প্রতিবিন মারেক আমি
আম্মন্দের ভিতের বাসে উত্তর দিকের গোরক্রানের শিক্তক মূখ করে বাসে উভরার
কাশতে দেখভাম।

প্রবাসর জামি মামাদের বাড়ি চলে বাই।
সেখান থেকে পাঠশালার বেতাম। মা থাকত
ছোট ভাইকে নিয়ে আমার বাপের সেই
কুড়ে বরে। নিজনে বন জগালের পথ ধরে
একাই পাঠশালার বেতাম। একখানা প্রথম
ভাগ দিরেছিলেন বাম গ্রেম্ মাণার মাড়েলদের
কেলে হাবিকেশের কাছ থেকে চেরে। আনি
ভালপাভার দাগা ব্লানো ছেড়ে ক-খ
লিখতে শিখলম্ম। মা ছিলেট পেণ্ডিল
কিনে দিলে। ভারপরের বছর শিবতীর
ভাগ। ঐক্য বাক্য মানিক্য অধ্যাতি।

गारी काण सर्थ। सन्या क्लागासात किर्म নিয়ে বেডাৰ বারের গালে-দেওবা বেগানী-रनामानी कानि पिरंड क माशा स्थाक रन माशा পর্বপত। বাম গরে মশার দক্তি ছেলেনের ভীৰণ মাল্লভন। বভ মামার পিঠে এখনো चीत द्यालव किन गट्ड कार्गीमटी पान दृद्ध আছে। একটা ছেলে ছিল, নাম ভার ভাম-কালো মোৰের মতন চেহারা—বভ বভ সাবা চোৰ-জেড়ার গারের মতন কৌৰভা কৌৰভা চল ভার হাবার-লে ভার ভাই অর্জানকে নিয়ে রোজ রোজ পঞ্চ বিষয় বিপরে। पर्कानत्व श्रव वा त्वल बानलाहे देन जाव বাদ্যবাতে ভড় ভড় খবে বাহো খবে কেলভ। আর ভীম রোজ, কলাপাভার লেখা আমরা বেখানে কেলে দিতাম পরে মুখার দেখার भव रमचारम बामारीकी रक्टन मिरव रचक। পরীদন আবার দ্যু পরসালে একটা সাদ্যরী আনত লে। আবার ভার ভাই মানের ভরে পারাধানর করতো ভাষা কেলে দিতে দিতে ৰলত, কালকে আৰার বলি বাহেঃ করে, শালার পেটে স্মাতি মারবো !

কি জানি কি হল বাম পুরু মশানের
পাঠপালা বিষ্ট্রব্দের বৈঠকখানা খেকে
পালের জনের দুর্গা মন্ডলদের বাড়ির
বৈঠকখানার চলে এল। আমানের বাড়ি এবং
মানের সংপ্য প্রারই দেখা হভ। ছাটির সমর
সক্ষতীর দেভার পাঠের পর বিদ্যাং দেখি
মা সর্প্রতী বলেই বে বার বইপ্র নিরে
ছ্ট মারতুম। আমি বেতুম মারের কাছে।
মা ভাত থাওরাত আল্ আর মাছের কাটা
ছাড়িরে ছাড়িরে গালে দিরে। মা এক আনার
একটা ইলিশ মাছ কিনেছিল। আঃ। কী
অপুর্বা প্রাদ ছিল ভার।

ভাৰণৰ একলিন হল কি, যাও আনাৰ দেটি ভাইকে নিবে নামালের বাড়ি চলে এল! কিল্ডু কেন এল? সে কথা আমি জানতে শারি অনেক পরে বখন ক্লাল টেনে পড়ি!

আমার বাবার সেই খন তেন্তে ফেললে মারারা। বাবার বত বইপর কোরআম কেতার যাদিস প্রণি সব সংকা করতো হোট মামা। উল্লেখ্য হাউনী চকা কেটে এনে লাগালে তাদের গোরালে। মামার বাড়ি যা গোরালা কাড়ত, গর্ব খড় কুটোড, রামা করত। দাসীর মতো খাটত কিন্তু সমরে খেতে শেত লা। দেওরালের গারে লিখে হিসেব করে রেগেছিলাম, এক বছরের মধ্যে আমি গণ্ডায় দিন না-খেরে স্কুলে গিরেছিল্ম। অরু মান

মামাদের বাড়ি বলি- না বা আসত ভাছলৈ পাড়া প্রতিবেশীর ধান ভেনে দিরে বে চাল পেত ভাতে বোধ হয় একটা দেড়টা পেটের ভাত ভার চলে যেত। আন বাশ্চুভিটেতে ২৬ এল, কচু, কলা পেপে, বেগুন কড কি! शर् हाशम नामछ या। छटर टक्स क्षम ? धम बहे कटल व्य-क्या जाति व्हटन क्रम सामाद क्या मह—या श्रक्तिम स्टमीक्स কল মামারা আলাদা হয়ে গেল আর আৰি সামীয়কভাবে পভা ছেতে দিয়ে क्षित्राह्मात्र मार्च द कार नियस्य राजान ছোট ভাইতে সংশ্ৰ নিছে—পথে বিষয় निरक क्षेत्रक करन या सामान मानते कारपन জলে ভালিরে দিয়ে বলেছিল : ভোরা বভ হ বাৰা আবার তোর বাণের ভিটের বাব ভখন। ভোঃ বাবার বাভি কি বেছর বাবা, अक्का व्यक्त बान्दव शाककृत चात्र शास्त्रत ব্যক্তির অব্যক্ত লোকটা একদিন বাতে আনাকে এনে অভিয়ে ধরতে গেল। আমি ভোর ছোট कार्केटक निरंत रमार्थे बार्कि गामित्व रमनाव আমার মামীর কাছে। তারপর বড দাদার্কে সৰ বলতে ভবে তো ভোৱ বাণের পর टिट निरंत चामारक निरंद रणन । टिटाइ বড় মাসা আবার আমার নিকে দিতে হেৰেছিল কিল্ড ভোৱের মাৰ চেৱে আমি রাজি হই নি। বড় হরে তোরা আবার ভোর বাশের ভিটেতে আলো জনালিস শ

ষা আমার লক্ষ্মী মা, সে-আলো সে নিজেই জেনলেছে আমার বাপেগ ভিটেতে ॥ আব্দুলে জকবার



कि रिप्रकृत



# 

वास्व यागिर्व



"বিশিষ্ট ব্যক্তি নির্ণয় প্রতিযোগিতায়"

किंए निन १,000

১ন প্রভাৱে ২,৫০০টাকা
দ্বাল ভারবি (তেবল কাজদে করে) কবল একটি
তেল্লিনটির ব্যক্তিগরেইট, কবল আসার
তাল্পিনটির ব্যক্তিগরেইট কোন ছিবিল ।
২ন পুরস্বার ১,৭০০টাকা
দ্বাল বাবার্ছি প্রকল করেন করেন করেন
১০০টাকার বে কোন জিবিল ।
তর পুরস্বার ১,০০০টাকা
বল প্রস্কার ১,০০০টাকা
বল প্রস্কার ১,০০০টাকা
বল প্রস্কার ১,০০০টাকা
বল প্রস্কার ১,০০০টাকা
বল করেন করেন করেন করেন
বল্লিকের দশ্চির করে ০ বিক্রে

ন্তুন কমন্ত্রা, বহুল বুকত, বহুল আেক্ত নার্থী বিমাধিক বিবা গৈণ্ডুসাংকেট একৰ আমাৰ জিনালাল একৰ বুকুল কৰ্তৃত্বাৰ উত্তাই পেশ্বনামেকট ক্ষমকাল ক্ষেত্র বুকুল বিবাহ ক্ষমকাল ক্ষাৰ বুকুল বিবাহ ক্ষমকাল ক্ষাৰ বিভিন্ন আমে ৷ পেশ্বনামাকটক অনুপ্রবেশকালাই ক্ষেত্র ৷ পেশ্বনামাকটক অনুপ্রবেশকালাই ক্ষেত্র ৷ প্রকাশকাল এক বিবাহ ক্ষমকালাল ক্ষাৰ কালালে ৷ পাছি বুকুল কাল কালালে বুকুল এক অনুপ্রবাহ ক্ষমকালালে বুকুল ৷ ক্ষম ১৫ বিবাহ অনুপ্রবাহ প্রকাশকালাল ক্ষমকালাল ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে বুকুল এক বুকুল ৷ ক্ষমকালাল ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে ক্ষমকালালে বিভাগ ক্ষমকালালে বিবাহ ক্ষমকালালে বিবাহ ক্ষমকালালেক আম্বিনামাকলালিক বিবাহ ক্ষমকালালেক ক্ষমকালিক ক্ষমকালালেক ক্ষমকালিক ক্ষমকালালেক ক্ষমকালাক ক্ষমকালালেক ক্ষমকালালে

क्षय विश्वकति मायराटन नका कहरका ।-काननाह हेकावुनारह का पूर्व अरक काम महिल्ल नामक ह ate mental ment nen ne ment fe cale minitie ्पाम् नारक्षत्केव स्वाकृतक इ'विश्वक कामान प्रमुख क्रके बाका कार्षे : ४० मात्र सहदन क्या ४६ माद्राहराति चारमध्य साचित्राति-कार त्यान किएक नारक्य । जाननाप नाय क स्थीक विकास ना wer with free acre was as one Brezen : winese क्षेत्र गरीक अपरत । वाबीर जानाव) क्षेत्रवत करण निर्मित प्रार्थ শিবিবেদ: এবেশ করম কাবিবের লেব ভারিব ১৯৩৯ সাংস্কৃত্র क-दर्ज कादकीश्वत्र । अहे अत्वात्रात्र गरह रकाम सारका काव माक राव मा : शावन कवत अवात्रव एवंद कावित अवशास কোল্যানীয় উচ্ছাকুনাছেই ধর্মির হয়ে লয়ত্ব : প্রকেশনা কাহ্যিত त्माल त्याक एकी काल, वा नहें क्लबाड दकाव कावित्र अंबल कहा কৰে লা। পোশুলোডেও জেলানের উপসুক্তার, নাক্ষিত্রতা ভ শাষ্ট্ৰহাৰ উপাৰ প্ৰান্তিযোগিতাৰ কথাকল স্থিত কৰে। <mark>আভিবোগীকৈ</mark> Bur feitibm fastnuchte miet fatelbie bie mut feute লক্ষ্মীর নিজ্ঞায়ই চূচাক বলে দল ধরে। **এটিবেটবিক্টা** দিরে কোন চিউপাত্ৰ লেখালেখি চলাৰ মান বিভাগ্যক্ত মতে যে নৰ का कारती मेडिनकार कड़म करावन, प्रेयुक्त विचायम क मुम्हहार भारत (मामहरू १६५६) १४का माह्य अहार हो। या माहरू के महिल्ला है स्टब्स्ट है Mente ta det ete : na Mante fece bie mimtelen minim তৰে। পুৰক্ষৰ আৰু পেপুলোডেউ বিজ্ঞাপনের ভোগান বিজ্ঞান निकास विविद्योदक मन्त्रांक कार अंश अहा अहा विकरी साहित्यानेश हकाब यह बाकरंड का र हिन्दुबान कियाद किए, केहरूब बातकुका-Dibim acedy e biere e featen enteen eich eide अव्यक्त कामिकास्थान व्यक्तिगारीमा अहे श्राहित्यानीकान व्यान अहन

	744	Dag Ree			-	
_	नाइक		1	THE		
-	मान्य	33	1	4674 (Table)	+	
-	Series A		1 31	र्शनम	+	
-	सर्गिक	-	7:1	पूर्व शास्त्र विष	1	
-	Mit allia week		231	4412	<del></del>	
_	<b>টি ব্রাক্তর</b>		2 a f	वृंठ।कमा		
		The state of	B 4 4-21			
Ϊ	प्रदेशक (व		2.41	THE COLE		
I	<b>ंगरहे</b> हे न		3.01	iquilem		
Ι	इ <b>बर्</b> ष होन्		3.01	विश्वभाग		
1	টোট্রম <b>ন</b>		201	स्यु <u>व</u>		
4	্রপদ ন		141			
4	Segurary.		101	\$49(4 3-7		
+	<ul> <li>#4(Σ)(*)</li> </ul>		121	্ব প্রার		
+	्रविभागम् व सङ्ख्याद्वसम्बद्धाः		3.2	কে:শ্ৰন্থ গোল		
+	का साम के बाह्य		131	3-7		
+	(4) 614		191	i i i		
+	*finals		1241	16044		
1	क १ (काल १ व)		1::1	15044		
-	(conces fame)	नेय ह्यांनाय				
			na arabin na nagagan	nanga ayung samu, dunashiya di Agamaniyayani 1911-1911 samada samadanga magamaniya		

তাড়াতাড়ি! তাড়াতাড়ি! শেব তারিথঃ—৩০শে অক্টোবর,১৯৬৯ সাল



🖟 ভাৰতেৰ আধিক সাহাৰ্য দান

A Simile efferie ferre fenie acel ভাৰত বিদেশ থেকে বড় সাহাব্য टेनटबटक एक बाद टकाम राज्य भारति। জনলা মাৰাপিক বৈদেশিক সাচনবাৰ পরিমাণ ভারতের চেত্রে পাকিস্ভাবে অনেক খেলী। তা বাই হোক, ভারত বে পরিমাণ माश्या रगरतक अवर विराटन अपनंत ভারতের যে পরিমাণ থাল আছে পাথিবীর আৰও কোন দেশেরট অভিত অকথা সে পৰালে বাহনি, তবাও ভারত এশিয়া এবং অফ্রিকার করেকটি দেশকে আখিক সাহাব্য क्रिकट्ड अवर क्रिक्ड यहेनाहि व्यविश्वामा ब्रांस इरमेश महा। ১১৬১ मान खरकरे बावक क्यामा क्याना सम्बन्ध त्रमार्गिक है का बाब कि का। ১৯৬২ मान खाक मात्र करत ৰ পৰ<sup>্</sup>জ নেপাল ভারতের কছ খেকে we-w মিলিয়ন ডলার অর্থাৎ বর্তমান ৰিনিমৰ হাৰের ভিভিতে ৬৫ কোটি ১০ क्षक ठोका बाब रशसार । छरोन रशस्त्र ६० बिनियम खनाय, कथार, ०५ कावि ६० नक 🕮। সিক্ষৈ পেরেছে ২৪ মিলিরন ডলার ख्यार ५४ कि है जेवा।

ী কিল্ড প্রশন হচ্ছে, ভারত কি তার নিজের সমস্যার সমাধান করতে পেরেছে বে নিজের श्रीरवास्त्र मितिरव विरम्भरक याद मिरक? জীকার অভাবে দেশের ভিতর ধারন বন্যা প্রতিরোধ করা অথবা বন্যারিপ্ট নরন রীকে উপত্ত পরিমাণে আথিক সাহাব্য দেওরা <del>ইন্ডব হয় না. তখন নেপাল,</del> ভটন ও **জিকিমের জনা** ভারতের দক্ষিণ হ'ত ছপ্রেসারিত। নেপাল বিদেশ থেকে মোট বে স্মহাষ্য পার, তার অধেকি হচ্ছে ভারত থেকে প্রাপত। টাকার অভাবে কলকাতা মহানগরীর আরন সম্ভব হর না, অথচ ভারতের দ্ধীকার নেপালের রাজধানী সংগণিজত **হরেছে, তৈরী হরেছে স্**সন্থিত তিভবন विमानवन्त्व। विरम्भक वर्ष मार्या कर उ ভারতের পরর দ্বীনীতির একটি অধ্য এবং প্রয়োজন ও নিজের স্বার্থেই এভাবে সংহারা জেওরা হচ্ছে। কিন্তু, তার বিনিমরে ভারত 🎒 পেরেছে? নেপালের উত্তর সীম্রুত ন্ত্রীনা বাহিনীর উপর দৃশ্টি র:বার জন। ভারত যে সেনাবাহিনী মোডারেন কংলেও লেপ ল সর্কার তা তলে নেওরার জনা দ্বি ভানিরেছেন। <sup>ব</sup>প এল ৪৮০ অনুযায়ী ভারত ৰে টকা মাৰ্কিন যাত্তবাষ্ট্ৰাক কৰা প্ৰিৰোধ হাক্র দের তার থেকে ২৪৫ জন নেপালী ছার্যাক ভারতের কৃষি-মহ বিদ্যালরগালিতে व्यक्षात्रस्य अनुह मिल्या दय। এই रिनिधे রাজা ছাড়া ভারত আর বাসহাবাদিক থাকে ভা কল্যা পরিকল্পনার কর্মস্চী অনুবারী দেওরা হয়। আফগানিস্তান,



অন্টেলিরা, রক্তবেশ, কান্দোভিরা, ইরান, কোরিরা, লাওন, ফিলিপাইনন, নিজাগন্ত এবং দক্ষিণ ভিরেতনায় ভারতের কার ধেকে কারিগাঁর সাহাব্য পেরেছে। অন্যান্য দেশের সহবােগিভায়ও ভারত এই দেশগ্রালা,ক কারিগাঁর সাহাবা শিক্তেছে।

প্রবাদ্ধিনীতির ফিল কেন্তে বিচাত জলক विद्यालक जाशाबा कहात स्थितिकका निकास আছে। ক্ষুদ্ৰ সামৰ্থ্য থাকা সভেত্ৰ যে ভাৰত উদারভাবে অন্যান্য দেশের সমস্যা সমাধ্যনে সাহাব্য করছে এটা জ্লাছার বিষয়। কিন্ত অন্যান্য দেশ ভারতের কাছ ছেতে প্রাণ্ড সাহাবোর বেরপে সন্থাবহার করছে, ভ রত কি বিদেশ থেকে প্রাণ্ড সাহাব্যের অনুত্রপ সম্বাৰহার করতে পেরেছে? বিদেশে ভারতের কপের বোকা ক্রমেট বেভে বাজে। करत रव अहे कम रमाव हरव छा रकछे तमाज পারে না। ভবিবাতে যে সরকার ভারতে আসবে অর্থাৎ আরও পঞ্চাল বছর ধারে ভারতের বে রাম্মনৈতিক পরিবর্তান হরে এবং ভাব ফলে আগামী দিনের জনসাধারণ বে নীতি অনুসরণ করবে তার উপরেই নির্ভার করবে ভারত ঝণমান্ত হতে পারবে কিনা। এখন ভারতের প্রায়ালন বিবেশ থেকে প্রাণ্ড সাই বোর সম্বাবহার করা এবং অনানা অন্যুসর দেশকে সাহারা দেওৱার আগে তার রাজনৈতিক প্রতিক্রিয়া কী হতে পারে সে সম্পরে সবিশেষ বিবেচনা করা। আৰ্ডপ্ৰতিক সহায়গিতাৰ অন্তেম হাধ্য হক্ষে পারস্পরিক অর্থনৈতিক সম্পর্কা। একটি দেশ বনি কোন কোন একটে এগিতে বার তবে তার এগিনে - যাওয়ার সায়েল অকুপণ হণেত আনা দেশগালিকেও দুন ভবা উচিত এ বিষয়ে কোন দ্বিমত থাকতে পারে না। ए है भरत इत्र, नगर है।कात्र माहाबा मा करत জিনিসপতের মাধ্যমে অথবা বিশেষজ্ঞ প্রের'ণর মাধ্যমে যদি ভারত অপেক্ষ কভ অন্যাপর বেশগালিকে त्र शिवा क'त्र स्टाव হরত সাহায়ে দানের নীতি আর্ বাস্তব-সম্মত হবে।

জীবন বীশা কপে রেশনের বিনিবলাথ বীতি ভারতের বতগালি রাণ্টারস্ত সংশ্বা আছে, সেগালির মধ্যে জীবন বীমা কপোরেখনহ সবচের বেশী মানাফা অর্জন করেছে। ১৯৬৮-৬৯ সালে জীবন বীমা কপোরেখন ব্যবসায়িক লেনদেনে চাড়ান্ত রেক্ডা স্থাপন

सामा का प्राधिक सारत को सामा-বেশনের বাবসায়ের পরিমাণ ছিল ১৯১-৩৫ ट्यापि प्रेका: ১৯६५-६४ मध्य साम श्रीत्रपान किस ५६०.८९ ट्यांति केसा। জীবন বীয়া কপেছিলেন বিভিন্ন বাতে ভাৰ विभिन्नानाम हा जन्।इक द्वरपट्ट। विद्याप करत श्रारीमयान, क्या इन्ट्रशक कता, काल গিংল প্ৰভতি ৰাতে জীৱন বীমা জলো-द्यान विनिद्यारगढ श्रीत्यान वाण्टिक बाटक जनराज्य केटम धरनाना इरक क्रीयम वीमा क्टलाखनम ১०३ व्यक्ति होक व बाबीन বিনিয়োগ করেছে: ভার মধ্যে ৩০ বোটি है।का क्षत अमादनक माधारम अवर ১० कि हि টাকা ভিবেকার করের সাধ্যম বিনিয়োগ कता इरहाइ। श्वांबर्धी 45/44 WHA 8 ১৯৬৮-৬৯ সালে সরকারী ক্ষেত্রে জীবন ৰীমা কপোৱেলনের বিনিভাগের পরিমাণ गटकरा ५५ छात्र १४८७ ४५.५ छात्र व्यट्डट्ड: अवान বেসরকারী কেন্দ্রে বিনিয়োগের পরিয়াণ শতকরা ১২-৭ ভাগ থেকে শতকরা ১৭-৮ ভাগ প্রণিত কলে গড় আখিছ বছবে জীবন বীয়া कर्लारहणन क होति रिवर प्रकार इत्ये ४-९० कांग्रे ग्रेकार वायमात करवाह । क्षेत्र वान्येश निव मासा जारक रक्ते विरुद्धेन. शिक शरकर एकनिया भागाविना केनान्या এবং সিগ্যাপরে। জীবন বীমা কর্পোরেশনের পরিচ লকমণ্ডলীর পক্ষ থেকে খোষণা করা হ'রডে যে, ভার বিনিয়োগ নীতির বিশেষ কোন পরিবর্তন অল্≡ ভবিষ্ঠেত চৰে না। জীবন বীয়া কলোবেশন হখন জাডের পরিমাণ বাডাতে পেরেছে ডখন অথনৈতিক পরিকল্পনার অধাসংস্থানে যাতে धरे छेन्दाछाक यथायथछाट्य काटक लागाटना दत, ए'त राज्या हनाय वरना जाना करा याता ক্ষান্ত শিলেশর সম্প্রসারণে এবং নতুন শিলেশ भ्यापान वर्ष मदरदाष्ट्रद /काम स्रोतः तीयः कारीतिमन्दक जाइए खन्छात লাগানে; বার কিনা সরকারের ডা বিচার। অন্যান্য দেশের জীবন বীমা সংস্থাগুলির বিনিয়োগ নীতি প্রতিলাচন দেশের বিভিন্ন শিক্ষ-প্রকরেশর Bet-मत्त्रवादन जारमह जयमारनह भाग च जन्दावन করা সম্ভব। বাংক ছাড়া বিভিন্ন অপদান जरम्यार्ग्जत ग्राम् खौरम बौगः कर्भारत्मान অগ্রণী। কিন্তু এই কপেট্রেন্ট্রের অপ্রান নীতি বাণিজ্যিক ব্যাংকগালির স্থানা ভার टाँडरग गिडाव मानि कर्राता वस कर् बादमाञ्च धार्यर काल निरम्भन स्कट्ट वानिका-ম্লক ব্যাংকগড়িল যে ক্ষেত্ৰে ঋণ দিতে বাহসী হয়নি, জীবন বীষ্ণ কুপোরেশন त्र कि.व चन रमध्यात सना क्रीनरव बारक।

সূত্রত গুল্ড



वर्ष क्रीक्रीय

আৰু দেশৰে টোবলের উপর
তিপটাখনতের মতো ঠান্ লক্তে
চাতের বইখানাকে ছাড়ে দিরে জলন গভার
করে চিন্তবাৰ্ কাশিরে উঠলেন, "রাবিল !
বর্বার! এ রকম বই একখানার বেলি চ্খানা
প্রত্যে মাধার খনে চেপে বার…"

ভাকিছে বেখি, বর্বাই বটে। অভিযুদ্ধ প্রভাবি নামেই তা প্রকটঃ "এলিয়ার এক বর্বার"। লেখক অতি মিলো বেড়াতে এসেছিলেন এলিয়ার, অমপস্চার মধ্যে ছিল চীন, জাপান, ভারত, সিংহল, মালরেলিয়া—সেই পর্যাটনেরই কাহিনী। অধ্যেকেরও বেশী পান জাড়ে আছে ভারতকর্বার কথা, ১৯০০ সালের ভারতক্বের কথা, মিশো তথন সদা তি।শান্তীর্গ এক ব্যুক্, ব্যাধি বইটি প্রকাশের অলে ভিনি বারে। বছর অপেকা করেছিলেন।

আরি মিশো খ্যাতিমান লেখক, এ বইটির বারা প্রকাশক তারাও ফেল্লানন, কম করে রবীন্দ্রনাথের বারোখানা বই তারা ফ্রান্সে প্রকাশ করেছন। তব্য এই গ্রন্থ সম্পর্কে অভিযোগ আছে অনেক: ভালোর চেয়ে মণ্য নিকটাই লেখক বেশী করে দেখিয়েছেন, বিরব্ধি ও বিভ্রম বড় বেশী প্রস্ফুট, ইটোজি ও হঠোজি প্রস্কৃত ভূলভাগিত পনে পাদে, বোঝাপভার অভাব, সহান্তুতি কম।

#### লেখকের কৈঞ্চিয়ত

মিলো নিজেও অগ্রিম আন্দান্ধ করে-ছিলেন, তার লেখা সম্পর্কে আপাত্ত-সংশার দেখা দি:ত পারেঃ

শএই কথা ভেবে কেউ কেউ অন্চর্মা হয়েছে যে, রারোপের এক দেশে তিরিশ-তিরিলটা বছর আমি অবলীলাক্তমে কটিরে এসংক তার বিবরে একবারের জনাও মার্ম্ম শালিনি, আর ভারতে এলাম, চে ও মেলে বেশ্বসাম মার, আর অমনি বিবিয় একটা অনুস্থ বই লেখা হরে খেল! এদিকে, এদের বিস্মন্তই আয়াকে বিশ্মিত করে। বে-দেশট র আমি তিরিল বছর ধরে আছি, যে প্রেশের সপেল নানা ভূজাতিভূজ দুশ্চিশ্তা, পরাজ্ঞর, জভাস্ত দিনপঞ্জীর একবেরেমি, বিবাদ ও স্ববিরোধের স্তে অক্ষাে বছনে আমি আবজ, বে দেশে নতুন করে কিছ্ আনার অবকাল নেই আর, দুখ্ অছে দিনবাপনের ছকে-বাঁবা জীবন—ভার সম্পর্কে কিছ্ লেখা কিভাবে সম্ভব ? সমস্ত বত বড়ে, আনও তত ওপাের, কোনো দেশকে আনার পক্ষে এ-কথা সভা নর। বরং দিন বত বার, ততই অসপ্ট হার আনে নানান ভেষরেশা, পারে সরে

বার সব, নতুন অভিজ্ঞতার অভিসাধ করে আর কিছু থাকে দ। আর এই কার্কার আরা কছুদিন আর আছেন কিংবা থারা এশিরানাসীদের সংশ্ গভীরভাবে মেলাশেশা করেন, এশিরা সম্পর্কে সাওলা করেন আলার বাব কার্বার করেন বাবি একেবার বিন একেবারেই নবাবাত ব ইর্মেনার সেনার তাবে নতুন বের্মিনার করেন বিন একেবারেই নবাবাত ব ইর্মেনার সেনার তাবে নতুন বের্মিনার করেন বিনের বলতে পারবেন হ এর এশিরা লে

অমাত্ত বাতিগত ধারণা এর মধ্যে বে কিছাটা সভোৱ তথা আছে। অমি নিটে বৰন ভারতের মাটিতে পা দিলাম, আঁত প্রবিত্তীয়া আমাজে প্রাম্প দির্ভেছি লন ব "रात्न या-वाबार कारक बचन किंड स्टार्की অন্তৰে যা দেখালন আৰুই তা লিট बामाद्यम: काम इस्टा ट्राफी बाह्र कार्र नक्षत्व ना।" क्यमें। कुछ चाँधि। को जीन दक इत्याणीय क्या किविट धन्य करवट কলকাতার বাশ্তার এখনো গর, দেবট পাওয়া বার ভি না। অনিশ্চিতভাবে উন निधनामः सानि नाः चानान, चाटा दहार কিত মিলে আছে হাস্চার পারিপানিবা আলাদা করে আর আমার নকরে পতে না ... ও হাাঁ, আছে বটে, অস্তত একটা ভে আছেই: গতকালই হাতিবাখানের বাজারের

Œ

Ĉ,



আৰু প্ৰাইকেজ-বাহনে, আৰি একটিন কলো ক্ৰেনিন্তি গ্ৰহনাৰ বা বেংক ক্ৰেন্তাক্তৰ নিক্ষতি শেকাৰি।

**----**

न्याता राज्यात क्या राष्ट्र नगरे व्यापात व राज्याता — वरे उनकरार वण्टा विश्व वृद्ध कारका विरूप क्षेत्र कारक- প্রসংগ। আর এই বার অভ্যত, তার কাছ থেকে বিশ্ব প্রমণকাহিনী প্রত্যাপা করা ব্যা, চসতে চসতে মিশো শ্ব, দেখেন না, দেখার করা থেকে তিনি তওঁ থাড়া করেন, বিশেব থেকে সাধারণীকরণে চলে বান। আগতি প্রকাশ করেন, অসম্বাদন গোপন রাখেন না, বা তার অপ্রধাশ ভার প্রতি তিনি শোবে তীকা হল, বলার কথাটি মনে বাতে বা লের তার জনা অভিশক্তেবির আবাতও হানতে ভোলেন না। ভালো হোক, মন্দ হোক, বলার অভিনাট ভবি কোন্ধালা।

হিলোর হতে জারতীয়ের। রশ্বর, নির্নিত বাহালাপ্রবন।

"ভারতীরেরা রাশর, আনচর' রাজ্য সামার, নেছেরনে উভরত…।" ভারা বেশানে বৈশানে



#### > #164 5098

अट्रपास ट्यांडमीट महान गरास, ब्रिगीस्टर रमय--अब कार्ड कार्ड आर्ट अन्ड करत. बीचा बोरड बहेटक आन्य बहुत, नारिश्कत ह्यानाक क बहुत प्रमानकि कविता जिल्हा कारत बर्धक केनारकमा, किना व्यथात, विना ভাৰত হৈছো-বিশেষ বাল্যালীয়া, বাঁঘা নাকি ভারতীয় বাজিতের ट्यार्ट गेहिन- नरम करण भीव मारह লোডোর না: ভাগের সমতে চিন্তার প্রবাহও অবনু-বিক্তান্তিত, কিছুতেই কো ভোলো शाका इ.रका ट्लरे. पीरतम्हरूप, रक्टवीहरूक क्रातासके दल। बान मान करकेत काल বোনা ভারতীয় মানসের স্বভাবগত। ভাবনা নিয়ে শেলা করে ভারা, কথার পিঠে কথা क्षारक मधन्त्रस्य करे शाकाव। सार फाटे তো সংশ্রুতই ভাদের চরিত্র ন্প ভাষা-এ वर विश्वीन, क्षिम्बन्देनहें, विश्वविद्या সমাস বিজ্ঞিত विश्वसक्त ভাৰাটিট ভারতীর মননের স্বভারীসম্ব ও সর্বাস্থেউ मान्त्रे एकः व्यवसात।

"ভারতীরেরা নির্লিশ্ত, অসহনীরভাবে নির্লিশ্ত।" জনভার ভাবলেশহীন অন্ত উনালীনতা—শহু গর্রই কাছে বা হার মানে—লেখককে অভিষ্ঠ করে তুলেছে। বেন প্রিবীর জোনো কিছুতেই কিছু এসে বার না, কেন জগৎ আছে তার মতো, আমি আছি আমার মতো—এমনিভাবে তার মুখের দিকে তাকিয়ে থাকে। আবেগের কোষ্ঠবন্ধতার জুগছে কেন দেলভোড়া মান্হ। কি আখসংবৃত ভারা! আর সেই জানাই তো ভারতীরেরা কুকুর পছ্প করে নাঃ কুকুরের যে আজসংব্যের বিলক্ষণ অভাব!

"ভ রতীয়েরা বাহ্লাপ্রক।" স্ব কিছুতেই তাদের বাহ্লা-প্রকাশ—শ্বাপত্যে, সাহিত্যে, গৃহসক্ষার। মহাভারতের দেশার সংখ্যা কিবো দক্ষিপ ভ রতের মান্দর গারে উৎকীর্ণ মৃতিগিলে গুণে দেখলে লেখকের এই মনোভাবের কারণ কিছুটা বোরা বার। কোনো ভারতীর ঘরে গেলে নিছক সৌলংবার সপো সাক্ষাং হর না, বা চোক্ষে পড়ে তা প্রাচুর্য।" মহাকাবা কিবো প্রপর-সাহিতা মিশোর "দীর্ঘা, কৃতিম, ক্রান্তিকর" ঠেকছে—ভার কারণ্ড এই বাহ্লা (এই-জনোই বোধ হয় কামশাস্তকে অন্লীল বলে বা কেটা।

এই কৃত্রিমন্তা বিভান্তন-পশ্যতিতে প্রকাশ পার। রুরোপীরেরা বিভাগ করে নাধারণত ২, ০, ৪-এর ভিত্তিতে; ভারতীররেরা ৬৪ বা ৩২ দিরে মারে মধ্যের ৯ দিরে, অধিকাংশতই ২০-র বেশী সংখ্যার সাহাবো [দৃত্যুক্ত : ১৮টি চোর্য প্রদানী, ১৪টি ধাবনপশ্যতি, হ মাগ্র্ডি দেওরার ৫৫টি কার্না। বিষরটা গোশ্ব বিশ্ভারেই ভারতীয় মনের জ্বান্ত।



নাশিবের দংশে লোকাকাড হলে চুলবাড়ি কালিবে সের

d COME CONT

আরতে নাকি "একটিও সন্তির্কার স্পানরী মেরো" দেখেন নি মিলো। সাতত:ড়াতাড়ি তারা ব্যাড়িরে বার (একটি কারণ অবশা, প্রসংবান্তরা জননীদের উপবৃদ্ধ বিপ্রমের অভাব।। ভারতীর নারীর সলক্ষতা বহুনিগিত, কিন্তু তার মধ্যে আছে "পরাজিতের মনোভাব", আন্ধানিবাসের অন্টন।

ভারতীয়ের। খন খন দান করে। এক চন্দননগরেই আছে ১৬০০ প্রুক্তরিণী, আর বংনই বান, ফার্কা ঘাট চোখে পড়বে না, কেট না কেউ নাইতে দেমেছেই। গণগাও নিশ্চরই একম্হতে শ্না খাকে না। আর তব্ এড নোরো কেন লোকেরা? অগারকার পরিকোরে কনেই কৈ ভারতীর বিরুক্তার পরিকার ক্রমতে বাজি প্রান্তীর ক্রমতের বাজি প্রান্তীর ক্রমিন কর্তারের হৈ ক্রমতের ইন্দেশ্য, ক্রমিন বাজিকা, হতনী আইনিকা—ক্রমতের প্রতিই চিত্তকানের স্বাভাবিক অনুকর্ণীর শিক্ষা ক্রমেন পরিস্কের

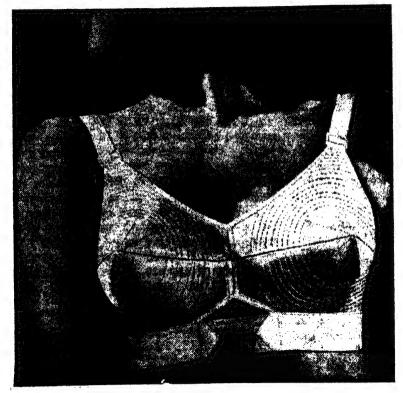
হতেতে সিলো খেবে হন গাঁক আন্তর্ন প্রতি ন্যাভাবিক অনুকল্পা। ভারতে বিশ্ব নিছক নিপ্রতা ও অন্তর্গ করি, ভার উপরে অনুভতে হবে ভাঙা হাঁটি, কারী হাত, খোঁড়া পা, উপড়ে-নেওরা নাক"— না হলে ভিন্ মিলাব না, আর ভারতেও যে মিলাবে ভার নিশ্চনতা নেই।

আর সেই সব সাধ্-ছবির...চুপচাপ,
জানার না বিরে, অন্মতি সা নিরে, গ্রপ্রাাগদে ভাদের নিবিকর প্রবেশ: চুপচাপ,
বিরুদ্ধি না করে, অভিবাস না ভূবে,
তেমনই ভাদর নিবিকর প্রশান—ভা
ভিকা বত অবপই পাক কি একেবারে
কিন্তুই না পাক। কিন্তু গ্রুমের পক
ভেরে এভটুকু অসহিক্তা প্রদাপত হলে
ভার রুকে নেই, ভার চভূদান প্রের পর্বাক্ত
ভিশার হার বাবে! সেই অভিনাপের
প্রার্গিচত আছে বটে ঃ প্রাে এক
ভাগদালের বাবিদান।

শ্রী-স্বায়া কণাচিং চোখে পঢ়ে মিশোর।
চোখে লাগে শ্র্য কুশ্রীভার আভিশবা ঃ
শুরাখনে খাদা বলতে অভাশত হতে হ্র
শ্র্য ভাতে, হাড়তে হর ব্যক্ষান ও
স্রাগান, রীতি হরে ওঠে স্কাশাহার,,,
এটা কিন্দু কিছ্ম নর, কুশ্রীভার পরিভৃশ্ত
হরে খাকাটাই কেন সকচেরে বড় কৃষ্মানসাবনের পরিচর...। তিন হাজার বছরের
শ্রান্যে এই ছাতি—আন্ন তব্ ভাজাত



# හුනුතුන (කුවල්පහැතිට යුත්) ශූ'මතා යෙන් ලෙන් හතුත් ජිණු පල පහා අව...



जार का काक रहत करमक करमक क्रिम !

আনেক বহিনারই বারণ। অভাক্ত ত্রেলিরারের চাইতে যেইডেনকর্মের দাম আনেক বেণী। আবর।
আন্তর্যা হই নি প্রক্তি আবাদের বার প্রলি দেখলে আপনি আন্তর্যা হবেন। কারণ বাস্তবিক মাত্র
হ'এক টাকা বেণী দিরে আপনি পৃথিবীর সবচেরে বেণী কাটিতির ত্রেলিরার কিনতে পাছেন।
আর বেইডেনকর্মে আবেরিকা থেকে আমধানী-কর। ইলান্টিক ব্যবহার করা হর ব'লে যেইডেনকর্ম ভারতের অক্তাক্ত ত্রেলিরারের চাইতে বেণীদিন টেকে। একটু ভেবে দেখলেই ব্যবতে পারবেন আথেরে যেইডেনকর্মের বাব অক্ত ত্রেলিরারের চাইতে কমই পড়ে। তবে আর বেরী কিলের প্রত্রাক্তিই কিনে নিন !

ত কাপ ফিট—এ.বি.সি।জ্যালোরেট ৭.০০ টাকা, প্রানসোনেট ৮.৭৫ টাকা,বেস প্রানসোনেট ২১.৭৫ টাকা, বেস প্রানসোনেট স্টেচ স্ট্রাপ ২৫.৭৫ টাকা,প্রেলিউড ৯.৫০ টাকা, বেস প্রেলিউড ২২.৭৫ টাকা, বেস প্রেলিউড স্টেচ স্ট্রাপ ২৭.৭৫ টাকা, স্থইট মিউজিক ১২.২০ টাকা, স্থইট মিউজিক স্ট্রেচ স্ট্রাপ ১৭.০০ টাকা, কার্স্ট স্টার ৪.৫০ টাকা। দামগুলি ট্যাক্সমেত নর।

maidenform— ১৯६० माल (थाक हैं उस स्थापनाएक (सङ्ख्यामर्स रिस्टी कवार्व !

कारमद अदेश माना बनी, कारमद दाहि-व्यक्तिक क्रिकाम हंगर-नवात्तव भएका।" आहा काराज अकींग्रे बात कारणांड বিশ্ৰ জেপিৰ নিভাতৰ আনন্দ লাভ करवाका विद्या स्थातहरून स्थितहरू জিলা-অক্তার। আর স্বই তার মনে হাতৰে আভাভেমিক বজা বেলি কৌলল विश्वनम्बा न्यांच्य शकीक व वार्क्यान्य প্রতি আনুষ্ঠাঃ নিশ্পাণ, সুস্থিত বাদ্যার স্ব, "বেখানে ২,ছে: প্রস্থতাতিকের মতা—খালা কোনো দিল লোগে নি, আঁকে নি. शटफ नि क्षिक-बटन बटन विविविधान बहुना करने अवर बुद्धानीबरमन काटन शबाजाद खाण्डवाका सदल ।"

তিন হাজার বছর ধরে রাজগ্রুতা অভ্যানত চেন্টার এই পাচিল কোটি মান্তকে ज्ञवनीमञ् करत टहरकरह...। "रमारक अन्त ক্ষা ক্ষা আমত হবে অভিবাদন জানার, এই क्षांभागे किइ.८७वे आधार मदा देश गा। আর রাজা-মহারাজাদের হাবভাবও শেব প্রতিক ভালেরট পাশ্বভর-অন্তরদের মতো হয়ে বায়: কেমন বেন ঠিক স্বাধীন মান্ত্ৰ दर्ज भारत इस ना श्रद्धम्ब...।"

কত স্বল্য কত সংকীপ অধিকাংশের য়াথা গোলার সাঁটা দিওজিনিস নতি পিপের মধ্যে দিন্যাপন করতেন, কিল্ড তিনি हटा क्षेत्र भएषा क्षका-हे बाक्टडन: क्रानहरू এসে দেখে বান তিনি : গোটা এক পরিবার নিবি। চাকে বাবে ওর অন্দরে। 'হোটোলে <u>বে আকারের ঘর এরা ভাড়া দের তাতে</u> চটিজ্যতা ছাড়া অরে কিছু অটার কথা নহ ৷ ককরের প্রাণ্ড দম আটকে হাবে, এদেশের মান্ত্র কিন্তু এডটাকু ঘাবড়াবে 277 th

হিন্দা জনভাব দিকে দাণিপাত কর্নঃ প্রত্যেক ভারছে নিজের কথা—নিজের প্রেণার ও মোহের কথা। "এক চিন্তা প্রভাবেকর : ধর্ম, জাতি-বর্গের গরিমা এবং বিধি-অন্যাদাসন ৷ শ্রেম ও চৌ্যের প্যাশ্ত जन्माजनमाना जारह हिन्सू केटिटहा]।" क्रीनरक छारनत कार्ड श्रासाञ्चन करन किड् रमहे हाम। कथाना छाडा धकरवना शर. কখনো ভিনবেলা। একদিন আহার করে দাপারে, পরের দিন হয়তে। সম্পো সাত্তীয়। আর শয়ন তো মহ-তহু একটি চাদের জোটার ञरशका गास्।

#### पारमा ও बाधामी

আর তব্য কি যাদ্য আছে বাংলা ভাষা সংগতি ও সাহিত্যের মধ্যে যে মিশোর মত হাডিম,খো লোকও প্রশংসায় প্রমাণ না रुरत भारत्रन नि।

"হিন্দু-তানী ভাষায় আট-ন'টি ভাষা এসে মিশেছে, কিন্তু শব্দগ্রিল কান শ্নতে একবেরে লাগে। বাংলা ভাষায় আছে আরো

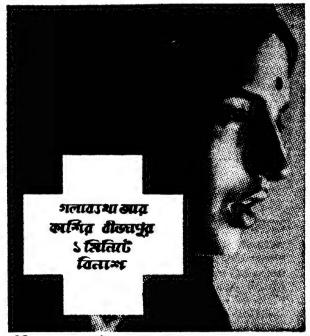
বেলী সুরেলা ছন্দ, আছে বাঁক, প্রবন্দ্রক विश्वधं बाद्य श्रमाकी बान्वार, बार्स वं. व्यवस्थान जनगणा ।

"পান বলতে আমাৰে বা সৰচেৰে বেশী नाजा मिटलट का बन किनिक नन्तीक-नात प्राप्त राज्यक राज्यों कार्यकों बार्य মেলোডি।"

বিষয় স্কতিভাষণ সহিচা সহিচা ক্রমেন क्रके" । हाली बाजक तथा बादावर्गित वार्रार्थ जाकर जार का माराजा कर मानव करे বাংলা সাহিত। এই আছি নেই। হবীন্দ্ৰনাথ विकास बीलमात नन। ब्रह्मस्य समाब লেখত ব্যৱস্থে উলিল আৰু বিল প্ৰত্যেক শত শত বচনাকার অনুবিত হওরার প্রতীকার। এই বিস্মানত সম্ভাবের কারে স্পান হরে বার আধ্বানা স্করেরেগর গোটা সাহিতা। বৰনই কোনো বালো লেখা হাতে करण निराहिः यम माहेन रशरहरू ना रभरतारक जल्बाहरून वीका भरक मिराहि।

किंद्य अकी चारह अहे माहिरका माना. वाहि अक्षे गट्न, बारक मटकला वा मला कारण गठिक दत्र मा. वाटक बना ट्वटक भारत कारका कियोगन। द्यारना वाकागीय क्षाचा शब्दम छाटक छाटला मा दक्त शासा THE 21 P

बारमा केन्नान । इनक्टिया अक्छि देवींकको किटनाय मुन्दि साक्येन क्रास्टि ब्रोसाक्क कड़िनसाव काम स्थानाव स्थान क्रमीकाराया अक कार्मात । सन्दोनकम्पादासाम किन स्मार्थनः "स्माति एका मन्दर्की ভেৰেছিল ছা হাসতেও চেবেছিল: কিন্দু काल के राज्य अवस्था, शामान मा-दिन बाल, त्या। अस्य शास्त्र शत शास्त्र-ল' ভিনেক পাডা-লেকে বাবে প্রের बाशको मामल केंद्र । क्रिक्ट छा-दे: रक्षम करम केंद्रेटर, छन्द्र शाँग रकार्छ ना बार्क बानाकारवड वीराशकान वर्क ना कांभारक-रेभिमारक। अहा माकामानि श्रदन्तर



**ठिकि९मा (ऋटा याघाँ) कहा** 



স্ট্রেপসিল্স তার বিশেষ দুটি এগাটিসেপ্টিক দিরে, গলাবাখা আর কাশির বীশাবু সব চেয়ে তাড়াতাড়ি মেরে কেলতে পারে।

COST DECIM

ঞাণ্ডিসেপ্টিক লক্ষেত্ৰ ब्रानिकेविनिश्चान मुह्म भावता सह है।



सब बाद नाः कारणायारम् द्वामण्यनः। इद्या करम नामाशादा जाद्वाि अम्, उद् उद्धे-नः ए विक्रम् वाद्या दक्षणाता अरम्ब याद्या दन्तरे। अक्षाँ, मृद्या अक्षाँ, क्या केकात्रम कत्रत्वरे शाकात्र कृत्य-देशांबाद्यिक विम्नूका स्वमान पदि वादः, जात कद् क्षाम दशरमध्ये कथात्रा किस्ट्राटरे अक्षा बाम कट्टी वनाद्य नाः। वत्र सम्पूर्णी स्टांब अद्यक्ष क्षांच कार्ये स्थाते, भारित्या গাঁরণিবাভর প্রতি ওতই এমের সাক্ষাণ। আসলে করে ব্যক্তিগত উচ্চােচের কেরে নির্রাচর সর্বাশক্তিমান গাঁডকে জন্তের করাই এয়া বেগা কাক্ষ্যান্ত করে করে ব্যক্তিয়া

চক্র জ্যোতিলাবলের জনা প্রথম জনা বক্ষ মনে হলেও ভারতীর জ্যা বাডালীরের বেশতে নাকি মোটেই জ্যোলানর, জাট মেকে वहर्षेत्र करवा वाह्यत्र सार्थि स्काम शावारणावा-रभारका राम्यातः। कर्य शां, अरम्ब ब्रह्मका मृत्यात् वर्धः, व्यक्तमानिकारम मृत्यातः, र्यमम-रायोण भारत्यतः। बाध-रणदारमा वर्षाण-मार्थ्य कार्वाव्यक्ति व्यक्तम्, व्यक्त वर्षाः कृष्णि वर्षत्र व्यक्तमः। विशे राम्य-मार्गः श्रवः, विका रक्ता वाव्यक्तमः वर्षाः। निवाचयी स्मामि। रमाक्यस्य वर्षाक्षित्रस्य रमान्य-मुख्याव





and the state and art; will also exce from private a could wine out to a state out to

বলতে পারেন কি কোনটি আসল?

জাল হিনিবের নথক খুব ভাষাকাড়ি হয়ে বাতে। আর কবনও কবনও নবল ছিনিব টিভ আনলের নডোই বেখার।

কিৰ্মোক্তর ৫ বর্গ পাওয়ায়াএডি ১ ডিকেন এছিনেও অনুকাৰ নকাই বাবে আনছে। এই অনুকাৰ বাবে আনছে। শুৰু হং, বঠন, আকৃতি ও ডিফাইনের দিত থেকে। কিন্তু উচ্চনানের শুণে, নির্ক্তরবাদ্যকার, ও কর্মনানান জনকার কিন্তোল্ডিয়া এডি ১ এর অনুকার কথনেও অনুকারণকারীনের শক্তে সন্তব্য সহ ।

অহুকালে ব্যবহার একয়ার দিলিপ্তার বিনিষ্ট ভিকেল এডিন কিনোখন এডি ১ স্বক্ষারি কৃষিকাই ও আমলিকে অংলাগের উপযোগী। দালি, নির্করবোধানা, অন্ধবার, শীর্ষদায়িত ও সভোষকনকনাবে পুনমন্ত্রনা কমাস্ট্রনালনের অক্তে এ কলে এক মিলিষ্ট ভ্রেমীর এডিল। ভ্রম্ভান্ত এক অংশে কলেমে ক্রম ও ভিলোখনের উচ্চ ভ্রেমীর নেলন্ সার্তিস।



আসল কিলোডর এতি ১ - ৫ হর্স পাওরার কিলুল।-নকল কথনও আসলের মতো উৎকট হতে পারেন্দ্র ১

A B WYTHOW

किर्ताक्षत आञ्चल अस्ति म लिप्तिएँड, क्ष्मिकोन (बाइ, क्रिको, पूरा-७ (बाइक)

th Reseases the registered trade mark of Kirlesjan Proprietory Lowins of which Kirlesjan Of Status Limited on the registered and

কত দত্বতি শানেষি, কিন্তু তার কারণই এই বে, নানা সজিচ ক্ষের তারা আন্তর্গ রক্ষ স্কের শ

মান্ত লোকের কোনোবারিবা বিলো আন্ধালন করতে পারেল নি। "একজন নাধারে সালেন মানানা বাজালী হার বানে, এক লোজন দায়িকা বাজিকা আনল থেকে ভারতীবেরা আর্-বেকে জানাকে; আট ল' বছর থার তারা লাখীনাজা-বিশ্বত । বিজিতের সানান্তি ভালের মানানারি ভালের মানানারি প্রান্ত বাজালার করতা প্রান্ত বাজালারিকা বাজালার করতা প্রান্তিবালানার বাজালার করেল করতা, আননি বাজালার বাজিকালীটাই নিমান্তে ভতভাগাণ বাজিকালীটাই নিমান্তে ভতভাগাণ

বিল্যাব্যক্তির ব্যাপারেও ছারোচিত নিভারদালিতা চোগে পজে তরি। সমগ্র এশির
সরাভাটকেই তরি মনে বর ভাত-ছাতর
উদাহরণ আর বাংলাদেশে তেঃ ছাতরা গিজ
লিভ করছে। সম্পেত সাহিত্যাও, তরি
দৃষ্টিতে মৌলিকাতার চেরে রোমন্দান বেলিও
শল্টি পাছি বলি লেখকের নিজন্ম হয়,
পরের ভিমা পাছি আবলাই উজ্বতি। বাংলা
দেশে পথে-বাটে লোকে পা্রেরও কেন্
ভিত্তী নিরেজেন প সিলোর পার্নের।
ভিত্তী নিরেজেন প সিলোর পার্নের।
ভিত্তী নিরেজেন প সিলোর পার্নের।
ভিত্তী নিরেজেন প সিলোর পা্রিরে।
পর্বতী প্রমানি হবেও আপানার গ্রের্ বেও বি
কাম বিলোন গা্র্ আবার কেও বেউ নহা।
বর্গ ভাক্তর বান বার্ব বে

পাটিল বছর বহলের ব্যাভ্রণতি বাঙালী-বের মাড়ি-ওড়াটোর স্বাধাও নিবে: কৌতুক জন্তব করেছেন।

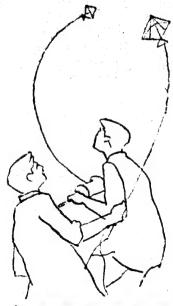
ক্লকাতা সংগ্ৰে তাঁব বছৰা: স্বচ্চেয় জনবংকে নগৰ। আৰু হাওছা স্টেশনঃ পিছিৰালৈ স্বাধিক বিধালকায় প্ৰেলন। জন্ত প্ৰেলন যে কাকে বলে এখানেই ভাবোৰা যায়ঃ একমত এই প্ৰেলনেই লোকে স্থিত স্থিত জ্ঞান্ত ক্ষাৰ্থ কৰে।

বৈভাবে গি হৈ ছি লৈ ন প্রতিত,
দালিলিকে ঃ "ভি বিপাল ক্ষ্যিত, বাঙালাই
ছাড়া বখনট জন্য কোনো জাতের মাৰখানে
ছালি গৈ কিবছু ভারপারেই "তব্যু বাংলাদেশেই
থাকতে বরাবর ভাগে। লেলেছে জাগার,
বরাবর ভোবে এসেছি ভাগেস ফিবে গেলে
এদেব জন্যে মন-কোন করাবই। কি অসতুত !
দাত্র দালিন হল বাংলা ভোড়ছি, এবই মধ্যে
কোন-কোনন

#### र्शक्य कार्य

শক্তিশ কাওমার আগে বাঙালাঁ বন্ধ্যানর মথে শতুনভিজেন, দক্ষিণাঁ আফেদের মধ্য ভালাবে একজমও নাকি স্কুন্ধী নহ/ গিছে লেখেশানে আন হল, 'দল বাজাব্যে'।

ভবে কোত্তলের তার্কার ওলা ভারতেতকে হালিরে বায়। রিন্দেশ্য মান্ত



পাচিপ বছর কালের যুক্তোবাড়ি বাঙালীবের বুড়ি ওড়াবো

দেখলেই হল, ভারা কামন উংস্ক হরে

ওঠেঃ মাপনার সম্বর্গ নিভারত ভুক্ষ

একটা কথা কানতে পারা মাত্র কেনতের

ক্রেটতে, সম্বর্গত পথচারীকে ভেকে ভেকে
কোনারে। ব্র থেকে প্রশা মাত্র কেনতের

ক্রেটিয়া, ভারতের উত্তর মাত্রেঃ 'এ'র

ররস বিহুলা, ভারতের বেভারতে একলেছেন।'…

রর্গেটীর পথটক দেশে কিরে লিরে বলে

ক্যেরালীর পর্যাক এই দেখেছি, এই দেখেছি'।

ক্যু দেখেছেন!…ভার পিরে কলা উচিভঃ

মানাকে এরা দেখেছে, ওরা দেখেছে!' আর

সাত্রি ভা-ই তিনি বাভ-না দশকি, ভার ভেরে

ক্রেনক বেশি দুন্দীক্ষঃ''

উত্তরের তুলনার দক্ষিণের মানুবের মাধ্যমেন কম। চলতে চলতে এনা স্বাই মসে না, দক্ষিরে থাকে কেউ কেউ, লগে দোড়তেও দেখা যার ছাউকে ছাউতে। "মাধি শংখ্ পভিততিক্ষা কথা থঠে, মুরোগীয়ারের সংগ্ পভিততিকর কথা থঠে, মুরোগীয়ারের সংগ্ পভিততিকর কিলা বাঙ্কালীয়ার ফ্লেরে

সকল শাভাবিক কথাবাতীর ১৯ সিলোর কানে জানে নি কোথাও। ৭এর দেখা কথা কলে না, জাবাঁত করে—চুক্ততেই কথা উত্তর কানা করে। তালীকা করতে। উত্তরের মান্য জাবাঁতি করে, বিজপের মান্য শুনুষ্ চেট্টারা দি

আৰু গলে? সুৰ্বন্ধ গাল : "আস্থান হিমানৰ ভাৰতৰৰে খাল গায়।" হিলা ও হিলাৰেল

्रिकृत् **७ हिन्त्यम् अन्तर्यक** मुक्टरदाः

ক্ষনেক ট্কারো হড়ানো আছে বইটিছৈ আর ভাতেও আছে 'বাইরে থেকে' সেখাৰ নানা ভুজান্তি এবং 'বাইরে থেকে' বেখার গণেপনাঃ

হিন্দুরা যে ধর্মপ্রাণ, অতি মান্তার ধর্মপ্রাণ, মিশো তা স্বীকার করেন। জন্
জুরান্ বেমন প্রেমেকই প্রেমে পড়ে বিজেনভিলেন, হিন্দুরার তেমনি প্রাক্তি প্রাক্তি তাঙ্গের
কাছে প্রাক্তির। আর তেমনি সার্বাক্তিরীর
প্রাথনার প্রতি তাগের আসার্ভি এবং জনবিদ্ধার
ভিলেন এবং এমন কি প্রথমানীকার প্রাক্তি
ভিলেন এবং এমন কি প্রথমানীকার প্রাক্তিতা। প্রেমের চেরেও প্রথমানীকার প্রাক্তিতা। প্রথমের চিন্তুর প্রেম্ক অস্বাভাবিক নর।

আরু কত র্গীত এই আরাধনার! একটিমাদ্র ধর্মের মধ্যে গাহীত হরে আছে সম্মএকেশবর্রাদ, কছ্ ঈশবর্বাদ, সর্বেশবর্রাদ,
জড়োপাসনা, পিশাচপপথা। মান্ত করে একা
পদে প্রদঃ "বখনই দেখনেন একজন হিন্দু; কিছা একটা করছে, কিংবা কোনো কিছু,
থেকে বিরত থাকছে, নিশ্চিত থাকরেন, এটা
মানত [জনেকে মানত আছে বলে ডিম খার,
সাবার জনেকে মানত আছে বলেই ডিম খার
না); এমন কি নির্বিশবর্বাদ্বীরা প্রশিক্ষ

আর উপবাস। আহার কেন্দ্র স্বাচারিক,
প্রদের কাছে উপবাসও তেননি। কথার কথার
উপবাস উদার্যাপিত হরে থাকে—কর্মের
সাক্ষরের, ব্যবসার অবনাতিতে, গ্রেপালিত
বাছারটার অস্থে-বিস্থেন! আব মাসেকর্মন তো আছেই : "শতকরা নিরানক্ত্
কর্ম তিক্রা নাগে থার নাগে

এই আতাদিতক ধর্মাসেও মনোভাব থেকে জন্ম নিয়েছে উদ্বরগ্ধান্ত ৷ হিন্দ্র সঞ্জী স্বভাব প্রিবীর এক-তৃতীয়াংশ ধনসংপদকে ভারতের অভাশতরে প্রাক্তিত করেছে

#### मानिक ६, होका किन्छरङ



ক্টা কা ভ ভবন সিপকার ও ব্যান্ড ফল ওবালডা পোটে-বল ট্রানজিন্টর। বে কোনো জা র পা র

পঠান বাং । TOKYO AGENCIES (WD) Kaseruwalan, Paharganj Post Bag No. 11, New Delhi-1.



্রিকামহার।কানের ঐশ্বর এবং একেলে সন্মিত মোট স্বর্গপরিমাণের বিচারেই বোধ হর মিলোর এই উত্তি। আধ্যাম্মিক ক্ষেত্রেও এই সন্তর্মালপ্সা স্পন্টলক্ষনঃ ভগবানকে তার। ক্ষেপ্তর্মকর মতো শাবে নিত্ত চার।

তাই বলি-নিবেদনে ক্রান্তি নেই হিশার: "বদি তাকে একটিমার ছাগবলি দিতে দেখা যায়, ব্ৰুক্তে হতে ভার আধক দিতে মানু।ে" আর এই প্রাসঞ্যের পাতিকেই তাগের প্রতিও তার দ্মার প্রলোভন। কোনো কোনো ম,হতে আসে প্রত্যেকরই জীবনে যখন মান্য হস্তাপত জীবনের জীর্ণ কল্পা থেকে জেলে উঠে গা ঝাড়া দিয়ে ছুটে বার লড়াই করতে, ছিনিরে নিতে, জিতে নিতে: হিব্দুর কাছে জেগে-ওঠা মানেই সব কিছু, ভাগে করে বানপ্রদথ। मरमारत्रत बाह्मला-बन्नाहोद मरूना स्मरद म উঠকেও বিবাহিত এবং দশ সংভানের জনক হিন্দু অনারাসে বলতে পারে, "এ বদি হয় আমি সাধ্ হয়ে বেরিয়ে হাব কিম্ভু..." এবং স্থিতাই হয়তো সে ভাইপোর হাতে তার সমূহত অথাসম্পদ তুলে দিয়ে বেরিয়ে পড়ে €क मन ।

ক্ষিত্ব তার মানেই এই নর বে, হিচ্চার সর্বজ্ঞাগ অন্যের কলাগের মাধ চেয়ে: উন্দেশ্য নিজেরই প্শার্জন। নিজের মোকই তার প্রথম চিন্তা এবং একমার চিন্তা।
"অবলা আছেন ছিন্দু মারেরা—তারা সাতাই
পরার্থে বাঁচেন" আপন সন্তানের জন্ন, আপন
সংসাবের জনা।

আধ্যাত্মিক ব্যাপারে হিস্কুরা ফললিংসু, বাস্তব্যুখী: "নিছক সতা ও সৌন্দ্রের প্রতি তার তকা নেই, সে ফল চায় প্রতিশন চায়" (যদিও অন্য অংথ মা ফলেম: कप्ताप्तन-७ शिक्षामा एकत् ते कथा। अरे জনোট মিশোর ধারণা নবা হিন্দু ধর্ম'-প্রচারকেরা মাকিনি দেশে কিছা কিছা সাফলা অর্জনি করতে পেরেছেন। ধর্মাকরের সংগ্র ফললাভের এই সংযোগ থেকেই মিল্টিসিজ ম আর ম্যাজিকের সংশেল্য খটে গেছে হিন্দ্ ঐতিহে। এসেছে মন্ত্রশক্তির উপর নিতরিতা । সেনাবাহিনী প্রতি মধ্র অভড়ার]। রহ্মতথা ও কৌমাথের রত হিরুর গুলিটা**ত** শুধু ভারেবে একটি প্রকরণমাত নর. আধ্যাত্তিক শক্তি-মজানের একটি উপার। ক্যার্থালক মিশনারীপের কাছে কোমার্যারতের ম্লা অনুরূপ নর বলে হিন্দ্র—লেখকের মাত্র-ভাদের এই রত-উদাযাপনের কোনো অর্থ খুট্রের পার না।

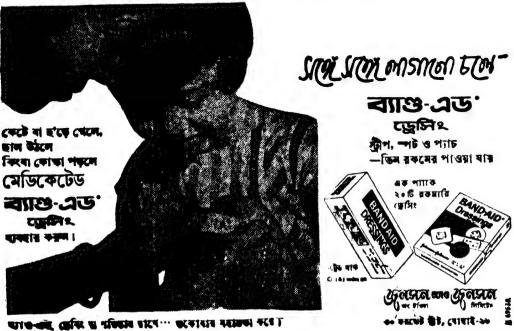
হিন্দ, ও কাথলিক মিন্টিসিভাস্মব প্রতিত্বনা করে মিশো বলেন: "কাথলিক কাথিয়ালে—আয়তন ও আবহণাণে নান আদে বিনর ও বিনতির অনুভৃতি। অবঙ্ক বৃহত্তম হিম্ম মিদ্রেরও অভাতরপ্রদেশ (যেধানে দেবতা থাকেন) ক দ্র, অতি ক্ষুদ্র; সেধানে দড়ালে মানুরের মনে ক্ষানে জিলে অভিতাব, আপন কমতার বোধ মনের উপর প্রভাব বিস্তার করে। মানুরের দুর্বালয়ের চেরে মানুরের সক্ষমতা প্রদর্শনের দিকেই হিম্মুখ্রের কেরি। ইম্বরেক সে বাধা করে চার, প্রাথনির আবরণে সে হরণ করে নিতে চার। সারবস্তুর চেরে তাই সঠিক কৌলল কানার প্রতিই তার আগ্রহ...। হিম্মুদ্রের ধর্মাভাবের মধ্যে দিব্যভাব সন্তিটে কয়ঃ সাহিত্য-শিক্ষকের সাহিত্য প্রতিক তার।

স্বাশেষ উছিটি প্রাগিমী প্রার্থ আনক উল্লির মটোই—নিঃসালস্য অকিচার প্রস্ত জাগত। তব্, এ-ই মিলো। কতটা তব্ধি স্পন্টভাষণ আর কতটা হাল্ড ষণ, কতটা অবাবহিত দেখার গালে স্তর্ভদী সার কতটা অবাবহিত দেখার ব্যটিতে বিজ্ঞানত, তা বাধ্যালী পাঠকেরই বিচার্য।

চিত্তবাব্ বললেন, "বইটা, দেখছি, আর একবার ভালো করে পড়ে দেখতে হাবা "

ভ্ৰমণ





#### বাহিকী গান

भू त्रकार देव स्वाहेकारहे একটা বিশেষ আগত আছে। আমিও ভার ব্যতিক্র নই। কার্ড मन्त्रीहरूत सन्तर किखाद शांक वहत सहस স্থিতিত উম্বুল্ধ হতে সেটি দেখবার জন্ম উদযুধ হতে আলি কললে অভানি হয় না। रावमाधी श्रीकरोन (भरक विकास वाको বে সম্পতির কোনও মান থাকরে না এখন ধারকা আমার শেই। "কিন্ট আখাত পাই शक्ता हमीन हुम्मकत् हिट्स हेट्स करत तिकृष्ट করবরে মেশ্টা হব। কেন্দ্র করে হর বলি। এজন কাউলেব্যালৈ ইক্ষিয়া, পাশাস্থায়ে এপ্রের্ড ह्मारकः। यदरमञ्ज नाम दनव इन्ह कः कांभ एकः।न-हुम्द हैगावीसाव (श्राकाक (काशाव) वस्तावन পর বছর এইনাকম সাম বেরতাভ সাকলে रामधा कल्या। प्रवासातिक विहरूक क्राहिकां ह लाज क्रवेश क्रोड़े, एडा मालद कारम क्रेड़े: चालाल्ड হারে প্রায়ে। আসম এটা শিকৃতি স্থান্ত আর किसारे सद। अहे उन्हान सम्भागत प्रस्थापन क्रवेंगे देख करण करर शामका शासक स्टारण्ड লাভির অন্যক্তিশ আনহত পারলে এক ভোগীর লোগক ও সারকার ও ব্যবসায়ী প্রতিটোনের আধিকি সংবিধা হয় এটা বলাই বাহাকা। কমটেশ'বাল বীণিডের স্পারির সাম্ভির এই টাই হলের একটা আভিশানত হিক। ক্রিন্ড कार्य काम पिकल शहरको आक्र । कार्याप्टर সঞ্চাীতের বহা হোষ্ঠ লান ক্ষতি নার্য সংখ্যা अन्वाम कता इत्। जात शतात जरण स्तः। ভব; আমার হলে হয় काला शहर हा ক্রানিকাল হয়ের ক্রেছে ভার নিয়ন कान क्रमहें। एतनी। भरित्रगर्भ इतद करान **য়ান হাড় না। বিভূতি হয় না কলাল নি**শ্বাস कालान्त्र जिल्लाकार्यः जाप्रात्मे व प्रियम विशेष्ट्रापु লেকী ব্যাপ্রমানী পানে এবে**ক্ষর**গ্র কর্মপুরে ব্যাক্ষর । চেই দদ উপৰ, কমিলেই প্ৰথমি নাড়ের হাবং काब काक्याहरी कर्ताममी प्रीम गाः। सहत ডিফডি কারট বাজ সে সর গান বলি প্রকাশ কৰাৰ পৰিবৰণমান পাছৰ ছাডালে ভাত কালিক ক্ৰীতিনীয়ক ও দেন বজার বাখা হয়। প্ৰাচীন स्ताना विस्तर বাগতে ালি না নিম্পু **धनप्राम् र प्राथमाना जाद्यीयक श्रांतः राज्यम** टक्स एसन्। निवाक निवृष्ट करा सा दश । दादा यधायान, जाएगटोका, कर एःएक एवन नका পোলালে গাউতে পারেন ভারদের দিরেই কেন এসব গান গাওৱানো হয়। সিন্নেলর স্থামা সন্দাীতের পোর্যবন্ধিত চক্ত বেন এসর পানকে মর্যালা হথকে বিচ্নুত্র না করে। च्यान्त्रकाम रहक्का करता इक्तीवात रवरताह मा, কিন্তু বখন বেরোরে ভখন ভার সভাকার সামাক্তা খাকরে এটাই আমরা আশুট্র করি।

প্রায়েনজোন কোপোনীর পুলু কাজকন উপাণোগ করেছি। এক্সবকাটি আহিলক্ত যিহীন পরিবেশ খুব ভাল কেগেছে।



#### EIB'THE

আধ্নিক সহলের পরীকা নিবীকা এবারও আছে। সংগতি ভগতের গণস্তি ভাগের কতটা সম্মান প্রদান করবে তা অবধারণ করা আমার সাধ্যাতীত। তবে দেখলায় গভবারের করেকটি রীতির বেন প্রারক্তি অস্ট্রেছ। এই দৈলীসমূহে কি গতেবারের করেকটি করেছিল?

#### পরবৈদ্যকে পূর্ব পর্যাঞ্চলন্তর্ত্তর প্রক্রে প্রাধ্যের কল

किश्काम भूति भूत भा किल्लानव প্রকাত নক্ষ্যীভক্ত, কবি e গাঁতিকার স্ক্রেণার প্রাণেশ দাস সিলেটে প্রলোকগ্যন করেছেন। মৃত্যুক্তল ভার বরস হরেছিল প্ৰান ৫০ বংগৱ। তিনি চার জন্যা, জিন পত্ৰ ल विश्ववा की द्वारच निरुद्धाहुन । क्षरणन मःत्र সিলেটের বিখ্যাত সংগতিচার ক্মুদর্জন গোশ্বামীর কাছে বহুদিন সম্পাতি শিক্ষা করেন। ঢাকার গোডবশ্গ সাহিতা পরিবদ ভাঁতে স্বসাগর উপাধি প্রদান করেছিলেন। প্ৰিস্তান হবার অনুস্তিনি কলকাতা বেতাৰে নির্মিত পাইতেন। চাকা রেজিক স্থাপত চবার সপো সপোট তিনি সেখানে গাইটে ভারেন। তার রচিত স্বর্লি শস্ত গতিপুৰতক "লোধলির বাঁলী" স্মাধীসহলে সামানর <del>ব্যান্ত করেছিল। তিনি উজাপা</del> সলগীতে বিলেৰ করে ঠাংলীতে অসাধারণ পারবলী ছিলেম। তিনি প্রায় সব ব্রুজ বাজনা বাজনেত পারতেম এবং এক সময় নাপ্ত অভিনয় ক্রেইলেন। की मानी र बंधित जनानभुता न जनना वाश्रिक क्षर তাঁর শোকসম্ভান্ত পরিজনদের সমবেদনা জানগাঁক।

#### बाबवाबि नारवह "रनववर्ष'।

গগনেশ্যনাথ এবং অবনীন্দুনাবের জন্মোংসব উপক্ষকে 6ই আক্টোবর মহাকাতি সদলে ব্যবহানি সংব প্রবীন্দ্রনাথের
শেষবর্ষণা অনুষ্ঠান করেন। প্রয়েজনার
ছিলেন শ্রীমতী বেনকা ঠাকুর। সমগ্র
অনুষ্ঠানটি অভ্যানত পরিক্ষেমভাবে এবং
আভিজ্ঞাভা সহকারে সংপাদিত হরেছে। নৃত্য
এবং সংগতি ব্যব ভাল কোনোছে। এই
সংগ্রের ভবিবাং অনুষ্ঠানাছি স্কর্থের ভাষরা
বিশেষ আলা পোরাশ করি।

#### ट्यांच्यीच्यू विकेश्यक करनाटक

শ্ৰীলচীন্দ্ৰনাথ সাহ৷ বিশেষ প্ৰাৰণ সচকাৰে মেণিনীন্দ্ৰে একটি মিউন্ধিক কলেন ন্ধাপন করেছেন। এঠা আরাড রাম্যােইন লাইরেবী হলে একটি অন্টোমে তিনি এই क्रिकेश्वास्त्र केट्यमा अवर दक्किको अन्दरम् यक्ता वर्षात BISI O'RE সংগতি সন্দ্রার শিক্ষাপ্রতিষ্ঠান চালালো धव नामा खन विश बाभाद। Di uß. क्षत्र विभाग किन বজ মান। উল্লেখ করেন এবং সহাবাদকদেশ কৈ বি वावन्या स्मरका स्वरूप नारत स्म राष्ट्रिकडे क्लकाराज व्याकाच्या करून। বাইরে ধবে কম সন্দর্গতি দিক্তী প্রতিষ্ঠানি खानाना महस्राहर भौका कमा स्वा मेन्छर विद्रालय भागासम् । विविध इस जगह अहै। ৰাধা সভেও তিনি দে এই প্রতিজ্ঞান্টিকে সংগঠিত করে ক্লভেম এটি ভার कर्डांदर्गनकी अन्य (मानाराज भारतप्राहक। चना केलन स्टीव कमा Alum) কলেলালায়তে লোলত কলিছে লোলান। তিনি বিচ্যকাল প্তৰ্ব বিদেশে দেহাৰ বাজিকে काल कावाजना 7.43 প্রতিষ্ঠানটির উদ্ধরেত্রে উন্নত্ত কামনা করি।

#### রামকৃষ্ণ নিশনের সাংস্কৃতিক কেন্দ্রে ভার প্রতির অনুষ্ঠান

৭ই অক্টোবর গোলপাকা রমক্ষ মিশনের সাম্প্রতিক কেন্দ্রে ডক্টর গোবিস্থগাপাল হংখাপাধারে ও শ্রীমতী হধ্রী মংখা-পারামের ভারগাঁতির অনুষ্ঠান বাব ভার লাগল। বহু সংক্রেড মেলাকে সার প্রদান করা হরেছে। বোধ হর কোনও কোনও গান মহা**শ**র शिकाभिक्रमास दार 15 5 3H আমানের সংগাহিত এটি একটি ব্রুত্ত बाई अरहमीय जात योजा বিভাগ এবং ব্যাপ্তে আছেন তাঁদের মধ্যে প্রক্রতক্ষার **মান্ত্রক মহাপারের নাম মানে পা**ন্ড। গোরিবর্ণ-পশ্ভিত ব্যক্তি এক কুটা 45-34 র*ু*পারিস্ত 5-13 Chairs. <mark>जाना कींद्र क</mark>ामार्**ण्य** रन्तन कर्यक्तन रिजन्स महरकार hymnologya eath दक्ष ধারার উম্ভাবন করতে সমর্থ হরেন।



#### सामद्वत थ्वत

নন্দ্ৰবিহারী

म्बराम मध्योड मत्यानन स्तक रहत कनकाएत हिन्द ता। क्तारमंत क्लम ह देवांम्याउ थाका ট্রিনিন। এই ব্যক্তিগত ক্ষতির আংশিক প্রাণ बर्ग महराम मध्यों हे महस्माहत अहर होता চীৰ্জ্যক সংহাৰে সোণ্ডাৰর তি ব'লন **医神经** 医二种 电流电 电影用 स्टार्डिंग के दिन मान देखिल मार F 4.8 वाजासाः इस B. Berl केटबारकामा विकासी करबोकरणमा था मर्दछ छ. कामका साम ट्रांगांकार करत कवि, प्राची स्टीक्**को**। स्ट्रणांकालाः । शहर्षाकस्याः । शहर कांक्रिक उपारमा कामकाश्म नादेनि, परनक-कार्य द्वारात्रे. कादम विकास कार्यमा विकास

CHACKET AND AND THE WANTED THE PERSON THE PE

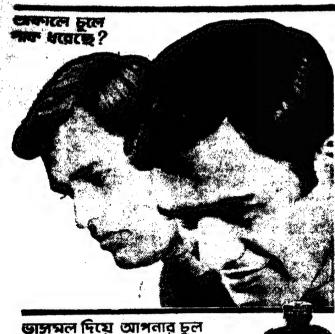
চনিব্ৰ কেন্দ্ৰীলাই জানিক সাহত আনটাৰ পাল কান্দিপুৰে ইপিকা বিলেকাৰ জিল বৰ্মা পোহৰুত্ৰ, কৰাই টিল চিপ ক্ৰিট পাছুছে। মাননাক মুনানগতী আনকাননা মুখাপায়ায় ক্ৰীয় মিলকা আনকানকা ক্ৰিয়েখন কর্মান। মাজকানায় আনকান ক্ৰিয়েখন কর্মান। মাজকানায় আনকান ক্ৰিয়েখন ক্ৰেম্মেন। মাজকানায় আনকান ক্ৰেয়েখন ক্ৰেম্মেন। আনকান্দ্ৰীলাকান কথা বা আনকোন, ক্ৰেম্মেনজন্ত্ৰীলাকান কথা বা আনকোন, ক্ৰেম্ম্মেনজন্ত্ৰীলাকান কথা বা আনকান। ক্ৰিম্ম্মেনজন্ত্ৰীলাকান প্ৰচাৰ ক্ৰেম্মেনজন্ত্ৰীলাকান প্ৰচাৰ ক্ৰেম্মেনজন্ত্ৰীলাকান প্ৰচাৰ ক্ৰেম্মেনজন্ত্ৰীলাকান

এরপর ব্যালিম সংঘটনা। ব্রেলন সংগতি লক্ষেত্রের পক্ত থেকে হালক কিপান করা হল জালগানিক্যনের কাষার ব্যালক হেত্যক সার্হাধক। ক্রেক্টি বিশোরী ক্ষম একে নিকারি কর নালা महानान क्रान्य पर्याचनके स्माप्त स्माप्त क्रान्य क्रा

मामादमस भागम सामात हा जान कारकार करवाँक। स्वयंकार वास्कृत की कार in the control wells to be the (क्रमामा कवि इक मान्य समातारी स्थापन विकास करत रक्तांक्रिया। अस्ति भागान भागाना क्षणकार नहाँ दारा गाउर कि किट्रान्स्य । ट्रमहाद्रभव मा भा देवसारशास मि छ टक्षरक करिकामन मार्च मन्त्र है उट-करमहा छात्र गटबरे टकाबाल अवसी आहित कार्निकरायका अन्य सदैना सर्गाः एतरे विश्वार्ट कार्कु हिटक निरंब निर्मामकारंग करतक वि প্রার রাচ আনেংকান। ভারপর স্ব বিবাদ अब किलाभाव विश्वतः जस्म धारात्रशास्त्रत বিধার হুদে চেতের দেওরা। অতি অপরাপ হাত্রহীনভার সংখ্য সৌন্দেশ্ন ঐ গালঠী CHIC THE প্ৰভিত্ত 'বেহালা' নামক **অব্যা**র ব্রেকর সব করি তাৰিস্মা, কে द्रशास्त्रकात् । अन्तर्भारमः । दलाकारस्य कार्कातकारः ভিত্তের ওপর সিমাধ্য অর্জেসম নিরে এক (প্লাঠ)মরী।

মানিক দ্বাসৰ তবলা লাগ্রনা এই দিনের জার একটি উল্লেখনোগা অন্যাক্টনা। পশ্চিত পশতাপ্রসাদ এবাচে প্রাপ্তাই মহারাজের ঘরানার বৈশিশ্চী যে কাহিবে বলিক্ট চট্নাতার এবং স্থাতি হাটে ধ্যনিবাহাল হাম কার্যাপ্যা, শ্রী দাস ভার ঘধান্যর প্রতিনিধিক কার্যানা। ভাকে মানারকবাদ জানাই।

শ্রীমতী সোম তেওনারীর পান ল্যানর্ম। বলতে কুঠা আসতে, মৃথ্য ইইনি মোটেই। অভত অভীতে এই গানিকার পান অনেকের মনোরজন করেছে, আমারও। প্রথমত এদিনে তার গানে মেলাজের অভাব ছিল। করেকবার ভাগছটে হবার লক্ষণও পোছে। প্রথম গানটি (রাসল্প্রশান্তি) অনেকটা সের মিট্রামার্টি গোলাকার করে মিট্রামার্টি গোলাকার করে মিট্রামার্টি গোলাকার করে মিট্রামার্টি করে মার্টি সের করে নিলেন। তা দিন। কিল্ফু পরে বখন নতুন গান বিরলেন, সেকারেও বিশ্ব তেমন ক্রেমান। সপো তবলা সংগত করেছিলেন শাহাল কর্মা হল ও বর্মী সহ্বোগারী ভূমিকার শ্রী কর্মান্ত্র-মূল-



ভাঙ্গমল দিয়ে আপনার চুল তরুণোচিত কালো কোরে তুলুর

### **जित्रसल**

—আসল হেয়াই ভার্কনায়। ভাসমল আবার আপনায় চুল চফ্চতে, কালোজ্ঞান কালো কোরে ভোলে ♦ যনে বাধ্বেন, ভাসমল আবার চুলের একট নির্ভ প্রসাধনী।

ভাসনৰ ছট ভাবে পাৰেন: ভাসনৰ ইংকিনিয়াকে হৈয়ার অবেন (১০০ ও ৫০০ ইটার বোডনে) এবং ভাসনে পারের স্টোভার্ড ভালিক্ট



MINI.Y.A.S.

turning account fresher streets incorner i

क्षेत्रहरीरका केन्द्रकेश का अवन्त्र ब्रोहका किन्द्री किन्द्र दक्तकारक क्षेत्रक न्द्रका कार्यका। देनि कार्यक कार्यक्ष अक्कोन दक्तकार देनि कार्यकार कार्यक्ष करन्। कार्यकार्यकी देशकी—क्षित्र कार्यक्ष

जीतवास जना क्ये-विकार विकास क्रमान प्रदेशना नावरूत । त्यान क्रांकित अध क्षाताम क्षिम । देनि स्टब्स्मिटिक एक्सम कार्वेत्रामा । मानवार अनीन कारेत्र । यात्रान कार्य कर कार्यकार प्रतिकृत्यक नित रकारत क्षान हमते। किन्छ प्रतान वाकारकार जीवनारी जीवतारी और माज्यक जारमंत्र रहेक्जिक स्वासाय शहर प्रकीत जीवका कार्षि । वास्त्राच वास्त्राच वक गार्चक रमदाबद्ध। फारम्य माना मानेत मदाबार्थी-केव AND CHROME OF PRICE PARTY STR-त्यानिका गाँचरत अमेरे प्रीप आहेरका मन्द्रक छोत्र निर्मात समाप्ता अधिक बान CHENCE! ARREST WATER रामकारम्य निर्मय चन्द्रसम्ब क्रका क्रीव ভৈত্ৰৰী ক্ৰমন্ত্ৰী। কিবলভাৱ সেই প্ৰতিশ্ৰ शान-"जरकरी न कार्टन करना एक ভার"....। ভাতাৰভার হিন্দা উভারবে কিবিং কড়তা ছিল। কিন্তু সেটা পানের क्रक्त ब्रत्सासीन हरत क्षेत्र नामास बन्धार्कन । नर्वकारमद न्नरंकनरदान गुर्हे অমর শিশ্পীর স্মৃতি মাবে মাবে ছারা কেলে পেছে তার এই পানে। উদ্যোজাদের হাতে থানিকটা সময় বেশি ছিল, বোৰহয় পর্বভ শিশ্পী তথনো এনে পৌছননি, আমরা *না* কিছুক্তৰ অংজ অংশকা করে बाक्ट्रब । नावदार नाट्यट्वर व्यवन ब्रायां ঠ.মন্ত্ৰীৰ একেটটা ভাকে নিজেকে দিয়েই यदरम कतारनाम की मनकाब किन? 'अरबा रक्तिकी जरुक रुक्त भाग्छ कहा के बन्हे कि क्कि (मक्नारक बाह्र)

সর্বাধক দিরে উপতোপ্য হরেছিল কুমার মুখ্যুস্থে ও দিনকার কৈনিকারি ফোডক-ঠসংসাত। প্রেজেন্টেশনেও বেল নতুন্ধ ছিল। প্রথমে ডেবেছিল্ল ওারা মুখ্যুই পাইকেন। বিলাম্বিত আলাপের গর ওারা আনন্দরীরাধে খেরাল গাইলেন। মলার বাপটে, সপট তানের জনারাস চড়াই বিবাইরে, স্বাস্থ্যের জ্ঞাপন নৈপ্রেল। ওারা

এস সেন, জে পি
ন্যারিজ রেজিপ্টেশন অফিসার
১৮বি গামাচরণ দে লাট, কলি-১২
বলেজ পাট, মহাজা গামী রেজ কলেন
কোনঃ 34-6896 Resi 34-4045

রোজাণ্ট্র বিবাহ আফস্ নেহাকৰ ক্ষমনাই করে বিয়েছিলেন। সমান ক্ষমিকেই বালে পরিবেট্নিক ক্ষমের শিক্ষা হার সেক্ষান।

गामान मार्चीक THE LEWIS PROPERTY. किरामपान शक्ति कि 100 COM क्षरका विका सामानि क्षणा शास्त्र कारण, कारावरी पात , एनवीयहर प्रमान दरके काकार रहे नौबंज्यानीय निक्तीय रका पत्र काराकावि शाया स्टब्स्ट महत रत्या। त्यक्षत्र कर्माचारम् विकार विकार विमारकरपान । जनम हः हः भारत हरा बारक्। क्यान बारमक स्वनीयमारकारक रम्पादः की राज्य क्षत्रामात्र मानावः अपन चटनको काटन टाटबन । बट्टन नाग्रंटकात शामा बांचा जागरस्य चरनक निरस्तान। क्षाता विरक्षता। जावशा क्षात्र जनवर्ष। সাবারণ জোড়া হিসেবে আরি কুচরতা ও जन्मात्मर महस्य व यन न्यीकार कवि।

ভারতো অধান ভৈত্রৰ কালের মাল कांत्रसम्बद्ध जात्र कात्र किसारक स्थ আলাপ ৫ সং ৰাজ্যনেন, ভাতে প্ৰবীপ শিক্ষীর সুপরিশন্ত ক্লাদক্ষতার বেয়কত প্রকাশ ছিল: সেডার নামক ম্পাটির অভাত ক্রীভবানদের সংক্রো স্বীকারোছ ছিল। তবে রাখ-হাগারণের এ-চেকানিক একাল্ড অপ্রচলিত। আৰু একটা কথা। ঠাৰতী ৰাজ্যনোৰ সময়ে, পলাৰ ভেষনশেটি क्या विमादार मादारवंद म्यकीत देवीनकी। क्रकारकी दक्त अहे। क्रान, दांब ना। কখনো লখনো এই বাতিক্রম বেল। গোডার দিতে ভালই লাগত। কিল্ড এখন কি এটা ডাঁর নিয়ন? ভার বল্টে ভো বাব্দর छर्व ? देवबीत अवन रकान मुक्त काळ ভাছে বা বিলায়েতের ভারে বাজে না বাৰ কণ্ঠভাৰা ধৰকাৰ হয়।

নিশ্বি কলেলপাকার। এর বার্যনা সম্পৰ্কে কিছা কৰা আমাৰ পক্ষে দৃত্ত। আমাৰ প্ৰায়ই মনে হয়, ভালোভ একজন স্থাজিসিয়ান। কেন বে প্রানের জলসায় बान केंनि जब क्लिक्शेनानके करव पिरव बान ! হৰত ৩'ৰ আধ্যেৰ নিচণী এসে আমাৰ তৰ পাজিৰে দিছেছেন। হঠাং উনি ওশ্ব यन्छदा कथन अवधी हेरकात रमस्यन, व्यानि হাতাকাৰ কৰে জেগে উঠব। আৰু চোণের পদৰ কেবতে পাৰৰ না। কিবো আঘার সৰ হিসেৰ বৃদ্ধির শেই হারিরে এমন সৰ জটিল প্রতির ইন্দ্রজাল বিশ্তার করবেন ৰে আমি সৰ ভলে বাব। তখন ৰণি হঠাং আমার নাম জিজেস করা হয়, আমি আচমকা বলে কেলবঃ কৌশিকী কানভা। ভারপর সামলে নেব। আরার মতে, নিখিল ৰাৰ্ড ৰাজনাই সে-ক্ৰান্তিরের শ্রেণ্ঠ হোপ্রাম।

সংগত বারা করেছেন, তবলা ও সারেপণার কামতে তারা স্থলামধন্য প্রেই। বেনাবং খাঁ, খাণ্ডাহানাব, আনট্ট বন্ধ, গালেৰ বন্ধ, নৰাবিটাখন, স্থানাবানাৰ, বাহ্যালা বিশিয়…। এবানের ভান্টেরন সম্পাদ কানাই বন্ধ স্থানের বিশি প্রকাশিক সম্পাদন

#### हाश्रम्पाका वार्तिनकार

টাৰান্দিৰ একবে'রেনি কেন্দে বাঁচুৰ আনোন্ধান একটি আনিক্ষার — বা হাতে পেচা পেতি প্রাণ, সাধান কার প্রীয় আপনি বাঁচুক কেনা সেকে—ভারতে এই কাঠাকম প্রতিক কলো।

সভাইতে সভার হচছে, এই আনিশ্বনার কেবলমার নেজন রেভের কেটেটে প্রবোজা হচ্ছে বচ্বায় ওপার নার। কুইক-এন-ক্রীনা এক (জিনিসালির এই নার) ন্যাপারের এইন্টিই হচ্চো সংচাইতে অবিদ্যাসা ঘটনা, অবচ এই লিরে আপনি অভি প্রত ও চসংকার শেত করতে পারবেন।

আপনার ক্রেকে প্রবন্ধ এক কেটি।
কুইক-এন-ক্রীন চেলে নিন্দ, ভারপার বন্ধ জল দিয়ে ভিজিয়ে পেত করতে থাকুন। আপনার কেজর বখন বাড়ির এপার দিরে কাপেটের রত কোরল প্রপান ক্রিটেডে এগিরে রাবে, আপনি ভখন জীবনের স্বচাইতে বড় বিশার বোধ করবেন। বারের দিক বিরেও এটিতে সন্তার হয়। এক বোতলে ভিন রাল চলে।





क्षवा लिवि धरे धतलन

এই অপূর্ব বিশ্বরকর কাইবার দিরে আপনার পৌন্দর্বকে আরও চটকদার কোরে তুলুন। এব'র তৈরি এই ওরলন ভারি শুলার হাজা আর নর্ম। আর দেখুন কভরক্ষের রঙের হড়াইড়ি। এ থেকে বেছে নিন যেটি আপনার পছল হয়, আপনার ক্রটির সলে বাপ পার।

ঞ্বার তৈরি ওরলনের বস্থু নেওরা নিভাস্থ লোকা। বতবার পুলি ধোওরা যায়...করেক মিনিটে পুকিয়ে বার। কুঁচকে খাটো না রওরা সম্বন্ধ গ্যাবাটী দেওরা হয়।

ঞ্জৰ উলেম মিলস্ প্ৰাইভেট লিমিটেড, বোণাই -১৩ গোল বেণি: একেউস:

নোল নোল বাজেগ্যু: ক্লে. জ্যাণ্ড পি.কোটন্ (ইণ্ডিরা)**ন্যাইজেট লিমিটেড** 





खाला इत्थ् कु त्नीति विक्रय भाग्नीतिक कारेनादक क्रेक्सर्व ।



1221

শ্ব একটা অবাক হরে জিজেস শ্বিকালে, তোলা কোখা থেকে এলি? তার্থ বলালো, লাখা কি একম শাশতাকে নিবাৰ এলাম!

দীপা তে, আনেই না তে গাল্ডার সংক্ষা ব্যাপন প্রকাশ সাহে। তর্গতেও কে গাল্ডার কথা বলে নি। সে একটা প্রদান চেপে তাকালো গাল্ডার সিক। অরুপ আবার বলাগো, তুই জি রে, আপরেন্টমেন্ট করে এও পত্র এগিও অনুতা বদি না আসতাম, ভ একানো এক। একা এককণ ফাড়িকে পাক্সভা?

— জামার সংক্রে বর্ম তা পালন্ট্রেন্ট শারক মা, তাপম ও ব্রিও একা একা বাস টারের জনা। কথমও স<sup>মা</sup>ড়ারে পারক না ?

—বাঃ, সেট আন্ত এটা এক কথা হলে ? শাস্তঃ হালক। করে হোসে বলারী কর্ত-কাতার বাস অবলঃ দীপালের চেনেও নেরী করে অবেদ।

শ্বানা অব্যক্ত হরে দেকছে দেই ছ'জন ছেলেকে। ভারা এখন রাস্তা ধরে চলে বাস্থে ক'ক হ'উলের দিকে। দীপাকে ঐ ধরনের ছেলেকের সকলে সে দেখার, কলানা করনি। ঐ ধরনের ছেলেদের সে দেখাছে মাকে মাকে সন্মির, সাংকা পরাজ্যেক—এদের দেখালা চোৰ মাটিতে নামাতে হর, আঁচলটা জুড়িরে নিতে হর ভাগো করে, মনে মনে, কলানা করে নিতে হয়—সারা পরীরটাতেকিয়া মোভা আছে। ভব্য ওদের দুখিট পার্মানীয়াহ যাড় ওদের কথাগালো ধারার মত্ন এলে লাগে। ও রক্ম একটিও চছলের স্বল্মে শ্বানা এ পাৰ্যকৈ ব্যোগাৰ্থাৰ কৰা বলে দি, কিন্তু কলতে ইছে করে। সামনা-সামান দাড়াচনত কৰা বলবে! দীপা নিজের মানে বলকো, তরা তার কথা। ওদের সপো দীপার কংক্ছ হয় কি করে! স্বাপনা এ কথাটা জিজেল করে কেবেও পারালা না। একটা আড়েব হারে বইলো।

স্থাপা বললো স্বংশা, গ্ৰহ মাৰু এ পাড়ার কেন্দ্ৰোহিদ দেখিনি!

--হা<sup>ৰ্</sup>, ভ্ৰমিকে অসংই হয় নাঃ

আবাপ জিলেজন করলো, চের হাতে জি সই রে? দেখি। একি, এসর বই নিয়ে গ্রেছিস কেন?

--रिक्वी करावः।

শ্বশাস্থ তাৰণ অধ্যক্ষ ব্যাৰ পালা।
নিজেৰ হাতত বই নিজে কেউ বিছা, কবতে
আন্তে, এসৰ তাৰ জনা নেই। বইতে বিছা,
করে লোকন্দারণ, ও দের শ্বা কনাত হব,
কেনার পর বই বাভিতেই থকে, তারণর কি
ভাবে এক সময় অবার গাবিলে হয়।

অবর্শ ভিডেল এরলো, এসর রেজারেশের বই বিজা বর্ণি কেন্দ্র শাসিকর এই বইখনা তেওঁ এখন সংক্রে পাওরা বার নাঃ

দীপা মাচকি হোসে বজালা জালাদের বইরের জালমারিটা ডেচেড গেচেছ

—ভা হলে ভালম বিট সালিতে মে। জন্ম কেউ এসৰ দামী বই বিশ্বী করে নাকি?

—লামী বই ই তো বিক্রী করে। সলতা বই আর কে কিন্দ্রে! আন্দ্রো বাবা বাড়িটা বিক্রী করবেন্ন তেন্ন, আমি তাই আঙ্গে থেকে শাশ্চা একটাও কথা কালে না তার
মনের ভাব ভার মুখ দেখে সহকে বোজা
বার না। কিন্তু স্থানার মুখ ভার স্থানার
ছবি। সে বিলিক্ত বিহন্ন ভাবে ভাকিরে
ভাবে। দীপনু এসৰ কথা বলছে কেন? ইছে
করে ভাবের লোনাবার জনা? দীপনু কি
ভাবের অপমান করতে চাইছে?

শর্প সিলরেটের পাকেট বার করতেই, দীপ্য বললো, আমাকে একটা দে ভো, সারাদিনে একটাও সিগারেট বাইনি!

অন্প গণ্ডীরভাবে বললো, লেন্ দীপা, ভোর সংগা জনার একটা প্রাইভেট কথা অনুভ: দবংনা, ভূমি একটা পাশ্চার সংগো গলগ করে:

শনিকটা সরে এসে তর্প ব্যক্ত দিকে

মাধ মাছে মাধে একটা বাজিছ এনে
কেবলাং বললো লানিস অমি সামনের
স্তাহ ধেকে আঁফাস বংগ্রিছ।

—তাই নাকি?

—হারী। ভূট-ও <mark>আর না, জ্যারনর</mark> বিশ্ন হোর অহিছেস

-31-2

—জামি বাবাকে বন্ধনাই বাবা রাজী হরে আগত একটা পোলটাও বাজি হারেছে, একজন আদিদেটাট মানেজ রকে কালই ছাড়িরে তেওঁ বারছে।

-त्य प्रतिक निर्देश

---চেশ বাবাড়ক ভিন্তজ্ঞান **করে...পঠি** ছালোর বাম নার

--উহা: তাতে চলাবে না। তুই কচ মাইনে পানি, আমানেও ঠিক তাই দিতে গাব। তুইও বি-কম্পাল, আমিও বি-কম্ পাল--আমি কি-এ পড়েছিলাম, প্ৰীকা বিহাঁন বনিও। চুই আন্তান কৰ্ম হলেও আনি অবিহান ভোকে চুই ফানো, ইছে হলে ভোল নালনে টেনিলে পা চুলে বসবো! আমি কিন্তু সমান সমান ধাৰতে চাই

আমুণ একটা বিস্তৃত হবে বললো, ইয়াকির ব্যালার নয়, আমি বিস্তৃ মার্টিকামনিক ক্ষাতি।

-वावित जीवित्रामः

—টিক বাবে, বুই বাবিলে বিয়ো আনাকে বুই-ই জে কাৰি।

-- आव बाहेरम ?

-रमधे वावारक मा बिरस्टम क्या-मावि

নিজেই কড পাৰে জানি না
—জাৰু ইউ অনুপ, প্ৰশাসকী দেবার
জন্ম। আমার চার্কার গরকার সেই।
—ভট নিবি না?

-

....

— নক্ষম ক্ষান্তে প্ৰকাশ ছাড়িছে চৰকাশে মাজিকের জেনের ক্ষান্তে চাকার বিলে অকিলের ক্ষম লোকর খুলী হবে না। ক্ষমে কা কাম আবার নিকে খুলার চোখে কাকাশে!

-- नाः, करूव अक्षेत्र क्षकारमा स्टब्स



আৰু কালেৰ সাহিক্তির ক্ষমা ভোকে প্রে कालाव कर्षा वरण रमक्या शतक मा। रहाव क्लामानिक्दक्नाम बाखा। धक्कन नचम रमाक रका मिरको हरन।

--काक् ट्रन, क कवा एक्टफ रम। जामाद हाकतिक नतकात दनहै।

- नवकाम ट्रावे ? दक्य ?

-- কো ভা ঠিক করতে পারবো না। **छहे त्वं कामारक अवनी शीन घरना** नेकात हाकांच मिएक हादेशि-आणे नात्म जाबाद **्काला जामन इरमा मा। टक्स जानम** হলোনা, ভাও আমি জানিনা। অভকাল চার্নাদকে চাকরি চাকরি রব, সেই ভিজিবি-भगाम ब्यामान स्थान मिटल देशक करत गा। व्याजादमञ्ज नरकारी नाम जाम स्थरण देवकात, एव-एकारमा अक्छा ठाकति रभरक छाता महास দেৰে—কাল রাইটার্স বিলিডংকে প্রমেশান বাবে চাকরি অথবা বেকার ভাঙার নাবিডে --লেই মিছিলে আমিও বাবো-কারণ ওবের স্তিটে চাকরি দরকার। কিন্তু আমি নিকে কোনো চাকরি চাই লা

--ভই ডা হলে কি কর্মান?

— কি করবো, লেটা পরে, ভেবে কেবলো! পাঁড়া, অন্যাদের কড়ির জিনিসপ্রগালো জালে শেৰ হোকা!

--बाः, क्रेट कि अवने खीवन ना कि? এ কথার কোনো উত্তর হয় না। দীপ एक्ति निश्माम शामाना । **अत्भारका** उन्हें আরেন্ত হয়ের্ড। জ<sup>৯</sup>নল সম্পর্ক ভার সা ধারনা ভার সংখ্যা ঘন্য কার্র না মিল্লে লে ৰাধ্ জনাকট চয় না বহিত্যালন আয়াত আয়া ভারে ধারনা সকাই **ভাবিনটা** জায়ও পরি**নারের** স্থানরত সমস্থা করে জুলারত চারীরে -লে জানে, মান্ত জিনিসপর আরও বাড়াতে SP\$रन, खाएस करपाट ठाडोरर - हे छक करद रकाउँ য়াজিৰ জিলিখনৰ এমানে নাই কৰে। যে মেরেকে ভাকোবাসে ভার সামনে এরকম ্বক্ষাং পারে, বই বিক্রী निकार करन করতে এনেছি! নিজের দিদির নামে থাকা-বাসন বি**রু**ত্তি অপবাস। কি **ধরনের সংসার** 6 79

TON, OT জামি পোকেসার দালগ**্ৰতকে ভোৱ কথা জিজেস করেছিলাম**। তিনি তোতের 🕊 প্রসংসা করলেন !

—ভূই কি আমাতে চাকার দেবার আপে আন্তার সম্পাকে ত্রীজ-খনর নেওরাও শ্রে क्रतिक्रीन मानि!

—मा, मा, इन कमा सता किन्छ् হোকেসার বাশনকে তো সেই কাপারে কিছ कारका ना! एनछो कि पुष्टे खाबादक वानिस्त বলেছিল ?

-- **रका**न् का**नाको** ?

-- बाम्स्टनम्भूदत जानम जानारक यादन का वीर्जाइनि ?

-- वः दशक्षः त्मारे ग्रांका धृतिक सान्ततः

না, বানাই নি, সাজেই করেছিলার। প্রোকেসার দাশক্তে ভোকে সে কথা বলেন নি-ভার কারণ যে মিজে চেনে যে অন্যান্ত চরির প্ৰদৰ্শত ভূমতে চার না। ভবে ভোকে আরি बहाएं वर क्यार मिकि एके अकरारे मह —আর আমি জীবনে কখনো কি**য**ু চুরি করিনি। আন্তর পক্ষে আর চুরি কর जन्दन नवा

থানিকটা ক্রিপের সংরেই অর্প किरकाम कर्तामा, रक्त ? चाव मण्डम सव

मीनः जे किंगुन्छो नाव अवस्ता ना। থানিকটা উদাসীন ভাবে বললো আমার লাভ তেমন শব্ধ নর। আমি কোনো কথা কেশীক্ষণ প্রেপন রাখতে পারি না। বারা চোর ভাদেব নাৰ্ভ নিশ্চরই খ্ৰ শাং--সারা ন্ধীবন একটা গোপনতা বরে বেডানো—সব সময় বাড়ের ওপর একটা দায় প ভারী বোকার মতন আমি তো <del>এক মুহুতের জনাও</del> ভূলতে পারিনি, টাকটো একবার বাজে ৰেখেছি একৰার পালেট্র প্রকেট্টে একবার ছাদের সিণ্ডিতে একটা ছেডা বালিশের মধ্যে - ७: तम अक्षे र्रात्रका अम्मीमात्रराज्य। र्शतत रहरत भून कता अस्तक महस्र। मान्यूय ध्न कराम्ब त्र्य त्रमहत्त्व क्रमा अतुक्य--

- ডুই কি খনে করেও দেখেছিস নাকি? লীপ**ু অরাপের চোধে চোধ কেমে ধ্**ব বলালা, না আমি মান্য খন করিনি কথান। কিন্তু আমি একজন খ্নীকে চিনা: ভাকে দেখলে মনে **হর না, সে** একভন সাধ্যতিক অপরাধী। কিংবা সব সমস ভার মধ্যে একটা পাপ বোধ রয়েছে। किन्द्र कावरम्ब रमचरमहे स्वाका वामा।

— লে করা পড়েনি?

---সে এমনি সাধারণ লোকের মতন ঘুরে নেড়ার? ভুই জানিস সে খুন করেছে, আর

– জারও লাঞ্জন কানে। কিন্তু কেউ ধরিয়ের চেকানি।

- ए। इस कथर**ना**? भारतिस

भीक्ष कुट, कु**क्टक** कि एउस এक्टॉ, फिक्का কল্লো। তারপর বললো আমানের পাড়া**ডেই** शास्क त्माकता, कृष्टे यनि ठाम, रकारक धकनिन দেখিকে পিতে পারি। আঙ্গল ব্যাপার কি লানিস্, ভূই কড*া*লাককে চিনিস—সারা জীবনে বস্তু লোককে লেখেছিস-ডানের **মধ্যে** বেশ করেকজন সাম্বাতিক চোর--দ্বেঞ্জন খুনীও আছে নিশ্চয়ই ুচুষ্ট ভালো করে লক্ষ্য করিস নি বলে। ব্রুমতে পারিস নি i - ক্লিডু আমি আঞ্চকাল ওদের দেখলেই চিনতে পারি। বে-ছন্মবেশেই পাকক।

ম্বানা সূর ছেকে কললো, আপনানের कथा त्यव श्रामि? मोज्रिक मोज्रिक त्र भा

পীণ্ড হাত ছলে কালো, আনন্ধি। তারপর আবার অরুপ্রে বললো, ভুই একার বিশ্বসই করতি পার্যাহন না যে হোকেনার দাশগুত নিজেই একজন চোর কারণ উলি তোর বাবার কথ্। কিন্তু আন্তের বাবা-काका आसीवण्यान वन्युवाण्यत-वर्ष क्यान শ্বহ ভালো, আর বাকি সারা দে<del>শটার জের</del>-क्षारकात-गुन्छ। जिल्हां जन कारह व क्याना शिक्ष भारत ?

-- नाक त्व पूरे पाएक विशेष मा हाकवि ?

—না, ভাই। আমার ভালো লাগে না। আমি বেশ আছি! স্বানাকে নিয়ে অর্প গাভিতে উঠকো। ভারপর জানলা বিয়ে মুখ কাড়িয়ে জিল্ডেস করলো, চাইবাসায় **পর্মেশ্বে চিঠি দিরেছিল** ?

मीभ्य कारमा, ना। छूदे निरम दिन क्षकरें। जामान किठि रमधा दरताई कर्र मा। স্থান্য সাম্ভাকে কালো, চলি, একবিল

আমাদের ব্যাভিতে আসকে কিন্ত! দীপাঞ্জন-कर्ड मरण

मान्ठा कनत्ना, शाँ, सत्स । मीन्द्रसङ जरण ना हाक, जामि अकारे बारवा।

গাড়িটা চলে গেলে দীপত্ৰ আৰু লাক্তা প্রথম পরস্পারের দিকে খোলাব্রীল ভাবে ভাকালো। এতকৰ ধাড়িছেও শাস্তাৰ মূৰে একটা ও বিরবিত্ত নেই। একটা সভেজ টাটকা ভাব। এক বিশিক হেসে শাস্তা কালো, আমাকে আর এক ঘণ্টার মধ্যে বাড়ি কিরতে रद्य।

-- रेट्ट, सक एको ना कड़िक्छा। जावि নটার সময় ভোমার ব্যক্তি পৌছে মেৰো!

—না, অভ দেরী করতে **পারবো** না

— হবে পারৰে। আর একট্ <del>গাড়াও</del>, আমি এই বই দুটোকে বিদান করে দিয়ে

-- वामात कार्य किन्छ एमठी ग्रेका बारह। -शक्क। भाषा होकार समादे ना। বই দুটোকেই আসলে বিভাগ করা দর্শক্র।

একটা বাদেই দাঁপ**্ৰাল হাতে কিৰে** करम क्लारमा, हामा-

( ( )





## সদির শুরুতেই ভিক্স ভেপোরাব লাগান। সদির সবরকম ভোগান্তি আপনি এড়াতে পারবেন। বুকে সদি বসার ভয় থাকবে না।

सकत, वाक्षात त्राय प्रति (लानाह; —ताक पित्र कल भड़ा ठक राज्ञह—तला पूत्र युत्र कताह। लक्ष्मित पित्र अब अक्की सावदा ता करवत जाहाल अरे त्रपि बूक सत्र प्रित ठक राज भारत तातात्वाता - ताक वह हार तिचारत्रव करें, पा ताला, कालि - किंद्र जात वाकि बाकरेंव ता - जयबा करें खान कसरेंव (वहाता।

সঙ্গির লক্ষ্য দেরা দিলেই বদি ভিন্ন ভেপোরার লাসানো বন্ধ, কোনো কষ্ট পোত হয় না-- কুক দদি বসার ভয় থাকে না। আর একটা করা। ভিন্ন ভেপোরার লাসাতে হাব সেই দব স্বায়ক্ষয় -বেয়ান ঠালা বেশী লাগে, - চেমন্ত ব্যক্তি, গলায়, কুক,

धूवरे जरून काल! (फारा) बाँद वा, विक्रिकि विज्ञानय चार्डबार्फ स्टब हा। चित्र (प्रांशाहाट काल करहे जान जान,— प्रतिय करे चार्चा काल करहे जान जान कर मुस्तिमान





বাইরে থেকে দারে ভেতর খেকে নিশাসের সংখ

- a) मूळ लिएं लाशाल शास्त्र (वमता मृत करंड-
- গামে লাগাতেই ভিন্ন গলে যে ভাপ বেরোর তাতে ভিন্তের যাবতীর ওরুধের শুব বঙ্গার বাকে। এই ভাপ নিয়াসের সঙ্গে ভেতরে গিরে, গলা আর লুকের সদি প্রনিঙ্কে দিরে আপনাকে সুহ ক'রে তোলে।



मिंदि तम्ह दिवस मा। मिंदि खतः इत्तर छित्र छित्र छित्र ।

ভলাজন মৌনী ভারত চত্তগতে জগতে পাডিয়া বলিয়া আছে; আমহা বখন অসাংগ্র नम्ब हरेगचा नवामा करिया गृहकनारमस्य कार्ड क्रक भवादेशा निया नियम बदेव, फवारमा हम बाल्डीहरक कामारमङ रमोहरमङ क्रमा शङीका कांबरा पार्कित। तम श्राकीका बाव' क्वेटन जा क्षाताता अहे शहरामीक भन्नाटच कराजाटक জানিয়া কহিবে, শিক্ষাৰ অলাধিগতে এক THE P

- अभिनामा के के क

প্রীট নদ্বর বাজেন্দ্রপ্রসান রোভ। কি ভারতীর, কি অভারতীয় কোনো বে-সনকারি প্রেরের প্রেস-কনফারেলে এই सर्गनसीहर कथरना ७७ मार्गानकरक ७६-भरका सिथा शिक्ष किया महस्य । क्यक खरम एकाय वर्शास्त्रमा पर प्रिमानियहमा मारवापक-দের প্রশাসনত সিনর তাও অতলনীয়।

HALPICE ALS ALS AGEN বিদায় निक्तिन ।

লেকচার উনি কোনোকালেই मिट পারেন নাঃ ভূপ করে হ'ত গ্রেটিয়ে বঙ্গে थाकवाद माना्य ततः अव मार्य माध् काकः কাজ। আরু আবিধামভাবে কৈবলই কাজ। रिवर्ष कास का अकारत क्षेत्रहे स्वादा प्रसन्ध्यः।

क्या ययन वजाराई इह एकन का कीन শ্বাহ স্পার্থ্য করে কলেন : - অসতেরে সংখ্য কোনোপ্রবার আপস করবে না, চাই তোমরা আমায় মেরে ফালেয়া তথ্য যা একাসত সভা बरण कर्मन एउटे कांच्य वादण्याव वस्त्रवार

कीन यहमन ना श्राप्त किन्द्र । अपन বলেন তবন জন্মান করেই বলেন: উপরের ক্থাটা উলি বলেছিলেন পাকিস্ভানের बार्क (अंत्रिएक काम्यूय पानिक।

क्षेत्र वमा कथात्र, क्षेत्र विम्छाधादात्र ब्याद ক্ষেতে এতই অসম্ভব সামজসা যে জবাক 184 BJ9

 अक भट्ट्याः पौत्रवणाः 25 xP5. ৰাক্টেন। মৃত্যুত্তরহান। উপবাসভাতৰারী ৰখন ছিলেন তখন দেখলায় ঠকৈ 'আতাম্ভ निकरे (थएक। अपनीय' सहीम कहत गरत। দেখে প্ৰথমটা আমাৰ মঞ্জ যেন কেমন व्यमाख हरा निरामिका

উপবাসরত বেদিন ভণ্গ করলেন সেদিন চাপা উর্বেশনার প্রতিমন্ত ভবিত সকলে ত্বশিতর ব্যাস নিয়েছিলার। সম বারি কর दर्भ जामीका। पान पान पान महन करा



দম নিয়েভিলাম: এবার উনি নিয়াী ছাড়বেন: সেই দিল্লী ৰেখানে উনি কচিত এবার এমন মান্য দেখলেন বিনি দেশ এবং দেশবাসীদের কথা ভাবেন, বেখানে প্রায় প্রাচাকে নিজের নিজের শ্বাপটি শুখা प्रथएन विषाल शानुसारवद अवाष्ट বেখানে বাজিগত প্রকাশতীর সমজের প্রথম নকরে লাকিয়ে ছাপিয়ে নয়, খোলাখলি এ প্ৰ-ই টান বললেন ৭ই অক্টোবরে ওঁর প্রেস-কন্ধ্যারেশের। পতি নন্ধর রা**জেন্প্রাস্থা** রোভ। সেই ওবে সামরিক অপতানার।

निज्ञा स्टब्स धक-कारकाव क उन्ह প্রিচিত দেশটাকে এবার উনি चरविषद একবারটি দেখবেন। বাদের উনি निक्दे अस्ट बर्ग कामरकन व्यक्तिरमर विभाव निर्देशमा अञ्चलियो থেকে। নতুন দেশের নতুন মানুষে দেখবেন উনি নতন পটভাষতে। কিল্ড এরপর?

এই রাজধানী দিল্লীতে বলে এরপর বে की छा दाधदत्र बना मन्छ्य महा। न्द्रद् क्रतः क्रतः द्वि शक्तिः स्था। हैक काकरक तक्त तहरत करत राज्यक कारण ।

धमममावनी चौकांगर नांबद नदस्तिहरू रम्बट्ट जनाव बीच भारत बाहेन बहुत बीही अक्षित चारका कियानपाटकका कार्यक्रमात्रः সেই বিশ্বাসখাতকভাৰ বৰ ভাষে বল কৰে शिरकोक्षक दम्मिन ।

সেদিন বাঁকে হিংম নেকভের মানে ছাতে ফেলেছিলাম সেই ভাবে এখন ব্ৰঞ্জাৰ SCA COCH COCH POST OPENT!

বাইরে সিম্মরবর্গ প্রভাত। ভেতরে र्धन ।

সেই উনি আবার আমাদের কাছে। जामारमय वाक्न बादक दावि त्राका वा पिरा शासन नि।

কোনো অভিযান ?

ৰকে ভেলে বায়। কি ভাবৰ কি লিকৰ किन्द्र अन्यक जारत ना। क्षेत्र मास्ट्रान দৰ্শনাহিলাৰী ৰত নৱনাৰী ভাৱা সকলেই দক্তৰ খিবখন।

আমাদের স্বার স্বান্দ পূর্ণ হয়েছে কি হয়নি সে প্ৰদান আৰু অবাদত্তর। কিন্ত এব প্ৰশেষ ক্ৰামানত তো পৰে হয়নি। कानार्वाध या डॉन शानभाग कार कामाहर ভা বুৰি ইংজীবনে অপ্ৰাণ্য বৰে গেল : তত্ हेल्क क्यल अंदरे प्रथा नक्स काना जिश्हामदनहे वा ना केनि वमाष्ट भावरकन! তা সত্তেও উর একমার আসন মাটিছে बाबारमङ बख्न मवाद मान्त्र।

পাঁচ নম্বর ব্যক্তেক্পপ্রসাদ রোভের যে ৰাংলোৰ উনি এনে উঠেছেন ভার প্রবেশ-मार्ड बार्डा वार्डा व्यत्नक वर्णनायींड নিঃশব্দ ভীড়। সকলেই উৎস্ক নেৱে একট দিতে তাকিয়ে।

ভেডৰে কে বেন কাকে আন্তে কৰে জিখ্যেল করলেন, ওদের কী বলব ?

তা কেমন করে বেন শানতে পোরে ধীর ও শাস্ত স্মিতমূখে দীবালা টান কর্ত্তি-



स्वतिम् अपितास्य प्रतिप्रस्य क्षेत्रं अपन्ति स्वतिम्याः स्वति अपन्ति अपनित्रस्य स्वति स्वतिम्याः स्वति प्रतिस्य स्वतः स्वति स्वतिन्तिः स्वतिम् स्वतिम्यं स्वति स्वतिः स्वतिस्वति स्वति स्वतिस्वति स्व

्रवारं त्रवर्धानातः। विनयं वास्त्रापः वासारं त्रवर्धाः

পাহ জনাব, যার কোই লাভার নহি হ'ে উনি আবার করে বললেন, মার क्रमादे विश्वकतात् ? सामि केन्द्रस्य समस्य समस्यत् स्थापक।

द्रश्यक्रियास दशन गुरुवारमा निहमने सहाचा बान्सीहरू । सीरक स्वामना स्वरण कविति।

এবিংক কোট প্যাণ্ট টাই পরা বেশ বৃশ্ধ প্রেরের সভ্যেশ এক ভত্তনাক এক কোনার চুপ্তাপ দ্যালুয়োহনেন। শেখনাম তার চোপ নালারে হ্-গাল বেবে ব্যবহা করে কাল গালিরে পড়ল। ভয়গোঞ্চ ভেডরে ভেডরে ব্যব্ধ একটা কোপে উঠলেন। অন্তঃপর নিংশকে বারাকা হরে সিণ্টি নৈমে সন্ত্র্ মানের লন পোররে বাইরের ফ্টপাবে গিরে afteren mand min vicara walle i can virucara volte :

ব্যালোগ কেন্দ্ৰই আদি বহুছৈব বোনাক্ষি মুন্তাই উপ্তান ক্ষাতে প্ৰকাৰ কৰে
ক্ষেত্ৰত নাৰাইকে দেবকৈ বিদ্যালয় কৰে
ক্ষেত্ৰত ভাগেৰ কৰে
ক্ষেত্ৰত না বাইপ ক্ষেত্ৰত কৰে। ক্ষেত্ৰত না বাইপ ক্ষেত্ৰত কৰে।
ক্ষেত্ৰত না বাইপ ক্ষেত্ৰত কৰে। প্ৰতিভাগিত ক্ষেত্ৰত কৰা
ক্ষেত

DANIES INT WORKERS CHEE माहे। दबहें दबहें बनावकाई मारिका हैकारिक बोर्ट्स मुहिन्छक मिथारन्छय श्रीबनाय श्रद्धाक्षाक्षीय काष्ट्रदर्व गाह्मत (एनावे) सक्षक म्रां-क्षाश् करम रशरक। रमहे समाम रम्हमान माने कारतात अवसारत मीथान्त करे मारावाक रक्षाक भारत यांचा दासावित हारङ भारत প্রামো হরেছিল দেশপালি বানানে মোটা-মোটা বেডি। পারে কথন তখন ছে'কা দেওয়া হারভিজ আগানে কলসানে। উত্তব্দ গোহার। পিটিকে পিটিকে লাশ কৰে দেওমানও কোনো কলাত ভিজ লা। সংদীধ পলের বছানের कार्याय अ देशार क्रमांक अरामी गरमटम । अस् ক্ৰান্ত প্ৰতিয়োজন হৈছে কাইবোলা আন্তৰ্গীয় প্ৰতিয়োজন কৰ উপর জাতান থোক ঘনঘন করা হার্যাহল প্রভাক বাদিবর। মন্তার গালে**ব ভারে গালেভিল 中であるない数186**7867

এ স্বাই ঘটেছে স্বাধীনতার নামে।

সেই উনি: গল মুটো এবড়োথেবড়ো। উল্লেখ ডিক: ভোখ। গোইদাভির মাঝে মুন্দিবৰ একখনি মুখ: সেই মুন্ধের দক্ষিণ মারে গ্রন্তিক্ষেক রেণা। প্রকৃত কপালে ভিন্তা। উনি কললেন, স্থামি খিন্মতগাব। জ্ঞান্যানের সেবা করতে এনেভি।

সম্ভালত এক কুদাংগী ছচিকাকে দেখকাম ভুক্তৰ কোনে উঠকে।

জান সকলে হৈ বাব চুপচাপ: বাইবেই বাস্ভাটাও কেমন নিস্তুম্ব। পামগাছেই পাতাগালো নামে ক্ষেত্ৰ।

ভাষার আভকের এই রচনাটি ধথন ছেপে বেরাকে ভখন এই সাল্লাসী খান আবদ্যে গাড়ক র খান উন্মাদনা, করাখা ও বিদ্যাসিতার এই রাজধানীতে অর থাকবেন না। এরপর?

এরপর এখানি ভাগ কিছা গাঁছিরে লেখা সদ্ভব? আপাতত আর কিছুবাল লিপার নর। অনেকেই বলে থাকেন দিলীতে বসবাস করে ভারতবর্ষকে টেনা অসম্ভব: রাজধানীকেও হরত তেমন করে তিক ফনা সম্ভব নয় এই দিলীতে জমিধে বলে থেকে।

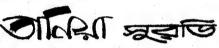
্তেবেচিত্ত তাই স্থির করেছি এখন কিছুকাল আমি খনেরফিরে আসমন্ত হিমানস দেখন আমার দেশ। "দেশ"-র অস্থিতি অমার প্রিয় পাঠকপাঠিকার কাছ থেকে তাই হাসিমৃত্তে এবারকার মতন আমি বিদার নিবাম।



## প্রথম প্রেমের মত শ্লিঞ্চ মধুর।



পুথাৰে বেশিক প্ৰধান পেখা, ও বালছিল, ভাটা নিটি গছ ডো'। আমি বালছিলান, ভানিছা'। এখন ও আমাকে ছাকে শ্চানিয়া' ব'লে। আছে।, তানিয়ার নিটি গছে কি আমাকে ওয় ভালে। লোগছিল, বা জানাকে জানাব্যাই জানিয়া কম এক শচন——(ক বানে।





कार्यक : मार्य जिर'म्

'বিটটি ইক ইক্ত বাৰ্বহাইট' পুডিকার কয় এবা আগনাব স্থান-চেট্ড কার্যা সম্ভাব উত্তর্ভত ক্ষ আয়াদের 'বিউটি ক্ষালালটেউস্', ক্ষেটি ক্ষা 2 কেড, নিউ কিট্টি,—এই টকালার লিবুন।

Programive/SS- 2/61



বিংশভার প্রতিন্দানিক ব্যাক্তরের তালেক আকাডেরি গ্রাকারীতে একটি প্রদর্শনীর আরোজন কর হয়। এই প্রদর্শনীত ছার্মানীয় প্রাক্তি শিক্সনিক্শন ও থ্যান্ডনার আর্মান শিক্সনিক্স আঁক কনা

क्रमाणात्र मन्त्रीच चानान शासिक सार्धें विमान स्थान स्टास्टर লোক্তেন। মন্ত ভৱেক বাস পৰে অনুষ্ঠিত আহনায়া দিল্পী কেৰে কোলভিংস-এই चन्दर्व विकर्गनियमान अवन्तर चन्द्रकर चक्करे मत्र चार्छ। कार्यानीय आक्रिक লিচল মাৰাভ বিৱালিনিটক, এবং মাৰ ও चमन विक चलाहारक किरान्य बननमहत्त्व প্ৰবল প্ৰতিবাৰ, বাৰা ও বুৰ্ত্বলীয় সংস্থাৰকে रकम करवेट को मिन्न विकासमा करवरह। জাৰ্মান গ্ৰাফিভ শিক্ষণ ভাই একাশ্ডভাবে স প্ৰাণিত হিন मानवश्यीः वास्कारम স্মধান্ত্ৰ মান্ত্ৰের ওপর বে অৰুদ্ধ নিৰ্বাচন হাজত ভারই বিভাগে সময় দেশবাসী কিভাবে জীবন বিশ্বর ও অধিকাংশ ক্ষেত্রে বলি দিয়ে কচরের পর কবর কিভাবে সংগ্রাম চালিরে সেতে, প্রদর্শনীভর গ্রাফক প্রিটে ভারই পরিভয় পাওয়া বার। শিশ্পীদের মধ্যে টান মাউ জিও হাসে ডোরস কাহানে, বেনে ত্রেটক, কিমারম্বান, কি ব-ডকিন-शायवाणें मार्श्वस्थानं अवः कि ट्यूनेव-अव नाम क्षेत्रकार । 40 दिन्दगुरुष হিৰোলিমাৰ ওপৰ আগবিক বোষা নিকিক হবার পরে অক্ষম ও অসহায় শিশ্ব ও নরনারীর জীকননাশ, জীকিত জনগণের ওপর ভার নিষ্ঠার ও স্থারী প্রতিভিয়া, আগবিক বোমার ধনেসাম্মক হুপ, হাম্মক্তে মৃত্যুর তাভবলালা ও শত্র আরা আমকুত দেশের পৈশাচিক সম্পানসম বুপ নানা শিল্পীর বিভিন্ন প্রিটের মধ্য দিবে করে फेटरेट । को अन्यान जिल्ह शाम (३), अन শুলাৰ (৩), এচ সাম্ভবার (১), ৰি ৰভাজন (২৮) ও বিশেষ করে নিমান ও অমান, বিৰু জেনাচাৰের প্রতীক হিসাবে শেৰোম্ব শিক্ষীর আন্তিকিটেড সকলেইট চোৰে গড়ে। বিয়ালিন্টিক ছলেও সক্ষা रथामादे कारकत क्या भिरत निक्नीरमके क्य-কশক্তাৰ পৰিচৰ পাৰত হয়। ইবাইবা रिजाप कि दक्तेनारसंस काराकां देख क्रिमट्यान-ध्वर नाम क्या क्या क्या क्या



तान नाह नामान नीतानिक व्यवनान क्ष्म के निद्-वार्गन स्तिन निवन्त महत्व

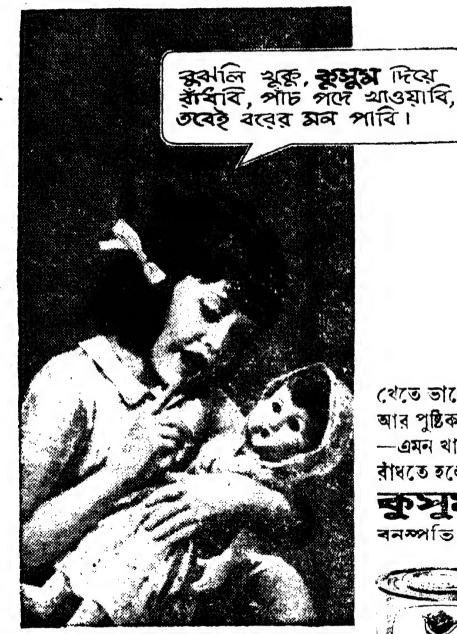
বিশেশ হৈ নিরাম্বরকান কর। করেকজন আন্দর্ ত ব্যক্তিকারের পর আন্দর্মনী নিনের শানিতর বালীত প্রকাশ করেছেন—বেমন, বাভজিনের ০২ বং প্রিষ্ঠ বা এ মাধ্যের নাসিং মাদার। প্রায়িক প্রশানীর সম্পে নিগণাী কার্লা হার্লা-এর করেকটি ক্ষেত্রত মেখা হার। কলকাতার ক্ষার্য ও রাম্বরত করেকটি ক্ষান, কদাকার ও মানিনী রারের একটি প্রতিকৃতি নিল্পী ন্যুক্তরতার ক্রিরে ভূলেছেন। সেই সংগ্রু লাইপালিখ, লোমভেন, বালিনে প্রভৃতি সহবের করেকটি স্কার নিজে শ্রিক্তি নালবে পড়ে।

श्मर्णनीत क्रम करण कारनामा ०० बन बेकेट्सनीय निम्नीय योग 80डि ছবির প্রতিনিদি কেবা বারঃ এগালিং পঞ্চল শতক কেকে শত্রে করে বিলে প্তাৰীতে কৰা। প্ৰসিৰ শিল্পীখেৰ মধ্যে WHE (3093-3440), EXMT (3424-3463), EEFET (3494-3680), SEH कार्ट्स (३६३५—३६७५), रकार्या (३६००— >++>), कार्डिनसम् (>+२8-->+48), AM (2400-286A) MON (2828-2 M8) CO. (2422-2204) **(अवस्थान (२४७५-)३०४) ७ दे**रेप (2NBN-2922) A ME CHASIMI KM क्रीकार्रामा व्यक्तिकारको विकास स्वारका অট' কালারীতে বক্ষিত। পত ক্ষিতীয় विकास एवं स्था क्यांका भूरती জেলভেদ আঠ প্রালারী বোলার আবাতে विदान्त रह क्रमण स्टान्डि स्वासन महार विका परिचय । पहास

নিবাপদ স্থানে লাকিছে সাধা হয়। আৰ रेमना बार्यानीटक द्वारम करा औ बराबरक সংখ্যা উত্তার করেন ও নিয়াপথার আন্দ रमधीन द्रामितार एक्स क्यान । न्या करे न्या हेन्याच स्थापन स्थापनाविकस्थापन स्थापन क्रमा च्यान क्रिया क्रम क्षे व्या वा বুলিয়া অতি ৰয়ে স্বাক্তনার বিলপীয়ার স্ত্ৰেলিংডার স্পেট্রের ওপর হলে ক্ষান্ত अवस्थानमण शानाक स्वास वर्ष शीव-গালির পার্বারাপ **দান করেন। ১১**৫৫ সংলে ব্ৰাশ সরকার এই চিয়াসন্ভার প্রজাপনি दर्दानः चरुना चार भूरतं सत्त्वा महतः बक विद्राप्ते श्ररणांनीत चारसम्ब क्या श्रा পরে প্রসাডন আর্ট ব্যালারীর অর্লেবিশেবত প্ৰনিমিত হয় ও হালিয়া থেকে অনীত এই ৭৫০টি ছবির প্রথম প্রশানী উপায়ক शक शक नवनात्री औ श्रीवर्धात प्रमान ENCEIN WEST

কথা বাহ্যলা, অপ্যা ব্যালকৌশন ব্যাল হলনও নিদৰ্শনাই ঠিক প্ৰতিনিশি বাদ বাদ হল না। ছবিদ্যাল জাসিক বাদী ও প্ৰত্যেকটিক কথা দিলে শিপশীর জনাকৌশন ও বিশেষ করে ছবিং ও কথা বাবহাকো প্রবাদী ক্রেবে প্রেট। প্রেক্তা, ওপত বাদ উইব বাদা প্রেটিং (ব্যাক্তা), ওপত বাদা উইব বাদা গানিস্ভা কাপ (বেলরা), সে বী (বাল), বি শিকনারস (বিশো), বি বিলা বাদা পারী (সেকাল) ও ইসং স্টাশ্ভার্ত বেলারর (পিরাব্যেতা) বেশে সকলেই হপ্য হল।

BEILE



খেতে ভালো আর পুষ্টিকর —এমন খাবার রাধতে হলে চাই কুসুম ৰনম্পতি



কুমুম প্রোভাক্ট্রস দিমিটেড, **কদিকা**ভা-১

#### भ का मरथात्र कालता छ

8 150 1658 THE भाइडिक र्<sub>ट्याम</sub> विशे क अम्बद्धम यञ्चा यक्ष्या 48 5 भाग दहना जात विकासन दकान न्याहरूमधान प्रतिकार के एकोचाँच कि सम्ब हर स्था ना rলকাক্ত বিনান্ম**িউটে** তবিদ্য भागः सकरम भावेकरक हमक क्षार्थ शहर है range বানানো ৰাম কিশ্চ এর কিছা अपर्धकारा स्थारक वर्षत्र झान उस ना। अर्ड গ্ৰাম হাৰে মেগিক সাহিত। স্থিতিত অপারণ লেখকরা কোগাও কোগাও তাঁদের লেখা প্রেঃ প্রকাশে অনামতি দিছেন। गावजामाय भाकरे सक्टाना, साउ रिक्साभराम्य **उधरक वर ४**१-६ बसाउँ रसाव स्वारीयतः शास्त्रमः। स्थानी स्थापक सम्बन्धाः तर भ<sup>र</sup>त्यान कराम च स्माधीरक । सांभटन বৈধ্ন দিন

> শংক্রে বন্দেরপাধায় শ্চিভা

#### বাংদার চালচ্চি

8 2 1

গুনলা পরিকার প্রব সংক্ষার আছে, স হুন এ সংগ্রানের স্থানের নাম লক্ষ্মী নামক বঞ্চার হিজালের ভুকাভূমি নিষ্কার সংক্ষামার হালেনে টি মান একটা, হুডিলানে সাক্ষি কাহিলা বা ভুলিছিলান ভাব বহিল্পাক্ষাক সংগ্রাহার এই সহিকার মন্ত সংগ্রাহা

প্রকারের মত্ **সং**রক্তি ভ্রমরে সন্**ত্র** ලේ ද නුල් වී ලබ් ලැබ න්වෙනු ඒ වනුමට **මෙමට්රිද්** ৯০ - স<sup>ি</sup>ংক্তাভন আছে , কাড়া কছা **(শংক্রি**-৮৫৮ ৪৮ **সংখ**্য স্কুলবৈশে<mark>র মধ্যে</mark> গ্রিন্তার অনুস্থান ক্ষেত্রিক সং<sup>ক্ষ</sup>ের **বস্তুরেন্ত্র** भागाः क्षेत्रभार कारतः ऋतन्ते राजराजनः। গুলিক হাত র প্রাণ্ডের্ডনা বিভারে **সৈত্র** प्राप्तराहरू विकास अस्टीत हुमानाहत्वन हैंडाकसी রাজ্য একী স্বালার সাধার মাউ হা সহজেই ভাগত ভূগে হাছাত **প্রসংগ্রহত্ব ভি**নি কার্যনী গুলু প্র স্থাবক। নলীর <mark>ভা</mark>রত হিরার মার্যা**ল** प्रशोद कहा क्रिक्रय **क्राक्**राध्म : क्रेडर क**ंड**र বস্থাত জাহার কোন সংখ্য নেই - বিজেলা এফগুড়ার গ্লেগ্র একং নদীর অব্যাহিকার ন্বল মার্ডিজন্ত নামের পরিচিত্ত কীর-ভাগে এই নদীসকলন্ম হিন্দক্ষিকে প্রেটালো बर्दाता शाक एक वस्त्र वस्त्र ।

ধনার সাহের বিজ্ঞা শ্রুটির **অধা** নিশেলখন কলতে ভিন্তর একটা বেস্কামাল হারে গোঁচলোন, তবাও ভল্গীতি অপুরা লেখকের কলাম শান্তি নিম্মাই **আহে**, এককা শিব্যা না বেকে কলাত প্রতি।

এই স্পূৰ্ণ বিশ্বস্থান বংলার মানিতে একট শেকা বা পাল কিভিন্ন অকাল বিভিন্ন প্রকার কথা বহুন করে। এককা ভারাত্রাটে ক্ষামান

बन्दां आरह्य व हालांकड अ.स.न्द



সামনে পুলে বর্তন হাতে বংকার একটি বিশ্বিত জন্তা প্রথান গোলার পরিকেলমণ্ডলীই প্রয়াম এবং চরিছাল গোলার সংকার ও ভাবিন করার এই কন্দালর ভাবা, বানধারণা ও ভাবিনা করার এই কন্দালর ভাবা, বানধারণা ও ভাবিত হিছালা লকটি বাকের নামবারক; কিন্তু জন্য জন্তাল সেটা বে কৈ বা কোন কথা ক্ষাব্রত পারেনিন্ন, না হলে এনন বিভাগিত ভবি হাত না বলে মনে হয়। সে স্পেন্য একথাও বলব বে লেখক বাদি পরিকলৈত ভাবে স্থানাল্যকার পরিবার্তে নার্থিক ভাবে স্থানাল্যকার পরিবার্তে নার্থকা ভ্রেম স্থানাল্যকার ক্ষাব্রত্ব প্রাপ্ত বিভাগিত ভাবে স্থানাল্যকার পরিবার্তে নার্থকার ভ্রেম স্থানাল্যকার ক্ষাব্রত্ব স্থানাল্যকার প্রাপ্ত বিভাগিত ভাবে স্থানাল্যকার ভাবে স্থানাল্যকার ক্ষাব্রত্ব প্রাপ্ত বিভাগিত ভাবে স্থানাল্যকার ভাবে স্থানাল্যকার ক্ষাব্রত্ব প্রাপ্ত বিকার্যকার ক্ষাব্রত্ব প্রাপ্ত বিভাগিত ক্ষাক্ষাব্রত্ব প্রতাপ হয়ের জামান্ত্রের ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ হয়ের জামান্ত্রের ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ হয়ের জামান্ত্র্যক্র ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্যব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব প্রতাপ্ত বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব বিভাগিত ক্ষাব্য বিভাগিত ক্ষাব্রত্ব বিভাগিত ক্ষাব্

ভাশবাৰ সন্তোগৰ কেনা পছে নিশ্চয়ই ব্যাহত অস্থাৰিখা হয় না ৰে তিনি মাটির সংগ্য সালে দেহ-মন মিশিয়ে ভাবে ব্যাক্টেন এবং সিনোমন। কিশ্চ ভার পবিভিত্ত মহালটা বভাই সমিত গশভাবি মধ্যে যে আবদ্ধ হবে শক্তেত সে ধ্যায় বৃদ্ধি তিনি রাখতে প্রক্রেটা।

স্ধারণত অয়েয়া ভাতি কোন মুক্তবা করাণ হাতে ক্ষেত্র ভিতের কেনেশ্রেম করা উচিত, নইলো হটকারিতার পরিচয় পাওয়া शारः सम्बद्ध भारत्य€ कार्यको स्मार्ट প'ক্ষয় বিষ্ণেছন বলাক্ত কল হ'বে না কলে মান কবি।কেন না অপর একজন স্তিতিক আ স্তিতা-সেবী সিরাভ স্তেব নিশ্যয়ট প্রসন্তেভন মান হিভাবের করাধ एक्टाब' रक्तिब रास्टात करवर्तातः शक्तिकत মতে বুলিকে তাকৈ চাটাতে হারভিকা। প্ঠকবৃদ্ধ ছাড়ার বংলা নয় : লুটি বিচাটিতর সম্প্ৰান্তনা করতে সে কঠোর পতিকলা শ্ৰুতি মুখিদিয়**ক্**দ অঞ্জে বহাল প্ৰচলিত। এবং সেইনিকে থেয়াল রেখে এই সক্ষয়ন ভিনি করেছেন। তবে হা হিজলা লক্টি যদি কেবলমার বাক ব্যোক্তে তাব নিশ্চ্যরী আপত্তি ছিল। আবার আপত্রির প্রদন ইরচ্ছে উঠাত না মুদ্ৰোন কবি ভার কাবাল্লথে এর প অসামস্বস্পূর্ণ কলপুনা কল্ডুন: रत करन कथा। किताक आहरारह १९४० है অনুদৌকালে নার। সাতবাং তারিক চিক্রা কারেই শব্দটির উপস্থাপনা কবারে রাজায় : কিন্ত হামান সামুখ্য স্বীয় অঞ্জেন বিহেনে লক<sup>্ষিত</sup> আহা**ই দিন্ত সালু**ত্তৰ ভিত্ত ললকাড় কাৰা **কাৰ**িয়াকৰ কুল্লি পার্ডের বিস্তেম্ভেন এমন বল্ডার সংগ্রা নেই, ভাৰ স্তিশিত ব্লিক্টাই পাৰচায়ক ওটা হৈ নক একথা কণলে বিভিন্ন কেট চুটি নেকেম না।

এনিকে আবার জন্মার সাহেবির ইনিক প্রতি অভ্যাল নিরেশি করতে নিরের মুক্তার্কা সাহেব বিভিন্ন নিরেশে করতে নিরের মুক্তারকা সোনে করে করিছেল। কিন্তু করে করে প্রান্তির প্রান্তির আলোচনা পড়ে মন্টালকে করিবছেল। তার আলোচনা পড়ে মন্টালকে একিবছে যাছিল। কিন্তু শেষ নিকে জন্মার সাহেবিকে একেবারে বিনো কচুর করেবারী করে ছোডভেল। আক্রেপ্রেশ্ডঃ। তবে ব্রন্থির মাশকাভিত্তেই। তব্ ও শেষাংশে এসে একট্, বেরাপ্পা লাগল। মাটি বেন পারের ভলা থেকে সরে গোল। তার করে ভূমিকন্প। এবং স্পাবন এসে কর্মান্থ করে

ভব্যর সংহেব এবং সৈরাজ সাহেব দ্ভেনেই স্সাহিত্যিক। কলমে দ্ভেনাইই কাছ প্রচাহ। সাহিত্যের আভিনার দ্ভানার দ্টো বিক। তবে তেন অহেতুক কাদা মাধ্যমানি? সামবা চাই সাহিত্যের সেবা ভারা করুন দেশের ও দশের মধ্যলাবেং।

लद**्मरक ध**ातकति वसदा वाष्ट्र हारे। ভাশবার সাভোবের বচনাগর্যাল মেলিকারর দ্বিদার। কিশ্র ভাষণ দাংখের সংশ্র একটি ক্লপার লক্ষা কর্ছি যে তিনি তাঁর ফিচারগালিতে (করেকটি কেতে। বাঙলা সাহিত্য ভগরতর রথনৈহারয়বিদর বিবং শ সমালোচনার সম্ম,খীন করেছেন। য়েমন বলতে পারি উদ্বেষ্টালার মাধে তিনি ছাৰে ভারাশকৰ বান্যাপাধার প্রাশ্যের প্ৰস্কী বাঁকের উপক্ষার সমালোচনা করিরেছেন এবং প্রকলেই বিভারিভ্রণ ভার্তিক শ্রান্যয়হন। काल्या भाषाहरू व এণালো অবাচিত প্রণিত। দাংখ্যাকর e बर्छ । 'बारनंद्र नाम लक्का राजनित्र लकान বাণের হয়েও সিরুক সারেবকে আঘাত ক্রেছেন। এসর সাতি ই নোংবর্গির পরিচর। আমার মনে হয় উপরর চালি, লক্ষ্যুণ বাপ প্ৰমাৰ চলিত্ত সাহিত্যের তিকে চোম কুলে ভাকাৰার স্থাবেল পার না, জাবিকা নির্বাহের জনা ভাষন সংগ্রামের বাসত থাকে। বাংলার **চালচিত্র' ফি**চারে এদের মারেখ সর্গরার। সংবা<del>ত্</del> বাদা কেম্বে কারে। এ প্রসংগ্রী সার্ভকীট দাখীলত **স্থাত্ত** জন্মতি জন্মতি সাহত প্ৰেমতি**ও** ভলতি **সংখ্যা**ক সাধাৰ দশীকৰ ভা**ভা**ক-ন্মক ফিচ্ডেডিয়ে ন্ডলিম স্ত্ৰাঞ্চিনীয় कुरुक्तार अभीकि व विदेशक पर्याप প্ৰিয়েছ **বেজল স**িহিত্ত চলাল্য প্ৰিয়েজনে**য়** राष्ट्रशास्त्र होते करील श्राप्तात्र करा राज्यां व 📆 BLOG F TO 1

> কুম্মান আসনান প্রাস্থান ক্রান্তর্ভাবিক

...

জ্ঞাপনার বহুল প্রচারিত পেলা পরিকার জ্ঞানার চালচিত্র' প্রসংশ জনেকেই প্রশংসা বালা উচ্চারণ করেছেন। আমিও তাবের একজন হতে চাই। আমি বাংলা বেশেরই, এক প্রমাতিত বান করি। বালিও কালের উমাতিতে শহুরে আবহাওয়ার কিন্দিং হোঁয়া এই প্রামতিতে লেখেহে তত্ব নির্দ্ধেশহে কর কৰ এত একাচ সাধকি প্ৰান্তিয়ান । প্ৰাৰ্থিকৈ আন্ত সাধকি কৰে হয়েছে বৰ্ণৰ লেখক আন্ত্ৰে অন্যানে বাংগান চালচিয়া পদ্-মিলনে, সামে থাকি আন লাভা কৰি প্ৰতিটি মান্তিক আন সান্ত্ৰগ্লিয় সাধকি বুল চিন্তানিক হয়েছে বাংলার চালচিয়া। সামা স্নিক্তি শালিকা নীড় চোট যোট প্ৰান্তি ধ্লিয়া প্ৰিচন লেখক বা বিয়েছেন তা শুক্ मार्थ की यह जमकार मन्दर बाह्यर

সাপকে ইম্বর চালি, অর্থাটার চিরা, তৈটারবানে বাঁপের আটলা, খানের নাম লক্ষ্যী পড়তে পড়তে প্রান বাংলার সম্পে চিরাক্তি মেলাত বাঁক। (২৭শে ভার, ৪৬ সংখ্যার) স্থাপনকুমার মন্থোপাধার সাপ্তের ইম্বর চালি। প্রসংগে আলোচনা বিভাগে যে ক্ষাটি ব্রপ্রেম্ন খান রারার কোন



रेक्टा तक किथि दिल गान्या याह मा गण TAVE WICH AND RIGHT WON TO प्राम्तरका कार्याचान गटाया वाका संबंधि वह আছে। সাপতে চলানি সামের যে ছভাপালি िर्का: अरबाह करतरहम टेम्बर्टीन जाम्बर बदर आराजा कि । विक पारित नवी कारत पाव CONTRACTOR PROPERTY AND PROPERTY SILES शायर नाम वाकि। अप्रेर मण्डि बाद मार्चक क्षांक इत्सरक करेंग भारत करेंग। चालक के क्रणातिक शास्त्रक जीवकारन चार नामाक भा तथा बाह्य । भारतेव साथ सक्तारिक अक লাগের লেখক লিভেড্ন সারাদিন হাত-क्षाकार अधिकार गांव गांका साम्छार स्मार्क हा प्राकासगढलाएं जाका तम हावीवानील । क्षाचाक रहां छ । वार्ष । एक एक छ कारवर कालक रमस्य शाँका विकि बाद ? करे क्यापित সাথ'ৰ ৰ'প দেদিন লক্ষ্মী করলাম বাস্কা দিয়ে আসতে চামের দোকান্ডিতে কর তেখনট আমার দাপি আকরণ করল বাংলার 575 58' i

নিভৃত পঞ্জীর একটি গরীব ঢাবীর
ভাীবন সংগ্রামের ইতিহাস, সাপ্তেড্নের করা,
এবং প্রাম বাংলার মানুবের বে ভিত্র ক্ষেত্রক
উপতার দিক্তেন ত পৌরবের দাবি রাখে।
বাংলার চালচিত্রের কেন্দ্রক সপে যে গ্রাম
বাংলার রাড়ীর সপ্তর্ক আছে বাংলার
চালচিত্র পাড়ার সংপ্রা বার। ক্রণ দিরে
ধ্বাা বাংলার সাথাক চিত্রর্গ হচ্ছে বাংলার
চালচিত্র। দারিয়া কঠোরে কোমালের
সংমিত্রক বাংলার গ্রামের যে ছবি বাংলার
চালচিত্র। প্রকাশ প্রেরছে এর ক্ষম ক্রেক
এবং সম্পাদ্র মহাশ্রব্র আমার ক্ষপ্তাক্ষ
ধ্বাবন ক্রামের

চণ্ডল সিংহ রায় লেছিম, গুণশী

#### . . .

প্রথমেই যাল নেওয়া ভালো ভিজ্ঞান ছণভায় নিয়ে জনাব কাবনুক ছল্মান এবং দৈয়ন মাসতাফা সিরাজ সাচেব কে সস্থানাধ্য মাজতীপা হারাজন এ অধন ভারে জাজিব পড়াত অনিজ্ঞান। আমি সিরাজ সাহেবেন কামনারি বাকা সন্বব্দে ভিছা নিবেনন ক্রাভ ভাই।

হিনি গেলা-এ (৪৮ সংখা) আগোচনা বিভাগো লিখেছেন 'কবি কবিনানন্দ দালও কবিতার পারের হিজলো কথাটি বাবহার কবেছেন একট্ আগোঁ।' (কথাং ন্দ্রবাদ মার্ট-বা সহক্ষেই জলে দুবে কর' কথে।)

কৰি কৰিনানক দাল ব্যিকালের খান্ত। বতদ্যে জানি ব্যিকালে হিজলা বলতে কুট্
বড় একাকমের গাছকেই বোঝার বা সাধাবগত জলার খাবে জন্মে। জীবনানক্ষের
কাকে হিজলোর কাবার হিজল বন জড়েই
ইয়েছে মনে হর। সিরাজ সাহেব জারো
কিবেছেন হিজল ফুকের মানা বার্গ সাক্ষ

না হলেও প্রেনো গানে তার মালার দেখা মেলে প বারশালের হিজল গাছ এ অথমের বেল পরিভিত। সে গাছে লাল ব্যক্তর মে কলে হর ভাতে কিক দিবির মালা পথি। বার।

হিজনের ভূগভূমি আৰু সিন্নার সাহেব বা ৰুপতে তেরেহেন হার সম্প্রেশ আয়ার কিছু বসবার নেই।

ভাষনালক তার কাবো বে চিকালের উল্লেখ করেছেন ভার মধ্যো আলচ্ছ বোজান্টিকতা আছে সংক্ষা নেই। সে হিজালের বাল্ডার কান্যা বভারনে প্রাস্থাপন অপ্রাক্ষালক চবে মধ্যে করি।

> গোলাল দাল হুবলী

#### बन्द्रबंद निद्धी

৪ঠা অট্টোবরের দেশ, পত্রিকার 'আনরের দিল্লী' সম্পর্কে শ্রীদিশিরকুমার দাসের স্টোট পড়লাম। পত্রবাধ্বের সংযমী ভারার অধ্যপ্ত-স্কেভ ক্ষতা বাহবার ব্যাগা।

নির্মী বিশ্ববিদ্যালয়ে কংলা গিভালোর শ্বরুত স্বীকৃতি নেই এটি আধ্নিক ভারতীয় ভাষা বিভাগের অন্যতম শাখা মার। কলকাতা বিশ্ববিদ্যালয়েও অনুর্শ্ বারস্থা। তথাপি, অধ্যাপকগণ প্রকৃত রচনায় বা প্রশেষ অধ্যাপক, বাংলা বিভাগা লিখে থাকেন। বহু নামী ভবিত অধ্যাপকের নার ও প্রস্পেদ করা চলো। কোকচারার', 'ছীভার', 'প্রফেসর' স্বাই গুড়া অধ্যাপকর্শে পরিচিত অনেক রাজোই। এটা কি মারাশ্বক অন্যার? এই ভাতীয় গ্রিক কনা শ্রীনাশের উন্যাবহ গোসা তথা

১১।৮।১৯ তারিখের হিন্দুক্তান টামৈস-এব (দিল্লী) একটি সংবাদ নিন্দে উদ্ভেশ্য হ'ল।

New Delhi, Aug. 30.—Kerala
Club will on Monday hold a reception for the avant-garde
Malayalam poet Madhavan Namboodri Paloor, is also an airline coach driver.

Delhi University's Malayalam Department's head will read a paper on the work of the 36-year old poet who had scarcely any formal schooling.

িদলী কিন্দ্রবিদ্যালয়ের মালারালাম বিভাগের প্রধান ধনি শ্রীনরবেশ লিখতেন ভবে তো শ্রীদানের হাতে তার মাধা কেতা। শুহা মালারালাম বিভাগা লিখেই এই দলা! কতাবানিক শ্রীদানের প্রতিবাদ-পত্র এখনও ঐ সংযাদপত্রে বেরোর নি কিন্তু!

শৈষভারত, বিজ্ঞা বিশ্ববিদ্যালয়ে কবি

জীলাধনন নিম্মিত হননি, এই সংবাদনি
জীলাস পরিবেশন করেছেন। এই সভা
অনুষ্ঠিত না হয়ে থাকলে তার বার কি

জীলবেলের? তিনি লিখেছেন,— দিলা
বিশ্ববিদ্যালয়ের সালারালাম বিভাগের
অহাপক ওয়া কবিছা নিজ্ঞে ক্লানে

क्रमारम अपि करायम । WILL SHIP SHIP নিমাতিত।" বিনি এই কবিৰ কবিতাৰ क्षा शत्राच क्रमा क्रमाका विकास कार-कार्रोदण्य कारक और कविता कारण Place brailing main in or collect एरव ? डीमात्र श्रम्म बरवादका, रेटकाम AND A SULTAINED SEE ? STATISTANTA क्षाता वांता वर्गणांत्रक पद क्षारका CAB क्रांटन?" शिमान कि सदस करतन, वाँसा माहि विदयक 7847 विश्वविमानस्य ভতি হন তারা নাবালক জেপীর? এতার পাঠকুম কি কৰ্ম-পরিচনেই লেম্ব ? ভাষা हाजाकर के हर बारवाहना निन्दारसंखन। कार जिल्लामा - टाम्मा। बहे मन्तर्य ত্রা অকটোবরে কলকাতা থেকে প্রকাশিক সালভাচিক 'অম'ড' পঢ়িকার ৭৪৮ প্রেটার क्षकाँग्रे मरवारम्ब र्जाक मृत्ये आक्ष्यंन "रिका विन्न विकासिता कर्वाष्ट মালাহালায় বিভাল ভবি ৰপৰ জী प्राथकात्व) क्वांचे विश्व कार्यास्त्राव शाक्याः ক'বাঁচালন গড় প্ৰলা रमान्यव । আলোচনাটি সীমাৰশা বাকে তাৰ কৰিকাৰ আহিংক বিষয়, বৈশিক্ষা ও সাম্প্রতিক কাব্যাদেশালানে তাঁর ভামকার कराना कार रायभा कर्या इत्सन मन्दादन । असार्थनात विकास अम्पर्कतन्त्रा হার হতভাগা শ্রীদরবেশ!

ততীয়ত, প্রীদর্বেশ বলাভে ভেমেছেন শ্রীমাধবনের মত তর্ণ কবিদের বাংলা বিভাগে আমুক্ত্র কবলে তা বিশেষ श्रमध्यमीय श्रद । श्रीनाम बरमाहन का क्या হয়ে খাকে। তিনি ত্রীকর,প, ব্রীট্টমালকের যোলী শ্ৰীসূভাৰ महाबाबाबाद अवर শ্ৰীমমিত চৰুততাৰি নামেল্লৰ **করেছ**ন। কিন্তু এ'রাতো প্রখ্যাত প্রবীণ কবি। তব্ভ সরকারী বা বেসরকারী প্রেক্তারের অনভাষ্ট কাড়" না প্রবা প্রভি কি তাদের আমশ্রণ করা হবেছিল? ভরুপ ক্ষিয়া টতারা প্রবীণ বা প্রেম্কুড মা হলে কৰে ভাক পভাৰ? এই কলক জগনোদনেৰ জন্য শ্রীদর্বেশ বিশ্ববিদ্যালয়ের কর্ত প্রেক্ত সং-ক্রতনাটিকে উপজে করতে সেরেকেন

শ্রীনাস লিখেছন, "নরবেল সংহালবের রচনার অবহসারশ্রাতা, অসাঠা ভাষা ও নাকামির সপো পরিচিত ছিলাম।" এ নিতাবতই দিল্লী বিশ্ববিদ্যালরের আম্নিক ভাষতীর ভাষা বিভাগের অধ্যাপক-প্রবরের বাঙ্গিত রাচির কথা। এই রাচিবেল এবং তার প্রকাশকে বাহবা জানাতে ইছা হর। তবে, দিল্লীর প্রাণ্ড-প্রশান এই জন্তবের দিল্লীতে বথাপথি সোভার, তাই, এক কথা।

मत् धवर ध कना एरिक बनावाल।

স্থাংশ্প্রকাশ সামন্ত নতুনাল্লী-১



वार्ष्ठ फित्वत्र फिव वायात्र मुখयावि वान्तर्य (कायत ଓ वावनायः रात्र एँठेत !

# র ৭-দিনে রূপলাবণ্য'পরিকল্পনা

नाव्यिनात्र मा, अवह स्वीरंगह मध्य विरंत्र दिनारेत बनारक तरब ब्लाब ट्लाएडे क किया वाकि । ट्लाव कुम नार्थमा, बाब्य गर्वत प्रवीकात क्या क्टब नाउ (मन । क बरवादिन, भूकन-धव । जित्र क्षणकावरनाव भविकतानाव क ৰাজ্য কান গেছেছে: টক কলনাৰ; আনিও ভাই কাৰ।

#### पत्रिकत्रवा ३ लाग्न काळ

अक मधान प'रव रहाक बाक्टिव अकरात का, हवाब रिंड भार म (कास्त कीय प्रांचरक सामगाव। समहत क्षांत्रकांत प्रथमा स (प्रक-मान हेर्ट्य शास ।

#### হি তারবার ক্রীম লাগানোর সময়ই ফুটে ইটল রূপ

विटीहरार मृत्य क्षीय भावनाभ-सननावत्नाम (यस सम कारत । अहे जीन शावहार पुर क्कार विराध अपन मय कुक्ता बहुता त्व क'त्व विष, क्षम क मरवान वान नातान पामरा। नुस्की शरप क्षेत्र कपनीय केवान।

निरम्प मधाके जागात प्रशीत रूपत क्रेंच--श्वीत क्षा, जानात मूल्या नित्न क्षारत वाकि नावन नाह स । প্ৰত্য কোন্ধ ক্ৰীৰ আৰি বোৰা মাতে ছবাৰ ক্ৰাৰি। थाव तथ व्यक्त्रे गण्य-वय ५-विदय क्रमायरपार





**७३ वघ**र्षे वघरिस मिव

পট্র কান্ড ক্রীম — পৃথিবীর এই মুখন্সী নির্মলকারী ক্রীমই কাটভিভে সবার ওপরে

**ीव द्या- लक्ष्म केनकर शास्त्रक (शामक कारक महाकर पर शास्त्र गरमांक्र** 

#### প্রজা সংখ্যায় অনুপ্রিথত

<u>क्रम मञ्ज्ञ भूका अश्याग्रह्मात हेर्गाका</u> वि गम्म धामन किए मिन याखामी भारत-পাঠিকারা "প্রজা সংখ্যা" ছাড়া জন্য কিছুত্ত मन (प्रतिन नः। यादा स्टेस्त घारका, प्राप्ति मिटक्स मृत शाकात एके.स. खेटमत मन्त्री अरत क्रकां या क्रकांभक भाषा भाषा श्रीत কোমাও যাবেন না, তীনেরও বাজিলের পালে পাতা যোগা काराञ्चाम भएए भागात स्ता অনেক রাভ প্রাণ্ড আলো ভ্রাল্যে এখন, মাম এটো গৈটন ওর ওপারেই মাধ্য গড়ারে। দ্ৰ' এক শানা भाका माला जाकार बाइर इएसाइ जनान हम हम्बद्धाला कराहाहमधे ব জিল হিতুক্তে ব্যৱহার করা হতে।

প্রাক্তা সাপায় স্থান্তা জনং কোনো সাহিত্য সংবিদ্যাদ এগুল কার্তি আগ্রে থাকরে কথা এয়া: জ্ঞান্তি প্রেয় সাকা প্রেডি। mitter mendet अपुस्तापुरः करात तम्पूर्णः জনাপ স্পান্তর কলা মা-एरिएर प्रभाविति क्यांशाहरू क्या राजा ।

জালি ককল কেনে গ্ৰহণ দুলে স্বান ভার জন্মক জনের तृतीभवाष्ट्रः মার্গ্যক্ত গড়ে। যদিও প্রদেখি বর্ণীশন্নাল্ডর লোক পিলেকৰ দ্ব' একটি গাল্য ्र<sup>ेष</sup>्ट्रक्षात्रकार्यः <u>सानम्बास्ता</u>रत भाका प्रशास इंटोनएर्राइस्स কিছের তেম সংখ্যা আনহিছে চুম্বিটনা নিখনটো তেম मकाष्ठ **॰(क**) प्रशंभात পারকাদের হার্চ হিন্দ THE PARTY **স**েল্ডি সালে স্থান क्रम्सा भागतान तुर्गासामा खलान कार्तान कार्तान प्रशा CATTRICTOR We Hay য়াজ্ব পর বেল कारक तकर एक । १९८५ ত্রাদ অভাববোধ সংখ্যাগ্লি কাতে পোলাই মাধুন করে দ্বে জারেগ। কল্পী সাংকাগরিক কণ্ড শব্দ প্র এপর ও প্রদায় রচনাটা করে বলা পুল সম্পানের অন্যাস্থার করণেও পাতর লি, ক্ষেত্ৰ রাজ্যুগুলর বস, ড<sup>ার্ড</sup>নত গাকটে रत्र अन्तर्व ऐस्राप्त भा। एता क्राप्टिय स्वराज्य



होका किञ्चितः। अरङाक धारा ३ गहरत भागान याईहरू भादन।

HAVA SALES (20) SHAKTI HABAR, DELHI-7



विवर, वाक्रामधन कम्न भारत प्राप्त प्राप्त भारत রমের সাহিত্য রচনাত্র এখন আর কোনো লেখককে তেমন আগুলী দেখা লায় না অনেকগালো পরিকাতেই, একটাও সরুস शासन ब्रह्मा रहते. সবই গোমড়া মাখে সংবিদাস **লেখা।** 

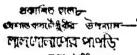
হানিক অঞ্চালাধানে এক কিছতিভূমণ বলেল পাধারের মৃত্যুর পরও বেল কিছ্দিন কেটে সেম্ম, কিন্তু ভ্ৰমন্ত ভালের অভাব বৈশ টের পাওরা যার। বাদিও এনেদর দু" জানের মাঙ্কে আকলেমা, হার প্রায়েক্ত, তব্ টে-কার্ণট চেকে এগুদর মাজ্যুর আচুগর এক বছরের জেখা তেমন দানা বীধাতা "আবেশক" বা "পাসৰ পাছ*ল*ীব লেপককে শেষ দিকে তেমন খাটাজ পাওয়া বেড না, <mark>বেমন "প্ৰযানদী</mark>ৰ ছাবিত '<del>ভাননী</del>', "দ্পাণে'র লেখককে শেষ দিকে চিনতে श्वन कर्षे शहर। ए। शक्त ७ क्या जिंक, जीतात म् कामन दर-एकाटमा स्मारत मू" क्रक बाइन भाग्रामा दिवा एएड. प्रश्र स्वाग्तात রচনা। মানিক **ক্রে**দাশাধারের দে<del>ব</del> দিবের খণ্ড ও উসহাণ্ড ধরারের "সংস্থা প্রহরী" বা *কো*ভেল ভুলিবং-এব লডন দ্রাস্তে গলপ লি(পহিলেন মৃতুরে बात कारक वहत जाएक।

একক্স দেখাকর অনুপশ্চিত্র ভাচি নিজে জভাদত জন্ভৰ কৰি একানা। সভীনাথ ভ বুজীব। সভীনাপ ভাদ্যেতি শেষ দিকে লাপা <u>মোপানে। হাসোরসের গল</u>প লিখতে শ্বে, করেছিলেন সে পিক খেকে তিনি রাজনেখারের অভাব আনেকথানি পরেশ কার্রাছালন—ভা **ভাজা**ও সভীনাথ ভালাড়ীর স্কঃ মনসভত্তের গশেও ছিল প্রুল সংখ্যার (प्रदे প্ৰধান আৰহণ। সভীনাথ ছিলেন জ্যান্তর জেখক—বারি কোনো জোগাই নিম্ন মানের নয়। <mark>আমি কগনও তার লেখা পড়ে</mark> সম্পূল নিয়াল হুইনি: (প্রস্থাত বলতে হ<u>র</u>, পিশ্ব গাহিতক হাস্যাক সম্বাট हरूवर्टी नाष्ट्र**एव करा (माना इक**र घाटाएर ग ( P) দিয়ের কোকেন AT--- STATE MA द्यांस्टरहाना। रेमतम ফ ভাতেবা প্রভাকতি ছোট রচনায়তই চমংকার সব র্মাসকতা সানে-কিন্তু ভার প্রায় সব কটি २७ **नहरा—डेननागरे कत्न तमत्।** া 'দ্' হালে' পড়েতে পড়তে আৰ্থি কালা সামালাতে পারি নি-কিন্যু কেন্দ্রেও অভান পাওর৷ যার একমার সাহিত্যেই ৷

राज्यम काली क वहत-द्रमहरूक **रम्हरूबन** मि !)

অন্যান্যদের মধ্যে ভারাশকর পাধ্যার, জান্তভাকমার रमनग्रीक्ष द्यारमञ्ज সংশ্যাবক্ষার ঘোর-এ সের 440 **आकर्षभीत क्रांभक मतीपमः वर्गतभाशासक** धवाद किर्यहर नाम मह। न्यक् खल जातकीमन वारमा ब्रह्मा एएए निरस्टम, छन् য়াবে স্বাধা প্রেল সংখ্যার ভার রচনা দেশা रम्छ- क्षम जाइ डाउ यह मा। विकृष्टि-भूषन मृत्याभाषाहरूक हु रे अक वस्त कर्म পতিকার দেখা বেত এখন তিনি कांबात निद्दारको। **भीवनामरम्ब** জীবংনালে অপ্রকাশিত ক্রুনা দ্' এক বছর অংগেও বের্টেড্ক, এখন বোধ হয় ফ্রাক্সিরে ्ष्युक्त कार्याचीन त्रवीयम्बारखन् वर्षीया-লাপর অপ্রকাশত বচনা আরও বহু, বছর **श**्त (तत्रुप्त, **जा**न्य करा शहर

সনাতন পাঠক



युना **७**-०० 🗣 চাতীত মাতুনের কথাই अंग्रिक्तिक कार्क्ती।

- 🔍 প্রেম জীবারর পর্ম ותוקום
- छल (वाभाविभाक्ष) বিচ্ছেপ বেদনার স্থাষ্ট
- 🗣 পুরুষের প্রনাচ कारी। (राहानान সালাহর উৎপত্তি-वास खो काछ द लाह

🗣 হত্যাই মর্ম্মন্ত্রদ মৃত্যুঞ্চ



প্ৰকাশক: বসু মলিক লাদাস ৬৫, শ্যামনগার রোড, কলি-৫৫ প্রান্তিকান—**ভৈরব প্রতকালর** ১৩/১, टोक्का अहांको स्मृति, **कांस-১२** 

(चंद ६८६ च्ये)

#### অনুবাদ সাহিত্য

প্ৰথক নৰপান। জ্বা ডেন'; অন্যাদক— মানবেন্দ্ৰ কলোপাধায়ে। অনুশা প্ৰকাশনী, ব ব্যক্তিকিশ্যের দাশ কোন, কলিকাতা-৬। পাঁচ টাকা।

ভ্রমানা রচনার মত জ্বল ভেনা এর পিছেছে মরগানা বইটিও একটি পরম চিত্তা-ক্ষাক রচনা। এর কাহিনী অংশ ভানিরেল ছিলো- রিবনসন কুলোর্শ কিংবা ইয়োহান ছিলে-এর 'স্ইস ফার্মিল রবিনসন্তির মতেই জাহাজ ভূবি এবং নিজান শ্রীপে আশ্রম নেবার কাহিনী। শ্রের থেকেই রচনাটি চমকপ্রদ। দাই ধনকুবের কোতেভ-র্শ এবং টাম্পিকনারের মধ্যে নিলাম ঘরে



वाछैक

(सर्के पुरुष्टिक्का करण करण करणा । इतका भारती स अवाध करणी मध्यपित । मुम्बा असारा नामेकालम् सम्बोध करणा

তিনটি প্রকাংকিকা ৩০০০

প্রবেষ বতুর দেশে ৩২৫ কল লাফা ক্ষা অকলচার অক্টা

क्हि वार्षेक वश 🚥

অনুন্দ্রনির ব্রির মধ্যমান্ত করিছে

কিং পিংতে যে কোন নাউক শীন্ত পেতে হলো লিখনে

नीतिया शकायन

- ৪৩, বিশ্বিদ্যা বিহারে প্রেছ্যেরী দ্বীটি জ্ঞানিকাত:-১২০ - জেন : ৩৪-৪১৩৮

্ৰেম হ্ৰব্ৰহ্ন)

# काहै। नित्रिश

হালিরা রসবাত একালার, গাতালিরা কংশকরে ও আনুষ্ঠিক বাবতারি গাক্ষাদি ভাগা
প্রতিকারের জনা আর্থানিক বিজ্ঞানান্থা দিও
চিকিংসার জনা প্রতাজ কর্ম পরে অথবা
সাক্ষাতে ব্যবহা গাউন নির্ভান বিশ্বাধীর
একমায় নিজার্বাগা চিকিংসাকেন্দ্

হিল্প রিসাচ হোম ১৫ শিবজেল লম শেবপুরে হারক কোম: ৬৭ ২৭৫৫



প্রশাস্ত মহাসাধরের স্পেসার কেনা নিয়ে দর ক্যাক্ষি থেকে গলেশর স্তপাত। শেষ প্যশিত কোলেডরপের **ত**র। ত বেশ্ব কাহিনী ভিন্নপথে লোড থেনেছে। ্কাল্ডের্**শ নিঃস**\*তান। ভাগনে ভর,প HAT MAKE গভানে মরগান ভার বিশ্ব উত্তর্গাধকারী। গড়ভে क्ल्मगाञ्चरण शास्त्रक क्षेत्रसम्ब তাতভাগার প্রিয়া বিল্লিভার ভেতর সে জীবনের স্বাদ ম্ব্রিক প্রায়নার কোলে**ডর**ুপের ই**ল্** পুলত কল্যা ফিলার স্থাপা গাড়ারেশ (MA) ভাগালের **মন্তেভাৰ ব্**ৰাভ ক্ষেত্ৰভাৱ প একটা ক্ষাহাৰ ক্ষিক 414 গভয়েনক নিউজিল্যান্ড ধানার প্রশান্ত कारत रमग्रा भविष्यारमा आहे क खेत অভঃপর গড়ফে এবং নাত্রীশক্ষক 675 লেটের এক নিজন স্বীপে উণ্টিম্বাড। এরপর কাহেনী স্বাসর্ভ্র গতিতে এলিয়ে গেছে। ছাল ভেন' তার স্বভাবসালভ নক-ভাত লাইপের প্রাকৃতিক কর্ণনা গড়ান এবং টাটবৈশটের দ্বীপ্রাসিত জীবনের সংগ্রাম ভোটিত ধোষা নরখানকদের আগলন এবং আনিবাদী কারেছিলাতের হিংস্ত প্রাণীয় আক্রমণ ইত্যাদি ঘটনা এমনভাবে বিনাদ্ধ করেছেন যে পাঠকলাচেই নিজ পরিবেশ ভালে পিছে ক্ষণকালের জনা খাশবাসি হয়ে শডেন। এ জাতীয় অভিযানমূলক मध्यकार्ड व 'জানে ভেন'িতার আবো TIKE ! 21.32734 মারগানা পড়াত প্রত্তে **লেখাকে**র . EIS | IZ. বিষাস আইল্যাণ্ড' 'आक्रकः ग्रेम' farm আছিফট ইন দি প্ৰচি**স্কিক**-এর 26/96 والمناوة ال প্রবাদ আসে। তথা**প**, Ser MIN काताच राज्यम प्रवराम अध्यत সভাগের শীস ংয়েও বিশি**শ্ট**। তা**হেল** कार्ना न ΩŽ कर्ण्ड एवं नगाविज्ञान **तःसर्**क €1 31.00 দ্রভাত। ভ হাজভূবি, গড়ফ্রের নি**ঞ**ন স্বীপে जा<u>श्</u>यर, गत्रशामकर्तन्त्र अरुष्य आकार, द्वास-জাত্যের আক্রমণ এ সর্বা যে ST TATE कारक्षत्र अस् कासमा क 115,311 আডেভাগার্র প্রকাক 5 तकाश **W**WTA কৌশল মত্র বইয়ের শেষে পাঠক একথা জনতে পেরে সম্পূর্ণ নন্তন এক 87.7FA আপ্রাদ পায়। গুলেখর অন্যাদৰ শ্রীমানবৈদ্র ব্যুদ্যাপাধ্যায়। ইভিপুৰে ভিনি জ্বান্তন'-তর বহু, গ্রাথের কালানাবাদ করে বার্ডাল

পাঠক সমাজে পরিচিত হরেছেন। জন্বার স্বাহ্নসং। ম্লান্সি হরেও কোথাও কার্য হরনি। স্বাচ বিশ্বাসবোগা এবং সাল্লীল হরে উঠেছে। এটাই জন্বাসের প্রধান সাফ্লাভা।

22/62

#### কিলোর সাহিতা

পাশীক্ষার স্বপ-মৃত্যুক্তর মাইতি। কলেল প্রকাশনী, এ৯৩৪, কলেজ পুনির ফারেট কলিকাতা-১২। মালা ১.৫০।

বৈশ্বক শ্বক নিজ্ঞান্ত সংশ্ব প্ৰথাকীর কবিনের ককত্ববুলি কাহিনারী সংগ্রন্থ করে কল্বা নিজ্ঞান্ত করে আকাশারীর ভাষার প্রাক্তিশার কিলোরবিদের কন্য করিনেলন করেছেন ভারতিনীস্থালি পড়ে শ্বা ছিডার নাম বজর বজর মহাশ করিবেন ক্রা লাক্তির করেছেন করেছ

#### সংগীত

ৰাপ-সাক্ষিকান। শীক্ষাক্ষিকা সাক্ষা-শংসারে। ২৬টা বং ব্যাহ্য স্থাটিং কলি-কান্তা-মানকাভ নাকাঃ

व्यक्तिकार । तस्य । वस्य भारत Mr. diago সংগঠিত সুপরিচ্ছা এই গুণ্যান ভার প্রকৃত **ব্য**ক্তর জ**স্থাপ**্র রচনাণ গ্রে**ং**র একলো ভিনাট ব গের জালোচনা সহ পরিচর हर छत्। इत्तर्ह्म । खर्रे । व्यत्काहरू सः । तकः कि , वित মত । ভা<mark>ষপরা</mark>পর মতিও স্থান পোয়েছে। बाना र्यातहरू हैराला क मन्यादिहत सारायन द्व ভথবাদ প্রয়োজন তেবং প্রতি ধারার স্বরাপ প্রদান করা हमग्रामि असरी उर्हा 28,00 বিশেষ ভারের আবেলাচিত হারেছে। তবে, বহু, प्रशासितकात व्यवकान आग्रहा राजधान क्रान्तिक বাণীকে গোডহার কল व्यामतन "(व्याद्वदयात" त्रान्य मानाकत বিশ্বাস। এটি ভানাসন প্রচারিত বাণী এবং সমস্কার্ক বা প্রবাহী সংগীত সাহিতো ভিনি ভানসেন গোরেবহার (গোরালীয়র) না**মে**ই পরিচিত *হতু*র এসেডেন। সেনের আমলে লোচন পণ্ডিভ ण्य ्या প্রতিষ্ঠিত গারনরতিকে গোড়বালী বলা বৈতে পারে এমন অন্যানের পিছনে বিলেষ ব্যক্তি নেই। এর কারণ রাজা মান প্রতিতিতি ধ্যপদের প্রতিষ্ঠা অনেক পরবতী<sup>\*</sup> কালের

{

এবং লোচন পশ্ভিত বাংলার লোক ছিলেন কি না নে বিকরে মথেণ্ট সন্দেহ বর্তমান। গ্রেম্থ বলা হরেছে "খেরালের মুদ্পদ বিন্যালের রচনাকে সাহিত্য দপশি কর্তা লাটীরীতি কলেছেন"। সাহিত্য দপশে এই রক্ষ কোনও উল্লিনেই এবং মুলগ্রন্থ সম্বশ্বে প্রভাক ধারণা না ধাকলে কোনও মদ্তবা না করা যুলিযুক্ত। এই ধ্রনের বহু

প্রাণত **উত্তি গ্রন্থের** নানা ক্ষানেই ছড়িরে ব্যৱছে।

গ্রন্থে বিষ্ণুব্রের শাস্থ্যীর সংগীতের ইতিহাসটি চিন্তাকর্ষক। এই অধ্যায়টি বিষ্ণুব্র বরানার পরিচয় এবং গারকী এই গ্রন্থের গ্রেছ বৃদ্ধি করেছে। এই গ্রন্থ পাঠে দ্টি বিষয়েই উত্তম ধারণা করবার অবকাশ হবে। ১৪০/৬১

#### শারদ-সাহিতা

শারদীয়া কিশোর ভারভী—১০৭৬ সম্পাদক শ্রীনী নশচন্দ্র চট্টোপাধ্যার। ৮ ০০ চিন্তামণি দাস লেন, কলিকাতা-৫। মুদ্যা পাঁচ টাকা।

কিশোরদের জন্য **প্রকাশিত এই** পত্রিকাটির আলু মাত্র এক বংসর, এ**রই মধ্যে** 



# अर्थमनलात्। माज

শিশুর জীবনে এটি অমল্য সমন্ত। এই সমন্তের মধ্যেই শিশু শুনে শুনে কথা বলতে লেখে. শুনতে না পেলে কথা বলভে নেখে না, বৃদ্ধির বিকাশও ঘটে না। শিশুর প্রথম ১২ মানকে বলা বেভে পারে "ভুনবার সমর্য ভার পরের ৬ মাসকে, "কথা বলবার সময়"। এই "লনবার সময়ে" বলি সে অনতে না পার ভাত'লে পৰে আৰু শভ চিকিৎসা কৰে বা আসাজি হিয়ারিং এড দিবে হারানো বা অজাত প্রবণশক্তি ফিবে পেলেও টিক ভেমন করে ভনে শেখাটা আৰ হর না। আডএর বড় বীর সম্ভব, অক্কড: ৬ মানের মুখ্যে, শিশু ব্যৱসাহ্যায়ী টিক মত শুনতে পাছে কিনা বস্তুতে পারা দ্বকার বাতে কোনো জটি থাকলে ভ্ৰম্য কামের ডাক্তারকে ছেৰিয়ে শিল্প চিকিৎসা করে ভার স্কালীন উন্নতি শপ্রতিহত রাধা দার। चार्मिक मध्य समार विद्यारिक करण वा अञ्चाल कावान স্বান্তাবিক প্রবণশক্তি স্পার শিশুবও কথা বলডে লিৱব্যর আনুগেই বা ২, ৩, ৪ বা ৫ বছরেও প্রবণশক্তি ক্ষীণ বা একেবাবে লুগু হবে বেভে পারে বেমন পারে (म (काटना वहाराष्ट्री । कांध्र वह्न वर्षास्त्र जिल्हा अवग-भक्ति हातात्म वृश्वित विकारण खावन खाउवाह हह।

चल्या है वर्ग गरीय चंद नका हाथा प्रदेश है। একাজের জন্মা-ই দবচেছে উপবোগী। শিশুর শোনা এবং কলা বলার বহুসাভ্যাত্মী ক্রমবিক্যুপের প্র্যায়ণ্ডলি নোটামটি এই রকম: জন্ম থেকেই শিশু শুনতে পায়, किंद्ध (म (मार्गा) मञ्जात माजा (मध्या नय। (कार्य লফ ভালে চমতে ওঠে, এই মানে। মাদ বানেকের মধ্যে কর্মানের সামে বাভিয়া, কোলে ভুমা এই সার প্রথকর ষ্ণাছভতি মেলাভে শেষে। ধীরে ধীরে এটা স্পষ্টভর হতে থাকে। ৪/৫ মালে অপরিচিত ক্টমরে বা মদশ্যে একবার তাকিরে দেখে, পরিচিত কঠবর বা মুচ্তুৰ ছ'লে ভাইনে বাবে ভাকিছে দেখে। জোৱে भव क'रत हमरक वालदांकी चर्नकर्वे करम चारम। (चरक ৮ मारम अहै। त्याद वक्ष्टे इरह दाद प्लाव আৰে পাৰে যে সৰু মতুদত্ত হয়ে থাকে সেকুলি লায় স্বট প্রিচিত হয়ে যায় আরু এরক্ম শন্দ হ'লে জাৰ উৎদেৰ দিকে চটপট খাভ ফিবিয়ে ভাকায়। আ-আ, ৰ-বু-ৰু ইভাাদি নানা বৰুম শব্দ করতে আগন্ত ৰৱে দে গুলি কথা বলাব চেটা নৱ-প্ৰারাম পার বলেট করে। > মাস থেকে কথা বলার স্পট চেষ্টা আৰম্ভত এবং ১৫/১৬ মালের মধ্যে বেল কংগ্ৰুটি বোধগমা ৰুখা বলতে পারে। উপরোক্ত ক্রম-বিকাশের ব্যতিক্রম হ'লেই কানের ডাক্রার দেখালো উচিত। খনেকে হয়ত বলবেন 'বাভাবাতি' — কিছ ভাকার দেখালে কোন কভি নেই – না **(मशास हित्रकार्मात क्छ निश्चाँ मुक ध्दर छा**इत्दि হরে থাকডে পারে।



<u>আবাকর্ম্বনিতা সকলে ইন্চন্তু।</u> মুন্তর ১৯০০ গ্রামা অপচ অস্কৃত ক্ষমন্তঃ সম্পন্ত। মার একটি ব্যাটারিতে চলে, এক বংগর গাবেন্টি।

রেডিও সাপ্তাই স্টোর্স প্রাইভেট লিসিটেড ৬, ডারহোসী হোয়ার, কলিকাত্র-১ ফোন: ২৬-৫১২১

THE PARTY OF THE P

<u>এই বিষ্ণাপনীট কেটে বাখুন, আল্লুভবিষ্যতে আপনার কাজে আসতে পারে।</u>

শিশ্য সাহিত্যের আন্তরে সে প্রথম সাবিতে
শ্বান করে নিতে পেরেছে। প্রার তিন শ
শ্রুটার এই শারদ সংকলান আছে ৪টি
উপানাস, ১৪টি বড় গলপ, প্রার ৭০টি
বিভিন্ন রস ও প্রারদের গলপ, জান-কিল্লানের
কাহিনী, কবিতা, ছড়া। বংলার প্রায়শ্য এই বিশেষ সংখাটি কিশোর দর
সম্প্র এই বিশেষ সংখাটি কিশোর দর
সম্প্র এই বিশেষ সংখাটি কিশোর দর
স্কারে ছাটির বিনগ্রাল আন্তর্গ ভরিবে
রাখ্যে পারবে। আভিলক সোভাব ও
জলংকরণে আরেগেনের ব্রুটি নেই কিপ্র রাচির বড়ই অভাব।

রকেডেগা। সংগ্রক : তালচেড্রাট বিত/১২৮ তাউদ্গ্রী, ব্রুপসী ১। ম্লা ৩-২৫ জেলা।

ষ্ঠেসর ধইরে বঙ্গা প্রিকা বিশেষ করে হোটদের জন্য কেন প্রিকা প্রকাশ করা সংশ্বন্ধ । তার ভূপর গ্রেপক লেখিকাও বিশ্ ভূটরা নি জনাই হয় গুলক পাই নেই। কিশ্বু এই প্রত্যুক্ত ভূটিও যে সম্পন্ন গ্রেড পানে তার প্রমাণ আরোজা প্রিকাশনি। শীপাঁকায় হ্যেও প্রিকাশনিক্ত প্রশাসনীয় উপন্তর ছাল্প প্রিকাশনিক। প্রভাগের কাছে প্রিকাশনি সম্পন্ন রাভ করনে।

# একজিম। রোগ

সোরাই সস বাসিও জাত ব্রেগপণ বাত্রক কুলা কেত প্রস্তুত তাপ বানক করিন কুলি আপ্রেক প্রস্তুত নাম্বর্গনাক করা বহ বংলাপে ডিকেংসা ক্রেন প্রক্রিকালার তারন বার্ডি কুর্বীর হল লাবন কেন কুর্বি গ্রেলা ক্রেন হব ২০২২ (ক্রেম) তার বার্ডি প্রস্তুত্ব ক্রেমির ক্রিক্টো হল প্রস্তুত্ব ক্রিমের। ক্ষণাক্ষী। সংগাবক ই প্রীক্ষণোপ চৌধ্বী। ২৯লি কালীয় স পতিত্বিত লেন, কলিকতো-২৬। মালা ১-০০।

ভার শৃক্ষর বল্দ্যাপাধার, কবিশেশর কালিবাস রার প্রমাপের কবিতা এবং নরেপ্রনাথ মিয়ের ছোট্ট একটি গদপ ছাড়া এই বিশেষ শার্বীরা সংখানিতে ভেমন নামকরা কার্ত্তর রচনা নেই। তবে সমণ্ডাবে রচনাবলীর একটা সম রক্ষর ভেম্টা হরেছে। আলিগক স্টেকাফারের দিক থোকে পতিকাশানি শাইকন্দ্রিট অক্টেমার হারর মাতা মন্ত্রা।

**ল্যান্ডকা। স্থা**পালক : শ্রীসনাংকুমার বদ্ধোপ্রধার। স্বাস্থিক প্রকাশন শ্রীস্ট**্** অধ্যব্দ্ধান মালে ২০৫০।

রচনা সংখ্যবের দিও থেকে আরে চা
শান্দরিয়া সংখ্যখনি স্থানিরাস প্রেকাদর
কর্ম সমালর লাভ করবো। আম্লিগের চট্টোন
লগে যে শ্রীম ধররাও লোল ওরালাকর প্রথান
রগম যের ধারিবন্দর্যার বদেশসংখ্যা
স্কর্মানী করবো গ্রামানির মধ্যা সাগেন
গ্রামানির সংগ্রামানির মধ্যা সাগেন
গ্রামানির সংগ্রামানির মধ্যা সাগেন
গ্রামানির সংগ্রামানির মধ্যা সাগেন
প্রামানির সংগ্রামানির মধ্যা সাগেন
প্রামানির সংগ্রামানির মধ্যা সাগেন
গ্রামানির স্বামানির স্বামানির

চিকিংসক সমাজা। সংগণসক জোল কামক যোক হাভারা। ১৫১, জাগোশ্ড হ রবার রৈ ৪. কলিকাজাভেচ্চ মালি ২০০০।

তান্ত প্রতি তি মিরণ প্রি, সর্ত্রেশীর এবং উটননী মতে তিবিংসা বিষয়ক স্থা ম্বান্ত এটা পতিবাখনি মান্ত কালক সাত স্ত্রেল প্রতিশান রাজ্যন টিমিমারাই বেশা চলপ্রিত স্থানি করেছে। স্কার সম্পাত করে এটা তিবিংসা বিষয়ক প্রকাশে স্থীম বিভ মানে বেলি মানে একট্র সাক্ষ করে উপ্সাধ্য এই সংখ্যাখানিতে গল্প ও কিছু অবিভারত সমবেশ হরেছে। লেখক ভালিকার বিশিষ্ট-দের মধ্যে আছেন কাজী নজরলে ইসলাল, ভঃ রমেশচন্দ্র মন্ত্র্মার ভট্টাপাধার, শৈলকানন্দ মুখোগাধার, লীলা মজ্যাদার, দক্ষিণারজন বস্তু, আনন্দকিশার মুখুসী, সতু বিদা এবং আরো আনেকে। রোগ ম্পুন্তী, সতু বিদা এবং আরো আনেকে। রোগ মুখুনী, সতু বিদা এবং আরো আনেকে। রোগ মুখুনী, সতু বিদা এবং আরো আনেকে। বোগত স্থাবণ প্রত্যকের সংখ্যাখানি ভালাগানে।

#### প্ৰাণিত পৰীকাৰ

ভর্মন সেই মান্যটি। স্থরভিং কর। বিস্থানর লাইরেবী প্রাইটেট লিমিটেড। ৭২ মহাত্মা গাণ্ধী রোড, কলিক.৩-৯। মূলা ৩-২৫।

সূৰ্যে পাজনের স্থান্তঃ। লিখনে স্থান্ত পাধ্যায়। বিচিত্তা প্রকালনী : ৭ নবীন কুন্মু প্রেন, কলিকাজা ৯। মূল্য ২০০০।

পাক প্রতিটর প্রচাচ ও জন্মন। কবিজা। জগলাত চত্রতী । নর গ্রুপনা : ৮ কৈলাত বস্তু স্ট্রি কলিক ভাড। মলো ৪০০।

সাহিত্যে শালীনতা **ও জন্মন্য প্রথশ** । সাবে ল আচাই । বাল আচ্ছে কোলনাই ঃ ১৫ ব্যাক্তম চন্ট্রতী স্থানি, কলিকাছে ১২ । ১৯৫ ৬-০০।

সমার ব্যবহার প্রেলাং সালীল জানা বর্ণা জালাও ব্যাপানী : ১৫ বলিকা চাটাকী স্থানি বলিকালা ১১ গোলা ৮.০০।

শরংচাদ্র সামতাবেজের জীবন ও সাছিত।
ভাবা সভিষ্য পরিচিতি চ ২৫৬টা ও আচামা প্রফারচাল বোদ্র ব্লিক ভাঞ্জ মুক্ত ২০০০।

প্রভাত সাইকেল জেটার্রা। বিজন্ন মুখেন প্রাধ্যক্ষণ ভ্রতবিক্ষণ মিকেনের ১ বিকল চাউক্টা স্থানী ব্যৱজ্ঞার ১১। মূল ব্যবহা

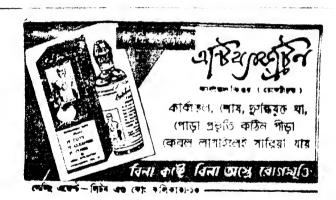
জেনিজেন্ট নিকসন। সংগ্ৰেছে এ সিংকন্তেন্ত্ৰ- দন্তৰঃ স্থিক জেন্ত্ৰী তথ্য সাল্ভ কোপোনীঃ ২০ বাক্ষম ১০ ক্ৰী স্থাত্ৰ কলিক সংখ্যা মূলা

ক্ষীৰন্দালী গালাকী। সংগগ্ৰে কীলান্তাল সংগলাক ক্ৰান্তালালা এই গৈলান্তাৰ জংগাকী স্থানি, কলিকাও -২০০ মূৰ্ণ হাক্ৰা।

লতবাৰ্য্য ৰাংলা। সম্পান্ত নীয় ডিলাল প্ৰতি ক পাৰ্যালা ৮ ৬১ বিশ্লিটিবং বি গাংগ্লী স্থাটি কলিকান্য ১২। মূল্য ৬০০০:

সাম্প্রিকী—ঐপ্রাস্কর্মা ক্রমণাপ্ত । ব্যয় জি পর্য লগাস : ৫/১৫ কালভ রে:, কালক সা ৪০ ম্বা ৬০০০।

প্রীক্টের **লোকসপ্রীয়। সম্প্রকার** গতে,সদস দত্র এবা ৮: নিয়াল্লক, ভৌজিক। ক্রিকেড্রিশ্রিশ**্লয় ম্ল**েড্রেক।



বাদি বাদির ক্টেক সমাণ্ডর বাদিরর ছাড়ীর ক্টেরল ওড়িশা ও বাংলার ব্যাম ছরের সামান। আল্ডঃ বিশ্ববিদ্যালর মন্ট্রলের আর্ডারের চ্যাম্পিরনালপ সমাণ্ড। এখন করপরের মূল প্রতিবেগিতার পেলা। দির্মীতে সদা সমাণ্ড ছাড়ীর সাঁতার প্রতিবেগিতা। ভারত ও নিউজিল্যান্ডের দুটিটোর দুই দেশের জরের পর হার্লারের একম বাট-বলে রাবারে পাবার লড়েই। অবস্থাটা স্থিতিই আর্কাণীয়া মহাপ্ত রু

#### ভারতের মাচিতে প্রথম ভর

বোশবাইরে গ্রহম টেস্টে ১০ রামে পরান্ধর
স্থাকি বের পর নাগাপারের স্থিতীর টেটেট
ভারতাক ১৬৭ রানে পরান্ধিত করে
নিউজিলানেও দল ভারতের মাটিতে প্রথম
টেস্ট জারের ক'তিই অজনি করেছে। গ্রহমতে
কলা প্রারাজন বিদেশের মাটিতে নিউজিলা শেনর এটা স্বিভারি টেস্ট করে। প্রথম
জিলাভানের এটা স্বিভারি টেস্ট করে। প্রথম
জিলাভানের এটা স্বিভারি টেস্ট করে। প্রথম
জিলাভানের এটা স্বিভারি টেস্ট করে।

তিয়কন মতুন খেলাক জ্বানিক পঞ্জা ভারতির পল প্রথম ইনিবলের লেভামনীর কথেত সংগ্রুত রেম্বাইট্র জিতিছিল প্রথমত পিতের ইনিবলের ইয়াত বয়নির ক্রমেন্ড পিতের ক্রান্তর জারতক্ষা মান্তর্যর দিল্লাল্ড দলের জারে মালে স্ট্রেন প্রথম শ্রুত দলের জারে মালে প্রথমন ব্যাইট্র রেমিন্তর ভারতির প্রথম ক্রম্বান ব্যাইট্র ক্রমিন্তর প্রথম জ্বান্তর ক্রমেন্তর ক্রমন্তর ক্রমান্তর বিশ্বান ক্রমেন্তর ক্রমান্তর ক্রমেন্তর ক্রমেন্ত

নগেপাৰে বাটোর বিজম গেলিটোটন নিউজিলাপান্ডর অধিনারক গ্রাহ ৯ ও লিং মারু বাজেলি, বিভান কাজন ও গেলা টানারে। বলে ভেল্জি প্রথিয়েছেন গোলা হাওরাখোঁ, ভিক্টর পোলাভা ও মারু বাজালা হাওরাখোঁর সাফলাট বিলোমভাবে টারেখন করার মভা। মুই ইনিংসে ভিনি গোরেখন ৯টি উইক্টেন্ড মারু ২০০ রানে।

ব্যক্তিমনে ভারতের বেশ্বকটবাসকারের কৃতিমন্ত কম নক। সুট্ট ইনিবলে এবি সম্প্রাহেও ৯তি উইকেটা। কিন্তু শৈকভাবি ইনিবলৈ ভারতের কেনের বেশ্বকটর মনের বেশ্বকটর মনের বেশ্বকটর মনের বিজ্ঞানীর হালে বেশ্বকটর প্রকার ইনিবলৈ জনিব করে স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞান স্থানির বিজ্ঞানির বিজ্ঞা



টানতে তেরেছেন। কিন্তু শিবতীর ইনিকে পাডোদির নবাব ও অক্সিও ওরাদেকার ছাড়া কেটই বেশীক্ষণ বাটে ধরে দাড়াতে পাকেন নি।

টলে জনী হয়ে প্রথম নাট করার শগীন বোলাররের সহারক উইকেটে খান বড় কথা। নিউজিলান্ডে সেই স্থোগ প্রোপ্তির কাজে লাগিরেছে। এবং শরুর থেকে নজর নিরেছে রান করার দিকে। তথা কলব, নিউজিল্যান্ড দলের শিসন বোলিং এমন কিছা মারাজক নম বাতে ১০১ রানে ভারতের ইনিংস শেষ হতে পারে।

প্রসাদ্ধ কর্মা দরকার মালস্যারের ক্রিকেট ইতিহাসে এটি ছিল স্বাস্থিম টেন্টা বাংলার থেলোর ডু অন্বর রায়ের ভিল টেন্টা অধ্যান প্রথম প্রবেশ। বিহা, মানকড়ের পার আলা মানকড়ে এবং শংকজ রারের আকুপর অন্বর রায় এক গোরবাম স্মাতির আলা মরে ঐ টেন্টি এক স্থান মিলিড ইছিছিলো। বাবে ১১৫৫-৫৬ স্থান মারাজর পর্যার টেন্টা এই মিটিকল শেওর বির্যাশ প্রথম টেন্টা এই মিটিকল শেওর বির্যাশ প্রথম টেন্টা এই মিটিকল শেওর বির্যাশ প্রথম টেন্টা এই মিটিকল বেকট আজ্ঞ আছ্লান নামেন বির্যাশ প্রথম টিন্টা বির্যাশ

বিশ্যাস্থ কর অবস্থার ৯ দে র হা পরন র জনবর জবলা জাবিরের প্রথম টেকেট থাবেই ভাল বেশাস্থান। তার ৪৮ র নের মার্মা ৪০ রালই এলেখে চেপ্ত চার মার থাবে। কিশ্ব মানকট্ মরালর প্রাণ ক ৪ টেকিট জনভু ঐতিহা বজার ব্যাহ ব্যাহরীন। নিজ্ঞীয় টেকেটর স্থাকিট ক্রিক্টিড

নিউজিকান্ড—গ্রহণ ইনিংগ ৫১৯
নিজান কড়েন ৬৩, ৫০০ টেলি ৬১, বিভান কড়েন ৬৩, ৫০ - ৮ ৩৪, ডেল হেডলী ২৬: বিজ্ঞান ১০ এন ৩ টাং ৪ উচ্চ কেক্টেন্স্বন ৪০ এন ৩ টাং এর প্রতি ক্রমণ ১২ বার ২ টিরাক্ড

ভারত- শ্রুম ইন্সে হর্ম তারির ভারতী ৬০, জালার রুস এ৮ ফাল্র রিজ দিয়ার ৪০, জালার এর দেবার ৩২, ব, জ স্ট্রিট ২৬: এইডিল বি এল বা ৬৬ বার ও উটা, ফার্কার ব্যাস ২৩ এল তা উটারের

ি**নিউজিলান্ড** নার্টা টালিক ২১৪ প্রের্ম টান্টার ওব, তের ২০৫০ ১২৫ ভিক্তি প্রেল্ডা হাড়ে প্রের্টার ১৮ এড লা, ৬ উধ্যুক্ত প্রসন্থ ৬১ এড়ে ২ উত্যুক্ত ১৪ ভাৰত শিক্তীর ইনিংল ১০৯ (শাতেনীবর্ নবাব ২৮, অভিত ওরংকার ২০; হেতলী হাত্যার্থ ০৪ রালে ৫ উইকেট, তিউর শোলার্ড ২১ রালে ৩ উইকেট)। [নিউভিত্যাত ১৬৭ রালে বিকারী]

#### तकरक'त स्कार्यक किन्द्र

দির্মার জাতীর সাঁতারকে এবার মেক্ট ভাগ্যা-গড়ার সাঁতার কর বেতে পারে। ঃ দিনকাপী অনুষ্ঠাকে প্রতি বিদাই হিট আ ফাইনাজে রেকডের ছড়াছছি। শেষ পর্বশুর রেকড বইরের ১৯টি ইতেটে প্রেকর সমারের বদ্যে নতুন সময় লেখা হয়েছে।

পারাবদের ১৪টি বিষয়ের করে বেকর ১১ वि विकास नामकान्य ४ वि **ट**िस्ट€ বিষয়ের মধ্যে ৩টিতে। কেরেদের মধ্যে ्हाऐराव जन्नजनवाद। वाजिका विकास. অধাং অলপ বরসী মেরেদের পাঁচটি ইন্ডেন্টেই নতন ক্লেড হল্লেছে, কিল্ড মহিলাদের ৮টি বৈষয়ের মধ্যে একটিতেও নতন রেকর্ড হর্তন, হ'দও মহারেশ্যের ফেলে মিলকা আদেৱালৈ একা ৬টি বিষয়ে প্রথম স্থান দখল করেছেন। এ ছাডা রি**লে** সাত্যর মহারদেশ্রর জারের মা**লেও মিলকার** অবস্থান অনেকখনি। মহিলাদের মধ্যে বেমন িলকা প্রেয়দের মধে তেমন সং**তিস** দলের ১৯ বছর বলসাঁ ফি স্টাইজের সাঁতার মাণিপর সিং রামার **অসাধারণ কৃতিয়ের** পাঁচের। সাভিসি দরের **শুধ্র রানারই নর**, পুলার সাভিত্য রাজ্যনত সিং, **যুক্সভিত্র** এক হাণ ধার যাঁর ভোজা<mark>ছর দ্বীকৃতি,</mark> এফাল ব্ৰুক্সভাৱ সে ভারত-**প্রেন্ঠ। সব** বক্ষেত্রপল্প্রের সভিসের যে প্রাধ্নর সভিয়েও ভার কাত্রম দেই। **সাভিসের** সভিত্তা তথ্য ১৫০ গরে**ট পেরে** চ্যালিপর লিপের অধিকারী হারেছে, বংলার সভিব্রাকেখন নিবভীয় **স্থান পেরেডে** মতে ৪৮ পরেওঁ কোটো **এর থেকেই** প্রমণিত হয় গতি রেও সমরিক **সাঁতারেনের** 83 9087813

#### টেবল টোনসের হালচাল

রামা ফারিকা লিজন কো**মে কলকাতার** মানন মানে কালের এখন **ভটি সলেছে।** বেশা, সভাগায়ত ও ব**শাবেত্র বিবিধ হবা**ন विवसम्ब अवन स्टाइक निवटन द्वार्ग । अहे क्रमा क्रिकी भारत श्रीम बिराक हार एक बार स्वर करका बद्धकरना एकानाएका शास माजावीय **এই পরিবেশ্টার বে**শি করে মদত দিতে क्षेत्रम क्षेत्रिम दणकारकः। कमकाराज्य द्यारपी-भीकोस हैसका हैका कान्यवास्थ्य तक বাজা প্রতিবোগিতার ব্যাপ্রের অনুন্টানে **ভেট বড প্রত্যেক শেন্**যারই তাদের দক্ষতা দেশালের সংযোগ পেরেছে। এইসব প্রতি-म्बन्बिकाव का वार्ष, ट्यार्फ भटानी ट्यार्ट, লের খেলোরাড, দশক আম্পারাত প্রভতি উপৰক্ষ ও উপারের প্রত্যেকের ভূমিকার डेनर जानान करव चारता रकताल কাহিনীর করে পাহাডের রূপ নেবে। ভাই স্ব জাজরে বে মোটামাটি ধারণার পোছতে **লেরেছি সেই কথাতেই পরের কথাগ্রেলা** जाकार्कि ।

बस चामर हालोशीलाग्रेपनर स्पूर्म जन कारन जनायात्व यक शालीयल छाउछ বিশাত খেলোয়াডদের একটা অংশ এবারও 79778 প্রতিযোগিতার ৰাভিয়েছে। প্রবড়ী এবই পরে ইনকায় ট্যান্ত ভেগাট্স আৰ্ড বিক্রিয়েশন কাবের टावेक्ट टार्निनन খেলার প্রথম বড় পচেষ্টা বেশ ভালো ভাবেই স্সম্পাল হয়েছে। কাশিমবাজারের প্রতিযোগিতার সেই বাঁষা গাং-এর সতে একাকর করার ছিল। ময়ঃ-**স্বলের আওতার প্রথম** রাজ্য টেবল টেনিস প্রতিবেশিতার খেলা আগস্ট মাসে খারররর **লোলমালে মাঝ পথে** কথ রাখতে হয়েছিল। **লে অনুষ্ঠানের সুষ্ঠা** সম্পাদনে বাহবা আছে বৈকি।

তবে চৌরণ্গী ওয়াই এম সি এর **মেট্রোপলিটানের** খেলায খেলাব সময় ভারত বিখ্যাত **খেলো**য়াডেরা শ্বন তিব आरमा जात्मव ব্যক্তির বন্ধার ৱাখনেও বলৈছে তার **বাটরে এসে যে কথা**গুলি **দ্বারা বোঝার—"ভারতী**র টেবল টেনিসের আবহাওয়া তেমন স্ববিধার নর। **ভানো বধাৰৰ** উপক্রণের অভাব রয়েছে : **অন্য দেশের মত** এগিরে যাওয়ার রাস্তা **দেখানের তেম**ন শিক্ষক ও প্রশিক্ষণের জভাৰ বা আছে তা নিয়ে একটা কিছু ভরার দিকে কর্মাকভাদের তেমন গা নেই।" মধ্যবরসী থেলোয়াড় রভীশ চাচাদের মাথে ভাৰতাভাৰ হালচাল সম্বশ্যে তেম্ন আশা-ৰাজৰ কথা পাওয়া যায়নি। প্ৰত্যক্ষ ছবি **দেখা গেছে পরবভ**ী ট্রনিমেন্টের খেলায়। **মেরে পরেষ দাই বিভাগেই খেলো**য়াডদের শেকার ধরন ধারটেন ভারত বিখ্যাত ইওয়ার কোন আভাষই নেই। মেয়েদের মধ্যে **द्रभा ग्रंथांकिं**त्र माभ्ये अवासा अन्त्रारका **সবচেরে বেশী। তবে ভাকে** অন্যাসরণ **করে উঠাত কেলেরাড়** ইন্দু পরে যভাবে ৰুগোল্ছ ভাতে সব কিছু ঠিক ঠিক

STATE OF THE TRANS SEE STATES करता कारण हरक भारत। भागाभाषि PLATER PROME SPECIAL STATE क्याहित सारमच दाता स्थान ट्यामारास्ट ধারাবাহিক ভাবে নিজের আধিপভা টে'কসই कताच भावता सा। यह बस्त्रीतात तरह বারা বরসের ভাবে বিষ্টেটা ভারারাল্ড ভারা কিল্ড এখনো ভৱাৰ ভৱাৰীৰের ভৱের कारन। क्वंबनी बहिना मान्छ खारक কথাই বরা বাক। এ বছর মানা প্রতি-বোগিড়ার সেহিফাইনালে খেলা ছাড়াও वाका रहेवन रहेनिएम कार्रेनाम स्थलाह ও'র বৈব' ও প্রমশীলতার সংল্য হাতের रेतशास्त्र अन्ते हरा क्रिक्ट। शत्कावत मध्य सभीव ह्यांगिकित एका क्यांने स्मर्थ। কবেকার খেলোরাড সমীর এখনো বে কোন উঠতি খেলোরাডের বাসের কারণ। সরোজ থোৰ রূপেন ঘোৰ কানের ভার উপোকা করে ভরশেষের সঙ্গে সমানে পালা টানছেন। এ বছরের নানা প্রতিবেশিতার क्यों इस्नारमञ् अञ् क्लिय स्मर्थ अर्थ क्यारे मरन হয় যে, বাংলার টেবল টেনিসে নভন বংগ আসতে এখনো দেরী আছে। কিংবা বলা বার নাক, মুখাজি, ওমিত মির প্রভৃতিরা বে বুগা আনতে বাচ্ছিল তা থমকে দাঁড়িয়ে CHES I

একটি আদার কৰা দুর্গাপুরে আরোজিত রাজ্য টেবল টেনিসে করেকটি জেলার ছেলে খেলাডে নের্মেছিল। খেলার দিক দিরে তারা কোন সাড়া জাগাতে না পারলেও তাদের অংশ গ্রহণই টেবল টেনিসের জমবর্ধসান কনপ্রিক্রতার প্রমাণ।

আবার এ কথাও সতিতা, এই জনপ্রিরভাও প্রমকে দাঁড়াতে বাধ্য খেলার উপকরণ এবং পরিবেশের অভাবে। মধ্যুম্বনের খুব কম ফুলে এবং ক্রাবে টেনিস খেলার সুযোগ আছে। ভার উপর এখন বল ও বাটের দামও খুব বেশা। সুতেরাং, খেলাটিকে জনপ্রির করতে হলে রাজ্যুসকরের অধাং দেশাটাস কাউণিসলের ব্যেপত সাহায় প্রয়োজন।

#### গ্ৰীন টেবল

বেশাপে টেবল টোনস আনোসিরেশনের অফিসিয়াল ব্লোটন গ্রীন টেবলা-এর প্রথম সংখ্যা আমাদের হাতে একে পৌছেছে। টেবল টোনস খেলার জন-প্রিয়তা প্রসার, প্রচার এবং সাংগঠনিক ভিত্তি স্দৃদ্য করবার উদ্দেশ্যে ইংরাজীতে প্রকাশিত এই পত্রিকা রাজ্য সংস্থার নতুন এবং প্রথম উদাম।

ম্থবদের পাঁচকার অবৈভানিক সম্পাদক প্রী জি এন ছোষ টেবল টোঁনস খেলার সংবাদ এবং স্টিচিন্তত প্রবন্ধ আহনন্

ভ হ্পাৰত করে বলেকেন, জেলার রচনার রচনার রচনার পালাপাশি এবং প্রথমীর সকল হাপোর টেব্ল টিং কালুল টেলিকের প্রয়োগ্যর, বলৈম্পক কাজকর' ব্যোলায়টে এবং শিকা ও পরিকল্পনার উল্লেখ্য নিয়ে প্রাটেক্সট এই প্রিকা প্রকাশিক ছল।

প্রথম সংখাটি তবে এবং তথ্য পূর্ণ ।
বিশ্ব টেবল টেনিসের মানা খবরে সম্পা
রাজ্যের খবরাখবর তো আছেই। শ্রীঅসিত
মুখার্ছা লিখিড ও পিল ইণ্ট্র লি পালট
এবং বাংলার প্রাক্তন চ্যালিসের শ্রীসমীর
চাটার্ছা লিখিড অইড সুনিনাল
ন্টারসা সাহিত্য রসে সম্পা
স্বাহার বিশেলবাদ রসীর চ্যাটার্ছার
অভ্যক্তি সভিই প্রশংসনীর। বেশাল
টেবল টেনিস অ্যাসোসিরেশনের সরকারী
মুখপতের শ্রীবান্ধি ক্রমনা করি।

#### विन्य कान कार्रेक्स

পাঁজির মতে, আসতে সন্তরের একুল জন্ম তারিখে বেলা হবে দীর্ঘানারী। ওই দিনটা এমনিডেই বেল উক বোধ হবে। তবে বে এক লক্ষ কুড়ি হাজার দশকি মেজিকো সিটির জ্যাজটেক স্টেডিরামের সিভিতে বসে সেদিন জ্বলে বিমে কপ্রসর ফাইনাল দেখবে, ভাদের অবস্থা হবে ভিক্তমা।

ভথানে খেলার বোগানা পাওয়ার জন্যে
প্রাথমিক রাউণ্ডের খেলাগালি এখন প্রার শেষ মুখে। যারা খেলবে তাপের মার্ম্য ইংল্যাণ্ড (গতবারের নিজ্মী) মেজিলো ও বেলজিয়ামের নাম মিশ্চিয়ের ফর্মো। রাজ্যান্ড তারের খেলার সম্ভাবনা প্রার্মিনিতে এনে ফেলেছো। জানেকই আশ্ব করে, ফাইনালে আটারা ও বামনির বিশ্ব-কাপ বিজ্য়ী ওই রাজিল এবং ছেমনির সেরা দল ইংল্যাণ্ডকে খেলতে দেখা যাবে।

উর্গরের ও শের দুটি চিন্নট ভাজিলের সম্পে কার্যকরী ভূমিকা নিছে পারে। তবে আরারল্যান্ড ও স্কট্পায়নেওর পিছনে একান্সে সংশ্রের খাঁড়া কলেছে। আরারল্যান্ড টিম ভূরস্ককে দ্বার খারিরে ব্যানিকটা আশান্তিত হলেও তাদের আমল ভর রাশিরার বির্শেষ এখনো দটি খেলা ব্যাক। ধরে নেওরা বেতে পারে স্কটল্যান্ড পশ্চিম জার্মানীকে খারাবে। কিল্ড সে চেন্টা কসরতের কামাই থাকলে চলবে না। কাইনাল প্রেল ব্যাবে ১৬টি চিন্ন। এই

১৬টি দল ৪ ভাগ হরে প্রথমে রাউন্ড রবিন ধারার প্রতিস্বাদ্ধিতা করবে। তালের প্রথম দুটি দল কোরাটার ফাইনালে ভেলবে। এর পরেই শ্রের হবে যে হারবে সেই বসবে প্রথায় নক আউট থেলা।

একলব্য

ভালিক্তাৰ আইনের হল ধারা ২২টি।
ভা ছাড়া আপারারের করণীর ও
কতাব্য সম্পর্কো আপ্রজাতিক ব্যাচরিক্টন কেডারেলনের স্পোরিশও আইনের অপা হিসাবে স্থীকৃত। হল আইনের ব্যানের অপ্পর্কতা দূর করার জন্য করেন্টা ভাবাও
আইনের স্পো সংযোজিত হরেছে।

- ি ১। সাভিস করার জন্য এবং সাভিস বিলিক করার জন্য প্রস্তুত হবার পর সাভারের কোনরক্ষের জ্বংসভালন বা আচরণে বিশি সাভিত্রের ধরাবাহিকতা লভ্ট হয় তবে সে জ্বংসক্ষালন বা আচরণ ভারতা দেবার কৃষ্ণিত প্রস্তুত্ত হিসাবে গণ্ড হবে। (জাইন ১৪ ডি) সেখন)
- ২। ১৪ 'এইচ' ধারা অনুকারী সাকেটের একটি পরিক্ষার হিচ্চে বদি সাটল চালিও না হয় ভবে কটে হবে। কিন্দু র্যাকেটের বে-কেন অংশ দিয়ে যদি কেস এবং পালকে একটি পরিক্ষার হিট করে সাটল চালনা করা হয় ভবে কটে হবে না।
- ৩ : ১৪ 'এফ' আইনের ব্যতিক্তম ছাড়া রান রাবেকট বা দেহের কোন অংশ কোন-ভাবে প্রতিপক্ষের কোটো অন্প্রবেশ করে তার প্রতিপক্ষ খেলোরাডের কামা সাজি কলে ধরা হবে। (১৪ 'জে' আইনও প্রভাব)
- ৪। ব্যাভাষণ্ডন হলের বা করের কঠানোর কোন অংশে সার্চল লাগার ব্যাপায়র প্রনানীর ব্যাভাষণ্ডন অনুস্রোসিক্ষেদন ভাতীর ব্যাভাষণ্ডন সংস্থার অনুমোদনসাগোক ভাইনোর সপ্রো প্ররোজনীয় উপধারা বোপ করতে প্রক্রো।

#### जान्नात्रहरू और मुनाविम

- ১। খুব ভালভাবে কাভনিত্র থেলার অইমকান্য জেয়ে নিম।
- ২। থেলার ঘটনার আংশারারের সিম্পাশ্য চ্ট্রান্ড। অবস্যু আইম্মটিভ কোন কারণে খেলোরাড় রেফারির কার্ডে আকোন করতে গ্রেকো।
- ০ : সাইস্পদানের নিজের লাইনের
  ফলার লাইস্দানের সিন্দান্তই চ্ডান্ড :
  আম্পারার তাঁর সিন্দান্ত নাক্ত করতে
  থাকের না । বাদ লাইস্কাননের দ্রান্তি
  অকরোর হর এবং ফলাটি আম্পারারের
  চোবে পাজে ভবন আম্পারার সাক্ষাত
  ভানাতে পারেন। অনুবার পোটা ভেকে
  আবার বেলা আরুল্ড করা উচিত।
- ৪। কেখনে সাভিত্য জাজ নিজেগ করা ইবে সেখনে স্বভিত্যের সক্ষত ঘটনার স্বভিত্য জাজের সিন্ধান্তই চ্ছেন্ড। (২৭ নুম্বর বিধানে এ সম্পত্ত জাজেও করা

## ব্যার্ডামণ্টনের আইন-কান্ন

হয়েছে) আম্পায়ারের কতব্য হবে বিশেষ-ভাবে রিসিভারের প্রতি নজর রাখ্য এে সম্পর্কেও ২২ নম্বর বিধানে বিষয়টি পরিক্ষার করা হয়েছে)।

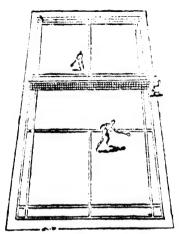
৫। সমসত খোষণা, পাঁরেট গণনা এবং সিখ্যনেতর কথা যথেট লোরের সপো এবং পরিন্দার উচ্চারণে এমনভাবে বলতে থিবে যে, খোলোয়ায় ও দর্শকরা যেন পরিন্দার-ভাবে শানতে পান।

#### বিশেষ বিজ্ঞাপ্ত

'প্তা উপলজে এক সংভাছ
ছাটি থাকার দর্শ জাগামী ২৫
অটোবর দেশ' প্রকাশিত হবে না।
পরবভী সংখ্যা প্রকাশিত হবে ১
নডেন্বর।

পরিপার্থ আত্মবিধবাস নিয়ে চটপট সিম্পান্ত ঘোষণা ববাবন : যান ভূম হয় সে ভূম স্বীকার করাবন এবং ভূমের জন্ম নঃধ প্রকাশী করে ভূম সংশোধন করবেন।

৬: যদি কোন সিংগণত জনানো সম্ভব না ২৫ তাবে কি কারণে সিংগালত জানানো স্লভব ২ল না তা বলে তাতি-এর নির্দেশ



ব্যুডজিন্টন খেলার আন্পায়ারের অবস্থান কুৰে নেটের ঠিক পালে উ'চু চেরারে

দেকো। কথনো পূৰ্ণকলের করে কিই জানতে চাইবেন না। স্থাক্তের স্কর্তনাত কান পেকেন না। জথাং ভালের স্কর্তনাত প্রভাবিত হকেন না।

- ৭। বেসব লাইনের জনা জাইকারার । থাকবেন না সেসব লাইনের বটনার
- ৮। প্রভার সপো আম্পারারের শেলা আররে রাখা কর্তবা। কিন্তু আম্পারার কেউকেটা ভাব দেখাবেন না। আবার আম্পারার স্বক্ষ্ণ গতিতে খেলা চালিকে নিরে বাবেন। কিন্তু আইন পালন করকে গিরে অবধা বাখাত স্থিট করবেন না। কারণ, খেলা খেলোয়াড্রপেরই জন্য।
- ৯। আইন ওপা হরেছে কি হরান এই বিষয়ে আন্পায়ার বা সাভিসি জাতের ক্রেন সংক্রেংর উদয় হলে ফল্ট ভাকা উচিত নয়। এ ক্ষেত্রে খেলাকে নিজের গতিতেই চলতে ধেওয়া উচিত।

#### रेपना जातत्त्व बारम

১০। রেফারির কাছ পেকে ক্লেরে পাছে সংগ্রহ করে ক্লের পাছে নাম ইত্যাদির ধর পারব করনে।

১১। নেটের উচ্চতা ঠিক আছে কিনা নেশে সেখে নিন। সেখে নিন নেটের পোষ্ঠ লাইনের উপর আছে তো। নেটের ফিতে ঠিকভারে খাটাকা হালেছে কিনা ভাঙ লক্ষ্য কর্ম। (আইন ২ ও ৩)।

১২। বাটেশ্সনান ও সাভিসি ভাজ বধাৰৰ প্ৰানে অৱশ্বান করছেন এবং নিজ নিজ কতবিয় সম্পর্কে তারা অবহিত আছেন স্বেটা নিজে ভেতন নিনা। (আইম্সনাম এবং সেটিসি ভাজা অন্যুক্ত দুক্তিয়)।

১৩। ৪ নশ্বর আইন জন্মারী বাংশট সংখ্যক প্রতিক্ষত সাওঁল হাতের কাছে আছে কিনা সে বিষয়ে স্ববিধিত হন। খেলার নাধ্য বাতে অবধা সময় নাট না চর স্কে উল্লেখ্যে এটা জেনে নেওৱা দ্বকার।

বলি সাটল সংশ্যক থেলোয়াড্ক একজন বা হাব ভাগপায়াবের সাটল পরীক্ষা করা উচিছ। অথবা প্রভিয়েগিতার থেলার কেনারের উপর বাপারটি ছেড়ে দিন। কিবেরা মাচের ব্যাপারের সাটল পরীক্ষার ভার ছেড়ে দিন অধিনারক অথবা রেফারির উপর। পরীক্ষার শ্বারা যদি সাটল একবার অন্যুদ্দিত হার ভবে সে সাটলের অবস্থার পরিবর্তান না হওয়া পর্যান্ত সেই সাটল দিরে থেলা চলবে, এটা জেনে রাখ্না।

म्कृण

X.

ने क्रक

## অধুণ্যদেধ





















# 3 gers

### ॥ िहरु-म्यादनाह्या ॥

#### सम निरंद

সি নেমার গণেশর সাহিত্যিকন (ফুট্র তারা জনাপ্রায় হোন না কেন) সাধারণত প্রাথের হয় প্রত্যে জাইর কোট সমেনে একটা भाकादि एमधा यात्र। "मन निरात"-द (an এম ফিল্ডান, সাহিত্যিক নায়ক অমিতাভ ্ণাকবারে উল্টো। সে নাম-করা ঐপন্যাসিক ্রে। বয়েই, ভার উপর সিম্পূর্ণাত। এবং সংগ্রেক। অমিজ্যভ বড় ব্যবসার বেমন हालाश एरुशांन व्यवधात भव व्यवधा उभन्माम ह रमरम। रभ रव माभुमान छ। बनार अरशका বালে না। এমন বাস্তব-দ্রুভ ন্যক দে গলেপ তাতে বাদতবের দল্প বিলেষ আলা করা উচিত এয়। ছবিতে ৩৩০ ই দেখানো হালেচে আনভান্তর লেখা একটি উপন্ধাস 'খন লৈখে' যা গভাৱ ফলোবাগের भारत राष्ट्रेया तराम आठ वेदार गाँउका 3: 1:41

গ্রন্থার ই লাভ আআগান্ত এবং স্থাপা ও অপ্রাটের যোজে টোন) নিরে : দুট বোনের চারি, দুটেরকা হাতে বার্দ্ধা স্থাপা থ্র শাংড, সোরারা সিহিস্স আপ পড়ে, অপ্রাজে ডিডিকটিড অবন এপ শিবশে ভারতে সিরিজা স্পর্যা গ্রন্থার অপ্রা

यामानिकः अरे "यस निरात" जानाव । माटमरे মাল্মা) মনসভাগ্রিক গলপু। **জলচ গলেব**র ाडे जिंद संकालका के उसा कितनातिक वजन-भावन प्राक्तराह्य अभागाता वा म.बार ংশক্তিক ভালায়েভালেয়ে অন্মেদ দেবার জনা। সূত্রাং গভার ফাস্টা বুরু **প্রসং**গ, অধ্যাৎ নাছিকা স্পূৰণার মনোবিকার বা মানসিক ধোগ য়খনই এসেছে তখন স্বই মেন কেমন ভালগোল পাকিলে গেছে। অর্থাং ্এক দিকে পদক্ষার এপ্টারটেন্মণ্ট"-এর শত, অপর সিকে মনোকিশেবৰ করতে গৈয়ে পরিচালক চিত্রনাটাকার সলিল বেন িমসিয় খেরেছেন। আসলে অপ্রকৃতিস্থ মানাসকতার সঠিক কিলেবৰ ছবিতে PE WER M. alale L दुशके । 9491 दावारक हात्र मा करण FAT. 184. किर्मादी समग्र भाग कराए **MIZ** अण्डःमञ्जा अवस्थातः हेच्या करतः वासत्रस्थ



শরওক্ষেত্র 'অরক্ষণীরা' অবস্থানে তৈরি 'য়া ও মেরে' (পরিচালনা : ক্ষীন ক্ষেত্রপাল্ডর) ছবিতে মৌনুলী মুটাপ্রায়র ও স্থানার্গী

আছ্যুড় পতে প্ৰভেৱ সম্ভানকে বলি দিতে পারে, সহোদরাকে বিৰ দিতে বার হাত কাঁপে না সেই সংপর্ণার মধ্যে আলো-अंशाह्यह एक्सा की-सारव प्रत्य और की ্ৰেই প্ৰচণ্ড "প্ৰমাশন" ও অধিকারবোধ ভার বিদেল্যণ এই চারতে অনুপশ্ভিত। স্বামীর প্ৰতি তাৰ প্ৰতীয় ভালবাসা অবশাই দেখানো হয়েছে, সে ভো অনেক স্ত্রীর পক্ষেই স্বান্তাবিক। স্পূৰ্ণার অব্ধ অধিকার-বোধ ও প্রেমের উল্লভা দেখিলেও ভার লোপন অপরাধ নিয়ে সাসপেনস বকা করা रबरू। बद्ध कर्मगांव **চরিত অনেক** পরিমাণে স্বাজ্যবিক ও বিশ্বাস্যোগ্য। গলেশন লেবে 'হৰাট'-রুম ড্রাম্'', বিচার-পর্বা--হেখানে ভল্পে জপণাই তার দিদিকে বিষ পটরে মারার অপরাধে দোষী। পরে অবদা সাপ্রার धरबांद्राष्ट कार स्वताहरूत कर कार्किए अवि পাওয়া গেছে, এবং সাপ্রণার মানসিক অস, শ্ৰভাৱ কথাও দশ'ক জানতে পেরেছেন। অন্মিডাভ অপপাৰে বাঁচাবাৰ চেণ্টা কৰেছে, বিদ্তু স্থাবৈ মাতার পর লাগিকরে পাদিগ্রহণ সে করেনি। অমিতাভ তার স্বৰ্গত স্তীর প্রতি গভীর প্রেমের কথাই বলেছে। শ্যালিকা সংক্রমত কোন "ক্লাড্লে"-এর আঁচ ভার গরে পড়ভে দেওয়া হয়নি বলে সুশকি স্বভাবতই খুলী।

দশ্কিকে আরও অনেক পরিমাণেই খুলী করা বেড, সেটা সম্ভব হরনি সম্পূপ ও চিচনাটোর পোৰে। চিচনাটো অমিতাভ, মাপণা ও অপশী ছাড়া আর স্বাই বেন আরাস্তর—এমন কি, সীতেল নত নামক ওই বাতিটিও বে স্পোন্নর পারিব রিক বাবা, যার উল্লেখন ররেছে সংগণা-অপদার কথার বে সন্মীক সংপর্গদের বাড়িতে থেকে অপণাতে অনের দায়ে ফেলবার ব্যাপারে ভাষকা নিয়েছে। শুখু নারক-নারিকার প্রাধান্য বজার রাখার তাগিদ বেখানে, গলপ रम्बारम कब्बले मुक्तेम इर्ड भारत ना। অবদ্যা দৰ্শাক্ষকে ভূক্ট রাখার কিছু উপকরৰ পরিচালক সলিল সেন সকরেই সাজিরেছেন. এবং সেই সপ্সে দারেকটি জারসার সালের কলপ্নাব্যেধের পরিচর দিরেছেন—বেদন লিদি জামাইব ব্রু বিছানার অপশার কিছ भद्रभ कथात जल्म फर्का है न्हेरह निज বাওরা। এমন স্থান্ত "সিচারেশন" আরও আল্লে ছবিতে, দুই বোনের গান গাও**রা ভার** মাধা একটি। প্রথম দিকে অমিতাভ ও স্পূৰ্ণার যেনগধা কণ্ঠ সংগীত পরিচালক হেমণ্ড মুধে প্রায়ে ও লভা মপোশকার) বুবীন্দু সংগীত (আমি পথতোলা এক পথিক এসেছি) এবং দুটে বোনের গাওরা স্মানিনীর वार कार्य ना" गुनर ध्र वान नारम। গদেনৰ সূত্ৰ ৰচন য় হেমন্তবাৰ, তাঁৰ সন্নাম আক্রার রেক্ডেন।

অভিনয়ে উত্তমকুমার বিশেষ কোন নাজুন
ডাইমেনশন বৈ ছবিতে দিরেছেন ভা নার।
অভিনরের বে কমতা ভার
অনারাসলম্ম তা ই তিনি আবার দেখিরেছেন। আদালতে স্পর্গার নবীকারোভির
কথা বলার সময় তাঁর অভিনয় দেখবার মত।
হনিও কোটো দংগতা অপরাধীর মনোবিশেলবংশর কাজ এই চরিত্রের নাল,
সে শ্রে ঘটনার বর্ণনাই দিতে পারে।

Denoted the physical control

kind of a renture social with true Simie impirating that has given the Bong. all film the delicately ertistic point à repters to more Beage. here and their fellowcountrymen alike. Amrita Besser Patrika

wifely blue -Infines supress anstate medities of wfo.sel ellel (62, त्यावस्य मन्त्रं कांग्लीव det of Mattelletan -मकार क मार्क्स क OFFICE And Malia! -

Thanks to bis brilliant direction, the superb assing of Sachitre Sea, the saique sobriety of Uttam Kumar, the amazing versatility of Nirmal Kumar, the almost unperalleled characteriss. tion of Torus Kumar, and over and shove ell, the high standard of production values, Kamal Late' has become one of those sersen masterpieces. Cine Advance

W COLUND. WIN MIN नर्भेक्षे त्म विश्वन RACE COLUTE. WINE क विकार मह जाना MEN CHAILE Care De Canap BIRTH erreife erb. forwie qu wes freies : mile cetauces fente 4ct. 6956 CH 404 stere sie. Befenten পরিচালিক 2014 काममधा कारक किड-**WEGS OF WE COICE** केकीर्व कारावित ।

আনলবাজার পরিকা

144 sfe बाज नरकद त्योपक विदायalle Ale-see A.Ls agimi i

> हाउंग्लाब Frank 1

the obviously attrastive bereins of mi. ddie-olase Bengall romanos, but a more secomplished setrons

... a aida daist Bes Same minera alesten . Annual. -----जानाक स्थानिक ।

All glory to the magnificent fim's major erchitects Rindusthan Standard

a sample

CPY

श्रम जलता एविजारत प्राथा छ । द्वान छा। ।

স্বাচ্মামেন

PHE PHE

भीवयधीन क कांक्षिक मरमाभ इ महाराम भाग्यामी कताता क्षीतकात : क्षिक्तात, काहा रायी, कहानमूबाद, भक्ताती, बांहे नामाकी, बांह, क्रिका के क्षत्र वास

গ্লোব-দর্পণা-প্রিয়া-জেম-রূপালী গ্রেস-ছায়া-লিবাটি

বেনার — কাষা — শারিকান্ত — নবব্বকা — করা — করতী — নামসী (শ্রীরারপরে) — জ্যোতি (চুলনানার) —, ব্যাপালী (চুডুড়া) — নৈহাতি নিমেলা — কপা (বারাকপ্রে) — ছক্ষানালী (কৃষ্ণনার)



শ্বাল লেন পরিচালিত 'ভূবন সোল' (কাছিনী: বনজলৈ) এ সংভাতে জ্বিত পাছে— ছবিত্ব একটি গ্ৰেয় উৎ পল হত ও স্থালিনী জ্বলে

ক্রিরা ফেইব্রীর স্পেণা-অপনার মধ্যে অপনাই চরি জেওচর স্থিট। অপনা বেন প্রথমের অগ্নেনে টগরগ করে ফ্টেছে এই, চরিক্রের উচ্চলতা ও চপলতা তিনি চমংকার প্রকাশ করেছেন। স্পূর্ণা বেন বেশী শতক্ষ, সদ্য বিষয়। বে আর্ফেন্টিকতা ও স্থেবসনার প্রচাদ্যবার সে বউং করে মুদ্যা অপরাধ করতে পাবে তার প্রকাশ স্থাপান্টিকত নেই। তব্যও শৈবত-চরিত্র অভিনয় করার করিছে তিনি দেখিবেকেন।

अहा हाडा जाव हार हरितहरे एटा भारत छ। তথ্য এইসৰ চাৰিতের মধ্যে এক দিক থেকে প্রধান সংগ্রহণ করেও ভামিকার বেশ ব্যক্তম অভিনয় করেছেন 'নম্ ভৌমিক। দলাককে সন্দেব কমিক তেওৰ জভিনৰে তিনি হাসিরেছেনও একবার: ভার ন্ত্ৰী হয়েবছনে সমিতা কৈবলে, তাব অভি-मरबंब महाबाग करून हालंख हिन छाउ সন্বাৰহার করেছেন। খাব ভাল লেগেটে অমিতান্তর পুণারু বেনন বক্সবেশিনী বুমি শ্বই স্বাভবিক তবি क्षांवारक। বৃদ্ধ লিচ্চপীর:-বিকাশ রাষ 5 वटाञ्चन । ভারা দেবী, তব্যক্ষার, পাতাড়ী সানাল-অভিনারের প্রকল সাহেয়াগর সমাকরার क्टक्रम्म ।

ছবিব শব্দারাণ আশান্বপুপ চরনি। কামের ব কাজ (নিলাপিরজন ন্থেপাধার-কত) আমাণোডাই উচ্চত্তের।

#### र्धान्नव्रात्त्र कारिनी

বাংলার জিক্তবাদের বে আমরা কুলিনি ভার প্রমাণ সিনেমারও। তাঁদের মহার্ ও বীষয় প্রমার সক্ষো লয়ের করা হলেছে ক্যু ছবিতে। ভুলি নাই সম্ভবত এই প্রবাহের প্রথম ছবি। জিন্দির্চের কাহিনী'ও (দি নিউ এরা পি**কচার্স**) **৩ই** একট প্রশাবনিধ নিষে টেডীর।

আন্তর্কের দিনে এই ধরনের ছবির নিশেষ প্রয়োজন আছে। 'জনিব্যুগের কর্মাননীকে সিনের।' আটোর কৃষ্টিপাধরে বিচান করলো চলারে না। পরিচালনা ও চিন্তনাটা বিন্যাসের মুটি হয়ত ছবিতে জনেক আছে। কিন্তু কিছুক্ষণের জনা যে ছবিটি দলাকের মনকে নেলাজ্যবাধে উদ্দশিত করে র খতে পোরেছে সেটাই বড় কথা। ক্ষর্পান ছবির প্রধান উদ্দেশ্য এখানেট সম্প্রক।

ছবির কারিনীতে (বীরেন রার , রচিত বংধালী' উপন্যাসের ভিত্তিতে) সংক্রম উপায়ন আছে, মারা ও সমীরকে (ব্জনেই বিশ্ববী দলের সহা) কেন্দ্র করে। মার खालक प्रशीय कार कार्ड मा कार्ड मही त्र अस्या करते हा । स्थापि स्थाप स्थाप श्रीर बन दह भारत बामक मन्त्रक ना स्वरं शीकारक त्यातन क्षत्र काम कार्यका वि नगरिवर मास्त्र करन माध्या, जीवमान, जीवारेक क्ल (बाका उक्सांप किनावी शामक नाटक के न्याक्षांका? बाब शीवल ब्रांस क्या बांब ना धाकरत यहिएक सक्तान्त्रीत स्वरूप क्रार् আমরা ভল ব্রুডে পরেভাষ ৷ আন ত্ৰির গলগালে প্রেলালকাতক মীরা-লক্ষীরে বাৰাৰ কাহিনী সমেত) অভি গুৰ'ল । আই अरुका अधानकरात स्थाप सामोत्याचार्वस्था (विश्वरी पटने स्टा गुवारम् अवकात) নেতাৰ ভৰুৰ বিশাবীদেৱ কাৰ্যকৰ্মান ক विकित नामन देशकारकरका शर्मक की का-वर्ष পদ দেখনে হয়েছে। ছবির ক্রাইমান্ত व्यक्तिनीभारतम् शास्त्रका-त्यमात् भारतिस्थितं ज्ञान विकारीहम्ब जनमा लक्षा । को कर्क-ब्राट्यात मुन्तिके श्रीकाणक क्राटम क्रम क्रम् कारकार प्राचित्रका । वर्णक को दशक रसमानिक देन्दीन्छ बढ़े। वह महबद्दि মীরা ও সমীর পর্লেশের গ্রিলডে নিহস্ত। দুটি মৃতদেহ পাশাপাশি পতে, কেইখানেই मणी चारका, मार्जेप्रकृता। मार्खेगभक्करक्ष আবোজন আগেও আইও বছেছে—একটি ছোট ছেলেকে নিয়ে (কিন্সৰী নেতা ধর নাম मिरवरक्त क्वील क्वार हेक्नारक)। खरमहि প্রতিদের হতে নিগ্রীত হরে মার বার।

ঐতিহাসিক চরিত্র বা প্রামাণা ক্ষান্ম নিবে সম্পর্শত এই ছবি নম, প্রাম সকটোই কাহিনী। ক্ষিত্ত তব্ এর হবো কাংলাছ বিক্তাব ব্য এবং বিক্তাবীনের মানসিক সঠন, আছত্যাল, মৃত্যুক্তরী প্রতিক্ষা, মোসনা সালেঠনিক কার্যকলাগ ইত্যালির পরিকর্মীটি পাই। নেতা মান্টারমণাইরের চরিত্ত, আনশোর ক্ষার ভার নিমানক। (বেমন ক্ষানিককে



শ্ভিগরী বেংশ্ড্র' (পরিচালনা : ববি নাগাইচ) হিন্দীচিত ফিতেনা ও ক্ষান্তাল ঃ হার্মটি বডামনে পশ্চাহে মুক্তি পাছে

**অন্টোবর** मम्त आअ(इन ক্রপে इबन जाभीत अजनमनम निखपिउ নিও ফিল্মন পরিচেনির ক-ঠসঙ্গ হৈছ ধনপ্ৰয়-নিস'ল্য-লঞ্জু স্রস্থী • রুপম योलग्रा • त्भाग्रन е अनाग्र

বিদ্যে করার জনা মীরাকে আদেশ দেওবা), ও কালকম' (কথনও ইন্মানেশ ধারণ) অনেকটা দারংচণের পথের দাবি'র স্বাসাচীর আদলে গড়া। গোটা গলেপই 'পথের দাবি'র প্রভাব। মার, অসিত ও সম্ভারের মানাসক শ্বন্থ এবং ভাগের চরিচের কিছা লক্ষ্ম 'পথের দাবী'-র কোন কোন শক্ষের স্পোন্ধ মিলিয়ে নেওবা ৰায়। তাছাড়া প্ৰেলিশের চেতেথ থুলো দিয়ে ছন্দাবেশ গ্রহণ, ব্ৰান্ধির লড়াই, মীরার কথনত বাছাজ কথনত কৈছবী সাজ। ইত্যাদি চমফ তো মানেই। ফিলেম এ-সব' সিচারেশ্ন আমোনের খোরাক-পরিচালক এই সব পরিস্থিতির ভিতর দিয়ে দশকের কোত্রতা জালিয়ে বেক্সেছন। চিত্রটোটি বৈশ্পবিক

कमामानिक / न्यामबाद / भवता मरकन्य / मद्या नारक वता

### ওস্তাদ আমজাদ আলি খান

महत्रम बापन

তবলা-পণ্ডিত শাণ্ডাপ্রসাদ

विकित - 50, d, o, s,

হাণ্ডিছান :-- ছার্মান হাউস, ১২-ট পার' প্রীট, ২০ ৮৮৭৩: বেশোভি--- ৮২এ রাম্বিশেরী এতেনিউ, ১৮ ২৯৭৭: টেডার্স ব্যরো--১২ জপ্ত ধ্য, এট্রেনিউ, ৫৫ ১২৮৮।

### ঞ্চক্রবার ১৭ই অক্টোবর শুভা ৃন্ত !

ছার্রাছিনরের উৎকর্ষা, সংখ্যার নাটকীয়তা এবং বেন্মান্সের নিজ্ঞানিচমকে চলচ্চিত্র সিংস্থল মারেক বিশ্বস্থ



সেনাইটি প্রালাত বেনক স্থেন কালিক ইণ্টালা ডুসবার্ম্বল লক্ষণ কলণ লাভ নিলাত গীপক লক্ষণ শিক্ষালা নিভা লক্ষ্ম নাপ্রী এটাব্যা কৈরী গোধ্যা আইনকেলা) গাঁব ভেলনাথর কিউক লিখা প্রেইটো ভালিক ব্যক্তি আক্ষালার ১৪ই থেকে শ্রেই ভ সংল্লার ও কাল্পনিক কাহিনীর সাক্ষানে বার বার বিধিকা হলেছে, কালাও বা ককচাত। তব্ কা বিধিকা হলেছে, কালাও বা ককচাত। তব্ কা বিধিকা করেছেন তাল আলালাও হলো আলালার করেছেন লা। মহিলা সমিতির করে লালা রেমেনার মেনেক মহাপার্য ও লোলাকেছের পর্বাচ্ড আনেক মহাপার্য ও লোলাকেছের হবি। ওই ব্লে দেশপ্রেমিক-দের, বিশেক করে আলোর বিশ্বনিক্র আদালাও প্রেম্মে বে ভিলোন বিধেকালক এই সভাতি পরিচালক করেলাকের করে।

বিকাৰী নেতা মান্টারমন্টে চার্ছন বিকাশ বাৰ: ভার অভিনয় ব্যক্তিপূপা ত্ৰনত ভাতে তেলান্তা। ভব্ও জ্লেল व्यक्तिविक रिकाल केरेट भारत्नीत करे ৰে ভিতৰের কারার বা আসান ভাব অভাব। মাৰবী মাখোপালাকের ম্বীকা একটা ইলেখ-ৰোলা চলিবস্থি। চলিতে সচতা ও অনমনীৰ প্ৰতিকা, ব্ৰুৰ ও মুম্বতা তিনি मान्यव **कार्य विस्नायन महत्रक**ा देवकवे ও ৰাইজি বালেও ভিনি সকলে। চারচটি কোন মহোতে যদি কবিশ্বাসা জনতা সে रमाव आववीय नव। मिन्नील बारदव सभीव धार्कीरे के किश्मान प्रतिश मा के ६३ प्रतिहास উপন্ধিতির প্রতিটি হতেতা বলাকের মনো-**বেল কেন্ডে** নেখ। সাক্ষর জডিনত অভয় গাশ্যালির, জ্বর রাজের, সূলেতা চৌধারীর - 4'तास मन्यास्य शनका भारत्महै। অভিয়েক ধন্দোগাস্থায়, বিজন ভটাচার্য, चानम्ब प्रदाशभाषात् गौछ यः, म्बनन वात् ক্তেৰ্য দাস, সময়কমত প্ৰমাৰ পিলসীয়াও र विकास क्राइन।

শ্টনাচকে বাদীনির মুখে, বৈশ্বীর মুখে বাবে এবং জনাসমরে কিছু গানের প্রমোজন হরেছে ছবিছে। গানের সূরু শুবই ভাল দিকেনেন গোলেন মজিক। আবহসলগীত সিমারে দেশান্ধরোধক ও কবীলনাথের গানের মুর বাবচারের জালা তিনি প্রশংস্য গানেন। তবে ছবিতে দেশপ্রেমের গান আরও থাকতে পারত ('আমার স্যোলার বাংলা' এক কলি অবলা রক্তেছে)। জান্মরার কাজ (অনিল প্রাণ্ড ও জ্যোভি আহা-কৃত) মোটাম্টি ক্রেম্বার

### दिकर्ज नियादनावन

न्दान भान

প্ৰার দেকত বেরিরেছে বেল কংগে বিল আন্দেই। কালতা সম্ভবত ভাগের প্রিঃ গারকের রেকত ইডিমধ্যেই বংর নিয়ে আন্দেহন। এবং এবার কার গান বেলী ভাল, কার গান কম ভা নিয়ে লোভাবের নথো ভ্রমণ নিয়ে কিছুকার বাবং আ্বানিক





"बन्हा कांडण्डा"—ि शकान द्वाक नांडणीनिक को क्विस क्विक क मण्डार

বাংলা পানে পাশ্চমা স্থারে ও অকেশ্টার বে প্রভাব লক্ষ্ণ কর্মালাস—বার প্রমাণ গাত করেক বছরের প্রভাৱ রেক্ড — এবার তাতে ভাটা পড়েছে। রাহা্মাভি সন্প্রা না হলেও বাংলা কারাসংগতি যে অনেক্ষ্ণ পরিমাণে আপন শ্বভাবে কিরে এসোড তার প্রমাণ এই বছরের প্রভা রেক্ডে ররেছে। মামা দেব পানের ক্যাই ধরা বাক। অকেশ্টার বাবহার সামানা, সূর দেশীর, পাওরা চমংকরে। তার দৃটি গানই—বিশেষ করে শালিত। ওকে যেতে কলা নাশ—তোলের মাতিরে রাশ্বে। মানবেন্দ্র মা্থোপাধান্ত্র ও শিক্ষেক্র মাতেরে রাশ্বে। মানবেন্দ্র মা্থোপাধান্ত্র করেন্দ্র মাতের রাশ্বেণা প্রাধান্তির বিশ্বেক্স মান্তেরের প্রাথবে। মানবেন্দ্র মা্থোপাধান্ত্র ও শিক্ষাক্র মান্তের মান্তের স্বাথবান্ত্র করেন্দ্র মান্তর্য স্বাথনান্ত্র স্বার্থনা



গ্ৰাফোনে কোলগানির লারক কর্যা কংবীজান্টোনে প্লার গান লোনাকেন ক্ষেত্রত করা রাখ্ ক্ষুখেপাক্ষর

निरम्बारे मिरहर्षन, अवर स्ट्रेस्ट गरन মেলোডির উপাদান ও রস মধেন্ট, যে কারবে পানগালি (মানবেশ্যর "মিৰো কাচের অপিতে" এবং ছিজেনের "ওলো সালবী অক্ত) ক্রনিপ্ররুতার প্রতিবোগিতার বিকল হবে না। প্ৰথম সাহিব দিলপীয়ের মধ্যে হেম্পত মুৰোপাব্যাহ, স্বাহন মিত্ৰ বন্তৰ ভট্টাচাৰ, সম্বয় মুখোপাধ্যায় লভা মঞ্চেদ-কার, করাল কল্যোলাখ্যার, আলা ভেসিলে প্ৰতিমা কল্যোলাব্যার, নিমালা মিল্ল ইলা বস্তু আরতি মৰোপাধার, সবিতা চৌধুরী প্রমুখ শিক্সীদের মধ্যে কার রেক্ড' কোন্ লেকীর লোতার কাছে বেলী আমরণীয় হবে ভার জনা বিশদ আলোচনার দ্রকার। ভিল্পী হিসাবে প্রভাকেই নিজ্ঞাব চঙ্ক ও বৈশিক্ষ্যে প্ৰকীয় মৰ্যাদার প্ৰতিষ্ঠিত। এ'দের পাওয়ার গ্ৰাৰ সম্পাৰ্ক কোন প্ৰদাই ওঠে না ভবে তাদৈর কেট কেউ বদি সমালোচনার ভাগী হন তো হবেন ক্রণ্ড সংগতি পরিচালনার দোৰে। বেমন ধর্ন আলা ভৌসলের "अरमारमरमा क्या रकन विम" शारनव चारण मीर्च विविध्यक्त मरलाभ-गरमध भाष्ट्रभी কারদার অগ্রক্তিস্থতার ইমেঞা বাংলা গানের উপর এই অভ্যাচার কেন? আর্ত্তি মাৰোপানায়ের ক্লেক্সা, মরি মরি এ কি मन्या" नात्त्व जात्न "लच्छा" वधारि वसाव ৰে ধরন ভা শানে বভরা ছোটদের সামনে লক্ষা পদ্রেন, ছোটরা বডাদর সামনে, অর্থাৎ ব্যক্তির সকলে একসংখ্যা বসে আব গান্টি শ্বনতে পাৰেন না। গানটি বিদেশ্ব 🚓 শ্ৰেলীর করছ হয়ত হিটা করাব।

বাস্থাইরের মহিলা দিসপীরা লভা ও আশা—একটি করে সীরিরাস চাঙ্র গানও গেরেছেন। গ্নেতে ভাল লাগে। এবার আরও বেশী ভাল লাগেল নির্মালেন্দ্র

চৌহরীর লোকসংগীত-'বিক ' বিক कविद्या एवरण वरमाभाषास्त्रव "र्वण एका মা হয় সম্ভৰ্তির" গাম্তি সম্ভবত ৰবেই জনপ্রিয় হবে। কিলোরক্ষার এবার প্রোতা-रतत कछभानि जानक रतरान वना कठिन। রাছকে দেববর্মণ এবার নিজেও গান रगरबाहरू । अट्टा-अम-चिन्न अवातकात मारे নক্তন শিশ্পী রুষা গুড়ঠাকরতা বিশ্বজিং—মন্দ নয় তাঁদের গান। হেমন্ত মুৰোপাধাার ভার কন্যা রাগকে একটি একপেরিমেন্ট করেছেন-বাংল য পপ গান। উদ্দেশ্য স্বাদরভাবেই সিম্ধ हरबद्ध बागान भाग ६ जन्म वस्त्रात कामानामन भारत भारत कितरत। तानारक निरंत कि ব্যাব্যের ভাল গান করানো যেত না?

জ্বনিম্নর গিলপীদের প্রভাকের গানই ক্লিডু এবার চমংকার। বেমন পিশ্র চটা-ঢাবেরি, তেমনি বনশ্রী সেনগংগুর: বেমন মাধ্যী চট্টোপাধারের তেমনি শিপ্তা বস্তা।



মেগাম্পোন রেকটেত প্রজার গান গৈ**রেছেন** শংমিশ্রী বংশ্যাপাধ্যায়

এখন, এবারের গানের পর বলতে পারি, প্রথম লোপীতে চলে এলেন বলে। সাধারণ-ভাবে এই বছর গানের রচনা অর্থাং লিরিক, আরও উরভ হতে পারত। গাঁতিকবিতা স্বরের প্রয়োজন বভগানি মিটিরেছে, কাবারসকে ভতথানি উপেকা করেছে।

ভোছুতের আরোজনও এবার মন্দ নর।
ভান্ বলোগাধারের "মারিকা সন্ধান" বেল
উপভোগ্য। তেলনৈ মজাসার পারিভ গান
হরেছে পিণ্টু দালগংগতর। হিলাী ফিলেন গানের সূর গিটারে বাজিরেছেন স্নুনীল গলোগাধার।

জ-পি রেকভে জ্বা চট্টোপাধ্যায়ের অভুলপ্রলাদের মান, চিক্মম চট্টোপাধ্যায়ের রবীন্দ্রসংগতি এবং ছবি ববেদা পাধ্যায়ের কীতান এবার দারল কর্মোর বিশেষ সমপ্র। গ্রুত্ব ক্লা এবং "র্ম্ক ক্ম্ক্রর্মাধ্যে" (অভুলপ্রস্ব)। শহীন দেবব্যায়ের



### নতুন নাটক

ভাগ্যের দিবি। ৩ কনিম্ক রায়

नामरकत जन्म । कुम ध्र

अर्याकना 🍙 गडर्ब

প্ৰবৈশ্ব ০ ১১ৰ ভাবিৰ ০ ১১ৰ

ভাবিৰ ০ ২**ংৰে অটোবর** হবে ০ **মূক্ত অভনে** 

নিৰ্দেশনা ০ বেৰকুমান ভট্টামা টিকিট ০ হলে আছে

(লৈ ৯৮০২)



[ শীকারপ নির্মাণ্ড নাটাশলা ]

नकन नाइका



অভিনৰ নাটকের অপূর্ব ব্যালেশ! প্রতি বৃহস্পতিবার ও সনিবার ঃ ৬॥তার প্রতি বৃহিবার ও ছাতির দিন ঃ ৩টা ও ৬॥টার

> १ तक्ता व श्रीतकाना १ रणवनादाद्वन ग्राप्त

ঃ ব্লালনে ।
ভাজিত বংশ্যাপাধ্যার, জপর্বা দেবী, ব্ভেল্য,
চল্লীপানার, গ্রেডা চল্লীপাধ্যার, নীলিয়া হল,
বড্লীপ্ত ভট্টাচার্যা, জ্যোগ্যা বিবাস, নাল লাব্য,
ক্রেম্প্র, বল্য, বলেডা চট্টোপাধ্যার, বৈবেন
ক্রেম্পান্যার, বাজি বে ও ভাল্য বংশ্যাপাধ্যার

# **खन**वात ५१ **वर्हीवत**

চর্লাচতের ইতিহাসে নতুন বৈশিক্ষে বীশ্ত নাগি রেভির স্মূরণীয় স্ফুলি

এত বলিপ্ট কাহিনী, এত স্বৈচিত উপাধ্যান, আর এমন হাদয়গ্রাহী চিত আলে কখনও তৈরী হয়নি।



वापता १ ভाরতो

্র প্-িনরঃ বিধাসবহলে চিরগ্র ।

রাইন - খালা - পার্কালো - দীরি - বলবালী - ন্যাননাল - আক্রমা - অব্যাক
খালুনগরেও - নীলা - রকনী - জীলক্রী - ব্যাক্ত - চলজ্বিক্ত - বিভিন্ন

চিত্রা প্রান্ত্রালা - চিন্তালা (দ্বাপ্রে) - ক্রম্বেক্ত (ব্যালার)
নগর কেটিয়ার) - ওলোক্সার (রাচ্চ) - এবাক্সিক্টেন (পানা)
দুষ্ট্রে ঃ ব্যাবার, ১৫ অভৌবর বেকে ভিন্তিট বিক্তী ক্রমী ক্রেন্ত্র।

গানও আহে ই-পি রেক্ডে। আর আছে

সমং সিংহ ও আরতি বসুর দিশসংগীত—

শুনে খুশী হবে শিশুরা। রেক্ডে কাজী

সবাসাচী ও আব্ল কাসেম রহিমউন্দিনের

অবৃত্তি আর একটি বিশেষ আকর্ষণ।

এল-পি রেকর্ড এবার দুটি শ্রীরাধাত য়ানভঞ্জন (কীর্তনাপা গাঁতিনাটা) এবং "ফর দি ফেস্টিভ সীজন" (আধুনিক বাংলা গানের সংকলন) দুটি রেকডই উল্লেখবোগা। প্রথমটির মৌলিক প্রশংসনীয়। ব্বীন চটোপাধ্যারের সংগীতপরিচালনার এবং প্রণন वादाय शन्यमा । जन्ममनात्र द्वकर्षाच्य দিলপীরা-মামা দে, তর্প বন্দ্যোপাধার সুন্ধ্যা মুখোপাধ্যার, শিপ্তা বস্তু, প্রতিমা বল্দ্যোপাধ্যার, সমরেশ রার, সংবোধ রার-বিশেষ কৃতিৰ দেখিরেছেন। কীতনি গানে भागमभाव करवरकत माहाः तः। •श्रीवादाङ মানভঞ্জন" এমন অংভত সংকর হরেছে বে প্রভাষ যদি আর কোন রেকর্ড নাও বের হাত তথ্য প্রোভাল ব্রণিত হতেন না। এট প্রয়োজনার জন্য অধীর সেন সাধ্যাদ্র্য ।

#### धाना रवकर्ष

প্রথার আরে বিজয় ধারতে তিরিলাছ যার থারে বিজে বাখি। মত্যা চ্চোত্রতা কর্মাধন্তি ভাল ধারের সম্পান প্রেন না। স্থানিতি মোসের র্ববিদ্দেশগতির উপি রাক্তা এবং শৈলেন দাস, জনিতি ক্ষেন্স্যুত, সংখ্যা মোমাল ও মেখারা প্রালের ধ্যানিক্রাধের ব্যানের রাক্তা এই প্রসংখ্যা বিশেষ উল্লেখ-

ত্তেতে আধ্নিক গ্ৰন্থ গ্ৰেছন গোল-চীৰ মাখ্যপথাৰ ও চৰদা নাৰে প্ৰায় । ভালের গানেকও অভিযাতি আভে।

প্রজা বেকটের কিছ্ফাল পরেই নাবিখাছে গাঁস বিশ্বসামর বালি ও তিমাশম্ নিশ্বসের মান্তর্ভালনের বেকডা সাভ সাব, লোকসংগতিরর ভিত্তিতে, তবি বালিকাছম। লিক্সী-সম্পতির এই যুক্তটি রাগকজনকে আনন্দ দেবে।

#### যোগাফোন

দুই শ্বিশিশনার কঠিবলগী সভীনার মাথোপাধারে ও উৎপলা মেনের প্রের কানের প্রের কানের প্রের কানের করে জানের করে কানের করে কানের করে কানের করে কান্ত লানার কান্ত শালার করে কান্ত লানার কান্ত শালার কান্ত লানার কান্ত ভার সপ্রাপ গানের আন্তর্গ ভার লালাই। উৎপাদা সেনা স্মেরেছেন ওেলা লাভ ভূমি কান্তে ভেবেক নাও, এবং আমি ভামার কান্ত বারেরারে) তেমানত মুবো-পাধানের মানার। উৎপাদার কন্তের করে কান্ত কান্ত ভারেরারের মানার বান্ত মানার মানার



বিক্ষীপ বস্ত্ৰ পরিচালনার নিক্ষীয়ামাণ "ঝুস্তুর্নাম্থ" ছবিচে সাবিত্রী চটোপাবার ৩ অনিক চটোপাবার

# টলি- ি প্লানী

পুলা বাজারে ছবির বাজারও সপ্তারম থাকে। অধিকাশে প্রয়েজকই এই সমার ছবি রিলিজ করতে চান। বছারের এই সময়টাতে 'হাউস ব্যক' করতে এক বছার আগা থেকে প্রস্কৃতি চলে। আগামী কয়ার প্রাঃ রিলিজের জনো এখন থেকেই মাতি ধর ধরি চলছে। প্র্যা রিলিজে বিশ্ব কমা, বলেন অধিবাংশ চিত্রসক্ষাহী। কবন্ ধ্যার অসময় সিন্দেম মাইকেডা থাকন। নতুন নতুন জায়-কাপড় কেনার মত, নতুন
নতুন হ'ব দেখার বোকও নাকি বেড়ে বার।
তহাড়া, অনেক ব্র-ন্রান্ত থেকে অনেকে
করের আগেন। ছাডিতে সমর কাটতে
সিনেমা তথন দেখাতই হর। স্কভাবতই
সাধারণ ছবিও এ সময় ভালো ব্যবসা করতে
পারে। এবং ব্যেহেতু অধিকাংশ প্রয়োজকই
এই স্থেমা হারাতে চান না, হাউনের
মালিকরাও তখন বড় ছবি চান। লেক পর্যান্ত
হ'বা যায় বড় ফীরের ছবি ছাড়া কেনী
ছবিই প্রান্ত মাতি পার না।

ন্দ্রিকানের মধ্যে স্থানিকা সেন, স্থিয়া নেবা, সাধবা ম্পালি, এমন কি মৌস্বা চাটালির ছবিও এবার প্লের ম্বি প্রেছে। বব পড়েছেন অপর্থা সেন। অপর্বার ত্যালিকার অবন্য অনেক কাল শেব হরে



"कुश्यक्तान" (भीकानम् १ शुद्ध वाश्रही) श्रीचारः श्रीनाच ४६०० विनयः । स्ट्रीभाषाः

বান্ধ-কণী হয়ে পড়ে আছে। কলিংকত নারক-ও মুদ্ধি পোতে পারত, কিন্তু দেব পর্যত হাবর মুদ্ধি ঘটল না। তাই বলে অপাণা চুপচাপ বলে নেই। ইতিমধ্যে উনি আরের দুখানি নতুন ছবিতে সই করেছেন। পার্যপ্রতিম চৌধুরীর করেংশ' একং স্নীল বস্মালিকের জরকাশতী। শেবোত ছবিতে অপাণার নারক হলেন উক্তাক্ষার।

উত্তমকুমারের সব্দের অপদা এখন শ্রিং কর্মেন ওবানে শিক্ষর ছবিতে। প্রফ্রের রারের ও নামেরই কাহিনী অবলাশনে ছবিব ভিলাকী রচনা করে দিরেছেন প্রশাস্ত দেব। পরিচালন করছেন বাহিক। টেকনিসিরাসে স্ট্রিভাতে ওগিরে চলেছে ছবিব কাজ। সোলা শ্রুটিং দেখাতে গিরেছিলাম। স্পর্গার সংলা মেক-আপ ব্যুম দেখা। দেখলাম, অপদা অনামনেশক। "ভাজেব চালে 'টারাড' নার্কি?" জিজাসা কবলাম। কবাবে অপদা কর্মেন, ক্রেখার তেজন ক্রেকের ভাপ? এখন কাজ কম।" অবাক হবে শ্নকাম, ওর মত বালত নারিকারও এখন অধিকাংশ তেওঁ স্ট্ খলি। অপরিচিত', 'ক্লাক্সিড নামক' শের। 'এখানে শিক্ষম'ও স্মাণত প্রার। নতুন ছবি মাগ্র প্রথানি। 'ম্লকা', 'এশার-ওপার' ও বিগলিত কর্ণা, জাহ্মী ব্যন্না'র আর কোন শ্বর এখন পাছি না।

—विकत

and the property of the said

#### পশ্চিমৰতা সরকারের সংবাদ-চিত্র

প্রভাৱৰণ স্বকারের একটি সংবাদ জি সম্প্রতি রক্তি মিনিকেনর সংবাদিকদের দেখানো হয়। ছবিটি অনেকটা সংবাদ বিপোটিং-এর আ জি কে ছোট জেট অনেক সংবাদ পরিবেশিত, মন্দ্রীদের সংগ্রাম সাক্ষাংকারও রালাভে। বিধানসভার বালাভ্যাধ্বেশনের মাধ্যমে ব্রামান সরকার সাধাব্য



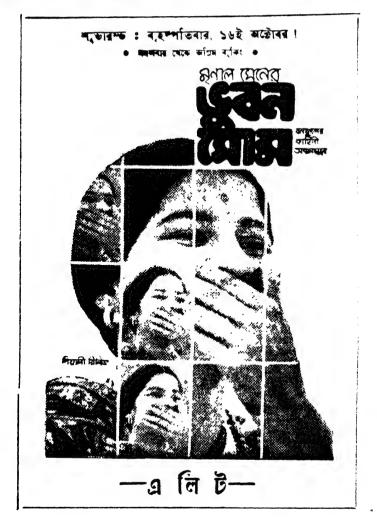
শিশপী সংস্কের একটি সাম্প্রতিক জনুষ্ঠানে সংস্থার সভাপতি উত্তমকুমার ও কণ্ঠশিশপী দাপেন মুখোপাবায়

#### अष्टिष्टीलगात उपर्राप्त

া চ্ছেন্টিবলা ভ্**থাচিত্ত** কলকাৰাম লও একটা অসম লড়ে অধিক **৩৫** জনান্ত ক্যাডিকল **আ**নক্ষানিক স্থাম আলেড

সংগ্রি বিভিন্ন আন্টোগ্রিক। সাধ্যাক্ষর ইনজবাদেশ আন্টাল প্রীনাপ্ত প্রকাশনার হিন্তু প্রকাশনার হারি প্রকাশনার আক্ষেত্র হারি বিশেষ প্রকাশনার আক্ষেত্র করা করা হিন্তু বিশেষ প্রকাশনার বিভাগর করা বিভাগর হিন্তু করা বিশেষ করা বিভাগর বিভাগর ভারত করা করা বিভাগর বিভাগর বিভাগর বিভাগর বিশেষ বিভাগর বিশ্বাসার বিশ্বাসার

স্থাক করে গাঁচকাটা (প্রজা হিনিটি)
পশ্চিম অনেইলিবার মন্ত্রিত একা একা
কাকে আছে মানের কাজে সভাগার পালা
কাকে প্রকাশ সার (পারা ভিত্ত ও লোকা এইস্ব স্থানিপ রাধ্ব (পোরা হারত এটা হার্টি
শার্ড স্থানিপ বর্গার প্রতিবিশ্ব অব্যান্
স্থানির হাল প্রকাশ বর্গার কাল্ড ভাগার
কার্টি প্রিলার ইলিবার্থ লগার
কার্টি প্রিলার ইলিবার্থ লগার
বিহার স্ব কিন্তু শুশ্রিক স্থান্ত্র





अन्नामकी स्वतीत ''स्मय ও ब्लोम्'' क्षित्र व्यत्न वस ६ कामा ब्राम् । भाषात् 12031 - (2:4)

কথা, বিষয়টি বেশ চিন্দাকৰ কন্দাৰে দেখানো হারেছে। আবহসংগীতের ব্যেহার সাল্র চিত্রপরিচালনায় চমুণকার কর্পনাবেরেরও প্রিচয় বাহাছ

#### त्रःण्कृष्ठ नाष्ट्रिका ७ "छालिशा"

গুল ৮৪ অক্টোরে ব্যক্তির ফিক্সসদ্ধার ব ধ্যেমাক্ষা হলেল ব্যাস্থ্যেল্য করেবছের বাহিকি উৎসৰ অনুষ্ঠিত ক্ষেত্ৰিক স্থান কৰি-रदास्य भाषा खागाधारातिय खायस्य 🔺 সমাণিত হয়। নাহা গাঁহ সেভাব কালন ও নাউচ্ছিন্তের এখা দিয়ে লিজ্পীকের কলাকুশলায়, দপান বেবের গিরেছিল। হারকছ বিশহাউদের শীল প্রিক্ত হা ওয়াছ 💃 প্রপারা নাট্রটি খার উপভোগা রাফ্ডিল : क्यांचे अन्त्रहार गाँउका । इंदरीन्*राद*श्च "ড করা" ততিন্দ্রকর উৎসহ<sup>1</sup>) কের রহঃ

ক্রথানে গুলাছ। **অ**জিও যে এনে লেড **জাতে ছবিটি কেবে তা জান** যায়, আপ্রতিষ্টার কমক্রাংগর ক্রিম গ্রামিট ছবিবির প্রভা**র**ক। शास्त्रक, अञ्चल स ভালসমূহত লখ্য দৈয়ে ভাগান ভোগা **হত্**তত্ত্ব নাড্ডু নিয়েল সাইসৰ সংগ্ৰহত **ভা**টিত কাটে ভাইটিল মালা আগমি, সামাৰণ who were a second of the second সম্পাদ্ধ সংগ্ৰু কথা জনবার স্থান্ত প্রে **८**३ जेव.

#### সেফ ভাইছিং

ক্ষেত্ৰ কৰে প্ৰতি হান্ত : িগ্ৰুতী সামান্ত জ্বাহার জন্ম প্রবাদ বা হাবে **ম**টে চুললৈ কার কড়ি ওলালে উভিত **ইন্**লাভি বি<mark>লয়ে</mark>ল - উলা, আনুনাক্ষণাল এব হাছেছে ১৮৪৮ ভার্ডালেশ মার্ক রভাত ভারত **চিন্তু।** বিসায়ে তুল্জানিশিস্থানে তুল্জান **অপ**প্রটিভ ভারটি র লাস্প্রান্তর গ্রাহ্ম হৈ ব করেছেন। তিপ্রের্জালনা করেছেন অবস্থ

**୭୯୬୭**୬ ଥିଲା ବ୍ୟୁଷ୍ଟ ଅନ୍ତିକ୍ୟର ଅବସ୍ଥାତ୍ୟ ভয়াণীয় সিকে ভারতে ভারতে কলিকম আনমনা হয়ে পাটি চান্ডে ভাষাণী আইভার দিট্যারিংখন সংগ্রের ভারনা **মেক-আ**পের জন্য কেম্মভারে ইনিনার **ক্ষে অ**ন্ত্ৰিক প্ৰস্থানীয়া চ*ীনে-বাং*ছ না ভাকিষে কোন নিজম না দেনে কী-ভাবে পথ চলে ইন্ডাদি প্রাভাগিক ঘটনাও 📲 হৈছে বাদ স্থানি। কী কী অসংগ্ৰ कार्रिक ग्रांमा जिल्ला स्था करा सिर्दा १० **ুটিছিং কী আৰু ছ**িছে - পুটেল্ড - এড শাষ্ অনুষ্ঠ প্রয়োজন বি বিভাগ বি **ৰ ংসেফ ড্ৰাইডিং**"। ৩% ১৯৫৬ ১৯



ৰাংলা কংগ্ৰেমের সাম্প্রতিক প্রস্তাবের পরিপ্রেক্ষিতে পশ্চিমবন্দের রাজনৈতিক মহলের ভাক্তা বৰ্তমান সম্ভাহের বিশেষ আলোচনার বিষয়। পশ্চিমবালোর বর্তমান স্বশা**ণাণি** পরিদ্যিতি সম্পর্কে গত সোমবার (৬ অকোটার) বাংলা কংগ্রেসের সম্পাদক মাডলী বে প্রশতাব গ্রহণ করেছেন ভাতে বহা অভিযোগের সপের বলা হরেছে বে "প্রশাসন স্বশ্রের **উদাসীন্য জন্মান্সে এক চড়োল্ড নিরাপ্তাহীন্তা এবং অনিশ্চরতার সন্ধার করিতেছে।** দলবিশেবের নামে সমাজ বিত্রেধী ব্যক্তিগণ শাহিতপ্রিয় রাজনৈতিক দলের কমিশিশের ও শানিকপ্রিয় নাগরিকদের উপর অকথা অত্যাচার করিতেছে। সেই দক্ষের সদস্য না **হইলে পর্য** চলা এবং জীবন ধারণ কর; অসম্ভব করিয়া তালি ততে। অনেক ক্ষেত্রে নারীর মধাদা, . মানুবের সাধারণ অধিকার বিপশ্ন হইয়া পড়িয়াছে।" সি পি আই (এম) বালো কংগ্রেসের **উপরোভ প্রস্তাবে খ্রেই** বিক্ষান্ধ হয়েছে। দলের পলিউরারের এবারের বৈঠকে বলা হরেছে বে, "বাংলা কংগ্ৰেদের" এই অব দত্তব প্রদূতার সকল ফনট বিরোধী পরি প্রতিভিয়ালীল **মোন্তী এবং কা**য়েমী ব্যথকে খুশা কংবে। সি পি এম নেতত বললা ক**ংগ্রেমর প্রকল্পের** বির্দেশ তাঁর অভিযান শ্রে করার সিখ্যানত নি হাছেন। বাজোর বর্তামান পরিস্থিতি সংপার্ভা বাংলা কংগ্রেসের প্রস্তাব এবং সে বরপারে ক্রিউনিস্ট পার্টির নিন্দাস্যভক বিবৃত্তি ও প্রতিষ্ঠিয়া নিয়ে আলে,১নার জন্য ১৬ অকটোবর যাত্র ফনট কমিটির একটি বিশেষ বৈঠক चाका इत्यद्ध।

#### दक्षी मरवाम

ৰ আকটোবর—নিগল প্রতিটেনে ছেবার নধ ও পর্যদের সভার গ্রেটি সঙ্গল-প্রদেহার কার্যাবর করার দাবিতে এবং অনেগতাল্ডিক প্রথিতিতে মানেলিং কদিটি বাহিনেল প্রদেহ কেরা আরোটা থেকে ম্বানিখন প্রদেহ প্রধান প্রায় একসত প্রধান নিখন ২৪ ঘাটার আর একসত প্রধান নিখনতা নিখানা ২৪ ঘাটার আর প্রকাশত প্রধান নিখনতা ২৪ ঘাটার আরু প্রকাশত প্রধান নিখনতা ২৪ ঘাটার

ক্ষাকাতা পৌর সংগ্রা প্রথমত উল্লেখনাত ক্ষাক্ষর ক্ষা প্রায় সংগ্রু পর্ট ক্ষোটি টাল ব ভিক্রেকার ক্ষাক্ষর ক্ষা প্রথমত পিলেজান। ভিক্রেকার ক্ষাক্ষর ক্ষাক্ষাট এই সিল্পত কল। তবে ক্ষাক্ষা ভাবের ক্ষাক্ষা সংক্ষাপ্রত সংগ্রাহর সংগ্রাহর ক্ষাক্ষা

৮ মাকটোবৰ—আন্ত স্ভাবনা ধর্মাঘটের মানিক্ষে ইয়েছে। সভ্যা প্রতিষ্ঠা আন্তর্ভনর পর প্রমন্তর্গ প্রকৃষ্ণদ ঘের ঘেরণা করেন্ বড় বড় বাগেরে এখনার হার গিয়েছে। মালিক ধবং প্রনিক প্রতিনিধিয়া এখনত বৈঠক চলচেচন।

ভারতের বিহ্নিবিশ্বন্যথন। শ্রীনীনাশ সিং
নিউইরজে থেকে নর্মানিরতে নিরেই কলেন দ্বানিকালন এখন ভারতের সংগ্রাতার বিরেশীয় বিষয়স্থালি নিরে সর্কার্য লোল দার বার্থিয়। আপ্রশ্নের স্বাধ্বন্য দার প্রতিনিধি-লালের নেতার সংগ্রামিশ্যের তিনবার আ্লান্ড-ভাবে অলোচনা হয়।

১ আবচ্চীবর—খালা কমিবনের বিপোরটোর ভিত্তিতে তরিশা সরকার পর্যাত্তরে কাছ প্রাক্তন দুই মুখ্যমন্ত্রী প্রীবিদ্ধা, পটা রোক ও হীবালিন ফিচের বিরুদ্ধে দুর্নাতির প্রতিক্রাক্তন বিরুদ্ধে দুর্নাতির অনুদ্রাক্তন সংক্রেভ



্ ওড়িকা বিধান সভার এই সংবাদ জানান।
ভূমিন অসমান্ত শিংকেড়ক কেন্দ্রের কাজককালি উপ্তেও এলেকার জোভাতদেরদের বংশাক বিধার নেওয়ার প্রশুহার মান্তমভার ভূমবেন।
বাল্ডেকারেল্ মনে করেন্ তা না করেন্ পার্বার বিভিন্ন ভ্রমান্ত আন্তর্ভক ভার শেখার কের করে ছেউ চাহানের চার্চার ফাসলা কামি থেকে বেড়ে নেওয়ার চেন্টা ক্রমান্ত পারে।

১০ অন্টোবর—আন্ন উৎর কলকাতার প্রাণ্ডাক ঠাকুব স্থাতি একটি বিদাল্যে উল্লেখন কলেওবা কলাতার জনতারে উল্লেখন হ রাউন্দে কলিবল গোস ছায় । প্রিসা স্তে এই প্রান্ডার বার বার এই জনতা প্রিসাকে এবং বিদাল্যের কার্যাপ্রস্থানীয় লেকনের লক্ষ্যাক্তরে বোহা ও ইট প্রান্ডার ক্ষেত্র কার্যাপ্রস্থানীয় লেকনের লক্ষ্যাক্তরে বোহা ও ইট প্রান্ডার ক্ষেত্র কার্যাপ্রস্থানীয় লেকনের লক্ষ্যাক্তর বোহা ও ইট প্রান্ডার কার্যাপ্র কর্মান কর্মান ক্ষান্ডার কর্মান কর্মান ক্ষান্ডার কর্মান ক্ষান্ডার কর্মান ক্ষান্ডার কর্মান্ডার করের বার্যান্ডার করের বিদ্যালয়ের উপ্শিক্ষত হরের করে গোলানাক প্রান্তার হয়।

তিনজন শ্রীষ্টাস্থানীর নকশাল নেতা সহা ৮ জন নক্ষাজ্ঞানী গাড় ব্যধবার গাড়ীর রাজ বিশাশ পাঞ্জা কেন্ট্রনা জেল পেকে পালিয়ে গিরোডেন। আজা প্রান্ত প্রান্ত গাড়েগদেন আধা কেউই ধরা পাড়নি। সেন্ট্রা জোলব সাপ্রিটেনভেনকে চালুরি থেকে স্থাপ্রতা করা গ্রেছে।

\$\$ অকটোৰত িম পি তাই, মাসলিম লাগ্য, অব এম পি ও তাই এম পি—বেকল যান্ত এক বিক্তান্ত এই চাৰ্যটি কৰিক কল তাল এক বৈত্ৰত কিছেবল কৰে কৰিছেবল কৰিছেবল কৰিছেবল কৰিছেবল কৰিছেবল কৰিছেবল তালত কৰিছেবল বিক্তান্ত কৰে বেলেক সমৰ্থনি প্ৰভাৱান্ত কৰে বেলেক

বংগ্রেমী এম এল এ শ্রীবাপালকক নার ব কেংগের মাথ্যদর্গী দ্রী ই এম এস নামবানিকি-প্রদের বিভাগের দানীতি, সকলন্যপাষণ এবং প্রদেশ ভিত্ব প্রদর্শন প্রভৃতি নার দফা জড়িযোগ করে স্বরুগ্রিমণী দ্রী এম কে কলনের কাছে এক-খর্মিন স্থার্থকপত্র পর্মিণ ক্রেছেন ১ ১ ব অবটোনা কার্যক্রমত মধ্যের কর রাজা কমিটি আরু এক প্রশান্তমের ব্রথ এক। বিশ্বতীয় কর মুখাত মানকসম্মান্ত পার্মটেকে করাই করে বলেনের বলার প্রশান্তমার করে বিভাগ বাবহার করে নিজেনের সালার বাত্তমার করে নিজেনের মানার বাত্তমার করে করেনের মানার করে করেনের বাত্তমার করে সালার বাত্তমার বাত্তমার করে সালার বাত্তমার বাত্তম

ভাৰতের কমিউনিসট পার্রাট নি শ্বেক্ষানেকক কাছিনী পড়ে তালছেন—নাম ফাকেছে কান-সেকা বাছিনী। জাকা সকলে মিনার মঞ্চদানে ওই বাছিনীর প্রথম সমাধেক হয়। কলের কলকাতা ভোলার ইউনিটের সক্ষয় এই সমাধেকে ব্যাম দেন

#### विद्मार्थी अश्वाम

ৰ অৰ্ডাৰৰ—অৰ্জন ক্ৰমণীলো আ তেলিডেনট আবদ্ধা হামিদ পদালোও ক বলে বেডিৰ পাকিশ্চান থেকে যে মন হৰেছে। বেডাৰে মাজুখন গণের একটা সং বেজাৰা উল্লেখ করা হয়।

৮ অকটোরর—প্র' প্রিস্থান জন শেষ মৃতিরত রবমান এ অবল প্রিজন নি নেজা অবিকাশের ভারতের স্যাক্ষা বল্লান ব চালা, করার জন্ম প্রাক্ষির্যানর প্রেমিন অন্যার্থ করোজন উভার নেশের মাধ্য ব চশান করার ভারা অস্তর্গনান করতেন।

৯ আবহটাবর—শংসম গুলি বলে জনের রা 
চীকের যে সব জালার। কলিবান অন্তর্ভার ব
জিলা—চীন সেনসব জারার নিজার চালার রাবা
করছে নাং আবদার ব্যাপ্তীন সামান বি
শিক্ষ আলোচনার মুখে এবাটি দিবাল ভাত ল
চীন সরকারভিয়ের নিজাতীরা র্শী জ্ঞান জ
উপর ভার লাবি ভাগে কর্তা।

১০ অকটোবর—প কিস্তান কার্ডির পরিছ ভূতপুর্ব সদস্য শ্রীআবিক্ত হয় তেন্ত্র নানি ক্রে, ভূতপুর্ব প্রেসকরেশী অহমেদ আয়ার বা আদেশে হাত্র নির্মাণকরে করা তেন্ত্র নারকে সাসপেরট বাজেয়ালত করা কোনে কর্ম্ব আ সংপ্রি করে বাজের ভ্যাবনা ট্রান্ডির করে ক কের র জন্মত ইম্ভিরার দ্বির ব্যান করে ক বে, আয়ার খানের প্রক্রের বিয়াল হর্তর টো

১১ অকটোৰৰ নামে ভিনেটোর পাসংগ্রহ মহাকাশ্যমেন চাড় দুর্গটি মান্থ-ব্যুল বৈ বাহানীর কোঃ বরনেলা জনতা গোলিনা আগন একটি হা দুর্বিকাশ করে চলাচন। আর একটি হা দুর্বাক্ষণ করে কিন্তা সোধেজ ১৮৯৫ সাংগ্রামি ক্ষাক্ষণ আর্কান্ধালী একটি স্থান্ধী মন্দু প্রতিশ্বিক ক্ষাক্ষণ প্রায়ে করে আন্তর্বা

১২ অকটোবর—মার্থাকন রেম্ম স শ্রীউইলিরম ক্লানেস অলা এক টেলিভিশন অ পানে বলেন বে, ভিলেডনামে বাংশ বন্ধের গ কিছা অন্তর্গতি স্বাটের এগে একা-এট সম্প্র ব্যাপ সম্ভব বে ঐ বাংশ ক্রান্তরে মিটো বে প্রায়ে



•		